# TRAP
# BESKRIVELSE AF DANMARK

## TREDJE BIND

J. P. TRAP

# KONGERIGET DANMARK

TREDJE OMARBEJDEDE UDGAVE

UNDER MEDVIRKNING AF

V. FALBE-HANSEN OG H. WESTERGAARD

UDARBEJDET AF

H. WEITEMEYER

TREDJE BIND

BORNHOLMS MARIBO ODENSE
OG SVENDBORG AMTER

KJØBENHAVN MDCCCXCIX
FORLAGT AF UNIVERSITETSBOGHANDLER G. E. C. GAD
TRYKT HOS NIELSEN & LYDICHE

# INDHOLD


| | Side |
|---|---|
| BORNHOLMS AMT | 1 |
| Rønne | 17 |
| Hasle | 26 |
| Allinge-Sandvig | 31 |
| Svaneke | 44 |
| Neksø | 49 |
| Aakirkeby | 54 |
| Vester Herred | 61 |
| Nørre Herred | 72 |
| Øster Herred | 81 |
| Sønder Herred | 93 |
| MARIBO AMT | 103 |
| Maribo | 111 |
| Nakskov | 123 |
| Sakskjøbing | 134 |
| Rødby | 139 |
| Nysted | 143 |
| Nykjøbing | 148 |
| Stubbekjøbing | 163 |
| Laalands Sønder Herred | 169 |
| Laalands Nørre Herred | 187 |
| Fuglse Herred | 208 |
| Musse Herred | 234 |
| Falsters Nørre Herred | 268 |
| Falsters Sønder Herred | 284 |
| ODENSE AMT | 304 |
| Odense | 309 |
| Kjerteminde | 369 |
| Bogense | 375 |
| Middelfart | 381 |
| Assens | 389 |
| Odense Herred | 398 |
| Aasum Herred | 421 |
| Bjærge Herred | 440 |
| Lunde Herred | 460 |
| Skam Herred | 472 |
| Skovby Herred | 483 |
| Vends Herred | 505 |
| Baag Herred | 531 |
| SVENDBORG AMT | 561 |
| Svendborg | 566 |
| Faaborg | 580 |
| Nyborg | 591 |
| Rudkjøbing | 611 |
| Ærøskjøbing | 618 |
| Sunds Herred | 623 |
| Taasinge | 645 |
| Salling Herred | 654 |
| Gudme Herred | 704 |
| Vindinge Herred | 730 |
| Langeland | 756 |
| Langelands Nørre Herred | 758 |
| Langelands Sønder Herred | 773 |
| Ærø Herred | 784 |

# BILLEDER


| | Side |
|---|---|
| Vignet: Hammershus' Ruin | 1 |
| Geologisk Kort og Højdekort over Bornholm | 3 |
| Vignet: Rønnes Segl og Kirke | 17 |
| Kastellet ved Rønne | 20 |
| Vignet: Hasles Segl og Prospekt af Hasle | 26 |
| Hasle Kirke | 27 |
| Vignet: Allinge-Sandvigs Segl og Allinge Kirke | 31 |
| Hammershus set fra Slotslyngen | 36 |
| Hammershus set fra Stejlebjærg, med Hammerhavnen | 37 |
| Grundplan af Hammershus | 38 |
| Ruinerne af Slotstaarnet med Manteltaarnet og Kirken | 39 |
| Manteltaarnet | 40 |
| Løvehovederne ved Hammeren | 41 |
| Den vaade Ovn | 42 |
| Salomons Kapel | 43 |
| Vignet: Svanekes Segl og Madvigs Monument | 44 |
| Svaneke Kirke | 46 |
| Vignet: Neksøs Segl og Gadeprospekt af Neksø | 49 |
| Neksø Kirke | 50 |
| Vignet: Aakirkebys Segl og Brønd i Aakirkeby | 54 |
| Aa Kirke | 56 |
| Døbefont i Aa Kirke | 57 |
| Vignet: Vester Herreds Segl og St. Knuds Kirke | 61 |
| Ny Kirke | 64 |
| Kodalen | 65 |
| Christianshøj | 66 |
| Rømers Monument | 67 |
| Kongemindet | 68 |
| Grundplan af Lilleborg | 69 |
| Lilleborg | 70 |
| Nylars Kirke | 71 |
| Vignet: Nørre Herreds Segl og Jons Kapel | 72 |
| Jons Kapel | 75 |
| St. Ols Kirke | 77 |
| Helleristninger paa „Haldene" ved Brogaard | 78 |
| Parti af Helligdomsklipperne | 80 |
| Vignet: Øster Herreds Segl og Bautastenene ved Gudhjem | 81 |
| Østerlars Kirke | 82 |
| Østerlars Kirkes Indre | 83 |
| Tværsnit og Grundplan af Østerlars Kirke | 84 |
| Gade i Gudhjem | 86 |
| Randkleveskaaret | 88 |
| Øster-Mariæ Kirkes Ruin | 89 |
| Louiselund | 90 |
| St. Ibs Kirke | 92 |
| Vignet: Sønder Herreds Segl og Fyrtaarnet paa Dueodde | 93 |
| Vignet: Prospekt af Christiansø | 99 |
| Havnen ved Christiansø | 101 |
| Vignet: Prospekt af Maribo Sø | 103 |
| Vignet: Maribos Segl og Raadhus | 111 |
| Maribo Kirke | 113 |
| Maribo Kirkes Indre | 115 |
| Stiftsmuseet i Maribo | 117 |
| Resens Grundplan af Maribo Kloster | 121 |
| Vignet: Nakskovs Segl og den gamle Latinskole | 123 |
| Nakskov Kirke (Sommeren 1896) | 124 |
| Nakskov Kirkes Indre | 125 |
| Nakskov efter Resen | 132 |
| Vignet: Sakskjøbings Segl og „Kong Christoffers Hus" | 134 |
| Vestergade i Sakskjøbing med Kirken | 135 |
| Vignet: Rødbys Segl og Kirke | 139 |
| Vignet: Nysteds Segl og Kirke | 143 |
| Vignet: Nykjøbings Segl og Chr. IX's Bro | 148 |
| Nykjøbing Kirke med det gamle Raadhus | 150 |
| Nykjøbing Kirkes Indre | 151 |
| Nykjøbing Helligaandskapels Indre | 152 |
| Det skæve Hjørne 1897 | 155 |
| Nykjøbing Slot. Efter Thurah | 159 |

| | Side |
|---|---|
| Nykjøbing Slot efter Resen | 161 |
| Vignet: Stubbekjøbings Segl og det indre af Kirken | 163 |
| Stubbekjøbing Kirkes Indre | 165 |
| Vignet: Laalands Sønder Herreds Segl og Tillitse Kirke | 169 |
| Rudbjærggaard | 175 |
| Øllingesøgaard | 177 |
| Søllestedgaard | 182 |
| Stokkemarke Kirke | 185 |
| Vignet: Laalands Nørre Herreds Segl og Engelborgs Ruiner | 187 |
| Grundplan af Engelborg | 192 |
| Døbefonten i Løjtofte Kirke | 200 |
| Halsted Kirke | 202 |
| Juellinge | 203 |
| Pederstrup | 205 |
| Vignet: Fuglse Herreds Segl og Søholt | 208 |
| Lungholm | 214 |
| Kjærstrup | 216 |
| Tirsted Kirke | 223 |
| Tirsted Kirkes Indre | 224 |
| Christianssæde | 225 |
| Eriksvolde Voldsted | 229 |
| Vignet: Musse Herreds Segl og Musse Kirke | 234 |
| Hunseby Kirkegaards Portal | 236 |
| Orebygaard | 241 |
| Berridsgaard | 243 |
| Radsted Kirke | 248 |
| Hardenberg | 249 |
| Fuglsang | 251 |
| Fjelde Kirke | 255 |
| Bramslykke | 257 |
| Aalholm efter Resen | 265 |
| Aalholm Slot 1897, set fra N. V. | 266 |
| Vignet: Falsters Nørre Herreds Segl og Maglebrænde Kirke | 268 |
| Kippinge Kirke | 277 |
| Vignet: Falsters Sønder Herreds Segl og Gjedser Banegaard | 284 |
| Ourupgaard | 287 |
| Døbefont i Skjelby Kirke | 291 |
| Sønder-Alslev Kirke | 295 |
| Korselitse | 296 |
| Vignet: Prospekt af Odense | 304 |
| Vignet: Odenses Segl | 309 |
| Vor Frue Kirke i Odense | 312 |
| Vor Frue Kirkes Ligkapel | 313 |
| St. Hans Kirke i Odense | 314 |
| De udvendige Prædikestole i St. Hans Kirke, Odense | 315 |
| Katedralskolen i Odense | 318 |
| Flakhaven med Raadhuset og St. Knuds Kirke, Odense | 319 |
| Provinsarkivet i Odense | 322 |
| Jærnbanegade med Museet, Graabrødrehospital og Grand Hotel, Odense | 323 |
| Odense Slots Nordfløj | 325 |
| Odense Frøkenkloster | 327 |
| Grundplan af Graabrødre Hospital i Odense, 1793 | 329 |
| Munkegangen i Graabrødre Hospital | 330 |
| Fyns Stifts Sparekasses Tilbygning, Odense | 337 |
| H. C. Andersens Statue i Odense | 338 |
| Oluf Bagers mødrene Gaard paa Nørregade, Odense | 339 |
| Vestergade Nr. 76, Odense | 341 |
| St. Knuds Kirkes Indre i Odense | 359 |
| Krypten i St. Knuds Kirke | 360 |
| Altertavlens Midtparti, St. Knuds Kirke | 361 |
| Altertavlens Sidefløje, St. Knuds Kirke | 362 |
| Kong Hans' Ligsten, St. Knuds Kirke | 363 |
| Ahlefeldts Monument, St. Knuds Kirke | 365 |
| Vignet: Kjertemindes Segl og det indre af Kirken | 369 |
| Kjerteminde Kirke | 370 |
| Vignet: Bogenses Segl og Kirke | 375 |
| Vignet: Middelfarts Segl og gammelt Hus i Middelfart | 381 |
| Middelfart Kirke | 382 |
| Sindssygeanstalten ved Middelfart | 384 |
| Vignet: Assens Segl | 389 |
| Assens Kirke | 390 |
| Gammelt Hus, Korsgade Nr. 11, Assens | 393 |
| Willemoes' Fødehus, Assens | 394 |
| Strandport i Assens, nedreven 1859 (Vestsiden) | 397 |
| Vignet: Odense Herreds Segl og Sanderum Kirke | 398 |
| Næsbyhoved (efter Resen) | 401 |
| Hesbjærg | 406 |
| Dalum Kirke | 409 |
| Vignet: Aasum Herreds Segl og Davinde Bystævne | 421 |
| Hollufgaard | 425 |
| Fravdegaard | 426 |

| | Side |
|---|---|
| Sanderumgaard | 429 |
| Rønningesøgaard | 431 |
| Mikkel Brockenhuus' Ligsten i Nørre-Lyndelse Kirke | 436 |
| Søbysøgaard | 439 |
| Vignet: Bjærge Herreds Segl | 440 |
| Ulriksholm | 445 |
| Skovsbo | 451 |
| Mesinge Kirke | 456 |
| Hindsholms Segl | 459 |
| Vignet: Lunde Herreds Segl og Jættestue ved Gyrup | 460 |
| Østrupgaard | 467 |
| Vignet: Skam Herreds Segl | 472 |
| Kjørup | 475 |
| Oldtidsmonumentet paa Glavendrup Mark | 480 |
| Vignet: Skovby Herreds Segl og Skovby Kirkes Døbefont | 483 |
| Harridslevgaard | 485 |
| Gyldensteen | 490 |
| Rugaard, efter Resen | 496 |
| Elvedgaard | 497 |
| Langesø | 499 |
| Margaard | 500 |
| Kirkedør i Søndersø Kirke | 502 |
| Dallund | 503 |
| Vignet: Vends Herreds Segl og Godsforvalterboligen Adelerhus ved Hindsgavl | 505 |
| Hindsgavl, efter Resen | 507 |
| Hindsgavl | 508 |
| Erholm | 519 |
| Husby Kirke | 529 |
| Vignet: Baag Herreds Segl og Hagenskov | 531 |
| Brahesborg | 539 |
| Frederikslund | 546 |
| Legismose | 554 |
| Hagenskov, efter Resen | 558 |
| Vignet: Prospekt af Svendborg | 561 |
| Vignet: Svendborgs Segl og Fruestræde | 566 |
| St. Nikolai Kirke (med Hjørnet af St. Nikolai Apotek) i Svendborg | 568 |
| St. Nikolai Kirkes Indre | 569 |
| Vor Frue Kirke i Svendborg | 570 |
| Middelalderlig Teglovn paa Øksenbjærg | 574 |
| Graabrødre Kirke, Svendborg | 579 |
| Vignet: Faaborgs Segl og Vesterport, set fra N. V. | 580 |
| Faaborg Helligaandskirke | 582 |
| Torvet i Faaborg med Klokketaarnet | 583 |
| Vesterport i Faaborg, set fra S. Ø. | 586 |
| Vignet: Nyborgs Segl og Korsbrødregaarden | 591 |
| Nyborg Kirke | 593 |
| Nyborg Slot 1659. Efter Puffendorfs Atlas | 597 |
| Nyborg Slot 1898 | 598 |
| Kælder i Korsbrødregaarden, Nyborg | 608 |
| Vignet: Rudkjøbings Segl og Kirke | 611 |
| Rudkjøbing Kirkes Indre | 613 |
| Vignet: Ærøskjøbings Segl og Vestergade med Apoteket | 618 |
| Ærøskjøbing Kirke | 619 |
| Vignet: Sunds Herreds Segl og Kværndrup Kirke | 623 |
| Bjørnemose | 629 |
| Hvidkilde | 633 |
| Egeskov | 641 |
| Turø Kirkes Indre | 644 |
| Vignet: Taasinges Segl | 645 |
| Bregninge Kirke | 647 |
| Valdemars Slot | 648 |
| Vignet: Salling Herreds Segl | 654 |
| Holstenshus | 657 |
| Nakkebølle | 662 |
| Brahetrolleborg Kirke | 667 |
| Brahetrolleborg | 669 |
| Arreskov | 685 |
| Sandholt | 690 |
| Damsbo | 692 |
| Steensgaard, Svanninge Sogn | 696 |
| Horne Kirke | 698 |
| Hvedholm | 699 |
| Majstangen i Munkeby paa Avernakø | 703 |
| Vignet: Gudme Herreds Segl og Rygaards Borggaard | 704 |
| Ringe Kirke | 707 |
| Svindinge Kirke | 713 |
| Glorup | 714 |
| Rygaard | 716 |
| Hesselagergaard | 719 |
| Tiselholt | 723 |
| Broholm | 725 |
| Mullerup | 729 |

| | Side |
|---|---|
| Vignet: Vindinge Herreds Segl og Vindinge Kirke | 730 |
| Julskov | 739 |
| Ulfeldsholm (Holckenhavn) | 742 |
| Eilensborg (Holckenhavn) | 743 |
| Holckenhavn | 744 |
| Ørbæklunde | 747 |
| Ravnholt | 751 |
| Sønder-Højrup Kirke | 755 |
| Vignet: Langelands Nørre Herreds Segl og Tranekjær Kirke | 758 |
| Faarevejle, Langeland | 760 |
| Tranekjær Slot 1690. Efter Resen | 764 |
| Tranekjær Slot | 765 |
| Snøde Kirke | 769 |
| Steensgaard, Langeland | 770 |
| Vignet: Langelands Sønder Herreds Segl og Fakkebjærg Fyr | 773 |
| Skovsgaard | 779 |
| Hjortholm | 782 |
| Vignet: Gamle Huse i Søndergade, Ærøskjøbing | 784 |
| Vignet: Handelspladsen Marstals Kirke | 793 |


# BYKORT


| | Side |
|---|---|
| Rønne | 18 |
| Hasle | 26 |
| Allinge | 32 |
| Sandvig | 34 |
| Svaneke | 44 |
| Neksø | 50 |
| Aakirkeby | 54 |
| Maribo | 112 |
| Nakskov | 124 |
| Sakskjøbing | 134 |
| Rødby | 140 |
| Nysted | 144 |
| Nykjøbing | 148 |
| Stubbekjøbing | 164 |
| Odense | 310 |
| Kjerteminde | 370 |
| Bogense | 376 |
| Middelfart | 382 |
| Assens | 390 |
| Svendborg | 566 |
| Faaborg | 580 |
| Nyborg | 592 |
| Rudkjøbing | 612 |
| Ærøskjøbing | 618 |
| Marstal | 794 |

# Bornholms Amt.

Bornholms Amt bestaar af den i Østersøen beliggende Ø *Bornholm* med den lille Øgruppe *Christiansø* eller *Erteholmene*. Bornholm ligger mellem 54° 59′ 15″ og 55° 17′ 30″ n. Br. og mellem 2° 7′ 20″ og 2° 34′ ø. L. for Kbh. (omtrent 14° 45′ og 15° 11′ ø. L. for Greenwich). Øen har Form af en skæv Firkant, hvis fire Hjørner dannes af Hammerens Pynt mod N., Rønne mod V., Dueodde mod S. og Svaneke mod Ø. Fra Hammeren til Dueodde er der omtr. $5^1/_4$ Mil, 40 Km., fra Rønne til Svaneke $3^3/_4$ Mil, 28 Km. Øens Omkreds er omtr. 14 Mil. Afstanden fra Skaanes Sydøstspids, Sandhammeren, der skilles fra Bornholm ved Hammervandet, er $5^1/_4$ Mil, 40 Km.; fra Rønne til Kjøbenhavn er der i lige Linie 20 Mil, 150 Km., fra Dueodde til det nærmeste Punkt paa Pommerns Kyst $12^1/_2$ Mil, 94 Km., mellem Rønne og Møens Klint omtr. 18 Mil, 135 Km.

Bornholm danner i fysisk Henseende en Undtagelse fra det øvrige Danmark, idet Øen er et Bjærgland og maa betragtes som den sydøstligste Udløber af den skandinaviske Bjærgmasse. Omtr. $^2/_3$ af Øen, nemlig den nordl., nordøstl. og midterste Del (omtr. 7 □ Mil, 385 □ Km.), indtages af Grundfjældet, der hovedsagelig bestaar af en rødlig, ikke lagdelt Gnejs-Granit, og hvis Grænse mod S. dannes af en Linie, som gaar fra Kysten noget N. for Hasle mod S. Ø. til omtr. $^1/_4$ Mil Ø. for Rønne og derpaa fortsættes mod Ø. ud til Kysten noget N. for Neksø. I Gnejs-Graniten, der er sammensat af Feldspat, Kvarts og Glimmer, findes en Mængde Spalteudfyldninger („Gange"), der indeholde Feldspat-Kvarts eller den seje, jærnholdige Grønsten, ogsaa ubetydelige Antydninger af Malme, som Kobberkis og Jærnglans. Graniten fremtræder dog langt fra alle Steder paa Overfladen; den ligger delvis blottet langs Sydranden mellem Rønne og Neksø, eller hvor Vandløbene have dannet Indsnit i de løse Jordlag, som dække Stenen, samt umiddelbart ved Kysten fra noget N. for Svaneke rundt om Nordlandet til noget N. for Hasle, paa hvilken Strækning Graniten danner smukke, vilde, indtil henved 70 F., 22 M., høje Klippepartier — saaledes

det 45 F., 14 M., dybe Randkleveskaar S. Ø. for Gudhjem, Helligdomsklipperne N. V. for samme, der naa en Højde af henved 65 F., 20 M., Hammeren paa Nordspidsen og noget S. derfor Store Ringebakke ved Jons Kapel, hvis Skrænt er 131 F., 41 M., over Havet. Klipperne falde for det meste brat af med lodrette, af dybe Kløfter furede Vægge, hvorved dannes imponerende Dale; Granitmasserne selv ere sparsomt bevoksede med Græs, Lyng, og Løvtræer, men Kløfterne ere dækkede af en frodig Plantevækst og gennemstrømmes af smaa Vandløb; langs Kysten er der mange Steder smaa Skærgaarde, og ofte er der i Klippen dannet Huler, de saakaldte „Ovne". I det indre af Landet er Graniten næsten overalt dækket af Ler og Sand, og kun mindre Partier, til Dels bevoksede med Lyng, rage op som Øer. Et omtr. $^1/_2$ Mil bredt Bælte langs Nordøstkysten er dækket af et frugtbart Lag af Glacialler, medens det indenfor liggende, for øvrigt ikke meget fremtrædende Højdeparti, *Højlyngen*, der strækker sig fra N. V. til S. Ø. (i samme Retning som Bjærgmasserne i Blekinge), og hvis Gennemsnitshøjde er 250—300 F., danner en stærk Modsætning, idet det overvejende er dækket af det langt ufrugtbarere Rullestensgrus. Tidligere var Lyngen den vigtigste Plante paa dette bølgeformige, af skovbevoksede Kløfter gennemskaarne Højdedrag, som sænker sig mod N. Ø., og mange Steder havde det helt Karakteren af stenede, øde Heder; men i den nyeste Tid er Højlyngen for største Delen forvandlet til Agerland eller Skov. Paa dette Højdedrag, der danner Øens Hovedvandskel, ligge de højeste Punkter, saaledes Ruts Kirkebakke, 414 F., 130 M., Ravnebakke, 452 F., 142 M., og, omtr. midt paa Øen i Skoven Almindingen, Bornholms højeste Punkt Rytterknægten, 516 F., 162 M. Partiet ved Rytterknægten er i det hele et af Øens smukkeste Bjærgpartier; saaledes ligger her ved Foden af Højden den skønne, af høje Klippevægge (indtil 70 F., 22 M.) begrænsede Kodal (Ekkodal). Fra Rytterknægten bøjer Vandskellet mod Ø. over det 390 F., 122 M., høje „Aasen" og fortsættes med aftagende Højder, indtil det atter i det stærkt kuperede Bjærgparti Paradis- og Helvedesbakkerne (Helledesbakkerne) N. V. for Neksø naar 361 F., 113 M.; den sydligste Udløber af Højdedraget er Slamrebjærg, 291 F., 91 M., lige N. for Bodils Kirke. For øvrigt fremtræder Graniten hist og her øformigt i Øens sydlige Del*).

Den sydlige Del af Øen (omtr. $2^1/_2$ □ Mil), hvor Underlaget bestaar af Sandsten, Skifre — dels grønlige Skifre, dels Alunskifre — (den kambriske Formation), Cementsten (en mørkfarvet Kalksten) og Lerskifer (den siluriske Formation), danner en stærk Modsætning til Gnejs-Granitplateauet ved sin lavere Beliggenhed og sin jævnere Overflade, der skraaner ned mod Sydkysten, hvor Højden dog i Gennemsnit

*) Bornholm udøver — vistnok paa Grund af sin Jærnholdighed — en mærkelig Tiltrækning paa Magnetnaalens Nordpol, hvorved Kompassets Misvisning paa Vestsiden formindskes, paa Østsiden forøges med indtil et Par Grader.

endnu er omtr. 100 F., medens den ved Randen af Granitplateauet gennemsnitlig er over det dobbelte; saaledes er Duebjærg Ø. for Hasle 309 F., 97 M., og Granitbakkerne ved Aakirkeby hæve sig indtil 306 F., 96 M.; selve Aakirkeby Bakke er 273 F., 86 M.; omtr. 1 Mil S. Ø. for Aakirkeby hæver Rispebjærg (Lerskifer) sig endnu til 151 F., 47 M. Den ældste af

Geologisk Kort og Højdekort over Bornholm.

Afstanden mellem hver af de 5 Kurver, der angive Højdeforholdene, er 90 F.; Terrænet indenfor næstøverste Kurve (360 F.) er punkteret, Terrænet indenfor øverste Kurve (450 F.) er sort.

disse Dannelser er Sandstenen („Neksø Sandsten"); den hviler umiddelbart paa Graniten over et Areal af mere end $1^1/_2$ □ Mil og strækker sig langs Sydranden af Granitplateauet fra Neksø til $^1/_2$ Mil S. Ø. for Rønne. S. for Sandstenslaget strækker sig langs med Sydkysten Skifer- og Cementstenslaget. Sandstenen ligger for det meste nær ved Overfladen, ofte saa nær, at der kun kan vokse Lyng; men ellers ere disse Lag overdækkede med et dybt

(ofte 10—20 F. tykt) Lag af Sand og Ler, der gør Jorderne ret frugtbare; frugtbarest er Skiferterrænet, hvilket for en Del skyldes den Omstændighed, at Skiferen let ved Forvitringen omdannes til Ler*).

Foruden disse to Dannelser, Grundfjældet og Sandstens-Skiferpartiet, findes en tredje, Juraformationen, der fortrinsvis bestaar af Lag af hvid Sandsten og Kul, dog ogsaa af forskellige gode Lerarter, saaledes ildfast Ler, der anvendes til Lervarer og Mursten, og Jærnsten, der indeholder indtil 37 pCt. Jærn. Denne Dannelse er lejret langs Vestkysten fra Hasle mod S. over Rønne og videre langs en Del af Sydkysten. Da Sandstenen let forvitrer og forvandles til Sand, giver den Anledning til Dannelsen af Flyvesandsstrækninger, hvilke findes paa en stor Del af Vestkysten mellem Hasle og Rønne (Sandflugten med Hvideodde N. for Rønne) og paa Sydkysten fra Raghammer- til Dueodde, hvor der er ret betydelige Klitter, ligesom Flyvesand ogsaa træffes mod N. ved Hammeren („Sandhammeren"). Man har nu ved Beplantning hindret Flyvesandet i at udbrede sig videre. Kullagene, som have givet hele Formationen Navn af „den bornholmske Kulformation", ere lejrede i meget uregelmæssige Lag, saa at Bearbejdelsen deraf meget besværliggøres; nu udbyttes de heller ikke mere (se ndfr.), da Kullenes Brændselsværdi er ringe. — Endelig forekommer Kridtformationen (ældre Grønsand) pletvis N. Ø. for Rønne paa en Strækning mellem Graniten og Juraformationen og S. Ø. for Rønne ved Sydvestkysten i Nærheden af Fiskerlejet Arnager, det sidste Sted indeholdende en hvid, lerblandet Kalksten, Mergel og Grønsandsten.

Bornholm er meget rig paa Vandløb, som ofte bane sig Vej i dybe, snævre Dale, og hvis Bredder ere bevoksede med Træer og Krat. Men de ere alle smaa, særlig de, der fra Højlyngen søge ud mod N. Ø. og Ø., da Hovedvandskellet ligger nærmest ved denne Kyst. Det længste her er *Kampelykke Aa*, der udspringer lidt N. for Ruts Kirke og falder ud lige N. for Allinge; af andre Vandløb paa Østkysten nævnes *Bobbeaa*, *Kobbeaa*, *Kjelds Aa* (Kjeldseaa), *Gyldens Aa* og *Vaseaa*. Af Vandløbene paa Vestkysten nævnes *Bagaa* og *Blykobbeaa*, der begge falde ud mellem Hasle og Rønne. Til Sydkysten løbe de største, nemlig *Læsaa*, *Grødby Aa* og *Øle Aa*; den sidste, der er Øens største Aa, løber Vest for Paradis- og Helvedesbakkerne, Slamrebjærg og Rispebjærg. Øen har kun faa Søer, og de ere alle smaa; den største er den ved Nordspidsen liggende Hammer Sø, henved 20 Td. Ld. (Ølene mod S. paa Højlyngen er nu hovedsagelig kun Mose).

Til Øens Naturskønhed bidrager væsentlig den rige og ejendommelige Planteverden. Omtr. $^1/_5$ af hele Arealet er bevokset med Skov, der dels ligger spredt i

*) Ved de sydlige Aaløb findes de „bornholmske Diamanter", Bjærgkrystaller, der ere udkrystalliserede i Mergelnyrer („Diamantkugler"); „Diamanterne" søges nu ikke mere, men fandt i sin Tid en ret stor Afsætning (1792 afsattes 1080 Stkr.), da de brugtes til Smykker.

smaa Lunde, dels er sammenhængende, særlig paa Højlyngen (Almindingen), ligesom Sognenes Udmarksjorder efterhaanden ere blevne beplantede. Skovene bestaa af Birk, Eg, Avnbøg („Hvidbøg"), Æl og Ask; Bøgen, som er indført i Beg. af 19. Aarh., trives godt; desuden findes der store, af Staten og Kommunerne med Gran, Fyr og Lærk beplantede Arealer; Ædelgranen lykkes særlig godt i Almindingen. Morbærtræet trives udmærket; Kirsebærtræet vokser vildt; flere Arter Røn, som ellers ikke findes i Danmark, forekomme her, saaledes Akselbærtræet (Sorbus aria); af Buske vokse særlig frodig Hvidtjørnen, der ofte optræder som Træ, Hasselen og Hylden; en for Øen særegen Plante er en Anemoneart („Anemone apennina"), der ellers kun forekommer i Schweiz og paa Apenninerne; der er Rigdom paa Engblomster og Orchideer; paa de nøgne Klipper træffes ofte Mispelen. — Med Hensyn til Dyreverdenen maa mærkes, at der ikke findes Kakerlaker, Muldvarpe, Maarer og Ildere (Egernet er først indført i de sidste Aar), lige saa lidt som Storken fæster Bo her. Derimod er der Rigdom paa Nattergale, af Indbyggerne kaldt „Fjeldstavne", og især paa Raager (Kornkrager); ogsaa Vandrefalken, Nøddekrigen og Tejsten („Mulen", især ved Hammeren) forekomme, ligeledes stundom den i det øvrige Danmark sjeldne Ellekrage; ved Klipperne paa Nordøstkysten og paa Smaaholmene ved Christiansø træffes Edderfuglen („Aaboen"). Det tidligere talrige Kronvildt er for længe siden udryddet (indtil Slutningen af 18. Aarh. fandtes endnu Hjorte; under Chr. IV skal der i eet Aar være ført 230 fældede Hjorte til Kbh.); i de senere Aar er der indført Raavildt, ligesom der ogsaa er gjort Forsøg med Agerhøns, Fasaner og Tjurer. Tidligere fandtes der nogle halvvilde Heste af en egen lille Race („Lyngøg", meget lig de gotlandske Ponyer), men de ere nu helt forsvundne. Hugormen er meget almindelig. — Klimaet er omtr. som i det øvrige Danmark; dog er Øklimaet paa Grund af Øens frie Beliggenhed i Havet endnu mere udpræget: Foraaret kommer omtr. 14 Dage senere; Regnmængden er noget mindre. Klimaet paa Højdedraget, særlig i Almindingen og der omkring, er noget barskere end paa det øvrige af Øen.

Med Hensyn til Frugtbarheden maa det bemærkes, at Hartkornsudregningen paa Bornholm afviger fra den i det øvrige Danmark anvendte; thi medens man der ved at dividere Summen af det boniterede Areal (reduceret til Normaljord efter Takst 24) med Summen af Hartkornet efter Matriklen af 1688 fik som Resultat, at der skulde gaa 72,000 □ Al. Normaljord paa 1 Td. Hrtk., beregnede man det paa Bornholm ved at dividere Øens Hartk. efter Matriklen af 1664 ind i det boniterede Areal, og 1 Td. bornholmsk Hrtk. kom derved kun til at indeholde 49,600 □ Al. boniteret Areal, saaledes at den omtr. er lig $^2/_3$ (nøjagtig $^{31}/_{45}$) Td. Hrtk. i den øvrige Del af Landet. Der gaar gennemsnitlig 12 Td. Ld. paa 1 Td. bornh. Hrtk., og omsættes dette til alm. Hrtk., gaar der $17^1/_2$. Bornholm er saaledes Øernes mindst frugtbare Amt, og det staar nærmest ved Jyllands frugtbareste Amter, dog lidt over dem. I øvrigt maa man erindre, at Jorderne ere af saa uensartet Beskaffenhed, at man paa Landejendommene, som i Sammenligning med Landets andre Amter ikke ere store, kun finder faa Td. Ld., som have ens Bonitet.

Amtets Størrelse er $10,_6$ □ Mil ($583,_4$ □ Km.). Det er det mindste af Øernes Amter, ikke engang halvt saa stort som det næstmindste, Kjøbenhavns Amt. Af det samlede Fladeindhold udgøre Købstæderne $0,_{49}$ □ Mil

($27_{,2}$ □ Km). If. Matrikuleringen udgør det hele opmaalte Fladeindhold 105,581 Td. Ld. (omtr. 58,070 Hekt.); Søplanen, som ikke er medregnet heri, er kun 275 Td. Ld., det mindste Areal i noget Amt. Besaaet Fladeindhold var $^{16}/_{7}$ 1896: 43,388 Td. Ld. (deraf med Hvede 1153, Rug 8214, Byg 7798, Havre 10,306, Blandsæd til Modenhed 7862, Bælgsæd 635, Spergel 136, Frøavl 108, Kartofler 2779, Rodfrugter 2574, Grøntfoder 1775, Havesager 24, Handelsplanter 20); af Agermarken henlaa som Brak, Høslæt, til Afgræsning og som Eng 31,035 Td. Ld., hvoraf Høslæt- og Afgræsningsarealet udgjorde 19,588 Td. Ld. Fladeindholdet af Kær og Fælleder var 1311, af Tørvemoser 183, Have 961 Skov 16,718, Heder 5318, Flyvesand og Klit 797, Stenmarker m. m. 2242, Byggegrunde, Veje, Hegn osv. 3055 samt af Vandarealer 561 Td. Ld. Man lægger Mærke til det store Skovareal, absolut set endog større end i Kjøbenhavns Amt og forholdsvis større end i Øernes andre Amter; af Skovarealet ere 9900 Td. Ld. beplantede med Naaletræer. Paa den anden Side findes baade Heder, Flyvesand og Stenmarker i større Udstrækning end i noget andet af Øernes Amter. Hvad Kornarealet angaar, staar Dyrkningen af Rug og navnlig af Byg noget tilbage for de andre Øer, derimod er Dyrkningen af Havre og Blandsæd til Modenhed mere udbredt, ligesom ogsaa Kartoffelavlen spiller en forholdsvis meget betydelig Rolle.

Af Husdyr fandtes $^{15}/_{7}$ 1893: 7766 Heste, 29,583 Stkr. Hornkvæg (deraf 19,870 Malkekøer), 12,795 Faar, 15,248 Svin og 138 Geder. Med Hensyn til Antallet af Kreaturer staar Bornholm noget under Øernes Gennemsnit. Hvad Kreaturstyrken angaar, staar det næstlavest, naar denne sammenstilles med Befolkningsantallet, idet kun Kjøbenhavns Amt er lavere, og lavest, naar Arealet, men højest, naar Hartkornet anvendes til Sammenligning, og det samme Forhold genfindes ved en Betragtning af de enkelte Dyrearter, dog saaledes at Hornkvæg og Faar ere forholdsvis talrigere end Heste og Svin i Sammenligning med Øernes andre Amter. Af Hingstene høre ligesom i Sjællands Amter de fleste til Frederiksborg-Racen, dog er ogsaa den jydske Race temmelig talrigt til Stede; af Tyrene hører den aldeles overvejende Del til den røde danske Malkerace; dog findes der ogsaa en Del af hollandsk Race. Blandt Vædderne er Landracen den almindeligste, derefter kommer Dishleyracen. Fjerkræavlen spiller en meget betydelig Rolle. Der fandtes 55,160 Høns, 45,620 Kyllinger, 9191 Kalkuner, 31,004 Ænder og 9619 Gæs. Antallet af Kalkuner, Gæs og Ænder er forholdsvis større paa denne Ø end i noget andet af Landets Amter, absolut set er der endog flere Kalkuner end i noget andet Amt. Derimod er Hønseavlen ikke saa udbredt som andetsteds. Af Bistader fandtes 2465, overvejende Kubestader.

Det hele Ager og Engs Hartkorn (Skovskyldshrtk. findes ikke) udgjorde $^{1}/_{1}$ 1895: 8780 Td. bornholmsk Hrtk. (6048 Td. alm.), hvoraf Købstædernes

454 Td. bornholmsk (313 alm.). Hartkornet i Landdistrikterne fordelte sig saaledes, at der fandtes 86 større Landbrug paa 12 Td. Hrtk. og derover med 1390 Td., 1345 Bøndergaarde (1—12 Td. Hrtk.) med 6053 Td., 2393 Huse (under 1 Td. Hrtk.) med 722 Td., samt forskellige andre Jordlodder med i alt 160 Td. Hrtk. — alt bornholmsk Hrtk. Endvidere var der 1112 jordløse Huse i Amtet. Af samtlige Gaarde vare 1267 med 7023 Td. Hrtk. Selvejergaarde, 164 med 420 Td. Hrtk. Arvefæstegaarde med Ret til at sælge og pantsætte. Egentligt Fæste findes ikke paa Øen, og Arvefæsteforholdet har kun en ringe Udbredelse. Af Husene vare 3504 med 721 Td. Hrtk. Selvejer- og Arvefæstehuse, hvoraf 1112 jordløse; endvidere 1 Lejehus med $0_{,9}$ Td. Hrtk.

Folketallet var $^1/_2$ 1890: 38,761 (1801: 19,507, 1840: 25,199, 1860: 29,304, 1880: 35,364); deraf havde Købstæderne 15,998 og Landdistrikterne 22,763. Amtet er noget svagere befolket end Øerne i Gennemsnit, men af disses Amter er det dog kun Kjøbenhavns og Fyns, som have en større Befolkning pr. □ Mil; dette er en Følge af de i Forhold til Arealet talrige Byer. Paa 1 □ Mil kom i 1890: 3657 Indb. ($66_{,44}$ paa 1 □ Km.). Inddeler man Befolkningen i Næringsklasser, saaledes at til hver Klasse ikke alene regnes Forsørgere, men ogsaa hele deres Husstand, viser det sig, at 1453 levede af immateriel Virksomhed (Embeds- og Bestillingsmænd, Læger, Lærere, Sagførere, Videnskabsmænd osv.), 15,330 af Jordbrug, 99 hørte til Gartnernes Klasse, 2340 til Fiskernes, 11,002 til de industridrivendes, 2238 til de handlendes, 1189 til de søfarendes; endelig var der 2668, som henhørte til Gruppen „andre Erhverv" (Daglejere), 1780 levede af deres Midler, og 662 vare under Fattigvæsenet eller det offentliges Varetægt.

Landbruget er Øens vigtigste Erhverv, om det end ikke har en saa stor Betydning som i andre Amter; Bornholms og Frederiksborg Amter staa i denne Henseende temmelig ens; Kjøbenhavns Amt tæller dog endnu færre, der ernære sig ved dette Erhverv. Landbruget stod længe tilbage for det øvrige Lands baade med Hensyn til de anvendte Redskaber og til hensigtsmæssig Drift; men i de senere Aar har det været i stærk Opkomst, og det maa nu siges at staa paa Højde med det øvrige Lands. Det er for øvrigt ejendommeligt for Øen, at den ikke har egentlige, af Landbrugere beboede Bondebyer — men nok Fiskerlejer —, idet Gaardene ligge spredte, dog ofte i Strøg eller Rækker, som da i Regelen have et fælles Navn, almindeligt endende paa -by. Af andre Ejendommeligheder ved Landboforholdene kunne nævnes: Gaardene, der næsten alle ere Selvejergaarde, benævnes i hvert Sogn med Tal. (1., 2., 3. Selvejergd.). Den derefter almindeligste Benævnelse for Bøndergaardene er „Vornedegaarde", et Navn, der har sin Oprindelse fra den Tid, da Ejeren af Gaarden var „Vorned" uden for øvrigt at være indskrænket i sin personlige Frihed. En Del af disse saavel som af Selvejergaardene vare tidligere Fæstegaarde, der tilhørte Kongen; men 1744 afhændedes de til Selvejendom. Ogsaa Vornedegaardene benævnes i hvert Sogn med Tal. Nogle af Selvejergaardene, for det meste de største (uden Tal), kaldes „Proprietærgaarde"; de have før været ejede af „Frimænd" og

have derfor haft visse Forrettigheder; nogle af disse, som Frihed for Landgilde og for Kendelse ved Ejerskifte, ere endnu bevarede. Benævnelserne „Stæl", „Kirkebo" og „Gildesbo" paa særegne Jorder — de sidste vare Jorder, der if. gml. Vedtægt maatte yde visse Mængder af Brændevin, Øl, Tobak osv. til Sognets Bønder eller Gildesbrødre paa deres aarl. Samlingsdage — have nu kun historisk Betydning. Gaardenes Udmarker tilhørte tidligere Kongen, men Indbyggerne havde Ret til at benytte dem til Græsning, Lyngskæring osv.; 1832 (kgl. Res. af $^{30}/_{5}$ 1832) blev dette Fællesskab hævet, saaledes at Indb. fik Erstatning for Brugsretten; senere ere disse Forhold nærmere blevne ordnede ved den fuldstændige Udskiftning 1848 og ved Resol. af $^{6}/_{5}$ 1850 og Lov af $^{9}/_{2}$ 1866. — Bornholm er fritaget for Kongetiende, og Præste- og Kirketiende ydes in natura med et for hvert Sogn bestemt Kvantum. — Den tidligere Forordning af $^{14}/_{10}$ 1773, der fastsatte visse særlige Bestemmelser for Selvejergaardes Arv paa Bornholm — bl. a. at Gaarden skulde gaa i Arv til den yngste Søn, „Gaarddrønten", derimod til den ældste Datter, hvis der kun var saadanne —, er hævet ved Lov af $^{8}/_{1}$ 1887.

Søfart og Fiskeri have meget stor Betydning, større end i noget andet Amt, idet 91,$_{1}$ p. m. have deres Erhverv derved. Ved Udgangen af 1896 var Bornholms Handelsflaade 190 Skibe med en Drægtighed af 8900 Tons, deraf 10 Dampskibe med 1385 Tons, og desuden 617 Baade paa 4 Tons og derunder. Samme Aar udførtes der til Udlandet fra Øen af vigtigere Varer 425 Stkr. Hornkvæg, 158,435 Pd. Fisk, 109,650 Pd. Hvede, 30,340 Pd. Rug og 3,463,940 Pd. Byg, alt uformalet, og 4678 Td. Kartofler. Ved det ligesom i gamle Dage vigtige Fiskeri fanges især Sild, der er Hovederhvervet for de mange smaa Fiskerlejer, og som udføres baade i røget og saltet Tilstand (navnlig er Silderøgningen bleven til en hel Industri), samt Laks, der udføres baade fersk, røget og saltet, og Torsk. Sildefiskeriet foregaar især om Sommeren, Laksefiskeriet om Vinteren. If. Fiskeriberetningen udgjorde Fiskernes Antal 1896 589, med 24 Opkøberkvaser, 159 Dæksbaade, 123 Damjoller og 241 mindre Fartøjer; Fangsten havde en Værdi af 309,585 Kr.

Ogsaa Industri og Haandværk indtage en ret betydelig Plads i Sammenligning med andre Amter. Navnlig er det Forekomsten af forskellige Mineralier, der giver Anledning til mangeartet Virksomhed. Kulbrydningen, der vistnok har taget sin Begyndelse i 1. Halvdel af 18. Aarh.*), men først fik større Betydning i Midten af 19. Aarh., og som længe kunde betale sig paa Grund af Øens Fattigdom paa Tørv — Hasle Kulværk, Kulværket ved Mundingen af Bagaa og Sorthat Kulværk, alle mellem Hasle og Rønne —, er nu rigtignok opgiven paa Grund af Kullenes ringe Brændselsværdi ($3^{1}/_{2}$ Td. bornholmske Stenkul udvikle samme Varme som 2 Td. engelsk Stenkul); i Aarene 1830—35 var den aarlige Produktion gennemsnitlig 21,350 Tdr.; den største Produktion ved det 1876 nedlagte Hasle Kulværk var 41,100 Td. i 1850; Kulværket ved Bagaa, der nedlagdes 1880, producerede 1876 42,000 Td., ved Sorthat Kulværk, nedlagt 1868, naaede Produktionen 26,000 Td. i 1857. Ogsaa Brydningen af Feldspat-Kvartsen — Feldspat benyttes ved Glas- og Porcellænsfabrikation — der findes flere Steder, saaledes ved Jons Kapel paa Vestkysten og ved Listed ved Svaneke, er nu ophørt paa Grund af den stærke Konkurrence fra Norge. Derimod udbyttes, især fra 1870'erne, stadig mere og mere et fra Feldspat-Kvartsen stammende Forvitringsprodukt, nemlig de kvartsholdige Kaolin (Porcellænsjord), som findes langs Vestranden af Graniten i Nærheden af Rønne. Allerede fra Slutn. af 18. Aarh. hentede man Kaolin til Brug ved den kgl. Porcellænsfabrik; men det er først, efter

*) Allerede 1640 havde dog Chr. IV sendt Skotten Robert Weight til Bornholm for at søge efter Kullag; men det førte ikke til noget Resultat. Ligesaa frugtesløs var samme Aar Udsendelsen af en „Guld- og Selvertspolerer," der skulde søge efter „Malmerts".

at der 1871 var blevet anlagt et større Kaolinslemmeri (hvor Kaolinen befries for Kvartsen) ved Buskegaard, at dette Produkt kom til større Anvendelse i Porcellæns- og Papirfabrikationen; nu findes der 3 Kaolinslemmerier (alle i Knudsker). Men særlig ved Brydning af Graniten finde mange Mennesker deres Erhverv. Graniten, der er fortrinligt egnet til Monumenter, Bygningsmateriale, Havnemoler osv., brydes mere og mere i de senere Aar, saaledes paa Hammeren (det tyske Aktieselskab „Bornholms Granitværk"), paa Ringebjærget ved Vang, ved Allinge og Rønne, paa Helvedesbakkerne ved Neksø og Svanike, i Ibsker og ved Bodils Kirke. I Knudsker ved Rønne brydes en særlig smuk, blaalig syenitisk Granit, som forarbejdes af „De forenede Stenhuggerier". Graniten udføres især til Kjøbenhavn og Østersøegnene. Cementstenen brydes i Aaker og Pedersker Sogne og er meget tidlig benyttet som Bygningsmateriale („bornholmsk Marmor"), saaledes paa Gamle- og Lilleborg i Almindingen og paa Hammershus samt i de fleste af Øens Kirker, særlig til Trapper og Karme; det største og ældste Brud findes ved Limensgade i Aaker Sogn. Ogsaa Sandstenen brydes, især ved Neksø; det af Staten 1754 anlagte Stenbrud („Frederiks Stenbrud") er dog standset, efter at Stormfloden 1872 til Dels havde ødelagt Bruddet (Brydningen her besværliggjordes ogsaa ved, at de gode Lag laa temmelig dybt). Desuden giver Forekomsten af mange fine Lerarter Anledning til en forskelligartet Tilvirkning; saaledes er der flere Teglværker, Fabrikker i Lervarer, Fajance og de bekendte Terrakottasager; i det hele er bornholmsk Keramik i stærkt Opsving. Derimod udøves den tidligere ret betydelige Urfabrikation i Rønne („bornholmske Stueure") nu kun af een Mester*). Den forhen meget udstrakte Husflid — Tilvirkning af Agerdyrkningsredskaber, Slæder, Tovværk, Beklædningsstoffer, Kurvefletning, Kostebinding m. m. — er nu i Aftagen.

Amtskommunen omfatter paa Bornholm i Modsætning til de andre Amter saavel Købstæderne som Landdistrikterne, og af Amtsraadets 9 valgte Medlemmer blive de 3 derfor valgte af Købstæderne, ligesom Købstædernes aarl. Bidrag til de vigtigste Fællesanliggender sker efter Forholdet $^1/_3$. Hvad de finansielle Forhold i Aaret $^1/_4$ 1895—$^{31}/_3$ 1896 angaar, nævnes af Indtægterne: Udskrivningen paa Amtsraadskredsen udgjorde 114,945 Kr., deraf paa Købstæderne 29,610, Resten paa Hartkornet (10,$_{25}$ Kr. pr. Td. Hrtk.), Bidrag fra Købstæderne 1695 Kr., ekstraord. Statsbidrag (Lov $^8/_5$ 1894) 9165 Kr.; af Udgiftsposterne vare de væsentligste: Vejvæsen 45,952, Medicinalvæsen 16,109, Justits-, Politi- og Fattigvæsen 51,026, Amtsskolefonden 9261, Dyrlægevæsen 1827 Kr.; Amtsrepartitionsfonden ejede $^{31}/_3$ 1896 i Kapitaler 29,598, i faste Ejendomme, som ikke give Udbytte, 105,000 og skyldte 42,431 Kr. bort. Desuden staar under Amtsraadets Administration den saakaldte Amtskommunefond stor 460,848 Kr., fremkommen som Erstatning for

*) Da et engelsk Skib strandede 1750, blev en Del Ure, som vare om Bord, bjærget og sendt omkring paa Øen for at tørres, renses og indtil videre opbevares, navnlig til nogle Rokkedrejere og andre Personer, som mentes at være skikkede til dette Arbejde. Nogle af dem lærte derved Urenes Mekanisme at kende og begyndte paa at eftergøre dem, først i Træ, senere i Metal; navnlig var det Brødrene Peter og Otto Arboe, der tog fat paa denne Industri, og som leverede fortrinlige Ure. Aar 1795 kom en kjøbenhavnsk Urmager, J. V. Armand over til Øen, og i de næste Aar udvikledes Industrien saaledes, at der ikke alene forfærdigedes de saakaldte Bondeure, men ogsaa Taffelure, der udførtes i ret anselig Mængde; 1820 stiftedes et Selskab til Urmageriets Fremme paa Bornholm, men det opløstes 1844, og Industrien tog mere og mere af, især paa Grund af Varernes billige Pris.

Ophøret af Fritagelsen for Brændevinsbeskatningen (Lov $^{7}/_{2}$ 1851), og hvoraf Renten anvendes til almennyttige Formaal, fortrinsvis Landevejenes Grundforbedring (i 1895—96 anvendtes hertil 11,620 Kr)*). — Amtsfattigkassen udredede samme Aar til døvstummes Oplæring 560, til sindssyges og Idioters Bevogtning og Underhold 1200 Kr. og fik sine væsentligste Indtægter fra: Renter af Aktiver 1980, Bidrag efter Plakat $^{9}/_{1}$ 1845: 127, $^{1}/_{4}$ pCt. Afgift 299 Kr. Amtsfattigkassen ejede 60,505 Kr. i Kapitaler. — Med Hensyn til Købstædernes finansielle Forhold henvises til Afsnittene for hver enkelt By. — For Sognekommunerne anføres af Indtægterne følgende: de paaligned Skatter udgjorde 1895 paa Hartkornet 73,174 Kr. (gennemsnitlig $8_{,80}$ Kr. pr. Td. Hrtk.), paa Formue og Lejlighed 60,763 Kr.; Indtægt af Aktiver var 5595 Kr., Afgifter efter Næringsloven 1230 Kr.; desuden udredes Naturalarbejde uden for Paaligningen til Beløb af 2522 Kr. De væsentligste Udgifter vare: Fattigvæsen 48,016, Skolevæsen 43,455, Alderdomsunderstøttelse 23,961 (deraf 10,770 i Tilskud fra Staten), Vejvæsen 19,805 Kr. Sognekommunerne ejede i Slutn. af 1895: i Kapitaler 104,261, i faste Ejendomme 473,000 og skyldte 114,800 Kr. bort. Under Sogneraadenes Bestyrelse stode Legater til et samlet Beløb af 36,011 Kr.

Med Hensyn til Beskatningen skal anføres, at ligesom Øen gennem lange Tider har haft og endnu har mindre Skatter til Staten paa Hrtk. og Bygninger**), saaledes er Hartkornsbeskatningen til Kommunen lavere end i noget andet Amt; dette er især foranlediget ved Ligningen til Sognene. Dog maa det erindres, at 1 Td. bornh. Hartkorn kun svarer til $^{2}/_{3}$ Td. alm. Hrtk.

Amtet bestaar af Købstæderne: *Rønne*, *Hasle*, *Allinge-Sandvig*, *Svaneke*, *Neksø* og *Aakirkeby* og Herrederne: *Vester-*, *Nørre-*, *Øster-* og *Sønder Herred*. Amtets samtlige Købstæder og Landkommuner danne eet Amtsraadsdistrikt, som ovenfor nævnt, og Amtsraadet udgør tillige Skoleraadet. Amtet har i alt 15 Sognekommuner (Sognefogederne kaldes her „Sandemænd").

Amtet udgør 4. Landstingskreds og har 2 Folketingskredse.

I gejstlig Henseende hører Amtet til Sjællands Stift og udgør eet Provsti, der er delt i 21 Pastorater, i alt 15 Kirkesogne (foruden Christiansø). For Kirkerne, der alle eje sig selv, gives der ifølge gamle Vedtægter, som ikke hvile paa nogen bestemt Lov, i Modsætning til Bestyrelsen af Landets

*) I de sidste Aartier er der gjort meget for Landevejene, som nu maa siges at være fortrinlige. Der er foretaget betydelige Opfyldnings- og Udgravningsarbejder, saaledes ved Almindingen, ved Nedkørselen til Gudhjem, ved Vejene over Bobbeaa og Blykobbeaa og ved Hvide Enge i Vestermarie Sogn, saaledes at Bakkerne ikke ere saa besværlige. Landevejenes Længde var ved Udgangen af 1896 $30_{,9}$ Mil, $229_{,5}$ Km. — Øen har endnu ingen Jærnbane, men i en nær Fremtid vil der blive anlagt en fra Rønne til Neksø med Sidespor fra Aakirkeby til Almindingen (Konc. er meddelt ved Res. af $^{8}/_{5}$ 1897).

**) Gammelskatten er udregnet efter Forholdet 2 Rd. pr. Td. gl. Ager og Engs Hrtk. (mod 6 Rd. 80 Sk. andetsteds), Landskatten udgør 12 Sk (60 andetst.), Ligningsskatten 44 Sk. (1 Rd. 24 Sk. andetst.) pr. Td. Hrtk. Paa den anden Side har bornh. Landejendomme store Jordebogsafgifter at udrede til Staten, navnlig i Form af „Smørskat". — Bygningsafgiften svares med det halve Beløb mod det øvrige Land.

øvrige Kirker, en særlig Myndighed, der danner et Mellemled mellem de lokale Kirkebestyrelser og Stiftsøvrigheden, nemlig „Bornholms Kirkekommission", som bestaar af Amtmanden og Provsten, og som fører det specielle Tilsyn med Kirkernes økonomiske Forfatning. Amtmanden og Provsten udgøre tillige med et af Amtsraadet valgt Medlem Skoledirektionen for Bornholm.

I jurisdiktionel Henseende (jfr. Lov af $^{1}/_{7}$ 1870) udgør Amtet 6 Købstadsjurisdiktioner, nemlig: Rønne, Hasle, Allinge-Sandvig (hvilke tillige med Landdistriktet udgøre Hammershus Birk), Svaneke, Neksø og Aakirkeby, og 4 Landjurisdiktioner, nemlig: Vester-, Nørre-, Øster- (med Christiansø) og Sønder Herred*).

Amtet danner 6. Udskrivningskreds og Bornholms Fysikat, der er delt i 2 Lægedistrikter, nemlig Rønne eller sydvestlige Distrikt (Vester- og Sønder Hrd.) og Allinge eller nordøstlige Distrikt (Nørre- og Øster Hrd.). (Christiansø hører i den sidste Henseende under Marineministeriet). Med Hensyn til Oppebørselen af Skatter danner Amtet eet Amtstuedistrikt (i Rønne). Amtet har 7 Branddirektorater, nemlig et for Landbygningerne og et i hver af Byerne.

Statsskovene paa Bornholm (Blykobbe Plantage, Rø Plantage og Almindingen med Indlægget) ere 5922 Td. Ld. og udgøre „Bornholms Skovdistrikt" under 2. Overførsterinspektion.

I militær Henseende havde Bornholm indtil Hærloven af $^{6}/_{7}$ 1867 sin egen Forfatning, der kan føres tilbage til Chr. IV (1611), idet denne indførte for Øen et eget Værn (Milits), hvortil Indbyggerne alene vare tjenestepligtige, naar de ikke toge fast Ophold andre Steder i Riget. Efter 1867 er Bornholm indordnet i Landets almindelige Værn. Dog staar det værnepligtige Mandskab kun to Aar til Tjeneste i Hæren, hvorefter det for den øvrige Tjenestetid træder ind i Øens særlige Væbning, som bestaar af 1 Bataillon Fodfolk paa 4 Kompagnier, 1 Eskadron Rytteri, 1 Kompagni Feltartilleri og 1 Kompagni Fæstningsartilleri. Øens Kommandant er Væbningens Chef og tillige Udskrivningschef. Han saavel som de højere Befalingsmænd ere lønnede Officerer af Forstærkningen, medens Væbningens øvrige Befalingsmænd (Lieutenanter og Underofficerer) ere værnepligtige, paa Bornholm hjemmehørende Mænd, der have erhvervet sig Befalingsgrad i Hæren. Befalingsmænd og Mandskab af Væbningen sammenkaldtes tidligere i Regelen hvert Aar i 3 Dage til Mønstring og Skarpskydningsøvelser; hvert andet Aar afholdtes i Reglen større Øvelser med Bataillonen i indtil 10 Dage, hvert andet Aar i ligesaa lang Tid med Eskadronen og Artillerikompagnierne (jfr. Lov af $^{6}/_{7}$ 1867 §§ 179—84). Ved Lov af $^{1}/_{4}$ 1896 bestemtes at

*) Da Landstinget paa Bornholm ophævedes ved Plakat af $^{29}/_{6}$ 1813, paabødes det, at alle Justitssager fra Øen skulde indstævnes umiddelbart til Højesteret, og private Sager, i Tilfælde af Appel, til Landsover- samt Hof- og Stadsretten (jfr. Plak. af $^{30}/_{4}$ 1814 og $^{30}/_{7}$ 1819). Offentlige Politisager fra Landjurisdiktionerne indstævnes til Landsover- samt Hof- og Statretten (jvfr L. af $^{14}/_{6}$ 1850).

Bataillonen skal afholde Øvelser hvert andet Aar, 14 Dage i alt, Artilleri og Rytteri ligeledes, skiftevis; Øvelserne holdes ved Rønne.

---

Øen kaldes i de islandske Sagaer *Borghundarhólmr*, i Valdemar II's Jordebog *Burghundæ-*, *Burghænde-*, *Burghundholm*, senere *Borunde-*, *Borring-*, *Borende-* og *Borendholm*. Navnet kommer vistnok af Borg, et højt, af Naturen befæstet Sted, og Holm, ɔ: en Ø. Hos Adam af Bremen kaldes den kun *Holm* (Hulmus), et Navn, som endnu bruges i Skaane. Saxo kalder den *Boringia*.

Ligesom Bornholm i fysisk Henseende mere slutter sig til den skandinaviske Halvø, gælder det samme vistnok i etnografisk Henseende, idet den rimeligvis er bleven befolket fra Sydsverige. Forskellige Udtryk i Sproget tyde paa Slægtskab med Sydsveriges Befolkning. — De arkæologiske Forhold paa Øen ere særdeles fyldigt undersøgte. Bebyggelsen maa være foregaaet i den fjerneste Oldtid, om det end synes, at Mennesket i Stenalderen endnu ikke havde opslaaet sine Bosteder overalt paa Øen. Den ældre Stenalder foreligger kun repræsenteret ved to Bopladsfund (fra Hammeren og Frennemark S. for Svaneke). Fra den yngre Stenalder ere Oldsagerne vel ikke faa; men Gravene findes, som det synes, kun i Kystegnene, og de ere færre i Tal end i de fleste andre østdanske Egne af lige Udstrækning; der kendes i alt omtr. 15 Gravkister, et lignende Antal Jættestuer eller store Gravkamre samt een Runddysse; Langdysser forekomme ikke. Først i Løbet af Broncealderen har Befolkningen bredt sig til Øens Indre, saaledes som det fremgaar af Gravhøjene, der maa antages for største Delen at tilhøre denne Periode; i alt er der talt omtr. 600, hvoraf dog nu næppe Halvdelen er tilbage. Højene ligge snart enkeltvis, snart samlede i mindre Grupper, og de findes især i de frugtbare Egne, medens Gravmonumenterne i de golde Egne ere de saakaldte Røser, kredsrunde, lavthvælvede Stendynger med et tyndt, dækkende Lyngtæppe, i Reglen 10—12 F. brede og $^1/_2$—1 F. høje. Af disse Røser, som ret ere ejendommelige for Bornholm, ere endnu henved et Par Tusende bevarede; mange vides i Tidens Løb at være sløjfede. De tilhøre dog ikke alene Broncealderen, men ogsaa den ældre Jærnalder, i hvilket Kulturafsnit den hyppigste Gravform i øvrigt var Brandpletten, et mindre, grubeformet Hul i den flade Mark, fyldt med Resterne af det brændte Lig, Trækul og Oldsager. Ogsaa Brandpletterne ere særlig hjemmehørende paa Bornholm, hvor de ere undersøgte i et Antal af flere Tusende; i Regelen danne de store Gravpladser (ved Store Kannikegaard i Bodilsker Sogn er der saaledes undersøgt en Gravplads med omtr. 800 Brandpletter). Den yngre Jærnalder er ogsaa repræsenteret ved et stort Antal Gravfund, som navnlig ere fremdragne i Østerlarsker og Gudhjem Sogne; i nævnte Tidsafsnit bleve Ligene hyppigst nedlagte ubrændte, snart i ganske lave Jordhøjninger, snart under flad Mark, dækkede af Stenlag eller omsluttede af Stenkister. Disse Gravfund overgaa i Tal langt de samtidige Gravfund fra hele det øvrige Danmark. Øens isolerede Beliggenhed har i det hele begunstiget Særudviklinger paa adskillige Punkter. Intetsteds i Landet findes saa mange Helleristningstene som her (omtr. 100) eller saa mange Skibssætninger (to lange Stenrækker, der løbe sammen ved Enderne) fra Vikingetiden (omtr. 25), og det samme gælder i endnu højere Grad om Bautastenene, af hvilke der kendes henved et Tusende (kun omtr. 300 ere bevarede, samlede i Grupper). Endelig har Øen ikke mindre end 40 Runestene; de fleste af disse hidrøre dog fra historisk Tid. Et meget stort Antal Monumenter er fredlyst.

Øens Beliggenhed midt i Østersøen ved den befærdede Handelsvej over Tyskland og Rusland — ad hvis Floder Varer førtes fra Sydeuropa, ja endog fra Asien til

Østersøens Kyster — til de skandinaviske Lande og Storbritannien bragte tidlig Beboerne i Forbindelse med Omverdenen. Alt i den forhistoriske Tid spores Paavirkning gennem de fundne Oldsager, og at Handelen har været Øens Hovednæringsvej allerede i den tidlige Middelalder, har man flere Vidnesbyrd om, dels gennem Møntfund*), dels gennem skriftlige Beretninger; saaledes fortæller Adam af Bremen, at Bornholm var Danmarks mest berømte Havn og en sikker Ankerplads for de Hedninger, som sejlede paa Grækenland ɔ: de russiske Østersølande.

I den tidligste Middelalder var Bornholm et eget Rige; saaledes berette Englænderne Othar og Wulfstan, der rejste i de nordlige Farvande ved Aar 890, at Øen havde sin egen Konge. Da Danmark blev samlet til eet Rige, kom Øen ogsaa ind under den danske Konge, der lod den bestyre af Høvedsmænd; blandt disse nævnes paa Svend Tveskægs Tid Vesete, Fader til Bue den Digre, og under Knud den hellige Blod-Egil (Egil Ragnarsen), som efter Knytlingesagas Beretning paa Grund af Sørøveri blev afsat af Kongen og senere henrettet. Kristendommen skal først være indført eller have faaet fast Fod paa Øen paa Svend Estridsens Tid ved den for Lærens Udbredelse nidkære lundensiske Biskop Egins Bestræbelser. Fra den Tid har Bispestolen i Lund vistnok været ivrig betænkt paa at erhverve sig Øen, og, som det synes, fik ogsaa Ærkebiskop Eskil 1149 ved Udsoningen med Svend Grathe de tre af Øens Herreder, nemlig Haslæ-, Hænnings- og Michlingæ Herred (Nørre-, Øster- og Sønder Hrd.), medens kun Rothnæ (Rønne- eller Vester) Herred blev under Kronen. At Gejstligheden har sat megen Pris paa at bevare denne Besiddelse og værne om Øen, har man ment at have et Bevis for i de mærkelige Kirker fra 12. Aarh., særlig de 4 Rundkirker, Nylars Kirke, Ny Kirke, Ols Kirke og Østerlars Kirke, der skulle have haft det dobbelte Formaal at tjene som Gudshuse og som Udkigstaarne — de ere til Dels anlagte paa Steder med vid Udsigt — og Tilflugts- og Forsvarssteder for Beboerne i Ufredstid; ogsaa de øvrige Kirker (undt. Pouls Kirke) havde et til Forsvar indrettet firkantet Taarn, „Fæstet". Disse interessante Bygninger ere i de senere Aar ombyggede undt. Ibs og Bodils Kirker (jfr. *H. J. Holm*, B.'s ældgamle Kirkebygninger, Kbh. 1878, og *J. B. Løffler*, Udsigt osv. S. 164 fl.; se dog ogsaa *O. Blom*, Befæst. Kirker i Danm., i Aarb. f. n. Oldk. 1895). For øvrigt have Beboerne ogsaa haft et Værn i de ældre Borgpladser og Voldsteder, der gerne laa paa Højdepunkter og afsides liggende Klippepartier i nogen Afstand fra Kysten, saaledes som Storeborg i Rø Sogn, Gamleborg ved Neksø og Ringeborg i Pedersker Sogn. Kongerne have vist haft deres Værn i de to i Almindingen liggende Borge *Gamleborg* og *Lilleborg* (Rønne Hrd.). Efter Jacob Erlandsens Fængsling 1259 blev formentlig Lilleborg s. Aar indtaget og ødelagt af Ærkebispens Broder Andreas og Fyrst Jaromar af Rügen. Rimeligvis midt i 13. Aarh. under disse Stridigheder mellem Kongen og Kirken, da begge Parter stræbte at faa Øen i deres Besiddelse, opførte Lunds Ærkebisp den stærke Fæstning *Hammershus*, som snart var i den ene, snart i den anden Parts Besiddelse; i 1259—1326 skiftede Borgen 10 Gange Ejermand. Kongerne Erik Glipping og Erik Menved gjorde gentagne Forsøg paa at bemægtige sig Øen, men den sidste skal endog have maattet afstaa det 4. Herred til Ærkebispen. Imidlertid erobrede Kongens Marsk Ludv. Albertsen (Eber-

*) De ældste Mønter, der ere fundne, ere romerske Sølvmønter (Denarer) fra 1.—3. Aarh., derefter vest- og østromerske Guldmønter (Solidi) formentlig fra 5. Aarh.; saaledes fandtes 1893 ved Robbedale S. for Rønne 255 Denarer, 1850 ved Soldatergaard (Aaker S.) 36 Solidi og 1882 ved Saltholmsgaard (Ibsker S.) 29 Solidi. Endvidere er der fundet arabiske Mønter fra 8.—10. Aarh. og skandinaviske, tyske, engelske og nederlandske fra 10.—11. Aarh. De største kendte Møntfund fra denne Periode, nedlagte i 1. Halvdel af 11. Aarh., ere 1862 fra Enegaard (Nylarsker S.), 1872 fra Bolbygaard (Klemensker S., 1000 Stkr.), 1864 fra Munkegaard (Ibsker S., 866 Stkr.) og 1884 fra Holsegaard (Østerlarsker S.).

stein) 1319 Bornholm med Hammershus fra Ærkebispen, og Kongen gav Marsken Øen i Forlening. Men 1321 maatte Chrf. II atter overgive den til Ærkebispen. To Aar efter sluttede Marsken sig til Oprørerne og blev af Ærkebispen udnævnt til Høvedsmand paa Hammershus, hvor han dog blev belejret af de kgl. Tropper under Marsken Peder Vendelbo og efter en tapper Modstand maatte overgive sig. Men det varede ikke længe, inden Bornholm atter kom ind under Ærkebisperne, og disse havde den nu i omtrent 200 Aar i saa godt som uafhængig Besiddelse, idet de gave eller bekræftede Love, indsatte Embedsmændene, udstedte Adelsbreve, gave Købstæderne Privilegier osv. Vel bemægtigede Vald. Atterdag sig Øen 1360, men kort efter gav han den tilbage til Ærkebispen, dog paa den Betingelse, at Kronen maatte inddrage den, naar den fandt for godt. Det var denne Ret, som Chr. II 1522, rigtignok trods Gejstlighedens Protest, benyttede sig af. Dermed var dens Herredømme paa Øen forbi.

Havde Kirken været en myndig Herre for Øen, fik den dog snart en strengere i Lübeckerne. De havde allerede 1510 gjort et Plyndringstog til Bornholm og huseret saaledes, at Jens Holgersen Ulfstand skrev til Kongen, at de helt havde hærget Øen; 1522 kom de igen og indtoge Hammershus, og da de i Stridighederne imellem Chr. II og Fred. I stillede sig paa den sidstes Side, bortforlenede denne 1525 Øen til Lübeckerne paa 50 Aar for det Tab, de havde lidt ved Indtagelsen af Gotland, som de overgav til Danmark; Kongen beholdt dog Overhøjheden over Bornholm og den saakaldte gejstlige Jurisdiktion, saa at han kunde holde en Foged og Landsdommer paa Øen og paadømme Indbyggernes Klager over de af Lübeckerne indsatte Fogeder. Af disse er især Berent Knop (1525—43) sørgelig bekendt i Øens Historie for sine Udsugelser. Under Grevens Fejde søgte Indbyggerne 1535, opmuntrede af Kongen og under Ledelse af den kgl. Landsdommer Mogens Uf, at afkaste Aaget, men bleve slaaede paa Egla Enge S. for Aakirkeby, og Chr. III maatte ved et Forlig i Hamburg 1536 indrømme Lübeckerne 50 Aars Forlængelse af Forleningstiden (altsaa til 1625). Knops Plagerier begyndte paa ny. En ikke mindre daarlig Klang har Navnet paa en af de følgende lybske Fogeder haft, nemlig Schweder Kettingk (1556—73); men det er vistnok til Dels med Urette. Under den nordiske Syvaarskrig, der var en haard Tid for Bornholm, og som for en Del førtes i Farvandene omkring Øen, gjorde han i alt Fald Danmark flere betydelige Tjenester og forsvarede Øen tappert, saaledes 1565 og 1566 mod de svenske Flaader, og han søgte at lette Beboerne for de haarde Skatter og Udskrivning af Mandskab; Kongen viste ham ogsaa stor Naade, bl. a. ved 1565 at udnævne ham til sin Jurisdiktionsfoged paa Øen. Men Dobbeltstillingen som Lübecks og Kongens Embedsmand var ikke holdbar i Længden og hidførte Kettingks Afskedigelse, først som Kongens Foged 1571 og 1573 som lybsk Foged, efter at der stærkt var klaget over hans Optræden paa Øen. Aar 1576 inddrog Fr. II Øen trods Forliget i Hamburg og Lübeckernes Bestræbelser for at beholde den, og dermed ender „Kræmmerregimentet“ (se *M. K. Zahrtmann*, Lybækkerne paa B., i Museum 1894 2. Hbd. S. 340 fl.).

De følgende 70 Aar hengik i Ro for Øen, der lidt efter lidt kom til Kræfter igen, om ogsaa den i disse Aar flere Gange hjemsøgtes alvorligt af Pesten, nemlig 1602, 1618, da omtr. 5200 Mennesker døde, og 1653—54, da Soten krævede omtr. 4500 Ofre (i 14. Aarh. rasede den sorte Død saaledes paa Øen, at den efter Sagnet næsten blev affolket). Under Krigene med de svenske ved Midten af 17. Aarh. kom der nye Ulykker over Øen. Aar 1645 gik Svenskerne under Wrangel i Land paa Øen, uden at den af Chr. IV oprettede Milits, der styredes af uduelige og landsforræderiske Officerer, kunde udrette noget; Neksø blev plyndret, og Hammershus under Lensmanden Holger Rosenkrantz til Glimminge overgav sig efter en Eftermiddags Beskydning. Ved Brømsebrofreden tilbagegav dog Sverige Bornholm til Danmark. Men ved Roskilde-

freden Feb. 1658 afstodes Øen til Sverige, og April s. Aar kom en svensk Besætning dertil under Kommando af Oberst Joh. Printzensköld, en dygtig og rettænkende Mand, som vel maatte følge den svenske Regerings strenge Paabud om Paalæg af Skatter og Udskrivning af Mandskab til den svenske Hær i Tyskland, efter at Krigen atter var udbrudt med Danmark, men dog søgte at mildne Indbyggernes Kaar, saa vidt han kunde. Men som Repræsentant for Fremmedherredømmet vendte dog Befolkningens Had sig imod ham, og der dannede sig en Sammensværgelse mellem Borgere i Hasle og Rønne under Ledelse af Præsten Poul Hansen Anker, Jens Pedersen Kofoed o. a. De sammensvorne bleve yderligere opmuntrede til Opstanden ved et af Fred. III $^{8}/_{11}$ udstedt aabent Brev, hvori der tilsagdes Bornholmerne flere Privilegier, og 8. Dec. 1658 blev Printzensköld, som havde forladt Hammershus i Tjenesteanliggender, taget til Fange af de sammensvorne og skudt paa Storegade i Rønne af Villum Klausen, hvorefter Hammershus overgav sig næste Dag uden Sværdslag. Opstanden forløb i det hele taget temmelig ublodig (der blev vistnok kun dræbt 10 svenske), og Fortællingen om et Massemord („den store Svineslagtning") har ingen historisk Hjemmel. Kort efter sendte Beboerne en Deputation til Kjøbenhavn, og $^{29}/_{12}$ 1658 overdrog denne Øen til Fred. III og hans Arvinger som evig Arv og Eje, hvorfor Kongen samme Dag tilsagde dem „saadanne Privilegier og Benaadninger, baade paa Udskrivning, Skat og i andre Maader, hvorved Landets Bedste og Opkomst kan søges". Jan. 1659 kom der en dansk Besætning til Øen under den nye Kommandant Michel Eckstein, der tilbageslog det eneste alvorlige Forsøg, som de svenske gjorde paa at generobre Øen, da en svensk Flaade $^{4}/_{7}$ vilde gøre Landgang ved Allinge (om Opstanden se *J. A. Fridericia*, Adelsvældens sidste Dage, S. 391 fl. og 485 fl. og *M. K. Zahrtmann*, Hist. Tidsskr. 6. R. V Bd. S. 223 fl. og 7. R. I Bd. S. 129 fl.).

Vedrørende de i Dec. 1658 tilsagte Privilegier udstedtes der $^{3}/_{5}$ 1659 et nyt kgl. Brev, der i al Almindelighed bekræftede det første Løfte og kun fastslog, at Kongen aldrig vilde overgive Øen til Sverige; dette Brev bekræftedes af de følgende Konger $^{12}/_{2}$ 1701, $^{7}/_{12}$ 1731 og $^{7}/_{2}$ 1747. Der tilstodes vel Bornholmerne en Del Lettelser i Skatter og Udskrivninger; men da de havde ventet mere af „Privilegierne", var der i den følgende Tid, særlig i 18. Aarh., en Del Utilfredshed paa Øen. Endelig udkom $^{21}/_{9}$ 1770 en „Forklaring paa de Bornholms Indbyggere givne Privilegier", der fastslog Fritagelse for Soldatertjeneste uden for Øen og en Del Skattebegunstigelser (se S. 10).

I 19. Aarh. har især den ovenfor (S. 8) omtalte Udskiftning af Markjorderne haft stor Betydning, idet herved de hidtil øde Oredrev (Højlyngen og Strandmarkerne) aabnedes for Opdyrkning, dels til Skov-, dels til Agerbrug. Stormfloden Nov. 1872 hjemsøgte særlig Havnene paa Nordøstkysten, hvis Klippepartier den delvis ændrede. Der fulgte derefter betydelige Havneanlæg, væsentlig ogsaa som Følge af, at Fiskerne gik over til Brugen af Dæksbaade; næsten alle Fiskerlejerne have faaet deres Havne nybyggede og udvidede. — Af senere Begivenheder, der have berørt Øen, kunne nævnes, at en svensk Flaade strandede ved Øen Dec. 1678, ved hvilken Lejlighed 1200 Mennesker omkom, og at de svenske atter Nov. 1679 lede et Skibbrud ved Sydkysten, og da skulle endog 3000 Mennesker være omkomne. Af Kongerne have Chr. IV et Par Gange, Chr. V 1687, Kronprins Chr. Fred. (Chr. VIII) 1824, Fred. VII 1833, 1847, 1851 og 1856 og Chr. IX 1876 besøgt Øen.

Øens isolerede Beliggenhed har bevirket, at Beboerne længe have bevaret noget ejendommeligt saavel i Sprog som i Skikke og Klædedragt. Sproget har saaledes beholdt mange Ord og Former fra det gammelnordiske, ogsaa fra det plattyske Sprog, og i Tonefaldet har det en Del Lighed med det skaanske. Meget af det særegne i Skikke og Klædedragt er dog nu ved at forsvinde, særlig efter at Hærloven af 1867 har bragt de unge værnepligtige i nær Berøring med Kjøbenhavn.

Bornholm var alt i Middelalderen delt i de S. 13 nævnte 4 Herreder, men den hørte ikke til noget Syssel. Bornholms Amt oprettedes 1660.

**Litt.** Ingen Landsdel er bleven saa meget beskreven som Bornholm. Af Monografier nævnes: *L. Thurah*, Beskr. over B. og Christiansø, Kbh. 1756. — *P. N. Skovgaard*, Beskr. over B., I Del, Kbh. 1804. — Samlinger, udg. af det Bornholmske Selskab for Efterslægten. 1808. — *F. Thaarup*, Kort Oversigt over B.'s Amt, Kbh. 1810, og Smaa Bidr. til B.s Statistik, 3 Hefter, Kbh. 1806—10. — *Vargas Bedemar*, Die Insel B. in geognost. Hinsicht, Frankfurt a. M. 1819. — *H. C. Ørsted* og *L. Esmarch*, Beretn. om en Undersøgelse over B.'s Mineralrige, udført 1818—19, Kbh. 1819—20. — *O. J. Rawert* og *G. Garlieb*, B., beskreven paa en Rejse i Aaret 1815, Kbh. 1819. — *J. S. N. Panum*, Beskr. over B. eller B.'s Vejviser osv., Slesvig 1830. — *P. N. Skovgaard*, B.'s Saga, Aalborg 1834. — *F. Thaarup*, B.'s Amt og Christiansø, beskr. efter Opfordr. af det kgl. Landhusholdningsselskab, Kbh. 1839. — *J. R. Hübertz*, Aktstykker til B.'s Hist. 1327—1621, Kbh. 1851—52. — *J. P. Trap*, Beskr. af B., Kbh. 1857 (Særtr. af nærv. Værks 1. Udg.). — *Lønborg*, Om B.'s Væbning og Forsvar, Kbh. 1856. — *A. P. Adler*, Prøve paa et bornh. Dialektlexikon, Kbh. 1856. — *C. G. Brunius*, Konstanteckninger under en resa til B. år 1857, Lund 1860. — *M. Jespersen*, Liden geogn. Vejviser paa B., Kbh. 1865. — *J. P. Møller*, Folkesagn fra Bornholm. Kbh. 1867. — Bornh. Ordbog, udg. af Lærere, Rønne 1873. — *H. J. Holm*, B.'s ældgamle Kirkebygninger, Kbh. 1878. — *J. Carlsen*, Oplysn. om Levevilkaar, Sygelighed og Dødelighed paa B., Kbh. 1886. — *J. A. Jørgensen*, B., Rønne 1886. — *Kofoed*, Fortegn. over Landejendomme paa B., Rønne 1892. — *E. Vedel*, B.'s Oldtidsminder og Oldsager, Kbh. 1886, og Efterskr. til B.'s Oldtidsminder og Oldsager, Kbh. 1897. — *Kloo*, Die Ostsee und die Insel B., Hamburg 1890. — *P. Hauberg*, B., 3. Udg., Kbh. 1894. — *Ph. R. Dam*, Folkeliv og Indstiftelser paa B., Nexø 1895.

Af Artikler, der indeholdes i større Skrifter og Tidsskrifter, nævnes: Beskr. af B. i *Danske Atlas*, III S. 162 fl. — „Fortegnelse over Adskilligt, som sig paa B. haver tildraget fra 1602 til 1687", i Danske Mag. I, S. 125 fl. — *Th. Jonsson Fjeldsted*, Promemoria om B., i Thaarups Materialier, I. H. S. 59 fl. — Om Øen B.'s Forbindelse med Danm. og dens særlige Rettigheder, i Schlegels Statsret S. 429 fl. — *L. Th. Schiøtz*, Bidr. til B.'s Flora, i Vidensk. Medd. fra den naturhist. Forening i Kbh. 1850. S. 49 fl. — *R. Quehl*, B. und die Bornholmer, i „Aus Dänem.", Berlin 1856. — *J. Fr. Johnstrup*, B.'s geogn. Beskaffenhed, i „Danmarks Statistik", I, S. 36 fl., og Abriss der Geologie von B., i Jahesber. d. geogn. Gesells. zu Greifswalde 1889—90, S 1 fl. — *Bergstedt*, B.'s Flora, i Botan. Tidsskr., XIII Bd. (1883). — *H. Zahrtmann*, Fiskerihavne paa B., i Fiskeritidende 1890. — *V. Bergsøe*, B., i M. Galschiøts Danm. i Skildringer og Billeder, II, S. 203 fl. — *M. K. Zahrtmann*. Artikler i Museum 1892 2. Hvbd. S. 1 fl., og 1894 2. Hvbd. S. 340 fl., og i Hist. Tidsskr. 6. R. V Bd., S. 223 fl. og 7. R. I Bd., S. 129 fl. — Et Uddrag af en Beskr. af B., forf. 1624 af Præsterne og dav. Landprovst Jens Pedersen, og oversendt til Dr. O. Worm (Manuskr. i Rigsarkivet), findes tillige med en Del, B. vedrørende Dokumenter i Suhms Saml. I Bd. 2 H., S. 32 fl. — Uddrag af *Rasmus Pedersen Ravns* Chronica Boringiaca ell. B.'s Hist. Beskr. fra første Insulens Bebyggelse indtil Aaret 1671 (Degn i Aakirkeby, † 1677; Manuskript i kgl. Bibliotek, Ny kgl. Saml., Fol. Nr. 398) findes i Kirkehist. Saml. 4. R. 1 Bd. S. 454 fl. — Af andre utrykte Kilder maa nævnes: Beskr. af B. *Resens Atlas* III, S. 125 fl. (i kgl. Bibl.) fra 1677. — *J. C. Urnes* Manuskripter om B. i St. kgl. Bibl. og Universitetsbibl. — *F. Thaarup*, Bornholmiana, 6. Bd., i Rigsarkivet. — Indberetn. til Nationalmuseet om antikv. Undersøgelser paa B., af *J. B. Løffler*, 1882—83.

# Rønne

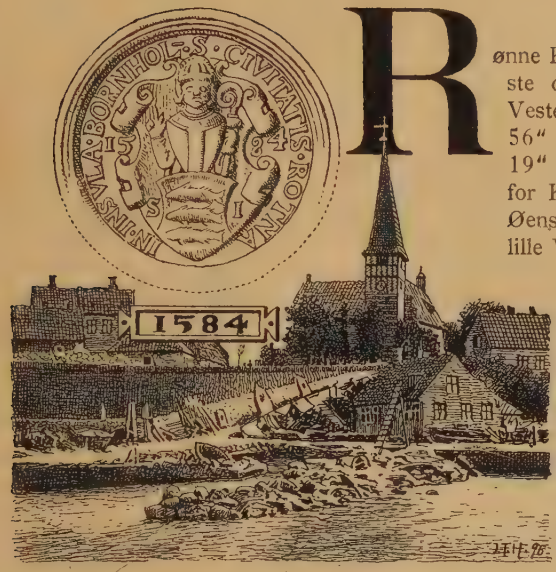


Rønne Købstad, Bornholms største og vigtigste By, ligger i Vester Herred under 55° 5′ 56″ n. Br. og under 2° 7′ 19″ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende) paa Øens vestligste Pynt ved en lille Vig. Byen ligger paa et i det hele fladt Terræn, der hæver sig noget ind mod Landet; ved Kirken er der noget over 39 F., 12 M., ved Byens østl. Indkørsel 64 F., 20 M. Afstanden fra Kjøbenhavn er omtr. 20, fra Hasle $1^1/_4$, fra Allinge-Sandvig $2^3/_4$, fra Svaneke $3^3/_4$, fra Neksø $3^3/_4$ og fra Aakirkeby 2 Mil. Byen er meget stor i Omfang i Forhold til sit Indbyggertal, idet næsten hver Familie bebor sit eget Hus; dens største Udstrækning fra N. til S. er omtr. 2000 Al.; fra V. til Ø. er dens Bredde meget forskellig, paa Midten fra Havnen omtr. 1200, mod N. og S. kun 400 Al. Den er meget uregelmæssig bygget med en Mængde smaa, snævre og krumme Gader. Hovedgaderne ere den fra V. til Ø. løbende Østergade, der munder ud i Landevejen til Neksø, som gaar over Aakirkeby, Storegade, der gaar fra Kirken mod N. omtr. parallel med Stranden, Store Torvegade og Nørregade, der gaa fra N. til S. og udmunde i Byens største Plads Store Torv, og Søndergade, der fra Lille Torv gaar mod S. og udmunder i den søndre Landevej til Neksø; Store Torvegade fører mod N. ud til Landevejen til Hasle. Torvene og Hovedgaderne ere godt brolagte. De fleste Huse have kun eet Stokværk, mange ere af Bindingsværk; til de allerfleste Huse høre Haver, hvoraf flere ere store med gamle Træer. Uden om Byen, især mod Ø., ses endnu Spor af de Volde og Grave, der anlagdes 1688—89 til Byens Befæstning, som dog aldrig blev fuldendt. Et Led af denne Befæstning er det gamle Kastel (se S. 21), som ligger noget S. for Byen inden for den Pynt, der mod S. begrænser den lille Vig.

Rønne Købstadsgrund udgjorde ved Udgangen af 1897 1,857,557 □ Al. (omtr. 132 Td. Ld.), Markjorderne 22,515,340 □ Al. (omtr. 1609 Td. Ld.). Byen havde ved Udg. af 1897 117 Gader og Stræder og 5 Torve og Pladser. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890

1692 (Okt. 1897 var der i alt 1963, deraf paa Byens Grund 1606). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byen med tilhørende Markjorder var 1896 1735 Td. Ld.; deraf vare besaaede 565, Græsning, Høslæt, Brak og Eng 299, Kær og Fælleder 4, Have 47, Skov 485, Heder 162, Stenmarker 13, Byggegrunde og Veje 157, Vandareal 2 Td. Det saml. Hartkorn for Byen og Markjorderne var $^{1}/_{1}$ 1895 $104,_{8}$ Td. bornh. (72 Td. alm.); der var 30 Gaarde med ialt 60 Td. Hrtk., hvoraf $14,_{6}$ dreves fra 9 Ejendomme i Byen, samt 417 Huse med ialt $43,_{7}$ Td. Hrtk.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var Okt. 1897 7,883,100 Kr. (Antal af Forsikringer 1963).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken** (se Vignetten S. 17), beliggende mod V. i Byen højt over Stranden, var fordum indviet til St. Nicolaus og bestaar af Skib og Kor med tresidet Afslutning, Taarn mod V. og Tilbygning mod N. Den oprindelige Del, Skib og Kor, er opført af utilhuggen Kamp, med nogle Munkesten til Indfatninger af Vinduer og Døre vist i 1. Halvdel af 15. Aarh.; paa Skibets Nordvæg er der en oprindelig, spidsbuet Dør, paa Sydvæggen ses Rester af en lignende, der er tilmuret. Taarnets Underdel, der er af Kamp, er istandsat 1699, hvilket Aarstal staar over Døren; den øvre Del, af Bindingsværk med et slankt, spaandækket Spir, er efter de der staaende Aarstal fornyet 1741 og 1798. (If. Ravns Chr. Boringiaca fra 1671 blev Spiret første Gang opsat 1600). Over Korafslutningen er der en lille Tagrytter. Tilbygningen, der er indviet 1797, er af Sandsten og tjener nu som Skib, medens det egentlige Skib er Korsarm. Kirken har Træloft, til Dels af buet Form. Ny Altertavle fra 1882 af C. Kofoed (Kopi af C. Blochs: „Kommer til mig alle I" osv.). Paa Oblatæsken staar „Magnus Gyllenstjerne" og et Vaaben. Prædikestolen er oven over Alteret; dens Armlæner hvile paa Alterets Gesims. Døbefonten, af gullig Kalksten, er vistnok den oprindelige. Af Klokkerne ere de to fra Middelalderen, den ene uden Aarstal, den anden fra 1433 („Primklokken", fra 1750, der før bares omkring i Byen af Skolens „Primaner" for at kalde Folk til Kirke, er fra 1878 i Nationalmuseet).

Den gamle Kirkegaard omkring Kirken er nedlagt (sidste Begravelse 1828) og til Dels beplantet. Til Kirken høre to Kirkegaarde uden for Byen, søndre Kirkegaard, der er anlagt 1813 (flere Gange udvidet), og paa hvilken der 1889 er opført et Ligkapel efter Tegn. af Arkitekt Math. Bidstrup, og østre Kirkegaard, anlagt 1839 (skal nu nedlægges). Paa søndre Kirkegaard ligge begravne bl. a. Sandflugtkommissær Peder Dam Jespersen, † 1835, der har anlagt den største Del af Sandflugtskoven mellem Rønne og Hasle, og Kommandant paa Christiansø, Generalkrigskommissær Kohl, † 1820 (Monument), og paa østre Kirkegaard Kommandant P. M. Hoffmann, † 1842, og Amtmandinde Krabbe f. Elmqvist, † 1845.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en residerende Kapellan, der begge tillige ere Præster for Annekset Knudsker. Kirken ejede $^{1}/_{1}$ 1897 i Kapitaler 2702 og i Bankaktier 406 Kr. samt i Jorder $3^{3}/_{8}$ Td. Ld. og skyldte 8765 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, paa Store Torv, er opført for Rønne

Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark, III Udgave.

# RØNNE.

Eftertryk forbydes.

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 Asyl | D6 | 21 Kirke | D7 |
| 2 Amtmandsbolig | C5 | 22 Materialhus og Redningsst. | B6 |
| 3 Amtsforvalterbolig | C6 | 23 Missionshus „Emaus" | D4 |
| 4 Apotek | C6 | 24 „ Luthersk- | D4 |
| 5 Badeanstalt | C7 | 25 „ „ | D4 |
| 6 Borgervagten | B7 | 26 Museum | E4 |
| 7 Fattighus | D3 | 27 Politistation | D6 |
| 8 Forsamlingshus „Dannebrog" | C4 | 28 Posthus | E6 |
| 9 „ Östre- | E4 | 29 Præstebolig | D6 |
| 10 Fyr | C7 | 30 Raadhus | D5 |
| 11 Gasværk | C2 | 31 Skoler Kommune- | D5 |
| 12 Handelsbank (Kjöbns Filial) | D5 | 32 Skole Lærd- | C6 |
| 13 Havnefogedbolig | C6 | 33 „ Teknisk- | E4 |
| 14 Havnekontor | C6 | 34 „ Navigations- | C6 |
| 15 Hotel Dams- | C5 | 35 Spare-Laanekasse Bornholms- | D5 |
| 16 Hovedvagten | E6 | 36 Sprøjtehus | E7 |
| 17 Kommandantbolig | C5 | 37 Teater | D6 |
| 18 Kæmnerkontor | C4 | 38 Telefonstation | D5 |
| 19 Kapel Apostolisk- | D6 | 39 Telegrafstation | D5 |
| 20 „ Baptist- | D6 | 40 Toldbod | B6 |

Udført af V.F.A.Berggreen

Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad.

Axel E. Aamodt's lith. Etabl.

Købstad og Vester Herred 1834 af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af Major Petersen. Bygningen indeholder i 2. Stokværk bl. a. Retslokaler, en Mødesal for Rønne Byraad og Bornholms Amtsraad, Tingstue og Kommissionsstue; i Stuen findes Arrestforvarerens Bolig og 6 Arrester, der ere bestemte til 14 Arrestanter, men efter Nutidens Fordringer er der kun Plads til 5. (Det gml. Raadhus, ombygget 1729, laa paa Hjørnet af Storegade og Raadhusstræde lige over for den lærde Skole).

Den **lærde Skole**, paa Storegade, indtil 1892 højere Realskole (se S. 25), er et temmelig stort Bygningskompleks med Bibliotek og Rektorbolig; Bygningerne ere flere Gange udvidede, senest 1890—91 efter nuv. Rektor Koefoeds Plan og efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup, hvorved bl. a. Gymnastiksalen ud til Storegade ombyggedes og en ny Fløj kom til (Grundkøb og Bygningers Opførelse kostede omtr. 30,000 Kr.). Ved Skolen er ansat en Rektor, en Overlærer og 8 Adjunkter; ved Udg. af 1897 var der 134 Elever (deribl. 5 kvindelige i de to øverste Klasser); der er 8 Klasser.

**Borger- og Kommuneskolen**, beliggende ved Store Torv, Torvegade og Ellekongestræde, bestaar af flere Bygninger, af hvilke en er det 1881 nedlagte Hospital*), en anden er opført 1889—90 i to Stokværk efter Tegn. af M. Bidstrup, som ligeledes har opført Gymnastikhuset 1891. Skolen har 26 Klasser med Førstelærer og Inspektør og 20 Lærere og Lærerinder, hvoraf 3 ere Timelærere; ved Udg. af 1897 var der 976 Elever, deraf 185 i Pogeskolen, der har 6 Klasser. — Desuden har Byen en **teknisk Skole**, i St. Mortensgade; den er opført i Renæssancestil efter Tegn. af M. Bidstrup og har kostet 62,500 Kr.; ved Udg. af 1897 havde den 203 Elever. Endvidere en Navigationsskole, i Raadhusstræde, aabnet 1883, 6 Pogeskoler og 7 Privatskoler (deribl. Frk. Raabyes med Dimissionsret).

**Fattiggaarden**, paa Markjorderne S. Ø. for Byen, opført 1871, har Plads for 43 Lemmer (deraf 18 Kvinder). — **Bornholms Amtssygehus**, ved Siden af Fattiggaarden, er opført 1890—92 efter Tegn. af Arkitekt Th. Arboe. Det har kostet omtr. 100,000 Kr. og bestaar, foruden af Udbygninger, af to Bygninger, hvoraf den ene har 22 Senge for Patienter med alm. Sygdomme, Operationsstue m. m., og den anden har 16 Senge for Patienter med smitsomme Sygdomme. — **Tvangsarbejdsanstalten for Bornholm**, er opført 1896—97 som Tilbygning til Fattiggaarden efter Tegn. af Snedkermester J. Dam i Rønne; den har Plads for 6 mandlige Lemmer.

**Toldkammerbygningen**, paa Havnepladsen, er opført af røde Mursten og Granit 1896—97 efter Tegn. af Bygningsinspektør, Prof. V. Petersen.

**Bornholms Museum**, stiftet 1893, aabnedes 1894 i det 1892 nedlagte, Kommunen tilhørende Sygehus i St. Mortensgade. Det indeholder en Oldsagssaml., en kulturhist. Saml. fra Middelalder og nyere Tid samt en mineralog. og keramisk Saml., alt vedr. Bornholm; desuden en etnogr. Saml.

**Rønne Børneasyl** (120 Pl.), i Damgade, er oprettet 1843 af Amtmandinde Krabbe (se S. 18) og Provstinde Steenberg. Det ejer omtr. 6000 Kr. Ved Asylet er der 1893 rejst et Granitminde for Stifterinderne.

*) Rønne Hospital nævnes første Gang 1616, da det visiteredes af Superintendant Poul Mortensen Ostrup og gav da Ly til 10 fattige. Det kom siden i Forfald og blev genoprettet 1639 af Lensmand Holger Rosenkrantz til Glimminge († 1647) for 8—10 fattige og blev, efter at det var blevet nedrevet paa Grund af Brøstfældighed, genoprettet 1729 af Handelsmand H. Mortensen Bohn († 1773) og Hustru. Aar 1881 ophævedes det og substitueredes med en Legatkapital, nu omtr. 22,000 Kr., hvis Renter tillige med Forpagtningsafgiften af de Legatet tilhørende Jorder uddeles i livsvarige Portioner paa 100 Kr. til trængende uden for Fattigvæsenet (se Personalh. Tidsskr. 3. R. VI Bd., S. 277 fl.).

**Hovedvagtsbygningen**, beliggende paa en Plads i Søndergade, er opført 1743 af Sten fra Hammershus Slot.

**Gasværket**, mod N. i Byen ved Stranden, er anlagt 1896—97 med en Bekostning af 249,394 Kr. efter Plan af Ingeniør English. Samtidig har man paabegyndt Boringer i Nyker og Vestermarie Sogne til Undersøgelse af Betingelserne for Anlægget af et Vandværk for Byen.

Desuden mærkes: Posthuset, paa Østergade, Telegrafstationen, paa Store Torv, Telefonstationen, paa Lille Torv, Politistationen, paa Østergade, Amtmandsboligen, paa Storegade, Kommandantboligen, smstds., Borgervagten og Redningsstationen, paa Havnepladsen, Bornholms Spare- og Laanekasses Bygning, paa Store Torv (opf. 1894—95 efter Tegn. af M. Bidstrup), Filial af Kbh.'s Handelsbank, i Pistolstræde, en paa Havnepladsen 1891 opført Varmebadeanstalt og to Søbadeanstalter, N. og S. for Havnen.

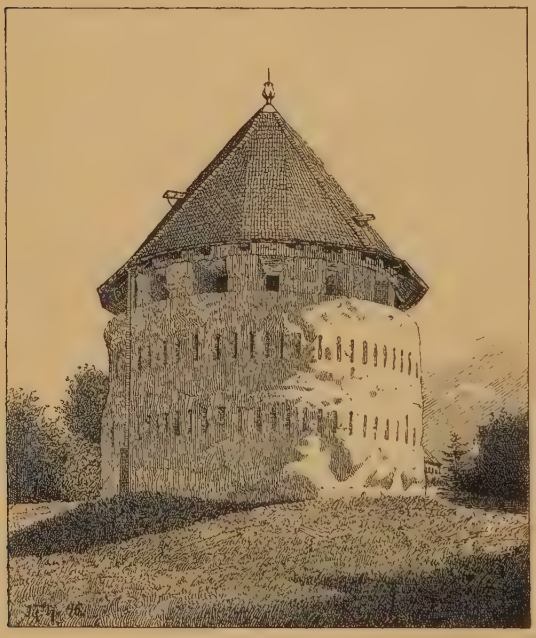

Kastellet ved Rønne.

Af Missionshuse og Forsamlingshuse har Rønne, ligesom hele Bornholm, usædvanlig mange: i Skolestræde ligger Apostolisk Kapel, opført 1880 først som Baptistkapel efter Tegn. af M. Bidstrup, i St. Mortensgade Luthersk Missionshus, opført 1881, i Nørregade Indre Missionshus „Emaus", opf. 1884 efter Tegn. af Skoleinspektør A. Hjorth, paa Lille Torv et Baptistkapel, opf. 1888 efter Tegn. af M. Bidstrup, paa St. Knudsvej et Evangel.-luthersk Missionshus, opf. 1892 efter Tegn. af Snedkermester J. Dam, og i Bagergade Ynglingehjemmet, opf. 1896. I St. Mortensgd. ligger Østre Forsamlingshus, opf. 1883 efter Tegn. af M. Bidstrup, i Borgergade Forsamlingshuset „Dannebrog" (med Restauration), opført 1887. — I Teaterstræde ligger et 1823 opført Teater (omtr. 600 Pladser).

Rønne har ingen Monumenter. Ud for den lærde Skoles Port ligger der paa Storegade i Stenbroen to flade Sten, hvoraf den største, oprindelig 3 Al. lang, nu i to Stykker, bærer Aarstallet 1658; de betegne det Sted, hvor Oberst Printzensköld blev skudt; den mindre Sten, siger Sagnet, blev lagt til Minde om hans trofaste Hund (Stenene vare en Tid lang fjernede fra Stedet og anbragte i et nærliggende Havegærde).

Noget S. for Byen og søndre Kirkegaard ligge paa den saakaldte Galge-

løkke Exercerpladsen og nær derved Bornholms **Arsenal**, hvori findes en smukt ordnet Vaabensamling, samt det runde **Kastel**, der er opført 1689 som et Led af den da paatænkte Befæstning (se S. 17). Det er omtr. 29 Al. i Gennemsnit, har et spidst Tag af Tømmer med røde Teglsten, og dets Kampestensmure ere $5^1/_2$ Al. tykke; midt i Bygningen er der en Pille, som bærer Bjælkeloftet; oppe under Taget er Kanonglugger og paa Midten af Muren Skydehuller; under Bygningen en lille Kasemat; Indgangen er nu ved Jorden, men har tidligere været 8 Al. over den. Kastellet benyttes nu til Munderingsdepot og lign.

Rundt om Byen føre flere Spasereveje i Forbindelse med mindre Anlæg; saaledes fører en Spaserevej mod S. ud over Galgeløkke til Byens søndre Plantage („Stampen"), og en anden gaar Øst om Byen. Mod N. fører en Spaserevej til Sandflugtskoven (se Knudsker Sogn), anlagt af Byens Forskønnelseskomité; gennem Sandflugtskoven fører Kongestien (anl. 1851 paa Fred. VII's Bekostning).

I Rønne Skovplantning S. for Byen ligger en fredlyst Røse med en svær, 6 F. høj Bautasten, „Ørnestenen".

---

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Feb. 1890: 8281 (Dec. 1897: 8908); 1801 havde Byen 2436, 1840: 4055, 1860: 5435, 1880: 6471 Indb.

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: 492 levede af immateriel Virksomhed, 3928 af Industri, 1042 af Handel og Omsætning, 690 af Søfart, 322 af Fiskeri, 248 af Jordbrug, 45 af Gartneri, medens 816 fordeltes paa andre Erhverv, 585 levede af deres Midler, 108 nøde Almisse, og 5 hensade i Fængsel. — Byen og dens Næringsveje ere i de sidste Aartier i ret god Opkomst; særlig lægger man Mærke til det store Antal, der beskæftiger sig med Industri og Handel; navnlig Stenhuggeriet, den keramiske Industri og Jærnindustrien tager til; ogsaa Søfart og Fiskeri ere vigtige.

Af fremmede Varer, der fortoldedes 1896, vare de vigtigste: Bomulds- og Linnedgarn 1190 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturer i øvrigt 7325 Pd., uldne Manufakturvarer 3181 Pd., Vin 6892 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 437 Vrtlr., Glas og Glasvarer 1393 Pd., Humle 2161 Pd., Kaffe 5144 Pd., Olier 11,651 Pd., Salt 359,183 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 19,108 Pd., Tobaksblade og Stilke 12,524 Pd., Stenkul 267 Clstr., 35,478 Td. og 16,055,543 Pd., Kokes og Cinders 407,742 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer af alle Slags 1,095,006 Pd. samt Tømmer og Træ 1037 Clstr. og 48,245 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 14,350 Td. Byg, 1305 Td. Kartofler, 425 Stkr. Hornkvæg, 13,943 Pd. røget Laks, 11,035 Kbfd. Kampesten, 203,670 Cntr. slemmet Kaolin, 11,387 Td. raat Ler og 2,597,100 Stkr. Mursten. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 4928 Td. Byg, 2,466,306 Pd. Flæsk, 157,478 Pd. Kød, 3279 Td. Smør, 187,778 Pd. Huder og Skind, 328,731 Pd. forarbejdede Metaller, 216,885 Pd. fersk og 3279 Pd. røget Laks, 16,922 Ol fersk, 38 Td. saltet og 226,896 Pd. røget Sild, 13,487 Kbfd. tilhugne Kampesten, 60,434 Cntr. slemmet Kaolin, 10,356 Td. raat Ler,

882,350 Stkr. Mursten, 4934 Td. Grus, 85,403 Snese Æg, Fajance-, Terrakotta og Pottemagerarbejde til en Værdi af 91,888 Kr. og 8 Stkr. Ure (!).

Ved Udgangen af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 89 Fartøjer og maalte Baade med en saml. Størrelse af 5736 Tons, deraf 6 Dampskibe paa 673 T. og 350 Hestes Kraft. I udenrigsk Fart klareredes 1896 for Indgaaende 341 Skibe med 16,649 Tons Gods, for Udgaaende 398 Skibe med 13,585 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 726 og udgik 562 Skibe (af hvilke 361 og 356 vare Dampskibe) med henholdsvis 9100 og 11,100 T. Gods.

De ordinære Told- og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 50,958 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 1322 Kr., i alt 52,280 Kr. (10,324 Kr. mere end i 1895). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradrag af Godtgørelser, 18,793 Kr. (3162 Kr. mere end i 1895). Det producerede Udbytte var 274,620 Potter, hvoraf 4078 udførtes til Udlandet og 171,267 til indenlandske Steder uden for Øen.

I Rønne afholdes intet Marked. Det er Torvedag Onsdag og Lørdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 2 Hvidtølsbryggerier, det ene anlagt 1862, det andet stiftet 1875 af et Aktieselskab (Aktiekapital 90,000 Kr.), en Mineralvandsfabrik, et Brændevinsbrænderi, et Fællesmejeri, et Andelsmejeri, 5 Møller, hvoraf 2 Dampmøller (en er Aktieselskab, opr. 1896, Aktiekapit. 80,000 Kr.), et Andelssvineslagteri (opf. 1890—91, udvidet 1897 til det dobbelte, saa at det er beregnet til at slagte 24,000 Svin, i Forbindelse med et Kreaturslagteri og et Tarmrenseri), en Klædefabrik (anl. 1872), to større Bygningsforretninger, et Skibs- og Baadebyggeri, to Jærnstøberier og Maskinfabrikker (tilsammen over 120 Arbejdere), begge under eet Aktieselskab (opr. 1880, Aktiekapital 112,000 Kr.; 1895 paabegyndte Jærnstøberiet Bygning af Jærnskibe), 3 Stenhuggerier (tils. omtr. 180 Arb.), der ere sammensluttede til „De forenede Granitbrud og Stenhuggerier ved Rønne“ (Aktieselsk., stiftet 1896, Aktiekapital 200,000 Kr.; dets kunstmæssig tilhugne Skultursten vinde vid Afsætning, bl. a. til Kbh's nye Raadhus), 7 Fajancefabrikker (med tils. 70—80 Arb.), af hvilke det af H. Sonne Wolffsen 1835 anlagte „Søholm“ arbejder med Majolika, 3 Terrakottafabrikker (30 Arb.), 3 Pottemagerier, 3 Teglværker, hvoraf det ene er et Aktieselskab, opr. 1890 som „Bornholmsk Lervarefabrik“ med Aktiekapital 60,000 Kr., fra 1891 kaldet „Danish Firebricks Company limited“, en Cementfabrik, et Garveri, et Lakserøgeri og Etabl. for Saltning og hermetisk Tilberedning af Sild, flere Silderøgerier, et Stentrykkeri, 4 Bogtrykkerier, m. m.

I Rønne udgives 3 Aviser: „Bornholms Avis og Amtstidende“ (Aktieselskab, opr. 1890, Aktiekapital 22,500 Kr.), „Bornholms Dagblad“ og „Bornholms Tidende“ (Aktieselsk., Kapital 15,000 Kr.).

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893 i Byen og paa Markjorderne: 273 Heste, 324 Stkr. Hornkv. (deraf 271 Køer), 106 Faar, 189 Svin og 4 Geder.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver. Byraadet bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 15 valgte Medlemmer. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, c) for Alderdomsunderstøttelse, d) for Fattigvæsenet, e) for Skolevæsenet, f) for Brolægnings- og Vejvæsenet, g) for Skovvæsenet, h) for Gasværket og Belysningsvæsenet, i) for Legaterne, k) for Tilsynet med Plejebørn, l) for Natrenovationsvæsenet.

Desuden er der en Bygningskommission, en Sundhedskommission og en Brandkommission.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes af Indtægterne i 1896: Skatter 91,492 (deraf Grundskat 3112, Husskat 6943, Formue- og Lejlighedsskat 81,437), Afgifter efter Næringsloven m. m. 6768, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderstøttelse 6598, Indtægt af Aktiver 1933, Betaling for Kødkontrol 2266 Kr.; af Udgifterne: Bidrag til Stat 1471, Bidr. til Amt 15,357, Bidr. til Amtsskolefond 20, Byens Bestyrelse 4482, Fattigvæsen 16,076, Alderdomsunderstøttelse 12,900, Skolevæsen 23,609, Rets- og Politivæsen 3185, Medicinalvæsen 825, Gader og Veje 6811, Renlighed 3345, Gadebelysning 3044, Brandvæsen 1809 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 68,870, i faste Ejendomme, som give Udbytte, 306,022 og i Ejendomme, som ikke give Udbytte, 157,423 Kr. Kommunens Gæld var 295,070 Kr. For Aaret 1898 er Skatteprocenten for Afgiften paa Formue og Lejlighed $5^3/_5$ pCt. Den anslaaede Indtægt er 2,300,100 Kr., deraf er skattepligtig Indtægt 1,508,600 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Borgerskolen med tilhørende Gymnastikhus, det gamle Fattighus (Rønne Arbejdshus), Fattiggaarden med et Jordtilliggende af omtr. 30 Td. Ld., Sygehuset (nu nedlagt, for Tiden benyttet af Bornholms Museum), Gasværket og den søndre Udmark, omtr. 530 Td. Ld., for største Delen beplantet med Skov (Rønne Plantage). Paa dette Areal er der opført nogle mindre Bygninger til Beboelse for Skovfogden m. fl.

Byens Politikorps, den saakaldte „Ordensafdeling", bestaar af 30 Mand, og der er ansat ved det en Kommandør og to Underassistenter; Korpset er forpligtet til ved Ildebrandstilfælde og andre overord. Lejligheder under Politimesterens Befaling at bidrage til Ordenens Overholdelse. Ved Brandkorpset er ansat en Brandinspektør, 12 Assistenter og et passende Antal Underassistenter; til Korpset udskrives aarl. af Byens Folk 20 à 50 Mand.

I Bornholms Spare- og Laanekasse i Rønne og dens Filial i Allinge (opr. $^{24}/_2$ 1842) var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 6,544,326 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 461,075 Kr., Antal af Konti 7980. — I Kjøbenhavns Handelsbanks Filial i Rønne (opr. $^{15}/_3$ 1875) var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehavende 1,247,247 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Antal af Konti 1029. — I Bornholms Øresparekasse i Rønne (opr. $^{12}/_2$ 1883) var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehavende 11,706 Kr., Rentefoden 4 pCt., Reservefonden 2500 Kr., Antal af Konti 669.

**Havnen** er den største paa Bornholm og yder, som den nu er, udmærket Tilhold for Skibe, der maa søge Havn i Isvintre, da den er isfri, længe efter at de fleste andre Havne i Østersøen ere lukkede; den har derfor meget stor Betydning for Byen. Havnen ligger mellem to Stenrev, *Søndre Rev*, der skyder sig omtr. 1500 Al. ud mod V. fra Kastelspynten, og *Nordre Rev*, der ligeledes gaar ud fra Byen i vestl. Retning, omtr. 9—1200 Al.; omtrent midt i Farvandet mellem Revene ligger Stengrunden *Trindelen* med 11 F. paa det laveste; den indsnævrer betydeligt Indløbet; Trindelen danner to Indløb, Hovedløbet gaar mellem Trindelen og Søndre Rev; Farvandet inden for Trindelen mellem de to Rev kaldes „Rønne Red". Havnen har oprindelig været lille; Skibene lagde til ved en Skibsbro, der beskyttedes ved en Dæmning, som i en Bue gik ud fra Land; 1762 skal der have været 10 F.

Vand i Indløbet og ved Bolværkerne, men 1810 var den største Dybde kun 9, ellers 6 F. I Beg. af 19. Aarh. planlagde man en Udvidelse og Forbedring af Havnen; men Arbejdet standsedes ved Krigen 1807—14; vel optoges det igen, og der fandt Udvidelser Sted flere Gange, saaledes 1825 og 1847—48, men det var først de store Arbejder 1854—59 og 1874—76, der skabte den nuv. Havn. I 1854—59 anlagdes der en Dæmning, saaledes at der opstod en Yderhavn, og 1874—76 blev Inderhavnen udvidet — efter Ingeniør Windfeld-Hansens Plan og under Ledelse af Ingeniør Zahrtmann — med en Bekostning af omtr. 250,000 Kr., saa at den blev omtr. $1^1/_2$ Td. Ld. større og fik i Inderhavnen en Dybde af indtil 16, i Yderhavnen af indtil 18 F. Endelig er der med Tilskud fra Staten paa Søndre Rev bygget en 1896 fuldført, omtr. 500 Al. lang Bølgebryder med en Bekostning af 300,000 Kr. Den lille Inderhavn (11—12 F. dyb) er 5900, den store Inderhavn (12—16 F.) 30,050 og Yderhavnen (15—21 F.) 37,925 □ Al.; Havnepladsens Størrelse er 80,500 □ Al., Bolværkernes Længde (Anlægsplads) 1525 Al. Desuden er der to Baadehavne, udvidede ved Statslaan 1884 af henholdsvis 24,500 og 18,000 Kr., nemlig Søndre Baadehavn, tæt S. Ø. for Havnen, med to Bassiner og 5—6 F. Vand, og Nørre-Kaas Baadehavn, mod N., med en 8 F. dyb Inderhavn og en 5—7 F. dyb Yderhavn. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 5 af Byraadets Medlemmer samt en Mand uden for Byraadet. Baadehavnene have egne Bestyrelser, bestaaende af 3 Fiskere for hver, men sortere under Havneudvalget. Havnen ejer ingen rentebærende Kapitaler ud over, hvad der af Kassebeholdningen indsættes i Banken eller Sparekassen; dens Gæld var ved Udg. af 1897 88,588 Kr.; Indtægter af Havne- og Bropenge var i 1897 61,167 Kr. — Paa Havnebakken staar et ottekantet 58 F. højt, 1880 opført Jærntaarn med et rødt, fast Fyr; Flammens Højde 76 F., Lysvidde 3 Mil; paa Yderhavnens vestl. Moles Hoved er der et 28 F. højt Trætaarn, ligeledes med rødt, fast Fyr (Flammens Højde 28 F., Lysvidde 2 Mil); paa Bølgebryderens vestl. Ende er der et fast, hvidt Fyr (Fl. Højde 25 F., Lysvidde 1 Mil); endelig er der to grønne Ledefyr. — Ved Havnen er der 4 Lodser, der baade ere Havne- og Sølodser.

I Rønne findes Bornholms Søassuranceforening, oprettet 1856, der overtager Forsikring af bornholmske Skibe og disses Ladninger mod Søskade; Grundfonden er 200,000 Kr.; de i 1897 tegnede Forsikringer beløb sig til 789,550 Kr. med en Præmieindtægt af 38,761 Kr.

I gejstlig Henseende er, som ovenfor anført, Knudsker Sogn (fra 1606) annekteret til Rønne.

Rønne hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Bornholms Amtstuedistrikt (Amtsforvalteren bor her) og Rønne eller Bornholms sydvestlige Lægedistrikt (Distriktslægen, der tillige er Landfysikus, bor her) og har et Apotek. Den hører til 6. Udskrivningskreds' 1. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 1—6.

Rønne er desuden Bolig for Amtmanden og for Chefen for Bornholms Væbning, der tillige er Kommandant og Udskrivningschef.

Ved Rønne Toldsted er ansat en Toldoppebørselskontrollør og 3 Assistenter; Toldinspektøren for Bornholm bor her. Ved Postvæsenet er ansat en Postmester og en Ekspedient, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer

og 4 Telegrafister. Den undersøiske Telegraftraad (fra Møen) gaar i Land N. for Rønne. Ved det private Bornholms Telefonselskab, der har Hovedstation i Rønne (opr. 1888—89), staar Rønne i Telefonforbindelse med alle Byerne paa Bornholm.

Rønne staar i daglig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn; i de 4 Vintermaaneder udføres dog kun 6 ugtl. Ture (Aktieselskabet „Dampskibsselskabet af 1866"; Aktiekapital 320,000 Kr.). — Ved kgl. Resol. af $^{8}/_{5}$ 1897 er der givet Bevilling paa Anlægget af en Jærnbane fra Rønne over Aakirkeby til Neksø med Sidespor til Almindingen. Banen er projekteret at blive omtr. 5,5 Mil lang og skal koste 1,064,000 Kr.

---

**Historie.** Rønne (gml. Form *Rothnæ*, *Rotnæby*, *Rotne*, *Rodne*, *Rødne*) er en meget gammel By og var i Middelalderen en ret anselig Handelsplads; alt 1277 kaldtes Vester Herred efter Byen Rotne Herred. Men man har ingen historiske Efterretninger om den fra Middelalderen (1490 udstedte Ærkebisp Jens Brostrup Brev til Indb. i Rotne, som klagede over Ægterne til Hammershus; de skulde fremtidig kun køre „efter gammel Sædvane"), og fra den nyere Tid ere de meget sparsomme. Naar den er bleven Købstad, vides ikke; i Slutn. af 15. Aarh. nævnes den som saadan. Aar 1502, 29. Maj, udfærdigedes af Kardinalerne i Rom 100 Dages Aflad for de bodfærdige, som besøgte Byens Kirke og gav noget til dens Bygning og Prydelse. Byen fik $^{4}/_{12}$ 1562 kgl. Tilladelse til at føre et Vaaben med 3 hvide Torsk i blaat Felt (se S. 17), da Byen „hidtil ikke har haft noget Vaaben, men har brugt et Segl, hvori der staar 3 Fisk". Efter at den S. 17 omtalte Plan om at befæste Byen var opgiven, blev der atter 1744 taget fat paa en Befæstning, men den blev heller ikke til noget; da Havnen udvidedes 1761, anlagdes der N. og S. for den to Batterier til dens Beskyttelse. Byen har flere Gange lidt af Ildebrande, saaledes 1666 og $^{23}/_{6}$ 1760, da 27 Gaarde brændte, ligesom af Pesten; 1618 døde 291, 1654 304 Mennesker.

Rønne Latinskole gaar tilbage til 16. Aarh. (1578 fik Lensmanden paa Bornholm Befaling til at vaage over, at Skolemesteren i Rønne aarl. fik 1 Skilling af hver af Øens Indbyggere til Hjælp til hans Underholdning). Den har dog tidligere været meget lille og hørte til de Skoler, der ikke havde Dimissionsret; if. Forordn. af $^{12}/_{12}$ 1806 indskrænkedes den til „Middelskole", d: Disciplene skulde have den Undervisning, der gaves i de fuldstændige Skolers nederste Klasser; $^{8}/_{5}$ 1818 ophævedes atter denne Bestemmelse, og Skolen fik Dimissionsret; $^{14}/_{4}$ 1852 omdannedes den til en højere Realskole, som dog vedblivende var Statsskole, hvori der gaves Undervisning i Latin og Græsk, saa at Disciplene derfra kunde gaa over til de lærde Skolers Afgangsklasser; senere dannede Lærerne et privat Artiumskursus (med Tilskud fra Stat, Amt og Kommune), der styredes og betragtedes som en Del af Skolen (de første Studenter dimitteredes 1885). Ved Lov af $^{12}/_{5}$ 1892 blev Skolen atter lærd Skole med Dimissionsret. Af Eleverne ere $^{1}/_{3}$ Gratister (se *Hundrup*, om Lærerstanden, i Roskilde Skolepogram 1866).

I Rønne var der 1816—20 et Skolelærerseminarium, medens Laur. Andr. Hjorth var Sognepræst her og selv var Bestyrer af det.

I Rønne ere fødte bl. a. den fra Begivenhederne i 1658 bekendte Jens Pedersen Kofoed 1628, den russiske General Herman Jensen Bohn 1672, Legatstifterinden Etatsraadinde Marie Kofoed 1760, Legatstifteren, Etatsraad H. C. Jacobsen 1767, Prof. P. L. Panum 1821, Dr. jur., Gehejmetatsr. A. H. F. C. Goos 1835, Prof., Dr. med. Jul. Petersen 1840 og Maleren Kr. Zahrtmann 1843.

# Hasle

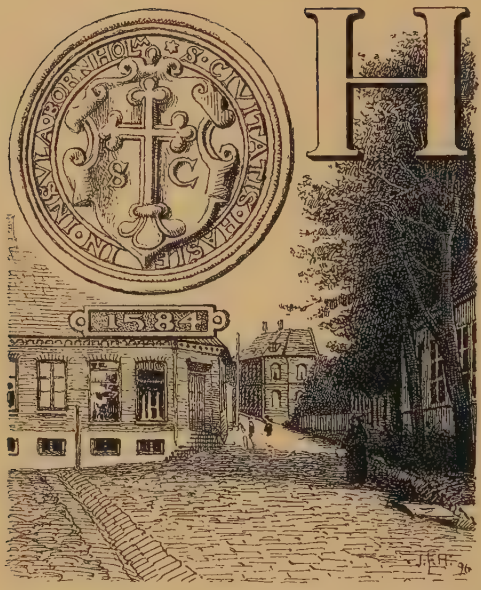

Hasle Købstad ligger i Nørre Herred under 55° 11′ 5″ n. Br. og under 2° 7′ 56″ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende). Byen ligger paa Vestkysten $1^1/_4$ Mil N. for Rønne paa et fladt, men temmelig højt Terræn; Kirken ligger 84 F., $26,_4$ M., over Havet, Raadhuset 54 F., 16 M. Byens Udstrækning fra S. til N. er omtr. 1300 Al., mod S. er den omtr. 1100 Al. bred, mod N. løber den spidst til, her er dens Bredde kun 200 Al. Hovedaaren er Storegade, der mod N. løber ud i Landevejen til Rutsker og mod S. i Landevejen til Rønne. Torvet ved Raadhuset er en Udvidelse af Storegade. De øvrige Gader ere for det meste smaa, snævre og krogede, de fleste Huse ere smaa og i eet Stokværk; intet frembyder Interesse ved Ælde eller Bygningsmaade.

Hasle Købstadsgrund udgjorde Jan. 1897 omtr. $58,_4$ Td. Ld., Markjorderne $312,_6$ Td. Ld. Byen havde ved Udg. af 1897 20 Gader og Stræder samt 1 Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 266 (Efteraar 1897 var der i alt 285, deraf paa Byens Grund 265). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byen med tilhørende Markjorder var 1896 371 Td. Ld.; deraf vare besaaede 210, Afgræsning, Brak og Eng 83, Have 20, Skov 2, Byggegrunde og Veje 56 Td. Det saml. Hartkorn for Byen og Markjorderne var $^1/_1$ 1895 $33,_5$ Td. bornh. ($23,_1$ Td. alm.), hvoraf $26,_2$ hørte til 14 Gaarde, af hvilke 11 dreves fra Byen. og 7 Td. til 34 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_8$ 1897 1,072,604 Kr. (Antal af Forsikringer 293).

Med Hasle Købstads Kommune er ved Resol. af $^{11}/_3$ 1850 forenet et **Landdistrikt**, bestaaende af Klemensker Strandmark, der tidligere hørte til Klemensker Sogn. Landdistriktet, der næsten helt opfattes som en Del af Købstaden og tager Del i Valget af Byraadets Medlemmer, men som dog i verdslig Henseende hører under Nørre Hrd., havde 1896 et Fladeindhold af 364 Td. Ld., hvoraf 34 vare besaaede, 18 vare Græsning osv., 114 bevokset, 185 ubevokset Skovareal og 31 Byggegrunde og Veje.

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken**, der ligger højt (se S. 26), er en temmelig uanselig, hvidtet Bygning, der bestaar af Skib og Kor ud i eet med tresidet, uregelmæssig Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den oprindelige Kirke er vistnok fra 15. Aarh. og er opført af Kamp uden Taarn og Vaabenhus og med Bjælkeloft. Det senere opførte Taarn har en firkantet Overdel af Bindingsværk med et sort Spir. Kirken er fra 1847 dækket med en fladbuet Tøndehvælving af Brædder og har nye, store Vinduer og Døre; Vaabenhuset er 1883 opført af Mursten efter Tegning af Etatsraad Herholdt i Stedet for det gamle Bindingsværks Vaabenhus, paa hvis Gavl Aarstallene 1567 og 1749 stode; 1887 anbragtes en Indgangsdør i vestl. Gavl. Altertavlen, fra Midten af 15. Aarh., er et rigt malet og forgyldt Billedskærer-

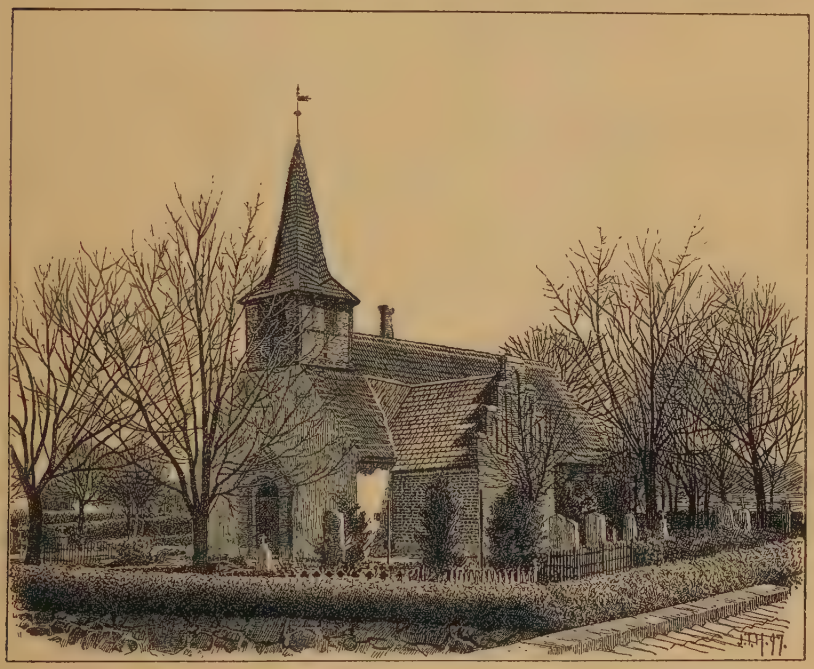

Hasle Kirke.

arbejde med Fløje og Fremstillinger af Lidelseshistorien; i Midten den korsfæstede, Maria og Johannes; to svævende Engle med Kalke opfange Herrens Blod (under Kirkens Restauration 1847 bleve Tavlens to yderste Fløje ved en Reparation i Kbh. borttagne og de derpaa værende beskadigede Malerier for en Del ødelagte; nogle skulle dog findes bevarede i Nationalmuseet). Prædikestolen er et middelmaadigt Billedskærerarbejde fra 17. Aarh.; Døbefonten er af Kalksten i Bægerform, Skaalen er prydet med trebladede, gotiske Buer. Orgelet er fra 1870. Den ældste Klokke er fra 1443; paa den anden findes et langt Vers. — Paa den smukke Kirkegaard, der omgiver Kirken, findes en omtr. 1850 fra Klemensker Sogn indflyttet Runesten, „Marevadsstenen“, hvis Indskrift lyder: „Aulakr lod rejse Sten denne efter Sasur Fader sin, en god Bonde, Gud hjælpe Sjæl hans, og St. Michael“.

Kirken, hvis Sognepræst tillige er Sognepræst til Rutsker, og som ejer sig selv, har en Kapital paa 216 Kr. og 8 Td. Ld. af Værdi 4400 Kr.; dens Gæld er 2154 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset** for Hasle og Nørre Herred, paa Torvet ved Storegade, er opført 1855 af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af Brandkapt. D. J. Nielsen. I Stuen findes Forligskommissionens Lokale, der tillige benyttes af Ligningskommissionen, og et Rum til Byens Sprøjte, paa 1. Sal er Retslokalet, der tillige benyttes til Byraadets Møder; i det tilbyggede Arresthus er der Plads til 7 Arrestanter i 4 Enkelt- og 1 Fællescelle.

**Borger-** og **Friskolen**, i Kirkegade, opført i eet Stokværk, er indviet 1853, udvidet 1895 med et andet Stokværk; den har 6 Klasser, 3 Lærere og 1 Lærerinde; $^1/_7$ 1897 var Elevernes Antal 161. I Nærheden ligger Lærerboligen. Paa Skolen drives af Byens Haandværker- og Industriforening en teknisk Skole. Desuden er der to Privatskoler med i alt 35 Elever.

**Fattighuset**, ved Grønnegade, har Plads for 5 Lemmer. — **Marie Kofoeds Arbejdshus**, i Kirkegade, stiftet $^2/_{12}$ 1812 af Etatsraadinde M. Kofoed († 1838) med 4500 Rd. til Driften af et Arbejdshus, er 1880 omdannet til en Lemmestiftelse, hvori 11 Lemmer have fri Bolig og Brændsel samt en lille Pengeunderstøttelse; Stiftelsen ejer en Legatkapital af omtr. 15,550 Kr. samt omtr. 6000 Kr.

I Storegade ligger **Posthuset** og **Telegrafstationen** samt **Toldkammeret**. I Kirkegade ligger et Forsamlingshus, opf. 1885, i Julegade to Missionshuse, Luthersk Missionsforenings og Evang.-luthersk Missionsforenings, opførte 1885 og 1896.

S. for Byen paa „Hasle Frihed" ligger Eksercerpladsen, der dog ikke benyttes mere, og Ammunitions- og Krudthuset (under Bornholms Arsenal i Rønne); endvidere S. herfor den lille Hasle Plantage i Klemensker Strandmark, der slutter sig til Sandflugtskoven, og som Kommunen har købt 1891 (omtr. 102 Td. Ld.). — Hasle er bekendt for sine dybe Brønde.

---

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Feb. 1890 i Byen: 1272; 1801 havde den 513, 1840: 617, 1860: 886, 1880: 1080 Indb. — Landdistriktet (se S. 26) havde s. Aar 74 Indb. (1880: 49).

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden i Byen i 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: 84 levede af immateriel Virksomhed, 548 af Industri, 156 af Handel og Omsætning, 46 af Søfart, 72 af Fiskeri, 151 af Jordbrug, medens 123 fordeltes paa andre Erhverv, 74 levede af deres Midler, 11 nøde Almisse, og 7 hensade i Fængsel. — I Landdistriktet var Fordelingen s. Aar: 60 levede af Industri (Klinker- og Chamottestensfabr.), 4 af Jordbrug, og 10 af andre Erhverv. — Man lægger Mærke til, at Industri, Søfart og Fiskeri indtage en ret betydelig Plads.

Af fremmede Varer, der fortoldedes i 1896, vare de vigtigste: Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 91 Pd., Spirituosa à $8^0$ 25 Vrtl., Kaffe 3715 Pd., Olier 19,187 Pd., Salt 72,915 Pd., Stenkul 5029 Td. og 3,694,814 Pd., Kokes 18,491 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer af alle Slags 10,198 Pd. samt Tømmer og Træ 6824 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frem-

# HASLE.

*Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark. III Udgave.*

*Eftertryk forbydes.*

*Udført af V.F.A. Berggreen*

*Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad.* 1898.

*Axel E. Aamodt's Lith. Etabl.*

bringelser udførtes til Udlandet 1911 Td. Byg, 3353 Td. Kartofler, 8756 Td. Ler og 3,271,070 Stkr. Mursten. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 2136 Td. Kartofler, 8051 Pd. Flæsk, 5898 Pd. fersk Laks, 458 Ol fersk, 3 Td. saltet og 136,433 Pd. røget Sild, 157,000 Stkr. Mursten og 48,725 Pd. Kønrøg.

Ved Udgangen af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 14 Fartøjer og maalte Baade med en saml. Størrelse af 195 Tons, deribl. 1 Dampskib paa $100,_2$ T. og 75 Hestes Kraft. I udenrigsk Fart klareredes for Indgaaende 106 Skibe med 2136 Tons Gods, for Udgaaende 135 Skibe med 4465 Tons Gods. I indenrigsk Fart indkom 167 og udgik 116 Skibe (af hvilke 99 og 92 vare Dampskibe) med henholdsvis 1529 og 1641 T. Gods.

De ordinære Told- og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 4919 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 162 Kr., i alt 5081 Kr. (503 Kr. mere end 1895). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradrag af Godtgørelser, 19,548 Kr. (7636 Kr. mere end i 1895). Det producerede Udbytte var 189,320 Potter, hvoraf 165 udførtes til Udlandet og 67,392 udskibedes til indenlandske Steder uden for Øen.

Det er Torvedag hver Tirsdag og Fredag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: et Bryggeri og Brændevinsbrænderi, 3 Møller, et Jærnstøberi og Maskinfabrik (16 Arbejd.), en Kønrøgsfabrik, en Drittelstavfabrik og, i Landdistriktet, „Hasle Klinker- og Chamottestensfabrik“ (før H. Kulværk), der beskæftiger omtr. 130 Personer og aarl. producerer omtr. $3,_5$ Mill. Stkr. Mursten.

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893 i Byen og paa Markjorderne: 70 Heste, 163 Stkr. Hornkvæg (deraf 120 Køer), 21 Faar, 201 Svin og 6 Geder, i Landdistriktet: 4 Heste, 25 Stkr. Hornkv. (deraf 14 Køer), 6 Faar og 12 Svin.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver, Herredsfoged i Nørre Herred samt Birkedommer i Hammershus Birk. Byraadet bestaar foruden af Formanden (Borgmesteren) af 7 valgte Medlemmer. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse og Regnskabsvæsenet, c) for Fattigvæsenet, d) for Skolevæsenet, e) for Gader, Veje, Vandløb og Brønde.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes af Indtægterne i 1896: Skatter 11,844 (deraf Grundskat 1087, Husskat 473, Formue- og Lejlighedsskat 10,284), Afgifter efter Næringsloven m. m. 636, Tilskud fra Staten til Alderdomsunderstøttelse 856, Indtægt af Aktiver 752 Kr.; af Udgifterne: Bidrag til Stat 620, Bidrag til Amt 2425, Bidr. til Amtsskolefond 15, Byens Bestyrelse 415, Fattigvæsen 2074, Alderdomsunderstøttelse 1796, Skolevæsen 4632, Medicinalvæsen 558, Gader og Veje 273, Gadebelysning 538, Renlighed 80, Brandvæsen 237 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896: i Kapitaler 5726, i Ejendomme, som give Udbytte, 12,800 og i Ejendomme, som ikke give Udbytte, 20,030 Kr. Kommunens Gæld var 10,905 Kr. Skatteprocenten for Afgift paa Formue og Lejlighed var for 1897 5 pCt. Den anslaaede Indtægt var omtr. 266,650 Kr., deraf var skattepligtig Indtægt 188,650 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Skolen, 2 Huse, som benyttes af Fattigvæsenet, beliggende i en Haveplads (1100 □ Al.), en Jordlod, omtr. 1 Td. Ld., og 102 Td. Ld. Skov og uopdyrket Hede.

Byens Politikorps bestaar af 12 Mand, og dets Bestemmelse er at an-

vendes efter Politimesterens Ordre til at opretholde den indre Orden i Byen samt at yde Politimesteren den Medhjælp, som han maatte behøve ud over det daglige. Brandkorpset er ordnet efter et af Justitsmin. udstedt Reglem. af $^{10}/_{7}$ 1869.

**Havnen** er anlagt i 19. Aarh. Byen havde vel tidligere en lille Havn, men den forfaldt saaledes i Tidens Løb, at den ikke engang kunde søges af Fiskerbaade. I Begyndelsen af 19. Aarh. tog man fat paa Anlægget, 1828 var der bygget to Moler, 1834 var Havnens Middeldybde 8 F., dens Størrelse 4000 □ Al.; 1874—77 udvidedes Havnen med betydelige Omkostninger — i hvilke Hasle Kulværk, nu Chamottestensfabrikken, deltog med henved $^{1}/_{3}$ for at faa et Udskibningssted, og der anlagdes en Trækbane fra Værket til Havnen —, saa at der dannedes en Yderhavn, og Dybden blev 12 F.; endelig foretoges der 1892—94 nye store Arbejder: Havnen og Indsejlingsløbet uddybedes til 14 F., en ny Inderhavn anlagdes, en 60 F. lang Mole opførtes, osv. Havnen bestaar nu af 3 Bassiner, tils. omtr. 70,000 □ Al.; Havnepladsens Størrelse er omtr. 35,000 □ Al., Bolværkernes Længde 1315 Al. I Yderhavnens sydl. Hjørne er anlagt en lille Baadehavn med 5 F. Vand. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, som bestaar af Borgmesteren og 4 Medlemmer, hvoraf to kunne vælges uden for Byraadets Midte. Havnens Gæld udgør 178,939 Kr., hvoraf 71,500 fra Staten ere rentefri til 1904 og afdragsfri til 1918. Indtægterne af Havne- og Bropenge ere aarl. omtr. 11,000 Kr. — Paa den vestl. Moles Hoved er der et rødt, fast Fyr (Fl. Højde 20 F., Lysvidde $^{3}/_{4}$ Mil). — Ved Havnen er der to Lodser. — Ved Havnen findes en Redningsstation.

I gejstlig Henseende er Rutsker Sogn forenet med Hasle til eet Pastorat.

Hasle hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskreds, Bornholms Amtstuedistrikt (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistrikt (Allinge). Den hører til 6. Udskrivningskreds' 7. Lægd.

Ved Hasle Toldsted er ansat en Oppebørselskontrollør, ved Postvæsenet en Postmester, der tillige er Telegrafbestyrer. Hasle staar ved Bornholms Telefonselskab (se S. 25) i Telefonforbindelse med de andre Byer paa Øen.

Hasle staar i Dampskibsforbindelse (ved „Det østbornholmske Dampskibsselskab") med Kjøbenhavn og de østbornholmske Byer, om Sommeren 4, om Vinteren 1 à 2 Gange ugentlig.

**Historie.** Hasle er uden Tvivl en meget gammel By ligesom Rønne, da Nørre Herred alt i 13. Aarh. kaldes Haslæ Hrd. Ligesom Rønne nævnes den som Købstad i Slutn. af 15. Aarh. Den har dog altid været en lille By, som led under Rønnes Nærhed; under Chr. IV var der endog i 1624 Tale om at fratage den dens Købstadsprivilegier paa Grund af dens Lidenhed (1569 kaldes Hasle Kirke endnu kun Kapel); 1769 havde den 428 Indb. I de for Øen vigtige Begivenheder 1658, da Hasle kun havde 60 Borgere (1618 døde 138, 1654 131 Mennesker af Pesten), spillede den en væsentlig Rolle, idet nogle af Lederne i Sammensværgelsen mod Printzensköld havde hjemme her, nemlig Sognepræsten Poul Hansen Anker, Borgmesteren Peder Olsen, Byfogden Niels Gomløs (begraven i Hasle Kirke) og Jens Pedersen Kofoed.

Jens Madsen Kofoed, der formentlig gjordes til Frimand, en Mellemstilling mellem Bonde og Adelsmand, af Ærkebispen Birger Gunnersen $^{14}/_{6}$ 1514 (se Hist. Tidsskr. 5. R., IV S. 701 fl.), er født i Hasle 1481; ligesaa den østerrigske Generalfelttøjmester Poul Mortensen Bohn 1697.

# Allinge-Sandvig

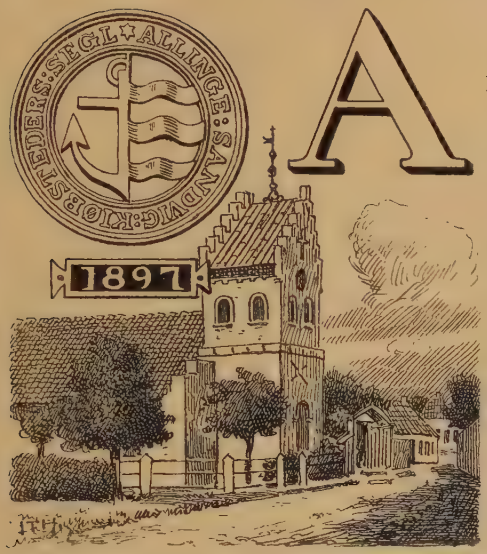


Allinge-Sandvig Købstæder, der udgøre een Kommune, ligge i Nørre Herred under 55° 16′ 33″ n. B. og under 2° 13′ 39″ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende). Byerne ligge smukt paa Bornholms Nordøstkyst, Allinge omtr. $^1/_2$ Mil fra Hammerens Spids, Sandvig omtr. $^1/_4$ Mil N. V. for Allinge. *Allinge* ligger paa et jævnt skraanende Terræn; det højeste Punkt er ved Kirken, 35 F., 11 M. Byen er lejret langs Kysten i en Længde af omtr. 1800 Al., Bredden er mellem 300 og 800 Al. Hovedaaren er fra S. til N.: Søndergade, Skolegade og Nørregade, der fører til Vejen til Sandvig; fra Nærheden af Havnen føre Vestergade og Nygade til Vejen til Rønne. *Sandvig* ligger paa et af Klippen mere gennembrudt Terræn; højeste Punkt er ved Skolen, 40 F., 12,$_5$ M. Dens Udstrækning fra S. Ø. til N. V. er omtr. 800 Al. Hovedgaderne ere Storegade og Vestergade, der føre til Vejen til Hammershus. Husene i begge Byer ere for det meste i eet Stokværk, mange med Haver, og gøre sig ikke bemærkede ved Ælde eller Bygningsmaade.

Allinge havde ved Udg. af 1897 25 Gader og Stræder, Sandvig 15. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 348, deraf i Allinge 262 (ved Udg. af 1897 var der 447, deraf i Allinge 316). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byerne med Markjorder var 1896 720 Td. Ld., deraf vare besaaede 371, Græsning, Brak og Eng 173, Kær og Fælleder 9, Have 21, Skov 17, Heder 5, Stenmarker 80, Byggegrunde og Veje 45 Td. Det saml. Hartkorn for Byerne og Markjorderne var $^1/_1$ 1895 77,$_8$ Td. bornh. (53,$_6$ Td. alm.); deraf hørte 70,$_5$ Td. til 29 Gaarde, hvoraf 25 dreves fra Købstæderne, og 6,$_6$ til 53 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^{31}/_{12}$ 1897 for Allinge 1,373,339, for Sandvig 380,659 Kr. (Antal af Forsikringer henholdsvis 314 og 128).

Med Allinge-Sandvig Kommune er forenet et **Landdistrikt** (tidligere var det forenet med Olsker Sogn), som bestaar af Øens Nordspids med Hammeren og Slotslyngen, og som mod S. begrænses af Olsker og Rutsker Sogne. Landdistriktets Fladeindhold udgjorde 1896 1011 Td. Ld., hvoraf 116 vare besaaede, 50 Græsning, Brak og Eng, 3 Have, 341 Skovareal (75 ubevoksede), 70 Heder, 401 Stenmarker, 10 Byggegrunde og Veje og 20 Søer og Damme (Hammer Sø). Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 24,$_4$

Td. bornh. ($16,_8$ Td. alm.), hvoraf $20,_2$ hørte til 3 Gaarde, $2,_5$ til 51 Huse. Een Gaard, Hammersholm (tidligere kaldet Hammershus Slots Ladegaard eller Slotsvangegaard), havde $17^3/_8$ Td. bornh. Hrtk. (12 Td. alm.), 242 Td. Ld., hvoraf 10 vare Eng, 68 Skov, 4 Gaardsplads og Have, Resten Ager. Landdistriktet har Kommunalvæsen fælles med Købstæderne, og et af Beboerne valgt Medlem har Sæde i Byraadet. Se i øvrigt om Distriktet S. 36.

---

Af Byernes **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken** (se Vignetten S. 31), i Allinge paa en Plads ved Sønder- og Skolegade, bestaar af Skib og Kor, et Tværskib og Taarn mod V. Den oprindelige Kirke, vistnok fra omtr. 1500, bestod af det af utilhuggen Kamp, med Indfatninger af Mursten, opførte Skib; senere tilføjedes et lavt Taarn, hvis nederste Del var af Kamp, den øvre Del af Bindingsværk, og et Vaabenhus mod S.; Loftet var en fladbuet Tøndehvælving af Brædder; 1865 ombyggedes det 25 Al. høje Taarns øverste Del (Bindingsværket) med takkede Murstensgavle. Aar 1892 restaureredes Kirken efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup, ved hvilken Lejlighed Tværskibet og Koret, begge af gule Mursten, opførtes, Vaabenhuset nedreves, og Kirken blev dækket af et smukt, malet Træloft i middelalderlig Stil. Kirken er nu lys og rummelig; Koret skilles fra Skibet ved en rund Bue og gør et ejendommeligt Indtryk med sin forgyldte Altertavle, der er prydet med Vinløv i Relief, med Jesu Navnetræk og et Krucifiks af Egetræ, det sidste udført af Billedhugger Fjeldskov 1866; den gule Baggrund i Alternichen og de med gult Glas forsynede Sidevinduer give Koret en gylden Glans (den ældre Altertavle, fra den senere Renæssancetid, hænger nu i Taarnet). Den udskaarne Prædikestol med Fred. III's Navnetræk fandtes ved sidste Restauration i Stykker til Dels indmuret under og bag ved det gamle Alterbord; Døbefonten er ny og af Kamp med en Himmel fra Renæssancetiden. I Loftet hænger en Lysekrone med Lübecks Vaaben; i nordl. Korsarm et gammelt, forgyldt Krucifiks. I Kirken er begravet den lybske Foged Junker Blasius v. Wickede, † 1547, hvis Ligsten nu findes i Taarnrummet, hvor der ogsaa ligger en Ligsten over den næste Foged Herm. Boitins Barn, † 1556. En Tavle minder om Chr. V's Besøg i Kirken Pinsedag 1687, en anden om Pesten 1618 og 1654. I Kirken hang der indtil Midten af 19. Aarh. en Mindetavle over den tyske Adelsmand Philip Schønaich (den afdøde saas knælende for Christus), der druknede $^2/_7$ 1577 paa en Rejse til Sverige; Tavlen afhændedes 1860 til Familien. Den ene Klokke er uden Indskrift. — Paa den gamle Kirkegaard omkring Kirken staar en smuk Runesten, „Kongevejstenen", med Indskrift: „Brune og hans Brødre lode rejse (Stenen) efter Thurlak, Fader deres, og Esker, Broder deres". Den nye Kirkegaard, anlagt 1864, ligger mod V. uden for Byen.

Ved Kirken, som ejer sig selv, er ansat en Sognepræst, som tillige er Præst i Olsker Sogn (han bor i St. Ols Præstegaard). Kirken ejer intet og havde $^1/_1$ 1897 en Gæld paa 15,905 Kr.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset**, i Allinge ved Kirken, er opført 1881 af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup; det indeholder bl. a. i Stuen to Arrester og Bolig for Arrestforvareren, paa 1. Sal Retslokalet, der tillige er Byraadets Mødesal. Det gamle Ting- og Arrest-

# ALLINGE.

Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark: III Udgave

Eftertryk forbydes.

Udført af V.F.A.Berggreen. Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad 1898. Axel E.Aamodt's lith.Etabl:

100 50 0 1 2 300 Meter

100 50 0 1 2 3 4 500 Alen

hus, i Sandvig ved Havnen, bruges til Forsamlingslokale, Sprøjte- og Materialhus.

Kommunen har to Skoler (indtil 1857 kun een i Allinge). **Allinge Borgerskole**, i Skolegade, er opført 1890 af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af M. Bidstrup; 1897 er tilbygget en ny Skolebygning; Borgerskolen har 6 Lærere og Lærerinder, 10 Klasser (4 Klasseværelser) og 1. Jan. 1898 282 Elever. **Borgerskolen i Sandvig**, i Storegade, er opført 1893 af Grundmur i eet Stokværk efter Tegn. af M. Bidstrup; den har 3 Lærere og Lærerinder, 3 Klasseværelser og $^1/_1$ 1898 187 Elever. Desuden har Kommunen en **teknisk Skole**, i Allinge i Nørregade, opført af Grundmur i to Stokværk med et lille Spir efter Tegn. af M. Bidstrup (54 Elever), og to Privatskoler, hvoraf den ene er Realskole (med Lokale paa Raadhuset) med 2 Lærere og 30 Elever.

**Fattighuset**, i Allinge i Nærheden af Nørregade, er opført 1857; det har Plads for 16 Lemmer. — **Posthuset** med **Telegrafstationen** og **Toldkammeret** ligger i Allinge ved Havnen. — Helt mod N. i Allinge ved Nørregade ligger **Ammunitionshuset** (under Bornholms Arsenal).

Allinge har 3 Missionshuse, Luthersk Missionshus, opf. 1875, Evang.-luthersk Missionshus, opf. 1895, og Menighedshjemmet, opf. 1889. Sandvig har et Baptistkapel, opf. 1892, og et Missionshus (Menighedshjemmet), opf. 1894.

Allinge og Sandvig ere meget søgte som Sommeropholdssteder, hvorfra der let foretages Udflugter til Øens smukke Punkter paa Nordlandet.

---

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Febr. 1890 i Allinge-Sandvig 1838, deraf i Allinge 1423, i Sandvig 415 (1801 havde Byerne 585, deraf Allinge 337, Sandvig 248, 1840: 784, 1860: 878, 1880: 1425 Indb.); $^1/_3$ 1896 havde de 2287 Indb., deraf Allinge 1604 og Sandvig 683. — Landdistriktet havde 1890 69 Indb. (1860: 40, 1880: 31), $^1/_3$ 1896 274.

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden i Byerne i 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: I Allinge levede 57 af immateriel Virksomhed, 774 af Industri, 152 af Handel og Omsætning, 67 af Søfart, 30 af Fiskeri, 125 af Jordbrug, 2 af Gartneri, medens 119 fordeltes paa andre Erhverv, 20 nøde Almisse, og 77 levede af deres Midler; i Sandvig: 10 af immat. Virksomh., 233 af Industri, 22 af Handel, 59 af Fiskeri, 55 af Jordbrug, 6 af deres Midler og 30 af andre Erhv. — I Landdistriktet levede 17 af immat. Virksomh., 10 af Industri og 42 af Jordbrug. — Som man ser, ere Byerne i betydelig Fremgang i de sidste Aartier; det er særlig Granitbruddene, der ere Grund til den store Stigen af Indbyggertallet. Søfart og Fiskeri ere vigtige Erhverv.

Af fremmede Varer, der fortoldedes 1896, vare de vigtigste: Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 1303 Pd., Vin 664 Pd., andre Spirituosa à 8° 26 Vrtlr., Kaffe 3055 Pd., Olier 1372 Pd., Salt 84,304 Pd., Sukker 3916 Pd., Stenkul 3,385,200 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer af alle Slags 76,426 Pd. samt Tømmer og Træ 264 Clstr. og 8639 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 276 Pd.

fersk Laks, 24,282 Pd. røget Sild, 20,580 Kbfd. raa Granitsten, 16,379 Kbfd. tilhuggen Granitsten, 227,250 Kbfd. Brosten, 53,064 Kbfd. Skærver og 17,386 Td. Grus. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 3635 Pd. fersk Laks, 497 Ol fersk og 435,415 Pd. røget Sild, 5305 Kbfd. raa Granitsten, 41,831 Kbfd. tilhuggen Granitsten og 4000 Kbfd. Brosten.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 15 Fartøjer og maalte Baade med en samlet Størrelse af 365,4 Tons samt 60 ikke maalte Baade. I udenrigsk Fart klareredes for Indgaaende 230 Skibe med 2516 T. Gods, for Udgaaende 229 Skibe med 15,490 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 289 og udgik 256 Skibe med henholdsvis 2580 og 7725 T. Gods.

De ordinære Told- og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 8164 og Krigsskatten af Vareindførselen 131, i alt 8295 Kr. (1129 Kr. mere end i 1895). Brændevinsbrænderier drives ikke.

Det er Torvedag hver Fredag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 2 Damp- Sav- og Høvleværker, 4 Stenhuggerier i Granit (tils. omtr. 200 Arbejdere), 1 Teglbrænderi (omtr. 10 Arbejd.), 1 Kalkbrænderi, 2 Møller, 1 Bryggeri, 1 Fællesmejeri, flere Fiskerøgerier og, i Landdistriktet paa Hammeren, „Bornholms Granitværk", et 1892 stiftet tysk Aktieselskab med et dansk Bestyrelsesraad (Aktiekapital omtr. 900,000 Kr.), der beskæftiger omtr. 350 Arbejdere, og som har anlagt „Hammerhavnen" i Sænebugten (se S. 39).

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893 i Allinge-Sandvig med Markjorder: 107 Heste, 295 Stkr. Hornkvæg (deraf 224 Køer), 22 Faar, 198 Svin og 2 Geder; i Landdistriktet: 21 Heste, 68 Stkr. Hornkv. (deraf 39 Køer), 64 Faar, 27 Svin og 2 Geder.

Allinge-Sandvig har ikke nogen Byfoged, men Øvrigheden bestaar af Birkedommeren i Hammershus Birk (tillige Byfoged i Hasle og Herredsfoged i Nørre Hrd.), hvortil Byerne og deres Landdistrikt høre. Kommunen bestyres af et Byraad, der bestaar af en Borgmester og 7 valgte Medlemmer samt et Medlem for Landdistriktet. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Havnevæsenet, b) for Fattigvæsenet, c) for Skolevæsenet, d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Tilsyn med Plejebørn, f) for Gader og Veje, g) for Raadhuset, h) for Gadebelysningen, i) for Legaterne. Desuden er der en Skole-, Bygnings-, Sundheds- og Karantænekommission m. m.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes af Indtægterne i 1896: Skatter 21,536 Kr. (deraf Grundskat 413, Husskat 737, Formue- og Lejlighedsskat 18,295, Bidrag fra Landdistriktet 2091), Afgifter efter Næringsloven 1261, Tilskud fra Staten til Alderdomsunderstøttelse 876, Indtægt af Aktiver 2832 Kr.; af Udgifterne: Bidrag til Stat 291, Bidr. til Amt 3646, Bidr. til Amtsskolefond 20, Byens Bestyrelse 1527, Fattigvæsen 2187, Alderdomsunderstøttelse 1895, Skolevæsen 9159, Rets- og Politivæsen 677, Gader og Veje 1558, Gadebelysning 240, Kirken 900 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896: i Kapitaler 75,273 og i Ejendomme, som ikke give Udbytte, 63,000 Kr.; dens Gæld var 139,026 Kr. For 1898 er Skatteprocenten for Afgiften paa Formue og Lejlighed $7^{1}/_{2}$ pCt. Den skattepligtige Indtægt er 288,100 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Raadhuset, Borgerskolerne og Fattighuset.

# SANDVIG.

Trap. Beskrivelse af Kongeriget Danmark, III Udgave. Efterrepte Forbogstr.

Udført af V.F.A. Berggreen. Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad. 1898. Axel E. Aamodt's lith. Etabl.


100 50 0 1 2 300 Meter

100 50 0 1 2 3 4 500 Alen

Kommunens Politikorps bestaar af 3 Politibetjente og et borgerligt Politikorps paa 20 Mand, Brandkorpset af 60 Mand med en Brandinspektør.

I Allinge-Sandvig er der en Filial af Bornholms Spare- og Laanekasse i Rønne.

**Havneforhold.** Købstæderne have hver sin Havn; begge ere anlagte i 19. Aarh. I Sandvig begyndte man 1831 at anlægge en egentlig Havn, men Arbejdet opgaves nogle Aar efter, da Storm gentagne Gange ødelagde, hvad der var gjort. Allinges Havn var indtil 1856 en ganske lille Baadehavn med kun 6 F. Vand. Da anlagdes Havnen 1857—62 ved ihærdigt og opofrende Arbejde fra Befolkningens Side; den blev sprængt ud i Klippen og kom til at bestaa af en omtr. 6000 □ Al. stor Yderhavn med $10^1/_2$ til 13 F. Dybde og en omtr. 4000 □ Al. stor Inderhavn, der dannedes ved Udvidelse af den gamle Baadehavn, med $10^1/_2$ til 12 F. Dybde. Mellem de to Havne er der en Port, der bestaar af to, paa Centrumsstolper hvilende, udad buede Halvporte, hvilket gør det muligt for Skibene at ligge i Inderhavnen selv under Paalandsstorm. Under Stormfloden Nov. 1872 ødelagdes aldeles den ydre Mole, og de indstyrtede Stenmasser gjorde Havnen utilgængelig; først 1876 kunde den atter aabnes for Skibe med 10 F.'s Dybgaaende. Dybden er nu i Yderhavnen 12, i Inderhavnen 11 F.; Bolværkernes Længde er omtr. 985 F., Havnepladsens Størrelse omtr. 20,000 □ Al. Naar Skibe kunne søge Havnen, tændes paa den nordl. Mole en rød Lanterne (Fl. Højde 10 F.). Ved Havnen findes private Lodser, der lodse ind og ud af Havnen. Sandvig har kun en, nu noget forfalden Baadehavn med 5—6 F. Vand, der er vanskelig tilgængelig; Havnepladsen er meget stor, omtr. 10,000 □ Al. — Havnene bestyres hver for sig af et af Byraadet nedsat Udvalg, der bestaar af Borgmesteren og 4 valgte Medlemmer, hvoraf to kunne vælges uden for Byraadet. Allinge Havnekasse ejede ved Udg. af 1897 39,000 Kr. i Kontanter og havde en Gæld af 98,549 Kr.; Indtægter af Havne- og Bropenge aarl. er omtr. 11,500 Kr. Sandvig Havnekasse ejer intet og har en Gæld af omtr. 4000 Kr.; dens aarl. Indtægt er omtr. 100 Kr. — Ved Allinge Havn er en Redningsstation.

I gejstlig Henseende er Allinge-Sandvig forenet med Olsker til eet Pastorat.

Allinge-Sandvig hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskreds, Bornholms Amtstuedistrikt (Rønne) og det nordøstl. Lægedistrikt (Distriktslægen bor i Allinge). Kommunen hører til 6. Udskrivningskreds' 8. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 7—13.

Ved Allinge-Sandvig Toldsted er ansat en Toldoppebørselskontrollør og 4 Toldassistenter, af hvilke en bor i Allinge, en ved Hammerhavnen, en i Fiskerlejet Tejn og en i Fiskerlejet Vang. Toldoppebørselskontrolløren er tillige ansat som Postekspeditør og Telegrafbestyrer. Allinge-Sandvig staar i Telefonforbindelse (ved Bornholms Telefonselskab) med de andre Byer paa Øen.

Allinge staar ved det østbornholmske Selskabs Skibe i Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Hasle og de andre østbornholmske Byer.

**Historie.** Allinge (gml. Form *Alandt* og *Alende*) og Sandvig (et Navn, der uden Tvivl hentyder til den sandede Vig, hvorved Byen ligger) have været Fiskerlejer helt op til vor Tid; endnu 1767 kaldes de i Danske Atl. (III S. 204) Fiskerlejer, der ikke have Købstadsfrihed, „om og de af nogle anses for Købstæder, fordi der handles, lades og losses, saa og haves siden Anno 1708 et Borger-Compagnie". Om de i det hele formelt have faaet Købstadsrettigheder, er uvist; i det mindste siges der 1810 (Thaarup, Kort Oversigt over B. Amt, S. 113): „Allinge og Sandvigs Købstadsrettighed har først i de senere Tider været indirekte tilstaaet ...., i ældre Anordninger om Købstæderne, f. Eks. Reskr. af $^{10}/_{11}$ 1741 og $^{5}/_{6}$ 1744, nævnes disse Byer ikke". I Middelalderen og senere have de haft nogen Betydning som Færgesteder til Skaane. Aar 1769 havde Allinge 301, Sandvig 217 Indb. Først 1897 fik Kommunen Vaaben*). — Aar 1618 døde 126, 1654 102 Mennesker af Pesten i Allinge-Sandvig.

Det var ved Allinge, at de svenske gjorde Forsøg paa at generobre Øen $^{4}/_{7}$ 1659, men bleve slaaede tilbage (se S. 15). — I Allinge har Peter den store op-

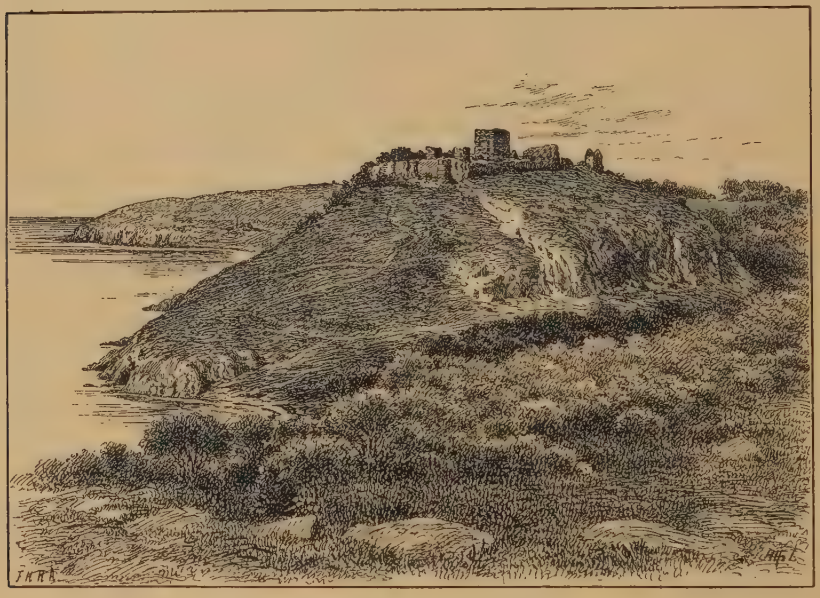

Hammershus set fra Slotslyngen.

holdt sig 20.—21. Aug. 1716. Der opsloges en Lejr S. for Byen for 3—400 syge, som bragtes i Land fra hans Flaade, og omtr. 2 Uger senere indskibedes de paa en russisk Flaade i Sænebugten.

---

I **Allinge-Sandvig Landdistrikt** (se S. 31) bestaar *Hammeren* af flere, ved dybe Dale adskilte Bjærgknolde. Den højeste af disse Knolde er *Stejlebjærg*, 268 F., 84 M., som falder stejlt af mod S. V., men temmelig jævnt mod N. Ø. En Del af Stejlebjærg er *Ørnebjærg*, paa hvilket, omtr. 400 F. Nord for Stejlebjærg, *Hammerens Fyrtaarn* er opført 1871, 247 F., 77,5 M., over Havet. Det er et hvidt Blinkfyr; Granittaarnet er 66 F.,

*) Under Forarbejderne til denne nye Udgave af nærværende Værk henvendte Redaktionen sig til Byraadet med Henstilling om, at det vilde skaffe Kommunen et Vaaben; dette blev komponeret og tegnet af Arkivar A. Thiset og fik ministeriel Approbation $^{22}/_{4}$ 1897 (se Vignetten S. 31).

Hammershus, set fra Stejlebjærg, med Hammerhavnen.

Flammens Højde 290 F., Lysvidden $5^1/_2$ Mil; ved Fyret var der indtil 1895 et Taagesignal; der er Skibssignalstation og meteorologisk Station. (Det tidligere Stenkuls- eller Blusfyr laa paa Stejlebjærg; 1851 afløstes det af

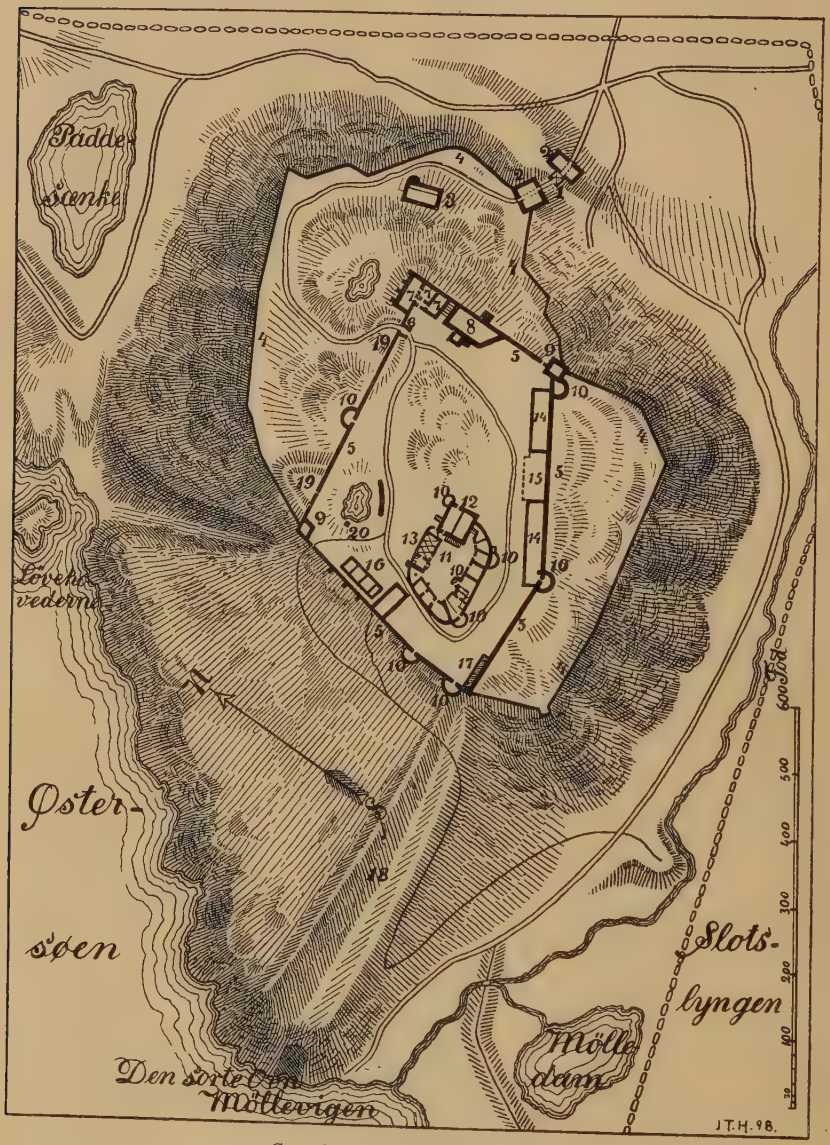


Grundplan af Hammershus.

et Lampefyr). N. Ø. for Ørnebjærg ligger *Hjortebjærg* og Ø. for Stejlebjærg *Langebjærg*. Mellem Stejle-. Hjorte- og Langebjærg er lejret i en dyb Dalsænkning den henved 20 Td. Ld. store, langagtige *Hammer Sø*

(omtr. 2000 F. lang, 42 F. dyb; Overfladen er 26 F. over Havet. Planer om at omdanne Søen til Havn ved at sætte den i Forbindelse med Havet til begge Sider, have været drøftede i de sidste 200 Aar). Tæt S. for Søen paa det lange, skovbevoksede Bakkedrag *Galgebakkerne* er der 1887 opført et Hotel („Blanchs H.") paa en tidligere Parcel af Gaarden Hammersholm. N. for Ørnebjærg sænker Granitmassen sig til en Lavning med en Flyvesandsstrækning, „*Sandhammeren*", hvor den skærfulde Kyst danner en lille naturlig Havn, „*Kragkaas Havn*", i hvis Nærhed Ruinerne af *Salomons Kapel* (se ndfr.) findes. Yderst mod N. ligger *Hammeroddens Fyrtaarn*, opf. 1895, 41 F. o. H.; hvidt Blinkfyr; 38 F. højt, hvidt, firkantet Taarn, Flammens Højde 66 F., Lysvidden $3^1/_4$ Mil. Ved Fyret er Taagesignal (Dynamitskud). S. for Stejlebjærg ligger den imponerende, 237 F., $74,_4$ M., høje Klippeknude *Hammershus Slotsbanke*, der paa de tre Sider ind mod Land er omgiven af dybe Dale — jævnest er Affaldet mod Ø., hvor Adgangen til Banken er — og paa den fjerde ud til Havet har stejle Klipper,

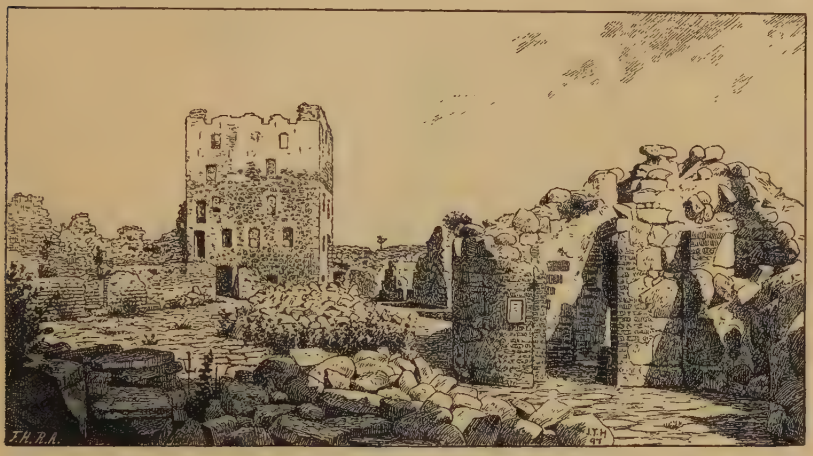

Ruinerne af Slotsgaarden med Manteltaarnet i Baggrunden og Kirken til venstre.

der næsten umuliggøre enhver Landgang, og som er rig paa interessante Formationer; paa Toppen rage de storartede *Hammershus Ruiner* i Vejret (se ndfr.), og lige uden for Slotsterrænet ligge Opsynsmandens Bolig samt *Hotel Hammershus* og et Pensionat for Sommergæster. S. for denne Banke og skilt fra den ved en Sænkning, hvori Møllebækken løber ud til Møllevigen, breder sig *Slotslyngen*, der mod S. Ø. begrænses af den smukke *Finnedal*. Mellem Stejlebjærg og Hammershus Slotsbanke trænger *Sænebugten* ind, mellem hvilken og Hammer Sø det S. 34 omtalte Aktieselskab „Bornholms Granitværk" har sine mange Bygninger. Stenværket, der har købt de tilgrænsende Arealer af Allinge-Sandvig Kommune, arbejder med en for Beskueren sørgelig Vandalisme paa at ødelægge den smukke, storslaaede Natur; langs Bakkeskraaningerne ligge Klippemasserne sprængte og nedstyrtede — for at omdannes til Brosten og Skærver! I Sænebugten har Aktieselskabet 1891—92 anlagt en Havn, „*Hammerhavnen*" (efter Ingeniørerne Bergs, Nohrs og Paullis Plan). Havnen dannes af to Stenmoler, der indeslutte et Vandareal af 5 à 6 Td. Ld.; Dybden er omtr. 15 F. yderst ved

Molerne og aftager jævnt ind i Bugten; paa Banken Ø. for Havnen er der to røde Lanterner (Flammens Højde 30 og 60 F.). — S. for Hammer Sø ligger den smukke, af Skovpartier omgivne Gaard *Hammersholm* (se S. 32), der før var Ladegaard til Hammershus, men 1744 solgtes for 1275 Rd. C.

Skønt Sagnet har nævnt Valdemar I som den, der har opført **Hammershus** 1159 som et Værn mod Venderne, har dette dog ingen Sinde fundet Bekræftelse i Historien, og det er vel hævet over al Tvivl, at Slottet først er bygget af Lunds Ærkebisp ved Midten af 13. Aarh. under Stridighederne mellem Kirken og Kongen, saaledes som det alt er omtalt S. 13, paa hvilket Sted ogsaa Slottets vekslende Skæbne i de næste Aar er berørt. Efter at de kongelige Tropper vare blevne slaaede paa Øen 1259, besatte Ærkebispens Broder Andreas Erlandsen Hammershus. Det indtoges vel af Kongen 1265, men 1276 blev det atter tillige med Øen overgivet til Ærkebispen. Under de følgende Aars Stridigheder var Borgen et sikkert Tilflugtssted saavel for

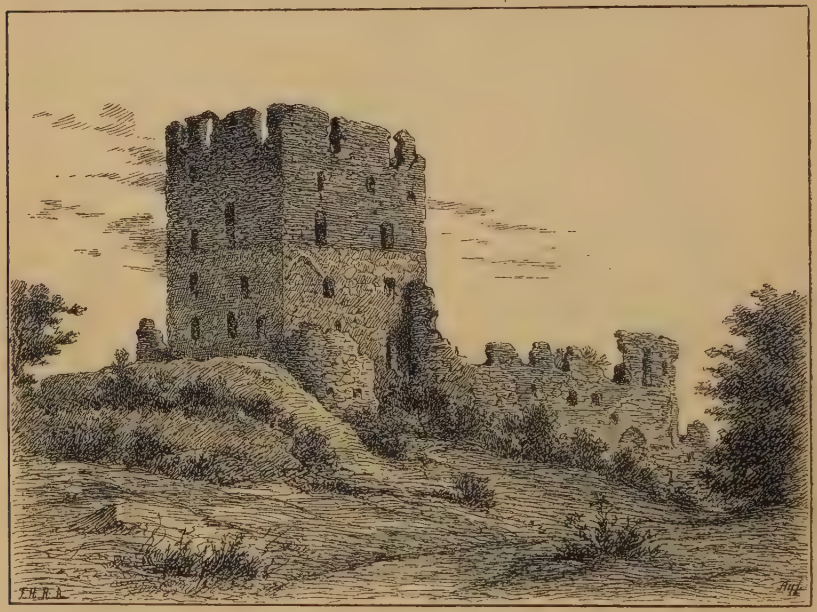

Manteltaarnet.

Ærkebispen som for hans Forbundsfæller, Kongemorderne. Da Jens Grand 1294 undkom fra Fængslet i Søborg, søgte han først hertil, inden han drog til Rom. Ogsaa den næste Ærkebisp Esger Juul havde sit sikre Tilhold her. Vel maatte han ved Forliget i Helsingborg 1314 forpligte sig til ikke at vælge nogen Høvedsmand paa Hammershus uden Kongens Samtykke og heller ikke yde fredløse Mænd Ly paa Slottet; men 1317 flygtede han efter Bruddet med Kongen til Hammershus, hvor han samlede en Hær og mange fredløse, ligesom han herfra satte Kongen i Band. Sidst paa Aaret maatte dog Ærkebispen forlade Bornholm og flygte til Pommern og derfra til Sverige, hvorefter Kongens Marsk Ludv. Albertsen (Eberstein) indtog Hammershus 1319; ved Forliget i Roskilde 1321 gav dog Chrf. II det tilbage til Esger Juul. Et Par Aar efter sluttede Ludv. Albertsen sig til Ærkebispen, men det lykkedes Kongens Marsk Peder Vendelbo at indtage Hammershus 1325 efter 16 Maaneders Belejring; 1326 kom det atter ind under Ærkebispestolen, og det forblev nu i dens Besiddelse indtil 1522 (med Undtagelse af en lille Tid under Vald. Atterdag, se S. 14). Af Høvedsmænd og Landfogeder i denne Periode kunne nævnes Hr. Jep Jensen (Galen) 1345, Hr. Jep Splid 1361, Hans Uf 1378, Aage Nielsen (Sparre) 1424—34, Hans Brostrup 1484 og 1493, Christiern van Hafn 1497 og Niels Jepsen

(Bryske) 1522. — Ogsaa Slottets Skæbne under Lübeckernes Regimente og de svenske Krige i 17. Aarh. er bleven berørt S. 14. Da Lübeckerne 1522 indtoge Borgen og nedsablede Besætningen, befriede de den fynske Biskop Jens Andersen Beldenak, som Kongen havde sat som Fange her, og førte ham med til Lübeck. Af de lybske Fogeder paa Slottet 1525—76, nemlig Berent Knop, Blasius v. Wickede, Herman Boitin, Schweder Kettingk og Kurt Hartingk, ere den første og næstsidste omtalte S. 14. Efter 1576 fik Slottet atter danske Befalingsmænd; men dets Velmagtsdage vare nu egentlig forbi, og det begyndte snart efter at forfalde. Aar 1592 omtaler Regeringen det som meget brøstfældigt; 1645 blev det efter en Eftermiddags Beskydning besat af de svenske under General Wrangel, og da Printzensköld overtog Kommandoen 1658, beskrev han det som meget forfaldent, „da det i mange Aar ikke var blevet istandsat eller holdt med Tag; det var næsten ubeboeligt, og han maatte udbedre Ringmurene med Tørv". Som Fæstning havde det efter den Tid ikke mere Betydning, især efter at Christiansø fra 1684 var bleven omdannet til en fast Plads, og det forfaldt snart helt. Efter en Afbildning hos Thurah fra 1736 laa en stor Del af Bygningerne alt da i Ruiner; dog var det store Taarn, Kirken og Kommandantboligen endnu under Tag. Fra 1742 begyndte en saa at sige systematisk Nedbrydning af Resterne;

Løvehovederne ved Hammeren.

en Del af Stenene lod Regeringen 1743 føre til Rønne for at tjene til Hovedvagtsbygningens Opførelse, og Ruinerne brugtes i mange Aar til at hente Sten fra af Omegnens Beboere. En Afbildning fra 1754 hos Thurah viser Slottet helt som Ruin uden Tag. Endelig sattes der en Stopper for videre Ødelæggelse ved kgl. Resol. af $^{21}/_{4}$ 1822, hvorved Hammershus fredlystes. — Slottet er ofte blevet benyttet som Statsfængsel. Foruden den ovennævnte Bisp Jens Andersen have saaledes Korfits Ulfeldt og Leonora Christine siddet her Juli 1660—Dec. 1661, ligeledes den fra Griffenfeldts Proces bekendte Lic. jur. Otto Mauritius 1678—82 og den teol. Forfatter og Alkymist Joh. Conr. Dippel („Christianus Democritus") 1719—25.

Hammershus, over hvilket man har det bedste Overblik fra Slotslyngen, er Danmarks største og mest imponerende Borgruin, og kan godt taale Sammenligning med de interessanteste middelalderlige Ruiner i Udlandet. Skønt Ruinerne, som nævnt ovenfor, alt bleve fredlyste 1822, er det dog først i de senere Aar, at Nationalmuseet med større Kraft har søgt saa vidt muligt at standse Tidens Ødelæggelse ved en Restauration af de brøstfældige Steder. Adgangen til det store Bygningskompleks sker fra Ø. ad Slotsbroen (1), der hviler paa tre Buer, to større og en mindre; tidligere var kun den ene større af disse Buer synlig, først Rydningsarbejdet i 1897 har bragt de andre for Dagen. Paa hver Side af Broen har der været Porthuse (2), af hvilke dog kun Grunden til det indre kan spores, medens det ydre helt er

forsvundet. Det indre Porthus ligger i den ydre, meget gamle Ringmur (4), der i en Længde af omtr. 1200 Al. har omgivet Borgen, og som nu til Dels er ødelagt; saaledes er den mod S. helt nedfalden. Dernæst kommer den indre, mægtige Fæstningsmur (5), der især mod Nord og Vest endnu er ret anselig; ud mod Havet mod Vest, hvor den falder sammen med Ringmuren, er den indtil 15 Al. høj. I Fæstningsmuren findes to firkantede (9) og fem halvrunde Taarne eller „Runddele“ (10), de sidste saavel som to Voldtrekanter (19) udvendig paa Muren. Af de firkantede Taarne er det sydøstlige endnu godt bevaret med spidse Gavle (det er dette, som med Urette er blevet kaldt Ulfeldts Taarn); af det nordvestlige firkantede Taarn staar kun Grunden. Af „Runddelene“ er særlig den paa Nordmuren godt vedligeholdt. Langs Fæstningsmuren, paa dens indre Side, ligge flere Bygninger, nemlig paa Østsiden, lige inden for den paa Nordmuren anbragte Slotsport (6), tre Hvælvinger (7), hvis Bestemmelse man ikke kender, og hvoraf den nordl. ikke er udgravet, og lige op til dem den 4 Stokværk høje Magasinbygning (8), hvis østlige, mægtige Mur staar endnu, støttet af en udvendig, svær Stræbepille (det var her, at Landets Skatteydelser in natura opbevaredes); endvidere ligge ved Sydmuren Staldbygningen (14 og 15) samt ved Vestmuren Grunden til Vicekommandantboligen (16), den sidste større Bygning, der opførtes paa Slottet. I Fæstningsmurens sydvestlige Hjørne er der en Løngang (17) med to, nu tilmurede Udgange i S. og V.; den sidste førte til Løbegraven (18), som gaar ned mod Havet. I den sydvestlige Del af Borgpladsen ligger det egentlige Slot, som indeslutter den indre Slotsgaard (11), der danner en aflang, uregelmæssig Firkant, og som ogsaa er omgiven af Mure med tre udvendige „Runddele“ (10). Det er navnlig denne Slotsgaard og det omgivende Bygningskompleks — der hidtil var opfyldt med et mægtigt Lag af Jord og Sten og overgroet med Træer —, der have været Genstand for Museets Udgravninger i de sidste Aar. Slotsgaarden fandtes brolagt dels med Kampesten, dels med Cementsten fra Limensgade. I det nordøstlige Hjørne staar den mest imponerende Bygningsrest, det 6 Stokværk høje Manteltaarn (12) — ogsaa kaldet „Lübeckertaarnet“, fordi det blev restaureret af Schweder Kettingk (se S. 14) —, der i sin Tid har været Bolig for Ærkebisperne og senere for de lybske Fogeder; nu staar det uden Tag og med den øverste Del af Murene til Dels brøstfældig; af den ovennævnte Tegning hos Thurah fra 1736 ses, at det har haft tvedelt Tag, omtr. som Aa Kirke; under Bygningen findes to dybe Kælderrum, og oppe i Bygningen, der har haft 4 Rum i hvert

Den vaade Ovn.

Stokværk, findes Levninger af Mellemmurene m. m. Mod N. ligger Kirkefløjen (13), der udgravedes 1893. Kirken har været omtr. 44 F. lang, 21 F. bred og 14 F. høj; dens Kampestensmure vare indvendig beklædte med Mursten; Gulvet var belagt med Mursten, og man fandt Underpartierne af tre Hvælvinger, der hvilede paa 4 Hjørne- og 4 Sidepiller (de styrtede ned i Slutn. af 18. Aarh.); Kalkpudsen viste Spor af farvet Dekoration; ved Udgravningen fandtes enkelte Mønter, de ældste fra Beg. af 14. Aarh. Over Kirken har der været en stor Sal, „Kongesalen", hvor Corfits Ulfeldt og Leonora Christine have siddet fangne (efter et mislykket Forsøg paa Flugt fik de Plads i Manteltaarnet i særskilte Fangerum). Den nederste Del af den udækkede Gaardstrappe, som førte op til Kongesalen, ses endnu bevaret langs Manteltaarnets Vestside. Den vestl. og sydl. Fløj have indeholdt Smedien, ved hvis Udgravning der fremkom tydelige Vidnesbyrd om dens Anvendelse, og Kasernen; fra det nederste Stokværk i Kasernefløjen, der har indeholdt en Række Rum, kom man gennem et lille, rundt Taarn paa Bygningens Inderside (10) ad en Vindeltrappe med Granittrin op til det øvre Stokværk. Endnu maa omtales et større Udgravningsarbejde fra de sidste Aar, nemlig af den Bygning (3), hvor i gammel Tid Hammershus Broting holdtes: det er en firkantet Bygning med en halvrund Støttepille i det nordøstlige Hjørne, beliggende nærved den ydre Ringmur og ved Opkørselen til Slottet, hvilken man endnu kan se har været brolagt. Saavel Ring- og Fæstningsmuren som alle Bygningerne ere opførte af Kamp og Mursten; Kampestensmurene ere ofte beklædte med Mursten. Paa Borgpladsen inden for Fæstningsmuren laa en stensat, nu for-

Salomons Kapel.

svunden Brønd (20). Fæstningens Havnebro, der var bygget af Birkestammer og Sten, laa i Sænebugten, hvor Hammerhavnen nu er anlagt; 1891 fandt man ved Anlægget Rester af den gamle Bro. Fæstningens Kirkegaard kan endnu paavises mellem Sandvigvejen og Hammersholms Have, ligesom der V. for Hammersholm findes betydelige Løbegrave, anlagte af de svenske 1645. (Til Dels Medd. fra Nationalmuseet).

Af Slotsbankens Omgivelser, der ere meget naturskønne, mærkes de frodigt bevoksede Dale, der ligge ved dens Fod, den lille Klippekløft Paradisdalen mod S. og Mosesøen Ankermyre mod Ø. Af de interessante Formationer ud til Havet mærkes Løvehovederne, til hvilke man har Udsigt fra det nordvestl., firkantede Taarns Grund (se S. 42), og de to mægtige Sten Studene samt den vaade Ovn, en omtr. 120 F. dyb og 40 F. høj Grotte med glatte Vægge, i hvilken man med østl. Vind kan sejle ind med Baad, og under Slotsruinen den tørre eller sorte Ovn, der dog er langt mindre end den første. Ved det nordl. Affald af Slotsbanken ligger en Sænkning med den næsten udtørrede Sø Paddesænke, oprindelig frembragt ved Opdæmning.

Salomons Kapel (se S. 39) er en Ruin, hvis stærkt forfaldne Mure, der ere af utilhuggen Kamp og Mursten, vise, at Skibet har været omtr. 43 F. langt og 23 F. bredt; desuden ses et firkantet Vaabenhus, hvis spidsbuede Døraabning endnu er ret godt bevaret. I det nordvestlige Hjørne af Kirkegaardsgærdet, der endnu kan forfølges, lige ved Stranden, er der en Kilde, Salomons Kilde, der tidligere har været en Helsekilde, og som vel er Anledningen til Kapellets Opførelse. I en Beretning fra 1624 hedder det, at deri „tilforn er holden Prædiken for Fiskerne"; efter en anden, tvivlsom Beretning blev Bjælkeloftet nedbrudt 1648, da Birkefogeden i Sandvig fik

Lov til at benytte Materialet, ligesom den mindste Klokke i Allinge Kirke skal hidrøre fra Kapellet.

Paa Galgebakkerne, hvor der tidligere har staaet en Del Bautastene, af hvilke nu kun een er tilbage, ligger det 1887 opførte Blanchs Hotel, omgivet af smukke Have- og Parkanlæg (i disse den oven for omtalte Bautasten).

Nogle af de mærkeligste bornholmske Helleristninger findes i Allinge-Sandvig Landdistrikt. Paa en Klippeflade N. V. for Allinge ses tre Grupper, den ene indeholdende en Skibsfigur og nogle skaalformede Fordybninger, den anden omtr. 35 skaalformede Fordybninger og den tredje 10 Skibsfigurer, 7 Fodsaalfigurer, et Hjul og henved 125 skaalformede Fordybninger. Tæt S. herfor har der paa en Klippeflade været 5 Skibsfigurer og en raat udhuggen Menneskefigur, og paa en anden Klippe saas 11 Skibsfigurer; disse to Flader ere nu bortsprængte.

---

# Svaneke

Svaneke Købstad ligger i Øster Herred under $55^0$ 8′ 3″ n. B. og under $2^0$ 34′ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende) paa Øens østligste Punkt. Byen ligger meget smukt paa og omkring tre Klippehøjder, fra hvilke Terrænet falder terrasseformigt ned til Havet, hvor den skærfulde Kyst danner to smaa Bugter, „Vigen“ (bornh. Væjen), mellem de to Odder Møllenakke og Vagtbodnakke, og „Hoppekrogen“, mellem sidstnævnte og Hullenakke. Den ved Vigen lavtliggende Del af Byen kaldes ogsaa „Vigen“, og den sydl., ligeledes lavtliggende Del kaldes „Hullet“. Fra Højderne er der en smuk Udsigt ned over Byen og Kysten. Ud for Raadhuset er der 49 F., $15,_4$ M., ved Kirkens vestl. Ende 58 F., $18,_2$ M., over Havet. Afstanden fra Rønne er omtr. $3^3/_4$, fra Neksø 1 og fra Aakirkeby 2 Mil. Byen breder sig over et i Forhold til Indbyggertallet meget stort Areal, idet Købstadsgrunden fra S. til N. V. er omtr. 3200 Al. lang (dog er Strækningen mod N. V. næsten slet ikke og den sydl. Del slet ikke bebygget), en Følge af, at de for det meste med Smaahaver omgivne Huse til Dels ligge spredte mellem den frembrydende Klippegrund. Byen er derfor ogsaa uregelmæssig bygget med en Del krumme og snævre Gader, der ikke ere brolagte, da Underlaget er Klippegrund, men belagte med Grus. Kun

# SV

Udført af V.F.A.Berggreen

Forlagt af U

100 50 0 1 2

Eftertryk forbydes.

Axel E. Aarnodts lith: Etabl.

er G.E.C.Gad.

50 0 1 2 3 4 500 Alen.

faa af Gaderne have Navne. Storegade fører fra Havnen mod V. til Landevejen til Rønne; mod S. gaar Vejen til Aarsdale, mod N. til Listed. Husene ere for det meste i eet Stokværk, uden noget Særpræg; gamle, interessante Bygninger findes ikke.

Svaneke Købstadsgrund udgjorde ved Udgangen af 1897 omtr. 152 Td. Ld., Markjorderne 262 Td. Ld., og Byen havde 45 Gader og Stræder og 1 Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 312 (Okt. 1897 var der i alt 383, hvoraf 4 paa Markjorderne). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byen med tilhørende Markjorder var 1895 382 Td. Ld.; deraf vare besaaede 139, Afgræsning, Høslæt, Brak, Eng osv. 68, Have 31, Skov 35, Stenmarker 65 og Veje og Byggegrunde 44 Td. Det saml. Hartkorn for Byen og Markjorderne var $^1/_1$ 1895 $44,_3$ bornh. Td. ($30,_5$ Td. alm.); der var 14 Gaarde med tils. $34,_2$ Td. Hrtk., af hvilke 12 dreves fra Ejendomme i Byen, samt 25 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_6$ 1897 1,094,300 Kr. (Antal af Forsikringer 350).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken**, beliggende i den sydl. Del, er til Dels ombygget og fuldstændig fornyet udvendig samt udvidet 1880 efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup; den bestaar af Skib med Apsis mod Ø. og Taarn mod V. og er bygget af Kamp og Mursten. Vinduerne ere rundbuede. Kirken er dækket af et tresidet Træloft. Det lave, firkantede Taarn er forneden af Kamp, medens Overdelen er Bindingsværk, over hvilket der hæver sig et spaantækket Spir, paa hvis Top ses en Fløj med en Svane; i Forhallen under Taarnet er der Indgang fra N.; over Skibets Østgavl er der en lille Tagrytter. Altertavlen er et Maleri fra 1882 (Christus og Synderinden); Prædikestolen er et middelmaadigt Billedskærerarbejde fra 1685; Døbefont af Træ. I Kirken hænger en smuk Malmlysekrone fra 1673, skænket af Poul Kofoed og Magdalene Margrethe Heslers Datter; i Forhallen hænger en Mindetavle om Chr. V's Besøg 1687 og to Tavler med Navnene paa Kirkens Præster fra 1529. — Paa Kirkegaarden, der omgiver Kirken, og paa hvilken der 1892 er opført et Kapel, staar ved den nordl. Indgang en Runesten (tidligere i Vaabenhuset). „Gyldens Aa Stenen", med Indskriften: „Bufe lod rejse (Sten) efter Aukil Fader sin. Gud og Christ hjælpe (hans) Sjæl". Paa Kirkegaarden en Ligsten, der tidligere har ligget over Landsdommer Ancher Müller, † 1716, og Hustru.

Kirken, der ejer sig selv, har en Kapital paa 700 Kr. og to Bankaktier; i aarl. Arvefæsteafgift betales til Kirken $9^1/_2$ Td. Byg og $9,_{20}$ Kr.; dens Gæld er 1300 Kr.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset**, paa Storegade, er opført for Svaneke og Øster Herred 1858 af Grundmur i 2 Stokværk efter Tegn. af Brandkapt. D. J. Nielsen. Bygningen indeholder en Tingstue, et Værelse, der benyttes til Udvalg og af Forligskommissionen m. m., en Byraadssal, 3 Enkelt- og 1 Dobbeltarrest samt Bolig for Arrestforvareren.

**Borgerskolen**, nær ved Torvet, med to betalende Realklasser, er opført i Slutn. af 18. Aarh. i 1 Stokværk; den har 6 Klasser, 3 Lærere og 1

Lærerinde; ved Beg. af 1898 var Elevernes Antal 164. En **teknisk Skole**, mod N. Ø. i Byen, er opført 1890 (fra Stedet vid Udsigt over Byen og Omegnen). — I 1890 er der stiftet et Legat („Fru Math. Carlsens Legat") til Opførelsen af en Haandgerningsskole for fattige Pigebørn.

**Fattighuset**, mod N., har Plads for 6 gamle fattige. **Sygehuset** (Arbejdsgaarden), mod S. ved Vejen til Aarsdale, har Plads til 5 Patienter, der ikke lide af smitsomme Sygdomme.

**Posthuset** og **Telegrafstationen** ligger ved Havnen, **Toldboden** ved Havnen, **Krudt- og Materialhuset** (under Bornholms Arsenal) mod N. Ø.

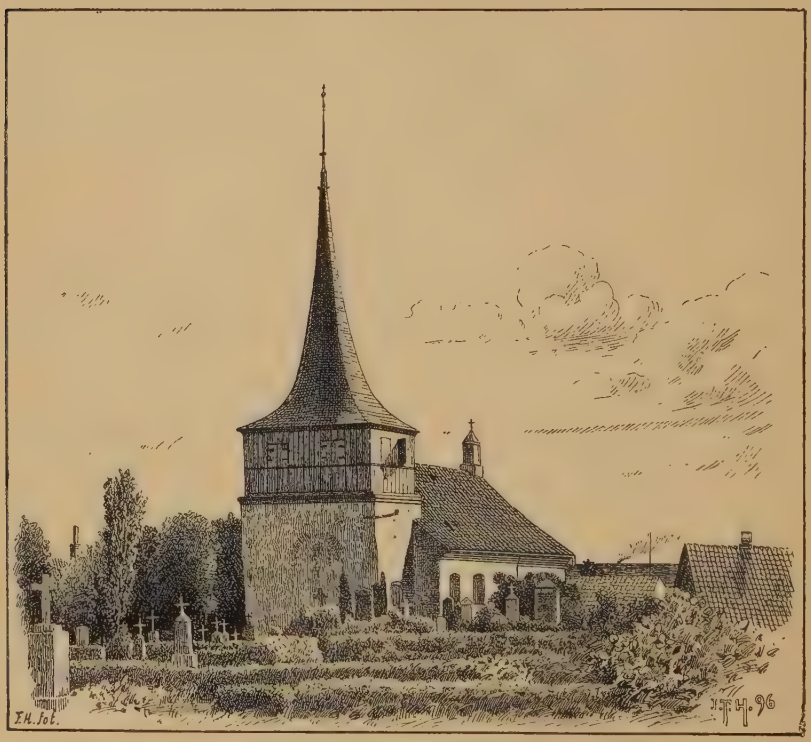

Svaneke Kirke.

ude paa Vagtbodnakke. Nær ved tekn. Skole ligger et 1893 opført Missionshus (Baptistkap.), ved Kirken et 1897 opf. Indre Missionshus, „Siloam".

Ved Byen er der to offentlige Lystanlæg, et mod N. og et mod S. — For Filologen *J. N. Madvig*, der er født i Svaneke $^{7}/_{8}$ 1804, er der ved den vestl. Indkørsel til Byen ved Østergade 1874 rejst ved Subskription fra hele Bornholm et Mindesmærke, bestaaende af en af Bissen udført Broncebuste paa en Granitstøtte (se Vignetten S. 44). — I Hotel „Østersøens" Have staar et Morbærtræ, der skal være det største paa Øen, og i Købmand Holsts Have et usædvanlig stort Valnødtræ.

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Feb. 1890: 1318; 1801 havde den 663, 1840: 893, 1860: 1065, 1880: 1250 Indb.

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden i 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: 85 levede af immateriel Virksomhed, 443 af Industri, 199 af Handel og Omsætning, 63 af Søfart, 202 af Fiskeri, 84 af Jordbrug, medens 124 fordeltes paa andre Erhverv, 28 nøde Almisse, og 90 levede af deres Midler. — Fiskeriet og Søfarten have en Del Betydning. Forholdsvis mange leve af deres Midler, da Byen staar i Ry som behageligt Opholdssted for Aftægtsfolk.

Af fremmede Varer, der fortoldedes i 1896, vare de vigtigste: Bomulds- og Linnedgarn 2762 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturer i øvrigt 1412 Pd., Kaffe 11,864 Pd., Salt 156,863 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 21,428 Pd., Stenkul 3595 Td. og 1,925,594 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer af alle Slags 125,577 Pd. samt Tømmer og Træ 105 Clstr. og 15,720 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 8086 Ol fersk og 100,660 Pd. røget Sild. Til indenl. Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 11,198 Pd. fersk Laks, 2128 Ol fersk og 276,126 Pd. røget Sild samt 4522 Kbfd. tilhuggen Granit og 7806 Td. Grus.

Ved Udgangen af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 63 Fartøjer og maalte Baade med en saml. Størrelse af 1099 Tons, deraf 2 Dampskibe tils. paa 522 T. og med 93 Hestes Kr. I udenrigsk Fart klareredes for Indgaaende 144 Skibe med 3004 og for Udgaaende 123 Skibe med 330 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 144 og udgik 159 Skibe, (hvoraf 101 og 94 Dampsk.) med henholdsvis 2187 og 2708 T. Gods.

De ordinære Told- og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 8390 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 567 Kr., ialt 8957 Kr. (172 Kr. mere end i 1895).

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: et Savværk, et Dampspinderi, 2 Baadebyggerier, et Garveri, 5 Silderøgerier, et Stenhuggeri, et Bryggeri og 3 Møller.

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893: 62 Heste, 150 Stkr. Hornkvæg (deraf 117 Køer), 26 Faar og 82 Svin.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Øster Herred med Christiansø. Byraadet bestaar, foruden af Borgmesteren, af 9 valgte Medlemmer. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, c) for Fattigvæsenet, d) for Skolevæsenet, e) for Gade- og Vejvæsenet, f) for Belysningen, g) for Lystanlæggene, h) for Udmarkerne, i) for Alderdomsunderstøttelse, k) for de kommunale Valg.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes af Indtægterne: Skatter 11,445 Kr. (deraf Grundskat 811, Husskat 489, Formue- og Lejlighedsskat 10,145), Afgifter efter Næringsloven m. m. 680, Tilskud fra Staten til Alderdomsunderstøttelse 1769, Indtægt af Aktiver 1571 Kr.; af Udgifterne: Bidr. til Stat 216, Bidr. til Amt 2547, Bidr. til Amtsskolefond 15, Byens Bestyrelse 627, Fattigvæsen 1645, Alderdomsunderstøttelse 4072, Skolevæsen 4641, Rets- og Politivæsen 45, Gader og Veje 2306, Gadebelysning 152, Renlighed 85 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 33,969 og i faste Ejendomme, som ikke give Udbytte, 9900 Kr.; den havde ingen

Gæld. For Aaret 1898 er Skatteprocenten for Afgiften paa Formue og Lejlighed $1_{,1}$ pCt. Den anslaaede Indtægt er 332,200 Kr., deraf er skattepligtig Indtægt 187,500 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere Raadhuset, Borgerskolen, Fattighuset og et Sprøjtehus.

Byens Politikorps bestaar af 1 Formand og 10 Mand, som have at give Møde og fungere efter Politimesterens Ordre. Brandkorpset bestaar af 1 Brandinspektør, 1 Assistent, 2 Brandmestre og for hver af de 3 Sprøjter 1 Sprøjtemester, 2 Straalemestre og 10—16 Mand.

I Sparekassen for Svaneke og Omegn (opr. $^1/_4$ 1895) var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehavende 1,087,306 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 68,795 Kr., Antal af Konti 1672.

**Havnen.** Byen havde i ældre Tid en ret god Havn; men ved Beg. af 19. Aarh. var den saa at sige helt ødelagt paa Grund af manglende Tilsyn. Da begyndte man, navnlig ved Købmand Jeppe Holsts Bestræbelser, omtr. 1810 at anlægge en ny Havn, som man sprængte ud i Klippegrunden; 1816 var der $5—7^1/_2$ F. Vand; omtr. 1850 uddybedes den sydlige Del, 1866 havde Havnen en Dybde af omtr. 12 F. Da maatte man, efter at Havnen var bleven saa godt som ødelagt ved Stormfloden Nov. 1872, atter tage fat paa Arbejdet, som fuldendtes 1877 med en Bekostning af 240,000 Kr. Havnen bestaar af en Forhavn, der kun kan benyttes af Baade (tidligere Baadehavn var Frennehavn S. for Sandkaas Odde), en Yderhavn med $11^1/_2$ og en Inderhavn med 12 F. Vand. Mellem Yder- og Inderhavnen er der en Port (fornyet i 1895), hvorved Rulning i Inderhavnen kan forhindres. Molerne ere alle af Granit. Havnen er vanskelig tilgængelig ved østl. og nordøstl. Storme, hvilket formentlig skyldes den forandrede Retning, der ved Ombygningen gaves den ydre Mole. Med Paalandsstorm kan Skummet staa indtil 100 F. i Vejret og føres langt ind i Byen. Havnens Størrelse er omtr. 15,000, Havnepladsens 20,000 □ Al.; Bolværkernes Længde er i Yderhavnen 190, i Inderhavnen 335 F. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 Byraadsmedlemmer. Havnen ejede i Efteraaret 1897 i Kapitaler 4583 og i faste Ejendomme, Inventar m. m. 4700 Kr.; dens Gæld var 153,332 Kr., hvoraf 82,000 skyldtes til Statskassen, 70,828 til Amtet og 504 til Byfogedkontoret. Den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 12,500 Kr. — Ved Havnen er der Redningsstation. Fra Havnen besørges pr. Baad Postforbindelsen med Christiansø.

I gejstlig Hens. har Svaneke til Anneks Ibsker, hvor Sognepræsten bor.

Svaneke hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskreds, Bornholms Amtstuedistrikt (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistrikt (Allinge). Den hører til 6. Udskrivningskreds' 14. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 14—19.

Ved Svaneke Toldsted er ansat en Toldoppebørselskontrollør, ved Postvæsenet en Postekspeditør, der tillige er Telegrafbestyrer. Svaneke staar ved Bornholms Telefonselskab (se S. 25) i Forbindelse med de andre Byer paa Øen og ved det østbornholmske Dampskibsselskab i Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Hasle og de andre østbornholmske Byer.

**Historie.** Svaneke (*Svanike*) nævnes ligesom Rønne som Købstad i Slutningen af 15. Aarh. og fik ligesom den sine Privilegier fornyede 1555. Til dens Historie kender man intet. Aar 1610 brændte næsten Halvdelen af Byen; en mindre Ildebrand nævnes $^{24}/_{5}$ 1751; 1658 havde den 70 Borgere, 1769 var Indbyggerantallet 559. Da de svenske under Wrangel $^{9}/_{6}$ 1645 gjorde Landgang ved Malkværnen N. for Neksø, gjorde kun en Del unge Svanekeboere tapper Modstand under Anførsel af Raadmandssønnen Albret Wolfsen, der blev skudt ned og begravet i Svaneke Kirkes Vaabenhus. — Svaneke har haft et Hospital. (Om Byen i 19. Aarh.'s Beg. se *J. N. Madvig*, Livserindringer, Kbh. 1887, S. 24 fl.).

# Neksø

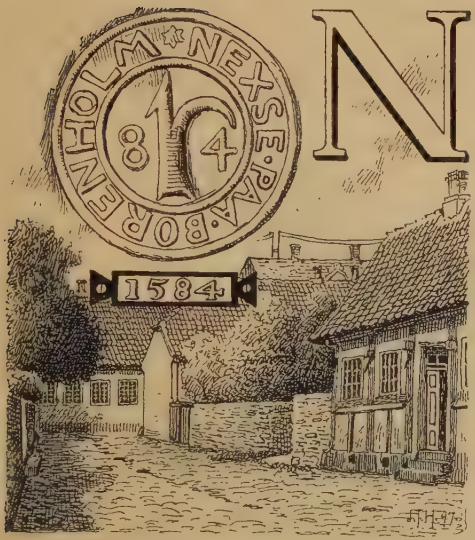


Neksø Købstad, Bornholms næststørste By, ligger i Sønder Herred under 54° 3′ 38″ n. Br. og under 2° 33′ 24″ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende) paa Østkysten paa en flad Kyststrækning, hvis Underlag er Sandsten, og som omtr. $^{1}/_{2}$ Mil S. for Byen gaar over til Sandbund med Klitdannelser. Bygrunden er ogsaa omgiven af lavtliggende Byjorder; men ikke langt mod V. hæver sig en ret betydelig Højdestrækning, der mod N. gaar over i Helvedes- og Paradisbakkerne. Kirken ligger 10 F., 3 M., Teknisk Skole, ved den vestl. Indkørsel til Byen, 26,$_{5}$ F., 8,$_{3}$ M. over Havet. Afstanden fra Svaneke er omtr. 1, fra Rønne $3^{3}/_{4}$ Mil. Byens Udstrækning fra N. til S. er omtr. 2000 Al., dens største Bredde er omtr. 1100 Al. Hovedgaderne ere de fra Havnepladsen mod S. løbende Strandgade og Brogade, hvilken sidste fortsættes i Stormgade, som udmunder i Vejen til Langede By, samt den mod S. V. løbende Havnegade, der fører ud til den nordl. Vej til Rønne; endvidere de mod N. gaaende Nørregade og Hallandsaas, som føre ud til Vejen til Svaneke. Husene ere for det meste i eet Stokværk, og mange ere endnu af Bindingsværk, dog ere ingen særlig gamle. Karakteristisk for Byen ere de omkring Gaardspladser og Haver omhyggeligt opsatte Sandstensgærder (se Vignetten), der delvis ere rejste af Affaldet fra Frederiks Stenbrud.

Byens Købstadsgrund udgjorde Efteraar 1897 1,214,600 □ Al. (omtr. 87 Td. Ld.), Markjorderne 9,548,900 □ Al. (682 Td. Ld.). Byen havde Efteraar 1897 45 Gader og Stræder og 1 Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 502 (Efteraar 1897 var der i alt 548, hvoraf 18 paa Markjorderne). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeind-

hold af Byen med Markjorderne var 1896 769 Td.; deraf vare besaaede 282, Afgræsning, Brak og Eng 227, Kær og Fælleder 62, Have 21, Skov 38, Stenmarker 49, Veje og Byggegrunde 80 og Søer og Damme 9. Det saml. Hartkorn for Byen og Markjorderne var $^1/_1$ 1895 80,$_4$ bornh. Td. (55,$_8$ Td. alm.), hvoraf 64,$_2$ hørte til 22 Gaarde, og af disse dreves 12 fra Byen; desuden 55 Huse med 15,$_1$ Td. Hrtk.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_8$ 1897 1,758,280 Kr. (Antal af Forsikringer 573).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken**, ved Storegade, er en ret anselig, men tarvelig Bygning, der er opført af Kamp og hvidtet. Den bestaar af et Skib uden Kor, et lavt

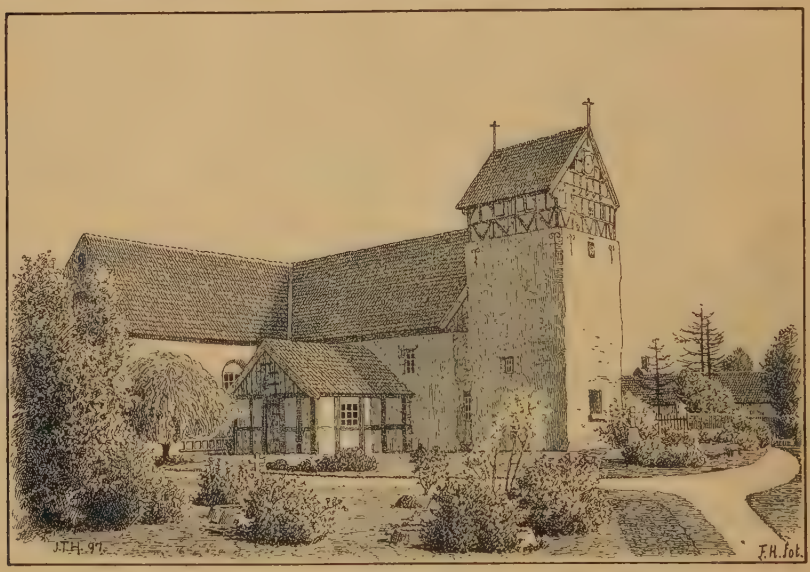

Neksø Kirke.

Taarn mod V., en større Tilbygning mod N. ved Skibets østlige Ende, saa at Kirken har Plan som en ret Vinkel, samt to Vaabenhuse, et mod N. og et mod S., og et lille Sakristi ved Skibets østl. Ende. Kirken har oprindelig været meget lille; 1569 kaldes den kun Kapel; den var indviet til St. Nicolaus; ved en Restauration 1730—31 forhøjedes Murene 4 Al. (paa Pulpituret staar: „Men Kirkens Værge saasom den, der hele Værket gjorde klar, Capitainen Ole Sonne var"). Tilbygningen mod N. er tilføjet 1760 efter en over Bygningens Dør indmuret Sten med Fred. V's Navnetræk og Indskriften: „Kirkens langsom samlet Skat — Haver denne Bygning sat — Kongen hertil Stene gav — Byens Folk hjalp ogsaa brav". Det nordl. Vaabenhus (nu Ligkapel) er af Bindingsværk, ligesom Taarnets øverste Del. Indvendig ere Skibet og Tilbygningen dækkede med gibsede Tøndehvælvinger af Træ. Altertavlen er en af Carl Andersen udført Kopi

# NEKSØ.

*Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark, III Udgave.*

*Eftertryk forbydes.*

*Udført af V.F.A. Berggreen*

*Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad.*
1897.

*Axel E. Aamodt's lith. Etabl.*

100 50 0 1 2 300 Meter

100 50 0 1 2 3 4 500 Alen

af A. Dorphs Maleri i Emauskirken i Kbh. („Kun eet er fornødent"), der er indfattet i en samtidig Ramme (i Taarnrummet hænger den gamle, smagløse Altertavle fra Fred. VI's Tid). Prædikestolen er et tarveligt, fra forskellige Tider sammenstykket Arbejde; Sandstensdøbefont fra 1784. Over Prædikestolen et lille Krucifiks fra meget sen katolsk Tid; i Skibets vestl. Ende et Pulpitur med Orgel. I det sydl. Vaabenhus findes to Trætavler, der minde om Chr. V's Besøg i Maj 1687 og Prins Chr. Fred.'s (Chr. VIII) Besøg med Korvetten Freja i Juli 1824. — Kirkegaarden, der omgiver Kirken, har flere smukke Gravmonumenter af Sandsten.

Kirken, der ejer sig selv, ejer i Kapitaler 7300 Kr. og af Jord $12^{2}/_{7}$ Td. Ld.; dens Gæld er 8700 Kr.

**Ting og Arresthuset**, ved Storegade, med Indskrift: „Ingen maa tage sig selv Ret", er opført 1856 af Grundmur i eet Stokværk og indeholder bl. a. en Sal, der benyttes baade til Retslokale og Byraadsmøder, og et Værelse, der anvendes til Udvalgsmøder, samt 4 Enkelt- og en Fællesarrest. (Det gamle Raadhus, af Bindingsværk med en høj Stenkælder, ligger paa Havnepladsen).

**Borgerskolen**, i Storegade, bestaar af to Bygninger, den gamle i eet Stokværk, og en 1883 opført Bygning i 2 Stokværk, samt en Lærerbolig; Skolen har 7 Klasser, 3 Lærere og 2 Lærerinder; $^{1}/_{7}$ 1897 havde den 262 Elever. **Teknisk Skole**, ved Havnegade ved den vestl. Indkørsel til Byen, er opført 1884 i 2 Stokværk af Haandværker- og Industriforeningen. Forbundne med denne ere en Realskole, oprettet 1885, der har Ret til at afholde alm. Forberedelseseksamen, og i Nærheden Bornholms private Seminarium, oprettet 1896, begge ligeledes tilhørende Haandværker- og Industriforeningen. — Desuden er der et Par Pogeskoler.

**Etatsraadinde Kofoeds Legats Arbejdsgaard**, ved Brogade og Torvet, afgiver billige Boliger for gamle Kvinder og indeholder tillige Varmestuer, hvor fattige Folk kunne arbejde. Desuden er der i Bygningen indrettet Sygehus med Plads til 6 à 7 Patienter. Legatet stiftedes 1812 af Etatsraadinde M. Kofoed med 8500 Rd., Gaarden købtes 1820 for 3500 Rd., og Legatet er nu omtr. 16,530 Kr., hvis Renter anvendes til Arbejdsgaardens Drift, og det bestyres af Byfogden, Sognepræsten, Forligskommissæren og et Byraadsmedlem.

**Posthuset** og **Telegrafstationen**, i Brogade, og **Toldkontoret**, paa Hjørnet af Havnegade og Havnepladsen, ere begge Lejeboliger.

**Methodistkirken „Ebenezer"**, i Smallegade, er opført i 1895 efter Tegn. af Arkitekt Jensen. Desuden er der Frimenighedskapellet „Siloam", i Kirkestræde, opført 1870, Den lutherske Missionsforenings Missionshus, i Havnegade, opf. 1880, Baptisternes Missionshus, i Havnegade, opf. 1889, og Indre Missionsforenings Missionshus, i Nygade, opf. 1897.

V. for Byen ved Vejen til Rønne ligger der et lille offentligt Anlæg, og S. for Byen er der et lignende, beplantet med Gran, ved den tidligere *„Ferskesø"*, der nu er Eng, og hvorigennem der flyder en Bæk.

---

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Febr. 1890: 2322; 1801 havde Byen 1274, 1840: 1408, 1860; 1485, 1880: 1999 Indb.

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden i 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: 139 levede af immateriel Virksomhed, 990 af Industri, 275 af Handel og Omsætning, 199 af Søfart, 213 af Fiskeri, 106 af Jordbrug og 7 af Gartneri, medens 191 fordeltes paa andre Erhverv, 35 nøde Almisse, 1 hensad i Fængsel, og 166 levede af deres Midler. — Byen har ret betydelig Handel med Landboerne. Ved Siden af Handel og Haandværk have Søfart og Fiskeri ikke ringe Betydning.

Af fremmede Varer, der fortoldedes 1896, vare de vigtigste: Bomulds- og Linnedgarn 2005 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturer i øvrigt 1546 Pd., Kaffe 21,262 Pd., Olier 34,369 Pd., Salt 279,355 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 73,877 Pd., Stenkul 7,130,925 Td., Kokes 174,142 Pd., Metaller og Metalvarer af alle Slags 1406 Pd. samt Tømmer og Træ 65 Clstr. og 24,500 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes der til Udlandet bl. a. 3966 Pd. røget Sild, 9180 Kbfd. Brosten og 7030 Td. Formsand; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 7894 Pd. Laks, 46,594 Pd. røget Sild og 13,420 Kbfd. tilhugne Granitsten.

Ved Udgangen af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 38 Fartøjer og maalte Baade med en saml. Størrelse af 1483 Tons, deribl. et Dampskib med 90 T. og 70 Hestes Kraft. I udenrigsk Fart klareredes for Indgaaende 109 Skibe med 4660 Tons Gods, for Udgaaende 125 Skibe med 1484 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 282 og udgik 192 Skibe (deraf 133 og 113 Dampskibe) med henholdsvis 3228 og 2520 T. Gods.

De ordinære Told og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 15,698 Kr. og Krigsskatten paa Vareindførselen 1126 Kr., i alt 16,824 Kr. (3858 Kr. mere end i 1895). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradrag af Godtgørelser, 21,069 Kr. (1900 Kr. mere end i 1895), og det producerede Udbytte var 245,800 Potter, hvoraf 1623 udførtes til Udlandet.

Der er Torvedag hver Fredag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: et Stenhuggeri (omtr. 65 Arbejdere; Stenene tages fra Helledsgaarden ved Helvedesbakkerne), et Jærnstøberi og Maskinværksted (omtr. 30 Arb.), Bornholms Falstagstensfabrik, et Brændevinsbrænderi (Aktieselsk., stiftet 1848), et Ølbryggeri, et Skibs- og Baadebyggeri og 4 Møller. Frederiks Sterbrud (se S. 9) er nu i privat Eje, men har ikke stor Betydning.

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893 i Byen og paa Markjorderne: 83 Heste, 288 Stkr. Hornkvæg (deraf 228 Køer), 13 Faar og 177 Svin.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver saavel i Neksø som i Aakirkeby samt Herredsfoged og Herredsskriver i Sønder Herred. Byraadet bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 9 valgte Medlemmer. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, c) for Fattigvæsenet, d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Skolevæsenet, f) for Brolægnings- og Vejvæsenet, g) for Byens Mose, Træplantning og Udmarker.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes af Indtægterne i 1896: Skatter 20,572 (deraf Grundskat 934, Husskat 1357, Formue- og Lejlighedsskat 18,281), Afgifter efter Næringsloven m. m. 521, Tilskud fra Staten til Alderdomsunderstøttelse 1478, Indtægt af Aktiver 3185 Kr.; af

Udgifterne: Bidr. til Stat 761, Bidr. til Amt 4499, Bidr. til Amtsskolefond 15, Byens Bestyrelse 1735, Fattigvæsen 3791, Alderdomsunderstøttelse 3069, Skolevæsen 6705, Gader og Veje 1131, Gadebelysning 410, Renlighed 165 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896: i Kapitaler 57,338, i Ejendomme, som give Udbytte, 30,500 og i Ejendomme, som ikke give Udbytte, 41,500 Kr. Kommunens Gæld var 28,232 Kr. Skatteprocenten for Afgift paa Formue og Lejlighed var 1898 $6^1/_2$ pCt. Den anslaaede Indtægt var omtr. 479,900 Kr.; deraf var skattepligtig Indtægt 355,745 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Borgerskolens Bygninger, en Degnebolig, nogle mindre Huse og $131^1/_2$ Td. Ld., til Dels beplantede Markjorder.

Tjeneste i Brandkorpset, hvoraf Politikorpset er en Del, er saavel for Befalingsmænd som for menige borgerligt Ombud. Brandkorpset har 4 Sprøjter og et Sugeværk.

I Sparekassen for Neksø og Omegn (opr. $^1/_5$ 1866) var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 1,663,062 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 115,548 Kr., Antal af Konti 2228. — I Byen er der en Assuranceforening for Baadefartøjer.

**Havnen.** Ved Slutn. af 18. Aarh. havde Neksø kun et 2 F. dybt, meget lille Havnebassin, og Byens faa Fartøjer maatte ligge udenfor, fortøjede mellem to Bolværker. Da tog Befolkningen selv fat paa Anlægget af en Havn, som ved 1810 havde en Dybde af 6 F. og derover, men Indløbet var kun mellem 5 og 6 F. dybt; senere gjordes der flere Forbedringer, navnlig ved Opførelsen af nye Bolværker og Indløbets Uddybning til omtr. 7 F. Dernæst anlagdes 1879 under Ledelse af Ingeniør H. Zahrtmann, og med 72,000 Kr. i Tilskud fra Staten, et nyt, i Sandstensgrunden udsprængt Havnebassin N. for det gamle, og i 1891 forlængedes Molerne, ligesom der samtidig byggedes en Tørdok, ligeledes under Ledelse af Zahrtmann (indviet $^{25}/_{11}$ 1892), den første kommunale Tørdok i Danmark; den er sprængt ud af et gammelt Sandstensbrud, har kostet omtr. 30,000 Kr. og kan lukkes med en Pontonport; den kan optage Skibe af 165 F. Længde og 12 F. Dybgaaende. Havnen bestaar nu af den omtr. 8400 □ Al. store gamle Havn med en Dybde af 11 F. og en Bolværkslængde af 460 Al., og den 9760 □ Al. store nye Havn med en Dybde af 14 F. og 430 Al. Bolværkslængde. Havnepladsens Størrelse er omtr. 45,800 □ Al. Desuden ligger der V. for den gamle Havn en Baadehavn med 4 F. Vand. Ved Indløbet til de to Havnebassiner er der Porte, som kunne holde Dønning ude. Udfor Indløbet, med 12 F. Vand, ligger der en omtr. 600 Al. lang Bølgebryder. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg af Byraadet, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 andre Medlemmer, hvoraf de to vælges af Byraadets Midte, de to uden for dette. Havnen ejer i Kapitaler omtr. 25,000 Kr. og i faste Ejendomme, Inventar og lign. andre 25,000 Kr.; dens Gæld er omtr. 270,000 Kr. Indtægter af Havne- og Bropenge er aarlig omtr. 17,700 Kr. Ved Havnen er der to Ledefyr. Der er to Lodser.

I gejstlig Henseende er Bodilsker Sogn forenet med Neksø. Sognepræsten bor i St. Bodils Præstegaard.

Neksø hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskreds, Bornholms Amtstuedistrikt (Rønne) og Øens syd

vestl. Lægedistrikt (Rønne) og har et Apotek. Den hører til 6. Udskrivningskreds' 20. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 20—26.

Ved Neksø Toldsted er ansat en Toldoppebørselskontrollør, ved Postvæsenet en Postmester, der tillige er Telegrafbestyrer. Ved Bornholms Telefonselskab (se S. 25) staar Neksø i Forbindelse med de andre Byer paa Bornholm. Det østbornholmske Dampskibsselskab vedligeholder Forbindelse med Kjøbenhavn, Hasle og de andre østbornholmske Byer. — Den bornholmske Jærnbane (se S. 25) faar Endestation ved Neksø Havn.

**Historie.** Neksø (Nexø) nævnes som Købstad allerede 1451 og fik ligesom Rønne sine Privilegier bekræftede 1555. I Thurah, Beskr. over B., S. 165 og i D. Atl. (III S. 210) fortælles, at de ældste Privilegier for Byen, som kendes, ere givne 1346 af Lunds Ærkebisp Peder. Colbergerne handlede meget paa Bonholm og især i Neksø, hvor de havde et eget Gilde. Ved Lübeckernes Angreb paa Øen 1510 blev Byen afbrændt; ligeledes led den meget ved de svenskes Overfald $^{9}/_{6}$ 1645, da de under Wrangel beskøde og plyndrede den. Under Pesten 1654 døde 413 Mennesker i Byen, 1658 angaves den at have 100 Borgere, 1769 var Indbyggertallet 1172; $^{28}/_{10}$ 1756 hærgedes den af en voldsom Ildebrand. Byen har haft en Latinskole, der dog har været meget ubetydelig (1621 havde den 12 Elever); 1627 blev Forfatteren til Chronica Boringiaca, Rasm. Pedersen Ravn (se S. 16) Rektor ved den. — N. og S. for Byen ligge henholdsvis Skanserne „Jomfruens Batteri" og „Langeskanse".

---

# Aakirkeby

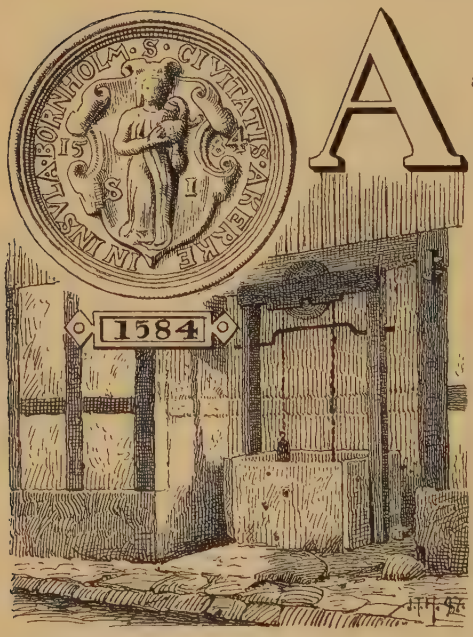


Aakirkeby Købstad, Bornholms eneste Landstad, ligger i Sønder Herred under 55° 4′ 14″ n. Br. og under 2° 20′ 36″ ø. L. for Kbh. (beregnet for Kirkens vestl. Ende). Den er lejret paa en 273 F., 86 M., høj Granitbakke (Posthuset ved Torvet ligger i en Højde af 270 F., 85 M.); lidt N. for Byen hæver et Punkt sig til 293 F., 92 M. (se Kortet S. 3). Den ligger omtr. lige langt fra Rønne og Neksø, nemlig henved 2 Mil. Byens Udstrækning er fra V. til Ø. omtr. 900 Al., fra N. til S. er den meget smal, paa det bredeste Sted omtr. 400 Al. Hovedgaden er Storegade, der fører fra Landevejen fra Rønne mod Ø. over Torvet til Landevejen til Neksø. Husene ere for det meste i eet Stokværk uden noget Særpræg.

Aakirkebys Købstadsgrund udgjorde Septb. 1897 121,909 □ Al.

Trup: Beskrivelse af Kongeriget Danmark, III Udgave.

# AAKIRKEBY.

Eftertryk forbydes.

Udført af V.T.A. Berggreen. Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad. 1898. Axel E. Aamodt's lith. Etabl.

(omtr. 8,7 Td. Ld.), Markjorderne (under hvilke „Smaalyngen“ og „Højlyngslodden“) omtr. 962 Td. Ld. Byen havde da 12 Gader og Stræder og et Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 221 (Sept. 1897 var der i alt 274 Huse, deraf paa Byens Grund 98). Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byen med tilhørende Markjorder var 1896 961 Td. Ld.; deraf vare besaaede 475, Afgræsning, Brak og Eng 294, Have 15, Skov 131, Stenmarker 15, Veje og Byggegrunde 30 og Damme 1 Td. Det saml. Hartkorn for Byen og Markjorderne var 1/1 1895 113 Td. bornh. (77,8 Td. alm.); der var 39 Gaarde (84,5 Td. H.) hvoraf de 38 med 83,3 Td. dreves fra Ejendomme i Købstaden, desuden 137 Huse, hvoraf de 125 med 23,6 Td. dreves fra Ejendomme i Købstaden*).

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var Sept. 1897 964,785 Kr. (Antal af Forsikringer 274).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken** (*Aa Kirke*), ved den vestl. Indkørsel til Byen paa Aaker Sogns Grund, tidligere kaldt St. Hans Kirke**), er Bornholms anseligste og smukkeste Kirkebygning og har fordum været Øens Hovedkirke. Den er opført af Cementsten med iblandet kløvet Kamp (dog er der ogsaa anvendt Sandsten i Korrundingen og Buegesimsen, medens Taarngavlene hovedsagelig vare af Mursten) og bestaar af et omtr. 30 Al. langt, 14 Al. bredt og 11 1/2 Al. højt Skib, et omtr. 12 Al. langt og 10 1/2 Al. bredt Kor med Korrunding, der har en indv. Radius af henved 4 1/2 Al., et til Taggesimsen omtr. 30 Al. højt Taarn mod V., hvis nederste Stokværk indv. er omtr. 13 1/2 Al. langt og 12 1/2 Al. bredt, samt et Vaabenhus mod Syd. Murenes Tykkelse er i Skibet omtr. 2 1/2, i Koret 2 og i Taarnets Nord- og Sydmur omtr. 4 1/2 Al. Kirkens ældste Dele, Skibet og Koret med Korrunding samt et nu forsvundet Parti ved Skibets Vestside, stamme vistnok fra noget før Midten af 12. Aarh. og vare opførte i Rundbuestil; Korbuen er rund, Korrundingen har oprindelig haft tre, Korets Nordside et og hver af Skibets Sider tre Vinduer, ligesom der har været to rundbuede Døre, en paa hver af Skibets Sider. Hvorledes det forsvundne, vestl. Parti har set ud, vides ikke; maaske har det været en Forhal eller et Taarn; en Arkadebue, der kan spores paa Gavlens Inderside, kunde tyde paa, at det har dannet en vestl. Apsis. Ikke længe efter Kirkens Opførelse, vistnok i 2. Halvdel af 12. Aarh., er der sket betydelige Forandringer ved Kirken, idet Vaabenhuset og Taarnet opførtes. I Skibets Midte fandtes der tidligere en med Buer gennembrudt Længdemur, saa at der dannedes to lige store Skibe (efter gotlandsk Kirkeform), og i Kirkens vestl. Ende var der en, ligeledes af Buer gennembrudt Tværmur. Man har opstillet flere Gisninger om, hvad disse Mure have været bestemte til (saaledes at Kirken oprindelig har haft tvedelt Tag ligesom Taarnet, eller at Kirkeloftet har været bestemt til at bære tunge Blider og andre Kaste-

*) Indtil 1875 var en Landkommune (Lov af 6/7 1867) forenet med Købstaden. Ved kgl. Resol. af 5/9 1877, 31/7 1882 og 31/3 1886 ere flere Ejendomme fra Aaker Sogn blevne henlagte til Byen.

**) Naar Thurah (Bornh. Beskr. S. 179) fortæller, at Kirken er en Model af Lunds Domkirke, er dette urigtigt, og hans Udsagn, at Kirken en Tid har været kaldt „St. Laurentii Kirke“, har vel kun sin Støtte i, at Lundekapitlets Emblemer med Laurentius med Risten findes paa Altertavlen.

vaaben); det rimeligste er vel, at man har tænkt paa at give Kirken to Rækker Tøndehvælvinger, for hvilke Længdemuren skulde være en Støtte (en Plan, som ikke kom til Udførelse, medens Koret alene senere fik Krydshvælving), og at Tværmuren har afskillet et Daabskammer. Vaabenhuset, der vistnok er den første Tilbygning af den Art i Landet, fik en af raa Kamp muret Kuppelhvælving og en rundbuet Dør, der smykkedes med Kragsten, formede som Dyrehoveder, og paa hver Side af Døren anbragtes et ved en Søjle tvedelt Vindue. Den interessanteste Del er dog det 4 Stokværk høje Taarn, der øjensynligt er opført som Forsvarstaarn. Det nederste Stokværk har i Midten 4, i Firkant stillede Piller, der ere forbundne ved Gjordbuer, og paa disse hvile 3 fra V. til Ø. gaaende Tøndehvælvinger. Fra nederste Stokværk kommer man

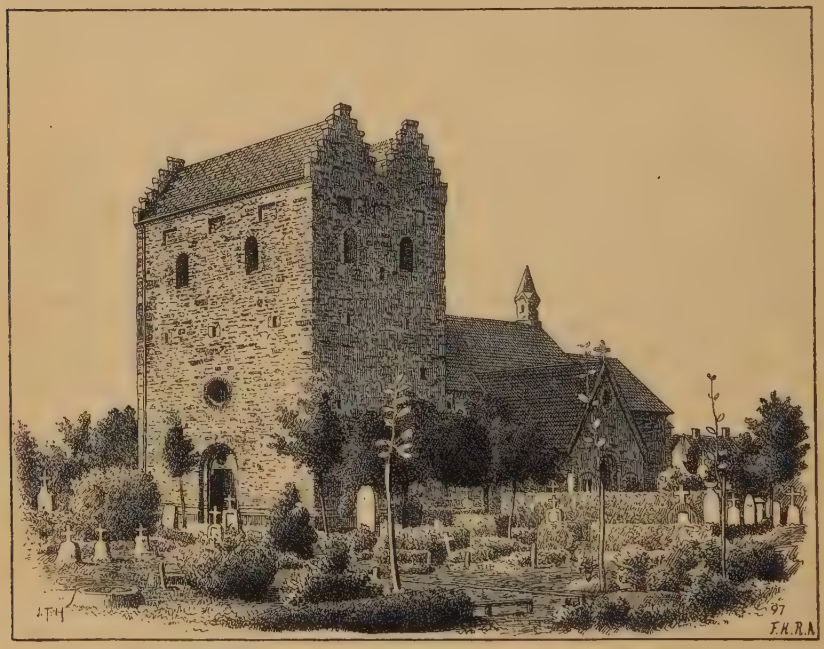

Aa Kirke.

ad Trapper, der ere anbragte i den nordl. og sydl. Mur, og af hvilke den sydl. begynder som en Vindeltrappe, op til de øvre Stokværk. I 2. Stokværk bære ogsaa 4 Piller Tøndehvælvingerne, men nærmest Skibet gaar Hvælvingen fra N. til S., medens de andre ligge som nedenunder; i den sydl. Sidemur findes en Niche. I 3. Stokværk ere Hvælvingerne ordnede paa samme Maade som i 2., blot at der her kun er 2 Piller, medens den østl. Tøndehvælving hviler paa en gennemgaaende Mur, paa hvis Midte der er en Dør; fra dette saaledes afskildrede Rum er der Indgang til Kirkeloftet; i den vestl. Afdeling er Gulvet lidt højere. I øverste Stokværk, der er højere end de andre, var der kun en Tværmur, paa hvilket det tvedelte Tag hvilede; dog var denne Mur ikke oprindelig, og Taarnet har maaske fra Begyndelsen haft Bjælkeloft og et firsidet Spir. I Taarnets nederste Stokværk førte en Dør ind fra V.; men den var ikke oprindelig og er rimeligvis anbragt, da man

lukkede den tidligere Dør, der førte ind til Kirken. Taarnet har øverst en Afsats helt rundt.

I 1874 undergik Kirken en omfattende Restauration under Ledelse af Arkitekt F. Blichfeldt, ved hvilken Lejlighed de omtalte Mure i Skibet fjernedes, saa at det nu udgør eet Rum; Taarnets nederste Rum, som tidligere havde tjent til Materialhus, omdannedes til Forhal, den lille Dør i Vestmuren gjordes til Hovedindgang og udførtes ligesom Kirkens Vinduer (de sidste dog noget større end de oprindelige) saa vidt muligt i Stil med Kirken; Taarngavlene, der vare takkede, nedreves, men Tvedelingen af Taget bevaredes, og Takkerne opførtes igen af Cementsten; det store, i Kirkegaardsmuren staaende Klokketaarn af Kamp og Bindingsværk nedbrødes, og Klokkerne anbragtes i øverste Stokværk, hvis Tværmur fjernedes; Trappen i Nordmuren tilmuredes, og Kirken fik Skifertag i Stedet for det tidligere Blytag*). Kirkens Indre fornyedes, og Bjælkeloftet dekoreredes med røde og grønne Farver (under Pudsen i Skibet fandtes nogle ubetydelige Rester af Kalkmalerier); ligeledes blev Koret dekoreret. Desværre maatte der for at skaffe Plads til Menigheden anbringes et bredt Pulpitur i Kirkens vestl. Ende i Flugt med Taarnets 2. Stokværk til liden Pryd for Kirken. (Om Kirkebygningen se *Brunius*, Konstanteckningar-

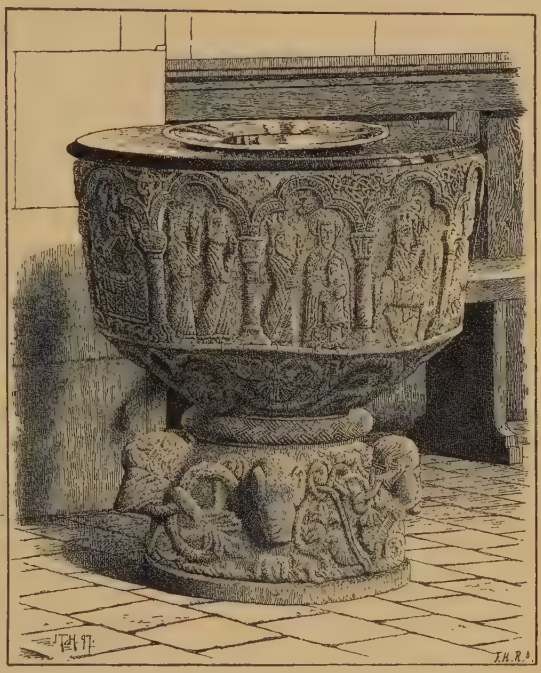

Døbefont i Aa Kirke.

S. 115; *H. J. Holm*, Bornholms ældgml. Kirkebygn. S. 13; *J. B. Løffler*, Udsigt over Danm. Kirkebygn. S. 93 og 131).

Altertavlen er et ret anseligt Billedskærerarbejde i Renæssancestil fra 1600 med kglt. Navnetræk og Lundekapitlets Navn og Emblemer; det rigt udskaarne Alterbord er fra samme Tid; Kalken er fra Middelalderen. Rigt udskaaren og malet Prædikestol fra Chr. IV's Tid; paa Partiet mellem Opgangen og selve Stolen staar: 1623; ved Prædikestolen er der et smukt Sandur fra Renæssancetiden med Indskr.: Forfærdiget af Jacobhus Hartman, Sandurmager i Leipzig. Kirkens prægtigste Stykke er Døbefonten, der nu staar til venstre i Koret, men indtil 1874 havde sin Plads i Kirkens vest-

*) Det var Arkitektens Plan at opføre Taarnet som et med Tinder og Skydeskaar (af hvilke der fandtes Spor) forsynet Forsvarstaarn, paa hvis Midte der atter skulde opføres en mindre Taarnbygning med firsidet Spir; men Planen blev ikke approberet af Ministeriet.

ligste Del (om Daabskammeret se ovfr.). Den er udført i Slutn. af 13. Aarh. paa Gotland af Sandsten og er en af de mærkeligste Fonte, Danmark ejer. Paa Kummens Sider er der i 11 Felter i Relief fremstillet Scener af Christi Liv, og i Kløverbladsbuerne over Felterne er der med Runer givet Forklaring over Billederne, ligesom der staar Mesterens Navn: Sighraf. Foden omsnos af sammenslyngede Slanger med Løve- og Vædderhoveder (*L. Wimmer*, Døbefonten i Aakirkeby Kirke, Kbh. 1887; se ogsaa *L. F. Leffler* og *H. Hildebrand*, Artikler i Kgl. vitterhets hist. og antiquitets akademiens månadsblad 1887, S. 13 fl. og 179 fl.). Stolestaderne ere nye. I Vaabenhusets vestl. Indervæg staar en Gravsten (tidligere i Korgulvet) over den lybske Foged Schweder Kettingk (se S. 14) med hans to Hustruer; deres Billeder ses i hel Figur. Ved hver Side af Ligstenen staar der en Runesten; paa den største („Grødbystenen"; den laa i Grødby Bro indtil omtr. 1820, da den flyttedes hertil) staar: „Thurfastr og Thurils og Bufe de satte Kummel (Minder) disse efter I... og Brødre (hans). Gud have Aander deres og Guds Moder. Sartr ristede Skriften"; paa den mindre („Møllegaardsstenen", flyttet hertil 1824): „Gudmund og Frubjørn rejste Stenen efter Isbjørn, Fader deres, Gud hjælpe Sjæl hans". Smstds. er der et Epitafium med et Maleri af den korsfæstede og flere gejstlige Personer og Indskriften: „25. Febr. 1652 haffuer Jens Hansøn bekostet denne Taffle". I Taarnets 2. Stokværk findes Mindetavler om Chr. V's og Fred. VII's Besøg her 1687 og 1851. Paa Skibets nordl. Væg blev 1875 ophængt et Basrelief (Uddrivelsen af Templet), udf. af L. Hasselriis. — Kirken ligger midt paa den firkantede Kirkegaard, der er indhegnet af Kampestensmure; i det nordvestl. Hjørne er der en Brønd.

Kirken, der ejer sig selv, ejede Jan. 1897 i Kapitaler 5163 Kr. og omtr. 45 Td. Ld. (Arvefæsteafgift $6^1/_2$ Td. Byg efter Kapiteltakst); dens Gæld var 7144 Kr.

**Raadhuset**, paa Torvet, er opført 1867—68 af Grundmur i eet Stokværk efter Tegn. af Tømrermester M. P. Bidstrup og indeholder bl. a. en Raadhussal, et Kommissionsværelse og et Varetægtsfængsel.

**Kommuneskolen** (Borgerskolen), Ø. for Byen paa Markjorderne ved Østergade, er opført 1876 og fornyet og udvidet 1897; den har 3 Lærere, 4 Klasser og noget over 100 Elever. — En **teknisk Skole**, mod S. paa Markjorderne ved Nybyvej, tilhører Haandværkerforeningen og er opført 1894. — Desuden er der en privat Børneskole.

**Hospitalet**, ved Storegade, er opført 1856; det afgiver Plads til 5 Lemmer (2 fra Aakirkeby, 3 fra Aaker Sogn), der nyde fri Bolig og Varme samt omtr. 11 Kr. og 5 Skpr. Rugmel aarlig. Hospitalet, der ejer en Kapital af omtr. 4400 Kr., bestyres under Amtmandens og Provstens Tilsyn og Sognepræstens Inspektion af en Forstander. Hospitalet har sin Oprindelse fra en i Middelalderen grundlagt St. Jørgens Gaard for spedalske („Spedelegaarden", "Spitalsgaarden"), der laa N. V. uden for Byen ved den nuv. Spidlegaard (Aaker Sogn), og hvortil der var knyttet et St. Jørgens Kapel. St. Jørgens Gaarden nævnes tidligst i 16. Aarh.; den var da en kgl. Forlening; 1532 havde Carsten Lyneborg den, senere Mikkel Hals, hvilken sidste oplod den 1542. Aar 1551 forlenede Chr. III den til sin Hofsinde Henning Gagge, som skulde bo i Hospitalet og der underholde saa mange fattige, „som Renten, der tilligger, taale kan"; paa lign. Vilkaar overdroges den 1562 til Mogens Uf, $^{12}/_3$ 1565 til Jakob Iversen og $^{11}/_4$ 1565 til den

lybske Foged Schweder Kettingk. Til Hospitalet hørte en Del Jordegods, særlig i Aaker Sogn, og deraf havde 4 fattige deres Underhold; i Beg. af 17. Aarh. var Lemmernes Antal dog gaaet ned til 2. Endnu paa Resens Tid (1677) stod Hospitalet ved Spidlegaarden, hvor Levninger af det ere bevarede; men snart efter er det blevet flyttet ind til Aakirkeby. Aar 1680 inddrog Amtsskriveren Aug. Dechner Hospitalets Indkomster, da Adkomstdokumentet til at nyde Afgiften af Gaardene i Aaker Sogn var bortkommet (Printzensköld havde 1658 trods dette dog ladet Hospitalet beholde Afgiften), men ved en Højesteretsdom 1693 tilpligtedes Bornholms Amtstue til fremtidig at betale Hospitalet aarl. 60 Rd. og 3 Td. Rugmel af Spidle-Mølle (disse 3 Td. Mel, konverteret i Penge, udredes nu direkte af Spidlegaard til Hospitalet).

**Fattighuset**, i Svanekegade, er blevet omdannet til et „Kommunehus", der afgiver Bolig til billig Leje. — Paa Byens Jorder ligger Aaker Sogns **Fattiggaard**, opf. 1869 efter Tegn. af Brandkapt. D. J. Nielsen; Plads for 11 Mænd og 10 Kvinder. — **Posthuset** og **Telegrafstationen** ligger ved Storegade og Torvet.

I Aakirkeby findes to Missionshuse, opførte 1872 og 1892, begge Ø. for Bygrunden, det ene i Smedegade, det andet ved Østergade; desuden et Forsamlingshus, opf. 1877 i Smedegade.

Til Byen hører en af Kommunen ejet Lystskov i Klintebakke Skovlod, beliggende omtr. 800 Al. S. Ø. for Byen.

---

Indbyggernes Antal var efter Folketællingen 1. Feb. 1890 967; 1801 havde Byen 455, 1840: 542, 1860: 613, 1880: 832 Indb.

Efter Erhverv fordeltes Folkemængden 1890 i følgende Grupper, omfattende baade Forsørgere og forsørgede: 52 levede af immateriel Virksomhed, 348 af Industri, 127 af Handel, 237 af Jordbrug, 9 af Gartneri, medens 100 fordeltes paa andre Erhverv, 28 nøde Almisse, og 66 levede af deres Midler. De vigtigste Erhverv ere Jordbrug, Handel og Haandværk.

I Aakirkeby holdes Marked 1. Fredag i April og Okt. for Kvæg og andre Kreaturer.

Af industrielle Anlæg nævnes et Dampbrænderi og Bryggeri (Aktieselsk.), et Fællesmejeri og tre Møller.

Kreaturholdet var $^{15}/_{7}$ 1893: 107 Heste, 461 Stkr. Hornkvæg (deraf 344 Køer), 148 Faar, 265 Svin og 3 Geder.

Købstadens Øvrighed er en Byfoged, der tillige er Byskriver, ligesom han ogsaa er Byfoged og Byskriver i Neksø, hvor han bor, samt Herredsfoged og Herredsskriver i Sønder Herred. Byen har sin egen Borgmester. Byraadet bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 7 valgte Medlemmer. Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Raad- og Tinghuset, b) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, c) for Skolevæsenet, d) for Fattigvæsenet, e) for Alderdomsunderstøttelse, f) for Bygningerne, g) for Vej- og Brolægningsvæsenet, h) for Gadebelysningen, i) for Sundhedsvæsenet, k) for Skovvæsenet, l) for Snekastningen, m) for Skatteligningen, n) for Svendeprøver.

Med Hensyn til de finansielle Forhold nævnes i 1896 af Indtægterne: Skatter 6459 (deraf Grundskat 310, Husskat 418, Formue- og Lejlighedsskat 5731), Afgifter efter Næringsloven m. m. 340, Tilskud fra Staten

til Alderdomsunderstøttelse 439, Indtægt af Aktiver 2925 Kr.; af Udgifterne: Bidrag til Stat 109, Bidr. til Amt 2169, Bidr. til Amtsskolefond 4, Byens Bestyrelse 516, Fattigvæsen 474, Alderdomsunderstøttelse 954, Skolevæsen 1701, Rets- og Politivæsen 79, Gader og Veje 1227, Gadebelysning 196, Renlighed 125 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 31,069, i faste Ejendomme, som give Udbytte, 13,800 og i Ejendomme, som ikke give Udbytte, 14,270 Kr. Kommunens Gæld var 3500 Kr. Skatteprocenten for Afgift paa Formue og Lejlighed var for 1897 4,$_2$ pCt. Den anslaaede Indtægt var omtr. 13,000 Kr., deraf var skattepligtig Indtægt omtr. 6500 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Raadhuset, Skolen, Hospitalet, Kommunehuset og et Sprøjtehus, samt af Jorder: Nordre Skovlod, Klintebakke Skovlod (Lystskoven), en Parcel i „Brobækken", en Parcel i „Smaalyngen" og Skolelodden (Have), tilsammen 138 Td. Ld.

Byens Politikorps bestaar af en Befalingsmand og 10 menige, Brandkorpset af 10 Befalingsmænd og 50 menige.

I Bornholms Landbo- Spare- og Laanekasse (opr. $^1/_5$ 1869), der har Hjemsted her, var $^{31}/_3$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 691,140 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 40,796 Kr., Antal af Konti 1590.

I gejstlig Henseende danne Købstaden og Aaker Sogn eet Kirkesogn, hvis Beboere alle søge Aa Kirke. Præstegaarden*) ligger i Aaker Sogn lige op til Byens Grund.

Aakirkeby hører til 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Bornholms Amtstuedistrikt (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistrikt (Rønne). Den hører til 6. Udskrivningskreds' 21. Lægd.

Aakirkeby har Toldvæsen fælles med Neksø. Ved Postvæsenet er ansat en Postekspeditør, der tillige er Telegrafbestyrer.

Byen staar ved Bornholms Telefonselskab (se S. 25) i Forbindelse med de andre Byer paa Bornholm. Den bornholmske Jærnbane (se S. 25) faar Station ved Aakirkeby, hvorfra en Sidebane fører til Almindingen.

**Historie.** Aakirkeby er maaske grundlagt midt i 12. Aarh. af Ærkebisp Eskil, efter at han 1149 havde faaet det meste af Øen; sikkert er det, at en af hans Efterfølgere Peder Saxesen, † 1228, har givet den Privilegier, som gentagne Gange bleve bekræftede af de senere Ærkebisper. Den var Øens vigtigste By i Middelalderen, Sæde for Bornholms kirkelige Styrelse, ligesom ogsaa Landstinget holdtes her lige til 1776, da det flyttedes til Rønne. Senere blev den overfløjet af de opkommende Havnebyer (den har dog selv haft en Havn ved Sydkysten ved Raghammer, lidt Ø. for Grødby Aas Udløb, men den var helt tilsandet i Beg. af 19. Aarh.) og tabte mere og mere i Betydning; kun Kirken og det S. 58 omtalte Hospital ere Minder om dens fordums Storhed. Lübeckerne hærgede den saa voldsomt 1509 og 1510, at Ærkebisp Birger 1511 maatte eftergive den Afgiften af Smør og nedsætte Afgiften for de næste syv Aar. Aar 1658 havde den i alt 60 Borgere, 1769 357 Indb. I Aakirkeby og Aaker Sogn døde af Pesten 1618: 928 og 1654: 557. En Del af Byen med Hospitalet og Skolen brændte $^{10}/_5$ 1760.

Ved Aakirkeby oprettede Politikeren Lucianus Kofod 1856 en Folkehøjskole, som han dog opgav to Aar efter.

---

*) Præstegaarden blev if. Rev. af $^{27}/_8$ 1622 fra Kirkens Værge Willich v. Westhofen indkøbt for Aa Kirkes Penge („120 Dl. Mynt") og tillagt Præstekaldet i Stedet for Kannikegaard, der hidtil havde været Præstegaard.

# Vester Herred.

**Sogne:**

*Knudsker, S. 61. — Nyker, S. 63. — Vester-Mariæ, S. 65. — Nylarsker, S. 69.*

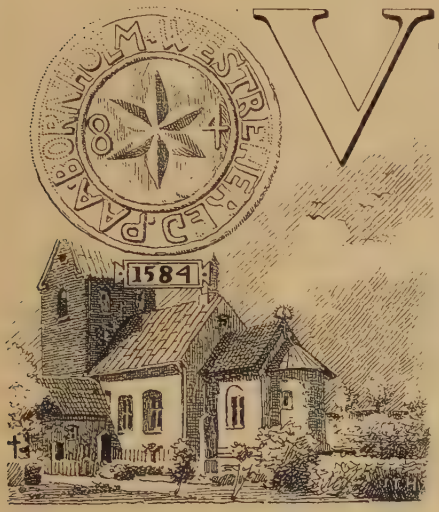


Vester Herred, sydvestlig paa Øen, omgives af Østersøen og Nørre-, Øster- og Sønder Herreder. Dets Bredde fra V. til Ø. er i den nordlige Del omtr. $2^1/_4$ Mil, fra N. til S. er det bredeste Sted omtr. $1^3/_4$ Mil. I Herredet ligger Øens højeste Punkt, Rytterknægten (se S. 2, til hvilket Sted ogsaa henvises angaaende Naturforholdene). Henved $^1/_5$ er dækket med Skov (Almindingen m. m., tils. 5800 Td. Ld.). Af Vandløbene mærkes mod V. Blykobbe Aa og Bagaa, hvilken sidste paa et Stykke danner Nordgrænsen. Efter Matrikuleringen var Herredets Fladeindhold ansat til 26,415 Td. Ld. (2,$_6$ □ Mil, 145,$_{36}$ □ Km.). Ager og Engs Hartkorn var $^1/_1$ 1895 1883,$_8$ Td. (i Gennemsnit 13 Td. Ld. paa 1 Td. bornh., 18 paa 1 Td. alm. Hrtk.). Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 4798 (1801: 2858, 1840: 3529, 1860: 4024, 1880: 4630). I Herredet ligger Købstaden Rønne. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Øens andre Herreder, i verdslig udgør det Vester Herreds Jurisdiktion og hører til Amtets 1. Forligskreds.

Herredets gamle Navn er *Rønne* (*Rothnæ*) *Herred.*

---

**Knudsker Sogn***), Anneks til Rønne Købstad, omgives af Rønne Købstads Jorder, Østersøen, Nyker Sogn, fra hvilket det for en stor Del adskilles ved Blykobbe Aa, Vester-Mariæ og Nylarsker Sogne. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. for Rønne. Den østl. Del af Sognet hører til Granitplateauet, mod V. findes Kaolin og andre Lerarter. Mod N. V. langs Kysten ligger den største Del af den Staten tilhørende Blykobbe

*) Endelsen „ker" er Forkortelse af „Kirke".

Plantage (Sandflugtsskoven); den sydøstl. Del hører for en Del til „Blemme Lyng". Gennem Sognet gaar Landevejene fra Rønne til samtlige Øens Købstæder; Jærnbanen vil komme til at gennemskære det fra N. V. til S. Ø. med Holdepladser ved Rabekkegd. og Robbedale Huse.

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 3463 Td. Ld., hvoraf 1603 besaaede (deraf med Hvede 71, Rug 278, Byg 351, Havre 365, Bælgsæd 12, Blandsæd til Modenh. 217, Grøntf. 61, Kartofler 118, andre Rodfr. 125), medens der henlaa til Afgræsn. 592, Høslæt, Brak, Eng m. m. 314, Have 45, Skov 550, Moser og Kær 22, Heder, Stenmarker 175, Byggegr. og Veje 142, Vandareal m. m. 20 Td. Kreaturhold 1893: 299 Heste, 1084 Stkr. Hornkv. (deraf 730 Køer), 309 Faar, 475 Svin og 6 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: $301_{,2}$ Td. (208 Td. alm.). Der var 44 Selvejergaarde med $262_{,4}$, 3 Arvefæstegaarde med $16_{,0}$, 62 Huse med $20_{,5}$ Td. Hrtk. og 22 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 727 (1801: 385, 1840: 505, 1860: 565, 1880: 659), boede i 127 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 17 levede af immat. Virksomh., 527 af Jordbrug, 119 af Industri, 4 af Handel, 40 af andre Erhv., 14 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet *St. Knuds Kirke* og *Skole*, V. for Kirken ved Svanekevejen. *Store Almegaard* (Proprietærgd.) har $21^{1}/_{3}$ Td. Hrtk. ($14_{,7}$ Td. alm.), 180 Td. Ld., hvoraf 15 Græsning, 23 Skov, 4 Gaardsplads og Have og 3 hørende til 4 Fæstehuse, Resten Ager. Der er Kaolinslemmerier ved *Buskegaard* (anlagt 1871) og *Rabekkegaard* (anl. 1874), tilhørende „Kaolinselskabet paa Bornholm" (hvormed er forbunden en Chamottestensfabrik, anl. 1891), samt ved „*Torneværket*" (se Danm. geol. Unders., *K. Rørdam*, Undersøgl. af mesozoiske Lerarter og Kaolin paa B., Kbh. 1890); fra *Sejersgaard* udføres raa Kaolin. Desuden 2 Granitbrud (se S. 9). Af større Gaarde nævnes desuden *Tornegaard*, *Rosmannegaard* og *Smørbygaard*. Nogle Gaarde kaldes *Tjærebygaarde*. I Sognet en Mølle.

Knudsker Sogn, der danner en egen Sognekommune, hører under Vester Herreds Jurisdiktion, Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistrikt (Rønne), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 2. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*St. Knuds Kirke* (se Vignetten S. 61), der ligger 222 F., 70 M., over Havet, bestaar af Skib, Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken, der hører til Øens gamle Kirker, er rimeligvis opført i Slutn. af 11. eller Beg. af 12. Aarh. af Kamp, dog med Cementsten til Trapper, Indfatninger om Døre og Vinduer osv.; alle Delene ere opførte samtidig undtagen Vaabenhuset, der stammer fra nyere Tid og er af Mursten. Af de oprindelige Vinduer er der kun Spor af et paa Skibets Sydside; den nordl. Dør er velbevaret; paa hver Side af Korbuen er der en Niche, i sin Tid bestemt til Sidealtere; den ene er gennembrudt som Opgang til Prædikestolen. Koret og Apsis ere tidligt blevne overhvælvede (den første med Tøndehvælving, den anden med Halvkuppel), hvorimod Skibet beholdt sit Bjælkeloft indtil ind i nyere Tid, da det fik et smagløst, hvælvet Bræddeloft. Den oprindelig interessanteste Del af Bygningen er det 4 Stokværk høje Taarn, ombygget 1879 under Ledelse af Etatsraad Herholdt; de to nederste Stokværk have Tøndehvælvinger (i 2. Stokværk er Hvælvingen ombygget); fra 3. Stokværk er der Adgang til Kirkeloftet (før Bræddehvælvingens Opførelse var Adgangen fra 2. Stokværk); i 4. Stokværk hænge Klokkerne; Taget er nu skraat og med murede Gavle (tidligere af Brædder); den tidligere, højst ejendommelige Vindeltrappe i Sydmuren op til 3. Stokværk er desværre nedbrudt ved Ombygningen, og Opgangen er nu i Vestmuren. Alteret er en Træopstilling med Nadverordene; Prædikestolen er et tarveligt Billedskærerarbejde; Granitdøbefont. Paa Skibets nordl. Side er der bevaret en, nu tilspærret, interessant Trædør (se *H. J. Holm*, Bornh. ældgamle Kirker, S. 3 og 18).

*Rabekkegaard* blev $^{29}/_{12}$ 1658 af Fr. III skænket paa Livstid og fri for Landgilde til Villum Klausen som Belønning for hans Daad (se S. 15).

*Blykobbe Plantage* eller *Sandflugtsskoven*, der i en smal Stribe strækker sig langs Kysten fra noget N. for Rønne igennem Nyker Sogn, var indtil 1819 en Flyvesands-

strækning, der gjorde megen Skade; da tog Staten den under Fredning, og den forvandledes til Skov under Ledelse af Sandflugtskommissær Peder Dam Jespersen (se S. 18). I Skoven, der er en Blandingsskov, mest bestaaende af Naal og Birk, ligger *Prins Christians Kilde* og 6, til Dels undersøgte Gravhøje, *„Tillehøje"*; paa en af dem er der 1886 rejst en Granitmindestøtte for Peder Dam Jespersen. Sydligere i Skoven Traktørstedet *Villa Nova* (se *M. K. Zahrtmann*, i Naturen og Mennesket, 1893, S. 237 fl.).

Ved Almegaard ligger en større Gruppe Røser, ved Tornegaard og Rosmannegaard to fredlyste Gravhøje. En anselig Gravplads med 11 Røser og henved 300 Brandpletter er undersøgt ved den nu nedlagte Kanegaard (under Rabekkegaard).

**Nyker Sogn** omgives af Østersøen, Knudsker Sogn, fra hvilket det adskilles ved Blykobbe Aa, Vester-Mariæ Sogn og Nørre Herred (Klemensker Sogn og Hasle Købstads Jorder), fra hvilket det paa en Strækning adskilles ved Bagaa. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. Ø. for Rønne. Den østl. Del hører til Granitplateauet og er mindre frugtbar end den vestl. Del, der hører til Kridt- og Juraformationen. Landet skraaner jævnt ned til Kysten, hvor Sandflugtsskoven ligger (se Knudsker S.). Gennem Sognet gaar bl. a. Landevejen til Hasle. Et Enklave (Sognets Andel i Udmarksjorderne) af Sognet ligger mod Ø. langs Almindingens Vestrand.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 4437 Td. Ld., hvoraf 2181 besaaede (deraf med Hvede 26, Rug 405, Byg 528, Havre 435, Bælgsæd 45, Blandsæd til Modenh. 277, Grøntf. 96, Kartofler 182, andre Rodfr. 179, andre Handelspl. 7), medens der henlaa til Afgræsn. 974, Brak, Eng m. m. 418, Have 41, Skov 468, Moser og Kær 16, Heder og Flyvesand 191, Byggegr. og Veje 87, Vandareal m. m. 16 Td. Kreaturhold 1893: 329 Heste, 1425 Stkr. Hornkv. (deraf 911 Køer), 358 Faar, 716 Svin og 9 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: 438,$_4$ Td. (307 Td. alm.). Der var 53 Selvejergaarde med 388,$_2$, 3 Arvefæstegd. med 14,$_2$, 99 Huse med 32,$_1$ Td. Hrtk. og 57 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1019 (1801: 664, 1840: 865, 1860: 1032, 1880: 1017), boede i 199 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 21 levede af immat. Virksomhed, 680 af Jordbrug, 15 af Gartneri, 20 af Fiskeri, 214 af Industri, 29 af andre Erhv., 22 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet *Ny Kirke*, tæt ved *Præstegaarden*, og lidt mod V. *Skolen*. Desuden er der Missionshus, „Salem" (opf. 1896), et Andelsmejeri og to Møller. — Gaarden *Risenholm* har 16 Td. Hrtk. (11 Td. alm.), 136 Td. Ld., hvoraf 20 Skov, Resten Ager; *Vællensgaard* (Proprietærgd.) har $16^1/_4$ Td. Hrtk., (11 Td. alm.), 136 Td. Ld., hvoraf 2 Eng og lidt Skov, Resten Ager; *Aabygaard* har $17^3/_4$ Td. Hrtk. (12 Td. alm.), 141 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 8 Skov, Resten Ager; *Tornegaard* har $17^1/_2$ Td. Hrtk. (12 Td. alm.), 144 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, 6 Skov, 23 Lynglod, Resten Ager. Af andre større Gaarde mærkes *Blykobbegd.* (Proprietærgd.), $14^3/_4$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., og *Bukkegd.*, $13^1/_4$ Td. Hrtk., 90 Td. Ld.; endvidere *Kyndegd.* (Proprietærgd.), *Aagd.*, *Søndregd.*, *Agregd.* og *Yppernegd.* Saml. af Gaarde: *Mæby* og *Kirkeby*. I Sognet ligger ved Blykobbe Aas Udløb det nu nedlagte *Sorthat Kulværk* (se S. 8; se ogsaa *J. P. M. Jespersen*, En Skitse af Sorth. Kulv., Rønne 1866) og en Skanse.

Nyker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Vester Herreds Jurisdiktion (Rønne), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistrikt (Rønne), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 3. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Ny Kirke*, tidligere Allehelgens Kirke, maaske den ældste af Øens 4 Rundkirker (Navnet kan tyde paa det, og dens raa Bygningsmaade bekræfter det; paa en Kirkedør har tidligere staaet, at Kirken var opført 1287), bestaar af Rundhuset, Kor

med Korrunding og Vaabenhus mod S. Kirken, der er opført af utilhuggen Kamp, dog med Anvendelse af Cementsten til Trapper, Dør- og Vinduesindfatninger osv., stammer vistnok fra 12. Aarh. Midt i Rundhuset, hvis Ydermure ere 5 F. tykke, er der en svær Pille, 25 F. i Omkreds, fra hvilken der er spændt en ringformet Tøndehvælving over til Ydermuren. Rotundens nordl. Dør er tilmuret, foran den sydl. Dør er Vaabenhuset senere tilbygget. Fra Rundhuset fører en i senere Tid forstørret Rundbue, paa hvis Sider der har været Nicher, ind til det med Tøndehvælving forsynede Kor; Korrundingen har Halvkuppelhvælving. I Korrundingen skimtes et lille,

Ny Kirke.

oprindeligt Vindue. I den nordl. Mur af Rundhuset er fra Koret Opgang til 2. Stokværk, der har, nu tilmurede Spygatter, og gennem hvilket Midterpillen fortsættes og bærer Tagværket; Trappen fortsættes videre og viser, at Bygningen har haft et 3. Stokværk, der for længe siden er nedbrudt; over Rundhuset hæver sig et kegleformet, spaandækket Tag med Fløj. Der er fundet Kalkmalerier saavel over Korbuen som paa Midtpillen og Ydermuren, vistnok hidrørende fra Slutn. af 14. Aarh. Altertavlen er en Kopi af C. Blochs Opstandelsen fra St. Jakobskirke i Kbh. Kalken fra 2. Halvdel af 15. Aarh., Prædikestolen delvis fra Chr. IV's Tid; ved den er der ophængt 4 Timeglas; Døbefont af Granit og Kalksten. I Vaabenhuset findes en Ligsten fra den tidligere Middelalder med et Kors i Relief, et Epitafium over Præsten Jens Nielsen

Jennum, † 1648, og Hustru, to Trætavler, der opgive Tallet paa de i Pestaarene 1618 og 1654 døde, en Series pastorum m. m. Ved Kirken findes 2 Runesten; paa den ene staar: „. . . . satte Sten denne efter Sven, Søn sin, Dreng . . . . Broder. Christ hellige hjælpe Aand (deres)"; paa den anden: „Glo lod rejse Stenen (efter) . . . . og hans Brødre. Den algode (Christ) hjælpe deres Sjæle". Klokkerne hænge i et Klokketaarn paa Kirkegaarden (se *Brunius*, Konstanteckn. S. 151 fl., og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkebygn. S. 4).

*Kyndegaard* ejedes af Landsdommer Jens Kofoed († 1625), som 1590 lod den „opbygge, mure og med Tegltag omhænge".

I Sognet er der fredl. 7 Gravhøje, deribl. ved Vællensgaard den smukke, stenomsatte „*Bavnehøj*", en af de faa bornholmske Gravhøje, som paa Toppen bære en Bavtasten.

**Vester-Mariæ Sogn**, det største paa Øen, omgives af Nylarsker,

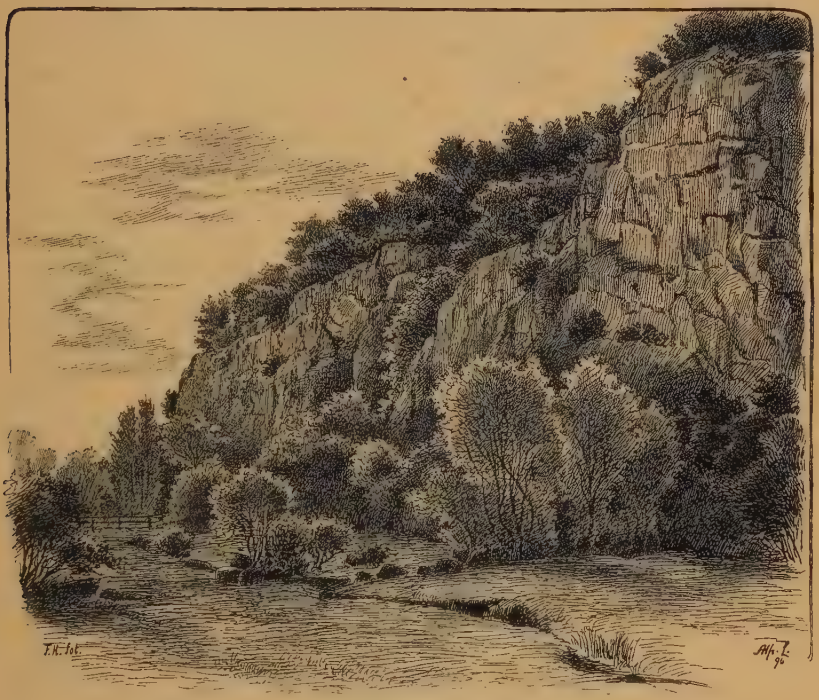

Kodalen.

Knudsker og Nyker Sogne, Nørre Herred (Klemensker S.), Enklavet af Nyker Sogn, Øster Herred (Østerlarsker og Øster-Mariæ S.) og Sønder Herred (Aaker S.) samt Østersøen. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. for Rønne og ligesaa langt N. V. for Aakirkeby. Den nordl. Del af Sognet hører til Graniten, den sydl. til Sandstenen og Juraformationen. Den nordlige Del er for en stor Del opfyldt af Højlyngen; her ligger Statsskoven Almindingen (med „Indlæget") med Øens højeste Punkt Rytterknægten, 516 F., 162 M.; S. for Højlyngen er Egnen temmelig flad og frugtbar undtagen Blemme Lyng, hvor Jorderne ikke ere gode. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Rønne til Aakirkeby, Neksø og Svaneke. Jærnbanen vil komme til at gennemskære den sydøstl. Del af Sognet med Holdepladser ved Lobbæk og Tvillingsgaarde.

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 12589 Td. Ld., hvoraf 3997 besaaede (deraf med Hvede 52, Rug 792, Byg 730, Havre 982, Bælgsæd 29, Blandsæd til Modenh. 818, Grøntf. 154, Kartofler 194, andre Rodfr. 230, andre Handelspl. 8, Spergel 8), medens der henlaa til Afgræsn. 1932, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1045, Have 79, Skov 3198, Moser og Kær 546, Heder m. m. 1360, Byggegr. og Veje, 298, Vandareal m. m. 131 Td. Kreaturhold 1893: 708 Heste, 2828 Stkr. Hornkv. (deraf 1923 Køer), 1195 Faar, 1337 Svin og 11 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: 790,$_{0}$ Td. (544 Td. alm.). Der var 113 Selvejergaarde med 607,$_{4}$, 25 Arvefæstegd. med 59,$_{2}$, 203 Huse med 68,$_{7}$ Td. Hrtk. og 49 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 2111 (1801: 1180, 1840: 1460, 1860: 1688, 1880: 2040), boede i 390 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 84 levede af immat. Virksomh., 1430 af Jordbrug, 1 af Fiskeri, 310 af Industri, 5 af Handel, 153 af forsk. Daglejervirksomh., 67 af deres Midler, og 61 vare under Fattigv.

I Sognet: *Vester-Mariæ Kirke*, i Nærheden *Præstegaarden*, *nordre Skole* (Kirkeskolen) og et *Forsamlingshus* (opf. 1897). Desuden *Søndre Skole*, *Sose Skole* og *Tingsted Skole*, to Andelsmejerier (Lobbæk og Central), 5 Møller

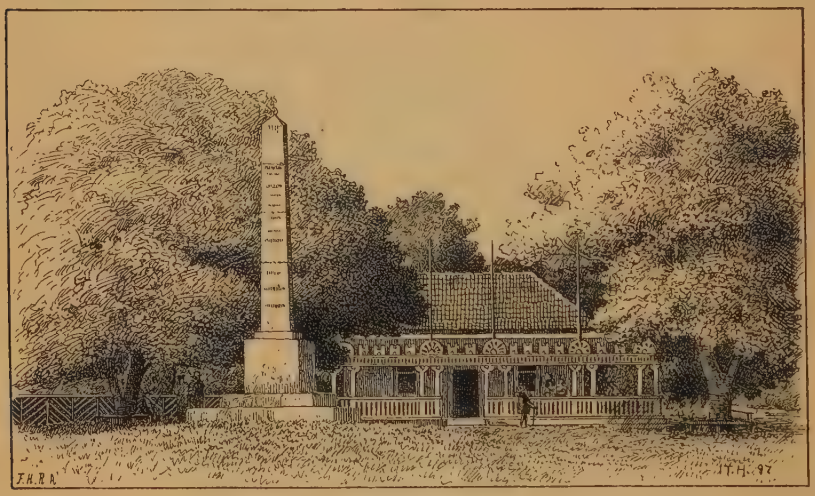

Christianshøj.

og 1 Savmølle. Mod N. Ø. ligger den omtr. 4500 Td. Ld. store Statsskov *Almindingen* med Indlægsplantagerne, $50^{3}/_{8}$ Td. Hrtk. (34,$_{7}$ Td. alm.) og med Planteskoler, Skovfogedboligerne *Koldekildehus* og *Lindesbjærghus*, Gæstgiveriet *Christianshøj* og Hotel *„Jomfrubjærget"*. *Vestergaard* (8. Vornedegd.) har $23^{7}/_{8}$ Td. Hrtk. (16,$_{5}$ Td. alm.), 195 Td. Ld., hvoraf 136 ere Ager. Af andre større Gaarde: *St. Gadegd.*, *Ellebygd.* og *Smørengegd.* Saml. af Gaarde: *Sose*, *Klinte*, *Smørenge*, *Myreby*, *Tingsted.*, *Elleby*, *Ringeby* m. m.

Vester-Mariæ S., der danner en egen Sognekommune, men er delt i et nordl. og et sydl. Sognefogeddistrikt, hører under Vester Herreds Jurisdiktion (Rønne), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistrikt (Rønne), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 5. (nordl.) og 6. Lægd (sydl. Distr.). Kirken ejer sig selv.

*Vester-Mariæ Kirke* er ny opført 1884—85 efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup, efter at den gamle var bleven nedbrudt. Kirken er bygget af huggen, rødgraa Kamp (med blaagraa Kvadre paa Hjørner, Gesimser, Sokkel, Vinduesindfatninger osv.) i

romansk Stil til Dels med Motiver fra den gamle*) og bestaar af Skib, Kor med Korrunding og Taarn, med pyramideformet Tag, mod V. Kirken har fladt, kassetteret Træloft; Hovedindgangen, hvis Portal bæres af to fritstaaende Søjler, er i Taarnets Vestmur. Altertavlen er et Maleri af A. Dorph, Christus i Gethsemane (den gamle Tavle var fra 18. Aarh.), Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Fr. IV's Tid; Kalkstensdøbefont. I Kor og Skib to Malmlysekroner fra 2. Halvdel af 18. Aarh. Ved Nedbrydningen af den gamle Kirke fandtes nogle Mønter fra Middelalderen og to Runesten, af hvilke den ene, 8 F. 10 T. høj, er kølformet og meget smuk og bærer Indskriften: „Asvalde rejste Sten denne efter Alfar, Broder sin, en brav Mand. Træbenesønnerne og Skægge svege den sagesløse". Denne Sten tillige med en anden med Indskriften: „Thorsten og Svend rejste Stenen efter Alfvin, Fader sin, og Thorlak, Broder sin. Gud hjælpe Aand deres og Guds Moder" (tidligere i den gamle Kirkes Vaabenhus), findes nu paa Kirkegaarden.

*Almindingen.* Af den tidligere frodige Skov „Kongens Alminding" („Almingen") var der i Slutn. af 18. Aarh. kun omtr. 1100 Td. Ld. tilbage, men heraf vare kun omtr. 300 Td. Ld. bevoksede, særlig med Eg, Avnbøg og Birk, foruden en Del forkrøblet Krat; Resten var ødelagt ved Vanrøgt og Tyverier, og Regeringen gjorde 1774 forgæves Forsøg paa at faa Skoven solgt. Da blev Arealet ved Aar 1800 indtaget til Fredning, kort efter lagdes der omtr. 300 Td. Ld. til, alt blev indhegnet, og Beplantningen med Naaletræer og Bøg dreves med Kraft, alt ledet af den nye „Holtzforster", Lieutn. Hans Rømer († 1836); 1842 forøgedes Arealet med henved 3000 Td. Ld., og nu er Skoven omtr. 4500 Td. Ld., hvoraf kun 700 nu ere ubeplantede. Skønt Højlyngen en Del minder om de jydske Heder, har Beplantningen her dog mødt langt mindre Vanskeligheder, da Morænegruset paa den forvitrende Klippegrund byder langt flere Næringsstoffer for de unge Planter end Hedesandet. Almindingen er en af Danmarks smukkeste Skove, og det stærkt kuperede Terræn, de mange smukke Udsigtspunkter, karakteristiske Klippepartier, navnlig den smukke *Kodal* (Ekkodal), der paa den ene Side begrænses af indtil 70 F. høje Klippevægge, foruden smaa Søer (Borre Sø, Aare Myre, Pykkekullekær, Kohullet m. fl.) og gamle Borgpladser give Skoven en særegen Tiltrækning. Skoven, som ligger omtr. i Øens Midte, er Samlingssted for Befolkningen ved festlige Lejligheder. Samlingsstedet er

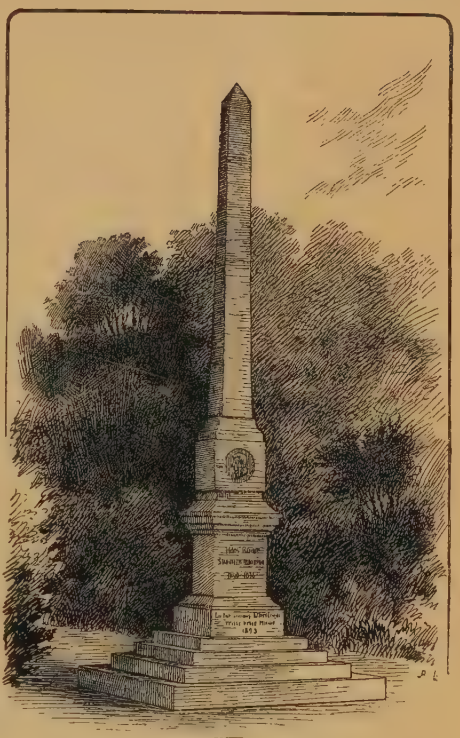

Rømers Monument.

*) Den gamle Kirke — Skib og Kor med Korrunding, hvilken sidste dog i ny Tid var bleven nedrevet, hvorefter Koret var blevet forlænget — var hovedsagelig opført af raa Kamp, dog ogsaa for en Del af Cement- og Sandsten, og stammede vistnok fra Beg. af 13. Aarh.; Taarnet, væsentlig af Kamp og Cementsten, var opført noget senere og bestod af 3 Stokværk, af hvilke de to nederste havde Tøndehvælvinger; i 2. Stokværk var der senere fra Ø. til V. opført en Støttemur for Hvælvingen; Taget var pyramideformet, tidligere det eneste af den Slags paa Bornholm; Koret og Skibet havde senere indbyggede Bræddehvælvinger. Paa Sydsiden stod et senere opført Vaabenhus. Ved svære Støttepiller og Ankre havde man i den nyere Tid søgt at bøde paa Kirkens og Taarnets Brøstfældighed. Ved Nedbrydningen 1885 fandtes i Korhvælvingen nogle malede Dekorationer (se *Brunius*, Konstanteckn., S. 54 fl., og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkebygn. S. 5).

nu paa det 399 F., 125 M., høje *Jomfrubjærg* ved Pavillonen *Christianshøj* (tidligere ved Koldekilde). Her staar midt paa en rund Plads „Prinsestøtten", en 20 F. høj Sandstensobelisk, der rejstes til Minde om Prins Chr. Frederiks (Chr. VIII) Besøg $^{21}/_{7}$ 1824; i Nærheden og nærved det 1891 opførte Hotel „*Jomfrubjærget*" er der 1882 rejst et Mindesmærke (en $9^{1}/_{2}$ F. høj Granitblok i Form af en Kile, efter Tegn. af Kr. Zahrtmann) med Portrætmedaillon (af Bissen) for Etatsraadinde Marie Kofoed, der ved sine Legater ogsaa fremmede Skovplantningen her. S. for Christianshøj i den gamle Planteskole er der 1893 rejst en Mindestøtte (en omtr. 26 F. høj Granitobelisk med Fodstykke, i Lighed med Albertistøtten ved Sorø) med Portrætmedaillon for Hans Rømer; ved den vestl. og sydl. Indkørsel til Skoven staar der ligeledes Sten til Minde om ham med Aarstallet 1809, og paa en Klippe i Ekkodalen staar hans Navn og et Vers af V. Bergsøe. Det største Nutidsmonument er dog „*Kongemindet*" paa Rytterknægten, et 40 F. højt Granittaarn, rejst 1856 ved frivillige Bidrag af Øens Beboere efter Tegn. af Arkit. M. G. Bindesbøll, til Minde om Fred. VII's Besøg paa Øen i Aug. 1851. Fra Indgangen i den østl. Side fører en Granittrappe op til Platformen, der er omgiven med et Jærngitter; den smukke Gesims, der afslutter Taarnet, er aldrig bleven fuldendt. Fra Platformen har man tidligere haft en glimrende Udsigt over hele Øen og det omgivende Hav; men efterhaanden har den opvoksende Skov til Dels lukket for Udsigten, hvorfor man i 1898 efter Tegn. af Arkit. M. Bindesbøll jun. agter at forhøjet Taarnet med et 30 F. højt Jærnstativ. — I Kodalen findes *H. C. Ørsteds Kilde*. — De to „*Rokkesten*" i Almindingen kunne nu ikke mere rokke.

Kongemindet.

Omtrent midt i Skoven ligger paa en brat affaldende, langstrakt, omtr. 50 F. høj Klippeknude, der har været omgiven af den nu til Dels udtørrede Borre Sø, *Lilleborg*, næst Hammershus Øens betydeligste Ruin fra Middelalderen. Den laa uænset hen, indtil Rømer 1820 lod Vandet fra Borre Sø aflede til Græssømose og lagde en Vej hen over Borgpladsen. Ved denne Lejlighed blottedes flere Bygningsrester. De bestaa af en oval, for største Delen nedfalden, dog paa flere Steder endnu indtil 10 F. høj Ydermur (2), der indfattede den omtr. 4000 □ Al. store Borggaard; dernæst Fundamenterne af et firkantet Taarn (1), der indvendig er 14 F. paa hver Side, og hvis Mure ere $7^{1}/_{2}$ Fod tykke; det har maaske været benyttet til Fængsel; inde fra Borggaarden har en Dør ført ind til Taarnet over Kælderrummet; ved den indvendige Side af Ydermuren er der Fundamenter af Bygninger (4), nemlig en mindre mod N. og en større, i to Afdelinger delt Bygning ved Sydsiden; i den ene Afdeling fandtes forkullet Korn, et Vidnesbyrd om, at Borgen er gaaet til Grunde ved Ild, i den anden, der maaske har været Smedie, fandtes Vaaben, Jærnsager m. m. Hovedindgangen med Port (5) har ført forbi Taarnet ved den sydlige Bygning; men ogsaa fra den modsatte Side

har der været Indgang (8). Mod N. Ø. findes Levninger af en indre Mur, der hidrører fra en tidligere Periode. Ved den sydl. Bygning fandtes en Ledning (7), der førte Borgpladsens Vand ned til Søen. Paa Nord- og Sydsiden er der opført mægtige Murpiller (6), der strakte sig i hele Skrænten Højde op til Ydermuren. Materialet var Kampestenskvadre, bundne ved Cementkalk. I de seneste Aar er der af Nationalmuseet foretaget en til Dels gennemført Restauration af Ruinerne. Udgravningerne have omfattet dels en fuldstændig Rydning af Fylden i Bygningsgrunden, dels en Afgravning af Borggaarden, hvor der gjordes et rigt Fund af Vaaben, Brugsgenstande og Mønter, væsentlig prægede i Lund i Tiden Vald. I—Erik Plovpenning. Ligeledes fremkom der til yderligere Bekræftelse paa, at Borgen er ødelagt ved Ild, en Del Rester af forkullet Tømmer. Ogsaa enkelte Mursten fandtes. Afgravningen af Terrænet uden for Borgen, som endnu ikke er afsluttet, vil bringe de oprindelige Forhold tilbage og blotte det Klippedrag, hvorpaa Borgen er opført, og som tidligere har været dækket med en mægtig Opfyldning og derpaa voksende Skov og Krat. (Til Dels Medd. fra Nationalm.). Om Borgens Historie ved man mærkelig nok intet; Murværket peger hen paa 12.—13. Aarh.; som omtalt S. 13 er Borgen vistnok bleven ødelagt 1259.

Ø. for Lilleborg findes Borgpladsen *Gamleborg*, beliggende paa en omtr. 70 F. høj Klippeknude med stejlt Affald mod S. og Ø., hvor den dybe Fjældkløft udmunder i Kodalen. Borgpladsen, der er 850 F. fra N. til S. og 350 F. fra V. til Ø., er omgiven af en lang Ydervold og paa Vestsiden af en Mur, hvilken sidste har været omtr. 20 F. høj; Borgen har her været mest udsat for Angreb; paa enkelte Steder staar endnu Muren i sin oprindelige Højde; mod Ø. ved den stejleste Side er der kun et lavt Brystværn af Jord og Sten. Borgen har haft en nordl. og en sydl. Portaabning, af hvilke den sidste, der delvis har været opført af Cementsten, er temmelig godt bevaret. Borgpladsen, der er helt bevokset med Træer og Krat, er aldrig bleven undersøgt, men tilsyneladende findes der intet Spor af Bygninger. Heller ikke til denne Borgs Historie kender man noget; Murværket peger hen paa omtr. samme Tid som for Lilleborg, kun det lave Brystværn mod Ø. tyder paa en langt ældre Tid, og Borgpladsens store Omfang leder Tanken hen paa, at den i længst forsvundne Tider har afgivet et almindeligt Tilflugtssted for Øens Beboere.

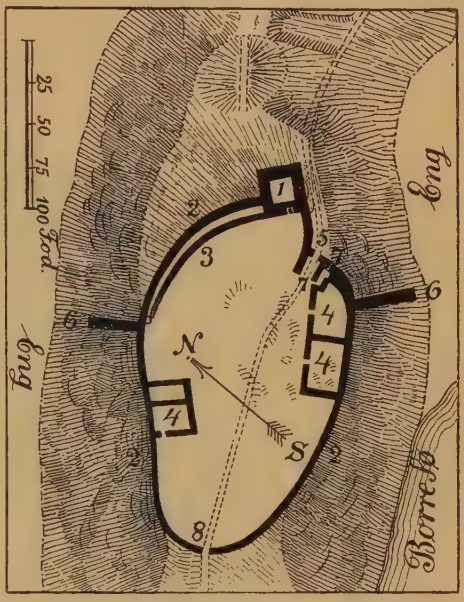

Grundplan af Lilleborg.

Foruden en Gravhøj ved 45. Selvejergd. og 13 Røser ved 1. Vornedegd. er der i Sognet, paa Kommunens Lynglodder, fredlyst en sjælden Samling af Oldtidsmonumenter: 90 Røser, 1 Gravhøj, 8 Skibssætninger og et Par andre Mindesmærker. Paa St. Bjærgegaardsbakken ligger Øens fjerdestørste, nu bevarede Bautastensgruppe (fredlyst); den tæller 14 Sten, 4 til 8 F. høje.

Vester-Mariæ S. (Vestermarker) var 1808—58 Anneks til Nylarsker.

**Nylarsker Sogn** omgives af Rønne Købstads Jorder, Knudsker og Vester-Mariæ Sogne samt Østersøen, der her afsætter Arnager Bugt. I den sydl. Del løber Vællens Aa, der paa et Stykke danner Grænsen mod Rønne Købstads Jorder. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. S. Ø. for Rønne. Den mindre nordl. Del hører til Granitplateauet, den øvrige til Sandstenen, Jura- og Kridtformationen. En stor Del af Blemme Lyng hører til Sognet.

Gennem Sognet gaa den nordl. og sydl. Landevej fra Rønne til Neksø; Jærnbanen vil komme til at gennemskære Sognet med Station ved Gildesgaard.

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 4191 Td. Ld., hvoraf 1790 besaaede (deraf med Hvede 42, Rug 336, Byg 377, Havre 389, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenh. 292, Grøntf. 97, Kartofler 132, andre Rodfr. 92, Spergel 21), medens der henlaa til Afgræsning 756, Høslæt, Brak, Eng m. m. 416, Have 31, Skov 484, Moser og Kær 6, Heder, Stenmarker osv. 564, Byggegr. og Veje 130, Vandareal m. m. 13. Kreaturhold 1893: 305 Heste, 1199 Stk. Hornkvæg (deraf 808 Køer), 416 Faar, 579 Svin og 6 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: 354,$_{2}$ Td. (244 Td. alm.). Der var 45 Selvejergaarde med 316,$_{8}$, 3 Arvefæstegd. med 8,$_{0}$, 120 Huse med 27,$_{9}$ Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 941 (1801: 629, 1840: 699, 1860: 739, 1880: 914), boede i 180 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 24 levede af immat. Virksomhed, 601 af Jordbr., 95 af Fiskeri, 124 af Industri, 17 af Handel, 28 af andre Erhv., 23 af deres Midler, og 29 vare under Fattigv.

I Sognet: *Nylars Kirke*, nær ved Landevejen, og i Nærheden *Præstegaarden* og *Skolen* (Kirkeskolen), den sidste ved Landevejen; desuden *søndre*

Lilleborg.

*Skole*; to Møller. Ved Arnager Odde ligger Fiskerlejet *Arnager* med Baadehavn, den eneste Havn paa Sydkysten. Havnen paabegyndtes 1851, men sandede efterhaanden helt til, hvorefter den nuv. anlagdes 1883—84 som „Øhavn" efter Ing. H. Zahrtmanns Plan; den bestaar af et lille, firkantet Bassin, der ligger 300 Al. fra Kysten, med hvilket det er forbundet ved en Bro; Havnen, hvis Indløb er fra N., har en Dybde af 6—8 F. I Arnager findes 13 „Stæler" (se S. 8), et af de faa Steder paa Øen, hvor Benævnelsen endnu er bevaret. Af større Gaarde nævnes *Brunsgd.*, *Hovedgd.*, *Vællensbygd.*, *St. Strandbygd.*, *St. Myregd.* og *Præstegaarden*. Saml. af Gaarde: *Blemmegaarde* og *Strandbygaarde*.

Nylarsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Vester Herreds Jurisdiktion (Rønne), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistrikt (Rønne), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 4. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Nylars Kirke*, ɔ: Nilaus Kirke, tidligere helliget St. Nicolaus, en af Øens 4 Rundkirker, bestaar af Rundhuset, ovalt Kor med Korrunding og Vaabenhus mod

S. V. Den er med Undtagelse af det yngre Vaabenhus opført af utilhuggen Kamp med Anvendelse af Cementsten til Sokler, Gesimser, Trapper, Indfatninger af Døre og Vinduer osv. Det er den bedst byggede af Rundkirkerne, ligesom den ogsaa har flere smukke arkitektoniske Enkeltheder. Rundhuset bestaar af 3 Stokværk. I nederste Stokværk er der fra en, væsentlig af Cementsten opført Midtpille spændt en $16^1/_2$ F. høj, ringformet Tøndehvælving over til den 6 F. tykke Ydermur. I Rundhuset, hvis indvendige Diameter er næsten 36 F., findes mod S. den oprindelige Dør, foran hvilken Vaabenhuset (af Mursten, fladt Loft, ombygget 1878) er bygget; den tilsvarende nordl. Dør er forandret til Vindue; flere oprindelige Vinduer skimtes, et mod N. V. er helt bevaret. Fra Korets sydvestl. Hjørne fører en Trappe i Rundhusets Mur op til 2. Stokværk, der er ordnet aldeles som 1., blot at Hvælvingen her kun er 10 F. høj; mod S. V. findes en Fordybning eller Niche i Ydermuren. Trappen fortsættes til 3. Stokværk, der kun er 5 F. høj; Midtpillen, der er bredere end i de andre Stokværk, bærer ikke nogen Hvælving; indenfor Ydermuren løber en

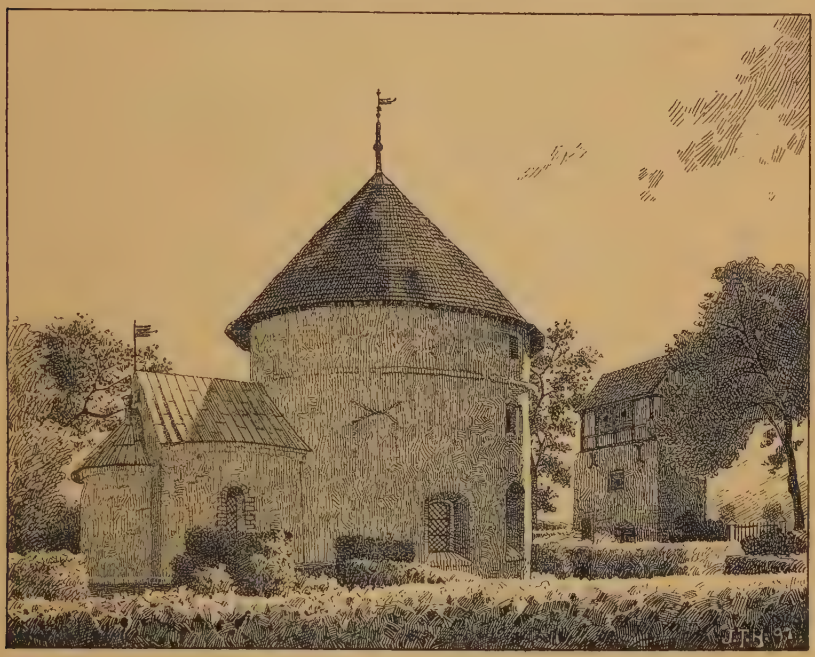

Nylars Kirke.

med Dør forsynet Ringmur, hvorved der dannes en 4 F. bred Vægtergang, hvis Gulv skraaner udad; langs Murranden ses Spor af Murtinder, og ligesom ved Ny Kirke er der Spygatter i Ydermuren. Taget har Kegleform. Korbuen er senere udvidet; Koret har en Hvælving, der paa Grund af de udbuede Sider nærmest har Kuppelform; Korrundingen har Halvkuppel; paa Korrundingens Tagspids er der et Mandehoved med Hat, vistnok Kirkens Værnehelgen. If. en Indskrift i Kirken faldt det ydre af Vestmuren ned 1661, uden at dette dog har skadet Kirkens Indre. Ved en Restauration af Kirken 1882, ledet af Arkitekt M. Bidstrup, fandtes i nederste Stokværk saavel paa Ydermuren, som paa Midtpillen og Hvælvingen en Del Kalkmalerier (Adams og Evas Skabelse, Syndefaldet m. m.), der hidrøre fra omtr. 1300, og som 1882 restaureredes af Prof. J. Kornerup. Ved Restaurationen fandtes i Rundhuset en Del Lig samt nogle Mønter og Blykugler. Klokkerne hænge i et særskilt, af Kamp og Bindingsværk opført Klokketaarn (om Kirkebygn. se *Brunius*, Konstanteck., S. 103 fl., og *H. J. Holm* B.'s ældgl. Kirkebygn. S. 4; om Kalkmalerierne *Kornerup*, i Aarb. f. n. Oldk., 1884 S. 106 fl., og *Magn. Petersen*, Kalkm. S. 143).

Paa Alterbordet staar et Krucifiks (den tidligere Tavle var forfærdiget 1791, efter at den ældre var brændt 1788); Prædikestolen er ligeledes ny (den tidligere var fra 17. Aarh.); Døbefont af Kalksten. I Vaabenhuset findes to af Øens smukkeste Runesten; paa den ene, der er høj og smal, staar: „Sasur lod rejse Stenen efter Alvard, Fader sin. Druknede han ude med alle Søfolkene. Hellige Christ hjælpe hans Sjæl. Denne Sten staa efter . .“; paa den anden, lavere og bredere: „Kaabe Sven rejste Sten denne efter Bose, sin Søn, den brave Mand, som blev dræbt i Kamp ved Udlænge. Gud Herren hjælpe hans Aand og Skt. Mikael“. (se *Wimmer*, De danske Runemindesm., Kbh. 1895, S. 150—58).

Ved *Arnager* (gml. Form Arnak), hvor der i Havbrinken findes et betydeligt Kalklag, danner den af Arnager Rev lukkede Bugt en naturlig Havn; 1683 sendtes Fregatten „Stjernen“ under Kapt. Niels Larsen Barfod til Stedet for at undersøge, om der kunde anlægges en Krigshavn; men Planen blev opgivet ligesom i 1765, da der tænktes paa noget lignende. — Ved *Stampen* (nedl. Vandmølle) S. for Rønne søndre Plantage er Gæstgiveri, Cyklebane og Strandbade; i Havbrinken her træder et mægtigt Grønsandslag frem.

Sognet er ualmindelig rigt paa Helleristningstene. I de fleste Tilfælde indskrænke Figurerne sig til skaalformede Fordybninger, men paa een Sten ved Lille Myregaard ses bl. a. en raat udført Menneskefigur, og en anden, nu fredlyst Sten ved Lille Strandbygaard bærer 13 Hjulfigurer foruden henved 30 skaalformede Fordybninger. I øvrigt ligger ved Arnager Øens eneste Runddysse og ved Tornegaard Øens største, bevarede Gravkammer fra Stenalderen, begge fredlyste, ligesom ogsaa 3 Gravhøje, ved St. Myregaard og St. Strandbygaard.

---

## Nørre Herred.

**Sogne:**

*Hasle Købstads Landdistr., S. 73). — Klemensker, S. 73. — Rutsker, S. 75. — (Allinge-Sandvig Købstæders Landdistr., S. 77). — Olsker, S. 77. — Rø, S. 79.*

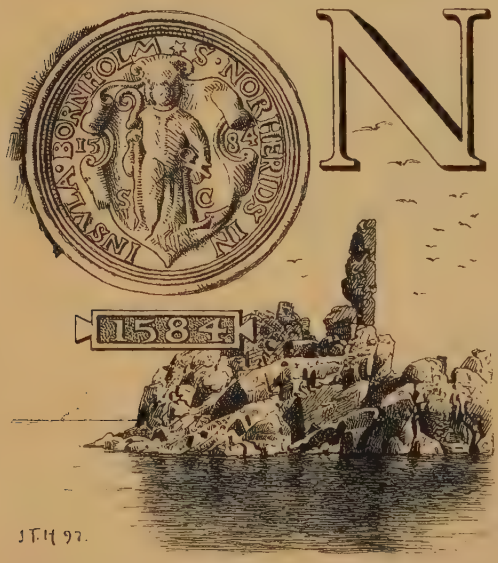


Nørre Herred, det nordvestligste paa Øen, begrænses af Vester Hrd. (Nyker og Vester-Mariæ S.), fra hvilket det paa et lille Stykke adskilles ved Bagaa, og Øster Hrd. (Østerlarsker S.), hvorfra det for en Del adskilles ved Bobbeaa, og er i øvrigt omgivet af Østersøen. Dets største Udstrækning er fra N. til S. henved $2^1/_2$, fra V. til Ø. 2 Mil. Herredet hører væsentlig til Granitplateauet, kun i den sydvestlige Del dækker Jura- og Kridtformationen Overfladen; de højeste Punkter ere Ruts Kirkebakke, 414 F., 130 M., og den i Nærheden liggende Egeshøj, 408 F., 128 M. Det største af Vandløbene er

Kampelykke Aa; Skov findes spredt over hele Herredet (3644 Td. Ld.). Om Naturen se i øvrigt S. 2 fl. Efter Matr. gaar der i Gennemsnit omtr. 17 Td. paa 1 Td. Hrtk. (12 Td. paa 1 Td. alm.). Efter Matrikuleringen var Herredets Fladeindhold ansat til 27,178 Td. Ld. ($2_{,72}$ □ Mil, $149_{,8}$ □ Km.). Ager og Engs Hartkorn var $^1/_1$ 1895 $2071_{,4}$ Td. (1427 Td. alm.). Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 5662 (1801: 2964, 1840: 3929, 1860: 4606, 1880: 5454). I Herredet ligge Købstæderne Hasle og Allinge-Sandvig. I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti med Øens andre 3 Herreder. I verdslig Henseende hører det under Nørre Herreds Jurisdiktion — undtagen Allinge-Sandvig Købstæder og deres Landdistrikt, der høre under Hammershus Birk — og under Amtets 2. (Klemensker og Rutsker) og 3. Forligskreds (de øvrige Dele).

Herredet hed i Middelalderen *Haslæ Herred.*

**Hasle Købstads Landdistrikt**, se S. 26, 28 og 29.

**Klemensker Sogn**, det sydligste og største, omgives af Hasle Købstads Jorder, Rutsker, Olsker og Rø Sogne samt Øster Hrd. (Østerlarsker S.) og Vester Hrd. (Vester-Mariæ og Nyker S.). Bagaa danner for en Del Grænsen med Rutsker Sogn, gennemløber derpaa Sognets vestl. Del og danner paa det sidste Stykke af sit Løb Grænsen mod Vester Hrd. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil Ø. for Hasle. Sognet tilhører for største Delen Granitplateauet, kun mod S. V. er Overfladen dækket af Kridt- og Juraformationen. Sognet har meget lidt Skov. Ved Kirken støde Landeveje fra alle Øens Hjørner sammen.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 10,280 Td. Ld., hvoraf 5057 besaaede (derat med Hvede 82, Rug 1038, Byg 795, Havre 1432, Bælgsæd 39, Blandsæd til Modenh. 797, Grøntf. 185, Kartofler 363, andre Rodfr. 311, andre Handelspl. 15), medens der henlaa til Afgræsn. 2466, Høslæt, Brak, Eng. m. m. 1383, Have 76, Skov 621, Moser og Kær 72, Heder, Stenmarker osv. 269, Byggegr. og Veje 258, Vandareal m. m. 74 Td. Kreaturhold 1893: 806 Heste, 3359 Stkr. Hornkv. (deraf 2220 Køer), 1323 Faar, 1866 Svin og 15 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $954_{,4}$ Td. (658 Td. alm.). Der var 141 Selvejergaarde med $824_{,2}$, 25 Arvefæstegd. med $59_{,3}$, 164 Huse med $66_{,6}$ Td. Hrtk. og 116 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2225 (1801: 1272, 1840: 1639, 1860: 1849, 1880: 2175), boede i 413 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 33 levede af immat. Virksomhed., 1515 af Jordbrug, 9 af Gartneri, 395 af Industri, 27 af Handel, 162 af forsk. Daglejervirks., 56 af deres Midler og 28 vare under Fattigv.

I Sognet: *St. Klemens Kirke*, 363 F., 114 M., over Havet; i Nærheden *Præstegaarden* og *Klemens Kro*. Skoler: *Nordre*, *Søndre* og *Vestre Skole* samt *Aarsballe Forskole*. Ved Kysten Fiskerlejet *Leuka* (hører nu til Hasle Landdistr.). Desuden ved Stausdal et luthersk Missionshus (opf. 1897), Andelsmejerierne *Bjørnedal* og *Svalhøj*, Fællesmejeriet *Sophiendal* og 6 Møller. *Simblegaard* har 22 Td. Hrtk (15 Td. alm.), 188 Td. Ld. Ejendommen *Tornbygaard*, *Landsdommergaard* og *Skovgaard* (den sidste i Nyker S.) har 33 Td. Hrtk. ($22_{,7}$ Td. alm.), 260 Td. Ld. (71 i Nyker S.), hvoraf 5 Eng, 20 Skov, 2 Veje og 15 liggende til Lejehuse, Resten Ager; paa

Ejendommen findes store Kilder. *Splitsgaard* har omtr. 29 Td. Hrtk. (20 Td. alm.), omtr. 400 Td. Ld. (10 i Rutsker S.), hvoraf 370 ere Ager, 4 Eng, 6 Skov, $3^1/_2$ liggende til to Fæstehuse, Resten Græsningsareal, Mose, Veje, Have og Gaardsplads; Ejeren har efter at have købt Gaarden 1863 efterhaanden tilkøbt omtr. 215 Td. Ld. af Højlyngen, hvilke nu ere helt opdyrkede (tils. 4 Td. Hrtk.). Ejendommen *Ladegaard* og *Nørregaard* (den sidste i Nyker S.) har $25^3/_8$ Td. Hrtk. ($17_{,5}$ Td. alm.), 238 Td. Ld., hvoraf 203 Ager, 2 Eng, 15 Skov, Resten til 7 Lejehuse. Af større Gaarde nævnes desuden: *Præstegaarden*, *St. Krashavegd.*, *Køllergd.*, *Skovgd.*, *Brogd.*, *Risegd.*, *Vestre Pilegd.*, *Bolbygd.* og *Baggd.* (Proprietærgd.). Saml. af Gaarde: *Skarpeskade*, *Risby*, *Bedegade* m. m.

Klemensker S., der danner en egen Sognekommune, men er delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Hasle), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 10. (nordre) og 11. Lægd (søndre Sognefogeddistr.). Kirken ejer sig selv.

*St. Klemens Kirke* er, efter at den gamle var bleven nedbrudt*), opført 1881—82 (indviet $^3/_{12}$ 82) efter Tegn. af Arkitekt L. H. Knudsen i romansk Stil med Motiver fra de gamle bornholmske Kirker. Den er bygget af kløvet, uregelmæssig Kamp og bestaar af Skib, Kor med Korrunding og et svært Taarn med pyramideformet Tag mod V. Hovedindgangen er i Taarnets Vestmur. Kirken har hævet Loft og er høj og lys og meget rummelig (omtr. 1200 Pladser). Altertavle (et Krucifiks), Prædikestol og Døbefont (Granit) ere nye. Den ene Klokke, der næppe er yngre end 1250, bærer Indskriften: „Ave Maria Gratia plena Dominus tecum ben", hvilken er tilvejebragt paa den højst usædvanlige Maade, at den med et spidst Redskab er indridset i selve Sandformen. — Ved Kirken findes flere Runesten; paa en staar: „Silfr lod rejse Stenen efter Audbjarn, Bonde sin. Christ hjælpe Sjæl Audbjarns i Lys og Paradis. Christ hjælpe Sjæl Esbjørns, og Guds Moder og St. Mikael i Lys og Paradis"; paa en anden: „Sven og Ketel rejste Sten efter Vitkar, Fader deres"; paa en tredje, der fandtes ved Nedbrydningen af den gamle Kirkes Klokketaarn, staar kun tilbage: „Arkibiskubs Mairakhii".

Ved Vejen fra Hasle til Rønne staar opstillet i en lille Lund en stor, meget smuk Runesten, *Brogaardsstenen*, hvis Indskrift, der er anbragt i store Slyngninger, lyder: „Svenkr lod rejse Sten denne efter Toste, Fader sin, og efter Alflak, Broder sin, og efter Moder sin og efter Søster sin".

*Simblegaard* er meget gammel; under de nuv. Bygninger er der fundet Flisegulv. Aar 1574 og 1595 tilhørte Gaarden Peder Hansen, Landsdommer paa Bornholm; hans Datter Merete ægtede Hans Grabow, hvis Søn Joachim Grabow 1633 mageskiftede Gaarden til Kronen.

*Krashavegaard* tilhørte i Slutn. af 15. Aarh. en fri Mand Oluf Tuesen og kom siden til den bornh. Slægt Uf, fra hvilken Margrethe Ufsdatter tilbragte sin Ægtefælle Christen Clausen Køller Gaarden ved Aar 1580.

Oluf Bagge, Væbner i St. Klemens Sogn, nævnes 1490. *Baggaard* tilhørte 1581 en af hans Efterkommere Oluf Bagge, Herredsfoged i Nørre Hrd., senere dennes Sønner Mads, Oluf og Niels, hvilken sidste solgte den 1606 til Peder Kofoed til Kofoedgd. i Østermarker Sogn.

Paa Duebjærg er der fredlyst en smuk, stenomsat Gravhøj. Paa et Bakkeparti Ø. for Simblegaard er der undersøgt over 100 Brandpletter med et rigt og til Dels

*) Den gamle Kirke bestod af Skib, Kor med Korrunding, de to nederste Stokværk af et Taarn mod V. samt et Vaabenhus mod S. Kirkens enkelte Dele vare opførte samtidig, undtagen det senere tilbyggede Vaabenhus, af Kamp med Anvendelse af Cementsten. Skibet havde Stjernehvælving, Koret Krydshvælving, begge af Mursten (enestaaende paa Bornholm), indsatte ved Aar 1500, Korrundingen derimod en oprindelig Halvkuppelhvælving. Ligeledes havde Taarnets nederste Stokværk en oprindelig Tøndehvælving; i Taarnets sydl. Mur var Opgang til 2. Stokværk, men her var Hvælvingen nedbrudt ved Taarnets Nedtagelse efter Lynnedslag og Trappen videre op ligeledes afbrudt, hvorefter Resten af Taarnet havde faaet Skraatag i Flugt med Skibets. Under Skibet fandtes en muret Begravelse, hvori Øens adelige Embedsmænd indtil 1661 begravedes; ved Nedbrydningen af Kirken blev den undersøgt, en Kiste mentes at have tilhørt en Grubbe. Der var særskilt Klokketaarn (se *Brunius*, Konstanteckn. S. 156, og *H. J. Holm*, B.'s ældgml. Kirkebygn. S. 7).

mærkeligt Indhold, og i Mosen Balsmyre, paa samme Gaards Grund, er der optaget større Fund fra Bronce- og Jærnalderen.

**Rutsker Sogn** (gml. Form Rydsker, Rødsker, Rosker), Anneks til Hasle Købstad, omgives af Østersøen, Hasle Købstads Landdistr., Klemensker

Jons Kapel.

Sogn, fra hvilket det for en Del adskilles ved Bagaa, Olsker Sogn og Allinge-Sandvig Landdistr. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. Ø. for Hasle. Sognet hører helt til Granitplateauet; højeste Punkt er *Ruts Kirkebakke*, 414 F., 130 M., det første Punkt, der dukker op af Havet,

naar man nærmer sig Øen fra V.; imod N. V. ligge *Ringebakkerne* (Store og Lille Ringebakke), højeste Punkt 295 F., 93 M., et omtr. $^1/_4$ Mil langt og $^1/_8$ Mil bredt, lyngbevokset Klippeparti, der falder af til Kysten med bratte Skrænter. Lige S. for dette Klippeparti, kun adskilt derfra ved den lille Blaasingdal, ligger et af Øens smukkeste Klippepartier, det imponerende, vilde *Jons Kapel*, hvis Skrænt (Hvidkleven) er 131 F., 41 M.; en stejl Trappe fører ned mod Stranden til en fritstaaende, 68 F., 21 M., høj Klippe, „Jons Prædikestol". Ved Teglkaas hører Klippekysten op og afløses mod S. af indtil 92 F., 29 M., høje, stejle Lerbrinker. Til Sognet hører et Enklave mod Ø. (Andel af Udmarksjorderne). Gennem Sognet, der gennemskæres af Landevejen fra Hasle til Allinge, løber mod S. V. Kæmpeaa.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 5241 Td. Ld., hvoraf 2442 besaaede (deraf med Hvede 9, Rug 482, Byg 331, Havre 679, Bælgsæd 23, Blands. til Modenh. 422, Grøntf. 115, Kartofler 254, andre Rodfr. 120, andre Handelspl.7), medens der henlaa til Afgræsn. 1074, Høslæt, Brak, Eng m. m. 622, Have 36, Skov 463, Mose og Kær 63, Heder, Stenmarker osv. 382, Bygtegr. og Veje 141, Vandareal m. m. 18 Td. Kreaturhold 1893: 360 Heste, 1488 Stkr. Hornkv. (deraf 1008 Køer), 789 Faar, 776 Svin og 9 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: 423,$_6$ Td. (292 Td. alm.) Der var 88 Selvejergaarde med 346,$_0$, 3 Arvefæstegd. med 17,$_4$, 200 Huse med 55,$_9$ Td. Hrtk. og 26 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1300 (1801: 604, 1840: 942, 1860: 1230, 1880: 1326), boede i 261 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhv. saaledes: 16 levede af immat. Virksomh., 765 af Jordbrug, 201 af Fiskeri, 203 af Industri, 14 af Handel, 6 af Skibsfart, 35 af forsk. Daglejervirks., 43 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv. Fiskeriet fra de 3 Fiskerlejer er meget betydeligt.

I Sognet: *Ruts Kirke*, ved Vejen fra Hasle til Allinge. Desuden den tidligere *Præstegaard*, *Nordre Skole*, *Søndre Skole* og en *Forskole*, et *Forsamlingshus* (opf. 1895) og Andelsmejeriet *Hammerdal*; flere Møller. Ved Kysten Fiskerlejerne *Helligpeder* med Baadehavn, *Teglkaas* med Baadehavn og *Vang* med Baadehavn og Stenhuggeri. Alle tre Havne, der bestaa af Inder- og Yderhavn, ere meget udvidede i de sidste Aar, især Vangs 1896, og ere 6 F. dybe og derover. Af større Gaarde mærkes *Puggegd.* og *Sandemandsgd.* Saml. af Gaarde: *Kaasby* og *Jydegaarde*. *Rutsker-Højlyng*, Huse.

Rutsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Hasle), Bornholms Amtstue (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 9. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Ruts Kirke* bestaar af Skib, Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Tilbygning mod N. Kirken er opført af Kamp med Anvendelse af Cementsten ved Trapper, Indfatninger af Døre og Vinduer osv. og af Fraadsten i Korrundingen (den eneste Kirke paa Øen, hvor dette Materiale er benyttet). Kirken undergik i Aaret 1887 under Ledelse af Arkitekt M. Bidstrup en betydelig Restauration og Udvidelse, ved hvilken Lejlighed det gamle Taarn (omtr. som Taarnet i Vester-Mariæ Kirke, i 3 Stokværk med Tøndehvælvinger i de to nederste Stokværk og takkede Gavle) nedreves, og der opførtes et nyt med skifertækket Skraatag; ligeledes nedreves et senere mod S. tilbygget Vaabenhus, medens den nordl. Tilbygning opførtes for at skaffe mere Plads i Kirken. Hovedindgangen er nu i Taarnets Vestside (ogsaa i det gamle Taarn var der en, dog vist ikke oprindelig Indgang mod V., der senere var bleven tilmuret). Fra Taarnet fører en stor Bue ind til Skibet, som nu har tresidet Loft, medens det før Restaurationen havde en fladbuet Bræddehvælving. Paa hver Side af den runde Korbue er der en Niche; Koret har Krydshvælving, baaren af Hjørnepilastre. Det mærkeligste Parti er den fra den gamle Kirke bevarede Korrunding med Halvkuppelhvælving. Dens Ydermur er prydet med 8 Pilastre, der dele den i 7 Felter, foroven forenede ved Tvillingbuer; i det midterste Felt er der en

ved en Søjle i Midten delt Niche, og over den et cirkelrundt Vindue. Det særskilte Klokketaarn (Kamp og Bindingsværk) er bevaret. Altertavlen er et tarveligt Arbejde fra 2. Halvdel af 17. Aarh.; Prædikestolen er ny, Granitdøbefonten er vistnok fra Kirkens første Tid. En gml. Kalk opbevares i Nationalmuseet (om den gamle Kirke se *Brunius*, Konstanteckn. S. 162 fl., og *H. J. Holm*, B.'s ældgml. Kirkeb. S. 6). Paa Kirkegaarden er der en mindre Runesten.

I Egnen omkring Bakkegaarden har der været en Samling af over 100 Bautasten, vel den største, som kendes i Landet; nu er der kun een tilbage. Ved Puggegaard ligger en fredlyst Gravhøj, „Vippehøj".

**Allinge-Sandvig Landdistrikt**, se S. 31, 33, 34 og 36.

**Olsker Sogn**, ved Nordøstkysten, Anneks til Allinge, omgives af Øster-

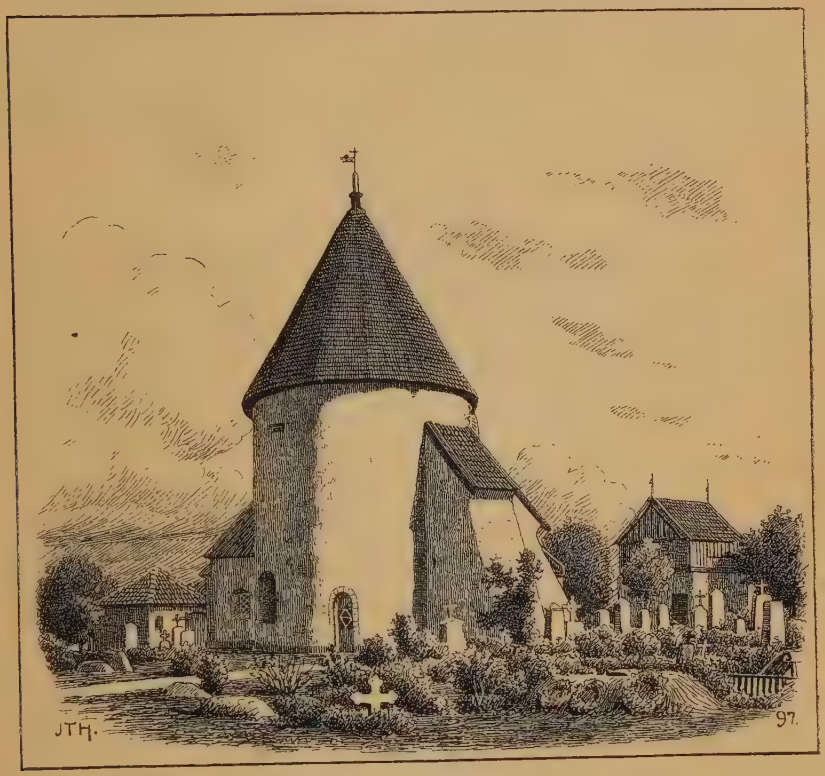


St. Ols Kirke.

søen, Allinge-Sandvig Landdistr., Rutsker, Klemensker og Rø Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger noget over $^1/_2$ Mil S. for Allinge og noget over 1 Mil N. Ø. for Hasle. Det hører helt til Granitplateauet, og det for en Del stærkt kuperede Terræn er gennemfuret af snævre Klippedale, hvori løbe smaa Vandløb, saaledes Kampelykke Aa, der løber mod N., Stordal Aa, hvis Klippedal („Krybbedal" og „Storedal") er særlig smuk, Møllebæk og Tejn Aa, alle mod N. Ø. Kysten er næsten hele Vejen ledsaget af Skær. Mod S. paa Højlyngen hæver Stjernehøj sig til 353 F., 111 M. Gennem Sognet gaa Vejene fra Allinge til Hasle og langs Østlandet.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 4485 Td. Ld., hvoraf 2014 besaaede (deraf med

Hvede 10, Rug 411, Byg 301, Havre 543, Bælgsæd 45, Blandsæd til Modenh. 328, Grøntf. 65, Kartofler 169, andre Rodfr. 129, andre Handelspl. 13), medens der henlaa til Afgræsn. 910, Høslæt, Brak, Eng m. m. 549, Have 35, Skov 505, Moser og Kær 12, Heder, Stenmarker osv, 355, Byggegr. og Veje 94, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 295 Heste, 1257 Stkr. Hornkv. (deraf 826 Køer), 618 Faar, 652 Svin og 11 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk.var $^1/_1$ 1895: $340,_2$ Td. (256 Td. alm.). Der var 54 Selvejergaarde med $293,_1$, 1 Arvefæstegd. med $10,_6$, 170 Huse med $36,_4$ Td. Hrtk. og 25 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1222 (1801: 575, 1840: 789, 1860: 874, 1880: 1146), boede i 242 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 18 levede af immat. Virksomh., 635 af Jordbrug, 89 af Fiskeri, 281 af Industri, 8 af Skibsfart, 131 af forsk. Daglejervirksomh., 33 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet: *St. Ols Kirke*, tæt S. for det Sted, hvor Vejen fra Allinge deler sig; tæt ved Kirken *Præstegaarden* og *Skolen*; desuden *Tejn Skole*. Fiskerlejet *Tejn*, (gml. Form Teding, Thegne) har en Havn, hvis Inderhavn har 7, Yderhavn 8 F. Vand. Andelsmejeriet *Humledal* og 3 Møller. *Hullegaard* (12. og 13. Selvejergd.) har $18^5/_8$ Td. Hrtk. ($12,_6$ Td. alm.), 168

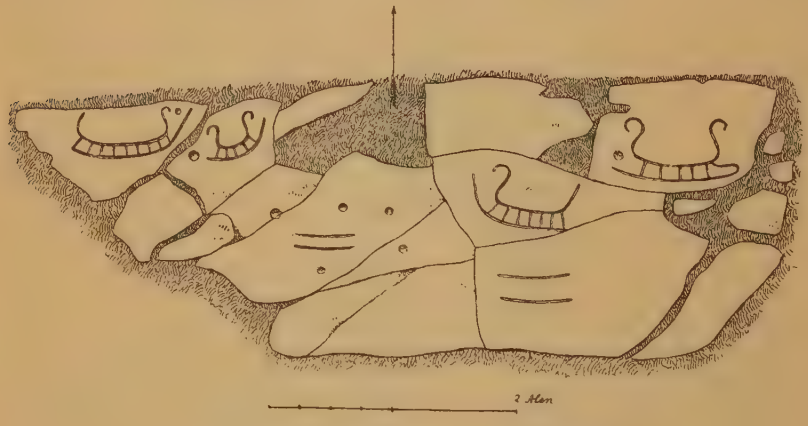

Helleristninger paa „Haldene" ved Brogaard.

Td. Ld., hvoraf 145 Ager, 23 Skov osv.; fra Ejendommen er der bortfæstet 12 Td. Ld. Af større Gaarde mærkes desuden *St. Hallegd.* (Proprietærgd.) og *Brogd.*

Olsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Hasle), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 1. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 13. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*St. Ols Kirke* (Olufs Kirke), en af Øens Rundkirker, bestaar af Rundhuset, firkantet Kor med Korrunding og Vaabenhus mod S. V. Kirken, hvis forskellige Dele, undtagen det senere tilbyggede Vaabenhus, ere opførte samtidig, er af utilhuggen Kamp med Anvendelse af Cementsten. Det i indv. Gennemsnit 32 F. store Rundhus, hvis Mure ere $5^1/_2$ F. tykke, har 3 Stokværk. Fra den med skraakantet Sokkel og Gesims forsynede Midtpille, der er 5 F. i Gennemsn., er der i nederste Stokværk spændt en ringformet, 16 F. høj Tøndehvælving over til Ydermuren. Opgangen til 2. Stokværk er i et Murfremspring ved Koret ad en Vindeltrappe indefra (denne var tidligere tilmuret, og før den sidste Restauration kom man derop ad en Stige udvendig). Det andet Stokværk er ordnet ligesom 1., blot at Midtpillen her er 8 F. i Gennemsnit og Tøndehvælvingen 13 F. høj, højere end 2. Stokværk i de andre Rundkirker, hvorfor

denne Kirke ogsaa har en slankere Form; i 3. Stokværk, hvori Midtpillen (5 F. i Gennemsn.) ikke bærer nogen Hvælving, er der 9 større, nu til Dels tilmurede Muraabninger. Rundhuset har mangekantet, kegledannet Tag. Den sydl. Indgang i Rundhuset, hvor Vaabenhuset ligger, er bevaret, den nordl. er omdannet til Vindue. Koret har Tøndehvælving, Korrundingen, der har haft eet Vindue, Halvkuppelhvælving. Kirken er 1878 bleven underkastet en Restauration under Ledelse af Etatsr. Herholdt. Der er særskilt Klokketaarn. Altertavlen er uden Maleri, Prædikestol og Døbefont ere nye, men tarvelige. I Vaabenhuset hænger en Tavle til Minde om Chr. V's Besøg i 1687; smstds. en Ligsten over Sognepræsten Ingvor Christensen, † 1590. Paa Kirkegaarden Ligsten over Sognepræsterne Søren Bjærg, † 1613, og Niels Andersen, † 1635, og Hustru. (Om Kirkebygn. se *Brunius*. Konstanteckn., S. 169 fl., og *H. J. Holm*, B.'s ældgml. Kirkeb., S. 7).

*Hallegaard* tilhørte 1580 Christen Clausen Køller (se S. 74), der 1623 blev Landsdommer paa Bornholm.

Ved Ejendommen Blaaholt og Munkegaard er der fredlyst en Del Røser og 3 Bautasten, og ved Stranden 2000 Al. S. Ø. for Allinge en større Oldtidsgravplads. Flere Helleristninger ere iagttagne paa „Haldene" ved Brogaard, saaledes paa en Klippeflade en Gruppe af 4 fuldstændige Skibsfigurer og Spor af to andre, samt 7 skaalformede Fordybninger (se Billedet S. 78).

**Rø Sogn**, ved Nordøstkysten, omgives af Østersøen, Olsker, et Enklave af Rutsker og Klemensker Sogne samt Øster Hrd. (Østerlarsker S.), hvorfra det for en Del adskilles ved Bobbeaa. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Allinge og noget over $1^1/_2$ Mil Ø. N. Ø. for Hasle. Sognet, der i Naturskønhed regnes til de første paa Øen, hører helt til Granitplateauet. Det gennemfures af en Mængde smaa Aaer, der løbe gennem snævre Dale med bratte Klippeaffald og udmunde i nordøstl. Retning paa den skærfulde Kyst, saaledes Møllegaard Bæk, der kommer fra Mosen Laris Myre paa Højlyngen, den for sine smukke Omgivelser særlig bekendte Dyndale Aa (med Klippen „Amtmandsstenen"), som i regnfulde Somre danner et smukt Vandfald, Vaarbæk, Lindeskov Bæk, Store Fos, med det nærliggende smukke Klippeparti Stevelen, og endelig Bobbeaa paa Grænsen mod Øster Hrd. Skærene danne navnlig paa Midten af Sognets Kyst imponerende Partier ved Helligdomsklipperne (se ndfr). Henved $^1/_4$ af Arealet er dækket med Skov, deribl. foruden en Mængde Smaaskove den paa Højlyngen anlagte, omtr. 1000 Td. Ld. store Statsplantage *Rø Plantage*, der væsentlig er beplantet med Skovfyr. Gennem Plantagen skære to smalle Dalstrøg, Nørre-Borgdal og Sønder-Borgdal, hver gennemløbet af en Aa, som ved deres Forening danne Bobbeaa. Gennem Sognet gaar Allinge-Svaneke Vejen, der i de sidste Aar med stor Bekostning er lagt i lige Linie over Bobbeaas dybe Leje, dels ved at gennemskære Bakkerne, dels ved at fylde op i Bunden.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 4706 Td. Ld., hvoraf 1514 besaaede (deraf med Hvede 47, Rug 302, Byg 262, Havre 422, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 283, Grontf. 34, Kartofler 89, andre Rodfr. 55, andre Handelspl. 4), medens der henlaa til Afgræsning 765, Høslæt, Brak, Eng m. m. 453, Have 26, Skov 1379, Moser og Kær 47, Heder, Stenmarker 341, Byggegr., Veje 160, Vandareal m. m. 21. Kreaturhold 1893: 260 Heste, 999 Stkr. Hornkvæg (deraf 679 Køer), 572 Faar, 456 Svin og 2 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $328,_2$ Td. (226 Td. alm.). Der var 52 Selvejergaarde med $244,_1$, 11 Arvefæstegd. med $32,_3$, 66 Huse med $27,_3$ Td. Hrtk. og 25 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 772 (1801: 513, 1840: 559, 1860: 613, 1880: 727), boede i 150 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 8 levede af immat. Virksomhed, 566 af Jordbr., 14 af Fiskeri, 102 af Industri, 10 af Handel, 1 af Skibsfart, 36 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet: *Rø Kirke* og *Præstegaarden*, ved Landevejen; i Nærheden

*Skolen* med *Forskole*. Desuden mærkes Hotellet „*Helligdommen*“, *Helligdomsgaarden* og flere Møller. Ejendommen *Offergaard* og *Brogaard* (sidste i Olsker S.) har omtr. 21 Td. Hrtk. (14,4 Td. alm.), omtr. 204 Td. Ld. Af andre større Gaarde mærkes *Tyskegaard* og *Baadstedgd.* Saml. af Gaarde: *Stenby* og *Nørregaarde.*

Rø S., der danner en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Hasle), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 12. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Rø Kirke* bestaar af Skib, Kor med Korrunding og Taarn mod V. og er opført 1887—88 efter Tegn. af Arkitekt M. Bidstrup af Kamp i romansk Stil, noget større end den gamle, nedbrudte Kirke*), men i øvrigt i meget lignende denne, navnlig hvad det brede, monumentale Taarn angaar. Indgangen er i Taarnets Vestmur; Kirken har fladt Loft. Altertavlen er et nyt Maleri (den kananæiske Kvinde); en Alterkalk er

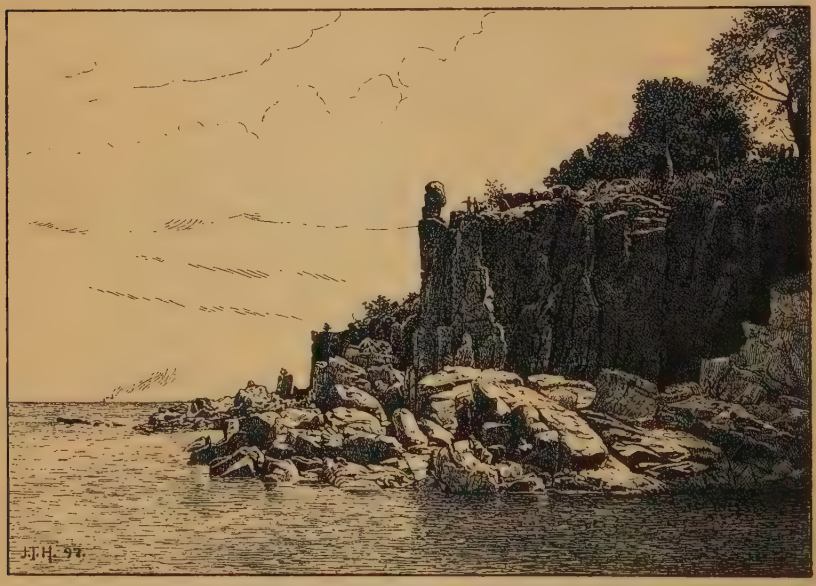


Parti af Helligdomsklipperne.

fra 1496 med plattysk Indskrift, en anden fra 1664; Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1601; Granitdøbefonten er ny. Ved Kirken er der Fragment af en Runesten. Paa Kirkegaarden findes der en overbrudt Ligsten fra 1349, vistnok over en gejstlig (tidligere i Korgulvet i den gamle Kirke).

*) Den gamle Kirke, St. Michaels Kirke, bestod af Skib, Kor med Korrunding, Taarn mod V. og et senere tilbygget Vaabenhus mod S. og var opført af Kamp med Anvendelse af Cementsten. Den nordl. Dør i Kirken var tilmuret. Skib og Kor havde senere indsatte Bræddehvælvinger, Korrundingen en opr. Halvkuppelhvælving. Taarnet, der var ligesaa bredt som Skibet, var i 3 Stokværk, nederste Stokværk, med Tøndehvælving, stod i Forbindelse med Skibet ved en Rundbue, under hvilken der var spændt to mindre Buer, som bares af en lav, rund Midtsøjle. Taarntrappen var i den sydl. Mur med Indgang fra Vaabenhuset (den tidligere Adgang indvendig fra var tilmuret); 2. Stokværk havde ligeledes Tøndehvælving; 3. Stokværk, hvor Klokkerne i en senere Tid vare blevne ophængte, havde 6 Vinduesaabninger og bar Skraataget med takkede Gavle. Der fandtes nogle Rester af Kalkmalerier, vistnok fra Slutn. af 15. Aarh., navnlig paa Korets nordl. Væg. Ved Nedbrydningen viste Murværket sig saa stærkt, at man maatte sprænge det med Dynamit. Af de Mønter, der fandtes, vare de ældste fra Vald. Sejrs Tid (se *Brunius*, Konstanteckn., S. 193, og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkeb., S. 8).

*Helligdomsklipperne* dannes af en Række vilde, forrevne, indtil 70 F. høje Klipper, der til Dels ere dækkede af en frodig Vegetation, og mellem hvilke Havet i dybe Indskæringer trænger ind. Stedet bliver meget besøgt og har ogsaa været det i svundne Tider, navnlig St. Hans Nat, idet Navnet stammer fra den *„hellige Kilde"*, en Ferskvandskilde, der fremvælder i en skaalformet Fordybning (Jættegryde) lige i Havstokken paa det yderste af et i Havet udskydende Rev ved Foden af en høj Klippe; en Trappe fører fra Skrænten ned til Kilden. Tæt ovenfor Skrænten ved den lille Skovbæk har ligget et lille Kapel, *Trefoldigheds Kapel*, hvis Grundsten først opbrødes efter Midten af 19. Aarh. — Af Enkeltheder i Skærdannelsen nævnes den paa et fremspringende Rev, *Lyseklippen* (se Vignetten S. 72) fritstaaende, omtrent 16 F. høje forvitrede Granitsøjle; endvidere den omtr. 160 F. dybe, smalle Klippehule *Hans Grønbechs Ovn* (opkaldt efter Manden, der opdagede den for omtr. 40 Aar siden), der til Dels blev spærret ved et under Stormfloden 1872 nedstyrtet Klippestykke, den omtr. 80 F. dybe, smalle Klippespalte *Gaaserenden*, den henved 6 F. brede og 70 F. dybe *Tørre* (eller *Sorte*) *Ovn* og en over Søen hvælvet Klippegrotte, den *Vaade Ovn*.

I Sognet ligge to Voldsteder. I Rø Plantage, paa en aflang Klippe, der ligger mellem de S. 79 omtalte to Arme af Bobbeaa, ligger *Borrehoved*, hvor dog intet andet end en Stenrække, der lukker for Banken mod V., vidner om en tidligere, muligvis kun paabegyndt Befæstning. Det andet Voldsted er *Storeborg*, N. for Plantagen, beliggende paa en Klippeknold i Spelling Mose, hvorigennem Dyndale Aa flyder; paa den ene Side er der Spor af en stensat Jordvold.

Ved Offergaards Mark ligger en af Øens største Gravhøje, den fredlyste Offerhøj, 16 F. høj. Ved 22. Selvejergd. er der tæt under Jordoverfladen fundet et større Antal Sølvgenstande fra Vikingetiden, Ringe, Barrer, Mønter osv., alt vistnok nedlagt indsvøbt i et Skind.

---

## Øster Herred.

**Sogne:**

*Østerlarsker, S. 82. — Gudhjem, S. 85. — Øster-Mariæ, S. 87. — Ibsker, S. 91.*

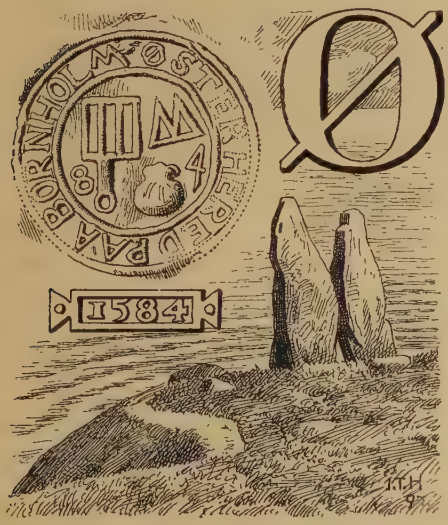


Øster Herred, det mindste af Herrederne, omgives af Østersøen, Nørre Hrd. (Rø og Klemensker S.), fra hvilket det for en Del adskilles ved Bobbeaa, Vester Hrd. (Enklave af Nyker, og Vester-Mariæ S.) og Sønder Hrd. (Aaker S. samt Enklaver af Pedersker og Poulsker S. samt Bodilsker S.). Det hører helt til Granitplateauet; mod S. ligger det stærkt kuperede Parti Paradis- og Helvedesbakkerne, højeste Punkt 361 F., 113 M. En Mængde smaa Vandløb søge i nordøstl. Retning ud til Kysten; ved Vestgrænsen ligger den nu næsten til Mose forvandlede Sø Ølene. Herredet har en Del spredt Skov (2550 Td. Ld.). Efter Matr. gaar der omtr. 12 Td. Ld. paa 1

Td. bornh. Hrtk. (17 Td. paa 1 Td. alm.). Efter Matrikuleringen var Herredets Fladeindhold 22,992 Td. Ld. ($2,_3$ □ Mil, $126,_6$ □ Km.). Ager og Engs Hartkorn var $^1/_1$ 1895 2131,$^5/_6$ bornh. Td. (1468 Td. alm.). Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 6268 (1801: 3743, 1840: 4633, 1860: 5181, 1880: 5972). I Herredet ligger Købstaden Svaneke. I gejstlig Henseende danner Herredet cet Provsti med Øens andre Herreder, i verdslig Henseende hører det til Øster Herreds Jurisdiktion og Amtets 4. Forligskreds.

---

**Østerlarsker Sogn** omgives af Annekset Gudhjem, Østersøen, Øster-Mariæ Sogn, fra hvilket det for en Del adskilles ved Kjelds Aa, Vester Hrd.

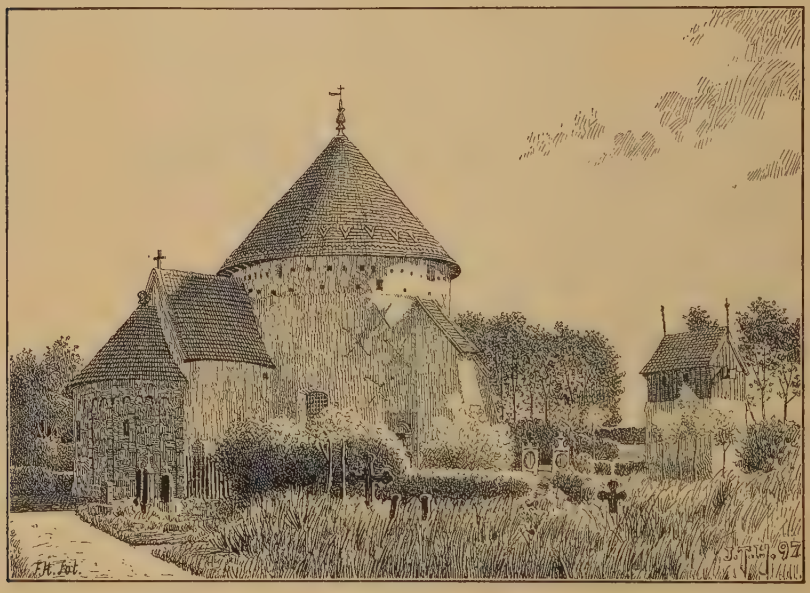

Østerlars Kirke.

(Vester-Mariæ S. og Enklave af Nyker) og Nørre Hrd. (Klemensker og Rø S.), fra hvilket det for en Del adskilles ved Bobbeaa. Kirken, omtr. midt i Sogned, ligger $1^1/_2$ Mil N. V. for Svaneke og $2^1/_2$ Mil Ø. N. Ø. for Rønne. Sognet, der er rigt paa Naturskønheder, gennemløbes i nordøstl. Retning af en Del Vandløb, deribl., foruden de ved Grænserne nævnte, Melsted Aa, Kobbeaa, der ved Stavrhøl danner et mellem to Klipper nedstyrtende Vandfald (om Sommeren dog næsten udtørret), og Strandbybæk. Mod N. ligger den til Dels skovdækkede, i næsten lige Linie løbende *Lens Klint*, fra hvis højeste Punkt, 325 F.. 102 M., der er en vid Udsigt over Kysten og Havet. En lignende smuk Udsigt er der ved *Salene Bugt*, der ligger ved Bobbeaas Udløb. Gennem Sognet gaar Vejen fra Svaneke til Allinge og Rønne.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 6902 Td. Ld., hvoraf 3201 Tb. desaaede (deraf med Hvede 158, Rug 564, Byg 612, Havre 816, Bælgsæd 50, Blandsæd til Modenh. 635, Grøntf. 90, Kartofler 157, andre Rodfrugter 117), medens der henlaa til Afgræsn.

1575, Høslæt, Brak, Eng m. m. 914, Have 43, Skov 735, Moser og Kær 22, Heder, Stenmarker 252, Byggegr., Veje 138, Vandareal m. m. 22 Td. Kreaturhold 1893: 560 Heste, 2133 Stkr. Hornkv. (deraf 1396 Køer), 870 Faar, 951 Svin og 8 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $638_{,8}$ Td. (440 Td. alm.). Der var 102 Selvejergaarde med $564_{,6}$, 11 Arvefæstegd. med $23_{,2}$, 116 Huse med $47_{,4}$ Td. Hrtk. og 55 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1474 (1801: 984, 1840: 1222, 1860: 1076, 1880: 1496), boede i 291 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 22 levede af immat. Virksomhed, 1004 af Jordbrug, 18 af Fiskeri, 264 af Industri, 15 af Handel, 3 af Skibsfart, 79 af forsk. Daglejervirks., 42 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet: *Østerlars Kirke*, nærved Landevejen, *Præstegaarden* og *Kirkeskolen* (østre Sk.); desuden *Nordre* og *Vestre Skole*, evang.-luthersk Missionshus (opf. 1897), et Andelsmejeri (Dybdal) og 5 Møller. Mod S.,

Østerlars Kirkes Indre.

hvor Vejene fra Allinge og Vestlandet støde sammen, ligger Brevsamlingsstedet *Nybro* med Købmandshandel. Fiskerlejet *Saltuna*. *Lensgaard* har $21^7/_8$ Td. Hrtk. (15 Td. alm.), 267 Td. Ld., hvoraf 150 Ager, 15 Eng, 95 Skov (deraf 35 plantet af den nuv. Ejer paa Klippegrund, Lens Klint) og en Arvefæstelod. *Kobbegaard* har $20^1/_4$ Td. Hrtk. (14 Td. alm.), 169 Td. Ld., hvoraf 34 Skov, Resten Ager. Ejendommen *37.* og *38. Selvejergd.* (*Aagaard*) samt *4. Vornedegd.* i Øster-Mariæ S. har tils. $22^1/_2$ Td. Hrtk. ($15_{,5}$ Td. alm.), 220 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 10 Skov, Resten Ager. Ejendommen *Hjortegaard* (eller *Smedegaard*), *Kanterlængen* og *Søgd.* (39. Selvejergd. og 10. og 13. Vornedegd.) har $17^3/_4$ Td. Hrtk. (12 Td. alm.), 216 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, 26 Skov, Klipper og Lyngkrat, Resten Ager; til Gaarden hører Lærkesø med en Del Tørvejord og god Mergel. Af andre

større Gaarde mærkes *Gamlevælde* og *Strandby*. Saml. af Gaarde: *Strandby*, *Gamlevælde* og *Kjeldseby*.

Østerlarsker S., der danner een Sognekommune med Annekset, hører under Øster Herreds Jurisdiktion (Svaneke), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistrikt, 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 18. Lægd. Kirken ejer sig selv.

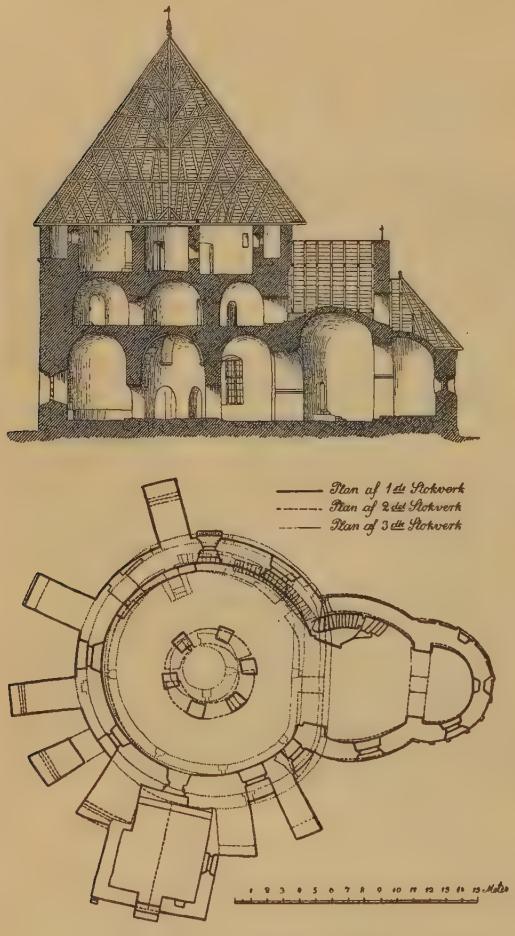


Tværsnit og Grundplan af Østerlars Kirke.

*Østerlars Kirke*, fordum helliget St. Laurentius, den største og mærkeligste af Øens 4 Rundkirker, bestaar af Rundhuset, et ovalt Kor — ligesom i Nylars Kirke, hvilken den i flere Henseender ligner — med Korrunding og et Vaabenhus mod S. V. Kirkens enkelte Dele ere opførte samtidig, undtagen det 1870 byggede Vaabenhus, hovedsagelig af raa, kløvet Kamp, med Anvendelse af Cementsten; de plumpe Støttepiller, der ere opførte for at afstive Murene, ere dog langt senere. Det forneden i ydre Gennemsnit omtr. 52, i indre 41 F. store Rundhus har 3 Stokværk. I nederste Stokværk er Midtpillen, i Modsætning til Pillerne i de andre Rundkirker, hul og gennembrudt med 6 rundbuede Aabninger; i det indre Rum, der har en omtrent 17 F. høj Kuppelhvælving, er der løse Stole. Fra Pillen er der spændt en 11 F. bred og 17 F. høj ringformet Tøndehvælving over til Ydermuren, langs hvilken der tidligere har løbet en muret, med Cementstensfliser dækket Bænk, hvoraf en Del endnu er bevaret. Der er intet Spor af de oprindelige Vinduer; den nordl., endnu aabne Dør har en smuk Portal med Ornamenter; den sydl. Dørs Portal ses over Loftet paa det lave Vaabenhus. Fra Nordvestsiden af Koret fører en Trappe i Ydermuren op til 2. Stokværk, der er ordnet paa samme Maade som 1., blot at der kun er to Aabninger i Midtpillen, og at Kuppel- og Tøndehvælvingen ere omtr. 10 F. høje. Trappen fører videre op til 3. Stokværk, hvis hule Midtpille kun har een Indgang; Pillen bærer det kegledannede Tag, der er opsat 1744. Ydermuren er her dobbelt, saaledes at der fremkommer en omtr. 4 F. bred Vægtergang, hvis Gulv ligger 3 F. højere end Gulvet indenfor. Vægtergangen har 8 Lysaabninger ind til det indre Rum og Spor af Skydehuller i Ydermuren. Som det vil ses af Grundplanen, er et Stykke af Ydermuren mod Ø. i 2.

Stokværk (og altsaa ligeledes i 3.) ikke buet, fordi den hviler paa Korbuen neden under, en Form, der er enestaaende i Øens Rundkirker, og som falder i Øjnene udefra, især i Tagets Form. Korbuen er senere udvidet. Koret har paa Grund af sin udbuede Form en Slags Kuppelhvælving; Korrundingen, der udvendig er smykket med Lissener, forbundne ved Tvillingbuer, har Halvkuppelhvælving. Kirken er bleven restaureret indvendig 1891, ved hvilken Lejlighed der fandtes et gammelt Stenalterbord. Midtpillen i nederste Stokværk er i sin øvre Del smykket med Kalkmalerier, der stamme omtr. fra Midten af 14. Aarh.; i en Række Felter, der afsluttes af en Slags Buer i gotisk Stil, findes naive Fremstillinger af bibelske Æmner, som Korsfæstelsen, Nedtagelsen af Korset, Opstandelsen, Christus som Verdens Dommer osv. Paa Kirkegaarden er der et særskilt Klokketaarn (Om Kirkebygningen se *Brunius*, Konstanteckn., S. 203, *H. J. Holm*, B.'s ældg. Kirkebygn., S. 8, *Løffler*, Udsigt osv., S. 164. og *Blom*, i Aarb. f. n. Oldk. 1895 S. 59; om Kalkmalerierne *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 146). Altertavlen er et Maleri (Christus i Emaus) fra 1878 af P. Kofod, Prædikestolen et rigt Billedskærerarbejde fra 1595; Granitdøbefonten er ny. I Kirken hænger et Maleri af Christus paa Korset og et Maleri af Sognepræsten Jørgen Jensen Sode, † 1700, med Hustru og 3 Børn. Ved Kirkens Vestside staar en Ligsten, paa hvilken Billedet i Midten nu er helt udslidt, over Præsten Henrik Greser, † 1370. Ved Vaabenhuset staar en Runesten.

*Lensgaard* nævnes 1522 som tilhørende Jørgen Gagge (se Hübertz, Aktst. S. 63); senere ejedes den af Sønnen Peder Gagge der nævnes 1551, og 1647 nævnes atter en Peder Gagge som Ejer; 1671 tilhørte den Admiral Niels Juel, som mageskiftede den til Kronen. Oberst Bendix v. Hatten, Kommandant paa Bornholm, † 1685 (der har i Østerlars Kirke hængt en Fane over ham), boede paa Gaarden; 1744 blev den med andet Krongods bortsolgt ved Auktion. I „Danmarks Spejl eller Efterretn. om den verdslige Stand", fra 1767, nævnes Lensgaard som Hovedgaard.

I Sognet er der fremdraget et overordentlig stort Antal Gravfund fra den yngre Jærnalder. Hyppigst have Gravene, hvis Indhold væsentligst har bestaaet i Vaaben og Smykkesager, været samlede til fælles Gravpladser. Den betydeligste af disse, med 163 Grave, laa ved *Bækkegaard*; ved *Lousgaard* (Loftsgd.) er der undersøgt henved 50 Grave, og noget mindre vare Gravpladserne ved Kobbeaa, Glasergaard, Søndregaard og paa Bøgebjærg. Et Stykke Strandmark med mange Oldtidsgrave ligger endnu ved *Salene* (fredlyst 1894). Paa den vestl. Del af *Bøgebjærg* staa to fredlyste Bautasten.

**Gudhjem Sogn**, Anneks til Østerlarsker, bestaar af en klippefuld Halvø, der løber ud i Sorte Odde, og omgives af Østersøen og Hovedsognet. Kirken, nærved Kysten, ligger omtr. $1^3/_4$ Mil N. V. for Svaneke og $1^3/_4$ Mil S. Ø. for Allinge.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 221 Td. Ld., hvoraf 48 besaaede (deraf med Hvede 2, Rug 10, Byg 9, Havre 6, Bælgsæd 3, Blands. til Modenh. 10, Kartofler 4), medens der henlaa til Afgræsn. 16, Høslæt, Brak, Eng m. m. 9, Have 13, Skov 57, Heder, Stenmarker osv. 63, Byggegr. og Veje 15 Td. Kreaturhold 1893: 14 Heste, 42 Stkr. Hornkv. (deraf 38 Køer), 30 Faar og 67 Svin. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $19_{,3}$ Td. (13 Td. alm.). Der var 4 Selvejergaarde med $7_{,9}$, 1 Arvefæstegd. med $2_{,1}$, 97 Huse med $8_{,5}$ Td. Hrtk. og 144 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 632 (1801: 331, 1840: 338, 1860: 670, 1880: 558), boede i 156 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 37 levede af immat. Virksomh., 42 af Jordbr., 174 af Fiskeri, 183 af Industri, 62 af Handel, 18 af Skibsfart, 70 af forsk. Daglejervirks., 44 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv. Hovederhvervet er Fiskeri (Torske- og Sildefangst, Silderøgerier) samt nogen Skibsfart.

I Sognet: *Gudhjem*, Bornholms største Fiskerleje, meget smukt beliggende paa Skraaningen og ved Foden af Klipper, der træde stærkt frem i Byen og undertiden danne Husenes Indervægge, og omgivet af vilde Klippeløkker, med Kirke, Skole og Pogeskole, Missionshus (opf. 1897), Sparekasse (opr. $^1/_4$ 1881; $^{31}/_3$ 1896 var Sparernes saml. Tilgodehav. 199,037 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 4472 Kr., Antal af Konti 561), Gæstgiveri og Hotel („Jylland"), hollandsk grundmuret Vindmølle med Bageri (den næststørste i sin Slags i Danmark), Silderøgerier, Kalkbrænderi, Ølbryggeri,

Træskæreri og flere Købmænd, Toldsted*), ved hvilket er ansat en Toldoppebørselskontrollør, Postekspeditition og Telegrafstation, Telefonstation samt Havn S. Ø. for Sorte Odde, bestaaende af 3 Bassiner, hvoraf Yderhavnen har $10^1/_2$, Inderhavnen 10 og den inderste Inderhavn 5—6 F. Vand; i den 36 F. brede Havnemunding er der 12—13 F. Vand. Havnen er anlagt i 1871—72; 1876 byggedes der uden for Havnemundingen en Anlægsbro for Dampskibe; 1882—83 foretoges der en større Udvidelse af Hav-

Gade i Gudhjem.

nen; rødt og hvidt Ledefyr. Ved Havnen er der private Lodser og Redningsstation. Gudhjem staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøben-

*) Ved Toldstedet fortoldedes af vigtigere fremmede Varer i 1896: Salt 72,805 Pd., Stenkul 1810 Td. og 266,046 Pd. og Tømmer og Træ 5520 Kbfd. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 4464 Pd. fersk Laks, 276 Ol fersk og 230,200 Pd. røget Sild samt 11,234 Pd. Frugt. Ved Udgangen af 1896 bestod Toldstedets Handelsflaade af 33 Fartøjer og maalte Baade med en samlet Størrelse af 236 Tons samt af 22 ikke maalte Baade. I udenr. Fart klareredes for Indg. 28 Skibe med 715, for Udg. 20 Skibe med 62 Tons Gods. I indenr. Fart indkom 139 og udgik 139 Skibe med henholdsvis 1147 og 840 T. Gods. De ordin. Told- og Skibsafgifter udgjorde 1896, efter Fradrag af Godtgørelser, 2307 Kr, og Krigsskatten af Vareindførselen 110 Kr. (i alt 353 Kr. mere end i 1895).

havn, Hasle og de østbornh. Byer. Stedet er om Sommeren meget besøgt af rejsende. Tæt V. for Sorte Odde er der ved *Nørresand* en ny Havn under Bygning. Mod S. ved Melsted Aa Fiskerlejet *Melsted* med Baadehavn, egentlig kun bestaaende af to Granitmoler; Dybden 3—4 F.

Gudhjem S., der danner een Sognekommune med Hovedsognet, hører til de samme Distrikter som dette samt til 6. Udskrivningskr.' 19. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Gudhjem Kirke*, der ligger paa et Klippeplateau 87 F. over Havet, tæt ved det tidligere Kapel, som blev nedbrudt 1896 paa Fundamenterne nær, saa at man ser dets Omrids*), er opført 1892—93 (indviet $^{3}/_{9}$ 93) for 30,000 Kr. (hvoraf Staten gav 14,000) efter Tegn. af Arkit. M. Bidstrup i Rundbuestil med Motiver fra de ældre bornh. og fra norske Kirker. Den er bygget af kløvet Kamp med delvis indvendig Murstensbeklædning og bestaar af Skib, femkantet Kor og paa Skibets Vestgavl et Taarn med Træspir; Taget er af Skifer. Hovedindgangen er i Vestgavlen; den prydes med snoede Søjler, og i Dørfeltet ses Korset med Alfa og Omega. Skibet har fladt, mørkt Bjælkeloft prydet med malede Borter i romansk Stil; Koret har Halvkuppelhvælving, i hvilken der er malet stiliserede Palmetræer og derover Christus og syv af Apostlene ved Tiberias Sø samt flere Skriftsteder (udf. af Anker Wolffsen og H. P. Kofod). Altertavlen er af Træ, udskaaren med Vinløv og forgyldt; derover et Kors; midt i Tavlen det Guds Lam. Prædikestolen er ny, prydet med stiliseret Billedskærerarbejde, Døbefonten af Kamp.

Ved *Melsted* og i den lille Dal *Lillevang* S. for Gudhjem er der fremdraget en Række vigtige Gravfund fra den yngre Jærnalder. — N. V. for Gudhjem staa paa den høje Skrænt ved Havet to store Bautastene, *Hestestenene* (se Vignetten S. 81).

**Øster-Mariæ Sogn**, det største Sogn i Herredet, omgives af Østerlarsker Sogn, fra hvilket det for en Del adskilles ved Kjelds Aa, Østersøen, Ibsker Sogn og Sønder Hrd. (Poulsker og Pedersker Enklaver og Aaker S.) samt Vester Hrd. (Vester-Mariæ S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil V. for Svaneke. Sognet er rigt paa Naturskønheder og har ligesom Nabosognene mange smaa Vandløb, som Risebæk, Klintebæk og Gyldens Aa (Vaseaa løber gennem dette Sogn, men udmunder i Ibsker S.), der løbe i snævre, af Klipper og Smaaskove opfyldte Dale, ligesom Kysten har smukke Skærdannelser. Mest imponerende af disse er *Randkleveskaaret.* Klippemassen danner en med Kysten parallel gaaende Kløft, der er 45 F. dyb og 18 F. bred, og som atter deler sig i to mindre Kløfter, som ere mellem 2 og 8 F. brede. De høje, skarpt afskaarne Klipper og de i den vildeste Uorden opdyngede Stenblokke i Skaaret gøre et stærkt Indtryk paa Beskueren. Ved Sognets Sydgrænse ligger den tidligere Sø Ølene (se S. 4). Gennem Sognet gaa Vejene fra Nord- og Vestlandet til Svaneke.

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 9692 Td. Ld., hvoraf 4387 besaaede (deraf med Hvede 204, Rug 782, Byg 772, Havre 1183, Bælgsæd 47, Blandsæd til Modenh. 888, Grøntf. 99, Kartofler 198, andre Rodfr. 199, andre Handelspl. 15), medens der henlaa til Afgræsn. 1936, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1159, Have 83, Skov 952, Moser og Kær 75, Flyvesand, Stenmarker 795, Byggegr., Veje 237, Vandareal m. m. 68 Td. Kreaturhold 1893: 790 Heste, 3026 Stkr. Hornkv. (deraf 1984 Køer), 1269 Faar, 1538 Svin og 15 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: $874,_{1}$ Td. (602 Td. alm.). Der var 135 Selvejergaarde med $742,_{8}$, 22 Arvefæstegd. med $49,_{1}$,

*) Det gamle *St. Anna Kapel* var en lav, uanselig Bygning, der var opf. i Middelalderen ved 1300 af Kamp for en Del med røde Munkesten. Den østl. Del, der afsluttedes med en lige Gavlmur, synes at have været noget ældre end Resten, Skibet havde fladt Loft. Indgangen var fra N. gennem et senere tilbygget Vaabenhus. Paa Tagets Vestende var der et lille Træspir og tæt bag dette et lille, 1870 opført Klokkehus. Ved Nedbrydningen fandtes der i Skibet Rester af Kalkmalerier, vistnok stammende fra Tiden før Kapellets Udvidelse mod V., fra omtr. 1400. Der var et stensat Alter og en udskaaren Altertavle fra Midten af 15. Aarh.; den udskaarne Prædikestol var fra 1789, Døbefonten af Træ.

232 Huse med 79,1 Td. Hrtk. og 116 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 2468 (1801: 1479, 1840: 1744, 1860: 1981, 1880: 2296), boede i 492 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 76 levede af immat. Virksomh., 1702 af Jord-

Randkleveskaaret.

brug, 5 af Gartneri, 52 af Fiskeri, 399 af Industri, 15 af Handel, 2 af Skibsfart, 83 af forsk. Daglejervirks., 86 af deres Midler, og 48 vare under Fattigv.

I Sognet: *Øster-Mariæ Kirke*, ved Landevejen; i Nærheden *Præstegaarden* med Forsamlingssal og *Kirkeskolen* (søndre Sk.). Desuden *Østre*

og *Nordre Skole*, *Dalslunde Skole* og *Aaløse Skole*; et Missionshus (opf. 1872) og Nazarethkapellet, nu Missionshus, to Andelsmejerier, *Gadeby* og *Broholm*, og 5 Møller. Ved Vejen fra Nordlandet Brevsamlingsstedet *Godthaab*; i Nærheden ligger den ældre „Bornholms Folkehøjskole" (se S. 98), nu nedlagt og dens Bygning omdannet til Forbrugsforening, Forsamlingshus og Lægebolig. Ved Kysten Fiskerlejerne *Saltuna* (se S. 83), *Ypnasted* og *Bølshavn*. *Kofoedgaard* (Proprietærgd.) har $23^3/_8$ Td. Hrtk. ($16,_1$ Td. alm.), $217^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 70 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 4 Huse uden Jord. *Maglegaard* har $22^1/_2$ Td. Hrtk. ($15,_5$ Td. alm.), 205 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 65 Skov, Resten Ager. Af større Gaarde mærkes i øvrigt: *Gadebygd.* (Proprietærgd.), *Gyldensgd.*, *Stamperegd.*, *Kjøllergd.*, *Ypnastedgd.*, *Brogd.*, *Lundegd.*, *Ved Kirken* (11. Vornedegd.), *Kuregd.* og *Halsegd.* (Proprietærgd.). Saml. af Gaarde: *Lyrsby*, *Risen*, *Dalslunde*,

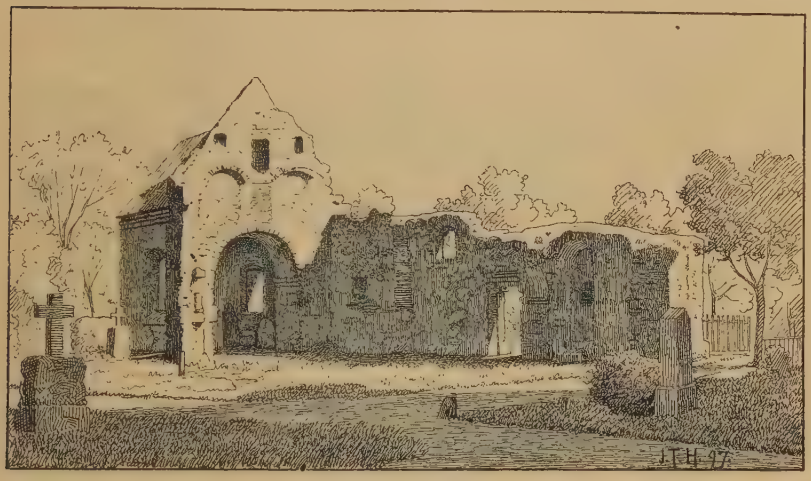

Øster-Mariæ Kirkes Ruin.

med Mølle, *Randklevegaarde*, *Elleby*, *Skrulle*, *Kirkeby*, *Gadeby*, med Mølle, m. m. *Lindet* og *Glappe*, Huse.

Øster-Mariæ (Østermarker) Sogn, der danner een Sognekommune, men er delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Øster Herreds Jurisdiktion (Svaneke), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstl. Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 16. (nordl. Distr.) og 17. Lægd (sydl. Distr.). Kirken ejer sig selv.

*Øster-Mariæ Kirke* er opført 1890—91 (indviet $^{18}/_{10}$ 1891) omtr. 50 Al. N. Ø. for den gamle Kirke, der nedbrødes 1885—90, og hvoraf en Del (det nederste af Taarnet, Skibets sydl. Mur og Koret med Korrundingen) nu bevares som Ruin*). Kirken er

*) Den gamle Kirke, hvis Nedbrydning maa beklages, da den havde særlig Interesse ved sin Bygningsmaade, der mindede om Aa Kirke og flere gotlandske Kirker, var opført af Kamp med Anvendelse af Cementsten og bestod af Skib, Kor med Korrunding, bredt Taarn mod V., et meget gammelt Vaabenhus mod S. og et nyere mod N. Skibet var dækket med et buet Træloft, men ved Nedbrydningen opdagede man, at det oprindelig havde haft to jævnsides løbende Tøndehvælvinger, som hvilede paa to Piller i Skibets Midte. Korbuen var meget bred; Koret havde Tønde-, Korrundingen Halvkuppelhvælving; over Korhvælvingen var der et lille Rum, dækket med en Tøndehvælving, som dannede Underbygningen til et Tag, hvilken kun bestod af Murværk og var dækket med Kalkstensfliser (se Aarb. f. n. Oldk. 1895, S. 248).

opført efter Tegn. af Arkitekt A. Clemmensen af kløvet Kamp med delvis indvendig Murstensbeklædning som en Korskirke i romansk Stil. Den rummer omtr. 1000 Tilhørere og har Kor med Korrunding samt et aflang-firkantet Taarn mod V. Indgangen er i Vestsiden af Taarnet, hvis nederste Rum danner en Forhal med Tøndehvælving. Skibet har højtsiddende Vinduer og et i mørke Farver med hvide Zigzaglinier holdt Bjælkeloft; Koret er hævet nogle Trin. Omkring Korbuen er der malet Skriftsteder. Alterbordet er holdt i gammel, romansk Stil med Kors, Guld og Farver; Prædikestolen har Fyldinger fra den gamle Stol fra 1552; Døbefonten er af Sandsten. I Forhallen hænger et fra den gamle Kirke bevaret, 1687 opsat Epitafium over den fra Opstanden 1658 bekendte Jens Pedersen Kofoed (Portræt af ham, to Hustruer og 24 Børn); smstds. to af Lorentzen malede Billeder af Guvernør G. Albr. Kofoed, † 1808, og Hustru, hvis Gravsteder findes uden for Vestmuren af den gamle Kirkes Vaabenhus. — Ved Kirken findes 4 Runesten; paa den ene staar: „Rarni og Sibi og Tofi de rejste Sten efter Ketil, Fader deres. Christ hjælpe hans Sjæl"; paa den anden: „Arni og Tofi og Asgodr lod rejse Stenen efter Sibe, Broder deres. Christ hjælpe hans Sjæl;" paa den tredje: „Audi og Vinbekal de rejste Stenen efter Gunulf, Broder deres god, og efter Aksil;" paa den fjerde: „Gudmund og Godske hug Stenen for Aase og Arinbjørn. Gode Gud miskunde meget deres Aander".

*Maglegaard* ejedes i 1. Halvdel af 15. Aarh. af Aage Nielsen (Sparre), Høvedsmand paa Bornholm, derefter af Sønnen Niels Aagesen, † 1495, Peder Lang og Niels

Louiselund.

Brahe, henrettet 1529, og hans Hustru Fru Anne Lang. Efter Midten af 16. Aarh. mageskiftede Peder Oxe den til Kronen. Fr. III overdrog den $^{15}/_{19}$ 1660 til Jens Pedersen Kofoed i hans Tjenestetid som Kaptejn, senere for hans og Hustrus Levetid. Faa Aar efter Enken, Elisabeth Akelejes Død solgtes den ved Fællesauktion over Kronens Gaarde 1744 for 1280 Sletted. til Kofoeds Dattersøn Gabr. Larsen Kofoed, i hvis Slægt den senere er nedarvet. — *Kofoedgaard* har fra Midten af 16. Aarh. været i Familien Kofoeds Besiddelse i lige mandlig Linie. — *Gyldensgaard* tilhørte i 17. Aarh. Kronen og blev tillagt Landsdommeren som Bolig, saaledes $^{28}/_{12}$ 1658 Peder Olsen, Borgmester i Hasle, da han som Belønning for sin Daad (se S. 30) blev Landsdommer; da han omtr. 1670 tog sin Afsked, gav Kongen ham Bjærgegd. i Vester-Mariæ S. til Eje og Arv. — *Halsegaard.* har sikkert Navn af Adelsslægten Hals, af hvilken Peder H. døde omtr. 1406 og Jørgen H. nævnes 1523 her i Sognet. — Esbern Juel, Væbner, boende i Øster-Mariæ, nævnes 1448—57.

---

Taarnet havde 4 Stokværk, hvoraf det nederste var hvælvet og forbandtes med Skibet ved to Rundbuer, som bares af en Midtpille; i den sydl. Taarnmur førte en Vindeltrappe op til det ligeledes hvælvede 2. Stokværk; 3. Stokværk havde to ved en Midtbue adskilte Hvælvinger; 4. Stokværk, der kun var noget over 3 F. højt (dog vistnok ikke oprindeligt), havde 6 Muraabninger og bar Taget. Ved en Undersøgelse under Nedbrydningen fandt Prof. Kornerup i Alterets Grundvold to Selvmønter fra Erik Plovpennings Tid, hvoraf den ene med Lunds Ærkebisp Uffos Navn (1228—50), saaledes at man deraf temmelig nøje kan bestemme Kirkens Alder. I Kirken var der Rester af Kalkmalerier (de ses til Dels endnu), vistnok fra Midten af 15. Aarh. (se *Brunius*, Konstanteckn. S. 221, *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkeb. S. 9, *A. Clemmensen*, Beskr. og Tegn. over Øster-Mariæ Kirke, Kbh. 1894, og *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 145).

Lige ved Maglegaard ses endnu de $22^1/_2$ F. lange og $18^1/_2$ F. brede Fundamenter af *St. Mauritii og St. Margrethe Kapel*, der var bygget af den ovennævnte Aage Nielsen; 1432 nævnes et Afladsbrev til det; 1457 forpligtede Præsten i Øster-Mariæ sig til at holde en ugentlig Messe i Kapellet, fordi han af Aage Nielsen havde faaet en Gaard i Sognet; 1480 udstedte Ærkebisp Jens Brostrup et Afladsbrev for dem, der besøgte eller skænkede noget til Kapellet.

I den lille, omgærdede Skovplantning *Louiselund* ved Vejen mellem Svaneke og Øster-Mariæ Kirke findes den største bevarede Bautastensgruppe paa Bornholm med omtr. 70 Sten, hvoraf flere ere meget smukke og indtil 8 F. høje. Stenene tillige med Grunden bleve 1851 købte af Fred. VII og tilhøre nu Stiftelsen paa Jægerspris, paa hvis Bekostning de vedligeholdes. Under Nationalmuseet fredes tre Gravhøje, to Helleristningsstene samt Oldtidsmonumentet *„Hellig Kvinde"* tæt Ø. for Gyldens Aas Udløb; det bestaar af en stor, opretstaaende og en væltet Bautasten foruden en oval Ring af 9 opretstaaende, mindre Sten. — Ved Lyrsbyvejen staar en Runesten, *Brohusstenen*, hvorpaa staar: „Bufi hugge lod Sten efter Thukil".

**Ibsker Sogn** omgives af Øster-Mariæ Sogn, Svaneke Købstadsjorder, Østersøen og Sønder Hrd. (Neksø Købstadsjorder, Bodilsker og Poulsker S's. Udmarkslod.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger henved $^1/_2$ Mil S. V. for Svaneke og $^3/_4$ Mil N. V. for Neksø. Den nordl. og nordøstl. Del er som de foregaaende Sogne rig paa Naturskønheder og gennemfuret af smaa Vandløb, som Vaseaa, Skovsholmbæk, Flisebæk og Kurebæk. Den sydvestl. Del, som hører til Højlyngen, er et stærkt kuperet, lynggroet Klippeparti, som dog i de sidste 20—30 Aar til Dels er blevet beplantet med Naaletræer, og hvor Graniten ofte træder frem i store Flader; det er de saakaldte *Helvedesbakker* (Helledesbakker; Navnet kommer af Helljueesb., ɔ: de yndige B.) og *Paradisbakker*, højeste Punkt 361 F., 113 M., gennemskaarne af mange dybe Kløfter (saaledes Dybedal) med bratte Klippevægge og smaa Fjældsøer. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svaneke til Neksø.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 5782 Td. Ld., hvoraf 2407 besaaede (deraf med Hvede 158, Rug 377, Byg 496, Havre 518, Bælgsæd 91, Blandsæd til Modenh. 416, Grøntf. 88, Kartofler 111, andre Rodfr. 147), medens der henlaa til Afgræsn. 990, Høslæt, Brak, Eng m. m. 574, Have 49, Skov 675, Moser og Kær 84, Heder, Stenmarker osv. 836, Byggegr., Veje 147, Vandareal m. m. 20 Td. Kreaturhold 1893: 473 Heste, 1634 Stkr. Hornkv. (deraf 1076 Køer), 782 Faar og 926 Svin. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $599,_4$ Td. (413 Td. alm.). Der var 99 Selvejergaarde med $521,_6$, 12 Arvefæstegd. med $29,_4$, 211 Huse med $43,_7$ Td. Hrtk. og 177 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1694 (1801: 949, 1840: 1329, 1860: 1454, 1880: 1622), boede i 362 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 17 levede af immat. Virksomh., 815 af Jordbr., 371 af Fiskeri, 247 af Industri, 26 af Handel, 30 af Skibsfart, 110 af forsk. Daglejervirks., 46 af deres Midler, og 32 vare under Fattigv. Fiskeriet har meget stor Betydning.

I Sognet: *St. Ibs Kirke*, ved Landevejen, og i Nærheden *Præstegaarden* og *Nordre Skole* (Kirkeskolen); desuden *Søndre Skole*, *Listed Skole* og *Aarsdale Forskole*, Andelsmejeriet *Vaddam* 2 Møller ved Aarsdale og nogle Stenbrud. Fiskerlejerne *Listed*, med Statstelefonstation og Havn, anl. 1879—80 af H. Zahrtmann (den bestaar af 4 Bassiner med 7—9 F. Vand) og *Aarsdale*, med Mølle og Havn, anl. 1867—72, udvidet 1885—86 (Inder- og Yderhavn, indtil 8 F. Vand). *Frennegaard* har $27^1/_2$ Td. Hrtk. (19 Td. alm.), 182 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 14 Skov, 3 Stenbakker, Resten Ager; til Gaarden høre 3 jordløse Huse. *Tingfogedgaard* har $18^7/_8$ Td. Hrtk. (13 Td. alm.), 139 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 18 Skov, 5 Veje m. m., Resten Ager. *Brændesgaard* (11. Vornedegd.) har $17^1/_2$ Td. Hrtk. (12 Td. alm.), $119^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $12^1/_2$ Skov, Resten Ager. Af andre større Gaarde nævnes: *Skovsholm* (Proprietærgd.), *Ryttergd.*, *Nørregd.* (Proprietærgd.) og *Køllergd.*,

desuden *Kaasegd.* og *Tygegd.* (begge Proprietærgd., tidligere hørende til Skovsholm). Saml. af Gaarde: *Brændesgaarde*, *Paradisgaarde*, *Klinteby* m. m. *Grisby* og *Nørremark*, Huse.

Ibsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Øster Herreds Jurisdiktion (Svaneke), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens nordøstlige Lægedistr. (Allinge), 4. Landstingskreds og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 15. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*St. Ibs Kirke* er opført af utilhuggen Kamp (kun paa Hjørnerne er den tilhuggen), dog med Anvendelse af Cementsten, og bestaar af Skib, Kor med Korrunding, Taarn mod V., yngre Vaabenhus mod S. og en stor, af Mursten 1870 opført Tilbygning mod N. Skibet har et nyt, fladt Brædde-loft, Koret sin oprindelige Tønde-, Rundingen en Halvkuppelhvælving. Det mere end almindeligt store Taarn, det eneste af de bornholmske Forsvarstaarne, der er bevaret uforandret, er i 4 Stokværk, hvoraf de 3 have hver to Tøndehvælvinger, der gaa i Kirkens Retning, og i Midten en firkantet

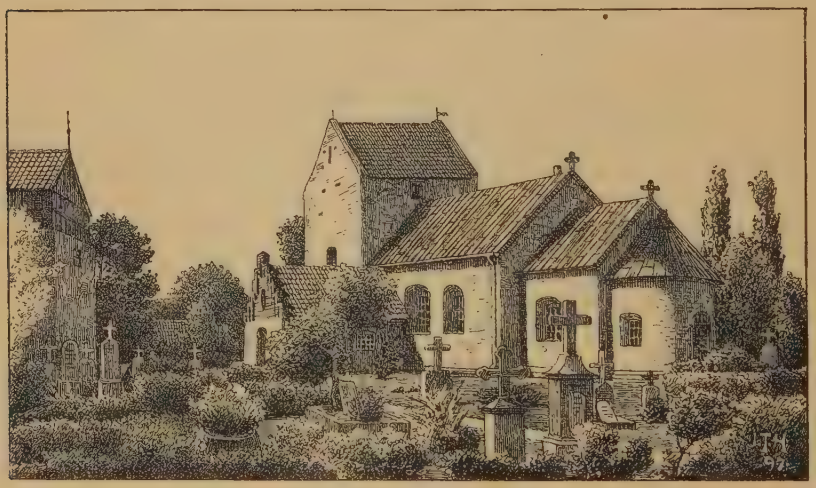

St. Ibs Kirke.

Midtpille med Buer i Ø. og V.; Trappen i Taarnet ligger i Syd-, Nord- og Vestmuren; 4. Stokværk, der har store, nu for det meste tilmurede slanke Aabninger, bærer Taget, som har Gavle i N. og S. Kirken har særskilt Klokketaarn. Altertavlen er Kopi efter et Maleri af C. V. Eckersberg (Christus i Gethsemane); Prædikestolen er fra 2. Halvde laf 18. Aarh., Døbefonten er af Kalksten. I Kirken en Series pastorum, opsat 1677 (se *Brunius*, Konstanteckn., S. 227, og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkeb., S. 10). I Sognet har ligget et *St. Anders Kapel.*

Ved Sognets Sydvestgrænse ligger i Højlyngen ved den nu udtørrede lille Borre Sø paa en 67 F. høj Klippebanke et meget gammelt Voldsted, *Gamleborg*. Borgpladsen, der er over 600 F. lang og omtr. 250 F. bred, er omgiven af et lavt, af Sten og Jord opført Brystværn. Der er ikke fundet Spor af Bygninger — Banken blev uden noget Resultat undersøgt 1824 af Prins Chr. Fred. (Chr. VIII) —, men Brystværnet og en underliggende Afsats rundt om Bakkeskraaningen have vistnok haft Forsvarsværker af Træ. — N. Ø. for Rabekkegd. er der 1853 sløjfet et Voldsted (omtr. $^3/_4$ Td. Ld.), indhegnet med en mandshøj Jordvold.

I Helvedesbakkerne ligger en af Ejeren fredlyst Rokkesten. — Ved Kysten mellem Neksø og Aarsdale findes ude i Søen en flad Klippe, *Malkværnen*, om hvilken Bølgerne bryde sig stærkt under Paalandsstorm.

*Skovsholm* tilhørte 1572 Peder Uf, 1624 Christen Clausen Køller og 1639 Major Chr. Maccabæus († 1664), derefter Sønnen Kapt. Chr. M. († 1687), Landsdommer

Ancher Müller († 1716) og er senere nedarvet i den nuv. Ejers Slægt (Kofoed). I Dansk Folkemus. i Kbh. findes den gamle panelerede „Skovsholmsstue“ fra denne Gaard. — En af *Brændesgaardene* (Brennesgrd.) overdroges 1544 som fri Ejendom af Raadet i Lübeck til Thønnes Wiltfang, der endnu 1573 havde den.

En Væbner, Peder Svendsen, i St. Jeps Sogn nævnes 1457 og en Frimand Peder Jul smstds. 1493.

Paa *Frennemark* S. Ø. for Svaneke, et udstrakt Lyngstykke, der i sin Tid har været Eksercerplads for Militsen, er der nær ved Stranden truffet Kulturlag med Oldsager baade af ældre og yngre Stenalders Former, endvidere Stenaldersgrave, Brandpletter (se Danm. geol. Unders., *K. Rørdam*, Beretn. om en geol. Unders. paa Frennemark, Kbh. 1895) samt nogle ejendommelige Hustomter fra Middelalderen. Disse vise sig hyppigst som aflange Fordybninger, omgivne af en Jordvold, og herunder træffes Rester af Kampestensmure, der indeslutte 12—30 F. lange Rum; i Tomterne er der fundet Redskaber, Potteskaar, Dyreben og nogle Mønter, der vise, at Husene have været beboede i 14—15. Aarh.; mulig have de været Fiskerboder. Paa Frennemark er der 3 fredlyste Bautasten, af hvilke en, 9 F. høj over Jorden, er Øens største, nu bevarede. Desuden ere fredlyste: paa Listed Frihed to smukke Bautasten, ved Grisby 5 Bautasten, ved Søndre Skole 1, den eneste tilbagestaaende af en stor Gruppe, „Tingstenene“, ved Tingfogedgaard en Høj med Bautasten, i Listed Vang en Gravhøj, ved 10. Vornedegd. to store Høje og ved Frennegaard 3 Helleristningssten, en Bautasten og en Høj med Jættestue. Ved Munkegaard er der gjort et større Sølvfund fra Vikingetiden, med Smykkesager, Perler og Mønter (se S. 13). Paa Granitbakken *Himmelshøj* er der undersøgt en større Gravplads fra den ældre Jærnalder, med omtr. 160 Brandpletter, og et lignende Antal Brandpletter og henved 60 Røser ere undersøgte paa *Mandhøj*.

Langs Kysten er der flere gamle Skanser, deribl. Malkværnskansen, hvor Albret Wolfsen faldt (se S. 49).

---

## Sønder Herred.

**Sogne:**

*Bodilsker, S. 94. — Poulsker, S. 95. — Pedersker, S. 96. — Aaker, S. 98.*

Sønder Herred, det største af de bornh. Herreder, begrænses af Øster Hrd. (Ibsker og Øster-Mariæ S.) og Vester Hrd. (Vester-Mariæ S.) samt Østersøen. Mod S. udsender det Øens Sydøstspids, Dueodde. Den største Udstrækning fra Ø. til V. er omtr. $2^1/_4$ Mil, fra N. til S. er der omtr. $1^1/_2$ Mil. Herredet hører hovedsagelig til Sandstens- og Skifer- og Cementstensformationen; den nordligste Del hører dog til Granitplateauet. Mod S. løbe nogle af Øens største Vandløb, Læsaa, Grødby Aa og Øle Aa. Skov findes spredt over hele Herredet (3700 Td. Ld.). Efter

Matr. gaar der i Gennemsnit omtr. $12,_2$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. (18 Td. paa 1 Td. alm. Hrtk.). Efter Matrikuleringen var Herredets Fladeindhold ansat til 28,948 Td. Ld. ($2,_9$ □ Mil, $1\grave{6}0,_7$ □ Km.). Ager og Engs Hartkorn var $^1/_1$ 1895 $2238,_3$ Td. (1542 Td. alm.). Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 5761 (1801: 3522, 1840: 4412, 1860: 5031, 1880: 5992). I Herredet ligge Købstæderne Neksø og Aakirkeby. I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti med Øens andre Herreder. I verdslig Henseende hører det under Sønder Herreds Jurisdiktion og under Amtets 5. (Bodilsker og Poulsker) og 6. Forligskreds (Pedersker og Aaker S.).

---

**Bodilsker Sogn**, forenet med Neksø, omgives af Neksø Købstadsjorder, Østersøen, Poulsker, Pedersker (samt deres Udmarkslodder) og Aaker Sogne samt Øster Hrd. (Ibsker S.). Kirken, midt i Sognet, ligger henved $^1/_2$ Mil V. for Neksø og $1^1/_4$ Ø. for Aakirkeby. Den nordvestl. Del hører til Graniten og Højlyngen, langs med hvis Rand den lange, smalle *Døvredal* gaar; østligere, paa den anden Side af den side Eng, der gennemstrømmes af Øle Aa, strækker som en Udløber af Helvedesbakkerne en smal Klipperyg sig ind i Sognet, med Slamrebjærg, 291 F., 91 M. Den øvrige Del af Sognet hører til Sandstensformationen og er for det meste noget bølgeformet. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Aakirkeby til Neksø; Jærnbanen vil komme til at gennemskære Sognets sydl. og østl. Del, med Station ved Andelsmejeriet og Holdeplads ved Balkemølle.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 5850 Td. Ld., hvoraf 2360 besaaede (deraf med Hvede 89, Rug 442, Byg 282, Havre 478, Bælgsæd 26, Blandsæd til Modenh. 566, til Grøntf. 84, Kartofler 133, andre Rodfr. 215, andre Handelspl. 42), medens der henlaa til Afgræsning 1003, Høslæt, Brak, Eng m. m. 773, Have 56, Skov 1021, Moser og Kær 53, Heder, Stenmarker osv. 404, Byggegr. og Veje 150, Vandareal m. m. 30. Kreaturhold 1893: 376 Heste, 1556 Stk. Hornkvæg (deraf 1052 Køer), 717 Faar, 946 Svin og 6 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $495,_6$ Td. (341 Td. alm.). Der var 76 Selvejergaarde med $428,_8$, 4 Arvefæstegd. med $8,_4$, 146 Huse med $45,_9$ Td. Hrtk. og 43 jordløse Huse, Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1261 (1801: 704; 1840: 899, 1860: 1005, 1880: 1300), boede i 254 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 21 levede af immat. Virksomhed, 907 af Jordbr., 182 af Industri, 29 af Handel, 4 af Skibsfart, 38 af andre Erhv., 59 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet: *St. Bodils Kirke*, ved Landevejen; ved den *Præstegaarden* og i Nærheden *Nordre Skole* og *Nordre Friskole*, desuden *Søndre Skole*, et Missionshus (opf. 1879) mod S., der tillige bruges som Friskole, et Andelsmejeri og 3 Møller. Ejendommen *St.* (Proprietærgd.) og *Lille Kannikegaard* har $25^3/_4$ Td. Hrtk. ($17,_8$ Td. alm.), 293 Td. Ld., hvoraf 245 Ager, 4 Eng, 23 Skov; til Ejendommen høre 4 Lejehuse med 14 Td. Ld. Af andre større Gaarde mærkes: *St. Krusegd.*, *St. Pilegd.*, *Brandsgd.*, *Kølleregd.* og *St. Hallegd.* Saml. af Gaarde: *Langede By*, *Gadeby*, *Stenseby*. — Paa Slamrebjærg er der Granitbrud.

Bodilsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Neksø), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistr. (Rønne), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 22. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*St. Bodils Kirke* (1429 og 1448 Botulfs) er opført af Kamp med Anvendelse af Cementsten og bestaar af Skib, meget kort Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S., alt opf. samtidigt undt. det yngre Vaabenhus. Skib og Kor have yngre Tøndehvælvinger af Træ, Korrundingen har den oprindelige Halvkuppelhvælving; paa hver Side af Korbuen er der en Alterniche. Taarnet har 4 Stokværk. Det nederste, der aabner sig ind til Skibet med en stor Rundbue, hvori atter to af en firkantet Midtpille baarne Tvillingbuer, har to Tøndehvælvinger, der hvile paa to Buer, som ere spændte i Ø. og V. fra en Pille midt i Rummet. Taarntrappen fører op i Sydmuren; 2. Stokværk har een stor Tøndehvælving, der gaar i modsat Retning af Hvælvingerne nedenunder; 3. og 4. Stokværk ere nu i eet, idet Bjælkeloftet mellem dem (man ser Bjælkehullerne) er afbrudt. Paa den ene af Taggavlene, der i Tidens Løb have faaet i høj Grad uregelmæssige Kamme, staar Aarstallet 1666. Altertavlen (Christus paa Vejen til Emaus) er malet 1856 af Roed; Prædikestolen er i senere Renæssancestil, Sandstensdøbefonten i Bægerform fra den senere Middelalder. I Skibet en Tavle over Antallet af de døde i Pestaarene 1618 og 1654 (henholdsvis 5236 og 4942); i Taarnrummet er indmuret en Ligsten over Præsten Simon Birch Plockross, † 1786; i den udvendige Taarnmur Brudstykke af en Ligsten fra romansk Tid med et Kors. I Taarnet er indmuret en Runesten, hvorpaa staar: „I . . . ata lod hugge Stenen efter Turfast Broder sin og Gudmund"; paa en anden staar: „Thurkil og Alfkil rejste Sten denne efter Eykil, Fader deres". Paa Kirkegaarden er der et særskilt Klokketaarn. (Om Kirkebygn. se *Brunius*, Konstanteckn., S. 234, og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkebygn., S. 11).

*Hallegaard* tilhørte 1580 Christen Clausen Køller og 1608 Jakob Køller.

Den største Brandpletsplads paa Øen har utvivlsomt været den, som er funden ved *Kannikegaard*. Der er her undersøgt omtr. 800 Brandpletter, hvorfra hidrører en stor Mængde Vaaben, Smykker og Lerkar; et Par hundrede Brandpletter ligge endnu urørte under Jordfladen, og ligesaa mange ere i tidligere Tid blevne forstyrrede. En anden betydelig Gravplads er bleven undersøgt paa *Slamrebjærg*. Ogsaa paa Bautasten er Sognet rigt. I Kratskoven *Gryet* noget N. for Præstegaarden findes Øens næststørste, nu bevarede Samling, bestaaende af omtr. 60 Sten; paa *Hjortebakke* staa 17 Sten i Gruppe, paa Bodilsker Udmark een, „Gamle Haagen", og ved Langede By to (alle fredlyste). En anselig Jættestue, „Bønnestenene", med et 5 F. højt Kammer, findes ved den sydligste Stensebygaard; i *Døvredal* ligger der mellem en stor Mængde Røser 3 Skibssætninger.

**Poulsker Sogn**, det sydøstligste paa Øen, omgives af Bodilsker Sogn, Østersøen og Pedersker Sogn; et Enklave (Sognets Andel i Udmarksjord.) ligger mod N. ved Øster Hrd.'s Sydgrænse. Kirken, mod V. i Sognet, ligger henved 1 Mil S. V. for Neksø og $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Aakirkeby. Sognet hører næsten helt til Skifer- og Cementstensformationen. Næsten hele Sognets Grænse mod Havet dannes af en Flyvesandsstrækning, „Strandmarken", der ved *Dueodde*, Øens sydligste Punkt, naar en Bredde af omtr. $^1/_6$ Mil; Klitterne, hvoraf nu en betydelig Del er beplantet, blive her indtil 50 F. høje. Overfladen er i øvrigt temmelig jævn; mod V. hæver Rispebjærg sig til 150 F., 47 M. Gennem Sognet gaar den sydl. Landevej fra Rønne til Neksø; den nordvestl. Del vil blive gennemskaaren af Jærnbanen.

Fladeindholdet var $^{16}/_7$ 1896: 5699 Td. Ld., hvoraf 1793 besaaede (deraf med Hvede 37, Rug 388, Byg 262, Havre 370, Bælgsæd 32, Blandsæd til Modenh. 429, Grøntf. 97, Kartofler 82, andre Rodfr. 84, andre Handelspl. 12), medens der henlaa til Afgræsn. 920, Høslæt, Brak, Eng m. m. 569, Have 47, Skov 805, Moser og Kær 155, Heder, Stenmarker osv. 1243, Byggegr. og Veje 147, Vandareal m. m. 20 Td. Kreaturhold 1893: 362 Heste, 1231 Stkr. Hornkv. (deraf 828 Køer), 657 Faar og 628 Svin. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^1/_1$ 1895: $413,_8$ Td. (284 Td. alm.). Der var 79 Selvejergaarde med 359, 3 Arvefæstegd. med $4,_5$, 134 Huse med $36,_9$ Td. Hrtk. og 34 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1141 (1801: 677, 1840: 968, 1860: 1068, 1880: 1101), boede i 237 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 38 levede af immat. Virksomhed, 700 af Jordbr., 105 af Fiskeri, 129 af Industri, 8 af Handel, 6 af Skibsfart, 78 af forsk. Daglejervirks., 43 af deres Midler, og 34 vare under Fattigv.

I Sognet: *St. Pouls Kirke*, ved Landevejen; i Nærheden *Præstegaarden* og *Vestre Skole*; desuden *Østre Skole* og *Forskole* (begge ved Snogebæk), en Forsamlingsbygning (opf. 1890) i Snogebæk, Andelsmejeriet *Bækkedal* og flere Møller (deribl. *Vibemølle* og *Strandmølle*). Fiskerlejet *Snogebæk*, beliggende mellem Salthammer Odde, hvorfra det farlige Salthammer Rev skyder sig ud, og Brorev Odde, har en 1888—89 af Ingeniør H. Zahrtmann anlagt Baadehavn (6—8 F. Vand), der paa Grund af den sandførende Strøm langs Kysten er lagt omtr. 150 Al. fra Land, og er forbunden med Kysten ved en Bro („Øhavn"). Ved Havnen er der Redningsstation. Fra Snogebæk er det undersøiske Telegrafkabel til Rusland nedlagt. Paa *Dueodde* er der opført to Fyr (første Gang tændte $^1/_3$ 1880). Hovedfyret, noget over 2700 Al. fra Oddens Spids, er et hvidt, fast Fyr af 1. Grad med Blus hvert $1^1/_2$ Minut; Fyrtaarnet (se Vignetten S. 93), der er bygget af Granit (fra Slamrebjærg), ligger 40 F. o. H. og er 124 F. højt, Flammens Højde 150 F., Lysvidden $4^1/_2$ Mil. Bifyret, omtr. 900 Al. fra Oddens Spids, er ligeledes et hvidt, fast Fyr (af 3. Grad); det ottekantede, af røde Mursten opførte Taarn ligger 20 F. o. H. og er 48 F. højt, Flammens Højde 50 F., Lysvidden 3 Mil. Ved Bifyret er Taagesignal (Sirene). Af større Gaarde nævnes *Markeregaard*. Saml. af Gaarde: *Dyndeby*, *Tjørneby* og *Kroggaarde*.

Poulsker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Neksø), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistr. (Rønne), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 23 Lægd. Kirken ejer sig selv.

*St. Pouls Kirke* er opført af Cementsten, lagte i regelmæssige Skifter, og bestaar af Skib, kort Kor med Korrunding og senere tilbygget Sakristi mod N. samt yngre Vaabenhus mod S. Hele Bygningsstilen viser, at den er meget gammel. Skib og Kor, der ere meget høje (det sidste senere noget forhøjet), have Bjælkeloft, Korrundingen Halvkuppel. Over den smukke, høje Korbue findes der i Midten en lille, af Sten udhuggen Figur med Bog i Haanden og Glorie om Hovedet samt Runeindskrift paa Bogen og Glorien (Kirkens Værnehelgen?) og paa hver Side Spor af en Alterniche. Den udvendige, nu tilmurede Dørindfatning, med rig Profilering af Halvsøjler, minder om Overgangsstilen til Gotiken; paa Skib og Kor er der Friser og Rundbuer. Der er intet Taarn, og det er uvist, om der nogen Sinde har været noget. Ø. for Kirken ligger et særskilt Klokketaarn. Aar 1871 blev Skibet betydeligt forlænget mod V.; 1881 foretoges en delvis Restauration under Ledelse af Ingeniør H. Zahrtmann. Altertavlen er et tarveligt Arbejde fra 18. Aarh.; Prædikestolen vist fra Slutn. af 17. Aarh., Kalkstensdøbefonten er som den i Bodilsker. I Korbuens nordl. Side en Sten over Præsten Jørgen Kofoed, † 1780, med et udhugget Brystbillede af ham. I Kirken en Series pastorum (om Kirkebygn. se *Brunius*, Konstanteckn., S. 237, og *Holm*, B.'s ældgl. Kirkeb., S. 12). Paa Kirkegaarden en Runesten.

Paa Kommunens Udmark er der fredlyst to store, smukke Bautasten med omgivende brolagt Plads, samt en tredje lignende Plads; ved Dammegaard ligge 3 fredlyste Gravhøje.

**Pedersker Sogn** omgives af Østersøen, Poulsker, Bodilsker og Aaker Sogne; mod N. ligger ved Øster Hrd.'s Sydgrænse et Enklave (Andel i Udmarksjord.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. V. for Neksø og $^3/_4$ Mil S. Ø. for Aakirkeby. Overfladen, der hører til Sandstens- og Skifer- og Cementstensformationen, er temmelig jævn og ikke rig paa Skov; ved Stranden ligge Flyvesandsstrækninger, „Sømarken" eller „Bakkerne", der nu paa enkelte Steder ere beplantede. Paa Østgrænsen berører Rispebjærg (se Poulsker) Sognet; gennem den østl. Del løber Øens største Vandløb, Øle Aa. Gennem Sognet gaar den sydl. Landevej fra

Rønne til Neksø; den nordl. Del vil blive gennemskaaren af Jærnbanen med Holdeplads ved Andelsmejeriet.

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 5379 Td. Ld., hvoraf 2024 besaaede (deraf med Hvede 20, Rug 425, Byg 345, Havre 403, Boghvede 4, Bælgsæd 45, Blandsæd til Modenh. 341, Grontf. 136, Kartofler 99, andre Rodfr. 165, andre Handelspl. 41), medens der henlaa til Afgræsn. 833, Høslæt, Brak, Eng m. m. 471, Have 44, Skov 736, Moser og Kær 89, Heder, Stenmarker osv. 1034, Byggegr. og Veje 126, Vandareal m. m. 21 Td. Kreaturhold 1893: 340 Heste, 1353 Stkr. Hornkv. (deraf 872 Køer), 1066 Faar og 565 Svin. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: $403_{/4}$ Td. (278 Td. alm.). Der var 53 Selvejergaarde med $320_{/3}$, 18 Arvefæstegd. med 41, 105 Huse med $31_{/0}$ Td. Hrtk. og 46 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1034, (1801: 739, 1840: 875, 1860: 980, 1880: 1124), boede i 223 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 9 levede af immat. Virksomh., 711 af Jordbr., 79 af Fiskeri, 139 af Industri, 20 af Handel, 25 af andre Erhv. og 38 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet *St. Peders Kirke*, ved Landevejen; i Nærheden *Præstegaarden* og *Skolen*; desuden *Nordre* og *Søndre Forskole*, et Andelsmejeri („Pedersker"), hvor der bliver Jærnbaneholdeplads, og en Cementfabrik samt flere Møller. Fiskerlejet Bakkerne ved Ølehammer Odde. *Eskesgaard* (*Eskildsgaard*, Proprietærgd.) har $17^{1}/_{8}$ Td. Hrtk. (12 Td. alm.), 330 Td. Ld., hvoraf 15 Eng, 75 Skov, 44 Strandmark og Klitter, 16 til et Fæstehus paa Livstid, Resten Ager. Af andre større Gaarde nævnes: *Lille Myregaard*, *Munkegaard* og *Loftsgd.* Saml. af Gaarde: *Kjellingby*. Desuden *Vester-* og *Øster Sømarkshuse*.

Pedersker S., der danner en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Neksø), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistr. (Rønne), 4. Landstingskr. og Bornholms Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 24. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Peders Kirke* er i sine oprindelige Dele opført af tilhuggen Cementsten i smukt Skifte og bestaar af Skib, Kor med Korrunding, senere tilbygget Taarn, af utilhuggen Kamp, mod V. og et nyt Vaabenhus, af Mursten, mod S. (paa Gavlen staar: 1864). Taarnet og Koret ere byggede skævt paa Kirken, idet det første drejer mod N., det andet mod S. Skibet og Koret have fladt Bjælkeloft, Korrundingen Halvkuppel. Der er Spor af et oprindeligt Vindue paa Nord- og Sydsiden af Skibet og af 3 lign. i Korrundingen. Paa hver Side af Korbuen er en Alterniche. Taarnet har tre Afdelinger med Bjælkelofter; i Sydmuren er der med Adgang udefra en Trappe op til 2. Stokværk; Østmuren er opført paa den oprindelige Kirkegavl, og hele den plumpe Bygningsform viser, at Taarnet er opført meget senere end Kirken, maaske endog efter Reformationen; om det fra først har været indrettet som nu, kan ikke afgøres. Kirken er 1880 bleven restaureret under Ledelse af Arkitekt M. Bidstrup. Altertavlen (den kananæiske Kvinde) er malet 1876 af C. Chr. Andersen; Prædikestolen er formentlig fra Fr. IV's Tid; Kalkstensdøbefont som den i Bodilsker. I Kirken en Series pastorum. Det saakaldte „Bondeveddes Bæger" (se ndfr.), der indtil den nyeste Tid fandtes i Præstegaarden, men forsvandt under Kirkens Restauration 1880, var vistnok en Kalk fra den senere katolske Tid (polygon Form med smaa Helgenfigurer i Relief). Paa Kirkegaarden en Ligsten med Indskrift: „1587 H. H. Prest til Perskirke", formentlig den første Præst her efter Reform., Hans Hendriksen, † 1587 (se dog *Thurah*, Beskr. S. 97). (Om Kirkebygn. se *Brunius*, Konstanteckn., S. 240, og *H. J. Holm*, B.'s ældgl. Kirkeb., S. 12).

Nær Sognets Østgrænse og nær ved Cementfabrikken ligger paa Rispebjærg et gammelt Voldsted, *Ringeborg*, hvis Borgplads er omtr. 150 F. lang og 150 F. bred; mod V. falder den af med en 50 F. høj Skrænt til Øle Aa, der her gør en Krumning, mod S. spores tydeligt en indtil 10 F. høj, i en Halvcirkel gaaende Vold og uden for den en Grav; der er ikke fundet Spor af Bygninger paa Borgpladsen.

Ved den smukke skovbevoksede Dal, hvorigennem Øle Aa flyder, og nær Aaens Udløb ligger *Slusegaard*, hvor der, fra Fiskerlejet Bakkerne, drives Laksefiskeri og Lakseudklækning (med Statsunderstøttelse).

Sandflugten 1548 ødelagde 5 Gaarde i Sognet.

Til flere af Gravhøjene i Sognet knytter der sig Sagn om underjordiske og Trolde. Mest bekendt er Sagnet om *Bondevedde* (eller Bonavedde, se bl. a. *Skougaard*, Beskr. over B., S. 280 fl.), der fordrev en Trold fra Aalhøj ved *Tornegaard* (tidligere kaldet „Bondeveddes Gaard") til Faalhøj. Det var ogsaa samme Mand, der af Trolden fik et Bæger med en Drik, som han hældte ud over sin Hests Ryg, og som afsved dens Haar; Bægeret skænkede han til Kirken (se under denne). *Faalhøj* er nu fredlyst ligesom ogsaa 10 andre smukke Høje; en af dem er omsat med store Randsten. Paa Kirkemarken staa 3 Bautasten. — Paa Gaarden Billegravs Mark er der undersøgt en Høj („Kong Billes Høj"), hvori fandtes flere Grave fra Broncealderen.

**Aaker Sogn** (se S. 60), det største i Herredet, omgives af Østersøen, Pedersker og Bodilsker Sogne samt Øster Hrd. (Øster-Mariæ S.) og Vester Hrd. (Vester-Mariæ S.). Den nordl. Del hører til Granitplateauet og Højlyngen; den sydligste Udløber af Graniten er Bakkerne ved Aakirkeby; højeste Punkt i Sognet er 385 F., 121 M. Det øvrige af Sognet hører til Sandstens- og Skifer- og Cementstensformationen, hvis Overflade for det meste er jævn og frugtbar, men temmelig skovløs. I det sydøstl. Hjørne naar Flyvesandet ind i Sognet. To af Øens betydeligere Vandløb, Grødby Aa og Læsaa, løbe igennem Sognet, der gennemskæres af Landevejen fra Rønne til Neksø og af søndre Landevej; Jærnbanen (Holdeplads ved Egla Enge) med dens Sidebane fra Aakirkeby til Almindingen vil komme til at gaa gennem det (Station ved Rømersdal).

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896: 10,290 Td. Ld., hvoraf 4381 besaaede (deraf med Hvede 82, Rug 815, Byg 886, Havre 944, Bælgsæd 95, Blandsæd til Modenh. 810, Grøntf. 253, Kartofler 224, andre Rodfr. 242, andre Handelspl. 28), medens der henlaa til Afgræsning 2107, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1324, Have 95, Skov 1112, Moser og Kær 152, Heder, Stenmarker osv. 762, Byggegr. 318, Vandareal m. m. 37. Kreaturhold 1893: 762 Heste, 3192 Stk. Hornkvæg (deraf 2159 Køer), 1404 Faar, 1618 Svin og 21 Geder. Bornh. Ager og Engs Hartk. var $^{1}/_{1}$ 1895: $925_{/6}$ Td. (638 Td. alm.). Der var 126 Selvejergaarde med $775_{/6}$, 19 Arvefæstegd. med $45_{/2}$, 261 Huse med $91_{/6}$ Td. Hrtk. og 98 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 2325 (1801: 1402, 1840: 1670, 1860: 1978, 1880: 2467), boede i 488 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 46 levede af immat. Virksomhed, 1680 af Jordbr., 5 af Gartneri, 36 af Fiskeri, 377 af Industri, 16 af Handel, 10 af Skibsfart, 48 af andre Erhv., 62 af deres Midler, og 45 vare under Fattigv.

I Sognet: *Aa Kirke* (se S. 55), *Kirkeskolen*, *Nordre*, *Østre* og *Søndre Skole* samt *Grødby Skole*; *Bornholms Højskole* (se Øster-Mariæ S. 89), opført 1893 ved Dalshøj; *Fattiggaard* (se S. 59); Skovridergaarden *Rømersdal*, opkaldt efter Hans Rømer (se S. 67), beliggende ved Sognets Nordgrænse tæt neden for Almindingen, hvor Klipperne falde brat af ved Gaarden ned mod Kodalen; to Andelsmejerier, *Brodal* og *Bøsthøj*, flere Cementstensbrud, hvoraf det største ved *Limensgade* (alt nævnt Aar 1569), og flere Møller, deribl. *Myremølle* og *Saksebromølle*. Ved Grødby Aas Udløb ligger Fiskerlejet *Boderne*, hvor Baade kunne ligge i Læ bag en Mole. Ved Kysten flere Ladepladser, deribl. *Risebæks Ladeplads*. *Vallensgaard* (Proprietærgd.) har 25 Td. Hrtk. (17 Td. alm.), 380 Td. Ld., hvoraf 120 Eng, 50 Skov, 60 Mose, Resten Ager; til Gaarden høre to Fæstehuse. Ejendommen *St. Munkegaard* og *Bøsthøjgaard* har $22^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. ($15^{1}/_{2}$ Td. alm.), 147 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, 9 Gaardsplads, Have og Skov, Resten Ager; til Ejendommen hører 1 Vandmølle. Ejendommen *Vejrmøllegaard* med 10. Vornedegd. i Vester-Marie Sogn har 19 Td. Hrtk. (13 Td. alm.), 165 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 9 Skov, 2 Gaardsplads, Veje osv., Resten Ager; til Vejrmøllegaard hører et Fæstehus og en Vandmølle. Af andre større Gaarde nævnes:

*Langemyregd*,, *St. Hallegd.*, *Brogd.*, *Soldatergd.*, *Lavegd.*, *Kannikegd.*, *St. Bukkegd.*, *Højegd.*, *Lille Munkegd.*, *Lille Duegd.*, *St. Bakkegaard*, *Loftsgd.*, *Myregd.* og *Spidlegd.* Saml. af Gaarde og Huse: *Faareby*, *Egeby* med Mølle, *Kalby*, *Under Klinten*, *Hundsale*, *Smaalyng*, *Nyby*, *Lykkesmark*; Huse: *Egla Enge*, *Sletenge*, *Strøby*.

Aaker S., der udgør eet Kirkesogn med Aakirkeby, men danner en egen Sognekommune og er delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Neksø), Bornholms Amtstue- (Rønne) og Øens sydvestl. Lægedistr. (Rønne), 4. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 25. (østre) og 26. Lægd (vestre Distr.).

*Vallensgaard* („Wallandegordenn") blev $^{29}/_{4}$ 1541 af Borgmestre og Raadmænd i Lübeck overdraget som arveligt Len til Carsten Lyneborg, som havde opbygget Gaarden, efter at den længe havde ligget øde. Aar 1556 købte den lybske Foged Schweder Kettingk den af Lyneborg. Senere solgte Kettingk den til Admiral Sylvester Francke, fra hvem Kongen inddrog den 1580 under Hammershus som uindløst Pant for en Sum af 1000 Rd. (Henr. Brahe som Lensmand paa B., † 1587, vilde købe den af Francke, men Kongen vilde selv have den). Aar 1624 ejedes den af Henr. Ramels Arvinger og kaldtes da Herregaard; 1671 tilhørte den Steen Redtz og hans Frue Marine Juel; fra 1696 er den nedarvet fra Landsdommer Anthoni Müller i dennes Familie. — Brugsretten over *Kannikegaard*, der er bygget paa Sognets gamle Kirkegaard, tillige med Aa Kirkes Kanonikat skænkede Fr. III $^{11}/_{12}$ 1659 til Præsten Poul Hansen Anker som Belønning for hans Deltagelse i Opstanden 1658. — *Myregaard* tilhørte 1606 Jørgen Gagge, hvis Søn Sivert Gagge paa Grund af sit Forhold ved de svenskes Erobring af Landet blev landsforvist 1646, men senere blev benaadet og 1651 fik kgl. Brev paa at maatte beholde Myregaard; han afhændede den senere til Kronen, som solgte den ved Fællesauktionen 1744. — *Spidlegaard* (se S. 58) blev $^{29}/_{12}$ 1658 skænket af Kongen til Skipper Hans Lauridsen som Belønning for hans Deltagelse i Opstanden, „at nyde i sin og sin Hustrus Levetid, kvit og frit". — *Store Hallegaard* tilhørte Peder Oxe og kom ved hans Mageskifte med Fr. II ind under Kronen.

Ved *Egla Enge* (Ugla-Enge) noget Ø. for Limensgade stod Slaget 1535, hvor Lübeckerne sejrede over Bornholmerne (se S. 14).

Ved *St. Loftsgaard* ved Grødby Aa fandtes 1755 af Niels Brock for første Gang Porcellænsjord (se *C. Nyrop*, den danske Porcellænsfabr., Kbh. 1878, S. 19).

Ved Grødby har der i Oldtiden været forskellige Begravelsespladser. Der er her truffet en enkelt Grav fra Stenalderen, flere Grave fra Broncealderen og henved 100 Brandpletter; i Nærheden af disse har der staaet omtr. 70 Bautasten, hvoraf nu kun 3 ere tilbage (de to fredlyste). I øvrigt er der fredlyst 6 Gravhøje, en Helleristningssten, en stor Jættestue ved *Jættedalen*, samt ved Egeby et Jordstykke med omtr. 100 Røser og nogle Skibssætninger.

(**Litt.**: *C. Th. Christensen*, Uddr. af Aaker Kirkeb. 1651—82, i Kirkeh. Saml. 4. R. I B., S. 469 fl. — *J. Carlsen*, Om Pesten i Aaker Sogn, i „Naturen og Mennesket", 1890, S. 149 fl.).

---

Christiansø, eller *Ertholme* (*Erteholme*), den lille Øgruppe, der ligger $2^{3}/_{4}$ Mil Nord for Svaneke og $2^{1}/_{4}$ Mil Nordøst for Gudhjem, under $55^{0}$ 19′ n. Br. og under $2^{0}$ 36′ 30″ ø. L. for Kbh., bestaar af tre smaa Øer, *Christiansø*, *Frederiksø* og *Græsholm*, et større Skær mod N., *Tat*, og nogle mindre omgivende Skær (*Vester-*

og *Østerskær*, *Tyvskær* m. m.). Christiansø er 1130 Al. fra N. til S. og 680 Al. bred, 40 Td. Ld., Frederiksø (eller *Lilleø*, tidligere kaldet *Bukholm*) er 700 Al. fra N. til S. og 250 Al. bred, 9 Td. Ld. Det er Klippeøer, til Dels dækkede med et tyndt Lag Jord; det højeste Punkt, Møllebakke, 71 F., 22 M., ligger paa Christiansø. Kun de to største Øer ere beboede; Græsholm, 12 Td. Ld., er helt udyrket, dog til Dels bevokset med Græs, og Tilholdssted for Skarer af Fugle, deribl. Edderfugle (fredede fra 1898).

Fladeindholdet var $^{16}/_{7}$ 1896 61.Td. Ld., hvoraf 6 Fælleder, 4 Have, 1 Skov, 32 Stenmarker, 12 Byggegrunde m. m. og 6 Damme. Kreaturhold 1893: 3 Køer, 14 Faar og 1 Svin (ingen Heste!). Øerne ere ikke i Matriklen ansatte til noget Hartkorn. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 274 (1801: 494, 1840: 397, 1860: 100, 1880: 259), boede i 55 Gaarde og Huse og fordeltes efter Erhverv saaledes: 30 levede af immat. Virksomhed, 187 af Fiskeri, 6 af Handel, 27 af Skibsfart, 11 som Daglejere og 13 af deres Midler. $^{1}/_{6}$ 1898 var der 200 Indb.

Øerne gøre et venligt Indtryk med deres nette Haveanlæg (mange vilde Roser), hvor Morbærtræet og Vinranken trives godt, og smaa Træplantninger („Kongens Have“ og „Stiboltsminde“; midt mellem de to Lunde staar en Kampesten, der fortæller, at de ere anlagte 1771 af Kommandant C. H. Stibolt). Der er flere naturlige Klippebassiner med rigeligt fersk Vand. Indbyggerne drive lidt Havedyrkning og Kartoffelavl; men Hovederhvervet er Fiskeriet, særlig af Sild og Laks, og om Sommeren er der mange, der tage derover fra Bornholm for Laksefiskeriets Skyld. If. Fiskeriberetn. var der i Finansaaret 1896—97 60 Fiskere, der fangede for en Værdi af 35,735 Kr. (deraf Laks til en Værdi af 23,737 Kr.); der fiskedes med 14 Dæksbaade og 37 mindre Fartøjer. Ved Øerne fanges en Del Sæler.

Paa *Christiansø* ligger: *Kirken*, opf. 1821 af Kamp, men overkalket, bestaaende af et med en langstrakt Hvælving dækket Skib og et Vaabenhus; Alteret er en i en Niche staaende Christusfigur mellem 2 Søjler, der bære Prædikestolen oven over Nichen; paa Siderne af Alteret Billeder af Apostlene Matthæus og Peter; paa Alteret to Messingstager fra 1654; Orgelet er skænket af Fred. VII; ved Kirken et Klokkestativ. *Skolen* (i Præsteboligen, som før har ligget paa Frederiksø). Endvidere *Store Taarn*, en stærk, af Kamp opført, ringformet Bygning, 80 F. i udv., 72 F. i indv. Gennemsnit, med en indre Gaard; Bygningen, der nu er uden Tag, havde tidligere to Stokværk, af hvilke det nederste benyttedes til Tøjhus, Ammunition, Magasin osv., det andet dannede et med 16 Skydeskaar forsynet lukket Batteri, hvor Kanonerne stode monterede som paa et Skibsdæk; før Kirken byggedes, var der tillige Garnisonskirke i nederste Stokværk. Nu benyttes Bygningen til Fyr, idet der i den ene Side af den cylindriske Bygning, paa hvis indvendige Mure der vokser nogen Hyld, er bygget et hvidt Fyrtaarn, opf. 1879, der rager lidt op over Bygningens Rand; det er et hvidt Blinkfyr (Blink hver $^{1}/_{2}$ Minut), Flammens Højde 92 F., Lysvidden $3^{3}/_{4}$ Mil (det tidligere Spejlfyr blev opsat paa Taarnet 1805); desuden er der Taagesignal (to Sirener, den ene paa Møllebakke). Endvidere findes paa Øen en Mølle og flere store, nu af private beboede Bygninger (Kommandantbolig, Magasin og Kasernebygning, Forvalterbolig), der tilsammen med Bygningerne paa Frederiksø danne „Gaden“. Paa *Frederiksø* findes et ret vel bevaret mindre, rundt Fæstningstaarn (*Lille Taarn*), ligeledes af Kamp, med et spidst Tag, og en to Stokværk høj Bygning, der tidligere er bleven benyttet som Statsfængsel. Øerne have 2 Kirkegaarde (der har tidligere ogsaa været en paa Græsholm), af hvilke den paa Christiansø har Mindesten over Forvalter H.

H. Tønder, † 1706, ovennævnte C. H. Stibolt, † 1779, og Interimskommandant A. A. Kohl, † 1795. Mellem de to Øer, der ere forbundne ved en omtr. 50 Al. lang Flydebro, ligger den omtr. 750 Al. lange, men højst 200 Al. brede, gode Havn, der har Betydning som Nød- og Fiskerihavn (Havneværkerne have faaet flere Udvidelser 1883—96). Broen deler den i en nordl., med 24 F. Vand, og en sydl. Havn, med 16 F. Vand. Havnen er omtr. altid tilgængelig, enten fra N. eller S.; Broen kan svinges, men kun Skibe med 15 F. Dybgaaende kunne passere den; ved Sydhavnens Østside er der Bolværk, hvor dog kun Skibe med 6 F. Dybgaaende kunne lægge til. I Havnen er der Lodstvang (4 Lodser) for Skibe paa 30 Tons og derover. Til Øerne gaar der Baadpost 4 Gange ugentlig fra Svaneke.

Christiansø hører under Øster Herreds Jurisdiktion og B.'s Amtstue-

Havnen ved Christiansø.

distrikt (Lov af $^{21}/_{1}$ 1857), 4. Landstingskr. og B.'s Amts 2. Folketingskr. samt 6. Udskrivningskr.' 14. Lægd, men sorterer i øvrigt under Marineministeriet, der ansætter en Forvalter, som tillige varetager Toldforretningerne og har Tilsyn med Fyret (desuden 3 Fyrassistenter), en Læge og en Præst, som tillige er Skolelærer.

*Ertholme* (a r ð a, oldn., betyder Knort, Ujævnhed) vare nøgne og ubeboede (enkelte Oldsagsfund kendes dog; i Nationalmuseet opbevares saaledes en Økse fra Stenalderen og en Guldfingerring fra Jærnalderen, fundne paa og ved Christiansø) indtil Chr. V's Tid, og de besøgtes kun om Sommeren af Fiskere, navnlig fra Gudhjem. Under den skaanske Krig havde det imidlertid vist sig ønskeligt ved Bornholm at have en Orlogshavn for Skibe, der skulde iagttage den svenske Flaades Bevægelser fra Karlskrona og forulempe Forbindelsen mellem Sverige og dets tyske Provinser, og som tillige kunde tjene som Tilflugts- og Reparationshavn for en større Eskadre (se Danske Saml. II R., 5. Bd., S. 124—125). Allerede 1680 bleve derfor Bornholms Kyster undersøgte af Admiral Span og en Ingeniørofficer, hvilke anbefalede Ert-

holmene som det mest passende Sted. Planen stilledes dog nogle Aar i Bero, formentlig fordi man helst ønskede Havnen ved Bornholm selv. Et passende Sted mente man at have fundet ved Arnager (se S. 72), og for at prøve dets Sikkerhed stationerede man en Fregat der i Vinteren 1683—84; men Fregatten forliste, og man bestemte sig da endelig for Ertholmene, som 1683 atter vare blevne undersøgte og anbefalede af Brødrene Juel og Chrf. Sehested. Aar 1684 sendtes en Kommission derover med Materialer og Kanoner, og Arbejdet paabegyndtes, ledet af Oberst Ant. Coucheron. Under stor Højtidelighed lagdes $^{19}/_{6}$ 1684 Grunden til det store Taarn*) og $^{20}/_{5}$ 1685 til Taarnet paa Frederiksø, hvorhos Fæstningen $^{14}/_{10}$ 1684 fik Navnet Christiansø (1687 besøgte Chr. V Øerne). Foruden disse Taarne anlagdes Batterier ved Indløbene til Havnen, og Magasiner og Kaserner opførtes; ligeledes anlagdes Cisterner og Haver, hvortil Jorden hentedes fra Bornholm. Vignetten S. 99 viser Christiansø i 1703, set fra Frederiksø. Foruden de nævnte Batterier anlagdes senere nogle Batterier paa de Steder af Christiansø, hvor en Landgang var mulig, og efterhaanden forenedes Batterierne ved Forbindelseslinier for Infanteri. Begge Øerne fremtraadte saaledes til sidst som helt omgivne med høje, med Kanoner bestykkede „Ringmure", der toge sig ret imponerende ud, men de vare kun opførte af tilhugne Sten uden Kalk. Ligeledes vare de ved Indløbene anlagte Havnedæmninger og Brohoveder for svagt konstruerede, Havnen var ogsaa for smal til Krigshavn, og i Løbet af 18. Aarh., saaledes 1759 og 1768, udsendtes derfor stadig nye Kommissioner til Øerne, nye Planer udarbejdedes, og ikke ubetydelige Bekostninger anvendtes paa Forbedringer, uden at det hjalp. Fæstningens Kommandant var i Beg. en Officer af Landmilitæretaten (den første var Coucheron), men fra 1741 hørte den under Søetaten. Græsholm var ogsaa en Tid lang inddraget i Befæstningen, men den derpaa anlagte Stjerneskanse opgaves senere og nedreves til Dels i 1808—13, i hvilke Aar der udførtes betydelige Arbejder til Befæstningens Forbedring. I 1851 undersøgtes for sidste Gang Fæstningens Tilstand, og da det viste sig, at en forsvarlig Befæstning vilde koste omtr. 340,000 Rd. og i Krigstid fordre en Garnison paa 1400 Mand, og da Fæstningen under de forandrede politiske Forhold ikke længere kunde have den strategiske Betydning som før, bestemtes det ved kgl. Res. af $^{2}/_{5}$ 1855, at den skulde nedlægges, dog saaledes at Havnen fremdeles vedligeholdtes af Staten som Nødhavn, ligesom ogsaa Lodseriet og Fyretablissementet opretholdtes; 1863 inddroges Resten af den militære Besætning. Den eneste Gang, Fæstningen havde bestaaet en alvorlig Prøve, var, da den $^{24}/_{10}$ 1808 blev angrebet af en engelsk Flotille paa 2 Linieskibe og 6 mindre Skibe; men Kommandanten, Kapt. Kohl, der blev saaret under Kampen, slog Angrebet tilbage. — Øen har flere Gange modtaget Besøg af fyrstelige Personer. Peter den Store kom dertil 21.—22. Aug. 1716; 1833 og 1841 var Fred. VII der som Prins og 1857 som Konge.

I Statsfængslet have bl. a. siddet Præsten Peter Chr. Piper, der for uchristelige Gerninger fradømtes Kald og Embede ved et Landemode 1729 (bekr. af Højesteret 1731) og førtes til Christiansø, hvor han døde (*Wiberg*, Præstehist., III S. 421), Præsten C. F. Gerlach i Rye, ført hertil 1747 (se Kirkeh. Saml. 4. R. I S. 310), en Advokat G. Schade fra Altona (smstds S. 323), den sindssyge Dr. med. P. Fabricius 1775—79 († i Rønne 1817) og Dr. J. J. Dampe (se om ham *J. C. Johansens* Artikel i Historisk Tidsskr. 6. R., V. Bd., S. 555), der sad her 1826—41 med en kort Afbrydelse 1832, da han førtes til Kastellet i Kbh., fordi der var blevet indrettet en Karantæneanstalt paa Christiansø. Fra 1841 fik han Lov til at bo i Rønne, og 1848 blev han helt frigiven. — Om et pietistisk Røre paa Christiansø 1733 se Kirkeh. Saml. 4. R. I S. 640 fl.

**Litt.**: *C. V. Hertel*, Ny udførl. Beskr. over den vigtige danske Søefæstn. Christiansøe osv. Af en tysk Rejse-Journal for 1807 [*J. C. Fick*, Meine neueste Reise, Erlangen 1807], Aalborg 1809. — *K. A. Gosselman*, Besök på Ertholmarne i Nov. 1842, Stockholm 1842. — *C. Hedemann*, „Erth.", i Folkekal. for Danm. 1856, S. 75 fl. — Bidr. til Fæstningen Christiansøs Hist., i Nyt Arkiv. f. Søvæsen I, S. 359 fl. (se ogsaa smstds. S. 239). — Se ogsaa *Ill. Tid.* $^{28}/_{4}$ 1872 og $^{1}/_{10}$ 1893, og *„Fra alle Lande"* 1870 II, S. 152 fl. — *C. A. Sparre*, Nogle Optegn. om Christiansø (Aarhus 1886), Manuskr. i St. kgl. Bibl., Ny kgl. Saml., Kv. 2257.

*) Paa den Medaille, der sloges i Anledningen, stod paa Latin følg. Indskrift: „Erteholmene, hidtil Fiskernes Tjenerinde, nu Østersøens Beherskerinde, hidtil ugæstmild ved sine Klipper, utilgængelig ved sine Skær, nu — 1684 ved Chr. V's mere end herkuliske Bedrift — Østersøens Beskytterinde, de søfarendes Tilflugt, Rigernes Pryd; fra sin Klippeborg aver den Fjendtligheder, Venner modtager den mildt, — kaldes herefter Christiansø".

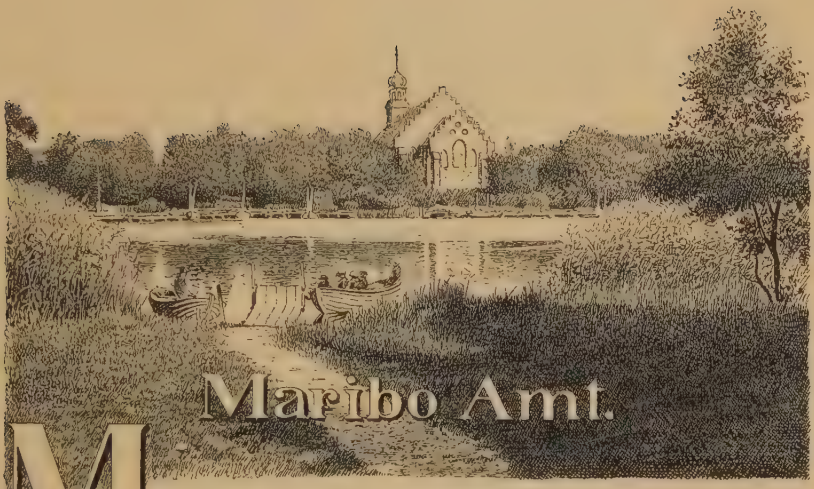

# Maribo Amt.

Maribo Amt bestaar af den Laaland-Falsterske Øgruppe, som mod N. omgives af den fra Store Bælt indtrængende Bugt Søen mellem Smaalandene eller Vordingborg Bugt, der adskiller Øgruppen fra Sjælland, mod Ø. af Grønsund, der skiller den fra Møen, og Østersøen, mod S. ligeledes af Østersøen og mod V. af Langelands Bælt, der skiller den fra Langeland. Øgruppen bestaar, foruden af de to større Øer, af Vejrø, Raagø, Raagø-Kalv, Skalø, Fejø, Fæmø, Lilleø og Askø, alle i Vordingborg Bugt, Vejlø, Slotø, Enehøje Ø, alle i Nakskov Fjord (Bogø, Langø og Ydø ere nu inddragne i Inddæmningerne), de i en næsten lige Linie fra N. V. til S. Ø. langs Laalands Sydkyst liggende smalle Holme, der nu for største Delen ere inddæmmede, nemlig Tjørnebjærg, Bredfjed, Mygfjed, Syltholm, Lille og Store Brundrag og Hyllekrog, og endelig nogle smaa Holme i den nu inddæmmede Rødby Fjord og i Guldborg Sund.

De Laaland-Falsterske Øer, der høre til den østlige Øgruppe, er den lavest liggende og fladeste Del af denne. Af de to Øer er atter Laaland den fladeste, idet kun eet Punkt naar over 90 F., henved 30 M.

*Laaland*, der skilles fra Falster ved det smalle Guldborg Sund, ligger omtr. mellem $54^0\,37'\,30''$ og $54^0\,58'$ n. Br. og mellem $0^0\,42'$ og $1^0\,37'$ v. L. for Kbh. Øens største Længde fra Ø. til V. — fra Broen over Guldborg Sund til Albuen — er omtr. $7^3/_4$ Mil, dens Bredde fra N. til S. veksler mellem $3^1/_2$ og $2^1/_2$ Mil. Kysterne ere i det hele meget flade, især mod S., hvor de ere saa lave, at Landet ofte har været udsat for

Oversvømmelse, særlig under Stormfloden 13. Nov. 1872, hvorfor Landet maa beskyttes ved Digeanlæg*). Kun enkelte Steder, som ved Ravnsborg Voldsted paa Nordkysten, og nogle Punkter ved Guldborg Sund og i Egnen omkring Nysted, er Kysten noget høj. Af Indskæringerne paa Kysten mærkes mod N. Sakskjøbing Fjord og mod V. den med mange Bugter og Vige udstyrede Nakskov Fjord; den paa Sydkysten indtrængende Rødby Fjord er nu inddæmmet. Kysterne ere overalt omgivne af Grunde, dog især mod S., hvor Sandbanken Rødsand, $^1/_8$—$^1/_4$ Mil bred, strækker sig fra Hyllekrog mod Ø. til Falsters Sydspids, fra hvilken den kun skilles ved Kroghage Dyb (mindste Dybde 16 F.). Ved en Sænkning, der fra Sakskjøbing Fjord strækker sig mod S. Ø. (højeste Punkt over Havet 13 F.), deles Øen i en mindre, østlig Del, det saakaldte „Guldborgland", og en større vestl. Del. De to Dele ligne i øvrigt hinanden, idet de begge have yderst ensformige, storformede og meget flade Skraaninger, over hvilke Vandskellene kun hæve sig til en ringe Højde. I den østl. Del er det højeste Punkt (Ø. for Sakskjøbing) 42 F., 13 M. I den vestl. Del strækker sig et, for Øjet næsten umærkeligt Vandskel, der begynder i Egnen ved Nysted og gaar mod N. V., S. for Maribo Sø, derpaa bøjer mere mod N. ved Christianssæde Skov og naar sit højeste Punkt i Bavnehøj ved Birket, 94 F., 29,5 M., hvorpaa det efterhaanden taber sig i vestl. Retning ud mod Stranden. Øen har kun ubetydelige Vandløb. Det største er Halsted Aa, der løber i sydvestl. Retning ud i en Arm af Nakskov Fjord. Der er en Del mindre Søer; de største ere Maribo Sø og Røgbølle Sø eller Alsø, der ligge midt paa Øen. Overlaget bestaar i Regelen af en fin, tung og fed Lerjord, der mere eller mindre er blandet med Muld; under Overfladen findes næsten overalt Mergel. En Del af Øen minder om Marskegnene, særlig den sydvestl. Del, hvor de yderste Enge, de saakaldte „Saltninger", tidligere ofte overskylledes af Havet. Øen er ikke rig paa Tørvemoser (de største og

*) De Diger, som fra ældre Tid vare anlagte for at beskytte Laalands Sydkyst ligesom Falsters Sydøstkyst, vare for lave og svage, og Stormfloden 13. Nov. 1872, under hvilken Vandet steg indtil 11 F. over dagl. Vande, godtgjorde tilfulde deres Utilstrækkelighed. Vandet brød ind over Digerne og satte Nakskov og Rødby Fjord, der ligge omtr. 1 Mil fra hinanden, i Forbindelse, saa at Strækninger paa omtr. $^1/_2$ Mils Bredde flere Steder bleve oversvømmede; paa Falster overskylledes Bøtø Nor, af hvilket allerede flere Arealer vare inddæmmede, og det alt gjorte Arbejde ødelagdes. Ved Lov af $^{23}/_5$ 1873 bemyndigedes derfor Regeringen til at anlægge Diger paa Laalands Sydkyst og Falsters Sydøstkyst af indtil 12 F. Højde over dagl. Vande, saaledes at Staten skulde deltage med henholdsvis $^1/_4$ og $^2/_5$ af Anlægsomkostningerne. Oprindelig var det bestemt, at Digerne paa Laaland kun skulde strække sig fra Nakskov- til Rødby Fjord, men senere besluttedes det at drage Inddæmningsarbejderne i disse Fjorde med ind i Anlægget og føre Digerne et godt Stykke Ø. for den sidstnævnte Fjord, saaledes at over 32,000 Td. Ld. ere blevne inddragne under Digebeskyttelsen i Stedet for de fra først paatænkte 13,700 Td. Ld. Digerne begynde tæt ved Nakskov, gaa over Øerne Bogø, Langø og Ydø i Nakskov Fjord, derfra ud paa Albuen og videre langs Sydkysten over de S. 103 nævnte Øer indtil Østspidsen af Store Brundrag, hvorfra de gaa mod N. Ø. til Kysten ved Sandager; deres samlede Længde er omtr. $^{91}/_2$ Mil, Anlægsomkostningerne have været omtr. 2,2 Mill. Kr. De Falsterske Digeanlæg gaa fra Elkenøre til Gjedser Odde (Længde omtr. $^{21}/_2$ Mil) og have kostet omtr. 560,000 Kr. at anlægge (se Danm. Statistik, I S. 337 fl., og Geogr. Tidsskr. III Bd., S. 7 fl.).

bedste findes mellem og ved Bankerne i Birket Sogn). Karakteristisk for Laaland ere Pilehegnene langs Veje og Markskel.

*Falster*, der ved Grønsund skilles fra Møen, ligger omtr. mellem 54° 33′ 30″ og 54° 58′ n. Br. og mellem 0° 24′ 30″ og 0° 52′ v. L. for Kbh. Øens største Længde fra N. til S. — fra Orehoved til Gjedser Odde — er omtr. $6^1/_4$ Mil, fra V. til Ø. er den mellem $3^1/_4$ og $^1/_2$ Mil, idet den har Form som en Trekant, hvis Toppunkt vender mod S., hvor Øen løber ud i en smal Landtunge og ender i Danmarks sydligste Punkt, Gjedser Odde. Kysterne ere ikke saa flade som Laalands; ved Nordkysten ved Grønsund hæve de sig saaledes til 40 F., $12,_5$ M.; ligeledes findes der flere Steder høje Skrænter ved Guldborg Sund, navnlig mod S. i Skjelby Sogn, hvor der er Højder indtil 70 F., 22 M. Mod S. Ø. ere Kysterne saa flade, at de ligesom paa Laalands Sydkyst maa beskyttes ved Diger, omtr. fra Nordspidsen af Bøtø Nor (ved Elkenøre) til Gjedser Odde (se Anm. S. 104). Kysterne ere til Dels meget uregelmæssige; saaledes er der mod N. to dybe Indskæringer mellem tre Halvøer. Paa den mod S. udløbende Landtunge laa tidligere den meget lavvandede Sø Bøtø Nor (omtr. 1 Mil lang og 3—5000 Al. bred), der kun ved en smal Landstrimmel skiltes fra Østersøen; nu er den til Dels udtørret. Fra Gjedser Odde skyder mod S. Ø. det henved 2 Mil lange Gjedser Rev sig ud, en Kalkstensryg, der dækkes med Sand og Sten, og som flere Steder afbrydes af dybe Render. Falster er vel adskilligt mere lavtliggende end Sjælland, men i det hele en Del højere end Laaland. Overfladen kan langt fra karakteriseres som flad; den maa snarere kaldes bakket og afvekslende. Omtrent fra Midten af Øen, ved Horreby Mølle N. Ø. for Nykjøbing, udgaar fra et 75 F. ($23,_5$ M.) højt Knudepunkt tre Hovedvandskelslinier mod Ø., N. V. og S. — saaledes at Øen fremstiller sig som en tresidet Pyramide —, og Skraaningerne fra disse ud mod de tre Sider, Østersøen, Grønsund og Vordingborg Bugt samt Guldborg Sund, ere flere Steder ganske bratte ned til de helt lave og flade Strækninger langs Vandløbene. Knudepunktet er ikke det højeste Punkt paa Øen. Det østl. Vandskel naar sin største Højde ved Halskov Strand, 118 F., 38 M., det sydlige Vandskel stiger indtil 82 F., $25,_7$ M., noget N. for Botø Nor, og i det nordvestl. Vandskel ligger Øens højeste Punkt, Bavnehøj, 139 F., $43,_5$ M., i Nærheden af Nordkysten. Leret er fremherskende i Jordblandingen; de højere Egne mod N. og N. Ø. have dog en større Bestanddel af Sand, end der findes i de helt lavtliggende Egne; Underlaget, Kridt og Kalk, ligger lavere end Havet, dog træder det nogle Steder ganske nær til Overfladen. Øen har en Del Vandløb, der dog alle ere ubetydelige; der er kun faa og smaa Søer, ligeledes Moser og Kær. Ligesom paa Laaland er der Pileplantning langs Veje og Markskel.

Af Skov har Amtet i Forhold til de andre Landsdele betydelige Arealer (for øvrigt ere de aftagne noget fra 1888 til 1896). En Del Skov paa

Falster (1315 Td. Ld.) tilhører Staten og udgør „Falsters Skovdistrikt“ under 2. Overforsterinspektion. Hvad Frugtbarheden angaar, stod Amtet ifølge Matr. højest blandt Landets Amter; der beregnedes dengang at gaa $8^3/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. (1143 Td. Hrtk. paa 1 □ Mil, svarende til Tallet $14,_1$), paa Falster $8^1/_2$, paa Laaland godt 9 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.

Amtets Størrelse er if. Arealopgørelse 1896 $31,_{61}$ □ Mil ($1740,_4$ □ Km.), hvoraf Laaland uden de omliggende smaa Øer Fejø, Fæmø, Askø m. fl. er $21,_{90}$ □ Mil ($1206,_8$ □ Km.), Falster $9,_{12}$ □ Mil ($512,_1$ □ Km.). Af det saml. Fladeindhold udgøre Købstæderne $0,_{76}$ □ Mil (42 □ Km.). Det hele opmaalte Fladeindhold, hvori Søplanen (6965 Td. Ld.) ikke er medregnet, opgjordes $^{16}/_7$ 1896 til 308,524 Td. Ld. (omtr 169,700 Hekt.)*). Heraf var besaaet Fladeindhold 148,755 Td. Ld. (deraf med Hvede 19,338, Rug 15,431, Byg 45,308, Havre 24,140, Blandsæd til Modenhed 14,782, Boghvede 47, Bælgsæd 3760, Frøavl 518, Kartofler 1003, Sukkerroer 12,802, Foderroer 5866, Grøntfoder 5536, Havesager og Handelsplanter 172); der henlaa til Brak 31,696, til Afgræsning 64,191. Engarealet var 13,260. Fladeindholdet af Have var 4512, af Skov 30,072, Moser 1460, Kær og Fælleder 2244, Heder 59, Flyvesand 434, Stenmarker 184, Byggegrunde, Veje, osv. 9133, Hegn og Læplantninger 1478 samt Vandarealer uden for Søplanen 1047. Man lægger særlig Mærke til Hvedeavlens store Udbredelse, i hvilken Henseende Maribo Amt langt overgaar alle de andre Amter; ogsaa ved Bygavlen staar dette Amt med det absolut set største Areal; derimod er Havre- og navnlig Rugavlen til Gengæld mindre end i de andre Amter. Endelig maa fremhæves Sukkerroedyrkningen, hvortil det anvendte Areal her er 4 Gange saa stort som i Præstø Amt og 2 Gange saa stort som i Odense Amt — de eneste Amter, hvor den ellers er af Betydning. Ogsaa Bælgsæden spiller en forholdsvis stor Rolle, hvorimod Kartoffelavlen er temmelig ubetydelig i Sammenligning med de andre Amter. Havearealet er betydeligt.

Af Husdyr fandtes $^{15}/_7$ 1893: 24,823 Heste, 86,423 Stkr. Hornkvæg (deraf 58,682 Malkekøer), 52,126 Faar, 41,454 Svin og 830 Geder. Antallet af Kreaturer er temmelig stort i Maribo Amt; hvad Kreaturstyrken angaar, staar det over Øernes Amter i Gennemsnit, naar Befolkningstætheden bruges som Maalestok, men bruges Arealet til Sammenligning, naar Amtet ikke Øernes gennemsnitlige Antal pr. □ Mil. — Pr. Td. Hartkorn har Maribo Amt den mindste Kreaturstyrke af alle Landets Amter, hvilket dog hænger sammen med, at der ogsaa her kommer færrest Td. Land pr. Td. Hartkorn. Faareavlen er ret udbredt i Sammenligning med den i Øernes

*) Ved Inddæmningsarbejder er Amtets Størrelse tiltaget betydeligt i den senere Tid (se Anm. S. 104); saaledes opgaves den ved Arealopgørelsen 1888 til $30,_{68}$ □ Mil ($1689,_4$ □ Km.), hvoraf Laaland $21,_{29}$ □ Mil ($1172,_5$ □ Km.), Falster $8,_{98}$ □ Mil ($494,_7$ □ Km.); disse Tal ere anvendte, hvor i det følgende Udregninger pr. □ Mil ere foretagne.

andre Amter, derimod er Antallet af Svin mindre. Af Hingstene hører den største Del til den jydske Race og kun faa til Frederiksborg Racen; af Tyrene er den aldeles overvejende Del af den røde danske Malkerace; blandt Væderne er her som andetsteds Landracen den almindeligste; dog er der ogsaa mange af den languldede Race (Dishley) og en Del af Southdown-Racen. Fjerkræavlen er ret udbredt, navnlig Gæs og Ænder; der fandtes 1893 388,464 Høns, 2323 Kalkuner, 71,563 Ænder og 21,520 Gæs. Der var 6489 Bistader, det største Antal i noget af Øernes Amter.

Det hele Ager og Engs Hartkorn og det halverede Skovskyldshrtk. (487 Td.) var $^1/_1$ 1895: 30,858 Td.; deraf var Købstædernes 724 Td. Hrtk. I Landdistrikterne (Laaland 20,837, Falster 9297) fordelte Hrtk. sig saaledes, at der fandtes 182 større Landbrug paa 12 Td. Hrtk. og derover med i alt 6396 Td., 4189 Bøndergaarde (1—12 Td. Hrtk.) med 20,678 Td., 9800 Huse (under 1 Td. Hrtk.) med 2348 Td. samt forskellige andre Jordlodder med i alt 712 Td. Hrtk. Endvidere var der i alt 1127 jordløse Huse i Amtet. Af samtlige Gaarde vare 3845 med 24,568 Td. Hrtk. Selvejergaarde, 301 med 1579 Td. Hrtk. Arvefæstegaarde med Ret til at sælge og pantsætte. Desuden fandtes 223 alm. Fæstegaarde paa Livstid med 1218 Td. Hrtk. og 2 Arvefæstegaarde uden Ret til at sælge og pantsætte med 9 Td. Hrtk. Af Husene vare 9008 med 1835 Td. Hrtk. Selvejer- og Arvefæstehuse, hvoraf 894 jordløse. Af Fæste- og Lejehuse fandtes 1919 med 513 Td. Hrtk (deraf 233 jordløse). Af Gaardene paa over 12 Td. Hrtk. tæller dette Amt af alle Landets Amter de fleste og med det største Hrtk.s-Tilliggende, og af Bøndergaardene har Maribo Amt ogsaa forholdsvis mange med et stort Hrtk.s-Tilliggende (4—12 Td.). Hvad Husene angaar, har dette Amt færrest jordløse Huse, naar bortses fra Fyns Amter, og det har med samme Forbehold flest store Huse ($^1/_4$—1 Td.) af Øernes Amter. Med Hensyn til Besiddelsesmaaden er Selveje det almindeligste. Antallet af Arvefæstegaarde er saaledes meget ringe, af Øernes Amter har kun Odense Amt færre, og der er ogsaa kun faa alm. Fæstegaarde paa Livstid. Inden for Husbruget tæller kun Frederiksborg, Kjøbenhavns og Odense Amter færre Leje- og Fæstehuse.

Folketallet var $^1/_2$ 1890: 100,552 (1801: 52,896, 1840: 71,402, 1860: 86,797, 1880: 97,007), hvoraf Købstæderne 21,647 og Landdistrikterne 78,905. Af de større Øgrupper er Laaland-Falster den svagest befolkede, og af Øernes Amter staar det under alle undtagen Holbæk Amt. Der kom 3277 paa 1 □ Mil ($59,_{52}$ paa 1 □ Km); Laaland havde 65,552 Indbyggere, Falster 32,639, pr. □ Mil henholdsvis 3079 og 3635 ($55,_{91}$ og $65,_{98}$ pr. □ Km.). Inddeler man Befolkningen i Næringsklasser, saaledes at der til hver Klasse ikke alene regnes Forsørgere, men ogsaa hele deres Husstand, viser det sig, at 5762 levede af immateriel Virksomhed (Embeds- og Bestillingsmænd, Læger, Sagførere,, Lærere, Videnskabsmænd osv.),

48,638 hørte til Jordbrugernes Klasse, 437 til Gartnernes, 1408 til Fiskernes, 23,393 til de industridrivendes, 5690 til de handlendes, 1136 til de sofarendes; der var 9480, som henhørte til Gruppen „andre Erhverv", 2820 levede af deres Midler, og 1788 vare under Fattigvæsenet. Landbruget er Hovederhvervet, men foruden Industri og Handel have ogsaa Fiskeri og Sofart nogen Betydning. Forholdsvis mange ere under Fattigvæsenet.

Amtskommunens finansielle Forhold i Aaret $^{1}/_{4}$ 1896—$^{31}/_{3}$ 1897. Af Indtægtsposterne: Udskrivningen paa Amtsraadskredsens Hartkorn udgjorde 361,000 Kr. (12 Kr. pr. Td. Hrtk.), Bidrag fra Kobstæderne 3961; af Udgiftsposterne vare de væsentligste: Vejvæsenet 144,242, Medicinalvæsenet 54,384, Justits-, Politi- og Fattigvæsen 71,462, Amtsskolefonden 27,043, Dyrlægevæsen samt smitsomme Sygdomme hos Husdyrene 18,631 Kr.: Amtsrepartitionsfonden ejede $^{31}/_{3}$ 1897 i Panteobligationer og Kapitaler 165,629 Kr., i faste Ejendomme 727,475 Kr. og skyldte 523,777 Kr. bort. Amtsfattigkassen udredede samme Aar til dovstummes Oplærelse 2374 Kr., til sindssyges og Idioters Bevogtning og Underhold 10,503 og fik sine væsentligste Indtægter fra Renter af Aktiver 2612, Bidrag efter Plakat $^{9}/_{1}$ 1845: 1422, $^{1}/_{4}$ pCt. Afgift 1718 samt Tilskud fra Amtsfonden 8000 Kr. Amtsfattigkassen ejede $^{31}/_{3}$ 1897 78,776 Kr. i Kapitaler og Panteobligationer samt Tvangsarbejdsanstalten ved Sakskjøbing, vurderet til 110,000 Kr. Den havde ingen Gæld. — Med Hensyn til Kobstædernes finansielle Forhold henvises til Afsnittene for hver enkelt By. — For Sognekommunerne anføres af Indtægterne følgende: de paalignede Skatter udgjorde 1895 paa Hartkornet 558,776 (gennemsnitlig $18_{,50}$ Kr. pr. Td. Hrtk.), paa Formue og Lejlighed 160,187 Kr.; Indtægt af Aktiver var 17,930 Kr., Afgifter efter Næringsloven 12,625 Kr.; desuden udredes Naturalarbejde uden for Paaligningen til Belob af 42,690 Kr. De væsentligste Udgifter vare: Fattigvæsen 218,365 Kr., Skolevæsen 212,081, Alderdomsunderstottelse 121,155 (deraf 56,055 i Tilskud fra Staten), Vejvæsen 158,405 Kr. Sognekommunerne ejede i Slutn. af 1895: i Kapitaler 212,008 Kr., i faste Ejendomme 2,526,844 og skyldte 2,738,852 Kr. bort. Under Sogneraadets Bestyrelse stode Legater til et Belob af 102,653 Kr. Med Hensyn til Beskatningen anføres, at Paaligningen pr. Td. Hrtk. svarer til Gennemsnittet for Oerne. Ligningen til Amtskommunen er lavere end i de fleste andre Amter.

Amtet bestaar af Kobstæderne: *Maribo*, *Nakskov*, *Sakskjøbing*, *Rødby*, *Nysted*, *Nykjøbing* og *Stubbekjøbing* og Herrederne: *Laalands Sønder*, *Laalands Nørre*, *Fuglse*, *Musse*, *Falsters Nørre* og *Falsters Sønder*. Amtets samtlige Landkommuner danne eet Amtsraadsdistrikt, der har 9 valgte Medlemmer. Amtet har i alt 67 Sognekommuner.

Amtet udgør 5 Landstingskreds og har 5 Folketingskredse.

I gejstlig Henseende udgor Amtet Laaland-Falsters Stift, hvortil ogsaa de under Præsto Amt liggende Oer Bogo og Faro hore. Stiftet ind-

befatter 4 Provstier: 1) Laalands Sønder og Nørre Herreders Provsti, 2) Fuglse Herreds Provsti, 3) Musse Herreds Provsti og 4) Falsters Provsti.

I jurisdiktionel Henseende omfatter Amtet, foruden de 7 Købstadsjurisdiktioner, 10 Landjurisdiktioner: 1) Laalands Sønder Herred, der omfatter dette Herreds samtlige Sogne undt. Stokkemarke, samt Halsted Sogn af Nørre Hrd., 2) Laalands Nørre Herred, der omfatter Herredets samtl. Sogne undt. Halsted, 3) Fuglse Herred, hvortil høre Sognene i dette Hrd., undt. Hillested, Østofte og Bandholm samt Øerne Askø, Fæmø og Fejø, hvilke tre Øer danne 4) Fejø Birk, 5) Maribo Birk, hvortil høre Hunseby Sogn og Maribo Købstads Landdistrikt af Musse Herred, de tre ovennævnte Sogne af Fuglse Hrd. samt Stokkemarke S. af Sønder Hrd., 6) Nysted Birk, der omfatter 9 Sogne af Musse Hrd., 7) Musse Herred, hvortil høre 10 Sogne af dette Hrd., 8) Nykjøbing Hrd., der omfatter 5 Sogne af Falster Sønder Hrd., 9) Stubbekjøbing Herred, hvortil høre Sogne i Sønder og Nørre Hrd. samt Bogø og 10) Falsters Vestre Herred, hvortil høre Sogne af Nørre og Sønder Hrd.

Amtet hører til 2. Udskrivningskreds og til Laaland-Falsters Stiftsfysikat; der er 6 Lægedistrikter: 1) Maribo, 2) Nakskov, 3) Sakskjøbing, 4) Fejø, 5) Nykjøbing og 6) Stubbekjøbing. Med Hensyn til Oppebørselen af Skatter danner Amtet eet Amtstuedistrikt (i Maribo, med Filial i Nykjøbing). Amtet har for Tiden 9 Branddirektorater: 7 for Købstæderne og 2 for Landdistrikterne (det ene for Laaland undt. Musse Hrd., det andet for dette og Falster).

Laaland (i Vald. II's Jordeb. *Laland* og *Lalandia*; Navnet er blevet afledet af det isl.-norske la, o: stillestaaende Vand, Indsø) og Falster (i Vald. II's Jordeb. *Falstria*; maaske af fala, o: Slette), der ligge saa nær ved Femern og Pommern, have i Middelalderen ofte været udsatte for Vendernes Plyndringstog, ja disse Folk have vel endog til Tider haft fast Stade paa Øerne, Saxo beretter, at Laaland en Tid stod under Slavernes Herredømme som en skatskyldig Provins. Da den vendiske Fyrst Niklots Søn Pritslav havde ladet sig døbe og faaet Vald. I's Søster Katharina til Ægte, gav Kongen ham if. Saxo store Forleninger paa de danske Øer, deribl. ogsaa paa Laaland, og Pritslavs Søn med Katharina Knud († 1183) siges hos Saxo at have haft Øen i Forlening. Med Hensyn til Falster berømmer samme Forfatter eet Sted den Tapperhed, hvormed Indbyggerne tilbageviste Vendernes Angreb; men andre Steder fortæller han, at de stode i venskabelig Forbindelse med dem, og Kongen paatænkte derfor i 1159 at hjemsøge Øen med Ild og Sværd; men Toget forebyggedes ved en heftig Sygdom, som overfaldt først Kongen og derpaa Absalon, og hvori de begge senere saa en guddommelig Advarsel. Vist er det i alt Fald, at man i flere Henseender kan spore det slaviske Elements Paavirkning. Saaledes vise adskillige Stednavne slavisk Oprindelse, f. Eks. Kramnitse, Billitse, Binnitse, Tillitse, Kuditse, Korselitse (se *F. Schiern*, Om den slav. Oprindelse til nogle Stednavne paa de danske Smaaøer, Hist. Stud. II S. 440 fl.), og ligeledes har man i Indbyggernes Ydre villet finde slavisk Paavirkning, navnlig i den ringe Højde og den mørkere Haarfarve (se anf. Athdl. S. 447 og *A. Hannover*, Undersøgls. om Menstruationens Betydn., Kbh. 1860 S. 25, hvor følgende Udtalelse findes: „I Præstø Amt, paa Møen, Laaland

og Falster er Brunetternes Antal meget større, hvor man nok kan antage en Indblanding af vendisk Oprindelse").

Inden Chrf. I blev Konge, nævnes han som Herre af Laaland og Falster („dominus Lalandiæ"), og hans Søn Erik (Glipping) blev omtr. 1249 født paa Laaland; Hertug Knud, Vald. Sejrs uægte Søn med Esbern Snares Enke, ombyttede kort før sin Død (1260) sit Len Bleking med Laaland; efter Chrf. II's Fordrivelse 1326 fik Grev Johan den milde Laaland og Falster i Pant, og efter Kongens Tilbagekomst beholdt han ved et Forlig 1329 Øerne som Pant, medens Kongen levede sine sidste Aar i Sakskjøbing og døde i Nykjøbing 1332; de nærmeste Aar derefter kaldte hans Søn Otto sig „Hertug af Laaland"; 1359 forlenede Vald. Atterdag sin Søn Chrf. med Laaland; 1632 forlenedes Chr. IV's Søn Christian († 1647) med Øerne. I Svenskekrigen 1658—60 holdtes Laaland besat af Fjenden.

Paa *Falster* havde Kongerne fra ældre Tid Gods, som efterhaanden udvidedes til hele Øen. Af dette Gods dannedes der under Chr. V et af Landets 12 Rytterdistrikter, som, efter at det ved Res. af $^{15}/_{8}$ 1763 var blevet bestemt, at de skulde sælges, 9—12 Sept. 1766 blev stillet til oftl. Auktion i 10 Dele, hvoraf de tre vare Hovedgaarde, nemlig Nørre-Ladegaard, Skjørringe og Korselitsegaard. Det separate Bøndergods, som ikke fulgte med Gaardene, blev bortsolgt til 50—100 Rd. pr. Td. Hrtk. I Slutn. af 18. Aarh. indkøbte dog Staten Godserne Vestensborg og Hvededal samt Vaalse By for at skaffe Fæsterne Ejendomsretten over deres Gaarde og for at bevare Skovene. Bønderne paa disse Ejendomme fik ogsaa i Beg. af 19. Aarh. Skøde paa deres Gaarde, men da de paa Grund af ugunstige Landboforhold ikke kunde udrede Skatterne, bleve de atter Fæstere 1824, og derved opstod et nyt falstersk Gods, omtr. 625 Td. Hrtk., hvilket dog efter Lov af $^{3}/_{4}$ 1851 er overgaaet til Selvejendom.

Den Sumpfeber, (Koldfeber), der har været epidemisk i de lave, side Egne paa Øerne, er nu i betydelig Aftagen paa Grund af den stærke Dræning af Jorden.

Laaland og Falster med mindre Øer have fra den ældste Tid hørt under Fyns Stiftsøvrighed og fik først 1681 deres egen Stiftsbefalingsmand; dog var allerede Købstædernes Bestyrelse og Amternes (se ndfr.) gejstlige Jurisdiktion $^{1}/_{5}$ 1672 blevet overdraget til den samtidig udnævnte „Amtmand over Laaland og Falster". Ved Bispedømmets Oprettelse $^{30}/_{12}$ 1803 adskiltes Laalands og Falsters Stift helt fra Fyens Stift. — Øerne vare fra 1660 delte i: *Nykjøbing Amt* (Falster Nørre og Sønder Hrd. med Fejø Birk, og fra 1689 ogsaa Bogø), *Aalholm* (Fuglse og Musse Hrd.) og *Halsted Kloster Amter* (Laal. Nørre og Sønder Hrd.) samt *Maribo Amt* (med spredt Gods i alle Laal.-Falsters Herreder), indtil disse ved Res. af $^{25}/_{8}$ 1803 sloges sammen til nuv. Maribo Amt.

**Litt.**: *J. H. Larsen*, Laaland og Falster, topogr. beskrevne, Kbh. 1833. — *J. Ph. Hage*, Nye Mariboe Amt, Kbh. 1844. — *P. Rhode*, Saml. til de danske Øers Laalands og Falsters Hist. (I Bd. 1776, II Bd. 1794), paany udg. af *J. J. F. Friis*, I—II Kbh. 1859. — *C. Govertz Jensen*, Laal.-Falster, i Galschiøtt, Danm. i Skildr. og Billeder, II Bd. S. 151 fl. — Efterretn. fra Laal., i Kirkeh. Saml. 3. R. VI Bd. S. 401 fl., 4. R. II Bd. S. 273 fl. og III Bd. S. 563 fl. Disse ere Uddrag af Præsten *Poul Rogerts* Saml. om Laaland (Thottske Saml. Fol. N. 730 i det St. kgl. Bibliot.), til hvilke der smstds. findes en Indholdsfortegnelse.

# Maribo

Maribo Købstad ligger i Musse Herred under $54^0$ 46′ 21,$_{34}$″ n. Br. og under $1^0$ 4′ 33,$_{04}$″ v. L. for Kbh., (beregnet for Kirketaarnets Spids). Den ligger smukt mellem Maribo (eller Sønder-) Sø, 1897 Td. Ld., og Grimstrup (ell. Nørre-) Sø, 86 Td. Ld., hvilke forbindes ved et lille Aaløb. Søerne med deres skovbevoksede Bredder og smaa Holme bidrage i høj Grad til Egnens Skønhed. Byen selv ligger paa et temmelig fladt Terræn (højeste Punkt er paa Hjørnet af Sønder- og Mellemgade, omtr. 50 F., 15,$_8$ M., ved Raadhusets nordøstlige Hjørne er der 47 F., 14,$_6$ M.). Afstanden fra Nakskov er omtr. 3, fra Sakskjøbing $1^1/_4$, fra Rødby $1^1/_2$ og fra Bandholm 1 Mil (ad Jærnbanen er der henholdsvis 3,$_3$ Mil, 24,$_8$ Km., 1,$_2$ Mil, 9 Km., 1,$_9$ Mil, 14,$_4$ Km. og 1 Mil, 7,$_2$ Km.). Byen har sin største Udstrækning fra Ø. til V., omtr. 1600 Al., den største Bredde fra N. til S. er 1100 Al. Gennem Byens Hovedaare, Østergade, Torvet og Klostergade, gaar Øens Hovedlandevej fra Ø. til V.

Byens Købstadsgrund*) udgjorde Marts 1898 872,888 □ Al. (omtrent $62^1/_4$ Td. Ld.), Markjorderne omtrent 538 Td. Ld. Byen havde da 18 Gader og Stræder og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 321 (Marts 1898 var der 426, deraf paa Byens Grund 324). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var 1896 610 Td. Ld.; deraf vare besaaede 297,$_9$, Græsning, Høslæt, Brak og Eng 129, Kær og Fælleder 15, Moser 4,$_5$, Haver 28,$_6$, Skov 61, Byggegrunde og Veje 70,$_9$ Td. Det saml. Hartkorn var $^1/_1$ 1895 49,$_3$ Td.; der var 8 Gaarde med i alt 39,$_6$ og 68 Huse med 9,$_7$ Td. Hrtk. Gaarden *Skovnæs* (ejes af De danske Sukkerfabrikker) har omtr. 30 Td. Hrtk., 317 Td. Ld., deraf 63 Skov (Bangs Have, Rydsmarken og Kildenakke), 26 Eng og Tørvemose, 18 Fabriksplads, Resten Ager ($11^1/_2$ Td. Hrtk. i Hillested Sogn).

*) Købstadsgrunden vil blive betydelig udvidet baade mod Ø. og V. i 1898, se Kortet; men Udvidelsens Omfang kan endnu ikke angives.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var 1. Jan. 1898 4,690,631 Kr. (Antal af Forsikringer 437).

Med Maribo Købstads Kommune er forenet et **Landdistrikt**, som ligger Ø. og V. for Byen og bestaar af Landsbyen *Refshale* mod Ø. ved Maribo Sø og Hovedgaarden *Maribo Ladegaard* mod V., der hører under Grevskabet Knuthenborg (s. d.); den har $52^1/_4$ Td. Hrtk., 441 Td. Ld. Ager. Landdistriktets Fladeindhold udgjorde 1896 997 Td. Ld., hvoraf 545 vare besaaede (deraf 120 med Sukkerroer), 295 Afgræsning osv., 15 Tørvemose, 6 Have, 70 Skov, 1 Stenmarker osv., 32 Veje og Byggegrunde, 30 Vandareal og 3 Kær og Fælleder; det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 $108,_9$ Td., hvoraf $97,_6$ hørte til 10 Selvejergaarde og $2,_3$ til 8 Huse. Landdistriktet har Kommunalvæsen og særlig Skole- og Fattigvæsen fælles med Købstaden og har intet særskilt Sogneraad, men er repræsenteret i Byraadets Skole- og Fattigudvalg ved en af Distriktets Beboere.

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Maribo Stiftskirke**, mod S. i Byen, tæt ved Maribo Sø, tidligere Birgittinernes Klosterkirke, fra 1596 Byens Sognekirke, er opført i 15. Aarh. og bestaar af et stort, aflangt Skib, et smallere Kor mod V. og et slankt Taarn ved Korets Vestside. Den ældste, vestlige Del af Skibet med Koret stammer fra Beg. af 15. Aarh. (omtr. 1413; ca. 35 Aar efter blev den østl. Del fuldført). Kirken er hovedsagelig opført af røde Mursten, i den ældste Del er der dog iblandet enkelte gule Sten; Vestgavlen, Koret og det nyopførte Taarn er ligeledes af rode Mursten, dog med større Iblanding af gulgrønne Sten. Bygningen har en betydelig Længde, omtr. 205 F. indv., 219 F. udv., skønt den er den mindste af Birgittinernes Kirker i Norden — Moderkirken i Vadstena er den største, dernæst kom Mariager Kirke —, og mangler som alle disse Kirker Tværskib og Midtportal paa den mod Ø. vendende Forside samt har Koret mod V., ligesom den ifølge Ordenens Statutter er overordentlig tarvelig i hele sin Udstyrelse og Karakter. Trods al Mishandling i Tidernes Løb er den den bedst bevarede af Birgittinerkirkerne, og ved den nyeste Tids Restaurationer har man søgt at bøde paa tidligere Vanrøgt. Den omtr. 80 F. brede Østgavl har Kamtakker, 3 store, spidsbuede Vinduer med spidsbuede Indfatninger og to Døre, der føre ind til Sideskibene (ved Gavlen har der tidligere været to smaa Kapeller, af hvilke det nordl. først blev nedrevet 1812; det er vist et af disse, som 1538 kaldes Walkendorffs Kapel). Skibet har 8 Vinduer paa hver Langside. Koret, det saakaldte Jomfrukor (omtr. 34 F. bredt og 45 F. langt), har ligeledes Kamtakker; ved Sydsiden laa indtil 1812 et lille Kapel, det Stensenske. Det ved den sidste Restauration opførte firkantede, 112 F. høje Taarn (Murværket er 80 F.), der har pyramideformet, kobberdækket Tag, er rejst paa Fundamenterne af et tidligere lignende Klokketaarn (til Murens Højde omtr. 80 F., til Fløjstangen 120 F.), som blev nedrevet ved en 1738—40 under Ledelse af Hofbygmester L. Thura foretagen Restauration, ved hvilken Lejlighed der paa Østgavlen opførtes et forneden firkantet, foroven ottekantet, spaantækt Træspir (se Amtsvignetten S. 103). Kirkens særdeles smukke Indre danner en treskibet „Kirkehal", idet to Rader fritstaaende, ottekantede, ved Spidsbuer forbundne Piller, 8 i hver Række, dele Skibet i et Hovedskib og to Side-

# MARIBO.

MARIBO LADEGAARDS JORDER
NØRRESØ
KØBSTADENS MARKJORDER
DAMPMØLLE
Til Nakskov
Til Rødby
Til Rørbye
KØBSTADENS MARKJORDER
KIRSTINELUND JORDER
BANGSHAVE
Torvet
KIRKEGAARD
KIRKEGAARD
FATTIGGAARD
SYGEHUS
SKOVNÆS
SØNDERSØ
KØBSTADENS MARKJORDER
1 Arrestue G 4
2 Apotek E 3
3 Asyl F 4
4 Banegaard-Post og Telegrafstat. F 2
5 Bank Maribo- D 3
6 Foreningen af 1ste Jan. 1852 E 4
7 Fattighus F 5
8 Gasværk C 2
9 Hotel E 3
10 Hvilehjem E 4
11 Kirke E 4
12 Kirke Katolsk- H 4
13 Missionshuus „Eben-Ezer" G 3
14 Museum Stifts- F 2
15 Præstegaard E 5
16 Raadhus og Arresthus F 4
17 Ruin E 4
18 Skole Borger og Almue- F 3
19 „ Teknisk- G 4
20 Statue - Fr. VII F 4
21 Stiftelse Kvindevæsens „Aldershvile" F 3
22 Svendehjem G 4

skibe, der ere halvt saa brede som Hovedskibet og 6 F. lavere end dette. Hovedskibet har smukke, omtr. 41 F. høje Stjernehvælvinger, Sideskibene Krydshvælvinger; Koret, hvis Gulv ligger noget højere end Skibenes, har to Stjernehvælvinger i Højde med Hovedskibets; under Koret findes 4 krydshvælvede Gravkældre (de der staaende Kister nedsænkedes ved Restaurationen 1864 paa Kirkegaarden), hvor nu Varmeapparatet har Plads. Langs Østgavlen og begge Sideskibenes Vægge strække sig murede Pulpiturer („Lægtere"), som paa Langsiderne bæres af fritstaaende, ved lave Buer forbundne Piller, og under hvilke der løber lange Gange, „Munkegangene", med Bjælkeloft; Gangen ved Østgavlen har derimod langagtige Krydshvælvinger. Ad en Vindeltrappe i Kirkens nordøstl. Hjørne kommer man op til det over Hvælvingerne værende store Rum, som er delt i 3 Gange, svarende til Skibets Tredeling, idet den store Tagkonstruktion støttes af Hovedskibets høje, med Blindinger og Aabninger forsynede Sidemure.

Maribo Kirke.

Ved de to sidste Restaurationer har man som sagt søgt at gengive Kirken dens tidligere Skønhed og saa vidt muligt føre den tilbage til dens oprindelige Skikkelse. Ved den første, der 1861—65 lededes af Etatsraad H. Chr. Hansen, opførtes bl. a. Trappegavlene (Vestgavlen og Koret havde dengang Valmtage), og et Bindingsværks Skillerum, der adskilte Koret fra Kirken, nedtoges, hvorefter Alteret, som før havde haft sin Plads ved Østgavlen, anbragtes foran i Koret, hvis vestl. Del udgør Landemodesalen, og det tidligere Alterkor indrettedes til Vestibule, over hvilken Orgelet er opstillet paa et i Lighed med de andre Pulpiturer opmuret Pulpitur. Ved den sidste, 1891—92 udførte Restauration, der lededes af Prof. H. Storck, fjernedes bl. a. Spiret paa Østgavlen, og det nuv. Taarn opførtes, Kirkens Mure rensedes, Stræbepillerne istandsattes og afdækkedes med glaserede Mursten; i Stedet for de raa Granitsten med mellemliggende Murværk, hvis Uregelmæssighed bidrog til Fugtighedens Indtrængen, anbragtes der en glat Granitsokkel, og i det Indre fjernedes den fra den tidligere Restauration stammende røde Kalkdekoration paa gul Bund, og Kirken fik en mild hvid Farve. Paa Korets

Bagvæg har der været nogle Kalkmalerier; ved sidste Restauration fandtes over Orgelet Rester af en Dekoration, der er bevaret.

Altertavlen, der under den sidste Restauration fik en pragtfuld, polykrom Udsmykning, er et Billedskærerarbejde fra 1641, skænket af Borgmester Sørensens Enke (de fire S'er paa Siderne af Tavlen betyde: Salig Søren Sørens Søn), med Nadveren i Midten, nederst Christus i Gethsemane, øverst Opstandelsen og ved Siderne Evangelisterne (en gammel katolsk Altertavle fra omtr. 1510 er nu i Engestofte Kirke ved Maribo, se *Fr. Beckett*, Altertavler, S. 81 fl.). Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1606, skænket af Morten Venstermand til Søholt og Fru Anne Andersdatter Galt. Døbefonten af Sandsten er ny, udført efter Tegn. af Etatsr. H. Chr. Hansen og skænket 1865 af Kmhr. Wichfeld til Engestofte og Hustru. Til højre for Opgangen til Alteret findes den Niche, hvori Leonora Christine Ulfeldts Lig blev nedsat 1698 i den af hende selv 1696 indrettede Begravelse, hvor 3 af hendes, i spæd Alder døde Sønner vare begravede, og her blev 1864 indmuret den Ligsten, som tidligere laa over Graven foran Koret, og hvis Indskrift lyder: „Herre, hafde dit Ord icke wærret min Trøst, da hafde jeg forgaaet i min Elendighed. Dette Begrafwelses-Sted tilhører hendis høybaarne Naade Grefwinne Leonora Christina, hvorhelst trende af henders Sønner ærre nedersatte, oc sielf hviler hun her siden den 6 Aprilis $A^0$ 1698, da hun hafde lefvet 76 Aar 8 Maaneder oc 8 Dage" *). Af de mange andre Ligsten, der ere nedlagte i Munkegangens Gulv, mærkes en over „Salig Rasmus Hanssen", † 1565 (paa Stenen er udhugget Gudfader med den korsfæstede foran sig og over dem den Helligaand), en over Hans Pøiske til Berritsgaard, † 1478, og Hustru, en over Laurits Vasspyd, Landsdommer i Laaland, † 1535 (den er fra 1571, bekostet af Erik Grubbe til Aalstrup, og Hustru Fru Anne Vasspyd), samt to over Abbedisserne efter Reformationen, Jomfru Margrethe Urne, † 1582 (hun er afbildet med en Hund ved Fødderne), og Jomfru Margrethe Nordby, † 1602. Desuden findes der nogle faa Epitafier i Kirken. I Landemodesalen bag Alteret findes der en af H. V. Bissen udf. Buste af Biskop Rasm. Møller, † 1842 (paa hvis Gravsted paa Kirkegaarden der 1844 er rejst et Sandstensmonument med et Basrelief af den gode Hyrde); ligeledes findes der en af Stiftets Gejstlighed bekostet Buste af Biskop D. G. Monrad, † 1887, samt to Sølvkranse, der have ligget paa hans Kiste. I samme Sal er der et interessant, gammelt Birgittebillede og et gammelt Helgenbillede i Abbeddragt (muligvis Kirkefaderen Augustinus), som tidligere har hængt paa en Vægpille foran Koret, og som efter Sagnet pegede paa en i en af Pillerne skjult Skat; endvidere et gammelt Røgelsekar m. m. og en Samling Relikvier med Beskrivelse, fundne 1818 i et stort Krucifiks, som hænger paa Bagsiden af Alteret; Relikvierne ere sandsynligvis hidkomne fra Vadstena Kloster 1416 og have oprindelig været gemte i et endnu bevaret

*) Ved Indmuringen af Stenen, der dengang var itu, blev af en Fejltagelse Skriftstedet sat nederst i Stedet for øverst. Da Graven, som i Tidens Løb havde lidt meget af Fugtighed, blev aabnet 1827, fandt man kun Levninger af et Barnelig, hvilke Levninger samledes i et lille Skrin, der blev sat paa en opmuret Pille i Graven (atter 1847 blev Graven undersøgt og restaureret). Derimod fandtes der ikke noget tilbage af Leonora Christines Kiste. Traditionen vil vide, at den straks efter Begravelsen paa Anmodning af den afdødes Skriftefader, Kirkens Præst, i Hemmelighed blev fjernet af hendes Tjenere og nogle trofaste Venner og hensat i et ukendt Gravkammer under Kirkens Gulv — alt for at forhindre, at Øvrigheden skulde forstyrre Gravfreden, idet Autoriteterne i Kbh. havde beordret en Undersøgelse af Kisten, i hvilken man antog, at hendes Brevveksling med Ulfeldt fandtes. Jvfr. dog *S. Birket Smith*, Leonora Christina paa Maribo Kloster, Kbh. 1872, S. 70 fl. Graven havde alt 1765 været aabnet og „omlagt", og ved Undersøgelsen fandtes der 4 Hovedskaller.

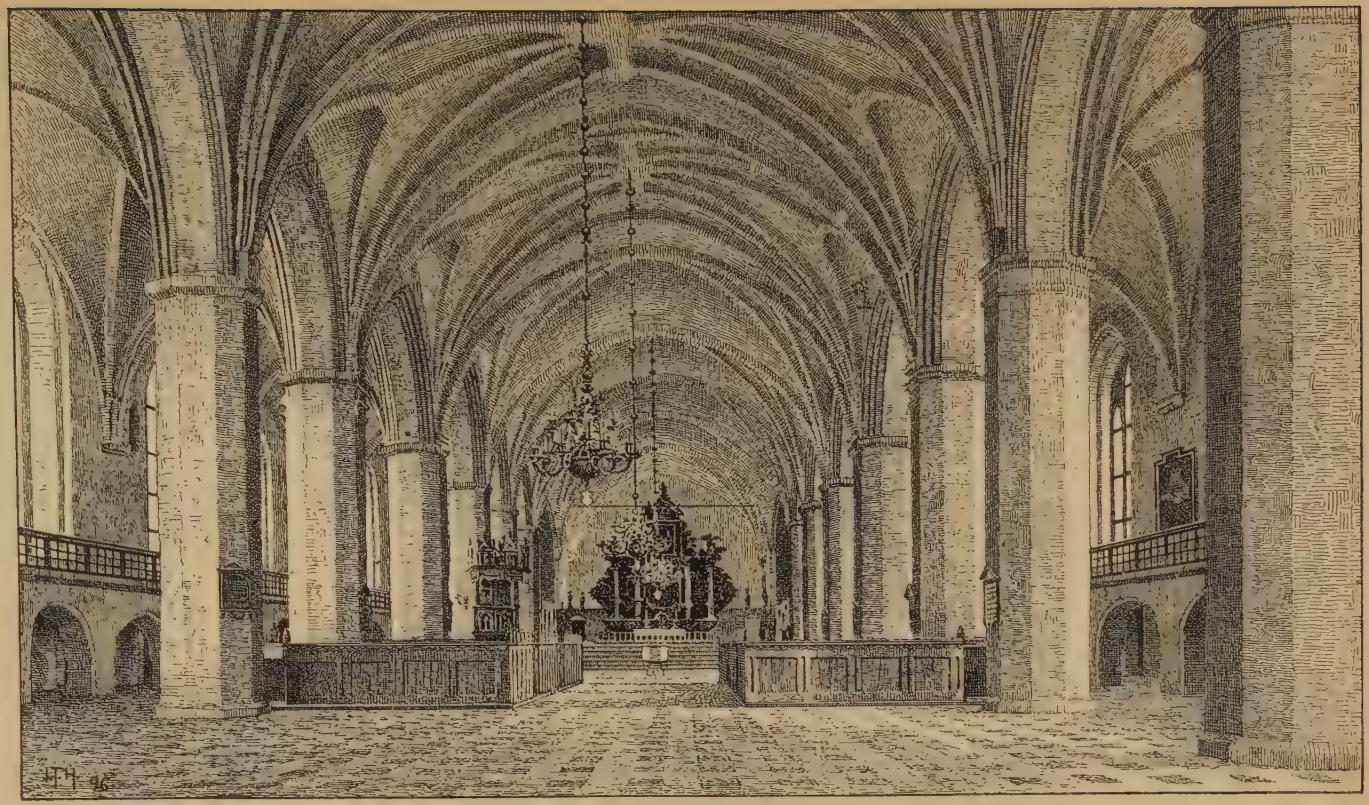

Maribo Kirkes Indre.

Bæger, der har et kronet M. i Foden, og som er skænket af Biskop Peder Jensen Lodehat. I Kirken en Lysekrone, der 1864 er kommen fra Helliggaandskirken i Kbh. Den lille Klokke, uden Indskr., er fra 14. Aarh. — Paa Kirkens østlige Endemur findes et i Sten udhugget Billede af den korsfæstede, fra Middelalderen.

Kirken, som tidligere laa helt omgiven af de gamle Klosterbygninger, ligger nu aldeles frit, især efter at Præstegaardens Udbygninger i den allersidste Tid ere blevne fjernede. Kirkegaarden ligger Ø. og S. for Kirken (1501 nævnes St. Gertruds Kapel paa Maribo Klosters Kirkegaard).

Ved Kirken, der ejer sig selv, er der ansat en Sognepræst, som tillige er Præst ved Annekset Hillested, og en ordineret Kateket, som tillige er Førstelærer ved Borgerskolen. Kirken ejer i Kapitaler 8590 Kr. og 3 Td. Ld.; dens Gæld er 1114 Kr.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset** (se Vignetten S. 111), midt paa Torvet, er opført 1856—57 efter Tegn. af Murermester J. O. Martins i gotisk Renæssancestil af Grundmur i to Stokværk med et lille, fremspringende, ottekantet Taarn, med Kuppeltag, paa Façaden; Bygningen, der indeholder Rets- og Forligslokale, Byraadssal, By- og Birkekontor, Arrestforvarerens Bolig samt i en Fløj mod S. Arrester for 10 Arrestanter, ejes af Maribo Amtskommune og Maribo Købstad med Halvdelen hver.

**Katolsk Kirke** (St. Birgittes Kirke), ved Lundahlsvej, er opført 1897 for de polske Arbejdere ved Sukkerfabrikkerne efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn; den er bygget af røde Mursten og bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. med takkede Gavle; det Indre er holdt i romansk Stil.

**Laaland-Falsters Stiftsmuseum**, ved Banegaarden, er opført 1890 i to Stokværk af røde Sten efter Tegn. af Prof. Ove Petersen og ved Bidrag af Staten og private; det indeholder en forhistorisk og en historisk Samling, desuden en ornithologisk Saml., en Vaabensaml. og en Kunstafdeling med Malerier og Skulpturer (en Del af Samlingerne tilhøre Besidderen af Grevsk. Knuthenborg). I Bygningen findes tillige det omtr. 14,000 Bd. store Stiftsbibliotek, grundl. 1795 af Bogtrykker K. H. Seidelin; det havde fra først af Plads i Kirkens Jomfrukor og blev senere flyttet til Raadhuset.

Byen har to offentlige Skoler, beliggende ved Østergade og opførte 1802 og 1861. **Borgerskolen** er i 2 Stokværk; den har 5 Klasser, 3 Lærere og 2 Lærerinder og i Marts 1898 127 Elever. **Almueskolen** er i 1 Stokværk; den har 8 Klasser, 4 Lærere og 2 Lærerinder og 283 Elever (en ny Kommuneskole paatænkes opført paa „Byfogedjorden" ved Sakskjøbing Landevej). — I Østergade er 1887-88 opført en **Teknisk Skole** i 2 Stokværk (4 Lærere og 68 Elever). Desuden er der en privat Realskole og 4 private Pigeskoler.

**Fattiggaarden**, mod S. i Byen ud for Søndergade, opført 1877, har Plads for 25 Lemmer. — **Syge- og Epidemihuset**, S. for Fattiggaarden, er opført 1894 efter Tegn. af Arkit. Glahn; det har 24 Senge i Syge- og 12 i Epidemihuset og ejes af Amtet med $^3/_4$ og Byen med $^1/_4$; det gamle Sygehus i Graabrødregade, opf. 1846, anvendes nu til Internat for husvilde. — Maribo Hospital, „Beginne-Huset", en gammel Stiftelse, som gav 10 gamle Kvinder Husly og Pengehjælp, blev nedlagt 1878*).

*) Hvornaar *Beginne-Huset* er anlagt, vides ikke. Det nævnes første Gang 1617, da Chr. IV befalede en øde Kirke i Maribo (den gamle Sognekirke) nedbrudt, for at Materialerne kunde anvendes til en Restauration af Hospitalet; men maaske stammer det allerede fra den senere

**Gasværket**, mod V. i Byen, er anlagt 1866, men udvidet flere Gange; 1896 produc. 8,059,500 Kbfd. Gas. — **Jærnbanestationen** er opf. 1871. **Maribo Asyl**, ved Kirken, er stiftet 1866 og benytter en af Kommunen 1886 opført Bygning; det har Plads for 80—90 Børn. — **Foreningen af 1. Jan. 1852**, stiftet af Borgere i Maribo, yder Sygehjælp og Understøttelse samt Fribolig til sine trængende Medlemmer; dens Bygning, i Ny Klostergade, er indrettet til 12 Lejligheder. **Hvilehjemmet**, i Ny Klostergade, opr. 1893, afgiver Fribolig for gamle trængende Kvinder, særlig af Tyendeklassen. — **Stiftelsen for ældre Haandværkssvende**, „Aldershvile", paa Museumsvej, opf. 1889, har Plads for 8 Familier.

Paa Torvet er der 1867 rejst en Buste af Fred. VII. — Paa den af Kommunen ejede Søbrinken og Østermark, langs med Søndersøs Østside, er der anlagt en Cyclebane, og i Forbindelse med den staar en lille, af Amts-

Stiftsmuseet i Maribo.

forvalter Eller skænket Lund. Aktiehaven er en Foreningshave, anlagt paa noget af den gamle Klosterhaves Plads. — I Agent Qvades Have findes en Juglans regia (Valnødtræ), hvis Stamme er 10 F. i Omfang og Kronens Diameter 100 F. — V. for Maribo Sø ligger den smukke lille Skov *Bangs Have*, der hører til Skovnæs (se S. 111).

---

Indbyggertallet var 1. Febr. 1890 2542, Feb. 1896 2769 (1801: 686, 1840: 1356, 1860: 1992, 1880: 2403). — Landdistriktet havde Feb. 1890 152 Indb. (1801: 64, 1840: 153, 1860; 158, 1880: 158).

Erhverv i Byen i 1890: 328 levede af immateriel Virksomhed, 1247 af Industri, 478 af Handel, 51 af Jordbrug, 26 af Gartneri, 4 af Fiskeri, 306

---

Middelalder. Navnet kommer vel af, at Sygeplejen i ældre Tider udøvedes af Beginner, ɔ: Kvinder, som uden at aflægge noget Klosterløfte sluttede sig sammen i særegne Bygninger og førte et religiøst, af Barmhjertighedsgerninger optaget Liv. Sikre Vidnesbyrd om Beginners Nærværelse i Danmark haves fra Roskilde; 1263 nævnes her 4 Beginner.

af andre Erhverv, 71 af deres Midler, 28 nøde Almisse, og 3 vare i Fængsel. — I Landdistriktet: 4 levede af immat. Virksomh., 97 af Jordbrug, 11 af Industri, 4 af Handel, 33 af Daglejervirksomh. og 3 af deres Midler. — Maribo har Toldsted og Ladeplads ved Bandholm (se om Jærnbanen S. 119) 1 Mil mod N., hvorover dens og til Dels Rødbys Ind- og Udførsel foregaar.

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 3463 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 38,158 Pd., uldne Manufakturvarer 12,332 Pd., Vin 1530 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 1084 Vrtlr., Kaffe 16,014 Pd., Salt 29,044 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 38,106 Pd., Stenkul 37,490,131 Pd., Metaller og Metalvarer 2,382,423 Pd. og Tømmer og Træ 899 Clstr. og 27,871 Kbfd. Desuden tilførtes fra indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 5890 Td. Hvede, 49,018 Td. Byg og 3,060,200 Pd. Sukker. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 13,682 Td. Hvede, 44,935 Td. Byg, 45,647 Pd. Ost og 10,110,400 Pd. Sukker.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 82 Fartøjer og maalte Baade med ialt 1366,$_5$ Tons, deraf 3 Dampskibe med 539,$_9$ T. og 185 H. Kr. Fra Udlandet indkom 137 og udgik 131 Skibe med resp. 15,140 og 3913 Tons Gods; fra Indlandet indkom 413 og udgik 440 Skibe med resp. 5263 og 7685 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, (78,117 og Krigsskatten af Vareindførselen 1849 Kr., i alt 79,966 Kr. 19,654 Kr. mere end i 1895).

I Maribo holdes 5 Markeder: 3 i Fasten med Heste og Kvæg, 1 i Juni med Kram, Heste og Kvæg og 1 i Okt. med Kram.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 1 Dampmølle (Aktieselsk., 34 Arbejdere), 1 Trævarefabrik (12 til 16 Arbejd.), 3 Ølbryggerier (15 Arbejd., aarl. Produktion omtr. 6750 Td. Øl), 1 Maskin- og Waggonfabrik, „Vulcan“ (130—140 Arbejd.), 1 Uldspinderi, 1 Svineslagteri (Aktieselsk., 16 Arbejd.), 1 Kalkbrænderi, 2 Pottemagerier, 1 Mejeri, 1 Sodavandsfabrik, 1 Jærnstøberi, 1 i 1897 anlagt Sukkerfabrik paa Skovnæs (se S. 111), fra 1898 hørende under „De danske Sukkerfabrikker“ (i 1. Kampagne oparbejdet 1 Mill. Td. Roer med en Arbejdskraft af 300 Mand), og 1 Bogtrykkeri.

I Maribo udgives to Aviser: „Lollands Posten“ og „Maribo Amts Avis“.

Kreaturholdet 1893 i Byen og paa Markjorderne: 125 Heste, 185 Stkr. Hornkvæg (deraf 139 Køer), 8 Faar, 96 Svin og 2 Geder; i Landdistriktet: 59 Heste, 311 Stkr. Hornkv. (deraf 205 Køer), 121 Faar og 109 Svin.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Birkedommer og Skriver i Maribo Birk, og et Byraad, der foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9 valgte Medlemmer. Der er følgende staaende Udvalg: a) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, b) for Fattigvæsenet, c) for Alderdomsunderstøttelse, d) for Skolevæsenet, e) for Brolægnings-, Vej- og Vandvæsenet, f) for Gasværket og den offtl. Belysning, g) for Tilsyn med Kommunens faste Ejendomme og Inventariet, h) for Redaktionen af Uddraget af Byraadets Forhandlinger.

Finansielle Forhold 1896. Indtægterne: Skatter 49,803 (deraf Bidrag fra Landdistr. 1924, Grundsk. 1953, Hussk. 3512, Formue- og Lejlig-

hedssk. 42,414 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 2780, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 2775, Indtægt af Aktiver 12,113, Skolekontingent 1685 Kr.; af Udgifterne: Bidr. til Stat 911, til Amt 246, til Amtsskolefond 746, Alderdomsunderst. 6589, Skolevæsen 13,949, Fattigvæsen 9672, Rets- og Politivæs. 4716, Medicinalvæs. 3261, Gader og Veje 3980, Belysn. 2580, Renlighed 1285, Brandvæs. 693, kirkel. Formaal 1975 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896: i Kapitaler 35,088, i faste Ejendomme med Udbytte 105,524 og i Ejend. uden Udbytte 103,140 Kr.; dens Gæld var 168,652 Kr. Skatteproc. for Afgift paa Formue og Lejlighed var 1898 $6^{2}/_{5}$ pCt. Den anslaaede Indtægt var 1,208,100 Kr., deraf skattepligtig Indt. 857,500 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Andel i Raadhuset og Syge- og Epidemihuset (se S. 116); desuden Gasværk, Asyl, Skoler, Tørvemose i Vestermark, 2 Skolelodder, den ved Jærnbanedæmningen afskaarne sydl. Dele af Nørresø, en i Forbindelse hermed værende tørlagt Eng, Søbrinken (se S. 117) og nogle mindre Jordlodder.

Byens Politikorps bliver nu nedlagt, og i Stedet derfor oprettes et Ordenskorps paa 12 Mand. Brandkorpset bestaar foruden af det tjenstlige Korps med 3 Sprøjter af et lønnet Korps, 2 Assistenter og 14 Mand.

I Maribo Diskonto- og Laanebank (opr. $^{11}/_{9}$ 1854) er Aktiekapitalen 350,000 Kr., Folio- og Indlaanskonto 1897 1,102,685, Vekselkonto 379,027 Kr.

I gejstlig Henseende er som nævnt Hillested Sogn, Fuglse Herred, Anneks til Maribo.

Maribo hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 2. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Maribo Amtstuedistrikt (Amtsforvalteren bor her) og Maribo-Rødby Lægedistr. (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskreds' 238. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 213, 214, 232—45 og 282—84.

Ved Maribo-Bandholm Toldsted er ansat en Toldforvalter (bor i Maribo), en Kontrollør (i Bandholm) og 3 Assistenter (hvoraf 1 i Bandholm). Ved Postvæsenet er ansat en Postmester og 2 Ekspedienter, ved Telegrafstationen en Bestyrer og 2 Telegrafister. Ved Maribo Telefonselskab staar Byen i Telefonforbindelse med Amtets andre Byer. Driftsbestyreren for de Laaland-Falsterske Baner bor i Maribo.

Ved Lov af $^{20}/_{11}$ 1868 (Koncession af $^{8}/_{1}$ 1869) fastsloges Anlægget af en Bane Maribo-Bandholm; Banen, der ejes af et privat Interessentskab, har kostet 800,000 Kr.; den aabnedes $^{2}/_{11}$ 1869 og er 1 Mil. Maribo er tillige Station paa de Laaland-Falsterske Baner (se under Nykjøbing S. 158). I Driftsaaret 1897 befordredes pr. Bane til Maribo 62,954 og fra Maribo 59,673 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv. ankommen til M. var 701,661 og afgaaet fra M. 421,532 Cntr.

---

**Historie.** Købstaden Maribo (Mariebo) skylder sin Oprindelse til det her anlagte Kloster. Aar 1401 stadfæstede Erik af Pommern en Del Gaver fra Dronning Margrethe til Kirker og Klostre rundt om i Landet, deribl. ogsaa en Gave af Grimstrup Slot (se S. 122), der skulde anvendes til Grundlæggelsen af et Benediktinerkloster paa Laaland. Men denne Plan kom ikke til Udførelse, og 1408 skænkede Margrethe saa Grimstrup til Birgittinerordenen, for at den heraf kunde indrette sig sit

første Kloster i Danmark. Det skulde rejses ved Kirkebyen *Skemminge* (i Vald. II's Jordeb. Skæmyng), der stod, hvor det nuv. Maribo ligger, da en Plads her hver Nat var oplyst af en klar Ildslue, hvilket udlagdes som Tegn paa, at Jomfru Maria ønskede sig en Bolig her. Klosterets Oprettelse blev dog først paabegyndt efter Dronningens Død. Under et Besøg 1413 i Vadstena aflagde Erik af Pommern det Løfte, at han „fra nyt af" vilde grundlægge et Birgittinerkloster paa Laaland, og snart efter sin Hjemkomst indfriede han Løftet. Aar 1416 var Arbejdet saa vidt fremmet, at Munke og Nonner fra Vadstena kunde rejse herned for at indrette det nye Klosterliv overensstemmende med Ordensreglerne. Samme Aar skænkede Kong Erik Klosteret Kyse Gaard og Gods i Ø. Flakkebjærg Hrd. (se II S. 740), og 1417 paabød han Indbyggerne i Riget at betale en Tribut af een Penning til Klosteret (se *C. Neergaard*, Grundlæggelse af M. Kloster, i Aarb. f. n. Oldk., 1890 S. 267 fl.). Pave Martin V meddelte Klosteret sin Stadfæstelse $^{7}/_{4}$ 1418 gennem Odensebispen. Maribo har vistnok som Normalkloster huset hele det store mandlige og kvindelige Personale, som Birgittinerne paabød: foruden en Abbedisse 13 Præstemunke, af hvilke een kaldtes Skriftefaderen, 60 Nonner, 4 Messedegne og 8 Lægbrødre. Den første Skriftefader var oprindelig Munk i Vadstena, og flere andre Munke herfra opholdt sig ligeledes i Maribo i nogen Tid; der synes i det hele at have bestaaet et nøje Forhold mellem disse to Birgittinerhuse. — Maribo blev et af Landets fornemste og betydeligste Klostre. Dets Personale saa vel som dets mange Velgørere hørte for største Delen til Adelen. Rundt om i Landet havde det Besiddelser, der dels vare tilfaldne det ved Gaver, dels udgjorde den Medgift (Provente), som Nonnerne bragte med sig ved Indtrædelsen. If. Jordebøger, som optoges 1623 ved Klosterets Overdragelse til Sorø, ejede det i Laaland Sønder Hrd. 20 Gaarde, i Nørre Hrd. 27, i Fuglse Hrd. 2 Hovedgaarde og 177 Gaarde, i Musse Hrd. 44 Gaarde, paa Falster 40, paa Sjælland 91, i Skaane 14, paa Langeland 7, i Fyn Strøgods af 14 og i Jylland 43; desuden mange Huse og øde Jorder, Møller m. m. Det havde ogsaa Patronatsretten til Østofte Kirke, som Chrf. af Bayern havde skænket det og Paven bekræftet 1453. Maribo Købstad stod i et vist Afhængighedsforhold til det, og Borgerne maatte hjælpe til ved Byggearbejder paa Klosteret. Flere af Kongerne indrømmede det Begunstigelser og stadfæstede dets Privilegier, og Paver og Kardinaler tilstode det Breve med Aflad for enhver, der betænkte det med Gaver; et Afladsbrev af 1446 begrundes med, at Klosterbygningerne endnu ikke vare fuldførte. Andre Klostere søgte Optagelse i dets Søsterskab (1487 saaledes St. Agnete Kl. i Roskilde), og flere fornemme Mænd og Kvinder lode sig udnævne til „Brødre og Søstre udenfor" for at blive delagtige i Ordenens gode Gerninger. Aar 1431 tillod Pave Martin V Klosteret at følge Lund Kirkes Ritual, da Ritualet i Odense Stift, hvortil Maribo hørte, var indrettet efter Benediktinernes. — Af alle danske Klostre forblev Maribo længst ved Magt efter Reformationen; Adelen ønskede at bevare det som et Henvisningssted for sine ugifte Døtre. Dog skete der Forandringer. Munkekonventet opløstes efterhaanden, og fra 1551, da Skriftefaderen Mads sendtes til Sorø, har det næppe huset flere Præstemunke. Aar 1556 stadfæstede Chr. III Klosterets Privilegier og tog samtidig Bestemmelser vedrørende Klosterlivet. Maribo skulde fremtidig være et Adelskloster under en Abbedisse, men Kongen havde Ret til at ansætte en Prædikant, og Abbedissen og Søstrene skulde være Kirkeordinansen hørige; enhver indgiven Jomfru skulde blive i Klosteret indtil sit Giftermaal. Skønt Klosterlivet saaledes skulde synes at være betryggende ordnet, begyndte snart allehaande Rygter at dukke op om, at Nonnerne ikke efterlevede Fundatsen, og 1563 fremsatte Odensebispen Niels Jespersen flere alvorlige Klager mod dem, dels for Vedhængen ved den papistiske Lære, dels for Usædelighed. Klosteret fik da en ny Fundats 1572, men da det snart efter atter hed sig, at det „tilgik meget uskikkeligen og utilbørligen", lod Regeringen 1595 Klosteret visitere ved Rigets Kansler m. fl., og 1596 fik det en ny Fundats. Troen paa dets Nytte som Forsørgelsesanstalt var imidlertid helt bleven rokket, og 1620 besluttedes det, at det skulde ophæves; hvilket skete Foraar 1621. Ved Gavebrev af $^{30}/_{11}$ 1623 skænkedes dets Bygninger og Gods til Sorø adelige Akademi, og efter dettes Nedlæggelse 1665 overgik alt til Kronen og indlemmedes i Dronning Sophie Amalies Livgeding.

Klosterets Bygninger ere nu forsvundne undtagen Kirken, som 1596 blev Byens Sognekirke og 1621 overdroges til den; af Nonneklosterets nordl. Fløj staar dog et længere Fundamentstykke tilbage i „Aktiehaven" tæt N. for Kirken (se S. 117). Som det bl. a. fremgaar af en Grundplan hos Resen fra omtr. 1660, indtog Klosteret et meget stort Fladerum; mod S. og V. begrænsedes det af Maribo Sø, mod Ø. naaede

det til Torvet, mod N. til Klostergade. Munkenes og Nonnernes Bygninger laa som sædvanlig adskilte, Munkeklosteret S. for Kirken og forbundet med denne ved nogle Buegange, Nonneklosteret — en anselig, firfløjet Gaard — N. for Kirken. Ved det sydvestl. Hjørne af Søsterhaven laa det senere opførte „Nykloster". Nonneklosteret begyndte man først at nedbryde (if. kgl. Ordre af 1622); paa Resens Tid laa det i Ruin undtagen et Stykke af den østl. Fløj; 1672 bortsolgtes herfra 160,000 Mursten til Hjælp ved Opførelsen af Vaabensted Kirketaarn. Munkeklosteret blev 1647 Præste-

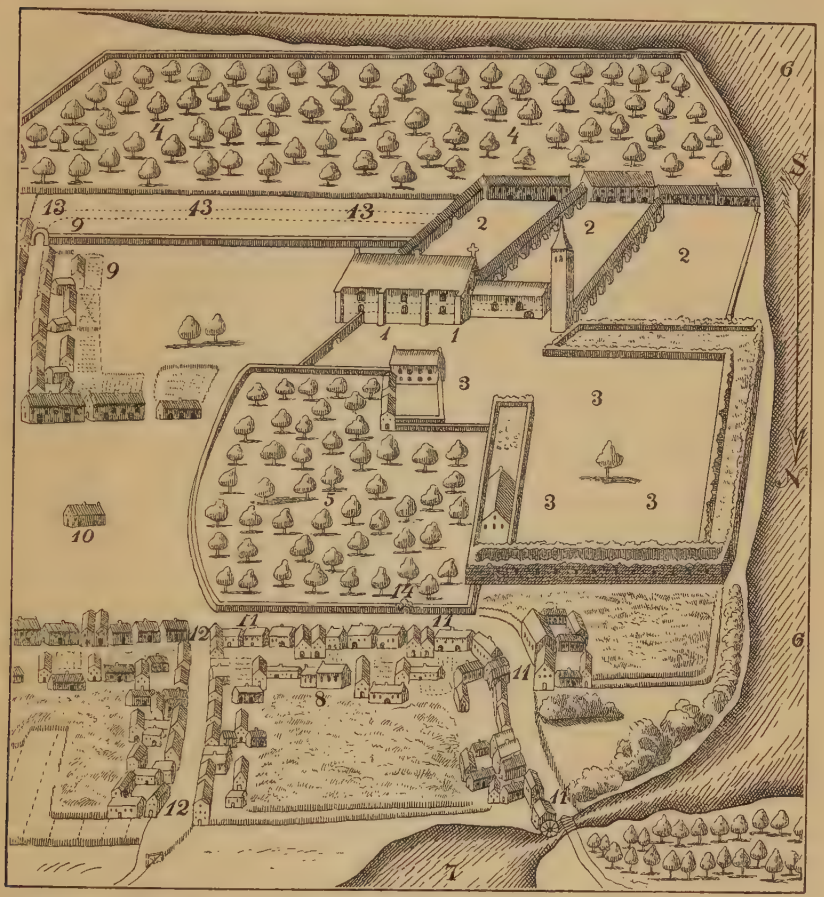


1. Kircke. — 2. Brødre-Kloster, nu Sognepræstens Residents. — 3. Søster-Kloster. — 4. Brødre-Hafve. — 5. Søster-Hafve. — 6. Sønder Søe. — 7. Nørre Søe. — 8. Den gammel Kirche Sted da byen kaldis Skimminge, nu brugis same Kirche til Lade. — 9. Latinske Schole. — 10. Raadhusit. — 11. Kloster-Gade. — 12. Nørre-Gade. — 13. Broder-Gade, hvor igiennem er Indkiørsel til Brødre-Kloster. — 14. har været indkiørsel til Søster-Klosteret.

Resens Grundplan af Maribo Kloster.

bolig og benyttedes (med en Afbrydelse fra omtr. 1695 til 1718) som saadan til omtr. 1770, da det blev nedbrudt og erstattet med en anden Præstegaard (atter 1844 ombyttet med en ny, hvis Udbygninger fornyedes 1898). Nykloster endelig benyttedes vistnok en Tid, fra 1642, som Domhus; 1685—98 beboedes det af Leonora Chr. Ulfeldt; i 18. Aarh. blev det nedbrudt, men baade af det og Murene om Søsterhaven stod der endnu Levninger ved Beg. af 19. Aarh.

*Maribo Købstad* er opstaaet kort efter Klosterets Oprettelse, thi 1421 giver Erik

af Pommern sit Samtykke til, at der i Skemminge maa bygges en Købstad med Privilegier og Friheder som andre Købstæder paa Laaland, og disse Privilegier ere ofte senere blevne bekræftede og udvidede, saaledes 1648 og 1672*). Byen har dog aldrig været betydelig, om den end i Brev af $^{5}/_{1}$ 1557 vedr. Laaland-Falsters Udredelse af et Orlogsskib ved sin Anpart ansættes som Øernes tredje By, kun staaende tilbage for Nakskov og Nykjøbing; 1672 havde den 444, 1769 504 Indb. I Grevens Fejde sluttede Maribo Borgere sig til Chr. II's Parti og toge Del i Plyndringerne af Herregaarde, ligesom de ogsaa angrebe Klosteret, men allerede $^{22}/_{7}$ 1535 maatte Byens Borgmester og Raad hylde Chr. III i Nysted. Maribos gamle Sognekirke, der efter Resen har ligget paa den nordl. Side af Klostergade, blev ødelagt ved en stor Ildebrand, som overgik Byen 1596, og som „ikke lod mange Huse tilovers"; Byen fik da som nævnt Klosterkirken til Sognekirke; 1617 blev den gamle Kirke nedbrudt og Stenene benyttede til at udbedre Beginne-Huset (se S. 116) med; dog stod der endnu Levninger af den til langt op i 18. Aarh. Aar 1601 hærgede Pesten Byen; 1713 brændte 25 Gaarde og Huse, og 1832 blev den atter to Gange hjemsøgt af Ildebrande. — Som de fleste andre Købstæder har Maribo haft en lille Latinskole, der laa ved Brodergades nordl. Side (se Resens Grundplan); den nedlagdes 1740. — Om en *St. Jørgensgaard* ved Maribo se Stokkemarke Sogn.

I Maribo ere bl. a. fødte Prof. Henr. Nic. Clausen $^{22}/_{4}$ 1793 og Forfatteren Fr. Sneedorff Birch $^{1}/_{8}$ 1805.

Landdistriktet. Efter Klosterets Ophævelse overlod Chr. IV en Del af dets Udmarker til Byens Borgere mod en Afgift; men da de ikke bleve drevne tilbørlig, bleve de tillige med *Maribo Ladegaard*, med Frihed som privilegeret Sædegaard, $^{23}/_{12}$ 1693 skødede til Margrethe Wilders, Enke efter kgl. Leverandør Friedr. Werdelmann, og $^{4}/_{1}$ 1694 skødede hun Ejendommen til Eggert Chrf. Knuth til Aarsmarke, hvorefter den senere indlemmedes i Grevskabet Knuthenborg. — *Skovnæs* er oprettet efter Midten af 19. Aarh. af Justitsraad Meincke, Forpagter paa Maribo Ladegaard, ved Køb af de kgl. Skove Bangs Have, Nørrehave og Rydsmark samt Køb af nogle af Byens Jorder; Hovedbygningen opførtes 1864; 1897 blev den købt af Sukkerfabrikken.

V. for Maribo ved Nørresø ligger et Voldsted, *Højslottet* eller *Grimstrup Slot* eller *Lysemose Slot*, bestaaende af flere Afdelinger, der have været skilte ved Grave; paa den midterste og højeste laa den egentlige Borg, af hvilken man har truffet Murlevninger; da man ved Midten af 19. Aarh. ryddede Voldstedet, mente man at kunne se, at Borgen er bleven ødelagt ved Ild. Grimstrup ejedes i 14. Aarh. af Benedikt Ahlefeldt og Sønnen Bened. den yngre; senere fik Vald. Atterdag Slottet, og under Dronning Margrethe blev det nedlagt. — I Vald. II's Jordeb. nævnes ikke Refshale By, men *Refshaleburgh*, der maaske er den faste Borg, der har ligget paa Borgø i Maribo Sø udfor Refshale By (se Engestofte Sogn). Det er blevet paavist, (*C. Paludan-Müller*, i Vidensk. Selskr. 5. R., hist. og fil. Afhdl., IV Bd. V S. 205), at det er denne Refshaleborg, og ikke, som tidligere troet, en Borg ved Kjøbenhavn, som blev nedbrudt 1256 af Bønderne.

**Litt.**: *J. Wichfeld*, Fortidsminder fra Egnen om M. Sø, Kbh. 1862. — *A. Kall-Rasmussen*, Hist.-topogr. Efterretn. om Musse Hrd., I. Maribo Sogn, Kbh. 1866.

---

*) M. har utvivlsomt været Købstad lige fra sin Opstaaen, da dens Byfogder allerede nævnes i 15. Aarh. At den flere Gange i Dokumenter fra 16. Aarh., hvori de Laaland-Falsterske Købstæder opregnes, ikke nævnes som saadan, maa formentlig have sin Grund i, at Klosterets Abbedisse dengang var dens rette Øvrighed. At der i ovennævnte Brev af $^{5}/_{1}$ 1557 skelnes mellem Borgerne i de Laaland-Falsterske Købstæder og „Undersaatterne" i Maribo og Rødby, skyldes vel, at Rødby, der dengang ikke var Købstad, en Tid lang havde Byfoged fælles med Maribo (se *Kall Rasmussen*, Musse Hrd. S. 346). — Som man vil se af Billedet S. 111 har Byen ikke noget egentligt Vaaben, idet det kun bestaar af Bogstaverne M B. Det øverste Vaaben, en Jomfruskikkelse (Maria?), er fra 18. Aarh., uvist fra hvilket Aar.

# Nakskov

Nakskov Købstad, den største i Amtet, ligger i Nørre Herred under 54° 49′ 50,5″ n. Br. og 1° 25′ 39″ v. L. for Kbh. (beregnet for Sukkerfabrikkens Altan, hvor der er trigonometr. Station) ved det inderste af Nakskov Fjord paa en lav, jævn, sid og leret Grund; højeste Punkt er ved Kirkens østl. Ende, 16 F., 5 M., ved Jærnbanestationen er der 12 F., 3,8 M. Afstanden til Maribo er $3^1/_4$, til Sakskjøbing $4^1/_2$ Mil (ad Jernbanen resp. 3,3 Mil, 24,8 Km., og 4,5 Mil, 33,8 Km.). Byen ligger N. for den lange Havn og har sin største Udtrækning fra Ø. til V., omtr. 2470 Al.; dens største Bredde fra N. til S. er omtr. 1250 Al; mod Landsiden var den tidligere omgiven af Volde, der nu ere nedlagte (kun et Par Steder er der bevaret Stykker af Bastionerne med smaa Anlæg). S. for Havnen hører et mindre Stykke, det saakaldte *Færgeland*, der er forbundet med den øvrige Del af Byen ved en ny anlagt Dæmning og en kort Bro (tidligere en lang Bro), til Købstaden. Hovedgaderne ere: Nørre Boulevard, der fører mod S. V. fra Stationen, endvidere den fra N. V. til S. Ø. løbende Vejlegade, af hvilken en Udvidelse kaldes Gaasetorvet, og som fører til Akseltorvet, hvorfra Tilegade gaar mod N. Ø. og Søndergade mod Ø., som atter gennem Nygade, Østergade og Østre Boulevard fortsættes ud til Landevejen til Maribo. Gaderne ere alle godt brolagte; mange af Husene ere i to Stokværk, nogle enkelte Bindingsværkshuse ere bevarede. Særlig Omtale værd er, at Byen har et helt gennemført Kloakanlæg og Vandklosetsystem.

Byens Købstadsgrund udgjorde Foraar 1898 846,595 □ Al. (omtr. 60,5 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 1043,5 Td. Ld. Byen havde da 37 Gader og Stræder og 3 Torve. Husenes Antal var ved Folketæll. 1890 851 (Foraar 1898 1074, hvoraf 590 paa Byens Grund). Hele det ved Matrik. opmaalte Fladeindhold af Byen med Markjorderne var 1896 1104 Td. Ld.; deraf besaaede 552, Afgræsn., Brak og Eng 334, Haver 68, Skov 19, Byggegr. 126, Vandareal 4. Det saml. Hartk. var $^1/_1$ 1895 122 Td., hvoraf 88 dreves fra 26 Gaarde (deribl. *Færgelandsgaard*) og 27 fra 358 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898 10,387,255 Kr. (Antal af Forsikringer 1074).

Da Nakskov Landsogn danner en egen Sognekommune (dets sydl. Del, nemlig Landsbyen Krukholm med Tilliggende, har dog Skolevæsen fælles med Købstaden if. Overensk. af $^{15}/_7$ 1868), behandles det særskilt under Nørre Herred.

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes følgende:

**Kirken**, midt i Byen tæt ved Akseltorvet, i den katolske Tid indviet til de søfarendes Værnehelgen St. Nicolaus, er en anselig Bygning, der er opført af rode Mursten maaske i Beg. af 15. Aarh., men i øvrigt ere dens enkelte Dele til Dels byggede til forskellige Tider. Kirken bestaar af Skib, Kor mod Ø. og Taarn mod V. Det høje Skib er delt i et Hovedskib med 3 meget høje Hvælvinger, som oplyses af 3 Vinduer paa hver Side, og to Sideskibe, der have langt lavere Hvælvinger og 6 Vinduer paa hver Side; de adskilles fra Hovedskibet ved 6 Piller, der ere forbundne med 4 spidse

Nakskov Kirke. (Sommeren 1896).

og 2 runde Buer. Det lange, tresidet afsluttede Kor, der ligeledes er lavere end Hovedskibet, har ligesom dette takket og blindingssmykket Gavl. Koret har oprindeligt været mindre og smallere, men blev 1653 udvidet med en saakaldet Omgang, der har den samme Bredde som Sideskibene og løber i eet med disse, saaledes at disse ere forenede med Koret under samme Skraatag. Op til Koret, der ligger noget højere end Kirken, er der 1898 lagt en Marmortrappe. Det store, indtil Murtinden 100 F. høje Taarn havde oprindelig et højt, slankt Spir, som 1587 ramtes af Lynet, hvilket skadede det i den Grad, at man 1617 maatte tage det ned, og et nyt anbragtes 1618. Dette blæste dog ned under en Storm $^{25}/_{2}$ 1625, hvorfor man opgav at opsætte et nyt og i Stedet gav Taarnet et lille vansirende Spidstag eller en Hætte, der sad til ind i 18. Aarh. (Fred. IV skal have sagt, at

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | Afholdsforeningen | D | 4 |
| 2 | Apotek | E | 5 |
| 3 | Arbeids- og Forsørgelsesvæsinstalt | E | 4 |
| 4 | Asyl | F | 4 |
| 5 | Badeanstalt | F | 4 |
| 6 | Banegaard m. Posthus | E | 3 |
| 7 | Bank. Laalds. Spare- og Laane- | E | 5 |
| 8 | Epidemihus | E | 6 |
| 9a. 9b | Fribolig Haandværkernes- | F | 4 |
| 10 | Gasværk | B | 4 |
| 11 | Hospital | C | 3 |
| 12 | Hotel „Harmonien" | E | 5 |
| 13 | " „National" | D | 4 |
| 14 | " „Skandinavien" m. Theater | D | 4 |
| 15 | " Wilchens- | E | 3 |
| 16 | Haandværker- og Industrif. | F | 5 |
| 17 | Kirke | E | 5 |
| 18 | Kontor f. Studs „Havneing. m. m. | E | 5 |
| 19 | Kommercontor | E | 4 |
| 20 | Missionshus „Milto" | E | 3 |
| 21 | Præstegaard | E | 4 |
| 22 | Raad, Ting- og Arresthus | E | 5 |
| 23 | Skole Fri- | D | 4 |
| 24 | " Nakskov Døtre- | E | 3 |
| 25 | " " Borgr. Døtre- | E | 3 |
| 26 | " Real- og Borger- | D | 4 |
| 27 | " Tekniske- | E | 4 |
| 28 | Slagtehus | G | 3 |
| 29 | Sparekasse Laalds. Landbest. | F | 5 |
| 30 | Sprøjtehus | C | 4 |
| 31 | Statelse „Erlings Minde" | D | 5 |
| 32 | " Maria Hansens | D | 5 |
| 33 | " Riegelsens- | D | 5 |
| 34 | Sukkertilbrik | H | 3 |
| 35 | Stentekjøm | E | 4 |
| 36 | Svineslagteri | G | 3 |
| 37 | Sygehus Halsted Amts- | E | 4 |
| 38 | Synagoge | D | 4 |
| 39 | Telegrafstation | E | 3 |
| 40 | Toldkammer | D | 5 |
| 41 | Vandtaarn | E | 5 |
| 42 | Vind- og Kloakværk | G | 5 |

Udført af V. F. A. Berggreen

Forlagt af Uni

100 50 0 1 2

OV.

*Eftertryk forbydes*

*efter G.E.C.Gad*

*Axel E. Aamodt's lith: Etabl.*

0 1 2 3 4 500 Alen

han aldrig havde set saa stor en Mand med saa lille en Hat). Atter $^{7}/_{8}$ 1687 ramtes Taarnet af Lynet. I 18. Aarh. gav man Taarnet takkede Gavle, hvilke

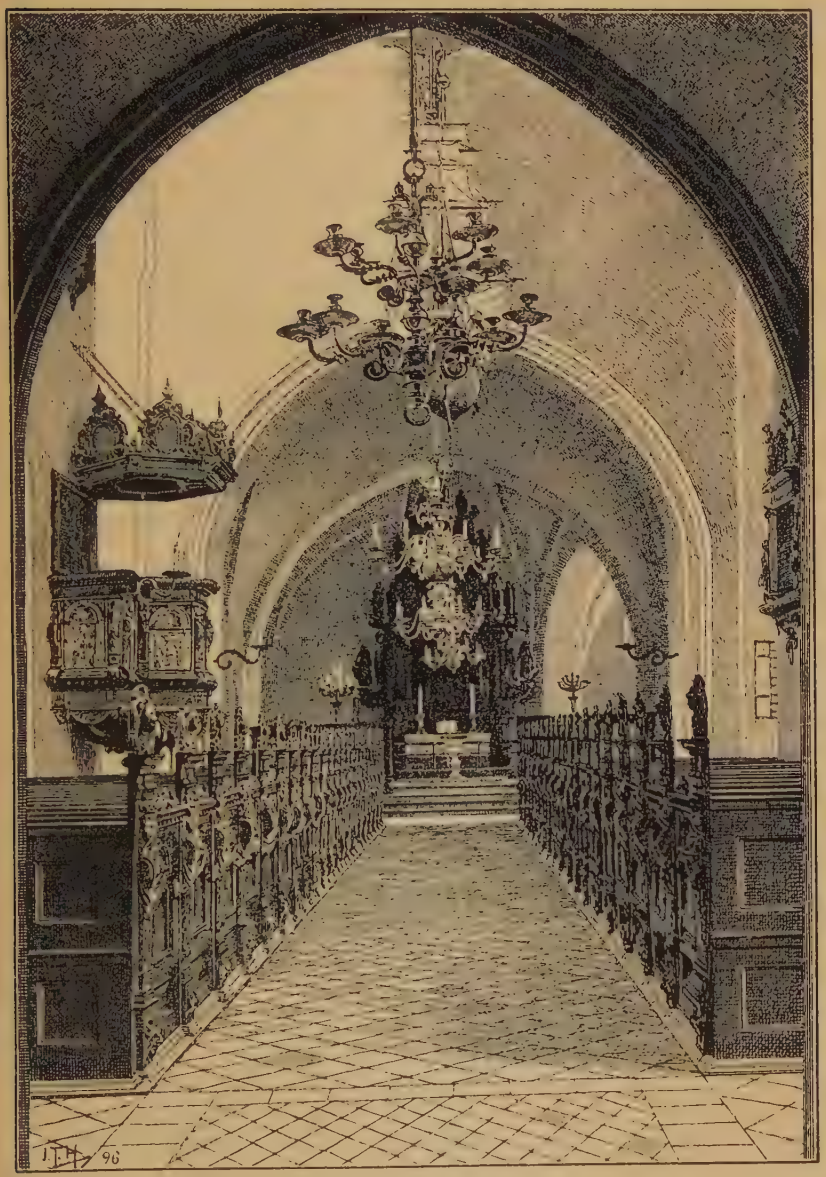

Nakskov Kirkes Indre.

atter under en Hovedreparation, der nødvendiggjordes ved, at Lynet 1822 var slaaet ned i Kirken, nedtoges, hvorpaa det nuværende, spaantækkede,

92 F. høje Spir opsattes 1823. I Taarnet er et af Banken i Nakskov skænket Ur og 4 store Klokker (de to ere omstøbte 1859). Da de svenske 1659 belejrede Nakskov, og Byen havde taget Omgangen i Kirken til Opbevaringssted for Krigsmateriel, Ammunition osv., blev Bygningen ramt af flere Bomber, som dog ikke skulle have gjort synderlig Skade. Saaledes faldt $^1/_6$ en Bombe i Kirken under Gudstjenesten uden at volde Fortræd, da den sprang mod en Pille; to Dage efter sprang en anden i Nærheden af Krudtkammeret, og $^{19}/_6$ slog en tredje midt under Gudstjenesten gennem Korhvælvingen; heller ikke da dræbtes nogen, men Kirken blev en Del beskadiget. Stenbomben ligger nu paa en Stenopsats i Koret, og i Hvælvingen indsattes der paa Stedet, hvor den var gaaet igennem, en forgyldt Trækugle (nu sort). I Taarnets Vestmur er der indmuret 5 Kanonkugler fra Belejringen. Kirken har i Tidens Løb mistet flere Tilbygninger; saaledes blev et Kapel ved Taarnets Nordside (det Riegelsenske) nedrevet ved 1830, og under en udvendig Hovedrestauration, som foretoges 1859, og hvorved bl. a. Hovedindgangen atter blev anbragt i Taarnets Vestmur, hvor den før havde været, og Vinduerne forstørredes, nedreves et Vaabenhus mod S.

Altertavlen (restaur. 1897 af Prof. Magn. Petersen) er et udmærket, forgyldt og farvesmykket Billedskærerarb. i sen Barokstil fra 1657, forfærdiget af Mester Anders i Odense; den er delt i 4 Afdelinger (Nadveren, Korsfæstelsen, Nedtagelsen af Korset, Christus paa Jordkuglen) og bærer paa Siderne Apostlene m. m.; paa Gulvet ved Siderne staa to næsten legemstore Figurer af Moses og Aron. Et langagtigt Maleri, som findes i Kirken, har vistnok siddet paa Forsiden af det gamle Alterbord. Af de ti Altere, som have været i Kirken i den katolske Tid, er der intet tilbage. Prædikestolen, der er skænket af Raadmand Tyge Sørensen, er ligeledes et forgyldt og malet Billedskærerarbejde af stort Kunstværd fra Slutn. af 16. Aarh. (i Lydhimlen findes Portrætter af Giveren og Hustru). Samtidig med Prædikestolen er en smuk Skranke, der nu er opstillet under det 1856 anskaffede Orgel, men før har staaet over Korbuen; den har 13 Nicher, hvori Christus og Apostlene (ligesom Prædikestolen restaur. 1897 af Magn. Petersen). Døbefonten er af Alabast, Fadet, skænket 1857 af Konsul Chr. Hage, er ciseleret efter Tegn. af L. Frølich. Ved den indvendige Restaur. af Kirken 1856 fik de nye Stolestaders Forsider Jærnafstøbninger af de gamles smukke Træskærerarbejde. Af Epitafier og Mindesten, af hvilke en stor Del nu ere forsvundne, nævnes i Midtskibet: et rigt forgyldt Træepitafium over Tolder og Raadmand Niels Nielsen, † 1646, og Familie, med et fortrinligt Maleri af Korsfæstelsen og Portrætter af de afdøde, og et Marmorepitafium med ioniske Søjler og Figurer over Raadmand og Borgmester Otto Christensen, † 1625, og Hustru; i nordl. Sideskib: en sort Marmorsten (vistnok Midtpartiet af et større Epitaf.) over Else Mule, g. m. Præsten Fr. Thestrup, senere død som Bisp i Aalborg 1753, og en Sten over Raadmand Michel Matzøn, † 1645; endvidere 3 Portrætter af Præster, af hvilke den ene skal være Laur. Widsted, † 1674, og et ovalt Maleri (Del af et Epitaf.?) med Fremstilling af Dommedag og 5 Brystbilleder, vistnok den under Belejringen højst fortjente Borgmester Niels Nielsen, † 1671, med Hustru og Børn. I det sydl. Sideskib findes to mindre Sten, hvoraf den ene med Aarst. 1677 er indsat af Sognekapellan Niels Saxtrup, † 1686. I Kirken findes desuden et Maleri, Bebudelsen (Kopi efter en ital. Kunstn.), skænket af Politimester Hammerich, og et af Fru Block til Kokkedal 1857 skænket Krucifiks.

Den gamle Kirkegaard omkring Kirken er nu nedlagt; ved Kirkens vestl. Side er der 1898 opført en smuk Mur af røde Munkesten. Paa den nye Kirkegaard, omtr. $^1/_8$ Mil N. for Byen, omtr. 4 Td. Ld., der er anlagt paa en fra Præstekaldet købt Jord, og som toges i Brug 1884, er der opført et Ligkapel. Desuden er der en Kirkegaard Ø. for Byen, paa hvilken der kun maa begraves indtil 1904, og en særlig Kirkegaard for Jøder paa Madeskov.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en residerende Kapellan, der tillige ere Præster ved Annekset Branderslev. Kirken ejede ved Udg. af 1897 i Kapitaler 4294 Kr., desuden nogle Tiender, Arvefæsteafgifter og Landgilde; dens Gæld (Laan af Laaland-Falsters Stiftsmidler) er omtr. 30,000 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset***), paa Akseltorvet, er opført 1872—73 af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Tvede for 89,500 Kr. og ejes af Amtet ($^2/_3$) og Byen ($^1/_3$); den ret anselige Bygning indeholder en Byraadssal, Tingstuer for Nakskov Købstad samt Laalands Sønder- og Nørre Herreder, en Sal til Auktioner, Lokale for Forligskommissionen, Bolig for Arrestforvareren og Plads til 18 Arrestanter. — Tæt ved Raadhuset er der i Tilegade 1897 opført et Kæmnerkontor, efter Tegn. af Arkitekt Gerner, med Lokale til Byens Arkiv.

Det kommunale Skolevæsen omfatter 3 Skoler: **Real-** og **Borgerskolen** for Drenge, paa Hjørnet af Vejlegade og Ølkarsvej, er opf. af gule Mursten i to Stokværk (udvidet 1898); den har omtr. 160 Elever i 8 Klasser og afslutter med alm. Forberedelseseksamen; ved Skolen er ansat en Forstander, 6 faste Lærere og en Timelærer. **Den borgerlige Friskole** for Drenge og Piger, nær ved Realskolen paa Ølkarsvej, er opf. samtidig og i Lighed med Realskolen (udvidet 1887 med en Tilbygning); den har omtr. 870 Elever i en Forberedelsesklasse og 6 Klasser, som kunne deles i parallelle Afdelinger, samt en Forstander, 5 faste Lærere og 1 Timelærer, 4 faste Lærerinder og 1 Timelærerinde samt 5 Timelærerinder ved Pogeklasserne og Haandgerningsundervisningen. (Den gamle Friskole, tidligere Latinskole, se Vignetten S. 123, laa ved Kirken, men nedreves 1897). Mellem de to Skoler er der en Bygning med fælles Gymnastiksal. **Pigeskolen**, paa Nørre-Boulevard, er opf. 1896 af graa og røde Mursten i to Stokværk med Trappetaarn efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn; den har omtr. 90 Elever i 4 toaarige Klasser, en Forstanderinde, 3 faste Lærerinder og 1 Gymnastiklærerinde. — **Teknisk Skole**, opr. 1855 af Haandværker- og Industriforeningen, paa Nørre-Boulevard, er opf. i to Stokværk og bestaar af en ældre Del (opf. 1882) og en nyere Del (1897); den har omtr. 275 Elever, en Inspektør og 14 Lærere. — Af private Skoler er der desuden Nakskov Døtreskole, paa Nørre-Boulevard, med en to Stokværk høj, 1894 opf. Bygning, to Skoler for Drenge og Piger og 4 Pogeskoler.

**Arbejds- og Forsørgelsesanstalten**, i Klostergade, er opf. 1847 og har Plads for 50 Lemmer. **Sygehuset** („Halsted Amts Sygehus"), i Bredgade, er en gammel Bygning; det har 23 Senge. **Epidemihuset**, paa Skansen paa Færgeland, er opf. 1893—94 efter Tegn. af Arkitekt Glahn; det har 24 Senge; Sygehuset og Epidemihuset ejes af Amtet med $^2/_3$ og Byen med $^1/_3$ (1898 skal der opføres et nyt Sygehus ved Epidemisygehuset).

---

*) Paa det ældste Raadhus fra 1590 (i et kgl. Brev fra d. Aar faa Borgerne Frihed for Byskat i 2 Aar, da de agte at bygge „et nyt Raadhus og en ny Port") fandtes flere Indskrifter (se *Larsen*, Laal. og Falster, I S. 19, og *G. Baden*, i Minerva 1792, S. 136 fl.).

**Gasværket**, ved Gasvej mod S. V., er anlagt 1860—61, betydelig udvidet 1898; 1897 produceredes omtr. $34^1/_2$ Mill. Kbfd. Gas. — **Vand- og Kloakværket**, i Havnegade, er anlagt 1884 (af Stadsingeniør Ambt); Vandtaarnet ligger i Tilegade (da Byens Drikkevand hentes fra Indrefjord, er det ikke godt, og der paatænkes derfor et nyt Anlæg). Kloaksystemet er enestaaende i Danmark, da det er grundet paa Anvendelse af Kloakvandet til Overrisling af Enge.

**Slagtehuset**, i Reventlowsgade, er opf. 1896 efter Tegn. af Arkitekt H. Meyer; det er et ret anseligt Anlæg med Slagtehaller og et særligt Kølehus samt Kontrolstation for indført Kød.

Ved Havnen ligge Havnehuset (nederste Stokværk Materialhus, øverste Havnefogdens Bolig), Toldkammerbygningen, et Dampskibspakhus og en Ventepavillon. — **Jærnbanestationen**, N. for Byen, er opf. 1873—74. Posthuset og Telegrafstationen er paa og ved Stationen.

Af Velgørenhedsanstalter mærkes: En **Filial af Nykjøbing Hospital** (se S. 153), paa Norre-Boulevard lige over for Stationen, er opr. ved Res. af $^1/_5$ 1883; Bygningen er opf. 1882—83 i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Tvede og har Plads for 20 Enker. **Riegelsens Stiftelse**, i Tolderens Stræde, opr. 1729 af Karen Holm, Enke efter Købmand Andr. R., afgiver Fribolig for 2 Enker. **Marie Hansens Stiftelse**, i Kongenstoftegade, opr. 1782, har Fribolig for 4 Enker (de to sidste Stiftelser ere genopførte 1888). **Erlings Minde**, paa Erlingsvej, stiftet 1864 af Jomfr. Martzen E., har Fribolig for 6 ældre Damer. **Børneasylet**, for Enden af Bredgade, er opf. 1881 og skænket Kommunen af Konsul J. H. Block; Plads for omtr. 160 Børn. **Haandværkernes Fribolig**, to Bygninger i Kattesundet og i Voldanlægget, ere opførte 1870 og 1888 med 12 Lejligheder i hver, til Friboliger for gamle Haandværkere og deres Enker. **Konsul Winchells Friboliger**, i Vejlegade, opr. 1892, for 4 ugifte Damer eller Enker. **Konsul J. H. Blocks og Hustrus Fribolig**, i Tilegade, opr. 1897, for 3 ugifte Damer eller Enker. — Stiftelsen „Den borgerlige Forening", opr. 1849, der har haft en nu nedlagt Fribolig for trængende Borgere og deres Enker, ejede ved Udg. af 1897 32,247 Kr. foruden to Legater og havde uddelt 1897 1642 Kr. til Understøttelser.

I Havnegade ligger Laalands Spare- og Laanebanks Bygning, opf. 1874. Paa Norre-Boulevard ligge en Synagoge, opf. 1880, og et Missionshus, „Millo", opf. 1897. I Niels Nielsens Gade har Frelsens Hær en Forsamlingsbygning; ved Østre Boulevard har Odd-Fellow Logen en Bygning, opf. 1888. — Paa Gaasetorvet (i Hotel „Skandinavien") ligger et Teater, der rummer 8—900 Tilskuere.

Ved Jærnbanestationen ligger et lille Anlæg med et af Konsul E. F. Dan skænket Springvand; langs Fjorden er der paa Færgelandssiden en Spaserevej. Omtr. 2000 Al. N. O. for Byen ligger den omtr. 20 Td. Ld. store Lystskov *Svingelen* med Park- og Blomsteranlæg, to Restaurationer, Skovfogedhus, Musikpavill. (opf. 1884), Sommerteater (opf. 1894) m. m.

---

Indbyggertallet var i Feb. 1890: 6722, Nov. 1896 7574 (1801: 1671, 1840: 2399, 1860: 3687, 1880: 5278). — Erhverv 1890: 593 levede af immat. Virksomh., 3076 af Industri, 1359 af Handel, 295 af Sofart, 96 af Fiskeri, 244 af Jordbrug, 46 af Gartneri, 687 af andre

Erhverv, 243 af deres Midler, 79 nøde Almisse, og 4 vare i Fængsel. — Nakskov har hævet sig meget i de senere Aar, og navnlig have Industri og Handel stor Betydning. Ved nye Vejanlæg over Arme af Nakskov Fjord har man søgt at tilvejebringe livlig Forbindelse mellem By og Land.

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 2392 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 44,253 Pd., uldne Manufakturvarer 17,765 Pd., Vin 41,851 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 1312 Vrtlr., Kaffe 126,220 Pd., Olier 118,191 Pd., Salt 427,786 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 151,026 Pd., Tobaksblade og Stilke 87,162 Pd., Stenkul og Kokes 785 Clstr., 44,885 Td. og 39,080,407 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 1,106,497 Pd. samt Tømmer og Træ 1964 Clstr. og 9342 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 11,632 Td. Hvede, 75,577 Td. Byg, 158,639 Pd. Flæsk, 2779 Td. Smør, 126,554 Snese Æg, og 4000 Pd. Fisk. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 5508 Td. Hvede, 39,713 Td. Hvedemel, 12,896 Td. Byg, 9901 Td. Malt, 110,714 Pd. Ost, 31,155 Snese Æg og 11,981 Pd. Uld.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 128 Fartøjer og maalte Baade med i alt 1670 Tons, deraf 6 Dampskibe med 660 T. og 331 H. Kr. I udenrigsk Fart indkom 369 (deraf 126 Dampskibe) med 38,837 T. Gods og udgik 318 Skibe (deraf 123 Dampskibe) med 7304 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 601 og udgik 722 Skibe, (deraf 182 og 190 Dampsk.) med resp. 12,092 og 14,600 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradr. af Godtgørelser, 207,232 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 11,462 Kr., i alt 218,694 Kr. (22,685 Kr. mere end i 1895).

I Byen holdes efter Almanakken Markeder Torsdag i 1., 3. og 5. Uge af Fasten samt i Okt. og Nov., med Heste, Kvæg, Svin, Gæs og Fedevarer; men faktisk har der ikke i mange Aar været afholdt Marked.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 3 Jærnstøberier og Maskinfabrikker, af hvilke det ene: Aktieselsk. Tuxen & Hammerich (før Fabrikken „Godthaab") beskæftiger omtr. 250 Arbejdere og især fabrikerer Gas- og Kølemaskiner (indtil Foraar 1898 400 Gasmaskiner og 150 Køleanlæg); en Sukkerfabrik, den største i Landet, med 6 Saftstationer i Majbølle, Græshave, Stokkemarke, Vesterborg, Horslunde og Nakskov, som tils. i Kampagnen beskæftiger omtr. 450 Mand og 40 Kvinder og producerer 22 Mill. Pd. Sukker aarl. og samtidig i Kampagnen 1898 afsatte 15 Mill. Pd. Mellassefoder*); en pneumatisk Maltfabrik (produc. aarl. $2^1/_2$ Mill. Pd. Malt, hvoraf $^1/_4$ sælges til oversøiske Steder); 2 Garverier; 1 Vognfabrik; 1 Teglværk; 3 Kalkværker; 2 Uldspinderier; 2 Damp-Melmøller; 2 Ølbryggerier; 1 Eksportslagteri; 2 Kaffebrænderier; 2 Tobaksfabrikker; 3 Bogtrykkerier.

I Nakskov udgives 3 Aviser: „Vestlollands Avis" (tidligere „Nakskov Avis"), „Nakskov Tidende" og „Nakskov Folkeblad".

Kreaturholdet $^{15}/_7$ 1893: 298 Heste, 305 Stkr. Hornkvæg (deraf 236 Køer), 95 Faar, 177 Svin og 13 Geder.

---

*) Fabrikken, der er anlagt 1882 og herer til Aktieselsk. „De danske Sukkerfabrikker", ligger med den 240 F. lange Hovedfacade ud til Landevejen til Maribo; til Hovedfacaden slutte sig 3 store Sidefløje, S. for den staar den mægtige, 210 F. høje Skorsten; ved Gaardspladsens sydl. Side ligger Administrationsbygningen; det usædvanlig store Bygningskompleks er opf. efter Tegn. af Prof. Ove Petersen. Fabrikken har Sporforbindelse med Jærnbanen og Havnen.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged samt By- og Raadstueskriver, og et Byraad, som bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 11 valgte Medlemmer. Byfogden er tillige Politimester. Staaende Udvalg: a) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, b) for Havnevæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderst., e) for Skolevæs., f) for Brolægnings- og Vejvæs. samt de offtl. Lystanlæg, g) for Gasværket, h) for Kloak- og Vandværket, i) for Sygehuset, k) for Epidemisygehuset.

Finansielle Forhold 1896. Indtægter: Skatter 100,807 Kr. (deraf Grundsk. 1328, Hussk. 11,718, Formue- og Lejlighedssk. 87,761 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 11,819, Statstilskud til Alderdomsunderst. 6328, Indtægt af Aktiver 57,493, Skolekontingent 11,358 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 2361, Bidr. til Amt 627, Bidr. til Amtsskolefond 1920, Alderdomsunderst. 13,514, Skolevæs. 75,550, Fattigvæs. 26,344, Rets- og Politivæs. 9320, Medicinalvæs. 21,595, Gader og Veje 3575, Belysn. 5000, Renlighed 9655, Brandvæs. 1542, kirkel. Formaal 3554, Vandvæs. 13,828 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 169,630, i faste Ejendomme, som give Udbytte, 719,000, i faste Ejend., som ikke give Udbytte, 303,900 Kr.; dens Gæld var 679,601 Kr. For 1898 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $5^{3}/_{5}$ pCt. Den anslaaede Indtægt er 2,305,500 Kr., deraf skattepligtig Indt. 1,820,150 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Andel i Raadhuset, Syge- og Epidemihuset (se under disse), desuden Skolerne, Fattiggaarden, Sprøjtehus, Kæmnerkontor, Asyl, Gasværk, Kloak- og Vandværk, Vindmotor, Dampskibspakhus, Ventepavillon, Havnehus, Vejerbod, Kvægstald, Slagtehus, Musikpavillon, Sommerteater, Svingelen og flere Jordlodder.

Byens gamle Politikorps er afløst af et under Politimesteren staaende Ordenskorps, der bestaar af 20 Mand og 2 Befalingsmænd. Brandkorpset bestaar af en Brandinspektør, en Vicebrandinspekt., et fastlønnet Korps (3 Befalingsmænd og 20 Mand) og en værnepligtig Afdeling paa omtr. 800 Mand, atter delt i 4 Afdelinger og med de fornødne Befalingsmænd, uniformerede som Kbh.'s Brandkorps.

I Laalands Spare- og Laanebank (opr. $^{11}/_{10}$ 1842) var $^{31}/_{3}$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 13,621,231 Kr., Rentefoden 1—$3^{1}/_{2}$ pCt., Reservefonden 444,992 Kr., Antal af Konti 20,998. — I Den Laalandske Landbostands Sparekasse (opr. $^{26}/_{11}$ 1870) var Sparernes samlede Tilgodeh. 2,355,626 Kr., Rentef. $3^{1}/_{2}$ pCt., Reservef. 31,811 Kr., Antal af Konti 4673.

**Havnen.** I 18. Aarh. havde Havnen kun ringe Dybde, og Indløbet gennem Fjorden var saa daarligt, at lidt større Skibe maatte losse og lade $^{1}/_{4}$ Mil fra Byen; i Slutn. af 18. Aarh. begyndte man at opmudre Havnen; men først 1847—50 toges der alvorligt fat paa at udvide Indløbet, saa at det fik en Dybde af 13 F.; 1875—76 uddybedes Indløbet og Havnen indtil 14 F., og samtidig sattes 1010 Al. nyt Bolværk, hvorved der indvandtes et betydeligt Areal Havneplads, hvorpaa der er opført Bygninger som Toldboden, Dampskibspakhus, Ventepavillon, Kvægstald, Vejerbod m. m. Samtidig med Uddybningen dannedes der en smal, omtr. 450 Al. lang privat Havn op til Marienlyst Dampmølle med Jorddæmning og Mole paa den ene og Bolværk paa den anden Side. Havnens Størrelse er 143,180, Havnepladsens Størrelse 35,322 □ Al., Bolværkernes Længde 2113 Al. Skibe paa indtil 100 Tons kunne tages paa Land og paa indtil 300 Tons køl-

hale. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 af Byraadet valgte Medlemmer; desuden er ansat en Havnefoged og en Havneingeniør, der tillige er Bygningsinspektør. Havnen ejede ved Udg. af 1897 i Kapitaler 38,501 og i faste Ejendomme, Maskiner og Materiel 46,600 Kr., og dens Gæld var 233,712 Kr.; Indtægten af Havne- og Bropenge er omtr. 66,000 Kr. aarl. Ved Havnen, der ikke har Fyr derimod fast Fyr paa Albuen), er ansat 2 Lodser, som lodse i Fjorden.

I gejstlig Henseende er som ovenfor nævnt Branderslev Sogn, Nørre Herred, forenet med Nakskov Pastorat.

Nakskov hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 1. Folketingskr., for hvilken den er Valgsted, Maribo Amtstue (Maribo) og Nakskov Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskr.' 281. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 254—81.

Ved Nakskov Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør, og 4 Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester (og 3 Ekspedienter), ved Telegrafstationen en Bestyrer. Foruden Statstelefonen har Byen et privat Telefonselskab (Aktieselsk.), der har Forbindelse i Byen og Omegn og tillige med andre Byer og Egne paa Laaland-Falster.

Nakskov er Endepunkt for de Laaland-Falsterske Jærnbaner (se nærmere under Nykjøbing S. 158). I Driftsaaret 1897 befordredes pr. Bane til Nakskov 48,626 og fra N. 43,468 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv., som ankom, var 433,707, som afgik, 379,699 Cntr. — Nakskov har desuden direkte Dampskibsforbindelse dagl. med Spodsbjærg, to Gange ugentlig med Kbh., 1 Gang ugtl. med Svendborg, 1 Gang ugtl. med Lübeck og 1 Gang ugtl. med Newcastle.

---

**Historie**. Nakskov er en meget gammel By, der tidligst skal have været et Fiskerleje, men allerede nævnes som Købstad i Vald. II's Jordebog („*Nacascogh*", senere *Nagschouf* og Naschov). Aar 1242 sluttedes i N. et Forlig mellem Erik Plovpenning og Ærkebisp Torkil af Reval, og 1266 var Erik Glipping i N. og skænkede ved sit Gavebrev, der er Byens første bekendte Privilegium, bl. a. den saakaldte „Skov" til den. 1274 fik den lige Privilegier med Næstved, 1290 og 1293 bekræftede Erik Menved dens Privilegier, 1300 fik den Myndighed til at sætte insolvente Skyldnere i Arrest, „en Tilladelse, som Byen lige til vore Dage meget jævnlig har benyttet", 1320 bekræftede Chrf. II, 1386 Kong Oluf og 1404 Erik af Pommern Privilegierne, 1445 fik den Ret til Sejlads, „saa at Bønder og andre derfra skulle være udelukkede", først 1539 fritoges de af N.s Indb., som vare fødte paa Kronens Gods, for at bindes til Stavns; 1513 bekræftede Chr. II dens Privilegier. At N. i Middelalderen og i Beg. af den nyere Tid har været en ret betydelig By, kan ses af, at den i Dokumenter fra 15. og 16. Aarh., bl. a. ved Skatteansættelse, nævnes som den største paa Laaland-Falster og stilles lige med Landets store Købstæder. Den forskaanedes ikke for Byernes sædvanlige Plager: ved en Brand 1420 gik den største Del af Byen op i Luer, og 1528 fritoges de af Indb., der havde lidt ved en Brand, for kgl. Tynge og Byskat i 3 Aar; ogsaa Pesten hjemsøgte den alvorligt, særlig 1629. Krigen var dog den værste Plage. Aar 1510 blev den plyndret og brændt af Lübeckerne; Rigsadmiral Henr. Krummedige kom vel for silde Byen til Undsætning, men tilføjede dog de tyske et følelig Nederlag ved N. i Aug. Lübeckernes Overfald gav vistnok Stødet til Byens Befæstelse, da Engelborg, som Kong Hans kort forinden havde anlagt paa Slotø (se d.), ikke havde vist sig i Stand til at forsvare Byen. I alt Fald har den været befæstet 1525, i hvilket Aar Rigsraadet anbefaler, at Befæstningen nedlægges, og efter Grevens Fejde forbedredes Værkerne, idet det ved kgl. Brev af $^{30}/_{7}$ 1539 blev tilladt Byens Borgere at befæste den med Volde, Mure, Grave og andre

Befæstninger, „at de kunde holde den for Vold mod vore og Rigets Fjender, naar Behov gøres“; man ved, at der 1547 arbejdedes paa denne Befæstning, og 1551 fik Peder Oxe Befaling til at lade nedbryde Nysted Kloster og benytte Materialet til et Slot, som Kongen agtede at bygge her; ligeledes fik Bønderne paa Laaland-Falster Befaling til at tage Del i Arbejdet. Under Chr. IV bleve Fæstningsgravene forbedrede 1629; $^{28}/_{7}$ 1653 fik Borgerskabet Kongebrev om at reparere Fæstningen. Befæstningen begyndte, som det vil ses af hosstaaende Tegn. (som dog er unøjagtig og ikke giver Befæstningerne, som de virkelig have været), ved Stranden ud for Kongenstoftegade og gik i en Halvbue N. om Byen for at ende ved Dæmningen over til Færgeland, hvilket sidste i øvrigt ogsaa var inddraget i Befæstningen; den nordl. og nord-

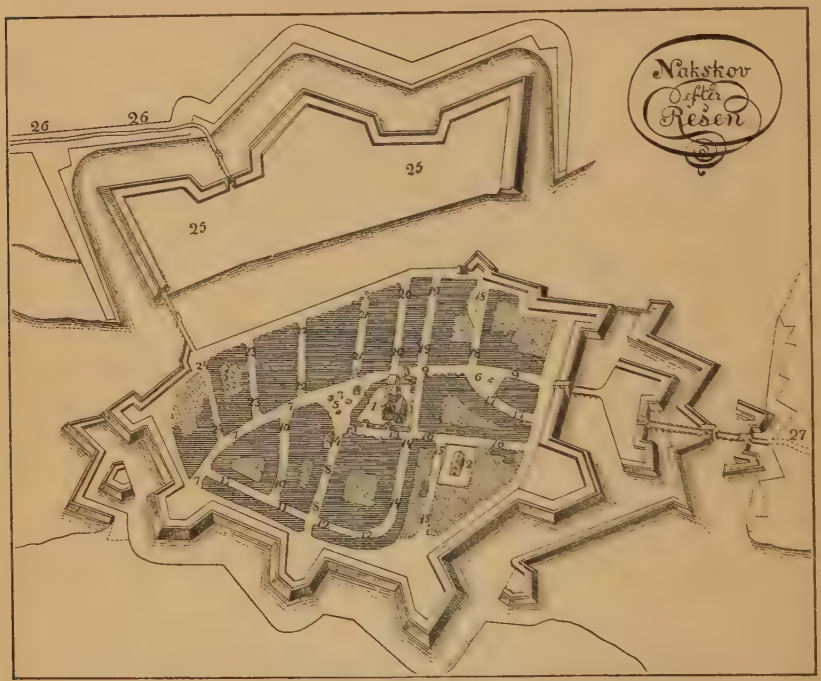


1. St. Nicolay Kirche. — 2. Kloster Kirche. — 3. Skolen. — 4. Raadstuen. — 5. Torfvit. — 6. Gaasetorfvit. — 7. Søndergade. — 8. Tillegade. — 9. Veilegade. — 10. Vor frue gade. — 11. Katte sund. — 12. Hollændergade. — 13. Kirchestræde. — 14. Brede gade. — 15. Rebslagerstræde. — 16. Kloster gade. — 17. Koe-Gade. — 18. Konges Toft. — 19. Borgem. Peder Mortensens stræde. — 20. Bybroes stræde. — 21. Michel Skrifvers stræde. — 22. Badstue stræde. — 23. Borgem. Hans Dusens stræde. — 24. Dronningens Gaard. — 25. Færland oc Steensoe. — 26. Vejen til Halstæd Kloster. — 27. Vejen til Rødbye.

Nakskov efter Resen.

østl. Del af den indre Vold kaldtes „Højekat“; ved Enden af Vejle-, Tile- og Søndergade var der murede Porte. Byens Blomstringsperiode falder i 1. Halvdel af 17. Aarh., da Arent Berntsen i „Danmarckis oc Norgis Fructbar Herlighed“ kunde skrive: „Byens formuende Borgerskab vedligeholder en stor Handel tilsøes, og udi deres egne Skibe en mærkelig stor Parti af Landsens gode Varer udfører til vidt fraliggende Steder: Spanien, England, Holland, Tyskland, Norge osv.“. Men Svenskekrigen gjorde Ende paa denne Velstand. De svenske Tropper kom for Nakskov $^{7}/_{2}$ 1658, og Kommandanten, François Edmondt, der troede, at hele den svenske Hær var ved at nærme sig, overgav nærmest paa Grund af Borgernes Fejghed Byen (se *P. C. Bang* i D. Mag. 5. R. III Bd. S. 71 fl.), en Skamplet, som tilfulde blev afvasket Aaret efter, da Nakskov med en ringe Garnison, hvoraf en Del var Borgere og Bønder, Haandværkssvende, Tjenestekarle osv., udholdt et Bombardement og en Belejring af et Korps paa

12 Regimenter i en Tid af 11 Uger 1. Maj—15. Juli. Først da overgav Byen sig, dog saaledes at Garnisonen skulde bortdrage med klingende Spil, og Borgernes Liv og Gods være ukrænket, hvilket sidste dog kun daarligt blev overholdt. Nakskovs dygtige Kommandant var Joachim Kørber; under ham stod Oberstlieutn. David Bernbach, der faldt i et Udfald $^9/_6$; af Indb. udmærkede sig bl. a. Sognepræsten Laur. Mortensen Widsted, Borgmester Niels Nielsen og Borgernes ene Anfører, Skomager Diderich v. Essen. Byen havde lidt voldsomt under Belejringen, og ved den Brandskat af 22,000 Rd., der efter Indtagelsen paalagdes den (1658 havde den maattet betale 20,000 Rd.), og Udgifterne til den svenske Besætnings Forplejning blev Byen saa at sige ødelagt. Mange forlode Byen, og endnu 1662 stod den saa øde og forladt, at Borgerne maatte patrouillere om Natten paa Gaderne for at forhindre, at man nedbrød de forladte Huse eller bortstjal Døre o. a.; 1657 beløb Byens Skattetakst sig til 3040 lødige Mark, 1664 kun til 650. Formodentlig som en Belønning gav Fr. III Byen 1662 Privilegium paa, at de Domme, der faldt paa Bytinget, kun skulde paakendes af dens Borgmester og Raad og af dem appelleres til Kongen og Højesteret (en Forret, den dog atter mistede 1683); 1667 fik den som Godtgørelse for den i Krigen lidte Skade Frihed i 8 Aar for alle Tynger og Skatter og Frihed for Halvdelen i de næste 16 Aar, og s. Aar fik den Stapelret, saa at den blev Oplagssted for hele Laaland, en Rettighed, som den dog vist allerede nogle Aar efter mistede. Paa Chr. V's Tid ophørte den at være Fæstning, 1689 inddroges Garnisonen, og 1705 skænkede Fr. IV Voldene til Borgerne*). Lettelserne, der gaves Byen 1667, have utvivlsomt ophjulpet den; 1672 havde den 1920 Indb., og Skibsfarten forøgedes betydelig. Men efter Midten af 18. Aarh. gik den atter stærkt tilbage, navnlig fordi Flækken Marstals Indb. efterhaanden vidste at skaffe sig Fragtfarten paa N.; 1769 havde den kun 1284 Indb., og 1774 siges (D. Atl. VI S. 487), at „Byens fornemste Fordel har forhen bestaaet i Handelen, da den tilforn havde 50 Fartøjer, men nu ikkun 18". Med Aarh. Slutn. hævede den sig dog atter, og i 19. Aarh. er den gaaet stærkt frem, særlig har Havnens Uddybning og Aabningen af Jærnbanen gavnet den, og der er nu en Driftighed over Byen som i dens bedste Dage.

Som mange andre Byer havde ogsaa N. i Middelalderen et Helligaandshus, vistnok grundlagt i 14. Aarh. Ved Branden 1420 blev det lagt i Aske, men snart efter genopført; 1441 indgav Raadmand Henr. Danielsen og Hustru sig i Hospitalet og skænkede til „den Hilghens Kapel" alt deres Gods. Oprindelig var det et Sygehus, hvori Plejen vel udførtes af en Art gejstligt Broderskab; men mellem 1474 og 1493 synes det at være blevet forvandlet til et Kloster, om det end ikke nævnes 1516 bl. de danske Helligaandsklostere, der vare Hospitalsklosteret i Rom underlagte**). I Tidens Løb havde Helligaandsklosteret erhvervet sig en Del Jordegods; 1493 skænkede Fru Inger Torbensdatter Bille det nogle Jorder i Bymarken, en Gaard i Krogsbølle (Krukholm) m. m.; 1495 fik det af Væbneren Matthis Godov en Gaard i Højreby, 1524 af Knud Gøye til Kjærstrup nogle Ejendomme i Vestenskov, Horslunde og Løgtofte Sogne (mod at optage ham i Broderskabet og „gøre ham delagtig i alle de gode Gerninger, som gøres i den Helligaands Klostre over hele Kristenheden") og 1525 en Gaard i Fæbæk paa Langeland. Efter Reformationen bestod det endnu en Tid som Syge- og Fattighus; 1539 blev en Præst Hr. Henrik beskikket til dets Forstander mod bl. a. at underholde 6 Lemmer. Hvornaar det er nedlagt, vides ikke; i Beg. af 17. Aarh. synes det at være brugt til Tøjhus; om Jordegodset se S. 152. Paa Resens Tid stod kun Kirken tilbage i Byens nordvestl. Del; den skal være nedbrudt 1689. Kirkegaarden brugtes dog endnu i Slutn. af 18. Aarh. og mulig senere som Begravelsesplads for fattige (nu ligger Arbejdsanstalten der).

N. har haft en Latinskole, (tidligere i den gamle Friskole, se S. 127, senere ved Vejlegade), der dog kun var lille (1 Rektor, 2 Hørere og 4 Klasser); den ophævedes 1838. Niels Hemmingsen har en Tid gaaet i Skolen. — N. har haft en Borgervæbning, der ophævedes 1853.

*) Porten ved Tilegade nedreves 1726, Porten ved Sønder- og Vejlegade stode til Slutn. af 18. Aarh. Voldene og Gravene fandtes endnu langt op i 19. Aarh., men ere nu slejfede. navnlig efter 1858. Nogle af Værkerne havde været benyttede som Embedsjorder for Borgmesteren, og en Del deraf, navnlig et Stykke af den indre Vold („Telegrafvold") og det tilsvarende Stykke af Ydervolden (med „Brudesengsbastionen"), blev efter 1858 udlagt som et Lystanlæg, men efter at de Laal.-Falsterske Baner havde faaet Lov til at benytte en Del deraf til Stationsplads, blev Resten udlagt til Bebyggelse.

**) 1524 kaldtes det den Helligaands Kloster, Hospital og Konvent; 1524 og 25 nævnes Prior og menige Konventsbrødre, og 1493 tales om Klosterets Konventssegl. Dette havde i øvrigt ogsaa en Fremstilling af Dobbeltkorset, som kun de virkelige Helligaandsklostere førte i deres Segl.

**Litt.**: *S. Assenius*, Hist.-oeconom. Beskr. af N., Kbh. 1784. — *G. L. Baden*, N.s nuv. Forfatning, 1796. — *H. P. Boye*, Nogle Bidr. til N.s Statistik i Beg. af 17. Aarh. osv., i Nyt hist. Tidsskr. V, S. 125 fl. (Uddrag af „Perlestikkerbogen", et Manuskr. af Anders Pedersen Perlestikker, Sognepræst i N. 1618—29). — *J. J. F. Friis*, Mindeblade om N.s Fortid, Nykjøbing 1852, paa ny udg. af *A. Hansen*, Kbh. 1886. — *J. J. F. Friis*, N.s tvende Overgivelser, i Hist. Archiv 1870 II, S. 133 fl.

# Sakskjøbing

Sakskjøbing Købstad ligger i Musse Herred under 54° 47′ 58″ n. Br. og 0° 56′ 27″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirken) ved den lille Hardenberg- eller Sakskjøbing Aa og Sakskjøbing Fjord, hvori Aaen falder, paa en jævn, noget hævet Flade (højeste Punkt paa Torvet, 20 F., $6_{,3}$ M.). Afstanden fra Maribo er $1^1/_4$, fra Nakskov $4^1/_2$, fra Rødby $2^3/_4$ og fra Nykjøbing $2^1/_4$ Mil (ad Jærnbanen er der henholdsvis $1_{,2}$ Mil, 9 Km., $4_{,5}$ Mil, $33_{,8}$ Km., $3_{,1}$ Mil, $23_{,4}$ Km. og $2_{,2}$ Mil, $16_{,4}$ Km.). Byens Udstrækning er fra V. til Ø. omtr. 1000 Al., fra N. til S. veksler Bredden fra 200 til 900 Al. Hovedgaden er Vestergade, der fører fra Maribovejen og fortsættes i Brogade ud til Nykjøbingvejen; fra Torvet, S. for Kirken, fører Søndergade mod S. til Nystedvejen.

Købstadsgrunden udgjorde Marts 1898 618,985 □ Al. (omtr. 44 Td. Ld.), Markjorderne 3,385,015 □ Al. (henved 242 Td. Ld.). Byen havde da 7 Gader og Stræder og 2 Torve; ved Folketæll. 1890 var der 211 Huse (Marts 1898 var der 251, deraf i Byen 186). Det matr. Fladeindhold af Byen med Markjorder var 1896 283 Td. Ld.; deraf besaaede 102, Afgræsning, Høslæt, Brak og Eng 110, Have 27, Stenmarker 2, Byggegrunde og Veje $42_{,5}$ og Vandareal $0_{,3}$ Td. Det saml. Hartk. var $^1/_1$ 1895 $22_{,6}$ Td., hvoraf $5_{,5}$ dreves fra 3 Gaarde og 14 fra 126 Huse. Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898: 2,150,644 Kr.

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes: **Kirken**, i Vestergade, tidligere helliget St. Peder og St. Paul, er opført af røde Mursten i senere Rundbuestil og bestaar af Skib, Kor med flersidet Korslutning (3 Sider af en Femkant) og Taarn mod V. Den ældste Del af Bygningen stammer vist fra Beg. af 13. Aarh., i øvrigt er den opført paa for-

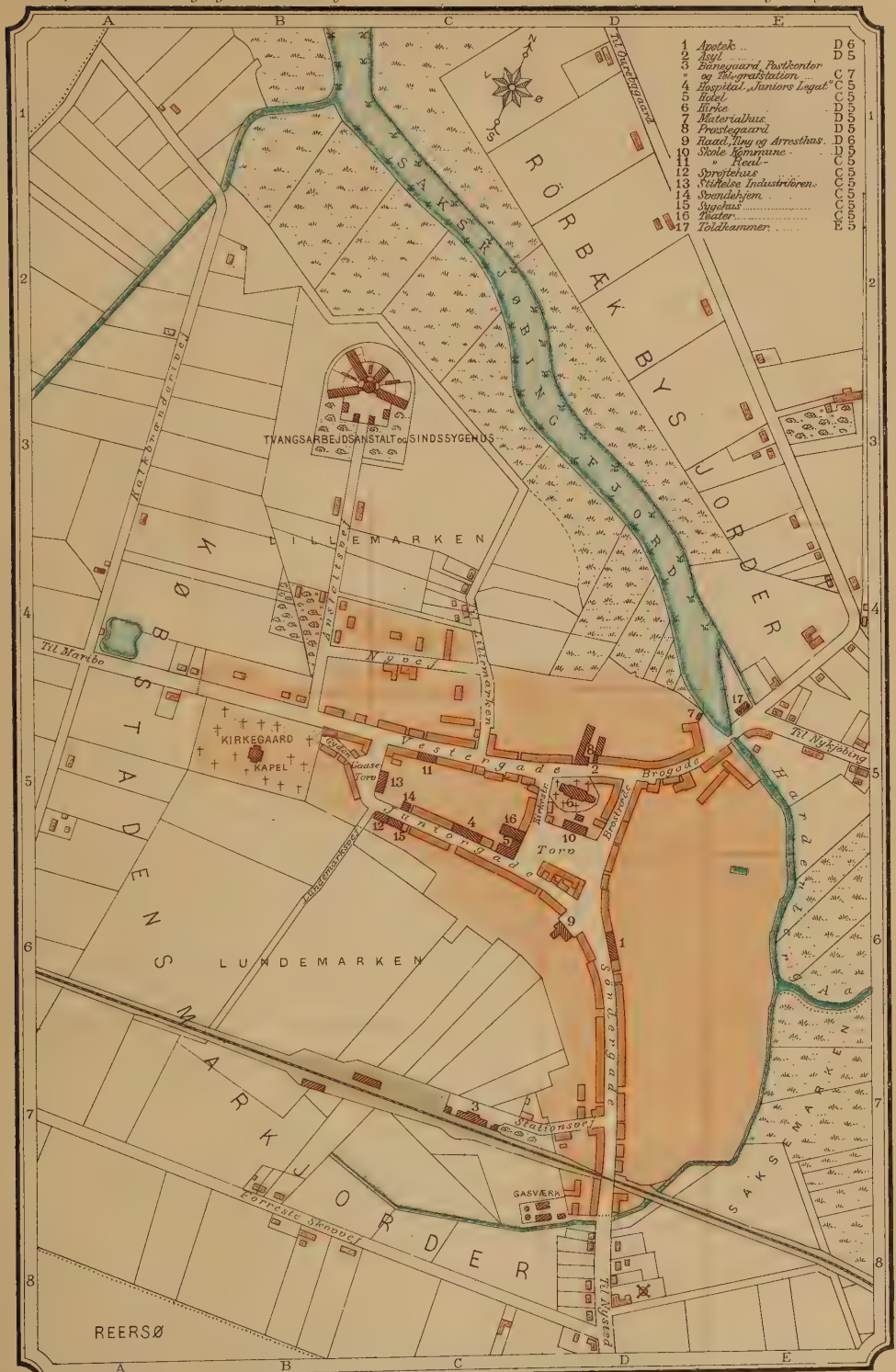


Udført af V.F.A.Berggreen. Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad. 1898. Axel E.Aarnodt's Lith. Etabl.

100 50 0 1 2 300 Meter

100 50 0 1 2 3 4 500 Alen

skellige Tider, hvilket kan ses af Murskifterne. De 3 Hvælvinger i Skibet ere indbyggede i 15. Aarh., Koret har en oprindelig Kuppelhvælving. Det anselige Taarn, der er fra 15. Aarh., har 1852 faaet et mangekantet, højt Spir, 73 Al. til Toppen; i Taarnets Vestmur findes Hovedportalen, tidligere vare Kirkens Indgange paa Skibets Nord- og Sydside. Det tidligere Sakristi, der laa mod N., er nedbrudt, og Sakristiet findes nu i Korslutningen. Ved en Restauration 1863—64, der lededes af Arkitekterne J. V. Dahlerup og Ove Petersen, fik Kirken atter sine rundbuede Vinduer, og de smukke Friser og Ornamenter paa Skibets og Korets Ydermure — over hvilke Friser der ved Hvælvingernes Indbygning og Murenes Forhøjelse var bleven anbragt en ny Frise — fremdroges atter. Derimod bleve nogle mærkelige Kalkmalerier (se *J. Kornerup*, i Ny Kirkeh. Saml. IV, S. 426, og *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 73), der fandtes i 1859 og 1864 paa Skibets nordl. Væg, og som bl. a. forestillede Maria med Barnet og Marias Død (?) samt nogle Vaabenskjolde, hvoraf det ene var Pøjskes, det andet Kettelhods eller van Hafns Vaabener, ikke bevarede. Den udskaarne, forgyldte og malede Altertavle fra Slutn. af 15. Aarh. (se *Fr. Beckett*, Altertavler, S. 63 fl.) har Form af et Skab med to Fløje, i Midten Maria med Jesusbarnet, ved Siderne Peter og Paulus, paa Fløjene mandlige og kvindelige Helgener m. m. (i den katolske Tid har Kirken haft flere Altere, deribl. et 1420 stiftet St. Olafs Alter). Den i Egetræ udskaarne, med de 4 Evangelister prydede Prædikestol er fra 17. Aarh.; Døbefonten er af Sandsten: fra 1864, i gammel Stil. I Skibet hænger en Lysekrone fra 1699 og en Fregat „Quintus“ med Aarst. 1762. I Sakristiet hænge Billeder af Sognepræsterne Niels Svendsen Kastrup († 1695), der var begravet i det nedbrudte Sakristi, og Chr. Fr. Winterberg, † 1706. I Kirken er der Ligsten over Otte Huitfeldt, † 1529, og Hustru Barbara Eriksdatter Blaa, og over Jac. Huitfeldt til Berritsgaard, † 1583, og Hustru Fru Elisabeth Henriksdatter Friis, † 1631, som 1624 skænkede 1000 Rd. til Sakskjøbing Kirke og Skole (Stenene have en Tid været hensatte i Majbølle Kirke; under Koret har der været Begravelse). En mærkelig

Vestergade med Kirken i Baggrunden.

Ligsten over Lasse Jensen (Blaa) til Oreby, † 1408, med dansk Indskrift — den ældste Sten med dansk Indskrift, man kender — er for længe siden forsvunden. Den største af de 3 Klokker er fra 1422. (Se *L. Wagner*, Smaa Medd. fra Saksk. Kirke, i Kirkeh. Saml. 4. R., IV Bd., S. 678 fl.).

Den gamle Kirkegaard er planeret og beplantet samt omgiven med et Jærnstakit. Den nye Kirkegaard, 3 Td. Ld., mod V. i Byen ved Maribovejen, er anlagt 1816 og udvidet 1898; et Kapel er opf. 1875, et Mindesmærke af Granit er rejst 1894 for Sognepræst O. H. B. Boisen, † 1894.

Kirken, der ejer sig selv, har i Tiende 110 Td. Hvede og Byg, lige af hver, og i Landgilde omtr. 7 Td. Byg, i Kapital 2000 Kr. og har til gode fra ældre Tid hos Maribo Kirke 7800 Kr.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset**, ved Torvet, er opført 1887—88 efter Tegn. af Prof. V. Petersen i gotisk Stil af røde Mursten i to Stokværk med takkede Gavle. Bygningen, der bl. a. indeholder Byfogedkontor, Arkivlokale, 3 Retslokaler, Forsamlingssal, Byraadssal, to Forligslokaler, Arrestforvarer- og Økonomibolig, og til hvilken slutter sig en Arrestbygning med to dobbelte og 9 enkelte Arrester, ejes af Maribo Amtskommune med $^3/_4$ og Sakskjøbing Købstad med $^1/_4$.

**Kommuneskolen**, ved Torvet, opført af gule Mursten i to Stokværk, betydelig udvidet 1878, har 4 Klasser, 3 Lærere og 1 Lærerinde og omtr. 160 Elever. — Desuden er der en **privat Realskole**, i Vestergade, opf. 1886, udvidet med Gymnastikhus m. m. 1888, der har Dimissionsret, 3 Lærere og 3 Lærerinder, en Aftenskole med teknisk Undervisning (5 Lærere) og en Haandgerningsskole.

**Sygehuset**, i Juniorgade, 1 Stokv., betydeligt udvidet i 1895, har to Afdelinger for alm. og særlige Sygdomme med ialt 18 Senge. **Fattighuset**, i Juniorgade, 1 Stokv., med 4 Lejligheder, og det dermed forbundne **Juniors Legats Hospital** („Legaten"), opr. 1802—3 af Lars Hansen Junior, med 6 Lejligheder, der afgive Fribolig for 12 fattige, og omtr. 6000 Kr., hvis Renter uddeles til Beboerne.

**Maribo Amts Tvangsarbejds- og Sindssygeanstalt**, beliggende paa en Bakke paa Lillemark N. for Byen ved Sakskjøbing Fjord, opf. 1865, tagen i Brug $^1/_5$ 1866 og flere Gange udvidet, er et anseligt Bygningskompleks, bestaaende af en to Stokværk høj Taarnbygning, fra hvilken der udgaar 4 Bygninger i Straaleform. Sindssygeafdelingen optager uhelbredelige sindssyge fra Maribo Amt og, naar Pladsen tillader det, fra hele Landet; helbredelige sindssyge optages ogsaa; der er Plads til 62 mandlige og 68 kvindelige Patienter. Tvangsarbejdsanstalten, der udgør en særlig, fra den øvrige Anstalt fuldstændig afsondret Afdeling, har Plads til 26 Tvangsfanger. Anstalten ejes af Amtets Landdistrikter og samtlige Købstæder i Amtet og bestyres af Amtsraadet, der udnævner Direktionen. Under den sidste ledes Anstalten, der har dagligt Lægetilsyn, af en Inspektør, som tillige er Kasserer og Regnskabsfører. Til Anstalten hører et Jordtilliggende af 12 Td. Ld. Ager inkl. Byggeplads og 17 Td. Ld. Eng.

Af andre milde Stiftelser nævnes: **Asylet**, i Vestergade, der har Lokale paa Præstegaardens Grund og Plads til 30 Børn. **Industriforeningens Stiftelse**, ved Gaasetorvet, er opf. 1881 og har 7 Lejligheder til Friboliger for trængende Medlemmer og en Understøttelsesfond paa omtr. 9800 Kr., som aarl. forøges ved Medlemsbidrag. — I Juniorgade ligger et Svendehjem.

**Jærnbanestationen**, mod S. V. uden for Byen, er anlagt 1874. Ved

Stationen er der Post- og Telegrafstation. — S. for Banegaarden ligger det 1865 anlagte **Gasværk**; det producerer aarl. omtr. 3,706,000 Kbfd. Gas. — Toldkammerbygningen ligger paa Havnepladsen. — Et Teater, ved Hotellet paa Torvet, er opf. 1896.

Indbyggertallet var Febr. 1890 1499 (1801: 549, 1840: 852, 1860: 1149, 1880: 1485). — Erhverv i 1890: 218 levede af immat. Virksomh., 633 af Industri, 267 af Handel, 1 af Søfart, 4 af Jordbr., 5 af Gartneri, 191 af andre Erhverv, 41 af deres Midler, 55 nøde Almisse, og 84 vare paa Tvangs- og Sindssygeanstalten. — Handelen kan selvfølgelig ikke have større Betydning, da kun smaa Fartøjer kunne løbe op i den smalle, grundede Fjord, medens de større maa losse og lade ved Oreby ved Fjordens Munding.

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a.: Kaffe 15,467 Pd., Salt 26,000 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 26,146 Pd., Stenkul 2543 Td. og 628,265 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 83,155 Pd. samt Tømmer og Træ 215 Clstr. og 4860 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 5729 Td. Hvede og 4340 Td. Byg, til indenlandske Steder bl. a. 2139 Td. Hvede, 8545 Td. Byg og 7500 Pd. Ost.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 11 Fartøjer og maalte Baade med i alt 110 Tons, deraf 1 Dampskib med $5{,}_{7}$ T. og 6 H. Kr. Fra Udlandet indkom 32 og udgik 28 Skibe med resp. 1397 og 595 T. Gods; fra Indlandet indkom 89 og udgik 92 Skibe med resp. 1495 og 779 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 11,748 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 1088 Kr., i alt 12,836 Kr. (686 Kr. mindre end i 1895).

I Sakskjøbing holdes Markeder 3. og 5. Tirsdag i Fasten med Heste og Kvæg, 8. Juli og 1. Okt. med Kreaturer og 7. Nov. med Heste og Kvæg.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 1 Jærnstøberi og Maskinfabrik, 1 Fabrik for Mejeri- og Landbrugsartikler, 1 Dampsaveværk og Skæreri, 1 Andelsmejeri, 1 Dampvæveri, 1 Garveri, 2 Hvidtølsbryggerier, 1 mindre Pottemageri, 1 Farveri, 1 Kalkbrænderi, 5 Maltgørerier og 1 mindre Cyklefabrik.

Kreaturholdet 1893: 61 Heste, 83 Stk. Hornkv. (deraf 69 Køer), 41 Faar, 85 Svin og 14 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver i Sakskjøbing samt Herredsfoged og Skriver i Musse Herred, og et Byraad, der bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Skolevæs., e) for Gasværket, f) for Gade-, Vej- og Markvæs., g) for Byens Bygninger, h) for Bedømmelse af frivillige Svendeprøver, i) for Affattelse af Valglister, k) for Sygehuset, l) for Legater.

Finansielle Forhold 1896. Indtægterne: Skatter 26,231 (deraf Grundsk. 863, Hussk. 943, Formue og Lejlighedssk. 23,464, lignet paa Menigheden 961 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 1869, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 1556, Indtægt af Aktiver 4680, Skolekontingent 584 Kr.; Udgifterne: Bidr. til Stat 546, Bidr. til Amt 97, Bidr. til Amtsskolefond 448, Alderdomsunderst. 3232, Skolevæs. 5977, Fattigvæs. 7546, Rets- og Politivæs. 2663, Medicinalvæs. 2473, Gader og Veje 4188, Belysn. 1035, Brandvæs. 100, kirkl. Formaal 940, Havnen 3800 Kr. Kom-

munen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 26,411, i faste Ejendomme med Udbytte 116,476 og i Ejendomme uden Udbytte 75,176 Kr.; dens Gæld var 51,253 Kr. For 1898 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $6,_8$ pCt.; den anslaaede Indtægt er 395,300 Kr., deraf er skattepligtig Indt. 364,800 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Andel i Raadhuset (se S. 136), Skolen og en Jordlod, Jordemoderbolig med Jordlod, Fattighus og Juniors Legat med Jordlod, Sygehus med Tilliggende, Sprøjtehus og Ejendommen Matr. Nr. 60 med Jordlod, Gasværket, Dæmningen og nogle Jordlodder.

Byens Politikorps bestaar af 2 Politibetjente, 1 Vægter og 1 Reservevægter samt en Afdeling, bestaaende af 12 af Borgerne. Brandkorpset bestaar af 200 Mand med 1 Inspektør og 4 Assistenter.

I Sakskjøbing er en Filial af Laalands Spare- og Laanebank i Nakskov.

**Havnen.** Sakskjøbings Losse- og Ladeplads er ved *Oreby* ved Fjordens Munding (se d.). Kun mindre Fartøjer (i 1870 med 6 F. Dybgaaende) kunne komme op til Byen gennem Fjorden og Aaen; 1886—87 foretoges der betydelige Arbejder med en Bekostning af omtr. 118,000 Kr., hvorved Havnen udvidedes og reguleredes, Bolværker anbragtes og Sejlløbet fra Oreby uddybedes, saa at det sidste nu har en Dybde af indtil 12, Havnen af 8 F. Havnens Størrelse er omtr. 8000 □ Al., Havnepladsens 7773 □ Al., Bolværkernes Længde 214 Al. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 Medlemmer, hvoraf de 2 uden for Byraadet. I Jan. 1898 ejede Havnen i faste Ejendomme 25,400 og i Maskiner, Redskaber osv. 2000 Kr.; dens Gæld var 115,731 Kr. Indtægter af Havne- og Bropenge er aarl. henved 6000 Kr. En af Havneudvalget ansat Lods har Bolig ved Oreby.

I gejstlig Henseende er Sakskjøbing Landsogn forenet med Byen.

Sakskjøbing hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 3. Folketingskr., for hvilken den er Valgsted, Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskr.'s 220. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 209—12, 215 og 218—20.

Ved Sakskjøbing Toldsted er ansat en Toldforvalter og 2 Toldassistenter, hvoraf den ene er Strandkontrollør ved Oreby; ved Postvæsenet er ansat en Postmester (og en Ekspedient), der tillige er Bestyrer af Telegrafstationen. Byen staar i Telefonforbindelse med de andre Laaland-Falsterske Byer ved Nakskov Telefonselskab (se S. 131).

Sakskjøbing er Station paa de Laaland-Falsterske Jærnbaner (se under Nykjøbing S. 158). Til S. befordredes pr. Bane i 1897 34,297 og fra S. 31,632 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv., der ankom til S., var 160,690, medens der afgik fra S. 151,806 Cntr.

---

**Historie.** „*Saxthorp*“, som nævnes i Vald. II's Jordeb. blandt de til Konunglet henlagte Steder mellem „Woræby“ (Oreby) og „Wapnæstath“ (Vaabensted), er vistnok den første Oprindelse til Købstaden Sakskjøbing (man har ment, at „Sax“ betyder omtr. det samme som Næs, et Stykke Land mellem to sammenløbende Aaløb eller lign.). Dog nævnes ogsaa „*Saxakopingh*“ i Jordebogen. Aar 1270 nævnes S. som Købstad sammen med Nakskov. Erik Menved udstedte 1306 et Brev, hvorved han befaler alle sine Mænd, Myntere, Vragere og andre, som bo i S. og der drive Handel, at betale til Indb. i Byen al den Afgift, der tilkom Kongen af det Gods, som udførtes af Byen. Man ser heraf, at S. i Middelalderen har været et kgl. Møntsted,

og 1328 fik Grev Johan den milde ogsaa fri Møntret her, da Laaland blev pantsat til ham. Byens ældste kendte Privilegier, hvorved Chrf. II giver og stadfæster alle de Rettigheder, som Borgerne have haft i fremfarne Kongers Tid i Danmark, ere udstedte $^{27}/_{7}$ 1320; de bleve senere ofte bekræftede, bl. a. $^{24}/_{6}$ 1337 af Grev Johan, 1442 og 1449. Chrf. II levede nogle af sine sidste Dage i S., hvor han 1332 blev overfaldet af to Adelsmænd, Henneke Breide og Joh. Ellemose, som brændte Huset af over ham, fangede ham og førte ham til Grev Johan paa Aalholm, hvilken dog straks satte Kongen i Frihed igen. Det Stenhus i S., hvor Chrf. boede, stod endnu i 16. Aarh., da det ejedes af Peder Huitfeldt, † 1584*). S. har altid hørt til Laaland-Falsters smaa Byer, ja den har i lange Tider været den mindste (1672 havde den 272, 1769 424 Indb.); nu er kun Nysted mindre. Den har ofte lidt af Ildebrand, saaledes 1728, $^{14}/_{12}$ 1784, da 20 Gaarde brændte, og Sept. 1800.

S. havde i Middelalderen et Helliggesthus, nævnt i Dokum. fra 1483 og 1488; det synes at have ligget i Byens nordøstl. Del ved nuv. Brostræde. Husets Skæbne efter Reformationen kendes ikke. Mulig er det slaaet sammen med det af Chrf. Gøye og Hustru Birgitte Bølle 1581 stiftede Hospital, mulig er kun Navnet overført paa denne nye Stiftelse; den kaldtes i alt Fald en Tid Helliggesthus, men betegnedes dog samtidig som *Orebygaards Hospital*. Dette laa i Vestergade. If. Reskr. af 1850 blev Bygningen nedbrudt og en ny opf. 1852 i Rørbæk (se Sakskjøbing Landsogn). — S. har haft en lille Latinskole, der en Tid havde Lokale i det nu nedbrudte Sakristi ved Kirken; den nedlagdes 1740 (se *V. Holm*, S.'s Latinskole, Museum 1892 2. Halvbd. S. 370 fl.).

---

# Rødby

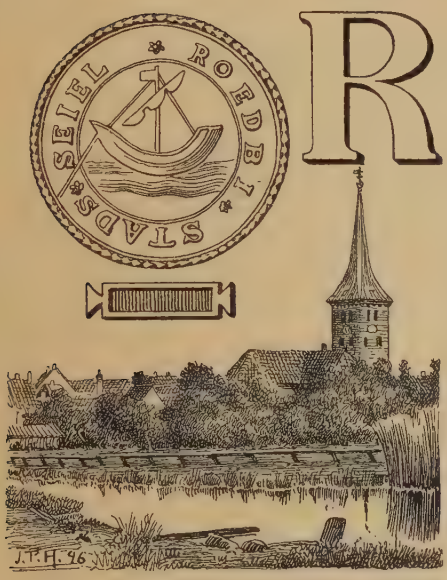


Rødby Købstad ligger i Fuglse Herred under 54° 41' 44" n. Br. og 1° 11' 22" v. L. for Kbh. (beregnet for Kirken) nær ved en østl. Vig af den nu inddæmmede Rødby Fjord, paa en lav, sid, leret og skovløs Grund; højeste Punkt er ved Kirketaarnets Vestende, 10 F., 3,1 M. Afstanden fra Maribo er $1^{1}/_{2}$, fra Nakskov 3 Mil (ad Jærnbanen resp. 1,9 Mil, 14,4 Km., og 5,2 Mil, 39,2 Km.) og fra Nysted 3 Mil. Byens Udstrækning fra V. til Ø. er i Forhold til dens Størrelse meget betydelig, omtr. 2000 Al., fra N. til S. er det bredeste Sted omtr. 1000 Al. Hovedgaden er den fra Ø. til V. førende Østergade, der gaar over Torvet og fortsættes i Vestergade, fra Østergades Endepunkt gaar Vejen til Maribo mod N. Efter Jærnbanens Aabning er der Ø. for Byen omkring Banegaarden, som ligger i Ringsebølle Sogn, vokset en lille By frem („Villakvarteret").

Købstadsgrunden er Marts 1898 omtr. 72 Td. Ld., Markjorderne

*) Det Bindingsværks Hus, som staar paa Hjørnet af Brogade og Brostræde, og som kaldes „Kong Chrf's Hus" (se Vignetten S. 134), er ikke ældre end 18. Aarh.

(„Bymarken“ og „Rødby-Fæland“) 4816 Td. Ld. Byen havde da 8 Gader og Stræder og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketæll. 1890 290 (Marts 1898 333, hvoraf 202 paa Byens Grund). Hele det opmaalte Fladeindhold af Byen med Markjorderne var 1896 4888 Td. Ld. (i de senere Aar er der indvundet betydelige Arealer ved Inddæmningen af Fjorden), deraf besaaede $2016_{,9}$, Græsning, Høslæt, Brak, Eng $1964_{,7}$, Kær og Fælleder 615, Have 51, Skov 11, Stenmarker $2_{,5}$, Byggegr. og Veje $195_{,3}$, Vandareal $25_{,4}$ og Hegn 6 Td. Det saml. Hartk. var $^1/_1$ 1895 $273_{,4}$ Td., hvoraf $243_{,6}$ dreves fra 56 Gaarde og $20_{,3}$ fra 70 Huse. Paa Markjorderne ligge af Gaarde paa over 12 Td. Hrtk.: *Lidsø* med $30^1/_4$ Td. Hrtk., omtr. 1050 Td. Ld., hvoraf omtr. 400 Ager, 100 Eng, 5 Skov, Resten Græsningsareal (inddæmmet af Rødby Fjord; Øen Lidsø i Fjorden er 105 Td. Ld.). *Strandholm*: $22^1/_2$ Td. Hrtk., 910 Td. Ld., hvoraf 310 Ager, Resten Eng (inddæmmet fra Fjorden); til Ejendommen høre en Gaard og et Hus. *Ottelundsgaard*, 13 Td. Hrtk., 102 Td. Ld., alt Ager.

Bymarkens og Fælandets Jorder henlagdes ved Udskiftningen (henholdsvis 1806 og 1837) til Bygrunden, men den allervæsentligste Del af Jorderne ere afhændede fra Bygrunden og til Dels samlede til større Ejendomme (se ovfr.) og bebyggede. Marken danner ikke et Landdistrikt i sædvanlig Forstand, men udgør i kommunal Henseende en Enhed med Byen.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898 2,214,851 Kr. (Antal af Forsikringer 333).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, ved Vestergade, er opført af røde Mursten og bestaar af Skib med tresidet Korafslutning, Tilbygning mod N. og et ret anseligt Taarn mod V. Den østl. Del (med Koret) er overhvælvet (2 og 1 Hvælv.) og tilbygget 1632, i øvrigt har Kirken fladt Træloft; 1728 repareredes den; 1827 opførtes Tilbygningen; 1732 repareredes Taarnet, hvis Højde dengang angaves til Muren 26 og til Spiret 49 Al.; 1858 forhøjedes Taarnet noget og fik det nuv. Spir, i alt 60 Al. Fra Taarnet er der vid Udsigt over Laaland og Østersøen over til Holsten og Femern. Aar 1889 er Kirkens Ydre undergaaet en Restauration, hvorved bl. a. Murene rensedes, og der indsattes nye Vinduer. Altertavlen har 1894 faaet et nyt Maleri af A. Dorph (Christus hos Martha og Maria) og en mangefarvet Udsmykning; den gamle Prædikestol er ligeledes bleven restaureret; Døbefonten er af Sandsten, Døbefadet fra 1606. Alterkalken er fra 1466. Der er ingen Epitafier eller Ligsten. Begge Klokkerne ere fra 15. Aarh. — Den gamle Kirkegaard er planeret og forvandlet til et lille Anlæg; den ny Kirkegaard ligger S. for Byen. — Kirken ejes og administreres af Staten.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset**, ved Østergade, er opført 1853 af Grundmur i to Stokværk; Bygningen, der ejes af Amtet med $^2/_3$ og af Byen med $^1/_3$, indeholder bl. a. en større Sal, en Tingstue og Byraadssal, et Værelse for Forligskommissionen, Arrestforvarerbolig og 7 Arrester.

Det kommunale Skolevæsen omfatter en **Friskole** og en **Betalingsskole**, begge i Nørregade, Lærerboligen for 2 Lærere opf. 1882 og Skolelokalerne samtidig ombyggede, og en **Skole paa Byens Mark**, alle baade for Drenge og Piger; Friskolen har 5, Betalingsskolen 2 Klasser og tils. 4 Lærere og en Timelærerinde; Marts 1898 var der i den første 154, i den anden 47 Elever; Skolen paa Marken havde 2 Klasser, 1 Lærer og 33 Elever. — **Teknisk Skole**, lige over for Kirken, er opført 1895 af

# RØDBY.

Eftertryk forbydes

Udført af V. E. A. Berggreen.

Forlagt af Universitetsboghandler G. E. C. Gad.
1898.

Accel. E. Aamodt's Lith. Etabl.

Haandværker- og Industriforeningen (den benyttede tidligere Kommuneskolens Lokale). — Desuden er der nogle private Smaaskoler.

**Fattighuset**, i Mellemgade, har Plads for 20 Lemmer; i Fattighuset et Par Værelser, der bruges som Sygestuer med 4 Senge. — **Haandværker og Industriforeningens Stiftelse**, i Østergade, opf. 1885, med 8 Lejligheder, yder Fribolig til sine Medlemmer eller deres Enker. — Den **Bertouch-Lehnske Stiftelse**, i Vestergade, oprindelig stiftet af Kmhr. Baron P. Abrah. Lehn († 1804) som Hospital i Taagerup, men først opr. 1847 af Kmhr., Baron J. I. S. Bertouch-Lehn som de Lehnske Stiftelser, 1855 omdannet i sin nuv. Skikkelse, afgiver Fribolig for 2 trængende Skolelærere eller deres Enker.

**Gasværket**, mod N. i Byen, er anlagt 1896; 1897 produceredes 2,539,300 Kbfd. Gas. — **Jærnbanestationen**, Ø. for Byen paa Ringsebølle Bys Jorder, er opført 1874. Ved Stationen er Posthus og Telegrafstation.

Ved Enden af Nørregade er der 1887 rejst en Støtte til Minde om Stormfloden $^{31}/_{11}$ 1872 med Angivelse af, hvor højt Vandet naaede. — N. Ø. for Byen i Sæddinge Sogn, men lige op til Bygrænsen ejer Kommunen en omtr. 7 Td. Ld. stor Lystskov.

Indbyggertallet var Feb. 1890 1837 (1801: 776, 1840: 1125, 1860: 1578, 1880: 1796).

Erhverv 1890: 132 levede af immat. Virksomh., 556 af Industri, 261 af Handel, 7 af Fiskeri, 580 af Jordbr., 241 af andre Erhverv, 27 af deres Midler, 30 nøde Almisse, og 3 vare i Fængsel. — Ved Siden af Agerbrug er der Haandværk og nogen Handel. Byens tidligere Losse- og Ladeplads Kramnitse eksisterer ikke mere som saadan, idet Statsdiget (se S. 104) nu helt omslutter Byens Jorder ud mod Østersøen (i Diget er der to selvvirkende Sluser ved Dragsminde og Kramnitse), og der er ikke mere nogen Handel ad Søvejen, al Ud- og Indførsel foregaar ad Jærnbanen*).

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a.: Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 1616 Pd., uldne Manufakturvarer 1400 Pd., Humle 1048 Pd., Kaffe 7092 Pd., Salt 54,906 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 2154 Td., toldpligtige Metaller og Metalvarer 60,955 Pd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 5 Fartøjer og maalte Baade med i alt 16 Tons. I indenrigsk Fart indkom 16 Skibe med 120 T. Gods og udgik 14 Skibe uden Ladning.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 5738 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 396 Kr., i alt 6134 Kr.

I Rødby holdes aarl. 5 Markeder med Heste og Kvæg: i Feb., Marts, Juli, Okt. og Nov. Torvedag hver Torsdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg findes intet af større Betydning; dog nævnes et Uldspinderi, et Bryggeri og et Bogtrykkeri, hvorfra udgives „Rødby Avis“ (et andet Blad, „Rødby Dagblad“, udgives i Nykjøbing).

*) Ved kgl. Res. af 1857 blev der meddelt Konsul A. Hage Koncession paa at inddæmme og tørlægge største Delen af *Rødby Fjord*, efter at han var kommen overens med Byens Kommune om en Erstatning paa 15,000 Rd. for, at Byens Sejlads paa Fjorden og Udhavnen ved Kramnitse gik tabt ved Inddæmningen. Hage overdrog Konc. til et engelsk Interessentskab, som nogle Aar efter opgav Arbejdet og atter afstod Koncessionen til Hage, der da fortsatte Inddæmningen. Samtidig havde et Interessentskab af de tilstødende Lodsejere i Rødby, Nebbelunde og Gjerringe inddæmmet den inderste Del af Fjorden, og lignende Arbejder ere foretagne af andre. Der er nu af Fjorden tørlagt omtr. 2500 Td. Ld. Hele det inddæmmede Areal omsluttes nu af Statsdiget. Ved Kendelse af en Landvæsenskommission i 1879 blev der truffet Bestemmelse om Vilkaarene for en fuldstændig Tørlægning af Fjorden, men der er hidtil intet Skridt gjort til Planens Iværksættelse.

Kreaturhold 1893: 326 Heste, 1299 Stkr. Hornkv. (deraf 851 Køer), 356 Faar, 347 Svin og 13 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Fuglse Herred, og et Byraad, der bestaar af 11 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, b) for Fattigvæs., c) for Skolevæs., d) for Vejvæs., e) for Brolægningsvæs., f) for Vandvæs., g) for Kommunens faste Ejendomme, h) for Lystanlægget, i) for Gasværket.

Finansielle Forhold 1896. Indtægterne: Skatter 31,618 (deraf Grundsk. 2118, Hussk. 1889, Formue- og Lejlighedssk. 27,495, lignet paa Menigheden 117 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 1834, Bidr. fra Stat til Alderdomsunderst. 1980, Indtægt af Aktiver 2158, Skolekontingent 931 Kr. Af Udgifterne: Bidr. til Amt 1619, Bidr. til Amtsskolefond 650, Alderdomsunderst. 4351, Skolevæs. 7782, Fattigvæs. 6163, Rets- og Politivæsen 2250, Medicinalvæs. 770, Gader og Veje 3686, Belysning 698, kirkel. Formaal 1133 Kr. Komm. ejede $^{31}/_{12}$ 1896: i Kapitaler 58,000, i faste Ejendomme med Udbytte 72,773 og i Ejend. uden Udbytte 53,115 Kr. Skatteproc. for Afgift paa Formue og Lejlighed er 1898 $6^{5}/_{8}$ pCt. Den anslaaede Indtægt er 481,300 Kr., deraf skattepligtig Indt. 411,325 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Andel i Raadhuset (se S. 140) samt Sprøjtehuset, Fattighuset, to Skolebygninger, den ene paa Marken med et Tilliggende af 6 Td. Ld., og Lystskoven.

Rødby har intet fast Brandmandskab; if. Lov af $^{21}/_{3}$ 1873 ere alle Mænd i Alderen 20—50 Aar pligtige til at gøre Tjeneste i Brandkorpset, af hvilket en Afdeling danner Politikorpset.

I Rødby er en Filial af Laalands Spare- og Laanebank i Nakskov.

I gejstlig Henseende er Ringsebølle Sogn som Anneks forenet med Rødby.

Rødby hører til 5. Landstingskr., Maribo Amts 2. Folketingskr., Maribo Amtstue- (Maribo) og Maribo-Rødby Lægedistrikt og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskr.' 253. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 246—53.

Ved Rødby Toldsted er ansat en Toldoppebørselskontrollør og en Toldassistent, der er Strandkontrollør ved Kramnitse. Ved Postvæsenet er ansat en Postmester, der tillige er Bestyrer af Telegrafstationen. Rødby staar i Telefonforbindelse med Laaland-Falsters Byer ved Nakskov Telefonselskab.

Rødby er Endestation for Sidebanen Maribo-Rødby paa de Laaland-Falsterske Jærnbaner (se S. 158). I Driftsaaret 1897 befordredes pr. Bane til Rødby 16,288 og fra R. 13,169 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv., der ankom til R., var 201,084, medens der afgik 211,734 Cntr.

---

**Historie.** R. nævnes som Landsby (*Ruthby*) i Vald. II's Jordebog. Hvornaar den er bleven Købstad, vides ikke; den blev langt op i den nyere Tid betragtet som en Flække, halv Landsby og halv Købstad. Aar 1454 gav Chr. I Byens Indb. Frihed til „ligesom Købmænd" at handle paa Tyskland i Betragtning af den store Umage, Kost og Tæring, „Almuen" havde med at overføre Kongens Bud til Tyskland, og 1506 udvidedes dette Privilegium til, at Indb. ogsaa maatte handle med Bønderne og udenlandske Købmænd; 1517 stadfæstede Chr. II Byens gamle Rettigheder og gav den Halvdelen af Langø til evig Brug; 1528 bekræftedes atter Privilegierne. Hvad der gav Byen nogen Betydning paa den Tid, var, at den var Toldsted og Overfartssted til Holsten og Femern, idet Overfarten foregik over dens Udhavn Dragsminde — der dog efterhaanden sandede til og endelig 1749 blev nedlagt, efter hvilken

Tid Kramnitse blev R.'s Udhavn —, og Byen var saaledes besøgt, at Sognepræsten Jac. Jacobsen 1572 maatte fortrække, da Kongen formedelst de fremmede ønskede en Mand med „storre Lærdom". Den har ikke været rigtig Købstad paa den Tid; thi 1555 fritoges Indb. for den „store Told", naar de udførte de Øksne og Heste, som de havde benyttet til eget Avlsbrug, samt af eget hjemmefødet Kvæg, „ligesom andre Bønder i Laaland", men af Staldøksne eller andre Varer skulde de give Told „som andre Købmænd", og ved Kongebrev af $^{24}/_{8}$ 1557 blev det i Anledning af, at Indb. havde beklaget sig over, at de maatte svare Afgift baade som Borgere og Bønder, bestemt, at de, som give Landgilde m. m., skulde fritages for borgerlige Tynger (Bidr. til Skibes Udrustning), men de, som drive Købmandsskab, skulde svare til al Tynge som Købstadsmænd. Aar 1656 siger Arent Berntsen („Danmarckis oc Norgis Fructbar Herlighed"), at R. før kun ansaas som en fornem Landsby, men at den nu gemenligen regnes for Købstad. Den blev dog snarest ved at være en Bondeby; 1776 kaldes den „denne over alle uanselige Købstad", og endnu 1833 karakteriseres den som mere lignende en Landsby, da de fleste Huse vare straatækkede. Indtil 1735 havde den Byfoged fælles med Maribo (se S. 122). — Af Ulykker, der ere overgaaede den, nævnes: i et Kongebrev af $^{24}/_{1}$ 1551 siges, at da R. for største Delen var afbrændt, skulde det undersøges, om det ikke var bedre at lægge Byen nærmere ved Stranden. Ved Stormfloden $^{10}/_{11}$ 1694 led Byen saa meget, at Borgerne søgte om Lettelse i Skatter. Aar 1774 brændte største Delen af Byen, hvorved ogsaa det af Bindingsværk opførte Raadhus med Arkivet gik tabt. — Byens lille Latinskole blev nedlagt 1740.

Paa Markjorderne er en Jættestue fredlyst (flere ere sløjfede i den nyeste Tid). — Ved *Lidsø* ligger ved en gammel Indsejling til Rødby Fjord en Skanse fra nyere Tid.

---

# Nysted

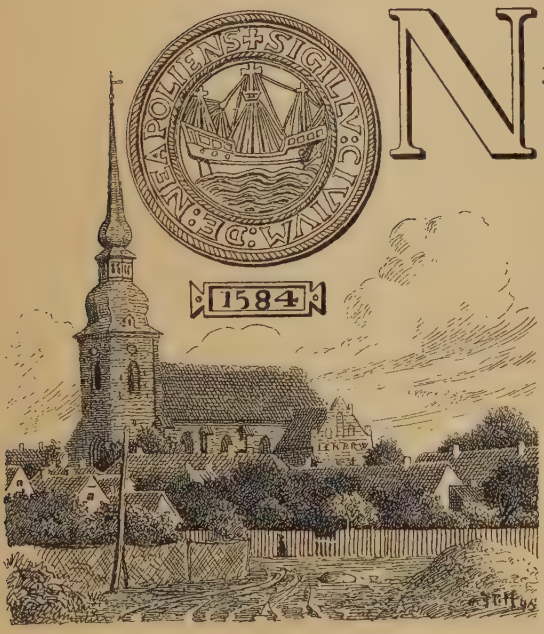


Nysted Købstad ligger i Musse Herred under 54° 39′ 53,$_{13}$″ n. Br. og 0° 50′ 37,$_{56}$″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids) ved Østkysten af en lille Vig, der skærer ind fra Østersøen, og som mod N. skilles fra en lille, næsten tilgroet Sø ved en ganske smal Landstrimmel, ad hvilken en Lindeallé fører til Aalholm. Byen er den smukkest beliggende af de Laaland-Falsterske Byer og ligger efter laalandske Forhold højt, idet den er lejret paa Affaldet af det S. 104 omtalte Vandskel; højeste Punkt, ved Raadhuset, er 40 F., 12,$_{5}$ M. er omtr. $1^{3}/_{4}$, fra Sakskjøbing 2, fra Maribo $2^{1}/_{2}$ Afstanden fra Nykjøbing fra Rødby 3 og fra Nak-

skov $5^1/_2$ Mil. Byens Udstrækning fra N. til S. er omtr. 1600 Al., fra V. til Ø. er den mellem 300 og 600 Al. bred. Ad Nykjøbingvejen kommer man ind gennem den mod S. løbende Hovedgade Adelgade, der gaar til Gammel- eller Gaasetorv og fortsættes i Fiskergade; den anden større Gade er den med Adelgade parallelt løbende Østergade. Husene ere for det meste i eet Stokværk; der findes ingen gamle Bygninger.

Købstadsgrunden udgjorde April 1898 685,000 □ Al. (omtr. 49 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 934 Td. Ld. Byen havde da 12 Gader og Stræder og to Torve. Husenes Antal var ved Folketæll. 1890 254 (Apr. 1898 var der 299, hvoraf 243 paa Byens Grund). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var 1896 983 Td. Ld., deraf besaaede $518,_7$, Afgræsning, Brak, Eng $379,_3$, Have 24, Skov 1, Byggegr. og Veje $58,_7$. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 $113,_7$ Td., hvoraf $91,_6$ dreves fra 38 Gaarde og $17,_2$ fra 58 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898 2,029,549 Kr.

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken,** i Adelgade (se Vignetten S. 143), er en gammel, anselig Bygning (med Taarnet 65 Al. lang), som bestaar af Skib og Kor ud i eet med mangekantet Afslutning (Halvdelen af en Ottekant), en stor Tilbygning mod N. (30 Al. lang og 10 Al. bred), højt Taarn mod V. samt et Gravkapel mod S. og et lignende mod N. Den oprindelige Del af Kirken er vistnok opført i Rundbuestil (et enkelt rundbuet Vindue er bevaret); nu har Kirken spidsbuede Vinduer. I den senere Middelalder er Kirken bleven overhvælvet (Skibet med 4 Krydshvælvinger, hvoraf den nærmest Koret er lavere, Koret og Taarnrummet med Stjernehvælving). Tilbygningen, „den nye Kirke", der er opf. 1643, er meget lavere end Kirken, hvis Tag er forlænget ned over den, og har særskilt Indgang og Krydshvælvinger. Taarnet, der har Kuppel og et 1649—51 opf. højt Spir (i alt 88 Al.), danner et vigtigt Sømærke (1804 var der Tale om at opsætte et Lampefyr i det). Kapellet mod S., tidligere Vaabenhus, købtes 1649 af Jost Pappenheim, som lod det indrette til Ligkapel for sig og Familie; 1763 indrettede Gehejmer., Stiftsbefalingsmand Fr. Raben († 1773) det til Begravelse for sig og Familie, og 16 her staaende Kister, deribl. Pappenheims og Frues, bleve nedsænkede i Jorden. Kapellet mod N. er opf. 1782 af Gehejmeraadinde Raben f. Buchwald; det var indtil 1862 aabent ind til Kirken (mod S. har der ligget et tredje, det Suhrske Kapel). Kirken er restaureret 1861—62 under Ledelse af Etatsraad Herholdt. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra 1694, skænket af Kammerraad Fr. Suhr; den udskaarne Prædikestol er opsat 1605; Døbefonten, af støbt Messing, er fra 1697, Orgelet er fra 1659. I Koret hænge to Malerier, det ene af Sognepræsten Knud Lerche, † 1666, og Hustru, det andet af Svigersønnen, Raadmand og Slotsskriver paa Aalholm Iver Nielsen med Hustru og Børn; begge ere ophængte 1663. Af Ligsten nævnes en over Jørgen Rud til Vedbygaard, Lensmand paa Aalholm, og en over Raadmand Mathias v. Westen, † 1677. Af de 4 Klokker ere den største og næstmindste (Tolvklokken) fra 15., den mindste med Indskriften: Beata, vistnok fra Beg. af 14. Aarh.

Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark. III Udgave.

Kjøbstæder.

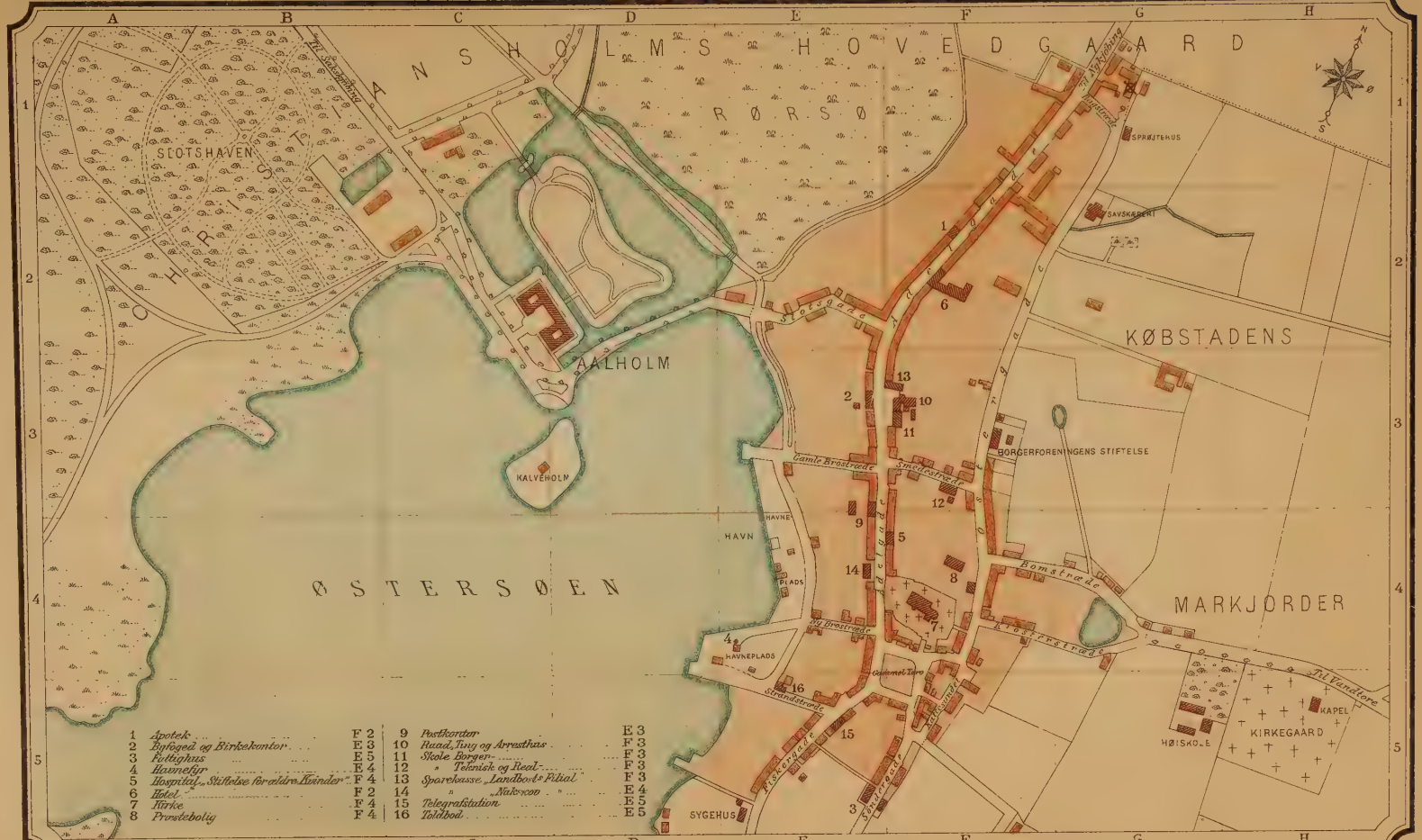


| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | Apotek | F 2 | 9 | Postkontor | E 3 |
| 2 | Fogeds og Birkekontor | E 3 | 10 | Raad, Ting og Arresthus | F 3 |
| 3 | Fattighus | E 5 | 11 | Skole Borger- | F 3 |
| 4 | Havnefyr | E 4 | 12 | " Teknisk og Real- | F 3 |
| 5 | Hospital „Stiftelse for ældre Kvinder" | F 4 | 13 | Sparekasse „Landbovæsens Filial" | F 3 |
| 6 | Hotel | F 2 | 14 | " „Nakskov" | E 4 |
| 7 | Kirke | F 4 | 15 | Telegrafstation | E 5 |
| 8 | Præstebolig | F 4 | 16 | Toldbod | E 5 |

Udført af V.F.A. Berggreen.

Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad.

1898.

Ætset E. Aamodt's lith. Etabl.

Der er to Kirkegaarde, den gamle, ved Kirken, og den nye, Ø. for Byen, der er indrettet 1845, og paa hvilken der er opført et Ligkapel. Kirken, der ejer sig selv, havde i Apr. 1898 i Kapitaler 12,109 Kr. og 165 Td. Byg aarlig i Leje og Forpagtningsafgift; dens Gæld var 4000 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, i Adelgade, er opført 1852 af Grundmur i 2 Stokværk; 1895—96 tilbyggedes et to Stokværk højt Arresthus efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn. Bygningerne, der bl. a. indeholde en større Sal, et Byraadsværelse, Arkiv, Arrestforvarerbolig, Retslokale (i Arresthuset) og Plads for 8—9 Arrestanter, ejes af Amtskommunen med $^{7}/_{10}$ og af Købstaden med $^{3}/_{10}$.

**Borger- og Almueskolen**, sammenbygget med Raadhuset, er opf. 1852 i 2 Stokværk og har 6 Klasser, 3 Lærere og 1 Lærerinde samt Apr. 1898 156 Elever. — **Teknisk Skole**, i Smedestræde, er opf. 1893 i eet Stokværk (omtr. 35 Elever). — Desuden er der en privat Realskole (Byens Realskole blev nedlagt 1880), der benytter Teknisk Skoles Lokaler og har omtr. 50 Elever.

S. Ø. for Byen, ved den nye Kirkegaard, er der 1891 oprettet en **Højskole og Landbrugsskole**.

**Sygehuset**, mod S. V., uden for Fiskergade, opf. 1896 i eet Stokværk, har 12 Senge; desuden er der et Epidemihus, S. for Sygehuset, med 3 Senge. — **Fattighuset** ligger i Søndergade.

**Hospitalet**, i Adelgade, opr. 1676 af Handelsmand P. Sørensen og 1706 af Paaske Jensen med 3 Boder, har Plads for 4 fattige, ældre Kvinder. — **Mette Christiansens Stiftelse**, i Søstræde, opr. 1875, har Fribolig for 2 fattige Enker.

Postkontoret ligger i Adelgade, Telegrafstationen i Fiskergade, Toldboden paa Hjørnet af Strandstræde og Havnepladsen. — Ved Havnen er der et lille Anlæg. — I Adelgade ligger den smukke „Villa Marina", opf. af den norske Digter A. Munch.

---

Indbyggertallet var Febr. 1890 1414, Jan. 1896 1475 (1801: 690, 1840: 933, 1860: 1261, 1880: 1438).

Erhverv i 1890: 156 levede af immat. Virksomh., 514 af Industri, 239 af Handel, 42 af Søfart, 62 af Fiskeri, 171 af Jordbr., 15 af Gartneri, 157 af andre Erhverv, 40 af deres Midler, og 18 nøde Almisse. — Byens Handel er ikke stor, da dens Opland er ringe, og da der er grundet Farvand uden for Havnen (Rødsand, se S. 104). Fiskeri og Søfart have nogen Betydning. If. Fiskeriberetningen var der i 1896—97 i Nysted og Kramnitse i alt 81 Fiskere, som med 9 Kuttere, 11 Dæksbaade, 5 Damjoller og 97 mindre Fartøjer fiskede for en Værdi af 42,525 Kr.

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a. Humle 1756 Pd., Kaffe 7844 Pd., Salt 53,469 Pd., Sukker 9782 Pd., Stenkul 3267 Td. og 472,955 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 54,653 Pd. samt Tømmer og Træ 394 Clstr. og 6020 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 2262 Td. Hvede, 7186 Td. Byg, 13,242 Snese Æg, 1280 Pd. Uld, 13,489 Kbfd. Træ og 238,560 Pd. Bark.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 20 Fartøjer og maalte Baade med i alt 127 Tons. I udenrigsk Fart indgik 75

Skibe, hvoraf 42 Dampskibe, og udgik 71 (42 Dampsk.) med resp. 1682 og 126 T. Gods. I indenrigsk Fart indgik 177 og udgik 183 Skibe (hvoraf 66 og 66 Dampsk.) med resp. 3428 og 3184 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 7768 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 472 Kr., i alt 8240 Kr. (758 Kr. mindre end i 1895).

I Nysted holdes Markeder i Marts, Apr. og Sept. med Heste og Kvæg, i Nov. med Heste.

Af industrielle Anlæg nævnes en Dampmølle, et Damp-Sav- og Høvleværk, en Kalkovn, et Skibsbyggeri og, i Landdistriktet, et Andelsmejeri.

Kreaturhold 1893: 120 Heste, 250 Stkr. Hornkv. (deraf 176 Køer), 217 Faar, 138 Svin og 6 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver i Nysted samt Birkedommer og Skriver i Nysted Birk, og et Byraad, der bestaar af 7 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Kassevæsenet, b) for Havnevæs., c) for Fattigvæs., d) for Vejene.

Finansielle Forhold 1896. Indtægterne: Skatter 18,881 (deraf Grundsk. 1000, Hussk. 1314, Formue- og Lejlighedssk. 16,567 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 1734, Tilsk. fra Stat til Alderdomsunderst. 2040, Indtægt af Aktiver 4078 Kr.; af Udgifterne: Bidr. til Stat 311, Bidr. til Amt 738, Bidr. til Amtsskolefond 505, Alderdomsunderst. 4042, Skolevæsen 4557, Fattigvæs. 4887, Rets- og Politivæs. 2084, Medicinalvæs. 928, Gader og Veje 726, Belysn. 466, Brandvæs. 1328, Kirkelige Formaal 812 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 7114, i Ejendomme med Udbytte 2900 og i Ejend. uden Udb. 38,500 Kr.; dens Gæld var 18,513 Kr. For 1898 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $6^{1}/_{2}$ pCt.; den anslaaede Indtægt var 340,800 Kr., deraf skattepligtig Indt. 272,850 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Andel i Raadhuset (se S. 145), desuden Skolen, Sygehuset, Hospitalet, Fattighuset, et Sprøjtehus, Mette Christiansens Minde, Lergravene og en Jordlod.

Byens Politikorps bestaar af 12 ikke uniformerede Mand og en Assistent. I Brandkorpset gør enhver Borger (undt. Embedsmænd og Byraadsmedlemmmer) Tjeneste.

I Nysted er der Filialer af Falster Landbostands Spare- og Laanekasse og Laalands Spare- og Laanebank i Nakskov.

Den rummelige **Havn** er i de senere Aar en Del forbedret, navnlig er den bugtede, omtr. 60 F. brede Indløbsrende bleven uddybet, saa at den nu er $10^{3}/_{4}$ F. dyb, og der er udgravet en Anlægs- og Svajeplads for Dampskibe. Havnen er omtr $10^{1}/_{2}$ F. dyb (1898—99 agtes den og Renden uddybet til 13 F.), Havnepladsens Størrelse 10,600 □ Al., Bolværkernes Længde 310 Al. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 Medlemmer, hvoraf de to af Byraadet. Havnekassen ejede Apr. 1898 2300 Kr., dens Gæld er 3000 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 4700 Kr. Paa Havnepladsen er der et hvidt, fast Fyr. Ved Havnen er der ansat en Lods, der lodser over Rødsand.

I gejstlig Henseende er Herridslev Sogn, Musse Hrd., Anneks til Nysted.

Nysted hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 3. Folke-

tingskr., Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistrikt og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskreds' 231. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 221—231.

Ved Toldstedet er ansat en Toldoppebørselskontrollør, ved Postvæsenet en Postmester, ved Telegrafstationen en Bestyrerinde. Ved Laaland-Falsters Telefon-Aktieselskab staar Nysted i Telefonforbindelse med Laaland-Falsters Byer. Den har ugentlig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn og Lübeck.

---

**Historie.** Nysted nævnes ikke i Vald. II's Jordeb. og er utvivlsomt først opstaaet senere omkring Slottet Aalholm og Franciskanerklosteret (se ndfr.). Byens Indbyggere bleve ansete som Bønder og Vornede under Aalholm Slot, indtil Erik af Pommern 1409 gav dem deres Frihed og Byen dens Privilegier (bekræftede 1513). Byen har aldrig været betydelig og har altid hørt til Laalands mindste Byer, om end den maaske har været forholdsvis mere ved Velmagt i gamle Dage paa Grund af dens større Handel og Sejlads, navnlig paa Rostock og Lübeck; 1672 havde den 691, 1769 kun 486 Indb. I den nyeste Tid har vel Broen over Guldborg Sund ikke skadet den saa lidt, da den derved blev berøvet en Del af sit Opland. Den har ofte lidt af Ildebrand; 1455 siges saaledes omtr. 100, 1560 endog 200 Gaarde og Huse at være gaaede op i Luer; 1641 og 1651 nævnes ogsaa Ildebrande; $^{22}/_{6}$ 1654 brændte 100 Gaarde og Huse, hvorefter Borgerne fik store Lettelser i Skatter; 1700, 1729 ($^{14}/_{11}$) og 1831 brændte atter store Dele af Byen. Aar 1750 brændte Nysted (Aalholm) Ladegard, der var oprettet af Klostergodset; efter at den var genopbygget, blev den senere nedlagt og kom ind under Christiansholm.

Franciskanerklosteret, der har ligget ved den østl. Ende af Klosterstræde, skal være stiftet 1286 af Ejerne til Kjærstrup og Kjelstrup, men i øvrigt ved man meget lidt om det. I Klosterkirken bleve bl. a. begravede Odensebispen Vald. Podebusk, † 1392, Ridder Anders Siundesen af Kjærstrup (1390) og Graabrødre-Vikaren Michael de Lyra (1483). Aar 1472 fik Laurentius Brandere Tilladelse til at reformere Klosteret, men først 1477, efter megen Modstand fra en Del af Munkenes Side, blev Konventet bragt til Observants. I Nysted havde Graabrødrene deres sidste Tilflugtssted her i Landet efter Reformationen; først 1538 synes Klosteret helt ophævet. Aar 1554 fik Præsten Nic. Wulf Klosterets Abildhave og Humlehave, men i øvrigt bleve Jorderne henlagte under Aalholm. Klosterets Nedbrydning paabødes 1551, for at Materialerne kunde anvendes til et Slot, som Kongen agtede at opføre i Nakskov. Dette blev dog opgivet, og Murstenene synes at være blevne sendte til Kjøbenhavn og Kolding; 1577 stod der dog endnu et Stenhus tilbage, som Kongen da lod nedbryde til Brug ved Byggearbejder paa Aalholm. Klosterets Fundamenter ere først opbrudte i Beg. af 19. Aarh., ved hvilken Lejlighed man tillige stødte paa gamle, murede Grave. Mindre Bygningsrester bleve ogsaa trufne ved Højskolens Anlæg 1891.

Nysted har haft en lille Latinskole — den laa ligesom det tidligere Raadhus i den sydl. Del af Byen ved Torvet og Kirken —, hvis berømteste Elev er Teologen Niels Hemmingsen, og som nedlagdes $^{4}/_{3}$ 1740.

**Litt.** *Rhode*, Samlinger osv., ved *J. J. F. Friis*, I S. 369 fl. — *F. R. Friis*, Hist.-topogr. Efterretn. om Musse Hrd., Kbh. 1872, S. 1 fl.

---

# Nykjøbing

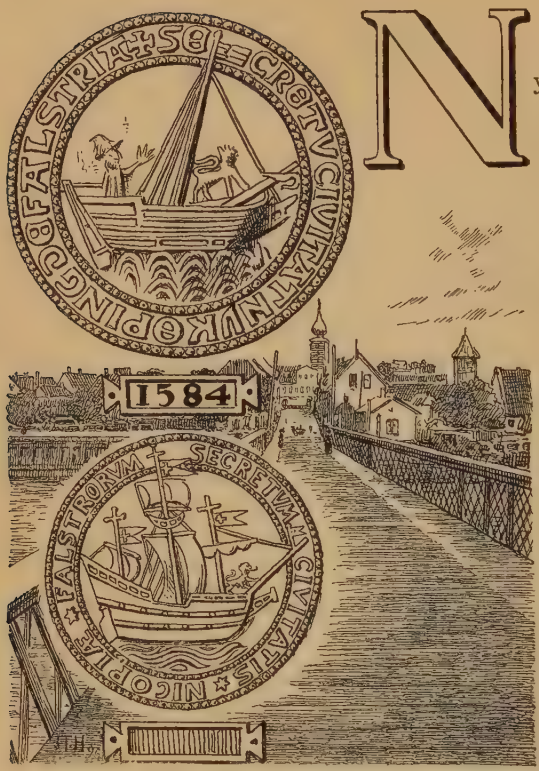


Nykjøbing Købstad ligger i Falster Sønder Herred under 54° 45′ 56,15″ n. Br. og 0° 42′ 23,89″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Den ligger meget smukt ved den østl. Bred af det her omtr. 1000 Al. brede Guldborg Sund, omgiven af store Skove. Afstanden fra Stubbekjøbing er omtr. $2^1/_4$, fra Orehoved $2^3/_4$, fra Gjedser 3, fra Sakskjøbing 2 Mil (ad Jærnbanen er der fra Orehoved 3 Mil, 22,4 Km., fra Gjedser 3 Mil, 23 Km., fra Sakskjøbing 2,2 Mil, 16,4 Km.). Terrænet, hvorpaa Byen er lejret, skraaner jævnt ned til Sundet; Kirken ligger omtr. 24 F., 7,6 M., over Havet; mod N. begrænses Byen af en sid Strækning, tidligere en Vig fra Sundet (endnu 1806 siges, at N. næsten helt omgives af Vand, idet Guldborg Sund „gør en Indbugt henved den gamle Slotshave"). Byens Udstrækning fra N. V. til S. Ø. er omtr. 3000 Al., det bredeste Sted fra V. til Ø. er omtr. 1500 Al. Hovedaaren er de parallelt med Havnen fra S. til N. løbende Gader Frisegade, Langgade og Slotsgade, som fører ud til Landevejen til Stubbekjøbing; fra Torvet, der ligger ved Slotsgade, gaar mod S. Ø. Østergade, der spalter sig i Nygade og Jærnbanegade. I Hovedgaderne ere mange Huse i flere Stokværk og godt byggede; der er bevaret flere gamle Bindingsværkshuse.

Byens Købstadsgrund udgjorde Apr. 1898 881,408 □ Al. (omtr. 63 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 632 Td. Ld. Byen havde da 34 Gader og Stræder og 2 Torve. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 742 (Apr. 1898 var der 896, hvoraf paa Byens Grund 421). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var 1896 695 Td. Ld., deraf besaaede 376,7, Græsning, Brak og Eng 150,5, Have 41,7, Byggegr. og Veje 125. Det saml. Hartk. var $^1/_1$ 1895 78,6 Td., hvoraf 53,2 dreves fra 17 Gaarde og 23,8 fra 432 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898 8,789,190 Kr. (Antal af Forsikringer 1020), heri medregnet Landdistriktet.

Med Nykjøbing Købstad er forenet et **Landdistrikt**, som omgiver Byen paa de tre Sider. Det danner dog en egen Sognekommune med et Forstanderskab, endskønt det har Skole- og Fattigvæsen fælles med Købstaden, hvorfor det ogsaa er repræsenteret i dennes Skole- og Fattigudvalg ved et af Forstanderskabets Medlemmer. Landdistriktets Fladeindhold udgjorde 1896 950 Td. Ld., hvoraf besaaede 387, Græsning, Brak og Eng 198, Have 17, Skov 288, Stenmarker m. m. 2, Byggegr. og Veje 53 og Vandløb 4; det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 83,$_2$ Td., hvoraf 77,$_9$ hørte til 4 Selvejergaarde og 2,$_6$ til 106 Huse. To Gaarde paa over 12 Td. Hrtk.: *Ejegod*, 33$^1/_2$ Td. Hrtk., 270 Td. Ld., hvoraf 35 Eng, Resten Ager; til Ejendommen høre 1 Mølle og 7 Huse. *Vestenborg*, 21 Td. Hrtk., 155 Td. Ld., hvoraf 10 Eng; Resten Ager; to Huse*).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, ved Store Kirkestræde og Klosterstræde, den gamle Graabrødrekirke, som 1532 blev overladt Byen til Sognekirke, bestaar af et anseligt Skib, der er opført af røde Munkesten i Spidsbuestil med tresidet Afslutning, kamtakkede Gavle og store, spidsbuede Vinduer med murede Poster; ved Skibets Nordside er der et smalt Taarn med et kobbertækket, kuppelformet Spir, opført 1766. Til Kirkens nordvestl. Hjørne støder en to Stokværk høj Bygning med Kælder, ligeledes opført af røde Munkesten med kamtakket Gavl, tidligere Klosterets vestlige Fløj; den tjente en Tid til Raadhus og Latinskole (se S. 153), nu indeholder øverste Stokværk det Classenske Bibliotek (se S. 153), det nederste Ligkapel og Arrester. Klosterfløjens Korsgang med sine smalle, fint profilerede Hvælvinger støder op til Kirken; en nu tilmuret Dør, gennem hvilken Munkene gik ind i Kirken, ses endnu. Ogsaa langs Skibets Nordside staar endnu Korsgangen, i to Stokværk med lavtspændte Krydshvælvinger; men den er senere, maaske i Dronning Sophies Dage, sat i Forbindelse med Kirken ved gennemhuggede Buer. Kirkens Indre er anseligt, med 7, rigtignok noget lavtspændte Hvælvinger (maaske ogsaa stammende fra Dronning Sophies Tid) foruden Korets, og gør ved sit forgyldte Inventarium, Lysekronerne og Epitafierne et ganske smukt Indtryk. Altertavlen, der er skænket af Dronning Sophie 1618, er udskaaren i smuk, rig Rennæssancestil (forneden Maleri med Korsfæstelsen); Prædikestolen er ligeledes i Renæssancestil og vist ogsaa skænket af Dronningen og bæres af Moses med Lovens Tavler; den smukke Døbefont, i samme Stil, er støbt af Malm. Kirkens største Prydelse er den paa brun Grund med Guld og Farver dekorerede, af Anthon Clement fra Odense udførte Mecklenburgske Stamtavle, der indtager to Hvælvingsfag paa Korets nordl. Væg. Dronning Sophie, Fred. II's Enke, lod den forfærdige og opstille 1627; den har 63 Portrætter af hendes fædrene og mødrene Aner. Nederst ses Dronningen selv (malet i Legemsstørrelse i Knæstykke), til venstre hendes Fader, Ulrich af Mecklenburg, til højre hendes Moder, Elisabeth af Danmark, Hertuginde af Mecklenburg; derefter følge over dem i opadstigende Rækker Anerne, hvis Billeder aftage i

*) Flere Ejendomme af Landdistriktet indlemmedes i Købstaden 1877.

Størrelse for hver Række. I Kirken findes bl. a. nogle gamle Malerier af Christus, der bærer Korset, og „Ecce homo“, flere Epitafier, deribl. et med en Sølvplade over en Oberst Eberh. v. Putkammer, 1659 „in ein Occasion auf Langalandt geschossen“, og et over Johannes Oberberg, Dronning Sophies Sekretær, † 1632, flere Lysekroner, af hvilke den nærmest Alteret er skænket 1650 af Hans Fischer fra Lübeck, og et Skib, „Kronprins Frederik“, ophængt 1891. Af de tre Klokker er den næststørste, uden Aarstal, fra Slutn.

Nykjøbing Kirke med det gamle Raadhus.

af 15. Aarh. og den mindste fra 1493. Kirken blev restaureret 1832 og, under Ledelse af Etatsr. Herholdt, 1873—74, ved hvilken sidste Lejlighed bl. a. et Sakristi blev nedbrudt, Ydermurene istandsattes, Hvælvingerne afpudsedes og Inventariet, deribl. Altertavle, Prædikestol (hvilke fik danske Indskrifter, tidligere tyske) og Stamtavle, restaureredes.

Den gamle, omkring Kirken lejrede Kirkegaard er 1873 bleven omdannet til et Anlæg; den nyere Kirkegaard, indviet 1847, ligger mod

S. lige op til den gamle Bygrænse. Paa denne ligge bl. a. begravne Biskop S. Cl. Bindesbøll, † 1871, over hvem et anseligt Monument af Marmor, der er rejst af Stiftets Gejstlighed, og Biskop D. G. Monrad, † 1887, med sin

Nykjøbing Kirkes Indre.

første Hustru (Portrætmedailloner). Endelig ligger den nyeste Kirkegaard, indviet 1883, S. for Sukkerfabrikken.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en residerende Kapellan, der tillige ere Præster ved Annekset Systofte. Kirken ejer omtr. 6 Td. Ld.; dens Gæld var $^{1}/_{1}$ 1898 13,708 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, ved Slotsgade paa Slotsbanken, er op-

ført 1873 i gotisk Stil af Grundmur og røde Mursten i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt V. Tvede. Bygningen, der ejes af Amtet med $^5/_8$ og Byen med $^3/_8$, indeholder bl. a. i Stuen Auktions- og Sessionslokale, Arkiv, Venteværelse og Arrestforvarerbolig, i 1. Stokværk en større Sal og Værelser for Byraadet, Forligskommissionen samt Retslokaler; i en Sidebygning er der Arrester for 14 Arrestanter. Paa Raadhuset findes et Maleri af den fra Svenskekrigen 1658 for sin djærve Optræden bekendte Sognepræst Jesse Jessen, † 1676, med Hustru og 4 Børn (se S. 162).

**Nykjøbing Hospital**, beliggende S. for den gamle Kirkegaards Plads ved Klosterstræde, har sin Oprindelse fra det Helliggesthus, der i den senere Middelalder var grundlagt i Nykjøbing, uvist hvilket Aar (første Gang nævnt 1447), som et Hjemsted for fattige og syge. Aar 1452 sluttede Patronerne for St. Olafs Alter i Helliggesthus en Overenskomst med Sognepræsten ved Skjelby Kirke, hvorefter han skulde nyde Indtægterne af Alteret mod at læse to ugentl. Messer; 1486 skænkede Kong Hans Idestrup Kirke til Hospitalet, som endnu besidder den; til Gengæld skulde bl. a. Kongen for sig og Efterkommere have jus patronatus til Helligaandskapellet. Mulig er det paa Grund af denne Gave, at Kong Hans er fremstillet som en af de hellige tre Konger paa Midtfløjen af en i Beg. af 16. Aarh. til Kapellet udf. Altertavle (fra 1823 i Nationalmuseet; en anden Konge er mulig Chr. II, se *Fr. Beckett*, Altertavler, S. 139 fl.). Om Hospitalets Størrelse vides kun lidt. Da alle Messer her bleve nedlagte 1532, forpligtedes Forstanderen, Mester Laur. Ølmand, til fremtidig at underholde 5 syge og give 4 fattige frit Husly. Senere modtog Hospitalet betydelige Udvidelser. Nakskovs Helligaandsklosters Jorder ere mulig henlagte til det; 1585 fik det Kongetienden af 11 Sogne paa Falster samtidig med, at der gaves det en ny Fundats. Lemmernes Antal skulde herefter være 20, og til at røgte de syge skulde der foruden Forstanderen være 7 Personer; desuden skulde Latinskolens Rektor og Hører have Kosten der. I Slutn. af 16. og 1. Halvdel af 17. Aarh. søgte Hospitalet ved Magelæg af de laalandske Ejendomme at samle sine Besiddelser paa Falster, og 1663 foretoges et sidste Mageskifte, hvorved alt Godset kom til at ligge i Idestrup og Veggerløse Sogne. Nu er det meste bortsolgt.

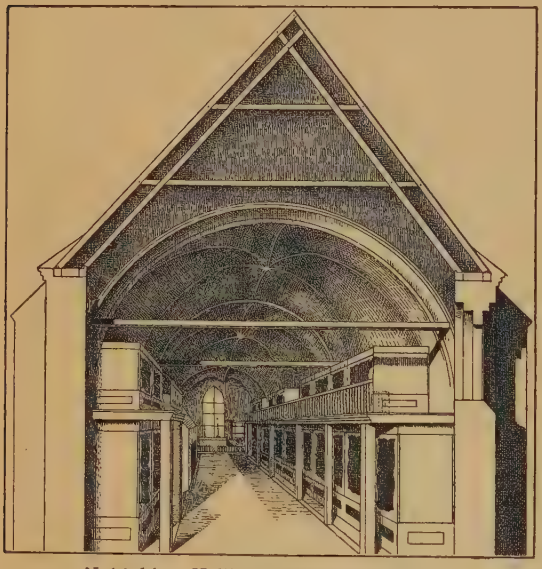

Nykjøbing Helligaandskapels Indre.

Hospitalet, der danner et stort Kompleks af Bygninger, er i 19. Aarh. undergaaet store Forandringer. Ved kgl. Reskr. af $^{22}/_1$ 1817 blev det

# NYKJØBING

PAA FALSTER.

Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave.

Eftertryk forbydes.

Udført af V.F.A.Berggreen.

Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad
1898.

Axel E.Aamodt's lith. Etabl.

approberet, at den gamle Hospitalsbygning skulde nedrives og afløses af en ny; 1818 paabegyndtes Nedrivningen (fuldendt 1833); 1821 opførtes den østl. Lemmefløj — den er nu nedreven, og paa dens Grund opførtes 1895 en ny, „Kronprins Frederiks Bygning", efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn —, 1834 fuldendtes den endnu staaende vestl. Lemmefløj og 1835 Forstanderboligen, i hvilken Fløj der 1836 indviedes et Kapel (fra 1895 i Kronpr. Fred.'s Bygning); 1848, 1862 og 1876 opførtes nye Bygninger („Chr. VIII's", „Fr. VII's" og „Chr. IX's"); desuden byggedes 1883 en Filial i Nakskov (se S. 128). — Den oprindelige Hospitalsbygning stod omtr., hvor nu den vestl. Lemmefløj er. Den bestod af to under en ret Vinkel sammenbyggede Fløje, af hvilke den sydl. var selve det gamle Helligaandskapel (96 F. lang), hvis hvælvede Skib og Kor, med tresidet Afslutning, var ud i eet; Taarnet, mod V., havde Kamgavle. Den anden Fløj (42 F. lang), som stødte op til Koret og aabnede sig ind til dette, var opf. 1761. Saavel i denne Fløj som i Kapellet løb der ved begge Langsider et af Træpiller baaret Galleri; under og paa dette fandtes Lemmernes Sovesteder, indrettede i Smaarum, der vare aabne ud mod Middtgangen (se Billedet S. 152). I Kapellet holdtes der daglig Morgen- og Aftenbøn med Lemmerne af en Discipel fra Latinskolen og af Sognepræsten en maanedlig Gudstjeneste. I Taarnrummet var der indrettet Daarekiste.

Ved Fund. af $^{22}/_{1}$ 1834 bestemtes Lemmeantallet til 40 værdige og trængende Kvinder, der ved Optagelsen skulde have Forsørgelsesret i en Kommune i Laaland-Falsters Stift; senere er der foretaget store Udvidelser i Henhold til kgl. Res. af $^{3}/_{12}$ 1845, $^{10}/_{7}$ 1861, $^{20}/_{5}$ 1874, $^{14}/_{5}$ 1881 og $^{7}/_{6}$ 1893, saa at nu Lemmernes Antal er 110, hvoraf dog 20 i Nakskov Filial; Lemmerne faa fri Bolig, Medicin og Lægehjælp og 91 af dem tillige 4 Kr. ugentl. og $1^{1}/_{2}$ Favne Brænde aarl.; de 19, fortrinsvis skrøbelige Personer, som optages i Kronprins Fred.'s Bygning, „Sygeafdelingen", faa fuld Forplejning og 1 Kr. ugentl. Desuden yder Stiftelsen if. kgl. Res. af $^{20}/_{4}$ 1872 i Understøttelse 10 Portioner paa 200, 10 Portioner paa 100 og 20 Portioner paa 50 Kr. til Personer uden for Hospitalet. Ved Udg. af 1896 ejede Stiftelsen i rentebærende Kapitaler 1,046,646 Kr. og kontant 25,877 Kr., af faste Ejendomme omtr. 70 Td. Ld. Skov og nogle Jorder paa Nykjøbing Mark, desuden Idestrup Kirketiende. Hospitalet bestyres, under Stiftamtmandens og Bispens Direktion og Sognepræstens og Borgmesterens Inspektion, af en Forstander.

**Katedralskolen**, paa Slotsgade, i en 3 Stokværk høj, rød Murstensbygning, der erhvervedes 1808 (fra 1532 havde Skolen haft Lokale i nederste Stokværk af den ved Kirken liggende Klosterfløj, se S. 149), har for Tiden en Rektor, 3 Overlærere og 6 Adjunkter samt i Sommeren 1898 76 Elever (foruden 22 Elever i en 1875, i Forbindelse med Skolen oprettet privat Forberedelsesskole). (se *E. P. Rosendahl*, Om Nykj. Skoles Velgørere, 1842; *M. Wittrup*, Nykj. Katedralskoles Hist., 1868).

Det kommunale Skolevæsen omfatter to Skoler: **Betalingsskolen** og **Friskolen**, i Skolegade, begge 2 Stokværk høje Bygninger, mellem hvilke Pedelhuset ligger, opf. efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn; Betalingsskolen har 4 Drengeklasser (i 1897 undervistes 104 Elever), Friskolen har 12 Drenge- og 14 Pigeklasser (1897: 1008 Elever); det fælles Lærerpersonale bestaar af 12 Lærere og 1 Timelærer og 6 Lærerinder og 1 Timelærerinde. En Forskole, i Fromsgade, for Børn fra Markjorderne er opført 1898 som en Filial

af Kommuneskolen. — **Teknisk Skole**, i Jærnbanegade, oprettet 1853, har en 1883 opf. Bygning. — Desuden er der 7 Privatskoler, hvoraf flere med Præliminærkursus.

Det **Classenske Provinsbibliotek**, der tilhører det Classenske Fideikommis, og fra hvilket der sker Udlaan til By og Omegn, har som alt nævnt sin Plads i det gamle Raadhus ved Kirken, nederste Stokværk, hvorhen det flyttedes 1838 fra Korselitse. Det tæller nu omtr. 10,000 Bd.

Byens **Fattiggaard**, mod N. Ø. i Byen ved Vejen til Vesterskov, er opf. 1893 i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn; det har Plads til 25 Lemmer. — **Syge- og Epidemihuset**, ved Søvejen (ejes af Amtet med $^2/_3$ og af Byen med $^1/_3$), er opf. 1893 efter Tegn. af Arkitekt Glahn; det første har 32, det andet 20 Senge.

Mod Grønsundsvej ligger **Bispegaarden**, ved Jærnbanevej **Amtmandsboligen**, i Voldgade **Amtstuefilialen**.

**Gasværket**, ved Grønsundsvej, er anlagt 1865 og senere betydelig udvidet; 1897 produceredes omtr. 22 Mill. Kbfd. Gas. — **Vandværket**, i Systofte omtr. 3000 Al. fra Bygrænsen, er anlagt 1890; Vandtaarnet ligger i Klosterstræde i et Hjørne af den gamle Kirkegaards Plads.

**Jærnbanestationen**, ved Jærnbanevej, er opf. 1872. — **Posthuset** er ved Stationen, **Telegraf-** og **Statstelefonstationen** i Langgade, **Politistationen** og **Kødkontrollen** i Jærnbanegade, **Brandstationen** ved Kirkegaardsvej, **Toldkammeret** paa Havnepladsen.

Af milde Stiftelser foruden Hospitalet nævnes: **Asylet**, i Asylstræde, stiftet 1839 af D. V. Grandjean til Vennerslund; det har Plads til omtr. 120 Børn. Det **Wichfeldske Enkehus**, i Lille Kirkestræde, er opf. midt i 18. Aarh. af Enken Bodil Cathrine From († 1760) og fik 1830 en ny Fundats af Kmhr., Oberstlieutn. H. Wichfeld til Engestofte; det 1 Stokværk høje Hus afgiver Fribolig for 4 Enker eller ugifte Kvinder af den Wichfeldske Familie eller Embedsmændsdotre fra Stiftet, som desuden hver faar 180 Kr. aarl. **Borgerforeningens Stiftelse**, i Jærnbane Tværgade, er opført 1876, udvidet 1897, og afgiver Fribolig for 16 værdige trængende Borgere eller deres Enker. — I Jærnbanegade ligger et **Svendehjem**.

Luthersk Missionshus, i Skolegade, er opf. 1894. — En Frimurerloge („Dagmar") ligger ved Søvejen. — Haandværker- og Industriforeningen, i Jærnbanegade, er erhvervet 1893, Industribygningen med Teater, der rummer omtr. 550 Tilskuere, ligger paa Torvet paa Hjørnet af Østergade.

Paa en lille Plads ved Voldgade er der 1891 rejst en Mindestøtte for Fred. VII (Stenobelisk med Portrætmedaillon).

**Gamle Huse**. De to ældste Bindingsværkshuse (Langgade 18 og Slotsgade 13), fra Slutn. af 16. Aarh., ere kun mangelfuldt bevarede og delvis ombyggede; de ere ret ensartet udstyrede med Akanthusornamenter og Halvrosetter. Ritmestergaarden, Hjørnet af Langgade og Store Kirkestræde, hvis Forhus er ombygget (Hotel Dania), har en meget smuk Sidefløj med rigt Snitværk fra 17. Aarh. (se Ældre nord. Arkitektur 2. R. Pl. 8). „Det skæve Hjørne" eller Czar Peters Hus, Hjørnet af Langgade og Færgestræde, er en Bygning fra Tiden henimod Aar 1700 med profilerede Bjælkehoveder og Mellemstykker paa begge Stokværk, men uden Knægte. Hjørnestuen, der er beklædt med marmorerede Fyrretræspaneler, giver et morsomt og sjældent Billede af et borgerligt Værelse fra Tiden. Huset er bekendt

af Peter den stores Ophold paa Gennemrejse til Kjøbenhavn 1716 (se herom *Cl. Seidelins* Levnedsbeskr., i Hist. Tidsskr. 3 R. II Bd.), til Minde om hvilket der i Værelset er ophængt en Trætavle med følgende Indskrift: „Ihro Czarische Majestät zu Moscovien Peter Alexewitz hat hier gespeiset Anno 1716 d. 15. July. J. R. F." (vistnok Iver Rosenfeldt, Navnet paa Gæstgiveren). Desuden hænger der et Billede af Peter den store og en Tavle til Minde om Chr. IX's, Kronprins Frederiks og den russiske Storfyrsttronfølger Alexanders (Alex. III) Besøg her 1867 i Anl. af Aabningen af Broen over Guldborg Sund. Kejser Nicolaus skænkede 1845 den dav. Ejer af Huset 100 Sølvrubler og en Guldmedaille til at bære i St. Annaordenens Baand (Reskr. af $^{15}/_{1}$ 1846 i Algr.-Ussings Reskriptsaml.), og 1898 bliver Huset istandsat paa den russiske Regerings Bekostning (i „Ill. Familiejournal" for

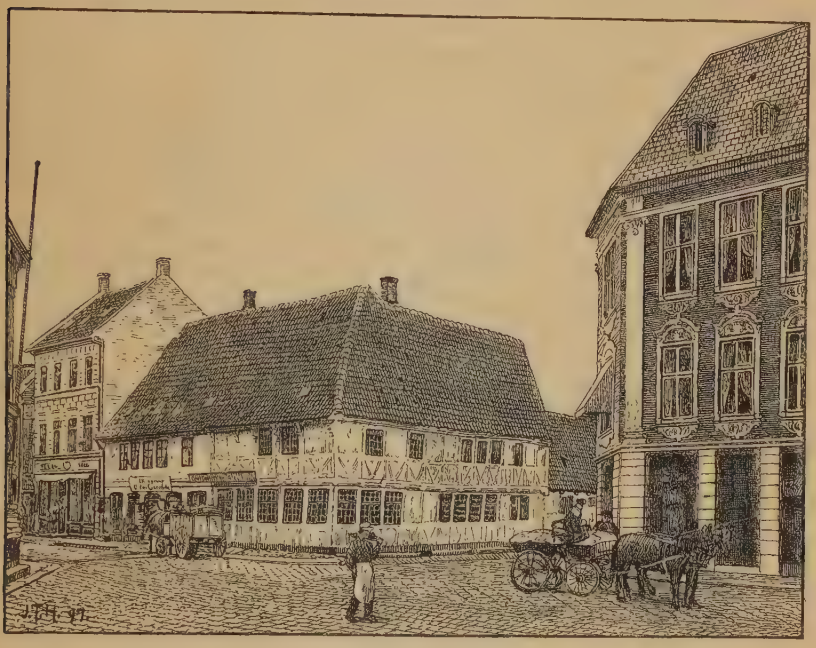

Det skæve Hjørne 1897.

$^{25}/_{6}$ 1898 er der et Billede af Huset, som det skal se ud efter Restaurationen). — Endelig nævnes, at der i Gaarden i Frisegade 12 staar Kummen af en romansk Døbefont fra Idestrup Kirke, og at der i Nygade 21 som Trappetrin ligger en Ligsten med Aarstal 1514 og to Adelsvaabener (Oluf Holgersen Ulfstands, Høvedsmand paa Nykj. Slot, † 1529, og Hustru Anne Fikkesen).

---

Indbyggertallet var Feb. 1890 6087, Nov. 1897 7191 (1801: 1079, 1840: 1845, 1860: 3242, 1880: 4560). — Landdistriktet (se S. 149) havde 1890 909 Indb. (1801: 75, 1840: 303, 1860: 273, 1880: 493).

Erhverv i Byen i 1890: 785 levede af immat. Virksomh., 2445 af

Industri, 1039 af Handel, 168 af Søfart, 36 af Fiskeri, 129 af Jordbrug, 51 af Gartneri, 1142 af andre Erhverv, 233 af deres Midler, 56 nøde Almisse, og 3 vare i Fængsel. — I Landdistriktet: 40 levede af immat. Virksomh., 46 af Jordbr., 19 af Søfart, 16 af Fiskeri, 308 af Industri, 46 af Handel, 407 vare Arbejdsmænd og Daglejere, 9 levede af deres Midler, og 18 vare under Fattigvæs. — Ved Siden af Industri og Haandværk indtager Handelen en vigtig Plads, navnlig efter at Anlægget af Broen over til Laaland har forøget Byens Opland; ogsaa Jærnbaneanlæggene have gavnet den meget.

Af fremmede Varer fortoldedes i 1896 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 4483 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 108,622 Pd., uldne Manufakturvarer 20,247 Pd., Vin 34,134 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 1081 Vrtlr., Humle 7570 Pd., Kaffe 88,932 Pd., Olier 875,166 Pd., Stensalt 1,077,763 Pd., andet Salt 103,418 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 103,117 Pd., Tobaksblade og Stilke 168,684 Pd., Stenkul 98,689 Td. og 25,290,193 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 746,515 Pd. samt Tømmer og Træ 1476 Clstr. og 30,124 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 8068 Td. Hvede, 28,684 Td. Byg, 370,557 Pd. Flæsk, 192,850 Pd. Kød, 4049 Td. Smør, 301,796 Snese Æg og 6,849,400 Pd. Sukker (Klasse A); til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 9893 Td. Hvede, 20,515 Pd. Hvedemel, 7266 Td. Byg, 200,948 Pd. Flæsk, 181,860 Pd. Kød, 64,151 Pd. Ost, 396,071 Snese Æg, 22,624 Pd. Margarine og 11,810,000 Pd. Sukker (Klasse A).

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 57 Fartøjer og maalte Baade paa i alt 1929 Tons, deraf 4 Dampskibe paa $369_{,9}$ T. og 160 Hestes Kr. Fra Udlandet indkom 289 og udgik 241 Skibe med resp. 28,159 og 6760 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 1113 og udgik 1238 Skibe med resp. 23,395 og 19,340 T. Gods.

Told og Skibsafgifterne udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 160,186 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 12,902 Kr., i alt 173,088 (20,867 Kr. mere end i 1895). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradr. af Godtgjørelser, 90,715 Kr. (45,389 Kr. mere end i 1895); det producerede Udbytte var 963,415 Potter, hvoraf 1645 udførtes til Udlandet og 443,830 til indenlandske Steder uden for Øen.

I Nykjøbing afholdes 4 Markeder: i Apr., Juli, Okt. og Nov., med Heste og Kvæg. Torvedag hver Onsdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: Sukkerfabrikken „Nykjøbing", et stort Bygningskompleks i den sydl. Del af Byen med særligt Vandværk (Aktieselsk. opr. 1884; Aktiekap. 1,050,000 Kr.; det beskæftiger aarl. omtr. 230 Arbejdere, Produktion 1897 omtr. 17 Mill. Pd. Sukker; Roerne dyrkes paa omtr. 4000 Td. Ld.), Laaland-Falsters Andelssvineslagteri, flere Jærnstøberier og Maskinfabrikker, deribl. Fabrikkerne „Guldborg" og „Bruunshaab", Falsters Margarinefabrik, Saltværket og Cindersfabrikken „Falster", 3 Træskærerier, 2 Klædefabrikker, 2 Garverier, Kalkbrænderiet „De forenede Kalkværker", en Teglvarefabrik, flere Tobaksfabrikker, Brændevinsbrænderier (deribl. Spritfabrikken „Fortuna"), Bryggerier, 2 Dampmøller, et Dampmejeri, Bogtrykkeri m. m.

I Nykjøbing udgives 3 Aviser: „Lolland-Falsters Folketidende", „Lolland-Falsters Stiftstidende" og „Nykjøbing Dagblad".

Kreaturhold 1893 i Byen og paa Markjorderne: 211 Heste, 193 Stkr. Hornkv. (deraf 130 Køer), 26 Faar, 112 Svin og 21 Geder; i Landdistriktet: 69 Heste, 168 Stkr. Hornkv. (deraf 121 Køer), 38 Faar, 85 Svin og 12 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og By- og Raadstueskriver i Nykjøbing samt Herredsfoged og Skriver i Nykjøbing Herred, og et Byraad, som foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 13 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Skolevæs., f) for Brolægnings- samt Vej- og Vandløbsvæs., g) for Gasværket og den offtl. Belysn., h) for Vandværket, i) for Kloak- og Renovationsvæs., k) for Kødkontrol, l) for Kommunens Bygninger, m) for Legatvæs.

Finansielle Forhold 1896. Indtægterne: Skatter 107,306 (deraf Bidr. fra Landdistriktet 5077, Grundsk. 3076, Hussk. 7425, Formue- og Lejlighedssk. 91,728 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 10,036, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 5726, Indtægt af Aktiver 19,971, Skolekontingent 3466 Kr.; Udgifterne: Bidrag til Stat 2228, Bidr. til Amt 777, Bidr. til Amtsskolefond 2086, Alderdomsunderst. 12,164, Skolevæs. 31,257, Fattigvæs. 21,656, Rets- og Politivæs. 7709, Medicinalvæs. 12,006, Gader og Veje 15,353, Renlighed 696, Brandvæs. 3239, Kirkel. Formaal 7305 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 49,479, i Ejendomme med Udbytte 352,400, i Ejendomme uden Udbytte 227,200 Kr. Skatteprocenten for Afgiften paa Formue og Lejlighed var 1898 $5^{3}/_{5}$ pCt. Den anslaaede Indtægt var 2,566,450 Kr., deraf skattepligtig Indt. 1,755,600 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Andel i Raadhuset og Sygehuset (se S. 151 og 154); desuden det gamle Raadhus, Vandtaarnet, et Sprøjtehus, Fattiggaarden, tre Skolebygninger, et Brovagthus, Gasværket, Vandværket, Grusgrave, Lergrave, Grundstykker m. m.

Det tidligere Politikorps er ophævet, hvorimod der er oprettet en særlig Ordensafdeling, som føres af en Assistent og en Underassistent og bestaar af 20 Mand. Brandkorpset bestaar af de af Byens Borgere, som ere mellem 20 og 50 Aar, samt af et fast lønnet Korps, bestaaende af en Assistent, 2 Underassistenter og 25 Mand.

I Nykjøbing findes Filialer af Nationalbanken og Den danske Landmandsbank. — I Nykjøbing Sparekasse (opr. $^{28}/_{1}$ 1828) var $^{31}/_{3}$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 3,032,343 Kr., Rentefoden $3^{3}/_{5}$ pCt., Reservefonden 248,168 Kr., Antal af Konti 5830. — I Sparekassen for Falsters Landbostand (opr. $^{11}/_{12}$ 1863) var $^{31}/_{12}$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. 2,310,230 Kr., Rentef. $3^{3}/_{5}$ pCt., Reservef. 58,776 Kr., Antal af Konti 3906.

**Havnen** er bleven betydelig forbedret i 2. Halvdel af 19. Aarh.; saaledes blev det søndre Løb gennem Sundet uddybet 1859—60; efter 1867 er Bolværket blevet forlænget indtil Broen over Sundet, og Pladsen indenfor er bleven udfyldt; i de senere Aar er Havnepladsen bleven forhøjet og brolagt, ligesom Havnesporene ere blevne betydelig udvidede. Den mindste Dybde i det nordl. Indløb gennem Sundet er 17 F., i det sydlige Indløb er der kun 8 F. Den egentlige Havn er omtr. 11,700 □ Al., dertil kommer omtr. 500 Al. Bolværk langs Sundet, Havnepladsens Størrelse er 34,260 □

Al., Bolværkernes saml. Længde 850 Al., Dybden i selve Havnen er 13 til 15, ved Bolværkerne langs Sundet 16 til 18 F. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 Medlemmer. Ved Udg. af 1897 ejede Havnen i Kontanter 7298, en rentebærende Statsobligation stor 3600 og i Effekter og faste Ejendomme 19,000 Kr.; dens Gæld var 127,586 Kr. Indtægt af Havne- og Bropenge er aarl. omtr. 42,000 Kr. Ved Indsejlingen til Havnen er der to Ledefyr. Der er ansat 2 Lodser, som lodse mod S. og N. i Sundet.

Over Guldborg Sund føre til Laaland to Svingbroer, nemlig en sydl., Jærnbanebroen (se nedfr.), og en nordl. for den almindelige Trafik, „Chr. IX's Bro“ (se Vignetten S. 148), der aabnedes $^1/_7$ 1867. Svingbroen paa den sidste er 128 F., den faste Bro er 672 F., hvortil slutter sig paa Falstersiden et 35 F. langt Brohoved og paa Laalandssiden en over 1000 F. lang Dæmning.

I gejstlig Hens. er Systofte Sogn, Sønder Hrd., Anneks til Nykjøbing.

I Nykjøbing bor Stiftamtmanden for Laaland-Falsters Stift, der tillige er Amtmand over Maribo Amt, Biskoppen over Laaland-Falsters Stift og Stiftsfysikus.

Nykjøbing hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 4. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Maribo Amtstuedistrikt — der findes en Filial af Amtstuen i Nykjøbing — og Nykjøbing Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har to Apoteker. Den hører, ligesom Landdistriktet, til 2. Udskrivningskreds' 208. Lægd og er Sessionsted for Lægderne 190—208, 216 og 217.

Ved Nykjøbing Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør og 5 Toldassistenter, hvoraf en er Strandkontrollør ved Guldborg, en anden ved Orehoved. Ved Postvæsenet er ansat en Postmester og 3 Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer og 4 Telegrafister. Nykjøbing har Statstelefon og staar desuden ved Laaland-Falsters Telefon-Aktieselskab (opr. 1896) i Forbindelse med Øernes andre Byer.

De Laaland-Falsterske Jærnbaner. Efter at der havde været flere Planer oppe om en Bane igennem Sydsjælland over Laaland-Falster — bl. a. 1864 et Projekt om en Bane gennem Sydsjælland paa en Bro over Øerne Farø og Bogø til og gennem Laaland til Sylthom over for Femern, en Plan, som ogsaa siden og nu i den nyeste Tid atter har været paa Tale for at gøre Søvejen til Tyskland saa kort som mulig —, og efter at den første Bane paa Laaland, Maribo-Bandholm Banen (se S. 119), var aabnet, gav Regeringen i Henhold til Lov af $^{25}/_3$ 1872 Privatbanken Koncession paa Anlægget af en Laaland-Falster Bane fra Orehoved over Nykjøbing og Maribo til Nakskov med Sidebane til Rødby; Privatbanken overlod Koncessionen til et eget Aktieselskab, og $^{22}/_8$ 1872 aabnedes den 3 Mil lange Banestrækning *Orehoved—Nykjøbing*, $^1/_7$ 1874 den $8{,}_6$ Mil lange Bane fra *Guldborg Sund* over *Sakskjøbing* og *Maribo* til *Nakskov* og *Rødby*; Jærnbanebroen over Guldborg Sund, en Træbro, aabnedes først $^1/_{10}$ 1875. Anlægssummen for den hele Bane var $5^3/_4$ Mill. Kr. Efter at det ved Lov af 1881 (se II S. 809) var bestemt at forlænge Masnedsund Banen over Masnedø med Dampfærgeforbindelse til Orehoved, bekostede det Laaland-Falsterske Selskab en Dampfærgehavn ved sidstnævnte Sted (Anlægssum

220,000 Kr.), og Forbindelsen mellem Masnedø og Orehoved aabnedes $^{15}/_{1}$ 1884. Allerede ved Lov af $^{23}/_{5}$ 1873 var der vedtaget en Bane fra *Nykjøbing* til *Gjedser* med en Havn der, men først 1884 blev der givet „Gjedser Jærnbaneselskab" Koncession paa den, og $^{1}/_{7}$ 1886 aabnedes den 3 Mil lange Bane (Anlægssum for den og Havnen 3 Mill. Kr.). Fra $^{1}/_{1}$ 1893 har Staten overtaget Driften af Linien Orehoved—Gjedser, saa at nu kun de Laalandske Baner ere under privat Drift. I de sidste Aar er der yderligere anlagt endnu et Dampfærgeleje ved Orehoved, og Træbroen over Guldborg Sund er erstattet med en Jærnbro, afleveret færdig $^{28}/_{11}$ 1894. — I 1897 befordredes pr. Bane til Nykjøbing 37,351 og fra N. 39,145

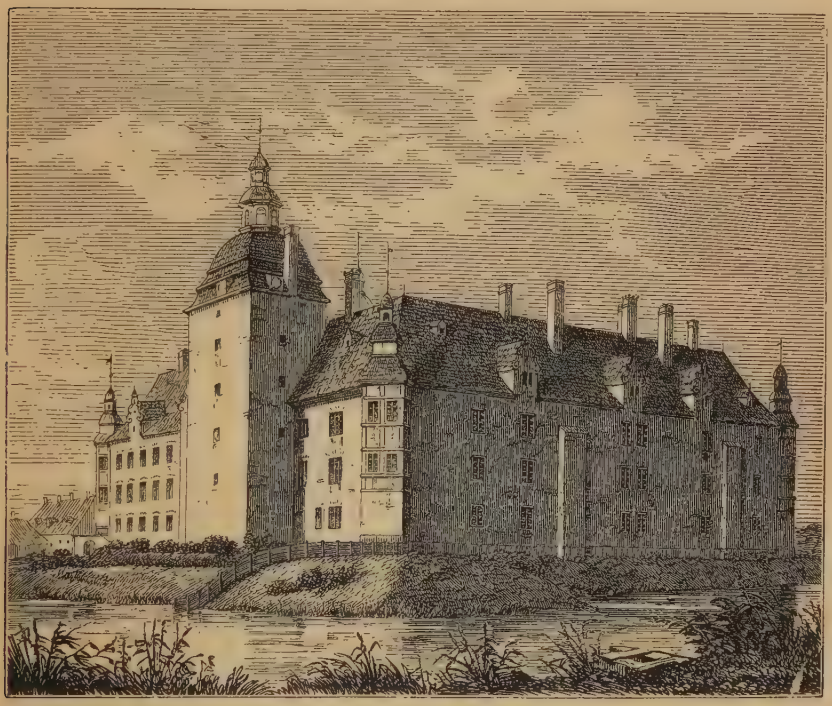

Nykjøbing Slot. Efter Thurah.

Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv., der ankom til N., var 245,460 Cntr., medens der afgik 371,569 Cntr.

Nykjøbing staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Stege, Masnedsund, Stubbekjøbing, Nysted og Lübeck.

---

**Historie.** Nykjøbing (i Vald. II's Jordeb. *Nykoping*) er utvivlsomt opstaaet efter Opførelsen af Slottet eller Borgen, hvis Oprindelse vistnok gaar tilbage til sidste Halvdel af 12. Aarh., da der ved Danmarks Sydkyster anlagdes Befæstninger til Værn mod Venderne. Om Slottets og Byens Historie i Middelalderen vides for øvrigt meget lidt. Aar 1253 blev Slottet indtaget og Byen afbrændt af Lübeckerne og Holstenerne; en Tid var Slottet Enkesæde for Dronning Margrethe Sambiria (Sprænghest); 1287 blev Slottet afbrændt af Marsk Stig, der understøttedes af Nordmændene;

1329 blev det indtaget af Chrf. II, og denne Konge døde her $^{2}/_{8}$ 1332. Slottet var derefter pantsat til Herrerne af Werle, fra hvem Vald. Atterdag indløste det; $^{22}/_{11}$ 1365 sluttedes her Fred mellem Vald. Atterdag og Hansestæderne; $^{23}/_{9}$ 1399 sluttedes et Forlig mellem Dronning Margrethe og Hansestæderne om fælles Optræden mod Fetaliebrødrene; $^{7}/_{7}$ 1507 sluttedes Forlig mellem Kong Hans og Hansestæderne („Den Nykjøbingske Reces"). Under Grevens Fejde stod Byen paa Chr. II's Side og overrumplede Slottet, som Fred. I's Dronning Sophie af Pommern havde til Enkesæde, og som hun havde overdraget til Knud Pedersen Gyldenstjerne. Aar 1571 mødtes Fred. II her med Ulrich af Mecklenburg og hans Gemalinde Elisabeth for at fæste deres Datter til Brud. Kongerne opholdt sig ofte i Nykjøbing paa Grund af den rige Jagt paa Falster*).

Slottet var anlagt paa den nordl. Ende af den Halvø, der skød sig ud mellem Guldborg Sund og den fra Sundet indtrængende, nu forsvundne Slotssø („Vestenborg Sø"), saaledes at Slotsholmen kun hang sammen med det øvrige Land mod S., paa hvilken Side den ved Grave var adskilt fra Byen. Paa denne Holm anlagdes Befæstningen, der mulig fra først af kun har været Jordvolde, men senere har bestaaet af en Ringmur med nogle Taarne. Nogen egentlig sammenhængende Slotsbygning har der næppe været, derimod flere Bygninger, der laa op til Ringmurens Inderside. I Synsforretninger af 1526 og 1531 nævnes saaledes Stegers, Bryggers, Fadebur, Borgestue, Spisekælder, Smedie, Kapel og Stuehavehus samt Krudttaarnet og Farshat. Sidstnævnte Taarn laa mod N. i Ringmuren og stod endnu i 1702, medens Krudttaarnet sikkert er det, der fandtes ved den senere af Dronning Sophie opbyggede Slotsbygnings Vestfløj; thi baade dets Murmasser og dets uregelmæssige Stilling i Fløjen tyder paa, at det er et ældre Værk, der er blevet indbygget i det nye Slot.

Efter at Fr. II havde fuldført Kronborg, tænkte han paa at ombygge Nykjøbing, men hans Forhandlinger i denne Anledning med Antonius v. Obergen bleve dog uden Resultat. Efter Svigerfaderen, Ulrich af Mecklenburgs Raad indkaldtes da dennes Bygmester Philip Brandin, som ogsaa udkastede Planen til en Nybygning; men Kongen døde snart efter, og det blev da Regeringsraadet, som kom til at bestemme om det nye Slot, der var givet Enkedronning Sophie til Livgeding. Slottet opførtes 1588—94, men der var stærke Rivninger mellem Regeringsraadet og Dronningen, og det er næppe blevet ganske, som Bygmesteren og hun ønskede, idet den ydre Slotsgaard endnu omgaves af den gamle Ringmur med dens Bindingsværksbygninger og Farshat, en mindre standsmæssig Adgang til det nye Slot. — Med Benyttelse af de gamle Ringmure og Bibeholdelsen af det store Taarn var Slottet opført paa den sydl. Del af Slotsholmen, der ved en Tværfløj skiltes fra Nordenden, og dannede en uregelmæssig Firkant af 3 Stokværk høje Huse med Kælder og højt Teglstenstag. Det gamle Taarn fik et Renæssancespir med Fløjstang (80 Al. til Toppen), og paa hvert Hjørne af Bygningsfirkanten anbragtes et Karnaptaarn, der dog ikke naaede til Tagrygningen; paa Nordsiden tæt ved Porten var en Karnap, og Façaderne havde dels murede Kviste, dels udbyggede „Hemmeligheder". I den indre Slotsgaard var der i hvert Hjørne et ottekantet Trappetaarn, og Nordfløjens Nordside havde et Par Karnapper. Denne synes at have været Hovedfløjen og indeholdt væsentlig de kgl. Gemakker; Vestfløjen havde paa Grund af det indbyggede, gamle Taarn kun faa Rum; Østfløjen indeholdt bl. a. Kirken og Dansesalen, den sidste i hele Fløjens Længde i øverste Stokværk. Kirken, omtr. 28 Al. lang, laa i den nordre Ende, gik igennem to Stokværk og havde hvælvet Loft, der bares af to Rækker Piller, hvilke tillige vare Støtte for et Pulpitur, som gik langs Nord-, Øst- og Vestsiderne, medens der mod S. i Galleriets Højde laa en Kirkestol for de fyrstelige Personer (et Anlæg, der for en Del minder om de senere Slotskirker paa Koldinghus og Frederiksborg). S. for Slottet laa Slotsmøllen og Staldgaarden, og til hele Anlægget knyttede sig Haver, navnlig en stor Have langs Byens Østside, hvortil der oprindelig førte en Pælebro fra Slottet over Slotssøen. — Enkedronning Sophie, der for det meste boede paa Slottet lige til sin Død $^{4}/_{10}$ 1631, og som ofte fik Besøg her af Sønnen, Chr. IV, der plejede at lægge Vejen over Falster, naar han rejste til Hertugdømmerne, bestyrede sit store Enkegods med betydelig Dygtighed og forøgede sin store Formue, saaledes at hun ved sin Død efterlod omtr. 3 Mill. Rd. Species (hun skal ogsaa have givet sig af med Forsøg i Guldmagerkunsten). Ved Siden deraf havde hun store

*) Af Slottets Høvedsmænd i Middelalderen kendes Peder Nielsen 1379, Laurits Jensen (Blaa), Hr. Iven Bryske 1414 og 1419, Gert Bryske 1423, Hr. Mogens Gøye 1444 og 1445, Hr. Evert Moltke 1449, Hr. Joh. Frille 1458 og 1462, Oluf Folmersen (Baad) 1473, Axel Walkendorff 1480 og 1482 Hr. Joh. Fikkesen, Oluf Holgersen Ulfstand 1487—1529.

Fortjenester af Landvæsenet, ophjalp Agerbrug og Husflid paa sine Len, af hvilke hun udkøbte Adelen, var gavmild og viste sin Kærlighed til dansk Sprog og Videnskab (hun opfordrede saaledes Anders Sørensen Vedel til at samle Kæmpeviserne). Denne Periode kan kaldes Slottets og vel ogsaa Byens Stortid. Tre Aar efter hendes Død blev Slottet Residens for hendes Sønnesøn, den udvalgte Prins Christian, som opholdt sig her med sin Gemalinde Magdalena Sibylla af Sachsen, og i hvis Tid Gustav Adolfs Enke nogle Maaneder 1640 gæstede Slottet; efter Prinsens Død 1647 (paa en Baderejse i Tyskland) boede hans Enke endnu af og til her, indtil hun 1652 blev gift med Fr. Vilh. af Sachsen-Altenburg. Aar 1667, $^{25}/_{6}$, stod Chr. V's Bryllup med Charlotte Amalie paa Slottet. Senere blev det Livgeding, først for Enkedronning Sophie Amalie og dernæst for Enkedronning Charlotte Amalie. Under disse Perioder foretoges der enkelte Forandringer, Afdeling af Værelser, Anlæg af Korridorer osv., men den vigtigste bestod i, at den 69 Al. lange Dansesals sydligste Del afdeltes til Værelser, saaledes at der kun i den nordl. Ende forblev en 30 Al. lang Sal, der af Charlotte Amalie indrettedes til et reformert Kapel. Derimod blev den ydre Slotsgaard væsentlig forandret ved Aar 1700 under Bygmester Ernsts Ledelse, idet de gamle Byg-

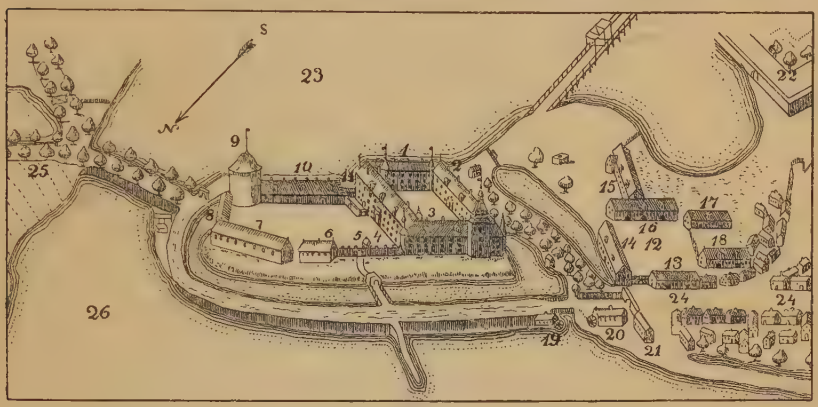


Nykjøbing Slot efter Resen.

1. Nykjøping Slotts Kirche og der paa Dantze sal med andre smaae gemacher. — 2. Audientz salen oc derunder Kiechenit Bagersit oc Udspisningskielder. — 3. Adtskillige gemacher oc derunder Sucher Bagersit Doctoris oc Chirurgi Residentzer oc atter der under Viin Kielderen. — 4. Dronningens egen Gemacher oc Fruen Timmeritz. — 5. Porterens Logement. — 6. Huusfogdens residentz. — 7. Proviant huusit med bøcker huusit derunder. — 8. Kochen-Skrifvers oc Vijn Schenkerens logement. — 9. Fars-Hat et Fangetaarn — 10. Skrifver stuen, Brøgersit oc salt huusit. — 11. Vaske-huusit. — 12. Stald gaarden. — 13. Korn huusit oc sucker huusit. — 14. Arbeids Heste stald. — 15. Liff stalden. — 16. Kuske stalden. — 17. Ride huusit. — 18. Vogn huusit. — 19. Vand Møllen. — 20. Heste Møllen. — 21. smiden. — 22. Dronningens Have. — 23. Den ferske Søe. — 24. Slottens gade. —25. Vejen til Stubbe-Kjøbing. — 26. Guldborg Fjord.

ninger nedreves, og der dannedes en regelmæssig firkantet Gaardsplads, omgivet af eet Stokværk høje, grundmurede Huse. Ligeledes maatte de to sydl. Karnaptaarne paa Grund af Brøstfældighed undermures fra Grunden af, hvorved de mistede deres Karakter. I sine Hovedtræk stod dog Slottet, som efter Charlotte Amalies Død ikke var Opholdssted for nogen fyrstelig Person (Katharina, Peter den stores Gemalinde — se S. 155 om Czar Peter — boede i 1716 flere Dage her), i sin gamle Skikkelse, saa at Fr. V ved et Besøg 1750 skal have sagt: „Det er dog en artig gammeldags Bygning, vi ville holde den vedlige". Men det blev ved Løftet. En Tid paatænkte man at udlægge Slottet med en Del Bøndergods til en af Prinserne af Holstein Beck som Vederlag for en traktatmæssig Apanage; 1766 tilbød man forgæves Byen det som fri Ejendom, mod at den skulde vedligeholde eller i det mindste ikke nedbryde det; da Krongodset paa Falster s. Aar solgtes, blev tillige Slottets store Bygningskompleks opraabt til Bortsalg, men da Budet kun lød paa 7205 Rd., blev det ved en ny Auktion $^{9}/_{2}$ 1767 bortsolgt parcelvis for 16,718 Rd. hvorefter det nedbrødes. idet Materialerne benyttedes til Opførelse af flere Herregaarde i Omegnen (som Valdnæs, Vennerslund og Ovrupgaard) og Bygninger i Byen. Slotstomten er nu for en stor Del bebygget, og det er kun yderst faa Rester, der findes. I Arkitekt Glahns Have

ligger en Hjørnemur af Slottets sydøstl. Del, af røde Munkesten i Munkeskifte, samt lidt N. derfor en Kampestensmurkerne og en underjordisk Gang (Kælderhals?) med flad Tøndehvælving; længere mod N., paa Margarinefabrikkens Grund, findes Rester af et anseligt, rundt Taarn (ligeledes Munkeskifte), der maa have ligget i den ydre Slotsgaard. Af Slottets Udhuse er der bag Staldgaarden bevaret en Bygning af smaa, gule Sten med fladbuede Vinduer. (Se om Slottet *J. V. Gudmund-Højer*, „Lidt om Nykjøbing Slots Ruiner", i Laal.-Falsters Stifstid. 1875 Nr. 180, og *F. R. Friis*, Bidr. til d. Kunsthist., II og III Hefte, Kbh. 1894—96).

Af Resens Afbildning af Nykjøbing ses, at Byen ogsaa har været dækket af Fæstningsværker mod S., bestaaende af Grave og Volde med Bastioner; de strakte sig dengang fra Sundet S. om Byen til Slotshaven, men de have formentlig tidligere sluttet sig til Slotssøen. I et Anlæg S. Ø. for Byen findes endnu Levninger af Voldene og Gravene. Sagnet vil vide, at disse Befæstninger ere anlagte af Karl Gustav, men de ere ældre, i alt Fald fra Chr. IV's Tid; derimod vides det, at de ere udbedrede af Karl Gustav 1659. Det er ogsaa til denne Tid, at Sagnet om Sognepræsten Jesse Jessens (se S. 152) djærve Optræden knytter sig (da Byen ikke kunde udrede den paalagte Brandskat og derfor skulde brændes, forhindrede Præsten dette ved sin Prædiken i Kirken, hvor den svenske Konge var til Stede, og senere ved en haard Tiltale til ham i sit Hjem).

Om Byens Betydning i Middelalderen vidne saa vel det S. 152 omtalte Helliggesthus som det af Erik af Pommern 1419 stiftede Graabrødrekloster „ved St. Nicolai Kapel", til hvilket Kloster Kongen henlagde baade Kapellet og den Ø. for samme liggende „Kongsgaard". Aar 1482 holdt Graabrødrene et Kapitel her; 1503 bragte Vikaren Anders Glob Konventet til Observants. I øvrigt vides der næsten intet om Klosteret; 1486, 1505 og 1514 betænktes det i Testamenter, og 1515 modtog Guardianen Peder Ellemose af Mogens Gøye 200 Mark. Efter Munkenes Udvandring blev 1532 Klosterkirken taget til Sognekirke i Stedet for den gamle*), og „det Hus, hvori Ringeporten er", indrettedes til Raadhus; en tredje af Klosterets Bygninger, som det synes af Bindingsværk, blev s. Aar overladt Knud Gyldenstjerne til Nedbrydning. Af Klosteret staa endnu som omtalt S. 149 saavel Kirken som Raadhusfløjen; den sidste hidrører i det Ydre fra Klosterets ældste Tid; den blev delvis restaureret 1874.

Hvornaar Nykjøbing har faaet Købstadsprivilegier, vides ikke; $^{30}/_{4}$ 1560 bekræftede Fred. II dem. Byen tiltog betydelig i 16. Aarh., især efter at Slottet var blevet Dronning Sophies Enkesæde, overfløj snart Stubbekjøbing, som tidligere havde været Falsters vigtigste By, og havde ikke ringe Handel og Skibsfart (ved Udgravninger i de seneste Aar har man fundet Rester af Bolværker, der vise, at den gamle Færgehavn har naaet lige op til Torvet). Da Slottet ophørte at være Enkesæde, begyndte det at gaa tilbage for Byen, Krigene i 17. Aarh. have vel ogsaa skadet den, og i 18. Aarh. førte den en hensygnende Tilværelse; 1672 havde den 861, 1769 1038 Indb. Efter Midten af 19. Aarh. er den gaaet betydelig frem, navnlig paa Grund af de forbedrede Forhold ved Havnen og Sejladsen i Guldborg Sund, Jærnbaneanlæggene og Forbindelsen med Laaland. — I Koleraaaret 1853 døde 87 Mennesker i Byen.

Niels Hemmingsen skal en Tid have gaaet i Latinskolen.

Gaarden *Vestensborg* i Landdistriktet, tidligere kaldet *Nørre Ladegaard* under Nykjøbing Slot, blev som Hovedgaard (i alt 712 Td. Hrtk.) solgt ved Auktionen i Sept. 1766 over det Falsterske Krongods til Agent Joh. Chrf. v. Westen for 53,000 Rd., hvis Sønner solgte den 1778 for 100,000 Rd. til Justitsr. P. Thestrup, som 1792 solgte den til Staten for 150,000 Rd. (se S. 110).

**Litt.** *Rhode*, Saml. ved *J. J. F. Friis*, II S. 8 fl. — *C. Paludan-Müller*, „Gamle Minder om Nyk. By og Slot", i Laal.-Falsters Stiftstid. 1865 Nr. 270 og 276. — *V. Holm*, Efterretn. om Borger- og Købmandslaget i Nyk., Nykjøbing 1883. — Se ogsaa om tysk Gudstjeneste i Nykj. Kirkeh. Saml. 2. R. III Bd. S. 177 fl., og om Skolevæsenet Kirkeh. Saml. 3. R. II Bd. S. 245 fl.

---

*) Den gamle Sognekirke, der skal have ligget N. for Torvet, omtrent hvor nu Pladsen „Gamle Kirkegaard" findes, skulde if. kgl. Befaling 1532 nedbrydes; efter andre blev den afbrændt i Grevens Fejde af Lübeckerne; men 1539 fik Borger i Nykj. Jens Brygger Ejendomsbrev paa et Stykke Jord i Nykj., „sønden op til Vor Frue Kirke". Graabrødrekirken blev bestemt til Sognekirke, vistnok fordi den var større og anseligere end den tidligere. I Mands Minde er der ved Gravninger fundet mange Menneskeben ved den nordl. Ende af Torvet og de tilstødende smaa Gader op til „Gamle Kirkegaard".

# Stubbekjøbing

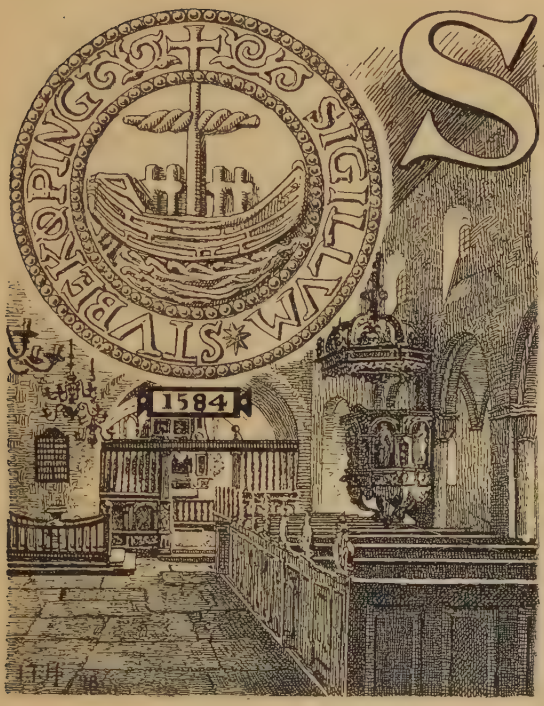


Stubbekjøbing Købstad ligger i Falster Nørre Herred under 54° 53′ 24,31″ n. Br. og 0° 31′ 55,74″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Byen ligger noget højt — højeste Punkt er paa Hjørnet af Sønder- og Bagergade, 29 F., 8,9 M. — ved Falsters Nordkyst lige over for Bogø, i en skovløs Egn. Fra Stranden og Kirketaarnet er der en smuk Udsigt over Vordingborg Bugt. Afstanden fra Nykjøbing er omtr. $2^1/_4$, fra Næsby Færge $^3/_4$ og fra Orehoved 2 Mil. Byen strækker sig langs Kysten fra V. til Ø. omtr. 1300 Al., dens største Bredde er omtr. 500 Al. Hovedgaden er den parallelt med Kysten løbende Vestergade, der fortsættes forbi Torvet i Grønnegade; parallel med Vestergade gaa Asylvej, Søndergade og Møllegade; mod S. gaar fra Vestergade Bagergade, der fører ud til Vejen til Nykjøbing. Byens fleste Huse ere i eet Stokværk og uden noget Særpræg. Mellem Byens Østside og Kongenæs trænger fra Kysten en lille Vig ind, som fordum gik S. om Byen og dannede dens Havn.

Byens Købstadsgrund udgjorde Marts 1898 577,589 □ Al. (omtr. $41^1/_4$ Td. Ld.), Markjorderne omtr. 477 Td. Ld. Byen havde da 14 Gader og Stræder og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketæll. 1890 229 (Marts 1898 var der 270, hvoraf paa Byens Grund 191). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var 1896 518 Td. Ld., deraf besaaede 235,8, Græsning, Brak, Eng 206,1, Have 29,9, Skov 4,9, Byggegr. og Veje 41,3. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895: 65 Td., hvoraf 52,3 dreves fra 11 Gaarde og 12,1 fra 80 Huse. *Tvedegaard*: 15 Td. Hrtk., 134 Td. Ld. (64 i Lillebrænde S.), hvoraf 10 Eng, 5 Skov, 4 Sø, Resten Ager; 1 Hus.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1898 1,794,815 Kr. (Antal af Forsikringer 270).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, ved Torvet, Falsters mærkeligste Kirkebygning, er opført af Kridtsten og røde Munkesten og bestaar af Skib med to lave Sideskibe, Kor med lige Afslutning i Øst, Taarn i V., en Udbygning mod N. og et Sakristi ved Korets Nordside. Bygningen er opført til forskellige Tider. Oprindelig var Kirken en i Rundbuestilen (12. Aarh.), af Kridtsten med indvendige Baand og Sokler af brændte Mursten, opført treskibet Basilika, hvortil stødte et Kor, vistnok med rund Afslutning; Midtskibet havde Bjælkeloft, Sideskibene Hvælvinger (indbyggede lidt senere); en Række Arkader med Halvsøjler, hvori Kapitæler og Fodstykker minde om Ringsted Kirke, danne Forbindelsen mellem de tre Skibe; smaa, rundbuede Vinduer i Højkirken og de smalle Sideskibe kaste et dæmpet Lys ind i Kirken. I 13. Aarh. blev Koret nedbrudt og forlænget med to Hvælvingsfag i Overgangsstil af røde Mursten; i den flade Altervæg anbragtes en Gruppe af tre smalle, spidsbuede Vinduer. Langt mere ødelæggende var dog en Ombygning i den senere Middelalder (14. Aarh.?), idet man nedbrød Skibets nordl. Mur og det nordl. Sideskib, hvorved Kirken blev gjort bredere, og Korbuen kom til at ligge skævt for Indgangen; Rummet dækkedes med et fladt Loft. Ogsaa Taarnet, den nordl. Tilbygning (oprindelig to Kapeller, hvoraf det ene fordum har været indviet til St. Anna, hvem ogsaa Kirken skal være helliget) og Sakristiet, den yngste af Tilbygningerne, høre til den sene Spidsbuestil; de ere alle opførte af røde Munkesten, Tilbygningen med indmurede Kridtstensskifter. Saaledes stod Kirken til vor Tid (1857 foretoges nogle Forandringer, hvorved navnlig nogle Pulpiturer, der formørkede Kirken og skjulte det smukke Bueparti ved den sydl. Mur, fjernedes), da dens brøstfældige Tilstand nødvendiggjorde en Restauration; en Tid tænkte man endog paa helt at nedrive Skibet og opføre et nyt; endelig foretoges Restaurationen 1881—82 under Ledelse af Prof. H. Storck, der saa vidt muligt har søgt at gengive Kirken dens oprindelige Udseende. Det nordl. Sideskib blev atter opført med Buer ind til Kirken (ved Bortgravningen af Grunden i den nordl. Del af Skibet fandt man Fundamentet til de oprindelige Piller, svarende til de sydl.) og med Hvælvinger, Midtskibet fik malet Bjælkeloft, paa Væggene anbragtes en stilfuld Dekoration, Taarnet blev noget forhøjet og fik kamtakkede Gavle med smukke Blindinger (det havde i Slutn. af 18. Aarh. faaet et lygteformet Spir, som efter Midten af 19. Aarh. atter var fjernet, saaledes at Taarnet var stumpt med et Trækors over), en Bindingsværksbygning mod S. fjernedes, hvorved en smuk Dørindfatning kom frem, og Kirkens Mure baade ud- og indvendig staa nu smukt udfugede med sine Kridt- og Munkesten. Tilbygningen mod N. er delt i to Rum, hvoraf det østl. (hvælvet) staar i Forbindelse med Sideskibet (det vestl. indeholder Varmeapparat). Den nordl. Del af Sakristiet (fladt Loft) er afdelt og tjener til Materialhus. Oven over den halvrunde Korbue blev der ved Restaurationen under Kalken fundet en malet Frise med Christus og Apostelfigurer og paa Korhvælvingen en Dekoration, hvilke fornyedes af Prof. J. Kornerup (se *Kornerup*, Aarb. f. n. Oldk. 1884 S. 97 fl., og *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 71); ogsaa i Tilbygningens østl. Del fandtes der Kalkmalerier; paa Korets Østvæg er der malet et Pavevaaben med Underskrift: „Leo papa", og ved Siden af det er der et Rum i Muren til Opbevaring af Relikvier. Den smukt udskaarne Altertavle er fra 1618, Prædikestolen fra 1634; Døbefonten er af Kamp, skænket 1798 af Overmaaler Peter Wiborg; Orgelet blev skænket 1860 af Agent

Benzon og Partikulier Elvers. Over Korbuen, der er prydet med et smukt Gitter, hænger et stort Krucifiks fra Middelalderen. I Kirken findes en Del anselige, gamle Ligsten, af hvilke den ældste fra 1559, over Borgmester Byfoged Jørgen Guldsmed, † 1541, og Borgmester Niels Pertz, † 1568,

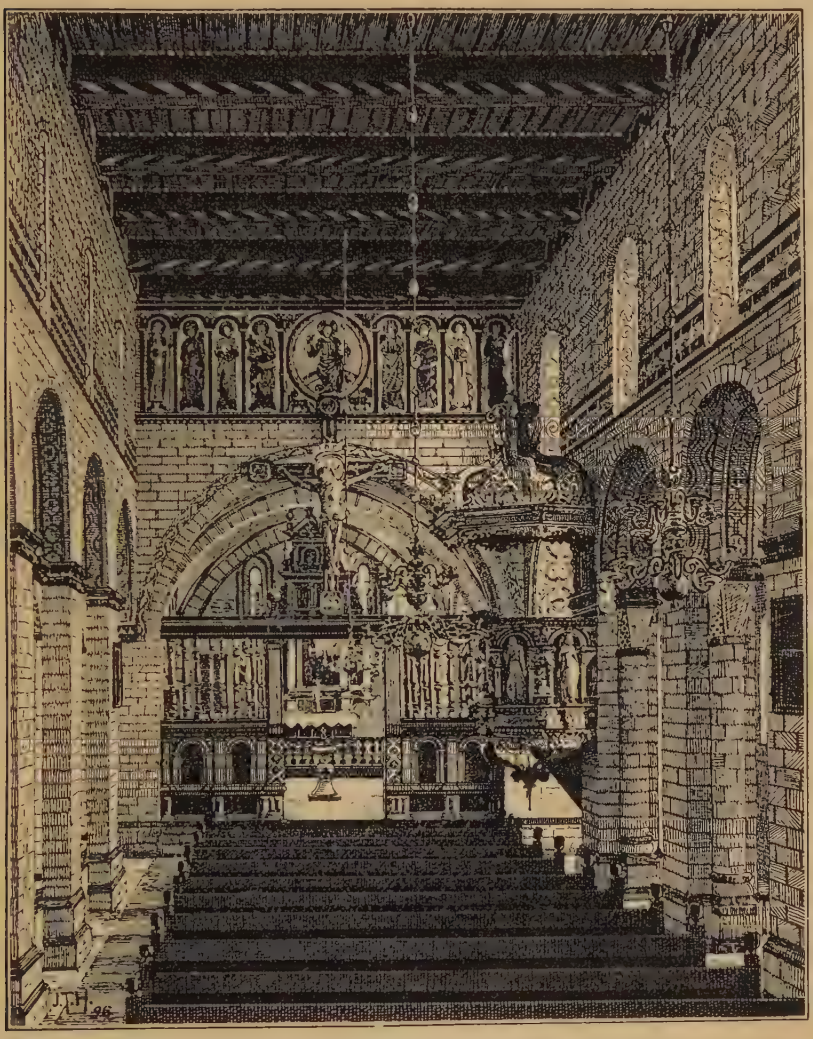

Stubbekjøbing Kirkes Indre.

ligger i Koret. Af Kirkens 4 Klokker er den største, „Zeigeren", uden Indskr., men vistnok fra 15. Aarh., fra hvilken Tid ogsaa den næstmindste, „Femklokken", og den mindste, „Pinkeren", ere (se *F. Uldall*, Loll.-Falsters Stiftstid. 1894 Nr. 265).

Den gamle Kirkegaard omkring Kirken er nedlagt 1882; paa den nye Kirkegaard, ved Vejen til Nykjøbing, er der 1862 opført et Ligkapel.

Kirken, der ejer sig selv, havde Marts 1898 en Kapital paa 22,681 Kr.; dens Gæld var 17,823 Kr.

**Raad-, Ting-** og **Arresthuset**, ved den nordl. Ende af Torvet, er opført 1860 (det gamle Raadhus, ved den sydl. Ende af Torvet, var en 1 Stokværk høj Bindingsværksbygning) af Grundmur i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Tvede; midt paa Façaden er der en lille Altan, og ovenover den en Trappegavl med Indskrift: „Loven er lige for Alle"; Indskrifter findes ligeledes paa Vest- og Østgavlen. Bygningen, der ejes af Amtskommunen med $^3/_4$ og af Byen med $^1/_4$, indeholder, foruden Retslokaler og Kontorer for By- og Herredsfogden, en Festsal, en Byraadssal, Arrestforvarerbolig og Arrester for 9 Arrestanter.

**Borger- og Realskolen**, ved den sydl. Ende af Torvet, er opført 1850 i 2 Stokværk; den har i alt 10 Klasser, hvoraf 4 Realklasser, og arbejder med alm. Forberedelseseksamen som Maal; den har 1 Overlærer, 5 Lærere, to eksaminerede Lærerinder og 1 ueksamineret Lærerinde i Haandgerning; Marts 1898 havde Borgerskoleklasserne 199, Realklasserne 44 Elever; der er Fællesundervisning for Drenge og Piger. — **Teknisk Skole**, mod S. i Byen, er opr. 1860, men fik først 1894 sin egen Bygning, opf. i to Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Ph. Smidth. — Desuden to private mindre Pogeskoler.

**Fattighuset**, i Ringgaardsstræde, er opf. 1858 i to Stokværk og indeholder en Samlingsstue, en Sygestue og 14 Lemmestuer (Plads for 26 Lemmer). — **Sygehuset**, ved Vejen til Nykjøbing, er opf. 1862 i eet Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Tvede og har 3 Stuer med 6 Senge. **Epidemihuset**, V. for Byen ved Lystanlægget, er opf. 1884 og har 2 Senge. — Andre milde Stiftelser: **Asylet**, ved Asylvej, er opr. 1865 af Agent C. B. Benzon og Læge H. F. Rostrup; Bygningen er opf. 1866 og har Plads for 40 Børn. **Elvers Minde**, ved samme Vej, opr. ved Fund. af $^{21}/_3$ 1860 af Partikulier C. F. Elvers, indeholder 4 Lejligheder, som afgive Fribolig for trængende Familier eller enlige Personer. **Haandværkerforeningens Stiftelse**, i Møllegade, er opf. 1886 og indeholder 8 Friboliger for trængende Haandværkere eller deres Enker.

**Gasværket**, ved Ringgaardsstræde, er anlagt 1863; det producerede 1897 omtr. 3,294,000 Kbfd. Gas.

Post- og Telegrafstationen ligger i Vestergade, Toldkammeret og Havnefogdens Kontor paa Havnepladsen.

Paa Torvet er der 1870 rejst en Buste af Fred. VII (af Billedhugger Malthe) paa en Granitsokkel. — V. for Byen paa den høje Strand er der et 1881—82 anlagt, Kommunen tilhørende Lystanlæg med smuk Udsigt ud over Søen til Sjælland, Møen osv., en Pavillon umiddelbart op til Anlægget. Langs Kysten i Byens og Lystanlæggets hele Længde gaar den smukke Spaseresti „Dosseringen".

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890 1546, Maj 1898 1570 (1801: 467, 1840; 925, 1860: 1247, 1880: 1509).

Erhverv i 1890: 186 levede af immat. Virksomh., 601 af Industri, 385 af Handel, 49 af Søfart, 16 af Fiskeri, 61 af Jordbr., 10 af Gartneri, 162 af andre Erhverv, 49 af deres Midler, 24 af Almisse, og 3 vare i Fængsel.

Af fremmede Varer fortoldedes 1896 bl. a.: Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 1780 Pd., uldne Manufakturvarer 3768 Pd., Vin 1998 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 263 Vrtlr., Kaffe 16,277 Pd., Salt 11,482 Pd.,

Sukker, Mallas og Sirup 11,873 Pd., Stenkul og Kokes 8270 Td. og 4,577,922 Pd., Metaller og Metalvarer af alle Slags 16,723 Pd. samt Tømmer og Træ 737 Clstr. og 3239 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 3350 Td. Hvede; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 7082 Td. Hvede, 44,990 Pd. Huder og Skind og 79,497 Snese Æg.

Ved Udg. af 1896 var der ved Toldstedet hjemmehørende 46 Fartøjer og maalte Baade paa i alt 672 Tons, deraf 2 Dampskibe paa 25 T. og med 95 H. Kr. samt en Dampmuddermaskine paa 16 T. Fra Udlandet indkom 89 og udgik 56 Skibe med resp. 4431 og 483 T. Gods; fra Indlandet indkom 534 og udgik 556 Skibe med resp. 5685 og 7562 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 18,209 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 923 Kr., ialt 19,132 Kr. (3223 mere end i 1895). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradr. af Godtgørelser, 3730 Kr.; der produceredes 41,502 Potter.

I Stubbekjøbing afholdes aarl. 2 Markeder, i Juni og Okt., med Heste og Kvæg. Torvedag hver Tirsd. og Fred.

Af industrielle Anlæg mærkes: 1 Brændevinsbrænderi, 1 Hvidtølsbryggeri, 1 Jærnstøberi og Maskinfabrik, 1 Savværk, 1 Gasmaalerfabrik og 1 Bogtrykkeri. — I Stubbekjøbing udgives 1 Avis, „Stubbekjøbing Avis“.

Kreaturhold 1893: 111 Heste, 181 Stkr. Hornkv. (deraf 153 Køer), 42 Faar og 90 Svin.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver i Stubbekjøbing samt Herredsfoged og Skriver i Stubbekjøbing Herred, og et Byraad, der foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Skolevæs., e) for Brolægnings-, Vej- og Vandvæs., f) for Gasværket.

Finansielle Forhold 1896. Indtægter: Skatter 22,840 (deraf Grundsk. 1018, Hussk. 940, Formue- og Lejlighedssk. 20,882 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 2609, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderstøttelse 1472, Indtægt af Aktiver 6588, Skolekontingent 902 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 409, Bidr. til Amt 325, Bidr. til Amtsskolefond 545, Alderdomsunderst, 3215, Skolevæsen 9096, Fattigvæs. 3122, Rets- og Politivæs. 3389, Medicinalvæs. 802, Gader og Veje 417, Belysn. 1191, Renlighed 184, Brandvæs. 848, Vandvæs. 1245 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1896 i Kapitaler 32,777, i faste Ejendomme med Udbytte 39,500, i faste Ejendomme uden Udbytte 29,000 Kr.; dens Gæld var 22,316 Kr. For 1898 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue- og Lejlighed $6^{3}/_{10}$ pCt.; den anslaaede Indtægt er 434,200 Kr., deraf skattepligtig Indt. 355,800 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Raadhuset ($^{1}/_{4}$), Fattighuset, Sygehuset, Skolen, Gasværket, et Sprøjtehus, Kæmnerjorden, Klokkerjorden, Tyreholmen, en Havelod og 3 Stykker Frihedslodder.

Stubbekjøbing har et Brandkorps, der if. Reglem. af $^{4}/_{9}$ 1873 ledes af en Brandinspektør, 4 Assistenter og 6 Underassistenter, og i hvilket alle Mænd mellem 20 og 50 Aar ere tjenestepligtige. Som Politikorps tjener en særlig Ordensafdeling af Brandkorpset.

Diskonto- og Laanebanken for Stubbekjøbing og Omegn (1896—

97: Folio- og Indlaanskonto 65,418 Kr.) er en 1895 oprettet særlig Afdeling af Sparekassen for Stubbekjøbing og Omegn, opr. $^{5}/_{6}$ 1857, i hvilken $^{31}/_{3}$ 1896 Sparernes saml. Tilgodehav. var 1,044,458 Kr., Rentefoden $3^{3}/_{5}$ pCt., Reservefonden 76,382 Kr., Antal af Konti 1783. — Nordfalsters Landbobank, opr. $^{1}/_{1}$ 1896, har en Aktiekapit. paa 20,200 Kr. — I Stubbekjøbing Sparebøsse, opr. $^{11}/_{6}$ 1867, var $^{31}/_{3}$ 1896 Spar. saml. Tilgodehav. 82,497 Kr., Rentef. 4 pCt., Reservef. 5504, Antal af Konti 288.

**Havnen.** Tidligere havde Byen sin Havn i den Bugt, der gik Ø. og S. om Byen, men den tilstoppedes efterhaanden, og i 18. Aarh. var der ingen Havn, saa at Skibene maatte lægge til N. for Byen (der ses endnu nogle af de store Fortøjningspæle) og Godset bringes ud til dem paa Vogne og i Baade. Ved 1840 anlagdes en Køremole med et Brohoved, hvor Skibene kunde lægge til. I 1840'erne anlagdes den egentlige Havn, og i Slutn. af 1870'erne blev den betydelig udvidet. Havnebassinets Størrelse er 37,000, Havnepladsens 30,000 □ Al., Bolværkernes Længde 482, Molernes 989 F.; Havnens Dybde er 12—14 F. i den vestl. Del, i den østl. Tredjedel 6—10 F. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, der bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 af Byraadets Medlemmer. Ved Havnen er ansat en Havnekasserer og en Havnefoged. Havnekassens Formue var $^{1}/_{1}$ 1898 11,600, dens Gæld 59,116 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 11,000 Kr. Ved Havnen er der en af Staten ansat Lods.

I gejstl. Henseende er Maglebrænde Sogn, Nørre Hrd., forenet med Stubbekjøbing.

Stubbekjøbing hører til 5. Landstingskreds og Maribo Amts 5. Folketingskr., for hvilken den er Valgsted, Maribo Amtstue- (Filial i Nykjøbing) og Stubbekjøbing Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 2. Udskrivningskr.' 189. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 178—89.

Ved Toldstedet er ansat en Toldforvalter og en Toldassistent, ved Postvæsenet en Postmester, der tillige er Bestyrer af Telegrafstationen. I Byen har Laaland-Falsters Telefon-Aktieselskab en Centralstation. Byen har regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Masnedsund, Bogø og Møen (Grønsund).

---

**Historie.** Stubbekjøbing maa antages at være Falsters ældste Købstad, om end den først nævnes 1288, da den afbrændtes af Marsk Stigs Tilhængere; $^{1}/_{5}$ 1354 fik den sine ældste kendte Privilegier; 1386 gav Kong Oluf dens Bymænd Friheds-brev paa et Fiskerleje paa „Munkholm", hvilket de da havde haft i 40 Aar (se D. Mag. I S. 35 fl.). Hvor dette Munkholm har ligget, ved man ikke. Aar 1464 nævnes Vor Frue og St. Peders Gilde, der havde et Alter i Kirken; der har ogsaa været et St. Gertruds Gilde, hvis Sigilstempel (fra 14. Aarh.) opbevares i Nationalmuseet. Ligeledes har der i Middelalderen hørt til Byen en St. Jørgensgaard for spedalske; Hr. Eskil Gøye betænkte den 1505 i sit Testamente med 10 Mark, men ellers ved man intet om den (se Lillebrænde Sogn). Aar 1478 landede Christine af Sachsen, Prins Hans' Brud og senere Dronning, her paa sin Rejse til Danmark. Ved Brev af $^{19}/_{3}$ 1517 lagde Chr. II Stubbekjøbing ind under sit Fadebur. Byen har i gammel Tid været forholdsvis langt betydeligere end nu, og den har ogsaa strakt sig længere mod S. (ved Gravninger er man stødt paa gammel Stenbro og Murrester), vel helt ned til Fjorden, som har skaaret ind her fra Ø., og hvor Havnen har ligget; Engen Tyreholmen har hørt til denne Fjord. I Beg. af den nyere Tid ses den at have været

Trop. Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave.

# STUBBEKJØBING.

Eftertryk forbydes.

Udført af V.F.A. Berggreen. Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad. Axel E. Aarnodt's Ltth. Etabl.

1898.

større end Nykjøbing — ved Udredelsen af et Krigsskib 1557 maa den sidstnævnte By yde mindre end Halvdelen af, hvad der blev paalagt Stubbekjøbing —, og den havde stor Handel paa England og Holland; men snart efter er den bleven overfløjet af Nykjøbing, efter at denne var bleven Dronning Sophies Enkesæde (se S. 162); dog kunde Arent Berntsen endnu 1656 sige, „at den har belejlig Seilads, saa med største Skibe til Byen kan anlægges, hvorover ogsaa en temmelig Handel til Søen derfra fortsættes". Aar 1559 havde den Borgmester, Raadmænd og Byfoged (af Kancelliets Brevbøger $^{15}/_{6}$ og $^{6}/_{8}$ ses det, at Byen egenmægtig havde afsat sin Øvrighed, hvorfor flere dømtes som Oprørere). Den led meget ved Ildebrande, men det var især Svenskekrigen 1658—59 og Havnens Tilsanding, som bragte den ned (at Dæmningen over Tyreholm er anlagt af de svenske, som derved have ødelagt Byen, er vistnok kun et Sagn); 1672 havde den 511 Indb.; i Forordn. af $^{28}/_{1}$ 1682 nævnes den blandt de Købstæder, som ikke maa drive udenlandsk Handel, ligesom den ikke længer skulde have Borgmester og Raad, men Byfoged. I 18. Aarh. gik det endnu mere tilbage for den, da den rent mistede sin Havn (se S. 168); 1769 havde den 484 Indb. I 19. Aarh. har den nye Havn gavnet den meget, men de Laaland-Falsterske Baneanlæg have ikke bragt den Fordel. — Byen har haft en Latinskole, der nedlagdes 1740. — I Stubbekjøbing Præstegaard levede Hans Egede, hvis Datter var gift med Sognepræsten L. J. Alsbach, sine sidste Aar († 1758).

---

## Laalands Sønder Herred.

**Sogne:**

*Vestenskov, S. 170. — Kappel, S. 171. — Arninge, S. 172. — Dannemarre, S. 173. — Tillitse, S. 174. — Gloslunde, S. 176. — Græshave, S. 177. — Landet, S. 178 — Ryde, S. 180. — Søllested, S. 181. — Skovlænge, S. 183. — Gurreby, S. 183. — Avnede, S. 184. — Stokkemarke, S. 185.*

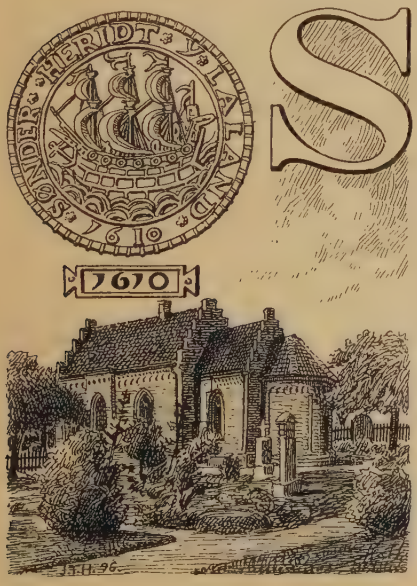


Sønder Herred grænser mod N. til Vordingborg Bugt (Bandholmsbugten), mod N. V. til Nørre Hrd., hvorfra det adskilles ved Ørby Aa og Halsted Aa, mod V. til Nakskov Fjord og Langelands Bælt, mod S. til Østersøen og mod V. til Fuglse Hrd. Fra Kyst til Kyst (fra S. V. til N. Ø.) er der omtr. 3 Mil, mod N. er Bredden omtr. $^{3}/_{4}$, mod S. $3^{1}/_{2}$ Mil. Til Herredet høre Øen *Lindholm* i Vordingborg Bugt og nogle Smaaholme i Nakskov Fjord. De især mod V. lavtliggende Jorder (om Overfladeforholdene se i øvrigt S. 104) ere for det meste lermuldede, med Underlag af Ler, mod Ø. dog mere sandblandede. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til de daarligere af Amtets Herreder, idet der i Gennem-

snit gaar omtr. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. I 1896 blev Herredets Fladeindhold ansat til 46,125 Td. Ld. (4,6 □ Mil, 254,4 □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 4082,3 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 10,566 (1801: 6582, 1840: 8653, 1860: 9963, 1880: 10,840). I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti med Nørre Hrd. I verdslig Henseende hører det til Sønder Herreds Jurisdiktion (undt. Stokkemarke S., der hører til Maribo Birk) og til Amtets 1. Forligskreds (undt. Stokkemarke S., der hører til 3.).

Laalands Sønder Herred kaldes i Vald. II's Jordeb. *Arnøng-* og *Arnunghæreth*, senere *Arninge* Hrd.; fra 1660 hørte det til Halsted Klosters Amt (s. S. 110).

Der foreligger kun Oplysning om henved 100 faste Oldtidsmonumenter (omtr. 70 ere Gravhøje, Resten Stengrave m. m.); mindst $^2/_3$ er i nyere Tid sløjfet eller forstyrret. De fleste Monumenter findes i Stokkemarke Sogn (55); to ere fredlyste.

Herredet led betydeligt ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872; af de 14 Sogne bleve de 10 mere eller mindre dækkede af Vand, mest lede Kappel og Gloslunde Sogne; 25—26 Mennesker druknede, Dæmningerne gennembrødes osv.

**Litt.**: Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i S. Hrd., af *Engelhardt* og *Magn. Petersen*, 1876.

---

**Vestenskov Sogn** omgives af Kappel Sogn, Østersøen, Tillitse og Arninge Sogne samt Nakskov Fjord. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil S. S. V. for Nakskov. De lavtliggende Jorder ere jævne og til Dels side; en Del Areal er indvundet i de senere Aar ved Inddæmning (Vandet mellem Stensø og Fredsholm, „Savnsø Vig", Vejlø osv.). Til Sognet høre nogle Smaaholme, som *Barneholm*, *Kaoreholm* og *Skinderholm* i Nakskov Fjord, desuden den tidligere Ø *Bandholm*, liggende som Enklave i Kappel S.

Fladeindholdet 1896: 4316 Td. Ld. (heraf 629 Td. ikke matr., indvundne ved Udtørring), hvoraf 2365 besaaede (deraf med Hvede 392, Rug 123, Byg 772, Havre 490, Bælgsæd 22, Blandsæd til Modenh. 174, Grøntf. 40, Sukkerroer 273, andre Rodfr. 65), Afgræsn. 416, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1258, Have 60, Hegn 3, Skov 123, Byggegr. og Veje 78, Vandareal 10. Kreaturhold 1893: 308 Heste, 1196 Stk. Hornkvæg (deraf 884 Køer), 765 Faar, og 555 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 376 Td.; 49 Selvejergaarde med 334, 1 Arvefæstegd. med 6, 121 Huse med 36 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 949 (1801: 596, 1840: 774, 1860: 861, 1880: 981), boede i 180 Gaarde og Huse; Erhverv: 23 levede af immat. Virksomhed, 665 af Jordbr., 8 af Fiskeri, 134 af Industri, 15 af Handel, 75 af forsk. Daglejervirksomh., 18 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vestenskov* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle og Fællesmejeri; *Skovby*; *Brydebølle*; *Savnsø*; *Raarup*; *Læsø* med Forsamlingshus (opf. 1896); *Næsby* med Skole, Andelsmejeri (Bukkedal) og Statstelefonstation. Saml. af Gaarde og Huse: *Fæland*, *Hvidstensmark*, *Smalbyhuse*. — Hovedgaarden *Fredsholm* har $63^1/_8$ Td. Hrtk., (deraf Fæstegods. $6^5/_8$) 900 Td. Ld., hvoraf 200 Eng, 150 Skov; Resten Ager, *Bartoftegd.*: 25 Td. Hrtk., 190 Td. Ld., alt Ager; to Lejehuse. *Savnsøgd.*: $29^5/_8$ Td. Hrtk., 735 Td. Ld., (353 i Nakskov Lands.), hvoraf 160 Eng, Resten Ager; 4 Huse. *Halmtoftegd.*: 19 Td. Hrtk., 150 Td. Ld., alt Ager (2 Td. Ld. i Arninge S.). *Brydebøllegd.*: $16^3/_8$ Td. Hrtk., 125 Td. Ld., alt

Ager. *Hovgd.*: 13 Td. Hrtk. Gaarden *Stensø* (Øen blev landfast for omtr. 25 Aar siden): omtr. 12 Td. Hrtk., 115 Td. Ld., alt Ager.

Vestenskov S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 254. Lægd. Kirken tilhører Tiendeyderne.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib, Kor med lige Gavl, Sakristi mod N. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i Middelalderen af røde Mursten; flere tilmurede Vinduer og Døre ses. Langkirken og Vaabenhuset, noget yngre end Skib og Kor, ere overhvælvede. Altertavle med Oliemaleri (Nadveren; et Maleri, Gravlæggelsen, fra Altertavlen, hænger i Koret); udskaaren Prædikestol fra 1627; Granitdøbefont. Døbefad fra 1637, med Hartvig Passows og Øllegaard Pentz' Navne og Vaabener. I Skibet og Koret to smukke Malmkroner fra 1694 og 1699. I Vaabenhuset et godt udført oliemalet Epitafium over tre Præster. En Sidebygning af Præstegaarden bærer Aarstallet 1620.

Biskop Nic. Edinger Balle er f. $^{12}/_{10}$ 1744 i Vestenskov, hvor Faderen var Degn.

*Fredsholm* (Fritzholm) er i Beg. af 17. Aarh. opr. af Dronning Sophies Hofmester Joachim Barnewitz († 1626); hans Enke Øllegaard Hartvigsdatter Pentz ægtede Gehejmer. Hartvig Passow, der opkaldte Gaarden efter hendes Søn Frederik Barnewitz. Slægten uddøde 1677 med dennes Søn Joach. Barnewitz, og F. kom 1686 til Familien Bülow, indtil den 1755 af Major Caspar Fr. Bülow solgtes tillige med Rudbjærggaard til Ide Margrethe Reventlow, Grevinde Knuth, som skiftede mellem Sønnerne, saaledes at den 3. Søn, Baron Conr. Ditlev Knuth († 1805) fik Rudbjærggd. med Gottesgabe og F. Efter dennes Søn, C. C. G. Knuths Død (1815) solgtes F. (med Rudbjærggd.) 1819 til Etatsr. Dons og Ferd. Neergaard, hvilke bortsolgte det meste af Bøndergodset; 1820 blev F. købt af Kapt. S. H. Lund; hans Søn, Kammerr. H. A. Lund, solgte den 1840 for 80,000 Rd. til Hofjægerm. V. A. Bech, der 1847 afhændede den til cand. jur. C. Jensen, som 1890 solgte den for 639,336 Kr. til Vicekonsul F. G. Böttern, hvis Enke nu ejer den. — Hovedbygningen er opført 1633 af røde Mursten med takkede Gavle af ovennævnte Hartv. Passow.

*Stensø* (ogsaa „Bülowsø") blev solgt fra Fredsholm 1820 og oprettet til en egen Gaard.

Baade i *Savnsø* (*Sangswith*, *Sauense*) og i *Stensø* synes der i Middelalderen at have ligget Adelsgaarde. Fru Arine Knudsdatter af „Sauense" nævnes 1384 og 1385, og 1450 nævnes blandt Arvingerne efter den rige Hr. Axel Andersen af Kjærstrup en Væbner Peder Jensen af Stensø.

*Næsby Birk* var til midt i det 16. Aarh. et selvstændigt Len, der 1502 indehavdes af Christiern Brun og senere af den berømte Feltherre Johan Rantzau.

**Kappel Sogn** omgives af Vestenskov Sogn, Nakskov Fjord, Langelands Bælt og Østersøen. Kirken, mod S., ligger $1^1/_4$ Mil S. S. V. for Nakskov. De lavtliggende Jorder ere ler- og mergelblandede og bestaa for den nordl. Dels Vedkommende af inddæmmede Arealer inden for de tidligere Øer *Bogø*, *Langø* og *Ydø*. De smaa Gottesgabe- og Høke Søer mod S. ere nu udtørrede. Mod N. V. udgaar en $^3/_4$ Mil lang, smal Sandrevle, der ved Højvande ofte overskylles, og hvis yderste bredere Del kaldes *Albuen*.

Fladeindholdet 1896: 4975 Td. Ld. (heraf 1495 Td. ikke matr., indvundne ved Udtørring), hvoraf 2302 besaaede (deraf med Hvede 335, Rug 216, Byg 692, Havre 577, Bælgsæd 26, Blandsæd til Modenh. 162, Grøntf. 32, Kartofler 28, Sukkerroer 182, andre Rodfr. 42), Afgræsn. 832, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1471, Have 37, Hegn 29, Skov 64, Kær og Fælleder 55, Sumpe, Forstrande 20, Byggegr. og Veje 148, Vandareal 16. Kreaturhold 1893: 332 Heste, 1301 Stkr. Hornkv. (deraf 871 Køer), 1497 Faar, 578 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 344 Td.; 58 Selvejergaarde med 312, 115 Huse med 32 Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1036 (1801: 591, 1840: 700, 1860: 818, 1880: 1005), boede i 192 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 666 af Jordbrug, 136 af Fiskeri, 125 af Industri, 19 af Handel, 18 af Skibsfart, 26 af forsk. Daglejervirksomh., 16 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kappel* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingslokale (opf. 1887), Mølle og Statstelefonstation; *Knubbelykke* med Skole og Mølle; *Vesternæs*; *Sjunkeby*; *Jordbjærg*; *Langø By* med Skole og Mølle; paa Langø *Dybede Havn*, en Bugt, hvor Baade og Kvaser kunne løbe til. Saml. af Huse: *Riddertofte*. Paa *Albuen* er der Lodshuse og 2 faste, røde Fyr (Flammens Højde 33 og 20 F.); Farvandet inden for Albuen kaldes *Albu-Havn* (indtil 7 F.). — Hovedgaarden *Gottesgabe* har $40^3/_8$ Td. Hrtk., 382 Td. Ld., hvoraf 27 Skov, 70 Sø (mest tør om Sommeren), Resten Ager *Kallehavegaard*: 15 Td. Hrtk., 270 Td. Ld., hvoraf 4 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *Fuglsang*, der har 11 Td. Hrtk., 126 Td. Ld., alt Ager.

Kappel S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 255. Lægd. Kirken tilhører Sognet.

*Kirken*, der er opført af røde Munkesten i Beg. af 15. Aarh., bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus (af Bindingsværk) mod S. samt et lille Træspir over Vestgavlen. Der ses Spor af de oprindelige, nu tilmurede, spidsbuede Døre og Vinduer. Det tresidede Kor har paa Hjørnerne Støttepiller med gamle Munketagsten. Skibet har fladt Loft. Altertavlen er et Maleri af J. Roed (Christus i Emaus), Prædikestolen et ret vel udført Billedskærerarbejde; Granitdøbefont. I Skibet hænger der en Malmlysekrone.

Kappel Sogn udgjorde tidligere en Del af Vestenskov S.; paa Grund af den lange Afstand fra Kirken fik Beboerne af denne vestl. Del Chr. I's Tilladelse til at bygge et Kapel i Nærheden af Vesternæs ved en jærnholdig Kilde, „Hellig Trefoldigheds Kilde", der ofte besøgtes af syge, ogsaa efter Reformationen; Fr. II befalede derfor 1570, at Kilden skulde tilstoppes og Kapellet nedbrydes; det skete dog ikke, og i 17. Aarh. blev Kapellet, som gav Sognet Navn, gjort til Sognekirke og annekteret til Vestenskov; 1882 blev Sognet et eget Pastorat. Kilden blev endnu op i 19. Aarh. besøgt paa Grund af sin helbredende Kraft; nu er den forsvunden (se „Om Oprindelsen til K. Sogn", i Kirkeh. Saml. 3. R., VI Bd. S. 460 fl.).

*Gottesgabe* blev 1723 oprettet af Fred. IV, der lagde Landsbyen Knubbebys Jorder under Hovedgaardstaksten (42 Td. Hrtk.) og dertil 252 Td. Hrtk. Bøndergods. Den blev derpaa bortspillet i et Lotteri og 1725 vunden af Major C. F. v. Plötz, hvem Kongen havde befalet at tage 15 Sedler, og kaldt G. Efter hans Død solgte hans Hustru Frederikke Henriette v. Kussow G. 1755 til Grevinde Ide Margr. Reventlow, Enke efter Grev A. C. Knuth hvorefter den var sammen med Fredsholm, indtil den 1819 solgtes til Dons og Neergaard (se S. 171), der s. Aar solgte G. for 52,000 Rd. til Krigsr. Sørensen, hvis Enke 1826 afhændede den til Fr. Wallmodens Bo fra hvilket den 1841 solgtes til Major Rasm. Clausen. Han solgte den 1855 for 105,000 Rd. til V. Tesdorpf, der 1867 afhændede den til Grev Juel-Vind-Friis til Juellinge, som 1871 solgte den til Kammer. H. F. Fenger. Han solgte den 1885 for 265,000 Rd. til Landbrugskand. V. Dahlerup, hvorefter den nuv. Ejer, O. Müller, købte den 1886 for 168,200 Kr. — Hovedbygningen, i eet Stokv., er af Bindingsværk.

Paa *Langø* findes Rester af en Langdysse med en anselig Gravkiste, dækket af 3 Overliggere.

*Knubbelykke* og *Vesternæs Birker* vare fordum selvstændige Len; det sidste blev i Beg. af 16. Aarh. forenet med Engelborg og Halsted Kloster; det første bestod endnu i 1568, da Niels Kaas havde det i Forlening.

Et Brev af Dronning Philippa er dateret Lolands Albuge 1420.

**Arninge Sogn** (se om Navnet S. 170) omgives af Vestenskov, Nakskov, Avnede, Gurreby, Græshave og Tillitse Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. S. Ø. for Nakskov. De lavtliggende, jævne og til Dels side Jorder ere lerede og mergelblandede. Gennem Sognet løber Tarebæk. Søen „Bækkenet" er udtørret.

Fladeindholdet 1896: 2681 Td. Ld. (heraf 208 Td. ikke matr., indvundne ved Udtørring), hvoraf 1415 besaaede (deraf med Hvede 234, Rug 111, Byg 449, Havre 274,

Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 145, Grøntf. 32, Sukkerroer 118, andre Rodfr. 29), Afgræsn. 317, Høslæt, Brak, Eng m. m. 837, Have 34, Hegn 6, Byggegr. og Veje 68, Vandareal 3. Kreaturhold 1893: 233 Heste, 799 Stkr. Hornkv. (deraf 570 Køer), 544 Faar, 158 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 270 Td.; 27 Selvejergaarde med 146, 15 Arvefæstegd. med 108, 51 Huse med 16 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 561 (1801: 416, 1840: 512, 1860: 504, 1880: 574), boede i 109 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 378 af Jordbr., 107 af Industri, 3 af Handel, 34 af forsk. Daglejervirksomh., 5 af deres Midler, og 19 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Arninge* med Kirke, Præstegd. og Skole; *Emb*; *Ore*; *Tryghus*; *Kuditse*; *Grønnegade*. Saml. af Gaarde: *Hollebygaarde*. *Suderballegaard*: $15^3/_8$ Td. Hrtk., 114 Td. Ld., hvoraf 1 Skov, Resten Ager. *Duegaard* (Arvefæstegd.): $11^3/_8$ Td. Hrtk., 139 Td. Ld., hvoraf $44^1/_2$ Eng, Resten Ager.

Arninge S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt Amtets 2. Udskrivningskr.' 258. Lægd. Kirken tilhører Menigheden.

*Kirken* (fordum indviet til Jomfru Maria) bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning og Vaabenhus mod S. Den er bygget i den tidligere Middelalder af røde Mursten. De oprindelige, rundbuede Døre og Vinduer ere nu tilmurede. Indgangen til Kirken er gennem det med takket Gavl forsynede Vaabenhus. Kirken er overhvælvet. Altertavlen er et rigt Billedskærerarbejde fra 1644, Prædikestolen et ret godt udført Billedskærerarbejde fra Renæssancen; ejendommelig Font af Egetræ i Barokstil paa højt, snoet Fodstykke. Series pastorum fra 1542. I Skibet er der fundet Rester af Kalkmalerier (se *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 72), som nu ere overkalkede.

Aar 1360 nævnes en Adelsmand Michael Bunde de *Quodewitze*.

Paa „*Sudærbalgh*“ boede 1397 Gert Ketelhod af en fra Mecklenburg indvandret, bekendt Slægt.

Sognet led meget 1659, da de svenske havde deres Hovedkvarter her under Nakskovs Belejring.

**Dannemarre Sogn**, omgives af Annekset Tillitse, Græshave og Gloslunde Sogne samt Østersøen. Kirken, mod N. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Nakskov. De meget lavtliggende og jævne Jorder ere lerede og mergelblandede, ved Stranden noget grusede. De sydlige Dele ere udsatte for Oversvømmelse ved Højvande, men beskyttes nu ved Digerne. Nogen Skov (en Del af Søndersk.).

Fladeindholdet 1896: 2775 Td. Ld., hvoraf 1411 besaaede (deraf med Hvede 235, Rug 125, Byg 434, Havre 207, Bælgsæd 18, Blandsæd til Modenh. 164, Grøntf. 50, Kartofler 12, Sukkerroer 123, andre Rodfr. 36), Afgræsn. 241, Høslæt, Brak, Eng m. m. 806, Have 32, Hegn 49, Skov 157, Kær og Fælleder 6, Byggegr. og Veje 70, Vandareal 3. Kreaturhold 1893: 256 Heste, 758 Stkr. Hornkv. (deraf 536 Køer), 607 Faar, 553 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 265 Td.; 23 Selvejergaarde med 102, 25 Arvefæstegd. med 122, 121 Huse med 38 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 774 (1801: 478, 1840: 593, 1860: 678, 1880: 798), boede i 160 Gaarde og Huse; Erhverv: 25 levede af immat. Virksomh., 582 af Jordbrug, 106 af Industri, 17 af Handel, 18 af forsk. Daglejervirks., 17 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Dannemarre* (gml. Form Danemar, Danemare, Danmar) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1890), Mølle og Andelsmejeri; *Egebølle* (en mindre Del i Tillitse S.) med Mølle. Saml. af Gaarde og Huse: *Amalienager*, *Charlottenlund* med Skole, *Gyldenbjærg*, *Dannemarre*, *Husby*, *Dannemarre Enge*, *Mavlskov* (Magleskov), *Langholm*, *Dannemarre Høje*. — *Vibegaard* har $19^1/_4$ Td. Hrtk., 162 Td. Ld., hvoraf 2 Have

og Skov, Resten Ager (bortforpagtet er 24 Td. Ld. i to Parceller med Bygninger og et Lejehus).

Dannemarre S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 256. Lægd. Kirken tilhører Menigheden.

*Kirken* er opført 1896—97 (indviet $^{14}/_{11}$ 1897), efter at den gamle Kirke (tillige med Præstegaarden) var brændt $^{5}/_{4}$ 1895 undtagen Koret. Kirken er opført af røde Mursten med Granitsokkel efter Tegn. af Arkitekt Mathiesen og bestaar af overhvælvet Kor og Skib samt Taarn, hvis med Bjælkeloft forsynede Rum er Vaabenhus. Altertavlen er en Kopi af C. Blochs Maleri, Opstandelsen (i Jakobskirken i Kbh); Prædikestolen er et Billedskærerarbejde i Eg; Degnestol fra Renæssancetiden; Series pastorum.

Sognets eneste nu bevarede Oldtidsmonument, et anseligt, stensat Gravkammer ved Mavlskov Huse, er fredlyst.

**Tillitse Sogn**, Anneks til Dannemarre, omgives af dette, Græshave, Arninge og Vestenskov Sogne samt Østersøen. Kirken, mod N. Ø. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. S. Ø. for Nakskov. De lavtliggende, jævne Jorder ere for det meste lerede. En Del Skov mod S. (Vestersk., Østersk., noget af Søndersk.).

Fladeindholdet 1896: 4284 Td. Ld., hvoraf 2326 besaaede (deraf med Hvede 404, Rug 133, Byg 649, Havre 312, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 221, Grøntf. 49, Kartofler 10, Sukkerroer 437, andre Rodfrugter 34, andre Handelspl. 63), Afgræsning 367, Høslæt, Brak, Eng m. m. 884, Have 47, Hegn 22, Skov 470 (ubevokset 42), Klit 3, Byggegr. og Veje 138, Vandareal 25. Kreaturhold 1893: 307 Heste, 1064 Stkr. Hornkv. (deraf 688 Køer), 687 Faar, 364 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 446 Td.; 52 Selvejergaarde med 358, 3 Arvefæstegd. med 24, 4 Fæstegd. med 30, 115 Huse med 27 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 947 (1801: 655, 1840: 750, 1860: 908, 1880: 1000), boede i 194 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomh., 638 af Jordbrug, 179 af Industri, 25 af Handel, 19 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tillitse* (gml. Form Tylse, Tylitze) med Kirke, Skole og Andelsmejeri; *Støby*; *Klynge* med Mølle; *Majbølle* med Saftstation (Nakskov Sukkerfabrik); *Munkeby* med Skole og Fattiggaard (Plads for 40 Lemmer); *Gammelby*; noget af *Egebølle* (Nørre-E.), det meste i Dannemarre S. Saml. af Gaarde og Huse: *Rudbjærg*, *Raageskov*, *Majbølle-* og *Munkeby Fæland* m. m. — Hovedgaarden *Rudbjærggaard* har $107^{1}/_{4}$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $9^{3}/_{8}$ Td. Skovsk., 1500 Td. Ld., hvoraf 700 Skov, Resten Ager (over Markerne Sukkerfabrikkens Spor); til Godset høre 30 Td. Hrtk. Fæstegods og $9^{7}/_{8}$ Td. Hrtk. Arvefæstegods, deribl. Gaarden *Østerskovgd.*; desuden Gaarden *Lindegaard*, Skovfogedgaarden *Neergaardsminde* samt *Vindeholm*. Arvefæstegaarden *Rosenbjærg*: $14^{1}/_{4}$ Td. Hrtk., $116^{1}/_{2}$ Td. Ld., hvoraf $1^{1}/_{2}$ Skov, Resten Ager.

Tillitse S., en egen Sognekommune, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 2. Udskrivningsks.' 287. Lægd. Kirken tilhører Landmandsbanken.

*Kirken* (se Vignetten S. 169) bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning og er opført af røde Munkesten. Baade i Skib og Kor ses Levninger af oprindelige, nu tilmurede, rundbuede Døre og Vinduer. Kirken, der senere er overhvælvet, er mod V. forsynet med en i senere Tid opført Forhal med Tøndehvælving og takket Gavl. Altertavlen er et godt udført Billedskærerarbejde med Relieffer af Himmelfarten og Opstandelsen m. m.; den bærer Joachim Barnewitz' og Hustru Øllegaard Pentz' Navne og Vaabener. Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde; Granitdøbefont.

3. Alterstager fra 1630 med samme Navne og Vaabener som Altertavlen. Smukt og anseligt Epitafium af Alabast over ovennævnte J. Barnewitz og Hustru. Ved Kirkeporten er indmuret en Runesten.

*Rudbjærg* (i Vald. II's Jordeb. *Rughbiargh*) By, af hvilken nu to Gaarde ere tilbage, nævnes i 14. Aarh. i Forbindelse med en hosliggende mindre Hovedgaard. Gaard og By tilhørte 1397 en holstensk Adelsmand Tilluf Walstorp. Senere ejedes den af Christiern Rud, fra hvem den ved Indførsel kom til Mogens Ebbesen (Galt), † 1481, hvis Datter Sofie og Sønnesønner Anders og Peder Ebbesen († 1548) senere ejede den. Om Galterne vare Eneejere af den, er dog tvivlsomt, thi samtidig angives Las Johansen (Vasspyd) og dennes Sønneson Lavrids Madsen samt sidstnævntes Svigersøn Erik Grubbe at have ejet den. Paa Fr. II's Tid tilhørte den Rigsraad Erik Rud, hvis Søn Knud Rud († 1611) ved sin Død skænkede den til sin Hustru Ellen Marsvins Datter Kirstine Munk, som nogle Aar efter solgte den til Joach. v. Barnewitz († 1626), gift med Øllegaard Hartvigsdatter Pentz, som forøgede dens Jorder betydeligt ved under den at lægge 8 nedlagte Bøndergaarde i Rudbjærg, Gammelby og Majbølle Byer. Deres Søn Fr. v. Barnewitz († 1663), gift med Ide Grubbe, havde for-

Rudbjærggaard.

uden en Søn, Joach. v. Barnewitz, † ugift 1676, to Døtre Øllegaard og Magdalene Sibylle — gift med Kammerhr., Generaladjut. Chr. Bülow (1692) —, der som Enke solgte sin Del (tillige med Fredsholm) til Sønnen Etatsr. Fr. Barnewitz Bülow (i alt 663 Td. Hrtk., Hovedgaardstakst resp. 100 og 40 Td.) for 33,129 Rd., medens den anden Datter bragte sin Del til sin Ægtefælle Jens Rodsten († 1679), hvis Søn Fred. Rodsten, † 1719 ugift, overlod Delen til Søsteren Elise Magdalene, gift med G. H. v. Lehsten, hvis Søn Oberstlieutn. Jens Chrf. v. Lehsten 1723 solgte den for 22,500 Rd. til Fr. Barnewitz Bülow, der saaledes atter samlede Godset. Dennes Søn Major C. Fr. Bülow solgte 1755 R. (Hovedgaardstakst 143 Td., Bøndergods samt „Bülowsø [ɔ: Stensø], der bruges under Fritzholm", i alt 880 Td. Hrtk.) for 80 Rd. pr. Td. Hrtk. til Ide Margr. Reventlow, Grevinde Knuth. Rudbjærggd. forblev nu i Familien Knuths Besiddelse, indtil den af Baron C. G. v, Knuths Bo tillige med Fredsholm og Gottesgabe m. m. 1819 solgtes til Dons og Neergaard (se S. 171), hvilken sidste overdrog den til Dons, som 1823 solgte den til Baron C. C. G. Knuth, hvis Søn 1855 solgte den for 514,100 Rd. til Etatsraad Klemp paa Grevinde Danners Vegne. Derefter købtes den 1865 af Jægerm. G. Smith, 1889 af Hofjægerm. A. Tesdorpf til Gjedsergd., som 1891 solgte den for 725,000 Kr. til den nuv. Ejer, Hofjægerm. L. Greve Reventlow. — Hovedbygningen, der er omgiven af Grave, bestaar af en gammel, 2 Stokv. høj Bygning af Mur og Bindingsværk og et senere, Aar 1605 af Knud Rud opf. stort, ottekantet Taarn af Grundmur med Rudernes og Hardenbergernes Vaabener.

I *Tillitse* laa fordum en fri Gaard, der 1425 beboedes af Jens Jepsen, som førte en Baad i sit Vaaben. 1462 skrev Væbneren Erik Findsen sig til T., og 1511 solgte Dorothea Henriksdatter Dringelberg, Jep Jensens Enke, *Tillitsegaard* til Maribo Kloster.

I *Støby* har ligget en Hovedgaard; 1390 nævnes Peder Knudsen som Ejer af „Støttebygaard"; Fru Cile Nielsdatter, formodentlig den nysnævntes Hustru, pantsatte 1403—7 sin Fødegaard i „Stødeby" til Hr. Folmer Jepsen Lunge, hvis Broder Hr. Anders Jepsen 1412 oplod ovennævnte Jens Jepsen sin Rettighed i Støbygaard. Samme Jens Jepsen fik desuden 1415 en Gaard i Støby, der kaldtes *Truidshave*, i Pant af Fru Cile Nielsdatter.

En Slægtebog nævner Fru Jutte, Hans Frændesøns Datter, paa *Egebølle*. Hun var gift med Folmer Jepsen, en Broder til ovennævnte Jens Jepsen af Tillitse, Fætter til de rige Brødre Hr. Anders og Hr. Folmer Jepsen Lunge.

**Gloslunde Sogn** omgives af den inddæmmede Rødby Fjord, Landet Sogn, Annekset Græshave og Dannemarre Sogn samt Østersøen. Kirken, mod N. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Nakskov. De meget lavtliggende, jævne og mod S. side Jorder, som ved Digerne beskyttes mod Oversvømmelse, ere mod N. og V. lerede, mod S. og Ø. ler- og sandmuldede. Mod S. Ø. høre Halvøen *Hummingen* og en Del af Halvøen *Tjørnebjærg* — mellem hvilke *Kramnitse Gab*, det tidligere Indløb til Rødby Fjord, over hvilket nu Diget gaar, saa at der kun er en Afløbssluse for Vandet i Fjorden — til Sognet, ligesom Øen *Magleholm* i Fjorden.

Fladeindholdet 1896: 3408 Td. Ld., hvoraf 1589 besaaede (deraf med Hvede 204, Rug 207, Byg 440, Havre 359, Blandsæd til Modenh. 156, Grøntf. 18, Kartofler 41, Sukkerroer 116, andre Rodfrugter 31, andre Handelspl. 11), Afgræsn. 377, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1244, Have 29, Skov 12, Klit 3, Byggegr. og Veje 151. Kreaturhold 1893: 290 Heste, 921 Stkr. Hornkv. (deraf 667 Køer), 694 Faar, 259 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 251 Td.; 21 Selvejergaarde med 88, 22 Arvefæstegd. med 121, 118 Huse med 42 Td. Hrtk. og 18 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 748 (1801: 390, 1840: 565, 1860: 756, 1880: 781), boede i 162 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomh., 590 af Jordbr., 24 af Fiskeri, 66 af Industri, 12 af Handel, 11 af forsk. Daglejervirksomh., 11 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gloslunde* med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Hoby* med Købmandsforretn. Saml. af Huse: *Glukse*, *Sidager*, *Hobyskov*, *Hestehave*, *Pilehaven* med Skole, *Hummingen*, *Kramnitse*, paa Tjørnebjærg, Fiskerleje med Havn (7 F., men udenfor paa en Revle er der kun 3—4 F.), Toldassistent og Statstelefonstation. *Mosegaard*: omtr. 12 Td. Hrtk., $99^3/_4$ Td. Ld., hvoraf 1 Eng, Resten Ager (46 Td. Ld. ere Arvefæste).

Gloslunde S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 262. Lægd. Kirken tilhører en Del af Sognets Beboere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Vaabenhus mod S. og Kapel ved Korets Nordside. Kirken er bygget af røde Munkesten og er senere overhvælvet. Flere af de oprindelige, rundbuede Døre og Vinduer skimtes. Altertavlen er et Maleri af F. C. Lund (Christus i Getsemane). Den gamle Altertavle, med Aaret 1581 og Rubeck Porses Vaaben, er nu i Vaabenhuset. Prædikestolen er fra 17. Aarh.; Cementdøbefont. I Kirken Ligsten over Præsterne Hans Seidelin, † 1790, og Niels Ibsen, † 1588.

I *Gloslunde* har der ligget en Hovedgaard. Her boede i Beg. af 14. Aarh. en Ridder Niels Madsen, hvis Dattersøn Niels Knudsen af Borsø 1389 solgte Gaarden til Anders Sivendesøn af Kjærstrup, som 1384 havde afkøbt Fru Gunder Grubbe, Niels Dus's Efterleverske, den af hende beboede Gaard og fem andre Gaarde i Gloslunde. Fru Gunder var vel Arving efter den Jens Grubbe, som 1357 skrev sig af Gloslunde.

**Græshave Sogn**, Anneks til Gloslunde, omgives af dette, Landet, Søllested, Gurreby, Arninge, Tillitse og Dannemarre Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. Ø. for Nakskov. De lavtliggende, jævne og mod S. side Jorder ere lerede. Smaaskovene Jonshave, Vesterlund, Bagkjær, Dyrehave. Ryde Aa danner en Del af Nordgrænsen.

Fladeindholdet 1896: 2099 Td. Ld., hvoraf 1094 besaaede (deraf med Hvede 219, Rug 36, Byg 295, Havre 98, Blandsæd til Modenh. 220, Grøntf. 17, Sukkerroer 191, andre Rodfrugter 13), Afgræsn. 205, Høslæt, Brak, Eng m. m. 646, Have 41, Hegn 9, Skov 46, Byggegr. og Veje 50, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 166 Heste, 606 Stkr. Hornkv. (deraf 463 Køer), 354 Faar, 237 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 223 Td.; 12 Selvejergaarde med 156, 6 Arvefæstegd. med 55, 51 Huse med 12 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse ($^1/_8$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 447 (1801: 273, 1840: 404, 1860: 415, 1880: 478), boede i 85 Gaarde og Huse; Erhverv: 9 levede af immat. Virk-

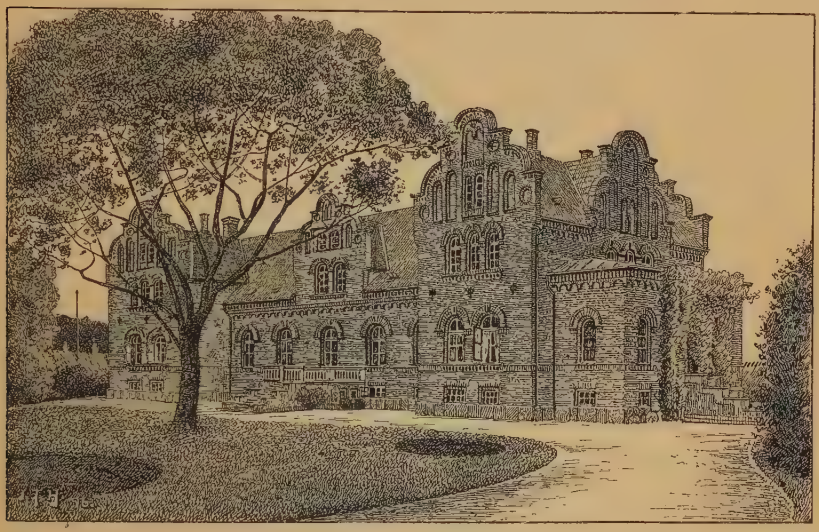

Øllingsøgaard.

somh., 291 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 49 af Industri, 18 af Handel, 51 af forsk. Daglejervirksomh., 5 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Græshave* med Kirke, Skole, Fattiggaard for Gloslunde-Græshave Kommune (Plads for 40 Lemmer), Mølle og Saftstation (Nakskov Sukkerfabrik); *Øster-Skovby*. *Kohave Huse*. I Sognet et Dampsavskæreri. — Hovedgaarden *Øllingsøgaard* (Øls, oldn., er Elletræ) har 51 Td. Hrtk., 823 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, $324^1/_2$ Skov, $25^1/_2$ Huslodder, Resten Ager; til Godset hører omtr. 4 Td. Hrtk. Fæstegods; af Arealet ligger omtr. 255 Td. Ld., navnlig Skov, i Gurreby, Søllested, Dannemarre, Østofte og Stokkemarke Sogne. Da den nuv. Ejer overtog Ejendommen 1893, udskiltes det saakaldte *Øllingsøgaards Fæstegods* (i Gurreby, Søllested og Stokkemarke Sogne), $17^3/_8$ Td. Hrtk. *Baadesgaard*: 41 Td. Hrtk., 294 Td. Ld., alt Ager (til Ejendommen høre 3 Huse med $3^1/_2$ Td. Ld. til hvert); *Christinefeldt*: $23^1/_4$ Td. Hrtk., 218 Td. Ld.; *Gabrielsminde*: 14 Td. Hrtk., 118 Td. Ld., alt Ager (3 Huse).

Græshave S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 263. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Øllingsøgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Vaabenhus mod S. og Kapel paa Korets Nordside. Kirken, der er opført af røde Munkesten, har velbevarede, med Mønstermurværk og Pinakler smykkede Gavle samt fladt Loft. De oprindl., rundbuede Døre og Vinduer ere nu tilmurede. Paa Kapellet staar Aarstallet 1637. Altertavlen med Porsernes Vaaben har tarvelige Malerier og Bibelsprog. Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid, skænket af den udvalgte Prins Christian. Cementdøbefont.

*Øllingsøgaard* nævnes i 14. Aarh. og tilhørte i de følgende Aarh. Slægten Pors, nemlig Hr. Erik Stigsen 1447—73, Sønnen Stig P. 1481—93, Christiern P. 1522, Stig P. 1540, Sønnen Claus P., † 1617, dennes Søn af samme Navn, † 1660 (Brandt Berner, som 1514 skrives „i Øllingsø", har antagelig tilgiftet sig en Part i Gaarden). Ved Midten af 17. Aarh. skal Ø. have været ejet af Herman Kaas, gift med Birthe Rudbæksdatter Pors; 1678 solgte Henning Daldorff til Flügge paa Femern den til sin Svigersøn Oberst Jakob Geveke, der 1686 overdrog den til Chr. V. for 3000 Rd. Han skødede Ø. med 16 Sognes Kongetiender og 3 Kirketiender i 1689 til Kansler Holger Vinds Enke Margr. Gjedde til Harrestedgaard for 32,863 Rd., som hendes Mand i Krigstid havde forstrakt Kongen med; 1698 skødede hun Ø. til Sønnen Erik Vind. Ø. kom derpaa med Erik Vinds Enke til hendes tredje Mand Kancellir. G. Rud. Müller og efter hans Død til Svigersønnen J. Bennik af Vestenskov, der 1734 solgte Ø. med Søllested Kirke og Dannemarre Kongetiende (Hovedgaardstakst 65, Bøndergods 402 Td. Hrtk.) for 22,000 Rd. til Kaptajn Niels Vinds Enke Kristiane Ulrikke v. Lützow. Hun ægtede Kommandørkapt. D. Mülenphort, der 1743 solgte Ø. (Hovedgaardstakst 38, Konge- og Kirketiender 64, Bøndergods 414 Td. Hrtk.) til F. M. Thestrup († 1766) for 30,500 Rd. Hans Arvinger solgte ved Auktion Ø. for 53,060 Rd. til Thestrups Svoger Justitsr. H. Riegelsen, hvis Dødsbo 1770 solgte den for 55,720 Rd. til Sønnerne Andr. og Jac. Riegelsen. Kaptejn A. Riegelsen skødede den 1775 for 53,750 Rd. til Købmand, Kammerr. H. Diderichsen, hvis Enke Margr. Marie Neander 1793 solgte Ø. for 55,000 Rd. til sin Søn af første Ægteskab J. H. Seehusen († 1813), hvorefter den tilhørte hans Arvinger, fra hvilke den 1827 overtoges af Georgia Seehusens Mand M. H. Wilhjelm for 81,000 Rd. Efter hans Søn, Jægerm. M. Wilhjelms Død 1878 havde Enken Gaarden, indtil Sønnen, den nuv. Ejer, F. Wilhjelm overtog den 1893. — Hovedbygningen, i Renæssancestil, er opf. 1869.

*Baadesgaard* er oprettet af de 3 Landsbyer Baadesby, Langholm og Strøge (Struge), som bleve afbrændte i Svenskekrigen 1658—60. Gaardens første Ejer var Borgmester i Nakskov Hans Mikkelsen Holdentze († 1684), men han maatte paa Grund af Skatterestancer afstaa den til Fr. III, hvorefter Chr. V 1698 skødede den — „Baadesbye og Langholm Ladegaard, wij til en Hofvet- og Ladegaard hafver ind Rettet" — til Arvingerne efter Kældermester paa Gottorp Hans Daniel Frintz for en Gæld af 19,886 Rd., hvilke Arvinger 1700 skødede Gaarden til Kaj Ahlefeldt, Amtsforvalter over Frederiksborg Amt, og dennes Arvinger skødede den igen til Kancellir. Hans Daniel Ahlefeldt († 1728), fra hvem den gik over til hans Stifsøn Amtmand Hans Landorph († 1748). Denne maatte forlade Gaarden for Gæld, hvorefter den 1738 ved Auktion solgtes til Fr. IV's Datter, Charlotte Amalie († 1782). I sit Testam. af 1773 havde hun bestemt, at B. skulde tilfalde hendes Hofmester E. Chfr. Linstow († 1774) og derefter dennes Søn Kmhr. C. A. L., hvorpaa Gaarden med dens betydelige Gods (over 850 Td. Hrtk.) blev kgl. Domæne, og 1791 blev Hovedgaardstaksten delt i 5 Parceller; Bønderne bleve ligesom Besidderne af Hovedgaardsparcellerne (Baadesgd., Christinefeldt, Gabrielsminde og Rosenbjærg i Tillitse Sogn) Arvefæstere under Godset (se for øvrigt *Begtrup*, Om Agerdyrkn. i Danm., IV S. 726 fl.). B. ejedes fra 1846 til 1873 af Familien Friderichsen; 1874 ophørte den at være Arvefæste.

**Landet Sogn** omgives af Annekset Ryde, Søllested, Græshave og Gloslunde Sogne, Rødby Fjord, der med to Vige skærer ind i Sognet, samt Fuglse Hrd. (Vejleby S.). Kirken, midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Nakskov og $1^1/_4$ Mil N. V. for Rødby. De lavtliggende, jævne og ud mod Fjorden side Jorder ere lerede. I den nordl. Del løber Ryde Aa, midt igennem

Aageby Aa til Rødby Fjord. Gennem Sognets nordøstl. Hjørne, hvor Trætteskov ligger, gaar Landevejen fra Nakskov til Rødby og Nysted.

Fladeindholdet 1896: 3082 Td. Ld., (heraf 189, som endnu ikke ere matrik. indvundne ved Udtørring), hvoraf 1630 besaaede (deraf med Hvede 254, Rug 135, Byg 527, Havre 163, Bælgsæd 24, Blands. til Modenh. 214, Grøntf. 96, Sukkerroer 180, andre Rodfr. 26), Afgræsning 319, Høslæt, Brak, Eng m. m. 796, Have 28, Hegn 47, Skov 126, Byggegr. og Veje, 117, Vandareal 16 Tdr. Kreaturhold 1893: 256 Heste, 842 Stkr. Hornkv. (deraf 576 Køer), 584 Faar, 318 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 298 Td.; 29 Selvejergd. med 205, 9 Arvefæstegd. med 46, 6 Fæstegd. med 26, 85 Huse med 20 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 603 (1801: 498, 1840: 581, 1860: 654, 1880: 655), boede i 119 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 448 af Jordbrug, 114 af Industri, 2 af Handel, 9 af Daglejervirksomh., 7 af deres Midler, og 5 var under Fattigv.

I Sognet *Landet Kirke* med Skole og nærliggende Mølle og Byerne: *Askø* med Præstegd.; *Korterup* med Andelsmejeri; *Aageby*; *Opager* med Skole; *Skotsebølle*; *Alminde*. Saml. af Gaarde og Huse: *Askø Fæland*, *Bjærgeskov* (en Del i Ryde S.). — Hovedgaarden *Aalstrup*, under Grevskabet Christianssæde (s. d.), har 57$^1/_4$ Td. Hrtk., 451$^1/_2$ Td. Ld., alt Ager; to Familiehuse.

Landet S., een Sognekommune med Annekset (to Sognefogeddistrikter: Landet og Aageby), hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Maribo Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 264. Lægd, undt. Landsbyen Aageby (se ndfr.), der hører til 266. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Christianssæde.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V., Sakristi mod N. og Vaabenhus (nu Materialhus) mod S. Skibets nordl. Side, Koret og en Del af Taarnet ere af Kamp, Resten af Mursten. Indgangen til Kirken er gennem Taarnet, hvis nederste, overhvælvede Del tjener som Vaabenhus; Kirken har fladt Loft. Der er overalt indsat store nye, rundbuede Vinduer. Taarnet har et højt, spaantækt Spir. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra 1582 med tarvelige Malerier (Lidelseshist.). Paa Alterbordets Træbeklædning staar Grubbernes Vaaben. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1620; Døbefont af Træ. I Skibet et Maleri af Præsten Mads Madsen Lerche († 1679) og Familie. I Kapellet Portrætter af to Mænd og to Kvinder af Familierne Grubbe, Vasspyd og Rud, samt et jærnbeslaaet Skab af Egetræ. Foran Alteret Ligsten med legemsstore Portrætfigurer af Peder Grubbe, † 1614, og Karen Rud, † 1612. Udvendig i Taarnets Mur en Plade over Præsten Laur. Christensen Busch, † 1798.

*Aalstrup* (Olafsthorp, Olstrup) tilhørte 1438 Rigskansleren Iven Fos, hvis Datter Karen ægtede Lavrids Jensen (Vasspyd), som 1459—62 skrev sig til Olstrup. Sønnen Mads Lavridsen ejede A. 1483—1519, derefter dennes Søn Lavrids Madsen, hvis Datter Anna bragte den til sin Mand Erik Grubbe, hvis Søn Peder Grubbe og Sønnesøn Jesper Grubbe († 1622) derefter ejede den; 1638 tilhørte A. sidstnævntes Svoger Kansleren Christian Friis og gik i Arv til dennes Søn Gregers Friis († 1654). Kort efter forenedes A. med Taastrup (se videre under Christianssæde). — Den af Grave omgivne Hovedbygning, i eet Stokværk af Egebindingsværk, med delvis hvælvet Kælder og med Kvist, er opført i Beg. af 18. Aarh.

I *Opager* har ligget en Adelsgaard, der 1397 ejedes af Oluf Bonde, 1460 af en yngre Oluf Bonde og 1462 af Jens Bonde; 1588 ejedes den af Emmike Sparre (se S. 180). — Paa Opager Mark fandtes endnu for nogle Aar siden det 5—6 F. høje og 74 F. brede, runde Voldsted *Sparresholm*, omgivet af Grave. — Maaske er det denne Gaard i Opager, som Væbneren „Otto Fogats" Enke Fru Valborg ejede, og som hun af Sorg over Tabet af en Søn besluttede at indrette til et Kloster for Ciserciensernonner. Erik Menved stadfæstede hendes Gave af Jordegods til Stiftelsen, men før den var oprettet, blev Godset hende frarøvet af Sønnens foregivne Kreditorer. Fru Valborg tyede til Paven i Avignon om Hjælp, men kort efter at have vundet sin Sag døde hun; 1329 befalede Paven Abbeden for Holme Kloster og Prioren og Provsten i Odense at overdrage Godset til Sorø Kloster, som skulde sørge for Op-

rettelsen af Klosteret, hvilket dog ikke skete, uvist hvorfor (se *Moltesen*, De avign. Pavers Forhold til Danm. S. 142 fl.).

Den nordøstl. Del af Sognet — Byerne Aageby, Opager og Korterup samt Aalstrup — udgjorde et eget Sogn, *Aageby Sogn*, indtil det nedlagdes ved Reskr. af $^{30}/_{8}$ 1775, og den lille, uanselige Aageby Kirke, uden Taarn, nedbrødes.

**Ryde Sogn**, Anneks til Landet, omgives af dette, Søllested og Stokkemarke Sogne samt Fuglse Hrd. (Østofte, Skjørringe og Vejleby S.). Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. $1^{1}/_{2}$ Mil Ø. S. Ø. for Nakskov, $1^{1}/_{2}$ Mil N. V. for Rødby og $1^{3}/_{4}$ Mil V. for Maribo. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede. Næsten $^{1}/_{3}$ er dækket med Skov (Christianssæde Fredsk., Kohave, Hovbølle Have). Ryde Aa udspringer her. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nakskov til Rødby og den Laaland-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 3222 Td. Ld., hvoraf 1238 Td. besaaede (deraf med Hvede 181, Rug 125, Byg 323, Havre 48, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 259, Grøntf. 75, Kartofler 8, Sukkerroer 169, andre Rodfr. 32), Afgræsn. 199, Høslæt, Brak, Eng m. m. 526, Have 33, Hegn 42, Skov 1013, Byggegr. og Veje 156, Vandareal 13 Td. Kreaturhold 1893: 176 Heste, 697 Stkr. Hornkv. (deraf 495 Køer), 466 Faar, 265 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 212 Td.; 17 Selvejergaarde med 143, 1 Arvefæstegd. med 4, 6 Fæstegd. med 28, 115 Huse med 33 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. ($^{1}/_{8}$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 660 (1801: 367, 1840: 650, 1860: 671, 1880: 702), boede i 144 Gaarde og Huse; Erhverv: 44 levede af immat. Virksomh., 383 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 164 af Industri, 7 af Handel, 2 af Skibsfart, 28 af forsk. Daglejervirksomh., 16 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ryde* ved Landevejen med Kirke, Hospital (oprettet if. Res. af $^{28}/_{4}$ 1781 og Reskr. af $^{5}/_{11}$ 1784, Fund. af $^{1}/_{3}$ 1799, af Kmhr., Stiftamtm. C. W. v. Munthe af Morgenstierne; Plads til 8 fattige), Købmandshandel, Mølle og Jærnbanestation; *Nybølle* med Skole; *Thoreby*; *Hovbølle*; *Stibanken*. Saml. af Huse: *Ryde-Oredrev*, *Rydehede*, *Holmemark*, *Skidenstræde*, *Bjærgeskov* (en Del i Landet S.). *Hvilested Fattiggaard* for Landet-Ryde Kommune (tidligere Kro, Plads for 15 Lemmer). — Hovedgaarden *Gammelgaard* har $77^{5}/_{8}$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $4^{1}/_{8}$ Td. Skovsk., omtr. 1000 Td. Ld., hvoraf 350 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 20 Huse; fra Banen er der anlagt et Vigespor ind over Gaardens Marker til Brug for Sukkerroetransporten.

Ryde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Hensende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 265. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Klintholm paa Møen.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført af røde Munkesten. Rester af en oprindelig rundbuet Dør og af flere Vinduer ses i Skibet og Koret. Paa Taarnet, der har en nu tilmuret Indgang i V., staar Aarstallet 1699. Vaabenhuset, gennem hvilket Adgangen nu er til Kirken, er opf. i ny Tid. Skibet har fladt Loft, Koret Tøndehvælving. Kirken er restaur. 1869. Altertavlen er et Billedskærerarbejde med Rudernes, Urnernes og flere andre Vaabener; udskaaren Prædikestol; Granitdøbefont; Degnestol fra 1607. I Skibet Epitafium over Lavrids Grubbe til Gammelgaard, † 1639, og to Hustruer, og Sten over Provst Axel Hansen, † 1676. Paa Kirkegaarden Sten over Emmike Sparre til Opagergaard, † $^{29}/_{8}$ 1613 (den skal oprindelig have ligget ved Aageby Kirke).

I Gammelgaard Lund har der ligget et Kapel, i hvilket bl. a. Stiftamtmand C. W. v. Munthe af Morgenstierne, som byggede det, var bisat; det blev nedrevet ved Midten af 19. Aarh. og Kisterne nedsatte paa Kirkegaarden.

*Gammelgaard* er opstaaet af en nedlagt Landsby Gammelby og nævnes første Gang i Slutn. af 16. Aarh. Den synes først at have tilhørt Slægten Vasspyd, men ejedes 1591—92 af Claus Jakobsen Mylting, der var gift med Margrethe Lavrids-

datter Vasspyd, og senere af hendes Søstersøn Laurids Grubbe. Denne har vistnok opført en ny Hovedbygning. Efter hans Død 1639 ejede hans Søn Erik Grubbe Gaarden til 1682, da han skødede den til sin Svigersøn Palle Dyre. Dennes Svoger Jørgen Arenfeld, † 1717, gift med Anne Marie Grubbe, solgte 1696 sin Hustrus Part i Gaarden til Oberst F. v. Lützow († 1710), hvis Enke Dorothea Magdalene v. Harstall solgte den 1733 (Hovedgaardstakst 47, Bøndergods 303, Kongetiender 89, Kirketiender 72, og Kirkernes Bøndergods 4 Td. Hrtk.) for 36,000 Rd. til Schoutbynacht H. Brandt († 1736); 1737 solgtes G. ved Auktion for 24,000 Rd. til Gehejmer. C. v. Stöcken, der testamenterede G. til Grev A. G. Moltke. Denne solgte den 1779 til sin Søn Grev J. G. Moltke for 53,000 Rd.; 1782 solgte denne den for 75,000 Rd. til Kommandørkapt. C. Schmit, der 1786 afhændede den til Stiftamtmand C. W. v. Munthe af Morgenstierne, † 1811, for 63,000 Rd. Dennes Enke solgte den 1813 for 837,000 Rd. til Generalkrigskommissær H. C. Astrup, hvis Opbudsbo afhændede den 1819 for 125,000 Rd. til Kmjkr. C. F. Benzon, fra hvem den 1825 overtoges af Statskassen, som 1837 solgte den til Holsteneren Ferd. Trummer, der 1854 afhændede den for 215,000 Rd. til Justitsraad H. Meincke, og denne solgte den 1884 for 650,000 Kr. til den nuv. Ejer, Hr. A. Konow. — Den gamle Hovedbygning brændte 1884; den nuv., opf. paa samme Sted, bestaar af en 1 Stokværk høj Midtbygning med Taarn og to, 2 Stokv. høje Tværfløje, opf. i fransk gotisk Stil; den er omgiven af Grave ligesom Haven. Paa Gaarden findes Laur. Grubbes og Hustrus Billeder.

I *Ryde* har ligget en Adelsgaard; 1356 nævnes Tydikinus Fos de Rythiæ Lalandiæ; 1360—90 ejedes den af Laurids Pedersen af Slægten Gøye, hvis Søn Peder Lauridsen boede her 1408. 1462 nævnes Henrik Hjort i Ryde.

Ryde Sogn var et eget Pastorat indtil 1634, da det fik Gurreby til Anneks; fra 1692 blev Ryde Anneks til Landet, medens Gurreby lagdes til Skovlænge-Søllested. Det ovennævnte Hospital var, før Annekteringen til Landet, Degnebolig til Ryde.

**Søllested Sogn** omgives af Ryde, Stokkemarke, Halsted (den Del, der hører til Sønder Hrd.), Skovlænge, Gurreby og Græshave Sogne. Kirken, mod N. V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil Ø. S. Ø for Nakskov og 2 Mil V. N. V. for Maribo. De noget lavtliggende og temmelig jævne Jorder ere lerede og sandblandede. Nogen Skov (en Del af Søllested Sk., Dyrehave, Højreby Hestehave). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nakskov til Rødby og den Laaland-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2761 Td. Ld., hvoraf 1515 besaaede (deraf med Hvede 173, Rug 149, Byg 522, Havre 217, Bælgsæd 10, Blandsæd til Modenh. 98, Grøntf. 98, Kartofler 9, Sukkerroer 109, andre Rodfr. 107, andre Handelspl. 23), Afgræsn. 349, Høslæt, Brak, Eng m. m. 543, Have 36, Skov 194, Hegn 19, Byggegr. og Veje 87, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 223 Heste, 790 Stk. Hornkv. (deraf 546 Køer), 352 Faar, 238 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 291 Td.; 29 Selvejergaarde med 258, 1 Fæstegd. med 7, 86 Huse med 25 Td., 14 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 720 (1801: 420, 1840: 584, 1860: 716, 1880: 713), boede i 135 Gaarde og Huse; Erhverv : 48 levede af immat. Virksomh., 476 af Jordbrug, 133 af Industri, 20 af Handel, 14 af forsk. Daglejervirksomh., 13 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Søllested* (gml. Form Zulverstede), ved Jærnbanen, med Kirke, Præstegd., Forsamlingshus (for Søllested, Skovlænge og Gurreby S.), Skole, Mølle, Kro, Jærnbanestation, Kro og Postekspedition; *Troelseby*; *Højreby* med Skole og Maskinspinderi. *Højreby-* og *Skidenstræde Huse.* — Hovedgaarden *Søllestedgaard* har $73^3/_4$ Td. Hrtk., $1133^7/_8$ Td. Ld., hvoraf $34^1/_4$ Eng, $563^5/_8$ Skov, Resten Ager; til Godset høre omtr. 18 Td. Hrtk. Fæstegods og $307^1/_2$ Td. Hrtk. Arvefæstegods (Godset ligger i Søllested, Skovlænge, Avnede og Stokkemarke S.). Avlsgaarden *Vilhelmshøj* (opr. i Beg. af 19. Aarh. af Gods fra Gammelgaard) har $23^3/_8$ Td. Hrtk., 401 Td. Ld., hvoraf 376 dyrkes under Gaarden, medens 16 høre til et Parcelsted og 9 til 3 Huslodder. *Troelseby Gaard*: $11^3/_4$ Td. Hrtk., 178 Td. Ld. Ager.

Søllested S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Juris-

diktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landtingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 259. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Øllingsøgaard.

*Kirken* er den eneste nu bevarede Granitkirke i Laalands to vestlige Herreder. Den bestaar af Skib med rund Afslutning mod Øst (Kor), Vaabenhus (af Munkesten) mod S. og Kapel imod N. Flere af de oprindelige, rundbuede Vinduer ere bevarede. Indgangen til Kirken er gennem Vaabenhuset. Skibet er senere blevet overhvælvet. Altertavlen er et Maleri af Raadsig fra 1855 (Disciplene i Emaus), Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Beg. af 17. Aarh.; ny, cementstøbt Døbefont. I Skibet Marmortavle med Indskrift over Hans Diderichsen til Øllingsøgaard, † 1790. En Sandstensplade paa Kapellets Nordmur melder, at det er repareret 1739 af Baron Mogens Holcks efterladte Brud Barbara Kirstine Steensen. Det tjener til Begravelse for Familierne Holck og Mühlendorff. Kirken blev restaureret 1858.

*Søllestedgaard* tilhørte i 15. og 16. Aarh. Familien Graa, nemlig Anders Graa 1466—82 og Jørgen Graa 1511—30, senere Fru Inger Oxe 1568—91; 1631 købte Erik Steensen Gaarden, men solgte den 1665 for 9000 Rd. til Jak. Geveke, Kommandant i Nakskov, der afhændede den til Amtmand H. U. v. Lützow († 1722); denne mage-

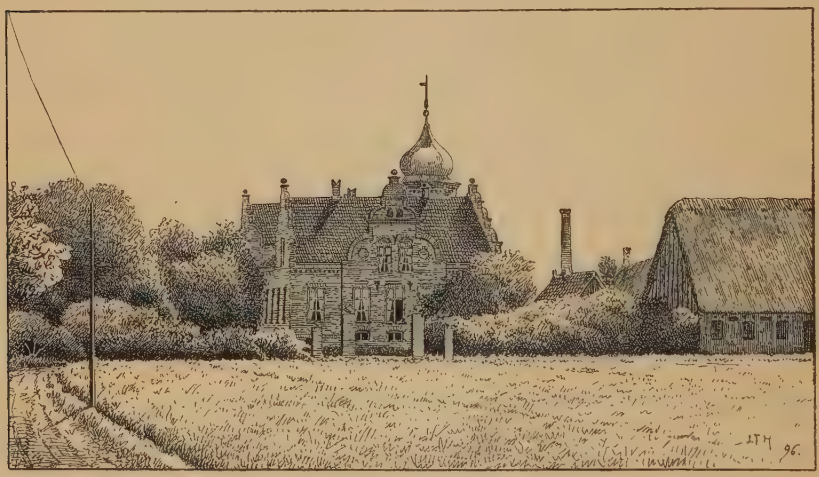

Søllestedgaard.

skiftede den 1706 til Fr. IV mod Hovedgaarden Bispensø, nu Ulriksdal i Musse Hrd. Fr. IV mageskiftede den 1720 til C. Felthusen (Hovedgaardstakst 69 Td. Hrtk.) mod Bremersvold (i alt 281 Td. Ld,). Felthusens Enke Margr. Sidenborg solgte den 1730 for 24,000 Rd. (Hovedgaardstakst 69, Bøndergods 250 Td. Hrtk.) til Schoutbynacht H. Brandt, hvis Enke Eleon. Margr. v. Knuth 1736 solgte den ved Auktion til Karen Holm, Enke efter Anders Riegelsen i Nakskov, for 19,655 Rd. (Hovedgaardstakst 67, Bøndergods 315, Søllesteds Kongetiende 26 Td. Hrtk.). Hun overdrog den 1741 til Sønnen Landsdommer, Kancellir. H. Riegelsen (Fader til Historikeren N. D. Riegels, der fødtes 1755 paa Gaarden) for 20,000 Rd. Han afhændede den 1757 til Grevinde Knuth, Ide Margr. Reventlow for 30,000 Rd. Den forblev nu i Familien Knuths Besiddelse (1782 skødedes den af Kmhr. C. F. Knuth til hans Søn Kmhr. A. C. Knuth for 32,000 Rd.), hvilken sidste 1805 solgte den til Jac. Bølle, som 1810 mageskiftede den med Vintersborg (den Gang vurd. til 340,000 Rd.), til Jørgen Jørgensen († 1827), i hvis Families Besiddelse den er forbleven; nuv. Ejer er (fra 1873) hans Sønnesøn Laur. Jørgensen, (Søn af Etatsr. L. Jørgensen), der overtog den for 713,500 Kr. — Hovedbygningen, paa de tre Sider omgiven af gamle Grave, er opført 1859—60 i Renæssancestil og er 1 Stokværk med Taarn.

Sognet havde fra 1634 Skovlænge til Anneks og fra 1692 ogsaa Gurreby; 1842 blev Søllested et eget Pastorat.

**Skovlænge Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Annekset Gurreby, Søllested, Halsted (den Del, der hører til Sønder Hrd.) og Avnede Sogne. Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. for Nakskov. De lavtliggende, mod N. og N. V. noget højere Jorder ere jævne og lerede. Sydspidsen af Sognet berøres af den Laaland-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 975 Td. Ld., hvoraf 552 besaaede (deraf med Hvede 87, Rug 50, Byg 152, Havre 103, Bælgsæd 21, Blandsæd til Modenh. 58, Grøntf. 16, Sukkerroer 45, andre Rodfr. 16), Afgræsning 109, Høslæt, Brak, m. m. 271, Have 10, Skov 3, Byggegr. og Veje 27. Kreaturhold 1893: 78 Heste, 268 Stk. Hornkvæg (deraf 182 Køer), 176 Faar og 68 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 107 Td.; 16 Selvejergaarde med 94, 33 Huse med 13 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 227 (1801: 181, 1840: 230, 1860: 244, 1880: 238), boede i 51 Gaarde og Huse; Erhverv: 8 levede af immat. Virksomh. 132 af Jordbr., 47 af Industri, 4 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirksomh., 10 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Skovlænge* (Skolænge) med Kirke og Præstegd. *Langager Huse.*

Skovlænge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 260. Lægd. Kirken tilhører Enkefru Raa, Stockholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten i romansk Stil. Vaabenhuset har takket Gavl, Korets Sydside en smuk Portal, oven over hvilken to smaa, ved en muret Søjle forbundne Vinduer. Kirken er overhvælvet. Udskaaren Altertavle fra 1632, rigt udskaaren Prædikestol fra 17. Aarh. Granitdøbefont med Murstensfod. Lysekrone fra 1709, skænket af Præsten Mogens Rahr († 1722). Ved Opgangen til Prædikestolen en Dør med Indskrift: Her Jens Jacobsen Riber og Anna Dve 1598, † 1634 (han var Præst her). Klokken med Indskrift i Minuskler er fra 15. Aarh., men uden Aarstal.

Runestenen, der tidligere fandtes ved Præstegaarden, er nu opstillet ved Stiftsmuseet i Maribo.

Ved *Skovlænge* ligger der et gammelt Voldsted. Det har oprindelig bestaaet af to ovale Voldbanker, hver omgiven af en bred Grav, hvilke Grave berøre hinanden paa et enkelt Sted; den ene Banke er nu sløjfet; der er fundet Murbrokker og en stensat Kælder. Til Stedet knytter der sig et Sagn om to Søstre, der trættedes om Forrangen i Skovlænge Kirke; da Striden ikke kunde bilægges, flyttede den ene til Gurreby og byggede Kirken der. Sagnet har ogsaa haft travlt med, at den svenske General Magn. Stenbock skulde være født paa Stedet, Moderen opholdt sig her, medens hendes Ægtefælle belejrede Nakskov. Rimeligvis har her ligget en anselig Gaard, blandt hvis Ejere kan nævnes Niels Brun i Skovlænge 1454—81, Erik Brun 1492, Nils Pors 1505 og Hemming Brandt 1519.

Indtil 1634 vare Skovlænge og Gurreby eet Pastorat; da blev det første Anneks til Søllested, det andet til Ryde; fra 1692 blev baade Søllested og Gurreby annekterede til Skovlænge som Hovedsogn (se under Søllested S. 182).

**Gurreby Sogn**, Anneks til Skovlænge, omgives af dette, Søllested, Græshave, Arninge og Avnede Sogne. Kirken, mod N. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. S. Ø. for Nakskov. De lavtliggende, jævne og lerede Jorder sænke sig ned mod S., hvor Ryde Aa løber. Vaalshave Skov. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nakskov til Rødby og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet var 1896: 1109 Td. Ld., hvoraf 564 besaaede (deraf med Hvede 73, Rug 66, Byg 183, Havre 57, Blandsæd til Modenh. 99, Grøntf. 22, Sukkerroer 32, andre Rodfr. 21), Afgræsning 119, Høslæt, Brak, Eng m. m. 264, Have 12, Hegn 24, Skov 78, Byggegr. og Veje 40, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 102 Heste, 332 Stkr. Hornkv. (deraf 229 Køer), 228 Faar og 215 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 109 Td.; 11 Selvejergaarde med 87, 2 Fæstegd. med 15, 23 Huse med 6 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 240

(1801: 167, 1840: 203, 1860: 211, 1880: 220), boede i 42 Gaarde og Huse; Erhverv: 16 levede af immat. Virksomh., 177 af Jordbrug, 32 af Industri, 1 af Handel, 11 af forsk. Daglejervirks. og 3 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Gurreby*, ved Landevejen, med Kirke, Forsamlingshus (opf. 1890) og Mølle samt Pastoratets Skole, mellem Gurreby og Skovlænge; *Vaalshave* med Andelsmejeri. Saml. af Huse: *Kohave* og *Hestehave*.

Skovlænge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 261. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Klintholm paa Møen.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S.; den er opført af røde Mursten og er overhvælvet; Gavlene ere prydede med Blindinger og Kamtakker; paa Vestgavlen er der et lille Bindingsværksspir. De oprindelige, rundbuede Vinduer ere tilmurede. Ifølge Indskrift er Kirken restaureret 1708 af Oberst F. U. v. Lützow. Altertavlen er et Gibsrelief af Bissen (Disciplene i Emaus). Udskaaren Prædikestol; Granitdøbefont. Paa Skibets Væg et tarveligt udført Trækrucifiks fra den senere Middelalder. Foran Alteret Ligsten over Apoteker Wulff, † 1650, og Herredsfoged Mads Clemmensen, † 1695.

Ved Vaalshave ligge *„Saltingshøje"*, paa hvilke der efter Sagnet skal have staaet Borge; der er truffet Murbrokker i Mængde.

Om Sognet se under Skovlænge.

**Avnede Sogn**, Anneks til Halsted Sogn i Nørre Hrd., omgives af dette, Skovlænge, Gurreby og Arninge Sogne samt Indrefjord, Nakskov og Avnede Strand (under Udtørring). Kirken, mod N. V. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. for Nakskov. Jorderne ere lavtliggende, jævne og side (store Engstrækninger ved Ryde Aa). Nogle smaa Skove (Avnede Sk., Torpe Sk.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nakskov til Rødby og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1871 Td. Ld., hvoraf 1020 besaaede (deraf med Hvede 106, Rug 208, Byg 281, Havre 97, Blandsæd til Modenh. 167, Grøntf. 9, Kartofler 9, Sukkerroer 100, andre Rodfr. 38), Afgræsn. 177, Høslæt, Brak, Eng m. m. 542, Have 25, Hegn 20, Skov 26, Byggegr. og Veje 57, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 165 Heste, 617 Stkr. Hornkv. (deraf 451 Køer), 325 Faar, 297 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 175 Td. Der var 37 Selvejergaarde med 155, 73 Huse med 18 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 569 (1801: 278, 1840: 416, 1860: 515, 1880: 556), boede i 115 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 412 af Jordbrug, 80 af Industri, 2 af Handel, 29 af forsk. Daglejervirksomh., 14 af deres Midler, og 19 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Store Avnede* (Agnede, gml. Form Agnwith, Agnæwith) med Kirke, Fællesmejeri og Jærnbaneholdeplads; *Lille Avnede*; *Ullerslev* med Skole og Mølle; *Torpe*. Ved Landevejen Gaarden *Nygaard*.

Avnede S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 258. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Juellinge.

*Kirken* (overkalket) bestaar af Skib og Kor i eet, med tresidet Afslutning mod Øst, og lille Taarn mod S. Kirken, der er overhvælvet, har nye, spidsbuede Vinduer; Spor af en oprindelig Indgang ses mod N. Adgangen til Kirken er gennem Taarnet. Paa Klokkebjælken staar: Dette Taarn er sat 1777. Altertavlen er et Maleri fra 1855 af Wegener (2 Kor. $13_{,5}$); den gamle Tavle er et Maleri fra 1749. Udskaaren Prædikestol; ny, støbt Jærndøbefont. En Klokke, som nu ikke bruges og staar i Koret, er fra 1324 med Indskr. i Majuskler.

I Avnede ejede Vald. Sejr Gods, der forblev i Kongefamiliens Eje indtil 1315.

I Avnede Skov er der en anselig Langdysse med to Gravkister.

**Stokkemarke Sogn**, det største og nordligste i Herredet, omgives af Ryde, Søllested og Halsted Sogne (den Del, der hører til Sønder Hrd.), Nørre Hrd. (Vesterborg og Birket S.), Vordingborg Bugt (Bandholmsbugt) og Fuglse Hrd. (Østofte S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil Ø. for Nakskov og $1^1/_2$ Mil N. V. for Maribo. De lavtliggende og jævne, mod V. noget højere Jorder ere lerede, dog mere afvekslende og mod N. af lettere Beskaffenhed end i Herredets andre Sogne. Henved $^1/_7$ er dækket med Skov (Ugleholt Sk., Ørbysk., Blands Skifter, Trelunde, Tjennemarke Hestehave, Kongesk., Skyttevænge, Stokkemarke Hestehave, Løjet Sk., Løjetmose

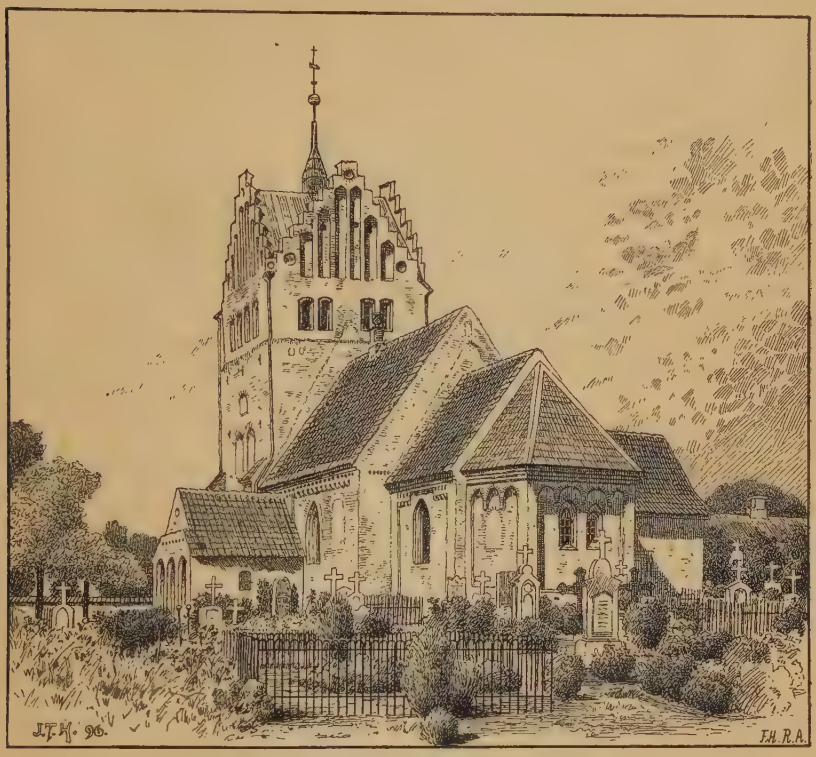

Stokkemarke Kirke.

Sk., Stenssk., en Del af Søllested Sk. m. m.); der er ogsaa en Del Moser (Stokkemarke og Blands Mose samt Gallemose). Til Sognet hører Øen *Lindholm* i Vordingborg Bugt. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nakskov til Maribo og fra Bandholm til Birket.

Fladeindholdet 1896: 8567 Td. Ld., hvoraf 4084 besaaede (deraf med Hvede 373, Rug 562, Byg 1338, Havre 502, Bælgsæd 41, Blandsæd til Modenhed 507, Grøntf. 117, Kartofler 23, Sukkerroer 543, andre Rodfrugter 58), Afgræsning 777, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1944, Have 78, Skov 1356, Moser, Kær og Fælleder 62, Hegn 44, Byggegr. og Veje 199, Vandareal 23 Td. Kreaturhold 1893: 629 Heste, 2138 Stkr. Hornkv. (deraf 1544 1396 Køer), 1269 Faar, 1065 Svin og 34 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 714 Td. Der var 121 Selvejergaarde med 604, 2 Arvefæstegd. med 11, 2 Fæstegd. med 14, 301 Huse med

67 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 2085 (1801: 1272, 1840: 1691, 1860: 2012, 1880: 2139), boede i 427 Gaarde og Huse; Erhverv: 110 levede af immat. Virksomhed, 1336 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 35 af Fiskeri, 410 af Industri, 52 af Handel, 4 af Skibsfart, 86 af forsk. Daglejervirks., 29 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Stokkemarke*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (med Bolig for 4 Kvinder), Fattiggaard (Plads for 60 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1889), Kro, Købmandsforretninger, Andelsmejeri, Mølle og Saftstation (Nakskov Sukkerfabriks); *Brandmose*; *Blands* (Blans) med Skole; *Kjeldernæs* med Skole, Mølle, Købmandsforretninger og Bageri; *Saltvig*; *Abed* med Skole, Folkehøj- og Realskole (opr. 1867), Købmandsforretning og Fællesmejeri; *Tjennemarke* med Mølle og Købmandsforretn.; *Løjet*. Saml. af Gaarde og Huse: *Stokkemarke Skovhuse*, *Nissemose* med Mølle.

Hovedgaarden *Knuthenlund*, omtr. 58 Td. Hrtk., 440 Td. Ld., og Avlsgaarden *Bøllesminde*, omtr. 10 3/4 Td. Htrk., 119 Td. Ld., høre begge til Grevskabet Knuthenborg (s. d.). Hovedgaardene *Stensgaard*, 30 5/8 Td. Hrtk. (hvoraf 16 3/4 i Halsted S., henlagt under Hellingegaard), 343 Td. Ld., hvoraf 56 Skov, Resten Ager og Eng (til Gaarden høre et Skovfogedhus og et Lejehus), og *Ørbygaard*, 30 1/4 Td. Hrtk. (hvoraf 16 i Birket S.), 286 Td. Ld., hvoraf 38 Skov, Resten Ager og Eng, høre begge til Baroniet Juellinge (se S. 201).

Stokkemarke S., en egen Sognekommune, hører under Maribo Birks Jurisdiktion (Maribo), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5 Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 232. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Knuthenborg.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med tresidet Afslutning, Taarn mod V., Vaabenhus (nu Ligkapel) mod S. og Kapel mod N. (før Sakristi, nu Materialhus) og er opført af røde Munkesten. De ældre Dele ere fra den tidligere Middelalder. Der ses saavel i Skib som i Kor Rester af de oprindelige, nu tilmurede, rundbuede Vinduer og Døre. Indgangen til Kirken er gennem en foran Taarnet opført Forhal med fladt Loft. Taarnrummet og Koret ere overhvælvede, Skibet har fladt Loft. Taarnet har kamtakkede Gavle med Blindinger til alle fire Sider. Kirken er restaureret 1850. Paa Alteret en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Christus (den gamle Altertavles Maleri, Nadveren, hænger nu i Apsis; om den ældre Altertavle se ndfr.). Prædikestolen er et Billedskærerarbejde. Døbefont af brændt Ler; paa Døbefadet, der er af Messing, en sjælden smuk Fremstilling af St. Jørgens Kamp med Dragen. I Skibet hænger et vel udført Portræt af Præsten H. P. Halsen († 1691) med Familie; ligeledes Portræt af Præsten C. L. Galschiøtt. I det murede Alterbord fandtes en Blyæske med Runeindskrift (fra 1835 i Nationalmuseet). Den næststørste Klokke fra 1554 er smukt støbt af Karsten Middeldorp i Lübeck. Udvendig paa Kirkemuren staa Ligsten over Præsterne Mads Brun, † 1619, Hans Fr. Mule, † 1626, og Hans Clausøn Cassel, † 1664.

I Stokkemarke Sogn („Stockæmarc" i Vald. II's Jordeb., hvor det nævnes under Fuglse Hrd.), i hvilket Vald. Sejr ejede Jordegods, laa i gammel Tid Landsbyen *Bregerup* (smstds. „Brikæthorp"), hvor der i Middelalderen var et Hospital for spedalske, *„St. Jørgens Gaard udenfor Maribo"* eller *„St. Jørgens Hospital i Bregerup"*. Aar 1389 nævnes Peder Storm i Holeby som dets Forstander; 1474, 1505 og 1514 betænktes det i Testamenter; 1493—96 var en Knud Bentsen Forstander; i 1. Halvdel af 16. Aarh. var det en kgl. Forlening; 1551 syntes det at være blevet ophævet, idet Jordegodset da henlagdes til Hospitalet i Nakskov. Til St. Jørgens Gaarden har der utvivlsomt været knyttet et Kapel, hvori bl. a. det Billede af St. Jørgen har været, om hvilket der i 1545 førtes Trætte mellem Landsdommer Mogens Falster, der dengang havde Gaarden i Forlening, og Sakskjøbing Borgere, fordi disse i Grevens Fejde havde plyndret Billedet for 6 1/2 Lod Sølv; endvidere fandtes sikkert her den Altertavle med Fremstilling af St. Jørgens Legende, som vistnok ved Kapellets Nedbrydning fik Plads i Stokkemarke Kirke, og som nu (fra

1877) findes i Nationalmuseet. Det er mulig denne Altertavle, der har givet Anledn. til, at Stokkemarke Kirke almindelig kaldes St. Jørgens Kirke; i Middelalderen var den helliget St. Klemens (if. Dokum. af 1525). — Ved Saltvig har der staaet et St. Olafs Kapel, hvoraf der endnu fandtes Spor ved Midten af 19. Aarh.; 1896 er Grunden bleven afdækket, hvorved der fandtes Mønter m. m.

Ved Nedlæggelsen af Landsbyen Bregerup og en Bondegaard Ugleholtgaard oprettede Grev Ad. Chrf. Knuth *Knuthenlund* 1729.

Ved kgl. Res. af $^{10}/_{1}$ 1727 blev *Stensgaard*, som ved Magelæg med Knuthenborg for Græsning i Ugleholt Skov blev afstaaet til Baroniet Juellinge, lagt ind under Baroniet. *Ørbygaard* blev ved Lensbrev af 1721, hvorved Baroniet ombyttedes med Juellinge paa Sjælland, lagt ind under Baroniet.

Lige N. for Kjeldernæs har der været en hellig Kilde, „Kogekilden".

Paa Abed Mark er der afdækket en større Gravplads fra den ældre Jærnalder. Ved Kjeldernæs er der fredlyst en Jordhøj, omsluttende en ret anselig Jættestue; i Ugleholt Skov ligger en anden Jættestue og ved Knuthenlund en tredje, med et lille Sidekammer. Paa Blandshoved er der gjort et større Bopladsfund fra den yngre Stenalder.

---

## Laalands Nørre Herred.

**Sogne:**

*Nakskov Lands., S. 188. — Branderslev, S. 189. — Sandby, S. 190. — Kjøbelev, S. 193. — Vindeby, S. 194. — Utterslev, S. 195. — Horslunde, S. 197. — Nordlunde, S. 198. — Herredskirke, S. 199. — Løjtofte, S. 200. — Halsted, S. 201. — Vesterborg, S. 204. — Birket, S. 206.*

---

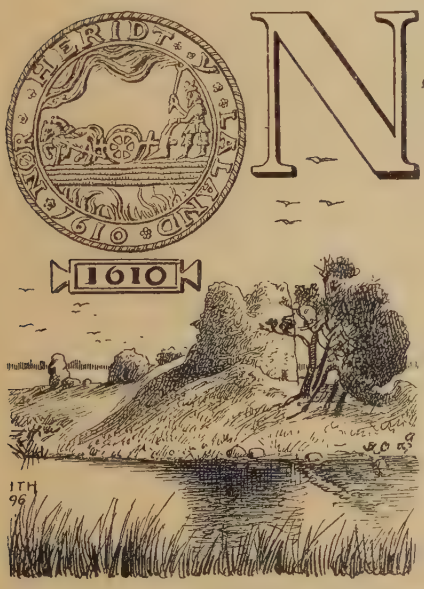


Nørre Herred, det nordvestligste paa Laaland og det næstmindste i Amtet, begrænses mod Ø. og N. af Vordingborg Bugt, mod V. og S. V. af Langelands Bælt og Nakskov Fjord og mod S. Ø. af Sønder Hrd. (Arninge, Skovlænge og Stokkemarke S.), hvorfra det til Dels adskilles ved Halsted Aa og Ørby Aa. Herredets største Udstrækning fra V. til Ø. er omtr. 3, fra N. til S. 2 Mil. De for det meste lerede Jorder ere lavtliggende og jævne undtagen mod Ø., hvor der findes en Del ret stejle Bakker, der omslutte smaa Moser og Kær; Laalands højeste Punkt, Bavnehøj (se S. 104), ligger her. Herredet er ikke rigt paa Skov (3074 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedre Herreder, idet der

i Gennemsnit gaar omtr. 9 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Herredets Fladeindhold blev 1896 ansat til 44,104 Td. Ld. ($4,_{41}$ □ Mil, $243,_4$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $4967,_7$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 11,921 (1801: 7854, 1840: 9984, 1860: 11,281, 1880: 11,708). I Herredet ligger Købstaden Nakskov. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Sønder Hrd., i verdsl. Henseende hører det til Nørre Hrds. Jurisdikt. undt. Halsted S., der hører til Sønder Hrds. Jurisdikt., og til Amtets 1. Forligskreds.

Nørre Herred, i Vald. II's Jordeb.: *Horselundhæreth*, hørte fra 1660 til Halsted Klosters Amt (se videre S. 110).

Ligesom i Sønder Hrd. ere de jordfaste Oldtidsmonumenter her meget ulige fordelte. De findes væsentligst i de nordøstl. Sogne, Birket (omtr. 95), Horslunde (80), Vesterborg (20) og Utterslev (10); fra de øvrige kendes i alt næppe 30. Af Monumenterne ere 25 Stengrave, Resten Gravhøje; 7 Mindesmærker ere fredlyste.

**Litt.**: Indberetning til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i Nørre Hrd., af *Engelhardt* og *Magn. Petersen*, 1876.

---

**Nakskov Landsogn**, det mindste i Herredet, omgives af Nakskov Købstad, Branderslev, Herredskirke, Halsted og Avnede Sogne. Jorderne ere lavtliggende og jævne. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nakskov til Maribo, Rødby og Horslunde samt den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 637 Td. Ld. (deraf 69 ikke matr., indvundne ved Søudtørring), hvoraf 325 besaaede (deraf med Hvede 50, Rug 19, Byg 89, Havre 59, Blands. til Modenh. 34, Grøntf. 15, Sukkerroer 35, andre Rodfr. 7, andre Handelspl. 12), Afgræsn. 26, Høslæt, Brak, Eng m. m. 235, Have 11, Skov 5, Kær og Fælleder 11, Byggegr. og Veje 22 Td. Kreaturhold 1893: 65 Heste, 205 Stkr. Hornkv. (deraf 157 Køer), 88 Faar, 76 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 64 Td.; 10 Selvejergaarde med 55, 67 Huse med 9 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 632 (1801: 118, 1840: 174, 1860: 271, 1880: 314), boede i 88 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 184 af Jordbr., 12 af Gartneri, 2 af Fiskeri, 104 af Industri, 292 af forsk. Daglejervirksomh., 5 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Abildtorpe* med Garveri; *Krukholm*, med 2 Ølbryggerier danner med *Møllemarkens* og *Stormarkens* Huse paa Nakskov Købstadsjorder et Arbejderkvarter for Nakskov By. — *Abildtorpegaard* har omtr. 20 Td. Hrtk., 157 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, Resten Ager. Desuden Gaardene *Provstelund*, *Arvelund*, *Lienlund*.

Nakskov Lands., en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 274. Lægd.

I Middelalderen dannede Sognet et eget Pastorat, *Krogsbølle* (Krukholm, Krogholm). Kirken blev afbrudt 1539, da det befaledes Sognebeboerne at søge Nakskov Kirke. Paa Reformationstiden optraadte Bondesønnen Peder Boesen mod Kirkens sidste katolske Præst Søren Olsen, og Peder Boesen blev da valgt til Sognepræst.

Aar 1550 gav Chr. III Borgerne i Nakskov for 10 Aar al den Jord og Ejendom, som hørte til Kronens Gaarde i Krogsbølle, mod at de skulde betale sædvanlig Landgilde heraf; 1556 blev Brugsretten forlænget til at gælde til 1580, og 1577 fik Borgerne den for stedse, ligesom de ogsaa fik Brugsretten til evig Tid af Kronens Ejendomme i *Skalkenæs* (i Krogsbølle S.), som de oprindelig (1557) kun havde faaet paa 20 Aar.

*Abildtorp* var fordum et lille Kronlen, som 1450 besades af en Adelsmand Briccius, 1502 af Hr. Joh. Fikkesen og 1505 af dennes Enke Fru Margrethe, hvorefter det blev lagt under Engelborg.

**Branderslev Sogn**, fra 1691 Anneks til Nakskov Købstad, omgives af Nakskov Fjord, Nakskov Købstad og Lands., Herredskirke og Sandby Sogne. De lerede Jorder ere lavtliggende og noget bølgeformede. Til Sognet hører den ubeboede *Kuddeholm* (Hesteholm) i Nakskov Fjord. Gennem Sognet gaar Landevejen til Taars Færge.

Fladeindholdet 1896: 2796 Td. Ld. (deraf 19 Td. ikke matr., indvundne ved Udtørring), hvoraf 1445 besaaede (deraf med Hvede 318, Rug 48, Byg 509, Havre 67, Bælgsæd 26, Blandsæd til Modenh. 159, Grøntf. 72, Kartofler 9, Sukkerroer 201, andre Rodfr. 35), Afgræsn. 231, Høslæt, Brak, Eng m. m. 809, Have 36, Hegn 25, Skov 66, Kær og Fælleder 80, Sumpe, Forstr. 13, Byggegr. og Veje 75, Vandareal 15 Td. Kreaturhold 1893: 175 Heste, 843 Stkr. Hornkv. (deraf 619 Køer), 330 Faar, 226 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 321 Td.; 22 Selvejergaarde med 284, 1 Arvefæstegd. med 16, 60 Huse med 21 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 657 (1801: 380, 1840: 549, 1860: 682, 1880: 655), boede i 115 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomhed, 371 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 119 af Industri, 16 af Handel, 86 af forsk. Daglejervirksomh., 16 af deres Midler, og 23 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Branderslev* med Kirke ($^1/_4$ Mil N. Ø. for Byen paa en Bakke), Skole og Fattiggaard (købt 1867, Plads for 27 Lemmer). -- Hovedgaardene *Christiansdal*, der hører under Grevskabet Hardenberg-Reventlow (s. d.), har $71^1/_4$ Td. Hrtk., 530 Td. Ld., hvoraf 36 Eng, Resten Ager; *Nakskov Ladegaard* har $50^1/_2$ Td. Hrtk., 465 Td. Ld. (33 i Sandby S.), hvoraf 100 Eng, 45 Skov og Have, Resten Ager; til Ejendommen høre 4 Arbejderboliger og en lille Rørvævefabrik. *Helgenæs* har $44^1/_4$ Td. Hrtk., 487 Td. Ld. (44 under Nakskov Købstad), hvoraf 80 Eng og Rørskær, 22 Skov, 7 Have og Gaardsplads, 15 under 2 Fæstehuse, Resten Ager; til Ejendommen, som mod Fjorden er beskyttet af Diger, høre desuden 8 jordløse Huse. *Holmegaard* har $26^3/_4$ Td. Hrtk., 221 Td. Ld., hvoraf 212 er Ager, $3^3/_4$ Tørvemose, Have, Gaardsplads osv. og $5^1/_4$ høre til 2 Fæstehuse og 4 Lejehuse; paa Markerne Spor til Sukkerfabrikken. Arvefæstegaarden *Adamsgave* har $17^5/_8$ Td. Hrtk., 135 Td. Ld. (23 i Herredskirke S.), alt Ager; til Ejendommen høre 3 jordløse Huse og en Mølle med Bageri.

Branderslev S., en egen Sognekommune, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Nakskov Lands. samt under 2. Udskrivningskr.' 261. Lægd. Kirken tilhører den større Del af Sognets Hartkornsejere.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning, Taarn af Bindingsværk paa Vestgavlen og Vaabenhus mod S. Den er opf. af røde Munkesten med Granitsokkel i Rundbuestil. Skib, Kor og Vaabenhus have fladt Loft, Apsis halvkuppelformet Hvælving. Altertavlen er et smukt, farvesmykket Billedskærerarbejde (i Midten Nadveren) med Chr. IV's og Fr. III's Navnetræk; udskaaren Prædikestol fra Midten af 18. Aarh.; gammel Granitdøbefont. I Kirken er der to Krucifikser, det ene fra Slutn. af 15., det andet fra Slutn. af 16. Aarh., og flere, til Dels ulæselige Ligsten over Ejere af Christiansdal. Den store Klokke, med Indskrift i Minuskler uden Aarstal., er fra 15. Aarh.

*Christiansdal* (tidligere *Lundegaard*) ejedes 1451 af Ulf Godov, der havde maattet pantsætte Gaarden, maaske til Adelsmanden Mads Thomsen, der 1463 skrev sig „i Lunde"; den blev indløst af Ulfs Søstersøn Hr. Johan Oxe, hvis Søn Torbern Oxe solgte den 1512 til Kong Hans. Den blev saa under Kronen til 1647, da den blev mageskiftet bort til en Borger i Nakskov Peder Hansen. Siden kom den igen under Kronen. I den svenske Krig 1659 blev Gaarden afbrændt; 1686 lagdes en Del af Abildtorp under den; 1694 fik Generalmajor Jak. v. Geveke den at nyde kvit og frit for Livstid. Han døde 1699, hvorefter Gaarden atter kom under Kronen. Fred. IV skødede den 1722 til Hertug Chr. Aug. af Gottorp og Greverne Chr. og Fr. Danneskjold-

Samsøe (Hovedgaardstakst 100, Bøndergods 1056, Tiende 297 Td. Hrtk.) som Erstatning for ældre Fordringer paa Kronen. 1727 afstod Hertugen sin Femtedel til Greverne, hvorpaa disse solgte C. til Grev A. Chrf. Knuth (Bøndergodset forøget til 1101 Td. Hrtk.). Hans Enke Ide Margrethe Reventlow oprettede 1743 Lundegaard med andre Ejendomme til et Baroni Christiansdal (efter Sønnen Chr. F. Knuth), der ved Bevilling af $^{15}/_{6}$ 1804 substitueredes med en Fideikommiskapital, i Stedet for hvilken senere traadte Liliendal (se II S. 944). C. indlemmedes, efter at Bøndergodset var blevet frasolgt, i Grevskabet Hardenberg-Reventlow. — Hovedbygningen er lille, 1 Stokv. høj.

*Nakskov Ladegaard* har tidligere for det meste haft Ejere sammen med Frederiksdal. I Beg. af 18. Aarh. ejedes den af Abrh. Ditl. Suhr, dernæst af H. J. Junior og L. Junior, senere af V. Constance Mourier, som 1837 skødede den for 70,000 Rd. til Stadshauptmand, derpaa af Major Rasmus Clausen, hvis Enke solgte den 1866 for 100,000 Rd. til N. Chr. E. Neergaard, som 1877 afhændede den for 440,000 Kr. til C. A. Neergaard, og denne solgte den 1891 for 335,000 Kr. til den nuv. Ejer, Købmand W. R. Tidemand af Holbæk.

I Branderslev Præstegaard er Filologen og Digteren Chr. Falster født $^{1}/_{1}$ 1690. Vald. Sejr ejede Gods i „Brandæslef".

**Sandby Sogn** omgives af Nakskov Fjord, Langelands Bælt, Kjøbelev, Herredskirke og Branderslev Sogne. Kirken, mod S. Ø. i Sognet, ligger omtr. $^{3}/_{4}$ Mil N. V. for Nakskov. De mod Ø. lerede, mod V. sandede og grusede Jorder ere lavtliggende og lidt bølgeformede. Gennem Sognet, der har nogen spredtliggende Skov, gaar Vejen fra Nakskov til Taars Færge. Til Sognet høre Øerne *Enehøje*, *Slotø*, *Vejlø* og *Rommersholm*, alle i Nakskov Fjord, og *Vensholm* i Langelands Bælt.

Fladeindholdet 1896: 5021 Td. Ld., hvoraf 2542 besaaede (deraf med Hvede 487, Rug 162, Byg 979, Havre 307; Bælgsæd 44, Blandsæd til Modenh. 306, Grøntf. 94, Kartofler 20, Sukkerroer 42, andre Rodfr. 100), Afgræsn. 673, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1321, Have 80, Hegn 52, Skov 158, Kær og Fælleder 29, Sumpe, Forstr. 7, Byggegr. og Veje 144, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 339 Heste, 1311 Stkr. Hornkv. (deraf 950 Køer), 798 Faar, 603 Svin og 16 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 625 Td.; 70 Selvejergaarde med 568, 177 Huse med 57 Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1354 (1801: 856, 1840: 1164, 1860: 1299, 1880: 1362), boede i 283 Gaarde og Huse; Erhverv: 41 levede af immat. Virksomhed., 694 af Jordbrug, 203 af Fiskeri, 222 af Industri, 24 af Handel, 11 af Skibsfart, 115 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler og 24 vare under Fattigv. Fiskeriet (navnlig Sild og Torsk) er et vigtigt Erhverv ved Siden af Agerbrug.

I Sognet Byerne: *Sandby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (opf. 1859, Plads for 24 Lemmer), 2 Forsamlinghuse, (opf. 1888 og 1891, det første mellem Sandby og Taars) og Andelsmejeri; *Harpelunde*; *Højsmarke* (gml. Form Høxmarc) med Skole; *Taars* ved Landevejen, med Fiskerihavn ($4^{1}/_{2}$ F. Vand), Fyr (to faste, hvide Fyr, indrettede 1857, Fl. Højde 32 og 18 F., Lysvidden $2^{1}/_{2}$ og 2 Mil) og Strandkontrolsted. Saml. af Huse: *Lillemarks*, *Sletnæs*, *Lindelse* („Sandby-L."). *Rise Mølle*.

Hovedgaarden *Frederiksdal* har $78^{3}/_{8}$ Td. Hrtk., 650 Td. Ld., deraf 594 under Hovedgaarden (18 Eng, 58 Skov, 14 Park, Resten Ager) og 56 under 22 Fæste- og Lejehuse (omtr. 7 Td. Hrtk.); den ubeboede Vensholm (gml. Form Wængsholm), 9 Td. Ld., hører til Godset. Hovedgaarden *Stensgaard* (tidligere *Laurentzesminde*) har $44^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 358 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 60 Skov, 8 Have, Resten Ager; til Gaarden høre 12 Fæste- og Lejehuse med omtr. 26 Td. Ld. (3 Td. Hrtk.). Hovedgaarden *Asserstrup* har $47^{7}/_{8}$ Td. Hrtk. ($3^{1}/_{8}$ i Kjøbelev, $^{1}/_{2}$ i Herredskirke S.), 390 Td. Ld., hvoraf 18 Eng,

13 Skov, Have og Gaard, 24 til en Husmandsgaard, Resten Ager. — Andre større Gaarde: *Sophiedal*, 20 Td. Hrtk., 157 Td. Ld., hvoraf 5 Skov, Resten Ager; til Ejendommen 1 Lejehus med 2 Td. Ld. og to jordløse Lejehuse. *Krageskov*, $19^5/_8$ Td. Hrtk., 180 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 8 Skov, Resten Ager. *Juelsminde*, $16^1/_4$ Td. Hrtk., 120 Td. Ld., hvoraf 5 Skov, Resten Ager; til Ejendommen et Hus. *Mariendal*, $13^3/_4$ Td. Hrtk., 108 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, Resten Ager. *Strandagergd.*, $13^1/_8$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, Resten Ager. *Steffensminde*, $13^1/_2$ Td. Hrtk., 96 Td. Ld., hvoraf 5 Skov, Resten Ager. En Gaard i Harpelunde, 12 Td. Hrtk., 81 Td. Ld. ($4^1/_2$ i Kjøbelev S.), alt Ager; til Gaarden 1 Lejehus med 3 Td. Ld. *Strandgd.*, $11^5/_8$ Td. Hrtk., 94 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 4 Skov, Resten Ager. *Enehøjø* (i Vald. II Jordeb. Ønæhøghæ) har $12^1/_2$ Td. Hrtk., 178 Td. Ld., hvoraf 26 Eng, 3 Skov og Have, Resten Ager; paa det højeste Punkt af den for en Del kuperede Ø er trigonom. Station.

Sandby S., en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 269. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med firkantet Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten (overkalkede). I Skibets Nordmur ses en tilmuret Dør, ligeledes en i Korets Sydmur, nu aaben. Adgangen til Kirken, der har fladt Loft, var tidligere gennem det med blindingsmykket og takket Gavl prydede Vaabenhus, nu gennem det hvælvede Taarnrum. Under Apsis findes et Gravkapel. Altertavlen er et godt udført Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid med et moderne Maleri (Christus velsignende). Prædikestolen er et ypperligt Billedskærerarbejde; paa Lydhimlen Chr. IV's Navnetræk. Granitdøbefont med muret Fod. Ved Skibets Vestvæg er opstillet et i Renæssancestil udskaaret Galleri, der vistnok oprindelig har staaet mellem Skib og Kor. I Vaabenhuset er opstillet to Ligsten (tidligere i Korgulvet), den ene over Niels Vincentsen Lunge til Asserstrup, † 1552, og Hustru Karen Rosengaard, den anden fra 1680 over Jens Willumsen og Hustru.

*Asserstrup* tilhørte ved 1350 Hr. Johannes Svinekul, senere Jakob Pedersen (Gøye), hvis Enke Abel, senere Enke efter Gotfred Bang, og Søn Jens Jakobsen 1406—7 solgte den til Hr. Folmer Jepsen Lunge. Den ejedes derefter af Hr. Folmers Brodersøn Hr. Tyge Lunge, hvis Datter Kirsten bragte den til sin Ægtefælle Vincents Iversen (Dyre), der ejede den 1485. Den følgende Ejer var disses Søn Niels Vincentsen Lunge, derefter dennes Søn Iver Lunge († 1590); Datteren Kirstine bragte den til sin Mand Knud Venstermand til Pederstrup. Morten Mormand ejede den i Midten af det 17. Aarh.; 1647 lagde han nogle Gaarde af Tjæreby ind under den. Hans Datter bragte den til sin Mand Oberst Chrf. Steensen († 1657); derefter ejedes den af deres Søn, Landsdommer Jokum Fr. Steensen († 1695), hvorpaa den købtes af Justitsraad J. H. Hoffmann, hvis Enke 1707 solgte den til Kmjkr. Joach. Brockdorff, hvorefter den ejedes af Faderen Ditl. Brockdorff og dennes Sønnesøn Schack B. Aar 1747 solgtes A. ved Auktion af Regimentsskriver P. H. Buchalff til Baron C. W. Gedde for 10,000 Rd. (Hovedgaardstakst 47, Bøndergods 172 Td. Hrtk.); 1748 blev den „en frie kompleteret Hovedgaard". Gedde skødede A. 1752 (Hovedgaardstakst 49, Bøndergods 324, Kongetiender 24 Td. Hrtk.) til Krigsr. Laurits Pedersen Smith, der 1763 solgte den til Baron C. F. Knuth; han overdrog den 1784 til sin Søn Baron A. C. Knuth for 23,000 Rd.; denne solgte den s. A. til Baron H. Bolten for 50,000 Rd. 1786 solgtes A. tillige med Frederiksdal (se S. 192) til Kancellir. J. B. Paasche, Forvalter paa Knuthenborg, og Etatsr. S. A. Dons, Forvalter paa Christianssæde, for i alt 63,000 Rd., men A. overlodes s. A. til sidstnævnte for 33,000 Rd. Dons afhændede Bøndergodset og solgte A. 1797 til sin Svoger Apoteker, Kancellir. Cl. Seidelin Jessen, der solgte den 1803 for 48,230 Rd. til Kammerr. Chr. Thorsen, efter hvis Død (1843) den 1847 købtes af Svigersønnen G. F. Jessen († 1870) for 40,000 Rd.; efter Enkens Død solgtes den 1888 til den nuv. Ejer, Jægermester C. Engelsted, for 269,940 Kr.. — Hovedbygningen, der afløste den ældre, som afbrændtes af de svenske 1659, og som var omgiven af Grave, er ombygget 1847—48 og bestaar af høj Kælder, Stue og Kvist.

*Grimsted*, nu *Frederiksdal*, skal være anlagt af Jens Grim, der mageskiftede den med Dronning Margrethe med det Stykke Jord, hvorpaa senere Maribo Kloster anlagdes. I Beg. af 16. Aarh. tilhørte den Rigsraad Niels Lunge († 1552), hvis Datter bragte den til sin Mand Knud Steensen; derefter ejedes den af Sønnen Chrf. Steensen 1602—57 og dennes Søn Hans Steensen († 1686), Justitsraad Hoffmann, hvis Enke 1707 solgte den (47 Td. Hrtk.) til Kmjkr. Joach. Brockdorff (se videre under Asserstrup); 1744 solgtes den ved Auktion til Byfoged Niels Siersted (tillige med Ladegd. 47, Bøndergods 260, Kirketiende 53 Td. Hrtk.) for 19,020 Rd. S. Aar. solgtes Ladegaarden og 1750 Hovedgaarden (i alt 317 Td. Hrtk.) til Krigsr. Laur. Smith for 20,250 Rd. Han afhændede den 1752 for 23,000 Rd. til Grevinde Ide Margrethe Reventlow, der opkaldte den efter Sønnen Chr. Fr. Baron Knuth, som 1784 solgte den til Baron H. Bolten. Denne afhændede den 1786 til Kancellir. Joach. Barner Paasche, hvorefter den 1797 købtes af Etatsr. S. A. Dons og efter dennes Død 1828 af Major Rasm. Clausen, der 1837 solgte den for 64,090 Rd. til to tyske Købmænd C. og A. Burchard. Derefter blev den 1847 solgt af sidstnævnte for 100,000 Rd. til A. M .Nyholm, hvis Familie solgte den 1890 for 500,000 Kr. til den nuv. Ejer D. F. le Maire. — Voldstedet af den gml. Hovedbygning, der har været omgiven af Grave, hvortil en Kanal fra Langelands Bælt førte ind, ses endnu paa en af Markerne bag Gaarden. Den nuv. Hovedbygning er opf. 1756 af Ida Margr. Knuth i Palaisstil; det er en hvid, to Stokværk høj Bygning med et fremspringende Midtparti paa hver Façade; i øverste Stokværk har der været Riddersal. To Lader ere opf. 1723 af Ditl. Brockdorff og 1792 af J. B. Paasche. Den smukke Have er oprindelig anlagt i fransk Stil af Baron Chr. Fr. Knuth, men er nu i engelsk Stil.

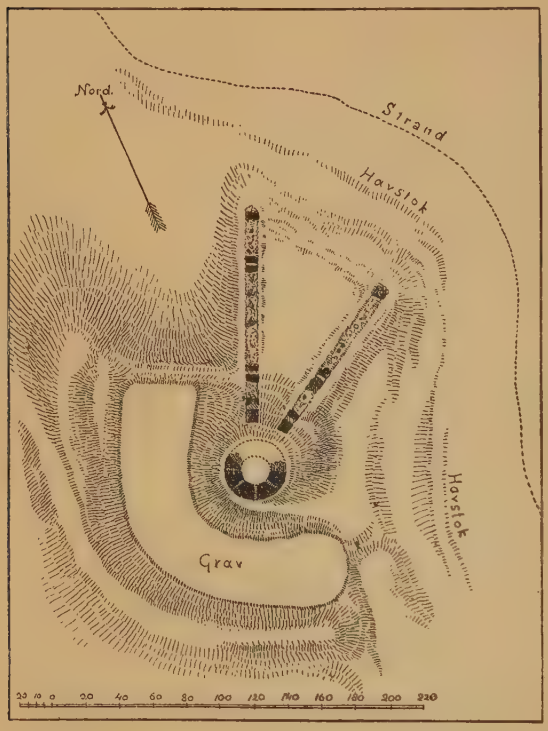


Grundplan af Engelborg.

Efter Prof. Magn. Petersens Opmaaling (i Nationalmus. Arkiv).

Det var ved Grimsted, at Karl Gustav gik i Land $^{6}/_{2}$ 1658 (se om Grimsteds Plyndring af de svenske Danske Mag. 5. R. III Bd. S. 72). Ved Grimsted findes Rester af en Skanse fra Svenskekrigen.

*Laurentzesminde*, nu *Stensgaard*, udlagde Etatsr. Dons af Frederiksdals Hovedgaardsmarker og solgte den 1803 for 26,400 Rd. til S. Hoff Clausen. Den nuv. Ejer, le Maire til Frederiksdal, købte den 1882 for 300,000 Kr. af Forpagter Frederiksen paa Fuglsang.

*Korsnakke*, et fremspringende Punkt ved Kysten, er en Forvanskning af det oprindelige Navn *Korsemarke*. Her boede 1397 Ridderen Hr. Henrik Wardenberg.

Paa den nordøstl. Side af *Slotø* findes de fra 1895 fredlyste Ruiner af *Engelborg*, ogsaa undertiden kaldet *Nyslot*, der if. Huitfeldt skal være anlagt 1510 af Kong Hans til Forsvar for Indsejlingen til Nakskov Fjord. Borgen skal have faaet Navn

efter et Skib „Engelen", der var blevet bygget paa Øen. Til Opførelsen skulle Stenene af det nedbrudte Ravnsborg Slot være benyttede. Engelborg fik dog aldrig nogen Betydning og bestod kun kort, idet den sank i Ruiner, da Nakskov By var bleven befæstet (se S. 131). Da Bisp Jens Andersen Beldenak sad fangen her 1520, var der kun paa Borgen en Slotsskriver og 4 Mand foruden de 4 Skytter, der havde ført Bispen hertil. Aar 1526 fik Niels Vincentsen Lunge Brev paa det Taarn paa Engelborg med Ladegaarden og Gaardsæderne og de øde „øreth" derhos med Abeltorp i Vesternæs. — Ruinerne (se Vign. S. 187) have en mærkelig Form. De bestaa af en omtr. 48 F. høj Rest af et stærkt, rundt Taarn med omtr. 10 F. tykke Mure; fra Taarnet løbe i nordøstl. Retning Resterne af to, over 5 F. tykke Mure, der i divergerende Retning gaa ud til Stranden; baade i Taarnet og Murene er der Spor af Skydeskaar. Ind til Land er Taarnet omgivet af en bred Grav, uden om hvilken der har været en Vold og en Ydergrav (se *N. L. Høyen*, Saml. Skr. II S. 493 fl. — Ill. Tid. $^{22}/_{1}$ 1882).

**Kjøbelev Sogn** omgives af Sandby, Herredskirke og Vindeby Sogne samt Langelands Bælt, der paa Sognets Nordøstgrænse afsætter Onsevig, i hvilken den til Dels gravede *Marrebæksrende* udmunder. Kirken, mod S. Ø. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. for Nakskov. De for det meste lerede Jorder ere lavtliggende og noget bølgeformede. En Del Skov, deribl. Kjøbelev Sk.

Fladeindholdet 1896: 4552 Td. Ld., hvoraf 2624 besaaede (deraf med Hvede 426, Rug 181, Byg 1070, Havre 283, Bælgsæd 26, Blands. til Modenh. 279, Grøntf. 93, Kartofler 10, Sukkerroer 141, andre Rodfr. 113), Afgræsn. 423, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1108, Have 67, Hegn 16, Skov 151, Moser, Kær og Fælleder 7, Sumpe og Forstr. 6, Byggegr. og Veje 130, Vandareal 19 Td. Kreaturhold 1893: 347 Heste, 1482 Stkr. Hornkv. (deraf 978 Køer), 440 Faar, 811 Svin og 25 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 554 Td.; 61 Selvejergaarde med 505, 149 Huse med 49 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1190 (1801: 793, 1840: 971, 1860: 1086, 1880: 1266), boede i 235 Gaarde og Huse; Erhverv: 25 levede af immat. Virksomh., 856 af Jordbrug, 10 af Fiskeri, 156 af Industri, 12 af Handel, 82 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler, og 29 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kjøbelev* (gml. Form Kopælef, vistnok af Mandsnavnet Køpi), med Kirke, Præstegaard og Skole; *Rolykke* med Fattiggaard (indrettet 1862, Plads for 31 Lemmer) og Købmandsforretn; *Skovbølle* med Mølle og Andelsmejeri; *Østerballe*; *Vesterbo* med Skole. *Jesby-* og *Thorslundehuse*, *Kjøbelevhede*, Huse.

Større Gaarde: *Nøjsomhed*, 43 Td. Hrtk., 400 Td. Ld., hvoraf 28 Eng og Græsning, 16 Skov, 6 til to Huse, Resten Ager; desuden 3 Huse. *Lille Kjøbelevgd.*, 40 Td. Hrtk., 300 Td. Ld. (90 i Vindeby S.), hvoraf 10 Skov, Resten Ager; Nakskov Sukkerfabriks Spor gaa over Gaardens Jorder. *Mariebjærg*, $36^{5}/_{8}$ Td. Hrtk., 282 Td. Ld. ($^{1}/_{3}$ af Jorden i Løjtofte S.), hvoraf 32 Skov og Have, Resten Ager; til Ejendommen 4 Huse; Sukkerfabrikken har Spor over Markerne. *Skjelstrupgd.*, $36^{1}/_{4}$ Td. Hrtk. (22 i Sandby S.), $351^{3}/_{8}$ Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 6 Skov, Resten Ager. *Kjøbelevgd. og Cathrinedal*, 35 Td. Hrtk., $249^{1}/_{2}$ Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 14 Skov, Resten Ager. *Rolykkegd.*, $31^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 224 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 6 Skov, Resten Ager. *Glostrupgd.*, $30^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. ($14^{1}/_{8}$ i Herredskirke S.), 221 Td. Ld., hvoraf 15 Skov, Resten Ager; til Ejendommen 2 Huse, det ene med 3 Td. Ld.; over Markerne gaa Sukkerfabrikkens Spor. *Skovbøllegd.*, $18^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. (en Del i Sandby S.), $177^{1}/_{2}$ Td. Ld., hvoraf 1 Eng, 3 Skov, Resten Ager; til Ejendommen 5 Lejehuse og 1 Fæstehus. *Nielstrupgd.*, $16^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., 1 Lejehus. *Marthasminde*, $13^{1}/_{4}$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 6 Skov, Resten Ager. *Præstegaarden*: $13^{1}/_{4}$ Td. Hrtk. *Vesterbogd.*, $12^{3}/_{4}$ Td. Hrtk., 109 Td. Ld., hvoraf 2 Skov, Resten Ager. *Idasminde* (før „Svenstrupgd."), $11^{1}/_{2}$ Td. Hrtk.,

$113^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 3 Eng, $2^1/_2$ Have og Gaardsplads, Resten Ager; 1 Hus.

Kjøbelev S., en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 270. Lægd. Kirken tilhører Sognets Hartkornsejere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning og Taarn mod V.; et Vaabenhus paa Skibets Syd- og et Kapel paa dets Nordside, ere nu forsvundne. Kirken er opført af røde Munkesten. Paa Skibets Sydside, hvor der med Murankre er dannet Aarstallet 1641, ses Spor af en oprindelig Dør. Saavel i Skib som i Kor ses oprindelige, rundbuede Vinduer (se Afbildn. af Korgavlen i *Løffler*, Udsigt osv. S. 218). Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnrummet (overhv.) aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Taarnet har pyramideformet Tag og mod Vest en smuk, rundbuet Indgang. Altertavlen er et Maleri (Nadveren) af Eckersberg fra 1841. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1593. Marmordøbefont med figurlige Fremstillinger paa Foden. I Skibet Portræt af Præsten Povel Danchel, † 1668, og Hustru. I Gulvet Gravsten over Præsten Peder Hansen, † 1631. I Kirken er ophængt et Maleri af Præsten, Stiftsprovst H. Fr. Helweg. Aar 1883 fandtes paa Skibets østl. Væg over Korbuen Rester af Kalkmalerier fra 15. Aarh. Slutning. — Paa Kirkegaarden er der 1894 afsløret en Mindetavle over Biskop Rasmus Møllers her begravede to Hustruer Bodil Marie og Johanne Dorothea, Enke efter Pastor H. C. Winther, Mødre til Digterne Poul M. Møller og Chr. Winther.

*Nøjsomhed* er bygget 1786 af Kmhr. Chr. Fr. Knuth; 1870 fik den en ny, smuk Hovedbygning.

*Rolykke* ejedes 1472 af Mads Thomsen, 1489 af Herman Pors, 1507 af Chrf. Iversen, senere af Fru Anne Oldeland († 1607).

*Glostrup* har en Tid været ejet af Familien Quitzow, deribl. Otto Q., der er bekendt for sin Ondsindethed (han skød paa den under Kirken nævnte Præst Danchel, da han stod paa Prædikestolen); efter en Indskrift paa et paa Gaarden bevaret, udskaaret Stykke Egetømmer ejedes den 1658 af „Staepensen", gift med Elisabeth Zachariæ Datter; senere Ejer var Gehejmer. Erik Rosenkrantz († 1681); fra 1843 tilhørte den Politikeren C. P. F.Drejer († 1871), der købte den for 36.000 Rd.

**Vindeby Sogn** omgives af Vordingborg Bugt med Onsevig, Kjøbelev, Løjtofte og Utterslev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Nakskov. De noget lavtliggende og jævne Jorder ere lerede og sandblandede. Mod N. ved Onsevig Vindeby Skov.

Fladeindholdet 1896: 2076 Td. Ld., hvoraf 1116 besaaede (deraf med Hvede 168, Rug 68, Byg 371, Havre 158, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 128, Grøntf. 62, Sukkerroer 115, andre Rodfr. 29), Afgræsning 253, Høslæt, Brak, Eng m. m. 478, Have 29, Hegn 15, Skov 114, Byggegr. og Veje 63, Vandareal 7. Kreaturhold 1893: 163 Heste, 660 Stk. Hornkvæg (deraf 470 Køer), 267 Faar, 312 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 243 Td.; 29. Selvejergaarde med 228, 76 Huse med 14 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse, Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 591 (1801: 403; 1840: 489, 1860: 538, 1880: 581), boede i 117 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomhed, 345 af Jordbr., 61 af Fiskeri, 84 af Industri, 19 af Handel, 11 af Skibsfart, 37 af forsk. Daglejervirks., 5 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv. Fiskeriet (Sild, Torsk, Aal) er af nogen Betydning.

I Sognet Byerne: *Vindeby* (gml. Form Wyndesæby) med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (opr. 1866, Plads for 36 Lemmer), Puggaards Stiftelse (opr. 1872 af Grosserer R. Chrf. P. med Fribolig for 3 enlige Kvinder), Mølle, Bageri og Andelsmejeri; *Skredtorpe*. Ved den nordøstl. Side af Indløbet til Onsevig ligger *Onsevig* Udskibningssted (ved den 1855—58 anlagte Skibsbro er der indtil 6 F. Vand) med Kro og Købmandsforretn.

Større Gaarde: *Vindebygd.*, $40^5/_8$ Td. Hrtk., $305^1/_2$ Td. Ld. (42 i Kjøbelev S.), hvoraf $3^1/_2$ Eng, 12 Skov, 10 Have, Gaardspl., Veje osv., Resten

Ager; til Ejendommen 5 Huse med $3^1/_2$ Td. Ld. *Frederiksminde*, 26 Td. Hrtk. (omtr. 9 i Utterslev S.), 193 Td. Ld., hvoraf 9 Eng, 17 Skov, 3 Oredrev, Resten Ager; over Markerne Sukkerfabrikkens Spor. *Birkemosegd.*, 15 Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 7 Skov, Resten Ager; 3 Huse. *Skovballegd.*, 14 Td. Hrtk., 128 Td. Ld., hvoraf 10 Skov, 10 Eng, Resten Ager; to Huse. *Toftegd.*, $12^3/_8$ Td. Hrtk., 103 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, 10 Skov, Resten Ager. *Bøgeskovgd.*, $12^1/_8$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 12 Skov, Resten Ager.

Vindeby S., en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 272. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* (indviet til St. Andreas) bestaar af Skib, Kor med lige Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført (1373?) af røde Munkesten. Skibet har to oprindelige Døre i N. (tilmuret) og i S. (nu dækket af Vaabenhuset); Indgangen til Kirken er gennem det hvælvede Taarnrum, der aabner sig med en i nyere Tid dannet Bue ind til Skibet. I Koret er bevaret et Par rundbuede Vinduer. Koret og Taarnrummet ere overhvælvede, Skibet har fladt Loft. Taarnet, der har blindingssmykkede Trappegavle, er yngre end Skib og Kor. Altertavlen er et smagløst udskaaret og bemalet Billedskærerarbejde. Et ældre, lille Alterskab hænger i Korbuen. Granitdøbefonten har en smuk Kumme paa høj Fod. Prædikestolen er udskaaren i Renæssancestil; paa Døren ved Opgangen staar: Asser Marqvard son sognepræst anno domini 1602. I Koret Epitafier over Præsten Zacharias Hansen Sadolin, † 1685, og Proprietær Rasmus Sørensen til Vindebygaard, † 1681, i Skibet Epitafium over Præsten Hans Eriksen Mand, † 1690, med Familie samt en Trætavle med Kirkens Historie og Series pastorum, opsat 1686, og en Buste af Biskop Rasmus Møller. Den ældste af Klokkerne er støbt 1584 af Mattis Benninck i Lübeck.

*Vindebygaard* tilhørte 1426—56 Jens Andersen, 1463—98 Anders Jensen, hvis Enke Gertrud Brun og Datter Anne Andersdatter, Peder Grands, 1498 og 1505 afhændede Gaarden til Hr. Eskild Gøye, der samtidig købte en Part i Gaarden af Anders Jepsen, der vistnok var Anders Jensens Søstersøn. Derefter tilhørte den Hr. Eskilds Søn Hr. Mogens Gøye, hvis Datter Fru Eline Gøye ejede den 1552. I 17. Aarh. tilhørte den Familierne Lindenov og Stensen.

*Onsevig* skal tidligere være gaaet langt længere op i Landet og have været sejlbar til Lille Kjøbelev.

Ved Vindeby ligger en fredlyst Jættestue.

Vindeby Sogn var 1691—1832 Anneks til Kjøbelev.

**Utterslev Sogn** omgives af Vordingborg Bugt, Vindeby, Løjtofte og Horslunde Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Nakskov. De lerede, dog ved Stranden noget sandede og grusede og flere Steder side Jorder (Utterslevmader, det udtørrede Kastager Nor) ere lavtliggende og jævne. Nogen Skov, deribl. Vintersborg Skov.

Fladeindholdet 1896: 4028 Td. Ld. (48 Tdr. ikke matr., indvundne ved Udtørring), hvoraf 2130 besaaede (deraf med Hvede 387, Rug 144, Byg 725, Havre 299, Bælgsæd 38, Blandsæd til Modenh. 195, Grøntf. 61, Sukkerroer 218, andre Rodfr. 56), Afgræsn. 463, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1130, Have 51, Hegn 28, Skov 94, Moser og Kær, Sumpe, Forstr. 8, Byggegr. og Veje 110, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 331 Heste, 1236 Stkr. Hornkv. (deraf 877 Køer), 572 Faar, 411 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 488 Td.; 63 Selvejergaarde med 429, 1 Arvefæstegd. med 7, 1 Fæstegd. med 6, 142 Huse med 45 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 972 (1801: 749, 1840: 885, 1860: 1000, 1880: 971), boede i 207 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomhed, 736 af Jordbr., 7 af Fiskeri, 147 af Industri, 15 af Handel, 9 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Utterslev* (gml. Form Otterslef) med Kirke, Præstegd.,

Skole, Mølle og Andelsmejeri; *Kastager* med Skole, Købmandsforretn., Mølle og Magasinbygning (ret anselig Ind- og Udførsel); *Tjørneby*. Saml. af Huse: *Utterslevmader*, *Bøjet-*, *Bjælkehoved-* og *Kildelykke Huse*.

Hovedgaarden *Vintersborg* har $57^{7}/_{8}$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^{1}/_{2}$ Td. Skovsk., 496 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 60 Skov, Resten Ager; til Ejendommen, over hvis Marker Sukkerfabrikkens Spor gaa, høre 8 Lejehuse med Haver. Hovedgaarden *Havgaard*, der hører under Baroniet Juellinge (s. S. 201), har 45 Td. Hrtk. ($10^{1}/_{4}$ i Løjtofte S.), 348 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 11 Skov, Resten Ager. *Sofiendal*, $22^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. (omtr. $^{1}/_{3}$ i Vindeby S.), 180 Td. Ld., hvoraf 6 Skov, Resten Ager; over Markerne gaa Sukkerfabrikkens Spor. *Tjørnebygd.*, $22^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 154 Td. Ld. (8 i Vindeby S.), hvoraf 6 Eng, 8 Skov, Resten Ager; over Markerne gaa Sukkerfabrikkens Spor. *Alleenborg*, 22 Td. Hrtk., 160 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 6 Skov (i Vindeby S.), Resten Ager; til Ejendommen høre 2 Huse med 3 Td. Ld. og 1 jordløst Hus; over Markerne gaa Sukkerfabrikkens Spor. *Hedegd.*, $11^{3}/_{4}$ Td. Hrtk., 109 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 2 Græsning og Diger, Resten Ager; 2 Huse og 1 Smedje.

Utterslev S., en egen Sognekommune, hører under Sønder Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 275. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten. Den nordl. Indgang er tilmuret, den sydl. dækkes af Vaabenhuset. Af de oprindelige, rundbuede Vinduer ere to bevarede i Kor og Apsis. Kor og Skib have fladt Loft, Apsis Halvkuppelhvælving; Taarnrummet er overhvælvet og har haft Spidsbue ind til Skibet, nu en smal Rundbue. Altertavlen er et Maleri af A. Dorph (Opstandelsen) i en egetræsmalet Ramme med de Ruders og Pappenheimers Vaabener fra 1648. Granitdøbefont som i Kjøbelev. Prædikestolen er et ret vel udført Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid. I Skibet Portræt af Provst P. C. Rhode, † 1793 (Forf. til Saml. til Laal. Hist.). Foran Alteret ligge to Sten over Præsterne Niels Jensen, † 1625 (paa Randen Indskr. over Chr. Knudsen Pontoppidan, † 1674), og over Troels Nielsen, † 1632 (tillige med Indskr. over Præsten M. Th. Ruchrad, † 1706). Ogsaa Poul Rogert (se S. 110) var Præst her, † 1749. Den store Klokke er støbt 1581 af Mattis Benninck i Lübeck.

*Vintersborg* hed tidligere *Utterslevgaard*. Aar 1401 overdrog Hr. Joh. Skarpenberg alt sit Gods i Utterslev og andetsteds paa Laal. til Hr. Predbjørn Podebusk (se Kirkeh. Saml. 3 R. VI Bd., S. 401); 1473 tilhørte Gaarden Claus Grubendal, som det synes i Fællesskab med Mogens Hak, hvis Datter Lene bragte den til sin Ægtefælle Knud Gøye, som solgte Gaarden til Hr. Hans Krafse. Dennes Datter Karen bragte Gaarden til sin Mand Jørgen Rud († 1571), hvis Søn Ejler Rud († 1618) opførte Bygninger paa Gaarden, der for længe siden ere forsvundne. Efter ham ejede hans Søn Borchard Rud Gaarden († 1647); hans Enke beboede den til sin Død (1672), hvorpaa Arvingerne solgte den til Gehejmer., Baron H. O. v. Winterfeldt, der med kgl. Bevill. af $^{18}/_{9}$ 1673 af Utterslevgaard og Sæbygaard, nu Sæbyholm (se S. 204) oprettede et Baroni, som ved hans Død (1694) tilfaldt hans Søn Kapt. G. Winterfeldt († 1699), der efterlod det til sin Datter Juliane Margrethe, ved hvem det kom til hendes Mand Generalmajor Chrf. Eichstedt († 1728). Efter en langvarig Proces tilfaldt det Baronesse Sophie Winterfeldt, der var gift med Baron Giedde († 1757). Efter hendes Død 1769 kom Baroniet til Kmhr. Greve Flemming Holck-Winterfeldt († 1772), derefter til Broderen Gust. Fr. H.-W. († 1776), hvis Søn Fr. Chr. H.-W. if. kgl. Bevilling af $^{6}/_{2}$ 1801 fik Baroniet substitueret med Hovedgaarden Fjellebro i Fyn og en Fideikommiskapital. Hovedgaarden solgtes til Grev C. A. H. Hardenberg-Reventlow (Hovedgaardstakst 140, Bøndergods 727, Kongetiender 47, Kirketiender 109 Td. Hrtk.) mod Fjellebro og Skovgaard og 97,000 Rd.; 1803 solgte Grev H. C. A. Hardenberg-Reventlow V. (Hovedgaardstakst 46, Bøndergods 288 Td. Hrtk.) for 150,000 Rd. til Forpagteren Jørgen Jørgensen, som 1810 mageskiftede den for Sollestedgd. til Jak. Bølle (Vintersborg vurd. til 128,000 Rd.), af hvem F. A. Hastrup

købte Godset 1843 for 80,000 Rd.; nuv. Ejer, Sønnen Julianus Hastrup, købte det 1883 for 375,000 Kr. — Den et Stokv. høje Hovedbygning af Grundmur med Frontespice er opf. 1803, men helt ombygget 1854. Der findes endnu en Kostald, over hvis Porte der staar „H. R. — M. v. P. Anno 1614“ (ɔ: Hilarius [Ejler] Rud og Margr. v. Pappenheim).

*Havgaard* ejedes i Fr. II's Tid af Fru Salome Daa, men kom senere under Kronen, indtil den 1721 blev indlemmet i Baroniet Juellinge. Til Gaarden hører ingen Hovedbygning, kun en Forpagterbolig.

En Fru Elsebe i *Biskopballe* nævnes 1484 (Vintersborg Skov hed tidligere Biskopsballehave).

**Horslunde Sogn**, det største i Herredet, omgives af Utterslev og Løjtofte Sogne, Annekset Nordlunde, Halsted, Vesterborg og Birket Sogne samt Vordingborg Bugt (Raagø Sund). Kirken, mod S. V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Nakskov. Det lille Vandløb Kastbæk, der kommer fra Pederstrup Sø i Vesterborg Sogn og løber mod N. ud i Raagø Sund, deler Sognet i to Dele, hvoraf den vestl. har for det meste lavtliggende og lerede Jorder, medens den nordøstl. er højere og en Del kuperet med noget sandede og grusblandede Jorder. En Del Skov, især mod N. (Nøbbøllelunder, Nøbbet Øster- og Vestersk., en Del af Kastager Sk. m. m.). Til Sognet høre den $^1/_4$ Mil fra Kysten liggende *Raagø* (123 Td. Ld.) og den ubeboede *Raagø Kalv*.

Fladeindholdet 1896: 6238 Td. Ld., hvoraf 3330 besaaede (deraf med Hvede 331, Rug 363, Byg 1179, Havre 481, Bælgsæd til Modenhed 350, Kartofler 13, Sukkerroer 306, andre Rodfr. 215, Frøavl 38), Afgræsn. 458, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1552, Have 67, Hegn 7, Skov 648, Byggegr. og Veje 160, Vandareal 16 Td. Kreaturhold 1893: 468 Heste, 1735 Stkr. Hornkv. (deraf 1230 Køer), 1191 Faar, 885 Svin og 33 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 723 Td.; 36 Selvejergaarde med 211, 74 Arvefæstegd. med 378, 6 Fæstegd. med 48, 292 Huse med 76 Td. Hrtk. og 34 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1899 (1801: 1418, 1840: 1576, 1860: 1901, 1880: 1913), boede i 420 Gaarde og Huse; Erhverv: 60 levede af immat. Virksomhed, 1105 af Jordbr., 54 af Fiskeri, 350 af Industri, 45 af Handel, 9 af Skibsfart, 192 af forsk. Daglejervirksomh., 48 af deres Midler, og 36 vare under Fattigv. Fiskeriet har en Del Betydning.

I Sognet Byerne: *Horslunde* (gml. Form Horsælund, se S. 188) med Kirke, Præstegd., Skole, Realskole (opr. 1895), Fribolig (for 4 Kvinder under Fattigv.), Forsamlingshus (opf. 1889), Postekspedition, Telefonstation, Saftstation for Nakskov Sukkerfabrik, Kro, Dampmølle, Savværk, Maltgøreri, Bageri, Uldstrikkeri, m. m.; *Nøbbølle* med Købmandsforretn.; *Tvede* med Skole og Fællesmejeri; *Ravnsholt*; *Urne*; *Egholm* (Ind- og Udførsel fra Egholm Strand); *Nøbbet* (Nybygd.) med Skole, Mølle, Købmandsforretn. og Bryggeri; *Svinsbjærg* med Mølle, Købmandsforretninger og Kalkbrænderi; *Bulbro* med Fattiggaard for Horslunde-Nordlunde Komm. (opr. 1867, Plads for 40 Lemmer). Saml. af Gaarde og Huse: *Nøbbøllehede*, *Ørslykke Huse*, *Buskebohuse*. Paa *Raagø* (i Vald. II's Jordeb. Raø) er der to Gaarde og Lodsstation.

Større Gaarde: Fæstegaarden *Store Tvedegd.*, under Baroniet Juellinge, $23^1/_8$ Td. Hrtk., 199 Td. Ld. *Orehavegd.*, $13^1/_2$ Td. Hrtk., 95 Td. Ld., deraf 87 Ager, Resten Skov; 3 Lejehuse. *Cathrinesminde*, $14^7/_8$ Td. Hrtk., 135 Td. Ld., hvoraf 15 Skov, Resten Ager; 2 Huse. *Store Egholmsgd.*, $11^1/_4$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 20 Skov, Resten Ager; 1 Hus.

Horslunde S., een Sognekommune med Annekset, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 277. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Christianssæde.

*Kirken* (indviet til St. Hans) bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og en langt yngre, stor Sidefløj mod S. Kirken er anselig og opført af røde Munkesten. Paa Kor og Skib ses Levninger af Døre; paa Apsis er bevaret en smuk Gesims og tre gamle, rundbuede Vinduer. Skib og Tilbygning have fladt Loft, Koret er overhvælvet. Taarnet har blindingssmykkede og takkede Gavle. Altertavlen, udskaaren af Egetræ, er vist fra Slutn. af 17. Aarh.; Prædikestolen er et rigt udskaaret Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid; smuk Granitdøbefont. Det hvælvede Taarnrum, der adskilles fra Skibet ved et smukt udskaaret Tralværk, er indrettet til Ligkapel for Familien Reventlow; det indeholder tre Marmorkister. — Paa Kirkegaarden ligge bl. a. begravede: Grev Chr. Ditl. Fr. Reventlow, † 1827 (se Gravskriften i Rhodes Saml. ved Friis, I S. 167), hans Søster Frederikke Louise (g. m. Rigsgreve Chr. Stolberg), † 1824, Grev F. Ditl. Reventlow, Gesandt i England, † 1866, Grev Chr. Ditl. Reventlow, † 1859. I Kirken har været et St. Josts Kapel.

Om Præstegaarden, i hvis Have der er Grave, som skulle stamme fra Svenskekrigen 1658—59, og om Præsten Jak. Hansen Cunningham se *Rhode*, Saml. I S. 233, Rhodes Saml. ved *Friis* I S. 168 og Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 307 (se ogsaa *C. N. Smith*, En gml. Præstegaard, Interiør fra Tyverne, i Hist. Arkiv 1888 S. 81 fl.).

I *Horslunde* har der ligget to nu nedlagte Hospitaler, hvoraf det ene var opr. 1753 af Grev Chr. D. Reventlow († 1759), det andet 1824 af Chr. D. Fr. Reventlow († 1827).

Aar 1431 afhændede Kirsten, Ejler Palendorps Datter, al sin Rettighed i *Horslundegaard* til Anders Asmundsen.

Nøbbet (Nybygaards) Skov minder om *Nybygaard*, der 1472 var en Adelsgaard, som ejedes af Claus Henriksen.

I Sognet har ligget en for længe siden forsvunden Hovedgaard *Høøth*, hvis Navn skrives højst forskelligt. Den tilhørte 1377 Fru Margrethe, Erik Sjællandsfars Enke, der 1379 pantsatte den til Hr. Evert Moltke. Hans Søn Henneke Moltke fik ved en Dom 1397 Stadfæstelse paa sin Besiddelse af Gaarden, men Hennekes Arvinger solgte den 1400 til Dronning Margrethe. Aar 1397 skrev Claus Bintop sig i „Hæwedæ", 1447 Landsdommeren i Laaland Mogens Clausen af „Høwetzgaardh" og 1472 Hans Pedersen i „Høwssgarth", men om disse Adelsmænd have været Gaardens Ejere eller kun haft den i Brug eller Forlening, vides ikke. Aar 1565 var der endnu en By „Høyet". Endnu findes i Sognet Højmøllegaard.

Paa Gaarden Sophienbergs Mark har der formentlig staaet en Bygning fra Middelalderen, da der oppløjes røde Munkesten.

*Nybølle* og *Urne Birker* ere et gammelt Len. Aar 1392 indløste Dronning Margrethe Nybølle Birk fra Hr. Benedict von Ahlefeldt, hvis Broder Hr. Johannes v. Ahlefeldts Enke og Børn havde det i Pant. Aar 1397 nævnes Peder Jacobsen i „Nøbølæ". Senere havde Hr. Oluf Holgersen Ulfstand og Kansler Johan Friis dette Len. Den sidste Lensmand Adam Normand havde det til 1588.

Paa en af Horslunde Bys Marker findes en ret vel bevaret Jættestue.

**Nordlunde Sogn,** Anneks til Horslunde, omgives af dette, Løjtofte og Halsted Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. Ø. for Nakskov. De lavtliggende Jorder ere lerede.

Fladeindholdet 1896: 770 Td. Ld., hvoraf 453 besaaede (deraf med Hvede 56, Rug 38, Byg 117, Havre 43, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenhed 75, Grøntf. 28, Sukkerroer 66, andre Rodfrugter 12), Afgræsn. 95, Høslæt, Brak m. m. 186, Have 10, Skov 2, Byggegr. og Veje 20, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 71 Heste, 265 Stkr. Hornkv. (deraf 194 Køer), 171 Faar, 77 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 97 Td.; 22 Selvejergaarde med 86, 26 Huse med 11 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 263 (1801: 155, 1840: 200, 1860: 225, 1880: 240), boede i 53 Gaarde og Huse; Erhverv: 4 levede af immat. Virksomhed, 153 af Jordbrug, 54 af Industri, 7 af Handel, 3 af Skibsfart, 28 af forsk. Daglejervirks., 3 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Vester-Nordlunde* med Kirke, Skole, Fribolig (under Fattigv.) og Mølle. *Husby Huse.* — En Gaard i V.-Nordlunde har 14 Td. Hrtk., 127 Td. Ld. (hvoraf 52 i Horslunde S. ere Arvefæste under Pederstrup), deraf 2 Skov, Resten Ager.

Nordlunde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr.

Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 278. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

*Kirken* er meget lille og bestaar af Skib, Kor med firkantet Afslutning og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten (lagte i „Blokskifte", skønt Kirken vist er fra Beg. af 13. Aarh.), oprindelig i Rundbuestil. Skibets Vestgavl er vist yngre end dets øvrige Partier. Flere gamle Vinduer med smukke Indfatninger ere bevarede i Skibet. Korgavlen er forsynet med rige Murstensforsiringer; Rundbuefrisen bæres af Konsoller med forskellig Fremstilling i hver enkelt, et Mandehoved, et Blad, en Nøgle osv.; det rigt prydede Vindue i Korgavlen er tilmuret. Indgangen er gennem den oprindelige Syddør, der nu dækkes af Vaabenhuset. Baade Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er et Maleri (Jesus og den samaritanske Kvinde) af N. A. Lützen fra 1864 (den gamle Altertavle fra omtr. 1500 med Fremstilling af Johannes den Døbers Legende findes i Nationalmuseet). Smuk Granitdøbefont; i Koret et gotisk Skab af Egetræ. Prædikestolen, af Fyrretræ, er ny, men med Blyornamenter fra 17. Aarh. Klokken, med en ulæselig Indskrift i Minuskler, er fra 15. Aarh.

I Nordlunde har der været et nu nedlagt Hospital, opr. 1835 af J. J. Skafte, opf. 1839.

Nordlunde var indtil 1687 annekteret til Vesterborg.

**Herredskirke Sogn** omgives af Annekset Løjtofte, Vindeby, Kjøbelev, Sandby, Branderslev, Nakskov Lands. og Halsted Sogne samt to Enklaver af Løjtofte Sogn. Kirken, noget mod N. i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. for Nakskov. De lavtliggende, til Dels jævne Jorder ere lerede.

Fladeindholdet 1896: 1705 Td. Ld., hvoraf 1039 besaaede (deraf med Hvede 167, Rug 63, Byg 373, Havre 118, Bælgsæd 35, Blandsæd til Modenh. 67, Grøntf. 43, Kartofler 6, Sukkerroer 125, andre Rodfrugter 41), Afgræsning 200, Høslæt, Brak, Eng m. m. 355, Have 16, Hegn 14, Skov 26, Byggegr. og Veje 46, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 143 Heste, 499 Stk. Hornkv. (deraf 353 Køer), 229 Faar, 876 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 220 Td.; 22 Selvejergaarde med 197, 1 Fæstegd. med 7, 49 Huse med 13 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 366 (1801: 263, 1840: 407, 1860: 394, 1880: 415), boede i 65 Gaarde og Huse; Erhverv: 6 levede af immat. Virksomhed, 298 af Jordbrug, 51 af Industri, 4 af forsk. Daglejervirksomh., 6 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet den enligt liggende *Kirke* og Byerne *Vester-Karleby* med Præstegaard og Fællesmejeri („Ly"); *Ringseby*; *Store Løjtofte*. Saml. af Gaarde og Huse: *Bjerreby*, *Bulskov* (en Del i Halsted S.), *Karlelund* m. m. — Større Gaarde: *Gammeleje*, $38^1/_2$ Td. Hrtk. (4 i Løjtofte S.), 276 Td. Ld., hvoraf 11 Skov, 5 Have, Resten Ager; 4 Lejehuse. *Sannegd.*, $25^3/_8$ Td. Hrtk., 198 Td. Ld., hvoraf 8 Skov (i Kjøbelev S.), Resten Ager; 2 Lejehuse. *Ringsebygd.*, $13^3/_8$ Td. Hrtk., 104 Td. Ld., hvoraf 2 Skov, Resten Ager; 1 Lejehus.

Herredskirke S., een Sognekommune med Annekset, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskreds samt 2. Udskrivningskr.' 273. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* — „*Herredskirke*", maaske fordi den var den først byggede Kirke i Herredet og stod i et vist Forhold til Herredstinget, ligesom de af Chr. IV ophævede Præstekalenter i sin Tid bleve holdte her — bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Mursten. Paa Skib og Kor (hvidkalkede) ses Levninger af oprindelige Døre og Vinduer; navnlig Syddøren har været meget pragtfuld. Indgangen er nu i Taarnets Vestside. Taarnet er meget tidlig tilbygget, i Overgangsstil; dets øverste Del er ny. Kor, Skib og Taarnrum ere overhvælvede. Altertavlen er et smukt Billedskærerarbejde fra Renæssancetiden med tarvelige Malerier af Christus, Matthæus og Peder. Paa Triumbuens Væg en i Træ udskaaren Fremstilling af

Gud Fader med den korsfæstede. Smuk Font af graat Marmor. Tarvelig Prædikestol. I Gulvet Ligsten over Laurids Andersen, Foged paa Asserstrup, † 1660. Klokken er smukt støbt 1584 af Mattis Benninck fra Lübeck. — Kirken ligger forholdsvis højt, og alle Herredets Kirker, undtagen Birket, kunne ses fra Taarnet.

*Gammeleje* er en sammenkøbt Gaard, som i 1855 kun var 120 Td. Ld.; denne Hovedparcel skal i Modsætning til Egnens fleste Bønderjorder have været Selvejendom i omtr. 400 Aar, deraf Gaardens Navn.

**Løjtofte Sogn**, Anneks til Herredskirke, omgives af dette, Halsted, Nordlunde, Horslunde, Utterslev og Vindeby Sogne; Sognet har flere Enklaver. Kirken, S. V. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Nakskov. De lavtliggende, enkelte Steder lidt bakkede Jorder ere lerede.

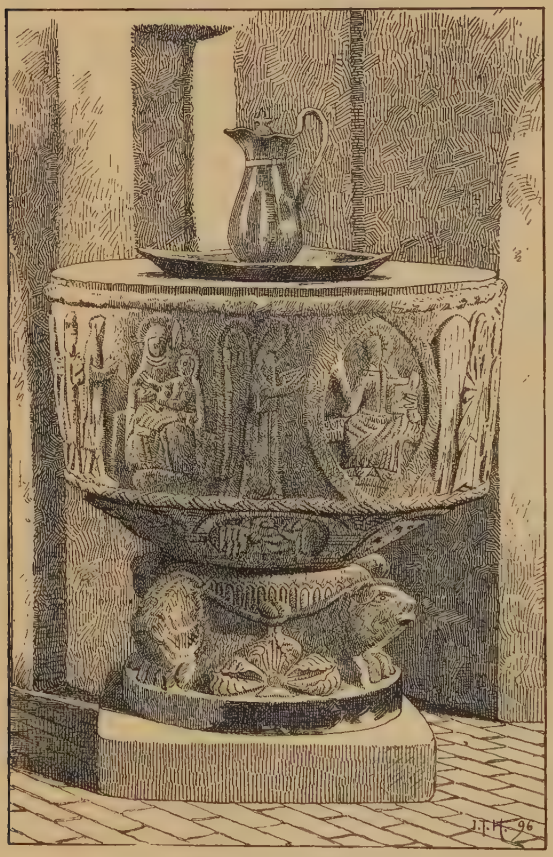

Døbefonten i Løjtofte Kirke.

Fladeindholdet 1896: 973 Td. Ld., hvoraf 542 besaaede (deraf med Hvede 81, Rug 54, Byg 144, Havre 50, Bælgsæd 8, Blands. til Modenh. 95, Grøntf. 42, Sukkerroer 50, andre Rodfr. 15), Afgræsn. 160, Høslæt, Brak, Eng m. m. 203, Have 9, Hegn 9, Byggegr. og Veje 39, Vandareal 10 Td. Kreaturhold 1893: 70 Heste, 264 Stkr. Hornkv. (deraf 189 Køer), 172 Faar og 82 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 113 Td., 23 Selvejergaarde med 106, 33 Huse med 7 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 392 (1801: 126, 1840: 213, 1860: 221, 1880: 312), boede i 81 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 276 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 73 af Industri, 1 af Handel, 10 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Lille-Løjtofte* (gml. Form Løffwe toffte) med Kirke, Skole og Teglværk; *Sandbjærg* med Mølle; en Del af *Øster-Karleby* (Resten i Halsted S.).

Løjtofte S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 276. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* er lille og bestaar af Skib, Kor med lige Afslutn. (overkalkede) og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten. Paa Skib og Kor spores gamle, rundbuede

Døre og Vinduer. Vaabenhuset skjuler den rigt profilerede Syddør. Skibet har fladt Loft, Koret er hvælvet. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid med et Maleri (Christus i Emaus). Mærkelig Granitdøbefont med Relieffremstillinger af Christi Barndomshistorie (se *Magn. Petersens* Artikel i Ill. Tid. $^{9}/_{6}$ 1878). I Koret et udskaaret gotisk Skab. Tarvelig Prædikestol. Klokken er anbragt i Østgavlen. — Paa Kirkegaarden en Ligsten over Sognefoged Jeppe Hansen, † 1650.

I Sognet har Herredets Tinghus ligget.

Løjtofte hørte tidligere til Nakskov Kapellani, men blev 1691 annekteret til Herredskirke.

**Halsted Sogn**, hvoraf største Delen ligger i Nørre, Resten i Sønder Herred, omgives af Annekset Avnede, Skovlænge, Søilested og Stokkemarke Sogne i Sønder Hrd. samt Vesterborg, Horslunde, Nordlunde, Løjtofte, Herredskirke og Nakskov Lands. i Nørre Hrd. samt Avnede Strand. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr $^{3}/_{4}$ Mil Ø. N. Ø. for Nakskov. De for det meste lerede Jorder ere gennemgaaende jævne, omkring Halsted By, Højfjelde og Juellinge noget højere liggende. I Sognet en Del Skov (Dyrehave, Bødkersk., Hellinge Skovhave, Sæbyholms Sk.). Halsted Aa, der danner Grænsen mellem Sønder og Nørre Hrd., falder ud her i Avnede Strand. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nakskov til Maribo og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 5169 Td. Ld., hvoraf 2603 besaaede (deraf med Hvede 377, Rug 179, Byg 893, Havre 324, Bælgsæd 32, Blandsæd til Modenh. 249, Grøntf. 72, Kartofler 15, Sukkerroer 385, andre Rodfr. 70), Afgræsn. 542, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1251, Have 75, Hegn 51, Skov 371, ubevokset 31, Kær og Fælleder 60, Sumpe, Forstrande 9, Byggegr. og Veje 145, Vandareal 31 Td. Kreaturhold 1893: 365 Heste, 1537 Stkr. Hornkv. (deraf 1060 Køer), 860 Faar, 451 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 624 Td.; 49 Selvejergaarde med 468, 2 Arvefæstegd. med 10, 14 Fæstegd. med 94, 103 Huse med 32 Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse ($^{1}/_{2}$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1170 (1801: 950, 1840: 1032, 1860: 1117, 1880: 1138), boede i 204 Gaarde og Huse; Erhverv: 49 levede af immat. Virksomh., 735 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 154 af Industri, 13 af Handel, 170 af forsk. Daglejervirksomh., 26 af deres Midler, og 19 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Halsted*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Hellinge*, ved Landevejen, med Fattiggaard for Halsted-Avnede Kommune (opr. 1891, Pl. for 40 Lemmer); *Meltofte* med Missionshus („Salem", opf. 1882); *Højfjelde*; *Tvede* med Mølle; *Skovby*; *Øster-Nordlunde* med Mølle og Andelsmejeri (Kragemose); største Delen af *Øster-Karleby* (Resten i Løjtofte S.). Saml. af Gaarde og Huse: *Bulskov*, *Sæby*, *Kragemose Hvilehuse*.

Hovedgaarden *Sæbyholm*, under Grevsk. Hardenberg-Reventlow (s. d.), har $105^{3}/_{8}$ Td. Hrtk., omtr. 640 Td. Ld. Ager, 160 Td. Ld. Eng (dertil Sæbyholms Skov, 174 Td. Ld.); til Gaarden høre Godsforvalterboligen *Rudolfsholm*, ($12^{1}/_{2}$ Td. Ld.), Arvefæstegods omtr. 27 og Fæstegods $8^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. — Hovedgaarden *Juellinge*, Hovedsædet i **Baroniet Juellinge** *), har $80^{3}/_{4}$ Td. Hrtk., 631 Td. Ld., hvoraf 28 Eng, Resten Ager; til Gaarden hører en Mølle i Sognet. Desuden *Hellingegaard* (se S. 186). — *Karlebygaard* har 13 Td. Hrtk., 94 Td. Ld., alt Ager.

Halsted S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sønder Herreds

*) Til *Baroniet Juellinge* høre $561^{3}/_{8}$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $186^{3}/_{4}$, indtaget til Skov $44^{1}/_{4}$, Skovskyld $23^{1}/_{2}$, Bøndergods $198^{3}/_{4}$, Konge- og Kirketiende 108 Td., i Bankaktier 12,800, andre Fideikommiskapitaler 1,388,396 Kr. Arealet udgør i alt 4338 Td. Ld., deraf drives 1500 under Hovedgaardene Juellinge, Havgaard, Ørbygaard og Stensgaard, 1209 drives som Skov, og Bøndergodset udgør 1629 Td.

Jurisdiktion (Nakskov), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 267. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Juellinge.

*Kirken*, der har dannet den nordl. Side af Halsted Kloster (se ndfr.), er stor og anselig og bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, Taarn mod V. og Kapel mod N. Den er opført af Kamp og Mursten formentlig i Slutn. af 13. Aarh., men den har undergaaet saa mange Forandringer, at kun en ringe Del af den oprindelige Kirke staar tilbage; 1510 afbrændtes den tillige med Klosteret af Lübeckerne; den blev vel snart genopført, men allerede 1591 blev den ombygget af Enkedronning Sophie. Kapellet er opført 1636 for Sæbyholms Ejere af Borchard Rud (se ndfr.). Kirken, der har smukke, høje Hvælvinger, blev under Ledelse af Prof. Ove Petersen underkastet en Restauration 1868—77 baade i det Ydre og Indre, hvorved man søgte at bringe den tilbage til dens oprindelige Udseende, og ved hvilken bl. a. Taarnet, med blindingssmykkede Gavle, opførtes helt fra nyt, et Vaabenhus nedreves og Indgangen blev

Halsted Kirke.

gennem Taarnet. Altertavlen er et godt Billedskærerarbejde fra 15. Aarh. (Midtpartiet: den korsfæstede); paa Fløjene findes malede Fremstillinger af den hellige Historie m. m. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1535; Granitdøbefont; Bækkenet er skænket 1608 af Ejler Rud. Koret er adskilt fra Skibet ved et smukt udskaaret Gitter fra 17. Aarh. I Kapellet, hvor der findes Begravelser for den Rudske, Winterfeldtske og andre Familier, der have ejet Sæbyholm, er der Epitafier over Borchard Rud, hans Hustru og Forældre: Ejler Rud og Hustru, samt en Tavle, hvis Indskrift lyser Forbandelse over dem, som forstyrre Graven (Historikeren N. D. Riegels lod dog i sin Tid Kisterne opbryde „for at tilfredsstille sin Curiositet"). I Kirken findes Ligsten over Ejler Rud († 1618) og Hustru, Borchard Rud († 1647) og Hustru og Borchard Pappenheim († 1590) og Hustru (se Personalh. Tidsskr. 1890 S. 253); desuden Epitafier over Sognepræsterne, Provst Knud Pontoppidan, † 1662, og Joh. Rasch, † 1684. Den ældste Klokke, fra 1374(?), er nu omstøbt; i Kapellet staar en lille, ubrugt Klokke, prydet med en Frise af gotiske Ornamenter. — Paa Kirkegaarden ere bl. a. begravede Fred. C. Krag-Juel-Vind-Frijs til Grevskabet Frijsenborg og Baroniet Juellinge, Stiftamtm. over Laal.-Falsters Stift, † 1815, og Hustru samt flere af Familien.

Hovedgaarden *Juellinge* er det gamle **Halsted Kloster**. Oprindelig var Stedet Krongods (i Vald. II's Jordebog: „Haldstadth" og „Halstath"), men 1284 kom det ved Mageskifte i Erik Plovpennings Datter Juttas Besiddelse; mulig er det da hende, som har medvirket ved Opførelsen af Klosteret. I alt Fald synes dette ikke at være rejst tidligere end ved Slutningen af 13. Aarh.; i Dokumenter nævnes det første Gang 1305. Halsted, som husede Munke af Benediktinerordenen, maa have staaet under Ringsted Klosters Overhøjhed, siden Abbeden her 1354 stadfæstede et Brev, hvorved Prioren i Halsted, Broder Esbern, tilskødede Vald. Atterdag nogle Ejendomme i Vesterborg Sogn m. m. Klosteret har næppe været af de betydeligere Herreklostre, ihvorvel det ses at have ejet en Del Jordegods, og om dets Skæbne haves kun faa Efterretninger. Aar 1332 blev Chrf. II's Søn Erik midlertidig bisat i Klosterkirken; 1510 afbrændte som alt omtalt Lübeckerne Klosteret. Henved 10 Aar senere blev dette, som oprindelig styredes af Priorer, ophøjet til et Abbedi*); den første Abbed var Hans Fugl, efter ham fulgte Knud Fru, der vistnok har staaet i Spidsen for Klosteret indtil Sækularisationen i 1538. Derefter var det i længere Tid en kgl. Forlening (1538 fik Otte Ratlou det mod bl. a. at underholde de tilbageblevne Munke; i Beg. af 1570'erne havde Peder Oxe det); 1578 forenedes det med Ravnsborg, og 1588 fik Dronning Sophie det som Livgeding; senere havde Sophie Amalie det til sin Død 1685. Halsted

Juellinge.

faldt derefter tilbage til Kronen, men 1719 mageskiftede Fred. IV det for Hovedgaarden Juellinge paa Sjælland.

**Baroniet Juellinge** var blevet oprettet 1672 af Valbygaard i Hellested Sogn, Stevns Hrd. (se II S. 859), af Gehejmer. Jens Juel († 1700), hvis Datter Sophie Cathrine blev gift med Etatsr., Stiftamtm. Fr. Vind; det var deres Søn Kmjkr., senere Kmhr. Jens, ophøjet i friherrelig Stand 1708 under Navn af Juel-Vind († 1726), som foretog det ovennævnte Mageskifte og $^{26}/_{12}$ 1721 fik Baroniet overført til det laalandske Gods. Jens Juel-Vind var gift med Ide Helle Margr. Krag til Stamhuset Stensballegaard, og deres Søn, Gehejmer., Justitiarius i Højesteret Jens, som efter at have tiltraadt Stamh. Stensballegd. fik Navnet Krag-Juel-Vind († 1776), var den næste Besidder af Baroniet. Han var gift med Sophie Magdalene v. Gram, Besidderinde af Grevsk. Frijsenborg, og deres Søn, Grev Fred. Carl Krag-Juel-Vind-Frijs († 1815) arvede Frijsenborg tillige med Baroniet (medens Stensballegd. gik over til en yngre

*) Det har alm. været antaget, at Klosteret blev et Abbedi 1515, vel fordi der i Halsted Kirkes Taarnrum hænger en af Sognepræsten Joh. Rasch forfattet Tavle bl. a. med Indskriften: „1515 H. Hans Fuell, Abbed og Sognepræst i Halfstad, som paa een Kirckens forgylte Kalck sit Nafn under Foden hafver ladet udsticke: Frater Johan Fvell, primus abbas monasterii Halfstadii" (denne Kalk findes ikke mere). Aaret 1515 kan imidlertid ikke være rigtigt; thi $^{4}/_{4}$ 1515 gjorde Kongen et Mageskifte med Prioren i H., og 1517 udstedte den pavelige Legat Arcimboldus et Afladsbrev for Prior og Brødre i H.

Broder). Næste Besidder af Baroniet var dennes næstældste Søn, Kmhr. Grev Carl Ludv. Krag-Juel-Vind-Frijs († 1838), efter hvis Død Baroniet gik over til hans yngre Broder Erhards Søn, Fred. Julius Krag-Juel-Vind-Frijs († 1885). Nuv. Besidder er dennes Søn Grev Jens Chr. Krag-Juel-Vind-Frijs. — Hovedbygningen, en to Stokværk høj Bygning i italiensk Renæssancestil, er opf. 1847—49 paa det Sted, hvor Klosterets vestl. Længe stod, medens den sydl. Længe af Klosteret, ligeledes i to Stokv., endnu er bevaret; 1850—56 opførtes nye Mejeri-, Stald- og Ladebygninger. I den store, smukke Have er der 1872 af Baroniets Beboere rejst en Sandstensstøtte med Portrætmedailloner i Marmor af den forrige Besidder og Hustru.

*Sæbyholm* (tidligere *Sæbygaard*) tilhørte 1355 Hr. Ludv. Albertsen (Eberstein), der skænkede den til Halsted Kloster. 1386 skrev derefter Hr. Lippolt van der Ost sig af Sæby og ligeledes 1465 Hr. Henrik Daa, der dog muligvis kun havde Gaarden i Forlening. I alt Fald havde en senere Besidder af Gaarden Oluf Falster Gaarden i Pant af Kronen, og han var gennem sin Moder Arving efter Hr. Henr. Daa. Oluf Falster havde Sæbygd. 1502—29, derefter fik Sønnen Peder Falster Livsbrev paa den, hvilket overførtes til hans Svigersøn Borchard v. Pappenheim, der 1565 af Kongen fik Skøde paa Sæbygd. Dens næste Ejer var hans Svigersøn Ejler Rud, hvis Søn Borchard Rud her opførte store, grundmurede Bygninger; Markerne indhegnede han med Diger, og en kostbar Vandledning anlagdes fra Mølledammen ned til Gaarden (se om ham *Vedel Simonsen*, Efterretn. om de danske Ruder II S. 211 fl.). Han døde 1647 som Slægtens sidste Mand; hans Enke maatte if. en Proces afstaa S., der nu kom under Kronen. Aar 1673 skødede Chr. V den til Friherre Winterfeld (se under Vintersborg); 1695 fik han Tilladelse til at afbryde Nørre Sæby og lægge dens 8 Gaarde under S. ($30^1/_2$ Td. Hrtk.). Ved Baroniets Opløsning solgtes S. tillige med Vintersborg til Grev C. H. A. Hardenberg-Reventlow (se S. 196), der lagde Godset ind under Grevskabet. — Det gamle Sæbyholms Bygninger, der laa paa en Halvø, omflydte af Grave og Fjorden, ere nu afbrudte, og en ny Hovedbygning, i eet Stokv. med Kvist, er opført 1856—58 nogle hundrede Al. mod N. V. ved Landevejen.

*Meltofte* har været en gammel Hovedgaard, der 1360—97 ejedes af Jens Krag, som en Tid var Landsdommer i Laaland og siges at have indgivet sig i Halsted Kloster med alt sit Gods. Senere kom Gaarden atter i privat Eje og tilhørte Anders Graa 1449, Niels Madsen (Gøye) 1462 og Christiern Brun 1482. Sidstnævnte overdrog 1500 Gaarden til Kronen mod at faa Livsbrev paa den og paa Knubbelykke og Næsby Birker. Senere havde bl. a. Hr. Otto Krumpen Gaarden i Forlening. Dens sidste Lensmand Chrf. Rosengaard fratraadte den 1588.

Foruden en *St. Helene Kilde* har der i Sognet tæt V. S. V. for Halsted været en hellig Kilde, *Magshøj Kilde*, der endnu i Beg. af 19. Aarh. besøgtes af syge St. Hans Nat. Her var der et *St. Olufs Kapel*, som Sognefolket i Halsted 1564 fik Tilladelse til at nedbryde for at benytte Materialerne til deres egen meget forfaldne Sognekirke.

Tæt V. for Øster-Karleby ligger „*Brun Kirke*“, formentlig en gammel Borgplads. Et andet Voldsted findes ikke langt V. S. V. herfor.

**Vesterborg Sogn** omgives af Annekset Birket, Horslunde og Halsted Sogne samt Sønder Hrd. (Stokkemarke S.). Kirken, mod S. V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil Ø. N. Ø. for Nakskov. De gennemgaaende lerede Jorder hæve sig fra det omliggende lavtliggende Land og ere temmelig bakkede („det laalandske Schweiz“). Omtr. $^1/_5$ af Arealet er dækket med Skov (Benedictes Lund, Rosningen, Ludvigshave, Bøgeskov, Bøgeholte Sk., Nørre- og Sønder-Fredsk., Nørrerodsk.). I Sognet ligger Pederstrup Sø og Vesterborg Sø (omtr. 20 og 50 Td. Ld.); gennem det løber Halsted Aa.

Fladeindholdet 1896: 4466 Td. Ld., hvoraf 1986 besaaede (deraf med Hvede 266, Rug 174, Byg 686, Havre 225, Bælgsæd 13, Blands. til Modenh. 117, Grøntf. 64, Kartofler 14, Sukkerroer 386, andre Rodfr. 32, andre Handelsplanter 8), Afgræsning 350, Høslæt, Brak, Eng m. m. 841, Have 83, Hegn 37, Skov 985, Moser, Kær og Fælleder 13, Byggegr. og Veje 142, Vandareal 28. Kreaturhold 1893: 284 Heste, 1144 Stk. Hornkvæg, (deraf 810 Køer), 418 Faar, 410 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 422 Td.; 5 Selvejergaarde med 156, 35 Arvefæstegaarde med 206, 2 Fæstegd. med 5, 138 Huse med 42 Td. Hrtk. og 27 jordløse Huse ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1211

(1801: 767, 1840: 1201, 1860: 1282, 1880: 1274), boede i 221 Gaarde og Huse; Erhverv: 104 levede af immat. Virksomhed, 532 af Jordbr., 3 Gartneri, 261 af Industri, 38 af Handel, 199 af forsk. Daglejervirksomh., 37 af deres Midler, og 37 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vesterborg* med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. af Abigael Marie v. Stœcken, Enke efter P. Brandt til Pederstrup, udvidet 1725 af Grev Chr. D. Reventlow til Pederstrup, med Fribolig for 8 Lemmer), Apotek, Lægebolig, Sygehus, Bryggeri og Saftstation for Nakskov Sukkerfabrik; *Vedby*; *Bønnet* med Købmandsforretn. og Maskinfabrik; *Langesø* med Skole; en Del af *Magletving* med Skole, Købmandsforretn., Teglværk og Mølle (Resten i Birket S.). Desuden mærkes *Sønderborg Fattiggaard* (for 50 Lemmer), *Vesterborg Skovhuse* med Købmandsforretn., *Bøgeskovhuse* med Mølle.

Hovedgaardene *Pederstrup*, $99^1/_2$ Td. Hrtk., 798 Td. Ld., alt Ager,

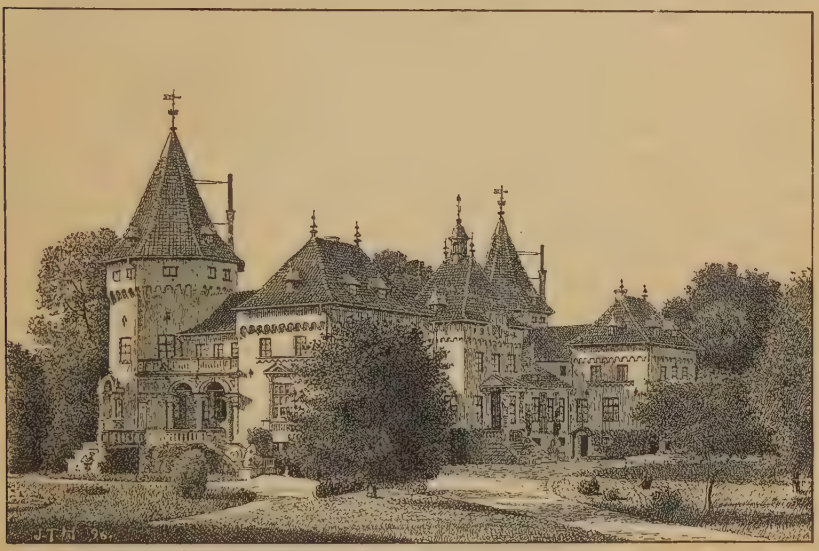

Pederstrup.

6 Familiehuse, og *Skjelstofte*, $44^1/_8$ Td. Hrtk., 372 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, Resten Ager, 4 Familiehuse, høre under Grevsk. Christianssæde (s. d.). Paa Pederstrup er Landkontor for Laal. Spare- og Laanebank. *Vesterborggaard* (sammenlagt af Bøndergaardene „Estergd." og „Vestensborg" samt omtr. 17 Td. Ld. af Præstegaarden) har $17^1/_8$ Td. Hrtk., 145 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 2 Skov, 2 Have og Gaardspl., Resten Ager; 2 Lejehuse.

Vesterborg S., en egen Sognekommune, hører under Nørre Herreds Jurisdiktion (Nakskov) — i gejstl. Henseende hører det under Sønder Hrd. —, Maribo Amtstue- (Maribo) og Nakskov Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 279. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, med et lille Træspir paa Østgavlen. Den er opført af Munkesten, har rundbuede Vinduer og er overhvælvet; den blev restaureret 1855. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra omtr. 1700 med

et Maleri, forestillende Kvinderne ved Graven. Sandstendøbefont. I Kirken findes Epitafier over Morten Venstermand til Søholt, † 1610, og Hustru Anne Galt, over Præsten Jens Theophilussen Ruchrad, † 1709, samt en indmuret Sten med Mindeord, sat af Grev C. D. Reventlow over Faderen, Statsminister Grev R., Bisp P. O. Boisen og Seminarielærer A. Hansen. I den østl. Hvælving er der fremdraget et Kalkmaleri (Treenigheden) fra omtr. 1530.

Paa Kirkegaarden er der et af Stiftets Præster og Lærere 1833 rejst Monument over Bisp P. O. Boisen, der blev Præst her 1787 og, da han blev Bisp i Laaland-Falsters Stift 1805, beholdt sit Præstekald og blev boende i Vesterborg til sin Død 1831; 1802 oprettede han i Præstegaarden et Skolelærerseminarium, som han selv var Forstander for; det nedlagdes kort efter hans Død. Ogsaa hans Søn L. N. Boisen († 1875), der var Præst i V., ligger begravet her.

*Pederstrup* er opstaaet af Landsbyen Pederstrup. 1354 skødede og oplod Prioren i Halsted Kloster, Esbern, og hele Konventet sammesteds Kong Vald. Atterdag alt deres Gods i Pederstrup, Vesterborg Sogn, i Nørlunde og Birket med alt Tilliggende, hvilket Gods Hr. Lavrids Jensen, Ridder, havde givet Klosteret for sin Sjæls Saligheds Skyld. Pederstrup og Pederstrup Birk var derefter i 200 Aar et Kronelen, der i Kong Olufs Tid var pantsat til Rikman von der Lanken, fra hvem det indløstes af Hr. Henrik Parow, der faldt 1389 ved Falkøping; 1410 indløste Dronning Margrethe P. fra Hr. Peder Walkendorffs Hustru og overdrog Lenet s. A. sammen med Krønge Len til Hr. Jens Grim; 1502 var Hr. Markvard Rønnow Lensmand paa P., siden i mange Aar Mikkel Brockenhuus og hans Søn Jacob Brockenhuus; 1576 mageskiftede Kronen P. til Lage Venstermand, † 1587, der som Ejer efterfulgtes først af sin Broder Morten, † 1610, saa af deres Broderdatter Kirsten Venstermand, gift med Jørgen Grubbe, der faldt 1626 ved Lutter am Barenberg; Fru Kirsten forulykkede 1619, efter Sigende ved at springe i en Kaarde, da hun stod af sin Vogn. P. blev 1624 solgt til en indvandret Brandenburger Hans Grabow, † 1625, efter hvem P. tilfaldt Sønnen Joachim Gr., † 1634, og derefter dennes Sønner Hans og Vincents G.; 1673 skødede H. V. v. Harstall Gaarden til Hofmester Kai Rumohr. Senere tilhørte den Overrentemester H. v. Stocken († 1680), hvis Svigersøn, Gehejmr. Peter Brandt († 1701) 1684 købte den af Medarvingerne og lagde betydeligt Gods under den samt 1686 opførte en ny Hovedbygning, ligesom han oprettede Hovedgaarden *Skjelstofte* af Parceljorder fra Pederstrup. Sønnen Schoutbynacht H. Brandt solgte 1725 P. og Skjelstofte til Grev C. D. Reventlow (Hovedgaardstakst 122, Bøndergods 707, Tiender 347 Td. Hrtk.), der 1729 lagde dem under Christianssæde (s. d.). — Hovedbygningen, der ligger ved den smukke Pederstrup Sø, og som afløste den af P. Brandt opførte 2 Stokv. Bindingsværksbygn., er opf. 1827 efter Tegn. af Konferensr. C. F. Hansen og blev 1861—62 forandret og restaur. med to runde Taarne og Spir efter Tegn. af Kmhr. Meldahl.

I *Benedictes Lund* (tidligere *Theophilii Skov* efter Præsten Jens Theophilussen Ruchrad) ligge Grevinde Benedicte f. v. Qualen († 1813), og hendes Mand Grev C. D. Reventlow († 1851) og ældste Søn († 1828), tillige med andre af Familien begravne.

I Sognet har tidligere ligget en Hovedgaard, *Søgaard*.

Paa Præstegaardens Mark findes et Voldsted, „*Borrebanken*“, maaske Stedet for „den vestre Borg“ (i Vald. II's Jordeb. nævnes „Wæsterburgh“). Hvor den østre Borg har ligget, vides ikke; men at der har været en saadan, ses af, at Vald. II herfra bekræfter den Ratzeborgske Kirkes Privilegier (se *Suhm*, Hist. af Danm. X S. 77).

Ved Pederstrup ligger den mærkelige „*Kong Svends Høj*“, en aflang firkantet, stenomsat Jordhøj, der omslutter en $39^1/_2$ F. lang og $5^3/_4$ F. bred Stengrav, dækket af 7 Overliggere, sikkert det længste Gravkammer i Landet.

**Birket Sogn**, Anneks til Vesterborg, omgives af dette og Horslunde Sogn, Vordingborg Bugt (Raagø Sund) og Sønder Hrd. (Stokkemarke S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil Ø. N. Ø. for Nakskov. De med nogen Tilsætning af Sten, Grus og Sand lerede Jorder ere stærkt bakkede; en Del Tørvemoser; her findes Laalands højeste Punkt, Bavnehøj, 94 F., $29,_5$ M. I Sognet en Del Skov (Torrig Sk.); Halsted Aa løber gennem det.

Fladeindholdet 1896: 4569 Td. Ld., hvoraf 2134 besaaede (deraf med Hvede 308, Rug 239, Byg 724, Havre 386, Bælgsæd 29, Blandsæd til Modenh. 135, Grøntf.

55, Kartofler 14, Sukkerroer 174, andre Rodfr. 62, andre Handelspl. 8), Afgræsning, 408, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1129, Have 53, Hegn 10, Skov 544, Moser 102, Kær og Fælleder 39, Heder, Klit 14, Byggegr. og Veje 126, Vandareal 10. Kreaturhold 1893: 358 Heste, 1134 Stkr. Hornkvæg (deraf 779 Køer), 892 Faar, 517 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 474 Td.; 41 Selvejergaarde med 229, 19 Arvefæstegd. med 116, 11 Fæstegd. med 60, 144 Huse med 40 Td. Hrtk. og 25 jordløse Huse. ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1224 (1801: 876, 1840: 1123, 1860: 1265, 1880: 1267), boede i 260 Gaarde og Huse; Erhverv : 35 levede af immat. Virksomhed, 774 af Jordbr., 55 af Fiskeri, 253 af Industri, 33 af Handel, 7 af Skibsfart, 6 af forsk. Daglejervirks., 40 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv. Fiskeri har nogen Betydning.

I Sognet Byerne: *Birket* med Kirke (noget S. for Byen), Kapellanbolig, Skole, Forsamlingshus (opf. 1890), Andelsmejeri, Købmandsforretn. og Mølle; en Del af *Magletving* (Resten i Vesterborg S.); *Store-Lindet* med Skole og Fællesmejeri (Ernstminde); *Lille-Lindet*; *Hejringe* med Købmandsforretn.; *Torrig* med Fattiggaard (Pl. for 15 Lemmer); *Hjelmholt*; *Kragenæs* med Havn (anlagt 1879, uddybet i de sidste Aar til omtr. 12 F.), hvorfra Færgefart til Fejø, Kro og Købmandsforretn.; *Ravnsby* med Mølle og Andelsbageri. *Krangerne-* og *Hejninge-Huse*. — *Nygaard* har $12^3/_4$ Td. Hrtk., 107 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 3 Skov, Resten Ager.

Birket S., en egen Sognekommune, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 2. Udskrivningskr.' 280. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

*Kirken* (overkalket), der ligger højt, bestaar af Skib og Kor med lille, tresidet Afslutning og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten; Kor og Skib ere overhvælvede; rundbuede Vinduer. Altertavlen er et Maleri, Nedtagelsen af Korset, af Abildgaard eller Højer (om den gamle Altertavle, der 1844 kom til Nationalmus., se *Fr. Beckett*, Altertavl. S. 45), Prædikestol fra 18. Aarh.; interessant Granitdøbefont med figurlige Fremstillinger. Ved Siden af Kirken er der et Klokkeskur.

*Ravnsborg Voldsted* ligger umiddelbart ved Havet, med en brat Skraaning ned mod dette og omgivet af lave Engdrag og Skovplantning. Voldstedet, der har været omgivet af Volde og Grave, og som vistnok tidligere har dannet et Næs, som mod N. og V. var adskilt fra Landet ved en Vig, medens det mod S. ved en Vold stod i Forb. med omliggende Land, er 960 F. i Omkreds. Borgens Anlæg er vistnok paabegyndt 1335 (S. R. D. I. S. 302) af Grev Johan den milde. Hans Høvedsmænd her var Krege Brockdorff og derefter Otte Breide; 1347 blev den paa Kongens Vegne overgivet til Niels Hane (S. R. D. VI. S. 254, 525); 1350 havde Henneke Hummersbüttel Slottet og det halve Laaland i Pant, men hans Sønner Hr. Johan og Hartvig Hummersbüttel kvitterede Kong Valdemar for Pantesummen 1359, men beholdt Slottet som Len i de følgende Aar; 1366 nævnes Hartvig Hummersbüttel og 1376 Deghener Buggenhagen som Høvedsmænd her; 1387 blev Slottet indløst fra Henning Meinstorp, og af de følgende Lensmænd kendes Lyder Kabel 1388, Hr. Anders Jepsen Lunge 1419 og 1423, Hr. Lyder Kabel 1436, Hr. Morten Jensen Gyrstinge 1437—46, Hr. Anders Ebbesen Galt 1457, Hr. Jep Jensen Ravensberg, der formenes at have taget sit Slægtnavn af Slottet, 1459 og 1478, Hr. Johan Fikkesen 1481 og 1482, Vincents Iversen Dyre 1497, Hr. Markvard Rønnow 1503, Bjørn Andersen 1506 og 1507, Hr. Johan Oxe 1523—34. Senere var Lenet mest forenet med Halsted Kloster. Slottet var i ældre Tid en anselig Plads og en af Kronens vigtigste Forleninger, til hvilken laa Sønder og Nørre Herred samt de nærmeste Smaaøer. Som anført S. 193 benyttede Kongen nogle af dets Materialer til Anlægget af Engelborg (se *Haderup*, i Følgebl. til Nakskov Avis 1876, Nr. 16—17).

Af de henved 90 Gravhøje, som kendes i Sognet, ere 5 fredlyste, deribl. ved Birket en af Landets største, *Bavnehøj*. Paa Ravnsby Mark ligger *Glentehøj*, med en anselig og ret vel bevaret Jættestue.

Birket var indtil 1687 et eget Pastorat. og bestyres if. kgl. Res. af $^1/_2$ 1877 af en Kapellan p. l.

# Fuglse Herred.

**Sogne:**

*Ringsebølle, S. 209. — Taagerup, S. 209. — Thorslunde, S. 211. — Errindlev, S. 211. — Olstrup, S. 213. — Fuglse, S. 215. — Krønge, S. 217. — Holeby, S. 218. — Bursø, S. 219. — Nebbelunde, S. 220. — Sædinge, S. 221. — Tirsted, S. 222. — Skjørringe, S. 225. — Vejleby, S. 226. — Hillested, S. 227. — Østofte, S. 228. — Bandholm, S. 229. — Fejø, S. 231. — Fæmø, S. 232. — Askø, S. 233.*

Fuglse Herred, det midterste paa Laaland, grænser mod V. til Sønder Hrd. og Rødby Fjord, mod S. til Østersøen, mod Ø. til Musse Hrd., paa hvis Grænse Maribo, Nørre- og Søndersø samt Røgbølle Søer ligge, og mod N. til Vordingborg Bugt. Den største Udstrækning fra Nord- til Sydkysten er omtr. $3^3/_4$ Mil, mod N. er Bredden omtrent $^3/_4$, mod S. $2^1/_2$ Mil. Til Herredet høre i Vordingborg Bugt Øerne *Fejø*, *Fæmø* og *Askø* med de mindre Øer *Skalø*, *Vejrø* og *Lilleø*; de langagtige, smalle Holme ved Sydkysten ere nu som omtalt S. 103 inddæmmede, kun nogle Smaaoer, *Hyllekrog*, *Store Ager* og *Lille Ager*, ere tilbage ved Sydostkysten; i den inddæmmede Rødby Fjord hører Øen *Lang* til Herredet. De for det meste lerede Jorder ere gennemgaaende lavtliggende og jævne, især mod S.; mod N. findes enkelte ubetydelige Bakkepartier. Herredet har en Del Skov (454,2 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedre Herreder, idet der i Gennemsn. gaar omtr. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Herredets Fladeindhold blev 1896 ansat til 53,433 Td. Ld. ($5,_3$ □ Mil, $293,_5$ □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $4960,_4$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 14,022 (1801: 7627, 1840: 10,687, 1860: 13,097, 1880: 14,263). I Herredet ligger Købstaden Rødby. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Maribo Købstad og Landdistrikt. I verdsl. Henseende hører det til Fuglse Herreds, Maribo Birks (Østofte, Bandholm og Hillested S.) og Fejø Birks Jurisdiktioner (Fejø, Fæmø og Askø) samt 2., 3. (Østofte, Bandholm og Hillested S.) og 4. Forligskreds (Fejø, Fæmø og Askø).

Fuglse Hrd. kaldes i Vald. II's Jordeb. *Fughæls-* og *Fuglæhæreth.* Det hørte fra 1660 til Aalholm Amt (se S. 110).

Der er i Herredet talt henved 260 jordfaste Oldtidsmonumenter (omtr. 235 Gravhøje og 25 Stengrave); kun $^1/_3$ heraf er dog endnu bevaret. I størst Antal optræde de i Krønge (70), Taagerup (40), Olstrup (35) og Errindlev Sogne (25); i flere Sogne findes derimod ingen. Eet Monument er fredlyst.

Ligesom Sønder Hrd. led dette Hrd. ved Stormfloden 1872, særlig den sydvestl. Del; omtr. 60 Familier dreves fra deres Boliger, 2 Mennesker druknede.

**Litt.**: *T. Trøjel*, Gamle Efterretn. om F. Hrd. af utrykte Haandskrifter, udg. som Program, Odense 1811. — *H. F. Rørdam*, Efterretn. fra F. Hrd. 1574—92, i Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 6 fl. (Uddr. af Rogerts Haandskr.). — Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i F. Hrd., af *Engelhardt* og *Magn. Petersen* 1879—80.

---

**Ringsebølle Sogn**, Anneks til Rødby, omgives af denne Købstads Jorder, Taagerup og Sædinge Sogne. Kirken, mod N. Ø. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. for Rødby. De lavtliggende, jævne Jorder ere lerede. Ved Nordgrænsen har ligget den nu om Sommeren udtørrede Ringsebølle Sø. I den nordl. Del gaar et lille Stykke af Maribo-Rødby Banen.

Fladeindholdet 1896: 911 Td. Ld., hvoraf 500 besaaede (deraf med Hvede 76, Rug 34, Byg 189, Havre 104, Blandsæd til Modenh. 12, Grøntf. 12, Sukkerroer 62, andre Rodfr. 6), Afgræsn. 97, Høslæt, Brak, Eng m. m. 271, Have 10, Moser 14, Hegn 3, Byggegr. og Veje 15, Vandareal 1 Td. Kreaturhold 1893: 90 Heste, 304 Stkr. Hornkv. (deraf 223 Køer), 173 Faar, 83 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 110 Td.; 19 Selvejergaarde med 108, 18 Huse med 2 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 249 (1801: 110, 1840: 160, 1860: 176, 1880: 218), boede i 36 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomh., 149 af Jordbr., 33 af Industri, 20 af forsk. Daglejervirks. og 12 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Ringsebølle* med Kirke og Skole. *Lundegaarde*, Gaarde og Huse. *Rødby Jærnbanestation* ligger i Sognet. — *Ringsebøllegaard* har $14^3/_4$ Td. Hrtk., 115 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, Resten Ager; 1 Familiehus.

Ringsebølle S., en egen Sognekommune, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingkr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 252. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl og Vaabenhus mod S. Den er opført af smukt tilhugne Granitsten paa høj Granitsokkel. Skib og Kor hidrøre fra den romanske Tid; senere er det flade Bjælkeloft afløst af spidsbuede Hvælvinger; Kirken er bleven restaurer. 1870; en stor Del af Ydermuren er dækket med Puds og afstreget i firkantede Felter. Indgangen til Kirken er gennem Vaabenhuset, over hvis Dør er indsat den oprindel. Overliggersten med Relieffremstilling af to kæmpende Krigere m. m. (se *Løffler*. Udsigt osv. S. 125). Over den tilmurede Dør paa Nordsiden ses ogsaa den gamle Dæksten med Relieffremstilling. I Korets Mur er indsat Relieffer af et Mandshoved og et Dyr med kløftet Hale. Altertavlen er ny med Maleri af A. Dorph (Opstandelsen); Prædikestolen er ny; gammel Granitdøbefont med rundbuede Felter og Rebsnoning; Klokke fra den tidligere Middelalder uden Indskrift.

Ringsebølle var indtil 1539 et eget Pastorat.

**Taagerup Sogn** omgives af Rødby Købstads Markjorder, Ringsebølle, Sædinge og Holeby Sogne, Annekset Thorslunde, Olstrup Sogn og Østersøen. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil Ø. S. Ø. for Rødby. De lavtliggende og jævne Jorder ere for det meste lerede, mod S. sandmul-

dede. Nogen Skov (Maahave, Byhave og Darket Sk.). Gennem Sognet gaar Jærnbanen til Maribo. Til Sognet hører Øen *Hyllekrog*.

Fladeindholdet 1896: 3428 Td. Ld., hvoraf 2037 besaaede (deraf med Hvede 257, Rug 88, Byg 691, Havre 196, Bælgsæd 20, Blandsæd til Modenh. 148, til Grøntf. 75, Kartofler 7, Sukkerroer 486, andre Rodfr. 21, andre Handelspl. 46), Afgræsn. 377, Høslæt, Brak, Eng m. m. 665, Have 30, Skov 97, Kær og Fælleder 43, Hegn 13, Flyvesand 60, Byggegr. og Veje 91, Vandareal 15 Td. Kreaturhold 1893: 269 Heste, 1127 Stkr. Hornkv. (deraf 711 Køer), 289 Faar, 438 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk.1895: 320 Td.; 28 Selvejergaarde med 288, 2 Fæstegd. med 12, 63 Huse med 16 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 671 (1801: 306, 1840: 415, 1860: 595, 1880: 740), boede i 109 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 460 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 100 af Industri, 49 af forsk. Daglejervirksomh., 31 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Taagerup* (gml. Form Tochatorp, Thogeroppe) med Kirke, Præstegd. og Hospital (oprindl. stiftet 1804 af Kmhr., Baron P. A. Lehn til Højbygd., oprettet 1854 af Kmhr., Baron J. S. E. Bertouch-Lehn til Sønderkarle, med Bolig for 16 fattige af Baroniet Sønderkarle, der hver faar 66 Kr. aarl., Brændsel, Lægehjælp osv.; se S. 141); *Hyldtofte* med Skole og Pogeskole. Saml. af Gaarde og Huse: *Bjerremark*, *Hyldtofte Fæland*, *Klakketsmølle*.

Hovedgaarden *Højbygaard*, der hører under Baroniet Sønderkarle (s. S. 213) og er forpagtet af De danske Sukkerfabrikker (se Thorslunde S.), har $117^1/_2$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $7^1/_8$ Td. Skovsk., 1152 Td. Ld., hvoraf 32 Eng, 318 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre omtr. $15^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegods, et Teglværk og Øen Hyllekrog. Avlsgaarden *Saksfjedgd.*, ligeledes under Sønderkarle, har $12^1/_2$ Td. Hrtk., 282 Td. Ld., alt Ager. *Darketgaard* har 25 Td. Hrtk., 288 Td. Ld., hvoraf 16 Skov, Resten Ager. *Præstegaarden* har 14 Td. Hrtk., 110 Td. Ld., alt Ager.

Taagerup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 251. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Bremersvold.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opf. af røde Munkesten. Der ses Rester af oprindelige rundbuede Vinduer og Døre. Indgangen til Kirken er gennem Vaabenhuset. Skib og Kor ere overhvælvede. Det hvælvede Taarnrum aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Ved en Restauration 1893 ere Kalkmalerier i en af Skibets Hvælvinger afdækkede. I Korets Hvælving er der nogle, af Prof. Kornerup 1889 restaur. Kalkmalerier (Lidelseshist., Dommedag) fra Slutn. af 15. Aarh. (se *Magn. Petersen*, Kalkm., S. 78). Altertavlen er et Maleri af A. Dorph (Christus og Peder paa Havet); Prædikestolen er fra Midten af 17. Aarh.; Døbefont af Marmor. I Skibet Ligsten over Præsten Hans Hansen Sadolin, † 1685. Den store Klokke, uden Indskr., med nogle smaa Relieffer, maa henregnes til 15. Aarh. — Paa Kirkegaarden et af Sognebeboerne 1897 rejst Sandstensmindesmærke over Snedker Hans Hansen og Hustru, der druknede ved Stormfloden 1872. Ved Vaabenhuset staar en 1868 i Bjerremark funden Runesten.

*Højbygaard* nævnes allerede 1397, forudsat at den er identisk med det paa Laaland beliggende Æyæby, der da ejedes af en Væbner Iven Bramsted. Senere skal den have tilhørt Slægten Kabel, fra hvilken den ved Giftermaal kom til Hr. Aksel Mogensen Gøye. Hans Datter Mette, gift med Hr. Peder Walkendorff, bragte Gaarden til sin Søn Henning Walkendorff († 1475), som ejede den 1420 og 1444, og dennes Dattersøn Claus Krummedige skrev sig 1489 til Højbygaard. Sidstnævntes Datter Drude bragte Gaarden til sin Ægtefælle, den bekendte Feltherre Otte Krumpen († 1569). Efter Fru Drudes barnløse Død 1555 tilfaldt H. hendes Søsterdatter Helvig Hartvigsdatter Ulfeld, † 1601, gift med Sten Bille til Kjærsgaard, og den gik saa i Arv til Sønnen Knud Bille til Billeskov og Fru Hilleborg Gyldenstjerne, deres Søn Landsdommer Holger

Bille og Fru Anne Juel; efter dem kom den til Henrik Rantzau til Schmol († 1644). H. skal derefter have tilhørt Henning Daldorff og var siden under Kronen, indtil den 1725 blev købt af Abraham Lehn (Hovedgaardstakst 166, Bondergods 1020 Td. Hrtk.) for 75,327 Rd. C. Efter hans Død 1757 fik hans Søn Poul Abrh. Lehn den tillige med Berritsgaard, og han forenede H. med Lungholm (s. d.). — Der er ingen Hovedbygning.

I Sognet har tidligere ligget en mindre Sædegaard, *Engebølle*, der allerede nævnes 1397, da den tilhørte en Væbner Mattis Jonsen; 1484-93 nævnes Thomes Clausen i E., der dog muligvis kun var en Bonde. Mogens Gøye til Bremersvold satte bedre Bygning paa den. Efter ham ejedes E. af hans Hustrus Søstersøn Otte Brahe Pedersen, fra hvem den ved Udlæg kom til Tyge Brahe Axelsen, der 1625 solgte den til Jørgen Grubbe; den er uden Tvivl ikke længe efter bleven lagt under Lungholm.

I *Hyldtofte* boede 1484 Fru Gertrud Hermansdatter van Hafn, Enke efter Hr. Erik Pors til Øllingsø.

Af de henved 40 Gravhøje, som tidligere have været i Sognet, findes nu kun en enkelt lille tilbage.

**Thorslunde Sogn**, Anneks til Taagerup, omgives af dette, Holeby, Fuglse, et Enklave af Krønge S., Errindlev og Olstrup Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger 1 Mil Ø. for Rødby. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede. Gennem den nordl. Del gaar Landevejen fra Rødby til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 871 Td. Ld., hvoraf 547 besaaede (deraf med Hvede 60, Rug 36, Byg 178, Havre 75, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenh. 59, til Grøntf. 12, Sukkerroer 108), Afgræsn. 90, Høslæt, Brak, Eng m. m. 168, Have 10, Moser 6, Hegn 7, Byggegr. og Veje 38, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 86 Heste, 263 Stkr. Hornkv. (deraf 202 Køer), 108 Faar og 98 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 114 Td.; 18 Selvejergaarde med 101, 39 Huse med 11 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 343 (1801: 194, 1840: 245, 1860: 264, 1880: 301), boede i 69 Gaarde og Huse; Erhverv: 16 levede af immat. Virksomh., 206 af Jordbrug, 100 af Industri, 16 af forsk. Daglejervirksomh. og 5 af deres Midler.

I Sognet Byen *Thorslunde* med Kirke, Skole og Andelsmejeri; *Højbygaards Sukkerfabrik*, tilhørende De danske Sukkerfabrikker, beliggende mellem Højbygaard og Nybøllegaard (1897 produceredes 9,590,905 Pd. Sukker).. En Gaard i Thorslunde har $13^3/_8$ Td. Hrtk., 92 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, Resten Ager.

Thorslunde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Hens. under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 250. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. Den er opført af røde Munkesten, men er stærkt restaureret 1870, da Taarnet opførtes fra nyt (det tidligere Taarn laa mod S.) og hele Kirken førtes tilbage til Rundbuestilen. Indgangen til Kirken er gennem Forhallen i Taarnet, der adskilles fra Skibet ved en Dør. Skib og Kor have fladt Loft. Altertavlen er et tarveligt udført Maleri (Christus i Gethsemane); Kalken, af Sølv, er skænket 1593 af Fred. Hobe til Boserup, Befalingsmand paa Nykjøbing og Aalholm, og Hustru Sidsel Urne. Prædikestolen er tarvelig udført. Granitdøbefont, prydet med Rundbueornamenter.

I *Thorslunde* har ligget en Hovedgaard; 1397 nævnes Niels Fyænt i Thorslunde, og i Slægtbøger nævnes omtr. samtidig Hans Frændesen paa Thorslunde.

Det var Aktieselsk. „Lolland", der under Ledelse af Brødrene Frederiksen 1872 anlagde Sukkerfabrikken og derved banede Vejen for den rationelle Roesukkerkultur paa Laaland. Vel gik Selskabet fallit 1874, men et Konsortium fortsatte Driften, og 1880 købtes Fabrikken af „De danske Sukkerfabrikker".

Thorslunde var Anneks til Fuglse indtil 1653, da det lagdes til Taagerup.

**Errindlev Sogn**, det største i Herredet, omgives af Annekset Olstrup, Thorslunde og Fuglse Sogne samt Musse Hrd. (V.-Ulslev S.) og Østersøen. Kirken, mod N. V. i Sognet, ligger 1 Mil Ø. S. Ø. for Rødby. De lavt-

liggende, mod N. lidt bakkede Jorder ere for det meste lerede, mod S. noget sandede. En Del Skov (Errindlev Studehave, Pade og Kjeld Sk.). Til Sognet høre Øerne *Kalveholm*, *Tjørneholm*, *Hylleholm*, *Store-* og *Lille-Ager*.

Fladeindholdet 1896: 4316 Td. Ld., hvoraf 1976 besaaede (deraf med Hvede 236, Rug 186, Byg 607, Havre 411, Bælgsæd 34, Blandsæd til Modenh. 156, til Grøntf. 56, Kartofler 12, Sukkerroer 215, andre Rodfr. 60), Afgræsning 479, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1087, Have 40, Skov 511, Kær og Fælleder 36, Hegn 12, Stenmarker m. m. 5, Byggegr. og Veje 163, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 319 Heste, 1157 Stkr. Hornkv. (deraf 822 Køer), 638 Faar, 458 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 374 Td.; 48 Selvejergaarde med 326, 2 Fæstegd. med 13, 100 Huse med 27 Td. Hrtk. og 28 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_3$ 1890: 867 (1801: 526, 1840: 763, 1860: 874, 1880: 940), boede i 171 Gaarde og Huse; Erhverv: 45 levede af immat. Virksomhed, 536 af Jordbrug, 11 af Fiskeri, 132 af Industri, 28 af Handel, 69 af forsk. Daglejervirksomhed, 15 af deres Midler, og 31 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Errindlev* (gml. Form Jarandalef, Jerindleve, af Mandsnavnet Jarand) med Kirke., Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1881), Sparekasse for Errindlev og Taagerup Pastorater (opr. $^{21}/_1$ 1872; $^{31}/_3$ 1896 var Sparernes saml. Tilgodehav. 83,384 Kr., Rentefoden 4 pCt., Reservefonden 3313 Kr., Antal af Konti 366), Mølle og Andelsmejeri; *Torpe*; *Skovby*; *Sjælstofte* med Skole. Saml. af Gaarde og Huse: *Hoskjærhuse*, *Errindlev Fælled*, *Sjælstofte Fælled* og *Sjælstofte Skov*, *Stenrølle*, *Lundehøje*, *Hyldager*, *Skovby Skov*.

Hovedgaarden *Bremersvold*, tilhørende Besidderen af Grevsk. Christiansholm, har $58^1/_8$ Td. Hrtk., 560 Td. Ld., hvoraf 82 Eng, Resten Ager: desuden 485 Ld. Skov og omtr. 27 Td. Hrtk. Fæstegods. — En Gaard Errindlev har $12^1/_8$ Td. Hrtk., 90 Td. Ld., hvoraf 15 Eng, Resten Ager. Desuden *Strognæsgd.*, (drives sammen med Bremersvold): $13^7/_8$ Td. Hrtk., 225 Td. Ld., hvoraf 85 Eng og Overdrev, Resten Ager.

Errindlev S., een Sognekommune med Annekset, men delt i et nordl. og et sydl. Sognefogeddistr., hører under Fuglse Herreds Jurisdikt. (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr. 246. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* (tidligere indviet til St. Nicolaus) bestaar af Skib og Kor med tresidet Afslutning, samt Taarn mod V. Den er opført af røde Munkesten, men stærkt restaureret i 1872, ved hvilken Lejlighed Kirken fik Indgang gennem det hvælvede Taarnrum (tidligere Begravelse for Familien Bertouch-Lehn, endnu tidligere for Familien Holck, deribl. Flemming Holck, dræbt 1701 af Baadsfolkene paa en Rejse fra Nyborg til Langeland, og Susanne Sparre, † 1650), der aabner sig ind til Skibet med en Rundbue. Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er et Maleri fra 1874 af A. Dorph. Sandstensdøbefont med rigt dekoreret Fod i Renæssancestil med Mogens Gøye til Bremersvolds Navn og hans Vaaben; han har formodentlig skænket de to Klokker fra 1607 (støbte af Michael Westfal i Rostock); Prædikestolen et godt udført Billedskærerarbejde fra 17. Aarh.'s Midte — Paa Kirkegaarden muret Begravelse for Familien Bertouch-Lehn.

*Bremersvold* Hovedgaard er anlagt af Mogens Gøye, † omtr. 1608, og til Dels oprettet af Byen *Galmindorp*, i hvilken der allerede laa en gammel Hovedgaard, der i umindelige Tider havde tilhørt Gøye-Slægten (Niels G., kaldet Krag, af Galmindrup, nævnes 1367—1402). Senere synes den dog at være kommen til andre Slægter, thi den Anders Lauridsen, der 1459 skrev sig til G., førte tre Regnbuer i sit Vaaben (Slægten Algudsen, Grim eller Brun), og 1466 kvitterede Hr. Erik Aagesen (Thott) i Bavelse sin kære „Svoger" Hr. Erengisel Nielsen, Ridder i Hammerstade, for alt det Gods, som denne arvede efter sin kære Søn Hr. Algud, som er Halvdelen af „Galmanthorp" Gaard i Laaland; men Gøyerne synes dog vedblivende at have været knyttede til Gaarden, der 1517 tilhørte Knud Gøye, senere dennes Søn Anders G. og Sønnesøn, ovennævnte Mogens G. De følgende Ejere af Bremersvold, som Gaarden nu kaldtes, var Hr. Breide Rantzau, gift med Mogens Gøyes Broderdatter, Sønnen

Kaj R., gift med Anne Lykke, hvis Broder Frans L. 1646 solgte B. til Erik Kaas, efter hvis Død 1669 den ved Indførsel blev udlagt til Søster Worm, en Datter af Ole Worm og Enke efter Mag. Erik Torm. Hun solgte B. 1673 til Stadsoberst Fr. Thuresen, som ved sin Død 1675 synes at have efterladt den til sin Brodersøn Didrik Christensen Felthusen. Hans Arvinger skødede den 1719 til Fr. IV (Hovedgaardstakst 84, Bøndergods, 201 Td. Hrtk.), der vilde lægge den til Ryttergodset, men 1726 solgte den til Fru Emerentia v. Levetzow, Enke efter Gehejmer. J. O. Raben († 1719), i hvis Familie den er forbleven; de senere Besiddere have som Besiddere af Stamhuset Restrup 1787 antaget Navnet Raben-Levetzau. Nuv. Besidder er Fr. Chrf. O. Grev Raben-Levetzau til Christiansholm. — Der er af Grev J. Raben-Levetzau 1872 opført en Hovedbygning i Villastil; Spor af de gamle Grave.

I Sognet har fordum ligget en Hovedgaard *Kjelstrup*. Nysted Kloster skal være oprettet af Ejerne i Kjærstrup og Kjelstorp (se S. 147). Begge disse Gaarde ere ældgamle Besiddelser i Gøye-Slægten. Kjelstrup ejedes allerede 1356 af Hr. Jens Staverskov, der førte Gøyernes Vaaben, og den synes derefter ligesom Kjærstrup Søn efter Søn at være gaaet i Arv til Anders Gøye, hvis to Sønner Henning og Absalon skreve sig til Kjelstrup. Sidstnævntes Datter bragte Gaarden til sin Ægtefælle Hr. Breide Rantzau (se videre under Bremersvold). Da Frans Lykke 1646 solgte Gaarden til Erik Kaas, benævnedes den „Kjelstrup ellers kaldet Syndergaard". Erik Kaas nedbrød Bygningerne og lagde Jorderne ind under Bremersvold. — Kjelstrup gamle Borgplads bestaar af en firsidet Voldbanke (110 F. lang og bred og 14 F. høj), omgiven af en vandfyldt Grav og en lavere Vold; paa Bankens nordøstl. Del staar endnu Rester af en af Kamp opf. Bygning; over Graven fører mod N. og Ø. en Overgang.

Ogsaa i *Torpe* har der ligget en Hovedgaard, der 1407 tilhørte Kort Reberg, hvis Datter Margrethe ægtede Hans Moltke, som solgte T. til Henning Venstermand.

I *Sjælstofte* boede 1397 en Adelsmand Iver Graa.

Paa en nu forsvunden Ø *„Grav"* skal have staaet et Slot, som ved en stensat Dæmning forbandtes med Land.

I *Kjeld Skov* er endnu bevaret en Del Oldtidsmonumenter, saaledes en Langdysse, en Runddysse og 8 Gravhøje.

I Errindlev skal Teologen Niels Hemmingsen være født 1513.

„Ærindlev og Olstrup Præstekrønike", et for sin Tid godt Arbejde, er forf. af Præsten Jac. Clausen, † 1668.

**Olstrup Sogn**, Anneks til Errindlev, omgives af dette, Thorslunde og Taagerup Sogne samt Østersøen. Kirken, mod N. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil S. Ø. for Rødby. De lavtliggende, jævne Jorder ere mest lerede, mod S. noget side. Nogen Skov. Store og Lille Brundrag ere nu landfaste.

Fladeindholdet 1896: 2176 Td. Ld., hvoraf 1255 besaaede (deraf med Hvede 172, Rug 56, Byg 423, Havre 266, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenh. 47, til Grøntf. 34, Sukkerroer 204, andre Rodfr. 33, andre Handelspl. 13), Afgræsn. 211, Høslæt, Brak, m. m. 389, Have 54, Skov 112, Kær og Fælleder 37, Hegn 3, Flyvesand 60, Byggegr. og Veje 52, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 243 Heste, 809 Stkr. Hornkv. (deraf 502 Køer), 381 Faar, 258 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 241 Td.; 25 Selvejergaarde med 212, 4 Fæstegd. med 17, 40 Huse med 11 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 479 (1801: 225, 1840: 315, 1860: 363, 1880: 450), boede i 88 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomh., 307 af Jordbrug, 55 af Industri, 103 af forsk. Daglejervirksomh. og 2 af deres Midler.

I Sognet *Olstrup Kirke* (Olafsthorp) og Byerne: *Bjernæs* (gml. Form Biarchnes, Bjærknes) med Skole; *Assenhølle*. Saml. af Gaarde og Huse: *Pilet*, *Bjernæs-Fælled*, *Bjernæs-Husby*. *Billitse Mølle*. Forpagtergaarden *Lytteshalm*.

Hovedgaarden *Lungholm*, Hovedsædet i **Baroniet Sønderkarle**, har omtr. 80 Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^1/_8$ Td. Skovsk., 607 Td. Ld., hvoraf 95 Skov, Resten Ager (deraf 17 i Taagerup S.); til Gaarden høre 33 Td. Hrtk. Fæstegods; S. for Lungholm ligger et til Godset hørende, omtr.

1950 Td. Ld. stort inddæmmet Areal, der endnu ikke er skyldsat*). — Gaarden *Mariesminde*: $14^3/_8$ Td. Hrtk., 140 Td. Ld., alt Ager; 1 Lejehus. En Gaard i Pilet: 15 Td. Hrtk., 120 Td. Ld., alt Ager; 1 Hus.

Olstrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 248. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* (til Dels overkalket) bestaar af Skib og Kor med lige Gavl og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten; der er Spor af de oprindelige, rundbuede Vinduer. Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er et Christusbillede af Bronce paa et Trækors (fra 1875); Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1622; Døbefont af Gibs. I Kirken to Ligsten. — If. Arkivet ved Kirken har der været et Træbillede af St. Olaf, og Kirken har vistnok oprindelig været helliget til denne.

*Lungholm* skal være opbygget af Hr. Palle Rosenkrantz paa det Sted, hvor tidligere Gaarden *Olstrupgaard* laa; han lagde under den Byen Pugerup (3 Gaarde) og

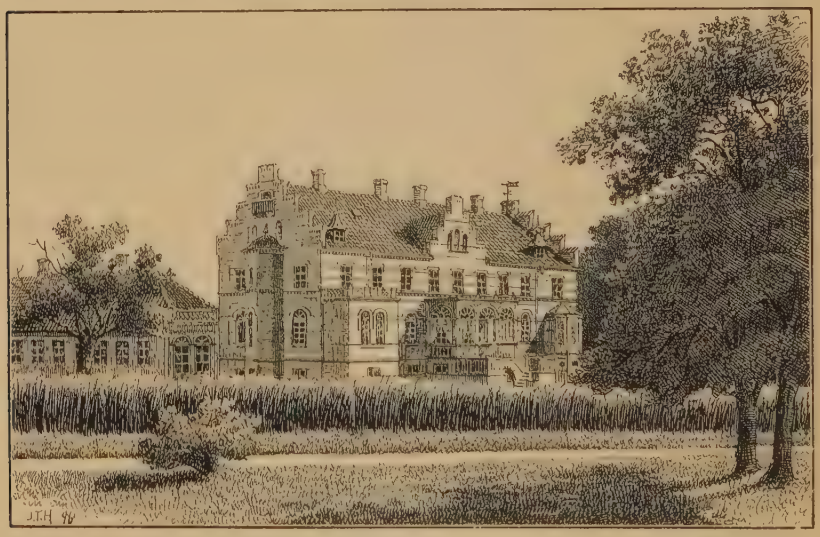

Lungholm.

2 Gaarde af Olstrup. I Hardenbergs Arkiv findes en Dom af Erik af Pommern, dat. O. $^{31}/_{7}$ 1434. Olstrupgaard tilhørte 1455 Erik Pors og Oluf Henriksen Gøye, der hver ejede Halvdelen. Forstnævntes Sønner Herman, Otto, Niels og Hans P. skrev sig siden til O., men de to sidste solgte den i Beg. af 16. Aarh. til Hr. Eskild Gøye, og 1552 tilhørte den dennes Sønnedatter Fru Eline Gøye, men var da kun beboet af en Fæstebonde. Efter Palle Rosenkrantz' Død (1642) tilfaldt L. hans Svigersøn Gehejmer. Erik Rosenkrantz († 1681), hvis Søn Holger arvede den († 1690). Enken ægtede Grev Flemming Holck († 1701), og deres Datter bragte Gaarden til Børge Trolle, som 1721 mageskiftede den (Hovedgaardstakst $74^1/_2$, Errindlev Kirketiende 19 og Bondergods 16 Td. Hrtk.) med Lykkesholm i Fyn, Vinding Hrd., til Hans Fr. Kaas († 1728). Denne solgte imidlertid før sin Død L. til Grev C. D. Reventlow, der indlemmede Gaarden i Grevskabet Christianssæde 1729; men L. blev 1784 af Grev

*) Til *Baroniet Sønderkarle* høre 413 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 261, indtaget til Skov $10^3/_4$, Bondergods $48^1/_2$, Kirke- og Kongetiende 101, i Bankaktier 18,000, Søassuranceaktier 4000, Fideikommiskapitaler 1,885,500 Kr. Baroniet indbefatter Hovedgaardene Højbygaard og Lungholm samt Avlsgaardene Raahavegd. og Saksfjedgd. med tils. omtr. 2000 Td. Ld. Skovarealet er omtr. 421 Td. Ld. Desuden hører til Baroniet omtr. 1950 Td. Ld., indvundne fra Østersøen.

C. D. F. Reventlow solgt fra Grevskabet til P. A. Lehn (i alt 449 Td. Hrtk.) for 38,700 Rd. Lehn oprettede if. Bevill. af $^1/_7$ 1803 af denne Gaard og Højbygaard et Stamhus, bestemt for hans Datterson Paul Godske Bertouch († 1836). Under $^{13}/_3$ 1819 blev denne ophøjet til Baron under Navnet Bertouch-Lehn og Stamhuset gjort til et Baroni under Navnet Sønderkarle. Hans Søn Kmhr. J. J. S. E. Bertouch-Lehn er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, i to Stokværk med høj Kælder og takkede Gavle samt Taarn med Spir ved den østl. Gavl er opf. 1856—57 i gotisk Renæssancestil. I Haven findes bl. a. en 20 F. høj Juniperus communis (Enebær), en 22 F. høj lavendelbladet Pil og en 9 F. høj Robinia hispida.

Ved Bjernæs og Pilet har der endnu i Mands Minde ligget et stort Antal Gravhøje.

**Fuglse Sogn** omgives af Annekset Krønge, Bursø, Holeby, Thorslunde og Errindlev Sogne samt Musse Hrd. (V.-Ulslev S.), paa hvis Grænse Røgbølle Sø eller Alsø ligger. Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. N. Ø. for Rødby. De lavtliggende og temmelig jævne Jorder ere lerede, mod S. noget side og sandede. En Del Skov (Høvænge Sk., Egesk., Lavshave m. fl.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 3616 Td. Ld., hvoraf 1862 besaaede (deraf med Hvede 277, Rug 172, Byg 591, Havre 222, Bælgsæd 24, Blandsæd til Modenh. 248, til Grøntf. 34, Kartofler 11, Sukkerroer 191, andre Rodfr. 77, andre Handelspl. 15), Afgræsn. 352, Høslæt, Brak, Eng m. m. 788, Have 63, Skov 378, Moser 71, Hegn 5, Byggegr. og Veje 94, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 297 Heste, 1078 Stkr. Hornkv. (deraf 764 Køer), 550 Faar, 461 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 388 Td.; 58 Selvejergaarde med 352, 159 Huse med 33 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1310 (1801: 594, 1840: 834, 1860: 1031, 1880: 1337), boede i 236 Gaarde og Huse; Erhverv: 50 levede af immat. Virksomh., 612 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 293 af Industri, 16 af Handel, 269 af forsk. Daglejervirksomh., 36 af deres Midler, og 30 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fuglse*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Sparekasse for Fuglse og Holeby (opr. $^{10}/_{11}$ 1874; $^{31}/_3$ 1896 var Sparernes saml. Tilgodehav. 74,810 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 3793 Kr., Antal af Konti 639), Mølle, Teglværk og Telefonstation; *Bøsserup* (gml. Form Bosæthorp); *Skottemarke*, ved Landevejen, med Fattiggd. for Fuglse-Krønge Kommune (opr. 1867, Plads for 42 Lemmer); *Flaarup* med Skole og Telefonstation; *Alsø* ved Søen; *Hillestolpe* („stolpe" Fordrejelse af „strup") med Skole. *Fuglsebagskov*, *Ullede* og *Flaarupmelle*, Huse.

Til *Kjærstrup* høre under Hovedgaarden 67, under Husene $1^1/_4$ og under Skovene $^7/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. samt $5^1/_4$ Td. Skovskyld, i alt 1089 Td. Ld., deraf under Hovedgaarden 540 (hvoraf 20 Eng, Resten Ager), under Skovene 537 og under Husene 12 (Halvdelen af Skovene ligger i Ø.-Ulslev, nogle af Husene i V.-Ulslev S.). — Gaarden *Frederiksminde* har $20^3/_4$ Td. Hrtk., 181 Td. Ld., hvoraf 3 Skov, Resten Ager. En Gaard i Fuglse, $13^5/_8$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 7 Eng og Mose, Resten Ager. *Præstegaarden*: $13^1/_4$ Td. Hrtk.

Fuglse S., een Sognekommune med Annekset, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 243. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Kjærstrup.

*Kirken*, fordum indviet til St. Laurentius, er en anselig Bygning og bestaar af Skib, Kor, Taarn med Forhal mod V. og to Kapeller mod N. og S. (tidligere Begravelseskapeller for Ejere af Kjærstrup og Søholt). Kirken har oprindelig været opført af Kamp, men er senere ofte bleven restaureret med Mursten. Taarnet er yngre end Skibet (vistnok tilbygget af Anders Gøye i 16. Aarh.) og opført af røde Munkesten; det høje Træspir er opført paa ny efter at være nedblæst $^{30}/_{11}$ 1836; den lille Forhal,

der er opført af Granitkvadre, røde og gule Mursten i broget Blanding, danner Indgangen til Kirken. Skibet og Koret ere overhvælvede. Pragtfuldt udstyret Altertavle (Korsfæstelsen og Nedtagelsen samt Hyrdernes Tilbedelse) med Galternes og Lützowernes Vaabener. Kalken er fra 1604; paa Disken Gøyernes Vaaben. Granitdøbefont. Paa Prædikestolen er der Kopier af nogle af Thorvaldsens Apostelfigurer. Ved Prædikestolen et smukt støbt Krucifiks fra ny Tid. I Skibet en Trætavle med Vaabenskjolde (deribl. Rosenkrantzernes, Gøyernes, Galternes, Reventlowernes og Lützowernes); Epitafium udskaaret af Træ, prydet med legemsstore, allegoriske Figurer over Ulrik H. Lützow, † 1722, og Hustru Eleonora Catherina v. Schagen, † 1691. I Taarnrummet Ligsten af Marmor over Anders Gøye og Hustru Karen Walkendorff og en anden meget gammel Sten med Gøyernes og Slægten Ibsøs Vaaben (Absalon Gøye og Hustru Catharina). Den lille Klokke uden Aarstal er fra 15. Aarh. — Henning Gøye († 1617) skænkede Kirken en Bogsamling, som nu helt er forsvunden (Resterne

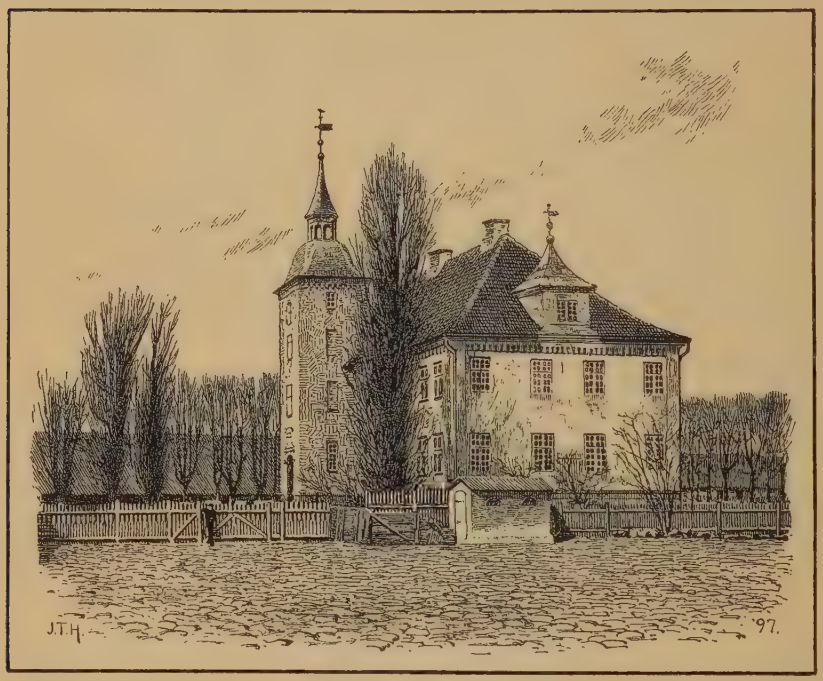


Kjærstrup.

skulle være ødelagte af indkvarterede Soldater 1715—16). — Paa Kirkegaarden en nu tilmuret Begravelse for Gehejmer. Raben-Huitfeldt-Levetzau († 1828), Hustru og 2 Børn.

*Kjærstrup* er meget gammel (efter Sagnet anlagt ved Midten af 12. Aarh.). De tidligst kendte Ejere ere Anders Siundesen († 1390) og hans Søn Hr. Absalon Andersen 1408, fra hvem den ved Arv kom til Gøyerne; 1430 tilhørte den Henrik Staverskov eller Gøye, 1459 dennes Sønner Bo Due og Anders G., der ogsaa kaldtes Anders Staverskov, endnu levede 1494 og var Ridder. Hans Søn Knud Gøye til Kjærstrup var 1538 Landsdommer paa Laaland; han har vist før sin Død afstaaet Gaarden til sin Søn Anders Gøye († 1559), som istandsatte Fuglse Kirke 1531. Fra hans Søn Henning Gøye († 1617) gik Gaarden over til Svogeren Laur. Brockenhuus til Egeskov († 1604), derpaa til dennes Svigersøn Otto Pogvisch, † 1624, og til Palle Rosenkrantz († 1642), hvis Datter Birgitte bragte den til sin Mand Gehejmer. Chr. Skeel. Hun solgte K. 1665 til Jomfru Margrethe Friis til Tølløse, der 1681 solgte den til Generalmajor J. Schack til Sneumgaard og Bramslykke († 1700) for 10,730 Rd. Af hans Sønner overtog Major Otto S. († 1719) den for i alt 12,400

Rd. (Hovedgaardstakst 61, Bøndergods 208 Td. Hrtk.). Hans Enke Fru Elisabeth Birgitte Rantzau solgte Gaarden 1720 til Fr. IV for 22,000 Rd. Ved Ophævelsen af Ryttergodset paa Laaland solgtes K. 1728 til Generalmajor Niels Rosenkrantz Schack for 23,241 Rd. C., for hvilken Sum Gehejmeraadinde Emerentzia Raben havde købt den og afstod Købet til Schack mod Forbehold af Indløsningsret for Familien Raben for samme Pris, hvis Schack ingen Børn fik med sin første Hustru Sophie Hedvig Raben. If. denne Overenskomst gik K. efter Schacks Død (1731) over til Gehejmer. Fr. v. Raben († 1773) for 43,000 Rd. (Hovedgaardstakst 94, Tiender 35, Bøndergods 538 Td. Hrtk.). Den forblev nu hos Familien Raben (senere Raben-Levetzau). Efter at der efter Kmhrinde Raben-Huitfeldt-Levetzaus Død 1843 i flere Aar var ført Proces om Gaarden mellem Familierne Raben og Rosenkrantz, blev den solgt ved Auktion 1852 til Grev F. M. Knuth til Knuthenborg, der 1853 solgte den til den nuv. Ejer, Jægermester P. Friderichsen. — Hovedbygningen er opført 1765 (restaur. 1836) af Grundmur i to Stokværk og havde oprindelig tre kobbertækkede Spir, et paa Hovedfaçaden, de to andre paa Gavlene; men 1868 er det midterste blevet erstattet af et Taarn med Kuppel og Spir, opf. efter Tegn. af Prof. Ove Petersen. Under Bygningen findes gamle, hvælvede Kældere, som stamme fra en ældre Bygning, der i sin Tid er bleven opført i Stedet for den gamle Borg, som har ligget i den gamle Dyrehave (den rhombeformede omtr. 135—145 F. lange og brede Voldbanke, omgiven af en smal Grav og en Vold, ses endnu, og tæt V. for Voldstedet findes Kampestensfundamenter af et firsidet 19—22 F. langt og bredt Taarn). I Hovedbygningen, der er omgivet af en bred, omtr. 1 Td. Ld. stor Grav, findes nogle Gobelinstapeter, vistnok erhvervede fra Nykjøbing Slot, da det blev nedrevet i 18. Aarh., ligesom der ogsaa findes andet Inventar fra Slottet.

*Flaarup* er det „Floretorp", hvortil den bekendte Drost Matheus af Floretorp 1264 skrev sig. Han er det første kendte Medlem af den i disse Egne hjemmehørende gamle Slægt Gøye, til hvis tidligste Besiddelser ogsaa Kjærstrup hører.

Paa en Odde, der fra Alsø Fredskov skyder ud i Alsø, findes en anselig Borgplads, „Buntzehave", paa de tre Sider omgiven af Søen, paa den fjerde adskilt fra det faste Land ved en Vold og Grav; mange Fundamenter ere opbrudte her. Her har formentlig *Alsøgaard*, der var Bisperesidens, efter at Aalevad var brændt, ligget (s. d.).

**Krønge Sogn**, Anneks til Fuglse, omgives af dette, Holeby og Bursø Sogne, Sønder Sø, Musse Hrd. (Godsted S.) og Røgbølle Sø. Kirken, mod V. i Sognet, ligger $1^1/_4$ Mil N. Ø. for Rødby. De temmelig lavtliggende (lidt højere mod V.) og jævne Jorder ere lerede. Over $^1/_3$ af Arealet er dækket af Skov (Storsk., Faversted Sk.). Smaaøerne *Lindø*, *Langeland* og *Askøerne* i Sønder Sø høre til Sognet.

Fladeindholdet 1896: 1955 Td. Ld., hvoraf 606 besaaede (deraf med Hvede 50, Rug 34, Byg 208, Havre 83, Bælgsæd 12, Blandsæd til Modenh. 61, til Grøntf. 55, Sukkerroer 71, andre Rodfrugter 30), Afgræsn. 107, Høslæt, Brak, Eng m. m. 432, Have 45, Skov 690, Moser 20, Kær og Fælleder 20, Hegn 2, Byggegr. og Veje 33 Td. Kreaturhold 1893: 91 Heste, 432 Stkr. Hornkv. (deraf 283 Køer), 95 Faar, 231 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 154 Td.; 8 Selvejergaarde med 139, 60 Huse med 14 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 397 (1801: 177, 1840: 267, 1860: 338, 1880: 413), boede i 71 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 203 af Jordbrug, 75 af Industri, 9 af Handel, 92 af forsk. Daglejervirksh., 3 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Krønge* (gml. Form Krøginghe) med Kirke, Skole og Mølle. — Hovedgaarden *Søholt* har $91^3/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^1/_4$ Td. Skovskyld, $1439^3/_4$ Td. Ld., hvoraf $209^1/_2$ Eng, 568 Skov, $20^3/_4$ Have og Park, Resten Ager; til Gaarden høre et Teglværk, der aarl. producerer omtr. $^1/_2$ Mill. Mursten og Drænrør, 15 Td. Hrtk. Fæstegods (i Bursø S.) samt Krønge, Holeby og Bursø Kirker med Kirke- og Kongetiende, den sidste tillige med Præstetiende. — En Gaard i Krønge: $11^5/_8$ Td. Hrtk., $78^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $1^1/_2$ Tørvemose, Resten Ager.

Krønge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i adminstr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 242. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Søholt.

*Kirken*, fordum helliget Vor Frue, bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten. Flere oprindelige, rundbuede Vinduer og en gammel Dør mod N. (nu tilmuret) ere bevarede. Skib og Kor have fladt Loft. Altertavlen er et Pragtstykke af Træskærerarbejde fra 1643; i det største Felt Nadveren. Mærkelig og smuk Granitdøbefont. Prædikestolen er et kunstfærdigt Billedskærerarbejde fra 17. Aarh.'s 1. Halvdel. En mærkelig, af Dronning Margrethe skænket Kalk (se Aarb. f. n. Oldk. 1888 S. 122) findes nu i Nationalmuseet.

Kirken skulde if. Klemmebrevet 1555 nedrives, og Beboerne fik Befaling til at søge Bursø Kirke, til hvilken Krønge var Anneks, indtil det 1635 annekteredes til Fuglse, men Befalingen blev ikke udført.

Nær ved Kirken laa tidligere en hellig Kilde, *„Krykke Kilde"*, der dog ikke har hørt til de i videre Kredse berømte Helligdomme.

*Søholt* ejedes af Morten Venstermand († 1610), hvis Enke Anne Galt ægtede Falk Brahe, der 1616 solgte S. til Svogeren Ebbe Galt, hvilken Handel dog maa være gaaet over Styr, thi 1618 afhændede Falk Brahe S. til sin Søsters Mand Ejler Qvitzow, som 1622 tog Laas paa Gaarden; 1624 købte en holstensk Adelsmand Henrik Heest Gaarden, men hans Brodersøn Benedikt Heest solgte den 1637 til Just Fr. v. Pappenheim († 1649); han efterfulgtes af sin Søn Georg v. P. († 1685). Dennes Broder Chr. v. P. skødede 1690 S. til Gehejmer. H. U. v. Lützow († 1722), der her anlagde en prægtig Have. Hans Søn Generalmajor C. F. v. L. ejede den derefter, hvorpaa dennes Datter Sophie L. bragte den til sin Mand Stiftamtmand G. H. v. Krogh († 1808), efter hvem den ejedes af Kammerh. Bertouch († 1831). Ved Auktion solgtes den saa til Klædehandler Kierkegaard († 1835), hvis Arvinger afhændede den 1852 for 275,000 Rd. til Etatsr. L. Jørgensen († 1880), i hvis Families Eje den nu er; den nuv. Ejer er fra 1895 P. Chr. Clausen-Jørgensen. — En tidligere Hovedbygning, der var opf. 1647 af J. F. v. Pappenheim, og i hvis ene Sidefløj der var et Kapel, blev 1804 erstattet med en ny; den nuv. anselige Hovedbygning (se Vignetten S. 208) er opf. 1868—69 i to Stokværk med Renæssancegavle og Taarn efter Tegn. af Arkitekt L. C. Nielsen. I den smukke, af H. U. Lützow anlagte Have, der har nogle store Hækker af Avnbøg, findes bl. a. en Eg, hvis Stamme har et Omf. af 19—20 F. og hvis Krone er 100 F. i Diameter, og en 25 F. høj Taxus baccata. — I den lille „Grethelund" S. for Avlsbygningerne er en muret, 1888 indviet Begravelsesplads for Familien Jørgensen.

I *Krønge* laa fordum en Hovedgaard, hvis Voldplads endnu spores ved den vestligste Gaard i Krønge; den tilhørte i Slutn. af 14. Aarh. Hr. Benedikt v. Ahlefeldt, hvis Svigersøn Hr. Anders Olsen Lunge og Sønner Henneke og Benedikt v. Ahlefeldt 1401 og 1407 solgte den til Dronning Margrethe. Af de kgl. Lensmænd kendes Hr. Jens Grim 1410, Erik Madsen Bølle 1450 og 1492, Sønnen Ejler Eriksen, ogsaa kaldet Ejler Madsen, 1502, osv.; 1575 mageskiftede Kronen K. til Morten Venstermand, der formodentlig lagde den under Søholt.

I Søholt Fredskov og Storskov findes endnu henved 60 større og mindre Gravhøje, til Dels samlede i Grupper.

**Holeby Sogn** omgives af Annekset Bursø, Krønge, Fuglse, Thorslunde, Taagerup, Sædinge og Hillested Sogne. Kirken, noget mod V. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil N. Ø. for Rødby og 1 Mil S. S. V. for Maribo. De lavtliggende og for det meste jævne Jorder ere lerede, paa nogle Steder sandblandede. Nogen Skov (Kalvehave, Vindstoft Sk. m. fl.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Rødby til Maribo og til Nysted, der krydse hinanden, og Maribo-Rødby Banen.

Fladeindholdet 1896: 1926 Td. Ld., hvoraf 1243 besaaede (deraf med Hvede 143, Rug 43, Byg 469, Havre 189, Bælgsæd 17, Blandsæd til Modenh. 31, til Grøntf. 38, Kartofler 6, Sukkerroer 238, andre Rodfr. 14, andre Handelspl. 54), Afgræsn. 176, Høslæt, Brak, Eng m. m. 332, Have 33, Skov 66, Moser 6, Kær og Fælleder 6, Byggegr. og Veje 59, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 154 Heste, 593 Stkr. Hornkv. (deraf 402 Køer), 139 Faar, 286 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 230 Td.; 18 Selvejergaarde med 217, 79

Huse med 12 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 753 (1801: 259, 1840: 387, 1860: 418, 1880: 621), boede i 124 Gaarde og Huse; Erhverv: 38 levede af immat. Virksomh., 325 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 202 af Industri, 33 af Handel, 143 af forsk. Daglejervirksomh. og 8 af deres Midler.

I Sognet Byen *Holeby*, ved Nakskov-Nysted Vejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fællesmejeri, Møller, Stationsbyen (1/4 Mil fra Kirken), Jærnbanestation, Telegraf- og Telefonstation, Postekspedition, Kornmagasiner, Bryggeri, Mølle, Forsamlingshus (opf. 1895). Jærnbaneholdeplads ved *Højbygaardshuse*.

Hovedgaarden *Nybøllegaard* (tilhørende De danske Sukkerfabrikker, se S. 211) har 52 3/8 Td. Hrtk., omtr. 470 Td. Ld., hvoraf 35 Skov, Resten Ager; 11 Lejehuse med omtr. 35 Td. Ld. (2 i Fuglse-Krønge Kommune). Avlsgaarden *Raahavegd.*, der hører under Baroniet Sønderkarle (se S. 213) og er sammenlagt af Gml.- og Ny-Raahavegd., har 40 3/8 Td. Hrtk., 355 Td. Ld., hvoraf 25 Skov, Resten Ager. *Sophiehøj* (ejes af Besidderen af Baroniet Sønderkarle): 13 3/4 Td. Hrtk., 99 Td. Ld., alt Ager. *Annasminde*: 13 Td. Hrtk., 105 Td. Ld., hvoraf 2 Skov, Resten Ager; 3 jordløse Huse.

Holeby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 245. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Søholt.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og langt yngre Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten. Der er bevaret enkelte af de oprindelige, rundbuede Vinduer; Levninger af en smuk Portalindfatning ses paa Nordsiden. Indgangen til Kirken er gennem Vaabenhuset, der skjuler Portalindfatningen her. Skibet har fladt Loft, rund Korbue. Altertavlen har et tarveligt, nyere Billede (Korsfæstelsen); Prædikestolen har malede Skriftsprog; anselig Marmordøbefont med Forsiringer. I Koret Ligsten over Præsten Knud Jørgensen Holmer (Feltpræst i den skaanske Krig), † 1708. Paa Kirkegaarden Gravsten over Præsterne Herman Fuglsang, † 1779, og J. A. Braes, † 1831.

*Nybøllegaard* er oprettet af Gehejmer. H. U. Lützow til Søholt af tre nedlagte Bøndergaarde. Senere ejedes den af Kongen, som 1721 solgte den til Grev Ad. Chrf. Knuth († 1736); 1830 købtes den af Joh. Ditl. Friderichsen († 1861); 1866 overtog Sønnen Chr. Erh. Frederiksen den indtil 1877, da den overtoges af Landmandsbanken; senere blev den købt af De danske Sukkerfabrikker.

*Raahave* er en gammel Hovedgaard, der fordum kaldtes „Rogehave" eller „Røghave". Den ejedes 1397 af Herman Storm, hvis Døtre Grete og Gertrud senere afhændede deres Ejendom i R. til Eskild Gøye. Allerede i 15. Aarh. var der dog mindst to Gaarde, af hvilke en 1462 beboedes af en Væbner Per Bosen og en anden af Jep Jensen. Sidstnævntes Sønnesøn Per Iversen Griis og Datter Anne Jepsdatter solgte 1488 og 1498 R. til Hr. Eskild Gøye, der ogsaa udkøbte andre Ejere, bl. a. Gert Jensen i R. Nørregaard i R. tilhørte 1498 Lavrids Ingversen og Hustru Eline, men de solgte den 1511 til Hr. Mogens Gøye. Aar 1552, da Fru Eline Gøye ejede R., bestod den af fire, af Bønder beboede Gaarde. 1628 mageskiftede Fru Øllegaard Pentz, Jochum Barnewitz' Enke, Gaarden til Kronen. — Gammel Raahavegd. blev ved Baroniets Erektion bestemt til Enkesæde og maa aldrig skilles fra det; i den seneste Tid er Ny Raahavegd. sammenlagt med den.

**Bursø Sogn**, Anneks til Holeby, omgives af dette, et Enklave af Fuglse S., Krønge og Hillested Sogne samt Sønder Sø. Kirken, midt i Sognet, ligger 1 Mil N. Ø. for Rødby og 1/2 Mil S. for Maribo. De lerede, noget sandblandede Jorder hæve sig noget mod Maribo Sø, men sænke sig mod S. V. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Maribo og Rødby-Maribo Banen.

Fladeindholdet 1896: 1562 Td. Ld., hvoraf 1009 besaaede (deraf med Hvede 122, Rug 66, Byg 332, Havre 117, Bælgsæd 14, Blands. til Modenh. 109, til Grøntf. 72, Sukkerroer 113, andre Rodfr. 58), Afgræsn. 129, Høslæt, Brak, Eng m. m. 333, Have 20, Skov 23, Moser 13, Byggegr. og Veje 33 Td. Kreaturhold 1893: 134

Heste, 608 Stkr. Hornkv. (deraf 388 Køer), 210 Faar, 166 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 182 Td.; 23 Selvejergaarde med 150, 2 Fæstegd. med 15, 63 Huse med 16 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 515 (1801: 216, 1840: 345, 1860: 535, 1880: 505), boede i 109 Gaarde og Huse; Erhv.: 24 levede af immat. Virksomh., 300 af Jordbr, 104 af Industri, 50 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler, og 17 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Bursø* (1150: Borch siø) med Kirke, Skole, Hospital (opr. 1703 af Gehejmer. H. U. Lützow til Søholt; Hospitalet, der har haft Plads til 12 fattige, men nu er nedlagt, er en karakteristisk Bygning i eet Stokv. med 4 Sandstensfigurer), Jærnbane- og Telegrafstation. *Kollegaard*, Fattiggaard for Holeby-Bursø Komm. (opr. 1888, Pl. for 37 Lemmer). — *Holtegaard*: 22 Td. Hrtk., 220 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 8 Skov, Resten Ager; 3 Huse. *Søgaarde* (tidligere Lille Søholt og Søgaard, i Bursø og Krønge S.), 17 3/4 Td. Hrtk., 158 Td. Ld., hvoraf 17 1/2 Eng, 7 Skov, 1 Tørvemose, Resten Ager; 2 Huse. *Wredeslund*: 15 1/4 Td. Hrtk., 155 Td. Ld., hvoraf 7 Skov, 1 Mose, Resten Ager; 3 Huse.

Bursø S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 244. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Søholt.

*Kirken*, fordum indviet til St. Dionysius, bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten; det hvælvede Vaabenhus er opført ved en Restauration i 1870'erne. Der er indsat nye Vinduer paa de gamles Plads; Portalindfatninger ere bevarede mod N. og S. Korets Østgavl, der har en smuk Gesims, har bevaret et gammelt Vindue. Skibet har fladt Loft, Koret ligeledes. Altertavlen har en med Kobberornamenter prydet Ramme, der indfatter et tarveligt Maleri (Christus i Gethsemane); Malmstager fra 1615; Kalk skænket af Sognepræst Anders Jørgensen 1609. Prædikestol med Kobberornamenter (som Altertavlen) og det Lützowske Vaaben; Usædvanlig stor og smuk Marmordøbefont i gotisk Stil.

I Sognet har fordum ligget en Hovedgaard *Føllerupgaard*. Aar 1386 nævnes Niels Knudsen i Borsø, 1392 Fikke Moltke af Borsæ, 1397 Henrik Kynt i Børsyæ, 1487 Grete Hermansdatter i Borsø, Hr. Anders Jensens Efterleverske; ved Aar 1600 tilhørte Bursø Ejler Akselsen Krukow, hvis Enke Magdalene Lindenov 1624 skrev sig hertil. — Der findes endnu i Sognet en Føllerupgd.

Bursø var fra Reformationen et Pastorat for sig med Krønge til Anneks, indtil det 1635 lagdes til Holeby.

**Nebbelunde Sogn** omgives af Annekset Sædinge, Hillested, Skjørringe og Tirsted Sogne samt Rødby Fjord. Kirken, mod S. i Sognet, ligger 1/4 Mil N. for Rødby. De jævne og lavtliggende Jorder ere for det meste lerede, noget side mod S., hvor et større Areal er indvundet ved Inddæmning af Rødby Fjord, hvorved flere Øer (Landø, Storeholm, Nødholm, Kastø) ere blevne landfaste. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Nakskov.

Fladeindholdet 1896: 2540 Td. Ld., hvoraf 1211 besaaede (deraf med Hvede 171, Rug 87, Byg 414, Havre 200, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 127, til Grøntf. 24, Kartofler 7, Sukkerroer 116, andre Rodfr. 54), Afgræsn. 203, Høslæt, Brak, Eng m. m. 907, Skov 27, Kær og Fælleder 115, Byggegr. og Veje 75, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 167 Heste, 631 Stkr. Hornkv. (deraf 468 Køer), 372 Faar, 275 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 243 Td.; 31 Selvejergaarde med 201, 4 Arvefæstegd. med 21, 52 Huse med 19 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 519 (1801: 332, 1840: 485, 1860: 549, 1880: 536), boede i 89 Gaarde og Huse; Erhverv 18 levede af immat. Virksomh., 355 af Jordbrug, 72 af Industri, 47 af forsk. Daglejervirksomh., 9 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nebbelunde*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Mølle og Fællesmejeri; *Bukkehave*, ved Landevejen, med Skole og Andels-

mejeri (Fælleshaab); *Norre* (gml. Form Norrug); *Tofte*. *Skovhuse*. — Hovedgaarden *Dansted* har $35^1/_2$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^3/_4$ Td. Skovsk., 300 Td. Ld., hvoraf 30 Skov, Resten Ager; 1 Hus. *Norregd.*: $22^3/_4$ Td. Hrtk., 196 Td. Ld., alt Ager; 2 Huse. *Bukkehavegd.*: 18 Td. Hrtk., 140 Td. Ld., alt Ager; 2 Huse.

Nebbelunde S., een Sognekommune med Annekset, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 247. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S. Den oprindelige Del, Skib og Kor, er opført i den romanske Tid af røde Munkesten paa en Kampestenssokkel; senere fik Skib og Kor Hvælvinger, vistnok endnu senere er Vaabenhuset opf. Paa Vestgavlen, hvor der ses en tilmuret, spidsbuet Døraabning, synes der at have staaet et Taarn. Paa Taget er der omtr. 1830 opsat et lille Trætaarn. I Skib og Kor ses de oprindel. smaa, rundbuede Vinduer. Paa hver Side af Korbuen er der Nicher. Kirken er restaur. 1859; ved en 1896 paabegyndt Restauration blive bl. a. Murene befriede for Kalkpudset. Altertavlen er et meget tarveligt Billedskærerarbejde med daarlige Malerier (Nadveren, Korsfæstelsen osv.). Gammel Granitdøbefont prydet med Rebsnoninger. Prædikestolen er ny. Ved en Restauration i 1870'erne fandtes en Del Kalkmalerier.

En Runesten, som i til Dels ødelagt Stand fandtes i Sædinge Sogn paa Grænsen af Holeby S. ved den saakaldte Tinghusrende (se *Stephens* S. 780), blev opstillet i Præstegaardens Have, men staar nu ved Stiftsmuseet i Maribo.

*Danstedgaard* ejedes 1479 af Chrf. Jensen Basses Hustru Eline og hendes Søskende Las Johansens Arvinger, og siden af Familien Daa. Jørgen Daa til Dansted nævnes 1567; hans Datter Karen ægtede Claus Pors, og deres Datter Kirsten var gift med Joch. Fr. v. Praus, der 1675 solgte sin Hustrus Del til Mads Hyldtofte, Prokurator i Nakskov, medens en anden Del af Gaarden ejedes af Henning v. Daldorff til Flügge paa Fehmern, gift med Fru Anne Steensen. Aar 1697 solgte Byfoged i Rødby Niels Hansen D. til H. Wrede, Forpagter paa Øllingsøgaard (25 Td. Hrtk.). Denne afhændede 1720 Gaarden til F. Felthusen, og Didr. Felthusens Arvinger solgte den 1738 ved Auktion til P. Bech for 3530 Rd. Bechs Enke ægtede D. C. Suhr, der 1751 solgte D. til Ridefoged E. Winstrup for 4200 Rd. Denne solgte D. 1756 til Søren Müller for 4200 Rd., og han afhændede den 1758 til Grev C. D. Reventlow for 4400 Rd.; 1777 lagdes D. under Christianssæde (Hovedgaardstakst 24, Bøndergods 109 Td. Hrtk.) Senere frasolgtes den og ejedes af Landvæsenskommissær M. Kirketerp, der solgte den til Cordua, som atter afhændede den til Lieutn. Reventberg, hvis Enke 1857 solgte den for 95,000 Rd. til N. E. Petersen († 1894); nu ejes den af hans Enke. — En 1776 opført Hovedbygning blev 1858 afløst af en ny, opf. af røde Mursten i eet Stokv. med Frontespice.

I *Nebbelunde* og i *Tofte* har der vist ligget mindre Hovedgaarde, thi 1470 nævnes Henrik Jensen af Nebbelunde, 1478 Peder Beske i N., 1458 Mads Orm i Tofte og 1478 Anders Beske i T. — I Præstegaardens Have findes en gammel, 30 F. lang og bred Borgplads, omgiven af en 15—18 F. bred Grav.

**Sædinge Sogn**, Anneks til Nebbelunde, omgives af dette, Hillested, Holeby, Taagerup og Ringsebølle Sogne samt Rødby Købstad. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil N. Ø. for Rødby. De temmelig jævne Jorder ere for det meste lerede. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Rødby til Nakskov, Maribo og Nysted.

Fladeindholdet 1896: 1456 Td. Ld., hvoraf 826 besaaede (deraf med Hvede 74, Rug 41, Byg 316, Havre 85, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 99, til Grøntf. 6, Sukkerroer 185, andre Rodfr. 13), Afgræsn. 205, Høslæt, Brak, Eng m. m. 318, Have 20, Skov 8, Kær og Fælleder 8, Hegn 6, Stenmarker 8, Byggegr. og Veje 54, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 136 Heste, 604 Stkr. Hornkv. (deraf 403 Køer), 156 Faar, 343 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 177 Td.; 18 Selvejergaarde med 163, 1 Fæstegd. med 2, 52 Huse med 12 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 358 (1801: 219, 1840: 262, 1860: 250, 1880: 373), boede i 51 Gaarde og Huse; Erhverv: 39 levede af immat. Virk-

somh., 222 af Jordbrug, 8 af Gartneri, 56 af Industri, 22 af forsk. Daglejervirksomh., 10 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Sædinge* (gml. Form Sæthyng), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1890) og Mølle. Saml. af Gaarde og Huse: *Sædinge Skov*. I Sognet Mindestøtte om Stormfloden 1872. — Hovedgaarden *Sædingegaard* (under hvilken en Gaard i Bukkehave, Nebbelunde S., er indlagt 1889) har $77^1/_4$ Td. Hrtk. (hvoraf 21 i Nebbelunde S.), $642^3/_4$ Td. Ld., hvoraf 41 Eng, 16 Have, Lund osv., 5 Huslodder, Resten Ager; 14 Lejehuse uden Jord.

Sædinge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Hens. under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 246. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Sønderkarle.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Afslutn. og anseligt, omtr. 34 Al. højt Taarn mod V., alt opført af røde Munkesten. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid; der ses Rester af de oprindelige, rundbuede Vinduer og af Døre paa Skibets og Korets Sider. Indgangen til Kirken er gennem Taarnrummet, der er overhvælvet. Taarnet, i to Stokv. med pyramideformet Tag, er fra den gotiske Tid, og i denne ere Skib og Kor blevne overhvælvede. Der synes at have været et Vaabenhus mod S. Kirken restaur. 1890. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra 1588 med godt udskaarne Fremstillinger af Lidelseshist. Prædikestolen er et nyere, tarveligt Arbejde. Døbefonten, er ny. I Skibet et stort Trækrucifiks. I Kormuren en 4 Al. lang Ligsten af Marmor over Mads Eriksen Mormand til Sædingegd., † 1585, og Hustru med deres Billeder. Der er fundet Kalkmalerier paa Væggene fra omtr. 1450 og paa Hvælvingerne nogle, der omtr. ere et Aarh. senere (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 77). — Kirkegaarden, der ligger højt, er omgiven af store Aske- og Poppeltræer.

*Sædingegaard* omtales under Navnet „Sæthyng" i Vald. II's Jordeb. som kgl. Gods, og Erik Glipping gav 1284 sit Gods her i Mageskifte til Erik Plovpennings Datter Jutta. Senere ejedes S. af Vald. Atterdag, der 1360 pantsatte den til Benedikt Ahlefeldt. Derpaa tilhørte S. 1439 Bertel Brems og 1479, som det synes, ligesom Dansted Arvingerne efter Las Johansen, der havde lejet den ud til Mads Eriksen Gøye, som ligeledes boede her 1494. Medens Sædinge Birk var et Kronelen, der 1502 var givet til Hr. Claus Krummedige, 1505 til Fru Karine, Jørgen Daas Enke, og 1523 til Lavrids Madsen Vasspyd, synes Hovedgaarden at have været i privat Eje og tilhørte blandt andre Mads Eriksen Mormand († 1585) og Fru Anne Abildgaard, 1631 Herluf Mormand, der synes at have afhændet den til Hr. Palle Rosenkrantz, hvis Bo havde den 1649; 1698 solgte Jørgen Skeels Enke Benedikte Margrethe Brockdorff S. ved Auktion til Sognepræsten i Radsted Hans Vinding (33 Td. Hrtk.), der samme Aar afhændede den til Gehejmer, H. U. Lützow. Den arvedes derefter af hans Søn Generalmajor C. F. Lützow, hvis Svigersøn Kammerh. G. A. v. Krogh 1788 solgte den til Forpagter, senere Landvæsenskommissær, Kammerraad C. F. Dall (Hovedgaardstakst 32, Bøndergods 81 Td. Hrtk.) for 21,300 Rd. Dennes Søn solgte den 1858 til Forpagter Tesdorpf, som senere solgte den til Gehejmekonferensr. E. Tesdorpf til Ovrupgd. († 1889), efter hvem den 1890 som Arv overgik til den nuv. Ejer, Hofjægermester O. Brun til Krogerup m. m. for 590,000 Kr. — Hovedbygningen er opf. 1881 af røde Mursten i to Stokv. med Mansardetage og Kvist samt Taarn. De 1886 afbrændte Avlsbygninger ere ny opførte af røde Sten.

**Tirsted Sogn** omgives af Annekssognene Vejleby og Skjørringe, Nebbelunde Sogn og Rødby Fjord. Kirken, mod N. V. i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. N. V. for Rødby. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede, mod Stranden grusede og sandede. Paa Østgrænsen gaar Landevejen fra Rødby til Nakskov. Til Sognet hører den omtr. 200 Td. Ld. store Ø *Lang* i Rødby Fjord.

Fladeindholdet 1896: 2401 Td. Ld., hvoraf 1274 besaaede (deraf med Hvede 137, Rug 148, Byg 401, Havre 121, Bælgsæd 15, Blandsæd til Modenh. 259, til Grøntf. 27, Kartofler 17, Sukkerroer 100, andre Rodfrugter 47), Afgræsn. 301, Høslæt, Brak, Eng m. m. 724, Have 7, Skov 32, Byggegr. og Veje 54, Vandareal 9 Td. Kreaturhold 1893: 205 Heste, 784 Hornkv. (deraf 569 Køer), 587 Faar, 277 Svin

og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 256 Td.; 22 Selvejergaarde med 97, 28 Arvefæstegd. med 111, 3 Fæstegd. med 20, 116 Huse med 26 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 709 (1801: 466, 1840: 577, 1860: 724, 1880: 731), boede i 144 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomh., 448 af Jordbrug, 143 af Industri, 33 af forsk. Daglejervirksomh., 30 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Tirsted* (gml. Form Tyrsted) med Kirke og Skole; *Øster-Tirsted*; *Brandstrup* med Præstegd. (*Rubbeløkke*), Kapellanbolig, Skole, Fattiggaard for Tirsted-Skjørringe-Vejleby Komm., Plads for 40 Lemmer), Missionshus (oprettet 1897), Forsamlingshus (opført 1892) og Mølle; *Gjerringe*, *Viet*, *Hollet*. Paa Øen *Lang* er 3 Gaarde.

Tirsted S., een Sognekommune med Annekssognene, hører under Fuglse Herreds Jurisdiktion (Rødby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 241. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

Tirsted Kirke.

*Kirken*, en af de interessanteste Landsbykirker i Amtet, bestaar i den oprindl. Skikkelse af Skib og Kor med lige Afslutn. og Taarn mod V. Den er opført ved 1200 i Rundbuestil af røde Munkesten, men er senere ofte undergaaet Forandringer; saaledes bleve Skib og Kor overhvælvede i den senere Middelalder, og der blev tilføjet et Vaabenhus mod S. Korgavlen har Tandsnitskifte, Blindinger med Rundbuefrise, Skibets Mure en lignende Frise og Tandsnitskifte. Det mærkeligste ved Bygningen er det anselige, to Stokværk høje Taarn, der er lige saa bredt som Skibet, og som er opført samtidig med dette, dog er den øvre Del senere ombygget. De to Stokværk aabne sig ind til Skibet, forneden ved to rundbuede Arkader, som slutte sig til en lav, fritstaaende Søjle, foroven ved to lignende, men mindre Bueaabninger, som forenes ved en af Halvsøjler og retvinklede Led sammensat Pille. Ved en gennemgribende, af Arkitekt Ove Petersen ledet Restauration 1891—92 har man søgt saa vidt muligt at gengive Bygningen dens oprindelige Udseende; Murene bleve befriede for Overkalkningen, Hvælvingerne erstattedes med et Bjælkeloft m. m. Taget paa Taarnet er afvalmet paa alle fire Sider. I Koret er en Del Kalkmalerier (Fremstillinger af det gml. og nye Testam.), Friser osv., der stamme fra Beg. af 15. Aarh. (paa den nordl. Væg staar: „Hennyngus Kabel", se under Christianssæde), restaurerede; nogle fra en noget senere Tid stammende Kalkmalerier fandtes paa de nu forsvundne Hvælvinger (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 74). Altertavlen er et nyt Trækrucifiks;

Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1602; Granitdøbefonten, med udhugne Hoveder paa Fodstykket, er hidført fra Brahetrolleborg Kirke (den gml., firkløverbladformede Kalkstensdøbefont med Bladornamenter, fra omtr. 1400, er nu opstillet ved Stiftsmuseet i Maribo). Over Korbuen et farvet Gibsrelief (Kopi af Thorvaldsens Christus i Emaus). Paa hver Side af Korbuen en Niche med et udskaaret Helgenbillede, hidført

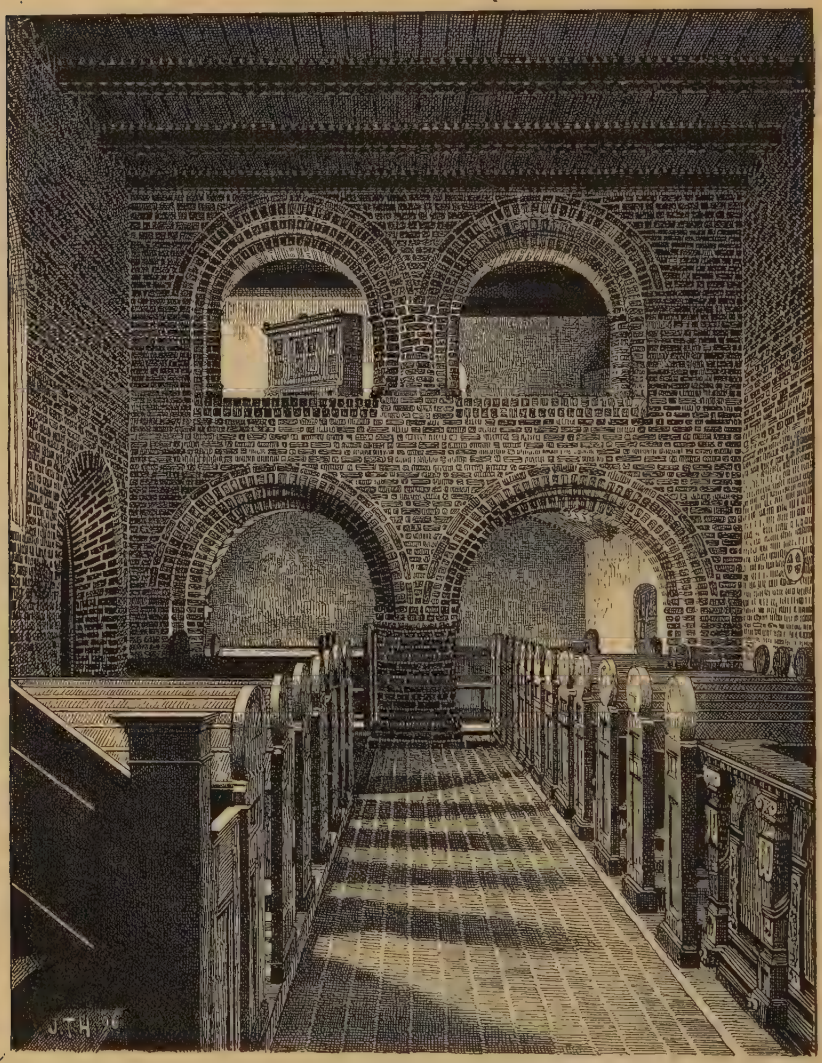

Tirsted Kirkes Indre.

fra Brahetrolleborg Kirke. I Koret en Tavle, der melder, at en Sten er bekostet 1686 af Præsten Hans Hansen Hammer, † 1699, og Hustru Anna Madsdatter Bergen over deres 3 Børn (fra dette Ægtepar nedstammer Familien Bergenhammer). — I Kirkegaardsmurens udvendige Side er der indsat flere gamle Ligsten.

Om *Tirstedrunestenen*, der har været indsat i Kirkemuren og nu er i Nationalmuseet, se *Stephens* S. 798.

*Tirsted Birk* var 1502 forlenet til en Fru Karine og siden til Hr. Claus Krummedige, hvis Arvinger fratraadte Lenet 1513.

Tirsted-Skjørringe udgjorde eet Pastorat til 1694, da Vejleby annekteredes til det. I Tirsted Skoles Gaard har der været en hellig Kilde, „St. Hans Kilde".

**Skjørringe Sogn**, Anneks til Tirsted, omgives af dette og det andet Annekssogn Vejleby, Sønder Hrd. (Ryde S.), Østofte, Hillested og Nebbelunde Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. for Rødby. De bølgeformede Jorder ere lidt mere højtliggende end i de sydligere Sogne og for det meste lerede. Henved $^1/_3$ af Arealet er dækket med Skov (en Del af Christianssæde Fredsk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Nakskov og Maribo, gennem den nordligste Spids den Laal-Falst. Jærnbane.

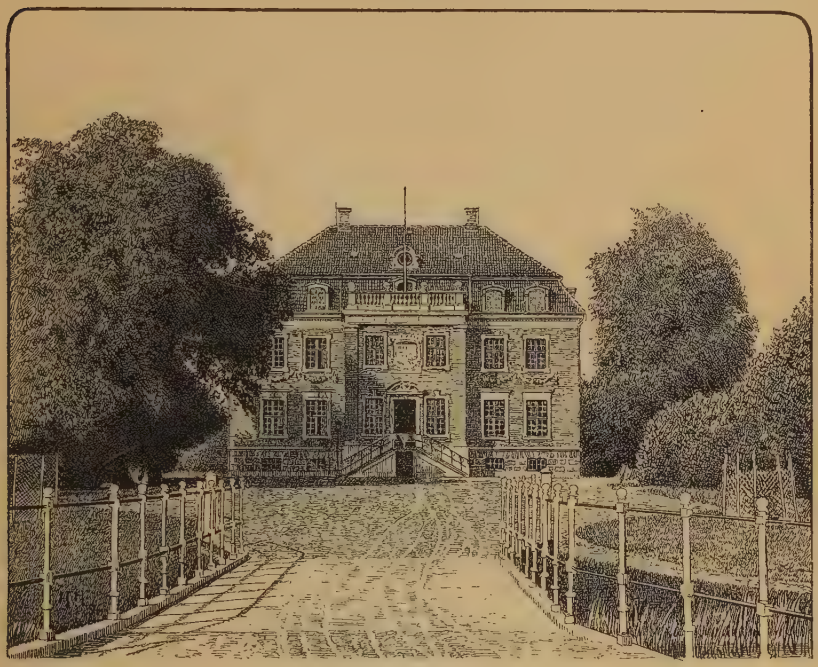

Christianssæde.

Fladeindholdet 1896: 2791 Td. Ld., hvoraf 1097 besaaede (deraf med Hvede 162, Rug 80, Byg 302, Havre 165, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenh. 95, til Grøntf. 41, Kartofler 8, Sukkerroer 225, andre Rodfr. 12), Afgræsn. 221, Høslæt, Brak, m. m. 496, Have 52, Skov 838, Hegn 2, Stenmarker 8, Byggegr. og Veje 66, Vandareal 11 Td. Kreaturhold 1893: 149 Heste, 638 Stkr. Hornkv. (deraf 456 Køer), 184 Faar, 389 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 239 Td.; 6 Selvejergaarde med 128, 24 Arvefæstegd. med 77, 2 Fæstegd. med 7, 83 Huse med 23 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse (omtr. $^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 634 (1801: 399, 1840: 656, 1860: 708, 1880: 645), boede i 128 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomh., 388 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 107 af Industri, 15 af Handel, 8 af Skibsfart, 70 af forsk. Daglejervirks., 12 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Skjørringe*, ved Landevejen, med Kirke og Skole; *Øster-Skjørringe*. *Skjørringe Skovhuse*.

Hovedgaarden *Christianssæde*, der hører til Grevskabet af samme Navn*), har $73^1/_4$ Td. Hrtk., 578 Td. Ld., alt Ager; 4 Familiehuse. Parcelgaarden *Frihedsminde*, ligeledes under Grevsk., har $34^1/_2$ Td. Hrtk. (deraf $5^1/_2$ i Tirsted S.), $274^1/_2$ Td. Ld., alt Ager. Ved Frihedsminde er et Fællesmejeri.

Skjørringe S., een Sognekommune med Hovedsognet og det andet Anneks, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som disse samt under 2. Udskrivningskr.' 240. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

*Kirken* bestaar i sin oprindelige Skikkelse af Skib og Kor med lige Gavl, opførte af røde Munkesten (overhvidtede) i den romanske Tid. Senere er Kirken udvidet mod V. med en Tilbygning, som bærer et lille Trætaarn. Kirken har et nyt, rundbuet, pudset Træloft. Kirken er restaureret 1865. Altertavlen er et Gibsrelief af Thorvaldsen (Peder helbreder den halte), indmuret i Korvæggen; her ogsaa 4 indmurede Gibsmedailloner (de 4 Evangelister). Granitdøbefont, prydet med Rebsnoning og 11 under Rundbuer anbragte Kors- og Liliefigurer. Klokken, med Indskrift i Minuskler, uden Aarstal, er fra 15. Aarh.

*Christianssæde*, Hovedgaarden i Grevskabet Christianssæde, hed oprindelig *Thostrup* (*Taastrup*) efter en nedlagt Bondeby; den skal være anlagt 1353. Den tilhørte 1390 Peder Lavridsen, 1397 Hr. Henning Kabel, hvis Datter Abel ægtede Hr. Niels Lavridsen, der førte en Skraabjælke i sit Vaaben, og 1430—44 skrev sig til Thostrup. Den Peder Nielsen, som 1455 skrev sig til Thostrup, har vel været deres Søn; men han døde sagtens ugift, thi Søsteren Anne Nielsdatter, hvem Slægtebøgerne tillægge Navnet Kabel, ejede Gaarden i Chr. I's Tid med sin Ægtefælle Hr. Tyge Lunge; hans Datter Fru Maren Lunge bragte Gaarden til sin Mand Hr. Axel Brahe († 1487). Efter ham fulgte hans to Sønner Tyge og Ove; den sidstnævntes Datter Beate bragte hans Andel til sin Mand Hr. Jørgen Lykke til Overgaard († 1583). Efter ham fulgte hans Svigersøn Ejler Grubbe († 1585), dennes Søn Jørgen Grubbe († 1640) og hans Søn Chr. Grubbe. Kort før sin Død 1661 købte Rigsdrosten Joch. Gersdorff Thostrup og Aalstrup; Sønnerne Major Henrik Gersdorff og Etatsr. Fr. Gersdorff († 1691) solgte 1669 Gaardene til Admiralitetsr. Poul Klingenberg, der maatte afstaa dem 1686 til Baron Jens Juel paa Grund af Fordringer fra dennes Hustru, Regitze Sophie Vind — Enke efter Baron Vilh. Gyldenkrone, † 1683 — paa Klingenberg. Derefter gik Gaarden over til Vilh. Gyldenkrones Arvinger, som 1702 overlod den til Vilh. Fr. Gyldenkrone, hvis Enke ægtede Konferensr. Hans Rantzau til Seegalendorff, af hvem Grev C. D. Reventlow († 1738) købte Gaardene 1728 (Hovedgaardstakst 129, Skovskyld 11, Bøndergods 1096, Tiender 112 Td. Hrtk.) for 120,000 Rd. Under $^{25}/_7$ 1729 oprettedes af disse Godser tillige med Lungholm (senere frasolgt), Pederstrup og Skjelstofte Grevskabet *Christiansborg*, med Hrtk. af alle Slags 2741 Td., hvis Navn 1741 forandredes til *Christianssæde*. De flg. Besiddere have været Gehejmer. Grev C. D. R. († 1775), Statsminister Grev C. D. F. R. († 1827), Kmhr. Grev C. D. R. († 1851), Grev F. C. O. R. († 1875) og dennes Søn, den nuv. Besidder, Hofjægerm. C. E. F. L. E. R., der tiltraadte Grevskabet 1893. — Den anselige Hovedbygning (se Billedet S. 225), opf. 1690 af Jens Juel, er bygget i italiensk Stil i to Stokv. med Kælder og højt Tag; den er restaureret 1883. Bygningen er omgiven af Grave. I Christianssædes store Skove findes endnu en Del gamle Ege, deribl. en, hvis Stamme har et Omf. af 32 F.; men Bøgen fortrænger dem mere og mere, og mange af de ældste, saaledes „Baggesens Eg" (med et Værelse i Stammen), ere nu forsvundne.

**Vejleby Sogn**, Anneks til Tirsted, omgives af dette og det andet Annekssogn Skjørringe samt Sønder Hrd. (Ryde og Landet S.) og Rødby Fjord. Kirken, mod S. i Sognet, ligger $^3/_4$ N. V. for Rødby. De mod N. lidt

*) **Grevskabet Christianssæde** har 2184 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 317, indtaget til Skov $328^1/_4$, Bøndergods 1327, Kirke- og Kongetiende $507^1/_4$ Td., i Bankaktier 27,800 og i Fideikommiskapitaler omtr. 1,225,800 Kr. Grevskabet indbefatter Hovedgaardene Christianssæde, Aalstrup, Pederstrup samt Skjelstofte og Parcelgaarden Frihedsminde; det deles i et østl. Distrikt, hvortil høre Christianssæde, Aalstrup og Frihedsminde samt Tirsted, Skjørringe, Vejleby og Landet Kirker, og et vestl. Distr., hvortil høre Pederstrup og Skjelstofte samt Vesterborg, Birket, Horslunde og Nordlunde Kirker. Skovarealet udgør omtr. 3000 Td. Ld.

højere og bølgeformede, ud mod Stranden lavtliggende Jorder ere lerede, ved Stranden sandblandede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Nakskov. Til Sognet hører Øen *Hæsø*, nu inddæmmet.

Fladeindholdet 1896: 1438 Td. Ld., hvoraf 835 besaaede (deraf med Hvede 81, Rug 114, Byg 255, Havre 72, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 129, til Grøntf. 55, Kartofler 6, Sukkerroer 93, andre Rodfr. 15), Afgræsning 147, Høslæt, Brak, Eng m. m. 399, Have 21, Byggegr. og Veje 28, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 129 Heste, 410 Stkr. Hornkv. (deraf 292 Køer), 275 Faar, 138 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 182 Td.; 15 Selvejergaarde med 85, 10 Arvefæstegd. med 52, 4 Fæstegd. med 27, 55 Huse med 18 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 396 (1801: 357, 1840: 376, 1860: 425, 1880: 414), boede i 79 Gaarde og Huse; Erhverv: 3 levede af immat. Virksomh., 246 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 83 af Industri, 7 af Handel, 29 af forsk. Dagslejervirksomh., 17 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet den enligt beliggende *Vejleby Kirke* og Byen *Vejleby* (tidligere *Torpe*) med Asyl (opr. af C. Reventlow, for 6 Kvinder fra Grevskaberne Christianssæde, Reventlow eller Brahetrolleborg) og Mølle. *Hollet Huse*, *Vejlebyskovhuse*. — *Maglebjærg* (sammenlagt af 3 Bøndergaarde, hvoraf den ene, $6^1/_8$ Td. Hrtk., er Arvefæste): 18 Td. Hrtk., 130 Td. Ld., alt Ager.

Vejleby S., een Sognekommune med Hovedsognet og det andet Annekssogn, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som disse samt under 2. Udskrivningskr.' 239. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christianssæde.

*Kirken* (graa overkalket) bestaar af Skib, Kor med flad Altervæg, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid af røde Munkesten. I den senere Middelalder indbyggedes spidsbuede Hvælvinger i Skib og Kor (Skibet har nu et fladagtigt Loft), og Taarnet og vist ogsaa Vaabenhuset tilbyggedes. Taarnrummet (fladt Loft) er forbundet med Skibet ved en Spidsbue; paa Taarnet staar under en Krone H. B. J. I. D. K. og Aarst. 1694. Altertavlen er et Maleri: Christus i Getsemane. Prædikestolen er et tarveligt Billedskærerarbejde fra Slutn. af 17. Aarh. Døbefonten, af Træ, er ny. I Kormuren en Ligsten over Præsten Rasmus Rasmussen Chiørring, † 1643, og Hustru; i Kirken en Mindetavle over Kammerr., Inspektør ved Grevsk. Christianssæde Jac. Lauritsen Morsleth, † 1776.

I 1845 fandtes ved Pløjning i Sognet en særdeles smuk og rigt dekoreret Halsring af Guld fra den yngre Jærnalder ($33^3/_{10}$ Lod, Metalværdi 513 Rd.), nu i Nationalmuseet. Grev Reventlow, der havde Jus thesauri til de Værdisager, der maatte findes paa Godset, udbetalte Finderen 100 Rd. og grundlagde for det øvrige af Summen det ovennævnte Asyl, til hvilket han lod udlægge det nødvendige Grundstykke.

Ved Vejleby har der ligget en af 4 Gaarde bestaaende Landsby *Tvede*.

Ved Vejleby findes en meget stor Boplads fra den ældre Jærnalder.

Vejleby var et eget Pastorat indtil 1694.

**Hillested Sogn,** Anneks til Maribo, omgives af Maribo Landdistr., Bursø, Holeby, Sædinge, Nebbelunde, Skjørringe og Østofte Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger noget over 1 Mil N. Ø. for Rødby og $^1/_2$ Mil S. V. for Maribo. De lavtliggende Jorder ere lerede og flere Steder side. En Del Skov (Binnitse Sk., Hillested Nørrehave og Landehave samt Vemmelsmose). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Maribo.

Fladeindholdet 1896: 2786 Td. Ld., hvoraf 1547 besaaede (deraf med Hvede 112, Rug 224, Byg 521, Havre 199, Bælgsæd 39, Blandsæd til Modenh 215, til Grøntf. 74, Kartofler 8, Sukkerroer 59, andre Rodfr. 96), Afgræsn. 285, Høslæt, Brak, Eng m. m. 647, Have 46, Skov 155, Moser 7, Kær og Fælleder 10, Hegn 9, Byggegr. og Veje 77, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 237 Heste, 792 Stkr. Hornkv. (deraf 566 Køer), 395 Faar, 282 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 298 Td.; 49 Selvejergaarde med 255, 2 Fæstegd. med 12, 105 Huse med 23 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 843 (1801: 482, 1840: 617, 1860: 806, 1880: 893), boede i 152 Gaarde og Huse; Erhverv:

24 levede af immat. Virksomh., 490 af Jordbrug, 166 af Industri, 2 af Handel, 131 af forsk. Daglejervirksomh., 10 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Hillested* (1150: Hildistada), ved Landevejen, med Kirke og Skole; *Raa* med Fattiggaard (opr. 1874, Pl. for 24 Lemmer), Missionshus (opf. 1891) og Mølle; *Haared*. *Aagab*, Huse. — *Binnitsegd.*: $33^5/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $1^5/_8$ Td. Skovsk., omtr. 290 Td. Ld. (deraf 22 i Nebbelunde, 7 i Bursø S.), hvoraf 40 Eng, Resten Ager.

Hillested S., en egen Sognekommune, hører under Maribo Birks Jurisdiktion (Maribo), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 235. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken*, en af Laalands anseligere Landsbykirker, bestaar i sin oprindel. Skikkelse af Skib og Kor med smuk, halvrund Afslutning, alt opf. af røde Munkesten ved 1200. Vistnok ved Midten af 13. Aarh. er Skibet blevet udvidet mod V., og noget senere er der indbygget spidsbuede Hvælvinger og det anselige Taarn, med pyramideformet Tag, tilføjet mod V., ligeledes af røde Munkesten. Indgangen er nu gennem Taarnet (for omtr. 30 Aar siden er et Vaabenhus, mod S., nedbrudt). Den ældste Del af Skibet og Korrundingen have Rester af rundbuede Vinduer og en smuk Rundbuefrise. Paa Skibets Nordside ses den gml. Kvindedør. Ved en Restauration 1898 er bl. a. Kirkens Murstenssokkel bleven istandsat. Altertavlen har en lille Kopi af Thorvaldsens Christus (1686 havde Kirken ingen Altertavle, se Kirkeh. Saml. 3. R. VI Bd. S. 493). Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Slutn. af 17. Aarh.; smuk Granitdøbefont fra gotisk Tid. Den store Klokke, uden Indskr., er fra den senere Middelalder.

*Binnitse* er en gammel Hovedgaard, der 1446 tilhørte Peder Hansen, 1462 Henning Hansen, 1477—92 Jens eller Niels Baad, 1519 Hans Baad; 1527 afhændede Fru Barbara Eriksdatter (Blaa) en Andel i Gaarden til Hr. Joh. Oxe. Jens Baad oplod 1561 Gaarden til Maribo Kloster. Chr. V skødede den 1689 til Jørg. E. v. Reichou († 1735), Amtmand over Aalholm Amt m. m., senere Stiftsbefalingsmand, som 1696 solgte Gaarden til Grev A. C. Knuth, der lagde den ind under Grevskabet Knuthenborg; 1873 blev den frasolgt.

Aar 1379 nævnes Kaare Pedersen af Hildistada.

Hillested var et eget Pastorat indtil 1688, da det blev Anneks til Maribo.

**Østofte Sogn** omgives mod S. af Hillested og Skjørringe Sogne, mod N. af Bandholm S., ellers begrænset mod V. af Sønder Hrd. (Stokkemarke og Ryde S.) og mod Ø. af Musse Hrd. (Hunseby S. og Maribo Landdistr.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Rødby og $^3/_4$ Mil N. V. for Maribo. De for det meste jævne og lavtliggende Jorder ere lerede. Henved $^1/_5$ af Arealet er dækket med Skov (Østofte Sk., Skaanshave, Hætten, Skifterne m. m.). Sørup Sø er nu udtørret. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nakskov til Maribo og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 5819 Td. Ld., hvoraf 2718 besaaede (deraf med Hvede 220, Rug 401, Byg 867, Havre 420, Bælgsæd 54, Blandsæd til Modenh. 243, til Grøntf. 126, Kartofler 9, Sukkerroer 232, andre Rodfr. 140), Afgræsn. 498, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1196, Have 70, Skov 1038, Moser 30, Kær og Fælleder 8, Hegn 46, Stenmarker 20, Byggegr. og Veje 178, Vandareal 17 Td. Kreaturhold 1893: 455 Heste, 1562 Stkr. Hornkv. (deraf 1073 Køer), 856 Faar, 626 Svin og 18 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 561 Td.; 88 Selvejergaarde med 492, 1 Arvefæstegaard med 5, 4 Fæstegd. med 18, 164 Huse med 30 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse ($^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1499 (inkl. Bandholm: 1801: 1492, 1840: 1874, 1860: 2444, 1880: 2771), boede i 289 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomh., 924 af Jordbr., 4 af Gartneri, 267 af Industri, 24 af Handel, 171 af forsk. Daglejervirksomh., 18 af deres Midler, og 49 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Østofte* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle, Andelsmejeri; *Nørreballe* med Fattiggaard (opr. 1865, Plads for 40 Lemmer) og

Hospital (opr. 1778 af Grev J. H. Knuth, † 1802, og Sognepræst J. A. Dyssel, † 1789, Plads til 4 fattige); *Paarup* med Mølle; *Erikstrup*; *Sørup*; *Havlykke* med Skole; *Langet* med Skole (Christiansminde Skole, skænket af Grev Chr. D. Reventlow).

Avlsgd. *Paarupgaard*, der hører under Grevskabet Knuthenborg (s. S. 236), har $23^1/_2$ Td. Hrtk., 201 Td. Ld., alt Ager. *Taagerudsgaard*, Allodialgods til Grevsk. Knuthenborg, har $23^3/_4$ Td. Hrtk., 264 Td. Ld. (i Østofte og Stokkemarke S.), hvoraf 13 Eng, 22 Skov, Resten Ager. Desuden *Fuglebæksgd.*

Østofte S., een Sognekommune med Bandholm S., hører under Maribo Birks Jurisdiktion (Maribo), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 234. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken* (tidligere St. Peders Kirke) bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutn., Taarn mod V., Vaabenhus mod S. (nu skilt fra Kirken og omdannet til Ligkapel) og Tilbygning mod N. I Skib og Kor ses Rester af de oprindelige Vinduer og Døre. Kirken er opført af røde Munkesten og skal være indviet 1325. Taarnet, der er meget stort, er vistnok bygget meget senere end Skib og Kor. — Paa Gavlen af Tilbygningen („Bandholmskirken") staar Aarst. 1656. Indgangen til Kirken er gennem en Portal i Taarnets Vestside. Taarnrummet, der er overhvælvet, aabner sig ind mod Skibet med en Rundbue. Skib og Kor ere overhvælvede; Kapel og Vaabenhus have fladt Loft. Altertavlen er et tarveligt Billedskærerarbejde; Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde fra Rokokotiden; Døbefonten er ny. Over Hvælvingerne paa Skibets østl. Væg findes Rester af Kalkmalerier (en Række siddende Figurer, maaske Apostle) fra Beg. af 14. Aarh. — Paa Kirkegaarden Krigergrave fra de slesvigske Krige.

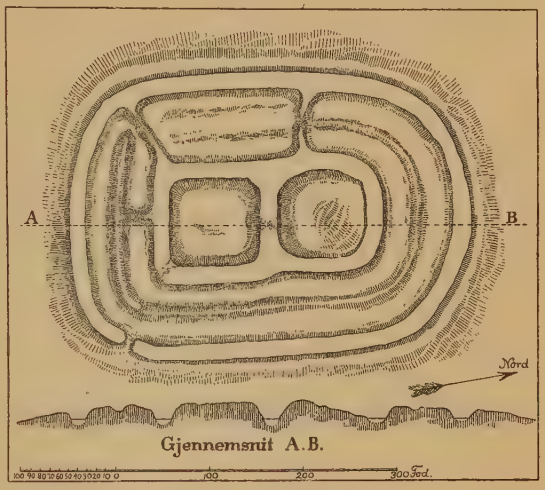


Eriksvolde Voldsted.

Efter Prof. Magn. Petersens Opmaaling (i Nationalmuseet).

Lars Johansen af „Podarpe" (*Paarup*) sad 1439 i Rigens Raad og har medbeseglet Opsigelsesbrevet til Erik af Pommern. Han solgte 1445 „Padorp" og Padorp Fang til Maribo Kloster, der senere købte Andele deri af Niels Brun, Axel Budde og Jens Madsen (Gøye).

Østofte ejedes af Vald. II tillige med Sørup (Syothorp).

Nær ved Erikstrup i Fredskoven Skaanshave findes et betydeligt Voldsted, *„Eriksvolde"*; det bestaar af to, omtr. 100 F. store Voldbanker, en firsidet og en afrundet, begge omgivne af Grave og en fælles, svær Vold, i hvis Overside der er en bred og dyb Grøft; uden om denne Vold er en Ydergrav og en lavere Vold.

Østofte S. skal i sin Tid have hørt til Sønder Hrd.; Kirken stod i den senere Middelalder under Maribo Klosters Patronat (se S. 120).

Af *Jørgen Christensen*, Sognepr. i Østofte og Provst i Fuglse Hrd. († 1593; hans Ligsten er i Kirken), findes i Karen Brahes Manuskriptsaml. i Odense et Haandskrift, der indeholder Kongebreve, Anordninger osv. vedr. Gejstligheden, særlig paa Laaland.

**Bandholm Sogn**, det nordligste i Herredet, omgives af Østofte Sogn,

Sønder Hrd. (Stokkemarke S.), Vordingborg Bugt og Musse Hrd. (Hunseby S.). Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. for Maribo. De lavtliggende, noget bakkede Jorder ere lerede. Henved $^1/_4$ af Arealet er dækket med Skov (Hestehave, Rørmark, noget af Merritsk. m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Maribo til Bandholm og Birket og Maribo-Bandholm Banen.

Fladeindholdet 1896: 2649 Td. Ld., hvoraf 1020 besaaede (deraf med Hvede 159, Rug 76, Byg 310, Havre 172, Bælgsæd 5, Blandsæd 136, til Grøntf. 34, Sukkerroer 80, Kartofler 5, andre Rodfr. 43), Afgræsn. 325, Høslæt, Brak, Eng m. m. 439, Have 37, Skov 616, Mose 1, Kær og Fælleder 69, Hegn 8, Stenmarker 39, Byggegr. og Veje 87, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 135 Heste, 535 Stkr. Hornkv. (deraf 389 Køer), 285 Faar, 158 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 253 Td.; 18 Selvejergaarde med 173, 5 Fæstegd. med 15, 135 Huse med 23 Td. Hrtk. og 53 jordløse Huse (c. $^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1119 (1880: 1141), boede i 159 Gaarde og Huse; Erhverv: 74 levede af immat. Virksomh., 224 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 54 af Fiskeri, 326 af Industri, 87 af Handel, 91 af Skibsfart, 228 af forsk. Daglejervirksomh., 21 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv. Fiskeri og Skibsfart ere af Betydning.

I Sognet *Bandholm*, $^1/_2$ 1890: 741 Indb. (1840: 378, 1860: 770, 1880: 767), købstadlignende Ladeplads og Toldsted (se S. 118), med Kirke (omtr. $^1/_2$ Fjerdingvej V. for Byen), Præstebolig, Jærnstøberi og Maskinfabrik, Skibsbyggeri, Kalkbrænderi, Købmandsforretn., Kornmagasiner, Hotel, Mølle, Bageri, Havn, Endestation for Maribo-Bandholm Banen (s. S. 119), Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. Havnen er anlagt 1839-48 — en af Grev Knuth til Knuthenborg bygget, 512 Al. lang Ladebro førte ud til den lille, 10 F. dybe Havn — og udvidet 1875-77, idet der inden for det gamle Bassin gravedes et nyt, 60,000 □ Al. stort; baade i Yder- og Inderhavnen er der 14 F. Vand; ved Havnen er ansat 2 Lodser. Desuden Byerne: *Rersnæs* med Skole og Mølle; *Koholt. Vriet*, Huse. *Svanevig Mølle.*

Til Grevsk. Knuthenborg (s. S. 236) høre Hovedgaardene *Havlykkegd.*, $43^1/_2$ Td. Hrtk., 376 Td. Ld., alt Ager, og *Vaarskovgd.*, $28^3/_4$ Td. Hrtk., 261 Td. Ld., alt Ager, samt Avlsgaarden *Lerbjærggd.*, $27^1/_2$ Td. Hrtk., 228 Td. Ld., alt Ager (*Bandholmsgd.* er nu nedlagt og dens Jorder indlemmede i Grevskabets Park).

Bandholm S., een Sognekommune med Østofte S., hører under Maribo Birks Jurisdiktion (Maribo), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 233. Lægd. Kirken ejer sig selv.

*Kirken*, der er en anselig Bygning, er en Korskirke og bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, firkantet Taarn med Gavle og kegledannet Spir mod V. og Vaabenhus i den nordl. Korsfløj. Den er opført 1873—74 efter Tegn. af Arkitekt H. Sibbern af røde Mursten i Lighed med St. Jakobskirken i Kbh. Indvendig ses i Loftet Tagkonstruktionen saavel i Skibet som i Koret og i Pulpituret over Vaabenhuset. Altertavlen bestaar af et stort Glasmaleri (Nadveren) og to mindre Glasmalerier i Korets Gavl.

*Havlykkegaard*, tidligere *Havrelykke*, hvor der findes Spor af en gammel Borgplads (en firsidet 150 F. lang og bred Banke, omgiven af en vandfyldt Grav), tilhørte ved Slutningen af 15. Aarh. Sten Pedersen og Fru Bente Pedersdatter, der formodentlig vare Søskende, men H. bestod da alt af flere Gaarde. Fru Bente gav 1493 sin Gaard til Maribo Kloster. Sten Pedersen synes at have solgt sin Gaard til Hr. Eskild Gøye, men fæstede den og havde den endnu 1518 i Fæste af Hr. Mogens Gøye tillige med en øde Gaard sammesteds; 1552 tilhørte disse Gaarde Fru Eline Gøye og vare da beboede af to Bønder Peder og Jørgen Steensen, der sagtens vare Sten Pedersens Sønner, saaledes at der her foreligger et af de faa paaviselige Tilfælde, hvor en Adelsslægt synes at være gaaet ned i Bondestanden. Aar 1593 samlede Landsdommer

Lage Beck atter H. ved Mageskifter med Kronen og Maribo Kloster og oprettede her en Hovedgaard, der senere tilhørte hans Svigersøn Erik Bille og dennes Søn Lage, der døde 1679. Hans Søn Jørgen Bille overlod 1696 sin Halvdel i H. til sin Stedmoder Dorte Skov, der havde været Lage Billes Tjenestepige; 1698 skødede han samme Halvdel til Søster Lerche til Aarsmarke (Hovedgaardstakst 32 Td. Hrtk), medens den anden Halvdel 1701 blev solgt til hende af Chr. Willenrath, der havde købt den af Jørgen Bille. I 1714 blev H. forenet med Aarsmarke til Knuthenborg.

*Bandholm* (Bangendeholm) pantsattes 1360 af Vald. Atterdag til Benedikt v. Ahlefeldt.

Abbedissen i Maribo Kl. fik $^1/_7$ 1588 Brev om, at Bandholm Havn skulde være en fri Havn til Klosteret, „som den af Arilds Tid havde været."

I Sognet findes en Del Gravhøje, navnlig paa Lerbjærggaards Marker omkring Svanevig.

Ved kgl. Res. af $^{12}/_{10}$ 1881 udskiltes Bandholm Sogn af Østofte Sogn.

**Fejø Sogn** bestaar af Øerne *Fejø*, *Skalø* og *Vejrø*, alle i Vordingborg Bugt. Fejø ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. V. for Bandholm og $^1/_3$ Mil N. Ø. for det nærmeste Sted paa Laaland, Kragenæs; Skalø ligger tæt ved Fejøs Vestkyst og Vejrø omtr. 1 Mil N. N. V. for Fejø. Øerne ere lavtliggende og temmelig jævne med lerede, frugtbare Jorder. *Fejø*, omtr. $^1/_3$ □ Mil, er af en meget uregelmæssig Form (fra V. til Ø. henved 1, fra N. til S. $^3/_4$ Mil) og er ved et Engdrag, som maaske tidligere har været et Sund, skilt i en vestl. og en østl. Del; de højeste Punkter, *Bibjærg* i den vestl., og et Punkt i den østl. Del ved Østerby, ere 42 F. 13 M. Den nordligste Pynt er Skovnakke, den sydligste Arnakke Hage.

Fladeindholdet 1896: 3244 Td. Ld., hvoraf 1724 besaaede (deraf med Hvede 261, Rug 315, Byg 661, Havre 234, Bælgsæd 17, Blandsæd til Modenh. 103, til Grøntf. 57, Kartofler 18, andre Rodfr. 45, andre Handelspl. 12), Afgræsn. 89, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1169, Have 40, Moser 4, Kær og Fælleder 38, Hegn 66, Stenmarker 14, Byggegr. og Veje 98, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 381 Heste, 1007 Stkr. Hornkv. (deraf 714 Køer), 1381 Faar og 536 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 348 Td.; 88 Selvejergaarde med 321, 217 Huse med 27 Td. Hrtk. og 23 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1401 (1801: 772, 1840: 1311, 1860: 1603, 1880: 1384), boede i 337 Gaarde og Huse; Erhverv: 74 levede af immat. Virksomh., 772 af Jordbrug, 36 af Fiskeri, 183 af Industri, 59 af Handel, 156 af Skibsfart, 63 af forsk. Daglejervirksomh., 40 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv. Fiskeriet (især Aal og Torsk) og Skibsfarten er, ligesom paa Fæmø og Askø, af Betydning.

Paa *Fejø* (i Vald. II's Jordeb. Fæø): *Fejø Kirke*, enligt beliggende ved Sydøstkysten, og Byerne: *Vesterby* med Birkedommerbolig med Retslokale for Fejø Birk (en almindelig, straatækt Bondegaard), Skole, Fattiggaard (Pl. for 36 Lemmer), Agentur for Laal. Spare- og Laanebank, Kro, Mølle, Bageri, Købmandsforretn., Færgested (ved „*Vasen*") med Overfart til Kragenæs, Telefonstation samt Postekspedition; *Østerby* med Præstegd., Skole, Distriktslægebolig, to Baadebyggerier, Bageri, Bryggeri, Købmandsforretn., Andelsmejeri, Mølle, Færgested (ved „*Sletterne*", Gaarde og Huse) med Overfart til Fæmø, Havn, *Dybets Havn* (10—11 F. Vand). Saml. af Gaarde og Huse: *Sønderherred*, *Skoven*, *Nørreherred*, *Andemose*. — *Skalø* (endnu 1776 ubeboet), der ved en Dæmning er forbunden med Fejøs Nordvestpynt „Draget", har flere Gaarde og en lille Fiskerhavn paa Sydsiden. — *Vejrø* (i Valdemar II's Jordeb. Wætherø) har 4 Gaarde og nogle Huse, Skole, Begravelsesplads og, paa Nordkysten, et Fyr (hvidt Blinkfyr, et 28 F. højt, ottekantet Fyrtaarn, Fl. Højde 50 F., Lysvidden 3 Mil).

Fejø S., en egen Sognekommune, hører under Fejø Birks Jurisdiktion, Maribo Amtstue- (Maribo) og Fejø Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets

2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 282. Lægd. Kirken er overtaget af Staten sammen med de til Bispestolen henlagte Tiender.

*Kirken* (overkalket) bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten. Flere gamle Vinduer og en Dør (i Koret) ere bevarede. Det store, firkantede Taarn har spidst Tag. Koret er overhvælvet, Skibet har fladt Loft. Altertavlen er et smukt Billedskærerarbejde fra Renæssancetiden med et Maleri fra 1861 af Dalsgaard (Bebudelsen). Den udskaarne Prædikestol er prydet med Statuetter af Thorvaldsens Evangelister og Christus; Granitdøbefont. Over Korbuen et tarveligt Krucifiks. I Loftet af Skibet og det med fladt Loft udstyrede Taarnrum hænge flere Skibe og en Malmlysekrone. I Skibet et Epitafium af Træ over Præsten Jens Christoffersen Bruun, † 1613, med Maleri af ham, Hustru og Børn. Paa Korets Nordmur en Tavle over Rektor i Nakskov Peder Thomsen Blichfeld, † 1725.

Paa Fejø har der været to Voldsteder, *Barfred* og *Dragsbjærg*, det sidste omgivet med en bred Vold og Grav ind mod Landsiden. — *Skalø* har været beboet i Oldtiden; der er fundet Oldsager fra Stenalderen, og paa Øens Sydside har der ligget en Langdysse.

Paa Østerby Mark er der oppløjet et større Sølvbæger fra Vikingetiden (med flere Sølvskaale indeni), prydet med figurlige Fremstillinger og Ornamenter (sikkert af fremmed Arbejde).

Fejø har i Modsætning til Fæmø og Askø ingen Rotter.

**Fæmø** (*Femø*) **Sogn** bestaar kun af Øen *Fæmø*, der ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. Ø. for Fejø. Øen, der strækker sig omtr. $^1/_2$ Mil i begge Retninger, og som fra den brede Nordkyst løber spidst til mod S. i Odden „*Sletteren*", har en temmelig bakket og ujævn Overflade og deles ved en dyb, fra V. til Ø. gaaende Lavning, „Bækkenet", der menes at have været en Havarm og ofte om Efteraar og Vinter staar under Vand, i en sydl. og nordl. Del; i den første ligger Øens højeste Punkt, *Isemosebjærg*, 63 F., $19_{,8}$ M., med trigonom. Station.

Fladeindholdet 1896: 2009 Td. Ld., hvoraf 1043 besaaede (deraf med Hvede 148, Rug 150, Byg 415, Havre 174, Bælgsæd 25, Blandsæd til Modenh. 46, til Grøntf. 23, Kartofler 14, andre Rodfrugter 43), Afgræsn. 5, Høslæt, Brak, Eng m. m. 851, Have 19, Moser 4, Kær og Fælleder 19, Hegn 6, Byggegr. og Veje 62 Td. Kreaturhold 1893: 229 Heste, 664 Stkr. Hornkv. (deraf 465 Koer), 660 Faar og 281 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 205 Td.; 56 Selvejergaarde med 191, 105 Huse med 14 Td. Hrtk. og 22 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 743 (1801: 379, 1840: 628, 1860: 756, 1880: 763) boede i 163 Gaarde og Huse; Erhverv: 24 levede af immat. Virksomhed, 466 af Jordbrug, 104 af Industri, 25 af Handel, 56 af Skibsfart, 22 af forsk. Daglejervirksomh., 19 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

Paa Øen: *Fæmø* (i Vald. II's Jordeb. Fymø, Phymø) *Kirke*, ved Vestkysten, og Byerne: *Sønderby* med Præstegd., Kobmandsforretn., Mølle, Bageri og Andelsmejeri samt Havn paa Vestkysten ved Kirken (7 F. Vand) med Lodsstation; *Nørreby* med Skole og Pogeskole, Kro, Færgested med Overfart til Fejø og Askø og Telefonstation („Møllers Stiftelse", opr. 1829, med et Hus, der afgav Fribolig for 8 Enker og faderløse Børn, ejes nu af Kommunen, der bruger det til Fattighus).

Fæmø S., en egen Sognekommune, hører under Fejø Birks Jurisdiktion (Vesterby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Fejø Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 283. Lægd. Kirken tilhører Sognets Lodsejere.

*Kirken*, fordum helliget til St. Nicolaus, bestaar af Skib, Kor med lige Afslutning og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten undtagen Korets Nordmur, der næsten udelukkende bestaar af raat tilhugne Granitsten. Der ses Rester af oprindelige Døre og Vinduer. Kor og Skib ere overhvælvede. Nogle Kalkmal. fra Beg. af

15. Aarh., som fandtes 1885 i Kirken. ere restaur. (se *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 79). Altertavlen er et tarveligt Maleri (Christus i Getsemane); efter en lang Indskr. paa Kalken blev den 1659 røvet af de svenske og solgt i Nakskov, men atter skaffet tilbage til Kirken 1662; den meget lille Prædikestol hviler paa en snoet Træsøjle; Granitdøbefont. I Skibet en Malmlysekrone fra 1766 og flere Skibe. I det lille, hvælvede Taarnrum findes langs den vestl. og nordl. Væg et Galleri fra Slutn. af 17. Aarh. Over Korbuen et lille Krucifiks fra nyere Tid.

Paa Nørrebys Jorder har der endnu i Mands Minde staaet 3 Stendysser.

Øen var Anneks til Fejø indtil 1537.

**Askø Sogn**, det mindste i Herredet, bestaar af Øen *Askø* og den mod N. liggende *Lilleø*, der er forbunden med Hovedøen ved en Flak („Grunden"), over hvilken der kun er nogle faa Fod Vand. Askø, der ligger $^3/_4$ Mil N. for Bandholm og ligsaa langt S. for Fæmø, har lavtliggende og jævne Jorder. „Kirkevigen" mod S. er bleven inddæmmet, hvorved der er indvundet omtr. 130 Td. Ld.

Fladeindhold 1896: 651 Td. Ld., hvoraf 312 besaaede (deraf med Hvede 43, Rug 65, Byg 100, Havre 25, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenh. 25, til Grøntf. 16 Kartofler 4, andre Rodfr. 9, andre Handelspl. 13), Afgræsn. 26, Høslæt, Brak, Eng m. m. 279, Haver 10, Byggegr. og Veje 24 Td. Kreaturhold 1893: 54 Heste, 204 Stk. Hornkv. (deraf 132 Køer), 259 Faar, 73 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 47 Td.; 13 Selvejergaarde med 37, 39 Huse med 10 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 217 (1801: 122, 1840: 170, 1860: 238, 1880: 228), boede i 49 Gaarde og Huse; Erhverv: 8 levede af immat. Virksomh., 119 af Jordbr., 32 af Fiskeri, 26 af Industri, 11 af Skibsfart, 3 af andre Erhverv og 18 af deres Midler.

I Sognet *Askøby*, ved Nordøstkysten, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1895), Købmandsforretn., Mølle og Fællesmejeri samt Telefonstation; paa *Lilleø* et Fællesmejeri.

Askø S., en egen Sognekommune, hører under Fejø Birks Jurisdiktion (Vesterby), Maribo Amtstue- (Maribo) og Fejø Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 284. Lægd. Kirken tilhører Sognebeboerne.

*Kirken* (overkalket) bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og nyt, lille Vaabenhus mod N. Den er opført af røde Munkesten, Vaabenhuset dog af Bindingsværk. Enkelte af de gamle Vinduer og Døre spores. Indgangen til Kirken er gennem Vaabenhuset. Skibet har fladt Loft, Koret er overhvælvet. Taarnrummet (nu Materialhus) har Spidsbue ind til Skibet (nu tilmuret). Altertavlen er et gotisk, udskaaret Alterskab fra omtr. 1400. Døbefonten er af Træ. Prædikestolen er et ret godt udført Arbejde fra 17. Aarh. Over Korbuen et lille Krucifiks.

Askø var til Reformationen Anneks til Fejø.

# Musse Herred.

**Sogne:**

*(Maribo Købstads Landdistrikt.)* — *Hunseby, S. 235.* — *Vaabensted, S. 237.* — *Engestofte, S. 239.* — *Sakskjøbing Lands., S. 240.* — *Taars, S. 242.* — *Vigsnæs, S. 244.* — *Majbølle, S. 245.* — *Radsted, S. 246.* — *Thoreby, S. 250.* — *Slemminge, S. 253.* — *Fjelde, S. 254.* — *Døllefjelde, S. 255.* — *Musse, S. 256.* — *Øster-Ulslev, S. 258.* — *Godsted, S. 259.* — *Vester-Ulslev, S. 260.* — *Kjettinge, S. 261.* — *Bregninge, S. 262.* — *Herridslev, S. 263.* — *Nysted Lands., S. 264.*

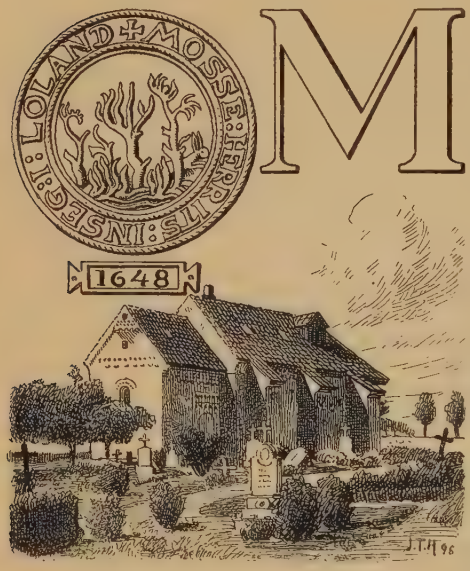


Musse Herred, det største i Amtet, omgives mod V. af Fuglse Hrd., paa hvis Grænse Sønder- og Røgbølle Søer ligge, og begrænses i øvrigt mod N., Ø. og S. af Vordingborg Bugt, Guldborg Sund og Østersøen. Den største Udstrækning fra V. til Ø. er omtr. $3^1/_2$, fra N. til S. noget over $3^1/_2$ Mil. Til Herredet høre Øerne *Vigsø*, i Vordingborg Bugt, *Majbølle Ø*, *Hjelm Ø*, *Stenskær*, *Lilleø* og *Kejls Ø*, i Guldborg Sund, og *Store Skaane Lindholm* og *Kalveholm*, i Østersøen. De for det meste lerede og lermuldede, mod S. Ø. dog i nogle Egne lidt sandede og grusede Jorder ere gennemgaaende lavtliggende og jævne, i Egnen ved Nysted dog noget bølgeformede; den nordøstl. Del kaldes *Guldborgland* (se i øvrigt S. 104). Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de daarligere i Amtet, idet der ved Matr. i Gennemsnit gik over $9^1/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Derimod er det det rigeste paa Skov (9,616 Td. Ld.). Herredets Fladeindhold blev 1896 ansat til 74,634 Td. Ld. ($7,_{48}$ □ Mil, 411,8 □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $6826,_9$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 17,390 (1801: 11,452, 1840: 14,458, 1860: 16,865, 1880: 17,584). I Herredet ligge Købstæderne Maribo, Sakskjøbing og Nysted. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Undt. af Maribo Købstad og Landdistrikt. I verdslig Henseende hører det til Musse Herreds (10 Sogne), Nysted Birks (9 S.) og Maribo Birks (1 S.)

Jurisdiktioner og til Amtets 3. Forligskr. (Hunseby S.), 5. Forligskr. (Vaabensted, Engestofte, Taars, Vigsnæs, Radsted, Thoreby, Slemminge og Fjelde S.) og 6. Forligskreds (de øvrige Sogne).

Musse Herred, i Vald. II's Jordeb. *Mossæhæreth*, hørte fra 1660 til Aalholm Amt (se S. 110).

Herredet hører til de paa jordfaste Oldtidsmonumenter rigeste i Landet, idet der er talt henved 825 (deraf omtr. 625 Gravhøje, 25 Jættestuer, 80 Langdysser, 15 Runddysser og 50 Dyssekamre); mindst $^1/_3$ er i nyere Tid sløjfet eller forstyrret. Flest Monum. findes i Majbølle, Thoreby og Kjettinge Sogne (tils. 370). Omtr. 170 ere fredlyste.

**Litt.**: *F. R. Friis*, Hist.-topogr. Efterretn. om M. Hrd., Kbh. 1872. — Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i M. Hrd., af *Engelhardt* og *M. Petersen*, 1879—80.

---

**Maribo Købstads Landdistrikt**, se S. 112, 117 og 118.

**Hunseby Sogn** omgives af Vaabensted og Engestofte Sogne, Maribo Købstads Jorder og Landdistr., paa hvis Grænse Grimstrup- eller Nørre Sø ligger, Fuglse Hrd. (Østofte og Bandholm S.) og Vordingborg Bugt (Bandholmsbugt). Kirken, sydl. i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil N. Ø. for Maribo og 1 Mil V. for Sakskjøbing. De lavtliggende, jævne Jorder, der ere lerede, ud mod Stranden lettere, sænke sig mod N. En Del Skov (en Del af Merritsk., Knuthenborg Park og Dyrehave, Indtægten, Haverlykke m. m.). *Huns Aa*, der kommer fra Grimstrup Sø, løber mod N. ud i Vordingborg Bugt. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Maribo til Bandholm, Sakskjøbing og Nysted samt Maribo-Bandholm Banen og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 4802 Td. Ld., hvoraf 2311 besaaede (deraf med Hvede 283, Rug 183, Byg 807, Havre 390, Bælgsæd 58, Blandsæd til Modenh. 204, til Grøntf. 93, Kartofler 11, Sukkerroer 152, andre Rodfrugter 129), Afgræsning 312, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1142, Have 86, Skov 511, Kær og Fælleder 206, Hegn 23, Byggegr. og Veje 182, Vandareal 29 Td. Kreaturhold 1893: 359 Heste, 1506 Stkr. Hornkvæg (deraf 1042 Køer), 647 Faar, 647 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk- og halv. Skovskyldshartk. 1895: 508 Td.; 62 Selvejergaarde med 394, 6 Fæstegd. med 41, 168 Huse med 36 Td. Hrtk. og 19 jordløse Huse ($^1/_8$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1356 (1801: 702, 1840: 1059, 1860: 1320, 1880: 1377), boede i 248 Gaarde og Huse; Erhverv: 48 levede af immat. Virksomhed, 788 af Jordbr., 10 af Gartneri, 290 af Industri, 16 af Handel, 157 af forsk. Daglejervirksomh., 32 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Hunseby* med Kirke, Præstegd., Skole og Hospital (opr. 1715 af Søster Lerche til Aarsmarke, Enke efter Gehejmer. E. Chrf. Knuth, med Fribolig for 8 fattige); *Skjelstrup* med Skole og Andelsmejeri („Midtlaalands Andelsm."); *Anderstrup*; *Grimstrup*; *Maglemer* med Skole, Fattiggaard (opr. 1876, Plads for 20 Lemmer) og Jærnbaneholdepl. Saml. af Gaarde og Huse: *Aamosehuse*, *Lomosehuse*, *Tokkelykkehuse*.

Hovedgaarden *Knuthenborg*, under **Grevskabet Knuthenborg**, har 33 Td. Hrtk., 326 Td. Ld., hvoraf 90 Eng, Resten Ager; desuden hører til Gaarden omtr. 800 Td. Ld. Skov. Flg. Gaarde i Sognet høre ligeledes til Grevsk.: *Hasagergd.*, 22 Td. Hrtk., 171 Td. Ld., alt Ager, *Damsmosegd.*, 18 Td. Hrtk., 213 Td. Ld., alt Ager, og *Sakshøj*, 10 Td. Hrtk., 104 Td. Ld.

Ager*). — Andre større Gaarde: *Idasminde,* 14 Td. Hrtk., 126 Td. Ld., (46 i Maribo Landdistr.), hvoraf 7 Eng og Mose, Resten Ager, *Skjelstrupgd.*, 12 Td. Hrtk., 89 Td. Ld., alt Ager, to Huse. I Maglemer findes *Karen Knuths Friboliger*, opr. 1874 af Grev E. Chrf. Knuth, † 1874, for ældre og svagelige, som have tjent paa Grevskabet.

Hunseby S., en egen Sognekommune, hører under Maribo Birks Jurisdiktion (Maribo), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr. 236. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V., Knuthernes Kapel mod S. og en Tilbygning (Varmehus) mod N. Skib og Kor ere opførte i den tidligere Middelalder (ved 1200) af Kamp, Tilbygningerne af røde Munkesten med takkede Gavle. Der spores Rester af oprindelige Døre og Vinduer; den for længe siden tilmurede Indgang paa Nordsiden er dækket af Tilbygningen; den sydl. Portal dækkedes tidligere af et, 1881 nedrevet Vaabenhus, i hvis Sted Kapellet opførtes; Portalens Indfatningssten, der bestaar af to firkantede Granitsøjler med dobbelt Rebsnoning og stumpvinklet Overligger, og paa hvilke der staar en mærkelig Indskrift fra 2. Halvdel af 12. Aarh. (bl. a. „Salomon me fecit monasterium"), blev flyttet 1851 og er nu opstillet i Kirkegaardsdiget ved Indgangen til Kirkegaarden (om Indskriften se Ny kirkeh. Saml. I S. 186, og Berl. Tid. $^{26}/_{1}$ 1897). Paa Skibets sydlige Hjørne findes en Sten med et Mandehoved og en anden med en Figur af koncentriske Cirkler. Indgangen til Kirken er gennem Taarnets vestl. Væg. Taarnrummet, der har Spidsbue ind til Skibet, og Koret ere overhvælvede; Skibet har fladt, gibset Loft. Kirken er restaureret 1851. Altertavlen er et ret dygtigt udført Billedskærerarbejde med et Maleri (Nadveren) og Knuthernes og Lerchernes Vaabener; udskaaren Prædikestol, vistnok fra 17. Aarh., med Urnes, Grubbes, Laxmands og Ruds Vaabener. Døbefonten, støbt af Cement, er ny. Over Korbuen et nyere, godt udskaaret Krucifiks. I Kapellet Epitafium med Brystbilleder over Gehejmer. E. Chrf. Knuth, † 1697, og Hustru Søster Lerche, † 1723; i Kirken Brystbillede af Grev F. M. Knuth. I det

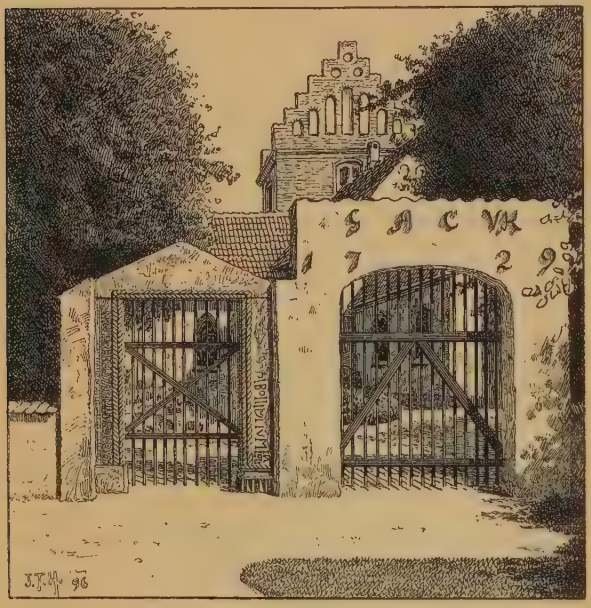

Hunsebys Kirkegaards Portal.

*) Til *Grevskabet Knuthenborg* høre 1121 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 439½, indtaget til Skov 121, Bondergods 72, Kirke- og Kongetiende 488½ Td., i Bankaktier 32,000, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,902,800 Kr. foruden 1275 Td. Byg i aarl. Arvefæsteafgifter for bortsolgt Bondergods samt Besætnings- og Inventariegenstande paa Hoved- og Avlsgaardene af Værdi omtr. 155,700 Kr. Med Grevskabets Besiddelse er forbundet den for Stamhuset Lerchenfeldt (Mørup) substituerede Kapital. Til Grevsk. høre Hovedgaardene Knuthenborg, Maribo Ladegaard, Havlykke, Vaarskov og Knuthenlund samt Avlsgaardene Hasagergd., Damsmosegd., Sakshøj, Lerbjærggd., Paarupgd. og Bøllesminde med et Tilliggende af 4288 Td. Ld. foruden 2650 Td. Ld. Skov.

fra Kirken ved en Glasdør og et Smedejærnsgitter aflukkede Kapel staa 6 Marmorkister, hvori hvile F. M. Knuth (tidligere begr. paa Kirkegaarden), † 1856, og senere Besiddere med Slægt; i Kapellets Kælder findes flere Kister, der tidligere stode i Knuthernes Begravelse i Taarnrummet. Den største Klokke er fra 1465.

*Knuthenborgs* gamle Navn er *Aarsmarke*. Den skal ved Aar 1400 have været Ladegaard under Nielstrup. Hr. Peder Basse til Svenstrup skødede 1404 sin Ejendom i Aarsmarke og Aarsmarke Fang, som han arvede efter sin Farmoder Fru Kirstine, til Folmer Jakobsen Lunge i Tvede. Der er dog her kun Tale om en Arvepart i A., thi Gaardens egentlige Ejer var Hr. Niels Sivertsen, der 1389 skrev sig dertil, og som forte Slægten Grubendals Vaaben. Den ejedes ogsaa senere af hans Efterkommere, Albrecht Nielsen 1425—76, Niels Albrechtsen 1490—93, Elsebe Albrechtsdatter, gift med Jørgen Olsen (Baad). Sidstnævntes Søn Albrecht Jørgensen solgte 1527 A. til Knud Urne († 1543), der 1536 fik Stævning over Maribos Borgere, som havde plyndret Gaarden under Grevens Fejde. Knud Urne efterfulgtes af sin Søn Rigskansler Axel U. († 1577), dennes Søn Knud U. († 1622) og hans Søn Rigskansler Chrf. U. († 1663). Dennes Søn Chr. U. solgte Gaarden 1667 til Etatsr. Cornelius Lerche, hvis Enke Sidsel Grubbe 1682 skødede A. til sin Svigersøn Gehejmer. E. Chrf. v. Knuth. Hans Enke Søster Lerche fik ved kgl. Bevilling af $^{19}/_{4}$ 1714 A., Havlykke, Kværkebygd. og Sandbygd. (se II, S. 653, 656 og 906) oprettet til et Grevskab, der efter hendes Søn Gehejmer. Adam Chrf. Kn. († 1736) fik Navn af Knuthenborg (i alt 2524 Td. Hrtk.); 1738 blev det sjællandske og noget af det laalandske Gods (821 Td. Hrtk.) udskilt og andet laalandsk Gods lagt til, saa at Grevskabet blev paa 2500 Td. Hrtk. De flg. Besiddere have været Sønnen E. Chrf. Greve Kn. († 1776), dennes Søn, Gehejmer., Stiftamtmand J. H. Grev Kn. († 1802), dennes Broder Gehejmekonferensr. Fr. Greve Kn. († 1818), dennes Søn Kmhr. Fr. M. Greve Kn. († 1856), dennes Søn E. Chrf. Greve Kn. († 1874), dennes Broder A. V. Greve Kn. († 1888), hvis Søn E. Chrf. Kn. er den nuv. Besidder. — Der er ingen Hovedbygning. Aar 1855 paabegyndtes vel Opførelsen af en ny, anselig Hovedbygning, der skulde være trefløjet i to Stokv. med flere Taarne; men denne blev senere opgiven, og den gamle er helt nedbrudt. I den omtr. 1100 Td. Ld. store i engelsk Stil anlagte Park, der er omgiven af en 6 F. høj Granitmur med to smukke, anselige Indkørselsporte med Smedejærnsgitre (efter Tegn. af Arkitekt H. Sibbern) ved Bandholm og ved „Egehuset“ (Traktørsted), findes flere smukke Bygninger (efter Tegn. af samme), deribl. en to Stokv. høj Bygning med Taarn, der er opført 1865—66, formentlig paa den gamle Bandholmsgaards Plads, og tidligere benyttedes som Enkesæde (indtil 1888 beboedes den af Besidderen); tillige en Jagtpavillon („Flintstenshuset“), Godsinspektørbolig og Skovridergaard; desuden ligger Avlsgaarden inden for Muren. I Parken findes flere sjældne Træer, deribl. en 71 F. høj, omtr. 250 Aar gammel Bøg, en 80 F. høj, omtr. 350 Aar gammel Eg, hvis Stamme er over 15 F. i Omf., en 52 F. høj Ailantus glandulosa (Skyrækker) og en 39 F. høj Acer campestre (Naur). Desuden en Dysse, hidført fra Lerbjærggaards Mark (Bandholm S.).

I Hunseby Sogn laa det gamle *Grimstrup* Slot, der 1359 tilhørte gamle Hr. Benedict Ahlefeldt, som 1390 eller 1396 tilskødede Dronning Margrethe Slottet. Hun maa dog alt tidligere, maaske ved Pant, være kommen i Besiddelse af det, thi 1388 vedkendte Cort Moltke den ældre og hans Sønner Evert og Vikke M. sig at at have G. i Forlening af Dronningen. Hun fastsatte i sit Testamente, at der af Slottet skulde opbygges et Kloster, men i Stedet herfor gav hun 1408 G. til Maribo Kloster (se S. 119).

Henrik Byseræ i *Hasager* nævnes 1397.

I Fredskovene findes endnu en Del Gravhøje, saaledes i Merritskov omtr. 30, i Knuthenborg Skov 6 og i Haverlykke 5.

**Vaabensted Sogn** omgives af Hunseby Sogn, Annekset Engestofte, Slemminge S., Sakskjøbing Lands., Købstad og Fjord. Kirken, noget mod S. i Sognet, ligger $^{3}/_{4}$ Mil N. Ø. for Maribo og $^{1}/_{2}$ Mil V. S. V. for Sakskjøbing. De lavtliggende og jævne, mod Ø. noget mere højtliggende og bølgeformede Jorder ere lerede. En Del Skov (Store- og Lille-Dyrehave m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Maribo til Sakskjøbing og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 3976 Td. Ld., hvoraf 1834 besaaede (deraf med Hvede 247, Rug 183, Byg 520, Havre 410, Bælgsæd 49, Blandsæd til Modenh. 193, til

Grøntf. 28, Kartofler 25, Sukkerroer 133, andre Rodfr. 39), Afgræsn. 385, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1000, Have 48, Skov 441, Moser 16, Kær og Fælleder 9, Hegn 42, Stenmarker 5, Byggegr. og Veje 176, Vandareal m. m. 18 Td. Kreaturhold 1893: 285 Heste, 1096 Stk. Hornkv. (deraf 759 Køer), 559 Faar, 621 Svin og 22 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 376 Td.; 41 Selvejergaarde med 303, 1 Arvefæstegd. med 15, 1 Fæstegd. med 25, 75 Huse med 28 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 841 (1801: 600, 1840: 773, 1860: 860, 1880: 799), boede i 137 Gaarde og Huse; Erhverv: 25 levede af immat. Virksomh., 608 af Jordbr., 9 af Fiskeri, 109 af Industri, 52 af forsk. Daglejervirks., 17 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vaabensted* (i Vald. II's Jordebog Wapnæstath, senere Wobenstædhe), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Fattiggaard (opr. 1876, Plads for 20 Lemmer); *Budderup*, ved Landevejen; *Kraarup* med Skole. *Kraarupskro*, *Kragevig-*, *Kikop-* og *Rødeledshuse*. *Ventepose Mølle*. — Hovedgaarden *Nielstrup*, under Grevsk. Hardenberg-Reventlow (s. S. 247), har 94 Td. Hrtk., 903 Td. Ld. Ager og Eng, desuden 421 Td. Ld. Skov (hvoraf 325 Fredsk.); under Nielstrup høre 2 Fæstegaarde i Vaabensted og 1 i Sakskjøbing Lands. Avlsgaarden *Aggerupgd.*: $37^3/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^1/_8$ Td. Skovsk., 378 Td. Ld. (68 i Sakskjøbing Lands.), hvoraf 44 Skov, Resten Ager. *Stenstrupgd.* (udtaget til fri Raadighed af Nielstrup): $14^1/_2$ Td. Hrtk., 187 Td. Ld. Arvefæstegaarden *Trustolpegd.* (tidligere Truidstrup): 15 Td. Hrtk., 148 Td. Ld.

Vaabensted S., een Sognekommune med Annekset, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 213. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Hardenberg-Reventlow.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V., Kapel mod S. og Vaabenhus mod N. Den er opført af røde Munkesten; paa Taarnet, der har spaantækt Spir, staar en Tavle med Indskr., der fortæller, at Kirken er bleven restaur. og Taarnet opbygget 1674 af C. Lerche til Nielstrup og Aarsmarke (se S. 121). Der ses flere af de oprindelige Døre og Vinduer. Indgangen er gennem Vaabenhuset. Skib og Kor have fladt Loft; Taarnrummet er hvælvet og aabent ind mod Skibet ved en Spidsbue. Kirken er restaur. 1864. Altertavlen er et tarveligt Billedskærerarbejde med daarlige Malerier (Nadveren, Opstandelsen). Døbefonten af Cement er ny. Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde. I Vaabenhusmuren er indsat en Ligsten over Johan Oxe († 1534) og Hustru med Oxernes og Geyernes Vaabener og Aarstallet 1544, og en anden, lagt af Ejler Gyldenstjerne og Hustru, over Sognepræsten Ivar Nielsen, † 1618.

*Nielstrup* skal være oprettet af en Landsby. Aar 1309 skødede Bernardus Plesse „Niclæsthorp" til Kongens Kammermester Nicolaus Herlughsøn; Plesse havde faaet Gaarden af Kongen, og før ham havde Drosten Peder Hoseel ejet den. I Slutn. af 14. og Beg. af 15. Aarh. tilhørte den Slægten Basse, maaske 1368 Hr. Jens B., der i alt Fald ejede Gods paa Laaland, 1392 Hr. Peder B., 1403 Hr. Tyge B., hvis Datter Maren bragte Gaarden til sin Ægtefælle Hr. Ove Lunge. Hans Datter var gift med Hr. Torbern Bille, hvis Datter ægtede Hr. Johan Oxe, i hvis Familie Gaarden blev i omtr. 100 Aar. Dens Bygninger, der ved denne Tid opførtes af Grundmur med Taarn og Vægtergang, ere senere nedbrudte. Hr. Johan Oxe beboede Gaarden i 1534 og forsvarede den mod Bønderne, men faldt under Belejringen. Hans Søn Albert O. døde 1577 som Slægtens sidste Mand. Dennes Enke ægtede Frederik Hobe, der en kort Tid skrev sig til N., som dog gik i Arv til Albert Oxes Søstersøn Johan Barnekow. Senere solgtes N. til Rigskansler Chrf. Urne, hvis Søn Chr. U. 1664 solgte den til Etatsr. Cornelius Lerche, der ombyggede Hovedbygningen og afrundede og forøgede Godset. Ved hans Død 1681 gik N. over til Sønnen Etatsr. Chr. L. († 1720); hans Enke skødede 1721 N. til Sønnen Kammerjunker Cornelius Johan L. (Hovedgaardstakst 64, Bøndergods 345, Tiender 72 Td. Hrtk.). Han afhændede den 1732 for 33,000 Rd. C. til Kommercer. Jakob Flindt († 1750); derpaa tilhørte den Sønnen Konferensr. Henr. de F. og senere Jagtjunker C. v. F., der fik Gaarden 1790 for 70,000 Rd., og som 1799 solgte den til Grev C. H. A. Hardenberg-Reventlow for

116,000 Rd. Den blev indlemmet i Grevskabet Hardenberg-Reventlow ved dettes Oprettelse. — Nielstrup har nu ingen Hovedbygning.

I Aggerup Skov ligger der et Kapel (indv. $^{17}/_{2}$ 1885) for Familien Holck-Hardenberg-Reventlow.

I Vaabensted ejede Vald. Sejr $^{1}/_{2}$ Bol Jord.

Las Nielsen af »Haghorpæ« og Joh. Krukow i „Thrøætshorpe“ nævnes 1397.

**Engestofte Sogn**, Anneks til Vaabensted (fra 1570), omgives af dette, Slemminge S., Hejrede og Maribo Søer, Maribo Landdistr. og Hunseby Sogn. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^{1}/_{2}$ Mil Ø. S. Ø. for Maribo. De lavtliggende, jævne Jorder ere lerede. En Del Skov (Bøgeskov). Til Sognet hører den omtr. 15 Td. Ld. store *Borgø* i Sønder Sø. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Maribo til Nysted; Landevejen til Sakskjøbing og den Laal.-Falst. Jærnbane berøre den nordl. Spids af det.

Fladeindholdet 1896: 1577 Td. Ld., hvoraf 677 besaaede (deraf med Hvede 101, Rug 41, Byg 205, Havre 135, Bælgsæd 26, Blandsæd til Modenh. 80, til Grøntf. 15, Sukkerroer 54, andre Rodfr. 15), Afgræsning 182, Høslæt, Brak, Eng m. m. 364, Have 23, Skov 271, Hegn 8, Heder 2, Byggegr. og Veje 50. Kreaturhold 1893: 119 Heste, 410 Stk. Hornkvæg (deraf 275 Køer), 228 Faar og 225 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 155 Td.; 16 Selvejergaarde med 142 og 37 Huse med 10 Td. Hrtk. ($^{1}/_{2}$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 327 (1801: 236, 1840: 288, 1860: 361, 1880: 323), boede i 58 Gaarde og Huse; Erhverv: 7 levede af immat. Virksomhed, 248 af Jordbr., 5 af Fiskeri, 35 af Industri, 10 af forsk. Daglejervirksomh., 13 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Engestofte* (gml. Form Ingæstopht), ved Nystedvejen, med Kirke, Skole, Hospital (opr. 1734 af Bodil Kathrine From, Enke efter B. Wichmann til Engestofte, med et Hus til 6 fattige); *Olstrup*, ved Landevejen; *Forneby*. *Skovby*, Huse.

Hovedgaarden *Engestofte*, under *Stamhuset Engestofte og Ulriksdal*, har 57 Td. Ager og Engs Hrtk. og $5^{1}/_{4}$ Td. Skovsk., 782 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 332 Skov (20 Td. i Hunseby og Slemminge S.), Resten Ager; til Gaarden høre 13 Td. Hrtk. Fæstegods*).

Engestofte S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 214. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Engestofte og Ulriksdal.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet med rund Afslutning, Taarn med spaantækt Spir mod V. og Vaabenhus mod N. Den er opført af røde Munkesten og har udvendig 7 Stræbepiller. Skib, Kor og Vaabenhus ere overhvælvede; ind til Vaabenhuset er der en stor, buet Dør. Kirken blev restaur. 1856 under Ledelse af Arkitekt, Slotsforvalter Zeltner. Altertavlen er et smukt, forgyldt Billedskærerarbejde (Maria med Jesusbarnet) fra omtr. 1510, der tidligere har staaet paa Højalteret i Maribo Kirke, men 1648 solgtes til Fru Barbara Wittrup til Engestofte (se *Fr. Beckett*, Altertavl. S. 81 fl.). Ny Prædikestol; Granitdøbefont. Paa Skibets sydl. Væg Mindesmærke af Granit over Etatsr. Jørgen Wichfeld til Engestofte, † 1797. — Paa Kirkegaarden blev 1889 undersøgt en af røde Munkesten bygget Gravkiste fra Midten af 13. Aarh.; den indeholdt et Mandslig.

*Engestofte* (tidligere *Ingestofte*) nævnes 1459, da Hr. Niels Pedersen Gyldenstjerne havde den i Værge, men ved Dom blev tvungen til at afstaa den til Kronen; enten som Ejendom eller Forlening kom den endnu samme Aar til Anders Ebbesen (Galt). Senere tilhørte den Henning Jensen (Quitzow), som 1496 solgte den til Jørgen Olsen (Baad) til Aarsmarke, hvis Enke Fru Elsebe Albrechtsdatter 1529 solgte den til Hr.

*) Til *Stamhuset Engestofte og Ulriksdal* høre 223 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord $102^{3}/_{4}$; indtaget til Skov $10^{1}/_{4}$, Bøndergods 26, Kirke- og Kongetiende 84 Td., i Bankaktier 7000 og i Fideikommiskapitaler omtr. 718,000 Kr. Hovedgaardenes Tilliggende udgør 904 Td. Ld. (Forpagtergaarden er nu solgt) foruden 675 Td. Ld. Skov.

Johan Urne († 1537). Dennes Søn Jørgen U. ejede den endnu 1555; hans Datter Fru Anne U. arvede Gaarden og bragte den til sin Mand Peder Huitfeldt; deres Datter Anne bragte den til sin Ægtefælle Hans Wittrup, og deres Datter Barbara ægtede Kansleren Christian Friis til Kragerup († 1639), hvis Datter Fru Anne Kathrine Friis, Tønne Juuls Enke, 1695 solgte Gaarden til Etatsr. Chr. Lerche. Dennes Enke Fru Sophie Ulrikke v. Reichou fik 1721 Gaarden (Hovedgaardstakst 54, Bøndergods 203, Tiender 9 Td. Hrtk.) tilskødet af Arvingerne for 13,400 Rd. K. Hun solgte 1727 E. for 15,000 Rd. K. til Købmand Bertel Wichmann i Nykjøbing. Hans Søn Etatsr. Jørgen W., adlet 1777 med Navnet Wichfeld, døde 1797, og under $^{8}/_{11}$ 1799 oprettedes E. med Ulriksdal til et Stamhus for hans Brodersøn Oberst Henning W. († 1846). Efter dennes Søn, Kmhr. J. W. († 1888) er hans Søn, Hofjægerm., Lieutn. H. F. Wichfeld Besidder af Stamhuset. — Hovedbygningen er opført 1805—7 i moderne italiensk Stil i to Stokv. med Kælder; 1889 er den restaur. og har faaet en Tilbygning. I Haven findes bl. a. en 75 F. høj Alnus Glutinosa (rød Æl), en 38 F. høj Chamaecyparis Lawsoniana og en Tilia parvifolia (smaabladet Lind), hvis Krone er 67 F. i Diam. og Stammen over 9 F. i Omf.

I Engestofte og Olstrup (Olafsthorp) havde Vald. Sejr Ejendomme.

I Bøgeskov paa Landtungen mellem Sønder- og Hejrede Sø ligger en Gruppe af 8 mindre Gravhøje.

Paa den vestl. Ende af den skovbevoksede *Borgø* (en Hyld har en Stamme paa 8 F. i Omfang) ligger en firkantet Borgplads (omtr. 150 F. i Kvadrat), hvor der er Rester af Mursten (se S. 122 og *Wichfeld*, Fortidsminder fra Egnen om Maribo Sø, S. 59 fl.).

**Sakskjøbing Landsogn** omgives af Sakskjøbing Købstad, Taars, Radsted, Majbølle, Slemminge og Vaabensted Sogne, Sakskjøbing Fjord og Vordingborg Bugt (her kaldet Taars Vig); det har en meget uregelmæssig Form og ligger dels S. for Sakskjøbing, dels N. for denne langs Østsiden af Sakskjøbing Fjord, hvor det mod N. udsender en Halvø (Stensore), der ender i Rodsnæs. De lerede, til Dels sandblandede Jorder ere for det meste jævne, mod N. lidt mere højtliggende, mod S. lavtliggende og noget side. En Del Skov (Stensore, Holcksminde, Christianelund, Kohave). Mod S. falder Sakskjøbing Aa i Fjorden, paa Østgrænsen løber ogsaa et lille Aaløb. Gennem Sognet gaa Vejene fra Sakskjøbing til Nysted, Nykjøbing, Guldborg Færge og Orebygd. Den Laal.-Falst. Jærnbane berører Sognets nordl. Dels sydligste Spids.

Fladeindholdet 1896: 3673 Td. Ld., hvoraf 1681 besaaede (deraf med Hvede 193, Rug 214, Byg 481, Havre 337, Blandsæd 39, Blandsæd til Modenh. 179, til Grøntf. 114, Kartofler 15, Sukkerroer 22, andre Rodfr. 84), Afgræsn. 456, Høslæt, Brak, Eng m. m. 919, Have 50, Skov 399, Hegn 17, Byggegrunde og Veje 143, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 284 Heste, 1178 Stkr. Hornkv. (deraf 794 Køer), 620 Faar, 550 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 348 Td.; 32 Selvejergaarde med 267, 7 Fæstegd. med 45, 121 Huse med 30 Td. Hrtk. og 29 jordløse Huse ($^{1}/_{2}$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1356 (1801: 700: 1840: 915, 1860: 1132, 1880: 1254), boede i 199 Gaarde og Huse; Erhverv: 56 levede af immat. Virksomh., 687 af Jordbrug, 26 af Gartneri, 28 af Fiskeri, 291 af Industri, 49 af Handel, 32 af Skibsfart, 111 af forsk. Daglejervirksomh., 51 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Oreby* (Oureby), Losse- og Ladeplads for Sakskjøbing (se S. 138), med Anlægsbro (10 F. Vand; Lods lodser op til Sakskjøbing), Toldassistent, Skole og Kro; *Rørbæk*, ved Vejen til Nykjøbing og Guldborg Færge, med Skole, Chrf. Gøyes Hospital (opr. 1581 af Chrf. G. til Aunsbjærg osv., og Hustru Birgitte Bølle til Orebygd., med Bolig for 10 fattige af Orebygaards Gods, se S. 139), Missionshus (opf. 1896 af „Indre Mission"), Dampmølle og Andelsmejeri. Langs Nykjøbingvejen og Orebyvejen helt op til Toldstedet ligge Huse, Arbejderboliger, Villaer osv., en Slags Forstad til

Sakskjøbing. *Strandhuse.* I Sognets sydl. Del Byen *Rersø* (gml. Form Redersø).

Hovedgaarden *Orebygaard*, Hovedsædet i **Baroniet Guldborgland**, har $47^3/_4$ Td. Hrtk., 490 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 90 inddæmmet Areal (deraf 70 i Taars S.), Resten Ager. Til Baroniet høre ogsaa Avlsgaardene *Rodsnæsgd.*, 46 Td. Hrtk., 570 Td. Ld., alt Ager, og *Ødegd.*, $36^1/_2$ Td. Hrtk., 300 Td. Ld. (omtr. Halvdelen i Taars S.), alt Ager*). — *Cypressegaard:* $17^1/_2$ Td. Hrtk., 132 Td. Ld. (en Del i Radsted S.), hvoraf 17 Eng, 3 Skov, Resten Ager; 3 Huse.

Sakskjøbing Lands., der i gejstl. Henseende er forenet med Sakskjøbing, men danner en egen Sognekommune, hører under Musse Herreds Jurisdik-

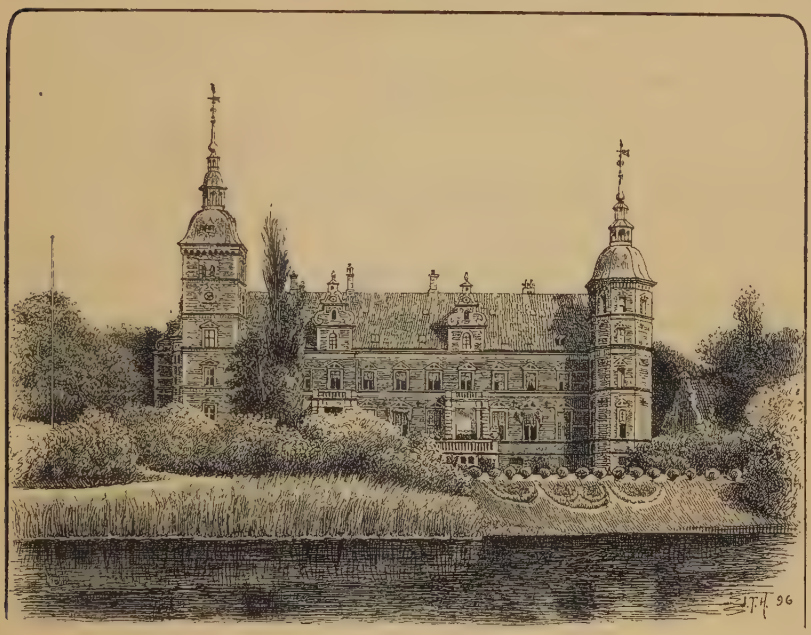

Orebygaard.

tion (Sakskjøb.), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøb. Lægedistr., 5. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 211. Lægd.

*Orebygaard* nævnes 1317 og ejedes da af Sivert Lavridsen; 1333 nævnes Siffridus af O., Kongens Hofmarskalk, formodentlig en Søn af førstnævnte, thi 1336 tilhørte O. en Sivert Sivertsen; disse førte Slægten Grubendals Vaaben. Derefter ejedes Gaarden af den rige Erik Sjællandsfar og hans Enke Margrethe Jakobsdatter, hvis Datter Bodil Eriksdatter ægtede Laurids Jensen (Blaa), som 1394 skrev sig „i Oræby" og da overdrog til Henneke Olsen (Bjørn) al den Ret i Godset i Bregentved og Valsø i Sjælland, som tilkom hans Hustru som Arv efter hendes Fader, der havde dette Gods i Pant for 10 Mark Sølv. Laurids Jensens Sønner Sivert og Oluf Lauridsen

*) Til *Baroniet Guldborgland* høre omtr. 560 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 251, indtaget til Skov 29, Bøndergods 107, Kirke- og Kongetiende 164 Td., i Bankaktier 18,800, Søassuranceaktier 4000, Fideikommiskapitaler omtr. 1,514.000 Kr. foruden aarl. Arvefæsteafgift af 1232 Td. Byg. Baroniet indbefatter Hovedgaardene Orebygd. og Berridsgd. og Avlsgaardene Rodsnæsgd. og Ødegd. med et saml. Tilliggende af 2295 Td. Ld. fri Jord foruden 2361 Td. Ld. Skov.

delte O., til hvilken de begge skrev sig. De vare gode Venner, naar de vare ude, men hjemme paa O. forligtes de kun daarligt, hvorfor man gav deres Hustruer Skylden. Saa var Gaarden delt i to Halvdele, idet Siverts arvedes af hans Datter Anne, gift med Erik Madsen (Bølle) paa Krønge, og derefter af Sønnen Mads Bølle, den anden Halvdel gik i Arv til Oluf Lauridsens Sønner Jakob Olufsen (1471) og Erik Olufsen, † omtr. 1503 som sidste Mand af Slægten Blaa. Sidstnævntes Datter Barbara ægtede Otte Clausen (Huitfeldt), der 1504 skrev sig til O., men han eller hans Enke synes at have solgt deres Ejendom i Gaarden til Hr. Mads Bølle, der saaledes blev Eneejer. Hans Søn Erik B. († 1562), sin Slægts sidste Mand, efterlod O. til sin Datter Birgitte B., „de Brahers gale Moster", gift med Chrf. Gøye til Bremersvold († 1584); efter Fru Birgittes Død 1595 tilfaldt O. hendes Halvbroder Otte Brahes Søn Axel B., og Sønnen Falk B. ejede derefter Gaarden. Han solgte den 1620 for 40,000 Lod Sølv til Hr. Jakob Ulfeldt († 1630), efter hvis Død den ejedes af hans Sønner Grev Frans U. († 1636) og Hr. Flemming U. Hans Datter Sofie U. arvede O. og ægtede Grev Chr. Chrf. Holck († 1676); hun beholdt Gaarden til sin Død 1698, hvorefter den tilfaldt hendes ældste Datter Hilleborg H. (se II, S. 668), som før sin Død (1724) testamenterede O. til sin Brodersøn Grev Chr. Chrf. Holck. Hans Enke Ermegaard Sophie Winterfeld døde 1774, hvorpaa Arvingerne s. Aar solgte O. til Kmhr. P. A. Lehn (Hovedgaardstakst 38, Bøndergods 219 Td. Hrtk.) for 38,000 Rd. Lehn (adlet 1780 som Baron, † 1804) oprettede 1781 af sine store Godser Baroniet Lehn (s. d.), 1803 Stamhuset Sønderkarle (1819 ophøjet til Baroni, s. S. 238) og $^{17}/_{9}$ 1784 *Baroniet Guldborgland* af Orebygd. og Berridsgd. (1373 Td. Hrtk.), det sidste for den næstældste Datter Erica Christine, men da hun døde ugift før Faderen, blev Baroniet bestemt for hans 3. Datter Margrethe Krabbe († 1789), gift med Kmjkr. H. G. v. Barner til Stamhuset Vedbygd., hvorefter Baroniet ved Lehns Død gik over til deres eneste Datter Christiane Henriette Barner, gift med Kmhr. O. D. Kaas til Stamhuset Nedergd., som efter Tiltrædelsen af Baroniet ophøjedes til Baron af Kaas-Lehn; han døde barnløs 1811, hvorefter Enken 1820 ægtede Major, senere Kmhr. H. Chr. Rosenørn, ophøjet til Baron R.-Lehn († 1847). Efter ham gik Baroniet over til Sønnen O. D. Baron Rosenørn-Lehn, Kmhr. og Udenrigsminister, efter hvis Død 1892 det tilfaldt den nuv. Besidder, Broderen, Hofjægerm. C. C. S. Baron Rosenørn-Lehn.

Hovedbygningen, nær ved Ladepladsen Oreby og ved Mundingen af Sakskjøbing Fjord, med smuk Udsigt over Laalands Nordkyst og Vordingborg Bugt, ligger paa den vestl. Del af den gamle, med Grave og en høj Vold (den har været 850 Al. lang; nu er $^{1}/_{4}$ af den sløjfet) omgivne Borgplads, der danner en uregelmæssig Oval. Her lod Birgitte Bølle 1587 opføre en prægtig Bygning, hvis Bygmester vistnok var Johannes Stenvinkel, der opførte Uranienborg. Det var en grundmuret Bygning i to Stokv. med flere Al. tykke Mure, hvælvede Kældere og to høje Taarne samt mod S. Ø. en Udbygning, hvor der skal have været et katolsk Kapel, og som skal være ældre end den øvrige Bygning; senere indrettede Flemming Ulfeldt et Kapel i det nordvestl. Hjørne af Bygningen, hvor der over Døren skal have staaet hans og Hustrus Vaabener og Aarst. 1639. Den gamle Hovedbygning blev moderniseret og forandret 1813—15, og 1872—74 blev den atter helt ombygget efter Tegn. af Arkitekt Ove Petersen. Det er en stor, anselig Bygning, opført af røde Mursten i Chr. IV's Stil og bestaaende af 3 Fløje i to Stokværk med Kviste og to høje Taarne med Spir; Kælderne og nogle af de gamle Mure ere bevarede. Paa Gaarden findes et anseligt Bibliotek (omtr. 25,000 Bd. og flere værdifulde Haandskr.) og store Samlinger af Malerier, Raderinger, Mønter m. m., til hvilke Grunden er lagt af P. A. Lehn, og som tidligere havde Plads paa Berridsgd. I Malerisamlingen, der omfatter omtr. 500 Nr., maa nævnes Portrætter af Griffenfeldt (af C. van Mandern eller Abrah. Wuchters), Chr. V, Abrah. Lehn m. fl. Den øvrige Del af Borgpladsen optages af den smukke Have; over Graven føre to nye Broer.

I Rørbæk boede 1449 Væbneren Lage Mogensen (Galt).

Ved *Oreby Havn* findes en Fattigblok, af hvis indsamlede Beløb en lille Del skal indsendes til Helsingørs Hospital, medens Resten gaar til trængende i Sognet uden for Fattigvæsenet.

*Cypressegaarden* har oprindelig hedt Syvbjærgsgaarden efter 7 stenomsatte Gravhøje, som fandtes paa en af Gaardens Marker; de bleve udgravede 1896 (da stærkt overpløjede). Desuden ligger ved Gaarden en fredlyst og en meget forstyrret Høj. — Ved Rørbæk er fredlyst en Høj og ved Orebygd. en anden, der omslutter en Jættestue. Ved Rersø findes en Stendysse.

**Taars Sogn** omgives af Vigsnæs, Majbølle, Sakskjøbing Lands. og

Vordingborg Bugt (Taars Vig). Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. for Sakskjøbing. De lavtliggende og jævne, mod N. noget bølgeformede Jorder ere lerede og sandblandede. En Del Skov (en Del af Storskoven, Kogangen, Folehave, Vindemose). Et Aaløb, der kommer fra Egnen ved Berridsgaard, falder mod N. ud i Taars Vig og danner en Del af Vestgrænsen.

Fladeindholdet 1896: 4040 Td. Ld., hvoraf 1774 besaaede (deraf med Hvede 307, Rug 183, Byg 633, Havre 253, Bælgsæd 125, Blandsæd til Modenh. 101, til Grøntf. 88, Kartofler 9, andre Rodfr. 69), Afgræsn. 401, Høslæt, Brak, Eng m. m. 976, Have 42, Skov 728, Hegn 17, Byggegr. og Veje 101 Td. Kreaturhold 1893: 292 Heste, 890 Stkr. Hornkv. (deraf 619 Køer), 1128 Faar, 384 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 378 Td.; 47 Selvejergaarde med 321, 4 Fæstegd. med 25, 82 Huse med 24 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 910 (1801: 710, 1840: 827, 1860: 923, 1880:

Berridsgaard.

890), boede i 154 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomh., 538 af Jordbrug, 28 af Gartneri, 191 af Industri, 15 af Handel, 7 af Skibsfart, 54 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 31 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Taars* (gml. Form Thornes) med Kirke, Præstegd., Skole og Hospital (opr. 1848 af Baronesse C. H. Rosenørn-Lehn, Enke efter Baron, Kmhr. H. C. Rosenørn-Lehn, med Fribolig for 10 Lemmer); *Kalø* med Skole, Mølle, Andelsmejeri og Telefonstation; *Killerup*. — Til Baroniet Guldborgland (se S. 241) høre Hovedgaarden *Berridsgaard* med 78 Td. Hrtk., 685 Td. Ld. Ager, og Huset *Eremitagen* (tidligere Birkedommerbolig) med Teglværk, der drives for Lensbesidderens Regning.

Taars S., en egen Sognekommune, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 215. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Guldborgland.

*Kirken*, fordum indviet til St. Andreas, bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V.

og nyt Vaabenhus (nu Ligkapel) mod S. Den er opført i den tidligere Middelalder (en god Type paa en Kirke fra Absalons Dage) af røde Munkesten, men er stærkt restaureret 1859—60. Paa Taarnets vestl. Mur Aarstallet 1668, paa den østl. C. V. V. H. (Chr. Ulr. v. Harstall). Der ses Spor af de ældre, rundbuede Vinduer. Indgangen til Kirken er gennem en ny Portal i Vestgavlen af Taarnet. Taarnrum, Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er fra 1860, med et Maleri af italiensk Skole (Disciplene i Emaus). En i Alterbordet funden Relikvieæske (med „Relikvier af de 11,000 Jomfruer eller St. Johannes' Arm") er nu i Nationalmuseet. Gammel Sandstensdøbefont. Over Korbuen et nyere Krucifiks af Egetræ. Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde fra 2. Halvdel af 16. Aarh. I Vaabenhuset Ligsten over Præsten Mads Hansen, † 1660, og over en gejstlig (med Portrætfigur i Legemsstørrelse) fra 1490. Over Hvælvingerne paa den nordl. Mur i Skibet findes Rester af malede Ornamenter, vistnok fra Midten af 13. Aarh. Klokken, uden Indskrift, er formentlig fra 14. Aarh. — Paa Kirkegaarden ere bl. a. begravede Baronesse C. H. Barner († 1860) med hendes 2 Mænd, Baron O. D. Kaas-Lehn og H. Chr. Baron Rosenørn-Lehn, Udenrigsmin., Kmhr. O. D. Baron Rosenørn-Lehn († 1892) og Præsten Laur. Nicolai Hallager († 1868), over hvem et af Menigheden rejst Monument; endvidere Begravelse (med Granitsten og Jærngitter) for de Krigere fra 1864, der døde paa Lasarettet paa Berridsgd.

*Berridsgaard* tilhørte oprindelig Slægten Pøyske: Markvard P. af „Biergitt" 1382, Hartvig „Poysækæ" i „Byæræth" 1397, Hr. Hans P. 1462, Ejler P. 1487, Markvard P. 1502. Sidstnævntes Søster Inger ægtede Erik Olufsen (Blaa) til Oreby, og deres Datter Barbara bragte begge disse Gaarde til sin Ægtefælle Otte Clausen (Huitfeldt). Næste Ejer var disses Søn Rigsraad Chrf. H. († 1559), derefter hans Søn Jakob H. († 1583), Fader til Hr. Henrik H. († 1652), den sidste Ejer af denne Familie. Hans Datter Øllegaard H. bragte Gaarden til sin Mand Rigshofmester Joch. Gersdorff, der 1654 solgte den til v. Harstall, hvis Søn Overstaldmester Chr. Ulrik v. H. forøgede Tilliggendet betydeligt. Han døde 1719, og Datteren Dorothea Magdalene v. H. solgte 1724 sin Halvpart til sin Svoger Generalmajor J. C. v. Kørbitz. Hans Enke Charlotte Sophie v. H. solgte B. 1736 (559 Td. Hrtk.) for 37,000 Rd. K. til Abrh. Lehn († 1757), hvis Søn Abrh. L. oprettede Baroniet Guldborgland (se S. 242). — Hovedbygningen, (se S. 243), nærved Landevejen til Guldborg Færge og omgiven af Skov, er en ualmindelig smuk, gammel Bygning, opført 1586 af Elisabeth Friis, Enke efter Jac. Huitfeldt (over Indgangen til Taarnet staar ovennævnte Aarstal og deres Vaabener). Den er opført af Grundmur i to Stokværk, til Dels med hvælvede Kældere og med ottekantet Taarn med Spir paa Sydfaçaden; i øverste Stokv. findes Riddersalen; den forrige Ejer har ladet Bygningen restaurere for saa vidt muligt helt at føre den tilbage til dens oprindelige Skikkelse; saaledes er der paa Nordfaçaden tilbygget en Karnap og en Altan. Bygningen, som nu er ubeboet, benyttedes 1864 til Lasaret. I den smukke Have er der nogle store Lindealleer. (Se *C. Molbech*, Bidr. til Berridsgds. Hist., i Hist. Tidsskr. 1. R. II Bd. S. 123 fl.).

I Taars (Thornes) boede 1414 Jens eller Niels Jepsen (Gøye) og 1417 Hr. Hartvig Pøyske.

I Guldborglands Skove (Kalø Sk. og Storskoven) er der fredlyst 5 Høje, 2 Dyssekamre samt en Høj, „Splittorps Høj", omsluttende en anselig Jættestue. — I den Høj, hvorpaa den for faa Aar siden afbrændte Killerup Mølle stod, gjordes 1898 i en Jættestue et stort og vigtigt Fund.

**Vigsnæs Sogn**, et Næs, der skyder ud i Vordingborg Bugt mellem de to Vige Hildesvig og Taars Vig, det nordligste Sogn i Herredet, omgives af Taars og Majbølle Sogne, Vordingborg Bugt og Guldborg Sund. Kirken, mod N. V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. for Sakskjøbing og $^3/_4$ Mil N. V. for Guldborg Færge. De temmelig jævne Jorder ere lerede, mergelblandede og meget frugtbare. Henved $^1/_4$ af Arealet er dækket med Skov (en Del af Storsk., Hildesvig Sk., Vigsnæs Sk., Odden). Til Sognet hører Øen *Vigsø* (omtr. 30 Td. Ld.), der ligger ud for Sognets Nordspids.

Fladeindholdet 1896: 2083 Td. Ld., hvoraf 811 besaaede (deraf med Hvede 127, Rug 91, Byg 300, Havre 124, Bælgsæd 58, Blandsæd 49, til Grøntfoder 22, Kartofler 5, andre Rodfrugter 30), Afgræsning 210, Høslæt, Brak, Eng m. m. 404, Have 17, Skov 497, Moser 11, Kær og Fælleder 30, Hegn 10, Stenmarker m. m. 20,

Byggegr. og Veje 70, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 132 Heste, 415 Stkr. Hornkv. (deraf 268 Køer), 372 Faar, 195 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 164 Td.; 21 Selvejergaarde med 143, 2 Fæstegd. med 9, 28 Huse med 9 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse (Halvdelen i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 385 (1801: 264, 1840: 381, 1860: 417, 1880: 380), boede i 61 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomh., 238 af Jordbrug, 13 af Fiskeri, 69 af Industri, 1 af Skibsfart, 9 af forsk. Daglejervirks., 9 af deres Midler, og 13 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Vigsnæs* (Vyxnæs, Viksnæs, maaske af Mandsnavnet Vikar) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1895), Mølle og Telefonstation. *Skovby* (Udflyttergaarde fra Vigsnæs). *Vestermark Huse*. *Hildesvig*, Skovriderbolig. — *Præstegaarden* har $13^3/_4$ Td. Hrtk., 121 Td. Ld., hvoraf 11 Skov, Resten Ager.

Vigsnæs S., en egen Sognekommune, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 219. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Guldborgland.

*Kirken*, beliggende S. for Vejen (den gamle laa N. for den), bestaar af Skib og Kor med kantet Afslutn. samt mod V. Taarn med ottekantet Spir. Den er opf. 1868-69 i gotisk Stil af Mursten efter Tegn. af Arkitekt Ove Petersen. Over Indgangsdøren i den vestl. Taarnmur er der et Basrelief (en Engel) af Billedhugger Evens og Indskr.: Domino et redemptori. Taarnrummet har fladt Loft, i Skibet og Koret ses Tagværket. Altertavlen, med en delvis gammel Ramme, har et Maleri (Nadveren) fra omtr. 1700; Altergitteret, af Smedejærn, bærer Harstalls og Offenbergs Vaabener og Aarstallet 1702. Prædikestolen og Sandstensdøbefonten ere ny; Orgel fra 1895.

I Storskov ligger en fredlyst Gravhøj.

Vigsnæs var i gejstlig Henseende forenet med Taars 1660—70 og 1690—1776. *Vigsnæs Birk* var tidligere et Kronlen.

**Majbølle Sogn** omgives af Taars, Vigsnæs, Sakskjøbing Lands., Radsted og Thoreby Sogne samt Guldborg Sund (Hildesvig). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 1 Mil N. Ø. for Sakskjøbing. De lavtliggende, mod Sundet affaldende Jorder ere stærkt lerede. Henved $^1/_6$ er dækket med Skov (en Del af Storsk., Færgemark Sk.). De smaa *Majbølle Øer*, i en fra Guldborg Sund indtrængende Vig, høre til Sognet. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Sakskjøbing til Guldborg Færge.

Fladeindholdet 1896: 3756 Td. Ld., hvoraf 1629 besaaede (deraf med Hvede 275, Rug 174, Byg 552, Havre 209, Bælgsæd 163, Blandsæd til Modenh. 148, til Grøntf. 47, Kartofler 11, andre Rodfr. 47), Afgræsn. 432, Høslæt, Brak, Eng m. m. 837, Have 56, Skov 602, Hegn 39, Byggegr. og Veje 159, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 352 Heste, 906 Stkr. Hornkv. (deraf 582 Køer), 821 Faar, 416 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 380 Td.; 54 Selvejergaarde med 278, 11 Fæstegd. med 58, 138 Huse med 37 Td. Hrtk. og 21 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1213 (1801: 800, 1840: 1036, 1860: 1093, 1880: 1226), boede i 229 Gaarde og Huse; Erhverv: 63 levede af immat. Virksomh., 577 af Jordbrug, 29 af Fiskeri, 357 af Industri, 81 af Handel, 129 af Skibsfart, 57 af forsk. Daglejervirks., 26 af deres Midler, og 11 vare under Fattigvæsenet.

I Sognet Byerne: *Majbølle* (gml. Form Madebølle) med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Sosmark*, ved Landevejen, med Skole; *Hjelm* med Skole; *Guldborg* med Udskibningssted og Færge til Guldborg paa Falster, Lodsstation, Telefonstation, Toldsted, Kro, Gæstgiveri, Savværk, Fajancefabrik, Mølle og Andelsmejeri (Guldborg).

Majbølle S., en egen Sognekommune, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Læge-

distr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 212. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Guldborgland.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn (senere tilbygget) mod V. og en med en Trappegavl forsynet (nyere) Sidefløj mod S. i hele Skibets Længde. Langhuset er opført af røde Munkesten. Der ses et enkelt af de oprindelige, spidsbuede Vinduer. Indgangen til Kirken er gennem Portalen i Taarnets Vestside. Taarnrum, Skib, Sidefløj og Kor ere overhvælvede; mellem Skibet og Sidefløjen støttes Hvælvingerne af to fritstaaende Piller. Kirken er restaureret 1854—55. Altertavlen er et Maleri af A. Dorph (Korsfæstelsen); den gamle, udskaarne Altertavle fra 1638 er for nogle Aar siden flyttet til Berridsgaard. Granitdøbefonten skal tidligere have staaet i Vigsnæs Kirke; Prædikestolen er ny. I Taarnrummet en Tavle over Abrah. Lehn, † 1757, Hustru og Børn, og et lille, tarveligt Krucifiks. I Sidefløjen to Ligsten over Otte Clausen til Berridsgd., † 1529, og Jac. Huitfeldt, † 1583 (før i Sakskjøbing Kirke); i Koret Ligsten over Præsten Adam Røy, † 1690. Den store Klokke er fra 1474 og har Indskrift i Minuskler; i Indskriften paa den lille Klokke, fra 1621, kaldes Kirken St. Anna Kirke.

*Majbølle Birk* var et gammelt Kronlen, som Landsdommeren paa Laaland Chrf. van Haffn havde i Pant i Chr. I's Tid. Morten Venstermand indløste det fra ham, men kvitterede selv 1489 Hr. Johan Oxe for Pantesummen; 1502 havde vistnok Fru Thale (Baad), Enke efter Laurids Knob, Lenet, siden hendes Søn Laurids Knob 1523; 1547 fik Peder Oxe Følgebrev derpaa; senere laa det under Halsted Kloster og Nykjøbing og fra 1582 under Aalholm Len.

Ved Guldborg ses Rester af Skanser fra Svenskeskrigen 1658—59 og tæt ved, lige ved Stranden, en efter Sigende 1809 opført Skanse.

Majbølle er af alle Sogne i Herredet det paa Oldtidsmonumenter rigeste, idet der er talt omtr. 135. Ved Sosmark er der fredlyst 2 Langdysser, i Guldborglands Skove 6 Langdysser, 1 Dyssekammer, 60 Gravhøje og en Sten med skaalformede Fordybninger („Hindestenen").

Majbølle S. var Anneks til Sakskjøbing 1690—1803.

**Radsted Sogn** omgives af Majbølle, Thoreby, Fjelde og Slemminge Sogne samt Sakskjøbing Lands. Kirken, midt i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Sakskjøbing. De mod S. V. lavtliggende, i den større nordvestlige Del — der adskilles fra den sydvestl. ved det Mosedrag (Radsted Mose), som begrænser Guldborgland (se S. 104) — noget højere liggende Jorder ere mest lerede. Omtr. $^1/_6$ Del er dækket med Skov (Slaahave, Dyrehave, Indelukket, Hydesk., Holmesk. m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Sakskjøbing til Nykjøbing og, i den vestl. Del, fra Sakskjøbing til Nysted samt den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 6541 Td. Ld., hvoraf 2400 besaaede (deraf med Hvede 336, Rug 358, Byg 761, Havre 366, Bælgsæd 91, Blandsæd til Modenh. 329, til Grøntf. 65, Kartofler 12, Sukkerroer 13, andre Rodfr. 67), Afgræsn. 669, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1868, Have 127, Skov 1133, Moser 17, Kær og Fælleder 10, Hegn 42, Heder 13, Byggegr. og Veje 224, Vandareal m. m. 37 Td. Kreaturhold 1893: 430 Heste, 1428 Stkr. Hornkv. (deraf 953 Køer), 1168 Faar, 604 Svin. og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 560 Td.; 71 Selvejergaarde med 472, 8 Fæstegd. med 39, 97 Huse med 28 Td. Hrtk. og 27 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890 1344 (1801: 913, 1840: 1148, 1860: 1215, 1880: 1401), boede i 228 Gaarde og Huse; Erhverv: 76 levede af immat. Virksomh., 860 af Jordbr., 35 af Gartneri, 204 af Industri, 29 af Handel, 53 af forsk. Daglejervirksomh., 36 af deres Midler, og 51 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Radsted* (delt i *Øster-* og *Nørre-R.*), mellem Landevejen til Nykjøbing og Jærnbanen, med Kirke, Præstegd., 2 Skoler, Hospital (opr. 1641 af Lisbeth Lunge, Enke efter Palle Rosenkrantz til Krenkerup, med Bolig for 8 fattige, inddraget 1708 af Grevinde B. M. Reventlow, f. Brockdorff, til Krenkerup, genopført 1817 af Grev C. H. A. Hardenberg-Reventlow, med Bolig for 20 fattige, lige mange Mænd og Kvinder, fra Harden-

berg, Nørregaard, Rosenlund og Nielstrup Godser; tillige faa Lemmerne Naturalleverancer fra Grevsk. Hardenberg-Reventlow), Forsamlingshus (opf. 1897) Teglværk (under Grevsk.), Mølle og Telefonstation; *Krungerup* med Skole og Jærnbaneholdepl.; *Nørre-Langet*; *Pogemosetofte*; *Hydesby*.

Hovedgaarden *Hardenberg*, Hovedsædet i Grevsk. **Hardenberg-Reventlow**, har $79^1/_4$ Td. Hrtk., 710 Td. Ld., hvoraf 140 Eng, Resten Ager. Gaarden *Idalund*, under samme Grevsk., har $49^1/_2$ Td. Hrtk., 610 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, Resten Ager. Til Gaardene høre 1400 Td. Ld. Skov; udtaget til fri Raadighed ere to Gaarde med omtr. 10 Td. Hrtk., hvoraf den ene er den tidligere Skovridergaard *Carlsberg**).

Radsted S., en egen Sognekommune, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 218. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Hardenberg-Reventlow.

*Kirken*, der er ret anselig, bestaar af Skib og Kor ud i eet med lige Gavl, Taarn mod V., Vaabenhus (nu Ligkapel og Materialhus) mod S. og Sakristi og Kapel samt en lille Tilbygn, med Opgang til Hvælvingerne mod N. Den østl. Del af Kirken er vist fra 13. Aarh.; senere er den forlænget mod V.; den er opført af røde Munkesten; Taarnet, opf. endnu senere, er forhøjet og forsynet med Kuppel og Spir (i alt 86 Al.) af Elisab. Rosensparre 1621; det hælder stærkt mod S. V. Indgangen til Kirken er gennem en Portal i Taarnets Vestmur; over Portalen staar Aarst. 1636 og Brahernes og Rosensparrernes Vaabener. Skib og Kor have 5 Hvælvinger; Taarnrummet er ogsaa overhvælvet. Vaabenhuset og Kapellet, med fladt, rigt dekoreret Loft, ere ligeledes opførte af Elisab. Rosensparre, begge i Renæssancestil, det første 1621, det andet, der før var Gravkapel for Ejerne af Hardenberg (Ligene ere nu nedsatte i Gravhvælvingen), men nu kun er skilt fra Kirken ved en Glasvæg, 1616. Sakristiet er opf. omtr. 1784 paa den Plads, hvor et 1739 opf., 1777 nedbrudt Kapel stod. Ved en Restauration 1868—70 blev bl. a. Sakristiet ombygget i Kapellets og Vaabenhusets Stil; ved samme Lejlighed fandtes paa Hvælvingerne nogle, formentlig fra 15. Aarh. stammende Kalkmalerier, der ikke bleve bevarede. Altertavlen vistnok fra Beg. af 17. Aarh., har et Maleri fra 1870 af A. Dorph (Disciplene i Emaus); Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra 1608; Granitdøbefont. I Kapellet Epitafium med et Maleri paa Kobber af Palle Rosenkrantz, † 1642, hans 3. Hustru Elisab. Lunge, † 1659, og hans Søn Jørgen R., † 1660, og et med over 60 Vaabenskjolde prydet Epitafium over Elisab. Rosensparre, † 1657. I Taarnrummet ere indmurede to Ligsten over Albert Gøye, † 1558, og Hustru Anne Rosenkrantz, † 1589, og over Otte Gøye (med Portrætfigur), † 1567. I Sakristiet Ligsten over Præsterne Niels Winter, † 1629, og Anders Thøgersen Gunderup, † 1630 (se Billedet af Kirken S. 248).

*Hardenberg*, det gamle *Krenkerup*, tilhørte paa Dronning Margrethes Tid Slægten Gøye, idet Hr. Axel Mogensen (Gøye) 1392 købte K. af Hr. Lavrids Nielsen (Kabel). Paa Skiftet efter Hr. Axel 1411 blev Krenkerup udlagt til hans Søn Hr. Oluf Axelsen, hvis Enke Fru Mette Christiernsdatter ægtede Jens Olufsen (Godow) til Hesle, der solgte K. med Mølle samt to Gaarde i Høget, en nu forsvunden By i Radsted Sogn, til Hr. Oluf Axelsens Søstersønner Evert og Hr. Mattis Moltke, hvilke atter 1427—30 afhændede den til deres Morbroder Hr. Mogens Axelsen Gøye den ældre (se Gisselfeld II, 669), som dog maatte indløse den (1436 tog han Laasebrev paa Gaarden) fra Hr. Morten Jensen (Gyrstinge), til hvem Moltkerne havde pantsat den. K. arvedes derpaa af Mortens Søn Eskild G. og efter hans Død 1506 af hans Søn Rigshofmester Mogens G. († 1544), efter hvem den tilfaldt Sønnen Albert G., hvis Datter Margrethe bragte den til sin Ægtefælle Peder Brahe til Krogholm, efter hvem den arvedes af Sønnen Axel Brahe († 1613). Hans Enke Elisab. Rosensparre ægtede 1622 Palle Rosenkrantz († 1642), som derefter skrev sig til K. Sønnen Jørgen R. overtog Gaarden 1649, efter hvis Død 1660 K. tilfaldt hans Søstre eller disses Børn. En Søstersøn, Jørgen

---

*) Under *Grevskabet Hardenberg-Reventlow* høre $1302^1/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $589^1/_2$, indtaget til Skov 50, Bøndergods $235^1/_2$, Kirke- og Kongetiende $427^1/_4$ Td., i Bankaktier 28,800, i Fideikommiskapitaler omtr. 2,656,600 Kr. Grevskabet indbefatter Godserne Hardenberg med Idalund, Nielstrup, Rosenlund, Nørregaard (østre Distr.) samt Christiansdal, Sæbyholm (vestre Distr.) med et Tilliggende af i alt omtr. 5000 Td. Ld. foruden 2669 Td. Ld. Skov.

Skeel til Gammel Estrup († 1695), samlede atter Godset, dels ved Køb, dels ved Mageskifte. Hans Enke Fru Benedicte Margrethe v. Brockdorff, der arvede de laal. Godser Krenkerup og Rosenlund, ægtede 1700 Grev Chr. D. Reventlow (en Broder til Dronning Anna Sophie), der 1736 oprettede et Stamhus af K., Rosenlund og Nørregaard († 1738). Han efterfulgtes af Sønnen Konr. Ditl. R. († 1750), dennes Søn Chr. Ditl. R. († 1759) og hans Datter, Juliane Frederikke, der 1774 ægtede den bekendte preussiske Statsmand Fyrste C. A. Hardenberg, og efter en lang Proces med den yngre Linie beholdt Stamhuset. Dennes Søn Chr. H. A. Hardenberg († 1840) arvede de to Stamhuse

Radsted Kirke.

Krenkerup og Frisenvold (ved Randers), hvilket sidste han fik kgl. Tilladelse til at sælge, hvorefter han efter Købet af Nielstrup, Sæbyholm og Christiansdal fik disse Gaarde sammen med Krenkerup $^{13}/_{12}$ 1815 erigeret til Grevskabet Hardenberg-Reventlow. Efter hans Død gik Grevsk. over til hans eneste Datter Ida Augusta, 1. gift med Kmhr. Grev Harald Holck († 1839), 2. med C. L. J. A. D. Gersdorff (ophøjet til Greve 1842 under Navn af G.-Hardenberg-Reventlow, † 1846), 3. med S. D. Greve af Almaforte (ophøjet 1856 til Greve d' Almaforte-Hardenberg-Reventlow, † 1864). Efter Grevindens Død 1867 gik Grevsk. over til hendes Søn af 1. Ægteskab Kmhr. Greve R. C. L. A. Holck, efter hvis barnløse Død 1885 det gik over til Kvindelinien og til den

nuv. Besidderinde L. C. A. H. G. W. Grevinde Haugwitz-Hardenberg-Reventlow, en Søsterdatters Datter af Grevskabets Opretter.

Den meget anselige Hovedbygning er opført i gotisk Stil af Mogens Gøye i 16. Aarh., men er undergaaet flere Forandringer, saaledes 1620 (Aarst. og Elisab. Rosensparres Navn har staaet paa den ene Gavl), 1631, da Palle Rosenkrantz forhøjede Midtfløjen med et Stokv. (paa Fløjen hans Navn med Aarstallet) — paa Gammel Estrup findes en i Tapet vævet Gengivelse af Bygningen paa Chr. IV's Tid — og senest af Grev Hardenberg-Reventlow. Den er omgiven af Grave (der findes ogsaa Spor af Volde) og bestaar af 3 sammenbyggede Fløje — den midterste, Nordfløjen, med 3, den østl. og vestl. med 2 Stokv. — med stejle Tage og 3 Taarne (to runde, et ottekantet) med Kupler og Spir; Indkørselsporten med det Hardenbergske Vaaben er i den østl. Fløj; under Midtfløjen og den vestl. Fløj findes høje, hvælvede Kældere. Den fjerde Side, der vender ud mod Haven, er nu afsluttet med en lav Mur med Jærnrækværk (tidligere stod her ogsaa en Fløj, som brændte Decb. 1689). Til Gaarden høre store, smukke Staldbygninger (paa den ene staar P.

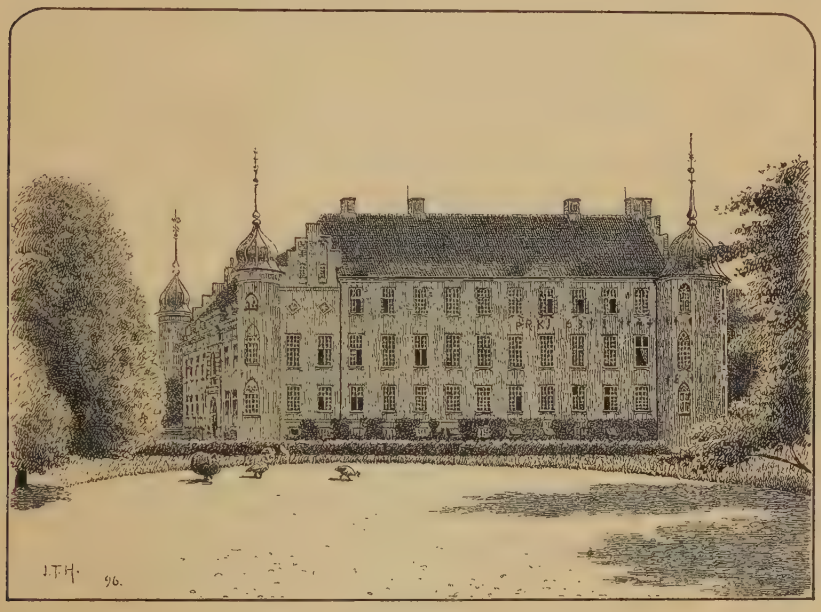

Hardenberg.

Brahes og Margrethe Gøyes Navne) og et prægtigt Ridehus. I den store og smukke Have findes Pavilloner, Drivhuse osv., en 1860 rejst Mindesten for Grev Gersdorff-Hardenberg-Reventlow og flere sjældne Træer, bl. a. en 20 F. høj Abies Pinsapo (spansk Ædelgran), en 36 F. høj Thuja gigantea, en 39 F. høj Quercus rubra, et 34 F. højt Morbærtræ, en 16 F. høj Catalpa Kampferi og en 35 F. høj Juniperus virginiana.

I *Radsted* (Radstædhæ) har ligget en større Gaard, der ved Aar 1400 tilhørte Jakob Pedersen (Gøye), hvis Enke Abel, dengang Enke efter Gotfred Bang, 1407 skrev sig i R. Sønnerne Jens eller Niels Jepsen i R. og Henrik Jepsen pantsatte 1406 og 1412 den af deres Fader fordum beboede Gaard til Hr. Oluf Axelsen Gøye, hvis Broder Hr. Mogens Gøye indløste Pantet.

I Holmeskovs nordl. Udkant findes Rester af en anselig Voldbanke („Galmindeager Slot"), der har Form af en skæv Firkant og er omgiven af Grave.

Af de henved 70 Oldtidsmonumenter, der kendes i Sognet, ligge i Idalunds Indelukke en Jættestue, 2 Langdysser (den ene 170 F. lang) samt to Højgrupper, den ene med 5, den anden med 38 Høje. Ved Radsted er der en anselig, 255 F. lang Langdysse.

En Byskraa fra Radsted af Aar 1635, se Hist. Tidsskr., 1. R. 5. Bd. S. 547 fl.

**Thoreby Sogn**, det største i Herredet og paa Laaland, omgives af Majbølle, Radsted, Fjelde, Døllefjelde, Bregninge og Kjettinge Sogne samt Guldborg Sund. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Sakskjøbing og $^3/_4$ Mil V. for Nykjøbing. De temmelig bølgeformede Jorder ere lerede og noget sandblandede. Over $^1/_5$ af Arealet er dækket med Skov (Grænge Sk., Storsk., Hamborgsk., Flintinge Bysk., Indelukket, Rykkerup Sk., Teglsk., Søndersk., Sløserup Vestersk., Frostrup Sk. m. m.). Gennem Sognet løber mod S. Ø. i den Lavning, der strækker sig fra Sakskjøbing Fjord til Guldborg Sund, *Flintinge Aa*, der falder ud i Guldborg Sund. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Sakskjøbing og Nysted til Nykjøbing og den Laal.-Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 12,525 Td. Ld., hvoraf 4895 besaaede (deraf med Hvede 272, Rug 935, Byg 1493, Havre 761, Boghvede 6, Bælgsæd 140, Blandsæd til Modenh. 498, til Grøntf. 203, Kartofler 51, Sukkerroer 356, andre Rodfr. 169, andre Handelspl. 11), Afgræsn. 1215, Høslæt, Brak, Eng m. m. 2924, Have 162, Skov 2648, Moser 3, Kær og Fælleder 131, Hegn 51, Stenmarker m. m. 142, Byggegr. og Veje 323, Vandareal 21 Td. Kreaturhold 1893: 868 Heste, 2974 Stkr. Hornkv. (deraf 1955 Køer), 2232 Faar, 1383 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 1048 Td.; 87 Selvejergaarde med 642, 57 Fæstegd. med 297, 300 Huse med 85 Td. Hrtk. og 34 jordløse Huse (Halvdelen i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2643 (1801: 1740, 1840: 2104, 1860: 2590, 1880: 2683), boede i 471 Gaarde og Huse; Erhverv: 105 levede af immat. Virksomh., 1537 af Jordbrug, 17 af Gartneri, 487 af Industri, 56 af Handel, 385 af forsk. Daglejervirksomh., 29 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Thoreby* (i Vald. II's Jordeb. Thoræby), ved Landevejen fra Sakskjøbing, med Kirke, 2 Skoler (Thoreby og Thoreby østre), Fattiggaard (Plads for 48 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1888), Sparekasse (opr. $^{24}/_{11}$ 1872; $^{31}/_3$ 1896 var Sparernes saml. Tilgodehav. 82,497 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 5504 Kr., Antal af Konti 288), Andelsmejeri, Mølle, Skovriderbolig, Skovfogedboliger (Stenbrohus og Hamborghus); *Flintinge* (i Vald. Jordeb. Flyntingi) med Præstegd., 2 Skoler og Mølle; *Grænge* med Skole, Mølle, Andelsmejeri, Hanemose Dampteglvarefabrik og Jærnbanestation; *Nagelsti* med Skole og Mølle; *Sundby* med den tidligere Færgegaard; *Rykkerup* (i Vald. Jordeb. Ruggæthorp); *Birket* (nu helt udflyttet); *Sløserup*. *Thoreby Udflyttergaarde*, *Flintingegaarde*.

Hovedgaarden *Rosenlund*, under Grevsk. Hardenberg-Reventlow (s. S. 247), har 84 Td. Hrtk., 706 Td. Ld. Ager, 42 Td. Ld. Eng og Mose, 514 Td. Ld. Fredskov (deraf $80^1/_2$ i Fjelde S.); til Gaarden høre 4 Fæstegaarde (tils. omtr. $23^1/_2$ Td. Hrtk.) og to Gaarde udtagne til fri Raadighed ($6^1/_2$ Td. Hrtk.). — Til **Fuglsang-Priorskov Godser** høre Hovedgaardene *Fuglsang*, 70 Td. Hrtk., 540 Td. Ld. Ager og 121 Td. Ld. Eng og Græsning, og *Priorskov*, $40^1/_2$ Td. Hrtk., 368 Td. Ld. Ager og 27 Td. Ld. Eng og Græsning; til Priorskov er henlagt to Øer Lilleø og Keilsø, i Guldborg Sund, tils. 16 Td. Ld.; *Flintingegaard* (udtagen til fri Raadighed), bestaaende af 3 sammenlagte Bøndergaarde og to Fællesenge, har $21^1/_4$ Td. Hrtk., 108 Td. Ld. Ager, 120 Td. Ld. Eng; Bøndergodset udgør $338^3/_8$ Td. Hrtk., og til Arvefæste er solgt Gaarde af 191 Td. Hrtk.; til Fæstegaardene høre *Nagelsti Skovgd.*, 18 Td. Hrtk., 193 Td. Ld. Godsernes saml. Skovareal er 1498 Td. Ld. ($4^1/_2$ Td. Ager og Engs Hrtk. og 8 Td. Skovsk.); til Godserne høre Thoreby Sogns Konge- og Kirketiende. — *Grængegaard*, 12 Td. Hrtk., 200 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, Resten Ager, med 3 Huse og et Teglværk, er et Aktieselskab (opr. 1898, Aktiekap. 130,000 Kr., aarl. Produktion omtr. 6 Mill. Sten og Drænrør).

Thoreby S., en egen Sognekommune, men delt i to, ved Flintinge Aa adskilte Sognefogeddistrikter, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Saksskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 216. (nordl.) og 217. Lægd. (søndre Del). Kirken tilhører Ejeren af Fuglsang.

*Kirken* bestaar af Skib med to lavere Sideskibe, Kor med lige Gavl, svært Taarn med pyramideformet Tag mod V. og et lille Vaabenhus mod S. samt Materialhus (for Sakristi) paa Korets Nordside. Kirken er opført af røde Munkesten til forskellige Tider. Flere af de oprindelige, spidsbuede Vinduer ere bevarede. Skib og Kor ere overhvælvede. Sideskibene og Taarnet ere senere tilføjede; det sydlige Sideskib (oprindelig 2 eller 3 Kapeller) er ældre og lavere end det nordl. og har oprindelig haft fladt Loft. Nogle i Korhvælvingen fundne Kalkmalerier (fra omtr. 1500) ere atter overhvidtede, hvorimod Dekorationerne i Skibet (Ornamenter) ere fornyede 1890 (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 79). Altertavlen er et nyere Maleri (Christus vel-

Fuglsang.

signer de smaa Børn). Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde i Rokokostil; Granitdøbefonten er omhuggen 1848 af en ældre, der havde Figurer og Ornamenter. De øverste Stolestader bære Erik Ruds og Anne Hardenbergs Vaabener og Aarst. 1567. I Skibet Marmormindetavle over Præsten Hans Brygmann, † 1774, og Hustru. I Taarnrummet er der et Gravkapel, i hvilket der findes 4 Ligkister og et smukt Marmormonument (med Relief) af Wiedewelt over Kathrine Margrethe v. Wallmoden, f. Lehn, † 1788, gift med Amtmand, Friherre C. G. v. Wallmoden, † 1793.

Af Thorebys Præster nævnes Hans Jørgensen Sadolin (Søn af Reformatoren Jørgen S.), 1559—76, dansk-latinsk Digter, Digteren Hans Nordrup, 1748—50, og Siftsprovst H. P. Kofoed-Hansen, 1867—83, bekendt som æsthetisk Forf.

Oprindelsen til *Rosenlund* er en tidligere Hovedgaard *Gjeltoftegaard*, der i sin Tid har tilhørt en lidet kendt Linie af Gøye-Slægten (Mads Skytte i G. 1397, Jens Madsen 1445—63, Henr. Jensen 1472, Erik Jensen 1455—67). Oprindelig var Gaarden kun et Pant fra Odense Bispestol, men Jens Madsen mageskiftede sig 1445 Ejendomsretten til den. Hans Boesen i G. 1458 var vel besvogret med Gøyerne. Jens Madsens Datter Fru Marine og hendes Søn Henr. Krummedige solgte 1490 G. til Hr. Eskild Gøye; 1552 tilhørte Gaarden sidstnævntes Sønnedatter Fru Eline Gøye,

men var da beboet af en Bonde; 1569 var der Strid mellem Albert Oxe paa Aalholm og Fru Anne Rosenkrantz, Enke efter Albert Gøye, om alle de Skove, der havde ligget til Gjeltofte. I 17. Aarh. tilhørte Gaarden Palle Rosenkrantz til Krenkerup, som maaske har givet den dens nuv. Navn, og som opførte en grundmuret Bygning, der bærer Aarst. 1638. Derpaa tilhørte den hans Svigersøn Erik Rosenkrantz til Rosenholm († 1681), men senest fra 1680 tilhørte den Ejerne af Krenkerup (se under Hardenberg S. 248).

*Fuglsangs* ældste kendte Ejer var Anders Siundesen, der nævnes 1368—87, men oftest skrev sig til Kjærstrup. Fuglsang arvedes af hans Børn, Sønnen Hr. Axel Andersen, død barnløs, og Datteren Sidsel, gift med den senere Rigshofmester Hr. Jens Due, hvis Datter Fru Mette Jensdatter, Hr. Lyder Kabels Enke, 1446 skænkede Gaarden til Maribo Kloster, men 1448 atter lejede den af Klosteret, der 1453 for øvrigt fik Fru Mettes Gave stadfæstet af Mikkel Due, hendes Brodersøn, og endnu 1473—74 erhvervede den Ret, som Hr. Jens Due (Thott) og hans Søster Birgitte Bondesdatter, hvis Fader var Søstersøn af fornævnte Hr. Jens Due, kunde have i F. Mærkelig nok havde Klosteret alt da for længe siden (1457) mageskiftet F. til Oluf Andersen Gøye, hvis Datter Sophie ægtede Henning Venstermand, og som 1507 boede paa F. som Enke. Hun var dog ikke Eneejer. Oluf Andersens Enke havde ægtet Johan Venstermand, som 1480—89 skrev sig til F. En anden Medejer var Claus Neb, hvis Enke Birgitte Daa i andet Ægteskab med Hr. Mads Bølle havde Datteren Dorte B., som ved sit Ægteskab med Hr. Knud Rud († 1554) bragte F. til dennes Slægt. Han efterfulgtes af sin Søn Erik R. († 1577) og dennes Sønner Peder R. († 1572) og Korfitz R. til Sandholt, der ved sin Død 1630 efterlod F. til sin Datter Fru Helvig R., gift med Hr. Gregers Krabbe, Statholder i Norge († 1655). Deres Datter Vibeke bragte F. til sin Mand Chr. Daa, som 1661 solgte Gaarden til Dronning Sophie Amalie, efter hvis Død 1685 den tilfaldt Kronen, men blev 1725 tillige med Priorskov solgt til Kmhr. C. C. v. Gabel (Hovedgaardstakst henholdsvis 61 og 39, Bøndergods 509 og 303, Tiender 132 og 25 Td. Hrtk.) for i alt 57,400 Rd. K. Gabel solgte 1726 Godserne til Abrh. Lehn, hvis Svigersøn Gehejmer. v. Wallmoden († 1793) blev Ejer af F. og Priorskov, som forblev i hans Familie til 1819, da den for 295,000 Rd. solgtes til P. J. Neergaard († 1835), efter hvem den arvedes af Sønnen, Amtmand J. F. Neergaard († 1849), efter hvis Enkes Død 1866 den gik over til Sønnen, den nuv. Ejer cand. polit. R. V. Neergaard. — Hovedbygningen, der afløste den 1840—41 opførte Bygning, er opf. 1868—69 efter Tegn. af Arkitekt J. G. Zinn i gotisk Renæssancestil og er omgiven af Grave. Udbygningerne ere opf. 1851—52, efter at de gamle vare afbrændte ved Lynild. I den omtr. 30 Td. Ld. store Have med Park findes der udmærkede Drivhuse og flere sjældne Træer, deribl. en 20 F. høj Juniperus communis var. pyramidalis (Pyramide En), en 45 F. høj Castanea vulgaris (Ægte Kastanie), en 59 F. høj Quercus cerris (Frynse Eg), en 48 F. høj Platanus orientalis (Stammens Omf. henved 8 F.), en 55 F. høj Saphora japonica (St. Omf. henved 10 F.), en 18 F. høj Gymnocladus canadensis, en 41 F. høj Abies cephalonica og en Mespilus germanica, hvis Stamme er henved 5 F. i Omfang. — I Storskoven er der en 125 F. høj Bøg („Hejrebøgen", Stammens Omf. 11 F.) og en 20 F. høj Cornus mascula (Kirsebær Kornel).

Hvornaar *Priorskov*, som skal være oprettet af nedlagte Bøndergaarde, er bleven Hovedgaard, vides ikke. Sandsynligvis har den allerede fra 16. Aarh. haft samme Ejere som Fuglsang (i 1609 udgaar der kgl. Befaling til Mogens Gøye m. fl. at undersøge, hvorvidt P. i et Søskendeskifte skulde ligge til Fuglsang under den Takst, som denne Gaard staar for i et Skifte af 1604, eller om den bør særskilt takseres). — Der er ingen Hovedbygning. — I den vestl. Del af Gaardens Mark er der gamle Murrester.

Gammelholm Borgplads, et med store Træer bevokset Voldsted, 122 F. fra V. til Ø., 86 F. fra N. til S., der omgives af en vaad Grav, derom en Vold og atter en vaad Grav, ligger i en Lavning, der tidligere modtog Vand fra Guldborg Sund. Midt paa Borgpladsen er man ved Gravning stodt paa gammelt Murværk. — Her ligge J. F. Neergaard til Fuglsang og Hustru begravede i et aabent Gravkammer.

I *Sløserup* laa fordum en Hovedgaard, af hvilken Halvparten 1381 blev tilskødet Ingemar Nielsen Grubbe af hans Faster Gunder Ingemarsdatter, Niels Duses Efterleverske. Senere var Gaarden delt paa mange Hænder, dog synes den største Del at have været hos Slægten Brand (Poul B. 1423, Peder B. 1451, dennes Søn Peder B. 1487), der solgte Gaarden til Hr. Eskild Gøye; 1552 tilhørte den Fru Eline Gøye, men var da kun beboet af en Bonde.

*Thoreby Birk* var tidligere et Kronlen, der 1502 var forlenet til Jørgen Jensen,

1514—35 til Ejler Eriksen, ogsaa kaldet Ejler Madsen Bølle; det blev 1570 lagt under Nykjøbing Len og 1582 forenet med Aalholm.

*Nagelsti Birk* var paa lignende Maade 1502 forlenet til Johan Venstermand. Ogsaa dette Len kom 1582 under Aalholm.

Faa Sogne vides at have indeholdt saa mange Stengrave som Thoreby (omtr. 50). Heraf ere 27 fredlyste, nemlig 5 Jættestuer, 14 Langdysser (en er 230 F. lang), 4 Runddysser og 4 Dyssekamre; de fleste ligge i Flintinge Byskov og Storskoven eller paa Fuglsangs og Priorskovs Markjorder. Fra en af Jættestuerne i Flintinge Byskov haves i Nationalmuseet et stort og vigtigt Fund.

**Slemminge Sogn** omgives af Annekset Fjelde, Musse, Godsted, Engestofte og Vaabensted Sogne samt Sakskjøbing Lands. og Radsted Sogn. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. for Sakskjøbing og 1 Mil Ø. S. Ø. for Maribo. De lavtliggende, i Midten noget bakkede Jorder ere lerede og noget sandblandede. En Del Skov (Indtægten, Hegningen, Ettehave Sk.). Ved Sydvestgrænsen ligger Hejrede Sø. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Maribo til Nysted og fra Sakskjøbing til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 3401 Td. Ld., hvoraf 1603 besaaede (deraf med Hvede 198, Rug 219, Byg 519, Havre 321, Bælgsæd 57, Blandsæd til Modenh. 127, til Grontf. 60, Kartofler 12, Sukkerroer 23, andre Rodfr. 58, andre Handelspl. 9), Afgræsn. 491, Høslæt, Brak, Eng m. m. 922, Have 49, Skov 175, Moser 74, Byggegr. og Veje 84, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 297 Heste, 962 Stkr. Hornkv. (deraf 664 Køer), 699 Faar, 478 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 376 Td.; 61 Selvejergaarde med 315, 4 Fæstegd. med 22, 103 Huse med 28 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 884 (1801: 582, 1840: 736, 1860: 814, 1880: 912), boede i 168 Gaarde og Huse; Erhverv: 34 levede af immat. Virksomhed., 618 af Jordbrug, 175 af Industri, 17 af Handel, 6 af forsk. Daglejervirks., 19 af deres Midler og 15 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Store-Slemminge*, ved Landevejen fra Maribo, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1889) og Andelsmejeri; *Østerby* (Øster-Slemminge), *Lille-Slemminge* med Mølle; *Udstolpe* med Skole; *Hejrede*; *Ettehave*. Saml. af Gaarde og Huse: *Kistofte*, *Brandstolpe*, *Sorieby*. — Hovedgaarden *Nørregaard*, under Grevskabet Hardenberg-Reventlow (s. S. 247), har $67^1/_4$ Td. Hrtk., 550 Td. Ld. Ager og 142 Td. Ld. Skov (til Gaarden hører en Arvefæstegd. i Vaabensted S., se S. 238).

Slemminge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Musse Herreds Jurisdiktion (Sakskjøbing), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 209. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christiansholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl og Taarn mod V. (et Vaabenhus mod N. nedbrødes 1867). Den er opført af røde Munkesten. Koret har Rundbuefrise og Spor af et oprindeligt, rundbuet Vindue i Gavlen. Taarnet der er anseligt og smukt, med et firkantet, spidst Tag, har paa Vestsiden Indgang til Kirken; det er en senere Tilføjelse, efter Sigende bygget af Fru Karen Gyldenstjerne, Hans Lauridsens (Baden) Enke, til Nørregaard. Skib og Kor ere overhvælvede, Taarnrummet har fladt Loft; det er delt i to Dele, af hvilke den ene er Forstue, medens den anden aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Altertavlen, fra 1587, er tarvelig udskaaret og forsynet med malede Bibelsprog; Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Slutn. af 16. Aarh.; Granitdøbefont. I Koret en smuk, lille Lysekrone fra 1590, skænket, ligesom Altertavle og Prædikestol, af ovennævnte Karen Gyldenstjerne, † 1616. I Korrundingen er indmuret en smuk Marmortavle over Admiral Hans Lauridsen Baden og Karen Gyldenstjerne, med Portrætfigurer (to Mands- og en Kvindefigur) og 32 Vaabenskjolde, og en Ligsten over Præsten Peder Hansen Middelfart (levede 1622). Den større Klokke er støbt 1545 af Gert van Marvelt.

*Udstolpe* hed 1380 *Vgstorp*, 1394 Vghestorp, 1397 Hughæstorpæ, og var oprindelig en Hovedgaard, der 1380 ejedes af Peder Jensen af „Algitstorp" og paa Skifte blev udlagt til Broderen Niels Jensen, som siden skrev sig til Gaarden; den var

Arv efter deres Moder Fru Cathrine. Niels Jensen var gift med Mette Madsdatter Ketelhod, der 1386 var Enke og synes at have efterladt sig to Døtre, Mette, gift med Henneke Godow, og Kirsten, gift med Jens Jepsen Skave; disse holdt 1394 Skifte, hvorved Gaarden „Vghestorp" tilfaldt Henneke, der 1397 skrev sig til den og da var Ridder og kaldes Hr. Johan Godow. Han har dog ikke været Eneejer, thi sammen med ham nævnes 1397 en anden Adelsmand Lasse Skytte i Hughæstorpæ, og paa en eller anden Maade kom Gaarden tilbage til Skaverne og tilhørte 1417—32 Fru Kirsten Skaves, altsaa Jens Jepsens Enke, 1449—52 Lasse Skave og 1474 Jep Skave, vist begge Sønner af Jens Jepsen Skave. Jep S. synes at have nedlagt U. og i Stedet oprettet *Nørregaard*, thi 1474 skrev han sig „i Nørgaard i Wgitstrup", og hermed viger Navnet U. for Nørgaard eller Nørregaard. N. tilhørte derefter 1483 Evert Truidsen (Rosenspar), 1504 dennes Enke Fru Hylle Jepsdatter Skave. Den næste kendte Ejer var den fra Stormen under Gotland 1566 uheldig bekendte Admiral Hans Lauridsen (Baden), der sikkert har arvet Gaarden, thi hans Moder Gedske Hansdatter Juel var Datterdatter af Fru Hylle Jepsdatter. N. tilhørte derpaa hans Søn Christen Hansen, † 1618 som sidste Mand af Slægten, og dennes Søster (anden Gang Enke efter Eustachius v. Thümen), der solgte Gaarden til Hr. Palle Rosenkrantz, ved hvis Død den tilfaldt Svigersønnen Chr. Skeel til Sostrup. Senere tilhørte den Otto Josva v. Korff, der myrdede sin Hustru Magdalene Sibylle v. Pappenheim og blev henrettet 1676 (se om ham Personalh. Tidsskr. 1890, S. 261 fl.) og kom endelig til Reventlowerne og indlemmedes i Stamhuset Krenkerup 1736 (se S. 248).

I *Ugestrup* (Udstolpe) By har ligget en Gaard *Tolevraa*, der i 15. Aarh. tilhørte en Slægt af Navnet Raa, som pantsatte den til Hr. Eskild Gøye.

*Brandstolpe* hed oprindel. *Bramstofte*; her maa fordum have ligget en adelig Sædegaard, thi 1386 nævnes Fru Grete, Niels Madsen af Bramstoftes Efterleverske, og 1397 Fikke Moltke af B. Sidstnævntes Brodersøn Hans M. ejede Gaarden 1446, og 1498 boede hans Datter Husfru Dorte Hansdatter, Jep Barridsens, paa den.

*Ettehave* tilhørte i 14. Aarh. Thorsten Jensen af E., der pantsatte sit Gods her til Biskop Niels i Odense, hvis Broder Niels Esgesen, som kaldes Westfalle, 1380 skødede sit Gods i E. og Ettehave Fang til Mogens Persen, hvis Søn Las Mogensen arvede Gaarden, men synes at være død uden Børn før 1453, hvorefter E. tilfaldt hans Farbroder Mads Pedersens Børn, navnlig Sønnen Niels Madsen, der 1461 var Borgmester i Sakskjøbing. Han solgte E. til Hr. Niels Lauridsen (Kabel) til Tostrup, men erhvervede den tilbage af Datteren Fru Anne, Hr. Tyge Lunges. En følgende Ejer, Laurids Nielsen udkøbte forskellige Medarvinger af Gaarden, men maatte selv 1493 og flg. Aar pantsætte E. Hovedgaard til Hr. Anders Gøye paa Kjærstrup, hvis Enke Fru Margrethe Korfitzdatter (Rønnow) 1498 afstod sin Rettighed til Hr. Eskild Gøye. Til denne snu Godssamler maatte saa Laurids Nielsens Sønner Niels og Magnus Lauridsen, først ved Pant, siden ved Skøde, i 1499—1506 afhænde deres sidste Ejendomsret til deres Fædrenegaard, som formodentlig snart efter blev udstykket i flere Bøndergaarde.

I *Hejrede* har der ligget en Hovedgaard, der 1425 tilhørte Otte Kabel, hvis Datter Mette ægtede Jesper Bryske, som 1449 boede i H.; 1468—72 ejedes H. af den ovennævnte Jep Skave.

I *Østerby* boede 1394—1444 Væbneren Gotskalk Clausen og 1497 og 1505 Otte Pors.

**Fjelde Sogn**, Anneks til Slemminge, omgives af dette, Radsted, Thoreby, Døllefjelde og Musse Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. S. Ø. for Sakskjøbing og $1^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Maribo. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede. En Del Skov (Fjelde Sk.). Landevejene fra Sakskjøbing og Maribo til Nysted forenes i Sognet.

Fladeindholdet 1896: 1340 Td. Ld., hvoraf 582 besaaede (deraf med Hvede 71, Rug 91, Byg 187, Havre 134, Bælgsæd 28, Blandsæd til Modenh. 28, til Grøntf. 10, andre Rodfr. 30), Afgræsning 164, Høslæt, Brak, Eng m. m. 415, Have 18, Skov 85, Moser 19, Hegn 18, Byggegr. og Veje 32, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 133 Heste, 318 Stkr. Hornkv. (deraf 218 Køer), 293 Faar og 171 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 137 Td.; 24 Selvejergaarde med 112, 2 Fæstegd. med 12, 39 Huse med 11 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 326 (1801: 278, 1840: 306, 1860: 324, 1880: 349), boede i 70 Gaarde og Huse; Erhverv: 4 levede af immat. Virksomhed, 206 af Jordbrug,

10 af Gartneri, 68 af Industri, 19 af Handel, 14 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fjelde*, ved Landevejenes Forening, med Kirke og Skole; *Kartofte*, ved Landevejen fra Maribo.

Fjelde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 210. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christiansholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl, anseligt Taarn mod V. og Vaabenhus (nu Materialhus) mod S. Langhuset er opført af røde Munkesten. Der ses Levninger af de oprindelige, rundbuede Døre og Vinduer. Taarnet, der er forsynet med blindingssmykkede Trappegavle, bærer Aarstallet 1589 (opf. af Karen Gyldenstjerne, se Slemminge Kirke). Vaabenhuset, der dækker den søndre Indgang, har en smuk Gavl med Kamtakker, Blindinger og Pinakler. Indgangen til Kirken er gennem en Portal i Taarnets Vestmur. Taarnrum, Skib og Kor have senere indbyggede Hvælvinger.

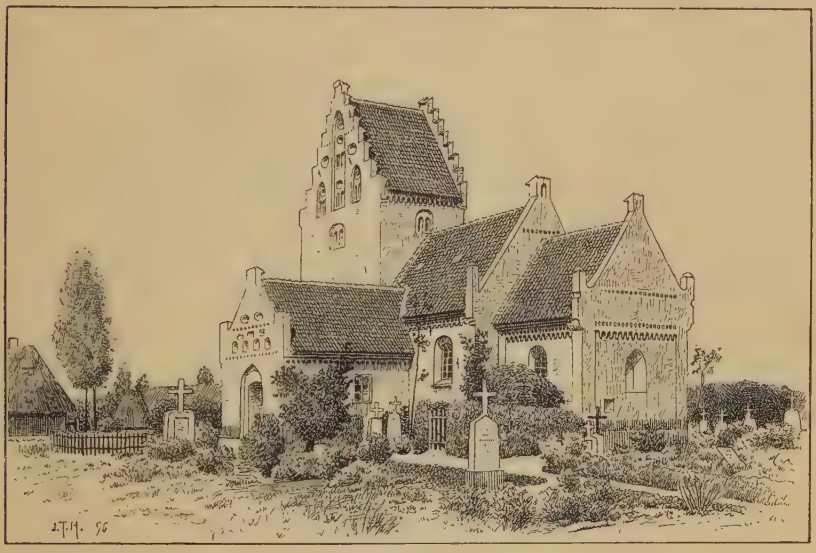

Fjelde Kirke.

Altertavle fra 1586 med paamalede Bibelsprog. Granitdøbefonten har interessante Relieffremstillinger (Kors, Lilier osv.). Prædikestolen er et middelmaadigt Billedskærerarbejde fra samme Tid som Altertavlen.

*Kartofte* kaldes 1314 Karltoftæ. 1412 ejede Peder Ingvorsen i K. en Andel i Krenkerup og Krenkerup Fang. Her laa for øvrigt fordum en Hovedgaard *Ellehave*, forskellig fra Ettehave i Slemminge S. Aar 1336 pantsatte Peder Madsen af E. Ellehavegaard til sin Husfrue Kirstine Iversdatter. Senere var den delt paa flere Hænder; Axel Mogensen Gøye købte 1389—90 Parter i Gaarden af Svend Nielsen og af Laurids Pedersen (Gøye), men hans Søn Mogens G. besad 1432 endnu Gaarden i Fællesskab med Fru Kirsten Skaves af Ugestrup, hvis Søn Jep Skave først 1474 solgte sin Part i E. til Hr. Eskild Gøye.

I Fjelde Sk. ligge 34 Gravhøje, til Dels samlede i Grupper.

**Døllefjelde Sogn** omgives af Annekset Musse, Bregninge, Thoreby og Fjelde Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. S. Ø. for Sakskjøbing og lige saa langt N. N. V. for Nysted. De lavtliggende, noget bak-

kede Jorder ere overvejende lerede. Mod Ø. Langet Skov. Landevejen fra Sakskjøbing til Nysted gaar langs Vestgrænsen.

Fladeindholdet 1896: 1343 Td. Ld., hvoraf 663 besaaede (deraf med Hvede 36, Rug 121, Byg 227, Havre 145, Bælgsæd 22, Blandsæd til Modenh. 46, Grøntf. 30, andre Rodfr. 31), Afgræsn. 137, Høslæt, Brak, Eng m. m. 366, Have 13, Skov 114, Hegn 15, Byggegr. og Veje 28, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 106 Heste, 333 Stkr. Hornkv. (deraf 233 Køer), 226 Faar og 197 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 153 Td.; 17 Selvejergaarde med 133, 42 Huse med 13 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 321 (1801: 260, 1840: 295, 1860: 304, 1880: 332), boede i 69 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomhed, 254 af Jordbrug, 34 af Industri, 7 af Handel, 2 af forsk. Daglejervirksomh., 9 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Døllefjelde* med Kirke, Præstegd., Skole og Fællesmejeri; *Sønder-Langet.* — Gaarden *Christiansminde* har $15^7/_8$ Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, Resten Ager; 1 Hus.

Døllefjelde S., een Sognekommune med Annekset, hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 226. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. Langhuset er opført af røde Munkesten. Taarnet, der er bygget langt senere end Skibet og har takkede Gavle i Ø. og V., bærer paa Østgavlen Bogstaverne H-E C K-F S L og Aarst. 1694 (Hr. Eggert Chrf. Knuth, Fru Søster Lerche). I dets øverste Stokværk findes 26 Skydehuller. Skibets Østgavl har smukke, spidsbuede Blindinger, der dog nu delvis skjules af Koret; dette har oprindelig været betydelig lavere. Ved Korets Østside skal der have ligget et 1694 nedrevet Kapel (se ndfr.) og et Sakristi; Koret har to (nu tilmurede) rundbuede Døre i S. og N. Indgangen til Kirken er gennem det overhvælvede Taarnrum. Skib og Kor ere senere blevne overhvælvede. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid (den gamle Altertavle var fra 1415). Granitdøbefonten har lignende Fremstillinger som den i Fjelde. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde. I Skibet et stort Krucifiks. Et Glasmaleri fra den katolske Tid (en fuldrustet Kriger, hvorunder staar: Dni Hinric Plot), der før sad i et Korvindue i Kirken, findes nu i Nationalmus.

I et Manuskr. i Kirkens Arkiv, forf. af Præsten J. B. Pougdal 1759, omtales ovennævnte Kapel Ø. for Kirken som opf. 1266 (eller 1296) af Mursten. Det var indviet til St. Kjeld, „hvori de aflagde deres Andagt, som brugte Spring-Kildens Vand, der var Ø. for Præstens Have. Denne Kilde var stoppet og sprang op i Kirken, hvor den blev dæmpet og siden udbrød ved Degnens Have i Norden, hvor den endnu (1710) udspringer". Om denne St. Kjelds Kilde se ogsaa Friis, Musse Hrd. S. 75.

Torsten Budde af *Døllefjelde* nævnes 1424. Han oplod sin Svigersøn Flow eller Fløff, som kaldes Brun, en Gaard i D. i Medgift med sin Datter Elsebe. Disses Søn Hans B. og hans tre Søstre solgte 1448 deres Gods i D. til Mogens Gøye.

Vald. Atterdags Søn Chrf. gav 1362 sin Gaard „*Thorstrup*" med alle Herligheder til Præstens Bord i „Dyllefeldt" for at lade læse Messer for sin Sjæls Frelse. Det antages for en stor Del at hidrøre fra denne Gave, at Præstegaarden har været saa stor; ved 1870 var den 179 Td. Ld., 1884 er det meste bortsolgt; nu er den kun 32 Td. Ld. Ager og 22 Td. Ld. Skov. I en gammel Præstebog staar: „Ude i den vestre Mark ligger Thostrup Fang, saa kaldet af en Gaard, som haver været bygget der og kaldet Tostrup". Der er endnu paa Jorderne Spor af, hvor Gaarden har ligget, og der er fundet enkelte røde Munkesten og forkullet Træ.

**Musse Sogn,** Anneks til Døllefjelde, omgives af dette, Bregninge, Herridslev, Godsted, Slemminge og Fjelde Sogne. Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. V. for Nysted og $1^1/_4$ S. S. Ø. for Sakskjøbing. De jævne og især mod V. og S. V. lavtliggende Jorder ere overvejende lerede. En Del Skov (Vesterkobbel, Dyrehave). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Sakskjøbing til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 1570 Td. Ld., hvoraf 804 besaaede (deraf med Hvede 57, Rug 128, Byg 262, Havre 196, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 43, Grøntf. 43, Kartofler 7, andre Rodfr. 41, andre Handelspl. 9), Afgræsning 133, Høslæt, Brak, Eng m. m. 376, Haver 19, Skov 97, Moser 77, Hegn 15, Byggegr. og Veje 43, Vandareal 2. Kreaturhold 1893: 135 Heste, 416 Stk. Hornkvæg (deraf 293 Køer), 270 Faar, 209 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 153 Td.; 17 Selvejergaarde med 136, 1 Fæstegd. med 6, 45 Huse med 10 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 356 (1801: 269, 1840: 270, 1860: 335, 1880: 350), boede i 79 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 245 af Jordbr., 62 af Industri, 17 af Handel, 4 af forsk. Daglejervirksomh., 4 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Store-Musse*, ved Landevejen, med Kirke, Skole og Mølle; *Lille-Musse*. Saml. af Gaarde og Huse: *Mussemarre*, *Musse Stil-*

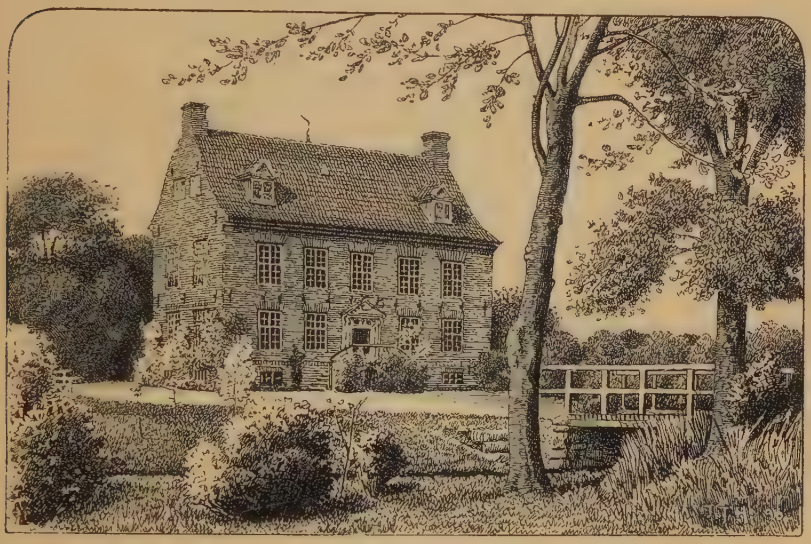

Bramslykke.

*unger* og *Lille-Musse Skov*. — Hovedgaarden *Bramslykke*, under Grevsk. Christiansholm (s. S. 264), har $44^1/_4$ Td. Hrtk., 341 Td. Ld., alt Ager.

Musse S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 227. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken* (se Vignetten S. 234) bestaar af Skib, Kor med lige Gavl og en i nyere Tid tilbygget Forhal mod V. Langhuset er opført af røde Munkesten og er lille og uanseligt. Der ses Spor af de oprindelige, rundbuede Vinduer og af en rundb. Dør ved nordl. Kormur. Paa Nordsiden har der tidligere ligget et Vaabenhus. Skib og Kor ere senere blevne overhvælvede. Kirken er restaur. ved Midten af 19. Aarh. Altertavlen bærer Skriftsprog; foran staar en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Christus; Granitdøbefont. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde. Degnestol fra 1578.

*Bramslykke* ejedes 1439 af Anders Pedersen (Godow), 1449 af Henning von Hafn, der sammen med flere andre Adelsmænd var Dommer i en Trætte mellem Borgerne i Sakskjøbing og Bønderne i Vaabensted Sogn om Græsningsret; 1472 tilhørte B. Klaus Reberg, der var gift med Anders Pedersens Datter Anne. Deres Datter Karen Reberg ægtede Erik Mogensen Mormand, der ejede B. 1520—39, Sønnen Mogens

Eriksen 1557, dennes Søn Erik Mogensen 1591, Landsdommer i Laaland*). Sidstnævntes Enke Anne Brok ejede Gaarden 1625, hvorefter den kom til Datteren Barbara, gift med Erik Steensen til Søllestedgaard. Han afhændede 1647 B. til Palle Rosenkrantz' Enke, Fru Lisbeth Lunge, hvis Datter Fru Lisbeth Rosenkrantz var gift med Frans Rantzow til Estvadgaard; deres Søn Generallieutn. Johan R. solgte B. 1677 til Generalmajor Joach. v. Schack († 1700), efter hvis Død Børnene skødede den 1701 til deres Broder Lieutn. H. v. Schack (Hovedgaardstakst 34, Bøndergods 202 Td. Hrtk.) for 10,816 Rd. og 1705 til den anden Broder Niels Rosenkrantz v. Schack. Denne solgte 1715 B. til Broderen Major Otto v. S., hvis Arvinger atter solgte den 1724 til Niels Rosenkrantz v. S. for 16,000 Rd. Efter hans Død 1731 købtes B. 1732 af Emerentia Levetzau, Enke efter Gehejmer. J. O. Raben († 1719); derefter indlemmedes den i Grevskabet Christiansholm ved dettes Oprettelse 1734. — Hovedbygningen, der er i to Stokværk med glaseret Tag og er omgiven af Grave, er opført ved Midten af 18. Aarh. af Chr. Fr. Raben til Aalholm.

I Sognet laa fordum *Mussegaard* eller *Mosegaard*, der 1381 tilhørte den ansete Ridder Hr. Oluf Olufsen Lunge. En flg. Ejer var Mogens Clausen „i Møsæ" 1397. I Fru Eline Gøyes Jordebog nævnes „Lillemosegaard", muligvis kun en Bondegaard.

**Øster-Ulslev Sogn** omgives af Annekset Godsted, Herridslev Sogn, Østersøen og Vester-Ulslev Sogn. Kirken, mod N. i Sognet, ligger 1 Mil N. V. for Nysted. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede og noget sandblandede. En Del Skov (Ny Fredsk., Gml. Fredsk., Høvængesk., Toftesk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rødby til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 2035 Td. Ld., hvoraf 953 besaaede (deraf med Hvede 66, Rug 132, Byg 341, Havre 144, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 118, til Grøntf. 21, Kartofler 6, Sukkerroer 43, andre Rodfrugter 66), Afgræsn. 241, Høslæt, Brak, Eng m. m. 441, Have 24, Skov 279, Moser 11, Kær og Fælleder 16, Hegn 6, Stenmarker 5, Byggegr. og Veje 53, Vandareal 6 Td. Kreaturhold 1893: 162 Heste, 539 Stk. Hornkv. (deraf 365 Køer), 417 Faar, 463 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 191 Td.; 29 Selvejergaarde med 172, 93 Huse med 19 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 651 (1801: 398, 1840: 484, 1860: 642, 1880: 651), boede i 118 Gaarde og Huse; Erhverv: 31 levede af immat. Virksomh., 326 af Jordbrug, 175 af Industri, 9 af Handel, 86 af forsk. Daglejervirksomh., 14 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Øster-Ulslev*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole (noget S. for Byen), Fattiggaard for Ø.-Ulslev-Godsted Komm. (opf. 1881, Pl. for 40 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1884), Mølle og Bageri, Fællesmejeri, Maltgøreri med Bryggeri og Telefonstation. Saml. af Gaarde og Huse: *Ø.-Ulslevskov*. — *Høvængegaard*: $25^1/_2$ Td. Hrtk., 275 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, Resten Ager; til Gaarden hører en Mølle. *Louisehøj*: 17 Td. Hrtk., 140 Td. Ld. (40 i V.-Ulslev S.), hvoraf 4 Eng, Resten Ager; 2 Huse og en Smedje; over Jorderne Spor fra Maribo Sukkerfabrik.

Øster-Ulslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 228. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Engestofte og Ulriksdal.

*Kirken* (se Tegn. af æld. n. Arkit. 2. S., 2. R, pl. 16) bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus mod S. Paa Taget er et af Træ bygget ottekantet Taarn med højt, spidst Spir. Langhuset er opført af røde Munkesten i den romanske Tid. Vaabenhuset er nyere; det dækker den gamle Syddør. Paa Skibets Vestgavl Aarstallet 1719. Der er bevaret enkelte gamle, rundbuede Vinduer. Kirken har fladt, gibset Loft. Kirken blev restaur. 1853. Altertavlen er et Maleri af Wegener fra 1853 (Christus siddende paa Himlens Trone); Granitdøbefont. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde (Christus og Evangelisterne). I Korvæggen er der Ligsten over

*) I det S. 256 omtalte Manuskr. af Præsten Pougdal fortælles, at der i Døllefjelde Kirke er begravet „Mogens Hugaf, som ejede Bramslykke; hans Vaaben staar paa et af Vinduerne".

Præsterne Anders Pedersen Rhode, † 1619, Oluf Nielsen Glob, † 1635, og Zacharias Poulsen Danchel, † 1715, og Hustru samt en Margrethe Christiernsdatter, † 1647; i Koret en Series pastorum. Den største Klokke, uden Indskrift, er fra den senere Middelalder.

I Øster-Ulslev har der ligget en gammel Hovedgaard, af hvis Ejere kendes Henneke Sporæ i „Hulsleuæ" 1397, Jens Nielsen af Ulslev 1440—50, Jens Esbernsen i Øster-Ulslev, 1494, der 1505 var Landsdommer i Laaland; hans Søn Jørgen Jensen, Sognepræst i Bursø Sogn, solgte 1556 *Ulslevgaard*, som han havde arvet efter sine Brødre Laurids og Christoffer Jensen, til Peder Oxe. Disse Brødre og deres Fader hørte til en ellers ukendt Adelsslægt, hvis Vaaben var to paa en Skraabjælke gaaende Ænder og paa Hjælmen en staaende And.

I Sognet ligger „Dødemose" (Dømose), hvori efter Sagnet en Del Soldater skulle være omkomne under Svenskekrigen. Ved Mosen ligger en Granitsten, vistnok Laalands største, 22 F. bred, 29 F. lang.

**Godsted Sogn**, Anneks til Ø.-Ulslev, omgives af Engestofte, Slemminge, Musse, Herridslev, Øster- og Vester-Ulslev Sogne samt Fuglse Hrd. (Krønge S.). Paa Vest- og Nordgrænsen høre Dele af Røgbølle- og Hejrede Sø til Sognet. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Maribo og ligesaa langt S. for Sakskjøbing. De lavtliggende, en Del bakkede Jorder ere lerede og sandede. En Del Skov (Svinekobbel, Kaarup Vænger, Ulriksdals Sk., Næsset).

Fladeindholdet 1896: 1816 Td. Ld., hvoraf 860 besaaede (deraf med Hvede 40, Rug 107, Byg 280, Havre 209, Boghvede 6, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenh. 18, til Grøntf. 35, Kartofler 7, Sukkerroer 46, andre Rodfr. 66, Frøavl 33), Afgræsn. 203, Høslæt, Brak, Eng m. m. 404, Have 24, Skov 198, Moser 48, Kær og Fælleder 28, Hegn 5, Stenmarker 5, Byggegr. og Veje 32, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 128 Heste, 536 Stkr. Hornkv. (deraf 351 Køer), 190 Faar, 206 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 145 Td.; 17 Selvejergaarde med 135, 34 Huse med 7 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 277 (1801: 217, 1840: 243, 1860: 278, 1880: 291), boede i 82 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 188 af Jordbrug, 52 af Industri, 3 af Handel, 11 af forsk. Daglejervirksomh., 6 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Godsted* med Kirke og Skole; *Karleby*. *Sømodhuse* med Blegerier, *Kaarup Huse*. — Hovedgaarden *Ulriksdal*, under Stamhuset Engestofte og Ulriksdal (se S. 238), har $45^3/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^3/_4$ Td. Skovsk., $830^1/_4$ Td. Ld., hvoraf $362^1/_4$ Skov ($85^3/_4$ i Fuglse S.), 14 Eng, Resten Ager. Desuden mærkes *Aalevadsgaard*.

Godsted S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 229. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Engestofte og Ulriksdal.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl og Vaabenhus mod S. Langhuset er opført af røde Munkesten. Der ses Spor af en oprindelig, rundbuet Dør paa Skibets Nordside; den rundbuede Syddør, gennem hvilken Adgangen til Kirken nu er, dækkes af det i ny Tid opførte Vaabenhus. Skibet har en dobbelt Rundbuefrise. Paa Skibets Vestgavl ses Omrids af blindede Arkader og en Midtpille, der vise, at der tidligere har staaet et Taarn. Kor og Skib have fladt Loft. Altertavlen er fra 1825 med Skriftsprog; Kalken er 1593 skænket af Fr. Hobe til Boserup og Hustru, Fru Sidsel Urne. Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Slutn. af 17. Aarh.; Granitdøbefont. En Kirkestol er fra 1578. Foran Alteret Ligsten over Niels Henriksen Anker, † 1339.

*Ulriksdal*, der ligger paa et Sted, hvis ældste Navn skal have været Hindsholm, og som skal have været en Ø, hed i Middelalderen *Bispensø* og var en Sædegaard under den fynske Bispestol. Efter Reformationen blev den inddraget under Kronen og bortforlenet som „Øen Len". Efter Enevoldsmagtens Indførelse blev den i nogen

Tid bortforpagtet, indtil Chr. V 1691 mageskiftede den (42 Td. Hrtk.) mod Søllestedgaard til Gehejmer. H. Ulrik v. Lützow, som 1714 gav Gaarden Navnet Ulriksdal. Derefter ejedes den af Sønnen Generalmajor Chr. Fr. v. L., hvis Datter Sophie ægtede Kmhr. G. H. v. Krogh. Denne solgte Gaarden (Hovedgaardstakst 42, Bøndergods 199, Kirketiende $31^1/_2$ Td. Hrtk.) 1776 for 37,400 Rd. til Etatsr. J. Wichfeld til Engestofte, hvorefter den 1799 indlemmedes i Stamhuset (se S. 240). — Den af H. U. v. Lützow opførte Hovedbygning, i eet Stokv. med Frontespice, brændte 1860, og Gaarden blev da genopført s. Aar i 3 Fløje, hvoraf den ene er Hovedbygning, 74 Al. lang i eet Stokv.; i Frontespicen ud mod Haven sidde Brudstykker af Lützows og Hustrus Vaabener, som vare anbragte over den gamle Bygning.

Tæt ved Aalevadsgaard ligger det langstrakte Voldsted (50 Al. fra N. til S., 30 Al. fra V. til Ø.), hvorpaa Bispegaarden *Aalevad* har ligget. Voldstedet (fredlyst 1895) er paa de 3 Sider omgivet af side Enge og har vistnok i sin Tid været omflydt af Vand, som har staaet i Forbindelse med Røgbølle Sø og den lille, nu udtørrede Godsø Ø. for Aalevadsgd.; paa den fjerde Side er der en dyb Kløft, og her, hvor man har fundet Spor af Bygninger, har vistnok Borgen, sandsynligvis omgiven af en særskilt Vold og Grav, ligget; mod N. Ø., hvor Voldbanken løber ud i en Spids, har maaske Hovedindgangen med et Taarn været. Man kender næsten intet til Borgens Historie. Der fortælles, at Bisp Gisico († omtr. 1304) opholdt sig meget paa A., og at Bisp Vald. Podebusk († 1392) ombyggede den; Jesper Krafse var Høvedsmand paa A. 1472 (se for øvrigt *Wichfeld*, Fortidsminder fra Egnen om Maribo Sø).

I Sognet har ligget Byen *Røgbølle*, hvis Jorder ere lagte ind under Søholt, Krønge Sogn.

Fra Røgbølle Sø strækker der sig mod N. Ø. hen til Hejrede Sø et ældgammelt Fæstningsanlæg, bestaaende af en lang, lige Jordvold med foranliggende, mod S. vendt Grav; kun den Del af Volden, som gaar gennem Fredskoven, er endnu bevaret; ved dens nordl. Side findes her en rund Taarnplads. I Graven er der fundet Lerkarskaar og Hestesko af gammel Form. — Noget længere mod Ø. er der i Hejrede Sø et fremspringende Næs, „*Herrens Holm*“, paa hvilket der er truffet Fundamenter af en aflang firkantet Bygning; ind mod Land har Borgen været dækket af en større, halvmaaneformet Vold og Grav. — Paa et andet Næs i Røgbølle Sø V. for Ulriksdal findes en stor Byggeplads med Levninger af rødbrændte Mur- og Tagsten. Ogsaa paa den lige overfor liggende *Lindø* synes der at have staaet en middelalderlig Borg.

Ved Godsted er der fredlyst et større, indhegnet Jordstykke med 40 smukke Gravhøje, ved Karleby en stenomsat Gravhøj. Paa en lav, tidligere vanddækket Holm i den østl. Ende af Maribo Sø ned mod Sømod, saavel som ogsaa ved Kysterne af Borgø og Lindø og paa flere Steder ved Søens Bredder, er der gjort righoldige Bopladsfund fra den ældre og yngre Stenalder.

**Vester-Ulslev Sogn** omgives af Ø.-Ulslev og Godsted Sogne, Røgbølle Sø, Fuglse Hrd. (Fuglse og Errindlev S.) og Østersøen. Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil V. N. V. for Nysted. De lavtliggende, noget bakkede Jorder ere overvejende lerede, mod Ø. dog noget sandede. Lidt Skov. Mod V. ligger en Del af Vestermose. Gennem Sognet, hvortil den lille *Kalveholm* hører, gaar Landevejen fra Rødby til Nysted.

Fladeindholdet 1896: 2872 Td. Ld., hvoraf 1456 besaaede (deraf med Hvede 214, Rug 143, Byg 480, Havre 247, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 152, til Grøntf. 48, Kartofler 16, Sukkerroer 54, andre Rodfrugter 77, andre Handelspl. 10), Afgræsn. 309, Høslæt, Brak, Eng m. m. 837, Have 33, Skov 52, Moser 25, Kær og Fælleder 27, Hegn 51, Byggegr. og Veje 68, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 269 Heste, 802 Stkr. Hornkv. (deraf 531 Køer), 626 Faar, 372 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 297 Td.; 57 Selvejergaarde med 263, 3 Fæstegd. med 13, 100 Huse med 18 Td. Hrtk. og 17 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 875 (1801: 579, 1840: 758, 1860: 902, 1880: 922), boede i 181 Gaarde og Huse; Erhverv: 23 levede af immat. Virksomh., 499 af Jordbrug, 232 af Industri, 14 af Handel, 69 af forsk. Daglejervirksh., 13 af deres Midler, og 25 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Ulslev* med Kirke, Præstegd., Skole, Andelsmejeri og Telefonstation; *Øllebølle*; *Sløse*, ved Landevejen, med Skole og

Mølle; *Sørup* med Lægebolig; *Handermelle*; *Sandager* med Skole (Strandby Skole). — *Skovgaard*, under Bremersvolds Gods, har 28 Td. Hrtk., 255 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, Resten Ager.

V.-Ulslev S., en egen Sognekommune, hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Maribo) og Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 230. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Knuthenborg.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. Kirken, der er opført af røde Munkesten, er stærkt medtagen af Restaurationer; dog ses paa Skibet Rester af oprindel., rundbuede Døre og Vinduer; Kor og Taarn, med Spir, ere senere opførte. Indgangen til Kirken er gennem Taarnets Vestvæg (siden 1852); det overhvælvede Taarnrum aabner sig ind mod Skibet med en Rundbue. Skib og Kor ere overhvælvede. Kirken blev restaur. 1852. Altertavlen er et udmærket Billedskærerarbejde fra Beg. af 17. Aarh., som Ramme om Thorvaldsens Christus; Prædikestolen er et ret vel udført Billedskærerarbejde, vist noget yngre end Alteret; stor Granitdøbefont med Rundbuer. Over Skibets Hvælvinger er der fundet Rester af Kalkdekorationer, der vistnok ere fra samme Tid som Kirkens Opførelse, Midten af 13. Aarh.

Biskop D. G. Monrad var Præst i V.-Ulslev 1846—48.

*Sørup* tilhørte 1360 Emmike Kale, 1425 Claus Venstermand, 1450 Anders Nielsen. Sidstnævnte var muligvis kun kgl. Lensmand, thi Jørgen Daa, som fra 1468 skrev sig til S., havde Sørup Birk i Forlening. Det endte siden under Halsted Kloster.

Fra en lav Holm i *Vestermose* (tidligere Sø) hidrører det største kendte Søfund fra den ældre Stenalder; der optoges paa en Flade af omtr. 600 □ Al. henved 6000 Oldsager. Flere Steder afdækkedes Baalpladser.

**Kjettinge Sogn** omgives af Thoreby Sogn, Annekset Bregninge, Nysted Lands. og Købstadsjorder og Guldborg Sund. Kirken, mod V. i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil N. for Nysted. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede, mod Ø. og V. noget sandblandede. En stor Del Skov (Frejlev Sk., m. m.). Sognet har gode Tørvemoser (Frejlev Mose); mod S. ligger den lille Marksø. Frejlev Aa løber mod Ø. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nysted til Nykjøbing.

Fladeindholdet 1896: 5462 Td. Ld., hvoraf 2338 besaaede (deraf med Hvede 119, Rug 526, Byg 663, Havre 445, Bælgsæd 56, Blandsæd til Modenh. 256, Grøntf. 82, Kartofler 30, Sukkerroer 54, andre Rodfr. 96), Afgræsn. 619, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1391, Have 58, Skov 806, Moser 29, Kær og Fælleder 17, Hegn 42, Stenmarker m. m. 17, Byggegr. og Veje 122, Vandareal 23 Td. Kreaturhold 1893: 439 Heste, 1355 Stkr. Hornkv. (deraf 858 Køer), 1394 Faar, 846 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 541 Td.; 91 Selvejergaarde med 475, 184 Huse med 60 Td. Hrtk. og 17 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1339 (1801: 905, 1840: 1081, 1860: 1322, 1880: 1414), boede i 291 Gaarde og Huse; Erhverv: 38 levede af immat. Virksomh., 880 af Jordbr., 5 af Gartneri, 6 af Fiskeri, 230 af Industri, 18 af Handel, 107 af forsk. Daglejervirks., 38 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kjettinge*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Hospital (stiftet 1845 af Grev C. Chr. Raben, nu benyttet som Fattighus, for 24 Lemmer) og Mølle; *Frejlev*, ved Landevejen, med 2 Skoler (Frejlev Byskole og østre Skole), Forsamligshus (opf. 1884), Fællesmejeri, Mølle og Telefonstation; *Raagelunde* med Skole; *Tokkerup*. *Frejlev Enghave*.

Kjettinge S., een Sognekommune med Annekset, men delt i to Sognefogeddistrikter (søndre og nordre), hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 223. (vestre Del: Kjettinge, Raagelunde og Tokkerup) og 224. Lægd (østre Del: Frejlev). Kirken tilhører Grevsk. Christiansholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med tresidet Afslutn., Taarn mod V. og Kapel mod N. Den er oprindl. opført i romansk Tid af røde Munkesten, senere er den udvidet mod Ø., vistnok i Beg. eller Midten af 14. Aarh. Indgangen til Kirken er gennem Taarnets Vestside (siden 1853). Taarnrummet, Skibet, Koret og Kapellet ere overhvælvede. Kapellet er bygget af Landsdommer Poul Mathisen († 1708) og Hustru (ifølge Marmortavle med Indskrift over Døren), som ere begravede der (se *Brasch* Vemmetofte, III S. 109); det adskilles fra Skibet ved to pragtfulde Jærndøre med gennembrudte Ornamenter. Kirken er under Ledelse af Prof. H. J. Holm bleven underkastet en gennemgribende Restauration (endt 1897), ved hvilken Lejlighed de tidligere fundne, interessante Kalkmalerier paa Korets og Skibets Hvælvinger (se *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 81) ere blevne restaurerede. Kapellet, hvis Kister ere nedsænkede i Jorden, indeholder nu Aftrædelsesværelse for Præsten, Varmeapparat m. m.; dens Jærngitterdør findes nu ved Kirkens sydl. Indgangsdør. Altertavlen er et smukt Renæssancebilledskærerarbejde med Malerier, skænket 1602 af Knud Urne til Aarsmarke; Prædikestolen er fra samme Tid og af lignende Arbejde; mærkelig Granitdøbefont med figurlige Fremstillinger. Smuk Kirkestol fra 1635. Series pastorum i Kapellet. Den næststørste Klokke er fra 1407.

N. for Frejlev har ligget en nu nedlagt Landsby *Frostrup*; her ses ogsaa et gammelt Voldsted, „Frejlev Slot". — I *Raagelund* (Rokælund) ejede Vald. Sejr omtr. 10 Bol Jord.

Paa Frejlev Mark staar et Trækors (fornyet i vor Tid), til hvilket knytter sig følgende Sagn: Da Bønderne engang havde dræbt en kgl. Foged, benaadede Kongen dem paa den Betingelse, at de leverede 12 Par hvide Øksne med røde Ører; da de imidlertid ikke kunde skaffe mere end 11 Par, farvede de de hvide Ører paa to Øksne røde. Efter at de vare afleverede, vaskede Regnen den røde Farve af, og da man spurgte Kongen, hvad der skulde gøres ved Mændene, svarede han: „Intet, de ere nogle Skalke". Drabet skal være foregaaet nær ved Stranden; den Sten („Knækkeryg"), hvorpaa Bønderne knækkede hans Ryg, vises endnu; Blodsporene paa den opfriskes med rød Risfarve; fra Stenen slæbte Fogden sig et Stykke bort; hvor han udaandede, rejstes Korset.

Af de henved 120 Oldtidsmonumenter, som kendes i Sognet, ere 18 fredlyste, nemlig 3 Jættestuer — een, i „Store Guldhøj" ved Frejlev, har et 33 F. langt Kammer —, 1 Langdysse („Kong Grøns Høj"), 1 Runddysse, 1 Dyssekammer og 12 stenomsatte Gravhøje. Flere af dem ligge i Frejlev Skov, hvor der desuden er andre, ikke fredlyste Gravhøje.

**Bregninge Sogn**, Anneks til Kjettinge, omgives af dette, Nysted Lands., Herridslev, Musse, Døllefjelde og Thoreby Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil N. N. V. for Nysted. De især mod S. bakkede Jorder ere lerede og sandblandede. Tæt V. for Kirken trigonom. Station, 86 F. En Del Tørvemoser (Lundbæk, Aamose, Pigholm).

Fladeindholdet var 1896: 1863 Td. Ld., hvoraf 962 besaaede (deraf med Hvede 21, Rug 213, Byg 332, Havre 160, Bælgsæd 22, Blandsæd til Modenh. 114, Grøntf. 41, Kartofler 20, andre Rodfr. 39), Afgræsning 238, Høslæt, Brak, Eng m. m. 521, Have 16, Skov 70, Moser 24, Hegn 2, Byggegr. og Veje 30. Kreaturhold 1893: 181 Heste, 476 Stkr. Hornkv. (deraf 278 Køer), 470 Faar, 351 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 173 Td.; 31 Selvejergaarde med 156, 1 Fæstegd. med 6, 30 Huse med 8 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 406 (1801: 229, 1840: 368, 1860: 405, 1880: 439), boede i 71 Gaarde og Huse; Erhverv: 6 levede af immat. Virksomh., 270 af Jordbrug, 94 af Industri, 14 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler., og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bregninge*; *Grønnegade* med Kirke (paa en Banke), Skole og Mølle; *Underup*; *Laagerup*. *Torupgaarde*.

Bregninge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 225. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christiansholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og et i nyere Tid opført Vaabenhus mod S. (der skal tidligere have staaet et mod N.). Langhuset er opført af røde Munkesten. Der ses Levninger af de oprindelige, rundbuede Døre og Vinduer. Skib og Kor ere overhvælvede. Kirken blev restaur. 1870. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra Midten af 17. Aarh.; i Midtfeldtet et Maleri (Jesus i Getsemane); Prædikestolen er et Billedskærerarbeje fra Slutn. af 17. Aarh.; Granitdøbefont. Over Hvælvingerne er der fundet Rester af Kalkdekorationer, vistnok fra Midten af 13. Aarh. — I Kirkegaardsdiget var der tidligere en Runesten, som oprindelig har staaet paa en Gravhøj i Nærheden, og som nu findes i Nationalmuseet; dens Indskrift er: Asa gjorde Gravmærker disse efter Tuki, Søn sin, og Tuki — Haslaks Sønner (Stephens Runeh., S. 9).

I *Bregninge* har der antagelig ligget en Sædegaard, der tilhørte en Adelsmand Jep Kaare, hvis Søn formodentlig var den Niels Jepsen af Bregninge, som med sin Moder Husfru Grete 1462 var Arving efter Fru Grete Rebergs, „som brændt var"; s. A. har for øvrigt „Jordhen Holstedh i B., som Væbner er", beseglet et paa Laalands Landsting udstedt Tingsvidne. Kort efter maa Gaarden være kommen til Jep Kaares Datter Karine, der ægtede Hans Brand, som 1486 boede i B.; 1511 nævnes Henning Brand i B., der førte adeligt Vaaben. Gaarden var endnu til i 1557 og ejedes da af Iver Lunge.

Ved Laagerup er der fredlyst en Langdysse, ved Grønnegade to Dyssekamre.

Bregninge S. var indtil 1695 Anneks til Herridslev S., da B. blev annekteret til Kjettinge og Herridslev til Nysted.

**Herridslev Sogn**, Anneks til Nysted Købstad, omgives af Nysted Lands., Bregninge, Musse, Godsted og Ø.-Ulslev Sogne samt Østersøen. Kirken, mod N. Ø. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil N. V. for Nysted. De især mod N. ujævne, mod S. lavtliggende og jævne Jorder ere overvejende lerede. Til Sognet hører Øen *Lindholm*. Landevejene mellem Nysted, Sakskjøbing og Rødby støde sammen i Sognet.

Fladeindholdet 1896: 2809 Td. Ld., hvoraf 1410 besaaede (deraf med Hvede 80, Rug 265, Byg 487, Havre 255, Bælgsæd 32, Blands. til Modenh. 133, Grøntf. 37, Kartofler 17, Sukkerroer 55, andre Rodfr. 42), Afgræsning 359, Høslæt, Brak, Eng m. m. 759, Have 25, Skov 56, Moser 46, Kær og Fælleder 27, Hegn 44, Byggegr. og Veje 68, Vandareal 7 Tdr. Kreaturhold 1893: 270 Heste, 782 Stkr. Hornkv. (deraf 511 Køer), 743 Faar, 434 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 289 Td.; 47 Selvejergd. med 255, 3 Fæstegd. med 19, 82 Huse med 13 Td. Hrtk. og 18 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 784 (1801: 495, 1840: 620, 1860: 739, 1880: 751), boede i 136 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 525 af Jordbrug, 17 af Fiskeri, 109 af Industri, 6 af Handel, 4 af Skibsfart, 73 af forsk. Daglejervirksomh., 25 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Herridslev*, ved Landevejenes Forening, med Kirke, Skole, Mølle og Andelsmejeri (Brydebjærg); *Skaarup*; *Stubberup* med Skole. Saml. af Huse: *Kallehave*, *Brydebjærg*. — Gaarden *Egholm*, under Grevsk. Christiansholm, har 20 Td. Hrtk., 160 Td. Ld., hvoraf 36 Eng, Resten Ager; til Gaarden hører Øen Egholm; desuden hører under Grevskabet *Stubberupgaard*.

Herridslev S., en egen Sognekommune, hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Maribo) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 222. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Christiansholm.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn, med pyramideformet Tag, mod V. Den er opført af røde Munkesten. Flere gamle, rundbuede Vinduer og den nordlige Dørindfatning ses. Indgangen (til 1867 gennem den nordre Dør) er gennem Taarnets Vestmur. Det hvælvede Taarnrum er delt i to Dele, af hvilke den ene er Gravkapel. Skib og Kor have senere indbyggede Hvælvinger. Altertavlen er en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Relief: Christus og Disciplene i Emaus; Prædikestolen er et rigt Billed-

skærerarbejde fra Renæssancen; Granitdøbefont (kun Kummen er gammel). Foran Koret en Ligsten over Præsten Zacharias Christophersen, † 1639, med to Hustruer.

*Egholm* er oprettet i Beg. af 18. Aarh. af 4 nedlagte Bøndergaarde; den første Ejer Erik Andersen solgte den 1732 til Emerentia Levetzau, Gehejmeraadinde v. Raben for 1670 Rd. eller 100 Rd. pr. Td. Hrtk.

I „Skorderup" nævnes 1450 og 1487 en Jens Brun, der synes at have været af Adel.

Af de faa endnu bevarede Oldtidsmonumenter i Sognet er en Gravhøj ved Herridslev fredlyst.

Sognet var indtil 1695 et eget Pastorat med Bregninge til Anneks, da Herridslev blev Anneks til Nysted.

**Nysted Landsogn**, delt i to Stykker Ø. og V. for Nysted, omgives af Herridslev, Bregninge og Kjettinge Sogne, Nysted Købstad, Østersøen og Guldborg Sund. De bakkede Jorder ere lerede og noget sandblandede. En Del Skov (Roden Sk., Hestehave, Folehave). I Sognet ligge Storesø (omtr. 10 Td. Ld.) og, ved Nordgrænsen, Marksø. De to ubeboede Holme *Store-* og *Lille-Skaane* høre til Sognet. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nysted til Rødby og Nykjøbing.

Fladeindholdet 1896: 4277 Td. Ld., hvoraf 1603 besaaede (deraf med Hvede 145, Rug 235, Byg 527, Havre 248, Bælgsæd 132, Blandsæd til Modenh. 186, Grøntf. 26, Kartofler 22, Sukkerroer 19, andre Rodfr. 61), Afgræsn. 404, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1140, Have 293, Skov 372, Moser 11, Kær og Fælleder 175, Hegn 31, Stenmarker 3, Byggegr. og Veje 95, Vandareal 150 Td. Kreaturhold 1893: 257 Heste, 920 Stk. Hornkv. (deraf 636 Køer), 948 Faar og 467 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 344 Td.; 34 Selvejergaarde med 283, 2 Fæstegd. med 14, 86 Huse med 27 Td., 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 644 (1801: 511, 1840: 613, 1860: 731, 1880: 682), boede i 131 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomh., 397 af Jordbrug, 2 af Fiskeri, 130 af Industri, 13 af Handel, 23 af forsk. Daglejervirksomh., 24 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Aalholm*; *Vantore* (I Vald. II. Jordeb. Wantæworæ) med Skole, Pogeskole, Husflidsskole, Forsamlingshus (opf. 1886) og Andelsmejeri; *Taagense* med Skole. Saml. af Huse: *Vantore Strandhuse*, *Taagense-Enge*.

Til **Grevskabet Christiansholm***) høre Hovedgaarden *Aalholm*, Hovedsæde i Grevskabet, $92^3/_8$ Td. Hrtk., 826 Td. Ld., hvoraf 66 Eng, 21 Sø, 105 Park og Have, Resten Ager, — desuden omtr. 14 Td. Hrtk. Fæstegods —, og *Stenvængegd.*, $13^3/_8$ Td. Hrtk., 263 Td. Ld., hvoraf 146 Eng og Græsning, Resten Ager. — Gaarden *Annaslyst* har $12^1/_4$ Td. Hrtk., 134 Td. Ld., hvoraf 16 Eng, Resten Ager.

Nysted Lands., en egen Sognekommune, hører under Nysted Birks Jurisdiktion (Nysted), Maribo Amtstue- (Filial i Nykjøbing) og Sakskjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 221. Lægd.

*Aalholm* var i 14. Aarh. en fast Borg, paa hvilken Lensmanden over Laaland boede; 1329 blev den af Chrf. II pantsat til Grev Johan den milde, 1359 afstod Benedict Ahlefeld den til Vald. Atterdag, og den var derpaa 1360—63 Residens for Hertug Chrf. af Laaland; $^{28}/_7$ 1366 sluttedes her en Traktat mellem Vald. og den svenske Konge Albrecht af Mecklenburg. I Krigene med Hansestæderne og de holstenske

*) Til *Grevskabet Christiansholm* høre 456 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 176, indtaget til Skov 38, Bøndergods 42, Kirke- og Kongetiende 200 Td., i Bankaktier 16,000, i Fideikommiskapitaler omtr. 2,178,000 Kr. Grevskabet indbefatter Hovedgaardene Aalholm og Bramslykke samt Avlsgaardene Egholm og Stenvængegaard. Hovedgaardenes Tilliggende udgør 1434 Td Ld.; desuden 2386 Td. Ld. Skov.

Grever blev A. belejret 1368, men ikke erobret. Blandt Lensmændene paa A. nævnes: Gamle Hr. Benedict Ahlefeldt 1359, Christiern Kule 1364 og 1370, Henning Schacht 1376, Niels Thomsen 1378—82, Werner Gnewekowe 1388, Hr. Jens Olufsen (Lunge) 1398, Hr. Erik Krummedige 1423—32, Henning van Hafn 1440, Hr. Oluf Axelsen Thott 1445 og 1448, Hr. Johan Frille 1449 og 1453, Mogens Ebbesen Galt 1457—66, Hr. Hans Pøjske 1472, Hr. Eskild Gøye 1475—79, Erik Jepsen Ravensberg 1481, Hr. Eskild Gøye atter 1492, Truid Andersen (Thott) 1494, Johan Venstermand 1499, Anders Tidemand 1501—5 osv. I Grevens Fejde blev A. 1534 taget af Grevens Folk ved Overrumpling, men to Aar efter tilbageerobret af de kgl. Tropper. Fred. I's Dronning Sophie havde bl. a. A. i Livgeding til sin Død 1568, hvorefter A. atter fik kgl. Lensmænd. Efter Fred. II's Død havde Dronning Sophie Aalholm som Livgeding til sin Død 1631. Efter 1660 blev Aalholm som et kgl. Amt under Kronen; Amtmanden boede her en Tid. I Aarene 1670—85 hørte A. til Dronning Sophie Amalies, 1699—1714 til Dronning Charlotte Amalies Livgeding. 1725 solgte Fred. IV A. tillige med Bremersvold (Hovedgaardstakst henholdsvis 87 og 89, Bøndergods 809 og 615 Td.

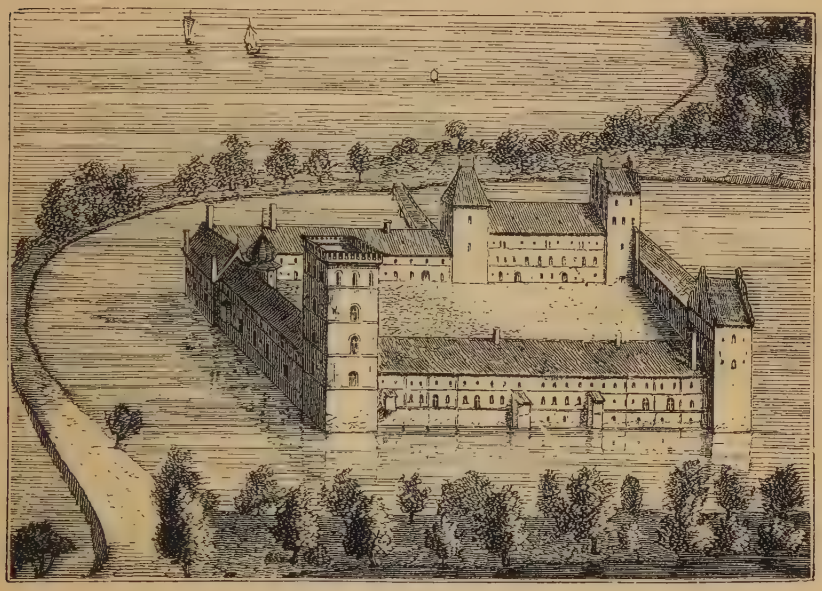

Aalholm efter Resen.

Hrtk.) til Fru Emerentia v. Levetzau, Enke efter Gehejmer. J. O. v. Raben, for omtr. 95,000 Rd., og $^{16}/_{4}$ 1734 oprettedes af A., Bramslykke og Egholm Grevskabet Christiansholm for Emerentia v. Levetzaus Sønnesøn Grev Chr. v. Raben († 1750), efter hvem Grevskabet gik over til Broderen Gehejmer. Grev O. L. v. R. († 1791), derpaa til dennes Søn Grev Fr. Chr. v. R. († i Rio Janeiro 1838), dennes Søn Kmhr., Dr. phil. Grev G. Chr. v. R. († 1875) — som fik Bevill. til at give Slottet dets oprindl. Navn Aalholm, efter at det i nogen Tid var blevet kaldt Christiansholm ligesom Grevskabet —, dennes Broder Jul. v. R. († 1879), hvorefter det gik over til Kmhr. Jos. Raben-Levetzau († 1889), hvis Søn, Kmhr., Hofjægerm. Grev F. Chr. O. Raben-Levetzau, er den nuv. Besidder.

*Aalholm Slot* ligger lige V. for Nysted paa en Halvø, der forbindes med Byen ved en lang Lindeallé; denne er plantet paa den stensatte Dæmning, som adskiller den tidligere Slotssø fra Østersøen. Oprindelig har Bygningen været omflydt af Vand mod N., Ø. og S. og omgivet af Grave og Udenværker. Borgens Anlæg kan føres tilbage til 12. Aarh., da der opførtes Borge ved Landets Kyster som Værn mod Venderne. Grundplanen danner en Rektangel, der er omtr. 120 Al. fra V. til Ø. og 60 Al. fra N. til S. Oprindelig har Slottet haft Taarne paa alle 4 Hjørner; desuden

har der været et femte Taarn paa Sydfløjen, hvilket vistnok har tjent som Porttaarn. Taarnene vare forbundne med en 2—3 Al. tyk, høj Ringmur, langs hvis Inderside Bygningerne laa; hvor der ingen Bygninger var, har der løbet en Vægtergang. I 16. Aarh. ere Bygningerne undergaaede store Forandringer, navnlig i Aarene 1581—88, medens Hak Ulfstand var Lensmand, da en Fløj fjernedes, et Trappetaarn og flere Karnapper opførtes og vistnok Taarnene forhøjedes. I de følgende Aarhundreder forfaldt Slottet mere og mere; der blev vel af og til foretaget Ændringer og Udbedringer, men vist kun, naar Brøstfældigheden var saa stor, at de vare uundgaaelige; i 18. Aarh. har Slottet næppe været beboeligt, i alt Fald boede Chr. Raben paa Ladegaarden og, efter dennes Brand, i et Hus i Nysted. I 19. Aarh. var det med Mellemrum beboet kortere Tid. I 1884 paabegyndte den nuv. Besidder en gennemgribende Istandsættelse. Dengang bestod Anlægget af en 90 Al. lang og 25 Al. bred Gaardsplads, paa alle 4 Sider tidligere indesluttet af Bygninger. Af Sydfløjen vare imidlertid omtr. 40 Al. mod S. Ø. ned-

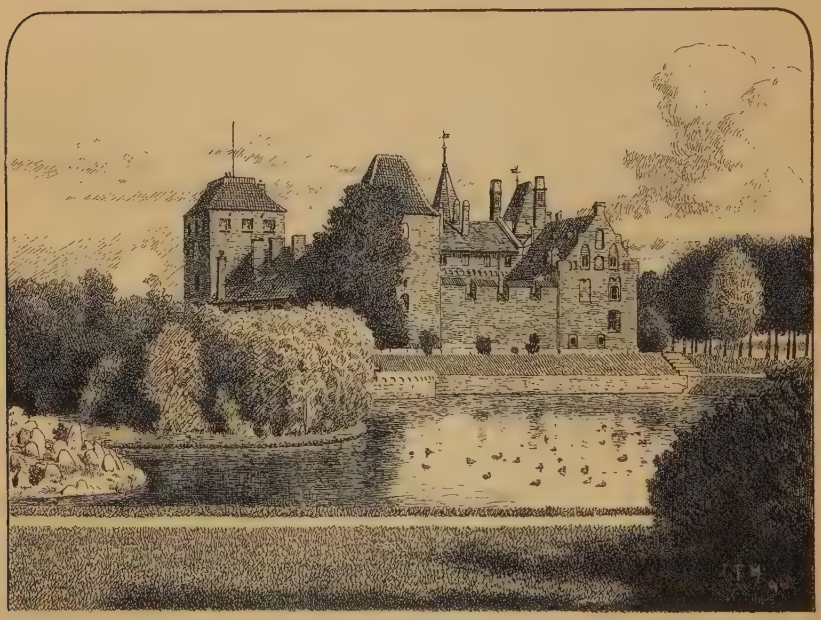

Aalholm Slot 1897, set fra N. V.

(Østl. Taarn. Nordfløj. Vestl. Taarn. Vestl. Ringmur. Margrethefløj).

revne. Den vestligste Del af denne, hvori der er fundet Kalkmalerier, og som benyttedes til Kornmagasin, siges at stamme fra Dronning Margrethes Tid; men før den har der staaet en anden Bygning, thi Kælderen under den er bredere end Huset. Nordfløjen, der bestod af forskellige Huse, som efterhaanden vare sammenbyggede under eet Tag, havde ved hver Ende et Taarn, begge i 15 Al. Højde byggede i Munkeskifte og senere forhøjede i Krydsskifte; paa det østl. Taarn i det øverste Murværk var der Skydehuller og herover en spaantækt Bindingsværks Opbygning med Altan, „Observatoriet“ (fra 18. Aarh.). Langs den tykke vestl. Ringmur laa en temmelig ny Fløj, „Teaterfløjen“. Ved Østfløjens sydl. Ende ere Kælderens og Stueetagens Murværk Rester af et tredje Taarn, og i Ydervæggen findes en gammel Vindeltrappe, medens hele 2. Stokværk er fra 18. Aarh. (paa Gavlen stod 1779). Ved Gravninger i Grunden fandtes der Rester af Bygninger, nogle med Spidsbuer fra 15. Aarh., ligesom der ogsaa var Rester af Bolværker og Broer, som viste, at Søen paa et enkelt Sted er gaaet ind til Nordfløjen; hele Slotssøen var en sivgroet Mose. Paa den sydl. Væg i Nordfløjens østl. Ende fandtes 1882 nogle paa Hvidtningen

malede Navnerækker og Aarst. 1585 *). Ved Istandsættelsen, der ledes af Prof. Hans J. Holm, har Udgangspunktet været Margrethefløjen, hvor der fandtes bevarede Rester, men for øvrigt er der arbejdet efter det Præg, som senere Tiders Ændringer havde paatrykt hver enkelt Del. Taarnene ere urørte (Observatoriet er fjernet), ligesom Østfløjen og Ringmurene i Almindelighed; dog har det været nødvendigt at ændre de deri udbrudte Vinduesaabninger samtidig med Istandsættelsen. Vestfløjen er nedbrudt, saa at kun den svære Ringmur staar tilbage. Der er nu i Midten et mod S. aabent Gaardsrum, som er begrænset af Nordfløjen og to nye Tværfløje; mod S. ligger Margrethefløjen vestligst, saa at der mellem denne, den vestl. Tværfløj, Nordfløjen og den vestl. Ringmur er et andet Gaardsrum, medens den østl. Tværfløj er forbundet med Østfløjen, saa at der ogsaa her ligger en mindre Gaard. For Enden af hver Tværfløj er der i S. opført et nyt Taarn. Under Opførelse er uden for Nordfløjens Sydside et Slags Galleri, der forbinder Tværfløjene, samt mod N. en Havetrappe med Bro over Graven til en ny Blomsterhave, som er anlagt i Mosen. Gravene, der omgive Bygningskomplekset paa de tre Sider, ere regulerede, og der er anlagt en ny Vej N. for Blomsterhaven og den V. for denne anlagte Køkkenhave, hvilken Vej skal træde i Stedet for den gamle Sakskjøbing Vej, der gik S. om Slottet og skilte dette fra Haven og Skovene.

Haven, V. for Slottet, bestaar af den 1796—1814 anlagte ældre Del, den 1830—35 anlagte yngre Del, den saa kaldte „Skovhave", og den omtr. samtidig anlagte „Vinterhave". Da Haven ligger beskyttet mod V. og S. V. af den tilstødende Skov Hestehave, og da den har en leret, noget fugtig Jordbund med Underlag af kridtholdigt Ler, er den fortrinlig skikket til Dyrkning af fremmede Planter og Træer, hvorpaa den ogsaa er meget rig, hvilket særligt skyldes den for Botanik begejstrede Fr. C. Raben († 1838), for hvem der 1874 er rejst et Mindesmærke i Haven. Af Træer og Buske i Slotshaven nævnes: 2 Abies pectinata i en Gruppe, 93 og 100 F. høje (den første omtr. 15 F. i St. Omf.), en 73 F. høj Acer dacycarpum (St. Omf. 12 F.), en 43 F. høj Acer platanoides, en 75 F. høj Aesculus hippocastanum, en 57 F. høj Aesculus rubicunda, en 26 F. høj Amelanchior, en 58 F. høj Betula alba, en 58 F. høj Betula papyraea, en 37 F. høj Castanea vesea (ægte K.; St., der er tredelt ved Jorden, er over 15 F. i Omf.), flere sjældne Crataegusarter (Ahorn), en 56 F. høj Fraxinus parvifolia, en 52 F. høj Fagus sylvatica, en 77 F. høj Gymnocladus canadensis, en 60 F. høj Gladitschia macrocantha, en 40 F. høj Juglans nigra (St. Omf. 9 F.), en 36 F. høj Juniperus virginiana, en 62 F. høj Larix europaea, en 32 F. høj Larix microcarpa, en 78 F. høj Liriodendon tulipifera, en 28 F. høj Magnolia, en 73 F. høj Pinus Cembra, en 66 F. høj Pinus austriaca, en 107 F. høj Populus monilifera, (St. Omf. næsten 14 F.), en 110 F. høj Platanus occidentalis (St. Omf. over 12 F.), en 75 F. høj Prunus virgniana, en 50 F. høj Quercus pedunculata (4 Træer), en 38 F. høj Quercus nigra, en 70 F. høj Robinia pseudacacia (femgrenet fra Jorden), en 39 F. høj Robinia viscosa, en Sorbus aria og latifolia, begge 61 F., en 10 F. høj Rhododendron-Gruppe (stammer fra 1825), en 55 F. høj Taxodium distichum, en 20 F. høj Taxus baccata, en 63 F. høj Tilia tomentosa, en 41 F. høj Tilia platyphyllos,en 45 F. høj Thuja occidentalis, en 87 F. høj Ulmus effusa, en 50 F. høj Ulmus campestris og en 42 F. høj Virgilia lutea.

*) Den ene Navneliste lød: Fred. der Ander, konning zu Dennmarchen undt Norwegen, Sofia, konningin Dennemarken, Niels Kaas, Absalon Juil, Gurgen Ernst Worm, Reinholdt Fuxs von Boineborgh, Gabriel Sparre, Detloff Holck, Knudt Rudt Eriksønd (til hvert Navn var føjet vedkommendes Valgsprog). Paa den anden Tavle stod: Magnus Swave, Klaus Podbusk, Preben Bild, Hans Stralendorff, G(lob) Krabbe, ...nek.., Wilh. v. der Wense, Chrf. Koryot (det sidste Navn ledsaget af en Narrehue med Bjælder og et Ølkrus).

# Falsters Nørre Herred.

**Sogne:**

*Maglebrænde, S. 269. — Torkildstrup, S. 269. — Lillebrænde, S. 270. — Gundslev, S. 271. — Nørre-Vedby, S. 272. — Nørre-Alslev, S. 274. — Vaalse, S. 274. — Kippinge, S. 276. — Brarup, S. 278. — Stadager, S. 279. — Nørre-Kirkeby, S. 280. — Ønslev, S. 281. — Eskildstrup, S. 282. — Tingsted, S 282.*

Nørre Herred, det mindste Herred i Amtet, udgør Øens nordvestl. Del og begænses mod S. Ø. af Sønder Hrd., medens det ellers er omgivet af Guldborg Sund, Vordingborg Bugt og Grønsund. Dets største Udstrækning fra N. til S. og fra Ø. til V. er omtr. $2^3/_4$ Mil. Mod N. V. ligger Øens højeste Punkt, Bavnehøj; se for øvrigt om Overfladeforholdene S. 105. De overvejende lerede Jorder ere enkelte Steder sandblandede. Skovarealet udgør 3444 Td. Ld. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til de bedste af Amtets Herreder, idet der efter Matr. i Gennemsnit gik omtr. $8^1/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Herredets Fladeindhold blev 1896 ansat til 40,477 Td. Ld. ($4_{,06}$ □ Mil, $223_{,5}$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $4438_{,9}$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 12,270 (1801: 6613, 1840: 8869, 1860: 10,840, 1880: 12,268). I Herredet ligger Købstaden Stubbekjøbing. I gejstlig Henseende danner det sammen med Falsters Sønder Hrd. eet Provsti (hvortil ogsaa Bogø med Farø i Præstø Amt hører). I verdslig Henseende hører det til Stubbekjøbing Herreds og Falsters vestre Herreds Jurisdiktioner og til Amtets 7. (Maglebrænde, Torkildstrup, Lillebrænde, Gundslev, Nørre-Vedby og Nørre-Alslev S.) og 8. Forligskreds (de øvrige Sogne).

Falsters Nørre Herred, alt nævnt i Vald. II's Jrdb., hørte fra 1660 til Nykjøbing Amt (se S. 110).

**Maglebrænde Sogn**, Anneks til Stubbekjøbing, omgives af denne Købstads Jorder, Lillebrænde og Torkildstrup Sogne samt Sønder Hrd. (Falkerslev, Horbelev og Aastrup S.). Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil S. S. V. for Stubbekjøbing. De ujævne, men ikke videre højtliggende Jorder (Møllebakke er 61 F., 19 M., Soshøj 67 F., 21 M.) ere lerede og sandblandede. Lidt Skov. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Stubbekjøbing til Nykjøbing.

Fladeindholdet 1896: 1998 Td. Ld., hvoraf 1019 Td. besaaede (deraf med Hvede 88, Rug 167, Byg 265, Havre 155, Bælgsæd 34, Blandsæd til Modenh. 143, Grøntf. 18, Kartofler 6, Sukkerroer 26, andre Rodfr. 99, andre Handelspl. 17), Afgræsn. 164, Høslæt, Brak, Eng m. m. 650, Have 25, Skov 73, Moser 38, Byggegr. og Veje 29, Kreaturhold 1893: 164 Heste, 683 Stkr. Hornkv. (deraf 464 Køer), 620 Faar og 365 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 208 Td.; 38 Selvejergaarde med 194, 88 Huse med 13 Td. Hrtk. og 15 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 640 (1801: 339, 1840: 468, 1860: 627, 1880: 632), boede i 137 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomh., 332 af Jordbrug, 165 af Industri, 7 af Handel, 78 af forsk. Daglejervirksomh., 32 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Maglebrænde* (i Vald. II's Jordb. Brænningy maklæ), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1889), Andelsmejeri og Mølle; *Stangerup* (et her af Fru M. Kehlet i 1783 opr. Hospital for 8 fattige er nedlagt 1888 og solgt til Kommunen, der benytter Bygningen som Fattiggaard); *Fjenstrup*; *Alkestrup* (i Vald. Jrdb. Aggutsthorp). — Gaarden *Liselund*: 39 Td. Hrtk. og $^5/_8$ Td. Skovsk., 390 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 50 Skov, 10 til Huse og Moser, Resten Ager; 2 Huse med Jord og 10 jordløse Huse.

Maglebrænde S., en egen Sognekommune, hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Maribo Amts 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 185. Lægd. Kirken tilhører Sognets Hartkornsejere.

*Kirken* (se Vignetten S. 268) bestaar af Skib med et lille Spir paa Vestgavlen, Kor med lige Afslutn. mod Ø. og Vaabenhus mod S. Gavlene ere prydede med Rundbuer og Lissener. Kirken er opført af røde Munkesten, Langhuset i Beg. af 13. Aarh. Rundbuede Indgangsdøre mod S. og N. paa Skibet; dette har fladt Loft, Koret en senere indbygget Hvælving. Korbuen bæres af Halvsøjler. Udskaaren Altertavle, vistnok fra 17. Aarh.; Prædikestolen er af Egetræ; Granitdøbefont, prydet med Spidsbuer.

Ved Auktionen over de falsterske Domæner solgtes 1766 den nyoprettede Hovedgaard *Stangerup* (Hovedgaardstakst 21, Bøndergods 621, Kirketiende 58 Td. Hrtk.) for 37,936 Rd. til Kammerr. Chr. Kehlet; efter hans Enkes, Marie Margr. Eghs Død 1785 købte Godsets Bønder hele Godset for 76,000 Rd., og Hovedgaarden blev derefter nedlagt.

Peder Jensen af „Algitsthorp" 1390 førte et halvt Svin i sit Vaaben.

Ved Stangerup er der under flad Mark fremdraget to Grave fra den ældre Jærnalder med et fyldigt Indhold af romerske Broncekar m. m.

**Torkildstrup Sogn**, omgives af Annekset Lillebrænde, Maglebrænde Sogn, Sønder Hrd. (Falkerslev S.), Eskildstrup, Nørre-Kirkeby og Gundslev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger paa en Bakke omtr. 1 Mil V. S. V. for Stubbekjøbing. De noget høje og bakkede Jorder ere lerede og sandede. En Del Skov (Taarup Fredsk., Sullerup Sk., Magleholm).

Fladeindholdet 1896: 3062 Td. Ld., hvoraf 1606 besaaede (deraf med Hvede 224, Rug 207, Byg 436, Havre 302, Bælgsæd 99, Blandsæd til Modenh. 155, til Grøntf. 38, Kartofler 7, Sukkerroer 15, andre Rodfr. 122), Afgræsn. 244, Høslæt, Brak, Eng m. m. 833, Have 47, Skov 180, Moser 33. Hegn 29, Byggegr. og Veje 80,

Vandareal 9 Td. Kreaturhold 1893: 265 Heste, 984 Stkr. Hornkv. (deraf 695 Køer), 482 Faar, 525 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 342 Td.; 60 Selvejergaarde med 309, 1 Arvefæstegd. med 2, 129 Huse med 30 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse ($^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 868 (1801: 526, 1840: 709, 1860: 931, 1880: 984), boede i 189 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 614 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 113 af Industri, 12 af Handel, 31 af forsk. Daglejervirksomh., 53 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Torkildstrup* med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Gundslevmagle* med Mølle; *Taarup* (gml. Form Tokæthorp); *Sullerup* med Fattiggaard (opr. 1868, Pl. for 38 Lemmer), Mølle; *Dukkerup*. *Unghave Huse*, *Torkildstrup Huse*. Skovridergaard i Magleholm. — *Taarupgaard*: $12^3/_4$ Td. Hrtk., 110 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, Resten Ager; 1 Hus.

Torkildstrup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Maribo Amts 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 183. Lægd. Kirken tilhører Sognebeboerne.

*Kirken* (fordum indviet til Vor Frue), der er en lang Bygning („Lange Maren"), bestaar af Skib, Kor med flad Altervæg, lavt og uanseligt Taarn og Vaabenhus mod S. Langhuset er oprindel. opført af Kamp i Rundbuestil; senere er Koret blevet forlænget mod Ø. med Mursten; Koret har derfor to Buer. Af de to oprindelige, rundbuede Portaler paa Skibets Langsider er den nordl. tilmuret. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra Chr. V's Tid med et Maleri af Fru Ingemann (Christus velsigner Børnene). Gammel Granitdøbefont i Bægerform. Prædikestol i Barokstil. Et gammelt Krucifiks over den ene Korbue. Smukt Monstranshus i gotisk Stil i Korets Væg. I Skibet Oliemaleri: Ecce homo, vistnok en daarlig Kopi efter Rembrandt; Portræt af Præsten Chr. Pontoppidan († 1736) fra 1765; under Gulvet Gravkammer, hvori Digteren Ingemanns Fader, Provst Søren I., † 1799. I Korvæggen Gravsten med legemsstore Figurer over Jep Torbernsen (Sparre) til Torkildstrup, † 1557, og Hustru Elsebe Grubbe. Den store Klokke er fra 1491.

I Sognet har ligget en gammel Hovedgaard *Torkildstrup*, som skal være bygget af Torkild Venstermand, der berettes at være begraven i en nu sløjfet Høj ved Gaarden „Sparrehøj" (Højen har været en Begravelsesplads, da der er blevet fundet mange Skeletter der). 1452 ejede Hannibal Venstermand og 1462 Emmike Venstermand T. Sidstnævntes Søn Henning V. skrev sig til T. 1580, men Gaarden fulgte hans Søster Anne, der ægtede Torbern Jensen (Sparre), hvis Søn var den under Kirken nævnte Jep Torbernsen til T., Landsdommer i Laaland og Falster. Sønnen Henning Sparre afstod 1589 T. til Kongen mod at faa Livsbrev paa Lyse Kloster i Norge. Aar 1662 brændte Gaardens Bygninger. Gravene omkring Gaardene ere endnu kendelige.

*Taarup* (i Vald. II's Jordeb. Olæfstorp) hed tidligere Thorp. Det er maaske den fordums Hovedgaard, der 1407—17 tilhørte Konrad Reberg, 1410 Peder Jensen (Markmand) in Thorp og 1467 Poul Pedersen i Thorp.

I Torkildstrup er Digteren B. S. Ingemann født $^{28}/_5$ 1789; i Præstegaardens Have ud mod Vejen staar der en 1889 rejst Mindestøtte for ham.

Ved Gundslevmagle er der fundet et Sølvrelikviekors med Kæde samt flere til Dels sønderbrudte Sølvsmykker, alt fra den tidligere Middelalder.

**Lillebrænde Sogn**, det mindste i Herredet, Anneks til Torkildstrup Sogn, omgives af dette, Maglebrænde Sogn, Stubbekjøbing Købstads Jorder, Grønsund og Gundslev Sogn. Kirken, mod S. V. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil V. S. V. for Stubbekjøbing. De temmelig jævne Jorder ere ler- og sandblandede. I Sognet ligger Falsters største Sø Barup Sø, 52 Td. Ld., gennem hvilken løber en Aa, der danner en Del af Sognets Grænse mod N. V. og falder gennem det i 1839 inddæmmede Sortsø Nor ud i Vordingborg Bugten. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Stubbekjøbing til Nørre-Alslev.

Fladeindholdet var 1896: 1468 Td. Ld., hvoraf 846 besaaede (deraf med

Hvede 120, Rug 98, Byg 195, Havre 104, Bælgsæd 52, Blandsæd til Modenh. 106, Grøntf. 59, Kartofler 5, Sukkerroer 33, andre Rodfr. 74), Afgræsning 164, Høslæt, Brak, Eng m. m. 316, Have 21, Moser 43, Kær 2, Hegn 3, Byggegr. og Veje 67, Vandareal 6. Kreaturhold 1893: 136 Heste, 482 Stk. Hornkvæg (deraf 330 Køer), 195 Faar, 260 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 154 Td.; 29 Selvejergaarde med 139 og 67 Huse med 15 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 460 (1801: 240, 1840: 392, 1860: 463, 1880: 459), boede i 91 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomhed, 270 af Jordbr., 4 af Fiskeri, 89 af Industri, 13 af Handel, 35 af forsk. Daglejervirksomh. og 37 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Lillebrænde* (i Vald. II's Jrdb. Brænningy litlæ) med Kirke og Skole; *Barup* (i Vald. Jrdb. Batæthorp); Saml. af Gaarde og Huse: *Porrehuse.* — *Blæsebjærggd.*: $14^5/_8$ Td. Hrtk., $126^5/_8$ Td. Ld. hvoraf 9 Eng, Resten Ager; 1 Hus.

Lillebrænde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Landstings- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 184. Lægd. Kirken tilhører Sognebeboerne.

*Kirken*, der er meget lille, bestaar af Skib og Kor med flad Altervæg samt Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten og forsynet med højt, spidst Tag. Kirken har fladt Loft. Over Korbuen et gammelt Krucifiks. Smagløs Altertavle med Maleri af Fru Ingemann (Børnenes Hosianna i Templet); Prædikestolen bæres af en i Træ udskaaren, siddende Bispefigur; Døbefont af imiteret Sandsten.

Aar 1328 nævnes Regnerus Regensøn af „Lidle Bredning" i Falster og 1425 Mathias Falster af „Lillæ Breging". Midt i 15. Aarh. afhændede Hr. Mogens Gøye sin Hovedgaard „Bregning" i Falster til Hr. Oluf Axelsen Thott.

Tæt ved Barup Søs nordl. Bred har der staaet en middelalderlig Bygning, omtr. 100 F. lang i Ø. S. Ø. — V. N. V., opført af røde Munkesten paa et Kampestensfundament. De endnu delvis bevarede, jorddækkede Fundamenter synes at vise, at det har været en Kirke; mulig har den hørt til den til Stubbekjøbing knyttede St. Jørgensgaard (se S. 168). Sagnet kalder Bygningen snart et Slot, snart et Kloster eller Kapel.

Lillebrænde var et eget Sogn indtil 1692, da det blev Anneks til Torkildstrup. I 2. Halvdel af 16. Aarh. var det blevet befalet, at Sognet skulde henlægges til Stubbekjøbing, og Kirken var ogsaa bleven lukket; men da Beboerne klagede over den lange Vej til Byens Kirke, blev det ved kgl. Brev af $^{14}/_1$ 1570 befalet Sognepræsten i Stubbekj. enten at skaffe en Kapellan til Lillebrænde eller lade Sognet atter faa en egen Sognepræst.

**Gundslev Sogn**, hvis nordlige Halvdel er en Halvø, som ved Sortsø Gab skilles fra Bogø, omgives af Lillebrænde, Torkildstrup, Nørre-Kirkeby og Nørre-Alslev Sogne samt Vordingborg Bugt. Kirken, mod S. i Sognet, ligger 1 Mil V. for Stubbekjøbing. De lerede og kalkblandede, ved Stranden sandede Jorder ere bølgeformede. En Del Skov (Skjerne Sk., Hestehave, Arnevænge, Fredsk.). Paa Sydøstgrænsen er *Sortsø Nor*, mod V. *Skovby Nor*, nu begge udtørrede, trængt ind i Sognet. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Stubbekjøbing til Nørre-Alslev.

Fladeindholdet 1896: 4057 Td. Ld., hvoraf 2138 besaaede (deraf med Hvede 262, Rug 290, Byg 498, Havre 318, Bælgsæd 138, Blandsæd til Modenh. 274, Grøntf. 115, Kartofler 17, Sukkerroer 50, andre Rodfrugter 176), Afgræsning 261, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1292, Have 60, Skov 193, Moser 3, Kær 4, Hegn 19, Byggegr. og Veje 83, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 430 Heste, 1327 Stk. Hornkv. (deraf 905 Køer), 674 Faar, 841 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 451 Td.; 84 Selvejergaarde med 403, 141 Huse med 47 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1092 (1801: 627, 1840: 900, 1860: 1102, 1880: 1140), boede i 226 Gaarde og Huse; Erhverv: 19 levede af immat. Virksomhed, 746 af Jordbrug, 4 af Fiskeri, 209 af Industri, 27 af Handel, 2 af Skibsfart, 43 af forsk. Daglejervirksomh., 36 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gundslev* (i Vald. Jrdb. Gundrizlef), ved Landevejen, med Kirke (noget V. for Byen), Præstegd., Skole, Poge- og Husflidsskole (Aktieselskab) og Andelsmejeri (Nutiden); *Skjerne*; *Skovby* med Skole, Fællesmejeri og Mølle; *Sortsø*; *Havnsø*. — *Skovbygaard*: $17^1/_2$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, $7^1/_2$ Skov, Resten Ager.

Gundslev S., en egen Sognekommune, hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.), Stubbekjøbing Lægedistrikt, 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 182. Lægd. Kirken tilhører Sognets Hartkornsejere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med flad Altervæg med tre, nu tilmurede rundbuede Vinduer, samt Taarn mod V. Den er opf. af røde Munkesten i Spidsbuestil. Skibet har fladt Loft, Koret og Taarnrummet ere overhvælvede. Altertavlen, et smukt og rigt Billedskærerarbejde i Barokstil, hidrører uden Tvivl fra den samme Kunstner, der har forfærdiget Tavlen i Nørre-Alslev Kirke; Prædikestol med Chr. V's Navnetræk. I Koret Epitafier over Præsterne J. P. Rosenstand-Goiske, † 1777, og P. Borchgrevinck, † 1779. Gammel Granitdøbefont med Rebsnoning. — Paa Kirkegaarden ligger begravet Historikeren N. D. Riegels († 1802).

1362 nævnes Jens Yde i Skiernne (*Skjernede*), 1407 Væbner Niels Reberg af Skernæ, senere Conrad Reberg. Josef Reberg testamenterede Gaarden til Graabrødreklostret i Nykjøbing, fra hvilket Hr. Mogens Gøye købte den 1515 med Josef Rebergs Samtykke.

I Sortsø Fredskov er der fredlyst en Gravhøj og en Langdysse. — Ved det smalleste Sted af Sortsø Gab ligge Rester af et Par Skanser fra Beg. af 19. Aarh.

**Nørre-Vedby Sogn**, der skyder ud i Halvøen Orehoved paa Øens Nordkyst, det største Sogn i Herredet, omgives af Annekset Nørre-Alslev, Nørre-Kirkeby, Kippinge og Vaalse Sogne samt Vordingborg Bugt. Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. $1^3/_4$ Mil V. N. V. for Stubbekjøbing. De temmelig højtliggende og bakkede Jorder, med Falsters højeste Punkt, Bavnehøj, 139 F., $43_{,5}$ M., ere overvejende lerede og mergelblandede. Paa Nordspidsen en Del Skov (Orehoved Sk., Lymose Sk., Vedby Vestersk. m. m.). Mod S. V. hører til Sognet en Del udtørret Areal af Vaalse Vig. Ud for Orenæs ligge de to Holme *Dyrefoden* og *Skaaneholm*, der høre til Sognet. Gennem Sognet gaa Vejen fra Guldborg Færge til Landevejen fra Gaabense til Nykjøbing og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 4535 Td. Ld., hvoraf 2237 besaaede (deraf med Hvede 343, Rug 190, Byg 607, Havre 355, Bælgsæd 96, Blandsæd til Modenh. 241, Grøntf. 110, Kartofler 7, Sukkerroer 124, andre Rodfr. 159), Afgræsn. 416, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1285, Have 71, Skov 371, Moser og Kær 7, Stenmarker 13, Byggegr. og Veje 132, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 349 Heste, 1214 Stkr. Hornkv. (deraf 816 Køer), 459 Faar, 685 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 494 Td.; 57 Selvejergaarde med 404, 7 Arvefæstegd. med 40, 172 Huse med 34 Td. Hrtk. og 19 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1341 (1801: 735, 1840: 979, 1860: 1100, 1880: 1300), boede i 254 Gaarde og Huse; Erhverv: 139 levede af immat. Virksomh., 741 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 49 af Fiskeri, 240 af Industri, 36 af Handel, 70 af forsk. Daglejervirksomh., 32 af deres Midler, og 30 vare under Fattigv. Fiskeriet er af Betydning.

I Sognet *Nørre-Vedby Kirke* og *Gyldenbjærg Filialkirke* (den sidste for Sognets nordl. Del), begge enligt beliggende, og Byerne: *Nørre-Vedby* (i Vald. Jrdb. Withby Norræ) med Skole, Pogeskole og Forsamlingshus (opf. 1891); *Riserup*, ved Vejen fra Guldborg Færge, med Mølle (den tidligere Fattiggd., „Elysium", brændte 1897); *Egelev*, ved samme Vej, med Skole; *Nørre-Grimmelstrup*; *Orehoved* med Havn og Dampfærgeleje (se S. 158-59; Havnen ligger for Enden af en lang Bro inden for Grunden Vedby Hage; ved Bolværket uden for Havnen er der 10, i Havnen 7—9, i Dampfærgelejet

12 F. Vand; ved Havnen rødt, fast Fyr, Flammens Højde 30 F.) med Dampfærgefart til Masnedsund, Jærnbanestation (se S. 158), Telegrafstation og Hotel; *Gaabense* med Skole (*Nyskole*, noget V. for Byen, hvor der er Jærnbaneholdeplads), Udskibningssted (tidligere Færgested, ved Broen 8 F. Vand) og Andelsmejeri (Nordfalster).

Større Gaarde: *Orenæs*: 20 Td. Ager og Engs Hrtk. og $194^5/_8$ Td. Skovsk., 1168 Td. Ld. hvoraf 70 Eng, 966 Skov, Resten Ager; af Skovene ligge 634 Td. Ld. i Vaalse S., det øvrige af Ejendommen i N.-Vedby og N.-Alslev S.; til Ejendommen høre Smaaøerne Dyrefoden, Skaaneholm og Suderø, den sidste i Guldborg Sund (se S. 275). *Ulriksdal*: $24^1/_8$ Td. Hrtk., $267^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 91 Eng, Resten Ager; 4 Huse. *Lenesgave*: $17^3/_8$ Td. Hrtk., 132 Td. Ld., alt Ager; 1 Hus. *Egelevgd.*: $15^7/_8$ Td. Hrtk., 115 Td. Ld. Ager. *Gaabense Færgegaard*: $13^1/_2$ Td. Hrtk., 140 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 16 Skov, 6 Mose og Græsning, Resten Ager; 2 Huse; 1894 er der af Ejeren anlagt en Dæmning ved Stranden til Beskyttelse mod Højvande.

Nørre-Vedby S., een Sognekommune med Annekset, men delt i to Sognefogeddistrikter (det nordl. og sydl.), hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.), og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 179. (Orehoved og Nørre-Vedby) og 180. Lægd (Grimmelstrup, Riserup og Egelev). Kirken tilhører (fra 1869) største Delen af Sognets Hartkornsejere, Filialkirken ejer sig selv.

*Kirken*, paa en omtrent 80 F. høj Bakke, bestaar af Skib og Kor ud i eet med tresidet Afslutn. mod Ø. og Taarn med V. Langhuset er opført af røde Munkesten i Spidsbuestil, vistnok i 14. Aarh., og er den anseligste Landsbykirke paa Falster. Taarnet er yngre end Skib og Kor. Kirken er dækket med høje, smukke Hvælvinger, der udvendig støttes af Murstivere. De 6 Alen høje, oprindelige Vinduer ere spidsbuede. Altertavlen, fra 1646, har en smukt udskaaren Ramme i Barokstil med (den udvalgte) Chr. V's Navnetræk og to Malerier (Christus paa Korset og Nadveren). Udskaaren Prædikestol omtr. samtidig med Altertavlen. Udskaaren Trædøbefont. I Skibet Maleri af Frederik III's Livknægt, senere Færgemand ved Gaabense Færge Friederich Härdtil og Hustru Anna Martha v. Wechlen, opsat 1679, samt Mindetavler over Rasmus Pedersen Scarvin († 1674) og Mag. Gert Meier († 1687), begge Præster her, og Elisabeth Lasson, † 1728, der havde været gift med dem begge.

*Filialkirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet med tresidet Afslutn. mod Ø. og Vaabenhus mod S. Den er opført 1889 efter Tegn. af Arkitekt H. Glahn af røde Mursten i Rundbuestil og med fladt Loft. Som Altertavle tjener en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Christus. Tre smukke Malmlysekroner, de to skænkede af Grevinde Moltke, den tredje af Menigheden.

I *N.-Grimmelstrup* har der ligget en Hovedgaard. Den blev 1351 givet til Sorø Kloster af Hr. Oluf Jensen (Saltensee) af Tystofte. Klosteret pantsatte den 1364 til Hr. Steen Basse og havde endnu 100 Aar efter ikke tilbageløst Gaarden, som Hr. Eskild Gøye 1478 efter Abbedens Fuldmagt skulde inddele. Først efter en vidtløftig Proces med Hr. Steen Basses Arvinger lykkedes det Klosteret at vinde Godset tilbage, men 1517 solgtes det til Hr. Mogens Gøye. Hovedgaarden synes 1552 at have tilhørt Fru Eline Gøye, men var da kun en større Bondegaard.

Hovedgaarden *Hvededal* oprettedes 1766 (i alt $547^1/_2$ Td. Hrtk.) og blev købt af Agent v. Westen for 32,000 Rd. Hovedbygningerne bleve imidlertid aldrig opførte; 1794 solgtes H. for 98,000 Rd. til Kronen af Konsistorialr. C. U. v. Westen, der havde købt den 1778 for 44,000 Rd. efter Faderens Død (Hovedgaardstakst 45, priviligeret Hrtk. under Gaabense Færgegaard 518, Tiender 129 Td. Hrtk.). Hovedgaarden blev udstykket og til Dels indtagen til Fredskov. Fæsterne, der 1814 bleve Selvejere, kunde ikke udrede deres Skatter og bleve atter Fæstere 1824, men ere nu Selvejere (se S. 110).

Det store Skovareal, der hører til *Orenæs* (tidligere *Skovholt*), bestaar af de tid-

ligere nordfalsterske Statsskove (Orehoved Sk., Vedby-Vestersk., Lymose Sk., Alslev Sk., Resle Sk. og Vaalse Vestersk.), som solgtes 1870.

*Gaabense Færgegaard* købte Staten 1794 af Konsistorialr. v. Westen, men solgte den atter 1857. — I Gaabense Færgeskov staar en Mindesten for Gerhard Andreas Faye, Inspektør over de kgl. Godser paa Falster, senere Amtmand i Thisted Amt, † 1845.

Ved Nørre-Vedby ligger en fredlyst Gravhøj.

**Nørre-Alslev Sogn**, Anneks til Nørre-Vedby Sogn, omgives af dette, Nørre-Kirkeby og Gundslev Sogne samt Vordingborg Bugt. Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil V. for Stubbekjøbing. De noget højtliggende Jorder ere overvejende lerede. Lidt Skov (Alslev Sk., Ravnsø Sk.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Stubbekjøbing til Guldborg Færge og fra Nykjøbing til Gaabense samt den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2446 Td. Ld., hvoraf 1380 besaaede (deraf med Hvede 207, Rug 151, Byg 330, Havre 201, Bælgsæd 67, Blandsæd til Modenh. 157, Grøntf. 114, Sukkerroer 63, andre Rodfr. 89), Afgræsning 237, Høslæt, Brak, Eng m. m. 597, Have 42, Skov 77, Moser og Kær 9, Hegn 5, Byggegr. og Veje 97. Kreaturhold 1893: 222 Heste, 794 Stk. Hornkvæg (deraf 547 Køer), 282 Faar, 486 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 294 Td.; 41 Selvejergaarde med 245, 1 Arvefæstegd. med 8, 127 Huse med 24 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 851 (1801: 473; 1840: 644, 1860: 708, 1880: 807), boede i 174 Gaarde og Huse; Erhverv: 75 levede af immat. Virksomhed, 429 af Jordbr., 2 af Gartneri, 204 af Industri, 48 af Handel, 3 af Skibsfart, 54 af forsk. Daglejervirks., 27 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Alslev*, ved Vejen til Gaabense, med Kirke, Præstegd., Skole, Realskole (Aktieselsk.), Jærnbanestation, om hvilken der er opvokset en hel lille By, Telefonstation, Telegrafstation, Postkontor, Handelsgartneri, Gæstgiveri og Mølle; *Ravnsø*, ved Vejen fra Stubbekj. Saml. af Gaarde og Huse: *Bødstrup-Mark*, *Skjerris*. — Gaarden *Holgershaab* har $21^5/_8$ Td. Hrtk., 188 Td. Ld. (heraf 24 Td. i N.-Vedby S.), hvoraf 13 Have og Skov, Resten Ager.

Nørre-Alslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistrikt, 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 181. Lægd. Kirken tilhører (fra 1869) Sognets Hartkornsejere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med tresidet Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten, Langhuset i Slutn. af 13. Aarh. Paa Skibets Nordmur findes en nu tilmuret, spidsbuet Dør og paa Korets Sydside en lignende, ligeledes tilmuret Dør. Skibet har i Slutn. af 14. Aarh. faaet indbygget Hvælvinger; Hvælvingerne i Koret og Apsis ere oprindelige. I Alternichen fandtes 1895 nogle Kalkmalerier med vedføjede Inskriptioner, vist stammende fra Kirkens Opførelse (restaur. af Prof. J. Kornerup). Altertavlen er et rigt og smukt Billedskærerarbejde fra Chr. V's Tid. Prædikestolen er vistnok udført af den samme Kunstner som Altertavlen. Døbefont af Sandsten paa muret Fod. I Skibets vestl. Ende hænger under Loftet en lille Malmklokke fra 1595, støbt af Michel Westfal (Kirkens to andre Klokker, fra 1574 og 1638, ere støbte af samme).

Paa *Holgershaab*, der i Slutn. af 18. Aarh. blev købt af Holger Foss og da fik sit Navn, var St. St. Blicher Huslærer fra 1801 i et Par Aar.

N. V. for Pynten „Bondens Nakke" ligge to fredlyste Gravhøje.

Nørre-Alslev var et eget Pastorat indtil 1695, da det blev Anneks til Nørre-Vedby.

**Vaalse Sogn**, som bestaar af en mellem Vaalse Vig og Guldborg Sund i Vordingborg Bugt udskydende Halvø, begrænses mod S. af Kippinge og mod Ø. af N.-Vedby Sogn. Kirken, mod S. i Sognet, ligger omtr. $2^1/_2$

Mil V. N. V. for Stubbekjøbing og $2^1/_2$ Mil N. N. V. for Nykjøbing. De lerede, enkelte Steder ved Kysterne noget sandede og grusede Jorder ere temmelig jævne, naar undtages mod S. V. mellem Guldborg Sund og den udtørrede Del af Vaalse Vig (Kippinge Nor), hvor de ere høje og bakkede. Mod N. i Sognet, findes betydelig Skov, tidligere Statsskov (Vaalse Vestersk., Resle Sk. og Valnæs Sk., se S. 274.). En Del af den udtørrede Vaalse Vig hører til Sognet, ligeledes den omtr. 9 Td. Ld. store Ø *Suderø* (se S. 273).

Fladeindholdet 1896: 3335 Td. Ld., hvoraf 1326 besaaede (deraf med Hvede 210, Rug 103, Byg 393, Havre 174, Bælgsæd 95, Blandsæd til Modenh. 151, Grøntf. 51, Sukkerroer 55, andre Rodfr. 91), Afgræsn. 279, Høslæt, Brak, Eng m. m. 915, Have 53, Skov 594, Moser 35, Hegn 10, Byggegr. og Veje 101, Vandareal 22 Td. Kreaturhold 1893: 220 Heste, 831 Stkr. Hornkv. (deraf 576 Køer), 437 Faar, 397 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 383 Td.; 38 Selvejergaarde med 283, 3 Arvefæstegd. med 12, 112 Huse med 23 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 869 (1801: 558, 1840: 653, 1860: 753, 1880: 875), boede i 169 Gaarde og Huse; Erhverv: 60 levede af immat. Virksomhed, 501 af Jordbr., 18 af Fiskeri, 146 af Industri, 29 af Handel, 8 af Skibsfart, 55 af forsk. Daglejervirksomh., 31 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vaalse* (i Vald. Jrdb. Walnæs) med Kirke, Præstegd., 2 Skoler — indre og ydre Skole, den sidste $^1/_3$ Mil N. for Byen — og Mølle; *Egense*; *Mygget* (Myged). Saml. af Gaarde og Huse: *Broslunde*, *Hylleken*. *Resle Skovridergaard*. — Hovedgaarden *Valnæsgaard* har $68^1/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^3/_8$ Td. Skovsk., 711 Td. Ld., hvoraf 138 Eng, 83 Skov, 12 Tørvemose, Resten Ager; desuden høre til Gaarden 20 Fæstehuse og en Lægebolig (den sidste og 6 Fæstehuse ligge i Kippinge S.) med i alt omtr. 59 Td. Ld. Udskibningssted *Dybhavn* i Resle Skov.

Vaalse S., en egen Sognekommune, hører under Falsters Vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr. 190. Lægd. Kirken tilhører Sognebeboerne.

*Kirken* bestaar af Skib, firkantet Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus (nu Kapel) mod S. Den er opført af røde Mursten. Skibet er bygget i romansk Tid og har rundbuede Portaler til begge Sider; det har nu Hvælvinger af Sten, men var oprindelig forsynet med en Tøndehvælving af Træ. Koret er yngre, opført i gotisk Tid og med en tilmuret, spidsbuet Præstedør paa Sydsiden. Det senere tilføjede Taarn (Taarnrummet er nu Vaabenhus) er rektangulært og har pyramideformet Tag. Alterskab fra 15. Aarh. med udskaarne Fremstillinger af Korsfæstelsen og Apostlene samt Malerier af Jomfru Maria og Sta. Barbara. Døbefont af Granit. Prædikestol i Barokstil. Series pastorum. Foran Alteret Ligsten over Præsten Eskil Hansen, † 1618. Den store Klokke er fra 1490, den lille ogsaa fra den senere Middelalder. Under Taarnet har der været Begravelse for Familien Hincheldey (nu paa Kirkegaarden).

*Valnæsgaard* er oprettet 1788. Den hed først *Egense* (Vald. Sejr havde i Egense en Gaard, „Egenseborg“) og skødedes (Hovedgaardstakst 55, Bøndergods 641, Skovsk. $15^5/_8$, Kongetiende $28^1/_4$, Kirketiende $28^1/_4$ Td. Hrtk.) af Kongen 1767 for 46,083 Rd. til Købmand, Hofagent Hans Bergeshagen Hincheldey († 1795), fra hvem den for 48,000 Rd. gik over til Sønnen Edv. H., som 1798 skødede den for 56,000 Rd. til Kongen. Aar 1808 blev der givet Frants Thestrup Auktionsskøde paa Gaarden efter Edv. Hincheldeys Begæring; 1835 solgtes den ved Auktion til Kammeraad Heinrich Hansen, efter hvis Død 1862 Enken havde den, hvorpaa den 1874 for 400,000 Kr. gik over til Sønnen C. V. Grandjean Hansen; 1898 overtoges den for 345,000 Kr. af Købmand Alex. Andersen. — Hovedbygningen er i ét Stokv. med høj Kælder og Kvist; Have og Park er 20 Td. Ld.

Kong Albrecht pantsatte 1376 „Walnisse Birk“ og „Ekenisse“ til Hr. Mathias Ketelhot.

Tæt S. Ø. for Vaalse By skyder der sig ud i den udtørrede Vig en smal Landtunge, paa hvis nu afgravede Pynt („Borrebanke“), som ind mod Land har været af-

skaaren ved en Grav, har staaet en middelalderlig Bygning af Mursten, henved 60 F. lang og 26 F. bred; Fundamenterne have været dannede af Kampesten, lagte uden Kalk; der er fundet Metalfragmenter, Glasstykker m. m. samt 3 Mønter fra 12.—13. Aarh. — Rester af en anden middelalderlig Borg ere trufne ved Vaalse Strand.

Ved Inddæmningen af Vaalse Vig blev der paa Storholmen afdækket en Boplads fra den ældre Stenalder, med omtr. 2000 Oldsager foruden spaltede Dyreben og Affald fra Flinttilhugningen. Fundforholdene viste, at der her siden Stenalderen har foregaaet en Landsænkning paa 4 F. — Et andet stort Fund, bestaaende af mange hele og overhuggede Sølvsmykker og Sølvbarrer samt henved 350 vesteurop. og orientalske Mønter, er ligeledes gjort ved Vaalse (1835); alt laa i et Broncekar, tæt under Jordens Overflade, og er sikkert nedlagt i 10. Aarh. e. Chr. (se Ann. f. n. Oldk. 1842—43 S. 22 flg.). — I Vaalse Vesterskov findes to fredlyste Stendysser, Store og Lille Bondekirke.

**Kippinge Sogn** omgives af Annekset Brarup, N.-Kirkeby, N.-Vedby og Vaalse Sogne samt Guldborg Sund. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^1/_4$ Mil V. N. V. for Stubbekjøbing og omtr. ligesaa langt N. N. V. for Nykjøbing. De for det meste jævne Jorder ere lerede og sandblandede. Den sydl. Del af den inddæmmede Vaalse Vig (Kippinge Nor) hører til Sognet. Gennem det gaar Landevejen fra Guldborg Færge til Nykjøbing Landevej.

Fladeindholdet 1896: 1931 Td. Ld., hvoraf 1003 besaaede (deraf med Hvede 173, Rug 79, Byg 257, Havre 149, Bælgsæd 69, Blands. til Modenh. 128, Grøntf. 67, Kartofler 10, Sukkerroer 2, andre Rodfr. 67), Afgræsn. 148, Høslæt, Brak, Eng m. m. 654, Have 34, Moser 17, Kær 3, Hegn 7, Byggegr. og Veje 61, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 197 Heste, 653 Stkr. Hornkv. (deraf 415 Køer), 348 Faar, 289 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 228 Td.; 53 Selvejergaarde med 213, 72 Huse med 14 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 641 (1801: 355, 1840: 492, 1860: 571, 1880: 637), boede i 128 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomh., 419 af Jordbrug, 108 af Industri, 30 af Handel, 28 af forsk. Daglejervirks., 26 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet *Kippinge Kirke*, enligt beliggende, og Byerne: *Vester-Kippinge* med Præstegd., Skole, Lægebolig og Mølle; *Øster-Kippinge*, ved Landevejen, med Pogeskole, Andelsmejeri (Fremtidshaab) og Mølle. — *Grøftstykker*, Huse. *Klintemølle.*

Kippinge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Falsters Vestre Herreds Jurisdiktion (Nykjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landtingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr. 191. Lægd. Kirken tilhører (fra 1868) en Del af Sognets Beboere.

*Kirken* bestaar af Skib, tresidet Kor, senere tilføjet Taarn mod V. med et til dettes Vestmur stødende Kapel af Munkesten med Skifter af Kridtsten og smuk Gavl, samt Tilbygning (Vaabenhus) mod S. Den er opført af røde Munkesten i Spidsbuestil og er i sit Ydre usædvanlig malerisk, med stejlt Tag belagt med gamle Hulsten, og med højt Spir (Taarnet forhøjedes og Spiret opsattes 1701—3). Skibet har Tøndehvælving af Træ, der indtil 1858 var dækket af Malerier, fremstillende Lidelseshistorien (nu overmalede); ligeledes har der paa Væggene været Kalkmalerier. Det lave Kor er overhvælvet. Altertavle fra 1633 og 1636 med (den udvalgte) Chr. V's Navnetræk. Prægtigt Korgitter i Barokstil fra 1680 med Chr. V's Navnetræk og udskaarne Figurer; over Døren i Midten et Maleri med Christi Gravlæggelse. Pragtfuld Døbefont af Træ i Renæssancestil med tilhørende Himmel. Udskaaren Prædikestol fra 1664. To maadeligt udførte Krucifikser fra Middelalderen. Gamle Alterstager og Lysekroner (i Nationalmus. en smuk Alterkalk fra Kirken; paa Kalken et kronet O, Kong Oluf?). Den mindre Klokke, uden Indskrift, er fra Middelalderen.

Kirken er en af Danmarks berømteste Valfartskirker, idet den i den katolske

Tid udmærkede sig ved „det hellige Sakrament", nemlig nogle flydende Draaber af Christi Blod, ligesom Wilsnach og Sternberg i Brandenburg og senere Helligtrekongers Kapel i Roskilde. Stedet besøgtes overordentlig meget ikke alene af de indfødte, men ogsaa af fremmede, om hvilket man har et Vidnesbyrd i de mange udenlandske Mønter, som flere skænkede til Kirken og den dermed i nøje Forening staaende hellige Kilde. Særlig i Tiden hen imod Reformationen indkom der rige Gaver i Kirkeblokken og paa Alteret, og Skatten blev ofte angreben af Kongerne under Form af Laan. Aar 1516 underrettede Chr. II Lensmanden paa Nykjøbing Slot om, at en Guldsmed, der havde forfærdiget en Monstrans til St. Andreæ Kapel paa Vordingborg Slot, skulde betales af Kippinge Kirkes Midler, mod at denne beholdt

Kippinge Kirke.

Monstransen i Pant, indtil den kunde blive indløst; 1518 udstedte han en Tilstaaelse for, at han til eget og Rigets Behov havde modtaget de Penge (i dansk Mønt omtr. 1500 Mark), „som det hellige Sakrament i Kippinge tilhørendes ere", med Løfte om at tilbagebetale dem, og s. Aar udstedte Kongens Sekretær, Hans Wenck, fra Engelborg en Tilstaaelse om paa Kongens Vegne at have modtaget en ny Sum; 1523 gjorde Kongen atter et betydeligt „Laan". Ogsaa andre brugte Kippinge som Laanekasse; saaledes fik 1530 Fru Barbara Eriksdatter (Blaa) til Berridsgaard 200 Mark, med Forpligtelse til aarl. at afbetale 20 Mark. Troen paa Helligdommen holdt sig en rum Tid efter Reformationen, ihvorvel Peder Palladius 1554 siger, at „Afgudsdyrkelsen i Kippinge nu var afskaffet". Og da denne Tro tabte sig, blev en gammel Altertavle med Marias Kroning Genstand for de valfartendes Opmærksomhed, indtil Pilgrims-

farterne helt koncentrerede sig om den lige V. for Kirken beliggende Kilde, der blev en af de mest besøgte hellige Kilder i Danmark. Endog fornemme Folk gjorde Kilderejsen hertil, hvorved Kirken og de fattige bleve rigelig betænkte. Aar 1629 besøgtes saaledes Kirken af Kirstine Munk, og Chr. IV beskyldte hende for, at hun der var faldet paa sine Knæ og havde gjort Reverens for Alteret, lagt nogle Stykker Guld i Alterbogen og i Blokken osv., for at Gud skulde opfylde hendes Bøn om, at Kongen snart maatte dø (Chr. IV's Breve, udg. af Bricka og Fridericia II S. 312); $^{21}/_{7}$ 1692 besøgtes Kirken af Chr. V med Dronningen, Kronprinsen og Følge. Arent Berntsen omtaler den 1656 („Danmarckis oc Norgis fructbar Herlighed" S. 112) og fortæller, at den besøgtes meget af Kræblinge, som henlagde deres Krykker i Vaabenhuset, efter at de vare blevne helbredte. Kildens Ry holdt sig langt op i 18. Aarh.; 1743 angives der at indkomme omtr. 500 Rd. aarl. i Kirken; if. et kgl. Reskr. af $^{29}/_{7}$ 1768 ses endnu Besøget at have været ret betydeligt; men efter den Tid tog det, og dermed Indtægterne, mere og mere af, og Kildens stadige Vedligeholdelse er vistnok ophørt før 1790; 1822 indberetter Provst O. Grundtvig i Torkildstrup, at Kilden det Aar er bleven oprenset, efter at den havde ligget øde i den sidste Snes Aar. Da Chr. VIII besøgte Kirken 1842, lovede han, at Kilden skulde blive istandsat, men det skete ikke. Bag ved Alteret har man vist et Hul, hvor Kilden skulde have været, men i Virkeligheden er den som nævnt V. for Kirken (**Litt.:** *Mogens Knudsen Hosum*, De Templi Kippingensis in Falstria origine osv., Hafnia 1707. — *H. F. Rørdam*, Valfarterne til K., i Kirkeh. Saml. 4. R. III Bd. S. 433 fl.).

Jens Bjørn i Kippinge pantsatte 1401 sin halve Hovedgaard til Jens Trugilsen.

**Brarup Sogn**, Anneks til Kippinge, omgives af dette, N.-Kirkeby, Eskildstrup, Ønslev og Stadager Sogne samt Guldborg Sund. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 2 Mil V. for Stubbekjøbing og $1^{3}/_{4}$ Mil N. N. V. for Nykjøbing. De noget højtliggende og bølgeformede, mod Stranden affaldende Jorder ere overvejende lerede, mod Stranden noget grusede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Guldborg Færge til Nykjøbing Landevej.

Fladeindholdet 1896: 2582 Td. Ld., hvoraf 1470 besaaede (deraf med Hvede 289, Rug 88, Byg 385, Havre 238, Bælgsæd 83, Blandsæd til Modenhed 116, Grøntf. 78, Kartofler 9, Sukkerroer 121, andre Rodfrugter 62), Afgræsn. 268, Høslæt, Brak, Eng m. m. 664, Have 31, Skov 40, Moser 11, Hegn 10, Byggegr. og Veje 79, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 262 Heste, 896 Stkr. Hornkv. (deraf 618 Køer), 335 Faar, 705 Svin og 27 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 335 Td.; 57 Selvejergaarde med 313, 102 Huse med 20 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 939 (1801: 511, 1840: 644, 1860: 768, 1880: 866), boede i 173 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomhed, 518 af Jordbrug, 39 af Fiskeri, 195 af Industri, 28 af Handel, 16 af Skibsfart, 91 af forsk. Daglejervirks., 18 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Brarup* (i Vald. Jordb. Brothærthorp) med Kirke; *Lundby* med Skole og Mølle; *Alstrup* (i Vald. Jrdb. Aflangsthorp) med Skole og Mølle. *Stubbehuse*. *Guldborg Færgegaard* (under Stamhuset Vennerslund, se S. 279), Færgested med Overfart til Guldborg Huse paa Laaland (se S. 245), Bro med Anløbssted for Dampskibe (ved Bolværket 12 F. Vand), Lods, Kro og Kornmagasiner. — Større Gaarde: *Vilhelmsdal*, $16^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 143 Td. Ld., hvoraf 7 Eng, 3 Skov, Resten Ager; 3 Huse. *Lundbygaard*, omtr. 20 Td. Hrtk., 149 Td. Ld. *Lundby Møllegaard*, $12^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 9 Eng, Resten Ager; 1 Hus. *Steffensminde*, $12^{3}/_{4}$ Td. Hrtk., 111 Td. Ld. (i Brarup, Stadager og Vaalse S.), hvoraf 17 Eng, $1^{1}/_{2}$ Skov, Resten Ager; til Gaarden hører et Fællesmejeri.

Brarup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 2. Udskrivningskr.' 192. Lægd. Kirken tilhører (fra 1868) største Delen af Sognets Beboere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med stor Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Langhuset er bygget i Overgangsstil, vistnok i 2. Halvdel af 13. Aarh., af røde Munkesten. De oprindelige Vinduer ere spidse. Der er bevaret to Portaler paa Skibets Langsider. Skibet har fladt Bjælkeloft, Koret er overhvælvet. Altertavlen bestaar af et Alterskab, med udskaarne Figurer (Korsfæstelsen), fra den senere Middelalder. Prædikestol fra Chr. IV's Tid; Stolestader fra 1634; Døbefont af gotlandsk Kalksten. Ligsten fra 1673 over velfornemme Mand Christen Nielsen, fordum Færgemand i Guldborg, † 1666, og Hustru, med deres Brystbilleder. Den store Klokke er støbt 1554 af Niels Madtzen, „kgl. Majest. Bøssestøber". — Paa Kirkegaarden er 1898 opført et Kapel.

Brarup har omtr. indtil Midten af 16. Aarh. været et eget Pastorat.

**Stadager Sogn**, der adskilles fra Annekset Nørre-Kirkeby ved Brarup Sogn, omgives af dette, og Ønslev Sogn samt Guldborg Sund. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger 2 Mil V. S. V. for Stubbekjøbing og $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Nykjøbing. De lavtliggende og jævne Jorder ere lerede. En Del Skov (Nørre- og Søndersk. Egesk., Dronninghave).

Fladeindholdet 1896: 1984 Td. Ld., hvoraf 865 besaaede (deraf med Hvede 167, Rug 50, Byg 210, Havre 186, Bælgsæd 31, Blandsæd til Modenh. 50, til Grøntf. 28, Sukkerroer 110, andre Rodfr. 28), Afgræsn. 162, Høslæt, Brak, m. m. 582, Have 46, Skov 276, Hegn 5, Byggegr. og Veje 45, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 131 Heste, 560 Stkr. Hornkv. (deraf 398 Køer), 138 Faar, 211 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 211 Td.; 20 Selvejergaarde med 188, 50 Huse med 19 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 472 (1801: 247, 1840: 298, 1860: 400, 1880: 525), boede i 83 Gaarde og Huse; Erhverv: 41 levede af immat. Virksomh., 331 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 9 af Fiskeri, 37 af Industri, 9 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirksomh., 16 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet den enligt beliggende *Stadager Kirke* (i Vald. Jrdb. Stathagræ) og Byen *Sundby* med Præstegd., Skole og det Grandjeanske Legathus (opr. ved Testam. af $^{19}/_5$ 1840 af Justitsr. C. V. Grandjean til Vennerslund, med Fribolig for 8 gamle fattige, 4 af hvert Køn); — Hovedgaarden *Vennerslund*, under *Stamhuset Vennerslund*, har $98^1/_2$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $14^3/_8$ Td. Skovsk., omtr. 1000 Td. Ld. Ager og Eng og 650 Td. Ld. Skov*). *Sundvedgaard* har $21^1/_2$ Td. Hrtk., 170 Td. Ld. (30 i Brarup S.), alt Ager; til Gaarden høre en Mølle og 4 Huse. Skovridergaarden *Rudegaard*.

Stadager S., een Sognekommune med Annekset, hører under Falsters Vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistrikt., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 193. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Vennerslund.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Altervæg, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Langhuset er opført i Rundbuestil af røde Munkesten med en smuk Sokkel. Senere er indbygget Hvælvinger i Spidsbuestil. Altertavlen er en Kopi efter Rubens (Nedtagelsen af Korset); Prædikestolen er et Snitværk i Barokstil; Granitdøbefont; Døbefad, skænket af Præsten Jørgen Lavridsen, † 1679. Ligsten over denne og Præsten Jørgen Jørgensen, † 1681. I Vaabenhusets Mur en Ligsten med legemsstor Figur over Jørgen Venstermand til Stadager, † 1551, og Hustru. Lidt S. for Kirken er 1866 opf. et Ligkapel for Familien Grandjean.

*Stadager* tilhørte 1351 Hr. Folmer Folmersen (Lunge?), 1415—18 Hr. Jep Lunge, 1480—97 Morten Venstermand, Landsdommer i Falster; efter ham tilfaldt S. Sønnen

*) Til *Stamhuset Vennerslund* høre $183^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags og $14^3/_8$ Td. Skovsk., hvoraf fri Jord $105^1/_4$, indtaget til Skov 29, Bøndergods $5^1/_4$, matrik. Tiendehrtk. 59 Td., i Bankaktier 7800, i Fideikommiskapitaler 891,000, Apanagefond 77,000 Kr. Stamhuset, til hvilket høre Hovedgaarden Vennerslund og Guldborg Færgegaard, har et Jordtilliggende af omtr. 1000 Td. Ld. foruden 650 Td. Ld. Skov. Godset ligger i Stadager, Brarup og Ønslev Sogne.

Jørgen V., † 1551; hans Søn Lage V. mageskiftede S. til Fr. II, der kaldte den „Sophienholm“ efter Dronningen, men 1585 befalede, at den igen skulde kaldes ved sit gamle Navn. Da S. blev inddraget i Rytterdistriktet, blev deraf oprettet 6 Bøndergaarde. Ved Domænesalget i 1766 blev Hovedgaardstaksten til det Gods, der fik Navnet *Vennerslund*, udlagt i Klodskov By, Ønslev Sogn, men Kancellir. H. Tersling († 1785) og P. Thestrup, der købte Godset (Hovedgaardstakst $51^1/_2$, Skov $16^1/_2$, Guldborg Færgegd. 6, Bøndergods 671 og Skov 16, Konge- og Kirketiende hver $11^5/_8$ Td. Hrtk.) for 50,724 Rd., fik allerede 1767 Bevilling paa at flytte Hartkornet til Stadager By, hvorefter S. fik Navnet Vennerslund. Ved Skøde af $^2/_1$ 1789 blev Terslings Enke, Kirstine f. Hofgaard, Eeneejer af Vennerslund, af hvilket en Del kaldtes Kirstinebjærg; hun ægtede Konferensr. J. E. Colbjørnsen, med hvem hun $^2/_1$ 1790 oprettede en Ægtepagt, hvorved hun forbeholdt sig at fastsætte, for hvilken Sum den ene af hendes Gaarde skulde overdrages hendes Søn af første Ægteskab, Jørgen Tersling, og ved Disposition af $^{28}/_9$ 1805 bestemte hun, at han skulde have Vennerslund, hvorimod Kirstinebjærg blev i Colbjørnsens Familie (se Side 283). Aar 1809 solgtes Gaarden af Lieutn. Hans Tersling for 300,000 Rd. til Proprietær, senere Justitsr. C. V. Grandjean († 1844), som if. Testam. af $^{19}/_5$ 1840 oprettede Stamhuset Vennerslund (Erektionen er af $^{10}/_3$ 1847) for sin Brodersøn, cand. jur. L. G. († 1861), fra hvem det gik over til Sønnen, Kmjkr. C. J. V. G. († 1882), hvis Søn, cand. jur. J. L. G., er den nuv. Besidder (i Erektionsbrevet bestemmes, at der af Stamhusets Revenuer skal funderes et alm. Syge- og Plejehus for Falsters og Laalands trængende, naar alle Linier af Familien ere uddøde). — Hovedbygningen, i to Stokv. med Kælder, er opf. omtr. 1845, de øvrige Bygninger i Tidsrummet 1766—1885.

**Nørre-Kirkeby Sogn**, Anneks til Stadager, hvorfra det adskilles ved Brarup S., omgives af dette, Kippinge, N.-Vedby, N.-Alslev, Gundslev, Torkildstrup og Eskildstrup Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil V. S. V. for Stubbekjøbing og $1^3/_4$ Mil N. for Nykjøbing. De lavtliggende og for det meste jævne Jorder ere lerede, enkelte Steder sandede. En Del Skov (Nordsk.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gaabense og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1600 Td. Ld., hvoraf 812 besaaede (deraf med Hvede 142, Rug 80, Byg 190, Havre 119, Bælgsæd 40, Blandsæd til Modenh. 104, til Grøntf. 47, Sukkerroer 37, andre Rodfr. 51), Afgræsn. 178, Høslæt, Brak, Eng m. m. 359, Have 19, Skov 160, Moser 6, Hegn 3, Byggegr. og Veje 54, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 153 Heste, 531 Stkr. Hornkv. (deraf 368 Køer), 260 Faar, 386 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk.1895: 205 Td.; 39 Selvejergaarde med 191, 42 Huse med 13 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 389 (1801: 286, 1840: 363, 1860: 424, 1880: 414), boede i 84 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomh., 305 af Jordbrug, 36 af Industri, 4 af Handel, 7 af forsk. Daglejervirksomh., 18 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Kirkeby* (i Vald. Jrdb. Kyrkeby nørræ), ved Landevejen, med Kirke og Skole; *Ravnstrup*, ved Jærnbanen; *Bannerup* (i Vald. Jrdb. Barnethorp); *Lommelev*. — *Nebøllegaard* (gml. Form Nybøle) har $19^1/_4$ Td. Hrtk., 200 Td. Ld. (12 Td. i Gundslev S.), hvoraf 75 Skov, Resten Ager.

Nørre-Kirkeby S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt 2. Udskrivningskr.' 194. Lægd. Kirken tilhører (fra 1868) Sognet.

*Kirken*, en af de ældste paa Falster, bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutn. og nyt Vaabenhus mod S. Langhuset er opført af Kridtsten og Mursten. Skibet har fladt Loft, Koret Hvælving; Restauration 1868. Altertavlen er et nyt Maleri (Christus i Getsemane), Prædikestolen fra Chr. IV's Tid; Døbefont af gotlandsk Sandsten, prydet med Spidsbuer. I Korbuen er indmuret Ligsten fra 1631 over Herredsfoged Peder Frandsen, † 1627.

Sognet var et eget Pastorat omtr. til Midten af 16. Aarh.

**Ønslev Sogn** omgives af Stadager og Brarup Sogne, Annekset Eskildstrup, Tingsted Sogn og Sønder Hrd. (Nykj. Landdistr.) samt Guldborg Sund. Kirken, mod N. i Sognet, ligger $1^3/_4$ Mil S. V. for Stubbekjøbing og $1^1/_4$ Mil N. for Nykjøbing. De lavtliggende og jævne Jorder ere delvis lettere og mere sandede end almindeligt paa Falster. En Del Skov (Bodehave, ved denne Falsters Rettersted, Storsk., Hestehave, Oredrevsk. m. m.). Paa Nordgrænsen løber *Sørup Aa.* Gennem Sognets nordøstl. Del gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gaabense og den Falsterske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 3931 Td. Ld., hvoraf 2012 besaaede (deraf med Hvede 252, Rug 225, Byg 535, Havre 341, Bælgsæd 21, Blandsæd til Modenh. 138, Grøntf. 80, Kartofler 5, Sukkerroer 346, andre Rodfrugter 69), Afgræsn. 318, Høslæt, Brak, Eng m. m. 975, Have 53, Skov 441, Kær og Fælleder 25, Hegn 8, Byggegr. og Veje 93, Vandareal 6 Td. Kreaturhold 1893: 326 Heste, 1373 Stkr. Hornkv. (deraf 897 Køer), 303 Faar, 811 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 402 Td.; 56 Selvejergaarde med 334, 5 Fæstegd. med 15, 111 Huse med 32 Td. Hrtk. og 29 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1106 (1801: 451, 1840: 645, 1860: 877, 1880: 1095), boede i 214 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 693 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 12 af Fiskeri, 155 af Industri, 28 af Handel, 140 af forsk. Daglejervirksomh., 28 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet den ved Landevejen enligt beliggende *Kirke* og Byerne: *Ønslev* (i Vald. Jrdb. Øthænslef og Ønislef) med Præstegd., Skole, Husflidsskole, Kro med Mølle („Højmølle") og Teglværk; *Byskov*; *Klodskov* (1664: Klougschouff) med Skole, Husflidsskole og Teglværk. *Strandhuse*, *Froens Huse*, og en mindre Del af *Torebro Huse* (Resten i Eskildstrup S.). *Fælleshaab*, Andelsmejeri. — Hovedgaarden *Ny-Kirstinebjærg* har $71^7/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og 22 Td. Skovsk., 876 Td. Ld. (50 i Nykj. Landdistr.), hvoraf 287 Skov, 1 Eng, Resten Ager; 9 Lejehuse. Andre større Gaarde: *Boderup* (gml. Form Bodethorp) $35^5/_8$ Td. Hrtk., 296 Td. Ld., hvoraf $28^1/_2$ Skov, Resten Ager; 6 Huse med omtr. 11 Td. Ld. *Pandebjærggd.*: $27^7/_8$ Td. Hrtk. 296 Td. Ld., alt Ager; 4 Tjenestehuse. *Klodskovgd.*: omtr. 18 Td. Hrtk., 176 Td. Ld., alt Ager; 2 Huse.

Ønslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Falsters vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 196. Lægd. Kirken tilhører Tiendeyderne.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med flad Altervæg, i hvilken en Gruppe af tre smalle, spidsbuede Vinduer, samt et Taarn mod V. Langhuset er opført i Slutn. af 13. Aarh. af røde Munkesten; Taarnet er yngre. Skibet har fladt Bræddeloft, Koret er overhvælvet. Altertavlen er et moderne Maleri (Christus), indfattet i en ældre Ramme i Renæssancestil. Antemensale med en Indskrift, der melder, at et „Laquearium" er anbragt 1603 til Minde om Præsten Laur. Jørgensens 2. Hustru Regitze. Udskaaren Prædikestol; Døbefont af Kalksten; Skaalen er prydet med trebladede Spidsbuer. Ligsten over Præsten Laur. Jørgensen, † 1609, indmuret i Korvæggen, ligesom en Mindetavle over Præsten P. Dalhoff, † 1827. — Mogens Knudsen Hosum, der var Præst her fra 1710 og senere i Sakskj. († 1745), Forfatter til det Side 278 nævnte Skrift om Kippinge, lod opsætte et Epitafium over sig i Kirken.

*Ny-Kirstinebjærg* blev udskilt 1863 af det saml. Kirstinebjærg Gods (se S. 283) ved Justitsr. Hillerups Død og givet til hans Søn Marinelieutn., senere Jægerm. S. C. Hillerup, den nuv. Ejer. — Hovedbygningen er opført 1876 efter Tegn. af Arkitekt A. H. Klein i gotisk Stil af røde Mursten med høje Gavle.

*Pandebjærggaard* er oprettet 1847 af cand. phil. P. Estrup til Kirstinebjærg af en Del Oredrevsjorder samt en Skovridergaards Jorder og solgtes 1854 fra Kirstinebjærg Gods til H. Wilhjelm. Nuv. Ejer er Hofjægerm. Tesdorpf til Gjedsergaard.

N. V. for Højmølle ligger en fredlyst Stendysse med aabent Gravkammer.

**Eskildstrup Sogn**, Anneks til Ønslev, omgives af dette og Tingsted Sogne, Sønder Hrd. (Falkerslev S.), Torkildstrup, N.-Kirkeby og Brarup Sogne. Kirken, mod N. i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil S. V. for Stubbekjøbing og $1^1/_4$ Mil N. for Nykjøbing. Paa noget af Vestgrænsen løber *Sørup Aa* (Søen, hvorfra den kom, er nu Engareal). De dels høje og bakkede, dels lave Jorder ere lerede, nogle Steder sandede. En Del Skov (Statsskoven Ovstrup Sk.). Gennem den nordvestl. Del af Sognet gaa Landevejen fra Nykj. til Gaabense og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2585 Td. Ld., hvoraf 1279 besaaede (deraf med Hvede 117, Rug 192, Byg 289, Havre 219, Bælgsæd 29, Blandsæd til Modenhed 130, Grøntf. 98, Sukkerroer 146, andre Rodfrugter 54), Afgræsning 224, Høslæt, Brak, Eng m. m. 569, Have 41, Skov 380, Moser 21, Kær 6, Byggegr. og Veje 63. Kreaturhold 1893: 255 Heste, 815 Stkr. Hornkv. (deraf 535 Køer), 405 Faar, 543 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 274 Td.; 48 Selvejergaarde med 211, 178 Huse med 43 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1029 (1801: 415, 1840: 630, 1860: 824, 1880: 1021), boede i 230 Gaarde og Huse; Erhverv: 57 levede af immat. Virksomh., 546 af Jordbrug, 259 af Industri, 42 af Handel, 91 af forsk. Daglejervirksomh., 27 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Eskildstrup* med Kirke, Skole, teknisk Skole (opr. 1885), Forsamlingshus (opf. 1889), Jærnbanestation, Telegraf- og Telefonstation, Fællesmejeri, Kro og Lægebolig; *Stødstrup* med Savskæreri; *Ovstrup* (udt. Ostrup) med Skovfogedhus (Ovstruplund); *Sørup* med Skole og Mølle; *Nyby*. Desuden største Delen af *Torebro Huse* (Resten i Ønslev S.).

Eskildstrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 195. Lægd. Kirken tilhører Tiendeyderne.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med tresidet Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten, Langhuset i romansk Tid. Gavlene, der ere høje og spidse, ere prydede med Tandskifter. De oprindelige, rundbuede Døre ses paa begge Skibets Sider. Af de gamle, rundbuede Vinduer ere flere bevarede paa Sydsiden. Taarn og Vaabenhus ere yngre end Kor og Skib (den oprindelige vestl. Gavl ses endnu i Taarnet). Skibet har fladt Bjælkeloft, Koret en senere indbygget Hvælving. Over Korbuen har der været malet en Frise med Christus og Apostlene. Ogsaa paa Korets nordl. Væg fandtes i 1893 Kalkmalerier, som ere restaur. af Prof. J. Kornerup (Flugten til Ægypten, Fremstillelsen i Templet); paa Apsis' Hvælving fandtes Levninger af et stort Maleri, Marias Kroning (se *M. Petersen*, Kalkmal. S. 71). Altertavlen er udskaaren af Egetræ i Renæssancestil, med en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Christus, Prædikestolen ligeledes; Dobefont, støbt af Beton.

I *Sørup* laa fordum en Hovedgaard, der 1320 kaldes „Siottrup" og da havde tilhørt Drosten Hr. Morten Dues Frue Ingerd, men var bleven solgt af Hr. Morten Due, der for øvrigt ogsaa ejede en Gaard Siørup i Skaane. Siden laa den under Odense Bispestol; den bekendte Bisp Jens Andersen Beldenak opholdt sig ofte her og havde heftige Stridigheder med Lensmanden Hr. Oluf Holgersen Ulfstand paa Bønned (se Fr. Paludan-Müller, Jens Andersen Beldenak, Odense 1837). Efter Reformationen blev Gaarden et Kronelen, som bl. a. Peder Oxe havde i Forlening. Ved 1568 blev Lenet forenet med Nykjøbing.

Eskildstrup Sogn var et eget Pastorat indtil 1694, da det blev Anneks til Ønslev.

**Tingsted Sogn** omgives af Ønslev og Eskildstrup Sogne samt Sønder Hrd. (Falkerslev, N.-Ørslev og Systofte S. samt Nykj. Købstads Landdistr.). Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil S. V. for Stubbekjøbing og $^3/_4$ Mil N. Ø. for Nykjøbing. De mod N. høje og bakkede, mod S. lave og jævne Jorder ere ler- og sandblandede. Henved $^1/_6$ af Arealet er dækket af Skov (Statsskoven Hannenov, Bruntofte Sk., Øverup Kalvevænge, Flattehave, Græskobbel m. m.). *Tingsted Aa* løber igennem Sognet mod S. (Borre-

mose) og danner en Del af Sydøstgrænsen. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gaabense og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 4451 Td. Ld., hvoraf 2013 besaaede (deraf med Hvede 250, Rug 258, Byg 503, Havre 447, Bælgsæd 19, Blands. til Modenh. 169, til Grøntf. 47, Kartofler 5, Sukkerroer 206, andre Rodfr. 106), Afgræsn. 367, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1137, Have 78, Skov 712, Moser 2, Stenmarker 3, Byggegr. og Veje 135, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 361 Heste, 1221 Stkr. Hornkv. (deraf 795 Køer), 459 Faar, 871 Svin og 24 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895; 457 Td.; 69 Selvejergaarde med 372, 3 Fæstegd. med 20, 254 Huse med 36 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1573 (1801: 850, 1840: 1052, 1860: 1292, 1880: 1513), boede i 324 Gaarde og Huse; Erhv.: 88 levede af immat. Virksomh., 722 af Jordbr, 9 af Gartneri, 430 af Industri, 45 af Handel, 5 af Skibsfart, 186 af forsk. Daglejervirks., 61 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tingsted* (i Vald. Jrdb. Thingstathæ) med Kirke, Forsamlingshus (opf. 1885), Jærnbanestation, Telegrafstation og Andelsmejeri; *Taaderup* (gml. Form Todethorp) med Præstegd. og to Teglværker; *Øverup* med Skole og Mølle; *Kraghave*, ved Landevejen, med Skole, Asyl (opr. 1891 med en af Vikt. Hillerup til Gml. Kirstinebjærg skænket Grund; Pl. for omtr. 50 Børn) og Mølle; *Stubberup*; *Bruntofte*. Saml. af Gaarde og Huse: *Gavlhuse*, *Kjeldskovhuse*, *Teglværkhuse*, *Skoven*. Skovridergaard. — Hovedgaarden *Gammel Kirstineberg* har $56^1/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^3/_8$ Td. Skovsk., omtr. 400 Td. Ld. Ager, 12 Td. Ld. Have og Gaardsplads og 166 Td. Ld. Skov; desuden høre til Gaarden $23^1/_4$ Td. Hrtk. Bøndergods og Lejehuse.

Tingsted S. en egen Sognekommune, hører under Falsters vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 197. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning samt Taarn med pyramideformet Tag mod V. og Vaabenhus mod S., begge tilføjede senere. Langhuset er opført i den tidligere Middelalder i Rundbuestil af Kamp og Munkesten; Skib og Kor have senere indbyggede Hvælvinger. Altertavlen, med Dronn. Sophies Navnetræk og Aarst. 1616, har et Maleri (Nadveren) fra 1833 af J. C. Broge; Prædikestol fra Chr. V's Tid: Granitdøbefont paa Cementfod. I Skibets og Korets Hvælvinger er der interessante Kalkmalerier fra Slutn. af 15. Aarh., med Fremstillinger af den hellige Historie, restaurerede 1889 af Prof. Magn. Petersen (Marias Bebudelse, Omskærelsen, Hyrdernes Tilbedelse, de hellige tre Konger, Barnemordet, Flugten til Ægypten, den rige og fattige) samt en ejendommelig Fremstilling af Lykkehjulet (se *M. Petersen*, Kalkmal. S. 76). I Muren Mindesten over Præsten Laur. Pedersen Werløs, † 1705, og Hustru.

*Kirstinebjærg* Gods havde fælles Ejer med Vennerslund (se S. 280) indtil 1806, da det ved Arv tilfaldt Hofjægerm. H. Chr. Colbjørnsen, som 1845 solgte det til cand. phil. P. Estrup, efter hvis Død 1848 det tilfaldt Broderen, J. B. S. Estrup til Kongsdal og Skafføgaard, den senere Conseilpræsident. Han solgte det 1851 til Justitsr. Hillerup, ved hvis Død 1863 det deltes (se S. 281), og Gml. Kirstinebjærg arvedes af Sønnen cand. phil. Vikt. H. († 1894), hvis Enke nu ejer den. — Hovedbygningen, i eet Stokv. med Kælder og Kvist, skal være opført i 2. Halvdel af 18. Aarh. af Mursten fra Nykjøbing Slot.

Tingsted var i Middelalderen, hvad ogsaa Navnet antyder, et anseligt Sted, hvor Kongerne undertiden have opholdt sig. Saaledes sluttede Chrf. II og hans Søn Erik her et Forlig $^{26}/_8$ 1325 med Marsken Ludv. Albertsen Eberstein, efter at han havde maattet overgive sig paa Hammershus, og 1329 sluttedes her Fred mellem Chrf. II og Grev Johan.

Velbaarne Laurids Hansen i Øverup i Tingsted Sogn nævnes 1516.

I Tingsted var den som Orientalist og Numismatiker bekendte J. Chr. Lindberg Præst 1844—57; han har bygget Præstegaarden.

# Falsters Sønder Herred.

**Sogne:**

*(Nykjøbing Købstads Landdistr.). — Systofte, S. 285. — Idestrup, S. 286. — Veggerløse, S. 288. — Skjelby, S 290. — Gjedesby, S. 291. — Sønder-Kirkeby, S. 293. — Sønder-Alslev, S. 294. — Karleby, S. 296 — Horreby, S. 297. — Nørre-Ørslev, S. 298. — Horbelev, S. 298. — Falkerslev, S. 300. — Aastrup, S. 301.*

---

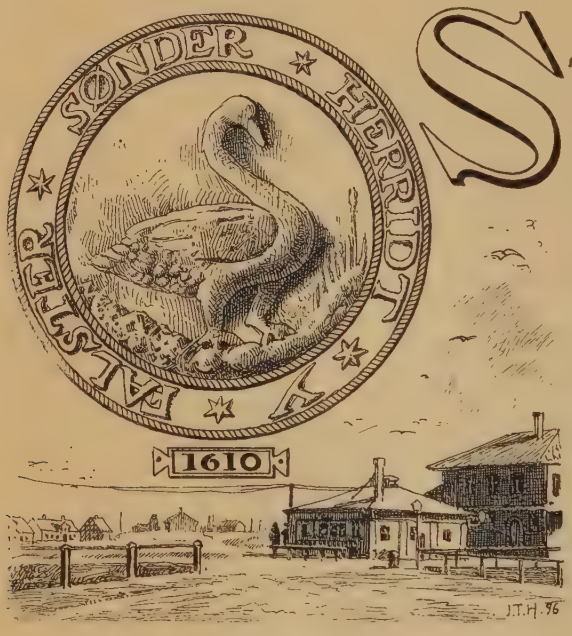


Sønder Herred, der udgør den sydøstl. Del af Falster og er det tredjestørste i Amtet, grænser mod N. V. til Nørre Herred og er i øvrigt omgivet af Grønsund, Østersøen og Guldborg Sund. Fra N. til S. er den største Udstrækning henved 5 Mil, i den nordl. Del er den største Bredde henved 2 Mil. Til Herredet høre de smaa Øer *Kalvø*, *Flatø* og *Barholme* i Guldborg Sund. De for en stor Del lerede, nogle Steder sandede Jorder ere i den nordl. Del noget bakkede, mod S. helt lavtliggende og jævne; det højeste Punkt, ved Halskov Strand, er 118 F., 33 M.,; se i øvrigt om Overfladeforholdene S. 105. Herredet har en Del Skov (4898 Td. Ld.) Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedste Herreder, idet der efter Matr. i Gennemsn. gik omtr. $8^1/_2$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Herredets Fladeindhold blev 1896 ansat til 49,745 Td. Ld. ($4,_{98}$ □ Mil, $274,_2$ □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $4857,_5$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 12,736 (1801: 6850, 1840: 9316, 1860: 10,595, 1880: 11,875). I Herredet ligger Købstaden Nykjøbing. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Nørre Herred; i verdslig Henseende hører det under Falsters vestre Herreds, Stubbekjøbing Herreds og Nykjøbing Herreds Jurisdiktioner

samt under 7. (Horbelev, Falkerslev og Aastrup Sogne) og 8. Forligskreds (de øvrige Sogne).

Sønder Herred, i Vald. II's Jordeb. kalde *Syndrœhæreth*, hørte fra 1660 til Nykjøbing Amt (se i øvrigt S. 110).

Der er i Herredet talt henved 350 Oldtidsmonumenter (deraf omtr. 13 Jættestuer, 18 Langdysser, 16 Dyssekamre og 290 Gravhøje); mindst Halvdelen er dog nu forsvunden. Største Parten af de bevarede findes i Skovene i Aastrup og Horbelev Sogne, hvorfra i det hele de fleste Monumenter kendes (resp. 125 og 80); i Systofte Sogn er der talt omtr. 50, i Idestrup Sogn 22; 124 Monumenter ere fredlyste.

**Litt.**: Indberetning til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i Sønder Hrd., af *S. Müller* og *E. Schiødte*, 1880.

---

**Nykjøbing Købstads Landdistr.**, se S. 149, 155 og 157.

**Systofte Sogn**, Anneks til Nykjøbing Købstad, omgives af Nykj. Købstads Landdistr., Idestrup, Sønder-Kirkeby og N.-Ørslev Sogne samt Nørre Hrd. (Tingsted S.), hvorfra det for en Del adskilles ved Tingsted Aa. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil N. Ø. for Nykjøbing. De overvejende lerede Jorder ere mod Ø. bakkede, men lave og jævne mod V. En Del Skov (Systofte Sk., Ravnstrup Sk., Bjøruphave, Tokkekrog). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Stubbekjøbing; en Del af Vestgrænsen berøres af den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2411 Td. Ld., hvoraf 1144 besaaede (deraf med Hvede 252, Rug 100, Byg 298, Havre 223, Bælgsæd 19, Blandsæd til Modenh. 71, til Grøntf. 54, Kartofler 9, Sukkerroer 70, andre Rodfr. 47), Afgræsn. 162, Høslæt, Brak, Eng m. m. 629, Have 28, Skov 375, Moser 7, Byggegr. og Veje 64, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 188 Heste, 582 Stkr. Hornkv. (deraf 392 Køer), 333 Faar, 254 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 259 Td.; 34 Selvejergaarde med 221, 1 Fæstegd. med 5, 74 Huse med 16 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 570 (1801: 360, 1840: 419, 1860: 457, 1880: 535), boede i 112 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 400 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 96 af Industri, 12 af forsk. Daglejervirksomh., 24 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Systofte* (gml. Form Sygarstorp, Sestopht), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Fattiggaard (opr. 1877, Pl. for 16 Lemmer), Mølle og Andelsmejeri; *Hullebæk* (gml. Form Holæbek); *Bjørup* (i Vald. Jrdb. Biørnæthorp). Skovridergaard. — Gaarden *Christiansminde* har $20^3/_4$ Td. Hrtk., 156 Td. Ld., hvoraf 7 Eng, Resten Ager; 1 Hus; paa Gaardens Jorder ligger Nykjøbing Kommunes Vandværk.

Systofte S., en egen Sognekommune, hører under Falsters vestre Herreds Jurisdiktion (Nykjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr..' 198. Lægd.. Kirken tilhører Ejeren af Ourupgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus ved Taarnet. Skib og Kor ere nyopførte i 1870—77, efter Tegn. af Prof. Hans J. Holm; Loftet dannes af Tagkonstruktionen, baaren af Træbuer. Det meget svære Taarn, af røde Munkesten, er fra gotisk Tid og har Indgang i Vestmuren. Spiret er nyt. Altertavlen er et rigt og godt Billedskærerarbejde i sen Renæssancestil med Chr. V's Navnetræk, med Kopier af C. Blochs Malerier: Nedtagelsen af Korset og Opstandelsen. Den gamle Granit-

døbefont skal findes i Ourupgaards Have. Prædikestolen er ny. I Skibet et middelmaadigt Portræt af Præsten Fr. Brandt († 1691), malet 1680. Den store Klokke er støbt 1554 af „kgl. Maj. Bøssestøber" Laur. Madtzen. I Taarnets Gulv Ligsten med vel udførte Portrætter i halv Figur over Sognefoged Hans Olsen, † 1646, og Hustru. I Vaabenhuset ligger begravet J. C. Westen til Vestensborg.

I Systofte gjordes 1871 det største hidtil kendte Møntfund (liggende 26 Tommer under Jorden), bestaaende af 30,258 danske Kobbermønter fra 1. Halvdel af 14. Aarh. (de saakaldte „Borgerkrigsmønter"); tillige fandtes der to Jærnbidsler og nogle Glasperler. Mønterne synes at være blevne nedlagte i to Lærredsposer (se Aarb. f. n. Oldk., 1884 S. 285).

I Skoven Tokkekrog ved Christiansminde er der fredlyst to Gravhøje, ved Systofte een.

**Idestrup Sogn** omgives af Nykjøbing Købstads Jorder og Landdistr., Systofte, Sønder-Kirkeby og Sønder-Alslev Sogne, Østersøen og Veggerløse Sogn. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil S. Ø. for Nykjøbing. De bakkede, mod Stranden stærkt affaldende Jorder (ved Sydgrænsen Pregehøj med trigonom. Station, 81 F., 25,5 M.) ere lerede, kalk- og sandblandede. En Del Skov (Lindesk., Vestersk., Østersk., Idestrup Skov, Hallerup Sk. med Indelukket, Folehave, Oversk.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nykjøbing til Gjedser og Karleby samt, i det vestl. Hjørne, den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 7031 Td. Ld. hvoraf 3593 besaaede (deraf med Hvede 529, Rug 210, Byg 796, Havre 835, Bælgsæd 109, Blandsæd til Modenh. 415, Grøntf. 144, Kartofler 11, Sukkerroer 375, andre Rodfr. 167), Afgræsn. 708, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1846, Have 128, Skov 559, Moser og Kær 11, Hegn 20, Byggegr. og Veje 158, Vandareal 8. Kreaturhold 1893: 735 Heste, 2404 Stkr. Hornkv. (deraf 1529 Køer), 924 Faar, 1471 Svin og 39 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 749 Td.; 107 Selvejergaarde med 681, 3 Fæstegd. med 21, 227 Huse med 40 Td. Hrtk. og 31 jordløse Huse ($^1/_5$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1828 (1801: 1042, 1840: 1400, 1860: 1707, 1880: 1810), boede i 336 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomh., 1359 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 275 af Industri, 22 af Handel, 26 af forsk. Daglejervirksomh., 72 af deres Midler, og 31 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Idestrup* (gml. Form Idringsthorp) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1890), Øresparekasse (opr. $^{28}/_9$ 1880; $^{31}/_3$ 1898 var Sparernes saml. Tilgodehav. 8641 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 156 Kr., Antal af Konti 69), Mølle, og Telefonstation; *Sønder-Vedby*, ved Landevejen til Karleby, med Skole; *Tjæreby*; *Sillestrup* (i Vald. Jrdb. Sildæsthorp); *Sønder Tostrup* (i Vald. Jrdb. Thoristhorp syndræ) med Skole; *Elkenøre* med Telefonstation; *Sønder-Ørslev* med Mølle og Andelsmejeri; *Hillestrup* (1250: Hyldæsthorp); *Ulslev* med Skole og Telefonstation. *Ulslev Strandhuse*, lidt af *Ourupgaards Huse* (se S.-Kirkeby S.), *Sønder-vedby Koloni*, Huse.

Hovedgaarden *Ourupgaard* (1250: Oræthorp), bekendt for sit Mønsterlandbrug, har 142 Td. Hrtk., $1122^1/_2$ Td. Ld. (deraf 360 i Sønder-Kirkeby, 286 i Systofte S.), hvoraf $46^1/_2$ Eng, 60 Græsning (Sillestrup Nor), Resten Ager; til Gaarden høre desuden 820 Td. Ld. Skov (Oversk., Bjørup-have, Ravnstrup Sk., Folehave, Hallerup, Systofte og Lindesk.), ansat til 3 Td. Ager og Engs Hrtk. og 41 Td. Skovsk., endvidere 60 Lejesteder og Huse (15 Td. Hrtk., 110 Td. Ld.) og omtr. 109 Td. matrik. Tiendehrtk. — Andre større Gaarde: *Kringelborg*, $45^5/_8$ Td. Hrtk., 340 Td. Ld. (138 i Nykj. Landdistr.), hvoraf 10 Eng, Resten Ager, 5 Huse; *Ourupgaards Fæstegods* (4 Bøndergd.), $26^1/_2$ Td. Hrtk., 252 Td. Ld., alt Ager; *Nøjsomhed*, $13^3/_4$ Td. Hrtk., 115 Td. Ld., alt Ager, 2 Huse (alle Ejendommene tilhøre Ejeren af Ourupgaard).

Idestrup S., en egen Sognekommune, hører under Nykjøbing Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 204. Lægd. Kirken tilhører Hospitalet i Nykjøbing.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl mod Ø., Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. 1876 er Kirken bleven underkastet en gennemgribende Restauration under Ledelse af Etatsr. Herholdt. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af røde Munkesten. Taarnet og vistnok ogsaa Vaabenhuset ere ældre Tilføjelser af røde Munkesten. Altertavlen er delvis fra Renæssancen med et Maleri af A. Dorph fra 1895 (Christus i Emaus). Ny, støbt Døbefont (Overdelen af den gamle Granitdøbefont staar nu i Staldgaarden ved Hotel „Stad Nykjøbing" i Nykjøbing). Prædikestol fra Renæssancen. Nyt Pulpitur og Orgel fra 1876. I Skibet et ret vel udført gotisk Krucifiks og et

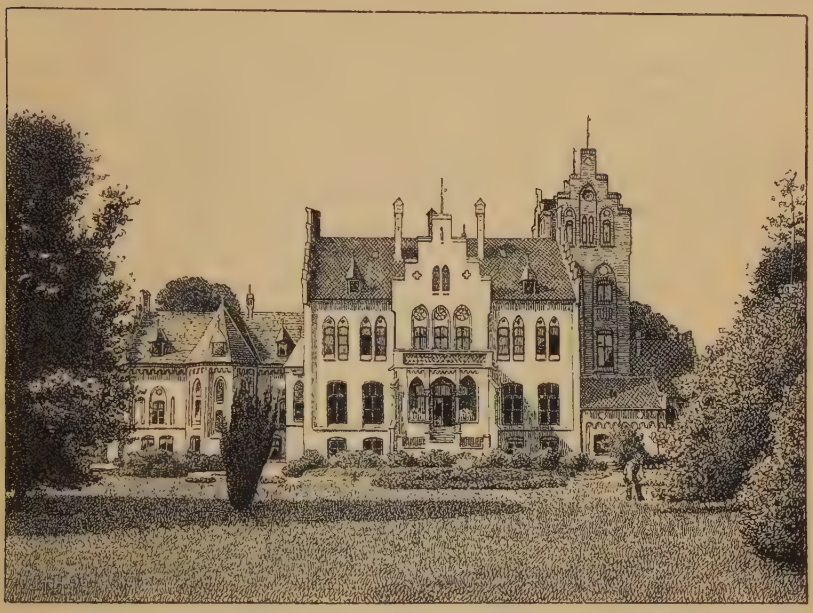

Ourupgaard.

Epitafium med en 1751 opmalet Indskrift fra 1601 over Joch. Barnewitz, † 1598 (hans Navn findes i Versets Begyndelsesbogstaver). — Om Kirken se S. 152.

*Ourupgaard*, oprindelig en Bondegaard, der dreves sammen med 2 andre Gaarde (saml. Hrtk. efter Matrikl. 1662 24 Td.), blev ved Domænesalget 1766 oprettet til en Hovedgaard. Den tillige med *Kringelborg* blev købt for 37,843 Rd. af Købmand, senere Justitsr. Chr. Hincheldey, † 1793 (Hovedgaardstakst 30, Bøndergods 547, Tiender 18 Td. Hrtk.), som en Tid tænkte paa at faa Godset ophøjet til Baroni. I hans Families Eje var den indtil 1809, da den solgtes for 402,000 Rd. til Kmhr., Baron Ch. de Selby († 1823), efter hvem Sønnen Geheimekonferensr. Baron Chr. Borre de Selby fik Gaarden. Han solgte den og Kringelborg i 1840 for 330,000 Rd. til Etatsr., senere Gehejmekonferensr. Edv. Tesdorpf, efter hvis Død Sønnen Hofjægerm. Fr. Tesdorpf, den nuv. Ejer, overtog den 1890 for 1,798,726 Kr. — Det ældste Stuehus paa Gaarden var opført omtr. 1770; 1812—14 byggedes en ny Hovedbygning, som 1862—67 afløstes af en ny, opf. i to Stokv. med Sidefløj og et Taarn i en Slags Spidsbuestil med takkede Gavle. I Haven findes en 81 F. høj Platanus occidentalis, amerik. Platan (St. Omf. over 9 F.).

*Nøjsomhed*, tidligere kaldet „Lindeskoven", købtes 1786 for 7410 Rd. af Chr. Hincheldey, som 1786 solgte den til J. Melsing og J. Chr. Friis til Gjedsergaard (se d.).

Hans Waltersen udi *Ulslev*, en Adelsmand af ukendt Slægt (hans Sigil viser et Skjold med tre Halvmaaner over en Stjerne), tilskødede 1554 Gert Ulfstand en Gaard i Ulslev i Idestrup Sogn, som han havde arvet efter sin Moder.

I Idestrup Sogn, ligesom i det hele taget paa Syd-Falster (se under Veggerløse Sogn), have Bønderne til langt ind i 19. Aarh. baaret en særegen Dragt af en Form, der skrev sig fra de under Chr. II indvandrede Hollændere; ogsaa visse Navne minde om denne Indvandring (se iøvrigt *A. Olrik*, Falsterske Tilnavne fra I. Sogn, i „Dania" V S. 124 fl., ogsaa i Særtr. 1898).

Paa Præstegaardens Mark ligger en smuk, fredlyst Gravhøj.

**Veggerløse Sogn**, det største i Herredet, omgives mod N. af Idestrup, mod S. V. og S. af Skjelby og Gjedesby Sogne, i øvrigt af Guldborg Sund og Østersøen. Kirken, mod N. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. S. Ø. for Nykjøbing. De noget afvekslende bølgeformede og jævne Jorder ere lerede og mergelblandede, enkelte Steder noget sandede. En Del Skov (Marrebæk m. m.). Til Sognet hører Halvøen *Hasselø*, Øerne *Flatø*, *Kalvø* og *Barholme* (de to sidste ubeboede) i Guldborg Sund samt Indsøen *Bøtø Nor*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gjedser og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 7949 Td. Ld., hvoraf 2966 besaaede (deraf med Hvede 343, Rug 356, Byg 530, Havre 935, Bælgsæd 42, Blandsæd til Modenh. 281, til Grøntf. 119, Kartofler 35, Sukkerroer 157, andre Rodfr. 155, andre Handelspl. 11), Afgræsn. 2038, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1837, Have 92, Skov 470, Kær og Fælleder 120, Hegn 10, Flyvesand 279, Byggegr. og Veje 119, Vandareal 16 Td. Kreaturhold 1893: 493 Heste, 1990 Stkr. Hornkv. (deraf 1173 Køer), 2214 Faar, 570 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 537 Td.; 87 Selvejergaarde med 508, 196 Huse med 29 Td. Hrtk. og 18 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1491 (1801: 805, 1840: 1018, 1860: 1192, 1880: 1272), boede i 304 Gaarde og Huse; Erhverv: 63 levede af immat. Virksomh., 894 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 89 af Fiskeri, 220 af Industri, 32 af Handel, 115 af forsk. Daglejervirksomh., 61 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv. Fiskeri er af Betydning.

I Sognet Byerne: *Veggerløse* (i Vald. Jrdb. Wikærløsæ; udt. Vejrløse), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Stovby* (tidligere under Idestrup Sogn) med Fattiggaard (opr. 1872, Pl. for 30 Lemmer), Mølle og Andelsmejeri; *Hasselø* (Haslø) med Skole og 3 Møller; *Højet*, ved Landevejen; *Rabjærg*; *Marrebæk* (i Vald. Jrdb. Marbæc), ved Landevejen, med Jærnbaneholdeplads, Skole og Mølle; *Bruserup*, ved Landevejen; *Bøtøby* (udskiftet) med Skole. — *Bøtøgaard* (paa Bøtø-Fang) har $32^1/_2$ Td. Hrtk., 1500 Td. Ld., hvoraf 572 Græsning, 350 Plantage og Skov, Resten Ager; 3 Huse (tilh. Ejeren af Ourupgd.).

Veggerløse S., en egen Sognekommune, hører under Nykjøbing Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 205. Lægd. Kirken tilhører Hofjægerm. A. Tepdorpf til Gjedsergaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Af den oprindelige, af røde Munkesten opførte romanske Kirke staar tilbage Skibets og Korets Nord- og Sydmure. Enkelte gamle Vinduer og Døre ses. Ved en i ny Tid foretagen Restauration ere Murene forhøjede med gule Mursten. Det svære Taarn er opført af røde Munkesten i den gotiske Tid, men med nye Gavlkamme af gule Sten. Vaabenhuset er nyopført, af røde og gule Mursten. Kirkens indre, malede Dekoration er ny. Taarnrummet (overhvælvet) er forbundet med Skibet ved en ny Bue. Altertavlen med et Billede (Opstandelsen) er ny. Ny cementstøbt Døbefont (den gl. Granitdøbefont staar i en Gaard i Højet). Prædikestolen er et godt Billedskærerarbejde fra Renæssancen. Series Pastorum.

*Bøtø Nor* (1329 kaldet *Stavrby Nor*) var tidligere en over 2 Mil lang og over $^1/_6$ Mil bred Bugt, der trængte ind paa Falsters Sydøstkyst fra Østersøen, hvorfra

den adskiltes ved en smal Landstrimmel eller Ø, Bøtø, idet der baade var et nordl. og et sydl. Indløb til Bugten. Øen var egentlig 3 Øer: *Langø* mod N., *Bøtø* i Midten og *Bøtø Fang* mod S. Landstrimmelen blev dog efterhaanden landfast med det øvrige Falster, idet det nordl. Tilløb tilsandede, og Bugten forandredes til en Strandsø, der var saa lav og grundet, at man endog paa enkelte Steder kunde vade eller køre over den; ogsaa det sydl. Indløb var tilbøjeligt til at sande til, saaledes at Søen ved de stærke Tilløb fra det ret store Opland ofte gik over sine Bredder og skadede de omliggende Jorder. Man begyndte derfor allerede tidligt at tænke paa at faa Søen inddæmmet og udtørret; Historikeren N. D. Riegels, der ejede en Gaard i Byen Højet, interesserede sig saaledes meget for denne Sag og begyndte i Slutn. af 18. Aarh. paa egen Bekostning i Fællesskab med nogle Bønder at grave en dyb Grøft oven for Marrebæk, hvor Landtangen, der skilte Søen fra Guldborg Sund, kun var omtr. $^3/_4$ Mil bred. Planen blev vel snart opgiven, men dukkede dog stadig op igen, og endelig 1860 dannedes „Aktieselskabet for Bøtø Nors Udgravning". Der dannedes 1861 en ny Afløbskanal ud til Guldborg Sund tæt N. for Marrebæk, der anlagdes et Pumpeværk her, Indløbet fra Østersøen blev lukket, og der byggedes Dæmninger langs Østkysten for at værne mod Indbrud fra Havet. Da kom Stormfloden 1872, Dæmningerne ud mod Østersøen gennembrødes, Arealet oversvømmedes af en Vandmasse i omtr. 12 F. Højde, flere Gaarde og Huse ødelagdes, og alene i Bøtø omkom 26 Mennesker foruden en Mængde Kreaturer. Der toges dog snart fat igen paa Arbejdet; Dæmningerne opførtes atter til en Højde af omtr. 12 F., og Arbejdet er stadig skredet frem. Noret er nu forvandlet til en Sø, hvis Overflade ligger omtr. 6 F. under Havets; navnlig paa Vestsiden er der indvundet store Engstrækninger; paa Østsiden, hvor Jordbunden er sandet, er der paa Digerne, der ikke saa lidt minde om Vestjyllands Klitter med deres Marehalm og Klittag, betydelige Plantninger af Fyr og El. Aar 1876 foregik den første Udskiftning af det da tørlagte Areal, og der blev i alt udskiftet 2342 Td. Ld. (immatrikul. 1894), og Udtørringsarbejdet er senere fortsat; 1896 tørlagdes den nordligste Del af Noret, „Møllesøen", 264 Td. Ld.; i det hele er der tørlagt omtr. 4300 Td. Ld., omtr. 1000 ere endnu under Vand.

*Hasselø* (i Vald. Jrdb. „Halsø", vistnok en Skrivefejl for Haslø) var tidligere en omtr. 630 Td. Ld. stor Ø, som adskiltes fra det øvrige Falster ved „Hasselø Vig", hvori den lille Taageholm laa. Aar 1870 blev Vigen inddæmmet (af Kapt. Clausen, Kbh.) ved to Dæmninger, den ene fra Øens Nordspids (2300 F.) til Lindeskov, den anden fra Sydspidsen (noget over 1300 F.) til Veggerløse Strand. Skønt Dæmningen blev gennembrudt ved Stormfloden 1872, var dog Vigen tørlagt 1873, hvorved der var indvundet omtr. 600 Td. Ld.

*Bøtø* har vist været ubeboet og henligget som Alminding, indtil den blev befolket af indvandrede Hollændere fra Amager og Saltholm (se II S. 237). Indvandringen har fundet Sted i 1. Halvdel af 16. Aarh., thi $^7/_7$ 1552 udstedtes der Livsbrev „for Hans Rebslaer, Jac. Karnelissen, Dirich Koel, Jep Reersen, Nils Friis, Per Reerdsen, Herman Ollebrandsen, Adrian Konissen og Thomis Hansen, Hollendere paa Bøtten, saaledes som de nu have inddiget den. Dog skulle de hver St. Michels Dag yde 70 Jochimsdlr. paa Giedzøergaard og, saa ofte Kongen kommer til Falster, forsyne ham med de nødvendige Rødder og Løg ... Naar alle de nævnte Hollændere ere døde, falder Bøtten tilbage til Kronen". Aar 1575 ($^6/_{12}$) gaves der endvidere „Hollænderne paa Bøtte, hvoraf en Del endnu er i Live", Brev paa en Del af det Oredrev, som hidtil havde ligget til Gjedser; $^{22}/_4$ 1610 fornyedes Fæstet, da alle de tidligere vare døde, af Enkedronning Sophie til de nye indvandrede 10 Hollændere for 600 Rd. Da Sophie Amalie fik Nykjøbing som Livgeding 1670, nedlagdes de 8 af de 10 Gaarde, Fæsterne flyttedes til andre Steder paa Falster, og de to Gaarde indrettedes til Mejeridrift, hvilken dog ophævedes efter 1685, og man søgte atter at faa Øen befolket; men det gik meget langsomt, da Afgifterne vare for høje, og kun Halvdelen af de tidligere der boende hollandske Familier (nemlig Peder Hollænder, Tygge Hollænder, Jens Albertsen med sin Søn og Claus Adriansen) vendte tilbage, og Befolkningen blev mere blandet, idet der kom Folk fra det øvrige Falster og Laaland samt Holstenere*). Ved det Falsterske Krongods' Salg 1766 solgtes Bøtø ($48^1/_2$ Td. Hrtk.,

*) I et Andragende til Kongen fra Oluf Jørgensen Lundt, Sognepr. i Veggerløse 1682—1729, af 1695, i hvilket han klager over, at Øen er næsten øde og derved hans Indtægter forringes, hvorfor han beder, om der maa blive gjort noget for dens Bebyggelse, berøres de oven omtalte Forhold; bl. a. fortælles der, at den oprindelige Indvandring i 16. Aarh. bestod af 13 Hollændere, der vare indvandrede fra Water-Landene i Holland, men at de to vare døde ved Livsbrevets Udstedelse 1552.

1813 Td. Ld.) sammen med Hasselø (62 Td. Hrtk.) for 8133 Rd. til Strandrider Lars Leegaard, efter hvis Død begge Øerne købtes af Chr. Hincheldey til Ourupgd. for 5200 Rd. K.

Ogsaa paa Hasselø kom der Hollændere, dels direkte fra Amager (der fortælles, at „Enkedronning Sophie fik dem herover for sin Bekvemmelighed"), dels fra Bøtø, ligesom de ogsaa efterhaanden udbredte sig over Falsters sydl. Sogne: Idestrup, Veggerløse, Skjelby og Gjedesby, der ofte sammenfattedes under Navnet „Gjedser" (se D. Atl. III S. 370), og gav dem et eget Præg ved deres særegne Skikke, Levemaade og Klædedragt, der var den samme som paa Amager. Længst holdt vel dette Særpræg sig paa Hasselø, hvor Dyrkningen af Køkkenurter har haft stor Betydning, og hvor der lige op til vore Dage af Fiskerne anvendtes de saakaldte „Eger" eller „Ejger", Baade, der vare forarbejdede af udhulede Træstammer. Fornavnene paa disse Egne (Acht eller Agt, ɔ: Agathe, Fro, Marchen, Adrian, Tønnes, Jan osv.) minde endnu om Afstamningen.

Ikke langt fra Kirken har der ligget Voldpladsen af en Gaard, *Jerlitse* (Stedet kaldes endnu „Jerlitse Marken"). — Tæt S. for Veggerløse har der fra Guldborg Sund strakt sig en lige Vold med foranliggende, mod S. vendt Grav hen til Bøtø Nors Nordspids. Volden, der nu kun spores som en svag Højning, har flere Steder været mandshøj.

I Erik af Pommerns Tid skal der lidt S. for Marrebæk have været en Rende, Bruserup Aa, der forbandt Bøtø Nor med Guldborg Sund, og som kunde modtage Baade med 48 Td. Korn (se D. Atl. III S. 338).

Af samtlige 16 Oldtidsmonumenter (heraf er en Høj ved Veggerløse fredlyst) findes ingen paa Bøtø eller Hasselø. — Ved Pløjning af en Mose ved Rabjærg er der fundet et Par ret vel bevarede Broncelurer.

**Skjelby Sogn** omgives af Annekset Gjedesby, Bøtø Nor, Veggerløse Sogn og Guldborg Sund. Kirken, midt i Sognet, ligger 2 Mil S. S. Ø. for Nykjøbing. De ujævne, noget bakkede Jorder ere lerede og kalkblandede. Lidt Skov (Dyrevænge, Fiskebæk Sk.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gjedser og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2604 Td. Ld., hvoraf 1399 besaaede (deraf med Hvede 219, Rug 48, Byg 344, Havre 293, Bælgsæd 30, Blandsæd til Modenh. 101, til Grøntf. 55, Kartofler 8, Sukkerroer 267, andre Rodfr. 32), Afgræsn. 274, Høslæt, Brak, Eng m. m. 700, Have 35, Skov 64, Kær og Fælleder 37, Hegn 5, Byggegr. og Veje 82, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 220 Heste, 846 Stkr. Hornkv. (deraf 552 Køer), 470 Faar, 498 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk, 1895: 296 Td.; 48 Selvejergaarde med 285, 81 Huse med 11 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 767 (1801: 476, 1840: 570, 1860: 637, 1880: 765), boede i 140 Gaarde og Huse; Erhverv: 49 levede af immat. Virksomhed, 478 af Jordbr., 5 af Fiskeri, 95 af Industri, 6 af Handel, 6 af Skibsfart, 80 af forsk. Daglejervirksomh., 34 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne *Skjelby*, ved Landevejen og Jærnbanen, med Kirke, Præstegd., Skole, Missionshus (opf. 1894), Forsamlingshus (opf. 1891), Mølle, Jærnbaneholdepl. (Gjedesby Holdepl.), Telefonstation og Lægebolig; *Fiskebæk* med Jærnbane- og Telegrafstation samt Fællesmejeri; *Stavreby* med Udskibningssted og Skole. *Nygaards Huse.* — Hovedgaarden *Gjedsergaard* har $70^1/_4$ Td. Hrtk., $723^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 43 Eng, 60 Skov, 131 Nor, Resten Ager; til Gaarden høre af Fæstegods 1 Td. Hrtk. samt Veggerløse, Skjelby og Gjedesby Konge- og Kirketiende af saml. matrik. Tiendehrtk. $153^3/_8$ Td.

Skjelby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Nykjøbing Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 206. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Gjedsergaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, nyopførte 1857 fra Grunden, delvis af huggen Kamp, vistnok fra en tidligere middelalderlig, nedbrudt Bygning, ellers af gule

Mursten. Af den forrige Kirke staar kun Skibets Vestgavl, af store, røde Munkesten. Til denne er bygget et svært Taarn med Spidstag, af store, røde Mursten. Altertavle, malet af F. C. Lund (Christus og den samaritanske Kvinde) 1857, og Prædikestol ere nye. Romansk Døbefont af lys Kalksten med Relieffremstillinger af Christi Lidelseshistorie. I Skibet Epitafium over Præsten Niels Frederiksen Amager, † 1781; af samme findes et Brystbillede. I Taarnets Gulv Ligsten over Præsten Thøger Hansen Stistrup, † 1786.

*Gjedsergaard* blev ved Domænesalget i 1766 oprettet til en Hovedgaard (Hovedgaardstakst 75, Bøndergods 728, Tiender 112 Td. Hrtk.) og solgt for 60,368 Rd. til Grev Gustav Holck-Winterfeldt, der 1774 solgte den til Sognets Præst, Konsistorialr. Niels Amager for 42,100 Rd. (Hovedgaardstakst 69, Bøndergods 310, Tiender 41 Td. Hrtk.). Efter Amagers Død (1781) solgtes G. for 49,410 Rd. C. til hans Arvinger Agent J. I. Brun, Apoteker C. Ingwersen, Toldkontrollør N. M. Pagh og Præsten J. R. Fenger, hvilke 1784 solgte den (Hovedgaardstakst 69, Bøndergods 326, Tiender 83 Td. Hrtk.) for 32,600 Rd. til J. Meltzing og Kammerr. J. C. Friis. Efter Meltzings Død 1789 blev Friis Eneejer († 1822); han solgte den 1811 tillige med Gaarden Nøjsomhed f. 116,000 Rd. til Sønnen, Overkrigskommissær, senere Etatsr. Chr. Fr. Friis († 1845). Dennes Enke solgte G. (med Nøjsomhed m. m.) 1848 for 297,000 Rd. til Edv. Tesdorpf til Ourupgd., efter hvis Død G. 1891 gik over til Sønnen, Hofjægermester A. V. Tesdorpf, den nuv. Ejer. — Hovedbygningen, i 2 Stokv., er gammel og en Del forfalden..

Døbefont i Skjelby Kirke.

I Fiskebæk Fredskov er der fredlyst en Jættestue, ved Skjelby og ved Gjedsergaard en Gravhøj og ved Stavreby et Dyssekammer.

**Gjedesby Sogn**, Anneks til Skjelby, udgør Falsters Sydspids, der ender i Gjedserodde, og omgives af Skjelby og Veggerløse Sogne samt Østersøen. Kirken, mod N. i Sognet, ligger $2^1/_2$ Mil S. S. Ø. for Nykjøbing. De lavtliggende, jævne Jorder ere lerede. Kobbelsø, S. for Bøtø Nor, er nu Eng. Ved Gjedser Station og Gjedserodde en Del Plantage. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nykjøbing til Gjedser og den Falst. Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2845 Td. Ld., hvoraf 1556 besaaede (deraf med Hvede 220, Rug 86, Byg 409, Havre 336, Bælgsæd 30, Blandsæd til Modenh. 118, Grøntf. 61, Kartofler 12, Sukkerroer 245, andre Rodfrugter 35), Afgræsn. 392, Høslæt, Brak,

Eng m. m. 674, Have 33, Heder 33, Byggegr. og Veje 151, Vandareal 3. Kreaturhold 1893: 220 Heste, 890 Stkr. Hornkv. (deraf 489 Køer), 668 Faar, 226 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 278 Td.; 52 Selvejergaarde med 259, 104 Huse med 19 Td. Hrtk. og 33 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 941 (1801: 388, 1840: 542, 1860: 607, 1880: 775), boede i 193 Gaarde og Huse; Erhverv: 87 levede af immat. Virksomh., 635 af Jordbr., 20 af Fiskeri, 54 af Industri, 32 af Handel, 31 af Skibsfart, 39 af forsk. Daglejervirksomh., 31 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Gjedesby* (i Vald. Jrdb. Getæsby), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Fattiggaard for Skjelby-Gjedesby Komm. (opf. 1882, Plads for 40 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1894), Mølle og Jærnbaneholdepl. *Gjedesskov*, Gaarde og Huse. *Birkemose*, Huse. Ved Gjedserodde er der Skole og *Gjedser Fyr* (hvidt, fast Fyr; det hvide, sekskantede Fyrtaarn, opf. 1802, staar 1200 Al. inden for Falsters Sydøstpynt; Fl. Højde 62 F., Lysvidden 3 1/4 Mil; paa et Bifyr, mellem Hovedfyret og Kysten, er Fl. Højde 46 F.) med Fyrmesterbolig og Telefon. Ud for Gjedser Rev (se S. 105) ligger Fyrskibet „*Gjedser Rev*“. *Gjedser Jærnbanestation* (se S. 159) med Havn (13—14 F. Vand), hvorfra der er Postdampskibsforbindelse med Warnemünde samt Lodseri og Kro (se Vignetten S. 284, Parti af Gjedser med Fyret i Baggrunden). — I Sognet Gaardene *Frisenfelt*, 32 1/2 Td. Hrtk., 291 Td. Ld., alt Ager, 5 Huse, og *Ludvigsgave*, 20 3/8 Td. Hrtk., 234 Td. Ld., alt Ager, 3 Huse (begge tilhøre Ejeren af Gjedsergaard).

Gjedesby S. (til hvilket ogsaa Bøtøgd. med Bøtø Fang i gejstlig Henseende hører), een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 207. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Gjedsergaard.

*Kirken* (gulkalket) bestaar af Skib, Kor med tresidet Afslutning og Taarn mod V. Den er opført i gotisk Tid af store, røde Munkesten. Der ses tilmurede, oprindl. Dør- og Vinduesaabninger. Ved en 1854 foretagen Restauration nedbrødes Taarnet til Skibets Murhøjde og fik aftrappet Gavl mod V. Over Vestenden et lille Træspir. Murene mellem Kor og Taarn og Skib nedbrødes 1884, saa at det hele danner eet Rum. Kirken har fladt Loft. Altertavlen har et Maleri (Korsfæstelsen), Absalon (Axel) Urnes og Birgitte Ruds Navne og Vaaben samt Aarst. 1573. Kalk og Disk bære Dronning Sophies Navn og Aarst. 1627. Ny Døbefont af brændt Ler. Prædikestolen er fra 1854. Nyt Pulpitur vestligst i Kirken. Et Træ-Epitafium over Georg Gottleber, Kromand her 1646, og Hustru med Portrætter, og et veludført Maleri med Portrætter af Kromanden Mattias Jensen. Et større, vel udført Renæssance-Krucifiks og et lille Maleri af Farten paa Genesareth Sø fra 1693.

*Frisenfelt* er en af Kammerr. J. C. Friis oprettet Parcelgaard af Gjedsergaard; de have altid haft fælles Ejere.

Ved en Eng, som tidligere var en Vig, ligger S. V. for Gjedesby det saakaldte *Svinehave Voldsted*. Den firsidede, 120 F. lange, 110 F. brede Voldbanke, som kun hæver sig lidt over det omliggende Terræn, er omgivet af en bred og dyb Grav, fra hvis sydvestl. Hjørne en nu tilfyldt Rende førte ud til Vigen. Mod Ø., hvor der nu er Overkørsel over Gravbunden, har der sikkert oprindelig været en Vindebro. Spor af Volde ses ikke. Baade paa selve Voldstedet og paa Marken lige Ø. for Stedet, hvor Udhusene formentlig have ligget, er der oppløjet Murbrokker m. m. — Her har vistnok den gamle *Gjedsergaard* eller *Gjedesgaard* ligget, som hørte under Kronen og beboedes af Lensmænd, og som sandsynligvis er den samme Kongsgaard, som Vald. Sejr ejede i Gjedesby. I G. var der Fredsunderhandlinger med Tyskland 1431, og her døde Fred. I's Datter Elisabeth, Hertuginde af Mecklenburg, 11/10 1586, da hun var paa Hjemrejsen, efter at have besøgt Tyge Brahe paa Hveen. Gaarden er ofte bleven forvekslet med Gjedsergaard i Skjelby Sogn.

Fra Gjedesby skete alt i Vald. Sejrs Tid Overfarten til Nordtyskland (i Vald. Jrdb. nævnes den med en Afgift af 10 Mark Sølv „de conductione navium“), sædvanlig-

vis til Rostock, og der tales flere Gange, saaledes 1546 og 1554, om saa strenge Vintre, at Vejen kunde tilbagelægges med Vogn. Chr. IV plejede ogsaa at lægge Vejen over Falster, naar han tog til Hertugdømmerne.

Ved Gjedesby har der ligget en anselig Jættestue, hvorfra hidrører et værdifuldt Fund; i Gangen til Stuen var der i Broncealderen hensat et Lerkar med mange Broncesager.

Sognet skal tidligere have haft en større Skov (efter Sagnet afbrændt af de Svenske i Krigen 1658—60); nu findes der kun lidt Plantage, bl. a. ved Stationen. — Om Befolkningen se S. 290. — Stormfloden 1872 gjorde stor Skade, især i Gjedesby, hvor 22 Mennesker og mange Kreaturer omkom.

**Sønder-Kirkeby Sogn** omgives af Annekset Sønder-Alslev, Idestrup, Systofte og N.-Ørslev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger henved 1 Mil Ø. for Nykjøbing. De i Midten højtliggende, rundt om affaldende Jorder ere lerede, mergel- og kalkblandede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Karleby.

Fladeindholdet 1896: 1894 Td. Ld. (heraf 56 Td. ikke matr., indvundne ved Søudtørring), hvoraf 1186 besaaede (deraf med Hvede 98, Rug 60, Byg 211, Havre 156, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 60, Grøntf. 37, Sukkerroer 522, andre Rodfr. 24), Afgræsn. 171, Høslæt, Brak, Eng m. m. 404, Have 24, Skov 5, Moser 15, Kær og Fælleder 2, Byggegr. og Veje 84, Vandareal 2. Kreaturhold 1893: 140 Heste, 504 Stkr. Hornkv. (deraf 329 Køer), 378 Faar, 264 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 229 Td.; 22 Selvejergaarde med 208, 1 Fæstegd. med 7, 79 Huse med 14 Td. Hrtk. og 15 jordløse Huse. ($^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 569 (1801: 323, 1840: 446, 1860: 609, 1880: 599), boede i 108 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomh., 234 af Jordbr., 109 af Industri, 12 af Handel, 146 af forsk. Daglejervirksomh., 20 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sønder-Kirkeby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Børneasyl (opr. 1866 af det Classenske Fideikommis, omtr. 30 Børn) og Mølle; *Ægebjærg*. Største Delen af *Ourupgaards Huse* (Resten i Idestrup S.) med Godsforvalterbolig. *Ramsherred* og *Ægebjærg Tved*, Gaarde og Huse. — *Bellingegaard:* $38^1/_8$ Td. Hrtk., 310 Td. Ld. (i S.-Kirkeby og Karleby S.), alt Ager; 1 Hus. *Bjerregaard* (1452: Berghe): 23 Td. A. og E. Hrtk. og $^1/_4$ Td. Skovsk., 190 Td. Ld. (i S.-Kirkeby og N.-Ørslev S.), hvoraf 5 Skov, Resten Ager; 1 Hus. Begge Gaarde høre under det Classenske Fideikommis, se S. 296.

Sønder-Kirkeby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Falsters vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 203. Lægd. Kirken tilhører det Classenske Fideikommis.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere nu dækkede af en Forskalning af røde Mursten, men ere oprindelig opførte af Kamp og Kalksten. Taarnet er bygget af store, røde Munkesten, med aftrappede Gavle; Taarnrummet (tidligere Gravkapel) er overhvælvet og er forbundet med Skibet ved en Rundbue. Vaabenhuset er nyt opført. Skibet har fladt Loft. Altertavlen er et ualmindelig rigt og dygtigt udført Billedskærerarbejde i senere Renæssancestil. Døbefonten er fra 1300 af lys Kalksten med Ornamenter (Foden findes i Nationalmus.). Prædikestolen er et Billedskærerarbejde fra Renæssancen. Nyt Krucifiks over Indgangsdøren. I Taarnvæggen Ligsten over Mogens Falster (Bielke), † 1571, og to Hustruer, og en anden Ligsten, hvis Indskrift ikke kan læses. Klokken har følgende Indskrift: „Da Gud gav Kongen Fred han Kirkerne lod pryde og mure Skoler op og skønne Klokker gyde. Anno 1724." — I Nationalmus. opbevares fra Kirken nogle Kridtstensbasrelieffer, forestillende Christus mellem Petrus og Paulus og Optrin af en lokal Legende med Navnene Conradus og Toste ved-

føjede Personerne, ligeledes en kvaderformet tilhugget Runesten, der har siddet i Kirkegaardsmuren (se om denne *Wimmer*, Indbydelsesskr. til Univ. Reformationsfest 1895, S. 116).

*Bellinge* tilhørte 1365 Jens Pedersen (Markmand), 1381 Sønnen Mads Jensen, 1403 dennes Broder Johannes Jensen, 1468 Per Bang, 1495 Anders Josephsen Bielke, ogsaa kaldet Anders Skaaning, dennes Sønner Jørgen og Mogens, der antog Navnet Falster, men beholdt Bielkernes Vaaben. Mogens Falster var Landsdommer paa Laaland og Høvedsmand paa „Gedsør" († 1571). Hans Sønner Jens Falster og Anders Bielke ejede Gaarden 1576, men efter at sidstnævnte var bleven dræbt 1588 af Peder Eggertsen Sandberg, tilfaldt B. hans Søstersøn Ejler Axelsen Krukow, der 1607 solgte den til Joch. Barnewitz, † 1626, Hofmester hos Enkedronning Sophie. Han solgte 1611 Gaarden til Dronning Sophie, men den skal dog siden igen være kommen til ham eller hans Søn Fred. Barnewitz. Senere nævnes Corfitz Ulfeldt som Ejer af den. Den blev vistnok i Begyndelsen af 18. Aarh. lagt under Korselitse. Den nuv. Avlsgaard er først oprettet 1849. — Stedet for den gamle Gaard er endnu kendeligt som en anselig, firkantet Plads, omgiven af Rester af en Grav; store Mursten ere oppløjede her.

*Bjerregaard* (sammenlagte Fæstegaarde) er formodentlig den Gaard *Bierge*, som ved 1350 tilhørte Hr. Jens Falster og 1405 Eskild Falster; 1480 var Morten Reberg i Bjerge nærværende paa Falsters Nørre Herreds Ting.

*Egebjærg* var tidligere en Hovedgaard, der 1487 tilhørte Oluf Folmersen (Baad) og 1496 hans Søn Jørgen Olsen. Dennes Enke Elsebe Albretsdatter ægtede Jesper Jul, som 1537 solgte Gaarden til Jørgen Venstermand, hvis Søn Morten Venstermand 1575 ved Mageskifte overlod Gaarden til Fred. II mod Krøngegaard.

**Sønder-Alslev Sogn**, Anneks til Sønder-Kirkeby, omgives af dette, N.-Ørslev, Horreby og Karleby Sogne, Østersøen og Idestrup Sogn. Kirken, mod V. i Sognet, ligger $1^1/_4$ Mil Ø. for Nykjøbing. De noget højtliggende, mod Østersøen affaldende Jorder ere lerede. Over $^1/_4$ af Arealet er dækket med Skov (Hovedskov, Tromnæs Sk.).

Fladeindholdet 1896: 1970 Td. Ld., hvoraf 680 besaaede (deraf med Hvede 153, Rug 25, Byg 174, Havre 130, Bælgsæd 17, Blandsæd til Modenh. 96, Grøntf. 30, Sukkerroer 17, andre Rodfr. 35), Afgræsn. 199, Høslæt, Brak, Eng m. m. 388, Have 28, Skov 562, Flyvesand 4, Stenmarker m. m. 19, Byggegr. og Veje 87, Vandareal 3. Kreaturhold 1893: 105 Heste, 448 Stkr. Hornkv. (deraf 297 Køer), 136 Faar, 210 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 199 Td.; 13 Selvejergaarde med 185, 2 Fæstegd. med 6, 39 Huse med 6 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 321 (1801: 170, 1840: 264, 1860: 287, 1880: 322), boede i 46 Gaarde og Huse; Erhverv : 47 levede af immat. Virksomh., 177 af Jordbrug, 4 af Fiskeri, 36 af Industri, 6 af Handel, 36 af forsk. Daglejervirks. og 15 af deres Midler.

I Sognet Byen: *Sønder-Alslev* (i Vald. Jrdb. Alslefsyndræ) med Kirke, Skole og Mølle. — Hovedgaarden *Korselitse* (Corselitze), der hører til det Classenske Fideikommisgods (se S. 296), har $90^1/_8$ Td. Hrtk.; 593 Td. Ld. (i S.-Alslev, S.-Kirkeby og Karleby S.), alt Ager; 2 Huse. Ved Korselitse ligge Friboligen *Aldersly*, opr. 1858 for Smaabetjente ved det Class. Fideikommisgods, og *Korselitse Børnehjem*, opr. 1866 til Opdragelse af 12 fattige Piger til Tjenestetyende.

Sønder-Alslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 202. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Ourupgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. med Gravkapel (opf. af Hincheldey til Ourupgd.) og Vaabenhus mod S. Skibet er opført i den romanske Tid af røde Munkesten; den oprindl., nordl. Dør (se Tegn. af ældt.

n. Arkit. 2 Saml., 2. R. Pl. 18) er tilmuret, den sydl. dækkes af Vaabenhuset. I nederste Del af den vestl. Taggavl er indmuret en Sten med Relieffremstilling af en kronet Mand og Kvinde. Taarnet, af røde Munkesten, er senere tilbygget. Kor og Apsis, af gule Mursten, ere nyopførte ved en Restauration 1861, ligesom Vaabenhuset, af røde Mursten. Kapellet ved Taarnets Vestside er ifl. Indskrift opført 1796. Det indre er hvidtet. Taarnrummet (overhvælvet) aabner sig ind til Skibet med en stor Bue. Skibet har fladt Loft. Altertavle og Prædikestol ere fra 1861. Ny, cementstøbt Døbefont. I Taarnrummet Gravsten over Peder Falster, † 1556, og Hustru.

S. for Kirken har der ligget en lille Sø, *Stjøvel Sø*, hvis Vand fordum ansaas som helbredende for Øjensvaghed.

*Korselitse* (i Vald. Jrdb. nævnes Byen Köcæliz, senere Kotselisse) tilhørte 1421 Laurids Falster, 1459—83 Sønnen Hr. Peder Falster, der var Landsdommer paa Falster; dennes Søn Oluf Falster var ligeledes Landsdommer og døde 1529, hvor-

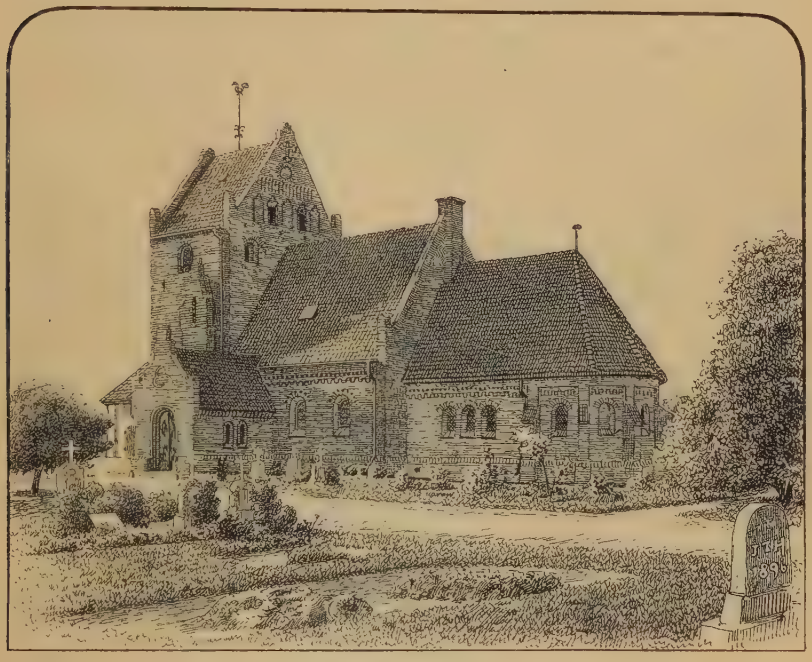

Sønder-Alslev Kirke.

efter K. tilfaldt Sønnen Hr. Peder Falster, der døde 1556 og med sin Hustru Øllegaard Walkendorff ligger begravet i Sønder-Alslev Kirke. Deres Søn Jens Falster til K., † 1600, var Slægtens sidste Mand. Derpaa ejedes K. af Axel Brahe, der 1603 skødede den til Kronen, hvorpaa den tilhørte Enkedronning Sophie. Af Fr. IV blev den henlagt til Ryttergodserne og 1766 solgt ved Domænesalget til Prins Carl af Hessen, af hvem Generalmajor Joh. Fr. Classen købte den og Carlsfeld 1768 for 125,000 Rd. Han administrerede Godserne udmærket og udvidede dem, saaledes 1789, da han tilkøbte Byerne Bønned, Skjoltrup og Halskov; men sine Bønder pinte han med for svært Hoveri, skønt han i sit Testamente bestemte, at der efter hans Død skulde gives dem Arvefæste, og at deres Hoveri skulde fastsættes „paa den allerømmeste og lemfældigste Maade, endog mildere end Love og Forordninger foreskrive, og i Tilfælde af Tvivl udtolkes til Bøndernes Fordel". Han lod opføre den nuv., 2 Stokv. høje Hovedbygning, der i sin simple Stil minder èn Del om den ligeledes af ham opførte Bygning paa Arresødal (se II S. 108), og Udbygningerne, deribl. den 190 Al. lange Kornlade, „den største i Danmark" (Beg-

trup, Agerdyrkn. Stilling i Danm.), og anlagde store Linde- og Elmealleer, der føre til Gaarden, samt den store, smukke Have, i hvilken bl. a. findes en af ham opstillet Sorgens Genius, paa hvis Piedestal ses en Kvindeprofil og underneden: Elisabeth (ɔ: Anne Elisab. Baronesse Iselin, hans Hustru). Ved Korselitse findes en Fagus silvatica („Kammerherrens Bøg"), hvis Stamme har et Omf. af henved $19^1/_2$ F., og en Eg, ved Nykjøbingvejen, hvis Stamme er 25 F. i Omf. — I Skoven „Fruens Ege" staar en Mindestøtte over Gehejmekonferensr. P. H. Classen († 1886). I Skoven ved Tromnæs en Begravelsesplads for den Classenske Familie.

Ved Testam. af $^{28}/_1$ 1789 og Kodicil af $^{23}/_3$ 1792 oprettede Classen af Godserne et Fideikommis, hvis Midler, foruden til Udredelse af en Del Legater til offentlige Stiftelser og private, efter Testamentets Ordlyd bestemtes til at „anvendes dels til at danne nyttige Mennesker til Statens Bedste, til at understøtte og befordre Vindskibelighed og Arbejdsomhed i de nødvendigste Dele for Landets Vel, og til at hjælpe og lindre Fattigdom og Elendighed". Den af Classen efterladte Formue bestod, foruden af de falsterske Godser (omtr. 1600 Td. Hrtk.) af en Gaard i Amaliegade i Kbh., en Ejendom uden for Kbh.'s Østerport, en aarl. Afgift af 7000 Rd. af

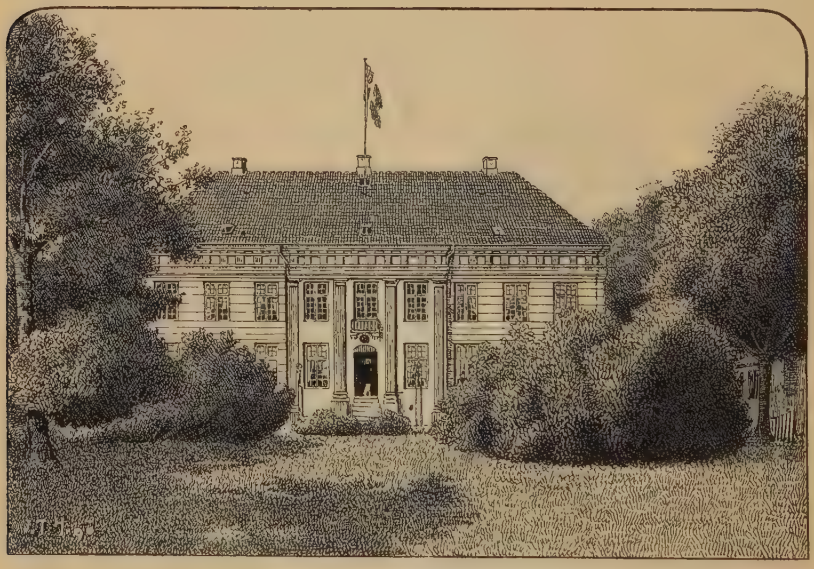

Korselitse.

det til Prins Carl af Hessen afstaaede Frederiksværk (se II S. 112) og en Kapital paa omtr. 380,000 Rd. C.*).

I de under Fideikommiset hørende Skove er der fredlyst 4 Gravhøje.

**Karleby Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Sønder-Alslev Sogn, Annekset Horreby, Horbelev Sogn og Østersøen. Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil Ø. N. Ø. for Nykjøbing og ligesaa langt S. S. V. for Stubbekjøbing. De for det meste jævne Jorder ere lerede og kalkblandede.

*) $^{31}/_3$ 1896 ejede Fideikommiset, foruden de Falsterske Godser, Arresedal ved Frederiksværk, 4 Ejendomme i Kbh. samt Classens Have og de Classenske Boliger ved Hovedstaden, en Kapital paa 2,942,792 Kr., en Reservefond paa 103,795 Kr., kontant 31,313 Kr. samt 34,936 Kr. i Kornvarer, Brænde, Bygningsmateriale m. m. og 16,293 Kr. i Banker. — De *Falsterske Godser* have i alt $583^3/_8$ Td. Hrtk., hvoraf $211^3/_4$ Skovskyld, 12 matrik. Konge- og Kirketiender og $290^5/_8$ under Hovedgaardene Korselitse og Carlsfeld og Avlsgaardene Bellingegaard, Bjerregaard og Næsgaard; Skovarealet udgør omtr. 3100 Td. Ld. Desuden høre under Fideikommiset omtr. 1000 Td. Hrtk. Arvefæstegods.

En Del Skov (Sønder-Mellemsk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Karleby.

Fladeindholdet 1896: 1541 Td. Ld., hvoraf 757 besaaede (deraf med Hvede 157, Rug 20, Byg 181, Havre 170, Bælgsæd 62, Blandsæd til Modenh. 63, Grøntf. 40, andre Rodfrugter 56, Frøavl 7), Afgræsning 162, Høslæt, Brak, Eng m. m. 333, Have 25, Skov 221, Moser og Kær 5, Hegn 4, Byggegr. og Veje 27, Vandareal 7. Kreaturhold 1893: 143 Heste, 477 Stkr. Hornkv. (deraf 312 Køer), 123 Faar, 378 Svin og 19 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 178 Td.; 25 Selvejergaarde med 151, 77 Huse med 14 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 485 (1801: 284, 1840: 398, 1860: 454, 1880: 500), boede i 91 Gaarde og Huse; Erhverv: 50 levede af immat. Virksomh., 227 af Jordbrug, 125 af Industri, 6 af Handel, 49 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Karleby* med Kirke, Præstegd., Skole, Husflidsskole og det Classenske Fideikommis' Plejestue (aabnet 1877 af det Classenske Fideikommis for Børn og unge Piger, der ere svagelige eller Rekonvalescenter); *Tunnerup* (i Vald. Jrdb. Tonnæthorp). *Smalby*, Huse. *Hjortebjærg Skole*, opr. 1866 for ældre, dog ukonfirmerede, forsømte Piger. *Hjortebjærg Andelsmejeri.* — *Præstegaarden* har $12^7/_8$ Td. Hrtk., 91 Td. Ld., hvoraf 4 Byggegr. og Have, Resten Ager.

Karleby S., een Sognekommune med Annekset og Nørre-Ørslev Sogn, hører under Falsters vestre Herreds Jurisdiktion (Nykj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Nykjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 201. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere, for Fæstehusenes Vedk. det Classenske Fideikommis.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af røde Munkesten; nu overhvidtede. De oprindelige Døre og et enkelt Vindue ere endnu bevarede. Over Skibets Vestgavl er 1855 opsat et lille Spir af Træ. Vaabenhuset er nyt, opf. efter Tegn. af Arkitekt Tvede. Det indre er hvidtet og har fladt Loft. Altertavle fra 1893, malet af Anker Lund (Christus og Disciplene i Emaus). Malmstagerne ere skænkede 1605 af Præsten Niels Hansen Vingaard og Hustru (med Tilføjelse: Hvo mig vil bruge til anden Brug, han være udskudt paa Dommedag, resp.: han være sig forbandet til Døden). Døbefont af Kalksten. Tarvelig Prædikestol fra Beg. af 18. Aarh.

**Horreby Sogn**, Anneks til Karleby, omgives af dette, Horbelev, Falkerslev, N.-Ørslev og S.-Alslev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil N. Ø. for Nykjøbing og lige saa langt S. S. V. for Stubbekjøbing. De for det meste jævne Jorder ere lerede og tørveagtige (Horrebylyng har Tørveskær af en ret betydelig Dybde); Møllebakken er 76 F., 24 M. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Stubbekjøbing.

Fladeindholdet 1896: 2038 Td. Ld., hvoraf 974 besaaede (deraf med Hvede 131, Rug 100, Byg 244, Havre 203, Bælgsæd 41, Blandsæd til Modenh. 102, Grøntf. 55, Sukkerroer 7, andre Rodfr. 68, andre Handelspl. 18), Afgræsn. 231, Høslæt, Brak, Eng m. m. 429, Have 26, Moser 328, Hegn 3, Byggegr. og Veje 46. Kreaturhold 1893: 186 Heste, 598 Stk. Hornkvæg (deraf 364 Køer), 268 Faar, 309 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 189 Td.; 32 Selvejergaarde med 176, 62 Huse med 11 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 541 (1801: 296, 1840: 415, 1860: 445, 1880: 522), boede i 99 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomhed, 361 af Jordbr., 2 af Gartneri, 92 af Industri, 11 af Handel, 34 af forsk. Daglejervirksomh., 20 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Horreby* (i Vald. Jrdb. Horæby), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Pogeskole, Andelsmejeri og Mølle; *Eget* med Teglbrænderi.

Horreby S., een Sognekommune med Hovedsognet og N.-Ørslev S.,

hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 2. Udskrivningskr.' 200. Lægd. Kirken tilhører Sognets Gaardmænd, for Fæstehusenes Vedk. det Classenske Fideikommis.

*Kirken*, højt beliggende, bestaar af Skib, Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og nyt Vaabenhus mod S. Skib, Kor og Taarn ere opførte i gotisk Tid af røde Munkesten; nu overhvidtede. Enkelte Vinduer og begge Dørene ere bevarede (nu tilmurede). Taarnet er vistnok opført i Renæssancetiden; hele Overdelen er dog nyere. Vaabenhuset ligger paa samme Sted som et tidligere. Det indre er hvidtet. Fladt Loft i Kor og Skib. Altertavlen er et tarveligt Billedskærerarbejde fra sen Renæssancetid med daarlige (ældre og yngre) Malerier (den ældre, gotiske Altertavle er i 1822 kommen til Nationalmus.). Simpel Døbefont af Granit. Tarvelig Prædikestol fra omtr. 1700. I Kormuren Stentavle over Præsten Jacob Borch († 1801), hans Hustru Christ. Soph. Gymoes og deres adopterede Søn Gotfred Gymoes.

Aar 1688 blev det bestemt, at Kirken skulde nedlægges, men Th. Kingo fik det forhindret. — Horreby var Anneks til Karleby indtil 1650, da det blev Anneks til Falkerslev; 1695 blev det atter Anneks til Karleby.

**Nørre-Ørslev Sogn** omgives af Falkerslev, Horreby, S.-Alslev, S.-Kirkeby og Systofte Sogne samt Nørre Hrd. (Tingsted S.). Kirken, mod S. i Sognet, ligger 1 Mil N. Ø. for Nykjøbing. De jævne, til Dels side Jorder ere for det meste lerede. Omtr. 260 Td. Ld. af Troldemose høre til Sognet. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Stubbekjøbing.

Fladeindholdet 1896: 1938 Td. Ld., hvoraf 1036 besaaede (deraf med Hvede 171, Rug 100, Byg 281, Havre 237, Bælgsæd 26, Blands. til Modenh. 51, Grøntf. 49, Kartofler 6, Sukkerroer 46, andre Rodfr. 69), Afgræsn. 256, Høslæt, Brak, Eng m. m. 553, Have 34, Tørvemose 8, Byggegr. og Veje 48 Td. Kreaturhold 1893: 185 Heste, 658 Stkr. Hornkv. (deraf 420 Køer), 336 Faar, 344 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 255 Td., 44 Selvejergaarde med 214, 111 Huse med 25 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 696 (1801: 352, 1840: 452, 1860: 666, 1880: 713), boede i 157 Gaarde og Huse; Erhverv: 37 levede af immat. Virksomh., 442 af Jordbrug, 154 af Industri, 3 af Handel, 19 af forsk. Daglejervirksomh., 30 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *N.-Ørslev*, tæt S. for Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole, Folkehøjskole (opr. 1878) og Mølle; *Listrup* (i Vald. Jrdb. Liitzthorp) med Skole og Mølle. *Krølhuse*, *Lynghuse*, *Troldemosehuse*, *Marnehuse*, *Drejerbyen*, *Gavlhuse* (hvoraf en Del i Tingsted S.).

N.-Ørslev S., een Sognekommune med Karleby-Horreby Sogne, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som disse samt under 2. Udskrivningskr.' 199. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kor og Skib ere opførte i romansk Tid af røde Munkesten. De oprindelige, rundbuede Døre og Vinduer ere delvis bevarede (nu tilmurede). Taarnet, af røde Mursten i Munkeskifte, er vistnok opført i Renæssancetiden; det har aftrappede Gavle med Blindinger. Vaabenhuset, af gule Mursten, er nyt. Kirken er indvendig pudset, med fladt Loft. Spidsbue ind til Taarnrummet. Altertavlen er et af Fjeldskov udført Billedskærerarbejde fra 1873. Granitdøbefont. Stærkt restaureret Prædikestol, oprindelig fra Renæssancen. Nyt Krucifiks over Korbuen.

N.-Ørslev var et eget Pastorat indtil 1650, da det blev Anneks til Karleby; 1895 blev det atter et eget Pastorat.

**Horbelev Sogn** omgives af Karleby, Horreby, Annekset Falkerslev, Nørre Hrd. (Maglebrænde S.) og Aastrup Sogn samt Østersøen. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger henved 2 Mil N. Ø. for Nykjøbing og 1 Mil

S. for Stubbekjøbing. De højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt V. for Halskov Strand paa Møllebakken ved Horbelev, 106 F., 33 M., med trigonom. Station) ere dels lerede, dels sandede og sandblandede. Langs Stranden findes flere Steder temmelig høje Skrænter, deriblandt den for sin vide Udsigt bekendte *Pomlenakke*. En Del Skov (Bønned Sk., Egevænge, Nørre-Mellemsk.). I den vestl. Del af Sognet ligger *Aamose*, i den østl. og sydøstl. Del *Rørmose* og *Donnemose* i Skovene; paa en Del af Nordgrænsen løber Hesnæs Bæk.

Fladeindholdet 1896: 5429 Td. Ld., hvoraf 2621 besaaede (deraf med Hvede 309, Rug 349, Byg 685, Havre 478, Bælgsæd 167, Blands. til Modenh. 234, Grøntf. 113, Kartofler 21, Sukkerroer 33, andre Rodfr. 224, andre Handelspl. 7), Afgræsn. 544, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1285, Have 69, Skov 683, Moser 6, Hegn 23, Flyvesand 23, Byggegr. og Veje 158, Vandareal 18 Td. Kreaturhold 1893: 469 Heste, 1683 Stkr. Hornkv. (deraf 1062 Køer), 775 Faar, 823 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 566 Td.; 87 Selvejergaarde med 457, 5 Fæstegd. med 14, 217 Huse med 53 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1392 (1801: 811, 1840: 1064, 1860: 1187, 1880: 1382), boede i 280 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomh., 1021 af Jordbr., 214 af Industri, 26 af Handel, 3 af forsk. Daglejervirksomh., 71 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Horbelev* (i Vald. Jrdb. Horbærlef) med Kirke, Præstegd., Skole, Andelsmejeri, Tegl- og Kalkværk; *Melse* (i Vald. Jrdb. Methæløsæ) med Telefonstation og Mølle; *Bregninge* (i Vald. Jrdb. Brækningy) med Skole, Spare- og Laanekasse for Falster Landbostand (opr. $^{11}/_{12}$ 1863; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 2,514,847 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 64,987 Kr., Antal af Konti 4054), Telefonstation og Mølle; *Skjoltrup*; *Halskov* med Mølle; *Sønder-Grimmelstrup*; *Nørre-Tostrup*; *Særslev* med Teglværk, Mølle og Telefonstation; *Bønned*. — Skovridergaarden *Herslebslund*. — *Kleppehuse*, *Søle*, Huse.

Horbelev S., een Sognekommune med Annekset, men delt i 2 Sognefogeddistrikter (nordre og søndre), hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekjøbing), Maribo Amtstue- (Filial i Nykjøbing) og Stubbekjøbing Lægedistrikt, 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningskr.' 187. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere.

*Kirken* (overhvidtet), der var helliget St. Peder, bestaar af Skib, Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført omtr. 1200 af utilhuggen Kamp, med Anvendelse af hugne Sten til Hjørner, Vinduesindfatninger m. m. Gavlene ere i gotisk Tid blevne forhøjede. Den sydlige Døraabning er endnu bevaret. Et Par gamle, rundbuede Vinduer ses. Taarnet er opført af røde Mursten (Munkeskifte) og har aftrappede Gavle. Paa Sydsiden findes fire raat udhuggede Hoveder (tre mandlige, et kvindeligt, efter Sagnet hentydende til Folkevisen om Hr. Truels Døtre). Indvendig er Kirken hvidtet. Skibet og Vaabenhuset have fladt Loft; Koret er overhvælvet i nyere Tid; Apsis har bevaret sin oprindelige Halvkuppelhvælving. Taarnrummet er overhvælvet. Vaabenhuset er opført af Kridtsten (?) og er vist samtidigt med Forhøjelsen af Murene. Kirken er restaureret 1868, ved hvilken Lejlighed der fandtes Spor af Kalkmalerier. Altertavlen er et Billedskærerarbejde i sen Renæssancestil med tarvelige Malerier. (Den ældre, gotiske Altertavle, nu i Taarnrummet, er et særdeles godt Billedskærerarbejde). Ottekantet, romansk Døbefont af Kalksten (som den i Skjelby) med ejendommelige figurlige Fremstillinger. Prædikestolen er af samme Arbejde som Altertavlen. I Taarnbuen er indmuret Ligsten over Præsterne Peder Laurıdsen Bogense, † 1619, og Hans Theophili Sadolin, † 1674, og deres Hustru og Ligsten over Præsten Jacob Sadolin, † 1701, og Hustru. I Kirkens Ydermur Ligsten fra 1572 over Oluf Holgersen Ulfstand til Bønned († 1529) og Hustru, med Portrætfigurer.

Hovedgaarden *Bønned* nævnes alt 1364, da den tilhørte en Per Lang. Senere nævnes i Slægtebøgerne en Datter af Hans Frændesen ved Navn Fru Grete fra

Bønned. Gaardens bekendteste Ejer var dog Hr. Oluf Holgersen Ulfstand, der formodentlig har giftet sig den til med sin Frue Anne Fikkesen. Paa Skiftet efter dem 1529 tilfaldt B. Hr. Olufs to Brodersønner Arved og Gert Jensen Ulfstand, der begge døde uden Børn. Den gik da over til Søsteren Sidsel Ulfstand, g. m. Knud Gyldenstjerne, hvis Søn Peder G. til Tim 1585 mageskiftede B. til Kongen mod Gods i Jylland. Senere var den et Len; 1699 nævnes Jagtslottet paa B.; 1700 afbrændte Gaarden, hvorefter den helt nedreves. — I den vestlige Udkant af Bønned By ses endnu paa et ret højt Terræn Voldstedet af Gaarden. Den aflang-firkantede Borgplads, omtr. 400 Al. i Omkreds, er omgiven af en dyb Grav og bestaar af en lavere Halvdel mod N. Ø., der næppe har baaret nogen Bygning (her skal dog være truffet en Brolægning), og en højere Halvdel mod S. V., hvor Gaarden har ligget. Dens Grund er delvis afdækket; ved den omtr. 32 Al. lange Sydmur har der staaet et halvrundt Taarn. Tæt Ø. for Voldstedet har man truffet Grundsten til Bygninger, vistnok Avlsgaarden.

*Halskovgaard* var en gammel Hovedgaard, der 1430 tilhørte Per Lang, 1486 Henrik Jensen (Vasspyd), 1495 Jens Henriksen, 1504 velbyrdig Svend Laurits Hansen, der 1511 solgte den til Hr. Oluf Holgersen Ulfstand til Bønned. Paa Skiftet 1529 efter Hr. Oluf og hans Frue blev Halskov udlagt til hendes Brodersonner Niels og Fikke Lauridsen, der synes at have solgt den til Hr. Olufs Søsterdatter Fru Sidsel Ulfstand og hendes Mand Knud Gyldenstjerne, hvis Søn Peder Gyldenstjerne 1585 mageskiftede den til Kongen.

I de under det Classenske Fideikommis hørende Skove er der fredlyst omtr. 35 Gravhøje og 2 Langdysser, begge omsatte med svære Randsten. Ved Melse er der fredlyst et Dyssekammer, „Dissetingstenen", ved Halskov en Runddysse og en anselig Gravhøj.

Om en Strid i Menigheden se *L. Koch*, Indførelsen af den evang. Salmebog i Horbelev og Falkerslev Sogne 1801—2, i Kirkeh. Saml. 4. R. III Bd. S. 721 fl.

**Falkerslev Sogn**, Anneks til Horbelev, omgives af dette, Horreby og N.-Ørslev Sogne samt Nørre Hrd. (Tingsted, Eskildstrup, Torkildstrup og Maglebrænde S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Nykjøbing og omtr. $^3/_4$ Mil S. S. V. for Stubbekjøbing. De højtliggende og bakkede Jorder (Maglehøj 73 F., 29 M.) ere lerede, paa nogle Steder sandede og sandblandede. En Del Skov (Østersk., Vestersk., Kvindesk., Virket Holt). *Tingsted Aa* danner noget af Grænsen til N.-Ørslev Sogn og faar i Sognet Tilløb fra de smaa, smukke Søer Møllesø, Hulsø og Borresø eller Virket Sø. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nykjøbing til Stubbekjøbing.

Fladeindholdet 1896: 3762 Td. Ld., hvoraf 1642 besaaede (deraf med Hvede 259, Rug 128, Byg 454, Havre 280, Bælgsæd 67, Blandsæd til Modenh. 205, Grøntf. 68, Kartofler 8, Sukkerroer 87, andre Rodfr. 86), Afgræsn. 343, Høslæt, Brak, Eng m. m. 923, Have 41, Skov 592, Moser 69, Hegn 27, Byggegr. og Veje 70, Vandareal 55. Kreaturhold 1893: 252 Heste, 1077 Stkr. Hornkvæg (deraf 726 Køer), 441 Faar, 604 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 357 Td.; 41 Selvejergaarde med 346, 82 Huse med 9 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 662 (1801: 435, 1840: 550, 1860: 640, 1880: 691), boede i 125 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomhed, 438 af Jordbr., 3 af Gartneri, 111 af Industri, 13 af Handel, 61 af forsk. Daglejervirks., 11 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Falkerslev* (i Vald. Jrdb. Fulcarslef), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Telefonstation og Mølle; *Virket* (i Vald. Jrdb. Wirky) med Telefonstation; *Truelstrup* (i Vald. Jrdb. Thrulstorp) med Mølle. — Hovedgaardene: *Skjørringegaard* har 117 Td. Ager og Engs Hrtk. og 7 Td. Skovsk., 1335 Td. Ld. (i Falkerslev, Torkildstrup, Lillebrænde og N.-Kirkeby S.), hvoraf 100 Eng, 600 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre af Arvefæstegods (deraf Gaardene Marienlyst og Blæsbjærg) $33^1/_4$ Td. Hrtk.; til Gaarden høre et større Mejeri og en Mølle. *Dalbygaard* har $52^1/_4$ Td. Hrtk., 510 Td. Ld. hvoraf 54 Eng, 66 Skov, Resten Ager.

Falkerslev S., een Sognekommune med Annekset, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 2. Udskrivningskr.' 186. Lægd. Kirken tilhører det Mahrenholzske Legat i Nykj. i Forening med 16 Bønder i Virket.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib, Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod V. Langhuset er opført i romansk Tid, Skibet af Munkesten, Koret af Kridtsten; Spor af oprindelige Døre og Vinduer. Taarnet er bygget i sildig gotisk eller tidlig Renæssancetid af røde Munkesten og har aftrappede Gavle. Taarnrummet (overhvælvet) er forbundet med Skibet ved en stor Bue. Vaabenhuset er nyopført ved en Restauration 1862 i Stedet for et tidligere paa Sydsiden. Det indre er hvidtet. Skib og Kor have fladt Loft. Altertavlen er et Maleri (Christi Daab) af Aug. Thomsen fra 1845. Tarvelig Døbefont af Granit. Prædikestolen er et ret godt og rigt Snitværk fra Renæssancen. Over Korbuen et lille romansk Trækrucifiks. I Gulvet, dækket af Gulvflisesten, Gravsten over Eskild Gøye, † 1573.

*Skjørringegaard* (gml. Form *Skythringy*, *Skyringe*) er opstaaet af en Landsby af dette Navn. I det 15. Aarh. tilhørte den Henning Grubendal, der nævnes 1421, og hvis Søn Oluf Grubendal 1452 ejede Gaarden. Dennes Søster Elsebe var gift med Oluf Pedersen (Godow), der 1463 skrev sig til Skjørringe, og deres Søn Henning Olufsen besad Gaarden til ind i det 16. Aarh.; dog ses det, at Moderen en Tid har forholdt ham Gaarden, thi 1487, da hun var Enke, tilskrev Dronning Dorothea hende, at det var hendes Ønske, at Fru Elsebe skulde give sin Søn „et behageligt Svar med Hensyn til Skjørringe, hvorom hun tidligere havde talt med hende paa Rønnebæksholm". Henning Olufsens Datter Fru Eline Godow var gift med Hr. Henrik Gøye til Gisselfeldt, † 1533. Men Gaarden har været delt, thi Palle Andersen Ulfeldt, der var gift med Henning Olufsens Søster Regitze, skrev sig 1470 til S. Efter ham fik hans Søn Chrf. Pallesen til Jershave og Datter Ellen Pallesdatter, gift med Hans van Mehlen, denne Del. Chrf. Pallesen solgte 1527 sin Part til Hr. Johan Oxe. I August 1530 udstedte Fr. I et Brev til Hr. Henrik Gøye, at H. v. Mehlens Regnskab skulde staa aabent til næste Paaske, og i April 1532 udstedtes Stævning til ham i Kongens Navn om at møde for Danmarks Riges Raad angaaende Hr. Henriks Anke over, at han og hans Hustru i en Tid af 26 Aar havde siddet paa S., forværret denne Gaard og dens Skov og opkrævet de Afgifter, der skulde svares til Gaarden. Efter Henr. Gøyes Død ejedes Gaarden af Sønnen Eskild Gøye, hvis Enke Fru Sibylle Gyldenstjerne endnu 1598 havde den, men ikke længe efter maa hun have overladt den til sin Søn Henrik Gøye, der 1604 skødede den til Kongen imod Thureby paa Sjælland. Den tilhørte nu Kronen og lagdes af Fr. IV under Ryttergodset. Ved dettes Salg 1766 afhændedes S. (Hovedgaardstakst 102, Bøndergods 589, Tiender 35 Td. Hrtk.) for 47,056 Rd. til Kancellir., senere Justitsr. Ole Stampe († 1785), i hvis Familie den senere er forbleven. Nuv. Ejer, fra 1883, er A. G. N. Stampe. — Hovedbygningen er opf. 1816 og ombygget 1884; den er i eet Stokv. med Taarn og to Fløje. — Tæt S. V. for Gaarden har det gamle Skjørringe ligget; der ses nu hverken Vold eller Grav, men paa Stedet oppløjes mange Murbrokker.

*Dalbygaard* hørte til Skjørringe, indtil den 1846 solgtes af Arvingerne efter Kmhrinde Stampe født Rothe, for 80,000 Rd. til Forvalteren, senere Etatsr. C. Schultze († 1897), hvis Dødsbo solgte den 1898 for 295,000 Hr. Jensen, Steffensminde. — Hovedbygningen er i eet Stokv. med Straatag.

I *Virket* synes der at have ligget en gammel Hovedgaard. Aar 1430 nævnes Mogens Falster og 1494 Jørgen Falster i V. Gaarden gik i Arv til den Linie af Slægten Bjelke, der antog Navnet Falster, og tilhørte 1545 Mogens Falster (Bjelke). — Ved Virket, ved Sydsiden af Borresø, er der en aflang Højning, tæt oversaaet med Murbrokker og Kulstykker og saaledes øjensynlig Pladsen for en gammel Borg („*Trygge Slot*"), hvoreiter Søen vel har faaet sit Navn. Grav eller Vold findes ikke.

I *Falkerslev* har der ligget en Hovedgaard, der 1405 ejedes af Jes Olufsen Lunge.

I Virket skal der i tidligere Tid have været et Bystævne.

Falkerslev, til hvilket Horreby var annekteret 1650—95, var et eget Pastorat, indtil det 1695 blev Anneks til Horbelev.

**Aastrup Sogn**, det nordligste i Herredet, omgives af Horbelev Sogn, Nørre Hrd. (Maglebrænde S. og Stubbekjøbing Lands.) samt Grønsund og

Østersøen, ved hvis Kyst Falsters østligste Punkt *Hestehoved* ligger. Kirken, mod V. i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil Ø. S. Ø. for Stubbekjøbing. De bakkede og bølgeformede Jorder ere lerede og sandede. Over $^1/_5$ af Arealet er dækket med Skov (Østersk.). En Del Tørvemoser. Noret eller Næsvejle, der fra Grønsund trængte ind mod S., er nu udtørret. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Stubbekjøbing til Grønsund Færge.

Fladeindholdet 1896: 6688 Td. Ld., hvoraf 2902 besaaede (deraf med Hvede 339, Rug 334, Byg 802, Havre 499, Bælgsæd 186, Blandsæd til Modenhed 280, Grøntf. 117, Kartofler 23, Sukkerroer 80, andre Rodfr. 215, andre Handelspl. 27), Afgræsn. 482, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1652, Have 79, Skov 1399, Moser 26, Hegn 17, Byggegr. og Veje 105, Vandareal 26 Td. Kreaturhold 1893: 478 Heste, 1839 Stkr. Hornkv. (deraf 1221 Køer), 1775 Faar, 906 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 682 Td.; 83 Selvejergaarde med 576, 2 Fæstegd. med 4, 207 Huse med 50 Td. Hrtk. og 28 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1564 (1801: 1033, 1840: 1285, 1860: 1434, 1880: 1496), boede i 309 Gaarde og Huse; Erhverv: 67 levede af immat. Virksomhed, 987 af Jordbr., 13 af Gartneri, 76 af Fiskeri, 240 af Industri, 26 af Handel, 25 af Skibsfart, 56 af forsk. Daglejervirksomh., 66 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv. Fiskeriet er af nogen Betydning.

I Sognet Byerne: *Aastrup* (i Vald. Jrdb. Asthorp) med Kirke, Spare- og Laanekasse for Aastrup S. og Omegn (opr. $^{11}/_1$ 1857; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 735,113 Kr., Rentefoden $3^3/_5$ pCt., Reservefonden 50,268 Kr., Antal af Konti 1299) og Mølle; *Moseby* (i Vald. Jrdb. Morknæsby) med Præstegd., Skole, Andelsmejeri og Telefonstation; *Vejringe* (i Vald. Jrdb. Wætring og Wedringy) med Skole, Telefonstation og Mølle; *Ore*, ved Landevejen, med Pogeskole; *Rodemark*; *Næs*. *Hesnæs*, Huse, Fiskerleje med Skovridergd., Havn (8 F. Vand) og Pakhus. *Søborghuse*. *Sortenshave*, Gaarde og Huse. Mellem Aastrup og Vejringe et Forsamlingshus (opf. 1897). Færgegaard, nu nedlagt, med Overfart til Møen (ved Færgebroen 6 F. Vand), Lodshuse. Ved *Hestehoved Fyr* et 11 F. højt Fyrhus og *Lodshuse*. — Hovedgaarden *Carlsfeld* har $79^1/_4$ Td. Hrtk., 654 Td. Ld., hvoraf 80 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre 8 Arbejdshuse og 1 Vandmølle. *Næsgaard*, med Classenske Fideikommis' Agerbrugsskole, har 60 Td. Hrtk., 597 Td. Ld., hvoraf 87 Eng, 6 Skov, 188 inddæmmet Areal (Næsvejle, indd. 1855), Resten Ager (under Gaarden drives Jorderne af den nu nedlagte Gaard *Garnevraa* og Grønsund Færgegaard, begge indfattede under Næsgaards Areal). Carlsfeld og Næsgaard høre under det Classenske Fideikommis (se S. 296) — *Præstegaarden* har $16^5/_8$ Td. Hrtk., 131 Td. Ld., hvoraf omtr. 40 opdyrket Mose, 4 Skov, 7 Have og Gaardspl., Resten Ager.

Aastrup S., en egen Sognekommune, hører under Stubbekjøbing Herreds Jurisdiktion (Stubbekj.), Maribo Amtstue- (Filial i Nykj.) og Stubbekjøbing Lægedistr., 5. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 2. Udskrivningsk.' 188. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere.

*Kirken*, beliggende paa en høj Banke, bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere i romansk Tid opførte af røde Munkesten. Der ses flere (nu tilmurede) oprindelige, rundbuede Vinduer og Døre (jfr. Tegn. af ældre nord. Arkit. 2. S., 1. R. Pl. 16 og 2. S., 2. R. Pl. 18). Taarnet er opført af store, røde Munkesten med aftrappede Gavle. Vaabenhuset, af røde Munkesten, har aftrappet Gavl med Blindinger. Det indre er hvidtet. Skibet har Hvælvinger, Koret, Taarnrummet og Vaabenhuset fladt Loft. Taarnrummet er aabent ind til Skibet med en stor Bue. Altertavlen er et Maleri af Westphal fra 1838 (Christus i Emaus). Døbefont af Kalksten. Prædikestol ganske som den i Falkerslev. Nyt Pulpitur. Over Korbuen et lille, ret godt udført romansk eller tidlig gotisk Krucifiks. Mindetavle

over den for sin udmærkede Styrelse af det Cl. Fideikommis bekendte Geheimer. P. H. Classen, † 1825, opsat af Sognemænd; Series pastorum. I Korgulvet en Ligsten over Præsten Theophilus Joh. Sadolin, † 1612. Den største Klokke, uden Aarstal, er fra den senere Middelalder. — Paa Kirkegaarden ligge begravne bl. a. Sognepræsterne Chr. H. Biering, † 1804, bekendt som Digter og dygtig Landmand, Prof. J. H. Smidth, † 1847, bekendt som Digter og Botaniker, og N. D. B. Glahn, † 1892.

*Moseby Præstegaards Have,* omtr. 5 Td. Ld., der tidligere var bekendt for sine mange Anlæg og Snurrepiberier fra den Tid, den under Kirken nævnte Biering var Præst her 1760—1804 (se *Wedel*, Indenlandsk Rejse gjennem de betydeligste og skjønneste Egne i de danske Provinser, S. 260 fl.), hvilke nu for en stor Del ere forsvundne, har haft stor Interesse ved sine mange sjældne Planter, der skyldes Bierings Eftermand, Botanikeren J. H. Smidth. Haven „udmærker sig paa samme Maade paa Falster som Grev Rabens ved Aalholm paa Lolland" siger *Hage*, Beskr. af Maribo Amt, S. 333; nu ere flere forsvundne. Af Træerne nævnes: en 58 F. høj Fagus purpuraea, Blodbøg (St. Omf. 8 F. 4 T.), en 40 F. høj Fagus heterophylla, en 50 F. høj Populus laurifolia, en 125 F. høj Populus monilifera (kanadisk Poppel), hvis St. næsten er 16 F. i Omf., en omtr. ligesaa høj Ædelgran, en Tilia grandifolia, hvis Krone er 75 F. i Diam., en 72 F. høj Acer dacycarpum og en Mespilus germanica (Mispel), hvis St. er omtr. 6 F. i Omf., m. fl.

Om *Carlsfeld* se under Korselitse S. 295. — *Næsgaards Agerbrugsskole* blev oprettet if. J. F. Classens Testamente af 1792 og var færdig til at tages i Brug 1800; men da der kun meldte sig een Elev, blev den efter et Par Aars Forløb opgiven og Virksomheden forlagt til Kbh., og først 1849 blev Virksomheden genoptagen. Den bekendte Prof. i Statsøkonomi O. Chr. Olufsen var den først ansatte Lærer paa Næsgaard. Paa Bygningens Endegavl blev der 1861 opstillet Classens Buste, en forstørret Gengivelse efter Wiedewelts Original, som nu findes i Kjøbenhavns Tøjhus.

I Borrehuset (nu nedrevet) ved Grønsunds Færgested levede den bekendte Marie Grubbe († 1718) — hvis forunderlige Livsførelse har inspireret St. St. Blicher til „En Landsbydegns Dagbog" og J. P. Jacobsen til „Marie Grubbe" —, gift med sin tidligere Kusk Søren Sørensen Møller. Ludv. Holberg, der opholdt sig i Borrehuset under Pesten i 1711, medens Søren Sørensen var arresteret for et i Vaade begaaet Drab, fortæller (89. Epistel) om hende, hvorledes hun i Samlivet med den raa Mand følte sig lykkeligere end i sine to første Ægteskaber med Gyldenløve og Dyre.

Aar 1410 nævnes Johannes Olavi in *Astorp*.

Yderst paa *Kongsnæs* N. for Carlsfeld, en isoleret Banke, der tidligere har været omflydt af Vand paa de tre Sider, ses Rester af en gammel, befæstet Plads, hvor der er fundet store, røde Mursten. — I Lavningen ved Aaen Ø. for Carlsfeld synes der ogsaa at have været et gammelt Borganlæg, og et tredje skal have ligget paa den isolerede Banke „Præsteborren" eller „Borgvold" 1000 Al. V. for Færgestedet. I Østerskov findes langs Strandkanten flere Skanseanlæg fra Svenskekrigen og fra 1809.

I de under det Cl. Fideikommis hørende Skove er der fredlyst 67 Gravhøje, til Dels liggende i Grupper, 3 Jættestuer og en Langdysse, „Ornehøj", med 35 svære Randsten og omsluttende en Jættestue (undersøgt 1843 af Kronprins Frederik).

---

Paa Falster har, uvist hvor, ligget en Hovedgaard *Bredema*, der 1349 tilhørte Niels Jensen af Bredhæmathæ og siden af Markvard Steen blev solgt til Dronning Margrethe. Adels-Lexik. vil endog kende en Adelsslægt af Navnet Brythemath, da Hamsfort nævner Claus og Hennekinus Brythemath de Falstria.

# Odense Amt

Odense Amt bestaar af den nordlige, større Del af Fyn og Øerne Thorø, Baagø, Brandsø, Fænø og Æbelø i Lille Bælt og Romsø i Store Bælt samt nogle Smaaøer ved Nordkysten og i Odense Fjord. Amtet omgives mod Ø., N. og V. henholdsvis af Store Bælt, Kattegat og Lille Bælt, mod S. grænser det til Svendborg Amt. Kysterne ere en Del indskaarne. Mod N. Ø. ligger N. for Kjerteminde Bugt Halvøen Hindsholm mellem Store Bælt og den fra Kattegat indtrængende Odense Fjord; V. for denne sidste afsættes Næraa Strand paa Nordkysten; mod N. V. udgaar der en Halvø, hvorved Indsnævringen i Lille Bælt dannes. Men navnlig er Kysten langs Lille Bælt S. for denne Halvø stærkt indskaaren. Her følge: Halvøen Hindsgavl, Gamborg Fjord, Halvøen Fønsskov, Føns Vig, Tybring Vig, Tversnæs, Aakrog Bugt og endelig Helnæs Vig, som skyder sig ind mellem Halvøerne Helnæs i Odense Amt og Horneland i Svendborg Amt. Overfladen er gennemgaaende temmelig bakket og bølgeformet samt højtliggende mod V. og S. V., hvor Øens nordvestl. Vandskel i store Bugtninger gaar over Fyns højeste Punkter: Frøbjærg Bavnehøj, 417 F., 131 M., og Vissenbjærg, 410 F., 129 M., for at ende ude ved Strib. Derimod er den nordlige og østlige Del mere lavtliggende og jævn, navnlig i „Sletten", Egnen V. for Odense Fjord; ogsaa Kysten mod N. langs Lille Bælt er lav og jævn, dog nærme Bakkerne sig her temmelig nær til Kysten. En Undtagelse fra den øvrige nordl. Del danner dog den stærkt kuperede Halvø Hindsholm, i hvilken Øens nordøstl. Vanskel løber ud, og straks ved Indgangen til Halvøen

mellem Odense Fjord og Kjerteminde Bugt i Munkebo Bakker hæver sig til 186 F., 58,$_4$ M. (Loddenhøj). Amtet er næsten overalt dækket af Rullestens leret, dog fremtræder enkelte Steder ogsaa Rullestenssandet, som i Hindsholmen og i Egnen om Bogense. Hvad Frugtbarheden angaar, staar Amtet noget over Gennemsnittet af Øernes Amter; der beregnedes ved Matr. at gaa $9^3/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. (1025 Td. Hrtk. paa 1 □ Mil, svarende til Takst 12,$_7$). Søerne ere faa og ubetydelige. Det største Vandløb er Odense Aa, der dog udspringer i Svendborg Amt; den løber mod N. V. og N. og falder i Forening med Odense Kanal ud i Odense Fjord. Af andre Vandløb paa Øens nordl. Skraaning nævnes Stavis Aa, der løber mod Ø. til Odense Kanal, og Storaa, der løber mod N. ud i Lille Bælt (Baaring Vig). Paa Øens vestl. Skraaning løbe to større Aaer ud i Lille Bælt: Brendeaa og Haarby Aa, hvis Bækkener adskilles ved det Højdedrag, hvori Øksnebjærg, 270 F., 85 M., ligger. Skovarealet, 20,140 Td. Ld., er i Forhold til de andre Amter ikke særlig betydeligt.

Amtets Størrelse er if. Arealopgørelsen 1896: 32,$_{41}$ □ Mil (1784,$_5$ □ Km.); det er det største af Øernes Amter. Af det saml. Fladeindhold udgør Købstæderne 0,$_{59}$ □ Mil (32,$_9$ □ Km.). Det hele opmaalte Fladeindhold, hvori Søplanens Vandarealer (2095 Td. Ld.) ikke ere medregnede, opgjordes $^{16}/_7$ 1896 til 321,398 Td. Ld. (omtr. 176,770 Hekt.). Heraf var besaaet Fladeindhold 155,778 Td. Ld. (deraf med Hvede 6616, Rug 28,113, Byg 35,160, Havre 34,177, Blandsæd til Modenhed 24,274, Boghvede 341, Bælgsæd 608, Kommen og Raps 75, Frøavl 1106, Kartofler 3246, Sukkerroer 6163, Foderroer 8953, Grøntfoder 6523, Hør og Hamp samt Havesager 274, Tobak 138); der henlaa til Brak 28,857, til Høslæt og Afgræsning 74,655; Engarealet var 14,341 Td. Ld. Fladeindholdet af Have var 5508, af Skov 20,140, Moser 4931, Kær og Fælleder 3589, Heder m. m. 661, Flyvesand 91, Stenmarker 756, Byggegrunde, Veje osv. 8880, Hegn og Læplantninger 2170 samt Vandarealer uden for Søplanen 1040 Td. Ld. Af samtlige Øernes Amter har dette Amt det største besaaede Areal, og her inden for atter det største „Kornareal"; dette skyldes i Særdeleshed den stærkt udbredte Havredyrkning, ligesom ogsaa Avlen af Blandsæd til Modenhed og af Rug er større end i noget andet Amt. Boghvededyrkningen spiller nogen Rolle, men er i stærk Aftagen i den nyere Tid; derimod er Dyrkningen af Sukkerroer tiltagen betydeligt, og den er af stor Betydning, om end ikke saa stor som paa Laaland-Falster. Endelig kan nævnes, at der til Frøavl er udlagt et langt større Areal her end i noget andet af Øernes Amter, ligesom dette Amt er det eneste i Landet, hvor der drives Tobaksavl af nogen Betydning (mrk. dog Egnen om Fredericia). Foderroearealerne ere betydelige, og Græsarealerne ere større end i noget andet Amt paa Øerne. Der er heller ikke noget Amt i Landet, som har et saa stort Haveareal.

Af Husdyr fandtes $^{15}/_7$ 1893: 28,497 Heste, 106,612 Stkr. Hornkvæg

(deraf 68,481 Malkekøer), 53,015 Faar, 49,632 Svin, 989 Geder og 27 Æsler. Antallet af Kreaturer er særdeles betydeligt i dette Amt, og det har absolut set den største Kreaturstyrke af alle Øernes Amter. I Forhold til Arealet har Odense Amt den største Kreaturstyrke af alle Landets Amter, i Forhold til Befolkningen svarer den til Øernes Amter i Gennemsnit, og noget lignende gælder, naar Hartkornet bruges til Sammenligning. Det er særlig Antallet af Hornkvæg og Heste, som er betydeligt større i dette Amt end andetsteds; derimod er Svineavlen af forholdsvis mindre Betydning. Af Hingstene hører den største Del til den jydske Race og kun faa til Frederiksborg Racen; af Tyrene er den aldeles overvejende Del af den røde danske Malkerace; af Væderne høre de fleste til Landracen; dog er der ogsaa mange af den languldede Race (Dishley). Fjerkræavlen er meget udbredt, navnlig Hønseholdet er langt større her end i noget andet Amt; for øvrigt var ogsaa Antallet af Ænder størst her. Der fandtes 1893: 514,941 Høns, 1740 Kalkuner, 79,401 Ænder og 5125 Gæs. Antallet af Bistader var 5708, det største Antal paa Øerne efter Maribo A.

Det hele Ager og Engs Hartkorn og det halverede Skovskyldshrtk. (119 Td.) var $^1/_1$ 1895: 31,410 Td.; deraf var Købstædernes 579 Td. Landdistrikternes Hartkorn — 30,831 Td. — fordelte sig saaledes, at der fandtes 179 større Landbrug paa 12 Td. Hrtk. og derover med i alt 4873 Td., 5359 Bøndergaarde (1—12 Td. Hrtk.) med 22,869, 12,393 Huse (under 1 Td. Hrtk.) med 2984 Td. samt forskellige andre Jordlodder med i alt 105 Td. Hrtk. Endvidere var der i alt 1063 jordløse Huse i Amtet. Af samtlige Gaarde vare 4672 med 23,274 Td. Hrtk. Selvejergaarde, 279 med 1304 Td. Hrtk. Arvefæstegaarde med Ret til at sælge og pantsætte. Desuden fandtes der 587 alm. Fæstegaarde paa Livstid med 3164 Td. Hrtk. Af Husene vare 11,521 med 2619 Td. Hrtk. Selvejer- og Arvefæstehuse, hvoraf 428 jordløse. Af Fæste- og Lejehuse fandtes 1935 med 365 Td. Hrtk. (deraf 635 jordløse). Det er et særdeles stort Antal „Brug", der findes i dette Amts Landdistrikter, et Forhold, som genfindes saavel ved Betragtningen af de forskellige Størrelsesgrupper inden for Gaardene som for Husenes Vedk. Det er i Særdeleshed de smaa Gaarde (1—4 Td. Hrtk.) og Husene (navnlig de smaa med 0—$^1/_4$ Td. Hrtk.), som findes i et langt større Antal og med et langt større Hartkornstilliggende i disse to Amter end ellers paa Øerne. Derimod er Antallet af jordløse Huse ikke stort. Med Hensyn til Besiddelsesmaaden er Selveje det almindeligste. Antallet af Arvefæstegaarde er saaledes ringere end i alle de andre Amter paa Øerne; derimod findes der ikke saa faa alm. Fæstegaarde paa Livstid og med et ret betydeligt Hartkornstilliggende, kun Svendborg Amt har flere. Ogsaa inden for Husbruget er Selveje meget udbredt, og dette Amt har færrest Fæste- og Lejehuse af Øernes Amter.

Folketallet var $^1/_2$ 1890: 136,117 (1801: 66,169, 1840: 94,434, 1860: 111,614, 1880: 128,877), hvoraf Købstæderne 41,747 og Land-

distrikterne 94,370. Amtet er særdeles godt befolket, idet der kommer 4232 paa 1 □ Mil ($76_{,85}$ pr. □ Km.). Bortset fra Kjøbenhavns Amt, hvor eksceptionelle Forhold gøre sig gældende paa Grund af Hovedstadens Nærhed, er Befolkningstætheden større end i noget andet Amt. Inddeler man Befolkningen i Næringsklasser, saaledes at der til hver Klasse ikke alene regnes Forsørgere, men ogsaa hele deres Husstand, viser det sig, at 8741 levede af immateriel Virksomhed (Embedsmænd og Bestillingsmænd, Læger, Sagførere, Lærere, Videnskabsmænd osv.), 58,752 hørte til Jordbrugernes Klasse, 899 til Gartnernes, 1318 til Fiskernes, 38,165 til de industridrivendes, 10,119 til de handlendes, 1308 til de søfarendes; der var 10,002, som hørte til Gruppen „andre Erhverv", hovedsagelig forskellig Daglejervirksomhed, 4376 levede af deres Midler, og 2437 vare under Fattigvæsenet. Landbruget er Hovederhvervet, men desuden spille Handel og Industri en ret betydelig Rolle; saavel m. H. t. disse to Erhverv som til Gartneri staar Amtet kun tilbage for Kjøbenhavns Amt.

Odense Amt er i administrativ Henseende delt i 2 Amtsraadskredse. Til Odense Amtsraadskreds høre Købstæderne: *Odense*, *Kjerteminde*, og *Bogense*, og de 6 Herreder: *Odense*, *Aasum*, *Bjærge*, *Lunde*, *Skam* og *Skovby*; den har et Amtsraad paa 7 valgte Medlemmer, og den omfatter 48 Sognekommuner. Folketallet i Kredsen var 1890: 92,898 (1801: 41,917, 1840: 60,844, 1860: 73,504, 1880: 86,829). Kredsens Landd. Hartkorn var 19,358 Td. Til Assens Amtsraadskreds høre Købstæderne *Assens* og *Middelfart* og de 2 Herreder *Baag* og *Vends*; den har ligeledes et Amtsraad paa 7 valgte Medlemmer og omfatter 30 Sognekommuner. Folketallet i Kredsen var 1890: 43,219 (1801: 24,252, 1840: 33,590, 1860: 38,110, 1880: 42,048). Kredsens Landd. Hartk. var 11,473 Td.

Med Hensyn til Amtskommunens finansielle Forhold i Aaret $^1/_4$ 1897—$^{31}/_3$ 1898 udgjorde for Odense Amtsraadskreds Udskrivningen paa Kredsens Hartkorn 271,098 Kr. (14 Kr. pr. Td. Hrtk.), Indtægt af Aktiver 14,019; af Udgiftsposterne vare de væsentligste: Vejvæsenet 99,821, Medicinalvæsenet 59,986, Justits-, Politi- og Fattigvæsenet 57,557, Amtsskolefonden 14,503, Dyrlægevæsen 8970 Kr. Amtsrepartitionsfonden ejede $^{31}/_3$ 1898 i Panteobligationer og Kapitaler 120,354, i Jærnbaneaktier 268,000 Kr. og faste Ejendomme til en Værdi af 550,000 Kr.; den skyldte 559,616 Kr. bort. Amtsfattigkassen udredede s. Aar til døvstummes Oplærelse 2563 Kr., til sindssyges og Idioters Bevogtning og Underhold 9760 og fik sine væsentligste Indtægter ved Tilskud fra Amtsrepartitionsfonden 12,500, Bøder 994 og $^1/_4$ pCt. Afgift 690. Amtsfattigkassen ejede $^{31}/_3$ 1898: 9386 Kr. i Panteobligationer og Kapitaler. I Assens Amtsraadskreds var Udskrivningen paa Kredsens Hrtk. 126,176 Kr. (11 Kr. pr. Td. Hrtk.); af Udgiftsposterne vare de væsentligste: Vejvæsenet 49,766, Medicinalvæsenet 32,347, Justits-, Politi- og Fattigvæsenet 37,244, Amtsskolefonden 10,324

og Dyrlægevæsenet 1606 Kr. Fonden ejede $^{31}/_{3}$ 1898 i Panteobligationer og Kapitaler 11,873, faste Ejendomme til en Værdi af 228,400 og skyldte 186,208 Kr. bort. Amtsfattigkassen udredede s. Aar til døvstummes Oplærelse 721 Kr., til sindssyges og Idioters Bevogtning og Underhold 4112 og fik sine væsentligste Indtægter ved Tilskud fra Amtsrepartitionsfonden 4000 og $^{1}/_{4}$ pCt. Afgift 422 Kr. Amtsfattigkassen ejede $^{31}/_{3}$ 1898: 5320 Kr. i Panteobligationer og Kapitaler. — Med Hensyn til Købstædernes finansielle Forhold henvises til Afsnittene om hver enkelt By. — For Sognekommunerne anføres følgende: I Odense Amtsraadskreds udgjorde de paalignede Skatter i 1896 paa Hartkornet 262,228 (gmstl. $12_{,82}$ Kr. pr. Td. Hrtk.), paa Formue og Lejlighed 116,207; Indtægt af Aktiver var 48,820 Kr., Afgifter efter Næringsloven 15,974; desuden udrededes Naturalarbejde uden for Paaligningen til et Beløb af 11,269 Kr. De væsentligste Udgifter vare: Fattigvæsen 167,258 Kr., Skolevæsen 129,618, Alderdomsunderstøttelse 87,122 (deraf 42,113 i Tilskud fra Staten) og Vejvæsen 61,521 Kr. Sognekommunerne ejede i Slutningen af 1896 i Kapitaler 463,899 Kr., faste Ejendomme til en Værdi af 1,475,397 Kr. og skyldte 550,657 Kr. bort. Under Sogneraadenes Bestyrelse stode Legater til et Beløb af 65,322 Kr. I Assens Amtsraadskreds udgjorde i 1896 de paalignede Skatter paa Hrtk. 177,423 Kr. (gmstl. $14_{,10}$ Kr. pr. Td. Hrtk.), paa Formue og Lejlighed 61,447 Kr; Indtægt af Aktiver var 26,409 Kr., Afgifter efter Næringsloven 9808; desuden udrededes Naturalarbejde uden for Paaligningen til Beløb af 28,045 Kr. De væsentligste Udgifter vare: Fattigvæsen 101,129 Kr., Skolevæsen 87,917, Alderdomsunderstøttelse 50,999 (deraf 24,273 i Tilskud fra Staten) og Vejvæsen 41,252. Sognekommunerne ejede i Slutningen af 1896 i Kapitaler 71,768 Kr. og faste Ejendomme til en Værdi af 903,514 og skyldte 238,361 Kr. bort. Under Sogneraadenes Bestyrelse stode Legater til et Beløb af 45,881 Kr. — Paaligningen pr. Td. Hrtk. til Sogn og Amt er ikke særlig stor i disse Amtsraadskredse og naar ikke Gennemsnittet for Øerne.

Amtet hører til 6. Landstingskreds og har 8 Folketingskredse.

I gejstlig Henseende hører Amtet under Fyns Stift og indbefatter 6 Provstier: 1) Odense Købstads Provsti, 2) Odense Herreds Provsti, 3) Bjærge og Aasum Herreders Provsti, 4) Lunde, Skam og Skovby Herreders Provsti, 5) Baag Herreds Provsti og 6) Vends Herreds Provsti.

I jurisdiktionel Henseende omfatter Amtet, foruden de 5 Købstadsjurisdiktioner, 8 Landjurisdiktioner: 1) Odense Herred, 2) Bjærge-Aasum Herreder, 3) Hindsholms Herreds Jurisdiktion (Dele af Bjerge Hrd.), 4) Lunde-Skam Herreder samt Grevskabet Roepstorffs Birk (de sidste 3 Sogne af Skam Hrd.), 5) Skovby Herred, 6) Baag Herred, 7) Vends Herred, 8) Wedellsborg Birk (Dele af Baag og Vends Herreder).

Amtet hører til 3. Udskrivningskreds og til Fyns Stiftsfysikat; der er 6 Lægedistrikter: 1) Odense By, 2) Odense Landdistrikter, 3) Kjerte-

minde, 4) Bogense, 5) Assens og 6) Middelfart. Med Hensyn til Oppebørselen af Skatter danner Amtet 2 Amtstuedistrikter, nemlig Odenses for Odense, Bjærge, Aasum, Lunde, Skam og Skovby Herreder og Assens' for Baag og Vends Herreder. Amtet har for Tiden 9 Branddirektorater: 5 for Købstæderne og 4 for Landdistrikterne (et for Odense, Aasum, Bjærge og Lunde Herreder, et for Skam og Skovby Hrd., et for Baag og et for Vends Hrd.).

Odense Amt var fra 1660 delt i 4 Amter: *Odense Amt* (fra først delt i *Odensegaards* eller *St. Hans Klosters*, *Dalum Klosters* og *St. Knuds Klosters* Amter), der indbefattede Odense, Bjærge, Aasum, Lunde og Skam Herreder, *Rugaards Amt*, hvortil hørte Skovby Herred, *Assens* eller *Hagenskov Amt*, der omfattede Baag Hrd., og *Hindsgavls Amt*, hvortil hørte Vends Hrd.; 1809 bleve de forenede til det nuv. Odense Amt.

**Litt.**: *J. Aall Hofman* (*Bang*), Odense Amt, beskr. efter Opfordr. af Landhusholdningsselskabet, Kbh. 1843.

---

# Odense

Odense Købstad, den tredjestørste i Landet, ligger i Odense Herred under $55^0\ 23'\ 43{,}_{58}''$ n. Br. og $2^0\ 7'\ 19''$ v. L. for Kbh. (beregnet for St. Knuds Kirkes Taarnspids). Byen ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. for Odense Fjord, med hvilken den staar i Forbindelse ved den 13,300 Al. lange Odense Kanal, paa begge Sider af Odense Aa, største Delen dog N. for Aaen, over hvilken føre 4 større Broer, nemlig Frederiksbro, Albanibro, Langebro og Klarabro, samt flere mindre Broer (se S. 333). Midt i Byen deler Aaen sig i to Arme og danner en lille, langagtig Ø. Byen er lejret paa et i det hele taget fladt Terræn; højeste Punkt er ved Vaabenhuset ved St. Knuds Kirke, $43{,}_8$ F., $13{,}_7$ M.; i Vestergade ud for Lille Graabrødrestræde er der 41 F., $12{,}_9$ M. Afstanden fra Nyborg er $3^1/_2$, fra Kjerteminde $2^1/_2$, fra Bogense $3^1/_2$, fra Middelfart 6, fra Assens $4^1/_2$, fra Faaborg $4^1/_2$ og fra Svendborg $5^1/_2$ Mil (ad Jærnbanen resp. 4 Mil, $29{,}_8$ Km., $4{,}_{29}$ Mil, $32{,}_{28}$ Km., $4{,}_{97}$ Mil, $37{,}_4$ Km., $6{,}_{55}$ Mil, $49{,}_5$ Km., $6{,}_{25}$ Mil, 47 Km., $6{,}_7$ Mil, $50{,}_4$ Km., $6{,}_{25}$ Mil, $46{,}_8$ Km.). Byens største Udstrækning fra V. til Ø. er omtr. 5000 Al., fra N. til S. omtr. 3700 Al. Fra den centrale Del

er der lange Udløbere af Bebyggelse langs Landevejene, særlig Kjertemindeog Faaborgvejen. Hovedaaren er den fra S. V. til N. Ø. løbende, omtr. 1100 Al. lange Vestergade, der mod Ø. deler sig i Overgade, som fører ud til Landevejen over Aasum til Kjertemïnde, og Nedergade, som fører til Frederiksbro, hvorfra Frederiksgade fører gennem Albanikvarteret ad Landevejen til Nyborg; mod V. fører Vestergade ud til Vesterbro, som udmunder i Landevejen til Middelfart, medens Søndergade gaar fra Vesterbro mod S. Ø. og gennem „Heden" fører ad Landevejen til Assens. Lige ved Vestergades Sydside ligge Byens største Pladser, som danne dens Centrum, og hvor der foregaar en livlig Torvehandel: Flakhaven, Klingenberg og Albani Torv, tils. omtr. 33,000 □ Al. Mod N. føre flere større Gader, saaledes fra Vestergade Kongensgade og den i de sidste Aar anlagte, fra Graabrødrestræde og Graabrødretorv gaaende Jærnbanegade, som begge føre ud til Stationsvejen, og fra Overgade Nørregade, der gaar over Fisketorvet og leder ud til Havnen og Landevejen til Bogense. Fra Nørregade snor Vindegade sig mod V., N. om den gamle Del af Byen for at udmunde i Vesterbro. Denne ældre Bydel, i hvilken tidligere løb et lille Vandløb, Rosenbæk (1866-67 blev den reguleret, og nu er dens Vand for største Delen afledet, inden det naar Byen), er uregelmæssig bygget med til Dels krumme og snævre Gader, hvorimod de nye Kvarterer mod N. V. ved Stationen og mod S. Ø., S. for Aaen, det saakaldte Albanikvarter, have lige og brede Gader. Byens Gader ere i det hele godt brolagte, enkelte asfalterede. I den gamle Bydel er der endnu bevaret en Del interessante Bindingsværksbygninger fra 16. og 17. Aarh. I øvrigt ere Husene godt byggede og store; i de senere Aar er der vokset en Del af de fra de større Byer bekendte Bykaserner i Vejret. I det hele har Odense et fra de almindelige danske smaa Købstæder noget forskelligt Præg, hvortil ogsaa den Omstændighed, at den er Garnisonsby, bidrager. Dens centrale Beliggenhed gør den til Fyns Hovedstad; her samles Jærnbanelinierne, som udvide dens Opland, Industri og Handel er i stærk Fremgang, og Byen vokser mere og mere i de senere Aar, navnlig mod S., noget mindre mod V., mindst mod Ø. over „Kræmmermarken" (1868 købte Byen denne af Aalykkegaard for 55,000 Rd.); i dens Yderkanter foregaar en spredt Bebyggelse, til Dels i Villastil.

Byens Købstadsgrund udgjorde Okt. 1898 6,858,823 □ Al. (omtr. 490 Td. Ld.)*) og Markjorderne 24,253,275 □ Al. (omtr. $1732^1/_2$ Td. Ld.). Byen havde da 123 Gader og Stræder (saml. Længde, $4,_{18}$ Mil, $31,_5$ Km.) og 7 Torve og Pladser (tils. $4,_{15}$ Td. Ld.); 1890 var der 109 Gader og Stræder ($3,_{82}$ Mil, 29 Km.). Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 2622; $^1/_7$ 1898 var der 3159, hvoraf 2747 paa den egentlige Bygrund. Hele det ved Matrikuleringen opmaalte Fladeindhold af Byen med Markjorderne var 1896 2172 Td. Ld., deraf besaaede 803, Græs, Brak og Eng 542, Have 241, Skov 63, Byggegrunde og Veje 502, Kær og Fælleder 11, Vandareal 11. Det saml. Hartk. var $^1/_1$ 1895 246 Td., hvoraf 87 dreves fra 24 Gaarde, 28 fra 380 Huse. *Kragsbjærggaard* har $14^1/_2$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 3 Skov, 3 Have og Gaardspl., Resten Ager, *Ny Møllegaard* $12^1/_2$ Td. Hrtk., 110 Td. Ld., hvoraf 5 Eng og Mose, Resten Ager (2 Huse). Desuden mærkes *Gl. Møllegd.* og *Risingsminde.*

*) Ved kgl. Resol. af $^{11}/_7$ 1877, $^5/_{10}$ 1878, $^7/_{12}$ 1882 og $^3/_{11}$ 1889 er der henlagt forskellige Arealer af St. Knuds, Vor Frue og St. Hans Landdistrikter samt af Dalum Sogn under Købstaden. I den seneste Tid er der atter Tale om en Udvidelse af Bygrænsen.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_7$ 1898 47,777,955 Kr. (Antal af Forsikringer 3154).

Med Odense Købstads Kommune ere forenede to **Landdistrikter**: *St. Knuds* og *St. Hans*, hvilke dog paa Grund af deres Størrelse ville blive beskrevne under Odense Herred.

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**St. Knuds Kirke**, som bliver beskreven særskilt (se S. 355).

**Vor Frue Kirke**, mod Ø. mellem Over- og Nedergade, er Byens ældste Kirke, der oprindelig skriver sig fra den romanske Periode. Den er væsentlig opført af røde Munkesten, men mulig har der tidligere staaet en ældre Granitkirke, hvorpaa den store Mængde Granitkvadre og profilerede Sokkelsten, som ere indmurede i den nuv. Kirke, kunne tyde. Paa Korets nordlige Side gaa saaledes Granitkvadrene paa et enkelt Sted til Tagskægget. Kirken er ofte bleven forandret og restaureret, saaledes 1467 og 1741 og i 19. Aarh., efter at den under første slesvigske Krig var bleven benyttet til Varedepot, 1851—52 under Ledelse af Bygningsinspektør C. A. Møller (en i flere Retninger uheldig Restauration, der kostede 20,000 Kr.) og 1865—67 under Ledelse af Arkitekt C. Lendorf (17,500 Kr.), ved hvilken sidste Lejlighed de i en senere Tid paasatte Renæssancegavle forandredes til Trappegavle, og Kirken befriedes for den gule Overmaling; ligeledes dekoreredes Kirkens Hvælvinger og Vægge i blaat og Guld (de oprindelige Farver); endelig er der 1897 foretaget en Restauration af det Indre. Kirken fremtræder nu som en Korskirke væsentlig i Spidsbuestil med spidsbuede Vinduer; Koret stammer dog fra romansk Tid, Beg. af 13. Aarh., og har en smuk, flad Altervæg med 3 høje, smalle, tætsiddende, rundbuede Vinduer og med rundbuede Blindinger i Gavltrekanten, til Dels prydede med Mønstermuring; til Indfatning af Vinduer og Blindinger er der anvendt glaserede Sten (se Tegn. af æld. n. Arkit. 1. S., 4 R., Pl. 15). Ogsaa synes det, som om Kirken alt i den romanske Tid har været anlagt som Korskirke; i alt Fald ere de 4 indvendige Hjørnepiller ved Korsskæringen vistnok samtidige med Koret og have megen Lighed med tilsvarende Piller i Dalum Klosterkirke (Korsfløjene have tidligere været Kapeller). Skibet har 3, hver af Korsfløjene een Krydshvælving, Koret 2 rundbuede Hvælvinger med profilerede Grather, der paa Murene løbe af paa smaa Søjler, og som vistnok ere samtidige med Koret. Mod V. findes et anseligt Taarn fra Slutn. af Middelalderen med hvælvet Underrum, som nu tjener til Vaabenhus (ved den nordl. Korsfløjs Vestside har der tidligere ligget et Vaabenhus; if. en Grundtegning af Odense fra 1593, der dog vistnok nærmest viser Byen, som den var i den katolske Tid, har Kirken haft Spir over Korset). Paa Korets Sydside ligger en hvælvet Tilbygning (opført af Domprovst Hans Urne, † 1504), som benyttes til Sakristi. Kirken er indvendig 80 Al. 9 T. lang, Koret noget over 11, Skibet noget over 14 Al. bredt, Højden til Hvælvingerne næsten 16 Al. Enkelte Rester af Kalkmalerier fra den got. Tid fandtes ved Restaurationen 1867.

Altertavlen, med et Maleri (Korsfæstelsen) af A. Dorph, er for største Delen skænket af cand. pharm., Brygger Th. Schjøtz, da Kirken 1885 maatte afgive Claus Bergs Altertavle til St. Knuds Kirke (se denne). To ret anselige Malmstager ere fra Middelalderen; interessant Kalk, vistnok fra Slutn. af 13. Aarh. (Skaalen er dog fornyet). Alterskrankens Rækværk er

et smukt Smedejærnsgitter, dels fra 2. Halvdel af 17. Aarh., dels fra 1741. Prædikestolen (restaureret 1897) er et smukt Renæssancearbejde med Himmel, Karyatider paa Hjørnerne og bibelske Relieffer i Fyldingerne, skænket 1639 af Jomfru Ide Skinkel. Døbefonten er af Træ fra 2. Halvdel af 17. Aarh. med Udskæringer og tarvelige Malerier paa Siderne. I Koret findes to Rækker Kannikestole fra Middelalderen (Rygpanel mangler) og et Krucifiks fra 17. Aarh. Orgelet, i Rokokostil, er udført 1756 af Worm, „kgl. Mayst. privilegert Orgelbygger". I Sakristiet et middelalderligt Skab med Pergamentsornamenter og smukt Jærnbeslag. Kirken har 5 Malmlysekroner. I Koret hænger en Mindetavle over Borgmester Wolrath Holm, † 1766, i sydl. Korsfløj et stort, rigt udskaaret Epitafium over Handelsmand Jørgen Larsen og Hustru Sophie Pedersdatter, † 1673, med Familiemaleri, og en lille

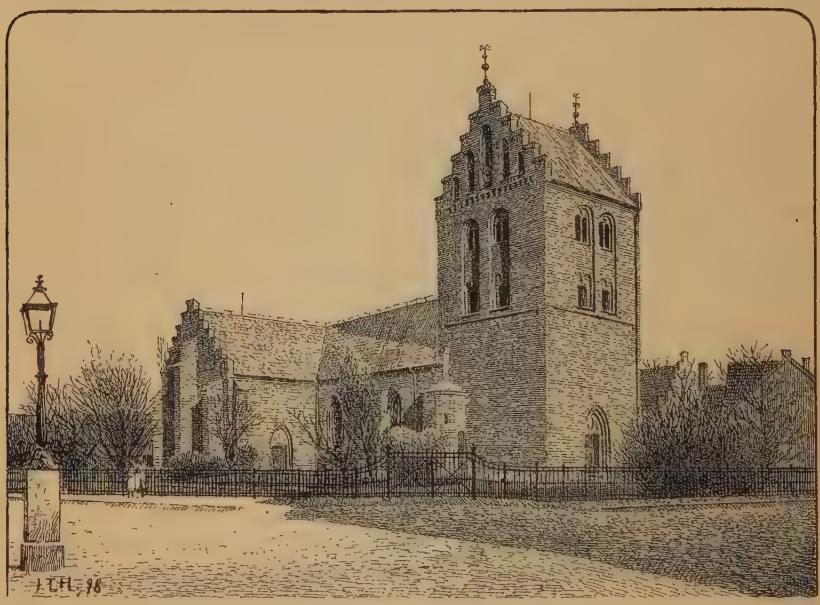

Vor Frue Kirke.

Mindetavle over Lieutn. Chr. O. v. Køker, † 1721. I Taarnrummet ere flere Ligsten opstillede og henlagte, deribl. over Kansler Jørgen Marsvin til Hollufgaard, † 1524, og Hustru, over Anne Marsvinsdatter, † 1547, over Jørgen Hartvigsen, † 1596, og Hustru Anne Sehested, over Raadmand Jac. Jespersen, † 1582, over Anne Mulesdatter, † 1568, og hendes to Mænd, over Tønne Mikkelsen, † 1558, og Peder Skriver, over Præsten Poul Andersen Medelby, † 1632, over Handelsmand Chr. Bernth, † 1668, over Præsten Fr. Chr. v. Haven, † 1739, og over ovennævnte Borgmester Wolrath Holm. Den ene af Klokkerne er støbt 1493 af Peter Hansen.

Paa den endnu ikke nedlagte Kirkegaard ligge nogle stærkt slidte Ligsten, deraf en over Jacobus Magni, præpositus, † 1453 (Kalken, han har i Haanden, har oprindl. været indlagt med Messing), og en med to adelige Vaabenskjolde, det ene Walkendorffernes, det andet Egern-Friisernes; endvidere

en over Raadmand Claus Frederiksen, † 1675. Udvendig i Koret sidder en Sten med Dewitzernes og Hahnernes Vaaben.

Ligkapellet, S. for Kirken paa Kirkegaarden, er den gamle Skolebygning for Vor Frue Skole. Den er opført 1308 af røde Munkesten i Munkeskifte, med er senere stærkt forandret og ombygget; dog ere Gavlene og søndre Side til Dels oprindelige. I nordre Mur sidde to smukke Mindesten af Sandsten, den ene med Provsten Anders Globs Vaaben, den anden med Kirkeværgerne Mikkel Mules og Anders Nielsens Vaaben og Bomærker, anbragte her efter en Istandsættelse af Bygningen 1528. Den er restaureret 1860 (jvfr. Afbildningen i Danm. Illustr. Almanak 1857, S. 95, og Tegn. af æld. n. Arkit. 2. S., 2. R., Pl. 13).

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en residerende

Vor Frue Kirkes Ligkapel.

Kapellan. Kirken ejer, foruden en Del Legater, 27,404 Kr., deraf i Prioriteter 12,656, Resten i Obligationer og Papirer; dens Gæld er omtr. 22,000 Kr.

**St. Hans Kirke**, i Nørregade, tidligere Kirke for Johanniterklosteret (se S. 349), er helt opført af Munkesten i Spidsbuestil. Dens Opførelsestid er ubekendt (paa en Sten, der er funden i Kirken, stod 1330), men der er intet i dens Enkeltheder, som tyder paa, at den er ældre end 14. Aarh. Den er i Tidernes Løb undergaaet store Forandringer og er bleven stærkt forkvaklet. Af dens Restaurationer nævnes en 1749-50 og en 1823-24 (1617 var Kirken meget brøstfældig; den nødvendige Sum til Restaurationen, 2000 Rd., befalede Kongen, at alle Kronens Kirker paa Fyn skulde udrede). Ved den sidste Restauration, der foretoges 1878-80 under Ledelse af Bygningsinspektør, Justitsr. Winstrup og Arkitekt C. Lendorf, og som kostede 68,000 Kr., har man søgt at bringe Harmoni mellem de til forskellige Tider opførte

Dele. Kirken har et højere Midtskib med 3 større og to mindre Hvælvingsfag og to noget lavere Sideskibe, hvert med 3 Hvælvingsfag og adskilte fra Midtskibet ved to svære, ottekantede Piller. Det østligste af Sideskibenes Hvælvingsfag springer et Stykke frem for de andre, saa at Kirken derved faar et Slags Korsform. Koret har samme Højde og Bredde som Midtskibet og 3 almindelige Krydshvælvinger, hvorimod Midtskibet foruden de 2 vestl. almindelige Krydshvælvinger har 3 Stjernehvælvinger. Korets Ydermure ere murede med vekslende Striber af gule og røde Munkesten, og dets store, spidsbuede Vinduer have rigt profilerede Indfatninger og,

St. Hans Kirke.

siden den sidste Restauration, murede Stave, hvorimod Skibets Vinduer ere uden Stave. Den flade Altervæg staar skævt paa Sidemurene. Taarnet, der er temmelig lavt og uanseligt (maaske en Levning af en ældre Sognekirke, St. Michaelis), er opført over Midtskibets vestl. Hvælving. Kirken er indvendig 83 Al. 4 T. lang, $12^1/_2$ Al. bred, Højden næsten 21 Al. Tidligere fandtes paa Nordsiden ud for de vestligste Hvælvingsfag i nordl. Sideskib 2 hvælvede Kapeller, hvoraf det vestligste vistnok var stiftet af Gyldenstjernerne, hvis Vaabenmærke, udf. i Mursten, stod udvendig paa Kapellets Mur; paa det andet sad udvendig et Johanniterkors (et i Enderne kløftet Kors). Ved Restaurationen 1749—50 bragtes disse Kapeller tillige

med det tidligere Sakristi, der laa paa Sydsiden, under eet Tag, som i N. og S. endte i en lav og bred Gavl. Ved den sidste Restauration nedbrødes Kapellerne mod N., og de oven omtalte Mærker indsattes i de ny Ydermure i Sideskibene, ligesom Kapellernes Gavle paa disse fornyedes. Paa det øverste af Korgavlen fandtes Aarst. 1732; ligeledes fandtes Spor af en Vindeltrappe og en Tilbygning paa Korets Nordside og Spor af en Vindeltrappe i Taarnets nordvestl. Stræbepille; der afdækkedes ogsaa nogle Kalkmalerier fra omtr. 1460 (*M. Petersen*, Kalkmal., S. 60). I en Stræbepille paa det sydl. Sideskibs vestlige Hjørne findes en mærkelig Prædikestol, der udefra viser sig som en større kvadratisk, fladbuet Gennembrydn., $8^3/_4$ F. over Jorden. Adgangen til Stolen sker fra Kirkens Indre ad en Stentrappe, der begynder i en tagformet afsluttet, lille Tilbygning indvendig i Kirkehjørnet og er ført videre gennem Muren. Formentlige Spor af lignende Prædikestole findes paa de to Hjørnestræbepiller ved den sydl. Korsarm; de ere nu tilmurede, men vise sig som fladbuede Blindinger; den østl. sidder omtr. 3, den vestl. 5 F. over Jorden; ved den sidste ses indvendig Spor efter en lign. Tilbygning som oven nævnt. Fra disse Stole har der sikkert ikke alene været prædiket, men ogsaa været fremvist Relikvier (vel ved den aarl. ved Kirken stedfindende Procession 24. Juni). Udvendige „Prædike- og Helligdomsstole" findes, saavidt vides, ikke andetsteds i Danmark, men derimod ved flere Kirker i Udlandet (se *Otte*, Handb. der kirchl. Kunstarchäol., 5. Udg. I, S. 301). Tidligere fandtes der mellem Taarnet og en Sidefløj (rimeligvis hidrørende fra Klostertiden eller dog fra den Periode, Slottet beboedes af Lensmændene) i det lige V. for Kirken liggende Odense Slot en Forbindelsesbygning, hvori stod en Kiste med Liget af Prins Chr. af Hessen

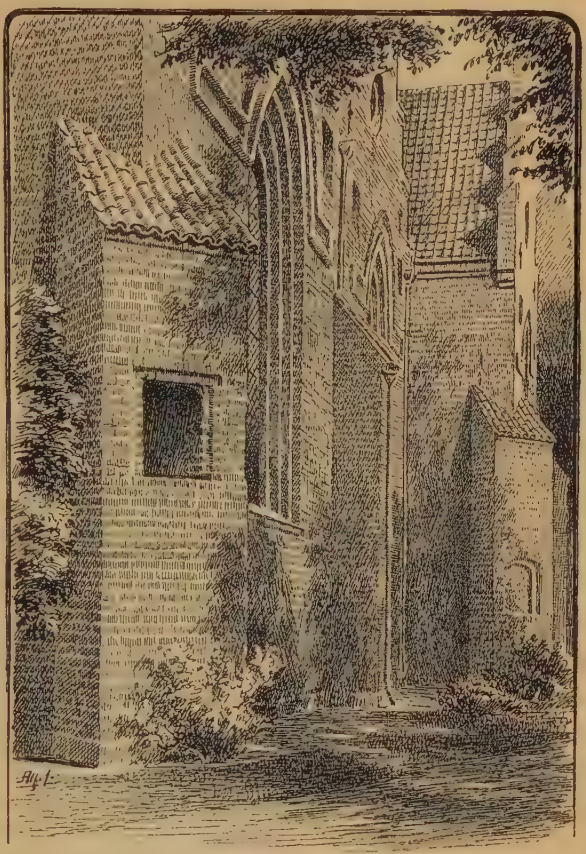

De udvendige Prædikestole i St. Hans Kirke.

(Broder til Fr. VI's Dronning Marie Sophie Frederikke), † 1814; 1862 blev Kisten overført til den hertugelige Begravelse i Slesvig, og Rummet blev omdannet til Ligkapel; ved den sidste Restauration blev Bygningen gennembrudt med en Portaabning, og Hovedindgangen til Kirken lagdes i Vestgavlen. — Altertavlen bestaar af en anselig arkitektonisk Opstilling i Barokstil med Søjler samt en Moses- og en Aronfigur paa hver Side; Tavlen omfatter et 1879 af C. Bloch malet Billede (Christus i Getsemane); paa Alteret to simple, middelalderlige Malmstager og to Sølvstager, skænkede 1721 af Stiftsbefalingsmand Chr. Lente. Udskaaren Prædikestol i sen Renæssancestil, vistnok fra 2. Halvdel af 17. Aarh. Granitdøbefont i romansk Stil med Rebsnoning. Orgelet, der er skænket 1841 af Chr. VIII, har paa Brystningen Billedskærerarbejde fra Chr. IV's Tid. I Koret et stort, rigt udskaaret Krucifiks fra Middelalderens Slutn. og et nyt Glasmaleri „en grissaille", skænket af H. Holbech (efter Tegn. af Bygningsinspektør I. V. Petersen). Kirken har 5 Malmlysekroner. I nordl. Sideskib findes en interessant Mindetavle fra 1576 over den bekendte Købmand Oluf Bager med Maleri af ham, Hustru og Børn, alle knælende, og en Fremstilling af Dommedag; Tavlen er kommen fra den S. 330 omtalte Graabrødrekirke, hvor Bager laa begravet (se i øvrigt *Vedel-Simonsen*, Odense Bys Hist. 3. Bd. S. 97 fl., og *Hanck*, Fr. II og O. Bager, Odense Skoleprogr. 1837). Kirken er ualmindelig rig paa til Dels prægtige Gravminder, som for største Delen findes opsatte indvendig langs Skibets Sider. Her nævnes Ligsten over Gert Bryske, † 1441, og Hustru Elsebe Hemmingsdatter Kabel, med begge i hel Figur (stærkt slidt, se *Løffler*, Gravst. Pl. 23); over Knud Henriksen Gyldenstjerne, † 1467, og Hustru Hilleborg Ottesdatter Skinkel, † 1494 (se dog *Løffler*, Gravst. S. 33), hvis Skjoldmærker og Indskriftsfrise, der have været udførte af Messingplader, loddede til Stenen, nu ere forsvundne; over Sønnen Henrik Knudsen Gyldenstjerne, † 1517; over Datteren Anne Gyldenstjerne, Peder Billes til Svanholm, † 1521 (afbild. i Nyerups og Abildgaards antiqu. Rejse); over Marsken Hr. Claus Rønnov, † 1486, og Hustru Kirstine Gyldenstjerne (*Løffler*, Pl. 28); over Jørgen Daa, † 1503, og Hustru Karen Gyldenstjerne, † 1528; over Hr. Predbjørn Podebusk, † 1541, og hans to Hustruer Vibeke Eriksd. Rosenkrantz og Anne Mouridsd. Gyldenstjerne; over Anne Nielsdatter Kabel, fra Slutn. af 15. Aarh. (*Løffler*. Pl. 33); over Ejler Bryske, † 1529, og Sønnen Claus B., dræbt 1537; over Joch. Hardenberg til Sandholt, † 1542, og hans to Hustruer Edele Bille og Sophie Lykke; over Mogens Rud, † 1559. Af borgerlige findes Ligsten over: Hans Pedersen Bartskær, † 1592; Peder Lauritsen Middelfart, † 1573; Simon Hansen, † 1586, og Zacharias Andersen med deres fælles Hustru Karen Pedersd.; over Oluf Bager, † 1602, og Sønnen Erik, † 1592 (for nogle Aar siden hidbragt fra Tolderlund, hvor den laa i Haven); over Brun Rensing, † 1590, og Anne Olufsdatter (Bager); over Raadmand Rich. Knudsen, † 1625, og Lisbeth Olufsdatter (Bager), † 1638; over Kirkeværge Hans Jensen, † 1644; over Kirkeværge Hans Rasmussen, † 1640; over Kirkeværge Hans Simonsen Bendrejers to Hustruer, † 1682 og 1689 (hertil er benyttet en af Kirkens middelalderlige Ligsten, den gamle Indskrift blev udsleben); over Præsten Henr. Mich. Achen, † 1798. I nordl. Sideskib et Epitafium over Chr. Nielsen Guldager, † 1641, og Gunde Marcusdatter, † 1634, samt Mindetavler over Klokker Peder Pedersen Hundrop, † 1695, over Else Lauridsdatter Grøn, † 1717, med hendes to Mænd Konsumptionsforvalter

Ove Rasmussen Juul og Borgmester Jac. Chr. Møller, over Overformynder Niels Hansen Faber, † 1711, og to Hustruer, og over Købmand Hieronymus Christiansen, † 1787. Paa Korets Nordvæg et stort, af C. H. Brenno 1727 udført Monument i Stuk over Admiral Fr. E. Gjedde, † 1717; en smuk smedet Jærndør, der tidligere har hørt til hans Begravelse, staar bag Alteret. „Tolvklokken" er fra 1496, støbt af Peter Hansen, den mindste Klokke, uden Indskr., fra 14. Aarh. — Den 1811 nedlagte Kirkegaard blev indhegnet 1857. Ligkapellet ved Korets Nordside er opf. ved sidste Restauration.

Den to Stokv. høje Præstegaard ved Kirken er opf. af Munkesten, men paa Grund af Overkalkningen kan intet siges om dens Alder. Sandsynligvis er den fra Middelalderen og er den Bygning, i hvilken det Hospital var indrettet, som hørte til St. Hans Kloster (se S. 349). Til Præstebolig blev den omdannet 1541. Aarst. 1636 paa Gavlen har sikkert Hentydning til en Reparation.

Kirken, der fra Fred. IV's Tid har været Garnisonskirke, ejer sig selv. Den ejer i Kapitaler 17,751 Kr.; den i Anledn. af sidste Restauration stiftede Gæld paa 68,000 Kr. er nu nedbragt til 61,103 Kr.

**Valgmenighedskirken**, i Dronningensgade, indviet $^{19}/_{12}$ 1886, er opført efter Tegn. af Arkitekt N. P. Jensen; den er bygget af røde Sten med Taarn og Spir. Den var oprindl. en Filial til Valgmenigheden i Sønder-Næraa og fik som saadan kgl. Anerkendelse $^{9}/_{8}$ 1883, men er fra $^{27}/_{12}$ 1897 en selvstændig Menighed.

**St. Jakobs Kirke**, en biskoppelig Metodistkirke, paa Hjørnet af Odins- og Thorsgade, indviet $^{3}/_{2}$ 1889, er opført af røde Mursten med Cementforsiringer og med Taarn og Spir efter Tegn. af Arkit. Borring.

**Katolsk St. Maria Kirke**, ved Albanitorv, indviet $^{31}/_{5}$ 1870, er indrettet i den til det adelige Frøkenkloster tidligere hørende Patronatsbolig, som Katolikerne købte 1868. Bygningen, der er uden ydre kirkeligt Præg, skriver sig vistnok fra Beg. af 18. Aarh. Der er en større og en mindre Sal; paa Alteret staa den korsfæstede og Maria og Johannes.

**Katolsk-apostolisk Kirke**, Jagtvejen, er opført 1897. Den er bygget af røde Sten, uden Taarn, efter Tegn. af Arkit. Fleischer.

**Hospitalskirken**, se S. 330.

**Assistens Kirkegaard**, mod V. i Byen, er fælles for Odense 3 Sogne. Den smukt vedligeholdte Kirkegaard, som indviedes $^{16}/_{5}$ 1811 og udvidedes 1835 og flere Gange senere, er omtr. 7 Td. Ld. Her findes bl. a. Monumenter over Krigere, der døde paa Lasaretterne i Odense i Krigene 1848-50 (119 Krigere) og 1864 (76); paa det første en Sejrens Engel, modell. af H. V. Bissen. Af kendte Mænd, der ligge begravede her, nævnes Biskop Plum, † 1834, Digteren Carl Bagger, † 1846, Digteren Emil Aarestrup, † 1856, Rektor R. J. F. Henrichsen, † 1871, Historikeren Biskop Chr. T. Engelstoft, † 1889, og Præsten og Kirkehistorikeren L. Helveg, † 1883. — Adskilt fra Kirkegaarden ved Vandværksvej ligger en lille Mosaisk Kirkegaard.

**Raadhuset**, beliggende ved Flakhaven med den 182 F. lange Hovedfacade ud til Torvet og Sidefløjene ud til Vestergade og Albanitorv, indtager et Areal af 4500 □ Al. og er opført paa den Plads, hvor det tidligere, til Dels middelalderlige Raadhus, Drengeborgerskolen og St. Knuds Kirkes Sprøjtehus laa (det gamle Raadhus maatte nedrives paa Grund af Brøstfældighed og dets ringe Størrelse; i Tiden indtil det nyes Fuldendelse havde Byens offentlige Kontorer Lokaler i den paa Klingenberg beliggende, lige dengang nedlagte Skolebygning). Raadhuset er bygget 1880—83 efter Tegn.

af Arkitekterne Etatsr. Herholdt og C. Lendorf i italiensk-gotisk Stil, dog frit behandlet. Det bestaar af 3 Fløje, hver med Kælder og 3 Stokværk, og et 146 F. højt kreneleret Taarn, med kobbertækket Spir, midt i Gaarden; Materialet er røde Mursten; 1. Stokværk er udvendig beklædt med svensk Kalksten, den smukke Portal med Indfatningen om Uret oven over den er af Sandsten. Figurerne oven paa Bygningen ere udførte af Billedhugger Axel Hansen. Bygningen har med Montering kostet 348,000 Kr. (deraf ere de 319,445 Kr. afholdte af et Kommunelaan og Raadhusbygningsfonden, Resten af Byens Kapitalformue). I Kælderen findes bl. a. 3 Anholdelseslokaler og Plads for Kaloriferovnene, der opvarme Bygningen; i 1. Stokv.: Politistation, Byfoged- og Byskriverkontor, Bolig for Opsynsmanden, Vagtlokaler, Officersforening samt Sprøjtehus og et Lokale til Brug for Byens Kødkontrol; i 2. Stokv.: Kæmner-, Bogholder- og Borgmesterkontor, Kontorer for Stadsingeniøren og Markforvalteren, Byraadets Forsamlingssal, Læseværelse og Bibliotek samt 2 Udvalgsværelser og en Sal for Ligningskommissionen og Skifteretten; i 3. Stokv.: en Arkivsal samt Festlokaler, bestaaende af en

Katedralskolen.

større, smukt dekoreret Sal (bl. a. findes der 6, af Dekorationsmaler C. Lund udførte Billeder af danske Bygninger — Frederiksborg (2), Kronborg (2), Rosenborg og Børsen —, som bleve benyttede som Loftsdekoration paa Pariserudstillingen i 1889 og senere bleve skænkede Byen; Salens øvrige Dekoration er bekostet af Byens daværende Borgmester, Konferensraad G. C. F. Koch), med tilstødende Saloner m. m. og en Spisesal med Anretterværelse.

**Ting- og Arresthuset**, i Albanigade, er fuldendt 1861 og bygget af Odense Amtskommune, der ejer $^4/_5$, og Odense Købstad ($^1/_5$) og har kostet 200,000 Kr. Det er bygget efter Tegn. af Arkitekt N. S. Nebelong i italiensk Stil af gule Mursten og bestaar af en Forbygning og en Bagbygning, hver i 3 Stokværk. I Forbygningen findes Retslokaler for Odense Byting og Politiret og for Odense Herred, Bjerge-Aasum Herreder og Lunde-Skam Herreder. I Bagbygningen findes Arrester — Plads for omtr. 50 Arrestanter —, indrettede efter Cellesystemet, og en lille Kirke. Bag Bygningen er der 9, af en 12 F. høj Ringmur indesluttede Gaarde, der løbe straaleformet sammen.

**Katedralskolen**, i Jærnbanegade, er opført 1892—94 paa et fra Odense Slots Køkkenhave erhvervet 18,500 □ Al. stort Areal og har kostet 196,000

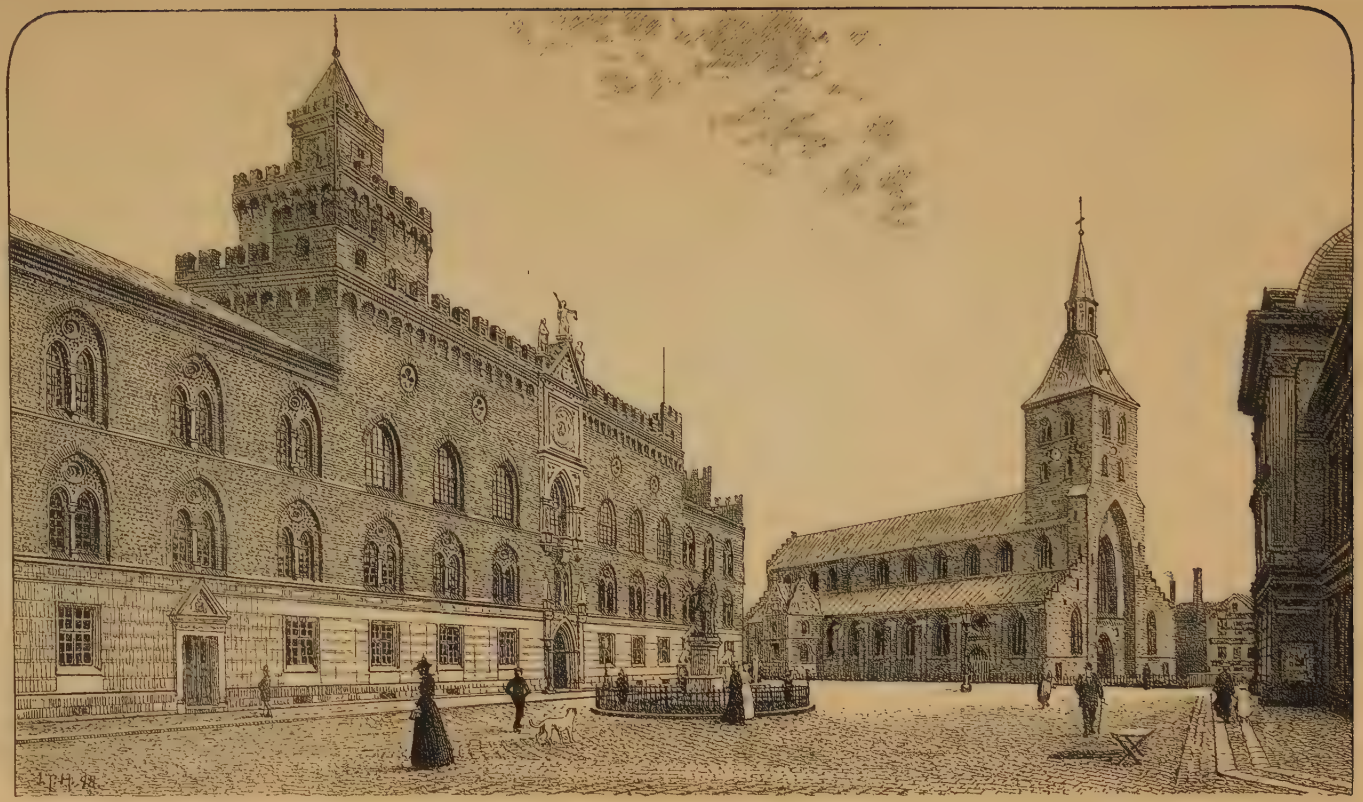

Flakhaven med Raadhuset og St. Knuds Kirke.

Kr. Den er bygget efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen af røde Mursten med Benyttelse af Motiver fra italiensk Murstensarkitektur og bestaar af tre sammenbyggede Fløje, hver i to Stokværk, med Kælder under Midtfløjen og den nordl. Fløj. I Midtfløjen findes, foruden Vestibule (med Tøndehvælving), Korridor og Trappegange (her Mindetavler, hvoraf de ældste vistnok fra 17. Aarh., over Legatstiftere), 17 større og 2 mindre Klasseværelser, Rum til fysiske og naturhistoriske Samlinger og Lærerværelse samt i Kælderen Varmeapparat, Badeanstalt, et større Legerum m. m.; i den sydl. Fløj er Gymnastiksalen i Stuen og Solennitetssalen i 1. Etage; i den nordl. Fløj optages Stue og Kælder af Rektorboligen, paa 1. Sal findes det omtr. 20,000 Bd. store Bibliotek. De tre Fløje indeslutte Skolens Legeplads, som ud mod Gaden begrænses af en lav Mur (se om Bygningen Skolens Indbydelsesskr. 1895). Skolen har for Tiden 1 Rektor, 3 Overlærere og 10 Adjunkter; i Aug. 1898 havde den 174 Elever, deraf 145 i de studerende, 29 i Realklasserne. — Den lærde Skole er egentlig opstaaet ved Forening af tre Skoler, en for hver Kirke, af hvilke den ældste, St. Albani Skole (kaldet saaledes, fordi Eleverne forrettede Sangen i St. Albani Kirke), gaar tilbage til Slutn. af 13. Aarh. og ved Reformationen opslugte de to andre. Kort efter Reformationen fik Skolen til Afbenyttelse en Bygning ved St. Knuds Kirke, som den beholdt til 1846, da den i Lille Graabrødrestræde fik en ny, der nu er Post- og Telegrafkontor, se S. 333 (se *R. J. F. Henrichsen*, Bidr. til Odense Cathedralskoles Hist., Skoleprog. 1846).

**Byens offentlige Skolevæsen** bestaar af det almindelige Skolevæsen og Mulernes Legatskole. A. Det almindelige Skolevæsen, hvis umiddelbare Ledelse er overdraget til en af Regeringen udnævnt Skoleinspektør, omfatter $^1/_9$ 1898 125 Klasser og 3906 Elever, nemlig 1) en Betalingsskole for Piger, beliggende i Overgade, opf. 1874 (tidligere benyttet af Mulernes Legatskole), med 144 Elever fordelte i 5 Klasser, med Heldagsundervisning. 2) Borgerskolen med 120 Klasser og 3762 Elever, fordelte i 20 paralelle Afdelinger (11 for Drenge og 9 for Piger), hver med 6 Halvdagsklasser, af hvilke de to yngste kaldes Forberedelsesklasser og de 4 ældste Borgerklasser. De enkelte Afdelinger ere fordelte i Byens forskellige Kvarterer saaledes: Drengeafdelingerne A.—G. med tilhørende Forberedelsesklasser, 42 Klasser med 1335 Elever, benytte *Skolerne i Jernbanegade* (tidligere kaldet Skolegade), opf. 1878—79; de tilsvarende Pigeafdelinger, 42 Klasser med 1251 Elever, benytte *Skolerne i Klaragade*, opført 1873—74 (Arkitekt C. Lendorf), og i *Holsedore*, opført 1885—86; i *Skolen i Kræmmermarken*, opf. 1888—89, undervises Drengeafdelingerne H og I, Pigeafdelingen H og de tilhørende Forberedelsesklasser, i alt 18 Klasser med 581 Elever; i *Vestre Kommuneskole*, opf. 1897 ved Vandværksvej, findes endelig Drengeafdelingerne K og L, Pigeafdelingen I og de tilhørende Forberedelsesklasser, i alt 18 Klasser med 591 Elever. Ved det almindelige Skolevæsen er, foruden Skoleinspektøren, ansat: 26 fast ansatte Lærere, 29 fast ansatte Lærerinder, 10 Lærerinder ved Forberedelsesklasserne, 10 Lærerinder i Haandgerning, 3 Gymnastiklærere, 3 Gymnastiklærerinder og 1 Timelærer, i alt 82. B. Mulernes Legatskole*),

*) Mulernes Legatskole er stiftet ved Testam. af $^{10}/_8$ 1717 og $^{18}/_3$ 1718 af Krigssekretær, Kammerr. Rasm. Mule († 1720) med 3000 Rd. til Oprettelse af 3 nye danske Skoler, til hvilke Prof. Erik Mule († 1751) 1740 gav 4 Gaarde (tils. $34^3/_8$ Td. Hrtk.) og Anna Mule († 1754), Enke efter Prof. Th. B. Bircherod, 3 Gaarde ($20^1/_4$ Td. Hrtk.); endvidere tilfaldt der Skolen 1756 af Kammerr. Rasm. Mules Arv 1500 Rd. og Flistrupgaard, der 1757 solgtes for 5060 Rd. Aar 1831 indgik Skolen under Byens offentlige Skolevæsen, dog saaledes at dens Midler bevares som en særlig Fond (1898: 116,100 Kr.).

opført 1893 paa Hunderupvej, der er traadt i Stedet for en Betalingsskole, og som ledes af en af Regeringen udnævnt Overlærer, har $^1/_8$ 1898 349 Elever, fordelte i 7 Heldagsklasser, af hvilke de 5 nederste ere dobbelte. Skolen har Ret til at afholde almindelig Forberedelseseksamen. Ved Skolen er ansat, foruden Overlæreren, 9 fast ansatte Lærere, 2 Gymnastiklærere, 1 Sanglærer og 1 Tegnelærer. — Alle tre Skolebygninger ere opførte af røde Mursten, i 2 Stokværk med Kælder; Vestre Kommuneskole benytter tillige hele Tagetagen til Skolebrug.

Desuden var der 1898 foruden Skolen i Lahns Stiftelse (se S. 334) 27 Privatskoler, med i alt 2159 Elever, deraf 4, som afholde alm. Forberedelseseksamen (Gregersens og Rasmussens, i Overgade, Gjersings Realsk., i Søndergade, Marie Wintelers Sk. med Skolekøkken, ved Klostervej, og Marie Jørgensens Skole, paa St. Hans Plads), 11 Skoler med afsluttende Undervisning uden særlig Eksamen, 4 Fællesskoler (der undervise Piger til Konfirmationsalderen og Drenge til Optagelse i andre Skoler), 7 Forberedelsesskoler (hvoraf 5 Fællesskoler) og 1 rom.-katolsk Skole.

Af andre Undervisningsanstalter nævnes: **Teknisk Skole** (opr. 1844 som „Teknisk Læreanstalt", 1859 forandret til „Teknisk Aftenskole", 1872 til „Teknisk Skole"), med en 1878—79 opf., to Stokv. høj Bygning i Frue Kirkestræde, der har kostet 78,000 Kr.; Skolen, der 1874 fik Dimissionsret til Kunstakademiet, og som fra 1877 har samme Undervisningsplan som Tekn. Skole i Kbh., har 3 Afdelinger: Aftenskolen for alle Haandværkere, Dagskolen for Bygningshaandværkere, Maskinbyggere m. fl. og Dagskolen for Malere; 1897—98 undervistes der af 33 Lærere, og Elevantallet var 735. En ny Bygning er under Opførelse, efter Tegn. af Arkitekt N. Jacobsen, i Munkemoseanlægget paa en af Byen skænket, 5000 □ Al. stor Grund; den skal rumme 29 Undervisningslokaler foruden Bolig for Forstander og Pedel og er anslaaet til 212,000 Kr. (se i øvrigt *M. Rasmussen*, Den tekn. Skole i Od. 1844—94, Odense 1894). — **Odense Seminarium**, statsanerkendt Privatseminarium, ved Hjallesevej, (indviet $^{14}/_9$ 1895) i to Stokværk, af røde Mursten, for Mænd og Kvinder; med Seminariet er forbundet en Højskoleafdeling; 1898 besøgtes Seminariet af omtr. 40, Højskoleafdelingen af omtr. 100 Elever. — **Fyns Stifts patriotiske Selskabs Landbrugsskole**, oprettet 1855, havde først Lokaler i den gamle Gymnasiebygning ved St. Knuds Kirke, men fik 1874 sin egen Bygning, opf. i Vindegade i eet Stokværk efter Tegn. af Arkitekt Haugsted, forhøjet 1898 med 1 Etage. Ved Hjælp af 11 Faglærere giver den teoretisk Undervisning i Landbrug til unge Landmænd i et Kursus fra Nov. til Juli; i Vinterhalvaaret 1897—98 har den været besøgt af 18 Elever; i det hele har den haft omtr. 1100 Elever. — Desuden er der en Husflidsskole (opr. 1867), en Sløjdskole (opr. 1888), og 4 Handelsskoler, hvoraf den ene, opr. 1877, er anerkendt af Staten.

**Provinsarkivet** for Fyn og omliggende Øer, i Jærnbanegade, er opf. 1892—93 af Staten for 140,000 Kr. efter Tegn. af Arkitekt Martin Borch og bestaar af en Arkivbygning og en Bolig for Provinsarkivaren samt en mellem disse beliggende Forbindelsesbygning. Til Arkivbygningen (118 F. lang og 42 F. bred) er benyttet Motiver fra den tidligste italienske Renæssancestil. Paa en Sokkel af Granit og røde Mursten er den opført af tildannede Kridtstenskvadre med Anvendelse af svensk Kalksten til Solbænke, Gesimsbaand og Portalen, fransk Kalksten til Hjørnekvadre og Vinduessøjler

og brændt Ler med Ornamenter til Vinduesindfatninger og Hovedgesims. Bygningen er udvendig prydet med de fynske By- og Herredsvaaben, de første i brændt Ler med Majolikafarver, de sidste udskaarne i Kridtstenen. Indvendig bestaar Bygningen af et stort Rum med et mindre for hver Ende, alle overhvælvede. Efter Højden ere Rummene delte ved et Jærntremmegulv og optages helt af Reoler til Arkivsager. Arkivarboligen og Forbindelsesbygningen ere opførte af røde Mursten med Kridtstensbaand. Arkivarboligen indeholder tillige en større Læsesal med dekoreret Bjælkeloft (se De danske Provinsarkiver, Kbh. 1893).

**Odense Museum**, i Jærnbanegade, er opført 1884—85 efter Tegn. af Arkitekt A. F. Andersen for 108,000 Kr., tilvejebragte af Etatsr., Apoteker E. G. Lotze († 1893) ved Bidrag fra det Hoppe-Bülowske Legat, Stat, Kommune, Kommunefonden, Fyns Stifts Sparekasse, Amtet og betydelige Tilskud fra private. Det bestaar af en Bygning i 3 Stokv. med Kælder,

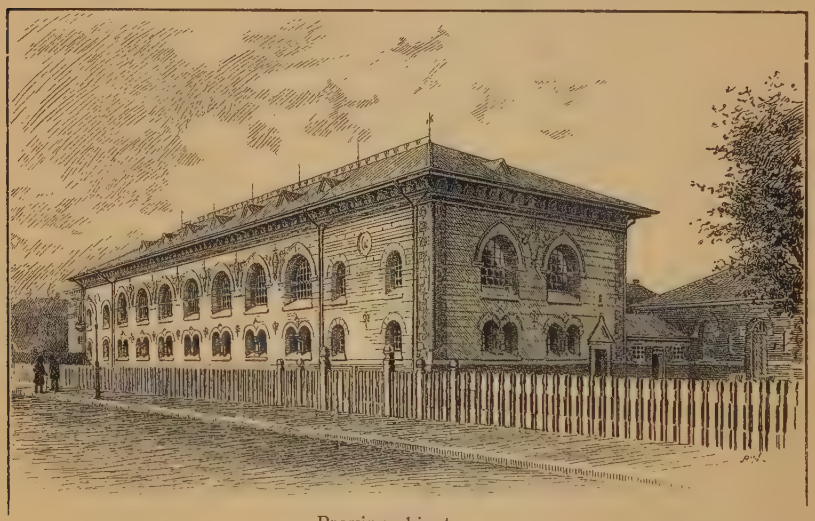

Provinsarkivet.

opført i antik Stil; paa Siderne af Hovedindgangen staa 4 kvindelige Figurer (Zoologien, Billedhuggerkunsten, Malerkunsten og Arkæologien), paa Frontespicen en Athenestatue, alle modell. af Axel Hansen. Aar 1897—98 blev Museet under Ledelse af Arkitekt N. Jacobsen udvidet med tre, 2 Stokv. høje Fløje, saaledes at det nu udgør en firfløjet Bygning, der omslutter en af et Glastag overdækket Gaard. Udvidelsen kostede 54,000 Kr., hvoraf Staten gav 21,500, Etatsraadinde Lotze 15,000 Kr., Kommunen Resten. Museet omfatter 3 Afdelinger: 1) Den hist.-antikvariske Afdel., bestaaende af a. Oldsager fra Sten-, Bronce- og Jærnalderen, b. Samlinger fra Middelalderen og den nyere Tid (deribl. Lavsgenstande, Velkomster, Stobe, Signeter osv.), c. Medaille- og Møntsamling (meget righoldig); 2) Kunstafdelingen, bestaaende af a. Afstøbninger af Antikker, b. Afstøbninger af danske Billedhuggerarbejder (Jerichau er særlig rigt repræsenteret) og c. Malerier af danske Kunstnere; 3) Den naturhist. Afdeling — Salene ere til Dels rummelige med Ovenlys. — Museet, til hvilket Begyndelsen

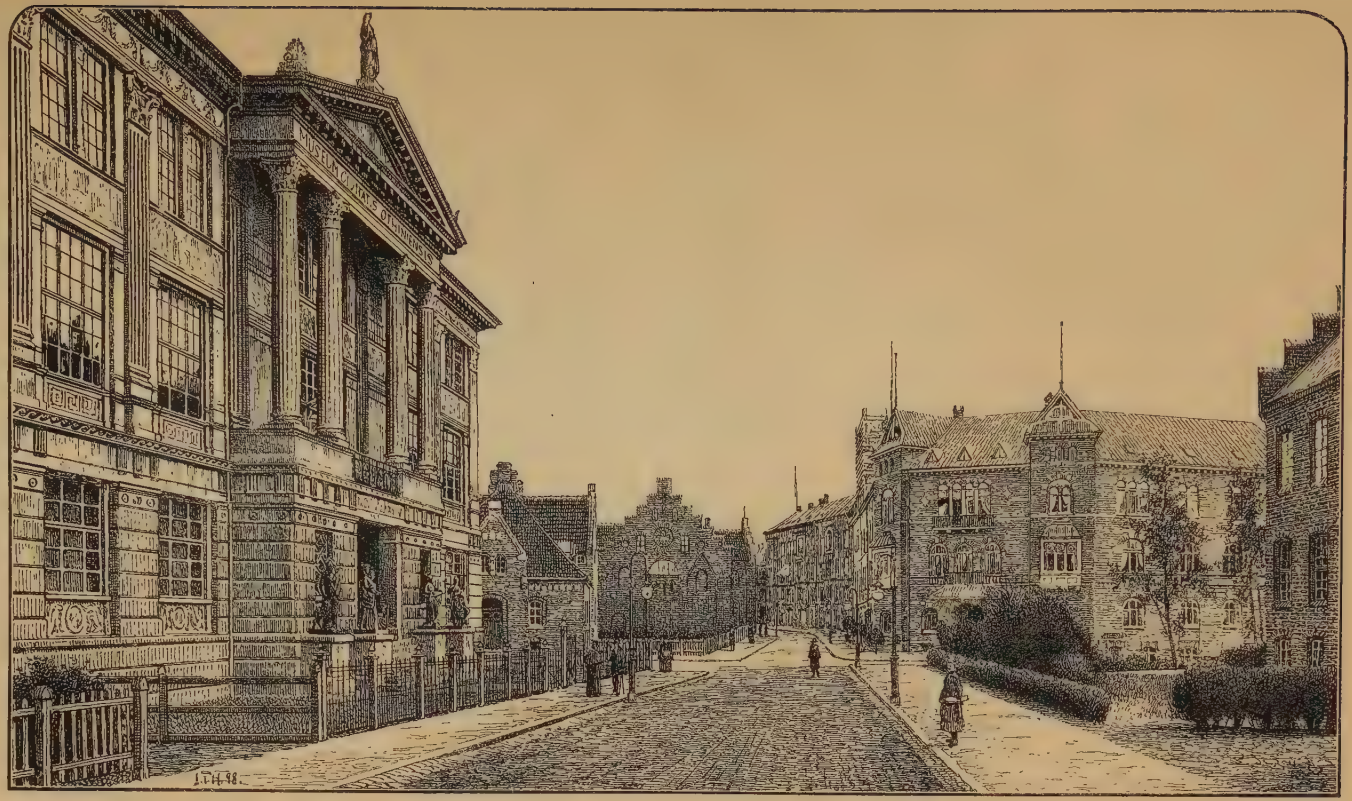

Jærnbanegade med Museet, noget af Graabrødrehospital og Grand Hotel.

blev lagt af en 1860 stiftet Forening, og som tidligere havde Lokale paa Slottet, ejes af Byen og bestyres af en af Byraadet valgt Bestyrelse paa 5 Medlemmer, hvoraf 3 kunne vælges uden for Byraadet. Samlingerne ere assurerede for 150,000 Kr; deres Righoldighed skyldes væsentlig Etatsraad Lotze og Hustru, som have skænket Museet deres værdifulde Samlinger af Oldsager, Medailler og Mønter, udstoppede Fugle, Mineralier osv.

Af Biblioteker nævnes: **Fyns Stiftsbibliotek**, i Gymnasiebygningen S. for St. Knuds Kirke, omtr. 36,000 Bd., er grundlagt 1813 efter Indbydelse af Biskop Plum og Stiftsprovst Tetens med Understøttelse af Gehejmekonferensr. J. Bülow og Gehejmekonferensr., Grev P. Bille-Brahe. Det havde først sin Plads i Vestergade; 1847 købte det Gymnasiebygningen. — **Karen Brahes Bibliotek**, i Frøkenklosteret, se S. 326. — **Katedralskolens Bibliotek**, se S. 320. — **Fyns Stifts Læseforenings Bibliotek** indeholder henved 37,000 Bd. Læseforeningen er stiftet 1838 og var i flere Aar Samlingspunktet for det politiske og selskabelige Liv i Odense; den havde først sine Lokaler paa Vestergade, senere flyttedes den til den nu nedbrudte Realskolegaard paa Flakhaven (se Anm. S. 326), og 1847 købte den den tidligere Rektorgaard paa Albanitorv, hvor Bygningen flere Gange er ombygget, sidst 1883 (Arkitekt E. Schwanenflügel). Umiddelbart ved Bygningen, mellem denne og Aaen og paa Øen mellem Aaens Arme, ligger Foreningens store og smukke Have. Foreningen tæller omtr. 2000 Medlemmer. — **Folkebiblioteket**, der tilhører den 1871 stiftede danske Arbejderforening, er omtr. 8000 Bd. — **Odense Garnisons Officersbibliotek**, paa Slottet, ejes af Staten; det er stiftet ifl. kgl. Befaling $^1/_2$ 1818 og tæller omtr. 14,000 Bd. — **Underofficerernes Bibliotek**, i St. Knuds Hotel, er omtr. 5000 Bd.

**Odense Slot**, ved Vindegade mellem Nørre- og Jærnbanegade, er opført 1719—20 paa den Plads, hvor St. Hans Kloster (se S. 349) fordum stod, til Dels med Benyttelse af Klosterets gamle Mure (dog med Undtagelse af Nordfløjen, hvor der ingen Bygning var i Klosterets Tid), og hvortil Materiale fra Nyborg Slot benyttedes. Slottet bestaar af 4, i en Firkant sammenbyggede Fløje i to Stokværk.; enkelte af Værelserne i Nordfløjens 1. Sal have smukke Stuklofter. Foruden den firfløjede Hovedbygning høre til Slottet flere Tilbygninger samt en stor, fritliggende Staldbygning, Gartnerbolig m. m. Ved en af Tilbygningerne, som vistnok ogsaa hidrører fra Klostertiden, staar Slottet som alt nævnt S. 315 i Forbindelse med St. Hans Kirke. Slottet blev fra 1789 benyttet som Amtmandsbolig, senere boede Prinserne Chr. Frederik (Chr. VIII) og Frederik (Fr. VII) her som Guvernører over Fyn. Nu er det udlejet til forskellige, deribl. Stiftamtmanden og Amtsforvalteren, som her have deres Kontorer. Ved Slottet ligger en stor og smuk Have (hvor tidligere Klosterets Ladegaard laa), „Kongens Have", med gamle Alleer af Kastanie- og Lindetræer; i Haven Statue af H. C. Andersen (se S. 338). Den store Køkkenhave er ved Anlægget af Jærnbanegade og ved at afgive Arealer til den nye Katedralskole og Provinsarkivet bleven betydeligt indskrænket.

**Bispegaarden**, i Klaragade, bestaar af en anselig, overpudset Hovedbygning af Bindingsværk, opført 1804-5 af Biskop J. Hansen i Stedet for det tidligere Stenhus (Sidebygningen er ældre og skal alt have staaet i Th. Kingos Tid) og ligger paa det Sted, hvor det af Dronning Christine oprettede St. Klare Kloster (se S. 350) har ligget (Murværket i et Par

af Gaardens overhvælvede Kælderrum kan vistnok henføres til den gamle Klosterbygning).

**Odense adelige Frøkenkloster**, mellem Albanitorv, Adelgade og Paaskestræde, er oprettet af Frøken Karen Brahe til Østrupgaard († 1736) ved Fundats af $^{8}/_{11}$ 1716 (konf. $^{15}/_{3}$ 1717), der tillige skænkede sit efter Moderens Faster Anne Gøye arvede Bibliotek til Klosteret, hvor det endnu opbevares (se ndfr.). Karen Brahe, som selv bestyrede Klosteret, saalænge hun levede, bestemte det til Bolig for en Priorinde og 8 Jomfruer af dansk Adel, hvilke 1746 fik Rang. Indskrivningspengene vare i Beg. 300 Rd., men 1812 bestemtes, at enhver Frøken, som kom til Hæving eller indflyttede i Klosteret, een Gang for alle skulde betale 500 Rd. foruden Indskrivningspengene, en Bestemmelse, der dog atter bortfaldt 1823. Efter Karen Brahes

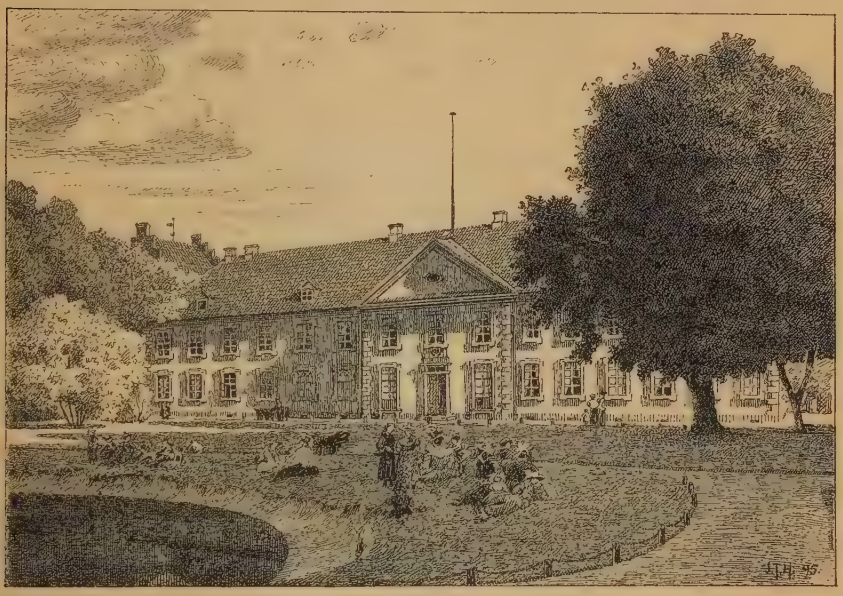

Odense Slots Nordfløj.

Død gik Patronatet over til Braherne, og derefter, da disse uddøde, til Bille-Braherne til Grevskabet Brahesminde. Gehejmekonferensr., Grev Preben Bille-Brahe skænkede Klosteret $^{8}/_{11}$ 1856 et Legat paa 21,650 Rd., men da Stiftelsen desuagtet ikke kunde faa Balance mellem Indtægter og Udgifter, androg Priorinden om, at Klosteret maatte blive hævet, og at der af dets Midler maatte blive oprettet et Fideikommis. Dette førte til, at Indskrivningspengene if. kgl. Res. af $^{2}/_{10}$ 1868 forhøjedes til 600 Rd., og at det bl. a. bestemtes, at alle Klosterets faste Ejendomme undt. Hovedbygningen skulde sælges (Patronatsboligen solgtes som nævnt S. 317 til Katolikerne, og en Grund, hvorpaa der stod nogle mindre Huse, solgtes til Haandværker- og Industriforeningen, se S. 336). Nu har Klosteret en Priorinde og 9 Konventualinder, der have fri Bolig paa Klosteret; Priorindens Hæving er 440, Konventualindernes 220 Kr. Patronen, der baade udnævner sin Efter-

mand og Priorinden, besætter 3 af Pladserne, en 4. Plads besættes 2 Gange af Stamherren af den Scheel-Plessenske Familie og 3. Gang af Patronen, en 5. Plads besættes af Greverne af Scheel. For de indskrevne, der ascendere til de andre 4 Pladser, og som skulle være af Adel eller Døtre af Mænd i de tre første Rangklasser, betales ved Indskrivningen 1200 Kr. for hver, for to Søstre, der indskrives samtidig, dog kun 2000, for tre 2400 Kr. Klosteret ejede $^{11}/_{6}$ 1897 321,944 Kr. samt en Reservefond paa 54,800 Kr. og en Biblioteksfond paa 400 Kr. Bygningerne ere brandforsikrede for 22,360 Kr. Klosteret bestyres under Amtmandens Tilsyn af Grev Bille-Brahe-Selby til Brahesminde.

Den langstrakte Hovedbygning, i to Stokv. med Kælder, skriver sig fra forskellige Tider. Nederste Stokv. og Kælderen ere opførte 1504—8 af Bisp Jens Andersen Beldenak (jf. en nu forsvunden Indskriftstavle) og ere den gamle katolske Bisperesidens*). De svære Mure ere af røde Munkesten i Munkeskifte og have Spor af oprindelige Vinduer (de nuv. Vinduer og den karakteristiske Hovedindgang ere fra en senere Tid). Kælderen er, undt. ved begge Ender, fra dens Opførelsestid dækket af to Rader spidsbuede Hvælvinger, der i Midten hvile paa korte, murede Piller. Efter Reformationen kom Bispegaarden i Kronens Eje; 1560 lod Fr. II her indrette et kgl. Slot, idet der opførtes flere nye Bygninger; men allerede 1575 blev Slottet opgivet og et nyt indrettet i St. Hans Kloster (se S. 324). Bispegaarden købtes 1579 af Oluf Bager, fra hvem den gik over til Familien Akeleye og senere til andre Adelsslægter; 1630 solgtes den til Jørgen Brahe, i hvis Families Eje den forblev til 1716, da Karen Brahe oprettede Klosteret. Det er vistnok hende, som har paabygget øverste Stokv.; dettes Mure ere tyndere end nederste Stokværks og af smaa Sten; Gavlene ere kamtakkede. Over Hovedindgangen sidder endnu fra Karen Brahes Tid en Sten med Brahernes og Gyldenstjernernes Vaabener. — Karen Brahes Bibliotek findes i en større Sal i den vestl. Ende af nederste Stokv. og til Dels i de oprindelige Bogskabe. Det indeholdt fra Beg. omtr. største Delen af, hvad der indtil den Tid var udkommet paa Dansk, og forøges kun med Litteratur, der er ældre end hendes Dødsaar; det er i Besiddelse af mange litterære Sjældenheder; ogsaa Manuskriptsamlingen er meget værdifuld. Det tæller omtr. 3000 Bd. (*H. Vogelsang*, Forteg. over Haandskr. i K. Brahes Bibl., 1857). — I Klosteret findes desuden en lille Saml. malede Adelsportrætter, (især af Gøyer og Braher), deribl. et af Birgitte Gøye, malet af Tobias Gemperlin.

**Graabrødre Hospital**, indrettet i det tidligere Graabrødrekloster (se S. 349), er en gammel Stiftelse. Planen om Oprettelsen af et stort, almindeligt Hospital for hele Fyns Stift af de mange spredte Stiftelser og andet Kirkegods, som efter Reformationen var kommet ind under Kronen, blev fremsat 1538 og Stedet dertil anvist det flg. Aar. Ved Gavebrev af $^{27}/_{10}$ 1539 skænkede Chr. III „Graabrødre Kloster, Grund og Sted [dog ikke Kirken, som $^{11}/_{5}$ 1539 var bleven gjort til Sognekirke] til et menigt Hospital og Syge-

*) Foruden denne Gaard opførte Jens Andersen Beldenak 1518 en anden paa den sydl. Del af Flakhaven, til Brug for Bispestolens Kancelli, en grundmuret, to Stokv. høj Bygning i een Længe, der stod i skraa Retning mod St. Knuds Kirke; 1547 kom den i Kongens Eje og gjordes til Byens første Apotek, senere benyttedes den til anden Brug (i 19. Aarh. til Realskole og Læseforening); 1857 blev den nedbrudt (se Danm. Ill. Almanak 1857 S. 95). To fra Bygningen hidrørende Sten, den ene med Jens Andersens Vaaben og Aarst. 1518, den anden med hans Navn og samme Aarst., opbevares nu i Odense Museum (se Tegn. af æld. n. Arkit. 2. S., 2. R., Pl. 13).

Huus i Vort Land Fyen, deri at indlægge fattige, syge og gamle skrøbelige Mennesker, som Guds Almisse værd og nødtørftende ere". Denne Gave, som sikkert tillige omfattede al Graabrødreklosterets Ejendom, Gaarde og Huse i Byen og Markjorder, efterfulgtes snart af andre. Saaledes lagdes forskellige Konge-Korntiender og Kongens Andel af Kvægtienden over hele Fyns Stift til Hospitalet; 1540 fik det Blangstedgaard og Blangsted Mølle, men den største Udvidelse fik det dog 1540 i Ejendomsbrev paa Sortebrødreklosteret, Helliggesthuset og Sygestuen paa St. Hans Kirkegaard i Odense samt Faaborgs Helligaandskloster, med alle disse Stiftelsers Tilliggender; omtr. 1542 blev Odense St. Jørgensgaard inddraget i Hospitalet; 1543 tillagdes der det Ret til at udsende Vogn og Almissesamlere over hele Fyns Stift; 1545 fik det Halvparten af det Valfartssted, som kaldtes Kluset (ɔ: Helligtrefoldighedskapellet ved Næsbyhoved) og 1566 Paarup Kirke. Om Ordningen af Hospitalets Virksomhed i de ældste Tider vides kun lidt; det

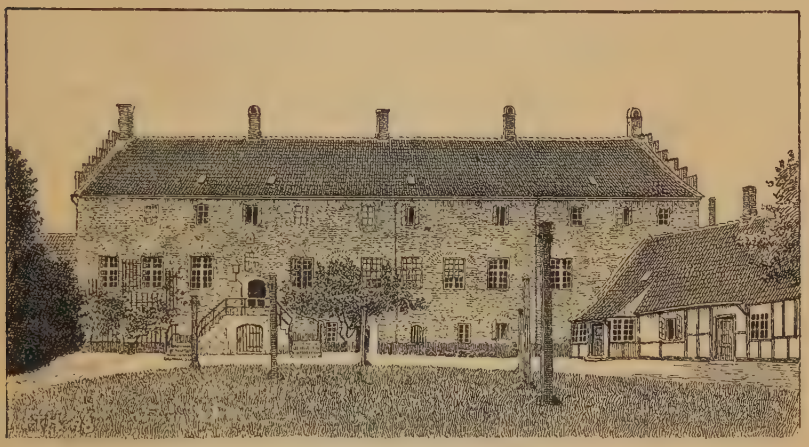

Odense Frøkenkloster.

styredes af kgl. Forstandere; Antallet af Lemmer var 50—60, og de bespistes alle af et fælles Køkken. Aar 1572 foregik en væsentlig Forandring, idet det nyoprettede Odense Communitet (Bespisningen af 36 Skolepersoner) forenedes med Hospitalet, i Spidsen for hvilke to Stiftelser der nu sattes en af Biskop, Borgmester og Raad bestaaende Direktion (fra 1619 fik Biskop og Stiftamtmand Overtilsynet); samtidig forøgedes Hospitalets Indkomster med 43 Kongetiender. Ogsaa senere har det modtaget betydelige Dotationer, ligesom det 1631 i sig har optaget den private Stiftelse „Doktors Boder", der vare opførte 1590 af Magdalene v. d. Hamsfort, Enke efter den som Fange paa Dragsholm 1570 døde Dr. jur. Hieronymus Thenner; Boderne (med Indskrifter over Dørene; se *Ved. Simonsen*: Odense, 3. B. S. 179) laa ved Horsetorvet, hvor nu Huus's Boder ere; da de vare blevne brøstfældige, bleve de nedlagte 1798 og de 16 Beboerinder indlagte i Hospitalet. Ogsaa en anden Stiftelse, som Hannibal Sehested 1664 havde oprettet i Nørre-Broby for 6 fattige, if. Kirstine Munks efterladte Testamente, optoges kort efter dens Oprettelse i Hospitalet. I 17. Aarh. foretoges en stor

Mængde, dog ingenlunde altid heldige Mageskifter med Hospitalets Bøndergods og Kongetiender, hvad der vel for en Del bidrog til dets Forarmelse ved Slutn. af nævnte Aarh.; i 18. Aarh. kom det dog atter paa Fode, ved 1745 var der 134, 1760 endog 147 Lemmer; 1762 blev Lemmeantallet nedsat til 130. En stor Forandring foregik 1715, idet Lemmerne fra da af fik 3 Mk. ugtl. i Stedet for Kosten in natura. If. Reskr. af $^{29}/_{7}$ 1709 blev der med Hospitalet forbundet en saakaldt Daareanstalt, der fra en ringe Begyndelse efterhaanden blev mere og mere udvidet (1745 opførtes en ny Daarekiste i Lammehaven) og baade var en Detentions- og en Helbredelsesanstalt; en Tid har den haft indtil 60 sindssyge; 1888 blev den nedlagt.

Da Hospitalet trængte til en Omordning og en Udvidelse, blev det if. min. Skr. af $^{10}/_{11}$ 1856 bestemt, at Understøttelserne efterhaanden ved Dødsfald skulde inddrages, indtil de nødvendige Midler vare tilvejebragte. Restaurationen udførtes 1868—70 med en Bekostning af 30,000 Rd.; tillige blev Stiftelsen i 1871—72 udvidet med et Kloster for trængende af Middelstanden, hvortil anvendtes omtr. 30,000 Rd. af Hospitalets opsparede Midler. If. den nugældende Fundats af $^{1}/_{5}$ 1870 bestaar Stiftelsen af 3 Afdelinger: 1) Klosteret, der indbefatter 24 Pladser for enlige Kvinder af den dannede Middelstand, som foruden fri Bolig, Lægehjælp og Medicin faa 4 Kr. ugtl., 12 Kr. aarl. til Lys og Vask samt $1^{1}/_{2}$ Favn Brænde. 2) Hospitalet, der indbefatter 80 Pladser, hvoraf 60 ordentligvis tillægges Fruentimmer og 20 Mandfolk; foruden fri Bolig, Varme, Lys, Vask, Brændsel til Madlavning, Sygepleje og Lægehjælp faa de hver 3 Kr. ugtl. 3) Doktors Boder, hvori optages 16 Fruentimmer, der nyde de samme Emolumenter som Hospitalslemmerne, men kun faa 2 Kr. ugtl. Stiftelsen ejede $^{1}/_{1}$ 1897 en Kapital paa 555,174 Kr. samt af faste Ejendomme Paarup Kirke; desuden oppebærer den Afgifter af bortsolgt Fæstegods, Konge- og Kirketiender omtr. 2000 Td. Korn af alle Slags. Bygningerne ere brandforsikrede for 269,373 Kr. Direktionen bestaar af Biskoppen og Stiftamtmanden, Inspektionen af Borgmesteren, Byfogden og Sognepræsten ved St. Knuds Kirke; det har en Forstander, for hvem der er en egen Bygning. Desuden er der ansat en Præst, en Degn, en Læge m. m.

Bygningerne, som danne et anseligt Kompleks, ere navnlig i de sidste hundrede Aar undergaaede store Forandringer. Flere af de gamle Huse fra Klostertiden ere efterhaanden forsvundne og erstattede med andre, det Indre er næsten overalt omændret, men Ydermurene ere endnu til Dels de oprindelige. Indtil Slutn. af 18. Aarh. havde Stiftelsen dog, hvad der fremgaar af en Grundplan fra 1793, for en væsentlig Del bevaret sit klostermæssige Præg. Den bestod da af to sammenstødende, firfløjede Gaarde, hver omsluttende en Gaardsplads. Længst mod S. laa den gamle Klosterkirke. Den bestod af Skib og Kor med tresidet Afslutn. (A), begge i ren Spidsbuestil, et vistnok under Fr. II tilføjet Vaabenhus (B) mod S, og et sikkert ligeledes senere tilbygget Taarn (C)., kun omtr. 8 Al. i Kvadrat, med slankt Spir, mod N., der mærkelig nok stod op til Kormuren. Kirken var treskibet; Midtskibet havde 6 spidsbuede Hvælvingsfag, der bares af fir- og ottekantede Piller; de ligeledes overhvælvede Sideskibe vare af ulige Bredde; det nordl., der udgjorde en Del af den smalle Munkegang, var kun $4^{1}/_{4}$—$4^{3}/_{4}$ Al. bredt. Koret havde 3 Hvælvingsfag og adskiltes fra Skibet ved en smal Spidsbue. Højkirkens Mure havde fra først af hævet sig frit over Sideskibene, men senere bragtes Midtskibet og det sydl. Sideskib under

eet Tag, hvad der gav Bygningen et vist trykket Udseende. Dens smukkeste Parti var den kamtakkede Vestgavl; ind paa den var der dog bygget et langt, smalt, eet Stokv. højt Hus (D, Portnerhus, i Enden Sprøjtehus). Ø. for Koret laa den gamle Degnebolig, og fra denne udgik Ringmuren, der havde omgivet hele Klosterets Grund. — Fratergaarden (E), der tjente som Kirkegaard for Hospitalslemmerne (tidligere for Munkene), laa op til Kirken og lukkedes for de tre andre Sider af den med spidsbuede Krydshvælvinger overdækkede Munkegang. Medens dennes vestl. Del (F) stod som en selvstændig Bygning, og dens østl. Del (H) ligeledes var under

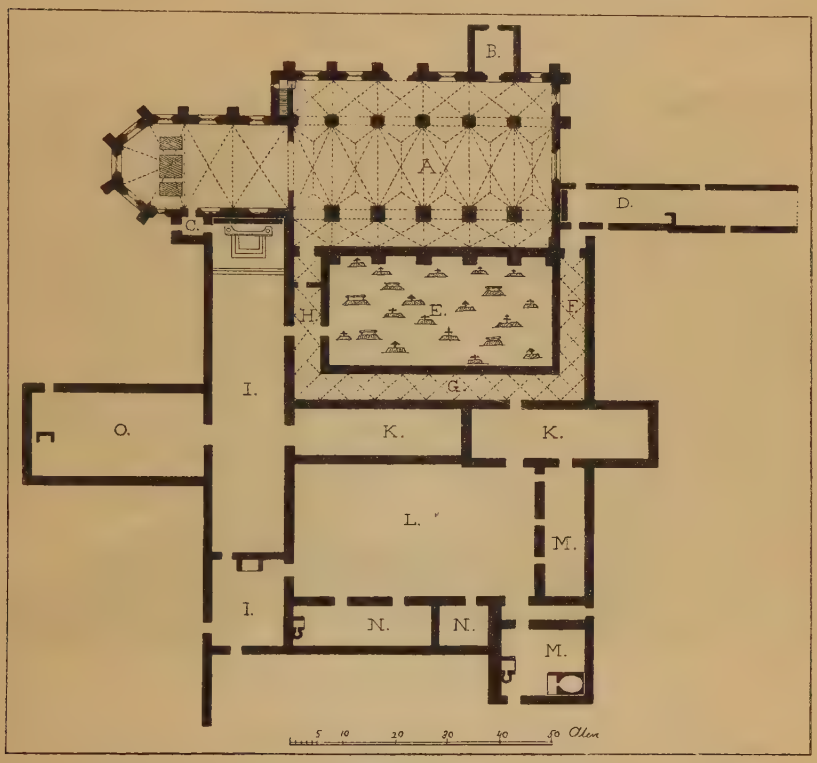


Grundplan af Graabrødre Hospital, til Dels efter en Plan fra 1793.

eget Tag, støttende sig til den lange Bygning, der mod Ø. endnu afslutter Hospitalet i hele dets Længde, var den nordl. Del af Munkegangen (G) trukken ind i Fløjen (K), som mod S. lukkede og endnu lukker for den anden Gaardsplads, „Brøndgaarden“ (L). Denne sydl. Fløj (1631—1705 havde Landstinget Lokale her) bestod 1793 af tre forskellige Partier, af hvilke kun det østl. havde to Stokv. Mod V. og N. begrænsedes Brøndgaarden som nu af to Stokv. høje Bygninger, hvori henholdsvis Værelser for Forstander, Bryggers og Bagers (M) — og Vaskerum og Lemmestuer (N). Mod Ø. stod som nævnt en lang, to Stokv. høj Bygning (I), der strakte sig helt hen til Kirken, og hvori der var en $65^1/_2$ Al. lang, 14

Al. bred og $10^1/_2$ Al. høj Sal, „Kirkestuen", der gik gennem begge Stokv., og hvori der holdtes Gudstjeneste for Lemmerne; i den sydl. Del fandtes Alter og Prædikestol, i Midten Bænke for Kirkegængerne og i øvrigt langs begge Langvægge Sovesteder for Lemmerne. Den saakaldte Mandfolkefløj (O), der mod Ø. støder op til denne Bygning, er først opf. 1768. I Aarene 1793—96 skete der gennemgribende Forandringer, hvorved bl. a. den interessante Munkegang forsvandt paa den Del nær, som endnu findes i Østenden af den sydl. Fløj, samt 3 Fag af den vestl. Gang (senere fjernede). Størst Forandring foraarsagede dog Kirkens Nedbrydelse. Aar 1539 havde Chr. III skænket Albani Menighed den til Sognekirke og til dens Vedligeholdelse henlagt Albani Kirkes Tiender og andre rige Indkomster; men 1618 blev St. Knuds Kirke gjort til Sognekirke for samme Menighed, og

Munkegangen i Graabrødre Hospital.

største Delen af Albani Kirkes Indkomster overførtes da til den. Graabrødrekirken vedligeholdtes dog endnu dels som Gravkapel (her hvilede bl. a. Erik Glippings Døtre Katharina og Elisabeth, Kong Hans og hans Dronning, Chr. II og Prins Franciscus, mange Adelsmænd, Præster, saaledes Biskop Jørgen Sadolin, og ansete Borgere, som Oluf Bager), dels til Brug ved enkelte Gudstjenester og Begravelser. I Løbet af 18. Aarh. forfaldt imidlertid Kirken mere og mere, og da alle Reparationer, især efter 1748, kom til at paahvile Hospitalet, skøttede man ikke i Længden om at bevare den overflødige Bygning. Ved kgl. Resol. af 1805 blev dens Nedbrydning bifaldet og Aaret efter paabegyndt. De kgl. Grave overflyttedes til St. Knuds Kirke. Inventariet solgtes ved Auktion, hvorved meget gik tabt; Claus Bergs Altertavle kom til Vor Frue og senere til St. Knuds Kirke (s. d.), Oluf Bagers Tavle til St. Hans Kirke (se S. 316); en Del Sølekapitæler ere nu i Nationalmuseet, ligesom nogle udskaarne Vaabenskjolde hørende

til Dron. Christines øvrigt ødelagte Anetavle. Aar 1808—1809 havde Spanierne Depot i Kirkeruinen, ligesom de i det hele huserede i Hospitalet, og de følgende Aar tjente den som Korn- og Krudtmagasin o. l. Endelig blev der 1817 for Alvor taget fat paa Nedbrydningen, som fuldendtes 1819; en Del af Nordmuren stod dog som Hegnsmur indtil 1870, da den maatte nedrives paa Grund af Opførelsen af den ovenomtalte ny Klosterbygning, der opførtes omtr. paa Kirkens Grund efter Tegn. af Bygningsinspektør L. A. Winstrup i to Stokv. med kamtakkede Gavle. Ved den 1868—70 foretagne Restauration af selve Hospitalet blev den firfløjede Bygning befriet for Kalkpudset, saa at de store, røde Munkesten nu fremtræde, Gavlene have faaet Kamtakker, Længerne blevc til Dels ombyggede, og det indvendige blev fornyet; 1874 blev ogsaa den i Enden af den østl. Længe beliggende Hospitalskirke restaureret (rummer omtr. 500 Tilhørere); i Kirken er et stort, sent middelalderligt Krucifiks. Degneboligen (den gamle Degnebolig nedbrødes 1848) er nu Bolig for Stiftelsens Læge; Forstander- og Præsteboligen med Have er bleven solgt i de sidste Aar (1895), hvorved det blev muligt at gennemføre Jærnbanegade til Graabrødretorv, og samtidig er der blevet opført en ny Forstander- og Præstebolig efter Tegn. af Arkitekt N. Jacobsen. (Se *C. T. Engelstoft*, Odense Hospitals eller Graabrødre Hosp. Hist., i Saml. til Fyns Hist. og Topogr. 5. Bd. S. 1 og 175. — *Engelstoft*, Graabrødre Kirkes Nedlæggelse, i Nyt theol. Tidsskr. 9. Bd. S. 343. — *T. M. Trautner*, Et Bidr. til Graabrødre Hosp. Bygningers Hist., Særtr. af Fyns Stiftstidende 1889).

**Sygehuset**, i Albanigade, er opført 1859—62 efter Tegn. af Bygningsinspektør C. A. Møller af Odense Kommune og Odense Amtsraadskreds for 71,807 Kr., men ejes fra 1883 alene af Kommunen. Det bestaar af to anselige, sammenbyggede Bygninger af røde Mursten i to Stokv. med Kælder. Aar 1876-78 opførtes i Forbindelse med Sygehuset en Bygning, oprindelig Epidemisygehus, men 1884-86 omdannet til Garnisonssygehus (se ndfr.). Sygehuset, der kan rumme 111 Patienter, er takseret til 215,081 Kr.

**Epidemisygehuset**, mellem Albani- og Bjærgegade, er opført 1892 (udvidet 1895) af Odense Amtsraadskreds efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen. Det er en trefløjet Bygning af røde Mursten i 1 Stokv. Epidemisygehuset, der drives i Forbindelse med Byens Sygehus, kan optage 73 Patienter og er takseret til 199,720 Kr.

**Garnisonssygehuset**, bagved Sygehuset, blev 1886 ved Omdannelsen (se ovfr.) forøget med en større Tilbygning; det tilhører Kommunen, har Plads til 15 menige og 2 Officerer og er takseret til 117,920 Kr.

**Karantænehospitalet**, mod N. Ø. i Kræmmermarken, er opført 1885 af gule Mursten af Odense Amtsraadskreds; det har Plads for 18 Patienter.

Byens **Fattiggaard**, mellem Vindegade, Kongensgade og Klostervej, er opført 1847 (den tidligere Fattiggaard laa i Overgade, se S. 340) og bestaar af 3 sammenbyggede Fløje i to Stokv. med Kælder og en Bagbygning, samt indtager et Areal af 22,280 □ Al. Bygningerne indeholde 105 Lokaler; i Bagbygningen findes Vaskeri, Rullestue, Desinfektionsovn, 4 Baderum, Værksted m. m. I Mandfolkeafdelingen var der i 1897 63, i Kvindeafdelingen 52 Lemmer. Efter afd. Fattiginspektør, Justitsr. J. F. Johansens Initiativ er der fra 1878 i Fattiggaarden oprettet en Opdragelsesanstalt for Fattigvæsenets Plejebørn, i hvilken der 1897 var optagen 75 Børn. Belægningen i det hele har i de senere Aar varieret mellem omtr. 160 og 210.

**Tvangs- og Arbejdsfællesanstalten**, i Klaragade lige overfor Bispegaarden, tilhører Fyns Stift. Aar 1752 indrettedes her i den tidligere Præstebolig til St. Knuds Kirke et saakaldet Manufakturhus, Børnehus og Arbejdsanstalt, „Odense Tugthus" (jfr. H. C. Andersens Roman „O. T."), hvis Formaal udtrykkes i Indskriften over Porten: „Et dobbelt nyttigt Huus, som dobbelt Nytte bringer — Det lærer Flittighed og Betleriet tvinger — Vor store Friderich, vor Konge eye god — Paa begge Dele har saa viislig raadet Bod". Den var fra først af overvejende Straffeanstalt, først 1817 indrettedes i Bagbygningen Tvangsarbejdsanstalt for Byen, som 1825 udvidedes til at gælde hele Stiftet. Da Straffeanstalten ophævedes 1865, lejedes Hovedbygningen nogen Tid ud til Fodfolkkaserne. I 1885 blev der i Forbindelse med Tvangsarbejdsanstalten opført en ny Forsørgelsesanstalt, særlig for Landkommunerne i Fyns Stift, „Fyns Stifts Fællesarbejdsanstalt", til omtr. 38 Lemmer; Tvangsarbejdsanstalten kan rumme omtr. 40 Lemmer, og de vidtløftige Bygninger, som i de senere Aar til Dels ere blevne ombyggede og nyopførte, ere helt tagne i Brug af de to Anstalter, som staa under en fælles Bestyrelse, der sorterer under Fyns Stiftsøvrighed.

Odense har to Stationsbygninger: **Statsbanegaarden**, ved Stationsvej for Enden af Jærnbanegade, opført 1865 efter Tegn. af Arkitekt Holsøe, betydelig udvidet 1883—84 efter Tegn. af Arkitekt Arboe og Oberst Thulstrup, for den jydsk-fynske Bane samt den nordfynske og Kjerteminde-Dalby Banen, og den **Sydfynske Banegaard**, ved Stationsvej for Enden af Thorsgade, opført 1876 efter Tegn. af Arkitekt Haugsted.

**Gasværket**, ved St. Jørgensgade, er anlagt 1853 (Odense var den første By i Landet, som fik Gasbelysning) af det Dansk-engelske Gaskompagni, hvis Kontrakt med Kommunen gælder indtil 1915. Gasværket, som senere er udvidet flere Gange, producerede i 1897 92,429,366 Mill. Kbfd. Gas. Det besørger Gaderne belyste med 639 Gadelygter, hvorfor Kommunen aarlig betaler omtr. 17,000 Kr.

**Elektrisk Centralstation**, i Vindegade, er anlagt 1891 af det Danske Elektriske Kompagni (Stationen var den første i sin Art i Landet). Den har omtr. 2400 installerede Lamper og en Del Motorer, omtr. 70 Abonnenter, deribl. Statsbanegaarden.

**Vandværket**, mod V. i Byen ved Vandværksvej og Roarsvej, anlagt 1853 af Byen (Odense var den første By i Landet, der fik Vandforsyning i Husene) for 70,000 Rd. og flere Gange udvidet, senest 1896, forsynes endnu delvis fra de samme Kilder, som tidligere forsynede Byen med Vand*), men tillige og væsentligst fra artesiske Boringer V. for Byen (den største Boring er udført i 30 Støbejærnsrør til en Dybde af 127 F.; den er fuldført 1890 og kan give indtil 30,000 Td. Vand i Døgnet). Vandet løber fra de forskellige Boringer og Kilder ind til en Brønd paa Vandværket, hvor det iltes og filtreres, inden det pumpes ud i Byen. Det 1888 efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen opførte Vandtaarn, der har en Jærnbeholder (93 F. over Gaden, 132 o. Havet), som rummer 3800 Td. Vand, ligger S. for Albanigade. Vandværket er vurderet til 618,807

*) Allerede 1580 blev der paa Fr. II's Befaling ført en Ledning fra en Bæk ind til 3 Cisterner paa Byens offentlige Pladser. Midt i 18. Aarh. blev der yderligere fra Rorsdammen, en Kilde V. for Byen, ført Ledninger ind i flere private Huse og Gaarde, til hvilke Ledninger der benyttedes gennemborede Træstammer, som man endnu, i 1898, ved Rendegravninger i Gaderne træffe i frisk Tilstand.

Kr.; Gennemsnitsforbruget i Døgnet er 28,568 Td. (Maksimum 41,542). I 1897-98 er der sat store Brøndgravningsarbejder i Gang for at skaffe mere Vand.

**Postkontoret** og **Telegrafstationen**, i Lille Graabrødrestræde, er den tidligere Katedralskole, opført 1845—46 i antikiserende Stil efter Tegn. af Bygningsdirektør, Konferensr. J. H. Koch. Bygningen, der overgik til Post- og Telegrafvæsenet 1894 og toges i Brug 1895 efter en indvendig Ombygning, bestaar af en 2 Stokv. høj Forbygning med Kælder og en ligeledes 2 Stokv. høj Sidebygning. Ogsaa **Statstelefonen** har Station i Bygningen. — **Telefon-Centralstationen**, i Jærnbanegade, ejes af Fyns Telefonselskab og er opført 1897 efter Tegn. af Arkitekt N. Jacobsen.

Byen har **to Toldkammerbygninger**. Toldbygningen ved Havnen (Ekspedition for søværts ind- og udgaaende Varer) er opført 1830, ombygget og udvidet 1847, efter Tegn. af Arkitekt N. S. Nebelong; den bestaar af et 2 Stokv. højt Midtparti og 3 kortere Fløje i eet Stokv. Toldkammerbygningen ved Jærnbanen (Ekspedition for alt med Jærnbanen og Posten ind- og udgaaende Gods) blev 1898 afløst af en 3 Stokv. høj Bygning med Frilager (Bygningsinsp. J. V. Petersen), medens den gamle fremtidig skal anvendes til Udvidelse af Jærnbanens Varepakhus.

Som Garnison for Fynske Brigades Stab, 6. Infanteriregiment (5., 16., 26. og 36. Bataillon) og 2. Dragonregiment har Byen flere Bygninger, der benyttes af Militæretaten. **Eksercerhuset**, ved Anlægget ved Markedspladsen, en 150 F. lang og 50 F. dyb Bygning med Hængetagværk og tækket med Skifer, er opført 1870 af Kommunen for 26,000 Kr. (Staten betaler 2000 Kr. i Leje); til Eksercerhuset hører en Gymnastikplads (1 Td. Ld.). **Rytterkasernen**, i Pjentedamsgade mellem Øster-, Ridehus- og Ryttergade, er et stort Kompleks af Bygninger (Arkitekt C. Lendorf), der indtager et Areal af 70,000 □ Al., og som er opført 1874-80 af Kommunen for 481,664 Kr. Til Komplekset høre bl. a. et Ridehus, opf. 1874, en Rekrutkaserne, opf. 1876-77, med Plads til 109 Mand foruden Befalingsmænd, og en Eskadronkaserne, opf. 1879-80 med Plads for 84 Mand foruden Befalingsmænd, Staldbygninger m. m. I det hele kan Etablissementet rumme 318 Heste. Statens Leje til Kommunen var 1897 29,214 Kr. **Fodfolkkasernen**, mod S. V. lige uden for Bygrænsen, V. for Eksercerhuset, ved „Heden", er ligeledes et stort Bygningskompleks, opført 1890—91 af Kommunen for 536,542 Kr. efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen. Den 170 Al. lange Hovedbygning, med Façade ud til „Heden", er i 3 Stokv. og indrettet til Vinterkaserne, med Plads for 119 Mand foruden Befalingsmænd; bag ved denne ligge 8, eet Stokv. høje Barakbygninger (Sommerkasernen), med Plads for 552 Rekruter foruden Befalingsmænd; bag ved disse igen ligge Administrations- og Officersbygningen (med Bolig for Kommandanten m. m.) og Underofficersbygningen, begge i 3 Stokv.; desuden Depotbygn., Bøssemagerbygn. m. m. Statens Leje er 35,500 Kr. Om Garnisonssygehuset se S. 331.

Om **Havnen** og **Kanalen** se S. 345.

Over Aaen føre 4 større **Broer**: Frederiksbro, over hvilken Vejen til Nyborg gaar; den er bygget 1844 af Støbejærn af Fabrikant Allerup og er Danmarks første Jærnbro (tidligere laa her Møglebro, inden for hvilken Møglebroport stod). Albanibro, der fører over Aaen i Albanigade, bygget 1858, ligeledes af Allerup. Langebro, der fra Hunderupvej fører over til Øen mellem Aaens Arme, er bygget 1888 af Pladejærn. Klarabro, bygget

1896, er en Monierbro, som N. for Langebro fører over Aaens nordl. Arm til Klaragade. Foruden disse er der to mindre Træbroer for kørende ved Munkemølle og 3 Gangbroer.

N. for Banegaarden ligge ved Rygaardsvej Kommunens **offentlige Slagtehuse** og Kødkontrolstation (ogsaa paa Raadhuset se S. 318) i Forbindelse med et stort Eksportslagteri, en Pølsefabrik m. m. Det store Bygningskompleks er opført 1895 og ejes af et Andelsselskab, bestaaende af omtr. 4000 fynske Landmænd.

Af milde Stiftelser mærkes foruden de alt nævnte: **Pernille Lykkes Boder**, i Mønterstræde, oprettet 1617 af Pernille Lykke til Højsgaard († 1634), ejer nogle eet Stokv. høje Bindingsværksbygninger, hvoraf den ene Halvdel er Fribolig for 3 fattige Kvinder og den anden udlejes, samt 400 Kr.; Renten og Lejeafgiften anvendes til Husenes Vedligeholdelse og uddeles til Lemmerne; Stiftelsen bestyres af Sognepræsten ved Vor Frue Kirke. — **Eilschous Boliger**, i Munkemøllestræde, opr. 1781 af Købmand Peter E. til Marienlund († 1783) og Hustru Anne Marie Bekker († 1799), ejer 6 Bindingsværksbygninger (opførte paa det Sted, hvor før St. Knuds gamle Ladebygninger have staaet), der afgive Fribolig for 3 fattige Enker og 3 fattige Jomfruer af Præste- og Købmandsstanden, særlig af Legatstifterens Familie, samt 12,600 Kr., af hvis Renter de 6 Kvinder hver nyder 60 Kr. aarl.; Stiftelsen bestyres under Stiftsøvrighedens Tilsyn af Ejeren af Marienlund og Byens 3 Sognepræster. — **Lahns Stiftelse for hjælpeløse Børn**, en 2 Stokv. høj grundmuret, 1804 opført Bygning i Nedergade, er opr. ved Testam. af $^{8}/_{5}$ 1799 (Fund. $^{1}/_{1}$ 1805) af Handskehandler J. M. Lahn († 1802), der foruden Gaarden skænkede 55,763 Rd. til Stiftelsen, en Kapital, som senere ved talrige Legater er bleven forøget til omtr. 298,000 Kr. Stiftelsen, hvis Formaal er fattige, især forældreløse Børns Oplæring og Underhold, optager 40 Drenge i 2 Klasser og 70 Piger i 2 Klasser fra 9 Aars Alderen til Konfirmationen, hvorhos der uddeles 30 Portioner paa 20—40 Kr. til fattige Børn. Ved Skolen er ansat 1 Lærer og 2 Lærerinder. Stiftelsen bestyres under Stiftamtmandens og Biskoppens Direktorat af Byens 3 Sognepræster, Borgmesteren og 3 af Direktoratet valgte Borgere. — **Huus' Boliger**, paa Horsetorvet (den Plads, hvor tidligere „Doktors Boder" stod, se S. 327), opr. 1801 af Skomager Chr. H. († 1806) og Hustru, ejer en et Stokv. høj grundmuret Bygning, der afgiver Fribolig for 8 fattige Borgerenker, samt 6100 Kr., af hvis Rente hver af Enkerne aarl. faar 16 Kr. Stiftelsen bestyres under Stiftamtmandens Tilsyn af Borgmesteren og 2 af ham valgte Mænd. — **Ane Cathrine Østrups Stiftelse**, i Skulkenborg, opr. 1809 af A. C. Faaborg, Enke efter Købmand R. Østrup (ny Bygning), afgiver Fribolig for 2 Enker, særlig af Stifterindens Familie, der hver nyder 20 Kr. aarl. Stiftelsen, der ejer omtr. 4000 Kr., bestyres af Byraadet. — Den **Hempelske Stiftelse**, i Munkemøllestræde, opr. 1841 af Kancellir. Søren H. († 1844) med Fribolig for 4 trængende Enker af Borgerstanden. Huset er nyopført 1893 af røde Mursten i to Stokv. i middelalderlig Stil (Arkitekt Alfr. Petersen). Stiftelsen tilhører Stiftelsen af 18. Sept., opr. 1841 af en Kreds af Borgere; den ejer omtr. 80,600 Kr., hvis Renter uddeles i Portioner paa 20, 30, 40 eller 50 Kr. til over 60 Aar gamle, trængende Haandværksmestre og Fabrikanter samt deres Enker. Bestyrelsen bestaar af 6 Medlemmer, af hvilke 1 vælges af Byraadet, som har Tilsynet. — **Frederik den Syvendes Stiftelse**, to 2 Stokv. høje Bygninger, den ene i Albani-

gade, opført 1862 for omtr. 24,000 Kr. (Fr. VII lagde Grundstenen $^{29}/_{4}$), den anden i Pjentedamsgade, opf. 1888-89, er opr. ved frivillige Bidrag af Haandværkerstanden i Odense og afgiver Fribolig (20 i Albani-, 12 i Pjentedamsgade) for gamle, trængende Haandværksmestre og deres Enker. Den har en af 9 Medlemmer bestaaende Bestyrelse og staar under Stiftsøvrighedens Tilsyn. — **Ferdinand Jensens Stiftelse**, en 2 Stokv. høj Bygning med Bagbygning og Have i Østergade, opr. 1870 efter Bestemmelse af Tobaksfabrikant Anders Jensen († 1869) til Minde om hans Aaret i Forvejen afdøde Søn Ferd., afgiver Fribolig for 6 enlige Enker, særlig af Legatstifterens Familie; Stiftelsen ejer omtr. 4000 Kr., af hvis Renter dens Beboere faa aarl. 12 Kr. hver. Den bestyres under Byraadets Tilsyn af Sognepræsten ved St. Knuds Kirke, 2 af Velgørenhedsselskabets Bestyrelse og Legatstifterens Sønner. — **Margrethe Petersens Stiftelse**, i Holsedore, opr. ved Testam. af 1885 og 1886 af Smedemester H. P. Petersen († 1886), ejer en lille, 1 Stokv. høj Bygning (Bygningsinspektør J. V. Petersen), der afgiver Bolig for 2 trængende Smedemesterenker, særlig af Legatstifterens og Hustru Ane Margrethes Slægt, samt 5000 Kr., hvis Renter tilfalde de to Enker. Stiftelsen bestyres under Byraadets Tilsyn af et Byraadsmedlem, 1 Medlem af Bestyrelsen for Foreningen af 18. Sept. og 1 Medlem af Odense Smedeforening. — **Sømandshjemmet**, Tolderlundsvej, opr. af en 1862 stiftet Forening til Understøttelse for gamle, værdige Sømænd fra Odense By og Tolddistrikt, ejer en 2 Stokværk høj, 1891 opf. Bygning (Arkit. Alfr. Petersen), som afgiver Fribolig for 8 gamle Sømænd og deres Enker. — **Demants Familiestiftelse**, Kongensgade, opr. 1894 af Fabrikant H. S. D. († 1897); Lejeindtægten af Huset uddeles til Legatstifterens Familie og 5 Arbejdere i Odense. — **Dronningens Asyl**, Asylgade (tidligere Graabrødrestræde), opr. 1837 efter Opfordring af senere Dronning Caroline Amalie, fik sin egen Bygning 1840. Det ejer en Kapital paa omtr. 29,200 Kr., deri indbefattet en Del Legater, og har Plads for 110 Børn. Under Dronningens Protektion og 12 Damers Inspektion bestyres det af 4 Herrer og en Asylmøder. — **Bethanias Asyl**, i Missionshuset Bethania i Ryttergade, opr. 1883, har Plads for 110 Børn. — **Børnehospitalet**, grundlagt af en Forening 1876, uddeler fri Lægehjælp og Lægemidler til Børn af ubemidlede Forældre; 1898 har det faaet en egen Bygning paa en af Byraadet skænket Grund paa Jagtvejen ved Munkemoseanlægget (Arkitekt, Bygningsinspekt. J. V. Petersen). — **Bespisningsanstalten**, opr. 1830 af Frimurerlogen, har siden 1896 sin egen, 1 Stokv. høje Bygning i Store Graabrødrestræde paa en af Kommunen skænket Grund; den uddeler 3 Gange ugtl. i 4 Vintermaaneder Middagsmad til ubemidlede. — **Arbejderboliger** ere opførte i Ridehusgade af en Forening, som har til Formaal at skaffe ældre Arbejdere og deres Enker Fribolig. Ligeledes er der af „Foreningen til Opførelse af Alderdomsfribolig“ opført en Arbejderbolig i Kræmmermarken, hvis Grund er skænket af Kommunen; dens Formaal er at skaffe ældre Arbejdere og deres Enker Fribolig, efterat de en vis Tid have boet til Leje (Bygningen har 16 Boliger). — **Svendehjem**, opr. 1895, med egen Bygning i Bolbrogade, har til Formaal at sikre Haandværkssvende, der rejse for at søge Arbejde, god Forplejning og Bolig samt andre nødvendige Subsistensmidler.

Af **Velgørenhedsforeninger** fremhæves: Det fynske Fængselsselskab, stiftet 1858, Det private Velgørenhedsselskab, st. 1856

(yder Hjælp til værdige trængende uden for Fattigvæsenet), Odense Understøttelsesforening, st. 1886, Hjælpeforeningen for arbejdsdygtige, ugifte Kvinder, st. 1889 (støtter Kvinder, der ikke selv kunne bekoste deres Uddannelse), Den lille Hjælpeforening, st. 1872 (Beklædning til fattige Børn), Plejeforeningen, st. 1863 (yder fattige syge Hjælp med Fødevarer), Præmieselskabet for Plejeforældre, st. 1884 (anviser Plejemødre, uddeler Præmier osv.), Den kvindelige Præmie- og Understøttelsesforening, st. 1883 (yder Udstyrshjælp, uddeler Præmier til Tjenestetyende osv.), Skipperforeningen, st. 1849 (understøtter Enker og Børn efter Skippere og Styrmænd), Understøttelsesforeningen af Købmænd m. fl. i Danmarks Købstæder og Handelspladser, st. 1874 (understøtter trængende Medlemmer samt deres Enker, Børn og ugifte Døtre); Foreningen „Tuborgs Spejl", st. 1889 (bespiser og beklæder fattige Børn), m. fl.

Af andre Foreninger, der have mere almen Interesse, og som helt eller for største Delen ere knyttede til Byen, fremhæves: **Fyns Stifts patriotiske Selskab**, stiftet 1810, hvis Formaal er at fremme Landvæsen og Husflid og i det hele virke i almennyttigt Øjemed; det ejer 20,000 Kr. og den S. 321 nævnte Landbrugsskole, der med Samlinger vurderes til omtr. 40,000 Kr. (se *J. Lauritsen*, F. Stifts patr. Selsk. Hist., Odense 1868)*). **Fyns Stifts Kunstforening**, st. 1894. **Musikforeningen**, st. 1866. **Haandværker- og Industriforeningen** (opstaaet 1894 ved Sammensmeltning af den gamle, 1857—58 dannede Forening og en 1889 stiftet Forening) har en anselig, 3 Stokv. høj Bygning paa Albanitorv, opf. 1890 i italiensk Renæssancestil efter Tegn. af Arkitekterne K. Arne Petersen og Hagemann; foruden Forenings-, Restaurations- og Selskabslokaler indeholder den en gennem 2 Stokv. gaaende Festsal; øverste Stokv. er udlejet til Hotel (den tidligere Haandværker- og Industriforeningsbygning i Albanigade, en 2 Stokv. høj Bygning med Kælder, opf. 1871 i italiensk Stil efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf, blev 1894 købt af den 1891 stiftede Forening De danske Forsvarsbrødre). **Den danske Arbejderforening**, stiftet 1871, har sin egen Bygning i Overstræde. **De samvirkende Fagforeninger. Handelsforeningen**, stiftet 1862. **Havelodselskabet**, stiftet 1893, har anlagt Kolonihaver (V. N. Ø. og S. Ø. for Byen), som udlejes til Medlemmerne. **Det borgerlige Skyttelag**, st. 1704, stadfæstet af Fr. IV, som kort efter skænkede det Jordlodden „Skytteløkken".

**Frimurerlogen** „Maria til de tre Hjærter", opr. 1791 (Beg. til den er den 1773 oprettede Loge „St. Knud zum goldnen Lindwurm"), har sin Bygning i Albanigade, to Stokv. med Kælder, opf. 1869 i Rundbuestil i Korsform af røde Mursten efter Tegn. af Arkit. C. Lendorf; den er senere flere Gange udvidet. — **Odd-Fellow Logen**, stiftet 1882, har sin Bygning paa Hjørnet af Klingenberg og Munkemøllestræde, opf. 1891.

Good-Templarordenen har Bygning i Albanigade. — Frelsens Hær har Lokaler i Vindegade (1857—59 Teaterbygning, „Pantheon", senere „Folketeater" med Cirkus og Lysthave). Foruden det S. 335 nævnte Missionshus er der et Missionshus „Elim" i Thorsgade, opf. 1890.

---

*) Fyns Stifts literære Selskab, der stiftedes 1815 af Biskop Plum under Stiftets Guvernør senere Chr. VIII's Præsidium, og som har indlagt sig mange Fortjenester, navnlig ved Udgivelsen af „Saml. til Fyns Hist. og Topogr.", er blevet ophævet 1839 (se Saml. til Fyns Hist. og Topogr. III S. 245 fl.).

Af **Pengeinstitutter** nævnes: **Fyns Stifts Sparekasse**, opr. 1832 (egentlig en Fortsættelse af den 1816 opr., 1831 ophævede Odense Bys Sparekasse), har sin Bygning paa Fisketorvet, opf. 1874 i 2. Stokv. af røde Mursten i italiensk Renæssancestil efter Tegn. af Arkit. C. Lendorf; 1896—97 er den udvidet med en anselig, udvendigt rigt udstyret Tilbygning med høj Gavl, efter Tegn. af Arkit. Alfr. Petersen. I Forbindelse med Sparekassen staar et 1838 opr. Laanekontor, med egen, 3 Stokværk høj Bygning i Staalstræde, opf. i middelalderlig Stil efter Tegn. af Arkit. Alfr. Petersen (se *H. Maaløe*, Optegn. vedk. O. Bys og Fyns Stifts Sparekasse, Odense 1881). **Fyns Diskontokasse**, det første private Bankinstitut i Danmark, opr. 1846 af Købmand L. Bierfreund, har sin Bygning paa Hj. af Flakhaven og Vestergade, opf. 1873—74 i to Stokv. med Kælder i italiensk Renæssancestil efter Tegn. af Arkit. C. Lendorf. — **Haandværkernes Spare- og Laanekasse**, Nørregade, oprettet 1864. **Handelsbanken** (Filial af Kjøbenhavns Handelsbank), paa Fisketorvet. **Kreditbanken**, oprettet 1895. Desuden er der en Filial af Svendborg Amts Landbosparekasse, Kreditforening for Grundejere i Fyns Stift, flere Kreaturforsikringsforeninger, de fynske Købstæders Brandforsikringsforening, Fyns Skibsassuranceforening m. fl. Om Banker og Sparekasser se i øvrigt S. 345.

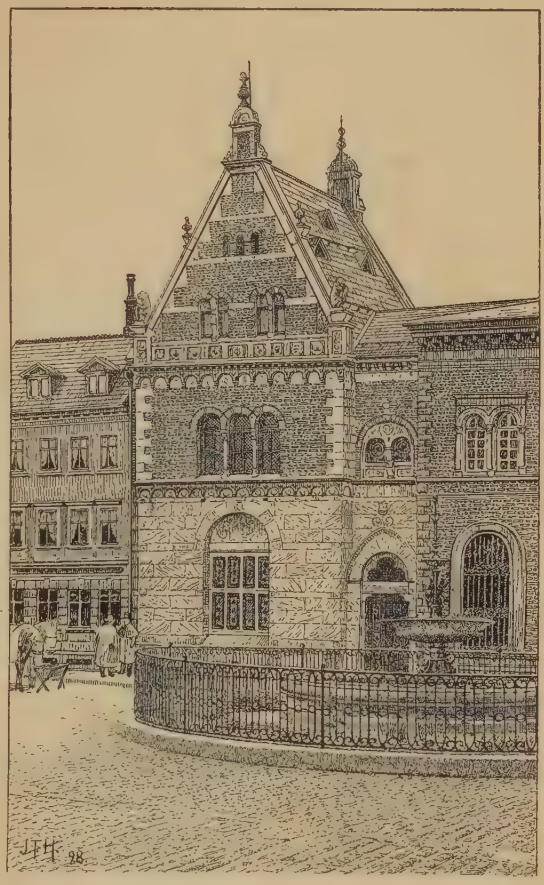

Fyns Stifts Sparekasses Tilbygning.

Byen har to **Teatre**: Odense Teater, i Teaterstræde mellem Overstræde og Sortebrødretorv, Danmarks ældste Provinsteater, opf. 1795, flere Gange restaureret, sidste Gang 1891, da Façaden blev oppudset. Bygningen, der har et uanseligt Ydre, men indvendig er net og hyggelig, rummer omtr. 600 Tilskuere; det ejes fra 1834 af Byraadets valgte Medlemmer, eller rettere det ejer sig selv under Byraadets Forvaltning (se *K. Schmidt*, Skuespil og Teater-

forh. i O., Odense 1896). Odense Folketeater, i Ny Vestergade ved Aaen, er opført 1895 af et Aktieselskab efter Tegn. af Arkit. Schwanenflügel og rummer omtr. 700 Tilskuere. Se i øvrigt S. 336.

Af **Badeanstalter** er der 4: Ydun, ejet af et Konsortium, i Vindegade, en romersk Badeanstalt, Albanigade, en russisk Dampbadeanstalt, Vestergade, og Badeanstalten paa Fattiggaarden.

Af offentlige Monumenter findes: **Frederik VII's Broncestatue** i overnaturlig Størrelse, modelleret af H. V. Bissen, paa Flakhaven, afsløret $^{5}/_{6}$ 1868; paa Granitfodstykket staar Kongens Valgsprog og nogle Vers af C. Ploug. Statuen har kostet 12,496 Kr., tilvejebragt ved frivillige Bidrag og 2000 Kr. fra Kommunen. **Mindestøtte for Th. Kingo**, ved St. Knuds Kirke, bestaaende af en af Th. Stein modell. Broncebuste i overnaturlig Størrelse paa en 9 F. høj Granitstøtte; den afsløredes $^{14}/_{10}$ 1875 og har kostet omtr. 4000 Kr. Ved Kirken staar ligeledes en Mindesten over Kmhr., Amtmand Jens Benzon og Hustru, bestaaende af en 9 F. høj Sandstensstøtte med Marmorrelief af Freund og Aarstallene 1834 og 1839. **H. C. Andersens Broncestatue**, modell. af L. Hasselriis, i Slotshaven (se S. 324), afsløret $^{19}/_{6}$ 1888. I Digterens Barndomshjem, i Munkemøllestræde Nr. 3, blev der $^{2}/_{4}$ 1876 indsat en Marmortavle (han er født i et lille Hus i Hans Jensens Stræde Nr. 45). — Paa Fisketorvet er der 1876 rejst et af Kommunen, Fyns Stifts Sparekasse og private bekostet Springvand.

H. C. Andersens Statue.

Foruden en Del mindre Anlæg ved Drengeborgerskolen, Drengeskolen i Kræmmermarken, ved Ridehusgade ud for Rytterkasernen, foran Sygehuset, foran Tinghuset, ved Vandtaarnet samt Pladserne omkring St. Knuds og Vor Frue Kirke har Byen et Lystanlæg ved Markedspladsen og Fodfolkkasernen, omtr. 7 Td. Ld., og et andet i den saakaldte Munkemose S. for Aaen, omtr. 19 Td. Ld. Desuden ejer Kommunen (fra 1875) Lyst-

skoven Fruens Bøge S. for Byen ved Aaen (Dalum Sogn), der er omtr. 63 Td. Ld., og hvori der bl. a. findes 2 Skovpavilloner. Det er især siden 1842, da Foreningen „Fruens Bøge", oprettedes, at Skoven er bleven et almindeligt Udflugtssted. Til Skoven fører en 1871 anlagt Spaseresti langs Aaens venstre Bred; ogsaa smaa Dampbaade gaa ad Aaen. Byen har desuden flere smukke Spaserestier, navnlig Filosofgangen paa Øen mellem Aaens Arme. Slotshaven er nævnt S. 324.

**Gamle Huse.** De middelalderlige Stenhuse ere nu næsten alle forsvundne. I Overgade Nr. 3 dækkes Kælderen af 4 spidsbuede Krydshvælvinger, der hvile paa en muret Pille i Rummets Midte, og i Overgade Nr. 26 findes to lignende smukke Kældre (med i alt 8 Krydshvælv.) fra 14.—15. Aarh. Ved begge Husene ere Ydermurene for en Del af Munkesten. Overgade Nr. 28 stammer ogsaa i sine oprindl. Partier fra Middelalderen; den hed tidligere Apostelgaarden, idet Façaden var prydet med 12 Apostelfigurer; Claus Berg skal have haft sit Værksted her. Derimod er der mange Bygninger, navnlig af Bindingsværk, fra 16.-17. Aarh., og flere ere i arkitektonisk Henseende ganske værdifulde. Billedskærerarbejdet, der i Odense optræder under mere afvekslende Former end i de fleste andre Byer, er ofte fint udført; men Husene ere ogsaa for en stor Del rejste af Adelen eller den højere Borgerstand. Ældst er den saakaldte Eiler Rønnovs Gaard i Nørregade (Nr. 62), en 2 Stokv. høj Bindingsværksbygning, med forsirede Knægte under de fremspringende Bjælkehoveder, men uden Snitværk paa Overgangsfoden; paa Porthammeren staar Aarst. 1547 (J. Lauritsen, Od. i Bild. S. 27, har urigtigt: 1541). Hvad der findes af Bygninger fra Slutn. af 16. Aarh., kan for største Delen henføres til *Oluf Bager*.

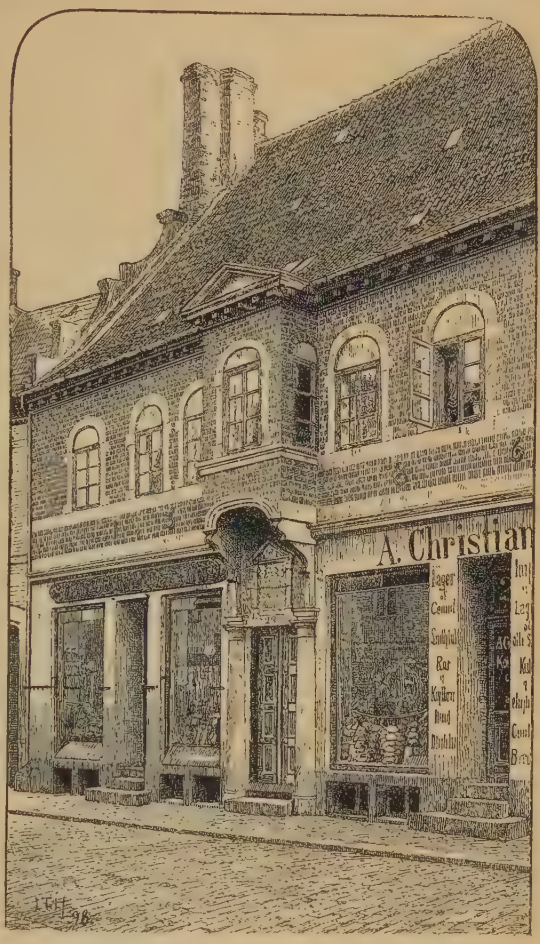


Oluf Bagers mødrene Gaard paa Nørregade.

Af hans engang saa talrige Bindingsværksbygninger (f. Eks. den gamle Klub, Læseforeningens Gaard og et Par Huse ved Fisketorvet), er kun meget lidt bevaret; maaske hører hertil et Stykke af Sidelængen til Hjørneejendommen Overgade Nr. 19, ud til Paaskestræde (fra 1806—46 Fattiggaard og Almueskole, se S. 321; her har H. C. Andersen gaaet); dette 2 Stokv. høje Parti har særdeles smukt Snitværk (Halvrosetter m. m.; se Tegn. af ældr. n. Arkit. 1. S., 2. R., Pl. 12). Af de 4—5 Stenhuse, som Oluf Bager opførte, er der derimod et Par tilbage. Særkendet for dem er den rige Udstyrelse med Sandstenssirater, Kældrene med Tøndehvælvinger og Husenes Beliggenhed med Siden, ikke Gavlen, ud til Gaden. Til dem hører den 3 Stokv. høje „Jordan" paa Overgade Nr. 4, opf. 1582 (modernis. 1889), med meget karakteristiske Kældere. Fremdeles den gamle Amtstuegaard paa Nørregade (Nr. 29) med fremspringende Karnap paa 2. Stokv., baaren af 2 Halvsøjler, der omramme Indgangsdøren; paa Indskriftstavlen over Døren læses bl. a., at denne O. B.'s mødrene Gaard er opf. 1586; i den hvælvede Kælders Gulv ses Renden, hvorigennem Rosenbækken flød utildækket indtil 1870'erne; en Sidefløj, med smukt Snitværk, er af Bindingsværk, men sikkert ogsaa fra O. B.'s Tid. I Overgade Nr. 11 (ofte, men urigtigt, kaldet O. B.'s fædrene Gaard; det var gamle Klub, Overg. Nr. 10) skal O. B. have boet, og her var hans Pragtsal. Huset er dog i sin Helhed sikkert ikke opført af ham, idet forefundne Spor af gammelt Murværk tydede paa, at det alt var bygget før Reformationen. Den 150 □ Al. store og 7 Al. høje Pragtsal laa i Stueetagen; Væggene vare beklædte med Egepanel og foroven dækkede af bibelske Billeder, Loftet tavlet og med en Dekoration af nedhængende, forgyldte Granatæbler; i Hjørnet stod en prægtig Kamin (if. Sagnet var det i denne, at O. B. for at hædre sin Gæst Fr. II lod fyre med Kanelbark og derpaa med kgl. Gældsbreve; den Kamin, som nu er i Folkemuseet, er dog først fra 1634). Opgangen til Huset var ad en Stentrappe med Bænke ved Siderne og Bislag over. Af alt dette er nu kun en beskeden Rest af Loftet tilbage, i Stuebutikken; selve Huset er i nyere Tid helt omdannet (en usikker Rekonstruktion af Pragtsalen se Danm. Illustr. Almanak 1857 S. 97). Som et fjerde af O. B.'s Stenhuse er alm. det 3 Stokv. høje Løveapotek blevet nævnt; skønt han har ejet Grunden, og Kældrene under Huset ligne hans, er dette dog først opført efter 1680, vistnok af Borgmester Chr. Westesen (se *Engelstoft*, Odense By 2. Udg. S. 578 fl., og *J. G. Burman Becker*, En Borger i O. i 17. Aarh., Kbhvn. 1880). Indtil 1854 prydedes Façaden af 32 Brændtlerstavler med Figurfremstillinger (flere af disse nu i Nationalmus. og Odense Mus.); 1883 blev Huset moderniseret. I Muren ind mod Gaardspladsen er indsat 2 Overtræer fra Oluf Bagerske Huse, det ene med O. B. og hans Bomærke (et opadvendt Anker) og Aarst. 1572, det andet med en versificeret Indskrift, hans og hans Hustrus Mærker og Aarst. 1581.

Ved Graabrødreplads opførte Karen Bryske 1594 et to Stokv. højt Stenhus, hvis Ydermure endnu i det væsentlige staa; den oprindl. Vestgavl er ligeledes bevaret, indmuret i den 1873 opførte 3. Etage; i Muren mod Graabrødreplads sidder en Sten med Aarst. 1594 og Bryskernes og Lungernes Vaabener. I Bygningen har nu Stiftsbogtrykkeriet Lokale; den bærer det „Hempelske Taarn". Fra Tiden omkring 1600 stammer den 2 Stokv. høje Bindingsværksbygning i Skomagerstræde (se Tegn. af ældr. n. Arkit. 1. S., 2. R., Pl. 12) med sædvanlig Halvrosetdekoration. Omtr. samtidigt er det udskaarne Træværk, der nu er anbragt paa en Sidebygning til Gaarden

Nr. 18 i Overgade. Snitværket her afgiver et af de bedste Vidnesbyrd om de Odense Billedskæreres Kunstfærdighed; paa Stolper og Løsholter ses en Jagtscene, Skraastivere og Stolper ere smykkede med Humleknopper og Halvrosetter, og paa Overgangsfoden er der Humleranker og Duer (se *Mejborg*, Gml. danske Hjem S. 57). Fra 1. Halvdel af 17. Aarh. hid-

Vestergade Nr. 76.

rører den 2 Stokv. høje Bindingsværks-Hjørneejendom Overgade Nr. 50; Façaden til Gaden er helt ombygget (dens oprindl. Udseende gengivet i Danm. Illustr. Almanak 1857 S. 98), men ud til Mønterstræde staar Gaarden med sit rige Snitværk (Halvrosetter, Humleknopper m. m.). If. en gammel, men urigtig Tradition skal det kgl. Møntværksted have været her (det fandtes i et for længe siden nedbrudt Hus paa Sortebrødre Kirkegaard); derimod beboedes det i lang Tid af Adelsmænd, hvorom 3 indmurede

Overtræer minde, det ene med Falk Gøyes og Karen Billes Vaabenskjolde og Aarst. 1646, de to andre med Oberst U. v. Dewitz' og Elsebeth Hahns Vaabener og Aarst. 1667 og 1681. En karakteristisk Bindingsværksbygning med Halvrosetter fra Beg. af 17. Aarh. er ogsaa Nr. 76 i Vestergade (oppudset 1875-76); paa Porthammeren staar Aarst. 1631 og Præsten i N.-Lyndelse Chr. Rasmussens og Hustrus Bomærker (se Tegn. af æld. n. Arkitekt. 1. Saml., 3. R. Pl. 13). Vistnok fra Slutn. af 17. Aarh. er Huset Overgade Nr. 41, det eneste med bevaret Svalegang. Hertil komme flere andre, men mindre karakteristiske Bindingsværksbygninger (Nedergade 24, Overgade 43, Nørregade 49, Odense Slots Konsolhus o. a.); mange ere forsvundne i den senere Tid, saaledes et i Paaskestræde (Nr. 4) og Smedekroen (Hj. af Paaskestræde og Nedergade) fra 1575; Tømmerværket fra den sidste Gaard er anvendt ved en Kunstnerbolig i Valby ved Kbh. (se *Æ. Schiødte*, i Tidsskr. for Kunstind. 1891 S. 149 fl.). Flere Port- og Dørhamre fra nedbrudte Bygninger ere dog endnu bevarede (den smukkeste Porthammer, fra 1600, med Margrethe Skovgaard til Sanderumgaards fædrene og mødrene Vaaben, hvilken indtil 1879 sad paa Klingenberg Nr. 9, er nu forsvunden).

---

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890 30,268, Nov. 1898 36,858 (1801: 5782, 1840: 9198, 1860: 14,255, 1880: 20,804). Byen har saaledes nu over 6 Gange saa mange Indb. som ved 19. Aarh.'s Beg.

Erhverv 1890: 3559 levede af immat. Virksomhed, 14,513 af Industri, 5293 af Handel, 311 af Søfart, 4 af Fiskeri, 289 af Jordbrug, 344 af Gartneri, 4529 af andre Erhverv, væsentl. forskellig Daglejervirksomh., 989 af deres Midler, 403 nøde Almisse, og 34 vare i Fængsel. — Industri og Haandværksdrift indtage en meget betydelig Plads og ere i de senere Aar stærkt i Opkomst. Ogsaa Handelen er trods den mindre gunstige Beliggenhed i stærk Stigen; Havnens og Kanalens Udvidelse og Uddybning have i denne Henseende haft stor Betydning.

Af fremmede Varer fortoldedes i 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 714,365 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 177,894 Pd., uldne Manufakturvarer 383,594 Pd., Vin 624,084 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 6583 Vrtlr., Glas og Glasvarer 295,932 Pd., Humle 95,251 Pd., Stentøj, Fajance osv. 131,688 Pd., Kaffe 731,340 Pd., Olier 994,664 Pd., Risengryn og Rismel 240,645 Pd., Stensalt 3,361,658 Pd., andet Salt 911,428 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 629,484 Pd., Tobaksblade og Stilke 422,971 Pd., fabrikeret Tobak og Cigarer 10,696 Pd., Stenkul og Kokes 137,551,000 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 4,684,448 Pd. samt Tømmer og Træ 6066 Clstr. og 46,100 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 3781 Td. Hvede, 1614 Td. Byg, 3,332,194 Pd. Flæsk, 33,249 Td. Smør, 4,576,000 Snese Æg, 37,520 Pd. Æbler og Pærer og 82,800 Pd. Hø; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 129,725 Pd. Flæsk og 596,857 Pd. Huder og Skind.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 80 Fartøjer og maalte Baade paa i alt $3559_{,49}$ Tons, deraf 5 større Skibe paa 200—400 T.; af Fartøjerne vare 11 Dampskibe, tils. paa $463_{,1}$ T. og 265 Hestes Kr., samt 2 Dampmuddermaskiner paa $29_{,1}$ T. Fra Udlandet indkom 605 og udgik 505 Skibe med resp. 72,691 og 11,512 Tons Gods; i indenrigsk Fart indkom 460 og udgik 681 Skibe med resp. 25,721 og 7109 T. Gods.

Told- og Skibsafgifterne udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 859,261 Kr. (1856: 295,488, 1870: 340,498 Kr.) og Krigsskatten af Vareindførselen 77,183 Kr., i alt 936,444 Kr. (23,945 Kr. mere end i 1896). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradr. af Godtgørelser, 109,395 Kr. (4712 mindre end i 1896); det producerede Udbytte var 1,297,538 Potter, hvoraf 5605 udførtes til Udlandet, 14,418 til indenlandske Steder uden for Øen.

Der afholdes Markeder 1. og 3. Mandag i hver Maaned samt 4. Mandag i April, 2. Mandag i Maj, 4. Mandag i Sept. og 2. Mandag i Okt. (i Tilfælde af Helligdag da den følgende Onsdag), alle med levende Kreaturer; desuden i Feb. et Marked med Heste, 1 i Feb., 2 i Marts, 1 i Maj og 1 i Juli med Heste og Kvæg, 1 i Okt. og 1 i Nov. med Heste, Kvæg og Faar, 1 i Dec. med Kreaturer. Torvedag hver Mandag, Onsdag og Lørdag.

Af større Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: flere Bogtrykkerier, deribl. Fyns Stiftsbogtrykkeri, opr. 1771, der beskæftiger 33 Arbejdere (om Bygningerne se S. 340; se i øvrigt *J. Lauritsen*, Tilbagebl. paa Fyns Stiftstidendses 1. Aarh., Odense 1872), og det Miloske Bogtrykkeri (25 Arbejd.). Flere Bryggerier, hvoraf Albani Bryggeri, opr. 1859, Aktieselsk. fra 1867, Aktiekapitel 300,000 Kr.; det beskæftiger 100 Arbejdere og solgte 1897-98 26,613 Td. bayersk Øl (Bygningerne, i Tværgade i Albanikvarteret, ere opf. 1859 i Rundbuestil af røde Mursten); Odense Bryggeri, Aktieselsk., opr. 1874, Aktiekapital 299,800 Kr., 30 Arbejdere, aarl. Produkt. omtr. 12,000 Td. bayersk og 3500 Td. Hvidtøl; St. Hans Bryggeri (bayersk og Hvidtøl; 15 Arbejd., aarl. Prod. 1000 Td. bayersk og 5000 Td. Hvidtøl). Flere Brændevinsbrænderier, deribl. Christophersens Brændevinsbrænderi og Gærfabrik (aarl. Prod. omtr. 400,000 Pt. Brændevin og 120,000 Pd. rent Gær). Flere Cigar- og Tobaksfabrikker, deribl. H. Nielsens Tobaksfabrik (180 Arbejd.), A. Jensens Fabrik (88 Arbejd.) og Odense Cigar- og Tobaksfabr. (53 Arbejdere), Fyns Cykleværk (Aktieselsk., opr. 1897, Aktiekap. 54,000 Kr.) foruden flere Cyklefabrikker. To Eddikefabrikker, hvoribl. Odense Eddikebryggeri (Aktieselsk., opr. 1898, Aktiekap. 35,000 Kr.). Fyns Glasværk, et 1873 opr. Aktieselsk., Aktiekap. 80,000 Kr.; det beskæftiger omtr. 250 Arbejd. og prod. aarl. omtr. 3 Mill. Flasker (Værdi ca. 170,000 Kr.) og Hvidtglas (30,300 Kr.). Skandinav. Gummikompagni, Aktieselsk., opr. 1897, Aktiekap. 100,000 Kr. Flere Jærnstøberier og Maskinfabrikker, hvoraf P. M. Allerups Efterfølgere (omtr. 150 Arbejdere), Brandt & Co. (61 Arbejd.), Fabrikken Phønix (100 Arbejd.) og Frederiksgadens Fabrik (100 Arbejd.). Flere Kalkværker, hvoraf Frederiksbroens Kalkværk og Odense Kalkværk, Aktieselsk., opr. 1874, Aktiekap. 60,000 Kr. En Fabrik for Kemikalier og tekniske Artikler (G. Lotze, Løveapoteket). Flere Klædefabrikker og Væverier, hvoriblandt Odense nye Dampværeri (180—200 Arbejd.), Slotsgadens Dampværeri (290 Arbejd.), Søndergadens Dampværeri (35 Arbejd.), Brandts Klædefabrik, der er omtr. 100 Aar gaml. og 1897 gik over til et Aktieselsk. (Aktiekap. 800,000 Kr., 215 Arbejd.) og Meldal & Co.'s Klædefabrik. Odense Margarinefabrik, Aktieselsk., opr. 1893, Aktiekap. 60,000 Kr. Flere Mineralvandsfabrikker, deribl. De forenede Mineralvandsfabrikker (Aktieselsk., opr. 1892, Aktiekap. 116,000 Kr.). Munkemølle, som fra 1895 er gaaet over til et Aktieselsk. (Aktiekap. 100,000 Kr.); det beskæf-

tiger omtr. 14 Arbejd. og formaler aarl. omtr. 45,000 Td. Hvede og Rug. Odense Oliemølles og Carl Petersens Fabrikker. De fynske Salt- og Kokesværker, Aktieselsk.- opr. 1897. Flere Savværker, deribl. Odense Savmølle (Aktieselsk., opr. 1885, Aktiekap. 80,000 Kr.). Flere Stentrykkerier og Æskefabrikker, deriblandt Mortensen & Co. og Hagen & Sivertsens (det sidste et Aktieselskab, opr. 1873, Aktiekap. 180,000 Kr.). En Straahattefabrik. Et Sukkerkogeri til Tilberedning af Roesukker, opr. 1872 af Aktieselsk. „De danske Sukkerfabrikker"; de store, 1872—73 opførte Bygninger ligge mod N. V. i Byen uden for Vesterbro; det kan oparbejde 9—10,000 Cntr. Roer i Døgnet; i Kampagnen 1897—98 oparbejdedes 743,000 Cntr. (1897 produc. $9^1/_2$ Mill. Pd. Sukker); det beskæftiger omtr. 160 Arbejdere. Flere Sukkervarefabrikker, deribl. Brødr. Tychsens Etablissement for Confecturer, et 1874 opr. Aktieselsk. (Aktiekap. 140,000 Kr.), der beskæftiger omtr. 46 Arbejd. To Svineslagterier, hvoraf det ene er det under Slagtehusene omtalte Eksportslagteri, det andet en 1888 anl. Filial af Aktieselsk. Koopmanns Slagteri i Aalborg. Flere Symaskinefabrikker, deribl. H. Demants (18 Arbejd.). To Sæbesyderier og Parfumefabrikker, Blumensaadts og Wendelboes. En Tapetfabrik. Flere Vognfabrikker. Desuden er der Garverier, Maltgørerier, Handskefabrikker, Trikotagefabrikker m. m.

I Odense udgives 6 Aviser: „Fyns Stiftstidende" (paabeg. 1771, se ovennævnte Artikel af Lauritsen), „Fyns Tidende", „Fyns Venstreblad", „Fyns Socialdemokrat", „Agrardagbladet" og „Odense Avis", foruden en Del andre, mindre Blade og Tidsskrifter (deribl. „Odense Uge-Revue", „Teatersaisonen" m. fl.).

Kreaturhold 1893 i Byen og paa Markjorderne: 1202 Heste, 587 Stkr. Hornkvæg (deraf 475 Køer), 31 Faar, 305 Svin og 21 Geder.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Auktionsdirektør, og en Byfoged og Politimester, der tillige er By- og Raadstueskriver. — Byens Bestyrelse bestaar af et Byraad, som foruden af Borgmesteren som Formand bestaar af 19 valgte Medlemmer, hvortil slutte sig forskellige Embedsmænd, af hvilke nævnes: Kæmneren, Kommunebogholderen, Stadsingeniøren, Bygnings- og Brandinspektøren, Inspektøren for Fattigvæsenet, Skoleinspektøren, Kanalfogden, Sygehuslægen, Kommunelægen, Epidemihusets Læge osv. — Følgende staaende Udvalg ere nedsatte: a) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, b) for Kanal- og Havnevæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Skolevæs., f) for de tekniske Anliggender, g) for Markvæs., h) for Legatvæs. Endvidere er der et Forskønnelsesudvalg, et Ekspropriationsudvalg, et Redaktionsudvalg og et Udvalg ang. Affattelsen af Valglisterne; Museumsbestyrelsen vælges, som alt nævnt, ogsaa af Byraadet.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: 517,931 (deraf Grundsk. 12,045, Hussk. 103,752, Formue- og Lejlighedssk. 386,627, lignet paa Menigheden 11,573 samt Bidr. fra Landdistrikterne 3934 Kr.), foruden frivillige Bidr. fra Aktieselskaber og lign. Institutioner 7550, Afgifter efter Næringsloven 56,016, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 25,924, Indtægt af Aktiver 193,805, Skolekontingenter 6935 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 12,050, til Amt 1107, til Amtsskolefond 7583, Alderdomsunderst. 51,848, Skolevæs. 233,929, Fattigvæs. 79,502, Rets- og Politivæs. 53,332,

Medicinalvæs. 26,120, Gader og Veje 59,356, offentlig Renlighed 39,445*), Belysn. 15,865, Brandvæs. 7658, Vandforsyning 43,089, kirkl. Formaal 11,700, Byens Bestyrelse 42,861 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897: i Kapitaler 931,266, i Ejendomme med Udbytte 3,476,810, i Ejendomme uden Udbytte 1,318,411 Kr.; dens Gæld var 3,172,036 Kr. Med Hensyn til Skatteligningen bemærkes, at Portionssystemet med progressiv Skala benyttes; i 1898 var der lignet 160,124$^1/_2$ Portioner à 2 Kr. 68 Ø.; desuden var der i Kirkeskat lignet 8 Ø. paa hver Portion og i Vandafgift efter Bygningernes Assurancesum 82 Ø. Den anslaaede Indtægt for 1898 var 10,336,900 Kr., fordelte paa 6915 Skatteydere, deraf var skattepligtig Indtægt 3,489,931 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Raadhuset, de offentlige Skolebygninger (ogsaa Mulernes Legatskole), Fattiggaarden, Kvægtorvet med Bygninger, Renovationsvæsenets Bygninger i Vognmandsløkken og Tornehøjsløkken, det civile og det militære Sygehus, Museet, Eksercerhuset, Ryttер- og Fodfolkkasernen, 2 Krudthuse, 2 Ladebygninger i Kræmmermarken og Natmandsløkken, Vandværket, $^1/_5$ af Ting- og Arresthuset, Sprøjtehuset, Ejendommen i Enggade Nr. 13 og i Jorder til Dyrkning og Bebyggelse omtr. 937 Td. Ld.

Foruden Politimesteren bestaar Politikorpset af en Politiassistent, 2 Overpolitibetjente, 16 Politibetjente, 19 Patrouillebetjente, 1 Bud og 1 Torvefoged.

Brandkorpset bestaar af Brandinspektøren, 1 Vicebrandinspektør, 2 Brandassistenter og 2 Reservebrandassistenter (Byens 2 Skorstensfejere), 4 Sprøjteførere, 40 Brandmænd, 1 Vandmester og 1 Bud. Materiellet bestaar af 8 kørende Sprøjter med Slanger, 2 Slangevogne, 1 Redningsstige, 1 Rekvisitvogn og 7 Haandsprøjter. Foruden det egentlige Brandkorps er der under Polimesterens umiddelbare Ledelse et Ordenskorps, der bestaar af 20 Mand under en Delingsfører og en Halvdelingsfører, og som navnlig skal bistaa Politiet med at overholde Orden paa Brandstedet eller i andre overordentlige Tilfælde. (*F. M. Andersen*, De borgl. Korps i Od., Odense 1899).

I Fyns Diskontokasse (opr. $^{15}/_{12}$ 1846) er Aktiekapitalen 3,$_5$ Mill. Kr.; Folio- og Indlaanskontoen var $^{30}/_6$ 1898 6,677,756 og Vekselkontoen paa Udlandet 124,064, paa Indlandet 2,932,910 Kr. — I Odense Kreditbank (opr. $^{17}/_1$ 1895) er Aktiekapitalen 11,575 Kr.; Folio og Indlaan var $^{31}/_3$ 1897 62,193 Kr. — I Handelsbanken (opr. $^1/_7$ 1875), Filial af Handelsbanken i Kbh., var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 2,191,162 Kr., Rentefoden 3$^1/_2$ pCt., Antal af Konti 1461. — I Fyns Stifts Sparekasse (opr. $^1/_1$ 1832) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 38,404,933 Kr., Rentefoden 3$^1/_2$ pCt., Reservefonden 2 Mill. Kr., Antal af Konti 54,059. — I Spare- og Laanekassen for Haandværkere i Odense (opr. $^{25}/_{10}$ 1864) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 264,525 Kr., Rentefoden 3$^1/_2$ pCt., Reservefonden 5918 Kr., Antal af Konti 2018.

**Havneforhold.** Muligvis har Fjorden i gamle Dage gaaet helt op til Byen; senere var Aaen Søvej, indtil denne opgaves i Slutn. af 16. Aarh. ved en Tilsanding af Aamundingen efter en Stormflod. Søhandelen foregik

*) Dag- og Natrenovationen besørges af Kommunen og sorterer under Markudvalget. Der er to Renovationsanstalter, en opf. 1882 $^1/_4$ Mil V. for Byens Centrum og en opf. 1892 omtr. 1$^1/_2$ Fjerdingvej Ø. for det.

da i nogen Tid gennem Kjertinge Nor over Kjerteminde; senere anlagdes en Losse- og Ladeplads ved Odense Fjord ved Baagø Strand, ved de nuv. Skibhuse; fra Slutn. af 17. Aarh. havde Odense sin Sommerhavn ved Stige Strand og Vinterhavnen længere ude ved Klintebjærg. Disse Udskibningsforhold vare dog meget utilfredsstillende, og alt under Fred. IV begyndte man at optage Planen om Gravningen af en Kanal fra Byen ud til Fjorden. Den kom dog først til Udførelse 1796—1804, idet Staten med en Bekostning af 169,000 Rd. lod den grave i nordl. Retning fra Byen og derpaa i østl. Retning, hvor den en kort Strækning fra Fjorden forener sig med Odense Aa; den havde omtr. 8 F. Vand. Noget senere blev Stavis Aa, som før løb ud i Baagø Strand, ledet ud i Kanalen. Aar 1857 afstod Staten Kanalen tillige med Baagø Strand, som senere er bleven inddæmmet og udtørret, til Byen for 100,000 Rd. Kanalen, der er anlagt et Stykke ud i Fjorden, er 26,600 F. lang. Fra Enden af Kanalen fører det temmelig bugtede, smalle Sejlløb ud gennem Fjorden i en Længde af 47,000 F. Baagø Strand er senere bleven solgt. Kanalen er efterhaanden bleven uddybet, saa at den 1882 kunde besejles af 11 F. dybtgaaende Skibe; 1883—86 uddybedes den til 13 F., hvorefter der aabnedes fast Dampskibsfart paa England; 1889—91 uddybedes den til 15 F., Bredden er 100 F. Disse 3 Uddybninger have kostet omtr. $1^1/_4$ Mill. Kr. Havnen, lige N. for Bygrænsen ved Kanalens Begyndelse, bestaar af to langagtige Bassiner, den gamle Havn mod V., med 12—13 F. Vand, og den nye Havn mod Ø., med 16 F. Vand, tils. 85,100 □ Al.; Havnepladsens Størrelse er 212,250 □ Al., Bolværkernes Længde 3530 Al. (i 1898 er der projekteret en større Uddybning af Sejlløbet i Fjorden og Kanalen til 17 F. og derover, og en Regulering af Retningen ved Gennemgravning af de skarpeste Krumninger, samt en Udvidelse af Havnen; Omkostningerne ere anslaaede til omtr. $1^1/_5$ Mill. Kr.). Havnevæsenet bestyres under Byraadet af et Udvalg paa 5 Medlemmer, hvoraf Borgmesteren er født Medlem. Ved Kanalen er ansat en Kanalfoged og en Assistent, ligesom Stadsingeniøren forestaar dens tekniske Anliggender. Ved Udg. af 1898 ejede Havnen i Kontanter 2750 Kr., i Kapitaler 20,982 Kr., i fast Inventarium 72,717 Kr., desuden i Effekter (1 Dampmuddermaskine, 3 Dampbaade og 2 Kraner) 114,000 Kr.; endelig vurderes selve Kanalen til 1,341,000 Kr. Kanalens Gæld er 1,009,762 Kr. Indtægten af Havne- og Bropenge var 1897 108,898 Kr. (1882: 41,740, 1891: 80,563); den største Indtægt giver Kul og Smør, derefter Sukker, Korn, Tømmer og Træ. Ved Gabet er der et Fyr. Der er Lodsstationer ved Stige, Gjersø og Gabet, med i alt 7 Lodser; i Kanalen er der Lodstvang. (Se i øvrigt *J. Lauritsen*, Søvejene til O., især den nuv. osv., Odense 1873, og samme Forf., Land- og Vandforholdene ved O. og i O. Fjord, anskueliggjorte ved et illumin. Kort, tr. som Manuskr., Odense s. a. [1888]).

I gejstlig Henseende danner Odense med tilhørende Landdistrikter eet Provsti samt 3 Sogne: St. Knuds, Vor Frue og St. Hans.

I Odense bo Stiftamtmanden for Fyns Stift, Biskoppen over Fyns Stift og Stiftsfysikus. Om Garnisonen se S. 333.

Odense hører til 6. Landstingskreds og Odense Amts 1. og 2. Folketingskreds, for hvilke den er Valgsted, Odense Amtstuedistrikt (Amtsforvalteren bor her) og har sin egen Stadslæge samt 3 Apoteker.

Den hører til 3. Udskrivningskreds' 145. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 109, 112—121 og 127—138.

Ved Odense Toldsted er ansat en Toldinspektør, en Toldkasserer, to Toldkontrollører og tolv Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester, en Postkontrollør og syv Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer, en Overtelegrafist og 6 Telegrafister. Odense har Statstelefon og staar desuden ved Fyns Telefonselskab i Forbindelse med Fyns andre Byer.

De fynske Jærnbaner. Som alt omtalt er Odense Knudepunktet for de talrige fynske Jærnbaneanlæg. Allerede i 1850'erne var der Planer oppe om Baneanlæg paa Fyn, og ved Lov af 1857 bemyndigedes Regeringen til at give Koncession paa en Bane Nyborg-Odense-Lille Bælt, hvilken dog blev uden praktisk Betydning. Ved Lov af $^{10}/_{3}$ 1861 om de jydsk-fynske Baneanlæg blev det bestemt, at der skulde anlægges en Bane fra Nyborg over Odense til Middelfart, ved Lov af $^{11}/_{2}$ 1863 ændredes det til, at Endepunktet skulde være Strib, og den 11 Mil lange Bane (Dronning Louises Bane) aabnedes $^{7}/_{9}$ 1865; dens Drift overtoges af Regeringen fra $^{1}/_{4}$ 1867. Ved Lov af $^{28}/_{5}$ 1870 fastsloges Anlægget af Dampfærgehavne ved Fredericia og Strib samt Anlæg af en Skibsbro ved Nyborg med tilhørende Sporforbindelse (færdige Marts 1872). Ved Lov af $^{23}/_{5}$ 1873 bemyndigedes Regeringen til at give Eneret paa Anlæg og Drift af en privat Bane Odense-Svendborg som en let, bredsporet Bane, hvortil Staten kunde tilskyde indtil 80,000 Kr. pr. Mil, for hvilket Beløb den blev Aktionær, samt den halve Ekspropriationsudgift. Denne sydfynske Bane aabnedes $^{12}/_{7}$ 1876, er $6{,}_{28}$ Mil og kostede omtr. 430,000 Kr. pr. Mil. Ved Lov af $^{16}/_{6}$ 1879 anlagdes Faaborg-Ringe Banen som Statsbane med et Tilskud af 80,000 Kr. pr. Mil fra de vedk. Kommuner; den aabnedes $^{3}/_{4}$ 1882, er $3{,}_{9}$ Mil og kostede omtr. 300,000 Kr. pr. Mil. Driften overtoges af det „sydfynske Selskab" mod en Forpagtningssum lig 3 pCt. af Anlægskapitalen. Ved Lov af $^{18}/_{2}$ 1881 anlagdes Statsbanen Assens-Tommerup efter samme System som den sydfynske Jærnbane; den aabnedes $^{1}/_{6}$ 1884, er $3{,}_{9}$ Mil og kostede omtr. 490,000 Kr. pr. Mil, hvoraf Kommunerne tilskød 90,000 Kr. pr. Mil samt Ekspropriationsudgiften. Ved Lov af 1881 fastsloges der Dampfærgefart fra Korsør til Nyborg, hvorefter der anlagdes Dampfærgeleje i Nyborg samt en Bane fra Nyborg til Knudshoved og Slipshavn; Dampfærgen toges i Brug $^{24}/_{11}$ 1883. Ved Lov af $^{18}/_{3}$ 1881 bemyndigedes Regeringen til at give Eneret i 80 Aar paa en privat Bane Odense-Bogense; den aabnedes $^{1}/_{7}$ 1882, er 5 Mil og kostede 270,000 Kr. pr. Mil.

Ved Banelovene af 1894 bestemtes Anlægget af en Statsbane Nyborg-Ringe (L. af $^{8}/_{5}$ 1894), der ansloges at skulle koste $1^{1}/_{2}$ Mill. Kr.; den aabnedes $^{1}/_{9}$ 1897 og er $3^{1}/_{2}$ Mil; Driften besørges af det „sydfynske Selskab" (mod 2 pCt. af Anlægskapitalen og det Overskud, der maatte fremkomme ud over de 2 pCt. indtil i alt 3 pCt.). Ved Lov om Privatbaneanlæg af $^{8}/_{5}$ 1894 bestemtes, at der skulde anlægges en Nyborg-Svendborg Bane og en Odense-Kjerteminde-Dalby Bane. Den første, 5 Mil, aabnedes $^{1}/_{6}$ 1897, den anden ventes aabnet Efteraar 1899.

I Driftsaaret 1897-98 befordredes paa Statsbanen fra Odense 225,675 Pers. og afgik af Gods, Kreat. osv. 59,705, ankom 76,614 T. Gods. Paa nordfynske Bane ankom 83,217 og afgik 44,408 Pers., ankom 346,133,

gfgik 310,374 Cntr; paa sydfynske Bane ankom 127,543 og afgik 113,585 Pers., ankom 581,191 og afgik 704,660 Cntr. Gods.

Odense staar i Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn (over Samsø), Svendborg, Rudkjøbing, Marstal, Lübeck, Hamburg, Newcastle og Leith.

---

**Historie.** Som Navnet viser, gaar Byens Oprindelse tilbage til Oldtiden. Det oprindelige Navn er *Othensve*, ɔ: Odins Helligdom. Allerede i 11. Aarh. findes Navnet, rigtignok forkortet som *Othsvi.*, *Odsv.* og *Odns.*, paa Mønter, der ere prægede i Byen under Knud den store. Den første danske Form *Othensi* er fra 1107; hos Ælnoth fra c. 1100 findes *Othenswi*, og Formen *Othense* forekommer ogsaa i 12. Aarh., første Gang med Vished i St. Knuds Klosters Segl 1183. Vel forekommer allerede i 12. Aarh. ogsaa den forvanskede Form *Othensø*, *Othensei*, en Form, som bliver almindelig i 13. Aarh., saaledes i Vald. Jrdb. (hos Islænderne *Oðinsey*). De latinske Former ere *Othenæ*, *Otthinia*, *Otthonia* (se *O. Nielsen*, i Danske Saml. 1. R. 1. B. S. 91, og i Bl. til Oplysn. om dansk Sprog I S. 247; ligeledes *Kr. Erslev*, i Danske Saml. 2. R. III Bd. S. 123). Sagnet har vel haft travlt med at finde Stedet for Odins Helligdom, Borg eller Grav; saaledes ere Nonnebakken S. for Aaen, en Ø i Næsbyhoved Sø m. m. blevne nævnte*), men om Byens Historie i Oldtiden ved man slet intet. Første Gang den nævnes i den historiske Tid, er i et af Kejser Otto III 987 udstedt Beskærmelsesbrev for et christeligt Bispedømme i Odense, som den tyske Mission paa hans Tid agtede at oprette her. I Middelalderen var det en af de mest ansete Byer i Landet. Adam af Bremen kalder „Odansve" *magna civitas* paa Fyn, og næst Lund og Roskilde er det den By, der kan opvise de ældste Mønter. Den var Møntsted under Knud den store, der benyttede engelske Møntmestre, Magnus den gode, Svend Estridsen, Knud den hellige, sikkert ogsaa under det flg. Aarh.'s Konger (1285 nævnes en Møntmester Henrik Sømær i O.); ogsaa under Erik af Pommern prægedes der Mønter her. Møntergaarden, som laa ved det nuv. Sortebrødretorv (se S. 341 Møntergade minder endnu om den), skænkede Erik af Pommern 1420 til et Alter i Sortebrødrekloster**). Kongerne opholdt sig hyppigt i Odense og holdt Retterting her; flere Gange omtales en Kongsgaard, saaledes under Knud den hellige og Svend Grathe; ligeledes holdt Ærkebisperne flere Gange vigtige Koncilier med Bisperne, saaledes 1206, 1245 og 1419.

Intet af de middelalderlige Kongenavne er dog saaledes knyttet til Odense som *Knud den helliges*†). Efter at Vendelboerne havde rejst Oprør mod ham, og Opstanden havde forplantet sig til hele Jylland, flygtede Kongen til Odense, hvor han i sidste Øjeblik flyede fra Kongsgaarden ind i den af ham selv opbyggede St. Albanikirke, og her blev han, medens han knælede foran Alteret, dræbt $^{10}/_{7}$ 1086 tillige med sin Broder Benedikt og 17 af sine Hirdmænd. Nogle Aar efter slog dog Stemningen mod Kongen om; hans Lig, som var blevet begravet i Kirken, blev allerede 1095 optaget af Graven og ført til den af ham selv grundlagte første Stenkirke, der skulde afløse den ældre Albanikirke, og $^{19}/_{4}$ 1101 blev Kong Knud kanoniseret af Paven. Den ny Helgen gav Kirken dens fremtidige Navn og tillige dens største Anseelse. Odense blev fra den Tid Genstand for hyppige Valfarter, endog fra fremmede Lande, især paa Helgenens Festdag. Disse Valfarter, bleve en stor Indtægtskilde for Byen og Oprindelsen til det store St. Knuds Marked i Juli. Kanonisationen gav ogsaa Anledning til Stiftelsen af det første Kloster i Odense, som snart efterfulgtes af andre, og til Oprettelsen af det første Gilde.

Der grundlagdes i og ved Odense ikke mindre end 6 Klostre, og af disse regnedes de to, indviede til St. Knud og St. Hans, til Landets betydeligste. Ældst, fra omtr. 1100, var St. Knuds Kloster (se S. 353). Henved et halvt Aarh. senere

---

*) I D. Atl. (VI S. 575) fortælles, „at der menes, at Othin skal have haft en Residents paa Korsgade midt i Byen, hvor og hans Effigies skal have staaet over den gamle, grundmurede Bygning, som 1740 er ombygget". Gaarden siges tidligere at have været Byens Raadhus, og Billedet sad der endnu 1830. Efter andre forestillede det dog Kejser Otto III, som Sagnet ogsaa har gjort til Byens Grundlægger, og bag paa Billedet (se *Engelstoft*, Odense Bys Hist. 2. Udg. S. 24) stod ogsaa „Kong Ottings Effigies".

**) Oluf Bager fik i 16. Aarh. personlig Ret til at slaa Smaamønt, saaledes at Odense blev den sidste Provinsby, der var Møntsted.

†) Kongens formentlige Billede er langt senere blevet optaget i Byens Vaaben (se S. 309). Lilien i Vaabenet maa forstaas som Jomfru Marias Liliemærke og ikke som Allusion til den Spydod, der dræbte Kongen (se Aarb. f. n. Oldk. 1889, S. 91).

grundlagdes paa en Banke tæt S. for Byen, nu „Nonnebakken“ (tidligere hørende til St. Knuds Landdistr., nu inden for Bygrænsen), et Nonnekloster; Søstrene kaldtes alm. „Nonnerne af Borgen“, fordi Banken tidligere havde baaret en Borg (se ovfr.). I et Kongebrev af 1193 siges, at Nonnerne havde faaet deres Orden og Vielse af Knudsbrødrene, men ellers ved man intet om Klosterets Oprindelse; omtr. 1168—86 skænkede Biskop Simon det Hjallese Kirke; Ved Aar 1200 flyttedes det til Dalum (s. d.). Paa Klostertomten er der endnu i de sidste Aarhundreder opplejet mange Mur- og Kampesten; 1835 afdækkedes to murede Grave af den for den ældre Middelalder karakteristiske Form. — Omkring 1250 opførtes paa Nordsiden af det nuv. Sortebrødretorv et Sortebrødrekloster (det eneste i Stiftet), helliget St. Peder. Det nævnes første Gang 1252; 1264 forekommer en Prior Oluf, og kort efter var den senere Biskop Gisico Underprior. Ved mange Gaver fra Konger (saaledes Vald. Atterdag 1351 og Oluf 1383), Adelsmænd og Borgere blev Klosteret efterhaanden ret velhavende; 1390 skænkede Væbneren Axel Pedersen det 2 Gaarde og 2 Huse i Skalkendrup, s. Aar fik det af Borgmester Joh. Hennikens Enke 3 Agre i Tagelokke mod at holde 12 Messer for Manden, og 1430 noget Gods af Claus Rantzau. Aar 1315 gav Biskop Peder Pagh dem af Munkene, som forrettede Gudstjenesten, Magt til at uddele Syndsforladelse og 40 Dages Aflad. At Bygningerne have været ret anselige, turde fremgaa af, at Konger og Bispernes Officialer flere Gange holdt Retterting her. Først ved Reformationens Indførelse er det sikkert ophævet ($^{16}/_{12}$ 1534 nævnes en Prior Peder Algudsen); 1540 henlagdes det til Graabrødrehospitalet (se S. 327), men 1542 blev det befalet at nedbryde Kirken paa Grund af Brøstfældighed, og selve Klosteret udlejedes til Adelsmænd; paa Resens Tid var det helt forsvundet (et stort Stenhus nedbrødes 1607). Kirkegaarden overdroges Byen 1551 til Assistenskirkegaard. — Et Graabrødrekloster blev stiftet 1279 væsentlig ved Bistand af Erik Glipping, som skænkede Munkene sin Kongsgaard med flere omliggende Grunde; i Klosterkirken, foran Højalteret, til hvilket Kongen lod forfærdige en Altertavle, valgte han sit Gravsted, og her bleve hans Døtres Katharinas og Elisabeths Lig nedsatte 1283. Allerede 1342 ombyggedes Kirken, og det flg. Aar blev Højalteret indviet til Jomfru Maria, der alt tidligere nævnes som Klosterets Værnehelgeninde; 1520 siges det dog at være helliget St. Catharina. Det var det mest ansete Graabrødrekloster i Stiftet, idet dets Guardianer vare Custoder for Odense Custodi; enkelte af dem (saaledes Laurentius Brandere, Jesper Johansen og Erasmus Ulf) bleve Vicarer eller Ministre for Provinsen Dacien; en Munk, Niels Jensen, beskikkedes 1421 af Paven til Inquisitor for at holde det husitiske Kætteri fra Landet. Med denne ansete Stilling fulgte ogsaa Velstand, hvorom mange Gavebreve fra Konger, Adelsmænd o. a. bære Vidnesbyrd; særlig begunstigedes Klosteret dog af Kong Hans og Dronning Christine, hvilken sidste skænkede det Claus Bergs Altertavle (se St. Knuds Kirke) og bekostede en Udsmykning af Koret; begge bleve begravede her. Ved Reformationens Indførelse blev Klosteret, i hvilket Laur. Brandere omtr. 1469 havde indført den strængere Ordensregel, ophævet, og 1539 forvandledes det til et Hospital for Fyns Stift (se S. 326). — Johannitermunkene spores første Gang i Odense 1280, idet de nævnte Aar søgte og fik Magistratens Tilladelse til at lade deres Kvæg græsse i Aalekken; de begyndte saaledes ganske smaat, men til sidst ejede de en stor Mængde Grunde i og ved Odense foruden et betydeligt Jordtilliggende rundt om i de fleste fynske Herreder. Deres Kloster, indviet til St. Hans og St. Michael, blev den fornemste Korsbrødregaard i Landet næst Antvorskov. Her som alle Vegne havde Johannitermunkene deres bedste Støtte i Adelen; flere Riddere og Væbnere indgave sig paa deres gamle Dage i Klosteret, stiftede Sjælemesser, Altere og Kapeller eller købte sig Gravsteder i Kirken (se om Ligstenene S. 316). Befalingsmanden paa Næsbyhoved var fra 1402 Klosterets Værge. Ogsaa blandt dets eget Personale fandtes fornemme Folk; flere af Priorerne eller, som de ogsaa kaldtes, Commendatorerne vare af Adel, saaledes Offe Grib, der 1447 stiftede en Skole, Jep Mortensen, senere Prior i Antvorskov, og Hans Juul; en af dennes nærmeste Efterfølgere som Prior var den bekendte Afladskræmmer Dr. Herman Andersen (i Beg. af 16. Aarh.). Ved eller kort efter Reformationen blev Klosteret sekulariseret og 1541 forenet med Stiftets gejstlige Gods og Næsbyhoved Len; da Næsbyhoved var ødelagt i Grevens Fejde, tog Lensmanden Ophold i Klosteret. 1575 lod Fr. II det indrette til Slot (se S. 321). Med Klosteret var forenet et Hospital, der snart kaldtes „Sygestuen paa St. Hans Kirkegaard“, snart „St. Hans Hospital“ eller endog „Helliggesthus paa St. Hans Kirkegaard“; det havde sit eget Kapel; 1540 blev Godset henlagt til Graabrødrehospital, medens Hospitalsbygningen 1541 blev Residens for Sognepræsten ved St.

Hans Kirke, som hvilken den endnu formentlig tjener (se S. 317). — Yngst og overhovedet sidst grundlagt af alle danske Klostre var St. Klare Kloster, stiftet Aar 1521 af Dronning Christine (jf. pavel. Tilladelse af $^{15}/_{2}$ 1519) for Nonner af Graabrødreordenen. Det havde været Dronningens Bestemmelse at tilbringe sin sidste Levetid her, men først et halvt Aar efter hendes Død stod Klosteret færdigt, indrettet til Dels i den ældre saakaldte Dronningegaard; $^{21}/_{9}$ 1522 indførtes efter Pavens Befaling Nonnerne. Dets Historie er kun lidet kendt; 1523 paalagde Chr. II Lensmanden paa Dalumkloster tillige at antage sig og vedligeholde Klare Kloster; 1527 omtaler Skriftefaderen, Broder Anders, Nonnerne som meget trængende. Efter Reformationen synes det endnu at have bestaaet en kort Tid; 1537 betænkte i alt Fald Mogens Bille det i sit Testamente, men det flg. Aar var det forladt, og Kongen skænkede det da ($^{19}/_{9}$) til Bolig for Biskoppen, Sognepræsten og Kapellanen ved St. Albani Kirke, Læsemesteren og Rektoren; nu bor Biskoppen her; om Bygningerne se S. 324. — Desuden var der i Middelalderen flere milde Stiftelser, saaledes den ovfr. nævnte Sygestue paa St. Hans Kirkegaard, et Helligaandshus, en St. Jørgensgaard for spedalske og maaske ogsaa et St. Gertruds Hospital (knyttet til det uden for Byen liggende St. Gertruds Kapel). Helligaandshusets oprindl. Beliggenhed og Stiftelsestid kendes ikke; rimeligvis hidrører det dog fra 14. eller Slutn. af 13. Aarh. Ved Beg. af 15. Aarh. var det ganske øde, og Præsten Peder Jensen byggede da Ø. for Bytinget (omtr. hvor nu Løveapotekets Have er) et nyt, som Paven $^{24}/_{4}$ 1437 stadfæstede; det var indviet til den Helligaand, St. Antonius og St. Olaf. I Anledning af dets Opførelse kom det snart til en Strid med St. Knudsmunkene. Efter alm. Antagelse blev dette Hospital 1478 omdannet til et Helligaandskloster og stillet under Overtilsyn af Faaborg Kloster, hvis Prior derfor skulde have bygget sig en særlig Residens i Odense, den saakaldte Priorgaard. Aar 1540 blev Helligaandshuset nedlagt og med alt sit Tilliggende overdraget til det nyoprettede Graabrødrehospital (se S. 327); Kirken og Kirkegaarden skænkedes flere Odense Borgere til Deling. Ved Slutn. af 16. Aarh. vare sikkert alle Bygningerne nedrevne med Undtagelse af Priorgaarden, der først forsvandt 1897 (Navnet er nu overført paa det Hus, som er rejst paa Grunden)*). — St. Jørgens Hospital laa ved Byens Østerport, uden for Pjentemølle; det nævnes første Gang 1295; 1467 tilskødede Albrecht Hintze det en Del Gods; ved Middelalderens Slutn. var det en kgl. Forlening. 1542 eller 1543 blev det ophævet og med hele sit Tilliggende henlagt til Graabrødrehospitalet, i hvilket Lemmerne optoges (se S. 327). Af Kirken (indviet til St. Laurentius) vare Rester endnu synlige 1709; Kirkegaarden anvistes 1551 Byen til Fattigkirkegaard, men benyttedes næppe meget; selve Hospitalsbygningen siges endnu delvis at have staaet 1636.

Det vigtigste Gilde i Odense var Knud Konges Gilde, der allerede var stiftet før Kanonisationen og stadfæstedes af Kongen 1101. Det var saa anset, at ingen maatte blive Købmand i Byen uden at være Medlem af det; men naar undtages dets Gildeskraa, som er bevaret, kender man saa godt som intet til det; man ved ikke engang, hvor Gildeshuset har ligget. Af andre Gilder i Byen nævnes St. Laurentii Gilde, Hellig Trefoldigheds Gilde, St. Anna Gilde, St. Gertruds Gilde m. a. I den senere Middelalder kom flere næsten helt religiøse Gilder til, saaledes det 1435 stiftede Elende Lag eller Vor Frue Gilde og det 1496 stiftede Mariæ Psalters Broderskab.

Hvad man ellers ved om Odense i Middelalderen, er kun lidt. Den har flere Gange lidt under fjendtlige Overfald, saaledes ved Midten af 11. Aarh. under Krigen mellem Svend Estridsen og Norge, og ved Midten af 12. Aarh., da den gentagne Gange afbrændtes af Venderne. Den er dog vistnok snart bleven genopbygget, thi 1159 eller 1162 holdt Vald. I Danehof her. Aar 1247 blev den afbrændt af Abel; 1357 blev den erobret og brandskattet af de holstenske Grever og de oprørske Jyder. Som andre Byer har den utvivlsomt været hærget af hyppige Ildebrande;

*) Priorgaarden, en 30 Al. lang og 16—$22^{1}/_{2}$ Al. bred, grundmuret, 2 Stokv. høj Bygning med Kælder, var i Tidens Løb undergaaet store Forandringer, saa at der af de middelalderlige Dele til sidst kun stod Sidemuren mod Vestergade tilbage (af Munkesten i Munkeskifte og med fladbuede Blindinger) samt 4 Fag af Egetagværket; vistnok ved Midten af 16. Aarh. var Sidemuren til Staalstræde opført (af Munkesten i Blokskifte og med høje, elipseformede Blindinger) og Kælderen indrettet; dennes uregelmæssigt formede Hvælvinger vare dog fra et senere Tidspunkt; fra først af har der været Bjælkeloft. Ogsaa Husets Indre var nyt. (Opmaalinger ved A. Mathiesen, i Nationalmus.). Husets Façade skal i ældre Tid have været prydet med „Helgenfigurer", men ved en Reparation af Huset 1782 (det var da Postgaard) bleve de borttagne og indmurede andetsteds. En af Figurerne, af Sten, er anbragt i en Niche indvendig i Sidehuset til den nye Priorgaard; den hidrører imidlertid fra Renæssancen og forestiller vistnok en Justitia.

dog ved man kun om een voldsom Brand, nemlig ved Midten af 15. Aarh. (vistnok 1444). Hvor anset den end var, ses dog af Vald. Jordeb., at den i 13. Aarh. langt fra hørte til Landets største Byer, idet Kongens Indtægt af den kun var 150, senere 167 Mark, saaledes at den stod langt tilbage for Byer som Lund, Roskilde og Ribe; først i den senere Middelalder stod den med Hensyn til Beskatning lige med de største. Om dens Betydning vidne flere Begivenheder; saaledes var det her, at Kongevalget drøftedes 1375, og her hyldedes Dron. Margrethe 1387; i Middelalderens sidste Aar holdt Kong Hans og hans Dronning Christine Hof her (eller paa det nærliggende Næsbyhoved).

Hvornaar Byen har faaet Købstadsrettigheder, vides ikke, maaske under Kong Vald. V. (1326—30); den første Gang Privilegierne nævnes som stadfæstede, er 1335 af Grev Gert. Omtr. paa den Tid har Byen ogsaa faaet sin første Borgmester (den først nævnte er Alb. Grote, † 1352); 1435 havde den to Borgmestre; 1441 bestemtes, at Kongen skulde beskikke dem. De ældste bevarede Privilegier ere de $^{25}/_{10}$ 1409 af Erik af Pommern bekræftede. Det er vistnok ogsaa fra denne Konges Tid, at den store Befolkning af adelige, der senere findes i Odense, hidrører; thi, som der siges hos Huitfeldt, Kongen ansaa „for godt, at Adelen skulde indflytte og bo udi Købstæderne, særdeles i Odense, for at holde Hertug Bugislaus det andet Folk til Lydighed". Det var navnlig pommerske Adelsmænd, der bosatte sig her; dog vare ogsaa adskillige borgerlige danske allerede ved Middelalderens Slutn. optagne i Adelsstanden.

Odense havde hele Middelalderen igennem spillet en betydelig Rolle i gejstlig Henseende. Knud den store havde omtrent 1020 indsat den første Bisp her, og det talrige Hierarki, der knyttedes til de mange Klostre og Kirkerne, gav Byen en væsentlig Del af dens Præg. Ogsaa i den reformatoriske Bevægelse i Beg. af den nyere Tid indtog den en fremskudt Plads. Fred. I holdt her næsten aarlig 1522—27 Herredage, hvor de religiøse Spørgsmaal drøftedes; navnlig er Herredagen 1527, der lagde Grunden til Religionsfriheden, bekendt. Aar 1532 blev en af de fremragende Reformatorer, Jørgen Sadolin, af den sidste katolske Bisp Knud Gyldenstjerne kaldet til at prædike Evangeliet i St. Knuds Kirke.

Den nye Tid begyndte med vanskelige Aar. Feb. 1529 overgik der Byen en saa voldsom Ildebrand, at Kongen maatte nedsætte Byskatten. Saa kom Grevens Fejde, i hvilken Byen snart var i det ene, snart i det andet Partis Vold. Oprørerne begyndte med at besætte den under Skrædderen Henr. Skræp, og senere blev den aabne By (det ældste Odense har haft en Slags Befæstning, bestaaende af Volde og Grave og et Pæleværk, „Havelværk", men den har aldrig haft nogen Betydning, om end den fornyedes af Chr. IV 1628) indtaget og brandskattet een Gang af Grevens, to Gange (sidst $^{15}/_{6}$ 1535 efter Slaget ved Øksnebjærg) af de kgl. Tropper.

Skønt O. havde lidt meget under Fejden, hævede den sig dog snart igen — 1537 bleve dens Privilegier bekræftede, rigtignok med det Forbehold, at Kongen kunde forandre, hvad der var til Besvær for ham og Rigets andre Undersaatter —, og den gik rask sin mest glimrende Periode i Møde. Dertil bidrog især Handelen (om Søvejen se S. 345), der tog et stærkt Opsving i 2. Halvdel af 16. og 1. Halvdel af 17. Aarh.; i denne Henseende maa Byens store Handelstalent i 16. Aarh. nævnes, den bekendte Oluf Bager, der navnlig drev en stor Studehandel paa Holland; en vigtig Udførselsartikel var ogsaa Øl. Men Byen blev ogaa i denne Periode begunstiget af Kongerne og var ofte Skuepladsen for vigtige Regeringshandlinger. Saaledes holdtes her den Herredag 1539, hvor Kirkeordinansen fastsloges, og den nye Universitetsfundats udstedtes; $^{25}/_{3}$ 1579 sluttedes i O. Forliget mellem Fred. II og Hertugerne Hans og Adolf vedr. Forleningen af Slesvig, og $^{3}/_{5}$ 1580 holdtes i O. den store Hyldingshøjtidelighed i denne Anledning; 1654 og 1657 vare her Rigsdage, paa hvilken sidste den skæbnesvangre Beslutning om Krigen med Sverige blev tagen. Vare disse Fester og Møder til Gavn for Byen, forøgedes dens Glans og Velstand ikke mindre ved den talrige Adel („Odense Adel"), som boede her, og hvem en Del af de af den katolske Gejstlighed tilhørende Ejendomme efter Reformationen tilfaldt. Den fynske Adel holdt aarl. et Landemode her, ligesom det var almindeligt, at dens store Familiefester bleve fejrede i Byen. Dertil kom, at det fynske Landsting, Adelens alm. Værneting, holdtes her. Det var ogsaa i denne Periode, at O. fik et af de Gymnasier, der if. Forordn. af 1613 oprettedes ved Siden af Latinskolerne som Overgangsled til Universitetet. Gymnasiet oprettedes 1621 (indviet 1623) og havde fra Beg. 4, senere 5 Professorer, der holdt Forelæsninger i Teologi, Matematik, Logik osv. Det havde Lokale i Gymnasiebygningen, der havde hørt til St. Knuds Kloster

(se S. 355); det blev ophævet i 18. Aarh., men fornyedes 1755, og holdt sig lige til Skolens Reform 1802, skønt det til sidst kun havde 1 Professor og 1 Elev.

Svenskekrigen 1658—60 gjorde Ende paa den gode Tid. Alt $^{30}/_{1}$ 1658 blev Byen besat af Fjenden, og Dagen efter kom Karl Gustav til Byen, modtagen uden for Porten af Magistraten med Biskoppen Laur. Jacobsen i Spidsen; den undgik vel egentlig Plyndring, men var omtr. uafbrudt okkuperet i næsten to Aar og led saa meget ved Brandskatning, Udskrivninger og Indkvarteringer, at den i et Bønskrift fra Juni 1660 om Lettelse i Indkvarteringen kunde sige, at O. var den By, „som havde lidt mest under Krigen". Den økonomiske Ruin, som Krigen havde paaført den, forøgedes yderligere ved Enevoldsmagtens Indførelse, idet Rigsraadsmøder, Stænderforsamlinger og Adelens Landemode ophørte, og Adelen, der havde haft saa megen Skyld i Byens Velstand, pludselig forsvandt (1683 ejedes kun 7 Gaarde af adelige, og kun een var beboet af Ejeren). Fattigdommen var stor; mange Huse vare tomme og faldefærdige; Indbyggertallet var 1672 sunket til 3808, medens det før Krigen antages at have været henved 5000; 1663 var Byskatten ansat til 4439, 1665 til 4096 Rd., 1684—96 udredes der aarl. kun mellem 2000 og 3500 Rd., og Forøgelsen af Skattebyrden i Krigene 1675—79 og 1700 tyngede haardt; ved Aar 1700 klager Bircherod i sine Dagbøger over „Byens overmaade slette Tilstand formedelst de idelige Skattepressurer og Næringens mærkelige Aftagelse blandt Folk". Af Mænd, hvis Navne særlig ere knyttede til O. i denne Periode, maa nævnes Thomas Kingo, Bisp 1677—1703, og de 3 Brødre Bircherod, der ere fødte i Odense, nemlig Jens B., Biskop i Aalborg, † 1708, der i sine Dagbøger (udg. i Uddr. af C. Molbech 1846) skildrer Livet i O., Jac. B., † 1687, der gjorde Tegn. og Kobberstik til Dagbogen, og den tredje Broder Thom. B., † 1731, Rektor i Odense.

Med 18. Aarh. begyndte Byen atter at komme til Kræfter. Fred. IV, ligesom hans Dronning Anna Sophie, yndede den og opholdt sig ofte her; han lod, som nævnt S. 324, St. Hans Kloster ombygge og indrette til Slot (paa en Rejse gennem Landet maatte han syg tage ind paa Slottet, hvor han døde $^{12}/_{10}$ 1730). Adelen vendte atter tilbage til Byen, om ikke i saa stort et Omfang som tidligere, og en Del indvandrede tyske Borgere bidroge ogsaa til at gyde nyt Blod i Aarerne. Handelen blomstrede atter op, om end den besværlige Landtransport ud til Fjorden og den ligesaa besværlige Sejlads paa denne lagde den Hindringer i Vejen; navnlig var Handelen paa Lübeck og Norge indbringende. Ogsaa Industrien gik stærkt frem, og Odense blev bekendt for sine gode Haandværkere; særlig stod Handskefabrikationen i Ry. Noget efter 18. Aarh.s Midte havde den vel naaet sit gamle Indbyggertal; 1769 havde den 5209 Indb. foruden Garnisonen (fra Chr. V.'s Tid var den Garnisonsby for et Rytterregiment af Militsen, og senere kom der Fodfolk til), og s. Aar talte Handelsflaaden 19 Skibe. I Slutn. af 18. Aarh. steg Adelsfamiliernes Antal, og det blev almindeligt, at den fynske Adel tog Vinterophold i Byen. I Adelens Glansperiode, 1795—1800, fik Odense sit Teater (se S. 337), der en Tid dirigeredes af Grev Trampe til Løgismose og senere af Baron Wedell Jarlsberg.

Det var atter en Krig, der afbrød denne Odenses anden Adelsperiode, nemlig Krigen 1807—14, som var Indledningen saavel for O. som for Landets andre Byer til en i økonomisk Henseende stærkt trykket Tid. Noget af den gamle Glans kastede dog „Guvernementstiden" 1815—47 over Byen, da Chr. VIII og Fred. VII residerede her som Guvernører over Fyn. Fra 19. Aarh.'s Midte er imidlertid Byen gaaet mægtigt frem. Navnlig var det Kornhandelen, som ophjalp Byen. Den udvidedes betydeligt mod S., hvor Albanikvarteret opstod, og mod N. De forbedrede Havne- og Kanalforhold sammen med de mange Baneanlæg have gjort deres til at fremme Handel og Industri, og Byen har hævdet sin Rang som Landets anden By — først i de sidste Aartier har Aarhus besejret den. — Ligesom det var i O., at den ældst bevarede skrevne Bog blev til inden for Landets Grænser (Ælnoths Krønike), og det første Skrift blev trykt, 1482, saaledes var det den første By, der i vor Tid fik Gas- og Vandværk samt elektrisk Lysstation.

Af bekendte Mænd, der ere fødte i O., nævnes: Roskildebispen Lage Urne, † 1529, de ovennævnte 3 Brødre Bircherod, Lægen og Anatomikeren Jac. Winsløv, † 1760, den statspolitiske og landøkonomiske Forf., Medstifter af Landhusholdningsselskabet Chr. Martfelt, † 1790, Digteren H. C. Andersen, † 1875, og Gehejmekonferensr. C. F. Tietgen, f. 1829.

**Litt.:** *L. Luja* (Prof. ved Gymnasiet, † 1732), Om St. Knuds Kirkes, Klosters og de Latine Skoelers i Od. første Beg. og Opkomst, Kbh. 1726. — *Janus Aagaard*, Historica descriptio Othiniæ (to Disputatser), Kbh. 1737—38. — *H. J. Gottschalch*

(anonym), O. Beskr., i Sander, Nyerup og Lahde, Danm. Kjøbstæder og Slotte, 4. Hæfte, Kbh. 1806. — *Vedel Simonsen*, Bidr. til O. Byes ældre Hist., I—II og III 1. H., Odense 1841—44. — *C. T. Engelstoft*, O. Bys Sognehist., i Hist. Tidsskr. 2. R. 6. B. S. 1 fl. *Samme Forf.*, O. Bys Hist., i Saml. til Fyens Hist. og Topogr., 2. Bd., 1862; 2. Udg. (betydeligt udvidet), Odense 1880. — *H. P. Mumme*, Bidr. til O. Byes Hist., Odense 1857. — *S. H. Clausen*, O. og Omegn, en lexikalsk Beskr., Kbh. 1863. — *J. Lauritsen*, O. og nærmeste Omegn i Billeder og med hist. beskrivende Text, Odense 1874. — *St. Tetens*, Efterretn. om nogle af Fyens Stifts Legater og offtl. Stiftelser, Odense 1814. — *Th. Borch*, Beretn. om Legater og Stiftelser, som bestyres eller forefindes i O., Odense 1866. — *C. Paludan-Müller*, Om St. Hans Kloster i O., Skoleprogr., Odense 1831. — *C. H. Kalkar*, Efterretn. om O. Byes Biblioteker, Odense 1836. — Se desuden Saml. til Fyens Hist. III, S. 173 fl., IV S. 185 fl. og S. 305 fl., og Aktstykker, udg. af s. Selsk. I S. 23 fl. og II S. 60 fl.

## St. Knuds Kloster og Kirke.

Omkring Aar 1100 stiftede Erik Ejegod efter Biskop Hubalds Raad et **Kloster** i Odense for Benediktinermunke og indkaldte hertil 12 Munke fra det engelske Kloster Evesham, der saaledes blev Odensekonventets Moderstiftelse. Det var helliget Vor Frue, St. Alban og St. Knud, men kaldtes alm. efter den sidste, hvis Billede ogsaa stod i Konventets Segl. Oprettelsen af dette straks meget begunstigede Munkebo vakte imidlertid Forbitrelse hos Byens ældre Præsteskab, Albanspræsterne eller Marianerne, hvis Provsti syntes anlagt paa at være Odenses Domkapitel, og først efter langvarige Rivninger, under hvilke Knudsbrødrene bleve støttede af Biskopperne, endte Striden med, at Munkene opgave deres Krav paa St. Albans Kirke mod et Vederlag i visse Afgifter, og at de alene fik et Domkapitels Rettigheder. Denne sidste Begunstigelse bidrog ikke lidet til Klosterets senere store Anseelse. Da Odense saaledes ikke som andre Stiftsstæder fik noget fuldt udformet Domkapitel med Provst, Ærkedegn, Kantor og andre Prælater, men Knudsbrødrene udgjorde det gejstlige Raad, fik disse Privilegium paa at vælge Stiftets Biskop (bekræftet 1139 paa et Kirkemøde i Lund), en Eneret, om hvilken Munkene dog flere Gange maatte tvistes med Provsten ved Frue Kirke i Odense og Dalumprioren, der vilde tilegne sig Andel i Bispevalget. En formentlig Følge deraf var det imidlertid ogsaa, at Munkenes Overhoved ikke som i de fleste andre Benediktinerklostre førte Titlen Abbed, men kun kaldtes Prior; dog stod han ingenlunde under Abbederne, idet der ved Pavebulle af 1255 tillagdes ham Rang med disse.

Straks ved Klosterets Stiftelse havde Erik Ejegod lagt Grundvolden til Klosterets Indkomster, men efterhaanden bleve disse betydelig forøgede. Allerede Kong Niels skænkede Munkene ret betydelige Gaver (bl. a. 40 Mark aarl. af den kgl. Skatteindtægt, omtr. 1107, og Ret til Sagefald m. m. af Klosterets undergivne, 1117). Aar 1141 fik de af Erik Lam, der i øvrigt endte sit Liv som Munk her 1146 og begravedes her, 30 Mark aarlig af Øen Sild, efter Sigende til deres Klædedragt; 1175 gav Vald. I dem den Rettighed, at Odenseborgerne ikke maatte lade male andetsteds end paa Klosterets Mølle; og til Klosterets Bygning og Vedligeholdelse samledes der aarl. en Kollekt, „St. Knuds Penge", der ifl. et Pavebrev af 1245 da udrededes fra Fyn,

Laaland-Falster, Bornholm, Jylland og Als. Et vidtløftigt Jordtilliggende erhvervede Munkene ligeledes efterhaanden ved Gaver, navnlig fra Landets Stormænd; af et Register, som Prior Chr. Poulsen 1548 lod optage over Ejendommene, fremgaar det, at Klosteret i og lige ved Odense havde 16 Gaarde og 2 Møller m. m., at det spredt om i de fleste fynske Herreder, i Nørrejylland, Sønderjylland og paa Laaland havde over 100 Gaarde foruden Enge, Fiskedamme, Jorder og Skove, og at det da ejede Rise Kirke paa Ærø samt 5 fynske Kirker: Paarup, Særslev, Ubberud, Aasum og Stenløse; sidstnævnte var skænket det paa den Betingelse, at Indkomsten af den kun maatte bruges til Bøger og de studerende Munkes Nytte. Klosterets Magt øgedes end yderligere ved, at Konger og Paver stadfæstede eller udvidede dets Privilegier, og at Odensebisperne snart maatte udstede en Art Haandfæstning til Munkene (saaledes lovede Erik Krabbe, tidligere Munk i Klosteret, 1365, at han ikke vilde blande sig i Sager vedr. Klosterets Gods og Tyende, ikke beskikke anden til Prior end den, Majoriteten i Kapitlet valgte, ikke indsætte nogen Provst i Odense eller Prior i Dalum, uden de vilde sværge, at de ikke vilde fortrædige Klosteret, osv). I det hele kom St. Knuds Kl. snart til at høre til Landets betydeligste Munkeboliger; i Forbindelse med det stod en Skole, og et aandeligt Liv har sikkert ogsaa til Tider rørt sig inden for dets Mure; Ælnoth har sandsynligvis været Knudsbroder, ligesom Arnfast, der vistnok ved Midten af 15. Aarh. skrev et Digt om Knud den helliges Jærtegn. I 2. Halvdel af 15. Aarh. har Tilstanden i Klosteret imidlertid næppe været god. Aar 1460 var der Planer fremme om at skærpe Klostertugten, men Reformpartiet mødte megen Modstand navnlig fra Adelens Side, der vilde omdanne Klosteret til et Kapitel af verdslige Kanniker og saaledes skabe en Forsørgelsesanstalt for sine Børn. Straks blev der intet udrettet i Sagen, men 1475 fordrev Biskop Carl Rønnov med Kongens Billigelse virkelig Munkene og indsatte i deres Sted adelige Junkere til Kanniker; først efter langvarig Rettergang, under hvilken Kannikerne og Munkene gensidig banlyste hverandre, bleve Munkene 1489 atter indsatte i Besiddelsen af Kloster og Kirke; dog maatte de forpligte sig til at leve efter Observantsen (den strengere Klostertugt) og ikke vække Forargelse mere (se Kirkehist. Saml. 4. R. V Bd., S. 93 fl.); Aar 1492 tiltraadte Klosteret den saakaldte Bursfelde-Kongregation. Andre ulykkelige Aar havde Munkene ogsaa, saaledes navnlig 1247 eller kort før, da Kirken og vel ogsaa delvis Klosteret brændte (1287 gav Gisico store Summer til Restaurationer og Nybygninger ved Kloster og Kirke); 1355 hedder det, at der paa Grund af Pesten var Mangel paa Munke i Klosteret. Men den egentlige Trængselsperiode kom med Chr. II; 1515 søgte Kongen, om end uden Held, at udvirke Pavens Tilladelse til at maatte fratage Munkene St. Knuds Kirke, vistnok for at faa dannet et Kapitel af Sekulærgejstlige; endvidere maatte Klosteret gentagne Gange yde Afgifter til Rigets Tjeneste. 1519 fik Prioren Kvittering for 100 rhinske Gylden; under Grevens Fejde afkrævede Grev Christoffer ham 1000 danske Mark samt „alt det Guld, Sølv og Klenodier, som fandtes i St. Knuds Kirke undtagen 4 Kalke"; yderligere hedder det, at Klosteret da maatte betale 800 Lod Sølv i Skat; 1536, da der udskreves en Sølvskat over hele Landet, blev Klosteret sat for en Afgift af 4000 Lod; for at udrede samme tillodes der det at sælge en Del Jordegods; 1542 maatte det fremdeles yde 1000 Dlr., 1545: 600 Dlr. og 1555: 1000 Dlr.; desforuden besværedes det meget med Gæsteri og andre

Ydelser. Sin gejstlige Styrelse beholdt Klosteret derimod længe efter Reformationen; 1560 nævnes Prior, Underprior og Præster, og først 1571, da Chr. Poulsen opgav sit fra 1529 beklædte Embede som Prior, blev Klosteret sekulariseret. Det forlenedes derefter tillige med Dalum Kloster til Jakob Ulfeld, og fra 1574 var det en Tid lang Embedslen for Rigets Kansler; senere beboedes det som Privatejendom af forskellige Familier, medens Jorderne udlagdes til Ryttergods; nu er Klosteret i Privateje.

Skønt Klosterbygningerne i senere Tiders Løb ere undergaaede store Forandringer (om Biskop Mogens Krafse hedder det, at han dels selv, dels ved Prior Matthias Henriksen omtr. 1464 lod Klosteret pryde med nogen nyere Bygning), kan man endnu danne sig en ret tydelig Forestilling om deres Udseende, idet de gamle Ydermure af Munkesten, væsentlig i Munkeskifte, delvis ere bevarede. Hovedbygningen, der ikke har været særlig stor, bestod som sædvanlig af 3 Fløje (i to Stokv.), der stødte sammen omtr. under rette Vinkler, og i Forbindelse med Kirken som 4. Fløj (mod N.) indesluttede den omtr. 35×45 Al. store, firkantede Fratergaard. Af Østfløjen (1625 kaldet „Omgangen") staar endnu Østsiden, med Spor af enkelte oprindelige, fladbuede Vinduesaabninger; Vestsiden er derimod, undtagen den nærmest Kirken værende Del, ommuret 1755 af smaa, gule Sten, men hviler paa de gamle Fundamenter; i Syd har Fløjen strakt sig et Stykke længere, og under dette forsvundne Parti har der været en hvælvet Kælder. Østfløjens nordl. Del (efter Sigende Mogens Krafses Kapel) blev 1586 skænket Gejstligheden til Konsistorium og er nu Sakristi; i den øvrige Del havde tidligere Gymnasiet (se S. 351) Lokale; fra 1847 ejes og bruges den af Stiftsbiblioteket. Sydfløjens østl. Halvdel er nedreven paa et Stykke af Nordmuren nær (N. for den ligger St. Knuds Ligkapel); den vestl. Halvdel (1864 er paasat et nyt Stokv.) er derimod bevaret, og her ses i Vestgavlen et lille, rundbuet Vindue, hvorefter Bygningen formentlig kan henføres til Midten eller Slutn. af 13. Aarh.; ogsaa er der her afdækket Kalkmalerier. Indtil i 1840'erne fandtes Hvælvinger forneden i denne Fløj; den indeholder nu Værkstedslokaler. Af Vestfløjen staar den sydl. Del (her er nu Lagerrum), forhøjet 1880 med et 3. Stokv.; den nordl. Del blev nedbrudt 1634; den gik hen til lidt over Midten af Kirkens Vestgavl. Ved Gravninger i Grunden er man stødt paa Rester af den Munkegang, der oprindelig har løbet rundt langs Indersiden af alle 3 Fløje, stødende op til disse med et Halvtag, og fra hvis østl. og vestl. Del Munkene havde Indgang til Kirken. Til Klosteret, hvis Grund strakte sig ned til Aaen ved Munkemølle, har der sikkert desuden hørt flere andre Bygninger, men af disse staar nu kun et mindre, to Stokværk højt Hus; det har oprindelig ligget frit, men er i ny Tid sat i Forbindelse med Sydfløjens Sydside. Huset, som i øvrigt er den bedst bevarede Del af Klosteret, er opført i den gotiske Tid af røde Munkesten i Krydsskifte og har endnu delvis sine oprindelige, spidsbuede Dør- og Vinduesaabninger. En Restauration af Klosteret har i de seneste Aar været paa Tale. (Opmaalinger ved Arkitekt Aage Mathiesen i Nationalmuseet).

Det er dette Klosters **Kirke**, der nu er Sognekirke for St. Knuds Sogn og Byens fornemste Kirke. Om dens ældste Historie og dens Forhold til de andre gamle Kirker i Odense er der fremsat forskellige Anskuelser, men noget endeligt Resultat kan endnu ikke siges naaet. Som Sagen er fremstillet, navnlig af Engelstoft, stod der paa Knud den helliges Tid, i Krogen ved

den nuv. Læseforening, en til Jomfru Marie og St. Alban viet Kirke, til hvilken Kongen, formentlig 1075, fra England havde overført St. Albans Relikvier (i Forvejen fandtes der her Relikvier af St. Osvald). Da denne Kirke, alm. kaldet *Albani Kirke*, kun var af Træ og saaledes ikke syntes anselig nok for disse Helligdomme, begyndte Kongen tæt V. S. V. for Trækirken Opførelsen af en Stenkirke, der ligeledes fik baade Jfr. Marie og St. Alban til Værnehelgener. Før denne nye Kirke var rejst, døde imidlertid Kongen, men Arbejdet fortsattes; efter Ælnoth maa det antages, at den har været bygget af Kvadersten af Kamp eller Tuf („insigni lapideo tabulatu erecta") i ren Rundbuestil og har haft en Krypt, som var færdig 1094, da Kongens Lig nedsattes her. Som Følge af Kongens Kanonisation 1101 blev Kirken ogsaa indviet til St. Knud, og udelukkende under dette Navn fremtraadte den senere. Aar 1157 hærgedes den af Ildebrand i saa høj Grad, at de følgende Bisper skulle have opbygget den fra ny (1162 stod Koret færdigt); 1247 eller kort før afbrændte den atter, og den Kirke, der da rejstes (altsaa paa Albani Stenkirkens Grund) skal i det væsentlige være den, som nu staar. Om den gamle Albani Trækirke udtaler Engelstoft, at den paa et eller andet Tidspunkt, uvist hvornaar, blev erstattet med en Stenkirke, der rejstes paa Trækirkens Grund og 1542 blev befalet nedlagt; formentlige Fundamenter af den bleve fundne 1886 paa Albani Torv i Krogen ved Læseforeningen. Paa Kirkegaardens Grund fandtes 1883 en Blyplade med Runeindskrift fra Beg. af 11. Aarh. (se *Stephens*, Aarb. f. n. Oldk. 1885 S. 1 fl.).

Helt anderledes lyder den af Dr. Henry Petersen fremsatte Anskuelse, der har megen Sandsynlighed for sig, og til hvilken bl. a. A. D. Jørgensen har sluttet sig. Herefter laa Albani Trækirke (i hvilken Knud den hellige blev dræbt) noget nordligere end af Engelstoft antaget, omtr. mellem Læseforeningens Forbygning og de over for liggende Bygninger, maaske lidt længere ud paa Torvet mod Ø. Denne Trækirke blev straks nedbrudt efter Fuldførelsen af Knud den helliges Kvaderstenskirke, der kom til at staa S. for Trækirken (Ælnoth kalder Stenkirken „basilica australis") i Krogen ved Læseforeningen. St. Knuds Kirke rejstes endelig uafhængig af de andre Kirker, paa bar Grund, i Beg. af 13. Aarh. og af Mursten. Først paa dette sene Tidspunkt skulde Knudsbrødrene altsaa have faaet deres egen Klosterkirke; før den Tid vare de henviste til Albani Stenkirken. Efter Engelstoft have de fra første Færd haft deres egen Kirke i St. Knuds Kirken.

Hvorledes alt dette end forholder sig, saa er det vist, at den nuv. St. Knuds Kirke fremtræder i ren Spidsbuestil, opført efter Branden 1247 af Mursten uden nogen som helst Anvendelse af Kvadersten, end ikke til Fundamenterne. Genopførelsen stod paa i over 50 Aar (1284, 1285 og 1305 udstedte Bisper Afladsbreve, til Dels vel i Anledning af dens Bygning), idet det paabegyndte Arbejde flere Gange blev afbrudt og atter optaget (1365 tales der atter om en Brand). Kirken er øjensynligt opført i tre Stykker, nemlig Koret, Mellempartiet og den vestl. Del („Gisicos Kirke"), som staa op til hinanden uden Murforbinding. Efter den alm. Antagelse, som dog er bleven bestridt af Arkitekt L. P. Fenger — der mener, at den vestl. Del er ældst, Koret noget yngre og Mellempartiet yngst, først hidrørende fra Midten af 15. Aarh. —, er Koret den ældste og Mellempartiet den yngste Del. Man skal først have opført Koret uden Krypt som en treskibet Kirke; men da Terrænet stiger stærkt mod V., har man standset og opført den vestl. Del,

der ligger omtr. 3 Al. højere, og man har da for at bringe Koret i Højde med denne Del givet Koret en Krypt og derefter fuldendt Mellempartiet. Om Gangen i Bygningens Opførelse har været den ene eller den anden, og om det er Biskop *Gisico* (1286—1304), der har gennemført denne Plan, maa foreløbig staa hen. Men skønt Bispen ikke saa sit Værk fuldendt (det mellemste Stykke er vel først blevet færdigt langt op i 14. Aarh.), er det dog med Rette, at hans Navn er knyttet til Kirken, hvilket ses af den mærkelige Indskrift, som staar i Murstenene rundt om Sideskibenes Mure tæt under Taget, og som bl. a. siger, at Kirken opførtes 1301 af Gisico (om den ved sidste Restauration istandsatte Indskrift, der har været Genstand for mange Fortolkninger, se *C. Paludan-Müller*, i Mummes Beskr. af Kirken S. 60, og *A. K. Damgaard*, hvem Æren for dens endelige Læsning tilkommer, i Kirkeh. Saml. 2. R. VI Bd. S. 795 fl.). Kirken havde intet Taarn, men rimeligvis kun en høj, takket Vestgavl og en lignende Østgavl; over Koret var der vistnok et Spir. Den havde vistnok fra først af ingen Udbygninger paa Nordsiden — i den senere katolske Tid blev der opført et Kapel, „det gamle Kapel", omtr. hvor nu Walkendorffs Kapel staar —, mod S. stødte, som foran nævnt, den trefløjede Klosterbygning op til den. Paa Sydsiden var der vistnok tre Kapeller, hvoraf det største laa midt inde i Fratergaarden og maaske har været det St. Benedikts Kapel, til hvis Restauration der 1357 indsamledes Gaver, og det andet maaske det af Biskop Mogens Krafse 1468 byggede saakaldte „St. Knuds Kapel", hvor nu Sakristiet er.

Saaledes stod Kirken ved Middelalderens Slutn., og saaledes staar den endnu i Hovedsagen. Men før der gives en Beskrivelse af Kirken, ville vi følge de vigtigste Forandringer, den er undergaaet i Tidernes Løb. Under Chr. III fik Kirken sit Taarn, hvad man maa antage efter et kgl. Brev af 1558, hvori det befales Prioren Chr. Poulsen at opbygge et Taarn, hvori baade Kirkens Klokker og Stormklokken kunde ophænges, idet det samtidig tillodes ham at nedbryde og bruge Albani Taarn (Albani Kirke blev 1542 af Chr. III skænket til Byen, for at den deri kunde indrette Lejeboliger undt. i Koret, der skulde nedrives). At Taarnet har denne Oprindelse, kan ses af dets Materiale, der for største Delen bestaar af gamle, brugte Sten uden Spor af det middelalderlige Munkeskifte. Taarnet opførtes paa Vestgavlen med et mægtigt Hovedspir og 4 mindre Spir paa Murenes Hjørner. Kirken undergik en større Restauration 1582—88, til hvilken Midlerne fremkom ved Hjælp fra samtlige Kirker i Stiftet; bl. a. bleve „det gamle Kapel" paa Nordsiden og de to mindre Kapeller (hvoraf det ene skal have huset hellig Knuds Relikvier, se S. 365), nedrevne, ligesom det vistnok ogsaa var dengang, at Krypten forsvandt, idet man fjernede dens Hvælvinger, sænkede Gulvet omtr. i Højde med Kirkens øvrige Gulv og fyldte Rummet med Jord, med Undtagelse af en Gravkælder, med Tøndehvælving, i den østl. Ende; Rummet benyttedes til Begravelse (1584 blev den første, Grev Dohna, begravet her). Ved samme Tid, 1586, blev Mogens Krafses Kapel skænket Gejstligheden til Konsistorium. Da Kirken 1618 blev Sognekirke, undergik den atter en stor Restauration, der skal have varet 7 Aar — om end Kirken i det væsentlige stod færdig 1619 —, og ved hvilken Lejlighed der opførtes et Vaabenhus ud for Kirkens nordl. Indgang (det forandredes 1754). Aar 1631—34 tilbyggedes det paa Nordsiden endnu staaende, af Henning Walkendorff opf. Kapel, bygget i samme Højde som Sideskibets Mur i Renæssancestil af huggen Kamp og røde Mursten i to Af-

delinger med to Rader Vinduer, hvoraf de nederste føre ind til det egentlige Kapel; Kapellet fik kun Gavle mod N. og V., ingen mod Ø., da her laa en af Oluf Bager 1581 opf. Bygning (ved den sidste Restauration er Østgavlen bleven opført og hele Bygningen istandsat efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf). Aar 1685 tilmuredes det store Vindue i Taarnets Vestgavl; 1696 var der atter en Restauration, hvorved bl. a. Hovedspiret, som var faldet ned to Aar før, genopsattes. En meget uheldig Istandsættelse, hvorved man bl. a. søgte at omdanne det Indre i Rokokostil, og mange Ligsten ved Gulvets Omlægning solgtes, ødelagdes eller bleve afslebne*), foregik 1750—57. Da Hovedspiret atter var brøstfældigt, opsattes der ved Pengehjælp af Købmand P. Eilschou et nyt 1783—85, ved hvilken Lejlighed man fjernede de 4 Sidespir og Spiret over Koret (paa Titelbladet i Lauritsens Beskr. findes et Billede af Kirken, som den saa ud før 1782). Kirkegaarden nedlagdes 1818, flere Bygninger bleve nedrevne, saaledes 1836 den ovenomtalte, af O. Bager opførte Gaard og 1857 den S. 326 Anm. af Jens Andersen Beldenak opførte Bygning; Lindealleerne ved Kirken og den gamle Ringmur om Kirkegaarden fjernedes, alt for at Kirken kunde komme til at ligge frit. Men jo friere den viste sig, des mere paatrængte den Tanke sig at lade den istandsætte og saa vidt muligt føre den tilbage til dens oprindelige, monumentale Udseende. Da derfor en ydre Restauration viste sig nødvendig, besluttede Byen paa egen Bekostning at lade foretage en gennemgribende Restauration. Ved denne, der foregik 1868—74 under Ledelse af Etatsr. Herholdt (Kirken indviedes $^{26}/_{7}$ 1875), bleve bl. a. Vinduerne omdannede i den oprindelige Stil, det store Vindue i Vestgavlen aabnedes atter, det østl. Gavlvindue forlængedes, Gavlene forsynedes med takkede Murtinder, Hovedindgangen, der vistnok var bleven tilmuret i Slutn. af 18. Aarh. (da man paa dens Sted opstillede en Buste af P. Eilschou), blev atter aabnet i Vestgavlen, Sideskibenes Tage belagdes med Kobber, Vaabenhuset paa Nordsiden nedbrødes, hvorved den oprindelige Dør atter blev aabnet, der indrettedes et nyt Vaabenhus inden for Hovedindgangen indtil de to vestligste Piller, i det Indre borttoges Pulpiturerne, Kirken overkalkedes og dekoreredes (af Hilker i Overensstemmelse med de tidligere fundne Spor; enkelte Kalkmalerier, der fandtes i Kirken, ere nu forsvundne; se Magn. Petersen, Kalkmal. S. 61), Pillerne fik deres gamle Profilering osv. Det interessanteste er dog Restitutionen af Krypten, om hvis Tilstedeværelse man ingen Anelse havde (hvad man heller ikke let kunde have, da en Krypt ved en gotisk Kirkebygning er en stor Sjældenhed), før man ved Arbejdet Efteraaret 1872 under Korgulvet traf paa afbrudte Bueslag, Piller og Spor af de fra disse udgaaende Hvælvinger (de Lig, der fandtes i Grunden af Koret, nedsattes i de mange Gravkamre, der fandtes under Gulvet i Kirken; 26 Kister, der henstode i den ovenomtalte Gravkælder, nedsænkedes i en Fællesgrav Ø. for Østgavlen).

Den treskibede Kirke er opført af røde Munkesten i ren, ædel Spidsbuestil (mest udpræget i den vestl. Del). Bygningen er en Firkant, udvendig omtr. 100 Al. lang og omtr. 35 Al. bred (Vestgavlen 40 Al.), indvendig 93 Al. lang og $32^{1}/_{3}$ Al. bred. Hovedskibet er til Taget 47 Al. højt, medens Sideskibene ere noget lavere, saaledes at der i Hovedskibets Mure paa hver Side

*) Nogle forsynedes med nye, men unøjagtige Indskrifter, idet man forkortede og oversatte den latinske Tekst paa Dansk; paa dem, der helt bleve afslebne, sattes „1753 — R“. En Del af de ødelagte Ligsten kendes fra Bircherods Tegninger, Resens Atlas o. a.

St. Knuds Kirkes Indre.

findes en Række Vinduer (9 mod N., 10 mod S.) over Sideskibenes Tage. Særlig smukke ere de to mægtige, kamtakkede Gavle mod Ø. og V. med deres store, ved murede Poster delte Vinduer med ganske smaa, rhombeformede, blyindfattede Ruder; Østgavlens er $19^{2}/_{3}$ Al. højt og har omtr. 2600 Ruder; det vestl. er noget kortere. Murene ere $1^{1}/_{2}$ Al. tykke, Sideskibene støttes af 20 Murstræbere. Taarnet, der er 54 Al. til Murtinden, $96^{1}/_{2}$ Al. til Korsets Spids, hviler paa Vestgavlen og de to vestligste Piller i Kirken; dets Fundament styrkes yderligere ved de Mure, der ere opførte mellem Gavlen og Pillerne og danne Vaabenhuset. Over Murtinden hæver sig det pyramideformede Tag; derfra begynder paa en lille Bygning med

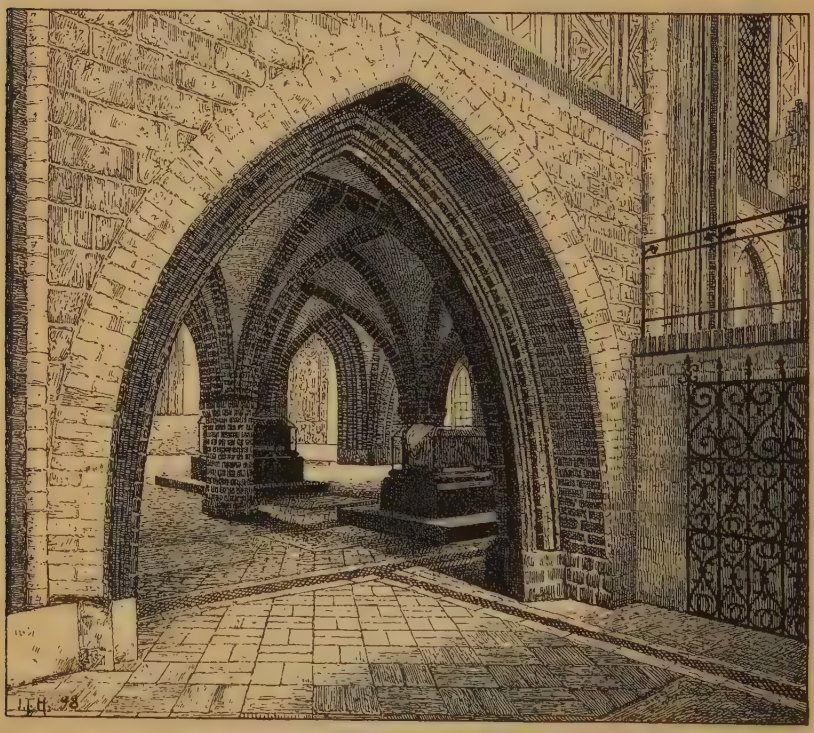

Krypten.

4 Lydhuller det kobberdækkede Spir. Taarnet har to Opgange i Gavlens nordl. og sydl. Hjørne; længere oppe løbe de sammen til een, der fører op til Klokkerne. Kirken har to Udbygninger, det S. 367 omtalte Walkendorffs Kapel paa Nordsiden og Sakristiet paa Sydsiden. — I det Indre, der udmærker sig ved sine harmoniske og lette Former og sin lyse Dekoration, deles Rummet ved to Rækker af rigt profilerede, rektangulære Piller i Hovedskibet og de to Sideskibe, som omtr. ere halvt saa brede som Hovedskibet. Pillerne have paa hver Side profilerede Halvsøjler, hvoraf den ud til Hovedskibet er ført helt op til Vinduernes Underkant, hvorfra den gaar over i Hvælvingerne, medens de to Halvsøjler paa Siderne gaa over i Spidsbuerne mellem Pillerne, og den, der vender ud til Sideskibene, gaar over i disses

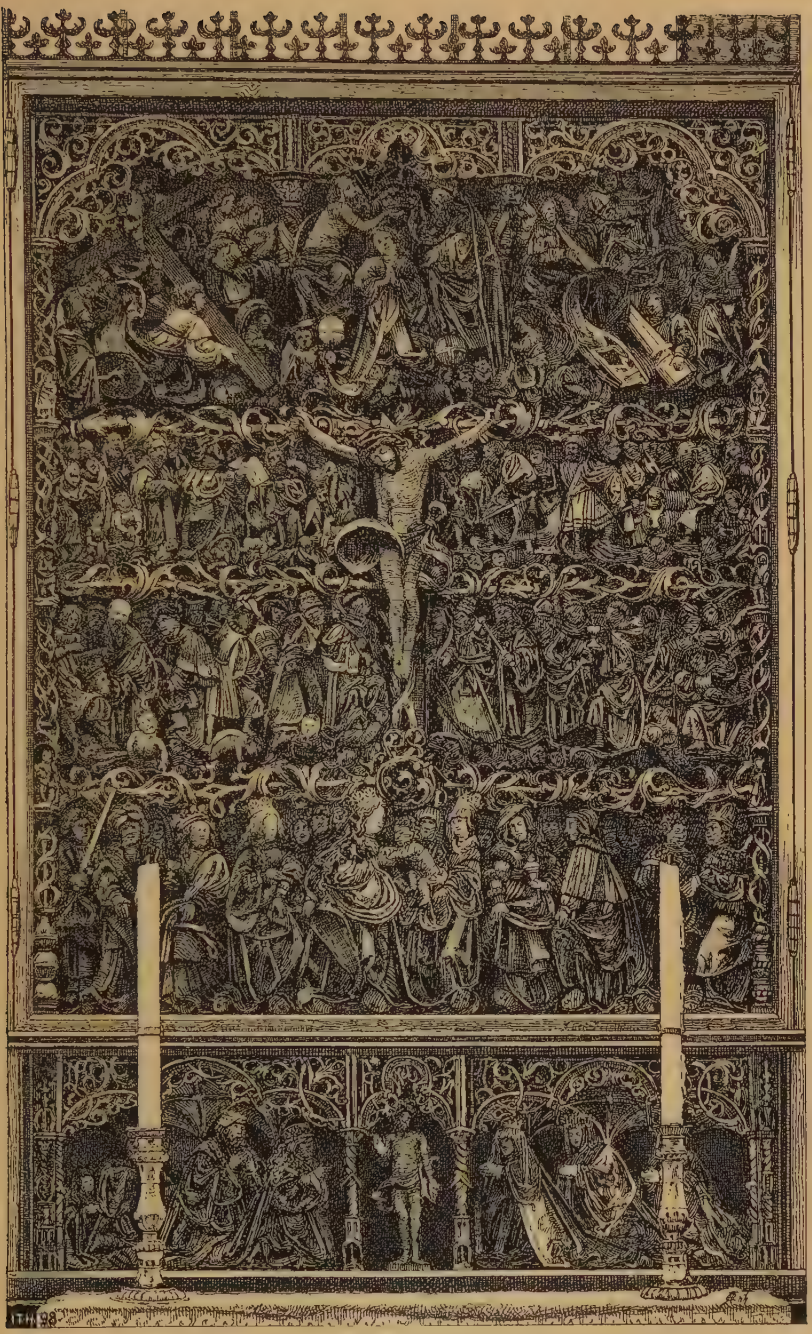

Altertavlens Midtparti.

Hvælvinger. Højden til Hovedskibets Hvælvinger (i den vestl. Del have Halvsøjlerne i Midtskibet Kapitæler dels af Stuk, dels af brændt Ler) er $31^1/_2$, til Sideskibenes omtr. $15^1/_2$ Al. Over de slanke Spidsbuer føre Triforiebuer, som nu have Ruder som Kirkens andre Vinduer, ind til Rummet over

Altertavlens Sidefløje.

Sideskibenes Hvælvinger, og over Triforiebuerne hæve sig atter Højkirkens Vinduer. Som alt nævnt danner Rummet inden for Hovedindgangen indtil de to første Piller Vaabenhuset, over hvilket er anbragt Orgelet, der helt dækker for Vestgavlens Vindue. Fra Hovedskibet kommer man ad en Sandstenstrappe op i det $3^1/_2$ Al. højere liggende Kor, der modtager stærkt Lys fra det store Vindue i Østgavlen og Højkirkens Vinduer; i det store

Kong Hans' Ligsten.

Vindue er der fra 1890 indsat et Glasmaleri efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen, skænket af Etatsraadinde Koch. Fra Sideskibene føre Murstenstrapper ned til det Gulv i disse, som ligger i lige Linie med Kryptens Gulv, og hvortil man kommer gennem Bueaabninger (4 paa hver Side; de to i det sydl. Sideskibe ere dog tilmurede, da man for at bevare det Ahlefeldtske Kapel maatte undlade at udgrave denne Del af Sidegangen). Krypten, $27^1/_2$ Al. lang, $14^1/_2$ Al. bred og 7 Al. høj, deles ved 3 svære, lavstammede Murstenssøjler, der bære de to Rader spidsbuede Hvælvinger, i to Skibe. I Krypten findes en Fordybning, maaske en Brønd, der i den katolske Tid har været en hellig Kilde.

Altertavlen, udført af den lybske Kunstner Claus Berg omtr. 1520, er et meget sjældent og kostbart Billedskærerarbejde i gotisk Stil. Den blev bestilt af Dronning Christine, der skænkede den til Graabrødrekirke (se S. 349), hvor den blev opstillet 1521; fra denne kom den, efter at Kirken var bleven nedlagt, ved Auktion 1805 for 215 Rd. 1 Mk. og 4 Sk. til Vor Frue Kirke, hvorfra den 1885 flyttedes til St. Knuds Kirke og blev restaureret af Prof. Magn. Petersen (den tidligere Altertavle, 18 Al. høj, var bleven opsat 1649 og skænket af Henr. Gyldenstjerne til Skovsbo og Hustru Lisbeth Podebusk; den ligger nu skilt ad paa Loftet over Konsistoriet). Tavlen, der er omtr. 8 Al. høj og 5 Al. bred, bestaar af Midtparti, to Fløje og Fodstykke. Midtpartiet viser Frelseren korsfæstet til et Træ, hvis i horisontal Retning udskydende Grene gaa ud til den af sammensnoede Grene og Løvværk bestaaende Ramme og dele Tavlen i 4 Hovedrækker. Rækken under den nederste Gren fremstiller væsentlig Marias Forherligelse som Christi Moder, omgiven af hellige Mænd og Kvinder, deribl. Marias Moder med Christusbarnet; i Rummet over den nederste Gren ses til venstre Frants af Assisi og Martyrer, til højre Kirkens Lærere og Beskyttere; i det næste Rum ses til venstre det gamle Testamentes Mænd, til højre Apostlene; endelig fremstilles i det øverste Rum Marias Himmelkroning ved Faderen og Sønnen. Paa hver af Sidefløjene findes paa Indersiden to Rækker Billeder, 4 i hver Række, med Fremstillinger af Lidelseshistorien; Ydersiden har malede Fremstillinger af Christi Barndom og Manddomsgerning. Paa Fodstykket ses Kong Hans og Dronning Christine, deres Sønner Chr. II og Prins Frants og Datter Elisabeth af Brandenburg samt Chr. II's Dronning Elisabeth og hendes Søn Hans, alle knælende om Frelseren, der staar i Midten. Tavlen indeholder i alt 300 Figurer. Skranken om Knæfaldet er et Smedejærnsgitter, skænket af Købmand Johs. Poulsen, † 1694 (se *A. F. Mülertz*, Noget om Altert. i Frue Kirke, i Odense Skoleprogr. 1813; *K. F. Viborg*, Altert. i Frue Kirke, i Kirkeh. Saml. 1. R. II Bd. S. 425; *L. N. Høyen*, Saml. Skrifter II Bd. S. 339 fl.; *Fr. Beckett*, Altertavler, S. 96 fl.). Ved Trappen op til Koret under den i 1894 opsatte Kongestol — Egetræ med udskaarne Fyldinger, efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen — staar Døbefonten, støbt i Malm 1620 i Lübeck, med Chr. IV's Navnetræk. Den i Rokokostil i Egetræ med Forgyldning udskaarne Prædikestol (renset for Farve ved sidste Restauration) fra 17. Aarh. staar ved en af de sydl. Piller i Hovedskibet (den ældre var skænket 1591 af Ejler Brockenhuus til Damsbo og Nakkebølle til Minde om hans Moster Karen Bølle). Orgelet, ligeledes i Rokokostil, er forfærdiget ved 1750 af A. Worm. I Koret findes ved Siderne to Rækker, nu restaurerede Kannikestole. Kirken har 8 anselige Malmlysekroner. Af Kirkens 5 Klokker har den ældste Indskrift i Majuskler

og Aarst. 1300 (den ældste kendte daterede Klokke i Danmark), „Stormklokken“ er støbt 1597 af Jens Hansen.

Af Begravelserne i Kirken maa først og fremmest nævnes dem, som findes i Krypten. Paa Forhøjninger staa i Glasmontrer to Helgenskrin; det ene er utvivlsomt St. Knuds, det andet indeholder efter nogles Mening Levningerne af Broderen Benedikt — hvad der dog er mindre sandsynligt,

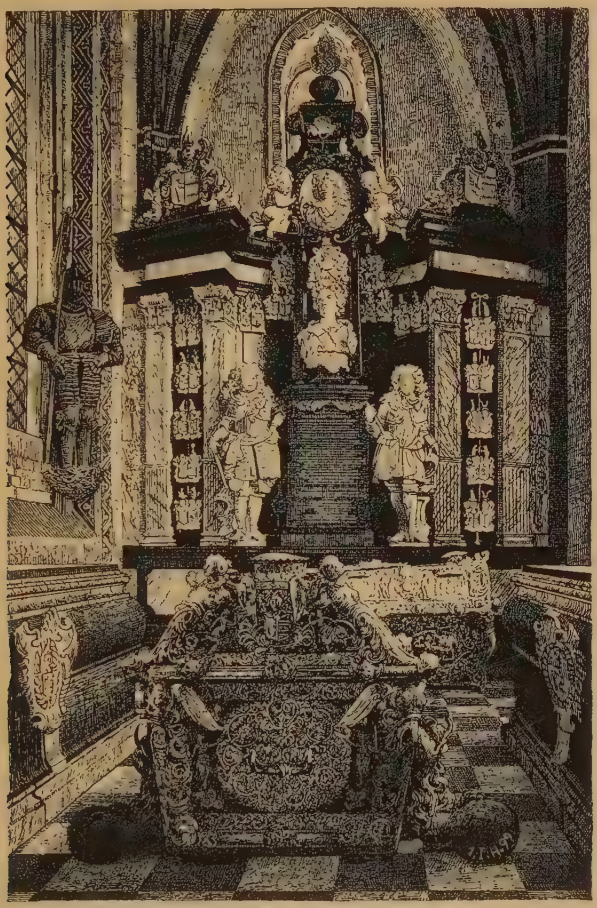

Ahlefeldts Monument.

da han aldrig er bleven kanoniseret —, efter andre St. Albans Relikvier. Som det fremgaar af det S. 356 sagte, have Munkene ifl. Engelstoft haft Helgenskrinene fra første Færd, efter A. D. Jørgensen have de faaet dem i Slutn. af 13. Aarh., efter Henry Petersen først ved Albani Kirkes Nedrivelse. Men der kan intet bestemt siges om deres tidligere Plads eller Skæbne. Aar 1582 fandtes St. Knuds i det S. 357 omtalte Kapel, hvorefter det indmuredes i Korets Østgavl; ved Restaurationen 1696 fremdroges det atter

det er ved denne Lejlighed, at der første Gang tales om to Helgenskrin), men de vare da berøvede deres Prydelser, uden Laag, og Benene laa uordentlig mellem hverandre (maaske ere Helgenskrinene alt ved Reformationen blevne plyndrede for deres Kostbarheder). De istandsatte Skrin bleve atter indmurede paa samme Sted; men 1833 lod Prins Chr. Fred. (Chr. VIII) dem atter fremdrage og henstille i det nordl. Sideskibs Østende i Ebbe Munks Begravelse (se ndfr.); endelig flyttedes de 1875 til deres nuv. Plads, efter at de vare blevne restaurerede og udsmykkede, som de formentlig oprindelig havde været.

Krypten er i det hele nu bleven Gravkapel for de i Kirken begravede Konger og deres Slægt, idet Kong *Hans*, Dronning *Christine* og deres Sønner Prins *Frants* og *Chr. II*, saavel som den sidstes Dronning *Elisabeth* med Sønnen *Hans* hvile her under Gulvet i Blykister, over hvis Grave Sten med deres Navne betegne Stedet*). I den nordl. Sidegangs Østvæg foran Stenene er indmuret den af graa, gotlandsk Sandsten forfærdigede Ligsten over Hans, Christine og Frants, med deres Billeder i Legemsstørrelse, i rig Indfatning. Sammesteds hænger en Mindetavle af Egetræ over Prins Frants (se Tegn. af æld. n. Arkitektur 2. S. 2. R. Pl. 13). Baade Ligstenen og Mindetavlen menes at være udf. af Claus Berg (se *F. Beckett*, Renaiss. og Kunstens Hist., S. 29).

I den østlige Ende af det sydlige Sideskib findes *Ahlefeldternes* Gravkapel, med en Marmorportal, baaren af to ioniske Søjler, omgiven af adelige Vaabener, Gitterdør og pragtfuldt, flerfarvet Marmormonument, udført af Thomas Quilinus. Foran Monumentet staa to Kister af Marmor og to af Metal, hvori hvile Generallieutn. Hans Ahlefeldt, † 1694, hans to Hustruer Catherine Sehested, † 1670, og Anna Rumohr, † 1711 (som har bekostet Kapellet), og Sønnen af 2. Ægteskab Chr. A., † 1695; paa Monumentet to Figurer i Legemsstørrelse af Fader og Søn, Marmorbuste af den første og Portrætmedaillon af den anden Hustru; i Kapellet desuden et Kobberharnisk. I Koret en paa en Sidepille opsat Gravsten over Jomfru Margrethe Skovgaard til Sanderumgaard, † 1651, og Epitafium over Borggreve Chrf. Dohna, † 1584; paa det smukke Sandstensmonument ses Borggreven i knælende Stilling (Tegn. af æld. n. Arkitektur, 2. S. 2. R. Pl. 1). Smstds. Mindetavle over Borgmester Villum Jensen Rosenvinge, † 1684, og Hustru, og et godt Maleri med Portrætfigurer af Stiftsskriver Rasm. Andersen, † 1675, og Hustru. I det nordl. Sideskibs Østmur oven over Kong Hans' Ligsten hænger et malet og forgyldt Stenepitafium over Ebbe Munk til Fjellebro, † 1622, og Hustru Sidsel Høeg, † 1648, opsat af den sidste, med mange Figurer, deriblandt Ægteparrets (afbild. i Saml. til Fyens Hist. VII S. 30). Den foran Epitafiet værende Begravelse, der adskiltes fra den øvrige Kirke ved et i Træ udskaaret Tralværk (nu i Nationalmus.), maatte fjernes, da

*) Kong Hans, hans Dronning og Sønnerne Frants og Chr. II vare alle blevne begravede i Graabrødrekirken (se S. 349); den sidstes Bisættelse foregik $^{13}/_{3}$ 1559; 1805 flyttedes Ligene, lagte i een stor Blykiste, til St Knuds Kirke, hvor de begravedes i Kirkens sydvestlige Hjørne, ligesom ogsaa den ovennævnte Ligsten og Mindetavle flyttedes derhen 1815; 1817 lagdes de i 4 Egetræskister og nedsattes i en muret Hvælving foran Ligstenen; 1875 fik de deres nuv. Plads. Den ovennævnte Ligsten og Mindetavle kom ligeledes fra Graabrødrekirke 1815 til St. Knuds Kirke. Dronning Elisabeth, som 1526 var bleven begravet i St. Petri Klosterkirke ved Gent, blev 1883 (paa Foranstaltning af Gehejmeetatsr. Tietgen) tillige med hendes Søn Hans' Ben overført til Odense (se V. van d. Hoeghen, Exhumation des cendres d'Isabelle d'Autriche, i Messages des sciences historiques 1886, S. 18). Chr. III blev ogsaa, uvist hvor, 1559 bisat i Kirken, men 20 Aar efter overført til Roskilde.

Sideskibet udgravedes ved den sidste Restauration. I nordl. Sideskib er der desuden Epitafier og Mindetavler over Biskop Hans Michelsen, † 1651, og Hustru (to knælende Figurer), over Borgmester Jens Christensen Schoubo, † 1719, over Raadmand Jørgen Mortensen og Hustru, † 1651 (Epit., der er opsat 1640, er udsk. i Træ med Farve og Forgyldning samt malede Portrætter af de afdøde); over Landstingshører Niels Pedersen Lunge, † 1728, og over Købmand H. Th. Flensborg, † 1717. I det sydl. Sideskib findes Epitafier og Mindetavler over Biskop Jens Bircherod, † 1708; Barbara Landorph, † 1697, og hendes to Mænd, Prof. Lor. Edinger og Prof. E. Naur; Landsdommer, Justitsr. v. Bergen, † 1763, og Hustru; Købmand Chr. Lauritsen Lee, † 1676, og Hustru (med Portrætter); Købm. Andr. Lauritsen, † 1764, og 2 Hustruer; Anna Hasebart, † 1658, og hendes to Mænd (Sandstensepitaf. med malede Portrætter); Købmand P. Eilschou, † 1783 (Marmor); Købmand Th. B. Freidthof, † 1691; Købmand Chr. Hamann, † 1728; og Købmand Johs. Müller, † 1725; desuden Mindesten med Aarst. 1548 og Prior Chr. Poulsens Navn. Paa Siderne af Indgangsdøren fra Vaabenhuset hænge to Epitafier over Borgmester Th. Brodersen Risbrigh, † 1665, med Maleri af ham, Hustru og Børn, og over Borgmester Hans Nielsen, † 1651. Paa Vaabenhusets Mur ind mod det sydl. Sideskib sidder en Stentavle med den korsfæstede indlagt af hvidt Marmor og Indskriften: Jmfr. Anna Brahe, † 1715. Desuden er der i Kirken Portrætter af Fyns Bisper i 19. Aarh. (skænkede 1897 af Konsul Hey) og en af Statsr. Thor Lange skænket Mindetavle (efter Tegn. af Martin Borch) over Præsten og Salmedigteren Michael Nicolai (omtr. 1500). — Af Ligsten nævnes bl. a.: over Bisp Rud. Moth, † 1675, ovennævnte Bisp Hans Michelsen, Købm. Rasm. Lauritsen, Dr. Jens Mule, † 1653, Biskop Jac. Lodberg, † 1731, Biskop Laur. Jacobsen, † 1636, ovenn. Borgm. Willum Rosenvinge, Borggreve Chrf. v. Dohna, Kancellir. Jens Dreyer, Raadmand Niels Mule, † 1712, og Raadmand Hans Brun, † 1635 (alle i Krypten), Anna Hasebart, Borgmester Thor Hansen, † 1731, Borgmester Otto Knudsen Seeblad, † 1631, og Bisp Jørgen Sadolin, † 1559, (alle i sydl. Sideskib, den sidste hidført fra Graabrødrekirke og opstillet paa Ydermuren), Stiftsskriver Rasm. Andersen og Gert Rantzau til Botkamp, dræbt 1580 (i nordl. Sidesk.), Bisp Chr. Mus, † 1717 og ovennævnte Borgmestre Risbrigh og Hans Nielsen (alle i Hovedskibet).

I *Walkendorffs Kapel*, hvortil fra nordl. Sideskib føre 3 Indgange — de to til Kælderen og Rummet over Hvælvingerne, den tredje med Smedejærnsdør, H. Walkendorffs Navn og Aarst. 1636 —, staar ved den østl. Væg et stort Monument af sort og hvidt Marmor med Figurer m. m. over Baron Vittinghof til Schelenborg, † 1691, og Hustru Eleonore Sehestedt, † 1696. Foran Monumentet 5 Ligkister, hvori hvile Medlemmer af hans Familie. Desuden staar i Kapellet en simpel Trækiste med to under Alterbordet i Graabrødrekirke fundne Skeletter, som formodes at være de S. 330 omtalte Erik Glippings Døtre, og en med Læder betrukken Egetræskiste, som tidligere stod i Kælderen, men 1847 blev flyttet op i Kapellet paa Kronprins Fred. (Fr. VII's) Foranstaltning og mærket med C. M., da det formodedes at være Kirstine Munk, som blev bisat i Kirken $^{23}/_{7}$ 1658; senere er det blevet fremsat, at det er Liget af Anna Brockenhuus, Henning Walkendorffs Moder (se *Engelstoft*, Om Chr. Munks Ligkiste, i Saml. til Fyens Historie, VII S. 309 fl., og *C. Paludan-Müller*, i Fyns Stiftstid. 1878 Nr. 205, smlgn.

Nr. 208 flg.). I Kælderen staa 9 Kister, bl. a. med Ligene af Henning Walkendorff og hans Hustruer samt Chr. IV's og Kirstine Munks Datter Sophie Elisabeth.

Af andre, som ere begravede i Kirken, men uden at man kender Stedet, nævnes Bisp Gisico, de tyske Grever Joh. af Hoya og Nicolaus af Tecklenburg, der faldt i Slaget ved Øksnebjærg, Lægen Cornelius Hamsfort, † 1580, og hans Søn Historikeren af s. Navn, † 1627.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en Kapellan pro loco. Dens Kapitalformue var $^1/_1$ 1898 59,758 Kr. og Korntiender, der i 1897 indbragte 2232 Kr.; dens Gæld var 141,596 Kr.

**Litt.**: *H. P. Mumme*, St. Knuds Kirke i O., Odense 1844 (Kirkens Beskr. er til Dels af *N. L. Høyen*). — *L. P. Fenger*, Till. til Høyens Beskr. af St. Kn. Kirke, i Høyens Saml. Skr. II S. 102 fl. — *J. Helms*, Till. til s. Beskr., smstds. S. 475 fl. — *J. Lauritsen*, St. Kn. Kirke, en illustr. hist. Beskr., Odense 1876. — *Henry Petersen*, St. Albani og Knuds Kirker (Særtr. af Berlingske Tid.), Kbh. 1886. — *H. Rasmussen*, Albanitorvets 3 Kirker, i Fyns Avis $^{17}/_5$ 1890. — *A. K. Damgaard*, Om de forskellige Kapeller ved St. Knuds Kirke, i Saml. til Fyens Hist. V. S. 115 fl. *S. Forf.*, Restaurationen af St. Kn. Kirke, i Kirkeh. Saml. 3. R. VI Bd. S. 105 fl. *S. Forf.*, Om Korets Alder i St. Kn. Kirke, i Kirkeh. Saml. 4. R. IV Bd. S. 672 fl. — *L. P. Fenger*, Om Tidsfølgen ved Opf. af St. Kn. Kirke, og Nyt Indlæg om Tidsfølgen osv., i Kirkeh. Saml. 3. R. I Bd. S. 352 fl. og smstds. 4. R. IV Bd. S. 641 fl. — Se desuden *Engelstoft*, Odense Bys Hist. — *E. C. Werlauff*, Beskr. over Monumentet over Kong Hans og Dron. Christine i St. Kn. Kirke, med Kobb., Kbh. 1827. — *C. Paludan-Müller*, Om Opdagl. af Kn. d. helliges Relikv., i Nord. Tidsskr. f. Oldk. II S. 193 fl. og 363 fl. — *Henry Petersen*, St. Albans Relikvier i Odense, i Aarb. f. n. Oldk. 1886 S. 369 fl. — *A. D. Jørgensen*, Om Helgenskrinene i St. Kn. Kirke, i Aarb. f. n. Oldk. 1886 S. 204 fl. og 1887 S. 125 fl. — *G. Burman Becker*, Helgenskrinene i St. Kn. Kirke, undersøgte 1833 og 1874, Aktstykker og Tegninger, Kbh. 1886. — *A. K. Damgaard*, Om Benedikts Skrin, i Kirkeh. Saml. 4. R. I Bd. S. 244.

# KJERTEMINDE.

*Prep: Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave.* *Eftertrykt forbydes.*

*Udført af V.F.A. Berggreen* *Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad.* *Axel E. Aamodt's lith. Etabl.*

1899.


100 50 0 1 2 300 Meter. 100 50 0 1 2 3 4 300 Alen

# Kjerteminde

Kjerteminde Købstad ligger i Bjærge Herred under $55^0\ 26'\ 57{,}_{41}''$ n. Br. og under $1^0\ 55'\ 2{,}_{36}''$ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Mod V. og N. omgives Byen af et af temmelig høje Bakker opfyldt Terræn paa Halvøen Hindsholm, mod Ø. begrænses den af Store Bælt (Kjerteminde Bugt), mod S. af Fjorden, over hvis Indløb Langebro, omtr. 216 Al. lang, og en 78 Al. lang Jærnbanebro føre. Byen ligger lavt; højeste Punkt, ved Kirkens Indgang, er $9{,}_2$ F., $2{,}_9$ M. Afstanden fra Odense er omtr. $2^1/_2$, fra Nyborg $2^1/_2$ Mil. Byen har sin største Udstrækning fra N. til S., omtr. 1600 Al., mod S. er Bredden omtr. 1000 Al., mod N. løber den spidst til. Hovedaaren er Langegade, der mod N. fører ud til Landevejen til Hindsholm, mod S. udmunder i Langebro og Landevejene til Odense, Svendborg og Nyborg; i den sydl. Del af Byen fører Vestergade ud til Vejen til Odense. Husene ere for det meste uanselige; nogle Bindingsværkshuse fra ældre Tid ere tilbage.

Byens Købstadsgrund udgjorde 1898 omtr. 728,000 □ Al. (52 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 7,112,000 □ Al. (508 Td. Ld.). Byen havde da 19 Gader og Stræder. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 436 (Dec. 1898: 496, deraf paa Købstadsgrunden 463). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896 560 Td. Ld.; deraf vare besaaede 181, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 232, Skov 9, Have 27, Kær og Fælleder 47, Stenmarker 13, Veje og Byggegrunde 52. Det saml. Hartkorn var $^1/_1$ 1895 45 Td.; deraf hørte 42 til 4 Gaarde, 2 til 14 Huse; alle dreves fra Ejendomme i Byen. Desuden 8 jordløse Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_8$ 1898 2,395,501 Kr. (Antal af Forsikringer 494).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, mellem Lange- og Strandgade, oprindelig indviet (1476) til St. Laurentius, er en treskibet Kirke, der stammer fra den senere Middelalder. Den er opført af røde Mursten med Indblanding af Kridtsten og med Granitsokkel og bestaar af Skib og Kor ud i eet samt lavt Taarn mod V. Om end Bygningen i sin Helhed stammer fra een Tid, har den dog fra først af været noget anderledes end nu. Oprindelig havde Sideskibene særskilte

Tage, og det høje Midtskib, der skilles fra Sideskibene ved svære, ottekantede Murpiller, som forbindes ved Spidsbuer, havde 5 spidsbuede Vinduer paa hver Side oven over Buerne; hele Kirken havde fladt Loft. Senere, vistnok i den senere Renæssancetid, indbyggedes der 5 Fag Krydshvælvinger i hvert Skib, og Midtskibets Vinduer lukkedes og staa nu som Blindinger; samtidig fik alle Skibene eet Tag, Taarnet, der oprindelig har været højere end nu, blev sat i Forbindelse med Skibet, og der opførtes takkede, blindingssmykkede Gavle foran Sideskibenes Vestside, ligesom der mod Ø. opførtes een Gavl for alle Skibe, over hvilken sattes et lille, ottekantet Spir. Efter en Reparation 1855—56 undergik Kirken en større Istandsættelse

Kjerteminde Kirke.

1873—76 under Ledelse af Arkitekt C. Lendorf, ved hvilken Lejlighed bl. a. Taarnets Overdel, Spiret, Østgavlen og de spidsbuede Vinduer i Kirken fornyedes; Vinduerne i Korgavlen tillukkedes (Koret, se Vignetten S. 369). Kirken er indvendig overpudset. Taarnets Underdel er skilt fra Kirken ved Opgangen til Orgelet. De to østligste Hvælvinger i Sideskibene ere ved en Mur i halv Højde skilte fra Kirken; i det nordl. er der Sakristi og Materialrum, i det sydl. Gravkapel. Under Koret er der en lukket Begravelse.

Den anselige Altertavle, med et 1856 indsat Maleri (Nadveren) af Chrf. Faber, er skænket 1616 af Borgmester Poul Schinkel, ligesom de to store Malmstager; omkring Knæfaldet smukt Jærngitter fra 1712. Udskaaren Prædikestol, skænket 1676 af Præsten Anders Poulsen. Ny Døbefont af Zink, hvidmalet (Engel med Muslingeskal). I Skibet stor, smuk Lysekrone

fra 1685. Enkelte af Stolestaderne have rigt udskaarne Laager og Endestykker fra 17. Aarh. med Adelsvaabener (Trolle, Gyldenstjerne, Oldeland og Abildgaard). I Sakristiet et prægtigt, helt bevaret gotisk Alterskab med smukt Beslag og udskaarne Pergamentsornamenter i Fyldingerne (se *E. Schiødte*, i Tidsskr. for Kunstind. 1885 S. 18 fl.). I Koret et rigt udstyret Epitafium over Præsterne Anders Jørgensen Mand, † 1654, og Anders Poulsen, † 1677, og deres Hustru Anne Pedersd., † 1677 (med Portrætter); i Skibet et smukt Renæssance-Epitafium over Raadmand Anders Eggertsen, † 1620, og Hustru Johanne Lauridsdatter; smstds. Stentavle over en Skipper Ibsen, † 1618, med to Hustruer; i Materialrummet et Epitafium med Portrætter, men uden Navn og Aarstal. I det ved et smukt Jærngitter adskilte Gravkapel i det sydl. Sideskib staa to Sandstenskister i Rokokostil med Ligene af Peder Juel til Hverringe, † 1779, og Hustru Birgitte Cathrine Levetzau, † 1784. I nordl. Sideskibs Gavlmur en Mindetavle af sort Marmor (indsat 1895) over Præsten J. E. Heilmann († 1800). I Materialrummets Gulv en Del Ligsten, deribl. over ovennævnte Borgm. Schinkel, † 1636, Præsten Mand, samt over Jmfr. Anne Norby (Datter af Peder Norby til Urup), † 1606, og Raadmand Knud Pedersen, † 1721. I Kirken hænger en Kaarde og et Par Støvler, der skulle have tilhørt en dansk Officer, som 1659 faldt paa Kirkegaarden i Kamp mod de svenske. En legemsstor Christusfigur, liggende i en Slags Kiste („Christi Grav"), fra den senere Middelalder, er fra 1845 i Nationalmuseet. Den mindste Klokke, med Inskr. i Minuskler, er fra 1428.

Paa Kirkegaarden, som nu er planeret, er der ved Kirkens sydl. Side rejst en Runesten („Rønningestenen"), der tidligere har haft sin Plads i Rønninge, men 1853 fandtes i Kjerteminde ved Nedbrydningen af et Hus. Ved Kirkemuren er der en Begravelse, med en Sten indsat i Muren, for Familien Paludan-Müller. — Den nye Kirkegaard, aabnet i Beg. af 19. Aarh., ligger mod S. V. ved Odensevejen.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en Kateket. Kirken ejer en Kapital paa 20,303 Kr., $4^3/_8$ Td. Hrtk. i Jorder og af Korntiender 7 Td. Rug, 58 Td. Byg og 7 Td. Havre; dens Gæld er 12,800 Kr.

**Emauskirke**, en Valgmenighedskirke, i Skolegade, er opført 1868 (indviet $^{24}/_1$ 1869) efter Tegn. af Arkitekt Hansen, Svendborg, af gule Mursten i Korsform med takkede Gavle og Taarn. Altertavle af J. P. Bless fra 1869 (Disciplene i Emaus, efter Marstrands Maleri); smuk Prædikestol.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, i Langegade, er en uanselig, grundmuret Bygning i to Stokv., opf. 1841. Bygningen indeholder bl. a. Byraadssal, Tingstue for Kjerteminde Købstad og Hindsholm Herred samt Arrester for 5 Arrestanter.

Det kommunale Skolevæsen omfatter en Borger- og en Realskole. **Borgerskolen**, i Langegade, er i eet Stokv.; **Realskolen**, i Skolegade, er i to Stokv., opf. 1845. Ved Skolerne er der ansat 6 Lærere og 2 faste Lærerinder, 2 Timelærerinder og 1 Gymnastiklærer; Borgerskolen har 6 Klasser og $^1/_7$ 1898 293 Elever, Realskolen 5 Klasser og 62 Elever. V. for Skolerne er der 1887 af røde Mursten opført et anseligt Gymnastikhus (efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel). **Teknisk Skole**, i Nærheden, opført 1895 af røde Mursten i to Stokv. (Arkitekt Schwanenflügel), har 6 Lærere og omtr. 70 Elever. Desuden er der et Par Privatskoler, deribl. Valgmenighedens Skole.

**Fattiggaarden** (og Alderdomsasyl), i Langegade, opført i eet Stokværk, har 12 Pladser. **Sygehuset**, i Vestergade ved Kirkegaarden, opført i eet Stokværk, har Plads for 5 Patienter. **Epidemi- og Karantænehuset**, mod S. V. ved Odensevejen uden for Købstadsgrunden, er opf. i Villastil 1890 af Amtet (Arkit. Schwanenflügel) og har 8 Senge.

Milde Stiftelser: **Haandværkerforeningens Friboliger**, i Præstegade, i eet Stokv., ere oprettede 1872 af Haandværker- og Industriforeningen og afgive Fribolig for 8 trængende Haandværkere og deres Enker (der er projekteret en ny Bygning N. for den gamle). **Sømandsstiftelsen**, paa Hj. af Sønder- og Tværgade, i eet Stokv., er oprettet 1879 og afgiver Fribolig for 8 Sømænd og deres Enker. **Schmidts Minde**, i Strandgade, i 1 Stokv., er oprettet 1885 af Enkefru Anne Cathrine Petersen til Minde om hendes Broder J. P. Schmidt og afgiver Fribolig for 4 ældre ubemidlede Damer (bestyres af Byraadet). **Asylet**, ved Teknisk Skole, er opført 1898 af et 1880 stiftet Selskab; Bygningen er opført 1898 i Villastil (Arkitekt Brandstrup) og har Plads til omtr. 60 Børn.

**Gasværket**, N. for Langegade, er anlagt 1896; 1898 produceredes $4,_3$ Mill. Kbfd. Gas. — **Vandværket** er anlagt 1862 for 18,000 Kr.; Vandforsyningen sker fra nogle Kilder N. for Byen.

**Jærnbanestation**, opf. 1899, ligger ved Havnepladsen. — **Toldkammeret** ligger sammesteds, **Posthuset** og **Telegrafstationen** i Langegade.

Af andre Bygninger mærkes Sparekassen, Banken og Borgmesterkontoret, i Langegade, en 2 Stokv. høj Bygning, opf. 1895 af røde Mursten efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen. Præstegaarden, paa Hj. af Lange- og Præstegade. Missionshuset „Ebenezer", ved Teknisk Skole, opf. 1897 af røde Mursten.

Ved Møllekæret er der et lille Anlæg. Desuden ejer Kommunen et Anlæg N. for Byen ved Kildebakken og et S. for Byen ved Lundsgaards Skov, „*Anlægget*", med Pavillon.

**Gamle Huse.** Der findes endnu nogle, dog for det meste tarvelige Bindingsværksbygninger fra 17. og 18. Aarh. Ældst er Langegade Nr. 115, en 2 Stokv. høj Bygning med Navne og Aarst. 1630 paa Porthammeren. Langegade Nr. 17, i eet Stokv., har paa en formentlig Dørhammer Aarst. 1690. Blandt de ældre, nu nedrevne Huse maa nævnes Langegade Nr. 93; et herfra stammende Løsholt med Indskrift og Aarst. 1602 er nu indmuret i den nye Gaards Port, sammen med 2 Kanonkugler (efter Sigende fra Svenskekrigen), der fandtes ved Gravning i Grunden.

Indbyggertallet var 1. Febr. 1890: 2471 (1801: 1045, 1840: 1720, 1860: 2148, 1880: 2488). Erhverv 1890: 154 levede af immat. Virksomhed, 833 af Industri, 471 af Handel, 125 af Søfart, 385 af Fiskeri, 18 af Jordbrug, 11 af Gartneri, 399 af forsk. Daglejervirksomhed, 54 af deres Midler, 20 nøde Almisse, og 1 hensad i Fængsel. Man lægger, foruden de sædvanlige Byerhverv, særlig Mærke til Fiskeriets og Søfartens Betydning.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: Bomulds og Linnedgarn 2764 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 4665 Pd., uldne Manufakturv. 2470 Pd., Vin 678 Pd., Glas 3046 Pd., Kaffe 19,902 Pd., Salt 11,030 Pd., Sukker m. m. 38,501 Pd., Stenkul $10,_3$ Mill. Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 32,722 Pd., Tømmer og Træ 578 Clstr. og 1533 Kbfd. Des-

uden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Varer udførtes til Udlandet 2944 Td. Hvede, 19,635 Td. Byg, til andre indenlandske Steder uden for Øen 2642 Td. Hvede, 2393 Td. Rug, 3171 Td. Byg, 1522 Td. Havre, 157,767 Pd. Græsfrø, 2530 Td. Smør, 12,816 Snese Æg, foruden Frugt, Ost, Huder og Skind m. m.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 97 Fartøjer og maalte Baade med 1133 Tons, deraf 1 Dampskib paa 40 T. med 16 H. K. I udenrigsk Fart indkom 141 og udgik 85 Skibe med 6596 og 1280 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 332 og udgik 203 Skibe (resp. 108 og 83 Dampskibe) med 3991 og 1376 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, efter Fradrag af Godtgørelser, 20,223 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 1507 Kr., i alt 21,730 (1003 Kr. mere end i 1896).

I Kjerteminde holdes aarl. 5 Markeder: i Feb. og Juni, med Heste, i Marts og Nov., med Heste og Kvæg, og i Okt., med Heste, Kvæg og Faar. Torvedag hver Onsdag og Lørdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 2 Savværker, 1 Saltkogeri, 1 Jærnstøberi, 1 Brændevinsbrænderi, 2 Ølbryggerier, 1 Mineralvandsfabrik, 2 Kalkovne, 1 Kokesfabrik, 1 Bogtrykkeri.

I Kjerteminde udgives een Avis: „Kjerteminde Avis".

Kreaturhold 1893: 111 Heste, 109 Stkr. Hornkvæg (deraf 94 Køer), 103 Faar, 1335 Svin og 3 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Hindsholm Hrd., og et Byraad, som bestaar, foruden af Formanden (Borgmesteren), af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsen, b) for Fattigvæs., c) for Gasværket og Vandværket, d) for Bygnings- og Inventarievæs., e) for Brolægnings- og Vejvæs., f) for Markvæs.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 30,298 (deraf Grundsk. 86, Hussk. 1799, Formue- og Lejlighedssk. 28,413 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 1012, Statstilskud til Alderdomsunderst. 4503, Indtægt af Aktiver 14,299 Kr. Udgifter: Bidr. til Stat 695, til Amt 203, til Amtsskolefond 630, Byens Bestyrelse 2196, Alderdomsunderst. 10,046, Fattigvæs. 10,252, Skolevæs. 13,441, Rets- og Politivæs. 3198, Medicinalvæsen 2732, Gader og Veje 4013, Renlighed 275, Brandvæs. 326, kirkl. Formaal 1602 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 32,459, i faste Ejendomme 119,520 Kr.; dens Gæld var 51,054 Kr. For 1899 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $4_{,9}$ pCt.; den anslaaede Indtægt er 677,000 Kr., deraf er skattepligtig Indtægt 656,000 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Raadhuset, Skolerne, Gymnastikhuset, Fattiggaarden, Sygehuset med Ligkapel, Vandværket og Gasværket, Material- og Sprøjtehuset, et Hus ved Raadhuset, som bortlejes, samt 7 mindre Huse og omtr. 35 Td. Hrtk. i Agerjord.

Byen har et Politikorps paa 20 Mand og et Brandkorps paa omtr. 250 Mand.

I Kjerteminde Bank (opr. 1896) var Aktiekapitalen 50,000 Kr.; Indlaans- og Foliokontoen var $^{31}/_{12}$ 1897 98,411, Vekselkontoen 95,392 Kr. I Spare- og Laanekassen for Kjerteminde og Omegn (opr. $^{5}/_{12}$ 1861) var Sparernes saml. Tilgodehav. $^{31}/_{3}$ 1897 1,741,687 Kr., Rentefoden $3^{1}/_{2}$ pCt., Reservefonden 129,440 Kr., Antal af Konti 3753. — I Spare-

og Laanekassen for Medlemmer af Valgmenigheden i Kjerteminde (opr. $^{6}/_{6}$ 1878) var Sparernes saml. Tilgodehav. 34,556 Kr., Rentefoden $3^{1}/_{2}$ pCt., Reservefonden 1116 Kr., Antal af Konti 158.

**Havnen**, der dannes af Indløbet til Kjerteminde Fjord, har fra tidlig Tid været anset for en af de bedste paa Fyn. Den indesluttes af to omtr. 1500 Al. lange Dæmninger, men Løbet er saa smalt, at Skibe paa over 120 F. Længde ikke kunne svaje i Havnen. Uden for Havnemundingen ligger en Barre med 15 F. Vand ved Middelvandstand (1774 var der kun 6—7 F.); Vandets Stigen og Falden er alm. mellem 1 og 2 F. Havnens Størrelse er 168,000 □ Al., dens Dybde 15 F. (der er foreslaaet en Udvidelse og Uddybning til 18 F.), Havnepladsen er 14 à 15 Td. Ld. Havnevæsenet bestyres af Havneudvalget. Havnekassen ejede $^{1}/_{1}$ 1898 i Inventar og faste Ejendomme omtr. 25,000 Kr.; dens Gæld var 16,000 Kr. Indtægten af Havne- og Bropenge er aarl. 14—15,000 Kr. Paa det nordl. Havnehoved er der et grønt, fast Fyr, Flammens Højde 11 F., Synsvidde 1 Mil. Der er ansat en Lods, der lodser til og fra Havnen samt til Odense Fjord, Nyborg, Kalundborg og Korsør.

I gejstlig Henseende er Drigstrup Sogn Anneks til Kjerteminde.

Kjerteminde hører til 6. Landstingskreds og Odense Amts 3. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 126. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 103—108, 110, 111 og 122—26.

Ved Kjerteminde Toldsted er ansat en Toldforvalter og to Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester (og en Ekspedient), som tillige er Bestyrer af Telegrafstationen. Ved Fyns Telefonselskab staar Kjerteminde i Forbindelse med Fyns andre Byer.

Om Odense-Kjerteminde-Dalbybanen se S. 347. Byen staar i Dampskibsforbindelse med Nyborg, Rudkjøbing og Kjøbenhavn.

**Historie**. Kjerteminde, ɔ: Byen ved Kjertinge Fjords Munding, blev Købstad 1413, idet Erik af Pommern $^{7}/_{12}$ gav den de samme Privilegier som Svendborg og Faaborg (se D. Mag. V. S. 235); Privilegierne bekræftedes bl. a. 1473, da Byen fik samme Rettigheder som Odense, 1484, 1516 (udvidede), 1525 og 1538. Tillige havde Kong Hans 1503 taget Byen i Beskyttelse mod Forprang, idet det blev forbudt fremmede Købmænd at købslaa med Bønderne i en Mils Omkreds. K. har i Beg. af den nyere Tid været en ret anselig Handelsby, navnlig paa Grund af sin gode Havn; særlig var dens Øl en Udførselsartikel („K. er kendt for godt Øl og skidne Kvinder", se Dania III Bd. 40). Især stod den fra gammel Tid i Handelsforbindelse med Odense, der benyttede Søvejen gennem Kjertinge Fjord (se S. 346). Ved den ovennævnte Forordn. af 1503 fastsloges det, at „K. og Odense Borgere maatte købe og købslaa med hverandre herefter, som de af Arild gjort have". I det hele har det dog vel været Odense, der var den dominerende, idet K. nærmest var at betragte som denne Bys Losse- og Ladeplads. Aar 1566 og 1570 befales det K. Borgere at lade Broen over Indløbet til Fjorden omdanne til en Vindebro, for at Odense Skibe kunde sejle igennem; 1588 havde K. kun 4 Købmænd, men mange søfarende, som gik i Fragtfart for de Odense Købmænd, hvoraf flere, saaledes Oluf Bager, havde Huse og dreve Handel der. Dog havde ogsaa K. betydelig Fordel ved dette Samkvem, og ved Midten af 17. Aarh. kunde Arent Berntsen omtale K. som en Havn, „hvorfra en utrolig Summa af Korn og Landets forskellige Varer til fremmede Steder udføres, saavel af Byens egne Borgere som af Odense Borgere, som der deres Kornspiker og Ladested vedligeholde". Her ligesom i Odense fik denne Velstand sit Knæk ved Svenskekrigen. Den blev besat af Fjenden, men mest led den ved de kgl. Troppers Landgang under Feltmarskal Schack, idet den blev bombarderet af den hollandske Flaade under Admiral Ruijter for at dække Landgangen. Skaden paa 133 Gaarde og

Huse, hvoraf 24 helt vare afbrændte, vurderedes til 19,300 Sletdl.; 1672 havde Byen 642 Indb.; dens Handel hensygnede helt, især efter at Sejlløbet gennem Odense Fjord var aabnet (se S. 346). Endnu nævnes den dog i en Forordn. af $^{28}/_{1}$ 1682 blandt de Byer, som alene maatte drive udenlandsk Handel, og blandt dem, hvis Øvrighed bestod af en Borgmester og to Raadmænd, medens de mindre Byer som Bogense kun havde en Byfoged. Den hensygnende Tilstand varede i hele 18. Aarh., 1769 havde den 696 Indb. — Den har som andre Byer lidt af voldsomme Ildebrande; 1560 bade Borgerne om Lettelser paa Grund af en saadan Brand, men de fik Afslag, da de selv vare Skyld i den, eftersom de ikke havde fulgt den kgl. Befaling og afbrudt deres Straatage. — K. har haft en Latinskole, der dog ikke havde Dimissionsret; i 2. Halvdel af 16. Aarh. havde den indtil 90 Disciple; 1740 blev den ophævet, dens Beneficier og Legater henlagdes til Nyborg Skole, og i Skolebygningen, der laa paa Kirkegaarden, indrettedes en dansk Skole.

I K. ere bl. a. fødte Historikeren C. Paludan-Müller, 1805, og Digteren Fr. P.-M., 1809 (i Huset ved Posthuset i Langegade), Sønner af den daværende Præst Jens P.-M., senere Bisp i Aarhus.

**Litt.:** Aktstykker, udg. af Fyns Stifts literære Selsk., I S. 144 fl. — *G. Strøm*, Efterretn. om K. Præster, Rektorer og Herere, i Saml. til Fyens Hist. III S. 1 fl. Se ogsaa Saml. til Fyens Hist. IX, S. 350 fl.

# Bogense

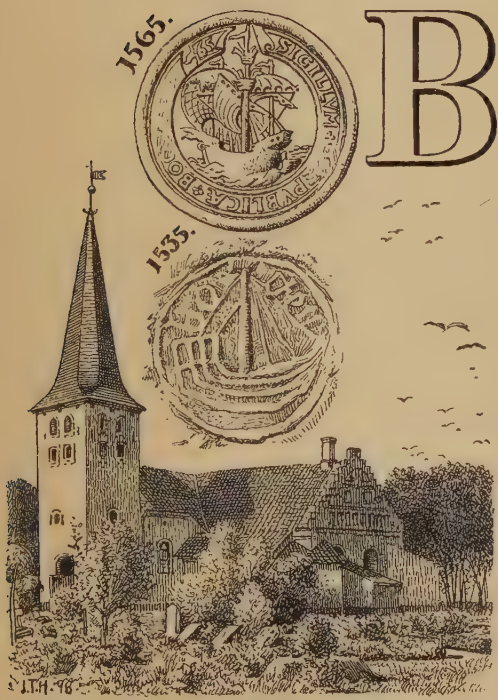


Bogense Købstad, den mindste paa Fyn, ligger i Skovby Herred under $55^0\ 34'\ 2{,}_{86}''$ n. Br. og $2^0\ 29'\ 18{,}_{17}$ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids) paa Nordkysten af Øen ved Lille Bælt. Den ligger i en velhavende og frugtbar, i det hele flad og skovløs Egn, „Sletten". Højeste Punkt er i St. Annagade, omtr. 50 Al. S. for Torvet, $39{,}_{9}$ F., $10{,}_{5}$ M.; ved Kirkens sydøstl. Hjørne er der 29 F., 9 M. Afstanden fra Odense er omtr. $3^1/_2$ Mil (ad Jærnbanen 5 Mil, 37 Km.), fra Nyborg 7 og fra Middelfart $3^1/_4$ Mil. Byens Udstrækning fra N. til S. er omtr. 900 Al., fra V. til Ø. er den største Bredde 1200 Al. Hovedaaren er den løbende Adelgade, der drejer mod S. V. ud til Odensevejen; fra Havnepladsen mod S. Ø. gade, omtr. parallel med denne, ligger Torvet, der mod S. Ø. fortsættes i St.

Annagade. De fleste Huse ere uanselige, i eet Stokv.; nogle enkelte gamle Bindingsværkshuse ere bevarede.

Købstadsgrunden udgjorde Aug. 1898 824,493 □ Al. (omtr. 59 Td. Ld.); Markjorderne, der udskiftedes 1804, og hvoraf omtr. $^1/_3$ er indvunden ved Inddæmning*), 18,329,257 □ Al. (omtr. 1309 Td. Ld.). Byen havde da 8 Gader og Stræder og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 331 (Aug. 1898: 383, hvoraf 303 paa Købstadsgrunden). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var efter Opgørelsen 1896 1364 Td. Ld., deraf besaaede 442, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 793, Have 35, Veje og Byggegrunde 76, Vandareal 18 Td. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 87 Td., hvoraf 60 hørte til 22 Gaarde, 24 til 140 Huse; desuden 4 jordløse Huse; 7 Gaardbrug og 32 Husbrug dreves fra Ejendomme i Byen.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_7$ 1898 2,312,965 Kr. (Antal af Forsikringer 383).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken** (se Vignetten S. 375), beliggende tæt ved Stranden paa en høj Brink, var tidligere indviet til St. Nicolaus og er vistnok oprindelig en romansk Bygning (efter D. Atl. VI S. 623 dog først fra Aar 1406), opf. af raa Kamp paa en Sokkel af hugne og profilerede Granitsten, hvilken for største Delen er begravet. De oprindelige Vinduer ere forsvundne. Skib og Kor have i den senere Middelalder faaet Krydshvælvinger. I samme Periode er der blevet opført et Kapel med to Krydshvælvinger paa Skibets Nordside og et lignende paa Sydsiden — saa at Kirken har faaet Form af en Korskirke —, hvis Hvælvinger imidlertid ere fra en senere Tid; begge have takkede Gavle med Blindinger. Taarnet, som er opført ved Korets Østende, og som har et højt, ottekantet, spaantækket Spir (63 Al.), er ligeledes en middelalderlig Tilbygning. Det overhvælvede Taarnrum tjener til Sakristi; paa Taarnet staar Aarst. 1760. Vaabenhuset, mod S., skriver sig fra 1857. Kirken, hvis udv. Længde er 66, dens Bredde 17 Al., blev restaureret indvendig 1866; 1874 blev der ved den nordl. Tilbygning mod Ø. opført et Ligkapel**). Altertavlen er et Renæssancearbejde fra 1588 med et Maleri (Christus i Getsemane) fra 1824, malet og skænket af Oberstlieutn. P. Bardenfleth til Harridslevgd.†). Granitdøbefonten, med Buer og Løvværk paa Kummen, er fra romansk Tid. Prædikestolen, med Søjleskillinger paa Hjørnerne og udskaarne bibelske Scener, bærer Aarst. 1604. Orgelet er fra 1862. I Skibet hænge to smukke Malmlysekroner fra 1654 og 1705 og et stort Krucifiks fra Middelalderens Slutn. I Sakristiet hænger et Billede

*) Tidligere gik der en Vig ind V. og S. om Byen. Allerede $^{15}/_{10}$ 1666 gaves der Borgmester Hans Jørgensen kgl. Bevilling til at inddæmme Stranden paa begge Sider af Byen, „denne til almindeligt Gavn". Men Inddæmningen kom ikke til Udførelse. Først 1817 paabegyndtes en saadan, hvorved der indvandtes henved 350 Td. Ld., som inddeltes i 44 Lodder til Aktiehaverne, deribl. Bardenfleth til Harridslevgd. En Inddæmning Ø. for Byen paabegyndtes 1819, og ved den indvandtes 80 Td. Ld.

**) Da Niels Bang og Raadmand Mads Jepsen vare Kirkeværger, byggede de 1588 paa Kirken; de havde haft hele Overdelen nede, og de lovede Bispen, at de ogsaa vilde tage Tavlerne og Altrene ned i Kirken, før han kom igen (se Jak. Madsens Visitatsbog, S. 289 fl.). — Aar 1731, 17. Dec., slog Lynet ned i Kirken og gjorde stor Skade.

†) Aar 1550 siges velbyrdig Mand, Raadmand Claus Eriksen at have bekostet Altertavlen, saavel som Prædikestolen. — Aar 1485 forpligtede de to Kirkeværger ved Kirken sig til at holde en ugentlig Messe og en aarlig Begængelse for Prioren i Antvorskov, Jep Mortensen, og hans Broder, fordi disse havde givet en Jord i Kjærby Mark til Kirken samt til dennes Højalter en Altertavle og et Alterklæde m. m.

# BOGENSE.

*Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave* — *Eftertryk forbydes.*

*Udført af V. F. A. Berggreen* — *Forlagt af Universitetsboghandler G. E. C. Gad.* 1899. — *Axel E. Aamodt's lith: Etabl.*

100 50 0 1 2 300 Meter — 100 50 0 1 2 3 4 500

af den korsfæstede med Maria og Johannes ved Korsets Fod. I den nordl. Tilbygnings Gulv ligge 6 Ligsten, deribl. en over Borgmester Erik Clausen, † 1500, og Hustru, med deres Figurer (se *Løffler*, Gravst. S. 37), over Sønnen Claus Eriksen, † 1550, og Hustru, over Borgmester Jep Madsen, † 1577, og hans to Hustruer, og over Jørgen Clausen, † 1592, og Hustru. Af Kirkens Klokker er den største, med Reliefbilleder og Indskrift, støbt 1516, vistnok af Henricus de Campen; den anden er uden Aarst., men vistnok fra Beg. af 14. Aarh.

Paa Kirkegaarden (udvidet 1890 mod N.) omkring Kirken er der 1865 rejst en firkantet Sandstenssøjle til Minde om faldne i de slesvigske Krige. I Kirkemuren er indmuret en Ligsten med Relief og Portræt af Præsten H. Jac. Fich, † 1852.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst, der tillige er Præst ved Annekset Skovby. Kirken ejede Aug. 1898 10,535 Kr. og omtr. 6 Td. Ld. Jorder; dens Gæld var 3358 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, i St. Annagade, er en 2 Stokværk. høj, grundmuret Bygning, opført 1846—47. Bygningen, hvoraf Amtet ejer $^2/_3$, indeholder blandt andet en Festsal (hvori Buste af Christian VIII, der var til Stede ved Indvielsen), Byraadssal, Retssal, Bolig for Arrestforvareren og 8 Arrester for Arrestanter.

Kommunens Skole, **Borgerskolen**, paa Torvet, er fra 1893 udelukkende Borgerskole med fri Skolegang og fælles Undervisning for Piger og Drenge. Skolen, en 1853, i to Stokv. opført Bygning, har 6 Klasser, 4 Lærere og Aug. 1898 172 Elever (deraf 99 Drenge); med Skolen er forbunden en Haandgerningsskole med 1 Lærerinde. **Bogense private Realskole**, opr. 1885, fra 1893 i St. Annagade (1 Stokv. høj Bygning, som tidligere var Appendiks til Kommuneskolen), har aarl. Understøttelse fra Kommunen, Fællesundervisning og fra 1897 Ret til at afholde alm. Forberedelseseksamen; ved Skolen, der Aug. 1898 havde 65 Elever, er ansat 2 Lærere og 1 Lærerinde. Fælles for begge Skoler er Gymnastikhuset, ved Raadhuset. **Teknisk Skole**, opr. 1865 af Bogense Haandværkerforening, har fra 1890 sin egen, 2 Stokv. høje Bygning, i St. Annagade, opf. af røde Mursten i italiensk Renæssancestil efter Tegn. af Arkit. Alfr. Petersen; den har 4 Klasseværelser, 5 Lærere og besøges af omtr. 50—60 Elever.

**Fattiggaarden**, i Torvegade, en 1 Stokværk høj Bygning. **Sygehuset**, i Lillestræde, i 1 Stokværk, har 8 Senge. **Epidemi- og Karantænehuset**, mod N. Ø. uden for Bygrænsen, ejes af Amt og Kommune og har 10 Senge. **Jens Jørgensens Fattighus**, paa Torvet, oprettet 1772, har 2 Huse med 4 Lemmer. **Fahnøes Fattighus**, i Adelgade, oprettet 1798 af Købmand Chr. F., har Fribolig for 3 fattige. **Jensens Stiftelse**, i Adelgade, oprettet af Købmand Niels Jensen, † 1836, og Hustru Christiane Wøldiderick, † 1857, afgiver Fribolig for 2 trængende, især Enker, fortrinsvis af Legatstifternes Familie. De to første Stiftelser bestyres af Byraadet, den sidste af Byfogden og 2 af Legatstifternes Efterkommere. I Adelgade ligger et Svendehjem.

**Gasværket**, ved Havnen, er anlagt 1896; 1898 produceredes $3{,}_5$ Mill. Kbfd. Gas. — **Jærnbanestationen**, for Enden af Jærnbanevej, er opf. 1882—83. Ved Stationen ligger **Posthuset**. **Telegrafstationen** ligger i Østergade; ved Havnen ligger **Toldkammeret**, opf. 1846 af Arkit. N. S. Nebelong, og **Havnehuset**. **Præstegaarden** ligger i Adelgade, opf. 1854.

Bag Haverne gaar der en Spaseresti omkring Byen; fra Stien paa Kirkebakken er der en smuk Udsigt over Lille Bælt til Jylland. Mod S. fører en Spaseresti ud til den under Gyldensten hørende Fredskov (med Pavillon).

Indbyggertallet var 1. Febr. 1890: 1904, Feb. 1898: 2126 (1801: 760, 1840: 1303, 1860: 1899, 1880: 1917). — Erhverv 1890: 214 levede af immat. Virksomh., 776 af Industri, 363 af Handel, 62 af Søfart, 11 af Fiskeri, 165 af Jordbrug, 13 af Gartneri, 185 af forsk. Daglejervirksomhed., 86 af deres Midler, og 29 nøde Almisse.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: uldne Manufakturvarer 1801 Pd., Vin 2868 Pd., Glas 2645 Pd., Kaffe 27,363 Pd., Olier 11,174 Pd., Risengryn 13,210 Pd., Salt 8193 Pd., Sukker 12,418 Pd., Stenkul $9,_5$ Mill. Pd., Metaller 135,544 Pd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet 370,000 Pd. Hvede, til indenlandske Steder uden for Øen bl. a. 442,000 Pd. Hvede, 96,000 Pd. Byg, 23,256 Snese Æg, 32,623 Pd. Kalkuld, 61,158 Pd. Huder og Skind, 68,147 Pd. Klude, 9600 Pd. Tang, foruden Smør, Græsfrø, Frugt, levende Dyr m. m.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 15 Fartøjer og maalte Baade paa i alt 242 Tons. Fra Udlandet indkom 122 og udgik 84 Skibe med 6765 og 88 T. Gods; fra Indlandet indkom 170 og udgik 178 Skibe med 4216 og 647 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, med Fradrag af Godtgørelser, 20,048 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 1440 Kr., i alt 21,488 Kr. (3813 Kr. mindre end i 1896). Brændevinsbrændingsafgiften, med Fradrag af Godtgørelser, indbragte 1391 Kr. (308 Kr. mindre end i 1896). Det producerede Udbytte var 16,467 Potter, hvoraf 374 Pt. udførtes til Udlandet.

I Bogense afholdes aarl. 7 Markeder, 1 i Fbr. og 1 i Juni, Heste, 2 i Marts og 1 i Maj, Heste og Kvæg, 1 i Nov. Kvæg og Faar, og 1 i Decbr., Kreaturer. Torvedag hver Torsdag, med levende Kreaturer 1. Torsdag i hver Maaned.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 1 Jærnstøberi og Maskinfabrik, 3 Garverier, 5 Skindberederier, 3 Træskærerier, 2 Cementtagstensfabrikker, 1 Andelssvineslagteri, 1 Andelsmejeri og 1 Bogtrykkeri.

I Bogense udgives een Avis: „Bogense Avis".

Kreaturhold 1893: 126 Heste, 420 Stkr. Hornkvæg (deraf 294 Køer), 244 Faar, 243 Svin og 5 Geder.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Skovby Hrd., og et Byraad, der foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for de tekniske Anliggender, e) for Skolevæs., f) for Sygehuset, g) for Gasværket.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 28,118 (deraf Grundsk. 1022, Hussk. 1624, Formue- og Lejlighedssk. 25,472), Afgifter efter Næringsloven 1207, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 2922, Indtægt af Aktiver 7362 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 468, til Amt 462, til Amtsskolefond 489, Byens Bestyrelse 1763, Fattigvæs. 5843, Alder-

domsunderst. 5743, Skolevæs. 8155, Rets- og Politivæs. 2753, Medicinalvæs. 1697, Gader og Veje 2555, Gadebelysn. 1140, Brandvæs. 450, Udgifter ved Gasværksanlæg 11,795 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 73,907, i faste Ejendomme 109,977 Kr. (deraf Jorder 20,275); dens Gæld var 149,783 Kr. For 1899 er Skatteproc., der beregnes efter en stærkt stigende Skala, gennemsnitl. $4^1/_2$ pCt.; den anslaaede Indtægt er 573,500 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Borgerskolen, Realskolens Bygning, Sygehuset, Fattiggaarden, 2 Friboliger, Andel i Raadhuset og Epidemihuset samt Kornafgifter af Jorder.

Byens Politikorps bestaar af 1 Befalingsmand, 1 Underbefalingsmand og 20 menige. Brandkorpset bestaar af 1 Brandinspektør, 1 Vandinspektør, 4 Assistenter, 8 Underassistenter, 1 Tambur og 150 Mand.

I Bogense Bank (opr. $^9/_9$ 1897) er Aktiekapitalen 50,000 Kr. — I Spare- og Laanekassen for Bogense og Omegn (opr. $^1/_2$ 1854) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 2,834,767 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 190,099 Kr., Antal af Konti 4501. I Bogense Spareforening (opr. $^{24}/_5$ 1871) var Sparernes saml. Tilgodehav. 4710 Kr., Rentefoden 3 pCt., Antal af Konti 212.

**Havnen** er anlagt 1830—44 (tidligere var der ingen, men Byen benyttede Havnen ved Langedyb som Vinterhavn) og bestaar af to omtr. 1000 Al. lange, mod N. V. udskydende Stenmoler, der indeslutte det kun 35 Al. brede Bassin. Den er flere Gange senere uddybet og udvidet, saaledes 1874 og 1894, da den fik sin nuv. Dybde, 11 F., og 1883, da Svajepladsen uden for Havnen anlagdes. Bolværkernes Længde er 1320 Al., Havnepladsens Størrelse er 62,000 □ Al. Havnevæsenet bestyres af et af Byraadet valgt Udvalg, for hvilket Borgmesteren er Formand. 1. Jan. 1898 ejede Havnekassen omtr. 22,000 Kr., hvoraf 17,000 vare Kassebeholdning; dens Gæld var omtr. 41,000 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 10,000 Kr. Paa Østmolen er der et rødt, fast Fyr. Ved Havnen er der ansat en Lods, der lodser i Havnen og de nærmeste Farvande.

I gejstlig Henseende er Skovby Sogn Anneks til Bogense.

Bogense hører til 6. Landstingskreds og Odense Amts 6. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr. (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 176. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 165—76.

Ved Bogense Toldsted er ansat en Toldforvalter og en Assistent, ved Postvæsenet en Postmester, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer. Ved Fyns Telefonselskab staar Byen i Forbindelse med Fyns andre Byer.

Om Odense-Bogense Banen se S. 347. I Driftsaaret 1897-98 befordredes pr. Bane til B. 23,379, fra Bogense 14,118 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv. ankommen til B. var 71,676, afgaaet fra B. 155,242 Cntr. Bogense staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn og Vejle.

**Historie.** Hvornaar Bogense (1485: *Bognæs*, 1492: *Boghens*; Navnet kommer maaske af den tidligere Rigdom paa Bøgeskov) er bleven Købstad, vides ikke. Som Vald. Sejrs Ejendom nævnes 1231 Harridslevgaard med dens Tilliggende paa 144 Mark Guld,

og under dette maa Bogense som en mindre betydende Landsby have været indbefattet, thi 1327 nævnes Bogense blandt det Gods, som den svenske Prins Erik Valdemarssøn, en uægte Søn af Vald. Sejrs Sønnedatter Jutta, gjorde Fordring paa som sin Mødrenearv, hvilket ogsaa tildømtes ham i Nyborg 15. Juli. Første Gang, Byens Navn forekommer, er 1288, da Kong Erik Menved stadfæstede dens Privilegier; de bleve senere bekræftede 1327 af Vald. V, 1425, 1442, 1449, ved hvilken Lejlighed første Gang dens Borgmester og Raad omtales, 1485, 1504 af Dronning Christine (som udvidede dem), til hvis Livgeding den hørte, 1517 (atter udvidede), 1561 og 1597. Det beror kun paa et Sagn, at Byen har haft et St. Anne Kloster, hvoraf det gamle Raadhus var en Levning (Sagnet har endog villet give Byen 3 Sogne og 7 Kirker i den katolske Tid). Derimod har der sikkert i Middelalderen været en St. Jørgens Gaard for spedalske; i alt Fald nævnes 1517 et St. Jørgens Kapel, ved hvilket Borgmesteren og en Borger, Claus Eriksen, fik kgl. Tilladelse til at bygge en Vandmølle (Navnet var formentlig endnu bevaret i den nu nedlagte Kappelsmølle paa Bogense Mark); ligeledes har der sikkert været et Vor Frue Gilde. Skønt Sagnet saaledes tillægger Byen større Betydning, end der svarer til Virkeligheden, har den dog vistnok i Slutn. af Middelalderen og Beg. af den nyere Tid været forholdsvis anselig ved Siden af Fyns andre mindre Købstæder; i alt Fald har den ikke som nu været den mindste, hvad der kan ses af Skatteansættelser og Ansættelser til Baadsmandshold (se om dens Velmagtsdage *Vedel Simonsen*, Bidr. til Rugaards Hist. I, 1. Hæfte S. 137 og 2. H. S. 60 fl.); endnu 1618 staar den ved Ansættelse af Baadsmandshold over Faaborg, Nyborg, Assens, Middelfart og Rudkjøbing. I denne Stortid er i alt Fald een Adelsslægt udgaaet af Borgerstanden, knyttet til Byen; den havde sin egen Gaard, „Herregaarden", paa Algade (hvor den har ligget, ved man ikke). Men alt i 16. Aarh. var Byen i Tilbagegang. I Grevens Fejde toge Borgerne Del i Oprøret, men da de kgl. Tropper kom til Fyn 1535, faldt Byen til Føje, og den maatte udrede 300 Lod Sølv i Sølvskat; 1536 maatte den atter udrede 2000 Gylden. Dertil kom ødelæggende Ildebrande: saaledes $^{1}/_{10}$ 1570 og $^{14}/_{10}$ 1575, da hele Byen paa Kirken og Raadhuset nær skal være brændt (et kgl. Brev af 1576 siger, at „da Byen for nogen kort Tid forleden har lidt stor Skade af Ildebrand, saa den ganske By mestendel af Vaadeild er afbrændt", skulde de Bygninger, der opførtes, hænges med Tegltag; 1578 blev Befalingen gentaget, og tillige paabødes, at de Grunde, som ved Branden vare blevne øde, skulde atter bebygges inden 3 Aar). Aar 1576 og flere Gange senere hjemsøgtes den tillige af en voldsom Pest. Den sank efterhaanden ned til at blive Fyns mindste Købstad; 1672 havde den 438, 1769 430 Indb; 1766 var dens Konsumtion kun 700 Rd., medens Middelfarts var det dobbelte. I det 19. Aarh. er den tiltaget ret betydeligt, men den er dog stadig Fyns mindste By; Anlægget af den fynske Bane over Odense har skadet dens Handel, og det er vel tvivlsomt, om den har haft Gavn af den direkte Bane til Odense.

Byen har haft en Latinskole, som ophævedes 1740. — I Bogense er Biskop i Aarhus P. H. Mønster († 1830) født 1773.

**Litt.**: *Literis Mando*, B. Byes og Skovby Herreds Topographi og Hist. fra Sagntiden til Nutiden, udg. af H. S. Clausen, Bogense 1859—60 (Særtr. af Bog. Avis). — *A. Crone*, De Bogense Herremænd, i Saml. til Fyens Hist. IX S. 289 fl. — *Idon Møller*, Hist. Bidr. om B., Bogense 1885 (Særtr. af Bogense Avis).

# MIDDELFART.

*Trap: Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave.*

*Eftertryk forbydes.*

*Udført af V.F.A Berggreen* *Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad.* *Axel E.Aamodt's lith Etabl.*

1899.

# Middelfart

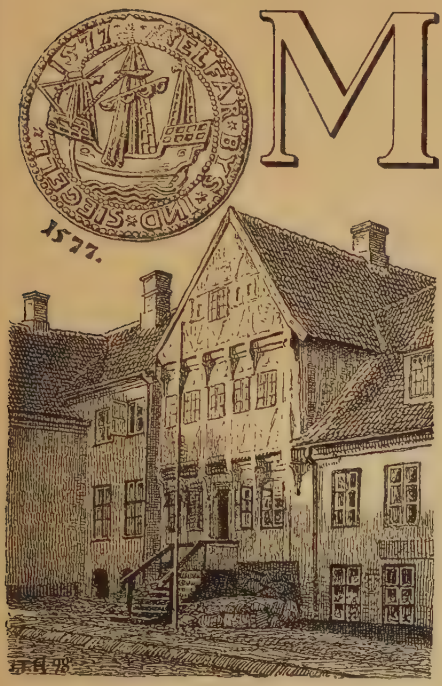


Middelfart Købstad ligger i Vends Herred under $55^0$ 30′ 24″ n. Br. og $2^0$ 50′ 53″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirken). Den ligger meget smukt ved Lille Bælt, der bugter sig i store Krumninger mellem de til Dels skovbevoksede Kyster paa fynsk og jydsk Side, og som her kun har en Bredde af 1200—1900 Al. Byen ligger paa et fladt Terræn; ved Kirkegaardens nordøstl. Hjørne er der $40,_4$ F., $12,_7$ M., ved Kirketaarnet $25,_2$ F., $7,_8$ M., ved Vesterport omtr. 35 F., 11 M. Afstanden fra Odense er 6 (ad Jærnbanen $6,_5$ Mil, $49,_5$ Km.), fra Bogense $3^1/_4$ og fra Assens $3^3/_4$ Mil. Byen strækker sig langs Kysten fra V. til Ø. omtr. 2500 Al., fra N. til S. er den største Bredde kun 300 Al. Hovedaaren er den fra V. til Ø. gaaende Adelgade, som fortsættes i Landevejen til Odense; mod S. føre flere Tværgader, deribl. Søndergade, som drejer mod V. parallelt med Adelgade og fortsættes i Vejen til Hindsgavl; ned til „Kongebroen", det gamle Overfartssted til Snoghøj, fører Kongebrovejen. Husene ere for det meste uanselige i eet Stokværk; enkelte ældre Bindingsværkshuse ere bevarede.

Købstadsgrunden var Sept. 1898 650,573 □ Al. (omtr 47 Td. Ld.), Markjorderne 7,353,559 □ Al. (omtr. 525 Td. Ld.). Byen havde da 24 Gader og Stræder og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 440 (Okt. 1898: 561, deraf 419 paa Byens Grund). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen. 1896 584 Td. Ld., deraf besaaede 241, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 196, Have 46, Byggegrunde og Veje 101 Td. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 74 Td., hvoraf 64 hørte til 24 Gaarde, 10 til 85 Huse; 17 Gaardbrug og 17 Husbrug dreves fra Ejendomme i Byen.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_{10}$ 1898 5,021,184 Kr. (Antal af Forsikringer 548).

Til Middelfart hører et **Landdistrikt**, bestaaende af Hovedgaarden Hindsgavl og Øen Fænø; det har særegent Sogneforstanderskab, men for øvrigt Skole- og Fattigvæsen fælles med Købstaden; se under Vends Herred.

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, ved Adelgade, i den katolske Tid indviet til St. Nicolaus, er temmelig stor (65 Al. lang, 27 Al. bred); den er helt igennem opført af røde Munkesten og hidrører for største Delen fra den gotiske Periode. Koret er dog allerede opført i den romanske Tid og har i Østgavlen og paa Nordsiden bevaret Rester af de oprindelige, rundbuede Vinduer. Højkirken bestaar af et højere Midtskib (omtr. 20 Al. højt) og to lavere Sideskibe, alle dækkede af Krydshvælvinger, der hvile paa to Rækker svære, ottekantede Piller; Korhvælvingen, der synes at være senere opført, er meget lavere end Midtskibets Hvælvinger. Vinduerne saavel i Sideskibene som i Midtskibet over

Middelfart Kirke.

Sideskibenes Tage, samt de lave Triforieaabninger ere afsluttede med flade Buer, som ogsaa afslutte de Blindinger, der findes imellem Vinduerne udvendig paa Midtskibet. Af senere Tilbygninger fra Middelalderen findes et Kapel med en smuk, kamtakket Gavl paa Skibets Sydside, et hvælvet Sakristi paa Skibets Nordside og et 42 Al. højt Taarn, begge med takkede Gavle (Taarnet har 4). Vaabenhuset, paa Skibets Sydside, er derimod en nyere Tilbygning; paa en Sten i Renæssancegavlen staar Byens Vaaben og Aarst. 1667. Paa Grund af Hvælvingernes Tryk har Skibets Nordside i den nyere Tid faaet en Del kolossale, vansirende Støttepiller (1574 omtales Kirken som meget forfalden, hvorfor den fik den Mur til Bygningsmateriale, som endnu stod tilbage af den delvis nedbrudte Viby Kirke, Udby Sogn, Vends Hrd.). Paa Skibets Østende et lille Spir. Altertavlen (fra 2. Halvdel af 17. Aarh.) er et rigt udskaaret Arbejde i Barokstil med et Maleri fra 1843

af C. V. Eckersberg (Lucas $9_{48}$).*) Prædikestolen er et anseligt og godt udført Snitværk med bibelske Fremstillinger i Fyldingerne, fra 1595; dens Opgang og Dør, der ligeledes er rigt udskaaret, er i senere Renæssancestil fra 1679. Stolestaderne have Endestykker med Udskæringer fra Beg. af 17. Aarh.; de to øverste i Midtskibet ere anseligere end de øvrige og bære Chr. IV's kronede Navnetræk. Døbefonten bestaar af en lille Marmorengel, modell. af H. V. Bissen. I Kirken er der to mindre og to større smukke Malmlysekroner, den ældste fra 1680, og et Portræt af Præsten Alb. Leth, † 1849. Langs Væggene er der opstillet 18 store og 3 mindre Ligsten, der tidligere for største Delen have ligget i Midtskibets Gulv, og hvoraf flere ere stærkt slidte. Af Stenene nævnes: over Byfoged Andersen, † 1564, og Hustru, med de afdøde i hel Figur (defekt), over Borgmester Hans Olufsen Bang, † 1576, og Hustru (defekt), over Raadmand Herman Meier og Hustru, † 1586 (Billeder i hel Figur), over Raadmand Rasm. Nielsen Bang, † 1595, og Hustru (Billeder i hel Figur), over Præsterne Oluf Pedersen Bang, † 1592, og Sone Lauridsen Svendborg, † omtr. 1617, samt deres Hustru Margrethe Tygesdatter, med de afdøde i hel Figur (Kirkens værdifuldeste Gravminde, bekostet 1598 af den sidste Mand og Hustruen), over Byfoged Jep Pedersen, † 1602, og Hustru, over Byfoged Anders Nielsen Bierre og Hustru, fra omtr. 1630, over Borger Laur. Jørgensen Rones og Hustru samt hendes første Mand, fra omtr. 1640 (Kirkens anseligste Sten), over Byfoged Mads Sørensen, † 1637, og Borger Peder Nielsen samt deres Hustru, † 1648, over Borgmester Claus Madsen, † 1653, og Hustru, og over Amtsforvalter Henr. Leve, † 1752, og Hustru. I Kirken er der ophængt nogle Ben af en 1603 i Lille Bælt fangen Hval.

Paa den nu planerede Kirkegaard ved Kirken findes et Monument for den ovennævte Alb. Leth. Den østre Kirkegaard, ved Landevejen til Odense, er nedlagt og omdannet til et Anlæg; her findes et Mindesmærke (Obelisk), rejst 1866 for 74 her begravede Soldater fra Krigen 1848—50, og særskilte Grave for nogle i samme Krig faldne Officerer (deribl. for Premierlieutn. Cederstrøm). Paa vestre Kirkegaard, ved Kongebrovej, tagen i Brug 1853, er der et Mindesmærke (Bautasten) for 24 Soldater, der faldt 1864.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst. Kirken ejede Sept. 1898 i Kapitaler 3939 Kr.; dens Gæld var 18,612 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset,** i Adelgade lige overfor Kirken, er en 2 Stokv. høj, grundmuret, rødmalet Bygning, der indviedes 1826 (den ligger paa den samme Plads som det tidligere Raadhus). Bygningen, hvoraf Amtet ejer $^2/_3$, indeholder bl. a. Retslokale, der tillige benyttes som Byraadssal, Raadhussal, Udvalgsværelse, Bolig for Arrestforvareren og Arrester for 7 Arrestanter.

Det kommunale Skolevæsen bestaar af en **Realskole** og en **Borgerskole** („den borgerlige Friskole"), begge i een og samme, 1896 opført, to Stokv. høj Bygning i Søndergade. Til Skolerne hører et 1896 opført Gymnastikhus med Façade ud til Grønnegade. Realskolen, til hvilken er

*) I et Testam. af 1507 (se Kirkeh. Saml., 2. R. VI B. S. 755) nævnes i Kirken Altre helligede Jmfr. Maria, St. Mauritius, St. Birgitte, St. Nicolaus, St. Andreas og St. Anna (til hendes Alter hørte et St. Anne Hus i Mørkegyde). Endvidere nævnes smstds. et Helligtrefoldigheds Kapel og et Helligkors Kapel, mulig begge hørende med til Kirken. Dog har der paa Kirkegaardens sydvestl. Hjørne været et Kapel, af hvilket der endnu fandtes Rester paa Resens Tid; paa dets Dør stod Aarst. 1489. Et andet Kapel skal have staaet Ø. for Byen paa Strandbanken.

knyttet en privat Forberedelsesskole, har 4 Klasser, 3 Lærere og 1 Lærerinde samt $^1/_8$ 1898 77 Elever, hvoraf 9 Piger; Borgerskolen har 5 Drenge- og 2 Pigeklasser, 3 Lærere og 3 Lærerinder samt 303 Elever, hvoraf 165 Piger. Desuden er der en fælles Gymnastiklærer. Den tidligere Borgerskole, i Adelgade, er nu Lærerbolig; den tidligere Friskole, Kongebrovejen, skal omdannes til Brug for en privat Pigeskole. **Teknisk Skole**, S. for Byen ved Blindebomsvej, er opf. 1896 af røde Mursten i eet Stokv. (Arkitekt Hansen, Vejle); den har 5 Lærere og 66 Elever. Desuden er der to private Pigeskoler, hvoraf den ene (Frk. Sicks) faar Understøttelse af Kommunen.

**Sindssygeanstalten**, godt 1000 Al. S. for Byen paa Markjorderne, er oprettet af Staten ved Lov af $^7/_5$ 1884 og toges i Brug $^{14}/_7$ 1888. Den er nærmest bestemt til at optage Patienter fra Fyns Stift samt fra Ribe

Sindssygeanstalten ved Middelfart.

Stift — dog med Undtagelse af Skodborg-Vandfuld og Hjerm-Ginding Herreder —, men kan ogsaa modtage Patienter fra Rigets andre Dele og fra Udlandet, for saa vidt Pladsen tillader det. Den var fra først af beregnet til at kunne optage 400 Patienter (lige mange af hvert Køn), senere er den udvidet til at kunne rumme 700 Patienter if. Lov af $^{14}/_4$ 1893, en Udvidelse, der gennemførtes 1894—96 ved Oprettelsen af 300 Pladser for uhelbredelige Patienter, lige mange af hvert Køn. 1. Jan. 1899 var der omtr. 650 Patienter (omtr. lige mange af hvert Køn); i det hele har der siden Oprettelsen været optaget henved 2000 Patienter. De ere fordelte i 3 Forplejningsklasser, for hvilke Betalingen er henholdsvis 2,00, 1,50 og 1,08 Kr.; uformuende forplejes for 55 Ø. pr. Dag. Ved Anstalten er ansat en Overlæge, 2 Reservelæger, en Forvalter og Kasserer, en Bogholder, en Præst (Sognepræsten i Middelfart), en Oldfrue, en Husholderske m. m.; i

det hele er der til Anstalten knyttet omtr. 150 Funktionærer og Tyende. Direktionen bestaar af tre Medlemmer med Overlægen som Formand. — Anstalten, der ligger meget smukt mellem Middelfart og Fænø Sund, indtager et Areal af omtr. 65 Td. Ld. Bygningskomplekset, med dets talrige aabne Gaarde og store Haver, er omgivet af et tæt Læbælte. Anstalten er opført efter Tegn. af Arkitekt, Prof. Vilh. Petersen og bestaar af 12 fritliggende Patientbygninger, en Hovedbygning, hvori der foruden Lægebolig findes Kirke og Festsal, og endvidere en halv Snes Bygninger til Brug for Økonomien og til Bolig for Funktionærerne. Anstalten har sit eget Gas- og Vandværk, det sidste beliggende omtr. $^1/_4$ Mil borte ved Stavreby Krat mellem Middelfart og Strib.

**Fattiggaarden**, i Søndergade, er købt 1818 og har Plads til 12 à 14 Lemmer. **Sygehuset**, ved Blindebomsvej, er opført 1877 som en 1 Stokv. høj Bygning og udvidedes 1895; det har Plads til 21 Patienter samt til 12 med smitsomme Sygdomme. **Epidemi- og Karantænehuset**, paa Kappelsbjærg, er opført 1885 og bestaar af et Forhus (Hospital og Beboelse for Økonomen) og et Desinfektionshus.

Milde Stiftelser: **Claus Madsens Fattighus**, bygget af Borgmester Cl. M. († 1653), tidligere i Adelgade, 1819 udflyttet til Markedspladsen ved Bjærgebankevejen, det fik en Tilbygning 1838; det har 4 Lejligheder for fattige. **Iversens Stiftelse**, i Adelgade, opr. 1767 af Agent Chr. Iversen († 1788) og Hustru, har en 1 Stokv. høj Bygning, der afgiver Fribolig for 6 fattige Kvinder. Begge Stiftelser bestyres af Byraadet. **Dronning Louises Børneasyl**, Hj. af Søndergade og Blindebomsvej, opr. 1897, har Plads for 65 Børn.

Af andre Bygninger nævnes: Posthuset og Telegrafstationen, i Adelgade, Borgmestergaarden, i Adelgade, Præstegaarden, i Søndergade. Diskontobanken, i Adelgade (vistnok den tidligere „Magasingaard", som før har været Præstegaard, men som senere benyttedes til Kvarter for danske og fremmede Krigsfolk, der droge gennem Byen) samt et 1896 paa Østergade opf. Missionshus.

Byen har som nævnt et Anlæg paa den tidligere østre Kirkegaard. Desuden er der N. Ø. for Byen et Anlæg paa Kappelsbjærg lige ved Bæltet, ligesom der i Nærheden er paabegyndt Beplantningen af et Areal. Tæt Ø. for Byen, nær Jærnbanen, har nuv. Borgmester H. C. M. Møller, anlagt udstrakte Frugttræplantager.

**Gamle Huse.** Der findes endnu enkelte gamle, men tarvelige Bindingsværkshuse. Bedst og tillige ældst er et 2 Stokv. højt Gavlhus i Brogade, fra omtr. 1600 (se Vignetten S. 381), med simple Knægte. If. Sagnet har Henner Friser boet her. Fra et nu nedrevet Bindingsværkshus i Adelgade, Nr. 148, opbevares Træværket (deribl. en Egehammer med Indskr. og Aarst. MDLXX) i Borgmestergaarden, hvor der ogsaa findes en Egehammer fra et andet forsvundet Bindingsværkshus samt en stor, vistnok enestaaende Samling af Ovnplader (tillige med andre værdifulde gamle Sager). Fra et tredje, ligeledes nedrevet Hus haves i Nationalmus. en Indskriftstavle med Aarst. 1653.

Indbyggertallet var Febr. 1890: 3078 (1801: 1019, 1840: 1428, 1860: 2123, 1880: 2345). Erhverv i 1890: 302 levede af immat. Virksomh., 921 af Industri, 445 af Handel, 187 af Søfart, 122 af Fiskeri,

74 af Jordbrug, 40 af Gartneri, 556 af forsk. Daglejervirks., 65 af deres Midler, 17 nøde Almisse, og 349 vare Patienter paa Sindssygeanstalten.

Af fremmede Varer fortoldedes i 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedmanuf. 4317 Pd., Uldmanuf. 4396 Pd., Vin 8217 Pd., Glas 10,646 Pd., Humle 90,408 Pd., Kaffe 13,555 Pd., Olier 9810 Pd., Risengryn 4102 Pd., Salt 166,960 Pd., Sukker 8510 Pd., Tobaksblade 4810 Pd., Stenkul $20_{,3}$ Mill. Pd., Metaller og Metalvarer 125,739 Pd., foruden Tømmer og Træ, Fajance m. m. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Der udførtes til Udlandet Hvede og Hvidkaal. Til indenlandske Steder uden for Øen udførtes: 9072 Snese Æg, 324,375 Pd. Jærnstøbegods, foruden Mel, Kartofler, Smør, Frugt og Uld.

Ved Udg. af 1897 var ved Toldstedet hjemmehørende 31 Fartøjer og maalte Baade med 329 Tons. I udenrigsk Fart indkom 73 Skibe med 7577 T. Gods og udgik 56 Skibe med 14 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 199 og udgik 175 Skibe med resp. 2903 og 917 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde i 1897, efter Fradrag af Godtgørelser, 48,316 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 1159 Kr., i alt 49,475 Kr. (2275 Kr. mere end i 1896). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte 3735 Kr. (950 Kr. mindre end i 1896). Der produceredes 44,348 Potter, hvoraf 559 udførtes til Udlandet.

I Middelfart holdes 7 Markeder: 1 i Febr., 2 i Marts, 1 i April, 1 i Juli og 1 i Sept., alt med Heste og Kvæg, 1 i Nov. med Kvæg og Faar. Det er Torvedag hver Tirsdag og Fredag, 1. Tirsd. i hver Maaned med levende Kreaturer.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 1 Jærnstøberi og Maskinfabrik, der beskæftiger omtr. 100 Arbejdere, 2 Tobaksfabrikker, 2 Brændevinsbrænderier, 1 Farveri og „Nordiske Kabel- og Traadfabrikker“ (et 1898 opr. Akteselsk., Aktiekap. 750,000 Kr.).

I Middelfart udgives tre Aviser: „Middelfart Avis“ „Middelfart Dagblad“ og „Middelfart Venstreblad“ (den sidste trykkes i Svendborg).

Kreaturhold 1893: 87 Heste, 148 Stkr. Hornkvæg (deraf 134 Køer), 25 Faar, 74 Svin og 5 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Vends Herred, og et Byraad, som foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderst., e) for Skolevæs., f) for Valgbestyrelsen, g) for de tekniske Anliggender, h) for Tilsyn med Plejebørn.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 45,305 (deraf Grundskat 853, Hussk. 2455, Formue- og Lejlighedssk. 39,260, lignet paa Menigheden 208, Bidr. fra Landdistr. 2529 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 2410, Tilskud fra Staten til Alderdomsunderst. 3725, Indtægt af Aktiver 3426, Statskassens Tilsk. til Realskolen 1500 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 1061, til Amt 334, til Amtsskolefond 905, Byens Bestyrelse 1328, Fattigvæs. 10,312, Alderdomsunderst. 7578, Skolevæs. 16,932, Rets- og Politivæs. 2636, Medicinalvæs. 3538, Gader og Veje 1264, Gadebelysn. 1752, Renlighed 1882, Brandvæs. 570, kirkl. Formaal 1206 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 40,502, i faste Ejendomme 191,382 Kr. (deraf i Jorder 29,680); dens Gæld var 130,715 Kr. For 1899 er Skatteproc.

for Afgiften paa Formue og Lejlighed, der ansættes efter en stigende Skala, $9^3/_7$ for den højeste, $^2/_3$ pCt. for den mindste Indtægt; den anslaaede Indtægt var 1,009,600 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: $^2/_5$ af Sygehuset, $^1/_3$ af Raadhuset og af Epidemihuset, dernæst Skolerne, Lærerboligen, Fattiggaarden, to Fattighuse, Sprøjtehuset samt Jordlodder paa i alt 33 Td. Ld.

Byen har intet Politikorps. Brandkorpset bestaar af Borgere, der aarl. udtages paa Brandsessionen; af de udtagne udgøre 30 Mand et Ordenskorps.

I Diskontoinstituttet i Middelfart (aabn. $^{19}/_1$ 1854) er Aktiekap. 400,000 Kr.; $^{30}/_6$ 1898 var Folio- og Indlaanskontoen 1,217,761, Vekselkontoen 300,395 Kr. — I Spare- og Laanekassen for Middelfart og Omegn (opr. $^5/_4$ 1853) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 594,234 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Antal af Konti 1702.

**Havnen** var i 18. Aarh. meget daarlig og usikker, idet den nemlig kun bestod af en Skibsbro, der var ubrugelig i haardt Vejr, og Byens Fartøjer maatte om Vinteren søge ind under Fænø. Den nuv. Havn er anlagt 1834—36 og er en Del uddybet i de senere Aar (en betydelig Udvidelse forestaar). Havnebassinet, med Indløb fra V., er omtr. 18,000 □ Al., 550 F. langt og 100 F. bredt, Dybden 15 F., Bolværkernes Længde 1175 F. og Havnepladsens Størrelse omtr. 2 Td. Ld. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg, for hvilket Borgmesteren er Formand. Havnekassen ejede $^1/_1$ 1898 i Kontanter 25,105 Kr., i faste Ejendomme omtr. 133,000 Kr.; dens Gæld var 74,000 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 10,000 Kr. Paa Vestmolen er der i Vintermaanederne tændt et fast, rødt Fyr. Ved Havnen er ansat en Lods, der lodser fra Fredericia til Assens og Aarø Sund.

I gejstlig Henseende danner Middelfart eet Kirkesogn med Landdistriktet.

Middelfart hører til 6. Landstingskreds og Amtets 5. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 220. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 201—220.

Ved Middelfart Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør og 3 Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester og en Ekspedient, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer. Ved Fyns Telefonselskab staar Byen i Forbindelse med Øens andre Byer. Statstelefonen har Station her.

Om Jærnbanen se S. 347. I Driftsaaret 1897—98 befordredes pr. Bane fra Middelfart 42,561 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv. ankommen til M. var 6624 Tons, afgaaet fra M. 10,275 Tons. — Middelfart staar i Dampskibsforbindelse med Kolding, Fredericia og Kjøbenhavn.

---

**Historie.** Middelfart nævnes i Vald. II's Jordeb. — *Mæthlæfar* og *Mæthælfar* — som Kongens Ejendom (Middelfart Sund nævnes allerede i Knytlingesaga, da Bønderne fra Jylland satte over det efter den flygtende Konge, Knud den hellige); Navnet kommer af, at Stedet var det mellemste af de 3 Overfartssteder over Lille Bælt: Strib, Middelfart og Fønsøre. Der har vel paa Kong Vald. II's Tid ligget en Kongsgaard („Gormsborg", af hvilken man har ment at have fundet Rester —

Kampesten, Munkesten, en gammel Brolægning m. m. — ved Gravning paa en Mark i den vestl. Ende af Byen ved Kirkegaarden; i en Præsteindberetning fra 1623 hedder det ogsaa, at „Medelfarts vestre Ende skal være den ældste, hvori tilforn skal have været en Herregaard, kaldet Borgen". Begyndelsen til Byen har vel været et lille Fiskerleje. Aar 1496 gav Kong Hans Byen de samme Privilegier, som Odense og Assens af tidligere Konger havde faaet; senere bekræftedes de bl. a. 1540, 1569 og 1596. Byen nævnes flere Gange i Middelalderens Historie. Aar 1287 blev den afbrændt af Kongemorderne; 1296 var der Underhandlinger her mellem Erik Menved og Erik Præstehader og 1306 og 1310 mellem Kongen og Brødrene Hertug Vald. IV af Sønderjylland og Hertug Erik af Langeland. I Beg. af 1359 bleve 3 jydske Adelsmænd, Niels Bugge til Hald, Ove Stisen til Eskebjærg og Peder Andersen (Hvide) til Margaard paa Hjemrejsen fra Slagelse, hvor de forgæves havde underhandlet med Vald. Atterdag, myrdede i Middelfart af nogle Fiskere; men Mistanken for Mordet faldt paa Kongen, skønt han højtidelig fralagde sig Skylden. Beboerne af de Huse i Vestergade, hvor Gerningsmændene boede, maatte fra den Tid betale aarl. en Afgift i Jordskyld eller Blodpenge, de saakaldte „Buggespenge" (49 Sk. i Stedet for den odiøse Tremarksbøde), en Skat, som først blev ophævet 1874. Middelfart har vel altid hørt til Fyns mindre Byer; men dens Beliggenhed som Overfartssted har stadig givet den en vis Betydning. Paa den anden Side medførte denne Beliggenhed ogsaa en Fare for Byen i Krigstider, saaledes i Grevens Fejde, da den maatte udrede 600 Lod Sølv og senere 1000 Gylden, i Svenskekrigen, da de allierede Tropper i Nov. 1659 gik over til Fyn ved Byen, og i den første slesvigske Krig, da Preusserne bombarderede den $^{8}/_{5}$ 1848, skønt den var en aaben og forsvarsløs By. Om den nogen Sinde har været befæstet, vides ikke; if. Chr. IV's Forordn. af 1628 skulde den omgives af Volde og Grave; paa Resens Atlas ses ikke Spor af Befæstninger. Som Fyns andre Byer havde den lidt stærkt ved Svenskekrigen; 1672 havde den 756 Indb. I 18. Aarh. gik det endnu mere tilbage for den, hvortil store Ildebrande og Farsot bidrog; 1746 afbrændte en Del af Byen (25 Huse i Søndergade), 1761 hærgedes den af Blodgang (1769: 735 Indb.), og $^{2}/_{6}$ 1791 brændte 14 Gaarde og Huse. I 19. Aarh. er den gaaet en Del frem. En Skuffelse var det, at den fynske Jærnbane ikke, som først projekteret, fik sit Endepunkt ved Middelfart.

Byen har haft en Latinskole, som havde Lokale i Brogade i en Bygning, som senere er bleven anvendt til Pakhus. Skolen har vistnok været til før Reformationen, da der alt 1507 nævnes Skolarer; den blev ophævet 1740. — Byen har haft et Marsvinsfangerlav, hvis Lov eller Skraa er fra 1593, men som menes at være langt ældre (1541 bilagdes en Strid mellem Middelfart og Gamborg Bymænd om Marsvinsfangsten). Det drev Jagten i Gamborg Fjord, i hvilken Dyrene joges ind; endnu for en Snes Aar siden kunde Fangsten aarlig være 7—800 Stkr., men undertiden var den langt større, saaledes i Vinteren 1854—55, da der blev fanget 1742 Stkr. I de senere Aar er dog Fangsten helt ophørt, og Lavet er nu i Færd med at opløse sig.

I Middelfart er født 1579 Biskop Mads Jensen Medelfar og 1772 Rektor S. N. J. Bloch.

**Litt.**: *J. Bluhme*, Beskr. over M. Kiøbstæd osv., Odense 1795. — Se ogsaa Aktstykker osv. til Oplysn. af Danm. indre Forh., I S. 159, Saml. til Fyns Hist. III S. 183, og Kirkeh. Saml. 3. R. V Bd. S. 475 fl. — *S. H. Clausen*, Ved Lillebælt eller Middelfart Sunds Historie, Middelfart 1867.

# Assens

1535.

1591

Assens Købstad ligger i Baag Herred under $55^0$ 16′ $9,_{40}$″ n. Br. og $2^0$ 40′ $57,_{56}$″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Byen ligger ved det her omtr. $1^1/_2$ Mil brede Lille Bælt ved en lille Bugt, der mod S. begrænses af Halvøen Asnæs, og paa et mod Ø. jævnt opadskraanende Terræn, medens den mod N. og S. omgives af nogle smaa Bakker. Ved Kirkens nordvestl. Hjørne er der $25,_6$ F., 8 M., et Punkt mellem Østergade og Barongyde er $46,_7$ F., $14,_7$ M. Afstanden fra Odense er $4^1/_2$ Mil (ad Jærnbanen $5,_8$ Mil, 44 Km.), fra Faaborg 4, fra Svendborg $6^3/_4$, fra Middelfart $3^3/_4$ Mil. Byens største Udstrækning fra V. til Ø. er omtr. 1500 Al., fra N. til S. er den største Bredde 1300 Al. Hovedaaren er Østergade, som gaar mod Ø. fra det i Nærheden af Havnen liggende Torv og fører ud til Odensevejen; omtr. parallelt med den gaa Strandgade, Ladegaardsgade og Barongyde. Fra Østergade gaar mod N. Ø. Nørregade ud til Middelfartsvejen; mod S. Ø. føre Kindhestegade og Ny Adelgade ud til Faaborgvejen. Parallelt med Stranden gaa fra N. til S. Ramsherred og Damgade. Byen er net bygget med flere 2 Stokv. høje Huse og godt brolagte Gader. Der findes endnu en Del gamle Bindingsværkshuse, men nogle af de bedste ere forsvundne i de allersidste Aar.

Købstadsgrunden udgjorde Juli 1898 1,513,175 □ Al. (omtr. 108 Td. Ld.), Markjorderne 1061 Td. Ld.)*). Byen havde da 17 Gader, 5 Stræder, 4 bebyggede Veje og eet Torv. Husenes Antal var ved Folketæll. 1890 656 og i Landd. 65 (Juli 1898: 786, deraf paa Byens Grund 677). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896: 1169 Td. Ld., hvoraf besaaede 772 (deraf Sukkerroer 436),

*) Af de to Landkommuner, der tidligere hørte til Assens, er Kjærum et Sogn for sig fra 1886, og Assens Landdistr. er if. kgl. Res. af $^{25}/_9$ 1894 opløst fra 1. Jan. 1895 at regne og Ejendommene indlemmede dels i Købstaden, dels i Kjærum Sogn (dog en enkelt undtagen, der er indlemmet i Gamtofte Sogn).

102 Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 211, Have 46, Skov 13, Kær og Fælleder 3, Veje og Byggegrunde 105, Vandareal 16 Td. Det saml. Hartk. var 1895: 128 Td., hvoraf 102 hørte til 38 Gaarde, 17 til 93 Huse; 33 Gaardbrug og 35 Husbrug dreves fra Ejendomme i Byen. — Landdistriktets Hrtk. var 20 Td., hvoraf 12 hørte til 3 Gaarde, 8 til 58 Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_6$ 1898 5,058,474 Kr. (Antal af Forsikringer 786).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, tidligere kaldet *Vor Frue Kirke*, den største Kirke paa Fyen næst St. Knuds i Odense, er en anselig, treskibet Bygning, vistnok fra 15. Aarh., opført af røde Mursten med Langskib og Kor ud i eet. Den ud-

Assens Kirke.

vendige Længde er 94, Bredden 32 Al. Midtskibet er betydelig højere end Sideskibene og skilles fra dem ved to Rækker svære, med Spidsbuer forbundne, ottekantede Piller (8 i hver Række), som bære Kirkens Krydshvælvinger, og hvoraf de fire, ved Altervæggen og Taarnet, ere faste,. Højden i Midtskibet er 27, i Sideskibene, der fortsættes omkring ved Altervæggen, 15 Al. Spidsbuer ere anvendte overalt i Triforieaabninger og Vinduer undtagen paa Midtskibets Sydside, hvor Fladbuen er anvendt. Mod Ø. er Kirken afsluttet med en tresidet, med Takker prydet Gavl (over Koret har der været et lille Spir, som nedtoges i Beg. af 19. Aarh.). Mod V. er der opført et ottekantet Taarn (Slutn. af 15. Aarh.) med store, spidsbuede Nicher, omfattede af en stor Hulstav, hvori Vinduer og Lydhuller sidde. Taarnet, til Murgesimsen 36 Al., har et højt Pyramidetag (til Spirets Top 75 Al.), forneden omgivet af 8 trekantede Gavle af senere Oprindelse. Taarnrummet har Kuppelhvælving. Paa Kirkens Nordside er der to middelalderlige

# ASSENS.



1 Amtsbibliotek . . . . D 4
2 Apotek . . . . E 3
3 Arrest . . . . E 4
4 Jernegaard og Postkontor . . C 4
5 Bank: Assens- . . E 3
6 Boliger Haandværkere og Industrif: G 4
7 Borgmesterbolig . . . . G 1
8 Bymølle . . . . G 1
9 Fattiggaard . . . . D 2
10 Gasværk . . . . C 1
11 Havnefogedbolig . . C 3
12 Hotel Jernbane- . . C 3
13 " „Phönix" . . . . D 3
14 " „Postgaarden" . . C 3
15 Kirke . . . . D 3
16 Missionshus . . . . F 5
17 Præstegaard . . . . G 3
18 Raad, Ting og Arresthus . . D 3
19 Skole Borger- . . E 4
20 " Real- . . . . E 4
21 " Tekniske- . . F 2
22 Spare og Laanekasse for Assens og Omegn . D 3
23 Sparekasse Haandværker- . E 2
24 Sprøjtehus . . . . D 3
25 Svineslagteri . . C 5
26 Telegrafstation . . E 3
27 Toldkammer . . . . C 3

KØBSTADENS MARKJORDER

Skelbeegen

Til Middelfart

Torvegade

Badehuse

HAVN

LILLE BÆLT

Strandgade

Ladegaardsgade

Langegade

Østergade

Østergades Forlængelse

Til Odense

MARKEDS-PLADS

SYGEHUS

Torvet

Adelgade

Nytorvet

Nørregade

Møllegade

KØBSTADENS

HAVNEPLADS

HAVN

KIRKEGAARD

KAPEL

SANDGRAV

PROVSTGAARD (AMTSTUE)

STRANDMØLLE

Vandgade

Havnegade

Ørbækgade

Ørbæk Å

Ørbæk Engens Port

ASSISTENS KIRKEGAARD

KAALS MØLLE

KARANTÆNEHUS

ASNÆS

ANLÆGET

ELLEMOSE

SUKKERFABRIK

Til Faaborg

MARKJORDER

Tilbygninger (den ene opf. 1500 af Peder Berilsen, jf. D. Atl. VI S. 674; han var Provst i A. fra 1525, † 1537, og siges at have udvidet og forskønnet Kirken, se Saml. til Fyns Hist. I S. 212), begge med takkede, blindingsprydede Gavle og med Hvælvinger; de ere nu begge sondrede fra Kirken, den ene benyttes til Ligkapel, i den anden er der Varmeapparat. Kirken blev restaureret 1842—56 og 1881—84 under Ledelse af Arkitekt C. Lendorf, ved hvilken sidste Lejlighed bl. a. Ydermurene istandsattes, saa at det oprindl. Murværk blev synligt, med rige, takkede Kamgavle; alle Vinduerne ommuredes med nye Ledføjninger, Spirets Tagkonstruktion og Hvælvingerne og Væggene i det Indre istandsattes, og den fik en Dekoration i lette, lyse Kalkfarver, afpasset efter de Spor af tidligere Dekoration, som fandtes. — Altertavlen er et ret anseligt, men barokt udskaaret Renæssancearbejde fra Midten af 17. Aarh., skænket af Borgmester Jens Mand og Hustru Karen, med et tarveligt Maleri (Nadveren) fra 1826 af Jes Bundsen. Alterstagerne ere fra 1577; Knæfaldet har et smukt, smedet Jærngitter. Prædikestolen, med Himmel, er fra omtr. samme Tid som Altertavlen, rigt udskaaret med bibelske Relieffer i Fyldingerne. Den nye Døbefont af brændt Ler staar ved Opgangen til Koret; paa den anden Side en Daabsengel i Marmor af Jerichau. Orgelet, fra 1856, i gotisk Stil, er udført efter Tegn. af Arkitekt Chr. Hansen. Bag Alteret staar et interessant, velbevaret, stort gotisk Alterskab med fremspringende Baldakin og udskaarne Fyldinger, dels med Stavværk, dels med Pergamentsornamenter. I Kirken findes desuden to Epitafier, et over Feldbereder Mads Sørensen, † 1761, med et Maleri, der set fra den ene Side viser Opstandelsen, fra den anden Korsfæstelsen, et andet over Borgmester Bonde Jakobsen, † 1657, og Familie, med Portrætter; endvidere et Maleri (Christus aabenbarer sig for Apostlene) af D. C. M. Dreyer (f. i Assens, † 1852) og et Portræt af Luther. Fra Loftet hænger en stor, smuk Lysekrone fra 1657 og et Skib, skænket i den nyeste Tid af Dr. Stub. Det vestl. Hvælvingsfag i det sydl. Sideskib er indrettet til Gravkapel, adskilt fra Kirken ved et smukt, smedet Jærngitter; i Kapellet staa 3 Kister med Ligene af Generalmajor Hans V. v. Rømer, † 1748, og Hustru Anne Elisab., f. Trampe, † 1757, samt Generalinde Susanne Elisab. von Ellbrecht, født Trampe. Ved Restaurationen 1842 bleve Kirkens Ligsten, hvoraf flere fra 16. Aarh., lagte omkring Kirken som Fortov; ved den sidste Restauration bleve de, efter at have lidt en Del, optagne og indsatte i Indervæggene i Sideskibene og Omgangen om Alteret. Ligstenene, som ere meget medtagne, ere for største Delen over Præster og Borgere i Byen (især fra 17. og 18. Aarh.), der i sin Tid ere blevne begravede i Kirken. En af Stenene er over Reinwald v. Heidersdrof (ell. Hedenstrup), Lensmand paa Hagenskov, † 1544 (paa Stenen er afbildet en Ridder med en Kugle ved højre Hofte). — I Ydermuren af Kirken sidder en Kanonkugle, der efter Sagnet stammer fra Grevens Fejde.

Kirkegaarden omkring Kirken er nedlagt 1820. Byen har nu to Kirkegaarde, en mod S. i Byen, mellem „Udenfor Kongens Port“ og Kjærum Aa, aabnet 1810, smukt anlagt i Terrasser, og en mod S. Ø. uden for Bygrænsen, anlagt 1888. Paa den første staa to Mindestøtter; den ene, der er rejst over 74 i 1. slesvigske Krig faldne Soldater, er en Sandstensstøtte med en Urne; den anden, ligeledes af Sandsten, er over 50 Soldater, som 1864 døde paa Lasarettet i Assens. Paa Kirkegaarden S. Ø. for Byen er 1895 opført et Ligkapel.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en Kapellan pro loco. Kirken ejede Juli 1898 i Kapitaler 11,995 Kr. og 52 Td. Ld. samt i Tiender 25 Td. af forsk. Kornsorter; dens Gæld var 74,222 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, paa Torvet, ejes helt af Byen; det istandsattes 1830 og undergik 1891 en gennemgribende indre og ydre Restauration. Det er en 2 Stokv. høj, grundmuret Bygning af røde Mursten med Renæssancegavle. Den indeholder Tingstue, Byraadssal, Assens Byfoged- og Baag Herredskontor, Kæmnerkontor og Forligslokale. I Arresthuset, der er sammenbygget med Raadhuset, er der Plads for 14 Arrestanter.

Det kommunale Skolevæsen bestaar af en Borgerskole og en Realskole. **Borgerskolen**, i Provstigaardsstræde, er en anselig 2 Stokv. høj, af røde Mursten i 1893 opført Bygning; Skolen har 20 Klasser, hvoraf 6 Forberedelsesklasser, 6 Lærere og 2 Lærerinder foruden 3 Lærerinder til Fællesklasserne og havde i Sommeren 1898 574 Elever. **Realskolen**, Hj. af Provstigaardsstræde og Adelgade, er en i 2 Stokv. 1828 opf. Bygning, indtil 1894 benyttet af Borgerskolen; den har 5 Klasser, 5 Lærere og 80 Elever. **Teknisk Skole**, i Nygade, er opf. 1889—90 af røde Mursten i to Stokv. (Arkit. A. Madsen); den har 6 Lærere og omtr. 80 Elever. Desuden er der 7 private Skoler.

**Amtsbiblioteket**, i et af Kommunen ejet Hus ved Kirken i Adelgade, er stiftet 1822 af Provst N. Holm i Sandager († 1829) og udgør omtr. 6000 Bd., hvoraf den ældre Del, omtr. 4000 Bd., er af videnskabeligt Indhold.

**Fattiggaarden**, i Ramsherred, opf. 1823, er en uanselig Bygning; der er Plads til 28 Lemmer. **Amtssygehuset**, Ø. for Byen ved Odensevejen, er opført af Amtet, der ejer $^2/_3$, og Købstaden, efter Tegn. af Arkit. A. Madsen, med en Midtfløj og to Tværfløje; det bestaar af to Afdelinger, en for smitsomme og en for ikke smitsomme Sygdomme, og har 44 Senge. Desuden er der paa Nordspidsen af Halvøen Asnæs 1884 opf. et **Karantænehus**.

**Assens Børneasyl**, i Ny Adelgade, er opr. 1875 og har Plads for omtr. 50 Børn. — **Haandværker- og Industriforeningens Boliger**, ved Byens Østgrænse ved Møllevej, en 1893 i to Stokv. opf. Bygning, afgive 10 Friboliger for gamle trængende Haandværkere og deres Enker, hvoraf 8 faa en aarl. Brændselshjælp af 20 Kr. hver.

**Gasværket**, mod N. ved Ramsherred, er anlagt 1855 og tilhører det dansk-engelske Gaskompagni; 1898 produceredes der 8,533,000 Kbfd. Gas.

**Jærnbanestationen**, mod V. nær ved Havnen, er opf. 1883—84. **Posthuset**, ved Banegaarden, er opf. 1883—84, begge efter Tegn. af Arkitekt N. P. C. Holsøe. Telegrafstationen ligger paa Østergade, Toldkammeret ved Havnen. — Af andre Bygninger mærkes Præstegaarden, paa Østergade, og et Missionshus, i „Udenfor Kongens Port", opf. 1893.

S. for Kirkegaarden og Aaen er der et Skovanlæg, paabegyndt 1827, udvidet 1881 og 1887, i alt $26^1/_2$ Td. Ld., med smukke Spaseregange og en Pavillon.

**Gamle Huse.** Næst Odense er Assens den paa gamle Bindingsværkshuse rigeste By paa Fyn. Ældst, fra omtr. 1550, er det to Stokv. høje Hus, Østergade Nr. 11, af hvilket dog kun $2^1/_2$ Fag ere bevarede; Knægtene ere prydede med halvt gotisk Snitværk, og paa et Par Stolper findes Rester af en Indskrift. Fra Slutn. af 16. Aarh. hidrører det karakteristiske, to Stokv. høje Gavlhus, Korsgade Nr. 11, med Gyde paa begge Sider; nederste Stokværk er ud til Gaden helt omsat, øverste Stokv. derimod op-

rindeligt, ligesom ogsaa delvis Gavltrekanten, hvis Spids er afvalmet. Skraastivere og Stolper ere prydede med Halvrosetter; paa Gavltrekantens Fod er der udskaaret 10 Æselrygsbuer, et i Assens oftere anvendt Ornament. Af Huse fra 17. Aarh. kunne nævnes Østergade Nr. 36, ligeledes i to Stokv. og med nyere, lille Udbygning; Overgangsfoden er prydet med rigt Snitværk i Barokstil; paa Porthammeren Indskrift og Aarst. 1675. Huset er oppudset 1884; i Muren er 1883 indsat en Tavle til Minde om Søhelten Peder Willemoes, som fødtes her. Endvidere Damgade Nr. 1, Strandgade Nr. 1, Hjørnestedet af Ramsherred og Ladegaardsgade, samt Ramsherred Nr. 1 (med Indskrift og Aarst. 1635); alle disse Huse ere i to Stokv., men delvis omsatte.

Ved Hotel Postgaarden, Strandgade, hidrøre 8 Midtfag vistnok fra omtr. 1700, medens de andre Fag ere noget senere Tilsætninger, ligesom ogsaa Karnappen. Af ældre forsvundne Bindingsværkshuse kunne nævnes Østergade Nr. 15 (en Porthammer med Indskrift og Aarst. 1620 er indsat i Porten af det nye Hus), Strandgade Nr. 3 og Damgade Nr. 3, fra 17. Aarh. (se Tegn. af æld. n. Arkitektur, 1. S. 2. R. Pl. 12 og 1. S. 3. R. Pl. 13; *Mejborg*, Gl. danske Hjem, Fig. 38).

Gammelt Hus, Korsgade Nr. 11.

Indbyggertallet var Feb. 1890 4028, Okt. 1894 4504 (1801: 1443, 1840: 2384, 1860: 3589, 1880: 3196). I Landdistr. 1890: 278, 1880: 268 Indb.

Erhverv 1890: 416 levede af immateriel Virksomh., 1673 af Industri, 741 af Handel, 157 af Søfart, 25 af Fiskeri, 212 af Jordbrug, 24 af Gartneri, 584 af forsk. Daglejervirksomh., 147 af deres Midler, 42 nøde Almisse, og 5 vare i Fængsel. Handel og Haandværk ere tillige med Agerbrug, navnlig Dyrkning af Sukkerroer, Byens Hovederhverv. Byens særdeles gode Opland blev indskrænket en Del ved Anlægget af den fynske Hovedbane. — I Landdistr. levede 23 af immat. Virksomhed, 32 af Jordbr., 93 af Industri, 6 af Handel, 47 af Søfart, 77 af forsk. Daglejervirksomhed.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 14,958 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 12,617 Pd., uldne Manufakturv. 10,530 Pd., Vin 10,015 Pd., Glas 14,519 Pd., Humle 4323 Pd., Kaffe 27,719 Pd., Risengryn 11,606 Pd., Salt 244,379 Pd., Sukker 26,981 Pd., Tobaksblade 30,532 Pd., Stenkul 24 Mill. Pd., Metaller og Metalvarer 317,291 Pd., Tømmer og Træ 1451 Clstr. og 14,605 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Der udførtes til Udlandet 393,600 Pd. Byg foruden Havre, Kød og levende Dyr (Eksporten gik for øvrigt for den langt overvejende Del over Esbjærg eller Odense). Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes 123,000 Pd. Hvedemel, 87,350 Pd. Byg, 61,500 Pd. Havre, 31,000 Pd. Malt, $1_{,3}$ Mill.

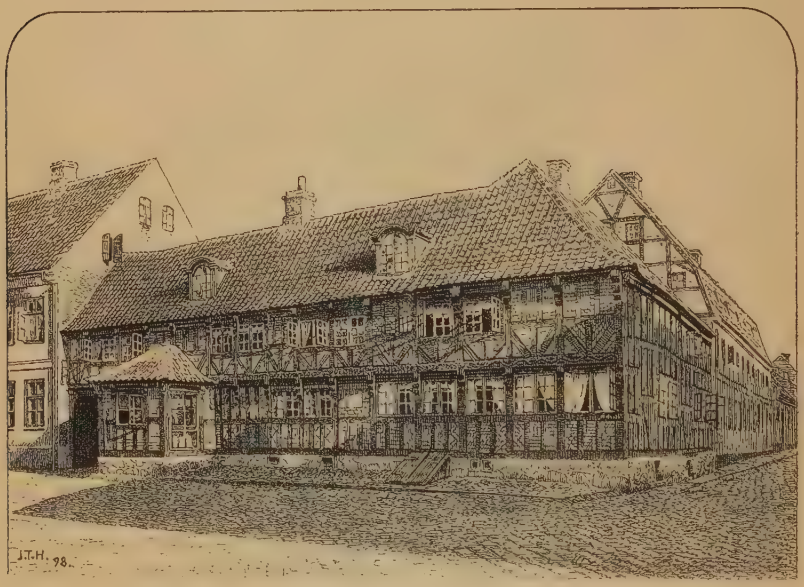

Willemoes' Fødehus.

Pd. Flæsk, 203 Td. Smør, 99,600 Pd. Æg, foruden Boghvede, Kartofler, Kød, Ost, Dyr osv.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 144 Fartøjer og maalte Baade med 882 Tons, deraf 1 Dampskib (6 T. og 4 Hestes Kr.). I udenrigsk Fart indkom 377 Skibe (216 Dampsk.) og udgik 359 Skibe (212 Dampsk.) med resp. 15,993 og 871 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 345 og udgik 366 Skibe (deraf 158 og 162 Dampsk.) med resp. 7072 og 5521 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde, efter Fradrag af Godtgørelser, 223,415 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 3005 Kr., ialt 226,420 Kr. (26,679 Kr. mindre end i 1896).

Der afholdes 6 Markeder: 1 i Feb., 1 i Marts, 1 i Maj, 1 i Juni og 1 i Sept., med Heste og Kvæg, og 1 i Nov. med Heste, Kvæg og Faar. Torvedag hver Onsd. og Lørd., 1. Onsd. i hver Maaned med levende Kvæg.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: en Sukkerfabrik, et stort Bygningskompleks mod S. V. uden for Byen, opf. 1883—84 efter Tegn. af Prof. Ove Petersen, tilhørende de danske Sukkerfabrikker; den producerer aarl. 12 à 15 Mill. Pd. Sukker; under Kampagnen beskæftiger den omtr. 250, uden for den 70 Arbejdere. Et Svineslagteri, i Nærheden af Sukkerfabrikken, opf. 1883—84 efter Tegn. af Arkitekt Levy, tilhørende det 1897 opr. Aktieselskab „De danske Svineslagterier", Kbh. Bayersk- og Hvidtølsbryggeriet „Vestfyn", et 1885 opr. Aktieselsk., Aktiekap. 117,000 Kr.; den aarl. Produktion omtr. 3000 Td. bayersk og 2000 Td. Hvidtøl. Et Jærnstøberi og Maskinfabrik (22 Arbejdere); en Klædefabrik (14—15 Arb.); en Vand- og Dampmølle (Kaals M.); en Chokoladefabrik; en Kødvarefabrik; to Kalkværker; en Hattefabrik, m. m.

I Assens udgives tre Aviser: „Assens Avis", „Assens Amts Avis" og „Aarup Folkeblad".

Kreaturhold 1893 i Byen: 181 Heste, 290 Stkr. Hornkvæg (deraf 231 Køer), 163 Faar, 166 Svin og 11 Geder., i Landdistr.: 11 Heste, 51 Stkr. Hornkv. (deraf 41 Køer), 48 Faar, 40 Svin og 5 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, som tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Baag Hrd., og et Byraad, som foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 11 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Skolevæs., f) for Mark- og Skovvæs., g) for Bygningerne, h) for Brolægningsvæsenet.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 54,035 (deraf Grundskat 1922, Hussk. 2451, Formue- og Lejlighedssk. 49,662), Afgifter efter Næringsloven 4166, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 4505, til Realskolen 1500, Indtægt af Aktiver 15,297 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 1133, til Amt 560, til Amtsskolefond 1171, Byens Bestyrelse 2726, Fattigvæs. 14,436, Alderdomsunderst. 10,269, Skolevæs. 21,329, Rets- og Politivæs. 4944, Medicinalvæs. 6847, Gader og Veje 5362, Gadebelysning 1758, Renlighed 3412, Brandvæs. 395, kirkl. Formaal 2000 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 41,891, i faste Ejendomme 482,253 Kr. (deraf i Jorder 231,639); dens Gæld var 155,353 Kr. Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed ansættes i Portioner, som 1899 vare paa $2_{,57}$ Kr.; den anslaaede Indtægt var 1,268,000 Kr., og der paalignedes 53,910 Kr., altsaa omtr. $4^1/_4$ pCt. af den anslaaede Indtægt.

Kommunens faste Ejendomme ere: Raadhuset, Skolerne, en Lærerbolig (hvori ogsaa en Pigeskole), Amtsbiblioteksbygningen, et Sprøjtehus, Karantænehuset, Borgmesterboligen, Fattiggaarden, 9 Huse til fattige, Andel i Amtssygehuset, Skovanlægget med Pavillon og 450 Td. Ld. Markjorder.

Politikorpset bestaar af en Lieutenant, 3 Underofficerer og 30 menige. Brandkorpset af en Brandinspektør, en Vicebrandinsp., 5 Assistenter, 15 Underassist. og 2 Tamburer foruden menige, alle ulønnede undt. Brandinspektøren.

I Assens Bank (opr. $^{17}/_4$ 1896) er Aktiekapitalen (indbetalt Garantibeløb) 100,000 Kr.; $^{31}/_{12}$ 1897 var Folio- og Indlaanskonto 246,279, Vekselkonto 123,418 Kr. — I Assens og Omegns Spare- og Laanekasse (opr. $^5/_4$ 1852) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 3,742,747 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 275,555 Kr., Antal af Konti 5330. —

I Spare- og Laanekassen for Haandværker- og Arbejderklassen i Assens (opr. $^{11}/_{2}$ 1867) var Sparernes saml. Tilgodehav. 1,188,273 Kr., Rentefoden $3^{1}/_{2}$—4 pCt., Reservefonden 50,000 Kr., Antal af Konti 2833.

**Havnen**, der fra gammel Tid har Ord for at være en af de bedste paa Fyn, bestaar af den gamle Havn mod S. og den nye Havn mod N., adskilte ved en bred Mole med Bolværk paa begge Sider. Den gamle Havn bestaar atter af en Forhavn med 12—14 F. Vand og en Inderhavn med 12 F. Vand (midt i den ligger en lille Flade med kun 3—5 F. Vand). Den nye Havn, anlagt 1885, har i den sydligste Del en 30 Al. bred Rende med 16 F. Vand, men aftager stærkt i Dybde mod N. Den gamle Havn er 82,440, den nye 38,340, Havnepladsen 197,000 □ Al., Bolværkernes saml. Længde 2462 Al. Havnevæsenet bestyres af et Udvalg paa 4 Medlemmer med Borgmesteren som Formand. Havnekassen ejede Juli 1898 54,118 Kr. samt en Havnefogedbolig og et Materialhus; dens Gæld var 31,800 Kr. Den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 23,000 Kr. Paa Yderenden af den midterste Mole er der et fast, rødt Fyr (rundt, hvidt Fyrtaarn, Flammens Højde 20 F.). Ved Havnen er ansat en Lods (og en Hjælpelods), som lodser mod S. til Aabenraa, mod N. til Vejle Fjord.

I gejstlig Hensende danner Assens et eget Kirkesogn.

Assens hører til 6. Landstingskreds og Amtets 4. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Assens Amtstue- (Amtsforvalteren bor her) og Assens Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 195. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 177—200.

Ved Assens Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør og 6 Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester og en Ekspedient, ved Telegrafvæsenet en Bestyrerinde. Ved Fyns Telefonselskab staar Assens i Forbindelse med Øens andre Byer.

Om Assens-Tommerup Banen se S. 347. I Driftsaaret 1897—98 befordredes pr. Bane fra A. 32,751 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv. ankommen til A. var 15,721, afgaaet fra A. 20,183 Tons. Assens staar i Dampskibsforbindelse med Kolding, Faaborg, Svendborg, Lohals, Masnedsund, Kjøbenhavn, Baagø og Brandsø, om Sommeren tillige med Hejlsminde.

---

**Historie.** Assens (*Asnæs*) nævnes alt i Vald. Jordeb. 1231, hvor den med sit Tilliggende er ansat for 20 Mark Guld. Hvornaar den er bleven Købstad, vides ikke. Aar 1514 tillod Chr. II, at Borgerne i A. herefter maa yde den Tiende af deres og Byens Jorder, som de hidtil havde ydet til Gangtofte (Gamtofte) og Kerndorp (Kjærum) Kirker, til Vor Frue Sognekirke i A., og nogle Dage efter gav han Byen et Protektorium i alm. Form og Stadfæstelse paa de Privilegier, som af Kong Hans og fremfarne Konger vare givne Borgmester, Raad og Menighed i Aszenzs, samt Ret til at nyde de Friheder, som Borgerne i Odense havde faaet af de fremfarne Konger, hvorpaa de alt havde Kongens Stadfæstelse; 1524 bleve Privilegierne stadfæstede af Fred. I, men i øvrigt kendes de ikke, da Byens Arkiv blev bortført af de svenske 1657—60. Ligesom flere af de fynske Byer laa A. til „Kongens Fadebur", ɔ: Kongen var omtr. dens Herre og oppebar umiddelbart eller gennem sin Byfoged Skat og Sagefald af Byen (i Kong Hans' Tid udgjorde det 450 Mark aarl.). Dens Navn forekommer flere Gange i Middelalderen, saaledes 1305, da Erik Menved udstedte Privilegierne for Svendborg herfra, og 1396, da Dronning Margrethe og Erik af Pommern mødtes i A. til Forhandling med de holstenske Grever. En stor Del af Byens Betyd-

ning laa i, at den var det almindelige Overfartssted fra Fyn til Jylland, en Omstændighed, som dog ogsaa havde sine Ulemper, da den medførte Overførsel af Tropper, Gæsteri og lign. Den hørte i Middelalderen ligesom nu til Fyns mindre Byer, men stod dog over Faaborg, Kjerteminde og Bogense. Den havde ligesom nu kun een Sognekirke, Vor Frue (foruden Højalteret havde den et St. Birgitte, et Helligkors, et St. Catharine og et St. Gertruds Alter), flere Gilder, deribl. et St. Jørgens, et Helliglaandshus og et Kloster.

Provsten i Tofte var tillige Forstander for Helligaandshuset, en Stiftelse for fattige og syge, i hvilken Plejen vel udførtes af en Art gejstligt Broderskab. Stiftelsestiden og Beliggenheden (mulig i Nærheden af Provstegaarden) kendes ikke; det nævnes første Gang 1472, da Eiler Hardenberg og Otto Skinkel gav det to Gaarde i Balslev og Viby. I Beg. af 16. Aarh. afstod, som det synes, Provsten det til Karmeliterordenen, mulig for at Bygningerne kunde benyttes til det Vor Frue eller Karmeliterkloster, som da grundlagdes i Assens; til Gengæld skulde saa dette opføre et nyt Hospital. Takket være den første Prior, den udmærket dygtige Prædikant Morten Petersen, kom Klosteret i Anseelse; men efter hans Fratræden 1514 gik det hurtigt tilbage for det, og 1515 forpligtedes Karmeliterne til at overlevere Provsten i Tofte alle Helligaandshusets Klenodier, Breve og Privilegier mod at beholde dets Bygninger og Kapel og opføre det nye Helligaandshospital. Dette synes virkelig at være blevet rejst og at være det samme som det „St. Gertruds Kloster", som Resen siger, har ligget paa Pladsen mellem Strandgade, Strandgyde, Ramsherredgyde og Ramsherred. Vor Frue Kloster nedlagdes tidligt, væsentlig ved Medvirkning af Reformatoren Peder Laurentsen, der havde været Munk her; 1530 overdroges Bygningerne til Borgmester og Raad til Nedbrydning; hvor de have ligget, vides ikke. — Lidt uden for Byen har der ligget et Kapel (en Mark kaldes endnu Kappelmarken) og en Sundhedskilde.

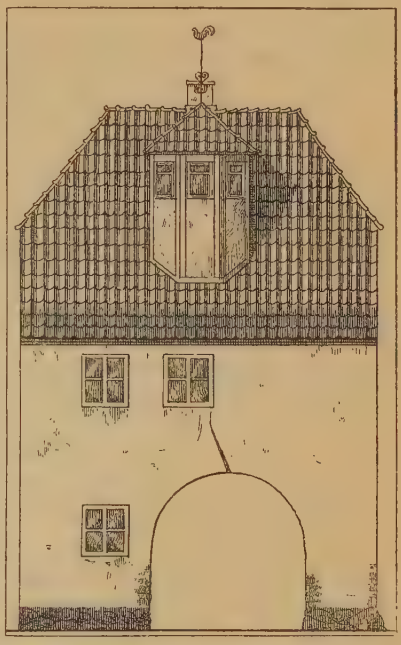

Strandport, nedreven 1859 (Vestsiden).
Efter en Tegning i Nationalmuseet.

Efter Reformationen, som hurtig fik Indgang i A., baaren frem af den ovennævnte Laurentsen og Chr. Skrok, bragte Grevens Fejde en haard Tid for Byen. Den erklærede sig straks for Chr. II; i Marts 1535 begyndte Joh. Rantzau at belejre den, og Dagen efter Slaget ved Øksnebjærg, $^{12}/_{6}$ 1535, blev den stormet og plyndret, efter at en stor Del af Borgerne havde forladt den. Byen blev haardt beskattet og desuden efter Sigende straffet med, at dens gamle, af Ringmure og Porttaarne bestaaende Befæstning blev nedreven. Men dette er vist kun for en Del rigtigt. Thi 1628 fik Byen if. kgl. Ordre atter en Befæstning, bestaaende af en Vold, som det synes med 5 Bastioner, og en foran liggende Grav; i Volden var der 4 murede Porte, som sikkert stammede fra den gamle Befæstning, og af Ringmurene har man saavel noget S. for Adelgade som ud til Stranden, der tidligere har gaaet langt højere op, fundet Fundamenter i 19. Aarh. Foruden de 4 Stenporte, som havde Navn efter de Gader, de lukkede for: Strandport, Ladegaardsport, Ramsherredsport og Østerport, og som nedreves resp. 1859, 1841, 1851 og 1845, kom der, vistnok i 18. Aarh., to Stakitporte til, Kongens Port og Mølleport (i Ny Adelgade og Damgade). Den her afbildede Strandport (11 Al. lang og bred) var en 2 Stokværk høj Bygning, hvis oprindelige, indtil $1^{3}/_{4}$ Al. tykke Mure, af røde Mursten med Kampestensfundament, vare $9^{1}/_{2}$ Al. høje og kun naaede til Tagskægget; Gavltrekanterne og Sadeltaget hidrørte fra en nyere Tid (oprindl. har Taarnet vistnok været højere og haft Pyramidetag). Til Taarnets Østside var der senere opf. en lille Halvtagsbygning og paa Tagets Vest-

side et lille Fyr; i øverste Stokv. var der 1769 indrettet en Arrest. Ogsaa Stakitportene saavel som Volden og Graven ere nu forsvundne.

Byen rejste sig dog snart efter Grevens Fejde og synes senere i 16. Aarh. endog at have gjort Nyborg Rangen stridig som Fyns anden By (se Hist. Tidsskr. 2. R. I Bd. S. 175). Men Velstanden fik et alvorligt Knæk ved Svenskekrigen 1657—60. A. var maaske den By paa Fyn, der led mest (se Saml. til Fyens Hist. X S. 22 fl.). Den blev plyndret $^{30}/_{1}$ 1658 og senere ofte brandskattet og pint med Indkvarteringer; Skaden ansloges af Byens Mænd 1660 til over 59,900 Rd. Aar 1672 havde den 1084 Indb., og 1769 var Tallet kun steget til 1139. I 19. Aarh. er den derimod tiltaget betydeligt; Anlægget af den fynske Hovedbane, der formindskede dens Opland, saavel som Opheret af den regelmæssige Dampskibsforbindelse med Sønderjylland efter Krigen 1864 skadede den dog en Del, og Indbyggertallet aftog ret betydeligt t de nærmeste Aartier; fra Beg. af Firserne er den dog atter gaaet rask frem som Følge af Assens-Tommerupbanen.

Assens har haft en Latinskole, som ophævedes 1740. — I A. ere bl. a. fødte Admiral Steen Andersen Bille 1751, Peder Willemoes 1783 og Billedhuggeren J. A. Jerichau 1816.

**Litt.**: *H. F. Rørdam*, „Efterretn. om Byen A. i Chr. II's, Fr. I's og Grevefeidens Tid", og „A. Provsti i Tiden efter Reformationen", Saml. til Fyns Hist. I S. 181 fl. og III S. 263 fl.; *samme Forf.*, „Minder fra A. og Omegn i 16. Aarh.", i D. Mag. 4. R. VI Bd. S. 101 og 193 fl. — Aktstykker til Oplysn. af Danm. indre Forhold I S. 136 fl. — *H. S. Clausen*, A. og Omegns Aarbog, Assens 1865.

---

## Odense Herred.

**Sogne:**

*Odense St. Knuds Landdistr., S. 399. — Odense St. Hans Landdistr., S. 400. — Odense Vor Frue Landsogn, S. 402. — Paarup, S. 403. — Næsbyhoved-Broby, S. 404. — Korup, S. 405. — Ubberud, S. 405. — Dalum, S. 407. — Sanderum, S. 411. — Brendekilde, S. 412. — Bellinge, S. 412. — Stenløse, S. 413. — Fangel, S. 415. — Verninge, S. 416. — Tommerup, S. 417. — Brylle, S. 418. — Vissenbjærg, S. 419.*

---

Odense Herred, det midterste i Fyn, grænser mod Ø. til Aasum Hrd., hvorfra det paa en lille Strækning adskilles ved Odense Aa, mod N. til Lunde og Skovby Herreder, mod V. til Vends og Baag Herreder og mod S. til Svendborg Amt (Salling Hrd.), hvorfra det adskilles ved Odense Aa og et Tilløb til denne. Udstrækningen fra V. til Ø. er omtr. 3, fra N. til S. $2^{1}/_{2}$ Mil. Den nordl. Del er temmelig jævn og lavtliggende; mod S. og særlig mod V. er Overfladen stærkt bakket og højtliggende (højeste Punkt Vissenbjærg, se S. 303); mod N.

ere Jorderne stærkt lerblandede, mod S. og V. lettere, dog godt muldede. Navnlig den vestl. Del er rig paa Skov (2960 Td. Ld. i det hele). De vigtigste Vandløb ere Odense Aa med dens Tilløb og Stavis Aa. Med Hensyn til Frugtbarhed hører det til Amtets middelgode Herreder (gnmstl. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Herredets Fladeindhold (med Odense Købstad) 55,502 Td. Ld. ($5,_{56}$ □ Mil, $317,_1$ □ Km.). Landd. Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 5175 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 17,988 (1801: 9951, 1840: 14,533, 1860: 17,146, 1880: 20,255). I Herredet ligger Købstaden Odense. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Undtagelse af Odense Købstad med Landdistrikter og Vor Frue Landsogn, der udgør et eget Provsti, og Næsbyhoved-Broby Sogn, der som Anneks til Allesø hører til Lunde og Skam Herreders Provsti. I verdslig Hensende hører det til Odense Herreds Jurisdiktion og Amtets 2. Forligskreds undtagen de to Landdistrikter og Vor Frue Landsogn, som høre til 1. Kreds.

Odense Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Othænshæreth*, hørte fra 1660 til Odensegaards eller St. Hans Klosters Amt; se i øvrigt S. 308.

**Litt.**: *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til O. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Odense St. Knuds Landdistrikt**, det mindste Sogn i Herredet, omgives af Odense Købstads Jorder, St. Hans Landdistr., Vor Frue Lands., Enklave af Fraugde S. (Aasum Hrd.), Dalum, Sanderum og Paarup Sogne. De for det meste jævne og lavtliggende Jorder ere ler- og muldblandede. Gennem Sognet løber fra S. til N. Odense Aa; Landevejene fra Odense til Middelfart, Assens og Faaborg samt Jærnbanerne til Middelfart, Bogense og Svendborg gaa gennem det.

Fladeindholdet 1896: 1331 Td. Ld., hvoraf 737 besaaede (deraf med Hvede 21, Rug 136, Byg 156, Havre 177, Blandsæd til Modenh. 22, Grøntf. 21, Kartofler 4, Sukkerroer 168, andre Rodfr. 6, Frøavl 22), Afgræsning 112, Høslæt, Brak, Eng m. m. 309, Have 43, Skov 27, Hegn 8, Veje og Byggegr. 93 Td. Kreaturhold 1893: 102 Heste, 333 Stkr. Hornkv. (deraf 255 Køer), 44 Faar, 130 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 162 Td.; 23 Selvejergaarde med 153, 71 Huse med 9 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 494 (1801: 186, 1840: 282, 1860: 421, 1880: 941, mrk. Anm. S. 310), boede i 72 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomhed, 273 af Jordbrug, 21 af Gartneri, 104 af Industri, 35 af Handel, 3 af andre Erhv., 24 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Hunderup*, ved Faaborgvejen, med Skole; *Bolbro*, ved Middelfartvejen, med Skole og Mølle. *Snapind*, Gd. og Huse — *Højstrupgaarde* (tilh. De danske Sukkerfabrikker): $14^3/_4$ Td. Hrtk., 123 Td. Ld., alt Ager; *Hunderupgd.*: 13 Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 12 Skov, Resten Ager (1 Hus); *Bøgegd.*: 12 Td. Hrtk., 98 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 7 Skov, Resten Ager (1 Hus); en Gaard i Hunderup: 15—16 Td. Hrtk., 116 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 6 Skov, Resten Ager.

Distriktet, der har Kirke fælles med St. Knuds Købstadssogn, har ikke noget særligt Sogneforstanderskab (dog en „Distriktsbestyrelse"), men har

Fattigvæsen fælles med Købstaden, i hvis Fattigkommission en af dets Beboere er Medlem; derimod har det sit eget Skolevæsen. Det hører til Odense Herreds Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 148. Lægd.

Paa en Mark ved Bolbro fandtes 1808 en glat Guldhalsring, der vejede $24^5/_8$ Lod, og 1852 10 Guldbrakteater og 39 mindre Stkr. Ringguld (tils. $12^1/_2$ Lod), alt fra den yngre Jærnalder.

**Odense St. Hans Landdistrikt** omgives af Vor Frue Lands., Odense Købstads Jorder, St. Knuds Landdistr., Paarup og Næsbyhoved-Broby Sogne samt Lunde Hrd. (Lumby S.) og Aasum Hrd. (Seden S.). Stavis Aa danner paa et Stykke Nordgrænsen; Næsbyhoved Sø, der for det meste laa i Sognet og havde Afløb til Aaen, er nu udtørret. *Odense Kanal* gennemskærer Distriktet og forener sig i dette med *Odense Aa*, som løber paa en Del af Østgrænsen. De jævne, lavtliggende Jorder ere muldede, enkelte Steder stærkt lermuldede, andre, som ved Udløbet af Odense Aa, noget sandmuldede. En Del Skov. Gennem Distriktet gaa Landevejen fra Odense til Bogense og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 1573 Td. Ld., hvoraf 680 besaaede (deraf med Hvede 104, Rug 81, Byg 123, Havre 166, Blandsæd til Modenh. 59, Grøntf. 21, Kartofler 10, Sukkerroer 70, andre Rodfr. 38, andre Handelspl. 8), Afgræsn. 144, Høslæt, Brak, Eng m. m. 419, Have 48, Skov 212, Moser 15, Kær og Fælleder 3, Veje og Byggegr. 48, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 98 Heste, 415 Stkr. Hornkv. (deraf 328 Køer), 38 Faar, 136 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 171 Td.; 22 Selvejergaarde med 160, 89 Huse med 11 Td. Hrtk. og 28 jordløse Huse ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 688 (1801: 411, 1840: 465, 1860: 573, 1880: 1640, mrk. Anm. S. 310; i de sidste Aar er Befolkningen betydelig forøget), boede i 106 Gaarde og Huse; Erhverv: 19 levede af immat. Virksomh., 407 af Jordbrug, 12 af Gartneri, 175 af Industri, 29 af Handel, 21 af Skibsfart, 7 af andre Erhverv, 6 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Skibhuse*, ved Odense Kanal, med Kro. Ved Kanalen *Tolderlund*, Gd. og Huse. *Paradis*, et stærkt bebygget Kvarter ved en Gaard af samme Navn. — Hovedgaarden *Aalykkegaard*: 36 Td. Hrtk., 370 Td. Ld., hvoraf 80 Eng, 80 Skov, Resten Ager (1 Hus med 4 Td. Ld.). Hovedgaarden *Marielund*: 35 Td. Hrtk., 281 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, 46 Skov, 6 Gaardspl. og Have, Resten Ager (til Gaarden høre 5 Lejehuse og 1 Smedje samt 15 Td. Ld. af den udtørrede Baagø Strand). *Hedevigslund*: $15^1/_2$ Td. Hrtk., 143 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 6 Skov, 3 Have, Resten Ager. *Annasholm*: $11^1/_2$ Td. Hrtk., 76 Td. Ld., hvoraf 1 Skov, Resten Ager (der er nylig solgt omtr. 26 Td. Ld., 4 Td. Hrtk., til et Konsortium i Odense, der vil udstykke Jorden til Byggegrunde). *Næsbyhoved Mølle*. I Næsbyhoved Skov Traktørstedet *Fuglsang*.

Distriktet, der har Kirke fælles med St. Hans Købstadssogn, har Fattigvæsen fælles med Købstaden og i øvrigt en egen Distriktsbestyrelse paa 7 Medlemmer; det danner eet Skoledistrikt med Skole midt i Distriktet paa Skibhusvej (6 Klasser med 225 Børn). Det hører til Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 164. Lægd.

Paa den skovbevoksede „Slotsbanke" omtr. $^1/_4$ Mil N. for Odense har den i Middelalderen berømte Kongsgaard *Næsbyhoved* ligget. Henrik Pedersen af N. nævnes 1337, om kgl. Lensmand eller Ejer er uvist, snarest dog det sidste. I 1. Halvdel af 14. Aarh. var Slottet ligesom hele Fyn i Hænderne paa de holstenske Grever (Herman van der Jura var Høvedsmand her 1340). Senere synes det i hvert Fald at være

kommet i privat Eje, thi 1368 oplod Evert Moltke til Kong Vald. N., som han havde købt af Herman Henriksen, der turde være en Søn af Henrik Pedersen og selv havde afstaaet sin Ret til Kronen. Kongen pantsatte Slottet til Hr. Benedikt Ahlefeldt, fra hvem Dron. Margrethe 1389 indløste det; 1402 var Hr. Bjørn Olsen Lensmand her; 1412 pantsatte Kong Erik det til Biskop Peder af Roskilde, hvis Eftermand Bisp Jens 1419 afstod sin Panteret til Kongen mod Nygaard i Ods Herred. I den følgende Tid var Slottet forlenet til Medlemmer af Slægten Bryske: Gert B., † 1441, og hans Sønner Hr. Iven B. 1452 og Claus B. 1471—78; dernæst bl. a. til Niels Andersen (Passow) 1497, Otte Porsfeld 1499—1504, og Per Stygge 1508 og 1511. Kongerne opholdt sig jævnlig paa N., især Kong Hans; hans Dronn. Christine tog som Enke stadigt Ophold her, indtil hun kort før sin Død flyttede ind til Odense. I Begyndelsen af Grevens Fejde, i Juli 1534, blev Slottet erobret af Borgerne fra Odense og ødelagt. — Den højtliggende Slotsbanke har været omflydt af Vand og dannet en Firkant, mellem 80 og 90 Al. paa hver Side, omgiven af Vold og dobbelte Grave; Borgen bestod af 4 sammenbyggede Fløje med Taarne paa Hjørnerne. Endnu 1593 stod if. den S. 311 omtalte Grundtegning Ringmuren, et af Taarnene og en Del af Bygningen; paa Resens Tid ses der ikke at være

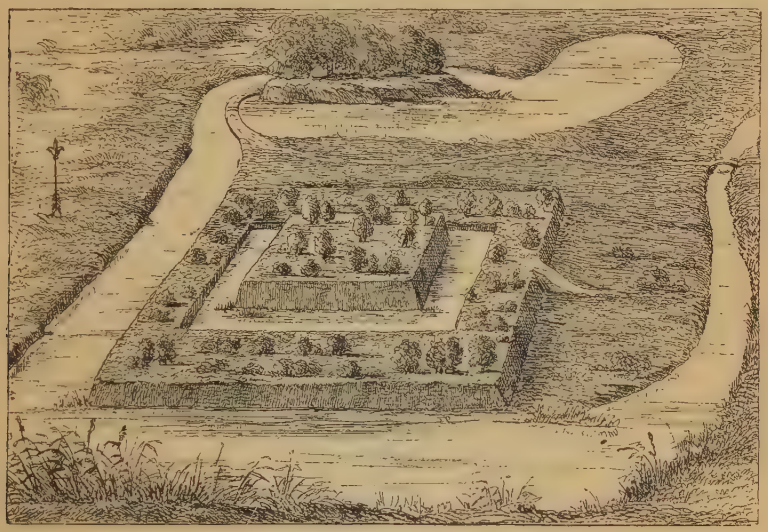

Næsbyhoved. (Efter Resen).

noget af dem tilbage; da Banken i 1764 kom i private Hænder (Købmand Østrup, der byggede en Gaard i Odense til Dels af Stenene herfra), vare Ruinerne helt overgroede; ved Gravningen af Kanalen i Slutn. af 18. Aarh. bleve Omgivelserne meget forandrede (*Vedel Simonsen*, Borgruinerne, 1. Hæfte, S. 9 fl.; se ogsaa Kortet fra 1813 i 2. Hæfte, paa hvilket der er afsat i Næsbyhoved Sø en Ø med Navnene *Store* og *Lille Thorslund* samt en lille Holm *Vieholm*; se om denne *N. M. Petersen*, i Nord. Tidsskr. f. Oldk. II, S. 105).

*Aalykkegaard*, der allerede nævnes 1361, blev ved Auktion over Ryttergodset $^{14}/_{4}$ 1764 solgt til Borgmester Holm i Odense for 35,932 Rd. C. (Hovedgaardstakst 65, Bøndergods 230 Td. Hrtk.). Efter Holms Død 1766 skødedes A. 1768 for 60,000 Rd. C. til C. Møller, der 1786 overdrog den til sin Svigersøn F. I. Leth, senere Etatsr., † 1835, hvorefter den 1843 solgtes af Enken for 192,000 Rd. til Konsistorialr. Knap, † 1850, der bortsolgte det meste af Bøndergodset. Den ejedes af Enken, f. Prætorius, til hendes Død 1854; derpaa gik den over til Datteren, gift med Kaptejnlieutn. Steenbach, og deres Søn Jægermester Steenbach, † 1898, hvis Enke nu ejer den. — Hovedbygningen, opf. 1866 i eet Stokv. med Frontespice og takkede Gavle, er 1880 bleven noget ombygget, og et Taarn er tilføjet. Aar 1868 solgtes Kræmmermarken (15 Td. Hrtk.) til Odense Kommune (se S. 310), og Tarupgd., Paarup S., tilkøbtes. Ved

Udtørringen af Næsbyhoved Sø vandt Gaarden et Engareal paa over 150 Td. Ld. (i det hele indvandtes omtr. 220 Td. Ld.).

*Marielund* er oprettet 1765 af Købmand Peder Eilschou († 1783), der havde købt Gaard og Gods (Hovedgaardstakst 90, Bøndergods 562 Td. Hrtk.) med Broby Kirke for 144,759 Rd.. Efter hans Enkes Død 1799 solgtes Gaard og Gods 1801 (Hovedgaardstakst 65, Bøndergods 463 Td. Hrtk. og Allesø Kirketiende) for 187,000 Rd. til Justitsr. Hansen og Kancellir. Hillerup, der erhvervede Bevilling paa at sælge Bøndergodset til Fæsterne og udstykke Hovedgaarden. De solgte Gaarden 1803 til Mørck, som atter afhændede den 1825 til Wedel; denne solgte den 1834 til Trolle, som afhændede den 1865 til Etatsr. Langkilde for 101,000 Rd., efter hvem Sønnen, den nuv. Ejer, N. W. Langkilde, overtog den for 240,000 Kr. — Hovedbygningen er gammel, opf. af Egebindingsværk med Straatag; i 1871 er der tilbygget en Fløj, ligeledes af Egebindingsværk. I Gaardens anselige Parceller staa 12,000 Kr. til hver af de to Stiftelser „Eilschous Boliger" i Odense og „Eilschous Hospital" i Lumby S.

I Nærheden af Næsbyhoved (mulig dog i Lumby S.) stod i Middelalderen en meget besøgt Valfartskirke, Helligtrefoldighedskapellet eller Kluset kaldet; 1545 blev den nedlagt og skænket til Deling mellem Odense Graabrødre Hospital (se S. 327) og Lumby Kirke.

Paa Kræmmermarken ved Annasholm fandtes 1898 i 5 F.s Dybde en Grav fra den ældre Jærnalder (1.—2. Aarh. e. Chr.) med et ubrændt Lig og et rigt og usædvanligt Indhold: 3 romerske Broncekasseroller, en Kam, en Saks, en Kniv og et Spænde.

**Odense Vor Frue Landsogn** omgives af St. Hans Landdistr., Odense Købstads Jorder, St. Knuds Landdistr., Dalum Sogn og Aasum Hrd. (Fraugde, Aasum og Seden S.), hvorfra det adskilles ved *Odense Aa* og dens Tilløb *Lindved Aa*. De jævne, lavtliggende Jorder ere muldede. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Odense til Nyborg, Svendborg og Kjerteminde samt den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 2296 Td. Ld., hvoraf 1216 besaaede (deraf med Hvede 70, Rug 169, Byg 285, Havre 241, Blandsæd til Modenh. 133, Grøntf. 49, Kartofler 21, Sukkerroer 178, andre Rodfr. 50. andre Handelspl. 15), Afgræsn. 264, Høslæt, Brak, Eng m. m. 574, Have 41, Skov 80, Moser 13, Kær og Fælleder 12, Hegn 8, Veje og Byggegr. 86, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 237 Heste, 786 Stkr. Hornkv. (deraf 544 Køer), 255 Faar, 227 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 244 Td.; 34 Selvejergaarde med 228, 75 Huse med 15 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890 653 (1801: 410, 1840: 480, 1860: 575, 1880: 1000, mrk. Anm. S. 310), boede i 101 Gaarde og Huse; Erhverv: 11 levede af immat. Virksomh., 438 af Jordbr., 17 af Gartneri, 144 af Industri, 24 af Handel, 5 af andre Erhverv, og 14 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Ejby*, ved Jærnbanen, med Skole, Forsamlingshus (opf. 1894), Andelsmejeri og Vandmølle; *Biskorup*, ved Odense Aa; *Killerup*. *St. Jørgensmark*, Gaarde og Huse. — Hovedgaarden *Blangstedgaard*: $29^1/_2$ Td. Hrtk., 272 Td. Ld. (35 med en Mølle i Fraugde S.), hvoraf 12 Eng, 12 Skov, Resten Ager (3 Lejehuse). *Gillestedgaard*: $18^1/_2$ Td. Hrtk. (deraf $5^1/_2$ under Odense Købstads Jorder), 138 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 3 Skov (i St. Hans Landdistr.), Resten Ager. En Gaard i Killerup: 19 Td. Hrtk., 185 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 22 Skov, 3 Have, Resten Ager.

Sognet, en egen Sognekommune, har Kirke fælles med Frue Sogns Købstadssogn, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 147. Lægd.

*Blangstedgaard* nævnes alt 1309 som „Blansvet". Den tilhørte i sin Tid Odense-Bisperne, som benyttede den som deres Lyststed. Den var da en stærkt befæstet Borg med Volde og Grave. Efter Reformationen blev Gaarden 1540 overladt til Graabrødre Hospital i Odense; i den svenske Krig skal den være bleven afbrændt. Hospitalet solgte den 1790 til Kmhr. Hein; 1814 købte Major Lassen den, og 1822 købtes den for 21,000 Rd. af E. P. Lüders († 1849), der drev den op til en Mønster-

gaard; derefter ejedes den af S. Lüders, indtil den 1852 solgtes til V. T. Borchsenius til Fraugdegd., som ejede den til sin Død, da den 1894 købtes af den nuv. Ejer N. Unger Nyborg. — Hovedbygningen, i eet Stokv., er restaureret 1898. I Haven findes Familien Lüders' Begravelse med 6 Lig, deribl. af ovennævnte E. P. Lüders og hans Søn Havnekapt., Kommandør F. V. L., † 1895 (se om Gaarden *Vedel Simonsen*, Bidr. til Odense Byes ældr. Hist. I 2. Hæfte S. 12 fl.).

**Paarup Sogn** omgives af St. Hans Landdistr., Odense Købstads Jorder, St. Knuds Landdistr., Sanderum, Ubberud, Korup og Næsbyhoved-Broby Sogne. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil V. for Odense. De for det meste jævne, lavtliggende Jorder ere lermuldede. Paa Nordøstgrænsen løber *Stavis Aa* (gml. Form Stafvads Aa), som fra S. optager *Kalør Aa* eller *Ryds Aa*, i Nærheden af den for sit udmærkede Vand bekendte Karolinekilde. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Odense til Middelfart og til Rugaard.

Fladeindholdet 1896: 2691 Td. Ld., hvoraf 1374 besaaede (deraf med Hvede 15, Rug 321, Byg 327, Havre 352, Blandsæd til Modenh. 164, Grøntf. 50, Kartofler 13, Sukkerroer 92, andre Rodfr. 37), Afgræsn. 367, Høslæt, Brak, Eng m. m. 721, Have 58, Skov 70, Moser 16, Hegn 10, Veje og Byggegr. 73, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 269 Heste, 961 Stkr. Hornkv. (deraf 621 Køer), 295 Faar, 327 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 298 Td.; 60 Selvejergaarde med 265, 124 Huse med 33 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 936 (1801: 662, 1840: 794, 1860: 868, 1880: 990), boede i 186 Gaarde og Huse; Erhverv: 36 levede af immat. Virksomhed, 659 af Jordbr., 7 af Gartneri, 176 af Industri, 3 af Handel, 1 af Skibsfart, 2 af andre Erhverv, 32 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Paarup* (1360: Pathorp) med Kirke og Dobbeltskole (opf. 1869); *Tarup* med Præstegd.; *Snestrup*; *Villestofte*, ved Rugaardsvejen, med 2 Møller; *Stegsted* med to Teglværker. *Tarupgaard* (se S. 401): 18 Td. Hrtk., 170 Td. Ld. (deraf 25 i St. Knuds Landd.), hvoraf 20 Eng, 20 Skov, Resten Ager. *Karolinekildegd.*: 12 Td. Hrtk., 90 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 4 Skov, 4 Gaardspl. og Have, Resten Ager (2 Huse). *Munkerodgaarde*, 2 Gaarde (1504: Munckerudh).

Paarup S., en egen Sognekommune, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 162. Lægd. Kirken tilhører Graabrødre Hospital i Odense.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V., Vaabenhus og Kapel mod N. Den er opført i den senere Middelalder af røde Munkesten. En Del simpelt tilhugne Granitkvadre, der findes indmurede hist og her i Murværkets Yderside tillige med Sokkelsten, anbragte i forskellig Højde under Kirkens Sydside, kan tyde paa, at der tidligere har staaet en romansk Granitkirke. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet med takkede og blindingssmykkede Gavle, Vaabenhuset og Kapellet ere Tilbygninger fra Middelalderen. Udskaaren Altertavle fra 1656; Prædikestol fra 1679 med Søjler paa Hjørnerne. Granitdøbefont med omvendte Bueslag paa Kummen og Rebsnoning. I Koret et gammelt Krucifiks og Ligsten over Maren Thomsen, † 1584, og Thomas Madsen. I Kapellet Epitafium og Ligsten over Forvalter ved St. Knuds Kloster og Len Anders Pedersen, † 1680. I Skibet Ligsten over Skovrider Søren Thobo, † 1760. — I Kirkegaardshegnet to middelalderlige murede Indgange.

Saavel Gaarden som den vandrige Kilde (omtr. 2000 Td. Vand i Døgnet) i Skoven ved *Karolinekilde* har Navn efter Dronn. Caroline Amalie; Kilden indviedes og døbtes af Bisp Plum 1837 paa Dronningens Fødselsdag; Skoven (tidligere kaldet Bispens Skov) var længe efter den Tid et yndet Udflugtssted for Odensianerne.

I Sognet har ligget en Sædegaard *Skovsgaard*, der 1506 ejedes af Karl Bryske. — Anders Emmiksen skrev sig 1526 til *Paarup*. — Robert Paris i *Munkerod* nævnes 1405.

Kirken, helliget Vor Frue, skænkedes 1339 til St. Knuds Kloster; 1566 lagdes den

til Graabrødre Hospital (se S. 327) og var saaledes annekteret til Hospitalspræsteembedet; 1816 blev Sognet et eget Pastorat.

**Næsbyhoved-Broby Sogn**, Anneks til Allesø, Lunde Hrd., omgives af St. Hans Landdistr., Paarup og Korup Sogne samt Skovby Hrd. (Vigerslev og Søndersø S.) og Lunde Hrd. (Allesø og Lumby S.). Kirken, midt i Sognet, ligger 1 Mil N. V. for Odense. De muldede, lerblandede Jorder ere mod N. noget højtliggende, mod S. jævne og lavtliggende med store Engstrækninger omkring *Stavis Aa* eller *Næsbyhoved Aa*, som løber paa Sydgrænsen. Gennem Sognet gaa Landevejen og Jærnbanen til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 2481 Td. Ld., hvoraf 1186 besaaede (deraf med Hvede 59, Rug 205, Byg 279, Havre 271, Blandsæd til Modenh. 181, Grøntf. 39, Kartofler 20. Sukkerroer 63, andre Rodfr. 62, Frøavl 4), Afgræsn. 426, Høslæt, Brak, Eng m. m. 671, Have 40, Skov 26, Moser 49, Kær og Fælleder 6, Hegn 23, Veje og Byggegr. 50, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 236 Heste, 1023 Stkr. Hornkv. (deraf 698 Køer), 256 Faar, 408 Svin og 18 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 300 Td.; 57 Selvejergaarde med 282, 91 Huse med 18 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 736 (1801: 473, 1840: 674, 1860: 733, 1880: 830), boede i 155 Gaarde og Huse; Erhverv: 41 levede af immat. Virksomhed., 512 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 130 af Industri, 18 af Handel, 3 af andre Erhverv, 5 af deres Midler og 23 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne (*Næsbyhoved-*)*Broby*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Kro, Mølle og Andelsmejeri; *Kirkendrup*; *Næsby* med Jærnbaneholdepl.; *Skovshøjrup*. *Søhus* (Sohus) Jærnbaneholdepl. Flere Møller. — Gaarden *Rullekro*: 14 Td. Hrtk., 120 Td. Ld. (15 Td. Ld. og Gaarden i dette Sogn, det øvrige i Lumby S.), hvoraf 30 Eng, Resten Ager. *Mosegaard*: $12^7/_8$ Td. Hrtk., 110 Td. Ld., hvoraf 26 Eng, 3 Skov, Resten Ager (1 Hus). Tre Gaarde i Næsby, hvoraf 1) har 13 Tdr. Hrtk., 110 Td. Ld., deraf 14 Eng, $2^1/_2$ Skov, $1^1/_2$ Tørvemose, 2 Gaardspl. og Have, Resten Ager; 2) har $12^1/_8$ Td. Hrtk., 104 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 8 Skov, 2 Gaardspl. og Have, Resten Ager (1 Lejehus og 1 Fæstehus); 3) har 12 Td. Hrtk., 103 Td. Ld., hvoraf 11 Eng, 2 Skov, Resten Ager. To Gaarde i Kirkendrup, hvoraf 1) har $16^1/_2$ Td. Hrtk., 142 Td. Ld., deraf 8 Tørvemose, Resten Ager (2 Huse i Livsfæste); 2) har $13^1/_2$ Td. Hrtk., 122 Td. Ld., hvoraf $1^1/_2$ Eng, 3 Skov, $6^1/_2$ Tørvemose, Resten Ager (2 Huse). En Gaard i Skovshøjrup: $13^1/_2$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, 4 Skov, Resten Ager.

Næsbyhoved-Broby S., een Sognekommune med Hovedsognet Allesø, under Lunde Skam Herreders Provsti, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense-Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 163. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Næsbyhoved Gaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten uden Sokkel og skriver sig for Skibets Vedk. vistnok fra Slutn. af den romanske Tid. De bevarede oprindelige Vinduer ere smaa og, saa vidt det kan skønnes, svagt tilspidsede i Buen. Taarn og Vaabenhus ere tilføjede i den senere Middelalder; samtidig er Koret blevet ombygget og udvidet til samme Bredde som Skibet samt forsynet med Hvælvinger, medens Skibet har beholdt sit flade Bjælkeloft. Alle Kirkens Gavle ere kamtakkede. Altertavlen er et tarveligt Snitværk fra den katolske Tid (i Midtpartiet Korsfæstelsen, i Sidefløjene de 12 Apostle). Granitdøbefont med Løvværksslyngninger. Den ret smukke Prædikestol er fra 16. Aarh's Midte. Mellem Skib og Vaabenhus en gammel Dør med en Mængde Jærnbeslag og med store Jærnbogstaver Indskriften: help ihs anno dni mdxii. Krucifiks fra 1660, skænket af Grevinde Danner.

Fra *Viemose* hidrører et af Nationalmuseets største Oldtidsfund: henved 4000 Genstande (Vaaben, Ridetøj, Husgeraad, Værktøj m. m.). Sagerne laa 2—6 F. dybt i Mosen paa en forholdsvis lille Plet; de ere nedlagte i 3.—4. Aarh. e. Chr. som et Takoffer til Guderne for vunden Sejr (*C. Engelhardt*, Vimose-Fundet, Kbh. 1869).
Næsbyhoved-Broby kaldes 1585 *Allesø-Broby* (Allesze-Brouby).

**Korup** (eller *Trøstrup-Korup*) **Sogn** omgives af Annekset Ubberud, Paarup og Næsbyhoved-Broby Sogne samt Skovby Hrd. (Vigerslev S.). Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. V. for Odense. De mod S. højtliggende, men mod N. affaldende Jorder ere overvejende sandmuldede; mod N. ved Stavis-Aa, der danner Nordvest- og Nordgrænsen, er der Engstrækninger. Mod S. V. ligger den nu udtørrede Trøstrup Sø. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Rugaard.

Fladeindholdet 1896: 2001 Td. Ld., hvoraf 970 besaaede (deraf med Hvede 5, Rug 239, Byg 181, Havre 214, Blandsæd til Modenh. 156, Grøntf. 91, Kartofler 21, Sukkerroer 8, andre Rodfr. 53), Afgræsn. 445, Høslæt, Brak, Eng m. m. 410, Have 29, Skov 41, Moser 35, Kær og Fælleder 10, Hegn 15, Veje og Byggegr. 41, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 174 Heste, 652 Stkr. Hornkv. (deraf 446 Køer), 196 Faar, 311 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 183 Td.; 36 Selvejergaarde med 163, 75 Huse med 20 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 531 (1801: 330, 1840: 526, 1860: 539, 1880: 538), boede i 107 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 349 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 114 af Industri, 10 af Handel, 4 af andre Erhv., 26 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Korup* med Kirke, Præstegd., Skole og Andelsmejeri; *Trøstrup* (1467: Trudsruppe); *Store Pederstrup*. Ved Landevejen *Slukefter Kro*. — *Korupgaard*: $18^5/_8$ Td. Hrtk., 188 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 10 Skov, 3 Mose og Oredrev, Resten Ager (3 Lejehuse).

Korup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 161. Lægd. Kirken tilhører nogle af Sognebeboerne.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kor og Skib ere opførte i gotisk Tid af raa Kamp og røde Munkesten, uden Sokkel. Senere i Middelalderen er Koret blevet forlænget med omtr. sin egen Længde mod Ø., saa at det nu er meget længere end Skibet. Der findes Rester af den profilerede, spidsbuede Norddør. Taarnet, med smukke, blindingssmykkede Kamgavle, og Vaabenhuset ere sikkert senere middelalderlige Tilbygninger. Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er malet af A. Dorph 1870 (Christus i Emaus); paa den tidligere, katolske Tavle stod St. Jørgen, vistnok Kirkens Værnehelgen; Prædikestol i Renæssancestil; Granitdøbefont. I Taarnets Vestgavl et Krucifiks med Maria og Johannes ved Siderne. Paa Kirkevæggen Mindesten over Præsten Hans Olufsen Steen, † 1707; i Gulvet to Ligsten.
I Sognet har der været en meget besøgt Sundhedskilde.

**Ubberud Sogn**, Anneks til Korup (fra 1572), omgives af dette, Paarup, Sanderum, Brylle og Vissenbjærg Sogne samt Skovby Hrd. (Vigerslev S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. 1 Mil V. for Odense. De bakkede og noget højtliggende Jorder (højeste Punkt mod S. V., *Dyret*, er 391 F., 123 M., med trigon. Station) ere for en stor Del lette og sandmuldede, dog andre Steder, saaledes mod V., stærkt lerede; Ubberud By har de bedste Jorder. Over $^1/_7$ er dækket med Skov (Hovhave, Skrædersk., Horsehave, Hesbjærg Sk., Ernebjærg Sk.). Paa Nordgrænsen løber *Kalør-* eller *Ryds Aa*. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Middelfart.

Fladeindholdet 1896: 3798 Td. Ld., hvoraf 1543 besaaede (deraf med Hvede 32, Rug 355, Byg 342, Havre 358, Boghvede 8, Ærter og Vikker 7, Blandsæd til Modenhed 269, Grøntfoder 40, Kartofler 30, Sukkerroer 37, andre Rodfrugter 65), Afgræsn. 577, Høslæt, Brak, Eng m. m. 828, Have 69, Skov 575, Moser 30, Kær og Fælleder 6, Hegn 56, Veje og Byggegr. 100, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 326 Heste, 1208 Stkr. Hornkv. (deraf 831 Køer), 491 Faar, 476 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 317 Td.; 79 Selvejergaarde med 285, 171 Huse med 32 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1185 (1801: 777, 1840: 1151, 1860: 1274, 1880: 1245), boede i 274 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomh., 795 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 284 af Industri, 25 af Handel, 39 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv. Fra den sydl. Del i Sognet sælges en Del Tørv.

I Sognet Byerne: *Store Ubberud* (1335: Ubberuthæ) med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1890) og Andelsmejeri; *Lille Ubberud*; *Vejrup*; *Høj-*

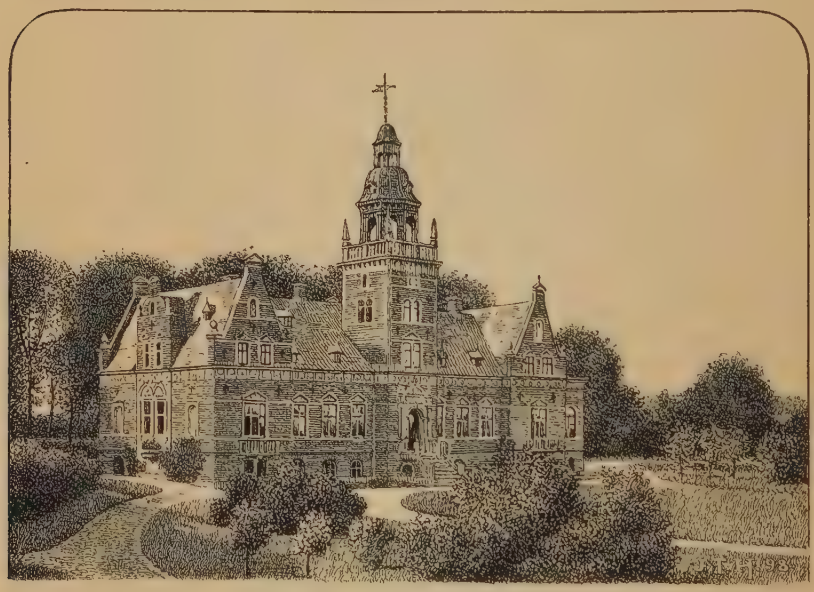

Hesbjærg.

*bjærg*; *Troelse* med *Spesbjærg Skole*; *Lille Bisbjærg*; *Radby*. *Gundersø*, 3 Gaarde. *Hallingsmark*, Huse. Hovedgaarden *Hesbjærg* med *Øghaven* (se S. 410) har 23 Td. Hrtk., 612 Td. Ld. (i Ubberud og Sanderum S.), hvoraf 350 Skov, 22 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre 4 Fæstesteder og 5 Huse. Gaarden *Husemose*: $15^1/_4$ Td. Hrtk., 220 Td. Ld. (6 i Vissenbjærg S.), hvoraf 67 Skov med Have, Resten Ager og Eng (til Gaarden høre en Mølle og nogle Lejehuse). *Ny Tanggaard*: 14 Td. Hrtk., 140 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 11 Skov, 3 Mose, Resten Ager (2 Huse). *Kalørgaard*: 13 Td. Hrtk., 143 Td. Ld. (omtr. 6 i Korup S.), hvoraf 12 Eng, 12 Skov, Resten Ager. Af andre Gaarde mærkes *Krogshøjgd.* ($10^1/_2$ Td. Hrtk.), *St.* og *Lille Korsebjærg*, *Korsebjærglund* med Mølle og et lille Lystanlæg med Traktørsted, *Ryggemose*, *St.* og *Lille Dyregravede*, *Store Bisbjærg* (1455: Biskopsbjærg), *Store* og *Lille Dyred*, *St.* og *Lille Ernebjærg-*

*gaarde*, *St.* og *Lille Langbjærg*, *Blommeslyst* med Kro, Dampmølle og Limfabrik, *Bobjærg Mølle*. Et Teglværk ved Højbjærg.

Ubberud S., een Sognekommune med Hovedsognet, men delt i to Sognefogeddistrikter (østre og vestre), hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 160 Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Hesbjærg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus paa Taarnets Vestside. Kirken hidrører i sine ældste Dele fra den senere Middelalder og er for største Delen opført af Munkesten; kun i enkelte mindre Partier af Skibets Mure er der anvendt raa Kamp. Kor og Skib have nu Hvælvinger; Taarnet har tidligere været overhvælvet. Vaabenhuset er opf. 1890. Altertavlen er udført efter Tegn. af Lorenz Frølich og har et Maleri af samme (Christus og den rige Yngling); den tidligere, udskaarne Altertavle, fra den katolske Tids sidste Dage (Fremstilling af Legenden om Johannes Døberen), er ophængt i Skibet. Granitdøbefonten er romansk, med en omvendt Buefrise paa Kummen. Udskaaren Prædikestol fra Beg. af 17. Aarh. Nogle af Endestykkerne paa Stoleværket ere fra 16. Aarh.; et enkelt bærer Aarstallet 1557. Paa Loftet ligger et stærkt beskadiget, interessant Krucifiks fra 15. Aarh. I Koret Mindesten over Ritmester Aug. Wulff, † 1714, og Elisabet Bairer, † 1737. I Vaabenhuset Ligsten over en Præst. I et tilmuret Vindue i Korets Gavl fandtes for nogle Aar siden et blyindfattet Vindue med malede og brændte Vaabenmærker fra Middelalderens Slutn. (nu i Nationalmuseet).

*Hesbjærg* er opstaaet af 2 Gaarde, *Store* og *Lille Hesbjærg*. Store H. hørte til det fynske Ryttergods og købtes 1764 af Stiftsbefalingsmand C. H. v. Heinen, hvis Familie ejede den til 1822. Lille H. skødedes 1793 af Kancellir. Chr. Ewald til Komtesse Birgitte Eleonore Rantzau. Begge Gaarde købtes af Hans Roulund († 1828), Lille H. 1809 og Store H. 1822 tillige med en der paa Foranstaltning af Fyns Stifts patriotiske Selskab anlagt Fajancefabrik med Teglværk. Fra R. gik Gaarden over til Sønnen, Landmaaler H. C. Roulund († 1854), og den blev nu i Familien til 1865, da den paa Auktion købtes af Boghandler H. C. A. Milo i Odense († 1881), som 1868 tilkøbte Skovejendommen *Øghaven* af Kmhr. Benzon til Christiansdal; Enken afstod Gaarden 1895 if. testamentarisk Bestemmelse til Milos Brodersøn, den nuv. Ejer Forlagsboghandler Chr. Milo, der har tilkøbt Ubberud Kirke. — Den med Have og Park omgivne Hovedbygning, i hollandsk Renæssancestil, er opf. 1880—81 efter Tegning af Arkitekt E. Schwanenflügel; den gamle, af Komtesse Rantzau opførte Hovedbygning er nu Inspektørbolig. Den smukke Hesbjærg Skov, med et højt Udsigtstaarn paa Bakken „Smedebjærg", er et yndet Udflugtssted for Odensianerne.

**Dalum Sogn** omgives af Stenløse og Sanderum Sogne, St. Knuds Landdistr. og Vor Frue Lands. samt Aasum Hrd. (Fraugde og Højby S.). Kirken, mod V. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil S. for Odense. De lavtliggende, jævne Jorder ere lermuldede. I den vestlige Del løber *Odense Aa*; ved denne Lystskoven Fruens Bøge (se S. 139), som fra 1875 er indlemmet i Odense Købstad. Gennem Sognet gaa Landevejene til Assens og Faaborg samt den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2121 Td. Ld., hvoraf 1144 besaaede (deraf med Hvede 52, Rug 181, Byg 272, Havre 250, Ærter og Vikker 5, Blandsæd til Modenh. 115, Grøntf. 56, Kartofler 16, Sukkerroer 140, andre Rodfr. 47, Frøavl 8), Afgræsn. 251, Høslæt, Brak, Eng m. m. 457, Have 69, Skov 70, Moser 14, Kær og Fællede 9, Hegn 8, Stenmarker 2, Veje og Byggegr. 94, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 173 Heste, 714 Stkr. Hornkv. (deraf 488 Køer), 175 Faar, 186 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 239 Td.; 38 Selvejergaarde med 216, 130 Huse med 23 Td. Hrtk. og 23 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1255 (1801: 309, 1840: 449, 1860: 634, 1880: 964), boede i 167 Gaarde og Huse; Erhverv: 147 levede af immat. Virksomh. (deraf 122 paa Landbrugsskolen), 444 af Jordbrug, 27 af Gartneri, 570 af Industri (391 paa Papirfabrikken), 18 af Handel, 8 af andre Erhverv, 25 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet *Dalum Kirke* og Præstegd., *Dalum Papirfabrik*, et 1873 opr.

Aktieselskab, der begyndte sin Virksomhed Jan. 1875 og senere er optaget i det 1889 opr. Aktieselsk. „De forenede Papirfabrikker"; Fabrikken, den største i Landet, har et Jordtilliggende af omtr. $22^1/_2$ Td. Ld. (hvoraf 13 ere bortforpagtede, de øvrige optages af Fabriksbygninger, Funktionærboliger, Haver m. m.) og drives ved 260 H. Dampkr. og to Vandturbiner samt beskæftiger omtr. 180 Arbejdere og Funktionærer. Ved Landevejen oven for *Dalum Bro* ligger *Dalum Mølle* og en større Samling af Arbejderboliger. *Dalum Landbrugsskole* har $^1/_1$ 1899 123 Lærlinge og et Tilliggende af 78 Td. Ld. Byen *Hjallese* (gml. Form Hielløse, Hjalløse) med Dobbeltskole, Andelsmejeri og Jærnbaneholdepl. Saml. af Gaarde og Huse: *Hjallese-Hestehave* og *Hjallesetorp*; *Hejningen*, Huse. I Hjallese Skov Rekonvalescenthjemmet *Helsebod*, hørende under Diakonissestiftelsen i Kbh., oprettet 1896. — Hovedgaarden *Dalumgaard*, oprindelig under Christiansdal under Navn af „Christiansdals Ladegaard", har $41^1/_2$ Td. Hrtk., 304 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, $23^1/_2$ Skov (i Sanderum S.), Resten Ager. Hovedgaarden *Christiansdal* har nu kun 21 Td. Ld. (ca. 2 Td. Hrtk.), idet alt Tilliggende undtagen Park og Have er frasolgt. *Rikkesminde*: $13^3/_4$ Td. Hrtk., 141 Td. Ld., hvoraf 9 Eng (i St. Knuds Landdistr. og Sanderum S.), Resten Ager. To Gaarde i Hjallese, hvoraf den ene („Torpegd."), sammenlagt af to Gaarde, har 14 Td. Hrtk., 135 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 5 Skov, Resten Ager (til Gaarden hører en Mølle), og den anden har 13 Td. Hrtk., 114 Td. Ld. hvoraf 1 Eng, 3 Mose, 6 Skov, Resten Ager.

Dalum S., een Sognekommune med Sanderum, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 149. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af den anden større Gaard i Hjallese.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Kapel ved Korets Nordside. Det er en ret anselig Bygning (121 F. lang, $36^1/_2$ F. bred), hvis Kor og Skib have samme Højde og Bredde. Kirken er oprindl. opf. som en Korskirke af store, røde Munkesten, men sydl. Korsarm er senere nedbrudt (den nordl. udgør det ovennævnte Kapel). Den ældste Del, Koret, Korsfløjen og det østl. Stykke af Skibet, er opført i den romanske Tid, kort før Aar 1200. Fra Begyndelsen af 13. Aarh. hidrører Resten af Skibet, hvis Vestgavl, der desværre skjules af det i den senere Middelalder opf. Taarn, er prydet af et smukt Blindingsgalleri, bestaaende af 6 Halvsøjler med Trapezkapitæler, foroven indbyrdes forbundne med tredelte Buer; tre af Blindingerne mellem Halvsøjlerne ere udmurede med Mønstermurværk, og den trekantede Gavlspids over Galleriet er ligeledes fuldstændig udmuret i Mønster. De fleste af Kirkens oprindelige, rundbuede Vinduer ere endnu bevarede, men tilmurede; paa Skibets Nordside findes desuden Spor af 3 lavtsiddende, smaa, rundbuede Vinduer (maaske har der langs Indervæggen været et Galleri) og en spidsbuet Dør. Taggesimsen har Tandsnit og Smaakonsoller af samme Form som enkelte romanske Murstensbygninger paa Fyn. Kapellet har smalle, rundbuede Vinduer og en rundbuet Dør; det dækkes af to ejendommelige rundbuede Krydshvælvinger med svære, profilerede Grather og har oprindelig aabnet sig ind mod Kirken med to store Arkadebuer, der udgaa fra en stærk leddelt Pille; i den nyeste Tid er det blevet delt ved et muret Skillerum idet der foruden det ovennævnte Kapel for Iver Vind er indettet et Kapel for de tidligere Ejere af Christiansdal. I Korets Sydvæg ses Rester af en lignende Pille, der har baaret de Buer, hvormed den sydlige Korsfløj aabnede sig ind til Kirken. Kirken er overhvælvet. Koret er i nyere Tid delvis ombygget; paa Østvæggen staar Aarst. 1646 og 1718. Altertavlen, med et tarveligt Maleri og Vindernes og Skinkelernes Vaabener, er et udskaaret Renæssancearbejde fra Midten af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont. Prædikestolen er i samme Stil som Altertavlen, men tarveligere udstyret. To Endestykker til Stole med Oluf Bagers Navn og Bomærke samt Aarst. 1585 hidrøre mulig fra Graabrødre Kirke i Odense; to andre Stole bære Egern-Friisernes og Brockenhuusernes Vaabener. I Skibet et stort, smukt middelalderligt Krucifiks. I Koret en Ligsten over Priorisserne Alhed og Anne Friis, † 1572 og

1580 (afbildet i Saml. til Fyns Hist, VI S. 193), en over Jmfr. Catharine Øllegaard v. Holsten, † 1753, og en romansk Gravsten af Granit med to Kors (se *Løffler*, Gravst., Pl. VIII). En middelalderlig Gravsten over Prior Ulf Pedersen, † 1456 (*Løffler*, Gravst. Pl. XXII) er opstillet smstds. I Kapellet, der if. en Indskr. i Kirken er blevet overladt Iver Vind til Gravkapel 1646, findes et stort, rigt Stenepitafium over Iver Vind og Hustru med talrige Vaabener (Kisterne staa endnu i Kapellet, men Ligene ere blevne nedsænkede paa Kirkegaarden). Til Kapellet fører en rigt udskaaren Egetræsdør fra samme Tid som Altertavlen. Under Kapellet er der en Gravhvælving. Paa Kirkens nordl. og sydl. Side har der været malet adelige Vaabenskjolde med Navne paa Nonner i Klosteret, væsentlig fra 16. Aarh. (*Løffler*, Indberetn. til Nationalmus., 1898). — Paa Kirkegaarden Mindesten for Oberst Th. C. Faaborg, falden 1864.

Kirken hørte til *Dalum Kloster*, der grundlagdes samtidig med Kirken (ved Aar 1200) af de Nonner, der hidtil havde boet paa Borgbanken S. for Odense (se S. 349). Efter alm. Antagelse var Dalum Kl. af Augustinerordenen, men i Virkeligheden maa det have huset Benediktinernonner*). I Spidsen for det stod en Priorisse samt en Prior (ofte en verdslig Adelsmand), der havde dets Tjenere i Forsvar og styrede

Dalum Kirke.

dets Godser. Medens Klosteret paa Borgbanken havde været fattigt, voksede det snart efter Flytningen op til en rig Stiftelse; navnlig ved Gaver fra Adelen samlede det sig et stort Jordtilliggende ikke alene paa Fyn, men ogsaa paa Langeland, Ærø og Laaland, hvad der fremgaar af en Jordeb. fra 1533 (se Saml. til Fyens Hist. IV S. 307); ogsaa fik det flere Gange pavelige Afladsbreve. Men i øvrigt er Klosterets Skæbne lidet kendt. Det havde oftere Stridigheder med fynske Adelsmænd, som vilde fratage det Godser; i 13. og 14. Aarh. søgte dets Prior at blande sig i Odense-bispevalget, men maatte 1348 give Afkald paa Ret hertil; 1378 vare Nonnerne (for største Delen adelige) Genstand for et voldeligt Overfald, en Tildragelse, som i Forbindelse med andet har givet Anledn. til Rygter om et usædeligt Liv i Klosteret; 1534, under Grevens Fejde, blev der atter øvet Vold mod Nonnerne, denne Gang af

*) I et Dokum. af 1193 staar: „moniales de Burg ordinem ab ipsis monachis (ɔ: St. Knudsmunkene i Odense) habuere". Aar 1326 nævnes „monasterium Dalumense et prior ordinis Benedictini", og 1365 „Gewardis priorissa, Thora Ewesdoter, Margareta filia Nicolai et Abela filia Laurentii, sanctimoniales monasterii ordinis sancti Benedicti in Dalym«. I den i S. R. D. Bd. V trykte Regula b. Augustini, som indeholder Bestemmelser trufne paa Kapitler i Ordenens forskellige Klostere i Danm., nævnes Dalum da heller ikke.

Henr. Skræp (se S. 351). Middelalderens Slutn. synes i det hele at have været en ugunstig Tid for Klosteret, og Bisp Jens Andersen Beldenak maatte endog gøre Kongen Forestillinger for at hindre dets økonomiske Undergang. Ved Reformationen inddroges det under Kronen og var nu en Tid lang en kgl. Forlening, men Nonnerne fik Lov at blive boende; endnu 1571 vare 4 i Live; 1580 døde vistnok den sidste. — Chr. IV tog ofte ind paa Dalum Kloster, saaledes havde han sit Hovedkvarter her i Krigen 1627, og den ene af hans Sønner med Kirstine Munk døde her s. Aar. 1659 blev det pantsat til Jens Lassen, senere Landsdommer († 1706), som 1662 fik Skøde paa det („Dalum Ladegaard"; 38 Td. Hrtk. beregnet til 60 Rd. pr. Td., 2103 Td. Hrtk. Bøndergods til 50 Rd. pr. Td.). Lassen overdrog Ejendommen til Gehejmer. Didr. v. Schult til Finstrup († 1704), der gav den Navnet *Christiansdal* efter Chr. V, og hvis Datter Frederikke Christiane var gift med Admiral C. C. Gabel, hvilken sidste 1722 skødede Gaarden til Kronen. Den hørte nu til det fynske Ryttergods indtil 1764, da den (Hovedgaardstakst 91, Bøndergods 593 Td. Hrtk. samt Dalum og Sanderum Kirker) solgtes for 108,790 Rd. C. til Kmhr. Chr. Benzon († 1801). Gaarden blev længe i denne Families Eje, først fra 1787 som Substitution for det af Gehejmer. Jac. Benzon 1766 oprettede Stamhus Cathrinebjærg (se II S. 295), senere som en Del af Substitutionen for det i 1757 af Chr. Hansen oprettede Stamhus Lønborggaard, derpaa, efter i 1855 at være udløst heraf, som Privatejendom. Aar 1882 solgtes Christiansdal, efter at det meste af Tilliggendet, deribl. Fruens Bøge, var bortsolgt, for 80,000 Kr. til Baron Zytphen-Adeler, som 1891 afhændede Hovedbygningen med 21 Td. Ld. for 40,400 Kr. til den nuv. Ejerinde Enkefru Rump. — Den egentlige Klosterbygning, som vistnok har været trefløjet og har stødt op til Kirkens Sydside og i Forening med denne har omsluttet Søsterhaven, var alt forsvunden paa Resens Tid. Men desuden har der vist til Klosteret hørt fritstaaende Bygninger. I alt Fald hidrører den nordl. Fløj af Christiansdals trefløjede Hovedbygning, i to Stokv., fra Middelalderen og er helt opf. af Munkesten; i den sydl. Sidemur ses en oprindl., fladbuet Døraabning og et Kælderhul, som fører ned til et Kælderrum, der gaar paa tværs gennem Fløjen og dækkes af to temmelig flade Krydshvælvinger (næppe middelalderlige); Husets Indre er i øvrigt nyt. Den vestl. Fløj er vist ogsaa gammel, dog yngre end Nordfløjen; men paa Grund af det tykke Pudslag kan intet nærmere siges om Alderen af Bygningerne Sydfløjen er opf. ved Aar 1800.

*Dalumgaard* hørte som alt nævnt oprindl. under Christiansdal, men blev 1842 frasolgt af Kmhr. Chr. F. O. Benzon til Fru Trolle for 50,000 Rd.; hun overdrog den 1844 til Sønnen H. Chr. Pedersen († 1861), hvis Enke solgte den for 125,000 Rd. til Niels Andersen, som 1863 af Kmhr. Benzon tilkøbte Grynborg Skov (Sanderum S.), $23^1/_2$ Td. Ld.; den nuv. Ejer, A. N. Andersen, overtog Gaarden efter Faderens Død 1876. — Hovedbygningen, i eet Stokv. af Grundmur, er opf. 1845.

Den 1862 af den bekendte Højskolemand Christen Kold († 1870) stiftede *Dalum Højskole*, som fortsattes nogle Aar efter hans Død, gik 1886 over til at blive Landbrugsskole, den største i sit Slags i Landet (hidtil i alt 1527 Lærlinge). I Haven Mindesmærke for Kold.

I *Hjallese* har den gamle Sognekirke ligget, til hvilken ogsaa Hunderup By søgte 1532—71. Det var her, at Chr. III blev hyldet af den fynske Adel i Juli 1534. Ved kgl. Gavebrev af $^{22}/_{11}$ 1576 tillodes det Jørgen Marsvin at nedbryde den og benytte Materialet, hvoraf han opførte Hollufgaard. Kirken har ligget, hvor nu Skolen er.

Lige uden for Skolen (en af Fred. IV's Skoler, fra 1722) ligger et ovalt Bystævne, bestaaende af 21 Sten; de 20 ere firsidet tilhugne og bære Aarst. 1868 (da Stævnet sattes) og Bymændenes Navne. Oprindl. stod Stenene i Retvinkel, 1878 fik Stævnet sin nuv. Form; det benyttes nu kun sjældent.

**Sanderum Sogn** omgives af Dalum, Stenløse, Bellinge, Brendekilde, Brylle, Ubberud og Paarup Sogne samt St. Knuds Landdistr. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. V. for Odense. De mod Ø. jævne, men i øvrigt meget bakkede og højtliggende Jorder (højeste Punkt Flintebjærg, 288 F., 90 M.) ere til Dels lermuldede, mod V. stærkt lerede. Paa Sydøstgrænsen mod Stenløse Sogn løber *Odense Aa.* En Del Skov (Hesbjærg Storsk., Øghaven, se S. 406, Grynborg Sk. m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Assens og Faaborg og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 5182 Td. Ld., hvoraf 2574 besaaede (deraf med Hvede 31, Rug 546, Byg 568, Havre 553, Ærter og Vikker 7, Blandsæd til Modenh. 367, Grøntf. 143, Kartofler 39, Sukkerroer 134, andre Rodfrugter 131, Frøavl 45, andre Handelspl. 6), Afgræsning 735, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1204, Have 79, Skov 286, Moser 50, Kær og Fælleder 50, Hegn 45, Stenmarker 4, Veje og Byggegr. 143, Vandareal 11. Kreaturhold 1893: 486 Heste, 1801 Stkr. Hornkv. (deraf 1177 Køer), 726 Faar, 559 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 538 Td.; 108 Selvejergaarde med 491, 181 Huse med 45 Td. Hrtk. og 18 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1398 (1801: 840, 1840: 1280, 1860: 1474, 1880: 1500), boede i 300 Gaarde og Huse; Erhverv: 44 levede af immat. Virksomh., 1094 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 170 af Industri, 32 af Handel, 2 af Skibsfart, 37 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sanderum* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle og Fællesmejeri; *Højme* med Skole; *Elmelund*; *Ravnebjærg* med Skole (ved kgl. Res. af $^4/_7$ 1892 er det bestemt, at der skal opføres en Filialkirke her for Sognets vestl. Del). Gaarde: *Store* og *Lille Bøllemose*, *St.* og *Lille Grynborg*; *Holmstrup* med Jærnbanestation; *Vosemose* med Teglværk og Mølle; *Dyrupgaarde*; *Knudstrup*. Gaarden *Elsesminde* har 22 Td. Hrtk., 190 Td. Ld., hvoraf 9 Eng og Mose, 1 Skov, Resten Ager (2 Lejehuse). *Ruerne*, Gaarde og Huse, *Enghave Huse*, *Lettebæk Huse* (en Del i Bellinge S.).

Sanderum S., een Sognekommune med Dalum, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 150. Lægd. Kirken tilhører Familien Benzon.

*Kirken* (se Vignetten S. 398), helliget St. Michael *), bestaar af Skib, Kor med Apsis, Taarn mod V., to Sidefløje paa Skibets Nord- og Sydside samt et Vaabenhus paa Sydsiden af Taarnet. Kirken tilhører oprindl. den romanske Periode. Skibet er opført af raa Kamp uden Sokkel, Kor og Apsis af simpelt tilhugne Kvadre paa en tre Skifter høj, ualmindelig rigt og kraftigt profileret Granitsokkel. I Korets Nordside er et oprindeligt Vindue bevaret, og Rester af de to gamle Døre ses paa begge Sider af Skibet. I Apsis sidder et oprindeligt Vindue, hvis Karmsten er prydet med St. Michael med Dragen og Vinrankeslyngninger (nu ødelagt ved Indsættelse af et Jærnvindue). De store, hvælvede Sidefløje og Taarnet, hvis Underrum er forbundet med Skibet, samt Vaabenhuset, alle med takkede Gavle, ere opførte i den senere Middelalder. Fra samme Tid ere vistnok ogsaa Krydshvælvingerne i Kor og Skib. Rigt og smukt udskaaren Altertavle fra omtr. 1520, der uden Tvivl skriver sig fra Claus Bergs Værksted i Odense, og som maaske er skænket Kirken af Dron. Christine; i Midtpartiet, der næsten helt stemmer overens med Fremstillingen paa Altertavlens Fløje i St. Knuds Kirke, findes Lidelseshist. gengivet, paa Fløjene ses Apostlene (se *Fr. Beckett*, Altert., S. 121 fl.). Ved dens Restauration 1895 fandtes Relikvier i Alterbordet (nu i Odense Museum). Kalkstensdøbefont fra den romanske Overgangsperiode; Kummen er prydet med Halvsøjler, forbundne ved spidse Kløverbladsbuer. Prædikestolen er et tarveligt Billedskærerarbejde fra Beg. af 17. Aarh. Der er fundet Kalkmalerier i Kirken fra omtr. 1500 (se *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 63); i Koret ere de 1896 blevne restaurerede af Prof. Kornerup (nogle, fra en meget ældre Tid, fandtes under det øverste Lag). Den ene Klokke er fra 1492, støbt af Peder Hansen.

I Sanderum By er der 1875 rejst en Mindesten (Bautasten med Vers af C. Ploug) for Litteraturhistorikeren N. M. Petersen, der er født her $^{24}/_{10}$ 1791.

Sanderum var Anneks til Dalum indtil 1869.

**Brendekilde Sogn** omgives af Annekset Bellinge, Brylle og Sanderum Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. V. for Odense. De noget højtliggende og gennemgaaende jævne Jorder ere lerede. *Borreby-mølle Bæk*, der udspringer paa Nordgrænsen, løber gennem Sognet mod S.

*) I Koret har hængt en Trætavle med Indskrift: „Anno domini 1503 fundavit honorabilis vir magister Nicholaus Hiort istum chorum in honorem S. Michaelis. Orate".

og danner Sydvestgrænsen mod Brylle Sogn. Gennem Sognet gaar den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 1586 Td. Ld., hvoraf 750 besaaede (deraf med Hvede 6, Rug 168, Byg 164, Havre 173, Ærter og Vikker 7, Blandsæd til Modenh. 124, Grøntf. 38, Kartofler 12, Sukkerroer 22, andre Rodfr. 36), Afgræsn. 257, Høslæt, Brak, Eng m. m. 410, Have 22, Skov 64, Moser 6, Kær og Fælleder 8, Hegn 15, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 47, Vandareal 1. Kreaturhold 1893: 147 Heste, 543 Stk. Hornkvæg (deraf 351 Køer), 188 Faar, 179 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 163 Td.; 35 Selvejergaarde med 145, 65 Huse med 17 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 504 (1801: 239, 1840: 466, 1860: 519, 1880: 509), boede i 103 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomhed, 361 af Jordbr., 80 af Industri, 7 af Handel, 15 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Brendekilde* med Kirke, Præstegd. (tidligere paa Brendekildegaards Plads), Skole, Fattiggaard (noget N. for Byen, opf. 1869, Plads for 20 Lemmer) og Mølle. *Kongsbjærg Huse.* — *Brendekildegaard*: $13^1/_4$ Td. Hrtk., 128 Td. Ld. (i Brendekilde og Brylle S.), hvoraf 4 Eng, 2 Skov, 2 Mose, Resten Ager (4 Huse). En Gaard i Brendekilde: $13^1/_8$ Td. Hrtk., 117 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 3 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *St. Stærmosegd.*, *Vædegd.* og *Limkildegd. Stærmose Huse.*

Brendekilde S., een Sognekommune med Annekset, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 151. Lægd. Kirken tilhører Sognets Tiendeydere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af røde Munkesten i den senere Middelalder. De vistnok samtidige Vinduer ere store, fladbuede og omgivne af profilerede Murfalse. Korgavlen, som er ret smuk med Takker og Blindinger, har midtpaa en fremspringende Pille, der tidligere har baaret et lille, nu forsvundet Spir. Taarn og Vaabenhus ere sikkert senere Tilbygninger fra Middelalderens Slutn. Kirken er overhvælvet. Altertavlen er et Alterskab med tre Fløje fra Middelalderens Slutn., med ret godt udskaarne, senere overmalede Figurer (Nedtagelsen af Korset og Scener af Lidelseshistorien). Prædikestol uden Prydelser eller Inskriptioner; Døbefont af Træ; foran Alteret ligger en lille, slidt Ligsten. En sjælden Kirketavle til Almisseindsamling, fra den senere Middelalder, er nu i Nationalmus. — Udvendig paa Korets Østgavl Mindesten for Præsten, Konsistorialr. Chr. H. v. Westen, † 1808, og Hustru, der ere begravede her.

I Brendekilde blev 1887 rejst et Mindesmærke (Granitsten med Indskrift) for Sproggranskeren Rasm. Rask, som blev født her $^{22}/_{11}$ 1787, ved hans Fødehus.

**Bellinge Sogn**, Anneks til Brendekilde, omgives af dette, Sanderum, Stenløse, Fangel, Verninge og Brylle Sogne. Kirken, mod Ø. i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. S. V. for Odense. De sandmuldede Jorder ere noget højtliggende og gennemgaaende jævne, dog hæver Kulagerhøj sig 134 F., 42 M. Ved Odense Aa, der danner Østgrænsen, er der nogle stejle Bredder; Sydgrænsen dannes af Borrebymølle Bæk. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Odense til Assens og Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 1951 Td. Ld., hvoraf 1163 besaaede (deraf med Hvede 4, Rug 223, Byg 215, Havre 240, Boghvede 8, Ærter og Vikker 10, Blands. til Modenh. 159, Grøntf. 132, Kartofler 26, Sukkerroer 32, andre Rodfr. 92, Frøavl 21), Afgræsn. 252, Høslæt, Brak, Eng m. m. 429, Have 31, Skov 4, Hegn 15, Veje og Byggegr. 55, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 205 Heste, 757 Stkr. Hornkv. (deraf 476 Køer), 211 Faar og 332 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 235 Td.; 53 Selvejergaarde med 208, 81 Huse med 27 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 649 (1801: 304, 1840: 479, 1860: 598, 1880: 691), boede i 131 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af

immat. Virksomh., 387 af Jordbrug, 13 af Gartneri, 150 af Industri, 50 af Handel, 1 af Skibsfart, 4 af andre Erhverv og 27 af deres Midler.

I Sognet Byen *Bellinge*, ved Landevejen, med Kirke, Skole og Kro. *Bellinge-Mark*, Gaarde og Huse. *Borreby Møllegaard*: $13^3/_8$ Td. Hrtk., 130 Td. Ld., (omtr. 14 i Verninge S.), hvoraf 10 Eng, 1 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *Broholmgd.*, *Dansbogd.*, *Borreby* og *Lettebæk* Vandmøller. *Lettebæk Huse* (se S. 411).

Bellinge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 152. Lægd. Kirken tilhører to Privatmænd i Sognet.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført i gotisk Tid af røde Munkesten, uden Sokkel. Taarn og Vaabenhus ere vistnok samtidige med den øvrige Bygning. De oprindl. Døre og Vinduer have Skraaprofiler; Korets Østgavl har Blindinger, men har mistet Kamtakkerne. Alle Rum ere overhvælvede. Altertavlen er et Alterskab fra katolsk Tid med tarveligt udførte, senere overmalede Figurer (Gangen til Golgatha, de fire Kirkefædre og de tolv Apostle). Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra Baroktiden; Granitdøbefont. I Koret en middelalderlig Kirkestol med udskaarne Endestykker og med Indskrifterne: nil cognatur dulcius quam ihesus dei, — ihesus, — help os amen. I Kirkegulvet Ligsten over Møller Hans Vilatzøn, † 1659, og Hustru. Paa Hvælvingerne og Sidevæggene ere afdækkede en Del Kalkmalerier fra 1496 (se *Magn. Petersen*, Kalkmal., S. 62), hvoraf nogle restaureredes 1884 af Prof. Kornerup.

*Borrebygaard* og *Borreby Mølle* overlod Kongen 1536 til Mikkel Brockenhuus. Ved Borreby Mølle ligger en fredlyst Gravhøj.

**Stenløse Sogn** omgives af Annekset Fangel, Bellinge, Sanderum og Dalum Sogne samt Aasum Hrd. (Højby og N.-Lyndelse S.). Kirken, mod N., ligger omtr. 1 Mil S. for Odense. De noget højtliggende, men jævne, kun ved Odense Aa bakkede Jorder ere ler- og sandmuldede. Ved *Odense Aa*, der danner Vestgrænsen mod Bellinge og Sanderum Sogne, forekommer et Lag af Kalktuf, dannet ved Afsivning fra Kilder med kalkholdigt Vand. Østgrænsen mod Aasum Hrd. dannes af et mindre Aaløb. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Faaborg og den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 2146 Td. Ld., hvoraf 1116 besaaede (deraf med Hvede 11, Rug 231, Byg 259, Havre 259, Boghvede 5, Ærter og Vikker 4, Blandsæd til Modenh. 165, Grøntf. 53, Kartofler 21, Sukkerroer 47, andre Rodfr. 61), Afgræsn. 290, Høslæt, Brak, Eng m. m. 504, Have 28, Skov 65, Moser 45, Kær og Fælleder 21, Hegn 12, Veje og Byggegr. 60, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 203 Heste, 805 Stkr. Hornkv. (deraf 502 Køer), 319 Faar, 346 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 245 Td.; 39 Selvejergaarde med 227, 46 Huse med 17 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 541 (1801: 411, 1840: 513, 1860: 542, 1880: 570), boede i 97 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomhed, 377 af Jordbr., 109 af Industri, 2 af Handel, 18 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Stenløse* med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Svendstrup*; *Volderslev*, ved Landevejen. — Hovedgaarden *Lindved*: omtr. 20 Td. Hrtk., 215 Td. Ld. (i Stenløse og Højby S.), hvoraf 32 Eng, 18 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre en Mølle og 5 Huse). *Voldgaard*: 15 Td. Hrtk., 133 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 2 Have og Gaardspl., Resten Ager (1 Lejehus). Desuden mærkes *Lundsgaard* og *Elle Mølle*.

Stenløse S., een Sognekommune med Annekset, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og

Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 153. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Karolinekilde, Paarup S.

*Kirken*, helliget St. Clemens, bestaar af Skib, Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført i romansk Tid af raa Kamp med tilhugne Hjørnekvadre paa en to Skifter høj, profileret Sokkel. Af de oprindelige Vinduer er eet bevaret i Skibet, og 3 spores paa Korrundingen; paa Skibets nordl. Væg ses Spor af Kvindernes Indgang. Taarnet, med kamtakkede Gavle, Vaabenhuset og Hvælvingerne over Skib og Kor hidrøre fra den seneste Middelalder (paa Taarnets Vestgavl staar Aarst. 1606). Altertavlen har et tarveligt, nyere Maleri (Christus paa Korset). Alterstagerne, fra 1696, have Urnernes og Krabbernes Vaabener. Den udskaarne Prædikestol er skænket 1584 af Otte Brockenhuus og bærer Brockenhuusernes og Venstermandernes Vaabener. Romansk Døbefont af Granit med Løvværksslyngninger paa Kummen. I Vaabenhusets Vestvæg er opstillet Kirkens gamle middelalderlige Dør, rigt prydet med Smedejærnsbeslag og med Aarst. 1489 og „sancte clemes ora pro me" (aib. i Tegn. af æld. n. Arkit. 1 S. 2. R. Pl. 6). Paa Korets Loft staar en gotisk Brevkiste med smukt smedet Beslag, skænket 1601 af Fru E. Skram til Lindved, restaureret 1898. Den ene Klokke er fra 1514, med Indskrift i Minuskler og Relieffremstillinger af Gud Fader med Christus i Skødet og St. Clemens. Ved Korvæggen Ligsten over Johan Brockenhuus, † 1545, og Gese Tidemand, † 1556; i Vaabenhuset Ligsten over Niels Olufsen Anden, første Sognepræst til Stenløse og Fangel, † 1647. Epitafium over Forpagter Andr. Jensen, † 1764, og Hustru. Som Grundsten under Vaabenhusets ene Hjørne ligger en romansk Ligsten. En sjælden, kisteformet Gravsten med Skulpturer, fra den ældre Middelalder, er nu i Nationalmuseet.

*Lindved* nævnes alt i 15. Aarh. som et Len under Næsbyhoved, men tilhørte derefter den bekendte Borgmester i Odense Peder Marsvin, der synes at have arvet den efter sine Forældre, men for øvrigt aldrig selv skrev sig til Gaarden. Hans Søn Rigskansleren Jørgen Marsvin ejede 1501 L., som 1528 tilhørte hans Enke Anne Andersdatter. Ved hans Sønnedatter Karen Pedersdatter Marsvins Ægteskab med Erik Bille kom Gaarden til denne Slægt. Efter Erik Billes Død 1573 tilfaldt den Sønnerne Knud og Ove Bille, derefter sidstnævntes Børn Peder og Birgitte Bille, gift med Jørgen Hartvigsen, der ejede den 1648, men synes at have solgt den til Jfr. Dorte Skinkel, som ejede den 1663, men hvis Arvinger 1674 solgte den til Fru Anne Vind, som dog alt 1678 afhændede den til Oberstlieutn. Jochim Schütz. Han solgte 1691 Gaard og Gods „med adelig Frihed paa samme Gaard" til Fred. Gersdorf til Kjærgaard og Bramstrup († 1724) og den var derefter forenet med Bramstrup — idet Fr. Gersdorf 1722 skødede den til Joh. Fr. Brockenhuus (se i øvrigt under Bramstrup) — til 1798, da Kancellir. Hillerup solgte den til Landsdommer i Fyn Joh. Jac. Mylius († 1803) og Frue Ulrikke Cathr. Rasch. Han fik 1792 Bevilling paa at afhænde Bøndergodset og solgte derefter 1803 selve Hovedgaarden med Mølle og 5 Huse til Forpagter Chr. Berg. Siden den Tid har den været i denne Families Eje undtagen 1889—96, da den ejedes af Hr. Dons; nu tilhører den den tidligere Ejer H. C. O. Bergs († 1889) Enke, Fru Vilhelmine Berg. — Den gamle Hovedbygning er af Bindingsværk i eet Stokværk.

I Sognet har ligget Hovedgaarden *Volderslevgaard*, Stamsædet for den gamle Slægt Brockenhuus, der vistnok alt i Beg. af 15. Aarh. boede her. Den ejedes af Johan B. 1438—66, Oluf B. 1468—81, Johan B., † 1545, Otte B., † 1594, Frans B., † 1616, alle Søn efter Fader. Siden kom den til Hans Lindenov til Hundslund Kloster, som 1632 mageskiftede den til Kronen, der bortfæstede den til to Bønder; 1652 blev Godset pantsat til Kongen af Polen, der afhændede Pantet til Henning Pogwisch, som endnu s. Aar pantsatte V. til Biskoppen i Fyn Laurids Jacobsen. Spor af Gaardens Volde saas endnu for nogle Aar siden ved den sydvestligste Gaard i Byen ved Engdraget, der skiller Stenløse Sogn fra Nørre-Lyndelse og fordum, da det var en Sø, har værnet Gaarden.

St. Knuds Kloster afhændede 1542 *Lundsgaard* i Stenløse S. til Mikkel Brockenhuus.

Paa Stenløse Mark har der været en hellig Kilde, *Videkilde*, som langt ind i 19. Aarh. besøgtes St. Hans Nat.

I Stenløse findes et Bystævne, som er opstillet omtr. 1865 og endnu benyttes; det bestaar af 9 i en Rundkreds satte firsidede, tilhugne Sten med Bymændenes Navne. — I Volderslev er der ligeledes et endnu benyttet Bystævne, der oprindl. hidrører fra 18. Aarh. og bestod af 14 ikke tildannede Sten, af hvilke de 13 stod i Rundkreds og een i Midten; 1884 bleve Stenene firsidet tilhugne, forsynede med Bymændenes Navnetræk og satte i Halvkreds, samt omgivne med en Tjørnehæk og Lindetræer;

1896 borttoges en af Stenene, idet to Gaarde bleve sammenlagte til ovennævnte Voldgaard.

Aar 1562 fik Sognet sin egen Præst; tidligere havde det været betjent af en Præst, der boede i St. Knuds Kloster, hvorunder Kirken blev henlagt 1316.

**Fangel Sogn**, Anneks til Stenløse, omgives af dette, Bellinge og Verninge Sogne, fra hvilke to det adskilles ved Odense Aa, samt af Svendborg Amt (Salling Hrd.) og Aasum Hrd. (N.-Søby og N.-Lyndelse S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. S. V. for Odense. De noget højtliggende, men temmelig jævne Jorder ere gennemgaaende sandede. Paa Sydgrænsen løber Skjelbæk. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Faaborg.

Fladeindhold 1896: 2584 Td. Ld., hvoraf 1329 besaaede (deraf med Hvede 14, Rug 297, Byg 275, Havre 308, Boghvede 20, Ærter og Vikker 8, Blandsæd til Modenh. 209, Grøntf. 70, Kartofler 38, Sukkerroer 16, andre Rodfr. 70, Frøavl 4), Afgræsn. 396, Høslæt m. m. 561, Haver 32, Skov 100, Moser 54, Kær og Fælleder 20, Hegn 10, Veje og Byggegr. 80, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 230 Heste, 806 Stk. Hornkv. (deraf 485 Køer), 469 Faar, 286 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 232 Td.; 48 Selvejergaarde med 203, 115 Huse med 29 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 756 (1801: 370, 1840: 616, 1860: 689, 1880: 748), boede i 159 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 523 af Jordbr., 3 Gartneri, 157 af Industri, 33 af Handel, 14 af andre Erhverv, 5 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fangel*, ved Landevejen, med Kirke og Skole; *Fangeltorp*. *Vestertorp*, Gaarde og Huse. *Fangel Aagaard*: $12^3/_4$ Td. Hrtk., 129 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, 4 Skov, Resten Ager (1 Hus). En Gaard i Fangel: 13 Td. Hrtk., 120 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 5 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *Bellingebro*, Andelsmejeri, og *Borreby*, Andelsmejeri. Mod S. V. en methodistisk „Vandrekirke“, opf. 1895 i mangekantet Form.

Fangel S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 154. Lægd. Kirken tilhører Sognets Tiendeydere.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er oprindl. en af raa Kamp opført romansk Bygning. Den oprindl. rektangulære Døraabning er bevaret paa Skibets Sydside. Korgavlen er opført af røde Munkesten med en fremspringende Pille paa Midten, der tidligere har forlænget sig op over Taget og haft et lille Spir. Taarn og Vaabenhus samt de i Kor, Skib og Taarn indbyggede Hvælvinger ere fra den senere Middelalder. Altertavlen er fra 1894 af A. Dorph (Christus og den samaritanske Kvinde); Granitdøbefont; Prædikestol i Barokstil. I Skibet et Trækrucifiks fra Middelalderens Slutn.; i Vaabenhuset en malet og udskaaren Ligbaare fra 1719. I Koret Ligsten over Præsten Oluf Hansen, † 1631, hans Hustru og dennes anden Ægtefælle Knud Jacobsen. I Kirkegaardsdiget to middelalderlige Indgange.

Fangel var et eget Pastorat, indtil det ved Kongebr. $^8/_2$ 1632 befaledes annekteret til Stenløse.

**Verninge Sogn**, det sydvestligste i Herredet, omgives af Fangel, Bellinge, Brylle og Tommerup Sogne, Baag Hrd. (Ørsted og Kjøng S.) og Svendborg Amt (Salling Hrd.). Kirken, mod N., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil S. V. for Odense. De noget højtliggende og paa enkelte Steder temmelig bakkede Jorder ere for en stor Del sandede med store Eng- og Mosestrækninger ved Grænserne; mod Ø. og S. begrænses det af Odense Aa, mod N. af Holmehave Bæk. En Del Skov. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Assens og, i det nordvestl. Hjørne, Assens-Tommerup Banen.

Fladeindholdet 1896: 5146 Td. Ld., hvoraf 2476 besaaede (deraf med Hvede 16,

Rug 551, Byg 456, Havre 561, Boghvede 34, Blandsæd til Modenh. 450, Grøntf. 147, Kartofl. 84, Sukkerr. 71, andre Rodfr. 100, andre Handelspl. 4), Afgræsn. 823, Høslæt, m. m. 1027, Have 80, Skov 231, Moser 286, Kær og Fælleder 44, Hegn 71, Heder 2, Veje og Byggegr. 98, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 435 Heste, 1583 Stkr. Hornkv. (deraf 965 Køer), 882 Faar, 797 Svin, 10 Geder. og 4 Æsler. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 463 Td.; 93 Selvejergaarde med 399, 4 Arvefæstegd. med 25, 205 Huse med 39 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1602 (1801: 795, 1840: 1233, 1860: 1479, 1880: 1617), boede i 317 Gaarde og Huse; Erhverv: 59 levede af immat. Virksomh., 1030 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 373 af Industri, 45 af Handel, 5 af Skibsfart, 8 af andre Erhverv, 40 af deres Midler, og 39 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Verninge*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, (4 Klasser og 2 Lærere), Fattiggaard (opr. 1878, Plads for 40 Lemmer), Missionshus (opf. 1896), Apotek, Lægebolig, Kro, Andelsmejeri (Fuglekilde) og Limfabrik; *Hjelmerup*; *Solevad*; *Langsted* med Teglværk og Vandmølle; *Bregnemose*, ved Landevejen; *Naarup* med Skole, Gæstgiveri, Savværk, Jærnbane- og Telegrafstation. Saml. af Gaarde: *Fruerlykke* med Præstegaarden „Fuglsang" lidt mod N. for Kirken. *Stenalt*, *Skovsbo*, *Gravene* og *Præsteskov*, Huse, *Nevershuse* med Mølle, *Lindholm*, Huse, *Naarupskov*, Gaarde og Huse. — *Voldsgaard*: 14 Td. Hrtk., 131 Td. Ld. (75 med $8^5/_8$ Td. Hrtk. i Bellinge S.), hvoraf 16 Eng, 6 Skov, Resten Ager. En Gaard i Solevad (Solevadgd.): 15 Td. Hrtk., 180 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 10 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre 2 Huse og ved Holmehave Bæk et Vandhjul, 7 Al. i Diameter, der driver en Mølle). En Gaard i Naarup (Naarupgd.): 13 Td. Hrtk., 180 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 44 Skov, Resten Ager (1 Hus).

Verninge Sogn, en egen Sognekommune, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 8. Folketingskr., for hvilken Byen Verninge er Valgsted, samt 3. Udskrivningskr.' 155. Lægd. Kirken tilhører nogle af Sognets Gaardmænd.

*Kirken* (hvidkalket), paa en Bakke 147 F. over Havet, bestaar af Skib og Kor ud i eet og Taarn mod V. samt en Udbygning mod N. og Vaabenhus mod S. lige over for hinanden, saa at Kirken faar Korsform. Den oprindl. Kirke er opført i romansk Tid af utilhuggen Kamp med profileret Sokkel; den oprindl. Syddør, med et Hoved over, ses inde i Kirken som en Niche. I den senere Middelalder er Kirken bleven forlænget mod Ø. med Koret, der er opført af Munkesten med Kamgavl og Blindinger, ligesom Skibets Mure for en stor Del ere opmurede af Munkesten; ogsaa Udbygningen stammer omtr. fra denne Tid; endnu senere (dog før 1589) ere Taarnet og Vaabenhuset, ligeledes af Mursten med Kamgavle og Blindinger, tilføjede. Hele Kirken har Krydshvælvinger, dog er Vaabenhuset ved et Bjælkeloft delt i to Stokv. Taarnrummet er forbundet med Skibet ved en svær, bred Bue. Kirken har i nyeste Tid faaet Skifertag. Altertavlen er et Maleri fra 1890 af A. Dorph, Christus og den samaritanske Kvinde (den gamle Altertavle hænger i Tilbygningen); Prædikestol i Renæssancestil; Granitdøbefont. Bag Alteret Rester af et gotisk Panel. I Udbygningen, hvor Orgelet har Plads, hænger et middelalderligt Krucifiks og en Mindetavle over Præsten Peder Bering, † 1727, og Hustru (under Gulvet er der Gravhvælving). I Koret Stentavle over hans Eftermand Laurits Schytt, † 1756. I Kirkegulvet 5 meget slidte Ligsten (uden for Kirken ligge Stykker af Ligsten, og i et Stengærde langs Præstegaardens Mark findes nogle Ligsten). Paa Vaabenhusets Loft bl. a. et gammelt, jærnbeslaaet Monstranshus.

**Tommerup Sogn** omgives af Verninge, Brylle og Vissenbjærg Sogne samt Baag Hrd. (Orte og Ørsted S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. 2 Mil S. V. for Odense og $2^3/_4$ Mil Ø. N. Ø. for Assens. De især i den nordl. Del højtliggende og bakkede Jorder frembyde en rig Afveksling af Banker,

Moser og Enge med Vandløb og Skov (Højsholt, Kohave, Femtenskov) og ere i deres Sammensætning meget forskellige, snart stærkt lerede, snart muldede, snart grusede og stenede. Mod N. i Sognet udspringer *Brende Aa*. Gennem Sognet gaa Assens-Tommerup Banen og, mod N. Ø., den fynske Hovedbane.

Fladeindh. 1896: 4321 Td. Ld., hvoraf 1964 besaaede (deraf med Hvede 76, Rug 427, Byg 413, Havre 435, Boghv. 4, Blandsæd til Modenh. 349, Grøntf. 116, Kartofler 46, Sukkerr. 25, andre Rodfr. 60, Frøavl 12), Afgræsn. 570, Høslæt, Brak, Eng m. m. 889, Have 64, Skov 492, Moser 65, Kær og Fælleder 8, Hegn 52, Veje og Byggegr. 199, Vandareal 12. Kreaturhold 1893: 317 Heste, 1358 Stkr. Hornkv. (deraf 880 Køer), 518 Faar, 613 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 343 Td.; 72 Selvejergaarde med 283, 235 Huse med 59 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1545 (1801: 819, 1840: 1256, 1860: 1451, 1880: 1533), boede i 305 Gaarde og Huse; Erhverv: 98 levede af immat. Virksomh., 887 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 304 af Industri, 76 af Handel, 12 af andre Erhverv, 26 af deres Midler, og 135 vare under Fattigv. (deraf 103 i offtl. Anst.).

I Sognet Byen *Tommerup* med Kirke, Præstegd., Skole, Andelsmejeri (Karlskilde), Damp-, Vand- og Vejr-Mølle, Garveri, Farveri og flere handlende; $^1/_2$ Mil N. V. for Byen *Tommerup Jærnbane-* og *Telegrafstation* ved den fynske Hovedbane og Udgangspunkt for Banen til Assens; ved Stationen et Forsamlingshus (opf. 1888), et Andelsmejeri (Tallerup), Gæstgiveri, flere Købmænd samt Pogeskole; $^1/_2$ Fjerdingvej V. for Tommerup Kirke *Knarreborg* Station med nogle Huse, Kro og Amtsfattiggaard med Opdragelsesanstalt for forsømte Børn (opf. 1886, Plads for 160); i Nærheden af nævnte Station Missionshuset „Salem" (opf. 1889). *Tallerupgaarde* med Skole. *Kivsmose* med Gaarde og Huse samt Skole. *Lilleskov*, Gaarde og Huse. *Femtning-Skov*, Huse. *Skovstrup* (tidligere Usselhuse), *Skjelhuse*, *Skjelskov*, *Kohave*, *Holmehave*, Gaarde. og Huse; *Stensbjærg* og *Storskov*, Huse. *Kamgaard*: $17^1/_4$ Td. Hrtk., 191 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 20 Skov, Resten Ager (2 Lejehuse). *Store-Appe*: $15^1/_8$ Td. Hrtk., 220 Td. Ld., hvoraf 30 Eng og Tørvemose, 62 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre en Mølle og 1 Hus). *Baagegaard* (eller Baagøegd.): $12^1/_2$ Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 7 Skov, 3 Have og Gaardspl., Resten Ager (til Gaarden høre *Skjelskov Mølle*, 2 Fæstehuse og 2 Lejehuse). Desuden mærkes *Mosegd.*, *Dyrehavegd.*, *Talleruplund*, *Vædegd.* (Parcel af Baagegd.), *Højsholt*, Skovfogedbolig, og *Stensbjærg*, Mølle.

Tommerup S. — endnu een Sognekommune med Brylle (indtil $^1/_1$ 1900), men delt i to Sognefogeddistrikter (nordl. og sydl.) — hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 156. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Borreby Møllegd., Bellinge S.

*Kirken* er lille og bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den oprindelige, vestlige Del af Skibet er opført i romansk Tid af utilhuggen Kamp med profileret Sokkel; flere rundbuede Vinduer ses. I den senere Middelalder har Kirken faaet to Hvælvingsfag og er bleven forlænget mod Ø. med to andre (Koret), alt opført af Munkesten ligesom Taarnet og Vaabenhuset, hvilke sidste have Bræddeloft. Den oprindelige Korbue er bevaret. Den udskaarne Altertavle med snoede Søjler har et Maleri af A. Dorph fra 1894, Christus i Getsemane (det gml. Alterbillede hænger i Skibet); Prædikestol i Renæssancestil (i D. Atl. VI S. 543 siges, at Altertavle og Prædikestol ere bekostede 1742 af Søkapt. Jac. Tommerup til Tallerup); Granitdøbefont (ovenover staar Thorvaldsens Christus). Gamle Stolestader. I Gulvet to Ligsten.

*Kamgaard*, *Tallerup* og *Baagegaard* ere gamle Gaarde. Den sidste kan saaledes forfølges tilbage til Midten af 15. Aarh. og havde da Ejere fælles med den nu ned-

lagte Hovedgaard Frøbjærg; *Talleruplund* er udparcelleret af Tallerup i Beg. af 19. Aarh. (se *F. Hjort* [den nuv. Ejer af Baagegd.], Optegn. om Baagegd. i ældg. og nyere Tid, Odense 1896). *Kamgaard* ejedes midt i 17. Aarh. af Krigskommissær G. Th. Haffensriffers og dernæst af Svigersønnen Herredsfoged P. Didriksen Falenkamp, under hvem Gaarden brændte 1694; hans Søn Hans F. solgte Gaarden 1738 (dengang omtr. 330 Td. Ld.).

**Brylle Sogn** omgives af Verninge, Tommerup, Vissenbjærg, Ubberud, Sanderum, Brendekilde og Bellinge Sogne. Kirken, noget sydlig i Sognet, ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. V. for Odense. De højtliggende, men temmelig jævne, kun mod N. og N. V. bakkede Jorder (højeste Punkt: Bjærget, 337 F., 106 M.) ere jævnt gode, men især mod S. Ø. noget lette og sandmuldede, mod N. noget lerede. En Del Skov. Mod Ø. begrænses det af *Borreby-mølle Bæk*, mod S. af *Holmehavebæk*, hvilke forene sig i Sognets sydøstl. Hjørne. Gennem Sognets sydl. Del gaar Landevejen fra Odense til Assens og gennem den nordl. Del den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 3661 Td. Ld., hvoraf 1795 besaaede (deraf med Hvede 15, Rug 429, Byg 387, Havre 427, Boghvede 15, Bælgsæd 4, Blands. til Modenh. 237, Grøntf. 122, Kartofl. 50, Sukkerr. 16, andre Rodfr. 92), Afgræsn. 575, Høslæt, Brak, Eng, m. m. 845, Have 46, Skov 187, Moser 34, Kær og Fælleder 19, Hegn 41, Veje og Byggegr. 115, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 318 Heste, 1247 Stkr. Hornkv. (deraf 812 Køer), 587 Faar, 649 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 343 Td.; 83 Selvejergaarde med 287, 3 Arvefæstegd. med 12, 173 Huse med 44 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1134 (1801: 720, 1840: 1011, 1860: 1319, 1880: 1201), boede i 251 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomh., 739 af Jordbr., 3 af Gartneri, 261 af Industri, 25 af Handel, 2 af andre Erhverv., 53 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Brylle* med Kirke, Præstegd., Skole og Andelsmejeri; *Gundestrup*; *Render* (1489: Renuord). *Brylle Mark*, *Render-Mark*, *Stærmose*, *Frankfri*, Huse. *Brunsvig Skole*. *Mandgaard*: $16^1/_2$ Td. Hrtk., 168 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 20 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes Gaardene *Broholm*, *St.*- og *Lille-Tobo*, *Lille-Appe*, *Lille-* og *Ny-Stærmosegd.*, *Store-Skræppenborg*. Endvidere *Skræppenborg Mølle* og *Frankfri Mølle*.

Brylle S., endnu een Sognekommune med Tommerup (indtil $^1/_1$ 1900), men delt i to Sognefogeddistrikter (nordl. og sydl.), hører i administrativ Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 157. Lægd. Kirken tilhører 4 Gaardmænd.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid af raa Kamp med en profileret Granitsokkel; to rundbuede Vinduer og en Dør ses endnu. Kirken har tidligere haft Korrunding. Taarn og Vaabenhus ere opførte i den senere Middelalder. Altertavlen er en Kopi af Dalsgaard (Christus med Martha og Maria). Granitdøbefont. Paa Prædikestolen, der er af nyere Arbejde, findes fem Apostelfigurer, der vist hidrøre fra en katolsk Altertavle. Nogle Kalkmalerier fra omtr. 1400 bleve fundne og restaurerede 1894 i Korets Hvælvinger. Ligsten over Birkedommer og Ejer af Broholm, Anders Henningsen, † 1690. Om den gamle Kirkeklokke fra 1376 (omstøbt 1781), der tidligere antoges for den ældste i Danmark, se Kirkeh. Saml. 1. R. II, S. 85.

Brylle var Anneks til Tommerup indtil 1877.

**Vissenbjærg Sogn**, det største i Herredet, omgives af Tommerup, Brylle og Ubberud Sogne samt Skovby Hrd. (Vigerslev, Veflinge og Haarslev S.), Vends Hrd. (Rørup S.) og Baag Hrd. (Skydebjærg og Orte S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_8$ Mil V. for Odense og $2^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens. Sognet er højtliggende og har en meget uregelmæssig, bakket

Overflade, der giver det et højst ejendommeligt, mange Steder naturskønt, næsten vildt Præg. Navnlig gælder dette den større nordl. Del og Egnen omkring Landevejen til Middelfart, hvor det højeste Punkt findes i Præstegaardens Have, 410 F., 129 M., og som falder af til den sydl. Del, hvor den her endnu ubetydelige *Brende Aa* flyder; denne Del er meget mere jævn, med store Mose- og Engstrækninger (Kaadekilde Mose og Neverkær). I øvrigt findes der spredt rundt om i Sognet smaa Bakkepartier, adskilte ved Dalstrøg og Moser, saaledes Andebølle Mose mod N. V. Fra Bakkerne, særlig fra Præstens Have, er der en storartet Udsigt over den nordl. Del af Fyn og over Lille Bælt til den jydske og slesvigske Kyst. Jorderne ere meget forskellige; S. for Landevejen og mod N. V. omkring Grøftebjærg ere de en Del lerede, men i øvrigt lette og noget sandede; efter fynske Forhold er det et fattigt Sogn. Der er en Del Skov, dog mest Smaaskove. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Middelfart, med Sidevej til Assens, og den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 8461 Td. Ld., hvoraf 3970 besaaede (deraf med Hvede 109, Rug 790, Byg 845, Havre 890, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 794, Grøntf. 85, Kartofl. 114, Sukkerr. 52, andre Rodfr. 280, Frøavl 4), Afgræsn. 1327, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1918, Have 135, Skov 368, Moser 363, Kær og Fælleder 15, Hegn 89, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 257, Vandareal m. m. 13 Td. Kreaturhold 1893: 710 Heste, 2706 Stkr. Hornkv. (deraf 1776 Køer), 1333 Faar, 1168 Svin og 44 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 700 Td.; 177 Selvejergaarde med 577, 561 Huse med 123 Td. Hrtk. og 101 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 3381 (1801: 1895, 1840: 2858, 1860: 3458, 1880: 3738), boede i 759 Gaarde og Huse; Erhverv: 119 levede af immat. Virksomh., 2113 af Jordbrug, 11 af Gartneri, 804 af Industri (89 af Teglbrænderi), 137 af Handel, 9 af andre Erhverv, 112 af deres Midler, 76 vare under Fattigv.

I Sognet *Vissenbjærg* (gml. Form 1383: Visnæbyergh) *Kirke*, paa en 365 F. høj Bakke ved Landevejen; i Nærheden den ejendommeligt, smukt beliggende Præstegaard (indtil dens Brand 1838 i Fuglevig), et Missionshus (opf. 1897), en Kro og en Mølle. Byerne: *Kolbjærg* med Skole; *Skovsby* med Skole; *Brønserød* (1509: Brunsrut); *Kjelstrup* (1500: Kedelstrup); *Skallebølle* med Skole og Teglværk; *Magtenbølle* (1295: Matteltbølle); *Skalbjærg* med Skole og Teglværk, Jærnbane- og Telegrafstation; *Fuglevig* med Andelsmejeri og Møller; *Bred*, ved Assensvejen, med Skole, Mølle, Teglværk, Jærnbane- og Telegrafstation; *Assenbølle* med Teglværk; *Gadsbølle*; *Andebølle* med Skole, Andelsmejeri (Constantia) og Teglværk; *Rolhuse* med Skole. *Rolslykker*, *Hesbjærg*, *Bagmose*, *Kaadekilde*, *Kjelstrupskov* (før kaldet *Karhuse*) med *Laaninge*, Gd. og Huse; *Sprattenborg*, *Duedal*, *Fuglsang*, Huse. Fattiggaarden *Stensgaard* (opr. 1868, Pl. for 50 Lemmer). — Gaarden *Ny-Grøftebjærg*: 21 Td. Hrtk., 253$^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 33 Skov, 9 under Fæste- og Lejehuse, Resten Ager. *Gadsbøllegaard*: 20 Td. Hrtk., 230 Td. Ld., hvoraf 18 Skov, 15 Mose, Resten Ager. En Gaard i Bred (Gertrudsholm): 12 Td. Hrtk., 105 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, 5 Skov, Resten Ager. Desuden Gaardene *Imosegaard*, *Gammellund*, *Sellebjærglund* og *Markusholm* med Teglværker.

Vissenbjærg S., en egen Sognekommune, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 158. og 159. Lægd (vestl. og østl. Del). Kirken tilhører Privatmænd.

*Kirken*, en 126 F. lang, 32 F. bred, anselig Bygning, bestaar af Skib og Kor. Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den tilhører oprindl. den romanske Tid og

har været opført af raa Kamp paa en Sokkel af to Skifter profilerede Granitkvadre med tilhørende Kvadre paa Hjørnerne. Af den oprindl. Kirke staar dog nu kun Skibets Nordside, uden synlige Spor af Vinduer. Resten er i den senere Middelalder bleven ombygget, væsentlig med Munkesten; Koret er blevet nedbrudt og opført i samme Bredde som Skibet og har faaet en Gavl med Buefrise og Blindinger. Taarnet, 63 F., og Vaabenhuset, begge med blindingsprydede Gavle, ere opførte omtr. paa samme Tid; over Koret er der et spaantækket Spir. Hele Kirken er overhvælvet. Altertavlen bestaar af et trefløjet katolsk Alterskab med udskaarne Figurer, tildels opmalede (i Midtfeltet Korsfæstelsen, paa Fløjene Apostlene). Romansk Granitdøbefont med Rebsnoning. Ret smukke middelalderlige Alterstager. Korets Sidevægge ere beklædte med et højt Panel med smukt udskaarne Pergamentsfyldinger fra Midten af 16. Aarh. Foran Koret en lav. Korskranke med Udskæringer fra Beg. af 17. Aarh. Prædikestolen, med Søjler paa Siderne og smuk, rigt ornamenteret Udskæring, maa henføres til Slutn. af 16. Aarh. I Kirkens Vestende findes den gamle middelalderlige Dør fra 1506 med rigt Jærnbeslag. I Koret et ret anseligt Træepitafium over Præsten Joh. Chr. Naur, † 1703. Aar 1892 fandtes nogle Spor af Kalkdekorationer og Maling (fra omtr. 1400) og paa nordl. Væg Indskriften „Nicolaus Michaelis 1543".

*Grøftebjærg* har vistnok været en adelig Sædegaard (paa en til Gaarden forhen hørende Mark ses Sporene af et Voldsted, „*Gamle Grøftebjærg*"). Aar 1521 nævnes Chr. II.s Forlening paa „Grettebøllegaard". Den ejedes af Jomfru Magdalene Andersdatter Emmiksen, der her 1591 holdt Bryllup med Erik Bille, som 1596 skrev sig til G. Carl Bryske fik 1599 Ordre til at nedbrydø Grøftebj. og af Materialet genrejse Gaarden i Ruggaards Nærhed (se *Meidell*, Bille-Ætten, I, S. 501). I Slutn. af 18. Aarh. blev den (tillige med Gammellund m. m.) købt af Landsdommer, senere Stiftamtmand i Ribe H. Koefoed; omtrent 1820 solgtes den for 6000 Rd. til senere Forstraad J. C. V. Oppermann. Senere har den haft mange Ejere, saaledes ved Midten af 19. Aarh. H. Berg til Lindved, der købte den for 45,000 Rd., Oliemøller Schytte fra Horsens, som 1857 solgte den til Kmhr. Mylius til Rønningesøgd., der 1865 solgte den for 65,000 Rd. til H. P. Langkilde til Biskopstorp paa Langeland, som solgte den 1867; 1874 blev den solgt for 174,000 Kr. til P. Schwensen til Smidstrupgd., 1879 for 178,000 Kr. til A. Hoffgaard, som 1890 solgte den for 167,000 Kr. til Forpagter Christensen fra Fønsskov, fra hvem den ved Auktion gik over til den nuv. Ejer, Trafikassistent A. S. Møller, Aarhus, for 86,000 Kr. — Den ret anselige Hovedbygning, i eet Stokværk af Grundmur, er opført af ovennævnte Koefoed.

I Sognet ligger en Gaard *Koborg*, maaske det Kobjærgh, der nævnes i Vald. II's Jordeb. blandt Kongens Gods.

Egnen omkring Vissenbjærg har i sin Tid været bekendt for sit Røveruvæsen; Skoven, hvorigennem Landevejen gaar, hedder *Røverskoven*, og hvor nu Gadsbøllevejen støder til Hovedlandevejen, laa indtil for 12—15 Aar siden den berygtede *Skomagerkro*, hvor Røverbanderne havde deres Tilhold.

I Assenbølle Grisskov ligger „*St. Knuds Sten*" (fredlyst 1887), paa hvilken Knud den hellige skal have hvilet paa sin Flugt for Oprørerne; de, som droge til St. Knuds Marked i Odense, plejede at kaste en lille Sten paa Stedet, og i det hele valfartede man hertil i Middelalderen. Stenen er af Naturen formet som et Sæde; paa den fremstaaende Ryg findes en skaalformet Fordybning.

*Vissenbjærg Birk* var fordum et selvstændigt Len, som 1502 var forlenet til Ejler Bryske; 1583 fik ovennævnte Magdalene Emmiksen og hendes Søster Vissenbjærg Birk for Livstid som Vederlag for deres sønderjydske Gods, som de havde afstaaet til Kongen.

I *Kjeldstrupskov*, forhen *Karhuse*, og Omegn var der tidligere en Slags Husindustri, idet Bønderne der brændte saakaldte „Sikar" eller „Skalgryder", sorte, uglaserede Lerfade, som paa Grund af deres Prisbillighed solgtes meget paa Fyn og benyttedes til Mælkefade. Nu er denne Industri helt ophørt.

Ved Præstegaardens Have findes en tidligere hellig Kilde, *St. Vittie Kilde*.

I Fuglevig Præstegaard (se ovfr.) ere de to Digtere, Brødrene P. M. og P. K. Trojel fødte 1743 og 1754.

Efter den ældre Matr. henhørte Sognet til Skovby Hrd. og hørte i gejstlig Henseende til Baag Hrd.

# Aasum Herred.

**Sogne:**

*Seden, S. 422. — Aasum, S. 422. — Fravde, S. 423. — Allerup, S. 427. — Davinde, S. 428. — Rønninge, S. 429. — Rolfsted, S. 432. — Sønder-Næraa, S 433. — Nørre-Lyndelse, S. 434. — Højby, S. 437. — Nørre-Søby, S. 437.*

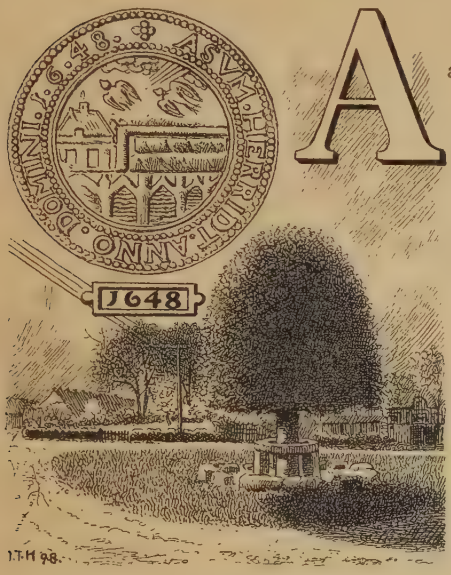


Aasum Herred grænser mod V. til Odense Hrd., hvorfra det for en Del adskilles ved Odense Aa og Kanal, mod N. til Odense Fjord (Seden Kvissel), mod N. Ø. til Bjærge Hrd., fra hvilket det for en Del adskilles ved Vejrup Aa, og mod S. Ø. og S. til Svendborg Amt (Vindinge og Salling Hrd.). Den største Udstrækning fra N. til S. er omtr. $2^3/_2$ Mil; mod N., hvor Herredet løber spidst til ved Odense Fjord, er Bredden kun henved $^1/_4$, mod S. omtr. $2^1/_2$ Mil. Den nordl. Del er lavtliggende og temmelig jævn, mod S. er der højere og noget bakket (højeste Punkt Eskelunds Banke, 221 F., 69 M.). Jorderne ere for en stor Del lermuldede. Herredet hører til de mindre skovrige (1606 Td. Ld.), dog findes der spredt større og mindre Skovpartier, særlig mod S. Ø. og S. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedre Herreder (gnmstl. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet 27,017 Td. Ld. ($2_{,71}$ □ Mil, $149_{,2}$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt det halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $2764_{,8}$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 8248 (1801: 4602, 1840: 6445, 1860: 7694, 1880: 8328). I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti med Bjærge Hrd., i verdslig Henseende hører det under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (undtagen Aasum Sogn, der hører under Odense Herreds Jurisdikt.) og Amtets 2. Forligskreds.

Aasum Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Asumhæreth*, hvor det tillige med Odense og Lunde Herreder er ansat til 30 Mark, hørte fra 1660 til Odensegaards Amt; se i øvrigt S. 309.

Der haves kun Oplysning om knapt 100 Oldtidsmonumenter (omtr. 65 ere Grav-

høje, Resten Stengrave, navnlig Langdysser); $^2/_3$ ere dog nu sløjfede eller halvt ødelagte. De fleste findes i S.-Næraa (24), Rolfsted (19) og Aasum Sogne (16); 6 ere fredlyste. En Ejendommelighed for Herredet og de nærmest tilstødende Egne ere de mange bevarede Bystævner fra 18. og 19. Aarh.

**Litt.**: *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til A. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Seden Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Annekset Aasum, Odense Hrd. (Vor Frue Lands. og St. Hans Landd.), hvorfra det adskilles ved Odense Aa og Kanal, samt af Odense Fjord (Seden Kvissel) og Bjærge Hrd. (Agedrup S.). Kirken, mod N. V., ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Odense. De lavtliggende og jævne Jorder ere for en Del sandede. Gennem Sognets sydl. Del gaar Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 1017 Td. Ld., hvoraf 493 besaaede (deraf med Hvede 5, Rug 125, Byg 118, Havre 123, Blandsæd til Modenh. 42, Grøntf. 45, Kartofler 18, Sukkerroer 5, andre Rodfr. 10), Afgræsn. 203, Høslæt, Brak, Eng m. m. 260, Have 16, Skov 5, Moser 5, Kær og Fælleder 4, Hegn 10, Veje og Byggegr. 20. Kreaturhold 1893: 68 Heste, 318 Stkr. Hornkv. (deraf 201 Køer), 183 Faar og 112 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 89 Td; 17 Selvejergaarde med 79 og 45 Huse med 9 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 349 (1801: 227, 1840: 263, 1860: 341, 1880: 331), boede i 58 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomhed, 178 af Jordbr., 48 af Fiskeri, 70 af Industri, 10 af Handel, 4 af andre Erhv., 9 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Seden* med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (ved Kirken; opr. 1736 af Oberst G. H. Brüggemann til Ulriksholm og Østergaard, Plads for 2 fattige, der aarl. faa 24 Kr.; se nærmere Munkebo Sogn, S. 442) og Jærnbanestation; en stor Del af Byens Indbyggere lever af Fiskeri.

Seden S., een Sognekommune med Annekset, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 109. Lægd. Kirken tilhører en Privatmand.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. Den er en lille Murstensbygning uden Sokkel, fra den gotiske Periode (til Kirken udstedtes Afladsbrev 1412). Skibet har oprindelig kun været omtr. 14 Al. langt, men er senere blevet forlænget et Stykke mod V., hvorefter Taarnet er blevet opført. En spidsbuet Dør er endnu bevaret paa Nordsiden af Skibets ældste Del. Koret er, vistnok paa Grund af de senere indbyggede Hvælvinger, højere end Skibet, der har fladt Bjælkeloft. Indvendig i Koret findes fire smaa Nicher med forskellig Overdanning; to lignende i Skibet. Korbuen er spidsbuet, med en spidsbuet Alterniche paa hver Side. Altertavlen er et ret rigt, men tarveligt Snitværk fra Beg. af 17. Aarh.; tarvelig Prædikestol fra Slutn. af 16. Aarh.; romansk Granitdøbefont. I Kirken et lille, sent-middelalderligt Krucifiks. Udvendig paa Korets sydlige Mur er indmuret en smuk romansk Ligsten af Granit med en Korsstav, der ender i Løvværk (se *Løffler*, Gravst. Pl. 4).

I en Eng tæt ved Odense Aa ligger et forstyrret Voldsted; den runde Banke hæver sig kun lidt over Terrænet, og Graven viser sig kun som en Lavning.

Seden (og Agedrup S.) henlagdes 1571 til det residerende Kapellani ved Odense Vor Frue Kirke. 1782 fik det Aasum til Anneks.

**Aasum Sogn**, Anneks til Seden, omgives mod N. af dette, mod S. af Fravde Sogn, mod V. af Odense Hrd. (Vor Frue Lands.), hvorfra det for en Del adskilles ved Odense Aa, og mod Ø. af Bjærge Hrd. (Marslev og Agedrup S.). Kirken, mod V., ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. for Odense. De

temmelig lavtliggende og jævne Jorder ere lermuldede. Lidt Skov (Rævesk., Kohave). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Odense til Nyborg og Kjerteminde og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 1759 Td. Ld., hvoraf 902 besaaede (deraf med Hvede 41, Rug 171, Byg 234, Havre 205, Blandsæd til Modenh. 54, Grøntf. 63, Kartofler 18, Sukkerroer 72, andre Rodfr. 32, andre Handelspl. 11), Afgræsn. 256, Høslæt, Brak, Eng m. m 397, Have 31, Skov 101, Moser 2, Hegn 20, Veje og Byggegr. 44, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 180 Heste, 640 Stk. Hornkvæg (deraf 393 Køer), 283 Faar og 289 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 203 Td.; 37 Selvejergaarde med 197, og 38 Huse med 6 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 458 (1801: 326, 1840: 413, 1860: 461, 1880: 445), boede i 76 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomhed, 332 af Jordbr., 11 af Gartneri, 64 af Industri, 3 af Handel, 9 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Aasum* med Kirke, Skole, Forsamlingshus, Fællesmejeri og Telefonstation; *Raagelunde* (gml. Form Ragelund, Raaghelund, Rogelund; udt. Rovlund) med Børnehjem (opr. 1881 af Hans Hansen, Pl. for omtr. 20 Børn). *Lunden*, Gaarde og Huse. *Aasum-Seden*, Andelsmejeri. En Gaard i Aasum: $20^1/_4$ Td. Hrtk., 185 Td. Ld. (75 under Odense Købstad), hvoraf 20 Eng, 10 Skov, Resten Ager (44 Td. Ld. til Huse).

Aasum S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Odense Hrd.'s Jurisdiktion, Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 146. Lægd. Kirken tilhører Odense Katedralskole.

*Kirken* (tidligere indviet til St. Dionysius), højt beliggende, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den er opført af Munkesten i den senere Middelalder. Taarnet, der er noget yngre end Skib og Kor, men dog middelalderligt, har takkede Gavle. Skib og Kor ere overhvælvede. Der synes oprindl. at have staaet paa samme Sted som den nuv. Kirke en mindre, romansk Granitbygning, hvis simpelt profilerede Granitsokkel er bleven anvendt under en Del af den nye Kirkes Syd- og Østside. Altertavlen er fra 1832, med et Maleri af F. L. Storch. Tarvelig Prædikestol, vistnok fra 2. Halvdel af 17. Aarh.; romansk Granitdøbefont med Dyrefigurer og store Rosetter. Stolestaderne have tarvelige Endestykker fra 17. Aarh. I Skibets østl. Hvælving fandtes 1886 et Kalkmaleri: Christus som Himmeldrot, fra omtr. 1450 (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 60). I Korgavlen er forneden indmuret en simpel romansk Ligsten (Korsstav med kløftede Ender).

I Rævеskov ligge 3 fredlyste Gravhøje.

I Aasum findes et temmelig forfaldent Bystævne, vistnok fra 18. Aarh.; det bestaar af omtr. 13 (oprindl. omtr. 15), ikke tildannede Sten, der ere stillede i en Rundkreds og ere uden Indskrift. Det har sidst været benyttet i Koleratiden 1853.

Aasum har i Middelalderen hørt til St. Knuds Kirke i Odense (1377, 1392 og 1447 udstedtes Afladsbreve for Kirken, og 1425 fik den tillige med Dalum Kirke og Kloster Aflad af de paa Kirkemødet i Kbh. forsamlede Bisper); 1565 henlagdes Sognet til Sognepræsten ved Graabrødre Kirke i Odense, 1577 til Lector theol. i Odense; 1782 blev det Anneks til Seden.

**Fravde Sogn**, det største i Herredet, omgives af Aasum, Davinde, S.-Næraa, Allerup og Højby Sogne samt mod V. af Odense Hrd. (Dalum og Vor Frue Lands.) og mod Ø. af Bjærge Hrd. (Marslev S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. Ø. for Odense. De temmelig lavtliggende og jævne Jorder ere dels ler- og sandmuldede, dels grusede. I Midten og mod V. løbe nogle mindre Aaer. Gennem Sognet gaa Landevejen til Svendborg, med Sidevej til Ørbæk, og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 4877 Td. Ld., hvoraf 2519 besaaede (deraf med Hvede 136, Rug 456, Byg 678, Havre 526, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 207, Grøntf. 136, Kartofler 26, Sukkerroer 127, andre Rodfr. 177, Frøavl 42), Afgræsn.

635, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1205, Have 81, Skov 103, Moser 71, Kær og Fælleder 88, Hegn 43, Veje og Byggegr. 124, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 440, Heste, 2015 Stkr. Hornkv. (deraf 1230 Køer), 623 Faar, 799 Svin og 21 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 556 Td.; 92 Selvejergaarde med 488, 248 Huse med 68 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1705 (1801: 905, 1840: 1351, 1860: 1540, 1880: 1696), boede i 330 Gaarde og Huse; Erhverv: 53 levede af immat. Virksomh., 1176 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 353 af Industri, 29 af Handel, 12 af andre Erhv., 62 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fravde* (gml. Form Frawith, Fraut; udt. „Frave"), ved Ørbækveien, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1887) og Telefonstation; *Kjærby* med Skole; *Over-Holluf*, ved Ørbækvejen, med Skole og Pogeskole; *Neder-Holluf*, ved Svendborgvejen, med Mølle; *Tving*; *Birkum* med Skole, Fattiganstalt for Fravde-Davinde-Allerup Komm. (opr. 1869, Pl. for 60 Lemmer) og Fællesmejeri. *Birkum-Kohave*, *Nørrebjærg Huse* og *Radby*, Gaarde og Huse. *Trættebjærg* og *Langager*, Huse. — Hovedgaarden *Hollufgaard*: $51^3/_4$ Td. Hrtk., 490 Td. Ld. (30 Td. i Højby Sogn), hvoraf 30 Eng, 60 Skov, 15 Hegn, Veje, Vandløb og Grave, Resten Ager; til Gaarden høre $20^7/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods og Lejejord, Højby Kirke- og Kongetiende, Vor Frue Landsogns Kirke- og halve Kongetiende og en Mølle. Hovedgaarden *Fravdegaard*: $37^1/_8$ Td. Hrtk., 343 Td. Ld., hvoraf $7^1/_2$ Eng, 30 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 5 Lejehuse og Huset til en nedlagt Mølle, fra hvilken Gaardens Maskiner drives ved Vandkraft. Gaarden *Landkilde*: $20^1/_4$ Td. Hrtk., 190 Td. Ld. (omtr. 25 i Aasum S.), hvoraf $1^1/_7$ Eng, $10^1/_2$ Skov, $3^1/_7$ Gaardspl. og Have, Resten Ager; 3 Arbejdshuse. En Gaard i Kjærby (Kjærbygd.): $13^7/_8$ Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 35 Eng, 3 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *Tornbjærg* Gaarde og *Kallerupgaarde* (sidste i et Enklave, V. for Hovedarealet).

Fravde S., en egen i 3 Sognefogeddistrikter delt Sognekommune, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 112. (østre) og 113. Lægd (vestre Del). Kirken tilhører Enkefru Langkilde.

*Kirken*, indviet til St. Laurentius ($^{10}/_{11}$ 1314 skænkede Bisp Peder af Odense Knudsbrødrene Patronatet til „St. Laurentii Kirke i Frawith"), bestaar af Skib og Kor med Korrunding, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og to Kapeller paa Skibets Nord- og Sydside. Kirken er en anselig, oprindl. romansk Bygning (omtalt første Gang 1239, da den fik Aflad af Gregor IX), opf. for de ældste Deles Vedkommende (Skib og Kor) af tilhugne Granitkvadre paa en to Skifter høj, profileret Sokkel. I den senere Middelalder er Kirken undergaaet betydelige Forandringer og Udvidelser. Skibets vestl. Ende er bleven nedbrudt, ombygget og udvidet, til Dels med Munkesten, i V. er det svære Taarn blevet opført, med en spidsbuet Dør i Vestsiden, og de to Kapeller tilføjede; ved det sydl. af disse det oprindl., lille Vaabenhus. Til alle Tilbygningerne er der anvendt Munkesten, blandet med Kirkens oprindl. Materiale, der i Kapellerne er anbragt saaledes, at det veksler i vandrette Skifter med Murstenene. Af de oprindelige Vinduer er kun eet bevaret, paa Sydsiden. Korbuen er rundbuet og har profilerede Kragbaand. Kirken er, med Undt. af Vaabenhuset overalt overhvælvet. Korets Krydshvælving med profilerede Grather er fra den romanske Overgangstid, de øvrige Dele have simple, sent-middelalderlige Krydshvælvinger. Altertavle og Prædikestol ere tarvelige Arbejder fra Slutn. af 16. eller Beg. af 17. Aarh. Romansk Døbefont med 4 Mandehoveder paa Kummen. Alterstagerne, der bæres af smaa Løvefigurer, ere fra Middelalderen. Af Stolestaderne er et Par fra 1637 og bærer adelige Vaabener. I Skibet et stort Krucifiks fra Middelalderens Slutn. og en smuk Messinglysekrone. Det nordl. Kapel, der adskilles fra Skibet ved et simpelt Jærngitter, hvori en smuk, smedet Jærndør fra Beg. af 18. Aarh., indeholder to store Sandstenskister, hvori hvile Kirstine Elisabeth Birgitte Kaas og Admiral Fr. Chr. Kaas til Fravdegaard, † 1803, og et stort Sandstensepitafium med Farver og Forgyldning over Peder Marsvin til Hollufgaard, † 1614, og Hustru Mette

Brahe, † 1622. Det sydl. Kapel har, ligesom det nordl., underjordisk Gravhvælving. I denne hvilede indtil 1892 Biskop Th. Kingo og hans nærmeste; nu ere hans og hans Hustrus Kister flyttede op i Kapellet, restaurerede og anbragte under det Epitafium, Th. Kingo har rejst til Minde for sin Svigerfader og Hustru. Epitafiet, af Sandsten og Marmor, rigt udstyret med allegoriske Figurer og Portrætmedailloner, er fra 1702 og udført af Thomas Qvillinus.

*Hollufgaard* tilhørte i 15. og 16. Aarh. Slægten Marsvin, idet den oprettedes af Rigskansleren Jørgen M., † 1524, af sammenkøbte Bøndergaarde. Derefter ejedes den af hans Søn Peder M. og dennes Søn Rigsraad Jørgen M., † 1581, hvis Datter Ellen M. var Chr. IV's Svigermoder. Jørgen M.'s Sønnedatter Fru Karen var først gift med Landsdommer Erik Pors, derefter med Landsdommer Henning Pogwisch, som besad Gaarden efter hende. Han giftede sig anden Gang med Helvig Bille, der som Enke 1664 gik fra Arv og Gæld efter ham, ligesom hans Børn, hvorefter Skatkammeret gjorde Udlæg i hans Jordegods for sin Fordring paa 2467 Rd. Hans Broder, Generalkrigskommissær Otte Pogwisch skødede 1668 H. (36 Td. Hrtk.) med Mølle til

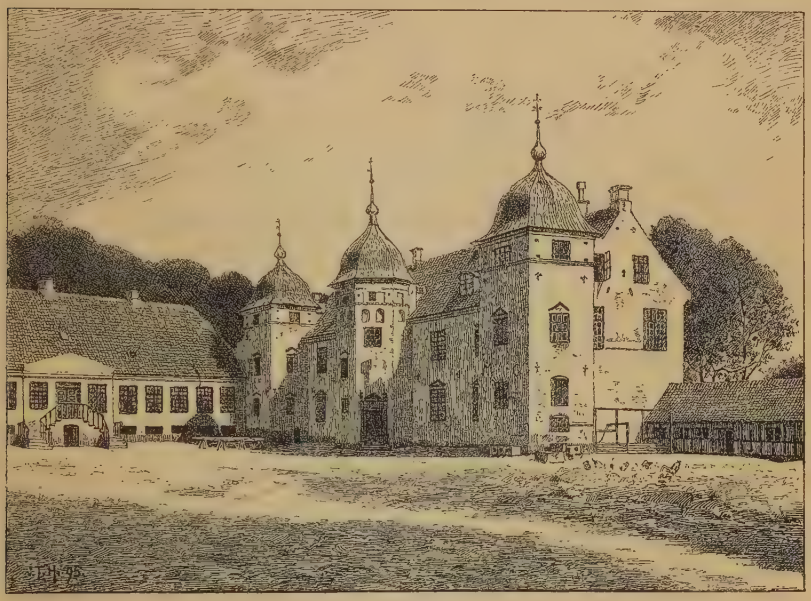

Hollufgaard.

Biskop Niels Bang († 1676), der 1675 afhændede den til sin Svigersøn, Borgm. i Odense Jens Eriksen Westengaard, hvis Enke Maren Bang ægtede Krigskommissær Otto Pedersen Himmelstrup til Ørridslevgaard, der døde 1709 i slette økonomiske Omstændigheder. Af Kreditorerne overtog Jens I. Frøstrup H., som hans Enke bragte til sin anden Mand, Justitsr. Iver Andersen, Amtmand over Assens Amt, tidligere Kammertjener hos Frederik IV († 1726). H. tillige med Ørridslevgaard og Æbelø tilfaldt som Arv Datteren Frederikke Sofie, der først var gift med en Søn af ovennævnte O. P. Himmelstrup og senere med Kmhr. C. U. v. Heinen, † 1767. Hans Søn Kmhr. A. C. v. Heinen arvede H.; han fik 1803 Tilladelse til at afhænde Bøndergodset uden at miste Hovedgaardens Skattefrihed. 1821 solgte han Gaarden til Proprietær Langkilde, efter hvis Død Sønnen C. Langkilde overtog den; derefter overtoges den 1872 af Fyns Diskontokasse, som 1873 solgte den for 700,000 Kr. til Kmhr. F. Juel-Brockdorff, fra hvem den 1877 ved Arveudlægsskøde overgik til den nuv. Ejer, Kmhr., Hofjægerm. Baron Juel- Brockdorff til Schelenborg. — Hovedbygningen, der har været omgiven af (nu for største Delen tilkastede) Grave, er opført 1577 af ovennævnte Jørgen Marsvin; det er en anselig Bygning i to Stokv. i gotisk Stil med tre Taarne; den gamle Kirkedør fra Hjallese Kirke, af hvis Sten Gaarden blev opført (se S. 410), hang i lang Tid

for Opgangen til en Trappe. Aar 1833—38 opførtes ved Siden af den gamle Hovedbygning en Bygning i eet Stokv.

*Fravdegaard* ejedes af Oluf Daa, og hans Søn, Rigsadmiral Claus Daa, † her 1641. Af hans Børn ejede Christian Daa og Fru Dorthe Daa, Gregers Krabbes, Gaarden, der 1658 var assigneret en svensk, Oberst Taube, som her gjorde rent Bord. Aar 1668 lod Fru Dorte gøre Udlæg for 5,508 Rd. i Christian Daas Arvepart i Gaarden, som hun derefter 1671 solgte til Dr. med. Christoffer Balslev († 1693), til hvem hun ogsaa havde maattet pantsætte en anden af sine Hovedgaarde, Hverringe. Hans Søn Peder Balslev solgte 1697 F. til sin Svoger Biskop Thomas Kingo, hvis Enke Birgitte Balslev ægtede Justitsr. Chr. Carl Bircherod. Da hun ikke havde Børn, testamenterede hun 1738 med kgl. Bevilling F. til Kommercer. Bless og Elisabeth Becker. Efter Bless' Død solgtes Gaarden (4!0 Td. Hrtk.) til Thomas Vidkier for 29,010 Rd.; 1783 købte Admiral Fred. Chr. Kaas (se under Kirken) Gaarden, som han 1797 skødede til Kmhr. A. C. v. Heinen, hvis Søn Kmjkr. C. H. v. H. maatte gøre Opbud, hvorefter Gaarden ved Auktion 1821 købtes for 35,100 Rd. af Ritmester

Fravdegaard.

Ali Sehested; senere ejedes den af Ritmester Andr. Sehested, efter hvis Død den 1851 solgtes for 112,000 Rd. til H. Chr. Petersen til Dalumgd., som 1853 skødede den til Forpagter V. Th. Borchsenius, hvis Enke havde den til 1879, da den købtes for 290,500 Kr. af den nuv. Ejer, Hofjægerm. P. Baron Bille-Brahe. — Den af Oluf Daa 1588 opførte og af Grave omgivne Hovedbygning, 52 Al. lang og $31^1/_2$ Al. bred, er i to Stokv. af Bindingsværk; omtr. 1750 lod ovennævnte Vidkier Façaden forandre til Grundmur, og 1882 blev Bygningen restaureret, ved hvilken Lejlighed de 3 Bindingsværkssider bleve malede røde.

*Kjærbygaard* har tidligere været en Hovedgaard. Aar 1397 nævnes Niels Nielsen af Kjærby, Ridder. Den var dog alt i 16. Aarh.'s Slutn. beboet af to Bønder. Ved Gaarden ses endnu Spor af det gamle Voldsted, som har været omgivet af Grave. — Gaardene *Landkilde* og *Tornbjærg* have været større Gaarde, der henhørte til de svenske Herrers Gods (se Frøbjærg, Baag Hrd.) og ogsaa senere have været beboede af Folk uden for den egentlige Bondestand. Landkilde ejedes paa Svenskekrigens Tid af Sognepræsten i Fravde.

Paa en af Fravdegaards Marker findes en hellig Kilde, „*Holekilde*", der nu er indhegnet, og som har været besøgt indtil Beg. af 19. Aarh.

I Birkum findes et Bystævne, bestaaende af omtr. 20 Sten, der nu ere stillede i en Rundkreds om et Træ; paa en af Stenene staar Aarst. 1880 (da Stævnet blev omstillet). Det bruges ikke mere. — I Kjærby er der ligeledes et Bystævne, der i sin nuv. Skikkelse hidrører fra 1849; det bestaar af 11 firsidet tilhugne Sten (10 staa i en Firkant og en i Midten), hvorpaa Bymændenes Navne; det laa tidligere et andet Sted i Byen og bestod da af ikke tilhugne Sten. Det bruges endnu.

Ved Fravde er der af Nationalmus. 1896—97 undersøgt en stor og vigtig Gravplads fra Folkevandringstiden (3.—4. Aarh. e. Chr.) med omtr. 10 Skeletgrave og omtr. 60 Urnegrave; i en af disse bestod Gravgodset af Vaaben. Dette i nævnte Oldtidsperiode meget sjældne Gravudstyr er optaget i flere andre, sammesteds tidligere fremdragne Grave.

**Allerup Sogn**, skilt fra Annekset Davinde ved Fravde Sogn, omgives af dette, S.-Næraa og Højby Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. S. Ø. for Odense. De noget højtliggende og navnlig mod N. V. bakkede Jorder (Bøgebjærg) ere muldede.

Fladeindholdet 1896: 1664 Td. Ld., hvoraf 897 besaaede (deraf med Hvede 14, Rug 192, Byg 202, Havre 200, Ærter og Vikker 3, Blands. til Modenh. 117 Grøntf. 61, Kartofler 9, Sukkerroer 28, andre Rodfr. 63, Frøavl 7), Afgræsning 224, Høslæt, Brak, Eng m. m. 382, Have 27, Skov 58, Moser 17, Kær og Fælleder 6, Hegn 14, Veje og Byggegr. 35, Vandareal 4 Tdr. Kreaturhold 1893: 154 Heste, 613 Stkr. Hornkv. (deraf 375 Køer), 234 Faar, 232 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 179 Td.; 32 Selvejergd. med 169, 48 Huse med 10 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 444 (1801: 317, 1840: 396, 1860: 431, 1880: 452), boede i 82 Gaarde og Huse; Erhverv: 34 levede af immat. Virksomh., 312 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 72 af Industri, 5 af Handel, 9 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Allerup* med Kirke, Præstegd. og Skole; *Torup* (1441: Thorpe). *Torup Kohave*, 4 Gaarde. — *Skovgaard*: $13^1/_8$ Td. Hrtk., 146 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 14 Skov, Resten Ager.

Allerup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 117. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Sanderumgaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor samt Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte ved Aar 1300 af store, røde Munkesten paa en Sokkel af glathugne Granitsten uden Fremspring (der har tidligere staaet en lille Kirke af Kvadersten med Korrunding, og dens Materiale benyttedes som Sokkelsten i den nye Kirke; 1306 og 1308 udstedte Ærkebisp Isarnus og Bisp Peder i Odense Afladsbreve for dem, som bidroge til Kirkens Opbyggelse; se Scr. rer. Dan. I S. 296 fl., Kirkeh. Saml. 3. R. II Bd. S. 591, og Hist. Tidsskr. 6. R. V. Bd. S. 748). Af de bevarede oprindl. Vinduer ere de to paa Skibets Nordside rundbuede, medens Korets have en svag Tilspidsning i Buen. I Korgavlen to tæt sammenstillede gamle Vinduer. Det svære Taarn, med takkede og blindingssmykkede Gavle, Vaabenhuset og Krydshvælvingerne ere fra den senere Middelalder. Skib og Kor ere tækkede med Kobber. Altertavlen er et udskaaret katolsk Alterskab fra 15. Aarh. med Korsfæstelsen i Midten og Apostlene paa Sidefløjene (restaur. 1898 af Magn. Petersen). Paa et af Stolestaderne staar: „1609 lod Anders Lunge disse Stole gøre". Prædikestolen er et ret tarveligt Arbejde, vistnok fra Slutn. af 16. Aarh. Romansk Granitdøbefont. Ligsten over Præsten Peder Hansen Fjellerups Hustru Margrethe, † 1589, og over Præsterne Laurits Olufsen, † 1626, og Jørgen Jørgensen Bogense, † 1641, samt deres Hustru Anne Jørgensdatter og to Børn (se Kirkeh. Saml. 3. R. VI Bd. S. 399). Klokken er fra Middelalderen med Minuskelindskrift.

I Allerup laa *Allerupgaard*, der 1477 beboedes af Jep Nielsen Algudsen, hvis Børn 1498 solgte den til Christiern van Hafn. Hans Datter Karine, Oluf Grubbes solgte A. til Hr. Johan Bjørnsen, som atter 1513 afhændede den til Hr. Mogens Gøye. Den var i hans Tid beboet af to Bønder.

I Allerup er der et Bystævne, med 11 firsidet tilhugne Sten, hvorpaa Bymæn-

denes Navne og Aarst. 1843 (da Stævnet sattes). Stenene stode oprindl. i en Rundkreds, men danne nu en Retvinkel. Stævnet bruges endnu.

**Davinde Sogn**, Anneks til Allerup, omgives af Fravde, Rolfsted og Rønninge Sogne samt Bjærge Hrd. (Birkende og Marslev S.). Kirken, mod V., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Odense. De noget højtliggende og temmelig jævne Jorder ere en Del sandede. En Del Skov (Hakkehave, Nyhave m. m.). En mindre Aa, der udspringer mod S. i Sognet, løber midt igennem det. Gennem den sydl. Del gaar Landevejen fra Odense til Ørbæk.

Fladeindholdet 1896: 1717 Td. Ld., hvoraf 772 besaaede (deraf med Hvede 18, Rug 138, Byg 184, Havre 146, Blandsæd til Modenh. 104, Grøntf. 62, Kartofler 10, Sukkerroer 49, andre Rodfrugter 52, Frøavl 7), Afgræsn. 267, Høslæt, Brak, Eng m. m. 285, Have 21, Skov 236, Moser 61, Kær og Fælleder 13, Hegn 15, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 35, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 116 Heste, 496 Stk. Hornkv. (deraf 330 Køer), 169 Faar, 255 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 139 Td.; 19 Selvejergaarde med 125, 58 Huse med 14 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 364 (1801: 209, 1840: 332, 1860: 341, 1880: 389), boede i 71 Gaarde og Huse; Erhverv: 7 levede af immat. Virksomh., 229 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 83 af Industri, 20 af Handel, 7 af andre Erhv. og 16 af deres Midler.

I Sognet Byen *Davinde* med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1893), Mølle, Fællesmejeri og Telefonstation. Ved Landevejen Kroen *Rolighedskro*. — Hovedgaarden *Sanderumgaard*: $49^5/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $1^5/_8$ Td. Skovskyld, 659 Td. Ld., hvoraf $55^1/_2$ Eng, 20 Mose, 9 Have, $173^1/_2$ Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle, 7 Fæstehuse med omtr. 2 Td. Hrtk., 6 Arbejderhuse og Allerup og Davinde Kirketiender (tils. $255^7/_8$ Td. tiendeydende og 37 Td. matr. Hrtk.).

Davinde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt 3. Udskrivningskr.' 116. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Sanderumgaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus (nu Ligkapel) mod S. Skibet er i sine oprindl. Partier opført i den romanske Periode af raa Kamp paa en huggen, profileret Granitsokkel. Den vestl. Del af Skibet samt Koret er ombygget i den senere Middelalder, fra hvilken Tid ogsaa Taarn, Vaabenhus og Kirkens Hvælvinger stamme. Taarnet, af hvis overhvælvede Underrum en Del tjener til Vaabenhus, og Skibet ere opførte af Munkesten; til Koret er foruden Munkesten tillige anvendt Granitmaterialet fra det ældre Kor. En Del af de indmurede Sten ere rundhuggede, hvilket tyder paa, at Kirken oprindelig har haft Apsis. Kor, Taarn og Vaabenhus have kamtakkede Gavle. I Kirkens anden Hvælving fra V. sidde tre raat udførte Mandehoveder. Paa Alterbordet et forgyldt Kors. Tarvelig Prædikestol. Romansk Granitdøbefont med Kumme som en Tærningekapitæl med et Kors i hvert af de fire Felter. I Kirken en lille Ligsten over Maren Rasmusdatter, † 1648, og en Herskabsstol, hvis Endestykker bære Ane Margrethe Skovgaard til Sanderumgaards Navn og Aarst. 1584. Klokken er fra Middelalderens Slutn. og har en ulæselig Indskrift i Minuskler. — Paa Kirkegaarden ligger bl. a. begravet Gehejmekonferensr. J. Bülow til Sanderumgaard.

*Sanderumgaard* nævnes 1468, da den ejedes af en Adelsmand Kjeld i Sanderum; 1580 erhvervede Hans Skovgaard S. ved Mageskifte med Kronen; han udlagde den i Arveskifte til sin Broder Anders Skovgaard, der døde ugift Aaret efter. 1583 overdrog Karen Skovgaard S. til sin Søster Margrethe (se St. Knuds Kirke S. 366). Blandt de senere Ejere nævnes Gehejmer. Sigvard Urne († 1661) og hans Søn Hans Urne († 1688). Denne solgte 1669 Halvdelen af S. Gaard og Gods (106 Td. Hrtk.) til Kapt. Hans Due, der atter solgte den til Generallieutn. Hans Løwenhielm, der købte den anden Halvdel af Erik Skeel, som havde erhvervet den ved sit Ægteskab med Enken efter Hans Urnes Broder Knud. S. tilhørte derefter Løwenhielms Dattersøn Hans Brockenhuus v. Løwenhielm, som 1740 skødede den til sin Svigersøn Major, senere

Generallieutn. M. Leth († 1783), der meget forbedrede Gaard og Gods; 1793 købtes Gaarden ved Auktion af Gehejmekonferensr. Johan Bülow († 1828), der er bekendt for sin Understøttelse af Kunst og Videnskab (se S. 324). Efter hans Død købtes den ved Auktion for 65,000 Rd. af Ritmester, senere Kmhr. C. A. Vind († 1869), hvorefter den 1873 for 400,000 Kr. gik over til Sønnen, den nuv. Ejer, Kmhr., Hofjægermester S. H. Vind. — Hovedbygningen, i to Stokv. af røde Mursten, er opf. 1870-72 efter Tegn. af Arkitekt, Prof. Hans J. Holm. Smuk Have, der dog tidligere har været meget større og var bekendt for sine mange Pavilloner o. lign. (se *Molbech*, Ungdomsvandr. II S. 66 fl., og *R. Nyerup*, Magas. for Reiseiagttagelser III S. 45 fl.).

I en Banke ved Sanderumgd. er der fremdraget flere rigt udstyrede Skeletgrave fra Folkevandringstiden; en af dem indeholdt flere Smykkesager af Guld, Sølv, Glas og Rav, samt Bronce-, Træ- og Lerkar.

I Davinde findes et af Landets smukkeste og mest oprindelige Bystævner, vistnok

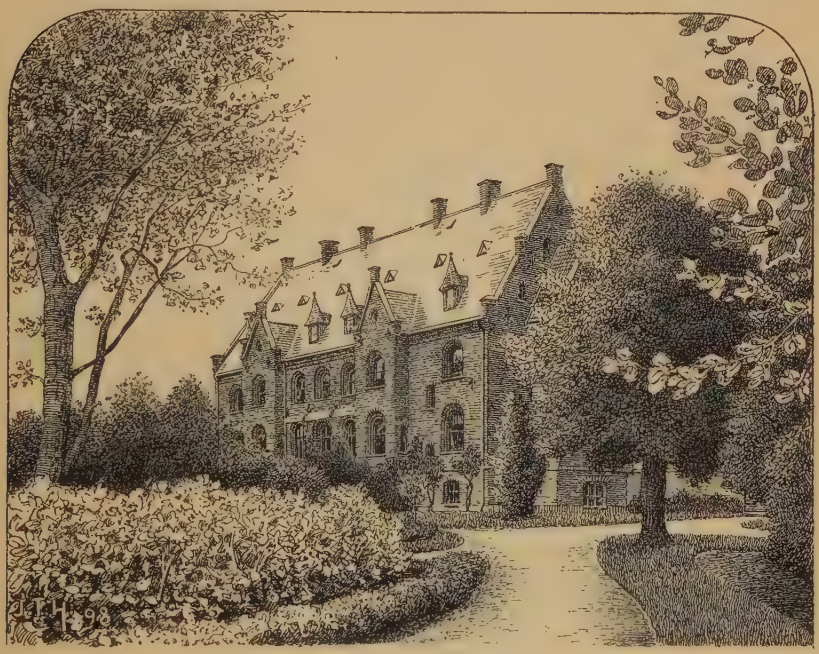

Sanderumgaard.

fra 18. Aarh. (se Vignetten S. 421). Det bestaar af 13 Sten, som ere stillede i en Rundkreds om et tilklippet Lindetræ (plantet omtr. 1816), der vokser gennem Hullet paa en Møllesten; fra Beg. vare Stenene utilhugne og uden Indskrift, men ved Midten af 19. Aarh. ombyttedes 3 af dem med firsidet tildannede Sten; paa to af disse Bymændenes Navne og Aarst. 1845 og 1848. Stævnet bruges endnu.

Ved Klemmebrev af 1555 blev Davinde annekteret til Allerup.

**Rønninge Sogn** omgives af Annekset Rolfsted og Davinde Sogn samt Bjærge Hrd. (Birkende S.) og Svendborg Amt (Vindinge Hrd.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil Ø. S. Ø. for Odense, $1^1/_2$ Mil S. S. V. for Kjerteminde og $1^1/_2$ Mil N. V. for Nyborg. De noget højtliggende og bakkede Jorder (Øksnebjærg 100 F., 31 M.) ere for største Delen sandede og stenede, i øvrigt lerblandede. En Del Skov (Aalekistesk., Hestehave, Langeskov m. m.). Gennem Sognet løber *Vindinge Aa*, der

faar Tilløb her fra *Vomme Sø* og *Røjerup Sø*. Sognets Nordgrænse berøres af Landevejen fra Odense til Nyborg og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 2497 Td. Ld., hvoraf 1149 besaaede (deraf med Hvede 36, Rug 267, Byg 302, Havre 236, Boghvede 6, Ærter og Vikker 12, Blandsæd til Modenhed 113, Grøntf. 53, Kartofler 42, Sukkerroer 31, andre Rodfrugter 51), Afgræsn. 294, Høslæt, Brak, Eng m. m. 608, Have 37, Skov 225, Moser 80, Kær og Fælleder 10, Hegn 4, Veje og Byggegr. 52, Vandareal 37 Td. Kreaturhold 1893: 186 Heste, 792 Stkr. Hornkv. (deraf 499 Køer), 337 Faar og 476 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 221 Td.; 39 Selvejergaarde med 196, 1 Fæstegd. med 2, 94 Huse med 23 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 704 (1801: 469, 1840: 645, 1860: 709, 1880: 723), boede i 134 Gaarde og Huse; Erhverv: 36 levede af immat. Virksomhed, 433 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 172 af Industri, 23 af Handel, 7 af andre Erhv., 26 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Rønninge* med Kirke, Præstegd., Skole, den milde Stiftelse „Trøstens Boliger" (opr. af Major Chr. S. Lemwigh til Rønningesøgd., † 1823, med 2 Huse til Friboliger for 4—5 fattige), Andelsmejeri og Telefonstation; *Røjerup* med Friskole. Ved Landevejen *Langeskov*, Jernbane-, Telegraf- og Telefonstation, med Kro og Fællesmejeri. — Hovedgaarden *Rønningesøgaard*, under Stamhuset af s. Navn, har $49^3/_8$ Td. Hrtk. (hvoraf $13^7/_8$ i Svendborg Amt), 586 Td. Ld., hvoraf $20^1/_2$ Eng, 149 Skov, 25 liggende til Huse, $31^1/_2$ Sø, 10 Veje, Resten Ager; til Gaarden høre Fæstegodset „Degnelodden", omtr. 19 Td. Ld., 13 Lejehuse og en Mølle samt Rønninge Kirketiende*). *Lavindsgaard*: $12^1/_2$ Td. Hrtk., 168 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, og Tørvemose, 10 Skov, 3 til Huse, Resten Ager. Desuden mærkes Gaarden *Mariesminde*, *Holtsmølle*, *Bjernemølle* med Andelsmejeri, *Mellemmølle* og Gaarden *Gyldenlund*.

Rønninge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 114. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Rønningesøgaard.

*Kirken*, helliget til St. Søren, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og Kapel mod N. Kirken er i sine ældste Dele (Skib og Kor) en romansk Murstensbygning. Enkelte af de oprindl. Vinduer ere bevarede, og paa Sydsiden af Skibet findes i Vaabenhuset en smuk romansk Portal (overkalket), der har en muret Sejle, med sortglaseret Skaft, paa hver Side og en kraftig Rundstav i Buen. Kapellet, Taarnet og Vaabenhuset, Kirkens takkede Gavle og Krydshvælvingerne hidrøre fra den senere Middelalder (1596 klages over Kirkens Brøstfældighed, hvorfor der udgik Kongebud om, at Kirkerne i Odensegaards „Stift" skulde hjælpe den). Altertavlen er fra 18. Aarh. (den ældre, et katolsk Alterskab fra omtr. 1500, er nu i Odense Museum). Romansk Granitdøbefont med Rebsnoning. Prædikestolen og de udskaarne Herskabsstole ere skænkede af Kaspar Markdanner († 1618) og bære hans og Sophie Oldelands Vaabener. Udvendig i Vaabenhuset hænger en middelalderlig Dør med rigt Jærnbeslag. I Kapellet, som fra 1861 er indlemmet i Kirken (tidligere Begravelseskapel for Stamhusets Besiddere, hvis Lig henflyttedes dels til den nye Assistens Kirkegaard, dels til et Gravkapel i Rønningesøgaards Have), er indmuret en smuk Ligsten over Kaspar Markdanner og Sophie Oldeland; smstds. et Brystbillede af førstnævnte, udført i Alabast. — Paa den nye Assistens Kirkegaard findes en stor Gravsten over Henrik van Raden, † 1577, og Karen Brockenhuus, † 1575.

*Rønningesøgaard* („Søgaard") nævnes 1326, da Ridder Niels Jensen, kaldet Ryning, pantsatte den til sin Hustru, og 1397, da Gert Andersen Ryning fik Vidne paa

*) *Stamhuset Rønningesøgaard*, i Odense og Svendborg Amter, har $49^3/_8$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $28^3/_4$, indtaget til Skov $12^1/_2$, Bøndergods $6^1/_2$, Kirketiende 11 Td.; i Bankaktier 7200 Kr. I Forbindelse med Stamhuset staar „det med Stamhuset R. forbundne Mylius'ske Fideikommis", dannet af flere tidligere selvstændige Fideikommisser, navnlig det Mylius-Mylenbergske og Dele af det ophævede Mylius-Aarupgaardske Fideikommis, i alt omtr. 400,000 Kr.

Aasum Herredsting, at Hr. Niels Ryning aldrig solgte eller pantsatte „Ryningh Syøgordh“ eller hans Arvinger efter ham, men han døde paa Gaarden og blev begraven i Rønninge Kirke (1477 nævnes Borkvard Rantzow i Søgaard, uvist om denne eller Søbysøgaard). R. ejedes senere en Tid lang af Kronen; 1562 forlenede Fred. II Gaarden til Henr. v. Raden, som 1567 købte den af Kongen; men efter hans barnløse Død 1577 faldt den igen til Kronen og skødedes s. Aar til Kaspar Markdanner († 1618). R. tilhørte dernæst hans Sønner Fred. og Hans Markdanner, saa Frederiks Søn Henr. Markdanner († 1674), hvis eneste Søn Fred. M. faldt 1677 ved Wismar som Slægtens sidste Mand. Hans Moder Hilleborg Kaas giftede sig med Hans Due, der 1684 solgte R. til Knud Urne til Juelskov; 1705 tilhørte den dennes Broder Sigvard Urne, hvis Datter Helvig Sofie Urne havde ægtet Amtmand Jørgen Friis († 1680). Arvingerne efter deres Søn Oberst Chr. Friis til Hevringholm († ugift 1727) skødede den 1729 til Stiftsbefalingsmand Chr. Sehested til Ravnholt († 1740), der 1733 solgte den til Justitsr. J. C. Rasch († 1770); 1788 købte dennes Svigersøn Kapt. Chr. S. Lemwigh († 1823) Gaard og Gods paa Auktion; efter hans Død blev den paa Auktion købt af hans afdøde Frues Søster Ulrikke Cathr. Mylius til Kattrup (Raschenberg), f. Rasch,

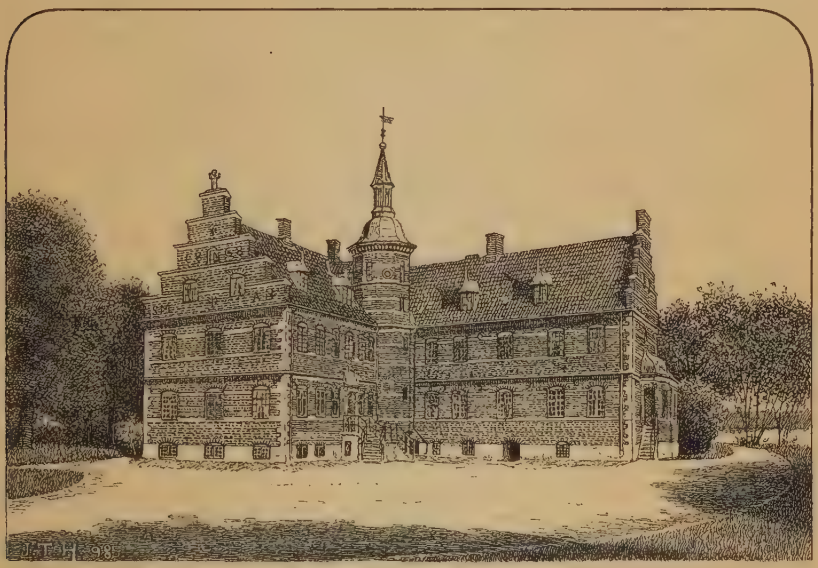

Rønningesøgaard.

Enke efter Landsdommer J. Mylius til Lindved, der $^{12}/_{5}$ 1825 af R. oprettede et Stamhus for Familien Mylius. Besidderne have efter Erektricen været hendes Søn, Kmhr. J. C. Mylius, † 1852, hans Søn Hofjægerm. J. M., † 1857, dennes Broder Kmhr. S. W. M., † 1885, og dennes Søn Albert M., † 1895; den nuv. Besidder er Lieutn. S. E. M. (Stamhuset bestyres fra 1885 af en Kommission). — Hovedbygningen, der ligger smukt ved Vomme Sø, og som i øvrigt omgives af Grave, der ved begge Ender udmunde i Søen, bestaar af to af røde Mursten opførte, i en ret Vinkel sammenstødende Fløje i to Stokv. Den ældste, østl. Fløj, med store, hvælvede Kældere, er bygget 1596 af ovennævnte K. Markdanner; over den smukke Portal staa hans og Sophie Oldelands Vaabener, ligesom Rasch's; sidstnævnte har 1757 ombygget den yngre, nordl. Fløj. Inde i Hjørnet, hvor Fløjene støde sammen, staar der et Taarn med Sandstensvindeltrappe, som ved en af Arkitekt A. H. Klein ledet Restauration af Gaarden 1868 forhøjedes og fik Spir. I Haven ses Rester af et Voldsted.

S. for Gaarden, i Langskov, ligger tæt Ø. for Tvevad Aa paa et Sted, hvor to Vandløb løbe sammen, Tvevad Borgplads, en firkantet, omtr. 100 F. lang og bred Voldbanke, der paa de 3 Sider er omgiven af en Grav, medens den mod Ø. gaar over i et Ellekrat; hvornaar Slottet er nedbrudt, vides ikke, maaske paa Vald.

Atterdags Tid (efter Sagnet blev Rolfsted og Ellinge Kirker opførte af Sten fra det); endnu i sidste Halvdel af 18. Aarh. saas Rester af Mure. I Vald. II's Jordeb. nævnes „Twywath" som Kongens Ejendom, og i en Folkevise siger Tovelille (?) „Han gav mig Slot, han gav mig Len — Han gav mig Tvevad Slot i Fyen" (se *J. L. Rohmann*, Tvevad Slot, i Saml. til Fyens Hist. VII S. 208 fl.).

I en Mose paa Røjerup Mark fremdroges 1862 et værdifuldt Fund fra den yngre Broncealder, nemlig en større Broncespand, hvori laa 11 Guldøsekar (Metalværdi 2200 Kr.). — Om „Rønningestenen" se S. 371.

Sognet har haft en gammel Bylov eller Gildeskraa, „Sct. Sørens Gilde i Rønninge", fra hvilken Tid vides ikke.

**Litt.**: *J. C. Bendz*, Efterretn. om R. og Rolfsted Sogne, Odense 1820.

**Rolfsted Sogn**, Anneks til Rønninge, omgives af dette, Davinde og S.-Næraa Sogne samt Svendborg Amt (Vindinge Hrd.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil S. Ø. for Odense og 2 Mil V. for Nyborg. De højtliggende og flere Steder bakkede Jorder ere dels ler-, dels sandmuldede. Henved $^1/_6$ er dækket med Skov (Kohave, Kalvehave, Lodsk., Søndersk.). Gennem Sognet løber *Rønninge Aa*; der findes flere Kilder, saaledes *Rolfskilde*, mellem Rolfsted og Ferritslev, og i Kappendrup. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Ørbæk.

Fladeindholdet 1896: 2706 Td. Ld., hvoraf 1296 Td. besaaede (deraf med Hvede 38, Rug 249, Byg 299, Havre 281, Ærter og Vikker 11, Blandsæd til Modenh. 118, Grøntf. 115, Kartofler 20, Sukkerroer 47, andre Rodfr. 109, Frøavl 9), Afgræsn. 321, Høslæt, Brak, Eng m. m. 536, Have 33, Skov 410, Moser 6, Kær og Fælleder 8, Hegn 25, Veje og Byggegr. 62, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 229 Heste, 1024 Stkr. Hornkvæg (deraf 643 Køer), 439 Faar, 311 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 300 Td.; 69 Selvejergaarde med 256, 5 Fæstegd. med 17, 91 Huse med 27 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 816 (1801: 429, 1840: 493, 1860: 616, 1880: 737), boede i 161 Gaarde og Huse; Erhverv: 31 levede af immat. Virksomh., 576 af Jordbrug, 159 af Industri, 24 af Handel, 3 af andre Erhv., 22 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Rolfsted*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Mølle, Andelsmejeri og Telefonstation; *Ferritslev*, ved Landevejen, med Friskole, Apotek, Lægebolig, Andelsmejeri og Uldspinderi; *Kappendrup* med Telefonstation; *Hudevad*. Gaardene *Ferritslevgd.*, *Tvevadgd.* og *Rolfstedgd.*

Rolfsted S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administrativ Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 115. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af hugne Granitkvadre paa en Sokkel af to Skifter profilerede Sten; Rest af en oprindelig Dør paa Skibets Sydside. I den senere Middelalder er Kirken sikkert undergaaet en Ombygning, idet det svære Taarn med kamtakkede og blindingssmykkede Gavle, Vaabenhuset, den ret smukke, kamtakkede Korgavl og Krydshvælvingerne ere blevne opførte. Altertavlen er et tarveligt Arbejde fra Chr. IV's Tid. Smuk romansk Granitdøbefont med Buefrise med Kors om Kummen og en rigt profileret Fod. Prædikestolen er et rigt Billedskærerarbejde fra 1593. Den ældste Klokke, med Indskrift i Majuskler, er vistnok fra 14. Aarh.

I Sognet laa fordum en Hovedgaard *Rolfstedgaard*, der ved 1300 ejedes af Hamund Litle og 1387 af Borkvard Skinkel (af de Søblade-Skinkeler), senere af Morten Skinkel (Tinhuus) 1443 og 1453, og hans Søn Hans Skinkel 1488; 1525 ejedes den i Fællesskab af Henning Walkendorff, hvis Hustru Sidsel Friis stammede fra de Skinkeler, og af Laurids Skinkel, Halvbroder til Hans Skinkel, men Laurids udkøbte sin Medejer af Gaarden, der derefter forsvinder som Hovedgaard.

*Ferritslevgaard* var i 16. Aarh. en Hovedgaard, blandt hvis Ejere nævnes Niels Bild og Erik Hardenberg (1588).

I *Ferritslev* har der tidligere været en Kirke, som da hørte til Vindinge Hrd. Ved Kongebrev af $^{7}/_{1}$ 1555 blev det befalet at nedbryde den, og Sognet (der ogsaa indbefattede Bekstrup i Ellinge Sogn) henvistes til Rolfsted Kirke; Bygningsmateriale, Klokker m. m. skulde tilfalde Rønninge og Rolfsted Kirker. Samtidig annekteredes Rolfsted Kirke til Rønninge, men Præsten forpligtedes til at holde en Kapellan. Kirken, der dog vistnok først nedreves i Slutn. af 16. Aarh., har ligget paa en Bakke i Byen, der nu er omdannet til et Anlæg; endnu i Slutn. af 18. Aarh. saas der Fundamenter af den.

*Rolfskilde* (se ovfr.) besøgtes endnu i Slutn. af 18. Aarh. St. Hans Nat som Sundhedskilde.

Af de 8 Langdysser, man kender i Sognet, ere to fredlyste: „Grisemosehøj" ved Ferritslev og „Rolfshøj" ved Rolfsted. Ved Hudevad ligger en fredlyst Runddysse.

**Litt.** se under Rønninge Sogn.

**Sønder-Næraa Sogn** omgives af Rolfsted, Fravde, Allerup og Højby Sogne samt Svendborg Amt (Vindinge Hrd.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^{1}/_{2}$ Mil S. S. Ø. for Odense og $2^{1}/_{2}$ Mil V. for Nyborg. De mod N. højtliggende og bakkede (Ibjærg Banke, 198 F., 62 M.), i Midten mere jævne og mod S. Ø. lavtliggende og side Jorder ere overvejende sandmuldede. En Del Skov (Horsemose Sk., Hestehave, Tarup Sk., Oresk.). Gennem Sognet løber *Vindinge Aa.*

Fladeindholdet var 1896: 2705 Td. Ld., hvoraf 1420 besaaede (deraf med Hvede 26, Rug 279, Byg 301, Havre 287, Ærter og Vikker 7, Blandsæd til Modenh. 260, Grøntf. 102, Kartofler 18, Sukkerroer 20, Handelspl. 3, andre Rodfr. 115), Afgræsning 395, Høslæt, Brak, Eng m. m. 596, Have 39, Skov 177, Moser 2, Kær og Fælleder 4, Hegn 2, Veje og Byggegr. 70 Td. Kreaturhold 1893: 211 Heste, 1056 Stk. Hornkvæg (deraf 714 Køer), 285 Faar, 480 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 308 Td.; 52 Selvejergaarde med 255, 1 Fæstegd. med 3 og 146 Huse med 50 Td. Hrtk. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 883 (1801: 464, 1840: 656, 1860: 841, 1880: 881), boede i 189 Gaarde og Huse; Erhverv: 43 levede af immat. Virksomhed, 538 af Jordbr., 222 af Industri, 19 af Handel, 2 af andre Erhv., 51 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sønder-Næraa* (1383: Nærdøvæ, 1419: Nærthughæ, 1514 og 1524: Nerdu) med Kirke, Valgmenighedskirke, Præstegd. og Bolig for Valgmenighedens Præst, Skole, Friskole, Andelsmejeri (Engholm), Mølle og Telefonstation; *Tarup* med Mølle, Andelsmejeri og Telefonstation; *Ore. Rindbæk Huse.* — Hovedgaarden *Torpegaard*: $22^{5}/_{8}$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^{1}/_{2}$ Td. Skovskyld, 218 Td. Ld., hvoraf 15 Eng, 36 Skov, Resten Ager. *Næraagaard*: $15^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 120 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 7 Skov, Resten Ager (1 Hus). *Ringstedgaard*: $11^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., $116^{1}/_{2}$ Td. Ld., hvoraf $13^{1}/_{2}$ Skov, Resten Ager.

S.-Næraa S., en egen Sognekommune, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 118. Lægd. Kirken tilhører Pastor Maus Arvinger.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, to Taarne mod V. og S. og Vaabenhus mod N. Den var oprindl. en romansk Fraadstensbygning uden Sokkel. Det gamle Kor er nu forsvundet. Skibets Sider ere udvendig prydede med høje, flade, rundbuede Blindinger, adskilte ved smalle Pilastre, og har foroven under Taget en Rundbuefrise. De oprindl. Portaler og enkelte af Vinduerne ere endnu bevarede. Alt i den romanske Periode er der ved Skibets Vestende blevet opført et Taarn af ualmindelig tynde Munkesten. Taarnet, hvis Sider springe $1^{1}/_{2}$ Al. frem foran Skibets, har haft hvælvet Underrum og været forbundet med Skibet ved to rundbuede Aabninger, adskilte ved en firkantet Murpille. Taarnets Overrum synes at have aabnet sig paa samme Maade ind mod Skibets Tagrum. Opgangen til Taarnet er vistnok oprindl. sket ad en udvendig Trappe eller Stige til et Dørhul oppe i Taarnets Nordside, men senere er der ind-

vendig i Underrummet blevet opmuret en af en Hvælving dækket Trappe. Saavel Trappen som den oprindl. Taarnhvælving og Forbindelsen med Skibet ere nu forsvundne. I Taarnets Underrum findes nede ved det nuv. Gulv (det oprindl. Gulv har ligget omtr. $^3/_4$ Al. dybere) i s. og v. Mur en tætsiddende Række koncheformede Nicher, og lignende findes i Overrummet. Henimod Middelalderens Slutn. er det gamle Taarn blevet afbrudt saaledes, at dets nuv. Tag ligger betydeligt højere end Skibets, og Forbindelsen mellem Taarn og Skib er bleven forandret til en stor Spidsbueaabning, samtidig med at den tidligere Hvælving er bleven erstattet med en simpel gotisk Krydshvælving. Koret er blevet nedbrudt og opført paa ny af Munkesten i samme Bredde som Skibet og forlænget, et stort, hvælvet Kapel er blevet bygget paa Skibets Sydside, og ovenpaa dette er Kirkens andet og nuv. Taarn blevet opført, ligeledes i Middelalderen. Fra den senere Middelalder hidrøre ogsaa Vaabenhuset og Kirkens Hvælvinger (se *J. Helms*, D. Tufstenskirker, S. 109). Interessante Kalkmalerier, vistnok fra 1. Halvdel af 13. Aarh., ere fundne paa Skibets Vægge (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 59). Paa Alteret staar Thorvaldsens Christus i Gibs. Romansk Døbefont. Den tarvelige Prædikestol er fra 1634, med Iver Vinds og Helvig Skinkels Navne og Vaabener. I Vaabenhuset en smuk Ligsten over Peder Lauridsen Straale, † 1551, og Anne Skinkel, † 1586. Paa Korets Sydside en romansk Ligsten og en Fraadstenskvader med et udhugget Ornament. Under Koret er der en Gravhvælving, fra hvilken Kisterne for omtr. 40 Aar siden ere optagne og nedsænkede paa Kirkegaarden; under Skibets Gulv ligeledes en Gravhvælving med 6—8 Ligkister; Kapellet i Taarnhvælvingen blev nedlagt i Beg. af 19. Aarh.

Valgmenighedskirken er opf. 1874 af røde Mursten i Korsform med fladt, gibset Loft og Taarn, tilføjet 1891; Altertavlen er et Maleri af C. Dalsgaard (Jesus fremstilles i Templet). Den var oprindl. en Filial til Ryslinge Valgmenighed, men anerkendtes som selvstændig $^{28}/_3$ 1882; 1883 fik den et Anneks i Odense, hvilket dog nu ogsaa er selvstændigt (se S. 317).

*Torpegaard* nævnes først ved Midten af 16. Aarh. og skal have tilhørt Didrik Henningsen Qvitzow, † 1561; 1554 tilhørte den imidlertid Peder Lauridsen Straale, derefter Enken Anna Skinkel, † 1586, og Sønnen Laurids Straale, † 1596, g. m. Mette Bille. Et Stykke Egetømmer over Ladedøren bærer Bogstaverne L S M B og Aarst. 1590, en Trætavle i Laden har samme Mærke og Aarst. 1580. Deres eneste Søn Peder Straale døde 1624 som sin Slægts sidste Mand, og T. blev da vistnok af hans Søster Margrethe solgt til Claus Brockenhuus, som 1627 solgte den til disses Søskendes Halvsøster Helvig Skinkels Ægtefælle Iver Vind, der 1631 ombyggede Gaarden. Den gik i Arv til Datteren Anne Vind (se ndfr. under Ringstedgd.), Arent v. der Kuhla, hvis Datter Mette v. der Kuhla, Enke efter Chr. Banner, 1693 solgte den til Fru Mette Gyldenstierne, Knud Billes, der forøgede Gaardens Tilliggende. Hendes Søn Axel Bille solgte 1724 T. til Peder Hovenbeck. Ved Auktionen efter ham 1738 solgtes den (omtr. 291 Td. Hrtk.) til Johan Voss, som atter 1741 ved Auktion solgte den til Landsdommer Bondo Simonsen, der 1751 afhændede den til Major Bendix Ludvig v. Pflueg. Han solgte den (313 Td. Hrtk.) tillige med Ringstedgaard 1761 til Kapt. Vincents Steensen, som 1802 overdrog begge Gaarde til sin Søn Kapt. Hans Henr. Otto Steensen, i hvis Familie den blev til 1866, da den købtes af den nuv. Ejer, F. C. Finderup. Den tidligere Hovedbygning, af Bindingsværk, er fra 1864 erstattet med en Bygning af Grundmur i eet Stokværk med høj Kælder og Kvist. Paa den ene Side af Gaarden findes Rester af de gamle Grave.

*Ringstedgaard* var tidligere en Hovedgaard, der tilhørte Biskop Jens Andersen Beldenak. Han havde en meget uheldig Fejde med Slægten Rønnow, der endtes ved en kgl. Dom, hvorefter Bispen enten skulde betale Hr. Markvard Rønnows Arvinger en stor Pengesum eller afstaa Pederstrup og Ringstedgd. Denne Gaard afbrændtes i Grevens Fejde, men dens Plads er endnu kendelig ved Fund af Munkesten S. V. for den nuv. Gaard. Senere opførtes en mindre Hovedbygning af samme Navn, der 1627 tilhørte Otte Banners Enke Jytte Bild, hvis Datter Karen 1637 rømte til Tyskland med Præsten i Sønder-Næraa Hr. Torben Eriksen. R. tilhørte siden Fru Jyttes Sønner Gehejmer. Niels Banner, † 1670, og Ejler Evert Banner, fra hvem den kom til Iver Vind, hvis Søn Chr. Vind 1668 solgte den og Torpegaard til sin Søster Anne Vind. Senere blev den atter udlagt fra Torpegaard som Parcelgaard.

Ved Ringstedgd. ligger en af Landets største Gravhøje, „Ringstedhøj", omtr. 25 F. høj.

**Nørre-Lyndelse Sogn** omgives af Annekset Højby, Svendborg Amt (Vindinge og Salling Hrd.), N.-Søby Sogn og Odense Hrd. (Fangel og

Stenløse S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. for Odense og $3^1/_4$ Mil V. for Nyborg. De højtliggende og bakkede Jorder (mod S. Eskelunds Banke, 221 F., 69 M.) ere for største Delen muldlerede. Fra S. til N. løber *Lindved Aa*, Tilløb til Odense Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 4153 Td. Ld., hvoraf 2060 besaaede (deraf med Hvede 37, Rug 417, Byg 502, Havre 414, Blandsæd til Modenh. 363, Grøntf. 122, Kartofler 25, Sukkerroer 35, andre Rodfrugter 139), Afgræsning 617, Høslæt, Brak, Eng m. m. 901, Have 65, Skov 67, Moser 240, Kær og Fælleder 16, Hegn 53, Veje og Byggegr. 123, Vandareal 9 Td. Kreaturhold 1893: 363 Heste, 1505 Stk. Hornkv. (deraf 937 Køer), 676 Faar, 582 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 404 Td.; 83 Selvejergaarde med 347, 1 Fæstegd. med 1, 213 Huse med 55 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1436 (1801: 670, 1840: 1125, 1860: 1433, 1880: 1537), boede i 290 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomhed, 925 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 309 af Industri, 36 af Handel, 2 af Skibsfart, 8 af andre Erhverv, 59 af deres Midler, og 48 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Lyndelse*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole, Forsamlingshus (paa N.-Lyndelse Mark), Kro, Andelsmejeri og Telefonstation; *Dømmestrup* med Skole, Teglværk og Telefonst.; *Lumby* med Fattiggaard (opf. 1869, Plads for 120 Lemmer); *Freltofte* med Skole, Mølle og Teglværker. *Sosted*, *Lumbyholm*, *Lindeskov*, *Trindelhøj*, *Freltoftemose* og *Sortelung*, Huse; *Musehuse* (en Del i Højby S.). — Hovedgaarden *Bramstrup* har $52^3/_4$ Td. Hrtk. (deraf $^1/_4$ Td. Skovsk.), 475 Td. Ld., hvoraf 70 Eng og Mose, 15 Skov, 15 Gaardspl., Have og Veje, Resten Ager; til Gaarden høre desuden 31 Fæste- og Lejehuse samt N.-Lyndelse Kro med i alt $10^3/_4$ Td. Hrtk., N.-Lyndelse Kirketiende og Stenløse Kongetiende. *Bramstrup Møllegaard* (nu under Hovedgaarden): $13^3/_4$ Td. Hrtk., 150 Td. Ld., hvoraf 30 Eng og Mose, Resten Ager. Jorden til Bramstrup og Møllen er fri Hovedgaardstakst undt. $8^1/_8$ Td. Hrtk. under Hovedgaarden og $5^1/_8$ under Møllen. *Lumbygaard*: $14^1/_4$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 6 Skov, Resten Ager (til Gaarden hører en Mølle). En Gaard i N.-Lyndelse (Skullerudgd.): $13^1/_4$ Td. Hrtk., 134 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, 2 Skov, Resten Ager (1 Hus).

N.-Lyndelse S., en egen Sognekommune, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 120. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Bramstrup.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V., Vaabenhus mod N. og Begravelseskapel (fra 1892) paa Korets Nordside. Den ældste Del, Skibet, er opført i den romanske Periode af hugne Granitkvadre paa en profileret Sokkel. Koret er langt senere, vistnok ligesom Taarnet, Kapellet og Vaabenhuset opført i Slutn. af 16. Aarh. Taarnet, der udvendig bærer Aarst. 1584, har 4 trappeformede Renæssancegavle af lign. Form som Gavlene paa Kirkens øvrige Tilbygninger. Begge de gamle, rundbuede Døre ere bevarede. Alle Kirkens Bygninger ere overhvælvede. Altertavlen er nyere; romansk Granitdøbefont med raat udførte Helgenfigurer paa Kummen. Prædikestolen, fra 2. Halvdel af 16. Aarh., har paa Døren Brockenhuusernes og Skramernes Vaabener. Mellem Skib og Vaabenhus en udskaaren Egetræsdør fra Slutn. af 16. eller Beg. af 17. Aarh. I Vaabenhuset er opstillet en stor og smuk Ligsten over Mikkel Brockenhuus, † 1555, og Karen Lykke, † 1562, der oprindl. har haft sin Plads indvendig paa Korets nordl. Væg. Smstds. ere opstillede en stærkt slidt Ligsten fra 1547 med Brockenhuusernes og Lykkernes Vaaben (Peder Brockenhuus, † 1547) og en Ligsten over Provsten Christen Fischer, † 1725, som 1713 har skænket en Messinglysekrone. Spor af Kalkmalerier paa Hvælvingerne. Series Pastorum.

*Bramstrup* (Brangstrup) og Bramstrup Mølle blev 1425 tilskødet Anders Jensen

af Anders Jepsen, der havde faaet den i Pant af Erik Andersen. Efterfølgende Ejere vare: Landsdommeren i Fyn Knud Jakobsen Reventlow, der gav Gaarden i Medgift med sin Datter Gese til Peder Brockenhuus († c. 1505). Disses Søn Mikkel Brockenhuus synes før 1538 at have opført en ny Hovedbygning, ligesom han nedlagde Bramstrup By, der bestod af 5 Gaarde og 2 Huse. Hans Søn var Rigsmarsk Frands Brockenhuus († 1569). Dennes Søn Laurids Brockenhuus († 1604) arvede Gaarden, som han efterlod til sin Datter Anne, g. med Henning Walkendorff til Glorup, hvis Søn af s. Navn vistnok solgte eller pantsatte den til en holstensk Adelsmand Cl. Buchwaldt, der 1632 solgte den til Holger Rosenkrantz til Glimminge og Vemmetofte; hans Søn Ebbe Rosenkrantz (der if. to Indskrifter paa Laden 1670 har opført den af ny, efter at den var omblæst s. Aar) gik fallit, hvorefter en af hans Kreditorer Abraham Friherre Putbus 1686 skødede den til Oberst Fred. Gersdorff, som 1691 forøgede dens Tilliggende med Lindved, men selv gik fallit 1722, hvorefter Gaarden købtes af Oberst Joh. Frederik Brockenhuus. Dronning Anna Sophie opholdt sig paa B. i den nærmeste Tid efter Fred. IV's Død (Okt.-Dec. 1730). Den Gang udgjorde B. og Lindved 477 Td. Hrtk. J. F. Brockenhuus († 1756) efterfulgtes af sin Søn Kammerhr. og Oberstlieutn. Caspar Chrf. B., † barnløs 1762. Hans Enke ægtede Generallieutenant Hans Ahlefeldt, som 1798 solgte B. og Lindved til Kancelliraad Hillerup, som solgte Lindved s. Aar (se S. 414) og 1807 B. til Etatsr. H. J. Hansen († 1832), der ejede den til 1827, da den overtoges af Justitsr. T. Hillerup. Han solgte den 1848 til Etatsr. N. R. Langkilde, † 1892, hvorefter den gik over til Sønnen, den nuv. Ejer, W. A. Langkilde, for 400,000 Kr. — Den nuv. Hovedbygning, der if. en paa Gaarden værende Stentavle er opf. 1689 af Fr. Gersdorff og Hustru, Margr. Krag, bestaar af 3 sammenbyggede Fløje i eet Stokv. paa en høj Kampestenssokkel; paa Midtfløjen en Kvist. Den er paa de 3 Sider omgiven af brede Grave, paa den 4. af Mølledammen. Prægtige Lindealleer i Haven.

Mikkel Brockenhuus's Ligsten.

I N.-Lyndelse findes et Bystævne af ikke tildannede Sten og uden Indskrift,

formentlig hidrørende fra 18. Aarh.; det har oprindl. bestaaet af 7 Sten (da der var $12^1/_2$ Gaarde, sad der to Mænd paa hver Sten), 1895 tilføjedes en 8. Sten som Pynt. Stævnet, som nu er ovalt, har ikke været brugt siden 1861, da Byen brændte og Gaardene derefter for en Del udflyttedes. — I Dømmestrup er der ogsaa et gammelt Bystævne, med 15 (oprindl. 16) i en Rundkreds stillede, utilhugne Sten uden Indskrift; i Midten har der før staaet et Træ. Det bruges endnu.

**Højby Sogn**, Anneks til N.-Lyndelse, omgives af dette, Odense Hrd. (Stenløse og Dalum S.), fra hvilket det adskilles ved Lindved Aa, Fravde, Allerup og S.-Næraa Sogne samt Svendborg Amt (Vindinge Hrd.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. 1 Mil S. Ø. for Odense og 3 Mil V. for Nyborg. De noget højtliggende, men temmelig jævne Jorder — mod N. ligger dog en Aas *Uglebjærg*, 125 F., 39 M., — ere lermuldede (kun Aasen er sandet og gruset). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Svendborg og den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1557 Td. Ld., hvoraf 875 besaaede (deraf med Hvede 12, Rug 157, Byg 182, Havre 189, Blandsæd til Modenhed 137, Grøntfoder 60, Kartofler 7, Sukkerroer 65, andre Rodfrugter 65), Afgræsning 173, Høslæt, Brak, Eng m. m. 340, Have 22, Skov 39, Moser 26, Kær og Fælleder 25, Veje og Byggegr. 53. Kreaturhold 1893: 139 Heste, 550 Stkr. Hornkv. (deraf 358 Køer), 183 Faar, 276 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 173 Td.; 25 Selvejergaarde med 151, 64 Huse med 22 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 431 (1801: 252, 1840: 401, 1860: 421, 1880: 479), boede i 87 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 290 af Jordbrug, 67 af Industri, 14 af Handel, 2 af andre Erhv., 20 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Højby*, ved Landevejen og Jærnbanen, med Kirke, Skole og Friskole, Forsamlingshus (opf. 1878), Jærnbane- og Telegrafstation, Kro og Andelsmejeri (Højby-Allerup). *Ellekjær*, Gde. og Huse; *Højby Huse*, *Højbymark*, Huse, *Musehuse* (en Del i N.-Lyndelse S.). *Lindeskovgaard*: $17^3/_4$ Td. Hrtk., $151^3/_4$ Td. Ld., hvoraf $6^1/_4$ Eng, $5^1/_2$ Skov, Resten Ager (1 Lejehus).

Højby S., en egen Sognekommune, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr.' 119. Lægd. Kirken tilhører Ritmester Lützen, Odense.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod Vest, Vaabenhus mod Syd og Kapel. Skib, Kor og Taarn ere opførte i den senere Middelalder af Munkesten. Koret synes at være noget yngre end Skibet. Paa Skibets Sydside er den oprindelige Dør, med Fladbue, bevaret. Taarnets og Korgavlens oprindl. Kamtakker ere afløste af simple Renæssancekamme. Vaabenhuset er vistnok opf. i 17. Aarh.; paa dets jærnbeslaaede Dør staar Aarst. 1652. Skib og Kor dækkes af en pudset Tøndehvælving af Træ, dekoreret med Stjerner paa blaa Grund. Altertavlen, skænket 1753, har et Maleri (Nedtagelsen af Korset). Granitdøbefont; raat udskaaren Prædikestol fra 1578. Kapellet, der er opf. i Beg. af 18. Aarh. for Ejerne af Hollufgaard, bærer over Døren ind til Skibet Aarst. 1728 og Rosenvingernes Vaaben. Det indeholder en Del læderbetrukne og metalbeslaaede Ligkister.

I Højby findes et Bystævne, der oprindl. bestod af ikke tilhugne Sten, som stod i en Rundkreds om en større Sten i Midten; 1848 rejstes et nyt, ovalt Stævne med 15 firsidet tilhugne Sten. Ved Faaborg-Ringe Banens Anlæg blev Stævnet flyttet til sin nuv. Plads og indhegnet; Stenene stilledes i en aflang Firkant, vendtes, og paa deres ny Indersider huggedes Aarst. 1876 (paa een dog 1850) og de daværende Bymænds Navne; samtidig tilføjedes 4 tilhugne Sten. Efter 1876 har Stævnet næsten ikke været brugt.

Højby S. hørte tidligere til St. Hans Sogn i Odense; 1805 blev det Anneks til N.-Lyndelse.

**Nørre-Søby Sogn** omgives af N.-Lyndelse Sogn, Odense Hrd. (Fangel

S.) og Svendborg Amt (Salling Hrd. [Allested og Heden S., det sidste Anneks til N.-Søby, samt Gjestelev S.]). Kirken, mod N., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. for Odense og $3^1/_2$ Mil V. S. V. for Nyborg. De højtliggende, men for største Delen jævne Jorder ere overvejende sandmuldede. En Del Skov (Dyrehave, Nymark Sk., Røjlesk.). Mod N. ligger den omtr. 50 Td. Ld. store *Søby Sø*, fra hvilken Lindved Aa kommer. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 2365 Td. Ld., hvoraf 1002 besaaede (deraf med Hvede 32, Rug 192, Byg 244, Havre 241, Ærter og Vikker 6, Blandsæd til Modenh 184, Grøntf. 33, Kartofler 19, andre Rodfr. 43, Frøavl 7), Afgræsn. 294, Høslæt, Brak, Eng m. m. 450, Have 34, Skov 186, Moser 200, Kær og Fælleder 70, Hegn 13, Veje og Byggegr. 57, Vandareal 58 Td. Kreaturhold 1893: 195 Heste, 684 Stkr. Hornkv. (deraf 475 Køer), 275 Faar, 413 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 193 Td.; 32 Selvejergaarde med 166, 87 Huse med 25 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 658 (1801: 334, 1840: 370, 1860: 560, 1880: 658), boede i 117 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 442 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 135 af Industri, 18 af Handel, 10 af andre Erhverv, 28 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Nørre-Søby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole (et Stykke fra Byen), Forsamlingshus, Andelsmejeri, Damp- og Vejrmølle og Telefonstation. — Hovedgaarden *Søbysøgaard*: $67^1/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og omtr. 13 Td. Skovskyld, 1000 Td. Ld. (mindre Dele i Fangel, Vejle og Allested Sogne), hvoraf 40 Eng, 300 Skov, 50 Sø, 130 Tørvemose (til Dels Eng), Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle samt N.-Søby Kirke- og Kongetiende og Allested Kirketiende.

N.-Søby S., en egen Sognekommune, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 121. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Søbysøgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skibet, der sikkert er bygget i to Gange, og det noget yngre, med Kamtakker og Blindinger prydede Taarn hidrøre fra den senere Middelalder, ere opførte af Munkesten og have Krydshvælvinger. Det nuv. Kor, der skriver sig fra den nyere Tid, er opf. af store Mursten og er højere og bredere end Skibet. Det har fladt Loft, og under dets Gulv er der en, fra 1855 lukket Gravkælder for tidligere Ejere af Søbysøgaard. Vaabenhuset er en nyere, uanselig Tilbygning. Altertavlen er en trefløjet Træramme med Malerier fra 17. eller 18. Aarh. Paa Predellaen findes malet Urnernes og Walkendorffernes Vaabener og Aarst. 1543. Paa Siderne af Altertavlen 2 Malerier af Apostlene Peder og Paulus (efter Sigende udf. af Major S. P. L. Schack). Døbefonten, med Himmel, og Prædikestolen (med Aarst. 1655), med Himmel, ere udskaarne Træarbejder i sen Renæssancestil. Det store og smukke Døbefad bærer paa Randen Billernes og Rosenkrantzernes Vaabener. De øverste Stolestader paa hver Side have Udskæringer og bære Chr. Urnes og Anne Sofie Krabbes Navne og Aarst. 1654. I Skibet hænger en lille Malmlysekrone med Axel Rosenkrantz' Navn og Aarst. 1789. I Koret er opstillet to smukke Ligsten, en over Jørgen Urne, † 1480 og en anden over Knud Urne, † 1543, og Hustru, samt en Sten med Urnes og Rosensparres Vaaben og Aarst. 1552. I Kor og Skib ere ophængte fire større, smukke Messinggravplader, fra Chrf. Urnes, † 1689, Iver Urnes, † 1688, Chr. Urnes, † 1669, og Anne Sofie Krabbes, † 1700, Ligkister. Den mindste af Klokkerne, med Minuskelindskrift, er fra 1470.

*Søbysøgaard* ejedes gennem flere Slægtled af Familien Urne, saaledes Jørgen Urne, † 1480, og hans Sønnesøn Rigskansler Axel Urne, † 1577, hvis Søn Erik Urne 1616 solgte S. til Hr. Breide Rantzow, hvis Datter Lisbeth Sophie bragte Gaarden til sin Ægtefælle Hr. Hans Lindenau. Med disses Datter Sophie Lindenov kom Gaarden til Rigskansler Chrf. Urne, derefter til hans Søn Christian Urne, hvis Enke Anne Sophie Krabbe overlevede sine to Sønner, hvorefter Gaarden af Arvingerne solgtes 1703 til hendes Brodersøn Kapt. Iver Krabbe, men da hans Enke Anne

Christence Rosenkrantz gik fallit 1722, blev Gaarden udlagt til Kapt. P. O. v. Gamm, der 1730 solgte den til Fr. v. Holsten, fyrstelig eutinsk Hofmarskal, der 1745 oprettede S., naar Gælden var betalt, til et Stamhus under Navn af *Holstensgaard*, for sin Broderdatters ældste Søn af hendes Ægteskab med Gehejmer. Mogens Rosenkrantz til Spøttrup. Holsten døde 1752, hvorefter S. indtil 1802 som Stamhus var i Familien Rosenkrantz' Besiddelse, nemlig: Wolf Sivert R., † 1755, og derefter hans Broder Major Axel R., † 1802. Stamhuset ophævedes mod Substitution af en Fideikommiskapital paa 174,000 Rd., og sidstnævntes Søn Erik Scheel R. erhvervede 1804 Bevilling paa at sælge Godset, uden at Gaarden tabte sin Skattefrihed. Han solgte den 1805 til Justitsr. Hillerup, som 1820 afhændede den til sin Svigersøn Sølieutn. Jens Vedel, † 1827, hvis Enke Aaret efter giftede sig med Kmjkr. senere Hofjægerm., Kmhr. Rogert Fønss. Han solgte den 1844 til Admiral J. K. de Falsen, † 1849, der med Iver tog sig af Landvæsenet og var meget afholdt paa Grund af, at han paa gode Vilkaar solgte en Del af Bøndergodset (der er 1868 bleven rejst en Mindestøtte for ham i Haven). Efter ham gik den over til Sønnen Kapt. E. de Falsen, ved hvis Død 1867 den tilfaldt hans

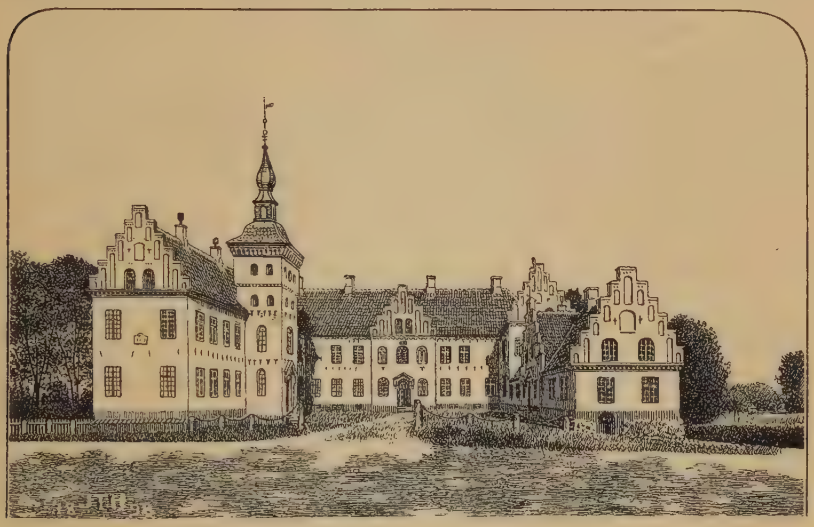

Søbysøgaard.

ældste Datter, der var g. m. den nuv. Ejer, Kmhr. F. H. C. de Falsen Baron Zytphen-Adeler til Adelersborg. — Hovedbygningen bestaar af 3 sammenbyggede Fløje med takkede Gavle og et Taarn med Spir paa den ene Sideefløj; Midtfløjen, der er den anseligste og ældste, er if. en Indskrift paa Muren opført 1641 af Hans Lindenov; ved Midten af 18. Aarh. blev Bygningen „moderniseret", i Beg. af 19. Aarh. bleve dens Prydelser, deribl. Taarnet, fjernede, ligesom ogsaa Gravene tilkastedes; nu er den atter ved Midten af 19. Aarh. bleven restaureret, hvorved bl. a. Taarnet genopførtes; Murene ere hvidkalkede (se *E. Vedel*, Erindr. og Efterretn. om Søbysøgaard, trykt som Manuskr., Kbh. 1893).

# Bjærge Herred.

**Sogne:**

*Drigstrup, S. 441. — Munkebo, S. 442. — Kjølstrup, S. 443. — Agedrup, S. 446. — Marslev, S. 447. — Birkende, S. 448. — Rynkeby, S. 450. — Revninge, S. 452. — Viby, S. 453. — Mesinge, S. 455. — Dalby, S. 457. — Stubberup, S. 458.*

---

Bjærge Herred, det nordøstligste i Fyn, grænser mod S. V. til Aasum Herred, fra hvilket det for en Del adskilles ved Vejrup Aa, mod S.Ø. til Svendborg Amt (Vindinge Hrd.) og omgives i øvrigt mod Ø., N. og V. af Store Bælt (der afsætter Kjerteminde Bugt), Kattegat og Odense Fjord. Fra S. til N. er Udstrækningen omtr. $3^3/_4$ Mil, i den sydl. Del er den største Bredde fra V. til Ø. 2 Mil, mod N. løber Herredet spidst til i Halvøen Hindsholm. Den sydl. Del er temmelig lavtliggende og jævn; *Hindsholm*, som kun ved en smal Landtange mellem Odense Fjord og den fra Kjerteminde Bugt dybt indtrængende Kjertinge Fjord og Nor hænger sammen med Herredets anden Del, og som mod V. har en meget indskaaren Kyst med Bugter (Dalby Bugt) og Ødannelse, er gennemgaaende stærkt bakket, dog hæver intet Punkt sig over 150 F.; derimod naar Loddenhøj paa Landtangen mellem Odense Fjord og Kjertinge Nor til 186 F., 58.$_4$ M. Fyns nordøstlige Vandskel gaar over disse Bakker ud i Halvøen for at ende i Hindsholms nordligste Punkt Fynshoved med Bæsbanke, 79 F., 25 M. Naar undtages nogle, til Dels lyngklædte Bakker paa Hindsholm og flere fra Havet indvundne Engstrækninger ere Jorderne overvejende lermuldede. Et større Vandløb, Gelsaa, søger i den sydl. Del ud til Odense Fjord. Til Herredet høre *Romsø* i Store Bælt og en Del smaa Øer ved Hindsholms Vestkyst. Der findes en Del spredtliggende Skov (1849 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de bedste i Amtet (gennemsnitl. $9^3/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Kjerteminde Købstad) 35,208 Td. Ld. (3,$_{53}$ □ Mil, 194,$_4$ □ Km.). Landdistr. Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895

$3345_{,1}$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 9548 (1801: 5679, 1840: 8583, 1860: 9195, 1880: 9880). I Herredet ligger Købstaden Kjerteminde. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Aasum Hrd.; i verdslig Henseende hører det til Bjærge-Aasum og Hindsholms Herreders Jurisdiktion og til Amtets 2. Forligskreds (Munkebo, Agedrup, Marslev og Birkende Sogne) og 3. Forligskr. (de øvrige Sogne).

Bjærge Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Byærghæreth*, hørte fra 1660 til Odensegaards eller St Hans Klosters Amt; se i øvrigt S. 309.

Der er i Hrd. talt henved 120 jordfaste Oldtidsmonumenter (deraf omtr. 35 Stengrave, Resten Gravhøje), men henved $^2/_3$ ere nu sløjfede eller forstyrrede. Medens Gravhøjene, som vel for største Delen tilhøre Broncealderen, ere saa temmelig jævnt fordelte, forekomme Stengravene udelukkende paa Hindsholm og i Drigstrup og Munkebo Sogne. Jærnalderen er repræsenteret ved et stort Antal Fund fra Skelet- og Urnegrave under flad Mark, spredte i hele Herredet. 8 Mindesmærker ere fredlyste.

**Litt.** *G. Strøm*, Efterretn. om Præster i B. Hrd. siden Reformationen, i Saml. til Fyens Hist. V. S. 305 flg. og VI S. 1 flg. — Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i Bjærge Hrd., af *S. Müller* og *E. Schiødte*, 1884. — *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til B. Hrd. (i Nationalmus.). — Om Hindsholm se S. 460.

---

**Drigstrup Sogn**, Anneks til Kjerteminde Købstadsogn, omgives af dette, Kjerteminde Fjord, Munkebo Sogn, Odense Fjord og Mesinge Sogn, fra hvilket det i sin Tid har været adskilt ved Torup Strand (udtørret 1812), som skilte Hindsholm fra det øvrige Land. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. V. for Kjerteminde. De noget højtliggende og bakkede Jorder (Kjærby Banker, 127 F., 40 M.) ere stærkt lerede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Kjerteminde til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1912 Td. Ld., hvoraf 1021 besaaede (deraf med Hvede 52, Rug 186, Byg 307, Havre 215, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenhed 47, Grøntf. 46, Frøavl 14, Kartofler 16, Sukkerroer 8, andre Rodfr. 123), Afgræsn. 230, Høslæt, Brak, Eng m. m. 607, Have 19, Kær og Fælleder 3, Veje og Byggegr. 32. Kreaturhold 1893: 193 Heste, 789 Stkr. Hornkv. (deraf 501 Køer), 463 Faar og 383 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 171 Td.; 26 Selvejergaarde med 141, 123 Huse med 30 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 482 (1801: 363, 1840: 480, 1860: 459, 1880: 509), boede i 82 Gaarde og Huse; Erhverv: 16 levede af immat. Virksomh., 367 af Jordbrug, 21 af Fiskeri, 60 af Industri, 3 af andre Erhv. og 15 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Drigstrup* (1441: Driistrup) med Kirke, Skole, Forsamlingshus (ombygget 1898) og Telefonstation; *Over-Kjærby* med Mølle; *Lille-Viby* med Fællesmejeri; *Bregnør*. *Kjærbygaard*: $13^3/_8$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, Resten Ager.

Drigstrup S., en egen Sognekommune, hører under Hindsholms Hrd.'s Jurisdiktion (Kjerteminde), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 103. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Lundsgaard.

*Kirken* (overhvidtet), tidligere helliget St. Nicolaus, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. De ældste Dele, Skib og Kor, ere opf. i romansk Tid af utilhuggen Kamp med Sokkel af banede Granitsten. Et Par frem-

springende Led, der danne en Gesims over Skibet, ere senere tilføjede, og Korets Mure ere stærkt forhøjede ved Hvælvingernes Indbygning i Skib og Kor, saaledes at Taget ligger i Flugt med Skibets. Den oprindl., sydl. Døraabning og et enkelt gammelt Vindue ere endnu bevarede. Taarnet, af store, røde Munkesten i Munkeforbandt med takkede og blindingssmykkede Gavle, er senere tilføjet; det overhvælvede Taarnrum er forbundet med Skibet ved en bred, spidsbuet Muraabning. Vaabenhuset, med fladt Loft, er af røde, store Mursten. Altertavlen er et Maleri af Chrf. Faber (Mariæ Bebudelse) i en ny Ramme (et ældre Alterbillede er paa Vaabenhusets Loft); Prædikestolen, ogsaa af nyere Dato, er et tarveligt Billedskærerarbejde; Granitdøbefont med en Figur med oprakte Arme og et Sværd. Over Korbuen et stort Krucifiks fra senere gotisk Tid. — Paa Kirkegaarden et 1869 rejst Monument over den der begravede Lægprædikant Christen Madsen († 1829).

Drigstrup S. var alt i den katolske Tid, efter at Kjerteminde havde faaet sin egen Kirke 1476, annekteret til Købstaden.

**Munkebo Sogn** omgives af Drigstrup Sogn, Odense Fjord (Dræby Kvissel), i hvilken Halvøen „Dræby Fed" skyder ud, Agedrup, Marslev og Kjølstrup Sogne (de to første adskilte ved Gelsaa) samt Kjertinge Nor. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil V. for Kjerteminde. De i det hele jævne, kun mod N. Ø. stærkt bakkede Jorder (Munkebo Bakke med Loddenhøj, trigon. Station, se S. 305) ere fortrinlig lermuldede. En Del Skov (Vestersk., en Del af Lysengesk.). Til Sognet hører Øen *Tornø*, omtr. 40 Td. Ld. (Lindø, Vejrø m. fl. ere nu landfaste ved en 1871 paabegyndt Inddæmning). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Kjerteminde og Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 2913 Td. Ld., hvoraf 1545 besaaede (deraf med Hvede 80, Rug 217, Byg 529, Havre 314, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 63, Grøntf. 46, Frøavl 73, Kartofler 47, Sukkerroer 12, andre Rodfr. 139, andre Handelspl. 9), Afgræsning 316, Høslæt, Brak, Eng m. m. 789, Have 45, Skov 113, Mose 4, Kær og Fælleder 17, Hegn 12, Veje og Byggegr. 71. Kreaturhold 1893: 263 Heste, 1101 Stkr. Hornkvæg (deraf 661 Køer), 581 Faar og 416 Svin. Ager og Engs Hrtk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 301 Td.; 65 Selvejergaarde med 271, 156 Huse med 30 Td. Hrtk. og 17 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1127 (1801: 488, 1840: 881, 1860: 1018, 1880: 1068), boede i 222 Gaarde og Huse; Erhverv: 39 levede af immat. Virksomhed, 581 af Jordbr., 121 af Fiskeri, 212 af Industri, 101 af Handel, 5 af Skibsfart, 2 af andre Erhv., 50 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Munkebo* (i Vald. Jrdb. Munkæbothæ), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (opr. 1881, Pl. for 25—30 Lemmer), Hospital (opr. 1736 af Oberst G. H. Brüggemann til Ulriksholm, med et Hus ved Kirken til 4 fattige, i Forbindelse med Hospitalet i Seden, se S. 422; de 6 fattige i de to Stiftelser faa af Renterne af den Hospitalerne tillagte Kapital paa 12,000 Kr. hver 24 Kr. aarl.), Øvelseshus (opf. 1888), Andelsmejeri og Kro; *Dræby* (1314: Dreyby, ɔ: Byen paa „Draget", den smalle Landtange, der forener Hindsholm med det øvrige Fyn), ved Landevejen, med Skole, Forsamlingshus (opf. 1887), Fællesmejeri og Jærnbanestation. — Hovedgaarden *Østergaard*: $50^3/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^5/_8$ Td. Skovskyld (lidt i Kjølstrup S.), 543 Td. Ld., hvoraf 118 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle og Munkebo Kirketiende. Paa Tornø er der een Gaard.

Munkebo S., en egen Sognekommune, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 107. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Østergaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S.

Den er i sine oprindl. Dele romansk, opført af hugne Granitkvadre paa en Sokkel med Skraaprofil. Paa Nordsiden af Skibet findes et oprindl. Vindue, og Levninger af de oprindl. Døre findes paa begge Sider af Skibet. I den senere Middelalder er Skibets Sydside og til Dels Koret (se Jacob Madsens Visitatsbog, S. 149) blevne ombyggede, det sidste udvidet mod Ø., væsentlig af Munkesten sammen med de gamle Granitkvadre; samtidig har Kirken faaet fladbuede Vinduer. Taarnet, med pyramideformet Tegltag, og Vaabenhuset ere fra Middelalderens Slutn. Kor, Skib og Taarn ere overhvælvede. Kirken udmærker sig ved sit smukke og velbevarede Inventar. Alter, Prædikestol, to Herskabsstole, et Pulpitur i Kirkens Vestende og Stolestadernes Endestykker ere alle Renæssancearbejder med rige Udskæringer. Altertavlen er fra 1592 og Prædikestolen fra 1597. Granitdøbefont. Over Korbuen et middelalderligt Krucifiks. Kirkedøren i Vaabenhuset har Jærnbeslag fra 1581. I Vaabenhuset flere, til Dels meget slidte Gravsten, deribl. over Præsterne Marcus Hansen Overskærer, † 1608, og Eiler Jacobsen Skaane, † 1640, samt over Marine Markvardsdatter, † 1602. Der er fundet Rester af Kalkmalerier.

*Østergaard* hed tidligere „*Kiil*“ eller „*Kjelegaard*“ og tilhørte 1584 Anders Kaas († 1599), der synes at have forandret dens Navn til Ø. Sønnen Hans K., Landsdommer i Fyn († 1632), arvede Gaarden. Chr. IV erhvervede siden Ø. til sin ægtc Søn Ulrik Chr. Gyldenløve, fra hvem den blev udlagt til en af hans Kreditorer Johan Boysen, der 1663 maatte sælge den til Jørgen Mathisens Arvinger i Kjøbenhavn; nogle Aar efter købtes den tillige med Ulriksholm (S. 445) af Proviantskriver Hans Hansen Osten († 1672), hvis Plejedatter Hedevig Spends eller Hansen ægtede Amtsforvalter, Kancellir. Nicolai Brüggemann, senere Etatsr. († 1682), der lagde Trellerup Bys Jorder ind under Ø. Aar 1703 udkøbte Anna Christina Brüggemann sine Medejere Burchard Suhm og Drude v. Reicken, og fra hende kom Gaarden til Oberstlieutn. Godske Hans Brüggemann († 1736), der meget forøgede dens Tilliggende, og 1736 oplod Gaarden til sin Søn Caspar Herman B., † 1781 som Konferensraad Hans Arvinger solgte den 1783 ved Auktion til Generalguvernør, Greve Ulrik Vilh. de Roepstorff († 1821), der 1801 solgte den til General-Haveinspektør Chr. Schmidt, som 1803 overlod den til sin Søn Johan S. († 1849), efter hvem den gik i Arv til Sønnen, Kaptajnlieutn. Chr. J. Schmidt († 1871). Derefter ejedes den af Enken til 1885, hvis Datterbørn havde den, indtil den 1891 overtoges af C. A. Oldenburg; 1895 solgtes den ved Auktion for 362,000 Kr. til den nuv. Ejer, Otto Suhr. — Den nuv. Hovedbygning, i eet Stokv. af Egebindingsværk og røde Mursten, men overkalket, paa en høj Kælder af Kamp, er efter en Indskrift over Indgangen opf. 1731 (efter en anden Indskrift er den tidligere Bygning opført 1598 af ovennævnte Anders Kaas). Ø. hørte indtil 1751 til Kjølstrup Sogn.

Den tidligere Hovedgaard *Dræbygaard* tilhørte 1422 Fru Anne, Borkvard Limbeks, 1550 Anders Urne, hvis Søn Hans U. ejede den 1589; 1614 ejedes den af Claus Podebusk, 1645 af Knud Ulfeld. Af Matriklen 1688 ses, at den da var opløst i Bøndergaarde. I den vestl. Udkant af Dræby, hvor Gaarden har ligget, er der fundet gammelt Murværk.

Den tidligere Hovedgaard *Trellerupgaard* tilhørte Hans Oldeland, † 1580, Enken Tale Abildgaard, † 1597; deres Søn Hans Oldeland (med begge sine Hustruer begravet i Munkebo Kirke) solgte den 1640 til Chr. IV, der lagde den ind under Ulriksholm, hvorefter Gaardens Bygninger, der have ligget noget N. N. Ø. for den nuv. Østergaard, og hvoraf der endnu findes Murbrokker, bleve nedbrudte.

Ved Kongebrev af $^6/_3$ 1570 fik Odense Tilladelse til at have en fri Havn til Ind- og Udskibning ved Munkebo. Det er vel hertil, at der hentydes i en Præsteberetn. af 1623, der beretter, at Odense Borgere engang agtede at anlægge en Havn der og derfor havde anlagt en Bro mellem en lille Holm og det faste Land, men Broen blev snart ødelagt af Isen, hvorom en Folkevise spotter: „Odense Mænd de vise — Bygde Bro paa Ise — Gantebro, som Galgen stod osv.“

Munkebo S. skal i tidligere Tid have været Anneks til Mesinge. — Munkebo udgjorde i sin Tid, indtil 1578, et eget Birk, *Munkebo Birk*.

**Litt.** *C. Engelstoft*, Munkebo Sogns Hist., i Saml. til Fyens Hist. IX S. 350.

**Kjølstrup Sogn** omgives af Munkebo, Marslev, Birkende, Rynkeby (af dette ligge flere smaa Enklaver i Kjølstrup S.) og Revninge Sogne samt Kjerteminde Fjord og Kjertinge Nor. Kirken, omtr. midt i Sognet ved Kjertinge Nor, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. V. for Kjerteminde. De ikke videre

højtliggende og temmelig jævne Jorder ere lermuldede. En Del Skov (Strandsk., Ulriksholms Dyrehave, Gelssk., en Del af Lysengesk. m. m.). Sydvestgrænsen dannes af Gelsaa. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Kjerteminde og Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 3777 Td. Ld., hvoraf 2051 besaaede (deraf med Hvede 92, Rug 369, Byg 588, Havre 369, Bælgsæd 19, Blandsæd til Modenh. 176, Grøntf. 101, Frøavl 41, Kartofler 40, Sukkerroer 10, andre Rodfr. 238, andre Handelspl. 8), Afgræsn. 450, Høslæt, Brak, Eng m. m. 791, Have 67, Skov 306, Kær og Fælleder 12, Hegn 9, Stenmarker 14, Byggegr. og Veje 67, Vandareal m. m. 10 Td. Kreaturhold 1893: 335 Heste, 1279 Stk. Hornkv. (deraf 788 Køer), 432 Faar, 569 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 407 Td.; 53 Selvejergaarde med 294, 10 Fæstegd. med 75, 127 Huse med 38 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1107 (1801: 628, 1840: 1087, 1860: 1107, 1880: 1180), boede i 210 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomh., 736 af Jordbr., 12 af Gartneri, 210 af Industri, 21 af Handel, 5 af Skibsfart, 7 af andre Erhv., 52 af deres Midler, og 32 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kjølstrup* (1352: Kølnæstorp) med Kirke, Præstegd., Skole, Pogeskole, Forsamlingshus (opf. 1896), Fattiggaard (Pl. for 40 Lemmer), Hospital (opr. 1675 af Abel Cathrine Wolfsdatter v. d. Wisch, † 1676, g. m. Hans Hansen Osten, med et Hus til 2 fattige, opf. af Abel Cathrines Dattersøn Hans v. Brüggemann; den nuv. Bygning er opf. af Grev Danneskjold-Samsøe) og Jærnbanestation; *Kjertinge*; *Ladby*, ved Landevejen, med Jærnbanestation og Andelsmejeri; *Hundslev* (1322: Hune Slot), ved Landevejen (en Del i Rynkeby S.), med Mølle og Andelsmejeri. *Hundslev-Nymark*, Huse. Hovedgaarden *Ulriksholm*: $30^3/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $1^1/_8$ Td. Skovskyld, 260 Td. Ld. Gaarden *Ørnfeldt*: $26^7/_8$ Td. Hrtk., 250 Td. Ld. (1 Fæstehus). *Kejrupgaard*: $19^5/_8$ Td. Hrtk. (hvoraf $^3/_4$ Td. til 2 Huse), 240 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 30 Skov, 2 Veje, 10 til 2 Huse, Resten Ager; paa Gaardens Mark et Teglværk. *Rosenlund*, $15^5/_8$ Td. Hrtk., 150 Td. Ld., hvoraf 12 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes *Skovgaard* og *Gels Kro*.

Kjølstrup S., een Sognekommune med Agedrup, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 106. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Selleberg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Kapel mod N. Skib og Kor ere opf. i romansk Tid af utilhuggen Kamp med Hjørnekvadre paa en profileret Sokkel. Oprindl. har Kirken haft Apsis; senere er Kirken undergaaet store Forandringer (jfr. Jac. Madsens Visitatsb. S. 151). Taarnet, med takkede, blindingssmykkede Gavle, og Kirkens Hvælvinger hidrøre fra den senere Middelalder. Det overhvælvede Taarnrum, tidligere Begravelse for den Brüggemannske Familie, er nu Vaabenhus (et tidligere Vaabenhus, mod S., er nu nedbrudt). Kapellet er en nyere Tilbygning (paa Jærngitteret: 1739), i hvilken to pompøse Sandstenskister, der indeholde Ligene af Major v. Heinen, † 1761, og Hustru Cathrine Brüggemann, † 1790, og en Trækiste med Liget af Kmhr. C. H. Storm, † 1777. Altertavle, Stolestader, med Aarst. 1747, og et Pulpitur i Skibets Vestende og paa dets Nordside ere rigt udskaarne Rokokoarbejder fra 1. Halvdel af 18. Aarh. Prædikestolen er et rigt og godt Renæssancearbejde fra Slutn. af 16. Aarh. Stor Granitdøbefont (i Præstegaarden findes Kummen af en gammel Granitdøbefont). Over Korbuen et lille romansk Krucifiks. I Taarnet to Stenepitafier over Oberstlieutn. G. H. Brüggemanns to Hustruer Margrethe Vilhelmine Hausmann, † 1717, og Dorothea Hedevig Krag, † 1728, og to smukke romanske Ligsten (se *Løffler*, Gravst., Pl. VI). — Ulr. Chr. Gyldenløve lod 1652 sin Moder, Vibeke Kruses Lig føre til Kjølstrup Kirke (Gravens Plads ukendt).

*Ulriksholm* hed tidligere *Skinnerup* og tilhørte i 16. Aarh. Familien Akeleye, en Adelsslægt i Odense, der optog Navn efter sit Vaaben, den blaa Klokkeblomst

Akeleye. Gaarden laa den Gang paa en Banke tæt ved Fjorden, omtr 100 Al. S. Ø. for det Sted, hvor nu Ulriksholm staar. Den tilhørte vistnok alt den bekendte Borgmester i Odense Mikkel Pedersen Akeleye, † 1539, derefter Sønnen Knud Mikkelsen, † 1587, hvis Søn Chr. Knudsen († 1632) 1616 overdrog S. med Tilliggende og Bøndergods til Chr. IV mod at faa Odensegaard eller St. Hans Klosters Len for Livstid. Kongen henlagde 46 Gaarde til S., deribl. Trellerupgd. og Østergd. (se S. 443) og skænkede 1645 det hele under Navnet U. til sin uægte Søn Ulrik Chr. Gyldenløve, † 1658. Efter hans Død gjorde hans Kreditorer Indførsel i hans Ejendomme. 1673 skødede Thomas Seywaldts Arvinger U. til Abel Cathrine, Hans Hansen Ostens Enke; 1679 skødede Torben Nielsen, „Forvalter over Elkjær", U. (50 Td. Hrtk) til Nicolai Brüggemann til Østergd., hvis Enke Fru Hedevig Spends bragte den til sin anden Mand, Oberst Jac. v. Kampen. Denne solgte Gaarden til Albrecht Hæssekjær, men Handelen synes at være gaaet tilbage, thi 1702 overdrog v. Kampen og Hedevig Spends Gaarden til hendes Søn Oberstlieutn. Godske H. Brüggemann, † 1736, der 1730 skødede den til sin Svigersøn Major Ulr. Fr. v. Heinen, efter hvis Død

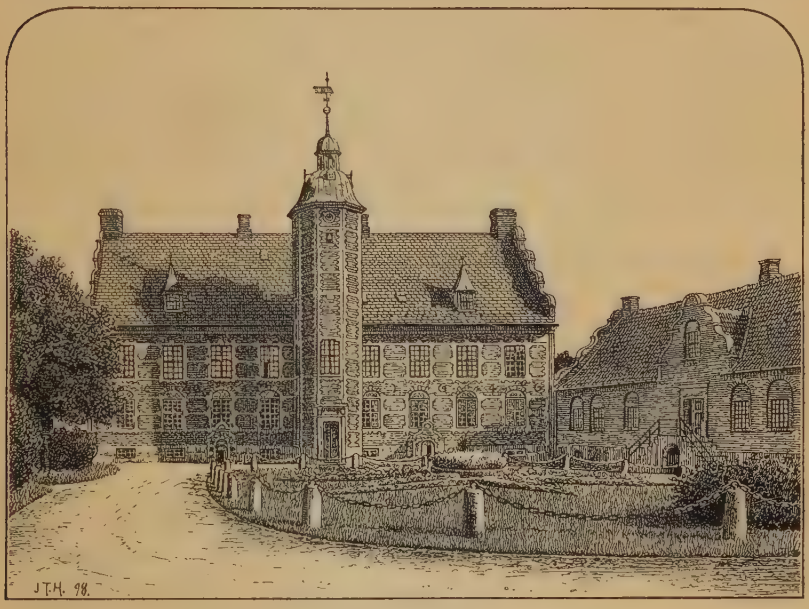

Ulriksholm.

1761 den ejedes af Enken til 1790. Hendes Dattersøn Kmhr. Poul Rosenørn bortsolgte 1798 hele Godset paa meget billige Vilkaar, saa at alle Gaardmænd bleve Selvejere. Han solgte U. 1826 til Jægerm. Petersen, der i 1850'erne solgte den til Ritmester Berner (Schilden), som 1863 solgte den til Hofjægerm. F. V. S. Greve Danneskjold-Samsøe († 1895), hvis Enke nu ejer den. — Den smukke, anselige Hovedbygning i Renæssancestil er opf. af Chr. IV. Den bestaar af to under en ret Vinkel sammenstødende, grundmurede Fløje (omtr. 100 F. lange, 35 F. brede); Hovedfløjen, med Indskriften: V. C. G. L. 1646, er i to Stokv. med Kælder (fladt Bjælkeloft) og har paa Midten et ottekantet Taarn (i Slutn. af 18. Aarh. blev det af Rosenørn forhøjet og forsynet med Kuppelspir, medens et andet Taarn blev nedrevet; i Berners Tid gjordes det første Taarn atter lavere); Sidefløjen, med Aarst. 1636, er i eet Stokv. med Kælder; i denne er der ved Fløjens ene Langside en lang med Tøndehvælving dækket Gang, og for hver af dennes Ender er et stort Rum med 4 flade Krydshvælvinger, der samles i en firkantet Murpille; mellem disse Rum og Gangen to Rum med Tøndehvælving paatværs af Fløjens Længdeakse. Hovedbygningen fik nyt Skifertag 1896.

*Ørnfeldt* og *Rosenlund* ere Parcelgaarde af Ulriksholm (begge vist opkaldte efter Rosenørn).

I *Kejrup* har ligget en Hovedgaard, som Markvard Gesow 1385 pantsatte til Niels Tygesen, hvis Arving Erik Andersen (Ulfeld) til Kogsbøl 1400 solgte den til Dronning Margrethe. Erik af Pommern forlenede Gaarden til Per Ly. En senere Lensmand var Væbneren Robert Pedersen (Grott), som 1435—58 skrev sig til Keirup. 1515 erholdt Hans van Mehlen dette Len, som gik i Arv til hans Søn Palle van Mehlen; men 1579 afhændede Kongen Gaarden til Jakob Ulfeld; 1675 døde Fru Sidsel Rodsteen paa K. Gaarden blev 1741 af Salomon Lindegaard solgt til Ulr. Fr. v. Heinen.

*Hundslev Skovgaard* blev 1397 af Hartvig Tralow solgt til Hr. Johan Olsen Bjørn, hvis Svigersøn Hr. Steen Basse gav den til Antvorskov Kloster; 1490 nævnes Jep Mule af H.-Skovgaard; 1576 mageskiftede Kronen den til Jakob Ulfeld. Endvidere nævnes 1494 Mogens Pedersen af H. En flg. Ejer Erik Mogensen (Mormand) havde bortforpagtet Gaarden til Maren Dragesdatter, Niels Kobbers; den gik i Arv til Erik Mogensens Sønner, men tilhørte 1563 Søren Johansen Lennov og 1614 Lage Urne.

I *Kjertinge* laa fordum en Hovedgaard, som Hr. Steen Basse 1433 købte af Claus Rantzow og Fru Anne, Borkvard Limbeks. Den var endnu til 1678, da Bertel Jensen Dons' Enke og Sønner solgte „Kyrsinge" Hovedgaard ($37^1/_2$ Td. Hrtk.) til Nicolai Brüggemann.

Ved Kjertinge, nær ved Vandet, ligger *Malmbjærg* (eller Malbjærg, Maglebjærg), en aflang og høj Bakke; her skal iflg. Traditionen have været en Befæstning, og ved Siden af denne skal Kjerteminde tidligere have ligget.

I Kjertinge er der et gammelt Bystævne, bestaaende af 10—12 ikke tilhugne Sten i to parallelle Rækker; det har ikke været brugt i den sidste Snes Aar. Et Bystævne i Ladby (12 utilhugne Sten, der laa i een lige Række) blev nedlagt omtr. 1875.

**Agedrup Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Munkebo (paa Grænsen Gelsaa) og Marslev Sogne, Aasum Hrd. (Aasum og Seden S.) og Odense Fjord. Kirken, mod S., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. S. V. for Kjerteminde og 1 Mil N. Ø. for Odense. De lavtliggende og jævne Jorder ere grusede, lerede og et enkelt Sted sandede. Gennem Sognet, der gennemstrømmes af *Vejrup Aa*, gaa Landevejen fra Odense til Kjerteminde og Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 1663 Td. Ld., hvoraf 976 besaaede (deraf med Hvede 81, Rug, 203, Byg 215, Havre 213, Blandsæd til Modenh. 49, Grøntf. 46, Frøavl 55, Kartofler 52, Sukkerroer 12, andre Rodfr. 47), Afgræsn. 121, Høslæt, Brak, Eng m. m. 488, Have 18, Skov 18, Kær og Fælleder 6, Byggegr. og Veje 31, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 142 Heste, 568 Stkr. Hornkv. (deraf 398 Køer), 273 Faar og 207 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 149 Td.; 31 Selvejergaarde med 117, 1 Arvefæstegd. med 4 og 89 Huse med 28 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 537 (1801: 314, 1840: 513, 1860: 642, 1880: 580), boede i 116 Gaarde og Huse; Erhverv: 7 levede af immat. Virksomh., 354 af Jordbrug, 9 af Fiskeri, 117 af Industri, 14 af Handel og 36 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Agedrup* med Kirke, Præstegd. og Jærnbanestation; *Bullerup*, ved Landevejen, med Mølle og Jærnbaneholdepl.; *Vester-Kjærby* med Skole. *Radby* Huse.

Agedrup S., een Sognekommune med Kjølstrup, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 108. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Selleberg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Dens ældste Del, Skib og Kor, er en lille Murstensbygning, i Munkeforbandt, uden Sokkel, fra den senere Middelalder; Vestgavlen har spidsbuede Blindinger, Korbuen er spids. Vaabenhus og Taarn, hvilket sidste er opført oven paa Skibets oprindelige Vestgavl, hidrøre fra Slutningen af Middelalderen. Taarn, Skib og Kor ere overhvælvede, men have oprindelig haft fladt Loft. Koret har paa Nordsiden endnu bevaret sin oprindelige Tagdækning af Munketagsten. Paa Alteret staar Thorvaldsens Christusfigur; Stolestaderne ere fra 1747. Døbefonten, af Granit, har Løvefigurer

og et Menneskehoved. Den muligvis gamle Prædikestol har helt nye Dekorationer. Over Korbuen hænger et stort gotisk Krucifiks. Paa en Laage i en lille Udbygning ved Vaabenhuset findes en ret smuk, smedet Dørring fra en middelalderlig Dør.

I *Bullerup* (Bollerup) laa fordum en Hovedgaard, der i 14. Aarh. tilhørte en Linie af Slægten Ulfeld, nemlig Absalon Jakobsen, dennes Søn Johannes Absalonsen 1381, og Datter Christine Absalonsdatter, g. m. Anders Sjundesen (Mule); disses Søn Hr. Axel Andersen pantsatte Gaarden 1419 til Erland Hansen, som s. A. oplod sin Panteret til Hr. Steen Basse, der 1423 tilkøbte sig Ejendomsretten af Hr. Axel Andersen og 1438 fik Laasebrev paa Gaarden. Gaarden skal være bleven ødelagt i Svenskekrigen; et Løsholt med Indskr.: „H S K M S B P H S T 1638“ sidder nu over en Dør i en Gaard i Bullerup.

Agedrup Sogn (tidligere under Aasum Hrd.) hørte oprindl. sammen med Seden Sogn (Aasum Hrd.) til Vor Frue Kirke i Odense, hvis Præst holdt en Kapellan til Annekssognene. Kort efter 1571, som det synes, blev Agedrup forenet med Kjølstrup; 1894 blev det et eget Pastorat.

**Marslev Sogn** omgives af Annekset Birkende, Kjølstrup, Munkebo og Agedrup Sogne samt Aasum Hrd. (Aasum, Fravde og Davinde S.), hvorfra det for en Del adskilles ved Vejrup Aa, medens Gelsaa danner Østgrænsen. Kirken, noget mod S., ligger henved $1^1/_2$ Mil S. V. for Kjerteminde og 1 Mil Ø. for Odense. De lavtliggende og jævne Jorder ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Vejrup Sk. m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Odense til Nyborg, der her deler sig i Vejen til Kjerteminde, og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 2937 Td. Ld., hvoraf 1599 besaaede (deraf med Hvede 74, Rug 296, Byg 399, Havre 373, Bælgsæd 10, Blandsæd til Modenhed 100, Grøntf. 70, Frøavl 23, Kartofler 25, Sukkerroer 146, andre Rodfr. 76, andre Handelspl. 6), Afgræsn. 351, Høslæt, Brak, Eng m. m. 644, Have 50, Skov 180, Moser 27, Hegn 18, Byggegr. og Veje 60, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 229 Heste, 977 Stkr. Hornkv. (deraf 611 Køer), 252 Faar, 353 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 307 Td.; 35 Selvejergaarde med 279, 91 Huse med 28 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 762 (1801: 457, 1840: 631, 1860: 680, 1880: 796), boede i 131 Gaarde og Huse; Erhverv: 49 levede af immat. Virksomhed, 509 af Jordbr., 14 af Gartneri, 136 af Industri, 10 af Handel, 30 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Marslev* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1887), Fattiggaard (opr. 1868, Plads for 30 Lemmer), Mølle og Fællesmejeri samt, et Stykke mod S., Jærnbane- og Telegrafstation; *Horlev* (1418: Horløff) med Friskole og Forsamlingshus (opf. 1887); *Radstrup*. *Rudskov Huse*, *Horlev Huse*, *Engbjærg Huse*. Hovedgaarden *Vejrupgaard*: $42^5/_8$ Td. Hrtk., 508 Td. Ld., hvoraf omtr. 32 Eng, 83 Skov (en Del deraf hører til Nonnebogd., Birkende S.), 11 Have og Gaardspl., $2^1/_2$ Mose, $1^3/_4$ Veje, Resten Ager; til Gaarden høre en Vejr-, Vind- og Dampmølle, $^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegds. samt Marslev og Birkende Kirke- og Kongetiender. *Klarskovgaard*: $29^1/_8$ Td. Hrtk. ($3^3/_4$ i Agedrup S.), 269 Td. Ld., hvoraf 18 Skov, Resten Ager (3 Huse). Tre Gaarde i Radstrup: 1) har $15^3/_4$ Td. Hrtk., 155 Td. Ld., hvoraf 15 Skov, Resten Ager, 2) har $13^1/_8$ Td. Hrtk., 140 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, Resten Ager, 3) *Carolinelund*, har $12^7/_8$ Td. Hrtk., 145 Td. Ld., hvoraf 25 Skov, Resten Ager (1 Hus). Desuden mærkes *Marslev* (*Rosengaards*) *Mølle*.

Marslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 110. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Vejrupgaard.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus

mod S. Kirken er opt. af Munkesten og tilhører helt igennem den senere Middelalder. Skibet er vistnok den ældste Del og fremtræder med en efter de alm. Forhold usædvanlig Nethed i Udførelsen. Dets fire smalle Hvælvingsfag, der udvendig markeres med fremspringende Støttepiller, ere overdækkede med smukt murede Krydshvælvinger med profilerede Grather, og de fladbuede Vinduer, hvoraf eet i hvert Hvælvingsfags Side, have udvendige Murfalse. Koret, med tarvelige Krydshvælvinger, er simplere opført end Skibet og har vistnok afløst et ældre, mindre, gotisk Kor; dets Vinduer ere højere, uden Murfalse, og det mangler de udvendige Støttepiller. Det høje, slanke Taarns Underdel har lign. Hvælvinger som Skibet. Overdelen er nyere (if. Jac. Madsens Visitatsbog var Taarnets Overdel i 16. Aarh.'s Slutn. af Bindingsværk). Vaabenhuset har fladt Loft. Altertavlen, fra 1592, er rigt udskaaret. Sandstensdøbefonten fra 17. Aarh. har paa Kummen et Jesusmonogram, paa Foden et Englehoved (den gamle Døbefont er i Vejrupgaards Have). Prædikestolen er fra Renæssancetiden med udskaarne Evangelistfigurer paa Hjørnerne. Kirkens gamle jærnbeslaaede Dør, givet 1533 af Hans Stigsen, er nu i Nationalmus. I Korets Østvæg paa hver Side af Alteret findes indmuret to smukke Ligsten over Hans Stigsen Ulfeld til Veirup, † 1546, og Hustru Anne Friis. Desuden staa i Koret to stærkt slidte Ligsten fra 17. Aarh., den ene over en adelig Mand og Kvinde (Niels Bang, † 1622), den anden med Arbildning af to Kvinder (Bangs Døtre?) samt to Ligsten over Præsterne Peder Nielsen Møller, † 1619, og Hans Jensen Bormand, † 1690. Under Gulvet en aaben Begravelse for Familien Løwenhielm. Desuden en Sølvkrans til Minde om Præsten G. F. P. Strøm († 1898). I Skibets nordvestl. Hjørne skal ligge begravet en „Madam de Hansen", til hvem Fr. V stod i Forhold, og som ofte opholdt sig paa Klarskovgaard. En Del Granitsokkelsten, indmurede hist og her i Kirken, kunde tyde paa, at der tidligere har staaet en romansk Kirke i den nuværendes Sted.

*Vejrupgaard*, tidligere *Vetorp*, nævnes alt 1300 og tilhørte da Grev Henrik af Gleichen; 1458 og 1462 nævnes en Væbner Hans Foged i V. og 1470 en Fru Kirsten i V., der sagtens er hans Enke. Deres Datter bragte Gaarden til sin Ægtefælle Jens Stigsen Ulfeld, Landsdommer i Fyn, der skrev sig til den fra 1494 og endnu levede 1526; derefter ejedes den af Sønnen Hans Jensen eller Hans Stigsen, † 1546. De flg. Ejere vare hans Døtre Anne, g. m. Jørgen Daa, der 1549 ejede V., og Gertrud, Chrf. Oldelands. 1614 ejedes den af Corf. Ulfeld og tilhørte senere Bjørn Kaas, † 1671 (jfr. Bircherods Dagbøger, S. 132), der 1667 solgte den for 17,000 Rd. til Oberst Hans Schrøder, adlet under Navn af Løwenhielm, † 1699. Hans Datter Hedevig bragte den til sin Mand, Generalmajor Caspar Chrf. Brockenhuus († 1713), hvis Søn Hans B. († 1734) fik Tilladelse til at føre sin Morfaders Navn og Vaaben og 1696 fik Gaarden tilskødet. Hans Brockenhuus v. Løwenhielms Søn Oberstlieutn. Erik B. v. L. († 1762) købte 1740 Gaarden af sine Medarvinger, og den gik derefter i Arv fra Fader til Søn: Major Hans B. v. L., † 1781, Kmhr. H. J. F. B. v. L., † 1851, og Hofjægerm. Hans Bülow B. v. L., † 1868, hvis Enke solgte den 1894 for 515,000 Kr. til Kmhr., Hofjægerm. Vind til Sanderumgd. — Hovedbygningen, der ligger paa en firkantet, af Grave omgiven Plads, hidrører til Dels fra Renæssancetiden. Oprindl. bestod den af en 80 F. lang og 28 F. bred Hovedfløj, der skal have været i to Stokv., og to 20 F. lange Sidefløje; ved det nordvestl. Hjørne mellem Fløjene stod i Hovedfløjen et firkantet Taarn, som senere er nedbrudt (i den overhvælvede Kælder ses Fundamentet). Senere ere Fløjene blevne forlængede, og Hovedfløjen, med Frontespice, er nu kun i eet Stokv. Over Indkørselsporten en ældre Dekoration med Løwenhielmernes og Brockenhuusernes Vaaben.

I Marslev er der et smukt Bystævne, bestaaende af 12 i Rundkreds stillede Sten, oprindelig utildannede, men 1843 tilhuggede og forsynede med Bymændenes Navne; 1893 plantedes et Lindetræ i Midten, Stenene tilhuggedes yderligere og mærkedes med de dalevende Bymænds Navne. Stævnet bruges sjældent.

**Birkende Sogn**, Anneks til Marslev, omgives af dette, Kjølstrup og Rynkeby Sogne, fra hvilke det adskilles ved Gelsaa, Svendborg Amt (Vindinge Hrd.) samt Aasum Hrd. (Rønninge og Davinde S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. S. V. for Kjerteminde og $1^1/_2$ Mil Ø. for Odense. De ikke videre højtliggende, jævne, kun mod S. Ø. noget bakkede Jorder ere for det meste sand- og lerblandede. Mod S. Ø. gaa Landevejen fra Odense til Nyborg og den fynske Hovedbane; mod N. gaar Landevejen til Kjerteminde.

Fladeindholdet 1896: 2234 Td. Ld., hvoraf 1171 besaaede (deraf med Hvede 23, Rug 273, Byg 272, Havre 269, Boghvede 4, Blands. til Modenh. 70, Grøntf. 82, Kartofler 54, Sukkerroer 42, andre Rodfr. 82), Afgræsn. 335, Høslæt, Brak, Eng m. m. 430, Have 36, Skov 64, Moser 124, Hegn 14, Byggegr. og Veje 60. Kreaturhold 1893: 155 Heste, 593 Stkr. Hornkv. (deraf 401 Køer), 272 Faar, 241 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 171 Td.; 26 Selvejergaarde med 141, 123 Huse med 30 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 637 (1801: 312, 1840: 499, 1860: 584, 1880: 658), boede i 136 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomh., 440 af Jordbr., 7 af Gartneri, 140 af Industri, 14 af Handel, 2 af andre Erhv. og 8 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Birkende* (Birkinde), med Kirke, Skole og Pogeskole samt Forsamlingshus (opf. 1889); *Nonnebo*. *Skallerød*, Gde. og Huse. *Langeskov*, Huse. Hovedgaarden *Selleberg*: $29^3/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $1^1/_4$ Td. Skovskyld, 349 Td. Ld., hvoraf 66 Skov (Gelsskov i Kjølstrup S.), 8 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre Fæste- og Lejehuse med $1^3/_8$ Td. Hrtk. samt Kjølstrup Sogns Kirketiende, Agedrup Sogns Kirke- og Kongetiende og Davinde Sogns Kongetiende. *Nonnebogaard* (hørende til Vejrupgd., se S. 447): $12^1/_4$ Td. Hrtk., $120^1/_4$ Td. Ld., hvoraf $4^1/_2$ Eng, $17^3/_4$ Mose, $^3/_4$ Have og Gaardspl., Resten Ager.

Birkende S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører i administr. Henseende under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 111. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Vejrupgaard.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er oprindl. en lille, lav Murstensbygning fra gotisk Tid; to oprindl., nu tilmurede Vinduer ses paa Koret. Senest i den ældste Renæssancetid er der blevet indbygget Hvælvinger, ved hvilken Lejlighed Kirken er bleven meget forhøjet. Det svære Taarn med takkede og blindingssmykkede Gavle er vistnok blevet tilbygget i den ældre Renæssancetid (før 1589) og opført foran og ovenpaa Skibets oprindl. Vestgavl; Overdelen er senere. Vaabenhuset, af store, røde Sten og med fladt Loft, er fra den seneste Middelalder. Kirken er bleven udvidet mod N. ved en moderne Tilbygning. Altertavlen bestaar af nogle i en ny Ramme sammenstillede, godt udskaarne Grupper og Figurer fra en gotisk Altertavle med Fløje, fra 2. Halvdel af 15. Aarh. (restaur. 1899 af Prof. Magn. Petersen). Udskaaren Prædikestol i tidlig Renæssancestil (med Aarst. 1579); Sandstensdøbefont med Aarst. 1643. I Vaabenhuset en Ligsten over Iver Andersen af Nonnebo og Hustru Anna Nielsdatter, † 1632. I Kirken en udslidt Ligsten over Hans Tausen og en 1866 opsat Mindetavle over ham.

*Selleberg*, i Valdemars Jordeb. Sællæbiargh, tilhørte senere Marsken Peder Ebbesen (Galt), † 1548, og Lage Urne, der synes at have afhændet Gaarden til de to Søstre Margrethe og Abel Norby, gifte henholdsvis med Tønne Bille og Chrf. Basse, hvilken sidste 1617 skrev sig til S. Disse Søstres Arvinger solgte henholdsvis 1654 og 1640 deres Halvdele i Gaarden til Lage Urnes Svoger Hr. Mogens Kaas, hvis Datter Kirsten Kaas bragte den til sin Ægtefælle Niels Parsberg. Disses Arvinger skødede 1687 Gaarden til Niels Parsbergs Svigersøn Oberstlieutn. Jens Steen Sehested, en uægte Søn af Hannibal Sehested, bekendt som Digter. Han solgte 1696 S. til General Hans Løwenhielm, der straks overdrog den til sin Dattersøn H. Brockenhuus v. Løwenhielm (se S. 448), hvis Arvinger 1740 udlagde den til Sønnen Caspar Chrf. Brockenhuus v. Løwenhielm for 58,000 Rd. Efter dennes Død 1752 afhændedes Gaarden (Hovedgaardstakst 24, Bøndergods 206 Td. Hrtk.) til senere Krigsr. Morten Møller, der 1767 skødede den til Sønnen Hans Møller, som 1770 mageskiftede S. til Prof. P. v. Westen mod Løjtved. Ved Auktion 1774 købte Generalinde Juel S., som hun tre Aar efter overdrog til sin Søn Kmhr. Fred. Ludv. Juel, der 1781 solgte den for 34,500 Rd. til Oberstlieutn. Anders Sehested, som 1793 solgte den for 46,000 Rd. til Jens Magnus Berg til Skovsbo, senere Kancellir., der 1811 solgte den for 60,000 Rd. til Købmand Simon Hempel. Denne afhændede den 1815 for 155,000 Rd. (if. Skøde af 1819 for 50,000 Rd. i rede Sølv) til Ritmester C. R. J. Schubart, fra hvem den ved Auktion 1825 overtoges af den kgl. Kasse, som 1826 afhændede den til J. P. Hvenegaard og L. Pedersen, hvilken sidste overlod sin Del 1831 til Hvenegaard († 1855), der tilkøbte Kjølstrup Kirke 1831 og Gelsskov 1841. Hans Enke,

f. Langkilde, besad den til sin Død 1877, hvorefter den overtoges af Svigersønnen, den nuv. Ejer P. V. L. Lassen. — Hovedbygningen, i Villastil, er opf. 1845; Ladebygningerne, fra 1853—54, nedbrændte 1898 og genopførtes 1899.

*Nonnebo* var fordum en større Gaard, som Kongen 1580 afhændede til Hans Skovgaard, hvis Søstersøn Anders Skram 1617 solgte den til Breide Rantzau. Generallieutn. Hans Ahlefeldt skødede den 1662 til Hans Løwenhielm, hvis Dattersøn Hans Brockenhuus v. Løwenhielm nedbrød Gaarden og lagde Jorderne ind under Vejrupgd.

Otte Hansen (Mylting) i *Birkendegaard* nævnes 1521.

I Birkende By, hvor *Hans Tausen* er født 1494, er der $^{7}/_{9}$ 1894 afsløret et Mindesmærke for ham, en sleben Granitsten med Brystbillede, modell. af Axel Hansen.

**Rynkeby Sogn** omgives af Annekset Revninge, Kjølstrup (i hvilket Sogn Rynkeby S. har flere Enklaver) og Birkende Sogne samt Svendborg Amt (Vindinge Hrd.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^{3}/_{4}$ Mil S. S. V. for Kjerteminde og 2 Mil Ø. for Odense. De mod N. lavtliggende og jævne, mod S. mere højtliggende Jorder ere overvejende lermuldede, dog enkelte Steder sandede. En Del Skov (Bremersk., m. m.). Gennem Sognet gaar Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 3120 Td. Ld., hvoraf 1536 besaaede (deraf med Hvede 39, Rug 342, Byg 403, Havre 323, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenh. 141, Grøntf. 85, Kartofler 39, Sukkerroer 10, andre Rodfr. 138, Frøavl 7), Afgræsn. 377, Høslæt, Brak, Eng m. m. 746, Have 52, Skov 217, Moser 103, Kær 2, Hegn 12, Veje og Byggegr. 71, Vandareal 4. Kreaturhold 1893: 237 Heste, 1120 Stkr. Hornkv. (deraf 758 Køer), 343 Faar, 526 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 296 Td.; 51 Selvejergaarde med 252, 177 Huse med 44 Td. Hrtk. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1067 (1801: 479, 1840: 958, 1860: 1110, 1880: 1149), boede i 223 Gaarde og Huse; Erhverv: 56 levede af immat. Virksomh., 670 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 231 af Industri, 22 af Handel, 8 af andre Erhv., 53 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Rynkeby* med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole, Fattiggaard (opr. 1871, Pl. for 35 Lemmer), Hospital (opr. 1804 af Olave Marie Lange, Enke efter Justitsr. H. Berg til Skovsbo, med et Hus til 4 fattige af Skovsbo Gods), to Forsamlingshuse (opf. 1889), to Maskinfabrikker og Telefonstation; *Urup* med Andelsmejeri; *Tvinge*; en Del af *Hundslev* (Resten i Kjølstrup S.). *Brabæk*, *Grydstrup*, Huse; *Skovhuse*. Hovedgaarden *Skovsbo*: $37^{1}/_{2}$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^{5}/_{8}$ Td. Skovskyld, 450 Td. Ld., hvoraf 110 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 10 Fæste- og Lejehuse samt Rynkeby Kirke- og Revninge Kongetiende. En Gaard i Urup: 13 Td. Hrtk., 140 Td. Ld., hvoraf 9 Eng, 5 Skov, Resten Ager. *Amaliehøj Mølle.*

Rynkeby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Bjærge-Aasum Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 106. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Skovsbo.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og Kapel mod N. Skib og Kor ere opf. i den romanske Periode af Munkesten. Af de oprindl. Vinduer er bevaret eet paa Skibets Sydside og eet paa Korgavlen. Fra den senere Middelalder hidrøre Taarn, Vaabenhus og Kapel (restaur. 1656? Se D. Atl. VI S. 570), alle med takkede, blindingssmykkede Gavle. Fra samme Tid stamme Hvælvingerne, hvormed alle Kirkens Dele, undtagen Vaabenhuset, ere overdækkede. Kapellet er fra 1842 en Del af Kirken (bl. a. vare Henr. Gyldenstjerne og Lisbet Podebusk begravede her). Ny Altertavle med et tarveligt Maleri (Christus velsigner Børnene). Romansk Granitdøbefont med Hoveder paa Fodens Hjørner. Tarveligt udskaaren Prædikestol fra 16. Aarh.'s Slutn. Enkelte Dele af Stoleværket skrive sig fra 17. Aarh., nogle Fyldingspaneler fra 16. Aarh. Mellem Skib og Vaabenhus hænger en smuk Egetræs Fyldingsdør fra Slutn. af 16. Aarh. og i Taarnet to simplere fra samme Tid. I Taarnet er opstillet to store og smukke romanske

Gravstene af Granit og en mindre fra samme Tid, alle med Korsfigurer; den ene betegner vist en Dobbeltgrav (se *Løffler*, Gravst., Pl. VI, VII og VIII); i Skibets Gulv ligger en Gravsten over Kirkeværge Erik Jepsen, † 1628, og Hustru. Den mindre Klokke er fra 1472; den større, ogsaa fra Middelalderen, har et Aftryk af et Sigil med en St. Knudsfigur.

*Skovsbo* ejedes ved Midten af 14. Aarh., som det synes, af Tue Nielsen (Bild), hvis Søn Hr. Niels Tuesen til S., der faldt 1410 i Slaget paa Sollerup Mark, var gift med Tove Andersdatter (Hvide), der siden ægtede Tue Gummesen († omtr. 1437). Fru Tove, der endnu 1451 levede, for anden Gang Enke, paa S., efterlod Gaarden til sin Datter af første Ægteskab Johanne, der ægtede Hr. Peder Lykke og blev Moder til Niels Lykke, som 1470 og 1482 skrev sig til S., der derefter ejedes af hans Søn Hr. Jakob Lykke og Sønnesøn Peder Lykke. Sidstnævnte solgte 1561 S. til Erik Hardenberg, der overlevede sine Sønner Jakob og Christen Hardenberg, som begge skrev sig til S., og døde selv som sidste Mand af Slægten 1604. Hans Datter bragte Gaarden til sin Mand Predbjørn Gyldenstjerne til Vosborg og disses Sønner Knud og Henrik G. († 1669). Sidstnævntes Enke Lisbet Podebusk efterlod ved sin

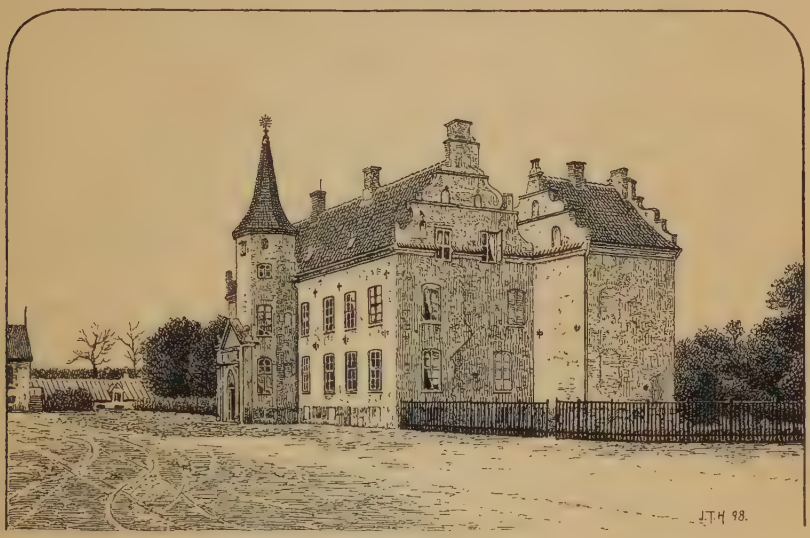

Skovsbo.

Død 1680 S. til sine Dattersønner Erik Lykke og Claus og Eiler Brockenhuus, men Erik Lykke udkøbte sine Medarvinger 1688—94. Hans Enke Fru Øllegaard Sehested ægtede siden Gehejmer. Chr. Rosenkrantz, † 1736, der forøgede Gaarden betydeligt. Den ejedes dernæst af hans Enke af andet Ægteskab Frederikke Louise Krag, efter hvis Død den 1767 for 71,000 Rd. kom til Justitsr. Hans Berg († 1796), der efterlod den til Sønnen Jens Magnus Berg († 1824) og dennes Søn cand. jur. H. C. Berg († 1851), hvis Enke ægtede Jægermester Busch, der 1866 solgte den til Kmhr., Lensgreve Ahlefeldt-Laurvigen; nuv. Ejer er fra 1882 Kmhr., Hofjægerm. J. L. Greve Ahlefeldt-Laurvig-Bille til Egeskov. — Hovedbygningen, opf. 1572—79 i to Stokv. med Kælder af store, røde Mursten paa en Sokkel af Granitkvadre, bestaar af en 100 F. lang og 38 F. bred Hovedfløj, med et ottekantet Trappetaarn omtr. midt for Vestsiden, og en kortere Sidefløj mod S. Ø.; imellem de to Fløje er der et firkantet Trappetaarn, omtr. samtidigt med den øvrige Bygning. Gavlene have Renæssancedekoration. Den oprindl. Inddeling af Rummene er i det væsentlige bevaret; Kælderen under Hovedfløjen er ganske som ved Ulriksholms Sidefløj. I 1881 er der ved Hovedfløjens nordøstl. Hjørne tilføjet en Fløj efter Tegn. af Arkitekt A. H. Klein, ligesom hele Bygningen er restaureret. — Paa Vejen mellem Skovsbo og Rynkeby staar der et stort Trækrucifiks, der skal være opstillet i Beg. af 17. Aarh. af Erik Hardenbergs Hustru Anne Rønnow (hendes Portræt findes paa Gaarden).

Til *Urup* skrev sig endnu 1517 en Adelsmand Knud Tygesen Ny, hvis Datter Anne Knudsdatter ægtede Peder Norby, som 1509—55 boede paa U., skønt hans Slægt siden flyttede til Urup i Jylland (Grindsted S.). Fru Anne Knudsdatter blev dog 1596 endnu begravet i Rynkeby Kirke. 1562 nævnes Erik Mortensen (Godov) til U. Gaarden har vistnok ligget i den nordl. Udkant af Urup, hvor der endnu i 19. Aarh. er fundet Murbrokker.

Paa et Højdedrag ved den sydvestl. Kant af Urup Mose ligger Borgpladsen *Borrisholm* eller *Barholm*, en aflang firkantet Voldbanke, omgiven af bredere Sænkninger, der antyde de tidligere Grave. Omtr. 1860 bleve Resterne af Borgen, der synes at have været en større, firfløjet Gaard, nedbrudte og Materialerne (røde Munkesten) anvendte til Opførelsen af Smaahuse; af Oldsager er der fundet en Nøgle, en Metalvægt og et Jærnspyd.

Knud Assersen af *Rynkeby* tilskødede 1352 Fru Katrine, Tage Svendsens Enke, al den Jord i Rynkeby Mark, som hans Fader fordum købte af hende. Hans Ulf af Rynkeby nævnes 1455.

I *Illemose* er til forskellige Tider fremdraget ret værdifulde Oldsager, saaledes en Del af et stort Broncekar med Figurfremstillinger, fra omkr. Chr. Fødsel, samt en Række forhuggede Sværd, Skjoldbugler, Spydspidser, Spydstager, Segle, Knive, Hesteknogler osv., fra 4. Aarh. e. Chr., tydende paa en der foregaaet Kamp.

**Litt.**: *H. D. Lind*, Rynkeby Præstegd., i „Museum" 1895 2. Halvbd. S. 363 fl.

**Revninge Sogn**, Anneks til Rynkeby, omgives af dette og Kjølstrup Sogn, Kjerteminde Fjord, Kjerteminde Kjøbstads Jorder, Store Bælt og Svendborg Amt (Vindinge Hrd.), hvorfra det for en Del adskilles ved Kavslund Aa. Kirken, mod S., ligger omtr. $^1/_2$ Mil S. for Kjerteminde og 2 Mil N. N. V. for Nyborg. De jævne og lavtliggende Jorder, der dog ved Lundsgaards Klint ved Store Bælt hæve sig til 75 F., ere for største Delen muldlerede. En Del Skov (Storsk., Kalkens Krog, Grønbæk Sk., Tværbækslund, Holmesk.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Kjerteminde til Odense, Ullerslev og Nyborg og Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 2156 Td. Ld. hvoraf 1035 besaaede (deraf med Hvede 111, Rug 120, Byg 322, Havre 234, Bælgsæd 23, Blandsæd til Modenh. 39, Grøntf. 66, Frøavl 11, Kartofler 13, andre Rodfr. 95), Afgræsn. 292, Høslæt, Brak, Eng m. m. 432, Have 27, Skov 301, Hegn 17, Stenmarker 2, Veje og Byggegr. 45, Vandareal 4. Kreaturhold 1893: 157 Heste, 727 Stkr. Hornkv. (deraf 482 Køer), 270 Faar og 245 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 226 Td.; 15 Selvejergaarde med 111, 16 Fæstegd. med 97 og 55 Huse med 18 Td. Hrtk. ($^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 465 (1801: 324, 1840: 480, 1860: 414, 1880: 477), boede i 84 Gaarde og Huse; Erhverv: 29 levede af immat. Virksomh., 378 af Jordbr., 36 af Industri, 4 af andre Erhv. og 18 af deres Midler.

I Sognet Byen *Revninge* (1441: Reffninge), ved Ullerslevvejen, med Kirke, Skole, Hospital (opr. 1736 af Margr. Levetzau, Enke efter Gehejmer. F. J. v. Dewitz til Frederiksgave, med et Hus til 8 fattige af Lundsgaards Gods), Forsamlingshus (opf. 1881), Teglværk og Telefonstation. — Hovedgaarden *Lundsgaard* (med den deri optagne *Jershave*, 7 Td. Hrtk.), hørende under Stamhuset af samme Navn, har omtr. $69^1/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $3^1/_2$ Td. Skovskyld, omtr. 556 Td. Ld.; til Godset høre omtr. 316 Td. Hrtk. Fæstegods, bestaaende af 45 Gaarde, 2 Boelssteder og 48 Huse (i Revninge, Kjølstrup og Drigstrup Sogne), samt Revninge og Drigstrup Kirketiender *).

Revninge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Hindsholms Hrd.'s Jurisdiktion (Kjerteminde), for øvrigt under de samme Distrikter,

*) Til *Stamhuset Lundsgaard* høre Hrtk. af alle Slags $434^1/_4$ Td., deraf fri Jord $69^1/_4$, Skovskyldshrtk. $3^1/_4$, Bøndergods omtr. 316, Kirketiender $45^3/_4$ Td.; i Bankaktier 6200, i Fideikommiskapital 2130 Kr. Skovarealet er omtr. 245 Td. Ld.

Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr.' 104. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Lundsgaard.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Af den oprindl., af utilhuggen Kamp opførte romanske Bygning staar kun Skibets Sydmur. I den ældre Renæssancetid er Kirken helt bleven fornyet af røde Munkesten; Koret blev større, Kirken forlængedes mod V. og fik Krydshvælvinger, noget senere (dog før 1589) opførtes det med blindingssmykkede Gavle i N. og S. forsynede Taarn, ligesom Vaabenhuset tilføjedes. I nyeste Tid ere Overdelen af Kormurene og Hvælvingerne fornyede af smaa Sten. Alterbillede fra 1815 (Opstandelsen) i ny Ramme; ny Prædikestol; Granitdøbefont med Rebsnoninger og Ornamenter. I Vaabenhuset er opstillet en smuk Gravsten (med Figurer) over Chrf. Ulfeld og Hustru Margrethe Daa, lagt 1556 af Palle Ulfeld. Udvendig paa Taarnets Vestside er indmuret en romansk Gravsten; som Dørtrin til Vaabenhuset tjener Brudstykket af en lignende.

*Lundsgaard* tilhørte i Midten af 15. Aarh. Peder Hogenskild til Dallund, hvis Datter Cecilie ægtede Hr. Iven Bryske; disses Søn Eiler Bryske har formodentlig solgt den til Claus Eriksen Biørn, der skrev sig til L. 1474 og 1484. Den næste kendte Ejer var Palle Andersen Ulfeld, hvis Datter Ellen Ulfeld bragte den til sin Mand Hans v. Mehlen; derpaa fulgte Palle v. Mehlen, † 1576, og hans Søn Hans v. M., † 1609 som Slægtens sidste Mand. Gaarden gik i Arv til hans Søstre Tale, Johan Urnes, hvis Ægtefælle 1614 skrev sig dertil, og Agathe, gift med Markor Rodsteen; sidstnævntes Søn Palle og Sønnesøn Markor R., † 1670, ejede derefter Gaarden. Dennes Enke Karen Juel ægtede Oberst Hugo Lützow, † 1693, hvis Sønner Markor, † 1696, og Fr. L. arvede Gaarden, som sidstnævnte solgte til Anna Sidonia Friherreinde Putbus, † 1725. General Dewitz's Enke Margrethe Levetzau købte Gaarden 1727 og testamenterede den til Frøken Raben, der blev gift med Overkmhr. Reventlow. Denne solgte 1747 Gaarden for 28,000 Rd. til Kmhr. Jens Juel, som 1768 oprettede Gaard og Gods til et Stamhus for sin Datter, der var gift med Grev Chr. Ahlefeldt-Laurvigen, og den tilhører endnu Besidderen af Grevskabet Langeland. — Hovedbygningen, i eet Stokværk med høj Kælder og et højere Midtparti, er opført 1765, efter at den gamle Hovedbygning var brændt to Aar før; Avlsbygningerne ere opførte 1877—81 (Arkitekt A. Klein). Ved Nedrivningen af en Staldlænge fandtes der to Løsholter, der ikke sade paa deres oprindl. Plads, og hvoraf den ene havde Indskriften 1647 og Rodsteenernes og Egern-Friisernes Vaabener, den anden: Anno 1713 hafver Dorothea Magdalena v. Harstal salig afgangne Fr. v. Lützows ladet dette Huus bygge. (*L. Boesen*, Beskr. over det smukke og fornøyelige Stamhuus L. osv., Kbh. 1769).

*Jershave* tilhørte 1525 Chrf. Pallesen Ulfeld, 1577 hans Søn Ulfeld Christoffersen, hvis Datter Anne bragte Gaarden til sin Ægtefælle Mourids Emmiksen, † 1607. Derefter kom den til ovennævnte Markor Rodsteen, hvis Datter Lisbet ægtede Gregers Høeg, der 1627 ejede J., men 1648 solgte den til den yngre Markor Rodsteen; siden har den haft samme Besiddere som Lundsgaard. Den flade, firkantede, nu som Have benyttede Borgplads (57 × 68 Al.) er omgiven af velbevarede Grave; over den sydl. har der ført en Dæmning. Det gamle, straatækte Stuehus nedbrødes omtr. 1800, men Hovedbygningens Kælder (helt tilfyldt) er endnu bevaret under Jorden. En Dam uden for Pladsen kaldes endnu „Ulfelds Dam".

I Storskov findes et fredlyst Voldsted, snart kaldet *Jomfru-* eller *Røverhøj*, snart *Lindshøj*. Det bestaar af to forholdsvis smaa, men høje, firsidede Voldbanker, adskilte ved og omgivne af en bred Grav.

I den nordvestl. Udkant af Revninge By ligger paa temmeligt lavt Terræn ved Gaarden Voldsgaard et Voldsted, en firkantet, 25 Al. lang og bred Voldbanke, omgiven af en Grav.

Ulfeld Christoffersen til *Revninge* nævnes 1598.

**Viby Sogn** omgives af Kjerteminde Købstadsjorder, fra hvilke det adskilles ved Bodsbæk, Mesinge, Dalby og Stubberup Sogne samt Store Bælt, ved hvilket det fremspringende Punkt Stavreshoved ligger mod S. Ø. Kirken, mod V., ligger godt $^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Kjerteminde. De noget højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt paa *Digrbanke* ved Bøgebjærg, 112 F., 35 M., med trigonom. Station) ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Møllesk., Havesk., Bøgebjærg Sk., Lundsbjærg Sk. og Kalvehaverne langs

Store Bælt). Til Sognet hører Øen *Romsø* i Store Bælt. Ved Sognets sydvestl. Grænse gaar Landevejen fra Kjerteminde til Brockdorff.

Fladeindholdet 1896: 4080 Td. Ld., hvoraf 1739 besaaede (deraf med Hvede 170, Rug 292, Byg 532, Havre 466, Bælgsæd 27, Blandsæd til Modenh. 83, Grøntf. 27, Frøavl 17, Kartofler 19, andre Rodfr. 101, Havesager 5), Afgræsn. 517, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1015, Have 60, Skov 478, Moser 21, Kær og Fælleder 58, Hegn 18, Stenmarker 90, Veje og Byggegr. 73, Vandareal 11 Td. Kreaturhold 1893: 246 Heste, 1185 Stkr. Hornkv. (deraf 765 Køer), 523 Faar og 540 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 342 Td.; 12 Selvejergaarde med 197, 14 Arvefæstegd. med 46, 19 Fæstegd. med 82, 64 Huse med 17 Td. Hrtk. og 37 jordløse Huse ($^2/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 753 (1801: 626, 1840: 850, 1860: 836, 1880: 810), boede i 149 Gaarde og Huse; Erhverv: 26 levede af immat. Virksomhed., 577 af Jordbrug, 17 af Fiskeri, 98 af Industri, 10 af Skibsfart, 8 af andre Erhverv, 10 af deres Midler og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Viby* med Kirke, Præstegd., Skole, „Brødrene Jørgensens Hospital" (opf. af S. Jørgensen til Brolykke, † 1791, med et Hus til 4 fattige), Andelsmejeri (Rødsbæk) og Mølle; *Maalev* med Forsamlingshus; *Stavre*, *Bøgebjærg*, Huse. Hovedgaarden *Hverringe*, under Stamhuset af s. Navn, har $67^7/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $7^3/_4$ Td. Skovskyld, 870 Td. Ld., hvoraf 75 Eng, 195 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $89^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Viby, Mesinge og Dalby S.) og Viby Sogns Kirke- og Kongetiende. Hovedgaardene *Brolykke*: $56^1/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og $^1/_2$ Td. Skovsk., 586 Td. Ld. (deraf 52 i Mesinge S.), hvoraf 56 Eng, 60 Skov, 5 Gaardspl. og Have, Resten Ager ($1^1/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods), og *Bøgebjærg*, 33 Td. Hrtk., 511 Td. Ld., hvoraf 31 Skov, Resten Ager, samt Øen *Romsø*, $8^1/_4$ Td. Hrtk., 189 Td. Ld., hvoraf 35 Ager, Resten Skov og Dyrehave. Brolykke og Romsø høre til Stamhuset Hverringe (Brolykke var indtil Foraaret 1899 fri Ejendom, medens Bøgebjærg, der før hørte til det, nu er udskilt fra det*). Paa Romsøs Østpynt findes et hvidt Blinkfyr (tændt 1869; ottekantet, 31 F. højt Taarn ovenpaa en 1 Stokv. høj Bygning; Flammens Højde o. H. 54 F., Lysvidden 3 Mil).

Viby S., en egen Sognekommune, hører under Hindsholms Herreds Jurisdiktion (Kjerteminde), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 122. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hverringe.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod Ø. samt Vaabenhus og Kapel mod S. Af den ældste Del, opf. i gotisk Tid, ere nu kun Skibets Mure tilbage; den sydl., nu forandrede Døraabning er bevaret; to oprindl., spidsbuede Vinduer ere synlige. Senest i den ældre Renæssancetid forlængedes Koret mod Ø. i Skibets Bredde og fik kamtakket Gavl med firkantede Blindinger; ved Østsiden tilføjedes et lille, overhvælvet Sakristi. Kirken forlængedes ogsaa mod V. og overhvælvedes, ligesom Vaabenhuset, med fladt Loft, tilføjedes. Over Sakristiet opførtes i 18. Aarh. (ved Indgangen staar: 1718) et Taarn af røde Mursten indtil Skibets Tagryg, medens den øvre Del opførtes af Bindingsværk med et lille Spir. I 19. Aarh. tilføjedes Kapellet til Juelernes Familiebegravelse. Under Koret er der en lukket Begravelse. Alterbilledet (Nedtagelsen af Korset), i en nyere Ramme, er malet 1820 af C. A. Lorentzen; ny Prædikestol; Granitdøbefont. I Korvæggen en udmærket udført og velbevaret Gravsten med Portrætfigurer i fuld Størrelse af Jac. Viffert og Hustru, uden Indskrift, men omgiven af en Række Vaabener. I Kirken en slidt Renæssancesten over Søren Nielsen. Kirkens Indre er restaureret 1895.

*Hverringe* (Huerind) skal ved Midten af 14. Aarh. have tilhørt Slægten Limbek,

*) *Stamhuset Hverringe* bestod indtil Foraar 1899 af Hovedgaardene Hverringe og Bøgebjærg samt Romsø og havde Hrtk. af alle Slags 290 Td., hvoraf fri Jord 167, indtaget til Skov $98^3/_4$, Bøndergods 83, Kirketiende $30^1/_4$ Td.; i Bankaktier 9200, i Fideikommiskapitaler omtr. 755,300 Kr. — Som Allodialgods følger med Stamhuset Besidderens Andel af den inddæmmede Torup Strand, omtr $3^1/_8$ Td. Hrtk. Til Stamhuset er knyttet den Juelske Fideikommiskapital, omtr. 323,000 Kr.

senere Familierne Basse og Godov, saaledes Tyge Basse og hans Søn Steen B., med hvem de saakaldte gamle Basser uddøde 1448 (se II S. 852). Hans Søster Sofie ægtede Peder Olufsen Godov, og deres Søn Oluf Pedersen var Gaardens næste Ejer. Hans Datter ægtede Palle Andersen Ulfeld, som 1449 og 1507 ejede H. Hans Arvinger have formodentlig solgt den til Hr. Peder Lykke, som 1532 skrev sig til H., og den tilhørte derefter hans Søn Jørgen Lykke, hans Søster Fru Anne L., Hr. Anders Billes til Søholm, Jørgen Lykkes Søn Henrik L. til Overgaard, † 1611, Frands L. til Overgaard, † 1655. Hans mange Godser bleve efter hans Død delte mellem Sønnen Kai L. og Datteren Fru Christence L. 1662 blev H. af Kommissærerne i Kai Lykkes Bo udlagt for en Fordring paa 11,400 Rd. til Fru Dorthe Daa, Gregers Krabbes til Torstedlund, der efterlod Gaarden til Sønnen Generalmajor Niels Krabbe, fra hvem den 1737 ifl. Testamente kom til hans Datters Sønnesøn Major Niels Juel, og da denne døde ugift 1740, til hans Broder, Gehejmer. Peder Juel, som 1768 oprettede den til et Stamhus. Peder Juel, † 1779, efterfulgtes af Brodersønnen Hans Rudolf J., † 1857, som fra 1847 ogsaa var Besidder af Stamhuset Juelsberg (s. d.), hvorefter begge gik over til Sønnen, Kmhr. Hans J., † 1875, hvorefter Hverringe kom til den yngre Søn, Kmhr. Niels Rud. J., † 1878, hvis Søn, Hofjægerm. H. R. J. er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, der er omgiven af Grave, er opf. i 2. Halvdel af 18. Aarh. og bestaar af en Hovedfløj i to Stokv. med Frontespice og to lavere Sidefløje, alle hvidkalkede med røde Tage (restaur. 1886—87, Arkitekt A. Klein). Laderne ere nye; men indtil en Brand 1879 stod der en Lade med Aarst. 1660, efter Sagnet bygget af de svenske i Stedet for en af dem afbrændt.

*Brolykke* nævnes første Gang i Chrf. II's Forskrivning til Marsken Ludvig Albertsen 1325, hvor der nævnes Niels Jonsen Brolykke og Jens Jensen Brolykke. Senere tilhørte den Jørgen Urne, † 1480, Knud Jakobsen (Reventlow), gift med Margrethe Jørgensdatter Urne, Jakob Knudsen (Reventlow), Tønne Pallesen (Viffert), gift med Kirsten Knudsdatter (Reventlow), Tønne Tønnesen, Jakob Tønnesen og Jakob Jakobsen Viffert, † 1592. Sidstnævntes Moster Anne Rønnow, Erik Hardenbergs, arvede B., som tilfaldt deres Datter Mette, Predbjørn Gyldenstjernes. Disses Datter Mette Gyldenstjerne, Knud Billes Efterleverske, solgte 1690 Gaard og Gods til Baron Fred. Vittinghoff, der afhændede den til Johan Lehn, af hvem Birkedommer Lorents Petersen 1738 købte B.; 1765 udstedtes Auktionsskøde paa den for 41,873 Rd. til Søren Jørgensen († 1791), som 1784 overdrog den for 50,000 Rd. til sin Søn Hans Jørgensen. Efter dennes Død ægtede Enken Landinspektør Joh. Fred. Utke 1795 (Købesummen ansat til 111,950 Rd.), og dennes Søn Joh. Ernst U. fik 1853 Arveudlægsskøde paa Gaarden for 95,000 Rd.; hans Enke Maren Kirstine ægtede 1865 Ritmester Allan Dahl († 1896), der 1868 solgte den for 300,000 Rd. til Kmhr. Niels Juel til Hverringe, hvis Søn, den nuv. Besidder af Stamhuset, overtog den 1882 for 494,800 Kr. — Hovedbygningen bestaar af en Hovedfløj med to Sidefløje i eet Stokv., alle hvidkalkede med røde Tage. Gaarden er flyttet 1898, og der er opført et nyt Stuehus uden Sidefløje (Arkitekt A. Klein).

Tæt ved den ved Udskiftningen 1803 anlagte Kastelsgaard ligger *Kastelshøj* (73 F.), en stor, naturlig Banke, hvis Top synes tildannet ved Kunst. Den har baaret en middelalderlig Borg, der formentlig kun har bestaaet af et rundt Taarn (Donjon); mange Mursten, som ere opbrudte her, ere benyttede dels til Brolykke, dels til Kastelsgaarden. I en Præsteindberetning af 1623 menes det, at Kastelshøj (omtr. $^1/_2$ Mil fra det nuv. Brolykke) har været det gamle Brolykkes Plads (et Sagn lader det være Søkongen Hindses Borg).

Af de 16 Gravhøje, som kendes i Sognet, ere to, i Mølleskov, fredlyste.

I Viby Præstegd. er Laurids Jacobsen (Hindsholm), Chr. IV's Hofpræst, senere Biskop i Odense, født 1600 († 1663).

**Mesinge Sogn** omgives af Drigstrup Sogn, fra hvilket det tidligere har været adskilt ved den nu inddæmmede Torup Strand, Kjerteminde Købstads Jorder, Viby og Dalby Sogne samt Kattegat (Dalby Bugt) og Odense Fjord. Kirken, mod N., ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende og med Undtagelse af den noget bakkede Halvø *Skoven*, der skyder ud mellem Dalby Bugt og Odense Fjord, temmelig jævne Jorder ere overvejende lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Brockdorff, der midt i Sognet spalter sig i Vejene til Kjerteminde og Odense, samt Odense Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 3468 Td. Ld., hvoraf 1754 besaaede (deraf med Hvede 66, Rug 354, Byg 517, Havre 359, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenh. 148, Grøntf. 45, Frøavl 27, Kartofler 29, andre Rodfr. 197), Afgræsn. 411, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1091, Have 45, Skov 3, Moser 21, Kær og Fælleder 20, Hegn 10, Stenmarker 3, Veje og Byggegr. 107, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 364 Heste, 1415 Stkr. Hornkv. (deraf 783 Køer), 845 Faar, 514 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 350 Td.; 50 Selvejergaarde med 226, 19 Fæstegd. med 94, 140 Huse med 29 Td. Hrtk. og 23 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1128 (1801: 701, 1840: 915, 1860: 970, 1880: 1120), boede i 211 Gaarde og Huse; Erhverv: 39 levede af immat. Virksomhed, 695 af Jordbr., 46 af Fiskeri, 269 af Industri, 11 af Handel, 15 af Skibsfart, 4 af andre Erhv., 40 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Mesinge* (i Vald. Jrdb. Mesyng), ved Landevejen,

Mesinge Kirke.

med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. af Baron Fr. Vittinghoff til Schelenborg, † 1691, med et Hus ved Kirken til 8 fattige), Forsamlingshus (opf. 1890), Maskinfabrik, Mølle, Fællesmejeri, Teglværk, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Salby* (i Vald. Jordeb. „Salris"), ved Kjerteminde-vejen, med Skole (Salby-Torup Skole); *Torup*; *Midskov*, paa „Skoven", med Skole og Telefonstation; i Nærheden *Lodshuse*.

Mesinge S., en egen Sognekommune, hører under Hindsholms Herreds Jurisdiktion (Kjerteminde), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 123. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Schelenborg.

*Kirken* (overhvidtet), 65 Al. lang, ifl. D. Atl. (VI S. 574) kaldet „St. Karens med den blaa Kaabe", bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Af den ældste Del, fra romansk Tid af utilhuggen Kamp med Sokkel af Granit-

kvadre, staa kun Skibets Sidemure. I den senere Middelalder er Skibet forlænget baade mod V. og Ø., hvorved det gamle Kor fjernedes; paa Østgavlens Midte er maaske senere opf. en svær Murpille, der foroven er ottekantet og ender i et lille Spir. Noget senere (dog før 1589) opførtes Taarnet, der har blindingssmykkede Gavle til alle 4 Sider, og Vaabenhuset. Hele Kirken har Hvælvinger, men af forskellig Karakter. Alle de nye Dele ere af store, røde Mursten. Altertavlen er et daarligt, nyere Maleri i en Ramme, der indeholder Rester af et Arbejde fra tidlig Renæssancetid; Prædikestolen, med Aarstallet 1594 paa Lydhimlen, er et fortrinligt Renæssancearbejde; gammel Granitdøbefont. Præste- og Degnestol, med Aarst. 1586, er et godt Billedskærerarbejde; lignende Arbejde i Herskabsstolen. I Skibet et Trækrucifiks, vistnok fra romansk Tid. I Kormuren en Ligsten med 3 Figurer, over Anne Hardenberg til Torslundegd., † 1612, og hendes to Mænd Anders Bielke, † 1588, og Sivert Sehested; en anden over Fru Regitse Ulfeld, † 1571, er fra Koret flyttet ud i Vaabenhuset. Over Herredsfoged paa Hindsholm, Hans Krag og Hustru samt Børn hænger der et Epitafium fra 1664 i Skibet. — Det ovennævnte Hospital, ved Kirkegaardens sydøstl. Hjørne, af store, røde Sten med Blindinger i Gavlen, er formentlig en gammel Kirkelade.

I Torup har ligget Hovedgaarden *Torslundegaard*, som tilhørte Erik Hardenberg og Fru Regitse Ulfeld og senere deres Datter Anne Hardenberg; 1580 ejedes den af Markus Lund, 1614 af Axel Rosenkrantz, hvis Søn Holger Rosenkrantz 1631 solgte den til Tyge Brahe.

En Adelsmand Claus Frendesen i Mesinge nævnes i Beg. af 15. Aarh.

Tæt S. V. for Midskov synes der at have været et Voldsted.

Ved Lodshuse paa „Skoven“ har der været en hellig Kilde, „St. Karens Kilde“.

**Dalby Sogn** omgives af Annekset Stubberup, Viby og Mesinge Sogne samt Dalby Bugt. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 1 Mil N. for Kjerteminde. De for en Del højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt Smuttebjærg, 115 F., 36 M.) ere overvejende lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen til Brockdorff og Odense-Kjerteminde Banen.

Fladeindholdet 1896: 1758 Td. Ld., hvoraf 917 besaaede (deraf med Hvede 28, Rug 196, Byg 283, Havre 217, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 29, Grøntf. 32, Frøavl 19, Kartofler 13, andre Rodfr. 90, andre Handelspl. 4), Afgræsn. 230, Høslæt, Brak, Eng m. m. 463, Have 22, Skov 20, Moser 13, Kær og Fælleder 26, Hegn 12, Veje og Byggegr. 52, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 203 Heste, 718 Stkr. Hornkv. (deraf 422 Køer), 439 Faar og 328 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 197 Td.; 10 Selvejergaarde med 34, 30 Fæstegd. med 143, 71 Huse med 20 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse ($^1/_8$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 646 (1801: 412, 1840: 562, 1860: 610, 1880: 628), boede i 119 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 458 af Jordbrug, 102 af Industri, 21 af Handel, 6 af andre Erhv., 28 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Dalby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Valgmenighedskirken „Bethlehemskirken“ (opf. 1898 med to Taarne, i samme Stil som Kirken i Fjenneslev), Friskole med Forsamlingshus, samt Endestation for Odense-Kjerteminde Banen, Telegraf- og Telefonstation; *Hersnap* med Mølle; *Birkebjærg*. Desuden mærkes *Mosegaard*.

Dalby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Hindsholms Herreds Jurisdiktion (Kjerteminde), Odense Amtstue- (Odense) og Kjerteminde Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 124. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Schelenborg.

*Kirken* (overhvidtet), fordum helliget St. Peder, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den oprindl. Del, Koret og det østl. af Skibet, er i romansk Tid opf. af utilhuggen Kamp med Sokkel af banede Granitkvadre; Syddøren er endnu bevaret; to oprindl. Vinduer ses. Senest i den ældre Renæssancetid er Skibet blevet forlænget mod V., store Dele af Murene og Østgavlen ere omsatte, og der indbyggedes Krydshvælvinger, alt af Mursten. Noget senere (dog før 1589) er Taarnet, med takkede og blindingssmykkede Gavle, tilføjet, og det overhvælvede Taarnrum, som senere lukkedes, da det blev Brockdorffernes Familiebegravelse, aabnedes

ind til Skibet med en stor Spidsbue. Vaabenhuset, af store, røde Sten, er vistnok senere end Taarnet. Stor, udskaaren Altertavle i Renæssancestil med Aarst. 1633; Prædikestolen er et godt, tidligt Renæssancearbejde; ny Granitdøbefont (den gamle staar i en Gaard i Birkebjærg). Præste- og Degnestol med Aarst. 1588. I Skibet en gotisk Christusfigur paa et nyt Kors. Døren ind til Vaabenhuset er et godt Renæssancearbejde fra 1632. Foran Indgangen til Begravelsen en stor Rokokodekoration med Brockdorffernes Vaaben. I Vaabenhuset en slidt Ligsten over Niels Persen, † 1678, og en Ligsten fra 1670 over Præsten Niels Clausen Foss, † 1640.

I Dalby boede 1473 Væbneren Laurids Nielsen, Stamfader til den bekendte Odenseslægt Kotte.

Kold (se S. 410) grundlagde 1853 en Højskole i Dalby, hvorfra han flyttede til Dalum.

**Stubberup Sogn**, det nordligste paa Hindsholm og det største i Herredet, omgives af Hovedsognet Dalby og Viby Sogn samt Store Bælt og Kattegat. Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $1^1/_4$ Mil N. for Kjerteminde. De meget forskelligartede, dels sand-, dels lermuldede Jorder frembyde en stor Afveksling af Lavninger og til Dels lyngklædte Banker; nordligst ender Hindsholm i *Fynshoved*; her hæver *Bæsbanke*, der kun er landfast ved en ganske smal Landstrimmel, sig til 79 F., 25 M.; noget sydligere ved Store Bælt ligger *Sappesborg*, 32 F., 10 M. Ved Vestkysten ligger en Del Smaaøer: *Mejlø*, *Enø*, *Bogø*, *Vejlø*, *Vejlø Kalv*; i den vestl. Del af Sognet er der i 2. Halvdel af 19. Aarh. ved Inddæmning fra Egense til Langø indvundet omtr. 600 Td. Ld. En Del Skov (Hertugsk. m. m.). I den sydl. Del gaar Landevejen til Brockdorff.

Fladeindholdet 1896: 4630 Td. Ld., hvoraf 1766 besaaede (deraf med Hvede 109, Rug 332, Byg 589, Havre 428, Bælgsæd 39, Blandsæd til Modenh. 71, Grøntf. 5, Frøavl 21, Kartofler 24, andre Rodfrugter 126, andre Handelspl. 22), Afgræsning 316, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1890, Have 44, Skov 140, Moser 21, Kær og Fælleder 242, Flyvesand 49, Stenmarker 82, Veje og Byggegr. 59, Vandareal 18 Td. Kreaturhold 1893: 329 Heste, 1321 Stkr. Hornkvæg (deraf 792 Køer), 941 Faar, 352 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 370 Td.; 5 Selvejergaarde med 151, 46 Fæstegd. med 201, 70 Huse med 18 Td. Hrtk. og 24 jordløse Huse ($^2/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 837 (1801: 575, 1840: 727, 1860: 765, 1880: 905), boede i 128 Gaarde og Huse; Erhverv: 37 levede af immat. Virksomhed, 636 af Jordbr., 5 af Gartneri, 2 af Fiskeri, 118 af Industri, 10 af Handel, 18 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Stubberup* med Kirke og Forsamlingshus; *Martofte* med Skole, Fællesmejeri og Telefonstation; *Nordskov* med Skole og Telefonstation; *Egense*; *Langø* med Skole; *Bogensø*. *Snave*, Gaarde. I en lille Bugt S. for Fynshoved, beskyttet mod V. af Halvøen Korsøre, ligger *Korshavn*, Stoppeplads eller Vinterhavn, naar Isen hindrer Sejladsen paa Odense Fjord (kan søges af Skibe med 13—14 F. Dybgaaende). Hovedgaarden *Schelenborg*, Hovedsædet i Baroniet af s. Navn, har $77^7/_8$ Td. Hrtk., 919 Td. Ld., hvoraf 408 Eng, Resten Ager; til Gaarden hører en Mølle. Hovedgaarden *Brockdorff*, ligeledes under Baroniet, har $65^1/_8$ Td. Hrtk., 1006 Td. Ld., hvoraf 406 Eng, Resten Ager. Desuden mærkes Godsforvalterboligen *Sophienlund**).

Stubberup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 125. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Schelenborg.

*Kirken* (overhvidtet; i D. Atl. VI S. 572 kaldes den „den hvide Jomfru"), fordum

---

*) *Baroniet Schelenborg* indbefatter de to ovennævnte Hovedgaarde, hvis Tilliggende ligger i Stubberup S., medens Bøndergodset (90 Gaarde, 74 Fæstehuse og 19 Lejehuse) er fordelt i Stubberup, Dalby og Mesinge Sogne. Til Baroniet høre 810 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 143, indtaget til Skov 5, Bøndergods $445^1/_2$ Td., Kirke- og Kongetiende $216^1/_2$ Td.; i Bankaktier 12,000, i Fideikommiskapital omtr. 26,000 Kr. Til Hovedgaardene høre, foruden de ovennævnte 1925 Td. Ld., 64 Td. Ld. Skov.

helliget St. Laurentius, der ligger højt med vid Udsigt til alle Sider, er 60 Al. lang og bestaar af Skib og Kor, Taarn (36 Al.) mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skibet, er opf. i romansk Tid af Kridtsten (se *Helms*, Tufstenskirker, S. 110); det har Rundbuefrise, der ved Hjørnerne løber ned i brede Lisener; et oprindl. Vindue ses mod N. Senest i den ældre Renæssancetid er Kirken bleven forlænget mod V. og Ø., hvorved det gamle Kor fjernedes, de nye Gavle fik Blindinger, og Kirken overhvælvedes. Underdelen af Taarnet, der har flad Renæssancehvælving og er forbundet med Skibet ved en rund Bue, er tilbygget i Slutn. af 16. Aarh.; Taarnet, med blindingssmykkede Gavle, er fuldendt 1600. Vaabenhuset, med fladt Loft, er af røde Sten. Rigt og godt udskaaren Altertavle med Brahes og Hardenbergs Vaabener og Aarst. 1632; godt udskaaren Prædikestol i Renæssancestil; Granitdøbefont. Renæssancedør ind til Vaabenhuset med Aarst. 1655. I Skibet en Gravsten uden Ornamenter eller Indskrift, hvorunder Sagnet siger, at Marsk Stig er begravet. Om en tidligere i Kirken værende Tavle, som Sagnet ligeledes satte i Forbindelse med ham, se D. Mag. III S. 194 flg.

*Schelenborg*, forhen *Eskebjærg*, tilhørte i 13. Aarh. Marsk Stig og var derefter en Tid lang i hans Families Besiddelse. Af Ejerne nævnes Stig Andersen Hvide, † 1369, hans Søn Ove Stigsen Hvide (se S. 388), Anders Ovesen Hvide, hvis eneste Søn Ove Andersen Hvide døde ugift, saa at Godset tilfaldt Moderen Else Krognos, 2. Gang gift med Otte Nielsen Rosenkrantz. E. maa dog alt før være kommen ud af Slægtens Eje, thi ved 1370—80 ejedes den af Hr. Fikke Moltke til Kyse, som pantsatte den til Hr. Eskild Falk af Vallø for 600 Mk. lybsk. Aar 1423 var E. et Kronelen og vedblev at være det til ind i 17. Aarh. Af de kgl. Lensmænd kendes Hr. Bjørn Olufsen 1423, Fru Elsebe, Gert Bryskes, før 1462, Hans Walkendorff 1475, hans Enke Fru Ingeborg 1502, Willum van Wernitz 1519 osv. 1603 blev den egentlige Hovedgaard af Kronen mageskiftet til Axel Brahe, der efterlod den til sin Søn Tyge Brahe, hvis DatterAnne bragte den til sin Ægtefælle Oluf Daa; 1664 købte Oversekretær Erik Krag Oluf Daas Part i E. og 1667 Jakob Lindenovs Part; 1671 skødede han hele Ejendommen til Fr. Vittinghoff († 1691), der $^{12}/_{3}$ 1680 fik Godset oprettet til et Baroni under Navnet Schelenborg. Da han ikke efterlod Sønner, faldt Baroniet til hans Datter Sophie Charlotte, der havde ægtet General Schack-Brockdorff († 1730), udnævnt 1691 til Baron. Deres mandl. Linie uddøde med Sønnesønnen Baron Schack-Brockdorff, hvis Datterdatter Sophie Frederikke, født Baronesse Stieglitz-Brockdorff, Besidderinde af Baroniet, 1811 ægtede Kmjkr., Ritmester Carl Juel af Stamhuset Taasinge († 1859), der $^{25}/_{2}$ 1812 ophøjedes til Baron Juel-Brockdorff; efter Sønnen Kmhr. Fr. C. V. J.-B. († 1876) er dennes Søn, Kmhr., Ritmester C. F. S. V. J.-Brockdorff, den nuv. Besidder. — Hovedbygningen bestaar af en 1843 opf. Hovedfløj; to Bindingsværkssidefløje, af hvilke den ene uden Tvivl hidrørte fra Renæssancetiden, ere nu nedrevne.

Hindsholm Segl.

*Brockdorff* hed indtil 1785 *Grønlund*. — Hovedbygningen ligger N. Ø. for Gammel Grønlunds tidligere Plads.

Paa *Sappesborg*, en stejl, skarp afgrænset Banke, der er afrundet ind mod Landet, skal der have staaet en Borg; der vides dog aldrig at være fundet Bygningsrester.

Tæt S. for Martofte skal der have staaet et Kapel, hvoraf Rester vare synlige 1623; paa Stedet findes endnu Murbrokker og Kampesten. Det ligeoverfor liggende Hus kaldes Kapelhus.

Af de 4 Høje med Jættestuer, som kendes i Sognet, ere 3 fredlyste: *Tornehøj* ved Brockdorff (Kamret 15 F. langt), *Hesthøj* (102 F., 32 M.) ved Martofte (Kamret 22 F. langt) og *Moreshøj* smstds. med en meget anselig og udmærket bevaret Stue, hvis Kammer er 32 F. langt, 7 F. bredt og $5^{1}/_{2}$ F. højt, og hvis Gang er 22 F. lang. Ved Martofte er endvidere fredlyst en Gravhøj og ved Snave et Dyssekammer og en Høj, *Snavehøj*.

Alt i den katolske Tid var Stubberup annekteret til Dalby.

Navnet **Hindsholm** (i Vald. Jrdb. *Hægnæxholm*), der nu bruges om den hele ved Landtangen mellem Odense Fjord og Kjertinge Nor med det øvrige Fyn sammenhængende Halvø, galdt tidligere kun den nordlige Del af denne, nemlig de 4 Sogne Viby, Mesinge, Dalby og Stubberup, der i gamle Dage har været en Ø (hvad ogsaa Navnet tyder paa), idet en Vig, den nu tørlagte *Torup Strand* eller *Vejle* (se S. 441) trængte ind fra Odense Fjord paa Grænsen af Drigstrup og Mesinge Sogne og i Beg. af 19. Aarh. kun ved et smalt Drag („Drejet") skiltes fra Store Bælt, hvortil den havde Afløb gennem *Bodsbæk* (se *C. Engelstoft*, Saml. til Fyens Hist. IX S. 350 fl., og Geogr. Tidsskr. VII S. 124). „Holmen" har ogsaa været betragtet som en egen Landsdel; Ordet „Hindsboer" bruges kun om de 4 Sognes Indbyggere, og den har altid udgjort en særlig Retskreds, „Hindsbo Herred", der i gamle Dage henhørte under Nyborg Len. Det havde sit eget Ting, i Dalby, og sit eget Segl (se Atbild S. 459); det henlagdes 1680 til Schelenborg Birk (medens det øvrige af Bjærge Hrd. med Aasum Hrd. sammenlagdes til „Langeskov Ting"); først 1757 kom det under Odense Amt. Senere forenedes Hindsholms Hrd., foruden med Drigstrup og Revninge Sogne, med Kjerteminde Købstadsjurisdiktion. (Se Danm. geol. Undersøgelse I R. Nr. 2: Kortbladet Hindsholm, der ogsaa indbefatter den sydl. Del af Samsø og det meste af Lunde Hrd.).

---

## Lunde Herred.

**Sogne:**

*Norup, S. 461. — Skeby, S. 463. — Otterup, S. 464. — Østrup, S. 466. — Hjadstrup, S. 468. — Lunde, S. 469. — Lumby, S. 470. — Allesø, S. 471.*

---

Lunde Herred, det næstmindste i Amtet, grænser mod N. V. og V. til Skam og Skovby Herreder, mod S. til Odense Hrd., fra hvilket det for en lille Del adskilles ved Odense Kanal, mod Ø. og N. til Odense Fjord og Kattegat. Den største Udstrækning fra N. til S. er over 2 Mil, fra V. til Ø. er den største Bredde omtr. $1^1/_2$ Mil. Kysten ved Odense Fjord er meget uregelmæssig; Indløbet til Fjorden lukkes næsten af Halvøen Hals; flere af Øerne i Fjorden høre til Herredet, saaledes Viggelsø og Hasselø. De lavtliggende og jævne, kun mellem Norup og Otterup noget bakkede Jorder, der høre til „Sletten", ere af god, lermuldet Beskaffenhed; ved Inddæmninger er der indvundet større Arealer, hvoraf en Del endnu henligger som Enge. Herredet er meget skovfattigt (331 Td. Ld.). Af de smaa Vandløb til Odense Fjord nævnes Lunde Aa og Horsebæk. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til de bedste i Amtet (gnmsntl. $9^1/_2$

Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet 22,287 Td. Ld. (2,$_{23}$ □ Mil, 122,$_8$ □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt det halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 2188,$_9$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 6922 (1801: 3945, 1840: 5601, 1860: 6241, 1880: 7079). I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Skam og Skovby Herreder, i verdsl. Hens. hører det under Lunde og Skam Herreders Jurisdiktion og under Amtets 2. Forligskreds.

Lunde Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Lundæhæreth* (se S. 422), hørte fra 1660 til Odensegaards Amt; se i øvrigt S. 309.

Hjadstrup med de tilgrænsende Sogne Norup og Lunde samt den nærmeste Del af Skam Hrd. maa i Stenalderen have været en ret vigtig Beboelsesplads; i de 3 nævnte Sogne er der talt i alt 51 Stengrave, væsentligst Jættestuer (resp. 24, 16 og 11); over Halvdelen er dog nu sløjfet. Fra den øvrige Del af Herredet kendes kun i alt 4 Stengrave. Desuden er der i hele Herredet talt omtr. 50 Gravhøje, hvoraf omtr. 45 i Norup og Lumby Sogne. 5 Monumenter ere fredlyste.

**Litt.** *E. Møller*, Beskr. over adskillige Inddæmninger osv. i L. Hrd., Odense 1837. — Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i L. Hrd., af *Henry Petersen* og *J. B. Løffler*, 1882. — *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til Lunde Hrd. (i Nationalmus).

---

**Norup Sogn**, det nordligste og største i Herredet, omgives af Hjadstrup, Otterup og Skeby Sogne, Odense Fjord, Kattegat og Skam Hrd. (Krogsbølle og Bederslev S.). Kirken, mod V., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil N. for Odense. De lavtliggende og jævne, kun mod S. V. noget bakkede Jorder ere overvejende sandmuldede, enkelte Steder lermuldede. Ved Inddæmning er der vundet store Strækninger fra Fjorden (se ovennævnte Skrift af *E. Møller*), saaledes Egense Fjord, af hvilken en Sø mod Ø. ved Odense Fjord endnu er en Rest. Mod S. Ø. gaar den omtr. 1 Mil lange og meget smalle, bølgeformede, stenede og delvis lyngbegroede Halvø *Hals* eller *Enebærodde*, der nærmer sig Halvøen „Skoven" i Bjærge Hrd., saa at „Gabet", der danner Indløbet til Odense Fjord, kun er omtr. 700 Al. bredt. Øerne *Egholm*, *Trindelen*, *Lammerø* og *Kyholm* i Fjorden høre til Sognet. Lidt Skov (Charlottenlund eller Østerlund). I den vestl. Del gaar Landevejen fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 4271 Td. Ld., hvoraf 1814 besaaede (deraf med Hvede 53, Rug 349, Byg 390, Havre 380, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 408, Grøntf. 35, Frøavl 43, Kartofler 47, andre Rodfrugter 100, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 513, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1277, Have 55, Skov 92, Moser 73, Kær og Fælleder 132, Hegn 15, Heder 120, Veje og Byggegr. 133, Vandareal 43. Kreaturhold 1893: 317 Heste, 1401 Stkr. Hornkv. (deraf 848 Køer), 928 Faar, 690 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 312 Td.; 55 Selvejergaarde med 238, 5 Fæstegd. med 27, 163 Huse med 47 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1080 (1801: 617, 1840: 744, 1860: 873, 1880: 1121), boede i 225 Gaarde og Huse; Erhverv: 30 levede af immat. Virksomh., 782 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 173 af Industri, 27 af Handel, 45 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Norup*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd. og Skole; *Hasmark* (bestaaende af to særsk. matrik. Byer: *Øster-* og *Vesterballe*) med Filialkirke, Skole, Mølle og Andelsmejeri; *Egense* (gml. Form Eknæs). *Skjelsbækhuse*, *Halshuse*, de sidste paa Enebærodde, paa hvis

Østpynt der er et rødt og hvidt fast Vinkelfyr (et hvidt, 45 F. højt Fyrtaarn, Flammens Højde 40 F., Lysvidden $1^1/_2$ Mil). Hovedgaarden *Hofmansgave*, under Stamhuset af s. Navn*), har $54^1/_2$ Td. Hrtk., 943 Td. Ld., hvoraf $460^3/_8$ Ager, $217^1/_8$ Eng, $91^1/_2$ Skov, 120 Lyng, 34 Gaardspl., Have, Veje osv. og 20 under Afbyggergaarden *Martinegaard* (paa Hals). Gaarden *Æliasminde*, under Stamhuset Østrupgaard (se S. 466): $9^3/_8$ Td. Hrtk., 90 Td. Ld. Ager.

Norup S., en egen Sognekommune, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 135. Lægd. Kirkerne tilhøre Stamhuset Hofmansgave.

*Norup Kirke* bestaar af Skib, Kor med lige Afslutn., Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirkens ældste Dele, Skib og Kor, ere vistnok opf. i Midten af 12. Aarh. af omhyggelig tilhugne Kampestenskvadre med profileret Dobbeltsokkel. Hele Kirken er senere bleven nedreven og opf. paa ny med ringe Omhu, ved hvilken Ombygning den fik store, fladbuede Vinduer og (noget senere) Krydshvælvinger. Omtr. samtidig (før 1590) tilføjedes det meget brede Taarn, hvis nederste, overhvælvede Del er forbunden med Skibet ved en spidsbuet Muraabning, og Vaabenhuset. Koret dækkes nu af et fladt Loft. Forneden i Vaabenhusets Østside ses en Del krumhugne Kampestenskvadre, som formentlig hidrøre fra en nedbrudt, oprindl. Indgang. Altertavlen og Prædikestolen ere ret rige Renæssancearbejder fra 1600 med Quitzowernes og Rudernes Vaabener; Altertavlen har et tarveligt Maleri (Nadveren) fra 1817; romansk Granitdøbefont. De fleste af Stolestadernes Endestykker synes at være fra Midten af 17. Aarh.; paa flere af dem læses Bøndernes Navne. I Skibet et raat skaaret Krucifiks, vistnok samtidigt med Altertavlen. Series pastorum. Ved Siden af Alterbordet Ligsten over Præsterne Niels Rasmussen Kraft, † 1659, og Andr. Braabye, † 1800.

Filialkirken i Hasmark, opf. 1893 med Statstilskud, i romansk Stil efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel, bestaar af Skib med Korrunding og Bjælkeloft, samt Taarn mod V. Alteret er et forgyldt Kors; Granitdøbefonten er fra Kirken i Egense (se ndfr.).

I den sydøstl. Udkant af *Egense* har der ligget en Kirke, som blev befalet nedbrudt ved Klemmebrevet af 1555, hvorefter Sognet henlagdes til Norup. Præsten boede dog i Egense indtil 1635; over en af Dørene i Laden til den fordums Præstegaard staar K K O 1594 (ɔ: Kanutus Kanuti Othiniensis, Præsten Knud Knudsen, † 1634).

I Sognet laa i ældre Tid de to Hovedgaarde *Knyle* og *Hasmark* Hovgaard. Knyle tilhørte ved 1483 Anders Drage. Af Hasmarks Ejere kendes: Eiler i Hasmark 1444; Henneke Malman 1472; 1591 solgte Fru Anne Skovgaard, Morten Broks Enke af Barløse, Hasmark Hovedgaard og en Gaard og 4 Gadehuse smtds. til Fr. Quitzow til *Quitzowsholm*. Denne sidstnævnte Gaard havde Fr. Quitzow 1588 opført, formodentlig af den ældre Knyle Gaard. Hasmark vedblev dog at bestaa som en selvstændig Gaard, der 1631 beboedes af Fru Lisbeth Rosenkrantz, Hans Pogwischs Enke, men Ejendomsretten maa have været hos Quitzowerne, thi Fr. Q.'s Søn Henning Q. skødede 1656 Gaarden til sin Fæstemø Birgitte Gøye. Hun solgte som Enke 1677 Quitzowsholm og Hasmark til Erik Quitzow, hvis Arving Chr. Papenheim 1683 afhændede begge Gaarde til Jens Rosenkrantz, hvis Søn Jørgen R. formodentlig lagde Hasmark under Quitzowsholm, som han kaldte *Roseneje*. Ved Auktion efter ham 1718 solgtes Roseneje (313 Td. Hrtk.) for 16,500 „danske Kr." til Joh. Fr. Bøttiger, russisk Resident i Hamburg, der kaldte den *Bøttigersholm*; 1745 købtes Gaarden af Kancellir. Søren Lund til Damsbo, og efter hans Død solgtes den 1755 ved Auktion (med Norup Kirke) for 27,400 Rd. til Michel Lange til Krumstrup, hvis Enke 1759 overlod den til sin ældste Søn Chr. Lange, der Aaret efter skødede den til sin Broder Major Joh. Diedr. Lange. Sidstnævnte afhændede den 1771 for 46,500 Rd. til Niels Krag Lange, der maatte gaa fra Gaarden, som af Kreditorerne 1780 solgtes til Oberstlieutn. Bardenfleth, som Aaret efter solgte den til Konferensr. Niels Hofman († 1785), som $^{24}/_2$ 1784 oprettede B. til et Stamhus under Navnet *Hofmansgave* for sin Søsterdattersøn Niels Bang, der forpligtedes til at antage de Hofman'ers Navn og Vaaben. Etatsraad Niels Hofman Bang døde 1855, hvorefter Stamhuset gik over til Sønnen,

*) Til *Stamhuset Hofmansgave* høre $1261/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $541/_2$, Bøndergods 31, Kirketiende 41 Td., i Bankaktier 3600, i Fideikommiskapitaler omtr. 545,900 Kr.

Etatsraad N. E. H.-B. († 1886), der ligesom Faderen var bekendt som udmærket dygtig Landmand og 1845 paa Hofmansgave grundlagde et Landvæsensinstitut, hvilket bestod indtil 1854; hans Søn, Hofjægerm. N. E. Hofman-Bang, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, beliggende paa „Knyleøen" (gjort landfast 1756, hvorved indvandtes 150 Td. Ld.), bestaar af en grundmuret, 1 Stokv. høj Hovedfløj med Kælder samt to Sidefløje af Bindingsværk, ogsaa i 1 Stokv. Haven har store Frugttræplantninger, Rigdom paa Bregner og mange sjældne Træer, deribl.: en 60 F. høj Pinus Strobus (Weymouths Fyr), en 54 F. høj Pinus silvestris (over 100 Aar gml.), en 18 F. høj Biota orientalis, en 30 F. høj Chamæcyparis thujuides, en 35 F. høj Betula lenta, en 44 F. høj Alnus cordifolia, en 50 F. høj Quercus pyramidalis, en 44 F. høj Ulmus campestris, en 56 F. høj Fraxinus excelsior, en 24 F. høj Paulownia imperialis, en 64 F. høj Tilia vulgaris (paa Gaardspladsen, plantet 1794), en 51 F. høj Acer campestris, en 40 F. høj Æsculus rubicunda, en 31 F. høj Æsculus flava, en 22 F. høj Benved, en 55 F. høj Ailantus glandulosa, en omtr. 80 Aar gammel Cratægus monogyna, en 30 F. høj Cerasus Mahaleb (Weichseltræ), en 29 F. høj Saphora japonica, en 29 F. høj Laburnum alpinum (Alpe-Guldregn), en 42 F. høj alm. Guldregn, en 32 F. høj Robinia viscosa og en 50 F. høj Liriodendron tulipifera.

En Adelsmand Johannes Esbernsen af *Nordrup* nævnes 1391.

Ved Hasmark ligger en stor erratisk Blok, *Grydestenen*, bestaaende af to større og tre mindre Gnejsblokke.

Ved Norup ligge to fredlyste Gravhøje (Jeppeshøje), hver omsluttende en lille Jættestue.

**Skeby Sogn** omgives af Norup Sogn, Annekset Otterup og Østrup Sogn samt Odense Fjord (i Sognet en Del Enklaver af Otterup Sogn). Kirken, mod N. V. i en Udkant af Sognet, ligger omtr. $1^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Odense. De lavtliggende og jævne Jorder ere stærkt muldlerede undtagen langs med Fjorden, hvor de ere en Del sandede. Ved flere Inddæmninger i 1. Halvdel af 19. Aarh. er der indvundet store Strækninger; flere Øer, som Gjersø, Klinteø, Klingeskov, Ølund, Lindø, Baagø og Lammerø (i Jac. Madsens Visitatsbog: Landmandsø), ere derfor nu landfaste. Lidt Skov (med Fællesnavnet Ørridslev Sk.).

Fladeindholdet 1896: 2953 Td. Ld., hvoraf 1093 besaaede (deraf med Hvede 125, Rug 147, Byg 272, Havre 196, Blandsæd til Modenh. 130, Grøntf. 61, Frøavl 53, Kartofler 12, Sukkerroer 15, andre Rodfr. 78), Afgræsn. 206, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1400, Have 33, Skov 97, Hegn 12, Stenmarker 7, Veje og Byggegrunde 70, Vandareal 35 Td. Kreaturhold 1893: 208 Heste, 896 Stkr. Hornkv. (deraf 581 Køer), 602 Faar, 426 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 209 Td.; 36 Selvejergaarde med 180, 117 Huse med 28 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 763 (1801: 364, 1840: 595, 1860: 697, 1880: 800), boede i 151 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 520 af Jordbrug, 17 af Fiskeri, 125 af Industri, 45 af Handel, 7 af Skibsfart, 3 af andre Erhverv, 23 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv. Ved Klintebjærg, Baagø og Gjersø lidt Fiskeri,

I Sognet *Skeby Kirke*, nær ved Ørridslev By, og Byerne: *Skeby* (1558: Skiffby) med Præstegd.; en Del af *Ørridslev* (1427: Yriesløff og Øriæsløff, 1431: Ørresløff) (Resten i Otterup S.) med Andelsmejeri; *Hessum* med Skole og Mølle; *Ølund*; *Gjerskov* med Skole. Ladepladsen *Klintebjærg* med Havnebro (12 F. Vand), Kro, større Købmandsforretn., flere Fabriksanlæg (Kalkbrænderi, Eddikebryggeri, Cikoriefabrik), Telefonstation, Badeanstalt m. m. *Ørridslev Skovhuse*, *Klingeskov*, Huse. *Gjersø*, Lodsstation. Flere Støtter, Ø. for Gjerskov og paa Vestsiden af den tidligere Baagø, minde om de store Inddæmninger. *Ølundgaard*: $22^7/_8$ Td. Hrtk., 330 Td. Ld., hvoraf 60 Eng, 12 Skov, 8 til 5 Lejehuse, Resten Ager. En Gaard i Ørridslev: 16 Td. Hrtk., $121^1/_2$ Td. Ld. (i Skeby og Otterup S.), hvoraf $3^1/_2$ Skov, Resten Ager.

Skeby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 132. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og et lille, hvælvet Kapel (nu Materialhus) ved Skibets Østgavl. Kirken, oprindelig Skib og Kor, er formentlig opf. ved 12. Aarh.'s Midte af raa og kløvet Kamp med tilhugne Hjørnekvadre. Et rundbuet Vindue spores paa Skibets Sydside, paa Nordsiden ses Levningerne af en oprindl. Dør med retvinklet Karmsnit og aflang firkantet Overligger. Ved Middelalderens Slutn. synes Koret at være blevet nedbrudt, Skibet forlænget 26—27 F. mod Ø. og her afsluttet med en kamtakket, blindingsprydet Gavl. Forlængelsens østligste Del overhvælvedes og indrettedes til Kor. Kirken har i øvrigt Træloft. Aar 1595 blev det lave Taarn, med Blindingsdekorationer paa Vestsiden, opført af Niels Skinkel til Gjerskov, der ogsaa opførte Kapellet 1599. Omtr. samtidigt tilføjedes Vaabenhuset (i alt Fald før 1590), der er stærkt omdannet i senere Tid. Altertavlen er ny, med et Maleri (Christus i Getsemane) fra 1863; romansk Granitdøbefont; Prædikestol i sen Renæssancestil. I Koret et Egetræsskab fra 1676. Klokken, uden Indskrift, er sikkert meget gammel. Indvendig i Vaabenhusets vestl. Væg er indmuret Ligsten med Portrætfigurer i Relief over Hans Skinkel, † 1558, og hans 3. Hustru Anne Bild. I Taarnrummet ere indmurede to middelalderlige Ligsten med Korsstave.

I *Gjerskov* har ligget en Hovedgaard, der alt 1336 nævnes blandt det Gods, som Grev Gert afhændede til den holstenske Herremand Detlev Wensin. Derefter nævnes afgangne Oluf Jensen af G. 1386, Erik Poulsen 1391, Poul Nielsen 1405 og Hans Jensen i G. 1468—83. Sidstnævnte førte en Lilje i sit Vaaben, og hans Efterkommere antog Navnet Skinkel. Poul Jensen (Skinkel) ejede G. 1505, hans Søn Hans S. 1553, dennes Søn Niels S., hvis Søn Laurids S. 1624 ejede Gaarden, af hvilken dog en Part 1627 tilhørte Claus Uck. Senere ejedes den af Laur. S.s Enke Sophie Parsberg, efter hvis Død hendes Svigersøn Mogens Kaas solgte G. til Otto Risbrich; 1685 blev den forenet med Nislevgd. og 1696 nedreven og Jorden besat med Bønder fra den s. Aar nedlagte By Nislev i Otterup Sogn.

Jes Mikkelsen i *Skiby*, siden Landsdommer i Fyn, nævnes 1423.

*Ølundgaard* købtes 1799 af Generalmajor N. Engelsted († 1816, begr. paa Otterup Kirkegd.), bekendt fra Slaget ved Sehested 1813 (en Mindestøtte af Træ er rejst for ham i Lammerøskoven).

I eller ved Ølund har der i den katolske Tid ligget et Kapel (den første Præst i Sognet efter Reformationen var „Hr. Knud i Ølund"). Endnu findes Rester af Kapellets Munkestensgulv, og en Banke i Nærheden, hvor der endnu opgraves Skeletter, kaldes af Befolkningen „Kirkebjærg".

**Otterup Sogn**, Anneks til Skeby, omgives af dette, Norup, Hjadstrup, Lunde og Østrup Sogne (5 Enklaver ligge i Skeby S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil N. for Odense. De lavtliggende og jævne, kun mod N. V. noget bakkede Jorder ere lermuldede. Gennem Sognet gaa den nordfynske Jærnbane og Landevejen fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 2463 Td. Ld., hvoraf 1321 besaaede (deraf med Hvede 160, Rug 193, Byg 290, Havre 217, Blandsæd til Modenh. 177, til Grøntf. 62, Frøavl 37, Kartofler 12, Sukkerroer 85, andre Rodfr. 84, Handelspl. 3), Afgræsn. 371, Høslæt, Brak, Eng m. m. 577, Have 40, Skov 53, Moser 10, Kær og Fælleder 9, Hegn 11, Veje og Byggegr. 66, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 195 Heste, 958 Stkr. Hornkv. (deraf 623 Køer), 406 Faar, 466 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 272 Td.; 33 Selvejergaarde med 221, 4 Fæstegd. med 21, 144 Huse med 29 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 889 (1801: 335, 1840: 554, 1860: 678, 1880: 781), boede i 170 Gaarde og Huse; Erhverv: 69 levede af immat. Virksomhed, 485 af Jordbr., 6 af Gartneri, 248 af Industri, 52 af Handel, 19 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv. I Otterup og Hjorslev Byer drives en Del Industri.

I Sognet Byerne: *Otterup* (gml. Form Ottorp), ved Landevejen, med

Kirke, „Frelserens Hospital“ (opr. 1722 af Gehejmer. Chr. Sehestedt, † 1740, og Hustru, med et Hus ved Kirken til 8 fattige af Nislevgaards Gods), Apotek, Lægebolig og Mølle; den med Otterup sammenbyggede *Hjorslev* (1497: Hiorsløff), ved Landevejen, med Skole, Realskole, Forsamlingshus („Otterup Forsamlingshus“), Bryggeri, Cementtagstensfabrik m. m. samt Post- og Jærnbanestation („Otterup Station“); en Del af *Ørridslev* (Resten i Skeby S.) med Skole. *Gydehuse* (Jydehuse, Jydby), Huse. Hovedgaarden *Nislevgaard*, hørende til Stamhuset Ravnholt, Vindinge Hrd. (s. d.), har $59^3/_4$ Td. Hrtk., 490 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, Resten Ager; til Godset høre desuden omtr. $^1/_2$ Td. Skovsk., $45^5/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Skeby, Otterup, Østrup, Lunde og Lumby Sogne) samt Skeby, Otterup, Lunde og Lumby Kirker. Hovedgaarden *Ørridslevgaard* (med den fra 1896 nedlagte Gaard *Blaaholm*): $36^3/_8$ Td. Hrtk., 350 Td. Ld., hvoraf $10^1/_2$ Mose, 15 Skov (10 i Skeby S.), $9^1/_2$ Gaardspl., Have, Hegn og Veje, Resten Ager (omtr. 53 i Norup S.). Desuden mærkes *Nislev Mølle* og Gaarden *Enemærket*.

Otterup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 133. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Nislevgaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er formentlig opf. ved Midten af 12. Aarh. og har været bygget af firhugne Kampestenskvadre paa en profileret Sokkel. I den senere Middelalder er den bleven nedbrudt og paa ny opf. med Anvendelse af det gamle Materiale, saa vidt dette strakte til, og fik Hvælvinger. Ligeledes opførtes det ret anselige Taarn, hvis nederste, overhvælvede Rum forbandtes med Skibet ved en Murbue. Østgavlen fik Kamtakker og Blindinger. Omtr. samtidig tilføjedes Vaabenhuset, der i 1650 blev delvis nedbrudt og genopført, dels til Vaabenhus, dels til Materialhus med en fælles Gavl i Renæssancestil. Altertavlen er et nyere Maleri (Christus i Getsemane) af Schrøder, opsat 1863. Paa Kalken et lille Krucifiks fra 1578; selve Kalken, med Chrf. Sehestedts og Mette Urnes Navne og Vaaben, er „omgjort og forbedret“ 1687. Romansk Granitdøbefont med Løvværksslyngninger. Prædikestolen er et ualmindelig rigt og dygtig skaaret Renæssancearbejde fra 1616, skænke taf Joh. Friis og Karen Krabbe, med Egern-Friisernes, Gyldenstjernernes, Krabbernes og Skaktavl-Friisernes Vaabener. Nogle af Stolestaderne bære paa Endestykkerne Aarstallene 1636, 1637 og 1700. I Skibet en malmstøbt Lysekrone, skænket 1735 af Chrf. Sehestedt og Hustru. I Kirkens vestre Ende er i 1699 indrettet en med Billedskærerarbejde rigt udstyret Familiebegravelse for ovennævnte Chrf. Sehestedt og Hustru. Paa Oversiden af en Balustrade, som begrænser Gravkapellets øvre Del, er indskaaret Michael Tvisch Bildt, formentlig Billedskærerens Navn. I Vaabenhusets Indervægge er indmuret to Ligsten over Jørgen Berentzen Øglek, Forpagter paa Nislevgd., † 1755, og Hustru, og over Andris Schiøtte, Forpagter smstds., † 1725. — En kisteformet Gravsten med udhugne Reliefremstillinger, fra den tidligere Middelalder, er nu i Nationalmus. (*Løffler*, Gravst., Pl. XVI).

*Nislevgaard* nævnes i Slutn. af 16. Aarh. og var oprindl. en jordegen Bondegaard, som den senere Borgmester i Odense Hans Mule 1581 erhvervede af Kronen. Han eller hans Søn Claus M. afhændede vistnok Gaarden til Rigsraad Breide Rantzau, som ejede den 1614, og hvis Svigersøn Hr. Hans Lindenov besad den 1638; 1670 tilhørte den Hofmarskal Chrf. Sehestedt, hvis Søns Enke, Fru Charlotte Amalie Gersdorff, $^{25}/_3$ 1752 oprettede den tillige med Ravnholt (s. d.) til et Stamhus. — En ny Hovedbygning, af røde Mursten i 1 Stokv. med høj Kælder af tilhuggen Kamp og Skifertag, er opført 1895 i Stedet for den tidligere Bindingsværksbygning.

*Ørridslevgaard*. Jessæ Sommer af „Ørresløff“ i Ottorp Sogn nævnes 1435, og noget tidligere nævnes „Yriesløff“ (Nye D. Mag. VI S. 226 f.). Den tilhørte 1580 Claus og Chrf. Mogensen Mormand og 1590 disses Broder Morten Mogensen. 1620 opførtes Hovedbygningen af Johan Friis († 1635) og Karen Krabbe, hvis Arvinger (se Saml. til Fyens Hist. X S. 40) 1662 solgte den til Raadmand i Kjøbenhavn Morten Mikkelsen; dennes Enke afhændede den 1666 til Amtsforvalter Morten Mikkelsen Hardrup, hvis Enke Bodil 1691 solgte den til Otte Pedersen til Hollufgd. 1704 tilhørte

den Jens Ibsen Frøstrup, der tilkøbte Æbelø 1710 af Etatsr. M. C. B. Ehrenschildt, og hvis Enke Margrethe Rosenvinge 1715 købte Højby Kirke. Hun ægtede Justitsr. Iver Andersen, der ogsaa ejede Hollufgd., og afhændede først 1755 Ø. til sin Datter, Etatsr. Himmelstrups Enke Sophie Iversdatter, der 1769 som Enke efter Stiftamtmand Heinen solgte Gaarden for 36,400 Rd. til Niels Kragh Lange, senere til Bettigersholm (Hofmansgave), der 1771 solgte den for 32,000 Rd. til Krigsr. Laurids Schebye, som 1779 udlagde den til sin Søn Alexander S.; denne solgte den 1799 for 23,000 Rd. C. til Kammerr., senere Justitsr. H. J. Hansen, fra hvem den 1804 solgtes for 120,000 Rd. C. til Kancellir., senere Justitsr. Elias Møller til Østrupgd. Denne solgte den 1809 (uden Bøndergods, der lagdes til Østrupgd.) for 33,000 Rd. til sin Broder N. Møller, fra hvem den 1838 gik over til Sønnen J. V. Møller († 1847), hvis Søn, den nuv. Ejer, N. W. Møller, derefter overtog den. — Hovedbygningen, der er omgiven af Grave, og som alt nævnt stammer fra 1620, blev 1789 ombygget næsten fra Grunden; den bestaar af en grundmuret Hovedfløj med Kvist og høj Kælder, hvis Mure ere $1^3/_4$ Al. tykke (i Stuetagen ere de $1^1/_2$ Al.), samt to, ligeledes grundmurede Sidefløje. Den ældre Bygning havde to Stokv. og Taarn.

Den tidligere Gaard *Blaaholm* var en 1807 fra Ørridslevgd. oprettet Afbyggergaard, som frasolgtes 1812 for 37,000 Rd. og tilbagekøbtes 1875 for 141,600 Kr.

I Sognet har tidligere ligget to Byer, *Ørkeby*, der antages at være afbrændt og forladt ved Aar 1550, og *Nislev*, der nedlagdes 1696 (se S. 464).

**Litt.**: *E. V. Lose*, Smaating om Skeby-Otterup Sogne, i Kirkeh. Saml. 4. R. III Bd. S. 428 flg.

**Østrup Sogn**, adskilt fra Annekset Hjadstrup ved Otterup Sogn, omgives af Skeby, Otterup og Lunde Sogne samt Odense Fjord. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. for Odense. De lavtliggende og jævne, kun ved Østrup By og paa Viggelsø noget højere Jorder ere lermuldede og lerblandede. Flere Smaaskove. Til Sognet høre Øerne *Viggelsø* (1250: Wigelsø), der med nogle i den senere Tid foretagne betydelige Inddæmninger udgør omtr. 250 Td. Ld., og den ubeboede Ø *Hasselø*. Gennem den vestl. Del gaa Landevejene fra Odense til Bogense og fra Hjorslev til Klintebjærg.

Fladeindholdet 1896: 1884 Td. Ld., hvoraf 927 besaaede (deraf med Hvede 90, Rug 140, Byg 216, Havre 203, Blandsæd til Modenh. 112, Grøntf. 48, Frøavl 37, Kartofler 9, Sukkerroer 9, andre Rodfrugter 62), Afgræsn. 256, Høslæt, Brak, Eng m. m. 538, Have 45, Skov 48, Kær og Fælleder 9, Hegn 5, Veje og Byggegr. 54, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 153 Heste, 768 Stkr. Hornkv. (deraf 470 Køer), 257 Faar og 248 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 190 Td.; 28 Selvejergaarde med 146, 3 Fæstegd. med 30, 60 Huse med 13 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 494 (1801: 327, 1840: 457, 1860: 530, 1880: 560), boede i 91 Gaarde og Huse; Erhverv: 29 levede af immat. Virksomh., 336 af Jordbr., 2 af Fiskeri, 89 af Industri, 20 af Handel, 9 af Skibsfart, 7 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Østrup* med Kirke, Præstegd., Skole, Østrupgaards Hospital (opr. 1798 af Kancellir. Elias Møller til Østrupgd., † 1846, og Hustru, med et Hus og Hjælp til fattige af Østrupgaards Gods) og Mølle; *Daugstrup* (1428: Dastrop) med Kro (ved Landevejen). Hovedgaarden *Østrupgaard*, under Stamhuset af s. Navn, har $45^3/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og 5 Td. Skovskyld, 1550 Td. Ld. (i Østrup, Otterup, Skeby, Norup, Bederslev og Vigerslev Sogne), hvoraf 35 Eng og Tørvemose, 155 Skov, 1086 Inddæmning (Eng og Agerland), 16 Have og Park, Resten Ager. Under Stamhuset høre ogsaa *Daugstrupgaard* ($10^4/_8$ Td. Hrtk., 125 Td. Ld. Ager og Eng) og *Østrup Mølle**). *Viggelsøgaard*: $18^7/_8$ Td. Hrtk.,

*) Til *Stamhuset Østrupgaard*, der indbefatter Hovedgaarden Østrupgd. og Gaardene Eliasminde (Norup S.) og Daugstrupgd., høre $142^6/_8$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf under Hovedgaarden $50^7/_8$. Bøndergods $38^1/_2$, Kirketiende (Østrup og Hjadstrup Kirker) $63^1/_4$; af dette er $59^3/_8$ fri Jord. Desuden i Bankaktier 4200, i Fideikommiskapitaler omtr. 750,000 Kr.

$242^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $120^1/_2$ Eng (inddæmmet Strand i Aar 1877), Resten Ager. *Østrupskov- gaard*, under Stamhuset Ravnholt, har $15^1/_4$ Td. Hrtk., 160 Td. Ld., næsten alt Ager. *Gudskovgaard.*

Østrup S., en egen Sognekommune, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 130. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Østrupgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V., Vaabenhus ved Taarnets Vestside og lille Gravkapel ved Korets Nordside. Der synes alt i den romanske Tid at have staaet en Kirke her, men den er for længe siden tilintetgjort. Den nuv. er for de ældste Deles Vedk. (Skib og Taarn) opf. af Munkesten i Slutn. af Middelalderen. Vistnok i den tidligere Renæssancetid blev det ældste Kor nedrevet og Skibet forlænget (ifl. J. Madsens Visitatsb. S. 106 „lod Morten Skinkel, 1595 Kirken forlænge, sig og sine til en statelig Begravelse og Stolestand") med to Hvælvingsfag mod Ø.; Taarnets

Østrupgaard.

øvre Del blev ombygget 1827; omtr. fra samme Tid skrive Vaabenhus og Kapel sig; det sidste er Gravsted for Ejerne af Østrupgaard. Altertavlen bestaar af en Ramme i Rokokostil og et Maleri (Nadveren) af C. Faber fra 1863. Kalk fra 1580, skænket af Ide Skinkel. Romansk Granitdøbefont med Kors og Buer. Prædikestol fra Midten af 17. Aarh. Klokke med Indskriften: Anno domini mccccxlviii ihesus maria sata anna diaconus iohannes brvn. I Skibet smuk malmstøbt Lysekrone fra den seneste Renæssancetid og Ligsten over Poul Skinkel, † 1565, og Hustru Ide Andersdatter, † 1581, med deres Portrætfigurer og Indskrift. Ifl. en Afskrift paa Østrupgd. skal der have været Ligsten over Præsten Chrf. Johannis, † 1588, og Svigermoder, Citsel, Hr. Peders i Allerup, † i Østrup 1578. Endvidere fandtes i Kirken en Sørgefane over Johan Didr. v. Wettberg til Østrupgaard, † 1695 (hans Ligkisteplade er nu i Nationalmus.).

Af *Østrupgaards* Ejere nævnes Henrik Andersen kaldet Gummesen 1466, Jørgen Friis 1504, hans Datter Anne, g. med Hans Jensen, kaldet Hans Stigsen (Ulfeld) til Vejrup, der 1529 skrev sig til Ø., og hvis Datter bragte Gaarden til sin Ægtefælle Jørgen Daa, der skrev sig til den 1544, men dog kun besad den i Sameje med Poul Skinkel, † 1565, der skal have bygget Gaarden (D. Atlas VI S. 639). Hans Farfader Jens Hansen skrev sig alt 1459 i Ø. Senere ejedes den bl. a. af Morten Skinkel 1588, Godske Rathlow 1627, Claus v. Buchwald 1628, Jørgen Rathlow 1631, Enken Bar-

bara Ahlefeldt, efter hvem den arvedes af Søstrene Margrethe, Øllegaard, Hedvig og Mette A., hvilken sidste († 1694) 1657 blev Eneejer (g. m. Lieutn. Chrf. Korff, † 1678) og 1682 solgte den til Joh. Didr. v. Wettberg, Kommandant paa Kronborg, hvis Datter Hylleborg bragte den til sin Mand Generallieutn. J. F. Frølich, der 1754 solgte Ø. med Gods, to Kirker og Ø. Vejrmølle til Krigsr. Laurids Schebye for 18,000 Rd. C. Derefter ejedes Gaarden af Sønnen Jens Dreyer S., hvis Enke Anna Elisabeth, f. Ramus, 1797 ægtede Kancellir., senere Justitsr. Elias Møller, der samlede og ordnede Godset, inddæmmede omtr. 1200 Td. Ld. (1809 og 1818) og 1828 oprettede Østrupgaard til et Stamhus, hvilket 1846 overgik til Brodersønnen Jørgen J. Møller, † 1870, derefter til dennes Søn Elias M. († 1895), som grundforbedrede Inddæmningen. Nuv. Besidder er hans Søn cand. polyt. Holger Møller. — Hovedbygningen, der afløste den tidligere, 1812 af Egebindingsværk opførte, er opf. 1881-82 i nederlandsk Renæssancestil efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf. Bygningen er i to Stokv. og hviler paa en 5 F. høj Granitsokkel; den har Skifertag, det ottekantede Taarn og Karnapperne have Kobbertag. — Til Gaarden høre en stor, smuk Have og en Park med flere Damme.

*Østrupskovgaard* var fordum en større Gaard, der 1503 ejedes af Jørgen Friis, 1588 af Rentemester Chrf. Walkendorff, derefter af Daaerne (flere Tjørne paa Egnen kaldes „Daas Tjørne" og ere if. Sagnet plantede til Minde om en omtr. 1590 stedfunden Duel, hvorved en Daa fra Østrupskovgd. faldt for en Skinkels Haand).

I Daugstrup (Daxtorp) har ligget en adelig Sædegaard, der 1391 beboedes af Johannes Jensen, 1451 af Mads Pedersen og 1472 af Niels Madsen.

For Østrup eksisterer en udførlig Byskraa (medd. efter en 1598 tinglæst Original i Hist. Tidsskr. I S. 417 flg.),

**Litt.**: *H. F. Rørdam*, Ø.-Hjadstrup Præstekalds Adkomstbreve, i Kirkeh. Saml. 4 R. II Bd. S. 704 flg. — *Th. Hansen*, Min Mindegang ved Østrup Præstegd., Odense 1895 (tr. som Manuskr.). Mindegangen for Præsterne er fredlyst 1897.

**Hjadstrup Sogn**, Anneks til Østrup, fra hvilket det adskilles ved Otterup Sogn, omgives af Norup, Otterup og Lunde Sogne samt Skam Hrd. (Skamby, Uggerslev og Bederslev S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil N. for Odense. De noget højtliggende, for det meste jævne Jorder ere lermuldede, dog mod N. Ø. noget sandblandede. Gennem Sognet gaar den nordfynske Bane.

Fladeindholdet 1896: 2265 Td. Ld., hvoraf 1281 besaaede (deraf med Hvede 75, Rug 257, Byg 307, Havre 301, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 179, Grøntf. 35, Frøavl 39, Kartofler 14, Sukkerroer 8, andre Rodfr. 57), Afgræsn. 311, Høslæt, Brak, Eng m. m. 604, Have 29, Skov 2, Moser 2, Veje og Byggegr. 36. Kreaturhold 1893: 227 Heste, 905 Stkr. Hornkvæg (deraf 563 Køer), 405 Faar, 443 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 249 Td.; 48 Selvejergaarde med 224, 101 Huse med 25 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 697 (1801: 309, 1840: 553, 1860: 638, 1880: 695), boede i 145 Gaarde og Huse; Erhverv: 30 levede af immat. Virksomhed, 484 af Jordbr. 145 af Industri, 16 af Handel, 2 af andre Erhv., 10 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Hjadstrup* med Kirke, Skole og Anneksgaard; *Bladstrup* med Teglværk; *Gyrup* med Mølle og Andelsmejeri; *Kappendrup* med Jærnbane- og Telegrafstation samt flere Haandværkere og Købmandsforretninger; *Emmelev* med Damp- og Vejrmølle; *Brandsby*.

Hjadstrup S., en egen Sognekommune, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr. 134. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Østrupgaard.

*Kirken*, indviet til St. Michael, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus paa Skibets Nordside. De ældste Dele, Skib og Kor, ere opf. ved 12. Aarh.'s Midte af firhugne Kampestenskvadre. Et Par af de oprindl. Vinduer skimtes; Norddøren er ypperlig bevaret, men tilmuret. Hele Bygningen har hvilet paa en Sokkel med Skraakant. I den senere Middelalder er det anselige Taarn tilbygget af røde Mursten i Munkeskifte, prydet med Kamtakker og Blindinger; den nederste, overhvælvede Del er forbunden med Skibet ved en stor Spidsbue. Skib og Kor ere overhvælvede. Alterbilledet (Korsfæstelsen), i en Rokokoramme, er malet 1777.

Romansk Granitdøbefont. Prædikestolen er vist fra 18. Aarh., dens Himmel skriver sig ifl. Indskr. fra 1575. Den ene Klokke bærer Indskriften: help got sancte michel o rex glorie veni cum pace mccccixvi av. maria. Over Triumfbuen et Krucifiks fra den senere gotiske Tid.

Jakob Norby boede 1590 i *Gyrup*, 1609 boede hans Enke Fru Ingeborg der, og 1660—63 nævnes „Fru" Beate Markdanner til „Dannerup" o: *Kappendrup* i Hjadstrup Sogn, hvor der har ligget en større Gaard, den samme, der 1550 ejedes af en Adelsmand Jens Eriksen og 1631 af Peder Bille. Gaarden udstykkedes omtr. 1800.

Paa Emmelev Mark Ø. for Byen har der været en hellig Kilde, som endnu ndtil midt i 19. Aarh. besøgtes St. Hans Nat.

Sognet er ualmindelig rigt paa Stengrave, navnlig Jættestuer, af hvilke 16 endnu ere mere eller mindre fuldstændig bevarede (en, ved Gyrup, er fredlyst; se Vignetten S. 460); desuden findes to Langdysser (en, *„Kappendrup Kirke"* ved Gyrup, er fredlyst) og 3 stærkt forstyrrede Gravkamre; 3 Stengrave vides at være sløjfede. De fleste Jættestuer ere smaa og af en sjældnere forekommende Form, med et aflangt firkantet eller skævt firkantet Kammer, fra hvis ene Ende Gangen udgaar, saa at dennes Længderetning mod Sædvane falder sammen med Kamrets. Ti af Jættestuerne ligge samlede i en tæt Gruppe paa en Mark N. for Hjadstrup.

Hjadstrup S. har i Beg. af 16. Aarh. været Anneks til Skeby.

**Lunde Sogn** omgives af Allesø, Lumby, Østrup, Otterup og Hjadstrup Sogne samt Skam Hrd. (Skamby S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. N. V. for Odense. De noget højtliggende og jævne Jorder ere lermuldede. Gennem Sognet, der gennemstrømmes af *Lunde Aa*, gaa Landevejen fra Lumby til Bladstrup og den nordfynske Bane.

Fladeindholdet 1896: 3070 Td. Ld., hvoraf 1662 besaaede (deraf med Hvede 224, Rug 176, Byg 409, Havre 353, Bælgsæd 28, Blandsæd til Modenh. 228, Grøntf. 81, Frøavl 16, Kartofler 21, Sukkerroer 14, andre Rodfr. 112), Afgræsning 458, Høslæt, Brak, Eng m. m. 803, Have 38, Skov 3, Moser 3, Hegn 15, Veje og Byggegr. 76, Vandareal m. m. 12 Td. Kreaturhold 1893: 303 Heste, 1164 Stkr. Hornkv. (deraf 760 Køer), 387 Faar, 679 Svin og 19 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 363 Td.; 54 Selvejergaarde med 344, 1 Arvefæstegd. med 7, 70 Huse med 12 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 765 (1801: 475, 1840: 621, 1860: 652, 1880: 780), boede i 130 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomhed, 525 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 143 af Industri, 25 af Handel, 16 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Lunde*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd. og Skole; *Øster-Lunde* med Jærnbane- og Telegrafstation samt Andelsmejeri; *Tostrup* (Taastrup); *Beldringe* med Jærnbanestation; *Fremmelev*. Gaarden *Rosendal*: 17 Td. Hrtk., 147 Td. Ld. (deraf 36 i Allesø S.), hvoraf $1^1/_2$ Eng, $1^1/_2$ Skov, Resten Ager (til Gaarden hører et Arbejdshus). *Ulkendrup*, Forpagtergaard under Dallund, oprindl. en By (se under Dallund), oprettet 1874, har $34^1/_4$ Td. Hrtk., 267 Td. Ld., alt Ager. *Lunde-Dalskov*, *Kronborg*, Huse. *Ravnemark*, Teglværk. *Lunde Mølle*.

Lunde S., en egen Sognekommune, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 131. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken* (hvidkalket) bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V. De ældste Dele, Skib og Kor, ere vistnok opf. ved Midten af 12. Aarh. af firhugne Granitkvadre, hvilende paa en profileret Sokkel; et lille Vindue er endnu bevaret. Bygningen synes noget senere, dog endnu i den romanske Tid, at være bleven forlænget betydelig mod V. I den senere Middelalder har man nedbrudt Skibets Vestgavl og opf. den paa ny med Mursten, smykket med Blindingsdekorationer. Samtidig er vistnok Kirken bleven overhvælvet. Noget senere, dog endnu i den katolske Tid, er Taarnet med takkede og blindingssmykkede Gavle opført mod V. Taarnets nederste, overhvælvede Del danner en umiddelbar Fortsættelse af Skibet. Aar 1852 have. Korets og Skibets Gavle faaet Kamtakker, og Taarnrummets vestl. Del er ved en lav, smagløs Mur afskildret til

Vaabenhus. Taarnet er restaur. i nyeste Tid og staar nu med røde Sten. Nogle Kalkmalerier fra omtr. 1460 (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 60), der fandtes 1884, bleve atter overhvidtede. Altertavlens Midtparti bestaar af en udskaaren og forgyldt Fremstilling af Korsfæstelsen, der hidrører fra en omtr. 1450 udført Tavle. Romansk Granitdøbefont med Buefrise paa Kummen. Den nyopmalede Prædikestol, stærkt omdannet i den nyere Tid, hidrører for de ældste Deles Vedk. fra Slutn. af 16. Aarh. Paa tre af Stolestaderne findes Aarst. 1575. I Taarnrummet Ligsten over Præsten Hans Pedersen, † 1584, og over Karen, Hr. Hanssis, † 1602, og 5 Børn.

Ved Vester-Lunde, paa en høj Banke, der skyder sig frem mod Mølledammen som et Hoved og delvis har været omflydt af Vand, har der ligget en gammel Gaard, hvis 2 Al. tykke Mure vare byggede af store, røde Munkesten. Lige Ø. for Tostrup har der ogsaa ligget en ældre, til Dels af røde Munkesten opf. Bygning.

Lunde var i den katolske Tid Anneks til Skamby, senere laa det til et Kannikedom i Odense, og først 1483 fik det en Præstegaard skænket af Kong Hans.

**Lumby Sogn**, det sydligste i Herredet, omgives af Allesø og Lunde Sogne og et Enklave af Otterup Sogn (fra hvilke sidste det for en Del adskilles ved Lunde Aa), Odense Fjord (Lumby Kvissel) og Odense Hrd. (St. Hans Landd. og Næsbyhoved-Broby S.), mod hvilket Odense Kanal til Dels danner Grænsen. Kirken, mod Ø., ligger omtr. 1 Mil N. for Odense. De lavtliggende, jævne Jorder ere dels muldlerede, dels muldsandede, mod S. Ø. ved Stranden side og skarpsandede. Gennem Sognet gaa den mindre Landevej fra Odense til Bogense, som ved Lumby spalter sig i Vejen til Bladstrup, og den nordfynske Bane.

Fladeindholdet 1896: 3891 Td. Ld., hvoraf 1852 besaaede (deraf med Hvede 89, Rug 333, Byg 428, Havre 442, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 181, Grøntf. 67, Frøavl 10, Kartofler 75, Sukkerroer 107, andre Rodfr. 73, Havesager 42), Afgræsn. 422, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1323, Have 88, Skov 33, Moser 36, Kær og Fælleder 23. Hegn 10, Veje og Byggegr. 97, Vandareal m. m. 6 Td. Kreaturhold 1893: 372 Heste, 1457 Stkr. Hornkv. (deraf 1024 Køer), 492 Faar, 555 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 428 Td.; 87 Selvejergaarde med 366, 294 Huse med 62 Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1805 (1801: 1231, 1840: 1669, 1860: 1742, 1880: 1859), boede i 373 Gaarde og Huse; Erhverv: 79 levede af immat. Virksomh., 889 af Jordbrug, 64 af Gartneri, 22 af Fiskeri, 358 af Industri, 129 af Handel, 157 af Skibsfart, 10 af andre Erhverv, 70 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv. I Stige og Hauge er Befolkningen for en Del Søfolk og Fiskere. I den sydlige Del af Sognet er der en Del Gartnerier, som navnlig have Afsætning til Odense.

I Sognet Byerne: *Lumby* (i Vald. Jordb. Lyungby), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Eilschous Hospital (opr. 1780 af Købmand P. E. og Hustru, med et Hus til 12, nu 6 fattige, se S. 402), Jørgensens Enkesæde for Skolelærerenker (opr. 1798 af Forpagter Rasm. Jørgensen og Hustru, med et Hus til Fribolig for 2—3 Enker eller Døtre efter Skolelærere i Lunde Hrd.), Forsamlingshus (opf. 1893), Andelsmejeri, Mølle og Telefonstation; *Lumby-Taarup* (1433: Torpe) med Andelsmejeri; *Anderup*; *Stige*, ved Mundingen af Odense Kanal, Udhavn for Odense, med Kapel, Forsamlingshus (opf. 1895 paa Stige Mark), Telefonstation og Lodseri; *Hauge*. *Hauge-Stige*, Huse. *Nisted*, Gaarde. *Hedeager*, Gd. og Huse. *Anderupgaard*: $22^3/_4$ Td. Hrtk., $214^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $135^1/_4$ Ager, 53 Eng og Mose, $10^1/_2$ Skov og Krat, $6^3/_4$ til 1 Fæste- og 2 Lejehuse, $3^1/_2$ Have, Resten Veje og Vandløb. En Gaard i Lumby: 15 Td. Hrtk., 153 Td. Ld.

Lumby S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 127. (søndre) og 128. Lægd (nordre Distr.). Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken*, helliget St. Katharina, bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den var oprindl. opført i Midten af 12. Aarh. og bestod da af Skib og et mod Ø. lige afsluttet Kor. Af denne Bygning staar nu kun Koret. Et oprindeligt Vindue er bevaret. I den senere Middelalder er Skibet blevet nedbrudt og opf. af nyt med Munkesten. Saavel Skib som Kor fik Krydshvælvinger, omtr. samtidig tilføjedes Taarnet, med overhvælvet Underrum, aabent ind mod Skibet ved en Spidsbue, Korgavlen ommuredes, den halvrunde Apsis med spidsbuede Vinduer opførtes, og det lille Vaabenhus tilbyggedes. I langt senere Tid bleve Hvælvingerne i Skibet ombyttede med et fladt, gibset Loft. Altertavlen (Christus velsignende) er malet 1856 af F. L. Storch (det ældre Alterbillede, Nadveren, henstaar i Apsis). Døbefont af Træ. Den ene Klokke, med Indskrifterne: Andreas fecit hanc campanam og: S. Andrei filii Lavrencii, er næppe yngre end omtr. 1300. Den anden har Indskriften: † ihesus nasarenvs rex ivdeorvm maria heder ick lingbhi sogen lod steue megh alle guds hellen thil lof ok heder ok helige iomfrv sancta katerina † sub anno domini millesimo qvadrigentesimo nonagesimo primo cvrator hvivs templi dns iohannes egardi peter hansøn propicivs (s)it et devs amen, samt Fremstillinger af den korsfæstede mellem Marie og Johannes og Trefoldigheden. Under Taarnbuen ligge Ligsten over Provsten Andreas Barfoed, † 1761, og Hustru, Karen Christensdatter Morland, † 1752.

*Kapellet i Stige*, opf. 1886 efter Tegn. af Arkitekt Haugsted som en Korskirke af røde Mursten, bestaar af Skib og Kor med Apsis samt Taarn med Spir mod S. Ø.; Kirken har fladt, dekoreret Bjælkeloft. Altertavlen er et Maleri af A. Dorph (Jesus vandrer paa Søen); Døbefont af Alabast. Kirken har med Inventar kostet omtr. 22,000 Kr. Paa Kirkegaarden er opført et Ligkapel 1894.

*Lumby* ejedes af Vald. Sejr og arvedes tillige med *Stige* af Kongens Søstersøn Otto af Lüneburg.

En Adelsmand Kjeld Tuesen skrev sig 1423 og 1428 „i Andropp e“ (Andhorp).

Om et Helligtrefoldighedskapel, Kluset, se S. 402.

Ved Lumby ligger en fredlyst Gravhøj.

Ved Odense Fjord er der i Aarenes Løb blevet inddæmmet store Arealer, navnlig *Baagø Strand*, hvis Inddæmning paabegyndtes 1824, men først 1864 var Arealet, 142 Td. Ld., helt tørlagt.

Amtsprovst Peter Wilh. Lütken, der var Præst i Lumby fra 1791 til sin Død 1844, gjorde sig meget fortjent af Amtets Skole- og Fattigvæsen, ligesom han bidrog til at ophjælpe Husfliden i Nordfyn.

I Lumby oprettedes 1859 en Landboskole, der ophævedes 1899, efter at Undervisningen alt var stanset 1893.

**Allesø Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Annekset Næsbyhoved-Broby Sogn i Odense Hrd., Lumby og Lunde Sogne samt Skovby Hrd. (Søndersø S.). Kirken, noget sydlig, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil N. V. for Odense. De noget højtliggende og jævne Jorder ere lermuldede.

Fladeindholdet 1896: 1490 Td. Ld., hvoraf 790 besaaede (deraf med Hvede 66, Rug 127, Byg 196, Havre 205, Blandsæd til Modenh. 131, Grøntf. 25, Kartofler 5, andre Rodfr. 32), Afgræsn. 206, Høslæt, Brak, Eng m. m. 367, Have 24, Skov 3, Moser 17, Kær og Fælleder 30, Hegn 13, Veje og Byggegr. 36, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 160 Heste, 555 Stkr. Hornkv. (deraf 371 Køer), 217 Faar, 262 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 165 Td.; 35 Selvejergaarde med 147 og 64 Huse med 18 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 429 (1801: 287, 1840: 408, 1860: 431, 1880: 483), boede i 95 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomh., 322 af Jordbrug, 65 af Industri, 8 af Handel, 19 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv. En Del Tørveproduktion.

I Sognet Byen *Allesø* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1891), Fællesmejeri og Mølle.

Allesø S., een Sognekommune med Annekset, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 129. Lægd. Kirken tilhører en Gaardmand i Beldringe.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. og er

opf. af store, røde Munkesten, vistnok omkring 1450 (allerede i den tidligere Middelalder synes der i Allesø at have staaet en Kirke, men der er nu intet Spor tilbage af en saadan). Skibet og Taarnrummet, der er forbundet med dette ved en Spidsbue, ere overhvælvede; i Skibet en Midtbue; Koret har fladt, gibset Loft. Skibets Østgavl og Taarnets Gavle have Kamtakker og Blindinger. Altertavlen er en zinkstøbt Figur af Christus paa Korset, anbragt foran en tarvelig moderne Ramme. Romansk Granitdøbefont. Døbefadet bærer Nettelhorsternes og Duernes Vaabener og Bogstaverne G N — A D. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra 18. Aarh. Klokken er fra 1453. I Koret en, i Skibet to Malmlysekroner fra 18. Aarh. Over Korbuen et lille Krucifiks, vistnok fra den senere katolske Tid. Døren fra Skibet til Vaabenhuset er forsynet med Jærnbeslag, der muligvis er fra den gotiske Periodes Slutn. I Koret Brudstykke af en Gravsten over Præsten Carl Pedersen, † 1682. I Taarnrummet Ligsten over Præsten Jakob Knudsen, † 1631, og Hustru, † 1640.

Ved Reskr. af $^{24}/_{1}$ 1671 henlagdes Allesø med Annekset Næsbyhoved-Broby til Prof. phil. i Odense; ifl. Reskr. af 1795 svaredes en aarl. Afgift til Odense Katedralskole i Penge, som ved Reskr. af 1826 forandredes til aarl. Ydelse i Korn.

---

## Skam Herred.

**Sogne:**

*Krogsbølle, S. 473. — Nørre-Næraa, S. 475. — Bederslev, S. 476. — Uggerslev, S. 477. — Nørre-Højrup, S. 478. — Skamby, S. 479. — Klinte, S. 481. — Grindløse, S. 482.*

---

Skam Herred, det nordligste og mindste i Amtet, grænser mod S. Ø. til Lunde, mod S. V. til Skovby Hrd. og mod N. til Kattegat, hvis Kyst forløber temmelig lige, kun med den ene Indskæring Næraa Strand (der atter afsætter den mindre Vig Klinte Strand), som trænger ind V. for Fyns nordligste Punkt Agernæs. Tidligere har Kysten været rig paa Øer og Indskæringer, som nu ere inddæmmede. Herredet løber spidst til mod S.; den største Udstrækning fra S. til N. er omtr. 2 Mil, mod N. er den største Bredde $2^{1}/_{4}$ Mil. Til Herredet høre *Æbelø* samt nogle mindre Øer i Kattegat. De lavtliggende og jævne, i den sydl. Del noget højere Jorder (højeste Punkt Kragehøj 128 F., 40 M.), ere fortrinligt lerede („Sletten"), men skovfattige (i alt 1040 Td. Ld. Skov).

Nogle smaa Vandløb søge ud til Næraa Strand. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedre Herreder (gnmstl. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet 21,595 Td. Ld. (2,16 □ Mil, 118,9 □ Km.). Ager og Engs Hartk. samt det halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 2147,7 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 5037 (1801: 3485, 1840: 4320, 1860: 4497, 1880: 4994). I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti med Lunde og Skovby Herreder, i verdslig Henseende hører det til Roepstorffs Birks, Lunde-Skam og Skovby Herreders Jurisdiktioner samt til Amtets 2. Forligskr.

Skam Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Schammæhæreth*, hørte fra 1660 til Odensegaards Amt; se i øvrigt S. 306.

Af Oldtidsmonumenter er der talt omtr. 30 store Stengrave (væsentligst Jættestuer), 1 Langdysse og henved 35 Gravhøje, men de fleste ere nu sløjfede eller forstyrrede. Næsten alle Monumenterne have været i den sydøstl. Halvdel (især i Uggerslev S.), der sammen med de tre tilgrænsende Sogne af Lunde Hrd. maa have været en ret vigtig Beboelsesplads, navnlig i Stenalderen. 4 Monumenter ere fredlyste.

**Litt.**: *Vedel Simonsen*, Haandskr. Beskr. af S. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Krogsbølle Sogn**, det nordligste i Fyn (det nordligste Punkt er Agernæs) og det største i Herredet, omgives af Nørre-Næraa og Bederslev Sogne, Lunde Hrd. (Norup S.), Kattegat og Næraa Strand. Kirken, noget sydl., ligger omtr. $2^1/_2$ Mil N. for Odense og $2^1/_4$ Mil Ø. for Bogense. De lavtliggende og gennemgaaende jævne Jorder ere overvejende sandmuldede, mod Ø. og V. lerblandede, mod S. sandede. En Del Skov (Fruerlund, Havesk., Gamle Herre Sk., Storsk., Vestermose). Sognet indeholder en Del Tørvemoser, der tidligere have været Havbugter, hvorom flere af Bynavnene vidne. Langs med Næraa Strand er der en Del inddæmmet Land. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Bogense.

Fladeindhold 1896: 6492 Td. Ld., hvoraf 2514 besaaede (deraf med Hvede 99, Rug 496, Byg 604, Havre 518, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenh. 433, Grøntf. 80, Frøavl 30, Kartofler 58, andre Rodfr. 182, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 868, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1921, Have 78, Skov 377, Moser 53, Kær og Fælleder 304, Hegn 14, ubenyttede Strækn. 165, Veje og Byggegr. 153, Vandareal m. m. 45 Td. Kreaturhold 1893: 460 Heste, 1977 Stk. Hornkv. (deraf 1184 Køer), 1263 Faar og 1101 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 521 Td.; 55 Selvejergaarde med 439, 7 Fæstegd. med 32, 146 Huse med 41 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1210 (1801: 836, 1840: 1052, 1860: 1060, 1880: 1243), boede i 204 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomh., 893 af Jordbr., 4 Gartneri, 158 af Industri, 20 af Handel, 19 af andre Erhverv, 24 af deres Midler, og 50 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Krogsbølle*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd. (indtil 1894 i Agernæs) og Andelsmejeri; *Agernæs* med Hospital (indrettet 1787 af Gehejmekonferensr., Grev U. W. de Roepstorff til Einsidelsborg, † 1821, i det i Agernæs 1781 nedlagte Bedehus, ombygget 1824—25, brændt 1855, opf. paa ny i nogen Afstand fra Byen, til 10 Lemmer fra Grevskabets Gods) og Mølle (under Grevsk.); *Tørresø* med Skole; *Baardesø* med Forsamlingshus (opf. 1893), Teglværk og Mølle; *Jørgensø*; *Gundstrup*;

*Gyngstrup* med Skole. — Hovedgaarden *Einsidelsborg*, Hovedsædet i Grevskabet Roepstorff, har $78^1/_2$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $6^3/_4$ Td. Skovsk., 660 Td. Ld. Ager, 150 Mose, 270 inddæmmet Jord og 460 Skov. Under Grevsk. høre ogsaa Hovedgaarden *Kjørup*, 68 Td. Hrtk., omtr. 500 Td. Ld. Ager og 300 inddæmmet Land, *Agernæsgaard*, $34^1/_2$ Td. Hrtk., 260 Td. Ld. Ager, og *Fælledgaard*, omtr. 11 Td. Hrtk., omtr. 200 Td. Ld. Ager; ligeledes høre under Grevsk. *Agernæs Fælled*, et Oredrev paa omtr. 200 Td. Ld., og *Agernæs Mølle**).

Krogsbølle S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Roepstorffs Birks Jurisdiktion (Odense, Tingsted paa Einsidelsborg), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Lands- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 140. (vestl.) og 141. Lægd (østl. Del). Kirken tilhører Grevsk. Roepstorff.

*Kirken*, fordum indviet til St. Nicolaus, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og det tidligere Vaabenhus mod S. (nu Lig- og Materialhus). Kirken er i sine oprindl. Dele romansk, opført af hugne Granitkvadre paa en profileret Granitsokkel, to Skifter i Højden. Skibets østl. Del og Koret ere nogenlunde bevarede i den oprindl. Skikkelse, hvorimod Skibets vestl. Del synes at være ombygget i den senere Middelalder samtidig med, at Skibet er blevet forlænget mod V. Romanske Vinduer findes paa Skibets og Korets Nordside, paa Skibets Sydside og i Korets Østgavl. Vaabenhuset, med takket Gavl, opført, ligesom Skibets vestl. Forlængelse, af Munkesten, er fra Middelalderen. Taarnet er en senere Tilbygning (dog før 1590). Indgangen er i Taarnet; Taarnrummet har fladt Loft. Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavlen er et Maleri (Fremstillingen i Templet), mrk. C. A. 1848. Tarvelig Prædikestol fra 1841. Simpel romansk Granitdøbefont. I det øvre Taarnrum hænger et smukt Krucifiks fra Slutn. af Middelalderen. Den ene Klokke er ifl. Minuskelindskriften støbt 1420 og var tidligere i Jærnved Kirke.

Krogsbølle Sogn udgjorde tidligere 3 Sogne: *Hundstrup*, *Kjørup* og *Agernæs*. Ifl. Kongebrev af $^9/_1$ 1555 blev Kjørup Kirke befalet nedbrudt og Sognefolket henvist til Agernæs Kirke (helliget Vor Frue), medens Rorslev By henlagdes til N.-Næraa Sogn. Hundstrup var da Anneks til Agernæs. Men i Slutn. af 16. Aarh. lod Mourits Podebusk tæt op til Kjørup Gaard „en ny Kirke statelig opbygge", og til den henvistes Menigheden i Agernæs, efter at Claus Podebusk 1601 havde faaet kgl. Tilladelse til at nedbryde Agernæs Kirke (nedlagt ved Reskr. af 1574). Den nye Kjørup Kirke (tagen i Brug 1602) fik 1603 Navnet „Helligtrefoldighedskirken". Hundstrup blev dens Anneks. I Agernæs indrettedes der dog et Bedehus (til Brug navnlig om Vinteren), der først nedlagdes 1781 og senere omdannedes til Hospital (se S. 473.) Kirkegaarden bruges endnu. Ved Reskr. af 1781 blev Kjørup Kirke nedlagt og omtr. 1784 nedbrudt (Fundamenter af den ses endnu lige N. V. for Kjørup Gaard; Marken kaldes „Kirkemarken"; de i Kirken bisatte Lig af Podebuskerne flyttedes til Familiens Stamsæde, Putbus paa Rügen; en Klokke førtes til Faaborg Nicolai Kirke (s. d.). Hundstrup Kirke kaldes nu Krogsbølle Kirke, efter at den ved Kirken liggende By Hundstrup var brændt og derefter genopbygget, hvor nu Krogsbølle er.

*Einsidelsborg* (tidligere *Egebjærg*) tilhørte tillige med den nærliggende Hovedgaard *Kjørup* den fra Rügen indvandrede Familie Podebusk og fik sit nuv. Navn efter en Frøken v. Einsidel fra Sachsen, gift med Henrik Podebusk, † 1657. Kjørup nævnes paa Skiftet 1548 efter Hr. Predbjørn Podebusk og blev da udlagt til Sønnesønnen Erik Podebusk, † ugift, hvorefter den gik i Arv til Broderen Mourids, † 1593, dennes Søn Claus, † 1616, og dennes Søn Henrik, † 1657, hvis Sønner Mourids og Rudolf Abraham oprettede 1676 hver sit Baroni, Einsidelsborg og Kjørup. Førstnævntes Søn Malte Baron Putbus († 1750) forenede begge Baronier, der gik i Arv til Sønnen Baron Mourids, hvis Søn Malte Fr. ved Bevill. af $^5/_1$ 1781 fik Tilladelse til at afhænde dem til Grev Joachim Godske Moltke til Bregentved, der 1782 købte

---

*) Til *Grevskabet Roepstorff*, der indbefatter Godserne Einsidelsborg og Kjørup samt Agernæsgaard, Fælledgaard og Æbelø, høre 553 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord $224^1/_2$, indtaget til Skov 18, Bøndergods 108, Kirke- og Kongetiende $202^1/_2$ Td.; i Bankaktier 15,200, i Fideikommiskapitaler omtr. 2,170,000 Kr. Hovedgaardenes Tilliggende udgør 2174 Td. Ld. foruden 1080 Td. Ld. Skov. Med Grevskabet er forenet det Roepstorffske Familielegat, f. T. 301,000 Kr.

Æbelø af Kmhr. Heinen. Moltke udførte store Arbejder paa Godset; navnlig søgte han fra 1786 ved Inddæmninger at vinde Land fra Stranden. Ved en Sluse af hugne Sten med dobbelte Porte og en holl. Vejrmølle sikrede han sit Bytte fra Havet. Ved 5 Inddæmninger, der forbandt flere Holme med det faste Land, indvandtes efterhaanden hele den Vig, der gik mellem Kjørup og Einsidelsborg, saa at der 1806 var indvundet over 600 Td. Ld. til Græsning (1873—74 blev der gravet nye Kanaler m. m. samt bygget Sluser og en ny, stor Vejrmølle, hvorved det inddæmmede Areal helt tørlagdes). Da Moltke efter Faderens Død 1792 overtog Grevsk. Bregentved, afhændede han (ved Skøde af $^{24}/_{6}$ 1795) de nordfynske Godser til fhv. Generalguvernør over de vestindiske Øer Ulr. Wilh. de Roepstorff († 1821), der 1810 ophøjedes til Greve og $^{4}/_{4}$ s. Aar af Einsidelsborg og Kjørup (foruden Sukkerhuset i Odense og 200,000 Rd. i consignable Bankfonds) oprettede *Grevskabet Roepstorff* for sin Søstersøn Chr. Alex. v. Petersdorff († 1813), ophøjet til Greve 1810. Denne efterfulgtes af sin Søn Grev Gregers Chr. F. Petersdorff, † 1839, hvorefter fulgte dennes ældste Søn Grev Ulr. Vilh. P., † 1846. Nuv. Besidder er dennes yngre Broder Greve, Kmhr. Chr. Alex. Petersdorff. — *Einsidelsborgs* Hovedbygning, beliggende tæt ved Kattegat

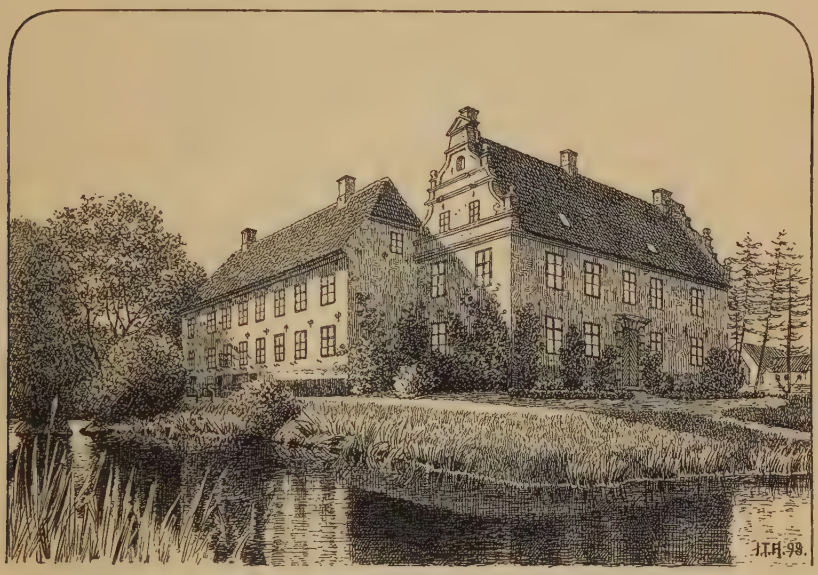

Kjørup.

i Fruerlunden (det gamle Egebjærg skal have ligget i det sydl. Hjørne af Storskov, hvor der endnu findes Murbrokker), er i to Stokv. med Kælder, opført 1831 i italiensk Stil, restaureret 1879; storr smuk Have. *Kjørups* Hovedbygning, der til Dels er omgiven af Grave, bestaa af 3 Fløje i 2 Stokv., hvoraf Hovedfløjen, med Renæssancegavle, er den ældste og stammer fra Chr. IV's Tid. I Haven findes bl. a. en 47 F. høj Carpinus Betulus (Avnbøg) og en 35 F. høj Sorbus scandica.

I Krogsbølle laa 1432 en Hovedgaard, der tilhørte en sønderjydsk Adelsmand Thomas Jul, som 1438 afhændede den og sit øvrige fynske Gods til sin Svoger, den bekendte Hr. Eggert Frille, og døde selv som Borger i Flensborg. — Omtr. 1400 solgte Claus Kødmanger, Borger i Flensborg, til Hr. Berneke Skinkel „Godenstorp" og „Hwelwinge" i Skam Hrd. samt „Brynstirp" i Skovby Hrd.

I en Mose ved Skellet mellem Gundstrup og Krogsbølle Bymarker er der umiddelbart ved en gammel, i Beg. af 19. Aarh. nedlagt Vej (vistnok hidrørende fra Oldtiden) optaget en Del Jærnsværd, Spydspidser af Jærn og Ben, Spyd- og Pilestager m. m., alt skrivende sig fra omkring Aar 500. Sagerne vidne om en her stedfunden Kamp.

**Nørre-Næraa Sogn** omgives af Krogsbølle Sogn, Annekset Bederslev,

Uggerslev, N.-Højrup, Grindløse og Klinte Sogne samt Klinte- og Næraa-Strand. Kirken, mod N., ligger omtr. $2^3/_4$ Mil N. N. V. for Odense og $1^3/_4$ Mil Ø. for Bogense. De for en Del lavtliggende og jævne, dog enkelte Steder bakkede Jorder (Alhøj, 115 F., 36 M., Bavnehøj, 101 F., 32 M.) ere dels sandmuldede med Lerunderlag, dels sandede, dels god Muldjord. En Del af de letteste Jorder af N.-Næraa og Bederslev Sogne, navnlig de saakaldte „Bederslev Dale", er af Besidderen af Grevsk. Roepstorff indtaget til Skovkultur og beplantet med Naaletræer, delvis med Bøg; af denne, omtr. 290 Td. Ld. store Skov *Dalene* hører en Del til dette Sogn. Gennem den nordl. Del gaar den mindre Landevej fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 2306 Td. Ld., hvoraf 1090 besaaede (deraf med Hvede 23, Rug 254, Byg 263, Havre 266, Blandsæd til Modenh. 163, Grøntf. 16, Frøavl 14, Kartofl. 23, andre Rodfr. 66), Afgræsn. 338, Høslæt, Brak, Eng m. m. 621, Have 27. Skov 117, Moser 54, Veje og Byggegr. 59 Td. Kreaturhold 1893: 159 Heste, 619 Stkr. Hornkv. (deraf 388 Køer), 461 Faar og 243 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 245 Td.; 35 Selvejergaarde med 172, 9 Fæstegd, med 46, og 59 Huse med 18 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 543 (1801: 450, 1840: 512, 1860: 527, 1880: 527), boede i 107 Gaarde og Huse; Erhverv: 19 levede af immat. Virksomh., 395 af Jordbrug, 85 af Industri, 9 af Handel, 5 af andre Erhv., 17 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Næraa* (gml. Form Nerdøø, Nertughæ, Nærthu, Nerdug, Nirow), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Privatskole, Hospital (opr. 1824—25 af Grev G. C. F. Petersdorff til Roepstorff, med et Hus til 10 Lemmer fra Grevskabets Gods), *Rorslev* med Forsamlingshus (opf. 1898); *Bredstrup* med Andelsmejeri og Mølle; *Ringe* (gml. Form Ræthinge) med Damp-, Vand- og Vejrmølle. *Holme*, Damp-, Vand- og Vejrmølle.

N.-Næraa S., een Sognekommune med Annekset, hører under Roepstorffs Birks Jurisdiktion (Odense, Tingsted paa Einsidelsborg), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 144. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Roepstorff.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, svært (overcementeret), 30 Al. højt Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i 12. Aarh. af hugne Granitkvadre paa en profileret Granitsokkel; i den senere Middelalder er Skibet blevet overhvælvet (Koret har fladt Loft), Gavlene fik Kamtakker (i Korgavlen er der Blindinger), og Taarnet, af Munkesten, er tilføjet; Korbuen er spids; det overhvælvede Taarnrum er ved en Spidsbue forbundet med Skibet. Vaabenhuset er nyere, opf. af Munkesten, med Bjælkeloft. Kirken er restaureret 1883—84. Altertavlen er et Maleri (Kopi?): de 3 østerlandske Vise, i en tarvelig Ramme; Granitdøbefont; ny Prædikestol. I Skibet to store Lysekroner (tidligere i Holmens Kirke i Kbh.). En Runesten, hvis Indskrift skal lyde: Thormudr niout kubls (se Thorsen, De danske Runemindesmærker I S. 20). I Vaabenhuset er opstillet to Ligsten. — Kirkegaardsportalen er meget gammel.

I Sognet laa tidligere Hovedgaarden *Holmegaard*, der 1409 solgtes af Erik Nielsen Rotfeld til Predbjørn Podebusk. Den blev 1678 lagt under Baroniet Kjørup.

*„Rettinge" Mølle* nævnes alt 1410.

**Bederslev Sogn**, Anneks til N.-Næraa, omgives af dette, Krogsbølle S., Lunde Hrd. (Norup og Hjadstrup S.) og Uggerslev Sogn. Kirken, mod V., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil N. N. V. for Odense og over 2 Mil Ø. S. Ø. for Bogense. De noget bakkede Jorder (højeste Punkt N. for Bederslev er 96 F., 30 M.) ere for en Del muldede, men mod V. meget sandede, saa at de høre til de mest ufrugtbare Egne i Fyn. Den større Del af Skoven „Dalene" (se N.-Næraa Sogn) ligger i dette Sogn. Gennem den nordøstl. Del gaar den mindre Landevej fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 1397 Td. Ld., hvoraf 601 besaaede (deraf med Hvede 9, Rug 151, Byg 140, Havre 161, Blands. til Modenh. 60, Grøntf. 6, Kartofler 15, Sukkerroer 7, andre Rodfr. 52), Afgræsn. 173, Høslæt, Brak, Eng m. m. 320, Have 15, Skov 173, Moser 84, Veje og Byggegr. 31. Kreaturhold 1893: 103 Heste, 421 Stk. Hornkvæg (deraf 249 Køer), 259 Faar og 194 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 118 Td.; 23 Selvejergaarde med 102, 1 Fæstegd. med 3 og 47 Huse med 12 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 297 (1801: 222, 1840: 262, 1860: 301, 1880: 303), boede i 60 Gaarde og Huse; Erhverv: 8 levede af immat. Virksomhed, 209 af Jordbr., 52 af Industri, 2 af Handel, 2 af andre Erhv., 19 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bederslev* (1440: Bethesløff) med Kirke og Skole; *Vellinge* (1409: Hvellinge), ved Landevejen. *Pugholm*, 3 Gaarde (indtil 1879 een Gaard) under Grevsk. Roepstorff. *Vellinge Huse.*

Bederslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 142. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Roepstorff.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor og Taarn mod V., alle med takkede Gavle og rundbuede Vinduer. Den er opført 1886—87 i Stedet for en ældre af raa Kamp opført Kirke, fra hvilken hidrøre den romanske Granitdøbefont og en Del Endestykker fra 1641—42 i Stoleværket. Alterbilledet fra Beg. af 19. Aarh. forestiller Christus i Getsemane; ny Prædikestol. Over Indgangen tilhøjre staar 1647.

*Pugholm* var en gammel Hovedgaard, der i Beg. af 15. Aarh. ejedes af Cecilie Knuds og hendes Datter Grete Sommers; denne sidstes Søn Jens Sommer i P. nævnes 1440 og 1451. Slægten, som i sit Vaaben førte en Maane og tre Stjerner, sank efterhaanden ned i Bondestanden, thi 1534 mødte paa Skam Herredsting en „beskeden" Mand Niels Sommer i P. Allerede en 1487—90 forekommende Laurids Sommer i P. nævnes blandt Bønder.

Peder Steen i Hvællinge, Ridder, nævnes 1416.

Bederslev var tidligere Anneks til Uggerslev, indtil det 1795 (Reskr. af 1784) blev Anneks til N.-Næraa.

**Uggerslev Sogn** omgives af Bederslev og N.-Næraa Sogne, Annekset Nørre-Højrup, Skamby Sogn og Lunde Hrd. (Hjadstrup S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil N. N. V. for Odense og $1^3/_4$ Ø. S. Ø. for Bogense. De noget højtliggende, temmelig jævne Jorder ere mod N. noget sandede, men i øvrigt dels ler-, dels sandmuldede. Gennem Sognet gaar den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1516 Td. Ld., hvoraf 857 besaaede (deraf med Hvede 54, Rug 136, Byg 203, Havre 193, Blandsæd til Modenh. 148, Grøntf. 21, Frøavl 14, Kartofl. 11, Sukkerr. 18, andre Rodfr. 58), Afgræsn. 178, Høslæt, Brak, Eng m. m. 401, Have 24, Kær og Fælleder 14, Veje og Byggegr. 38, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 108 Heste, 528 Stkr. Hornkv. (deraf 363 Køer), 225 Faar, 321 Svin og 15 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 172 Td.; 32 Selvejergaarde med 157, 1 Fæstegd. med 1, 59 Huse med 13 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 458 (1801: 286, 1840: 339, 1860: 355, 1880: 415), boede i 88 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomhed, 312 af Jordbr., 99 af Industri, 8 af Handel, 2 af andre Erhverv, 18 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Uggerslev* (1394: Ugersløv) med Kirke, Præstegd., Skole, Lægebolig, 2 Købmandsforretn., Mølle og Teglværk samt Jærnbaneholdeplads og Telefonstation; *Slevstrup* (1481: Slæbestrup); *Jydemark*. *Marbæk*, Huse. Hovedgaarden *Uggerslevgaard*, under Grevsk. Gyldensteen (se S. 489), har $46^1/_4$ Td. Hrtk., 358 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, Resten Ager (1 Hus). *Lykkegaarde*, *Holemark*, Gaarde.

Uggerslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Lunde-

Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Lands- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 139. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Skib og Kor ere opførte af raa Kamp, mulig i den romanske Periode. Vaabenhuset og Skibets og Korets Hvælvinger skrive sig fra den senere Middelalder. Taarnet, med et lille Spir, er opf. 1754 af Gustav Grüner til Margaard. Altertavlen er et Maleri: Christus i Getsemane. Romansk Døbefont af Kalksten med interessante Dyrefigurer. Alterstager fra 1595. Prædikestolen har Navnet Niels (ɔ: Præsten Niels Muus) og Aarst. 1603. I Gulvet to smaa Ligsten. Den ene Klokke, med Norbyernes og Oldelandernes Vaabener, er ifl. Indskrift skænket 1619 af Maren Norby og støbt af Berent Bodemann i Lübeck; den anden har Hans Oldeland ladet omstøbe 1653 af Lars Jensen i Odense, begge af meget smuk Klang.

*Uggerslevgaard* tilhørte 1425 Jes Basse, 1432 Claus Siker, 1459—66 sidstnævntes Brodersøn Hr. Johan Frille, hvis Datter Anne ægtede Bent Persen Bille, som 1489 og 1492 skrev sig til U., men blev dræbt af Ejler Bryske til Dallund, hvorefter U. kom til Datteren Anne Bille, g. m. Jakob Norby, og derefter til disses Søn Hans N., hvis Enke Anne Oldeland († 1602) er bekendt for sin voldsomme Optræden lige over for Gejstligheden (se *G. Bang*, Fru Anne O., i Aarb. for d. Kulturhist. 1895 S. 115 fl.). Hendes Søn Jakob Norby til U. var alt død 1599, og efter at denne Slægt Norby var uddød paa Mandssiden 1613 med sidstnævntes Søn Henrik Norby, tilfaldt U. dennes Fastre Margrethe N., † 1617, og Maren N., † 1628, og derefter disses Søskendebarn Hans Oldeland, hvis Søn Melchior O. 1643 solgte sin Part i Gaarden til sin Stifmoder Ingeborg Gyldenstjerne. Den tilhørte derefter hendes Søn Hans Oldeland, † 1692, Landsdommer i Fyn, der blev ruineret ved Kvægpest og Misvækst, men fik et herligt Skudsmaal af sine Bønder, da han ved 1680 paa Grund af Skatterestancer maatte gaa fra Gaarden. Den tilhørte saa en kort Tid Chr. og Anne Lisbet Lindenov, der 1689 mageskiftede den til Kronen, som først udlagde den til Ryttergods, men siden solgte den til Chr. Carl Gabel, der 1719 afhændede Gaarden til Grev Gyldensteen, som lagde den under Grevskabet af samme Navn. — Den gamle Hovedbygning er af Bindingsværk i eet Stokv., omgiven af Grave.

I Præstegaarden, der efter en Indskr. paa Porten er opbygget 1667 af Præsten Anders Rasmussen Schytte, er dennes Sønnesøn, Statsøkonomen Andr. Schytte, Prof. juris & polit. ved Sorø Akademi, født 1726 († 1774).

I Sognet har der været mindst 10 anselige Jættestuer, men kun to staa endnu; fra tre af Stuerne opbevares i Nationalmus. og Museet i Odense vigtige Fund; eet udmærker sig ved et usædvanligt rigt Indhold af Bensager (Mejsler, Knive, Prene, Smykker osv.).

**Nørre-Højrup Sogn**, Herredets mindste Sogn, Anneks til Uggerslev, omgives af dette, N.-Næraa, Grindløse og Skamby Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_4$ Mil N. N. V. for Odense og $1^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Bogense. De noget højtliggende og flere Steder bakkede Jorder (Finshøj, 124 F., 39 M.) ere muldede med Mergel og Lerunderlag.

Fladeindholdet 1896: 745 Td. Ld., hvoraf 432 besaaede (deraf med Hvede 23, Rug 65, Byg 78, Havre 82, Blandsæd til Modenh. 85, Grøntf. 16, Kartofler 9, Sukkerroer 7, andre Rodfrugter 63), Afgræsn. 110, Høslæt, Brak, Eng m. m. 164, Have 12, Kær og Fælleder 9, Veje og Byggegr. 17 Kreaturhold 1893: 82 Heste, 364 Stkr. Hornkv. (deraf 215 Køer). 178 Faar, 202 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 96 Td.; 18 Selvejergaarde med 91, 29 Huse med 4 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 236 (1801: 147, 1840: 191, 1860: 193, 1880: 222), boede i 46 Gaarde og Huse; Erhverv: 155 levede af Jordbrug, 53 af Industri, 4 af Handel, 6 af andre Erhv., 11 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Nørre-Højrup* med Kirke, Skole og Kro. *Engeldrupværk* med Vandkraft, der driver et Filesliberi og Savskæreri.

Nørre-Højrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 143. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og meget stort Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den er opf. af Munkesten uden Sokkel til forskellige Tider af den senere Middelalder. Koret er yngre end Skibet; Taarnet og Vaabenhuset ere endnu senere Tilbygninger; de oprindl. Vinduer ere fladbuede. Taarn og Kor have kamtakkede Gavle. Kirken er overhvælvet. Altertavle med et Maleri, Christus i Getsemane, fra 1846; tarvelig Prædikestol; Granitdøbefont.

I Højrup laa formodentlig det *Højrup*, der 1449 ejedes af Hr. Johan Frille.

Sognets eneste bevarede Gravhøj, den anselige „Finshøj", er delvis fredlyst.

N.-Højrup var tidligere Anneks til N.-Næraa, indtil det 1795 blev Anneks til Uggerslev.

**Skamby Sogn** omgives af Grindløse, Nørre-Højrup og Uggerslev Sogne samt Lunde Hrd. (Hjadstrup og Lunde S.) og Skovby Hrd. (Søndersø, Særslev og Melby S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil N. N. V. for Odense og $1^3/_4$ Mil S. Ø. for Bogense. De noget højtliggende og jævne Jorder (højeste Punkt Kragehøj, 128 F., 40 M.) ere lermuldede og lerede, mange Steder findes dog Sten spredte. Gennem Sognet gaar den nordfynske Bane.

Fladeindholdet 1896: 3719 Td. Ld., hvoraf 2089 besaaede (deraf med Hvede 129, Rug 345, Byg 497, Havre 518, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenhed 406, Grøntf. 70, Rodfrugter 116), Afgræsn. 466, Høslæt, Brak, Eng m. m. 980, Have 71, Skov 1, Moser 9, Kær og Fælleder 11, Veje og Byggegr. 87, Vandareal m. m. 5 Td. Kreaturhold 1893: 394 Heste, 1600 Stkr. Hornkv. (deraf 969 Køer), 621 Faar, 723 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 444 Td.; 74 Selvejergaarde med 415, 112 Huse med 28 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1010 (1801: 667, 1840: 845, 1860: 876, 1880: 987), boede i 190 Gaarde og Huse; Erhverv: 40 levede af immat. Virksomh., 683 af Jordbrug, 214 af Industri, 25 af Handel, 2 af andre Erhv., 35 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne; *Skamby* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1884), Markedsplads og Andelsmejeri samt, lidt N. for Byen, Jernbane- og Telegrafstation; *Torup* (1417: Thodroppe, 1447: Thoroppe) med Teglværk; *Glavendrup* (1420: Glamdrup) med Teglværk; *Stensby*; *Ullerup*; *Rodstrup* med Mølle; *Bolmerod* med Andelsmejeri; *Bare Brøndstrup*; *Bastrup*. Gaarden *Mariendal* (Arealet købt fra Dallund 1852): omtr. 18 Td. Hrtk. (12 i Lunde S.), omtr. 200 Td. Ld., hvoraf 4 Skov og Have, Resten Ager (3 Lejehuse). En Gaard i Bare Brøndstrup: $12^1/_4$ Td. Hrtk., 98 Td. Ld., alt Ager. *Præstegaarden* har 11 Td. Hrtk.

Skamby S., en egen Sognekommune, hører under Lunde-Skam Herreders Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Lands- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 138. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Dallund.

*Kirken*, helliget St. Nicolaus, beliggende paa den nordl. Ende af en Højde, der behersker hele Omegnen, er en stor Korskirke og bestaar af Skib og Kor, to Korsfløje mod N. og S., Taarn mod V. og langagtigt Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i den romanske Tid af Kamp; Koret, som har en profileret Granitsokkel, har Spor af et rundbuet Vindue; ogsaa i Skibet findes Spor af Rundbuer. I den senere Middelalder ere Murene blevne forhøjede, Skib og Kor overhvælvedes, og Taarnet opførtes paa Granitsokkel af afvekslende Skifter af tilhugne Granitsten og Mursten indtil Skibets Højde, derefter af Mursten. Taarnet har takkede og blindingssmykkede, Skib og Kor glatte Gavle. De to Korsfløje (opf. før 1590) ere ogsaa af Kamp og Mursten og have Hvælvinger samt takkede, blindingssmykkede Gavle; den nordl. har en gammel Skriftestol, den sydl., hvorunder der er et Gravkapel for Günther Diedrich, † 1688, og Hustru samt Familien Finecke, er nu skilt fra Kirken; i Kapellet et Granitepitafium. I den sydl. Fløjs Gavl ere indmurede to Granitsten med Løvefigurer; en lignende findes i den sydl. Stræbepille ved Skibet. Vaabenhuset, under hvilket en lille Hvælving, er opført af raa Kamp. Altertavlen er et godt Maleri: den korsfæstede med Johs., Marie og Magdalene, i en tarvelig Ramme; sølvforgyldt Kalk med Svavernes Vaaben og Aarst. 1618. Granitdøbefont med Rundbuefrise.

Prædikestol i Renæssancestil. I nordl. Korsfløj en sort Marmorsten over Præsten Niels Andersen, † 1648, og Hustru (begravede i Hvælvingen under Vaabenhuset) og Ligsten over Ritmester, Major Cl. Langhaar, † 1698, og Hustru, og over Præsten Hans Nielsen, † 1588, og Hustru; ligeoverfor, paa Østmuren, et fortrinlig hugget Sandstensepitafium over to Søstre Svave, Elisabeth, † 1618, og Eleonora, † 1624, Døtre af Jørgen Svave til Harridslevgd. (Portrætfigurer), begravede under Kapellet. Gravhvælvingerne under Kirken siges at være forbundne indbyrdes. I Skibets Væg, hvor før Indgangen til Vaabenhuset var, hænger et af Baron Blixen-Finecke 1847 skænket Maleri, Kopi efter Paul Veronese. — Paa Kirkegaarden staar en mægtig Hvidtjørn, som er plantet paa det Sted, hvor de i et Pestaar døde bleve begravede. Paa Kirkegaarden er begravet fhv. Udenrigsminister A. B. Baron Blixen-Finecke, † 1873, og Prinsesse Augusta af Hessen-Kassel, † 1889. (S. for Stensby ved Vejen, paa Grænsen af Stensby og Søndersø Sogne staar en Mindestøtte for Bl.-Finecke).

*Rodstrup* hed fordum *Rosendorp* og var en Hovedgaard, der 1396 tilhørte Peder Docke og 1409 Anders Nielsen. Den næste Ejer, den rige Johan Olsen (Bjørn), efterlod den til sin Datter Helle, g. m. Hr. Axel Andersen (Mule), som ejede den 1416, men 1421 pantsatte den til Hr. Bjørn Olsen og 1423 solgte den til Hr. Steen

Oldtidsmonumentet paa Glavendrup Mark.

Basse. Sidstnævnte skænkede den 1427 til det af ham funderede Vikarie i Nyborg.

Paa *Glavendrup* Mark findes en fredlyst Runesten, der blev fremdragen i Sognet 1806 og 1863 blev opstillet tæt V. for Resterne af en Skibssætning fra Oldtiden. Monumentet blev 1892 restaureret og fredlyst, og 1894 flyttedes Runestenen hen paa Toppen af en mindre Jordforhøjning, der opkastedes ved Vestenden af Skibssætningen (118 F. lang og indtil 39 F. bred), paa en Plads, hvor der før har ligget en Gravhøj (Rævhøj), der formentlig oprindl. har baaret Runestenen. Op til Skibssætningens Østende ligger en Gravhøj, vistnok fra Broncealderen (ligeledes fredlyst). Runestenens Indskrift (den længste, danske Indskrift) tydes saaledes: Ragnhild satte denne Sten efter Alle, Saalve-Gode, Helligdommenes hæderværdige Vogter. Alle's Sønner gjorde dette Gravmæle efter deres Fader og hans Kone efter sin Mand; men Sote ristede disse Runer efter sin Herre. Thor vie disse Runer! Den skal komme til atter at bringe det i Orden, som beskadiger denne Sten eller drager den bort (for at rejse den) efter en anden. (Se Aarb. f. nord. Oldk. 1874, S. 243, med Afbild.; Ill. Tid. $^{17}/_{1}$ 1875; *Wimmer*, Die Runenschrift, 1887, S. 359; Dania IV S. 32).

I Sognet findes desuden enkelte Oldtidsmonumenter, deribl. 3 fredlyste: en mindre Jættestue og Gravhøjen „Thorshøj" ved Skamby og et fritstaaende, stensat Gravkammer ved Stensby (om Gravhøjene i Sognet se *Iversen*, Almen nytt. Saml. XXXIV, S. 1 flg.).

En Bylov for *Bolmerod* fra 1731 opbevares i Dansk Folkemuseum.

**Litt.**: *K. Hansen*, Beretn. om Skamby S., i Saml. til Fyens Hist. IV S. 249 flg.; se ogsaa s. Bd., S. 315.

**Klinte Sogn** omgives af Annekset Grindløse og N.-Næraa Sogn, Klinte Strand, Næraa Strand og Kattegat samt Skovby Herred (N.-Sandager S.). Mod N. Ø. ender Sognet i Odden *Nørreby Hals* ved Indløbet til Næraa Strand. Til Sognet høre *Æbelø*, 431 Td. Ld. (højeste Punkt 75 F., $23{,}_5$ M.), og de mindre Øer *Dræet*, *Lindø*, *Ejlinge* og *Æbelholm* (den sidste ubeboet). Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil Ø. N. Ø. for Bogense og henved 3 Mil N. N. V. for Odense. De lavtliggende, jævne Jorder ere overvejende lerede, mod Stranden dog noget sandede og bakkede. En Del Skov paa Æbelø. Den mindre Landevej fra Odense til Bogense gaar gennem Sognets Sydspids.

Fladeindholdet 1896: 2779 Td. Ld., hvoraf 1196 besaaede (deraf med Hvede 105, Rug 223, Byg 323, Havre 321, Blandsæd til Modenh. 89, Grøntf. 14, Frøavl 31, Kartofler 25, andre Rodfr. 63), Afgræsn. 345, Høslæt, Brak, Eng m. m. 828, Have 24, Skov 280, Moser 16, Kær og Fælleder 39, Veje og Byggegr. 49, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 272 Heste, 923 Stkr. Hornkv. (deraf 584 Køer), 776 Faar, 511 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 258 Td.; 47 Selvejergaarde med 231, 1 Arvefæstegd. med 6, 85 Huse med 21 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 680 (1801: 418, 1840: 551, 1860: 585, 1880: 655), boede i 137 Gaarde og Huse; Erhverv: 16 levede af immat. Virksomh., 510 af Jordbr., 18 af Fiskeri, 82 af Industri, 3 af Handel, 13 af Skibsfart, 24 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Klinte* med Kirke, Præstegd. og Mølle; *Nørreby* med Skole, Forsamlingshus (opf. 1893), Andelsmejeri og Telefonstation; *Jersore* (1399: Jertsur, 1436: Jersore) med Skole. *Skjæregaarde*. Paa *Æbelø* (i Vald. Jrdb. Æblæø, senere Abløe), til hvilken man over Æbelholm kan køre ved Lavvande (med Højvande er det farligt, da det Rev, „Braadet", som fører derover, har bratte Sider), er der en Gaard, som hører under Grevsk. Roepstorff (omtr. $7^1/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og $2^1/_4$ Td. Skovsk., omtr. 70 Td. Ld. Ager, 260 Skov, 25 Oredrev til Græsning, 4 Huse) og et 1893 opf. Fyr (58 F. højt, rundt Granittaarn, hvidt Blinkfyr, Fl. Højde o. H. 65 F., Lysvidden $3^1/_4$ Mil). Øens Nordvestpynt hedder *Nordrebraad*, Nordøstpynten *Østerhoved Spids*. Øen har et rigt Dyreliv, bl. a. talrige Eghjorte.

Klinte S., een Sognekommune med Annekset, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Lands- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 165. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., to Kapeller, et paa hver Side af Skibet, og et Vaabenhus. Kirken var oprindelig en romansk Kvaderstensbygning paa en Sokkel af to Skifter profilerede Sten. Kun Korets Undermure ere tilbage; Resten er bygget i den senere Middelalder, samtidig med at de forskellige Tilbygninger ere tilføjede. Kirken er overhvælvet. Altertavle og Prædikestol ere tarvelige Arbejder fra 1781. Alterbordets Forside har Udskæringer fra 16. Aarh.'s Slutn. Romansk Granitdøbefont med Buefrise. I Kapellet mod N. henstaa 3 Kister med Lig af Medlemmer af Familien Lindegaard til Jerstrup.

*Jersore* var fordum en Hovedgaard. Hr. Hans Poulsen tog 1353 Laasebrev paa J., som han kort efter pantsatte til Hr. Eggert Bitzere, der 1362 overdrog Pantet til Dalum Kloster. Ejendomsretten blev siden af en Poul Nielsen, vel en Ætling af Hr. Hans Poulsen, tilskødet Hr. Berneke Skinkel, hvis Fader Otte Skinkel, kaldet Skele, 1398 havde udløst Dalum Kloster af Gaarden. Skinkelerne ejede dog kun Halvparten af J.; Resten tilhørte Brødrene Hr. Hartvig Limbek og Iven Ratmansdorff, der 1399 erhvervede Dom paa Gaarden, men 1409 afhændede deres Part i den til Hr. Johan Olsen Bjørn, hvis Datter Helle bragte Gaarden til sin Ægtefælle Hr. Axel Andersen (Mule), der 1421 pantsatte den til sin Hustrus Farbroder Hr. Bjørn Olsen, fra hvem den alt 1423 blev indløst af Hr. Axels Svoger Steen Basse, der udkøbte Hr. Hartvig Limbeks Søn Claus af J. og derefter 1427 gav den til det Vikarie, han havde oprettet i Ny-

borg Kirke. Limbekerne synes dog at have holdt fast ved Gaarden og faaet udkøbt Kirken, thi 1444 kunde Henneke Limbek sælge den til sin Fætter Borkvard Ivensen, hvad der dog ikke hindrede ham i tillige at give Antvorskov Kloster Skøde paa den. Aar 1461 nævnes saa pludselig en vis Poul Pedersen som Ejer, men 1488 skiftede Jørgen Borkvardsen, Bendix Hogenskild og Erik Christensen, vistnok Arvinger efter Borkvard Ivensen, J. imellem sig. Erik Christensens Døtre Anne og Dorte solgte 1514 deres Part til Bendix Hogenskilds Søn Erik, men da Jørgen Borkvardsen samtidig solgte sin Ejendom til Antvorskov Kloster, der jo havde et ældre Fodfæste i Gaarden, fulgte Erik Hogenskild 1516 Eksemplet, og Klosteret blev saaledes Eneejer. Klosteret har formodentlig saa nedlagt den gamle Hovedgaard. — Ved Jersore er der udgravet Rester af en gammel Kælder, sat af Munkesten; der findes endnu Murbrokker paa Stedet; 20 Al. derfra har der ligget en rund, foroven flad Jordhøjning, omgiven af en vandfyldt Grav.

Ved Foden af den Banke, hvorpaa Kirken ligger, har der været en hellig Kilde, „*St. Olufs Kilden*“ (se *Vedel Simonsen*, Odense Bys Hist. II, 1. H. S. 4).

Om *Æbelø* se Kirkeh. Saml. 4. R. V. Bd. S. 761 flg.

**Grindløse Sogn**, Anneks til Klinte, omgives af dette, N.-Næraa, Nørre-Højrup og Skamby Sogne samt Skovby Hrd. (Melby og N.-Sandager S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil Ø. for Bogense og $2^3/_4$ Mil N. N. V. for Odense. De lavtliggende, til Dels bakkede Jorder ere sandede. Gennem Sognet gaar den mindre Landevej fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 2641 Td. Ld., hvoraf 1289 besaaede (deraf med Hvede 100, Rug 216, Byg 302, Havre 351, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 150, Grøntf. 41, Frøavl 9, Kartofler 17, andre Rodfr. 99), Afgræsn. 350, Høslæt, Brak, Eng m. m. 735, Have 28, Skov 68, Moser 66, Kær og Fælleder 50, Veje og Byggegr. 54. Kreaturhold 1893: 269 Heste, 994 Stkr. Hornkv. (deraf 609 Køer), 718 Faar, 448 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 294 Td.; 44 Selvejergaarde med 263, 1 Fæstegd. med 12, 82 Huse med 18 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 603 (1801: 459, 1840: 568, 1860: 600, 1880: 642), boede i 127 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 434 af Jordbr., 7 af Gartneri, 5 af Fiskeri, 116 af Industri, 7 af Handel, 2 af andre Erhv., 11 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Grindløse* med Kirke, Skole, Missionshus (opf. 1896) og Andelsmejeri; *Engeldrup*; *Vesterby* og *Vester-Egense*, begge ved Landevejen. Hovedgaarden *Jerstrup*, under Grevsk. Gyldensteen (se S. 489), har $62^1/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $^5/_8$ Td. Skovskyld, 529 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 80 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Skovfogedbolig og 2 Huse. *Kragelunds Mølle.*

Grindløse S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 166. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor samt Taarn mod V. Skib og Kor ere romanske, opf. af tilhuggen Kamp paa en Sokkel af to Skifter profilerede Sten. Skibet er i den senere Middelalder delvis blevet ombygget og har paa Sydsiden faaet store, fladbuede Vinduer. Kirkens Hvælvinger, Taarnet og et nu nedrevet Kapel paa Skibets Nordside ere fra samme Tid. I Koret, den bedst bevarede Del af Kirken, findes et Par oprindl. romanske Vinduer. Af de oprindl. Døre findes kun en glat, halvcirkelformet Døroverligger indmuret forneden paa Skibets Sydside. Altertavlen er et Maleri (Opstandelsen) af Chrf. Faber fra 19. Aarh. Prædikestolen er et ret godt Snitværk fra Beg. af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont med Buefrise. I Taarnet en Dør med Jærnbeslag fra 17. Aarh. I Koret Ligsten over Anders Emmiksen til Jerstrup, † 1576, og Hustru Margrethe v. Ahlefeldt, og over Margrethe Emmiksdatter, † 1600. — I Kirkegaardshegnet en muret middelalderlig Port.

*Jerstrup* formodes at være den samme som den i Ældste danske Arkivreg. nævnte Jerpelstorp, der ejedes af Niels Eriksen Rød 1351. I 16. Aarh. ejedes Gaarden af Jørgen Henningsen Quitzow, hvis Datter Hilleborg ægtede Mourids Emmiksen. Den ejedes derefter af disses Søn Anders Emmiksen, † 1576 barnløs, hvorefter den gik i Arv til hans Søster Tale, g. m. den berygtede Eiler Brockenhuus til Søndergaarde,

og selv ikke nogen velrenommeret Dame. Deres Datter Maren Brockenhuus bragte Gaarden til sin Ægtefælle Jørgen Aschersleben; den gik over til disses Søn Mourids A., † 1641, hvis Enke Ellen Gøye 1647 solgte den til Jomfru Ide Skinkel, der 1650 vistnok lod den drive af sin Brodersøn Knud Skinkel og 1655 solgte den med to Møller osv. til Jomfru Mette Gregersdatter Krabbe. Hun arvedes af sine Brødre Niels og Claus Krabbe. Enken efter denne sidste, Marie Sophie Bielke, udkøbte 1678 sin Svoger, men solgte vistnok siden J. til Helmuth Otto v. Winterfeld, der ejede den 1693; 1719 forøgede Hedvig Sofie v. Winterfeld, Enke efter Oberstlieutn. Warnstedt, Gaarden med 127 Td. Hrtk., som hun købte af Kronen. Men alt Aaret efter havde den faaet en ny Ejer i Fr. Lassen, der yderligere tilkøbte betydeligt Gods. En følgende Ejer Admiral Seneca v. Hagedorn solgte 1739 J. med Klinte, Grindløse, Ejlby og Melby Kirker (361 Td. Hrtk.) til Knud Fogh, hvis Broder Kancellir. Markus F. 1757 solgte den til Laurids Switzer, som 1758 afhændede den til Konferensraadinde Eva Margrethe Rosenørn, f. Grüner. Efter hendes Død blev den ved Auktion for 46,000 Rd. C. tilslaaet Kammerr. Hans Lindholm i St. Petersborg († 1803), som 1779 solgte J. for 58,500 Rd. til Justitsr. Laurids Lindegaard, som atter 1788 afhændede den til Jakob Østrup, † 1803. Aaret efter blev den købt og indlemmet i Grevskabet Gyldensteen. — Hovedbygningen, med to Sidefløje, er i 1 Stokværk af Bindingsværk.

Grindløse synes i Reformationstiden at have været et eget Pastorat; alt i Slutn. af 16. Aarh. var det Anneks til Klinte.

---

## Skovby Herred.

**Sogne:**

*Skovby, S. 484. — Ore, S. 486. — Guldbjærg, S. 487. — Nørre-Sandager, S. 488. — Ejlby, S. 491. — Melby, S. 492. — Særslev, S. 492. — Haarslev, S. 493. — Veflinge, S. 495. — Vigerslev, S. 498. — Søndersø, S. 501.*

---

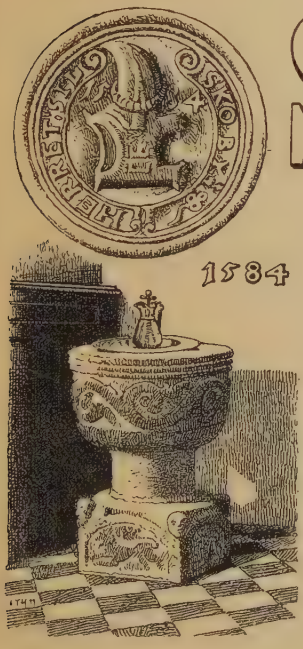


Skovby Herred grænser mod Ø. til Skam og Lunde Hrd., mod S. til Odense Hrd., mod V. til Vends Hrd. og mod N. til Lille Bælt. Den største Udstrækning fra N. til S. er omtr. $2^3/_4$ Mil, fra V. til Ø. omtr. $2^1/_4$ Mil. Kysten forløber temmelig regelmæssig (de tidligere Øer Langø, Lindholm, Store- og Lille Stegø ere inddæmmede). De mod N. lavtliggende og jævne, mod S. noget højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt i Vigerslev Sogn 217 F., 68 M.) ere gennemgaaende lerblandede, paa sine Steder mod N. noget sandede. I den sydl. Del løber Stavis Aa. Den sydl. Del er temmelig rig paa Skov, mod N. er Egnen skovfattig (i alt 3364 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de mindst gode i Amtet (gnmstl. over 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Bogense Købstad) 40,507 Td. Ld. ($4_{,06}$ □ Mil, $223_{,5}$ □

Km.). Landdistr. Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 3737 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 10,512 (1801: 6668, 1840: 9141, 1860: 10,429, 1880: 11,084). I Herredet ligger Købstaden Bogense. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Lunde og Skam Herreder, i verdslig Henseende hører det under Skovby og Lunde-Skam Herreders Jurisdiktioner samt under Amtets 2. Forligskreds (Vigerslev og Søndersø Sogne) og 4. Forligskreds (de øvrige Sogne).

Skovby Hrd., i Vald. II's Jrdb. kaldet *Schogbyhæreth*, hørte tidligere til Rugaards Len og fra 1660 til Rugaards Amt; se i øvrigt S. 309.

Der er talt henved 100 Oldtidsmonumenter, deraf omtr. 70 Gravhøje og Resten Stengrave, navnlig Dysser; omtr. $^3/_4$ ere dog nu sløjfede; 2 ere fredlyste. I størst Antal kendes de fra de vestl. og sydl. Sogne. Medens disse Mindesmærker væsentligt hidrøre fra Sten- og Broncealderen, er Jærnalderen repræsenteret ved et større Antal Fund fra Urnegrave og Brandpletter under flad Mark.

**Litt.**: Se S. 380. — *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til S. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Skovby Sogn**, Anneks til Bogense Købstads Sogn, omgives af dette, Ore, Haarslev, Guldbjærg og N.-Sandager Sogne samt Lille Bælt. Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $^1/_2$ Mil S. for Bogense. De gennemgaaende lavtliggende og jævne, kun enkelte Steder bakkede Jorder ere i Almindelighed muldede, i Midten særdeles gode, mod S. V. skarpsandede. Lidt Skov (Fredsk. og Brandholt Sk.). I den nordl. Del strækker sig en Lavning, „Fælleden", der berører Bogense Købstads Sogn og støder til Lille Bælt. En Del af Mosen Fogense hører til Sognet. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Bogense til Odense, Assens og Middelfart samt den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 4591 Td. Ld., hvoraf 2357 besaaede (deraf med Hvede 115, Rug 390, Byg 440, Havre 510, Boghvede 6, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenh. 419, Grøntf. 129, Frøavl 31, Kartofler 53, Sukkerroer 58, andre Rodfr. 192), Afgræsn. 555, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1146, Have 61, Skov 190, Moser 55, Kær og Fælleder 76, Hegn 8, Veje og Byggegr. 134, Vandareal 9 Td. Kreaturhold 1893: 368 Heste, 1620 Stkr. Hornkv. (deraf 1072 Køer), 958 Faar, 894 Svin og 17 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 435 Td.; 77 Selvejergaarde med 387, 1 Arvefæstegd. med 1, 203 Huse med 46 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1250 (1801: 794, 1840: 1095, 1860: 1261, 1880: 1311), boede i 274 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomh., 831 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 236 af Industri, 10 af Handel, 70 af forsk. Daglejervirksomh., 43 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet *Skovby Kirke*, mellem Byerne Skovby og Kjærby, og Byerne: *Skovby* (i Vald. Jrdb. Scogby), ved Middelfartsvejen, med Skole og Andelsmejeri; *Eskildstrup*; *Kjærby*, ved Middelfartsvejen; *Tofte*, ved Middelfart-Assensvejen, med Fællesmejeri og Forsamlingshus (opf. 1888 paa Tofte Mark); *Skaarup* (1467: Skagetorp); *Harridslev* (i Vald. Jordb. Haræslef), ved Odensevejen, med Skole. *Abildrod*, Huse med Skole. *Fjerlykke*, *Grønlykke*, *Kattebjærg*, *Nymark*, *Fælleden*, *Sandet*, Huse. Hovedgaarden *Harridslevgaard*, under Grevskabet Gyldensteen (se S. 489), har $51^1/_4$ Td. Ager og Engs Hrtk. og 1 Td. Skovskyld, 495 Td. Ld., hvoraf 32 Eng, 135 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre *Overmølle*, en Skoviderbolig og 5 Huse. Gaarden *Christianslund* har 20 Td. Hrtk., 243 Td. Ld.,

hvoraf 24 Eng, 8 Have og Skov, $2^1/_2$ Veje, $4^1/_2$ Husjord, Resten Ager (1 Fæste- og 5 Lejehuse). En Gaard i Harridslev: $12^3/_4$ Td. Hartk., 133 Td. Ld., hvoraf 20 Eng (8 i Bogense Kommune), 3 Skov, Resten Ager. Desuden mærkes Gaarden *Brandholt* og *Nedermølle*.

Skovby S., en egen Sognekommune, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 174. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken*, tidligere helliget St. Morten, bestaar af Skib og Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. samt Kapel paa Skibets Nordside, nu en Del af Kirken. Kirken er en anselig Bygning, hvis oprindelige Dele, Skib og Kor, ere opførte i den romanske Periode af hugne Granitkvadre paa en Sokkel af to Skifter profilerede Granitsten.

Harridslevgaard.

Paa Skibets Nordside er den oprindl. Dør med Rundbue bevaret. I den senere Middelalder er Kirken undergaaet mange Forandringer. Skibet er blevet udvidet mod V., det svære og høje Taarn og Vaabenhuset opførte, begge med kamtakkede Gavle med Blindinger. Ligeledes tilbyggedes det pyntelige Kapel, hvis Underdel er opf. af hugne Granitkvadre, og hvis Sidemure og kamtakkede Gavl ere prydede med Blindinger. Af Kirkens Hvælvinger ere de i Taarnet, i den nyere Del af Skibet samt i Kapellet fra den senere Middelalder, de øvrige ere nyere. Altertavlen er fra 1853, malet af Chrf. Faber. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde i barok Renæssancestil. Romansk Granitdøbefont med Løvværk paa Kummen og Dyrefigurer paa Foden (se Vignetten S. 483). Et Maleri (Treenigheden) fra omtr. 1480, tidligere paa Alterbordets Forside, er nu ophængt i Skibet (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 61). I Koret Ligsten over en katolsk gejstlig, Erik Hansen, † 1465, og over Jomfru Elisabeth Svave, † 1557, i Vaabenhuset over Jørgen Svave til Harridslevgd. og Hustru Karen, begge † 1571. Den ene Klokke, fra 1504, har Minuskelindskrift og Lungernes og Urnernes Vaabener. — I Kirkegaardsdiget en meget anselig, muret Port med to Indgange, prydet med Blindinger og Mønstermurværk, samt to mindre Porte,

alle fra Middelalderens Slutn. Paa Kirkegaarden Grav over de paa Harridslevgaards Lasaret i sidste slesvigske Krig døde Krigere og en Begravelse for den Bardenflethske Familie (tidligere i Kapellet). Paa Kirkegaarden et 1893 opf. Ligkapel.

*Harridslevgaard* nævnes 1327 blandt det Gods, som den svenske Prins Erik Valdemarsen gjorde Fordring paa som sin Mødrenearv, og som ogsaa tildømtes ham (se S. 380). Han eller hans Arvinger maa ikke længe derefter have afstaaet H., thi mellem 1397 og 1408 fik Hr. Berneke Skinkel Rugaard med Skovby Herred, Bogense, Harridslev Birk og Vissenbjærg Sogn i Panteforlening af Dronn. Margrethe og Erik af Pommern for 2000 Mark. H. vedblev at være et kgl. Len (1486 nævnes et Medlem af Slægten Friis som Lensmand, 1489 Hr. Christiern Urne, hvis Enke, Sophie Lunge ægtede Hr. Tilluf Eriksen Biørn, der havde H. 1499, og hvis anden Hustru Mette Skinkel 1514 fik Livsbrev paa Lenet, som hendes Stifsøn Just Urne 1523 besad, derefter Timme Schrandi 1536 og endelig Jørgen Svave fra 1542), indtil den 1560 solgtes for 5000 Rd. til Jørgen Svave. Hans Sønner solgte 1589 Gaarden til Breide Rantzau til Rantzausholm († 1618). H. tilhørte derefter hans Søn Kai R., † 1623, g. med Anne Lykke, deres Datter Sophie, der bragte den til sin Mand Laurids Ulfeld, † 1659 (se Werlauff, Bibliotekshist. S. 31). Gaarden faldt tilbage til Anne Lykkes Slægt og kom paa denne Maade til den bekendte Kai Lykke, ved hvis Domfældelse H. blev delt mellem hans Kreditorer og Kongen. Sidstnævnte solgte 1663 H. til Kai Lykkes Svoger General Fr. Arenstorff, men tilbageholdt Hovedbygningen og en Del af Godset, hvorfor Arenstorff opførte *Lille H.* (121 Td. Hrtk.). Hovedparcellen solgte Kongen 1680 til Landsdommer Jens Lassen ($^2/_3$) og Præsident Claus Rasch ($^1/_3$). Sidstnævnte solgte 1703 sin Del af H. til C. B. Ehrenschild, hvis Enke Anne Margrethe von Stöcken 1717 afhændede denne Tredjedel til Jens Lassens Søn Kommandør Hans Lassen, † 1718. Dennes Enke Christiane Hoppe ægtede Oberstlieutn. J. Ph. Hagedorn, der 1723 tilkøbte Lille H. af Chr. von Arenstorff. Hans Enke ejede i flere Aar Gaarden og efterlod den til sin Datter af 1. Ægteskab Anne Elisabeth Lassen, der bragte den til sin Mand Oberst J. F. Bardenfleth, † 1771, i hvis Families Besiddelse den blev til 1829, da den af Kontreadmiral J. F. Bardenfleth († 1833) solgtes for 82,000 Rd. til den dav. Ejer af Grevskabet Gyldensteen og indlemmedes i dette. — Hovedbygningen, der er opf. 1606 og restaureret 1753, bestaar af 3 Fløje, der ere byggede i Renæssancestil (den 4. Fløj er nedreven); ind til Gaarden foran den to Stokv. høje Hovedfløj med Kælder staar et højt, ottekantet Taarn; den store, 90 Al. lange Sal, „Snedkersalen", med Sandstenskaminer, bruges nu som Kornloft; et Rum har en smuk Hvælving. En af Sidefløjene har en Port med Sandstensportal. Avlsbygningerne ere opf. efter en Brand i nyeste Tid. Harridslevgaards Stutteri omtales 1759 som bekendt for sine store Heste, der udførtes til Udlandet (se Lütken, Økonom. Mag. III, S. 246). — I det nordvestl. Hjørne af Harridslev Hestehave har *Lille Harridslevgd.* ligget; endnu i 19. Aarh. skal der være oppløjet Murbrokker her.

En Ivanus de Skogtorp nævnes 1350. Jmfr. Anne Daa døde 1579 paa sin Gaard *Skaarupgaard* og blev begravet i Ejlby Kirke. — I Skaarup har ved en Gaard, som alm. kaldes Jomfruklosteret, ligget et Voldsted: en mindre, rund Voldbanke, omgiven af en Grav og med Fundamenter af en aflang firkantet Bygning; Udhusene stode tæt N. for Borgpladsen. Mulig har *Daaholm*, hvorpaa Hilleborg Daa boede 1590, ligget her (se *Vedel Simonsen*, i Ann. f. n. Oldk. 1836 S. 114 flg.).

**Ore Sogn**, Anneks til Brenderup S. i Vends Hrd., omgives af dette, Haarslev og Skovby Sogne samt Lille Bælt. Kirken, mod S., ligger 1 Mil S. V. for Bogense. De ikke videre højtliggende, jævne Jorder ere en Del sandede. Paa Vestgrænsen løber et mindre Vandløb. Der findes en Del Skov (Skaastrup Frihed, Nyhave, Svinekrog, Slettemose Sk.). Sognet hører, tillige med de tilstødende Sogne i Vends Hrd., til Fyns egentlige Humleegn; ved de fleste Huse ses Humlehaver. I den sydvestl. Del gaar Landevejen fra Bogense til Middelfart.

Fladeindholdet 1896: 2561 Td. Ld., hvoraf 1213 besaaede (deraf med Hvede 27, Rug 255, Byg 247, Havre 268, Blandsæd til Modenh. 256, Grøntf. 25, Kartofler 35, andre Rodfr. 97), Afgræsn. 305, Høslæt, Brak, Eng m. m. 559, Have 42, Skov 351, Moser 3, Kær og Fælleder 8, Hegn 3, Stenmarker 3, Veje og Byggegr. 71, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 169 Heste, 836 Stkr. Hornkv. (deraf 537 Køer), 397 Faar, 434 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk.

1895: 213 Td.; 46 Selvejergaarde med 193, 83 Huse med 16 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 589 (1801: 451, 1840: 476, 1860: 608, 1880: 644), boede i 131 Gaarde og Huse; Erhverv: 9 levede af immat. Virksomh., 427 af Jordbrug, 87 af Industri, 4 af Handel, 6 af andre Erhv., 52 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ore*, med Kirke, ved Landevejen, og Skole; *Ørbæk*; *Skaastrup* (1475: Skoustrup) med Skole og Forsamlingshus (opf. 1893). *Mejlskov Huse*. Hovedgaarden *Oregaard*, under Grevsk. Gyldensteen (se S. 489), har $28^3/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og $36^3/_8$ Td. Skovskyld, 482 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 200 Skov (85 i Brenderup S.), Resten Ager. Hovedgaarden *Hugget*, ligeledes under Gyldensteen, har 20 Td. A. og E. Hrtk. og $8^1/_2$ Td. Skovskyld, 404 Td. Ld., hvoraf 16 Eng, 204 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Skovfogedbolig og et Hus. Desuden mærkes *Grydhøj*, Gaarde, *Ore Skovmølle*.

Ore S., en egen Sognekommune, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 175. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* (indviet til St. Nicolaus) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V., Korsarm (tidligere Kapel) ved Korets Nordside og Vaabenhus mod S. Den er opført af Munkesten og tilhører helt igennem den senere Middelalder. Kapel og Taarn have trappeformede Gavle. Alle Kirkens Bygninger have simple Krydshvælvinger. Altertavlen, med et tarveligt Oliemaleri (Korsfæstelsen), er et stort og rigt Billedskærerarbejde fra 1. Halvdel af 17. Aarh., med Lungernes, Lindenovernes og Skaktavl-Friisernes Vaabener. Prædikestolen er omtr. samtidig med Altertavlen. Romansk Granitdøbefont. I Kirken et middelalderligt Krucifiks, to Ligsten, en Egetræs Gravplade fra 1688 og en Marmorplade over en ved Sankelmark falden Dragon.

*Oregaard* og *Orebirk* var i ældre Tid kgl. Ejendom og Sædet for en Lensmand. 1397 indløste Dronn. Margrethe Oregaard og Orebirk fra Henning Bergs Enke Cathrine. Hr. Eggert Frille havde Lenet fra 1431 til 1469. I Beg. af 16. Aarh. havde Familien Ulfeld det i Panteforlening, Ebbe Andersen U. 1502, derefter Anders Ebbesen U. og Hartvig Andersen U., men da sidstnævnte i Grevens Fejde forbrød sit Gods ved at gaa Rigens Fjender til Haande, blev Forleningen 1535 overført til Poul Ahlefeld, der 1539 fik Skøde paa Gaarden. 1574 tilhørte den saa Henrik A. og 1588 hans Døtre, der vistnok solgte den til Fru Margrethe Rosenkrantz, Hans Johansen Lindenovs Enke, hvorefter den ejedes af hendes Søn Laurids Lindenov, † 1635, dennes Enke Anne Friis, † 1657, hendes Husbonds Brodersøn Hr. Henrik Lindenov, der 1672 skødede O. (70 Td. Hrtk., Bøndergods 263 Td.) for 13,871 Rd. in specie til sin Datter Kirsten, som 1673 ægtede den senere Gehejmer. og Stiftamtmand i Fyns Stift Erik Banner, † 1687. Boet var fallit, og O. kom til en af Kreditorerne, Borgmester i Assens Thomas Jensen, der 1694 solgte den til Gehejmer. og Klosterprovst i Preetz Ditlev Reventlau, som 1700 afhændede Gaard og Gods til Kai Rantzau, der atter solgte den til Kmhr. C. C. Gabel († 1748), efter hvem Gaarden i nogen Tid kaldtes *Gabelslykke*. Han solgte 1720 O. til J. H. Huguetan, Greve af Gyldensteen, som indlemmede den i Grevskabet. — Hovedbygningen er en Bindingsværksbygning fra Slutn. af 16. eller Beg. af 17. Aarh. i eet Stokv. paa høj Kampestenskælder.

*Hugget* er af nyere Oprindelse (i D. Atl. nævnes Hugetgaarde; af Navnet Huguetan?). Gaarden indlemmedes ligeledes 1720 i Grevskabet Gyldensteen.

Ved Oregaard er der under flad Mark afdækket en større Gravplads fra den ældre Jærnalder, med 71 Urnegrave, 17 Brandpletter m. m.

Ore var før 1628 et eget Pastorat (se Ny Kirkeh. Saml. VI S. 764 fl.). Aar 1573 og 1574 udgik der kgl. Befaling om, at en af Kronens Gaarde skulde udlægges til Præstegaard i Sognet, da Præsten havde klaget over, at der ingen Præstebolig var, og Kaldet var ringe.

**Guldbjærg Sogn** omgives af Annekset N.-Sandager, Ejlby, Særslev, Haarslev og Skovby Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil

S. Ø. for Bogense. De ikke videre højtliggende, noget bakkede Jorder ere dels sand-, dels lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Bogense til Odense og den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1016 Td. Ld., hvoraf 527 besaaede (deraf med Hvede 12, Rug 114, Byg 98, Havre 113, Boghvede 6, Blandsæd til Modenh. 85, Grøntf. 27, Frøavl 5, Kartofler 7, Sukkerroer 6, andre Rodfrugter 51), Afgræsn. 153, Høslæt, Brak, Eng m. m. 239, Have 17, Skov 48, Moser 4, Heder 4, Veje og Byggegr. 23 Td. Kreaturhold 1893: 75 Heste, 324 Stkr. Hornkv. (deraf 201 Køer), 167 Faar, 164 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 100 Td.; 14 Selvejergaarde med 94 og 28 Huse med 6 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 234 (1801: 196, 1840: 180, 1860: 222, 1880: 223), boede i 45 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 171 af Jordbrug, 41 af Industri og 4 af andre Erhv.

I Sognet *Guldbjærg Kirke* (1439: Guldbærghe), beliggende paa en Bakke paa Præstegaardens Mark, hvorfra der er en vid Udsigt lige til den jydske Kyst, i Nærheden Jærnbanestation og Andelsmejeri; Byerne: *Kolshave* med Præstegd.; *Reveldrup*; *Nordskov*; *Smidstrup* med Skole. I de to sidste er der stor Humleavl. *Rækkehuse* (en Del i Særslev S.). *Lundsgaard*: $12^5/_8$ Td. Hrtk., 160 Td. Ld., hvoraf 12 Eng og Mose, 10 Skov, Resten Ager.

Guldbjærg S., een Sognekommune med Annekset, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 170. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte af Munkesten paa en til Dels tildannet, glat Granitsokkel og tilhøre sikkert den senere Middelalder. Taarnet, med takkede, blindingssmykkede Gavle, og Vaabenhuset ere senere Tilbygninger inden for Middelalderen. Taarn, Skib og Kor have Krydshvælvinger. Altertavlen, fra 18. Aarh., er tarvelig; Prædikestolen er et simpelt Arbejde fra 1648; Døbefont af pudsede Mursten. Paa det ene af den jærnbeslaaede Kirkedørs Hængsler er indhugget en Indskrift fra 1631. Klokke med Minuskelindskrift fra 1507. I Kirkegaardsdiget en anselig, muret Bygning fra Middelalderen med to Indgange (Kirkelade?)

I *Reveldrup* havde fordum en af Danmarks senere berømteste Adelsslægter, Huitfeldt, hjemme, thi Fru Tale Ulfstand beretter om Henrik „Ottesen" (Huitfeldt), at han byggede sig en Gaard i R. og holdt tilraade det, han fik. Hans Søn Otte Henriksen boede endnu 1453 i R.

Paa Lundsgaard Mark ved Foden af Harridshøj (se Særslev S.) har der været en hellig Kilde, *„Snogskilden"*, som endnu i 19. Aarh. besøgtes ved Midsommertide (se Rasks Morskabslæsn. I S. 337 flg.).

Ved Kongebr. af $^{21}/_8$ 1570 tillodes det Sognepræsten fremtidig at residere i Kolshave, da de to Gaarde, han havde, vare for ringe til Præstebolig.

**Nørre-Sandager Sogn**, Anneks til Guldbjærg S., omgives af Bogense Købstad Sogn, Skovby, Guldbjærg, Ejlby og Melby Sogne samt Skam Hrd. (Grindløse og Klinte S.) og Lille Bælt. Kirken, mod S., ligger omtr. $^3/_4$ Mil Ø. for Bogense. De lavtliggende, jævne Jorder ere til Dels lette og side, dog afvekslende med Ler og Muld. En Del Humleavl. Arealet er i 2. Halvdel af 19. Aarh. blevet betydeligt forøget ved de store, af Grevsk. Gyldensteen foretagne Inddæmninger langs Lille Bælt, hvorved Øerne Langø, Lindholm og Lille- og Store-Stegø ere blevne landfaste (se *R. Carstensen*, Inddæmn. af Forstranden ved Grevsk. Gyldensteen, i Industriforen. Maanedsskr., 7. Aarg. Jan.). Paa Sognets Vestgrænse løber Aalebæk. En Del Skov (Bursk., Kohave, Fællessk.). Gennem Sognet gaar den mindre Landevej fra Bogense til Odense (gennem Lunde Hrd.).

Flade indholdet 1896: 2056 Td. Ld., hvoraf 942 besaaede (deraf med Hvede 65, Rug 165, Byg 202, Havre 193, Blandsæd til Modenh. 190, Grøntf. 42, Frøavl 5, Sukkerroer 16, andre Rodfr. 64), Afgræsn. 236, Høslæt, Brak, Eng m. m. 456, Have 25, Skov 318, Moser 14, Kær og Fælleder 11, Veje og Byggegr. 46, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 153 Heste, 647 Stkr. Hornkv. (deraf 434 Køer), 513 Faar, 400 Svin og 15 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 205 Td.; 23 Selvejergaarde med 193, 80 Huse med 12 Td. Hrtk. og 10 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 499 (1801: 340, 1840: 497, 1860: 555, 1880: 542), boede i 109 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomh., 286 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 105 af Industri, 4 af Handel, 62 af forsk. Daglejervirksomh., 6 af deres Midler, og 19 vare under Fattigv.

I Sognet *Nørre-Sandager Kirke*, i Nærheden af Sandagergaard, og Byen *Nørre-Esterbølle* med Skole. *Tydentved* og *Tolsvad*, Huse. Hovedgaarden *Gyldensteen*, Hovedsædet i Grevskabet af s. Navn, har 71 Td. A. og E. Hrtk. og $3^5/_8$ Td. Skovsk., 735 Td. Ld., hvoraf 28 Eng, 202 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Godsinspektørbolig og 7 Huse*). Til Grevsk. høre ligeledes Hovedgaarden *Sandagergaard*, $23^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $^3/_8$ Td. Skovskyld, 242 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 17 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre en Vand- og Vejrmølle og 8 Huse), og *Erikholm* paa Langø (en Afbyggergaard fra Gyldensteen), $10^7/_8$ Td. Hrtk., 209 Td. Ld., hvoraf 100 Skov, Resten Ager (1 Hus).

N.-Sandager S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 169. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Kapel mod N. og en lille Tilbygning ved Korets Sydside. Skibet, der oprindl. har været opført af raa Kamp, rimeligvis i den romanske Tid, er senere i Middelalderen blevet ombygget; samtidig er Koret vistnok blevet ombygget og udvidet, Taarnet tilføjet og Kirken overhvælvet. Tilbygningen ved Koret (tidligere Gravkapel) bærer Henning Quitzows Navn og Aarst. 1590. I Gravkapellet, der er opført i 18. Aarh., staa Kister med Medlemmer af Slægten Bernstorff og to Marmorkister med Lensgreve Joh. Henr. Huguetan, Greve af Gyldensteen, † 1749, og Hustru Mauritia Margrethe, f. Grevinde af Nassau-Oranien. Døbefont af Egetræ, baaren af Johannes Døberen. I Vaabenhuset Ligsten over Kansler Jørgen Quitzow, † 1544, og Hustru Eline Gøye, og over Niels Ludvigsen (Rosenkrantz) fra 1. Halvdel af 16. Aarh. I den søndre Tilbygning en smuk Ligsten over Henning Quitzow († 1569) og Birgitte Rønnow, samt Brudstykker af en Sten over Jesper Daa til Enggaard; udvendig i samme en romansk Ligsten. Klokke fra 1492 med Minuskelindskrift.

*Gyldensteen* hed forhen *Enggaard*. Den første kendte Ejer af E. var Ridderen Hr. Niels Thomesen, der nævnes i et Brev af 1409, men da var død; dernæst den ansete fynske Ridder Hr. Berneke Skinkel, † 1418, der ogsaa ejede Iversnæs. Den tilhørte derefter hans Sønner Herman S. og Hr. Otte S. og gik saa i Arv til sidstnævntes Datter Hilleborg, g. med den fra Dronn. Dorotheas Hist. noksom bekendte Hr. Knud Henriksen Gyldenstierne. Deres Datter Karen bragte E. til sin Ægtefælle Jørgen Daa, † 1503, efter hvem den tilfaldt Sønnerne Knud Daa, 1545, og Jesper D. Sidstnævnte, der havde været trolovet med Birgitte Gøye, som dog siden ikke vilde have ham, døde barnløs 1562 paa E., hvorefter denne tilfaldt hans Søster Sophie Daa og hans Brodersøn Hans Daa, † 1575, fra hvem Erik Rud, † 1577, ved Køb og Indførsel erhvervede E., som gik i Arv til Sønnen Corfitz R., † 1630, hvis Datter Helvig bragte den til sin Ægtefælle Rigsr. Hr. Gregers Krabbe. Den arvedes af hans Datter

*) Til *Grevskabet Gyldensteen*, der indbefatter Godserne Gyldensteen, Sandagergaard, Oregaard, Hugget, Harridslevgaard, Uggerslevgaard og Jerstrup samt Gaarden Erikholm, høre 872 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 331, indtaget til Skov 52, Bøndergods 7 og Kirke- og Kongetiender 482 Td. (nemlig Sandager, Guldbjærg, Ore, Ejlby, Særslev, Haarslev, Klinte, Grindløse, Højrup, Uggerslev og Melby Kirketiender og Sandager, Ore, Ejlby og Særslev Kongetiender), i Bankaktier 36,800, i Bankobligationer 6680 og i Fideikommiskapitaler 2,816,000 Kr. Hele Jordtilliggendet er 2572 Td. Ld. foruden omtr. 1000 Td. Ld. Skov og 1086 Td. Ld. inddæmmet Strand.

og hendes Mand, den bekendte Oluf Rosenkrantz, der 1682 blev dømt til at have sine Værdigheder og sin Formue forbrudt. Han solgte 1685 E. til sin Svigersøn Mogens Skeel til Fusingø, der 1689 solgte Gaarden til Kapt. Holger Rosenkrantz til Brahesborg, som 1694 skødede den til Etatsr. M. C. B. v. Ehrenschild († 1715). Dennes Enke Anne Margrethe v. Stöcken solgte 1718 E. til Kmhr. C. C. Gabel, som atter 1720 solgte E., Oregaard og Uggerslevgaard for 136,540 Rd. og 1000 Species-Dukater til en indvandret Franskmand, Jean Henri Huguetan, Rigsfriherre af Odyck, som 1717 blev Greve af *Gyldensteen* og $^{8}/_{4}$ 1720 fik sine Godser ophøjede til et Grevskab under s. Navn. Hans Datter Margrethe blev gift med Don Antonio Casado Marquis de Monteleone, og G. arvedes af deres Datter Margrethe Maurice Francisca Isidora Casado Marquise de Monteleone, der 1742 ægtede Gehejmer., Stiftamtmand Eggert Chrf. Knuth, Greve til Knuthenborg, † 1776, og derefter af disses Søn Joh. Fr. Knuth, † 1802. Da denne døde uden Sønner, gik Grevsk. over til Datteren C. H. F. Comtesse Knuth († 1827), gift 1. med Greve J. H. E. Bernstorff, Stamherre til Wotersen i Lauenburg, † 1791, 2. med Rigsgreve C. A. Stolberg til Stolberg (separeret), 3. med F. C. C. Greve Rantzau til Breitenburg (separeret) og 4. med russisk Oberst

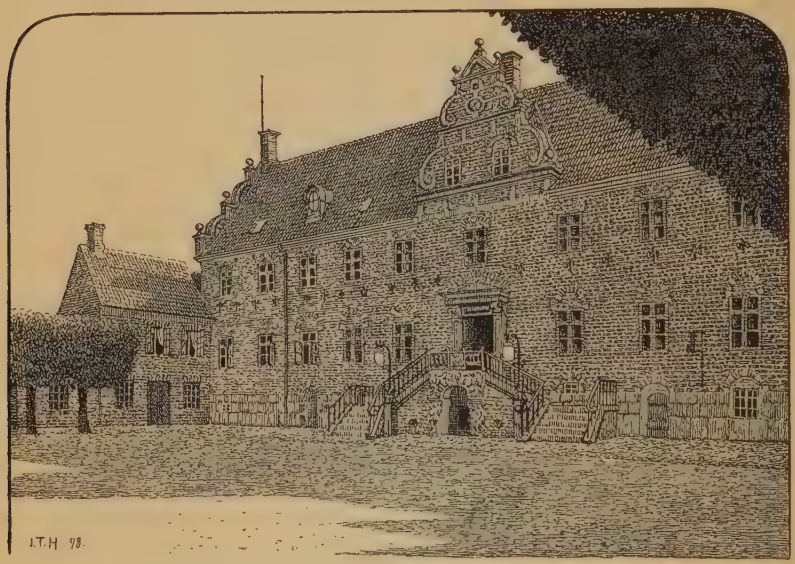

Gyldensteen.

Vansovitz. Grevsk. gik over til Sønnen af 1. Ægteskab, Grev A. E. H. E. Bernstorff († 1837), der efterfulgtes af Sønnen Kmhr., Hofjægerm. J. H. E. Greve Bernstorff-Gyldensteen, Stamherre til Wotersen († 1898), hvis Søn, Kmhr., Major H. K. G. Greve Bernstorff-Gyldensteen, bosat i Mecklenburg, er nuv. Besidder. — Hovedbygningen, der ligger nær ved Stranden og er omgiven af usædvanlig brede Grave, er opført 1640 af ovennævnte Gregers Krabbe; Hovedfløjen er en massiv Bygning af røde Munkesten i to Stokv. med hvælvede Kældere, hvis Ydermure ere af huggen Granit (Hvælvingerne bæres af Granitpiller), Renæssancegavle (Gavlen paa Midten ind til Gaarden er opsat i nyeste Tid efter Tegn. af Arkitekt Alfr. Petersen) og to Udbygninger mod Havesiden; ovennævnte Ehrenschild lod Værelserne dekorere (der findes bl. a. et godt Stukloft), ligesom han anlagde Haven, hvori der findes meget store Alleer. — I sidste slesvigske Krig benyttedes Gaarden som Lasaret.

*Sandagergaard* nævnes allerede 1385. Af tidligere Ejere kendes Fin Nielsen kaldet Skriver 1385, Niels Thomesen 1394, Sønnen Henrik Nielsen, dennes Sønner Niels og Mag. Jesper Henriksen, den første Rektor ved Kjøbenhavns Universitet, der 1480 solgte S. til sin Svoger Henning Jensen Quitzow, dernæst Rigskansleren Jørgen Henningsen Quitzow, † 1544, Henning Quitzow, † 1569, dennes fire Sønner Jørgen,

Chr., Fred. og Ejler Q. samt deres Søster Anne. Frederiks Søn Erik Q. døde 1678 som Slægtens sidste Mand, hvorefter S. tilfaldt Datteren, „den lærde" Anne Q., gift med Chr. v. Pappenheim, der synes at have solgt den til Gehejmer. Morten Skinkel, hvis Enke Anne Charisius 1690 solgte S. (89 Td. Hrtk.) til Assessor Hans Knudsen Viborg, † 1696 (se Personalh. Tidsskr. I, S. 25 flg.), der tilkøbte meget Gods. Hans Børn antoge Navnet Windtz, og af dem arvede Nicolai W., † 1704, S., der ved hans Enke Margrethe Cathrine Hoppes Ægteskab med Major Hans Henrik v. Grambow kom til denne Slægt. Han forøgede Gaarden med 150 Td. Hrtk. af Ryttergodset, men hans Søn Oberstlieutn. Carl v. G. og Frue Frederikke Amalie Holten solgte 1774 S. til Conrad von Brinken og Frue Margrethe Henriette v. Grambow, som kaldte Gaarden for *Brinkenslyst*. Ved Auktion 1795 solgtes den til Ivar Hviid. Aar 1834 købtes den til Grevskabet Gyldensteen for 38,000 Rd. og indlemmedes deri. — Hovedbygningen, omgiven af Grave, er af Grundmur i 1 Stokv., og bestaar af 2 Fløje, hvoraf den ene har en Renæssancegavl fra Beg. af 17. Aarh.; en ny Staldbygning er opf. i 1894 efter Tegn. af Arkitekt Alfr. Petersen.

I Sognet har der været en By *Bøgelunde* (se D. Atl. VI S. 616).

Paa Nordvestsiden af Store Stegø og ved Langø Mølle ses Rester af Køkkenmøddinger.

**Ejlby Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Annekset Melby, Sandager, Guldbjærg og Særslev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. Ø. for Bogense. De lavtliggende, jævne Jorder ere lermuldede. Gennem den sydl. Del gaar den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 922 Td. Ld., hvoraf 510 besaaede (deraf med Hvede 29, Rug 82, Byg 114, Havre 107, Blandsæd til Modenhed 98, Grøntf. 26, Frøavl 4, Kartofler 8, andre Rodfrugter 40), Afgræsning 112, Høslæt, Brak, Eng m. m. 231, Have 17, Skov 17, Moser 2, Kær og Fælleder 10, Veje og Byggegr. 21. Kreaturhold 1893: 91 Heste, 387 Stkr. Hornkv. (deraf 238 Køer), 230 Faar, 130 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 114 Td.; 19 Selvejergaarde med 107, 32 Huse med 7 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 247 (1801: 226, 1840: 284, 1860: 295, 1880: 259), boede i 51 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 178 af Jordbrug, 19 af Industri, 10 af Handel, 10 af andre Erhv., 7 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ejlby* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1897) og Telefonstation; *Lunde*. *Kile*, Gaarde. Gaarden *Birkholm*: $12^3/_4$ Td. Hrtk., 92 Td. Ld., alt Ager.

Ejlby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Skovby Herreds Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 168. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* (tidligere indviet til den hellige Ursula og hendes 11,000 Jomfruer) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skibet er opf. af raa Kamp med tildannede Hjørnekvadre og med glat Sokkel, Koret af hugne Granitkvadre med en Sokkel af to Skifter profilerede Sokkelsten. Det lave Taarn, med afvalmet Sadeltag, og det uanselige Vaabenhus, Skibets og Korets Hvælvinger samt den simple, murede Kirkegaardsport skrive sig fra den senere Middelalder. Glatmalet Altertavle med malede Rokokoornamenter. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra 1609. Romansk Granitdøbefont med Løvværkssnoninger paa Kummen og Dyrefigurer paa Foden. I Taarnet en Ligsten over Vilhelm Oldeland, † 1567, og Hustru Hilleborg Daa, † 1632, samt dennes Søster Jomfru Anne Daa, † 1579.

I *Kile* har ligget en Hovedgaard, der 1499 tilhørte Steen Ottesen (Huitfeldt), hvis Svigersøn Jørgen Juel 1519 med sin Hustrus Søskende solgte Kilegaard til Jørgen Henningsen (Quitzow), der formodentlig har nedlagt Gaarden.

Paa Toppen af en Banke ved Lunde er der i 1 Fods Dybde fundet to smukke Guldskaale fra den yngre Broncealder, vistnok oprindl. nedlagte i et Lerkar; til dette Votivfund hører sikkert en tredje tilsvarende Guldskaal, som opløjedes paa Marken lige neden for Banken (saml. Metalværdi 437 Kr.).

**Melby Sogn**, Anneks til Ejlby, omgives af N.-Sandager, Ejlby og Særslev Sogne samt Skam Hrd. (Skamby og Grindløse S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Bogense og $2^1/_2$ Mil N. V. for Odense. De overvejende lavtliggende og jævne Jorder — kun ved Østgrænsen er der et Bakkestrøg — ere lermuldede. Gennem Sognet gaar den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 994 Td. Ld., hvoraf 557 besaaede (deraf med Hvede 25, Rug 102, Byg 121, Havre 135, Blands. til Modenh. 101, Grøntf. 22, Kartofler 11, Sukkerroer 7, andre Rodfr. 32), Afgræsn. 142, Høslæt, Brak, Eng m. m. 260, Have 14, Kær og Fælleder 2, Veje og Byggegr. 18 Td. Kreaturhold 1893: 105 Heste, 424 Stkr. Hornkv. (deraf 271 Køer), 196 Faar, 202 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 133 Td.; 28 Selvejergaarde med 124 og 39 Huse med 9 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 319 (1801: 216, 1840: 298, 1860: 298, 1880: 299), boede i 69 Gaarde og Huse; Erhverv: 24 levede af mmat. Virksomh., 188 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 79 af Industri, 4 af Handel, 2 af andre Erhv., 4 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Melby* (gml. Form Medelby) med Kirke, Skole, Andelsmejeri, Mølle og Teglværk; *Jullerup* (1404: Hjøltorp) med Mølle, Uldspinderi og Jærnbane- og Telegrafstation; *Laadne-Brøndstrup*. *Bækkegaarde*.

Melby S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Landstings- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 167. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med Korrunding, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Et Kapel mod S. (der allerede stod der 1590) er nu nedrevet. Kirken er i sine ældste Dele en romansk Bygning, hvis Kor samt Skibets Østgavl ere opf. af hugne Granitkvadre, medens Resten af Skibet er opf. af raa Kamp. Apsiden har to Skifter profilerede Sokkelsten, den øvrige Kirke kun eet. I Apsis findes et smukt romansk Vindue med en Halvsøjle med Terningekapitæl paa hver Side. Taarnet, med Trappegavle, og Vaabenhuset ere senere middelalderlige Tilføjelser. Skib og Kor ere overhvælvede. Altertavle og Prædikestol ere nye. Smuk romansk Granitdøbefont med Løvværksslyngninger paa Kummen og Dyrefigurer paa Foden.

*„Brynstorp"* i Skovby Herred blev ved Aar 1400 af Conrad Kødmanger, Borger i Flensborg, solgt til Hr. Berneke Skinkel.

**Særslev Sogn** omgives af Melby, Ejlby, Guldbjærg, Haarslev, Veflinge, Vigerslev og Søndersø Sogne samt Skam Hrd. (Skamby S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Bogense og $2^3/_4$ Mil N. V. for Odense. De mod V. og i Midten højtliggende (Harridshøj, 175 F., 54 M.), mod Ø. lavtliggende Jorder ere i Almindelighed lermuldede, dog mod V. temmelig skarpe. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Bogense til Odense; Nordgrænsen berøres af den nordfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 4573 Td. Ld., hvoraf 2590 besaaede (deraf med Hvede 103, Rug 465, Byg 556, Havre 595, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 477, Grøntf. 141, Frøavl 9, Kartofler 52, Sukkerroer 10, andre Rodfr. 178), Afgræsn. 610, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1075, Have 71, Skov 22, Moser 37, Kær og Fælleder 27, Hegn 17, ubenyttet 17, Veje og Byggegr. 94, Vandareal 13 Td. Kreaturhold 1893: 429 Heste, 1767 Stkr. Hornkv. (deraf 1185 Køer), 897 Faar, 1036 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 522 Td.; 98 Selvejergaarde med 485, 168 Huse med 37 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1293 (1801: 776, 1840: 1074, 1860: 1154, 1880: 1285), boede i 253 Gaarde og Huse; Erhverv: 65 levede af immat. Virksomh., 796 af Jordbrug, 284 af Industri, 18 af Handel, 81 af forsk. Daglejervirksomh., 32 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Særslev* (1366: Sersleve, 1390: Serslef), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Folkehøjskole (opr. 1882), to Forsam-

lingshuse (opf. 1881 og 1890), Kro, 2 Teglværker, Andelsmejeri og Telefonstation; *Hemmerslev* (1450: Hymmersløff) med 2 Teglværker; *Sønder-Esterbølle* (1383: Æsthræthæbølæ); *Maderup* med Skole og Friskole, Missionshus (opf. 1889) og Mølle; *Moderup*; *Toderup*; *Slagstrup*; *Svendstrup*; *Askeby*; *Kosterslev* med Teglværk. *Kosterslev-Skovhave*, Huse. *Rækkehuse* (en Del i Guldbjærg S.); *Torup*, Gde. og Huse (en Del i Søndersø S.). En Gaard i Kosterslev: 18 Td. Hrtk. En Gaard i S.-Esterbølle: $13^3/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og 1 Td. Skovsk., 146 Td. Ld., hvoraf 6 Eng og Mose, 40 Skov (i Vigerslev og Ubberud S.), Resten Ager (2 Lejehuse). En Gaard i Askeby: 12 Td. Hrtk., 86 Td. Ld. (6 Td. i Melby S.), hvoraf 85 Ager, 1 Mose.

Særslev S., en egen Sognekommune, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr.' samt 3. Udskrivningskr.' 171. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen.

*Kirken*, fordum helliget St. Nicolaus, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er i sine ældste Dele en anselig romansk Bygning, opf. af hugne Granitkvadre paa en to Skifter høj, profileret Sokkel. Enkelte af de romanske Vinduer og begge de oprindl., rundbuede Døre ere bevarede. I den senere Middelalder ere Skibets og Korets Gavle blevne fornyede af Munkesten, et stort Taarn og Vaabenhuset opførte, samt Kirken overhvælvet. I 1894 er Kirken undergaaet en god Restauration. Altertavlen har et godt Maleri (Christus paa Korset) fra 18. Aarh. Romansk Granitdøbefont, rigt prydet med Løvværksslyngninger og Rebsnoninger paa Kummen. Tarvelig Prædikestol fra 19. Aarh. I Koret Mindetavler over Præsten Peder Jørgensen Aaby, † 1716, og Hustruer, og over Provsten Bertel Wichmand, † 1665, og Hustru.

„Nicholaus Katæ in Østherseerslefh" var i 1421 Medudsteder af et Vidne af Skovby Herredsting. — Knud Daa skrev sig 1606 og Admiral Jørgen Daa († 1619) 1609 i Særslev.

Fin Pedersen af „Madruppe" nævnes 1392, og endnu 1500 var der en *Madropgaard*.

Ved Galgehøjen lige V. for Kirken har der været en hellig Kilde, *„Møkilden"*.

Særslev Kirke blev i Beg. af 14. Aarh. henlagt til St. Knuds Kloster i Odense og betjentes af en Munk herfra. Efter at Sognet var blevet et selvstændigt Pastorat, kom Præstegaarden til at ligge i Hemmerslev, og først 1654, efter en Brand, flyttedes den til Særslev.

**Haarslev Sogn** omgives af Ore, Skovby, Guldbjærg, Særslev og Veflinge Sogne samt Odense Hrd. (Vissenbjærg S.) og Vends Hrd. (Rørup, Fjelsted, Harndrup og Brenderup S.). Kirken, mod N., ligger omtr. 1 Mil S. for Bogense og $2^3/_4$ Mil N. V. for Odense. De ikke videre højtliggende, jævne, kun mod N. Ø. noget bakkede Jorder (Hjortebjærg, 138 F., 43 M.) ere dels sandede, dels ler- og sandmuldede. En Del Skov (Padesø Sk.). Gennem Sognet, der gennemstrømmes af et Par mindre Aaløb, Gamby Aa og Storaa, gaar Landevejen fra Bogense til Assens, med Sideveje til Odense og Middelfart.

Fladeindholdet var 1896: 6435 Td. Ld., hvoraf 3381 besaaede (deraf med Hvede 62, Rug 672, Byg 704, Havre 662, Boghvede 13, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 658, Grøntf. 150, Frøavl 17, Kartofler 118, andre Rodfr. 304, andre Handelspl. 5), Afgræsning 994, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1439, Have 110, Skov 190, Moser 59, Kær og Fælleder 31, Hegn 68, Veje og Byggegr. 153, Vandareal m. m. 9. Kreaturhold 1893: 513 Heste, 2205 Stkr. Hornkv. (deraf 1423 Køer), 1000 Faar, 1177 Svin og 19 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 532 Td.; 116 Selvejergaarde med 465, 242 Huse med 67 Td. Hrtk. og 28 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1826 (1801: 1242, 1840: 1634, 1860: 1766, 1880: 1903), boede i 374 Gaarde og Huse; Erhverv: 77 levede af immat. Virksomh., 1196 af Jordbrug, 346 af Industri, 56 af Handel, 48 af forsk. Daglejervirks., 65 af deres Midler, og 38 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Haarslev* (1450: Hatherslöff), ved Bogense-Assensvejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (Plads for 40 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1894), Kro, Teglværk og Telefonstation; *Farsbølle*; *Ejlskov* med Skole; en Del af *Holse* (gml. Form Holswith) — Resten i Brenderup S. — med Mølle; *Nymark*; *Skovsgaarde*, ved Middelfartsvejen, med Skole, Kro og Andelsmejeri; *Gamby*; *Vierne*; *Hindevad* (en mindre Del i Veflinge S.) med Skole og Kro. Saml. af Huse: *Fløtterupgyden*, *Heden*, *Vejrup* og *Hjortebjærg* m. m. *Store-* og *Lille Padesø*, Gaarde og Huse, med Filialkirke. Gaarden *Lykkesborg* (med den nu under Gaarden indlagte *Frigaard*): 25 Td. Hrtk., 246 Td. Ld., hvoraf 240 Ager (med Gaardspl. og Have), 5 Eng og 1 Skov. *Diget*: 20 Td. Hrtk., hvoraf største Delen Ager; *Aagaarde*, $13^3/_4$ Td. Hrtk., 150 Td. Ld., hvoraf 13 Eng, 3 Skov, Resten Ager (til Gaarden hører en Mølle). Gaardene *Farsbøllegd.*, *Nymarkgd.*, *Labøllegd.*, *Bjørnsbo*, *Store* og *Lille Nellerod*, *Rønnemosegd.*, *St.* og *Lille Laagegaard*, *Lykkegd.*, *Haugd.*, *Dyrendal*, *Prisak* m. m. samt *Aagaarde Mølle* og *Lykkesborg Mølle*.

Haarslev S., en egen Sognekommune, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 173. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Gyldensteen, Padesø Kirke ejer sig selv.

*Kirken*, fordum indviet til St. Markus, er anselig og rummelig (Skibet er fra Taarn til Kor 45, indv. Bredde 12 Al.); den bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og en Udbygning, „Kapellet", mod N. Den ældste, østl. Del, af Kamp, er vistnok opf. i den romanske Periode; paa Skibets Nordside ere bevarede et oprindl. Vindue og en lignende Dør. I den senere Middelalder er Skibet blevet forlænget mod V. og Koret, der har takket, blindingssmykket Gavl, mod Ø.; paa denne er bevaret en fremspringende Pille, der tidligere har baaret et lille Spir (Materialet Kamp og Mursten); omtr. fra samme Tid er det 30 Al. høje, smalle Murstenstaarn, ligesom Vaabenhuset, hvorigennem nu Indgangen er, og Kapellet, alle med takkede, blindingssmykkede Gavle. Skib, Kor og Kapel have Krydshvælvinger. Kirken er bleven restaureret 1870. Altertavlen er en Kopi (Bebudelsen) fra 1845; udskaaren Prædikestol, mulig fra Slutn. af 16. Aarh.; Granitdøbefont. I Skibet et stort Trækrucifiks, i Koret et lille Sølvkrucifiks. Series Pastorum. — Paa Kirkegaarden er begravet Konsistorialr. Rasm. Balslev, der var Præst her fra 1789 til sin Død 1840.

*Filialkirken* er opf. 1881 efter Tegn. af Arkitekt Haugsted og er bygget af røde Mursten i Korsform med Spir; Altertavlen er et forgyldt Kors; Sandstensdøbefont.

Den tidligere Hovedgaard *Lykkesborg* tilhørte 1650 Eiler Quitzows Enke Anne Brahe, † 1663 i Bogense, da Gaarden var bleven ødelagt i den svenske Krig (jvfr. Bircherods Dagbøger, S. 87). De nuv. Bygninger ere opf. efter en Ildløs i 1784 som Avlsgaard af Grev Knuth til Grevsk. Gyldensteen, til hvilket Gaarden dengang hørte.

*Aagaarde* har forhen været en Hovedgaard, der 1441—47 ejedes af Claus Rantzau og 1479 af hans Søn Claus Rantzau, ligesom den ogsaa angives at have tilhørt den rige Hr. Jørgen Urne. Senere, uvist naar, kom den til Kronen, som 1684 overlod Amtmanden over Rugaards Amt Jørgen Kaas († 1692) Brugen af A. og Aagaarde Mølle. Hans Enke Margrethe Cathrine Buchwald, † 1701 paa A., og Søn Mogens K., † 1695 (begravet i Haarslev Kirke) havde siden Gaarden. Indtil 1853 hørte den under Grevsk. Gyldensteen, da den for 30,000 Rd. solgtes til Enken efter Landstingsmand, Exam. jur. C. A. Maaløe, hvis Arvinger, efter at den havde været paa C. A. Langkildes og Hjorthøjs Hænder, nu eje den.

*„Fadhersbol" Gaard* blev 1336 af Greve Gert afhændet til Hr. Detlev v. der Wensin.

*Skovsgaard* i Skovby Hrd. blev ved Aar 1400 af Fru Mette, Folrad Skinkels Efterleverske, pantsat til Hr. Otte Skinkel.

Præstegaarden var i Farsbølle indtil 1645, da den brændte.

Ved Rakkelbro mellem Haarslev og Ejlskov er der en lille ophøjet Plads, hvorpaa der skal have staaet en Borg, *„Rakkelborgen"*.

**Veflinge Sogn** omgives af Haarslev, Særslev, Vigerslev og Søndersø Sogne samt Odense Hrd. (Vissenbjærg S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. S. Ø. for Bogense og $2^1/_4$ Mil N. V. for Odense. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere dels grusblandede med Ler og Muld, dels skarpsandede og sandede. En Del Skov (Hoppehave Sk., Bavnebanke Sk., Fuglehave, Vædehule Sk., Kohave m. m.). Gennem Sognet gaar den gamle Landevej fra Odense til Bogense, „Rugaardsvejen".

Fladeindholdet 1896: 5139 Td. Ld., hvoraf 2466 besaaede (deraf med Hvede 104, Rug 434, Byg 513, Havre 506, Blandsæd til Modenh. 620, Grøntf. 83, Frøavl 4, Kartofler 50, andre Rodfrugter 148), Afgræsn. 858, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1109, Have 101, Skov 407, Moser 51, Kær og Fælleder 11, Hegn 25, Veje og Byggegr. 102, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 392 Heste, 1740 Stkr. Hornkv. (deraf 1188 Køer), 679 Faar, 915 Svin og 25 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 472 Td.; 95 Selvejergaarde med 416, 206 Huse med 55 Td. Hrtk. og 21 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1565 (1801: 750, 1840: 1481, 1860: 1653, 1880: 1715), boede i 335 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomh., 982 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 357 af Industri, 55 af Handel, 77 af forsk. Daglejervirksomh., 40 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Veflinge* (1329: Weflinge) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1893), „Trefoldighedshospital" (opr. 1777 af Fru A. E. A. Berg, Enke efter Justitsr., Landsdommer B. Simonsen, med et Hus i Veflinge til Fribolig for 4 fattige af Veflinge S. og af Elvedgaards Gods i Særslev og Haarslev Sogne samt 800 Rd.; det underholdes af Elvedgaard), „Anna Marias Stiftelse" (opr. af Konferensr. L. S. Vedel Simonsen, † 1858, til Minde om hans Moder Anna Marie Schebye, med et Hus til fattige, som faa fri Bolig, Seng og Varme), Andelsmejeri og Mølle; *Tevring*; *Sasserød*; *Væde*; en mindre Del af *Hindevad* (Resten i Haarslev S.). Saml. af Gde. og Huse: *Stillebæk* med Skole, *Veflingelund*, *Veflinge-Nymark*, *Stormarken* med Mølle, *Høved*, *Haverne*, *Vædehede*, *Hedebo* m. m. Hovedgaarden *Rugaard* har $39^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $5^1/_8$ Td. Skovskyld, 501 Td. Ld., hvoraf 40 Eng og 125 Skov, Resten Ager (deraf 261 under Hovedgaarden); til Godset høre 1 Vejrmølle og 1 Vandmølle med Savskæreri, *Mørkenborg Kro*, $2^3/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods og 8 Huse. Hovedgaarden *Elvedgaard* har $21^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk., $3^7/_8$ Td. Skovskyld og $2^1/_8$ Td. Møllesk., $282^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $7^1/_2$ Eng, 110 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 2 Td. Hrtk. Fæstegods, tils. omtr. 16 Td. Ld. *Skovmølle*: 20 Td. Hrtk., 267 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 50 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre en Vand- og en Vejrmølle samt 3 Fæstehuse og 1 Lejehus). *Lundegaard*: $13^3/_8$ Td. Hrtk., 123 Td. Ld. (deraf 23 i Haarslev S.), hvoraf 10 Mose og Eng, 3 Skov, Resten Ager. Af andre Gaarde nævnes: *Marienro*, *Gravergd.*, *Store Hedegd.*, *St.* og *Lille Banggd.*, *St.* og *Lille Vædeledg.*, *Fuglebjærglund*, *Skaderod*, *Ventelykke* (Parcel fra Rugaard; Gaarden, der ligger ved Landevejen, har Navn efter en saakaldet „Ventetorn", der betegner det Sted, hvor der skiftedes Heste, naar Kongerne rejste fra Odense til Middelfart), *St.* og *Lille Købeskov*, *Dyrebjærg*, *Møllebakke* m. m. Desuden *Lindebjærg Mølle*.

Veflinge Sogn, en egen Sognekommune, hører under Skovby Hrd.'s Jurisdiktion (Bogense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 5. Landstings- og Amtets 6. Folketingkr. samt 3. Udskrivningskr.' 172. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Holstenshus.

*Kirken*, vistnok indviet til St. Andreas (udvendig paa Taarnet og paa Koret ses to Andreaskors), er højtliggende og bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. (hele Kirkens Længde 58, Bredden 14 Al.). Kirken er opført af Kamp og Mursten. Den ældste, vestl. Del af Skibet har været opf. af utilhuggen Kamp og stammer fra den romanske Periode. I den senere Middelalder er Kirken bleven forlænget mod Ø., Østgavlen har faaet Kamme og Blindinger, og Skib og Kor ere blevne overhvælvede; Taarnet, i hvis Underrum den første Friherre af Baroniet Holstenshus indrettede et Gravkapel, er ligesom Vaabenhuset senere tilføjet, opført af Mursten med Granitsokkel og enkelte Kvadersten. Vaabenhuset har Bjælkeloft. Altertavlen er fra Renæssancetiden med et Billede fra 1871 af A. Dorph (den opstandne Christus); Prædikestol fra 1572 med Otte Brahes og Beate Billes Navne og Vaabener; ny Døbefont. I Skibet et gotisk Krucifiks. I Koret ere indmurede to Ligsten, den ene fra 1591 over Axel Brahe († 1616) og hans to Hustruer, alle af-

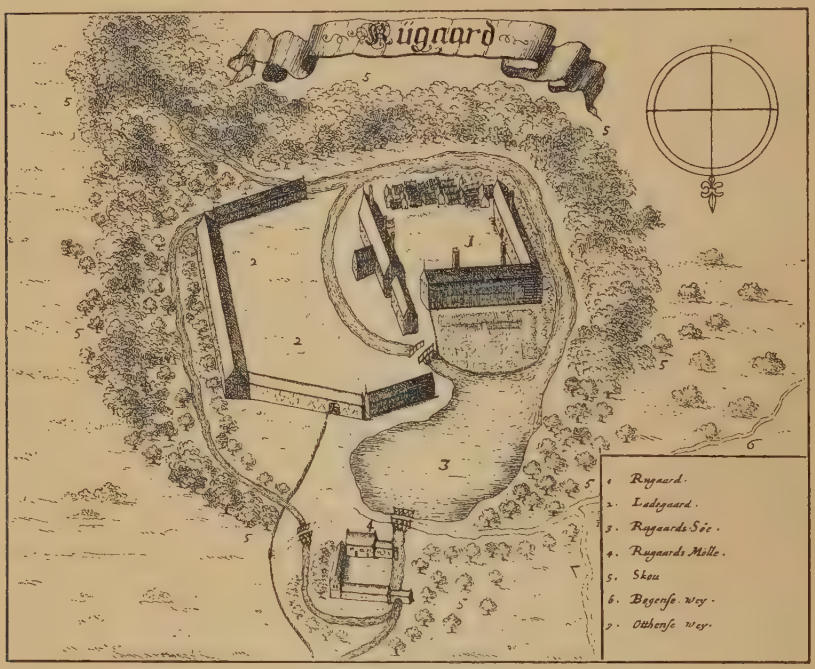


Rugaard, efter Resen.

bildede som Skeletter med Liglagen over Skuldrene og ved deres Fødder et Svøbelsebarn (de ere begravede i en Hvælving under Alteret), den anden over Forpagter Nellemanns Hustru, † 1747; i Skibsgulvet en Ligsten. I Kapellet to Marmorkister med Ligene af Gehejmer. Adam Chrf. Holsten, † 1801 og Hustru, samt flere Kister med andre af Familien.

*Rugaard* (ogsaa Rudgaard og Ruggaard; gml. Form: Ruthægard, Rudtgaard og Rudgardt) nævnes første Gang omtrent 1400, da den tillige med Skovby Herred, Bogense osv. var givet Lensmanden paa Hindsgavl Berneke Skinkel i Panteforlening af Dronning Margrethe og Kong Erik for 2000 Mark. Han efterfulgtes af sin Søn Otte S. († 1449), dennes Svigersøn Knud Henriksen Gyldenstierne († 1467) og dennes Søn Henrik Knudsen G., der 1492 i en Sag med Kong Hans paa hele Familiens Vegne fik Panteretten til R. stadfæstet ved Dom. R. blev senere indløst af Kronen og bestyredes af Lensmænd, deribl. Henning Jensen Quitzow 1502 og Axel Brahe til Elvedgd. Efter 1660 blev den Sædet for Amtmanden over Rugaards Amt (se S. 309); 1665 blev Amtet skilt fra Gaarden, og Jørgen Kaas († 1692)

ejede R., fra hvem den gik over til Baron Vilh. Fr. Wedel († 1706). Hans Søn Hannibal Wedels Enke Anna Cathrine Banner solgte 1718 Gaarden til Fred. IV, hvorpaa den blev udlagt til Rytterdistrikt. Ved Auktionen 1764 over dette solgtes R. for 61,000 Rd. til Stiftamtmand i Fyn Gehejmr. Carl Juel til Taasinge, som 1767 afhændede den til Kammerr. Nicolai Duus, der var bekendt som en slet Husholder, under hvem den store R. Skov blev forhugget og næsten ødelagt. Aar 1773 blev R. solgt til Henning Ulr. Nees af Odense; 1781 kom R. til Simon Andersen Amager († 1842), der gjorde meget for at ophjælpe Gaarden. Derefter ejedes den af Sønnen Bendt Simonsen († 1843) og dennes Søn Jægerm. Chr. S. († 1889), hvis Enke skødede den 1890 for 365,000 Kr. til Forpagter Lagoni, som 1891 skødede den for 384,000 Kr. til den nuv. Ejer, Lieutn. O. Lindegaard. — Hovedbygningen, der er omgiven af Grave og omflydt af Stavis Aa, ligger paa samme Sted, hvor den gamle Borg har ligget. Den sidste nedreves i meget forfalden Tilstand i sidste Halvdel af 18. Aarh. af ovennævnte C. Juel, som opførte en ny, tarvelig Bygning. Denne nedreves af Chr. Simonsen, som 1873—74 opførte den nuv. efter Tegn.

Elvedgaard.

af Arkitekt Kn. Borring; den er i nederlandsk Renæssancestil i to Stokv. med Kælder og Taarn med Spir midt for Hovedfaçaden. Ved Oprensning af Søen omkring Gaarden er der fundet Sager fra Middelalderen, Dolke, Knive, Spydspidser, Kakkelfliser osv., nu i Nationalmus. (Om Ruggaard se *Vedel Simonsen*, Bidr. til den fyenske Kongeborg R.'s, dens Læns og dens Lænsmænds Hist., Kbh. 1843—44. — *H. F. Ewald*, R., hist. Skitse, i Ill. Tid. 1876, Nr. 846 og 847).

*Elvedgaard* skal i 15. Aarh. have tilhørt en holstensk Familie Hesten, af hvilken Hartvig H. 1436 skrev sig til „Ølwedæ" (1370: Iluidh, 1492: Elvit, 1530: Eluidh). I Slutn. af 15. Aarh. ejedes den af Henr. Barsebek og senere af Familien Brahe. Erik Bølle til Tersløse og Orebygd. fik den ved Giftermaal med Tyge Brahes Enke, Sophie Jørgensdatter Rud, men maatte forlade den ved hendes Død 1555, da den gik over til hendes Børn af 1. Ægteskab Jørgen, † 1565, og Otto Brahe, † 1571, hvorefter den kom til sidstes Søn Axel B., † 1616. Hans Datter Anne bragte E. til sin Mand Eiler Quitzow. Senere ejedes den af Gunde Rosenkrantz, der 1650 skødede den til Henr. Gyldenstierne til Skovsbo, som igen overlod den til sin Svigersøn Niels Lykke til Harrested. Datteren Helle Margrethe bragte den til sin

Mand Oberstlieutn. Henr. Juel, † ved Gadebusch 1712; hun ægtede derpaa L. v. Schindel, som 1719 solgte E. til Oberst Ulr. Fr. v. Brüggemann († 1735). Hans Enke (se II, S. 471) maatte 1744 sælge Gaard og Gods til Provst Claus Wedel, Sognepræst i Munkebo († 1748), hvis Enke Anne Berg ægtede Justitsr., Landsdommer Bonde Simonsen, † 1765. Derefter ejedes den af dennes Søn Kancellir. Claus Vedel Simonsen, † 1832, og hans Søn, Historikeren Konferensr. Laur. Schebye Vedel S., † 1858. Ifl. Testamente kom E. til Kmhr., Gehejmekonferensr. J. C. F. Wedel-Heinen († 1887), Sønnesønssøn af ovennævnte Provst Wedel, efter hvis Enkes Død 1889 (f. Comtesse Petersdorff) den ejes af deres Børn, Frøkenerne A. H., E. M., A. M. og C. F. Wedel-Heinen, Stiftsdamer i Vallø. — Den ældre Hovedbygning skal ifl. D. Atl. (VI, S. 628) være opført af Axel Brahe 1590. Oberst Brüggemann lod opføre en ny Bygning, der stod færdig 1721, og som bestod af 3 sammenbyggede Fløje i eet Stokv., Midtfløjen af Grundmur, Sidefløjene af Bindingsværk. Ved 1860 fik Hovedfløjen takkede Gavle og 2 Kviste; Gaarden er paa 3 Sider omgiven af brede Grave. (Se *Vedel Simonsen*, Saml. til den fyenske Herregaard E.'s Hist., Odense 1845—46, *s. Forf.*, Livets Cirkel. Skildret ved Inscriptionerne i E.'s Hauge, Odense s. A., og *s. Forf.*, i Nord. Tidsskr. f. Oldk. III S. 225—48, hvori han undersøger det meget usandsynlige Sagn om, at der skal have ligget et Klosterhospits ved E. — *J. E. Boesen*, Udskiftningen og dens Følger for Bondestanden i Skovby Hrd.; Tillæg til E.'s Hist. af Vedel Simonsen, i Saml. til Fyens Hist. X S. 57 flg.).

Den under Kile i Ejlby Sogn omtalte Jørgen Jul boede ved 1520 i *Tefring*.

Aar 1329 nævnes *„Hættesløf"* i Veflinge Sogn.

Ved Sasserodgd. ses Spor af en formentlig Teglovn fra Middelalderen.

Veflinge Sogn siges at have været et eget Pastorat før Reformationen; senere var det Anneks til Vigerslev, indtil det 1840 blev et eget Pastorat.

**Litt.**: *J. F. Boesen*, Vigerslev og V. Sogne, 1831 (Manuskr. i Nationalmus.; 2 Bd.).

**Vigerslev Sogn**, det største i Herredet, omgives af Veflinge, Særslev og Søndersø Sogne samt Odense Hrd. (Næsbyhoved-Broby, Korup, Ubberud og Vissenbjærg S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. S. Ø. for Bogense og 2 Mil N. V. for Odense. Jorderne, der dels bestaa af grusblandet Ler og Muld, dels ere skarpsandede, sandede og muldsandede, ere højtliggende og bakkede; i Dalene mellem de afrundede Bakker løber en Del mindre Aaløb, der samle sig i Sværup-, Tværskov- og Margaard Mølleaaer, som ved Østgrænsen danne *Stavis Aa* (se S. 403). Sognet har en Del Kilder og mindre Indsøer, hvoraf *Langesø*, den største, er omtr. 32 Td. Ld. Omtr. $^1/_3$ af Arealet er dækket af Skov (Langesøsk., Morud Sk., Blæsbjærg Sk., Travn Sk., Himmelstrup Sk., Margaard Sk., Tværsk. m. fl.). Dels paa Grund af de mange Skove, dels paa Grund af Jordbundsforholdene er Sognet meget spredt bebygget, saa at næsten alle Landsbyerne ere smaa, medens der findes mange spredte Gaarde. Gennem Sognet gaar den gamle Landevej fra Odense til Middelfart (Rugaardsvejen).

Fladeindholdet 1896: 6940 Td. Ld., hvoraf 2741 besaaede (deraf med Hvede 120, Rug 479, Byg 655, Havre 694, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 545, Grøntf. 69, Kartofler 56, andre Rodfr. 114), Afgræsn. 849, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1331, Have 103, Skov 1597, Moser 93, Kær og Fælleder 11, Hegn 33, ubenyttet 13, Veje og Byggegr. 128, Vandareal 41 Td. Kreaturhold 1893: 459 Heste, 1947 Stkr. Hornkv. (deraf 1258 Køer), 801 Faar, 866 Svin og 47 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 589 Td.; 43 Selvejergaarde med 306, 47 Arvefæstegd. med 168, 14 Fæstegd. med 63, 168 Huse med 48 Td. Hrtk. og 34 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1497 (1801: 1025, 1840: 1301, 1860: 1525, 1880: 1609), boede i 296 Gaarde og Huse; Erhverv: 59 levede af immat. Virksomh., 893 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 299 af Industri, 41 af Handel, 148 af forsk. Daglejervirksomh., 28 af deres Midler, og 23 vare under Fattigv. Ved Siden af Agerbruget er der ret betydeligt Skovarbejde og Tørveproduktion.

I Sognet Byerne: *Vigerslev* (1390: Wixløf) med Kirke, Præstegd. og Skole; *Kjeldeby* (1469: Kildeby); *Farstrup* med Hospital (opr. af Gehejmer.,

Baron Adam Chrf. Holsten, † 1801, med et Hus til 8 fattige Familier fra Baroniet Holstenshus, der hver faar 6000 Stkr. Tørv eller to Favne Brændefagotter aarl. og en Pengegave til Julen, som svares af Baroniet); *Rude* (Wixløf Ruthæ) med Hospital (aldeles som det i Farstrup) og Andelsmejeri; *Tværskov* med Mølle; *Bredbjærg*, ved Landevejen, med Kro („*Komigen*"); *Morud*, ved Landevejen, med Forsamlingshus (opf. 1892) og Vejr- og Vandmølle; *Taagerod* med Skole. *Havrehed Skole*, ved Landevejen. Saml. af Huse: *Morudskov, Møllegaards Huse, Ulstrup,* Gd. og Huse. Hovedgaarden *Langesø*, under Baroniet Holstenshus (se d.), hvortil hører et Skovkapel, har $81^5/_8$ Td. Ager og Engs Hrtk. og $23^3/_4$ Td. Skovskyld, 1540 Td. Ld., hvoraf 40 Eng, omtr. 1200 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $27^1/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods, $178^3/_4$ Td. Hrtk. Arvefæstegods og Vigerslev og Veflinge Sognes Kirke- og Kongetiender. Hovedgaarden

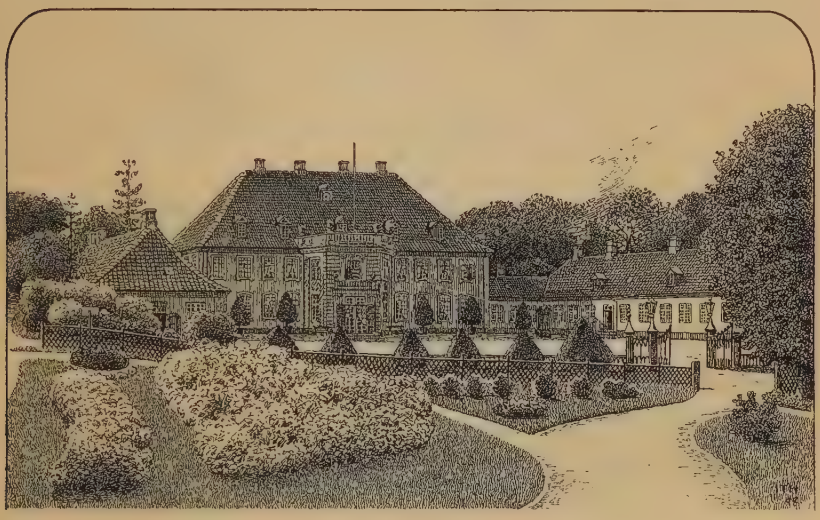

Langesø.

*Margaard* har $69^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^5/_8$ Td. Skovskyld, 640 Td. Ld. (25 i Søndersø Sogn), hvoraf 45 Eng, 130 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre omtr. 5 Td. Hrtk. Fæstegods. Af andre Gaarde nævnes *Sofiehøj, Aagaarde, Havgd., Ruehedegd., Skovsgaarde, Dillevsdal, Adamsminde, Møllegaarde, Lundsgaarde, Himmelstrupgaarde* (1306: Almethorp, 1410: Emmeltorp), *Travngaarde, Elverodgde., Rude Søgd., Regitzesminde, Nielstrup, Morudgaarde, Amagergde., Sværupgd.* Desuden *Sværup Vandmølle* og *Ryds Vejr- og Vandmølle* med Dampværeri.

Vigerslev S., en egen Sognekommune, hører under Skam Hrd.'s Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 136. Kirken tilhører Baroniet Holstenshus.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Korsfløje mod N. og S., Taarn, med pyramideformet Tag, mod V. og Vaabenhus ved Taarnets Sydside. Kirken er opf. af tilhuggen Kamp og Mursten. Skib, Kor og Korsfløje ere overhvælvede; Korbuen er spids; ind til Korsfløjene føre mod S. en rund, mod N. en spids Bue; Taarn-

rummet, med fladt Loft, er forbundet med Skibet ved en flad, spids Bue; Vaabenhuset har fladt Loft (1554 udstedtes Kongebr. om, at Kirken, „der var under Bygning", maatte beholde Kirkens Part af Tienden for eet Aar). Kirken er bleven restaureret 1846. Altertavlen, med Sejler, har et Maleri af Christus i Getsemane; udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 17. Aarh.; ny Døbefont af Metal med Evangelistsymboler paa Foden (Kummen til den gamle Granitdøbefont findes i Kirken). I Koret en stor, velbevaret Ligsten over Rigskansler Antonius Bryske, † 1566 (legemsstor Figur), og Portrætter af Luther og Chr. III; i sydl. Korsfløj et gotisk Krucifiks og en sort Marmorsten over Jørgen Feddersen paa Amagergaard, † 1691, og Hustru Margrethe Pedersdatter Falster, † 1724; i Taarnrummet et gammelt Madonnabillede og en Ligsten; i Vaabenhuset en Ligsten.

*Skovkapellet*, ved den vestl. Ende af Langesø i Dyrehaven, tjener som Kirke for den sydl. Del af Sognet. Det er opf. 1870 af Gehejmekonferensr., Baron Holsten-Charisius efter Tegn. af Arkitekt Haugsted. Kapellet er opf. i Spidsbuestil af røde Mursten paa Granitsokkel og bestaar af Skib, hvis Tagstol er fri, og overhvælvet Kor samt lille Spir. Alterbilledet forestiller Christus og Synderinden (Joh. $8_{3}$) af V. U. Tornøe; i Koret fortrinlige Glasmalerier; udskaaren Prædikestol af Egetræ. Under

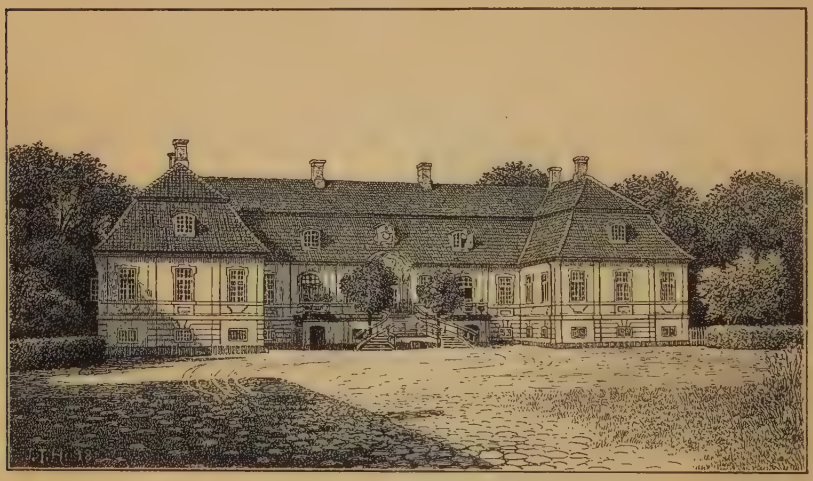

Margaard.

Koret er der et Begravelseskapel. Ved Kapellet er der 1878 opf. en Bygning for Kirkegængerne.

*Langesø* eksisterede alt paa Dronn. Margrethes Tid som Bondegaard, da den til hørte Hr. Berneke Skinkel, † 1418. Hans Søn Hr. Otte S. og Datter Sidsel, gift med Lensmanden paa Hagenskov Hr. Peder Hogenskild, † 1475, arvede Gaarden og efterlod den til hendes Datter Sidsel, gift med Iven Gertsen Bryske, † ca. 1470, Sønnerne Peder, Knud og Eiler B., † 1529; sidstnævnte efterlod den til sin Søn, Rigskansleren Antonius B. († ugift 1566), der først gjorde L. til en Hovedgaard ved at lægge Gods til den og selv tage Bolig der. L. tilhørte derefter Søsteren Fru Sidsel Bryske, † 1573, Brodersønnerne Tønne B., † ca. 1615, og Carl B., † 1613, hvis Søn Truid B. var den sidste af denne Slægt, der ejede L. Han solgte den 1622 til Fr. Markdanner, der overdrog den til Broderen Hans M., hvis Enke Margrethe Wensin ejede den 1658, og fra hvem den kom til Svogeren Joachim v. Buchwald, der ligesom sin Søn Bendix Hans v. B. indkøbte meget Gods. Sidstnævntes Bo var dog fallit, hvorfor L. solgtes 1684 for resterende Skatter 1256 Rd. 20 Sk. til Amtmand i Tønder Adolf Hans v. Holsten, i hvis Families Eje den siden har været. Sønnen, Oberst Godske Ditl. v. H., oprettede 1723 Stamhuset Holstenshus, hvorunder han lagde L., og hans Søn Gehejmer. Adam Chrf. v. H. forøgede og forbedrede Godserne betydelig og oprettede 1779 af Stamhuset et Baroni (se videre under Holstenshus). — Hovedbygningen, der ligger smukt ved den sydøstl. Side af Søen af s. Navn i Udkanten af

en stor Skov og omgiven af høje Bakker — den tidligere Bygning laa lidt mere mod Ø. og var opført eller ombygget 1554 af Antonius Bryske —, er opført 1775 af Ad. Chrf. v. Holsten. Det er en anselig Bygning af røde Sten, bestaaende af en to Stokv. høj Hovedfløj med en halvrund Udbygning paa Gaardsiden og to Sidefløje i eet Stokv.; et Jærngitter indeslutter Gaarden paa den fjerde Side. Af sjældne Træer i den smukke Have og Parken, der omgiver Gaarden paa alle Sider, og som meget besøges af Odensianerne, nævnes: en 23 F. høj Abies Pinsapo (spansk Ædelgran), en 80 F. høj Larix europaea, en 26 F. høj Cryptomeria japonica (japansk Ceder), en 55 F. høj hvid Pil, en 43 F. høj Tilia tomentosa (Sølv-Lind) og en 80 F. høj Hestekastanie, over 12 F. i St. Omf. I Morudskov en udgaaet, hul Eg, hvis Stamme er 32 F. i Omf. (Om L. se *K. Hansen*, Danske Ridderborge, Kbh. 1876, S. 151 flg.).

*Margaard* nævnes første Gang 1314 som tilhørende Timme Lauridsen (Abildgaard), der af Erik Menved blev beskyldt for Utroskab og erklæret fredløs og hans Gods forbrudt, og hans Halvbroder Niels Jensen. Senere ejedes den af Peder Andersen (Hvide), der 1359 blev dræbt i Middelfart (se S. 383); atter beslaglagde Kongen M. uden Lov og Dom, men 1375 blev den efter Valdemar Atterdags Død tilbagegivet Fru Zitzele, Peder Andersens, „for at Kong Valdemars Sjæl ikke skulde lide for hendes Skyld nogen Kval og Pine". Ifl. et Dokum. fra 1448 skal M. „fra Arilds Tid" have ligget under Dallund. Ligesom Langesø tilhørte M. Hr. Peder Hogenskild og senere Familien Bryske, Hr. Iven B., Knud B. 1499, som 1504 solgte M. til sin Broder Eiler B., Sidsel B., † 1573, Carl B., † 1613, hvis Søn Gert B., † 1651, 1626 solgte M. til Jomfru Ingeborg Friis, efter hvis Død 1659 den tilfaldt hendes Broderbørn Albert og Mette Friis, hvilken sidste 1674 paa Grund af Gæld maatte afhænde den til Fru Mette Friis, Henr. Sandbergs Enke, som atter 1680 solgte den til Dr. Jakob Seemand, der 1690 solgte den til Anders Jakobsen, som 1694 afhændede den til Jens Christensen, der 1708 solgte den til Major Jørgen Tyge Seefeldt († 1724), hvis Enke Margrethe Due bragte den til sin anden Mand General Gustav Grüner, † 1763. M. gik derpaa over til hans Datter af 1. Ægteskab, g. med Generalmajor Chr. Schøller; hun skødede den efter Mandens Død 1778 til sin Søn Ritmester Gustav Grüner Schøller, hvis Sønnesøn, Jægermester C. E. A. Schøller, fra 1884 er den nuv. Ejer. — Den nuv. Hovedbygning er opf. 1745 af General Grüner i Villastil i eet Stokv. med to Sidefløje og høj Kælder; paa Hovedfløjen en smuk Stentrappe, over Døren Grüners og Hustrus Vaabener. Den store Have er ligeledes anlagt af Grüner. — *Margaard Bøndergods* er for største Delen fraskilt Margaard og ejes af Brødrene Mourier. (Om M. se *K. Hansen*, Danske Ridderb., Kbh. 1876, S. 103).

Ved Himmelstrupgaardene har der i Middelalderen ligget en Borg, *Himmelstruphus*. Anders Urne i Himmelstrup nævnes 1555. I øvrigt ved man intet om Borgen; ved Slutn. af 16. Aarh. synes den at være nedlagt. I Himmelstrup Skovs nordvestl. Hjørne ses Voldstedet, bestaaende af to firsidede Voldbanker, adskilte ved og omgivne af en Grav; navnlig paa den sydvestl. Banke er der fundet Bygningsrester af Kamp og Mursten (se *Vedel Simonsen*, i Nord. Tidsskr. f. Oldk. III S. 180 flg.).

*Morudgaard* blev 1396 solgt af Erik Hagensen til Henning Berg. — *Amagergaard* ejedes af Anne og Lisbeth Bryske, den sidste † her 1582; 1590 beboedes den af en Bonde (se Jac. Madsen, Visitatsb. S. 302 og 316). 1733 blev den af Fred. Hansen Amager solgt til General Gustav Grüner ($30^5/_8$ Td. Hrtk.). — *Sørudgaard* i Vigerslev Sogn (nu Rudhedegd.) blev solgt 1507 af Fru Lene Bryske til hendes Broder Eiler Bryske.

Ved Rødeskov har der været en hellig Kilde, „*Jomfruernes Kilde*" eller „*Taageraa Væld*", som endnu i 19. Aarh. besøgtes St. Hans Aften (se *Bang*, Hellige Kilder, i „Museum" 1895, II S.).

Ved Kjeldeby ligger den meget anselige, fredlyste *Kjeldebyhøj*.

**Søndersø Sogn** omgives af Særslev og Vigerslev Sogne samt Odense Hrd. (Næsbyhoved-Broby S.), Lunde Hrd. (Allesø og Lunde S.) og Skam Hrd. (Skamby S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. Ø. for Bogense og $1^3/_4$ Mil N. V. for Odense. De højtliggende og noget bakkede Jorder (Kirkehøj, 140 F., 44 M.) ere for en Del lermuldede, dog ogsaa nogle Steder grusblandede og lette. En Del Skov (Folehave, Søndersø Sk. m. m.). I den østl. Del er der nogle mindre Aaløb, der ved Grænsen forene sig til *Lunde Aa;* mod N. Ø. ligger *Dallund Sø,* 16 Td. Ld. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Odense til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 3916 Td. Ld., hvoraf 2052 besaaede (deraf med Hvede 132, Rug 341, Byg 468, Havre 459, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenhed 442, Grøntf. 82, Kartofler 25, andre Rodfrugter 96), Afgræsning 508, Høslæt, Brak, Eng m. m. 950, Have 58, Skov 174, Moser 34, Kær og Fælleder 35, Hegn 4, Stenmarker 8, Veje og Byggegr. 87, Vandareal m. m. 5 Td. Kreaturhold 1893: 329 Heste, 1433 Stkr. Hornkv. (deraf 921 Køer), 562 Faar, 696 Svin og 15 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 422 Td.; 82 Selvejergaarde med 371, 4 Fæstegd. med 15, 170 Huse med 36 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1193 (1801: 652, 1840: 821, 1860: 1092, 1880: 1294), boede i 244 Gaarde og Huse; Erhverv: 47 levede af immat. Virksomh., 677 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 300 af Industri, 27 af Handel, 82 af forsk. Daglejervirks., 34 af deres Midler, og 23 vare under Fattigv.

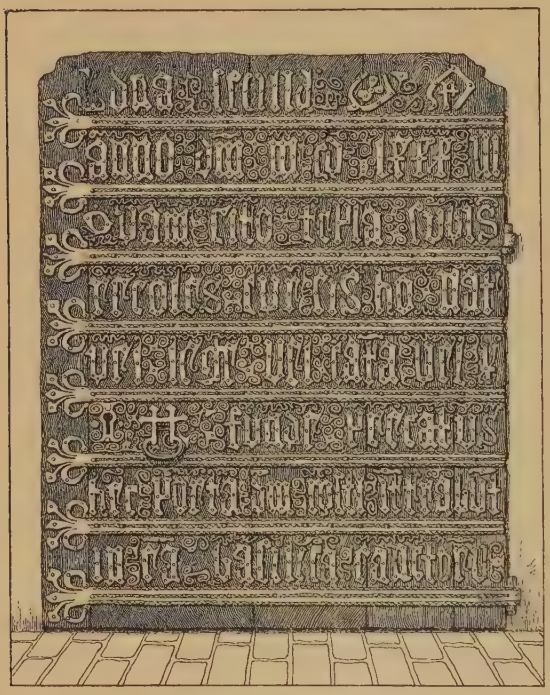

Kirkedør i Søndersø Kirke.

I Sognet Byerne: *Søndersø*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Pogeskole, Fattiggaard (opr. 1865, Plads for 30 Lemmer), Hospital (opr. 1641 af Ingeborg Jørgensdatter Friis til Margaard, med et Hus til 4 fattige af Margaard Gods i Søndersø og Vigerslev Sogne), to Forsamlingshuse (opf. 1889 og 1891), Apotek, Lægebolig, Kro, Mølle, Andelsmejeri, to Teglværker, Telefonstation og Valgsted for Amtets 7. Folketingskr.; *Ørridslev* med Mølle; *Vedby*; *Serup*. *Holmene* og *Torup Huse*, Gde. og Huse, *Søndersø Skovhuse*. Hovedgaarden *Dallund*, under Stamhuset af s. Navn, har $25^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og $3^1/_8$ Td. Skovskyld, 470 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 270 Skov (hvoraf 100, Travn Sk., i Vigerslev S.), Resten Ager. Gaarden *Zastrow*, under samme Stamhus, har 42 Td. Hrtk., 400 Td. Ld., alt Ager; 7 Lejehuse*). Desuden mærkes *Dallund Mølle*.

Søndersø S., en egen Sognekommune, hører under Skam Hrd.'s Jurisdiktion (Odense), Odense Amtstue- (Odense) og Bogense Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 137. Lægd. Kirken tilhører Ejerne af Margaard Bøndergods i Vigerslev S.

*) Til *Stamhuset Dallund*, som indbefatter Hovedgaarden Dallund og Gaardene Zastrow og Ulkendrup (i Lunde S.), hører $311^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 102, indtaget til Skov $61/_2$, Kirke- og Kongetiender (Søndersø Konge- og Skamby Kirke- og Kongetiende) 203 Td.; i Bankaktier 14,000, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,067,700 Kr. Hele Jordtilliggendet udgør 865 Td. Ld. foruden de ovennævnte 270 Td. Ld. Skov.

*Kirken*, fordum indviet til Apostlene Peder og Poul, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod N. og to anselige Kapeller, et paa hver Side af Skibet. Kirken er oprindl. en romansk Bygning, opført af hugne Granitkvadre paa en to Skifter høj, profileret Granitsokkel. I den senere Middelalder er Kirken undergaaet betydelige Forandringer, idet Korets søndre og østre Væg ere blevne ombyggede, og de to, mod Skibet aabne Kapeller ere blevne tilføjede. Materialet i disse nyere Dele er dels Granitkvadrene fra den gamle Kirke, dels Munkesten, anbragte i afvekslende Lag oven paa hverandre. Vaabenhuset og Taarnet, med Spidstag, ere senere, middelalderlige Tilføjelser. Af de oprindelige, romanske Vinduer er kun eet, i Korets Nordside bevaret. Kor, Kapeller og Vaabenhus have takkede, blindingssmykkede Gavle. Altertavlen indeholder et Maleri (Korsfæstelsen) fra 18. Aarh. Romansk Granitdøbefont med Løvværksslyngninger og 4 siddende Helgenfigurer i lavt Relief paa Kummen. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra Beg. af 17. Aarh. Stolestadernes Endestykker ere fra samme Tid; et enkelt af dem har Gert Bryskes og Anne Vifferts Vaabener. I Vaabenhuset en af de for fynske Kirker karakteristiske, middelalderlige Døre med rigt Jærnbeslag, der danner en længere Indskrift; den er

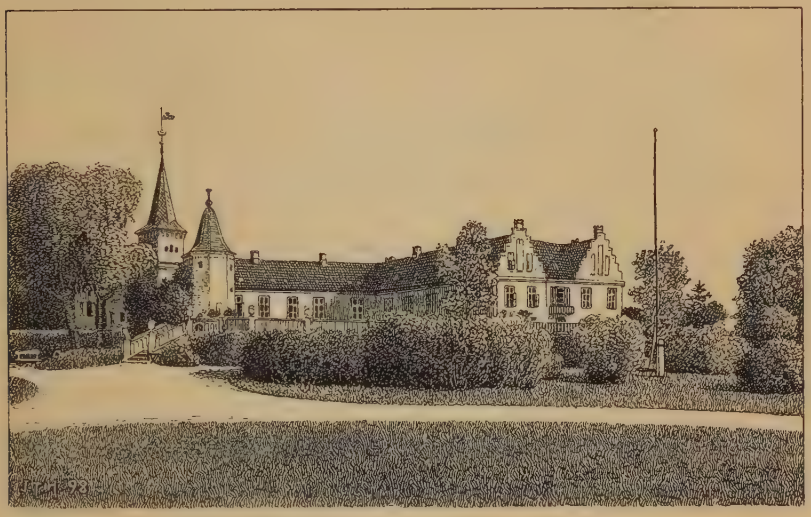

Dallund.

fra 1483. I Kirken Ligstene over Gert Bryske til Dallund, † 1552, og Hustru Anne Viffert, † 1586, og over Jomfru Elisabeth Bryske, † 1582. Kalkmalerier (Christi Fødsel, Kongernes Tilbedelse, Himmeldronningen og Jomfru Marie med Barnet) ere fundne 1898 i det nordre Kapel, det søndre har været Gravkapel for Familierne Seefeldt, Schøller m. fl.

*Dallund* nævnes alt i 14. Aarh. (Vedel Simonsen antager, at det fra først har været et Kastel for at dække det daværende Indløb fra Odense Fjord til Dallund, og at det har ligget i den nordl. Del af Serup By, hvor der endnu findes Spor af Volde og Grave). Ved Aar 1430 ejedes den i Fællesskab af Gert Bryske og Hr. Peder Hogenskild og blev samlet ved, at førstnævntes Søn Iven B. ægtede sidstnævntes Datter Sidsel H. Efter Hr. Ivens Død 1470 gik den i Arv til Sønnen Eiler, † 1529, dennes Sønner Iven, † 1531, og Anton, der 1533 solgte sin Part i D. til den tredje Broder Gert B., † 1552. Dennes Søn Eiler B., † 1614, efterlod den til sin Dattersøn Eiler Høeg, † 1660. Derefter ejedes D. af hans Søn Tage, der 1664 solgte D. til Major Henr. Harloff, af hvem dog den forrige Ejers Søster Sofie Høeg 1665 tilbagekøbte Gaarden. Hun ægtede Oberstlieutn. Adam Andreas Voss, der 1672 solgte D. til Assessor Morten Mikkelsen til Ørridslevgd., fra hvem den 1683 ved Udlæg kom til Amtsforvalter Jens Eriksen Vestergaard, Borgmester i Odense († 1689), hvis Enke Marie Bang ægtede Krigs- og Landkommissær Otto Pedersen Himmelstrup til Ørridslevgd.

og overlevede ham, men maatte 1710 opgive sit Bo fallit, hvorefter D. blev udlagt til en af Kreditorerne, Staldmester Jørgen Fr. Haxthausen († 1719), som tilkøbte meget Jordegods (500 Td. Hrtk.). Hans Enke Charlotte Amalie v. Raben solgte 1722 D. til Oberst Günther Dider. v. Finecke til Havgaard († 1729). Hans Enke besad D. til sin Død 1773, derefter ejedes den af Sønnen Kmjkr. Theodosius Ernst Fr. v. Finecke, † 1801, der var en streng Herre og $^4/_{12}$ 1792 oprettede D. til et Stamhus for sin Slægtning Baron Carl Ph. v. Blixen-Finecke, † 1829, hvorefter den, da Sønnen døde samme Aar, gik over til Sønnesønnen, den bekendte Politiker C. Fr. Axel Bror Baron Blixen-Finecke, † 1873, der efterhaanden frasolgte alt Bøndergodset (under Dallund Gods hørte oprindl. 752 Td. Hrtk., mest af Skamby og Søndersø Sogne, med 6500 Td. Ld. Ager) til Fæsterne paa yderst gunstige Vilkaar; tidligere Fæstere rejste ham derfor 1867 paa Grænsen mellem Dallund Hovmark og Skamby Sogn en Mindestøtte med Portrætmedaillon og Indskrift. I 1857 fik han Tilladelse til at sælge Stamhuset mod at substituere en Fideikommiskapital, hvilken Tilladelse han dog ikke benyttede. Nuv. Besidder er hans Søn Hofjægerm. Fred. Baron Blixen-Finecke. — Gaarden, der ligger ved en Sø, har hvide Mure og bestaar af en ældre Del, Hovedbygningen, vistnok fra 16. Aarh., i to Stokv. med et ottekantet Taarn, det sidste opf. 1634 (over Indgangen Høegs og Krabbes Vaabener, nedenunder Blixens og Ankercrones Vaabener og Aarstal 1849), samt en fra Hovedbygningens vestl. Ende udgaaende Portfløj (vistnok samtidig med Hovedbygningen), der har Skydehuller og ender i et Klokketaarn, og ved den østl. Ende en 1723 opført Sidefløj, der ender i en takket Gavl; endelig er der til den sidste Fløj mod Ø. bygget to andre Fløje, den sydl. saaledes, at den løber i Flugt med den østl. Sidefløj og ligeledes har takket Gavl, saa at de to Gavle danne een Façade, den nordl. i Flugt med Hovedbygningens nordl. Side. De to sidste Bygninger ere opf. efter 1830 af Blixen-Finecke. Da Avlsbygningerne brændte ved Lynnedslag 1874, bleve de i Lunde Sogn hidtil under Dallund drevne Jorder henlagte til en særskilt Forpagtergaard Ulkendrup (se S. 469), og de nye Avlsbygninger opførtes 300 Al. V. for Hovedbygningen. De tidligere Grave om Bygningen ere forsvundne. (Om Dallund se *K. Hansen*, Danske Ridderborge, Kbh. 1876, S. 3 flg.).

Hans Mogensen i Søndersø, Væbner, nævnes 1474.

Ved Foden af Sandvadshøj ved Dallund har der været en hellig Kilde. — Gravhøjen *Kirkehøj* ved Søndersø er fredlyst.

# Vends Herred.

**Sogne:**

*Middelfart Landdistr., S. 506. — Kavslunde, S. 508. — Vejlby, S. 509. — Asperup S. 511. — Rorslev, S. 512. — Brenderup, S. 513. — Fjelsted, S. 515. — Harndrup, S. 516. — Gjelsted, S. 517. — Rørup, S. 518. — Balslev, S. 520. — Ejby, S. 521. — Nørre-Aaby, S. 522. — Indslev, S. 523. — Gamborg, S. 524. — Udby, S. 525. — Føns, S. 526. — Ørslev, S. 527. — Husby, S. 528.*

Vends Herred, det nordvestligste i Fyn og det næststørste i Amtet, grænser mod V. og N. til Lille Bælt, mod Ø. til Skovby og Odense Herreder og mod S. til Baag Herred. Paa Nordkysten afsætter Lille Bælt Baaring Vig, mod V. udgaa Halvøerne Hindsgavl og Fønsskov, mellem Gamborg Fjord og Føns Vig, og mod S. V. Halvøen Iversnæs mellem Tybrind eller Husby Vig og „Bredningen". *Fænø*, *Fænø Kalv* og *Brandsø* høre til Herredet. Den største Udstrækning fra N. til S. er omtr. 3 Mil, fra Ø. til V. ligesaa meget. De lerblandede, muldede, kun enkelte Steder sandede Jorder ere især mod S. Ø. højtliggende og bakkede, mod N. og V. mere lavtliggende; dog bugter sig gennem Herredet Øens nordvestlige Vandskel, som ender ude paa Halvøen ved Strib og her hæver sig til 226 F., 71 M. (Bøgelund Mølle). Kun mindre Vandløb søge ud til Kysten. Skov findes spredt over hele Herredet (4564 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedste Herreder (gnmstl. $9^1/_2$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Som en Særegenhed maa omtales Humleavlen, der især har hjemme i Brenderup, Harndrup og Indslev Sogne. Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Middelfart Købstad) 54,514 Td. Ld. ($5,_4$ □ Mil, $310,_6$ □ Km.). Landdistrikternes Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $5700,_4$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistrikterne 17,202 (1801: 10,296, 1840: 14,360, 1860: 15,422, 1880: 17,533). I Herredet ligger Købstaden Middelfart. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti, i verdsl. Henseende hører det under Vends Hrd.'s og Wedellsborg Birks Jurisdiktioner og til Gamle Assens Amts 3.

Forligskreds (Gjelsted, Rørup, Balslev, Gamborg, Udby, Føns, Ørslev og Husby Sogne) og 2. Forligskr. (de øvrige Sogne).

Vends Hrd., i Vald. II's Jordeb. kaldet *Wændæslæthæreth*, udgjorde fra 1660 Hindsgavl Amt; se iøvrigt S. 309.

**Litt.**: Prøver af en fynsk Præstehist. osv. (af Præsten *A. Samsing*), i Kirkehist. Saml. 2. R. VI Bd. S. 325 fl. og 733 fl. — Indberetn. fra 1624 til O. Worm om V. Hrd., i D. Saml. 2. R. VI Bd. S. 161 flg. — Se ogsaa Kirkeh. Saml. 3. R. V. Bd. S. 461 fl. — *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til V. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Middelfart Landdistrikt** bestaar af den i Lille Bælt (Middelfart Sund) udskydende Halvø *Hindsgavl Odde* samt *Fænø* (712 Td. Ld.), der adskilles fra Halvøen ved Fænø Sund, og den lille *Fænø Kalv* (8 Td. Ld.). Mod Land grænser Distriktet til Middelfart Købstads Jorder og Vejlby Sogn. De højtliggende, bakkede Jorder ere ler- og sandmuldede. Over $^1/_3$ af Arealet er dækket af Skov (Øksenrade Sk., Hindsgavl Plantager).

Fladeindholdet 1896: 1571 Td. Ld., hvoraf 379 besaaede (deraf med Hvede 28, Rug 58, Byg 124, Havre 108, Bælgsæd 10, Blandsæd til Modenhed 46, Kartofler 5), Afgræsn. 232, Høslæt, Brak, Eng m. m. 243, Have 34, Skov 589, Kær og Fælleder 8, Stenmarker m. m. 59, Veje og Byggegr. 21, Vandareal 6. Kreaturhold 1893: 58 Heste, 294 Stkr. Hornkv. (deraf 223 Køer), 246 Faar og 112 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 112 Td.; 3 Selvejergaarde med 109, 3 Huse med 2 Td. Hrtk. og 24 jordløse Huse (alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 241 (1801: 145, 1840: 216, 1860: 223, 1880: 265), boede i 30 Gaarde og Huse; Erhverv: 25 levede af immat. Virksomh., 121 af Jordbrug, 10 af Fiskeri, 15 af Industri, 8 af Handel, 6 af Skibsfart, 51 af forsk. Daglejervirks. og 5 af deres Midler.

I Sognet Hovedgaarden *Hindsgavl*, under Stamhuset af s. Navn*), med $57^3/_8$ Td. Hrtk., 857 Td. L., hvoraf 54 Eng (deraf 34 i Vejlby S.), 463 Skov, Resten Ager; til Gaarden, hvorved der drives et større Aalefiskeri, høre 14 Huse med Haver, dels Enkesæder, dels Funktionær- og Arbejderboliger. Paa *Fænø* Hovedgaarden *Fænøgaard* (Favregd.), ligeledes under Stamhuset Hindsgavl, med $44^5/_8$ Td. A. og E. Hartk. og 1 Td. Skovsk., 639 Td. Ld., hvoraf 214 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle, en mindre Forpagtergaard (omtr. 75 Td. Ld. Ager og 15 Eng) og 13 Huse (1 Fæstehus, 1 Skovfogedhus, 1 Skole, Resten Lejehuse). Paa Fænø tillige Skole og Badehotel. Desuden i Sognet: *Hindsgavlsbro*, Huse, Godsforvalterboligen *Adelerhus* (se Vignetten S. 505), og Enkesædet *Grimerhus*.

Middelfart Landd., der har Kirke, Skole- og Fattigvæsen fælles med Købstaden, i hvis Byraad et Medlem fra Distriktet har Sæde, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 219. Lægd.

*Hindsgavl* (gml. Form Hegnesgaffuel, ɔ: den Halve, „Gavl", paa hvilken der er indhegnet Skov**) nævnes første Gang 1287, da den tillige med Middelfart blev af-

*) Til *Stamhuset Hindsgavl*, som indbefatter Hovedgaardene Hindsgavl og Fænøgd., hører $611^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord $1153/_4$, indtaget til Skov $111/_2$, Bøndergods 269, Konge- og Kirketiende $2145/_8$ Td.; i Bankaktier 9400, i Fideikommiskapitaler 51,686 Kr. Hele Jordtilliggendet er 880 Td. Ld. foruden 892 Td. Ld. Skov.

**) „Hæghnætscog", der nævnes i Vald. Jordb. bl. de kgl. Domæner „juxta Mæthælfar", er vistnok Hindsgavls Skov.

brændt af Kongemorderne; 25. Sept. 1295 fandt her en Sammenkomst Sted mellem Erik Menved og Erik Præstehader, hvorved en Vaabenstilstand sluttedes mellem Rigerne. I 1. Halvdel af 14. Aarh. var H. ligesom hele Fyn i Hænderne paa de holstenske Grever, af hvis Høvedsmænd her kendes Henneke Hummersbüttel og Benedict Ahlefeldt. H. belejredes 1358 forgæves af Valdemar Atterdag, men kom senere i hans Magt og blev Sædet for en kgl. Lensmand. Som den første nævnes Hr. Peder Iversen 1360—69, senere fra 1382 Berneke Skinkel til Frøbjærg og Iversnæs, † 1418, der efterfulgtes af Albert Bydelsbak 1419, senere Henrik Pors 1434; $^{21}/_{9}$ 1409 sluttede Erik af Pommern paa H. Forlig med Grev Henrik af Holsten, og 1436 overlod han sin Fætter Hertug Bugislav af Pommern Nyborg, Hagenskov og Hindsgavl, der 1439 kom tilbage til Riget. Omtr. samtidig maa Eggert Frille, † 1470, være bleven Lensmand paa H. Han lod H. styre af adelige Husfogeder, blandt hvilke kendes Jesper Norby 1458, Erik Jespersen 1461 og Godske Pagh 1465. Af de flg. Lensmænd nævnes Eggert Andersen (Ulfeld) 1482, Erik Aagesen (Thott) 1488, Anders

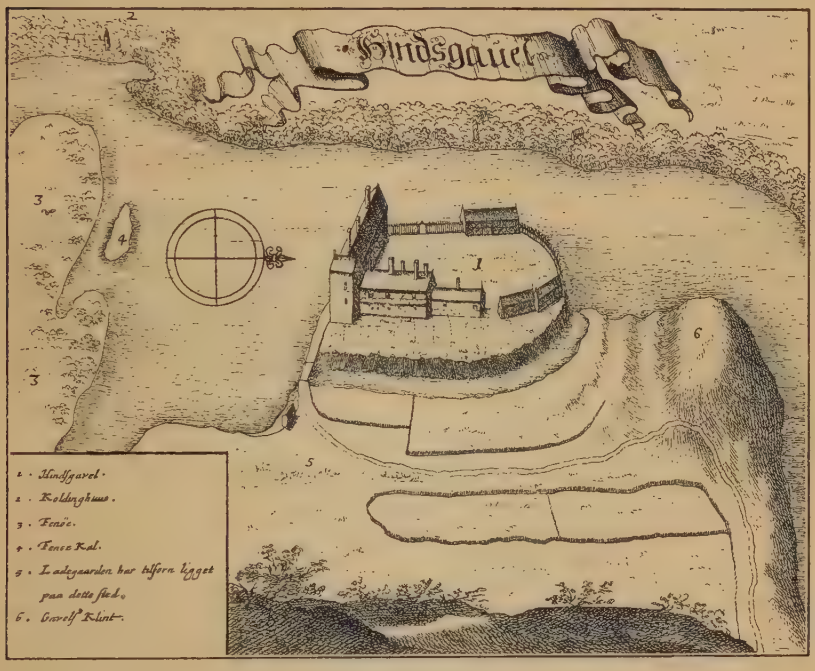


Hindsgavl, efter Resen.

Jepsen 1497, Gjord Nielsen (Drefeld) 1498 og 1519, Rigskansler Jacob Ulfeld 1602-5 og Hans Lindenov 1639 til sin Død 1642. Aar 1607 lod Chr. IV to Bindingsværkshuse fra Nygaard og Vamdrup ved Kolding føre til H., hvor de skulde tjene til Bolig for Kongen og Dronningen. I den svenske Krig blev H. noget ødelagt 1659 og blev 1664 udlagt til Landsdommer Jens Lassen, der dog atter 1681 maatte give den tilbage til Kronen for Skatterestancer. Ladegaarden blev bortforpagtet (Kapt. Frans Hieronymus v. Büren fik 1667 kgl. Bevilling paa, at Hindsgavl ødelagte Slot og Ladegaard maatte udlægges ham for en Sum Penge, hans Fader havde til Gode hos Kronen, men der blev intet af Handelen, da Kronen ikke vilde afstaa Skoven ved Hindsgavl), og det hedder i Forpagtningskontrakten af 1692, at Slottet ikke maatte nedbrydes. Men $^{10}/_{1}$ 1694 nedstyrtede en Del af Bygningerne ved en stærk Flod, og H. solgtes 1695 tillige med Ladegaarden (41 Td. Hrtk.) til Daniel Freintz. Af Slottets gamle Mure blev i nogen Afstand derfra mod S. Ø. bygget den nuv. Hovedgaard H. De flg.

Ejere vare Kai Ahlefeldt, der tilkøbte 128 Td. Hrtk. og 1701 solgte H. til General Frands Joach. v. Dewitz, † 1719, der testamenterede sine Godser til sin Broder Oberst Joach. Fr. v. D., hvis Søn Major Frands Joach. v. D. 1745 tilkøbte Øen Fænø (39 Td. Hrtk.) og s. Aar solgte Godset til Kammerr. Nils Basse. Dennes Datterdatter Karen Basse Fønss († 1808) var gift med Kmhr. Chr. H. Adeler († 1801). Efter Enkens Testam. blev H. $^{31}/_{8}$ 1815 oprettet til et Stamhus for hendes Brodersøn Niels Basse Fønss, senere Kmhr., † 1858; nuv. Besidder er hans Søn, Kmhr., Hofjægerm. N. B. Fønss. — Den gamle Borg har ligget paa en høj, isoleret Banke („Slotsbanken"), der mod V. begrænses af Lille Bælt, medens den paa de andre Sider er omgiven af lave Engdrag; paa Banken findes endnu Murrester (se Resens Tegn.). Efter at Borgen til Dels var bleven ødelagt i Svenskekrigen og yderligere var nedstyrtet 1694, blev som sagt den nye Bygning opført S. Ø. for den gamles Plads til Dels af Materiale fra de nedfaldne Mure; 1784 blev den ombygget. Den bestaar af en grundmuret Hovedbygning i to Stokv. med to Sidefløje i eet Stokv. I Haven, der ligger meget smukt, terrasseformet paa Skrænterne ned til Lille Bælt, findes af sjældne Træer bl. a. en 53 F. høj Betula odorata, en 80 F. høj Populus pyramidalis, omtr. $10^{1}/_{2}$ F. i Stammens Omf., og en 100 F. høj Fraxinus excelsior. (Om Hindsgavl se

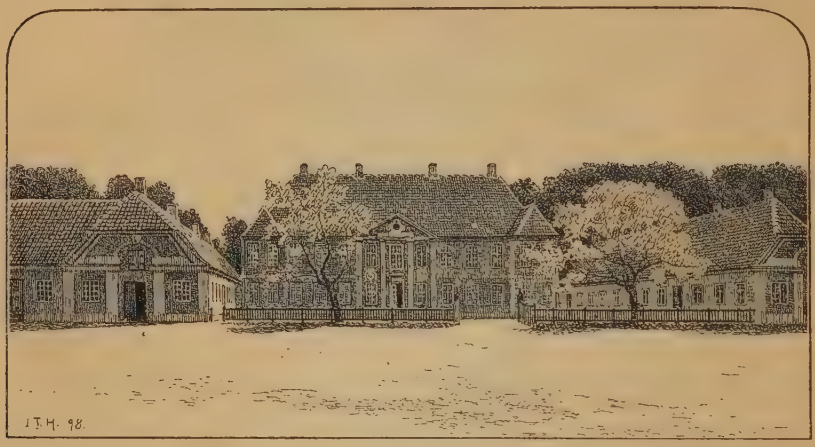

Hindsgavl.

*Vedel Simonsen*, Borgruinerne 2. Hæfte S. 92 flg., og *A. D. Jørgensen*, i Danske Saml. 1. R. VI S. 186 flg. og 361 flg.).

*Grimerhus*, opf. 1856, Enkebolig til Hindsgavl. Navnet hentyder til „Grimborg", der skal have været Hindsgavls ældste Navn. I Nærheden vises det Sted, hvor Mordet paa Niels Bugge skal være foregaaet (se S. 388). — Paa den ubeboede *Fænø Kalv* blev der ved en Sammenkomst mellem Hertug Erik af Langeland og den norske Kong Hakon V i Juli 1300 sluttet en Stilstand i Krigen mellem Danmark og Norge; under Svenskekrigen anlagde de Svenske Forskansninger her. — Ogsaa i Hindsgavl Plantage findes der flere Rester af Skanser („Vadsnæsbatteriet").

I Sognet har der været en hellig Kilde, som besøgtes endnu i 19. Aarh.

**Kavslunde Sogn** omgives af Middelfart Købstads Jorder, Vejlby, Rorslev, Udby og Gamborg Sogne samt Gamborg Fjord. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^{3}/_{4}$ Mil Ø. S. Ø. for Middelfart. De især ved Kysten noget højtliggende, men i øvrigt jævne Jorder ere lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Middelfart til Odense og Assens og den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 3150 Td. Ld., hvoraf 1744 besaaede (deraf med Hvede 163, Rug 237, Byg 438, Havre 395, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenh. 326, Grøntf. 31, Kartofl. 25, Sukkerroer 6, andre Rodfr. 99, Handelspl. 11, Frøavl 3), Afgræsn. 470, Høslæt, Brak, Eng m. m. 729, Have 68, Moser 6, Kær og Fælleder 4, Hegn 23, Veje og Byggegr.

104 Td. Kreaturhold 1893: 331 Heste, 1175 Stkr. Hornkv. (deraf 814 Køer), 718 Faar, 666 Svin og 22 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 414 Td.; 74 Selvejergaarde med 339, 1 Arvefæstegd. med 6, 6 Fæstegd. med 23, 131 Huse med 45 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1141 (1801: 548, 1840: 902, 1860: 1016, 1880: 1119), boede i 224 Gaarde og Huse; Erhverv: 45 levede af immat. Virksomh., 659 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 18 af Fiskeri, 222 af Industri, 3 af Handel, 129 af forsk. Dagiejervirks., 45 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kavslunde*, ved Odensevejen, med Kirke, Skole, Pogeskole, Missionshus (opf. 1892), Forsamlingshus (opf. paa Kavslunde Mark 1886), Andelsmejeri, Teglværk og Jærnbaneholdepl. (den sidste dog i Gamborg Sogn); *Skrillinge* (1295: Skrilling), ved Assensvejen, med Skole; *Svendstrup*; *Voldby*. *Kosmosehuse*. *Skrillingegaard*: $19^7/_8$ Td. Hrtk., 148 Td. Ld., hvoraf 3 Gaardspl. og Have, Resten Ager (1 Lejehus). En Gaard i Kavslunde: $13^1/_2$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 2 Mose, 2 Gaardspl. og Have, Resten Ager. Desuden Gaardene *Christianslund*, *Lundbjærggd.*, *Lambæksgd.*, *Hyllegd.*, *Nygd.*, *Mariesminde*, *Kathrinelyst* og *Sølyst*, den sidste med Badehotel.

Kavslunde S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Vends Herreds Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Lands- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 209. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hindsgavl.

*Kirken*, paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Kapel paa Korets Nordside (tidligere Sakristi) og Vaabenhus paa Skibets Sydside. Den ældste Del, Skibet, er opført af utilhuggen Kamp i den romanske Tid; i den senere Middelalder er Kirken bleven forlænget mod Ø., Koret opf. af Mursten — den vestl. Del har dog enkelte Kvaderstensskifter, Østgavlen har Sokkel af utilhuggen Kamp —, Skibet forhøjet og Taarnet tilføjet (omtr. 1440), ligeledes af Mursten, ligesom Skib og Kor have faaet Hvælvinger, der forløbe paa Halvsøjler. Fra det overhvælvede Taarnrum fører en rund Bue ind til Skibet; Korbuen er spids. Vaabenhuset, delt i to Afdelinger, og Kapellet, begge af Mursten, have ligesom Taarnet Kamgavle og Blindinger. Buen fra Koret ind til Kapellet er tilmuret. Udskaaren Altertavle med Evangelisterne som Karyatider; i Midten et Maleri, forestillende Christus. Udskaaren Prædikestol fra 1590 (den og Alteret ere restaur. 1898). Granitdøbefont. Paa Alteret et lille Marmorkrucifiks. Præste- og Degnestol ere fra 1581. Fra Vaabenhuset til Skibet fører en jærnbeslaaet Dør (som den i Søndersø Kirke, se S. 502), med Aarstal 1439. I Vaabenhusets 1. Afdeling en Granittympanon med et udhugget Kors. Kapellet er Familiebegravelse for Stamhuset Hindsgavl. Den lille Klokke bærer Aarst. 1438, Byen Campens Vaaben og en hollandsk Indskrift.

Som Vederlag for Sjælemesse skænkede Niels Hamundsen ifl. Testam. af 1295 „sin Gaard i Skrilling i Kauæslund Sogn" samt „to Gaarde i Kauæslund".

Ved Skrillinge er der under flad Mark afdækket en større Gravplads fra den ældre Jærnalder, med Brandpletter, Urnegrave og Skeletgrave.

**Litt.**: *H. F. Rørdam*, Aktstykker vedr. Kirke og Skole i Middelfart og Kavslunde Sogne, i Kirkeh. Saml. 3. R. V Bd. S. 475 flg.

**Vejlby Sogn**, det største i Herredet, bestaar af en Halvø, der skyder ud i Lille Bælt mellem Baaring Vig, „Tragten", og Middelfart Sund, og som mod N. Ø. ender i det paa Rullesten rige *Stavrshoved*, mod N. V. i *Strib Odde*. Ind til Land er Sognet omgivet af Rorslev og Kavslunde Sogne og Middelfart Købstads Jorder. Kirken, noget sydl., ligger omtr. $^3/_4$ Mil Ø. for Middelfart. De højtliggende, bakkede Jorder (Bøgelund Mølle, 226 F., 71 M.), der mod N. Ø. falde af til Kysten med stejle Klinter (Stavrshoved og Røgle Klint), ere af temmelig forskellig Beskaffenhed, idet de mod N. Ø. ere lermuldede og kalkblandede, længere inde i Sognet sand- og lermuldede og mod N. V. stærkt sandede med Lerunderlag.

En Del Skov (Kasmose Sk., Vejlby Sk., Stavrby Sk). I den sydl. Del løber Avlby Mølleaa. Gennem Sognet gaa den gamle Middelfart-Odense Landevej, Landevejen til Strib og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 6277 Td. Ld., hvoraf 2871 besaaede (deraf med Hvede 129, Rug 524, Byg 623, Havre 688, Boghvede 6, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 596, Grøntf. 60, Kartofler 53, andre Rodfr. 116, Handelspl. 70), Afgræsn. 916, Høslæt, Brak, Eng m. 1419, Haver 109, Skov 546, Moser 10, Kær og Fælleder 99, Hegn 29, Stenmarker m. m. 63, Veje og Byggegr. 208, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 558 Heste, 2014 Stkr. Hornkv. (deraf 1348 Køer), 1432 Faar, 975 Svin og 29 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 673 Td.; 87 Selvejergaarde med 379, 33 Fæstegd. med 211, 242 Huse med 77 Td. Hrtk. og 46 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2088 (1801: 1218, 1840: 1805, 1860: 1935, 1880: 2185), boede i 405 Gaarde og Huse; Erhverv: 127 levede af immat. Virksomh., 1254 af Jordbrug, 59 af Fiskeri, 346 af Industri, 9 af Handel, 34 af Skibsfart, 145 af forsk. Daglejervirksomh., 84 af deres Midler, og 30 vare under Fattigv. En Del Fiskeri ved Strib (navnlig Aal). Der dyrkes nogen Humle og Tobak.

I Sognet Byerne: *Vejlby* (1440: Wæthelbye) med Kirke, Præstegd., Skole og Missionshuset „Bethlehem“ (opf. 1883, udvidet 1889); *Kustrup* med Mølle og Fattiggaarden „Fælleshaab“ for Vejlby og Asperup-Rorslev Kommuner, en anselig, to Stokv. høj Bygning (opf. 1868, Pl. for 80 Lemmer); *Avlby* (i Vald. Jrdb. Aghælby), ved Landevejen, med Mølle; *Stavrby* (i Vald. Jrdb. Stauæby), ved Landevejen, med Skole og Fællesmejeri; *Røgle* med Forsamlingshus (opf. 1896), Andelsmejeri og Mølle; *Røgle-Taarup* med Skole. Saml. af Gde. og Huse: *Bøgelund*, *Vejlbyskov* med Skole, *Vejlbymark*, *Røgle Mark*, *Røgle Nyhave*, *Røgleskov*, *Langtved*, *Kasmose*. Fiskerlejet *Strib* med Jærnbane- og Telegrafstation, Dampfærgehavn (se S. 347), indtil 12 F. dyb, under Udvidelse 1898—99, hvorfra Overfart til Fredericia, Badehotel og, paa Nordsiden af Strib-Odde, et Fyr (rundt, rødt- og hvidtstribet Jærntaarn med hvidt, fast Fyr, Flammens Højde 65 F., Lysvidden $3^1/_4$ Mil). Hovedgaarden *Billeshave*: $22^5/_8$ A. og E. Hrtk. og $2^3/_8$ Td. Skovsk., 180 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 15 Skov, Resten Ager; til Ejendommen høre 3 Huse og 4 Fæstegaarde med $2^5/_8$ Td. Hrtk. og omtr. 25 Td. Ld. Hovedgaarden *Kathrinebjærg*: $27^1/_2$ Td. Hrtk., 246 Td. Ld., hvoraf 24 Skov, Have og Gaardspl., 12 til 8 Fæste- og Lejehuse, Resten Ager; til Gaarden hører en Mølle. *Strib Avlsgaard* — ɔ: den tidligere „Strib Færgegaard“, fra hvilken 1897 er solgt den nu til Badehotel omdannede Hovedbygning samt 85 Td. Ld. (omtr. 2 Td. Hrtk.) til et Konsortium — har 10 Td. Hrtk., 140 Td. Ld. Af andre Gaarde nævnes: *Munkegaarde*, *Nøjsomhed*, *Brogaarde*, *Virkelyst*, *Avlbygd.*, *Kustrup Markgd.*, *Bendixminde*, *Vestergaard*, *Karensminde*, *Stensgd.*, *Guldbjærggd.*, *Christiansdal* og *Rubæksmøllegd.* *Skjærbæk Mølle* med Middelfart Sindssygeanstalts Vandværk (se S. 385).

Vejlby S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 218. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hindsgavl.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Udbygning mod N. (tidligere Gravkapel for Familien Urne) og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i den romanske Periode af huggen Kamp med Murstensgesims; Skibet har skraa, Koret profileret Sokkel af Granit. Paa Skibets Nordside en tilmuret, buet Dør. I den senere Middelalder er Kirken bleven forlænget mod Ø., Koret har faaet muret Kamgavl med Blindinger, ligesom Skibet er blevet forhøjet, Skib og

Kor ere blevne overhvælvede, og Taarnet, hvis Underrum har en meget høj Hvælving, er blevet tilføjet. Korbuen ligesom Taarnbuen er spids. Vaabenhuset, med fladt, gibset Loft, og den overhvælvede Tilbygning ere af Mursten, den sidste med Granitsokkel, og have Kamgavle med Blindinger. Altertavle i Renæssancestil fra 1637; Alterbilledet, Bebudelsen, er en Kopi (efter Broncini?); Predellaen er vistnok middelalderlig; bag paa Tavlen er anbragt Dele af den gamle, middelalderlige Altertavle. Udskaaren Prædikestol i Renæssancestil med Himmel. Granitdøbefont med en rigt udskaaren Himmel. Orgel fra 1898. I Koret et Krucifiks, et Epitafium over Præsten H. Christiansen Riisbrigh, † 1746 (Fader til Prof. Borge R., der er født i Vejlby 1731), og Hustru. I Tilbygningen, over hvis Hvælving der er et Pulpitur (ligesom i Taarnrummet), findes en Del gamle Kistebeslag (se D. Atl. VI, S. 650) og 2 Marmorkister med Ligene af Oberstlieutn. Andr. Raiser og Hustru Agathe Rodsteen Urne (se under Billeshave). Desuden Ligsten over Præsterne Niels Rasmussen Weile, † 1625, og ovennævnte Riisbrigh. I Taarnrummet Mindetavle over Krigere, faldne i de slesvigske Krige. Udvendig paa Korets Sydmur en Granitsten med en romansk Løvefigur. Paa Kirkegaarden et Par ældre Ligsten og en muret Hvælving, med en afbrudt Søjle, over Krigere fra 1849, døde paa Lasarettet paa Billeshave.

*Billeshave* kom ved Helvig Billes Ægteskab med Henning Pogwisch, † 1664, til denne, men da Enken gik fra Arv og Gæld, blev B. 1665 udlagt til Knud Urne, der 1667 solgte den til sin Broder Sigvert U., som forøgede Gaardens Tilliggende; hans Søn Sivert Urnes Arvinger solgte den 1731 (25 Td. Hrtk. og Bøndergods 272 Td. Hrtk.) til Svigersønnen Major Børge Walkendorff, efter hvis Død 1747 Enken Agathe Rodsteen Urne ægtede Oberstlieutn., senere Etatsr. Andreas Raiser, der 1761 ved Auktion solgte B. til Assessor Chr. Iversen i Middelfart (38,490 Rd.), der 1764 solgte den til Kapt. Melchior Fischer (38,000 Rd.), som dog straks efter overdrog den til Geheimer. Peder Juel til Hverringe, som 1768 overdrog den til sin Søn, Kmhr. Niels Krabbe J. for 55,000 Rd. Han fik 1779 Bevilling til at oprette B. til et Stamhus, uagtet der ikke var saa meget Hrtk. dertil, som Loven fordrede. Efter hans Død tilfaldt B. Sønnen Kmjkr. Hans Rudolf Grabow J., der 1804 solgte Gaard og Gods til Kammerr. Rasmus Nellemann, som bortsolgte Godset. 1811 købtes B. af Forpagter paa Tybrind Julius Eibe, som 1819 gjorde Opbud, hvorefter B. ved Tvangsauktion solgtes for 12,000 Rd. til Major Rahlff, som 1856 solgte den for 71,000 Rd. til Landinspektør Ring, som 1857 solgte den til Prokurator Schmidt, fra hvem den nogle Aar efter atter blev udlagt til Major Rahlff, som efter et Par Aars Forløb solgte den for 60,000 Rd. til Greve Wedell-Wedellsborg. Efter dennes Død tilfaldt den hans Datterdatter Ellen Fønss, hvis Mand Greve H. Bille-Brahe-Selby 1898 solgte den for 95,000 Kr. til Forpagteren, Kmjkr. F. N. B. Fønss. — Hovedbygningen blev opf. 1772 af Bindingsværk i to Stokv. med høj Kælder og to Sidefløje i eet Stokv.; omtr. 1860 blev Hovedfløjen ombygget af Grundmur i eet Stokv. med høj Kælder, og Sidefløjene nedreves; 1899 tilføjedes en gennemgaaende Kvist og en Udbygning i Haven.

*Kathrinebjærg* solgtes 1898 af Dehlholms Dødsbo for 122,000 Kr. til Forvalter Sv. Lacoppidan.

I Nærheden af Færgegaarden *Strib* (afbrændt af Preusserne $^{8}/_{5}$ 1848) skal der have ligget et Slot, *Søborg*, paa en Strandklint ved Lille Bælt, omgivet af Skov. I 18. Aarh. var der endnu Rester af Volde og Grave af det, og Voldstedet vises endnu; for øvrigt kender man intet til dets Historie. — Ved Stribs Odde begyndte Fr. III 1650 at anlægge en Fæstning under Navn af *Sophieodde* til Støtte for den lige overfor liggende Frederiksodde (Fredericia); men Planen blev snart opgiven; Spor af Volde og Grave fandtes endnu 1774 (ifl. D. Atl. VI, S. 650).

*Munkegaard* tilhørte 1475 Jacob Tidemand. — *Avlbygaard* nævnes 1471 og tilhørte Hr. Hans Walkendorff.

*Stavrby* og *Avlby* tilhørte Vald. Sejr og vurderedes med deres Tilliggende til 80 Mark Guld. Efter Kongens Død gik de over til hans Søstersøn Otto af Lüneburg, hvis Efterkommere Aar 1300 afstod den til Grev Gerhard af Holsten.

En Bylov fra 1702 for Vejlby er trykt i Saml. til Fyens Hist. IX S. 161 fl.

**Asperup Sogn** omgives af Annekset Rorslev, Nørre-Aaby, Indslev og Brenderup Sogne samt Lille Bælt (Baaring Vig). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^{1}/_{2}$ Mil Ø. S. Ø. for Middelfart og 2 Mil S. V. for Bogense. De noget højtliggende, mod N. bakkede Jorder (Skodshøj 207 F., 65 M.,

Dyrhøj, 287 F., 90 M., med trigon. Station, ere overvejende lermuldede. Ved Kysten Baaring Skov. Paa Østgrænsen løber et mindre Aaløb (Pavebæk). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Middelfart til Bogense og Odense.

Fladeindholdet 1896: 3211 Td. Ld., hvoraf 1850 besaaede (deraf med Hvede 118, Rug 261, Byg 388, Havre 410, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 342, Grøntf. 72, Kartofler 20, andre Rodfr. 182, Handelspl. 32, Frøavl 17), Afgræsn. 314, Høslæt, Brak, Eng m. m. 740, Have 98, Skov 106, Moser 12, Kær og Fælleder 3, Hegn 27, Flyvesand 2, Veje og Byggegr. 59 Td. Kreaturhold 1893: 363 Heste, 1289 Stk. Hornkv. (deraf 847 Køer), 482 Faar, 750 Svin og 27 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 390 Td.; 79 Selvejergaarde med 333, 194 Huse med 54 Td., 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1412 (1801: 670, 1840: 1181, 1860: 1356, 1880: 1472), boede i 300 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomh., 772 af Jordbrug, 44 af Fiskeri, 285 af Industri, 59 af Handel, 8 af Skibsfart, 107 af forsk. Daglejervirksomh., 60 af deres Midler, og 31 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Asperup* med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole og Mølle; *Baaring*, ved Bogensevejen, med Skole, Friskole, Pogeskole, Teglværk, Mølle og Andelsmejeri; *Kjærby*; *Vedelshave*. Gde. og Huse: *Baaringmark*. En Gaard i Asperup (Ringstedgd.) har $11^1/_4$ Td. Hrtk., 96 Td. Ld. (til Gaarden en Mølle); desuden Gaardene *Hedegd.*, *Risum*, *Risumlund* og *Ørtebæk*.

Asperup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 216. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hindsgavl.

*Kirken*, fordum indviet til Vor Frue, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. De ældste Partier, den østl. Del af Skibet og Koret, der har haft Korrunding (Sporene ses endnu), ere opførte i den romanske Tid af tilhuggen Kamp paa profileret Sokkel; paa Skibets Nord- og Sydside ses et tilmuret, rundbuet Vindue, paa Nordsiden en lign. Dør. I den senere Middelalder er Kirken bleven forlænget mod V., Koret har faaet lige Gavl med Takker og Blindinger, opf. af Mursten, hvilket Materiale ogsaa findes i Skibets Mure samt i Skibets og Korets Gesims, og Kirken fik Hvælvinger. Omtr. samtidig er Taarnet, forneden af tilhuggen Kamp med Skifter af Mursten, foroven af Mursten, og Vaabenhuset, ligeledes af Kamp med Murstensskifter, tilføjede; begge med Kamgavle og Blindinger. Korbuen er rund, Buen fra det overhvælvede Taarnrum spids. Vaabenhuset, der er delt i to Afdelinger, har Tøndehvælving. Udmærket udskaaren Altertavle fra 1641 med et Billede, malet af Schrøder fra Middelfart (Kopi efter A. Dorph: Jesus med Martha og Maria). Udskaaren Prædikestol fra 1580. Døbefont af Granit med Messingfad fra 1618. I Vaabenhuset en Egetræsdør med Aarst. 1508. I Kirken bl. a. et Krucifiks og en Ligsten over Præsten Laurids Jørgensen, † 1584. Om Klokkerne, fra 1596 og 1598, se Kirkeh. Saml. II S. 107.

Bispen i Ribe, Henr. Stangeberg, skødede 1461 *Asperup Hovedgaard* til Hr. Eggert Frille.

**Rorslev Sogn**, det mindste i Herredet, Anneks til Asperup, omgives af dette, N.-Aaby, Udby, Kavslunde og Vejlby Sogne samt Lille Bælt (Baaring Vig). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil Ø. S. Ø. for Middelfart. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Middelfart til Bogense og Odense.

Fladeindholdet 1896: 1300 Td. Ld., hvoraf 739 besaaede (deraf med Hvede 61, Rug 90, Byg 143, Havre 151, Blandsæd til Modenh. 113, Grøntf. 21, Kartofler 15, andre Rodfr. 88, Handelspl. 17, Frøavl 39), Afgræsn. 171, Høslæt, Brak, Eng m. m. 276, Have 29, Skov 17, Moser 7, Kær og Fælleder 8, Hegn 12, Veje og Byggegr. 40.

Kreaturhold 1893: 126 Heste, 562 Stkr. Hornkv. (deraf 412 Køer), 222 Faar, 470 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 169 Td; 29 Selvejergaarde med 140, 75 Huse med 29 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 577 (1801: 229, 1840: 465, 1860: 516, 1880: 566), boede i 117 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomhed, 335 af Jordbr., 32 af Fiskeri, 133 af Industri, 18 af Handel, 11 af forsk. Daglejervirks., 29 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Rorslev* (1440: Rodersløf) med Kirke og Fællesmejeri; *Blanke*, ved Bogensevejen, med Skole („Enighedsskole") og Pogeskole. Gaarden *Rorslevmølle*: 16 Td. Hrtk., 130 Td. Ld. (20 i N.-Aaby S.), hvoraf 4 Eng, 6 Skov, Resten Ager (til Gaarden høre et Hus og en Mølle). En Gaard i Rorslev: $12^7/_8$ Td. Hrtk., 88 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, Resten Ager (1 Hus). Desuden *Margd.* og *Store Blankegd.*

Rorslev S., een Sognekomme med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 217. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hindsgavl.

*Kirken*, fordum indviet til St. Peder, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. De ældste Dele af Skib og Kor ere opførte af utilhuggen Kamp i den romanske Tid; senere er Kirken forlænget mod V. og Ø. og har faaet Hvælvinger, der forløbe paa Halvsøjler, alt af Mursten; Korgavlen har Blindinger; Vaabenhuset, af Mursten, har Blindinger paa alle tre Sider og Kamgavl, samt Bræddeloft. Taarnet, af Mursten med spaantækt Spir, er opf. 1760 af Kammerr. N. Basse til Hindsgavl (tidligere var der Klokkehus ved Siden af Kirken). Udskaaren Altertavle fra 1594 med Præsten Eiler Ottesen (Bangs) Navn, hvilket ogsaa findes paa den udskaarne Prædikestol fra 1590. Granitdøbefont med Ornamenter paa Fod og Bæger. Taarnrummet med den nærmeste Del af Skibet er skilt fra Kirken ved en Jærngitterdør og er Gravkapel for Hindsgavls tidligere Ejere; her staa 6 Marmorkister, hvori hvile bl. a. Kammerr. Basse med Hustru og Kmhr. Adeler med Hustru. Klokken, med Indskrift, er fra 1403 (se Kirkeh. Saml. II S. 84). Paa Korgavlen et romansk Hoved.

I en Præsteindberetning fra 1623 fortælles: „Imellem Baaring og Stranden er en (nu sløjfet) Høj, kaldet *Rankelshøj*, hvorpaa nu sættes Baal i Krigstider, men tilforn have Indbyggerne her ofret til Afguderne for deres Børn". Sagnet lader en Kæmpe Ranke været begravet her („Ride ride Ranke — fra Baaring og til Blanke").

I Sognet har der været en hellig Kilde, som alt var øde i Slutn. af 18. Aarh.

I Rorslev er Filosofen Rasmus Nielsen født 1809.

**Brenderup Sogn** omgives af Asperup, Indslev, Fjelsted og Harndrup Sogne samt Skovby Hrd. (Haarslev og Ore S., det sidste Anneks til Brenderup) og Lille Bælt (Baaring Vig). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil Ø. for Middelfart og $1^1/_2$ Mil S. V. for Bogense. De noget højtliggende, ved Kysten lavere, og bakkede Jorder (Aabanke, 75 F., 23,5 M.) ere af dyb muldsandet Beskaffenhed. Sognet er Midtpunkt for den fynske Humlegn. En Del Skov (Brenderup Sk., Ebberud Sk., Bro Fredsk., Aask., Kohave m. m.). *Storaa* løber mod N. V. ud i Baaring Vig. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Middelfart til Bogense, som her sender en Sidevej (Rugaardsvejen) til Odense.

Fladeindholdet 1896: 4766 Td. Ld., hvoraf 2276 besaaede (deraf med Hvede 106, Rug 367, Byg 478, Havre 465, Boghvede 4, Ærter og Vikker 6, Blandsæd til Modenh. 452, Grøntf. 130, Kartofler 51, andre Rodfrugter 186, andre Handelspl. 18, Frøavl 12), Afgræsn. 615, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1046, Have 186, Skov 419, Moser 33, Kær og Fælleder 5, Hegn 35, Stenmarker 35, Veje og Byggegr. 108, Vandareal 6 Td. Kreaturhold 1893: 407 Heste, 1706 Stk. Hornkv. (deraf 1168 Køer), 645 Faar, 887 Svin og 21 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 470 Td.; 85 Selvejergaarde med 397, 253 Huse med 73 Td. Hrtk. og 36 jordløse Huse (ca $^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1871 (1801: 1014, 1840: 1535, 1860: 1910, 1880: 1960), boede i 394 Gaarde og Huse;

Erhverv: 58 levede af immat. Virksomh., 1123 af Jordbrug, 9 af Gartneri, 5 af Fiskeri, 367 af Industri, 101 af Handel, 109 af forsk. Daglejervirks., 62 af deres Midler, og 37 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Brenderup* (1440: Bræghendorp og Bregendorp), ved Odensevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1894), flere Købmandsforretninger og en Del Haandværkere; *Skovshøjrup*, ved Landevejen, med Kro og Lægebolig; *Aahøjrup* (gml. Form Aahøtherop, Ahødorp) med Andelsmejeri; *Bro*, paa Bro Mark Missionshuset „Siloam" (opf. 1884); en Del af *Holse* (Resten i Haarslev S.); *Fyllested* med Vandmølle; en Del af *Graderup* (Resten i Harndrup S.); *Kjøstrup* med Vejrmølle. Saml. af Gde. og Huse: *Varbjærg*, *Nylykke*, *Broskov*, *Aabjærg*, *Skovhaver*, *Ullehuse*. Hovedgaarden *Kjærsgaard*: 66 Td. A. og E. Hrtk., 4 Td. Skovsk., 690 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 170 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre Fyllested Vandmølle, 10 Td. Hrtk. Fæstegods (1 Gaard og 25 Huse) og Brenderup Kirketiende. Hovedgaarden *Holsegaard*: 18 Td. Hrtk., 190 Td. Ld., hvoraf 12 Eng (9 i Haarslev S.), 35 Skov, Resten Ager. *Brogaard* (i Bro): $12^1/_2$ Td. Hrtk., 145 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, 20 Skov, Resten Ager (et Fæstehus). Desuden Gaardene *Varbjærg*, *Hamborggd.* og *Ellegd.*

Brenderup S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 215. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Kjærsgaard.

*Kirken* bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. (nu Ligkapel og Materialhus). Skib og Kor ere opførte i den romanske Periode af hugne Granitkvadre paa en Sokkel af to Skifter profilerede Granitsten. Et romansk Vindue og en lign. Dør ere bevarede paa Nordsiden, paa Sydsiden Spor af en anden Dør. Oprindelig har Kirken haft Apsis, af hvilken en Del rundhugne Kvadre findes indmurede i Korets Ydermure. Fra den senere Middelalder ere Kirkens Hvælvinger, Vaabenhuset og Taarnet, med smukke Blindinger og kamtakkede Gavle; Taarnrummet benyttes nu som Vaabenhus. Altertavlen er et tarveligt Arbejde i barok Renæssancestil (fra 1641). Romansk Granitdøbefont med Løvværksornamenter og store Mandehoveder paa Kummen. Prædikestolen er et rigt og godt Renæssancearbejde fra 1602. I Skibet et Krucifiks fra Slutn. af den katolske Tid. Paa Vaabenhusets Loft nogle udskaarne Figurer fra en ældre, katolsk Altertavle. I Korets nordre Væg er indmuret en Ligsten over Jomfruerne Magdalene og Margrethe Emmikesdatter, † 1598 og 1585, i Taarnrummet en defekt Ligsten fra 17. Aarh. Den ene Klokke er fra 1490. I Kirken har der været en Dør fra gotisk Tid med Indskrift: Me fecit Petrus.

*Kjærsgaard* og „*Vorbjærggaard*" (se ndfr.) solgtes 1499 af Hr. Henr. Knudsen Gyldenstierne til hans Svoger Peder Bille, † 1508, og Søster Anne Gyldenstierne; den arvedes af deres Søn Hr. Knud B., † 1555, Steen Knudsen B., † 1590, Erik Steensen B., † 1641, Hr. Steen Eriksen B. († 1672), der 1664 solgte K. til sin Søn Erik og hans Fæstemø Jomfru Anne Trolle, men 1666 gav sidstnævntes Fader Hr. Niels Trolle Skøde paa Gaarden. Erik B., † 1675, blev dog Ejer af den og efter ham hans Enke Anne Trolle, der indførte Humleavlen i Egnen om Middelfart. Hun døde 1723 efter at have testamenteret Gaarden til sin Søsterdatters Datter Anne Trolle Holck, g. med Oberst Chr. Fred. Gersdorff, der overlod den til sin Datter Anne Trolle G., gift med Kmhr. Oberst Herluf Trolle, hvis Dødsbo 1774 ved Auktion solgte K. og Varbjærg (i alt 352 Td. Hrtk.) for 59,300 Rd. til Krigsr. Jakob Wedel til Holsegaard, som efterlod den til sin Søn Kmjkr. Anders Claus Wedel, adlet 1826 under Navn af Wedel-Heinen (det sidste Navn efter hans Moders 2. Mand, Kmhr. v. Heinen). Han maatte afstaa Gaarden til Regeringen, som 1834 solgte den for 128,000 Rd. til Forpagter Petersen. Han afhændede en Del af Godset og mageskiftede 1851 K., takseret til 170,000 Rd., mod Løgismose, hvis Ejer C. Hansen efterlod K. til sin Enke, efter hvem den 1873 blev købt af den nuv. Ejer, Kmhr., Hofjægerm. F. L. V. Greve Ahlefeldt-Laurvigen. — Hovedbygningen er opf. 1815—17 i to Stokv. og bestaar af en Hovedfløj og to korte Sidefløje, i to Stokv. med Kælder.

*Holsegaard* (Holswedt) nævnes 1451, da Laurids Jensen solgte den til Hr. Eggert Frille. Den blev siden delt i to Bøndergaarde, men i 17. Aarh. paa ny sammenlagt til en Hovedgaard af Laurids Lindenov og Fru Anne Friis. Sidstnævnte skødede 1648 H. til Jomfru Mette Friis, der endnu ejede den 1658. 1670 blev den af H. Lindenov solgt til Jomfru Magdalene Akeleye og tilhørte derefter sidstnævntes Søstersøn Gabriel Bille, hvis Arvinger og Kreditorer solgte den til Erik Steensen til Skovgaarde, hvis Enke Kirsten Rothkirck 1702 tilskødede sin Datter Barbara Kirstine Steensen og Svigersøn Oberst Mogens Holck Gaarden, hvilken Datteren 1727 som Enke solgte til Præsten i Haarslev, Hr. Anders Andersen Hviid, der forarmedes ved en Studeproces med Oberst Hagedorn, hvorfor Gaarden ved Auktion 1739 blev solgt til Hans Bruun, der 1745 skødede den (251 Td. Hrtk.) til Hans Bryde, som atter 1768 solgte den til Krigsr. Wedel, der lagde den ind under Kjærsgaard. 1804 blev H. solgt til Henr. Grandjean, som 1808 frasolgte Indslev Kirke og Bøndergodset; efter Grandjeans Fallit solgtes H. for 56,500 Rd. til Forpagter S. Michelsen, der 1826 overdrog den til Sønnen L. B. Michelsen, † ugift 1838, efter hvem den gik over til Søsteren Salome Fahnøe og dennes Søn L. B. Fahnøe, der solgte den 1876 til den nuv. Ejer, A. Simonsen, for 140,000 Kr. — Hovedbygningen er opf. 1856 i eet Stokv. med Kvist. Ladebygningerne ere opf. 1894 efter en Brand i Nov. 1893.

*Varbjærg* (i Vald. II Jordeb. Wordburgh) nævnes 1499 (se under Kjærsgaard) og havde i Beg. af 19. Aarh. Ejere fælles med Kjærsgaard.

I *Aahøjrup* laa fordum en Adelsgaard, der 1451 ejedes af Saxe Tygesen og 1474 af Laurids Saxesen (Basse).

Det Slag, hvori Valdemar Atterdag overvandt Holstenerne og fangede Grev Nicolaus (se Indskriften i Højrup Kirke, II S. 850) i Aaret 1357, har maaske staaet ved Landsbyen *Bro*; i Sjællands Krønike nævnes Stedet „Brobjærg“ (se Hist. Tidsskr. 4. R. III Bd. S. 216 flg.). Paa en Skrænt ved Ejendommen Karlshøj tæt N. for en Krumning af Storaa paavises den formentlige Valplads.

Brenderup S. var et eget Pastorat indtil 1628, da det blev Anneks til Ore (Reskr. af $^{21}/_{3}$ 1620), men 1632 blev Brenderup Hovedsognet (se Kirkeh. Saml. 2. R. VI Bd. S. 764 flg.).

**Litt.** Om Brenderup S. se ogsaa Kirkeh. Saml. 3. R. V Bd. S. 609 flg., og 4. R. III Bd. S. 140 flg.

**Fjelsted Sogn** omgives af Annekset Harndrup, Brenderup, Indslev, Ejby, Gjelsted og Rørup Sogne samt Skovby Hrd. (Haarslev S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^{1}/_{2}$ Mil S. Ø. for Middelfart og 2 Mil S. S. V. for Bogense. De særlig mod S. Ø. højtliggende (Padesø Bjærg, 235 F., 74 M.) og bakkede Jorder ere overvejende grusmuldede. En Del Skov (Fjelsted Sk., Fjellerup Sk.). Et mindre Aaløb udspringer mod S. Gennem den sydvestl. Del gaar Landevejen fra Middelfart til Odense.

Fladeindholdet 1896: 3410 Td. Ld., hvoraf 1602 besaaede (deraf med Hvede 10, Rug 345, Byg 322, Havre 338, Boghvede 17, Ærter og Vikker 6, Blandsæd til Modenh. 342, Grøntf. 32, Kartofler 48, andre Rodfr. 142), Afgræsn. 566, Høslæt, Brak, Eng m. m. 802, Have 75, Skov 193, Moser 32, Kær og Fælleder 6, Hegn 39, Heder 9, Veje og Byggegr. 82 Td. Kreaturhold 1893: 298 Heste, 1149 Stkr. Hornkv. (deraf 714 Køer), 538 Faar, 424 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 315 Td.; 57 Selvejergaarde med 279, 1 Fæstegd. med 3, 146 Huse med 33 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1005 (1801: 695, 1840: 1038, 1860: 1114, 1880: 1105), boede i 221 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 637 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 176 af Industri, 53 af Handel, 49 af forsk. Daglejervirks., 35 af deres Midler, og 22 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fjelsted* med Kirke, Skole, Pogeskole, Forsamlingshus (opf. 1884), Andelsmejeri (Jægersminde) og Mølle; *Fjellerup* med Præstegd. (i hvilken der 1895 er indrettet en Forsamlingssal), Skole med Pogeskole (paa Fjellerup Mark) og Garveri; *Sletterod* med Skole. *Aalund Fattiggaard*, opr. 1869, er nedlagt 1897. Saml. af Gde. og Huse: *Fjeldskov*, *Billesbølle Nygaard*, *Billesbølle Nymark*, *Lille* og *St. Padesøbjærggaard*. Desuden

*Fjellerupgaard, Fjelleruplund, Billesbøllegd., Sletterodgd., Skydsbjærggd., Lykkegd., Fjellemosegd., Kaaberbøllegd., Frydenlund* m. m. *Gillebro*, Vandmølle.

Fjelsted S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 213. Lægd. Kirken tilhører en Del af Sognets Beboere og en Enke i Kbh.

*Kirken*, fordum helliget St. Laurentius, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og en Tilbygning mod N. Skib og Kor ere opf. i den romanske Tid af hugne Granitkvadre paa en af to profilerede Granitskifter bestaaende Sokkel. Et nu tilmuret romansk Vindue er bevaret i Korets Nordmur. I den senere Middelalder er Taarnet opført, med hvælvet Underrum, Kor og Skib overhvælvede og Vaabenhuset tilføjet. Vaabenhusgavlen og den ene Taarngavl ere fornyede i 19. Aarh. Den hvælvede Tilbygning er ny. Koret har paa begge Sider højt Panel fra 17. Aarh. Altertavlen er en ret rig, men tarvelig udskaaret Træopsats fra 17. Aarh. Præstestol fra omtr. samme Tid; Degnestol med Aarst. 1650. Prædikestolen er et ret godt Træskærerarbejde fra 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont. I Skibet et Krucifiks fra Slutn. af Middelalderen og Træmindetavle over Maria Dortea Margrethe Schmidt, † 1787 paa Billesbølle. I Kirkegaardshegnet en anselig, muret, spidsbuet Kirkegaardsport.

Den tidligere Hovedgaard *Billesbølle* har Navn efter Hr. Steen Bille til Kjærsgaard († 1672), der 1652 samlede den til en Hovedgaard. Den tilhørte derefter Sønnen Kmhr. Otte B., dennes Søster Mette B., Grevinde Holck, der 1698 solgte B. (46 Td. og 174 Td. Hrtk. Bøndergods) til sin Datter Birgitte Comtesse Holck, Enke efter Schoutbynacht Gabriel Bille, g. anden Gang med Kommandør Chr. Munk. Efter hendes Død solgtes Gaard og Gods (217 Td. Hrtk.) 1702 ved Auktion til Assessor Broder Landorph, † 1711, hvis Søn Hans L. 1738 solgte B. (346 Td. Hrtk.) til Peder Enevold Braës til Kokkedal, som atter 1755 solgte den til Hofjunker Sehested, der 1761 ved Auktion afhændede den til Hans Lindegaard for 11,126 Rd.; han solgte 1765 Hovedgaarden til Justitsr. Fr. v. d. Maase, der Aaret efter afhændede den til Gehejmeraadinde Levetzau, som 1790 solgte den til Ritmester Fr. Jørgen Sehested. Denne solgte 1798 B. til Chrf. Jørgensen, der udparcellerede Hovedgaarden, hvis Bøndergods allerede for største Delen var frasolgt 1760. Den nu staaende Bondegaard minder kun ved en i Gavlen indmuret Sten med Hr. Steen Billes og hans Frue Birgitte Kruses Vaaben om den svundne Herlighed.

*Fjellemosegaard*, tidligere Faldemose, tilhørte Kronen, der 1583 mageskiftede den til Jomfru Margrethe Emmiksen, † 1600; 1609 tilhørte den hendes Søster Fru Tale Emmiksen, Enke efter Eiler Brockenhuus til Søndergaarde, senere Jørgen Lykke, † 1633, og 1634 Jørgen Hartvigsen.

Aar 1527 nævnes en *Fjelstedgaard*, der tilhørte Laurids Skinkel og hans Søskende. Ved Kaaberbøllegaard holdtes der tidligere et aarligt *St. Laurids Marked.*

**Harndrup Sogn**, Anneks til Fjelsted, omgives af dette og Brenderup Sogne samt Skovby Hrd. (Haarslev S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Middelfart og $1^1/_2$ Mil S. S. V. for Bogense. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende sandede og sandmuldede. Mod V. og N. V. begrænses Sognet af Aaløb. Gennem Sognet gaar den gamle Landevej fra Middelfart til Odense.

Fladeindhold 1896: 1650 Td. Ld., hvoraf 836 besaaede (deraf med Rug 182, Byg 185, Havre 176, Boghv. 3, Blandsæd til Modenh. 146, Grøntf. 37, Kartofler 35, andre Rodfr. 68), Afgræsn. 173, Høslæt, Brak, Eng m. m. 419, Have 58, Skov 65, Moser 22, Kær og Fælleder 9, Hegn 18, Flyvesand 5, Veje og Byggegr. 44 Td. Kreaturhold 1893: 142 Heste, 570 Stk. Hornkv. (deraf 375 Køer), 377 Faar, 329 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 155 Td.; 48 Selvejergaarde med 126, 123 Huse med 29 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 716 (1801: 466, 1840: 776, 1860: 763, 1880: 844), boede i 182 Gaarde og Huse; Erhverv: 6 levede af immat. Virksomhed, 396 af Jordbrug, 9 af Gartneri, 183 af Industri, 47 af Handel, 43 af forsk. Daglejervirks., 29 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv. Nogen Humleavl.

I Sognet Byerne: *Harndrup* (1435: Harendorp), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Pogeskole og Mølle; en Del af *Graderup*, ved Landevejen (Resten i Brenderup S.). *Stokholm* og *Berlin*, Gde. og Huse. Saml. af Huse: *Harndrup Skov*, *Havehuse*. Desuden Gaardene *Christianslyst*, *Broholm* m. m.

Harndrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 214. Lægd. Kirken tilhører Skolelæreren i Harndrup.

*Kirken*, fordum vistnok helliget St. Anna, beliggende paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor samt Taarn mod S. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid af Munkesten paa Sokkel med Skraaprofil af samme Materiale. Flere oprindl. Vinduer og Rester af den gamle Norddør ses. I den senere Middelalder er Skibet blevet forlænget mod V. med en Tilbygning (mulig Underbygning for et ikke opført Taarn), der mod V. afsluttes af en smuk, takket Gavl med Blindinger. Det nuv., tarvelige Taarn er opført i 19. Aarh. over det lille, sent-middelalderlige Vaabenhus paa Skibets Sydside (i Stedet for et ældre af Bindingsværk). Kirken har overalt flade Bjælkelofter. Altertavle og Prædikestol ere tarvelige Arbejder fra 1. Halvdel af 17. Aarh. Stolestadernes Endestykker ere fra omtr. samme Tid. Romansk Granitdøbefont. Mellem Vaabenhus og Skib en jærnbeslaaet Egetræsdør med en smuk Dørring og en af Beslaget dannet Indskrift: Hjælp Jesus, Anna, beder for Per Smed, han bandt mig 1505. Kirken er i 1892 undergaaet en gennemgribende Istandsættelse. — Paa Kirkegaarden en Ligsten (indtil over Midten af 19. Aarh. i Kirkens østl. Del, hvor der, adskilte ved et Gitter, stod flere Kister) med Oberst Chr. Fr. Gersdorff til Kjærsgaards Navn og 3 Vaabener. Paa Kirkegaarden en Ask, Stammens Omf. omtr. $14^1/_2$ F.

Fin Lauridsen i Harndrup, Væbner, og hans Hustru Mette Pixstensdatter nævnes 1445. Den norske Adelsslægt Schønnebølle skal stamme fra Harndrup.

Harndrup S. synes i nogen Tid i 17. Aarh. at have været et eget Pastorat.

**Gjelsted Sogn** omgives af Annekset Rørup, Fjelsted, Ejby og Ørslev Sogne samt Baag Hrd. (Tanderup og Kjerte S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_4$ Mil S. Ø. for Middelfart og 2 Mil N. N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Galgehøj, 216 F., 68 M.) ere sandmuldede og sandede. Mod N. ligger et stort Mosedrag. Gennem Sognet gaar den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 4155 Td. Ld., hvoraf 1996 besaaede (deraf med Hvede 79, Rug 374, Byg 387, Havre 428, Boghv. 15, Bælgsæd 13, Blands. til Modenh. 386, Grøntf. 90, Kartofler 84, Sukkerr. 42, andre Rodfr. 81, andre Handelspl. 6, Frøavl 11), Afgræsn. 619, Høslæt, Brak, Eng m. m. 880, Have 75, Skov 136, Moser 187, Kær og Fælleder 18, Hegn 30, Heder 115, Veje og Byggegr. 94, Vandareal 3. Kreaturhold 1893: 345 Heste, 1339 Stkr. Hornkv. (deraf 808 Køer), 1006 Faar, 764 Svin og 21 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 433 Td.; 68 Selvejergaarde med 347, 4 Fæstegd. med 27, 241 Huse med 56 Td. Hrtk. og 22 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1658 (1801: 838, 1840: 1070, 1860: 1140, 1880: 1625), boede i 340 Gaarde og Huse; Erhverv: 106 levede af immat. Virksomh., 724 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 503 af Industri, 69 af Handel, 179 af forsk. Daglejervirks., 54 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gjelsted* med Kirke, Præstegd., to Skoler (Hovedskolen og Stationsskolen), Missionshus (opf. 1889), Forsamlingshus (opf. 1892), Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation, Gæstgiveri og Andelsmejeri; *Gjelsted-Taarup* med Fattiggaard (Plads for 40 Lemmer); *Lunge* (gml. Form Lyunge); *Kingstrup* med Børnehjem (opf. 1872); *Hønnerup* med Teglværk og Uldspinderi. Saml. af Huse: *Gjelsted Mose*, *Lungebjærge*, *Kjellingborg*, *Fluebjærg* og *Hørkjær*. Større Gaarde: *Holmegd.*, 14 Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 6 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre et Fæstehus med 4 Td. Ld. og en Mølle. En Gaard i Gjelsted (Gjelstedgd.): $11^1/_4$ Td. Hrtk.,

90 Td. Ld. Desuden Gaardene *Ellegd.*, *Tryden*, *Hønneruplund* (11 Td. Hrtk.), med Teglværk, *Hønnerup Hougaard*, *Ludvigsgaard* (med Huse).

Gjelsted S., een Sognekommune med Annekset, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 207. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Erholm og Søndergaarde.

*Kirken*, fordum indviet til St. Nicolaus, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er oprindl. opført med Skib og Kor med Korrunding i den romanske Tid af tilhuggen Kamp med profileret Sokkel; flere rundbuede Vinduer ses. I den senere Middelalder er Koret blevet ombygget og har faaet lige Gavl, hvortil for en Del er benyttet det ældre Materiale, Resten Mursten; samtidig er Kirken bleven overhvælvet og Taarnet tilføjet, af Mursten, dog med Kamp i Taarnets nederste Del; baade Korbuen og den brede Bue fra det overhvælvede Taarnrum ere spidse. Vaabenhuset, af Mursten, har Bræddeloft. Altertavle og Prædikestol ere i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh.; Alterbilledet (Madonna med Barnet) er Kopi efter Rafael. Granitdøbefont med Rebsnoning, Bladornamenter og Figurer. I Koret stort Epitafium over Præsten Peder Brandt, † 1710; i Korbuen Tavler over Præsterne Peder Meyer, † 1764, M. Krag, † 1797, og C. Krag, † 1818. I Vaabenhusets Væg en Ligsten over Otte Hvide til Hønnerup, † 1562, og Hustru Sophie Daa. I Taarnets Vestvæg en Dør med Jærnbeslag, der danner Indskriften: „Anno milesimo quingentesimo sexto opus istud factum est in honorem St. Nicolai in Gielsted per me Olavum Malde (de) oppido Asnes". — Gammel, god Kirkegaardsportal.

*Hønnerup*, forhen Hynderup, var tidligere en Hovedgaard, der 1478 ejedes af Jep Unkersen og siden af Otte Hvide (se under Kirken) og hans Enke Sophie Daa, derefter af Knud Rud til Sandholt, hvorpaa Gaarden blev delt i to Bøndergaarde og eet Hus, foruden Hynnerup Lund, der den Gang var en god Skov.

I 18. Aarh. nævnes Volden „Aringe Boel", der sikkert i sin Tid har været en Herregaard, da den var omgivet af Volde og Grave (se D. Atl. VI, S. 648).

I Sognet har ligget Hovedgaarden *Lerbæksholm*, som 1369 ejedes af Peder Iversen (Lykke), 1539 af Hans Stigsen (Ulfeld), 1561 af Fru Anna Stigsdatter (Ulfeld), Jørgen Daas Efterleverske, og 1590 af Joh. Norby.

**Rørup Sogn**, Anneks til Gjelsted, omgives af dette og Fjelsted Sogne samt Skovby Hrd. (Haarslev S.), Odense Hrd. (Vissenbjærg S.) og Baag Hrd. (Skydebjærg og Kjerte S.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^3/_4$ Mil S. Ø. for Middelfart, $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Assens og $2^1/_3$ Mil S. S. V. for Bogense. De højtliggende og bakkede Jorder (Højbavn, 272 F., 85 M.) ere i Almindelighed grusblandede. En stor Del Skov (Søndergaarde Sk., Østersk., Hækkebølle Østersk., Hegnet, Aalsbo Banker). I den vestl. og nordvestl. Del er der flere mindre Aaløb. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Odense til Middelfart og fra Bogense til Assens, der krydse hinanden.

Fladeindholdet 1896: 3889 Td. Ld., hvoraf 1510 besaaede (deraf med Hvede 18, Rug 307, Byg 316, Havre 322, Boghvede 4, Blandsæd til Modenhed 282, Grøntf. 116, Kartofler 34, Sukkerroer 5, andre Rodfrugter 106), Afgræsn. 616, Høslæt, Brak, Eng m. m. 730, Have 69, Skov 663, Moser 70, Kær og Fælleder 125, Hegn 26, Heder 5, Veje og Byggegr. 72, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 258 Heste, 1167 Stkr. Hornkv. (deraf 678 Køer), 488 Faar, 580 Svin og 25 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 350 Td.; 35 Selvejergaarde med 299, 5 Fæstegd. med 23, 96 Huse med 28 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse (c. $^1/_2$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 769 (1801: 554, 1840: 713, 1860: 743, 1880: 860), boede i 146 Gaarde og Huse; Erhverv: 29 levede af immat. Virksomhed, 478 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 175 af Industri, 18 af Handel, 42 af forsk. Daglejervirks., 18 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet *Rørup* (1440: Rodorp) med Kirke, Skole og Huse og Byerne: *Etterup*, ved Bogense-Assensvejen, med Skole; *Hækkebølle*; *Aalsbo*. *Dybmose*, Gde. og Huse; *Grønnemose*, Huse. Hovedgaarden *Erholm*,

under Stamhuset Erholm og Søndergaarde, har 48 Td. A. og E. Hrtk. og $7^1/_8$ Td. Skovsk., 785 Td. Ld. (Rørup og Skydebjærg S.), hvoraf 46 Eng, 359 Skov, Resten Ager. Til Gaarden høre 73 Td. Hrtk. Fæstegods. Under samme Stamhus høre Hovedgaarden *Søndergaarde*, $46^3/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og 9 Td. Skovsk., 831 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 391 Skov, Resten Ager, samt Gaardene *Kjelshøj*, $23^1/_4$ Td. Hrtk., 226 Td. Ld. (i Rørup, Gjelsted og Kjerte S.), hvoraf 1 Eng, Resten Ager, og *Hækkebøllegd.*, 18 Td. Hrtk., 161 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, $^3/_4$ Skov, Resten Ager*). Desuden *Munkegaarde*, *Dybmosegaard* med Teglværk, *Etterupgd.*, *Blankenborg*, Gd., *Orme-*

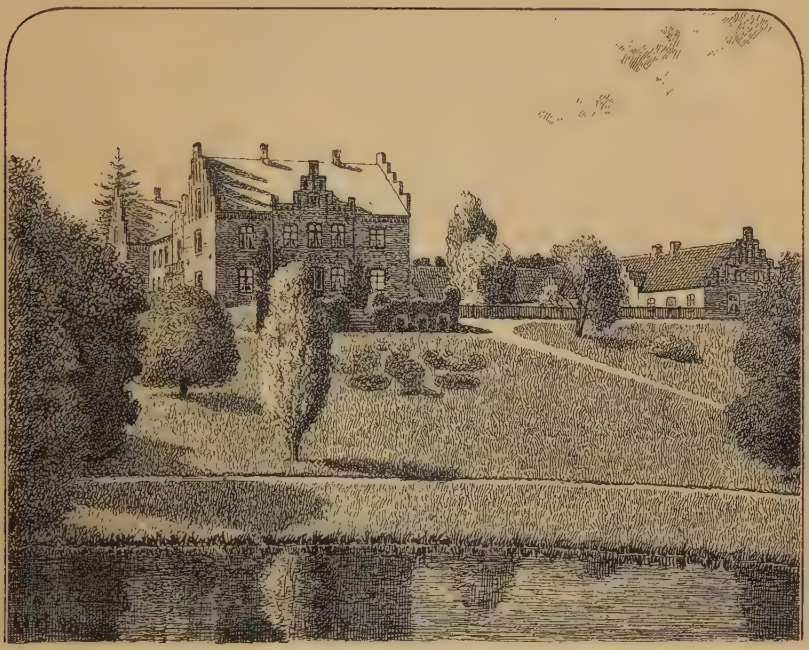

Erholm.

*højgd.*, Skovriderboligen *Hegnetslund* og *Gribsvad Kro*, ved Landevejenes Krydsning, med Mølle.

Rørup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 208. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Erholm og Søndergaarde.

*Kirken*, fordum helliget St. Morten, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og en Tilbygning mod N. Kirken har oprindl. været en romansk Bygning, opført af raa Kamp paa en to Skifter høj, profileret Sokkel af Granit. En Del i Kirkens Vægge indmurede rundhugne Profilsten tyder paa, at den oprindl. har haft Apsis. Den nuv. Kirkes Kor og Skib hidrøre fra den senere Middelalder og ere hovedsagelig opførte af Munkesten. Rester af det oprindl. Granitmurværk findes endnu paa Skibets Nord-

*) Til *Stamhuset Erholm og Søndergaarde*, der indbefatter de ovennævnte Gaarde, høre $241^1/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 133, Skovskyld $17^1/_2$, Bøndergods 73, Kirke- og Kongetiender (Gjelsted, Rørup, Skydebjærg og Orte) 183; i Bankaktier 11,600, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,311,900 Kr. Hovedgaardenes Tilliggende udgør 1400 Td. Ld. foruden 1000 Td. Ld. Skov.

side. Skib og Kor, der have samme Bredde, ere overhvælvede. Taarnet, med spaantækket Spir og hvælvet Underrum, der tjener som Vaabenhus (det tidligere Vaabenhus nedbrødes 1845—46), er opf. 1787 i Stedet for et ældre, fra Slutn. af 16. Aarh. Tilbygningen mod N. er opf. 1846. Kirken blev ombygget af Eiler Brockenhuus ved 1530. Altertavlen bestaar af en stor, udsvajfet Bræddeflage med paamalede Rokokoornamenter og et tarveligt Maleri. Prædikestolen, med Søjler og udskaarne Fyldinger, er et ret godt Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh. Herskabsstol fra 18. Aarh. med udskaarne Fyldinger. I Skibet to Messinglysekroner. I Taarnet er opstillet en Ligsten over Claus Brockenhuus til Søndergaarde, † 1566, og Hustru Marine Friis. I Kirken har der været en Dør med Indskrift i Jærn: 1513 in honorem St. Martini in Rørup.

*Erholm* tilhørte oprindelig den til Fyn indvandrede Linie af Slægten Rantzau (jvfr. Aagaarde) og kom vistnok ved Inger Clausdatter Rantzaus Ægteskab med Erik Jepsen Ravensberg til denne. Den deltes mellem deres to Børn, Sønnen Claus Eriksen „Slippeslot" og Datteren Elline, gift med Emmike Emmikesen. Førstnævnte døde 1541 paa E., og Gaarden tilfaldt da hans Datter Inger Clausdatter, Anders Pedersen Galts, dog i vedvarende Fællesskab, nu med Claus Basse, der havde ægtet Emmike Emmikesens Datter Anne. Sidstnævnte efterlod sig to Døtre Margrethe og Elline Basse, gifte med to Brødre Johan og Otte Norby, der begge skrev sig til E. Fru Inger Clausdatter solgte ved 1590 Gaarden til Fru Helvig Hardenberg til Arreskov; 1651 ejedes den af Fru Elisabeth Korff, Enke efter Landsdommer Torben Gabrielsen (Akeleye). 1664 solgte Fr. Arenstorff og Fru Christence Lykke E. med to Bøndergaarde og en Dobbeltgaard Hestholm til Oberst Poul Ulrik Pestel og Bodil Mortensdatter for 2300 Rd. in species. Pestel skødede 1685 E. til Raadmand i Assens Erik Nielsen, som 1699 solgte den til Raadmand Jeremias Spleths Søn, Forpagter paa Taasinge Lyder S. († 1713) for 2580 Rd. Han og hans Enke Karen Johansdatter Borchenfeldt tilkøbte meget Gods (1718 var Hrtk. 24 Td. og 136 Td. Bøndergods, men 1719 købte hun 160 Td. Krongods). Enken giftede sig atter 1720 med Krigs- og Landkommissær Andr. Simonsen, der 1725 efterfulgtes som Ejer af sin Broder Amtmand, Konferensr Hans S. († 1768), tidligere Kammertjener hos Fr. IV. 1759 købte han *Søndergaarde*. Denne Gaard tilhørte 1497 Henrik Brockenhuus, som formodentlig havde faaet den efter sin Moder Berte Clausdatter Rantzau; derefter hans Sønner Eiler, † 1546, der byggede eller ombyggede Rørup Kirke, hvor han ligger begraven, og Claus B., † 1566, hvis Søn Ejler B. til S. paa Grund af sit forargelige Levned blev indsat til livsvarigt Fængsel paa Dragsholm (se II S. 522). Dennes Søn Landsdommer Claus B., bekendt for sine mange Ejendomshandeler, solgte S. til Hans Lindenov, efter hvem den gik i Arv til Sønnerne Hans og Jakob, men Jakob bortbyttede 1657 sin Halvdel til Broderen mod dennes Halvpart i Gaunø. Hr. Hans Lindenovs Enke Elisabeth Augusta, Datter af Chr. IV., overdrog 1662 S. med 90 og 234 Td. Hrtk. til Kjøbenhavns Universitet for sin Husbonds Gæld, 24,385 Rd. Den blev henlagt til Trinitatis Kirke, af hvilken Grev Wedell til Wedellsborg købte den 1681. Dennes Sønnesøns Enke solgte 1759 S. (356 Td. Hrtk.) til ovennævnte H. Simonsen til E., som $^{25}/_{11}$ 1761 oprettede begge Gaardene til et Stamhus for Lorens Chr. Ernst de Cederfeld († 1822, en Søn af Amtmand Bartholomæus Bertelsen, adlet under Navnet Cederfeld). Naar han blev voksen, skulde han gifte sig med en af Døtrene efter Erigentens Brodersøn, Chrf. Simonsen, helst den ældste, og da antage Navnet Cederfeld de Simonsen; 1776 ægtede han den ældste, Ane Sophie, og overtog Stamhuset. Efter ham fulgte Sønnen, Stiftamtmand Hans Vilh. C. de S., † 1836, og derefter dennes Søn Amtmand Hans Chr. Joach. C. de S., den nuv. Besidder. — I Stedet for den gamle, 1 Stokv. høje Hovedbygning, der var opført af H. Simonsen, opførtes efter Tegn. af Herholdt 1850—54 en ny Hovedbygning i gotisk Stil, bestaaende af 3 Fløje i to Stokv., liggende paa en Terrasse, omkring hvilken den smukke, i engelsk Stil anlagte Have er lejret; i Haven Mindestøtte for H. Simonsen. Af sjældnere Træer nævnes: en Pinus austriaca, en Fraxinus excelsior, hvis Stamme er omtr. 19 F. i Omf., og en 70 F. høj Robinia Pseudacacia (om E. se *G. L. Wad*, Konferensr. H. Simonsen til E. og samme Gaards Ejere efter 1664, i Personalh. Tidsskr. III, 1882, S. 97 flg.).

Rørup S. havde 1545 sin egen Præst, men var allerede i Slutn. af 16. Aarh. annekteret til Gjelsted.

**Balslev Sogn** omgives af Annekset Ejby, Ørslev, Føns, Udby, N.-Aaby og Indslev Sogne. Kirken, mod S., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. Ø. for Middelfart og $2^1/_4$ Mil N. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder

ere overvejende lermuldede. Gennem det nordøstl. Hjørne gaar den fynske Hovedbane; Sydvesthjørnet berøres af Landevejen fra Middelfart til Assens.

Fladeindhold 1896: 1473 Td. Ld., hvoraf 774 besaaede (deraf med Hvede 43, Rug 128, Byg 189, Havre 174, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 121, Grøntf. 22, Kartofler 23, Sukkerroer 24, andre Rodfr. 42), Afgræsn. 191, Høslæt, Brak, Eng m. m. 292, Have 24, Skov 20, Moser 101, Hegn 23, Veje og Byggegr. 45, Vandareal 2 Td. Kreaturhold 1893: 156 Heste, 560 Stk. Hornkvæg (deraf 320 Køer), 311 Faar, 299 Svin og 9 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 167 Td.; 9 Selvejergaarde med 51, 18 Fæstegd. med 99, 57 Huse med 17 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 464 (1801: 338, 1840: 408, 1860: 406, 1880: 437), boede i 89 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomhed, 327 af Jordbr., 66 af Industri, 16 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv. En Del Tørveproduktion.

I Sognet Byerne: *Balslev* med Kirke, Præstegd., Skole og Forsamlingshus (indrettet 1889 i den tidligere Skole); *Mosegaard* med Mølle. Gaarden *Gjelbjærg*: omtr. 17 Td. Hrtk., 150 Td. Ld., hvoraf 4 Eng og Mose, Resten Ager (2 Huse). Desuden *Hellegd.* og *Humlegd.*

Balslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistrikt, 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 206. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opf. i den romanske Tid af tilhuggen Kamp med til Dels profileret Sokkel; to rundbuede Vinduer ses. I den senere Middelalder er Kirken bleven ombygget; de øvre Dele af Murene ligesom Korgavlen ere af Mursten (Koret har tidligere været højere), Skib og Kor have faaet Hvælvinger, og Taarnet, som er af Mursten med Sokkel af Kamp og Kvaderstensskifter i de nedre Dele, er tilføjet. Baade Korbuen og Buen fra det hvælvede Taarnrum ere runde. Vaabenhuset, af røde Mursten med Kamgavl og fladt Loft, er nyt. Udskaaren Altertavle, med Midtbillede: Christus i Emaus (Kopi efter Bloch) som i Kavslunde (bag Alteret Rester af den gamle Altertavle). Udskaaren Prædikestol i Renæssancestil. Granitdøbefont med Frise. Orgelet er skænket 1892 af Sognepræst M. Andersen til Minde om hans Hustru. Over Korbuen et gotisk Krucifiks. I Vaabenhuset en Series pastorum og en Ligsten over Præsten Laurits Jensen Gjevning, † 1708, sat 1690 „sibi suisque."

I Balslev Degnebolig er vistnok Maleren *Jens Juel* født $^{12}/_5$ 1745.

**Ejby Sogn**, Anneks til Balslev, omgives af dette, Indslev, Fjelsted, Gjelsted og Ørslev Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 2 Mil S. Ø. for Middelfart og $2^1/_2$ Mil N. for Assens. De noget højtliggende, men temmelig jævne Jorder ere overvejende lermuldede. Mod S. og Ø. Ejby Mose, mod V. Vestermose. Paa Østgrænsen løber Grimmelykke Aa. Gennem Sognet gaar den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 1518 Td. Ld., hvoraf 718 besaaede (deraf med Hvede 26, Rug 124, Byg 165, Havre 154, Blandsæd til Modenh. 132, Grøntf. 27, Kartofler 17, Sukkerroer 32, andre Rodfr. 41), Afgræsn. 178, Høsiæt, Brak, Eng m. m. 313, Have 34, Skov 2, Moser 213, Hegn 9, Veje og Byggegr. 51 Td. Kreaturhold 1893: 156 Heste, 542 Stkr. Hornkv. (deraf 346 Køer), 323 Faar, 330 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 161 Td.; 36 Selvejergaarde med 139, 139 Huse med 19 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 797 (1801: 298, 1840: 433, 1860: 513, 1880: 725), boede i 160 Gaarde og Huse; Erhverv: 52 levede af immat. Virksomh., 347 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 238 af Industri, 60 af Handel, 60 af forsk. Daglejervirks., 23 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv. En Del Tørveproduktion.

I Sognet Byen *Ejby*, ved Jærnbanen, med Kirke, Skole, Forskole, Fattiggaard (opr. 1882, Plads for 26 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1894), 2

Møller, 6 Teglværker (et i *Nyhave* Huse), Savværk, Købmandsforretn., Gæstgiveri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. *Tving* og *Smedsholm*, Huse.

Ejby S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Vends Hrd.'s Jurisdiktion (Middelfart) og i øvrigt under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr.' 212. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet og Taarn mod V. Med Undtagelse af Taarnet, der er opf. af Kamp og Mursten med profileret Sokkel og har takkede Gavle og Blindinger, og som er fra den senere Middelalder, er Kirken opført i en tarvelig Skikkelse af Mursten med Granitsokkel i Aaret 1842. Kirken har fladt, gibset Loft, Taarnrummet Kuppelhvælving. Tarvelig Altertavle med et Midtbillede: Christus velsigner de smaa Børn; tarvelig, gammel Prædikestol med Søjler; Granitdøbefont fra den gamle Kirke, fra hvilken ligeledes et Par middelalderlige Alterstager stammer. Orgelet er skænket 1892 af Sognepræst M. Andersen til Minde om hans Hustru.

**Nørre-Aaby Sogn** omgives af Annekset Indslev, Asperup, Rorslev, Udby og Balslev Sogne. Kirken, noget nordl., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Middelfart. De noget højtliggende, bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. Gennem Sognet gaar den fynske Hovedbane; Nordgrænsen berøres af Landevejen fra Odense til Middelfart.

Fladeindholdet 1896: 1915 Td. Ld., hvoraf 1047 besaaede (deraf med Hvede 50, Rug 177, Byg 232, Havre 237, Blandsæd til Modenhed 173, Grøntf. 32, Kartofler 17, Sukkerroer 6, andre Rodfrugter 112, Handelspl. 9), Afgræsn. 281, Høslæt, Brak, Eng m. m. 409, Have 58, Skov 16, Moser 32, Hegn 16, Veje og Byggegr. 54, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 198 Heste, 773 Stkr. Hornkv. (deraf 474 Køer), 313 Faar, 522 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 244 Td.; 50 Selvejergaarde med 213, 1 Arvefæstegd med 7, 122 Huse med 24 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 868 (1801: 378, 1840: 562, 1860: 572, 1880: 761), boede i 168 Gaarde og Huse; Erhverv: 85 levede af immat. Virksomh., 430 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 222 af Industri, 63 af Handel, 36 af forsk. Daglejervirks., 22 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Aaby* med Kirke, Skole, Missionshuset „Emaus" (opf. 1883), Vends m. fl. Herreders Spare- og Laanekasse (opr. $^{11}/_6$ 1867; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 2,146,614 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 95,000 Kr., Antal af Konti 6036), Lægebolig, Andelsmejeri (Aalund), Cyklefabrik, Handelsgartneri m. m., Gæstgiveri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition; *Byllerup* med Præstegd., Forsamlingshus (opf. 1883) og Mølle; *Gadstrup* med Teglværker; *Brangstrup* med Kalkbrænderi og Teglværk. *Aabylund*; *Aaby-Margaarde*. *Baaringvad*, Gde. og Huse. *Kongsgaard*: $12^1/_4$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 4 Skov, Resten Ager (1 Mølle og 1 Fæstehus). *Margaard* (en af Aaby-Margaarde): 12 Td. Hrtk., 99 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 2 Skov (i Brenderup S.), $1^1/_2$ Tørvemose, Resten Ager.

N.-Aaby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vends Hrd'.s Jurisdiktion (Middelfart), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 216. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Hindsgavl.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den er opført af Munkesten og raa Kamp. Skibet tilhører vistnok Slutn. af den romanske Tid; af oprindl. Vinduer findes et rundbuet mod S. og et spidsbuet mod N. Koret er i den senere Middelalder blevet ombygget, og fra samme Tid hidrøre Vaabenhuset og

Taarnet, med Blindinger, men uden Kamtakker. Skib og Taarn have Krydshvælvinger fra den senere Middelalder, Koret en Kuppelhvælving fra en senere Tid. Alterbilledet (Christus i Getsemane) er Kopi efter C. Bloch. Døbefonten, af Træ, bæres af udskaarne Evangelistfigurer og har en udskaaren Himmel fra 17. Aarh. Prædikestolen, med Himmel, der er rigt udskaaret i barok Renæssancestil, har Aarst. 1649. Stolestaderne have alle udskaarne Endestykker fra 1598, og fra samme Tid er vistnok ogsaa den udskaarne Forside af Alterbordet. Præste- og Degnestol fra 17. Aarh. I Koret et udskaaret Epitafium med et Oliemaleri over Præsten Alex. Christensen Sønderby, † 1650, der skal have givet Prædikestolen. Kirkedøren har Jærnbeslag fra 17. Aarh. I Skibet et ret tarveligt, middelalderligt Krucifiks. Den ene Klokke har en middelalderlig Indskrift i Minuskler.

**Indslev Sogn**, Anneks til N.-Aaby, omgives af dette, Asperup, Brenderup, Fjelsted, Ejby og Balslev Sogne. Kirken, noget vestl., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil Ø. S. Ø. for Middelfart, $2^3/_4$ Mil N. for Assens og 2 Mil S. V. for Bogense. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Middelfart til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1997 Td. Ld., hvoraf 1046 besaaede (deraf med Hvede 47, Rug 189, Byg 211, Havre 216, Blandsæd til Modenh. 215, Grøntf. 48, Kartofler 16, andre Rodfr. 97, Handelspl. 6), Afgræsn. 265, Høslæt, Brak, Eng m. m. 452, Have 63, Skov 14, Moser 80, Kær og Fælleder 5, Hegn 15, Veje og Byggegr. 57 Td. Kreaturhold 1893: 221 Heste, 802 Stkr. Hornkv. (deraf 491 Køer), 368 Faar, 426 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 231 Td.; 41 Selvejergaarde med 214, 77 Huse med 17 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 690 (1801: 464, 1840: 632, 1860: 613, 1880: 700), boede i 134 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 426 af Jordbrug, 154 af Industri, 32 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirks., 15 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Indslev* (1346: Ingesløue, 1421: Engesløf, 1440: Ingesløff), ved Landevejen, med Kirke og Kro; *Bubel* med Andelsmejeri; *Indslev-Taarup* med Skole og Fattiggaard (opr. 1882, Plads for 24 Lemmer); *Vejrup*. *Bubelgaard*: 18 Td. Hrtk. (2 i Brenderup S.), 170 Td. Ld., hvoraf 10 Eng og Mose, 14 Skov, Resten Ager (1 Mølle og 4 Lejehuse). Desuden *Kjærbyholm* med Fællesmejeri og *Grimmelykke*, Gde. og Huse. *Korupgd.* og *Allesvraa*.

Indslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningsk.' 211. Lægd. Kirken tilhører nogle Privatmænd.

*Kirken*, fordum indviet til St. Dionysius, en smuk og velbevaret romansk Murstensbygning, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skibet har flade Hjørnelisener og en Gesims med Tandsnit og Smaakonsoller. Korets tre Sider ere hver prydede med tre flade Lisener, der foroven forbindes med en Rundbuefrise. Skibet har ingen Sokkel, Koret derimod en af Tegl udført, kraftig profileret Sokkel. Koret har haft to temmelig høje og smalle rundbuede Vinduer i hver af dets tre Sider; nu ere de paa Sydsiden forsvundne. Skibets Vinduer, der ere bredere og lavere end Korets, ere bevarede paa Nordsiden. Syddøren er velbevaret, Norddøren delvis ødelagt. I den senere Middelalder ere Skib og Kor blevne overhvælvede og Taarn og Vaabenhus tilføjede. Taarnet (overhvælvet) har takkede Gavle med Blindinger. Korets Indre er restaur. 1898 og har fladt Bjælkeloft. Alterbilledet (Gravlæggelsen) er en Kopi efter Fra Bartolemeo; paa hver Side af Tavlen et Basrelief i Egetræ: Indtoget i Jerusalem og Gangen til Golgatha. Degne- og Præstestol ere tarvelige Arbejder fra Beg. af 17. Aarh. Stolestaderne have Aarst. 1606. Prædikestol i barok Renæssancestil med udskaarne Fyldinger. Romansk Granitdøbefont med Buefrise og Kors paa Kummen. I Vaabenhuset en Dør fra 1455 med rigt smedet Beslag, hvoraf en Del danner Indskriften: Ave Maria St. Dionysius. Klokken, uden Indskrift, er fra Middelalderen.

*Bubelgaard* ejedes og beboedes 1642 af Peder Ovesen Bille, 1658 af Hr. Steen Eriksen B. til Kjærsgaard og senere af Chr. Fr. Gersdorff.

Om *Allesvraa*, der ved Midten af 17. Aarh. ejedes af Niels Munk, se Saml. til Fyens Hist. IX S. 286.

En Gildeskraa fra Vejrup, fra 1699, opbevares i Dansk Folkemuseum.

**Gamborg Sogn** omgives af Kavslunde og Udby Sogne samt Gamborg Fjord. Kirken, noget mod S., ligger omtr. 1 Mil S. Ø. for Middelfart. De højtliggende, mod V. bakkede, ellers jævne Jorder ere lermuldede undtagen paa den med Fyn ved to Dæmninger forbundne *Svinø* (i dagl. Tale kaldet „Skoven"), hvor de ere sandmuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Middelfart til Assens og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 1284 Td. Ld., hvoraf 645 besaaede (deraf med Hvede 60, Rug 89, Byg 153, Havre 178, Blandsæd til Modenh. 109, Grøntf. 7, Kartofler 13, andre Rodfrugter 25, Frøavl 8), Afgræsn. 154, Høslæt, Brak, Eng m. m. 290, Have 15, Kær og Fælleder 23, Hegn 13, Stenmarker 23, Veje og Byggegr. 31, Vandareal 90 Td. Kreaturhold 1893: 142 Heste, 384 Stkr. Hornkv. (deraf 241 Køer), 252 Faar og 156 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 155 Td.; 4 Selvejergaarde med 9, 25 Fæstegd. med 138, 16 Huse med 5 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus (næsten alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 300 (1801: 269, 1840: 301, 1860: 292, 1880: 293), boede i 48 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 205 af Jordbr., 54 af Industri, 3 af Handel, 5 af forsk. Daglejervirks., 7 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Gamborg* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus („Byhjemmet", opf. 1892), Mølle, Maskinfabrik samt Jærnbanestation (Kavslunde Station). Af Gaarde nævnes: *Margd.*, *Holmegd.*, *Vestergd.*, *Ejstrupgd.* og *Lindgravgd.*

Gamborg S., en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 205. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opf. i den romanske Tid af utilhuggen Kamp med tilhugne Hjørnekvadre og til Dels huggen Sokkel; paa Skibets Nordside ses et tilmuret, rundbuet Vindue. I den senere Middelalder er Skibet forlænget mod V., Korgavlen ommuret, Taarnet tilføjet og Kirken overhvælvet, alt af Mursten. Vaabenhuset, af Mursten med Kamgavl, har fladt, gibset Loft. Tarvelig Altertavle (med et Maleri: Christus i Getsemane) og Prædikestol, vistnok fra 17. Aarh.; Døbefont af Træ. I Kirken Ligsten over Præsten Mads Pedersen Maaløe, † 1789. I Taarnrummet to smaa Ligsten og to Malerier, det ene af Præsten Jørgen Nielsen, † 1697, og Hustru, fra 1682, det andet af Præsten Peder Dyrhof, † 1711, og Hustru, fra 1708. Som Dørtrin ind til Vaabenhuset ligge Stykker af en gammel Ligsten (over Anders Glob?, se ndfr.); et Egeskab, med Indskr.: Anders Glob anno domini MDXXII, er nu forsvundet. — Paa Kirkegaarden findes en Ligsten over Maleren Jens Juels Moder (se S. 521), der blev gift med Degnen Jørgen Jørgensen i Gamborg.

V. for Byen Gamborg paa en høj Banke, kaldet „Højborg" („Houborg"), paa „Borgmarken", tæt ud til en Arm af Gamborg Fjord, har Kongeborgen *Gamborg* ligget. Den omtales første Gang 1286 under Navn af „Gamleborrig" som pantsat til Hertugerne af Sønderjylland; s. Aar kom den atter i Kronens Besiddelse, men blev snart efter igen pantsat; 1359 blev den belejret af Holstenerne og den oprørske jydske Adel, men Vald. Atterdag undsatte den. Senere nedbrødes Slottet. Voldstedet, der delvis er forstyrret i 19. Aarh. og nu er opdyrket — kun Toppen og de stejle Skrænter ere kratbevoksede —, bestaar af to firsidede Voldbanker, en større og højere mod N. og en mindre og lavere mod S., der ere adskilte ved og omgivne af en Grav; der findes Brokker af Munkesten og Kamp; i de sidste Aar er der noget under Jorden fundet en Brolægning af Kamp. Efter Sigende var en tidligere Kirkelade ved Gamborg Kirke opf. af Materiale fra Slottet (se *Vedel Simonsen*, Borgruiner, 2. Hæfte S. 79 flg.).

Paa den nordøstl. Side af *Svinø* lige over for Slotsbanken findes endnu ved Pløjning Murbrokker. Her har vel det „Herresæde" ligget, hvor Anders Glob († 1546, be-

gravet i Gamborg Kirke) „undertiden holdt Hus". I Jac. Madsens Visitatsbog (S. 365) knyttes ogsaa Navnene Anton Bryske og Mads Ryberg til Stedet.

I Gamborg paa den Plads, hvor tidligere Gadestævnet har været holdt, er der 1880 paa Foranledning af den dav. Sognepræst P. S. Nyeborg (der havde Saml. til Sognets Hist., se Kirkeh. Saml. 4. R. I Bd. S. 401) stillet 8 utilhugne Sten i en Rundkreds om et Asketræ, i Form af et gammelt Bystævne (Bymændenes Antal var dengang 17).

Om Marsvinsfangsten i Gamborg Fjor se S. 383.

En Bylov for Gamborg fra 1790 er trykt i Middelfart Avis 1897.

Aar 1654 var der Tale om at sammenlægge Gamborg og Udby Sogne paa Grund af det førstes Ringhed; 1555 og 1632 tales ogsaa om Kaldets Ubetydelighed.

**Udby Sogn** omgives af Gamborg, Kavslunde, Rorslev, N.-Aaby, Balslev og Føns Sogne samt Gamborg Fjord. Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Middelfart og $2^1/_2$ Mil N. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. Lidt Skov (Ronæs Sk.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Middelfart til Assens og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 2346 Td. Ld., hvoraf 1225 besaaede (deraf med Hvede 69, Rug 194, Byg 288, Havre 286, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 195, Grøntf. 20, Kartofler 15, Sukkerroer 44, andre Rodfr. 86, Handelspl. 4, Frøavl 20), Afgræsn. 334, Høslæt, Brak, Eng m. m. 527, Have 33, Skov 90, Moser 27, Kær og Fælleder 7, Hegn 17, Heder 7, Veje og Byggegr. 74, Vandareal m. m. 4 Td. Kreaturhold 1893: 246 Heste, 796 Stkr. Hornkvæg (deraf 488 Køer), 472 Faar, 401 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 295 Td.; 7 Selvejergaarde med 28, 36 Fæstegd. med 244, 49 Huse med 14 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse ($^2/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 621 (1801: 507, 1840: 557, 1860: 538, 1880: 637), boede i 91 Gaarde og Huse; Erhverv: 45 levede af immat. Virksomhed, 387 af Jordbr., 4 af Gartneri, 93 af Industri, 20 af Handel, 47 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Udby* (1440: Wby), ved Landevejen, med Kirke, Folkehøjekole for Piger (opr. 1892; til Skolen er knyttet Børnehjemmet „Fagerliden", der nu skal nedlægges) og Kro; *Ronæs* (1300: Rotenes) med Præstegd. og Købmands-, Korn- og Tømmerhandel ved Ladepladsen *Ronæsbro; Rolund* (1336: Rodelund), ved Landevejen, med Skole; *Viby*, ved Landevejen, med Folkehøjskole (opr. 1896) i Gaarden *Vesterdal,* Teglværk og Mølle. *Limose*, Huse. Gaarde: *Viby-Ellegd.*, *Broendegd.*, *Bækgd.*, *Grønnegd.* og *Udbygd.*

Udby S., en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 204. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor, af raa og tilhuggen Kamp, stamme fra den romanske Tid; flere rundbuede, nu tilmurede Vinduer ses. I den senere Middelalder er Korgavlen og Kirkens Mure ommurede og Taarnet samt Vaabenhuset opførte, alt af Mursten, dog har Taarnet Sokkel af Kamp, ligesom der i dets nederste Del findes enkelte Kvadre (en Del buet tilhugne Kampesten skulle stamme fra Viby Kirke — se ndfr. —, der mulig har haft Korrunding); det har Kamgavle med Blindinger. Hele Kirken har fladt, gibset Loft undtagen Taarnrummet, der er overhvælvet og ved en stor, rund Bue er forbundet med Skibet. Udskaaren Altertavle som i Gamborg Kirke med et Billede: Disciplene i Emaus (det gml. Alterbillede: Christus i Getsemane, malet af Malermester Niss i Assens, hænger i Taarnet); Prædikestol i Renæssancestil med Sejler; Granitdøbefont med firsidet Overkant, Hoveder og Ornamenter. I Taarnrummet en Ligsten over Sognepræsten Chr. Brodersen Riisbrigh, † 1718, og Hustru. Paa Nordsiden af Skibets Mur er der en Dyrefigur. Om en nu forsvunden, jærnbeslaaet Kirkedør med Indskrift og Aarst. 1409 se Marmora Dan. I, S. 243.

Viby udgjorde i Middelalderen et Sogn, som var annekteret til Udby; men if. Klemmebrevet af 1555 blev Kirken nedbrudt og Sognefolket henvist til Udby Kirke. Endnu 1574 stod der dog betydelige Murrester tilbage (se S. 382). Stedet, hvor Kirken har staaet, omtr. midt mellem Viby og Rolund ved Assensvejen, kaldes endnu „Viby Kirketoft" eller den „gamle Kirkegaard"; der har en Tid lang været taget Grus her, hvorved mange Skeletter ere opgravede. Pladsen er nu siden 1890 paa Foranstaltning af Grev Wedell-Wedellsborg bleven fredet ved Indhegning og Tilplantning, og samtidig er den gamle Granitdøbefont, som før laa i en Stendynge i den nordre Gaard i Viby (efter Sigende Præstegaarden), bleven opstillet der. Der ses endnu Brokker af røde Munkesten; 1890 blev der truffet Grundsten af Kamp (mulig fra Kor og Vaabenhus).

*Ronæs* var omtr. 1500 en Gaard.

**Føns Sogn** bestaar af to i Lille Bælt udskydende Halvøer, en større, nordl., *Fønsskov* (Fynsskov), mellem Gamborg Fjord og Fønsvig, og en mindre, sydl., *Aalehoved*, mellem Fønsvig og Tybrind Vig. Mod Land omgives Sognet af Annekset Ørslev, Balslev og Udby Sogne. Kirken, i Sognets østl. Del, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. Ø. for Middelfart og $2^1/_2$ Mil N. N. V. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere dels lette og sandede, dels stærkt lerede. En Del Skov (Bøgesk., Egesk.). Det inderste af Gamborg Fjord, der tidligere trængte ind mellem Føns og Udby Sogne, er inddæmmet og for største Delen forvandlet til Eng (omtr. 200 Td. Ld.).

Fladeindholdet 1896: 2559 Td. Ld., hvoraf 1026 besaaede (deraf med Hvede 112, Rug 127, Byg 225, Havre 233, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 224, Grøntf. 21, Kartofl. 17, Sukkerroer 3, andre Rodfr. 57), Afgræsn. 484, Høslæt, Brak, Eng m. m. 503, Have 26, Skov 142, Kær og Fælleder 217, Hegn 25, Hede 14, Stenmarker 55, Veje og Byggegr. 56, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 194 Heste, 737 Stkr. Hornkv. (deraf 459 Køer), 657 Faar, 410 Svin og 25 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 242 Td.; 10 Selvejergaarde med 146, 18 Fæstegd. med 80, 49 Huse med 16 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse ($^2/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 595 (1801: 486, 1840: 520, 1860: 520, 1880: 579), boede i 91 Gaarde og Huse; Erhverv: 21 levede af immat. Virksomh., 319 af Jordbrug, 32 af Fiskeri, 74 af Industri, 9 af Handel, 3 af Skibsfart, 118 af forsk. Daglejervirks., 14 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Føns* (1231: Fyunnæs, 1348: Fynnes, 1440: Fyns) med Kirke, Præstegd. (V. for Byen), Skole, Hospital (opr. 1765 af Kmhr. F. L. Grev Wedell, † 1817, med et Hus til 2 fattige gamle Kvinder af Grevskabet; det skal nedlægges); *Rud*. Mod N. V. ude paa Fønsskov *Fønsskovgaarde* med Skole. Hovedgaarden *Sparretorn*, under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529), har $46^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^5/_8$ Td. Skovsk., 522 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 107 Skov, Resten Ager; ved Gaarden et Andelsmejeri. Under s. Grevskab høre Gaardene: *Gammelgaard*, $16^1/_8$ Td. Hrtk., 127 Td. Ld., hvoraf 7 Eng, Resten Ager, *Ellegaard*, $15^7/_8$ Td. Hrtk., 151 Td. Ld., hvoraf 28 Eng, 15 Skov, Resten Ager, *Fønsvang* (for største Delen bestaaende af inddæmmede Arealer, der henligge som Eng), $14^1/_4$ Td. Hrtk., 236 Td. Ld., hvoraf 198 Eng, 38 Ager, *Tønnæs*, $12^1/_4$ Td. Hrtk., $95^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 15 Eng, Resten Ager, *Risbro*, $12^7/_8$ Td. Hrtk., 98 Td. Ld., alt Ager, *Torbenhøj*, $15^1/_4$ Td. Hrtk., 131 Td. Ld., hvoraf 16 Eng, Resten Ager, og *Mosegaard*, $5^5/_8$ Td. Hrtk., 40 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, Resten Ager.

Føns S., een Sognekommune med Annekset, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 203. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken*, tidligere kaldet „Oddesunds Kirke“ eller „Øderslev“ (D. Atl., VI, S. 646) og indviet til St. Anna (1478 udstedte flere Bisper et Afladsbrev til den), bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere oprindl. opf. i den romanske Tid af utilhuggen Kamp; paa Skibets Nordside ses et rundbuet, tilmuret Vindue. I den senere Middelalder ere Murene og Østgavlen udbedrede og hovedsagelig opf. af Mursten, Skib og Kor ere blevne overhvælvede (Hvælvingsribberne forløbe paa Halvsøjler), og Taarnet, af Mursten paa Kampestensgrund, er tilføjet. Korgavlen ligesom Taarnet have Kamme med Blindinger. Det overhvælvede Taarnrum er forbundet med Skibet ved en Spidsbue. Vaabenhuset, af Mursten, har Kamgavl, Blindinger og Bræddeloft. Udskaaren Altertavle med et Hautrelief i Midten (Maria og Anna med Christusbarnet) som i Gamborg Kirke; tarvelig udskaaren Prædikestol; Granitdøbefont med firsidet Fod og Hoveder. I Koret smuk Ligsten over Præsten Peder Jørgensen, † 1613.

*Sparretorn* nævnes ved Aar 1500, da den alt hørte under Iversnæs (Wedellsborg). Senere kom den under Kronen og var ukomplet og ufri, da den 1718 blev mageskiftet til Fru Anne Cathrine Banner, Grevinde Wedell, for hendes Livgeding Rugaard. Ved Mageskiftet fik S. atter Frihed og Navnet *Bannerslund*, et Navn, den endnu havde i Slutn. af 18. Aarh. Hovedbygningen, beliggende paa Halvøen Fønsskov, er en 2 Stokv. høj Bygning, opf. 1888.

*Risbro*, der endnu i 18. Aarh. var omgiven af Grave, skal tidligere have været en Hovedgaard, som tilhørte den med Leonora Sophie Ulfeldt gifte Lage Beck til Andrarum, † 1710 (se Kirkeh. Saml. 2. R. VI Bd. S. 328).

Paa Fønsskov skal ogsaa have ligget en anden Hovedgaard, *Fønsgaard*, hvorat der endnu i 18. Aarh. fandtes Ruiner og Grave. — Paa Halvøen skal endvidere have ligget Landsbyen *Fønsøre* (Fønsføre), det sydligste af de tre Færgesteder ved Lille Bælt (se S. 387); i Slutn. af 16. Aarh. var der endnu Rudera af Byen.

**Ørslev Sogn**, Anneks til Føns, omgives af dette, Balslev, Ejby og Gjelsted Sogne, Baag Hrd. (Tanderup S.), Husby Sogn og Lille Bælt (Tybrind Vig). Kirken, noget østl., ligger omtr. 2 Mil S. Ø. for Middelfart og 2 Mil N. for Assens. De mod Ø. noget højtliggende og bakkede (Fluebjærg, 153 F., 48 M.), mod V. lavere og jævne Jorder ere en Del sandede. Henved $^1/_3$ af Arealet er dækket med Skov (Ørslev Bjærge, Tellerup Bjærge, Nysk., Grevindens Sk.). Paa Sydgrænsen løber Hybæk. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Middelfart til Assens.

Fladeindholdet 1896: 3446 Td. Ld., hvoraf 1182 besaaede (deraf med Hvede 57, Rug 192, Byg 257, Havre 215, Boghv. 10, Blands. til Modenh. 259, Grøntf. 66, Kartofl. 29, Sukkerroer 31, andre Rodfr. 60, Frøavl 4), Afgræsn. 473, Høslæt, Brak, Eng m. m. 482, Have 27, Skov 1017, Moser 21, Kær og Fælleder 133, Hegn 19, Stenmarker, Hede m. m. 25, Veje og Byggegr. 45, Vandareal m. m. 22 Td. Kreaturhold 1893: 205 Heste, 752 Stkr. Hornkv. (deraf 461 Køer), 395 Faar, 342 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 280 Td.; 5 Selvejergaarde med 99, 25 Fæstegd. med 156, 33 Huse med 8 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse (alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 422 (1801: 377, 1840: 401, 1860: 413, 1880: 428), boede i 65 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomh., 263 af Jordbrug, 61 af Industri, 12 af Handel, 40 af forsk. Daglejervirks., 6 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ørslev* (1440: Øthesløff) med Kirke og Skole; *Ellesø* med Andelsmejeri (Søbjærg); *Tellerup*. Hovedgaarden *Tybrind*, under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529), har 82 Td. A. og Engs Hrtk. og $16^5/_8$ Td. Skovsk., 1193 Td. Ld., hvoraf 33 Eng, 310 Skov, 120 Oredrev, 47 Have, Park m. m., Resten Ager. *Kjellingberg*, Tingsted for Wedellsborg Birk, med Tinghus (opf. i 1850'erne, en Bygning i to Stokv.) og Bolig for Birkedommeren. *Ørslevskovgd.*, *Kohavegaarde*, *Ulsrod*, *Gammeldam*, *Liliendal* (Lægebolig), *Hybæk* Vejr- og Vandmølle; *Hylke* Vandmølle; *Lamose* Vandmølle.

Ørslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme

Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 202. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* (overkalket), fordum helliget Vor Frue, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i den romanske Periode af Munkesten uden Sokkel. Over Vaabenhusloftet findes Rester af en rundbuet Dør og udvendig paa Skibets Nordside Levninger af 9 flade, smalle Pilastre, der omtr. $3^1/_2$ Al. over Jorden ere borthuggede. Koret og den største Del af Skibet ere sikkert ombyggede i den senere Middelalder; Korbuen er rund. Ved Ombygningen synes der at være anvendt en Del Kamp i Skibets Nordmur. Taarnet, med blindingssmykkede Kamgavle, Vaabenhuset samt Hvælvingerne i Skib, Kor og Taarn hidrøre fra den senere Middelalder. Vaabenhuset har Bræddeloft. Altertavle som i Gamborg Kirke med et Maleri (Kopi efter C. Bloch): Christus med Barnet. Tarvelig Prædikestol med riflede Lisener. Simpel romansk Granitdøbefont. Over Korbuen et lille Krucifiks. Klokken, med Minuskelindskrift, er fra 1426.

*Tybrind* er formentlig det „Thygbrødt", hvortil Hans Daa til Enggaard skrev sig 1580; men ellers berettes, at T. først blev oprettet til Hovedgaard af Corfitz Viffert, der havde tilgiftet sig Gods her (Byen Tybrind, bestaaende af 9 Gaarde) med Anne Gyldenstierne fra Iversnæs og mageskiftet sig mere til fra Kronen 1586—88. Med hans Datter Christence kom Gaarden til Hr. Breide Rantzau, hvis Datter Lisbeth Sofie R. bragte den til sin Ægtefælle Hr. Hans Lindenov, hvis Søn af samme Navn 1653 solgte den til sin Svigermoder Fru Kirsten Munk, efter hvis Død 1658 den kom til hendes anden Svigersøn Hannibal Sehested; hans Datter var gift med Grev Vilh. Fr. Wedell, hvorved T. kom ind under Grevskabet Wedellsborg (se S. 530). — Hovedbygningen, om hvilken der er formentlige Rester af Grave, er nyopført 1884 i to Stokv. med Taarn med Spir samt flere Karnapper og Smaaspir; under Bygningen findes de gamle Kældere. Den gamle Gaard brændte 1874.

Ved Tybrind Vig led de danske Tropper under Generalmajor Jens v. Hadersleben eller Løvenklau et Nederlag $^{30}/_1$ 1658 i Kamp mod de svenske, der vare gaaede over Isen fra Hejlsminde.

**Husby Sogn** bestaar af Halvøen *Iversnæs* (Navnet gælder egentlig kun den yderste Spids), der skyder ud S. for Tybrind Vig i Lille Bælt. Mod Land omgives det af Ørslev Sogn og Baag Hrd. (Tanderup S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil S. S. Ø. for Middelfart og $1^1/_2$ Mil N. for Assens. De mod S. noget højtliggende og bakkede (Farshøj, 90 F., 28 M.), mod V. lavere og jævnere Jorder ere muldede med Lerunderlag. En Del Skov (Kongesk., Storsk., Lystsk., Bodilsdræt). Til Sognet hører den i Lille Bælt liggende lave Ø *Brandsø*, med lidt Skov. I den nordøstl. Del løber *Hygind Bæk*, som forener sig med Hybæk; paa Sydøstgrænsen falder Brende Aa ud i Lille Bælt.

Fladeindholdet 1896: 4013 Td. Ld., hvoraf 1642 besaaede (deraf med Hvede 108, Rug 274, Byg 402, Havre 39), Blands. til Modenh. 307, Grøntf. 38, Kartofler 40, Sukkerroer 5, andre Rodfr. 67, Frøavl 5), Afgræsn. 501, Høslæt, Brak, Eng m. m. 871, Have 79, Skov 529, Moser 95, Kær og Fælleder 147, Hegn 54, Heder 19, Veje og Byggegr. 65, Vandareal m. m. 11. Kreaturhold 1893: 345 Heste, 1244 Stk. Hornkvæg (deraf 721 Køer), 856 Faar og 588 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 444 Td.; 9 Selvejergaarde med 146, 45 Fæstegd. med 276, 72 Huse med 20 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse (alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 967 (1801: 802, 1840: 845, 1860: 839, 1880: 972), boede i 146 Gaarde og Huse; Erhverv: 57 levede af immat. Virksomhed, 631 af Jordbr., 4 af Fiskeri, 127 af Industri, 23 af Handel, 2 af Skibsfart, 87 af forsk. Daglejervirks., 21 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv.

I Bognet Byerne: *Husby* med Kirke, Skole og Stiftelse („Lensgrevinde Rosa Wedell, f. v. Kroghs Stiftelse", en 1860 opf. Fribolig for 4 værdige trængende, hvortil der ved Testam. af 1871 af hendes Mand Gehejmekonferensr. Greve K. Wedell, † 1882, er henlagt en Kapital af 20,000 Kr., hvis Renter anvendes til Vedligeholdelse m. m. og til Uddeling til Lemmerne;

et af Gehejmer., Kmhr. Grev H. Wedell 1765 opr. Hospital i Husby, med et Hus ved Kirken, er solgt 1894, men Renterne uddeles aarl. til 2 trængende); *Sønder-Aaby* med Præstegd. og Toldassistentstation; *Eskjør*; *Hygind* med Vandmølle; *Hygind-Taarup*. Hovedgaarden *Wedellsborg* med et Kapel, Hovedsædet i Grevskabet af samme Navn, har 105 Td. Ager og Engs Hrtk., $16^3/_4$ Td. Skovskyld, 1185 Td. Ld., hvoraf 130 Eng, 417 Skov, 68 Have og Park, Resten Ager. *Brandsø*, ligeledes under Grevskabet, har 23 Td. Hrtk., 366 Td. Ld., hvoraf 43 Skov, 78 Tørvemose, Resten Ager og Eng. Paa Øen findes 2 Gaarde og 7 Huse samt en

Husby Kirke.

Skole*). Desuden mærkes *Holmehuse*, *Adlershus*, Godsforvalterbolig (i Lystskov), og *Rørdam*, Skovriderbolig.

Husby Sogn, en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Middelfart Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 201. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

---

*) Til *Grevskabet Wedellsborg*, der indbefatter Hovedgaardene Wedellsborg, Tybrind, Sparretorn, Orelund, Billeskov og Minendal og Avlsgaardene Ellegaard, Gammelgaard, Risbro, Torbenhøj, Mosegaard, Tønnæs og Fønsvang samt Øerne Baagø, Ægholm og Brandsø, høre $2470^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 437, indtaget til Skov 37, Bøndergods 1627, Kirke- og Kongetiende (Kirke- og Kongetiende af Ørslev, Føns, Udby, Tanderup og Sandager Sogne samt Kirketiende af Kjerte og Ejby Sogne) 369 Td., i Bankaktier 33,400, i Fideikommiskapitaler omtr. 53,000 Kr. Skovarealet er omtr. 2200 Td. Ld.

*Kirken*, en anselig og smuk Bygning, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V., med Granitsokkel, Pilastre og Kuppel med Spir, samt to Kapeller mod N. og S., saa at Kirken faar Korsform. Skib, Kor og Kapeller ere opførte af tilhuggen Kamp og Mursten. Det oprindl. Kor synes senere at være blevet erstattet med en Tilbygning af samme Bredde som Kirken og bestaaende af to Hvælvingsfag, af hvilke det ene danner det nuv. Kor med lige afsluttet Gavl. Endnu staar den runde Bue mellem den gamle Kirke og denne Forlængelse. Ogsaa i den modsatte, vestl. Ende er Kirken bleven forlænget med eet Hvælvingsfag, hvori Orgelpulpituret er anbragt, samt endvidere Taarnet, hvis underste Rum tjener til Vaabenhus. Dette har fladt Loft, hele den øvrige Kirke høje Hvælvinger. Det sydl. Kapel er det ældste, det nordl. er fra 2. Halvdel af 17. Aarh. Udskaaren stor, gotisk Altertavle (i Midten Gangen til Golgatha, paa Siderne Apostlene m. m.). Stor, gotisk Prædikestol. Granitdøbefont med Ornamenter og Hoveder. Af Kapellerne, der ere adskilte fra Kirken ved Smedejærnsgitre, er det nordl. Begravelseskapel for Greverne Wedell; her staa 7 Marmorkister og 1 Metalkiste; paa Gavlvæggen findes Wedellernes Stamtræ; desuden paa Væggene gamle Kistebeslag, 8 Sølvkranse og et gammelt Krucifiks. I det andet Kapel staar en Kiste med Liget af Vilh. Baron Gyldencrone, † 1708, samt et Epitafium over ham og flere Ligsten.

*Wedellsborg* hed 1295 *Husby* og tilhørte da Niels Hamundsen Litle. 1320 bar den derimod Navnet *Iversnæs* og ejedes af Hr. Anders Pedersen Stygge af Slægten Galen, men kom derpaa i den følgende Trængselstid som adskillige andre gamle Gaarde i Fyn paa holstenske Hænder og ejedes af Lyder og Nicolaus Krummedige. Ved Aar 1400 tilhørte den Jens Stigsen og Hr. Berneke Skinkel, Lensmand paa Hindsgavl og Rugaard, og derefter hans Efterkommere og Arvinger: Sønnen Otte S., Svigersønnen Knud Henriksen Gyldenstierne, † 1467, Enken Hilleborg Skinkel, Dattersønnen Henrik Knudsen Gyldenstierne, † 1517, Enken Karen Bille, † 1540, Sønnerne Hr. Mogens og Chrf. G., hvilken sidste 1548 blev Eneejer, † 1562; hans Søn Henrik G.'s Søn Niels G. synes at have solgt Gaarden til Hans Lindenov, † 1642. Hans Søn af samme Navn døde 1659, og Enken, Christian IV's Datter Elisabeth Augusta, maatte derefter sælge Gaarden. Kommissærerne i hendes Fallitbo solgte J. til Chr. Urne Christoffersen, som 8 Dage efter mageskiftede den mod Lundegaard til Hannibal Sehested, der ved sin Død 1666 efterlod den til sin Datter Christiane Sofie S., der ægtede Baron Vilh. Fr. Wedell til Reetz og Nürnberg († 1706). Denne, af Almuen kaldet „den gale Grev Wedell", bekendt for sit eksentriske og despotiske Væsen, oprettede $^{11}/_{12}$ 1672 Iversnæs og Tybrind til et Grevskab under Navn af *Wedellsborg*, hvilket Navn tillige tillagdes Hovedgaarden Iversnæs. Grevskabet arvedes i lige Linie af hans Efterkommere: Greverne Hannibal W., † 1708, Chr. Ludv. W., † 1759, Hannibal W., † 1766, Fr. Ludv. W., † 1817, Hannibal W., † 1828, Gehejmekonferensr. Karl W., † 1882, Kmhr. Julius W., † 1883, og den nuv. Besidder, Kmhr. Bendt Wedell. — Den anselige Hovedbygning er fuldført 1706 og bestaar af to i en ret Vinkel sammenbyggede Fløje, to Stokv. høje med Tegltag; hvor Fløjene støde sammen, er der et mindre Taarn; Bygningen underkastedes en Hovedrestauration 1886, da der ogsaa opførtes en ny Avlsgaard. I den ene Fløj er der et Kapel, hvori der siden 1706 holdes Gudstjeneste af Sognepræsten i Husby; i Kapellet er der et Maleri af Chr. IV paa Dødssengen (tidligere i Husby Kirke). Paa Wedellsborg findes en betydelig Saml. af Portrætter, deribl. af Kirsten Munk og flere af hendes Børn. Bygningen er omgiven af store Haveanlæg i engelsk Stil.

I en Mose ved Husby fandtes 1809 to meget smukke og velbevarede Broncelurer; den ene opbevares nu i Nationalmuseet, den anden paa Wedellsborg. — Paa Brandsø er der en fredlyst Runddysse, hvis anselige Kammer er dækket af en svær Overliggersten; Randstenene mangle.

Ifl. D. Atl. (VI S. 644) har Husby Kirke før staaet i Sønder-Aaby; der var i Slutn. af 18. Aarh. Rester af den.

# Baag Herred.

**Sogne:**

*Baagø, S. 532. — Tanderup, S. 533. — Kjerte, S. 534. — Barløse, S 535. — Sandager, S. 536. — Holevad, S. 537. — Gamtofte S. 538. — Kjærum, S. 540. — Søby, S. 541. — Turup, S. 543. — Skydebjærg, S. 543. — Orte, S. 544. — Ørsted, S. 545. — Søllested, S. 547. — Vedtofte, S. 548. — Kjøng, S. 549. — Flemløse, S. 551. — Haarby, S. 552. — Dreslette, S. 555. — Sønderby, S. 556. — Helnæs, S. 559.*

Baag Herred, det største og sydvestligste i Amtet, grænser mod N. til Vends Hrd., mod Ø. til Odense Hrd. og Svendborg Amt (Salling Hrd.) og mod S. og V. til Lille Bælt, i hvilket det afsætter Halvøen Helnæs mellem Aakrog Bugt og Helnæs Bugt. Til Herredet høre Øerne *Baagø*, *Thorø*, *Bastholm* og *Ægholm*. Den største Udstrækning fra N. til S. er omtr. 3, fra V. til Ø. $2^1/_2$ Mil. Overfladen er navnlig mod N. Ø. og Ø. højtliggende og bakket; mod N. Ø. hæver Fyns højeste Punkt sig, Frøbjærg Bavnehøj, 417 F., 131 M.; sydligere, N. Ø. for Assens, ligge Møllebjærg, 325 F., 102 M., og Øksnebjærg, 270 F., 84 M.; Højderne gaa omtr. helt ud til Kysten omkring Assens, medens der N. og S. for denne By ere lavere liggende Kystegne. Jorderne ere for en stor Del sandmuldede, dog nogle Steder, især mod N., lerblandede. Af større Vandløb er der i den nordl. Del *Brende Aa*, mod S. Ø. *Haarby Aa*; i Midten løber den mindre *Pugemølle Aa*. Herredet er temmelig fattigt paa Skov (i alt 4506 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden er det det mindst frugtbare i Amtet (gnmsntl. 11 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Assens Købstad) 64,768 Td. Ld. ($6{,}_{48}$ □ Mil, $356{,}_8$ □ Km.). Landdistr. Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 $5772{,}_3$ Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 18,913 (1801: 11,494, 1840: 15,418, 1860: 16,976, 1880: 18,974). I Herredet ligger Købstaden Assens. I gejstlig Henseende udgør det et eget Provsti, i verdslig Hens. hører det under Wedellsborg Birks og Baag Herreds Juris-

diktioner samt under Amtets 3. Forligskreds (Baagø, Barløse, Sandager, Tanderup og Kjerte Sogne) og 1. Forligskreds (de øvrige Sogne).

Baag Hrd., i Vald. II's Jrdb. kaldet *Bokæhæreth*, udgjorde fra 1660 Assens eller Hagenskov Amt; se i øvrigt S. 309.

Af jordfaste Oldtidsmonumenter er der talt 130 Gravhøje, 4 Langdysser og omtr. 15 Dyssekamre; Jættestuer kendes derimod ikke. Henved 100 af Mindesmærkerne ere imidlertid i ny Tid sløjfede; 9 ere fredlyste. I størst Antal forekom de i Sognene Flemløse (32), Dreslette og Gamtofte (hver 19) og Søby (11).

**Litt.**: *Th. Melbye*, Forsøg til en fyensk Præstehist., begynder med Baag Hrd., 1. Hæfte, Odense 1783. — *C. Weeke*, Fortegn. fra Aarene 1576—78 paa den Kirkerne i B. Hrd. tilh. Formue, i Saml. til Fyens Hist. V S. 289 flg. — Indberetn. til Nationalmus. om antikv. Undersøgelser i B. Hrd., af *J. Olrik* og *A. Mathiesen*, 1897. — *Vedel Simonsen*, Haandskr. Saml. til B. Hrd. (i Nationalmus.).

---

**Baagø Sogn** bestaar af Øen *Baagø* (1082 Td. Ld.), omtr. $^3/_4$ Mil N. V. for Assens, i Lille Bælt, og en mindre ubeboet Ø, *Ægholm* (12 Td. Ld.), ud for Baagøs Nordvestspids. Den omtr. firkantede Baagø med en lille Indskæring paa Nordkysten, „Noret", er omgiven af lave Grunde, men mod V. og S. og et enkelt Sted mod N. er den tilgængelig for større Baade; dens lavtliggende Jorder (højeste Punkt 26 F.) ere muldsandede og sandede.

Fladeindholdet 1896: 1094 Td. Ld., hvoraf 390 besaaede (deraf med Hvede 42, Rug 67, Byg 90, Havre 108, Blandsæd til Modenh. 28, Grøntf. 4, Kartofl. 20, Sukkerroer 24, andre Rodfr. 4, Handelspl. 3), Afgræsn. 123, Høslæt, Brak, Eng m. m. 325, Have 7, Moser 121, Kær og Fælleder 30, Hegn 14, Sumpe og Forstrand 20, Veje og Byggegr. 50, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 94 Heste, 315 Stkr. Hornkv. (deraf 190 Køer), 446 Faar og 138 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 87 Td.; 17 Fæstegd. med 81 og 16 Huse med 6 Td. Hrtk. (alle i Fæste). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 221 (1801: 289, 1840: 226, 1860: 217, 1880: 241), boede i 33 Gaarde og Huse; Erhverv: 5 levede af immat. Virksomhed, 173 af Jordbr., 26 af Industri, 11 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv. Der drives noget Fiskeri, men kun til eget Forbrug.

I Sognet *Baagøby* (1250: Bokø), omtr. midt paa Øen, med Kirke, Skole, Andelsmejeri og Mølle. Ved Sydvestspidsen, „Sandhammeren", et hvidt, fast Fyr (Flammens Højde o. H. 38 F., Lysvidden $2^3/_4$ Mil). Øen hører under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529).

Baagø S., en egen Sognekommune og et eget Pastorat — Præsten er tillige Skolelærer —, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 196. Lægd. Kirken tilhører Kommunen.

*Kirken* er opført 1861 for 10,000 Kr. af smaa, gule Mursten. Skibet har synligt, fladt Tagværk med Kassetter. Gulvet ved Alteret er hævet to Trin. Taarnet, med spidsbuet Dør mod V., har fire Gavle, over hvilke et firkantet Spir. Dets Underrum tjener til Vaaben- og Sprøjtehus. Alt Inventar er nyt. Altertavlen bestaar af et simpelt Trækors. Døbefont af Træ. Prædikestol fra 1861 uden Kunstværdi.

Som Bevis paa Øens Bebyggelse i Oldtiden findes to Langdysser og en Gravhøj.

Baagø Sogn hørte indtil 1861 til Assens.

**Tanderup Sogn** omgives af Sandager og Kjerte Sogne, Vends Hrd. (Gjelsted, Ørslev og Husby S.) og Lille Bælt, som her afsætter Emtekjær Nor. Kirken, midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. for Assens. De i Modsætning til de omliggende Sogne lavtliggende, kun mod Ø. noget højere Jorder (Stavrbjærg 206 F., 65 M.) ere bakkede og dels sandmuldede og sandede, dels lerede. En Del Skov mod N. Ø. (Haare Bjærge). Gennem Sognet løber *Brønde Aa*, der falder i Lille Bælt (Bredningen) paa Grænsen af Baag og Vends Herreder. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Middelfart.

Fladeindholdet 1896: 2805 Td. Ld., hvoraf 1258 besaaede (deraf med Hvede 69, Rug 233, Byg 292, Havre 293, Blandsæd til Modenh. 214, Grøntf. 17, Kartofler 43, Sukkerroer 67, andre Rodfrugter 27), Afgræsn. 324, Høslæt, Brak, Eng m. m. 666, Have 37, Skov 341, Moser 57, Kær og Fælleder 34, Hegn 27, Veje og Byggegr. 50, Vandareal m. m. 11. Kreaturhold 1893: 273 Heste, 849 Stkr. Hornkv. (deraf 493 Køer), 568 Faar og 303 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 262 Td.; 3 Selvejergaarde med 18, 40 Fæstegd. med 218, 52 Huse med 18 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse (næsten alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 670 (1801: 614, 1840: 678, 1860: 591, 1880: 656), boede i 99 Gaarde og Huse; Erhverv: 30 levede af immat. Virksomhed, 467 af Jordbrug, 104 af Industri, 3 af Handel, 53 af forsk. Daglejervirks., 10 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tanderup* (gml. Form Tangetorp og Tandorp) med Kirke, Præstegd., Præsteenkesæde, Skole, Forsamlingssal (i Brugsforeningen, opf. 1897) og Andelsmejeri (Fælleslykke); *Haare*; *Hjorte*, ved Landevejen; *Emtekjær*; *Nakke* med Telefonstation. *Bredninge* Huse. Hovedgaarden *Minendal*, under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529), $8^7/_8$ Td. Hrtk.; 97 Td. Ld., hvoraf 19 Skov, Resten Ager. Gaardene *Eskelund*, *Ruegaard*, *Rørmosegd.* *Brende*, Vandmølle.

Tanderup S., en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 200. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus paa Sydsiden af Taarnet. Af den oprindelige romanske Kirke staar nu kun et lille Stykke af Skibet; den gamle romanske Portal med Søjler er nu opstillet paa Taarnets Sydside, og et Tympanon indmuret indvendig over Indgangsdøren. I Skibets Sider ses gamle Sokkelsten og rundhugne Sten fra den oprindl. Apsis. Skibet, der er meget langt og bredt, er af raa Kamp, vekslende i Skifter med Munkesten. Østgavlens Spids er af smaa Mursten. Gulvet er ved Alteret hævet et Trin. Taarnet, forneden af Kvadersten, foroven af Munkesten, har kamtakkede Gavle med Blindinger. Vaabenhuset, af Munkesten, har høj Gavl mod S. med Kamtakker og Blindinger. Kirken er overhvælvet, Vaabenhuset har dog fladt Bjælkeloft. Tarvelig Altertavle i Renæssancestil fra 1601 med et Maleri (Christus i Emaus, Kopi efter C. Bloch). Paa Kalken Wedell-Wedellsborgernes og Dewitzernes Vaabener. Prædikestol i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont med Mandehoveder. Klokkerne, med Indskrifter i Minuskler, ere fra 1443 og 1480. Foran Alteret Ligsten over Præsten Niels Lauridsen, † 1595, og Hustru. Paa Kirkegaarden Ligsten over Præsten P. M. Arensbach, † 1811.

*Minendal*, som tidligere hed *Skierbæk*, er sammenbygget af to Bøndergaarde 1589 af Fru Tale Emmiksen, g. m. Eiler Brockenhuus, og ejedes derefter af hendes Søn Claus B. Aar 1691 blev S. Gaard og Mølle (21 Td. Hrtk.) af Hans Due til Ølstedgaard solgt til Tolder i Assens Christen Jensen, der snart solgte den til Jochum Legaard, som 1699 skødede den til Rasmus Lauridsen. Ved Auktion 1732 blev den derefter solgt til Ingeborg Hansdatter, Enke efter Hr. Gjøde Hansen i Gamborg,

der 1733 solgte Gaard og Mølle til Greve Chr. L. Wedell, der opkaldte den efter sin Hustru og lagde den ind under Grevskabet.

*Nakke* var i 16. Aarh. en Hovedgaard, der 1536—46 tilhørte Hans Berildsen og 1563 dennes Brodersøn Jørgen B.

Paa *Eskelund* boede 1438—47 den fynske Landsdommer Jens Mikkelsen og 1514 Niels Lauridsen Kotte (se om E. Aarb. f. d. Kulturhist. 1894, S. 186).

**Kjerte Sogn** omgives af Tanderup, Sandager, Barløse, Ørsted og Skydebjærg Sogne samt Vends Hrd. (Rørup og Gjelsted S.). Kirken, midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede, kun mod S. V. noget lavere og jævnere Jorder ere dels lerede, dels muldlerede og sandede. En Del Skov (Billeskov Sk., Hjeruplund, Favrskov Bjærge, Hestehave, Kohave). I den nordl. Del løber *Brende Aa.* Gennem det sydvestl. Hjørne gaar Landevejen fra Assens til Middelfart, gennem det nordostl. den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 4440 Td. Ld., hvoraf 1965 besaaede (deraf med Hvede 62, Rug 397, Byg 414, Boghv. 12, Havre 403, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 410, Grøntf. 35, Kartofler 67, Sukkerroer 115, andre Rodfr. 37, Handelspl. 8), Afgræsning 840, Høslæt, Brak, Eng m. m. 730, Have 53, Skov 592, Mose 49, Kær og Fælleder 34, Hegn 48, Heder 19, Veje og Byggegr. 102, Vandareal 8. Kreaturhold 1893: 300 Heste, 1121 Stkr. Hornkvæg (deraf 668 Køer), 918 Faar, 594 Svin og 18 Geder. Ager og Engs Hrtk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 351 Td.; 31 Selvejergaarde med 176, 24 Fæstegd. med 142, 135 Huse med 30 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse ($^1/_3$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 971 (1801: 810, 1840: 947, 1860: 1049, 1880: 1150), boede i 205 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomhed, 521 af Jordbr., 175 af Industri, 22 af Handel, 144 af forsk. Daglejervirks., 41 af deres Midler, og 36 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kjerte* (1295: Kerte) med Kirke, Præstegd., Skole og Sparekasse (opr. $^{21}/_2$ 1885); *Hjerup. Ørsbjærg* med Kro, Mølle og Lægebolig; *Favrskov* med Mølle og Klædefabrik. *Kjertebro, Hjerupgyde, Knoldshuse, Nedermark* og *Lindebjærg,* Huse; *Ørsbjærg-Skovhuse.* Hovedgaarden *Billeskov*, under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529), har 25 Td. A. og E. Hrtk. og $1^3/_4$ Td. Skovsk., 318 Td. Ld., hvoraf 60 Skov, Resten Ager. *Ørelykkegaard*, ligeledes under Grevskabet, $5^1/_2$ Td. Hrtk., 63 Td. Ld. Gaarden *Nyfæste*: $13^1/_2$ Td. Hrtk., 160 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 5 Skov, 2 Byggegr. og Have, Resten Ager (4 Fæstehuse). *Højgaard*: $12^1/_2$ Td. Hrtk., 145 Td. Ld., hvoraf 24 Skov, Resten Ager. Gaardene *Mølleknap* og *Bjørnemose.*

Kjerte S., en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 199. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* (omtalt i Niels Hamundsen Litles Testam. af 1295) bestaar af et Skib med en Korsfløj mod S., til hvis Vestside et Vaabenhus er føjet, samt fritstaaende Taarn omtr. 25 Al. S. V. for Kirken. Af den oprindl. Kirke staa nu Skibets tre vestligste Hvælvingsfag; senere er det gamle Kor med Apsis blevet nedrevet og Skibet forlænget mod Ø. med to Fag. Skibet er opf. af raa Kamp med tilhugne Hjørnekvadre. Vestgavlen er ommuret med Munkesten; Korsfløjen er opført af gamle Granitkvadre og Munkesten i Blokforbandt. Gavlspidsen mod Ø. er senere ommuret med Munkesten i Munkeforbandt; den har Kamtakker og Blindinger. Skib og Korsfløj ere overhvælvede. Taarnet, af Munkesten i Blokforbandt, (restaur. 1650) har kamtakkede Gavle med Blindinger. Vaabenhuset er af Munkesten. Ny, tarvelig Altertavle med et Maleri af Anker-Lund; meget tarvelig Prædikestol. Døbefonten, af Murværk, er nyere. I Korsfløjen staa to Sandstenskister uden Indskrift. Over dem hænger et Epitafium over Vilh. Fr. Farenhorst til Billeskov, † 1767, og Hustru Anne Johanne Hviid, † 1771,

samt deres Børn. Smstds. Epitafier over Præsten Christen Olsen Hassel, † 1737, og Hustru Maren Arentsdatter Dam, og over Dorte Sofie Roskilde, Hr. Hassels. I Vaabenhuset en romansk Ligsten med et aflangt Kors (en anden interessant, kisteformet Ligsten med Relieffremstillinger findes nu i Nationalmus.; se *Løffler*, Gravst., Pl. V og XVI, og Aarb. f. n. Oldk. 1868 S. 147). Indgangsdøren til Vaabenhuset, af Egetræ, har en Indskrift med Jærnbogstaver fra 1632.

*Billeskov* blev oprettet af Steen Bille til Kjærsgaard kort før hans Død 1590 og tilfaldt Sønnen Knud, hvis Sønner Henrik, † 1655, Tønne, † 1644 paa B. (se Personalh. Tidsskr. 2 R. IV Bd. S. 253), og Holger, † 1638, alle skrev sig til den. Sidstnævntes Søn Steen B. efterlod den til sin Søn Chrf. B., som 1661 solgte B. med 23 Bøndergaarde, 1 Mølle og 3 Huse til Fru Anne Gyldenstierne, Hr. Jørgen Brahes Enke. Hun skænkede den 1676 til sin Sønnesøn Jørgen Brahe, hvis Enke Anne Helvig Thott 1716 solgte Gaarden til Jørgen Larsen af Bubelgaard, der 1728 solgte den til Præsten i Brenderup-Ore, Hr. Anders Larsen Hviid, der 1738 overdrog Gaard og Gods for 15,000 Rd. til sin Svigersøn Vilh. Fr. Farenhorst, der tilkøbte meget Gods og solgte B. (29 Td., Tiender 38 Td., Bøndergods 214 Td. Hrtk.) til Landsdommer Laurids Lindegaard, som 1777 solgte Gaarden (281 Td. Bøndergods) for 61,000 Rd. til Grev Fr. L. Wedell, der lagde den under Wedellsborg. — Paa Hovedbygningen, i eet Stokv. med Kvist, staar Aarst. 1796; over Ladeporten staa Farenhorsts og Hustrus Navne og Aarst. 1748. Ø. for Bygningen ligger i Haven en ovalformet, af Grave omgiven Ø, hvor der er Murbrokker af røde Munkesten.

Ø. for Nyfæste ligger et Voldsted, bestaaende af en større, nordl. og en mindre, sydl. Høj; den sydl. er bevokset med Gran; der er endnu i de senere Aar fundet Murlevninger af røde Munkesten.

Et Par Dage efter at Joh. Rantzau var landet ved Helnæs, angreb han Grev Christoffers Tropper mellem Favrskovs Banker $^{20}/_{3}$ 1535 og sejrede over dem, hvorefter han belejrede Assens.

I Hjerup har tidligere Herredstinget for Baag og Vends Herreder været holdt; i 2. Halvdel af 18. Aarh. nævnes Gaarden Tinghuset i Sognet (se D. Atl. VI S. 658).

Ved Kjerte skal der have været to hellige Kilder.

**Barløse Sogn**, omgives af Turup, Vedtofte, Ørsted, Kjerte, Sandager og Holevad Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Myllerup Bjærg, 230 F., 77 M.) ere dels lerede og lermuldede, dels sandede. En Del Skov (Barløseborg). Paa Sydvestgrænsen løber Pugemølle Aa. Til Sognet hører den lille ubeboede Ø *Bastholm* i Lille Bælt mellem Baagø og Aarø.

Fladeindholdet 1896: 3000 Td. Ld., hvoraf 1635 besaaede (deraf med Hvede 64, Rug 237, Byg 352, Havre 374, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenhed 267, Grøntf. 57, Kartofler 28, Sukkerroer 207, andre Rodfr. 40), Afgræsn. 360, Høslæt, Brak, Eng m. m. 611, Have 38, Skov 152, Moser 26, Kær og Fælleder 41, Hegn 51, Veje og Byggegr. 71, Vandareal 12 Td. Kreaturhold 1893: 272 Heste, 975 Stkr. Hornkv. (deraf 629 Køer), 502 Faar, 500 Svin og 28 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 284 Td.; 26 Selvejergaarde med 139, 23 Arvefæstegd. med 137, 103 Huse med 8 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 825 (1801: 539, 1840: 670, 1860: 758, 1880: 830), boede i 165 Gaarde og Huse; Erhverv: 37 levede af immat. Virksomhed, 511 af Jordbr., 175 af Industri, 12 af Handel, 60 af andre Erhverv., 19 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Barløse* (1393 Bardeløsæ, 1426 Barløse, 1558 Bardløse) med Kirke, Præstegd. (afbrændt 1860 og flyttet nogle Hundrede Alen mod Ø.), Skole, Andelsmejeri (Bregnehøj), Mølle og Telefonstation; *Barløse-Taarup*; *Bæring* (1393: Berdinghe); *Myllerup*; *Kaslund* med Skole og Fællesmejeri. *Dyrehøje*, Gde. og Huse. *Langemose Huse*, *Salbrovad Huse*, med Saftstation, hørende til de danske Sukkerfabrikker. *Barløsegaard*: $15^{5}/_{8}$ Td. Hrtk., 155 Td. Ld., hvoraf 6 Skov, Resten Ager (1 Lejehus). En Gaard i Barløse („Barløseborg"): 12 Td. Hrtk., 139 Td. Ld., hvoraf $18^{1}/_{2}$ Eng, 4 Skov, $3^{1}/_{2}$ Gaardspl. og Have, 6 Vandløb, Hegn og Veje, Resten Ager (1 Arbejderbolig). *Puge* Vandmølle.

Barløse S., en egen Sognekommune, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 198. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Brahesborg.

*Kirken* (overhvidtet), paa en høj Bakke, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Kirken er oprindelig fra romansk Tid, men er senere nedbrudt og paa ny opf. af de gamle Materialer (tilhugne Granitkvadre og Munkesten). Af den oprindl. Norddør ses Spor. Skibets Østgavl, i hvilken de gamle Sokkelsten fra en ældre Apsis og et Brudstykke af en romansk Ligsten ere indmurede, har paa hver Side en Støttepille af Munkesten. Gavlspidsen, af Munkesten, er prydet med Blindinger. Gulvet er ved Alteret hævet tre Trin. Taarnet, af Granit og Munkesten, har Gavle med Blindinger i Ø. og V. I Muren fører en Trappe op til Klokkerummet. Taarnrummet og Skibet ere overhvælvede. Paa Nordsiden af Taarnet findes en Kvist af Træ fra Renæssancetiden, under hvilken Klokken er ophængt i en Aabning i Muren. Vaabenhuset, af Munkesten, har fladt, pudset Loft. Ny Altertavle med Maleri (Christus hos Martha og Maria). De smukke Alterstager ere skænkede af Morten Brok til Barløsegaard og Fru Anne Skovgaard, med disses Vaabener og Aarst. 1589. Prædikestol i Renæssancestil fra 1616 (Himlen er nyere). Ingen Font, men et muret Fodstykke til Daabsfadet. I Koret er opstillet Ligsten over Provst Hans Andersen, † 1675, med to Hustruer (Portrætfigurer), og en Sten med Indskr.: Anno dni mcdlxxxvi obiit dns petrus brok cantor ottonien. Under Koret findes den Brokske Familiebegravelse. I Kirken fandtes tidligere en Mindetavle over Peder Brok til Barløsegaard, † 1551, med Hustru.

Den tidligere Hovedgaard *Barløsegaard* tilhørte i 16. Aarh. den Brokske Familie. 1508 ejedes den af Væbneren Morten Andersen, der vistnok havde giftet sig den til med en Slægtning af den ovennævnte Kannik Peder Brok, thi deres Søn, Gaardens følgende Ejer, hed ogsaa Peder Brok, † 1551. Hans Søn, Landsdommer Morten B. døde 1591 paa B. som sin Slægts sidste Mand. 1645 hørte Gaarden under Assens Provsti, men ejedes 1658 af den rige Hr. Jørgen Brahe og var knyttet til Brahesborg, indtil den 1830 (Skøde af 1833) for 12,000 Rd. solgtes til H. Dinesen.

*Bastholm* hørte tidligere til Kirken (efter Sagnet skænket den af en Konge, som frelstes fra at lide Skibbrud ved, at Barløse Kirke kom til Syne i det farlige Øjeblik), til hvilken den gav Lys. Den er nu solgt af Kirkeejeren.

**Sandager Sogn** omgives af Gamtofte Sogn, Annekset Holevad, Barløse, Kjerte og Tanderup Sogne samt Lille Bælt, der her afsætter *Emtekjær Nor*. Kirken, mod S., ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere stærkt sandede. Paa Sydgrænsen løber *Pugemølle Aa*, der falder ud i *Aborreminde*. Gennem den østl. Del af Sognet gaar Landevejen fra Assens til Middelfart.

Fladeindholdet var 1896: 1917 Td. Ld., hvoraf 910 besaaede (deraf med Hvede 17, Rug 189, Byg 187, Havre 231, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 123, Grøntf. 20, Kartofler 27, Sukkerroer 91, andre Rodfr. 18), Afgræsning 242, Høslæt, Brak, Eng m. m. 453, Have 18, Skov 99, Moser 31, Kær og Fælleder 113, Hegn 27, Veje og Byggegr. 24 Td. Kreaturhold 1893: 160 Heste, 607 Stk. Hornkvæg (deraf 340 Køer), 353 Faar, 174 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 168 Td.; 7 Selvejergaarde med 44, 1 Arvefæstegd. med 7, 21 Fæstegd. med 110, 23 Huse med 6 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse (næsten alle i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 365 (1801: 318, 1840: 363, 1860: 380, 1880: 381), boede i 65 Gaarde og Huse; Erhverv: 30 levede af immat. Virksomhed, 248 af Jordbr., 3 af Fiskeri, 44 af Industri, 8 af Handel, 8 af andre Erhv., 15 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sandager* med Kirke, Præstegd. (brændt 1897) og Skole; *Torup*, ved Landevejen; *Stubberup*, ved Landevejen, med Kro; *Næs*. *Filshuse*. Hovedgaarden *Orelund*, under Grevsk. Wedellsborg (se S. 529), har $16^1/_4$ Td. Hrtk., 230 Td. Ld., hvoraf 16 Eng, 43 Skov, Resten Ager.

Sandager S., een Sognekommune med Annekset, hører under Wedellsborg Birks Jurisdiktion (Kjellingberg), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 197. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Wedellsborg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. af utilhuggen Kamp med tilhugne Kvadersten paa Hjørnerne. Flere rundbuede Vinduer og Norddøren ere bevarede. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet, af Munkesten i Blokforbandt, har aftrappede Gavle med Blindinger i Ø. og V.; Spiret brændte 1894. Det hvælvede Underrum aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Vaabenhuset, dels af Munkesten, dels af smaa Mursten, har fladt, pudset Loft. Altertavlen er et tarveligt Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh. med nyt Maleri (Christus velsigner Børnene). Prædikestolen er et Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh. (Himlen er nyere). Romansk Granitdøbefont med Mandehoveder. I Koret en nu hvidmalet udskaaren Fremstilling af Jomfru Marie, maaske Midtfiguren fra den ældre katolske Altertavle. Over Korbuen et lille sent-gotisk Krucifiks. I Skibet Ligsten over Præsten Jørgen Bang, † 1676, Hustru og Søn, og over Præsten Hans Boesen, † 1658, Hustru og tre Børn.

*Orelund* synes først i 16. Aarh. at være opstaaet som Hovedgaard og har aldrig været betydelig. 1535 tilhørte den Philip Heidersdorff, derefter hans Søn Erik, hvis Enke Else Krag 1632 solgte „Oregaard" til Knud Skinkel. Hendes Datter Ide, g. m. Bartholomæus Kempter, anden Gang med Chrf. Philip Kurtzer, maa dog have været Medejer, thi 1667 solgte deres Børns Værge Henrik Mund O. (30 Td. Hrtk.) til Christen Jørgensen Skeel. Den var da meget forfalden, Hovedbygningen var af Bindingsværk, Brønden sammenfalden osv. Den nye Ejer solgte Gaarden til Jens Pedersen Phil („udi consideration for sin lange og tro Tjeneste"), der overdrog den til Laurids Lauridsen, som ejede den 1703, og hvis Enke Pauline Hvalsø ægtede Peder Hartvigsen til Hønneruplund, som 1755 solgte O. (ca. 20 Td. Hrtk.) for 5000 Rd. til Jacob v. Meurs; efter ham solgtes den 1764 ved Auktion for 6000 Rd. til Johan Chrf. Blunck, som 1775 afhændede den til Baron C. A. Rantzau for 6150 Rd.; 1835 kom den ind under Grevsk. Wedellsborg ved Køb (for 13,000 Rd.). — Hovedbygningen er en alm., grundmuret, teglhængt Bygning.

I Stubberup laa *Stubberupgaard*, der 1550 tilhørte Esge Henriksen og 1580 Johan Norby, der 1588 skrev sig af *Tagemosegaard*.

**Holevad Sogn**, det mindste i Herredet, Anneks til Sandager, omgives af dette, Barløse, Turup og Gamtofte Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger henved $^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere sandmuldede med Lerunderlag. Mygind Skov. Gennem Sognet løber *Holevad Bæk*, som falder ud i Pugemølle Aa, der danner Nordgrænsen. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Middelfart.

Fladeindholdet 1896: 1076 Td. Ld., hvoraf 586 besaaede (deraf med Hvede 41, Rug 87, Byg 112, Havre 117, Blandsæd til Modenh. 97, Grøntf. 10, Kartofler 15, Sukkerroer 77, andre Rodfr. 24, Frøavl 4), Afgræsn. 113, Høslæt, Brak, Eng m. m. 283, Have 14, Skov 39, Moser 7, Hegn 11, Veje og Byggegr. 14, Vandareal m. m. 3. Kreaturhold 1893: 89 Heste, 332 Stkr. Hornkv. (deraf 190 Køer), 192 Faar, 96 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 114 Td.; 7 Selvejergaarde med 51, 8 Arvefæstegd. med 53, 38 Huse med 10 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 302 (1801: 201, 1840: 290, 1860: 306, 1880: 292), boede i 58 Gaarde og Huse; Erhverv: 13 levede af immat. Virksomh., 191 af Jordbr., 5 af Gartneri, 56 af Industri, 25 af forsk. Daglejervirks., 8 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet *Holevad* Kirke og Skole og Byerne: *Karup*; *Smerup* (Smejrup); *Mygind*. *Mygindlund*, *Mygind Skovhuse* og *Bækager*, Huse. *Holevadgd.*, *Østerbygd.*, *Raahavegd.*, *Puge*, Vejrmølle.

Holevad S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), i øvrigt under de samme Distrikter, Lands-

og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr.' 181. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Brahesborg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte af raa Kamp med tilhugne Kvadersten paa Hjørnerne; et enkelt rundbuet Vindue er bevaret; af Norddøren ses Spor. Korets Østgavl, af Munkesten, har Kamtakker og Blindinger. Taarnet, forneden af raa Kamp, foroven af Munkesten, har aftrappede Gavle med Blindinger i N. og S. Vaabenhuset er opført af Munkesten. Hele Kirken er overhvælvet, Altertavlen er et tarveligt Arbejde i Renæssancestil med et Maleri (Christus i Getsemane). Kalk fra 1706 med Gøyernes og Thotternes Vaabener. Prædikestol i Renæssancestil med Aarst. 1619. Romansk Granitdøbefont med Planteslyngninger. Paa Stolestaderne Aarst. 1607 og 1610. Over Korbuen et tarvelig udskaaret Krucifiks; Ligsten over Hans Hansen Fynbo, som i 33 Aar tjente ærlig, velbyrdig Rikard Bierg, som boede i Østerbygaard, og døde 1596, med Hustru. — I Kirkegaardsmuren ligger en i nyere Tid til Dels ombygget Kirkelade, delvis opf. af Munkesten.

*Østerbygaard* var 1674 en Hovedgaard (22 Td. Hrtk.), som Claus Daa mageskiftede til Fru Anne Gyldenstierne, Hr. Jørgen Brahes (se i øvrigt under Kirken).

I Sognet har ligget Byen *Ragbølle*, der 1774 kun bestod af 2 Gaarde.

Holevad, der maaske tidligere har haft Turup til Anneks, blev Anneks til Sandager 1571 ifl. Klemmebrevet af 1555.

Se om *Mygindgd.* Aarb. f. d. Kulturhist. 1894, S. 181.

**Gamtofte Sogn** omgives af Sandager, Holevad, Turup, Vedtofte, Søllested, Søby og Kjærum Sogne, Assens Købstadsjorder og Lille Bælt. Kirken, noget østl., ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder (Grønsbjærg, 255 F., 80 M., Kannehøj, 175 F., 55 M.) ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Smedesk., Tokelund). Paa Nordvestgrænsen løber Pugemølle Aa. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Middelfart og Odense.

Fladeindholdet 1896: 5133 Td. Ld., hvoraf 2628 besaaede (deraf med Hvede 153, Rug 350, Byg 556, Havre 542, Bælgsæd 15, Blandsæd til Modenh. 470, Grøntf. 78, Kartofler 30, Sukkerroer 295, andre Rodfr. 135), Afgræsn. 570, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1206, Have 80, Skov 257, Moser 21, Kær og Fælleder 119, Hegn 76, Veje og Byggegr. 149, Vandareal m. m. 27 Td. Kreaturhold 1893: 427 Heste, 1816 Stk. Hornkv. (deraf 1143 Køer), 641 Faar, 801 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 562 Td.; 48 Selvejergaarde med 415, 23 Arvefæstegd. med 120, 140 Huse med 27 Td. Hrtk. og 31 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1304 (1801: 782, 1840: 1173, 1860: 1294, 1880: 1298), boede i 239 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 817 af Jordbr., 4 af Gartneri, 22 af Fiskeri, 242 af Industri, 131 af forsk. Daglejervirks., 41 af deres Midler, og 32 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gamtofte* (1397: Gameltoffte, 1467 og 1475: Toffte, 1482: Gamtofte, 1514: Gangtofte) med Kirke, Præstegd. og Skole (Jørgen Brahes Hospital, stiftet af J. Brahe til Hvedholm, Brahesborg m. m., † 1661, og Hustru, er solgt 1892, medens Renterne af den indvundne Kapital uddeles til trængende i Gamtofte, Barløse, Turup og Holevad Sogne); *Vedstaarup* (gml. Form Vistorpe) med Teglværk; *Voldbro* med Mølle; *Eggerup* med Andelsmejeri og Maskinfabrik; *Hestholm*; *Grimstrup*; *Lundager*; *Aborre* med Skole, Andelsmejeri (Alha), Teglværk, Mølle og Telefonstation. *Tvingsbjærg*, Gde. og Huse. *Gaasemosedam*, Huse, *Øksnebjærg*, Huse. Hovedgaarden *Brahesborg*: 103 Td. A. og E. Hrtk. og $7^1/_8$ Td. Skovsk., 1096 Td. Ld. (deraf 280 i Tommerup, 100 i Barløse S.), hvoraf 81 Eng og 425 Skov, Resten Ager; til Godset høre af Fæstegods $9^5/_8$, af Arvefæstegods $441^3/_4$ Td. Hrtk. samt Gamtofte og Holevad Konge- og Kirketiender og Turup og Barløse Kirketiender. Under Brahesborg høre

endvidere Avlsgaardene *Vilhelmsborg*, $50^1/_4$ Td. Hrtk., 425 Td. Ld. (mindre Dele i Turup og Holevad S.), alt Ager, og *Hestholm*, omtr. $9^5/_8$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld. *Vedstaarupgaard*: $21^1/_8$ Td. Hrtk., $183^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $5^1/_2$ Eng, 8 Skov, Resten Ager.

Desuden Gaardene *Lilletoft*, *Sjødgaard*, *Mathildelund*, *Tokelunds Gd.* og *Voldbrogd.*

Gamtofte S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, Gamtofte og Aborre, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 187. (østre) og 188. Lægd. (vestre Distr.). Kirken tilhører Ejeren af Brahesborg.

*Kirken* (overhvidtet), tidligere indviet til Vor Frue, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S. og Kapel mod N. Den ældste Del, Skibet og den vestl. Del af Koret, er opf. af hugne Granitkvadre paa en profileret Sokkel. I gammel Tid er Koret blevet udvidet mod Ø., idet Østmuren med Apsis er bleven nedbrudt og

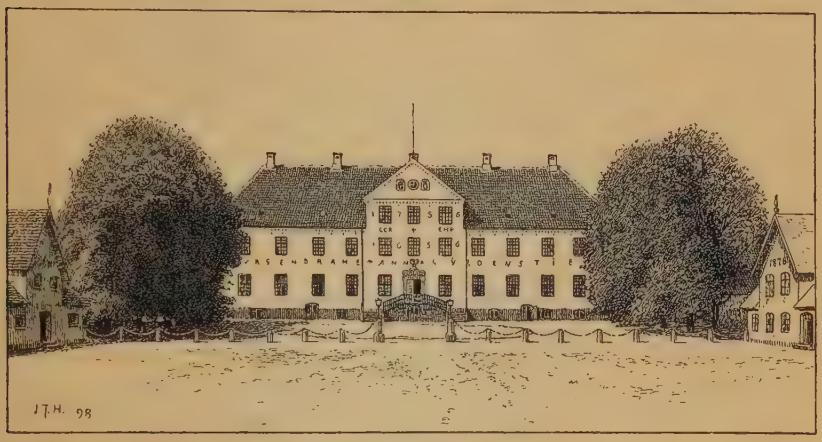

Brahesborg.

det gamle Materiale anvendt til den nye, flade Østvæg, hvis Gavlspids er af Munkesten med Blindinger. De oprindl. Døre og to rundbuede Vinduer ere bevarede. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet, opf. i den senere Middelalder, forneden af Granit, foroven af Munkesten, har blindingsprydede Gavle. Paa Sydsiden staar 1613, paa Vestsiden 1668. Nogle stenhugne Figurer findes paa de ydre Mure. Det overhvælvede Taarnrum aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Vaabenhuset er opf. i to Gange af gammelt Materiale. Den østl. Del er ældst; den vestl. Del tjener dels til Begravelse for Familien Seidelin (Provst David Seidelin, † 1791, og Hustru Sophie Elisab. Brinch, † 1776), dels til Materialhus. Kapellet er opf. ca. 1770 af smaa Mursten; det har afvalmet Tag mod Nord. Udskaaren Altertavle i Renæssancestil fra 1589—96, med et nu opmalet Maleri (Nadveren). Kalk og Disk, med Aarst. 1650 og Jørgen Brahes og Anne Gyldenstiernes Navnetræk og Vaabener, vare ifl. Indskr. oprindl. givne til Horne Kirke af Frands Bille og Edel Hardenberg. Prædikestol i Renæssancestil fra omtr. 1600 (paa Himlen 1597). Romansk Granitdøbefont. I Skibet et temmelig stort sent-gotisk Krucifiks fra 1482. Orgel fra 1845. Klokker fra 1395 og 1491. I Kapellet, der skilles fra Skibet ved et smukt Smedejærnsgitter fra 18. Aarh. med det Plessenske og det Rantzauske Vaaben, staa fire Kister af Sandsten og i Kælderen nedenunder tre af Træ, med Ligene af: Chr. Ludv. Rantzau, † 1756, Chr. Rantzau, † 1771, og anden Hustru Eleonora Hedevig Plessen, † 1770, Stiftamtmand Chr. Rantzau, † 1765, og Hustru Frederikke Louise Raben, † 1797, Sofie Hedevig Rantzau, † 1707 (?), og Enkegrevinde Birgitte Eleonore Rantzau, † 1838.

I Koret fandtes tidligere et Epitafium over den første lutherske Præst i Gamtofte Jakob Maas, † 1558, hans Søn Andreas, Præst sammesteds, † 1585, og hans Svigersøn Paul Enevoldsen, ligeledes Præst her, † 1643. Paa Kirkedøren stod Aarst. 1527.

Oprindelsen til *Brahesborg* er sikkert den ældre Gaard *Eisbo* (1553: Byozpbo og Bespbo), som 1525 og 1535 ejedes af Landsdommer Verner Bertelsen Svale, † omtr. 1560, dernæst af Sønnen Christen Sv., † 1591, Joh. Maccabæus 1609, Karen og Hilleborg Bille 1641, der mageskiftede den for Skovgaarde til Hr. Jørgen Steensen Brahe til Hvedholm m. m., en af Tidens største Godsejere paa Øen, kaldet „den lille Konge paa Fyn". Det var ham, der opførte *Brahesborg* (se nedfr.). Efter hans Død 1661 ejede hans Enke Anne Gyldenstierne, † 1677, Gaarden og derefter hendes Sønnedøtre Sophie og Anne, hvis Ægtefæller Knud Thott og Holger Rosenkrantz 1693—94 solgte den til førstnævntes Svigersøn, Gehejmer. Marcus Gøye, † 1698, hvis Datter Charlotte Amalie 1716 ægtede Grev Chr. Rantzau til Rosenvold, Statholder i Norge, † 1771. Den forblev nu i Familien Rantzaus Eje, indtil de uheldige Konjunkturer efter Krigen 1807—14 nødte den dav. Besidder til at fratræde Gaarden, hvorefter den overtoges af Statskassen. Aar 1828 købtes den for 228,000 Rd. af Højesteretsadvokat, Gehejmekonferensr. W. F. Treschow, † 1869, sammen med Proprietær C. E. Berg til Skjoldemose, og den første blev kort efter Eneejer af Gaarden, som han 1856 overdrog Adoptivsønnen, Kmhr. F. W. Rosenkilde Treschow, † 1869, hvis Søn, Kmhr. C. A. R. Treschow, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, der ligger smukt ved Skov og Sø, omgiven af Grave, er if. Indskr. over Hovedøren og Aarst. paa Muren opført 1638—56 af Jørgen Brahe og Anne Gyldenstierne, hvis Navne ogsaa staa paa Muren. Det er en enkelt Bygning i to Stokv. af Grundmur uden Taarne og andre Prydelser. Højere oppe paa Muren staa Aarst. 1756 og G. C. R. og E. H. P., ɔ: Chr. Rantzau og Eleonore Hedevig Plessen. Den af J. Brahe ligeledes opførte Lade faldt ifl. Indskriften paa Bygningen ned Julenat 1717 og genopførtes 1718 af Rantzau. I Havestuen staar Thorvaldsens Merkur, udf. i Marmor af Bissen. Fra Bygningen fører en 1850 opført Jærnhængebro over til den smukke, store Have. Foran Bygningen en Broncebuste af Gehejmekonferensr. W. F. Treschow.

*Hestholm* (siges i en Præsteindberetn. af 1623 at have Navn efter Hesthinde, Hr. Stig Hvides nære Frænde) tilhørte 1576 og 1589 Knud Daa.

*Eggerup* er vel det 1397 af Adelsmanden Laurids Jensen beboede Ekædorp.

Navnet *Aborre* skal minde om en gammel Borg, hvis Plads er bleven paavist ved Stranden (se Nord. Tidsskr. for Oldk. I S. 190 flg.).

En af Odense Stifts katolske Regnskabsprovster hed Provst i *Tofte*, ɔ: Gamtofte, fordi Kirken var henlagt til hans Underhold.

I *Tokelund* ved Gamtofte findes en Samling af 11 Gravhøje, af hvilke de 9 ere delvis undersøgte (paa Fr. VII's Foranstaltning). Den ene, *Tokehøj*, er 160 F., 50 M.

**Kjærum Sogn** (se Anm. S. 389) omgives af Assens Købstadsjorder, Gamtofte, Søby, Flemløse og Sønderby Sogne samt Lille Bælt. Kirken, vestl. i Sognet, ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder (Toftebakke, 145 F., 45,5 M.) ere overvejende lermuldede. Til Sognet hører den omtr. 100 Td. Ld. store *Thorø* i Lille Bælt. *Kjærum Aa*, der kommer fra den omtr. 16 Td. Ld. store *Nordby Sø*, løber mod V. gennem Sognet og falder ved Assens i Lille Bælt. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Odense og Faaborg og Assens-Tommerup Banen.

Fladeindholdet 1896: 3115 Td. Ld., hvoraf 1872 besaaede (deraf med Hvede 14, Rug 260, Byg 380, Havre 352, Blandsæd 11, Modenh. 313, Grøntf. 74, Kartofler 25, Sukkerroer 418, andre Rodfrugter 27, Handelspl. 6), Afgræsning 276, Høslæt, Brak, Eng m. m. 621, Have 48, Skov 41, Moser 22, Kær og Fælleder 48, Hegn 18, Stenmarker 64, Veje og Byggegr. 84, Vandareal m. m. 20 Td. Kreaturhold 1893: 299 Heste, 1025 Stkr. Hornkvæg (deraf 696 Køer), 520 Faar, 492 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 319 Td.; 50 Selvejergaarde med 255, 7 Arvefæstegd. med 42, 1 Fæstegd. med 5, 198 Huse med 17 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1288 (1801: 754, 1840: 1001, 1860: 1278, 1880: 1151), boede i 253 Gaarde og Huse; Erhverv: 59 levede af immat. Virksomhed, 601 af Jordbr., 112 af Fiskeri, 251 af Industri, 9 af Handel,

74 af Skibsfart, 123 af forsk. Daglejervirks., 31 af deres Midler, og 28 vare under Fattigv. Søfart og Fiskeri fra Thorøhuse er ret betydelig.

I Sognet Byerne: *Kjærum* (gml. Form Kierdrup, Kerndorp, Kierndroppe), N. for Faaborgvejen, med Kirke og Præstegd.; *Mejlby* (Medelby, Meelby), ved Odensevejen, med Fællesmejeri; *Nordby* med Mølle; *Ebberup* (1440: Æbbedorp) med Skole, Jærnbane- og Telegrafstation; *Saltofte* med Skole og Telefonstation. *Thorøhuse*, Fiskerleje og Toldassistentsted (Thorø Red mellem Thorø og Assens benyttes af Fiskerlejet som Havn), Forsamlingshus (opf. 1896) og Telefonstation. *Ebberup Banker*, Gde. og Huse. *Kjærum Banker* og *Kjærum Mose*, Huse. *Kjærumgaard*: $14^1/_2$ Td. Hrtk., 145 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 3 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 3 Fiskeparke og 2 Fæste- og Lejehuse. Desuden Gaardene *Lerbjærg*, *Flædekjær*, *Salskov*, og *Follestedgd.* (den sidste tidligere i Assens Købstads Landdistr.) m. m.

Kjærum S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 189. Lægd. Kirken tilhører 4 Bønder.

*Kirken* (fordum indviet til St. Laurentius), meget højt beliggende, bestaar af Skib, Kor, Taarn mod V. med Trappehus mod S. og Vaabenhus mod N. Kirkens ældste Partier, Skibet og Korets vestl. Del, ere opførte af Fraadsten i den romanske Tid. Paa Koret er paa hver Side tre høje, oprindelige, rundbuede Blindinger med Pilastre. Koret er senere udvidet mod Ø. af Munkesten i Munkeforbandt. Paa Skibets Sydside er den oprindl., rundbuede Dør bevaret. Levninger af den gamle Norddør ses i Vaabenhuset. Taarnet er opf. af Munkesten i Munkeforbandt med Gavle i V. og Ø. Det overhvælvede Underrum er forbundet med Skibet ved en Spidsbue. Skib og Kor ere overhvælvede. Vaabenhuset, med fladbuet, pudset Loft og kamtakket Gavl, er nyt. Kirken er i 1891—94 undergaaet en gennemgribende Restauration (Arkitekt N. P. Jensen, Odense), hvorved blandt andet de oprindelige Vinduer ere fremdragne, nye Kamme opsatte, Blytaget erstattet med Tag af Tegl, Taarnet delvis skalmuret, nye Gesimser opsatte osv. Altertavlen er fra omtr. 1600, i Renæssancestil, med to Malerier (Nadveren og Jesu Daab) af P. Møller 1893. Gotisk Alterkalk. Udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra Begyndelsen af 17. Aarhundrede. Romansk Granitdøbefont med Løvværksslyngninger og Dyrefigurer. I Skibet et stort, sent-gotisk Krucifiks. Over Alteret et Orgel fra 1843. Over Indgangen fra Vaabenhuset en romansk Løve af Kridtsten med et Dyrehoved (Vædder) i Forpoterne. I Koret en aflang Egetræs Ramme, der tidligere har ligget lige neden for Koret, med en Indskr. fra 1573 over ærlig Mand Chrf. Nielsen. Udvendig i Korets Sydmur er indmuret en romansk Ligsten med Korsstav. Ved Kirkens Nordmur ligger en anden romansk Ligsten med et ligearmet Kors m. m. Der er fundet kalkmalede Dekorationer (se *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 64), bl. a. et Skjold og Navnet Chrf. Nielsen, fra 16. Aarh. (Om Kirken se *J. Helms*, Tufstenskirker, S. 108, med flere Afbildninger).

Byen *Nordby* har vistnok givet Navn til den bekendte Adelsslægt Norby. Den ejede i alt Fald Gods her.

Ved Kjærumgaard er der under flad Mark afdækket en Grav fra den romerske Jærnalder, med et rigt Indhold: Kande, Kasserolle, Drikkehornsbeslag, Spejl og Lerkar.

Sognet var vistnok allerede før Reformationen Anneks til Assens; efter Reformationen var det en kort Tid et eget Pastorat, men blev atter 1549 Anneks til Assens; fra 1886 er det igen blevet et eget Pastorat.

**Søby Sogn** omgives af Gamtofte Sogn (der adskiller det fra Annekset Turup), Kjærum, Flemløse og Søllested Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil Ø. for Assens. De højtliggende og stærkt bakkede Jorder (Skovsbjærg med trig. Station, 308 F., 97 M.; Store Øksnebjærg, 270 F., 84 M., Lundshøj, m. fl.) ere overvejende muldsandede, mod S. grusede og muldblandede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1679 Td. Ld., hvoraf 906 besaaede (deraf med Hvede 33, Rug 176, Byg 193, Havre 204, Blands. til Modenh. 186, Grøntf. 21, Kartofler 16, Sukkerroer 46, andre Rodfr. 20, andre Handelspl. 7), Afgræsn. 255, Høslæt, Brak, Eng m. m. 390, Have 21, Moser 39, Kær og Fælleder 8, Hegn 9, Veje og Byggegr. 51. Kreaturhold 1893: 153 Heste, 461 Stkr. Hornkv. (deraf 308 Køer), 312 Faar, 240 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 166 Td.; 2 Selvejergaarde med 36, 20 Arvefæstegd. med 81, 6 Fæstegd. med 37, 43 Huse med 12 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse ($^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 367 (1801: 298, 1840: 378, 1860: 386, 1880: 401), boede i 78 Gaarde og Huse; Erhverv: 7 levede af immat. Virksomh., 227 af Jordbr., 62 af Industri, 10 af Handel, 50 af forsk. Daglejervirks., 10 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kirkesøby* med Kirke, Præstegd., Skole og Hospital (opr. 1735 af Barbara Kirstine Steensen, Enke efter Mogens Holck til Skovgaarde, med et Hus ved Kirken for 4 fattige): *Søsøby*. Mellem de to Byer et Forsamlingshus (opf. 1887). *Tylle*, Gaarde og Kro, ved Landevejen. *Gaasemose*, Huse. Hovedgaarden *Skovgaarde*, under det grevelige Rantzauske Forlods (se under Rosenvold, Vejle Amt): $29^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk., 306 Td. Ld., hvoraf 16 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre af Fæstegods omtr. 34, af Arvefæstegods $196^1/_2$ Td. Hrtk. (i Søby, Søllested, Flemløse, Kjærum og Dreslette S.) samt Søby- og Søllested Kirke- og Søbys Kongetiende.

Søby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- og Lægedistr. (Assens), 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 186. Lægd. Kirken tilhører det grevelige Rantzauske Forlods.

*Kirken* (cementpudset) bestaar af Skib, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skibets tre vestlige Hvælvingsfag, er opf. i den tidligere Middelalder af utilhuggen Kamp. Senere er Skibet blevet udvidet mod Ø., idet det oprindelige Kor er blevet nedrevet og har faaet en flad Gavl med Blindinger. Gulvet er ved Alteret hævet 2 Trin. Taarnet, opf. i den gotiske Tid, forneden af utilhuggen Kamp, foroven af Munkesten, har Gavle med Blindinger i N. og S. Det hvælvede Underrum aabner sig til Skibet med en Spidsbue. Vaabenhuset er opf. af gammelt Granitmateriale og har fladt Loft. Kirken er i 1879 undergaaet en uheldig Restauration. Altertavlen er et Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh.; i Midten et nyere Maleri (Christus i Krybben). Kalken, skænket 1709 af Mogens Holck og Barbara Kirstine Steensen, bærer disses Vaabener. Prædikestol fra samme Tid som Altertavlen; Himlen er nyere. Romansk Granitdøbefont, nylig ophugget, med Menneskehoveder og Planteslyngninger. Døbefadet er skænket 1675 af Erik Steensen og Fru Kirsten Rothkirck. I Skibet et stort, sent-gotisk Krucifiks. Præste- og Degnestol samt Stolestader fra Beg. af 17. Aarh. Paa et Brudstykke af et Endestykke til et Stolestade findes Aarst. 1497. I Skibet Ligsten over Præsten Severin Hansen Hintzholm, † 1641, og hans to Hustruer (alle Aarst. uudfyldte).

*Skovgaarde* er en gammel Hovedgaard, der 1466 tilhørte Verner Pedersen, 1486 Otte Skinkel, 1519—20 Laurids Pedersen, Sønnen Oluf Norby 1570, dennes Søn Henrik N., † 1594, hans Søster Magdalene, † 1601, hendes Brodersøn Oluf N. 1630, der vistnok solgte Gaarden til Hr. Jørgen Brahe, som mageskiftede den til Jomfruerne Karen og Hilleborg Bille for Bisbo. De maatte 1660 afhænde S. til deres Søstersøn Jørgen Hartvigsen, men betingede sig Husly paa Gaarden, hvor de døde i stor Armod. Jørgen Hartvigsens Enke Kirsten Rothkirck købte 1670 S. af sin afdøde Husbonds Søskende og ægtede Amtmand Erik Steensen † 1701; hun døde 1706. S. kom derefter til Datteren Barbara Kirstine Steensen, g. m. Oberst Mogens Holck († 1712). Ved hendes Død 1755 blev S. solgt for 27,240 Rd. til Gehejmer. Grev C. Rantzau til Brahesborg, i hvis Familie den senere er forbleven. Ifl. Grev Erhard Rantzaus Disposition af $^4/_9$ 1828 er den forenet med det grevelige Rantzauske Forlods. — Hovedbygningen, en hvidkalket Bindingsværksbygn. med en 1863 tilbygget Frontespice, er opf. i 18. Aarh.

Ved *Øksnebjærg* stod $^{11}/_6$ 1535 det bekendte Slag i Grevens Fejde, hvor Chr. III's Feltherre Joh. Rantzau overvandt Lübeckernes Hær under Grev Joh. af Hoya, som faldt i Slaget.

**Turup Sogn**, Anneks til Søby Sogn, omgives af Gamtofte (der adskiller det fra Hovedsognet), Vedtofte, Barløse og Holevad Sogne. Kirken, noget sydl., ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder ere dels sandede og sandmuldede, dels lerede. Paa Nordgrænsen løber Pugemølle Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1897 Td. Ld., hvoraf 1067 besaaede (deraf med Hvede 34, Rug 160, Byg 235, Havre 205, Boghvede 4, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 193, Grøntf. 40, Kartofler 20, Sukkerroer 132, andre Rodfr. 39), Afgræsn. 231, Høslæt, Brak, Eng m. m. 437, Have 32, Skov 50, Moser 8, Kær 3, Hegn 16, Veje og Byggegr. 53 Td. Kreaturhold 1893: 186 Heste, 647 Stkr. Hornkv. (deraf 432 Køer), 422 Faar og 242 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 194 Td.; 20 Selvejergaarde med 84, 17 Arvefæstegd. med 86, 101 Huse med 24 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 688 (1801: 379, 1840: 607, 1860: 636, 1880: 705), boede i 143 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 358 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 172 af Industri, 24 af Handel, 90 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Turup*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Fattiggaard, (opr. 1865, Plads for 16 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1894), Andelsmejeri, Mølle og Telefonstation; *Blangstrup*; en Del af *Hesle* (Resten i Vedtofte S.). *Hunkebjærg Huse*, *Trashuse*, *Hvidsø Huse* og noget af *Mygindlund* (se Holevad S.). *Blangstrupgaard*: $12^1/_2$ Td. Hrtk., 116 Td. Ld., hvoraf 8 Eng, 8 Skov, Resten Ager (22 i Barløse S.). *Lundegaard*.

Turup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 182. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Brahesborg.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skibets to vestligste Hvælvingsfag, er opf. i romansk Tid af raa Kamp med Kvaderstenshjørner. Levninger af de oprindl. Døre ses. Senere er Skibet blevet forlænget mod V., ved hvilken Lejlighed det oprindl. Kor med Apsis er blevet nedbrudt og det herved fremkomne Materiale anvendt til Skibets nye Del. I Soklen ses de krumhugne Kvadre fra Apsis. Østgavlens Spids, med Blindinger, er af Munkesten. Skibet er overhvælvet. Taarnet, fra den senere Middealder, af Munkesten, har Gavle med Blindinger i N. og S. og rundbuet Aabning ind til Skibet. Paa Taarnets Nordside et Trappehus, af Munkesten. Vaabenhuset, af Munkesten og gammelt Granitmateriale, har fladt Bjælkeloft. Tarvelig Altertavle i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh.; i Midten et moderne Kors. Prædikestol i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh.; paa Himlen Aarst. 1598. Døbefont af Træ med Aarst. 1592. Den oprindl., romanske Granitdøbefont er nu indmuret i Kirkegaardsmuren med Skaalen vendende ud mod Vejen. I Skibet et stort, tarveligt udskaaret, sent-gotisk Krucifiks. I Kirkens Vestende et lille, meget tarveligt Pulpitur.

„*Hesletgaard*" i Turup Sogn tilhørte 1516 Jørgen Marsvin, som havde pantsat den til Fru Mette Clausdatter, som s. A. oplod sin Panteret til Laurids Skinkel.

Turup S., der maaske tidligere har været annekteret til Holevad, blev 1555 Anneks til Søby Sogn.

**Skydebjærg Sogn** omgives af Annekset Orte, Ørsted og Kjerte Sogne samt Vends (Rørup S.) og Odense Hrd. (Vissenbjærg S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens og 3 Mil V. S. V. for Odense. De højtliggende og meget bakkede Jorder (Ormehøj, 307 F., 96 M.) ere dels lermuldede, dels muldgrusede, grusede og sandede. I den nordl. Del løber *Brende Aa*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Assens til Bogense og den fynske Hovedbane.

Fladeindhold 1896: 2252 Td. Ld., hvoraf 1171 besaaede (deraf med Hvede 34, Rug 158, Byg 232, Havre 207, Blandsæd til Modenh. 294, Grøntf. 57, Kartofler 30, Sukkerr. 61, Frøavl 4, andre Rodfr. 94), Afgræsn. 368, Høslæt, Brak, Eng m. m. 367, Have

43, Skov 110, Moser 51, Kær og Fælleder 58, Hegn 16, Veje og Byggegr. 67 Td. Kreaturhold 1893: 163 Heste, 597 Stk. Hornkv. (deraf 397 Køer), 256 Faar og 267 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 181 Td.; 32 Selvejergaarde med 146, 154 Huse med 34 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1186 (1801: 436, 1840: 666, 1860: 695, 1880: 1068), boede i 220 Gaarde og Huse; Erhverv: 138 levede af immat. Virksomh., 377 af Jordbr., 4 af Gartneri, 364 af Industri, 135 af Handel, 133 af forsk. Daglejervirks. og 35 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Skydebjærg*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole; Kro og Andelsmejeri; *Aarup*, stærkt opvoksende By, med Skole, Folkehøjskole (opr. 1886, skal nedlægges), Realskole, teknisk Skole (opr. i 1880'erne), Industriforeningsbygning, Apotek (flyttet 1872 hertil fra Gribsvad, se S. 519), Lægebolig, Missionshus (opf. 1898), Kirkegaard med Ligkapel (opf. 1896), Sparekasse (opr. $^{10}/_4$ 1894; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 138,246 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 950 Kr., Antal af Konti 332), to Møller (den ene tillige Dampmølle), Købmandsforretninger, Maltgøreri, Kalkværk, Maskin- og Vognfabrik m. m., Markedsplads (Markeder i Feb., April og Okt. med Heste, Kvæg og Faar), Gæstgiveri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postkontor. *Lungene*, Gde. og Huse. *Gavnbygaard*: $13^3/_8$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 8 Skov, Resten Ager. *Taarupgd.*, under Stamhuset Erholm og Søndergaarde, har $22^3/_8$ Td. Hrtk., $309^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 4 Eng, $2^1/_2$ Skov, Resten Ager.

Skydebjærg S., een Sognekommune med Annekset, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 178. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Erholm og Søndergaarde.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del, noget af Skibets n. og s. Mur samt Taarnet, er opført af raa og tilhuggen Kamp, Taarnet tillige af Munkesten. Resten af Kirken er bleven fuldstændig ombygget i 1850'erne af smaa Mursten paa Granitsokkel. Taarnet har Gavle med Kamtakker og Blindinger; det hvælvede Underrum aabner sig ind til Skibet med en Rundbue. Ved Taarnets Sydside ligger et Trappehus af Munkesten. Vaabenhuset, af smaa Mursten paa Granitsokkel, har ligesom Skibet fladt, pudset Loft. Tarvelig Altertavle i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh. med et nyt Maleri (Hyrderne paa Marken). Prædikestolen er et Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont. I Skibet Epitafium over Præsten Jens Poulsen Bang, † 1690, og Hustru, opsat af dem selv i 1680, med Portrætter. Paa Vaabenhusloftet en Kaarde og en Spore, der ifl. D. Atl. skal have tilhørt en Lieutn. Cabuse.

En Væbner Iver Findsen af *Skydebjærg* nævnes 1393 og 1396.

Agronomen Knud Frantzen aabnede 1868 en Landbrugsskole i Aarup (egentlig den 1865 grundlagte Højskole i Kavslunde, der flyttedes hertil), som dog atter gik ind 1869.

Sagnet har, vel paa Grund af Sognets Navn, gjort denne Egn til Skuepladsen for Palnatokes Bedrift: at skyde Æblet af Sønnens Hoved. Et Sted ved Skydebjærg By hedder Tokkenskov.

**Orte Sogn**, Anneks til Skydebjærg, omgives af dette og Ørsted Sogn samt Odense Hrd. (Tommerup og Vissenbjærg S.). Kirken, noget vestl., ligger omtr. 2 Mil N. Ø. for Assens og $2^1/_2$ Mil V. S. V. for Odense. De højtliggende og meget bakkede Jorder (*Frøbjærg Bavnehøj*, Fyns højeste Punkt, 417 F., 131 M.; østligere ligger det smukt afrundede Brendholt Bjærg, 367 F., 117 M.) ere dels lermuldede, dels muldgrusede, grusede og sandede. En Del Skov (Brendholt, Rydsmose, Frølunds Have). Paa Nordvestgrænsen løber en Biaa til Brende Aa. I den nordvestl. Del gaar Landevejen fra Assens til Middelfart-Odense Landevej.

Fladeindhold 1896: 3816 Td. Ld., hvoraf 1831 besaaede (deraf med Hvede 35, Rug 381, Byg 385, Havre 422, Blandsæd til Modenhed 371, Grøntfoder 56, Sukkerroer 66, Kartofler 52, andre Rodfrugter 57, Handelspl. 4), Afgræsn. 543, Høslæt, Brak, Eng m. m. 860, Have 58, Skov 244, Moser 95, Kær og Fælleder 65, Hegn 37, Heder 5, Veje og Byggegr. 71, Vandareal 6. Kreaturhold 1893: 309 Heste, 1276 Stkr. Hornkv. (deraf 823 Køer), 651 Faar, 517 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 278 Td.; 57 Selvejergaarde med 222, 237 Huse med 55 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1371 (1801: 497, 1840: 1131, 1860: 1383, 1880: 1504), boede i 299 Gaarde og Huse; Erhverv: 38 levede af immat. Virksomh., 927 af Jordbrug, 257 af Industri, 32 af Handel, 60 af forsk. Daglejervirks., 37 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Orte* (1348: Ortæ) med Kirke og Skole; *Frøbjærg* med Skole, Forsamlingshus og Mølle. *Hestbjærg*, Gd. og Huse, med Skole. *Ladegaard Mark*, *Frøbjærg-Vænge*, *Skovhuse*, m. m. Fattiggaarden *Damgaarden* (indrettet 1868, Plads for 40 Lemmer). *Pejrupgaard*: $14^1/_2$ Td. Hrtk., 200 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 15 Skov, Resten Ager. Gaardene *Frøbjærglund*, *Ladegaarde*, *Topgd.*, *Pejruplund*, *Ulvskovgd.*, *Brenholt*.

Orte S., een Sognekommune med Hovedsognet, men delt i et nordre og et søndre Sognefogeddistr., hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 177. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Erholm og Søndergaarde.

*Kirken* (overhvidtet), tidligere indviet til St. Nicolaus, bestaar af Skib og Taarn mod V. Den ældste Del er Taarnet, opført af Munkesten paa Granitsokkel. Ved dets Sydside ligger et Trappehus, af Munkesten og smaa Mursten. Skibet er opført i 1848—51 af smaa Mursten paa Granitsokkel. Middelalderlig Altertavle; i Midtfeltet ses foroven St. Anna og Jomfru Maria med Christusbarnet mellem sig, forneden Christus paa Korset og Maria med Apostlene. Prædikestol i Renæssancestil fra 1625. Romansk Granitdøbefont. Stolestadernes Endestykker ere dels fra gotisk Tid, dels fra Renæssancetiden; paa et af dem Aarst. 1641. I Taarnets Østvæg et Krucifiks og en Figur af en Bisp fra gotisk Tid.

I Orte laa fordum Hovedgaarden *Frøbjærg*, der nævnes 1383; nogle Aar senere skrev Hr. Berneke Skinkel sig til F. En følgende Ejer var Hr. Lage Brok og derefter dennes Datter Margrethe, g. m. Hr. Niels Clausen (Sparre) til Ellinge i Skaane. Efter at denne havde sluttet sig til de svenske, blev F. beslaglagt af Kongen, som 1506 overdrog den til Hr. Henrik Knudsen Gyldenstjerne. Aar 1540 blev det beslaglagte Gods imidlertid tilbagegivet til Fru Margrethes svenske Arvinger af Slægterne Bielke og Banér, hvilke besad det lige til 1664 og lod det betydelige Gods forvalte af Fogeder; 1664 købte den danske Rigsadmiral Henrik Bielke Godset, som siden blev splittet.

D. Atl. VI, S. 653, nævner, at der i en stor Mose findes Ruiner af et Slot; paa et Sted af Ladegaard Mark, „*Aalsmose*", er der endnu i 19. Aarh. fundet Bygningsrester; her har vist ligget en Herregaard, „*Ladegaard*".

Ved 1570 skrev Adelsmanden Hans Daa sig i *Orte*.

**Ørsted Sogn** omgives af Orte, Skydebjærg, Kjerte, Barløse, Vedtofte, Søllested og Kjøng Sogne samt Odense Hrd. (Verninge og Tommerup S.). Kirken, noget vestl., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil N. Ø. for Assens og $2^1/_4$ Mil S. V. for Odense. De højtliggende og bakkede Jorder (Brentebjærg, 352 F., 111 M.) ere dels lerede og lermuldede, dels grusblandede. Omtr. $^1/_6$ af Arealet er dækket af Skov (Basselund [ved at forsvinde], Hestehave, Grønnefald, Grøften, Skanneshave). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Odense og fra Faaborg til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 3414 Td. Ld., hvoraf 1357 besaaede (deraf med Hvede 83, Rug 191, Byg 283, Havre 275, Blandsæd til Modenh. 276, Grøntf. 35, Kartofler 21, Sukkerroer 173, andre Rodfr. 19), Afgræsning 409, Høslæt, Brak, Eng m. m. 685, Have 45, Skov 674, Moser 72, Kær og Fælleder 39, Hegn 33, udyrket 31, Veje

og Byggegr. 61, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 247 Heste, 810 Stkr. Hornkv. (deraf 515 Køer), 439 Faar, 346 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 254 Td.; 2 Selvejergaarde med 38, 22 Arvefæstegd. med 111, 17 Fæstegd. med 79, 82 Huse med 25 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, 1/2 1890: 671 (1801: 476, 1840: 516, 1860: 521, 1880: 612), boede i 123 Gaarde og Huse; Erhverv: 49 levede af immat. Virksomhed, 392 af Jordbr., 133 af Industri, 8 af Handel, 68 af forsk. Daglejervirks., 19 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ørsted* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus, Hospital (en 1871 af Kmhr. Grev C. F. Rantzau opført Afdeling af Vedtofte Hospital — s. d. — for 4 Lemmer), Saftstationen „Uglebjærg", Mølle og Andelsmejeri; *Højbjærg*; *Nyrup*. *Grimsbjærg*, Gd. og Huse, med Skole, *Sædholm* og *Nydam*, Huse. Hovedgaarden *Frederikslund* har 42 3/4 Td.

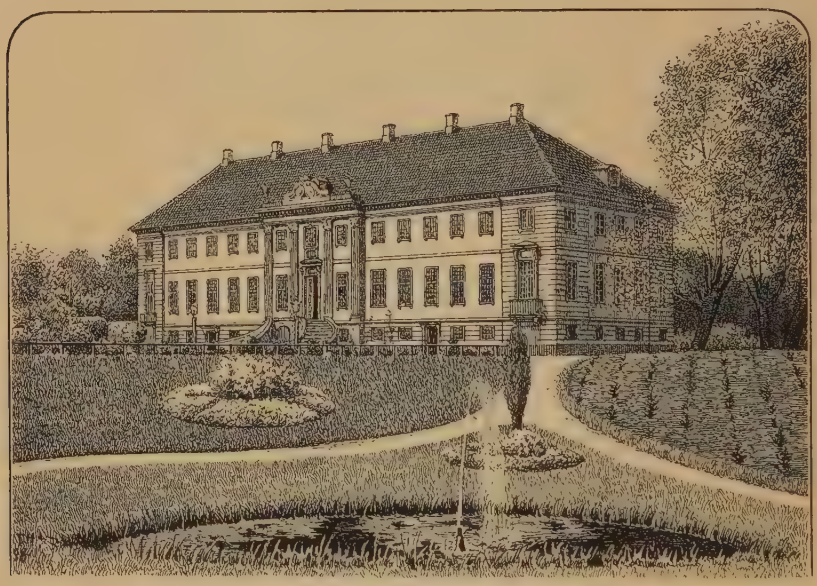

Frederikslund.

A. og E. Hrtk. og 4 1/2 Td. Skovsk., 260 Td. Ld. Ager, 40 Td. Ld. Eng og 1177 Td Ld. Skov; til Godset høre af Fæstegods 120 1/2 Td. Hrtk. (21 Gd. og 18 Huse) og af Arvefæstegods 239 1/2 Td. Hrtk. (38 Gd. og 104 Huse), beliggende i Ørsted, Flemløse, Søllested, Haarby, Kjærum, Sønderby og Verninge Sogne. Gaardene *Truntegd.*, *Gaagerup* (Arvefæstegd. under Frederikslund, 12 Td. Hrtk., 124 Td. Ld.), *Toftegd.*, *Østerskovgd.* og *Hyllestedgd.*

Ørsted S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 179. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Frederikslund.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skibet og Koret, er opført i romansk Tid af raa og tilhuggen Kamp. To af de oprindl. Døre ere bevarede. Koret er vistnok senere udvidet mod Ø.; Gavlspidsen er opmuret af smaa Mursten. Skibet har mod N. en lille Udbyg-

ning med Opgang til Herskabsstolen. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet, at Munkesten, er forneden indrettet til Kapel med fladt, pudset Loft. Vaabenhuset er af gammelt Granitmateriale. Kirken blev restaureret 1869. Altertavlen er et smukt Renæssancearbejde fra Beg. af 17. Aarh. med et nyere Maleri af Th. Wegener (Jesus prædiker paa Bjærget) og Akeleyernes og Sparrernes Vaabener. Prædikestol i Renæssancestil fra 1598. Romansk Granitdøbefont med Menneskehoveder. I Koret et stort, sent-gotisk Krucifiks. Smuk Præste- og Degnestol; paa den sidste Aarst. 1556. I Skibet et Epitafium over Landsdommer Gabriel Knudsen (Akeleye) til Krengerup, † 1608, og Hustru, opsat 1617 af hans Søn Torbern. I Gulvet Ligsten over Præsten Hans Stage, † 1616, og over Præsten Hans Jørgensen Sølling, † 1679. I Taarnet Gravkapel for den Rantzauske Familie; her staa 8 Kister med Ligene af Medlemmer af denne Familie, deriblandt General, Grev Fr. S. Rantzau, † 1822, og Hustru, deres Søn Kmhr., Oberst Grev C. F. R., † 1851, og dennes Brodersøn Kmhr. Grev C. F. R., † 1897, og Hustru. I Vaabenhusets Sydmur en Runesten, paa hvilken er udhugget St. Jørgens Kamp med Dragen. Ved Siden af Orgelet findes to Nicher, hvori to udskaarne Helgenfigurer.

*Frederikslund* hed tidligere *Krengerup* og skal være oprettet til en Hovedgaard af Landsdommer Gabriel Knudsen Akeleye, som ejede den 1589 og efterlod den til sine Sønner Sigvard († 1659) og Torbern. Sidstnævntes Enke boede indtil sin Død 1665 paa K., som dog 1658 tilhørte Jakob Lindenov og siden Claus Daa, † 1678. Aaret efter solgte hans Hustru Sophie Amalie Lindenov K. (36 Td. Hrtk.) og Brahesholm til Assessor Hans Knudsen, som 1686 solgte begge Godser til Gehejmer. Morten Skinkel til Søholm, † 1691. Hans Enke Anna Charisius ejede Godserne til sin Død 1705, da K. blev delt mellem hendes to Broderdøtre Anna Barbara Sophie C., g. m. Oberst Kaphengst, og Marie Dorthea Charlotte C., g. m. Kaptajn Vilh. Chr. Stockfleth, hvis Søn Etatsr., Stiftamtmand Chr. S., † 1750, atter samlede K. og tillige ejede Søholm og Brahesholm. Hans eneste Datter ægtede Chr. VII's bekendte Yndling Fr. Vilh. Conr. Greve Holck, der 1770 solgte K. til Gehejmekonferensr., Greve Chr. Rantzau, hvis Søn Grev Fr. Siegfred R., † 1822, ombyggede K. og gav den det nuv. Navn. Senere gik de tre Godser over til Sønnen, Kmhr., Oberst, Grev C. F. Rantzau, † 1851, og fra ham til hans ældste Broders yngste Søn Kmhr., Grev C. F. R., † 1897, hvis Søn, Kmhr., Grev C. F. Rantzau, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen er opf. 1772 i Palaisstil af Grundmur i 3 Stokv.

Aar 1397 nævnes Unker Jensen af Ørsted og ved 1420 Peder Nielsen i Ø.

Skoven Skanneshave i den sydøstl. Del af Sognet minder endnu om den Herregaard *Skanørshave*, der skal have ligget der (se D. Atl. VI S. 656).

Litteraturhistorikeren *Rasm. Nyerup* er født $^{12}/_{3}$ 1759 i Landsbyen Nyrup.

**Søllested Sogn** omgives af Annekset Vedtofte, Ørsted, Kjøng, Flemløse, Søby og Gamtofte Sogne. Kirken, noget vestl., ligger omtr. $1^{1}/_{4}$ Mil N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Møllebjærg, 297 F., 93 M.) ere overvejende lerede og lermuldede. En Del Skov (Rullesk., Bukkerup Kohave, Fjællebro Holt). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Bogense.

Fladeindholdet 1896: 2059 Td. Ld., hvoraf 742 besaaede (deraf med Hvede 24, Rug 123, Byg 165, Havre 155, Blands. til Modenh. 160, Grøntf. 23, Kartofler 10, Sukkerroer 56, andre Rodfr. 23), Afgræsning 231, Høslæt, Brak, Eng m. m. 312, Have 31, Skov 465, Moser 165, Hegn 36, uopdyrket 19, Veje og Byggegr. 54 Tdr. Kreaturhold 1893: 139 Heste, 486 Stkr. Hornkv. (deraf 300 Køer), 251 Faar, 257 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 145 Td.; 21 Selvejergd. med 112, 1 Arvefæstegd. med 10, 2 Fæstegd. med 11, og 61 Huse med 10 Td. Hrtk. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 473 (1801: 270, 1840: 352, 1860: 435, 1880: 516), boede i 93 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomh., 278 af Jordbrug, 112 af Industri, 8 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirks., 19 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Søllested* (i Vald. Jordeb. Syaluærstath) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1888), Andelsmejeri og Mølle; *Bukkerup* med Telefonstation. *Egemosedam*, Huse. *Stengelris*, Gde. og Huse. Forpagtergaarden *Faldengaard* og Skovridergaarden *Rønnemosegd.*,

begge under Frederikslund (se S. 546), tils. 14 Td. Hrtk. Gaardene *Søllestedgd.*, *Vedstaarupgd.* (Vistaarup, Vistorpe), *Nybo*, *Bukkeruplund* m. fl.

Søllested S., een Sognekommune med Annekset, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 183. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Rosenvold.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført af raa og tilhuggen Kamp. Et oprindeligt, rundbuet Vindue er bevaret; paa Korets Sydside ses Spor af en Dør. Allerede tidlig er Korets Østgavl blevet nedreven, Koret forlænget og afsluttet med en Gavl af Munkesten. Skibets Vestgavl er ligeledes af Munkesten; begge Gavle have Blindinger. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet, med takkede Gavle med Blindinger, er af Munkesten fra den senere Middelalder; det overhvælvede Underrum er ved en Spidsbue forbundet med Skibet. Vaabenhuset, af raa Granit og Munkesten, har fladt Loft. Ny Altertavle med Maleri (Christus i Getsemane). Kalk, skænket 1676 af Præsten Christen Lauritzen Fuglevig og Hustru. Smuk Prædikestol i tidlig Renæssancestil (omtr. Midten af 16. Aarh.); Himlen er nyere. Romansk Granitdøbefont med Planteslyngninger og Mandehoveder. I Skibet et stort, sent-gotisk Krucifiks. Degnestol fra 17. Aarh. Paa et af Stolestadernes Endestykker Aarst. 1613. I Taarnet en Mindetavle over Præsten Joh. Faber, † 1724, og Hustru. Mellem Skib og Vaabenhus en Egetræs Dør med Jærnbeslag, fra 1641.

*Søllested*, „Syelverstete", nævnes alt 1175, da Vald. I her holdt en Forsamling om Sommeren, hvor han udstedte et Brev, ifl. hvilket han overlod St. Knuds Kloster i Odense Landsbyen Hetby for andre Ejendomme, og 1231 er S. ansat i Jordebogen for 30 Mark Guld, hvoraf man maaske kan slutte, at det dengang har været et betydeligt Sted, hvor Kongen havde vigtige Ejendomme.

Egemosedam er maaske Resterne af den gamle Hovedgaard *Egsmose*, af hvis Ejere kendes Markvard af Egsmose 1372, Karine Ilmychsdatter, Enke efter Jens Nielsen af E. 1411, Henrik Pedersen af E. 1421—33, Mattis Fredbjørnsen i E. 1446—47 og Hans Madsen (Bielke) 1466—77.

*Vedstaarupgaard* er vistnok det *Vesthorp*, hvor Jarl (comes) Elev 1140 boede (Scr. r. D. VII S. 219) eller, som Saxo kalder ham, „Eliuus a vico Wisingo."

En tidligere Gaard *Lysholt* er nu nedbrudt og Jorderne lagte under Søholm.

Fra en Høj ved Søllested hidrører et sjældent Gravfund fra Vikingetiden, med Seletøj til to Køreheste (to Mankestole med prægtige, forgyldte Broncebeslag, Bidsler, Halskobler) samt Spande og Skaal af Bronce eller Træ, Vokslys m. m.

**Vedtofte Sogn**, Anneks til Søllested, omgives af dette, Ørsted, Barløse, Turup og Gamtofte Sogne. Kirken, noget sydl., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Uglebjærg, 305 F., 96 M.) ere dels lerblandede, dels sandblandede og sandede. Skovene Vaasbjærg og Vedtofte Kohave. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens og Faaborg til Bogense og Odense.

Fladeindholdet 1896: 1695 Td. Ld., hvoraf 815 Td. besaaede (deraf med Hvede 63, Rug 111, Byg 175, Havre 165, Blandsæd til Modenh. 164, Grøntf. 11, Kartofler 8, Sukkerroer 97, andre Rodfr. 21), Afgræsn. 237, Høslæt, Brak, Eng m. m. 385, Have 23, Skov 152, Moser 18, Hegn 13, Veje og Byggegr. 45, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 123 Heste, 516 Stkr. Hornkvæg (deraf 348 Køer), 210 Faar og 261 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 163 Td.; 1 Selvejergaard med 57, 25 Arvefæstegd. med 89, 2 Fæstegd. med 8 og 40 Huse med 9 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 349 (1801: 326, 1840: 285, 1860: 323, 1880: 392), boede i 64 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomh., 239 af Jordbrug, 49 af Industri, 7 af Handel, 25 af forsk. Daglejervirks., 13 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vedtofte*, ved Landevejen, med Kirke og Hospital (opr. af Etatsr., Stiftamtmand Chr. Stockfleth til Krengerup og Brahesholm,

med et Hus for 4 fattige af Brahesholms Gods, se Ørsted Sogn S. 546); *Mellemballe* med Skole; en Del af *Hesle* (Resten i Turup S.). *Uglebjærg*, Gd. og Huse, ved Landevejen, med Mølle, og Kro. Hovedgaarden *Brahesholm* har 57 Td. Hrtk., 701 Td. Ld., hvoraf 29 Eng, 175 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 4 Fæstehuse ($^1/_4$ Td. Hrtk.) og $133^1/_2$ Td. Hrtk. Arvefæstegods (33 Gaarde og 52 Huse, hvoraf 5 Gd. og 16 Huse i Barløse og Turup S.). *Brendegaard.*

Vedtofte S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 180. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Brahesholm.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført af raa og tilhugget Granit. Den oprindl. Syddør er bevaret. Koret er vistnok senere blevet udvidet lidt mod Øst; Østgavlens Spids, med Blindinger, er af Munkesten. Skib og Kor ere overhvælvede. Taarnet, med takkede Gavle med Blindinger, er af Munkesten fra den senere Middelalder; det overhvælvede Underrum har Spidsbue ind til Skibet. Vaabenhuset, med blindingsprydet Gavl, er af Munkesten og har fladt Loft. Ny Altertavle med Maleri (Christus i Emaus) af Jensen, fra 1864. Prædikestol i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh.; paa Himlen det Rudske, Hardenbergske, Rostgaardske og Stockflethske Vaaben. Romansk Granitdøbefont med Planteornamenter og Menneskehoveder. Paa et Endestykke af Stoleværket Aarst. 1579. Paa de øverste Stolestader Vilh. Stockfleths og Hustru Maria Dorothea Charisius' Navnetræk og Vaabener. I Skibet Mindetavle over Hans Gislef, Forpagter paa Brahesholm, † 1741, og Hustru. I Skibets Gulv Ligsten over Iver Andersen, Forpagter paa Vedtoftegd., † 1676, Hustru og Søn. Den ene Klokke, uden Indskrift, er fra Middelalderen. Over Kirkedøren staar et Vers, efter Sagnet af Ambrosius Stub, som har opholdt sig paa Brahesholm. (1554 klagede Kirkeværgerne over, at Kirken var kommen i stor Gæld ved Opførelsen af en Kirkelade).

*Brahesholm* hed tidligere *Vedtoftegaard.* Den nævnes første Gang 1527, da Henning Wolstrup tilskødede Laurids Skinkel (Tinhuus) sin Andel i V. De flg. Ejere vare Rigshofmester Eiler Hardenberg, † 1565, og hans Søn Erik H., som lod Gaard og Gods forbedre, † 1604 som sidste Mand af Slægten. Hans Datter Kirstine bragte Gaarden til sin Mand Axel Brahe til Elvedgaard. Ved Tyge Axelsen Brahes Død 1640 gik Arvingerne fra Arv og Gæld undtagen Datteren Christence, g. m. Jakob Lindenov, der 1658 ejede V. og Krengerup; begge Gaarde tilfaldt efter Fru Christences Død hendes Søstersøn Claus Daa († 1678), der 1673 erhvervede kgl. Bevilling paa at kalde V. *Brahesholm.* Hans Enke Sophie Amalie Lindenov solgte 1679 B. og Krengerup til Assessor Hans Knudsen, der 1686 solgte dem til Gehejmr. Morten Skinkel († 1690), hvis Enke Anna Charisius efterlod B. til sin Broderdatter Marie Dorothea Charlotte C., hvis Søn Stiftamtmand Chr. Stockfleth efterlod B. til sin Svigersøn Fr. Vilh. Conr. Greve Holck, der 1770 solgte Gaarden for 45,800 Rd. til Frans Trolle, som tilkøbte Verninge Kirke og 1775 afhændede B. for 53,000 Rd. til Greve, Fr. Siegfred Rantzau, og fra den Tid har den haft Ejere fælles med Frederikslund og Søholm. — Hovedbygningen, der ligger paa en Bakke, er opført 1871—72 efter Tegn. af Arkitekt K. Bording i Villastil med Taarnbygninger, hvoraf den ene har Spir. Avlsbygningerne ere genopførte efter en Brand 1842.

*Brendegaard* nævnes 1387, da Jep Abildgaard solgte sin Hustrus Del i Løgismose og Brenne til Jens Pedersen (Panter).

**Kjøng Sogn** omgives af Ørsted, Søllested, Flemløse og Haarby Sogne samt Svendborg Amt (Salling Hrd.) og Odense Hrd. (Verninge S.). Kirken, noget vestl., ligger omtr. 2 Mil Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Karlebjærg, 294 F., 92 M.) ere dels sandede, dels lermuldede og stærkt lerede. En Del Skov (Kalkerup Sk. m. m.). Fra den omtr. 70 Td. Ld. store *Søholm Sø*, der ligger midt i Sognet, kommer *Haarby Aa*, der løber mod S. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Odense og fra Faaborg til Bogense, som skære hinanden, samt Assens-Tommerup Banen.

Fladeindhold 1896: 4544 Td. Ld., hvoraf 2247 besaaede (deraf med Hvede 47, Rug 426, Byg 466, Havre 469, Boghvede 8, Bælgsæd 15, Blands. til Modenh. 454, Grøntf. 98, Kartofl. 59, Sukkerr. 81, andre Rodfr. 111, Frøavl 6, Handelspl. 7), Afgræsn. 614, Høslæt, Brak, Eng, m. m. 955, Have 73, Skov 323, Moser 77, Kær og Fælleder 7, Hegn 54, Veje og Byggegr. 189, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 407 Heste, 1406 Stkr. Hornkv. (deraf 947 Køer), 788 Faar, 848 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 410 Td.; 55 Selvejergaarde med 230, 29 Arvefæstegd. med 112, 6 Fæstegd. med 20 og 235 Huse med 48 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1756 (1801: 990, 1840: 1370, 1860: 1432, 1880: 1669), boede i 337 Gaarde og Huse; Erhverv: 125 levede af immat. Virksomh., 868 af Jordbr., 9 af Gartneri, 452 af Industri, 73 af Handel, 136 af forsk. Daglejervirks., 56 af deres Midler, og 37 vare under Fattigv. Ret betydelig Industri i Glamsbjærg.

I Sognet Byerne: *Kjøng*, ved Faaborg-Bogensevejen, med Kirke, Præstegd., Folkehøjskole (opr. 1877) Forsamlingshus (opf. 1891), Mølle, Købmandsforretninger og Telefonstation; *Gummerup*, ved samme Landevej, med Skole og Andelsmejeri; *Højrup* med Skole og Mølle; *Glamsbjærg*, ved Assens-Odensevejen, med Skole og Privatskoler, Fattiggaard (opf. 1869, Plads for 50 Lemmer), Lægebolig, Mølle, Bagerier, Cykle- og Maskinfabrik, Dampteglværk (et Interessentskab), Cementtagstensfabrik (et Interessentskab), Kalkværk, Dampsavskæreri, Maltgøreri, Ølbryggeri, Købmandsforretninger, Handelsgartneri, Markedsplads (Markeder i Apr. og Okt. med Heste, Kvæg og Faar), Gæstgiveri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition; *Holte* med Skole. Saml. af Gd. og Huse: *Gravene*, *Hønselaget*, *Bodebjærg Huse*, *Alenbækshuse*, *Søholm Huse*, *Romerhuse*, *Langerod*, *Fladmose*, *Hillerup*, *Højbjærg*, m. m. Hovedgaarden *Søholm* har 39 Td. Hrtk., 533 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 207 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre af Fæstegods (6 Gaarde og 6 Huse) 21 og af Arvefæstegods (28 Gaarde og 105 Huse) 122 Td. Hrtk. Gaardene *Søgaard*, *Skyttegd.*, *Bærholm*, *Hjortholm* og *Skrinshave*.

Kjøng S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 8. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 184. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Frederikslund.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Korsfløj mod N. og Vaabenhus mod S. Det ældste Parti, Korets vestl. Del og Skibet, er opført af raa og tilhuggen Kamp. Flere rundbuede Døre og Vinduer (til Dels tilmurede) ere bevarede. Senere er Koret blevet forlænget mod Ø. med gule og røde Munkesten; Østgavlen har Blindinger. Korsfløjen, af raa Kamp med kamtakket Gavl mod N., er overhvælvet og har ind til Skibet en Rundbue. Taarnet, fra den senere Middelalder, af raa Kamp og Munkesten, har kamtakkede og blindingsprydede Gavle; ved dets Sydside et Trappehus af Munkesten. Vaabenhuset, af raa Kamp, har fladt Bjælkeloft. Der er fundet Spor af Kalkmalerier og Rest af en Indskrift med Aarst. 1563. Udskaaren Altertavle fra Beg. af 17. Aarh., skænket af Niels Skinkel til Søholm og Hilleborg Aschersleben, med et Maleri (Hyrdernes Tilbedelse), vistnok fra 18. Aarh. Kalken er skænket 1683 af Morten Skinkel til Søholm og Anna Charisius. Oblatæske skænket 1746 af Elisabeth Haurevadt, Hans Falenkamps. Prædikestol i Renæssancestil fra 1620. Romansk Kalkstensdøbefont med Mandehoveder. Gotisk Degnestol med Pult, fra 1490. Foran Alteret Ligsten over Anne Barbara Sophie Charisius, † 1745, Enke efter Oberst Kaphengst; i Koret Ligsten over Forpagter paa Søholm Morten Stub (Ambrosius Stubs Broder), † 1725, og Hustru Karen Møller, † 1743, og over Chrf. Hansen i Stormgaard, † 1715, og Hustru Kirsten Pedersdatter, † 1730. Paa Kirkegaarden Ligsten over Anne Marie Seidelin, † 1749.

*Søholm* tilhørte 1535 Philip Heidersdorf, siden dennes Svoger Gabriel Skinkel, † 1600, hans Halvbroder Niels Skinkel, Enken Hilleborg Aschersleben, Sønnen Laurids S., † 1670, der synes at have solgt den til sit Næstsøskendebarn Niels

Skinkel, hvis Søn Gehejmer. Morten S. ejede baade S., Krengerup og Brahesholm. Han døde 1691, og Enken Anna Charisius ejede saa alle Gaardene. Hun tilkøbte 1695 Verninge og Kjøng Kirker og døde 1705, hvorefter S. tilfaldt hendes Broderdatter Anna Barbara Sophie C. Efter hendes Død 1745 kom S. til hendes Søstersøn Stiftamtmand Chr. Stockfleth, hvis Svigersøn Greve F. V. C. Holck 1770 solgte S. (med 359 Td. Hrtk.) til Generalmajor Chr. Schiøller for 37,200 Rd. Han frasolgte Kirker, Bøndergods etc. og solgte saa 1772 S. (21 Td. Hrtk.) til Peder Hellesen, som 1776 solgte Gaarden for 6020 Rd. til Grev Fr. Siegfred Rantzau til Krengerup, fra hvilken Tid den har været forenet med Frederikslund (se S. 547). — Hovedbygningen, i 1 Stokv. med høj Kælder, er opf. 1855—58. Den gamle Gaard blev helt nedbrudt i Slutn. af 18. Aarh., og Jorderne bleve drevne under Frederikslund. Voldstedet af den gamle Gaard, der ifl. Hofm. Fund. (V S. 327) skal være opf. i Beg. af 17. Aarh., samt af A. Charisius, Enke efter Oberst Kaphengst, 1744, og af Chr. Stockfleth 1748, ligger lige ved Søholm Søs vestl. Bred, omgivet paa de andre tre Sider af Grave. Der findes endnu Brokker af Munkesten og Murrester af raa Kamp, der kunde tyde paa en ældre Tid end Beg. af 17. Aarh.

*Højrup* er formodentlig det „Hegedorpe", hvortil Jens Pedersen (Panter) skrev sig 1388 (jvfr. Løgismose). Den synes at have haft fælles Ejere med Løgismose, thi 1504 skrev Karl Bryske fra Løgismose sig „i Høggorpe".

Digteren *Ambrosius Stub* er født i Sognet 1705.

Sognet var 1687—1727 Anneks til Verninge i Odense Hrd.

**Flemløse Sogn** omgives af Søllested, Kjøng, Haarby, Dreslette, Sønderby, Kjærum og Søby Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Assens. De højtliggende og bakkede Jorder (Møllebjærg, 284 F., 89 M.) ere til Dels lette. Nogen spredt Skov. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Faaborg og, i det nordl. Hjørne, fra Assens til Odense samt Assens-Tommerup Banen.

Fladeindholdet 1896: 4498 Td. Ld., hvoraf 2404 besaaede (deraf med Hvede 35, Rug 459, Byg 452, Havre 509, Boghvede 26, Bælgsæd 16, Blandsæd til Modenh. 435, Grøntf. 173, Kartofler 42, Sukkerroer 151, andre Rodfr. 100, Handelspl. 6), Afgræsning 651, Høslæt, Brak, Eng m. m. 957, Haver 55, Skov 150, Moser 50, Kær og Fælleder 7, Hegn 49, Heder 18, Veje og Byggegr. 153, Vandareal 4. Kreaturhold 1893: 453 Heste, 1336 Stk. Hornkvæg (deraf 877 Køer), 886 Faar og 733 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 437 Td.; 52 Selvejergaarde med 266, 19 Arvefæstegd. med 116, 3 Fæstegd. med 14, 169 Huse med 34 Td. Hrtk. og 17 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1327 (1801: 789, 1840: 1100, 1860: 1202, 1880: 1365), boede i 273 Gaarde og Huse; Erhverv: 90 levede af immat. Virksomh., 662 af Jordbr., 294 af Industri, 37 af Handel, 188 af forsk. Daglejervirksomh., 35 af deres Midler, og 21 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Flemløse* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1888), Sparekasse (opr. $^{20}/_2$ 1886; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 49,890 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 720 Kr., Antal af Konti 134), Mølle, Andelsmejeri, Gæstgiveri samt Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Voldtofte*, ved Faaborgvejen, med Skole, Mølle og Maltgøreri; *Høed* med Skole; *Dærup*. Saml. af Gde. og Huse: *Lundsbjærg*, *Flemløse-Grave*, *Stighøj*, *Karlemose*, *Springbjærg*, *Vejsemose* (en Del i Haarby S.), *Voldtofte-Vænge*, *Høedgyde* m. m. *Voldtoftegaard*: $13^5/_8$ Td. Hrtk., 132 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 6 Skov, 2 Gaardspl. og Have, Resten Ager. Gaardene *Hesselbjærggd.* og *Mosebo*.

Flemløse S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 185. Lægd. Kirken tilhører 11 af Sognets Gaardmænd.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. med Trappehus,

samt Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skibet og den vestl. Del af Koret, er opf. af Fraadsten (se *Helms*, D. Tufstenskirker, S. 110) og enkelte raa Granitsten og har oprindelig været pudset. Et rundbuet Vindue og to Døre ere bevarede. Senere er Koret forlænget mod Ø. med raa Kamp samt Munkesten paa Hjørner og i Gavlspidsen; Østgavlen har Kamtakker og Blindinger. Taarnet, af Munkesten, har blindingsprydede Gavle samt Rundbue ind til Skibet. Trappehuset, paa Taarnets Nordside, er af smaa Mursten. Vaabenhuset, af Munkesten, har Gavl med Blindinger mod N. og fladt Bjælkeloft. Altertavle i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh. med nyere Maleri (Christus i Emaus). Prædikestol i Renæssancestil fra 1599. Ny Døbefont af Sten. Mellem Skib og Vaabenhus en Egetræs Dør med Jærnbeslag fra 15. Aarh. I Gulvet Ligsten over Provst Gregers Pedersen, † 1668, og hans to Hustruer. Paa Kirkegaarden Ligsten over Præsten Johan Mygind, † 1804. I Kirkens nordre Ydermur en Mindetavle over Præsten Peder Kryssing Clausen, † 1828.

Ifl. D. Atl. (VI S. 657) skal der i Sognet have ligget en Herregaard *Bjørmose*, hvoraf der endnu i 18. Aarh. fandtes Murrester og Grave. — Ogsaa i *Dærup* skal der have været en større Gaard; „Jacobus Orm Deroppe" skal have bygget Vaabenhuset ved Kirken.

Astronomen *Peder Jacobsen Flemløse*, der gik Tyge Brahe til Haande paa Hveen, er født i Sognet omtr. 1554. — Den lærde Orientalist, Prof. *Th. Bang*, er født i Flemløse Præstegd. 1600.

Sognet er det paa Oldtidsmonumenter rigeste i Herredet, idet der er talt 32 Gravhøje; men næsten alle disse, hvoraf de fleste laa ved Voldtofte, ere nu sløjfede; den anseligste, *„Drengehøj"* ved Voldtofte, 24 F. høj, er fredlyst. Adskillige af Højene have været undersøgte af Fr. VII. Fundene, der væsentligst hidrøre fra den yngre Broncealder, og hvoraf flere ere ganske rige, opbevares nu i Nationalmuseet og paa Jægerspris (se II S. 170). Et værdifuldt Fund fra Jærnalderen, omtr. 500 e. Chr., er fremdraget i *Kragehul Mose* ved Flemløse; det indeholder navnlig Vaaben: Sværd, Spyd- og Pilespidser, Skjoldbrædter, Buer osv., men ogsaa enkelte Knive, Smykkesager, Bronce- og Lerkar m. m.; i Karakter svarer det ganske til Viemosefundet (se S. 405) og maa opfattes som dette (se *C. Engelhardt*, Kragehul-Mosefundet, Kbh. 1867). Ogsaa Runesten ere fundne i Sognet, nemlig *Flemløsestenen*, en af de ældste danske Runesten (Beg. af 9. Aarh.), der 1598 bragtes fra en nærliggende Høj til Flemløse Kirkegaard; senere blev den sprængt, og nogle Brudstykker, der indmuredes i Kirkegaardsmuren, fortes senere af Fr. VII til Jægerspris, ligesom Brudstykket af en anden i Sognet funden Runesten, *Voldtoftestenen* (se II S. 169; *Wimmer*, Die Runenschr. S. 347 fl. og 354).

Under et Stengærde S. for Voldtofte fandtes 1843 et Tinkar med omtr. 1550 Sølvmønter, hvoraf de fleste, de saakaldte „Korshvide", formodentlig ere nedlagte i 1. Halvdel af 16. Aarh. (se Ant. Tidsskr. 1843—45 S. 41 flg.).

**Haarby Sogn**, det største i Herredet, omgives af Dreslette (hvori Haarby har et Enklave), Flemløse og Kjøng Sogne samt Svendborg Amt (Salling Hrd.) og Horne- eller Helnæs Bugt, der afsættes af Lille Bælt. Kirken, noget nordl., ligger omtr. 2 Mil S. Ø. for Assens. De overvejende højtliggende og bakkede Jorder (Møllebjærg, 231 F., 72,5 M.) ere dels lette, grusede, dels sand- og lermuldede. En Del Skov (Signekjær m. m.). Fra N. til S. løber *Haarby Aa*, som falder ud i Løgismose Bugt, en lille Indskæring fra Helnæs Bugt. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Assens til Faaborg med Sideveje til Svendborg og Bogense.

Fladeindholdet 1896: 5881 Td. Ld., hvoraf 3176 besaaede (deraf med Hvede 32, Rug 645, Byg 590, Havre 622, Boghvede 47, Bælgsæd 18, Blandsæd til Modenh. 365, Grøntf. 304, Kartofler 114, Sukkerroer 329, andre Rodfr. 104, Handelspl. 6), Afgræsn. 725, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1257, Have 86, Skov 233, Moser 113, Kær og Fælleder 7, Hegn 30, Stenmarker 55, Veje og Byggegr. 189, Vandareal 10 Td. Kreaturhold 1893: 536 Heste, 1805 Stkr. Hornkv. (deraf 1147 Køer), 1337 Faar og 827 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 513 Td.; 104 Selvejergaarde med 395, 3 Arvefæstegd. med 12, 6 Fæstegd. med 43, 215 Huse med 63 Td. Hrtk. og 90 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2098 (1801: 1103, 1840: 1726, 1860: 1952, 1880: 2095), boede i 416 Gaarde og Huse; Erhverv: 60 levede af immat. Virksomhed., 1079 af Jordbrug, 13 af Gartneri, 43 af

Fiskeri, 562 af Industri, 127 af Handel, 6 af Skibsfart, 82 af forsk. Daglejervirks., 104 af deres Midler, og 22 vare under Fattigv. En Del Træskæreri (Skeer).

I Sognet Byerne: *Haarby*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, to Forsamlingshuse (opf. 1887 og 1891), Lægebolig, Kro, Mølle, Saftstation for Assens Sukkerfabrik og Andelsmejeri; *Akkerup* med Præstegd. og Skole; *Skallebjærg*; *Sarup* med Skole og Mølle; *Strandby* med Skole, Forsamlingshus (opf. 1897) og Mølle (en Del Fiskeri); en Del af *Nellemose* (Resten i Dreslette S.). *Kirkemark*, *Løgismoseskov*, *Skovhuse*, *Næbbehuse*, Gde. og Huse; en Del af *Vejsemose* (se S. 551). Hovedgaarden *Løgismose* har 25 Td. A. og E. Hrtk. og $3^1/_4$ Td. Skovsk., 340 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 50 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 5 Fæstehuse og 3 Lejehuse. Ved Løgismose et Kapel, Filialkirke til Haarby. *Ballegaard* (til Dels Arvefæste under Grevsk. Brahesminde) har omtr. $11^3/_4$ Td. Hrtk., 142 Td. Ld. Gaardene *Filstrup*, *Langdil*, *Lindegd.* og *Ellegd.*

Haarby S., en egen i to Distrikter delt Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 192. (østre) og 193. Lægd (vestre Distr.). Kirken tilhører Besidderen af Grevsk. Brahesminde.

*Kirken* (overkalket) bestaar af Skib og Kor, to Korsfløje mod N. og S. samt Taarn mod V. Det ældste Parti, Skib og Korets vestl. Del, er opført af raa og tilhuggen Kamp. Den n. Korsfløj bestaar af to Partier, af hvilke det nærmest ved Skibet liggende, der dækkes af to Hvælvinger, er af raa Kamp, medens det fjærnere er opf. i 1858 af smaa Mursten og tjener til Vaaben- og Materialhus. Den s. Korsfløj, overhvælvet, er opf. 1856. Koret er udvidet mod Ø. og Gavlspiden tilføjet i 1856. Taarnet, med Gavle med Kamtakker og Blindinger, er af raa Kamp og Munkesten; det overhvælvede Taarnrum har spidsbuet Aabning ind til Skibet. Under Gulvet er et tilmuret Begravelseskapel, i hvilket der indtil 1856 stod en Del Ligkister, hvori hvilede bl. a. Rigsmarsken Anders Bille, † 1657, og Hustru Sophie Rosenkrantz, † 1667, Anders Bille, † 1694, og 14 Frøkener fra Odense Kloster, hvilke ved Gavebrev af 1732 fra Beate Margr. Bielke, sidstnævnte Anders Billes Enke, fik Familiebegravelsen til Gravsted. Kirken er i 1856 restaureret af Arkitekt N. S. Nebelong. Alterbillede (Christus i Getsemane) af I. F. Lund fra 1855, i samtidig Ramme. Kalken, med Billernes og Rosenkrantzernes Vaabener, er skænket 1661 af Anders Billes Enke, Fru Sophie Rosenkrantz. Prædikestol i Renæssancestil fra 1618. Ny Døbefont af Sandsten. Daabsfad fra 1570 med Oxernes og Rudernes Vaabener. Series pastorum. I Taarnet er indrettet den Trampeske Familiebegravelse, skilt fra Skibet ved et særdeles smukt smedet Jærngitter; her staa tre ens Ligkister af sort Marmor med Prydelser af hvidt Marmor, hvori hvile Sophie Hedevig Trampe, † 1780, Oberstlieutn. Konrad T., † 1735, og Frederikke Louise T., † 1743. I Vaabenhuset Ligsten over Kapt. Alexander Durham, † 1600, og Fru Mette Urne, † 1612 (Portrætfigurer), over Præsten Valentin Falsen, † 1755, og Hustru, over Præsten Eskild Lobedantz, † 1829, og over Peder Hansen Kromand, † 1716, og Hustru.

*Løgismose* (1390: Løvesmose og Louesmose, 1407: Louitzmose, 1458: Løvitzmose) tilhørte i Beg. af 14. Aarh. tre „Brødre" Jens Ingieldsen Revel, Peder Rytze og Vogn Nielsen; 1333 solgte førstnævnte sin efter sidstnævnte arvede Andel i L. til Peder Rytze. Denne afhændede vistnok sin Del i L. til en holstensk Adelsmand af Slægten Krummedige, hvis Sønner Erik og Segebod K. ejede den 1363 i Forening med deres Svogre Hr. Henrik Split og Hartvig Sehested samt med Jens Ingieldsens Datter Sophie, g. m. Jep Abildgaard. Sidstnævnte pantsatte 1387 sin Ejendom i L. til Jens Pedersen (Panter) af Højerup, der 1401 udkøbte Segebod Krummediges Datterbørn, Iver Juel og hans Søskende, 1404 Sophie Jensdatter Revel og 1408 Hartvig Sehesteds Arvinger. Før sin Død 1417 havde han vist samlet Gaarden paa ny; den ejedes saa af hans Enke Grete Henriksdatter Brockdorff, hans Søn Laurids Jensen og, da dennes eneste Søn døde som Barn, af hans Enke Mette Pedersdatter Present, der ægtede Eiler Hardenberg og senere Hr. Engelbrekt Albrektsen Bydelsbak. 1473 skrev Erik Tinhuus sig til L., som han formentlig kun har haft i Pant eller For-

pagtning, thi først ved Skiftet efter Fru Mette 1475 blev L. paany delt, nemlig mellem Børnene af hendes Søn af 2. Ægteskab Joakim Hardenberg og hendes Søn af 3. Ægteskab Hr. Albrekt Engelbrektsen og hendes Svigersøn Claus Bryske, g. m. Grethe Engelbrektsdatter. Hr. Albrekts Del gik i Arv til hans Datter Mette, g. m. den bekendte Hr. Mogens Gøye, † 1544, og kom saa til hans Døtre Ellen, g. m. Hr. Mourids Olsen Krognos, Mette, g. m. Hr. Johan Oxe, og Pernille, g. m. Hr. Børge Trolle, derefter til Hr. Johan Oxes Sønner Eskild og den bekendte Hr. Peder O. samt Søstrene Inger O. og Sidsel O., der 1590 afkøbte Inger O. hendes Part i L. Efter Fru Sidsel arvedes L. af hendes Søsterbørn Johan Rud og Dorte R., g. m. Anders Banner, eller rettere disse sidstes Børn Otte Banner, † 1627, og Mette B., Erik Billes, hvis Søn Rigsmarsken Anders Bille byggede Kapellet paa L. Hidtil havde der dog stadig været Medejere, thi den Part, der 1475 tilfaldt Hr. Joakim Hardenbergs Børn, kom ved Datteren Mette H.'s Ægteskab til Hr. Markvard Rønnov, hvis Datter Anne R. ægtede Hr. Johan Urne, † 1537; deres Søn Chrf. Urne, † 1565, havde en Datter Margrethe U., hvis Ægtefælle Niels Bild til Ravnholt endnu 1609 var Medejer af L. En Søster til Anne Rønnov, Birte, var gift med Hr. Knud Bille, og af deres Arvinger besad flere Andel i L., saaledes Karen Bille, Poul Skinkels, 1624 og Birgitte Bille,

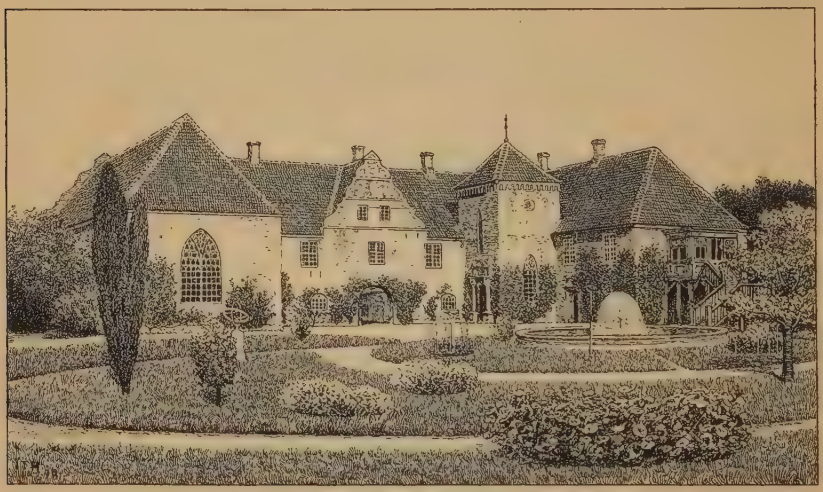

Løgismose.

Jørgen Hartvigsens, 1627. Den bekendte Godskøber Claus Brockenhuus, der 1624 var Medejer, har derimod sikkert erhvervet sin Part ved Pant. En anden Parthaver var Jakob Rosenkrantz, hvis Datter Sophie ægtede Rigsmarsken Anders Bille, der i det hele synes at have samlet den stærkt splittede Gaard. Den ejedes derefter af hans Søn Erik B. og Sønnesøn Anders B., † 1694. Hans Enke Beate Margrethe Bielke († 1734) solgte 1696 L. til Generallieutn. Grev Adam Fr. Trampe, † 1704, efter hvis Død den ejedes af hans Enke, Sønnen Konrad og Datteren Sophie Hedevig, † 1780, samt Brodersønnen Adam F. Grev Trampe. Han afhændede Bøndergodset og solgte 1800 L. for 54,970 Rd. til Kaptajn H. Fr. Uldall, som 1809 afhændede den for 45,000 Rd. til Forpagter Johs. Schmidt paa Wedellsborg, † 1827, hvorefter den gik over til Sønnerne R. og F. L. Schmidt, hvilken sidste udkøbte Broderen og 1831 solgte den for 24,294 Rd. Sølv til Christen Hansen, der 1851 mageskiftede den mod Kjærsgaard (se S. 514) til Forpagter J. Th. Petersen (Løgismose vurderet til 30,000 Rd.). Denne solgte den 1858 for 99,000 Rd. til Proprietær Hans Hansen, der 1876 for 260,000 Kr. afhændede den til P. N. Damsboe til Flenstofte, hvorefter den 1883 solgtes for 225,000 Kr. til Victor J. N. Sønnichsen, som 1886 mageskiftede den til H. H. Qvistgaard, der 1887 solgte den for 165,000 Kr. til Ingeniør J. H. Th. Schmidt v. Leda i Kiel, af hvem den 1895 solgtes for 190,000 Kr. til den nuv. Ejer, Frk. B. T. Brünnings. — Hovedbygningen, der er omgiven af Grave, bestaar af 3 Fløje (rødkalkede) og er opf. af Peder Oxe 1575 ifl. en Indskriftstavle over Indgangs-

porten i den nordvestl. Fløj (ovenover paa Gavlene staa Anders Billes og Sophie Rosenkrantz' Begyndelsesbogstaver og Aarst. 1631 og 1644). De ældste Dele ere den nordøstl. Fløj og nederste Stokv. af den nordvestl. Fløj, af Munkesten i Munkeforbandt. I den sidste Fløj, med tre Gavle, har der i nederste Stokv. været en af Anders Bille i 17. Aarh. indrettet Kirke, der nedlagdes 1826. I 1883 opførtes der i Hjørnet mellem de to ældre Fløje et Trappetaarn, paa hvilket er indsat en Sandstensportal i Barokstil, som tidligere havde sin Plads paa den nordøstl. Fløj (med A. F. Trampes og Hustrus Begyndelsesbogstaver og Aarst. 1726), samt den ny tredie, sydvestl. Fløj (en ældre 3. Fløj nedbrødes 1826), hvori der indrettedes en Kirke (Filialkirke til Haarby Sognekald), bestaaende af Skib med fladt Træloft og Vaabenhus; Altertavlen er sign. L. Hansen 1890. I den nordøstl. Fløj findes over Dørene i et Værelse nogle Malerier af Gaarden i dens oprindel. Skikkelse, hvoraf Tegn. i Nationalmuseet. Foran Hovedbygningen ligge Avlsbygningerne, til hvilke man fra Landevejen kommer gennem en Lindeallé (et Porthus er nedrevet i de sidste Aar). (Om L. se Herregaardenes Adresseavis I 1879 Nr. 8—10).

I Sognet laa tidligere Hovedgaarden *Højsgaard*, som i 16. Aarh. tilhørte Mette Urne, g. m. Kapt. Alex. Durham (se under Kirken), og derefter hendes Søsterdatter Jmfr. Pernille Lykke 1609 og 1627. I 17. Aarh. blev den lagt ind under Løgismose. Endnu efter Midten af 19. Aarh. saa man paa Ballegaards Jorder, hvor Gaarden har ligget, Spor af Borgpladsen med Grave.

*Nellemose* var 1655 en Gaard, der tilhørte Jfr. Helvig Gyldenstierne.

**Dreslette Sogn** omgives af Haarby, Flemløse og Sønderby Sogne samt Lille Bælt, nemlig Aakrog Bugt og Helnæs Bugt, mellem hvilke den til Sognet hørende Halvø *Avernæs* skyder sig ud. Kirken, mod N., ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. Ø. for Assens. De mod Ø. noget højtliggende og bakkede (Svendemose Bakke mod S. Ø., 191 F., 60 M.), mod V. lavere og jævnere Jorder ere lerede og sandmuldede. En Del Skov (Smørhaver, Tokelhaver, Strærup Skovhaver, hvoraf en Del i det til Haarby Sogn hørende Enklave, m. m.).

Fladeindholdet 1896: 4201 Td. Ld., hvoraf 2076 besaaede (deraf med Hvede 58, Rug 306, Byg 407, Havre 452, Boghvede 8, Bælgsæd 19, Blandsæd til Modenh. 364, Grøntf. 161, Kartofler 41, Sukkerroer 179, andre Rodfr. 67, Handelspl. 14), Afgræsn. 574, Høslæt, Brak, Eng m. m. 793, Have 51, Skov 276, Moser 47, Kær og Fælleder 104, Hegn 54, Stenmarker 117, Veje og Byggegr. 102, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 389 Heste, 1268 Stkr. Hornkv. (deraf 735 Køer), 924 Faar, 480 Svin og 15 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 402 Td.; 75 Selvejergaarde med 327, 7 Arvefæstegd. med 28, 1 Fæstegd. med 5, 158 Huse med 37 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1293 (1801: 755, 1840: 1005, 1860: 1120, 1880: 1281), boede i 253 Gaarde og Huse; Erhverv: 40 levede af immat. Virksomh., 752 af Jordbrug, 53 af Fiskeri, 230 af Industri, 23 af Handel, 21 af Skibsfart, 84 af forsk. Daglejervirks., 68 af deres Midler, og 22 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Dreslette* (gml. Form Dreyslette) med Kirke, Præstegd., Fattiggaard (opf. 1878, Plads for 18 Lemmer), Sparekasse (opr. $^{26}/_1$ 1873; $^{31}/_3$ 1897 var Sparernes saml. Tilgodehav. 238,878 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 7780 Kr., Antal af Konti 841) og Telefonstation; *Brydegaard*; *Snave* med Skole, Missionshus („Ebenezer", opf. 1889), Forsamlingshus (opf. 1890), Mølle og Andelsmejeri; *Skaarup*; *Strærup*; *Mullerød* med Skole, Mølle og Kalkværk. Fiskerlejet og Udskibningsstedet *Brunshuse*. Hovedgaarden *Flenstofte*: $19^1/_8$ Td. Hrtk., 164 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 20 Skov, Have, Byggepl., Veje, osv., Resten Ager; til Gaarden høre et Dampteglværk i Mullerød og Dreslette Kirketiende. *Ungersbjærg*, Gd. og Huse, *Skovkrog*, Gd. og Huse, *Snavedam*, Huse. Desuden Gaardene *Ørbæk*, *Sommersholm*, *Skovbjærggd.* og *Enemærke*. Paa *Avernæs* (Agernæs) to Gaarde, Fællesmejeri og Toldassistentstation.

Dreslette S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 191. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Flenstofte.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., og to Korsfløje. Kirkens ældste Dele, Skibets nordre og søndre Mur, ere opf. af raa Kamp, delvis paa en profileret Sokkel. Ved en af Konferensr. Ryberg 1785—87 udført Ombygning blev et Vaabenhus, mod N., nedrevet, de to oprindl. Indgange tilmurede og en ny aabnet i Taarnet. Koret er forneden af Kamp, foroven af Munkesten i Blokforbandt. Skibet er foroven af Mursten i Løbeskifter, vekslende med Blokskifter. Korsfløjene ere af Mursten paa gammel Granitsokkel. Gavlene have Blindinger. Taarnet, opf. 1787, er forneden af Granitkvadre, foroven af Mursten og har Platform med Rækværk og en lille Overbygning. Altertavlen er fra 18. Aarh., tillige med det over Alteret anbragte Orgel skænket af Konferensr. Ryberg til Frederiksgave, med et tarveligt Maleri (Christus i Getsemane), malet af Kancellir. P. Brünnich. Prædikestol, hvidmalet og forgyldt, fra Slutn. af 18. Aarh. Døbefontens Kumme er romansk, Foden og Himlen er fra 18. Aarh. I Taarnet Ligsten over Anders Knudsen paa Flenstofte, † 1613. Over Indgangen til Niels Rybergs Kapel under den sydl. Korsfløj en 1791 opsat Marmortavle med versificeret Indskr.; paa en Marmortavle i Kapellet Fortegnelse over de her begravne af Familierne Ryberg og Falbe. S. for Kapellet staar paa Kirkegaarden en smuk, af Wiedewelt 1785 udført Mindestøtte (tidligere i Frederiksgave Have) af norsk Marmor over Rybergs Hustru Margrethe Dorothea Otte, † 1767. I Koret laa tidligere en Ligsten over Præsterne Simon Hansen Sass, † 1606, og Hans Michelsen Ravn, † 1640, og deres Hustru Anne Pedersdatter.

*Flenstofte* (gml. Form Fleenstofte og Fledenstofte) nævnes alt i Niels Hamundsens Testamente af 1295. I det 14. Aarh. synes den at være kommen i de holstenske Grevers Eje. Senere tilhørte den Hr. Johan Hvitkop til Sandholt, som solgte største Delen af sit Gods til Rigshofmester Poul Laxmand, ved hvis Død 1502 den blev beslaglagt af Kronen. Den var derefter forlenet bort til forskellige Adelsmænd (f. Eks. Gjord Nielsen Drefeld, Hr. Johan Bjørnsen), indtil den 1527 blev tilbagegivet Fru Else Laxmand, Rigshofmesterens Datter. 1579 ejedes den af den bekendte Chrf. Walkendorff og 1648 af Korfitz Rosenkrantz; den var da kun en Bondegaard, men Korfitz lagde fire andre Gaarde derunder og gjorde den atter til en Hovedgaard. Han solgte den 1652 til Rigsmarsken Anders Bille, hvorefter den var knyttet til Løgismose til 1800, da Grev A. F. Trampe solgte den for 55,000 Rd. til Forpagter R. Rasmussen, som kort efter afhændede den til Agent, senere Etatsr. Joh. C. Ryberg, der 1820 overdrog den sammen med Frederiksgave til Statskassen. Denne solgte F. 1853 ved Auktion for 47,150 Rd. til P. F. Jensen, som 1858 afhændede den for 66,000 Rd. til P. Nielsen Damsboe († 1889), hvis Arvinger nu eje den. — Hovedbygningen er opført 1746, i eet Stokværk af Bindingsværk med to smaa Sidefløje.

*Sommersholm* nævnes 1572, da Fru Thale Ulfstand, Poul Laxmands, og Fru Ide Norby, Bild Nielsen Krukows, trættede om denne Gaard, som Kong Hans i sin Tid havde solgt Jakob Norby, hvorfor den og blev tildømt Fru Ide. 1614 tilhørte den Fru Karen Skram.

Otte Pedersen i Strærup nævnes 1482 og Otte Clausen Huitfeldt i S. 1495. Sidstnævntes Søn Chrf. H. mageskiftede 1533 *Strærupgaard* mod Krumstrup.

Ved Dreslette er der fredlyst et anseligt Dyssekammer (oprindl. har det hørt til en Langdysse) og ved Snave ligeledes et Dyssekammer og en Gravhøj.

**Sønderby Sogn** omgives af Dreslette, Flemløse og Kjærum Sogne samt Lille Bælt (Aakrog Bugt). Kirken, mod N., ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. Ø. for Assens. De noget højtliggende og bakkede Jorder — Porthøj er 149 F., 47 M.; 500 Al. fra Kysten hæver den brat affaldende Sønderby Klint sig til 140 F., 44 M. — ere lermuldede. En Del Skov (Teglsk., Kobbelsk., Hagenskov, Ulvemose Sk., Mølledam Mose). Ved Nordgrænsen, hvor den 25 Td. Ld. store *Sønderby Sø* ligger, gaar Landevejen fra Assens til Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 2786 Td. Ld., hvoraf 1492 besaaede (deraf med Hvede 80, Rug 141, Byg 278, Havre 358, Blandsæd til Modenh. 212, Grøntf. 50, Kartofler

18, Sukkerroer 327, andre Rodfr. 24, Handelspl. 4), Afgræsn. 294, Høslæt, Brak, Eng m. m. 511, Have 65, Skov 209, Moser 8, Kær og Fælleder 6, Hegn 36, Flyvesand 12, Veje og Byggegr. 142, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 194 Heste, 833 Stkr. Hornkv. (deraf 572 Køer), 402 Faar, 491 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 285 Td.; 34 Selvejergaarde med 253, 2 Arvefæstegd. med 13, 2 Fæstegd. med 4, 87 Huse med 14 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse ($^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 668 (1801: 575, 1840: 600, 1860: 641, 1880: 634), boede i 126 Gaarde og Huse; Erhverv: 47 levede af immat. Virksomhed, 399 af Jordbr., 9 af Gartneri, 128 af Industri, 3 af Handel, 53 af forsk. Daglejervirks., 19 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sønderby*, ved Søen af s. Navn, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. ved Testam. af 1717 af General F. J. Dewitz, † 1719, med 1000 Rd. til et af Brodersønnen Ritmester F. J. Dewitz 1739 opf. Hus ved Kirken, til 8, nu 4 fattige), Mølle (Lillemølle) og Fællesmejeri samt Andelsmejeri (ved Ebberup Station); *Aahuse* (Aae). *Sønderby-Bjærge* og *Sønderby-Mosemark*, Huse. Hovedgaarden *Frederiksgave*, hørende til Greve Karl Wedell-Wedellsborgs Familiestiftelse, har $91^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^7/_8$ Td. Skovsk.; under Hovedgaarden ligge 900 Td. Ld., hvoraf 80 Eng, 220 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Vandmølle og 29 Huse. I Vandmøllen *Frederiksgave Slotsmølle* eller *Storemølle* er der Savværk, Maltgøreri og Bryggeri.

Sønderby S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 190. Lægd. Kirken tilhører Wedell-Wedellsborgs Familiestiftelse.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. samt Korsfløj og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført af raa og tilhuggen Kamp. Af Norddøren ses Rester; foran den laa tidligere et Vaabenhus. Koret er vistnok udvidet mod Ø. Korsfløjen, af raa Kamp og Munkesten, har Gavl med Blindinger mod S. og aabner sig ind til Skibet med en Spidsbue. Taarnet er forneden opført af raa Kamp, foroven af Munkesten. Det hvælvede Taarnrum er ved et Jærngitter fra 18. Aarh. adskilt fra Skibet; dets vestl. Del er afskildret til Materialrum. Vaabenhuset er af smaa Mursten. Skib, Kor og Korsfløj ere overhvælvede, Vaabenhuset har fladt Loft. Altertavlen, i Renæssancestil, er fra 1600 og har et tarveligt Maleri (Nadveren). Over Altertavlen er anbragt et Orgel. Smuk Kalk fra 1667, skænket af Niels Ottesen Banner og Fru Anne Cathrine Schult, med disses Vaabener. Smuk Oblatæske af Sølv fra 1693. Godt udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra Beg. af 17. Aarh. (Himlen har Aarst. 1676). Døbefont af Træ i Renæssancestil, med Himmel, fra Beg. af 17. Aarh. Af Stolestaderne have de øverste Ahlefeldternes, Billernes og Gyldenstiernernes Vaabener og Aarst. 1537. I Taarnet jærnbeslaaet Kirkeblok fra 1580; et nyere Pulpitur. I Koret Epitafium over Præsten Ditlev Monrad, † 1688, og Hustru, og Præsten Mourids Isaksen, † 1695. I Skibet Ligsten over ovennævnte D. Monrad og Hustru. I Taarnet Familiebegravelse for Dewitzerne; her staa to Marmor- og to Sandstenskister med Ligene af Frants Joachim von D., † 1719, Margrethe v. Levetzow, † 1744, Joachim Didr. v. D., † 1723, og Hustru Ida Clarelia Reventlow. — Paa Kirkegaarden en 1866 afsløret Mindestøtte for 24 Krigere, der 1864 døde paa Frederiksgave Lasaret.

*Hagenskov* nævnes første Gang 1251, da et Kongebrev blev udstedt derfra, og 1259, da Borgen blev benyttet som Statsfængsel for Ærkebisp Jakob Erlandsen. Kort efter var H. pantsat til Hertug Albert af Brunsvig, og i Beg. af 14. Aarh. var den i Hænderne paa Grev Gert, som 1336 solgte den til en holstensk Adelsmand Ditlev van der Wensin. 1360 blev derefter H. af Otte og Ditlev v. d. W. solgt til Hr. Benedict Ahlefeldt, og fra denne eller hans Søn af s. Navn kom Slottet 1386—96 tilbage til Kronen. Alt Hr. Benedict Ahlefeldt synes at have holdt Lensmænd paa Slottet (f. Eks. en Anders Pedersen 1377), og af de kgl. Lensmænd i den flg. Tid kunne nævnes Henning Berg 1389, Niels Svendsen 1409, Rikmand v. der Lanken 1425, Hertug Bugislav 1436, Hr. Peder Hogenskild 1453—64, Hr. Hans Walkendorff 1495, Jørgen

Urne 1497, Ebbe Strangesen 1505, Christiern Sommer 1508, Peder Lykke 1511, Eske Bille til Svanholm 1514—29, Reinwald v. Heidersdorf 1531, Frants Brockenhuus 1531—33, Eiler Rønnov til Hvidkilde 1553—63, Erik Hardenberg til Matrup 1562—1604, Rigskansler Jakob Ulfeld til Egeskov 1605—10, Rigshofmester Korfits Ulfeld (født her $^{10}/_{7}$ 1606) og Jørgen Brahe til Hvedholm 1617—61. Ved Overførelsen fra Sønderborg til Kalundborg havde Chr. II en Sammenkomst med Chr. III paa H. Fr. III solgte 1667 H. Gaard og Gods til Amtmand, Gehejmeraad Niels Banner, der kaldte Gaarden *Frederiksgave*. Efter hans Død 1670 fulgte hans Søn Chr. Banner, som 1707 solgte H. (911 Td. Hrtk.) til Generallieutn. Frants J. v. Dewitz, † 1719; 1764 solgte Major Dewitz H. for 170,000 Rd. C. til Kancellir. Otte i Eckernførde, der kort efter overdrog den til sin Svigersøn, senere Konferensr. Niels Ryberg, † 1804 (se om ham Nyt hist. Tidsskr. IV S. 204 flg.), efter hvem den gik over til Sønnen, Etatsr. J. C. Ryberg († 1832); men da dennes Formue var bleven ødelagt under Krigen

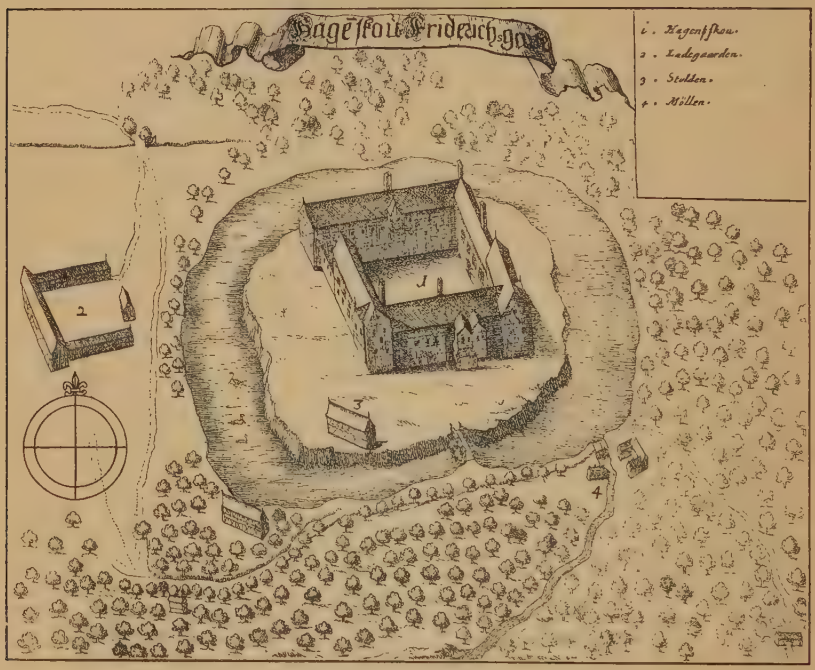


Hagenskov, efter Resen.

med England, overtog Statskassen den 1824; 1841-47 var den Sommerresidens for Kronprinsen (Fr. VII). Ved Auktion 1854 købtes Hovedgaarden (Godset var imidlertid afhændet til Bønderne) med tilliggende Jorder, to Vandmøller samt Skovene i Sønderby og Sollested Sogne for 318,500 Rd. af Grev Wedell til Grevsk. Wedellsborg. Aar 1882 (Konfirm. af $^{1}/_{5}$ 1883) blev Frederiksgave oprettet til *Greve Karl Wedell-Wedellsborgs Familiestiftelse*, hvis Formaal er at understøtte trængende Enker eller Medlemmer af den Wedell-Wedellsborgske Familie eller Afkom af Familien, hvis Fader eller Moder er født Wedell, saaledes at de Testator nærmest beslægtede have Fortrinsret. — Hovedbygningen (se Vignetten S. 531) er opf. 1775 i to Stokv. i italiensk Stil med Indfatninger af hugne Sandsten om Døre og Vinduer; den er bygget af N. Ryberg, som tillige anlagde Haven i fransk Stil og i den Tids Smag med Grotter og lign.; nu er den i engelsk Stil. To Porthvælvinger, „Spindehus“ og „Kobbelhus“, føre ind til Frederiksgave. — Omtr. 900 Al. S. Ø. for Hovedbygningen ligger i Parken det gamle Hagenskovs Borgplads, 170 Al. lang og 130 Al. bred, omgiven af Grave og Volde, de sidste dog kun i Ø. og V. Paa Banken, i hvilken der uden Tvivl

findes store Levninger af det gamle Slot, der brændte 1741, har N. Ryberg anlagt en cirkelrund Terrasse i 3 Afsatser, af hvilke de to nederste ere bevoksede med Lindetræer, medens der paa den øverste staar en Sandstensvase med firkantet Fodstykke. Efter Tegningen hos Resen har Slottet bestaaet af 4 Fløje uden Taarne, men med flere karnapagtige Udbygninger. — N. for Frederiksgave, ved *Spindehus*, og S. Ø. for Huset *Møllersgave* ligger det ældste Hagenskovs Voldsted, „gamle Slotsbanke", bestaaende af en firsidet Vold med stejle Skraaninger og til Dels omgivet af Engdrag; Stedet er udgravet paa Foranledning af Fr. VII som Kronprins; der blev fundet Rester af et firkantet Taarn; nu er der ingen Murrester synlige; Laden paa Møllersgave er opf. af Bindingsværk med Tavlene udmurede af Munkesten. (Se *Vedel Simonsen*, Saml. til Hagenskov Slots Hist., Odense 1842).

Af Sognets henved 10 Gravhøje er een, *Porthøj*, ved Sønderby, fredlyst. Paa Ulvemosemark ved Frederiksgave har der ligget mindst 6 Høje, som ere undersøgte af Frederik VII; Fundene, der væsentligst ere fra Broncealderen, opbevares i Nationalmuseet.

En Runesten, der tidligere laa i Frederiksgave, er ført til Jægerspris (se II S. 169).

**Helnæs Sogn**, den sydligste Spids af Odense Amt, bestaar af Halvøen Helnæs, som danner Vestgrænsen for Helnæs Bugt, og som kun ved en ganske smal, $^1/_4$ Mil lang Landstrimmel (kun Plads til eet Vognspor) er forbunden med Halvøen Avernæs. Kirken, mod Ø., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil S. Ø. for Assens. De i den sydl. Del bakkede Jorder — Galgebakke mod N., 95 F., 30 M., Trundkjærs Bakke mod S., 96 F., 30 M. — ere mod N. stærkt lerede, i Midten let grusede og mod S. lermuldede; flere Steder ved Kysten findes bratte, gule Klinter. Lidt Skov, især ved Østkysten. Paa Midten af Vestkysten er en tidligere Havbugt inddæmmet (omtr. 500 Td. Ld.), kaldet „Maden".

Fladeindholdet 1896: 2297 Td. Ld., hvoraf 1076 besaaede (deraf med Hvede 33, Rug 148, Byg 192, Havre 237, Kommen og Raps 38, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 227, Grøntf. 41, Kartofler 35, Sukkerroer 77, andre Rodfr. 39), Afgræsn. 194, Høslæt, Brak, Eng m. m. 405, Have 18, Skov 85, Kær og Fælleder 279, Hegn 31, Stenmarker 42, Veje og Byggegrunde 40, Vandareal 127 Td. Kreaturhold 1893: 152 Heste, 627 Stkr. Hornkv. (deraf 393 Køer), 383 Faar, 218 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 180 Td.; 32 Selvejergaarde med 154, 2 Arvefæstegd. med 15, 49 Huse med 10 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 442 (1801: 293, 1840: 334, 1860: 377, 1880: 465), boede i 80 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 276 af Jordbrug, 10 af Fiskeri, 76 af Industri, 18 af Handel, 25 af forsk. Daglejervirks., 14 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet *Helnæs By* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle, Andelsmejeri, Telefonstation og Toldassistentstation. *Abkjeldsgaard*: $12^1/_2$ Td. Hrtk., 130 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 5 Skov, Resten Ager. En Gaard i Helnæs By har $14^1/_2$ Td. Hrtk., 133 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 5 Skov, Resten Ager; begge Gaarde have tillige med andre Gaardbrugere paa Øen Andel i det ovennævnte inddæmmede Engareal.

Helnæs S., en egen Sognekommune, hører under Baag Hrd.'s Jurisdiktion (Assens), Assens Amtstue- (Assens) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 194. Lægd. Kirken tilhører nogle af Sognets Gaardmænd.

*Kirken* bestaar af Skib og Taarn mod S. Den er opf. i Beg. åf 17. Aarh. af raa Kamp samt Mursten (i Østgavlen og den øverste Del af Taarnet). Skibet, hvis Østgavl er prydet med Kamtakker og Blindinger, har fladt, pudset Loft. Taarnet, der er opf. 1740 af Major Dewitz, har Gavle med Kamtakker og Blindinger samt i Sydsiden Dør til Skibet; Taarnrummet har fladt Loft. Tarvelig Altertavle i Barokstil med Maleri fra 1885 af Søren Lund. Kalken, med Brahernes og Gyldenstiernernes

Vaabener og Aarst. 1618, er skænket af Jørgen Brahe og Hustru Anne Gyldenstierne. Prædikestol i Rokokostil. Granitdøbefont. Daabsfad, skænket af Niels Ryberg 1784; Kirkeblok, skænket af samme 1792.

Paa Helnæs, som kaldes „Hælghænæs“ (senere „Hellenis“ og „Hellenæs) i Vald. Jrdb., efter hvilken $^1/_6$ af den tilhørte Kongen, landede i Marts 1535 Joh. Rantzau med de kgl. Tropper noget før Slaget ved Øksnebjærg. — Paa Sydkysten ligge tre Skanser („Carl Gustavs Skanser“), der skulle stamme fra Svenskekrigen, og som nu til Dels ere ødelagte; den nordligste af disse er fredlyst.

Paa Helnæs er der fredlyst 4 Dyssekamre. Paa en høj Banke ved Stranden er der opsamlet et stort Antal Flintesager fra den ældre og yngre Stenalder; de laa i Jordfladen. — *Helnæsstenen*, en af de ældste danske Runesten, fandtes i Sognet 1860 og opbevares i Nationalmuseet; den har flg. Indskrift: Rolv Noregode satte Stenen efter Gudmund, sin Brodersøn; de druknede . . . . Aveir udsmykkede . . . . (Stenen blev kløvet kort efter Fundet, hvorved noget af Indskriften gik tabt; se *Wimmer*, Die Runenschrift, S. 341, og Aarbøger f. nord. Oldk. 1874 S. 230, hvor den er afbildet).

I den katolske Tid skal Helnæs have hørt til Dreslette S. (i D. Atl. VI S. 656 fortælles, at den ene af Udbygningerne ved Dreslette Kirke fordum var bygget for Beboerne paa Helnæs); senere hørte H. til Sønderby Sogn, men efter Ansøgning af Beboerne 1617 fik H. sin egen Kirke (indviet $^1/_5$ 1618) og blev Anneks til Sønderby; 1738 blev Helnæs et eget Pastorat.

# Svendborg Amt.

Svendborg Amt bestaar af den sydlige, mindre Del af Fyn, de større Øer Taasinge, Langeland og Ærø samt de mindre Øer Turø, Siø, Skovø, Strynø, Strynø Kalv, Halmø, Birkholm, Store Egholm, Hjortø, Drejø, Skaarø, Avernakø, Bjørnø, Lyø og Ilumø foruden flere smaa og ubeboede Øer og Holme. Amtet omgives mod Ø., S. og V. af Store Bælt og Lille Bælt, mod N. V. begrænses det af Odense Amt. Mod S. V. er Kysten en Del indskaaren; her udsendes Halvøen Horneland mellem Helnæs Bugt, Lyø Krog og Faaborg Fjord. Ellers forløber Sydkysten langs Svendborg Sund, der adskiller Fyn fra Taasinge, og Østkysten langs Store Bælt temmelig regelmæssig; her findes kun den ene Halvø Knudshoved, der lukker for Nyborg Fjord. Overfladen er gennemgaaende bakket og bølgeformet samt højtliggende; navnlig gælder det den sydvestl. Del. Mod S. ligger det Højdeparti — med Lerbjærg, 400 F., 126 M. og Højbjærg 357 F., 112 M. —, hvorfra Øens fire Hovedvandskelslinier udgaa; mod S. V. ligge i den nordvestl. Vandskelslinie Højdepunkterne Trebjærg, 407 F., 128 M., og Sandbjærg, 352 F., 111 M., et stærkt kuperet Terræn, de saakaldte „fynske Alper". Ogsaa mod Ø. gaar den nordøstl. Vandskelslinie over ret anselige, dog jævnere Banker (Grønbanke, 381 F., 120 M.). Kun mod N. Ø. i Egnen omkring Nyborg er der lavere. Amtet er næsten overalt dækket af Rullestensleret. Jorderne ere mod V. en Del sandede; ellers ere de gennemgaaende lerede, nogle Steder tillige stærkt muldede, saaledes i Egnen omkring Nyborg. De mindre Øer ville blive beskrevne særskilt. Med Hensyn til Frugtbarheden svarer

Amtet omtr. til Gennemsnittet af Øernes Amter; der beregnedes ved Matr. at gaa $10^1/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. (975 Td. Hrtk. paa 1 □ Mil, svarende til Takst $12,_1$). Søerne ere faa og ubetydelige; den største er Arreskov Sø, 671 Td. Ld. Af Vandløbene nævnes Odense Aa, der løber mod N. ind i Odense Amt, Højerup Aa (senere Hundstrup Aa), og Ollerup Aa (senere Sultemade Aa), der søge ud til Sydkysten, og Vejstrup Aa, Tangaa, Stokkebæk, Kongshøj Aa, Ørbæk og Vindinge Aa, der alle falde ud paa Østkysten. Skovarealet er en Del større end i Odense Amt.

Amtets Størrelse er ifl. Arealopgørelsen 1896: $29,_{94}$ □ Mil ($1648,_6$ □ Km.). Af det saml. Fladeindhold udgør Købstæderne og Handelspl. Marstal $0,_{50}$ □ Mil ($28,_5$ □ Km.). Det hele opmaalte Fladeindhold, hvori Søplanens Vandarealer (1438 Td. Ld.) ikke ere medregnede, opgjordes $^{16}/_7$ 1896 til 297,422 Td. Ld. (omtr. 163,582 Hekt.). Heraf var besaaet Fladeindhold 137,456 Td. Ld. (deraf med Hvede 6828, Rug 23,370, Byg 35,622, Havre 30,409, Blandsæd til Modenhed 19,546, Boghvede 195, Bælgsæd 1325, Spergel 21, Kommen og Raps 188, Frøavl 317, Kartofler 2701, Sukkerroer 935, Foderroer 8069, Grøntfoder 7756, Hør, Hamp samt Havesager 173); der henlaa til Brak 23,876, til Høslæt 26,737 og Afgræsning 42,718; Engarealet var 11,293. Fladeindholdet af Have var 4753, af Skov 27,203, Tørvemoser 4586, Kær og Fælleder 3194, Heder, Klit m. m. 711, Stenmarker 1015, Byggegrunde, Veje osv. 8681, Hegn og Læplantninger 3539 samt Vandarealer uden for Søplanen 1660. I øvrigt frembyder dette Amt mange Lighedspunkter med Odense Amt m. H. t. Arealets Benyttelse; inden for Kornavlen spiller Vaarsæden en meget stor Rolle, og særlig er det til Byg udlagte Areal betydeligt; men ogsaa Hvededyrkningen er ret udbredt. Dyrkningen af Sukkerroer er kun lidet almindelig, medens Foderroer spille en stor Rolle; til Planter som Boghvede, Kommen og Raps, Bælgsæd, Hør og Hamp er der baade absolut set og i Forhold til Øernes andre Amter anvendt en ikke ringe Del af Arealet. Til Grøntfoder er der i dette Amt udlagt det største Areal i noget af Landets Amter, hvilket hænger sammen med det store Husdyrhold, hvorpaa ogsaa den Omstændighed tyder, at Græsarealet er meget stort; det viser sig saaledes, at naar dette sidste sættes i Forhold til det til Høstafgrøderne anvendte Areal, udgør det en forholdsvis større Del end i noget andet Amt. Havearealet er her, som paa Fyn i det hele, meget stort; endelig kan det nævnes, at dette Amt har et langt større Areal Hegn og Læplantninger end noget andet af Landets Amter.

Af Husdyr fandtes $^{15}/_7$ 1893: 25,072 Heste, 95,872 Stkr. Hornkvæg (deraf 64,285 Malkekøer), 54,459 Faar, 43,031 Svin, 63 Æsler og 589 Geder. Antallet af Kreaturer er, som alt omtalt, meget betydeligt i dette Amt, og blandt Øernes Amter staar det i denne Hens. kun tilbage for Odense Amt; i Forhold til Befolkningsantallet og Hartkornet svarer Kreaturstyrken til Øernes Gennemsnit, men m. H. t. Arealets Udstrækning staar den

betydelig over. Særlig er Antallet af Faar forholdsvis større end i noget andet af Øernes Amter, ligesom ogsaa Antallet af Hornkvæg er over Øernes Gennemsnit; derimod er Svineholdet af forholdsvis mindre Betydning. Omtrent Halvdelen af Landets Æsler findes i dette Amt. Af Hingstene høre de fleste til jydsk og blandet Race, kun faa til Frederiksborg Racen; af Tyrene er den aldeles overvejende Del af den røde danske Mælkerace; af Væderne ere de allerfleste af Landracen. Fjerkræavlen er af stor Betydning; saaledes er der et meget stort Hønsehold, men ogsaa Antallet af Gæs og Ænder er meget stort i dette Amt, sammenlignet med andre. Der fandtes 1893: 396,184 Høns, 3019 Kalkuner, 73,049 Ænder og 15,052 Gæs. Antallet af Bistader var 5614.

Det hele Ager og Engs Hartkorn og halverede Skovskyldshrtk. (384) var $^1/_1$ 1895 27,486 Td.; deraf var Købstædernes 430. Landdistrikternes Hartkorn — 27,056 Td. — fordelte sig saaledes, at der fandtes 132 større Landbrug paa 12 Td. Hrtk. og derover med 4849 Td., 4773 Bøndergaarde (1—12 Td. Hrtk.) med 18,826, 12,826 Huse (under 1 Td. Hrtk.) med 3170 Td., samt forskellige andre Jordlodder med i alt 211 Td. Hrtk. Endvidere var der 817 jordløse Huse i Amtet. Af samtlige Gaarde vare 3174 med 16,002 Td. Hrtk. Selvejergaarde, 696 med 2899 Td. Hrtk. Arvefæstegaarde med Ret til at sælge og pantsætte. Desuden fandtes der 1035 alm. Fæstegaarde paa Livstid med 4774 Td. Hrtk. Af Husene vare 10,579 med 2315 Td. Hrtk. Selvejer- og Arvefæstehuse, hvoraf 417 jordløse. Af Fæste- og Lejehuse fandtes 3064 med 855 Td. Hrtk. (deraf 400 jordløse). Antallet af „Brug" er her, ligesom i Odense Amt, særdeles stort; trods et langt mindre samlet Hartkornstilligg. har det næsten et lige saa stort Antal Brug som Odense Amt, og det overgaar alle Landets andre Amter i saa Henseende, skønt flere har mere Hrtk. Det er de smaa Gaarde paa 1—2 og især paa 2—4 Td. Hrtk., hvoraf der findes mange, men navnlig ere dog Husene til Stede i et stort Antal; der er saaledes flere Huse med Jord i dette Amt end i noget andet Amt i Landet, alene med Undtagelse af Kjøbenhavns Amt, hvor særlige Forhold gøre sig gældende. Derimod er der færre jordløse Huse end i noget andet Amt. Hvad Besiddelsesmaaden angaar, er Selveje det almindeligste. Antallet af Arvefæstegaarde er ikke stort, men paa den anden Side er Antallet af alm. Fæstegaarde paa Livstid større end i noget andet Amt; over $^1/_4$ af disse Gaarde og deres Tilliggende findes i Svendborg Amt. Inden for Husbruget er Selveje ogsaa mest udbredt, men der findes dog forholdsvis mange Fæste- og Lejehuse; kun Præstø Amt har flere.

Folketallet var $^1/_2$ 1890: 120,707 (1801: 62,776, 1840: 89,423, 1860: 105,630, 1880: 117,577), hvoraf Købstæderne og Marstal 26,493, Landdistrikterne 94,214. Amtet er særdeles godt befolket, idet der kommer 4040 Indb. paa 1 □ Mil (73,$_{37}$ pr. □ Km.), men naar dog ikke helt Odense

Amt — hvilket skyldes, at Øens Hovedcentrum findes i dette Amt — og staar ligesom dette tilbage for Kjøbenhavns Amt. Inddeler man Befolkningen i Næringsklasser, saaledes at der til hver Klasse ikke alene regnes Forsørgere, men ogsaa hele deres Husstand, viser det sig, at 7196 levede af immateriel Virksomhed (Embeds- og Bestillingsmænd, Læger, Sagførere, Lærere, Videnskabsmænd osv.), 54,562 hørte til Jordbrugernes Klasse, 409 til Gartnernes, 2346 til Fiskernes, 29,203 til de industridrivendes, 7850 til de handlendes, 6108 til de søfarendes; der var 7633, som hørte til Gruppen „andre Erhverv", hovedsagelig forskellig Daglejervirksomhed, 3947 levede af deres Midler, og 1453 vare under Fattigvæsenet. Landbruget er Hovederhvervet, men Handel og Industri spille en ret betydelig Rolle; det er det Amt, hvor forholdsvis flest leve af Søfart (over 5 pCt.), ligesom ogsaa Fiskeriet er af Betydning. Langt færre end i andre Amter ere under det offentliges Forsorg.

Amtskommunens finansielle Forhold i Aaret $^1/_4$ 1897—$^{31}/_3$ 1898. Af Indtægtsposterne: Udskrivningen paa Amtsraadskredsens Hrtk. 351,909 (13 Kr. pr. Td. Hrtk.), Bidrag fra Købstæderne 2878, Indtægt af Aktiver 16,213; af Udgiftsposterne vare de væsentligste: Vejvæsenet 159,499, Medicinalvæsenet 89,291, Justits-, Politi- og Fattigvæsenet 75,447, Amtsskolefonden 33,838, Dyrlægevæsen 6777 Kr. Amtsrepartitionsfonden ejede $^{31}/_3$ 1898 i Panteobligationer og Kapitaler 695,666, i faste Ejendomme, som ikke give Udbytte, 543,300 og skyldte 751,957 Kr. bort. Amtsfattigkassen udredede s. Aar til døvstummes Oplæring 5138, til Idioters Underhold 4436 og fik sine væsentligste Indtægter fra $^1/_4$ pCt. Afgiften 1437, Indtægt af Aktiver 679, samt Tilskud fra Amtsfonden 8000 Kr. Amtsfattigkassen ejede $^{31}/_3$ 1898: 19,528 i Panteobligationer og Kapitaler og skyldte 2400 Kr. bort. Desuden bestyres under Kassen Legatmidler til et samlet Beløb af 48,533 Kr. — Med Hensyn til Købstædernes finansielle Forhold henvises til Afsnittene for hver enkelt By. — For Sognekommunerne anføres af Indtægterne følgende: de paalignede Skatter udgjorde 1897 paa Hartkornet 416,736 Kr. (gnstl. $14,_{61}$ pr. Td. Hrtk.), paa Formue og Lejlighed 176,616 Kr., Indtægt af Aktiver var 41,683 Kr., Afgifter efter Næringsloven 23,310 Kr.; desuden udredes Naturalarbejde uden for Paaligningen til Beløb af 30,896 Kr. De væsentligste Udgifter vare: Fattigvæsen 209,909, Skolevæsen 218,444, Alderdomsunderstøttelse 139,067 (deraf 65,917 i Tilskud fra Staten), Vejvæsen 90,919, Jærnbaneanlæg 37,000 Kr. Sognekommunerne ejede i Slutn. af 1897: i Kapitaler 306,921, i faste Ejendomme 2,533,950 og skyldte 1,008,443 Kr. bort. Under Sogneraadenes Bestyrelse stod Legater til et samlet Beløb af 124,615 Kr. — Med Hensyn til Beskatningen pr. Td. Hrtk. staar dette Amt noget under Gennemsnittet for Øerne, men højere end Odense Amt. Sættes Skattebeløbet i Forhold til Høstværdien, faa vi et større Procentbeløb ud

end for noget andet Øamt (bortset fra Kjøbenhavns), hvorpaa dog Indtægten fra det større Kreaturhold raader nogen Bod.

Amtet bestaar af Købstæderne: *Svendborg*, *Faaborg*, *Nyborg*, *Rudkjøbing* og *Ærøskjøbing* samt Handelspladsen *Marstal*, og Herrederne: *Sunds*, *Salling*, *Gudme*, *Vindinge*, *Langelands Nørre-* og *Sønder-Herred* samt *Ærø Herred*. Amtets samtlige Landkommuner danne eet Amtsraadsdistrikt, der har 9 valgte Medlemmer. Amtet har i alt 71 Sognekommuner.

Amtet udgør en Del af 6. Landstingskreds og har 7 Folketingskredse.

I gejstlig Henseende hører Amtet under Fyns Stift og indbefatter 5 Provstier: 1) Sunds Herreds Provsti, 2) Salling Herreds Provsti, 3) Vindinge og Gudme Herreders Provsti, 4) Langelands Provsti og 5) Ærø Provsti.

I jurisdiktionel Henseende omfatter Amtet, foruden de 5 Købstadsjurisdiktioner, 7 Landjurisdiktioner: 1) Sunds og Gudme Herreder samt Lehns Birk, 2) Salling Herred, 3) Vindinge Herred, 4) Taasinge Birk, 5) Grevskabet Muckadells samt Baronierne Holstenhus' og Brahetrolleborgs Birker, 6) Langelands Herreder og 7) Ærø Herred.

Amtet hører til 3. Udskrivningskreds og til Fyns Stiftsfysikat; der er 5 Lægedistrikter: 1) Svendborg, 2) Faaborg, 3) Nyborg, 4) Langeland og 5) Ærø. Med Hensyn til Oppebørselen af Skatter danner Amtet eet Amtstuedistrikt. Amtet har for Tiden 10 Branddirektorater: 5 for Købstæderne og 5 for Landdistrikterne (et for Salling Hrd., et for Gudme og Sunds Herreder, et for Vindinge Hrd., et for Langeland og et for Ærø).

Svendborg Amt var fra 1660 delt i to Amter: *Nyborg Amt*, der indbefattede Salling, Sunds, Gudme og Vindinge Herreder (tilligemed Hindsholms Birk, der regnedes til Salling Hrd.), og *Tranekjær Amt*, der omfattede Langelands to Herreder; 1799 sloges de sammen til Svendborg Amt. Ærø Herred forenedes først efter Wienerfreden 1864 med Amtet.

**Litt.**: *C. Dalgas*, Svendborg Amt, beskr. efter Opfordr. af Landhusholdningsselskabet, Kbh. 1837.

# Svendborg

Svendborg Købstad, den sydligste i Fyn, ligger i Sunds Herred under $55^0\ 3'\ 36,_{89}''$ n. Br. og $1^0\ 57'\ 59,_{40}''$ v. L. for Kbh. (beregnet for Frue Kirkes Taarnspids) ved en lille Bugt, der skyder mod N. ind fra Svendborg Sund, og i hvilken Holmen Frederiksø dækker for Havnen. Byen ligger særdeles smukt dels paa nogle Høje, som tidligere adskiltes fra Sundet ved Indskæringer, der nu ere Engdrag, dels paa Skraaningen af de Banker, som omgive Byen i en Halvbue, og fra hvilke der er en udmærket Udsigt over Byen og Farvandet. Højeste Punkt er ved Vejsammenstødet ved Byens Vestside, 73 F., 23 M.; ved Frue Kirkes Vaabenhus er der $70,_6$ F., 22 M., paa Torvet $41,_7$ F., 13 M. Afstanden fra Odense er omtr. $5^1/_2$, fra Nyborg 4 Mil (ad Jærnbanen resp. $6,_{25}$ Mil, $46,_8$ Km., og 5 Mil, $36,_9$ Km.) og fra Faaborg $3^1/_4$ Mil. Byens Udstrækning fra N. til S. er omtr. 2000 Al., Bredden er meget forskellig, idet Byen løber noget spidst til baade mod N. og S.; paa Midten er den omtr. 1200 Al. Hovedaarerne ere Møllergade, der fra Nyborg Landevej fører mod S. forbi Torvet og fortsættes i Mellembrogade, Korsgade, Skattergade og Færgestræde, som udmunder ved Færgen til Taasinge; fra Havnen fører Brogade mod V. over Gaasetorvet og fortsættes i Gjerritsgade, fra hvilken udgaa mod N. V. Vestergade, som fører til Faaborg Landevej, og Lundevej, som fører til Egensevejen mod S. V. Gennem Byen løber *Springsbæk*, der kommer fra V., løber over Vestergade og Bagergade til Pjentemøllestræde, gennem Mølledam og derfra mod Ø. ud i Stranden. Byen er ejendommeligt og uregelmæssigt bygget med mange bakkede, endog temmelig stejle Gader (som Hulgade og Tullebrinke) og snævre, krogede Stræder. De fleste af de gammeldags Huse ere forsvundne i de sidste Aar. De senere Aars Udvidelser ere navnlig foregaaede mod S. V. og N. Ø.

Byens Købstadsgrund (1884 inddroges efter en ny Matrikulering en Del Arealer under Byhartkornet) udgjorde 1899 1,570,584 □ Al. (noget

# SVENDBORG.

Eftertryk forbydes.

Udført af V. F. A. Berggreen

Forlagt af Universitetsboghandler G. E. C. Gad.
1899.

Axel E. Aamodt's lith. Etabl.

over 112 Td. Ld.), Markjorderne*) omtr. 1727 Td. Ld. Byen havde da 47 Gader og Stræder og 2 Torve. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890: 988 (April 1899: 1359, deraf paa Købstadsgrunden 970). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896 1839 Td. Ld.; deraf vare besaaede 667, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 383, Have 150, Skov 460 (deraf Græsholme Sk.), udyrkede Strækn. 23, Byggegr. og Veje 153. Det samlede Hartk. var $^1/_1$ 1895 166 Td.; deraf hørte 81 til 33 Gaarde, 69 til 476 Huse; 10 Gaardbrug og 166 Husbrug dreves fra Ejendomme i Byen. Paa Markjorderne ligge *Hallingskov*, *Hømark*, *Pløjemark*, *Græsholme* og *Øksenbjærg*, Saml. af Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1899 13,734,185 Kr. (Antal af Forsikringer 1331).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**St. Nikolai Kirke**, beliggende lavt i Gjerritsgade, den smukkeste og interessanteste af Byens Kirker, bestaar af Hovedskib med Kor med lige Gavl, to Sideskibe, Sakristi ved Korets Nordside og svært Taarn mod V. Kirken er opført i den romanske Tid (omtr. samtidig med Roskilde Domkirke eller i 1. Halvdel af 13. Aarh.) af røde Munkesten paa en Fod af Kamp (paa Sideskibenes Mure er den af huggen Kamp med en profileret Kant, i Koret og under Taarnet er den af raa Kamp) og med Hvælvinger. Senere i Middelalderen blev Koret ombygget og fik lige Gavl (ved sidste Restauration fandtes Fundamentet af den tidligere Korrunding, og i den nuv. Østgavl sidde nogle af de buede Sokkelsten). Omtrent samtidig tilføjedes det 63 Al. høje Taarn, der 1763 fik sit nuv. gennembrudte Spir. Under Ledelse af Prof. B. Storck blev Kirken 1892—94 underkastet en gennemgribende Restauration, der kostede i alt omtr. 115,800 Kr., og hvorved den saa vidt muligt førtes tilbage til sin oprindelige, romanske Stil. Murene, saavel udvendig som indvendig, ere blevne befriede for al Puds og staa med deres oprindelige Fugning og Murstensfarve, medens alle Hvælvingskapper pudsedes, og Kirkepladsen er udgravet, saa at Soklen atter er kommen for Dagen. Kirkens Indre er usædvanlig smukt og frembyder en sjælden Djærvhed og Bredde i Anlæg og Former (Planen minder en Del om Tamdrup Kirke ved Horsens). Midtskibet er med Koret omtr. 65 Al langt og 13 Al. bredt; i Vestenden er der til Hvælvingernes Toppunkt 22 Al., men Højden aftager mod Ø. for hvert Hvælvingsfag, saa at Kirkens perspektiviske Længde bliver større; udvendigt har Skibet en Gesims og smukke Blindinger samt Mønstermuringer paa Korvæggen; over Sideskibene har Midtskibet to Par Vinduer til hver Side. De lave Sideskibe, der ere 30 Al. lange og 9 Al. brede — tidligere kaldte St. Birgittes og St. Gertruds Kapeller —, afsluttes ved Korvæggen med halvrunde Alternicher (ved Restaurationen fandtes i det sydlige Sideskib Resterne af et oprindeligt Alterbord, der nu er opmuret; i Nichen i det nordl. Sideskib er der et lille Vindue i Firkløverform) og aabne sig ind til Midtskibet med 4 Arkadebuer, ordnede parvis to paa hver Side af en svær, firkantet Pille og hvilende paa mindre, smukt leddelte Piller; de to vestlige

*) En stor Del af Jorderne have i sin Tid hørt til Ørkild Slot („Hømarken", „Øksenbjærg", „Pløjeholmene" og „Græsholmene"). Da de med anden Jord („Hallingskovmarken") solgtes til Byen under Fr. IV, inddeltes de ligesom Bygrundene i 1213½ Rigsd. Grund, saaledes at hver af de dav. Bygninger fik et lige saa stort Antal Rigsdalers Grund i Marken som det Antal, hvortil Bygningsgrunden efter sin Størrelse ansattes. Jorderne udskiftedes 1804 og 1818.

Arkadebuer i hvert Sideskib ere rundbuede, de østlige spidsbuede. Til den svære Pille slutter sig en Gjordbue, der deler Midtskibet i to Hvælvingsfag. Sideskibene have hver 4 Hvælvinger. Alle Kirkens Hvælvinger ere spidsbuede, men forskellige baade i Form og Ribbernes Profiler. Det store Kor, der er hævet 4 Trin over Skibets Gulv (indtil Restaurationen laa Gulvet i Flugt med Korets Gulv), har to Hvælvinger, hvoraf den østlige er den yngste. I den takkede Gavl sidder en Gruppe af tre Vinduer; over det sydligste sidde indvendig nogle „Lydpotter"; udvendig paa Muren mod N. og S. er der Blindinger og Buefriser (flere Tegn tyde paa, at det har

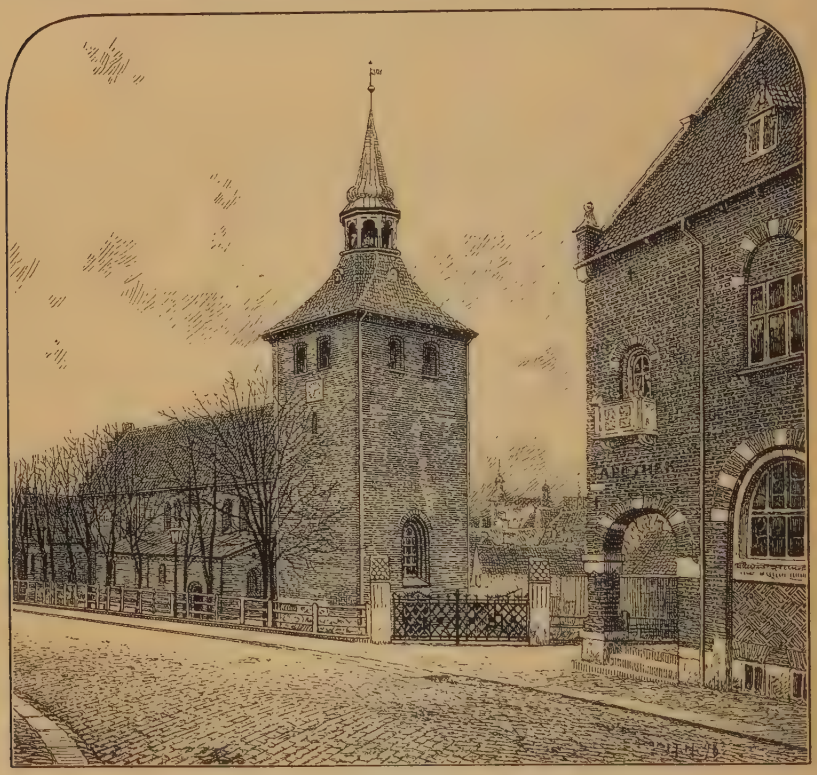

St. Nikolai Kirke (med Hjørnet af St. Nikolai Apotek).

været Tanken her at opføre Gavle); paa Nordsiden er der en nu tilmuret Indgang med en profileret Portal. Ved Restaurationen fjernedes nogle Bygninger ud til Gjerritsgade og Korsgade, saa at Korpartiet kom til at ligge frit.

Altertavlen, skaaret i Træ og belagt med Farve og Forgyldning, er udført 1894 af Maleren Joachim Skovgaard og bestaar af et Alterbord, paa hvis Prædella ses Christus og Apostlene og paa Forsiden Lammet, og et Krucifiks (den gamle Altertavle, Opstandelsen, malet af Eddelien og skænket af Chr. VIII som Kronprins, hænger i Skibet). Prædikestolen er et interessant Træskærerarbejde fra 1585 (restaureret 1894). Den gamle Døbefont, i det nordl. Sideskib, er af Granit. Orgelet er fra 1894. I Kirken hænger

et interessant Oliemaleri, forestillende den lærde Antikvar Peder Jensen Lacoppidan, Sognepræst til Landet og Bregninge paa Taasinge, † 1717, med Kone og 12 Børn, malet af Th. Jacobsen 1696, skænket Kirken af Pastor Morsings Enke Johanne, † 1776 (se Personalh. Tidsskr. 4. R. I Bd., 1898, S. 162). I Korets Østgavl ere indsatte to Mindesten over Raadmand Poul Rasmussen Bosen, † 1678, og 2 Hustruer og over Byfoged Jørgen Borring, † 1742, og Hustru. En Ligsten over Inger Walkendorff, † 1555, g. m. Knud Urne til Søgaard, er 1889 bleven opsat i Vaabenhuset under Taarnet; smstds. et Par andre, deraf en romansk Sten med Kors. I Korbuen staar et Krucifiks fra den senere Middelalder. Af Klokkerne skrive de to mindre sig fra den senere Middelalder; den ene har Aarst. 1512. — Paa den

St. Nikolai Kirkes Indre.

nedlagte, planerede Kirkegaard en Gravsten over Grevinde Dannemands Fader, M. Andersen Rafsted, † 1821.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst. Kirken ejede $^1/_1$ 1899 en Kapital paa 6193 Kr. og Andel i to Vænger, der give den en aarl. Indtægt af omtr. 696 Kr.; dens Gæld var 72,901 Kr.

**Vor Frue Kirke**, beliggende højt paa en Bakke ved Torvet og Fruestræde (se Vignetten S. 566), bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, to Korsfløje, Taarn mod V., Sakristi ved Korets Nordside og Ligkapel ved Skibets Sydside (tidligere Vaabenhus). Den oprindelige Kirke er opført af røde Munkesten med profileret Granitsokkel i den romanske Tid, vistnok i 13. Aarh. (ved sidste Restauration fandtes paa Sydsiden flere Spor af rundbuede Vinduer). I den senere Middelalder ere Hovedskibets 4 Hvælvinger indbyggede,

vistnok samtidig med at det nuv. Kor (1 Hvælving) opførtes i Spidsbuestil; dernæst ere Korsfløjene (hver med 2 Hvælvinger), Taarnet, der har gennembrudt Spir (da Spiret faldt ned 1861, fandtes i Knappen en Kobberplade med Indskrift, ifl. hvilken Spiret er opsat 1768), Sakristiet (med Bjælkeloft) og Kapellet tilføjede. Kirken blev 1884 for en Bekostning af omtr. 90,000 Kr. underkastet en saa gennemgribende Restauration under Ledelse af Prof. Ove Petersen, at næsten alle Spor af dens tidligere Bygningshistorie ere udslettede; den fremtræder nu i gennemført Spidsbuestil. Ved Restaura-

Vor Frue Kirke.

tionen nedbrødes en Tilbygning ved Korets Nordside; i Korets Østvæg fandtes indvendig et Par nu tilmurede smaa Nicher og bag Alteret en lignende større; ligeledes var der en Niche i den sydl. Korsfløjs Sydgavl. Samtidig med Restaurationen planeredes Kirkebakken, og der opførtes en Stentrappe fra Fruestræde. I det Indre blev en Dekoration i gule og blaa Farver (udført 1856) 1895 afløst af en ny Dekoration. Altertavlen, skænket af Chr. VIII som Kronprins, er et Maleri af C. V. Eckersberg, Christus i Getsemane; paa Siderne af Tavlen to Malerier: Troen og Haabet, Kopier efter Eckersberg. Den udskaarne Prædikestol er fra 1597 (restaureret). Døbefonten, af Marmor, er ny, ligesom Orgelet (fra 1889). Ved den sidste Restau-

ration fandtes Spor af Kalkmalerier fra omtr. 1550 (se *Magn. Petersen*, Kalk; mal. S. 68), som dog ikke bleve bevarede. Af de Ligsten, som tidligere fandtes i Kirken, er en med Munkeskrift opsat i Taarnrummet, der tjener som Vaabenhus. Ved Restaurationen undersøgtes i Koret nogle Gravhvælvinger, hvor der indrettedes Kælder til Varmeapparat; blandt andet fandtes der en lukket Grav, tilhørende Mads Graa og Hustru, hvis Kister vare hensmuldrede, og i Korets sydl. Side en lukket Grav, tilhørende Ole Gaas til Møllegaard, † 1618, og Hustru Magdalene Sandberg; Ligstenen, med legemsstore Figurer, der laa over Graven, er nu indmuret i Vaabenhuset. Ligeledes fandtes et balsameret Lig, der vistnok fejlagtig er blevet antaget for Liget af den i Graabrødreklosterets Kirke begravede Junker Abel, † 1279, Kong Abels Søn, som skal være blevet overført til Vor Frue Kirke ved Graabrødrekirkens Nedbrydelse 1828 (se Ministerialtid. 1888 Nr. 22 om en Undersøgelse af Liget). Den næststørste Klokke, uden Aarstal, er fra den senere Middelalder, den mindste, „Stormklokken", med Minuskelindskrift, er fra 1505. I Taarnets vestl. Sokkel er indmuret en stor Rullestensblok med nogle skaalformede Fordybninger. I Ligkapellet er opsat flere Ligsten, deribl. en romansk Ligsten med Kors, som fandtes paa Kirkegaarden ved dens Planering.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst. Kirken ejede $^1/_1$ 1899 i Kapitaler 8400 Kr., desuden i Tiender $8^3/_8$ Td. Rug og $83^7/_8$ Td. Byg samt aarl. Andel i Jordleje og Byggepladsafgift omtr. 635 Kr. og Jordskyldspenge 12 Kr.; dens Gæld var 76,056 Kr.

**Metodistkirken** med Præstebolig, Lundevej, er opført 1889 efter Tegn. af Arkitekt J. Eckersberg og bestaar af Skib og Kor.

**Romersk-katolsk Kapel**, Havnegade, er indrettet 1887 (i en tidligere Cikoriefabrik), har Spir og indeholder tillige Skole og Præstebolig (den østl. Del af Bygningen er Pakhus).

**Missionshuset Bethel**, Bagergade, er indrettet 1889 i en to Stokv. høj Bygning. **Missionshuset Siloam**, Grubemøllestræde, er opf. 1895 af røde Mursten med Taarn efter Tegn. af Arkitekt Hoffmann.

**Assistenskirkegaarden**, i den sydlige Del af Byen, indviet 1821 og udvidet flere Gange senere, er omtr. 10 Td. Ld. Paa Kirkegaarden, hvorfra der er en smuk Udsigt over Byen og Sundet, ligger bl. a. Admiral Risbrigh, † 1835, begravet; ligeledes findes der Soldatergrave fra de to slesvigske Krige; foran Gravene paa en lille Høj er der rejst en Granitobelisk med Indskriften: „Mand døer, men ej døer Mands Daad". Paa Kirkegaarden er der 1895 opført et meget stilfuldt Ligkapel efter Tegn. af Arkitekt Magdahl-Nielsen.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, ved Hjørnet af Vester- og Bagergade — der afløste det ældre, midt paa Torvet 1828—29 opførte, en to Stokv. høj, grundmuret Bygning, som først nedreves 1882 (det ældste Raadhus, der var opført 1586, laa sammesteds) —, er opført 1880—81 af røde Mursten efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf i gotisk Stil som en tofløjet Bygning i to Stokv. med Kælder. Det kostede 130,000 Kr. foruden Grunden og ejes af Amtet med $^7/_{10}$ og Byen med $^3/_{10}$. Bygningen indeholder i Stuen Kontorlokaler for Byfogden, Retsskriveren og Herredsfogden i Sunds-Gudme Herreder samt et Tinglokale, paa 1. Sal Amts- og Byraadssalen (med Portrætter af Amtmand Grev Brockenhuus-Schack og Borgmester L. V. M. Schrum, malede af Prof. Chr. Jensen og O. Bache), den store Raadhussal og et Tinglokale, endelig i Kælderen tre Arkivlokaler og Bolig for Arrestforvareren. Arresthuset, hvor der er Plads for 25 Arrestanter, er i den

nordl. Fløj. — En Brand- og Politistation med Sprøjtehus er opført efter Tegn. af Arkitekt Eckersberg for 30,000 Kr. ved Torvet.

Det kommunale Skolevæsen bestaar af **Borgerskolen**, hvortil høre Drengeskolen, i Fruestræde, der er opført 1875 for 60,000 Kr. i 3 Stokv. (indtil 1899 ogsaa Pigeskole), Pigeskolen, i Skolegade, opf. 1899 for 120,000 Kr. i 3 Stokv. efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel, og Hjælpeskolen paa Hallingskov, Ø. for Byen, opf. 1882, der søges af Børn fra Hallingskov, Hømark og Øksenbjærg. Ved Borgerskolen er i alt ansat 35 Lærere og Lærerinder; den havde $^1/_1$ 1899 ialt 1256 Elever, fordelte i 39 Klasser (9 Drenge- og 7 Pige-Heldagsklasser og 11 Drenge- og 12 Pige-Halvdagsklasser samt 2 Klasser i Hjælpeskolen). Ved Drengeskolen er der 1899 opført et Gymnastikhus. — **Realskolen**, i Bagergade, er opført 1872 i 2 Stokv. Skolen, der faar Understøttelse fra Kommune, Amt og Stat, havde $^1/_1$ 1899 15 Lærere og 165 Elever. Frk. Holst's Pigeskole (smuk Bygning i Kyseborgstræde, opf. 1891 efter Tegn. af Akitekt Magdahl-Nielsen), der fra 1893 har Tilladelse til at afholde almindelig Forberedelses-eksamen, faar ligeledes Understøttelse af Kommunen. **Teknisk Skole**, ved Grubemøllestræde, er opf. 1887 efter Tegn. af Arkitekt H. Wandall i to Stokv. af gule Sten for 41,865 Kr. med Bidr. fra Stat, Kommune, Amt og Fyns Stifts Kommunefond; den havde $^1/_1$ 1899 337 Elever og 17 Lærere og 1 Lærerinde. **Navigationsskolen**, ved Færgevejen, opr. 1852, er opf. 1865 i to Stokv.; Skolen, der staar under Byraadets Tilsyn, havde $^1/_1$ 1899 125 Elever og 6 Lærere. Desuden er der en 1876 oprettet Handelsskole, flere private Pigeskoler og en privat Drengeskole.

**Fattiggaarden og Forsørgelsesanstalten**, ved Byens Nordgrænse i Grubemøllestræde paa en Del af Markedspladsen „Viebæltet" (den tidligere Fattiggaard laa i Fruestræde), er opf. 1872 efter Tegn. af Arkitekt Eckersberg; den danner et firsidet Kompleks, der med Gaardspl. og Have indtager et Areal af 29,520 □ Al. og bestaar af en 1 Stokv. høj Bygning mod Ø. og to 2 Stokv. høje Sidebygninger mod S. og N. samt en mindre Bygning, hvori bl. a. et Kapel, hvor der holdes Gudstjeneste 1 Gang om Maaneden. Den er beregnet paa omtr. 70 Lemmer. **Sygehuset** (Byens Sygehus laa tidligere i Fruestræde og var opf. 1846), ved Kirkegaarden, er opført 1890—91 efter Tegn. af Arkitekt Ph. Smidth for omtr. 130,000 Kr. af Amt ($^3/_4$) og By ($^1/_4$); det bestaar af en 2 Stokv. høj Hovedbygning og har 45 Senge. **Epidemihospitalet**, ved Sygehuset, er opf. af Amt (omtr. $^2/_3$) og By ($^1/_3$) med en Tilbygning, opf. 1890—91 efter Tegn. af Ph. Smidth, begge i 1 Stokv.; det har 25 Senge.

Milde Stiftelser: **Svendborg Hospital** („Klosteret"), tidligere paa Klosterpladsen, fra 1870 ved Lundevej, er oprindelig udgaaet fra Graabrødreklostret, idet en Del af Bygningerne efter Reformationen erhvervedes af Fru Helvig Hardenberg til Arreskov, † 1599 (Enke efter Erik Rosenkrantz til Kjærstrup), som 1586 oprettede Stiftelsen, der senere kaldtes Svendborg Hospital, for 6 fattige og med 2000 Rd. Sp. · Da den gamle Bygning var meget forfalden, overlodes den 1870 til Svendborg Kommune, mod at denne afstod et 1866 opført Receptionslokale for søværts ankommende kolerasyge og indrettede dette til Hospital. Det afgiver nu Bolig for 7 Lemmer, hvoraf de 6 faar hver 28 Kr. aarl. Det staar under Byraadets Overtilsyn, men Pladserne besættes af Besidderen af Stamhuset Taasinge (se *C. Engelstoft*, Sv. Hospital, i Saml. til Fyens Hist. I S. 167 flg.). — **Borgerstiftelsen**,

opr. 1864, har en 1875 opført Bygning i 2 Stokv. i Bagergade paa en af Kommunen skænket Grund; Stiftelsen, der bestyres af 7 Mænd, hvoraf de 2 skulle være Medlemmer af Byraadet, har 18 Friboliger (10 dobbelte og 8 enkelte) for over 50 Aar gamle trængende uden for Fattigvæsenet, der tillige aarl. faa 35 à 51 Kr. — **Asylet „Børnely"**, opf. 1873 i Bagergade paa en af Kommunen skænket Grund, har Plads for 120 Børn. — **Kvindely**, Lundevej, en stilfuld, trefløjet Bygning, opf. 1898 efter Tegn. af Magdahl-Nielsen ved Bidrag af forsk. Institutioner, afgiver Fribolig for 14 ugifte Kvinder, særlig Døtre af Borgere, Embeds- og Bestillingsmænd i Svendborg. — Velgørenhedsforeninger: Svendborg Søkasseforening, stiftet 1754, understøtter trængende eller forliste Søfolk og deres Enker, og yder Begravelseshjælp. Prins Valdemars Forening, st. 1868, med lignende Formaal. De to Foreninger virke hen til Oprettelsen af et Sømandshjem. Caroline Amalies Stiftelse, st. 1842, understøtter trængende Haandværksmestre og Fabrikanter samt deres Enker. Hjælpeforeningen, st. 1869. Foreningen til Opførelsen af Boliger for mindre bemidlede, stiftet 1875 (Huse ved Søgaardsvej og Ørkildsgade). Missionshuset „Bethel", se S. 571 (Arbejdsstuer for og Bespisning af Børn).

**Gasværket**, ved Sundet og Færgevejen, er anlagt 1856 for omtr. 116,000 Kr., senere betydeligt udvidet; 1898 produceredes 24,348,000 Kbfd. Gas. — **Vandværket** er anlagt 1867 af Vandinspektør Paulsen, Kbh., ved Boring af Kilder i den lille Fruerskov tæt N. Ø. for Byen i Skaarup Sogn, senere udvidet ved nye Boringer; fra Kilderne (nu 11) løber Vandet ved eget Tryk ind til to Bassiner i Byens vestl. Udkant ved Vestergade, omtr. 75 F. over Havet, hvorfra det ledes omkring i Byen; Vandforbruget pr. Døgn er omtr. 9000 Td.

Der er to **Jærnbanestationer**, en for den sydfynske Bane (Odense-Svendborg Banen), ved Havnen og Skolepladsen, opf. efter Tegn. af N. P. C. Holsøe, og en for Nyborg-Svendborg Banen, ved Havnen, opf. 1897 efter Tegn. af Arkitekt H. Wenck. — **Posthuset** og **Telegrafstationen** ligge ved den sydfynske Banegaard, Telefonstationen i Møllergade. **Toldkammeret**, en 1876 opf. to Stokv. høj Bygning ved Havnen, skal nu flyttes til et andet Sted ved Havnen. — I Frederiksgade ved Havnen er der paa den til Kvægtorv indrettede tidligere Klosterplads 1892 opført en Kvægstaldbygning (Arkitekt Eckersberg).

Af andre Bygninger nævnes den N. for Byen liggende Amtmandsbolig „Ørkildshus", Amtsstuen, i Vestergade (begge Privatejendom), St. Nikolai og Vor Frue Præstegaarde, i Nærheden af de to Kirker. Borgerforeningens Bygning, i Fruestræde, opf. 1883 efter Tegn. af Prof. Ove Petersen, og det i Forbindelse med denne 1897 ved Bidrag fra Kommunen og private opførte Teater (550 Pladser), Løveapoteket, paa Torvet (Arkitekt Prof. B. Storck), St. Nikolai Apotek, ved St. Nikolai Kirke, en meget stilfuld Bygning, opf. 1897 efter Tegn. af Arkitekt Magdahl-Nielsen, ligesom den hosliggende St. Nikolai Præstegaard, Odd Fellow Logens Bygning, i Bagergade, Frelsens Hærs Bygning, ved Lundevej, m. m.

Byen har to Springvand, ved Havnen og ved Mølledam. Ved Bassinerne i Vestergade er der et Anlæg. Den 1868 stiftede Forskønnelseskomité har anlagt en Mængde smukke Spaserestier i og ved Byen, saaledes over Galgebakke til Ovinehøj, 165 F., 52 M., hvor der er smuk Udsigt over Byen og Sundet, og til Caroline Amalielund (Enklave af Tved

Sogn), med Restauration og Sommerteater. I Byens smukke Omegn ejer Kommunen V. for Byen de smaa Skove Høje Bøge, $13^1/_2$ Td. Ld., med Pavillon, og Fruerskov, $4^2/_3$ Td. Ld., med Vandværk, begge købte 1875, og Ø. for Byen Skoven Christiansminde, 28 Td. Ld., med et Restaurationslokale (opf. 1877) og et Badehotel (opf. 1882).

**Gamle Huse.** Den Skildring, H. C. Andersen i Romanen „Kun en Spillemand" (fra 1837) giver af Byens gammeldags Udseende, passer for saa vidt ikke mere, som de fleste af de gamle Bindingsværkshuse nu ere nedrevne (1899 er Pjentemølle bleven nedbrudt). Af de tilbagestaaende synes kun de to Stokværk høje Bygninger i Fruestræde, Nr. 1—3, at stamme fra 17. Aarhundrede. Resten hidrører fra 18. Aarhundrede; som et karakteristisk Eksempel kan nævnes Møllergade Nr. 35, med Aarstallet 1756, i to Stokv., med profileret Overgangsfod uden Knægte. I

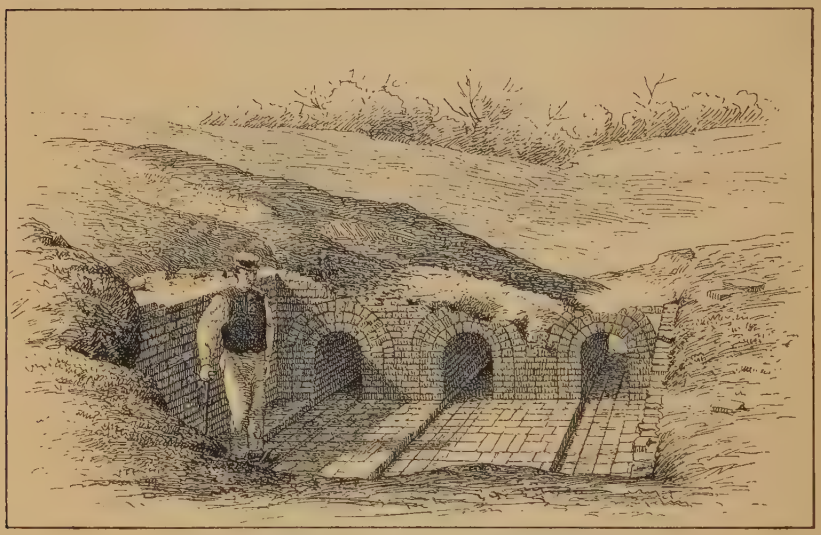

Middelalderlig Teglovn paa Øksenbjærg.
(Efter Tegn. af Prof. Magn. Petersen i Nationalmus.).

Bagergade ligge paa Rad tre morsomme Smaahuse med Bislag, af hvilke det ene, fra 1775, er delvis bevaret i oprindl. Skikkelse. Gjerritsgade Nr. 27 bærer paa Porthammeren en længere versificeret Indskrift (uden Aarst.).

Paa Øksenbjærg er der i en Bakke fundet betydelige Rester af en Teglovn fra Middelalderen (nu tilintetgjort). Murværket havde en Længde af 24 F. og Bredde af $15^1/_2$ F.; Gulvet i de tre jævnsides løbende, hvælvede Fyrkanaler var lidt forsænket og dannedes af sortbrændte Teglsten, medens Ovnen ellers var bygget af røde Munkesten.

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890: 8755, Nov. 1898: 10,974 (1801: 1942, 1840: 3577, 1860: 5537, 1880: 7184). Erhverv 1890: 790 levede af immat. Virksomhed, 4068 af Industri, 1886 af Handel, 592 af Søfart, 37 af Fiskeri, 233 af Jordbrug, 843 af forskellig Daglejervirks., 254 af deres Midler, 49 nøde Almisse, og 3 hensade i Fængsel.

Skibsfarten har en ikke ringe Betydning, og Handelsflaaden er meget stor (over 20,000 T.); i Tonnage overgaar den langt andre Provinsbyers, og inden for Provinstoldstederne staar den kun under Fanø og Marstal.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 21,719 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 72,101 Pd., uldne Manufakturvarer 40,070 Pd., Vin 100,301 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 1297 Vrtlr., Glas og Glasvarer 68,973 Pd., Humle 14,106 Pd., Kaffe 180,809 Pd., Olier 1,674,596 Pd., Risengryn og Rismel 98,510 Pd., Salt 1,234,335 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 466,568 Pd., Tobaksblade og Stilke 75,136 Pd., Stenkul 69,501,454 Pd., Kokes 2,875,520 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 1,408,050 Pd. samt Tømmer og Træ 2865 Clstr. og 11,484 Kbfd. Desuden indførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Varer udførtes til Udlandet bl. a. 2107 Td. Hvede, 2902 Td. Byg, 1225 Td. Havre, 457,759 Pd. Flæsk, 10,724 Td. Smør, 86,809 Pd. Huder og Skind, 123,713 Snese Æg og 9640 Pd. Frugt; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 31,094 Td. Hvedemel, 3552 Td. Boghvedegryn, 678,695 Td. Klid, 998,080 Pd. Flæsk, 79,708 Pd. Ost, 235,950 Pd. Margarine, 211,785 Pd. Tagpap og 416,276 Pd. Frugt.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 337 Fartøjer og maalte Baade med 20,712 Tons, deraf 17 Dampskibe med 811 T. og 450 H. Kr. (3 Skibe vare mellem 200 og 400 T. hver). I udenrigsk Fart indkom 744 og udgik 702 Skibe med 42,548 og 3766 T. Gods. I indenrigsk Fart indkom 1867 og udg. 2308 Skibe med henholdsvis 18,021 og 10,453 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, efter Fradrag af Godtgørelser, 257,105 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 15,684 Kr., i alt 272,789 Kr. (8206 Kr. mere end i 1896). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradr. af Godtgørelser, 1961 Kr. Der produceredes 27,454 Potter à $8^0$, hvoraf udførtes til Udlandet 4762 Pt.

I Svendborg holdes aarl. 8 Markeder: 1 i Feb. med Heste, 2 i Marts, 1 i Maj og 1 i Juli med Heste og Kvæg, 1 i Okt. og 1 i Nov. med Heste, Kvæg og Faar, og 1 i Nov. med Heste og Kvæg. Torvedag hver 2. og 4. Onsdag i hver Maaned.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 3 Maskinfabrikker og Jærnstøberier, nemlig „Svendborg“ (beliggende uden for Byen, overgaaet til et Aktieselsk. 1896, Kapital 80,000 Kr., omtr. 70 Arbejdere), Axelsens (Aktieselsk., opr. 1899, Kap. 175,000 Kr., 60 Arbejd.), og Lange, Jensen & Co. (Aktieselsk., opr. 1898, Aktiekapit. 1,350,000 Kr., med Forretn. i Svendborg og Aarhus, beskæftiger omtr. 250 Arbejd.), 2 Bayersk- og Hvidtølsbryggerier, nemlig „Svendborg Bryghus“ (Aktieselsk., opr. 1899, Kapit. 500,000 Kr., aarl. projekteret Produktion omtr. 10,000 Td. bayersk og 20,000 Td. hvidt Øl) og „Concordia“ (aarl. Prod. 4000 Td. bayersk Øl), 2 Brændevinsbrænderier, 1 Dampbrænderi med Gærfabrik, 1 Klædefabrik (omtr. 100 Arbejd.), 1 Asfalt- og Tagpapfabrik, 1 Cementstøberi, 2 Maskinvæverier, 3 Dampvæverier, 1 Hattefabrik (Aktieselsk., opr. 1898, Kap. 175,000 Kr.), 1 Andelssvineslagteri (Aktieselsk. fra 1897), 1 Fællesmejeri, 1 Margarinefabrik (Arbejdernes Aktieselsk. fra 1897), 1 Vognfabrik, 1 Cikoriefabrik, 1 Eddikebryggeri, 1 Stentrykkeri, 1 Sten- og Billedhuggeri, 2 Wiener Møbelfabrikker, 1 Oliemølle, 3 Dampmøller, hvoraf „Svendborg Dampmølle“ (Aktieselsk., opr. 1875, Kap. 200,000 Kr.) og „Svendborg Øksenbjærg

Dampmølle", 1 Teglværk, flere Tobaksfabrikker, Mineralvandsfabrikker, Savværker, Farverier, Garverier og Skindbererderier (til Dels i Forbindelse med Limkogerier), Bogtrykkerier, Arbejdernes Fællesbageri m. m.

I Svendborg udgives 3 Aviser: „Svendborg Amtstidende", „Svendborg Avis" („Sydfyns Tidende") og „Folkebladet for Svendborg Amt".

Kreaturhold 1893: 296 Heste, 426 Stkr. Hornkvæg (deraf 356 Køer), 63 Faar, 198 Svin og 12 Geder.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged samt Birkedommer og Skriver i Taasinge Birk. Endvidere er ansat en Byskriver, der tillige er Herredsskriver i Sunds og Gudme Herreders Jurisdiktion. Byraadet bestaar foruden af Formanden (Borgmesteren) af 11 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsen, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Skolevæs., e) for Gasværket og den offtl. Belysn., f) for Vandværket, g) for Brolægnings- og Vejvæs., h) for Byens Bygninger og Ejendomme, i) for Kommunens Skove, k) for Sygehuset og Epidemihospitalet.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 151,404 (deraf Grundsk. 6760, Hussk. 14,672, Formue- og Lejlighedssk. 129,972), Afgifter efter Næringsloven 16,162, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 9059, Indtægt af Aktiver 24,804, Skolekontingent 2384 Kr.; Udgifter: Bidrag til Stat 2797, til Amt 997, til Amtsskolefond 3047, Byens Bestyrelse 8228, Fattigvæs. 31,734, Alderdomsunderst. 20,564, Skolevæs. 44,954, Rets- og Politivæs. 13,242, Medicinalvæs. 2852, Gader og Veje 9110, Gadebelysn. 1264, offtl. Renlighed 1917, Brandvæs. 3483, offtl. Lystanlæg 9366, afløst Højtidsoffer 4150 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 510,878, i faste Ejendomme 1,065,995 Kr.; dens Gæld var 518,641 Kr. For 1899 var Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $6^1/_2$ pCt.; den anslaaede Indtægt var 3,477,400 Kr., deraf er skattepligtig Indt. 2,395,550 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Arbejds- og Forsørgelsesanstalten, Borgerskolebygningerne samt Skolen i Hallindskov, Andel i Raad-, Ting- og Arresthuset og i Sygehuset og Epidemihospitalet (se S. 571-72), Politistationen med Sprøjtehuset, Lystskovene Christiansminde og Høje Bøge med Restaurationsbygningerne, Ejendommen Søro ved Christiansminde, Fruerskoven med Vandværk, Gasværket, Kvægstald- og Kødkontrolbygningerne, Vejerboden, Matr. Nr. 413 i Gjerritsgade, Matr. Nr. $14^c$, $42^c$, $32^d$, $32^e$, $202^a$, $203^a$, $204^a$, i Øksenbjærg, 3 Vænger, Grusgraven Ottes Hul, Vejskrænterne ved Nyborg Landevej, forskellige Byggepladser og Skovrettighed efter 6 Rigsdalers Grundtakst.

Byens Politikorps bestaar af 1 Lieutenant, 7 Underofficerer, 1 Hornblæser og 50 menige, væbnede med Sabel, Brandkorpset (fastlønnet Mandskab fra 1884) af 1 Brandinspektør, 1 Brandassistent, 1 Brandmester, 2 Sprøjteførere, 24 Brandmænd og 2 Tamburer; desuden ulønnet Brandmandskab for Købstaden og Markjorderne. Brandallarmeringsapparat.

I Svendborg Bank (opr. $^1/_5$ 1872) er Aktiekapitalen 400,000 Kr.; Indlaans- og Foliokontoen var $^{30}/_6$ 1898 2,998,427, Vekselkontoen 1,173,884, Udlaan 1,757,979 Kr. — I Handels- og Landbrugsbanken i Svendborg (opr. $^1/_7$ 1898) er Aktiekapitalen 200,000 Kr. — I Sparekassen for Svendborg og Omegn (opr. $^{12}/_9$ 1852) var Sparernes saml. Tilgodehav. $^{31}/_3$ 1897 1,580,291 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden

196,516 Kr., Antal af Konti 1497. — Desuden er der en Afdeling af Svendborg Amts Landbo-Sparekasse (Hovedkontor i Nyborg).

**Havnen**, som beskyttes mod Ø. af den omtr. 4 Td. Ld. store Frederiksø (tidligere Koholmen) — en Sandgrund, som nu helt er opfyldt og inddæmmet, og paa hvilken der er to Bedinger og en Skibsbyggerplads —, har fra gammel Tid et godt Ry. Ved 19. Aarh.'s Beg. var der kun en mindre Anløbsbro af Træ; efter 1814 begyndte man at anlægge Bolværker, Havnepladsen udvidedes osv., og 1854 byggedes mod S. V. ved Havnens Indløb en 120 Al. lang Dampskibsbro; 1868 foretoges nye Udvidelser, hvorved „Nyhavn" i den nordl. Del af Havnen anlagdes. Da Jærnbaneanlægget fordrede nye Udvidelser, anlagdes 1875—77 for omtr. 230,000 Kr. en ny, mindre Dampskibsbro i Stedet for den gamle og „Jessens Mole", hvorved den ældre sydl. Del og „Nyhavn" bleve forenede til eet Havnebassin; 1891—98 fulgte nye Udvidelser ved Opfyldning, Anlæg af Bolværker osv. og Uddybning, saaledes at Havnens Dybde nu er mellem $10^1/_2$ og 20 F. (efter Udg. af 1899 formentlig indtil 22 F.); ved Dampskibsbroen er der 20 F., og det østl. Indløb mellem Frederiksø og Hudes Plads har 22 F. Havnens Størrelse (regnet fra Sydspidsen af Broen og Frederiksø og fra Øens nordvestl. Hjørne til Hudes Plads) er omtr. 216,000 □ Al., Havnepladsens 234,700 og, naar Frederiksø medregnes, omtr. 314,000 □ Al.; foruden private Bolværker og 4 Anlægsbroer er Bolværkslængden omtr. 2950 F. (i 1899 vil der tilkomme omtr. 1050 F.). Havnevæsenet bestyres af Havneudvalget under Byraadets Overtilsyn; Stadsingeniøren fungerer tillige som Havneingeniør; desuden er der ansat en Havnekasserer og en Havnefoged. Havnekassen ejede $^1/_1$ 1899 i Inventar og faste Ejendomme omtr. 24,000 Kr. foruden 9 Td. Ld. Jorder; dens Gæld var 193,000 Kr. (i 1899 konverteredes den gamle Gæld og optoges et nyt Laan paa 600,000 Kr. til Havnens Udvidelse mod Ø., anslaaet til omtr. 402,000 Kr.). Indtægten af Havne- og Bropenge er aarl. omtr. 55,000 Kr.; dertil kommer Pladsleje, omtr. 5000, og andre Indtægter, omtr. 2000 Kr. Der er to Havnefyr, et paa Dampskibsbroen (rødt) og et paa Frederiksø (grønt). Desuden er der et Ledefyr paa Taasinge og Turø. I Svendborg er der en Lods, desuden er der Lods ved det østl. (Troense) og det vestl. (Strandhuse) Indløb til Svendborg Sund, som lodse i Sundet, til alle Byer ved Lille Bælt samt til Rudkjøbing og i Store Bælt til Nyborg og Korsør.

I gejstlig Henseende danner Sv. to Sogne, St. Nikolai og Vor Frue. Svendborg hører til 6. Landstingskreds og Svendborg Amts 3. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Svendborg Amtstue- (Amtsforvalteren bor her) og Svendborg Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har to Apoteker. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 60. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 33—60.

Ved Svendborg Toldsted er ansat en Toldforvalter, to Toldkontrollører og 8 Assistenter, ved Postvæsenet en Postmester og 4 Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer og 4 Telegrafister. Ved Fyns Telefonselskab staar Svendborg i Forbindelse med Fyns andre Byer.

Om Odense-Svendborg og Nyborg-Svendborg Banerne se S. 347. I Driftsaaret 1897—98 befordrede den første Bane til Sv. 74,932, fra Sv. 70,268 Personer, til Sv. 360,489, fra Sv. 665,817 Cntr. Gods; paa Ny-

borg-Sv. Banen fra $^{1}/_{6}$ 1897 til $^{31}/_{3}$ 1898 til Sv. 51,873 og fra Sv. 42,731 Pers., til Sv. 43,459 og fra Sv. 145,394 Cntr. Gods. Svendborg staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Assens, Faaborg, Ærøskjøbing, Rudkjøbing, Lohals, Nakskov, Masnedsund, Stubbekjøbing, Kjøbenhavn, Kolding, Horsens, Aarhus, Aalborg, Newcastle og Lübeck. Det sydfynske Dampskibsselskab (st. $^{15}/_{5}$ 1876, Aktiekapit. 288,400 Kr.) driver Skibsfart mellem Fyn og de mindre Øer, Laaland-Falster og Tyskland. En Dampfærge mellem Svendborg og Taasinge anskaffedes 1873 med Tilskud fra Kommunen. En Søassuranceforening er opr. 1842, omfattende Svendborg, Troense, Turø og Rudkjøbing.

---

**Historie.** Efter Sagnet gaar Byens Historie tilbage til Svend Tveskægs Tid, idet det lader ham blive opdraget her af Palnatoke; et andet Sagn tilskriver Svend Grathe Anlæggelsen af Borgen, der laa her. Men at disse Mænd knyttes til Svendborg, beror vel kun paa Navneligheden. Byen er formentlig opstaaet som et Fiskerleje; senere er vel Borgen, antagelig i 12. Aarh., bleven anlagt. I Vald. II's Jordebog nævnes Byen ikke (se dog *O. Nielsens* Udgave, S. 167). Første Gang, den omtales, er i et Diplom $^{15}/_{6}$ 1229, hvorved Vald. Sejr skænker Svigerdatteren Eleonore i Medgift den sydl. Del af Fyn med Borgene *Swineburgh*, Wordburgh og Foburgh og hele Byen Odense. Hvoraf Navnet kommer, vides ikke, maaske af Sund, rimeligere af „Svin"; af andre ældre Former nævnes Swineborg, Suyneborgh og Swynborch; først i 15. Aarh. forekommer Former som Sweneborgh, Suenneborgh og Suenborg; Formen Svendborg er vel ikke opstaaet tidligere end i 17. Aarh. (se *O. Nielsen*, Bland. til Oplysn. om dansk Sprog, I S. 342 flg.). Vist er det, at den alt i 13. Aarh. var en betydelig By og den vigtigste i Fyn næst Odense. Sine første Privilegier fik den af Vald. Sejr, hvilke bekræftedes af Sønnen Chrf. I 1253, og mange Gange senere bekræftedes og udvidedes de, saaledes 1280, 1305, 1409, 1444, 1480, 1504, 1517 og 1562. Byen nævnes ofte i Middelalderens Historie. Efter Vald. Sejrs Død kom den med en Del andet Gods til Sønnen Abel som Arv, og da Abel kom i Strid med Broderen Erik Plovpenning, inddrog denne Svendborg 1246 som formentligt Krongods og indtog 1247 Byen, som Abel skal have ladet befæste. Ved Skiftet mellem Kong Abels Sønner fik Junker Abel Svendborg og Rudkjøbing; 1253 indtog Chrf. I Byen og ødelagde Borgen, men senere afstodes den dog atter til Junker Abel, som døde her 1279 og begravedes i Graabrødrenes Klosterkirke (se S. 571). Aar 1290 blev Byen plyndret og brændt af den norske Kong Erik Præstehader, der var i Forbund med Kongemorderne, 1316 af Erik Menveds oprørske Broder Chrf. (II) i Forbindelse med tyske Tropper, og 1389 overfaldtes den af Hansestædernes Flaade i Krigen mellem Dronn. Margrethe og den svenske Kong Albrecht. Byen havde et St. Knudsgilde, der første Gang nævnes 1337, et St. Johannes Baptistæ Gilde og et St. Anne Gilde, der stiftedes af Købmændene 1444 (dets Skraa stadfæstedes af Chr. I 1477), samt et Graabrødrekloster.

Graabrødreklosteret stiftedes 1236 af Vald. Sejrs tidligere Drost og Høvedsmand i Svendborg Astrad Frakke, der selv tog Graabrødrekutten i Roskilde. Efter Bygningernes Omfang at dømme synes det at have været et ret betydeligt Kloster, men det er kun lidt, man ved om det. Aar 1267 skænkede Odensebispen Regner det en Grund i Byen samt nogle Bøger; 1472 antog Konventet som det andet her i Landet den strengere Tugt, Observantsen. Aaret for Klosterets Nedlæggelse kendes ikke; formentlig falder det dog efter 1533, da der nævnes „Niels Pedersen, den graa Ulv i Svendborgs Faaresti". Allerede 1530 og 1532 havde Svendborg Bymænd dog faaet Kongebrev om, at de maatte beholde Klosteret til et Hospital, naar Munkene forlode det, men først 1541 fik de endeligt Ejendomsbrev derpaa; Klosterkirken skulde være Sognekirke og et af de andre Huse Latinskole. Kirken dannede den sydl. Del af det firfløjede Kloster, som laa mod Ø. i Byen ved Skolepladsen; den var 126 F. lang og bestod af Skib med et Sideskib mod S., et firkantet Kor og et senere tilbygget Kapel paa Korets Nordside. Som Sognekirke har den dog næppe nogen Sinde tjent; derimod brugtes den af begge Byens Præster til Bøn-, Uge- og Fasteprædikener samt til Ligprædikener. Aar 1828 blev den nedbrudt (dog stod der endnu 1860 Ruiner af den); nogle Sejlekapitæler (paa en af dem er udhugget det danske Kongevaaben) m. m. opbevares nu i Nationalmuseet; Altertavlen førtes til Turø Kirke; ved Nedbrydelsen af Kirken fandtes nogle Malerier paa Væggene, deribl.

to Medailloner med en knælende Mand og Kvinde og Vaabenskjolde, antagelig Billeder af Klosterets Velgørere (se N. Tidsskr. f. Oldk. 1836 S. 315, Ill. Tid. II Bd. S. 120 og *Magn. Petersen*, Kalkmal. S. 66). I den vestl. Fløj af Klosteret havde Latinskolen og efter dennes Nedlæggelse 1740 den danske Skole Lokale; Bygningen blev nedbrudt 1875. Den nordl. og østl. Fløj købtes, som nævnt S. 572, af Fru Helvig Hardenberg og indrettedes til Hospital; den nordl. Fløj stod som Hospitalsbygning indtil 1870, den østl. synes derimod at være forsvunden i tidlig Tid. Desuden hørte til Klosteret en tofløjet Bygning (senere alm. kaldet „Klostergaarden"), beliggende tæt N. for Klosteret; den nedbrødes 1875.

Den nye Tid indlededes med den for Byen skæbnesvangre Grevens Fejde. Borgerne tog straks ivrig Parti for Chr. II, hvortil deres Had til de under Odense Bispestol hørende Ørkild Slot og By (se under Tved Sogn), der meget skadede Byens Næring, bidrog; de afbrændte Byen og Borgen og droge dernæst til Odense, hvor de stormede og plyndrede Bispegaarden. Efter Slaget ved Øksnebjærg i Juni 1535 blev derfor ogsaa Svendborg overgivet til Plyndring og led meget. I Modsætning

Graabrødre Kirke. (Efter en Tegn. i Nationalmuseet).

til de fleste Borgere var Adelsmanden Hans Gaas, senere Biskop i Throndhjem, en ivrig Tilhænger af Chr. III og skal endog have bevæget Svendborgerne til at vende sig mod Lübeckerne, hvis Skibe bleve beskudte fra Skattertaarnet (se Saml. til Fyens Hist. VIII S. 177 flg.). Dette Taarn, der laa ved Byens Sydøstgrænse ved Skatterporten for Enden af Skattergaden, og hvis Opførelse Sagnet tilskriver Vald. Sejr, dannede en Del af Byens Befæstning og forsvarede det vestl. Indløb, medens Ørkild Slot dækkede det østlige. Endnu paa Resens Tid stod der store Murrester af Taarnet, som hos Resen kaldes: „gammel Mur af et Taarn, som har været brugt til at lægge Stykker paa". Efter Grevens Fejde arbejdede Byen sig efterhaanden op igen, navnlig ved sin store Handel med Fedevarer, og trods Ulykkesaar som 1602, da Pesten rasede her, holdt den sig stadig som Fyns anden By. Da kom den for Svendborg saavel som for de andre fynske Byer fordærvelige Svenskekrig. Byen led saa voldsomt i disse Aar, at der efter Krigen var over 70 Gaarde og Huse helt afbrudte, og mange andre laa halvt i Ruiner. En stor Del af Beboerne havde forladt Byen; 1672 havde den omtr. 1000 Indb. Kun langsomt arbejdede den sig atter i Vejret under de trykkende Forhold i 18. Aarh. — 1749 afbrændte en stor Del af Byens ældste, sydl. Del, 1769 var der 1714 Indb. —;

men dens gunstige Beliggenhed for Handel og Skibsfart og dens Havn have i 19. Aarh. ophjulpet den; især har Kornhandelen været betydelig, og den stadig voksende Dampskibsfart og den sydfynske Jærnbane have i høj Grad gavnet Omsætningen.

I Christiansminde Skov fandtes 1878 en meget vigtig Køkkenmødding fra den yngre Stenalder. — I Skoven „Gamle Hestehave" ligger en 8 F. lang, fredlyst Helleristningssten med 83 skaalformede Fordybninger. — I Byen fandtes 1885 i en Bygningsrest et stort Antal Mønter (51 af Guld og 3779 af Sølv), væsentlig fra Erik af Pommerns Tid; de vare nedlagte i en Metalgryde.

**Litt.**: *J. Begtrup*, Forsøg til en Beskr. over Sv. Kjøbstæd, Odense 1823. — *J. L. Rohmann*, Om Sv. før Udg. af 14. Aarh., i „Blandinger fra Sorø", 2. Hæfte 1832 S. 11 flg. og 6. Hæfte 1834 S. 32 flg. — Aktstykker til Oplysn. især af Danmarks indre Forhold I Bd., S. 23 flg., Odense 1841. — *T. P. Lund*, Sv. Kjøbstad 1869 til 1893, Svendborg 1894. — Bidr. til Sv. Skoles Hist., i Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 554 flg. og 738 flg.

# Faaborg

Faaborg Købstad ligger i Salling Herred under $55^0$ 5′ 47,17″ n. Br. og under $2^0$ 19′ 47,47″ v. L. for Kbh. (beregnet for Klokketaarnets Spids). Byen ligger ved den fra Lille Bælt indtrængende Faaborg Fjord i en Lavning og paa et fladt Terræn — højeste Punkt er paa Torvet, 23 F., 7 M., ved Kirkens Nordvesthjørne er der næsten 10 F., 3 M. —, men mod N. og N. Ø. er den i nogen Afstand omgiven af høje, til Dels med Skove bedækkede Bakker, Dele af Fyns højeste Bakkeparti („de fynske Alper"), fra hvilke der er smuk Udsigt over Byen og Bæltet med de mange smaa Øer. Mod Ø. begrænses Byen af et Vandareal, det saakaldte „Sund", der har Afløb til Fjorden gennem Sundrenden, men hvis Tørlæggelse er under Overvejelse; mod V. ligger den bakkede Halvø Horneland. Afstanden fra Odense er omtr. $4^1/_2$, fra Svendborg $3^1/_4$ og fra Assens 4 Mil. Byens største Udstrækning fra S. Ø. til N. V. er omtr. 1800 Al., fra S. V. til N. Ø. er den største Bredde 600 Al. Hovedaaren gaar gennem Østerbrogade, til hvilken Landevejen fra Svendborg fører ind, og Østergade over Torvet samt Mellemgade, der fører til de parallelt med Østergade løbende Grønnegade

Eftertryk forbydes

Udført af V.F.A Berggreen.

Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C. Gad.
1899.

Axel E. Aamodts lith. Etabl.

og Vestergade, hvilken sidste fører gennem Vesterport til Sandgyde og Landevejen til Assens; fra Grønnegade og Vestergade føre Klostergade og Nørregade mod N. ud til Landevejen til Odense. Byen er bygget net og venligt med en Del to Stokv. høje Huse i Hovedgaderne, men den har ikke noget Særpræg og kun faa ældre Bygninger fra Slutn. af 18. og Beg. af 19. Aarh.

Byens Købstadsgrund, der blev betydelig udvidet ved den nye Matrikel (for Faaborgs Vedk. traadt i Kraft $^1/_1$ 1873), udgjorde 1899 822,492 □ Al. (omtr. 59 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 382 Td. Ld. Byen havde da 27 Gader og Stræder og 1 Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 546 (Feb. 1899: 654, deraf paa Købstadsgrunden 450). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896 441 Td. Ld.; deraf vare besaaede 152, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 131, Have 39, Stenmarker og Forstrande 60, Veje og Byggegr. 58. En Del af Arealet er inddæmmet. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 31 Td.; deraf hørte 10 Td. til 7 Gaarde og 18 til 182 Huse (henholdsvis 4 og 17 dreves fra Ejendomme i Købstaden). Paa Markjorderne *Østerhede*, Gde. og Huse.

Bygningernes samlede Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1899 4,924,461 Kr. (Antal af Forsikringer 707).

Til Faaborg hører et **Landdistrikt**, bestaaende af Øen *Bjørnø*, $^1/_2$ Mil S. for Faaborg; det har Fattigvæsen fælles med Købstaden, men sit eget Skolevæsen. Se under Salling Hrd.

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Helligaandskirken**, afsides beliggende ved Kirkestræde mod Ø. i Byen, har tidligere hørt til det Helligaandskloster, der laa ved Kirkens Nordside (se S. 590). Det er en ret anselig Bygning, opført af røde Munkesten i 2. Halvdel af 15. Aarh. (efter 1477), og bestaar af et treskibet Langhus (indvendig 49 Al. langt og $30^1/_2$ Al. bredt, deraf hvert af Sideskibene $6^3/_4$ Al., og 32 Al. højt) og et smallere Kor (23 Al. langt og 13 Al. bredt) med tresidet Afslutning (nu delvis ændret). Langhuset dækkes af tre Rækker Krydshvælvinger, 4 i hver Række, der ere senere indbyggede (i Jac. Madsens Visitatsbog siges, at kun Koret er hvælvet, men Kirken har Træloft); yngst ere Sideskibenes, byggede af smaa, gule Sten (se Schrøder, Medd. om Faaborg, S. 141); 1680 maatte Kirken istandsættes, da Hvælvingerne truede med at falde ned. Midtskibet adskilles fra Sideskibene ved to Rader ottekantede Piller — tre fritstaaende og to Vægpiller i hver —, der forbindes ved Spidsbuer med profilerede Bueslag, saaledes at der altsaa er 4 Arkader paa hver Side. Over hver Arkade er der baade indvendig og udvendig paa Midtskibets Mure fire smaa, fladbuede Blindinger og over disse atter midt i hvert Arkadefag en langt større, fladbuet Blinding, hvilke maaske tidligere have været Vinduer. Ud for hvert Arkadefag har der i Sideskibene været et spidsbuet Vindue. I Midtskibets Vestgavl og i Sideskibenes vestl. Halvgavle var der et spidsbuet Vindue; det første er forstyrret ved Anbringelsen af en moderne Hovedportal. Paa det nordl. Sideskib ses en nu tilmuret, spidsbuet Dør, der forbandt Kirken med den for længe siden nedbrudte Klosterbygnings vestl. Fløj. I det nordl. Sideskibs Østmur ses en spidsbuet Blinding og over den en rundbuet Blinding, hvilke tidligere have dannet Gennemgange fra Kirkens Gulv og fra et Pulpitur ind til Klosterets østl. Fløj, der altsaa har været i to Stokv. Koret, i hvis tre Afslutningssider der sidder et, nu

tilmuret, spidsbuet Vindue (det midterste delt i tre Partier med runde Stave), er dækket af to Krydshvælvinger og en lille trekappet Hvælving over Afslutningen; paa dets Nordmur ses tydelige Mærker af Klosterets Østfløj, som i alt Fald i nederste Stokv. ses at have været dækket med Hvælvinger, vistnok i tre parallelt løbende Rækker. Ligeledes ses der Spor af, at Midtskibet og Sideskibene hvert have haft sit Tag, idet Taglinien er brudt; vistnok ved Indbygningen af Sideskibenes Hvælvinger er der blevet lagt fælles Tag over alle tre Skibe. Over Tagrygningen sidder et lille spaantækket Spir, hvis Fløj bærer Aarst. 1794 (alt i 1588 havde Kirken et saadant). I Hjørnet mellem Skib og Kor er der paa Nordsiden indbygget et Trappehus. Ved en Restauration 1858 bleve Midtskibets og Sideskibenes vestl. Hvælvingsfag afskildrede

Faaborg Helligaandskirke.

og indrettede til Vaabenhus i Midten, Ligkapel mod N. og Materialhus mod S.

Altertavlen, Christus i Emaus, er malet 1858 af V. Marstrand, skænket af Agent L. P. Voigt og Hustru i Anledn. af deres Guldbryllup 1855 (den tidligere, interessante, udskaarne store Altertavle fra 1511, som da hensattes under Orgelet, er fra 1882 i Nationalmuseet). Paa Alteret ligger et Eksemplar af Chr. IV's Bibel med rigt Sølvbeslag fra 1741. Marmordøbefont fra 1838 med Basreliefs, Jesu Daab, af Freund. Ny Prædikestol, uden Kunstværd. Paa hver Side af Koret staar en Række sent-middelalderlige, ypperligt bevarede Korstole (12 Sæder mod S., 13 mod N.), over hvilke en halvrund Baldakin med smukt Snitværk; paa Endestykkerne ses Fremstillinger af St. Jørgens Kamp med Dragen og Johannes Døberen. I Rummet bag Alteret, der tjener som Sakristi, staar et sent-gotisk Skab med rigt Fiskeblæremønster. I Kirken hænge fire smukke Malmlysekroner fra 2. Halvdel

af 17. Aarh. I Korets Nordvæg er indsat en Mindesten over kgl. Postmester og Chirurgus Simon Hempel, † 1765, og Hustru, i sydl. Korvæg en lign. over Apoteker Frans Joh. Gerh. Bøving, † 1789, og Hustru. I det nordl. Sideskibs vestl. Del (Ligkapellet) er Gulvet helt dækket med Ligsten, af hvilke den ældste er fra 1598 (over et Barn), en anden over Raadmand Anders Christensen Lybo, † 1657, og Hustru (udhugne i hel Figur), en tredje over Præsten Morten Hansen, † 1639, og Hustru, og en fjerde over Oberstlieutn. Conr. Fr. Müller, † 1802. I Ligkapellet hænge et Krucifiks fra den seneste

Torvet i Faaborg med Klokketaarnet i Baggrunden.

Middelalder og tre oliemalede Billeder af Borgmestre (deribl. Jørgen Pedersen, † 1675) eller Raadmænd med deres Hustruer og Børn. Uden for Kirken staar en Ligsten over Raadmand Niels Hansen, † 1639, og Hustru (udhugne i fuld Figur). Et Kedelhus til Varmeapparat tilbyggedes i 1882 ved Nordsiden; 1894 indlagdes Gas, skænket af dav. Sognepræst F. J. Fangel († 1895). Ved Restaurationen 1858 fjernedes nogle Pulpiturer, en Del Ligsten og Epitafier. (Se Indberetn. til Nationalmus. af *J. B. Løffler*, 1886). I et Materialskur ved Kirken fandtes 1898 11 af Træ udskaarne Figurer (deribl. Gud Fader med den korsfæstede paa Skødet og Christus, der farer til Himmels),

30 à 36 T. høje; de blive nu restaurerede og skulle ophænges i Kirken. — Ved Kirkens Sydmur staar et Gravminde (Søjle) over Birkedommer Tobias Jantzen, † 1804.

Som **Klokketaarn** tjener det fra den omtr. 1530 nedlagte St. Nikolai Kirke tilbagestaaende Taarn, i Lille Taarngade. Det er opf. af røde Munkesten, vistnok i 2. Halvdel af 15. Aarh.; dets udvendige Maal er 14 og 15 Al., de $1^1/_2$ Al. tykke Mure ere 30 Al. høje. Det er en senere Tilbygning til en i den yngre romanske Periode opf. Kirke, hvis Vestgavl, der paa Ydersiden (altsaa inde i Taarnet) er prydet med 3 rundbuede Blindinger og Tandsnit, endnu ses i Taarnets Østmur. Taarnets nederste, med en Krydshvælving dækkede Rum har været Kirkens Forhal; mod N. og S. har der været et fladbuet Vindue, mod V. en spidsbuet Dør; mod Ø. er der en med smaa Sten tilmuret spidsbuet Aabning, der har forbundet det med Kirken. Taarnet har været afsluttet med 4 Gavle, som senere ere blevne nedbrudte til omtr. den halve Højde, hvorved Bygningen har faaet en ottekantet Afslutning, hvorover der er opsat et af Træværk (forneden Eg, foroven Fyr) dannet Spir (til Fløjstangens Top 50 Al.); Spiret har tidligere været spidst. I Taarnet hænge tre Klokker, hvoraf den næststørste har Minuskelindskrift („ihelp jhesus maria anna l", ɔ: Støberens Mærke) uden Aarstal og skal være kommen fra Kjørup Kirke (se S. 474), og den største er støbt 1646 af Laur. Jensen i Bellinge.

Byen har 3 Kirkegaarde: Den gamle Kirkegaard, ved Kirken; 1896 er der opført et stilfuldt Ligkapel i Spidsbuestil efter Tegn. af Arkitekt Aage H. Mathiesen. Den gamle Assistenskirkegaard, mellem Østerbrogade og Kysten, taget i Brug 1811; paa Kirkegaarden ligge bl. a. begravede Agent Simon Hempel Ploug, † 1831 (Granitstøtte med Basrelief), og en Del Soldater, der døde paa Lasaretterne i Byen under de slesvigske Krige; paa Højens Skraaning ligge smaa Sten med Krigernes Navne; en Mindestøtte (Granitobelisk) blev afsløret 1866. I Nærheden staar en Granitmindestøtte med Portrætmedaillon over cand. theol. Hans Tjellesen Schmidt, † i Krigen 1864. Den nye Assistenskirkegaard, aabnet 1886, ligeledes ved Østerbrogade, har et 1895 opført stort Ligkapel (Arkitekt, Savværksejer H. P. Hansen).

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst, der tillige er Sognepræst ved Annekset Diernisse, og en ordineret Kateket, som er første Lærer ved Borgerskolen. Kirken ejede $^1/_1$ 1899 i Kapitaler 5960 Kr., et omtr. 700 □ Al. stort Stykke Jord foran Kirken og 2 Arealer paa omtr. $^1/_2$ Td. Ld. Dens Gæld var 11,560 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, paa Hjørnet af Torvet og Torvegade, er opført 1839—40 (indviet $^{28}/_9$ 1840) af Grundmur i to Fløje, to Stokv. med høj Kælder, efter Tegn. af Arkitekt Jakobsen. Bygningen kostede 8000 Rd., hvoraf Salling Hrd. med Brahetrolleborg, Holstenhus og Muckadell Birker betalte 5625; de aarl. Udgifter betales med $^7/_{10}$ af Amtsrepartitionsfonden og $^3/_{10}$ af Købstaden. Bygningen indeholder bl. a. en Raadhussal (i Hovedfløjen ud mod Torvet), en Byraadssal, Tingstuen og flere mindre Værelser samt i Kælderen Arrestforvarerens Bolig og de 1894 restaurerede Arrester; Plads for 8 Arrestanter. (Det tidligere Raadhus laa paa samme Plads og skal være opført af Materiale fra den nedbrudte St. Nikolai Kirke, se S. 590; det blev ombygget 1753—55 og 1804).

Det kommunale Skolevæsen omfatter **Faaborg Borgerskole**. Byg-

ningerne bestaa af en gammel Bindingsværksbygning i 1 Stokv., ud til Østergade, en grundmuret Mellembygning, der er opført 1876 og 1892 forøget med et Stokv., og en ud til Grønnegade liggende, 1841 opf. 1 Stokv. høj Bygning, der 1892 omdannedes til Gymnastikhus. Skolen havde $^1/_1$ 1899 i det hele 17 Klasser, 8 Lærere og 3 Lærerinder samt omtr. 500 Elever. — **Teknisk Skole**, Nørregade, er opført 1892 for 37,500 Kr. af Grundmur i to Stokv. efter Tegn. af Arkitekt, Savværksejer H. P. Hansen med Tilskud af Stat, Kommune og private; den har 8 Klasseværelser og gnstl. 135—140 Elever i Vinterhalvaaret. — **Realskolen for Faaborg og Omegn**, i Sundstræde, opr. 1865, har Dimissionsret; ved Skolen et Gymnastikhus. Desuden er der to Pigeskoler og en Forberedelsesskole.

**Arbejds- og Forsørgelsesanstalten**, lidt N. for Byen ved Odense Landevej, eet Stokv., er oprettet 1872 for omtr. 24,000 Kr.; den har Plads for omtr. 40 Lemmer; Købet og Ombygningen af Ejendommen kostede omtr. 28,000 Kr. — **Sygehuset**, N. for Byen ved Arbejdsanstalten, er opført af Amt og By for 45,000 Rd. efter Tegn. af Fabrikant J. R. Jørgensen; det bestaar af en to Stokv. høj Hovedbygning og en Sidefløj; det er delt i en epidemisk og en kirurgisk Afdeling med Plads til 21 à 26 Senge. — **Fattighuset**, Hjørnet af Grønnegade og Kirkestræde, benyttes som Bolig for trængende Enker, navnlig for saadanne, der have umyndige Børn.

Milde Stiftelser: **Faaborg Hospital**, i Hospitalstræde lige over for Kirken, stiftedes 1696 af Borgmester Jacob Jørgensen, † 1713, for 8 Borgerenker eller andre fattige. Den uanselige Bindingsværksbygning, der laa i Ringmuren om det gamle Kloster (se S. 590), blev 1836 afløst af den nuv., grundmurede, 1 Stokv. høje Bygning, der opførtes i nogen større Afstand fra Kirken; 1849 indrettedes den til 12 kvindelige Lemmer; nu er der Plads til 6. Hospitalet, der ejer en Kapital paa omtr. 12,700 Kr., deri indbefattet en Del Legater, bestyres under Amtmandens og Biskoppens Overdirektion og Sognepræstens og Borgmesterens Inspektion af en Forstander. — Den **Ploug-Hempelske Stiftelse**, i Grønnegade, er oprettet 1801 af Barbara Kirstine, f. Hempel, † 1826, Enke efter Agent J. J. Ploug († 1800), men traadte først i Kraft 1826. Bindingsværksbygningen, i eet Stokv., med 4 Værelser, afgiver Plads for 8 fattige, fortrinsvis af Stifterindens Slægt; Stiftelsen ejer en Kapital paa 5000 Kr., hvis Renter tilfalde Lemmerne, og bestyres af Sognepræsten, Byfogden, Borgmesteren og 2 Byraadsmedlemmer. — **Stiftelsen af 2. Januar**, i Kirkestræde, en 1863 opf. grundmuret Bygning i to Stokværk i gotisk Stil, er bygget af en 1846 stiftet Forening af Borgere; fra først af var der 8, 1885 udvidedes den til 17 Friboliger. Stiftelsen, der bestyres af 5 Mænd, deribl. 1 Byraadsmedlem, ejer en Kapital paa omtr. 5600 Kr. foruden en Del Legater. — Et **Børneasyl**, i Lille Taarngade, opr. 1890, har Plads for omtr. 40 Børn. — Desuden er der en Hjælpeforening.

**Gasværket**, ved Strandvejen, er anlagt 1865 for 60,000 Kr., udvidet 1875; den aarl. Produktion er omtr. 800,000 Kbfd. — **Vandværket**, N. Ø. for Byen i Landsbyen Kalleko i Diernisse Sogn, er anlagt 1894 for 120,000 Kr.; Vandet gaar ved eget Tryk ind til Byen; det kan yde omtr. 6000 Td. pr. Døgn.

**Jærnbanestationen**, ved Chr. IX's Gade, er opført 1882 efter Tegn. af Arkitekt N. P. C. Holsøe. **Posthuset**, ved Stationen, er opf. 1882, ligeledes af Holsøe. **Telegrafstationen** ligger ved Havnen. **Toldkammeret**, smstds., er opført 1837.

**Den mosaiske Synagoge**, i Klostergade, indviet $^{7}/_{9}$ 1860, beliggende bag ved den ældre, til hvis Oprettelse Bevillingen gaves $^{17}/_{2}$ 1804, er opført i eet Stokv. af røde Sten med takket Gavl. Den mosaiske Menighed har en egen Begravelsesplads ved Voigts Minde.

Af andre Bygninger nævnes Præstegaarden (privat lejet Hus), ved Markedspladsen, Borger- og Haandværkerforeningen, ved Chr. IX's

Vesterport, set fra S. Ø.

Gade, opf. 1891, udvidet 1897 efter Tegn. af Fabrikant J. R. Jørgensen; et Højskolehjem; en Missionssal (indrettet 1892); Arbejdernes Forsamlingsbygning, ved Odensevejen, opf. 1898—99; Good-Templar Ordenens Bygning, med en stor Forsamlingssal, er opf. 1898.

Byen har to Lystanlæg, Voigts Minde, mod S. ved Kysten og Svendborgvejen, anlagt 1882 (det tidligere „Voigts Minde", anl. 1843—63, laa paa Jærnbanestationens Plads), med en Pavillon og en 1884 rejst Mindestøtte

med Portrætmedaillon for Giveren Agent L. P. Voigt († 1859), og Lagonis Minde paa den tidligere Markedsplads ud for Nørregade ved Odensevejen, anlagt 1894 (opkaldt efter Agent P. F. Lagoni, † 1879). Langs Stranden gaar fra den nye Assistenskirkegaard til Havnen en smuk Spaseresti, „Langelinie".

Byens mærkeligste Fortidsminde er den for Enden af Vestergade beliggende **Vesterport**. Det er en omtr. 16 Al. høj Bygning med rundbuet Portaabning, kamtakkede Gavle mod N. V. og S. Ø., opført i den senere Middelalder af røde Munkesten i Munkeskifte. Den har faaet Lov til at blive staaende (flere Gange, saaledes 1745, 1806 og 1879, har det været foreslaaet at nedbryde den), men er bleven meget forvansket i Tidens Løb. Ved en 1879 foretagen, meget uheldig „Istandsættelse" gjordes Portaabningen større, den overspændtes med en Tøndehvælving (tidligere havde den 3 Hvælvinger, fra 1839 stod den aaben indtil Tagværket), Gavlkammene forandredes, de to nederste, fladbuede Vinduesaabninger paa Nordvestsiden (se Vignetten S. 580) tilmuredes, og de to øverste omsattes, og Sydøstsidens tre gamle Vinduesaabninger tilmuredes. Hele Portbygningen blev pudset med graa Cement, og der blev trukken Baand og Gesimser. En Sten med Indskrift, der beretter, at Portens Tagværk afbrændte 1728 og istandsattes 1770 (det da opsatte Tagværk er af Fyr), og som før sad over Portaabningen paa Nordvestsiden, er nu indsat indvendig paa Nordvestsiden. I Portens Sydvestside findes en tilmuret, fladbuet Døraabning, der tidligere førte ind til en nu nedrevet Accisebod (se „Arkitekten" 1895 S. 556; Beretn. og Opmaaling ved Arkitekt A. Mathiesen, i Nationalmus.).

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890: 3677 (1801 havde Byen 1061, 1840: 2110, 1860: 3120, 1880: 3476). Erhverv 1890: 309 levede af immat. Virksomhed., 1545 af Industri, 900 af Handel, 190 af Søfart, 140 af Fiskeri, 114 af Jordbrug, 289 af forskellig Daglejervirksomh., 131 af deres Midler, 55 nøde Almisse, og 4 hensade i Fængsel. Ved Siden af Haandværk er Handel og Skibsfart af stor Betydning. Trafikken med Sønderjylland er ret anselig.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 1802 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 5839 Pd., uldne Manufakturvarer 7152 Pd., Vin 24,355 Pd., andre Spirituosa à $8^0$ 818 Vrtlr., Glas og Glasvarer 12,267 Pd., Humle 1767 Pd., Kaffe 65,456 Pd., Olier 120,057 Pd., Risengryn og Rismel 24,063 Pd., Salt 234,221 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 28,113 Pd., Tobaksblade og Stilke 14,882 Pd., fabrikeret Tobak og Cigarer 13,663 Pd., Stenkul 18,130,493 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 256,529 Pd. samt Tømmer og Træ 1478 Clstr. og 834 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 900 Td. Hvede, 2284 Td. Byg og 12,750 Pd. Kød. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 3000 Td. Byg, 54,786 Pd. Ost, 30,240 Snese Æg, 3653 Pd. Kalkuld og 110,803 Pd. Huder og Skind.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 143 Fartøjer og maalte Baade med i alt 2976 Tons, deribl. 2 Dampskibe paa 27 T. og 30 H. Kraft. Fra Udlandet indkom 425 og udgik 363 Skibe med resp. 12,138 og 1092 T. Gods; fra Indlandet indkom 510 og udgik 474 Skibe med resp. 5893 og 3746 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, efter Fradrag af Godtgørelser,

56,710 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 5433 Kr., i alt 62,143 Kr. (6735 Kr. mere end i 1896). Brændevinsbrændingsafgiften indbragte, efter Fradr. af Godtgørelser, 23,011 Kr. (5412 Kr. mere end i 1896). Der produceredes 270,584 Potter à $8^0$, hvoraf 1050 udførtes til Udlandet.

I Faaborg afholdes aarl. Markeder: 2. Tirsd. i hver Maaned undt. Juni, Juli og Aug., med levende Kreaturer, 1 i Feb. med Heste, 1 i Feb. og 1 i Marts med Heste og Kvæg, 1 i Juni med Heste, 1 i Okt. med Kvæg og Faar og 1 i Nov. med Heste, Kvæg og Faar. Torvedag hver Tirsdag, Torsdag og Lørdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: Dansk Vin- og Konservesfabrik (betydelig Produktion af Konserves og Syltetøjer, Landets ældste og største Frugtvinfabrik, beskæftiger omtr. 50 Arbejdere); Bayersk- og Hvidtølbryggeriet „Sydfyn" (Aktieselsk., opr. 1898, Aktiekapit. 90,000 Kr., beregnet paa en aarl. Produktion af omtr. 3000 Td. bayersk og 2500 Td. Hvidtøl); et stort Andelssvineslagteri (beskæftiger 20 Mænd og 3 Kvinder; har kostet 94,000 Kr. at anlægge); 2 Cementstensfabrikker, hvoraf den ene beskæftiger omtr. 25 Arbejdere og aarl. producerer omtr. 700,000 Cementtagsten foruden Kloakrør og Cementfliser; 1 Træuldsfabrik; 1 Klædefabrik og Dampvæveri; 2 Uldspinderier; Tapetfabrikken „Fiona" (Aktieselsk., opr. 1897, Aktiekap. 160,000 Kr.); 1 Papirfabrik; 1 Dampbrænderi (Aktieselsk., opr. 1896, Aktiekap. 100,000 Kr.); 1 Maskinfabrik og Jærnstøberi; 1 Gærfabrik; 1 Tobaksfabrik; 1 Bomuldsvæveri; 1 Skibsbyggeri; 1 Fiskerøgeri; 1 Savværk; 2 Bogtrykkerier m. m.

I Faaborg udgives 2 Aviser: „Faaborg Avis" og „Faaborg Folketidende" (eller „Sydfynsk Dagblad").

Kreaturhold 1893: 128 Heste, 199 Stkr. Hornkvæg (deraf 178 Køer), 9 Faar, 181 Svin og 6 Geder.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og By- og Raadstueskriver i Faaborg samt Herredsfoged og Herredsskriver i Salling Herred, og et Byraad, der foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Skolevæs., f) for Brolægnings- og Vejvæs., g) for Gasværket, h) for Vandværket, i) for Renovationen.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 50,769 (deraf Grundsk. 771, Hussk. 7162, Formue- og Lejlighedssk. 41,738, lignet paa Hrtk. 624 og paa Landdistr. 474), Afgifter ifl. Næringsloven 3383, Indtægt af Aktiver 20,146 Kr. (deraf Gasværk 8972, Vandværk 9475); Udgifter: Bidrag til Stat 1245, til Amt 185, til Amtsskolefond 1279, Byens Bestyrelse 4188, Fattigvæs. 9685, Alderdomsunderst. 11,082 (Tilskud fra Stat 5116), Skolevæs. 15,776, Rets- og Politivæs. 4781, Medicinalvæs. 3907, Gader 1737, Belysn. 2629, Renlighed 2777, Vandforsyning 6128, Højtidsoffer 2770, Bidrag til Kirken 2121 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 11,978, i faste Ejendomme 205,681 Kr.; dens Gæld var 225,892 Kr. For 1899 var Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $5^7/_{10}$ pCt.; den anslaaede Indtægt var 1,182,900 Kr., deraf var skattepligtig Indtægt 818,000 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Raadhuset, to Skoler med Gymnastiklokale, Arbejds- og Forsørgelsesanstalten, Sygehuset, Fattighuset, Hospitalet,

Gasværket, Vandværkets Grund, et Sprøjtehus, et Vognskur til Ligvognen; desuden 6 smaa Jordlodder med omtr. $^1/_2$ Td. Hrtk.

Byens Politikorps bestaar af 1 Lieutenant, 2 Underofficerer, 24 menige og 1 Tambur, Brandkorpset af 1 Brandinspektør, 1 Vicebrandinspektør, 3 Assistenter, 20 Underassistenter og 190 menige.

I Sydfyns Diskontobank (opr. 1893) er Aktiekapitalen 100,000 Kr.; Indlaans- og Foliokontoen var $^{31}/_{12}$ 1897 781,472, Vekselkontoen 362,338 Kr. — I Faaborg Spare- og Laanekasse (opr. $^8/_{10}$ 1846) var Sparernes saml. Tilgodehav. $^{31}/_3$ 1897 6,833,757 Kr., Rentefoden $3^1/_2$—$3^3/_5$ pCt., Reservefonden 649,952 Kr., Antal af Konti 8820. — I Arbejderen, Spare- og Præmiebank for F. og Omegn (opr. $^6/_3$ 1870), var Sparernes saml. Tilgodehav. $^{31}/_3$ 1897 531,728 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 29,400 Kr., Antal af Konti 822.

Begyndelsen til den nuv. **Havn** gjordes 1723, da der byggedes en ny, 60 Al. lang Skibsbro; ved Midten af 18. Aarh. forlængedes Broen betydeligt, og der opførtes i den følgende Tid Bolværker m. m.; i 19. Aarh. er der foretaget store Udvidelser, og det store Areal N. V. for Havnen (hvor Svineslagteriet ligger) indvandtes ved Opfyldning; i de seneste Aar er Havnen uddybet, saa at den nu for en Dels Vedk. har en Dybde af 16—17 F. (1837: $10^1/_2$ F.). Havnens Størrelse er omtr. 40,000, Havnepladsens 80,000 □ Al., Bolværkernes Længde omtr. 1100 Al. Havnevæsenet bestyres af det af Borgmesteren, 2 Byraadsmedlemmer og 1 Medlem uden for Byraadet bestaaende Havneudvalg. Havnekassens Aktiver vare $^1/_1$ 1899 24,985, dens Passiver 61,600 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 16—17,000 Kr. Paa det østl. Havnehoved er der et rødt Fyr. Ved Dyreborg er der en fast Lods og en Reservelods, som lodse til Svendborg, Assens, Aarøsund og Kegenæs paa Als.

I gejstlig Henseende er Diernisse Sogn Anneks til Faaborg Købstad. Faaborg hører til 6. Landstingskreds og Svendborg Amts 4. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek (*J. A. E. Berg*, Optegn. om F. Apotek 1737-1887, Manuskr. i Rigsarkivet). Den hører til 3. Udskrivningskreds' 27. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 1—32.

Ved Faaborg Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør og tre Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester og to Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrerinde. Ved Fyns Telefonselskab staar Faaborg i Forbindelse med Fyns andre Byer.

Om Faaborg-Ringebanen se S. 347. I Driftsaaret 1897—98 befordredes pr. Bane til F. 34,208, fra F. 33,239 Personer; Totalvægten af Gods, Kreaturer osv. ankommen til F. var 124,817, afgaaet fra F. 200,645 Cntr. Faaborg er i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Svendborg, Flensborg og Sønderborg.

---

**Historie.** Byen nævnes første Gang i det under Svendborg (S. 578) omtalte Diplom af 1229, da den med andet Gods skænkedes af Vald. Sejr til hans Svigerdatter Eleonore, og her saa vel som i Vald. Jordeb., hvor den med sit Tilliggende er ansat til 30 Mark Guld, kaldes den *Foburgh* (paa Latin kaldes den *Faviburgum*).

Byen fik sine første Privilegier af Vald. Sejr, bekræftede af Kong Abel $^{14}/_{7}$ 1251 og mange Gange senere bekræftede og udvidede, saaledes flere Gange af Erik Menved (1288, 1297 og 1313), 1302 af Eriks Brødre Chrf. og Vald., 1325 af Chrf. II, 1413 af Erik af Pommern, 1442 af Chrf. af Bayern, 1452 af Chr. I, 1524 af Fr. I, 1538 af Chr. III, 1560 af Fr. II, 1597 af Chr. IV og 1648 af Fr. III. Den var i Middelalderen en ret anselig By, som havde et Vor Frue Gilde (første Gang nævnt 1377), og den fik ogsaa i Slutn. af Middelalderen sit Kloster.

Det var et Helligaandskloster, som ved Aar 1477 stiftedes af Ridderen Fred. Barsebek, Væbneren Claus Krumstrup m. fl. Det indrettedes straks baade som Kloster og som Hospital og befolkedes med en Prior og Munke, der fulgte den hellige Augustins Regel. Ligesom Helligaandshusene i Kjøbenhavn, Malmø, Aalborg og Randers blev Faaborgklosteret underlagt Helligaandsordenens Moderstiftelse, Hospitalsklosteret ved Rom, og kom derved til at nyde godt af flere af de mange Friheder, som vare tilstaaede dette, saaledes navnlig af den indbringende Ret til at meddele Aflad (ved en Pavebulle af 1515 blev denne Ret dog midlertidig suspenderet). I øvrigt havde Faaborg Helligaandshus sine væsentligste Indtægter af det meget Jordegods, det efterhaanden havde erhvervet ikke alene i Byen, men ogsaa rundt om i Landet (i Fyn, i Nørrejylland og paa Als); saaledes havde Præsten Peder Sture 1487 givet det 5 Gaarde i Lysabild paa Als som Vederlag for Afholdelsen af en dagl. Messe i Klosterkirken; 1497 fik det af Ridderen Markvard Rønnov til Hvidkilde 2 Gaarde; 1515 skænkede Just Urne det noget Jordegods for sammen med Hustru og Forældre at blive optagen i den Helligaands Broderskab og blive indskreven i Munkenes Bønnebøger. Af Chr. II fik det 1520 Tilsagn om Sognekirken i Faaborg med al dens Rente og Rettighed efter den dalevende Præsts Død; Gaven stadfæstedes 1528, men kom sikkert aldrig Helligaandshuset til Gode. Thi ved Udgangen af 1530 eller maaske noget senere ophørte Munkelivet her, og Klosteret forvandledes til et blot Hospital under Ledelse af en „Prior" og en af Byens Borgere; allerede 1540 blev Hospitalet dog nedlagt og alt dets Tilliggende overdraget Odense Hospital (se S. 327). Chr. III gav Byen 1539 Klosterkirken til Sognekirke, som hvilket den endnu bruges, i Stedet for den gamle Bykirke, som Kongen betingede sig til et Kornhus, og et Par Dage efter fik Borgerne ved et Kongebrev Tilladelse til at udtage alt Inventariet af Bykirken (St. Nikolai) og anbringe det i Helligaandskirken ($^{23}/_{2}$ 1550 gav Kongen Borgerne Lov til at nedbryde den gamle Bykirke og benytte Materialerne til Vedligeholdelsen af Helligaandskirken, en Bestemmelse, der $^{13}/_{11}$ 1550 ændredes til, at de maatte bruge den gamle Kirke til deraf at lade gøre et Raadhus). De andre Dele af Klosteret forsvandt derimod i Løbet af 16. eller 17. Aarh. (før Resens Tid). Mulig have de dannet en trefløjet Bygning, der i Forbindelse med Kirken som fjerde og søndre Fløj have omsluttet en firkantet Gaardsplads. I alt Fald har i Middelalderen et to Stokv. højt Hus, hvis Fundamenter delvis bleve fundne 1895, stødt op omtr. under en ret Vinkel til Korets Nordside, og et andet har stødt op til det nordl. Sideskib (se S. 581). Ø. for Byen skal der i Middelalderen have staaet et Kapel.

Faaborg har utvivlsomt i Middelalderen været omgivet af en Befæstning, hvoraf den endnu staaende Vesterport har været et Led. Af andre Porte nævnes Strandporten og Klosterporten, hvilke vare til endnu paa Resens Tid, Østerporten og Jomfruporten. Disse sidste saa vel som alle Spor af Grave og Volde vare forsvundne paa Resens Tid. I Danske Atlas (VI S. 787) omtales et dengang endnu eksisterende Kort i Krigskancelliet, hvorpaa Byen var aftegnet med Volde. Befæstningen har vel i alt Fald staaet ved Magt i Grevens Fejde, da Byen blev indtaget og afbrændt. Ligeledes led den betydeligt i Svenskekrigen 1658—60; 1660 vare 40 Gaarde og Boliger nedbrudte af Fjenden, Byen havde maattet udrede til de danske og hollandske Troppers Indkvartering omtr. 12,500 Rd., desuden store Kontributioner til Fjenden, og kun 5 eller 6 Borgere kunde betale Skat; 1672 havde den 841 Indb. Dens Handel og Skibsfart begyndte dog atter at blomstre op i Slutn. af 17. Aarh., men under den store nordiske Krig led den igen stort Afbræk ved de svenskes Kaperier. Desuden har Faaborg, som det synes, i usædvanlig Grad været hjemsøgt af Sygdomme og især af Ildebrande. Aar 1593-94 og flere Gange led den under Pesten; 1612 brændte en stor Del af Byen; 1620 gav Kongen den 3 Aars Skattefrihed, fordi den for nogen Tid siden var afbrændt; $^{16}/_{7}$ 1672 brændte hele Østergade; $^{28}/_{9}$ 1715 siges den bedste Del af Byen at være gaaet op i Luer, hvorfor de brandlidte fik 6 Aars Konsumtionsfrihed og Toldfrihed for indførte Bygningsmaterialer, og $^{14}/_{10}$ 1728 brændte 49 Gaarde i Vestergade, Korsgade og Grønnegade. Et Vidnesbyrd om de hyppige Ildebrande er Magistratens Forbud af $^{29}/_{10}$ 1750 mod Tobaksrygning paa Gaderne samt i Baghuse, paa Lofter og i Lader. Aar 1681 hærgedes Byen og Omegn af en stor

Misvækst, der efterfulgtes af en pestagtig Sygdom; i et Raadstuevidne af 1682 siges: „De bedste Borgerfamilier ere bortdøde siden Nytaarsdag 1681 af den store Svaghed, der herskede i Byen. En Del af de højstbeskattede have begivet sig paa Landet og forpagtet Gaarde, fordi de ej vidste, hvad de skulde nære sig af i Byen, thi Handel og Skibsfart, som har været denne Bys meste Næring, er nu næstendels ødelagt". I 18. Aarh. førte Faaborg en hensygnende Tilværelse; 1769 havde den 1136, 1801 endog kun 1061 Indb. I 19. Aarh. har den derimod paa Grund af sin Handel især med Korn taget et anseligt Opsving, saa at Indbyggertallet nu er over 3 Gange saa stort som i 1801.

Faaborg har haft en Latinskole, der nævnes første Gang 1551 og ophævedes 1740; Skolen laa i Nærheden af Kirken, omtr. hvor nu Stiftelsen af 2. Jan. ligger.

Paa en Mark tæt Ø. for Faaborg er der 1895 afdækket Rester af en mindre, firsidet Bygning af Munkesten, murede i Ler, vistnok en Teglovn fra 16. Aarh.

**Litt.**: *Stephan Jørgensen*, Efterretn. om F. Kjøbstad, Odense 1816. — *A. Schrøder*, Meddelelser om F. Købstad fra ældre og nyere Tid, Faaborg 1866. — *S. Jørgensen*, Efterretn. om F. Kjøbstad, Faaborg 1877. — Aktstykker til Oplysn. især af Danm. ndre Forh. I S. 123 flg. og II S. 1 flg., Odense 1841 og 1845. — Ill. Tid. $^{22}/_{11}$ 1896. — Faaborgiana, i Østs Arkiv VIII S. 231 flg., IX 392 flg. og XIII 17 flg.

---

# Nyborg

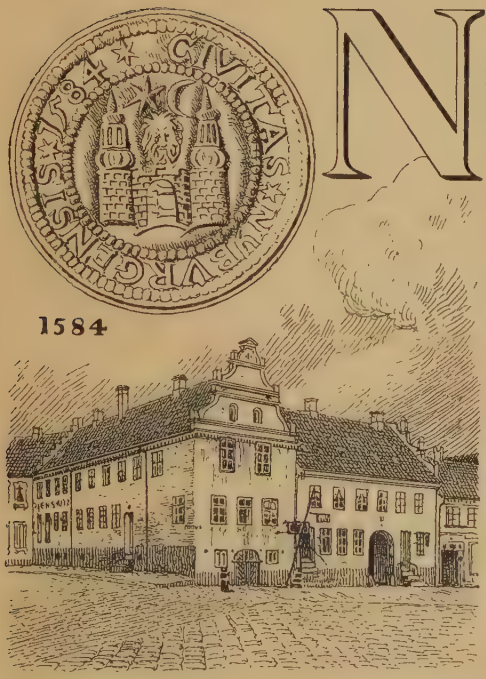


Nyborg Købstad ligger i Vindinge Herred under 55° 18′ 41,41″ n. Br. og under 1° 47′ 0,18″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Byen ligger smukt paa et mod Stranden skraanende Terræn, omgivet af skovklædte Bakker, ved det inderste af Nyborg Fjord, som mod Ø. beskyttes af den mod S. Ø. udskydende Halvø Østerø, der ender i Knudshoved. Byen selv ligger temmelig lavt; ved Kirketaarnets Sydside er der 19,9 F., 6 M., ved Torvets Sydøsthjørne 17,3 F., 5,4 M.; det højeste Punkt paa Voldene, ved den nordvestlige Bastion, er 73 F., 23 M. Afstanden fra Odense er omtr. $3^1/_2$, fra Svendborg 4 Mil (ad Jernbanen resp. 4 Mil, 29,8 Km., og 5 Mil, 36,9 Km.), fra Kjerteminde $2^1/_2$ og fra Korsør ad Søvejen $3^1/_2$ Mil. Byens største Udstrækning fra

V. til Ø. er omtr 2100 Al., fra N. til S. er den omtr. 1400 Al. Da Nyborg Fæstning nedlagdes $^{1}/_{4}$ 1869 (ifl. Lov af $^{26}/_{2}$ s. Aar), tilskødede Regeringen Kommunen 1871 Jorderne (omtr. $85^{1}/_{2}$ Td. Ld., hvoraf 24 Vandareal) for 50,000 Kr., hvorefter en Del af Voldene sløjfedes og store Partier af det indvundne Terræn afhændedes. Nu staa af Voldene kun tilbage enkelte Stykker mod V. og mod N. Ø. Store Dele af det tidligere Fæstningsterræn ere bebyggede, og der er opstaaet nye Kvarterer eller Forstæder, saaledes Kvarteret mod N. uden for Landporten omkring Christianslundsvej, *Holmen* mod S. Ø., *Birkhoved* mod N. Ø. og *Dyrehavevejen* (Avnslev Sogn), der ligger som en Krans langs Fjorden. Hovedgaderne i den gamle By ere de fra V. til Ø. parallelt løbende: Nørregade, der gaar fra Torvet, Mellemgade, som mod Ø. fortsættes i Kirkestræde og Østergade, og Kongegade, som mod Ø. udmunder i Adelgade, der fører ned til Havnen. Flere af de mindre Gader ere ret snævre. Den gamle By indrammes mod N., Ø. og S. af Stadsgraven, inden for hvilken gaar mod N. Nørrevoldgade og mod S. Vester- og Østervoldgade („Boulevarderne"), medens Slottet ligger mod V. Mod N. gaar Vejen gennem Stendamsgade og Landporten forbi Kirkegaarden ud til Odensevejen, mod S. gaar Vejen langs Dæmningen ud til Svendborgvejen V. om Fjorden. En stor Del af Bygningerne ere i flere Stokværk; navnlig i de nye Kvarterer har der rejst sig en Del nymodens høje Huse. Af ældre Bygninger ere kun faa bevarede, idet Byen for en stor Del er nyopbygget efter den sidste store Brand 1797.

Byens Købstadsgrund udgjorde Marts 1899 2,884,502 □ Al. (omtr. 206 Td. Ld.), Markjorderne (3 adskilte Dele) omtr. 1267 Td. Ld. Byen havde da 52 Gader og Stræder og 1 Torv. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 464 (Marts 1899: 595, deraf paa Købstadsgrunden 547). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896: 1473 Td. Ld.; deraf vare besaaede 601, Afgræsning, Høslæt, Brak og Eng 186, Kær og Fælleder 229, Haver 67, Skov 209 (Fredeskov 64, Teglværkskov 96 og Christianslund Skov 49 Td. Ld.), Stenmarker m. m. 27, Veje og Byggegrunde 133, Vandareal 22. Det saml. Hartkorn var $^{1}/_{1}$ 1895 108 Td.; deraf hørte 27 til 9 Gaarde og 7 til 38 Huse (henholdsvis 6 og 33 dreves fra Ejendomme i Byen); 75 Td. hørte ikke til noget særskilt Jordbrug.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^{1}/_{1}$ 1899 10,154,854 Kr. (Antal af Forsikringer 640).

---

Af Byens **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken**, tidligere kaldet *Vor Frue Kirke*, er en anselig, treskibet Murstensbygning, bestaaende af Langskib og Kor ud i eet med flad Altervæg mod Ø., Taarn mod V. og to Korsarme mod N. og S.; den udvendige Længde er 65, Bredden 48 Al. I Tidens Løb er Kirken undergaaet store Forandringer. Den oprindl. Del, de 4 vestligste Hvælvingsfag af Midtskibet og af hver af Sideskibene, er opført i den gotiske Tid, ifl. en Præsteberetn. fra 1623 i Aaret 1388. I Begyndelsen af 15. Aarh. byggedes op til Kirkens Sydside, ved Vestenden, to Kapeller, St. Gertruds og Steen Basses, det første bekostet af Medlemmerne af St. Gertruds Gilde, det andet af Lensmanden paa Nyborg Slot, Hr. Steen Basse, som 1427 stiftede et Vikarie i Kapellet. Vistnok i 2. Halvdel af 16. Aarh. forlængedes Kirken mod Ø.,

KØBSTADE
BØRNEHJEM
JUELSBERG HOVEDGAARDS-
JORDER
Til Odense
Vestergade
Christianslundsgade
KIRKEGAARD
KAPEL
Lindeallein
Bleggarnsgade
Stendamsgade
SLOTSSØ
Torvet
LADEGAARD SØ
GL. STADSGRAV
Nørre
Nørregade
Mellemgade
Kongensgade
Vester Boulevard
Dronningensvej
Kongens Bastionsv.
JOMFRUEN
Strandvejen
KARLSMINDE
KØBST. MARKJ.
Pilshusevejen
JUELSBERG-
HOVEDGAARDS JORDER
BAADHAVN
PROJEKTERET
INDDÆMNIN
Udført af V.F.A. Berggreen
Forlagt af Univ

# RG.

*Efterlnyste forbydes.*

*Tegnet af G. E. C. Gad.*

*Autot. E. Jarnvedt & Lith. Etabl.*

0 1 2 3 4 500 Alen

hvert Skib med 2 Hvælvingsfag (mulig stod der fra først af et mindre Kor, som da nedbrødes), og paa Nordsiden tilføjedes et Sideskib, saaledes at Kirken nu fik 4 jævnsides liggende, lige lange Skibe, hvert med 6 Krydshvælvingsfag; hertil kom som en Art 5. Sideskib de ovennævnte to Kapeller med i alt 3 Krydshvælvinger. 1581 opførtes det store Taarn i V., foroven af Mursten, forneden af hugne Kampesten (disse hidrøre muligvis fra de nedlagte Gammel- og Hjulby Kirker). 1588—89 opsattes Taarnets slanke Spir (hver Landsbykirke i Fyn maatte hertil yde $^1/_2$ Dlr.) og Aar 1600 det lille Spir paa Kirkens Østgavl. Taarnets Højde er i Murværket 39 Al., med Spiret 104 Al. I denne Skikkelse stod Kirken indtil 19. Aarh., da den undergik forskellige Reparationer, saaledes i 1805 (kostede 9000 Rd.), 1822, 1834—35 (10,000 Rd.) og 1858. 1870—71 foretoges en sidste, større Restauration og delvis Ombygning af Kirken, ved Arkit. V. Tvede (til Minde herom indsattes i Kirken en Sten med Indskr., hvoraf ses, at Udgifterne, omtr. 40,000 Rd., afholdtes af Kirkens egne Midler); ved denne Lejlighed nedbrødes det nordl. Sideskib, og i Stedet for opførtes nordre Korsarm; af de to Kapeller paa Sydsiden indrettedes ved Nedbrydning af den vestl. Del søndre Korsarm. Kirken fremtræder nu som en treskibet Korskirke i Spidsbuestil med takkede Gavle, og staar udvendig med udfugede røde Mursten, indvendig med let Dekoration af Hvælvingerne. Midtskibets Mure hvile paa 2 Rækker svære, med Spidsbuer forbundne, mangekantede og rigt profilerede Piller (5 fritstaaende og 2 Vægpiller i hver Række); Krydshvælvingernes Ribber samle sig i den oprindl. Del af Kirken paa Kragsten med udhugne Menneskehoveder.

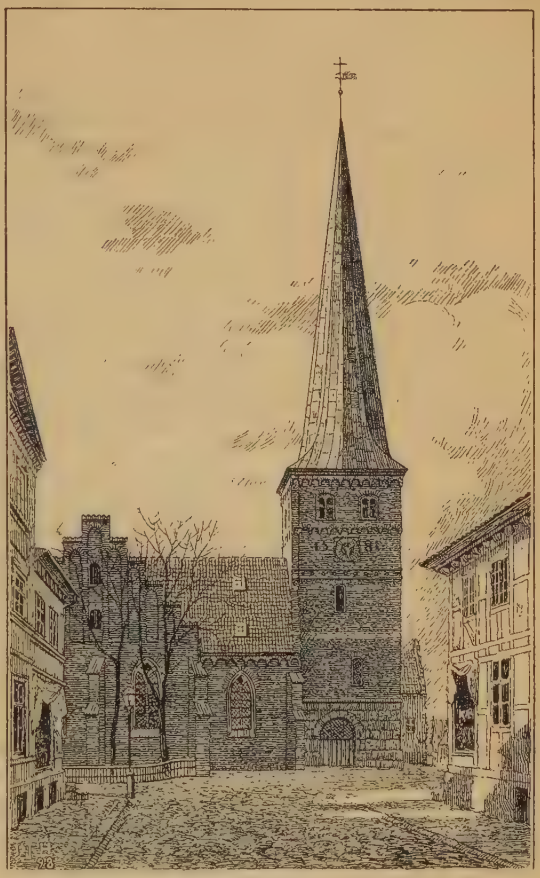

Nyborg Kirke.

Altertavlen, bekostet 1834, er malet til Dels af C. V. Eckersberg: i Midten Bjærgprædikenen, ved Siderne og foroven allegoriske Figurer (Troen,

Haabet og Alvisheden). Malmlysestagerne ere skænkede 1649 af Raadmand Niels Bosen og Hustru Inger Jensdatter. Prædikestolen og Lydhimlen ere gode Snitværksarbejder fra Renæssancetiden (med bibelske Fremstillinger, Evangelisterne, en Christusfigur o. a.); Prædikestolen er forfærdiget 1653 af „Mester Andreas Bildthugger" i Odense af to ældre Prædikestole, af hvilke den ene 1605 blev skænket af Borgmester Mads Lerche til det nyopførte Kapel uden for Byen i Humlevænget, og den anden, istandsat 1620 af Karen Skram, stod paa Nyborg Slot (se „Fædrelandet" 1875 Nr. 196). Døbefonten, af hvidt Marmor, er ny (bekostet 1876); den gamle Font af Granit med udhugne Hoveder paa Fodstykket stod en Tid paa Kirkegaarden; nu er den i Præstegaardens Materialhus, hvor ligeledes en Trædøbefont, hvis Fod bestaar af 3 udskaarne Figurer, findes (en tilsvarende Træopsats, der bruges som Offerbord, staar i Koret). Orgelet er fra 1871. I Taarnet et stort, sent-gotisk Krucifiks. I Kirken hænge 4 Malmlysekroner, skænkede 1589, 1640, 1685 og 1728, og 3 Skibe, det ældste fra 1720. I Korets tredelte Midtvindue er 1896 indsat et stort, nyt Glasmaleri (de hellige tre Konger) efter Tegn. af Arkitekterne O. Momme og Olesen. Ved Restaurationerne 1805, 1822 og 1834 bleve mange Ligsten bragte ud af Kirken og benyttede til Fliser, Trappesten osv.; ved den sidste Restauration fyldtes helt Gravkældrene under Koret; en Del Ligsten ligger skjult under Flisegulvet.

Kirken er rig paa til Dels meget gode Epitafier (i Regelen med Portrætfigurer), væsentlig over Magistratspersoner; ved Restaur. 1870—71 bleve de flyttede fra deres oprindl. Plads. I søndre Sideskib Mindetavler over: Joh. B. Rieffesthal, † 1789, og Hustru; over Kapt. J. B. v. Aderndorf, † 1664, og Hustru; over Borgmester Hans Walter, † 1603, og Hustru; over Raadmand Anders Hansen, † 1626, og Hustru; over Borger Peder Jensen, † 1638, Ridefoged Chr. Jakobsen, † 1645, og deres Hustru; over Borgmester Peder Sørensen, † 1723, og to Hustruer; over Borger Peder Thomasen, † 1621, Borgmester Peder Nielsen Arndrup, † 1653, og deres Hustru. I søndre Korsarm Mindetavler over: Jakob Lerche og Hustru, opsat 1656; over Toldinspekt. Jørgen Thomasen Brun, † 1733, og to Hustruer; over Johan Friis til Ørridslevgaard, † 1635, Holger Rosenkrantz til Glimminge, † 1647, og Fruerne Lene Gyldenstierne, † 1640, og Karen Krabbe, † 1662 (med 64 Vaabener); over Borgmester Mads Lerche og Hustru, opsat 1607; over Kammerraad og Tolder Rasmus Poulsen Bosen, † 1757, og to Hustruer (nedenfor i Gulvet en Ligsten over dem, den eneste synlige i Kirken). I nordre Sideskib Mindetavler over: Borger Klaus Rasmussen, † 1603, med to Hustruer og en Søn; over Borgmester Anders Larsen, † 1745, og to Hustruer; over Kapellan Peder Lauridsen, † 1692, og Hustru; over Borger og Kirkeværge Hans Jensen, † 1658, og to Hustruer; over Borgmester Peder Jensen Skriver og Hustru, opsat 1607; over Raadmand Søren Thomsen, † 1669, og Hustru; over Provst Hans Mule Klausen, † 1692, og to Hustruer; over Raadmand Niels Bosen, † 1653, og tre Hustruer. I nordre Korsarm Mindetavler over: Raadmand Niels Jensen Riber og to Hustruer, opsat 1672; over Ridefoged Bertel Hansen, † 1652; over Raadmand Jens Madtzen og Hustru, opsat 1654. Paa Skibets Vestmur under Orgelbalkonen Mindetavler over: Borgmester Peder Nielsen, † 1638, og Hustru (den store Gravsten, paa hvilken der findes udhugne Figurer, ligger under Gulvet i Koret), og over Borger Knud Bjørnsen og Hustru, opsat 1653. I Taarnet, hvis nederste Rum tjener som Vaabenhus, Mindetavler over: Tønne Viffert,

† 1571, og Iver Viffert, † 1577; over Raadmand Jep Mand, † 1576, Slotsskriver Laurids Jensen, † 1579, Raadmand Gjert ter Borch, † 1603, og deres Hustru; over Sognepræsten Hans Frick († 1746) med to Hustruer og Børn (se *F. Crone*, Epitafier i N. Kirke, i Personalhist. Tidsskr. IV Bd., S. 33 fl., og 257 fl.; se ogsaa V Bd., S. 319 fl., VI Bd., S. 97 fl., og 2. R. II Bd., S. 46 fl.). I Taarnet 5 Klokker, hvoraf den største, „Hosianna" (fejlagtig kaldet „Marieklokken"), har Relieffer, Minuskelindskr. og Aarst. 1450, den næststørste, „Vægterklokken", har Minuskelindskr. og Aarst. 1523, og „Tolvklokken", der hidrører fra Slotskirken, er ligeledes fra den senere Middelalder, men uden Aarstal. En fjerde, „Lilleklokken", med hvilken der ringes hver Aften Kl. $9^3/_4$ (med Hentydning til et Sagn fra Svenskekrigen 1659), hang tidligere i det oprindl. Klokketaarn, som stod tæt N. for Kirken; 1642 blev det sammenbygget med Latinskolen (1777 styrtede det ned) og 1872 nedbrudt; Fundamenter af det findes endnu i Jorden (se *F. Crone*, i Nationaltid. $^3/_2$ 1888). — Mellem Kirkens sydøstl. Hjørne og Præstegaarden er i 1872 anbragt et særdeles kunstfærdigt Jærngitter (hver Afdeling i de 4 Fløje er udfyldt med forskellige Mønstre) med Friisernes, Krabbernes og Rosenkrantzernes Vaabener, skænket 1649 af Karen Krabbe; det lukkede tidligere for den saakaldte „adelige Begravelse" i Kirkens sydøstl. Hjørne (det tidligere Sakristi).

Præstegaarden, i to Stokv. med hvælvede Kældere, er i sine oprindelige Dele fra den senere Middelalder. Nordmuren er helt overkalket, Sydmuren staar derimod med sine røde Munkesten (i Munkeskifte), og paa den ses to fladbuede Vinduer. Allerede 1405 tjente Huset som Præstebolig og har siden været benyttet dertil.

Den gamle Kirkegaard, Ø. for Kirken, benyttes ikke fra 1875 (der tænkes paa at planere den). Assistenskirkegaarden, N. for Byen uden for Landporten, er grundlagt 1537; en Del af den afgaves til Fæstningen 1665; men den udvidedes atter 1738, 1816 og 1856, senere 1872, 1879, 1881 og 1886 (med Arealer, der tidligere hørte til Fæstningsterrænet); nu er den omtr. $5^1/_2$ Td. Ld. Paa Kirkegaarden er der 1872 opført et Ligkapel.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst og en residerende Kapellan. Kirken ejede $^1/_7$ 1899 i Obligationer 167,610 Kr. og 7650 Kr., som forrentes med Korn, samt en Korntiende, der 1898 indbragte 4366 Kr.; dens Gæld var omtr. 53,000 Kr.

**Nyborg Slot** bærer sit Navn i Modsætning til en anden og ældre Borg, „Gammelborg", der laa ved Vindinge Aa i Vindinge Sogn (se herunder; A. D. Jørgensens Formodning, Danske Saml. 2. R. I, S. 376 flg., at Gammelborg stod paa Avernakke Mark ved Nyborg, er lidet sandsynlig). Slottet siges alm. at være rejst Aar 1170 af Prins Knud Prizlavsen, en Søstersøn af Vald. den store, men maaske hidrører det fra en lidt senere Tid; paa Vald. Sejrs Tid har det utvivlsomt eksisteret. Slottet fik tidlig stor Betydning; Kongerne tog ofte Ophold her, navnlig under de jævnlig tilbagevendende Danehoffer, og mange Kongebreve ere da ogsaa udfærdigede herfra; her fødte Dron. Christine 1481 Sønnen Chr. II og 1485 Datteren Elisabeth. Paa Slottet boede Lensmændene over Nyborg Len, hvortil hørte Gudme og Vindinge Herreder, Hindsholm og $^1/_3$ af Salling Hrd.*). — Om det ældste

*) Af Lensmændene kunne nævnes: Nicolaus Jura 1349, Lydike Skinkel 1362—64, Henning Moltke 1369—70, Fikke Moltke 1386, Henneke Olsen (Bjørn) 1387, hans Svigersøn Hr. Steen Basse 1423 (Hans Persen, Husfoged, 1461), Fru Karine 1471, Jørgen Marsvin 1491—93, osv.

Nyborg Slots Udseende haves ikke andre Oplysninger end de, som kunne hentes fra de endnu staaende, men for en Del til det senere Slot hørende Bygninger, samt fra nogle ved de sidste Aars Gravninger fremdragne Murfundamenter. Slottet, som næppe udgjorde noget sammenhængende Bygningskompleks, var opført paa en noget udplaneret Lerbakke, der vistnok til Dels ved Kunst var omgivet af Vand; sandsynligvis indesluttedes Slotspladsen af en Ringmur. Ved Midten af 16. Aarh. lod imidlertid Chr. III Slottet betydelig udvide, saaledes som dette bl. a. fremgaar af en paa det nuv. Krudttaarn indmuret Sten med Indskrift (Christianus Rex, Friderici Primi Filius, Turrim instauratæqve Arcis Ædificia simul oppidi propugnacula posuit anno Dni. MDXLIX Regni sui XIIII). Det kan formodes, at Martin Bussart, som just ved den Tid virkede som kgl. Bygmester, har haft Del i Arbejdet, men noget sikkert haves ikke derfor. Vist er det derimod, at Byggearbejderne paa Slottet spændte over et betydeligt længere Tidsrum end det ene Aar 1549. $^{17}/_{1}$ 1552 udgik Kongebrev om, at der skulde leveres Lensmanden, Frands Brockenhuus, 50,000 Mursten til N. Slots Bygning, og $^{26}/_{6}$ s. A. fik han Lov til at tage Sten fra Halvdelen af den nedlagte Skjelskør Klosterkirke (se II Bd. S. 615); 1555 skriver Kongen, at da han med det første agter at lade Byggearbejderne paa Nyborg Slot fuldføre, men der mangler Penge, skal Frands Brockenhuus have leveret 2000 Dlr. Den Skikkelse, under hvilken Slottet nu kom til at fremtræde, bevarede det i Hovedsagen lige til sin Nedlæggelse 1722. Det bestod af 4 sammenbyggede Fløje, der omsluttede den firkantede Slotsgaard. For hvert af de 4 Hjørner stod der et halvrundt Taarn (Rundel), og hertil kom flere andre Taarne, saaledes et lille rundt, som det synes, omtr. midt for søndre Fløjs Sydside, et lignende for den nordre Fløjs Nordside, et stort firkantet Taarn indbygget i Østfløjen og et lignende for Østsiden af Vestfløjen nær dens Nordende. Vestfløjen udgjorde Hovedbygningen; her fandtes bl. a. Kongens og Dronningens Værelser (et af Kongens kaldtes „det grønne", et af Dronningens „det røde" efter Farven af det Tøj, hvormed Væggene vare beklædte), Hertug Hans's Kammer, Hertug Adolphs Kammer (Chr. III's Brødre) og Slotskirken („var under Dronning Mai.'s Gemak"). I den nordre Fløj var Borgestuen, Køkkenet, Bryggerset, Bagerset m. m. I den nordre Del af Østfløjen havde Lensmanden sine Værelser, og i øvrigt fandtes i denne Fløj Skriverstue, Slotsfogdens Kammer og vistnok ogsaa Badstue. Alt, hvad den søndre Fløj indeholdt, vides næppe med Sikkerhed; i den sydøstre Rundel var Ridefogdens Kammer. Lofterne over Nord- og Vestfløjen benyttedes til Korn, Malt og anden Proviant. Langs Vest-, Nord- og Sydsiden af Slottet strakte der sig Vægtergange, men allerede i 1. Halvdel af 17. Aarh. maatte Gangen mod N. og V. tjene til Opbevaring af Proviant, „for Rums Skyld". Tæt uden for Nordfløjen stod et „Vandhus" og ved Østfløjen et Vaskerhus. Over Graven mod Ø. førte en Vindebro. Desuden hørte der til Slottet Stalde (en opført 1576), Kornlader (en opf. 1574), Smedie, Mælkehus, Møller (deribl. Slotsmøllen) m. m.; disse Huse laa i det væsentlige paa den anden Side af Slotsgravene; en af Staldene, Dronningegaarden, stod inde i Byen, i Kongegade. — I Tidens Løb underkastedes Slottet gentagne Gange Reparationer, og der foregik mindre Om- og Tilbygninger, saaledes som det navnlig fremgaar af Lensregnskaberne (disse gaa ikke længere tilbage end til Slutn. af Fr. II's Tid) og Synsforretninger. 1571 siges Husene paa Slottet og i Ladegaarden at være meget forfaldne og

taglamme; 1572 fik Lensmanden Ordre til at istandsætte de forfaldne Vinduer, 1574 Tagene og andet. 1610 vare Tag og Lofter igen i Forfald, hvorfor Chr. IV beordrede, at Hulstenstaget over Vestfløjen saavel som over de andre Huse, hvor Behov gjordes, skulde omlægges. Stor Skade forvoldte en Storm $^{28}/_{1}$—$^{29}/_{1}$ 1628; 1631 hedder det om den nordre Del af Østfløjen, at „den er opbygt for kort Tid siden"; nyopførte vare da endvidere Staldene paa Slotsvolden, Slagterhuset, Vandhuset m. m. — Sit egentlige Knæk fik Slottet under Svenskekrigen 1658—60. Fjenden holdt Slottet besat 1658—59 og huserede slemt allevegne, navnlig i Ladegaarden. Af en Synsforretning $^{8}/_{11}$—$^{9}/_{11}$ 1660 fremgaar det, at Stalde og Lader m. m. vare ganske afbrudte, og at flere af Værelserne i selve Slottet vare rampo-

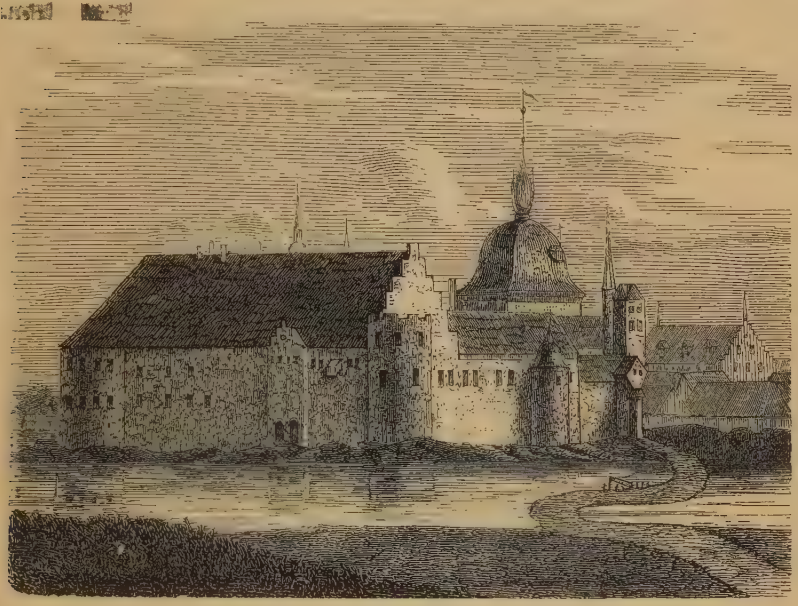

Nyborg Slot 1659. Efter Puffendorfs Atlas.

nerede*). 1663 vurderedes Skaden paa Vinduer, Døre, Lofter, Paneler

*) I Synsforretningen nævnes: Den store Øxenlade. Røgternes Hus ved Abildhaven. Det vestre Fæhus. Det nordre Fæhus. Det østre Fæhus. Den store Kornlade. Folestalden. Ladefogdens Kammer. Overdelen over den murede Hvælving. Jægergaardshuset. Det Murværk, som indelukker Jægergaarden fra Porten ned mod Mølleaaen. Ridestalden. Det Hus, som Staldmesterens og Beriderens Kammer er i, med Kudskestalden og Kudskekamret. Smedien. Gaasestien. Vandhuset. Slotskirken. Det ene Drejerkammer. Det grønne Kammer mellem Kongens Gemak og fornævnte Kammer. Et Kammer under det grønne K. Et lille Taarn paa Siden af Muren over Løngangen. Kgl. Maj.'s eget Gemak. Kgl. Maj.'s Sengekammer. Dronningens Gemak. Dronningens Sovekammer. Frøknernes Kammer. Fyrstens og 2 Kammerjunkeres Gemakker. Hertug Adolphs Gemak. Rundelen derhos. Hertug Augusts Gemak. Tvende Kamre mellem Stranges Taarn og fornævnte Gemak. Forstuen til fornævnte Gemak. Stranges Taarn. Inventariumkamret. Det store Kornloft over Kongens Gemak. Et nyt Loft over Hertug Adolphs Gemak. (Alt dette [fra Slotskirken] var i og ved den vestre Fløj). Smedie-Rustkamret. Bryggerhuset. Dynnekamret. Borgestuen. Køkken og Køkkenkamret. Kølhuset. Landternen i Borgegaarden. Et Kammer kaldet Lisses Hul. Tvende gevelfte Kælderhalse. Vindeltrappen til Kongens Gemak. Lensherrens Værelser udi den Stue under den gamle Fruerstue. Badstuen. Lensmandens trende Stuer. 2 smaa Kamre under Fruerstuedøren. Sengekamret. Det Kammer over Sengekamret. Det Kammer over den nye Fruerstue. Rundelen. Trappen til Rundelen. De to underste Kamre i Rundelen. Det hvide Taarnkammer. Skrædderkamret. Bagerset og Mælkehuset. Kældersvendens Kammer. Trappen til Fruerstuen. Det helle Skriverstuehus. Skriverstuetaarnet. Porthuset.

m. m. i Slottet til 1344 Rdlr. 32 Sk. Efter Krigen benyttedes Slottet ikke længere som Kongeborg, og der gjordes ikke meget for at istandsætte det; den udenlandske Diplomat de Vrigny kunde derfor i sin Rejseberetning fra 1702 beskrive det som „un vieux château, qui tombe en ruine, sans tuilles, et avec plusieurs breches".

Omkring Aar 1722 nedbrødes Slottet paa nær Vestfløjen, en tilstødende lille Del af Nordfløjen samt det store firkantede Taarn mod Ø.; Materialerne anvendtes hovedsagelig ved Opførelsen af Odense Slot (se S. 324) og Strandbastionen. Vestfløjen staar endnu; 1789 blev det op til dens Østside stødende, firkantede Taarn, med takkede Gavle, nedrevet (vistnok identisk med „Stranges Taarn", „hvorfra Opgangen var til Kornlofterne") og 1828 Vægtergangen; det sydvestre Hjørnetaarn skal allerede i det væsentlige være nedbrudt 1670. Denne Fløj benyttedes i en længere Aarrække som Magasin for det Skattekorn, der opkrævedes af Amtsforvalteren; senere blev den Tøjhus, som hvilket den endnu tjener. Det lille Parti af Nordfløjen, i to Stok-

Nyborg Slot 1898.

værk med Kælder, stod indtil 1873 (benyttet om Vinteren, under Istransporter, til Opbevaring af Postvæsenets Pengeeffekter). Det kaldtes alm. Fængselsbygningen, og Traditionen sagde, at Hertug Valdemar V havde siddet fangen 1346 i Stueetagen, hvorfor et Værelse her (20 F. l., 10 F. br. og 8 F. højt) benævntes „Prinsens Værelse"; denne sidste Beretning turde dog være uhistorisk; i Synsforretningerne træffes aldrig dette Navn, og de i de seneste Aar fremgravede Murrester af Bygningen synes at tyde paa, at den først er rejst i 16. Aarh. (en Afbildn. af Bygningen findes i Illustr. Tid. II S. 92 og Trap 2. Udg. IV S. 184). Det store Østtaarn staar endnu, benyttet til Opbevaring af Krudt. Slotspladsen omgives endnu paa de 3 Sider af Grave; mod V. er den derimod for længe siden landfast.

Vestfløjen er en 198 F. lang og 34—38 F. bred Bygning i 3 Stokværk (nederste benyttedes til Dels som Kælder), opført af røde Mursten (de have været dækkede af Cementpuds). Den er ikke af een Støbning. Ældst, hidrørende fra Middelalderen, er den sydl. Del, med 5 F. tykke Mure af Munkesten i Munkeskifte. Her har sandsynligvis Slotskirken været; i alt

Fald ses det, at dette Parti oprindl. har indeholdt et højt Rum, som først i senere Tid er delt i 2 Etager ved et indskudt Loft, hvis Bjælker ikke naa ind i Ydermurene, men hvile paa nogle op til disse murede Piller. Paa Sydgavlen ses i Murværket tydelige Spor efter det nedbrudte sydvestlige Hjørnetaarn. Den nordl. Del af Vestfløjen hidrører sandsynligvis fra Chr. III's Tid, om end det maa antages, at dette Partis 10 F. tykke Mure mod V. og N. ere blevne til ved en Forstærkning af ældre og tyndere Mure; Ydermuren mod Ø. er kun 4 F. tyk. I denne Del af Fløjen findes i 2. Stokv. en stor og meget interessant Sal, omtr. 95 F. lang og 24 F. bred, hvis Loftsbjælker hvile med Enderne paa profilerede Knægte og i Midten støttes af ejendommelige Træstivere. Dette Rum, hvis Udstyrelse synes at henføre det til Midten af 16. Aarh., har formentlig været en Art Riddersal. For Fløjens nordvestre Hjørne staar endnu det halvrunde Taarn, med et Tværmaal af 14 F. Taarnet dækkes af et Teglstenstag, der gaar i Flugt med Vestfløjens Tag. I senere Tid ere flere af Fløjens gamle Vindues- og Døraabninger blevne tilmurede eller forstørrede, og nye ere brudte; ligeledes er Rumfordelingen indvendig ændret en Del. — Det store Taarn mod Ø. (det er vistnok det, som tidligere kaldtes Skriverstuetaarnet og i 2. Fjerdedel af 17. Aarh. tillige „det hvide Taarn") er en næsten kvadratisk Bygning af røde Munkesten, 45—47 F. lang og bred og 34 F. høj, med lavt Pyramide-Tegltag; tidligere har det dog været en Del højere og dækket af et smukt Blytag med Spir. Murkernen tilhører i alt Fald for en væsentlig Del Middelalderen, men vistnok paa Chr. III's Tid er den bleven forstærket ved en udvendig Beklædning, saa at Murene nu ere 12 F. tykke. I Muren har der tidligere været en Vindeltrappe, som førte op til de øvre Etager.

Siden 1898 have Nationalmuseet, Ingeniørkorpset og Nyborg Byraad i Forening (efter en mindre Undersøgelse i 1896) ladet foretage Gravninger paa Slotspladsen for at fremdrage Fundamenterne af de nedbrudte Bygninger. Afdækkede ere (indtil Juni 1899) Kampestensfundamentet af det firkantede Taarn ved Vestfløjens Østside og den nederste Del af „Fængselsbygningen"; ved Østsiden af Krudttaarnet er der fundet betydelige Murlevninger, af hvilke de dybest staaende hidrøre fra Middelalderen, medens de højere staaende, som til Dels ere anbragte ovenpaa hine, ere fra en senere Tid. Mulig skrive disse Murlevninger sig for en Del fra den gamle Indgangsbygning; i Graven lige udfor staa endnu Rester af Stenpillerne, to og to, hvorpaa Broen hvilede. De endnu ikke afsluttede Gravninger hæmmes noget af den i nyere Tid paa Slotspladsen rejste „nordre Tøjhusbygning". (Fra Arkiv og Museum, I, S. 82 fl.; Illustr. Tid. 1899 Nr. 12.; Arkitekten, $^{7}/_{11}$ 1895. Af Slottets Udseende før 1722 haves kun 3 Afbildn., den her gengivne fra Puffendorfs Atlas, en i Resens Atlas og en [af liden Værd] i Gml. kgl. Saml. Fol. 717 [paa det kgl. Bibl.]; af ældre Grundplaner haves to, fra omtr. 1660 og fra 1722; i Ingeniørkorpsets Arkiv findes bl. a. en Grundplan og Opstalt fra 1754 af de da staaende Slotsbygninger).

**Raad-, Ting- og Arresthuset** ligger ved den østlige Side af Torvet. Raadhuset opførtes 1585—86 paa det da indrettede nye Torv (det tidligere Torv laa ved Kirken, hvor nu Baggers Gade er) og var af Kvader- og Mursten i to Stokv.; det restaureredes 1642 og nedbrændte 1797 under den store Ildebrand. For 17,176 Rd. opførtes 1803 et nyt paa det samme Sted, ligeledes i to Stokv. med Port midt paa Façaden ud til Torvet; 1862

ombyggedes det under Ledelse af Arkitekt V. Tvede, saaledes at det forhøjedes med et 3. Stokv. undtagen paa Sidelængen ud til Nørregade. Det er en ret anselig Bygning af røde Mursten med takkede Gavle; paa Façaden er anbragt Byens Vaaben, der ogsaa fandtes paa de tidligere Bygninger. I Stueetagen findes Bytingslokale, Politistation samt Arrester (Plads til 8 Arrestanter i 5 Enkeltceller og 1 Fællescelle, samt Detentionslokale for 6 Mand) og Arrestforvarerens Bolig (i Sidefløjen er der Sprøjtehus); i 1. Etage er der Byraadssal og tilstødende Værelse for de staaende Udvalg samt den gamle Teatersal, der nu er nedlagt og indrettet til offentlige Kontorer (Byfoged- og Borgmesterkontor, Kæmnerkontor, Kontor for Stadsingeniøren), Vindinge Herreds Kontor og, i Sidefløjen over Sprøjtehuset, en Auktionssal; i 2. Etage findes en Solennitetssal med to tilstødende Værelser. De særlige Udgifter afholdes med $^2/_3$ af Amtsrepartitionsfonden og $^1/_3$ af Købstaden. I 1839 betalte Vindinge Herred og Holckenhavn og Ravnholt Birker een Gang for alle 1250 Rd. til Ombygning af Arresterne, og i 1861 bevilgede Amtsraadet 3000 Rd. til Arresternes Ombygning.

Det kommunale Skolevæsen omfatter 3 Skoler: **Realskolen**, paa Kongens Bastionsvej, opført 1887—88 af røde Mursten i to Stokv. med takkede Gavle i Spidsbuestil efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel; den har kostet 75,000 Kr. og indeholder 8 Klasseværelser, en Museumssal, et Lærerværelse, en stor Vestibule, Legekælder samt Bolig for Forstanderen og Pedellen. **Borgerskolen**, N. Ø. for Byen paa Birkhoved (paa de tidligere Præstegaardsjorder), opf. 1897—98 af røde Mursten i 2 Stokv., ligeledes efter Tegn. af Schwanenflügel; den har med Gymnastikhus kostet omtr. 120,000 Kr. og indeholder 19 Klasseværelser, Plads i Tagetagen til Sløjd- og Tegneværelser samt Bolig for Forstanderen og en Portner. **Kommuneskolen** (Friskolen), ved Nørrevoldgade, er opf. 1875—76 af gule Mursten i 2 Stokv. efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf; den indeholder 8 Klasseværelser og Bolig for Forstanderen. Et for Real- og Kommuneskolen fælles Gymnastikhus i Nørrevoldgade (Arkitekt: Monberg) er opført 1883. Realskolen havde Marts 1899 131 Elever (deraf 4 Piger), fordelte i 8 Drengeklasser, og 6 Lærere og 1 Lærerinde, Borgerskolen 462 Elever, fordelte i 8 Drenge- og 6 Pigeklasser, og 6 Lærere og 3 Lærerinder, Kommuneskolen 469 Elever, fordelte i 7 Drenge- og 7 Pigeklasser, og 4 Lærere og 4 Lærerinder. Desuden er der ved Skolerne 9 Timelærere og 2 Timelærerinder. Forstanderen for Realskolen er tillige Inspektør for hele Skolevæsenet. — **Teknisk Skole**, ved Nørrevoldgade, er opf. 1894 i 2 Stokv. af røde Mursten med Baand af gule, glasserede Sten i Renæssancestil efter Tegn. af E. Schwanenflügel; den indeholder foruden Klasseværelserne en med Søjler forsynet Vestibule og Lokale for et Soldaterhjem; den har 158 Elever i 16 Klasser og 8 Lærere. — Desuden er der 4 private Pigeskoler med 159 Elever og 4 Pogeskoler (Drenge og Piger) med 109 Elever.

**Den kgl. Døvstummeskole**, mod N. paa Fæstningsglaciet ved Vestergade, er opf. af Staten ifl. Lov af $^{11}/_4$ 1890 og toges i Brug $^1/_9$ 1891; det er en Bygning i 4 Stokv. opf. i moderne Stil efter Tegn. af Arkitekt Fr. Levy og bestaar af Hovedbygningen, med Klasseværelse, Forstanderbolig m. m. og Gymnastikhus. Skolen, der er bestemt til Undervisning for indtil 135 uegentlig døvstumme Børn, havde Marts 1899 foruden Forstanderen et fast Lærerpersonale af 4 Lærere og 4 Lærerinder og 78 Elever, fordelte i 7 Klasser; ved Skolen er ansat en Præst og en Læge.

Et **Diakon- og Epileptikerhjem**, oprettet af et privat Selskab, Stefansforeningen, begyndte sin Virksomhed Nov. 1893 i en Villa uden for Byen mod S. Ø. ved Christianslundsvej; 1898—99 opførtes en ny Bygning i to Stokv. af røde Mursten efter Tegn. af E. Schwanenflügel. Anstalten er bestemt til Uddannelse for Mænd af den christne Menighed til Diakongerning, forbunden med en Skole for epileptiske Drenge.

**Sygehuset** (tidligere i Kongegade, opf. 1817), mod N. paa Fæstningsjorderne ved Odensevejen paa en tidligere Markedsplads, er opført 1878 (indviet $^{23}/_{12}$ 1878) efter Tegn. af Arkitekt V. Tvede og bestaar af to Bygninger af røde Mursten i 2 Stokv. med Kælder for en Bekostning af 150,694 Kr. Den østl. Bygning er militært (54 Senge), den vestl. civilt Sygehus (30 Senge). — **Epidemihuset**, paa Fæstningsjorderne ved Helgetoftevej, fælles for Amt og By, er opført 1892—93 efter Tegn. af Arkitekt N. P. Jensen, Odense, i 1 Stokv. af Mursten og udvidet 1897 med en Tilbygning; det første har 20, Tilbygningen 15 Senge.

**Fattiggaarden**, paa Fæstningsjorderne ved Taarnvejen i Byens vestlige Udkant (den gamle Fattiggd. paa Hj. af Nørre- og Vægtergade var opf. 1800 og solgtes 1888), er opført 1881 af røde Mursten i to Stokv. efter Tegn. af Arkitekt C. Lendorf. Bygningen indeholder 24 Lokaler og har Plads for 50 Lemmer.

Af milde Stiftelser nævnes: **Baggers Stiftelse**, en 1791 opført 2 Stokv. høj Bygning, ombygget 1839, Hjørnet af Nørre- og Baggersgade, er opr. 1790 af Etatsr. Fr. Bagger til Juelskov († 1791) med en Kapital af 8300 Rd. Stiftelsen bestaar af et Hospital og en Arbejdsanstalt, som ere sammenbyggede med fælles Gaardsplads, men i øvrigt med Hensyn til Formue ere uafhængige af hinanden. Hospitalet afgiver Fribolig for 17 fattige, fornemmelig Kvinder, der tils. faa ugentl. 15 Kr. 25 Ø. Den fælles Bestyrelse er overdraget til Byraadet under Stiftsøvrighedens Tilsyn. — **Børnehjemmet**, ved Skaboeshusevej, en Bygning i 2 Stokv., er opf. 1873 paa en af Kommunen skænket Grund af en Komité, der af Etatsr. O. B. Suhr af Kbh. († 1875) modtog en Gave paa 10,000 Kr.; Børnehjemmet har Plads for 30 Børn og bestyres af Sognepræsten, Fattigvæsensudvalgets Formand og 3 af Byraadet valgte Mænd. — **Jespersens Stiftelse**, Mellemgade, en 2 Stokv. høj Bygning, er opr. 1882 af Mølleejer J. C. Jespersen til Fribolig for 2 ældre trængende Familier eller enlige Personer uden Børn i Hjemmet. Den bestyres af Byraadet. — **Asylet**, en 2 Stokv. høj Bygning, ved Nørrevoldgade, er opf. 1861 af et privat Selskab og har Plads til omtr. 50 Børn. — **Kruuses Friboliger**, Søndergade, i 2 Stokv., ere stiftede 1884 af Etatsr. Joh. Kruuse til Nordskov til Fribolig for Medlemmer af „Understøttelsesforen. for Skibsredere og søfarende i Nyborg Tolddistrikt". — **Borger- og Haandværkerforeningens Stiftelse**, en 2 Stokv. høj Bygning i Nørrevoldgade, er opf. 1881 og afgiver Friboliger for 10 Familier. — **Sølyst**, S. Ø. for Byen ved Fjorden, 2 Bygninger i 2 Stokv., Hvile- og Rekreationshjem for enligt stillede, mindre bemidlede Kvinder (12 Pladser) mod moderat Betaling. — Desuden er der et 1868 oprettet Velgørenhedsselskab.

Det første **Gasværk** blev anlagt 1855 paa Kongens Bastion for en Sum af 84,000 Kr. (udvidet 1877 og 1884); 1898 anlagdes et nyt Gasværk nær ved Fattiggaarden for 250,000 Kr. Det første Aar produceredes 16,360,800 Kbfd. Gas, og der forbrugtes 6,764,500 Kbfd. Belysningsgas, 6,476,200

Kbfd. Kogegas og 2,500,000 Kbfd. til Gadebelysning. — **Vandværket**, ved Foden af Dronningens Bastion, er anlagt 1876 (tidligere lededes Vandet fra Slotssøen gennem de 1540 anlagte Trærender ind i Byen) og har med senere Udvidelser kostet 145,000 Kr.; 1898—99 opførtes paa det højeste af Dronningens Bastion (se S. 591) et Vandtaarn af røde Sten med Forsiringer af Kamp og Kridtsten (Arkitekt: Schwanenflügel) for 25,000 Kr. Dets Beholder kan rumme 1500 Td. Vand. Fra det øverste Galleri er der en udmærket Udsigt over Byen, Fjorden og Store Bælt. Byens Vandforbrug pr. Døgn er omtr. 11,000 Td.

Der er to Jærnbanestationer: **Statsbanegaarden** (først opf. ved Havnen 1865), opf. 1891 mod S. Ø. ved Prins Christians Bastion (Arkitekt: Kapt. Harboe), tillige Station for Nyborg-Ringe Banen, og **Nyborg-Svendborg Banegaard**, opf. 1897 ved Havnen paa Søndermarken (tidligere „Kamhullet") efter Tegn. af Arkitekt H. Wenck.

**Posthuset**, ved Statsbanegaarden, er opf. 1891 i to Stokv. af røde Sten efter Tegn. af Arkitekt, Kapt. Harboe, Telegraf- og Telefonstationen ligger i Adelgade. **Toldkammeret**, ved Havnen for Enden af Adelgade, i to Stokv., er opf. 1898. Kødkontrolstationen, opr. 1897, ligger i Stendamsgade.

Som Garnison for 5. Regiment, 7., 19. og 25. Bataillon, har Byen flere Bygninger, der benyttes af Militæretaten. **Kommandantboligen**, ved Torvets Vestside, hvor tidligere Indkørselen til Slottet var, en to Stokv. høj Bygning, er opf. ved Midten af 18. Aarh. af en Privatmand; 1809 købte Regeringen Bygningen og indrettede den til Kommandantbolig. **Eksercerhuset**, en Bygning i eet Stokv., er opf. i 1820'erne oven paa den ved Stendamsgade beliggende **Landporten**, en 64 Al. lang og 16 Al. bred Portbygning, der er opf. 1660, og hvis Mure er $4^1/_2$ Al. tykke. Ved Salget af Fæstningsjorderne kom Bygningen i Kommunens Eje, som lejer Eksercerhuset med de tilstødende Eksercerpladser ud til Staten. **Vagtbygningen**, for Enden af Adelgade, er opf. 1645 sammen med Strandporten, der nedbrødes 1855, ved hvilken Lejlighed den 1 Stokv. høje Vagtbygning forhøjedes med endnu et Stokv. Bygningen, der ligeledes ved Fæstningsjordernes Salg kom i Kommunens Eje, benyttes af Garnisonen til Vagt- og Arrestlokaler. Desuden er udlejet til Militæret Kasernen, i Kongegade (den tidligere Realskole), der har Plads til omtr. 80 Mand. I øvrigt kaserneres Mandskabet i flere Privatbygninger (5 Kaserner). Om det militære Sygehus se S. 601.

Om Havnen se S. 605. — Følgende Broer føre over Stadsgraven: Nybro, for Enden af Æblegade (egentl. Ebellgade, efter Major Ebell, † 1818), er opf. 1867 ved privat Initiativ, Kapelbroen, for Enden af Vægtergade, opførtes 1872 af Kommunen, og Broen til Statsbanestationen, ved Nørrevoldgade, opførtes 1892 af Staten. — I Aarene 1844—45 anlagdes uden for Strandporten en Dæmning, hvorved den nordligste Del af Fjorden afspærredes; dette Vand, „Kamhullet", er senere blevet opfyldt (solgt 1895-96 til Svendborg-Nyborg Banen).

Af andre Bygninger fremhæres et Menighedshjem, Nørrevoldgade, opf. 1891; **Borger- og Haandværkerforeningens Bygning** med **Teater**, paa Prins Christians Bastion lige over for Statsbanegaarden, opf. 1896—97 efter Tegn. af Arkitekt Hagemann, Kbh., bestaaende af en Hovedbygning og en Sidefløj og rummende foruden Teatret (omtr. 800 Pladser) For-

eningslokaler og Hotel; Arbejdernes Forsamlingsbygning, paa Birkhoved, opf. 1898 (Arkitekt: Colding); et Sommerteater, Christianslunds Vej, opf. 1896; Nyborg Badehotel, opf. 1898—99 af et Konsortium (Arkitekt: Schwanenflügel).

Af Haveanlæg, der tilhøre Kommunen, findes to smaa, et ved Vagtbygningen og et ved Kapelvejen. Paa vestre Vold ved Slottet er der en smuk Spaserevej. Paa Markjorderne ligge de ovennævnte Skove Christianslund, med et af Kommunen opf. Badehotel og det ovennævnte Nyborg Badehotel, og Teglværkskov (paa Flæskholmsjorderne) samt Fredeskov. — Paa Kongens Bastionsvej staar endnu „Jomfrutaarnet" som Levning af den efter 1660 anlagte Befæstningslinie „Kammen". — Paa Flæskholmsjorderne tæt N. V. for Teglværksskoven ligger den saakaldte „Slotsbanke" med Spor af tidligere Volde og Grave. I en Præsteberetn. fra 1623 siges det, at der paa Banken har ligget en Herregaard, *Flæskholm*.

**Gamle Huse.** Antallet af bevarede gamle Privatbygninger er ikke stort. Mærkeligst er sikkert den væsentlig grundmurede, to Stokv. høje Hjørnegaard med Façade mod Adelgade og Korsbrødregade. Fløjen ud til Adelgade, med svungen Renæssancegavl for Husets søndre Ende og med Gennemkørselsport, er rejst af Raadmand og Tolder Anders Hansen 1614; over Porten er ud til Gaden anbragt en Jærnplade med Indskr., ind til Gaarden et Overtræ med Aarst. 1614; op til Husets Façade byggedes et vistnok i Slutn. af 18. Aarh. nedrevet Taarn med Spir og Altan. Ved Fløjen ud mod Korsbrødregade hidrøre Ydermurene derimod for en Del fra Middelalderen, ligesom ogsaa hele Kælderen; det er den gamle Korsbrødregaard (se S. 607), som er bleven ombygget i 17. Aarh., mulig af forannævnte Anders Hansen; i alt Fald ligner Husets Vestgavl ganske Sydgavlen paa Fløjen fra 1614 (se Vignetten S. 591); paa Loftsbjælkerne over et af Stueetagens Rum er der i 1899 fremdraget nogle malede Dekorationer (Engle og Menneskehoveder, Fugle, Frugter m. m.) fra Beg. af 17. Aarh. (*Fr. Crone*, En gammel Bygning, i Nyborg Avis $^{19}/_{11}$—$^{20}/_{11}$ 1884; til Dels ukorrekt). Mellem Fløjen mod Korsbrødregade og Præstegaarden laa der oprindl. en aaben Plads, som Raadmand Jens Madtzen 1650 lod bebygge; paa Nordfaçaden af Huset, der senere er noget forandret, staar med Jærnbogstaver: Jens Madtzen 1650; under den vestl. Del af Huset findes et med en flad Krydshvælving overdækket, oprindeligt Kælderrum, fra hvilket der er Indgang til Korsbrødregaardens Kælder. — Fra Tiden omkring 1600 hidrører det lille, to Stokværk høje Bindingsværkshus, Korsgade Nr. 15, med tarvelige Knægte under de fremspringende Bjælkehoveder. Bedre er Snitværket paa den store, to Stokv. høje Bindingsværksgaard, Slotsgade Nr. 11, som et lokalt Sagn lader Drosten Peder Hoseøl have beboet! Her hidrøre Forhuset og vistnok ogsaa en Del af den vestl. Sidefløj fra 1601 og ere opførte af Borgmester Mads Lerche (ifl. Angivelsen paa Porthammeren); under disse Partier findes oprindelige Kælderrum med flade Krydshvælvinger. Den østre Sidefløj er opført noget senere; her læses paa et Træstykke: Jakob Lerche, Karen Nielsdatter og Aarst. 1637. I en af Stentrapperne til Forhuset ligger som Trin en romansk Ligsten med Korsfigur. Endelig skal det nævnes, at der under Gaarden paa Hjørnet af Korsgade og Torvet findes et Kælderrum fra den senere Middelalder, med 4 smukke, spidsbuede Krydshvælvinger, der i Midten hvile paa en muret Pille. — Fra enkelte ned-

brudte, gamle Huse er Træværk med Indskrift endnu bevaret (se Personalhist. Tidsskr. IV Bd., S. 34 og 43).

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890 6049, Nov. 1898 7140 (1801: 1866, 1840: 2891, 1860: 3802, 1880: 5402). Erhverv 1890: 1564 levede af immateriel Virksomhed (deraf 677 militære), 1887 af Industri, 905 af Handel, 203 af Søfart, 122 af Fiskeri, 43 af Gartneri, 78 af Jordbrug, 1028 af forskellig Daglejervirksomh., 173 af deres Midler, 42 nøde Almisse, og 4 hensade i Fængsel. — Ved Siden af Handelen har navnlig Industrien faaet et stort Opsving i de senere Aar.

Af fremmede Varer fortoldedes 1897 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 10,600 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 11,803 Pd., uldne Manufakturvarer 10,619 Pd., Vin 53,572 Pd., Glas og Glasvarer 11,818 Pd., Humle 6698 Pd., Kaffe 35,218 Pd., Salt 87,093 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 7162 Pd., Tobaksblade og Stilke 204,107 Pd., Stenkul 38,029,567 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 478,513 Pd., samt Tømmer og Træ 1160 Clstr. og 3823 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet 700 Td. Hvede, 5294 Td. Byg, 66,528 Pd. Flæsk, 447 Td. Smør og 5256 Snese Æg; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. en Del Korn, deriblandt 1100 Td. Havre, og 125,318 Snese Æg.

Ved Udg. af 1897 var der ved Toldstedet hjemmehørende 49 Fartøjer og maalte Baade paa i alt 403 Tons. Fra Udlandet indkom 169 (deraf 41 Dampskibe) og udgik 168 Skibe (deraf 37 Dampsk.) med resp. 33,250 og 1140 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 325 og udgik 336 Skibe med resp. 4010 og 3955 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, efter Fradrag af Godtgørelser, 90,554 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 12,511 Kr., i alt 103,065 Kr. (2752 mindre end i 1896).

I Nyborg holdes aarl. 5 Markeder: 2 i Marts med Heste og Kvæg, 1 i Juni med Heste, 1 i Okt. med Heste, Kvæg og Faar, og 1 i Nov. med Kvæg og Faar. Torvedag hver Onsdag og Lørd.; 1., 3. og i indtræffende Tilfælde ogsaa 5. Lørd. i hver Maaned Torvedag med levende Kreaturer.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg fremhæves: 1 Skibsbyggeri, 3 Ølbryggerier (deraf Aktieselskabet „Carlsminde“, opr. 1895, Aktiekap. 280,000 Kr., med 15 Arbejd. og aarl. Produktion 4500 Td. bayersk og 2000 Td. Hvidtøl), 1 Jærnstøberi (60 Arbejd., aarl. Produktionsværdi omtr. 100,000 Kr.), 1 Dampvæveri (12 Arbejd.), 1 Tobaksfabrik (Thuesens, 110 Arbejd., aarl. Produktionsværdi omtr. 220,000 Kr.), 1 Svineslagteri (16 Arbejd., aarlig Produktionsværdi omtr. 280,000 Kr.), 1 Pølsefabrik, 2 Dampvæverier, 1 Kalkbrænderi, 1 Cikorietørreri, 1 Dampvaskeri, 1 Ostefabrik, 1 Eddike- og Sennepsfabrik, Statsbanernes Maskinværksted (85 Arbejd.), 1 Damp-, Vejr- og Vandmølle, 3 Garverier, 2 Dampbagerier, 2 Farverier, 1 Uldspinderi, 2 Bogtrykkerier m. m.

I Nyborg udgives 2 Aviser: „Nyborg Avis“ og „Nyborg Dagblad“.

Kreaturhold 1893: 151 Heste, 225 Stkr. Hornkvæg (deraf 201 Køer), 70 Faar og 45 Svin.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og By-

skriver, og et Byraad, der foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 11 valgte Medlemmer. Kommunale Embedsmænd ere: 1 Kæmner, 1 Stadsingeniør, 1 Fattiginspektør og 1 Skovbestyrer. — Staaende Udvalg: a) for Havnevæsenet, b) for Kasse-, Regnskabs- og Legatvæs., c) for Fattigvæs., d) for Skolevæs., e) for de tekniske Anliggender, f) for Jorder og Skove, g) for Sygehusene, h) for Alderdomsunderst., i) Redaktionsudvalget.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 66,663 (deraf Grundskat 1197, Hussk. 6386, Formue- og Lejlighedssk. 58,220, Bidr. fra Landdistr. 860), Afgifter efter Næringsloven 10,303, Indtægt af Aktiver 77,219 (deraf Gasværk 20,797, Vandværk 10,951), Skolekontingent 15,679, Kødkontrol 3533 Kr. Udgifter: Bidrag til Stat 2017, til Amtsskolefond 2125, Byens Bestyrelse 4922, Fattigvæs. 17,395, Alderdomsunderst. 16,241 (deraf Tilskud fra Stat 7895), Skolevæs. 46,527, Rets- og Politivæs. 13,254, Medicinalvæs. 23,599, Gader og Veje 24,254, Belysn. 3573, oftl. Renlighed 5347, Vandforsyning 5177, Brandvæs. 1025, Indkvarteringsvæs. 12,051, Højtidsoffer 3487 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 226,434 og i faste Ejendomme 1,729,530 Kr.; dens Gæld var 816,568 Kr. For 1898 va. Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed $6^{9}/_{10}$ pCt.; den anslaaede Indtægt var omtr. 2,612,550 Kr., deraf var skattepligtig Indt. 1,642,450 Kr.

Kommunens faste Ejendomme ere: Raad-, Ting- og Arresthuset, Fattiggaarden, 3 Skolebygninger, 2 Gymnastikhuse, 3 Sygehuse, Gasværket, Vandværket med Vandtaarn, en Kødkontrolstation, den gamle, nu til Kaserne indrettede Realskole, en ældre Skolebygning, der ikke benyttes mere som saadan, Landporten med Eksercerhus, Vagtbygningen, Baggers Hospital og Stiftelse, Christianslunds Badehotel, en Skovpavillon, et Hyrdehus, et Hus i Teglværksskoven samt 7 mindre Bygninger og omtr. 735 Td. Ld. Jorder.

Byens Politikorps bestaar af 1 Politiassistent, 5 Dagpolitibetjente og 3 Natpolitibetjente samt 1 Reservebetjent. Det faste Brandkorps bestaar af 1 Brandinspektør, 1 Vicebrandinspektør, 2 Assistenter, 2 Underassistenter og 12 Brandmænd. Kommunen ejer 7 Sprøjter.

I Sparekassen for Nyborg og Omegn (opr. $^{8}/_{3}$ 1846) var $^{31}/_{3}$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 5,584,427 Kr., Rentefoden $3^{1}/_{2}$ pCt., Reservefonden 411,413 Kr., Antal af Konti 9050. — I Svendborg Amts Landbo-Sparekasse (opr. $^{30}/_{3}$ 1869) var $^{31}/_{3}$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 7,632,498 Kr., Rentefd. $3^{1}/_{2}$ pCt., Reservefonden 168,825 Kr., Antal af Konti 10,172.

**Havnen.** Nyborg Havn ligger inderst inde i *Nyborg Fjord*, der skærer ind fra Store Bælt inden for Landtungen Østerø, hvis Sydøstpynt kaldes Knudshoved og Sydvestpynt Slipshavn. Fjorden er omtr. $^{1}/_{2}$ Mil lang og $^{1}/_{3}$ à $^{3}/_{4}$ Mil bred og afgiver en god Red med alle Vinde, endog for de største Skibe. Havnen er i sin nuv. Skikkelse først anlagt i 19. Aarh., idet den udmærkede Red tidligere afgav tilstrækkelig god Ankerplads. Den første Skibsbro, „Holmens Skibsbro", laa omtr. S. for den nuv. Statsbanegaard og søgtes af de større Fartøjer, bl. a. Smakken over Bæltet (1828 begyndte Dampskibsfarten); den blev nedlagt 1826. Ved Midten af 16. Aarh. anlagdes en mindre Skibsbro (1548 skænkede Kongen Byen den inderste Del af Fjorden, „Griffensund", til en Skibsbro) ud for Færgestræde, den nuv. Adelgade, men den var kun for mindre Fartøjer, da Fjorden her var stærkt

grundet; 1738—52 uddybedes Sejlløbet imidlertid betydeligt, og Skibsbroen fik sin nuv. Længde, 200 Al. Aar 1823 gjordes Beg. til Havnen, idet der for at holde Tangen borte fra Skibsbroen anlagdes en Fangarm, hvorved Østerhavnen opstod, og Broen forandredes samtidig fra en Træbro til en Mole af Sten og Jord. Efter Anlægget af Dæmningen ud for Strandporten udvidedes Havnen, og ved Anlæg af nye Bolværker 1852 og 1855 fremstod Vesterhavnen, der fik en Dybde af 10 F. Ved Anlægget af Dampfærgehavnen (se S. 347), der aabnedes 1883 (1892 anlagdes et Dampfærgeleje til), blev Sejlløbet, som Kommunen havde forpligtet sig til at vedligeholde ogsaa for Dampfærgens Vedkommende, uddybet til 18 F. med en Bredde af 60—70 Al., og samtidig fik Østerhavnen samme Dybde. En mindre Baadehavn mod V. anlagdes 1886. Dampfærgehavnen benyttes kun af Dampfærgerne; en 300 Al. lang Mole mellem Dampfærgehavnen og Østerhavnen, anlagt 1872, er forbeholdt Postdamperne. Skibshavnens Størrelse er 49,728 □ Al., Havnepladsens 78,066 □ Al., Bolværkernes Længde 2085 Al., Dybden i Østerhavnen 18, i Vesterhavnen 14, i Baadehavnen 5 F. Aar 1899 foretages en betydelig Udvidelse af Havnen mod S. og af Sejlløbet, hvortil der er bevilget 400,000 Kr. af Kommunen; der anlægges en større Mole til Dampskibe, og Sejlløbet og den ny Havn uddybes til 24 F. Havneudvalget bestaar af Borgmesteren som Formand og 4 Medlemmer, hvoraf de 3 vælges af Byraadets Midte. Ved Havnen er ansat en Havnekasserer, en Havnefoged og en Bromand. Ved Udg. af 1898 ejede Havnen omtr. 340,000 Kr. og skyldte bort omtr. 180,000 Kr. Den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 25,000 Kr. Der er 3 Ledefyr: et ved Jomfruhøj Ø. for Dyrehaveskov (to hvide, faste Fyr), et lige V. for Byen (to hvide, faste Fyr), og et paa den gamle Skibsbro (to røde Fyr). Lodser findes ikke i Nyborg, men i Slipshavn, hvor Store Bælts Hovedlodsstation er (se d.).

I gejstlig Henseende danner Nyborg eet Pastorat med Hjulby Sogn.

Nyborg hører til 6. Landstingskreds og Svendborg Amts 1. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 79. Lægd. og er Sessionssted for Lægderne 61—79.

Ved Nyborg Toldsted er ansat en Toldforvalter, en Toldkontrollør og 6 Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester og 3 Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer og 4 Telegrafister. Nyborg har tillige Statstelefon og staar ved Fyns Telefonselskab i Forbindelse med Øens andre Byer.

Om Statsbanen, Nyborg-Ringe og Nyborg-Svendborg Banerne se S. 347. Til Statsbanerne solgtes i Driftsaaret 1897—98 60,692 Personbilletter, og der befordredes til N. 327,020 og fra N. 598,500 Cntr. Gods. Paa Nyborg-Svendborg Banen befordredes fra dens Aabning $^1/_6$ 1897 til $^{31}/_3$ 1898 til N. 32,765 og fra N. 28,673 Personer, til N. 45,559 og fra N. 61,954 Cntr. Gods. Paa den sydfynske Bane, over Ringe, aabnet $^1/_9$ 1897, befordredes indtil $^{31}/_3$ 1898 til N. 14,678 og fra N. 12,070 Personer, til N. 35,795 og fra N. 57,496 Cntr. Gods. — Foruden med Korsør ved Dampfærgen staar Nyborg i regelmæsig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Kjerteminde og Rudkjøbing.

**Historie.** Nyborg, i Vald. Jordebog kaldet *Nyburgh*, er opstaaet omkring Slottet, der maaske er grundlagt af Vald. I's Søstersøn Knud Prizlavsen (se S. 595). Den ældste By har vistnok ligget mod N., hvor nu Forstaden uden for Landporten ligger. Men den voksede snart og udbredte sig mod S. ned til Fjorden, idet Terrænet S. for Ladegaardssøen, Slotssøen og Svanedammen, der dengang dannede et sammenhængende Hele, blev opfyldt og bebygget. Byen fik sine første Privilegier af Vald. Sejr, og de bekræftedes og udvidedes senere, saaledes bl. a. 1292, 1299, 1320, 1435, 1446, 1523 og 1648; dens Stadsret blev givet den $^1/_6$ 1271 af Erik Glipping. Slottets centrale Beliggenhed i Riget gjorde, at der ofte blev holdt Hof der i længere Tid, Adelsmænd begyndte selv at opføre Bygninger, den var fra tidlig Tid Overfartsstedet fra Korsør til Fyn, og hundrede Aar efter Byens Anlæggelse indtog den allerede den fremragende Plads, som den beholdt i lang Tid i Middelalderen, idet den fra Midten af 13. Aarh. hyppigere og hyppigere blev Samlingsstedet for de store Rigsmøder, der holdtes mellem Kongen og Stormændene for at forhandle om Rigets Sager, og som efter 1282 gik over til at blive en fast Statsinstitution med lovgivende og dømmende Myndighed, senere benævnt Danehof, der skulde afholdes hvert Aar; fra 1284 fastsloges det, at Møderne skulde holdes i Nyborg og paa Trinitatis Søndag, hvilket senere dog forandredes til St. Hansdag. Skønt disse flere Gange gentagne Bestemmelser baade om deres aarl. Tilbagevenden og om Mødestedet ikke bleve overholdte, ere dog de fleste og vigtigste Møder blevne holdte i Nyborg. Her nævnes de mærkeligste. Det er usikkert, om Kong Abels Forordning af 1251, et Tillæg til Jydske Lov, er fremkommen paa et Møde i N. I Beg. af 1256 holdtes det bekendte Møde paa Gammel Kirkes Kirkegaard her, hvor Chrf. I modtog Ærkebispen Jak. Erlandsen og Bisperne med Udraabet: „Sent komme Studedriverne!", da de kom fra det til samme Tid af Ærkebispen berammede Vejlemøde. Paa Mødet 1269 gaves Ribe Stadsret, paa Mødet 1276 valgtes Erik Menved til Tronfølger. Aar 1282 ($^{29}/_7$) bekræftede Erik Glipping her de Løfter, han havde givet Stormændene (Danmarks „Magna charta"), og som danne det første Led i Haandfæstningernes Række. 1284 fastsloges som nævnt paa et Møde her N. som Mødested for de senere Forsamlinger; paa Mødet 1286 blev Hertug Vald. IV af Sønderjylland løsladt af Fangenskabet, og næste Aars Møde anerkendte ham som Rigsforstander og Dronningens Medformynder, ligesom det erklærede Kongemorderne for fredløse; 1326 udstedte den til Konge udraabte Vald. V af Sønderjylland sin Haandfæstning her; ligeledes var det i N. 1376, at Kong Oluf udstedte sin Haandfæstning, og paa Danehoffet 1386 maatte Dronn. Margrethe overlade Sønderjylland til Grev Gerhard VI. Med Unionstiden tabte Danehofferne deres Betydning, det sidste afholdtes i N. 1413, da Rigskansleren Bisp Peder Jensen af Roskilde fradømte Gerhards Sønner Besiddelsen af Hertugdømmet; senere afløstes de af Herredagene. Foruden disse Møder var Slottet Skueplads for mange andre Begivenheder; Kongerne udstedte hyppig vigtige Breve herfra. Hertug Valdemar V. af Sønderjylland holdtes fangen her 1346 af de holstenske Grever; i øvrigt se under Slottet S. 595. 1525 foreslog Rigsraadet Kongen at tage Slottet til fast Residens.

N. havde i Middelalderen flere Gilder, saaledes et St. Knuds Gilde, et St. Gertruds Gilde og et Jomfru Marie Kalende Gilde, og, i Byen og i Landsognet, 4 Kirker, nemlig den omtr. 1175 opførte Gammel Kirke eller Helge Kirke i Helgetofte (afbrændt 1534 i Grevens Fejde), Hjulby Kirke (nedbrudt 1555; af Sten fra Gammel- og Hjulby Kirker opførtes 1604 et Kapel paa Assistenskirkegaarden, hvilket ødelagdes 1659 af de svenske og 1665 helt blev sløjfet, da Fæstningsværkerne udvidedes), Slotskirken, i hvilken efter Reformationen indtil 1659 blev holdt Gudstjeneste for Kongerne, Lensmændene og Slotsbetjentene af Byens Sognepræst, og Frue Kirke, Byens Sognekirke.

Mærkeligt nok fik Nyborg aldrig noget virkeligt Kloster. Ganske vist stod der i den senere Middelalder paa Hj. af Adelgade og Korsbrødregade en Korsbrødregaard (St. Hans Gaard), men denne var blot en Slags Filial af Antvorskov Kloster, den havde hverken egen Kirke eller alle de for et Johanniterkloster nødvendige Bygninger, og den beboedes sikkert kun af faa Munke, der ikke udgjorde noget selvstændigt Konvent. Ifl. en Præsteberetn. fra 1623 skal Dron. Margrethe have stiftet Korsbrødregaarden af Taknemmelighed for Sejren over Kong Albrecht; men dette er ganske urigtigt, baade fordi Dronningen aldrig vides at have betænkt Johanniterordenen med Gods eller Penge, og fordi selve den Grund, hvorpaa Korsbrødrene kom til at bo, endnu i Beg. af 15. Aarh. var i privat Eje; den tilhørte Lensmanden paa Nyborg Slot, Hr. Steen Basse. Han skænkede 1427 denne Grund og det derpaa staaende Hus sammen med andet Gods rundt om i Fyn til et Vikarie, han oprettede i Vor Frue Kirke i Nyborg; 1441 overdrog han Vikariet „med en Gaard og Stenhus"

smstds. (ɔ: det ovennævnte Hus) til Antvorskov Kloster. Dette har saa formentlig kort efter ladet Stenhuset indrette til Brug for Munke (elier nyopført et Hus?); 1457 nævnes Peder Hvid, Korsbroder i Nyborg. Der haves selvfølgelig kun faa historiske Efterretninger om St. Hans Gaarden. 1463 nævnes Munken Hr. Oluf i Nyborg; 1530 var Hans Lydiksen, „Forstander til Korsbrødregaarden", Medudsteder af et Brev (hans Navn staar efter Provsts, Sognepræsts og Vikariepræsts); 1535 blev „St. Hans Gaard og andet Gods i Fyn" takseret til at stille to rustede Heste (St.

Kælder i Korsbrødregaarden.

Hans Kloster i Odense maatte alene stille 4). Med Reformationen ophørte sikkert Munkelivet her, men Antvorskov beholdt vedblivende Gaarden og havde en Foged paa den. Da der 1560 indsattes en Tolder i Nyborg (tidligere blev Tolden af de Skibe, som løb gennem Bæltet, oppebaaret af Byfogden), fik denne anvist Bolig i Korsbrødregaarden, og fra nu af benyttedes indtil 1742, da en Toldbod opførtes uden for Strandporten, Gaardens Kælder til Opbevaring af Toldgods; nu bruges den som Vinkælder. — Om Korsbrødregaardens Størrelse kan man endnu danne sig en ret tydelig Forestilling, idet den nedre Del af Husets Ydermure samt hele Kælderen endnu staa. Huset har været 28 Al. langt fra V.—Ø., 12 Al. bredt og opført

af røde Munkesten i Munkeskifte. Kælderen er dækket af 2 Rader spidsbuede Krydshvælvingsfag, 6 Fag i hver Række; de hvile i Rummets Midte paa 5 murede Piller (om Kælderen er fra ca. 1441 eller noget ældre, kan ikke sikkert afgøres). Fra Østenden af Kælderen, hvis østligste 4 Hvælvingsfag i ny Tid ere afskildrede ved en tynd Mur, fører en Døraabning ind til Kælderen under Nabohuset (se videre S. 603). — Foruden denne Grund paa Hj. af Adelgade ejede Steen Basse 3 Grunde i Nyborg, i Søndergade (ɔ: Kongegade), Gravegade (ɔ: Skippergade) og Nørregade. Disse Grunde tilfaldt med andet af Steen Basses Gods Rigsraaden Hr. Torben Bille til Svanholm, som 1464 skænkede Grundene til „Jomfru Marie Brødres Orden af Karmelsbjærg", for at der kunde bygges et Karmeliterkloster i Nyborg; men dette blev, uvist hvorfor, aldrig rejst.

Grevens Fejde fik stor Betydning for Byen. Da Borgerne her vare Chr. II hengivne, var det let for Grev Chrf.'s Tropper at overrumple Byen ved Borgmesteren Rasmus Rostokkers Hjælp i Aug. 1534, hvorpaa de efter nogen Tids Belejring fik Slottet indtaget, som de beholdt indtil efter Slaget ved Øksnebjærg i Juni 1535, da Joh. Rantzau besatte Byen og snart efter ogsaa fik Slottet i sin Magt. Under Lübeckernes Belejring var den nordl. Del af Byen bleven afbrændt, og den blev ikke genopbygget, hvorimod Staden efter Krigen udvidedes mod Ø. om Nyenstad (den nuv. Østergade) og Skippergade, samtidig med at den paa Grund af Stedets Vigtighed omgaves med Volde med Bastioner og Grave. Disse Fæstningsværker, der i Aarenes Løb kostede uhyre Summer, havde fra Beg. omtr. det Omfang, de beholdt til Fæstningens Nedlæggelse 1869 (se S. 592), om end de senere bleve forbedrede under Chr. IV, da bl. a. Nord- og Vestfronten forstærkedes og Strandporten (se S. 602) opførtes, Fred. III (baade før og efter Svenskekrigen, Landporten opførtes; en tredje Port, Svendborgporten, anlagdes efter 1660) og Fr. IV.

Efter Grevens Fejde arbejdede N. sig hurtig igen i Vejret. Den havde fra tidlig Tid været det almindelige Overfartssted fra Korsør til Fyn, og dens gunstige Beliggenhed og gode, naturlige Havn gjorde, at den blomstrede op ved sin Handel og Skibsfart; ligeledes havde Byen stor Fordel af, at flere og flere Skibe foretrak Store Bælt for Øresund til Gennemsejling og betalte Strømtolden i N. For at paase, at denne Strømtold betaltes, blev der fra 1560 stationeret et Vagtskib ved Nyborg, som først inddroges 1857 ved Sundtoldens Ophævelse (tidligere var kun Gennemsejlingen gennem Øresund tilladt. I en Handelstraktat med England af $^{20}/_{1}$ 1490 blev det udtrykkelig fastsat, at et engelsk Skib kun i yderste Nød maatte gaa igennem Store Bælt i Stedet for Øresund; ved Vagtskibets Stationering maa dette Paabud være hævet). Under Krigen 1643—45 var Byens Velstand saa stor, at den kunde forstrække Kongen med Penge. Men da kom Svenskekrigen 1658—60, der blev skæbnesvanger for Nyborg som for Fyns andre Byer og ødelagde den for lange Tider. Man havde næppe fuldendt de Udbedringer af Fæstningen, som Fr. III havde paabudt, da Karl Gustav kom til Fyn og besatte N. $^{31}/_{1}$ 1658 uden Modstand; kun Peder Jensen Bredal forsvarede sig tappert med sine 4 i Fjorden indefrosne Skibog fik dem til sidst varpede ud og førte til Kjøbenhavn. De svenske holdt nu Byen besat næsten i to Aar, benyttede den som Vaabenplads og forstærkede Befæstningen. Først efter at den danske og de allieredes Hære under Generalerne Schack og Eberstein havde forenet sig ved Odense og slaaet de svenske ved Nyborg $^{14}/_{11}$ 1659, maatte de Dagen efter rømme Fæstningen. Men Byen havde lidt frygteligt; dens Handelsflaade var ødelagt og Slottet molesteret, mange Huse og Gaarde vare afbrudte, og der herskede en saadan Fattigdom, at Indbyggerne fritoges for Skatter og Byrder, undtagen Told og Indkvartering, helt i de første 8 Aar og halvt i de næste 16 Aar. Ved Reskr. af $^{8}/_{11}$ 1661 fik Byen Privilegium som Stapelstad, „at N. kunde komme i forrige Velstand igen". Men der gik en lang Aarrække; 1672 havde Byen 1160 Indb.; i 18. Aarh. skaffede den sig efterhaanden atter en Handelsflaade, men det gik langsomt under de trykkende Forhold; 1769 havde den 1451 Indb. Dertil kom Byernes alm. Plage, Ildebrandene. Af Ildebrande i Middelalderen nævnes en omtr. 1448, der ødelagde det meste af Byen, saa at Regeringen efter Sigende tilstod den Skattefrihed for 40 Aar. Ogsaa i den nyere Tid mældes om flere større Brande, saaledes $^{2}/_{8}$ 1796. Den voldsomste var dog den, der begyndte ved Adelgade om Aftenen $^{11}/_{9}$ 1797 og varede til næste Dag. Det meste af Kongegade, hele Mellem- og Nørregade med mellemliggende Stræder samt de to Sider af Torvet med Raadhuset gik op i Luer; 143 Gaarde brændte, omtr. det halve af Byen. Til Hjælp for de brandlidte indkom der fra hele Landet store Gaver, Kongen gav 20,000 Rd., hvoraf de 12,000 udrededes af Fonden ad usus publicos, og de brandlidte fik

Konsumtionsfrihed for et Aar, ligesom det tillodes Byen at forhøje Kanal- og Bropengene for 36 Aar. Ved Genopbyggelsen vandt vel Byen en Del, idet Gaderne reguleredes og gjordes bredere, men meget af Byens Karakteristik forsvandt med de snævre, bugtede Gader og de gamle Bindingsværkshuse.

En lille Episode af Byens nyere Historie maa endnu omtales, nemlig Spaniernes kortvarige Besøg 9.—11. Aug. 1808, da de med en Styrke af omtr. 1500 Mand under Anførsel af General, Marquis de la Romana bemægtigede sig Fæstningen, hvorefter de to Dage senere indskibede sig paa engelske Skibe og vendte tilbage til Spanien. Da de ikke havde Plads paa Skibene til deres Heste, stak de dem ihjel (det er et Sagn, at de løsslupne Heste overfaldt Nyborgernes Heste og derefter bed hverandre ihjel); nogle af dem bleve dog fangne og benyttede til Forbedring af den indenlandske Hesterace.

En stadig Hemsko for Byens Udvidelse var Fæstningen, som blev opretholdt indtil 1869 (dog med en kort Afbrydelse fra 1764 til 1770). Efter dens Nedlæggelse og Fæstningsterrænets Sløjfning er Byen taget meget til, og Handel og Skibsfart ere voksede stærkt ved Havnens Udvidelse og de store Jærnbaneanlæg. Ogsaa den store Trafik over Bæltet har gavnet den meget. Den regelmæssige Overfart fra Korsør, der først indrettedes 1634, besørgedes i Beg. af Byens Magistrat, derefter af et eget Færgelav, som ophævedes 1856, da Overfarten overtoges af Postvæsenet. Ogsaa Garnisonen, der indtil 1842 kun bestod af et Kompagni Infanteri, men da kom til at bestaa af det nyoprettede 3. Jægerkorps og 1865 forøgedes med 7. og 1867 med 25. Bataillon, bidrager sit til Byens Velstand og Præg.

Byen har haft en Latinskole, der efter et ganske upaalideligt Sagn er oprettet af Dronn. Margrethe 1410; den havde Lokale i en Bygning tæt N. for Kirken. Efter Reformationen blev den ifl. kgl. Befaling af 1555 udvidet og ombygget; 1642 blev den sammenbygget med det ved Kirken staaende Klokketaarn. Bygningen blev benyttet af Skolen indtil 1809, da denne fik en ny Bygning paa Hjørnet af Konge- og Slotsgade (den gamle Bygning ved Kirken solgtes 1815 og blev af Kirkeinspektionen, der havde købt den, nedreven ved Kirkens sidste Restauration 1870—71, for at Kirken kunde komme til at ligge friere). Latinskolen nedlagdes $^{30}/_{9}$ 1839 (ifl. kgl. Reskr. af $^{28}/_{9}$ 1838), hvorefter Bygningen overdroges Kommunen til Realskole. — Se om Skolen *A. F. Mülertz*, Hist. Efterretn. om N. latinske Skole, i Skolens Progr. 1821—23.

**Litt.**: *Fr. Crone*, Oplysn. ang. N. Kjøbstads, Fæstnings, Lehns og Slots Fortid, i „Fyns Stiftstidende“ 1883, Nr. 123, 124 og 126, og i „Nyborg Dagblad“ 1883, Nr. 1, 9, 21, 42, 50 og 76. — *O. Staggemeier*, Jordebog for N. Købstad, 2 Bd., 1891-93. — Kirkeh. Saml., 3. R., V Bd., S. 159 flg. (om tysk Gudstjeneste i N.).

# Rudkjøbing

Rudkjøbing Købstad, den eneste paa Langeland, ligger i Nørre Herred omtr. midt paa Øens Vestkyst ved Store Bælt lige over for Taasinge under $54^0$ 56′ $12,_{92}$″ n. Br. og under $1^0$ 51′ $59,_{41}$″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Uden for Rudkjøbing ligger Øen *Siø* med de mindre Øer *Store* og *Lille Fugleø*. Byen ligger paa et temmelig fladt Terræn; paa Torvet er der 35 F., 11 M., ved Kirkens Sydvesthjørne $31,_3$ F., $9,_8$ M.; ved Byens Vestside er der 37 F., $11,_6$ M., ved Østsiden 20 F., $6,_3$ M. Byens største Udstrækning fra V. til Ø. er omtr. 1200, fra N. til S. 900 Al. Hovedaaren gaar fra Havnen mod S. Ø. gennem Brogade over Gaasetorvet og Torvet og fortsættes i Østergade, der spalter sig i Landevejene til Spodsbjærg og Humble; fra Østergade fører mod N. Ørstedsgade, der forener sig med Nørregade, som mod Ø. fører til Landevejen til Lohals; i de senere Aar ere Havnegade og Ahlefeldtsgade anlagte. Byen har kun bevaret meget faa ældre Bygninger, og den skiller sig i sit hele Udseende ikke fra de andre smaa danske Købstæder; en stor Del Huse ere i eet Stokværk.

Byens Købstadsgrund udgjorde 1899 omtr. 660,000 □ Al. (47 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 483 Td. Ld. Byen havde da 15 Gader og Stræder og 2 Torve. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 612 (Marts 1899: 685, deraf paa Købstadsgrunden 383). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var ved Opgørelsen 1896 530 Td. Ld., deraf vare besaaede 244, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 165, Have 39, Byggegrunde og Veje 77, Moser 2. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 63 Td.; deraf hørte 43 Td. til 16 Gaarde og 18 til 323 Huse, hvoraf henholdsvis 8 og 19 dreves fra Ejendomme i Byen.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1899 3,739,718 Kr. (Antal af Forsikringer 685).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes:

**Kirken** (se Vignetten ovfr.), ved Kirkepladsen mellem Brogade og Smedegade, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Korsfløj mod N., over hvis nordvestl. Hjørne er opført et anseligt Taarn, og Sakristi ved Korets Nord-

side. Den oprindl. Del, Skib og Kor, er opført i sen-romansk Tid, vistnok i 13. Aarh.'s 1. Halvdel, af røde Mursten med en mere eller mindre høj Granitsokkel (nogle Steder naar Kampen indtil 3—4 Al.). Oprindelig har Bygningen haft fladt Bjælkeloft uden noget i det Ydre fremtrædende Kor, hvorimod der findes Spor af, at den indvendig ved en Tværmur har været delt i en større vestl. Del for Menigheden og en mindre østl. Del for Gejstligheden. Skibets Længdesider have haft smaa, rundbuede Vinduer, og i Østgavlen har der siddet tre sammenkoblede Vinduer, der ligeledes afsluttedes med Rundbuer. Paa Skibets Nordside skimtes en tilmuret, oprindl. Dør med halvrund Afslutning. Østgavlen har oprindelige Kamtakker og 3 rundbuede Blindinger; Vestgavlen har ligeledes Kamtakker og Murforsiringer. Kirkens Hovedgesims er for største Delen bevaret. Vistnok i Slutn. af 16. eller Beg. af 17. Aarh. er der blevet indbygget 5 Krydshvælvinger, af hvilke dog kun de to østl. i den Del, der benyttes som Kor, ere bevarede, medens de 3 vestl. i Slutn. af 18. Aarh. bleve erstattede med en fladbuet, pudset Tøndehvælving. Omtr. samtidig med Hvælvingerne tilbyggedes Korsfløjen, som vistnok oprindl. har været overhvælvet, men nu har fladt, gibset Loft, og det lille, overhvælvede Sakristi med takket Gavl; dets Østmur er i Flugt med Østgavlen. Taarnet, der er opført 1621, ender i 4 Renæssancegavle, mellem hvilke der hæver sig et ottekantet, spaantækket Spir, 52 Al.; over en lille Dør i Taarnets Vestmur sidder en Sten, som indeholder Byfoged Claus Bertelsens Navn og Beretning om, at Taarnet med Spiret er restaureret 1699. Kirken blev 1835 underkastet en til Dels meget uheldig Restauration, ved hvilken Lejlighed et Vaabenhus mod S. nedbrødes; ligeledes nedbrødes vistnok den Gang en muret Begravelse, der laa mellem den nordl. Korsfløj og Sakristiet, og som var opf. af Cl. Bertelsen. Paa Grund af Korhvælvingernes delvise Nedstyrtning 1896 blev den atter restaureret (indviet $^{20}/_{12}$ 1896) under Ledelse af Prof. B. Storck (Arkitekt: Estrup), hvorved den saa vidt muligt er ført tilbage til sin oprindelige Stil. Korhvælvingerne genopførtes, Murene bleve baade ud- og indvendig afkalkede og staa nu med deres oprindl. Farve og Fugning, Vinduerne i Korgavlen, der vare blevne tilmurede, bleve atter aabnede, ligeledes det rundbuede Vindue paa Korets Sydside (i Hovedskibet aabnedes de ikke paa Grund af Lysvirkningen), og Taarngavlene, der vare blevne ændrede 1835, fik deres oprindelige Stil (Restaurationen kostede 24,000 Kr. hvoraf Staten ydede Halvdelen). Den gamle Altertavle fra 1612 i Renæssancestil med et 1838 malet Billede af H. Eddelien (Christus med Disciplene i Emaus), skænket af Prins Christian (VIII), blev erstattet med et stiliseret Alterbord med Krucifiks (Eddeliens Maleri hænger i Skibet). Alterkalken, som er skænket 1655 af Anna Wistesen, er omarbejdet 1833; Oblatæsken er fra 1695, Alterstagerne fra 1585. Tarvelig, udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 1608; den støbte Døbefont, fra 1812, er uden Kunstværd. Orgelet er fra 1864, forfærdiget af Orgelbygger Demant, Odense. I Kirken hænge 4 Malmlysekroner, hvoraf en er skænket 1623 af Peder Thomassøn og Hustru og en anden 1729 af Laurids Kjeldsens efterladte Hustru og Børn, samt et Skib. Paa Skibets Sydmur et Epitafium, sat af Byfoged Claus Bertelsen († 1715) og Hustru, fra 1698, og et andet med oliemalet Billede fra Midten af 17. Aarh., men uden Indskr. og Aarstal, over en Præst. Paa Korets Nordvæg fandtes 1895 nogle ubetydelige Rester af Kalkmalerier. Den største Klokke, „Stormklokken", med Minuskelindskrift, men uden Aarst., er fra den senere

# RUDKJØBING.

Eftertrykt forbydes

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Apotek | D 3 |
| 2 | Asyl | F 2 |
| 3 | Bank | F 3 |
| 4 | Buste Ørsteds- | F 2 |
| 5 | Borgmesterbolig | E 3 |
| 6 | Fuldmægtigbolig | E 2 |
| 7 | Havnefogedbolig | D 2 |
| 8 | Hotel „Langeland" | E 3 |
| 9 | „ „Skandinaven" m. Teater | D 3 |
| 10 | Højskole og Alholdshjem | G 4 |
| 11 | Kapel Baptist (Eben-Ezer) | H 3 |
| 12 | Kirke | E 3 |
| 13 | Posthus og Telegrafstation | D 2 |
| 14 | Præstebolig | E 3 |
| 15 | Raad, Ting og Arresthus | E 3 |
| 16 | Skole Borger og Fri | E 3 |
| 17 | „ Real | G 3 |
| 18 | Sparekasse | F 3 |
| 19 | „ Langelandske Landbostands | E 3 |
| 20 | Sprøjtehus | F 2 |
| 21 | | E 3 |
| 22 | Stiftelse af 25de Juli 1851 | F 3 |
| 23 | „ P. Mehls- | E 2 |
| 24 | Toldbod | D 2 |

Udført af V. F. A. Berggreen
Forlagt af Universitetsboghandler G. E. C. Gad
1899.
Axel E. Aamodt & lith. Etabl.

Middelalder. Ved Restaurationen 1835 bleve mange Ligsten borttagne fra Kirkegulvet og Kirkegaarden, ligesom en Del Epitafier bleve solgte. I en muret Begravelse ved Koret har ligget begravet Generalmajor Hans Jørgensen Samsøe, † i Rudkjøb. 1739; en Fane med Indskrift hængte længe i Kirken til Minde om ham (se Personalhist. Tidsskr. 3. R., II Bd. S. 208 flg.). Ved Kirkens Hovedindgangsdør ligge Brudstykker af to Ligsten, hvoraf den ene over Tommes Feddersen, † 1680. (Se *J. B. Løfflers* Indberetn. til Nationalmus. 1876).

Kirkegaarden omkring Kirken blev nedlagt 1812 og planeret. Paa den nye Kirkegaard, omtr. 2 Td. Ld., mod S. V. uden for Byen, fra hvilken der er en smuk Udsigt over Vandet, staar en Granitmindestøtte for 12 Soldater, der døde paa Lasarettet i R. 1864. Paa Kirkegaarden er rejst et Mindesmærke (Sandstensstøtte) for Præsten C. L. Steen, † 1879.

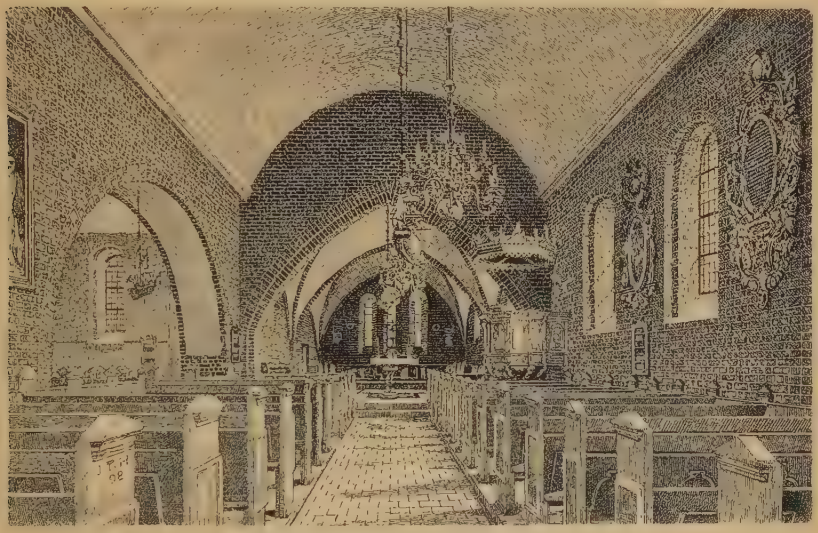

Rudkjøbing Kirkes Indre.

Ved Kirken, der ejer sig selv, er ansat en Sognepræst. Kirken ejede Marts 1899 i Legater 3909 Kr. og i Kapitaler 4900 Kr.; desuden havde den i Afgift af solgt Jord $4^1/_4$ Sk. Rug, $2^1/_4$ Sk. Byg og $2^1/_4$ Sk. Havre samt i Tilgodehavende 968 Kr.

**Raad-, Ting- og Arresthuset,** ved Torvet, er opført eller ombygget 1845 i to Stokv. af Grundmur efter Tegn. af Bygningsinspektør J. H. Koch (det ældre Raadhus, der laa paa samme Plads, var en 1659 opført Bindingsværksbygning, der blev ombygget 1791). Ved Opførelsen 1845 betalte Langelands Herreder og Strynø omtr. 3404 Rd.; de aarl. Udgifter betales med $^7/_{10}$ af Amtet og $^3/_{10}$ af Byen. Bygningen indeholder blandt andet en Festsal, Retslokale, og en Byraadssal. Et særligt Arresthus er opført 1882 bagved Raadhuset ud til Brogade efter Tegning af Arkitekt C. Lendorf; det har Plads til 11 Arrestanter og Arrestforvarerens Bolig. Paa Raadhusets Façade er der i en Niche anbragt en Broncebuste af Fr. VII.

**Borgerskolen** (forenet Betalings- og Friskole), paa Kirkepladsen, en to

Stokv. høj Bygning af Grundmur, er opf. 1835 og udvidet 1846; den havde $^1/_1$ 1899 1 Overlærer, 6 Lærere, 5 Lærerinder og 1 Gymnastiklærerinde samt 480 Elever, fordelte i 18 Klasser. — **Teknisk Skole**, i Ahlefeldtsgade, er opf. 1878 og udvidet 1891 med en ny, to Stokv. høj Bygning af røde Sten efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel. — Desuden er der en privat Realskole (med Dimissionsret og omtr. 100 Elever af begge Køn), i Ahlefeldtsgade, en to Stokv. høj Bygning af røde Sten, opf. 1882, der ejes af Kommunen, to Pigeskoler og 5 Pogeskoler.

**Fattiggaarden**, paa Hjørnet af Ramsherred og Strandgade, opf. 1846 i 1 Stokv., har Plads for 18 Lemmer. **Fattighuset** har Plads til 8 mindre Familier eller enligt stillede Mænd og Kvinder. — **Sygehuset**, fælles for Land og By, Ø. for Byen ved Spodsbjærgvejen, er opf. 1859 i 1 Stokv. og har 20 Senge; 1892 tilføjedes et Epidemihus, i 1 Stokv. efter Tegn. af Arkitekt Jensen, Odense; det har 12 Senge.

Milde Stiftelser: **Den Mehl'ske Stiftelse**, i Vinkældergade, i 1 Stokv., opr. 1809 af fhv. Konsumtionsskriver Peter Mehl, afgiver Fribolig for 2 fattige, der tillige nyde Renterne af den omtr. 4000 Kr. store Legatkapital; Stiftelsen bestyres af Sognepræsten, Byfogden og et Byraadsmedlem. **Stiftelsen af 25. Juli 1851**, i Ørstedsgade, i 1 Stokv., er opr. af en Forening og afgiver Fribolig for 12 Melemmer af Foreningen; af dens omtr. 5000 Kr. store Kapital nyde trængende Medlemmer Renterne; Stiftelsen bestyres af 9 Personer. **De Gladske Legatboliger**, stift. ved Testam. af 1871 af Skomagermester A. J. H. Glad, † 1883, m. fl., ejer 13,000 Kr., et Hus i Smedegade med 3 og et Hus i Grønnegade med 2 Friboliger for Enker og ugifte Døtre af Haandværkere; Stiftelsen bestyres af Byraadet. **Enkemadam Schmidts Legater**, stift. 1874 af Ane Jacobine, Enke efter Kordegn J. P. Schmidt, ejer 8000 Kr. og et Hus i Smedegade med 2 Friboliger for trængende Enker eller ældre, ugifte Damer; Stiftelsen bestyres af Byraadet og Sognepræsten. **Rudkjøbing Asyl for Smaabørn**, i 1 Stokv., ved Ramsherred og Ørstedsparken, stift. 1885 af Borgmester H. C. Sager, † 1885; Asylet, der har Plads for omtr. 40 Børn, bestyres af Sognepræsten, Borgmesteren og et af Byraadet valgt Medlem.

**Gasværket**, mod N. Ø. ved Vejen til Tranekjær, er anlagt 1894 for 116,000 Kr.; 1898 produceredes 5,113,300 Kbfd. Gas. — **Toldbodbygningen**, Havnegade, er opf. efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen 1891; den er i 1 Stokv. af røde Sten med et lavt Taarn midt paa Façaden. — **Posthuset** ligger i Havnegade, Telegrafstationen i Grønnegade. — Af andre Bygninger mærkes Embedsboligen for By- og Herredsfogeden, i Brogade, opf. 1898, Præstegaarden, Hj. af Torvet og Ruestræde, en Metodistkirke, en af røde Sten med Taarn, 1896 opf. Bygning ved Ahlefeldtsgade, et Baptistkapel („Ebeneser"), opf. 1892, med et lille Taarn, ved Østerport, en Missionssal ved Østerport, et Afholdshjem, Østergade, og et Teater i Hotel Skandinavien.

Byen har et Anlæg, Ørstedsparken, mod N. ved Bygrænsen og Stranden, omtr. $3^1/_4$ Td. Ld.; det ejes af Asylet, til hvilket det skænkedes af Borgmester Sager. I Parken er der paa Bekostning af Sager 1879 rejst en Mindestøtte — 5 Al. høj af Granit efter Tegn. af Etatsr., Prof. Chr. Hansen med Indskrift — for Bysbørnene, Brødrene *H. C.* og *A. S. Ørsted*. Paa Façaden af Apoteket i Brogade, hvor de ere fødte 1777 og 1778, er der anbragt en Marmortavle til Minde om dem.

Af egentlig gamle Huse er der ikke bevaret noget. De ældste Privatbygninger hidrøre først fra 18. Aarh.; enkelte af disse ere i øvrigt ret anselige, saaledes Apoteket (se S. 614) og Hjørnestedet af Brogade og Havnepladsen, begge af Grundmur, samt 4 Bindingsværkshuse: et i Nørregade, et i Østergade (med Indskr. og Aarst. 1782), Præstegaarden (fra 1750) og Hotel Skandinavien i Brogade. Ved disse Huse lægger man Mærke til de store, fremspringende Stentrapper med Jærngelændere.

Indbyggertallet var 1. Feb. 1890 3484, Nov. 1898 3407 (1801: 1141, 1840: 1770, 1860: 2719, 1880: 3179). Erhverv 1890: 279 levede af immat. Virksomhed, 1416 af Industri, 819 af Handel, 370 af Sofart, 54 af Fiskeri, 78 af Jordbrug, 333 af forskellig Daglejervirksomh. og 88 af deres Midler, 45 vare under Fattigvæs. og 2 i Fængsel.

Af fremmede Varer fortoldedes i 1898 bl. a.: Bomulds- og Linnedgarn 1859 Pd., Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 4457 Pd., uldne Manufakturvarer 4823 Pd., Vin 9384 Pd., Glas og Glasvarer 11,778 Pd., Humle 5188 Pd., Stentøj og Fajance 2477 Pd., Kaffe 30,323 Pd., Risengryn og Rismel 3290 Pd., Salt 494,832 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 20,347 Pd., Tobaksblade og Stilke 13,800 Pd., Stenkul 15,615,092 Pd., toldpligtige Metaller og Metalvarer 89,656 Pd., samt Tømmer og Træ 871 Clstr. og 3551 Kbfd. Desuden tilførtes fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. 3769 Td. Hvede, 43,398 Td. Byg, 870,250 Pd. fersk Fisk; til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes bl. a. 3595 Td. Byg, 14,766 Td. Hvede, 8206 Td. Havre, 1,014,534 Pd. Ost, 2596 Td. Smør, 52,421 Pd. Huder og Skind, 321,703 Snese Æg og 996,863 Pd. fersk Fisk.

Ved Udg. af 1898 var der ved Toldstedet hjemmehørende 152 Fartøjer og maalte Baade paa i alt 4239 Tons (hvoraf 4 større Skibe paa mellem 200 og 400 T. hvert). Fra Udlandet indkom 428 og udgik 412 Skibe med henholdsvis 10,092 og 3114 T. Gods; fra Indlandet indkom 2139 og udgik 2441 Skibe med henholdsvis 7944 og 8569 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1898, efter Fradrag af Godtgørelser, 36,942 Kr. og Krigsskatten af Vareindførselen 2604 Kr., i alt 39,546 Kr. (367 Kr. mere end i 1897).

I Rudkjøbing holdes aarl. 3 Markeder, 1 i Marts med Heste og Kvæg, 1 i Juni med Heste og 1 i Nov. med Heste, Kvæg og Faar. Torvedag hver Tirsdag og Lørdag.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes: 1 Dampmølle, 2 Jærnstøberier og Maskinfabrikker, der tilsammen beskæftige omtr. 34 Arbejdere, flere Bryggerier, deribl. Bryggeriet „Langeland“ (aarl. Produktion 6—7000 Td. bayersk- og Hvidt Øl), 1 Mineralvandsfabrik, 1 Margarinefabrik, flere Bogtrykkerier m. m.

I Rudkjøbing udgives 3 Aviser: „Langelands Avis“, „Langelands Tidende“ og „Ølandenes Dagblad“.

Kreaturhold 1893: 150 Heste, 162 Stkr. Hornkvæg (deraf 148 Køer), 17 Faar, 93 Svin og 6 Geder.

Byens Øvrighed bestaar af en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver og Herredsfoged og Skriver i Langelands Nørre- og Sønder Herreder, og et Byraad, som foruden af Formanden (Borgmesteren) bestaar af 9

valgte Medlemmer. Kommunale Embedsmænd ere en Kæmner, en Havnefoged, en Brandinspektør og en Bygningsinspektør. Staaende Udvalg: a) for Havnevæs., b) for Kasse- og Regnskabsvæs., c) for Skolevæs., d) for Fattigvæs., e) for Alderdomsunderst., f) for Gader, Veje m. m.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 52,727 (deraf Grundsk. 1908, Hussk. 3446, Formue- og Lejlighedssk. 47,373 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 3832, Indtægt af Aktiver 10,364 (deraf Gasværket 8960), Skolekontingent 2899 Kr.; Udgifter: Bidr. til Stat 1097, til Amt 378, til Amtsskolefond 1253, Byens Bestyrelse 1511, Fattigvæs. 9844, Alderdomsunderst. 8781 (deraf Tilskud fra Stat 4274), Skolevæs. 16,424, Rets- og Politivæs. 4042, Medicinalvæs. 3987, Gader og Veje 2302, Belysn. 1384, Renlighed 957, Brandvæs. 2195, Højtidsoffer 688 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897: i Kapitaler 45,172 og i faste Ejendomme 215,305 Kr.; dens Gæld var 217,522 Kr. For 1899 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed, der beregnes efter en stigende Skala, gnmsnitl. 5 pCt.; den anslaaede Indtægt er omtr. 975,800 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Andel i Raadhuset ($^{3}/_{10}$), Borgerskolen, Realskolen, Fattiggaarden, Fattighuset, Andel i Sygehuset, Gasværket, et Sprøjtehus, en Jordemoderbolig, en Eksercerplads, S. for Byen, en Mølledam, en Spaserevej.

Byen har to Politibetjente, hvoraf den ene tillige er Arrestforvarer; tillige er der et Ordenskorps paa 20 Mand, som dog ikke benyttes. Brandkorpset bestaar af en Brandinspektør, en Vicebrandinspektør, 4 Lieutenanter samt Mandskab, der aarl. udskrives, saaledes at der ikke er noget fast Korps.

I Langelands Bank (opr. $^{3}/_{2}$ 1872) er Aktiekapitalen 150,000 Kr.; 1897 var Vekselkontoen 304,008, Folio- og Indlaanskontoen 685,965 Kr. — I Langelands Sparekasse (opr. $^{1}/_{11}$ 1841) var $^{31}/_{3}$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 8,412,949Kr., Rentefoden $3^{3}/_{4}$ pCt., Reservefonden 427,094 Kr., Antal af Konti 6495. — I Den langelandske Landbostands Sparekasse (opr. $^{1}/_{4}$ 1881) var $^{31}/_{3}$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 1,704,987 Kr., Rentefoden $3^{3}/_{4}$ pCt., Reservefonden 17,483 Kr., Antal af Konti 2568.

**Havnen** er først anlagt i 19. Aarh.'s første Halvdel. Tidligere var der kun en Skibsbro, medens Skibene maatte overvintre i Lindelse Nor; 1776 blev den gamle Bro afbrudt og en ny, 190 Al. lang og 10 à 20 Al. bred, opført; Sejlløbet ind til den var i Slutn. af 18. Aarh. $7^{1}/_{2}$ F. dybt. Aar 1821 tog man fat paa Anlægget af den gamle Havn paa den sydvestl. Side af Broen; Sejlløbet var da 8 à 9 F. dybt, og Havnen var omtr. færdig 1826; 1847 anlagdes en større ny Havn ved Broens nordøstl. Side. Havnen er flere Gange senere bleven uddybet og forbedret; 1883-87 anlagdes en lille Baadehavn, med $2^{1}/_{2}$ F. Vand, N. Ø. for den nye Havn. Dybden i Havnen er indtil 13 F.; Havnens nordl. Bassin er omtr. 27,000, det sydl. Bassin omtr. 20,000, Havnepladsen 46,700 □ Al., Bolværkernes Længde 1300 Al.; fra N. kan Havnen søges med 12 F. Dybgaaende, fra S. kun med $7^{1}/_{2}$ F. Havnevæsenet bestyres af Havneudvalget, for hvilket Borgmesteren er Formand. Havnekassens Aktiver vare Marts 1899 61,932, dens Passiver 49,843 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 21,000 Kr. Paa Midtmolen er der en hvid Lanterne; der paatænkes anbragt et Ledefyr ved Indsejlingen, saaledes at Sejladsen kan

foregaa til enhver Tid af Døgnet. Ved Havnen er ansat en Lods, der lodser til Svendborg Sund og Marstal.

I gejstlig Henseende danner Rudkjøbing et eget Pastorat.

Rudkjøbing hører til 6. Landstingskreds og Svendborg Amts 6. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Langelands Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds' 96. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 87—102.

Ved Rudkjøbing Toldsted er ansat 1 Toldforvalter, 1 Toldkontrollør og 5 Assistenter (hvoraf de 3 ved Bagenkop, Lohals og Spodsbjærg), ved Postvæsenet 1 Postmester og 2 Ekspedienter, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer. I Rudkjøbing findes Langelands Telefonselskab. Statstelefon.

Byen staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Kjøbenhavn, Korsør, Svendborg og Marstal.

**Historie**. Rudkjøbing (gml. Form Rut- og Rudtkjøbing; en Mark ved Byen hedder Ruemarken) nævnes første Gang i 13. Aarh. Byens ældste kendte Privilegium er udstedt 1287 paa Tranekjær Slot af Hertug Vald. IV af Sønderjylland, medens han var Rigsforstander i Danmark, og bekræftet 1296 af Broderen Erik Langben, Herre til Langeland; i dette sidste hedder det, at alle Rudkjøbings Indbyggeres Friheder og lovlige Vedtægter stadfæstes, „som de udi vore Forfædres Tid, vores elskelige Faders og vores elskelige Farbroders Søns Tid ... befindes at have haft". Senere bleve de ofte bekræftede og udvidede, saaledes af Hertug Vald. V 1355, af Dronn. Margrethe 1410, af Chrf. af Bayern 1447, af Kong Hans 1500, af Chr. II 1517 og 1522, af Fr. I 1528, af Chr. III 1538, af Fr. II 1565, af Chr. IV 1597 osv. I øvrigt kendes meget lidt til Byens Historie. Den har været befæstet; i D. Atl. III S. 618 omtales, at den har haft Grave og Volde med 5 Bastioner og 2 Porte; under Svenskekrigen 1658 bleve Fæstningsværkerne udbedrede, først af de danske, senere af Svenskerne; da de svenske kom til Langeland, maatte de efter Sigende to Gange storme Byen, inden de fik den indtaget. I 2. Halvdel af 18. Aarh., da Voldene bleve sløjfede, fandtes der mange Jærnkugler i dem; endnu ved Midten af 19. Aarh. var der enkelte Spor af Voldene og Gravene. Byen har utvivlsomt lidt betydeligt under Svenskekrigen, ligesom i den store nordiske Krig, da dens Handelsflaade ødelagdes. Den har altid hørt til Landets mindre Byer; ved Udredelsen af Prinsesseskatten 1596 var den kun ansat til 25 Rd., medens f. Eks. Odense var ansat til 13,700 og Svendborg til 4010 Rd.; 1672 havde den 478, 1769 814 Indb. I 19. Aarh. er dens Indbyggertal vokset med mere end det tredobbelte, og den har udvidet sig en Del, navnlig mod Ø. om Ørsteds- og Ahlefeldtsgade. — Byen har haft en lille Latinskole, der nedlagdes 1740.

**Litt.**: *Stephan Jørgensen*, Efterretn. om R. Kjøbstads nuv. Tilstand m. H. t. min Embedsføring sammesteds, Odense 1796. — *P. Rasmussen*, Oplysninger betræffende R. Kjøbstad, Rudkjøbing 1849.

# Ærøskjøbing

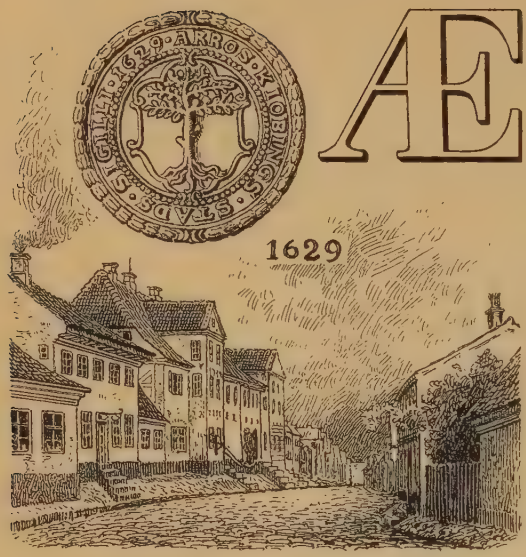


Ærøskjøbing Købstad ligger paa Ærøs Nordøstkyst under 54° 53′ 16,45″ n. Br. og under 2° 3′ 33,34″ v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Byen ligger paa et fra Kysten opadstigende Terræn; paa Torvet er den største Højde 30 F., 9,4 M., ved Byens Vestside er der 37 F., 11,6 M. Bag Byen er der temmelig høje Bakker. Omtr. 2000 Al. N. Ø. for Havnen ligger *Dejrø*, 28 Td. Ld., og S. Ø. for den *Lilleø* (4 Td. Ld.). Byens største Udstrækning fra N. til S. er omtr. 1100 Al., Bredden fra N. V. til S. Ø. er højst 700 Al. Hovedgaderne ere de fra Havnen mod S. løbende Gader Brogade og Vestergade, hvilken sidste fortsættes i Møllergade og Landevejen til Søby; vertikalt mod disse Gader gaar forbi Torvet Søndergade, der ved Kysten drejer af i Østergade, som fører til Landevejen til Marstal. Husene ere for største Delen i eet Stokværk; kun faa gamle Bindingsværkshuse ere bevarede.

Byens Købstadsgrund udgjorde Feb. 1899 466,966 □ Al. (omtr. 33 1/3 Td. Ld.), Markjorderne omtr. 608 Td. Ld. Til de sidste høre den gamle Kjøbingsmark, den saakaldte „Herremark“ af den nedlagte Gaard Kjøbingshof, samt Øerne *Dejrø* og *Lilleø*, hvoraf den sidste er beboet. Feb. 1899 var der 8 Gader og Stræder og 2 Torve. Husenes Antal var ved Folketællingen 1890 357 (Feb. 1899: 408, deraf 350 paa Købstadsgrunden). Fladeindholdet af Byen med Markjorder var efter Opgørelsen 1896 641 Td. Ld.; deraf vare besaaede 289, Afgræsn., Høslæt, Brak og Eng 264, Hegn 2, Have 21, Stenmarker m. m. 29, Veje og Byggegr. 31, Vandareal 5. Det saml. Hrtk. var 1/1 1895 61 Td., hvoraf 33 hørte til 18 Gaarde og 28 til 90 Huse (deraf dreves henholdsvis 8 og 47 fra Ejendomme i Købstaden). *Vraa*, Huse.

Bygningernes saml. Brandforsikringssum var 1/1 1899 1,271,659 Kr. (Antal af Forsikringer 408).

---

Af **offentlige** og **andre Bygninger** samt **Institutioner** nævnes: **Kirken**, paa Kirkepladsen mellem Torvet, Sønder- og Nørregade, bestaar

# ÆRØSKJØBING.

Trap. Beskrivelse af Kongeriget Danmark III Udgave

Eftertryk forbydes

| | | |
|---|---|---|
| 1 | Apotek | C 6 |
| 2 | Borgmesterkontor | D 7 |
| 3 | Fattiggaard | D 6 |
| 4 | Fribolig, Jens L. Rises- | D 6 |
| 5 | Haandværkerhjemmet | C 5 |
| 6 | Havnehus | E 6 |
| 7 | Hotel „Harmonien" | D 6 |
| 8 | " Millers- | D 6 |
| 9 | Kapel | D 7 |
| 10 | Kirke | D 7 |
| 11 | Posthus, Telegrafst: og Statstelefonst. | C 6 |
| 12 | Præstegaard | D 7 |
| 13 | Raad, Ting og Arresthus | D 7 |
| 14 | Skole Borger og Real- | C 6 |
| 15 | " Teknisk- | C 5 |
| 16 | Sprøjtehus | D 7 |
| 17 | Toldkammer | D 6 |

KØBSTADEN SMARKJØRDER

SYGEHUS

HAVN

Badehus

Fyr

HAVNEPLADS

KIRKEGAARD

Kirkegaardsvejen

KIRKE PLADSEN

BRYGGERI

MISSIONSHUS

Udført af V.F.A Berggreen

Forlagt af Universitetsboghandler G.E.C.Gad.

1899.

Axel E Aamodt's lith Etabl

af Skib og Kor med halvrund Afslutning samt Taarn mod V. Bygningen, der er opf. 1756—58 af gule Mursten med høj Sokkel af kløvet, raa Kamp i Stedet for en ældre, der var opf. af Kamp og maatte nedrives paa Grund af Brøstfældighed (restaureret ved Midten af 17. Aarh.), er ret anselig og forholdsvis bred (71 Al. lang og 26 bred udvendig); intet af den gamle Bygnings Materiale findes i den nye. Taarnet, der er 26 Al. højt til Murtinden, har et kuppelformet Tag og derover et gennembrudt Træspir (25 Al.). Skibet har oprindlig været dækket af 3 ovale Træhvælvinger, men da Pudsen styrtede ned 1894, erstattedes de med een flad, dekoreret Tøndehvælving (Arkitekt N. Jakobsen); ved samme Lejlighed fjernedes nogle misprydende Pulpiturer. Koret har Halvkuppelhvælving. Alter-

Ærøskjøbing Kirke.

tavlen med 4 Søjler er fra 1820 med et Maleri: Christus i Getsemane; paa Siderne Troen og Haabet. Godt udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 1634 med Himmel og Dør for Opgangen; i Hovedfelterne staa Hertug Philip af Slesvig-Holsten-Glücksborgs og Gemalinde Sophie Hedevigs Navne. Granitdøbefont fra den gamle Kirke. I Kirken hænge 3 Malmlysekroner, hvoraf den ene har Aarst. 1758 og Navnet Chrf. Elias Gotlob og Hustrus Navn, paa en anden staar: „Chr. Josephsen Steen. Renovatum 1758". I Koret hænger bl. a. et Maleri (den korsfæstede) med Aarst. 1710 og ved Siderne to Tavler med Navnene Jørgen Christoffersen Rose, † 1715 (Kapellan), og Agatha Sophia, sl. J. Roses, † 1744; ligeledes et Maleri (Gravlæggelsen) med Navnet Otto Hywadt og Aarst. 1734. Paa en Gravsten, der ligger som en Flisesten foran Indgangsdøren, staar: „Las Hendrichsen døde Anno 16 . . — Marcus Lasses som døde Anno 1656". Af Klokkerne er den mindste fra

Middelalderen (se Hübertz, Ærø S. 172). — Paa Kirkepladsen, den gamle 1809 nedlagte Kirkegaard, hvor der er et Ligkapel, ligger en Gravsten over Landfoged Joh. Georg Tilemann, † 1807. Den nye Kirkegaard, omtr. 1 Td. Ld., ligger V. for Byen.

Kirken er Statsejendom ligesom Øens andre Kirker (jvfr. dog *Matzen* og *Timm*, Haandb. i dansk Kirkeret, S. 667 og 673); men de indtage dog en Særstilling, idet deres samlede Formue og deres Anliggender bestyres af en Kirkeinspektør, og Administrationen af Kirkerne foregaar under eet, idet alle Kirkernes Midler indgaa i en fælles Kasse.

**Raad-, Ting- og Arresthuset**, ved Torvet og Søndergade, er opført 1863 efter Tegn. af Bygningsinspektør, Prof. Winstrup af røde Mursten i to Stokv.; i nederste Stokv. er der en aaben Buegang. Bygningen, der ejes af Amtet med $^5/_6$ og af Købstaden med $^1/_6$, indeholder bl. a. en Raadhussal, Byraadslokale, Arkivværelse, Sparekasseværelse, Retssal og Forligskommissionsværelse samt Politiassistentens og Arrestforvarerens Bolig og Plads for 7 Arrestanter (en Grund blev 1634 skænket Byen af Hertug Philip til Opførelsen af et Raadhus, der laa paa Torvet og som 1778 afløstes af et nyt af Grundmur i to Stokv.; den tidligere Grund udgør nu en Del af Torvet).

**Borger- og Realskolen**, i Vestergade, er opf. 1888 i to Stokv. af røde Mursten efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel (den tidligere Skole laa paa Torvet); den havde $^1/_1$ 1899 5 Lærere, 1 Timelærerinde og 1 Hjælpelærerinde og 218 Elever, fordelte i 7 Klasser. Der er en selvstændig Skolekommission, bestaaende af Sognepræsten og 2 af Byraadet valgte Medlemmer. — **Teknisk Skole**, mod N. i Byen ved Baggade, er opf. 1894 af røde Sten i to Stokv. efter Tegn. af Schwanenflügel. — Desuden er der en Pogeskole.

**Sygehuset**, uden for Byen mod N. V., er opf. 1892 i 1 Stokv. efter Tegn. af Arkitekt N. P. Jensen, Odense; det har 20 Senge. — **Fattiggaarden**, Smedegade, er en 1 Stokv. høj Bygning; Plads for 20—25 Lemmer. — **Haandværkerhjemmet**, mod N. nær ved Vestergade, en 1 Stokv. høj Bygning, er opr. 1869 af Borger- og Haandværkerforeningens Sygekasse til Fribolig for 4 trængende Haandværkere og deres Enker. — **J. L. Rises Fribolig**, Vestergade, en 1 Stokv. høj Bygning, er opr. 1880 af Skipper J. L. Rise og Hustru med 2 Friboliger for trængende af Sømandsstanden.

Posthuset med Telegraf- og Telefonstationen ligger i Vestergade (paa Huset staar Aarst. 1749, paa Døren en interessant Dørhammer), Toldkammeret paa Hjørnet af Bro- og Smedegade. Ved Pilebæksvejen ligger et 1882 opf. Missionshus („Mamrelund“).

Ved Havnen er der et lille Haveanlæg. Langs Stranden gaar der en smuk Spaserevej.

Af gamle Huse er der kun bevaret faa; Byen er saa at sige nyopført i de sidste 100 Aar. De ældste Huse ere Søndergade Nr. 315 A. og 316 A, fra Aarene 1645 og 1690; over Indgangsdøren til det første staar et Skriftsted af Davids Salmer, men midt i det er skaaret et Hul til en lille Rude (se Vignetten ved Ærø Hrd.). Det ret anselige Hus i Vestergade, hvor Apoteket er (se Vignetten S. 618), har Aarst. 1784. For øvrigt lægger man Mærke til, at mange Huse have Fremspring i Gaden med en lille aaben Forstue, mindende om slesvigsk Bygningsmaade.

Indbyggertallet var 1. Febr. 1890 1500 (1801: 1291, 1840: 1494, 1860: 1713, 1880: 1578). Erhverv 1890: 124 levede af immat. Virksomhed, 478 af Industri, 241 af Handel, 280 af Søfart, 47 af Fiskeri, 111 af Jordbrug, 93 af forskellig Daglejervirks., 107 af deres Midler, 17 nøde Almisse, og 2 vare i Fængsel. Ved Siden af Haandværk og Handel, hvilken sidste dog ikke er stor, har Søfart en Del Betydning.

Af fremmede Varer fortoldedes 1898 bl. a.: Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 1137 Pd., uldne Manufakturvarer 1169 Pd., Humle 1366 Pd., Kaffe 12,876 Pd., Olier 14,639 Pd., Risengryn og Rismel 8663 Pd., Salt 25,713 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 1348 Pd., Stenkul 4,446,708 Pd., Metaller og Metalvarer 5598 Pd., samt Tømmer og Træ 368 Clstr. og 3946 Kbfd. Desuden tilførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Frembringelser udførtes til Udlandet bl. a. et ringe Parti levende Kreaturer; til indenlandske Steder uden for Øen bl. a. 227 Td. Byg, 887 Td. Rapssæd, 123 Td. Kartofler, 549 Pd. Flæsk, 1237 Td. Smør, 2960 Stkr. Svin, en Del andre levende Kreaturer, 5789 Pd. Uld og 31,652 Pd. Huder og Skind.

Ved Udg. af 1898 var der ved Toldstedet hjemmehørende 57 Fartøjer og maalte Baade med i alt 2438 Tons, deraf 1 Dampskib paa 24 T. og med 16 H. Kraft. I udenrigsk Fart indkom 216 og udgik 208 Skibe med resp. 3178 og 1075 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 367 og udgik 356 Skibe (deraf 209 og 163 Dampsk.) med resp. 2206 og 1326 T. Gods.

Told- og Skibsafgifter udgjorde 1897, efter Fradrag af Godtgørelser, 10,063 Kr., Krigsskatten af Vareindførselen 574 Kr., i alt 10,637 Kr. (1889 mindre end i 1897).

I Ærøskjøbing holdes aarl. 3 Markeder, i Marts, Juli og Okt., med Heste, Kvæg og Faar. Torvedag hver Onsd. og Lørd.; 2. Tirsd. i hver Maaned Torvedag med levende Kreaturer.

Af Fabrikker og industrielle Anlæg nævnes to Skibsbyggerier, en Savvejrmølle, et Kalkbrænderi, et Andelsmejeri og et Hvidtøl- og bayersk Ølbryggeri.

I Ærøskjøbing udgives 2 Aviser: „Ærø Folkeblad“ og „Ærø Avis“ (den sidste udkommer i Marstal).

Kreaturhold 1893: 68 Heste, 206 Stkr. Hornkvæg (deraf 150 Køer), 255 Faar og 134 Svin.

Byens Øvrighed er en Borgmester, der tillige er Byfoged og Byskriver samt Herredsfoged og Skriver i Ærø Herred, og et Byraad, som bestaar foruden af Formanden (Borgmesteren) af 9 valgte Medlemmer. Staaende Udvalg: a) for Kasse- og Regnskabsvæsenet, b) for Havnevæs., c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Gader og Veje, f) for Brandvæs.

Finansielle Forhold 1897. Indtægter: Skatter 21,628 (deraf Grundsk. 2392, Hussk. 1205, Formue- og Lejlighedssk. 18,031 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 801, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 1471, Indtægt af Aktiver 1418 Kr.; Udgifter: Bidrag til Stat 330, til Amt 368, til Amtsskolefond 537, Byens Bestyrelse 507, Fattigvæs. 4519, Alderdomsunderst. 3740, Skolevæs. 8593, Rets- og Politivæs. 1716, Medicinalvæs. 2099, Gader og Veje 270, Brandvæs. 460, Belysn. 277 Kr. Kommunen ejede $^1/_{12}$ 1897 i Kapitaler 41,202, i faste Ejendomme 76,100 Kr.; dens

Gæld var 64,628 Kr. For 1899 er Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed 5 pCt.; den anslaaede Indtægt er omtr. 419,400 Kr., deraf var skattepligtig Indtægt 377,960 Kr.

Kommunens faste Ejendomme: Skolen, Fattiggaarden, et Sprøjtehus, samt $^1/_6$ af Raadhuset og Sygehuset.

Byens Brandkorps bestaar af en Brandinspektør, 3 Sprøjtemestere og 19 menige, alle lønnede. Politikorps findes ikke.

I Ærøskjøbing Spare- og Laanekasse (opr. $^{18}/_4$ 1820) var $^{31}/_3$ 1897 Sparernes saml. Tilgodehav. 1,092,261 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 112,476 Kr., Antal af Konti 1442.

Havnen er først anlagt i 2. Halvdel. af 18. Aarh. Tidligere var der kun en Skibsbro, „Højbro“, som man 1764 begyndte at udbedre, 1811 anlagdes det sidste Bolværk; 1816 tog man fat paa Havnens Opmudring; senere er der foretaget flere Uddybninger og Forbedringer i Havnen; 1886 opmudredes et særligt Sted i Havnen til Fiskerbaade. Havnen har et kun 16 Al. bredt Indløb mod N.N.V.; dens Størrelse er 37,520 □ Al., Havnepladsens 44,300 □ Al.; i den indre, gamle Havn er Dybden 10, i den ydre Havn 11 F.; der er 575 Al. Bolværk og 327 Al. Friholderværk. Havnevæsenet bestyres af Havneudvalget, der bestaar af Borgmesteren som Formand, 2 Byraadsmedlemmer og 3 af dette uden for Byraadet valgte Medlemmer. Havnekassen ejede $^1/_1$ 1899 4470 og skyldte 8245 Kr.; den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 5500 Kr. Paa Skibsbroens sydøstl. Hjørne er der et fast rødt Fyr.

I gejstlig Henseende danner Byen et eget Pastorat.

Ærøskjøbing hører til 6. Landstingskreds og Svendborg Amts 7. Folketingskreds, for hvilken den er Valgsted, Svendborg Amtstue (med Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistrikt (Distriktslægen bor her) og har et Apotek. Den hører til 3. Udskrivningskreds. 83. Lægd og er Sessionssted for Lægderne 80—86.

Ved Ærøskjøbing Toldsted er ansat en Toldforvalter og to Toldassistenter, ved Postvæsenet en Postmester, som tillige er Bestyrer af Telegrafstationen. Der er Statstelefon.

Byen staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Svendborg.

**Historie.** Hvor gammel Ærøskjøbing (at Almuen ofte blot kaldet *Kjøbing*) er, vides ikke. De ældste nævnte Privilegier ere fra Kong Hans' Tid; men Byen er dog en Del ældre; 1476 nævnes en Borgmester Hans Haughe i Ærøskjøbing (i et Skøde af 1398 nævnes en Borgmester Clawes Rycquardsen „to Wisby up Erre“ og flere Raadmænd fra samme By, men om det er den samme som Æ. eller en anden, kan ikke afgøres). Privilegierne bleve ofte senere bekræftede, saaledes af Fr. I, Chr. III og Dronn. Dorothea 1563 og senere af Hertugerne af Glücksborg, efter at Øen i 17. Aarh. var bleven delt mellem de fire sønderborgske Linier; da den imidlertid atter 1749 var kommen ind under Kronen, nægtede baade Fr. V og hans Efterfølgere at stadfæste dem. Ærøskjøbing var den eneste Købstad i Sønderjylland, der ikke havde sin egen Jurisdiktion; 1773 mistede den sin Magistrat og stod fra den Tid under Landfogden paa Øen. Efter Adskillelsen fra Sønderjylland blev ifl. Lov af $^{16}/_2$ 1866 Embedet som Byfoged og Byskriver i Ærøskjøbing forenet med Herredsfoged- og Herredsskriverembedet i det nyoprettede Ærø Herred. Se i iøvrigt under Ærøs Historie. Byens Hovederhverv, Handelen, led meget ved Delingen i 17. Aarh., da den derved afledtes fra Byen og fordeltes paa andre Steder paa Øen; Byen har dog langt op i Tiden drevet en ret betydelig Handel paa Hertugdømmerne, Østersøhavnene og Norge; det sidste Lands Adskillelse fra Danmark 1814 skadede

den meget; i 19. Aarh. er den for en Del trængt tilbage af den driftige Handelsplads Marstal, hvis Skibsfart er vokset betydeligt. Ved Siden af Handel og Skibsfart er Landbruget en ret vigtig Erhvervsgren. Ved en Ildebrand 1629 brændte 44 Gaarde og Huse, vel omtr. den halve By. Ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872 blev Byen haardt medtaget; Skaden i selve Byen takseredes til 15,263 Rd. (hvoraf 4000 paa Havnen), paa Jorderne til 3500 Rd. — Ærøskjøbing har haft en lille Latinskole, der laa paa Torvet ved Kirken, og som ophørte som saadan ved 1740.

Paa Torvet har ligget en Herregaard *Kjøbingshof*. Aar 1629 skænkede Hertug Philip af Slesvig-Holsten-Glücksborg den med Tilliggende til sin Gemalinde Sophie Hedevig; den var i den næste Tid bortforpagtet, 1682 bortlejede deres Søn Hertug Chr. hele Herremarken (se S. 618), der hørte til Gaarden, til Byens Borgere til evig Tid for 1000 Mark lybsk, og den næste Hertug, Philip Ernst, nedlagde Gaarden 1721 og solgte den tillige med Marken til Borgerne. Ogsaa *Dejrø* har i sin Tid hørt til Kjøbingshof.

I Æ. er Digteren Anders Christensen Arrebo født $^{2}/_{1}$ 1587.

**Litt.:** *J. R. Hübertz*, Beskr. over Ærø, Kbh. 1834. Se i øvrigt under Ærø.

---

## Sunds Herred.

**Sogne:**

*Skaarup, S. 624. — Tved, S. 627. — St. Jørgens, S. 630. — Sørup, S 631. — Egense, S. 631. — Øster-Skjerninge, S. 634. — Ollerup, S. 634. — Kirkeby, S. 636. — Stenstrup, S. 637. — Lunde, S. 639. — Kværndrup, S. 639. — Turø, S. 643. — Bregninge, S. 646. — Landet, S. 649. — Bjerreby, S. 650. — Drejø, S. 651. — Strynø, S. 653.*

---

Sunds Herred, det næststørste i Amtet, indbefatter det sydøstl. Hjørne af Fyn, begrænset mod Ø., N. og V. af Gudme og Salling Herreder, samt den større Ø *Taasinge* og de mindre Øer *Turø*, *Skaarø*, *Drejø*, *Hjortø*, *Birkholm* og *Strynø* med nogle mindre Øer, beliggende dels i Store Bælt, dels i Lille Bælt, hvilke forbindes ved det mellem Fyn og Taasinge løbende Svendborg Sund. Den største Udstrækning i den Del, der ligger paa Fyn, er fra N. til S. omtr. $2^{3}/_{4}$ Mil, fra V. til Ø. er den største Bredde omtr. $2^{1}/_{2}$ Mil. Overfladen er gennemgaaende bakket og højtliggende; omtr. i Midten ligger den Rygning, hvorfra Øens 4 Hovedvandskelslinier udgaa; fra Rygningens Østpunkt noget

S. Ø. for Kværndrup gaar det korte sydøstl. Vandskel over Højbjærg, Herredets højeste Punkt, 357 F., 112 M., ned til Skaarupøre, medens det nordøstl. Vandskel gaar mod N. gennem Herredet. Jorderne ere overvejende lerede. Af de smaa Vandløb nævnes *Vejstrup Aa*, paa Herredets Nordøstgrænse, og *Syltemade Aa*, der løber mod S. V. Mange Skove (i alt 5705 Td. Ld.) ere spredte over Herredet. Om de mindre Øers Højdeforhold se disse. Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de middelgode (gnmstl. omtr. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Svendborg Købstad) 52,661 Td. Ld. ($5{,}_{27}$ □ Mil, 296 □ Km.). Landdistrikternes Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 4696 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 19,715 (1801: 10,228, 1840: 14,795, 1860: 16,816, 1880: 18,872). I Herredet ligger Købstaden Svendborg. I gejstlig Henseende udgør det eet Provsti (med Hundstrup S. i Salling Hrd.), i verdslig Hens. hører det under Sunds Herreds, Lehns Birks, Taasinge Birks og Langelands Sønder Hrd.'s Jurisdiktioner samt under Amtets 2. Forligskreds.

Sunds Hrd., i Vald. II's Jrdeb. kaldet *Sundzhæreth*, hørte fra 1660 til Nyborg Amt; se i øvrigt S. 565.

**Litt.**: Provst Vitus Berings Bidr. til S. Hrd.'s Præstehist., i Kirkeh. Saml. 3. R. VI Bd. S. 355 flg.

---

**Skaarup Sogn**, det største i Herredet, omgives af Svendborg Købstadsjorder, Tved Sogn og Gudme Hrd. (Brudager og Vejstrup S.), fra hvilket det adskilles ved Vejstrup Aa, samt Store Bælt og Skaarup Sund, mellem Fyn og Turø. Kirken, mod N., ligger næsten 1 Mil N. Ø. for Svendborg. De noget højtliggende og bakkede Jorder, med temmelig brat Affald til Kysten, ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Skovdong, Klingstrup Sk., Søsk., Dyrehave, Fruersk., Storehave m. m.). Gennem Sognet gaa den nye Landevej fra Svendborg til Nyborg — den gamle berører Sognets nordvestl. Hjørne — og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 4969 Td. Ld., hvoraf 2484 besaaede (deraf med Hvede 95, Rug 444, Byg 563, Havre 547, Bælgsæd 19, Frøavl 12, Blandsæd til Modenh. 429, Grøntf. 207, Kartofler 26, andre Rodfr. 142), Afgræsn. 660, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1066, Have 68, Skov 466, Moser 74, Kær og Fælleder 26, Veje og Byggegr. 120. Kreaturhold 1893: 457 Heste, 1759 Stkr. Hornkv. (deraf 1204 Køer), 685 Faar og 632 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 471 Td.; 94 Selvejergaarde med 404, 1 Arvefæstegd. med 3, 285 Huse med 63 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1859 (1801: 990, 1840: 1596, 1860: 1770, 1880: 1827), boede i 383 Gaarde og Huse; Erhverv: 133 levede af immat. Virksomhed (deraf 64 Seminarieelever), 962 af Jordbr., 5 af Gartneri, 38 af Fiskeri, 383 af Industri, 59 af Handel, 124 af Skibsfart, 73 af forsk. Daglejervirks., 67 af deres Midler, og 15 vare under Fattigv. Skibsfarten har en Del Betydning.

I Sognet Byerne: *Skaarup* (gml. Form Scorp, Skorp, Skorup, Schorup), ved den nye Landevej, med Kirke, Præstegd., Statsseminarium, 2 Skoler (Byskolen og Organistskolen, se ndfr.), Fattiggaard (paa Skaarup Mark,

opf. 1879, Plads for 30 Lemmer), Hospital („Klosteret"; opr. 1652 af Henning Walkendorff til Glorup og Klingstrup, med et Hus ved Kirken — den gamle Kirkelade, se S. 626 — for 5 fattige), Andelsmejeri (Rosenkilde), Gæstgiveri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Øster-Aaby*, ved samme Landevej; *Holmdrup* med Børnehjemmet „Petersminde" (oprettet ved Testamente af $^{13}/_{5}$ 1883 af Mette Marie Hansdatter, † 1888, Enke efter Gaardejer P. Bertelsen, med en Gaard, hvortil hører omtr. 31 Td. Ld.) og Jærnbaneholdeplads, den sidste i *Holmdrup Huse*; *Aabyskov*, med Skole (Christian Frederiks Skole) og Forsamlingshus (opf. 1897). Udskibningsstedet *Skaarupøre* med Kro. Saml. af Gde. og Huse: *Holmdrup Stævning*, *Aabyhuse*, *Brohave*. — Hovedgaarden *Klingstrup*: $29^{3}/_{4}$ Td. Hrtk., 402 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 104 Skov, 21 til 7 Fæstehuse (omtr. 2 Td. Hrtk.), Resten Ager. Hovedgaarden *Ny-Klingstrup* har $16^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 175 Td. Ld., hvoraf 9 Eng og Mose, 6 Skov og Have, Resten Ager; til Gaarden hører en Vand-, Vejr- og Dampmølle. *Bøgeskovgaard*: $12^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 147 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, $8^{1}/_{2}$ Skov, Resten Ager. *Magaard*, $12^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., $130^{1}/_{4}$ Td. Ld., hvoraf 25 Eng, $5^{1}/_{4}$ Skov, Resten Ager (1 Hus). *Nøjsomhed*: 12 Td. Hrtk., $106^{5}/_{8}$ Td. Ld., hvoraf 6 Skov, Resten Ager. Desuden *Juliegaard*, *Skovmølle* (en Vandmølle) og *Marthamølle*.

Skaarup S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion, (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 47. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Vejstrupgaard.

*Kirken*, fordum helliget Johannes den Døber, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V., Vaabenhus mod S., en Udbygning mod N. („Skaarupøre-Kirken") og Sakristi ved Korets Nordside. Af den oprindelige, romanske Kirke (1317 gaves fra Avignon et paveligt Afladsbrev til Fremme for Kirkens Opbyggelse og Besøg), der har været opført af Fraadsten paa en huggen Granitsokkel (se *J. Helms*, Tufstenskirker S. 110), er nu kun Skibet tilbage. Dette er udvendig prydet med smalle, flade Pilastre, forbundne med Rundbuer, og har endnu sin oprindl., rundbuede Portal samt et rundbuet Vindue bevaret mod S. I den senere Middelalder er det oprindelige Kor sikkert blevet nedbrudt og et nyt opført af raa Kamp af samme Bredde som Skibet; samtidig er dette blevet forlænget mod Vest med Benyttelse af samme Slags Materiale, men med en Overgavl af Munkesten, ligesom Kirken er bleven overhvælvet. Noget senere, men endnu i Middelalderen, ere Taarn og Vaabenhus blevne opførte, af raa Kamp og Munkesten. Den tarvelige Udbygning paa Skibets Nordside er fra 1754, opført af H. C. Walkendorff og Hustru A. M. v. Halem (ifølge en indvendig i Bygningen opsat Mindesten). I 1803 mistede Kirken ved en Reparation de takkede Gavle, og Taarnet fik i Stedet et pyramideformet Tag (Fløjstangen med: H. K., ɔ: Hans Koefoed, 1803, blæste ned 1881, men er fornyet). Altertavlen er et katolsk Alterskab med en figurrig, godt udskaaren Fremstilling (nu egemalet) af Korsfæstelsen, i Midten, samt Gangen til Golgata, Hudstrygningen, Bespottelsen og Opstandelsen, paa Sidefløjene. Romansk Granitdøbefont med Rundbuefrise; Døbefadet er skænket 1694 af Anna Beate Walkendorff. Uskaaren Prædikestol fra 17. Aarhundredes 1. Halvdel. I Skibet en Messinglysekrone og et sent-middelalderligt Krucifiks. I Korvinduet er indsat 5 malede Ruder, alle ens, med Henning Walkendorffs og Helle Trolles Navne og Vaaben og Aarst. 1707. I Koret en Mindetavle med Walkendorffernes og Krabbernes Vaaben og en lang latinsk Indskrift. Den ene af Kirkens Klokker med Indskrift er fra Middelalderen (se *R. Nyerup*, Skildringer IV S. XXX, og *Sjöborg*, Saml. för Nordens fornälskare III, S. 115). Umiddelbart ved Korets Nordside har der staaet en 1708 af Egebindingsværk opf. aaben Begravelse for Familien Walkendorff, med Indgang fra Kirken; heri vare bl. a. begravede Jørgen Henning W., † 1724, og hans to Hustruer, Elisab. Margr. Bille, † 1688, og Helle Trolle, † 1741; omtr. ved 1800 flyttedes Kisterne til den dav. aabne Begravelse under Koret, hvor bl. a. vare begravede Oberstlieutn. Henning Chrf. Walkendorff, † 1740, og hans Hustru Anna Margr. v. Halem, † 1773, hvorefter Begravelsen tilkastedes. Ved en Hoved-

reparation af Kirken 1878 istandsattes Gravhvælvingen under Koret, ved hvilken Lejlighed der fandtes Levninger af mindst 20 Kister, og nogle af Kistepladerne anbragtes i Kirken over Hvælvingen, som blev tilmuret. Det tidligere Gravkapel benyttedes dels til Sakristi, dels til mindre, religiøse Forsamlinger og desl., indtil det nedreves 1862 og erstattedes med det nuv. grundmurede Sakristi; over Døren staar den gamle Indskr. fra Gravkapellet. Under Gulvet er begravet Sognepræsten Knud Hansen Trochmann, † 1732, og Hustru; i Skibet hænge hans Mindetavle samt nogle forsølvede Plader til Minde om Prof. Schurmann, Seminariets Forstander, † 1891, og en Sølvkrans, skænket til hans Grav.

Den gamle Kirkelade ved Kirken, der nu tjener som Hospital, med Ydermure af utilhuggen Kamp, stammer fra den senere Middelalder, men blev ombygget af H. Walkendorff, da Hospitalet blev indrettet; 1803 mistede den de takkede Gavle.

*Skaarup Statsseminarium* er oprettet ved kgl. Res. af $^{3}/_{6}$ 1803 og begyndte sin Virksomhed $^{5}/_{10}$ s. Aar i den østl. Sidebygning af Præstegaarden hos dav. Sognepræst, Amtsprovst P. A. Wedel, † 1842, der var den egentlige Stifter af Seminariet. Aar 1836 fik det sin egen Bygning, opf. i to Stokv. af røde Mursten med Frontespice og hvide Pilastre paa Façaden, nu indeholdende 3 Klasseværelser, Lærerværelse, Musiksal, Biblioteksværelse, Værelse til naturhist. Samlinger osv., paa en midt i Skaarup By indkøbt Grund, stor $2^{1}/_{2}$ Td. Ld., der omdannedes til Have og Park, midt i hvilken Bygningen ligger. Senere er der opført 1889 et Musikhus og 1895 nede i Haven, en Forstanderbolig; Gymnastikhuset, opført 1879, senere udvidet, ligger Ø. for Hovedbygningen; den sidste restaureredes indvendig 1894. Tillige er ved Kancelliskr. af $^{4}/_{6}$ 1839 knyttet til Seminariet den ovennævnte Organist- eller Seminarieskole, der er opr. af Fru Anne Beate Walkendorff ved Fund. af $^{10}/_{9}$ 1772. Saavel i denne som i Byskolen deltage Seminariets Elever i Lærerarbejdet. Seminariet, hvis Direktion bestaar af Stiftamtmanden og Biskoppen over Fyns Stift samt Provsten for Sunds Hrd., har en Forstander og 4 Lærere samt en militær Gymnastiklærer, der i 3 Aar gør Tjeneste ved Seminariet og ved Skaarup, Tved og Aabyskov Skoler. Elevernes Antal, der ifl. Lov af $^{15}/_{2}$ 1857 er udvidet, er 60—70 aarl.; for Tiden er der omtr. 65. Gennemsnitsantallet af de dimitterede er aarl. 15—20, 1899 dimitteredes der 17. Indtil Sommeren 1899 havde Seminariet dimitteret i alt 1771. Undervisningen koster for hver Elev 40 Kr. aarl.; dog ere Skolelærersønner undtagne, og en Del af de andre faar Nedsættelse til det halve. For Bolig og Kost maa Eleverne selv sørge. — Et Mindesmærke (Granitsten med Portrætmedaillon) for Forstanderen J. Schurmann afsløredes 1895 ved Seminariet. (*J. Schurmann*, Hist. Efterretn. om det kgl. Skolelærer-Seminarium i Sk. i Tidsrummet 1803—53, Odense 1853).

*Klingstrup* tilhørte 1351 Niels Pedersen de Klinstrop, 1394 Johannes Est de Cleynæsthorp, der førte Slægten Ulfelds Vaaben, 1437 Krabbe af Glinstrop, Væbner. Uvist hvornaar og hvorledes kom K. under Fyns Bispestol og blev ved Reformationen et kgl. Len, som den bispelige Lensmand Niels Steen dog beholdt. Den næstsidste kgl. Lensmand var Peder Lykke til Skovsbo, † 1563, hvis Enke Lisbeth Urne beholdt Lenet, ogsaa efter at hun havde ægtet Johan Bockholdt, en indvandret liflandsk Adelsmand, der 1577 erhvervede Gaarden til Ejendom ved Mageskifte med Kronen. Efter Lisbeth Urnes Død 1584 var han Besidder af Gaarden, indtil den senest ved hans Død 1602 gik over til Svigersønnen Bendix Hartvigsen, g. m. Lisbeth Urnes Datter af 1. Ægteskab Susanne Lykke, der efter Mandens Død 1603 i nogle Aar synes at have ejet K., indtil den overtoges af Sønnen Jørgen Hartvigsen. 1627 tilhørte K. Mourids von Aschersleben, vistnok i Fællesskab med hans Morbroder, Claus Brockenhuus til Broholm († 1646), der 1637 afhændede K. med Mølle og Bøndergods (22 Gaarde) samt jus patronatus til Skaarup Kirke til Henning Walkendorff til Glorup, † 1658, i hvis Familie den længe forblev, nemlig hans Enke Margrethe Blome, † 1679, Sønnen Henning W., † 1665, hans Enke Kirsten Kruse indtil 1680, Sønnen Jørgen Henning W., † 1724. Sidstnævntes Hustru Helle Trolle solgte 1722 paa sin syge Mands Vegne K. og Brudager til Erik Skeel, som 1725 atter solgte den til hendes Sønner Henning Chrf. W., † 1740, og Børge W., † 1747, med hvem Familien uddøde paa Mandssiden i Danmark. Førstnævntes Enke Anne Margr. v. Halem besad K. til sin Død 1773, hvorefter den ved Testam. tilfaldt hendes Søster Charlotte Marie v. H., † 1791. K. solgtes derpaa 1791 ved Auktion for 19,000 Louisdorer til Landsdommer Hans Koefoed, som 1799 afhændede den til Hertug Chr. Fr. af Augustenborg, fra hvem den (tillige med Vejstrupgd. for 72,000 Rd.) i 1802 kom tilbage igen til H. Koefoed. Efter at denne havde fraskilt en Parcel af Klingstrup Jorder og Skov og overført den tillige med alt Bøndergodset samt Skaarup Kirke med Tiende og Patronatsret til Vejstrupgaard og saaledes berøvet K. den egentlige

Herlighed, solgte han Dec. 1803 (Skøde af 1807) Hovedparcellen af selve Hovedgaarden til dav. Forpagter R. Rasmussen, † 1810, hvis Enke Aaret efter ægtede Christen True, som 1837 afhændede K. for 56,000 Rd. til Brødrene H. Langkilde af Langkildegd. og R. Langkilde af Kroghenlund samt deres Søstersøn P. L. Mayntz; 1853 foretoges en ny Deling, hvorved den ene Tredjedel, Parcellen *Ny-Klingstrup* (130 Td. Ld.) udskiltes og overgik til Mayntz († 1876), der tillige fik de til Gaarden hørende Møller (efter Enkens Død 1888 solgtes Ny-K. for 100,000 Kr. til H. Clausen, der 1898 solgte den til den nuv. Ejer, L. Hansen for 138,000 Kr.), medens Hovedparcellen (vurderet til 246,000 Kr.) i Aaret 1860 samledes under eet af R. Langkildes Enke, Dorothea Helene, der 1877 solgte den til Svigersønnen H. Lauesen, den nuv. Ejer. — Den gamle Hovedbygning, der vist har afløst en endnu ældre, laa lige S. for Vejstrup- eller Klingstrup Aa ved en til Aaen temmelig brat affaldende Skrænt og var til Dels omgiven af Grave; den var af Grundmur og Bindingsværk og stammede fra ovennævnte Cl. Brockenhuus, der 1641 opførte „Borgegaarden, mesten af Grundmur". Denne Bygning blev helt nedbrudt i Beg. af 19. Aarh., da Koefoed foretog den omtalte Udskilning, ved hvilken Lejlighed ogsaa Hovedbygningen kom til Vejstrupgd. (endnu findes Spor af Borggraven og Murrester ved Pløjning). Som Beboelseshus paa K. benyttedes den ved de gamle Ladebygninger beliggende Forpagterbolig, indtil True opførte den nuv. Hovedbygning af Grundmur i eet Stokv. Af Ladebygningen, der opførtes af H. Walkendorff, staar endnu den vestl. og nordl. Længe; paa Bygningen findes et sammenslynget Navnetræk med Bogstaverne H. V. K. B. A. B. K., ɔ: Henning W., Karen Brahe og Anne Barnekov, og Aarst. 1643. (*J. Schurmann*, Valckendorferne paa Kl., deres Dotationer og Stiftelser. Med Bidr. til Gaardens Hist. 1530-1880, i Saml. til Fyens Hist. IX S. 1 flg. og Tillæg smstds. S. 386. Se ogsaa Personalh. Tidsskr. X [1884] S. 199 og 2. R. II [1887] S. 299).

*Skaarupgaard* ejedes 1564 af Laurids Norby, 1588 af Søstrene Hilleborg og Anne Daa, sidste † 1597 paa S., og derefter af Claus Hundermark, der havde bortforpagtet S. til Detlef Sehested. I 17. Aarh. kaldtes den *Hofgaarden*, hvilket Navn endnu bruges om en Gaard i Byens vestl. Udkant, paa hvis Mark der findes Spor af en ældre, større Bygning. Den har i ældre Tid jævnlig været beboet af adelige Enker og Jomfruer, ligesom *Fruergaarden* i Holmdrup. Denne var en dobbelt Selvejergaard, som 1661 under Navn af *Holmdrupgaard* blev gjort til Sædegaard af Kaptajn Claus v. Rønne, † 1674 (se Personalh. Tidsskr. II, S. 73 flg. og 360), og siden beboedes af hans Enke Anne Elisabeth v. Mülheim, † 1705, efter hvem den fik Navnet F. Den købtes saa af Præsten K. Trochmann, men har ikke siden været beboet af Adel; 1733 blev den skødet til Johan Lehn til Hvidkilde og var under Baroniet Lehn, indtil den 1852 solgtes til Fæsteren. — „*Magaard*" nævnes i Sognets ældste Kirkebog fra 1669. — *Bøgeskovgaard* er opført paa en fra Klingstrup 1802 fraskilt Grund. I D. Atl. (VI S. 721) omtales nogle „hedenske Altere" eller Stensætninger i Klingstrup Løkker og paa Øster-Aaby Mark; de ere nu forsvundne.

**Litt.**: Foruden den af Schurmann ovenfor omtalte Artikel, se: Til Skaarup Præste- og Degne-Embedes Hist., i Saml. til Fyens Hist.. I S. 78 flg.

**Tved Sogn** omgives af Skaarup Sogn, Svendborg Købstadsjorder, Sørup og Kirkeby Sogne samt Gudme Hrd. (Gudbjærg og Brudager S.). Til Sognet høre nogle Enklaver, nemlig et ved Svendborg Sund, hvori Hovedgaarden Bjørnemose ligger, og to, indesluttede af Svendborg Købstadsjorder. Kirken, mod Ø., ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Ravnebjærg 317 F., 99,5 M.) ere dels ler-, dels sandmuldede enkelte, Steder sandede og grusede. Skove: Faarehave, Stevnesk. (sidste i et Enklave). Gennem Sognet gaar den gamle Landevej fra Svendborg til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 2810 Td. Ld., hvoraf 1386 besaaede (deraf med Hvede 23, Rug 313, Byg 325, Havre 329, Frøavl 12, Blands. til Modenh. 246, Grøntf. 56, Kartofler 15, andre Rodfr. 62, Havesager 3), Afgræsn. 462, Høslæt, Brak, Eng m. m. 664, Have 47, Skov 53, Moser 55, Hegn 50, Veje og Byggegr. 80, Vandareal m. m. 12. Kreaturhold 1893: 305 Heste, 941 Stkr. Hornkv. (deraf 706 Køer), 291 Faar, 301 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 238 Td.; 40 Selvejergaarde med 151, 7 Arvefæstegd. med 33, 2 Fæstegd. med 3, 166 Huse med 47 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1105 (1801:

545, 1840: 833, 1860: 976, 1880: 1181), boede i 222 Gaarde og Huse; Erhverv: 34 levede af immat. Virksomh., 606 af Jordbr., 2 af Gartneri, 336 af Industri, 19 af Handel, 11 af Skibsfart, 47 af forsk. Daglejervirks., 42 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tved* (1250: Twywath, 1394: Thwet, 1417: Thued, 1500: Tuede), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. $^{20}/_{1}$ 1722 af Etatsr. Erik Skeel til Arreskov m. m., † 1729, og Hustru Anne Beate Walkendorff, med et Hus ved Kirken for 4 fattige og 2000 Kr.) og Mølle; *Heldager*. *Tved-Byhaver* og *Tved Skovhaver*, Huse. — Hovedgaarden *Bjørnemose*: $15^{7}/_{8}$ Td. A. og E. Hrtk. og $^{1}/_{2}$ Td. Skovsk., 175 Td. Ld., hvoraf omtr. 2 Eng, 20 Skov, Resten Ager. *Heldagergaard*, en Afbyggergaard af Hovedgaarden Hvidkilde, har 16 Td. Hrtk., 244 Td. Ld., alt Ager (det Teglværk, der tidligere laa paa Gaardens Jorder, er nedlagt, og Jorderne, 130 Td. Ld., hvoraf 30 Mose, drives nu som Avlsbrug). Desuden Gaardene *Edelsminde* og *Skovlyst*, den sidste i et Enklave, med $16^{5}/_{8}$ Td. A. og E. Hrtk. og $8^{5}/_{8}$ Td. Skovskyld, 253 Td. Ld., hvoraf 5 Mose, 5 Have, 80 Skov, Resten Ager. Endvidere *Ørkilds Vandmøller* i et andet Enklave (Øverste og Nederste Mølle) og *Bjørnemose Vandmøller*.

Tved S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 46. Lægd. Kirken tilhører en Del af Sognets Gaard- og Husmænd.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og et Kapel paa hver af Skibets Længdesider. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af raa Kamp. Et Par Blindinger paa Skibets Sydside, foroven afsluttede af dobbelte Rundbuer, tyde paa, at der ved Opførelsen af Skibet delvis har været anvendt Fraadsten, og at denne Del er den ældste, saaledes at det nuv. Kor skyldes en senere Udvidelse. Senere hen i Middelalderen ere Taarnet og de to Kapeller opførte, dels af Kamp, dels af Munkesten. Alle Kirkens Bygninger ere overhvælvede og Gavlene prydede med Blindinger, medens de oprindelige Kamtakker ere forsvundne. Altertavle og Prædikestol ere tarvelige Arbejder fra 1703 og 1707. Romansk Granitdøbefont med Buefrise og Menneskehoveder. I Skib og Taarn findes indmuret en romansk Ligsten, i Skibet tillige en Sten med et Mandehoved. Det sydl. Kapel, der adskilles fra Skibet ved en prægtig, delvis forgyldt Smedejærnsdør fra Beg. af 18. Aarh. og et Træskillerum, indeslutter tolv Kister (hvoraf 2 af Sandsten) med Ligene af Kirsten Kruse, H. Walkendorffs Hustru, † 1703, Knud Urne til Julskov, Faarevejle osv., † 1705, Etatsr. Erik Skeel, † 1729, de to sidstnævntes Hustru Anne Beate Walkendorff, † 1720, Knud Urnes 1. Hustru Elisabeth Sophie Urne, † 1693, Jfr. Elisab. Sophie Banner, † 1717, Wolff Siegfr. v. Holsten til Gjelskov, † 1718, og Hustru Ide Skeel, † 1740, Oberstlieutn. Erik Chr. Sehested, † 1757, og Hustru Sophie v. Holsten, † 1753, Grevinde Ahlefeldt-Laurvigen, † 1803 paa Bjørnemose, og Edel Dyre v. Løvenhjelm, † 1804, g. m. Grev B. C. F. Ahlefeldt-Laurvigen. Smstds. et stort Epitafium af Egetræ med allegoriske Figurer, Portrætbuste af Anne Beate Walkendorff og Statuer i naturlig Størrelse af hendes to Mænd Knud Urne og Erik Skeel. Det nordl. Kapel, der ogsaa har været Gravkapel, er adskilt fra Kirken ved et Sprinkelværk af Træ.

Tæt N. Ø. for Svendborg i et Enklave af Sognet ligger ved Caroline Amalielund en høj Bakke, paa hvilken Borgen *Ørkild* har ligget. Borgen, der beherskede Svendborg Sund (se S. 579), skal efter et Sagn være opført af Vald. Sejr. Den nævnes første Gang 1264, da Biskop Reiner af Odense derfra udstedte et Gavebrev. I 1. Halvdel af 14. Aarh. var den i Hænderne paa de holstenske Grever; efter at være kommen tilbage til Kronen var den bortforlenet f. Eks. 1369 til Hr. Heine Kabel og Henning Kotelberg, 1372 til sidstnævnte alene, 1394 til Tue Skytte, 1408 til Hr. Henning Kabel. Snart efter kom Ø. vistnok under Fyns Bispestol, og Bisperne, der ofte residerede paa Ø. og udstedte Breve herfra, holdt nu Fogeder her, af hvilke kendes Jes Krumpen 1423 og Jep Olsen (Blaa) 1479. I Grevens Fejde blev Ø. i Juli 1534 stormet og afbrændt af Lübeckerne og Svendborgs Borgere, ved hvilken Lejlighed Stiftets Arkiv brændte. Ogsaa *Ørkild By*, der var opstaaet omkring Borgen og havde

været Svendborg en haard Konkurrent med Hensyn til Handel og Skibsfart, gik dengang til Grunde. Byen bestod af 20 Gaarde og 2 Vandmøller, hvilke sidste endnu ere til. Ved Gavebrev af $^{29}/_{8}$ 1573 fik Svendborg „al den Jord, som har ligget til de 20 Gaarde i Ørckel By med Undtagelse af de Enge, som bruges til Nyborg Slot". Borgens Ruiner ere nu omtr. helt forsvundne; Materialet er i lange Tider benyttet af Svendborg Borgere til deres Huse. I 1885—87 foretoges nogle Udgravninger, hvorved der blottedes en Del af en Ringmur af utilhuggen Kamp, samt Fundamentet af flere Bygninger, der have stottet sig til Murens Inderside, deribl. to firkantede, formentlige Taarne med Sokkel af tilhuggen Kamp. Bygningsresterne, der i deres ældste Dele pege hen paa Midten af Middelalderen, stamme fra forskellige Perioder. Flere forkullede Lag bære Vidne om Borgens Brand. Ogsaa Bakkerne i selve Skoven have været inddragne i Befæstningen, hvad forefundne Murrester og Brolægning vidne om. Ved Udgravningerne gjordes flere Fund af Økser, Landsespidser, Stigbøjler osv. samt nogle Mønter, deribl. nogle Sølvmønter fra Valdemarernes Tid og en engelsk Guldmønt fra 13. Aarh. (se *Vedel Simonsen*, Borgruinerne, 1. Hæfte S. 69 flg., og Opmaalinger fra 1887 i Nationalmus. af *Magn. Petersen*).

*Bjørnemose* var oprindl. en Bondegaard, der 1618 af Kronen blev mageskiftet til Jakob Ulfeld til Urup. Den arvedes af hans Datter Birgitte, g. m. Otte Krafse, der 1638 solgte den til Henning Walkendorff, som lagde den sammen med Glorup. Hans

Bjørnemose.

v. Ahlefeldt pantsatte den 1661 til Thomas Brodersen, men solgte den 1662 til Henning Walkendorffs Enke Margrethe Blome. Efter hendes Død 1679 erhvervedes B. af Knud Urne til Julskov, der 1701 ægtede Anne Beate Walkendorff, en Datter af Fru Margrethe Blomes Stifsøn. Knud Urne døde 1705, og Enken ægtede 1707 Etatsr., Oberstlieutn. Erik Skeel. Ved hans Død 1729 tilfaldt hans Ejendomme Søsteren Ide Skeel, Enke efter Wolf Siegfred v. Holsten til Gjelskov. Hun skødede 1742 B. til sin Svigersøn, Oberstlieutn. Erik Chr. Sehested. Hans Arvinger solgte 1758 B. med Tved og Turø Kirker til Etatsr. Jens Juel paa dennes Datter Elisabeth Juels Vegne. Hun ægtede Grev Chr. Ahlefeldt-Laurvigen til Grevsk. Langeland, efter hvis Død B. tilfaldt hans yngre Søn Grev W. C. F. Ahlefeldt-Laurvigen, Domherre i Lübeck. Ved 1805 afhændedes Gaarden til Kmh. A. C. v. Heinen, 1811 til Assessor S. Neergaard, 1812 til Oberstlieutn. A. G. J. v. Bülow, 1830 til J. P. Jensen, derefter ejedes den af Baron Erik Bille-Brahe, † 1866, hvis Enke 1867 solgte den for omtr. 70,000 Rd. til den nuv. Ejer, Jens Hansen — Hovedbygningen, der er opf. 1745—56, til Dels af Sten fra Ørkild Slot, senere ombygget og forøget med en ny Fløj af Baron Bille-Brahe, bestaar af 2 overhvidtede Fløje i eet Stokv. med høj Kælder og Trappegavle.

I Sognet har ligget Herregaarden *Heldagergaard* (Haldager), som 1314 blev inddragen under Kronen, fordi Ejeren Ridder Tyge Vindsen havde vist Utroskab mod Erik Menved. I nogen Afstand fra den nuv. Heldagergd. vises Borgbanken.

Ved Kongebrev af $^{30}/_{10}$ 1554 blev Tved Kirke befalet nedbrudt og Sognefolket henvist til Vor Frue Kirke i Svendborg; men Beboerne henvendte sig til Kongen

med Bøn om at beholde deres Kirke, og 1558 toges Ordren tilbage, hvorefter Tved Sogn annekteredes til Skaarup Sogn; 1591—1603 var det atter et eget Pastorat, da det igen forenedes med Skaarup indtil 1680; det blev da igen selvstændigt indtil 1696, da det atter forenedes med Skaarup indtil 1738, hvorefter det var selvstændigt indtil 1812, derpaa atter Anneks til Skaarup indtil 1842, fra da af igen selvstændigt.

**St. Jørgens Sogn**, det mindste i Herredet, omgives af Svendborg Købstadjorder, Annekset Sørup, Egense Sogn og Svendborg Sund. Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $^1/_4$ Mil S. V. for Svendborg. De noget bakkede, mod Sundet skraanende Jorder ere lermuldede. Skovene: Engene og Høje Bøge, Christiansdal, Fruerskov. Gennem Sognet gaar den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 579 Td. Ld., hvoraf 271 besaaede (deraf med Hvede 3, Rug 49, Byg 65, Havre 57, Bælgsæd 3, Blandsæd til Modenh. 47, Grøntf. 22, andre Rodfr. 21), Afgræsn. 54, Høslæt, Brak, m. m. 97, Have 29, Skov 83, Moser 5, Hegn 5, Veje og Byggegr. 33. Om Kreaturhold og Hartk. se under Sørup Sogn. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 847 (1801: 220, 1840: 312, 1860: 333, 1880: 355), boede i 119 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomh., 109 af Jordbr., 8 af Gartneri, 98 af Fiskeri, 201 af Industri, 53 af Handel, 158 af Skibsfart, 128 af forsk. Daglejervirks., 45 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet *St. Jørgens Hospital* med Kirke, Præstegd. og Dobbeltskole, Byen *Kogtved* og Fiskerlejet *Strandhuse* med Lodsstation (se S. 577). *Kogtvedgaard*, *Brydegd.* Andelsmejeri („Svendborg“).

St. Jørgens S. — kun i kirkelig Henseende en Kreds for sig —, een Sognekommune med Sørup, hører under Lehns Birks Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' Lægd 33a. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken*, smukt beliggende ved Sundet, bestaar af Skib og Kor, med tresidet Afslutning, ud i eet og Taarn, med Trappehus mod V. Kirken er oprindl. opført i den tidligere Middelalder af Munkesten paa en Sokkel af Kamp, men ved en Restauration 1877—78 er den helt overpudset med et tykt Lag Cementrapning. Kirken har smaa, rundbuede Vinduer. Taarnet fra den senere Middelalder, hvis Indgang har en lidt fremstaaende, spidsbuet og aftrappet Portal, har Kamgavle og Blindinger. Skib og Kor ere overhvælvede; (1594 lod Erik Hardenberg 4 Hvælvinger indbygge; tidligere havde Skibet fladt Loft). Taarnrummet, der tjener til Vaabenhus, har nyt Bjælkeloft. Et Kapel, der 1589 stod ved Kirkens Sydside, er senere nedbrudt. Nyt Alterbord med Christus paa Korset; Alterstagerne ere skænkede 1594 af Erik Hardenberg og Anne Rønnov. Ny Prædikestol; gammel, svær Døbefont af Kalksten, vistnok fra Graabrødrekirke i Odense (se Saml. til Fyens Hist. VIII S. 127 flg.). I Taarnrummet to Ligsten over Præsterne Rasm. Jensen, † 1520, og Hustru Anne Christoffersdatter og Anders Mortensen, † 1606, og Hustru. Den ene Klokke er støbt 1424 af Cort og har et Relief: St. Jørgens Kamp med Dragen. Et Ligkapeler opf. 1393.

St. Jørgens Hospital har sin Oprindelse fra en *St. Jørgens Gaard* for spedalske, til hvilken Kirken hørte i Middelalderen. Gaardens Navn forekommer første Gang 1332, da Drosten Laurids Jensen skænkede den nogle Ejendomme i Sørup (ved 3 Dombreve af 1372 og 1374 tilkendte Vald. Atterdag Hospitalet dette Gods). Det synes at have været en ret betydelig Stiftelse, der havde flere Besiddelser, deribl. en større Avlsgaard, Brydegaarden; af en Statut fra 1486 fremgaar det, at der var 8 karske Lemmer (ɔ: Brødre) til at samle Almisse til de syge og pleje disse. Efter Reformationen vedblev St. Jørgens Gaarden, der i den seneste Middelalder havde været en kgl. Forlening, at bestaa som Syge- eller rettere som Fattighus, en Tid lang under Familien Rønnovs Patronat; 1590 fik den en ny Fundats; Fattiglemmerne, af hvilke der dengang var 24, husedes i 26 smaa Boder; 1735 udkom atter en ny Fund., hvori Lemmernes Antal fastsattes til 22; ved kgl. Res. af 1811 ændredes Tallet til 15. Aar 1738 opførtes en ny, grundmuret Bygning af Joh. Lehn til Hvidkilde i Stedet for nogle ældre Bindingsværkshuse. De 15 Lemmer faa fri Bolig og hver aarl. 120 Kr. samt Brændsel, Pleje og Lægehjælp. Besidderen af Baroniet Lehn betaler Skatter og Afgifter, vedligeholder Hospitalet og betaler aarl. omtr. 685 Kr., 16 Favne Brænde

og 37,300 Stkr. Tørv. Hospitalet, der ejer en Kapitalformue af omtr. 54,000 Kr., deri indbefattet nogle Legater, bestyres under Stiftsøvrighedens Tilsyn af Besidderen af Baroniet Lehn og Sognepræsten. (Se Saml. til Fyens Hist. I S. 1 flg., og Kirkeh. Saml. 3. R. I S. 549 flg.).

**Sørup Sogn**, Anneks til St. Jørgens S., omgives af dette, Svendborg Købstadsjorder og Tved, Kirkeby og Egense Sogne. Kirken, mod V., ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Margretelund, Sophielund). I Sognet ligger den omtr. 25 Td. Ld. store *Sørup Sø*, der har Afløb til Hvidkilde Sø i Egense Sogn. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Svendborg til Odense og Faaborg og den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1772 Td. Ld., hvoraf 799 besaaede (deraf med Hvede 32, Rug 171, Byg 191, Havre 198, Blandsæd til Modenh. 103, Grøntf. 49, Kartofler 11, andre Rodfr. 43), Afgræsn. 293, Høslæt, Brak, Eng m. m. 353, Have 34, Skov 179, Moser 25, Hegn 22, Veje og Byggegr. 65 Td. Kreaturhold 1893 i Sørup og St. Jørgens Sogne: 212 Heste, 794 Stkr. Hornkv. (deraf 605 Køer), 246 Faar, 317 Svin og 17 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895 i Sørup og St. Jørgens Sogne: 242 Td.; 52 Selvejergaarde med 185 og 298 Huse med 45 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1301 (1801: 372, 1840: 479, 1860: 610, 1880: 1181), boede i 181 Gaarde og Huse; Erhverv: 74 levede af immat. Virksomh., 422 af Jordbrug, 13 af Gartneri, 516 af Industri, 43 af Handel, 46 af Skibsfart, 115 af andre Erhv., 38 af deres Midler, og 34 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sørup*, ved den nordl. Side af Sørup Sø, med Kirke, Dobbeltskole, Friskole, Højskole (opr. 1889), Forsamlingshus (opf. 1896) og Jærnbaneholdeplads; *Rødskebølle*, ved Odensevejen. *Tordengaarde* og *Belvedere*, Huse, *Pasop Huse* med Maskinfabrik (se S. 575). Fattiggaarden *Hannelund* (opr. 1867, Plads for 40 Lemmer). — Gaarden *Lehnshøj*, under Baroniet Lehn (se S. 632), har $15^1/_4$ Td. Hrtk., 136 Td. Ld. (31 i Egense S.), alt Ager. *Sølyst*: 12 Td. Hrtk., 107 Td. Ld. (1 Hus med 7 Td. Ld. i Tved S.), næsten alt Ager.

Sørup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' Lægd 33b. Kirken tilbører Baroniet Lehn.

*Kirken*, der helt er overpudset med Cementrapning, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., med Trappehus, og Vaabenhus mod S. Den er opført i Middelalderen af Kamp og Mursten; Kirken er overhvælvet; Taarnet og Trappehuset have Kamgavle og Blindinger; Vinduerne ere nu spidsbuede. Den sidste Restauration 1865—74 har udslettet Sporene af Kirkens tidligere Bygningshistorie. Altertavlen har et nyt Maleri af C. Bloch (Christus med Tornekronen, efter Guercinos Maleri i Palazzo Corsini i Rom); tarvelig Prædikestol med smaa, snoede Søjler Granitdøbefont med Hoveder paa Foden. I Taarnrummet er Lehnernes Familiebegravelse med 8 Kister, hvori bl. a. hvile Baron P. Abraham Lehn, † 1804, og Hustru Erica Christine Cicignon. En Runesten, der har ligget ved Kirkedøren, er nu i Nationalmuseet. Ifølge D. Atl. (VI, S. 711) havde Kirken lidt saaledes ved de svenske, der brændte Byen, at der ingen Gudstjeneste kunde holdes 1660—63. — Kirkegaarden ligger ud til Sørup Sø med et højt Stendige; i det nordøstl. Hjørne et nyt Ligkapel fra 1890.

Sørup var oprindelig et eget Pastorat og blev vistnok først ved Reformationens Indførelse forenet med St. Jørgens Sogn; i Beg. var Sørup Hovedsognet, først i Jac. Madsens Visitatsb. betegnes det som Annekset.

**Egense Sogn** omgives af St. Jørgens, Sørup, Kirkeby, Ollerup og Ø.-Skjerninge Sogne samt Svendborg Sund. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^3/_4$ Mil V. for Svendborg. De mod N. højtliggende og bakkede (Troldekrog, 314 F., 99 M.), mod S. lavere liggende Jorder ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Hedesk., Løvehaven, Amalielyst, Paulinelund,

Tankefuld m. m.). Ved Vestgrænsen ligger den omtr. 120 Td. Ld. store *Hvidkilde Sø*, i hvilken ligge 3 skovbevoksede Holme (tils. 5 Td. Ld.), og som staar i Forbindelse med Sørup Sø mod Ø. og Nielstrup- og Ollerup Søer mod V. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg til Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 3840 Td. Ld., hvoraf 1634 besaaede (deraf med Hvede 144, Rug 266, Byg 430, Havre 390, Bælgsæd 34, Blandsæd til Modenh. 199, Grønti. 87, Kartofl. 19, andre Rodfr. 63), Afgræsn. 486, Høslæt, Brak, Eng m. m. 743, Have 55, Skov 591, ubeplantet 66, Moser 19, Kær og Fælleder 4, Hegn 26, Veje og Byggegr. 116, Vandareal 100 Td. Kreaturhold 1893: 289 Heste, 1168 Stkr. Hornkv. (deraf 789 Køer), 917 Faar, 498 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 349 Td.; 47 Selvejergaarde med 301, 1 Arvefæstegd. med 3, 2 Fæstegd. med 9, 127 Huse med 32 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse (c. $^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 984 (1801: 626, 1840: 876, 1860: 1058, 1880: 1098), boede i 179 Gaarde og Huse; Erhverv: 42 levede af immat. Virksomhed, 526 af Jordbr., 3 af Gartneri, 78 af Fiskeri, 215 af Industri, 23 af Skibsfart, 65 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Egense* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle og Andelsmejeri (Bakkekilde); *Skovsbo* med Forsamlinghus (opf. 1887). Saml. af Huse: *Fiskophuse*, *Rantzausminde* med Skole, Mølle og Udskibningssted, *Lehnskov Huse*. — Hovedgaarden *Hvidkilde*, Hovedsædet i Baroniet Lehn, har $79^1/_2$ Td. Hrtk., 740 Td. Ld. (omtr. 20 i Sørup S.), hvoraf 8 Eng, Resten Ager; til Gaarden hører Rødemølle. Hovedgaarden *Lehnskov*, ved Indløbet til Svendborg Sund, ligeledes under Baroniet, har $26^1/_4$ Td. Hrtk., 252 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, Resten Ager*). Desuden Landstedet *Miramare* og Skovridergaarden *Dyrehavegd.*

Egense S., en egen Sognekommune, hører under Lehns Birks Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 34. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken*, beliggende paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og en lille Udbygning mod N. Skib, Kor og Taarn ere overhvælvede. Kirken er i nyere Tid blevet restaureret (1861—62), saaledes at den fremtræder som en gotisk Kirke med stærkt moderne Tilsnit; ethvert Spor af den oprindelige Bygning er skjult under Cementpudsen. Udvendig paa Taarngavlen staar 1743, paa Taarnets Nordside: S. A. R. L. 1822. Altertavlens Træværk er fra 1617, skænket af Anne Hardenberg, Joh. Ruds til Vedtofte; det indeslutter et ældre, tarveligt Maleri (Korsfæstelsen) og et nyere fra 1880'erne, af A. Jerndorff (Christus mellem to romerske Soldater). Paa Alterstagerne Erik Hardenbergs og Anne Rønnovs Forbogstaver. Prædikestolen er et smukt Renæssancearbejde fra Midten af 16. Aarh. med Rønnovernes, Hardenbergernes, Rosenkrantzernes og Krabbernes Vaabener. Romansk Granitdøbefont med Korsfigurer og Bladornamenter. Indvendig i Taarnrummet, der tjener som Vaabenhus, en Ligsten over Eiler Rønnov, † 1563, og Anne Rønnov, † 1543. Aar 1811 bleve de under Kirken værende aabne Begravelser, hvori hvilede Ejere af Hvidkilde og Lehnskov, tilkastede og Ligene dels flyttede til Sørup Kirke, dels nedgravede paa Kirkegaarden; blandt de sidste var Jørgen Kaas til Hastrup, † 1657.

*Hvidkilde*, Hovedsædet for *Baroniet Lehn*, maa oprindl. have været en kgl. Ejendom, thi 1376 nævnes Johan Wittekop, „houetman to Wittekelde" (Lüb. Urkundenbuch IV S. 339) og Anders Pedersen (Panter), som 1374 skrives af H., har vel derfor ogsaa kun været Høvedsmand her og ikke Ejer. I det flg. Aarh. var Gaarden dog bleven privat Eje og tilhørte 1420 Eiler Rønnov, senere Rigsmarsken Claus Rønnov, † 1486, og dennes Søn Rigsraad Hr. Marqvard R. Hans Søn Eiler R. døde 1563 som

*) Til *Baroniet Lehn*, der indbefatter Hovedgaardene Hvidkilde, Lehnskov, Nielstrup og Heldagergaard og Gaarden Lehnshøj, here 479 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 198, indtaget til Skov 95, Bøndergods 40, Kirke- og Kongetiender $145^3/_4$ Td.; i Bankaktier 20,800, i Søassuranceaktier 4000, i Fideikommiskapitaler 1,234,200 Kr. Godset har et saml. Jordtilliggende af 2053 Td. Ld. og 2243 Td. Ld. Skov. Dertil kommer endnu Godset Kiding i Hertugdømmet Slesvig (substitueret mod Fideikommiskapital 426,000 Kr.) med et Tilliggende af 865 Td. Ld. Plojeland slesv. Maal og 120 Td. Ld. Skov.

Slægtens sidste Mand, hvorefter H. ved hans Datters Giftermaal med Jens Bille kom til denne Familie, nemlig Jens B. † 1575, hans Søn Marcus B., † 1631, dennes Datter Karen B., † 1670, der ægtede Falk Gøye, † 1653. Hun maatte 1661 gøre Opbud, og hendes Svigerinde, den lærde Jomfru Anne Gøye, kom derved i Besiddelse af H., som hun tillige med Egense og Sørup Kirker og Herlighedsretten til St. Jørgensgaard ved Svendborg solgte 1679 til Kmhr. Vald. Chrf. Gabel, som tilkøbte Halvdelen af Lindskov. Gabel døde ugift 1725, hvorefter begge Gaarde for resterende Skatter bleve inddragne af Kronen og s. A. solgte til Johan Lehn (762¼ Td. Hrtk.). Ved sit Ægteskab med Edele Margrethe Løvenhielm fik Lehn (adlet 1731) Nielstrup; ved hans Død 1760 tilfaldt Ejendommene hans Brodersøn, Konferensr. Poul Abrah. Lehn († 1804), der 1781 af sine fynske Ejendomme oprettede Baroniet Lehn. Baroniet gik i Arv til Stifterens Datterdatter Baronesse Rantzau-Lehn, g. m. Kmhr., Baron F. Chr. Holsten-Lehn. Da Baronessen døde barnløs 1860, gik Baroniet over til hendes Moders Søsterdatters Søn, Baron O. D. Rosenørn-Lehn, † 1892, tillige Besidder af Baroniet Guldborgland. Hans Broder, Baron Erik C. H. Rosenørn-Lehn er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, beliggende ved Faaborgvejen og Hvidkilde Sø (i Nærheden ligger den Kilde, som har givet den Navn), er ombygget og opført 1742; det er en anselig, hvid Bygning i to Stokv., bestaaende af tre Fløje i Palaisstil. I

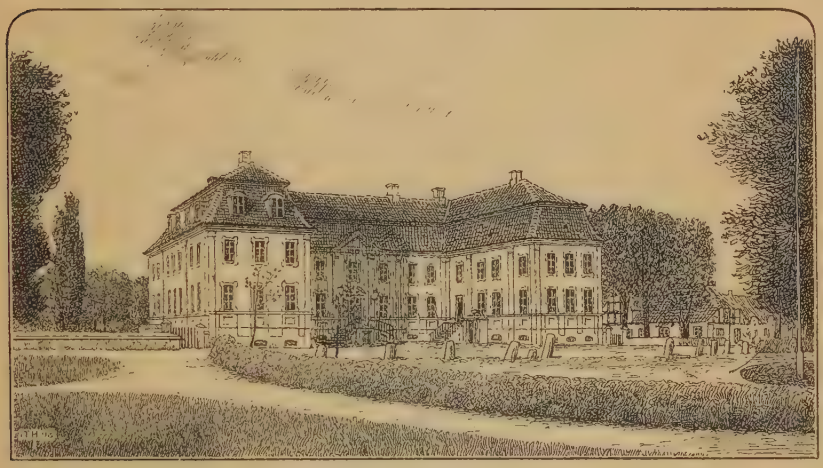

Hvidkilde.

den store Have findes smukke Anlæg og Vandspring; af Træer nævnes bl. a. en ca. 70 F. høj Populus alba (Stammens Omfang 16½ F.), en Ginkobilola (Salisburia), og en 30 F. høj Gymnoclades canadensis.

*Lehnskov*, tidligere *Lindskov*, nævnes 1412 og tilhørte da en Adelsmand af Slægten Basse. I 16. Aarh. tilhørte den Bent Norby, † 1565, derefter hans Søn Erik Norby, † 1585, dennes Datter Birte, g. m. Hans Kaas, † 1632, Landsdommer i Fyn, deres Søn Erik Kaas, † 1670, Landsdommer paa Langeland, hans Søn Rudbek Kaas, dennes Enke Jytte Banner 1691, derefter hendes tre Døtre Kirsten, Birgitte og Sophie Christine Kaas. Den første af disse var g. m. Oberst Heinr. Chr. von Rabe, der 1696 solgte hendes Part i L. til Vald. Chrf. Gabel. Den anden halve Part ejedes 1718 af Axel Rosenkrantz, som 1723 solgte den til en jydsk Præst Hans Schousbo, hvis Enke 1727 solgte den til Joh. Lehn til Hvidkilde, som saaledes atter var Gaardens Eneejer. Siden har den hørt til Hvidkilde. — Hovedbygningen er opført 1885 i Villastil.

I *Skovsbo* laa tidligere en Hovedgaard. Den ejedes 1423 af en Adelsmand Jep Herlufsen; 1680 var den endnu en Gaard paa 27¼ Td. Hrtk. med Skov til 60 Svins Olden. Ejeren, „velagt Mand David Lauridsen", solgte den 1681 til Kmhr. V. Chrf. Gabel, og siden har den været lagt under Hvidkilde.

Syd for Hvidkilde Sø ligger et gammelt Voldsted *Boelsgaard*, hvor der for omtr. 300 Aar siden endnu skal have staaet en Herregaard, vistnok det *Søbo*, som omtales i Jac. Madsens Visitatsbog S. 227 og Aktstykker til Opl. af Danm. indre Forh.,

I S. 173. Aar 1423 tilhørte den en Adelsmand Matis Nielsen og 1593 Ditl. v. Qvalen; 1631 havde den fælles Ejer med Hvidkilde, nemlig Henr. Gyldenstierne, der da mageskiftede den og Hvidkilde til Hr. Jørgen Skeel for Valden i Halland.

**Øster-Skjerninge Sogn**, hvortil Hundstrup S. i Salling Hrd. er Anneks, omgives af Egense og Ollerup Sogne, Salling Hrd. (V.-Skjerninge S.) og Lille Bælt. Kirken, mod N., ligger omtr. 1 Mil V. for Svendborg. De noget bakkede, mod S. skraanende Jorder ere mod N. overvejende lermuldede, mod S. sandmuldede og sandede. Skoven Eskemose. Paa Nordgrænsen ligger den omtr. 52 Td. Ld. store *Ollerup Sø*, fra hvilken løber Syltemade Aa, der danner Sognets Nordvest- og Vestgrænse.

Fladeindholdet 1896: 1706 Td. Ld., hvoraf 903 besaaede (deraf med Hvede 54, Rug 161, Byg 223, Havre 201, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 114, Grøntf. 78, Kartofler 12, andre Rodfr. 43, Handelspl. 3), Afgræsning 225, Høslæt, Brak, Eng m. m. 390, Have 27, Skov 66, Moser og Kær 3, Hegn 31, Veje og Byggegr. 56. Kreaturhold 1893: 202 Heste, 661 Stkr. Hornkvæg (deraf 441 Køer), 363 Faar, 294 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hrtk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 173 Td.; 34 Selvejergaarde med 147, 2 Arvefæstegd. med 7, 1 Fæstegd. med 1, 53 Huse med 18 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse (c. $^1/_4$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 536 (1801: 332, 1840: 456, 1860: 468, 1880: 577), boede i 94 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomhed, 350 af Jordbr., 8 af Fiskeri, 121 af Industri, 7 af Handel, 19 af forsk. Daglejervirks. og 14 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Øster-Skjerninge* (delt i Sømark og Aamark) med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1883), Mølle og Maltgøreri; *Ballen*. *Fruenshave*, Huse. Gaarden *Ullemose*: 17 Td. Hrtk., 180 Td. Ld., hvoraf omtr. 20 Skov, Resten Ager (nogle Fæstehuse i Ballen). *Præstegaarden*: omtr. 14 Td. Hrtk. *Nørregd.* og *Skjerningegd.*

Ø.-Skjerninge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Lehns Birks Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 35. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken*, fordum indviet til St. Morten, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn med Trappehus mod V. og Materialhus (før Vaabenhus) mod N. Kirken er i sine ældste, nederste Dele opf. af utilhuggen Kamp, i øvrigt af Mursten og stammer fra Middelalderen, men ved en Restauration 1866—74 er den helt overpudset med et tykt Lag Cementrapning, saa at alle Spor af dens tidligere Bygningshistorie ere udslettede. Der er nu indsat store, spidsbuede Vinduer; Korbuen er spids, ligeledes Døren ind til Taarnrummet, der nu tjener til Vaabenhus. Skib, Kor og Taarnrum ere overhvælvede, Vaabenhuset har Bjælkeloft. Kor, Taarn (til Dels nyopf. 1874) og Vaabenhus have Kamgavle med Blindinger. Stræbepillerne paa Kirkens Ydermure have smaa, pyntelige Gavle. Kirken er indvendig malet lyseblaa med hvide Piller og Ribber. Moderne Altertavle i gotisk Stil med et godt malet Billede af A. Dorph fra 1869 (Christus vandrer paa Havet); udskaaren Prædikestol i Renæssancestil (de fleste Forsiringer ere fjernede) med Indskr.: Severinus Georgius ano 1594; gammel Granitdøbefont med Rebsnoning og Hoveder paa Foden. I Taarnrummet to Ligsten, den ene over Præsten Bagge Jacobsen Weyle, † 1629, den anden fra 1655 over Herredsfoged Laur. Andersen. I Kirken en Series pastorum og en Mindetavle over en Soldat, falden 1864.

I Øster-Skjerninge laa en stor Gaard *Holmen*, der 1664 beboedes af to Bønder; men i et Tingsvidne siges, at den tidligere havde været beboet af Adel; vel sagtens sigtes hermed til en adelig Jomfru Marine Hansdatter fra Kjærsgaard i Jylland, der i alt Fald 1569 boede i Øster-Skjerninge.

**Ollerup Sogn** omgives af Ø.-Skjerninge og Egense Sogne, Annekset Kirkeby, Stenstrup Sogn og Salling Hrd. (V.-Skjerninge S.). Kirken, mod S., ligger omtr. 1 Mil V. N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Mændenes Løkke, Ollerup Kohaver m. m.). I Sognet ligger den omtr. 40 Td. Ld. store *Nielstrup*

*Sø*, der staar i Forbindelse med de paa Sydgrænsen liggende Hvidkilde og Ollerup Søer (se S. 632 og 634), og hvis Afløb danner Sognets Sydvestgrænse. Gennem den sydl. Del gaar Landevejen fra Svendborg til Faaborg.

Fladeindholdet 1896: 2423 Td. Ld., hvoraf 1084 besaaede (deraf med Hvede 38, Rug 203, Byg 297, Havre 247, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenh. 157, Grøntf. 59, Kartofler 6, andre Rodfr. 66), Afgræsn. 315, Høslæt, Brak, Eng m. m. 524, Have 33, Skov 236, Moser 49, Hegn 17, Veje og Byggegr. 163, Vandareal m. m. 2 Td. Kreaturhold 1893: 186 Heste, 720 Stkr. Hornkv. (deraf 498 Køer), 321 Faar, 318 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 218 Td.; 36 Selvejergaarde med 184, 1 Arvefæstegd. med 4 og 105 Huse med 29 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 834 (1801: 476, 1840: 656, 1860: 744, 1880: 765), boede i 136 Gaarde og Huse; Erhverv: 130 levede af immat. Virksomh., 432 af Jordbr., 7 af Gartneri, 1 af Fiskeri, 122 af Industri, 13 af Handel, 78 af forsk. Daglejervirks., 39 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ollerup* (1481: Oldropp, 1499: Alderup), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Folkehøjskole i Forbindelse med en Haandværkerskole (se ndfr.), Forsamlingshus (opf. 1885), Børnehjem (opr. 1874, udvidet 1876, Plads for 20 Børn) og Andelsmejeri (Aakilde); *Staagerup*, hvoraf en Del i Stenstrup Sogn. *Knarrebjærg Huse*, *Skovmark*, Gde. og Huse. Hovedgaarden *Nielstrup*, under Baroniet Lehn (se S. 632), har $38^7/_8$ Td. Hrtk., 398 Td. Ld., hvoraf 35 Eng, Resten Ager. Gaardene *Skovsgaard* og *Bejerholm*.

Ollerup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 36. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken* (vistnok fordum indviet til St. Oluf) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn med Trappehus mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført i Middelalderen af Kamp og Mursten, men ved en Restauration 1869—70 er den helt overpudset med et tykt Lag Cementrapning, saa at alle Spor af dens tidligere Bygningshistorie ere udslettede. Den har nu store, spidsbuede Jærnvinduer. Taarnet, der er ombygget 1891—92, har Kamgavle med Blindinger, Korgavlen og Vaabenhuset ligeledes; i det sidste en spidsbuet Dør med en Sten som Tympanon, hvorpaa et ligearmet Kors. Hele Kirken er overhvælvet undtagen Vaabenhuset, som har nyt Bjælkeloft. Taarnrummet, der tidligere har været Gravkapel for Ejere af Nielstrup, er hævet 7 Trin over Kirkegulvet; indvendig er Kirken malet lyseblaa med hvide Ribber. Ny Altertavle med et Maleri (Nadveren), sign. N. P. Fogh 1817; den gamle Altertavle fra 1606, skænket af Ditlev v. Qualen, hænger bag Alteret; udskaaren Prædikestol fra 1606 i Renæssancestil, ligeledes skænket af v. Qualen; Granitdøbefont. I Taarnrummet er der indmuret Ligsten over Hr. Joh. Bjørnsen til Nielstrup, † 1534, og Hustru Gertrud Parsberg, † 1560 (paa Stenen en harniskklædt Ridder og en meget mindre kvindelig Figur), og over Iver Lunge, † 1587, og Hustru Maren Bjørnsdatter, † 1561 (Figurer paa Stenen). Af andre, der have ligget begravede her, nævnes Fru Else Krabbe, Eiler Høegs til Dallund, † 1655, Jørgen Ernst v. Hobe, † 1749, og hans 1. Hustru Anne Cathrine Nielsdatter, † 1713, og Oberst Ditlev Buchwald, † 1735. I Vaabenhuset to smaa Ligsten over 2 Børn. — Paa Kirkegaarden ligger begravet Forfatteren Anton Nielsen, † 1897 (se ndfr.).

*Nielstrup* tilhørte i 1. Halvdel af 14. Aarh. den bekendte rige Hr. Niels Brok. Hans Søn Esge B. af Hikkebjærg oplod den med „Woltemølle“ og „Agards“ Mølle-sted og alt Faderens Gods i „Uldorp“ Sogn samt meget andet Gods 1371 til sin Søster Fru Johanne Nielsdatter, Enke efter Anders Jensen af Essendrup. Ikke desmindre bekendte hendes Søn Hr. Jens Andersen af Essendrup sig 1395 at have Gaarden i Pant af Hennike Moltke af Torbernfeldt. 1408 skal den have tilhørt Hr. Henning Kabel, hvis Datter Elsebe var gift først med Hr. Claus v. Witzen, derefter med Hr. Bjørn Olsen og endelig med Gert Bryske. Hendes Søn af 2. Ægteskab Hr. Johan Bjørnsen ejede Gaarden 1449. Imidlertid var han næppe Eneejer, thi 1445 skrev Hr. Anders Eriksen Gyldenstierne sig til N. Da hans Datter Beate ægtede Hr. Joh. Bjørnsens Søn Jachim Johansen, der 1463 skrev sig til N., er vel Gaarden i

hvert Fald bleven samlet. Deres Søn Jachim Jachimsen, ogsaa kaldet Jochim Bjørnsen, skrev sig 1495 til N., men maa have solgt den til Hr. Poul Laxmand, efter hvis Død 1502 den kom til Kronen, som mageskiftede den til Jachim Jachimsens Farbroder Hr. Bjørn Johansen. Dennes Søn Rigsraad Hr. Johan Bjørnsen, † 1534, ejede derefter N., saa dennes Datter Sophie Lunge, Ditlev v. Qualens, og hendes Søster Gertrud Lunge, Eiler Bryskes, † 1614, hvis Dattersøn Eiler Høeg var Gaardens næste Ejer. Efter hans Død 1660 blev N. 1661 udlagt til to af hans Kreditorer, Niels Krabbe og Borgmester Niels Lauridsen i Svendborg. Niels Krabbes Part blev 1682 af Sophie Krabbe til Hikkebjærg solgt til Niels Krag, som 1682 solgte den til Niels Lauridsens Børn Niels Nielsen og Anne Cathrine Nielsdatter. 1695 købte sidstnævnte Broderens Anpart i N. (113 Td. Hrtk.). Hun ægtede Kapt. Jørgen Ernst v. Hobe, der beholdt N. efter hendes Død 1713 og giftede sig igen med Edel Margrethe Løwenhielm, som efter hans Død 1749 udkøbte hans Arvinger og ægtede Johan Lehn, ved hvilken Lejlighed N. blev forenet med Hvidkilde. — Hovedbygningen er fra Beg. af 19. Aarh.; Gravene ere til Dels opfyldte for omtr. 20 Aar siden; inden for Gravene findes Murrester af gamle Bygninger; omtr. 500 Al. Ø. for Gaarden er et Voldsted, omtr. 130 F. paa hver Led, hvor efter Sagnet det gamle, under Grevens Fejde afbrændte Nielstrup skal have staaet.

I Ollerup har tidligere ligget en Herregaard, om hvilken en Bondegaard, *„Slottet"*, maaske endnu minder.

*Ollerup Folkehøjskole* er oprindelig oprettet 1868 af Forfatteren Mads Hansen i Vester-Skjerninge (s. S. 664), men flyttedes 1882 til O., hvor den havde Lokale i en Gaard, indtil den nuv., anselige Bygning opførtes 1893—95 paa Himmerigsbakken. Anton Nielsen var dens Forstander 1868—84.

**Litt.**: Annekteringer af Stenstrup, Lunde, Ollerup og Kirkeby Sogne, i Kirkeh. Saml. 4. R. III Bd. S. 154 flg.

**Kirkeby Sogn**, Anneks til Ollerup, omgives af dette, Egense, Sørup og Tved Sogne, Gudme Hrd. (Gudbjærg S.) og Lunde og Stenstrup Sogne. Kirken, noget vestl., ligger omtr. 1 Mil N. N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt Højbjærg mod N. Ø., 357 F., 112 M.) ere for en Del sandede og grusede, dog nogle Steder muldede og lerede. Over $^1/_6$ af Arealet er dækket af Skov (Raarud, Slæbæk Sk. m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Svendborg til Odense, med Sidevej til Assens, og den sydfynske Jærnbane.

Fladeindhold 1896: 3123 Td. Ld., hvoraf 1355 besaaede (deraf med Hvede 14, Rug 303, Byg 305, Havre 324, Bælgsæd 7, Blands. til Modenh. 193, Grøntf. 93, Kartofler 21, andre Rodfr. 94), Afgræsn. 417, Høslæt, Brak, Eng m. m. 578, Have 35, Skov 525, ubeplantet 16, Moser 29, Kær og Fælleder 8, Hegn 36, Veje og Byggegr. 111, Vandareal 13. Kreaturhold 1893: 272 Heste, 871 Stkr. Hornkv. (deraf 607 Køer), 421 Faar, 338 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 221 Td.; 55 Selvejergaarde med 181, 1 Fæstegd. med 2, og 169 Huse med 38 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1084 (1801: 464, 1840: 606, 1860: 847, 1880: 969), boede i 210 Gaarde og Huse; Erhverv: 38 levede af immat. Virksomh., 521 af Jordbrug, 364 af Industri, 25 af Handel, 105 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kirkeby*, ved Assensvejen, med Kirke, Skole, Forskole, Forsamlingshus (opf. 1892), 2 Teglværker, Andelsmejeri, Jærnbaneholdeplads; *Dongs-Højerup*; *Raarud*; *Slæbæk* (1374: Slæthebek) med 2 Teglværker (de tre sidste Byer ved Odensevejen); *Egebjærg* med Forsamlingshus (opf. 1882), Mølle og Teglværk. Saml. af Huse: *Kirkebysand*, *Ny-Slæbæk*, *Egebjærg-Skovhuse*. *Slæbækgaard*.

Kirkeby S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Lehns Birks Jurisdiktion (Svendborg), i øvrigt under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet samt under 3. Udskrivningskr.' 37. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Egeskov.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og

Kor ere opførte i den romanske Periode af utilhuggen Kamp paa en profileret, to Skifter høj Sokkel af Granit. Til Hjørnerne og et Par Skifter over Sokkelen er anvendt hugne Granitkvadre. Et romansk Vindue er bevaret i Korets Nord- og eet i Østsiden, og paa Skibets Nordside er den oprindelige Dør. I den senere Middelalder ere Taarn og Vaabenhus tilføjede og Kirken overhvælvet. Taarnet var indvendig opført af raa Granit, udvendig af Munkesten; paa Grund af Skrøbelighed maatte det nedtages 1890 og er atter blevet opført i sin gamle Skikkelse, og Kirken er bleven restaureret 1890—92 under Ledelse af Bygningsinspektør J. V. Petersen. Gotisk Altertavle med et Maleri (Christus som Korsdrager) af Malermester Syrack, Faaborg, fra 1868. Tarvelig, rund Prædikestol. Romansk Granitdøbefont med Løvværksornninger paa Kummen. I Kirken et Harnisk med Indskrift: Kaptajnlieutn. H. A. Curtius, † 1729, og Frue B. C. Nors. — I Kirkegaardshegnet har ligget en for faa Aar siden nedbrudt, middelalderlig Kirkelade, opf. af Kamp og Munkesten.

Kirkeby var tidligere et Pastorat med Lunde til Anneks; ved Brev af $^{25}/_{4}$ 1541 lagdes Kirkeby og Lunde Sogne indtil videre ind under St. Nikolai Kirke i Svendborg; 1632 var der en Plan oppe om at lægge Kirkeby til Stenstrup Sogn; ved Reskr. af $^{20}/_{11}$ 1637 blev Kirkeby Anneks til Ollerup (traadt i Kraft 1644), medens Lunde lagdes til Stenstrup (se Danske Kirkelove III, S. 201 og den under Ollerup S. anførte Artikel).

**Stenstrup Sogn** omgives af Ollerup og Kirkeby Sogne, Annekset Lunde, Kværndrup Sogn og Salling Hrd. (Krarup og Hundstrup S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. $1^{1}/_{2}$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Lungmosebjærg, 235 F., 74 M.) ere for en Del stenede og grusede, dog ogsaa paa nogle Steder muldede og lermuldede. En stor Del Skov (Skovlukker, Baarvekrog, Bommose Made, Fuglehave m. m.). Gennem Sognet gaa en mindre Landevej fra Svendborg til Assens og, ved Østgrænsen, den sydfynske Jærnbane.

Fladeindhold 1896: 4561 Td. Ld., hvoraf 2068 besaaede (deraf med Hvede 116, Rug 354, Byg 509, Havre 524, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 339, Grøntf. 81, Kartofler 22, andre Rodfr. 116), Afgræsn. 593, Høslæt, Brak, Eng m. m. 939, Have 80, Skov 578, Moser 160, Kær og Fælleder 6, Hegn 11, Heder 18, Veje og Byggegr. 96, Vandareal m. m. 12 Td. Kreaturhold 1893: 270 Heste, 1048 Stk. Hornkv. (deraf 762 Køer), 378 Faar, 256 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 357 Td.; 48 Selvejergaarde med 286, 1 Fæstegd. med 7 og 216 Huse med 64 Td. Hrtk. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1706 (1801: 723, 1840: 1192, 1860: 1432, 1880: 1521), boede i 312 Gaarde og Huse; Erhverv: 73 levede af immat. Virksomhed, 865 af Jordbrug, 7 af Gartneri, 440 af Industri, 62 af Handel, 186 af forsk. Daglejervirks., 38 af deres Midler, og 35 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Stenstrup*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Forskole, Forsamlingshus (opf. 1884), Købmandsforretn., Bageri, 3 Teglværker, Uldspinderi, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition; *Hundtofte*, ved Landevejen, med Fattiggaard for Stenstrup-Lunde Kommune (opf. 1869, Plads for 21 Lemmer); *Lille Løjtved* (4 Huse), ved Landevejen; *Rødme* med Fællesmejeri; en Del af *Staagerup* (Resten i Ollerup S.). Saml. af Gde. og Huse: *Løgeskov* med Skole og Missionshuset „Nazareth" (opf. 1890), med Forskole, *Dynden*, *Højerupgaards Huse*, *Snevren*, *Ny-Stenstrup*, *Rødmegyden*, *Hundtofte-Mark* m. m. Hovedgaarden *Skjoldemose* (med Skovsgaard i Ollerup S.) har 35 Td. A. og E. Hrtk. og 16 Td. Skovskyld, 680 Td. Ld., hvoraf 380 Skov, Resten Ager; til Gaarden hører $2^{1}/_{2}$ Td. Hrtk. Fæstegods. Hovedgaarden *Løjtved* har $34^{1}/_{4}$ Td. A. og E. Hrtk. og $2^{5}/_{8}$ Td. Skovskyld, 394 Td. Ld., hvoraf 15 Tørvemose og 70 Skov (i Lunde S.), Resten Ager; desuden høre til Gaarden $4^{1}/_{4}$ Td. Hrtk. Fæstegods (omtr. 40 Td. Ld.). Hovedgaarden *Kroghenlund* har 26 Td. A. og E. Hrtk., 3 Td. Skovskyld, 360 Td. Ld., hvoraf omtr. 100 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 4 Td. Hrtk. Fæstegods og Stenstrup Kirke med Kirke- og den halve Kongetiende. Gaarden

*Amalienlund*, *Petersminde* Teglværk, *Langhøj Mølle* og *Højerup Vand- og Vejrmølle.*

Stenstrup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 38. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Kroghenlund.

*Kirken*, fordum indviet til St. Laurentius, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og 3 smaa Udbygninger mod N. (Kulrum, Materialhus — før Indgang til Kirkeejerens Stol — og Trappehus). Kirken er opført i romansk Tid af Kamp og Mursten (i D. Atl. VI S. 715 siges, at den er bygget 1372, da der udstedtes et Afladsbrev til den, ligeledes 1373 og 1445); i den senere Middelalder er den forlænget mod Ø. og det nuv. Kor opf. af Mursten med Sokkel af Kamp, ligesom Kirken blev overhvælvet. Skibets og Korets Gavle have Kamme; Taarnet, der omtr. i Højde med Skibets Mure er af Kamp, Resten af Mursten, har Kamgavle og Blindinger. Over Indgangen til Vaabenhuset i Taarnets Vestside staar, at Absalon Gøye til Kjelstrup, Befalingsmand paa Dalum, Aar 1600 har ladet Kirken bygge, ɔ: han har opf. Taarnet og restaureret Kirken. Over denne Sten staar Aarst. 1877, Aaret for den sidste Restauration, da Kirken helt blev overpudset med Cement. Korbuen er rund; Skib og Taarn ere adskilte ved en Mur med Dør, over hvilken Orgelet. Nyt Alterbillede (Christus), anbragt oven paa den gamle Altertavle fra 1601; udmærket udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 1619; bronceret Støbejærnsdøbefont. Alterstager fra 1601. I Taarnets Sydvæg et Marmorrelief af Prof. C. C. Peters til Minde om Provst L. A. F. Rasmussen, † 1889 (Peters' Svigerfader); i Nordvæggen tre Ligsten over Ridefoged Jens Lassen, † 1638, Forpagter Mads Hviid, † 1712, og Niels Efvertsen Friis, † 1681. I den nu tomme Begravelse under Koret har Absalon Gøye med flere hvilet. Den ene af Klokkerne er fra 1504.

*Skjoldemose* tilhørte længe Familien Hardenberg, nemlig Corfitz H. 1526, dennes Sønner Erik og Knud, hvilken sidste udkøbte Erik og sine øvrige Søskende. Han døde under Syvaarskrigen af Pest og efterlod sig kun en Datter Mette, † 1617, g. m. Kansleren Chr. Friis til Borreby. S. arvedes af Holger Rosenkrantz efter hans Fader Axel og kom med hans Datter Anne til hendes Mand Otte Krag, og efter hendes Død 1688 til Sønnen Niels Krag. Den ejedes derefter af hans Søn af samme Navn, hvis Enke Sophie Juel 1753 købte S. af sin Søn Fred. Chr. Krag og testamenterede den 1773 til Konferensr. Balthazar Gebhard Obelitz, som 1798 solgte Gaard og Gods til Proprietær C. F. Berg, af hvis Bo den 1854 solgtes til Besidderen af Grevskabet Muckadell, der købte den til den nuv. Ejer, Hofjægerm. C. H. D. V. Baron Schaffalitzky de Muckadell. — Hovedbygningen, opf. 1662 af røde Munkesten i to Stokv., er restaureret 1868 og har faaet takkede Gavle; over Hovedindgangen staar Aarst. 1662 og Kragernes Vaaben.

*Løjtved* (Løghetweth) nævnes første Gang 1385, da den tilhørte Fin Aagesen Ulfeldt, 1419 nævnes Sønnen Hr. Laurents Finsen, hvis Datter Mette arvede Gaarden. Hun var først g. m. Kjeld Axelsen Thott, derefter med Hr. Erik Eriksen Løvenbalk. Den tilhørte 1496 Hr. Hans Walkendorff og derefter Fru Else Thott, Hr. Thomas Nielsen Langes, som endnu levede 1546; hendes Datter Margrethe, † 1558, var g. m. Anders Hansen Lindenov. Deres Datter Else ægtede Rigsraad Absalon Gøye til Kjelstrup, † 1602 uden Sønner, hvorfor L. atter gik i Arv til en Datter Karen Gøye, g. m. Breide Rantzau, † 1618. Den ejedes derefter af Joh. Friis til Ørridslevgd., † paa L. 1635, hvis Enke Karen Krabbe, paa ny Enke efter Holger Rosenkrantz, 1652 (Skøde af 1654) solgte den til Arendt v. der Kuhla, hvis Enke Anne Vind 1679 skødede Gaarden til sin Søn Bendix v. d. K., der 1688 maatte sælge den til Gehejmer. Niels Krag. Dennes Søns, Etatsr. Niels Krags Enke lod 1756 L. sælge ved Auktion til Agent og Apoteker Joh. Chr. v. Westen for 32,340 Rd.; denne solgte 1768 Gaarden til Prof. Peter v. Westen, som 1771 afhændede den (43 Td. Hrtk., 202 Td. Bøndergods) til fhv. Molleejer Gregers Leopold. 1775 blev Gaard og Gods udlagt til Justitsr. Lange som 2., 3. og 4. Prioritetshaver for 54,800 Rd., og han skødede 1787 Gaarden til sin Søn Johan L., som 1788 solgte L. til Kmjkr. Sti Tønsberg Scholler v. Krogh, som atter 1800 solgte Bygningerne og en Del af den fri Hovedglaardstakst til Landmaaler C. F. Nyholm, medens han af Resten oprettede Kroghenund. Nyholm solgte 1804 L. til Fr. Chr. Wamberg. Derefter ejedes den af Hans Pedersen, der 1846 solgte den for 64,000 Rd. til sin Søn Niels Peder Pedersen, hvis Svigersøn H. Johansen Kruuse overtog den 1878 og 1898 solgte den for 205,000

Kr. til den nuv. Ejer, Kl. Andersen. — Den nuv. Hovedbygning er opf. 1842 af Grundmur i to Stokv. foruden Kælder; det er en enfløjet, 60 Al. lang Bygning. En ældre Hovedbygning, ligeledes af Grundmur, blev nedbrudt af Niels Krag, der i Stedet opførte en Bindingsværksbygn., som Agent Westen forøgede med to Fløje.

*Krogh enlund* er som ovenfor nævnt oprettet ved Aar 1800 af Kmjkr. v. Krogh, der opførte en anselig Hovedbygning (som dog ikke blev fuldendt), og som anvendte meget paa Gaarden. Senere ejedes den af N. H. Haugsted og Familien Clausen, som nedrev den ufuldendte Hovedbygn. og opf. den nuv., i eet Stokv. 1821 kom Gaarden ved Giftermaal til den bekendte Familie Langkilde, i hvis Eje den forblev, indtil R. Langkilde 1888 solgte den for 355,000 Kr. til den nuv. Ejer, Kapt. Ivar A. Hviid. — Hovedbygningen er i 1 Stokv.

*Højerup* var fordum en større Gaard, der tilhørte Bryskerne paa Katterød.

*Snevren* var 1679 Navnet paa en under Løjtved hørende Løkke.

**Lunde Sogn**, Anneks til Stenstrup, omgives af dette, Kværndrup Sogn, Gudme Hrd. (Gudbjærg S.) og Kirkeby Sogn. Kirken, mod S. V., ligger omtr $1^1/_4$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Gormbakke 326 F., 102 M.) ere overvejende ler- og sandmuldede. En Del Skov (Højes-Ris m. m.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Svendborg til Odense og, i det nordvestl. Hjørne, den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 3185 Td. Ld., hvoraf 1389 besaaede (deraf med Hvede 16, Rug 324, Byg 336, Havre 427, Boghvede 3, Blandsæd til Modenh. 142, Grøntf. 58, Kartofler 22, andre Rodfrugter 61), Afgræsn. 576, Høslæt, Brak, Eng m. m. 676, Have 37, Skov 256, Moser 71, Kær og Fælleder 16, Hegn 50, Veje og Byggegr. 104, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 259 Heste, 936 Stkr. Hornkv. (deraf 597 Køer), 479 Faar, 319 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 245 Td.; 54 Selvejergaarde med 218 og 92 Huse med 27 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 806 (1801: 423, 1840: 790, 1860: 843, 1880: 890), boede i 150 Gaarde og Huse; Erhverv: 9 levede af immat. Virksomhed, 533 af Jordbrug, 171 af Industri, 18 af Handel, 57 af forsk. Daglejervirks. og 18 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Lunde* med Kirke, Skole (omtr $^1/_4$ Mil fra Byen), Mølle og Andelsmejeri; *Høje* med Andelsmejeri; *Bobjærg* med Mølle. Saml. af Gaarde og Huse: *Højes-Dong, Højes-Ris, Hønsehave, Bøllemose. Langkildegaard*: $19^3/_4$ Td. Ager og E. Hrtk. og 3 Td. Skovsk., 329 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 125 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en bortforpagtet Gaard og 6 Huse samt Kongetienden af Kirkeby Sogn (105 Td. Ld. Skov, den bortforpagtede Gaard og 2 Huse i Gudbjærg S.). *Lundegaard, Sundshøj Mølle.*

Lunde S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 39. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Egeskov.

*Kirken*, der er opført fra ny 1852 i Stedet for den lille gamle, der havde Taarn, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. med Spir (det sidste restaur. 1886) og Vaabenhus. Kirken, der er bygget efter Tegn. af Arkitekt Nebelong, er lys og høj uden Hvælvinger, men med spidst opløbende, paa det nederste Sparreværk lagt Loft, der er afdelt i Fyldinger. Altertavle (Christus i Gethsemane, malet af Jensen), Prædikestol og Døbefont ere nye. I Vaabenhuset Mindetavle over Herredsfogderne Morten Pedersen, † 1699, og Chr. Jørgensen, † 1709, og deres Hustruer.

Ved Langkildegaard ligger en trævokset Høj, kaldet „*Herregaarden*", hvor der tidligere har været Spor af Grave, ligesom der ogsaa er fundet Levninger af Murværk og enkelte Smykker og andre Sager.

Lunde S. var tidligere Anneks til Kirkeby, indtil 1637, da det lagdes til Stenstrup, medens Kirkeby blev Anneks til Ollerup. Se S. 637.

**Kværndrup Sogn**, det nordligste i Herredet, omgives af Lunde og Stenstrup Sogne samt Salling Hrd. (Krarup og Herringe S.) og Gudme Hrd. (Ringe, Ryslinge, Gislev og Gudbjærg S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^3/_4$ Mil N. N. V. for Svendborg. De højtliggende og noget bakkede Jorder

(Stejlebjærg, 307 F., 96 M.) ere lerede og lermuldede. En Del Skov (Nordtorpe Sk., Sønderhave, Møllerløkke, Rugbjærg Sk., Bleged). To smaa Biaaer til Odense Aa, hvoraf den ene hedder *Haagerup Aa*, udspringe her. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Svendborg til Odense og fra Nyborg til Bøjden ved Faaborg, som krydse hinanden i Midten, samt den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 5585 Td. Ld., hvoraf 2644 besaaede (deraf med Hvede 40, Rug 477, Byg 606, Havre 607, Bælgsæd 8, Frøavl 6, Blandsæd til Modenhed 445, Grøntf. 139, Kartofler 30, Sukkerroer 125, andre Rodfrugter 156, Handelspl. 5), Afgræsn. 693, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1117, Have 78, Skov 533, ubeplantet 9, Moser 90, Kær og Fælleder 137, Hegn 98, Veje og Byggegr. 172, Vandareal m. m. 14 Td. Kreaturhold 1893: 457 Heste, 1842 Stkr. Hornkv. (deraf 1172 Køer), 520 Faar, 646 Svin og 23 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 490 Td.; 65 Selvejergaarde med 370, 17 Fæstegd. med 74 og 143 Huse med 41 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1476 (1801: 749, 1840: 1010, 1860: 1044, 1880: 1375), boede i 234 Gaarde og Huse; Erhverv: 103 levede af immat. Virksomh., 817 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 341 af Industri, 82 af Handel, 76 af forsk. Daglejervirks., 17 af deres Midler, og 37 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kværndrup* (1348: Quernthorp, 1393: Kærnhgedorp, 1395: Kærnethorp, 1396: Kerntindorp, 1419: Kerndorp, 1433: Cherndorp), ved Landevejenes Krydsning, med Kirke, Præstegd., Skole, Krags Hospital (opr. 1770 af Sophie Juel til Egeskov, Enke efter Niels Krag, med et Hus, istandsat 1868—69, til 8 fattige og en Kapital paa 8000 Kr.), Forsamlingshus (opf. 1892), Kro, Andelsmejeri, Mølle, flere handlende og Haandværkere, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation, Postekspedition; Valgsted for Amtets 2. Folketingskr.; *Egeskov*, ved Nyborg-Bøjdenvejen, med Mølle og Markedsplads (Marked i Sept. med Heste og Kvæg); *Trunderup*, ved samme Vej, med Friskole og Andelsmejeri; *Gultved*. *Trunderup Bleg*, *Trunderup-Dong* og *Vandmose*, Huse. *Kværndrupvænge*, Gde. og Huse. — Hovedgaarden *Egeskov*, under Stamhuset af s. Navn, har $114^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $17^1/_4$ Td. Skovskyld, omtr. 1120 Td. Ld., hvoraf 180 Eng, 900 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre omtr. 117 Td. Hrtk. Fæstegods, en Mølle, et Teglværk og Kværndrup og Lunde Kirker med Kirke- og Kongetiende og Kirkeby Kirke med Kirke- og Kongetiende*). Andre Gaarde: *Møllegd.*, *Højgd.*, *Lundsgd.*, *Trunderupgd.*, *Nørremosegd.*, *Gultvedholm* og *Faldegd.*

Kværndrup S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 40. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Egeskov.

Den anselige *Kirke* (se Vignetten S. 623), fordum indviet til St. Laurentius (paa Nordmuren af den nordl. Korsarm findes i Sokkelen udhugget et Mandehoved, der maaske skal forestille Helgenen), ligger paa en høj Bakke, hvis øverste Rand er kranset af høje Asketræer. Den bestaar af Skib og Kor (udvendig Længde omtr. 62 Al., Bredde 12 Al., dog tiltager Bredden mod V.), Taarn oven paa Koret, Vaabenhus mod S. og to Kapeller, et paa hver Side af Skibet, saa at der fremkommer en Korskirke. Den er i sin oprindelige Del opf. i 13. Aarh. i Rundbuestil af utilhuggen Kamp paa en to Skifter høj, profileret Granitsokkel; et oprindl. Vindue er bevaret paa Skibets Sydside. Omkring 1400 er den bleven ombygget — den indviedes $^{14}/_5$ 1419 — (1393, 1394, 1396, 1419, 1433 og 1445 udstedtes der Afladsbreve til dens Opførelse), idet Skibet blev udvidet med omtr. 15 Al. mod V. og Kapellerne (hver med en Stjernehvælving) opførtes, alt af Mursten; omtr. samtidig er der indbygget 5 Krydshvælvinger i Skibet og 1 i Koret, ligesom Vaabenhuset, med

*) Til *Stamhuset Egeskov* høre 249 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $86^3/_4$, indtaget til Skov $28^1/_2$, Bondergods 108, Kirke- og Kongetiende 89 Td.; i Bankaktier 8200, Fideikommiskapital omtr. 1,578,000 Kr. Hovedgaardens Jordtilliggende udgør omtr. 898 Td. Ld. foruden de 900 Td. Ld. Skov.

fladt Loft, er tilføjet. Korbuen og Buerne ind til Kapellerne ere runde. Taarnet, der er opf. paa Koret, vistnok fordi Kirkens Vestgavl staar lige ved Bakkens Rand, er sikkert Bygningens yngste Parti (dog opf. før 1589); efter at en Del af det var nedblæst 1889, er det delvis ombygget efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen. Alle Gavlene have Kamtakker. Kirken er bleven restaureret bl. a. 1820 og 1865. Altertavlen er et Maleri fra 1865 af Johs. Jensen (Christus velsigner Børnene), i en gotisk Ramme; Kalken er skænket 1602 af Laurids Brockenhuus. Prædikestolen er et smukt udskaaret Renæssancearbejde fra 1599, med Laur. Brockenhuus' og Karen Skrams Vaabener. Sandstensdøbefont fra 1865 (en tidligere i Præstegaardens Have staaende romansk Granitdøbefont er nu i Valgmenighedskirken i Kjerteminde; en anden Døbefont staar ved Indkørselen til Egeskov). En Lysekrone fra 1696 er skænket af Elisab. Bertelsdatter Brun, Enke efter Forpagter Jens Madsen Warde paa Egeskov. Det sydl. Kapel, „Ulfeldernes Kapel" (restaur. i 1870'erne), er skilt fra Kirken ved et smukt Egetræs Tralværk fra Beg. af 17. Aarh. og indeholder 6 Ligstene over Anders Ulfeld, † 1456, og Hustru Mette Sverin, † 1485, Ebbe Ulfeld, † 1501, og Hustru Kirsten Ottesdatter (Bøistrup), † 1505, Knud

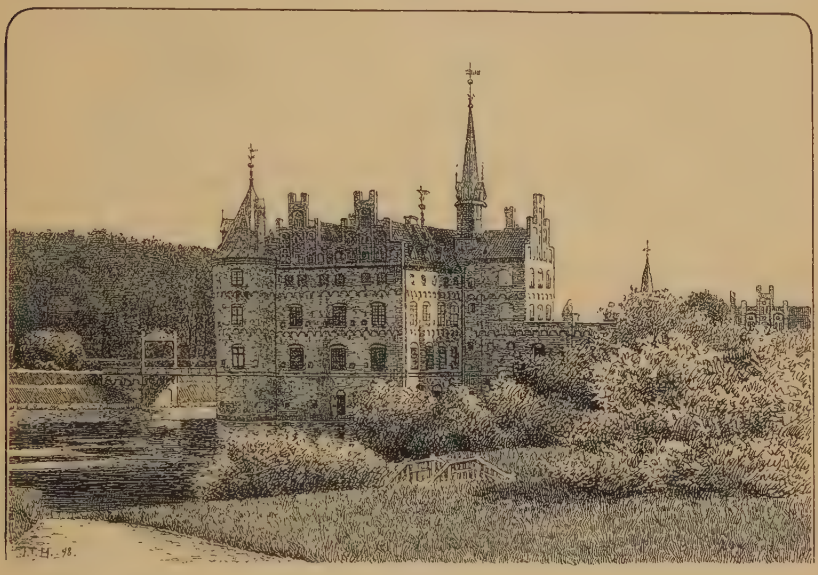

Egeskov.

Ulfeld, † 1540, og Hustru Anne Hardenberg, † 1566, Jak. Ulfeld, † 1593, og Hustru Anne Flemming, † 1570, Rigsmarsk Frands Brockenhuus, † 1569, og Hustru Anne Tinhuus, † 1565, Laur. Brockenhuus, † 1604, og Hustru Karen Skram, † 1625, alle liggende paa en muret Forhøjning langs Kapellets Vægge undtagen Fr. Brockenhuus', der 1865 indsattes i Østmuren. Navnlig Laur. Brockenhuus' Ligsten, af sort Marmor, er et sjælden smukt og omhyggeligt udført Arbejde. Langs Syd- og Vestmuren staar et Epitafium af sortmalet Sandsten, som Rigskansler Jakob Jakobsen Ulfeld og Hustru Birgitte Brockenhuus indrettede 1616, efter at han havde ladet sine Forfædres Lig flytte fra Vindinge til Kværndrup Kirke; paa Epitafiet findes 13 adelige Vaabener, svarende til Navnene nedenunder; ved Siden af Epitafiet findes en Stentavle, paa hvilken Navnene gentages med Tilføjelse af Jfr. Dorothea Ulfelds. Foruden de ovennævnte 12 Lig, som Jak. Ulfeld lod flytte til Kirken, blev senere flg. ogsaa bisatte i den aabne Begravelse under Kapellet: Jak. Jakobsen Ulfeld, † 1630, og Sønnerne Knud, † 1646, Jakob, † 1635, Frands, † 1636, Peder, † 1621, Laurids, † 1659, Eiler, † 1644 i Slaget ved Femern, og Tyge, † 1637. Resterne af alle Ligene findes nu i et Benhus under Kapellet. Over Medlemmerne af Kragernes Slægt, der senere ejede Egeskov, findes to Epitafier i Kirken, hvoraf det ene er opsat

1763 til Minde om Etatsr. Niels Krag, † 1740, to Døtre og Sønnen Kmjkr. Fr. Chr. Krag, † 1763 som den sidste af Slægten. I Gravhvælvingen under Kapellet staar Niels Krags smukke, velbevarede Kiste tillige med 5 andre Kister med Lig af Familien. Ligeledes findes smstds. 6 Kister med Lig af Billerne; deribl. Gehejmer. Henr. Bille-Brahe til Egeskov, † 1789, samt hans 1. og 3. Hustru, to Døtre og en Søn. I det nordl. Kapel ere flere Præster begravede; paa den nordl. Væg er der en Series pastorum i Sten. I Vaabenhuset er der en Ligsten over ovennævnte Forpagter Warde, † 1696, samt en Mindetavle over faldne Krigere i 1. slesv. Krig. Over Indgangen til Vaabenhuset et Basrelief af Thorvaldsen (Christus, der døbes af Johannes). — Til den gamle Kirkegaard, der ligger i Terrasser omkring Kirken, er der mod Ø. føjet et Stykke Jord, hvor Besidderen af Egeskov 1872 lod opføre et Gravkapel i gotisk Stil af røde Mursten (restaur. 1898 af Bygningsinspektør J. V. Petersen), hvori hvile Gehejmer. Baron Fr. Siegfr. Bille-Brahe, † 1871, og Hustru.

*Egeskov* tilhørte oprindl. den gamle holstenske Slægt Skinkel (hvis Vaaben var tre Søblade), nemlig Lydike S. 1405, Johan S. 1458, Otte S. 1481—1510. Da sidstnævnte døde uden Børn, arvedes E. af hans Søstersøn Poul Jensen til Gjerskov, der førte en Lilie i sit Vaaben, og hvis Efterkommere antog Navnet Skinkel; men han solgte E. 1518 til Laurids Skinkel af Rolfsted, som var af Slægten Tinhuus og førte en rød Hjort i Vaabenet. Efter hans Død 1533 ejedes E. af hans Enke Fru Hilleborg Bille, † 1536, og derefter af deres Døtre Anna, Hilleborg og Rigborg Tinhuus. Den første blev 1545 gift med Rigsmarsk Frands Brockenhuus, † 1569, der opførte Hovedbygningen. E. ejedes derpaa af dennes Søn Laurids B., bekendt for sin Strenghed mod Datteren Rigmor B., som han lod indespærre, fordi hun havde ladet sig besvangre af Fr. Rosenkrantz. Efter Laurids Brockenhuus' Død 1604 beholdt hans Enke Karen Skram E. til 1615; ved Skiftet blev E. udlagt til hendes Dattersønner Jakob og Frands Ulfeld, Sønner af Corfits U. og Elisabeth Brockenhuus. De solgte 1616 E. til deres Farbroder Jakob Ulfeld, efter hvis Død 1630 E. synes at være bleven delt mellem hans Sønner, indtil en af dem Laurids U. († 1659) udkøbte de andre. Han solgte 1648 E. til sin Svigerfader Oluf Parsberg, der 1656 afhændede den til Rigsraad Otte Krag, † 1666, hvis Søn var Gehejmer. Niels Krag, † 1713, og Sønnesøn Etatsr. Niels K., † 1740. Da denne Familie var uddød 1763, solgte Niels Krags Enke Sophie Juel E. 1784 til Gehejmer. Henrik Bille-Brahe til Hvedholm († 1789), hvis Søn, Gehejmekonferensr. Grev Preben Bille-Brahe, † 1857, $^{20}/_{11}$ 1811 oprettede Egeskov til et Stamhus for sin næstældste Søn, Kmhr. Fr. Siegfr. Baron Bille-Brahe, † 1871, fra hvem Stamhuset gik over til Sønnen Frands Preben B.-B., † 1882, hvis Datter Camille Jessy, g. m. Kmhr., Hofjægerm. J. L. Grev Ahlefeldt-Laurvig-Bille, er den nuv. Besidderinde.

Den højtliggende Hovedbygning, en af Danmarks mærkeligste Herregaarde, er opført 1554 af Frands Brockenhuus i en Sø paa nedrammede Egepæle. Det er en anselig, af røde Mursten paa en Kampestenssokkel opført Bygning, der bestaar af to jævnsides liggende Huse (som Tølløse og Fraugdegaard) i to Stokv. foruden Kælder og et øverste Halvstokv.; den mellemste, over 4 Al. tykke Mur er fælles for begge Huse. Over Bygningen er lagt to Tage, saaledes at der fremkommer to Gavle paa hver af Smalsiderne mod N. og S.; Gavlene ere takkede og have Blindinger (mod S. vare de ombyggede i Renæssancestil i Fr. II's Tid, men ved sidste Restauration have de faaet den samme Form som mod N.). Ved den østl. Længdeside staa to runde Hjørnetaarne med Kegletage; midt paa Vestsiden staar et firkantet Taarn, ligeledes med takket Gavl (det skal tidligere have haft 3 Gavle); i dettes Vestside er Hovedindgangen. Over Taget hæver sig et højt, ottekantet Spir. Hvor Murene krage ud under 2. Stokv. og under Halvstokværket, er der Buefriser, over hvilke der findes Skoldehuller og Skydeskaar (nu til Dels tilmurede). Kælderen har Tøndehvælvinger; i den tykke Mellemmur er der en Vindeltrappe. Bygningen er restaureret 1884 efter Tegn. af Arkitekt Zetterwall. Det Indre er for det meste holdt i gammel Stil; navnlig i 2. Stokv. hvile Lofterne paa usædvanlig svære Egebjælker. Bygningen, ligesom den mod V. liggende Ladegaard, er omgiven af meget brede Grave, som overalt gaa helt ind til Murene. Over Gravene føre to Broer, en af Jord og Sten, fra Gaarden til Hovedindgangen i Taarnet, og en af Jærn (opf. 1895 i Stedet for den ældre, af Jord og Sten), fra Haven, der ligger mod Ø. (tidligere har der vistnok kun været en Vindebro, der førte til Indgangen i det firkantede Taarns Nordside). Den store, smukke Have med brede Alleer og høje, klippede Hække er anlagt af Niels Krag, † 1740; kun den nordl. Del er i engelsk Stil. I Haven er der af Godsets Beboere 1856 rejst en Sandstensstøtte til Minde for Grev Preben Bille-

Brahe, † 1857. (Om Egeskov se *T. A. Becker*, i Orion III S. 321 flg., *F. Beckett*, Renæss. og Kunst. Hist. S. 58 flg., *R. Mejborg*, D. Hjem S. 11., Ill. Tid. $^{24}/_{11}$ 1895, *V. Koch*, Opmaalinger og Tegn., i Kunstakademiet, og nedennævnte Artikel af *F. R. Friis*).

Aar 1608 nævnes Fru Lene Gøye til *Trunderup* og 1609 Jfr. Dorte Quitzow til *Falde*.

**Litt.**: *F. R. Friis*, Hist.-topogr. Efterretn. om Kv. Sogn, i Saml. til Fyens Hist. VIII S. 251 flg. og 289 flg. — Beskr. af Kv. Kirke, Manuskr., vistnok af Præsten Peder Andersen Claudianus, i Nationalmuseet.

**Turø Sogn** (*Thurø*, 1250 og 1307: *Thorø*, 1421: Torø) bestaar af Øen Turø, der adskilles fra Fyn ved Skaarup Sund og fra Taasinge ved Turø Sund. Øen har en temmelig regelmæssig, aflang firkantet Form; paa Vestsiden skærer en lang, smal Bugt sig ind, „*Turø-Bund*“ (heri en lille Ø, Kidholm, der hører til Taasinge), som deler Øen i en større, nordl. og en mindre, sydl. Del. Kirken, mod N. V., ligger omtr. $^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Svendborg. De bakkede Jorder (højeste Punkt 80 F., 25 M.) ere dels lerede, dels sandede. En Del Skov, især paa den sydl. Del (Fredsk., Østersk., Smørmose Sk. m. m.). Fra Sydøstspidsen skyder *Turø Rev* sig omtr. 2000 Al. ud i Store Bælt.

Fladeindholdet 1896: 1314 Td. Ld., hvoraf 562 besaaede (deraf med Hvede 5, Rug 145, Byg 149, Havre 141, Bælgsæd 18, Blandsæd til Modenhed 43, Grøntf. 46, Kartofler 9, andre Rodfrugter 5), Afgræsning 156, Høslæt, Brak, Eng m. m. 253, Haver 29, Skov 183, Moser, Kær og Fælleder 61, Hegn 12, Veje og Byggegr. 58 Td. Kreaturhold 1893: 86 Heste, 399 Stkr. Hornkv. (deraf 299 Køer), 284 Faar, 158 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 116 Td.; 26 Selvejergaarde med 73, 214 Huse med 37 Td. Hrtk. og 32 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1395 (1801: 442, 1840: 719, 1860: 946, 1880: 1225), boede i 266 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 249 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 54 af Fiskeri, 264 af Industri, 137 af Handel, 594 af Skibsfart, 34 af forsk. Daglejervirks., 27 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

Paa Øens Nordvestside Byen *Turøby* med Kirke, Præstegd., Skole, Realskole, nogle Pogeskoler, Skibsbyggeri (omtr. 50 Arbejdere), Fiskerøgeri, Købmandsforretn., Mølle, Andelsmejeri, Kro, Telegraf- og Telefonstation. *Tornehave*, Huse. Fiskeriet (Torsk, Hornfisk, Plejer eller Plæde, en Art Flynder, Makrel, Rødspætter, Sild og Aal) har en Del Betydning, men er aftaget noget i de senere Aar. Langt vigtigere er Skibsfarten; til Øen høre omtr. 120 større og mindre Fartøjer paa omtr. 13,000 Tons; de gaa mest i Fart paa Norge-Sverige, Tyskland, Rusland, England og Frankrig. Turø Bund benyttes som Vinterhavn. Omtr. 1000 Al. Vest for Maarodde, den nordvestl. Pynt ved Indløbet til Turø-Bund, er der to faste røde Fyr. Paa Nordkysten de to Landingssteder „Præstelandingen“ og „Skipperlandingen“.

Turø S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 55. Lægd. Kirken tilhører Hartkornsejerne.

*Kirken* (tidligere kaldet Trefoldighedskirke), paa en Bakke, er opført 1639—40 af utilhuggen Kamp i indtil 2 Al. Højde, i øvrigt af Mursten, af Fru Ellen Marsvin i Stedet for et lille Kapel, som laa paa Øens Nordvestside og da var helt forfaldent og øde. Kirken bestaar af Skib og Kor ud i eet, Vaabenhus mod S. (paa Gavlen staar: F. E. M. 1639) og et Spir over Skibets Vestende (flere Gange fornyet, saaledes 1742 og 1870). Under Taget gaar en udtunget Gesims. Skibet har Bjælkeloft. Kirken er bleven restaureret flere Gange, saaledes 1697 af U. F. Gyldenløve, (hvorom der meldes i en Indskr. paa den nordl. Kirkemur), 1852, da Bjælkeloftet blev overdækket med et fladt, gibset Loft, og 1897, da Bjælkeloftet atter fremdroges og Inventariet istandsattes. Udskaaren Altertavle med Fløje (Korsfæstelsen og Scener af Lidelseshist.), maaske fra omkring 1500, erhvervet 1828 fra Graabrødrekirken i Svendborg (se S. 578). Den ældre, katolske Altertavle fra Slutn. af 15. Aarh. med to Fløje,

hvoraf Farverne for det meste ere udslettede, er fra omtr. 1830 i Nationalmuseet; Chr. I's Dronn. Dorothea har ladet den udføre (hendes og Chr. I's Billeder fandtes paa Fløjenes Indersider), uvist til hvilken Kirke, maaske til Dalum, og Ellen Marsvin har skænket den til Turø, da hun lod Kirken opføre (se N. Tidsskr. for Oldk. I S. 197 flg., og *F. Beckett*, Altertavler S. 41 flg. og 154). Prædikestolen, udskaaren i gotisk Stil, ligesom et udmærket udskaaret Krucifiks, er ogsaa erhvervet fra Graabrødrekirken (ved sidste Restauration bleve de ligesom Altertavlen rensede for Overmalingen). Døbefonten er af Cement. I de øverste Stolestader og Præstestolen findes nogle udmærket udskaarne Endestykker med Apostelfigurer.

Hos Saxo sættes Turø (i Vald. II's Jrdb. kaldet *Thorø major* i Modsætning til Thorø ved Assens) i Forbindelse med Kong Helges Hist., idelt han paa et af sine Krigstog kom til Øen og voldtog Thora, som af Hævn tiførte ham, da han en anden Gang landede her, hans egen Datter Yrsa, der blev Moder til Rolf Krake. I Jordebogen fortælles, at der paa Øen fandtes Hjorte, Raadyr og Daadyr. i 14. Aarh. var Øen ligesom det øvrige Fyn pantsat til Holstenerne; senere var

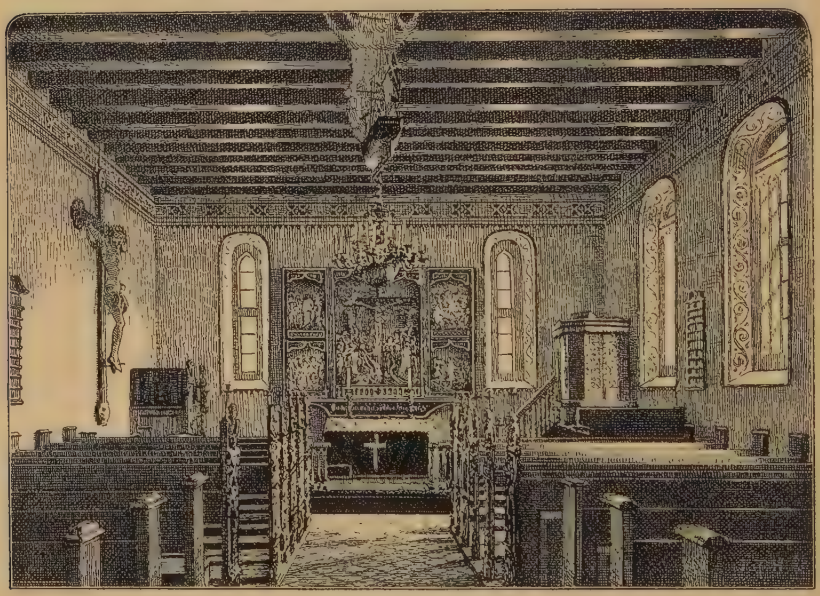

Turø Kirkes Indre.

den et kglt. Len under Fyns Bispestol; efter Reformationen hørte den til Nyborg Len og var kgl. Ejendom indtil 1625, da den ved Mageskifte kom i Fru Ellen Marsvins Besiddelse og saaledes blev forenet med Taasinge. Da den efter Corfits Ulfelds Domfældelse blev inddragen under Kronen, solgtes den kort efter til Ammunitions- og Proviantforvalter Poul Cornelissen af Nyborg; derefter ejedes den af Amtmand Conr. Reventlow, som 1674 solgte den til Statholder U. F. Gyldenløve, der 1702 afhændede den til Svigersønnen C. Ahlefeldt til Langeland, † 1722, hvorpaa den ved Auktion 1723 solgtes til Etatsr. Skeel til Bjørnemose, til hvilken Gaard den hørte indtil 1805, da den solgtes til A. C. v. Heinen til Fraugdegd. og Hollufgd. Denne solgte den 1810 til Justitsr. P. J. Neergaard til Gunderslevholm, som udskiftede Øen og solgte den til Fæsterne for 150,000 Rd.

I tidligere Tid hørte Øen i gejstl. Hens. ind under St. Nikolai Kirke i Svendborg; i 1. Halvdel af 17. Aarh. hørte den ind under Bregninge Sogn paa Taasinge, indtil den ved Reskr. af $^{12}/_{3}$ 1640 blev Anneks til St. Nikolai i Svendborg; 1860 blev den et eget Pastorat.

**Litt.**: *C. T. Engelstoft*, Hist.-stat. Beskr. af Øen Thurø, i Hist. Tidsskr. 3. R. I Bd. S. 331 flg.

# Taasinge.

Taasinge, der er bekendt for sin Naturskønhed, skilles fra Fyn ved Svendborg Sund og fra Turø ved Turø Sund. Øen bestaar i sin nordl. Del omtr. af en eneste, storformet Banke, hvis Top ved Bregninge Kirke naar 236 F., 74 M., medens den større, sydl. Del overvejende er lav og jævn. Jorderne ere for det meste lerede og sandmuldede og meget frugtbare. Øen er omtr. $1^1/_2$ Mil fra N. til S. og fra V. til Ø. naar Halvøen *Vemmenæs*, der skyder mod Ø. ud i Store Bælt og af grænser *Lunkebugt*, regnes med. Fladeindholdet er 12,436 Td. Ld., omtr. $1{,}_{25}$ □ Mil ($68{,}_3$ □ Km.); Febr. 1890 havde den 4344 Indb. (1801: 2960, 1840: 4177, 1860: 4411, 1880: 4529). Til Taasinge høre de smaa, ubeboede Holme Iholm og Marholm i Svendborg Sund, Kidholm i Turø Bund og Store og Lille Rallen i Store Bælt.

Øen, der regnes under Sunds Hrd., udgør et eget Birk, Taasinge Birk (forbundet med Svendborg Byfogedembede), og hører under Svendborg Amtstue- og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. Øen udgør tre Sogne: Bregninge, Landet og Bjerreby.

Taasinge (*Thorseng*) kaldes i Knytlinge Saga *Thorslund* og *Thioslund*, i Vald. II's Jordebog *Thosland*, en Form, der forekommer i alle Kilder fra 13. og 14. Aarh. og endnu 1408; senere forekomme Former som Tosind, Tasing, Taasen, Tosing og Taasing. Navnet Thosland er maaske Thorsland, af Guden Thor. I 1. Halvdel af 14. Aarh. var Øen tillige med Fyn i de holstenske Grevers Besiddelse. Dronn. Margrethe overlod 1395 Øen til den fynske Bispestol, der havde den lige til Reformationen. I den nærmeste Tid derefter ejedes den af Kongen, indtil den 1573 ved Mageskifte kom til Rigsraad Erik Rosenkrantz, Statholder i Norge. I Beg. af 17. Aarh. tilhørte største Delen af Øen Chr. IV's Svigermoder Fru Ellen Marsvin, derefter Datteren Kirsten Munk, hendes og Kongens Søn Vald. Chr., hans Søster Hedevig, Ebbe Ulfelds Hustru, og derpaa Svogeren Corfits Ulfeld, efter hvis Flugt hans Part af Taasinge blev konfiskeret og kort efter udlagt til Rytterdistrikt, medens den øvrige Del af Øen var i forskellige privates Hænder. Ved Skøde af $^{14}/_3$ 1678 afhændede Chr. V sin Del af Øen for 40 Rd. pr. Td. Hrtk. til Niels Juel for de ham tilkommende Prisepenge for de i Slaget i Kjøge Bugt erobrede svenske Orlogsskibe. Baade Niels Juel og hans Søn og Arving Etatsr. Knud Juel († 1709) søgte at tilkøbe sig det øvrige paa Øen liggende Strøgods i den Hensigt at samle det hele til et Stamhus for den Juelske Familie, hvilket ogsaa skete ifl. den sidstes Testam. af $^{10}/_1$ 1709 ved Fund. af $^1/_5$ 1711 (nyt Stamhusbrev af $^{18}/_2$ 1767). Efter Knud Juel fulgte Sønnen Kmhr., Oberst N. Juel, under hvem Øen forskønnedes meget ved Anlæg af Frugthaver ved Bøndernes Boliger, hvortil han skænkede Træerne. Da han døde barnløs 1766, tilfaldt Stamhuset hans Broder Gehejmer. Carl Juel, Stiftamtmand i Fyn, † 1767, og derefter dennes Søn Fr. Juel, senere Generallieutn., † 1827, og hans Søn Kmhr. Carl J., † 1859, g. m. Lensbaronesse Sophie Frederikke Stieglitz-Brockdorff til Schelenborg og 1812 ophøjet til Baron Juel-Brockdorff. Ifl. Erektionspatentet, der siger: „Hvis en Fader haver andet Stamhus tilforn og siden bekommer Thorsinge Stamhus dertil, skal det være Forældrene tilladt at give Thorsinge Stamhus til deres andet Barn", bestemte han, at hans anden Søn skulde have Stamhuset efter ham; men dette medførte en Proces om Gyldigheden af Testamentet, fordi Schelenborg ikke var et Stamhus, men et Baroni, og det ikke var Faderen, men Moderen, som havde det,

og ved Højesteretsdom af 1862 kendtes den ældste Søn Kmhr., Baron Fr. C. V. N. A. K. Juel-Brockdorff, † 1876, arveberettiget til Stamhuset, saavel som til Schelenborg efter Moderens Død. Nuv. Besidder er dennes Søn, Kmhr., Hofjægerm., Baron Carl Juel-Brockdorff. Om Valdemars Slot se S. 648*).

Man lægger Mærke til de mange Frugthaver; hver Gaard har sin.

*Taasinge Birk* havde alt før Reformationen sit eget Ting, der holdtes paa Kjærstrup; senere holdtes det ved Landet Kirke, derpaa paa Valdemars Slot og endelig ved Vindeby, indtil det ved 1880 henlagdes til Svendborg.

Der er paa Øen talt omtr. 40 jordfaste Oldtidsmonumenter (26 Gravhøje, Resten Stengrave); men de fleste ere forstyrrede eller sløjfede; de havde især deres Plads ved Kysterne.

**Litt.:** *F. C. Lund,* Beskr. over Øen Thorseng, Odense 1823.

**Bregninge Sogn**, det nordligste paa Øen, omgives af Landet Sogn, Svendborg Sund, Turø Sund og Store Bælt. Kirken, midt i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil S. for Svendborg. De højtliggende Jorder, der omfatte ovennævnte Banke med Bregninge Kirkebakke, 236 F., 74 M., ere dels sandede og sandblandede, dels gode, lermuldede. Omtr. $^1/_5$ er dækket med Skov (Bregninge Sk., Dyrehave, Hestehave, Horsesk., Pedersk.). Til Sognet høre de ubeboede Øer *Iholm* og *Marholm* i Svendborg Sund og *Kidholm* i Turø Bund. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Vindeby til Vemmenæs.

Fladeindholdet 1896: 3565 Td. Ld., hvoraf 1397 besaaede (deraf med Hvede 74, Rug 270, Byg 369, Havre 354, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenh. 170, Grøntf. 93, Kartofler 19, andre Rodfr. 37), Afgræsn. 402, Høslæt, Brak, Eng m. m. 717, Have 104, Skov 729, ubeplantet 20, Kær og Fælleder 17, Hegn 63, Veje og Byggegr. 110, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 251 Heste, 1171 Stkr. Hornkv. (deraf 761 Køer), 568 Faar, 483 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 353 Td.; 2 Selvejergaarde med 95, 44 Fæstegd. med 179, 237 Huse med 64 Td. Hrtk. og 17 jordløse Huse, alle i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1843 (1801: 1213, 1840: 1845, 1860: 1947, 1880: 2017), boede i 305 Gaarde og Huse; Erhverv: 113 levede af immat. Virksomh., 722 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 101 af Fiskeri, 307 af Industri, 110 af Handel, 354 af Skibsfart, 88 af forsk. Daglejervirksomh., 29 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bregninge*, ved Foden af Kirkebakken, med Kirke, Præstegd., Skole, Sommerrestauration og Mølle; *Knudsbølle* med Bukkehave Mølle; *Bjernemark*; *Vindeby* med Skole (Frederik Juels eller Eskjær Skole, mellem Vindeby og Troense), Kro, Kalkbrænderi og Færgehavn (se S. 578), 6 F. dyb; (*Gammel-*)*Nyby* med Fattiggaard, opf. 1866, Plads for 40 Lemmer; *Ny-Nyby*. Ladepladsen *Troense* — 1. Feb. 1890: 839 Indb. (1801: 536, 1840: 930, 1860: 1010, 1880: 947) — med Havn og Anlægsbro (19 F. ved Brohovedet), Lodsstation, Skole, Privatskole, Lægebolig, Skibsværfter, Skibsrederi, Gæstgiverier, Badeanstalt, flere handlende og Haandværkere, Bageri, Toldkontrolsted, Telegraf- og Telefonstation, Postekspedition, Skovriderbolig. Saml. af Huse: *Frederiksstad* (hørende til Troense), *Pederskov* med Mølle, *Vindebyøre*. Hovedgaarden *Valdemars Slot* med den underliggende Gaard *Thaersminde* har $73^5/_8$ Td. Hrtk., 527 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, Resten Ager. Ved Slottet en Anlægsbro (10 F. Vand). Desuden mærkes *Rødemølle*, Skovfogedbolig, og *Ventepose*, Vandmølle.

Bregninge S., en egen Sognekommune, men delt i to Sognefogeddistrikter (Troense og Landdistriktet), hører under de S. 645 nævnte Distrikter,

*) Til *Stamhuset Taasinge* høre $1528^1/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $145^1/_4$, indtaget til Skov $75^1/_2$, Bøndergods $1123^3/_4$, Kirke- og Kongetiender $183^1/_2$ Td.; i Bankaktier 21,600 og i Fideikommiskapitaler omtr. 54,000 Kr. Hovedgaarden Valdemars Slots Jordtilliggende udgør 476 Td. Ld. foruden omtr. 1440 Td. Ld. Skov.

Lands- og Folketingskr. samt under 3. Udskrivningskr.' 59. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Taasinge.

*Kirken* (fordum indviet til St. Andreas), beliggende paa en høj Bakke, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sidefløj mod S., hvortil er føjet et Vaabenhus mod V., og Gravkapel mod N. Kirken, der stammer fra Midten af 12. Aarh., bestod oprindl. af Skib og Kor, opf. af utilhuggen Kamp med hugne Hjørnekvadre og Sokkelsten. Et oprindeligt, rundbuet Vindue skimtes. I sen-gotisk Tid er Taarnet, af røde Munkesten, tilføjet; det hvælvede Taarnrum er aabent ind til Skibet. Vistnok samtidig blev Kirken overhvælvet. I Slutn. af 16. Aarh. opførte Jak. Rosenkrantz den sydl., overhvælvede Sidefløj i hele Skibets Længde („ny Kirke", nærmest bestemt for Beboerne af Turø), der aabner sig ind til Skibet med to spidsbuede Arkader. Vaabenhuset er senere tilføjet. Gravkapellet mod N., i hele Skibets Længde, er opf. i 18. Aarh. Aar 1793 lod Generallieutn. Fr. Juel Taarnets øverste Del ommure og indrettede en smagløs ottekantet Træbygning med Altan som Afslutn. paa det; 1882—83 undergik Kirken en større Restauration, hvorved Koret helt fornyedes, Kirken ommuredes udvendig med store, røde Sten, og Altanen erstattedes med et Spir, hvilende paa 8 Søjler, mellem hvilke man, ligesom før fra Altanen, kan nyde den storartede Udsigt over de omliggende Øer og Farvande (Arkitekt: Hansen, Odense). Paa Alteret staar et forgyldt Kors paa rødt Fløjl; Kalken er skænket 1687 af Niels Juel. Godt udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 1621 med Jak. Rosenkrantz' og Pernille Gyldenstiernes Vaabener. I Gravkapellet staa 14 Kister, dels af Sten, dels af Træ, med Lig af den Juelske Familie; i en underjordisk Hvælving hvile 4 andre. En kisteformet Ligsten fra omtr. 1200 med Runeindskrift („Mester Bo gjorde mig"), der først omtales i Marm. dan., og som længe antoges at være tabt, genfandtes 1875 (af Henry Petersen), anvendt som Sokkelsten i Kapellet, og ligger nu inde i Kirken. En anden romansk Ligsten med Korsstav ligger som Trin foran Vaabenhuset. En Ligsten over Præsten Benedictus, † 1375, der før laa i Skibets Gulv, blev 1876 sønderbrudt og Stykkerne anvendte som Trin mellem Vaabenhus og Skib; nu ere de indmurede i Vaabenhusets Væg (se *Løffler*, Gravst. Pl. XXI).

Bregninge Kirke.

I Sognet har ligget den gamle Borg *Kjærstrup*, hvis Voldsted ligger omtr. $^1/_4$ Mil S. V. for Valdemars Slot tæt ved Skoven, der hvor Vejen deler sig til Bregninge og Lundby. Det er endnu kendeligt, om end det næsten helt er under Plov; det bestaar af et Par aflange Voldbanker, adskilte ved og omgivne af en Grav, uden for hvilken der synes at have været en Vold. — K. nævnes første Gang 1320, da

den var i Hr. Peder Nielsen Stygges Besiddelse; hans Datter ægtede en holstensk Ridder Hartvig Krummedige. Formodentlig ved Arv kom den til Henneke og Benedict Ahlefeldt, som 1387 solgte K. til Dronn. Margrethe, der satte Henning Berg til Høvedsmand, men snart efter gav Biskopsbordet i Odense Borgen. Af Bispernes Fogder og Lensmænd paa K. kendes Jesse Hind 1423, Holger Munk 1454 og 1475, Jep Nielsen Algudsen 1460, Ebbe Andersen Ulfeld 1482. De fynske Bisper opholdt sig ofte paa K.; da Jens Andersen Beldenak resignerede 1529, forbeholdt han sig K. og blev 1533 overfaldet her af Chrf. Rantzau. Efter at Taasinge ved Reformationen var kommen tilbage til Kronen, blev K. Sædet for en kgl. Lensmand, bl. a. Rigsmarsken Frands Brockenhuus til Egeskov. Se for øvrigt S. 645 under Taasinge. Da Øen var kommen til Kirstine Munk og hendes Søn Vald. Christian, lod Chr. IV i 1630'erne K. nedbryde (endnu 1633 foretoges der dog Reparationer paa K., 1636 toges fat paa den egentlige Nedbrydning) og af Materialerne opføre *Valdemars Slot.* Vald. Christian kom dog aldrig til at bo her; da hans Søster Hedevig Ulfeld ved sit ødsle Liv var bleven tvunget til at forlade Øen 1664, kom Slottet i Privatmænds Eje, idet det alt 1662 var blevet udlagt til Stadshauptmand Jørgen Mathiesen (det var dengang bestemt til Nedbrydning), som senere solgte det

Valdemars Slot.

til Borger i Kbh. Henr. Nielsen Holst for 3000 Rd. Da Niels Juel 1678 havde faaet Øen, købte han s. A. af ovennævne Holst ogsaa Slottet, som da var meget forfaldent, idet det var blevet saaledes medtaget i Svenskekrigen 1658—60, at det lignede en Ruin.

*Valdemars Slot* er en meget anselig Bygning, bestaaende af tre Fløje i to Stokv. med Kælder og meget højt Tag. Det er som nævnt opført af Chr. IV 1639-43 — Ladebygningen, som brændte 1749 og genopbyggedes af Knud Juel, var dog allerede bygget 1632 — til Dels af Materiale fra det nedbrudte Kjærstrup (1636 anlagdes der til Brug ved Opførelsen et Teglværk ved Vemmenæs Færge), vistnok efter Tegn. af Hans Stenvinkel, † 1639, men ogsaa andre Bygmestre, som Jørgen Scheffel og Andreas Ferch, nævnes. Det laa paa en lille Landtunge, men Vigen, der gik ind S. og V. om det, er nu inddæmmet, og var oprindl. en enfløjet Bygning i Renæssancestil med høje Gavle og Sandstensornamenter samt et ottekantet Taarn midt paa Façaden, hvor nu Hovedindgangen er, og to mindre Taarne paa Vestsiden, mellem hvilke der formodentlig har været et Galleri; i den sydl. Del af Bygningen var der indrettet en Kirke (paa et af Portrætterne, som nu findes paa Slottet, skal der være en Afbildning af det fra den første Tid). Da Niels Juel kom i Besiddelse af Slottet, kostede han meget paa dets Istandsættelse og moderniserede det, hvorved det helt mistede sin oprindelige Stil; bl. a. bleve Taarnene fjernede, der opsattes over Façaden

en Frontespice, som senere er bleven nedtaget, og der tilbyggedes to korte Fløje; i den sydl. Fløj lod han indrette et smukt Kapel, som indviedes $^{3}/_{10}$ 1687 af Biskop Th. Kingo. I den nuv. Besidders Tid er Slottet blevet restaureret (Arkitekt: Hansen, Odense); navnlig er Kapellet blevet smukt istandsat (Dekoration af Zyrak Hansen, Faaborg) og atter taget i Brug til Gudstjeneste (indv. $^{16}/_{12}$ 1880), efter at det havde været lukket fra 1847. Paa Slottet findes en Portrætsamling, deribl. flere Portrætter af Niels Juel, tillige med flere Minder om ham. Ind til den rummelige Slotsgaard føre to Portpavilloner. Ved Slottet er der en stor Have; ved Stranden ligger en Pavillon fra Slutn. af 18. Aarh. (Om Kjærstrup og Valdemars Slot se *F. R. Friis*, i „Fædrelandet" 1880, Nr. 43 og 180—81).

Foruden Kjærstrup har der endnu ligget to andre gamle Borge i Sognet, nemlig *Pils Slot* i Bregninge Skov tæt ved Stranden (Bakken, hvor Borgen skal have ligget, kaldes „Pilebakken" og en Bugt neden for Banken „Pilshul") og *Horse Slot* paa Øens Nordvestkyst. Af det første findes intet Spor; paa Horse Slots, nu næsten helt udjævnede Voldbanke, som var omgiven af en Grav og en Vold (mod N. ses endnu en lille Rest), er der i Jorden truffet en firkantet Kampestensmur.

Paa *Iholm* fandtes i 1853 i et Muldvarpeskud nogle faa Mønter, og ved nærmere Undersøgelse optoges her 4 hele Sølvarmringe, en Mængde overhuggede Sølvsmykker, Sølvbarrer m. m., alt nedlagt i en Læderpung, samt omtr. 450 Mønter; efter dem kan Sagernes Nedlægning sættes til omtr. Aar 1000.

Bregninge Sogn blev paa Grund af Embedets ringe Indkomster 1576 annekteret til Landet Sogn indtil 1738, da Bregninge atter blev et eget Pastorat og forenet med Kapellet paa Valdemars Slot (se Kirkeh. Saml. 2. R. VI S. 340 flg. og 3. R. IV S. 434 flg.).

**Landet Sogn**, det midterste paa Øen, omgives mod N. af Bregninge, mod S. af Bjerreby Sogn, mod Ø. af Store Bælt (Lunke Bugt) og mod V. af Lille Bælt. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 1 Mil S. for Svendborg. De lavtliggende og jævne Jorder ere sandmuldede og lerblandede. En Del Skov (Nørresk., Vornæs Sk. m. m.). Ved Nordvestgrænsen et lille Aaløb, paa Sydvestgrænsen har der været en lille, nu inddæmmet Vig, „Vejlen". Gennem Sognet gaar Landevejen fra Vindeby til Vemmenæs.

Fladeindholdet 1896: 3384 Td. Ld., hvoraf 1505 besaaede (deraf med Hvede 142, Rug 238, Byg 366, Havre 337, Bælgsæd 22, Frøavl 8, Blandsæd til Modenh. 231, Grøntf. 96, Kartofler 16, andre Rodfr. 28, Handelspl. 21), Afgræsn. 393, Høslæt, Brak, Eng m. m. 888, Have 15, Skov 432, ubeplantet 19, Hegn 62, Veje og Byggegr. 70 Td. Kreaturhold 1893: 252 Heste, 950 Stkr. Hornkv. (deraf 690 Køer), 729 Faar og 559 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 372 Td.; 1 Selvejergaard med 14, 70 Fæstegd. med 312, 126 Huse med 38 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse, næsten alle i Fæste og Leje. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1095 (1801: 722, 1840: 1002, 1860: 1079, 1880: 1092), boede i 204 Gaarde og Huse; Erhverv: 30 levede af immat. Virksomh., 683 af Jordbrug, 195 af Industri, 6 af Handel, 19 af Skibsfart, 105 af forsk. Daglejervirksomh., 39 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet *Landet Kirke* (i dagl. Tale: Lundby Sogn og Lundby Kirke) med Skole og Forsamlingshus (opf. 1887) og Byerne: *Lundby* med Præstegd., Mølle og Andelsmejeri (Thorskilde); *Meelby*; *Vornæs*; *Strammelse*; *Nørre-Vornæs* med Skole; *Sønder-Vornæs*; *Bækkehave*. *Vornæs Skovhuse*.

Landet S., en egen Sognekommune, hører under de S. 645 nævnte Distrikter, Lands- og Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 58. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Taasinge.

*Kirken*, maaske fordum indviet til St. Jørgen, bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutn. (nu benyttet til Sakristi), Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført ved Midten af 12. Aarh. (den anses for Øens ældste Kirke) af huggen, kløvet Kamp paa en omhyggelig tilhuggen Sokkel. Flere oprindelige, rundbuede Vinduer ses. Korbuen og Buen ind til Taarnrummet ere runde. Den oprindelige Syddørs Indfatning, som nu er flyttet til Væggen mellem Taarn og Skib, hvor den

danner Hovedindgangen, er en karakteristisk Portal af Kamp, prydet med Relieffremstillinger; paa den halvrunde Overligger ses Christus i oval Ramme, til hvilken to Helgener støtte sig; paa Portalens Sider findes to Sfinksfigurer (se *Løffler*, Udsigt over Danm. Kirkeb. S. 124). Ved Midten af 16. Aarh. blev Kirken forlænget mod V., idet den oprindl. Vestgavl nedreves, og fik Hvælvinger. Taarnet opførtes 1634 over Skibets Forlængelse (paa Taarnet staar: 1634 og P. S. A., ɔ: Præsten Peder Sørensen Aarhuus), og samtidig tilføjedes Vaabenhuset. Alterbilledet er en Kopi af Memlings Alterbillede i Lübeck (Korsfæstelsen); Kalken er skænket 1667 af Præsten Jens Mogensen Hosum, der ogsaa 1650 har skænket de malmstøbte Alterstager. Prædikestolen er et Renæssancearbejde fra 1619; Granitdøbefont; paa Daabsfadet staar Sophie Elisabeths og Chr. IV's Navnetræk samt Aarst. 1634. Malmlysekrone, skænket af Anna Christine Jørgensdatter 1714. Ligsten over ovennævnte Hosum, † 1679, og Hustru, og over Guvernør i Trankebar Axel Juel, † 1720 (han og hans Enke, Sophie Amalie Parsberg, † 1740, boede paa en Gaard i Strammelse, efter hende kaldet Fruegaard). Kanten af Hjørnestenen i Skibets sydøstl. Hjørne er foroven dannet som et Menneskehoved; over Stenen er indsat en større, tilhuggen Sten, hvorpaa en Løve i Relief. Ved Kirken en kisteformet Gravsten fra den ældre Middelalder.

Paa Lundby Mark, S. Ø. for Byen, har der staaet et *St. Olafs Kapel*, hvoraf der nu ikke mere findes Rester; tidligere har man truffet Mur- og Kampesten her. I Kapellet var et St. Olafs Billede, som blev baaret om Markerne, naar Sæden var saaet (se „Dania" IV S. 269). En Kildebrønd, som var tæt N. for Kapellet, er nu et Vandingssted.

Om Sognet se S. 649.

**Bjerreby Sogn**, det sydligste paa Øen, omgives af Landet Sogn, Store Bælt, i hvilket Sognet afsætter Halvøen *Vemmenæs*, der lukker for Lunke Bugt, samt Lille Bælt. Kirken, i den østl. Del, ligger $1^1/_4$ Mil S. for Svendborg. De overvejende lerede Jorder ere lavtliggende og jævne, med Undtagelse af Bjerreby Bakke, 85 F., 27 M.; ved Sydkysten er der endog saa sidt, at en stor Strækning *„Maanen"*, ikke sjælden oversvømmes af Havet, saa at blot den yderste Ende, *Vaarø Knude*, rager op som en Holm. En Del Skov (Lungeris, Tved Sk., Stenodde Sk., den sidste paa Vemmenæs, som ender i Stenodde). Til Sognet høre de ubeboede Holme *Store* og *Lille Rallen*.

Fladeindholdet 1896: 5487 Td. Ld., hvoraf 2619 besaaede (deraf med Hvede 206, Rug 471, Byg 700, Havre 637, Bælgsæd 14, Frøavl 3, Blands. til Modenh. 392, Grøntf. 132, Kartofler 30, andre Rodfr. 25, Handelspl. 9), Afgræsn. 648, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1212, Have 75, Skov 335, Kær og Fælleder 289, Hegn 157, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 138, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 489 Heste, 1657 Stkr. Hornkv. (deraf 1142 Køer), 1346 Faar og 895 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 605 Td.; 1 Selvejergaard med 11, 112 Fæstegd. med 540 og 146 Huse med 45 Td. Hrtk., næsten alle i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1406 (1801: 1025, 1840: 1327, 1860: 1385, 1880: 1420), boede i 263 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomh., 923 af Jordbrug, 35 af Fiskeri, 211 af Industri, 40 af Handel, 11 af Skibsfart, 67 af forsk. Daglejervirks., 58 af deres Midler, og 29 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bjerreby* (1560: Bjergby) med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (Plads for 14 Lemmer), Fællesmejeri og Mølle; *Stjovl*; *Vaarø*; *Hellev*; *Søby* med Skole og Mølle; *Gjesinge*; *Ny-Gjesinge*; *Skovballe* med Kro og Færgested, hvorfra Overfart til Hjortø; *Vemmenæs* med Skole, Kro og Færgested (en 400 Al. lang Anlægsbro med 6 F. Vand ved Yderenden), hvorfra Overfart til Rudkjøbing. *Stavolt* og *Ny Vemmenæs*, Gde. og Huse. *Stavsmølle*, Mølle og Fællesmejeri.

Bjerreby S., en egen Sognekommune, hører under de S. 645 nævnte Distrikter, Lands- og Folketingskr. samt under 3. Udskrivningskr.' 57. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Taasinge.

*Kirken* (fordum indviet til St. Morten) bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Tilbygning mod N. Af den oprindelige, romanske Kirke staa nu kun Rester af Murene tilbage, opførte af raa og klovet Kamp med hugne Hjørnekvadre og Sokkel. Et Par oprindelige, rundbuede Vinduer og Rester af Syddøren skimtes, nu tilmurede. Ved Midten af 15. Aarh. er Kirken bleven fuldstændig omdannet, idet Skib og Kor fik samme Bredde, overhvælvedes samt forsynedes med spidsbuede Hvælvinger. Omtr. samtidig tilføjedes Taarnet (pyramideformet Tag) af røde Munkesten, med overhvælvet Underrum, der aabner sig ind til Skibet med en Rundbue. 1634 tilføjedes Tilbygningen mod N., der oprindl. var Gravkapel, men nu danner en Slags Korsfløj. Altertavlen, fra Midten af 15. Aarh. (nu overmalet), er et katolsk Alterskab med udskaarne Fremstillinger: Korsfæstelsen (i Midten) og andre Scener af Lidelseshistorien (paa Fløjene). Paa Foden af Alterkalken staar: Jeg skal bruges efter Christi Skik og ej efter Pavens vrange Digt 1634. Romansk Granitdøbefont med Menneskehoveder. Paa Daabsfadet staar Chr. IV's Navnetræk, 1639 og Elisabeth Augusta. Tarvelig Prædikestol fra Midten af 18. Aarh. I Skibet et træskaaret Epitafium fra Beg. af 16. Aarh. med en Fremstilling af St. Morten. Degnestol fra 1536. Paa Skibets Nordvæg et stort, middelmaadigt udført Krucifiks fra Slutn. af 15. eller Beg. af 16. Aarh. I Skibet findes Mindetavler over Præsterne Poul Andersen Schytte, † 1735, og J. G. Flor, † 1803. I Skibets søndre Ydermur er indsat en Ligsten fra omtr. 1200, med en Korsstav. Et stort, smukt udskaaret Egetræsskab fra sen-gotisk Tid, der tidligere stod i Korsfløjen, opbevares nu i Nationalmuseet. — Paa Kirkegaarden et Monument over ovennævnte Flor.

I Stjovl maa vel den Hovedgaard *Stougaard* have ligget, der 1477 tilhørte Temme Grim og siden hans Søn Hans Grim, der 1556 solgte den til Frands Brockenhuus. — Paa en tidligere vandomflydt Plads, tæt N. for Bjerreby, skal der have ligget en gammel Gaard.

---

**Drejø Sogn** bestaar af de større Øer *Drejø*, 747 Td. Ld., *Skaarø*, $334^1/_2$ Td. Ld., *Hjortø*, 209 Td. Ld., og *Birkholm*, 167 Td. Ld., samt de smaa, ubeboede Holme *Flæskholm*, *Grydholm* og *Græsholm* N. for Drejø og *Vibeholm*, *Hjelmshoved*, *Mejlholm* og *Odden* omkring Hjortø. Kirken, paa den østl. Del af Drejø, ligger 2 Mil S. V. for Svendborg og $1^1/_4$ Mil N. for Ærøskjøbing. Den største af Øerne, *Drejø*, har en Længde fra V. til Ø. af omtr. $^3/_4$ Mil, medens dens største Bredde omtr. er $^1/_4$ Mil; den bestaar af en mindre, vestl. Del, „Skoven", paa hvilken det højeste Punkt er 53 F., 16,6 M., og en større, østlig Del, forbundne ved en ganske smal og lav Landtange, „Drejet". *Skaarø*, hvis højeste Punkt er Vesterbjærg, 29 F., 9 M., er omtr. $^1/_3$ Mil lang og $^1/_4$ Mil bred. Naar undtages en Del af Drejø, ere Øerne lavtliggende og jævne; paa Drejø og Skaarø ere Jorderne, naar undtages enkelte side Strækninger, der ere udsatte for Oversvømmelse, og som ere sandede og grusede, overvejende lermuldede; paa Hjortø og Birkholm ere de lettere, sandmuldede; paa Hjortø findes Rødsand i Underlaget.

Fladeindholdet 1896: 1478 Td. Ld., hvoraf 641 besaaede (deraf med Hvede 2, Rug 179, Byg 212, Havre 171, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 28, Grøntf. 6, Kartofler 6, Handelspl. 30), Afgræsn. 114, Høslæt, Brak, Eng m. m. 449, Have 12, Kær og Fælleder 49, Stenmarker 149, Veje og Byggegr. 58, Vandareal 6 Td. Kreaturhold 1893: 129 Heste, 504 Stkr. Hornkv. (deraf 374 Køer), 903 Faar og 271 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 117 Td.; 29 Selvejergaarde med 63, 7 Arvefæstegd. med 15, 11 Fæstegd. med 22, 70 Huse med 16 Td. Hrtk., $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 687 (1801: 416, 1840: 502, 1860: 615, 1880: 630), boede i 125 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 413 af Jordbrug, 117 af Fiskeri, 66 af Industri, 14 af Handel, 15 af Skibsfart, 41 af deres Midler, og 1 var under Fattigv. Ret betydeligt Fiskeri (Torsk og Flynder).

Paa *Drejø* (i Vald. Jrdb. Østrædraghø, 1480: Dreyø; vistnok af „Drag“ eller „Drej“, en smal Landstrimmel) ligger *Drejøby*, paa den østl. Del, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1896), Andelsmejeri (Bækskilde) og Mølle. Mod N. ved „Vigen“ er en lille Baadehavn; paa den vestl. Del, „Skoven“, 4 Gaarde og nogle Huse. Øen har før været Fæstegods under Grevsk. Brahesminde (nu kun 1 Fæstehus). — Paa *Skaarø* eller *Skarø*, som den udtales (i Vald. Jrdb. Skaarø; vistnok af „Skær“, Indskæring), *Skaarøby* med Bedehus (opført 1899 efter Tegn. af Arkitekt N. Jacobsen), Skole og Andelsmejeri. Paa Vestkysten en Skibsbro. Øen er for en Del Fæstegods under Baroniet Lehn. — Paa *Hjortø* (saaledes i Vald. Jrdb.; paa Stedet er Udtalen: Jordø) Landsby med Skole. Den er Fæstegods under Stamhuset Taasinge. — Paa *Birkholm* (i Vald. Jrdb. Byrkholm) Landsby med Skole. Den er Fæstegods under Grevskabet Langeland. Birkholm og Hjortø have fælles Lærer, der skiftevis er 14 Dage paa hver Ø.

Drejø S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 56. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn, Bedehuset paa Skaarø ejer sig selv.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus ved Taarnets Sydside. Den er oprindl. opført 1535 af Øens 13 Gaardmænd som et „Kapel“ af Kamp; i 1. Halvdel af 17. Aarh. er den bleven udvidet med Koret, der har Kamgavl, og Taarnet, der har kamtakkede, blindingsprydede Gavle, ligesom Skib og Kor fik Hvælvinger; Taarnrummet, der har rund Bue ind til Skibet, har fladt Loft, ligesom Vaabenhuset. Kirken er bl. a. restaureret 1779 og 1875 (de to Aarstal staa paa Taarnet), ved hvilken sidste Lejlighed den helt blev overpudset med Cementrapning og indvendig malet blaa med hvide Ribber. Korbuen er flad, Vinduerne rundbuede. Altertavlen er i Renæssancestil med et Krucifiks og et ret godt Billede (Christus med Kalk og Brød). Godt udskaaren Prædikestol i Renæssancestil. Granitdøbefont med et udhugget Bispehoved, paa muret Fod. I Koret Ligsten over Præsten Niels Christoffersen Fabricius, † 1662, og Hustru.

Øerne have tidligere til Dels være bedækkede af Skov og ere i Middelalderen blevne benyttede til Jagt af Kongerne; Vald. Jrdb. angiver, at der paa Drejø var Hjorte, Daadyr og Heste, paa Skaarø Hjorte og paa Hjortø og Birkholm Heste; paa Drejø siges, at der var et Hus, vel et Jagthus. Efterhaanden som Krongodset solgtes, kom de ind under forskellige Herskaber; saaledes blev Drejø, tillige med Avernakø, 1667 skødet til Enken efter Otte Krag til Egeskov; 1766 blev den købt af Preben Brahe og kom saaledes under Hvedholm; Skaarø kom med Lehnskov ind under Baroniet Lehn; Hjortø kom først i 2. Halvdel af 18. Aarh. ind under Stamhuset Taasinge, og Birkholm lagdes under Grevskabet Langeland, da dette oprettedes 1672.

Alle Øerne, særlig dog Birkholm, ere ved Højvande udsatte for Oversvømmelse, mod hvilken Beboerne søge at beskytte dem ved Diger, der tættes med Tang. Men i særligt haardt Vejr blive disse Diger ofte bortrevne, og Øerne lide meget, saaledes ved Stormfloden $^{14}/_{11}$ 1872 og $^{10}/_{2}$ 1874. I 1872 var Birkholm helt oversvømmet, saa at Beboerne maatte redde sig op paa Lofterne; Hjortø var under Vand paa 16 Td. Ld. nær, og af Drejø stod $^{4}/_{7}$ under Vand; Digerne, der ere omtr. 7—8 F. høje, bleve overalt stærkt beskadigede. Havet slikker efterhaanden Dele bort af Øerne.

Paa den vestl. Del af Drejø har der ligget nogle Skanser, der vare opførte mod Englænderne 1808.

Drejø hørte ind under Ærøskjøbing Menighed indtil 1535, da Øen fik sin egen Kirke og Præst; men da Kaldet var for ringe til at underholde en Præst, blev ved Kongebrev af 1555 Skaarø, der tidligere havde hørt under Øster-Skjerninge, Hjortø, før under Bjerreby paa Taasinge, og Birkholm, før under Humble paa Langeland, henlagte under Drejø Kirke.

**Litt.**: *P. Tommerup*, Topographie over Dreiøe Sogn, Odense 1823. — *A. Fabricius*, Drejø Sogns Beskr. og Hist., Kbh. 1882. — Se ogsaa Saml. til Fyens Hist. I S. 130 fl.

**Strynø Sogn** bestaar af Øerne *Strynø*, omtr. 1000 Td. Ld., og *Strynø Kalv* samt de ubeboede Øer *Vogterholm*, *Bondeholm*, *Græsholm*, *Boddiken*, *Bredholm* og *Grensholm*, alle liggende i Farvandet mellem Taasinge, Ærø og Langeland. Kirken, midt paa Strynø, ligger omtr. $2^1/_4$ Mil S. for Svendborg, 1 Mil S. V. for Rudkjøbing og $1^3/_4$ Mil Ø. N. Ø. for Ærøskjøbing. Jorderne paa Strynø, der ere bølgeformede og ganske lave ved Kysterne, men højere i Midten (højeste Punkt 32 F., 10 M.), ere lermuldede; paa Strynø Kalv ere de mere grusede, og for at beskytte dem for Oversvømmelse ere de inddigede; alle Udkanterne benyttes til Græsning.

Fladeindholdet 1896: 1041 Td. Ld., hvoraf 568 besaaede (deraf med Hvede 58, Rug 99, Byg 172, Havre 80, Bælgsæd 4, Blandsæd til Modenh. 90, Grøntf. 45, Kartofler 18), Afgræsn. 226, Høslæt, Brak, Eng m. m. 146, Have 20, Hegn 24, Stenmarker m. v. 15, Veje og Byggegr. 42 Td. Kreaturhold 1893: 98 Heste, 355 Stkr. Hornkv. (deraf 276 Køer), 572 Faar og 259 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 129 Td.; 2 Selvejergaarde med 6, 51 Fæstegd. med 113, 109 Huse med 10 Td. Hrtk., over $^3/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 751 (1801: 490, 1840: 594, 1860: 719, 1880: 749), boede i 167 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomh., 323 af Jordbrug, 73 af Fiskeri, 45 af Industri, 41 af Handel, 196 af Skibsfart, 7 af forsk. Daglejervirksomh., 45 af deres Midler, og 9 vare under Fattigv. Fiskeri og særlig Skibsfart have stor Betydning.

Paa *Strynø* (i Vald. Jrdb. Stryn) *Strynøby* med Kirke, Præstegd., Skole, Lægebolig og Fællesmejeri. Paa Vestkysten en Mølle. Paa Østkysten en lille Baadehavn, der nu skal udvides. — Paa *Strynø Kalv* (Stryn calf) ligge 3 Gaarde.

Strynø S., en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Langelands Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 3. Folketingskr. samt 3. Udskrivningkr.' 87. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med tresidet Afslutn. og Taarn mod V. Den er, paa den nederste Del af Taarnet nær, opført fra nyt 1867 af Besidderen af Baroniet Lehn efter Tegn. af V. Dahlerup og Ove Petersen i Stedet for den lave, lille Kirke, som stammede fra 16. Aarh. og bestod af Skib med Kor og Taarn mod V. samt en Tilbygning, der var tilføjet af Joh. Lehn til Hvidkilde. Kirken er opf. af gule Mursten nærmest i romansk Stil med takkede, blindingssmykkede Gavle og Bjælkeloft. Taarnrummet tjener som Vaabenhus. Af det gamle Inventarium er kun bevaret den i Renæssancestil udskaarne Prædikestol fra 1618. Altertavlen forestiller Forklarelsen paa Bjærget.

Strynø hørte i Middelalderen til Krongodset (i Vald. Jrdb. siges, at der var Hjorte og Heste paa den). Senere bortsolgtes den og kom ind under Grevsk. Langeland, under hvilket den var Fæstegods, men i den seneste Tid er dette afhændet. Den udgjorde tidligere et eget Birk, der 1855 inddroges under Langelands Sønder Herreds Jurisdiktion.

Strynø hørte fordum til Rudkjøbing Sogn; men Bisp Jens Andersen Beldenak tillod Beboerne at have en egen Kapellan (bekræftet $^{12}/_6$ 1518). Øen har da vistnok fra den Tid haft et Kapel, som dog foreløbig blev ved at staa under Sognepræsten i Rudkjøbing, indtil Peder Christiernsen $^6/_{12}$ 1529 fik kgl. Bekræftelse paa „Stryn Kirke" (en anden Kilde siger: „1587, da en liden Kirke paa Landet blev bygt, fik de kgl. Tilladelse til at have deres egen Præst").

**Litt.**: Præsteembedet paa S., i Kirkeh. Saml. 4. R. III Bd. S. 170 flg. — Se ogsaa Saml. til Fyens Hist. I S. 128 flg.

# Salling Herred.

**Sogne:**

*Faaborg Købstads Landdistrikt, S. 655. — Diernisse, S. 656. — Vester-Aaby, S. 659. — Aastrup, S. 660. — Vester-Skjerninge, S. 663. — Ulbølle, S. 664. — Hundstrup, S. 665. — Brahetrolleborg, S. 667. — Krarup, S. 671. — Herringe, S. 672. — Gjestelev, S. 674. — Espe, S. 675. — Vantinge, S. 676. — Heden, S. 677. — Allested, S. 678. — Vejle, S. 678. — Nørre-Broby, S. 680. — Sønder-Broby, S. 681. — Øster-Hæsinge, S. 683. — Hillerslev, S. 686. — Vester-Hæsinge, S. 688. — Sandholts Lyndelse, S. 689. — Jordløse, S. 691. — Haastrup, S. 693. — Svanninge, S. 694. — Horne, S. 696. — Lyø, S. 701. — Avernakø, S. 702.*

---

Salling Herred, det største i Amtet, indbefatter det sydvestl. Hjørne af Fyn, begrænset mod Ø. af Sunds og Gudme Herreder, mod N. og V. af Odense Amt (Aasum, Odense og Baag Hrd.) og mod S. V. af Lille Bælt, i hvilket Herredet udsender Halvøen *Horneland,* som mod S. begrænser Helnæs Bugt. I Lille Bælt høre Øerne *Bjørnø, Avernakø, Lyø, Ilumø* m. fl. til Herredet. Den største Udstrækning fra N. til S. er omtr. 4, fra Ø. til V. $3^1/_2$ Mil. Overfladen er gennemgaaende højtliggende og bakket, navnlig i den sydvestl. og vestl. Del, idet den S. 561 omtalte Rygning her mod V. ender i Lerbjærg, 400 F., 126 M., med andre Højdepunkter som Kongens Høj, 371 F., 116,$_5$ M., og Rikelsbjærg, 355 F., 111,$_5$ M., og fra Lerbjærg udgaar Øens nordvestl. Hovedvandskel, i hvilket nær ved Vestkysten nogle af Øens højeste Punkter findes, nemlig Trebjærg, 407 F., 128 M., og Sandbjærg, 356 F., 111,$_5$ M. (de „fynske Alper"); ved Herredets Nordvestgrænse ligger i Vandskellet Synebjærg, 262 F., 82 M. Ved Kysten er der lavere, dog hæver det sydvestl. Vandskel ude paa Horneland sig i Tostebjærg til 197 F., 62 M. Den østl. og nordl. Del af Herredet er jævnere. Jorderne ere for en Del lerede, navnlig paa Siderne af de store Bakkestrækninger; paa Bankerne ere de sandede og mindre gode. Af Vandløbene nævnes *Hundstrup Aa*, der løber mod S., og *Odense Aa*, der udspringer omtr. midt i Herredet, kommende fra Fyns største Indsø, *Arreskov Sø*, 671

Td. Ld. Navnlig de sydl. og østl. Dele have Skov (i alt 8988 Td. Ld.). Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de middelgode (gnmstl. omtr. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Faaborg Købstad) 86,010 Td. Ld. (8,62 □ Mil, 474,6 □ Km.). Landdistrikternes Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var (uden Faaborg) 1/1 1895 7950 Td. Folketallet var 1/2 1890 i Landdistr. 23,862 (1801: 13,935, 1840: 19,606, 1860: 21,935, 1880: 24,040). I Herredet ligger Købstaden Faaborg. I gejstlig Henseende udgør det eet Provsti (undt. Heden, der hører til Bjærge-Aasum Hrd.'s, og Hundstrup, der hører til Sunds Herreds Provsti)., i verdsl. Henseende hører det til Faaborg Købstads, Holstenshus', Brahetrolleborg og Muckadells Birkers samt Salling Hrd.'s Jurisdiktioner. Samtlige Sogne høre til Amtets 3. Forligskreds.

Salling Hrd., i Vald. Jrdb. kaldet *Salænghæreth*, hørte fra 1660 til Nyborg Amt; se i øvrigt S. 565.

Der er i Herredet talt omtr. 275 jordfaste Oldtidsmonumenter, deraf Halvdelen Gravhøje, den anden Halvdel Stengrave, navnlig Dyssekamre; af Monumenterne ere nu dog henved 130 sløjfede og 35 mere eller mindre forstyrrede; 73 ere fredlyste. Efter Monumenternes og Oldsagfundenes Fordeling synes Bebyggelsen at have været ret forskellig i de forskellige Oldtidsafsnit. Den ældre Stenalder er væsentlig kun repræsenteret ved Fund fra Kystegnene og fra flere af Smaaøerne (saaledes Ilumø og Bjørnø). Fundene fra den yngre Stenalder haves i størst Antal fra den sydl. og til Dels den midterste Del, ligesom Gravene (Stengravene) næsten alle forekomme i den sydl. Del (i Horne S. omtr. 60 Stengrave, i Diernisse 20, i Svanninge 12, i Aastrup 9, i Jordløse 7, paa Lyø 16 og paa Avernakø 4). Gravhøjene, som vel væsentlig tilhøre Bronzealderen, have en videre Udbredelse end Stengravene, men mangle dog ganske i største Delen af Sognene mod N. Ø. Fra Jærnalderen haves en Del Fund spredt i Herredet.

**Litt.**: Indberetn. til Nationalmuseet om antikv. Undersøgelser i S. Hrd. af *H. Petersen*, *J. E. Boesen* og *Løffler*, 1884—86.

---

**Faaborg Købstads Landdistrikt**, Herredets mindste Sogn, bestaar af Øen *Bjørnø*, der ligger 1/2 Mil S. for Faaborg i Faaborg Bugts Munding. Den langagtige Ø, der strækker sig fra N. V. til S. Ø., har bakkede, temmelig højtliggende Jorder (Milebjærg, 71 F., 22 M.). Jorderne ere lerede og frugtbare.

Fladeindholdet 1896: 262 Td. Ld., hvoraf 159 besaaede (deraf med Hvede 2, Rug 33, Byg 37, Havre 35, Blandsæd til Modenh. 25, Grøntf. 19, Kartofler 5, andre Rodfr. 3), Afgræsning 32, Høslæt, Brak, Eng m. m. 49, Have 2, Moser 3, Kær og Fælleder 5, Stenmarker m. v. 7, Veje og Byggegr. 5 Td. Kreaturhold 1893: 17 Heste, 96 Stkr. Hornkv. (deraf 58 Køer), 97 Faar og 27 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 31 Td.; 7 Fæstegaarde med 27, 10 Huse med 3 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse, alle i Fæste og Leje. Befolkningen, 1/2 1890: 102 (1801: 46, 1840: 69, 1860: 101, 1880: 118), boede i 18 Gaarde og Huse; Erhverv: 2 levede af immat. Virksomh., 50 af Jordbrug, 42 af Fiskeri, 1 af Industri og 7 af deres Midler.

Paa Øen *Bjørnøby*, paa Østkysten, med Skole, Mølle, Landingsbro og Statstelefonstation. Øen hører under Baroniet Holstenshus' Gods.

Landdistriktet, der har Fattigvæsen fælles med Købstaden, men sit eget Skolevæsen og sit eget Distriktsraad, hører under Faaborg Købstads Jurisdiktion, Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 26. Lægd.

Øen var opr. Krongods, kom senere til Hvedholm, hvorfra Anne Gyldenstierne, Jørgen Brahes Enke, skødede den 1676 til Forpagteren paa Krumstrup, Bo Jakobsen. Senere kom den atter under Kronen, som 1693 skødede den til Dider. Schult til Findstrup (se Rasmussen Søkilde, Holstenshus og Nakkebølle, S. 493).

**Diernisse Sogn**, Anneks til Faaborg Købstad, omgives af Faaborg Købstads Jorder, Svanninge, Brahetrolleborg, V.-Aaby og Aastrup Sogne samt Lille Bælt (Faaborg Fjord). Kirken, noget mod N., ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. Ø. for Faaborg. De bakkede, højtliggende Jorder (Kongens Høj, 371 F., 116,$_5$ M., og Rikelsbjærg, 355 F., 111,$_5$ M.) ere dels lermuldede, dels sand- og grusmuldede. En Del Skov (Gamle Dyrehave, Enemærket, Nyhave, Pipstorn, Gamle Kohave, Prieshave, Nørresk.). Paa Nordgrænsen ligger *Øresø*, 5 à 6 Td. Ld., paa Sydvestgrænsen „*Sundet*" (se S. 580). Gennem Sognets sydl. Del gaa Landevejen fra Faaborg til Svendborg og Faaborg-Ringe Banen.

Fladeindhold 1896: 3373 Td. Ld., hvoraf 1438 besaaede (deraf med Hvede 69, Rug 219, Byg 373, Havre 326, Bælgsæd 32, Frøavl 5, Blandsæd til Modenh. 170, Grøntf. 112, Kartofler 21, Sukkerroer 16, andre Rodfr. 93), Afgræsn. 440, Høslæt, Brak, Eng m. m. 572, Have 59, Skov 604, ubeplantet 18, Moser 43, Kær og Fælleder 47, Hegn 26, Stenmarker m. m. 5, Veje og Byggegr. 103, Vandareal m. m. 18 Td. Kreaturhold 1893: 248 Heste, 1012 Stkr. Hornkv. (deraf 651 Køer), 537 Faar, 516 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 331 Td.; 4 Selvejergaarde med 116, 40 Arvefæstegd. med 137, 11 Fæstegd. med 38, 126 Huse med 39 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse, $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 967 (1801: 581, 1840: 717, 1860: 865, 1880: 1002), boede i 189 Gaarde og Huse; Erhverv: 23 levede af immat. Virksomh., 592 af Jordbrug, 11 af Gartneri, 4 af Fiskeri, 164 af Industri, 20 af Handel, 3 af Skibsfart, 118 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Diernisse* (i Vald. Jordb. Dighærnæs, 1313: Dyghærnæs, 1399: Diernæs, 1464: Degernes, ɔ: det store eller brede Næs) med Kirke, Skole, Diernisse Hospital — opr. 1706 af Armgard Sophie Gabel, Enke efter Gehejmer. Diderich Schult til Findstrup, med et Hus ved Kirken for 6 fattige — og „Baron Holstens Hospitaler" — opr. 1786 af Gehejmr., Baron Ad. Chr. Holsten til Holstenshus, med to Huse i Diernisse og 1 i Katterød for 8 fattige Familier fra Baroniet — samt Teglværk (Agermose); *Kalleko* med Faaborg Vandværk (se S. 585); *Katterød* med Skole, Hospital (se ovfr.) og Jærnbaneholdeplads. Hovedgaarden *Holstenshus*, Hovedsædet i Baroniet af s. Navn, har 39$^5/_8$ Td. A. og E. Hrtk. samt til Skovene 42$^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og 29$^3/_8$ Td. Skovskyld, omtr. 1510 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, 910 Skov, Resten Ager; til Godset høre 225$^1/_8$ Td. Hrtk. Arvefæstegods (61 Gaarde og 75 Huse) og 207$^5/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (34 Gde., 5 Boelssteder og 129 Huse), heri indbefattet Lyø og Bjørnø. *Bjørnemosegaard*, ligeledes under Baroniet, har 28$^1/_4$ Td. Hrtk., omtr. 232 Td. Ld. (deraf 10 i Aastrup S.), hvoraf 10 Eng, Resten Ager. *Barnehøjgaard*, Arvefæste under Baroniet, har 14$^1/_2$ Td. Hrtk., 125 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, Resten Ager. Til Holstenshus hører *Helenemølle**). Desuden *Findstrup*, Traktørsted, og *Egelund*, Skovridergaard.

*) Til *Baroniet Holstenshus*, der indbefatter Hovedgaardene Holstenshus og Nakkebølle, Gaarden Bjørnemosegd. samt Øerne Bjørnø, Lyø og Svelmø i Svendborg Amt og Hovedgaarden Langesø i Odense Amt, høre 820 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 171, indtaget til Skov

Diernisse S., en egen Sognekommune, hører under Holstenshus Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 1. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Holstenshus.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet (udv. omtr. 42 Al.), Taarn, med Trappehus og pyramideformet Spir, mod V. og Vaabenhus mod S. Den er vistnok opf. i Slutn. af Middelalderen; Materialet, som nu helt er dækket af Cement, er Kamp og røde Munkesten. Antagelig er Kirken senere bleven overhvælvet (4 Hvælvinger, hvoraf

Holstenshus.

den ene er Kor), ligesom Taarnet (dog før 1594), hvis overhvælvede Rum nu er Gravkapel, og Vaabenhuset, med fladt Loft, ere tilføjede. Ved en Restauration 1868-69 blev Kirken til Dels ombygget; Østgavlen fik Kamtakker, Kirken overpudsedes, og Spiret forhøjedes. Vinduerne ere rundbuede. Den trefløjede Altertavle, med Malerier (i Midten Korsfæstelsen, paa Fløjene Jesu Daab og Opstandelsen), er fra 1634, Kalken fra 1598; udskaaren Prædikestol i Renæssancestil fra 1. Halvdel af 17. Aarh., skænket af Jørgen Schult; Døbefont af Gibs. Over Alteret et Pulpitur, hvor Orgelet staar; paa Pulpituret 4 gamle, udskaarne Helgenfigurer. I Kapellet under Taarnet,

152, Bøndergods 276, Kirke- og Kongetiende 221 Td. (Diernisse Konge-, Kirke- og Præstetiende, Lyø $^1/_9$ Konge- og Kirketiende, Ulbølle, Vigerslev og Veflinge Konge- og Kirketiende); desuden 585 Td. Hrtk. Arvefæstegods); i Bankaktier 20,000 Kr., i Fideikommiskapitaler omtr. 628,600 Kr. Hovedgaardenes Jordtilliggende udgør 1540 Td. Ld. foruden omtr. 2250 Td. Ld. Skov.

der er adskilt fra Kirken ved to Jærngitterdøre, med det Holstenske og Knuthske Vaaben, staa to Stenkister med Ligene af Oberst Godske Ditl. Holsten, † 1745, og Hustru Elisabeth Sophie Knuth, † 1742. Ogsaa under Koret er der en, nu tilmuret Begravelse, hvori hvile Medlemmer af Familierne Banner og Schult. Paa et Pulpitur i Kirkens Vestende hænger et Krucifiks. I Vaabenhuset staar et udskaaret Egetræsskab med Jærnbeslag.

*Holstenshus*, hvorefter Baroniet har Navn, hed tidligere *Findstrup* og tilhørte 1314 Gotskalk Litle, som var en af de Adelsmænd, der for Utroskab mod Erik Menved i det nævnte Aar erklæredes fredløse. Blandt de senere Ejere af F. skal have været Hr. Anders Jensen (Passow), hvis Datter Anne ægtede Henning Walkendorff og blev Moder til Fru Inger Walkendorff, Knud Urnes, hvis Datter Alhed Urne bragte Gaarden til sin Ægtefælle Jørgen Venstermand, † 1551. Sønnen Knud Venstermand døde 1609 i Faaborg efter at have maattet gaa fra Gaarden, som derefter ejedes af Frands Rantzau og Fru Anne Rosenkrantz, deres Søn Fr. R., der 1622 solgte den til sin Svoger Mogens Gyldenstierne, af hvem den 1636 solgtes til Jørgen Schult. Efter sidstnævntes Død 1652 besad hans Enke, Anna Margr. v. Götzen, Gaarden i 32 Aar og efterlod den til Sønnen, Gehejmer. Diderich S., † 1704, hvorefter dennes Enke Armgard Sophie Gabel 1707 solgte den til Oberstlieutn. Chr. Adolph Holsten, falden i Slaget ved Helsingborg 1710, hvorefter F. tilfaldt Broderen Oberst Godske Ditlev H. til Langesø, † 1745. Han oprettede 1723 F. og Langesø til *Stamhuset Holstenshus*, og hans Søn, Gehejmer. Adam Chrf. H. († 1801) fik under $^{15}/_{9}$ 1779 Stamhuset oprettet til Baroniet Holstenshus. Baroniet gik over til hans ældste Søn, Kmhr. Ditl. H., † 1824, dernæst til den anden Søn, senere Admiral Hans H., † 1849, under hvem Nakkebølle blev købt 1828 og indlemmet i Baroniet. Han havde dog allerede straks overladt Styrelsen af Godset til Sønnen, senere Gehejmekonferensr. Adam Chr., der fra 1852 antog Navnet Holsten-Charisius, og efter hvis Død 1879 Baroniet gik over til Datteren, den nuv. Besidderinde Sophie Magdalene Baronesse Berner-Schilden-Holsten, Enke efter Kmhr., Ritmester G. A. Baron Berner-Schilden-Holsten († 1889).

Hovedbygningen er opført af røde Munkesten i to Stokv. med høj Kælder og bestaar af 3 Fløje: en Hovedfløj i N. og to mindre Sidefløje i Ø. og V.; foran Hovedfløjens Sydside er der et firkantet Taarn, hvori Hovedindgangen er. Den tidligere Bygning bestod ligeledes af 3, to Stokv. høje, sammenbyggede Fløje, der laa i Nord, Vest og Syd; under den nordl. og vestl. Fløj var der hvælvede Kældere. Ældst var den vestl. og sydl. Fløj, der vare opførte 1579 af Bindingsværk af Knud Venstermand og hans Hustru Fru Kirstine Lunge; man har endnu fra den sydl. Fløj 3 udskaarne Bjælkestykker med Christi Monogram, Bogstaverne K W K L, Venstermands og Lunges Vaaben og Aarst. 1579. Hovedfløjen mod N., af Grundmur, var derimod rejst 1643 af Jørgen Schult og Fru Anna Margr. v. Gøtzen (mulig har der her staaet en ældre, af Kn. Venstermand opf. Bygning), som ogsaa lod restaurere den vestl. Fløj deres Navne, Vaabener og Aarst. 1643 stod over Indgangen). Aar 1863—68 foretoges under Ledelse af Arkitekt Haugsted en stor Ombygning, der helt forandrede Bygningens Karakter: de to Bindingsværksfløje nedreves, og i Stedet opførtes de to nuv. Sidefløje mod V. og Ø. med takkede Gavle, medens Hovedfløjen bevaredes som Mellemparti mellem de nye Sidefløje, og Hovedfaçaden kom til at vende mod S.; en Sten, der 1723 var opsat over Hovedindgangen til Minde om Stamhusets Oprettelse, flyttedes til Indermuren over Indgangsdøren. Tillige nedbrødes de gamle Lader og Stalde, og der opførtes nye (Arbejdet afsluttet 1873). Endelig foretoges 1889 under Ledelse af Arkitekt M. Borch en ny Ombygning, hvorved navnlig de takkede Gavle nedtoges, og Taget blev afvalmet. I Bygningen findes flere udskaarne Egetræsdøre; nogle ere dog nu flyttede til Nakkebølle. Bygningen var tidligere omgiven af Grave paa de 3 Sider, medens der mod S. laa en Mølledam; denne saavel som Gravene mod V. og Ø. ere endnu til Dels bevarede. I den store Have, der tidligere var i strengt gennemført fransk Stil, men som nu for største Delen er engelsk, er af Godsets Beboere 1873 rejst en Granitstøtte til Minde om Ad. Chrf. Holsten-Charisius. I den tilstødende, omtr. 200 Td. Ld. store Dyrehave findes paa Emiliehøj og Stenhøj smukke Udsigtspunkter.

I *Katterød* har der ligget en Adelsgaard, der ejedes af Poul Stigsen Hvide, som 1505 solgte den til Karl Bryske, hvis Søn Jørgen Bryske 1556 skrev sig til Katterød.

I Sognet har ligget en Landsby *Findstrup*, som helt nedlagdes ved Midten af 17. Aarh. og inddroges under Findstrupgd. Lidt N. V. for Holstenshus' Hovedbygning ses endnu Rester af dens Kirke, hvis Fundament og lidt af Murene afdæk-

kedes 1870—71. Det har været en Korskirke (indv. 34 Al. lang) med Taarn mod V.; i Holstenshus' Have staar en Granitdøbefont fra Kirken. Hvornaar Kirken er bleven nedbrudt, og om den er bleven afløst af Diernisse Kirke, der maaske er opf. af Materialer fra den, vides ikke (1416 skænkede Bisp Jens Ovesen Aflad til F. Kirke; et Sagn siger, at Kirken blev nedreven, fordi en Herremand eller Frue havde ladet en Hund begrave i Kirken eller paa Kirkegaarden); 1525 var den i alt Fald forsvunden. For Reformationen var Findstrup et selvstændigt Sognekald; ved Kongebrev af $^{8}/_{4}$ 1540 bevilgedes det, at Diernisse efter den dav. Præsts Død maatte blive Annekс til Faaborg, og Findstrup Præstegaard kom 1581 ind under Findstrupgd.

I Sognet findes en Del fredlyste Oldtidsmonumenter: ved Barnehøjgd. den 15 F. høje „*Barnehøj*", i Gamle Kohave 3 Langdysser og et Dyssekammer med Gang, i Enemærket en Runddysse samt 2 Dyssekamre (vistnok oprindl. hørende til en Langdysse), og i Pipstorn 13 til Dels gruppevis beliggende Gravhøje, en anselig Langdysse med 3 Kamre, samt 3 sammenbyggede Langdysser med i alt 6 Kamre.

**Litt.**: *N. Rasmussen-Søkilde*, Holstenshus og Nakkebølle med tilliggende Sogne og Øer, 4 Dele, Odense 1875—77—78.

**Vester-Aaby Sogn** omgives af Annekset Aastrup, Diernisse, Brahetrolleborg, Krarup, Hundstrup og Ulbølle Sogne samt Lille Bælt (Nakkebølle Fjord, hvoraf noget er inddæmmet). Kirken, noget sydl., ligger omtr. $1^{1}/_{4}$ Mil Ø. S. Ø. for Faaborg og 2 Mil V. N. V. for Svendborg. De for største Delen højtliggende og bakkede, kun mod S. jævne og side Jorder ere overvejende lerede og lermuldede, dog paa Bankerne sandede og grusede. Over $^{1}/_{5}$ af Arealet er dækket af Skov (Klostersk. og Nyvænge, Stenhusløkker, Torpeløkke, Bøgebjærg Sk. m. m.). I den sydl. Del løbe nogle smaa Aaer, deribl. *Hundstrup Aa*, til Nakkebølle Fjord, i den nordl. Del ligger *Brendegaard Sø*, der sender en Biaa til Odense Aa. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Faaborg til Svendborg og, i den vestl. Del, Faaborg-Ringe Banen.

Fladeindhold 1896: 4125 Td. Ld., hvoraf 1419 besaaede (deraf med Hvede 55, Rug 270, Byg 364, Havre 314, Bælgsæd 4, Frøavl 4, Blandsæd til Modenh. 233, Grøntf. 78, Kartofler 16, andre Rodfr. 75, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 495, Høslæt, Brak, Eng m. m. 801, Have 55, Skov 859, ubeplantet 41, Moser 13, Kær og Fælleder 18, Hegn 22, Veje og Byggegr. 161, Vandareal 238 Td. Kreaturhold 1893: 277 Heste, 1056 Stk. Hornkvæg (deraf 700 Køer), 434 Faar, 555 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 335 Td.; 15 Selvejergaarde med 139, 41 Arvefæstegd. med 142, 3 Fæstegd. med 6, 124 Huse med 37 Td. Hrtk. og 20 jordløse Huse; omtr. $^{1}/_{2}$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 1063 (1801: 730, 1840: 889, 1860: 986, 1880: 1050), boede i 200 Gaarde og Huse; Erhverv: 64 levede af immat. Virksomhed, 538 af Jordbr., 8 af Gartneri, 229 af Industri, 29 af Handel, 12 af Skibsfart, 107 af forsk. Daglejervirks., 56 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Aaby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Baron Holstens Hospital (opr. 1794 af Gehejmer., Baron Ad. Chrf. Holsten, † 1801, til 8 fattige Familier fra Baroniet), Fattiggaard for V.-Aaby-Aastrup Kommune (opf. 1872, Plads for 30 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1886), Maskinfabrik, Andelsmejeri, Skibsbyggeri og Telefonstation; *Pejrup* (gml. Form: Porjupe, Perrup, Pegerup) med Skole og Jærnbane- og Telegrafstation. Udskibningsstedet *Fjellebroen* med Havn ($8^{1}/_{2}$ F. Vand), Toldassistentstation, Skibsbyggeri, Kro, Købmandsforretn. og Telefonstation. *Øksnehave Huse*. Hovedgaarden *Brendegaard*, under Baroniet Brahetrolleborg (se S. 668), har $34^{1}/_{8}$ Td. Hrtk., omtr. 357 Td. Ld., hvoraf 57 Eng, Resten Ager. *Pilegaard*, sammen med *Lindvads Mølle* (Vejr- og Vandmølle), har 28 Td. Hrtk., 234 Td. Ld., hvoraf 24 Eng, 13 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 10 Fæste- og Lejehuse. *Præstegaarden*: 12 Td. Hrtk. Skovriderboligen *Ditlevslyst*.

V.-Aaby S., een Sognekommune med Annekset, hører under Holstenshus' Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 2. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Brahetrolleborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, Taarn mod V. og Korsfløje mod N. og S. Af den oprindelige, fra den ældre Middelalder stammende Kirke, der bestod af Skib, Kor og Apsis, opf. af raa Kamp, med profileret Sokkel og Dør- og Vinduesindfatninger af Fraadsten, staar nu tilbage kun Skibets vestl. Del. Rester af de oprindelige Vinduer og Døre kunne skimtes. Senere i Middelalderen forlængede man Langhuset mod V., nedbrød Kor og Apsis og opførte en lige Østvæg; Sidemurene opførtes væsentlig af raa Kamp, Gavlene af Munkesten. Omtr. samtidig overhvælvedes Kirken. Fra en lidt senere Tid, men dog endnu fra Middelalderen, skriver sig den nordl. Tilbygning, der oprindl. var et Kapel. 1591—98 opførtes det nuv. Taarn, der afløste det ældre „med Træværk paa"; ifl. Indskrift blev det repareret 1765 af Chr. Ditl. Reventlow. 1842 blev et Vaabenhus, mod S., nedbrudt, den sydl. Korsfløj opført og Kapellet mod N. indrettet til Korsfløj. Skibet har 3, Koret 1 og hver af Korsfløjene 1 Hvælving; Taarnrummet tjener til Vaabenhus. Under Koret findes tilmurede Begravelser. Kirken blev restaureret 1840—42 (indviet $^{27}/_{11}$ 1842). Altertavlen (Simeon og Anna i Templet) er malet af A. Thomsen 1840. Paa Kalken staar Manderup Brahes og Birgitte Trolles Navnetræk samt Aarst. 1677. Ny, jærnstøbt Døbefont. (Den oprindelige, romanske Granitdøbefont findes i Præstegaardshaven). Ny Prædikestol. Orgel fra 1898. Den ene Klokke er fra 1501. Malmlysekrone, skænket 1709 af Friherreinde Anna Catharina Walkendorff, Fr. Trolles Enke. I Koret en Series pastorum.

*Brendegaard* blev oprettet 1588 af Henrik Rantzau af to store Skovgaarde, Brendegaard og Røjlegaard, hvortil 100 Aar senere blev lagt en Del af Byen Nybo. Den har siden da været forenet med Rantzausholm og siden 1672 hørt under Baroniet Brahetrolleborg. — Hovedbygningen er opf. omtr 1880.

*Pilegaard* var tidligere en Hovedgaard og tilhørte 1358 Niels Jakobsen Ruth, 1574 Henning Venstermand, ved hvis Død 1581 den tilfaldt hans Søster Anne, g. m. Godske Brockenhuus, † 1589. Gaarden kaldtes nu *Leiholm*. Da alle Godskes Børn døde ugifte, kom Gaarden under Nakkebølle til 1651, da Falk Gøye solgte den til Fru Anne Margr. v. Gøtzen paa Findstrup, hvis Svigersøn Niels Banner 1663 lagde den under Rødkilde. En af hans Kreditorer Simon Fock i Hamburg overtog 1667 begge Gaardene, men fra ham kom L. for Skatterestancer til Kronen og blev udlagt til Ryttergods. 1717 købtes den af Herredsskriver Niels Hansen Krogstrup, der 1739 solgte den til Enkehertuginde Dorothea Christiane, der overlod den til Kmjkr. Philip Ernst v. Schleppegrell, der 1743 lod den stille til Auktion. Den blev da tilslaaet Præsten i Nørre-Broby Mikkel Clausen (Mules) Enke, ved hvis Dattersøn, Mikkel Andersen Pilegaards Død 1790 den paany blev købt til Nakkebølle for 8600 Rd.; 8 Aar senere kostede den uden Besætning 14,860 Rd. og var saa i Agent Jørgen Plougs Slægt til 1823, da Forpagter Dines Peter Lemming købte den for 10,400 Rd. uden Besætning; 1866 købte Møller C. Feldthusen L. for 47,500 Rd. uden Besætning.

Ved Vester-Aaby ligger et fredlyst Dyssekammer.

**Litt.**: se under Diernisse Sogn. — Se ogsaa Aarb. for d. Kulturhist. 1894 S. 177 flg., og Kirkeh. Saml. 2. R. VI Bd. S. 335 flg.

**Aastrup Sogn**, Anneks til V.-Aaby Sogn, omgives af dette og Diernisse Sogn samt Lille Bælt. Til Sognet høre *Store* og *Lille Svelmø* samt *Kidholm*, de to sidste ubeboede. Kirken, mod N., ligger omtr. 1 Mil Ø. S. Ø. for Faaborg og $2^1/_4$ Mil V. N. V. for Svendborg. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere ler- og sandmuldede. Nogen Skov (Enemærket, Dyrehave). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Svendborg.

Fladeindholdet 1896: 2214 Td. Ld., hvoraf 1010 besaaede (deraf med Hvede 45, Rug 168, Byg 278, Havre 205, Bælgsæd 6, Frøavl 13, Blandsæd til Modenh. 164, Grøntf. 62, Kartofler 15, andre Rodfr. 50, Handelspl. 4), Afgræsn. 408, Høslæt, Brak, Eng m. m. 434, Have 30, Skov 93, Moser 16, Kær og Fælleder 109, Hegn 6, Stenmarker m. m. 31, Veje og Byggegr. 69, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold

1893: 202 Heste, 920 Stkr. Hornkvæg (deraf 587 Køer), 432 Faar, 472 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 249 Td.; 4 Selvejergaarde med 65, 35 Arvefæstegd. med 143, 5 Fæstegd. med 16, 56 Huse med 25 Td. Hrtk. og 7 jordløse Huse ($^2/_8$ i Fæste og Leje). Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 601 (1801: 347, 1840: 467, 1860: 528, 1880: 603), boede i 113 Gaarde og Huse; Erhverv: 8 levede af immat. Virksomhed, 439 af Jordbr., 2 af Gartneri, 11 af Fiskeri, 98 af Industri, 9 af Handel, 13 af Skibsfart, 20 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Aastrup*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1893) og Andelsmejeri. *Nab* og *Dyvskrog*, Huse. Hovedgaarden *Nakkebølle*, under Baroniet Holstenshus (se S. 656), har 78 Td. Hrtk., omtr. 700 Td. Ld., hvoraf 164 Eng, 90 Skov, Resten Ager; til Godset høre af Fæstegods $38^1/_4$ (5 Gaarde og 43 Huse) og af Arvefæstegods $180^3/_4$ Td. Hrtk. (44 Gaarde og 48 Huse); saavel Hovedgaardens Jorder som Bøndergodset ligge dels i Aastrup, dels i V.-Aaby Sogne. Til Bøndergodset hører Øen *Svelmø*, omtr. 48 Td. Ld., med 3 Fæstegaarde.

Aastrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg) og i øvrigt under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som Hovedsognet, samt under 3. Udskrivningskr.' 28. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Brahetrolleborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, Taarn mod V., Vaabenhus mod N. og Kapel ved Korets Sydside. Kirken, der er opført i den ældre Middelalder, bestod oprindl. af Skib og Kor, opførte af raa Kamp. Rester af et Vindue og af Sydøren kunne spores. Ved Slutn. af Middelalderen blev Skibet forlænget mod V., Koret nedbrudt og Kirken forlænget mod Ø., samt overhvælvet. Noget senere, omtr. 1550, blev Taarnet, hvis overhvælvede Underrum aabner sig ind ti Skibet med en Spidsbue, tilføjet. Samtidig tilføjedes Vaabenhuset, og Eiler Brockenhuus lod opføre det hvælvede Kapel. Den samme lod 1594 Taarnet forhøje og forsyne med Spir. 1765 lod Grev Chr. Ditlev Reventlow, ifølge Indskrift paa Taarnet, nogle Bygningsarbejder udføre. 1852 er Taarnet delvis ommuret og forsynet med Renæssancegavle. Alterbilledet (Gangen til Golgatha) er malet af Roed. Romansk Granitdøbefont med rige Ornamenter og Indskriften: Hvicmanne me fecit. Prædikestolen er ny. Ligsten over Jakob Brockenhuus, † 1577, og Hustru Susanne Bølle, † 1569 (Portrætfigurer), over Eiler Bølle til Nakkebølle, † 1535 (ifl. Gravskriften: 1534), over Claus Eriksen til Kindholm, † 1541, over Eiler Brockenhuus, † omtr. 1602, hans første Hustru Berte Friis, † 1582, og to Døtre, hans anden Hustru Anne Bille, † 1640, med fire Børn (den meget anselige Sten, med Portrætfigurer, er opsat 1589); der er tilmurede Begravelser under Koret og Kapellet, hvori hvile bl. a. flere Ejere af Nakkebølle. I Taarnets Underrum er indrettet en Begravelse, hvori staa 3 Sandstenskister med Ligene af Sophie Amalie Sehested, Enke efter Oberstlieutn. Cicignon, † 1793, Johan Fr. Cicignon, † 1764, Erica Christina Holck, Cicignons første Hustru, † 1741. Over Kisterne en Mindetavle med Cicignons Fødsels- og Dødsaar etc. fra 1804, opsat af hans Datter.

*Nakkebølle* ejedes alt tidlig af Familien Bølle, nemlig Mads Andersen 1463, Sønnesønnen Eiler Eriksen, † 1535, hvis Datter Susanne var gift med Claus Eriksen Ravensberg (Slippeslot) og senere med Jakob Brockenhuus til Damsbo († 1577). Hans Søn Eiler B. var den følgende Ejer. N. ejedes derefter af hans Datter af 1. Ægteskab Susanne Brockenhuus, der ægtede Markvard Bille, † 1631, som ved Eiler Brockenhuus' Død omtr. 1602 fik Part i N. (den anden Part beholdt Fru Anne Bille, Eiler Brockenhuus' 2. Hustru, til sin Død), og da hans Søn Eiler Bille døde ugift 1649 efter at have frasolgt eller pantsat meget af Gaardens Tilliggende, tilfaldt N. Svogeren Falk Gøye, efter hvis Død 1653 den blev solgt til Niels Krabbe til Skjellinge i Skaane. Han døde 1663, hvorpaa N. blev delt mellem hans to Døtre og deres Mænd, Etatsraaderne Herluf Trolle og Johan Monrad; førstnævntes Søn Etatsr. Børge T. forenede 1706 begge Parter, men bestyrede sine Ejendomme saa slet, at han maatte sælge alt og forlade Landet († 1739). N. købtes 1732 paa Auktion af Joh. Lehn til Hvidkilde for 35,000 Rd.; han solgte den 1741 til Oberstlieutn. Joh. Fr. Cicignon, † 1764, hvis Enke († 1793) og Datter, g. m. Fr. Chr. Skeel til Mullerup († 1798), beholdt den til 1815, da den efter Datterens Død solgtes for 358,000 Rd. til

Godsejer Fr. Chr. Wamberg til Løjtved, der imidlertid ikke kunde udrede Købesummen, skønt han ødelagde Skovene. Gaarden blev derefter ved Auktion 1821 tilslaaet G. A. van Deurs for 83,500 Rd., der foretog en fortrinlig Udskiftning, men heller ikke kunde klare sin Gæld, og ved Auktion solgtes den for 78,500 Rd. til Baron Hans v. Holsten til Holstenshus, der indlemmede den i Baroniet ifl. kgl. Bevilling af $^{10}/_{9}$ 1827.

Den nuv. Hovedbygning er opført paa en i en Sø fremspringende Landtunge

Nakkebølle.

(„Nakke"), som afsondredes fra fast Land ved Grave mod N. og Ø.; omkring Borggaarden blev der trukket en Ringgrav. Borggaarden bestaar af 3 Fløje, en Hovedfløj mod S. og to Sidefløje mod Ø. og V. Hovedfløjen, hvis Ydre i det hele er godt bevaret, og som giver et karakteristisk Billede af Tidens Ridderborge, er opført 1559 af røde Munkesten (med en Murtykkelse af 3—5 F.) i Blokskifte paa en Kampestenssokkel og bestaar foruden af hvælvede Kældere af to Stokv. og et øverste Halvstokv.; paa hvert af Hjørnerne mod S. er der et firkantet Taarn og midt

paa Nordsiden et firkantet Trappetaarn. Over 1. Stokv. springer Muren helt rundt en halv Sten frem, hvilende paa smaa, flade Buer, der bæres af Sandstenskonsoller; over 2. Stokv. krager Muren een Sten ud, og her hvile Buerne paa hugne Kampesten. Her ses Skoldehuller og nu for det meste blindede Skydeskaar. Alle Vinduerne ere fladbuede. Paa Østsiden af Trappetaarnet er Hovedindgangen, med en Sandstensportal i Renæssancestil med Fronton foroven, hvori en Indskrift, der mælder, at Huset er bygget 1559 af Jak. Brockenhuus, og Brockenhuusernes og Bøllernes Vaabener; Døren, der er af Egeplanker med talrige Jærnnagler, er den oprindelige; paa Indersiden findes den gamle, endnu benyttede Forskudsbom. Ruminddelingen i 1. Stokv. er vistnok væsentlig den oprindelige; 2. Stokv. optoges helt af Riddersalen, men denne er nu afskildret i flere Rum; for hver af dens to Ender staar en gammel Sandstenskamin. I Kælderen findes en oprindelig Brønd. I de to Hjørnetaarne, hvis Gavle sikkert fra først have været halvrunde eller takkede, men i 1880'erne ere ombyttede med Renæssancegavle (Arkitekt Haugsted), dækkes 1. Stokv. af oprindelige Kuppelhvælvinger, 2. Stokv. af Bjælkeloft, af hvilke dog kun det i det sydvestl. Taarn er oprindeligt, med udskaarne Knægte under Bjælkernes Ender. Den sydøstl. Taarnkælder har været Borgfængsel. Af de to, noget yngre Sidefløje, i eet Stokv., er den østl. og ældste af Grundmur og sammenbygget med Hovedfløjen (under den sydl. Del har Kælderen Krydshvælvinger); den vestl. Sidefløj er af Bindingsværk. De nye Ladebygninger ligge paa den anden Side af Ringgraven Ø. og S. Ø. for Hovedbygningen (se *F. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist. S. 61, *J. Nielsen* og *Fussing*, Opmaaln. og Tegn., i Kunstakademiet, og Ill. Tid. $^{8}/_{8}$ 1897).

Ved Udkanten af Skoven Enemærket ligger det fredlyste Voldsted *„Herregaardsholmen“* — en oval Banke, omtr. 60 F. lang og 27 F. bred, omgiven af en Grav, der ved en smal Rende har staaet i Forbindelse med Fjorden; uden om Graven er der en Højning —, hvor det ældre Nakkebølle, der blev ødelagt 1534 i Grevens Fejde, skal have ligget; baade paa Banken og i Graven er der truffet Murstensbrokker. Et andet, ogsaa af Grave omgivet Voldsted, i *Hønsemosen* N. for den nuv. Hovedbygning, mulig Levning af et endnu ældre Nakkebølle, blev omdannet til Pløjeland ved Midten af 19. Aarh., ved hvilken Lejlighed man opbrød Grunden til en firkantet Bygning.

Lensbesidderen lod 1866—70 omtr. 110 Td. Ld. af *Nakkebølle Fjord* inddæmme med en Bekostning af 36,708 Rd.; ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872 gennembrødes Dæmningen, og Udbedringen kostede omtr. 8000 Kr.

**Litt.**: se under Diernisse Sogn.

**Vester-Skjerninge Sogn** omgives af Annekset Ulbølle, Hundstrup Sogn og Sunds Hrd. (Ollerup og Ø.-Skjerninge S.) samt Lille Bælt. Kirken, mod Ø., ligger omtr. $1^{3}/_{4}$ Mil Ø. S. Ø. for Faaborg og $1^{1}/_{4}$ Mil V. N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, mod Kysten skraanende Jorder ere dels ler-, dels sandmuldede. Rønnekjær Skov. Paa en Del af Østgrænsen løber Syltemade Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Svendborg.

Fladeindholdet 1896: 1922 Td. Ld., hvoraf 1016 besaaede (deraf med Hvede 42, Rug 171, Byg 232, Havre 216, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 169, Grøntf. 110, Kartofler 10, andre Rodfrugter 57), Afgræsn. 273, Høslæt, Brak, Eng m. m. 418, Have 36, Skov 87, Moser og Kær 3, Hegn 24, Veje og Byggegr. 54, Vandareal m. m. 10 Td. Kreaturhold 1893: 200 Heste, 733 Stkr. Hornkv. (deraf 505 Køer), 253 Faar, 276 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 231 Td.; 48 Selvejergaarde med 191, og 141 Huse med 40 Td. Hrtk. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 926 (1801: 459, 1840: 823, 1860: 930, 1880: 1043), boede i 191 Gaarde og Huse; Erhverv: 50 levede af immat. Virksomh., 498 af Jordbr., 19 af Fiskeri, 234 af Industri, 60 af Handel, 5 af Skibsfart, 17 af forsk. Daglejervirks., 23 af deres Midler, og 20 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Vester-Skjerninge*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Forskole, Friskole — Fattiggaarden for V.-Skjerninge-Ulbølle Kommune (opf. 1864, Plads for 33 Lemmer) er nedbrudt 1898 og Grunden lagt ind under Kirkegaarden —, Sophie Krags Hospital (opr. 1778 af Sophie Juel, Enke efter Etatsr. N. Krag, med et Hus ved Kirken til 4 Kvinder af Skjoldemose Gods og 2000 Rd.), Apotek, Lægebolig, Købmandsforretn., Mølle,

Kro, flere Haandværkere samt Telegrafstation og Postekspedition. Noget S. for Byen *Søndermark Biskole*. *Bukkebjærg Huse*. *Præstegaarden* har 14 Td. Hrtk., 108 Td. Ld., hvoraf 97 Ager, 2 Have, Resten Byggepl., Mose og Krat. Desuden *Skjerningegd.*, *Bernekildegd.*, *Bisgd.*, *Bøjlsgd.*, *Lindholm* (tilhører Forfatteren Peder Møller) m. m., samt *Vestermølle*.

V.-Skjerninge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 32. Lægd. Kirken er i Privateje.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Taarnet, fra Middelalderens Slutn., synes at være det ældste Parti af Kirken. Det er opført af raa Kamp og røde Munkesten; Underrummet er overhvælvet. Skibet synes oprindl. opført i den gotiske Periode af raa Kamp, men er senere blevet nedbrudt, og kun en Dæksten med Relieffer fra den ene Dør er nu tilbage. Det nuv. Langhus er opf. af raa Kamp og Mursten samt overhvælvet. Korbuen er rund, Taarnbuen spids. Vaabenhuset, af raa Kamp og Mursten, skriver sig vist fra samme Tid som Kirkens Hvælvinger (omtr. Midten af 16. Aarh.). Alterbilledet (Christus i Getsemane) er malet af C. V. Eckersberg 1817. Oblatæsken og Berettelseskalken (den sidste med Aarst. 1667) ere 1698 skænkede af Præsten Chrf. Wielandt. Døbefontens Kumme, af Granit, er fra den romanske Tid. Prædikestol fra Slutn. af 18. Aarh. Under Mandfolkestolene en Ligsten over Gartner Chr. Rasmussen Voigt, † 1768, og Hustru.

I V.-Skjerninge grundlagde Digteren Mads Hansen († 1880) i Forbindelse med Anton Nielsen en Folkehøjskole 1868, som han senere solgte til Anton Nielsen, hvorefter den flyttedes til Ollerup (se S. 636). — I V.-Skjerninge er 1885 rejst et Mindesmærke (en 8 F. høj Granitsten med Broncebuste) for Mads Hansen.

**Ulbølle Sogn**, Anneks til V.-Skjerninge, omgives af dette, Hundstrup og V.-Aaby Sogne samt Lille Bælt. Kirken, noget østl., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Faaborg og ligesaa langt V. N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, mod Kysten skraanende Jorder ere lermuldede. I Sognet findes jærnholdige Kilder. Nordgrænsen dannes af Spangebæk. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Svendborg.

Fladeindholdet 1896: 2289 Td. Ld., hvoraf 1192 besaaede (deraf med Hvede 63, Rug 218, Byg 285, Havre 267, Bælgsæd 6, Blands. til Modenh. 161, Grøntf. 70, Kartofl. 16, andre Rodfr. 101, andre Handelspl. 4), Afgræsn. 363, Høslæt, Brak, Eng m. m. 527, Have 43, Skov 37, Kær og Fælleder 15, Hegn 34, Veje og Byggegr. 63, Vandareal m. m. 13 Td. Kreaturhold 1893: 232 Heste, 1011 Stkr. Hornkv. (deraf 653 Køer), 184 Faar og 390 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 291 Td.; 41 Selvejergaarde med 226, 9 Fæstegd. med 16 og 132 Huse med 49 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 930 (1801: 617, 1840: 790, 1860: 880, 1880: 910), boede i 185 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 591 af Jordbrug, 15 af Fiskeri, 183 af Industri, 30 af Handel, 31 af Skibsfart, 17 af forsk. Daglejervirks., og 45 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ulbølle* (Ullebølle) med Kirke, Skole (2 Bygninger med 2 Lærere), Forskole, Forsamlingshus (opf. 1890), Lægebolig, Mølle med Bageri, 3 Købmandsforretn. og Andelsmejeri; *Strandhuse*. *Lillemark*. med Forskole, og *Langemark*. Gde. og Huse. Hovedgaarden *Rødkilde*, med Gaardene *Margrethesminde* og *Ringsgaarden*, har omtr. 92 Td. Hrtk. (deraf Margrethesminde 23 og Ringsgaarden 13), 850 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, omtr. 200 Skov (mest i Hundstrup S.), Resten Ager; til Gaarden høre 25 Fæstehuse med omtr. 20 Td. Ld. Desuden *Rødkilde Vandmølle*.

Ulbølle S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 31. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Holstenshus.

*Kirken*, beliggende paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor ud i eet og Taarn mod N. Langhuset er opført af Kamp og er overhvælvet. Der spores en tilmuret Dør og nogle Vinduer. Taarnet, af raa Kamp og Mursten, har fladt Bræddeloft. Hele Bygningen synes at skrive sig fra 1. Halvdel af 16. Aarh.; Taarnet er vistnok lidt yngre end Langhuset. Alterbilledet (Christus velsignende de smaa Børn) er malet af Otto Bache 1872. Paa Kalken staar Margret Friis Henriks Datter, 1575, samt Egern-Friisernes og Bildernes Vaabener. Malmstøbte Alterstager fra 1579 med Ulfeldernes og Hvidernes Vaabener. Romansk Granitdøbefont med 4 Menneskehoveder, to Løvekroppe med fælles Hoved og Ornamentbaand. Prædikestolen er et ualmindelig rigt og dygtigt udført Snitværk fra Renæssancen, med Indskriften: Gregorius Canutius Kragius 1650. I Kirken Ligsten over Claus Ulfeld til Rødkilde, † 1566, og Hustru Margrethe Hvide (Portrætfigurer), over Jesper Friis, † 1588, og Hustru Anne Hvide, † 1577, (Portrætfigurer), over Knud Hvide til Rødkilde, † 1537, og Hustru Kirsten Tidemandsdatter, † 1562, samt to Børn (Portrætfigurer), over Jakob Hvide til Rødkilde, † 1563 (Portrætfigur af ham og Hustru), over Jomfru Margrethe Friisdatter, † 1562 (Portrætfigur). Paa Skibets Væg en Kisteplade over Fru Margrethe Hvide, Claus Ulfelds Efterleverske, † 1595. I Vaabenhuset er indsat en Ligsten over „ærlige Dannemand Hans Jensen i Oure", † 1650.

*Rødkilde*, hvis Navn kommer af de mange jærnholdige Kilder omkring Gaarden, der farve Jorden rød, nævnes første Gang 1314, da den tilhørte Kammersvend Tyge Lauridsen, en af de Adelsmænd, som da bleve erklærede fredløse og mistede deres Gods. Senere ejedes den i lang Tid af Hviderne, nemlig Otte Poulsen 1498, Knud Ottesen, † 1537, Jakob Knudsen, † 1563 (Jesper Friis, 1558, g. m. Anne Knudsdatter Hvide, havde Andel i Gaarden), dennes Søster Margrethe, Claus Eggerdsen Ulfelds, † 1595; derefter af Oluf Brockenhuus, hvis Moder Gese Tidemand var Næstsøskendebarn til Jakob og Margrethe Hvide, Breide Rantzau 1614, Sønnerne Kai og Frands R., Sophie Kaisdatter R., hendes Moder Fru Anne Lykke, senere Kai Lykke; han pantsatte den 1657 til Fru Anne Margrethe v. Gøtzen, der 1663 fik den udlagt af de kongl. Kommissærer i Kai Lykkes Bo, men straks skødede den til sin Svigersøn Niels Banners to Sønner. Niels Banner solgte den (36 Td. Hrtk.) til Simon Foch i Hamburg, efter hvis Fallit 1672 Gaarden blev udlagt til Simon Motzfeld og Generalfiskal Chr. Pedersen, hvilken sidste s. A. pantsatte den til Peder Motzfeld; 1693—94 købte Johan Monrad R. af Chr. Pedersens Kreditorer, men solgte den 1706 for 18,746 Rd. til Børge Trolle, efter hvem den 1733 ved Auktion blev solgt til Johan Lehn til Hvidkilde, der 1736 solgte den (204 Td. Hrtk. med Bøndergods) for 14,000 Rd. til Jens Lange, Forvalter smstds. Han foretog mange Forbedringer ved den forfaldne Gaard, samlede Jorderne, indførte som den første i Fyn Femvangsdriften, udskiftede Ulbølle By af Fællesskabet med 4 andre Byer, udflyttede Gaardene, anlagde et Teglværk, en Stivelse- og Pudderfabrik, et Udskibningssted og et Skibsværft m. m., men var tillige haard mod sine Bønder og mishandlede dem, hvad der førte til en langvarig Proces (se *Poul Hansen*, „Jens Lange og hans Bønder", i Aarb. f. d. Kulturhist. 1892 S. 105 flg.). Efter hans Død 1790 fortsatte Sønnen, Justitsr. Joh. Lange, † 1829. Forbedringerne paa Godset, og Gaarden arvedes af E. H. Lange († 1874) og C. Lange, som 1893 solgte den til den nuv. Ejer, Baron L. Schaffalitzky de Muckadell. — Hovedbygningen er som mange andre fynske Herregaarde opført i et lavtliggende Terræn, omgivet af Sø og Mose. Bygningen bestod tidligere af 3 sammenbyggede Fløje af Egebindingsværk, som bleve nedrevne 1854 og erstattede af det nuv. grundmurede Stuehus; V. for dette findes endnu en stor Dam. N. V. for Gaarden ses det gamle Voldsted, hvor den tidligere Hovedbygning skal have ligget. I Haven findes Langernes Familiebegravelse. — *Margrethesminde* fik 1868 en ny Hovedbygning (Arkitekt: Knud Borring).

Præstegaarden laa indtil 1573 i Ulbølle.

**Hundstrup Sogn**, Anneks til Ø.-Skjerninge i Sunds Hrd., omgives af Sunds Hrd. (Stenstrup S.), Krarup, V.-Aaby, Ulbølle og V.-Skjerninge Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil Ø. for Faaborg og omtr. ligesaa langt V. N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere ler- og sandmuldede. Over $^1/_5$ er dækket med Skov (Mynderup Hestehave, Grængesbjærg Have, Damsk., Hestehave, Kohave, Guldbjærg Sk., m. m.). Gennem Sognet løber *Hundstrup Aa*, som mod S. optager *Spangebæk*, der danner Sydgrænsen.

Fladeindholdet var 1896: 2914 Td. Ld., hvoraf 1100 besaaede (deraf med Hvede 16, Rug 253, Byg 283, Havre 246, Blandsæd til Modenh. 174, Grøntf. 53, Kartofler 19, andre Rodfr. 53), Afgræsning 368, Høslæt, Brak, Eng m. m. 532, Have 42, Skov 676, ubepl. 11, Moser 38, Kær og Fælleder 18, Hegn 39, Veje og Byggegr. 79, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 207 Heste, 845 Stk. Hornkv. (deraf 551 Køer), 382 Faar, 349 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 233 Td.; 44 Selvejergaarde med 188, 2 Arvefæstegd. med 6, 98 Huse med 39 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 725 (1801: 425, 1840: 482, 1860: 651, 1880: 838), boede i 151 Gaarde og Huse; Erhverv: 22 levede af immat. Virksomhed, 435 af Jordbr., 172 af Industri, 16 af Handel, 63 af forsk. Daglejervirks., 4 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Hundstrup* med Kirke, Dobbeltskole, Forskole og Fattiggaard for Ø.-Skjerninge-Hundstrup Kommune (opf. 1871, Plads for 30 Lemmer); *Gundestrup* med Møller og Andelsmejeri; *Mynderup* med Købmandsforretning og Savmølle. *Mynderup-Hestehave*, *Siberien* og *Stæreby*, Gde. og Huse. Hovedgaarden *Flintholm*: $18^5/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $4^1/_2$ Td. Skovsk., 434 Td. Ld., hvoraf 200 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre Ø.-Skjerninge Sogns Kongetiende og $5^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods. Hovedgaarden *Langeskov*: $25^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. (11 i Stenstrup S.) og $1^1/_4$ Td. Skovsk., 360 Td. Ld., hvoraf 100 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre V.-Skjerninge Sogns Kongetiende og $12^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegods (1 Gaard og 15 Huse). Desuden Gaarden *Eskebjærg* og *Elleskov Vandmølle*.

Hundstrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 30. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og to Korsfløje mod N. og S. Den er opført i den ældre Middelalder af raa Kamp. I den senere Middelalder er Taarnet, af Munkesten og med hvælvet Underrum, blevet tilføjet. Vistnok samtidig blev Koret nedbrudt og Skibet forlænget mod Ø. samt overhvælvet. Ved Kirkens Nordside har staaet et overhvælvet Kapel og ved Sydsiden et Vaabenhus (opf. 1587 af Birgitte Banner), men begge disse Tilbygninger nedreves 1858, og Taarnets Underrum indrettedes til Vaabenhus med Indgang fra S.; samtidig opførtes de to Korsfløje, og i 1872 blev Taarngavlene ommurede. Aaret efter blev selve Kirken delvis ommuret. Alterbilledet (Christus for Pilatus) er malet i 1850'erne af en Maler Berth i Svendborg (sikkert en Kopi); Rammen er fra 1885. Romansk Granitdøbefont med terningeformet Kumme, samt Rebsnoninger og Menneskehoveder. Prædikestolen indeholder nogle Fyldinger fra 1566 med Claus Bryskes og Berete Banners fædrene og mødrene Vaabener, men er i øvrigt ny. Den ældste Klokke er skænket af ovennævnte Claus Bryske og Hustru 1561.

*Flintholm* tilhørte 1506 Claus Bryske, derefter Sønnen Karl B. og dennes Søn Claus B., † 1564, hvis Enke Berete Banner, † 1592, arvede den efter sin tidlig afdøde eneste Søn Karl B. Hun giftede sig igen med Knud Bille. 1614 ejedes F. af Breide Rantzau og siden (jfr. Brahetrolleborg) af den rige Frands Lykke og hans bekendte Søn Kai Lykke og derefter af Fru Kirstine Munk, hvis Børn og deres Kreditorer 1663—64 solgte den til Rigsraad Otte Krag, † 1666. Dennes Sønnesøn Niels Krags Enke solgte den ved Auktion 1768 for 24,500 Rd. til Justitsr. Jens Lange til Rødkilde, i hvis Families Besiddelse den siden er forbleven, nemlig Joh. Lange († 1829), F. R. Lange († 1846), Enken Margr. Lange († 1856), som 1856 solgte den for 75,750 Rd. til Sønnen C. F. R. Lange, der s. Aar overlod den til sin Broder, den nuv. Ejer J. T. Lange, for 99,000 Rd. — Hovedbygningen er opf. 1843-44 af Grundmur.

*Langeskov* er oprindl. en Parcel fra Løjtved i Stenstrup Sogn, oprettet i Slutn. af 18. Aarh. af Justitsraad Jens Lange. Siden 1809 har den tilhørt Familien Lollesgaard; nuv. Ejer er P. Lollesgaard. — Hovedbygningen er opf. af den daværende Ejer R. Lollesgaard 1862 i eet Stokv. med Kælder.

Tæt N. for Hundstrup ligger paa fladt Terræn Voldstedet *Bøhoved*, en nu delvis

afgravet Banke, 100—150 F. lang og bred og 8 F. høj, med Spor af Grave mod N. og V.; i Afgravningsfladerne ses Murbrokker og Kalk. — I Fredskoven N. for Mynderup ligger et andet Voldsted, *Fløjstrup* eller *Herregaarden*, en firkantet, omtr. 120 F. lang og bred, lav Banke, omgiven af Grave undtagen mod N. Ø., hvor der er en naturlig Lavning.

**Brahetrolleborg Sogn**, det største i Herredet, omgives af Annekset Krarup, Espe, Hillerslev, Ø.-Hæsinge, Svanninge, Diernisse og V.-Aaby Sogne. Kirken, noget nordlig, ligger omtr. $1^1/_4$ Mil N. Ø. for Faaborg og $2^1/_2$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og meget bakkede Jorder ere muldede, sand-, grus- og lerblandede. Over $^1/_5$ er dækket med Skov (en Del af Fiskerup Sk., Hellemosesk., Knagelbjærg Sk., Teglværk Sk.,

Brahetrolleborg Kirke.

Gjerup Sk., Søndermark, Storsk., Sølvbjærg Sk. m. m.). I Sognet nogle Søer, saaledes *Nørresø*, *Store Øresø*, en Del af *Brendegaard Sø* (se S. 559) og, paa Nordgrænsen, den 371 Td. Ld. store *Fleninge-* eller *Arreskov Sø*, fra hvilke smaa Vandløb danne Afløb og samle sig til *Odense Aa*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Bøjden og Faaborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 8190 Td. Ld., hvoraf 2706 besaaede (deraf med Hvede 65, Rug 546, Byg 621, Havre 633, Boghvede 6, Bælgsæd 9, Frøavl 5, Blandsæd til Modenh. 468, Grøntf. 180, Kartofler 59, andre Rodfrugter 110), Afgræsn. 932, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1645, Have 155, Skov 1794, ubepl. 29, Moser 204, Kær og Fælleder 17, Hegn 15, Stenmarker m. m. 12, Veje og Byggegr. 278, Vandareal m. m. 403 Td. Kreaturhold 1893: 522 Heste, 1961 Stkr. Hornkv. (deraf 1242 Køer), 922 Faar, 1043 Svin og 17 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk.

1895: 626 Td.; 6 Selvejergaarde med 204, 81 Arvefæstegd. med 366, 1 Fæstegd. med 1 og 183 Huse med 46 Td. Hrtk.; $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1981 (1801: 1522, 1840: 1677, 1860: 1809, 1880: 1902), boede i 322 Gaarde og Huse; Erhverv: 156 levede af immat. Virksomh., 1035 af Jordbrug, 27 af Gartneri, 9 af Fiskeri, 403 af Industri, 42 af Handel, 209 af forsk. Daglejervirks., 84 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet *Brahetrolleborg Kirke*, der udgør en Fløj af Brahetrolleborg Hovedbygning, *Brahetrolleborg Familiehus* (opf. 1849 efter en Brand, Plads for 7 fattige) og *Folkehøjskole* (opr. 1889), Lægebolig m. m., samt Byerne: *Haagerup* med Præstegd., Skole (Ludvigsminde), Mølle, Jærnbaneholdepl. og Telefonstation; *Brendelydinge* med Andelsmejeri; *Fleninge*; *Gjerup* med Skole og Teglværk; *Spanget* (indtil 1886 Tingsted) med Arresthus (opf. 1871 af Amtet; Plads for 8 Arrestanter), Savmølle og Garveri; *Fagsted*; *Nybygtgaarde*; *Grønderup* med Skole og Jærnbaneholdepl. Samlinger af Gde. og Huse: *Nybo Huse*; *Lydinggaarde*, *Sølvbjærggaarde*, *Mellemhave*, *Nylykke Huse*, *Hammerværk*. *Korinth*, ved Landevejens og Jærnbanens Krydsning, med Kro, Andelsmejeri, Savværk, Mølle, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. Fattiggaarden *Bernstorffsminde* (opf. 1883 efter Tegn. af Arkitekt Haugsted, Plads for 60 Lemmer). Hovedgaarden *Brahetrolleborg*, under Baroniet af s. Navn, har $63^1/_4$ Td. Hrtk., omtr. 500 Td. Ld., hvoraf omtr. 80 Eng, Resten Ager. Tillige høre under Baroniet flg. Gaarde: *Egneborg* med $34^3/_4$ Td. Hrtk., omtr. 340 Td. Ld., hvoraf 40 Eng, Resten Ager, *Høbbed* med $22^3/_8$ Td. Hrtk., omtr. 275 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, Resten Ager, og *Sølyst* med $16^3/_8$ Td. Hrtk., omtr. 180 Td. Ld., hvoraf 40 Eng, Resten Ager*). Desuden *Brahetrolleborg Vandmølle*. *Skyttegaard*.

Brahetrolleborg S., der udgør en egen, i søndre og nordre Distrikt delt Sognekommune, hører under Brahetrolleborg Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 4. og 5. Lægd (søndre og nordre Distrikt). Kirken tilhører Baroniet Brahetrolleborg.

*Kirken* (fordum indviet til St. Nikolai), den nordl. Fløj af Brahetrolleborg Hovedbygning, bestaar af et meget højt Skib med Kor (i alt over 48 Al. langt og 15 Al. bredt) og Taarn med et højt, slankt Spir mod V. (til Murtinden 37, til Spirets Top 79 Al.). Bygningen er dækket med Cementpuds og har et helt nymodens Udseende, og dog er den som Holme Klosters Kirke (se ndfr.) et interessant Minde om gammel Tid. Kirken er oprindl. opf. ved Midten af 13. Aarh. af røde Munkesten som en Korskirke med Sideskibe. Fra Begyndelsen har den haft fladt Bjælkeloft; men at det oprindeligt har været Meningen at dække Midtskibet med meget høje Krydshvælvinger, ses af de 5 fremspringende, spidsbuede Skjoldbuer, der endnu kunne iagttages over de nuv. 4 Hvælvinger, der vist ere indbyggede ved Midten af 16. Aarh. Fra Midtskibet førte paa hver Side 4 spidsbuede Arkader, der hvilede paa firkantede Piller, ind til de lavere Sideskibe. Hvornaar disse Sideskibe og Korsfløjene ere forsvundne, vides ikke, vistnok kort efter Reformationen, maaske samtidig med at Hvælvingerne indbyggedes. Kirken havde oprindl. intet Taarn; kun paa Vestenden har den haft et lille Spir, der 1735 afløstes af et højt, spaantækket, paa 8 Søjler hvilende Spir. Hvor det nuv., grundmurede Taarn, opf. 1869, staar, stod tidligere et lille Vaabenhus, først opført 1817. Har tidligere Tiders Restaurationer mishandlet den ærværdige Bygning, har vor Tids ikke bødet herpaa. Ved Restaurationen

*) Til *Baroniet Brahetrolleborg*, der indbefatter Hovedgaardene Brahetrolleborg og Brendegaard samt Gaardene Egneborg, Høbbed og Sølyst, høre ifl. Statskalenderen $1093^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $166^1/_2$, indtaget til Skov 149, Bøndergods 562, Kirke- og Kongetiende 216 Td. (Brahetrolleborg, Krarup, V.-Aaby og Aastrup Sognes Konge- og Kirketiende og Hillerslev og Ø.-Hæsinge Sognes Kongetiende); i Bankaktier 9400, i Fideikommiskapitaler omtr. 131,400 Kr. Skovarealet udgør omtr. 3000 Td. Ld. Godset ligger i Brahetrolleborg, Hillerslev, V.-Aaby, Krarup, Hundstrup, Haastrup, Svanninge, Ø.-Skjerninge, V.-Skjerninge, Ulbølle, Heden og Aastrup Sogne.

1817 mistede Kirken en stor Del af sit gamle Inventarium, ved en ny Restauration 1847 „fornyedes hele Kirkens Indre", og endelig kom Restaurationen 1868—69, da der blev indsat store, spidsbuede Jærnvinduer, Taarnet opførtes, og Skibets Mure gjordes henved 2 Al. lavere. Kirkens Indre er hvidt, blottet for alle Prydelser; saaledes ere alle arkitektoniske Enkeltheder paa Hvælvingerne udslettede, og Inventariet er nyt. Altertavlen (Nadveren) er malet 1848 af A. Thomsen; Døbefonten, af Marmor med Relieffer paa de fire Sider, er af Thorvaldsen, skænket af Charl. Schimmelmann (indviet $^{2}/_{11}$ 1817; den tidligere Døbefont staar i V.-Aaby Kirke); Orgelet er fra 1803. Uden for Taarnrummet, der tjener som Vaabenhus, findes over den jærnbeslagne Egetræsdør, der fører ind til dette, et Basrelief (Maria med Barnet) af Thorvaldsen; her er opstillet 3 Ligsten, deribl. en over en Abbed Tuve fra 2. Halvdel af 15. Aarh. (se *Løffler*, Gravst. S. 20 og 39 og Pl. IV). Der har været to aabne Begra-

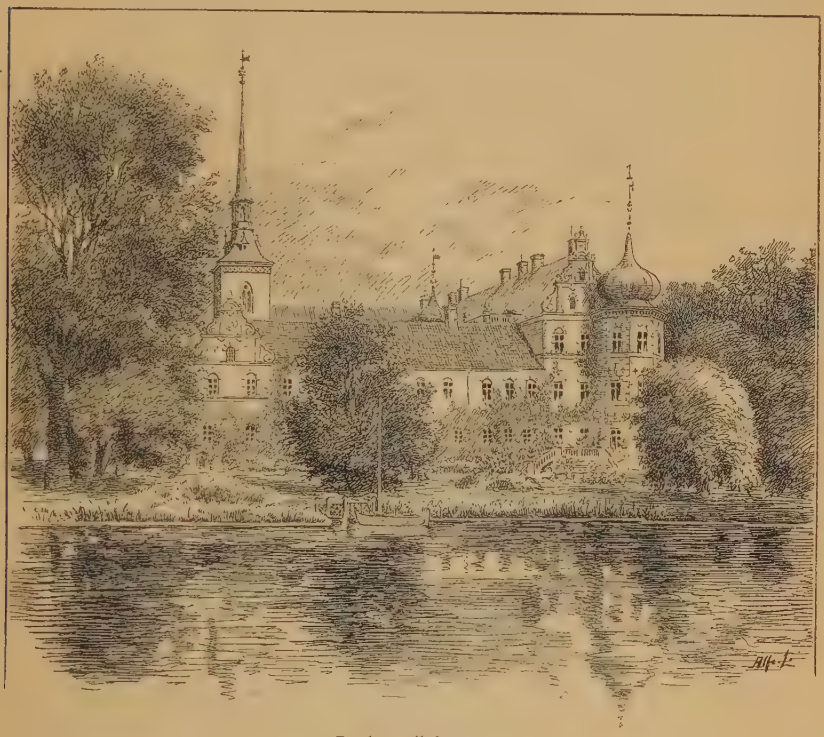

Brahetrolleborg.

velser, den Trolleske under Kirkens Vestende, hvilken blev lukket 1817, medens de 7 Lig nedsænkedes paa Kirkegaarden, og den Rantzauske under Koret, fra hvilken 8 Lig ligeledes udbragtes paa Kirkegaarden, medens Gravkælderen er bevaret. Ligene ere begravede i et særligt Indelukke af Kirkegaarden, den Reventlowske Familiebegravelse. Paa den større Kirkegaard hvile bl. a. Prof. Joh. Fr. Oest, det fynske Skolelærerseminariums første Forstander, † 1815, og Sognepræsten, Konsistorialr. Børge Henr. Knap, † 1850. Et Abbedsignet fra 13. Aarh. fandtes 1868 i Kirkemuren. (Om Kirken se *Løffler*, i Aarb. f. n. Oldk. 1887, S. 73 flg.).

Cistercienserabbediet *Holme Kloster* var en Aflægger af Herresvad Kloster i Skaane, for saa vidt som det fik sine første Munke herfra. Grundlæggelsesaaret angives alm. til 1172; 3 Aar senere eksisterede det i alt Fald, thi da nævnes en Abbed Thomas. Oprindl. var Klosteret opført lige ved den skovkransede, fiskerige Nørresø, efter Sigende paa en mindre Holm (deraf Navnet og den latinske Benævnelse for det: „*Insula Dei*"; at denne har været den nu saakaldte „Rantzausholm", er dog vist

meget tvivlsomt); men efter en Brand 1243 flyttedes det til sin nuv. Plads. Skønt vistnok henhørende til de fornemmere Abbedier har Klosteret ikke nogen vidtløftig Historie, og faa af Abbedernes Navne ere kendte; det havde et ret betydeligt Jordtilliggende, som udgjorde et eget Birk; 1288, 1324 og 1414 bekræftedes eller udvidedes dets Privilegier; 1325 skænkede Hertug Erik det en Del Gods for Sjælemesser. Ved Reformationen kom Klosteret under Kronen og blev snart efter helt forladt af Munkene; 1538 pantsattes det til Clemens v. d. Wisch; 1540 købte Jak. Hardenberg til Hvedholm det af Kronen for 42,000 Mark lybsk, hvorefter Enken Sophie Lykke beholdt det til 1551, da Kronen fratog hende det; senere indehavdes det bl. a. af Eskil Gøye og Dronn. Dorothea, under hvem Frands Brockenhuus var Foged paa Gaarden. Aar 1568 solgte Fr. II det for 55,000 Rd. til Statholder i Hertugdømmerne Henr. Rantzau, som i Skødet fik Lov til at oprette Gaarden under Navn af *Rantzausholm* til et Stamhus for sin mandlige Slægt. Ved Henrik Rantzaus Død 1598 tilfaldt R. hans Søn, Statholder Breide R., † 1618, derefter hans Søn Kai († 1623), dennes Broder Frands, der druknede 1632, Kai Rantzaus Enke, den for sit Forhold til Prins Chr. ilde bekendte Anne Lykke, der bragte den til sin Mand Knud Ulfeld; efter hans barnløse Død 1646 gik den over til hendes Broder Frands Lykke, og fra ham til Sønnen, den bekendte Kai Lykke, efter hvis Domfældelse den blev inddraget af Kronen (det var paa R., at Peder Børting, som var Skyld i Kai Lykkes Fald, var Ridefoged og blev gift med Sophie Abelsdatter; se *N. Rasmussen-Søkilde*, Kaj Lykkes Fald, Odense 1876, Hist. Tidsskr. 5. R. II Bd., S. 235 flg., og *Chr. Bruun*, Kai Lykke, Kbh. 1886). Fr. III mageskiftede den 1668 til Fru Birgitte Trolle, der under $^{2}/_{9}$ 1672 oprettede R. og Brendegaard (se S. 660) til *Baroniet Brahetrolleborg* for sin afdøde Broder Gehejmer. Corfits Trolles Afkom. Dennes Søn Baron Fr. T. († 1700) tiltraadte Baroniet efter Fru Birgittes Død 1687 (først $^{15}/_{6}$ 1689 fik han dog Privilegium paa det). Han oprettede flere Skoler paa Godset og Skolelegater, hvilke sidste endnu bestaa. Da Broderen Niels Trolle døde 1722 uden Børn, faldt Baroniet tilbage til Kronen. Under $^{28}/_{12}$ 1722 forlenede Fr. IV B. til sin Svoger, Gehejmr. Grev Chr. Ditlev Reventlow († 1738), tillige til Christianssæde, Krenkerup m. m. Fra ham gik Baroniet over til Sønnen Conr. Ditl. R. († 1750), dennes Søn Chr. Ditl. R. († 1759), derpaa til dennes Farbroder Chr. Ditl. R. († 1775) og dennes Søn Joh. Ludv. Reventlow († 1801), der har et udmærket Navn som human og dygtig Godsejer og Befordrer af Folkeoplysningen. Han begyndte sin Virksomhed med at lade Bønderne brænde Træhest, Skampæl osv., han indførte et udmærket Skolevæsen, udskiftede hele Baroniet og grundlagde den fortrinlige Skovkultur, der har gjort Brahetrolleborg saa berømt (se *E. Koch*, B. Skovdistrikt 1786—1886, Kbh. 1892). Efter ham gik Baroniet over til Sønnen Ditl. Chr. Ernst R., † barnløs 1854, hvorefter det arvedes af dennes Farbroders Søn, F. C. O. R. til Christianssæde († 1875), hvis Søn, Hofjægerm. C. E. Reventlow er den nuv. Besidder.

Hovedbygningen bestaar af 3 sammenbyggede, nu pudsede Fløje, hvortil som omtalt Kirken slutter sig som en 4., nordl. Fløj. Den vestl. Fløj, i 2 Stokv., er væsentlig en Levning af Klosteret (den har tidligere været længere og forbundet med Kirken): den sydl. Del af nederste Stokv. er dækket med 2 Rækker spidsbuede Krydshvælvinger, i alt 8 Fag, og under dette Parti findes hvælvede Kældere, hvori en oprindl. Brønd; over den nordl. Dør paa Fløjens Østside sidder en Sandstenstavle med Indskrift til Minde om Gaardens Overdragelse til H. Rantzau 1568. Den sydl. Fløj, ligeledes i 2 Stokv., har i hvert Fald under den vestl. Del Kældere med Krydshvælvinger og stammer for denne Dels Vedk. sikkert fra Klostertiden; i øvrigt er den ombygget af Breide Rantzau 1585, hvilket ses af en i Nordmuren indsat Tavle. Den østl. Fløj, i 3 Stokv., skal være opf. 1620 af Kai Rantzau. Den har Indkørselsport og to ottekantede Taarne med kuppelformede Spir (Spirene ere senere tilsatte), det ene paa det sydøstlige Hjørne, det andet midt paa Vestsiden inde i Gaarden. Ifl. en Indskrift over Porten blev Bygningen restaureret 1768. Ved 1870 er der i Gaardens sydøstl. Hjørne opf. et firkantet Trappehus og langs Indersiden af den sydl. Fløj en overdækket Gang. En Kampestensdøbefont fra den ældre Middelalder, der før stod i Kirken, er flyttet til Tirsted Kirke (se S. 224). Paa B. findes en ret anselig Portrætsamling, der bl. a. indeholder Portrætter af Henr. Rantzau, Chr. III og Dron. Dorothea, Fr. V og hans to Dronninger, Joh. Ludv. Reventlow og Hustru Anna Sibylle Schubart (de to sidste malede af Juel), et omtvistet Portræt af Kai Lykke og to af Ludvig XIV's Elskerinder; tillige en Del Møbler, der have tilhørt Dronn. Anna Sophie („Dronningens Stue"). Gravene mellem Borggaarden og Ladebygningerne, hvoraf nogle stamme fra Kai Lykkes Tid, medens de andre ere opf. i Slutn. af 18. Aarh., ere delvis be-

varede mod N. og Ø. — Den store, smukke, i engelsk Stil anlagte Have, gennem hvilken den lille, bugtede Sø Mølledammen snor sig — over dens smalleste Sted fører den hvide Højbro —, har Broer, Springvand m. m. og mange sjældne Træer, hvoraf nævnes en 40 F. høj Fagus silvatica var. pendula (Hængebøg), en 50 F. høj Populus tremula (Bævreasp) og en 35 F. høj Fraxinus excelsior. Ved Haven blev der $^{14}/_{9}$ 1888 afsløret en Mindestøtte (Obelisk med Portrætmedaillon) for Joh. Ludv. Reventlow paa Hundredaarsdagen efter, at 15 Bønder paa Godset fik Arvefæsteskøder (se *Rasmussen Søkilde*, Udskiftningen ved B. for 100 Aar siden, et Festskrift, Odense 1888). — Jens Baggesen, der hørte til J. L. Reventlows og Hustrus Venner, kom meget paa B. og fik efter Sigende Ejendomsskøde paa en lille Holm i Nørresø; det var ham, der indførte Navnet „Korinth" og andre klassiske Navne (se „Museum", 1894, 2. Halvbd. S. 379).

Paa B. oprettedes 1794 et Skolelærerseminarium, *Bernstorffsminde*, der blev nedlagt 1826 og flyttet til Skaarup (se S. 626). Bygningerne bleve til Dels nedrevne; i et af Sidehusene blev 1867 indrettet et senere nedlagt Metodistkapel. Nogle af Bygningerne med 12 Td. Ld. bleve 1859 af Sognets Hartkornsejere oprettede til et Legat for Fattigvæsenet og 1883 benyttede til Opførelsen af Fattiggaarden (se *Rasm.-Søkilde*, De Reventlowske Skoler for 100 Aar siden med Semin. og Opdragelsesanstalten Bernstorffsminde, Kbh. 1883).

I Grønderup har ligget en Hovedgaard *Grønderupgaard* (1419 regnet til V.-Aaby Sogn), der 1438 tilhørte Mads Andersen (Bølle).

S. Ø. for Nørresø, adskilt derfra ved en Bakkerække med mellemliggende Lavninger, ligger Voldstedet „*Sorte Slot*"; Banken, 157 F. lang, 103 F. bred og omtr. 15 F. høj, synes til Dels at have været omgivet af Vold og Grav; der skal være fundet Mursten i Jordfladen. — I *Haagerup* skal der have staaet en gammel Gaard, hvis Ruiner opgravedes 1863.

Brahetrolleborg Kirke blev først Sognekirke i 2. Halvdel af 16. Aarh. Tidligere var Sognet delt i to Sogne med Kirker i Fleninge og Haagerup. Aar 1555 udgik Kongebrev om, at da Fleninge, Haagerup og Krarup „ere ikke uden 3 smaa Sogne og ligge næst op til Holme Kloster, og den Stund der var Munke udi fornævnte Kloster, gjorde de Tjenesten til fornævnte Kirker, og samme Sogne ikke ere saa formuende, at de kunne hver holde en Præst", skulde Fleninge og Haagerup Kirker nedbrydes og Stene, Tømmer, Klokker m. m. komme til Holme Klosterkirke, hvortil Krarup efter den dav. Præsts Død skulde annekteres (se S. 672). Nedbrydningen skal være sket 1569. *Fleninge Kirke* laa paa det Sted, som endnu kaldes „Gamle Kirke", i Fleninge By; Døbefonten og nogle Ornamentsten findes paa en Gaard i Byen; paa den gamle Kirkegaaard blev der i Beg. af 19. Aarh. gravet Grus, hvorved man stødte paa mange Skeletter. *Haagerup Kirke* har vistnok staaet N. Ø. for den nuv. Præstegaard paa en Højning i Haven, hvor der skal være fundet Munkesten.

Litt. (foruden de ovennævnte Artikler): *N. Rasmussen Søkilde*, Gamle og nye Minder om Brahetrolleborg og Omegn (udg. af Fr. Barfod), Kbh. 1870. *S. Forf.*, Trolleborgegnen og dens Beboere, Odense 1894. — *S. Jørgensen*, Br. Sogns Degne- og Skolehist., Odense 1874. — Illustr. Tid. $^{30}/_{12}$ 1894.

**Krarup Sogn**, Anneks til Brahetrolleborg, omgives af dette, Espe og Herringe Sogne, Sunds Hrd. (Kværndrup og Stenstrup S.) og Hundstrup og V.-Aaby Sogne. Kirken, mod V., ligger omtr. $1^{3}/_{4}$ Mil N. Ø. for Faaborg og $2^{1}/_{4}$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende lerede og muldede. En Del Skov (en Del af Fiskerup Sk., Frydenborg Sk., Krarup Have). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nyborg til Bøjden.

Fladeindholdet 1896: 2902 Td. Ld., hvoraf 1095 besaaede (deraf med Hvede 21, Rug 234, Byg 251, Havre 269, Blandsæd til Modenhed 203, Grønt. 46, Kartofler 21, andre Rodfr. 49), Afgræsn. 396, Høslæt, Brak, Eng m. m. 592, Have 33, Skov 535, Moser 174, Kær og Fælleder 4, Hegn 5, Veje og Byggegr. 61, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 218 Heste, 849 Stkr. Hornkv. (deraf 556 Køer), 416 Faar, 367 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 238 Td.; 42 Selvejergaarde med 174, 3 Arvefæstegd. med 11, 6 Fæstegd. med 18, 85 Huse med 35 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 728 (1801 424, 1840: 526, 1860: 503, 1880: 638), boede i 140 Gaarde og Huse; Erhverv:

31 levede af immat. Virksomh., 483 af Jordbrug, 110 af Industri, 24 af Handel, 54 af forsk. Daglejervirks., 22 af deres Midler, og 4 vare under Fattigvæs.

I Sognet Byerne: *Krarup*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1889), Andelsmejeri og Telefonstation; *Snarup*, ved Landevejen, med Pogeskole; *Tange*; *Søfælde* (gml. Form: Syøfællæ) med Mølle; *Lydinge*. Gaardene *Nelleborg*, *Bæbegd.*, *Grøftebjærg* og *Lydinge Møller*.

Krarup S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 11. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Brahetrolleborg.

*Kirken* (fordum indviet til St. Morten) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod Ø., Udbygning mod N. og Vaabenhus ved Vestgavlen. Bygningen bestod i den romanske Periode af Skib og Kor med lige Østgavl, opf. af raa Kamp med tilhuggen Sokkel, Hjørnekvadre og Vinduesindfatninger. Et enkelt oprindeligt Vindue skimtes. I Slutn. af Middelalderen blev Koret overhvælvet, og noget senere (før 1589) blev Skibet ommuret og forlænget mod V. samt overhvælvet. I Slutn. af 18. Aarh. blev den øverste Del af Koret nedbrudt og et lille Taarn opført over den resterende Del. Paa Taarnets Østside staar Joh. Ludv. Reventlows Forbogstaver og Aarst. 1783, paa Skibets Vestgavl Chr. Ditl. Reventlows Forbogstaver og 176.. Udbygningen (Korsfløj) hidrører fra Slutn. af 18 Aarh.; omtr. samtidig ere Trappehuset ved Taarnet og Vaabenhuset opførte. Altertavlen (Christi Opstandelse) er malet 1849 af A. Thomsen. Ny, jærnstøbt Døbefont. Ny Prædikestol.

Peder Brok pantsatte 1333 til Otte Splid alt sit Gods i Syøfællæ og Syøfællæfang; dennes Søn Claus Splid oplod 1356 sin Rettighed i *Søfælde* til Vald. Atterdag. Det stærkt forstyrrede Voldsted, „Voldborg", paa hvilket man har truffet en Kampestensgrund og et Stykke af en Mur, har paa de tre Sider været omgivet af Sø og paa den fjerde været dækket af 2 Volde og 3 Grave.

Annekteringen af Krarup S. til Brahetrolleborg S. skete i Beg. af 17. Aarh.; 1801—9 var det et selvstændigt Pastorat.

**Herringe Sogn**, adskilt fra Annekset Gjestelev ved Espe Sogn, omgives af dette og Krarup Sogne, Sunds Hrd. (Kværndrup S.) og Gudme Hrd. (Ringe S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $2^1/_2$ Mil N. Ø. for Faaborg og ligesaa langt N. V. for Svendborg. De højtliggende, men i det hele jævne Jorder ere lerede og muldblandede. Sønderskov, Fjellebro Sk. Sognets Nordvestspids berøres af Faaborg-Ringe Banen og Nordøstspidsen af den sydfynske Jærnbane.

Fladeindholdet 1896: 1950 Td. Ld., hvoraf 921 besaaede (deraf med Hvede 22, Rug 188, Byg 194, Havre 178, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenhed 179, Grøntf. 71, Kartofler 9, Sukkerroer 8, andre Rodfrugter 63), Afgræsning 230, Høsiæt, Brak, Eng m. m. 411, Have 44, Skov 238, Hegn 30, Veje og Byggegr. 55, Vandareal m. m. 18 Td. Kreaturhold 1893: 106 Heste, 593 Stkr. Hornkv. (deraf 410 Køer), 117 Faar, 342 Svin og 10 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 203 Td.; 21 Selvejergaarde med 182, 51 Huse med 21 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse; $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 502 (1801: 272, 1840: 356, 1860: 409, 1880: 450), boede i 80 Gaarde og Huse; Erhverv: 33 levede af immat. Virksomh., 325 af Jordbrug, 88 af Industri, 13 af Handel, 5 af Skibsfart, 24 af forsk. Daglejervirks., 9 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Herringe* (1343: Hæringhe, 1485: Heringe) med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. 1619 af Ebbe Munk til Fjellebro og Hustru, med et Hus til 6 fattige af Fjellebro Gods og 1000 Rd., senere af Fjellebros Ejere forøget til 2400 Rd.) og Telefonstation; *Rudme* med Andelsmejeri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Friskole og Forsamlingshus (opf. 1885), de to sidste paa Rudme Mark. *Pensylvanien*, Huse. Hovedgaarden *Fjellebro* (med *Sundsgaard*, der er lagt ind under den), der

danner Stamhuset af s. Navn, har $107^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $14^1/_8$ Td. Skovsk., 913 Td. Ld. (i Herringe og Ringe S.), hvoraf omtr. 213 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $25^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegods*).

Herringe S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 12. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Egeskov.

*Kirken* (overhvidtet) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken, der hidrører fra den romanske Tid, er opført af raa Kamp paa en tilhuggen Sokkel og med tilhugne Kvadre paa Hjørnerne. I den seneste Middelalder er Taarnet tilføjet, af raa Kamp og røde Munkesten i Munkeskifte. Noget senere, dog før 1589, er Skibet blevet overhvælvet; 1849—50 nedbrødes det oprindelige Kor, Skibets Mure forlængedes mod Ø., og den saaledes fremkomne Tilbygning overhvælvedes. Vaabenhuset er af raa Kamp, men til Dels ommuret; det har paa Gavlen en Solskive, Indskriften Hr. P—D V T og Aarstallet 1726. Taarnet er i ny Tid blevet gjort lavere; restaureret 1890. Altertavlen er et nyt, tarveligt Maleri (Christus) af Zehngraf fra 1850, i samtidig Ramme. Paa Alterstagerne Munkernes og Vifferternes Vaabener. Romansk Granitdøbefont med smagfulde Ornamentslyngninger og Baand. Prædikestolen er et ret rigt Snitværk fra 2. Halvdel af 17. Aarh. Paa Væggen er anbragt en Trætavle, der oprindelig sad paa den nu forsvundne Himmel over Prædikestolen; den bærer Navnene Cort Hinrich Merker og Magdalene Rhode samt deres Vaaben og Aarst. 1676. I Koret Ligsten over Ebbe Munk til Fjellebro, † 1560, og to Hustruer, Marine Clausdatter Bonde og Kirstine Tønnesdatter Viffert, † 1563 (Portrætfigurer; se Saml. til Fyens Hist VII, S. 9 flg.). I Vaabenhuset ere indmurede en Ligsten over Forpagter paa Fjellebro Ole Faxoe, † 1791 (?), og Hustru og en Ligsten over Forpagter paa Fjellebro Frands Nielsen, † 1674, og Hustru. Ved Restaurationen bleve 8 voksne og 3 Barnelig, der fandtes i et Gravkapel paa den sydlige Side, nedgravede paa Kirkegaarden 1846.

En Indskrift over Præstegaardens Port, der fortalte, at Gaarden var opbygget af Marcus Monrad, Sognepræst her 1693—1711, er nu forsvunden.

*Fjellebro* tilhørte 1462 Oluf Bonde, hvis Vaaben var en Hjelm med to Vesselhorn, 1489 hans Enke Fru Kirsten Skinkel og 1493 deres Søn Claus Olsen Bonde, hvis eneste Søn Mads Clausen til Fjellebro skal være bleven henrettet 1563. Han var dog ikke Eneejer, thi 1538 skrev tillige hans Svoger Ebbe Munk, hvis Vaaben var en Bjørnelab, sig til F. Han døde 1560, hvorefter hans Søn af samme Navn tiltraadte Gaarden. Han døde barnløs 1622; Enken Sidsel Høeg maatte efterhaanden skille sig ved sit Gods, og den rige Hr. Jørgen Brahe købte 1633 Halvparten af F. og 1648, efter Fru Sidsels Død, den anden Halvpart. Sønnen Preben Brahe solgte 1663 F. og Skovsgaard til Handelsmand Cort Henriksen Merker fra Kjøbenhavn, † 1671, hvis Enke Magdalene Rhode derpaa ægtede Dr. Thomas Bartholin; 1681 købte Landsdommer Peter Luxdorph († 1702) F., som senere paa Auktion efter hans Enke Anne Margrethe Helverskov, † 1713, blev købt af Generalmajor Philip Ditlev Trampe (511 Td. Hrtk.). Han solgte 1738 Gaarden til Konferensr. Fr. L. Chr. Pentz, † 1770 (han skal have oprettet en Frimurerloge paa F.), hvis Søn Kmjkr. Ditlev Pentz 1772 fik Auktionsskøde paa F., Skovsgaard og Nybøllegaard for 116,000 Rd., men solgte 1773 det hele til Kmhr. Baron Fr. Siegfr. Rantzau, der atter 1798 solgte disse Gaarde til Theodorus Bech paa Baron Chr. Henr. Aug. Hardenberg-Reventlows Vegne, hvilken sidste 1801 solgte F. og Skovsgaard til Kmhr. Grev Fr. Chr. Holck. Ifl. Bev. af $^6/_2$ 1801 blev F. først substitueret for det ham tilhørende Baroni Vintersborg (se S. 196) og derefter ifl. Bev. af $^{28}/_8$ 1818 oprettet til et Stamhus for Familien Holck-Winterfeldt. Nuværende Besidder er Kmhr. Hofjægerm. G. C. F. Grev Holck-Winterfeldt. — Hovedbygningen bestaar nu af tre, 2 Stokv. høje Fløje, af hvilke den sydl. og vestl., opførte 1622, ombyggede 1728, ere sammenbyggede, medens den nordl. og ældste, fra 16. Aarh., ligger isoleret, dog ved en Mur forbunden med den vestl. En østl. Fløj er nedbrudt i Slutn. af 18. Aarh. paa den sydl. Del nær, som nu udgør Østenden af den sydl. Fløj; den vestl. Fløj har hvælvede Kældere, den nordl. har haft saadanne. Bygningerne ere væsentlig opf. af røde Munkesten i Blok-

*) Til *Stamhuset Fjellebro* høre $121^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 81, indtaget til Skov 14, Bøndergods $25^1/_2$ Td.; i Bankaktier 2000, i Fideikommiskapitaler omtr. 195,600 Kr.

skifte, den sydl. og vestl. Fløj dog forneden af Kampestenskvadre. Over Indkørselsporten i den sydl. Fløj sidder en Sandstenstavle med en defekt Indskrift, der viser, at Ebbe Munk og Hustru 1622 har ladet foretage Byggearbejder; ved Portens Østside er et lille, overhvælvet Kapel, hvori der før (fra 1712) har været holdt Gudstjeneste. Paa Nordfløjen er en Dør med Sandstensindfatning, Indskrift og Aarst. 1726. I 1860'erne istandsattes Bygningen delvis og fik to Renæssancegavle paa Nordfløjen. Baade Hovedbygning og Ladegaard, flyttet og ombygget 1890—92, ere omgivne af Vand.

Herringe var indtil 1668 Anneks til Ringe, men blev derefter et eget Sognekald, hvortil Gjestelev blev Anneks 1846 (se Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 481 flg.).

**Gjestelev Sogn,** Anneks til Herringe, omgives af Espe, Hillerslev, Vantinge og Heden Sogne, Odense Amt (Aasum Hrd.) og Gudme Hrd. (S.-Højrup og Ringe S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. $2^3/_4$ Mil N. Ø. for Faaborg og $2^1/_4$ Mil S. S. Ø. for Odense. De højtliggende, i den sydl. Del bakkede Jorder ere overvejende sandmuldede. En Del Skov (Enghavesk., Tykhave). I den sydl. Del løber en Biaa til Odense Aa, og Sydgrænsen dannes af Salling Aa.

Fladeindholdet 1896: 1967 Td. Ld., hvoraf 956 besaaede (deraf med Hvede 51, Rug 196, Byg 244, Havre 225, Blandsæd til Modenh. 107, Grøntf. 70, Kartofler 21, andre Rodfr. 40), Afgræsn. 283, Høslæt, Brak, Eng m. m. 462, Have 23, Skov 105, Moser 25, Hegn 53, Veje og Byggegr. 46, Vandareal 11 Td. Kreaturhold 1893: 175 Heste, 638 Stkr. Hornkv. (deraf 465 Køer), 298 Faar, 255 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 206 Td.; 41 Selvejergaarde med 179, 98 Huse med 27 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 578 (1801: 306, 1840: 493, 1860: 564, 1880: 613), boede i 124 Gaarde og Huse; Erhverv: 29 levede af immat. Virksomh., 387 af Jordbrug, 113 af Industri, 23 af Handel, 9 af forsk. Daglejervirksomh., 15 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gjestelev* (1386: Gesterlowe) med Kirke, Skole, Andelsmejeri og Telefonstation; *Palleshave*. Saml. af Gde. og Huse: *Gjestelevlunde* med Uldspinderi, *Gjestelev-Mark*, *Havrevænge*; *Palleshave-Mark* med Friskole, *Palleshave Hede*, *Laadnebakken*, *Høje Elle*. Hovedgaarden *Nordskov* har $59^5/_8$ Td. A. og E. Hrtk. (deraf under Hovedgaarden omtr. 52) og 4 Td. Skovsk., $620^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 470 under Hovedgaarden foruden $7^1/_2$ Gaardspl. og Have, 95 Skov og 48 under 15 Fæste- og Lejehuse ($4^3/_4$ Td. Hrtk.). Til Godset høre Gjestelev Konge- og Kirke- og S.-Højerup Kirketiende.

Gjestelev S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 10. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Nordskov.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus (nu Lighus) mod S. Den var oprindelig opf. i den tidligere Middelalder af raa Kamp, men med Undtagelse af Hjørnerne paa Skibets vestl. Gavl synes den helt at være ombygget. Taarnet, af raa Kamp og røde Munkesten, er opf. ved Midten af 16. Aarh. Ved Slutn. af samme Aarh. har man nedbrudt Koret og det meste af Skibet og genopført Bygningen i samme Bredde samt overhvælvet den; senere, vistnok 1764, ere Taarnets Gavle blevne gjorte lidt lavere. Vaabenhuset, med takket og blindingssmykket Gavl og skilt fra Kirken ved en Mur, er vistnok samtidigt med Taarnet. Indgangen er nu i Taarnet. Alterbilledet (Christus i Getsemane) er et slet Maleri af C. A. Zehngraf fra 1853, i samtidig Ramme (den gamle, gotiske Altertavle fra Beg. af 16. Aarh., med udskaarne Helgenfigurer, deribl. St. Sunniva og den svenske St. Erik, er nu i Odense Museum). Døbefontens Kumme er romansk, med Kors og Palmetteformer, Foden ny, af Granit. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra Slutn. af 16. Aarh. Døren til Vaabenhuset, med Jærnbeslag, er fra Slutn. af Middelalderen. I Vaabenhusets Nordmur en lille Mindetavle over Major Fr. J. Sehested til Nordskov, † 1849,

og Hustru. — Paa Kirkegaarden to murede Begravelser, hvori bl. a. hvile Medlemmer af Familien Kruuse.

*Nordskov* var oprindl. to Bøndergaarde (1386 nævnes „to Gaarde i Gesterleue kallede Scogsgard"). 1495 ejedes N. af Joachim Bast, 1522 af Algud Pedersen og 1526 af hans Enke Fru Abel Fikkesdatter, hvis Datter Kirsten ved sit Ægteskab med Knud Mikkelsen Akeleye bragte N. til denne Slægt; den tilhørte derefter deres Søn Gabriel Knudsen Akeleye, Landsdommer i Fyn. Flg. Ejere vare Hans Aschersleben, Jørgen Aschersleben, der synes at have solgt eller pantsat sin Andel i Gaarden til sin Svoger Claus Brockenhuus, der atter pantsatte den til Claus Buchwald, men hans Søn Peder Brockenhuus generhvervede Gaarden 1646—49 ved Skøder dels fra Jørgen Aschersiebens Enke Maren Brockenhuus, dels fra Fr. Buchwald og andre Arvinger efter Claus Buchwald. Cl. Brockenhuus faldt 1676, og N. kom derefter til hans Sønner Claus og Eiler, af hvilke den sidste 1681 solgte sin Andel til Broderen, som imidlertid 1689 mistede Gaarden, der tildømtes Kronen for resterende Skatter. Næste Ejer var Generallieutn. Hans Løwenhielm, hvis Svigersøn Gehejmer. Fr. Giedde († 1717) 1696 solgte N. til Oberst Fr. Ahlefeldt († 1706), hvis Arvinger 1733 overdrog Gaard og Gods til deres Broder, Ritmester Chrf. Fr. Ahlefeldt († 1749). Hans Enke Regitze Sophie Güldencrone giftede sig med General Henr. Bielke Kaas († 1773), som 1751 solgte N. til Oberst Peter Bernh. Wolfrath († 1759), hvis Enke, hans 3. Hustru, ejede den, indtil den 1789 gik over til Wolfraths Svigersøn Adam Mogens Lüttichau († 1807). Han solgte N. 1802 for 87,000 Rd. til Major Fr. Jørgen Sehested, efter hvem den ved Auktion 1836 købtes for 57,500 Rd. af Købmand Hans Kruuse fra Nyborg († 1847), efter hvis Død Enken ejede den til 1857, da hun skødede den til Sønnen, senere Konsul, Etatsr. Johan K. († 1896); nu ejes den efter Enkens Død 1899 af Dødsboet. — Hovedbygningen, fra Renæssancetiden, bestaar af et Bindingsværkshus, midt for hvis østl. Side der springer en lille, taarnagtig Fløj frem. Den er nu kun i eet Stokv. med Kælder, men tidligere skal der have været et andet Stokv., som kragede ud. I senere Tid er der opf. en lav Fløj i Vest. Voldgraven danner Borggaardens 4. Side og fortsættes i Haven og om en Del af denne og Bygningerne.

Ved Kongebrev af $^{7}/_{1}$ 1555 blev Gjestelev annekteret til Sønder-Højrup, Vindinge Hrd.; 1846 blev det forenet med Herringe.

**Espe Sogn** omgives af Gjestelev og Hillerslev Sogne — hvilke adskille det fra Annekset Vantinge —, Brahetrolleborg, Krarup og Herringe Sogne samt Gudme Hrd. (Ringe S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 2 Mil N. Ø. for Faaborg og $2^{3}/_{4}$ Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, bakkede Jorder ere ler- og sandmuldede. En Del Skov (Kirkesk., Tingsk. og Skovgaards Sk.). En Del af Nordgrænsen dannes af Salling Aa. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Svendborg og Nyborg samt Faaborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 2516 Td. Ld., hvoraf 1137 besaaede (deraf med Hvede 23, Rug 243, Byg 264, Havre 278, Blandsæd til Modenh. 213, Grøntf. 44, Kartofler 20, Sukkerroer 3, andre Rodfr. 46), Afgræsn. 346, Høslæt, Brak, Eng m. m. 637, Have 25, Skov 254, ubepl. 9, Moser 7, Hegn 14, Veje og Byggegr. 77, Vandareal m. m. 9 Td. Kreaturhold 1893: 212 Heste, 826 Stkr. Hornkv. (deraf 543 Køer), 391 Faar, 379 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 245 Td.; 45 Selvejergaarde med 214, 78 Huse med 30 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^{1}/_{2}$ 1890: 680 (1801: 362, 1840: 597, 1860: 607, 1880: 640), boede i 125 Gaarde og Huse; Erhverv: 27 levede af immat. Virksomh., 436 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 152 af Industri, 14 af Handel, 16 af forsk. Daglejervirks. og 33 af deres Midler.

I Sognet Byerne: *Espe*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Forskole, Forsamlingshus (opf. 1890), Andelsmejeri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Findinge*. *Espe Højlodder*, Huse. *Skovsgaard* har $16^{1}/_{2}$ Td. Hrtk., 214 Td. Ld. (63 i Herringe S.), hvoraf 10 Eng, 30 Skov, Resten Ager. Desuden *Lundsgd.*, *Stavrelund* og *Agerupgd.*

Espe S., een Sognekommune med Annekset, hører under Salling Hrd.'s

Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 13. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Egeskov.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Langhuset er opført i romansk Tid af raa Kamp med tilhugne Hjørnekvadre, Dør- og Vinduesindfatninger samt Sokkel. I den senere Middelalder tilføjedes Taarnet, af raa Kamp og Munkesten, med overhvælvet Underrum, der har Spidsbue ind til Skibet. Senere, næppe før Midten af 16. Aarh., nedbrød man det oprindelige Skib og Kor og rejste dem igen af de gamle Materialer, samt overhvælvede dem. Omtr. samtidig tilføjedes Vaabenhuset, af store, røde Mursten i uregelmæssigt Munkeskifte. Altertavlen er et tarveligt Maleri (Mariæ Bebudelse) af D. Dreyer fra 1846. Paa Kalken staar Preben Brahe og Susanne Gøye, 1667, og deres Vaaben; ny, jærnstøbt Døbefont; tarvelig Prædikestol fra Slutn. af 17. Aarh. I Skibet et lille Krucifiks, vist fra Middelalderens Slutn. Den ældste Klokke er ifl. Indskrift omstøbt 1500.

*Skovsgaard* var fordum en adelig Sædegaard, som Jomfru Gertrud Pedersdatter Lykke testamenterede til sin Søster Fru Maren Lykke, Thomes Normands, der ejede den 1614; dennes Datter Margrethe Normand, Steen Billes, ejede den til 1646, da den blev forenet med Fjellebro, som den fulgte i lang Tid (se i øvrigt S. 673 under Fjellebro). — Gaarden, der har været omgiven af Grave, bestaar af 4, ikke sammenbyggede Fløje, hvoraf den østl., Hovedbygningen, er i eet Stokv. af Bindingsværk paa en Kampestenssokkel (oprindl. 38 Al. lang, 1875 forlænget med 5 Al.). Paa Loftet findes et Stykke Egetømmer, der skal have siddet over Døren midt paa Østfløjens Vestside, og med en Indskrift, der siger, at Ebbe Munk 1578 lod Huset opføre. Paa et andet Træstykke er en defekt Indskrift, der vistnok fortæller om et Byggearbejde under Peder Luxdorph i 1680'erne. Ladebygningerne ere nyopførte, men med Anvendelse af Egetømret fra de gamle.

I Findinge har ligget en Gaard *Skovmosegaard*, der nævnes 1386.

*Lundsgaard* har før været en større Gaard, der 1664 skødedes af Brødrene Steen og Preben Brahe, som havde arvet den efter Faderen, til Dr. Chrf. Balslev, som 1674 skødede den til Jac. Habacuch Koch, „sitzhaftig paa Nybøllegd." (Gaarden, der var over 22 Td. Hrtk., kaldes i Skødet Hovedgaard).

Fra en Sandbanke ved Espe hidrører et værdifuldt Gravfund fra den romerske Jærnalder, med to blaa Glasskaale, en Broncekasserolle, to Drikkehornsbeslag, et Lerbæger m. m. — Ved Skovsgaard er der undersøgt en lille Gravplads fra Folkevandringstiden, med en halv Snes Urnegrave.

**Vantinge Sogn**, Anneks til Espe, omgives af Gjestelev, Hillerslev og Heden Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^1/_2$ Mil N. Ø. for Faaborg, $2^1/_4$ Mil S. for Odense og $3^1/_4$ Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende og bakkede Jorder ere overvejende sandede og sandmuldede. Ved Sydgrænsen et Aaløb.

Fladeindholdet 1896: 1282 Td. Ld., hvoraf 651 besaaede (deraf med Hvede 2, Rug 156, Byg 144, Havre 153, Bælgsæd 3, Blandsæd til Modenh. 106, Grøntf. 47, Kartofler 7, andre Rodfr. 30), Afgræsn. 207, Høslæt, Brak, Eng m. m. 302, Have 14, Skov 9, Moser 21, Kær og Fælleder 9, Hegn 28, Veje og Byggegr. 36, Vandareal m. m. 5 Td. Kreaturhold 1893: 127 Heste, 438 Stkr. Hornkv. (deraf 275 Køer), 243 Faar, 224 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 131 Td.; 1 Selvejergaard med 9, 1 Arvefæstegd. med 3, 18 Fæstegd. med 106, 31 Huse med 12 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse, $^2/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 292 (1801: 179, 1840: 274, 1860: 322, 1880: 298), boede i 56 Gaarde og Huse; Erhverv: 9 levede af immat. Virksomh., 186 af Jordbr., 78 af Industri, 3 af Handel, 2 af forsk. Daglejervirks., 11 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Vantinge* med Kirke og Skole. *Dalsmøller* (Vejr- og Vandmølle).

Vantinge S., en Sognekommune med Hovedsognet, hører under Muckadell Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg

Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 9. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Muckadell.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor, vist fra den seneste Middelalder, ere opførte af røde Munkesten. Skibet har fladt Loft. Koret er overhvælvet. Af begge Døre og et enkelt Vindue ses Spor. Vaabenhuset med takket og blindingssmykket Gavl, er sikkert betydeligt yngre. Taarnet, opført efter 1589, er af Egebindingsværk og saa lavt, at dets Rygning kun ligger et Par Alen over Skibets øverste Gavlkam. Altertavlen er et slet Maleri (Christus paa Oliebjærget) i Ramme fra 18. Aarh. Usædvanlig stor romansk Granitdøbefont med Bladornamenter og Menneskehoveder. Prædikestolen er et tarveligt Arbejde fra den senere Renæssancetid. Foran Taarndøren ligger et Brudstykke af en romansk Ligsten med Korsstav.

**Heden Sogn**, Anneks til N.-Søby Sogn, Aasum Hrd., Odense Amt, omgives af dette, Allested, S.-Broby, Hillerslev, Vantinge og Gjestelev Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Faaborg, $2^1/_4$ Mil S. for Odense og $3^1/_2$ Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, men temmelig jævne Jorder ere overvejende muldede, i den nordøstl. Del sandede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1400 Td. Ld., hvoraf 688 besaaede (deraf med Hvede 11, Rug 141, Byg 148, Havre 157, Blands. til Modenh. 139, Grøntf. 41, Kartofler 12, Sukkerroer 5, andre Rodfr. 29). Afgræsn. 208, Høslæt, Brak, Eng m. m. 337, Have 24, Skov 33, Moser 73, Hegn 5, Veje og Byggegr. 32 Td. Kreaturhold 1893: 139 Heste, 481 Stk. Hornkvæg (deraf 284 Køer), 182 Faar, 198 Svin og 2 Geder, Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 141 Td.; 17 Selvejergaarde med 90, 3 Arvefæstegd. med 15, 5 Fæstegd. med 24, 35 Huse med 12 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 380 (1801: 204, 1840: 284, 1860: 321, 1880: 382), boede i 75 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomhed, 292 af Jordbr., 37 af Industri, 10 af Handel, 5 af forsk. Daglejervirks., 14 af deres Midler, og 12 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Heden* (1175: Hetby), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Hospital (opr. 1740 af Etatsr. Fr. Hein til Steensgaard og Grubbesholm, med Kirkeladen i Heden til Bolig for 4 fattige, og 1000 Rd.) og Andelsmejeri. *Hedengaard* har $16^1/_4$ Td. Hrtk., 150 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, 10 Skov, Resten Ager (4 Fæstehuse). Desuden Gaarden *Ensomhed*. Et Teglværk.

Heden S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 14. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Brahesminde.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet og Taarn mod V. Skib og Kor ere fra Middelalderens Slutn. og opførte af røde Munkesten. Begge Døre ere bevarede (den sydl. tilmuret); flere oprindelige Vinduer skimtes. Koret er overhvælvet, Skibet har fladt Loft. Det uanselige Taarn, af Bindingsværk, er i 1886—87 blevet nedbrudt og erstattet med et nyt, af smaa, gule Mursten, ligesom det gamle Vaabenhus (fra Middelalderens Slutn.) nedreves og et nyt indrettedes i Taarnet. Altertavlen er et ualmindelig rigt og dygtigt udført Snitværk fra 2. Halvdel af 17. Aarh. Midtpartiet indtages af et af A. Dorph 1877 udført Maleri (Christus, der stiger ud af Graven). Romansk Granitdøbefont. Ny Prædikestol. Et godt udskaaret Skab fra 1523 opbevares i Nationalmuseet.

Tæt S. for Heden, i Vollehave, findes et Voldsted, bestaaende af en mindre, rund Borgbanke, omgiven af en bred Grav, uden for hvilken, mod N. V. og S. V., ligge to til Dels naturlige Højninger. Paa Borgbanken er der fundet Murbrokker og sammensmæltet Jærn og Kul.

I Heden findes et Bystævne, der i sin oprindelige Skikkelse vistnok hidrører fra 18. Aarh. Fra først af bestod det af omtr. 22 ikke tilhugne Sten, der stod i en Halvkreds; 1870 flyttedes Stævnet, og Stenene stilledes i en Rundkreds; 1886 flyttedes

det atter, og Stenene (20), der da bleve firsidet tilhugne, stilledes i en Firkant. I Midten er plantet et Kastanietræ og en Tjørnehæk udenom. Stævnet bruges endnu.

**Allested Sogn** omgives af Annekset Vejle, S.-Broby og Heden Sogne samt Odense Amt (Aasum Hrd.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Faaborg, 2 Mil S. S. V. for Odense og $3^3/_4$ Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, temmelig jævne Jorder ere fortrinlig muldede.

Fladeindholdet 1896: 1731 Td. Ld., hvoraf 899 besaaede (deraf med Hvede 39, Rug 147, Byg 202, Havre 199, Frøavl 3, Blandsæd til Modenh. 157, Grøntf. 76, Kartofler 17, andre Rodfr. 57), Afgræsn. 180, Høslæt, Brak, Eng m. m. 415, Have 26, Skov 71, Moser 66, Kær og Fælleder 31, Hegn 4, Veje og Byggegr. 38 Td. Kreaturhold 1893: 186 Heste, 629 Stkr. Hornkv. (deraf 390 Køer), 334 Faar og 269 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 194 Td.; 34 Selvejergaarde med 174, 63 Huse med 18 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 483 (1801: 307, 1840: 386, 1860: 456, 1880: 510), boede i 96 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomh., 351 af Jordbr., 74 af Industri, 15 af Handel, 8 af forsk. Daglejervirks., 17 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Allested* med Kirke, Præstegd., Skole, „Hospitalet" (et alm. Fattighus, Plads til 4 Familier), Andelsmejeri, Mølle med Dampsavværk og Teglværk; *Radby* (Husene ligge paa Rad) med Skole. Midt i Sognet et Forsamlingshus (opf. 1892).

Allested S., een Sognekommune med Annekset, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstingskr. og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 15. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Søbysøgaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skibet, af røde Munkesten med fladt, gibset Loft, synes at være ældst. Det oprindelige Kor er blevet nedrevet i den sent-gotiske Tid og erstattet af det nuv. polygone Korparti, med Hvælvinger; Spor af 2 rundbuede Vinduer. Omtr. samtidig blev Taarnet tilføjet; dets underste Rum, med fladt Loft, har Spidsbue ind til Skibet. Vaabenhuset er af røde Munkesten i meget uregelmæssig Skiftegang. Alterbilledet er fra 1899, en Kopi af Blochs Opstandelsen. Romansk Granitdøbefont med Arkadebuer og Rebsnoning. Døbefad fra 1639 med en Indskrift fra 1790, ifl. hvilken det er skænket af Sognepræsten Bertel Holm og Hustru. Prædikestolen er et yderst tarveligt Arbejde fra omtr. 1854. Paa Skibets Nordvæg en Mindetavle over Dorthe Margrethe Seerup, † 1787, g. m. Præsterne Jens Zeuthen og Bertel Holm; i Taarnet en Mindetavle over Christine Lucie Classen, † 1794, g. m. Præsten Jørgen Pougdal i Døllefjælde. — Paa Kirkegaarden ved Kirkemuren en trapezformet Gravsten fra den ældre Middelalder, der senere har ligget over Lieutn. Joh. Heinr. Puschel, † 1780, og Hustru.

**Vejle Sogn**, Anneks til Allested, omgives af dette, S.-Broby og N.-Broby Sogne samt Odense Amt (Odense og Aasum Herreder). Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Faaborg, 2 Mil S. S. V. for Odense og 4 Mil N. V. for Svendborg. De noget højtliggende, men temmelig jævne Jorder ere overvejende let muldede. Kohave, Kildemose, Skove. Paa Nordgrænsen løber Skjelbæk, en Biaa til Odense Aa; Syd- og Sydvestgrænsen dannes af Vittinge Aa, ligeledes en Biaa til Odense Aa.

Fladeindholdet 1896: 1793 Td. Ld., hvoraf 887 besaaede (deraf med Hvede 31, Rug 174, Byg 171, Havre 179, Blandsæd til Modenh. 162, Grøntf. 56, Kartofler 27, andre Rodfr. 82), Afgræsn. 262, Høslæt, Brak, Eng m. m. 367, Have 32, Skov 89, Moser 94, Kær og Fælleder 22, Veje og Byggegr. 40 Td. Kreaturhold 1893: 176 Heste, 616 Stkr. Hornkv. (deraf 380 Køer), 290 Faar, 277 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 161 Td; 32 Selvejergaarde med 132, 113 Huse med 29 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 644 (1801: 271, 1840: 406, 1860: 567, 1880: 687), boede i 145 Gaarde og Huse; Erhverv: 27

levede af immat. Virksomhed, 406 af Jordbr., 136 af Industri, 35 af Handel, 6 af forsk. Daglejervirks., 32 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Vejle* (gml. Form: Weteleue, Vedeløf, Weydeløff, Weyleff) med Kirke, Skole, Andelsmejeri, Teglværk, Mølle og Telefonstation. Midt i Sognet et Forsamlingshus (opf. 1892). Hovedgaarden *Vejlegaard* har 16 Td. Hrtk., $148^1/_8$ Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 6 Tørvemose, 4 Gaardspl. og Have, Resten Ager.

Vejle S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører til de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt 3. Udskrivningskr.' 16. Lægd. Kirken tilhører en Privatmand i Sognet.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med tresidet Afslutning og Taarn mod V. Den er oprindelig opført i romansk Tid af raa Kamp, men af denne Bygning staar nu kun en Del af Skibets vestre Ende. I den senere Middelalder er Vestgavlen ommuret med Mursten. Nogen Tid senere, men dog før Reformationen, nedbrød man Skibets Østende og forlængede Murene mod Ø., hvor de endte med en tresidet Afslutn. Det østl. Parti indrettedes til Kor, overhvælvedes og forbandtes med Skibet ved en Spidsbue. Skibet har fladt, gibset Loft, undtagen mod V., hvor der er Hvælvinger. Taarnet, af Kamp og Mursten, er den yngste Del af Bygningen; 1868 er det blevet ommuret med smaa, gule Sten. Dets underste Del tjener som Vaabenhus. Alterbilledet (Christus paa Korset) er et tarveligt Maleri fra 1852 af Zehngraf. Kalken er et ualmindeligt rigt og interessant Arbejde fra den yngre Renæssancetid, med fritstaaende Figurer og Medailloner. Romansk Granitdøbefont med Bladværk paa Kummen. Prædikestolen er ny. I Vaabenhuset var tidligere Ligsten over Fru Ellen Marsvins Fogder Peder Christensen og Jens Juel, samt deres Hustru. I Taarnet Mindetavler over Mathias v. Leth til Sanderumgaard, † 1783, og Hustru Catharine Hedevig Løwenhielm, † 1792.

*Vejlegaard* tilhørte 1467 Vilhelm Frille, 1503 hans Søn Ludvig F. og kom saa ved Giftermaal til Familien Oldeland; den tilhørte 1540 Chrf. Oldeland og derefter hans Brodersønner Vilhelm, Laurids og Hans O., † 1580. Sidstnævntes Datter Sophie Oldeland ægtede Caspar Markdanner til Rønningesøgaard, † 1618, som opførte en ny Hovedbygning, mest af Bindingsværk, i nogen Afstand fra det Sted, hvor den ældre havde staaet. Efter at have tilhørt Caspers Søn Hans M. kom V. til Claus Brockenhuus, der 1625 solgte den til Fru Ellen Marsvin, efter hvem den ejedes af Kirstine Munk og hendes Svigersøn Hannibal Sehested. Hans Enke solgte 1667 V. til Købmand Peiter Hansen i Hamburg, efter hvem den kom til Niels Hansen Schmidt, hvis Enke Else ægtede Peder Klingenberg, der 1678 købte Vejle og Allested Kirker. Efter hans Død solgte hun 1699 Gaarden til sine Børn Else Cathrine og Peder Schmidt, af hvilke Datteren blev gift med Kommercer. Lorents Petersen, efter hvem den ejedes af Svigersønnen, Generallieutn. Adolph Neuberg. Ved Arv tilfaldt den saa hans Guddatter Adolphine Leth, g. m. Kmhr. Mikael Fabritius de Tengnagel, † 1815, der restaurerede Gaarden og i Slutn. af 18. Aarh. solgte Godset til Fæsterne; 1805 købtes Gaarden af Ramus fra Egelykke; derefter ejedes den af H. P. Langkilde til Julskov, i hvis Slægt den forblev indtil omtr. Midten af 19. Aarh., da den kom i Hænderne paa Holger Pedersen († 1860), til hvis Svoger Th. Friis den solgtes 1861 for 34,000 Rd.; 1863 solgtes den for 48,000 Rd. til Lars Pedersen, hvis Søn Jak. Larsen nu ejer den. — Den nuv. Hovedbygning, af Grundmur i to Stokv., er opf. 1854. Omtr. 200 Al. N. Ø. for den har C. Markdanners omtr. 1854 nedrevne Gaard ligget. Den skal efter Sigende have været trefløjet og laa paa „Slotsholmen", en aflang Banke (139 × 170 F.), omgiven af Grave; der findes endnu Brokker af Mursten og Kalk. Ladegaardspladsen, V. N. V. for Slotsholmen, har ogsaa delvis været omgiven med Grave. Af den ældste Vejlegaard findes et Voldsted omtr. 450 Al. N. Ø. for Slotsholmen; det bestaar af en vistnok oprindelig firkantet Borgbanke med Spor af omgivende Grave og med Vold for den ene Side.

*Vestergaard* i Vejle var fordum en adelig Sædegaard, der tilhørte Eggert Henriksen Sandberg og siden hans Søn Peder Eggertsen, der ejede den 1583. Senere var den en Bondegaard, som Kongen 1666 forundte Folmer Rosenkrantz; men den var imidlertid saa lidet skikket til Beboelse, at han flyttede til en nærliggende Bondegaard i Vantinge. Den er nu delt i to almindelige Bøndergaarde.

Vejle har maaske tidligere været Anneks til S.-Broby. Ved Klemmebr. af 1555 blev det befalet at nedbryde Vejle Kirke, men paa Menighedens Forbøn blev Ordren tagen tilbage.

**Nørre-Broby Sogn** omgives af Vejle og S.-Broby Sogne samt Odense Amt (Baag og Odense Hrd.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^1/_4$ Mil N. for Faaborg og ligesaa langt S. V. for Odense. De højtliggende og bakkede Jorder (ved Vestgrænsen Synebjærg, med trigon. Station, 262 F., 82 M.) ere sandede, lerede, sandmuldede og let muldede. En Del Skov (Præstesk., Flegesk.). Gennem Sognet løber fra S. til N. *Odense Aa*, der danner en Del af Nordgrænsen, og som optager flere smaa Tilløb i Sognet. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Faaborg til Odense og Tommerup og fra Assens til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 5407 Td. Ld., hvoraf 2548 besaaede (deraf med Hvede 62, Rug 519, Byg 499, Havre 563, Boghvede 27, Blandsæd til Modenh. 470, Grøntf. 126, Kartofler 100, Sukkerroer 20, andre Rodfrugter 153, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 635, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1207, Have 54, Skov 209, Moser 348, Kær og Fælleder 144, Hegn 84, Veje og Byggegr. 171, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 512 Heste, 1830 Stk. Hornkv. (deraf 1085 Køer), 1044 Faar og 892 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 481 Td.; 16 Selvejergaarde med 105, 54 Arvefæstegd. med 280, 8 Fæstegd. med 51, 192 Huse med 43 Td. Hrtk. og 18 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1387 (1801: 667, 1840: 1068, 1860: 1133, 1880: 1368), boede i 267 Gaarde og Huse; Erhverv: 44 levede af immat. Virksomh., 933 af Jordbrug, 253 af Industri, 43 af Handel, 52 af forsk. Daglejervirks., 46 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Nørre-Broby*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Pogeskole, Forsamlingshus (opf. 1885) og Andelsmejeri; *Vøjstrup* med Pogeskole; *Vittinge*, ved Landevejen, med Skole; *Staaby*. Ved Landevejen ligger Fattiggaarden (opf. 1887, Plads for 30 Lemmer). Hovedgaarden *Lundegaard*, der hører til Lundegaards Stiftelse (se ndfr.), har $37^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $6^1/_2$ Td. Skovsk., 500 Td. Ld., hvoraf 106 Eng, 104 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $3^7/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods.

N.-Broby S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 17. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Muckadell.

*Kirken* (fordum indviet til St. Nikolai) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S.. Kirken bestod oprindl. af Skib og Kor, opf. af raa Kamp i den ældre Middelalder. Sporene af de oprindelige, dels rundbuede, dels svagt spidsbuede Vinduer kunne endnu forfølges; af Norddøren er den nederste Del bevaret. I den senere Middelalder er Skibet blevet forlænget betydeligt mod V. og forsynet med Hvælvinger, og Taarnet, hvis Underrum har Spidsbue ind til Skibet, tilføjet. Samtidig blev den oprindelige, halvrunde Apsis nedreven, Koret udvidet mod Ø. og overhvælvet. Noget senere, Beg. af 16. Aarh., blev det lille Vaabenhus, med takket, blindingsprydet Gavl, tilføjet. Korets Gulv blev hævet fem Trin over Skibets, idet en Begravelse blev indrettet under Gulvet. Over Koret var der tidligere et lille Spir, hvori en Klokke. Altertavlen, fra Beg. af 16. Aarh., er et godt udført, anseligt katolsk Alterskab med Fløje (i Midtpartiet Korsfæstelsen, Nedtagelsen, Gravlæggelsen osv., paa Fløjene de 12 Apostle), der maaske er fra Cl. Bergs Værksted i Odense. Romansk Granitdøbefont med Rebsnoning. Paa den anselige Alterkalk staar: Levninger af Nørre Broby Kirkes Sølv fra Præstegaardens Brand 3. Marts 1818. Tarvelig Prædikestol fra 2. Halvdel af 17. Aarh. I Koret Mindetavle over Bent Venstermand, † 1582 (10 Dage gl.). I Skibet et gmlt. udskaaret Madonnabillede og en Munkefigur samt Epitafium over Præsten Hans Pedersen Preg, † 1647, anbragt omtr., hvor hans Ligsten før har ligget (de tre nævnte Sager fandtes 1895 paa Vaabenhusets Loft). I Taarnet 3 Silkefaner, der have tilhørt Adolph Neuberg († 1749), som med andre Ejere af Lundegaard ligger begravet under Koret, deribl. Ellen Marsvin og hendes to Mænd Ludvig Munk og Knud Rud (ogsaa Kirstine Munks Kiste har man gættet paa at skulde være ført hertil). Taarnpulpiturets Rækværk bærer Aarst. 1600. I Korets Nordvæg et Basrelief (Lazarus' Opvækkelse) i farvet Keramik af Billedhugger Hassel;

det er 1897 ligesom 4 Lysekroner i Skibet (1894) skænket af Sognepræst H. S. Gad. Et interessant, udskaaret Skab fra 1480 og nogle Helgenfigurer opbevares nu i Nationalmuseet.

*Lundegaard*, ved Odense Aa, formenes at være oprettet af en nedlagt Landsby Lunde. I 2. Halvdel af 16. Aarh. ejedes den af Erik Venstermand og Fru Alhed Norby, der solgte den 1598 til Ludvig Munk til Nørlund, † 1602 paa L. Derefter ejedes den af hans Enke Ellen Marsvin og deres Datter Kirstine Munk, som blev gift 1615 paa L. med Chr. IV, og efter hvis Død 1658 Gaarden gik i Arv til Rigshofmester Hannibal Sehested, † 1666, gift med hendes og Kongens Datter Christiane, som boede paa L. som Enke og døde der. Sehested mageskiftede 1664 L. mod Iversnæs til Chr. Urne (se S. 530). Derefter ejedes den af Urnes Enke Sophie Krabbe, hvis Arvinger skødede den 1702 til Kancellir. Peder Schmidt († 1711). Denne testamenterede L. til sin Søster Else Cathrine, g. m. Kommercer. Lorents Petersen, og deres Datter Anna bragte Gaarden til sin Mand Generallieutn. Ad. Neuberg († 1749). Da Enken døde 1752 uden Arvinger, blev Gaarden ifl. Kancellir. P. Schmidts Testam. af 1711, kendt ved Magt ved Højesteretsdom af $^{28}/_{3}$ 1754 og ved konf. Fundats af $^{13}/_{9}$ s. Aar, skænket til „de fattige og nødtørftige i Fyen, saa mange deraf kan have deres rigelige Ophold til Nødtørft aarligen". *Lundegaards Stiftelse*, der bestyres af Stiftamtmanden, Biskoppen og to Præster i Salling Hrd., ejer foruden Godset en Kapital paa omtr. 1 Mill. Kr., hvoraf udredes omtr. 800 Pensioner (40—200 Kr.), og en Legatformue paa omtr. 82,000 Kr., hvoraf udredes 26 Pensioner, til trængende paa Fyn, særlig af Legatstifterens Slægt. — Den nuv. Bygning er i eet Stokv., af Bindingsværk, fra 18. Aarh. Den tidligere Borggaard, opf. 1602 af Ludvig Munk, bestod af 3 Fløje, af hvilke Hovedbygningen, den midterste, var af Grundmur i to Stokv. med hvælvede Kældere og et Taarn, medens Sidefløjene vare af Bindingsværk. Kancellir. Schmidt ombyggede Gaarden, men lod dog Taarnet blive staaende; 1770 brændte en Del af Bygningen; Taarnet blev først nedbrudt 1801. Under den nordl. Del af det nuv. Stuehus findes Rester af de gamle Kældere. Af de oprindelige Ladebygninger staar endnu en, af Egebindingsværk, opf. af Ellen Marsvin, et i sin Slags interessant Mindesmærke fra Renæssancetiden, 68 Al. lang, 22 Al. bred; i Træværket over en lille, tilmuret Dør paa Nordvestsiden staar: „I H S Ellen Marsvin Anno 1636".

N. V. for Vøjstrup ligger Borgpladsen „*Ranildsholm*" eller „Rønnemoseholm", en rundagtig, lille Højning, omgiven af Engdrag, hvorigennem der løber en Bæk; Murbrokker eller andre Murrester synes ikke at forekomme. Sagnet lader efter Folkevisen Rane Jonsen, Erik Glippings Kammersvend, søge Skjul paa Ranildsholm. Det i Folkevisen omtalte *Gjeddebjærg* ligger Ø. for Ranildsholm; nu bruges Navnet om en Gaard og dens Mark, hvorpaa en Bakke; paa *Voldemose* eller *Ullemose*, hvor Folkevisen lader Rane bo, skal der i 18. Aarh. være fundet Grundsten af en Bygning.

Fra en Banke ved N.-Broby hidrører et værdifuldt Gravfund fra den romerske Jærnalder, med et rigt Indhold dels af romerske, dels af nordiske Sager (Broncefad, Kasserolle, 2 Bidsler, Spejl, Perler, Naal osv.).

**Litt.**: *H. S. Ipsen*, Livet i en fyensk Præstegd., i Kirkeh. Saml. 4. R. IV Bd. S. 1 flg.

**Sønder-Broby Sogn** omgives af N.-Broby, Vejle, Allested, Heden, Hillerslev, Sandholts-Lyndelse, V.-Hæsinge og Jordløse Sogne samt Odense Amt (Baag Hrd.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil N. for Faaborg, 2 $^{1}/_{2}$ Mil S. S. V. for Odense og 3 Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere dels lette, sandede og sandmuldede, dels lerede. En Del Skov (Tvedshave, Broby Sk., Tørringe Have). *Odense Aa* gennemløber Sognet fra S. Ø. til N. V., og i Midten krydses Landevejene fra Faaborg til Odense og fra Assens til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 4129 Td. Ld., hvoraf 1870 besaaede (deraf med Hvede 111, Rug 317, Byg 444, Havre 428, Boghvede 10, Blands. til Modenh. 353, Grøntf. 57, Kartofler 43, Sukkerroer 9, andre Rodfr. 92, andre Handelsplanter 4), Afgræsning 550, Høslæt, Brak, Eng m. m. 968, Have 46, Skov 393, ubeplantet 20, Moser 113, Kær og Fælleder 18, Hegn 69, Veje og Byggegr. 76, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 374 Heste, 1225 Stk. Hornkvæg (deraf 768 Køer), 834 Faar og 635 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 398 Td.; 18 Selvejergaarde med 135, 36 Fæstegd. med 235, 118 Huse med 28 Td. Hrtk. og 15 jordløse Huse,

$^2/_8$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 997 (1801: 688, 1840: 998, 1860: 1075, 1880: 1058), boede i 188 Gaarde og Huse; Erhverv: 59 levede af immat. Virksomhed, 606 af Jordbrug, 253 af Industri, 25 af Handel, 13 af forsk. Daglejervirks., 22 af deres Midler, og 19 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sønder-Broby*, ved Korsvejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; i Nærheden ved Broen over Aaen *Brobyværk*, med Kro, Markedsplads (Marked i Marts med Heste og Kvæg, i Okt. med Kvæg og Faar), Andelsmejeri, Garveri, Postekspedition og Telefonstation samt Valgsted for Amtets 5. Folketingskr.; *Tørringe*, ved Faaborg-Odensevejen, med Missionshus (opf. 1898), Lægebolig og Telefonstation; *Allerup*, ved Assens-Nyborgvejen; *Ølsted*. Hovedgaarden *Brobygaard*, under Grevsk. Muckadell (se S. 683), har $59^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $9^5/_8$ Td. Skovsk., 688 Td. Ld., hvoraf 50 Eng og Mose, 268 Skov, Resten Ager; desuden $316^5/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods, hvoraf 179 i dette, Resten i N.-Broby, Heden, V.-Hæsinge, Haarby, Flemløse og Fangel Sogne. Hovedgaarden *Ølstedgaard*, under samme Grevsk., har $20^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $^1/_4$ Td. Skovsk., 162 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 12 Skov, Resten Ager; desuden $73^5/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods.

S.-Broby S., en egen Sognekommune, hører under Muckadell Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 8. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Muckadell.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutn., Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Bygningen bestod oprindl. i romansk Tid af Skib og Kor, opf. af raa Kamp, med tilhuggen Sokkel, Dør- og Vinduesindfatninger samt Hjørner. Der ses Rester af de oprindl. Vinduer og Døre. I Middelalderens sidste Tid har man overhvælvet Koret og tilføjet Taarnet, af røde Munkesten, hvis overhvælvede Underrum forbandtes med Skibet ved en Spidsbue. Omtrent samtidig opførtes Vaabenhuset, af Munkesten, med takket, blindingsprydet Gavl. Noget senere (omtr. 1550) blev Skibet overhvælvet. 1779 blev Vaabenhuset delvis ombygget, og endnu senere ommuredes en stor Del af Taarnet. Altertavlen er et Maleri (Christi Daab) af N. Simonsen fra 1856. I Taarnet hænger den tidligere Tavle, et værdiløst Maleri fra 1769. Romansk Granitdøbefont med en Fremstilling af den velsignende Christus og Planteornamenter. Prædikestolen er fra Chr. IV's Tid. Kirkens ældste Klokke, uden Indskrift, er fra omtr. 1500. I Skibet en smuk Malmlysekrone. Mindetavle over Præsten Matthias Nielsen Gudme, † 1728, med to Hustruer. Ligsten over Foged (?) Erik Knudsen og over Forpagter paa Brobygaard Christen Knudsen Viborg, † 1697. Udvendig i Taarnet er indmuret en dobbelt Ligsten fra den ældre Middelalder med to Figurer under hinanden (se *Løffler*, Gravst. S. 16 og Pl. XIV). I en Gravhvælving under Koret staa flere Kister med Ligene bl. a. af Generalmajor Hans Fr. Windtz, † 1765, og Hustru Christiane Sophia Ernst, † 1771, Susanne Dorothea Kønemann, † 1771, og Oberst Joh. Sigismund Ehrenfeldt, † 1768.

*Brobygaards* ældste kendte Ejer er Johannes Pedersen i Broby, Ridder, 1351; 1388 tilhørte den Anders Jepsen i Broby; 1563 ejedes den af Fru Ide Norby, Bild Nielsen (Kruckows), hvis Datter Maren ægtede Henning Venstermand, † 1581. Sønnen Jørgen V. synes at have skilt sig ved B., thi den tilhørte 1588 Frands Rantzau og 1614 hans Enke Fru Anne Rosenkrantz. Henrik Rantzau skødede 1635 B. til Jomfru Anne Rosenkrantz, efter hvis Død 1645 Gaarden købtes af hendes Svoger Anders Bille. Ved dennes Skifte 1656 tildeltes B. Datteren Pernille, der ægtede Børge Trolle. Dennes Søn Niels T. blev under en Mønstring i Flensborg 1697 skudt ved Chr. V's Side. Broderen Anders T. udkøbte 1698 sin Svoger Fr. Kaas af B., som han 1701 solgte til Amtsforvalter Christen Fogh, hvis Enke Birgitte Fugl 1736 solgte B. (366 Td. Hrtk.) til sin Søn Niels Fogh, † 1747, der testamenterede Gaarden til sin Broder, Kancellir. Marcus F., † 1762, hvis Enke Christiane Sophie Ernst bragte den til sin anden Mand Generalmajor H. Fr. Windtz, † 1765, og derpaa til sin tredje Mand Kmhr. Albr. Chrf. Schaffalitzky de Muckadell, der 1784 af B., Arreskov, Gjelskov og Ølstedgaard oprettede Grevskabet Muckadell. — Gaarden bestaar nu af to Fløje, i

V. og N., hvoraf den vestl., i eet Stokv. af Grundmur med hvælvede Kældere under den nordl. Del, er Hovedbygningen og skal være opf. 1662 af Børge Trolle, men er senere stærkt omdannet; paa Sydgavlen staar: B T F P B. og Aarst. 1673. Tidligere har der ogsaa været en Sidefløj mod S. Ladegaardsbygningerne, af Bindingsværk, synes delvis at hidrøre fra Slutn. af 17. Aarh. Ved Brobygaard er 1859 af Grevskabets Bønder rejst en Mindestøtte for Kmhr., Lensgreve Albr. Chrf. Schaffalitzky de Muckadell, † 1858.

*Ølstedgaard* tilhørte 1583 Fru Maren (Kruckow), Henning Vestermands, 1610 Laurids Oldeland, hvis Datter Kirsten bragte den til Chr. Normand, † 1645, og solgte den 1646 til Fru Regitze Oldeland, Caspar Dues. Efter hans Død 1676 kom Ø. til Sønnen Hans D., der 1693 solgte den til Stiftsskriver Søren Boldt, der 1705 solgte den til Christen Fogh til Brobygaard, hvis Enke 1736 skødede Gaarden (51 Td. Hrtk.) til sin yngste Datter Anne Helvig Sophie Fogh, der bragte den til sin Mand Oberst J. S. Ehrenfeldt, hvis Enke af 2. Ægteskab 1770 ægtede Etatsr. Hans de Hoffmann, der kort efter solgte Gaarden for 15,600 Rd. til Kmhr. Schaffalitzky de Muckadell (se ovfr.).

Aar 1648 blev under Ledelse af Rigsmarsken Anders Bille, Svigerfader til Børge Trolle paa Brobygaard, Vaabenfabrikken *Brobyværk* anlagt; den forsynede en Tid Hæren med Geværer, men blev ødelagt under Svenskekrigen 1658. Stamfaderen til Familien Pontoppidan, Knud Eriksen Broby, var vistnok Forvalter ved Fabrikken.

N. Ø. for Sønder-Broby, paa „Dyrehøj", skal der have staaet et Kapel (et nu udtørret Kær kaldes „Klokkekjær", hvori Sagnet siger, at en Klokke fra Kapellet ligger; der er fundet Murbrokker ved Pløjning).

Allested eller Vejle har i 16. Aarh. været Anneks til Sønder-Broby.

**Øster-Hæsinge Sogn** omgives af Annekset Hillerslev, Sandholts-Lyndelse, V.-Hæsinge, Haastrup, Svanninge og Brahetrolleborg Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Faaborg og 3 Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkter 397 F., 125 M.) ere dels lerblandede og lermuldede, dels sandede og sandmuldede. Omtr. $^1/_5$ er dækket med Skov (Tranekjærs Vænge, Gammelsk., Dyrehave, Kistrup Sk. m. m.). Paa Sydgrænsen ligger Fleninge- eller Arreskov Sø (se S. 667). Øst- og Nordgrænsen dannes af Odense Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Odense.

Fladeindholdet 1896: 3165 Td. Ld., hvoraf 1180 besaaede (deraf med Hvede 26, Rug 229, Byg 246, Havre 257, Bælgsæd 11, Frøavl 3, Blandsæd til Modenh. 200, Grøntf. 105, Kartofler 30, andre Rodfr. 70), Afgræsn. 386, Høslæt, Brak, Eng m. m. 613, Have 47, Skov 612, Moser 176, Kær og Fælleder 56, Hegn 26, Veje og Byggegr. 65 Td. Kreaturhold 1893: 236 Heste, 905 Stkr. Hornkv. (deraf 491 Køer), 529 Faar og 497 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 262 Td.; 4 Selvejergaarde med 73, 27 Fæstegd. med 174, 36 Huse med 12 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse, alle i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 565 (1801: 391, 1840: 535, 1860: 608, 1880: 559), boede i 81 Gaarde og Huse; Erhverv: 44 levede af immat. Virksomh., 371 af Jordbr., 80 af Industri, 17 af Handel, 22 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Øster-Hæsinge*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. 1618 af Pernille Gyldenstierne, Enke efter Jak. Rosenkrantz til Kjærstrup, med et Hus til 6 fattige, og 2000 Rd.); *Kistrup Skovhuse* med Skole, fælles for Ø.-Hæsinge og V.-Hæsinge Sogne. Hovedgaarden *Arreskov*, Hovedsædet i Grevsk. Muckadell, har $40^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $6^3/_4$ Td. Skovsk., 585 Td. Ld., hvoraf omtr. 110 Eng og Mose, 215 Skov, Resten Ager; desuden $235^7/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods, hvoraf 53 i Hillerslev og V.-Hæsinge Sogne*). Gaarden *Sollerup*, under Stam-

*) Til *Grevskabet Muckadell*, der indbefatter Godserne Arreskov, Gjelskov, Brobygaard og Ølstedgaard, høre $1260^1/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord $178^3/_4$, indtaget til Skov $16^3/_4$ Bøndergods 939, Konge- og Kirketiender (S.-Broby, N.-Broby, Ø.-Hæsinge og Hillerslev Kirketiende, Vantinge Kirke- og Kongetiende og V.-Hæsinge Kongetiende) $131^3/_4$ Td.; i Bankaktier 18,800, i Fideikommiskapital omtr. 21,500 Kr. Hovedgaardene have et samlet Jordtilliggende af 1384 Td. Ld. foruden 508 Td. Ld. Skov.

huset Sandholt (se S. 689), har $24^3/_8$ Td. Hrtk., omtr. 486 Td. Ld., hvoraf 80 Eng, Mose og Oredrev, 266 Skov, Resten Ager; desuden hører under S. $3^1/_8$ Td. bortfæstet Hovedgaardsjord. *Aabylund*, Gde. *Arreskov Vand- og Vejrmølle.* Gaarden *Vilhelmsgave.* Paa Sollerup en Fortsættelsesskole og Hjem for unge Piger.

Ø.-Hæsinge S., en egen Sognekommune, hører under Muckadell Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 6. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Muckadell.

*Kirken*( overhvidtet) bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Langhusets vestre Parti, er opført omkr. 1225 af røde Munkesten. Enkelte af de oprindelige, rund- og spidsbuede Vinduer kunne skimtes, ligesom begge Dørene. Taarnet, af raa Kamp og røde Munkesten, er vistnok fra Reformationstiden; paa Nordsiden staar: E S (ɔ: Erik Skeel) 1701, da der foretoges en Restauration, ved hvilken Lejlighed Taarnet gjordes lavere. Dets overhvælvede Underrum har Spidsbue ind til Skibet. Omtr. samtidig med Opførelsen af Taarnet nedbrødes Koret, og Skibets Mure forhøjedes og forlængedes mod Ø., af raa Kamp med Mursten i Hjørnerne; samtidig overhvælvedes Skib og Kor. Vaabenhuset, med takket, blindingsprydet Gavl, er vist fra Reformationstiden. Paa Kirkens Østende var der 1589 et paa en Pille opmuret Klokkespir. Alterbillede (Christus i Emaus), malet 1816 af F. L. Lund. Romansk Granitdøbefont med Mandehoveder og Arkadeblindinger. Prædikestolen er fra 1562, skænket af Erik Rosenkrantz. I Skibet et daarligt skaaret, sent-gotisk Krucifiks. Ligsten med Portrætfigurer over Erik Rosenkrantz til Kjærstrup, † paa Arreskov 1575, og Hustru Helvig Hardenberg, † 1599. Ligsten, opstillede i Vaabenhuset, over Præsterne Mads Jensen Lomborg, † 1648, og Hans Gregersen Nyborg, † 1678, samt deres Hustru Lisbet Nielsdatter Haurvad, † 1679, og 2 Sønner (Stenen er bekostet 1702 af Svigersønnen Christen Fischer, Præst i Nørre-Lyndelse), over Præsten Morten Mølmark, † 1751, og Hustru, over Præsten Morten Henriksen Griff, † 1726, og Hustru. I Skibet et Epitafium over de to sidstnævnte. Under Koret er en Gravhvælving, hvori ere begravede bl. a. ovennævnte Erik Rosenkrantz og Hustru Helvig Hardenberg samt Pernille Gyldenstierne, † 1622. — Paa Kirkegaarden Familiegravsted for Arreskovs Ejere.

*Arreskov* nævnes 1248 blandt Abels Fædrenegods, da „Aruæschogh" i Krigen mellem denne og Broderen blev indtaget. Den tilfaldt vistnok efter hans Død tillige med Svendborg og hans øvrige fynske Godser hans yngste Søn Abel og tilhørte noget senere Marsken Peder Finsen, der paa Grund af sin Optræden i Slaget paa Lohede 1261 blev hængt, hvorefter A. blev nedbrudt 1264. I Beg. af 16. Aarh. købte Torbern Bille, g. m. den fra Kong Hans' Hist. bekendte Edele Jærnskjæg, A. af Kongen, og hans Datter Edel bragte den til sin Mand Rigsraad Jak. Hardenberg til Hvedholm, † 1542. Ved hans Datters Helvigs Giftermaal med Rigsraad Erik Rosenkrantz, † 1575, kom den til denne, hans Søn Jakob R., † 1616, dennes Enke Pernille Gyldenstierne, † 1622, og deres Søn Henrik R., † 1633 ugift i Frankrig. Dennes Søster Christence udløste sine Medarvinger af A., ægtede Rigsraad Mogens Høeg († 1661) og døde 1679. En af hendes Arvinger, hendes Søsterdatter Elisabeth Billes Mand Etatsr. Jørgen Skeel udløste 1680 og 1682 sine Medarvinger, og da han døde 1696, kom A. til hans Søn Chrf. S., † 1699, dennes Broder Etatsr. Erik S. til Bjørnemose, † 1729, og hans Søster Fru Ide Skeel, Enke efter Major Wulf Siegfr. Holsten. Hun afstod 1742 Gaarden til Sønnen, Konferensr. Erik Skeel-Holsten til Gjelskov; hans Enke giftede sig 1773 med Kmhr. Albr. Chrf. Schaffalitzky de Muckadell, som $^{26}/_{11}$ 1784 fik af sine 4 Godser Arreskov, Gjelskov, Brobygaard og Ølstedgaard oprettet *Grevskabet Muckadell*, hvilket efter hans Død 1797 tilfaldt Sønnen Grev Erik Skeel Schaffalitzky de M., † 1833, derefter dennes Søn Grev Albrecht S. de M., † 1858, hvis Søn Kmhr. Grev E. E. Schaffalitzky de Muckadell er den nuv. Besidder.

Hovedbygningen er opf. paa et af Tuedam Mose og Arreskov Sø begrænset Næs, der mod N. er afskaaret fra fast Land ved en Grav; baade om Borggaarden og om Ladegaarden blev der yderligere ført Grave (nu tørlagte og til Dels opfyldte) og et enkelt Sted en Vold. Borggaarden bestaar af 4 sammenbyggede Fløje, hvoraf den nordl., med Indkørselsport, østl. og vestl. ere opf. af røde Munkesten i Blokskifte og oprindl. have været i to Stokv.; under alle 3 Fløje, undtagen under den nordl. Fløjs østl. Halvdel, er der hvælvede Kældere. Paa den nordl. og østl. Fløjs Mure findes under Tagskægget og mellem 1. og 2. Stokv. fremspringende Rundbue-

friser; i den sydl. Del af den vestl. Fløj, hvorved der har staaet et Taarn, har der før været et hvælvet Kapel. Ifl. en Indskrift paa en i Porten indmuret Sandstenstavle er „A. funderet som den nu staar 1558“, ɔ: da er vel den vestl. Fløj opført, thi paa Tavlen staar, at den østl. Fløj er opf. 1568 af Helvig Hardenberg og den nordl., Portfløjen, 1573 af Erik Rosenkrantz. Den sydl., betydeligt lavere Fløj, der i de øvre Dele er opf. af smaa, gule Mursten, er i alt Fald delvis yngre end de andre; ved dens sydøstl. Hjørne findes et rundt Taarn af røde Munkesten (Ydersiden afdelt i store Kvadrer) og med en hvælvet Kælder. Ved en Restauration 1872—73 (Arkitekt

Arreskov.

Haugsted) fik den vestl. Fløj et 3. Stokv., den sydl. Fløj ommuredes delvis, og alle Gavlene, som før vare afvalmede, ombyggedes i sen Renæssancestil. I Vestibulen i den nordl. Fløj hænger der et udskaaret Billede af Helvig Hardenberg, udf. 1582; paa A. findes en ret betydelig Portrætsamling, deribl. to store Malerier af Kongerne Erik og Abel, der dog stamme fra 16. Aarh. og ere uden Værd. Ladebygningerne, der ere nyopførte efter en Brand 1897, vare opf. 1867—69; af de ældre vare to af Egebindingsværk, en tredje, opf. 1683 af Jørgen Skeel, af Grundmur. — S. Ø. for Arreskov ligger et anseligt, nu dog til Dels forstyrret Voldsted, hvor Gaarden før har ligget. Borgbanken (190 × 114 Al.) synes at have været et Næs, som har

været adskilt fra fast Land ved to parallelt løbende Grave med mellemliggende Vold. Fra Banken er der bortkørt mange Læs store, røde Munkesten. Endnu tidligere skal A. have ligget paa Nordsiden af den vestligste af „Perdeholmene", hvor der endnu kan spores Grundridsene af en trefløjet Bygning; Borgbanken (135 × 95 Al.) var paa de 3 Sider omgiven af Vand (nu Eng), paa den fjerde Side dækkedes den af 3 Grave og 2 mellemliggende Volde.

Ved Sollerup nær ved Søen er der et firsidet, af Grave omgivet Voldsted med en Baadebro af Sten; paa Banken er der fundet Brokker af Mursten. — Ogsaa i Kistrup Skov ligge Rester af et formentligt Voldsted.

En Adelsmand Laurids Iversen i Hæsinge nævnes 1480.

Den sydvestlige Del af Sognet, hvor nu den fra Slutn. af 17. Aarh. stammende Gaard *Sollerup* ligger, skal i fordums Tid have udgjort et eget Sogn *Suale* (i Beg. af 17. Aarh. nævnes „Suollerupgaard"). Alt ved Midten af 16. Aarh. havde Sandholt omtr. 600 Td. Ld. i Ø.-Hæsinge, hvilket, naar Fæstegodset medregnes, omtrent svarer til Sollerups Areal.

Ved Ø.-Hæsinge fremdroges 1840 et betydeligt Møntfund med omtr. 5650 Mønter, hvoraf Hovedmængden fra Chrf. I's Tid; Fundet er nedlagt omtr. 1258.

**Litt.**: *N. Rasmussen-Søkilde* og *S. Jørgensen*, Hillerslev og Østerhæsinge Sogne med Arreskov og Gjelskov i ældre og nyere Tid, Odense 1881.

**Hillerslev Sogn**, Anneks til Ø.-Hæsinge, omgives af dette, Sandholts-Lyndelse, S.-Broby, Heden, Vantinge, Gjestelev, Espe og Brahetrolleborg Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Faaborg og 3 Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Galgebakke i den østl. Del, 276 F., 87 M., med trigon. Station og Udsigtstaarn) ere dels lerede og lermuldede, dels sandede og sandmuldede. En Del Skov (Hestehave). Paa Sydvestgrænsen løber Odense Aa, der ved Sydgrænsen optager Haagerup Aa; gennem Sognet løber desuden Salling Aa. I Sognet krydses Landevejene fra Assens til Svendborg og fra Faaborg til Odense; i den sydl. Del gaar Faaborg-Ringebanen.

Fladeindholdet 1896: 4538 Td. Ld., hvoraf 2096 besaaede (deraf med Hvede 90, Rug 414, Byg 475, Havre 476, Boghvede 3, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenh. 363, Grøntf. 111, Kartofler 51, andre Rodfrugter 101, andre Handelspl. 4), Afgræsning 621, Høslæt. Brak, Eng m. m. 1094, Have 48, Skov 200, Moser 250, Kær og Fælleder 36, Hegn 71, Veje og Byggegr. 115 Td. Kreaturhold 1893: 446 Heste, 1427 Stkr. Hornkvæg (deraf 877 Køer), 735 Faar, 963 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 452 Td.; 22 Selvejergaarde med 155, 5 Arvefæstegd. med 44, 34 Fæstegd. med 209, 150 Huse med 40 Td. Hrtk., $^1/_8$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1239 (1801: 749, 1840: 1105, 1860: 1287, 1880: 1233), boede i 228 Gaarde og Huse; Erhverv: 73 levede af immat. Virksomhed, 796 af Jordbr., 2 af Gartneri, 192 af Industri, 87 af Handel, 43 af forsk. Daglejervirks., 30 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet *Hillerslev* (gml. Form Hillesløff og Hildesløff) *Kirke*, ved Assens-Svendborgvejen, med Skole og Hospital (opr. 1769 af Konferensr. Erik Skeel-Holsten til Arreskov og Gjelskov, med et Hus til 4 fattige, og en Kapital paa omtr. 2670 Kr.). Byerne: *Øvre-Hillerslev*, ved Assens-Svendborgvejen, og *Nedre-Hillerslev*; *Sallinge*, ved Faaborg-Odensevejen, med Kro og Andelsmejeri; *Nybølle*, ved Assens-Svendborgvejen, med Fattiggaard (opr. 1877, Plads for 14 Lemmer), Friskole (Hjemly), Forsamlingshus (opf. 1890) og Andelsmejeri; *Højrup* med Fællesmejeri, Teglværk, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation. *Sallingelunde*, Gaarde, med Mølle. *Flintebakken*, Huse. Hovedgaarden *Gjelskov*, under Grevsk. Muckadell (se S. 683), har 67 Td. Hrtk., omtr. 596 Td. Ld., hvoraf 80 Eng og Mose, 116 Skov, Resten Ager; desuden $299^3/_8$ Td. Fæstegods, hvoraf $109^1/_2$ i Vantinge Sogn. *Nybøllegaard*: 22 Td. Hrtk., 217 Td. Ld., hvoraf 20 Eng og Mose, 25 Skov (deraf 20 i Espe Sogn), Resten Ager. Gaarden *Lykkens-*

*sæde*: $16^{7}/_{8}$ Td. Hrtk., 157 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, 5 Mose, 8 Skov, 6 Have, Byggepl. osv., Resten Ager (1 Hus). Desuden *Højrupgd.*, *Møllemosegd.* *Erikshaab*, den sidste tidligere en Papirfabrik (anlagt 1814, nedlagt 1858), nu Godsforvalterbolig.

Hillerslev S., en egen Sognekommune, hører under Muckadell Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 7. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Muckadell.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Langhusets vestl. Parti, er opført i romansk Tid af raa og kløvet Kamp med tilhugne Hjørner og Sokkel. To oprindl., rundbuede Vinduer og Norddøren (nu tilmuret) ere bevarede. I den seneste Middelalder blev Vestgavlen nedbrudt og Sidemurene forlængede, af Mursten; Vestenden afsluttedes med en lige, blindingssmykket Gavl. Vistnok samtidig blev Kirken overhvælvet. Taarnet, af Kamp og Munkesten og prydet med Kamgavle og Blindinger, blev tilføjet paa Reformationstiden. Vaabenhuset, med takket Gavl, er vist samtidigt. Endnu senere nedbrødes Koret, og Skibet forlængedes mod Ø., hvor det afsluttedes med en kamtakket Gavl. Flere krumhugne Sokkelsten fra det oprindl. Kors Apsis findes indmurede under Skibets østl. Del. 1874 ombyggedes store Partier af Taarnet og Skibet. Ny Altertavle fra 1894, malet af Baronesse Schaffalitzky de Muckadell (Bjærgprædikenen), i ny Ramme. Romansk Granitdøbefont med Relieffremstillinger af Christus, St. Peter og en Helgen, samt paa Foden Mennesker og Udyr i Kamp. Den rigt udskaarne Prædikestol har Aarst. 1639 og E Q — A K (ɔ: Erik Quitzow, Anne Krabbe). I Taarnets nederste Del er indrettet Begravelse for Ejerne af Grevsk. Muckadell, adskilt fra Skibet ved en smuk Dør af Smedejærn. Her hvile bl. a. 1) Birthe Kirstine Juel, f. Reedtz, † 1790; g. m. a) Konferensr. Erik Skeel, b) Gehejmer. Albr. Chrf. Schaffalitzky de M.; 2) Albr. Chrf. Schaffalitzky de M., † 1797; 3) Enkegrevinde Ludovica Augusta Juliane Schaffalitzky de M., f. Bülow, † 1868; 4) Grev Albr. Chrf. Schaffalitzky de M., † 1858; 5) Grevinde Susanne Birgitte Sophie Schaf. de M., f. Kaas, † 1796; 6) Kmhr. Erik Skeel Schaf. de M., † 1833; 7) Charlotte Amalie Schaf. de M., f. Reventlow, † 1843. Under Koret findes en Begravelse med 7 Kister, hvori bl. a. hvile Sophie Hedevig v. Finecke, † 1760, og hendes Mand Erik Skeel-Holsten, † 1772, samt Komtesse Christiane Sophie Schaf. de M., † 1783.

*Gjelskov* tilhørte ved Midten af 15. Aarh. Hr. Johan Rantzau, hvis Datter Sophie, Anders Flemmings til Møllerup, arvede Gaarden. Deres Datter Thale, som endnu levede 1547, besad derefter G. Hun var gift med Emmike Emmiksen og havde to Døtre Magdalene og Anne, der begge arvede G. De vare gifte henholdsvis med Albert Maltesen (Viffert) og Erik Kaas († 1556). Næste Ejer var sidstnævntes Søn Jørgen Kaas, † barnløs 1619. G. blev vistnok derefter købt af Fru Ellen Marsvin, som 1620 solgte den til Niels Gyldenstierne til Iversnæs; 1626 ejedes den af Fru Mette v. Ahlefeldt og derefter af Fru Anne Krabbe. Paa Skiftet efter hende forlenede hendes Stiffader Henrik Bille G. til hendes Ægtefælle Erik Quitzow, men da dennes Arvinger gik fra Arv og Gæld, blev den udlagt til Henrik Bille. Erik Quitzow havde alt 1636 mageskiftet en Halvpart i G. til Rønnow Bille. Henrik Billes Sønner Eiler, † 1649, og Mogens B. skrev sig til G., men sidstnævntes Enke Margrethe Lunge, der havde arvet G. efter en som Barn død Søn, ægtede Christen Skeel, som 1651 solgte Gaarden til Fru Kirstine Munk. Fra hende kom den til Kai Lykke, hvis Kreditor Peder Hansen i Hamburg 1663 fik G. udlagt for 12,213 Rd. Han solgte den 1665 til Kai Lykkes berygtede Foged Peter Børting, der atter 1667 afhændede G. til Justitsr. Adolph Hans Holsten, † 1694. Han og hans Enke Ide Rathlou, † 1700, ophjalp den stærkt medtagne Gaard, som derefter ejedes af Sønnen Major Wulf Siegfr. v. Holsten, † 1718, g. m. Ida Skeel, † 1749, og da deres Søn Konferensr. Erik Skeel Holsten, Landsdommer i Fyn, siden 1742 ogsaa havde ejet Arreskov, kom G. i Forbindelse med denne Gaard og hører siden 1784 under Grevskabet Muckadell (se S. 683). — Bygningen bestaar af to Fløje af Egebindingsværk i eet Stokv., til Dels med Kældere; den nordl., som nu er indrettet til Mejeri, er den oprindelige Hovedbygning og er vistnok fra 2. Halvdel af 16. Aarh.; den vestl. Fløj er delvis noget yngre; tidligere har der ogsaa været en østl. Fløj. I den vestl. Fløj fandtes indtil for en Snes Aar siden et Værelse med vævede Tapeter. Der er i Haven fundet Grunden til en rund Bygning, maaske et Taarn. Baade Borggaarden og Lade-

bygningerne, der ere fra Slutn. af 17. Aarh., have været omgivne af Grave (nu til Dels opfyldte).

*Nybøllegaard* ejedes af Laurids Brockenhuus til Egeskov, hvis Arvinger overlod den til hans ulykkelige Datter Rigborg B., † her 1641 (se S. 642). Hendes Sønnesønner Ludvig og Maximilian Rosenkrantz solgte den 1647 til Marsken Hr. Anders Bille, hvis Søn Erik Billes Enke Mette Rosenkrantz 1682 solgte N. til sin Svigerinde Fru Pernille Bille, Børge Trolles Enke, som 1684 afhændede den til sin Brodersøn Anders Bille. Denne solgte den 1686 til Peder Luxdorph, der 1699 atter solgte den til Forpagter paa Brahetrolleborg Peder Jørgensen Møller, som 1705 gav sin Søn Clemens Møller, Degn i Hillerslev († 1713), Skøde paa Gaarden; 1715 blev den købt til Arreskov; siden hørte den til Fjellebro, fra hvilken den 1797 solgtes til Hardenberg Reventlow til Stamhuset Krenkerup; senere har den ofte skiftet Ejere; den ejes nu af Henry Smidt.

*Lykkenssæde* hørte til Gjelskov indtil Slutn. af 17. Aarh.; 1794 købtes den tillige med Gaarden Bækkelund af Henning Schroll († 1833), som her oprettede et Høravlsinstitut, der bestod indtil Sønnen, Landstingsmand Gustav S.'s Død 1863, og som fik stor Betydning for Høravlens Fremme. Den ejes nu af Sønnen, Kaptajn Henning Schroll.

*Højrupgaard* tilhørte i Slutn. af 16. Aarh. Hartvig Kaas, Søn af Erik Kaas til Gjelskov.

Ved Gjelskov ligger *„Skansen"*, en omtr. 550 F. lang Højning, paa Midten 8 F. høj, der er skilt fra Salling Aa ved en Eng, i hvilken den løber ud i bastionformede Bredninger.

Fra en Høj ved Møllemosegaard hidrører et ret vigtigt Gravfund fra Vikingetiden, indeholdende forgyldte Broncebeslag til to Mankestole, nogle Halskobler til Køreheste, en Bronceskaal, en Træspand m. m.

Hillerslev Kirke blev før Reformationen betjent af Munke fra Holmekloster; der fandtes derfor endnu i Slutn. af 16. Aarh. ingen Præstegaard; 1626 (Reskr. af $^3/_{12}$ 1620) blev Sognet Anneks til Ø.-Hæsinge.

**Litt.**: Se under Ø.-Hæsinge Sogn. Se ogsaa *Rasmussen-Søkilde*, Trolleborgegnen, Odense 1894.

**Vester-Hæsinge Sogn** omgives af Annekset Sandholts-Lyndelse, S.-Broby, Jordløse, Haastrup og Ø.-Hæsinge Sogne. Kirken, mod N. Ø., ligger $1^1/_2$ Mil N. for Faaborg og $3^3/_4$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (i den sydl. Del Butbjærg, 372 F., 117 M.) ere sandede, og sandmuldede. Skoven Bommelund. Paa Nordvestgrænsen den omtr. 80 Td. Ld. store *Søbo Sø*. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Odense.

Fladeindholdet 1896: 2992 Td. Ld., hvoraf 1521 besaaede (deraf med Hvede 38, Rug 293, Byg 293, Havre 294, Boghvede 19, Bælgsæd 4, Frøavl 7, Blandsæd til Modenhed 233, Grøntf. 158, Kartofler 48, andre Rodfr. 134), Afgræsn. 429, Høslæt, Brak, Eng m. m. 554, Have 37, Skov 84, ubepl. 5, Moser 92, Kær og Fælleder 63, Hegn 33, Heder m. v. 35, Veje og Byggegr. 131, Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 252 Heste, 958 Stkr. Hornkv. (deraf 599 Køer), 654 Faar, 338 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 237 Td.; 30 Selvejergaarde med 114, 5 Arvefæstegd. med 15, 13 Fæstegd. med 73, 145 Huse med 33 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1029 (1801: 407, 1840: 784, 1860: 891, 1880: 1073), boede i 210 Gaarde og Huse; Erhverv: 52 levede af immat. Virksomhed, 497 af Jordbr., 7 af Gartneri, 258 af Industri, 64 af Handel, 124 af forsk. Daglejervirks., 9 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vester-Hæsinge*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Dobbeltskole, Forsamlingshus (opf. 1892), 2 Møller med Savværk, Andelsmejeri, Teglværk og Telefonstation; *Gammel-Stenderup* med Mølle; *Ny-Stenderup*. *Irente*, Vandmølle. Gaarden *Bommelund* (Fæste under Hvedholm).

V.-Hæsinge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 19. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Brahesminde.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Det ældste Parti, Langhusets vestre Del, er opført i den ældre Middelalder af raa Kamp. Norddøren (nu tilmuret) kan skimtes. Paa Reformationstiden er Langhuset blevet overhvælvet. Taarnet, fra den sent-gotiske Tid, med takkede og blindingssmykkede Gavle, er forneden opført af raa Kamp, foroven af Mursten. Underrummet har Spidsbue ind til Skibet. Over Langhusets Rygning var der tidligere et lille Spir med to Klokker, Ved en gennemgribende Restauration 1892—93 opførtes et nyt Vaabenhus mod N. (det tidligere laa mod S.). Nyt Alterbillede fra 1893 i gammel Stil af J. Skovgaard („Hyrden"). Romansk Granitdøbefont. Prædikestolen er ny. I Koret Ligsten over Præsten Jakob Christensen Nøragger, † 1778, og over Provst Niels Nyekirk, † 1765. I Vaabenhuset Ligsten over Hans Lund, Forvalter paa Søbo, † 1801, over hans Hustru Dorothea Margrethe Grooth, † 1816, og over Landstingshører Rasmus Rasmussen, † 1823.

**Sandholts-Lyndelse Sogn**, Anneks til V.-Hæsinge, omgives af dette, S.-Broby, Hillerslev og Ø.-Hæsinge Sogne. Kirken, mod Ø., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil N. N. Ø. for Faaborg og $3^1/_2$ Mil N. V. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere sandede, sandmuldede og lermuldede. Hovedskov, Bøgebjærg Skov. Paa Nord- og Nordøstgrænsen løber Odense Aa.

Fladeindholdet 1896: 1844 Td. Ld., hvoraf 900 besaaede (deraf med Hvede 14, Rug 167, Byg 177, Havre 181, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 167, Grøntf. 115, Kartofler 28, andre Rodfr. 42), Afgræsn. 226, Høslæt, Brak, Eng m. m. 420, Have 36, Skov 109, Moser 42, Kær og Fælleder 6, Hegn 15, Veje og Byggegr. 84, Vandareal m. m. 6 Td. Kreaturhold 1893: 195 Heste, 593 Stkr. Hornkv. (deraf 389 Køer), 280 Faar, 422 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 210 Td.; 11 Selvejergaarde med 135, 11 Arvefæstegd. med 56, 2 Fæstegd. med 11, 27 Huse med 8 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse, $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 368 (1801: 287, 1840: 384, 1860: 384, 1880: 377), boede i 61 Gaarde og Huse; Erhverv: 6 levede af immat. Virksomh., 283 af Jordbrug, 56 af Industri, 1 af Handel, 13 af forsk. Daglejervirks., og 9 af deres Midler.

I Sognet Byen: *Lyndelse* (1553: Lundlosze) med Kirke, Skole, Mølle, Andelsmejeri (Sinai). *Sandholts-Lyndelse Mark*, Gde. og Huse. Hovedgaarden *Sandholt*, under Stamhuset af s. Navn*), har $64^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. (1 Td. i N.-Broby S.) og $14^3/_4$ Td. Skovsk., omtr. 652 Td. Ld., hvoraf 115 Eng, Mose og Oredrev, 137 Skov, Resten Ager; desuden høre til Godset $46^3/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods (deraf omtr. 28 i V.-Hæsinge og S.-Broby Sogne) og 75 Td. Hrtk. Arvefæstegods ($18^1/_4$ i V.-Hæsinge S.).

Sandholts-Lyndelse S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 18. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Sandholt.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Taarnet, det vestl. Parti af Langhusets Nordside samt Indermuren i det tilsvarende Stykke mod S., er opf. kort efter Reformationen af store, røde Mursten i Munkeskifte. Taarnet, med takkede og blindingsprydede Gavle, er forneden overhvælvet og forbundet med Skibet ved en Spidsbue, oven over hvilken ses to ved en firkantet Pille adskilte Arkader, der maa have ført ind over Skibets oprindl. Bjælkeloft, men nu ere blindede. Norddøren er bevaret, nu tilmuret. Vaabenhuset er delvis samtidig med Taarnet og har en for faa Aar siden ombygget Gavl i Renæssancestil. Langskibets østl. Forlængelse er bygget af store, røde Mursten, efter Sigende 1576. Østgavlen har en Gavl i yngre Renæssancestil. I dennes øverste Del er indmuret en Sandstenstavle med Rudernes og Rosensparrernes Vaaben (Corfits Rud, Birgitte Rosensparre). Langhuset er overhvælvet. Paa Taarnets Sydside staar C T — B R (Corfits Trolle, Birgitte Rantzau) 1669, Minde om en Istandsættelse. Alterbilledet

*) Til *Stamhuset Sandholt*, der indbefatter Hovedgaarden Sandholt og Gaarden Sollerup, høre $186^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $99^1/_2$, indtaget til Skov 16, Bøndergods $38^1/_2$, Kirke og Kongetiende (Sandholts-Lyndelse) 32 $^1/_2$ Td.; i Bankaktier 5600, i Fideikommiskapitaler omtr. 543,600 Kr.

(Joh. 8, 1—12) er malet af Olrik 1868, i samtidig Ramme (om den tidligere Altertavle, der hænger i Kirken, se *Fr. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist. S. 176). Romansk, rigt ornamenteret Granitdøbefont. Døbefad fra 1611 med Oluf Rosensparres og Elisabeth Gyldenstiernes Navn og Vaaben, samt Corfits Ruds og Hustrus Navne. Rigt udskaaren Prædikestol fra 1575, med Rudernes, Bøllernes, Hardenbergernes og Lykkernes Vaabener. I Koret staa to smukt udskaarne Stole fra 1570—80. Paa de øverste Stolestader findes Erik Ruds og Anne Hardenbergs Navne og Vaaben samt Aarst. 1576. I Skibet et tarveligt Krucifiks fra Renæssancetiden og en samtidig Pengeblok. Under Koret Begravelseskapel for Ejerne af Sandholt.

*Sandholt* tilhørte 1418—31 Henneke Hvitkop og 1434—41 hans Broder Timme H., men havde vist alt tilhørt deres Fader Hvitte Ivan. De hørte til en Linie af Familien Krummedige. Timmes Søn Hr. Johan H. nævnes til S. fra 1453 til 1493, og af ham købte den bekendte Rigshofmester Poul Laxmand S. „med stort Bedrag". Efter Inddragelsen af hans Godser solgte Kong Hans S. til Rigsraad Torbern Bille til Søholm, gift med Kongens Elskerinde Edele Jærnskjæg. Datteren Edel Bille bragte S. til sin Mand Jakob Hardenberg, efter hvem den tilfaldt Datteren Anne, g. m. Rigs-

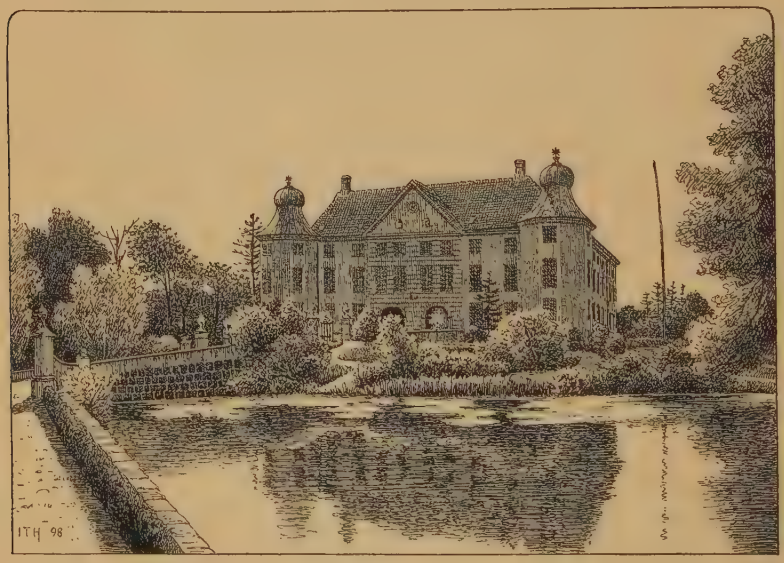

Sandholt.

raad Erik Rud til Fuglsang, † 1577. Efter ham fulgte Sønnen Knud Rud, i hvis Tid S. afbrændte, hvorefter han opførte den nuv. Hovedbygning. Han var gift med Fru Ellen Marsvin, der efter langvarige Processer maatte afstaa S. til sin afdøde Mands Broder Corfits Rud og desuden ifl. Herredagsdom betale 2000 Rd., fordi hun havde ladet nedtage Kobberspirene og de 50 Fløje paa Gaarden, hvilket ansaas for en Fornærmelse mod Familien. Efter Corfits Ruds Død 1630 besad hans Enke Birgitte Rosensparre S. til sin Død 1645. Deres Svigersønner Christen Skeel til Vallø, Niels Krabbe til Skjellinge og Niels Trolle til Trolholm delte derefter S., men førstnævnte solgte 1652 sin Part til Niels Trolle, der vistnok blev Gaardens Eneejer. Hans Søn Gehejmer. Corfits Trolle pantsatte S. til forskellige, særlig til Kancellir. Conr. Hesse († 1705) og Baronesse Fuiren. Førstnævnte, bekendt for sine mange Udenlandsrejser og sin urolige Karakter, maatte 1699 sælge S. til den dav. Forpagter Oberst Jakob de Bruin († 1722), der kun ejede 2000 Rd., men nød god Kredit. Alligevel voksede Gælden ham over Hovedet; ved Højesteretsdom af 1718 blev S. tilkendt Kbh.'s Universitet; Arv og Gæld blev fragaaet efter ham, og en af hans Kavtionister Brostrup Albertin skødede 1723 S. (492 Td. Hrtk.) til Etatsr. Hans Nobel, † 1732, der $^{8}/_{2}$ 1726 af S. oprettede et Stamhus; han efterfulgtes af sin Søn Hans

N. († 1752) og Sonneson Hans N., † ugift 1756, samt den sidstes Søster Marthe, g. m. Kancellir. Nørager. Stamhuset arvedes af deres Søn Justitsr. Hans Nobel-Nørager, efter hvis barnløse Død 1789 det gik over til Broderen Oberstlieutn. C. N. Nobel-Nørager; efter ham fulgte Sønnen Kmhr. Hans N.-N., † 1866, hvis Datter, † 1844, g. m. Jægerm. J. M. Sperling, er Moder til den nuv. Besidderinde, Frk. N. M. Sperling.

Hovedbygningen, der i sine ældste Partier er opf. af Knud Rud i 2. Halvdel af 16. Aarh., og som har været omgivet af nu opfyldte Grave og Volde (delvis bevarede mod Ø.), bestaar af 4 skævt sammenstødende Fløje, af røde Munkesten i Blokskifte; den nordl. og østl. Fløj, under hvilken sidste der er hvælvede Kældere, have 3, de andre Fløje 2 Stokv. For hvert af Gaardens udvendige Hjørner stod oprindl. et ottekantet, med Kobberspir dækket Taarn, nu er der kun to (spaantækkede) paa den østl. Fløj; de to andre ligesom et Trappehus i Gaardens sydøstl. Hjørne bleve nedbrudte i Slutn. af 18. Aarh. (Kobberet paa Spirene var som sagt alt aftaget af Ellen Marsvin). Paa Østfløjens Forside er der et svagt fremspringende, med Frontespice afsluttet Midtparti, hvorigennem en Dobbeltport fører. En Tavle paa denne Fløj siger, at den er repareret og mest nyopbygget 1788; paa to smaa Stentavler, der ligge i det sydøstl. Taarn, staar paa den ene: „Ved Reparationen 1788 fandtes et Reparationstal og Vaaben af Corfits Rud og Birgitte Rosensparre og Aaret 1634“; paa den anden: „Ved Justitsr. Nøragers Død 1789 manglede n. og v. Fløj, som 1791 blev opbygget af C. N. Nobel-Nørager og Frue“. Ved en Grav, hvorover der fører en anselig Stenbro, er Borggaarden skilt fra Ladegaardspladsen; af Bindingsværksladerne er den østl. opf. 1770, den sydl. 1803.

Tæt S. Ø. for Sandholt ses Rester af et Voldsted, *Løvborg*, som paa de tre Sider har været begrænset af Sø, paa den fjerde af en nu tørlagt Grav; der er paa Borgbanken opgravet røde Munkesten.

I 16. Aarh. var Sandholts-Lyndelse Hovedsognet.

**Jordløse Sogn** omgives af Svanninge Sogn, Annekset Haastrup, V.-Hæsinge og S.-Broby Sogne, Odense Amt (Baag Hrd.) og Helnæs Bugt. Kirken, noget vestl., ligger $1^3/_4$ Mil N. N. V. for Faaborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere sandede og sandmuldede. En Del Skov (Hestehave, Bredholt, Fællessk., Billeslund, Havresk., Smuttehaver, Tjærehaver). Paa Østgrænsen ligger Søbo Sø (se S. 688); Sydvestgrænsen dannes af *Hattebæk*. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Faaborg til Assens.

Fladeindholdet 1896: 4130 Td. Ld., hvoraf 1890 besaaede (deraf med Hvede 35, Rug 376, Byg 328, Havre 414, Boghvede 16, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenh. 306, Grøntf. 100, Kartofler 47, Sukkerroer 142, andre Rodfr. 112), medens der henlaa til Afgræsn. 488, Høslæt, Brak, Eng m. m. 732, Have 46, Skov 545, Moser 74, Kær og Fælleder 121, Hegn 29, Heder m. m. 42, Flyvesand 12, Veje og Byggegr. 105, Vandarealm. m. 45 Td. Kreaturhold 1893: 263 Heste, 1130 Stkr. Hornkv. (deraf 752 Køer), 701 Faar, 441 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 314 Td.; 41 Selvejergaarde med 247, 6 Fæstegd. med 31, 140 Huse med 36 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 992 (1801: 496, 1840: 733, 1860: 903, 1880: 991), boede i 193 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 ievede af immat. Virksomh., 670 af Jordbrug, 3 af Fiskeri, 165 af Industri, 30 af Handel, 51 af forsk. Daglejervirks., 41 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv. Trævarefabrikation.

I Sognet Byerne: *Jordløse* (1348: Jordlosæ), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. 1759 af Susanne Brahe til Østrupgd., Enke efter Etatsr. Fr. Hein til Steensgd., med et Hus til 4 fattige og 1000 Rd.), Forsamlingshus (opf. 1896), Mølle, Andelsmejeri og Telefonstation; *Trunderup* med Skole og Andelsmejeri (Alexandra). Hovedgaarden *Damsbo*, under Grevsk. Brahesminde (se S. 697), har $47^5/_8$ Td. Hrtk., omtr. 511 Td. Ld., alt Ager. Hovedgaarden *Søbo* har 21 Td. A. og E. Hrtk. og 8 Td. Skovsk., 372 Td. Ld. (en ringe Del i V.-Hæsinge S.), hvoraf 70 Skov, 42 Sø (Søbo Sø), Resten Ager og Eng; desuden 1 Td. Hrtk. Fæstegods. Gaarden *Dorthealund* har omtr. $13^1/_2$ Td. Hrtk. *Bøgelyst*, Skovfogedbolig. *Hattebæks Vandmølle*.

Jordløse S., een Sognekommune med Annekset, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 21. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Brahesminde.

*Kirken*, fordum indviet til St. Jost (i en Præsteberetn. fra 1623 omtales en Kalk og en Disk med Indskrift: „Calix sancti Jodici in Jordløs 1515. Denne kalck er kiøbt fraa S. Jost vdi Jordløsse, oc hør nu thill Siøboe anno dni MDXXXVI[a]), bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Korsfløj (tidligere med Alter for St. Jost, derpaa indtil 1841 Gravkapel for Damsbos Ejere) mod N. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af raa Kamp med tilhuggen, profileret Sokkel; flere rundbuede Vinduer ses. Kirken er i den senere Middelalder bleven overhvælvet, ligesom Taarnet, hvis hvælvede Underrum nu tjener som Vaabenhus, og Kapellet ere tilføjede, begge af Kamp, dog er det øverste af Taarnet af Mursten. Alle Gavlene have Kamtakker og Blindinger. Kirken undergaar for Tiden (1899) en Hovedrestauration, hvorved bl. a.

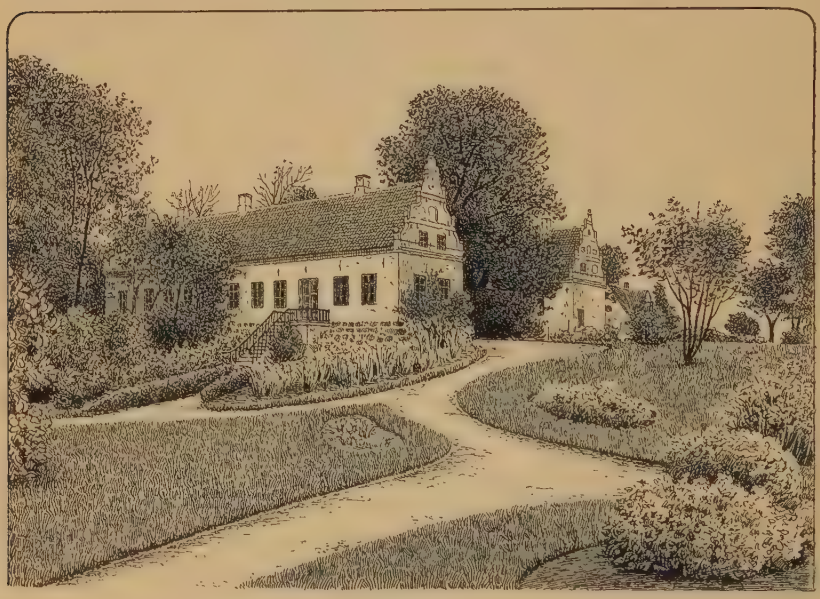

Damsbo.

Taarnet er nyopført. Udskaaren Altertavle fra den katolske Tid (Indfatningen er nyere), med Fremstilling af Maria som Himmeldronning i Midtfeltet og Apostlene i Sidefelterne. Tarvelig Prædikestol. Sandstensdøbefont. I Korets Nordvæg Ligsten over Anders Jacobsen Reventlow til Søbo, falden ved Assens 1535, og Hustru Sidsel Lange, † 1553 (Stenen er opsat 1597); i Koret ligeledes en Sten over flere af Familien Reventlow, der ligge begravede under Koret. I Vaabenhuset en Ligsten med Portrætfigurer over Henrik Holck til Rønhave paa Als, † 1579, og Hustru Magdalene Reventlow, samt deres Søn Erik Holck; smstds. to andre Ligsten, den ene med Evangelistsymboler, den anden, med Vaaben. I Skibet Mindetavle over nogle i de slesvigske Krige faldne. — Paa Kirkegaarden Monument for Grev G. Chr. Raben, † 1875 (Granitsten med Portrætrelief).

*Damsbo* blev 1550 oprettet af 3 Bøndergaarde, Store- og Lille D. og Fuglsang, af Jakob Brockenhuus († 1577), som ved Giftermaal med Susanne Bølle tillige blev Ejer af Nakkebolle, og deres Søn Eiler B., hvis Fader og Farfader alt havde samlet Gods i Jordløse og Haarby Sogne, besad D. til sin Død 1602, hvorefter hans Enke Anne Bille maatte afstaa den til en af hans Kreditorer Hans Pogwisch, der selv blev

ruineret; 1624 solgtes D. af Henning Walkendorff og Jakob Ulfeld til Rigsmarsk Anders Bille, † 1657. Paa Skiftet tilfaldt D. Sønnen Henrik, † 1658, hvorefter hans Moder Sophie Rosenkrantz 1660 solgte D. til Niels Krabbe til Skjellinge, men Handelen gik tilbage. Datteren Sophie Bille bragte Gaarden til sin Mand Mogens Rosenkrantz, hvis Søn Kapt. Chr. Corfits R. 1717 testamenterede Gaard og Gods til sin Broder Axel R., der 1724 solgte D. (383 Td. Hrtk.) til Etatsr. Hans Nobel for 32,000 Rd.; 1730 solgte denne Gaard og Gods (403 Td. Hrtk.) til Købmand i Faaborg Henrik Larsen Lund for 23,500 Rd. og en Diskretion paa 100 Dukater og 200 Kr. til Fru Nobel. Lund skødede 1731 Gaard og Gods til sin Søn Kancellir. Søren L., efter hvis Død 1755 D. blev solgt ved Auktion til Etatsraadinde Hein til Steensgaard og af hende og hendes Broder Oberstlieutn. Preben Brahe lagt ind under Stamhuset Hvedholm, nu Grevskabet Brahesminde (se S. 700). — Hovedbygningen, der er ombygget af Anders Bille 1648—56 (paa den vestl. Fløjs Kvist staar: H A B S R K 1656, ɔ: Hr. A. Bille og Sophie Rosenkrantz), bestaar af 2 Fløje af Mursten (overhvidtet) i eet Stokv. med Renæssancegavle og er omgiven af Grave.

*Søbo* tilhørte i Slutn. af 15. Aarh. den rige Jørgen Urne, † 1480, og derefter hans Datter Margrethe, der bragte den til sin Mand Knud Reventlow, hvis Familie derefter ejede den (Jakob Knudsen 1490, Anders Jakobsen, † 1535, Jakob Reventlow, † 1564, disses Søstre Anne, † 1587, Magdalene, Henrik Holcks, og Margrethe, Erik Krabbes, † 1606). Senere tilhørte den Gabriel Laxmand, som 1642 solgte den til Rigsmarsk Anders Bille, hvis Datter Karen fik den ved Skiftet 1656 og bragte den til sin Mand Steen Bille til Tirsbæk. Deres Datter Sophie bragte den til sin Mand Anders Rosenkrantz, der solgte den 1723 til Joh. Eskild de Falsen for 19,000 Rd. Efter hans Død 1758 tilfaldt den hans Datter Marie Margrethe, g. m. Etatsr. Carl Leopold Scherewiin, † 1779, der indførte store Forbedringer paa Godset og samlede et stort Bibliotek der. Enken ægtede 1781 Hofpræst Joh. Andr. Cramer, der opholdt sig meget paa S. i sine sidste Aar († 1788). Efter Enkens Død 1795 solgte Arvingerne S. med underliggende Bøndergods (i alt 247 Td. A. og E. Hrtk. og 10 Td. Skovsk.) for 88,100 Rd. til Postmester Brandt af Middelfart og Hr. Eilertsen af Svendborg, hvilke 1811 solgte den til N. H. Haugsted, som 1829 afhændede den for 36,000 Rd. til Stannius fra Augustenborg; han solgte den 1855 for 80,000 Rd. til S. Paulsen, der 1861 solgte den for samme Sum til Chr. v. Barner til Eskildstrup, der foretog store Forbedringer, saasom Dræning, Vejanlæg osv. Han solgte den 1872 for 110,000 Rd. til Lensgreve G. Chr. Raben til Aalholm, som boede og døde der. Hans Dødsbo solgte den 1875 for 220,000 Kr. til den nuv. Ejer, L. Petersen. — Hovedbygningen, beliggende umiddelbart ved Søen, skal være opf. i 16. Aarh. (paa Ladegaardsporten har staaet, at Margrethe Reventlow, Erik Krabbes, havde opf. Ladegaarden 1593); men den er i alt Fald bleven ombygget 1648—56 af Anders Bille. Den har bestaaet af 3 sammenbyggede Fløje af røde Munkesten i eet Stokv. med høj, gennemløbende Kvist og spidse Gavle samt med tyk Kampestensmur i den høje Kælder; den fjerde Side lukkedes af en Mur med Skydeskaar, og Borggaarden var omgiven af Grave, der nu ere opfyldte. Den ene Sidefløj er nedreven, medens Resten staar. Peder Skram skal have opholdt sig fra sit 9. til 16. Aar paa S.

Ved Jordløse er der fredlyst en Runddysse, i Fuglehaven to Gravhøje samt en af en Jordhøjning omgiven Stenkiste.

**Litt.**: Se Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd., S. 698 flg.

**Haastrup Sogn**, Anneks til Jordløse Sogn, omgives af dette, V.-Hæsinge, Ø.-Hæsinge og Svanninge Sogne. Kirken, noget vestl., ligger $1^1/_4$ Mil N. V. for Faaborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Trebjærg, 407 F., 128 M.) ere ler- og især sandmuldede. En Del Skov (Bønderhaver, Haastrup Skovhaver, Stubbedam, Malsdam). Paa Vestgrænsen løber Hattebæk.

Fladeindholdet 1896: 3027 Td. Ld., hvoraf 1435 besaaede (deraf med Hvede 58, Rug 252, Byg 272, Havre 288, Boghvede 13, Bælgsæd 6, Blandsæd til Modenh. 227, Grøntf. 103, Kartofler 40, Sukkerroer 6, andre Rodfr. 170), Afgræsn. 463, Høslæt, Brak, Eng m. m. 535, Have 32, Skov 370, Moser 69, Kær og Fælleder 10, Hegn 40, Veje og Byggegrunde 67, Vandareal 4 Td. Kreaturhold 1893: 237 Heste, 920 Stkr. Hornkv. (deraf 614 Køer), 519 Faar, 423 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 236 Td.; 31 Selvejergaarde med 178, 1 Arvefæstegd. med 2, 6 Fæstegd. med 36, 70 Huse med 20 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse, $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 652 (1801: 400, 1840: 563,

1860: 669, 1880: 660), boede i 114 Gaarde og Huse; Erhverv: 11 levede af immat. Virksomh., 427 af Jordbrug, 135 af Industri, 7 af Handel, 4 af Skibsfart, 39 af forsk. Daglejervirks., 28 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byen *Haastrup* (1400: Hastorp, 1490: Hostruppe, 1553: Horstruppe) med Kirke, Skole, Friskole og et med den i Forbindelse staaende Forsamlingshus (opf. 1874), Hospital (opr. 1785 af Oberstlieutn. Preben Brahe til Hvedholm, med et Hus til 4 fattige) og Andelsmejeri. Hovedgaarden *Østrupgaard*, under Grevsk. Brahesminde (se S. 697), har $46^1/_2$ Td. Hrtk., 454 Td. Ld., alt Ager (i Haastrup og Svanninge S.). *Trente Vandmølle.*

Haastrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 20. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Brahesminde.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. af raa Kamp paa en Kampestenssokkel. I den senere Middelalder er Kirken bleven overhvælvet, endnu senere ere vel Taarnet, halvt af utilhuggen Kamp, halvt af Mursten (Skibets kamtakkede Vestgavl ses endnu), og Vaabenhuset, af Mursten, tilføjede. Det sidste har gibset, lidt buet Loft ligesom Taarnrummet, der er Gravkapel. Tarvelig Altertavle med et Maleri, signeret P. V. 1850, Kopi af Eckersbergs Billede i Frue Kirke i Svendborg. Tarvelig Prædikestol fra 18. Aarh., skænket af Etatsraadinde Hein; Døbefont af støbt, bronceret Jærn. Middelalderlige Malmstager med 3 siddende Løver som Ben; Kalk fra 1697. I Gravkapellet staa to Sandstenskister, hvori hvile Etatsr. Fr. Hein til Steensgaard og hans Hustru Susanne Brahe til Østrupgd.; smstds. er indmuret i Væggen to Ligsten, den ene over Ode og Edel, † 1470, Døtre af Palne Marsk (Munk), den anden over Karen Brahe til Østrupgd., † 1736, og hendes Søster Birgitte Brahe, † 1745 (de have tidligere ligget i Skibsgulvet). En sen-middelalderlig Dør med Indskr. i Jærnbogstaver opbevares nu i Nationalmuseet. — Paa Kirkegaarden en Ligsten over Karen Ipsdatter, † 1640.

*Østrupgaard* tilhørte 1425 Palne Jensen Munk, kaldet Palne Marsk, derefter Sønnen Hr. Ludvig Marsk, der endnu levede 1499; 1505 sluttede dennes Enke Fru Anne Lagesdatter et Forlig med Hr. Johan Bjørnsen, † 1534, Hr. Ludvigs Søstersøn og Arving, angaaende Ø. Hans Datter Maren, Iver Lunges, arvede Ø. Iver Lunge opførte 1572 en ny Hovedbygning. Deres Datter Gjertrud bragte Gaarden til sin Ægtefælle Eiler Bryske; begge døde samme Dag 1614, hvorefter Ø. tilfaldt Børnene af deres Datter Maren Bryske, † 1610, og hendes Ægtefælle Jakob Høeg, † 1610, hvilke 1632 solgte Gaard og Gods til Jørgen Steensen Brahe, † 1661. Fra hans Søn Preben B. gik Ø. i Arv til dennes to Døtre Karen og Birgitte, af hvilke den førstnævnte 1735 udkøbte Søsteren og i øvrigt har gjort sig bekendt som Stifterinde af Odense adelige Jomfrukloster og Biblioteket dersteds. Efter hendes Død 1736 arvede hendes Broderbørn Ø., som de 1738 udlagde til deres Svoger Fr. Hein, g. m. Susanne Brahe, † 1760. Han bestemte i sit Testamente 1757, at Ø. efter hans Frues Død skulde indgaa under Stamhuset Hvedholm (se S. 700) — Hovedbygningens Midtparti er en gammel grundmuret Taarnbygning, hvortil er tilføjet Bindingsværksbygninger.

Et Medlem af Slægten Bille, Peder B., skrev sig ved Aar 1600 til *Haastrup*.

Haastrup blev Anneks til Jordløse ved Klemmebrev af 1555. Se under Jordløse S.

**Svanninge Sogn** omgives af Jordløse, Haastrup, Ø.-Hæsinge, Brahetrolleborg og Diernisse Sogne, Faaborg Købstads Markjorder, Faaborg Fjord, Horne Sogn og Helnæs Bugt. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil N. for Faaborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Lerbjærg, med trigon. Station, 400 F., 126 M., Sebjærg, 225 F., 71 M.), der falde noget af mod V. til Kysten, ere sandede, sandmuldede og lermuldede. En Del Skov (Dured, Hanneslund, Mostesk., Enemærke, Svanninge Bjærge). Til Sognet høre 3 Øer i Helnæs Bugt: *Ilumø*, 156 Td. Ld., *Vigø*, 29 Td. Ld., og *Horsehoved*, 4 Td. Ld. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Faaborg til Assens, fra Faaborg til Odense og fra Bøjden til Nyborg.

Fladeindhold 1896: 6397 Td. Ld., hvoraf 2819 besaaede (deraf med Hvede 48, Rug 552, Byg 597, Havre 621, Boghvede 20, Bælgsæd 4, Frøavl 10, Blandsæd til Modenh.

476, Grontfoder 175, Kartofler 67, Sukkerroer 72, andre Rodfrugter 162, andre Handelspl. 15), Afgræsn. 912, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1345, Have 69, Skov 725, ubepl. 40, Moser 72, Kær og Fælleder 190, Hegn 16, Heder 6, Klit 9, Veje og Byggegr. 190 Td. Kreaturhold 1893: 524 Heste, 1777 Stkr. Hornkv. (deraf 1201 Køer), 1158 Faar og 1067 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 525 Td.; 63 Selvejergaarde med 335, 3 Arvefæstegd. med 16, 21 Fæstegd. med 108, 255 Huse med 46 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1796 (1801: 1004, 1840: 1477, 1860: 1459, 1880: 1661), boede i 315 Gaarde og Huse; Erhverv: 67 levede af immat. Virksomh., 1006 af Jordbr., 9 af Gartneri, 24 af Fiskeri, 383 af Industri, 46 af Handel, 80 af Skibsfart, 100 af forsk. Daglejervirks., 59 af deres Midler, og 22 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Svanninge* (1250: Svanæwich, 1313: Swanvik, 1490: Suaninge) med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. 1728 af Karen Brahe til Østrupgd., med et Hus til 5 fattige, udvidet 1758 af Susanne Brahe, Enke efter Etatsr. Fr. Hein, til 9 Lemmer; dets saml. Kapital er omtr. 7500 Kr.), Grubbe Vand- og Vejrmølle og Statstelefon; *Svanninge Mark* (hvortil hører *Savsted Huse*) med Biskole; *Svanninge Nørremark*, Gde. og Huse. *Østerby* med Andelsmejeri (Egedal); *Millinge*, ved Faaborg-Assensvejen, med Skole; *Falsled*, ved samme Vej, med Skole, Kro, Mølle, Andelsmejeri, Baadehavn og Telefonstation. Hovedgaarden *Steensgaard*, under Grevsk. Brahesminde (se S. 697), har $48^5/_8$ Td. Hrtk., 483 Td. Ld., hvoraf 21 Eng (paa Faaborg Købstads Markjorder), Resten Ager.

Svanninge S., en egen Sognekommune, delt i søndre og nordre Distrikt, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 22. og 23. Lægd (søndre og nordre Distr.). Kirken tilhører Grevsk. Brahesminde.

*Kirken* (gul og rød overkalket), fordum indviet til St. Nikolai, bestaar af Skib og Kor ud i eet med lige Gavl, Taarn mod V. og to Korsfløje mod N. og S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. i den tidligere Middelalder af Kamp; i den senere Middelalder er Kirken til Dels bleven ombygget af Mursten, ligesom den er bleven overhvælvet (4 otteribbede Krydshvælvinger, hvoraf den østl. er Koret), og Taarnet og den nordl. Korsfløj ere tilføjede. Ved en større Restauration 1837 blev bl. a. Taarnet ombygget (paa Vestmuren staar P B B 1837, ɔ: Preben Bille-Brahe); det har nu 4 kamtakkede Gavle med et spaandækket Spir; det overhvælvede Taarnrum tjener som Vaabenhus; ligeledes blev den sydlige Korsfløj nyopført. Gotisk udskaaren og malet Altertavle fra 17. Aarh. med Korsfæstelsen i Midten (restaureret) og de 4 Evangelister og de 4 store Profeter paa Sidefløjene, malede 1837. Prædikestol og Døbefont, af Egetræ, ere nye. Over Indgangsdøren fra Vaabenhuset findes Orgelet, fra 1848. I Korvæggen er indsat en Ligsten over Anders Emmiksen til Steensgd., † 1566, og Hustru Agnete Reventlow, † 1568. I Vaabenhuset er fra 1837 anbragt et Broncerelief af Thorvaldsen, forestillende Sognepræsten Hans Madsen, der i Grevens Fejde bringer Joh. Rantzau Underretning om Fjendens Planer (se *N. Faber* og *J. F. Leth*, Taler ved Indvielsen af S. Kirke $^{17}/_{12}$ 1837, Odense 1838). Over Vaabenhusets Døre farvede Ruder.

*Steensgaard* tilhørte oprindl. Hartvig Steen, efter hvem den formodentlig har Navn. Fra ham kom den til Slægten Bjørn ved Pant og ejedes 1310 af Oluf Bjørnsen, derefter af Sønnen Bjørn Olufsen 1343, Hr. Oluf Bjørnsen, † 1381, Hr. Bjørn Olsen, der 1412 tilpantede sig en Claus Krummedige tilhørende Andel i Gaarden; en anden Del tilhørte vistnok Albert Andersen (Eberstein), der 1391 pantsatte S. og Millinge til Hr. Henning Podebusk for sin Hustru Elsebet Podebusks Brudeskat. Bjørn Olsens Søn Hr. Johan Bjørnsen tilskiftede 1449 sine Broderbørn Anders og Jep Jokimsen og deres Søster Sofie, der siden fik Hr. Tilluf Reventlow til Gram, den ene Halvdel af S. og alt Hartvig Steens Gods. Anders Jokimsens Datter Anne ægtede Otte Emmiksen, der 1493 udkøbte Hr. Tilluf Reventlows Søn Joakim af S., som da havde et Tilliggende af 11 Bøndergaarde og var beboet af to Bønder. Hans Søn Anders Emmiksen, († 1566), som $^9/_7$ 1534 deltog i Hyldingen af Hertug Christian i Hjallese, lagde meget Gods til S. Han efterfulgtes af sin Søn Otto Emmiksen, kaldet den onde, der blev myrdet paa S. af sine egne Folk 1594; derefter dennes Søster Mette Emmiksen

(† 1612), Enke efter Jørgen Tidemand, hendes Døtre Ingeborg, g. m. Erik Kaas, og Anna, g. m. Christen Maltesen Viffert, Jakob Rosenkrantz 1614, Melchior Ulfstand, dennes Svoger Stygge Høeg, der 1625 skødede S. til sin Datter Fru Sidsel Høeg til Fjellebro, hvis Arvinger 1648 solgte Gaarden til Wentzel Rothkirck, † 1655. Paa Skiftet efter denne 1657 blev S. med 24 Gaarde, 2 Møller og 8 Huse udlagt til Sønnen Chr. R., hvis Enke Sophie Schult 1689, efter at Bøndergodset var reduceret til 8 Gaarde og 7 Huse, solgte S. til Amtsforvalter i Ribe Jens Christensen, der atter forøgede Gaardens Tilliggende, men ved sin Død 1708 efterlod sig saa mange Skatterestancer, at Gaard og Gods forelobig tilfaldt Kronen. Hans Søn, senere Etatsr. Fr. Hein tilbagekøbte Gaarden ved Auktion 1712 og var en udmærket Administrator, der alt 1740 forsøgte en Udskiftning. Han døde 1751 efter i sit Testamente at have bestemt, at S. skulde indgaa under Stamhuset Hvedholm, nu Grevskabet Brahesminde (se S. 700). — Hovedbygningen, omgiven af Grave, er meget gammel (udvidet

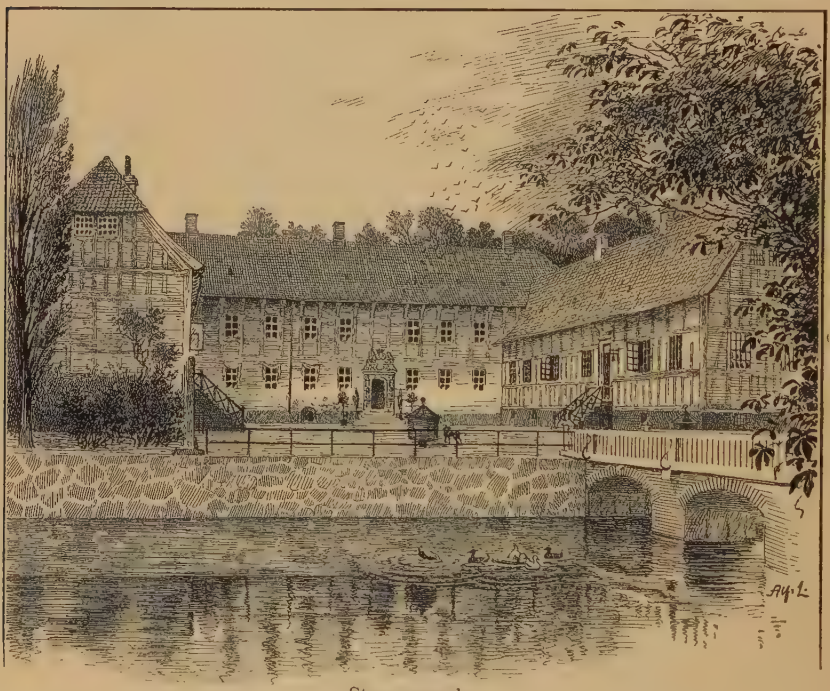

Steensgaard.

af Anders Emmiksen, restaur. 1752) og bestaar af 3 Fløje af Bindingsværk, hvoraf de to er i 2, den tredje i 1 Stokv.

I Østerby laa fordum en adelig Sædegaard *Bondemosegaard*, som 1483 tilhørte Eggert Krumstrup. Den blev afbrændt i Grevens Fejde, men Navnet er bevaret i en paa Tomten opført Bondegaard. Der findes Spor af Grave og Murbrokker.

I *Millinge* har ligget en Adelsgaard, der sidst i 16. Aarh. tilhørte Jmfr. Magdalene Emmiksdatter; senere var den beboet af to Bønder og kaldtes da „Jomfrugaarden".

Ved Grubbe Mølle ligger paa lavt Terræn Voldstedet *Grubbesholm*, en 130—140 F. bred, rund Højning, omgiven af en Grav og en Vold.

I Hanneslund og Enemærke, ligge 3 fredlyste Gravhøje, ved Svanninge en fredlyst Høj „Skjerningehøj", omsluttende en ret vel bevaret Jættestue (Kamret $11^1/_2$ F. langt, $7^1/_2$ F. bredt og 5 F. højt). Paa Ilumø ligger et fredlyst Dyssekammer.

Paa en Mark ved Svanninge findes en hellig Kilde, *St. Olufs Kilde*.

I Svanninge er den første danske kgl. Historiograf Hans Svanning født 1503.

**Horne Sogn** bestaar af den meget uregelmæssigt formede Halvø *Horne-*

*land*, der skyder sig ud i Lille Bælt mellem Helnæs Bugt og Faaborg Fjord; mod Ø. begrænses Sognet af Svanninge Sogn. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $^3/_4$ Mil V. N. V. for Faaborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Tostebjærg, 197 F., 62 M., se S. 654) ere til Dels lerede og muldede, dog noget lette og paa *Hornenæs* eller *Sønderhjørne*, den sydvestl. Del, noget magre; flere Steder er der bratte Skrænter, saaledes ud mod Lille Bælt og mod S. ved Sydspidsen „Knolden", ved Lyøkrog, det Farvand, der skiller Halvøen fra Lyø. En Del Skov paa Sydkysten (Dyreborg Sk., Sinebjærg Sk., Dureds Vænge, Hornenæs Sk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Bøjden til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 6929 Td. Ld., hvoraf 3457 Td. besaaede (deraf med Hvede 125, Rug 597, Byg 823, Havre 831, Bælgsæd 27, Blandsæd til Modenh. 515, Grøntf. 210, Kartofler 82, Sukkerroer 31, andre Rodfr. 206, andre Handelspl. 9), Afgræsn. 1150, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1413, Have 167, Skov 248, ubepl. 13, Moser 93, Kær og Fælleder 39, Hegn 80, Stenmarker m. v. 29, Veje og Byggegr. 231, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 694 Heste, 2220 Stkr. Hornkvæg (deraf 1532 Køer), 1925 Faar, 1796 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 766 Td.; 81 Selvejergaarde med 506, 32 Fæstegd. med 194, 311 Huse med 66 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse, c. $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2577 (1801: 1364, 1840: 2100, 1860: 2274, 1880: 2664), boede i 414 Gaarde og Huse; Erhverv: 61 levede af immat. Virksomh., 1371 af Jordbrug, 316 af Fiskeri, 515 af Industri, 41 af Handel, 70 af Skibsfart, 104 af forsk. Daglejervirks., 72 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv. Fiskeriet har stor Betydning.

I Sognet Byerne: *Horne* (delt i Kirkeballe, Vesterballe og Nørreballe), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole (2 Lærere og 1 Lærerinde), Hospital (opr. af Rigsraad Jørgen Brahe til Hvedholm, † 1661, med et Hus ved Kirken til 5, nu 6 fattige — 2 Mænd og 4 Kvinder —, først fra Horne, dernæst fra Svanninge Sogne og saa andre Steder fra; til Hospitalet lagde han 7 Gaarde i Sognet med al deres Landgilde, som leveres dem fra Hvedholm; Hospitalet ejer omtr. 3000 Kr.), Missionshus (opf. 1886), to Møller, Andelsmejeri (Grøndal) og Statstelefonstation; *Bjerne* med Skole, Mølle og Statstelefonstation; *Bøjden* med Skole, Bedehus (opf. 1888), Andelsmejeri, Ladeplads, Toldassistentbolig og Statstelefonstation. Fiskerlejet *Dyreborg* med Bedehus (opf. 1897). Hovedgaarden *Hvedholm*, Hovedsædet i Grevsk. Brahesminde*), har 74$^1/_2$ Td. Hrtk., 674$^1/_2$ Td. Ld. (i Horne og Svanninge S.), hvoraf 44 Eng, 19 Skov, 42 Gaardspl., Park m. m., Resten Ager. *Horne Møllegaard*, under samme Grevsk. (bestaaende af nedlagte Bøndergaarde, indtagne til fri Raadighed i Henh. til Lov af 1861), har 21$^5/_8$ Td. Hrtk., 159 Td. Ld., alt Ager.

Horne Sogn, en egen Sognekommune, der er delt i to Sognefogeddistrikter, nordre og søndre, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 24. (nordre) og 25. Lægd (søndre Distr.). Kirken tilhører Grevsk. Brahesminde.

*Kirken*, en af Danmarks syv bevarede Rundkirker, bestaar af en med et Spidstag dækket Rotunde, der danner Midtpartiet, fra hvilken udgaa anselige Tilbygninger mod Ø., nemlig Skib og Kor, og mod V., Skib og Taarn, hvortil slutter sig et Trappehus;

*) Til *Grevskabet Brahesminde*, der indbefatter Godserne Hvedholm, Damsbo, Østrupgaard og Steensgaard samt Øerne Drejø og Avernakø, høre 9351$^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 2783$^1/_4$, indtaget til Skov 791$^1/_2$, Bondergods 3803$^1/_4$ (beliggende i Horne, Svanninge, Jordløse, Haastrup, V.-Hæsinge, Avernakø, N.-Broby, Haarby og Kjong Sogne), Kirke- og Kongetiender 1961$^1/_2$ Td. (Horne Kirke- og Kongetiende, Haastrup Kirke- og halve Kongetiende, Jordløse, V.-Hæsinge og Heden Kirketiende og Drejø og Avernakø halve Kongetiende); i Bankaktier 26,000, i Fideikommiskapitaler 4,873,000 Kr. Hovedgaardenes Jordtilliggende udgør omtr. 3000 Td. Ld. foruden omtr. 1464 Td. Ld. Skov.

desuden er der et lille Vaabenhus ved Rotundens Nordside. Hele Kirken har den anselige Længde af 136 F., men er kun 21 F. bred; Rotundens Diameter er 41 F. I det Indre af Rotunden staa 4 ottekantede, murede, over 16 F. høje Piller (ikke ganske i Kvadrat); mellem disse indbyrdes og Væggen er der spændt fem spidsbuede Krydshvælvinger, omtr. som i Bjernede Kirke (se II S. 628); til Midthvælvingens

Horne Kirke.

Toppunkt er der næsten 28 F. Den østl. Tilbygning har 3 Krydshvælvinger, hvoraf den østl. er Koret, den vestl. 2, hvoraf den vestl. er Taarnrummet. Kirken er undergaaet saa store Forandringer, at det er vanskeligt at bestemme dens oprindelige Udseende. Den ældste Del er Rotunden, opført i romansk Tid af Kamp med 7 F. tykke Mure, næsten 26 F. høje til den senere paasatte Gesims. Der skimtes flere

smaa, rundbuede Vinduer, som vise, at Rotunden fra først af har haft 2 (maaske 3) Stokv., hvoraf det nederste var det højeste. De mange smaa Vinduer, der have siddet i 2. Stokv. under Murranden, tyde paa, at Taarnet har været benyttet som Vagt- og Forsvarstaarn. Nederste Stokv. har sikkert været dækket af en ringformet Tøndehvælving, baaren af en Midtpille som i de bornholmske Rundkirker; 2. Stokv.

Hvedholm.

har vel haft Bjælkeloft, ligeledes baaret af en Midtpille. Ved Rotundens Østside har staaet et Kor, der senere er nedrevet. I Slutn. af Middelalderen er formentlig Rotundens oprindelige Karakter forsvunden, idet Pillerne og Hvælvingerne ere opførte, og omtr. samtidig ere Tilbygningerne rejste; dog er den østl., af Kamp og Mursten, senere bleven forlænget mod Ø., den vestl., af Kamp, har vel faaet Taarn, men dets

øvre Del, af Mursten, er senere, vistnok fra 2. Halvdel af 16. Aarh. Taarnet har 4 Renæssancegavle med et lille, spidst Spir; paa Taarnets Nordside staar 17 og underneden 14 og 21 (vistnok hentydende til Restaurationer 1714 og 1721). Paa Spidstagets Fløj staar 1849, paa Korets Østende er anbragt et Spir med Aarst. 1852. Vaabenhuset, af Mursten, med fladt Loft, er den yngste Tilbygning (paa Muren staar: 1893, da det restaureredes). Baade det og Korgavlen have Kamtakker. Altertavlen er malet 1812 af C. V. Eckersberg (Christus velsigner de smaa Børn); Alterstagerne ere fra 1640. Prædikestolen er nyere. Døbefonten af Marmor er af Thorvaldsen. I den nordl. Side af Rotunden og under Taarnet findes Pulpiturer. I Rundkirken Ligsten over Frands Bille til Søholm, † 1563, og Hustru Edel Hardenberg, † 1581; under Koret findes en nu tilmuret Begravelse, hvori ældre Ejere af Hvedholm hvile, deribl. Rigsraad Jørgen Brahe, † 1661, og Hustru Anne Gyldenstierne, † 1677, Preben Brahe, † 1708, og Datteren Sophie. Mindetavler over Præsterne Jørgen Pougdal, † 1721, og Niels Seerup, † 1784. I Rotunden et udskaaret, gotisk Krucifiks. Den største Klokke er støbt 1556 af Gerh. v. Mervelt, den mindre 1613 af Borchardt. En mærkelig Evangeliebog fra omtr. 1200 med Bind komponeret omtr. 1300 (1665 skænket til Horne Kirke) opbevares i Nationalmus. — Paa Kirkegaarden et 1825 opf. Gravkapel for Hvedholms Ejere. (Om Kirken se *K. F. Wiborg*, i Kirkeh. Saml. II Bd., S. 529, og *J. B. Løffler*, Uds. over Danm. Kirkebygn. S. 259. Tegn. af Kirken af *Zeuthen*, 1859, og *F. Uldall*, 1865, i Nationalmuseet).

*Hvedholm* nævnes første Gang 1475 paa Skiftet efter Fru Mette Pedersdatter Present, da H. med mere Gods blev udlagt til hendes Søn Hr. Joakim Hardenbergs Enke Fru Mette Tinhuus paa hendes Børns Vegne. Erik Joakimsen Hardenberg faldt 1500 og efterlod H. til sin Søn Jakob H. († 1542), der samlede betydelige Ejendomme i Egnen om Faaborg (om hans 2. Hustru, den hensynsløse Sophie Lykke se *G. Bang*, i Museum 1894 2. Halvbd. S. 364 flg.). Paa Skiftet 1557 fik hver af hans tre Døtre sin Herregaard: Helvig H., g. m. Erik Rosenkrantz, fik Arreskov, Anne H., g. m. Erik Rud, fik Sandholt, og Edel H., g. m. Frands Bille til Søholm, fik H. Den ejedes derefter af Sønnen Erik Bille, der 1590 opførte den tidligere Hovedbygning. Paa Skiftet efter ham 1595 arvede hans Faster Ingeborg Bille H. Efter hendes Død 1606 kom den til Tønne Brahe, og, da han faldt for Kalmar 1611, arvedes den af hans Farbroder Hr. Steen Brahe, † 1620, og derefter af dennes Søn Rigsraad Jørgen B., † 1661, efter hvem den tilfaldt Sønnen Preben B., † 1708, under hvem Gaarden til Dels nedbrændte ved 1681, men blev genopført i de flg. Aar. Ved hans Død deltes H. mellem hans Sønner Etatsr. Jørgen B. og Kapt. Henrik B.; sidstnævnte fik desuden Engelsholm, hvor han boede, medens Jørgen boede paa H. Denne arvede desuden gennem sin Hustru Gaunø, men desuagtet vare hans Kaar saa slette, at hans Enke Anne Helvig Thott gik fallit. Jmfr. Karen Brahe af Østrupgaard udkøbte hende da af H. for 30,000 Rd. Paa Skiftet efter hende samlede derefter Henrik Brahes Søn Oberstlieutn. Preben B. Gaarden, som da vurderedes til 58,800 Rd. I Forening med Søsteren Etatsraadinde Hein oprettede han af H., Steensgaard og Østrupgaard *Stamhuset Hvedholm* 1751, hvori Damsbo indlemmedes 1758. Efter Preben Brahes Død 1786, den sidste Mand af sin Slægt, gik Stamhuset ifl. Erektionsbestemmelserne over til Opretterens Morbroders Sønnesøn Axel Fr. Bille, der antog Navnet Bille-Brahe, † 1787, hvorefter det arvedes af Faderen Gehejmekonferensr. Henr. Bille, der ogsaa antog Navnet Bille-Brahe, † 1789, og dernæst dennes anden Søn, Gehejmekonferensr., Kmhr. Grev Preben Bille-Brahe, † 1857, som $^9/_5$ 1798 fik Stamhuset ophøjet til et Grevskab. Han efterfulgtes af Sønnen Gehejmekonferensr., Grev Henrik B.-B., † 1875, hvis Søn Kmhr., Hofjægerm. Grev Preben Ch. Bille-Brahe, som efter at have arvet det Selbyske Forlods 1873 fik Patent paa at føre Navnet Bille-Brahe-Selby, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen er oprindl. opført 1590 af Erik Bille og bestod af 4 sammenbyggede Fløje, med et Taarn; omtr. 1681 afbrændte den til Dels, men opbyggedes i de flg. Aar; 1878—82 er den undergaaet en gennemgribende Ombygning (Arkitekt: Joh. Schrøder), og den bestaar nu af 3 Fløje i 2 Stokv. med Kælder og Kviste; det ældre Taarn, ved Østfløjens sydl. Ende, er blevet betydeligt forhøjet, med et slankt Spir. Paa Hvedholm er der en Del Kunstskatte, saaledes en smuk Marmorgruppe af Sergel, et lille, i Buksbom udskaaret Madonnabillede af Albr. Dürer (tidligere paa Arreskov), en stor Samling Malerier af danske Kunstnere, et omtr. 14,000 Bd. stort Bibliotek med mange Sjældenheder og en højst værdifuld Møntsamling, hvilken sidste er gjort til et Fideikommis. Ladebygningerne, af Kamp, ere opf. i 17. Aarh.; over Porten ind til Staldbygningen staar: I B A G. S 1637, Billernes og Brahernes Vaabener og 1799. Ved Hvedholm er 1858 af Grevskabets Beboere rejst en 11 F. høj Mindestøtte af Granit for Grev Preben Bille-Brahe,

† 1857; paa Støtten staar hans Buste, modelleret af H. V. Bissen. I Haven nævnes af sjældne Træer: en 70 F. høj Populus alba, en 23 F. høj Laburnum vulg. var. Adami (rødblomstret Guldregn) og en 40 F. høj Cerasus scrotina (nordamer. Hæg).

I Bøjden findes et gammelt Voldsted, om hvis Ejere der endnu gaar Sagn. — Paa Dyreborg Klint ved Havet har der ligget en gammel Gaard, „*Slottet*“, hvor der endnu findes Murbrokker. — I Udkanten af Dureds Vænge findes nær ved Kysten en Skanse, „*Dureds Skanse*“; en anden, „*Knæskanse*“ eller „*Stenbæks Knæ*“, ligger ved Kysten S. V. for Bøjden, og af en tredje ses Rester S. V. for Toldhuset.

Sognet er meget rigt paa fredlyste Oldtidsmonumenter, navnlig Stengrave; ved Bjerne ligge saaledes 3 Høje, 1 Jættestue, 9 Dyssekamre og et større Stenkammer; ved Bøjden 1 Runddysse, 1 Langdysse og 7 Dyssekamre; ved Dyreborg 1 Dyssekammer; ved Horne 4 Høje (de tre vistnok indesluttende ikke udgravede Jættestuer), 3 Langdysser, 5 Dyssekamre og et større Stenkammer.

**Lyø** (Lydø) **Sogn** bestaar af den i Lille Bælt liggende Ø Lyø, omtr. $^1/_4$ Mil S. for Horneland, omtr. $^1/_2$ Mil fra V. til Ø. og noget over $^1/_4$ Mil fra N. til S. Kirken, omtr. midt paa Øen, ligger 1 Mil S. V. for Faaborg. Jorderne, som mod V. ere lavtliggende og jævne, men mod Ø. mere højtliggende og bakkede (højeste Punkt 75 F., 23,5 M.), ere gode, muldblandede Lerjorder; paa Syd- og Vestkysten falder Kysten med Skrænter af til Havet. Paa Nordvestenden af Øen ligger et omtr. 80 Td. Ld. stort Oredrev, „Revet“, der delvis overskylles ved Højvande, som gaar ned i en Indsø med fladt Vand, *Vestersjø*, hvilken gennemskærer Oredrevet. Paa Østsiden ligger den omtr. 10 Td. Ld. store Indsø *Østersjø*.

Fladeindhold 1896: 1102 Td. Ld., hvoraf 550 besaaede (deraf med Hvede 35, Rug 73, Byg 215, Havre 114, Bælgsæd 62, Blands. til Modenh. 12, Grøntf. 16, Kartofl. 16, andre Rodfr. 7), Afgræsn. 126, Høslæt, Brak, Eng, m. m. 220, Have 8, Skov 3, Moser 11, Kær og Fælleder 28, Hegn 18, Forstrande m. v. 101, Veje og Byggegr. 31, Vandareal m. m. 6 Td. Kreaturhold 1893: 107 Heste, 363 Stkr. Hornkv. (deraf 223 Køer), 665 Faar og 243 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 127 Td.; 2 Selvejergaarde med 8, 25 Fæstegd. med 106, 38 Huse med 13 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, de fleste i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 368 (1801: 196, 1840: 282, 1860: 302, 1880: 367), boede i 67 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomh., 233 af Jordbr., 41 af Fiskeri, 44 af Industri, 13 af Skibsfart, 6 af forsk. Daglejervirks., 20 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

Paa Øen ligger Byen *Lyøby* med Kirke, Præstegd., Skole, Mølle og Andelsmejeri. Paa Nordkysten ved *Baadsted Huse* er der en lille Anløbsbro.

Lyø S., en egen Sognekommune, hører under Holstenshus Birks Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 3. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Holstenshus.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus ved Taarnets Sydside. Den er opført af raa Kamp med Kamgavle af Mursten, vistnok paa Reformationstiden (efter Sagnet skal den være opf. i 15. Aarh., først af Bindingsværk). Paa Vaabenhuset staar Aarst. 1645. Kirken, der er bleven restaureret ved Midten af 19. Aarh., har fladt, gibset Loft (tidligere Bjælkeloft). Ny Altertavle, der forestiller Korsfæstelsen: en hvidmalet Træfigur af den korsfæstede er anbragt paa et Trækors. Ny Granitdøbefont, Kopi efter en romansk Font. Prædikestol fra 1615. Malmlysekrone, skænket af Præsten Niels Arctander Holm, † 1781. I Koret Epitafium over Præsten Søren Jensen, † 1680, med Maleri af ham og hans Børn. Fire Ligtræer fra Midten af 17. Aarh., det ene over Degnen Henrik Vesling, † 1731, ere opstillede i Vaabenhuset (indtil 1808 i Kirkegulvet). Endnu i 18. Aarh. fandtes der Malerier paa Væggene, deribl. af St. Paulus, og et meget stort Billede, der forestiller den hellige Christoffer. Under Koret har der været Gravkælder.

Lyø, der i Vald. II's Jrdb. kaldes *Lyuthø* (1313: Lyuthæ, 1431: Lythø), og om hvilken der siges, at der var Hjorte, Daadyr, Heste og Raadyr, er bekendt i Historien ved Vald. Sejrs Jagt og Tilfangetagelse der af Grev Henrik af Schwerin

Natten mellem 6. og 7. Maj 1223. Sagnet knytter Begivenheden navnlig til „*Kongens Ma*“ og „*Valdemars Kilde*“, to Kildebrønde i noget Krat nær ved Lyøby. Ogsaa Navnene paa nogle Agre, „Grevens Stykker“ og „Grevens Dyvelsstykker“, sættes i Forbindelse med denne Begivenhed (maaske det, efter Henry Petersens Mening, snarere skal hedde „Gravens Stykker“ — hvilket Navn ogsaa bruges om nogle Agre — efter de paa Markerne liggende Dyssekamre). Ligeledes vises paa en Gaard „Kong Valdemars Bord“, en stor Egetræsbordplade, ved hvilken Kongen sad, da han blev tagen til Fange. Men Pladen er kun et Par hundrede Aar gammel. En lignende Bordplade findes i øvrigt ogsaa paa en anden Gaard, og gamle Folk sige, at saadanne Bordplader vare almindelige paa Øen i ældre Tid. Øen blev ved at være Krongods til langt op i den nyere Tid og var en Tid lang henlagt under Landsdommeren i Fyn, indtil den tillige med Bjørnø 1693 blev skødet til Dider. Schult til Findstrup, nu Baroniet Holstenshus. Alt er Fæstegods under Baroniet undtagen $8^1/_2$ Td. Hrtk. Om Skoven paa Lyø og om, hvorledes Øen to Gange i Grevens Fejde undgik Lübeckernes Plyndring, den sidste Gang ved at Indbyggerne klædte sig i hvide Skjorter og tillige med deres Okser og Heste gjorde en saadan Larm, at Fjenden blev bange, fortælles i en Præsteberetning fra 1623. I Svenskekrigen hjemsøgtes Øen af fjendtlige Ryttere.

Ø. S. Ø. for Lyøby ligger *Slotsbanken*, en Bakkeskraaning mod et Dalstrøg, tilsyneladende uden nogen antikvarisk Betydning. — Paa Vestsiden af Øen ligger et Dyssekammer med 4 Sidesten og 1 Dæksten; det kaldes *Klokkestenen*, fordi Dækstenen giver en Slags Klokkelyd, naar man slaar paa den med en anden Sten. Dette Dyssekammer samt 2 andre paa Øen ere fredlyste.

Før Lyø fik Kirke, hørte den under Faaborg Sogn.

**Litt.**: Saml. til Fyens Hist. I S. 122 fl. — *Rasmussen-Søkilde*, Holstenshus og Nakkebølle, S. 451 flg. — *Vedel Simonsen*, Øen Lyø, Manuskr. i Nationalmus., fra 1812, til Dels efter Optegnelser af Præsten Ludv. Boesen.

**Avernakø Sogn** bestaar af den i Lille Bælt S. for Faaborg og Ø. for Lyø beliggende Ø *Avernakø*. Øen, der strækker sig omtr. 1 Mil fra V. til Ø., bestaar egentlig af to Dele: en større, vestl. Del, den egentlige Avernakø, og en mindre, østl. Del, *Korshavn*, hvilke forbindes ved en kun nogle Favne bred og henved 1000 Al. lang Landtange, „Drejet“ (ɔ: Draget), som ved Højvande staar under Vand. Kirken, paa den vestl. Del, ligger omtr. 1 Mil S. for Faaborg. De ikke videre højtliggende og temmelig jævne Jorder (det højeste Punkt, Ravnebjærg, 104 F., 33 M., findes paa Korshavn) ere gode, lermuldede.

Fladeindhold 1896: 1069 Td. Ld., hvoraf 466 besaaede (deraf med Hvede 22, Rug 86, Byg 144, Havre 108, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 66, Grøntf. 9, Kartofler 10, andre Rodfr. 11), Afgræsn. 140, Høslæt, Brak, Eng m. m. 271, Have 11, Skov 5, Moser 5, Kær og Fælleder 54, Hegn 6, Forstrande m. v. 48, Veje og Byggegr. 24, Vandareal 39 Td. Kreaturhold 1893: 72 Heste, 313 Stk. Hornkv. (deraf 213 Køer), 479 Faar og 158 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 99 Td.; 17 Selvejergaarde med 63, 7 Fæstegd. med 25 og 46 Huse med 11 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 310 (1801: 234, 1840: 341, 1860: 361, 1880: 345), boede i 71 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomh., 186 af Jordbr., 15 af Fiskeri, 50 af Industri, 6 af Handel, 23 af Skibsfart, 11 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

Paa Øens vestl. Del ligge: *Avernakø Kirke* og *Skole* (midt imellem de to Byer) og Byerne: *Avernakøby* med Præstegd., Andelsmejeri og Statstelefonstation, og *Munkeby* (Munkø) med Mølle. Paa den østl. Del: Byen *Korshavn* med Skole og Statstelefonstation og *Nakkenshuse*. Baade ved Avernakø By, Munkeby og Korshavn er der Baadebroer.

Avernakø S., en egen Sognekommune, hører under Salling Hrd.'s Jurisdiktion (Faaborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Faaborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 4. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 29. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Lehn.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet og Taarn mod V. Den oprindelige Kirke blev opført efter Reformationen af Tømmer „som et ringe Kiøbstedhuus", da Chr. III. ved Brev af $^{31}/_{10}$ 1536 tillod Indbyggerne paa „Mwnckeøø, Arnack og Korszhaffun", der hidtil havde hørt til Faaborg Kirke, at tage en egen Præst. Ved Aar 1630 blev den „forlænget med Grundmur og Hvælving næsten 9 Al." Skibet var da af utilhuggen Kamp, Koret af røde Mursten; den havde intet Taarn. Baroniet Lehns Besidder lod den 1876 ombygge (Arkitekt: Ove Petersen), ved hvilken Lejlighed den fik et 26 Al. højt Taarn med Kamtakker (paa Vestsiden staar: O D R L 1876); Kirken fik rundbuede Vinduer, og der opførtes Stræbepiller ved Langhuset; det Indre har 4 otteribbede Hvælvinger, hvoraf den østl. er Koret (en spidsbuet Korbue er borttaget ved en tidligere Restauration); hele Kirken er overpudset med Cement. Alterbilledet (Skattens Mont, Kopi efter Tizian) er indfattet i en Renæssanceramme; Prædikestolen er et tarveligt Renæssancearbejde; Døbefonten er af Støbejærn. Sygekalken er et smukt bevaret Sølvarbejde fra Dronn. Margrethes Tid; den maa antages at skrive sig fra en fynsk Købstadskirke; paa Foden staar: Mathias Brvn et Katerina dant ecclesie calicem.

Avernakø kaldes i Vald. II's Jrdb. *Wæstræ draghø*, men dens egentlige Navn er *Arnakke* (1536 og 1539), maaske af „Arre", den gamle Benævnelse paa Havre, nu kun brugt om en vildtvoksende Plante; senere forvanskedes Navnet; 1563 kaldes den Aurnacke, 1578: Affuirnack, 1635: Auffuernache. Den var i Middelalderen ligesom de andre omliggende Øer bevokset med Skov og rig paa Vildt (i Vald. Jrdb. nævnes Hjorte og Daadyr) og var Krongods til langt op i den nyere Tid, da den hørte til Nyborg Len. Munkeby hørte til Holmekloster og som saadan en Tid til Rantzausholm (Brahetrolleborg). Avernakø og Korshavn solgtes 1653 til Otte Krag til Egeskov, som efter Kai Lykkes Fald ligeledes fik Munkeby; i Beg. af 19. Aarh. henlagdes Avernakø fra Egeskov til Hvedholm (Brahesminde), som da havde fælles Ejere. Nu er kun $19^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegods under Grevskabet, medens Resten er solgt til Selvejendom. Øen har tidligere været et eget Birk. Før Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872, da Øen mistede en Del af sit Areal, var der 100 Td. Hrtk.

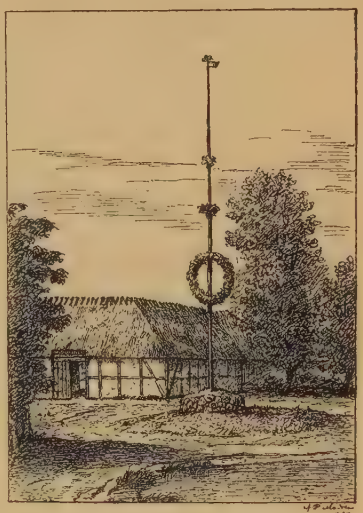

Majstangen i Munkeby.

Paa Østkysten af Korshavn ligger Kappelsodden, hvor der før har staaet et Kapel, hvori Drejøboerne holdt Gudstjeneste, inden de fik en egen Kirke. Kapellets Tomt skylledes bort ved Stormfloden 1872; men der findes endnu hist og her ved Stranden Murstensbrokker.

I Avernakøby og Munkeby staa som et sjældent Minde om ældre Tiders Folkeskikke Majstænger (omtr. 36 Al. høje); de pyntes endnu hver Pinselørdag med Kranse og Grønt.

Paa Korshavns vestligste Ende ved Draget staa uden bestemt Orden omtr. 15 toppede og indtil $2^1/_2$ F. høje Sten med jævne Sider, *„Høje Stene"*; nogle ligge omvæltede ved Siden af. Det er vistnok Bautastene fra Oldtiden.

Paa Munkebys og Avernakøbys Marker findes nogle, til Dels forstyrrede Stendysser.

Paa Munkeby Mark fremdroges $^{16}/_4$ 1685 under en stor Sten et sjældent Votivfund fra den yngre Broncealder, nemlig 6 Øskar af tyndt, drevet Guldblik. Rigsraad Niels Krag skænkede dem til Chr. V; 1812 blev ifl. kgl. Befaling et af Karrene overleveret til den franske Minister Alquier; de andre opbevares i Nationalmuseet.

**Litt.**: Kirkeh. Saml. 2. R. V Bd. S. 639 flg., 3. R. IV Bd. S. 51 flg. og 4. R. I Bd. S. 621 flg. (om Forfatteren Mag. M. C. Wolfburg, Præst paa A. fra 1712) og S. 633 flg. — *Rasmussen-Søkilde*, Holstenshus og Nakkebølle, S. 411 flg.

# Gudme Herred.

**Sogne:**

*Ringe, S. 705. — Ryslinge, S. 708. — Gislev, S. 710. — Svindinge, S. 711. — Langaa, S. 714. — Øksendrup, S. 716. — Hesselager, S. 717. — Oure, S. 720. — Vejstrup, S. 722. — Gudme, S. 724. — Brudager, S. 726. — Gudbjærg, S. 727.*

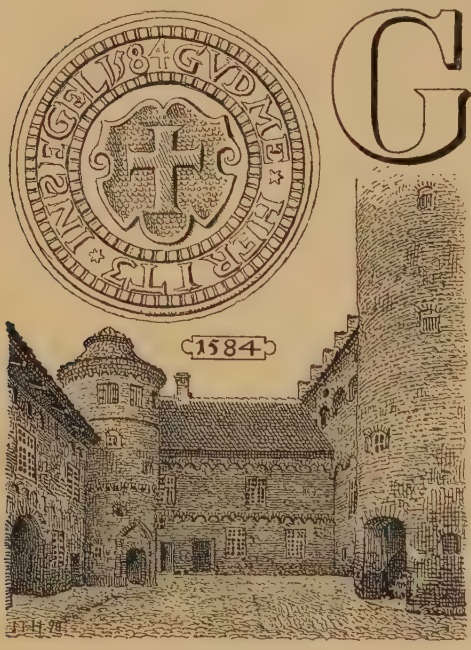


Gudme Herred, paa Østkysten af Fyn, begrænses mod S. og S. V. af Sunds Herred, fra hvilket det paa en Strækning mod S. adskilles ved Vejstrup Aa, mod V. af Salling Herred, mod N. af Vindinge Herred, mod hvilket Kongshøj Aa for en Del danner Grænsen, og mod Ø. af Store Bælt. Den største Udstrækning fra V. til Ø. er over 3, fra N. til S. omtr. 2 Mil. Overfladen er for største Delen højtliggende og bakket og hører til Øens østlige Skraaning, der falder af fra den S. 563 omtalte nordøstlige Vandskelslinie; højeste Punkt er Grønbanke, 381 F., 120 M. Kun en smal Strækning langs Store Bælt er lavtliggende og jævn. Jorderne ere afvekslende ler- og sandmuldede. Af Aaerne, der søge ud til Store Bælt, nævnes, foruden de paa Nord- og Sydgrænsen løbende Kongshøj- og Vejstrup Aa, *Stokkebæk* og *Tangeaa*. Det er ikke særlig rigt paa Skov (i alt 4404 Td. Ld.); dog findes Skove spredte over hele Herredet. Med Hensyn til Frugtbarheden hører Herredet til de mindst gode i Amtet (ved Matr. omtr. 11 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet 43,695 Td. Ld. ($4{,}_{38}$ □ Mil, $241{,}_{2}$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. $^{1}/_{1}$ 1895 3895 Td. Folketallet var 1. Febr 1890 13,291 (1801: 6837, 1840: 9867, 1860: 11,806, 1880: 12,755). I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Vindinge Herred, i verdslig Hens. hører det under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion og under Amtets 2. Forligskreds.

Gudme Hrd., i Vald. II's Jrdb. kaldet *Guthumhæreth* (delt i flere Distrikter, hvoraf

de østl. vare „Guthumh. utæn scogh", ɔ: uden for Skoven, og „G. ouæn scogh"), senere *Gudeme*, hørte fra 1660 til Nyborg Amt; se i øvrigt S. 565.

Af de jordfaste Oldtidsmonumenter foreligger der endnu kun Optælling for Broholmegnens Vedk., der har været en vigtig Beboelsesplads i Oldtiden; paa $1^1/_5$ □ Mil er der talt omtr. 50 Stengrave (deraf omtr. 20 Langdysser) og omtr. 200 Gravhøje (især fra Broncealderen); Jærnalderen er repræsenteret ved et stort Antal Fund fra flad Mark. Kendskabet til Egnens arkæolog. Forhold skyldes særlig Kmhr. Fr. Sehested til Broholms Undersøgelser (se *F. Sehested*, Fortidsminder og Oldsager fra Egnen om B., Kbh. 1878; s. Forf., Arkæolog. Undersøgelser 1878—81, Kbh. 1884).

---

**Ringe Sogn**, det nordvestligste i Herredet, omgives af Ryslinge Sogn, Sunds Hrd. (Kværndrup S.), Salling Hrd. (Herringe, Espe og Gjestelev S.) og Vindinge Hrd. (S.-Højrup og Søllinge S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^1/_2$ Mil S. S. Ø. for Odense og 3 Mil S. V. for Nyborg. De højtliggende, noget bakkede Jorder ere mod N. lerede, i øvrigt lermuldede, lette og sandede og til Dels magre. En Del Skov (Lammehave Sk.). Den omtr. 30 Td. Ld. store Ringe Sø er nu udtørret. Midt i Sognet, ved Ringe By, krydses Landevejene fra Odense til Svendborg og fra Assens til Nyborg samt den sydfynske Jærnbane, Faaborg-Ringe og Nyborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 6213 Td. Ld., hvoraf 3068 besaaede (deraf med Hvede 53, Rug 617, Byg 627, Havre 691, Bælgsæd 9, Frøavl 12, Blandsæd til Modenh. 538, Grøntf. 197, Kartofler 49, Sukkerroer 26, andre Rodfr. 247), Afgræsning 878, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1383, Haver 103, Skov 369, Moser 100, Kær og Fælleder 28, Hegn 83, Veje og Byggegr. 182, Vandareal 18 Td. Kreaturhold 1893: 532 Heste, 2240 Stk. Hornkvæg (deraf 1515 Køer), 855 Faar, 904 Svin og 35 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 517 Td.; 113 Selvejergaarde med 417, 1 Fæstegd. med 2, 381 Huse med 97 Td. Hrtk. og 13 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2615 (1801: 930, 1840: 1783, 1860: 2092, 1880: 2402), boede i 505 Gaarde og Huse; Erhverv: 216 levede af immat. Virksomh., 1396 af Jordbr., 23 af Gartneri, 599 af Industri, 157 af Handel, 103 af forsk. Daglejervirksomh., 94 af deres Midler, og 27 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ringe* (1322: Rethingh, 1513: Renge), stor købstadlignende Landsby ved Korsvejen, med omtr. 1000 Indb., Kirke, Præstegd., 3 Kommuneskoler — Kirkesangerskolen, Organistskolen og Forskolen —, Fri- og Fortsættelsesskole, Amtssygehus (opf. 1885, Plads for 14 Patienter), Fattiggaard (opf. 1863, Plads for 60 Lemmer), Hospital (opr. 1737 af Henr. Bielke Kaas til Boltinggd., med et Hus ved Kirken til 6 fattige), Apotek, 3 Lægeboliger, Forsamlings- og Gymnastikhus (opf. 1885), Vandværk, Gæstgiveri, Bageri, flere industrielle Anlæg, som Andelsmejeri, Proppefabrik og Dampsavværk, mange Haandværkere og handlende, Markedsplads (Marked i Marts og Maj med Heste og Kvæg, i Nov. med Kvæg og Faar), stor Jærnbanestation (Knudepunkt paa den sydfynske Bane, Faaborg-Ringe og Nyborg-Ringe Banen), Telegraf- og Centraltelefonstation samt Posteksped ition; *Rynkeby*, ved Odensevejen, med Skole og Mølle; *Sødinge* med Friskole, Maltgøreri og Bryggeri; *Kjellerup* med Telefonstation; *Brangstrup*, ved Svendborgvejen, med Skole; *Lombjærg*; *Volstrup*; *Boltinge* med Vejr- og Vandmølle; *Bolteskov*. Saml. af Gde. og Huse: *Bøgehoved*, *Ringemark*, *Boltinggaards Skovhuse* og *Boltinggaards Enemærke*, *Rynkeby-Kohave*, *-Hestehave*, *-Mark*, *-Hede*, *Sødinge Hede* og *Brangstrup Mark*. Hovedgaarden *Boltinggaard* har $29^1/_4$ Td. Hrtk., 357 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 68 Skov, Resten Ager; ved Gaarden drives et Andelsmejeri. Hoved-

gaarden *Lammehave* har $26^1/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og 2 Td. Skovsk., 400 Td. Ld., hvoraf 28 Eng, 72 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle og $9^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods. Hovedgaarden *Rynkebygaard* har 26 Td. A. og E. Hrtk. og $^7/_8$ Td. Skovsk., 348 Td. Ld., hvoraf $16^1/_2$ Eng, $17^1/_2$ Skov, 6 Have og Gaardspl., Resten Ager; til Gaarden hører Ringe Sogns Kirke- og Kongetiende.

Ringe S., en egen Sognekommune, delt i to Sognefogeddistrikter, et sydøstl. og et nordvestl., hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 41. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Rynkebygd.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Vaabenhus mod S. samt to Kapeller, et mod N. og et mod S., over hvilket sidste et Taarn er opført. Skib og Kor ere fra den tidligere Middelalder, af raa Kamp uden Sokkel; et enkelt oprindeligt Vindue er bevaret. Skibets Vestgavl er fra den senere Middelalder, af Munkesten med spidsbuede Blindinger. Fra samme Tid stamme Vaabenhuset og Kapellerne. Taarnet var paa Biskop Jac. Madsens Tid af Bindingsværk, men blev 1614 ombygget af Christen Thott med Mursten og forsynet med fire tarvelige Renæssancegavle. Over Indgangen staar en Stentavle, hvis Indskrift siger, at Kirken er restaureret 1736 af Henr. Bielke Kaas. Skibet, Koret og det nordre Kapel ere overhvælvede. Altertavlen (Christus i Getsemane, en Kopi af C. Blochs Maleri i St. Hans Kirke i Odense) er fra 1897 i en Renæssanceramme (den gamle Altertavle, Nadveren, er paa Rynkebygd.). Granitdøbefont med Messingfad fra 1656. Prædikestolen er et ret vel udført Snitværk fra Beg. af 17. Aarh. Middelalderlige Alterstager med Skinkelernes og Bielkernes Vaabener; Sølvalterstager, skænkede 1744 af H. Bielke Kaas. I nordre Kapel Ligsten over Jørgen Skinkel til Lammehave, † 1563, og Hustru Margrethe Walkendorff (tidligere i Korgulvet; se Saml. til Fyens Hist. VI S. 172 og Tegn. af æld. nord. Arkitekt. 2. Saml. 4 R. Pl. 16) og et Sandstensepitafium over Christen Thott til Boltinggd.; under Kapellet en muret Begravelse, hvori to smukke Sarkofager, den ene af Sandsten, den anden af Granit, hvori hvile General Henrik Bielke Kaas og Hustru Anna Vind v. d. Kuhla. Det søndre Kapel er 1776 indrettet til Gravkapel for General Eickstedt og Familie og prægtig udstyret i antik Stil (udf. af Harsdorff og Wiedewelt) med Marmorsøjler, marmorbeklædte Vægge og Kuppelhvælving; det indeholder tre Marmorkister med forgyldte Broncebeslag, hvori hvile Overkmhr. Eickstedt, hans Hustru Marie Louise f. Krakewitz og Søn, Kapt. Henr. Chrf. E., † 1770. Under Alteret er en muret Begravelse for Lammehaves Ejere. — I Kirkegaardshegnet en middelalderlig muret Indgang.

*Boltinggaard* tilhørte i 16. og 17. Aarh. Familien Thott, af hvilken Christen T., † 1617, nedbrød Rynkebygd., som han ogsaa ejede, og af Materialet opførte en ny Hovedbygning paa Boltinggd. Hans Datter var den for sin Lærdom bekendte Birgitte T., † 1662, gift med Otte Gøye til Turebygaard. Hun efterfulgtes af sin Broder Henrik Thott, der blev ruineret under Krigen og maatte for Gæld afstaa B. til sin Svigerinde Jfr. Margrethe Friis, der 1670 solgte Gaarden til Henr. Gyldenstierne, † 1696, fra hvem den gik over til Enken Anna Helvig v. d. Kuhla, † 1709, og derefter til Broderdatteren Anna Vind v. d. K. († 1744), som bragte Gaarden til sin Mand General Henr. Bielke Kaas († 1773). Ved Testam. af 1766 bestemtes, at der af B. og Rynkebygd. skulde oprettes Stamhuset *Kaaseslund*. Efter deres barnløse Død gik Gaarden ifl. Testam. over til Overkmhr. H. H. v. Eickstedt, † 1801, der paa mødrene Side var beslægtet med Kaas, tilfaldt derefter Henr. Bielke Kaas' tredje Søsters, Birgitte Kaas' Slægt, Kapt. H. J. Huitfeldt († 1833), der 1807 fik Lov til at sælge Gaardene mod at substituere det paatænkte Stamhus med et Pengefideikommis, det „Kaaseslundske" (nu i Familien Huitfeldt-Kaas' Besiddelse). Gaarden købtes af Etatsr. H. J. Hansen († 1831), derefter af Proprietær Wamberg og Birkedommer Holm, hvilken sidste blev Eneejer og derpaa solgte den til Juel, fra hvem den for Gæld gik over til det Gersdorffske Fideikommis, der 1853 solgte den til H. C. Petersen til Dalumgaard; 1854—57 ejedes den af Urmager Jessen, som solgte den til H. Langkilde, som senere indkøbte nogle bortsolgte Arealer, alt for omtr. 200,000 Kr. Nuv. Ejer er hans Svigersøn H. Lauesen. — Hovedbygningen, af Grundmur i eet Stokv. med Kælder og Kvist, er opf. 1854. Den har før været omgiven af Grave (se om Gaarden Personalh. Tidsskr. 3. R. II Bd. S. 214).

*Rynkebygaards* første kendte Ejer er Laurids Degn, der nævnes 1358. Derefter kendes Hans Ulf i R. 1455. Muligvis var R. alt den Gang Krongods, saaledes som Tilfældet var i det flg. Aarh. (se Krarup Sogn), da den var forlenet til Fru Else Thott og siden til Niels Kaas, indtil den 1580 blev mageskiftet til Fru Gese Brockenhuus, Erik Billes, efter hvem Sønnen Mogens B. fik den, og efter ham blev den for Gæld udlagt til Hans Lange, hvis Arvinger havde den 1614; 1623 tilhørte den Jørgen Brockenhuus. Den næste Ejer Christen Thott nedbrød 1614 den gamle Gaard (se ovfr.), ligesom han lagde Bøndergodset fra Rynkebygd. til Boltinggd. Sønnen Henrik T. mistede R., der for Gæld blev udlagt til Fru Anne Vind, Arnt von der Kuhlas. 1691 blev den af Hans Jakobsen Walsøe og Axel Jensen Piil tilskødet Henrik Gyldenstierne (22 Td. Hrtk.); hans Enke Anna Helvig v. d. Kuhla solgte 1703 R. til Frands Ahlefeldt til Nordskov, men 1736 blev den af General Henr. Bielke købt af Birgitte Jørgensdatter, sal. Erik Jensens, og var nu knyttet til Boltinggaard (se ovfr.) til Overkmhr. Eickstedts Død 1801, hvorefter den købtes af Etatsr. Hansen, der solgte den til Forvalter Rasmus Rasmussen; derefter ejedes den af Major Bruun, For-

Ringe Kirke.

valter Joh. N. Schurmann og P. L. Petersen, hvilken sidste solgte den 1887 for 284,200 Kr. til den nuv. Ejer Baron C. Schaffalitzky de Muckadell. — Hovedbygningen, der er opf. 1858 og bestaar af Grundmur i eet Stokv. med Kælder og Kvist, er restaureret af den nuv. Ejer.

*Lammehave* tilhørte 1419 Niels Skinkel, der ellers oftest kaldte sig Claus S. og endnu levede 1423. Hans Søn Borkvard S. af L. nævnes 1453—83 og Sønnesønnen Otte S. til L., † 1512. Med sidstnævntes Søn Jørgen S. uddøde denne Slægt Skinkel (med de tre Søblade) 1563 paa Mandslinien, og L. blev delt i Gammel- og Ny-L. mellem hans Søstersøn Laurids Straale og hans Frue Margrethe Walkendorffs Broder, den bekendte Chrf. W. Laurids Straales Enke Mette Bille ægtede Niels Skinkel (af de Lillie-Skinkeler), og deres Søn Laurids S. solgte 1632 Gl.-L. til Claus Uck, hvis Enke Anne Quitzow 1654 pantsatte den til Peder Brockenhuus til Nordskov, som efter 1662 at have faaet Gaarden udlagt ved Højesteretsdom 1663 solgte den til Peder Vinding, der 1679 købte Ny L. af Morten Skinkel til Søholm. Peder Vindings Enke ægtede 1692 Apoteker Jak. Gotfr. Becker, som 1696 solgte L. til Generallieutn. Hans Løwenhielm, som dog 1697 solgte Ejendommen (104 Td. Hrtk.) til Oberst Henning Pogrell, hvis Broder Georg Vilhelm P. 1702 købte Gaarden ved Auktion. Han

testamenterede Gaard og Gods til sin Broderdatter Marie Elisabeth P., g. m. Generalmajor Herman Fr. Beenfeldt, hvis Datter Eleonore Elisabeth bragte den til sin Ægtefælle, senere Oberstlieutn. Joh. Chrf. Kørbitz († 1789). Disses Søn Generaladjutant Herman Fr. K. døde 1808, hvorpaa Enken 1810 ægtede Overkrigskommissær E. C. Tommerup, der frasolgte Godset m. m. og derpaa 1826 afhændede den øvrige Ejendom til Proprietær Fr. B. Lunn, † 1870, hvis Søn Alexander Lunn nu ejer den. — Hovedbygningen, der bestaar af 3 Fløje i eet Stokv., er fra Midten af 18. Aarh.; 1899 er den ene Fløj ombygget til Forpagterbolig.

I en Bakke ved Ringe er der afdækket to Grave fra den romerske Jærnalder; den ene indeholdt foruden en Sølvfibula og Guldfingerring en Broncekasserolle og et Bronceøsekar med Si. — En betydelig Guldskat, nedlagt omkr. Aar 400, oppløjedes 1865 paa en Mark ved Brangstrup; den bestaar af Hængesmykker, svære Betalingsringe m. m., samt 46 romerske Guldmønter, prægede mellem Aar 250 og 350 (saml. Metalværdi 2692 Kr.; se Aarb. f. n. Oldk. 1866, S. 327 flg.).

Ringe og Herringe Sogne (se S. 674) dannede indtil 1668 eet Pastorat (se Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 481 flg.).

**Litt.** *H. Leerbech*, Forsøg til en Beskr. over R. Sogn, Odense 1826.

**Ryslinge Sogn** omgives af Ringe Sogn, Vindinge Hrd. (Søllinge og Herrested S.), Gislev Sogn og Sunds Hrd. (Kværndrup S.). Kirken, noget nordlig, ligger $2^1/_4$ Mil S. V. for Nyborg og $2^1/_2$ Mil S. S. Ø. for Odense. De højtliggende og bakkede Jorder ere i den nordl. Del stærkt lerede, i øvrigt sandede og grusede. En Del Skov (Hestehave, Nørremade, Præstegaardssk.). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Assens til Nyborg og fra Odense til Svendborg samt Nyborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 2699 Td. Ld., hvoraf 1372 besaaede (deraf med Hvede 27, Rug 254, Byg 270, Havre 278, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenh. 268, Grøntf. 90, Kartofler 22, Sukkerroer 15, andre Rodfrugter 134), Afgræsn. 351, Høslæt, Brak, Eng m. m. 604, Have 47, Skov 188, Moser 33, Hegn 20, Veje og Byggegr. 81, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 234 Heste, 1092 Stkr. Hornkv. (deraf 689 Køer), 264 Faar, 362 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 238 Td.; 41 Selvejergaarde med 196, og 141 Huse med 41 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 959 (1801: 453, 1840: 647, 1860: 783, 1880: 893), boede i 175 Gaarde og Huse; Erhverv: 104 levede af immat. Virksomhed, (55 Højskoleelever), 557 af Jordbr., 3 af Gartneri, 191 af Industri, 30 af Handel, 1 af Skibsfart, 42 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 7 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ryslinge*, ved Landevejen, med Kirke, Valgmenighedskirke („Nazarethkirken"), Præstegd., Bolig for Valgmenighedens Præst, Skole, Forskole, Friskole, Folkehøjskole (opr. 1866), Andelsmejeri, Teglværk, Savskæreri, Jærnbane- og Telefonstation; *Lørup* med Mølle og Savmølle. *Lørup Hede*, Gde. og Huse. Hovedgaarden *Tøystrup* har 27 Td. A. og E. Hrtk. og 1 Td. Skovsk., 290 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 52 Skov, Resten Ager (omtr. 20 Td. i Søllinge S.); til Gaarden høre 5 Huse. Hovedgaarden *Krumstrup* har 18 Td. Hrtk., 190 Td. Ld., hvoraf 15 Eng, 25 Skov, Resten Ager (en Tørvemose i Ellested S.); til Gaarden hører en Mølle.

Ryslinge S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 42. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt, Valgmenighedskirken Menigheden.

*Kirken*, fordum indviet til St. Nikolai (til Dels overpudset med Cement), bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn, med Trappehus, mod V. og Korsfløj mod N. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. i den tidligere Middelalder af utilhuggen Kamp paa en Kampestenssokkel. Senere (vistnok i Slutn. af 16. Aarh. af Niels Sandberg) er den østl. Del med Koret bleven ombygget af Kamp og Mursten, ligesom Kirken blev overhvælvet, og Taarnet, der før har været højere og nu har alminde-

ligt afvalmet Tag, blev tilføjet. Taarnrummet, der har fladt Bjælkeloft og adskilles fra Kirken ved en Mur, tjener som Vaabenhus. Korsfløjen, af Mursten og med Hvælving, er opf. 1844. Ved Korgavlen har der ligget et 1762 opf., nu nedrevet Kapel for Tøystrups Ejere. Ved en Restauration af Kirkens Sydmur 1876 fandtes indsat rundt om i Muren Kampesten med Rundbuefriser (efter Sigende fra det ndfr. omtalte Kapel ved Lørup); de bleve alle indsatte i Sokkelen. Kirkens Indre restaureredes 1891. Alterbilledet, i en tarvelig Ramme, er malet af Joh. Jensen 1866 (Christus i Getsemane); udskaaren Prædikestol fra 1685; Granitdøbefont. Alterstagerne ere fra 1594. Over Døren fra Vaabenhuset hænger et lille Krucifiks og staa de 12 Apostle (fra den gamle Altertavle). I Kirken en Mindetavle over Skolelærer Holm, der 1730 har skænket Fattigblokken. Paa Kirkegaarden et Monument over Veterinæren Peter Jensen, † 1885.

*Valgmenighedskirken*, den første i Landet, er opf. 1866, efter at Vilh. Birkedal, der blev Præst i Ryslinge 1849, havde faaet sin Afsked, og Menigheden ikke vilde skilles fra ham (efter Afskeden prædikede han en Tid i en Lade paa Boltinggd., Ringe Sogn). Kirken, indviet $^{8}/_{8}$ 1866, bestod oprindelig af et Langhus, med Kamgavle, og et lille Spir over Skibets Vestgavl; senere tilbyggedes et lavt Taarn med pyramideformet Tag og to Tværskibe; 1898 blev Koret tilbygget efter Tegn. af Arkitekt C. Brummer i gammel Stil med rundbuede, smaa Vinduer; Taarnet blev forhøjet; baade Skib og Tværskibe have Tøndehvælvinger; den runde Korbue er af hugne Kridtsten. Alle Gavlene ere spidse uden Kamtakker. Alterbilledet, den hellige Familie, er malet af Dalsgaard; Granitdøbefont. (Se Højskolebladet 1898 Nr. 51). — S. for Kirken staar et 1894 afsløret Mindesmærke (Granitstøtte i middelalderlig Stil efter Tegn. af Maleren N. Skovgaard) for Birkedal, † 1892, og Hustru (se Tidsskr. for Kunstind. 1895, S. 84).

*Tøystrup*, fordum kaldet *Tholstorp*, er en meget gammel Gaard, der i Beg. af 14. Aarh. tilhørte Hr. Hagbart Jonsen, hvis Enke Fru Margrethe paa Skifte med sine Børn overdrog „curiam Tholstorp" til Hr. Peter Bonde („Petrus Rusticus"), der var gift med hendes Datter Ingefred; 1407 nævnes Gaarden atter og kaldes da *Tygestorp*. Den synes siden at være bleven delt i to Bøndergaarde, men blev 1523 paany samlet af Niels Henriksen Sandberg, hvis Søn Mikkel Nielsen ejede den 1589, men døde ugift, hvorefter T. tilfaldt Søsteren Magdalene, g. m. Oluf Gaas, † 1618; derefter disses Søn Niels G., † 1623; hans Enke Hilleborg Pors døde 1637, kort efter sin eneste Søn Christen G., Slægtens sidste Mand, hvorfor T. tilfaldt hendes Datter Kirsten G., † 1677, g. m. Erik Kaas til Lindskov, hvis Broder Jørgen Kaas for øvrigt 1648 skrives til T. Imidlertid blev Gaarden ved Erik Kaas' Fallit 1669 udlagt til Biskop Jakob Laurids Jakobsens Enke Anne Mule, hvis Datter Abigael bragte den til sin Mand Chr. Henrik Luja. Han solgte den (23 Td. Hrtk. og 96 Td. Hrtk. Bøndergods) 1694 til Tim Banner og dennes Hustru Helvig Lisbeth Urne for 4,979 Rd., hvilken sidste 1708 solgte den (i alt 118 Td. Hrtk.) til Niels Hansen Viborg, som 1743 afhændede den (22 Td. Hrtk. og 205 Td. Hrtk. Bøndergods) til Oberst Adam Diderik v. Grambow, † 1766. Den ejedes derefter af hans Enke og senere af Arvingerne, som 1794 afstod den til Adam Diderik Bülow (g. m. Augusta v. Grambow), senere Major, efter hvem den fra omtr. 1829 gik over til Sønnen A. Bülow, indtil 1891, da den for 185,000 Kr. købtes af den nuv. Ejer, Grosserer H. A. Egeholm, Kbh.; han har senere ved ministerielt Mageskifte indlagt under Ejendommen Gaarden Dyrelund i Ryslinge Sogn for 25,000 Kr. — I Stedet for den tidligere af A. D. v. Grambow opførte Bindingsværksbygning blev der 1893 opført en ny Hovedbygning af Grundmur i eet Stokv. med høj Kælder og Kvist samt et lille Spir over Hovedindgangen; til Bygningen slutte sig to lavere Sidefløje (Kornmagasin og Mejeri).

*Krumstrup* var oprindl. en Selvejergaard i Byen Krumstrup, hvilken Chrf. Huitfeldt tilbyttede sig 1533 for sin fædrene Gaard i Strarup. Den tilfaldt hans Søn Claus H., † 1590, og derefter dennes Søn Lage H., der dog døde faa Maaneder efter sin Fader; 1609 tilhørte den Just Jakobsen Høeg og 1627 Tage Ottesen Thott, derefter Statholder Hr. Niels Trolle, hvis Svigersøn Manderup Brahe 1664 solgte den ($56^{1}/_{2}$ Td. Hrtk.) til Erik Krag til Bramminge, som 1665 afhændede den til Landsdommer Jens Lassen, hvis Søn Chr. L. 1724 solgte den (514 Td. Hrtk.) til Admiral Seneca Hagedorn († 1750). Dennes Arvinger solgte den 1751 ved Auktion til Michel Lange (258 Td. Hrtk.), og ved Auktion efter dennes Enke købtes den 1761 for 34,888 Rd. af Agent v. Westen, der atter 1767 lod den (246 Td. Hrtk.) sælge ved Auktion til Krigsr. Morten Møller, som 1782 overdrog den til sin Søn Mads Jørgen Møller, der 1791 solgte den (37 Td. Hrtk. Hovedgaardstakst og 200 Td. Hrtk. Bøndergods) til

Kmhr. Knud Juel for 56,000 Rd. Han udstykkede 1796 Gaard og Gods, hvorefter Hovedparcellen (22 Td. A. og E. Hrtk. og henved 2 Td. Skovsk.) ved Auktion 1796 solgtes til Birkedommer Briand, hvis Familie ejede den til 1874, da den for 168,000 Kr. købtes af Proprietær N. Madsen, hvis Enke nu ejer den. — Hovedbygningen, som paa de tre Sider er omgiven af Grave, stammer vist i sine oprindelige Dele fra Beg. af 17. Aarh. og bestaar af en Hovedfløj og to mindre Sidefløje; til Haven ere de af gammelt Egebindingsværk, til Gaarden af Grundmur.

Ved Lørup laa i Middelalderen et efter Sigende Aar 1470 opf. meget besøgt Valfartskapel, *St. Anne Kapel*, hvorved der var en Kildebrønd. De syge ofrede i Almindelighed Lam (en Eng ved Kapellet, hvor disse Lam sattes paa Græs, kaldtes tidligere for „Lammehaven", nu „Kapelsmaen"). Aar 1589 var Kapellet ikke længere i Brug og benyttedes da til Opbevaring af Hø; Spiret paa Kapellets Taarn lod Cl. Henriksen Huitfeldt ved den Tid nedtage og føre til Krumstrup; en Klokke førtes til Ryslinge Kirke; 1610 nedreves de tilbagestaaende Mure af Kapellet, og Materialet anvendtes dels til Krumstrup, dels til Ryslinge Kirke. Et Hus, der rejstes ved Tomten, kaldtes endnu i Slutn. af 18. Aarh. „Kapelshuset".

*Ryslinge Folkehøjskole* oprettedes 1866 navnlig ved Tilskyndelse af Sognepræst Joh. Clausen og begyndte i Præstegaarden, men fik 1867 sine egne Bygninger, der ere ombyggede og udvidede 1892 (se Højskolebladet 1891 Nr. 45—46). — Paa en opfyldt Plads i Byen er der 1871 dannet en Høj, som er omgiven af Mindesten fra den slesvigske Krig, og paa hvis Top der 1871 er rejst et Mindesmærke (Bautasten) for Fr. VII.

Ryslinge er det første Landsogn, hvor der oprettedes en Skyttekreds, Aar 1865.

Til Ryslinge var oprindl. Ellested Sogn, Vindinge Hrd., annekteret. Ved Kongebrev af 1625 befaledes det, at R. efter den dav. Præsts Død skulde annekteres til Gislev, og Ellested til Herrested; men ifl. et nyt Kongebr. af 1642 skulde Ellested annekteres til Gislev, og R. til Herrested; 1646 blev R. imidlertid et eget Pastorat (se Kirkeh. Saml. 4. R. II Bd. S. 469 flg.).

**Litt.**: *L. Frederiksen*, Tidsbillede fra det 18. Aarh. (R. Bylov fra 1736), i Aarb. f. d. Kulturhist. 1893, S. 153 flg.

**Gislev Sogn** omgives af Vindinge Hrd. (Annekset Ellested og Ørbæk S.), Svindinge og Gudbjærg Sogne, Sunds Hrd. (Kværndrup S.) og Ryslinge Sogn. Kirken, noget nordl., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil N. for Svendborg, 2 Mil S. V. for Nyborg og 3 Mil S. Ø. for Odense. De højtliggende, mod N. bakkede, mod S. mere jævne Jorder (højeste Punkt Grønbanke, 381 F., 120 M.) ere dels lerede, dels sandmuldede og sandede. En Del Skov (Lamdrup Kohave, Ravndrup Vænger m. m.). Mod N. V. ligger den omtr. 14 Td. Ld. store *Fjellerup Sø*; i den vestl. Del udspringer en Biaa til Odense Aa, i den østl. en Biaa til Kongshøj Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nyborg til Bøjden.

Fladeindholdet 1896: 6038 Td. Ld., hvoraf 2968 besaaede (deraf med Hvede 67, Rug 540, Byg 570, Havre 667, Bælgsæd 12, Blands. til Modenh. 549, Grøntf. 185, Frøavl 4, Kartofler 30, andre Rodfr. 343), Afgræsning 870, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1202, Have 65, Skov 593, Moser 41, Kær og Fælleder 19, Hegn 59, Veje og Byggegr. 207, Vandareal m. m. 14 Td. Kreaturhold 1893: 517 Heste, 2085 Stkr. Hornkv. (deraf 1315 Køer), 806 Faar, 688 Svin og 30 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 497 Td.; 82 Selvejergd. med 351, 3 Arvefæstegd. med 18, 11 Fæstegd. med 55 og 262 Huse med 71 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1811 (1801: 991, 1840: 1274, 1860: 1608, 1880: 1683), boede i 362 Gaarde og Huse; Erhverv: 38 levede af immat. Virksomh., 1094 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 396 af Industri, 40 af Handel, 1 af Skibsfart, 192 af forsk. Daglejervirks., 44 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gislev* (i Vald. Jordb. Gysæl, 1594: Gissle), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1887 af Hofjægerm. Lindegaard til Lykkesholm), Kro, Købmandsforretninger og Telefonstation; *Holme*, med Mølle, Andelsmejeri og, ved Landevejen, Friskole og Forsamlingshus (opf. 1890); *Sandager* med Skole, Mølle (Stenbjærg

Mølle) og Andelsmejeri; *Fjellerup*; *Ravndrup*; en Del af *Lamdrup* (Resten i Svindinge S.). *Sølt*, Gde. og Huse, med Skole. *Herbæk Huse*. *Dong*, Gde. og Huse. Gaarden *Eskelund* har $24^1/_2$ Td. Hrtk., $243^3/_4$ Td. Ld., hvoraf 10 Eng, $4^3/_4$ Skov, Resten Ager. *Raastrup*, under Lykkesholm, Ellested S., har $11^3/_4$ Td. Hrtk., 166 Td. Ld., hvoraf 18 Skov, Resten Ager. *Præstegaarden* har 14 Td. Hrtk., 148 Td. Ld., hvoraf 27 Skov, Resten Ager.

Gislev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 43. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Lykkesholm.

*Kirken*, fordum indviet til St. Vilhelm, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn, med Trappehus, mod V. og Korsfløj mod N. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. af Kamp i den tidligere Middelalder; Spor af et rundbuet Vindue paa Nordsiden og af Nord- og Syddøren ses. Korbuen er rund. I den senere Middelalder er Kirken bleven udvidet og forlænget mod Ø., af huggen Kamp og Mursten, ligesom Taarnet, for det meste af Mursten, er blevet tilføjet. Koret fik 3 paa Halvpiller hvilende Hvælvinger, hvoraf de to vestl. ere inddragne i Kirken. Det egentlige Skib havde inden 1589 Bjælkeloft, men har senere faaet 2 Hvælvinger, der hvile paa Halvpiller med Kapitæler. Det overhvælvede Taarnrum, der har Spidsbue ind til Kirken, er afskildret i to Rum, hvoraf det vestl., med Bjælkeloft, tjener som Vaabenhus. Korsfløjen, halvt af huggen Kamp, halvt af Mursten, er opf. 1739. Skib, Kor og Taarn have Kamgavle. For faa Aar siden er Taarnet og Østgavlen overpudset med Cement. I de to østlige Hvælvinger afdækkedes 1878 Kalkmalerier fra omtrent 1500, med Fremstillinger af Jesu Hist. (se Kirkehist. Saml. 3. R. II Bd., S. 606). Altertavlen (Christus i Getsemane) er fra 1820, malet af C. V. Eckersberg. Gammel udskaaren Prædikestol i Renæssancestil, restaureret 1630. Granitdøbefont med Ornamenter foroven og Rundbuer og Mandehoveder paa den firkantede Fod. I Kirkegulvet (under Stolene) en Ligsten over Birkedommer Andreas Friis, † 1770. Under Koret findes en til Kirkegaarden aaben Begravelse, oprindl. for Sehestederne til Lykkesholm; nu hvile de paa Kirkegaarden, hvor Hofjægerm. Lindegaard til Lykkesholm har rejst en Mindesten over deres Grav (se Pers. Tidsskr. 2. R. IV Bd. S. 142), og i den aabne Begravelse staa Kister med Lig af Slægterne Adeler og Lindegaard. Den ene Klokke er fra 1423 eller 1623 (se Kirkeh. Saml. II S. 84). — Uden for Kirkegaarden ligger et 1894 opf. Ligkapel.

Gaarden *Holmelund* i Holme har tidligere været beboet af Adelsfolk. — *Strarupgaard* tilhørte 1533 Chrf. Huitfeldt (se S. 709); 1664 hørte den under Krumstrup, og 1765 blev den udstykket.

S. V. for Kirken skal der efter et vistnok uhjemlet Sagn i Middelalderen have staaet paa de saakaldte Kapelagre et Kapel, hvorved der var en hellig Kilde.

*Eskelund*, for faa Aar siden kaldt *Ravndrupgd.*, fik 1881 sit nuv. Navn, da det paavistes, at den under dette Navn havde hørt til de saakaldte „Maalsgaarde", hvilke der var paalagt Ydelser til de kgl. Slotte, her til Nyborg Slot. Dens Hist. kan føres tilbage til Vald. Atterdags Tid. Den ejes af Hofjægerm. Lindegaard til Lykkesholm.

*Stenbjærg* var en By, hvori laa en Gaard *Gammelgaard*, der 1360 af Hans af Bestede blev pantsat til Niels Urne.

Fra en Mose ved Fjellerup hidrører et anseligt Depotfund fra den yngre Bronzealder, omfattende et Hængekar, en Smykkeplade, 29 Hals- og Armringe, flere Naale, to Celter m. m. (se Antikv. Tidsskr. 1843—45, S. 232 flg.).

**Litt.:** Kirkeh. Saml. 4. R. IV Bd. S. 58 flg. og 355 flg. — Se ogsaa under Ryslinge S. 710.

**Svindinge Sogn** omgives af Gislev, Gudbjærg, Langaa og Øksendrup Sogne samt Vindinge Hrd. (Frørup og Ørbæk S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^3/_4$ Mil S. V. for Nyborg og $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Svendborg. De højtliggende og for en Del bakkede Jorder ere dels ler-, dels sandmuldede. En Del Skov (Indhegningen, Ny Dyrehave, Bredemiste m. m.). Nordgrænsen dannes af Kongshøj Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg til Odense; det nordøstl. Hjørne berøres af Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 3843 Td. Ld., hvoraf 1648 besaaede (deraf med Hvede 49, Rug 297, Byg 392, Havre 465, Blandsæd til Modenh. 198, Grøntf. 63, Kartofler 8, andre Rodfr. 176), Afgræsn. 426, Høslæt, Brak, Eng m. m. 865, Have 123, Skov 558, ubevokset 46, Kær og Fælleder 16, Hegn 42, Veje og Byggegr. 105, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 313 Heste, 1174 Stkr. Hornkv. (deraf 701 Køer), 388 Faar, 389 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 387 Td.; 24 Selvejergaarde med 258, 20 Fæstegd. med 110, 64 Huse med 18 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse, omtr. $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 869 (1801: 650, 1840: 659, 1860: 709, 1880: 780), boede i 116 Gaarde og Huse; Erhverv: 60 levede af immat. Virksomhed., 564 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 1 af Fiskeri, 165 af Industri, 30 af Handel, 1 af Skibsfart, 27 af forsk, Daglejervirks., 11 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Svindinge* (1376: Svinninge, 1462: Swinninghe), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Forskole, Stiftelse, ved Vejen til Glorup (opf. 1852 af Grev Moltke-Hvitfeldt for 6 Personer eller Familier, fortrinsvis fra Stamhuset Moltkenborg), Forsamlingshus (opf. 1893 ved samme Vej), Andelsmejeri, Købmandsforretninger, Lægebolig og Telefonstation; en Del af *Lamdrup* (Resten i Gislev S.). *Kokkehaverne*, Huse. Hovedgaarden *Glorup*, under Stamhuset Moltkenborg, har $68^5/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $5^1/_2$ Td. Skovsk., 1021 og 90 Td. Ld., (71 i Langaa Sogn), hvoraf 38 Eng, 506 Skov, 90 Have og Parkanlæg, Resten Ager; til Gaarden (under hvilken drives $82^1/_2$ Td. Ld., der ikke høre til Stamhuset, men er Besidderens private Ejendom) høre 229 Td. Hrtk. Fæstegods (i Svindinge, Gudbjærg, Gislev og Frørup Sogne) samt Svindinge Sogns Kirke- og halve Kongetiende. Hovedgaarden *Anhof*, under samme Stamhus, har $49^3/_4$ Td. Hrtk., 445 Td. Ld. (80 i Øksendrup S.), hvoraf 6 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre 3 Arbejderboliger, $^1/_2$ Td. Hrtk. Arvefæstegods og $94^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Øksendrup og Frørup Sogne) samt Øksendrup Sogns Kirketiende*). Desuden *Rødemølle* med Valkeværk.

Svindinge S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 44. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Moltkenborg.

*Kirken*, fordum indviet til Simon og Judas, bestaar af Skib og Kor (indv. Længde 51 Al.) med lige Gavl, Taarn med kobberdækket Spir (73 Al.) mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført af huggen Kamp i Grunden til en Højde af 2—3 Al., Resten af røde Mursten, i Aarene 1571—78 af Rigshofmester Chrf. Walkendorff; paa Østgavlen staar 1577, paa Taarnets Sydside 1578; paa en Sten, der er indmuret i Taarnrummet, staar, at Kirken blev indviet 1577 (den tidligere Kirke, om hvilken man ellers intet ved, laa paa en Mark, „Kirkeløkken", tæt V. for Glorup). Hele Skibet og Koret have 4 Hvælvinger, hvis Buer hvile paa Konsoller af Kamp med udhuggede Figurer; Taarnrummet har een og Vaabenhuset to Hvælvinger. Rummet bag Alteret er indrettet til Sakristi. Østgavlen har Kamme og Blindinger. Ifl. en Sten i Koret blev Kirken restaureret indvendig 1853 af Ad. G. Moltke-Hvitfeldt. Altertavlen, fra 1853, er en af J. C. Dahl malet Kopi af Correggios „Hellige Nat" i Dresden. Den gamle Altertavle, fra 1620, i Alabast, indfattet i en Ramme af sort Marmor, og med et Hovedbillede, der forestiller Dommedag, staar ved Kirkens Nordvæg. Prædikestolen, fra samme Tid som den gamle Altertavle, er af gotlandsk, graamalet Marmor. Sandstensdøbefonten er fra 1853 (den gamle, af Granit, er i Museet i Odense). I Kirken findes flere Minder om Walkendorfferne. I Korets Nordvæg er indsat en stor Sten over Chrf. Walkendorff og hans to Brødre Jakob og Absalon (Axel) med deres Figurer

*) Til *Stamhuset Moltkenborg*, der indbefatter Hovedgaardene Glorup, Anhof og Rygaard samt Avlsgaardene Lundsgaard og Brenderupgaard, hører 681 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 171, indtaget til Skov $448^1/_4$, Bøndergods 418, Kirke- og Kongetiende (Svindinge Kirke- og halve Kongetiende, Øksendrup og Langaa Kirketiender) 46 Td.; i Bankaktier 15,200, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,938,300 Kr. Hovedgaardenes Tilliggende er omtr. 1419, Avlsgaardenes 303 Td. Ld., foruden 1371 Td. Ld. Skov.

udhuggede i overnaturlig Størrelse og deres fædrene og mødrene Vaaben; paa Kirkens Nordvæg hænger et Maleri af Chrf. Walkendorff og underneden en Tavle af Alabast med Aarst. 1599 og en Indskrift, der bl. a. fortæller, at han har ladet Kirken bygge; i Taarnrummet er indsat en Ligsten over Henning Walkendorff, † 1535, og Hustru samt den ovennævnte Sten om Kirkens Indvielse. Af de mange Ligsten, der have været i Kirken, ere endnu bevarede: en over Præsten Bendix Hansen, † 1652, og Hustru, en over Præsten Joh. Lauridsen (Alsius), † 1658, og Anna Larsdatter, † 1663, g. m. Præsten Fr. Brandt (over Joh. Lauridsen er der i Kirken indmuret en Mindesten), og en over Forpagter paa Glorup Axel Madsen Hviid, † 1748, og Hustru. Den største Klokke bærer Aarst. 1572 og en Indskrift, der melder, at Chrf. Walkendorff har ladet den støbe. Under Koret er der en Gravhvælving, fra hvilken Kisterne 1853 bragtes ud og nedsænkedes paa Kirkegaarden. — Paa Kirkegaarden findes Moltke-Hvitfeldternes Gravsted (*A. Poulsen*, S. Kirke med dens Præster, Degne og Ejere, Nyborg 1894).

Svindinge Kirke.

*Glorup* (1481: Gloroppe) tilhørte 1390 en Adelsmand Poul Nielsen og 1481 Axel Walkendorff, hvis Efterkommere derpaa besad den i 200 Aar, nemlig Henning W., † 1535, dennes Sønner Chrf. W., Rigshofmester, † 1601, og Jørgen W. Sidstnævntes Søn Henning W. døde 1626 og dennes Søn Henning W. 1658. Sidstnævntes Enke Margrethe Blome gjorde Opbud 1661, og G. blev udlagt til Henning Pogwisch for en Fordring paa 14,237 Rd. Han solgte den for samme Sum til Generallieutn. Hans Ahlefeldt, † 1694, der ejede det nærved Glorup liggende *Ovenskov* eller *Anhof*, som maaske er opkaldt efter Ahlefeldts 2. Hustru Anna Rumohr (den blev i Beg. af 18. Aarh. udskilt fra Glorup og oprettet som selvstændig Ejendom). Hun, der overlevede sin eneste Søn Chr. Ahlefeldt, † 1695, og selv døde 1711, testamenterede 1705 Gaardene til Gehejmer. Chr. Siegfr. Plessen († 1723). Den næste Ejer var dennes Søn Gehejmer. Chr. Ludv. P., † 1752, hvis Arvinger 1754 solgte G. til Grev Chr. Fr. Otto Wedel-Jarlsberg, som 1757 solgte den til Kancellir. Riegelsen for 90,000 Rd., af hvem G. 1762 blev købt af Grev Adam Gottlob Moltke til Bregentved, der ogsaa købte Rygaard 1765. Hans Enke Sophie Hedevig Raben oprettede under $^3/_7$ 1793 af G., Anhof og Rygaard *Stamhuset Moltkenborg* for sin ældste Søn Gehejmekonferensr. Grev Gebhard M., † 1851, der ifl. kgl. Bevilling af 1843 antog Navnet Moltke-Hvitfeldt. Stamhuset gik over til hans Søn, Gehejmr. Ad. G. M.-H., † 1876, dennes Søn G. L. M.-H., Gesandt i Paris, † 1896, og dennes Søn, den nuv. Besidder, fhv. Legationssekretær A. G. C. Greve Moltke-Hvitfeldt. — Den nuv. Hovedbygning, der i 2. Halvdel af 18. Aarh. afløste den tidligere Bygning (over Porten staar Ad. G. Molktes Navn og Aarst. 1765), som var opf. af Chrf. Walkendorff, er bygget i sin Tids Palaisstil og bestaar af 4 sammenbyggede Fløje i eet Stokv. med Kælder og Kviste samt et lille Klokketaarn over Indkørselsporten (det tidligere af Chrf. Walkendorff opførte Glorup, der laa paa samme Sted, havde 4 Taarne, der bleve nedtagne af Gehejmer. L. Plessen; det ældste Glorup laa længere østl.). Ved den nordl. Fløj og forbundet

med denne ved en 30 F. lang Buegang er der 1898 opført et Kapel i fransk-gotisk Stil af Kridtsten paa en Granitsokkel (Arkitekt: N. Jacobsen, Odense); det har et Sakristi og et lille Taarn; nederste overhvælvede Stokværk er Gravkapel for den Moltke-Hvitfeldtske Familie (her er den 1896 afdøde Greve bisat), det øverste er indrettet til Bedesal for katolsk Gudstjeneste. Paa Glorup findes mange kostbare Kunstværker, især Malerier, saaledes flere Portrætter af Juel, Marinemalerier af A. Melbye og C. F. Sørensen, Malerier af Skovgaard, C. Bloch, Sonne m. fl., en Magdalene af Guido Reni, en Christus af Rubens, Landskaber af Ruijsdal og Everdingen, et Portræt af Mignard m. m.; i Vestibulen staar Jerichaus originale Marmorstatue Panterjægeren. Bygningerne have været omgivne af Grave. Avlsbygningerne ere udflyttede og opførte 1872—75. Den meget store Have og Park (omtr. 90 Td. Ld.) er noget i sit Slags enestaaende i Landet. Haven, der anlagdes i 18. Aarh. af A. G. Moltke, er i sin nuv. Skikkelse anlagt af A. G. Moltke-Hvitfeldt i Aarene 1862—75 under Ledelse af Gartnerne H. A. Flindt og Eltzholtz. Den indeholder prægtige, i 1780 anlagte Lindealleer, mange sjældne Træer, store Driverier, Anlæg baade i fransk og engelsk

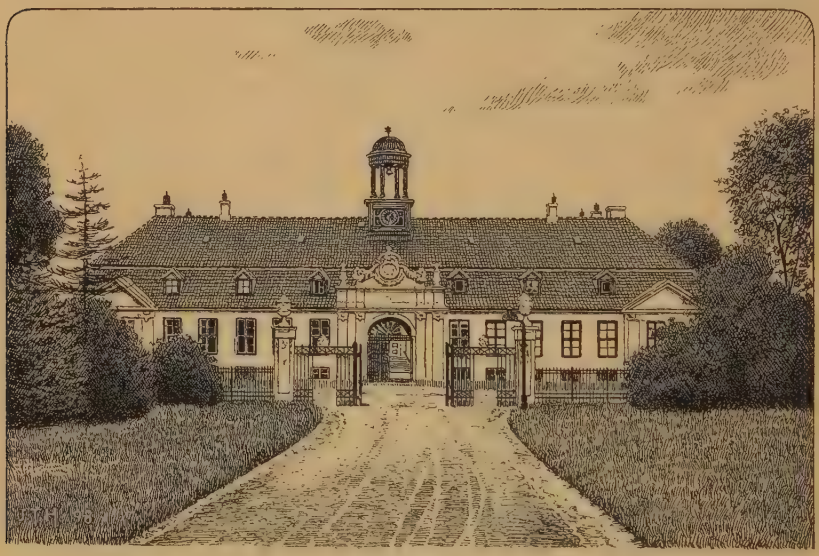

Glorup.

Stil, Damme (som Fontænedammen og Langedammen), Fontæner, mange Statuer, deribl. af græske Guder og Gudinder, en Bronceafstøbning af Venus fra Milo og af den belvederiske Torso, et græsk Tempel, under hvis af doriske Søjler baarne Kuppel en Marmorstatue af den lænkebundne Andromeda, en 20 F. høj Sandstenssøjle, der er rejst 1782 til Minde om den Moltkeske Families Sammenkomst paa Glorup 1778, en 140 F. lang Hængebro mellem to Taarne, der er spændt over en Kløft, hvori løber en lille Bæk, m. m. (se Aktstyk. til Opl. især af Danm. indre Forh. I S. 163 flg., *L. Wedel*, Indenlandsrejse S. 38 flg., *A. Poulsen*, Gl. Have, Nyborg 1895, og Ill. Tid. $^{9}/_{1}$ 1898).

Ved Rødemølle har der været en hellig Kilde, „Risekilden", som endnu i Slutn. af 18. Aarh. besøgtes St. Hansaften; ved Kilden var opstillet en Fattigblok.

Sognet var i ældre Tid Anneks til Ørbæk Sogn, Vindinge Hrd.; ved Kongebrev af $^{30}/_{10}$ 1554 blev det et eget Pastorat.

**Langaa Sogn** omgives af Annekset Øksendrup, Hesselager, Gudme, Gudbjærg og Svindinge Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $1^{3}/_{4}$ Mil S. S. V. for Nyborg og $2^{1}/_{4}$ Mil N. N. Ø. for Svendborg. De for det meste højtliggende og bakkede Jorder ere lermuldede. En Del Skov (Rygaard

Sk., Stenhave Sk.). Ved Sydøstgrænsen løber *Stokkebæk*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 1876 Td. Ld., hvoraf 841 besaaede (deraf med Hvede 40, Rug 133, Byg 195, Havre 174, Bælgsæd 19, Blandsæd til Modenh. 175, Grøntf. 43, Kartofler 4, andre Rodfrugter 58), Afgræsn. 329, Høslæt, Brak, Eng m. m. 373, Have 22, Skov 211, Moser 6, Kær og Fælleder 8, Hegn 36, Veje og Byggegr. 50 Td. Kreaturhold 1893: 134 Heste, 562 Stkr. Hornkv. (deraf 369 Køer), 321 Faar og 180 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 175 Td.; 13 Selvejergaarde med 102, 14 Fæstegd. med 61, 39 Huse med 12 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 413 (1801: 324, 1840: 342, 1860: 415, 1880: 361), boede i 68 Gaarde og Huse; Erhverv: 16 levede af immat. Virksomh., 261 af Jordbr., 67 af Industri, 10 af Handel, 52 af forsk. Daglejervirks., 5 af deres Midler, og 2 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Langaa* (1407: Langw, maaske Langhøj), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Andelsmejeri og Jærnbanestation („Rygaard Station"). Hovedgaarden *Rygaard*, under Stamhuset Moltkenborg (se S. 712), har $52^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og $5^3/_8$ Td. Skovsk., 598 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, 144 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $78^7/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Langaa og Gudme S.) og Langaa Kirketiende.

Langaa S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 53. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Moltkenborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid af raa Kamp paa en huggen Sokkel med Skraaprofil. Enkelte af de oprindelige Vinduer ere bevarede. Taarnet og det lave, uanselige Vaabenhus samt Kirkens simple Krydshvælvinger ere fra den senere Middelalder. Altertavle og rigt udskaaren Prædikestol ere fra Slutn. af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont med Løvværk og Dyrefigurer paa Kummen. I Koret et anseligt Sandstensepitafium uden Indskr. over Joh. Urne og Hustru Anne Rønnov. En simpel romansk Ligsten er indmuret i Skibets Nordside. Paa Indersiden af Korbuen, der oprindl. var rundbuet, men nu ender i en Spidsbue, findes Kalkmalerier fra Beg. af 16. Aarh. (Opstandelsen og Christus for Pilatus), fremdragne af Prof. Magn. Petersen 1885 (se Kalkmal., S. 67). Den ene Klokke er meget gammel, men uden Indskrift. Under Koret er en Gravhvælving, hvor ovennævnte Joh. Urne har været begravet.

*Rygaard* tilhørte ved Midten af 14. Aarh. Ridderen Hauburd eller Hagbard Jonsen, derefter hans Enke Margrethe og Datter af s. Navn, der ejede R. 1372. Efter hende kom den vistnok til hendes Svigersøn Niels eller Claus Urne, der ligeledes nævnes 1372, og tilhørte senere hans Sønnesøn Jørgen U., † 1480, Sønnen Rigsraad Hr. Joh. U. og dennes Søn Chrf. U., hvis Datter Margrethe bragte den til sin Mand Niels Bild til Ravnholt, der døde 1622 som den sidste Mand af denne Linie af Slægten. Ved at ægte hans Datter Kirsten B. erhvervede Asmus v. Ahlefeldt R., som derefter ejedes i Fællesskab af hans Døtre Vibeke, Hans Kaas', Anne, Henrik Langes, og Jmfr. Margrethe v. A. Ifl. en Overenskomst af 1653 blev Niels Hansen Kaas Eneejer og solgte saa 1669 R. til Niels Banner, som imidlertid straks pantsatte den til Peder Pedersen Lerche for hele Købesummen 7350 Rd. Efter at Niels Banner havde maattet gøre Opbud, blev R. 1670 udlagt til Lerche for 7681 Rd.; han tilkøbte en Del Bøndergods og Kirker og oprettede af R. med tilliggende Bøndergods et Stamhus. Hans Søn Gehejmer. Vincents L. tilkøbte Vormarkgaard og Gods, men maatte paa Grund af slet Økonomi og daarlige Tider — Gaard og Gods var ifl. et Synsvidne af 1690 i ødelagt Stand — 1694 ansøge Kongen om Tilladelse til at afhænde Stamhuset og solgte saa Gaard og Gods (322 Td. Hrtk.) til Oberst Hans Fr. Pultz, † 1714; R. tilfaldt derefter hans Søn Major Peder P., † 1764, hvis Enke Edel Margrethe Güldencrone til Tiselholt 1765 solgte Gaarden for 48,000 Rd. til Grev Adam Gottlob Moltke, hvis Enke indlemmede den i Stamhuset Moltkenborg (se Glorup, S. 713). — Hovedbygningen, der er opført i en Sump paa nedrammede Pæle, er en meget interessant gammel Bygning, der desværre er saa forfalden, at den trues med fuldstændig Ruin. Dens ældste Del er formentlig opført i Kong Hans' eller Chr. III's Tid (den blev

indtagen i Grevens Fejde 1535; er den da bleven ødelagt, er den genopført kort efter) og bestaar af 4, af røde Mursten opførte, sammenbyggede korte Fløje, der indeslutte en lille Borggaard (se Vignetten S. 704). Den ældste Fløj er den nordl., der har to Stokv. og et Halvstokv. foroven, der krager ud paa begge Langsider og har Rundbuefriser baade mellem 1. og 2. Stokv. og under Halvstokværket; Skydehullerne ere bevarede; ogsaa Smalsiderne, med takkede, blindingsprydede Gavle, have Rundbuefrise, men her er den kun dekorativ; Kælderne have Hvælvinger, der bæres af svære Piller; Stokværkerne have fladt Loft; hele det øverste har været Riddersal, i hvilken der endnu ses Rester af Kalkmalerier. Alle Gavlene have Kamme og Blindinger. Ved Indersiden af Fløjen staar et rundt Taarn, der vistnok er senere tilføjet eller omdannet. De andre Fløje, der ere lavere og ogsaa have Rundbuefriser og takkede, blindingssmykkede Gavle, ere senere tilføjede, maaske i Slutn. af 16. Aarh. (1593 omtales en Ombygning af Gaarden). Mellem vestl. og sydl. Fløj staar ligeledes et rundt, lavt Taarn. Begge Taarnene have en Slags Kuppeltag. I den sydl. Fløj er Portudbygning og Portgennemgang. Paa de to Sider er Gaarden endnu omgiven af Damme, paa de to andre har der været Grave. Gaarden har ikke været beboet af Ejerne,

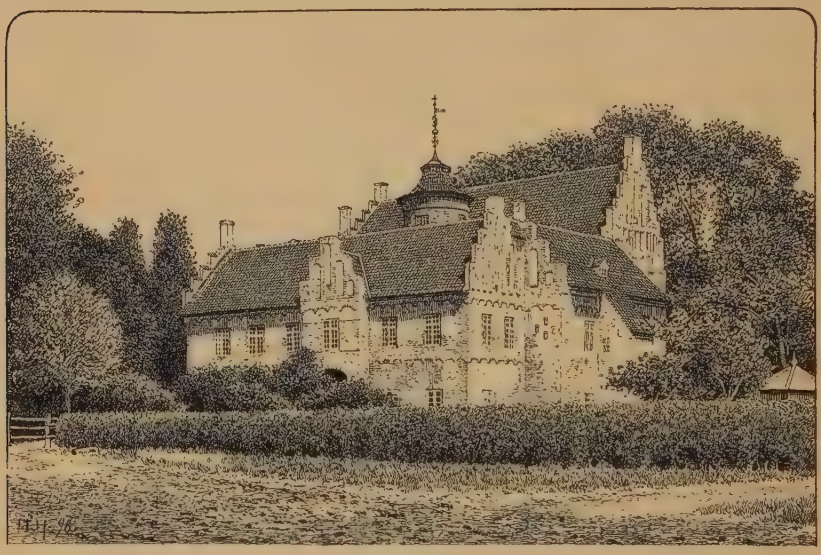

Rygaard.

siden den købtes af Moltke. (Se *Fr. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist. S. 54 Tegn. og Opmaal., i Kunstakademiet, af *V. Koch*; Ill. Tid. $^{24}/_{10}$ 1897).

I Sognet har fordum ligget en Hovedgaard *Langholm*, der tilhørte Jep Nielsen (Grubendal), som 1425 blev dræbt af Gert Bryske, og derefter hans Søn Anders Jepsen, der 1492 indværgede L. med Lovhævd og 1497 var Høvedsmand paa Hindsgavl.

Ved Langaa er der undersøgt en mindre, men ganske vigtig Brandplet-Gravplads fra den førromerske Jærnalder; i en af Gravene optoges en stor Jærnkedel, Metalbeslag til en Vogn, flere Vaaben m. m., i en anden Overdelen af et stort, smukt Broncekar af klassisk Arbejde.

Langaa var Anneks til Hesselager, indtil det ved Kongebrev af $^{25}/_{1}$ 1553 blev et eget Pastorat med Øksendrup til Anneks.

**Øksendrup Sogn**, Anneks til Langaa, omgives af dette, Svindinge Sogn, Vindinge Hrd. (Frørup S.), fra hvilket det adskilles ved Kongshøj Aa, og Hesselager Sogn. Kirken, mod V., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. S. V. for Nyborg og $2^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Svendborg. De højtliggende og bakkede Jorder (Blissingehøj, 191 F., 60 M.) ere ler- og sandmuldede. Gennem

Sognets vestl. Del gaar Landevejen fra Nyborg til Svendborg; Vestgrænsen berøres af Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 1316 Td. Ld., hvoraf 702 besaaede (deraf med Hvede 24, Rug 122, Byg 160, Havre 134, Bælgsæd 54, Blandsæd til Modenh. 114, Grøntf. 39, andre Rodfr. 53), Afgræsn. 196, Høslæt, Brak, Eng m. m. 283, Have 18, Skov 30, Moser 24, Hegn 20, Veje og Byggegr. 36, Vandareal 7 Td. Kreaturhold 1893: 135 Heste, 483 Stk. Hornkvæg (deraf 299 Køer), 292 Faar, 173 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 153 Td.; 23 Selvejergaarde med 104, 6 Fæstegd. med 33, 47 Huse med 16 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse; $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 404 (1801: 239, 1840: 317, 1860: 357, 1880: 350), boede i 76 Gaarde og Huse; Erhverv: 10 levede af immat. Virksomhed, 226 af Jordbr., 111 af Industri, 13 af Handel, 33 af forsk. Daglejervirks., 10 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Øksendrup*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Kro og Jærnbanestation; *Tangaa*, ved Landevejen. *Kongshøj Hammerværk*, Fabrik for Agerdyrkningsredskaber (oprettet 1851). *Tangaa*, Gd. og Mølle.

Øksendrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt 3. Udskrivningskr.' 54. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Moltkenborg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i den romanske Tid af raa Kamp paa en tilhuggen Sokkel med Skraaprofil. I den senere Middelalder er Koret blevet udvidet mod Ø., det lave Taarn og det uanselige Vaabenhus opførte samt Kirken bleven overhvælvet. Altertavlen er et tarveligt Snitværk fra Chr. IV's Tid; Prædikestolen er fra samme Tid. Romansk Granitdøbefont. I Skibet et sent-middelalderligt Krucifiks; i Taarngulvet to smukke Ligsten. I Kirkegaardshegnet en muret middelalderlig Port med to Indgange.

I *Øksendrup* har ligget en Hovedgaard af samme Navn, som 1516 tilhørte Markvard Hansen Hundermark, der 1506 var Herredsfoged i Gudme Herred. Den arvedes af hans Sønner Claus og Peder H., hvilken sidste var Landsdommer i Fyn.

I Tangaa har ligget den gamle Hovedgaard *Tange*, der 1351 ejedes af Peder Nielsen og siden af Hr. Niels Esgesen (Frost), der solgte den til Marsken Hr. Evert Moltke, som 1375 afkøbte Jep Jensen i Tjæreby al hans Del i Bodholt, Bodholt Fang, Tange og Møllen samt hans Gods i Øksendrup. Hr. Evert pantsatte 1378 Tange til sin Svend Otte Strangesen (Bild), af hvem Hr. Niels Jensen (Rosenkrantz) indløste Gaarden 1391. Hr. Everts Enke Kirsten Timmesdatter, der havde ægtet unge Hr. Henning Podebusk, solgte 1403 T. til Dron. Margrethe, men Hr. Niels Jensen synes dog at have hævdet sin Besiddelse, thi T. gik i Arv i Rosenkrantz-Slægten til hans Søn Hr. Niels Nielsen, † 1469, dennes Søn Hr. Erik Nielsen, Degn i København, hvis Farbrodersøn Mogens Ludvigsen endnu 1550 skrev sig til T. I Slutn. af 16. Aarh. forsvandt T. som Herregaard; senere kom den ind under Glorup (se Person. Tidsskr. 1891, S. 46 flg., og 1894, S. 119).

Øksendrup var Anneks til Frørup indtil 1553, da det blev Anneks til Langaa.

**Hesselager Sogn** omgives af Oure, Gudme, Langaa og Øksendrup Sogne, Vindinge Hrd. (Frørup S.), fra hvilket det adskilles ved Kongshøj Aa, og Store Bælt. Kirken, mod V., ligger 2 Mil S. for Nyborg og omtr. lige saa langt N. Ø. for Svendborg. De bakkede og noget højtliggende Jorder, der skraane ned mod Kysten, hvor der findes bratte Skrænter, ere ler- og sandmuldede. En Del Skov (Porresk., Fredsk., Faldesk.). Midt gennem Sognet løber fra V. til Ø. *Stokkebæk*. Til Sognet hører Øen *Vresen* i Store Bælt, omtr. 10 Td. Ld., med den lille Holm *Langesand*. I den sydvestl. Del gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 4814 Td. Ld., hvoraf 2311 besaaede (deraf med Hvede 54, Rug 464, Byg 634, Havre 559, Bælgsæd 104, Blands. til Modenh. 291, Grøntf. 82, Frøavl 3, Kartofler 17, andre Rodfr. 103), Afgræsn. 725, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1154, Have 74, Skov 327, Moser 37, Kær og Fælleder 8, Hegn 58, Stenmarker m. m. 21, Veje og Byggegr. 91, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 434 Heste, 1578

Stkr. Hornkv. (deraf 991 Køer), 882 Faar, 881 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 522 Td.; 18 Selvejergaarde med 142, 48 Arvefæstegd. med 229, 20 Fæstegd. med 100, 202 Huse med 48 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1548 (1801: 917, 1840: 1235, 1860: 1356, 1880: 1491), boede i 305 Gaarde og Huse; Erhverv: 74 levede af immat. Virksomh., 878 af Jordbrug, 9 af Gartneri, 33 af Fiskeri, 377 af Industri, 69 af Handel, 45 af forsk. Daglejervirks., 45 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv. Fiskeri er af Betydning.

I Sognet Byerne: *Hesselager* (delt i Gml. og Ny-H.) med Kirke, Præstegd., Skole, Forskole, „Hesselager store Hospital" (opr. 1597 af Niels Friis til Ørbæklunde og Hesselager, med et Hus ved Kirken til 8 fattige, nu et alm. Fattighus), „Hesselager lille Hospital" (opr. 1765 af Arvingerne efter Amtsforvalter Laur. Baggesen, med et Hus til 4 fattige, ligeledes nu et alm. Fattighus), Apotek, Lægebolig, Mølle (11 Td. Hrtk.), Fællesmejeri, Markedsplads (Marked i April med Heste og Kvæg, i Okt. med Heste, Kvæg og Faar) og Telefonstation; *Vormark* med Skole, Forsamlingshus (opf. 1897), Mølle og Andelsmejeri; *Boholt*; *Fiskeholt*; *Refsøre*; *Bøsøre*. *Klintholm*, Gd. og Huse (tidligere Ladeplads for Hesselagergd.), med Pakhus. *Trappedals Huse*, *Stokkebæk* og *Askebæk Huse*. Hovedgaarden *Hesselagergaard* har 86 Td. A. og E. Hrtk. og $3^1/_2$ Td. Skovsk., omtr. 1074 Td. Ld., hvoraf omtr. 100 Eng, 274 Mose og Skov, Resten Ager; til Gaarden høre to Vandmøller, en Savmølle, et elektrisk Lysanlæg (drevet ved Vandkraft), Hesselager Sogns Konge- og Kirketiende, af Fæstegods 78 og af Arvefæstegods $191^1/_2$ Td. Hrtk. (Godset ligger i Hesselager, Oure og Gudme Sogne). Desuden *Strandgaard*.

Hesselager S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 52. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Hesselagergaard.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med en lille Tilbygning paa Nordsiden, to Udbygninger paa Skibets Nord- og Sydside samt et lavt Taarn mod V. med en Tilbygning paa Vestsiden. Kirken er oprindl. romansk, opf. af raa Kamp paa en profileret Sokkel, men til forskellige Tider ombygget og udvidet. Koret med dets Tilbygning er sikkert opf. af Joh. Friis og har smukke Renæssancegavle, der minde om Hesselagergaards. Udbygningen mod N. tilskrives samme, medens Udbygningen mod S. skal være opf. af Kansler Niels Friis 1597—98; begge have tarvelige Renæssancegavle. Taarnet tilhører vistnok den senere Middelalder; dets Tilbygning er nyere. Skibet har simple Krydshvælvinger, Kor og Udbygninger smukt profilerede Krydshvælvinger. Altertavlen er et Maleri (Opstandelsen) af C. Bloch, skænket ligesom Orgelet af C. E. Dons. Romansk Granitdøbefont med Løvværk paa Kummen. Prædikestolen er et barokt Renæssancearbejde. I Koret Ligsten over Jesper Friis, † omtr. 1561, og Søsteren Maren Friis, † s. Aar, og over Henrik Friis, † 1571, og Hustru, samt en Mindesten, bekostet 1557 af Joh. Friis for ham og hans Slægt (paa Stenen er udhugget en Dødningefigur som Skjoldholder); smstds. en Mindetavle over Kommercer. Laur. Baggesen og Hustru. I søndre Udbygning en smuk Marmormindetavle over Friisernes Slægt, en Kopi af Kansler Joh. Friis' nu tilintetgjorte Monument i Graabrødrekirke i Odense fra 1540, opsat af Niels Friis samtidig med Udbygningens Opførelse, og 3 Malerier over Præsten Henr. Landt, † 1796, Hustru og Barn. I nordre Udbygning en Mindesten fra 1559 i Anledning af Kirkens Ombygning ved Joh. Friis (se *Løffler*, Gravmon. i Ringsted Kirke S. 12), Ligsten over Forpagter Morten Iversen, † 1670, og Præsten Laurids Barfod, † 1634, samt over Humbles Svigermoder „Hr. Nielses fordums Præste-Qvinde udi Dalby", † 1658; smstds. Mindetavle med Maleri over Præsten Peder Christensen Humble, † 1675, og over Præsten Poul Landt, † 1756. I Taarnet en Klokke med Minuskelindskrift fra 1495, vistnok fra Øm Kloster. Under Kirkegulvet er der Begravelse for Hesselagergaards Ejere og for Præster i Sognet. — Nord for Kirken ligger en vel bevaret Kirkelade, af raa Kamp og Munkesten.

*Hesselagergaard* (i Vald. Jrdb. Hæslæakær, 1462: Heslager) nævnes alt i Vald. Jrdb. 1231 som tilhørende Kongen. 1419 tilhørte den Jakob Ottesen (Bild), Søn af den under Tangaa (S. 717) nævnte Otte Strangesen. Ved at ægte hans Datter Maren Bild blev Henrik Friis Gaardens Ejer, derefter hans Søn Jesper F., † ca. 1505, hvis Søn var H.'s berømteste Ejer, Kansleren Joh. F., der 1538 opførte den nuv. Hovedbygning og 1548 med Kongens og Rigsraadets Samtykke oprettede H. til et Stamhus (det første her i Landet oprettede Stamhus) for sin Slægt; men efter hans barnløse Død 1570 blev Stamhuserektionen annuleret, og der blev rejst Anklage mod ham for paa ulovlig Maade, ved Mageskifte og Køb, at have erhvervet sig Gods af Kronen, og Arvingerne maatte betale 50,000 Rd. for at faa Lov til at beholde hans efterladte Gods (se Saml. til Fyens Hist. III Bd. S. 117 flg.). H. gik i Arv til hans ældste Brodersøn Niels F., † 1610; Sønnen Tønne F., † 1642, arvede Gaarden, derefter dennes Søn Niels F., † 1658, hvis Søn Tønne F. døde ung, hvorefter Gaarden for Gæld blev solgt af Niels Friis' Enke Ingeborg Parsberg til hendes Ridefoged Palle Jensen Hegelund, men da begge døde kort efter, blev Købekontraktens Gyldighed stærkt omtvistet;

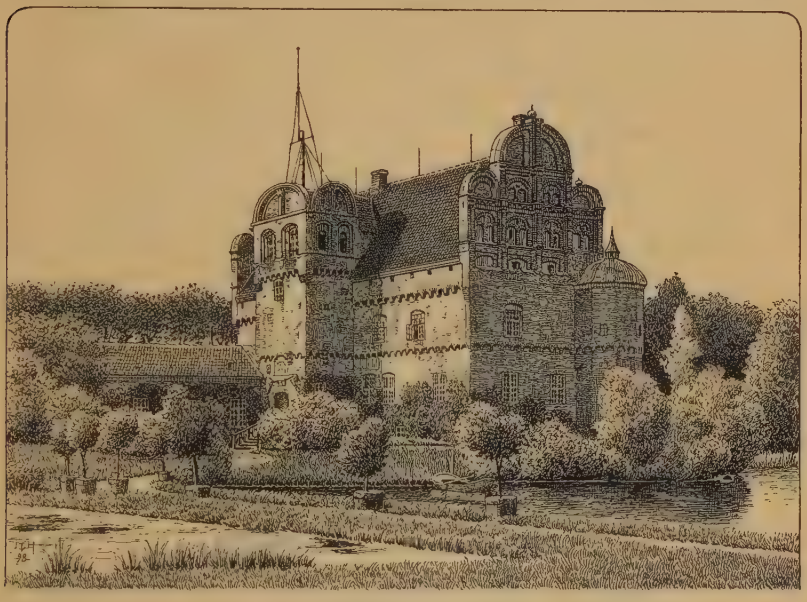

Hesselagergaard.

dog blev en af Palle Jensens Kreditorer, Poul Zachariasen Grønnevold, Gaardens Ejer ifl. Skøde af 1683 fra Etatsr. Holger Parsberg. Ved hans Død blev den ved Auktion 1702 tilslaaet hans Svigersøn Amtsforvalter Niels Buckholtz, gift med Inger Margrethe Grønnevold. Han ruineredes ved uforsigtige Kautioner, og 1725 blev den ved Auktion tilskødet Odense Skole og Hospital for 19,300 Rd. Skolens Direktion solgte dog alt 1727 H. til Kommercer. Amtsforvalter Laur. Baggesen, † 1750. Dennes Enke Øllegaard Baggesen, f. Buckholtz († 1767), solgte 1766 H. Gaard og Gods (470 Td. Hrtk.) til sin ældste Søn Niels Baggesen († 1799) for 58,524 Rd. Han solgte den 1798 for 80,000 Rd. til Overkrigskommissær Joh. Fr. Friis, der 1802 afhændede den til Kancellir., senere Etatsr. Dons for 114,000 Rd. Han afstod 1819 Gaarden til Sønnen Andreas D.; derefter ejedes den af Sønnen Simon Andersen D., efter hvem den 1888 købtes for 1,300,000 Kr. af Sognepræst H. H. Møller til Følleslev-Særslev, g. m. Enkefru Dons. — Hovedbygningen er en af Landets ældste og ejendommeligste Herregaarde. Efter den latinske Indskrift over Portalen er den opført eller paabegyndt 1538 af Joh. Friis (Indskriften lyder i Oversættelse: „Joh. F. lod disse nye Huse opføre paa sin gamle Fædrenegaard for sig og sine; hans veludhugne Vaaben, som du her ser, viser, til hvilken Slægt han og hans gamle Familie hører.

1538“). Den er opført, maaske med Morten Bussart som Bygmester, paa Resterne af den ældre Bygning, som blev ødelagt under Grevens Fejde, i kraftig, nederlandsk Stil, omtr. som Borreby, der ogsaa er opf. af Joh. Friis. Bygningen bestaar af Kælder, hvis Spidsbuehvælvinger bæres af Piller, to Stokv. og et Halvstokv.; ved Forsidens Hjørner staa to ottekantede Taarne med lave Kuppeltage og midt paa Bagsiden et sværere og højere firkantet Trappetaarn, der vist før har haft Kuppeltag, men nu ender i afrundede Gavle. Bygningens Smalsider have høje, i Trin afrundede Gavle (de første Gavle i Landet med Renæssanceformer). Muren i Forsiden af Bygningen er omtr. 6, i Bagsiden 3 F. tyk. Paa Bygningen og alle tre Taarne er der Rundbuefrise mellem 1. og 2. Stokv.; ligeledes har Bygningens Bredsider Rundbuefrise under det udkragende Halvstokv., som har Skydeskaar og Skoldehuller. Paa Smalsiderne mangler Halvstokværket, hvad der synes at tyde paa en senere Ombygning, ved hvilken Gavlene ere tilsatte. Det indre af Bygningen er helt omdannet. I Kælderen findes en Brønd. Paa Gaarden findes et af Jac. Binck 1550 malet Portræt af Joh. Friis. Bygningen, til hvilken slutte sig nogle lave, senere opførte Bygninger, har været omgiven af dobbelte Grave, som til Dels endnu ere bevarede (se *Burman-Becker*, Efterretn. om de gamle Borge i Danm. III Bd. S. 41 flg. *Mejborg*, Gml. d. Hjem S. 15. *Fr. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist., S. 52. Ill. Tid. $^{8}/_{5}$ 1898. Aktst. til Opl. især af Danm. indre Forh. II S. 148 flg. Tegn. og Opmaal., i Kunstakademiet, ved *F. A. Koch* og *H. Garde*).

*Vormark* var fordum en Hovedgaard, der 1419 tilhørte Peder Andersen, 1470 Bild Pedersen (Bild) og 1493—1530 Sønnen Peder Bild. En senere Ejer var Henrik Lange til Rygaard, der 1664 købte den af Fru Ingeborg Parsberg; hans Enke Hipolitha Hahn solgte den 1687 til Hofjunker Vincents Lerche, der 1694 solgte Gaard og Gods med Frørup Kirke til sin Forpagter Hans Thomesen, hvis Enke Inger Hansdatter Krarup ægtede Hans Christensen Anker, der 1745 solgte Gaarden (206 Td. Hrtk.) til Søren Lund til Damsbo. Ved Auktion efter ham 1755 blev den købt (238 Td. Hrtk.) af Anders Hvid, Sognepræst til Brenderup og Ore, for 14,100 Rd. Han bortsolgte Bøndergodset og afhændede 1756 Gaarden med 36 Td. Hrtk. til Købmand Peder Jørgensen Graae i Svendborg og Søren Jørgensen paa Hvidkilde for 5710 Rd. En flg. Ejer, Oberstlieutn. Cicignon til Nakkebølle, solgte 1764 V. for 2000 Rd. til Kommerceraadinde Baggesen, der lagde Gaarden ud i 3 Bøndergaarde.

Jep Jensen af Tjæreby solgte 1375 sin Del i *Bodholt* og Bodholt Fang til Hr. Evert Moltke, der 1376 tilkøbte sig den øvrige Ejendom af Hr. Niels Esgesen.

Den mærkelige Ø *Vresen* med *Langesand*, der ligger omtr. 1 Mil N. V. for Langelands Nordspids, og som kun med nogle faa Favnes Bredde snor sig i S-Form fra S. til N., nævnes i Jac. Madsens Visitatsb. med den Bemærkning: „Niels (Friis) haver sit Stod derpaa. Noget Egekrat paa“. Joh. Friis til Hesselagergd. fik 1529 Brev om, at han maatte indløse Vresen, der da var pantet til Vor Frue Kirke i Nyborg, og beholdt den i Pant. Øen hører nu under Stamhuset Broholm, til hvilket den kom 1767 ved Mageskifte med Glorup. Øen, som hidtil har været ubeboet, fik 1898 et Bjælkehus til Beboelse for en Fiskerfamilie.

I Nærheden af Hesselager By ligger *Hesselager-* eller *Damestenen* (fredlyst), den største erratiske Blok i Danmark, omtr. 146 F. i Omfang og 40 F. over Jorden.

Ved Gravning i den til Hesselager hørende Tvedskov fandtes 1843 en smuk Halsring af sølvblandet Guld fra den yngre Jærnalder (Metalværdi 501 Kr.); 1856 fandtes smstds. en Guldbrakteat (begge i Nationalmuseet). — Ved Vormark ligger en fredlyst Langdysse med 45 Randsten.

**Oure Sogn** (udt. Ore) omgives af Annekset Vejstrup, Brudager, Gudme og Hesselager Sogne samt Store Bælt. Kirken, mod S. V., ligger $1^{1}/_{4}$ Mil N. Ø. for Svendborg. De bakkede, mod Stranden skraanende Jorder (V. for Albjærg er trig. Station) ere sandmuldede, ved Stranden, hvor der findes bratte Skrænter, sandede. En Del Skov (Fredsk., Grønnesk.). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 2824 Td. Ld., hvoraf 1519 besaaede (deraf med Hvede 43, Rug 281, Byg 394, Havre 302, Bælgsæd 8, Blandsæd til Modenh. 269, Grøntf. 126, Frøavl 9, Kartofler 4, andre Rodfr. 83), Afgræsn. 328, Høslæt, Brak, Eng m. m. 575, Have 55, Skov 189, Moser 2, Kær og Fælleder 2, Hegn 54, Flyvesand, Stenmarker m. m. 13, Veje og Byggegr. 84, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 270 Heste, 1026 Stkr. Hornkv. (deraf 665 Køer), 347 Faar, 375 Svin og 5 Geder.

Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 277 Td.; 42 Selvejergaarde med 182, 8 Arvefæstegd. med 31, 5 Fæstegd. med 17, 133 Huse med 45 Td. Hrtk. og 33 jordløse Huse, $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1129 (1801: 434, 1840: 840, 1860: 1042, 1880: 1189), boede i 211 Gaarde og Huse; Erhverv: 44 levede af immat. Virksomh., 679 af Jordbrug, 10 af Gartneri, 49 af Fiskeri, 223 af Industri, 32 af Handel, 13 af Skibsfart, 45 af forsk. Daglejervirksomh., 29 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Oure* (udtales Ure), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole, Baptistkapel, Kro, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Albjærg* med Skole (Caroline Amalies Sk., paa Byens Mark). Fiskerlejet og Ladepladsen *Lundeborg*, anlagt af og hørende under Stamhuset Broholm — 1. Febr. 1890 30 Huse (1899 omtr. 50) og 202 Indb. (1801: 22, 1840: 45, 1860: 90, 1880: 205) —, med et 1896 opf. Bedehus (til Dels ved Bidrag fra Beboerne; det bestaar af Forstue og Bedesal med Alter og Prædikestol), Forskole, Invalidestiftelse (opr. 1864 af Kmhr., Hofjægerm. N. F. B. Sehested til Broholm, med et Hus til Fribolig for Krigsinvalider og deres Enker), Havn (anlagt 1861—62, Yderhavnen tilbygget 1869; Dybden 9—10 F.; rødt, fast Havnefyr), Anløbssted for Dampskibe, Toldassistent- og Telefonstation, Kro og Badested. *Grønneskovgaarde*, *Bolsmose Huse*. *Tangegaard*, under Stamhuset Broholm, har $12^3/_4$ Td. Hrtk. (samt 1 Td. under Broholm Hovedgaard), 131 Td. Ld. ($13^1/_2$ i Gudme S.), hvoraf 8 Eng, Resten Ager. *Knarreborg Vandmølle*. *Elsehoved Fyr* paa Pyntens Yderende (fast Vinkelfyr, Flammens Højde 31 F. o. Havet, Lysvidden $2^3/_4$ Mil; det runde Fyrtaarn er 26 F. højt).

Oure S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 49. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Tiselholt.

*Kirken*, fordum indviet til St. Michael, bestaar af Skib og Kor ud i eet samt Taarn, med Trappehus, mod V. Den er opført af raa Kamp uden Sokkel og tilhører oprindl. den romanske Periode. Fra denne Tid ses et nu tilmuret lille Vindue paa Skibets Sydside og to firkantede Døre. Koret og Taarnet, opf. af Munkesten med takkede og blindingssmykkede Gavle, ere fra den senere Middelalder. Skibet har fladt, pudset Loft, Koret Stjernehvælving med profilerede Grater og Taarnets Underrum en almindelig Krydshvælving, der udgaar fra svære, tresidede Piller. Et Vaabenhus mod S. nedbrødes 1882, og den vestl. Del af Taarnrummet indrettedes til Vaabenhus. Altertavlen (Christus med Brødet og Vinen) er malet 1847 af Zehngraf. Romansk Granitdøbefont med Løvværksornamenter og Hoveder paa Kummen. Raat udskaaren Prædikestol fra 1577. I Skibet over Korbuen et lille, middelalderligt Krucifiks, i Gulvet to Ligsten over Præsten Iver Nielsen Krage, † 1629, og over Borgmester Andreas Hansen, † 1591. I Koret bleve nogle Kalkmalerier fra 16. Aarh., forestillende Scener af Christi Liv, opfriskede 1882. Under Korets sydvestl. Hjørne fandtes 1856 en Begravelse med to Kister med Ligene af Baron Fr. Güldencrone, † 1781, og Edele Margr. Pultz, f. Güldencrone, † 1803. Udvendig i Korets Sydside er indmuret en romansk Ligsten over Tyge Gregersen (se *Løffler*, Gravst. Pl. XIII).

1451 overdrog Anders Jensen Passow til Tersløse til Hr. Eggert Frille et aabent Brev, hvorved Axel Ubbesen tilskødede Biskop Niels Jakobsen Lunge af Strengnæs sit Gods i Fyn, som han fik efter sin Morbroder Mattis Persen, „som er Hovedgaarden i *Brembeck*, Øræ Sogn, Gudme Herred".

*Tangegaard*, hvis Hovedbygning er opf. 1884, blev 1855 samlet af Jord fra Broholm Hovedgaard og Fæstejord.

Paa en Mark, „Enemærket", som dengang hørte under Broholm Hovmarker, men fra 1855 hører under Tangegaard, oppløjedes 1833 den betydeligste Samling af Guldsager, der i eet Fund er fremkommet i Danmark. Fundet, der hidrører fra 5. eller 6. Aarh., omfatter 3 store Halsringe, 4 Armringe, et Spænde, 7 Brakteater, 13 Stykker afhuggede Ringe, flere Barrer o. a., i alt 52 Guldstykker med en saml. Værdi af omtr. 7150 Kr. (se Nord. Tidsskr. f. Oldk. II S. 184 fl., og *Sehested*, For-

tidsminder fra Egnen om Broholm, S. 199 flg. og Pl. XLI—XLIV). Flere andre, men mindre Guldfund ere fremdragne saavel i dette Sogn, f. Eks. paa Elsehoved, en Pynt ved Store Bælt i Sognets sydøstlige Hjørne, som i de omliggende Sogne. Paa Elsehoved er der endvidere truffet en Boplads fra Stenalderen.

Oure havde alt før 1536 Vejstrup til Anneks.

**Vejstrup Sogn**, Anneks til Oure, omgives af dette, Brudager Sogn, Sunds Hrd. (Skaarup S.), fra hvilket det adskilles ved Vejstrup Aa, samt Store Bælt. Kirken, mod V., ligger omtr. 1 Mil N. Ø. for Svendborg. De bakkede, mod Ø. skraanende Jorder ere lermuldede, sandmuldede og sandede. Nyskov. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 1669 Td. Ld., hvoraf 958 besaaede (deraf med Hvede 66, Rug 108, Byg 233, Havre 165, Bælgsæd 13, Blandsæd til Modenhed 181, Grøntf. 102, Kartofler 8, andre Rodfrugter 81), Afgræsning 177, Høslæt, Brak, Eng m. m. 307, Have 28, Skov 122, Kær og Fælleder 4, Hegn 18, Veje og Byggegr. 48, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 148 Heste, 664 Stkr. Hornkv. (deraf 440 Køer), 107 Faar, 236 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 181 Td.; 29 Selvejergaarde med 158, 2 Arvefæstegd. med 9, 78 Huse med 13 Td. Hrtk. og 14 jordløse Huse, $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 683 (1801: 339, 1840: 552, 1860: 597, 1880: 694), boede i 123 Gaarde og Huse; Erhverv: 69 levede af immat. Virksomh. (37 Elever paa Højskolen), 368 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 15 af Fiskeri, 129 af Industri, 9 af Handel, 5 af Skibsfart, 41 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Vejstrup*, ved Landevejen, med Kirke, Valgmenighedskirke, Bolig for Valgmenighedens Præst (opf. 1897), Skole, Folkehøjskole (opr. 1867), Øvelseshus (opf. 1879), Andelsmejeri („Vejstrup Hals"), Jærnbane- og Telefonstation samt Fattiggaard for Oure-Vejstrup Komm. (paa Vejstrup Mark, opf. 1877, Plads for 30 Lemmer). Hovedgaarden *Tiselholt* har 35 Td. A. og E. Hrtk. og $5^1/_2$ Td. Skovsk., 400 Td. Ld., hvoraf 100 Skov, Resten Ager; til Gaarden, hvis Jorder ligge i Vejstrup, Oure og Skaarup Sogne, høre Vejstrup og Oure Kirketiender og $^1/_2$ Td. Hrtk. Fæstegods; paa Gaarden benyttes en betydelig Vandkraft. Hovedgaarden *Vejstrupgaard* har 37 Td. Hrtk. (deraf 12 i Skaarup S.) samt 6 Td. Hrtk. Fæstegods, omtr. 400 Td. Ld., hvoraf 300 under Hovedgaarden, 10 Have og Byggegr., 10 under Vand- og Vindmøller, 80 Skov; til Gaarden høre Skaarup Kirketiende, Vejstrup Vandmølle med Savværk, Skaarup Vejrmølle og 2 Arvefæstehuse. Gaarden *Karlsro*.

Vejstrup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 48. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Tiselholt, Valgmenighedskirken Menigheden.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført af raa Kamp med tilhugne Hjørnesten og hidrører sikkert i sin nuv. Form fra den senere Middelalder. Den har Gavle i Ø. og V. med Kamtakker og Blindinger. Den spidsbuede Dør i Vestgavlen er bevaret. Taarn og Vaabenhus ere fra den nyere Tid. Skibet har fladt, pudset Loft, Koret Krydshvælving. Altertavlen (Korsfæstelsen) er malet af C. A. Zehngraf 1850. Raat udskaaren Prædikestol fra 1579. Romansk Granitdøbefont med Løvværksornamenter paa Kummen. Ved Alteret Ligsten over Kancelliassessor Niels Brinck til Tiselholt, † 1755.

*Valgmenighedskirken* („Betaniakirken") er opført 1874-75 væsentlig af tilhuggen Granit som en Korskirke i Spidsbuestil og bestaar af Skib og Kor, Korsfløje og Vaabenhus, og har Hvælvinger. Altertavlen (Jesus i Betania) er malet af Dalsgaard. Granitdøbefont. Ejendommelig, støbt Lysekrone, bestaaende af 3 Ringe og en Globus.

*Tiselholts* (af Tislot) ældste kendte Ejer er Kjeld Hansen 1525, hvis Enke Dorte Mikkelsdatter Akeleye ægtede Jakob Brockenhuus, † 1546, der 1535 skrev sig til T. Datteren Karen Kjeldsdatter bragte Gaarden til sin Mand Jens Baad, med hvis Søn

Kjeld B. denne Slægt uddøde 1608. Søstrene Inger, Hans Urnes, og Birgitte, Peder Galts, arvede ham. Førstnævntes Datter Margrethe Urne ægtede Jørgen Mund, der 1640 skrev sig til T.; 1658 tilhørte den Eiler Høeg. Den næste Ejer, Axel Walkendorff, † 1675, opførte omtr. 1650 en Del af Gaardens Bygninger. Hans Børns Værge J. H. Walkendorff til Klingstrup solgte T. 1690 til Henning Hansen Scheel af uadelig Slægt. Hans Enke Anne Kirstine solgte 1720 Gaard og Gods til Daniel Kellinghusen, der 1740 skødede Gaard og Gods (206 Td. Hrtk.) til Herredsfoged Niels Brinck, der tilkøbte Vejstrup Kirke. Efter hans Død solgtes Gaarden 1756 (233 Td. Hrtk.) for 25,000 Rd. til Krigsr. Claus Plum, som 1766 solgte den til Fru Majorinde Edele Margrethe Pultz, f. Güldencrone. Paa Auktionen efter hende 1804 købtes Gaard og Gods af Generalkrigskommissær von Schmidten og Byfoged Winding. Derefter købtes den 1813 af Agent, Grosserer Joh. Fr. Zinn, som 1839 afhændede den til C. H. Jørgensen († 1861), der foretog mange Forbedringer. Hans Søn, Jægerm. H. V. Jørgensen, er den nuv. Ejer. — Det ældste Tiselholt, der blev ødelagt i Grevens Fejde, har ligget noget V. for den nuv. Bygning og har været om-

Tiselholt.

givet af dobbelte Grave; ved Udgravning har man fundet Rester af gamle Bygninger, der vise, at det har været en firfløjet Bygning med et Taarn i det sydvestl. Hjørne. Inde i Bygningen er der en Brønd. Uden for Gravene er der fundet Grunden til en lang, smal Bygning. De af Axel Walkendorff opførte Bygninger, af Bindingsværk, afløstes af den nuv. Hovedbygning, der er opført 1875–76 af røde Mursten i gotisk Renæssancestil efter Tegn. af Arkitekt L. P. Fenger; den bestaar af 3 Fløje i to Stokv. med Kælder og takkede Gavle; midt paa Hovedfløjen staar et ottekantet Taarn med Spir. Gaarden er omgiven af Grave.

*Vejstrupgaards* første kendte Ejer er Nicholaus Pæthersson de Wixtorp, der 1372 var Medudsteder af et Vidne paa Gudme Herredsting. Derefter nævnes Hestret Kep af V. 1437, Peder Lauridsen i V. 1483 og Peder Eriksen i V. 1494; 1535 blev Gaarden inddragen under Kronen og var derefter først forlenet til Landsdommeren Jakob Brockenhuus og fra 1546 til Broderen Claus B. og siden til dennes Enke Fru Maren Friis, † 1576. Derefter synes den at have været beboet af en Bonde og at være den ene af de to Gaarde i Vejstrup, som Mikkel Nielsen Sandberg 1581 fik i Mageskifte af Kronen. Senere ejedes i hvert Fald V. af Mikkel Nielsen Sandbergs

Svoger Oluf Gaas, hvis Søn Niels Gaas opbyggede Gaarden 1622, og dennes Søn Christen G. var Slægtens sidste Mand. Søsteren Kirsten G. arvede ham, men hendes Ægtefælle Erik Kaas til Lindskov blev ruineret under Krigen 1657—60 og maatte pantsætte meget af sit Gods. Hans Søn Niels K. arvede V., som han 1678 tilskødede sin Broder Rudbek K., hvis Datter Sophie Christine K., Rudbek Gagges Enke, 1707 solgte V. (67 Td. Hrtk.) til Jakob Rasmussen, Forpagter paa Fjellebro. Dennes Hovedkreditor Rasmus Pedersen solgte 1722 Gaard og Gods (133 Td. Hrtk.) til Hans Kellinghusen, der 1749 afhændede den (95 Td. Hrtk.) til Kammerassessor Oluf Borchlund († 1757) og Byfoged Chr. Møller, hvorefter sidstnævnte 1751 afstod sin Part til sin Medejer, der tilkøbte 165 Td. Hrtk. af Vormarks Gods. Borchlunds Arvinger solgte 1771 V. til Ritmester Bernt von Westen, der atter 1783 afhændede den til Landsdommer H. Koefoed til Klingstrup. Han solgte 1799 begge Gaarde til Hertug Frederik Christian af Augustenborg, men købte dem tilbage 1802 af Hertugen og erholdt 1803 Bevilling til at udstykke Gaarden, uden at den mistede sin Frihed. Efter at han var bleven Stiftamtmand i Ribe, solgte han 1811 Gaarden til Etatsr. Dons til Hesselagergd., der atter 1813 afhændede den til Grosserer O. B. Suhr, Kbh., dennes Svigerfader Købmand Rasmus Møller, Nyborg, og dennes Brodersøn Forpagter H. Møller († 1849), hvilken sidste overtog den 1816; han overdrog den 1847 til Sønnen H. Bredal Møller, † 1874, hvis Enke nu ejer den. — Den hvide Hovedbygning, der er opf. 1754, bestaar af to Stokv. af Grundmur; den har været prydet med 6 zinkdækkede Kupler (4 paa Hjørnerne og 1 paa hver af Langsiderne), som nedtoges 1842.

Ved *Vejstrup Aa*, som vistnok i ældre Tid har været langt betydeligere, da den fik Tilløb af nu forsvundne Søer (Sortemose, Bøllemose m. fl.), findes ved en af Aaen dannet Vinkel, omtr. midt mellem Klingstrup Mølle og Vejstrupgaards Mølle, et Voldsted, der paa de tre Sider omgives af tredobbelte Volde og Grave, paa den fjerde af Aaen.

Paa Vejstrup Mark findes en smukt bevaret Stendysse.

Om en Kalktufdannelse ved Vejstrup Aa, se Vidensk. Meddelelser fra naturh. Forening 1875, S. 421.

**Gudme Sogn** omgives af Annekset Brudager, Oure, Hesselager, Langaa og Gudbjærg Sogne. Kirken, midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Svendborg. De højtliggende og meget bakkede Jorder ere ler- og grusmuldede. Lidt Skov (Skjelmose, Tange Skov). Mod V. ligger den omtr. 27 Td. Ld. store *Gudme Sø*; i den nordl. Del løber *Stokkebæk*, i den sydl. *Tangeaa*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 2811 Td. Ld., hvoraf 1343 besaaede (deraf med Hvede 33, Rug 279, Byg 345, Havre 356, Boghvede 2, Bælgsæd 3, Blandsæd til Modenhed 230, Grøntf. 28, Kartofler 9, andre Rodfrugter 58), Afgræsning 349, Høslæt, Brak, Eng m. m. 715, Have 43, Skov 116, Moser 49, Hegn 55, Veje og Byggegr. 126, Vandareal 13 Td. Kreaturhold 1893: 299 Heste, 1073 Stkr. Hornkv. (deraf 663 Køer), 638 Faar, 361 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 301 Td.; 19 Selvejergaarde med 131, 25 Arvefæstegd. med 74, 12 Fæstegd. med 58, 126 Huse; med 37 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 977 (1801: 467, 1840: 650, 1860: 786, 1880: 912), boede i 180 Gaarde og Huse; Erhverv: 17 levede af immat. Virksomh., 626 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 236 af Industri, 24 af Handel, 29 af forsk. Daglejervirks., 23 af deres Midler, og 17 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gudme* (gml. Form. Guthum) med Kirke, Præstegd., Skole, Forskole, Hospital (opr. 1810 af Marie Vibeke v. Pultz, Enke efter Anders Sehested til Broholm, med et Hus til 8 fattige; fra 1870 er Hospitalet tilfaldet Gudme-Brudager Kommune og benyttes nu som Fribolig for 3 fattige Familier) og Øvelses- og Forsamlingshus (opf. 1891); *Galdbjærg* (1462: Gialdbergh). *Kohave Huse.* Hovedgaarden *Broholm*, Hovedsædet i Stamhuset af s. Navn, har $56^7/_8$ Td. Hrtk., $512^1/_4$ Td. Ld. (deraf

$121^1/_8$ i Oure Sogn), hvoraf 30 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre Broholm og Tange Vandmøller*). Gaarden *Stubshoved* og Mølle af s. Navn.

Gudme S., een Sognekommune med Annekset, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistr., 6 Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 51. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Broholm.

*Kirken*, vistnok fordum indviet til St. Laurentius, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. ved omtr. 1300 af utilhuggen Kamp med Sokkel af samme Materiale; flere smaa rundbuede Vinduer spores. Omtr. ved Beg. af 15. Aarh. er den østl. Del af Skibet og Koret blevne nedrevne, og et nyt Kor med takket Gavl blevet opført af utilhuggen Kamp og Mursten (Skibs og Kors hele Længde er nu $88^1/_2$ F.); der indsattes større Vinduer i Skibet, og Koret overhvælvedes; vistnok samtidig overhvælvedes ogsaa Skibet, hvorfor dets Mure forhøjedes, ligesom et højt Taarn tilføjedes; Taarnrummet, der har Spidsbue ind til Kirken, blev Forhal, indtil det nuv. Vaabenhus, med fladt Loft, blev opf. 1603; nu er Taarnrummet atter Forhal, fra 1877, og Vaabenhuset

Broholm.

bruges til Varmeapparat. I 1. Halvdel af 19. Aarh. nedtoges Taarnets øverste Del. og det fik et lavt, pyramideformet Tag. Ved en Restauration af Kirken 1876—78 fandtes paa Hvælvingerne og Væggene betydelige Rester af Kalkmalerier, der bære Aarst. 1488, endvidere paa Væggene Spor af en malet Dekoration fra Tiden før Hvælvingernes Indbygning, samt Malinger, der stamme fra 1693; en Del af Malerierne restaureredes af Prof. J. Kornerup. Udskaaren gotisk Altertavle fra 2. Halvdel af 15. Aarh., i Midten Korsfæstelsen. Granitdøbefont uden Prydelser. Prædikestol fra 1675 med Jørgen Skeels og Lisbeth Billes Vaabener. I Koret to Kirkestole og et Egetræsskab fra Middelalderen, to malede Anetavler med J. Skeels og Lisbeth Billes 64 Aners Vaabener samt 5 Silkefaner. I Skibet en anden Mindetavle over Billernes Slægt (bekostet 1693), en Messinglysekrone fra 1682, med J. Skeels og Lisbeth Billes Bogstaver, og en Mindetavle over Præsten Niels Madsen Lørup, † 1679, og

*) Til *Stamhuset Broholm*, der indbefatter Hovedgaarden Broholm, Avlsgaardene Tangegaard og Brendeskovgaard, Øen Vresen, Ladepladsen Lundeborg og Broholm og Tange Møller, høre i alt $555^3/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 80 (omtr. 841 Td. Ld.), indtaget til Skov 32, Bøndergods $127^3/_4$, Arvefæstegods $279^1/_2$ og Kirketiender (Gudme og Brudager Kirker) 36 Td.; i Bankaktier 8000, i Fideikommiskapital omtr. 521,000 Kr. samt Livrentekapital omtr. 56,300 Kr. Skovarealet er 814 Td. Ld.

Hustru. Under Koret er der et i Slutn. af 17. Aarh. indrettet Gravkapel, hvori staa 25, i 1874 restaurerede Kister; heri hvile bl. a. Jørgen Skeel, † 1696, og Lisbeth Bille, † 1714, endvidere Niels Sehested, † 1745, og hans Hustru Elisabeth Skeel, † 1760, og hendes anden Mand Viceadmiral Caspar Wessel, † 1768, samt Oberstlieutn. Anders Sehested, † 1799, og Hustru. Den største Klokke, fra 15. Aarh., med lat. Indskrift, er omstøbt 1737 (se *Henry Petersen*, G. Kirke og dens Malerier fra 1488, i Kirkeh. Saml. 3. R. II Bd. S. 577 flg., og *Magn. Petersen*, Kalkm. S. 66).

*Broholm* nævnes første Gang 1326 og tilhørte da en vis Absalon, hvis Søn Hans Absalonsen 1345 pantsatte B. til sin Søn Jens Genvether, der pantsatte B. til sin Hustru Christine Jensdatter (Neb) for hendes Arvegods, han havde solgt. Ved Midten af 15. Aarh. tilhørte den Ridder Peder Nielsen Ulfeld, † uden Børn, hvorfor B. tilfaldt hans Søster Fru Marine Nielsdatter, g. m. Anders Jepsen (Grubendal) til Langholm, hvis Datter Margrethe ægtede Hr. Johan Fikkesen, der 1473 og 1499 ejede B., som derefter tilfaldt deres Søn Laurids Fikkesen (1515) og Fru Ellen Pallesdatter Ulfeld, Enke efter dennes Broder Peder Fikkesen og nu gift paany med Hans von Mehlen. Fru Ellens Søn Axel Fikkesen døde barnløs, og hans Enke Anne Tidemand førte 1577 Proces med sin Husbonds Halvbroder Palle von Mehlen. Sidstnævntes Søn Hans v. M., † 1608 som sidste Mand af Slægten i Danmark, arvede Gaarden og efter ham hans Enke Emerentze Pedersdatter (Baden), hvis Fader Peder Iversen til Fritsø i Norge for øvrigt 1609 skrives til B. Hun giftede sig anden Gang med Claus Brockenhuus til Søndergaarde, der 1641 solgte Broholm til Otte Skeel, hvis Efterkommere længe ejede B., nemlig Jørgen Ottesen S., † 1696, hans Sønner Jørgen S., † 1704, Albert S., † 1709, og Mogens S., † 1730. Ved sidstnævntes Broderdatter Elisabeth Skeels Giftermaal med Oberstlieutn. Niels Sehested (om Datteren Anna Beatas Giftermaal med Schousboe, senere adlet under Navn af Gyldenfeldt, se *Stolpe*, En Familiehist. fra 18. Aarh.'s Midte, i Hist. Tidsskr. 6. R. V Bd. S. 1 flg.) kom B. til denne Familie. Sehesteds Enke giftede sig anden Gang med Viceadmiral Caspar Wessel, med hvem hun under $^{23}/_{7}$ 1749 (konfirm. $^{15}/_{8}$ 1750) oprettede B. til et Stamhus. Efter Wessels Død 1768 gik Stamhuset over til hans ældste Stifsøn Oberstlieutn. Anders Sehested, † 1799, der ejede Brudagergd. (se ndfr.), Selleberg og Karsholm i Skaane, og derefter til hans Enke Vibeke Marie Pultz, † 1811. Da imidlertid deres ældste Søn Niels Sehested til Selleberg var død, kom Stamhuset til dennes Søn Lieutn. Andr. Sehested († 1819) og derefter til hans Enke Edele Marie, f. Kjær, der under vanskelige Forhold bestyrede det med Dygtighed. Efter hendes Død 1839 fulgte Sønnen Kmhr. N. F. B. Sehested, † 1882, og hans Enke Charl. Christine, f. Linde († 1894); nuv. Besidder er deres Søn, Kmhr., Hofjægerm. Hannibal Sehested. — Gaarden ligger paa to Holme, der forbindes ved murede Broer, og som omflydes af indtil over 100 Al. brede Grave, som dele sig i mange Kanaler. Paa den mindre Holm ligger den nuv. Hovedbygning, der stammer fra 1. Halvdel af 17. Aarh. (paabegyndt af Otte Skeel, fuldendt af hans Enke Ide Lunge), og som er bygget af røde Mursten i to Stokværk med Kælder og Trappegavle; midt for Façaden til den lille Borggaard, der paa de andre to Sider indesluttes af lavere Bygninger, paa den fjerde af en Havemur, staar et højt, rundt Taarn med Spir; over Indgangsdøren er anbragt Sehestedernes Vaaben; ved Bygningens sydøstl. Hjørne er 1855 opført et ottekantet Taarn med Spir og et Trappetaarn. Bygningen blev 1839—40 restaureret af Kmhr. N. F. B. Sehested under Ledelse af G. F. Hetsch. Den nuv. Besidder har 1895 ladet opføre et stort, firkantet Taarn i det nordvestl. Hjørne af Borggaarden. Ladebygningerne, der ere ombyggede af den forrige Besidder, ligge paa den større Holm. I Haven findes der en grundmuret Bygning med en værdifuld Samling af Oldsager, fundne i Omegnen af Broholm (se den S. 705 nævnte Litt.). Tæt ved Museet er der 1879 opstillet et Bjælkehus, ved hvis Opførelse der udelukkende er anvendt Stenalders Værktøj for at prøve dettes Brugbarhed.

Ved Ejsemosegaardene lidt N. Ø. for Kirken er der et Voldsted; der ses endnu Rester af Grave, Murbrokker og Kalk (at den i Søllested Sogn, Baag Hrd., S. 548 nævnte Hovedgaard *Egsmose* skal have ligget her, se Kirkeh. Saml., 3. R. II Bd., S. 580).

Paa Møllegaardsmarken er der undersøgt en stor og vigtig Gravplads fra den romerske Jærnalder og Folkevandringstiden, med i alt 381 Grave (Urnegrave og Brandpletter); Oldsagerne opbevares i det ovennævnte Museum i Broholms Have. — Paa denne Plads er der 1882 rejst en mægtig Granitsten, funden paa Stedet, til Minde om N. F. B. Sehested.

**Brudager Sogn**, Anneks til Gudme, omgives af dette, Oure og Vejstrup

Sogne, Sunds Hrd. (Skaarup og Tved S.) og Gudbjærg Sogn. Kirken, mod S. Ø., ligger omtr. $^3/_4$ Mil N. Ø. for Svendborg. De højtliggende, men temmelig jævne Jorder ere for en Del stenede og muldgrusede. En Del Skov (Mørkekrog, Møllelykke). *Vejstrup Aa* løber, efter at have dannet en Del af Nordgrænsen, gennem Sognet og danner derpaa en Del af Sydgrænsen. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg over Ørbæk til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 1756 Td. Ld., hvoraf 822 besaaede (deraf med Hvede 4, Rug 169, Byg 186, Havre 211, Blandsæd til Modenh. 91, Grøntf. 64, Frøavl 19, Kartofler 11, Sukkerroer 3, andre Rodfr. 64), Afgræsn. 219, Høslæt, Brak, Eng m. m. 336, Have 19, Skov 260, Moser 36, Hegn 20, Veje og Byggegr. 36, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 137 Heste, 577 Stkr. Hornkv. (deraf 368 Køer), 250 Faar og 196 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 134 Td.; 19 Selvejergaarde med 56, 11 Arvefæstegd. med 41, 1 Fæstegd. med 8 og 86 Huse med 22 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 471 (1801: 238, 1840: 392, 1860: 568, 1880: 557), boede i 111 Gaarde og Huse; Erhverv: 24 levede af immat. Virksomh., 302 af Jordbrug, 106 af Industri, 5 af Handel, 17 af forsk. Daglejervirksomh. og 17 af deres Midler.

I Sognet Byen *Brudager* med Kirke, Skole, Friskole og Forsamlingshus (opf. 1896); et af Vibeke Marie Pultz, Enke efter Oberstlieutn. A. Sehested, oprettet Hospital solgtes 1880. *Gravvænge*, Gd. og Huse, med Friskole, *Kilen*, Huse (nogle i Gudbjærg Sogn). *Brudagergaard.*

Brudager S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 50. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Broholm.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn med Trappehus mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i den romanske Tid af utilhuggen Kamp med tilhugne Hjørnekvadre; paa Nordsiden et lille, rundbuet, nu tilmuret Vindue. Vistnok i den senere Middelalder er Koret og til Dels Skibet ombygget, og Koret overhvælvedes; baade Korets og Skibets Gavle ere af Mursten med Kamme. Samtidig blev vel Taarnet, som næsten er Kirkens halve Længde, tilføjet, af Kamp og Mursten; det overhvælvede Taarnrum har Spidsbue ind til Skibet; det sidste har fladt, gibset Loft. Korbuen er spids. Vaabenhuset, af Mursten med buet Brædde-loft, er vel den yngste Tilbygning. Naar Kirken i D. Atl. (VI S. 708) siges at være bygget af Kansler Joh. Friis, er det vel kun en Ombygning eller Restauration, der skyldes ham. Gammel gotisk Altertavle, i hvis Midtparti Gudfader holdende Christus foran sig; tarvelig Prædikestol fra 19. Aarh.; Granitdøbefont med Buefrise, Ornamentslyngninger og Hoveder. I Kor og Skib Rester af Kalkmalerier samt Rester af en Frise forneden i Skibet.

*Brudagergaard* er en gammel Hovedgaard, af hvis Ejere kendes Henrik Hinsesen 1419 og Anders Pedersen 1437; en senere Ejer var Oluf Fikkesen, der 1550 solgte B. til Kansler Johan Friis. (Efter nogle Angivelser havde den ogsaa tilhørt den tidligere Lensmand paa Rugaard Busk Skenk og hans Datter Agnete, g. m. Jørgen Prip). Efter Kanslerens Død kom B. vist til hans Broderdatter Anne Henriksdatter Friis, Niels Trolles, thi deres Søn Jakob T., † 1601, ejede Gaarden. Efter hans Død blev den vel beboet af Bønder, indtil den atter 1658 blev oprettet til Hovedgaard af Axel Walkendorff, som 1661 solgte den og Vrangebæks Mølle til Major Burchard Andreas v. Drewitz, som solgte den til Oluf Christensen Lind, der 1688 solgte den til Jakob Ulfeld og Major Niels Friis til Ørbæklunde, hvilken sidste døde Aaret efter paa B; 1722 blev den af Fru Helle Trolle solgt til Erik Skeel. Senere ejedes den af Anders Sehested til Broholm.

I Brudager er der $^{27}/_{11}$ 1898 afsløret en af Sognets Beboere rejst Mindestøtte for Kmhr. N. F. B. Sehested, der som frivillig deltog i den 1. slesvigske Krig.

Ved Brudager er der fredlyst en 180 F. lang Langdysse med en dobbelt Række Randsten.

**Gudbjærg Sogn** omgives af Gislev, Svindinge, Langaa, Gudme og Brudager Sogne samt Sunds Hrd. (Tved, Kirkeby, Lunde og Kværndrup S.). Kirken, mod Ø., ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. N. Ø. for Svendborg. De

højtliggende og bakkede Jorder (højeste Punkt Højbjærg, 363 F., 111 M.) ere dels lermuldede og rødlerede, dels sandmuldede. Over $^1/_6$ af Arealet er dækket af Skov, der gaar i et Bælte midt gennem Sognet fra N. til S. (Brenderup Vænge, Ellerup Vænge, Skovlykke, Mullerup Sk., Skrams Vænge, Præstesk., Gudbjærg Sk., Lakkendrup Sk., Brendesk., Fløjtrup Sk. og Langkildesk.). Omtr. midt i Sognet udspringer *Stokkebæk* og løber mod Ø.; i den sydl. Del udspringer *Vejstrup Aa*, der danner en Del af Sydgrænsen, langs hvilken ligger Sortemose. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg over Ørbæk til Nyborg.

Fladeindholdet 1896: 7836 Td. Ld., hvoraf 3178 besaaede (deraf med Hvede 11, Rug 709, Byg 735, Havre 771, Blandsæd til Modenh. 454, Grøntf. 208, Frøavl 22, Kartofler 38, andre Rodfr. 228), Afgræsn. 1152, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1451, Have 92, Skov 1441, ubevokset 6, Moser 105, Kær og Fælleder 33, Hegn 111, Veje og Byggegr. 229, Vandareal m. m. 38 Td. Kreaturhold 1893: 612 Heste, 2229 Stkr. Hornkv. (deraf 1369 Køer), 1063 Faar, 951 Svin og 11 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 514 Td.; 43 Selvejergaarde med 263, 10 Arvefæstegd. med 25, 33 Fæstegd. med 171, 170 Huse med 51 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, $^1/_8$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1412 (1801: 855, 1840: 1176, 1860: 1493, 1880: 1443), boede i 266 Gaarde og Huse; Erhverv: 78 levede af immat. Virksomh., 972 af Jordbrug, 1 af Fiskeri, 220 af Industri, 37 af Handel, 47 af forsk. Dagleiervirks., 47 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Gudbjærg* med Kirke, Præstegd., Skole, Forsamlingshus (opf. 1891), Vejr- og Vandmølle, Mejeri og Telefonstation; *Ellerup*, ved Landevejen, med Skole; *Brenderup*; *Lakkendrup*; *Brendeskov* med Skole, Dampsavværk, Vandmølle med Savværk, Mejeri (det sidste ved Ny-Brendeskovgd.). *Sejet*, Gde. og Huse, noget af *Kilen* Huse (se S. 727). Hovedgaarden *Mullerup* har $63^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $17^1/_4$ Td. Skovsk., $1434^3/_4$ Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 785 Skov, $39^3/_4$ Park, Have og Veje, 72 til en Afbyggergaard, der drives under Hovedgaarden, Resten Ager; til Gaarden høre et Savværk, Gudbjærg Sogns Kirke- og Kongetiende og $151^7/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (omtr. 1850 Td. Ld.). *Brendeskovgaard* ($7^3/_4$ Td. Hrtk.), under Stamhuset Broholm. *Sortebro Kro*, ved Sydgrænsen.

Gudbjærg S., en egen Sognekommune, hører under Sunds-Gudme Herreders Jurisdiktion (Svendborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Lægedistrikt, 6. Landstings- og Amtets 2. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 45. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Mullerup.

*Kirken* (overkalket) bestaar af Skib og noget smallere Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sakristi ved Korets Nordside og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er, vistnok i 12. Aarh.'s 2. Halvdel, opf. af tilhugne Kampestenskvadre med dobbelt Sokkel, hvis øverste Parti er prydet med en Rundstav; Koret havde Apsis. Paa Nordsiden af Skibet ses et lille rundbuet, nu tilmuret Vindue; Korbuen er rund. I den senere Middelalder er Koret og en Del af Skibet ombygget; Korgavlen, med Kamme og af Mursten, ligesom Skibets Gavl, fik lige Afslutning, og Kirken overhvælvedes; vistnok omtr. samtidig opførtes Taarnet, af Mursten paa en Kampestensgrund; det overhvælvede Taarnrum har Spidsbue ind til Skibet. Vaabenhuset, af Mursten med Kamgavl, og Sakristiet, af Mursten med Renæssancegavl, Murbaand og Tandsnit, ere senere Tilføjelser (Sakristiet dog før 1589); det første har fladt Loft, det andet er overhvælvet. Kirken blev ifl. Jac. Madsens Visitatsb. renoveret 1589 af Niels Friis. Altertavlen, i nyere gotisk Stil (skal „udi en Fejde mellem Danm. og Sverige være tagen af en Kirke i Sverige og af Friis hidført i de katolske Tider", se Aarb. f. n. Oldk. 1889, S. 98), har en af S. Dahl 1860 malet Kopi efter et Maleri i Dresden af Francesco Francia (Christi Daab). Granitdøbefont med Ornamenter; Prædikestol i Renæssancestil med Egern-Friisernes Vaaben. I Koret er paa en Smedejærnsarm ophængt en Sørgefane over Anders Skeel til Birkelse og Mullerup, † 1702. Stort Pulpitur ved Taarnet.

*Mullerup*, tidligere „Moldorp", tilhørte i 15 Aarh. Hr. Claus Eriksen Bjørn, der

pantsatte den og Popholtegaard til Hr. Bjørn Johansen og Bild Pedersen og derefter solgte den 1477 til Palle Andersen (Ulfeld), hvem han ogsaa havde givet Pant i M. Palle Andersens Søn Chrf. Pallesen solgte siden M. til Hr. Peder Lykke, hvis Søn Hr. Jørgen Lykke før 1548 afhændede den til Kansler Joh. Friis, efter hvem Broderen Henrik F. og efter denne Svigersønnen Jakob Huitfeldt til Lillø og Berritsgaard, † 1583, synes at have arvet den. Sidstnævntes Frue Elisabeth Friis ejede M. til efter 1627. Efter hende nævnes Hr. Mogens Sehested til Holmegaard, † 1657, hvis Søn Jens Mogensen Sehested 1682 solgte Gaard og Gods (482 Td. Hrtk.) til Chr. Larsen Krarup, der 1700 afhændede M. (234 Td. Hrtk., ny Matr.) til Anders Skeel, † 1702. M. ejedes derefter af Sønnen Gehejmer. Holger Skeel, † 1763, hvis Enke 1767 solgte Gaarden til sin Søn Major, senere Gehejmer. Fr. Chr. S. Efter hans Død solgte Enken, f. Cicignon, Gaarden ved Auktion 1815 for 570,000 Rd. til Greve Gebhard Moltke, som 1842 solgte den til Sønnen, Kmhr., Højesteretsassessor Henrik Moltke for 53,000 Rd. i Sedler og 72,600 Rd. i Sølv. Da H. Moltke snart efter døde, skødede Enken den 1847 tilbage til Svigerfaderen for 125,000 Rd. og en aarl. Apanage paa 3200 Rd. Efter Grev Gebh. Moltkes Død 1855 gik M. over til Sønnen, Gehejmer.

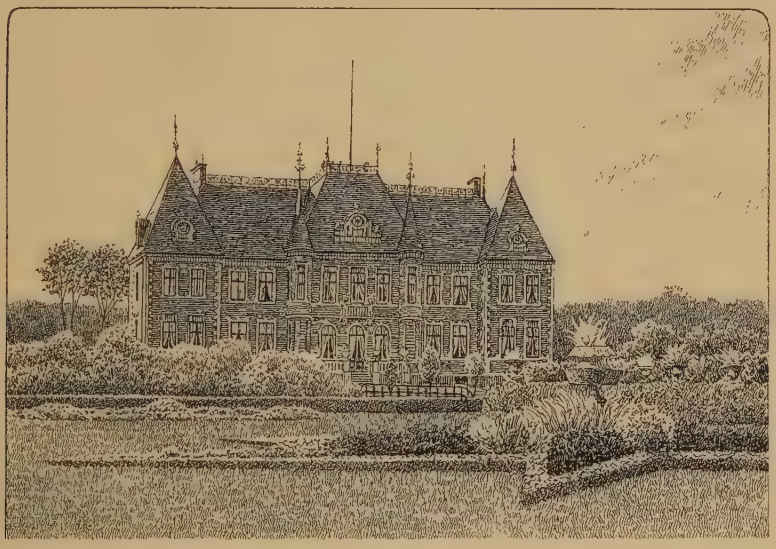

Mullerup.

Adam Gottlob Moltke-Hvitfeldt, hvis Søn overtog den 1877 for 1,000,000 Kr.; 1882 solgtes M. til den nuv. Ejer, Apoteker, Etatsr. Chr. D. Hansen, for 1,600,000 Kr. — Den ældre Bygning, der opførtes 1710 af Anders Skeels Enke af Bindingsværk, og som bestod af en Hovedfløj i to Stokv. og to lavere Sidefløje, henstod efter 1815 ubeboet og blev senere nedreven. Den nuv. Ejer lod 1884—87 den gamle Borgplads udvide med nye Grave og den nuv. Hovedbygning opføre; den er bygget i hollandsk Renæssancestil efter Tegn. af Arkitekt Ch. Abrahams i to Stokv. med Kælder. Samtidig bleve de nye Broer over Gravene, Parkanlæggene med den smukke, 300 Al. lange Opkørsel samt Haven og Driverierne anlagte.

Efter D. Atl. (VI, S. 812) skal der i Sognet, i Mullerup Skov, have ligget en Herregaard *Knudstrup*; der skal endnu findes Rester af Volde og Grave.

Baade i *Ellerup* og *Lakkendrup* har tilforn boet Adel, thi 1425 solgte Fru Mette, Scelli Laasses Efterleverske, til Rikman von der Lancken, Høvedsmand paa Hagenskov, sin Hovedgaard i Eldorp, og 1483 nævnes Hans Pedersen i Lackedroppe.

Ved Gudbjærg og Lakkendrup ligge 5 fredlyste Langdysser; den ene af disse har den imponerende Længde af 340 F. og er omsat med 93 Randsten.

I Gudbjærg Præstegd er Gehejmearkivar, Konferensr. C. F. Wegener født $^{13}/_{12}$ 1802, † 1893, begravet paa Gudbjærg Kirkegaard.

# Vindinge Herred.

**Sogne:**

*Nyborg Landsogn (Hjulby), S. 731. — Aunslev, S. 731. — Bovense, S. 733. — Flødstrup, S. 734. — Ullerslev, S. 735. — Skjellerup, S. 736. — Ellinge, S. 738. — Kullerup, S. 738. — Refsvindinge, S. 740. — Vindinge, S. 741. — Frørup, S. 744. — Ørbæk, S. 746. — Ellested, S. 748. — Herrested, S. 749. — Søllinge, S. 752. — Hellerup, S. 753. — Sønder-Højrup, S. 754. — Aarslev, S. 755.*

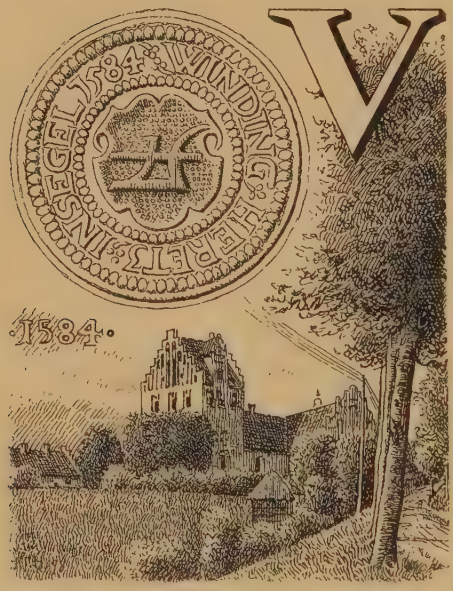


Vindinge Herred, det nordøstl. i Amtet, begrænses mod S. af Gudme Hrd., mod Ø. af Store Bælt og mod N. V. og V. af Odense Amt (Bjærge og Aasum Hrd.). I Store Bælt udsender det Halvøen *Østerø*, der ender i Knudshoved og lukker for Nyborg Fjord. Den største Udstrækning fra N. til S. og fra V. til Ø. er omtr. 3 Mil. Overfladen er i den større, sydl. Del mellem Kongshøj Aa, der danner en Del af Sydgrænsen, og Vindinge Aa, temmelig højtliggende med Bakker og store Former, kun langs Kysten er der lavere; N. for Vindinge Aa er Overfladen lavtliggende og jævn med enkelte højere Toppe, som Skalkebjærg, 140 F., 44 M. Jorderne ere overvejende ler- og sandmuldede. De største Vandløb ere *Vindinge Aa* og *Ørbæk*, der løbe i stærkt indskaarne Dalstrøg. Herredet er ikke videre rigt paa Skove, som dog findes spredte i mindre Strækninger over hele Arealet (i alt 4207 Td.). Det er det frugtbareste Herred i Amtet, idet der ved Matr. i Gnmst. gik $9^3/_4$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Nyborg Købstad) 48,370 Td. Ld. ($4{,}_{84}$ □ Mil, $266{,}_5$ □ Km.). Landdistrikternes Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 4630 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 13,960 (1801: 8219, 1840: 11,002, 1860: 12,597, 1880: 14,008). I Herredet ligger Købstaden Nyborg. I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Gudme Hrd.; i verdslig Hens. hører det under Vindinge Herreds Jurisdiktion og under Amtets 1. Forligskreds.

Vindinge Hrd., i Vald. II' Jrdb. kaldet *Vinnynghæreth*, hørte fra 1660 til Nyborg Amt; se i øvrigt S. 565.

---

**Nyborg Landsogn** (*Hjulby Sogn*), det mindste i Herredet og hørende til Nyborg Købstad, omgives af Aunslev, Vindinge og Kullerup Sogne; et Enklave ligger S. for Nyborg. Kirken, mod V., ligger omtr. $^1/_2$ Mil N. V. for Nyborg. De lavtliggende, overvejende jævne Jorder ere lermuldede. Paa Sydgrænsen ligger den omtr. 40 Td. Ld. store *Hjulby Sø*. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Odense og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 860 Td. Ld., hvoraf 386 besaaede (deraf med Hvede 3, Rug 92, Byg 114, Havre 84, Blandsæd til Modenh. 31, Grøntf. 10, Kartofler 14, Sukkerroer 6, andre Rodfr. 32), Afgræsn. 93, Høslæt, Brak, Eng m. m. 250, Have 13, Skov 5, Moser 68, Hegn 6, Flyvesand 5, Veje og Byggegr. 31, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 67 Heste, 321 Stkr. Hornkv. (deraf 196 Køer), 157 Faar og 124 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 89 Td.; 11 Selvejergaarde med 52, 1 Arvefæstegd. med 4, 5 Fæstegd. med 27, 26 Huse med 6 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 302 (1801: 321, 1840: 347, 1860: 491, 1880: 297), boede i 61 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 154 af Jordbrug, 19 af Gartneri, 10 af Fiskeri, 58 af Industri, 4 af Handel, 6 af Skibsfart, 27 af forsk. Daglejervirksomh. og 9 af deres Midler.

I Sognet Byen *Hjulby* med Kirke og Skole. *Hjulbyland*, Huse. *Dyrehavegaard* ($10^1/_2$ Td. Hrtk., 112 Td. Ld.) i Enklavet.

Nyborg Landsogn, en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 74. Lægd. Kirken tilhører Nyborg Kirke.

*Kirken*, en Filialkirke af Nyborg Kirke, der har bekostet dens Opførelse, er opført 1883 efter Tegning af Arkitekt Tvede og bestaar af Skib og Kor, Taarn med Spir mod V. og Vaabenhus. Kirken har Bjælkeloft og er smukt dekoreret. Paa Alteret staar Thorvaldsens Christus. Granitdøbefont

*Dyrehavegaard*, der formenes at have tilhørt Kong Hans, ejedes ved 1750 af General H. H. Eickstedt († 1801), hvis Portræt tillige med Hustruens og Sønnens samt Caroline Mathildes hænger i Borgestuen. Gaarden købtes 1881 for omtr. 140,000 Kr. af Fideikommisbesidder G. A. T. L. Conrau, der endnu ejer den.

Om *Sprogø*, der tidligere har hørt under Sognet, se II S. 597.

Fra Hjulby udstedte Vald. I $^6/_2$ 1180 og Knud VI $^{21}/_3$ 1183 Gavebreve for St. Knuds Kirke og Kloster i Odense. I Vald. II's Jrdb. nævnes Hjulby som Kongens Ejendom, ansat til 9 Mark Guld. Indtil Midten af 16. Aarh. havde Hjulby en egen Kirke, som var sammenlagt med Helge eller Gammel-Kirke; ved Kongebrev af $^7/_8$ 1528 henlagdes begge Kirkerne til Vor Frue Kirkes Sognepræst, saalænge han levede, og ved Kongebrev af $^7/_1$ 1555 henlagdes Hjulby Kirke til Vor Frue Kirke, hvortil Sognefolket i Hjulby skulde søge. Hjulby Kirke nedlagdes samme Aar; om Materialets Anvendelse se S. 593 og 607.

**Aunslev Sogn**, det største i Herredet, omgives af Annekset Bovense, Flødstrup, Ullerslev, Skjellerup, Kullerup Sogne, Nyborg Landsogn og Vindinge Sogn samt Nyborg Købstads Jorder og Store Bælt. Til Sognet høre et Enklave Ø. for Nyborg, „Svanedammen", og Sydspidsen af *Østerø*, der ender i *Knudshoved*. Kirken, i den nordl. Del, ligger 1 Mil N. V. for Nyborg. De ikke videre højtliggende, for en Del bakkede Jorder (Skalkebjærg, 140 F., 44 M., med trigon. Station) ere overvejende lermuldede med Undtagelse af Østerø, der har magre Sandjorder. En Del Skov (Duensvænge, Amalielund, Skemark., Slipshavn Sk.). Sydvestgrænsen dannes af Vindinge Aa; en Del af Hjulby Sø hører til Sognet. Gennem Sognet gaa Lande-

vejen fra Nyborg til Odense, der omtr. midt i Sognet afsætter en Landeve til Kjerteminde, og den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 5801 Td. Ld., hvoraf 2717 besaaede (deraf med Hvede 167, Rug 470, Byg 803, Havre 583, Boghvede 6, Bælgsæd 6, Frøavl 24, Blandsæd til Modenh. 212, Grøntf. 116, Kartofler 64, Sukkerroer 41, andre Rodfr. 216, Handelspl. 9), Afgræsn. 752, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1322, Have 104, Skov 340, Moser 43, Kær og Fælleder 222, Hegn 52, Heder 46, Stenmarker 11, Veje og Byggegr. 185, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 436 Heste, 1877 Stkr. Hornkv. (deraf 1185 Køer), 762 Faar, 803 Svin og 25 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 573 Td.; 60 Selvejergaarde med 416, 5 Arvefæstegd. med 30, 18 Fæstegd. med 85 og 149 Huse med 41 Td. Hrtk., $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1581 (1801: 892, 1840: 1095, 1860: 1132, 1880: 1516), boede i 261 Gaarde og Huse; Erhverv: 63 levede af immat. Virksomh., 937 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 196 af Fiskeri, 256 af Industri, 21 af Handel, 6 af Skibsfart, 29 af forsk. Daglejervirks., 42 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Aunslev* — i Vald. Jordb. Agnslef, 1390: Agnesløf — (delt i *A.-Overby* og *A.-Nederby*), ved Landevejen, hvor den afsætter Vejen til Kjerteminde, med Kirke (noget V. for Byen), Hospital (ved Kirken; opr. 1758 af Anna Elisab. Haman, Enke efter Kancellir. J. Dreyer til Raskenberg, med et Hus til 6 fattige), Skole, Forsamlingshus (opf. 1889) og Andelsmejeri; *Skalkendrup*, ved Kjertemindevejen, med Præstegd.; *Korkendrup* (1433: Korpedorpp, 1483: Corpendrup); *Rejstrup* med Skole og Forskole. Fiskerlejerne *Nordenhuse* og *Skaboshuse*; der drives betydeligt Fiskeri, især fra det første. *Aalykke*, Gde. og Huse. Paa Østerøs Sydøstspids *Knudshoved* med Jærnbane- og Telegrafstation og Station for Isbaadtransport samt Fyr (Vinkelfyr, Flammens Højde o. Havet 45 F., Lysvidden 3 Mil; det graa, runde Fyrtaarn er 23 F.). Ved Østerøs Sydvestspids *Slipshavn*, Huse, med Havn, der benyttes af Postskibene om Vinteren, naar Nyborg Fjord er utilgængelig paa Grund af Is (12 F. Vand), Hovedlodsstation for Store Bælt, Fyr (hvidt, fast Fyr fra en gul Bygning, Flammens Højde o. Havet 20 F., Lysvidden over $2^1/_4$ Mil), Toldassistentstation, Jærnbane- og Telegrafstation (se S. 347), Kro og Skovfogedbolig. Hovedgaarden *Juelsberg*, under Stamhuset af s. Navn, har $85^7/_8$ Td. Hrtk. ($5^3/_4$ i Hjulby Sogn), omtr. 1000 Td. Ld., hvoraf 700 Ager (deraf 500 under Hovedgaarden, Resten permanente Græsgange paa Østerø), 50 Eng og 250 Skov. Gaarden *Borgeskov*, under samme Stamhus, har $37^5/_8$ Td. Hrtk., 366 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, Resten Ager*). Desuden Gaardene *Skrøbeshave* og *Aaskov* samt *Pilevad Mølle*.

Aunslev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 75. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Juelsberg. Østerø og den største Del af Skaboshuse, Gaarden Borgeskov og Avernakke samt den med Villaer bebyggede Del S. for Nyborg høre i kirkelig Henseende under Nyborg Sognekald.

*Kirken*, fordum indviet til St. Blasius, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er en romansk Murstensbygning, der i den senere Middelalder har faaet Koret udvidet mod Ø. og det anselige Taarn og Vaabenhuset, begge

*) Til *Stamhuset Juelsberg*, der indbefatter Hovedgaarden Juelsberg og Afbyggergaarden Borgeskov, høre 539 Td. Hrtk. af alle Slags, hvoraf fri Jord 124, Fæstegods 153, Arvefæstegods $653^1/_4$ (Fæste- og Arvefæstegodset ligger i Aunslev, Bovense, Hjulby, Vindinge, Flødstrup og Ullerslev Sogne), Kirke- og Kongetiender (Aunslev, Bovense, Flødstrup og Ullerslev Kirker) $196^1/_8$ Td.; i Bankaktier 12,800, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,354,000 Kr.

med takkede, blindingssmykkede Gavle, tilføjede. Skibets og Korets romanske Gesims med Smaakonsoller og Tandsnit er bevaret. Korets Sider have været inddelte med Pilastre, af hvilke de paa Nordsiden endnu ere bevarede, ligesom flere af de oprindelige Vinduer i Kor og Skib. Den gotiske Korgavl er ejendommelig trappeformet, med Blindinger og fritstaaende Søjler. Kirkens Hvælvinger ere fra den senere Middelalder. Altertavlen er et barokt Snitværk med et tarveligt Maleri (Christus i Getsemane). De usædvanlig store Alterstager ere skænkede af Claus Rask og Hustru 1697. Prædikestolen er et ret rigt Snitværk fra 1573. Romansk Granitdøbefont. Inventariet restaureredes 1894. I Kirken et tarveligt Krucifiks fra Middelalderens Slutn. og Ligsten over Præsten Daniel Iversen Køler, † 1645. I det hvælvede Taarnrum, der adskilles fra Skibet ved en smuk, smedet Jærndør, staa to Marmorkister, hvori hvile Gregers Juel, † 1776, og Hustru Amalie Christiane Raben, † 1803. I Kirkegaardshegnet en anselig, muret Indgang.

*Juelsberg* er af nyere Oprindelse. Dens betydelige Jorder hørte fordum under Nyborg Slots Ladegaard, men bleve 1672 mageskiftede til Claus Rask, Borgmester i Nyborg, senere Politimester i Kbh., † 1705. Han henlagde Jorderne til en mindre Gaard *Bavnergaard*, hvor han opførte en ny, større Bygning af Bindingsværk og kaldte Gaard og Gods *Raskenberg*. Hans Enke Anne Margrethe Lauridsdatter ægtede Kaptejn Erik Flemming Ulfeld, ved hvis Fallit 1723 Gaarden ved Auktion blev solgt til Gehejmer. Hans Adolph v. Ahlefeldt (der havde købt Sprogø 1721, hvilken var forenet med J. til 1814, se II S. 606); han tilkøbte af Kronen 542 Td. Hrtk. Bøndergods i de omliggende Byer og solgte 1728 Raskenberg til Justitsr. Chr. v. d. Maase. Af ham solgtes 1744 Gaarden for 61,000 Rd. til Kancellir. Jens Dreyer († 1753). Ved Auktion efter hans Enke Anna Elisab. Haman blev Gaarden (66 Td. Hrtk., 196 Td. Konge- og Kirketiender og 706 Td. Bøndergods) solgt 1770 for 115,000 Rd. til Justitsr. Saxesen, Forvalter Bredahl og Jens Svitzer, der Aaret efter afhændede den for 124,000 Rd. til Gehejmer. Gregers Juel, † 1776. Hans Enke Amalie Christiane Raben, 1. Gang gift med Gehejmer. Carl Juel til Stamhuset Taasinge, oprettede $^{20}/_{2}$ 1797 Gaarden til et Stamhus, *Juelsberg*, for Slægten Juel, saaledes at hendes Søn af 1. Ægteskab, Kmjkr. Kn. F. Juel skulde have det, medens hun ved Testam. bestemte, at hendes Søn af 2. Ægteskab og Døtrene, hvoraf en var gift med Grev Petersdorff, og en anden med Grev Raben, skulde have i alt 40,000 Rd. D. C. Fra Grev Petersdorffs Side skete Indsigelse mod disse Dispositioner, men Skifteretten gav hende Medhold (ifl. hendes Bevilling af Marts 1779 til at tage den Bestemmelse, hun vilde, med Raskenberg og alt, hvad hun ejede, dog at hendes Børn ikke fornærmedes i deres Arveret efter Loven), og Stamhuset tiltraadtes efter hendes Død 1803 af Kn. F. Juel, senere Kmhr. og Generallieutn. samt dansk Gesandt i Paris, † 1847. Da hans Ægteskab var barnløst, gik Stamhuset efter Erektionsbestemmelserne over til hans Halvbroder, Kmhr. Oberst H. R. Juel til Stamhuset Hverringe, † 1857, der efterlod begge Stamhuse til sin Søn, Kmhr., Major H. Juel, † 1875, hvis Søn Kmhr. Kn. F. Juel er den nuv. Besidder. — Den nuv. Hovedbygning er opført 1777 i italiensk Renæssancestil i to Stokv. med to store Sidefløje og er restaureret 1897. I Haven er der store Driverier.

Landsbyen *Skalkendrup*, „Scalketorp", nævnes 1390, da en Væbner Absalon Pedersen skænkede og skødede til Sortebrødrene i Odense alt sit rørlige og urørlige Gods, som han ejede i denne By.

I *Aaskov* boede 1495 Væbneren Urne Jepsen af Slægten Algudsen.

Ved *Slipshavn* (gml. Form Slibshavn) nævnes allerede 1589 en Skibsbro; under Chr. IV byggedes der en ny Bro. Ved Slipshavn ses Resterne af et gammelt Batteri.

**Bovense Sogn**, Anneks til Aunslev, omgives af dette og Flødstrup Sogn samt Store Bælt. Kirken, mod S. V., ligger $1^{1}/_{4}$ Mil N. N. V. for Nyborg og ligesaa langt S. Ø. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende, temmelig jævne Jorder ere lermuldede. Strandskov. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Nyborg til Kjerteminde.

Fladeindholdet 1896: 1294 Td. Ld., hvoraf 692 besaaede (deraf med Hvede 53, Rug 106, Byg 192, Havre 146, Bælgsæd 6, Frøavl 18, Blandsæd til Modenh. 71, Grøntf. 33, Kartofler 12, andre Rodfr. 53), Afgræsning 127, Høslæt, Brak, Eng m. m. 312, Have 21, Skov 67, Moser 11, Hegn 15, Stenmarker m. m. 3, Veje og Byggegr. 43, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 122 Heste, 515 Stkr. Hornkvæg (deraf 345 Køer), 150 Faar og 163 Svin. Ager og Engs Hrtk. og halv. Skov-

skyldshrtk. 1895: 127 Td.; 24 Selvejergaarde med 104, 1 Arvefæstegd. med 7 og 64 Huse med 15 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 433 (1801: 234, 1840: 376, 1860: 474, 1880: 485), boede i 98 Gaarde og Huse; Erhverv: 11 levede af immat. Virksomhed, 225 af Jordbr., 2 af Gartneri, 26 af Fiskeri, 84 af Industri, 31 af Handel, 20 af forsk. Daglejervirks., 24 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Bovense* (Bogense), ved Landevejen, med Kirke, Skole, Mølle og Kro. *Strandtved*, Huse. *Strandskovgaard*: $16^3/_8$ Td. Hrtk., 200 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 20 Skov, Resten Ager (1 Fæste- og 2 Lejehuse). *Lysemosegaard*.

Bovense S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 76. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Juelsberg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Skib og Kor vare vist oprindel. opførte i den romanske Tid af raa Kamp uden Sokkel, men senere i Middelalderen ere de blevne ombyggede med Munkesten, og fra denne Tid ere enkelte spidsbuede Vinduer bevarede. Taarnet, med ret pyntelige, blindingsprydede Trappegavle, og Vaabenhuset ere noget yngre, men dog fra Middelalderen. Kirken er overhvælvet. Altertavlen er malet af A. Dorph (Opstandelsen) og er fra 1894, da Inventariet restaureredes. Prædikestolen er et tarveligt Snitværk fra 17. Aarh. Stolestader med Endestykker fra 1645. Romansk Granitdøbefont. I Kirkegaardsdiget er en middelalderlig, muret Port med to Indgange.

**Flødstrup Sogn** omgives af Annekset Ullerslev, Aunslev og Bovense Sogne, Store Bælt og Odense Amt (Bjærge Hrd.). Kirken, mod S. V., ligger $1^1/_2$ Mil N. V. for Nyborg og 1 Mil S. for Kjerteminde. De temmelig lavtliggende, mod S. noget bakkede, ellers jævne Jorder ere stærkt lermuldede med Mergelunderlag. Paa Nordvestgrænsen løber Kavslund Aa, ved Sydgrænsen ligger den omtr. 10 Td. Ld. store *Flødstrup Sø*. En Del Skov (Vestersk., Nordsk. m. m.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Ullerslev til Kjerteminde.

Fladeindholdet 1896: 3591 Td. Ld., hvoraf 1755 besaaede (deraf med Hvede 160, Rug 228, Byg 535, Havre 375, Bælgsæd 13, Frøavl 11, Blands. til Modenh. 154, Grøntf. 83, Kartofler 36, Sukkerroer 25, andre Rodfr. 134), Afgræsn. 430, Høslæt, Brak, Eng m. m. 864, Have 54, Skov 333, Moser 19, Kær og Fælleder 7, Hegn 41, Veje og Byggegr. 73, Vandareal 14 Td. Kreaturhold 1893: 271 Heste, 1318 Stkr. Hornkv. (deraf 841 Køer), 455 Faar, 546 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 356 Td.; 54 Selvejergaarde med 307, 2 Arvefæstegd. med 7, 1 Fæstegd. med 2, og 140 Huse med 40 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1088 (1801: 601, 1840: 941, 1860: 1005, 1880: 1182), boede i 226 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomh., 740 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 2 af Fiskeri, 193 af Industri, 17 af Handel, 60 af forsk. Daglejervirks., 30 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Flødstrup*, ved Landevejen, med Kirke og Præstegd.; *Mullerup*; *Langtved* med Skole, Friskole (med et 1887 opf. Forsamlingshus); *Kissendrup*. Saml. af Gde. og Huse: *Hestehave Huse*, *Hagendrup Huse*, *Pebertved*, *Hvisby*, *Maglemose*. Hovedgaarden *Rørbæk* har $48^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $^1/_4$ Td. Skovsk., 540 Td. Ld., hvoraf 7 Eng, 146 Skov, 15 Gaardspl., Have og Hegn, Resten Ager; til Gaarden høre en Vejrmølle og desuden $5^1/_8$ Td. Fæstegods og $1^5/_8$ Td. Arvefæstegods (Fæste- og Arvefæstegodset i Flødstrup, Aunslev, Bovense og Revninge Sogne). Hovedgaarden *Risinge* har $32^1/_8$ Td. Ager og E. Hrtk. og $^1/_4$ Td. Skovsk., 335 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 45 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 6 Huse med omtr. 13 Td. Ld. og 2 Td. Hrtk. Fæstegods. Gaarden *Hannesborg* har $38^5/_8$ Td. Hrtk. (i Flødstrup og Rynkeby S.), 373 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 24 Skov, Resten Ager (4 Fæste- og 4 Lejehuse). *Kissendrup-*

*gaard* har 13 Td. Hrtk., 136 Td. Ld., hvoraf 1 Eng, 18 Skov, Resten Ager (et Fæstehus). *Dienstrupgaarde* (Vald. Jrdb. Dinestrup).

Flødstrup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistrikt, 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 78. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Juelsberg.

*Kirken*, fordum indviet til Vor Frue, bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af tilhuggen Kamp paa en to Skifter høj, smukt profileret Kampestenssokkel. To oprindelige Vinduer og Rester af Norddøren ere bevarede. Taarn og Vaabenhus, begge med kamtakkede Gavle, hidrøre fra den senere Middelalder. Skibets Hvælvinger ere fra samm Tid. Altertavlen (Christus) er malet 1865 af N. P. Holbech (den gamle brændte 1865). Romansk Granitdøbefont. Prædikestol fra 1606. Enkelte af Stolestaderne have Høegernes og Quitzovernes Vaabener og Aarst. 1588. I Taarnet en Dør fra 1588. I Koret to Ligsten over Didrik Quitzov til Rørbæk, † 1561, hans Hustru Mette Hardenberg og Datter Anne, og over Christen Quitzov, † 1587, og Hustru Margrethe Høeg. Alterstagerne bære sidstnævntes Vaabener og Aarst. 1589. I Skibet Epitafium over Kai Madsen Pram, † 1697, nedennævnte Poul Bagger til Risinge, og deres Hustru Pernille Købke. Under Koret tilmuret Begravelse for Ejerne af Rørbæk (13 Kisteplader hænge i Koret). Den store Klokke er fra 1525.

*Rørbæk* tilhørte 1438 en Adelsmand Cort Bærend og 1472 Clement Timmesen, 1531 Diderik Henningsen Quitzov, † 1561, Brodersønnen Henning Q., † 1569, dennes Søn Christen Q., † 1587, og hans Søn Just Q., † ugift 1603, fra hvem Arven gik over til hans Moder Margrethe Høeg. Gaarden tilfaldt derefter hendes Brodersøn Gregers Høeg, hvis Søn Jens H. døde paa R. $^{5}/_{11}$ 1691, efter at han otte Dage i Forvejen havde solgt Gaarden (147 Td. Hrtk.) til Hans Mortensen Møller. Derefter blev den (217 Td. Hrtk.) 1728 af Jens Møller afhændet til Kommercer. Otto Jacobsen Engelsted og Provst Claus Wedel, hvilken sidste 1731 solgte sin Part til sin Medejer, som efterlod den til sin Søn Kancellir. M. U. Engelsted († 1762), hvis Enke Elisabeth Birgitte Lund 1786 afstod den til sin Søn Justitsr. Otto E. tillige med Risingegaard. Hans Enke overdrog den 1826 til sin Søn M. H. Engelsted, efter hvem den ved Arveudlæg kom til Jægerm. M. H. R. Wright-Engelsted, † 1894, hvis Enke nu ejer den. — Hovedbygningen, der indtil over Midten af 18. Aarh. var omgiven af Grave, bestaar af en ældre Hovedfløj af Egebindingsværk i eet Stokv. med Kælder og Kvist samt to Sidefløje, ligeledes af Bindingsværk. Avlsbygningerne ere af Grundmur og opførte af den sidste Ejer; Hestestalden og en Lade ere dog ældre, af Bindingsværk.

*Risinge* var tidligere en mindre Avlsgaard, der ved 1665 ejedes af Borgmester Jens Madsen Rosenberg, hvis Svigersøn Thomas Køhke 1689 indløste den fra sine Medarvinger. Hans Svigersøn Poul Bagger († 1722) erhvervede 1702 paa lignende Maade Gaarden, som hans Enke Pernille Køhke († 1731) 1727 solgte til sin Søn af første Ægteskab Hugo Pram, der ved Sammenlægning af fire Bøndergaarde 1730 fik den oprettet til Hovedgaard. Hans Enke Mette solgte 1759 R. Gaard og Gods for 16,060 Rd. til Kancellir. M. U. Engelsted til Rørbæk. Hans Enke solgte den til en Proprietær Pedersen, efter hvem den ved Auktion 1827 købtes af C. F. Fog (efter Sigende for 12,000 Rd. foruden resterende Skatter og Renter); 1873 købte den nuv. Ejer Etatsr. L. Fog den af Medarvingerne for 200,000 Kr. — Hovedbygningen, der er opf. i 18. Aarh., er af Bindingsværk i eet Stokv. med Kvist; 1844 forlængedes Bygningen. Ved en Ombygning af Laderne 1859 fandtes paa noget Tømmer udhugget: H. P. (Hugo Praem?) 1730-1745-1794.

*Hannesborg* har før hørt under Skovsbo, Rynkeby Sogn, men solgtes herfra 1836 for 38,000 Rd. som selvstændig Ejendom. Nu ejes den af L. C. Castenskiold.

Aar 1583—88 nævnes *Mullerupgaard*, som da var beboet af en Adelsmand Henning Jørgensen Brand.

*O. Th. N. Krarup*, der var Præst her fra 1852 til sin Død 1862, havde Ry som udmærket Landøkonom og gjorde Flødstrup Præstegaard vidt bekendt ved den fortrinlige Maade, han drev den paa.

**Ullerslev Sogn**, Anneks til Flødstrup, omgives af dette, Aunslev og Skjellerup Sogne samt Odense Amt (Aasum og Bjærge Hrd.). Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $1^{1}/_{4}$ Mil N. V. for Nyborg og ligesaa langt

S. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende, temmelig jævne Jorder ere lermuldede. Største Delen af Sydgrænsen dannes af Vindinge Aa. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nyborg til Odense og fra Svendborg til Kjerteminde samt den fynske Hovedbane.

Fladeindholdet 1896: 2362 Td. Ld., hvoraf 1197 besaaede (deraf med Hvede 30, Rug 85, Byg 510, Havre 282, Bælgsæd 3, Frøavl 9, Blandsæd til Modenhed 85, Grøntf. 56, Kartofler 32, Sukkerroer 35, andre Rodfrugter 68), Afgræsn. 330, Høslæt, Brak, Eng m. m. 561, Have 32, Skov 29, Moser 115, Kær og Fælleder 11, Hegn 29, Veje og Byggegr. 50, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 202 Heste, 798 Stkr. Hornkv. (deraf 477 Køer), 435 Faar, 229 Svin og 8 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 215 Td.; 46 Selvejergaarde med 176, 1 Arvefæstegd. med 8, 1 Fæstegd. med 3 og 129 Huse med 28 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 947 (1801: 447, 1840: 742, 1860: 827, 1880: 975), boede i 194 Gaarde og Huse; Erhverv: 68 levede af immat. Virksomh., 518 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 183 af Industri, 50 af Handel, 67 af forsk. Daglejervirks., 38 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byen: *Ullerslev* (gml. Form Ulversleff), ved Landevejenes Krydsning, med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1890), Kro, Teglværk, Andelsmejeri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. *Langeskov*, *Tange*, *Bøgeskov*, Gde. og Huse. En Gaard i Ullerslev har $14^1/_2$ Td. Hrtk., 135 Td. Ld., hvoraf 15 Eng, 5 Skov, Resten Ager.

Ullerslev S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 77. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Juelsberg.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med Apsis, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Den oprindelige Del af Kirken, Skib, Kor og Apsis, er opført i den romanske Periode af raa Kamp med tilhugne Hjørnekvadre paa' en to Skifter høj, profileret Granitsokkel. Flere oprindelige Vinduer ere bevarede. I den senere Middelalder tilføjedes Taarn og Vaabenhus, begge med kamtakkede Gavle, Kirken overhvælvedes (undtagen Vaabenhuset), og et lille muret Spir, der i nyere Tid er undergaaet Forandringer, opførtes over Skibets Østende. Altertavlen, med en Kopi af Eckersbergs Maleri i Frue Kirke i Svendborg, er fra 1584. Romansk Granitdøbefont. Overdelen af Prædikestolen er sent-gotisk med snoede Hjørnesøjler og Pergamentsornamenter paa Fyldingerne og er vist fra Tiden straks efter Reformationen. Underdelen er nyere (afb. i Tegn. af ældre nord. Arkit. 2. Saml. 1. R. Pl. I). I Skibets Nordvæg en Dør fra 1586. Ligsten over Præsterne Anders Jensen, † 1574, Peder Jakobsen, † 1582, og Anders Bertelsen, † 1603, samt deres Hustru Karen Knudsdatter. Den ene Klokke, med Minuskelindskrift og en Fremstilling af Hellig Olaf, er fra 1383 — Paa Kirkegaarden et Ligkapel, opf. 1897.

Hr. Andreas Tagesen gav 1320 til Sorø Kloster en Gaard i Ulversleff.

**Skjellerup Sogn** omgives af Annekset Ellinge, Kullerup, Nyborg Landsogn, Aunslev og Ullerslev Sogne samt Odense Amt (Aasum Hrd.). Kirken, mod N., ligger $1^1/_4$ Mil N. V. for Nyborg og $1^1/_2$ Mil S. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende, bakkede Jorder ere dels sand- og lermuldede, dels grusede. Nordgrænsen dannes af Vindinge Aa; paa Vestgrænsen ligger Vomme Sø (se S. 430). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg til Kjerteminde.

Fladeindholdet 1896: 2008 Td. Ld., hvoraf 1032 besaaede (deraf med Hvede 43, Rug 193, Byg 247, Havre 270, Blandsæd til Modenh. 96, Grøntf. 45, Kartofler 21, Sukkerroer 65, andre Rodfr. 49), Afgræsn. 265, Høslæt, Brak, Eng m. m. 460, Have 31, Skov 88, Moser 20, Kær og Fælleder 50, Hegn 13, Veje og Byggegr. 45, Vandareal m. m. 3 Td. Kreaturhold 1893: 225 Heste, 699 Stk. Hornkv. (deraf 416 Køer), 444 Faar, 278 Svin og 5 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 211 Td.; 37 Selvejergaarde med 177, 2 Fæstegd. med 4, 95 Huse med 29 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse, over $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 665 (1801: 335, 1840: 598, 1860: 738, 1880: 704), boede i 125 Gaarde og Huse;

Erhverv: 20 levede af immat. Virksomhed, 410 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 109 af Industri, 15 af Handel, 48 af forsk. Daglejervirks., 26 af deres Midler, og 35 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Skjellerup*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Telefonstation; *Biskopstaarup* (Bistaarup); *Skovballe* med Forsamlingshus (opf. 1885), Friskole („Skjellerup Friskole") og Fattiggaard (paa Skovballe Mark) for Skjellerup-Ellinge og Kullerup-Refsvindinge Kommuner (opf. 1868, Plads for 35 Lemmer); en Del af *Saaderup* (Resten i Kullerup Sogn). Hovedgaarden *Hindemae* har $51^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk., og $1^1/_2$ Td. Skovsk., 337 Td. Ld., hvoraf 47 Eng, 80 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Mølle og $19^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods. Gaarden *Biskopstorp* har 23 Td. Hrtk., 186 Td. Ld., hvoraf 14 Eng, 6 Skov, Resten Ager. Desuden *Grønnemølle*, Gd. og Vandmølle, og *Møllegaard*.

Skjellerup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 73. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Hindemae.

*Kirken*, fordum indviet til St. Katharina, bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er oprindl. en romansk Murstensbygning, der i den senere Middelalder er undergaaet mange Forandringer; et enkelt rundbuet Vindue er bevaret. Taarnet, det anselige Vaabenhus og Kirkens Hvælvinger ere fra den senere Middelalder. Et af Admiral S. Hagedorn 1748 tilbygget Gravkapel af Bindingsværk paa Nordsiden blev nedrevet i Beg. af 19. Aarh. Paa Alteret, med et Maleri af den opstandne Christus, er opstillet 12 Apostelfigurer af Træ fra den tidligere, katolske Altertavle, fra hvilken ogsaa 4 større Figurer, deribl. St. Katharina, i Skibets Vestende hidrøre (en Relikvie, St. Katharinas Hoved med kløvet Pande, gemmes endnu i et Skab i Altertavlen). Døbefont af Træ i Barokstil fra 1666. Prædikestolen er et ret godt Renæssancearbejde fra 1597. Alterstagerne, fra 1691, ere skænkede af Admiral Fr. Gjedde og Hustru. I Skibet hænger 2 af Admiral S. Hagedorn skænkede Malmlysekroner, den største fra 1733. Ved Kirkevæggen Ligsten bl. a. over Præsterne Chr. Frandsen, † 1632, og Christen Drachart, † 1743, og Hustru, endvidere over Niels Nielsen Blimester, † 1631. I Kirkegaardshegnet findes en muret, middelalderlig Port. Paa Kirkegaarden ere begravede Præsterne O. D. Lütken, † 1788, K. A. Friis, † 1811, N. Olivarius, † 1850, og A. Chr. Jungersen, † 1874.

*Hindemaes* (1489: Hynnemad) første kendte Ejer er muligvis den Niels af „Hindemarck", som nævnes 1326; siden tilhørte den Jørgen Urne, † 1480, der skal have faaet den 1440 som en skattepligtig Bondegaard, og den ejedes derefter af Jørgen U., Landsdommer i Fyn, † 1510, Claus U., † 1531, Erik U., † 1561, med hvis Sønner Frands og Claus denne Linie af Slægten uddøde. Gaarden kom derpaa til Fru Helvig Hardenberg, Enke efter Rigsraad Erik Rosenkrantz til Arreskov; de følgende Ejere vare hendes Svigersøn Statholder Breide Rantzau, † 1618, hans Svigersøn Rigsraad Hans Lindenov, † 1638, dennes Svigersøn Rigsraad Sivert Urne til Raarup, † 1661, hans Enke Kathrine Sehested, der 1661 tilbyttede sig af sine Sønner disses Halvdel i H. for hendes Halvdel i Sanderumgaard og siden ægtede Generallieutn. Hans Ahlefeldt, der 1662 gav den til Generallieutn. Hans Løwenhielm, † 1699, der 1690 overdrog den til sin Svigersøn Stiftamtmand Fr. Eiler Gjedde, † 1717, hvorefter den ejedes af dennes Søn Baron Carl Vilh. G., der 1725 solgte H. til Admiral Seneca Hagedorn, efter hvis Død 1750 Gaarden solgtes ved Auktion til Herredsfoged Hans Pedersens Enke Karen Jakobsdatter (318 Td. Hrtk.) for 25,100 Rd. 1778 købte Hofjægerm. Ove Johan Vind H. af Kancellir. Fr. Pedersen, men solgte den atter 1801 til Charles Ad. Dennis Mourier. Han afhændede største Delen af Godset til Fæsterne og solgte 1839 Hovedgaarden til Besidderen af Baroniet Schelenborg og Stamhuset Taasinge, Baron Juel-Brockdorff, hvis Familie endnu ejer den; nuv. Ejer er Kmhr., Hofjægerm., Lensbaron C. Juel-Brockdorff. — Hovedbygningen, i eet Stokv. af Grundmur med Kælder og Kvist, er opf. af O. J. Vind i Slutn. af 18. Aarh.

*Biskopstorp*, hvis Hovedbygning er opf. i Beg. af 19. Aarh. og betydelig udvidet efter 1879, solgtes 1879 af Proprietær Petersen for 166,000 Kr. (foruden Besætning) til den nuv. Ejer Hofjægerm., Ritmester F. A. L. A. Baron Reedtz Thott. Paa Gaarden

var der 1891—99 et Stutteri, nærmest baseret paa Opdrætning af Remonteheste og til Dels støttet af Krigsministeriet.

I Skjellerup har der i Middelalderen været et *St. Katharina Gilde*, nævnt 1526.

**Ellinge Sogn**, Anneks til Skjellerup, omgives af dette, Kullerup, Refsvindinge og Herrested Sogne samt Odense Amt (Aasum Hrd.). Et Enklave i Kullerup Sogn. Kirken ligger $1^1/_2$ Mil V. for Nyborg og 2 Mil S. S. V. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende, jævne Jorder ere sandede og sandmuldede. Skove: Espehave, Kohave.

Fladeindholdet 1896: 1558 Td. Ld., hvoraf 807 besaaede (deraf med Hvede 46, Rug 154, Byg 200, Havre 200, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenh. 106, Grønt. 33, Kartofler 21, andre Rodfr. 37), Afgræsn. 209, Høslæt, Brak, Eng m. m. 382, Have 23, Skov 73, Moser 2, Kær og Fælleder 4, Hegn 8, Veje og Byggegr. 41, Vandareal m. m. 9 Td. Kreaturhold 1893: 147 Heste, 572 Stkr. Hornkv. (deraf 359 Køer), 301 Faar, 221 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 155 Td.; 32 Selvejergaarde med 133, 58 Huse med 22 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 612 (1801: 298, 1840: 422, 1860: 538, 1880: 592), boede i 128 Gaarde og Huse; Erhverv: 14 levede af immat. Virksomh., 371 af Jordbr., 151 af Industri, 20 af Handel, 25 af forsk. Daglejervirks., 28 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ellinge* med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1897), Kro, Mølle, Andelsmejeri og Telefonstation; *Paarup*; *Bækstrup*. *Kildemølle* (Vandmølle).

Ellinge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 72. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Hindemae.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken var oprindl. opført i romansk Tid af hugne Granitkvadre paa en Sokkel af to Skifter profilerede Granitsten. I den senere Middelalder synes Kirken at være bleven ombygget og Skibets Nordside at være bleven nedbrudt omtr. til Sokkelen; Koret er vistnok da blevet nedbrudt og dets Sten benyttede til at forlænge Skibet med, hvorefter et nyt Kor er blevet opført, til Dels af Munkesten med kamtakket Gavl, ligesom Taarnet og det lille Vaabenhus tilføjedes, og Kirken overhvælvedes. Altertavlen er et Snitværk fra Slutn. af 16. Aarh.; i den midterste Bue staar Thorvaldsens Christus i Gibs. Prædikestolen er ny, men med udskaarne Relieffer af en ældre fra samme Tid som Altertavlen. Degne- og Præstestol, delvis fra Slutn. af 16. Aarh. Mærkelig, romansk Døbefont af Sandsten med Relieffremstillinger paa Kummen (Bebudelsen, Maries Møde med Elisabeth, Christi Fødsel, Omskærelsen, de hellige tre Konger, Børnemordet, Flugten til Ægypten; se *Helms*, Tufstenskirker, S. 106). — Den murede Kirkegaardsindgang er middelalderlig.

I Sognet har der ligget en Hovedgaard *Paarupgaard* (se Jac. Madsens Visitatsb. S. 90), af hvis Grave saa vel som af en stensat Vold der endnu ses Rester. Jac. Madsen nævner Otte Emmikesen som Ejer; senere skal den have været ejet af Familien Lindegaard.

I Ellinge har der indtil 1885 ligget et Bystævne, vistnok fra 18. Aarh.; det bestod af 9 i Rundkreds stillede, utilhugne Sten med en tiende i Midten.

Ved Kongebrev af $^7/_1$ 1555 blev Ellinge annekteret til Skjellerup.

**Kullerup Sogn** omgives af Annekset Refsvindinge, Vindinge, Hjulby, Aunslev, Skjellerup og Ellinge Sogne. Kirken, mod N. Ø., ligger $^3/_4$ Mil V. for Nyborg og 2 Mil S. S. Ø. for Kjerteminde. De ikke videre højtliggende, bakkede Jorder ere lermuldede. Skov: En Del af Nyhave og Dastrup Hegn. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Svendborg til Kjerteminde og fra Nyborg til Odense.

Fladeindholdet 1896: 1533 Td. Ld., hvoraf 748 besaaede (deraf med Hvede 42, Rug 126, Byg 199, Havre 176, Bælgsæd 5, Blands. til Modenh. 108, Grøntf. 34, Kartofler 10, Sukkerroer 5, andre Rodfr. 38, Handelspl. 4), Afgræsn. 244, Høslæt, Brak, Eng m. m. 320, Have 21, Skov 99, Moser 12, Kær og Fælleder 8, Hegn 25,

Veje og Byggegr. 52, Vandareal m. m. 4 Td. Kreaturhold 1893: 146 Heste, 560 Stkr. Hornkv. (deraf 363 Køer), 292 Faar, 239 Svin og 4 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 171 Td.; 39 Selvejergaarde med 149, 54 Huse med 20 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 519 (1801 · 297, 1840: 453, 1860: 527, 1880: 555), boede i 111 Gaarde og Huse; Erhverv: 20 levede af immat. Virksomh., 333 af Jordbr., 138 af Industri, 9 af Handel, 1 af forsk. Daglejervirks., 15 af deres Midler, og 3 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Kullerup* med Kirke, Præstegd., Skole og Hospital (opr. 1776 af Fr. Bagger til Julskov, med et Hus ved Kirken til 8 fattige, 4 Mænd og 4 Kvinder, og 2000 Rd.); største Delen af *Saaderup* (Resten i Skjellerup S.) med Kro. Hovedgaarden *Julskov* har $33^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $5^1/_8$ Td. Skovsk., 337 Td. Ld. (i Kullerup og Refsvindinge S.), hvoraf 70 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre Kullerup Sogns Kirke-

Julskov.

tiende og $4^1/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods. *Sønderende*, Gde. *Holmegaard*. Gaarden *Liselund*, i et Enklave i Refsvindinge S.

Kullerup S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 71. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Julskov.

*Kirken*, fordum indviet til St. Nicolaus, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er en lille romansk Bygning, opført af raa Kamp med tilhugne Hjørnekvadre paa en to Skifter høj, profileret Granitsokkel. Flere oprindelige Vinduer ere bevarede. Taarn, Vaabenhus og Kirkens Hvælvinger hidrøre fra den senere Middelalder. Altertavlen fra 1604, med en Kopi af Eckersberg (Christus i Getsemane), og Prædikestolen ere tarvelige Renæssancearbejder. Romansk Granitdøbefont med Dyrefigurer. I Skibet et tarveligt Krucifiks fra katolsk Tid og en Malmlysekrone. I Skibets nordøstl. Hjørne ved Siden af Korbuen findes en stor Murklods af Kamp, rimeligvis et Sidealter fra den katolske Tid.

*Julskov* tilhørte 1365 en Adelsmand Niels Madsen og 1472 Morten Skinkel (Tinhuus), Enken Margrethe Friis, Sønnen Rigsraad Laurids S. til Egeskov, † 1533, hvis eneste Søn Otte S. til J. døde før Faderen, hvorfor J. kom til Søsteren Rigborg Tinhuus, g. m. Hans Johansen Lindenov, † 1568, som efterlod den til sin Datter Hilleborg L., g. først med Emmike Kaas, derpaa med Hans Speil. Ved hendes barnløse Død 1602 gik J. formentlig over til hendes Brodersøn, den rige Hr. Hans Lindenov, † 1642, hvis Datter Helvig, † 1646, bragte J. til sin Ægtefælle Hr. Sigvard Urne, † 1661; deres Søn Etatsr. Knud U. til J. døde 1705, hvorefter Gaarden tilfaldt hans Broder Sigvard U., † 1712, dennes Sønner Etatsr. Knud U. og Oberstlieutn. Sigvard U., der 1726 solgte Gaarden (287 Td. Hrtk.) til Kancelliforvalter Fr. Sechmann, som 1744 afhændede den (291 Td. Hrtk.) til Kancelliassessor Joh. Kallager, hvis Enke Dorthea Egløf 1760 solgte J. for 34,000 Rd. til Kommercer. Fr. Bagger († 1791), der atter 1789 solgte den til Justitsr. Laurids Lindegaard; 1803 solgtes den af Generalkrigskommissær Eskild Salomon Lindegaard til Adam Fr. Greve Trampe, som s. Aar erhvervede Tilladelse til at udstykke Gaarden, men 1804 solgte den ($300^1/_2$ Td. Hrtk. Bøndergods) for 110,000 Rd. til Kancellir. Søren Hillerup til Bramstrup, som 1805 solgte den ($107^3/_4$ Td. Hrtk. Bøndergods) til N. H. Haugsted for 92,000 Rd. Denne solgte den ($13^7/_8$ Td. Hrtk. Bøndergods) 1811 for 100,000 Rd. til H. P. Langkilde fra Vejlegaard, † 1852, hvis Enke ejede den, indtil den 1863 ifl. Testam. gik over til cand. jur., senere Etatsr. H. P. Langkilde, den nuv. Ejer. — Hovedbygningen, der er opf. i 17. Aarh., er ret anselig, bygget med tykke Mure af røde Mursten paa en Granitsokkel; den er i to Stokv. med hvælvede Kældere og Renæssancegavle; Bygningen skal tidligere have haft et Taarn. Stald og Ladebygninger brændte Maj 1899.

I Borggaarden paa Julskov har der staaet et middelald. Stenkors, *Julskovstøtten*, hvis Arme vare forbundne med en Ring; det var henved 5 Al. højt, havde Evangelisternes Navne paa Armhovederne samt paa Ringen og Korsarmen en Indskrift og Aarst. 1442 eller 1445. Man mener, at det oprindl. har haft sin Plads paa Gotland og er blevet bragt til Julskov ved Slutn. af 16. Aarh. Ved Aar 1800 blev det kløvet og anvendt til Bromateriale ved Gaarden; man har i nyeste Tid forgæves søgt efter Brudstykkerne (se *Engelstoft*, Critisk Undersøgelse om Julskovstøtten, i Saml. til Fyens Hist. V S. 258 flg.).

**Refsvindinge Sogn**, Anneks til Kullerup, omgives af dette, Ellinge, Herrested, Ørbæk og Vindinge Sogne. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil S. V. for Nyborg og $2^1/_2$ Mil S. for Kjerteminde. De højtliggende og meget bakkede Jorder (Bøgebjærg, 185 F., 58 M.) ere overvejende grusede. En Del af Nyhave Skov. Paa Vestgrænsen løber Villumstrup Aa, paa Østgrænsen Ørbæk. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Svendborg til Kjerteminde og fra Nyborg til Bøjden samt Nyborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 1925 Td. Ld., hvoraf 943 besaaede (deraf med Hvede 24, Rug 192, Byg 237, Havre 201, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 159, Grøntf. 22, Kartofl. 17, andre Rodfr. 85), Afgræsn. 277, Høslæt, Brak, Eng m. m. 445, Have 26, Skov 104, Moser 8, Kær og Fællede 22, Hegn 31, Veje og Byggegr. 68 Td. Kreaturhold 1893: 176 Heste, 756 Stkr. Hornkv. (deraf 453 Køer), 276 Faar, 342 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 187 Td.; 44 Selvejergaarde med 148, 102 Huse med 38 Td. Hrtk. og 19 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 735 (1801: 379, 1840: 586, 1860: 727, 1880: 762), boede i 166 Gaarde og Huse; Erhverv: 21 levede af immat. Virksomhed, 475 af Jordbr., 8 af Gartneri, 199 af Industri, 6 af Handel, 8 af forsk. Daglejervirks., 14 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byen *Refsvindinge*, ved Landevejen, med Kirke, Skole, Hospital (stiftet af Knud Urne til Julskov, † 1705, og Hustru, oprettet efter deres Død 1725 af Etatsr. Erik Skeel til Arreskov m. m. og Oberstlieutn. Sigvard Urne, med et Hus ved Kirken til 4 fattige, 2 Mænd og 2 Kvinder, og 1000 Rd.), Jærnbane- og Telefonstation. *Stenhave*, Gde. og Huse. *Lillemølle* og *Aasmølle* (Vandmøller).

Refsvindinge S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt 3. Udskrivningskr.' 69. Lægd. Kirken tilhører Pastor Raaes Arvinger.

*Kirken*, fordum indviet til St. Dionysius, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod N. Den ældste Del. Skib og Kor, er opf. i romansk Tid af tilhuggen Kamp; paa Sydsiden ses Spor af et oprindeligt, rundbuet Vindue. I den senere Middelalder er Skibet og Koret ombygget af det gamle Materiale og Mursten (Koret har Sokkel og Hjørner af tilhuggen Kamp); ligeledes overhvælvedes Kirken (i Skibet 3, i Koret 2 Hvælvinger), og Taarnet, med takkede og blindingssmykkede Gavle, tilføjedes (restaur. 1592). Saavel fra Koret som fra det overhvælvede Taarnrum føre Rundbuer ind til Skibet. Dette sidste har Renæssancegavl ligesom Vaabenhuset, der vistnok er den yngste Tilbygning (af Mursten med fladt Loft). Tarvelig Altertavle, med et Maleri (Christus); Prædikestol i Renæssancestil; Granitdøbefont. I Kirken hænger en Malmlysekrone fra 1737. Udvendig i Korgavlen er 1789 indsat en Ligsten over Fr. Bagger til Julskov, † 1791, med en lang, af ham selv forfattet Indskrift; i Skibets Nordvæg et Epitafium over Birkedommer Haastrup og Hustru.

Ifl. Klemmebrevet af 1555 blev Refsvindinge annekteret til Kullerup (efter den dav. Præsts Død).

**Litt.**: R. Byemænds Gilde-skraa, i Nye Suhmske Saml. III S. 91 flg. — Den ovennævnte *Fr. Bagger*, der er bekendt som landøkonomisk Forfatter, har udgivet: Instrux eller Bye-Lov for R. Bye Juulschous Gods. Odense 1773.

**Vindinge Sogn** omgives af Aunslev, Nyborg Landsogn, Kullerup, Refsvindinge, og Frørup Sogne samt Store Bælt, fra hvilket *Holckenhavn Fjord* trænger midt ind i Sognet. Kirken, mod N., ligger $^1/_2$ Mil V. for Nyborg. De for en Del højtliggende og meget bakkede Jorder — i den sydl. Del hæver det temmelig flade Bakkeparti *Kogsbølle Bakker* sig til 206 F., 65 M., med trigon. Station — ere lerede og lermuldede, i den sydl. Del og langs Stranden sandede og grusede. „Noret", S. for Holckenhavn, er tørlagt og benyttes til Græsning. En Del Skov (Bolvænge, Kosk., Kajbjærg Sk. m. m.). *Vindinge Aa* og *Ørbæk* gennemløbe Sognet og falde ud i Holckenhavn Fjord. Gennem Sognet gaa Landevejene fra Nyborg til Bøjden, Odense, Kjerteminde og Svendborg samt Nyborg-Ringe og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 5482 Td. Ld., hvoraf 2449 besaaede (deraf med Hvede 64, Rug 448, Byg 663, Havre 537, Bælgsæd 59, Blands. til Modenh. 276, Grøntf. 127, Kartofler 31, Sukkerroer 93, andre Rodfr. 146, Handelspl. 3), Afgræsn. 681, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1221, Have 86, Skov 604, ubevokset 17, Moser 23, Kær og Fælleder 124, Hegn 49, Veje og Byggegr. 153, Vandareal 75 Td. Kreaturhold 1893: 431 Heste, 1646 Stkr. Hornkv. (deraf 986 Køer), 811 Faar, 509 Svin og 23 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 545 Td.; 28 Selvejergaarde med 204, 15 Arvefæstegd. med 69, 39 Fæstegd. med 231 og 148 Huse med 39 Td. Hrtk., over $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1343 (1801: 1036, 1840: 1231, 1860: 1306, 1880: 1315), boede i 223 Gaarde og Huse; Erhverv: 23 levede af immat. Virksomh., 877 af Jordbrug, 21 af Gartneri, 15 af Fiskeri, 275 af Industri, 6 af Handel, 67 af forsk. Daglejervirks., 34 af deres Midler, og 25 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Vindinge*, ved Nyborg-Bøjdenvejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Hospital (opr. 1803 af Baron Fr. C. Holck til Holckenhavn og Forligskommissær P. Bondo, med et Hus til 8 Lemmer af Vindinge og Frørup Sogne), Jærnbanestation („Lamdrup Station") og Andelsmejeri; *Rosilde*, ved samme Vej, med Friskole; *Lamdrup*; *Sulkendrup* med Vandmølle; *Kogsbølle* (1386: Koxbole) med Skole, Mølle og Fællesmejeri. *Dyrehave*, Huse; *Bønkel*, Huse med Jærnbaneholdepl. Hovedgaarden *Holckenhavn*, under Baroniet af s. Navn, har $74^3/_4$ Td. A. og E. Hrtk. og Skov ansat til $2^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og $7^1/_4$ Td. Skovsk., 1241 Td. Ld., hvoraf 112 Eng, 545 Skov, Resten Ager; til Baroniet høre Vindinge Sogns Kirke- og Kongetiende, af Fæstegods $309^3/_8$ og af Arvefæstegods $154^7/_8$ Td. Hrtk. (Bøndergodset

ligger i Vindinge og Frørup Sogne). Gaarden *Konradslund*, ligeledes under Baroniet, har $5^1/_4$ Td. Hrtk., 80 Td. Ld. *). Gaarden *Sophienberg*.

Vindinge S., en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 70. Lægd. Kirken tilhører Baroniet Holckenhavn.

*Kirken* (se Vignetten S. 730) bestaar af Skib og Kor ud i eet, højt Taarn mod V. og to Sidefløje mod N. og S., saa at Kirken faar Korsform. Det er en anselig, hvælvet Murstensbygning fra den senere Middelalder, der har afløst en ældre, fra romansk Tid stammende Kirke (ifl. Jac. Madsens Visitatsb. indviet 1181 til St. Nicolaus), hvis tilhugne, profilerede Sokkel af Kamp findes indmuret hist og her i den nuv. Bygning. Med Undtagelse af Korgavlen, der har en simpel Renæssancegavl, have alle Kirkens øvrige Dele takkede, blindingssmykkede Gavle. Skib og Kor have Krydshvælvinger med profilerede Grater, der paa Væggene løbe over i Halvsøjler, af hvilke Korets ere forsynede med Løvværkskapitæler. Ogsaa Kapellerne ere hvælvede. Taarnet har Gavle til alle fire Sider. Vinduerne ere spidsbuede. Buerne fra Koret og fra det overhvælvede Taarnrum, der tjener som Vaabenhus, ere spidsbuede. Kirken er bleven restaureret bl. a. 1769 og 1853; 1895 blev Kirkens Indre dekoreret. Altertavlen (restaureret 1892 af Magn. Petersen) fra 15. Aarh. er et trefløjet Skab med udskaarne Figurer (i Midten Korsfæstelsen, paa Fløjene Apostlene, paa Bagsiden af Fløjene interessante Temperamalerier med Fremstillinger af Lidelseshist.). De middelalderlige Alterstager hvile paa Løvefigurer, der hver bærer en lille, støbt Apostelfigur med en Økse i Haanden. Prædikestolen er et Barokarbejde fra Slutn. af 17. Aarh. Døbefonten, fra 1853, er af norsk Marmor. I det nordl. Kapel hænger et godt udført, middelalderligt Krucifiks og nogle træskaarne Figurer fra en katolsk Altertavle (St. Antonius, St. Christoffer, Matthæus og Jmfr. Marias Himmelkroning), der er udgaaet fra Claus Bergs Værksted i Odense og har staaet i det nedennævnte St. Matthæi Kapel (se *Fr. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist. S. 28). Det sydl. Kapel er ved et Tralværk fra 17. Aarh. til Dels skilt fra Kirken og benyttes som Gravkapel for den Holckske Familie; tidligere har Kapellet og dets underjordiske Hvælving været brugt som Gravkapel for Ulfelderne, indtil Jakob Ulfeld 1616 flyttede sine Forfædres Kister til Kværndrup Kirke (se S. 641). Den ene Klokke har en Indskrift i Minuskler. Udvendig i det sydlige Kapels Mur er indsat en romansk

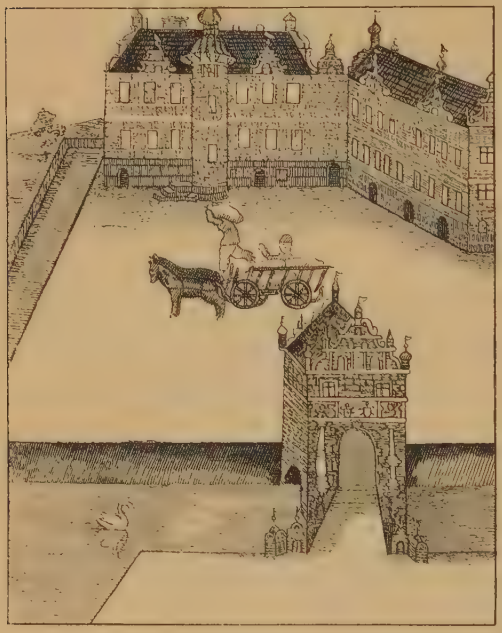

Ulfeldsholm.
Efter Jak. Ulfelds Jordebog fra 1588, i Holckenhavns Arkiv.

*) Til *Baroniet Holckenhavn*, der indbefatter Hovedgaarden Holckenhavn med Konradslund og Dyrehaven og Gaarden Frederikshøj, hører $708^1/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 81, indtaget til Skov $7^1/_2$, Bøndergods $598^1/_2$, Kirke- og Kongetiende 99 Td.; i Bankaktier 12,400, i Fideikommiskapitaler omtr. 1,136,500 Kr. Gaardenes saml. Jordtilliggende er omtr. 1100 Td. Ld. foruden omtr. 550 Td. Ld. Skov.

Ligsten. — Paa Kirkegaarden staar den gamle, middelalderlige Kirkelade med spidsbuet Dør, indrettet til det ovennævnte Hospital.

*Holckenhavn*, i tidligere Tid kaldet *Kogsbølle*, tilhørte allerede tidlig Ulfelderne, nemlig Erik Andersen 1386, † 1420, derefter Anders Eriksen, † 1456, Ebbe Andersen, † 1501 (en Ebbe Villumsen i K. nævnes 1500), Knud Ebbesen, † 1540, hvis Sønner vare Corfits U. til K., † 1563 ugift, og Rigsraad Jakob U., † 1593, især bekendt for sit Gesandtskab til Rusland 1578 og sin Optræden ved Fr. II's Begravelse 1588. Han, som nedbrød det gamle Kogsbølle og efter at have opført de to Fløje af den nuv. Bygning kaldte den *Ulfeldsholm*, efterfulgtes af sin Søn Rigskansler Jakob U., der 1616 solgte U. til Fru Ellen Marsvin, Chr. IV's Svigermoder, der kaldte den *Ellensborg* og døde her 1649. Den arvedes derefter af Fru Kirstine Munk og kom ved hendes Død 1658 til Eleonore Christine Ulfeld. Corfits U. opholdt sig efter sit Fangenskab paa Hammershus nogle Maaneder 1661-62 paa Gaarden, som efter hans Flugt sammen med hans øvrige Godser blev konfiskeret af Kronen og 1665 solgt til en holstensk Adelsmand Buchwald, der gav den Navnet *Nygaard*. 1671 solgtes Gaard og Gods til Gehejmer. Eiler Holck, som under $^{27}/_{3}$ 1672 oprettede *Baroniet Holckenhavn*, der senere er gaaet i Arv til hans Familie, nemlig Baron Eiler H.,

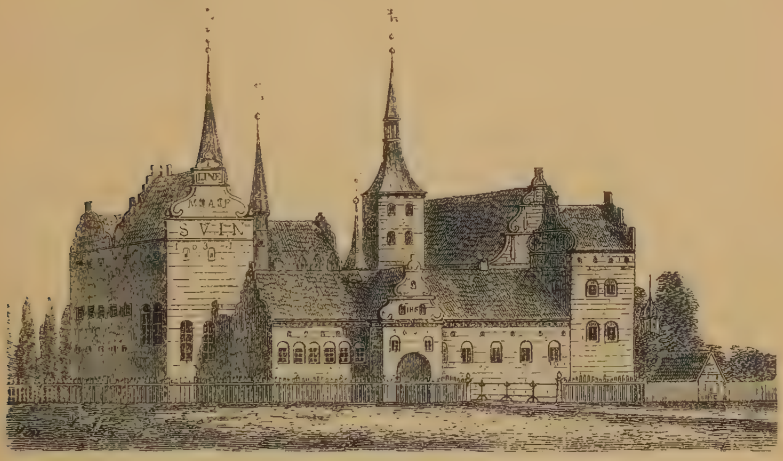

Ellensborg.

Efter et Maleri fra 17. Aarh., paa Holckenhavn.

† 1696, Sønnen Oberstlieutn. Fr. Chr. Greve H., † 1708, hans Søn Stiftamtmand Eiler Baron H., † 1740, dennes Sønner Kmhr. Fr. Chr. Baron H., † 1760, og Kmhr. Erik Rosenkrantz Baron H., † 1777, deres Farbroder Gehejmer. Baron Iver H., † 1781, dennes Brodersøns Sønner Mogens Fr. Anton Iver Baron H., † 1801, og Kmhr. Fr. Conr. Baron H., † 1830, den sidstes Søn Kmhr. Conr. Fr. Erik Baron H., † 1877, hvis Søn, Kmhr. Chr. Eiler Baron Holck, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, der ligger ved Sydkysten af Holckenhavn Fjord, er omgiven af Grave og bestaar af 4 sammenbyggede Fløje, væsentlig af røde Mursten (gult overkalkede), hvoraf de tre ere i to Stokv. med Kældere og den sydl., hvori Porthvælvingen, i eet Stokv. med Kælder. Den ældste Del, den østl. og nordl. Fløj samt delvis Portpartiet i den sydl. Fløj, er opført ved 1588 af Jakob Ulfeld, der lod det gamle Kogsbølle nedbryde; den vestl. Fløj tillige med Bygningerne ved Porthvælvingen er tilføjet af Ellen Marsvin, som tillige lod 4 Taarne med Spir opføre; alle Gavlene vare da i Renæssancestil. Paa Vestfløjen staar: Eline Marsvin 1631, paa Portgavlen: I H S E M S 1634. Desuden indrettede hun i Vestfløjen et med rigt Billedskærerarbejde udstyret Kapel (indviet 1637). Senere ere Gavlene forandrede, kun Vestfløjen har beholdt Renæssancegavlen, og to af Taarnene ere forsvundne; lige inden for Portbygningen staar et rundt Trappetaarn med et lavt Kegletag, og midt

for Østfløjen staar et Taarn med kreneleret Murtinde. Kælderne ere overhvælvede undt. i Portfløjen. I Kapellet, der blev restaureret 1849 og 1893, og hvori der holdes Gudstjeneste en Gang om Maaneden, findes en sammenstykket Altertavle med Billedskærerarbejde fra Slutn. af 15. og Beg. af 16. Aarh. (se *Fr. Beckett* Renæss. og Kunstens Hist., S. 20) og Prædikestol med Billedskærerarbejde fra 17. Aarh. I den af Ellen Marsvin i Østfløjen indrettede Riddersal findes de originale Dekorationer endnu til Dels bevarede med en Kamin m. m. og et Loft, paa hvis Bjælker Ellen Marsvins og Ludvig Munks Vaabener ere malede (se *Mejborg*, Gml. D. Hjem, S. 30); i Spisestuen et Portræt af Ellen Marsvin. En Del af Ladebygningerne brændte 1866; den forrige Besidder har opført Forpagterboligen og Mejeribygningen.

Lige forbi Gaarden fører den nye Landevej fra Svendborg til Nyborg (fuldendt 1869), der gaar over en omtr. 450 Al. lang Dæmning („Holckenhavns Dæmning"), der lukker Holckenhavn Fjord. Dæmningen, der er bygget paa et Fundament af 4, med Jærnankre forbundne Pælerækker, er anlagt 1844-48.

I Sulkendrup har vel det *„Sulkroetorp"* ligget, hvortil en Peder Nielsen skrev sig

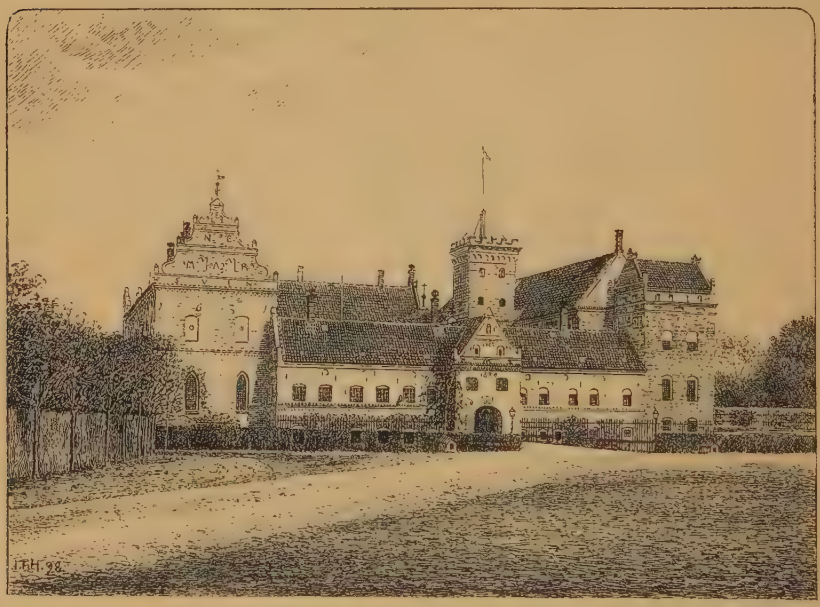

Holckenhavn.

1302. Mattis Lud i Sulkendrup 1500 var maaske ogsaa af adelig Æt, men nævnes for øvrigt efter Væbnerne.

Paa Vindinge Mark har ligget en Borg, *Gammelborg*, hvis Anlæg Sagnet henfører til Svend Grathe, og i Modsætning til hvilken den vistnok af Prins Knud anlagte Borg kaldtes Nyborg (se S. 595).

Det under Kirken nævnte *St. Matthæi Kapel* har ligget i eller ved Vindinge Kirke. Dette og *St. Madses Kilde*, der laa paa Kogsbølle Mark, bleve i ældre Tid meget besøgte, navnlig St. Hansaften, og gav Navn til „St. Madses Marked", der senere henlagdes til Nyborg. Rester af Voldstedet ses endnu.

**Frørup Sogn**, det sydøstligste i Herredet, omgives af Vindinge og Ørbæk Sogne samt Gudme Hrd. (Svindinge, Øksendrup og Hesselager S.), fra hvilket det adskilles ved Kongshøj Aa, og Store Bælt. Kirken, mod S. V., ligger omtr. $1^1/_4$ Mil S. S. V. for Nyborg. De højtliggende og temmelig bakkede Jorder ere lermuldede, mod Ø. mere sandmuldede; langs Stranden

er der flere høje Banker. En Del Skov (Taaruplund). Gennem Sognet gaa Landevejen fra Nyborg til Svendborg og Nyborg-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 5043 Td. Ld., hvoraf 2503 besaaede (deraf med Hvede 112, Rug 338, Byg 666, Havre 586, Bælgsæd 172, Frøavl 3, Blandsæd til Modenh. 332, Grøntf. 141, Kartofler 17, Sukkerroer 3, andre Rodfr. 133), Afgræsn. 783, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1157, Have 69, Skov 230, Moser 72, Kær og Fælleder 26, Hegn 64, Stenmarker m. v. 11, Veje og Byggegr. 125, Vandareal 3 Td. Kreaturhold 1893: 511 Heste, 1819 Stkr. Hornkv. (deraf 1124 Køer), 990 Faar, 690 Svin og 14 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 552 Td.; 58 Selvejergaarde med 251, 14 Arvefæstegd. med 67, 33 Fæstegd. med 183, 184 Huse med 51 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1539 (1801: 968, 1840: 1245, 1860: 1367, 1880: 1462), boede i 310 Gaarde og Huse; Erhverv: 28 levede af immat. Virksomh., 952 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 27 af Fiskeri, 359 af Industri, 17 af Handel, 113 af forsk. Daglejervirks., 33 af deres Midler, og 8 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Frørup* (1231: Frøthorp) med Kirke, Præstegd., 2 Skoler, hvoraf den ene, „Frederikshøj Skole", paa Frørup Mark, Missionshus (opf. 1896), Forsamlingshus (opf. 1889), Andelsmejeri (Kildeborg), Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation; *Slude* med Jærnbaneholdepl.; *Langgæble*; *Taarup* (1376: Torpæ, 1433: Thorpe, 1513: Torpestedt) med Filialkirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1890), Teglværk og Telefonstation; *Kongshøj*; en Del af *Sentved* (Resten i Ørbæk Sogn). *Aahuse*; *Elvid* (Elviet) og *Blæsenborg*, Gde. og Huse. Gaarden *Frederikshøj*, fra 1841 under Baroniet Holckenhavn (se S. 742), har 32 Td. Hrtk., 304 Td. Ld., hvoraf 2 Eng, 4 Gærdsel og Skov, Resten Ager (8 Lejeboliger). *Sludegaard*, Fæstegaard under Holckenhavn, har $237/_8$ Td. Hrtk., 244 Td. Ld., hvoraf 9 Eng, 5 Gærdsel og Skov, Resten Ager. *Lundsgaard*, under Stamhuset Moltkenborg (se S. 712), har $15^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^3/_4$ Td. Skovsk., 289 Td. Ld., hvoraf 3 Eng, 161 Skov, Resten Ager.

Frørup S., en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingkr. samt 3. Udskrivningskr.' 61. Lægd. Kirken tilhører en Privatmand, Filialkirken Beboerne.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og et lille Vaabenhus mod S. Den ældste Del er opf. i romansk Tid af Mursten og Kalktuf (*J. Helms*, Tufstenskirker S. 10). I den senere Middelalder er Kirken bleven ombygget og har faaet Hvælvinger (i Skibet 3, i Koret 1), ligesom vistnok Taarnet er blevet tilføjet. Taarngavlene og Korgavlen have rige Blindingsprydelser. Taarnrummet, med Stjernehvælving, er i nyere Tid blevet adskilt fra Kirken ved en Mur, hvori en spidsbuet Dør. Vaabenhuset har Bræddeloft. Kirken er restaureret 1870. Smukt udskaaren femfløjet Altertavle fra omtr. 1500; i Midtfeltet er udskaaret Korsfæstelsen, paa Siderne Apostlene; udvendig paa Fløjene ere malede Fremstillinger af Lidelseshist. (se *Fr. Beckett*, Altert. S. 55 flg.; der har været 3 katolske Altere, som bleve nedbrudte 1590). Prædikestol i Renæssancestil med Søjler og Relieffer. Granitdøbefont. De øverste Stolestader ere fra 1612. Over Døren ind til Taarnrummet hænger et gotisk Krucifiks. I Koret en Ligsten over de to første Præster efter Reformationen, Peder Bjørnskou og Balthasar Pedersen Bjørnskou. I Skibet en Sten med Aarst. 1792 og Bogstaverne M. L. D. og en større med ulæselig Indskrift.

*Filialkirken* er opført 1883 efter Tegn. af Arkitekt J. Eckersberg. Den bestaar af Skib og Kor ud i eet samt slankt Taarn mod V., hvori Vaabenhus, den er bygget af røde Mursten og har Tøndehvælving; Altertavlen (Christi Aabenbarelse Paaskemorgen) er malet af F. C. Lund.

*Sludegaard* er vel det „Sluthe", hvortil en vis Matheus Niclissen skrives 1323; den nævnes atter 1521, da den var forlenet til Laurids Brockenhuus, efter hvem Otte Brockenhuus fik Brev paa den 1525.

Paa Frørup Mark er der en *Regisses Kilde* og var tidligere et *Regisses Kapel*, der vare stærkt besøgte, navnlig ved St. Botulfs Messe (17. Juni) og St. Hansaften. Efter Sagnet fremvældede Kilden paa det Sted, hvor den fromme Regisses to Børn (eller

hun selv) vare blevne myrdede. I Slutn. af 16. Aarh. var Kapellet nedbrudt (se Jac. Madsens Visitatsb. S. 85), men endnu i Slutn. af 18. Aarh. besøgtes Kilden; Jac. Madsen fandt der „Klude, Krykker, Haar og skurvede Hatte".

Litt: *J. Schrøder*, Hieronymus Laub [Fader til den i Frørup 1805 fødte Biskop H. O. C. Laub] og Frørup Præstegaard, i Hist. Maanedsskr. for folkl. og christl. Oplysn. VI S. 65 flg.

**Ørbæk Sogn** omgives af Frørup, Vindinge, Refsvindinge, Herrested og Ellested Sogne samt Gudme Hrd. (Gislev og Svindinge S.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. $1^1/_2$ Mil S. V. for Nyborg. De højtliggende, i Midten bakkede Jorder ere dels rødlerede, dels grusmuldede. En Del Skov (Plantagen, Nylykke, Vesteræble). Midt gennem Sognet løber *Ørbæk*, ved Nordvestgrænsen *Villumstrup Aa*. I Sognet krydses Landevejene fra Nyborg til Bøjden, Assens og Faaborg og fra Svendborg til Odense; Nyborg-Ringe Banen gaar gennem det.

Fladeindholdet var 1896: 2527 Td. Ld., hvoraf 1226 besaaede (deraf med Hvede 67, Rug 184, Byg 297, Havre 280, Bælgsæd 21, Kommen og Raps 7, Blandsæd til Modenh. 207, Grøntf. 60, Kartofler 8, andre Rodfr. 92, Handelspl. 3), Afgræsning 361, Høslæt, Brak, Eng m. m. 541, Have 44, Skov 224, Moser 30, Kær og Fælleder 7, Hegn 27, Veje og Byggegr. 58, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 224 Heste, 844 Stk. Hornkv. (deraf 548 Køer), 339 Faar, 446 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 272 Td.; 29 Selvejergaarde med 201, 1 Arvefæstegd. med 4, 8 Fæstegd. med 42, 59 Huse med 25 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse, $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 587 (1801: 405, 1840: 485, 1860: 469, 1880: 521), boede i 97 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomhed, 371 af Jordbr., 3 af Gartneri, 113 af Industri, 20 af Handel, 14 af forsk. Daglejervirks., 14 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ørbæk*, ved Landevejenes Krydsning, med Kirke, Præstegd., Skole, Gæstgiveri, Bageri, Andelsmejeri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition; *Æble* med Vandmølle. En Del af *Sentved* (Resten i Frørup S.). Hovedgaarden *Ørbæklunde* med *Æblegaard* har i alt $139^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk., deraf under Hovedgaarden $54^1/_4$, Æblegaard $14^3/_4$, Bøndergodset $61^7/_8$, Skovene $8^5/_8$ samt $^1/_4$ Td. Skovsk., i alt 1380 Td. Ld., hvoraf under Hovedgaarden 450 Ager, 18 Eng og omtr. 200 Skov, under Æblegaard 136 og under Bøndergodset (i Ørbæk, Frørup, Gislev og Svindinge Sogne) 576 Td. Ld.; til Ørbæklunde høre 3 Vandmøller, omtr. $6^3/_4$ Td. Hrtk. Arvefæstegods, Ørbæk Sogns Kirke- og halve Kongetiende og Frørup Sogns Kongetiende.

Ørbæk S., en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 62. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Ørbæklunde.

*Kirken*, paa en Banke, bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken er vist oprindelig romansk, opført af raa Kamp paa en Sokkel af to Skifter profilerede Granitkvadre. Koret, der oprindl. har haft Apsis, blev senere i Middelalderen nedbrudt og paa ny opf. i udvidet Skikkelse, dels med Anvendelse af de gamle Materialer, dels med Munkesten; flere krumhugne Sokkelsten fra den oprindelige Apsis ses i Gavlen. Et enkelt romansk Vindue og Rester af Norddøren ere bevarede; de øvrige, fladbuede Vinduer ere samtidige med Korets Ombygning og Indmuringen af Kirkens Hvælvinger. Taarn og Vaabenhus, begge med kamtakkede Gavle, ere antagelig fra Slutn. af Middelalderen. Kirken er restaur. 1870, ved hvilken Lejlighed der fandtes Rester af Kalkmalerier. Altertavlen har et tarveligt Maleri fra 17. Aarh. og udskaarne Figurer af de tolv Apostle, der hidrøre fra en ældre, middelalderlig Tavle. Romansk Granitdøbefont med Bladslyngninger og Dyrefigurer. Alterstager fra 1661. Paa Endestykkerne af de øverste Stolestader findes bl. a. Egern-Friisernes og Gyldenstiernernes Vaabener. Prædikestol fra 1597 med de samme Vaabener

og Bogstaverne N F W G. I Skibet et tarveligt Maleri (Korsfæstelsen) og en smuk' træskaaren Madonnafigur paa Halvmaanen, rimeligvis hidrørende fra samme Altertavle som de ovfr. nævnte Apostelfigurer (jfr. Jacob Madsens Visitatsbog S. 87). En Dør med Jærnbeslag fra 17. Aarh. I Skibet et Par smukke Malmkroner, skænkede 1709 af Michel Luja og 1737 af M. Rosenvinge. Under Koret er en Begravelse, hvori flere af Ørbæklundes ældre Ejere hvile, deribl. Jesper Friis og Mathias Rosenvinge med deres nærmeste Slægt. I Kirkegulvet en Ligsten over Ridefoged Niels Nielsen, † 1698, og Hustru. — I Mands Minde har der S. for Kirken ligget en middelalderlig Kirkelade.

*Ørbæklunde* nævnes først i 16. Aarh., da Biskop Jens Andersen Beldenak købte den af Kong Hans. Bispens Arving, Domprovst Christiern Pedersen i Viborg, mageskiftede den 1537 til Kansler Joh. Friis, efter at Gaarden var bleven ødelagt i Grevefejden. Kansleren overlod Ejendommen til sin Broder Henrik F., der med sin Hustru Margrethe Bild var bleven Ejer af en anden større Gaard i samme Sogn, *Ørlunde*, der laa i Haven ved det nuværende Ørbæklunde. Denne Gaard opførte Henrik Friis' Søn Niels F. nemlig 1593 tæt ved Ørlunde, men gav den Navn efter den tidligere

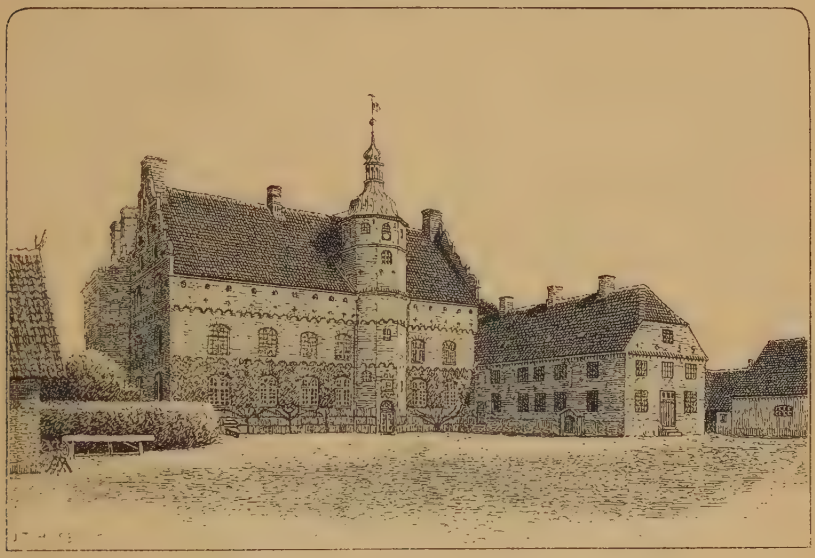

Ørbæklunde.

Kongsgaard. Lige til 1630 benyttedes dog Ørlundes Ladebygninger. Efter Henr. Friis' Død 1571 tilfaldt Ørbæklunde egentlig hans Søn Fr. F., der imidlertid 1585 solgte den til sin Broder Niels F., † 1610, hvis Søn Jesper F., † 1643, efterlod den til sine Sønner Niels og Henrik F., som 1689 solgte den for 3200 Rd., 1900 Slettedalere, til Assessor, Justitsr. Mathias Henriksen Rosenvinge, † 1714. Efter at sidstnævntes Enke Anne Margrethe Wulf var død 1752, solgte Arvingerne Gaard og Gods til Etatsr. Niels Bang Himmelstrup, † 1754, hvorefter dennes Enke Frederikke Sophie Iversen 1757 ægtede Stiftamtmand i Viborg Caspar Herman Heinen; deres Datter Karine ægtede Kmhr. Carl Adolph v. Linstow, der 1782 solgte Gaard og Gods til Kancellir. Lars Rasmussen Lange († 1822) for 44,000 Rd. Dennes Søn Justitsr. Rasmus Larsen Lange, † 1848, købte Gaarden 1809 af Faderen for 150,000 Rd. Efter Enkens, Laurentze Lindegaards Død 1859 købte Sønnen Justitsr. Salomon Lindegaard Lange den, og dennes Søn, Rasmus L. Lange, den nuv. Ejer, købte den 1884 for 742,000 Kr. — Hovedbygningen bestaar af to i en ret Vinkel sammenbyggede Fløje. Hovedfløjen, liggende i Retning fra Ø. til V., er opført af røde Munkesten paa en Sokkel af tilhuggen Kamp og ligner i hele sit Anlæg Borreby. Den har Kælder, to Stokv. samt et Halvstokv., der ligesom 2. Stokv. krager ud; Nordfaçaden har to firkantede Hjørnetaarne og et lignende mindre paa Midten; paa Sydsiden ind til Gaarden

staar et ottekantet Trappetaarn. Mellem 1. og 2. Stokv. og mellem det sidste og Halvstokværket, i hvilket Skydeskaarene ere bevarede, er der Rundbuefriser. Kælder og 1. Stokv. ere overhvælvede. Over Indgangsdøren i Trappetaarnet staar en latinsk Indskrift med Niels Friis' Navn og Aarst. 1593. Dette maa dog forstaas saaledes, at han kun har foretaget Ombygninger ved Huset, der maa antages at være en Del ældre end 1593, idet han har forhøjet Trappetaarnet og forsynet det med Spir samt ladet alle Gavlene omdanne i Renæssancestil (paa Vestgavlen staar ogsaa: 1593). Den anden Fløj, der gaar i Retning fra N. til S., er opf. 1653 af Jesper Friis' Enke Elisab. Ulfeld; den er ogsaa i to Stokv., men langt lavere. En Tilbygning, der var føjet til Hovedfløjens Vestende, er fjernet af den forrige Ejer, Justitsr. S. Lange, hvorved Bygningen har vundet meget. De gamle, af Jesper Friis 1630 opførte Ladebygninger staa til Dels endnu; en Sten i Tærskeladens Mur bærer dette Aarst. og en latinsk Indskr. (Se *Fr. Beckett*, Renæss. og Kunstens Hist. S. 60. *Mejborg*, Gml. d. Hjem S. 10, og nedennævnte Artikel af *S. Jørgensen*. — Tegn. og Opmaal., i Kunstakademiet, af *V. Koch*).

Ved „Ørbæklunde Sø", nu en næsten udtørret Mose, har der ligget en befæstet Gaard med Volde og dobbelte Grave, som Sagnet kaldte *Olufsborg* (*Ulfsborg*); 1623 var den nedbrudt, i Slutn. af 18. Aarh saas Gravene endnu.

Jesper Friis' Enke Elisabeth Ulfeld, † 1676, stiftede 1646 et Hospital, der havde Plads i den ovennævnte Kirkelade; men den blev paa Grund af Brøstfældighed nedbrudt 1882 og Jorden lagt til Kirkegaarden; for Kapitalen tænker man med Tiden at opføre et nyt Hospital.

**Litt.**: *S. Jørgensen*, Hist.-topogr. Efterretn. om Ø. Sogn, i Saml. til Fyens Hist. VI S. 209 flg.

**Ellested Sogn**, Anneks til Gislev Sogn i Gudme Hrd., omgives af Ørbæk og Herrested Sogne samt Gudme Hrd. (Ryslinge og Gislev S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $1^3/_4$ Mil S. V. for Nyborg. De højtliggende og bakkede Jorder ere lerede og lermuldede. En Del Skov (Fattigkrog, Plantagen, Gammelbæk, Lindeskov Hestehave, Nyhave). I Sognet udspringe *Ørbæk*, der gennemløber to mindre Indsøer, og *Villumstrup Aa*, der danner Vest- og Nordgrænsen. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Ørbæk til Assens og Nyborg-Ringe Banen.

Fladeindholdet 1896: 2094 Td. Ld., hvoraf 833 besaaede (deraf med Hvede 49, Rug 121, Byg 195, Havre 204, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenh. 184, Grøntf. 15, Kartofl. 7, andre Rodfr. 46), Afgræsn. 315, Høslæt, Brak, Eng m. m. 468, Have 21, Skov 325, Moser 51, Hegn 10, Veje og Byggegr. 40, Vandareal m. m. 31 Td. Kreaturhold 1893: 159 Heste, 623 Stkr. Hornkv. (deraf 389 Køer), 244 Faar, 219 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 183 Td.; 15 Selvejergaarde med 134, 10 Fæstegd. med 39 og 30 Huse med 8 Td. Hrtk., $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 329 (1801: 283, 1840: 291, 1860: 347, 1880: 308), boede i 51 Gaarde og Huse; Erhverv: 7 levede af immat. Virksomh., 241 af Jordbrug, 58 af Industri, 4 af Handel, og 19 af forsk. Daglejervirks.

I Sognet *Ellested* (gml. Form Elvested) *Kirke*, med Skole, Møller, Købmandsforretninger, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation, og Byerne *Kullerup* og *Lindeskov*. *Magelund Huse*. Hovedgaarden *Lykkesholm* har $98^3/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $6^5/_8$ Td. Skovsk., 1361 Td. Ld., hvoraf 25 Eng, 725 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Vandmølle, *Gammelmølle* (*Nymølle* er Fæste under den), Ellested og Gislev Sognes Konge- og Kirketiender, $49^3/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Ellested og Gislev S.) og $28^3/_4$ Td. Hrtk. fri Jord bortforpagtet (se Gislev S.).

Ellested S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 63. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Lykkesholm.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, ovenpaa hvilket sidste Taarnet er opført, altsaa

mod Ø., og et Vaabenhus ved Skibets Vestgavl. Skib og Kor ere oprørte i romansk Tid af tilhuggen Kamp med profileret Sokkel; i den senere Middelalder (se *Rørdam*, Hist. Kildeskr. 2. R. II Bd. S. 522 om Afladsbreve og andre Breve vedr. Kirken) er Kirken bleven ombygget, flere af Sokkelstenene ere anbragte oppe i Muren paa Skibet, hvis midterste Parti er af Mursten; paa Nordsiden og Sydsiden findes et liggende Kors; omtr. samtidig er vel Taarnet, af Mursten, tilføjet. Kirken havde indtil 1857 kun to Hvælvinger (i Vestenden og over Koret) og ellers fladt Loft, men i dette Aar, da den næsten helt ombyggedes, fik den 3 Hvælvinger over Skibet, ligesom et Vaabenhus mod S. nedreves, og det nuv., af Mursten med Bjælkeloft, opførtes. Altertavlen er et Maleri fra 1857 af A. Dorph (den korsfæstede); tarvelig Prædikestol fra 1857; Granitdøbefont med Bladornamenter og firsidet Fod med Hoveder. I Koret en Tavle med en af Præsten Jens Madsen Faber forfattet Indskrift paa Latin og et dansk Vers, der melder, at Kirken er bleven restaureret 1693 paa Bekostning af Erik Sehested og Hustru. Ved Kirkens Nordside er opstillet en Sten med skaalformede Fordybninger.

*Lykkesholm*, i den ældste Tid kaldet *Magelund*, nævnes første Gang 1329, da den ejedes af en Fru Margrethe til Magelund; kort efter tilhørte den en holstensk Adelsmand Gert Hecken, der pantsatte den til Peder Brok, som atter 1333 pantsatte den til Claus og Dose Blok m. fl. Den tilhørte dog siden hans Søn Junker Albert Brok, hvis Enke ægtede Iven Hvitkop, som med hende fik $^2/_3$ af M. En flg. Ejer, Hartvig Hummersbüttel skødede 1381 Magelund eller, som den ogsaa da kaldtes, Lykkesholm til Fikke Moltke, der 1391 solgte den til Dronn. Margrethe. Hun overlod den straks til Henneke eller Johs. Olufsen (Bjørn), efter hvis Død den tilfaldt hans Svigersøn Hr. Steen Basse og efter ham ved Hr. Steens og hans Hustrus Testamenter Hr. Torbern Bille og Hr. Oluf Axelsen Thott. Sidstnævntes Datter Fru Birgitte solgte sin og sine Søskendes Part i L. til Hr. Torbern Billes Søn Bendt B., som saaledes blev Eneejer. Efter ham ejedes den af Eiler Rønnov, hvis Datter Berete ægtede Henning Quitzow, † 1569, derefter af hans Søn Eiler Q., † 1640, som 1640 solgte L. til Kansler Christen Thomesen Sehested, † 1657. Hans Søn Erik S. og dennes Søn Otte S. († 1718) ejede derpaa Gaarden, som sidstnævnte 1714 ved Auktion solgte til sin Søster Margrethe S., Vincents Kaas' Enke, † 1715, hvorpaa Gaarden tilfaldt hendes Søsterdatter Margrethe Rammel Winterfeld, g. m. Lieutn. Hans Fr. Kaas, der 1721 mageskiftede L. til Børge Trolle mod Lungholm. Ved Auktion efter ham 1730 blev L. (510 Td. Hrtk.) købt af Gehejmer. Theodor Adeler, hvis Arvinger 1769 solgte Gaard og Gods for 71,000 Rd. C. til Krigsr. Otto Lindegaard, † 1778. Fra ham gik den over til Sønnen Justitsr. Salomon L., † 1825, og dennes Søn Etatsr. Otto L., † 1875; hans Søn, Hofjægerm. P. S. Lindegaard, er den nuv. Ejer. — Hovedbygningen, der ligger smukt omgiven af Grave for Enden af en lille Indsø og tæt ved Ørbæks Udspring, bestaar af 3 Fløje, opførte af Grundmur i to Stokv., hvoraf Hovedfløjen mod V. vistnok er opført af Henning Quitzow i Midten af 16. Aarh., medens de to Sidefløje stamme fra Slutn. af 18. Aarh; der er hvælvede Kældere. Ladebygningerne ere til Dels ombyggede i de sidste tyve Aar. I Nærheden af den nuv. Hovedbygning vises paa et med Grave omgivet Voldsted Ruiner af det gamle „*Magelund Slot*“, der skal være nedbrudt af Dronn. Margrethe. Der ses endnu Murbrokker.

Paa Lindeskov Mark er der fredlyst et Dyssekammer og to Langdysser, af hvilke den ene, 504 F. lang, er den største Langdysse, som kendes i Landet; 126 Randsten ere endnu bevarede; den anden Langdysse, 78 F. lang, indeslutter 4 Gravkister. Fra en Jættestue paa Lindeskov Mark hidrører et ret betydeligt Fund (i Nationalmuseet).

Om Sognets Hist. se under Ryslinge Sogn S. 710; se ogsaa Kirkeh. Saml. 4. R. IV Bd., S. 58 flg.

**Herrested Sogn** omgives af Ellested, Ørbæk, Refsvindinge og Ellinge Sogne, Odense Amt (Aasum Hrd.), Hellerup og Søllinge Sogne samt Gudme Hrd. (Ryslinge S.). Kirken, mod N., ligger $1^1/_2$ Mil V. S. V. for Nyborg. De højtliggende, temmelig jævne Jorder ere dels lerede og lermuldede, dels grusede og grusmuldede. Omtr. $^1/_5$ af Arealet er dækket af Skov (Kragelund, Blandsk., Dyrehave, Hestehave, Bjørnemose). Langs Sydøst-, Øst- og Nordøstgrænsen løber *Villumstrup Aa*, en Biaa til Vindinge Aa. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Svendborg til Odense.

Fladeindholdet 1896: 4589 Td. Ld., hvoraf 1780 besaaede (deraf med Hvede 81, Rug 306, Byg 434, Havre 478, Bælgsæd 25, Frøavl 2, Blandsæd til Modenh. 222, Grøntf. 67, Kartofler 19, andre Rodfr. 146), Afgræsn. 559, Høslæt, Brak, Eng m. m. 975, Have 59, Skov 920, ubevokset 48, Moser 90, Kær og Fælleder 6, Hegn 41, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 98, Vandareal m. m. 6 Td. Kreaturhold 1893: 335 Heste, 1358 Stkr. Hornkv. (deraf 811 Køer), 585 Faar, 487 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 410 Td.; 64 Selvejergaarde med 365, 2 Fæstegd. med 6, 110 Huse med 38 Td. Hrtk. og 9 jordløse Huse, $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1077 (1801: 711, 1840: 770, 1860: 923, 1880: 1119), boede i 197 Gaarde og Huse; Erhverv: 40 levede af immat. Virksomh., 700 af Jordbrug, 9 af Gartneri, 177 af Industri, 24 af Handel, 94 af forsk. Daglejervirks., 22 af deres Midler, og 11 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Herrested* (i Vald. Jordb. Hærmæstath, 1258: Hærrigsteth, 1348: Hærigsteth, 1353: Herghestadth), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Sehestedts Hospital (opr. 1742 af Charl. Amalie Gersdorff, Enke efter Gehejmer. Chr. Sehestedt, med et Hus ved Kirken til 5, nu 8 fattige, og 1250 Rd.; Hospitalet er nyopført 1867) og Andels mejeri; *Kragelund*; *Villumstrup*; *Maare* med Forsamlingshus (opført 1888) og Købmandsforretning; *Maareskov* med Skole; *Kastel*. *Dalshuse*. Hovedgaarden *Ravnholt* med Kapel, under Stamhuset af samme Navn, har $61^1/_8$ Td. Hrtk., omtr. 550 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, 40 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre en Del Funktionær- og Arbejderboliger og $20^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods samt Herrested og Ryslinge Kirketiender. Under samme Stamhus høre Gaardene *Holmegaard*, 24 Td. Hrtk., 230 Td. Ld., alt Ager, og *Sophienlund*, $12^3/_8$ Td. Hrtk., 120 Td. Ld., alt Ager*).

Herrested S., en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 68. Lægd. Kirken og Kapellet tilhøre Stamhuset Ravnholt.

*Kirken*, højt beliggende paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor med Apsis og Taarn mod V. Den ældste Del er opf. i romansk Tid af tilhuggen Kamp med dobbelt Granitsokkel; i den senere Middelalder er Kirken bleven ombygget og har faaet Hvælvinger og Taarn med blindingsprydede Kamgavle samt et Spir over Korgavlen. Ved en 1880 fuldendt Restauration blev bl. a. Koret med Apsis opført fra nyt af tilhuggen Kamp, Hvælvingerne fornyedes, og et Kapel paa Sydsiden, der var opf. af Grev Henrik Holck paa Chr. IV's Tid (en taarnagtig Bygning med Kamgavle og Stjernehvælving) fjærnet. Skib, Kor og Apsis have smukke Murstensgesimser. I Vestsiden af Taarnet fører en rundbuet Portal med Søjler ind til Taarnrummet, der har Stjernehvælving og tjener til Vaabenhus. Paa Hjørnerne af Taarnet har Soklen smaa, romanske Hoveder. Korbuen er rund. Apsidens Ribber slutte forneden med smaa Englehoveder. Altertavlen (Korsfæstelsen) er fra 1703, malet paa Kobber, i en moderne Ramme; Prædikestolen er fra 1594, skænket af Niels Bild, † 1622, og Hustru Margr. Urne; Granitdøbefont med firsidet Fod med Hoveder. I Koret et Epitafium fra 1594 over Niels Bild og Hustru, afbildede knælende med 4 Børn. Foran Alteret Ligsten over Niels Bild, † 1540, og Hustru Berete Ulfeld, † 1555. I Taarnrummet et Epitafium over Præsten Hans Mikkelsen Seidelin, † 1741, og Hustru. Under Koret er der Begravelse for Ravnholts Ejere, under den østl. Del af Skibet for flere Præster. Ved Restaurationen 1875 fandtes der i Korhvælvingen Kalkmalerier, bestaaende af Dekorationer og Billeder af flere Apostle samt St. Barbara og St. Katharina; i en af Kapperne stod: 1519; Malerierne gik tabt, da de gamle

*) Til *Stamhuset Ravnholt*, der indbefatter Hovedgaardene Ravnholt, Hellerup og Nislevgaard samt Gaardene Stubbendrup, Holmegaard, Sophienlund, og Østrupskovgaard, høre $779^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $284^1/_2$, Skove 73, Bøndergods 72, Kirke- og Kongetiende 350 Td. (Skeby, Otterup, Lunde, Lumby, Rolfsted, Hellerup, Søllinge og Herrested Kirker); i Bankaktier 24,000 Kr., i Fideikommiskapitaler 2,724,000 Kr. Hovedgaardenes Jordtilliggende udger 2350 Td. Ld. foruden 1800 Td. Ld. Skov.

Hvælvinger nedtoges (se *Magn. Petersen* Kalkm. S. 67). Paa Kirkegaarden muret Begravelse med Ove Sehestedt-Juel og Hustrus Kister og en Granitpyramide som Monument.

*Ravnholt* nævnes første Gang 1365 og tilhørte da og endnu 1372 Jens Madsen. Ved Aar 1400 tilhørte den Jakob Ottesen Bild, hvis Slægt beholdt den i over 200 Aar, nemlig Jep B., Enken Kirsten Skinkel, 1489, Niels B., † 1540, Evert B., † 1567, hans Enke Vibeke Podebusk, bekendt Slægtebogsforfatterinde, † 1596, Niels B., † 1622, Slægtens sidste Mand. Anne Nielsdatter B. ægtede Otte Brahe, som 1622 solgte R. til den lærde Holger Rosenkrantz til Rosenholm, der 1631 afhændede den til Henrik Holck, † 1633. Hans Enke ægtede Frands Pogwisch, efter hvis Død R. blev solgt 1657 til Gehejmer. Christen Skeel, † 1687, hvis Datter Elisabeth Sophie († 1690) bragte den til sin Mand Fr. Gersdorff, † 1691, hvis Datter Charlotte Amalie bragte den til sin Mand Gehejmer. Chr. Sehestedt, † 1740. Hans Enke oprettede under $^{25}/_{2}$ 1752 R. til et Stamhus, der først ejedes af Sophie Hedevig Comtesse Friis, g. m. Generallieutn. Ove Juel, † 1766, hvis Efterkommere, under Navn af Sehestedt-Juel, senere have ejet det, nemlig Sønnen Gehejmr. Chr. Sehestedt-Juel, † 1787,

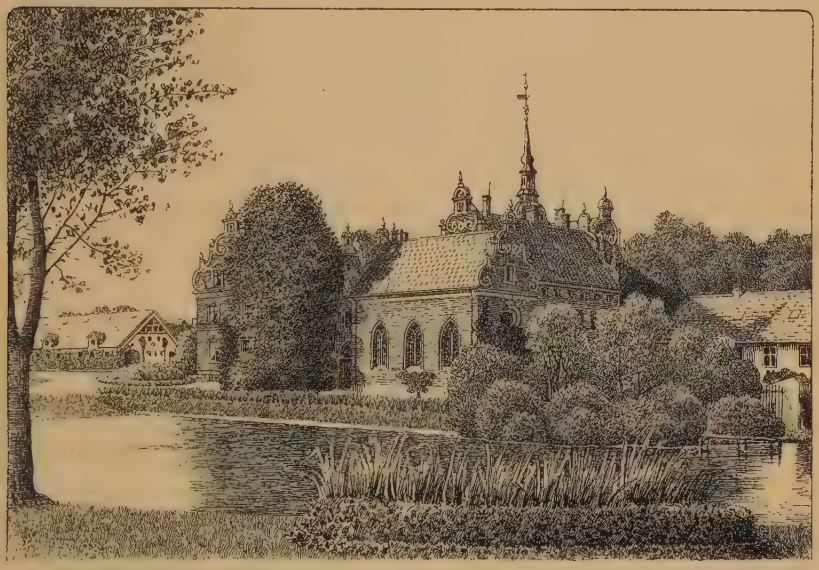

Ravnholt.

dennes Sønnesøn Kmhr. Ove Chr. S.-J., † 1832, dennes Søn Kmhr. Major, Chr. S.-J., † 1861, hans Søn Kmhr. Ove S.-J., † 1882, hvis Søn, Hofjægerm. Chr. Sehestedt-Juel, er den nuv. Besidder. — Den af Grave omgivne Hovedbygning, hvis ældste Del vistnok stammer fra Beg. af 17. Aarh., er opført i Renæssancestil og bestaar af 3 Fløje, i to Stokv. med Kældere; foran Hovedfaçaden mod N. staar et ottekantet Taarn med højt Spir. Den forrige Besidder, Kmhr. Ove Sehestedt-Juel lod Gaarden 1864—70 ombygge og betydelig udvide (Arkitekt: Haugsted). Ved Østfløjens sydl. Ende ligger Kapellet („Frelserens" eller „Christi Kapel"), der opførtes 1737 af Gehejmer. Chr. Sehestedt (indviet $^{1}/_{11}$ 1737), og som efter Bevill. af $^{25}/_{11}$ s. Aar annekteredes til Herrested Sogn. Aar 1869 blev det helt ombygget (indviet $^{1}/_{2}$ 1870). Det rummer omtr. 100 Mennesker og har et stort Marmorkors paa Alteret og Orgel (se Kirkeh. Saml. I, S. 316 flg.). Ladebygningerne ligge V. for Gaarden. I de smukke Have- og Parkanlæg findes mange sjældne Træer, saaledes en over 100 F. høj Fagus silvatica, over 13 F. i Stammens Omf. (i Dyrehaven), en 85 F. høj Quercus pedunculata, omtr. 21 F. i Stammens Omf. („Kammerherrens Eg"), og en lignende, der er omtr. 70 F. høj, St. Omf. 24 F. („gamle Kammerherrens Eg"), en 68 F. høj Platanus occidentalis (i Haveparken) og en omtr. 45 F. høj Sequoja gigantea.

Kmhr. Ove Sehestedt-Juel, der var en ivrig Jæger, indrettede en Vildsvinepark paa Ravnholt.

I *Villumstrup* har vistnok engang ligget en større Gaard, thi 1365 nævnes Jens Pedersen og Mads Jensen af „Wiliumstorp" og 1408 Henrik Pedersen af V. — I Sognet har ogsaa ligget en Hovedgaard *Lindholm*, der i Slutn. af 16. Aarh. ejedes af Vibeke Podebusk; ifl. D. Atl. (VI S. 697) var der endnu i 2. Halvdel af 18. Aarh. Levninger af Bygningerne og Fiskeparke i Haven.

**Litt.**: *M. A. C. Crone*, Herrested Præstehist., i Kirkeh. Saml. I S. 271 flg.

**Søllinge Sogn** omgives af Annekset Hellerup og Herrested Sogn, Gudme Hrd. (Ryslinge og Ringe S.), S.-Højrup Sogn og Odense Amt (Aasum Hrd.). Kirken, noget mod N., ligger omtr. $2^1/_4$ Mil V. S. V. for Nyborg og ligesaa langt S. Ø. for Odense. De højtliggende, temmelig jævne Jorder (Lundbjærg, 255 F., 80 M.) ere overvejende lermuldede. En Del Skov (Tolshave, Bøgeskov og Ravnholt Dyrehave). Midt i Sognet udspringer et mindre Aaløb, Tilløb til Hellerup Aa.

Fladeindholdet 1896: 1875 Td. Ld., hvoraf 957 besaaede (deraf med Hvede 43, Rug 158, Byg 164, Havre 205, Blandsæd til Modenhed 168, Grøntf. 84, Frøavl 12, Kartofler 10, Sukkerroer 9, andre Rodfrugter 101), Afgræsn. 237, Høslæt, Brak, Eng m. m. 324, Have 26, Skov 207, Moser 9, Kær og Fælleder 41, Hegn 20, Veje og Byggegr. 49, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 158 Heste, 720 Stkr. Hornkv. (deraf 473 Køer), 239 Faar, 276 Svin og 16 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 173 Td.; 32 Selvejergaarde med 135, 3 Fæstegd. med 14, 76 Huse med 20 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 660 (1801: 303, 1840: 418, 1860: 493, 1880: 672), boede i 123 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomhed, 372 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 165 af Industri, 20 af Handel, 45 af forsk. Daglejervirks., 30 af deres Midler, og 5 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Søllinge* (1231: Sølyng, 1374: Sølinge) med Kirke, Præstegd., Skole, Friskole med Forsamlingshus (paa Søllinge Mark, opf. 1881) og Mølle; *Eskildstrup*. *Vesterskov*, Gde. og Huse. Gaarden *Stubbendrup*, under Stamhuset Ravnholt (se S. 750), har $24^7/_8$ Td. Hrtk. (i Søllinge og Hellerup S.), omtr. 280 Td. Ld., hvoraf 7 Eng, Resten Ager.

Søllinge S., een Sognekommune med Annekset, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 1. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 66. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken*, fordum indviet til Vor Frue, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl og lavt Taarn mod V. Kirken, til hvis Opførelse der flere Gange er givet Aflad i 14. og 15. Aarh., er opf. af raa og tilhuggen Kamp og af Mursten paa en tilhuggen, profileret Sokkel; Korbuen er rund. I den senere Middelalder er Kirken bleven ombygget. Skib og Kor have flade, gibsede Lofter med en Oval paa begge (i Ovalen i Korloftet Guds Øje i Stuk). Taarnet (restaur. 1863) er opf. af Mursten med enkelte Kampesten paa Kampestensgrund; Taarnrummet, der har Bræddeloft, tjener som Vaabenhus (ved Skibets Sydside ses Sporene af et nu nedrevet Vaabenhus). Tarvelig Altertavle fra nyere Tid med et Billede af den korsfæstede; tarvelig Prædikestol med malede Evangelister i Fyldingerne. Granitdøbefont. I Koret Stenepitafium over Præsten Peder Lychesen, † 1727, og Hustru Maren Pedersdatter, † 1728. I Skibet 3 Tavler med Series pastorum og en Mindesten over den i Sognet fødte Missionær Hans Poulsen, † 1886.

*Stubbendrup*, forhen Stubberup, tilhørte 1556 en Adelsmand Erik Pedersen og 1583 dennes Sønner Peder og Hans Eriksen, derefter Jacob Ulfeld; 1590 blev den en Bondegaard, idet den solgtes til Oluf Lerke, Søn af Herredsfoged Jep Lerke (se Saml. til Fyens Hist. VII S. 302).

I Sognet har ligget en større Gaard, *Nørregaard*, der i Beg. af 17. Aarh. tilhørte Corfits Huitfeldt, g. m. Magdalene Baad, og som brændte 1611.

Tæt ved Kirken staar et halvmaaneformet Bystævne med 14 (før 15) firsidet

tilhugne Sten, hvorpaa Bymændenes Navnetræk; ved hver af Stenene staar et tilklippet Lindetræ. Stævnet hidrører formentlig fra 1840'erne og bruges ikke mere.

I en Mergelbanke paa Eskildstrup Mark er der fremdraget Gravfund fra Folkevandringstiden, med Spande af Bronce og Træ, en Broncekedel, et Broncefad, Spillebrikker af Glas, et Par Guldfingerringe m. m.

I Ravnholt Dyrehave findes fredede Vildsvin (omtr. 100), se S. 752.

Ved Klemmebrevet af 1555 blev det bestemt, at Søllinge Kirke skulde nedbrydes og Sognefolket søge til Hellerup; Planen blev dog ikke udført; allerede i Slutn. af 16. Aarh. var Hellerup Anneks til Søllinge.

**Hellerup Sogn**, Anneks til Søllinge, omgives af dette og Herrested Sogn samt Odense Amt (Aasum Hrd.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 2 Mil V. S. V. for Nyborg og $2^1/_4$ S. Ø. for Odense. De højtliggende, temmelig jævne Jorder ere lermuldede. En Del Skov (Espesk., Hellerup Plantage, Bøgesk., Kohave). Gennem Sognet løber fra S. til N. *Hellerup Aa* (en Biaa til Vindinge Aa), der danner Nordøstgrænsen.

Fladeindholdet 1896: 1661 Td. Ld., hvoraf 655 besaaede (deraf med Hvede 57, Rug 82, Byg 127, Havre 134, Bælgsæd 3, Blandsæd til Modenh. 130, Grøntf. 55, Frøavl 4, Kartofler 9, andre Rodfr. 54), Afgræsn. 252, Høslæt, Brak, Eng m. m. 333, Have 26, Skov 312, ubevokset 14, Hegn 11, Veje og Byggegr. 54, Vandareal m. m. 4 Td. Kreaturhold 1893: 123 Heste, 538 Stkr. Hornkv. (deraf 346 Køer), 215 Faar og 207 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 148 Td.; 24 Selvejergaarde med 136, 43 Huse med 12 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 420 (1801: 227, 1840: 237, 1860: 308, 1880: 412), boede i 72 Gaarde og Huse; Erhverv: 18 levede af immat. Virksomh., 271 af Jordbrug, 65 af Industri, 26 af Handel, 25 af forsk. Daglejervirks., 7 af deres Midler, 8 vare under Fattigv.

I Sognet *Hellerup Kirke*, ved Hovedgaarden Hellerup, og Byen *Havndrup* med Skole, to Forsamlingshuse og Børneasyl (opr. 1885 af Sognepræst H. F. Haar, † 1895, Plads for omtr. 50 Børn). *Nørremark*, Gde og Huse. Hovedgaarden *Hellerup*, under Stamhuset Ravnholt (se S. 750), har $54^7/_8$ Td. Hrtk. (noget i Herrested S.), omtr. 530 Td. Ld., hvoraf 22 Eng, Resten Ager; til Gaarden høre Hellerup, Søllinge og Rolfsted Kirker samt $25^3/_8$ Td. Hrtk. Fæstegods (i Hellerup, Søllinge og Rolfsted Sogne). Skovridergaarden *Skovlyst*.

Hellerup S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 67. Lægd. Kirken tilhører Stamhuset Ravnholt.

*Kirken*, der ligger 183 F. o. Havet, har vistnok været indviet til St. Nicolaus (endnu 1623 smykkedes hans Billede hver Lørdag Aften med Urter og Grønt af Egnens giftefærdige Piger). Den bestaar af Skib og Kor med Apsis, svært, bredt Taarn mod V. og Vaabenhus ved Taarnets Vestmur. Skib og Kor ere opførte i romansk Tid af Mursten paa en Kampestenssokkel; paa Nordsiden ses de tilmurede Døre, med Spor af Portaler, og flere smaa, rundbuede, nu tilmurede Vinduer; i Apsis ligeledes 3 smaa, rundbuede Vinduer, hvoraf det midterste er tilmuret. I den senere Middelalder er Kirken vistnok undergaaet flere Forandringer, bl. a. er Skibet blevet overhvælvet og Taarnet tilføjet. Vaabenhuset, med Bjælkeloft, er vistnok opført 1678, da Kirken (dengang kaldet „Vor Frelsers Kirke") restaureredes. Over Indgangsdøren staar Topstykket af en Renæssanceportal med J. Chrf. Kørbitz' og Hustru Christine Lützows Vaabener og en latinsk Indskrift. I 19. Aarh. er Kirken bleven restaureret, ved hvilken Lejlighed et af Salomon Lindegaard 1748 paa Nordsiden opf. Ligkapel blev nedrevet. Koret, der har rund Bue ind til Skibet, er dækket med en Tøndehvælving, Apsis har Halvkuppel. Mellem Taarnrummet, der har Stjernehvælving, og Skibet er der Spidsbue. Gammel Altertavle i Renæssancestil med et Maleri (Nadveren), sign. H. P. Iversen 1862, og to mindre Billeder foroven: Christus efter v. Dyck og Nedtagelsen af Korset efter Rubens. Prædikestol i Renæssancestil. Granitdøbefont med Rundbuefrise. Udmærkede, middelalderlige Alterstager. I Væggen en Mindesten over Salomon Lindegaard. I Korgulvet en Ligsten med ulæselig Indskr. Over Indgangsdøren i Taarnet et Krucifiks og ved Siderne Maria og Johannes.

I en 1419 affattet Traktat mellem Erik af Pommern og Kong Vladislav II af Polen forekommer en „Bild af *Hellerup*, Ridder", der dog ikke var af Slægten Bild, men førte Ulfeldernes Vaaben, hvorimod hans Datter Thale synes at have haft i første Ægteskab et Medlem af Slægten Bild. Siden fik hun Hr. Joh. Rantzau, Ridder og Rigsraad, der 1442 skrev sig til H. Han levede endnu 1472, men havde da afstaaet Gaarden til sine Stifsønner Bild Pedersen og Jens Bild. Sidstnævntes Datter Anne Bild ægtede Rigsraad Eiler Eriksen Bølle til Nakkebølle, † 1535. De havde kun to Døtre, af hvilke den ældste, Susanne Bølle, g. først med Claus Eriksen Ravensberg, derpaa med Jakob Brockenhuus, fik Nakkebølle, hvorimod den yngste, Karen Bølle, fik H. Hun var først gift med Markvard Tidemand, † 1549, derpaa med Lage Urne, † 1559, men døde dog barnløs 1582, hvorpaa H. tilfaldt hendes Søstersøn Eiler Brockenhuus, † 1602, lige bekendt for den Modgang, hans Ægteskab beredte ham, som for sine fortjenstfulde Kalenderoptegnelser. Han solgte 1599 H. til Hr. Breide Rantzau, der synes at have efterladt den til sin Søn Kai R., † 1623, hvis Enke, den mindre fordelagtig bekendte Fru Anne Lykke, bragte Gaarden til sin anden Ægtefælle, Corfits Ulfelds ældste Broder, Rigsraad Knud U. til Hverringe. Efter Fru Annes Død 1641 tilfaldt H. hendes Broder, den rige Frands Lykke. Sammen med dennes Søn Kai Lykkes øvrige beslaglagte Gods kom H. nu til Kronen, men Fr. III skænkede den 1667 til Hofmarskal Joh. Chrf. Kørbitz, † 1682, gift med Knud Ulfelds Enke i andet Ægteskab Christine Lützow, † 1693. Hun testamenterede H., der imidlertid var bleven oprettet til Stamhus, til Joh. Chrf. v. Kørbitz til Lützelburg, senere Overkrigssekretær, hvis Enke Fru Charlotte Sophie, f. v. Harstall, 1740 solgte H. (582 Td. Hrtk.) for 40,000 Rd. til Justitsr. Salomon Lindegaard. Efter dennes Enkes Død 1768 købte Svigersønnen Etatsr. Chrf. O. Schmidt Gaard og Gods for 80,000 Rd. Han døde 1779, og H. købtes for 95,000 Rd. af Gehejmer. Chr. Sehestedt-Juul, † 1787, efter hvem den tilhørte Enken. Senere blev den overtagen af Statskassen, fra hvilken Kmhr. Chr. Sehestedt-Juul atter købte den 1836 for 207,000 Rd. og 1838 fik Bevilling til at indlemme den i Stamhuset Ravnholt. — Hovedbygningen er opf. af røde Mursten, nu overpudset med Cement, i to Stokv. og Kælder; den er vistnok fra 17. Aarh., men er senere bleven ombygget.

**Sønder-Højrup Sogn** omgives af Annekset Aarslev, Odense Amt (Aasum Hrd.), Søllinge Sogn samt Gudme Hrd. (Ringe S.) og Salling Hrd. (Gjestelev S.). Kirken, mod N., ligger $2^3/_4$ Mil V. S. V. for Nyborg og $2^1/_4$ Mil S. Ø. for Odense. De højtliggende og bakkede Jorder (Bavnehøj, 285 F., $89,_5$ M., i Nærheden trigon. Station, 290 F., 91 M.) ere lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Svendborg til Odense og Odense-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 1368 Td. Ld., hvoraf 781 besaaede (deraf med Hvede 21, Rug 150, Byg 184, Havre 173, Blandsæd til Modenh. 114, Grøntf. 40, Kartofler 9, Sukkerroer 20, andre Rodfr. 70), Afgræsn. 179, Høslæt, Brak, Eng m. m. 323, Have 25, Skov 27, Moser 2, Kær og Fælleder 3, Veje og Byggegr. 28 Td. Kreaturhold 1893: 133 Heste, 562 Stkr. Hornkv. (deraf 360 Køer), 190 Faar, 179 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 134 Td.; 31 Selvejergaarde med 114 og 85 Huse med 20 Td. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 545 (1801: 268, 1840: 366, 1860: 421, 1880: 549), boede i 116 Gaarde og Huse; Erhverv: 34 levede af immat. Virksomh., 334 af Jordbrug, 119 af Industri, 27 af Handel, 5 af forsk. Daglejervirksomh., 12 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Sønder-Højrup* med Kirke, Præstegd., Skole og Mølle; *Pedersirup* med Kro, 2 Købmandsforretn., Andelsmejeri, Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation. *Jyllandsgyden*, Gde. og Huse.

S.-Højrup S., en egen Sognekommune, hører under Vindinge Hrd.'s Jurisdiktion (Nyborg), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Nyborg Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 5. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 64. Lægd. Kirken tilhører Ejeren af Hovedgaarden Nordskov, Salling Hrd.

*Kirken*, der er lille, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl samt Taarn mod V. Den ældste Del, Skib og Kor, er opf. i romansk Tid af raa Kamp paa en profileret Sokkel. I den senere Middelalder er Kirken bleven ombygget og har faaet Murstens-

gesims, ligesom den er bleven overhvælvet, og samtidig er vel Taarnet, hvis nederste Del er af Kamp, i øvrigt af Mursten (den øvre Del har før været af Bindingsværk), tilføjet. Taarnrummet, der tjener som Vaabenhus, har Bjælkeloft; Korbuen, i hvilken sidder en Sten med 3 romanske Hoveder, er rund. Tarvelig Altertavle med et Billede (den velsignende Christus) af Anker Lund. Tarvelig Prædikestol; Granitdøbefont. I Korbuen et lille Krucifiks. I Dørtrinet i Indgangsdøren, som er i Taarnet, er indhugget et dobbelt Kors.

Ved Pederstrup ligger et ejendommeligt, ret vel bevaret Voldsted, bestaaende af en lav Banke, omgiven af Grav og Vold. Paa Bankens ene Hjørne er der opkastet en rundagtig, foroven flad Jordhøjning, og dette Parti er afskaaret fra den øvrige Del af Banken ved en bueformet Grav, hvis Bund ligger noget højere end Ringgravens. Paa Højningen har der vel staaet et Forsvarstaarn.

Gjestelev Sogn var 1555—1846 Anneks til S.-Højrup; 1857 blev Aarslev Anneks.

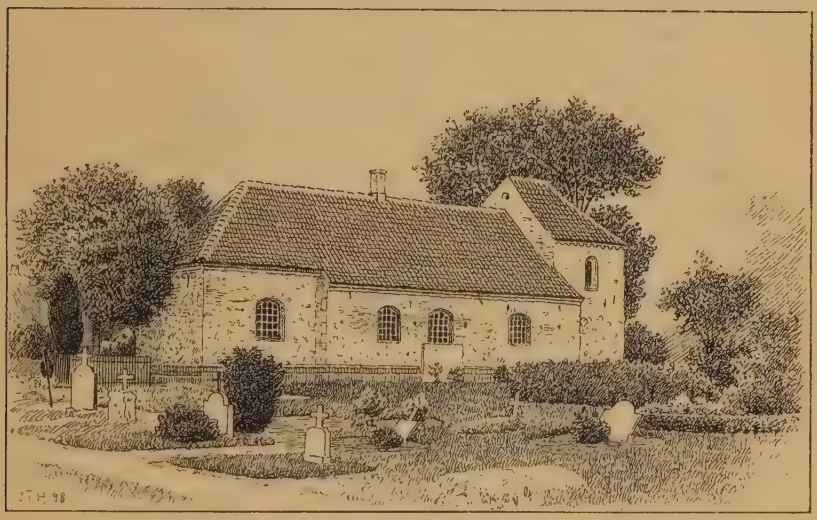

Sønder-Højrup Kirke.

**Aarslev Sogn**, Anneks til S.-Højrup, omgives af dette og Odense Amt (Aasum Hrd.). Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $2^3/_4$ Mil V. S. V. for Nyborg og $1^1/_2$ Mil S. S. Ø. for Odense. De højtliggende, temmelig jævne Jorder ere lermuldede. Gennem Sognet gaa Landevejen fra Svendborg til Odense og Odense-Svendborg Banen.

Fladeindholdet 1896: 1326 Td. Ld., hvoraf 772 besaaede (deraf med Hvede 7, Rug 158, Byg 155, Havre 155, Blandsæd til Modenh. 119, Grøntf. 66, Frøavl 5, Kartofler 11, Sukkerroer 46, andre Rodfr. 46, Handelspl. 3), Afgræsn. 173, Høslæt, Brak, Eng m. m. 274, Have 25, Skov 11, Moser 4, Kær og Fælleder 19, Hegn 5, Veje og Byggegr. 43 Td. Kreaturhold 1893: 122 Heste, 621 Stkr. Hornkvæg (deraf 400 Køer), 180 Faar, 268 Svin og 15 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 130 Td.; 25 Selvejergaarde med 90, 1 Arvefæstegd. med 5, 103 Huse med 35 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 578 (1801: 214, 1840: 399, 1860: 504, 1880: 582), boede i 129 Gaarde og Huse; Erhverv: 32 levede af immat. Virksomhed, 373 af Jordbr., 13 af Gartneri, 117 af Industri, 9 af Handel, 17 af forsk. Daglejervirks., 16 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byen: *Aarslev* med Kirke, Skole, Forsamlingshus (opf. 1888), Stokke- og Piskefabrik, Uldspinderi, 3 Kalkbrænderier, Gæstgiveri, Købmands-

forretn., Jærnbane-, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. *Kirstinebjærg Huse.* *Aarslevgaard* har 12 Td. Hrtk., 127 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, 2 Skov, Resten Ager (2 Fæstehuse).

Aarslev S., en egen Sognekommune, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 65. Lægd. Kirken tilhører en Privatmand.

*Kirken*, der ligger højt, bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Det er en tarvelig, lille Murstensbygning fra den gotiske Periode. Et enkelt af de smaa spidsbuede Vinduer er bevaret. Taarnet, med Hvælving og Spidstag, og det lille Vaabenhus, med fladt Loft, ere senere middelalderlige Tilføjelser. Kirken er overhvælvet. Mørkt marmoreret Altertavle med en Kopi af Rubens' Nedtagelsen af Korset. Lignende Prædikestol med Aarst. 1540. Romansk Granitdøbefont. De øverste Stolestader med Vaabener paa Endestykkerne og tarvelige Udskæringer ere bekostede 1605 af Jens Kruckow.

*Aarslevgaard* var tidligere en Hovedgaard, der i 15. Aarh. tilhørte en Linie af Egern-Friiserne, nemlig Niels „Lundby" af Aarslev 1414, Bonde Friis, Christen Friis 1511, Eiler Friis 1520, hvis Datter bragte Gaarden til sin Ægtefælle Axel Nielsen (Kruckow), efter hvem den tilfaldt deres to Sønner Jens og Eiler Axelsen, hvilken sidste døde 1621 som sin Slægts sidste Mand, samme Aar som Søsteren Christence Kruckow blev henrettet for Trolddom. A. blev 1770 købt af Oberstlieutn. Kørbitz til Lammehave.

I en Bakke nær ved Kirken afdækkedes 1820 to Skeletgrave fra Folkevandringstiden, med et rigt og sjældent Udstyr: Guld- og Sølvsmykker, til Dels prydede med Nielloindlægning eller med indlagte Granater, endvidere en Kugle af Bjærgkrystal med magisk Indskrift, to Broncekar, en Sølvske m. m.

Aarslev Sogn var tidligere Anneks til Sønder-Næraa, Aasum Hrd., Odense Amt; 1857 blev det Anneks til S.-Højrup.

---

## Langeland.

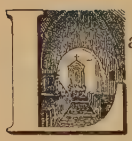

angeland ligger i den sydl. Del af Store Bælt mellem Fyn, fra hvis Kyst Langelands Nordspids er fjærnet omtr. $1^1/_4$ Mil, Sjælland, til hvis Kyst der er $2^1/_2$ Mil, og Laaland, fra hvilken den skilles ved Langelands Bælt, der er omtr. $1^3/_4$ Mil bredt. Den strækker sig fra N. N. Ø. til S. S. V. omtr. 7 Mil mellem det nordligste Punkt *Hov*, under $55^0\,10'$ n. Br. og $1^0\,39'$ v. L. for Kbh. (den 45 F. høje *Frankeklint* ligger lidt S. V. for Hov), og det sydligste Punkt, den 52 F. høje *Dovns Klint*, under $54^0\,47^1/_2'$ n. Br. og $1^0\,52^1/_2'$ v. L. for Kbh. (lidt V. N. V. for Dovns Klint ligger den 42 F. høje *Gulstavs Klint*), medens Øens Bredde kun er mellem $^1/_2$ og $1^1/_4$ Mil. De mod V. flade, mod Ø. høje og bakkede Kyster forløbe temmelig lige undtagen paa Sydvestkysten, hvor den lavvandede Bugt *Lindelse Nor* skærer ind i Landet (Ristinge og Magleby Nor ere nu udtørrede, Tryggelev Nor er inddæmmet). Paa Sydøstspidsen ligger det nu inddæmmede *Kjelds Nor*. Overfladen er i det hele lavtliggende og Vandskellene meget lidt fremtrædende; men over de mange lave og jævne Strækninger, der ofte ere udfyldte

af Moser og Enge, hæve sig flere isolerede, ofte stejle Bakker, som dog sjældent naa over 100 F.; det højeste Punkt, Skovlebjærg, 146 F., 46 M., ligger mod S. Disse Bakker, der i den nordl. Del ere mere storformede, mod S. mindre, og som ofte ere skovbevoksede, bidrage meget til at bryde Landskabets Ensformighed og give Øen en egen Ynde. Vandløbene og Søerne ere ganske ubetydelige; den største Sø, *Stengade Sø*, er nu udtørret. Jorderne ere i det hele frugtbare; bedst ere de i Midten og mod S., hvor Leret er fremherskende; langs Vestkysten og i den nordl. Del ere de lettere. Øens Fladeindhold, deri iberegnet den N. V. for Rudkjøbing beliggende *Siø* og den ved en Dæmning med denne forbundne mindre *Skovø*, var ved Opgørelsen 1896 50,686 Td. Ld. ($5_{,08}$ □ Mil, $279_{,6}$ □ Km.), Hartk. 1895 4571 Td. Folkemængden i Feb. 1890 var 19,169 (1801: 11,113, 1840: 15,969, 1860: 18,599, 1880: 19,903). Langeland er delt i Nørre- og Sønder-Herred, der danne eet Retsembede med Rudkjøbing (se S. 615); i gejstlig Henseende danner den eet Provsti. Se i øvrigt nærmere under Herrederne.

Navnet *Langeland* forekommer allerede i Periplus Otheri fra omtr. 900 og i Knytlinga Saga (hvor den i et Haandskrift kaldes „Kongsland"); i Vald. II's Jrdb. kaldes den „Langæland" og „Langland"; naar den ofte i 15., 16. og 17. Aarh. kaldes *Lavind* eller *Laven*, er det kun en Betegnelse for Beboernes Udtale; „lavng" = „lang", og Overgangen fra „land" til „ind" er den samme som fra Thosland til Taasind eller Taasen. Ifl. Vald. II's Jrdb. ejede Kongen og Kronen store Ejendomme paa Øen. Ved Vald. II's Død 1241 arvede Sønnen Abel Rudkjøbing med en stor Del af Øen, som forblev i hans Slægt. Hans Sønnesønner Hertug Vald. IV af Sønderjylland og Hertug Erik Langben udstedte de ældste kendte Privilegier for Rudkjøbing (se S. 617); Erik Menved inddrog vel Langeland ved Aaret 1292, men efter Slaget paa Sommersted Hede i Sønderjylland 1293 blev Langeland atter givet i Forlening til Hertug Erik, som derefter kaldtes Herre til Langeland. Paa et Danehof i Nyborg 1326 forlenede Vald. V af Sønderjylland, da han var bleven udraabt til Konge, Drosten Laurids Jonsen, en af Hovedmændene i Oprøret mod Chrf. II, med Langeland og Ærø, som han beholdt til sin Død 1340; men Vald. Atterdag bragte atter Øen ind under Kronen. Aar 1457 skal Øen være bleven hjemsøgt med Landgang af „Rigens Fjender", vistnok Hanseaterne. Et Angreb paa Øen af Lübeckernes Flaade, som 1510 hjemsøgte Laaland, blev afslaaet af Indbyggerne, som velforsynede med Skyts samlede sig for at modtage Fjenden. Særlig er Langeland bekendt for sin tapre Modstand mod Fjenden i Svenskekrigen. Karl Gustav kom $^5/_2$ 1658 til Langeland paa sin Vej over Isen fra Fyn til Laaland; men de svenske forlode dengang snart Øen, og den svenske Konge erklærede ved Brev dat. Falster $^{10}/_2$ 1658 Øen for Corfits Ulfelds Ejendom. Imidlertid forberedte Langelænderne sig under Ledelse af Landsdommeren Vincens Steensen (se Steensgaard S. 771) til at afværge yderligere Overfald fra Svenskernes Side. I Beg. af 1659 sendte den svenske Konge Grev Josias Waldeck med en Troppestyrke over til Øen for at erobre den; men i en Træfning 7. Feb. ved Andemose tæt ved Steensgaard, i hvilken Vincens Steensen faldt, blev Angrebet afslaaet af Landeværnet, og Fjendens gentagne Forsøg paa Landgang paa den anden Side af Øen blev ligeledes tilbagevist. Først da Grev Wrangel kom derover med en større Styrke, faldt Øen i de svenskes Magt efter Indbyggernes sejge Modstand. De straffedes haardt med Plyndring, Indkvartering og Arbejde paa de Befæstninger, som Svenskerne lode foretage. Først hen paa Aaret, da de allierede kom til Fyn, forlode de svenske Øen, som havde lidt meget; mange Gaarde laa øde, og i den strenge Vinter, der fulgte, og den nærmest følgende, skal der være død omtr. 1000 Mennesker af Sult (se *S. Jørgensen*, L.'s Vilkaar i Svenskekrigen, Saml. til Fyens Hist. VIII, S. 133 flg.). Ogsaa i den nordiske Krig blev Øen 1715 angreben, men afslog Landgangen. De spanske Tropper besatte 1808 Langeland, hvorfra de $^{21}/_8$ bleve indskibede under Marquis de la Romanas Anførsel paa engelske Skibe.

Langeland havde i Middelalderen sit eget Landsting, der holdt sig til 1681, da det forenedes med Fynbo Landsting. — Øens to Herreder (i Vald. II's Jrdb. kaldede „Nørræ"- og „Syndræhæreth") dannede fra 1668 Tranekjær Amt; se i øvrigt S. 565.

Der er paa Øen talt omtr. 250 jordfaste Oldtidsmonumenter, deraf omtr. 50 Gravhøje, Resten Stengrave, navnlig Dysser (25 Jættestuer); omtr. 170 Monumenter ere dog nu sløjfede og 20 mere eller mindre forstyrrede; 5 ere fredlyste under Nationalmuseet. I størst Antal forekomme de i Sognene Magleby (56), Humble (40), Bøstrup (33), Tullebølle (26) og Tryggelev (18).

**Litt.**: *J. N. Lange*, Topographie over Øen L., Kbh. 1830. — *P. Rasmussen*, Oplysn. betr. Rudkjøbing Kjøbstad og L., Kbh. 1849. — *P. Rasmussen*, Udtog af Langebeks Script. over de gl. Kongers private Jordegods paa L., 2. Udg., Rudkj. 1863. — *Th. Rützow*, Smaastykker af L.'s Hist., Rudkj. 1873. — Indberetn. til Nationalmuseet om antikv. Undersøgelser, af *Henry Petersen* og *J. B. Løffler*, 1875—76.

---

## Langelands Nørre Herred.

**Sogne:**

*Skrøbelev, S. 758. — Simmerbølle, S. 761. — Tullebølle, S. 761. — Tranekjær, S. 762. Bøstrup, S. 766. — Snøde, S. 768. — Stoense, S. 771. — Hov, S. 772.*

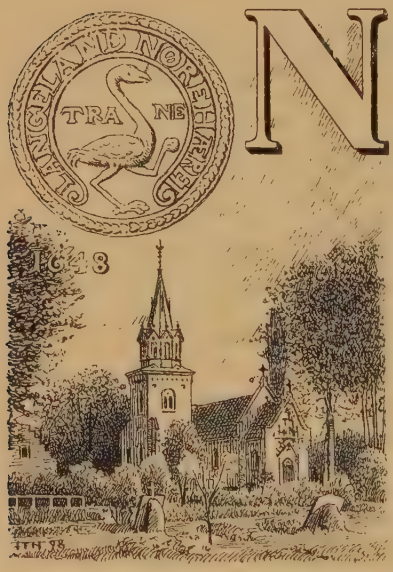


Nørre Herred, det mindste af de to Herreder, strækker sig fra S. til N. omtr. 4 Mil, medens dets største Bredde, mod S., er omtr. 1 Mil. Om Overfladen og Jorderne se Øens Beskrivelse. Skovarealet er 2579 Td. Ld. Det hører til de mindre frugtbare Herreder i Amtet, idet der ved Matr. gik omtr. $10^1/_2$ Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet (med Rudkjøbing Købstad) 24,858 Td. Ld. ($2,_{49}$ □ Mil, $137,_1$ □ Km.). Landdistrikternes Ager og Engs Hartk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^1/_1$ 1895 2106 Td. Folketallet var $^1/_2$ 1890 i Landdistr. 7506 (1801: 4484, 1840: 6533, 1860: 7150, 1880: 7588). I Herredet ligger Købstaden Rudkjøbing. I gejstlig Henseende udgør det eet Provsti med Sønder Hrd., i verdslig Hens. hører det under Langelands Herreders Jurisdiktion og under Amtets 4. Forligskreds.

**Skrøbelev Sogn** omgives af Rudkjøbing Købstads Jorder, Simmerbølle Sogn, Sønder Hrd. (Longelse og Fuglsbølle S.) og Store Bælt, der paa Sydsiden af Sognet afsætter *Lindelse Nor*. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger $^1/_2$ Mil Ø. S. Ø. for Rudkjøbing. De lavtliggende, bakkede Jorder

ere ler- og sandmuldede. En Del Skov (Horsehave, Kohave, Hestehave). Gennem Sognet gaa Landevejene fra Rudkjøbing til Humble og til Spodsbjærg.

Fladeindholdet 1896: 3529 Td. Ld., hvoraf 1784 besaaede — 41 ere indvundne ved Søudtørring — (deraf med Hvede 242, Rug 162, Byg 630, Havre 326, Bælgsæd 33, Blandsæd til Modenh. 165, Grøntf. 61, Kartofler 21, andre Rodfr. 144), Afgræsning 457, Høslæt, Brak, Eng m. m. 775, Have 56, Skov 273, Moser 4, Kær 15, Hegn 47, Stenmarker 9, Veje og Byggegr. 94, Vandareal m. m. 15 Td. Kreaturhold 1893: 268 Heste, 1302 Stkr. Hornkv. (deraf 970 Køer), 357 Faar, 679 Svin og 3 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 320 Td.; 19 Selvejergaarde med 177, 17 Arvefæstegd. med 65, 11 Fæstegd. med 49, 127 Huse med 30 Td. Hrtk. og 8 jordløse Huse, over $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 957 (1801: 557, 1840: 747, 1860: 894, 1880: 969), boede i 167 Gaarde og Huse; Erhverv: 34 levede af immat. Virksomh., 662 af Jordbrug, 8 af Gartneri, 176 af Industri, 4 af Skibsfart, 12 af forsk. Daglejervirksomh., 38 af deres Midler, og 23 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Ny-Skrøbelev* (i Vald. Jrdb. Skreuælef) med Kirke, Præstegd. og Skole; *Gammel-Skrøbelev*, ved Spodsbjærgvejen, med Fattiggaard (opf. 1869, Plads for 24 Lemmer) og Fællesmejeri; *Vindeltorp*; *Torpe*; *Henninge* med Mølle; *Kragholm* med Pogeskole og Andelsmejeri (Godthaab). *Pudselykkegaarde, Svendstrup, Blangshave*, Gde. *Møllemose Huse*. Hovedgaarden *Faarevejle* har $72^1/_2$ Td. A. og E. Hrtk. og $2^1/_2$ Td. Skovsk., 1100 Td. Ld., hvoraf 200 Eng, 180 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre af Fæstegods 52 og af Arvefæstegods 56 Td. Hrtk. Gaarden *Søvertorp* har $34^5/_8$ Td. Hrtk., hvoraf $4^1/_2$ under 22 Fæstehuse, 385 Td. Ld., hvoraf 60 Eng, 60 Skov, Resten Ager; til Gaarden, hvis Tilliggende ligger i Skrøbelev, Longelse og Fuglsbølle Sogne, hører endvidere et Lejehus. *Skrøbelevgaard* har 19 Td. A. og E. Hrtk. og $^1/_2$ Td. Skovsk, 203 Td. Ld., hvoraf 4 Eng, 24 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre desuden 10 Lejehuse og 8 Td. Hrtk. Fæstegods (Eng, Skov og Fæstegods ligge i Skrøbelev og Longelse Sogne).

Skrøbelev S., en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 95. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet, Taarn mod V., Sakristi mod N. og Vaabenhus mod S. Kirken, der synes at være fra Midten eller fra Slutn. af 12. Aarh., er opf. i Rundbuestil af kløvet og huggen Kamp som en lille, enskibet Bygning med Kor, hvis Ydermure smykkedes med interessante sindbilledlige Basreliefs. I den senere Middelalder tilføjedes Taarnet; lidt senere blev Koret nedbrudt og Skibet udvidet mod S. og forlænget mod Ø., uden noget særskilt Kor; Ydermurene forhøjedes og Kirken overhvælvedes. Omtr. i Beg. af 16. Aarh. tilføjedes det overhvælvede Sakristi og Vaabenhuset (med fladt Loft). De ovfr. nævnte Basreliefs indsattes paa Sydsiden; de forestille en Snekke, et Dyr, der bider sig i Halen, et Dyr, der bider i et Menneskehoved, en Kamp mellem en Kriger og et fantastisk Dyr (se *Løffler*, Uds. over D. Kirkb. S. 107). Paa Nordsiden er indmuret en Kvader med en udhuggen Fremstilling af en lille Mand, der støtter sig til en Økse eller Krumstav. Paa Sydsiden er endvidere indmuret en Granitsten med en rebsnoet Stav, der i begge Ender bærer et Kors (se *Løffler*, Gravst., Pl. VII). Paa Taarnets Sydside staa Aarstallene 1625, 1763, 1831, Minder om større Reparationer. I Slutn. af 1840'erne ere bl. a. svære Støttepiller blevne opførte. Altertavlens ældste Dele ere fra Slutn. af 16. Aarh., med Hardenbergernes og Rønnovernes Vaabener. Alterstager med de samme Vaabener samt Aarst. 1594 og E H A R. Alterkalken har fra 1665 tilhørt Skrøbelev Kirke; under Foden staar: Hvndstrup Kirchis Kalck oc Disck 1654. Døbefont af Granit (den oprindl. romanske Granitdøbefont med smagfulde Ornamenter findes nu i Kirken paa Hov). Ny Prædikestol. Klokke fra 1509 med Indskrift: „Anna det jeg hedder osv.".

*Faarevejle* (gml. Form Farthewethlæ, Faarewelde) blev 1372 af Esge Brok overladt til hans Søster Johanne Nielsdatter, Enke efter Anders Jensson af Essendorp.

Senere nævnes 1460 Henning Walkendorff, derefter Dronningens Hofmester Hr. Corfitz Rønnov, dennes Arvinger, bl. a. en Datter Anne, der bragte den til sin Ægtefælle Erik Hardenberg, falden 1500 i Ditmarsken. Deres Datter Mette ægtede Hr. Markvard Rønnov, fra hvem F. gik i Arv til Sønnen, Rigsraad Eiler R., hvis Datter Anne bragte den til sin Mand Erik Hardenberg, † 1604. Den næste Ejer Jørgen Marsvin solgte 1648 F. til Hr. Hannibal Sehested, som straks overdrog den til Rigskansleren Chrf. Urne, † 1663. De flg. Ejere vare Knud Urne, g. m. Anne Beate Walkendorff, der senere ægtede Etatsr. Erik Skeel, dennes Brodersøn, Gehejmer. Holger S. og hans Enke Regitze Güldencrone. Familien Skeel solgte 1767 F. for 58,000 Rd. C. til Proprietær Jørgen Hansen, der 1774 overlod Gaarden til sin Søn Proprietær N. Hansen, som maatte sælge den (282 Td. Hrtk.) ved Auktion 1822 til Statskassen for 60,000 Rd.; 1826 købtes den for 80,000 Rd. af v. Cossel, der 1842 solgte den for 200,000 Rd. til Etatsr. P. J. Neergaard, † 1872, hvorefter den gik over til Sønnen Kmjkr. Ferd. N., † 1878, hvis Søn, Hofjægerm. Wenzel Neergaard, er den nuv. Ejer. — Faarevejle har før ligget paa en Ø, idet en nu inddæmmet Arm fra

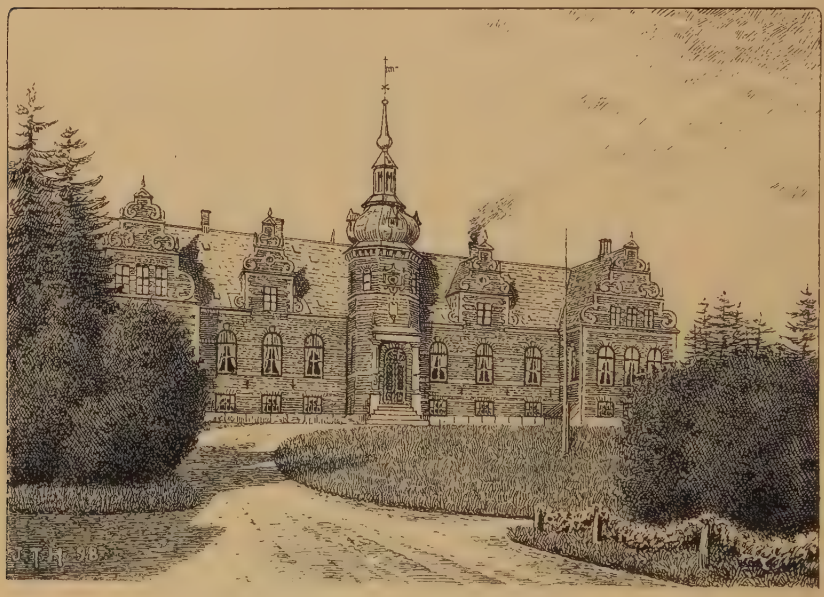

Faarevejle.

Bæltet har afskaaret den Halvø, hvorpaa den ligger. Erik Hardenberg lod Gaarden befæste 1583 og omgive med Grave og Volde samt opførte en ny Hovedbygning ifl. en latinsk Indskrift, der stod paa et svært, rundt Taarn, med Portgennemgang, som er blevet nedbrudt i 19. Aarh. Under Jørgen Marsvin lod Chr. IV i den svenske Krig 1644 forhandle om at lade Voldene og Gravene „renovere og palisadere, hvortil der skulde tages af Kongens Skove og af samtlige Landets Bønder didføres". Gaarden omgives endnu til Dels af Grave. Den gamle Bygning, der var af Bindingsværk, blev 1868 afløst af en ny Hovedbygning i Renæssancestil; den afbrændte 1870, men blev atter opf. i samme Stil (efter Tegn. af Arkitekt A. H. Klein). Den er af røde Mursten med Sandstensforsiringer og bestaar af en Hovedfløj med 2 lidt fremspringende Sidefløje i eet Stokv. med Kælder og Kviste; foran Hovedfløjen ind til Gaarden staar et ottekantet Taarn med Kuppel og højt Spir. Ladebygningerne brændte 1833 og atter til Dels 1851 (se *Burman-Becker*, Efterretn. om gl. Borge III S. 25 flg.).

I Henninge boede 1547 en Adelsmand Jep Borre. — Paa en af Faarevejles Marker, Bomgaard, skal der i ældre Tid have ligget en Gaard.

*Søvertorp* skal Chr. IV have skænket til en af sine Friller.

Skrøbelev Sogn var Anneks til Rudkjøbing indtil 1894.

**Simmerbølle Sogn** omgives af Rudkjøbing Købstads Jorder og Skrøbelev Sogn, Sønder Hrd. (Longelse S.) og Tullebølle Sogn samt Store Bælt. Kirken, noget mod S., ligger henved $^1/_2$ Mil Ø. N. Ø. for Rudkjøbing. De lavtliggende, temmelig jævne Jorder ere sand- og lermuldede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 1591 Td. Ld., hvoraf 841 besaaede (deraf med Hvede 97, Rug 101, Byg 279, Havre 168, Bælgsæd 11, Blandsæd til Modenhed 64, Grøntf. 51, Kartofler 29, andre Rodfr. 37), Afgræsn. 230, Høslæt, Brak, Eng m. m. 333, Have 33, Skov 57, Moser 15, Hegn 26, Stenmarker 6, Veje og Byggegr. 45, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 145 Heste, 578 Stkr. Hornkv. (deraf 416 Køer), 202 Faar og 208 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 173 Td.; 23 Selvejergaarde med 98, 13 Arvefæstegd. med 49, 2 Fæstegd. med 4, 81 Huse med 22 Td. Hrtk. og 5 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 596 (1801: 332, 1840: 475, 1860: 577, 1880: 600), boede i 121 Gaarde og Huse; Erhverv: 24 levede af immat. Virksomh., 374 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 7 af Fiskeri, 82 af Industri, 6 af Handel, 21 af Skibsfart, 51 af forsk. Daglejervirks., 18 af deres Midler, og 11 vare under Fattigvæs.

I Sognet Byerne: *Simmerbølle* (i Vald. Jordeb. Sygmundebole), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole og Andelsmejeri; *Kadsebølle*; *Kulepile*; *Rifbjærg*. *Kibeshave*, Gde. og Huse, *Møllemose Huse*, *Havlykke Huse*. Hovedgaarden *Biskopstorp* har $25^5/_8$ Td. Hrtk., 366 Td. Ld., hvoraf 40 Skov, Resten Ager.

Simmerbølle S., en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 97. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod Ø. og Vaabenhus mod S. Kirken er opf. i Midten eller Slutn. af 12. Aarh. af raa og kløvet Kamp i ren Rundbuestil som en lille, enskibet Bygning med lige afsluttet Kor mod Ø.; Soklen og Hjørnekvadrene ere tilhugne. Et enkelt af de smaa, rundbuede Vinduer kan skimtes. Henimod Slutn. af 15. Aarh. blev Skibet forlænget betydeligt mod V. og en Art Korsfløj, der aabnede sig ind til det med to spidsbuede Arkader, tilføjet. Denne Tilbygning blev senere nedreven, men de tilmurede Arkader kunne ses. Omtr. samtidig overhvælvedes Kirken, og Taarnet, hvis overhvælvede Underrum er forbundet med Koret og tjener som Sakristi, tilføjedes, af røde Munkesten i Munkeskifte. Taarnets Overdel er ommuret i ny Tid. Vaabenhuset er i sine ældste Dele fra den sent-gotiske Tid. 1831 og 1874 er Kirken bleven restaureret og har bl. a. faaet store, nye Vinduer. Ny Altertavle med Maleri fra 1863 (Christus i Getsemane). Døbefontens Kumme, af Granit, er romansk, Foden ny. Moderne Prædikestol i Renæssancestil. Som Trin uden for Vaabenhusdøren ligger en romansk Ligsten med Korsstav, fra omtr. 1200.

*Biskopstorp* skal være oprettet af 3 Bøndergaarde efter Svenskekrigen 1659. I 18. Aarh. ejedes den af Ritmester Joh. Chrf. v. Pultz († 1759), senere af Familien Langkilde (bl. a. Rasmus Langkilde og C. P. N. Langkilde), nu af P. C. Petersen. Hovedbygningen er opf. 1795 og bestaar af Grundmur med Tegltag; den er ombygget flere Gange.

I *Kadsebølle* (Katzebølle) boede fordum en Linie af den langelandske Adelsslægt Mylting, nemlig Jes Olsen 1426—29, Jep Jensen 1462, Niels Jacobsen 1539, Hans Jacobsen 1541 og Jacob Hansen 1558.

**Tullebølle Sogn**, det største i Herredet, omgives af Simmerbølle Sogn, Sønder Hrd. (Longelse S.), Langelands Bælt, Tranekjær Sogn og Store Bælt. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger omtr. 1 Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De stærkt bakkede Jorder (højeste Punkt er Oldenbjærg mod S. Ø., 124 F., 39 M.) ere sand- og lermuldede. En Del Skov (Stengade Sk., Bjerreby Sk., Snagesk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 4470 Td. Ld., hvoraf 2040 besaaede (deraf med Hvede 176, Rug 282, Byg 681, Havre 402, Bælgsæd 9, Blandsæd til Modenh. 225, Grøntf. 82, Kartofler 77, andre Rodfrugter 105), Afgræsn. 678, Høslæt, Brak, Eng m. m. 926, Have 58, Skov 368, Moser 108, Kær 23, Hegn 118, Stenmarker m. v. 20, Veje og Byggegr. 110, Vandareal m. m. 20 Td. Kreaturhold 1893: 373 Heste, 1418 Stkr. Hornkv. (deraf 1026 Køer), 558 Faar og 552 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 404 Td.; 19 Selvejergaarde med 111, 18 Arvefæstegd. med 56, 46 Fæstegd. med 187, 165 Huse med 43 Td. Hrtk. og 4 jordløse Huse, næsten $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1253 (1801: 830, 1840: 1179, 1860: 1244, 1880: 1347), boede i 247 Gaarde og Huse; Erhverv: 54 levede af immat. Virksomh., 789 af Jordbrug, 6 af Gartneri, 211 af Industri, 11 af Handel, 112 af forsk. Daglejervirks., 52 af deres Midler, og 18 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tullebølle* (1385: Tolebøle), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd. (opf. 1877 som Kapellangaard), Skole, Fattiggaard (opr. 1860, Plads for 20 Lemmer), Forsamlingshus (opf. 1886), Kro og Andelsmejeri; *Frelsvig* (i Vald. Jrdb. Frælliswich), ved Landevejen; *Klausebølle*; *Lidsmose*; *Stengade*; *Lykkeby*; *Skebjærg*; *Sliberhuse*. *Troldbjærg Huse*, *Frelsvig Huse* m. m. Gaardene *Blegholm*, 28 Td. Hrtk., 271 Td. Ld., hvoraf 19 Eng, Resten Ager, og *Bjerrebygaard*, $16^1/_8$ Td. Hrtk., 144 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, Resten Ager, begge under Grevsk. Langeland. *Oldenbjærggd.*, $12^1/_2$ Td. Hrtk., 120 Td. Ld., *Bjerreby Mølle*, *Bagnkop Mølle*. Skovridergaarden *Frederiksgave*. Gaardene *Marienlund* og *Bremholm*.

Tullebølle S., een Sognekommune med Nabosognet Tranekjær, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 98. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken*, fordum indviet til St. Morten, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sakristi mod N. og Vaabenhus mod S. Kirken, vistnok fra 2. Halvdel af 12. Aarh., er oprindl. opført i ren Rundbuestil af huggen og kløvet Kamp som en ret anselig, enskibet Bygning med et lige afsluttet Kor i Ø. Korbuen var rund. Syddøren med to fritstaaende Granitsøjler er endnu bevaret; Norddøren er ødelagt. Vistnok i 1. Halvdel af 15. Aarh. ere Skib og Kor blevne forhøjede og overhvælvede. Omtrent samtidig er Taarnet, hvis overhvælvede Underrum aabner sig ind til Skibet med en Arkadebue, det overhvælvede Sakristi og Vaabenhuset tilføjede, alle med takkede Gavle med Blindinger. Materialet i Tilbygningerne er væsentlig store, røde Mursten, lagte i Munkeskifte. Omtr. samtidig er Korgavlen bleven ommuret med Mursten og forsynet med Takker og Blindinger. Til Skib og Kor ere opførte svære Støttepiller. I 1874 blev Kirken restaureret, ved hvilken Lejlighed Portalen mod S. blev noget udvidet, Vaabenhuset gjort bredere og nye Vinduer indsatte i hele Kirken (et Kalkmaleri over Korbuen, Dommedag, der fandtes ved Restaurationen, blev overhvidtet). Altertavlen (Christus paa Korset) er malet af F. Storch 1866, med moderne Ramme i gotisk Stil. I dens to Sidestykker ere opstillede Træfigurer af de 12 Apostle fra Midten af 15. Aarh. Romansk Granitdøbefont med Ornamentbaand og stærkt fremspringende Hoveder. Prædikestolen er et tarveligt Renæssancearbejde fra 1632. Klokken er fra 1495. Paa Kirkegaarden en smuk, kisteformet Ligsten fra den ældre Middelalder (se Aarb. f. n. Oldk. 1877, S. 89, og *Løffler*, Gravst., Pl. XV) og en Ligsten over Landsdommer Thomas Beck til Bjerrebygaard.

Gaarden *Bremholm* nævnes 1385 og 1391; den blev af Lasse Mus solgt til Lage Rudbek, der 1391 solgte den til Fin Aagesen (Ulfeld).

Paa Klausebølle Mark tæt ved Stranden findes en af Mose omgiven aflang Banke, kaldet „*Kong Holms Slot*"; der skal være fundet Murrester der.

Ved Lykkeby er der fremdraget flere vigtige Gravfund fra den yngre Stenalder. Paa Klausebølle Mark ligger et fredlyst Dyssekammer, med 5 Bæresten og en stor Overligger.

Ved Klemmebrevet af 1555 blev Tullebølle Anneks til Tranekjær; 1891 blev det et eget Pastorat.

**Tranekjær Sogn** omgives mod S. af Tullebølle, mod N. af Bøstrup

Sogn, mod Ø. af Langelands Bælt og mod V. af Store Bælt. Kirken, omtrent midt i Sognet, ligger $1^1/_2$ Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De bakkede Jorder (Skinderlykke Banke, 129 F., $40,_5$ M.) ere sandmuldede og let lermuldede. Omtr. en Tredjedel af Arealet er dækket af Skov (Pæregaards Sk., Ravnebjærg, Hestehave, Bukkesk., Aasø Sk., Kohave m. m.). Mod S. laa den nu udtørrede *Stengade Sø* (omtr. 150 Td. Ld.), og mod N. ligger den omtr. 25 Td. Ld. store *Borre Sø* ved Tranekjær Slot. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 3873 Td. Ld., hvoraf 1183 besaaede (deraf med Hvede 97, Rug 145, Byg 362, Havre 245, Blandsæd til Modenh. 152, Grøntf. 41, Kartofler 45, andre Rodfrugter 95), Afgræsn. 478, Høslæt, Brak, Eng m. m. 851, Have 118, Skov 816, Moser 86, Kær 77, Hegn 78, Stenmarker m. v. 31, Veje og Byggegr. 107, Vandareal m. m. 48 Td. Kreaturhold 1893: 231 Heste, 866 Stkr. Hornkv. (deraf 635 Køer), 1696 Faar, 335 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 257 Td.; 4 Selvejergaarde med 143, 32 Fæstegd. med 84, 165 Huse med 30 Td. Hrtk. og 3 jordløse Huse, næsten alle i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1139 (1801: 626, 1840: 1075, 1860: 1127, 1880: 1182), boede i 207 Gaarde og Huse; Erhverv: 106 levede af immat. Virksomhed, 537 af Jordbrug, 18 af Gartneri, 14 af Fiskeri, 233 af Industri, 30 af Handel, 19 af Skibsfart, 82 af forsk. Daglejervirks., 84 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tranekjær*, en flækkelignende Landsby ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Realskole, Børneasyl (opr. 1868 af Gehejmekonferensr., Greve Fr. L. V. Ahlefeldt-Laurvigen; Plads for 25 Børn), Lægebolig, Købmandsforretn., Kro, Mølle, Fyr med Sirene (4000 Al. fra Byen, hvidt Lynfyr, Flammens Højde 45 F. o. Havet, Lysvidden over 3 Mil; det hvide, firkantede Fyrtaarn, S. Ø. for Tranekjær ved Kysten, er 27 F. højt), Telegraf- og Telefonstation samt Postkontor; *Botofte* med Skole; *Strandby*. *Aasø Huse*, Udskibningssted med Anløbsbro og Skovfogedbolig. *Bammeskov*, Gde. og Huse, *Tevlesø* og *Rødby*, Huse, m. m. *Tranekjær Slot*, Hovedsædet i *Grevskabet Langeland*, med *Ladegaard*, har 44 Td. Hrtk., 403 Td. Ld., hvoraf 66 Eng, 90 Park, Have osv., Resten Ager. Gaardene *Korsebølle*, $60^1/_2$ Td. Hrtk. (hvoraf 13 i Bøstrup Sogn), 609 Td. Ld., hvoraf $125^1/_2$ Eng, Resten Ager, og *Pæregaard*, $27^3/_4$ Td. Hrtk., 324 Td. Ld., hvoraf 9 Eng, Resten Ager, begge ligeledes under Grevskabet*). Desudes mærkes *Slotsmøllen* og Stedet *Frederiksminde*.

Tranekjær S., een Sognekommune med Nabosognet Tullebølle, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 99. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Langeland.

*Kirken* (se Vignetten S. 758) bestaar af Skib og Kor, Taarn mod N. og to Halvtagsbygninger, en paa hver Side af Taarnet, hvoraf den østl. er Sakristi, den vestl. Vaabenhus, samt Gravkapeller mod S. og V. Kirken er næppe ældre end 1. Halvdel af 17. Aarh. Det overhvælvede Langhus er opført af smaa, røde Mursten. Paa Chr. V's Tid (ved 1672) er Gravkapellet mod S. tilføjet, der ved en ret smagfuld Portal af Marmor og Sandsten staar i Forbindelse med Skibet. Gravkapellet mod V. er opf. i 19. Aarh. Taarnet, som tidligere havde en med Hætte overdækket lille Overbygning af Bindingsværk, omgivet af en Balustrade, har ved en Restauration af Kirken (der da blev overpudset) 1886 faaet et højt, slankt Spir. Altertavlen (Joh. 12,46) er et Maleri fra 1847 af Eckersberg i samtidig Ramme i gotisk Stil. Døbefont af Træ fra Chr. IV's Tid. Paa Himlen over den findes Urnernes og Lindenovernes

*) Til *Grevskabet Langeland*, som indbefatter Hovedgaarden Tranekjær, Gaardene Korsebølle, Pæregaard, Blegholm, Bjørrebygaard, Nygaard, Nordenbro, Tryggelevgaard og Søgaard samt Øen Birkholm, høre $1321^1/_2$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord 392, Skov 85, Bøndergods 378, Kirke- og Kongetiender $466^1/_2$ Td. (alle Landsbykirker paa Øen); i Bankaktier 38,800, i Fideikommiskapitaler 4,400,000 Kr. foruden 3525 Td. Byg i aarlig Arvefæsteafgift af bortsolgt Gods. Gaardenes Jordtilliggende udgør omtr. 3130 Td. Ld., Skovarealet er omtr. 1963 Td. Ld.

Vaabener og Bogstaverne H. C W (ɔ: Hr. Chrf. Urne) og Frv S L (ɔ: Sophia Lindenov) samt Chr. IV's Navnetræk. Ny Prædikestol af Egetræ i romansk Stil. Den ene Klokke er fra 1472. I det sydlige Gravkapel staa 3 Sarkofager af norsk Marmor med Ligene af Grevinde Birgitte Ahlefeldt, † 1735, hendes Mand Grev Fr. Ahlefeldt, † 1773, og Grevinde Maria Elisabeth Ahlefeldt, † 1769, desuden en Egetræskiste, hvori Liget af C. J. F. Ahlefeldt-Laurvigen, † 1856, og 3 fra Eckernførde 1895 hidførte Kister, med Lig af Familien Ahlefeldt. I Kælderen nedenunder staa 8 store og 4 smaa Kister, med Ligene af bl. a. Grev Ulrik Carl Ahlefeldt, † 1757, Storkansler Fr. v. Ahlefeldt, † 1686 (rigt forsiret Sandstenskiste), og Hustru Margrethe Dorothea Rantzau, † 1665 (Kobberkiste), og Louise Charlotte v. Hedemann, † 1812. I det vestl. Kapel, hvis Vægge forneden ere af sort Marmor, og hvori Thorvaldsens „Dagen og Natten" og et Marmorkrucifiks af Prof. Stein, hvile F. L. V. Ahlefeldt-Laurvigen, † 1889, og Hustru. — Paa Kirkegaarden en af Munkesten og Kamp opført Kirkelade med takkede Gavle og spidsbuede Vinduesaabninger, vistnok fra 1. Halvdel af 15. Aarh., nu indrettet til Ligkapel.

*Tranekjær Slot* nævnes i Vald. Jordeb. som Kronens Ejendom. 1287 udstedte

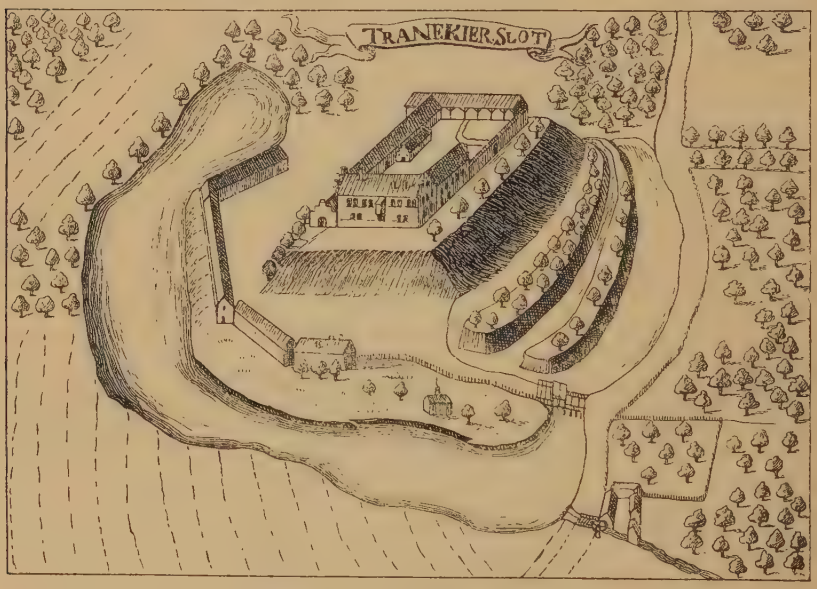


Tranekjær Slot 1690. Efter Resen.

Hertug Valdemar IV af Sønderjylland paa T. de ældste kendte Privilegier for Rudkjøbing samt et Benaadningsbrev for Borgerne i Svendborg. Hans Broder Hertug Erik Langben af Langeland, † 1310, residerede vist her, ligesom hans Enke Sophie, der beholdt Langeland efter hans Død; 1315 modtog hun paa T. Besøg af Erik Menved. 1326 blev den mægtige Hr. Laurids Jonsen (Panter) Befalingsmand paa T. med Langeland og Ærø og døde paa Langeland 1340. 1355 belejrede Vald. Atterdag forgæves T., men 1358 kom han atter til Øen og indtog det, hvorefter det blev Sædet for en kgl. Lensmand. 1367 pantsatte Hertug Henrik Langeland med Tranekjær og alle omliggende Øer til Kongen. Af de kongelige Høvedsmænd kan nævnes Henning Meinstrup 1370, Jens Absalonsen 1371, Johan Muus 1376, Hr. Jens Andersen (Brok) 1394—1404, Hr. Anders Jepsen Lunge 1419 og 1423, Erik Sture 1467, Axel Walkendorff 1473. De sidste vare dog muligvis kun Fogeder (som saadan nævnes udtrykkelig Per Henriksen, Oluf Jensen [Blaa] 1468, Jesper Norby 1478), thi i Midten af 15. Aarh. var Slottet og Øen givet Philip Axelsen Thott († 1462) i Pant; hans Enke Ermegard Frille og hendes anden Mand Bent Bille beholdt Pantet trods Chr. I's Efterstræbelser (1466 blev dog Slottet indtaget af de kgl. Tropper).

Af senere Hovedmænd nævnes Johan Venstermand 1479, Anders Tidemand 1495, Niels Andersen (Passov) 1499, Hr. Thomas Nielsen Lange 1504, Eiler Eriksen (Bølle) 1507—10, Søren Stampe 1511. Slottet hørte da til Dronning Christines Livgeding. Under Grevens Fejde, da Otto Krumpen var Lensmand paa T., faldt Slottet 1534 i Hænderne paa Lübeckerne, anførte af den oldenburgske Adelsmand „lange Herman", men blev næste Aar tilbageerobret af Peder Skram. Ifl. kgl. Befaling af $^{31}/_{12}$ 1558 ophørte T. at være en Fæstning. Da Karl Gustav 1658 besatte Langeland, skænkede han som alt nævnt S. 757 Øen ved Gavebrev af $^{10}/_{2}$ til Corfits Ulfeld, men da dette ikke blev indført i Fredsslutningen, kom Slot og Len tilbage til Grev Chr. Rantzau til Breitenburg, der siden 1645 havde haft det i Pant for en Forstrækning til Kronen paa 62,000 Rd. Sp. Han skænkede 1659 Pantebrevet til sin Datter Margrethe Dorothea Rantzau, g. m. Fr. Ahlefeldt til Søgaard, Rigsgreve til Rixingen og Friherre til Mørsburg med flere andre Godser, senere kgl. dansk Storkansler († 1686), der $^{20}/_{3}$ 1672 ophøjedes i den danske Grevestand og $^{28}/_{8}$ s. Aar fik Tranekjær Amt oprettet til et *Lensgrevskab Langeland* (dengang 2537 Td. Hrtk.) for sig

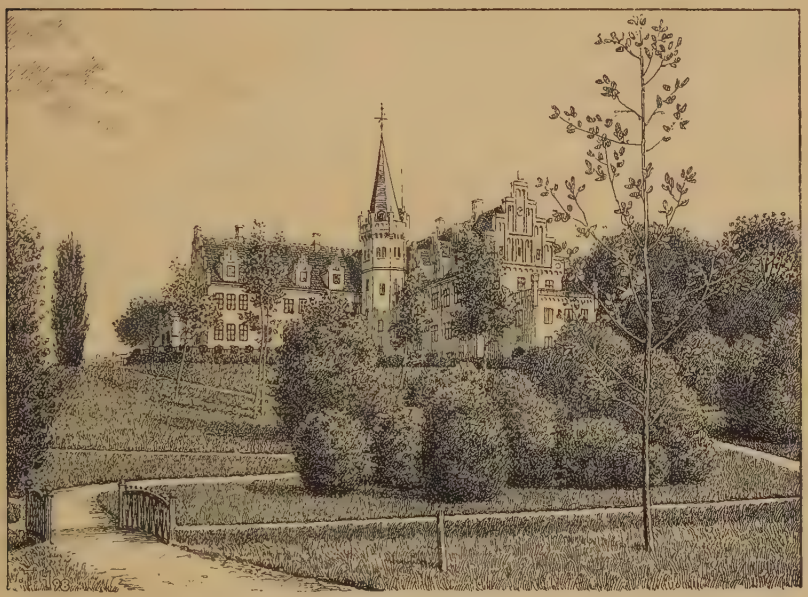

Tranekjær Slot 1898.

og sin Slægt. Han gjorde meget for Lenet og det forfaldne Slot, skønt han mest opholdt sig paa sit Gods Graasten i Sønderjylland, og efterfulgtes af sin ældste Søn Fr. Greve Ahlefeldt, Statholder i Hertugdømmerne, Gehejmer. og General, † 1708, der ligesom Faderen for det meste boede paa Graasten, men i øvrigt fortsatte hans Byggearbejder paa Tranekjær. Da han døde barnløs (begravet i Radsted Kirke, Laaland), tilfaldt Grevskabet hans Halvbroder Carl Greve Ahlefeldt, Statholder i Hertugdømmerne, Gehejmer., Overkmhr. og Overhofmester for det ridderlige Akademi, † 1722. Han blev gift med Ulrikke Antoinette Danneskjold-Laurvigen, Datter af Ulrik Frederik Gyldenløve, og for Medgiften med hende købte han Godserne Kalundborg Ladegaard og Øen Turø, saa at han var sin Tids største Godsejer, og dog døde han saa forgældet, at alle hans slesvigske Godser, Graasten, Søgaard osv. maatte sælges ved Auktion efter hans Død. Kun Grevskabet Langeland blev tilbage og tilfaldt hans ældste Søn Frederik Greve Ahlefeldt, Kmhr. og General, † 1773. Godset og Slottet var, da han overtog det, i en yderst forfalden Tilstand, men ved den største Sparsommelighed fik han det ikke alene restitueret og Slottet gjort i Stand (fra hvilken Tid det til Stadighed har været beboet), men tilkøbte ogsaa

Godserne Vestergaard (1731), Holmegaard og Lykkesholm (1754) og Brolykke (1764) paa Langeland samt Øen Strynø, af hvilke Ejendomme han $^{23}/_{8}$ 1765 fik oprettet *Stamhuset Ahlefeldt*, aldeles gældfrit til sin Families „Conservation, Gavn og Bedste", med den Bestemmelse, at det altid skal følge Ejeren af Grevskabet, saalænge dette bliver i Familien. Efter hans Død overtoges Grevskabet af Sønnen Chr. Greve Ahlefeldt, Generalmajor og Kmhr., † 1791, der 1785 efter sin Bedstemoder arvede Grevskabet Laurvig i Norge, om hvis Besiddelse han for øvrigt maatte føre Proces; fra den Tid antog Familien Navnet Ahlefeldt-Laurvigen. Den næste Besidder var hans Søn Fr. Greve Ahlefeldt-Laurvigen, General og Kmhr., † 1832 (begr. i Skoven Tovlykke Ø. for Borre Sø), der 1805 afhændede Grevskabet Laurvig til Statskassen, idet Købesummen, 920,000 Rd., blev staaende som en Fideikommiskapital. Han er bekendt for sin store Interesse for Teatervæsen og havde i sine senere Aar baade Teater og Kapel paa Tranekjær. Da han kun efterlod en Datter, gik Grevsk. Langeland over til hans Brodersøn Chr. Joh. Fr. Greve Ahlefeldt-Laurvigen, Gehejmekonferensr. og Kmhr., † 1856, og derefter til dennes Søn Fr. L. V. Greve Ahlefeldt-Laurvigen, Gehejmekonferensr. og Kmhr., † 1889, der gjorde meget for Grevskabet; bl. a. lagde han Planen til Salget af Bøndergodset paa Øen, afhændede en stor Del af det til Fæsterne, restaurerede Slottet (se ndfr.) og erhvervede flere Herregaarde, som han senere overdrog til Sønnerne. Hans Søn, Kmhr. og Hofjægerm. Chr. Joh. Fr. Greve Ahlefeldt-Laurvigen, er den nuv. Besidder.

*Tranekjær Slot*, beliggende ved Borresø paa en høj Bakke med vid Udsigt over Havet til begge Sider, er Levning af en af Landets ældste og stærkest befæstede Borge, men er undergaaet saa store Forandringer i Tidens Løb, at kun lidet af det gamle er tilbage. Da Ahlefeldt var kommen i Besiddelse af T., bestod Hovedbygningen, der længe havde staaet ubeboet, og som var bleven stærkt medtagen under Svenskekrigen 1658—60, af et Kompleks, der dannede en aflang Firkant, og som var omgiven af dobbelte Grave, hvorover der førte en Vindebro; midt i Borggaarden stod et Taarn, som senere nedbrændte. Hvori de Byggearbejder, som de to første Besiddere lode foretage, bestod, vides ikke; men ved C. Ahlefeldts Død 1722 var T. atter i høj Grad forfalden. Da foretog Sønnen Fr. A. en grundig Restauration baade ud- og indvendig og lod bl. a. flere af Bygningerne nedrive, saa at Gaarden kom til at bestaa af de to endnu staaende Fløje, en nordl. og en vestl., der ere sammenbyggede i en ret Vinkel. Portbygningen var ligesom nu ved Nordfløjens Østende. Saaledes maa den antages at have staaet omtr. uforandret, indtil den forrige Besidder lod den restaurere 1862—63 efter Tegn. af N. S. Nebelong under Ledelse af Arkitekt Tholle. De to Fløje, af Kamp og Mursten i to Stokv. med Kælder og Kviste, fik takkede og blindingsprydede Gavle; i Vinklen mellem Fløjene rejstes et anseligt, ottekantet Taarn med slankt Spir; ved Vestfløjens Sydende tilbyggedes omtr. 14 Al., og dertil opførtes en verandalignende Udbygning. Der skal endnu i Murværket findes Spor af det ældste, i Beg. af 13. Aarh. opførte Slot; saaledes ses der indvendig i den østl. Ende af den nordl. Fløj i 2. Stokv. et tilmuret, rundbuet Vindue. Flere Værelser i Slottet ere indrettede 1890—91 efter Tegn. af Arkitekt M. Nyrop. Ladebygningerne ligge S. for Slottet; den af Fr. Ahlefeldt 1726 opførte Ladebygning staar endnu. I den store Slotshave, hvori der bl. a. findes flere sjældne Træer, er der $^{3}/_{6}$ 1881 afsløret en Mindestøtte (en 10 Al. høj Obelisk med Portrætmedailloner af Stein) for den forrige Besidder og Hustru. (Se Synsforretn. over T. Slot, i D. Mag. 3. R. IV Bd., S. 76 flg. *Burman-Becker*, Efterretn. om gamle Borge, I. S. 60 flg. Slægten Ahlefeldts Hist., ved *L. Bobé*. Kbh. 1897 [Værket vil komme til at udgøre 7 Bind]).

*Pæregaard* er en gammel adelig Sædegaard; dog var den Lars Nielsen i P., der nævnes 1477, formodentlig kun en Bonde. 1554 ejedes den derimod af Niels Jakobsen (Mylting), der var Herredsfoged i Langelands Nørre Herred, og af Peder Juel; sidstnævntes Søn Gregers J. ejede den 1556. 1588 tilhørte den Floris Jakobsen, en Søn af Bisp Joakim Rønnow med en Datter af Hr. Ove Lunge.

**Bøstrup Sogn** omgives mod S. af Tranekjær, mod N. af Snøde Sogn, mod Ø. af Langelands Bælt og mod V. af Store Bælt. Kirken, midt i Sognet, ligger omtr. $2^{1}/_{4}$ Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De noget bakkede Jorder ere sand- og lermuldede. En Del Skov (Karsk., Rørsk., Hestehave, Toskappen, Travensvænge, Egelykke Sk. m. m.). Til Sognet hører Øen *Siø* med den ved Dæmninger, med mellemliggende Eng forbundne *Skovø*. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 4452 Td. Ld., hvoraf 2160 besaaede (deraf med Hvede 312, Rug 174, Byg 743, Havre 446, Bælgsæd 14, Blandsæd til Modenh. 170, Grøntf. 72, Kartofler 51, andre Rodfrugter 178), Afgræsn. 689, Høslæt, Brak, Eng m. m. 947, Have 83, Skov 280, Moser 65, Kær 10, Hegn 78, Stenmarker m. m. 10, Veje og Byggegr. 120, Vandareal 9 Td. Kreaturhold 1893: 348 Heste, 1448 Stk. Hornkv. (deraf 1051 Køer), 548 Faar, 705 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 426 Td.; 34 Selvejergaarde med 258, 19 Arvefæstegd. med 88. 9 Fæstegd. med 41, 156 Huse med 35 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1266 (1801: 869, 1840: 1197, 1860: 1230, 1880: 1253), boede i 246 Gaarde og Huse; Erhverv: 35 levede af immat. Virksomh., 782 af Jordbrug, 12 af Gartneri, 2 af Fiskeri, 259 af Industri, 38 af Handel, 13 af Skibsfart, 51 af forsk. Daglejervirks., 45 af deres Midler, og 29 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bøstrup*, ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole (2 Lærere), Forsamlingshus (opf. 1898), Andelsmejeri, Købmandsforretn., Skovfogedbolig og Telefonstation; *Svalebølle* med Hospital (med 4 Pladser) og Mølle; *Lejbølle*, ved Landevejen, med Andelsmejeri og Købmandsforretn.; *Helletoft* (i V. Jrdb. Hælghætoft) med Skole og Mølle; *Emmerbølle*; *Næstebølle*; *Fæbæk*. *Dagelykke*, Udskibningssted med Havn (anlagt 1897-98, Dybden indtil 11 F.). *Kirkestræde Huse*, *Sønderskov Huse*, *Sletø* og *Hovgaarde*, Gde. og Huse. Hovedgaarden *Nedergaard*, under Stamhuset af s. Navn, har $50^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og 3 Td. Skovsk., 540 Td. Ld., hvoraf 21 Eng, 138 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre 3 Lejehuse og $27^3/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods. *Svalebøllegaard*, under samme Stamhus, har $9^3/_8$ Td. Hrtk., 100 Td. Ld., alt Ager; til Gaarden hører Svalebølle Mølle. Øen *Siø* (i Vald. Jrdb. Sithø) med *Skovø*, ligeledes under Stamhuset, har $13^1/_8$ Td. Hrtk., 240 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, Resten Ager*). Hovedgaarden *Egelykke* har $35^7/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^1/_2$ Td. Skovsk., 468 Td. Ld., hvoraf 44 Eng og Tørvemose, 78 Skov, 19 Gaardspl. og Have, Resten Ager.

Bøstrup S., en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 100. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken*, oprindl. Herredskirke i Nørre Herred, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V. og Vaabenhus mod S. Kirken var oprindl. en enskibet, romansk Bygning, opf. i 1. Halvdel af 12. Aarh. af raa og kløvet Granit med tilhugne Hjørnekvadre. Nogle krumhugne Sten, som nu ere indmurede under det nuv. Kors sydøstre Hjørne, synes at tyde paa, at Koret har haft Apsis. Tre af de oprindelige, rundbuede Vinduer ere bevarede. Rester af Norddøren kunne skimtes. Omtr. i Beg. af 13. Aarh. er Koret blevet udvidet og ombygget af store, røde Munkesten med Benyttelse af de gamle Hjørnekvadre. Ved Midten eller Slutn. af 15. Aarh. blev Vaabenhuset, med takket, blindingssmykket Gavl, tilføjet. Vistnok lidt senere blev Skibet udvidet mod V. og Taarnet, med takkede Gavle, opført. Senere, vistnok i Slutn. af 16. Aarh., blev Skib, Kor og Taarnets Underrum overhvælvede. Fra Kirkens ældste Tid hidrøre flere Relieffer, der nu findes indsatte paa forskellige Steder i Kirkens Mure. Paa den ene Reliefsten, med Fremstilling af to menneskelige Figurer, er Ordet Bruder indhugget. Paa en anden findes et Skib, paa en tredje vistnok en af de ældste herhjemme kendte Fremstillinger af et Christushoved (se *Løffler*, Uds. over D. Kirkebygn. S. 106). Kirken er bleven restaureret 1829 og 1871, ved hvilken sidste Lejlighed store, nye Vinduer ere indsatte. Altertavlens ældste Del synes at være fra Beg. af 16. Aarh. I Alterbordet fandtes ved Kirkens sidste Restauration et Relikviegemme med en i en Silkeklud indsvøbt Benstump. Romansk Granitdøbefont med Dyrefigurer. Prædikestolen er et smukt udskaaret Renæssancearbejde fra 1634.

*) Til *Stamhuset Nedergaard*, der indbefatter de ovennævnte Ejendomme, høre 143 Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $81^1/_2$, Skov 2, Bøndergods $27^3/_4$, Kongetiende $32^1/_2$ Td.; i Bankaktier 4400, i Fideikommiskapitaler omtr. 634,500 Kr. Hovedgaarden, Svalebøllegd. og Siø have et Jordtilliggende af 750 Td. Ld. foruden 138 Td. Ld. Skov.

*Nedergaard* ejedes 1409 af Bo Jepsen (Algudsen), 1416 af hans Broder Niels Jepsen, 1442 af dennes Søn Mattis Nielsen, 1455 af dennes Broder Jep Nielsen og 1491 af Brodersønnen Per Algudsen, derefter af dennes Søn Algud Persen, hvis Søn Per Algudsen vist var Slægtens sidste Mand. Hans Søster Kirsten ægtede Knud Mikkelsen (Akeleye), hvis Søn Mikkel Knudsen, † 1589, formodentlig har afhændet N. til sin Stifmoders Brodersøn Hans Urne. 1627 ejedes den af Sivert Schack, 1628 af Claus Brockenhuus, der solgte den til Claus Buchwaldt, som ejede den 1637, og efter hvem Fred. Buchwaldt arvede den. Den solgtes 1694 af Landraad Fr. Rantzau til Oberstlieutn. Fr. Ahlefeldt til Nordskov og Rynkebygd., som 1699 afstod den til Forvalter L. P. Schmidt paa Tranekjær. En flg. Ejer var Christen Harbou, hvis Sønner synes at have solgt N. til Otte Kaas, † 1716, der efterlod den til sin Søn Oberst Rudbek K., † 1731, hvis Søn Generalmajor Otto Ditlev K. 1775 oprettede N. til et Stamhus efter en Bestemmelse af den forrige Ejer, hans Stiffader Generalmajor Chr. Banner Kaas til Hjortholm († 1756), der var gift med Sophie Charlotte Brockdorff, Enke efter Rudbek Kaas. Han døde 1778 og efterfulgtes af Viceadmiral Fr. Chr. K., † 1804, der var gift med hans Datter Edel Sophie († 1811). Den gik derefter over til O. D. Kaas-Lehn († 1811), H. V. E. Kaas († 1857), H. V. Kaas († 1865), hvis Søn, Kmhr., Hofjægerm. Gebhard Valentin Kaas, er den nuv. Besidder. — Hovedbygningen, opf. 1867 efter Tegn. af Arkitekt Tholle, i moderne Stil af røde Sten, er i to Stokv. med Kælder. Til Indkørsel er der en Kolonnade (se om N. Personalhist. Tidsskr., 1887 S. 202 og 241 flg.).

*Egelykke* ejedes 1426—48 af Jens Andersen Mylting, Landsdommer paa Langeland, 1468—91 af hans Søn Hans Jensen, der ligeledes var Landsdommer, dennes Søn Jørgen Hansen og 1554 af sidstnævntes Søn Jens Jørgensen og Fru Mette. Ved Aar 1650 blev Gaarden erhvervet af Niels Harbou, hvis Søn Otte H. kort før 1687 solgte den til Henrik Steensen, og den havde derefter fælles Ejere med Steensgaard til 1826, da Gaardene efter Major C. F. Steensen Leths Død bleve adskilte. E. gik over til den ældre Søn, Major C. Fr. Steensen-Leth, † 1826, og derpaa til dennes Søn, Kmjkr. C. Fr. St.-L. († 1889), som 1885 ved Gavebrev overlod den til Datteren, Grevinde Sophie Frederikke Lerche, den nuv. Besidderinde. — Hovedbygningen er opf. 1845—46 og 1890 forhøjet med et Stokv. Alle Udbygninger ere udflyttede og nyopførte 1890; hvor de tidligere stode, er der nu Haveanlæg. — N. F. S. Grundtvig var fra 1805 en Tid Huslærer paa Egelykke.

Den tidligere Hovedgaard *Heinedgaard* tilhørte 1646 Johan Hobe, 1651 Chrf. Kremmer, derefter Niels Harbou, som 1656 solgte den til sin Svigermoder, Fru Berte Vind, Otte Thermos Enke, efter hvis Død 1668 Gaarden tilfaldt hendes Datter Elisabeth Thermo, g. m. ovennævnte Niels Harbou. Hun solgte Gaarden til sin Stifsøn Chr. Harbou, der formodentlig som gift med hendes Søster Else Thermo i Forvejen var Medejer. Han overdrog den 1684 til sine Døtre Mette og Berte Harbou. Senere blev den lagt ind under Egelykke og Gaarden nedbrudt. N. for Egelykke ses Tomten af Gaarden med omgivende Grave.

I Sognet har fordum ligget adskillige adelige Sædegaarde. I *Svalebølle* boede i 14. Aarh. en Adelsmand Niels Butze, 1448 Mads Ingvarsen, 1476—79 Oluf Jensen (Blaa); i *Lejbølle* Claus Andersen (Ulfeld) 1448—62, Hans Juel 1459—79, dennes Sønner Iver og Gregers J. 1494—1509, denne sidstes Sønner Jesper og Peder Gregersen 1536; i *Emmerbølle* Anders Clausen (Ulfeld) 1476—79, Fru Sophie Glob 1583; i *Næstebølle* Anders Brun 1412, Jens Olufsen 1417, Anders Brun 1460, Peder Jensen 1478, Fru Anne Eriksdatter 1534, Anders Christoffersen 1534; i *Fæbæk* Kjeld Jepsen (Algudsen) 1416, Niels Grubbe 1460, 1473, 1489 og 1496, Thomes Nielsen 1489 og 1496; 1525 ejedes F. af Søren Stampes Frue.

Ved Hovgaarde ligger en vistnok oprindelig firsidet Banke, der har været omgiven af Grave, og hvorpaa ses Rester af en af Munkesten med Kamp i Bunden opført Bygning; Bøndergaardene Hovgaarde have faaet Navn efter denne Gaard.

Ved Egelykke er der fredlyst en Langdysse med to, mulig tre Gravkister.

**Snøde Sogn** omgives af Annekset Stoense, Hov Sogn, Langelands Bælt, Bøstrup Sogn og Store Bælt. Kirken, noget sydl., ligger omtr. $2^3/_4$ Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De lavtliggende, bakkede Jorder (Høgebjærg, 101 F., 32 M., trig. Stat.) ere sand- og lermuldede. Lidt Skov (Nørrevænge). Gennem den sydl. Del af Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 2723 Td. Ld., hvoraf 1399 besaaede (deraf med Hvede

179, Rug 105, Byg 496, Havre 305, Bælgsæd 7, Blandsæd til Modenhed 111, Grøntf. 78, Kartofler 42, andre Rodfr. 70, andre Handelspl. 6), Afgræsn. 344, Høslæt, Brak, Eng m. m. 655, Have 47, Skov 103, Moser 28, Kær 9, Hegn 64, Stenmarker m. m. 3, Veje og Byggegr. 58, Vandareal 13 Td. De flg. Opgivelser gælde for Sognet inden Udskillelsen af Hov Sogn 1896 (se S. 772). Kreaturhold 1893: 281 Heste, 1031 Stkr. Hornkv. (deraf 763 Køer), 583 Faar, 419 Svin og 13 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 328 Td.; 43 Selvejergaarde med 171, 22 Arvefæstegd. med 86, 11 Fæstegd. med 36, 197 Huse med 35 Td. Hrtk. og 15 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1366 (1801: 730, 1840: 1018, 1860: 1307, 1880: 1378), boede i 305 Gaarde og Huse; Erhverv: 52 levede af immat. Virksomhed, 714 af Jordbr., 44 af Fiskeri, 258 af Industri, 53 af Handel, 83 af Skibsfart, 89 af forsk. Daglejervirks., 60 af deres Midler, og 13 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Store-Snøde* (1360: Snødde, 1386: Snodwith), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard for Snøde-Stoense-Hov

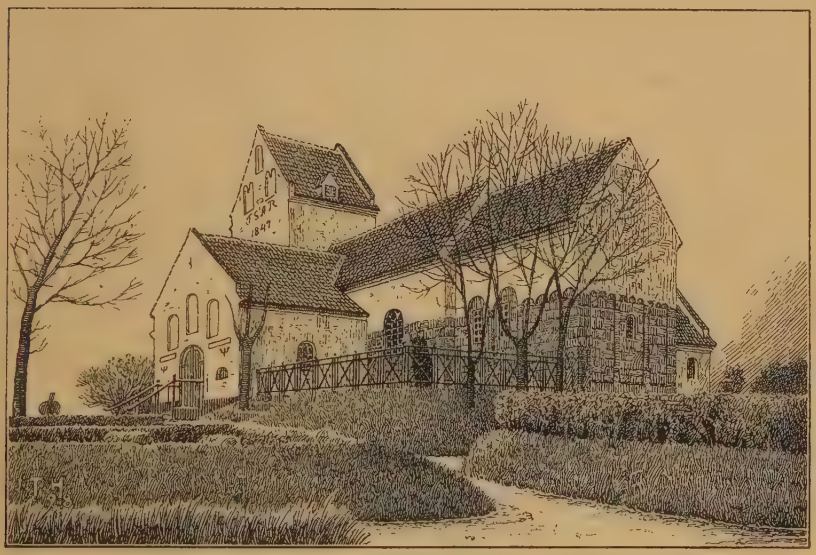

Store-Snøde Kirke.

Kommuner (opf. 1847, Plads for 30 Lemmer), Lægebolig, Kro, Købmandsforretn., Andelsmejeri, flere Haandværkere og Telefonstation; *Lille-Snøde*, *Tressebølle*, ved Landevejen; *Ennebølle* med Mølle. *Hessellbjærg Huse*. Hovedgaarden *Steensgaard* med Afbyggergaarden Charlottenlund (den sidste i Hov S.) har $49^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og 15 Td. Skovsk., desuden $4^1/_2$ Td. Hrtk. under Steensgaards Mølle (i Stoense S.), nogle Skovfogedlodder og Fæstehuse, i alt $68^1/_2$ Td. Hrtk., i alt 900 Td. Ld., hvoraf $555^1/_2$ under Hovedgaarden og Charlottenlund (deraf 30 Eng, $12^1/_2$ Have, Resten Ager), 45 under Møllen og 300 Td. Ld. Skov (Godset ligger i Snøde, Stoense og Hov Sogne).

Snøde S., een Sognekommune med Annekset Stoense og Hov Sogn, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 101. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken*, fordum indviet til St. Andreas (for Kirken er der udstedt Afladsbreve 1360, 1386, 1395 og 1403), bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sakristi mod N., Kapel mod N. og Vaabenhus mod S. Kirken er opført omtr. 1200 i Rundbuestil af omhyggelig tilhugne Kvadre af Kamp. Et enkelt rundbuet Vindue kan skimtes. Syddøren har haft en smagfuld Portal med Halvsøjler, der dog nu er delvis forstyrret ved en Udvidelse af Døraabningen. Korets Ydermure have haft Blindinger, hvis runde Buer bæres af slanke Halvsøjler. Flere Steder findes indmurede Basreliefs med Fremstillinger af David med Slyngen, en Kriger, en Dyrefigur o. l. (se *Løffler*, Uds. over D. Kirkebygn. S. 128). Ved Midten eller Slutn. af 15. Aarh. blev Taarnet tilføjet, og vistnok fra samme Tid skrive sig Sakristiet, Kapellet og Vaabenhuset, Skibets Mure bleve forhøjede og Hvælvinger indbyggede. Kirken er bleven restaureret i 1850'erne, ved hvilken Lejlighed store, nye Vinduer indsattes, og 1874-75, da Kapellet blev overhvælvet og forbundet med Skibet, Vaabenhuset udvidet,

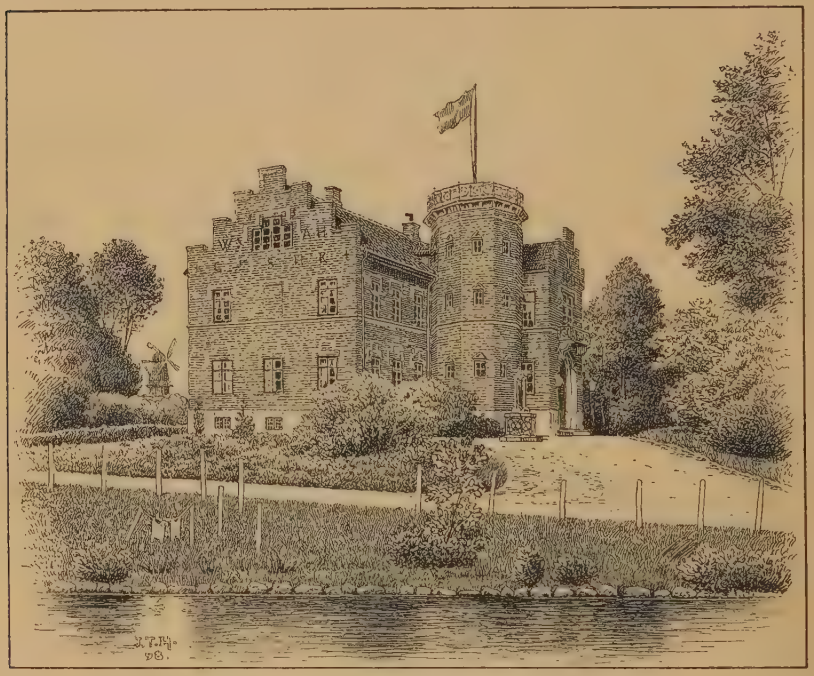

Steensgaard.

Sydportalen omdannet og det Indre smagløst overmalet. Der er fundet Kalkmalerier fra 1555. Altertavlen og Alterbordets Træbeklædning ere fra 1614, med Munkernes og Bassernes Vaabener. Romansk Granitdøbefont med smagfulde Ornamenter. Prædikestolen er et udmærket Snitværk fra Beg. af 17. Aarh. I Korets Nordmur en meget stor, oprindelig med Farver smykket Mindesten af gotlandsk Kalksten over Hr. Hans Steensen fra Steensgaard, † 1594, Hustru Margrethe Basse og Søn Chrf. S. (legemsstore Portrætfigurer), opsat af Enken 1599. Under Koret findes en nu tilmuret Begravelse med fem Kister med Ligene af Steensenernes Familie; over Begravelsen laa til 1875 en Gravsten (nu i Vaabenhuset) over ovenn. Hans Steensen og hans Børn, opsat af Enken 1600, med Fremstilling af 6 Sønner og 2 Døtre.

*Steensgaard* hed tidligere *Krogagergaard* og tilhørte 1471—79 Hans Jensen (Mylting) til Egelykke, men synes snart efter at være kommen til Kronen, af hvis Lensmænd nævnes Søren Stampe, Anders Røllike 1526 og Henrik Glob 1541, indtil den 1577 kom til Familien Steensen, idet Knud Steensen mageskiftede Lundbygaard i Vordingborg Len og sit øvrige sjællandske Gods mod K. og andet Krongods paa

Langeland, hvilket Mageskifte kom til Udførelse med hans Enke Anne Lunge 1577. Hun nedbrød K. og opførte 1578—85 i nogen Afstand derfra Steensgaard. Gaardens næste Ejer var hendes Søn Hans Steensen (se under Kirken). Hans Søn Vincens S. faldt i Træfningen mod Svenskerne 1659 ved Andemose tæt ved S. (se S. 757). Enken, Anna Holck, † 1660, siges at have hævnet sin Mands Død ved et Blodbad paa de svenske paa Steensgaard. Gaarden tilfaldt derefter hans Søn Oberst Hans Ditlev S., der 1677 blev skudt ved Christiansstads Belejring. Den flg. Ejer var hans Broder Henrik S. († 1709), der tilkøbte Egelykke (se S. 768). Den sidste Ejer af denne Familie var Oberstlieutn. Carl Fr. S., † 1793, der i sit Ægteskab med Hilleborg Sophie Kaas efterlod sig to Døtre, af hvilke den ældste, Hilleborg, blev gift med Oberstlieutn., Kmhr. Leth, til hvem hun bragte S. Efter deres Søn Major C. Fr. Steensen-Leths Død 1826 fik den ældste Søn Egelykke (se S. 768), den yngre, Vincens St.-L., senere Kmhr. og Hofjægerm., † 1893, Steensgaard. Hans Søn, Vincens Steensen-Leth, er den nuv. Ejer. — Hovedbygningen, der er opf. i gotisk Stil 1835—36 efter Tegn. af G. F. Hetsch paa Grunden af den gamle, da nedbrudte Gaard og til Dels med Benyttelse af de tidligere Mure, er omgiven af de gamle Grave. Den ligger paa en Bakke med vid Udsigt over Havet og bestaar af en to Stokv. høj Bygning med Kælder og takkede Gavle; ved Façaden er der et fremspringende Parti med Hovedindgangen (paa Gavlen staar 1655, det Aar, da den gamle Bygning blev restaureret) og et svært ottekantet Taarn med Platform. Paa Gaarden opbevares flere interessante Minder om Familien Steensen og en Del Portrætter, deribl. af Vincens Steensen, † 1659, og Anna Holck. (Om St. se Aktst. til Oplysn. af Danm. indre Forh. I S. 189 flg. og II S. 18 flg.).

Niels Jensen i *Lille-Snøde* nævnes 1429. — En Væbner Braske i „*Ognebølle*“ nævnes 1442, Claus Baad i „*Ennebølle*“ 1459.

**Litt.** Beskr. over den gamle Snøde-Præstebog, i Kirkeh. Saml. II Bd. S. 255 flg. — (*A. Schumacher*): Sandfærdig Efterretn. om den hartad utrolige urenlige Tilstand, i hvilken S. Præstegaard befandt sig 1711. 1757. — Se ogsaa Kirkeh. Saml. 2. R. IV Bd. S. 435 flg.

**Stoense Sogn**, det mindste i Herredet og Anneks til Snøde, omgives af dette, Hov Sogn og Store Bælt. Kirken, mod S., ligger omtr. 3 Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De lavtliggende, bakkede Jorder ere dels lermuldede, dels sandede og sandmuldede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 1395 Td. Ld., hvoraf 792 besaaede (deraf med Hvede 86, Rug 63, Byg 256, Havre 185, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 62, Grøntf. 62, Kartofler 29, andre Rodfrugter 40, andre Handelspl. 4), Afgræsning 199, Høslæt, Brak, Eng m. m. 277, Have 22, Skov 5, Moser 14, Kær 5, Hegn 25, Stenmarker 16. Veje og Byggegr. 35, Vandareal m. m. 5 Td. De flg. Opgivelser gælde inden Udskillelsen af Hov Sogn 1896 (se S. 772). Kreaturhold 1893: 219 Heste, 922 Stkr. Hornkvæg (deraf 689 Køer), 422 Faar, 369 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 196 Td.; 30 Selvejergaarde med 103, 12 Arvefæstegd. med 29, 3 Fæstegd. med 11, 213 Huse med 41 Td. Hrtk., og 3 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 929 — uden Hov 1899 omtr. 600 — (1801: 540, 1840: 842, 1860: 771, 1880: 859), boede i 211 Gaarde og Huse; Erhverv: 23 lovede af immat. Virksomhed, 517 af Jordbr., 8 af Gartneri, 18 af Fiskeri, 183 af Industri, 33 af Handel, 83 af Skibsfart, 20 af forsk. Daglejervirks., 40 af deres Midler, og 4 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Stoense* (1395: Stugnes), ved Landevejen, med Kirke og Skole; *Skattebølle*. *Steensgaards Mølle* (se S. 769).

Stoense S., een Sognekommune med Hov Sogn og Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som disse samt under 3. Udskrivningskr.' 102a. Lægd. Kirken tilhører Grevskabet Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor, Taarn mod Ø., Vaabenhus mod S. og Korsfløj mod N. Kirken, der er fra Midten eller Slutn. af 12. Aarh., er opf. i Rundbuestil af raa og kløvet Kamp som en enskibet Bygning med lige afsluttet Kor mod Ø. Et Par af de oprindel. rundbuede Vinduer ere bevarede. Paa flere Steder er der i Kirkens Mure indsat Basrelieffer i Kamp med Fremstillinger bl. a. af en Bisp i fuldt

Ornat og af den forlorne Søns Hjemkomst (?). Omtr. ved Aar 1600 er Skibet forlænget betydeligt mod V. og Kirken overhvælvet. Samtidig har man oven paa Koret opført et Taarn, paa hvilket findes Aarst. 1600, N H HH og F G A R 1848. Vaabenhuset er fra 2. Halvdel af 16., Korsfløjen fra Slutn. af 18. Aarh. Kirken er overhvidtet og forsynet med store, nye Vinduer (Restauration 1876). Altertavlen, der skal være kommen fra Tranekjær Kirke, er et ret smukt Renæssancesnitværk, med Nadveren i Midtfeltet; den bærer Chrf. Urnes og Sophie Lindenovs Navne og Vaabener, samt Chr. IV's Navnetræk og Aarst. 1644. Paa Alterkalken staar Anders Rasmussen — Karen Lauers Datter. 1684. Romansk Granitdøbefont med Dyrefigurer og fremspringende Menneskehoveder. Prædikestolen, der vist er samtidig med Altertavlen, er et særdeles smukt Renæssancesnitværk, med ypperligt udskaarne Fremstillinger af Scener af Jesu Liv. Flere af Familien Harbou fra Egelykke ere begravede i Kirken.

Stoense synes oprindelig at have været et eget Pastorat.

I *Stoense* (Stugnes) boede 1477 to Adelmænd Axel Axelsen og Thomes Tube.

**Hov Sogn**, det nordligste paa Øen, begrænses mod S. af Snøde og Stoense Sogne og omgives i øvrigt af Havet. Det bestaar af det saakaldte *Hovdistrikt* („Hovland"), der indtil 1896 var delt i flere Landstrimler, som vare fordelte mellem Snøde og Stoense Sogne med henholdsvis 953 og 1342 Td. Ld. Kirken, mod S., ligger omtr. $3^1/_2$ Mil N. Ø. for Rudkjøbing. De lavtliggende, noget bakkede Jorder ere sand- og lermuldede. Over $^1/_4$ af Arealet er dækket med Skov (Brimlevænge, Østre og Vestre Stigtehave, Prissk., Kronens Have, Præstesk. m. m.). Det nordligste Punkt af Øen er den lille, bratte Skrænt *Lille-Hov* (Øren); lidt S. V. for denne ligger den 45 F. høje *Frankeklint*. Ud for Vestkysten ligger den lille, sandede og stenede Holm *Smørstakken*. Gennem den sydvestl. Del af Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Lohals.

Fladeindholdet 1896: 2295 Td. Ld., hvoraf 801 besaaede (deraf med Hvede 36, Rug 154, Byg 205, Havre 125, Blandsæd til Modenh. 110, Grøntf. 71, Kartofler 42, andre Rodfr. 51, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 243, Høslæt, Brak, Eng m. m. 344, Have 33, Skov 676, Moser 10, Kær og Fælleder 30, Hegn 44, Heder 24, Stenmarker, Forstrande osv. 25, Veje og Byggegr. 52, Vandareal 13 Td. Omtr. 800 Indb. Se i øvrigt S. 769 og 771.

I Sognet Byerne: *Hov* med Kirke, Præstegd. (opf. 1897), Skole og Forskole; *Skiften* med Andelsmejeri og Mølle. *Østrehuse*. Ladepladsen *Lohals*, ved Store Bælt, med rummelig Havn — anlagt 1861-62 af et Aktieselskab, senere udvidet, Dybden indtil 12 F.; paa Sydmolens Hoved et fast Vinkelfyr fra et 19 F. højt Fyrtaarn —, Kro, Badehotel, Købmandsforretninger, Savskæreri, Ølbryggeri, Havnefogedbolig, Strandkontrollørbolig, Anløbssted for Dampskibe, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition. I Lohals ere hjemmehørende 30 større og mindre Fartøjer (omtr. 400 Tons). *Bastemose*, Gde. og Huse. *Ullebjærg*, Gde. og Huse, *Vestrehuse*, *Højnebjærg*, *Piben* og *Estre*, Huse. Paa *Frankeklint* er der et hvidt, fast Fyr, der vises fra Gavlen af en hvid Bygning (Flammens Højde o. Havet 50 F., Lysvidden omtr. $2^1/_2$ Mil). Ved Nordøstkysten ligger *Hov Fyr*, opf. 1882 (Vinkelfyr, baade hvidt, fast Fyr og Blinkfyr; Flammens Højde 38 F., Lysvidde c. 3 Mil). *Nygaard*, under Grevsk. Langeland (se S. 773), har $16^1/_2$ Td. Hrtk., 185 Td. Ld., hvoraf 12 Eng, Resten Ager. Gaarden *Charlottenlund*, under Steensgaard (se S. 769), 6 Td. Hrtk., 76 Td. Ld.

Hov S., een Sognekommune med Snøde og Stoense Sogne, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som disse samt under 3. Udskrivningskr.' 102b. Lægd. Kirken tilhører Sognets Beboere.

*Kirken*, der bestaar af Skib, Kor og Vaabenhus, blev opf. 1872—73 (indviet $^{19}/_{10}$

1873) som en Filialkirke til Snøde-Stoense Pastorat efter Tegn. af Arkitekt A. H. Klein. Kirken er bygget uden Taarn, men med en lille Tagrytter over Skibet; Klokken er ophængt paa Vaabenhusets Loft. Kirken har fladt Bjælkeloft. Altertavlen (Christus vandrer paa Søen) er malet af Jul. Paulsen 1894. Gammel Granitdøbefont, hidført fra Skrøbelev.

*Nygaard* tilhørte i 17. Aarh. Familien Hardebo eller Harbou til Egelykke (se Personalh. Tidsskr. 1888 S. 41). Niels Hardebo overdrog den 1653 til sin Søn Chr. H. († 1687), hvis Søn Niels H. 1695 solgte den til Fr. Ahlefeldt, der lagde den ind under Grevsk. Langeland.

*Hovdistriktet* (i Vald. Jrdb. kaldet *Ho*) var i ældre Tid en Skov, som for en stor Del var Kronens Ejendom. Ved Nordøstspidsen af Øen har *Ho-* eller *Hovborg* ligget: det nu næsten helt udjævnede Voldsted var tidligere en høj, firsidet Banke, omgiven af dobbelte Grave undtagen mod Ø., hvor Havet gik ind. Paa Banken er der fundet Mursten.

I Kronens Have paa Vestsiden af en Banke vises Tomten af de danskes Lejr i Svenskekrigen.

I Øster Stigtehave er der undersøgt en Boplads fra den ældre Jærnalder.

Hov Sogn udskiltes 1896 (Reskr. af $^{12}/_{2}$ 1882) fra Snøde-Stoense Pastorat som et eget Sognekald.

---

## Langelands Sønder Herred.

**Sogne:**

*Longelse, S. 773. — Fuglsbølle, S. 775. — Lindelse, S. 775. — Humble, S. 777. — Tryggelev, S. 779. — Fodslette, S. 781. — Magleby, S. 782.*

---

Sønder Herred omgives af Nørre Hrd. Langelands Bælt, Østersøen og Store Bælt. Fra N. til S. er Udstrækningen $3^{1}/_{2}$ Mil, den største Bredde er $1^{1}/_{4}$ Mil. Om Overfladen og Jorderne se under Øens Beskrivelse. Med Hensyn til Frugtbarheden hører det til Amtets bedste Herreder (ved Matr. omtr. 10 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk.). Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet 25,805 Td. Ld. ($2{,}_{58}$ □ Mil, $143{,}_{1}$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var $^{1}/_{1}$ 1895 2402 Td. Folketallet var $^{1}/_{2}$ 1890 8179 (1801: 5488, 1840: 7666, 1860: 8730, 1880: 9136). I gejstlig Henseende danner det eet Provsti med Nørre Hrd., i verdsl. Hens. hører det under Langelands Herreders Jurisdiktion og Amtets 4. Forligskreds.

---

**Longelse Sogn** omgives af Annekset Fuglsbølle, Nørre Hrd. (Skrøbelev, Simmerbølle og Tullebølle S.) og Langelands Bælt. Kirken, noget nordl., ligger

$^3/_4$ Mil Ø. S. Ø. for Rudkjøbing. De ikke videre højtliggende, noget bakkede Jorder ere for det meste stærkt lerede, mod Ø. noget lettere. En Del Skov (Nebbesk., Bønnelykke Sk.). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Spodsbjærg.

Fladeindholdet 1896: 2850 Td. Ld., hvoraf 1306 besaaede (deraf med Hvede 181, Rug 125, Byg 485, Havre 276, Bælgsæd 14, Blands. til Modenh. 55, Grøntf. 46, Kartofler 35, andre Rodfr. 89), Afgræsn. 340, Høslæt, Brak, Eng m. m. 625, Have 29, Skov 310, Moser 5, Kær 44, Hegn 50, Stenmarker 59, Veje og Byggegr. 72, Vandareal m. m. 10 Td. Kreaturhold 1893: 226 Heste, 884 Stk. Hornkvæg (deraf 615 Køer), 262 Faar og 298 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 243 Td.; 26 Selvejergaarde med 155, 8 Arvefæstegd. med 32, 2 Fæstegd. med 9, 145 Huse med 38 Td. Hrtk. og 11 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 995 (1801: 646, 1840: 966, 1860: 1144, 1880: 1142), boede i 204 Gaarde og Huse; Erhverv: 52 levede af immat. Virksomhed, 591 af Jordbr., 7 af Gartneri, 30 af Fiskeri, 174 af Industri, 16 af Handel, 13 af Skibsfart, 53 af forsk. Daglejervirks., 18 af deres Midler, og 41 vare under Fattigv.

I Sognet *Longelse Kirke* (i Vald. Jrdb. Liungæhals), ved Landevejen, med Skole og Forskole, og Byerne: *Nørre-Longelse* med Præstegd., Mølle og Telefonstation; *Sønder-Longelse* med Skole, Fattiggaard (opf. 1859, 25 Pladser), Kro, Mølle og Andelsmejeri; *Longelse-Sønderskov*; *Pederstrup*; *Spodsbjærg*, Færgested med Overfart til Taars, Laaland (ved Færgebroen, der ligger i Tullebølle S., er der indtil 11 F. Vand), Dampskibsforbindelse med Nakskov, Strandkontrollørbolig, Telefonstation (Telegrafkabel mellem Spodsbjærg og Taars, nedlagt 1899). *Assemose*, Gde., *Longelsesand*, *Nebbe* og *Barager*, Huse. Hovedgaarden *Møllegaard* har 28 Td. Hrtk., 328 Td. Ld., hvoraf 80 Eng, 28 Skov, Resten Ager. *Havgaard* har omtr. 31 Td. Hrtk., 330 Td. Ld., hvoraf 20 Eng, 60 Skov, Resten Ager; 5 Huse. Gaardene *Bønnelykke* og *Bondegaard*.

Longelse S., een Sognekommune med Annekset, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 94. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sakristi mod N. og Vaabenhus mod S. Kirken er opf. i Midten eller Slutn. af 12. Aarh. og bestod oprindl. af Skib og Kor, opført i Rundbuestil af raa og kløvet Kamp med hugne Sten til Vinduesindfatninger, Hjørner og Sokkel. I Østsiden af Døren ind til Skibet findes et Relief, forestillende en Mand, der holder et Kors foran sig. I sildig gotisk Tid blev Koret nedbrudt, Skibets Mure forhøjede og forlængede mod Ø., hvor et nyt Kor tilføjedes, og Kirken overhvælvet. Omtr. samtidig tilføjedes Taarnet, det overhvælvede Sakristi mod N. og Vaabenhuset mod S. 1830 blev Taarnet delvis ommuret, ved hvilken Lejlighed Underrummet, der er forbundet med Skibet, fik fladt Loft. Kirken er restaureret 1865. Udskaaren Altertavle, fra 1. Halvdel af 17. Aarh., i Renæssancestil. Oblatæske, skænket 1689 af Hr. Michel Jørgensen Fimmer og Hustru. Romansk Granitdøbefont med Rebsnoning paa Kummen. Udskaaren Prædikestol, fra 1625, i Renæssancestil.

*Møllegaard* tilhørte i 2. Halvdel af 16. Aarh. Oluf Gaas, derefter i Fællig Søren Gaas og Niels Hendriksen Sandberg, derefter Mogens Bille, † $^{27}/_9$ 1597 paa M., hans Søn Steen B., Bernt Pedersen v. Deden 1614, hans Søn Rudbek v. D. 1688, dennes Søn Bernt Fr. v. D., † 1704, Kapt. Vincens Steensen Kaas, † 1709, g. m. Mette Margr. Sehested († 1715), Enke efter B. Fr. v. Deden; dernæst ejedes den af Kapt. Chrt. Radeleff, Ritmester Henr. Chrf. Pultz, Niels Krag, † 1794, hvis Enke solgte den til Fr. Greve Ahlefeldt-Laurvigen. Derefter ejedes den 1830—34 af A. v. Hedemann, som solgte den til M. Petersen; fra 1871 besiddes den af den nuv. Ejer, C. M. Petersen. — Hovedbygningen er opf. 1880 af Grundmur (Arkitekt: Hagemann) og bestaar af to Fløje i to Stokv. og Kælder og et Midtparti i eet Stokv. og Kælder.

Longelse Sogn har tidligere hørt under Nørre Herred.

Den sidst afdøde Ejer af *Havgaard*, Frk. E. C. Boesgaard († 1899), har ifl. Testam. oprettet et Legat paa omtr. 500,000 Kr. for Langeland, særlig for gamle trængende og syge og til unge Menneskers Uddannelse. Gaarden købtes 1899 af Proprietær Malling.

**Fuglsbølle Sogn**, det mindste i Herredet og Anneks til Longelse Sogn, omgives af dette, Langelands Bælt, Lindelse Sogn, Lindelse Nor og Nørre Hrd. (Skrøbelev S.). Kirken, mod N., ligger omtr. $^3/_4$ Mil S. Ø. for Rudkjøbing. De noget bakkede Jorder (Grebjærg er 131 F., 41 M.) ere ler- og sandmuldede. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Humble.

Fladeindholdet 1896: 1411 Td. Ld., hvoraf 760 besaaede (deraf med Hvede 102, Rug 68, Byg 242, Havre 149, Blandsæd til Modenh. 91, Grøntf. 50, Kartofler 17, andre Rodfr. 40), Afgræsn. 227, Høslæt, Brak, Eng m. m. 289, Have 19, Skov 34, Moser 6, Kær 3, Hegn 27, Veje og Byggegr. 38. Vandareal 8 Td. Kreaturhold 1893: 106 Heste, 481 Stkr. Hornkv. (deraf 376 Køer), 145 Faar og 169 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 141 Td.; 19 Selvejergaarde med 107, 1 Arvefæstegd. med 16, 78 Huse med 17 Td. Hrtk. og 6 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 481 (1801: 318, 1840: 542, 1860: 600, 1880: 528), boede i 111 Gaarde og Huse; Erhverv: 4 levede af immat. Virksomh., 322 af Jordbrug, 3 af Gartneri, 7 af Fiskeri, 100 af Industri, 3 af Handel, 7 af Skibsfart, 10 af forsk. Daglejervirksomh., 15 af deres Midler, og 10 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fuglsbølle* med Kirke, Skole og Hospital (opr. 1728 af Birgitte Sophie Olufsdatter, Enke efter Herredsfoged Niels Hansen til Skovsbo, med et Hus til 4 fattige); *Vesterby*; *Østerby*. Hovedgaarden *Skovsbo* har 28 Td. Hrtk., 260 Td. Ld., hvoraf 20 Skov, Resten Ager; 3 Huse. En Gaard i Østerby (Snaremosegd.) har 20 Td. Hrtk., 191 Td. Ld., hvoraf 6 Skov, Resten Ager.

Fuglsbølle S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 93. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Vaabenhus mod S. og Sakristi mod N. Kirken er opført i Midten eller Slutn. af 12. Aarh. i Rundbuestil af raa og kløvet Kamp med tilhugne Hjørnekvadre og bestod oprindl. af Skib og Kor. I sildig gotisk Tid bleve Skibets Mure forlængede mod Ø. og et nyt Kor opført; Koret overhvælvedes. Omtr. samtidig tilføjedes Vaabenhuset mod S. Et Taarn, mod V., blev senere nedbrudt og erstattet med en lille Tagrytter paa Vestgavlen, med spaantækket Spir, vistnok i 1. Halvdel af 18. Aarh. Omtr. samtidig blev det nu nedlagte Gravkapel opf. mod N. Kirken, der har fladt, pudset Loft, blev restaureret 1879. Altertavlen er et middelmaadigt Renæssancearbejde, for de ældste Deles Vedk. fra Beg. af 17. Aarh. Kalken er givet af Rudbek v. Deden og Hustru Hilleborg Grubbe. Malmstøbte Alterstager fra 1648 med Dedernes og Porsernes Vaabener og B P. K P. Romansk Granitdøbefont med meget raat udførte Ornamenter. Prædikestolen er et smagfuldt Renæssancearbejde med Urnernes og Lindenovernes Vaabener og Navnene H. Chrf. Urne, Sophie Lindenov, Chr. IV's Navnetræk og Aarst. 1644; den er prydet med allegoriske Figurer og Relieffer med Fremstillinger af Adams og Evas Historie.

*Skovsbo* nævnes 1464 og tilhørte da en vis Bonde Nielsen. Senere ejedes Gaarden af Peder Lauridsen Straale, † 1551, hans Søn Otto S., dennes Enke Birgitte Grubbe 1573, der siden ægtede Kjeld Baad, † 1608; 1640 var Bernt Petersen von Deden Ejer, hans Søn Rudbek v. D. og Sønnesøn Bernt Fr. v. D. Derefter ejedes den af Kaptajn Radeleff og Herredsfoged Niels Hansen (se ovfr. under Hospitalet); Ritmester Hansen solgte den i 1820'erne til Købmand J. K. Pilegaard. Proprietær J. K. Pilegaard skødede den 1871 til Sønnen Premierlieuten. J. A. Pilegaard († 1898), hvis Enke Constance, f. Graae, nu ejer den. — Hovedbygningen, opf. i 1830'erne, noget ombygget 1877 med en Udbygning (som Forhal) til Gaarden, er af Grundmur i eet Stokv. med Kvist.

**Lindelse Sogn** omgives mod N. af Fuglsbølle, mod S. af Humble Sogn, mod Ø. af Langelands Bælt og mod V. af Lindelse Nor. Kirken, mod S. V.,

ligger 1 Mil S. S. Ø. for Rudkjøbing. De mod V. og i den midterste Del noget bakkede, men ellers temmelig jævne Jorder ere ler- og sandmuldede. En Del Skov (Illebølle Sk., Hennetved Haver). Til Sognet høre de ubeboede Øer *Lindø*, 8 Td. Ld., *Eskildsø*, $2^1/_2$ Td. Ld., og *Kværnen*, $2^1/_2$ Td. Ld., og nogle mindre Holme i Lindelse Nor. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Humble.

Fladeindholdet 1896: 4728 Td. Ld., hvoraf 2373 besaaede (deraf med Hvede 342, Rug 183, Byg 807, Havre 514, Bælgsæd 17, Frøavl 6, Blandsæd til Modenh. 292, Grøntf. 88, Kartofler 44, andre Rodfr. 79), Afgræsn. 766, Høslæt, Brak, Eng m. m. 991, Have 55, Skov 228, Moser 87, Kær 5, Hegn 79, Stenmarker m. m. 25, Veje og Byggegr. 106, Vandareal m. m. 13 Td. Kreaturhold 1893: 353 Heste, 1425 Stkr. Hornkv. (deraf 1076 Køer), 653 Faar, 543 Svin og 7 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 471 Td.; 43 Selvejergaarde med 233, 30 Arvefæstegd. med 125, 18 Fæstegd. med 76, 206 Huse med 36 Td. Hrtk. og 26 jordløse Huse, $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1530 (1801: 1028, 1840: 1615, 1860: 1785, 1880: 1737), boede i 324 Gaarde og Huse; Erhverv: 65 levede af immat. Virksomh., 881 af Jordbr., 3 af Fiskeri, 339 af Industri, 27 af Handel, 141 af forsk. Daglejervirks., 46 af deres Midler, og 28 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Lindelse* (i Vald. Jrdb. Linløsæ, senere Lyndesse og Lynnæss), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Skole, privat Pigeskole, Kro, Mølle med Bageri, og Andelsmejeri (Allebølle); *Hennetved* med *Paae* (i Vald. Jrdb. Hitningthwet) med Skole og Telefonstation; *Vindeby*; *Illebølle* med Skole, *Herslev*. *Statene* og *Polleskov Huse*. Gaarden *Mariendal*: 30 Td. Hrtk., 320 Td. Ld., hvoraf 8 Eng og Mose, 52 Skov, Resten Ager (5 Fæstehuse). Gaarden *Polleholm* ($10^5/_8$ Td. Hrtk., 105 Td. Ld.) med et Teglværk (i Illebølle). *Klæsøgaarde*. *Barnemosegaard*.

Lindelse Sogn, en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 92. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med halvrund Afslutning, Taarn mod V., Sakristi mod N. og Vaabenhus mod S. Der synes oprindelig i Lindelse at have staaet en romansk, af Kamp opført Kirke, men den er i Beg. af 13. Aarh. bleven nedreven og afløst af den nuv., til hvilken en Del af den tidligere Bygnings Sokkelstene er anvendt. Den nuv., af røde Munkesten i Rundbuestil opførte Kirke bestod oprindl. af Skib og Kor med halvrund Apsis; Skib og Kor havde fladt Bjælkeloft, Apsis en halvkuppelformet Hvælving. Et enkelt af de oprindelige, rundbuede Vinduer kan skimtes. Norddøren (nu tilmuret) har en Art Portalfremspring. I Tidens Løb undergik Kirken en Del Forandringer. Først blev Skibet betydelig forlænget mod V. Noget senere, vistnok i 1. Halvdel af 15. Aarh., tilføjedes det anselige Taarn, der vistnok oprindl. havde et firsidet Spir, men senere fik Sadeltag og takkede Gavle. Dets Underrum blev senere overhvælvet. Noget yngre end Taarnet er det lille Sakristi paa Korets Nordside og Vaabenhuset paa Skibets Sydside. Samtidig blev Skibet overhvælvet (1845 ombyttedes Hvælvingerne med en Tøndehvælving af Træ); 1830 foretoges forskellige Restaurationsarbejder, og endelig er Kirken 1871 undergaaet en gennemgribende Restauration under Ledelse af Bygningsinspektør Winstrup. Altertavlen, fra Slutn. af 15. eller Beg. af 16. Aarh., er et sent-gotisk Snitværk; i Midtfeltet staar en Afstøbning af Thorvaldsens Christus (Krucifikset, der tidligere var anbragt der, hænger nu i Skibet), paa Sidefeltet er der Fremstillinger af den hellige Hist., paa Fløjenes Forside findes udskaarne Apostelfigurer, paa Bagsiden godt malede, men nu ligesom hele Tavlen smagløst overmalede Fremstillinger af Maria Magdalene og St. Margrethe. Kalk fra 1660, skænket af Niels Rasmus Kaptein i Lindelse og Hustru. Romansk Granitdøbefont med Rebsnoning og rundbuede Blindinger. Prædikestolen er et rigt, men raat Renæssancearbejde fra 1628. Over Korbuen et stort, raat udført Krucifiks; over hvert Kragbaand staar en Figur, vistnok Maria og Johannes, der rimeligvis oprindl. have været anbragte paa en Bjælke tværs over Buen.

I *Lindelse* har ligget en adelig Sædegaard, der 1461 beboedes af en velbyrdig Mand Jens Madsen, Herredsfoged i Sønder Herred, og 1476-79 af hans Søn Esbern Jensen. De førte et Hjortehoved i Vaabenet. 1519 skrev en Adelsmand Christen Madsen sig til Gaarden.

I *Hernetved* boede ligeledes Adel, thi 1547 nævnes Jørgen Hvas i H.

I Sognet har tidligere ligget Hovedgaarden *Barnemosegaard*, som Jep Nielsen (Algudsen) og Robert Persen (Grott) 1455 solgte til Hr. Erik Eriksen (Løvenbalk).

Paa *Køvringshoved* ved Lindelse Nor er der truffet tydelige Spor af en Bebyggelse fra ældre Tid; store, røde Munkesten ere oppløjede her, og i Stranden udenfor er der truffet Pæleværk.

*Lindø* har i Stenalderen været et meget søgt Opholdssted; baade langs Strandbredden og inde paa Markerne er der opsamlet talrige Oldsager af Flint.

**Humble Sogn** omgives af Lindelse, Fodslette og Tryggelev Sogne samt Store Bælt og Lindelse Nor. Kirken, mod S., ligger $1^1/_2$ Mil S. for Rudkjøbing. De især mod V. bakkede Jorder (Egebjærg, 138 F., 43 M.) ere dels sandede og sandmuldede, dels lermuldede. En Del Skov ved Skovsgaard og Vestergaard. Øen *Langø* (omtr. 10 Td. Ld.) i Lindelse Nor hører til Sognet; den tidligere Ø *Baagø* er nu landfast ved Inddæmningen af *Havbølle Nor*, der skar ind fra Lindelse Nor mod S. Paa Vestkysten ligge *Kølle Nor* og *Ristinge Nor*, hvilket sidste nu er udtørret. Paa Grænsen af Humble og Tryggelev Sogn ligger *Tryggelev Nor*, hvis nordl., nu udtørrede Del kaldes *Nørballe Nor*. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Rudkjøbing til Humble, der fortsættes mod V. til Ristinge og mod S. til Bagnkop.

Fladeindholdet 1896: 6725 Td. Ld. — deraf ere 271 indvundne ved Sønduterring —, hvoraf 3129 besaaede (deraf med Hvede 344, Rug 280, Byg 1126, Havre 617, Bælgsæd 22, Spergel 6, Blandsæd til Modenh. 410, Grøntf. 110, Kartofler 77, andre Rodfr. 133), Afgræsn. 1149, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1328, Have 76, Skov 235, Moser 156, Kær 336, Hegn 115, Flyvesand 12, Stenmarker osv. 31, Veje og Byggegr. 117, Vandareal m. m. 41 Td. Kreaturhold 1893: 552 Heste, 2287 Stkr. Hornkv. (deraf 1675 Køer), 1267 Faar, 960 Svin og 6 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 614 Td.; 34 Selvejergaarde med 207, 57 Arvefæstegd. med 226, 32 Fæstegd. med 125, 248 Huse med 56 Td. Hrtk. og 34 jordløse Huse, omtr. $^1/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2110 (1801: 1610, 1840: 1916, 1860: 2209, 1880: 2322), boede i 399 Gaarde og Huse; Erhverv: 76 levede af immat. Virksomh., 1320 af Jordbrug, 1 af Gartneri, 31 af Fiskeri, 374 af Industri, 58 af Handel, 16 af Skibsfart, 112 af forsk. Daglejervirks., 52 af deres Midler, og 70 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Humble* (i Vald. Jordb. Humlæthwet), ved Landevejen, med Kirke, Præstegd., Kapellanbolig, Skole, Privatskole, Forsamlingshus (opf. 1884), Lægebolig, Købmandsforretn., Andelsmejeri, Savværk, Telegraf- og Telefonstation samt Postekspedition; *Brandsby* med *Hverkenby* (i Vald. Jrdb. Bramsby) med Købmandsforretn.; *Hesselbjærg* med Mølle; *Ristinge* med Kapel, Privatskole, Købmandsforretn., Kornmagasin, Andelsmejeri og, i Nærheden, Færgebroen *Ramshøj* med Overfart til Ærø (3 F. Vand ved Broens Yderende); *Helsned*; *Kædeby* (i Vald. Jrdb. Keteby) med to Skoler (Øster- og Vester-Kædeby), Købmandsforretn. og Andelsmejeri; *Øster-* og *Vester-Havbølle* (i Vald. Jrdb. Hakæbølæ) med Mølle. Saml. af Huse: *Humble-Aalemose*, *Kædeby-Haver* med Kapel og Forskole, *Kædeby-Has* m. m. Hovedgaarden *Skovsgaard* har 50 Td. A. og Engs Hrtk. og $1^2/_3$ Td. Skovsk., 514 Td. Ld., hvoraf 34 Eng, 130 Skov, 20 Tørvemose, Resten Ager; til Gaarden høre 38 Td. Hrtk. Fæstegods (Jorderne ligge i Humble og Lindelse Sogne). Hovedgaarden *Vestergaard*, under Stamhuset Ahlefeldt (se S. 780), har $20^3/_4$ Td. Hrtk., 193 Td. Ld., hvoraf 30 Eng, Resten

Ager. Gaarden *Frederiksberg* har $34^1/_2$ Td. Hrtk., 323 Td. Ld., hvoraf 18 Eng, 22 Skov, 7 Mose, Resten Ager; desuden høre til Gaarden 3 Fæstehuse med 22 Td. Ld. og 6 Huse. *Baagøgaard* har $17^1/_8$ Td. Hrtk., $292^1/_4$ Td. Ld. (36 i Lindelse S.), hvoraf $160^1/_4$ Eng, 12 Mose, Resten Ager; 1 Lejehus og 1 Mølle til Udpumpning af Havbølle Nor. En Gaard i Kædeby har 13 Td. Hrtk., 120 Td. Ld., hvoraf 5 Eng, Resten Ager.

Humble S., en egen Sognekommune, der er delt i Humble og Havbølle Sognefogeddistrikter, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' Lægd 91 a. og 91 b. (henholdsvis Humble og Havbølle). Kirken tilhører Grevsk. Langeland, Ristinge og Kædeby Kapeller „Humble Sogns Kapelfond".

*Kirken*, oprindl. Herredskirke for Sønder Hrd., bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod S., Korsfløj og Sakristi mod N. samt Vaabenhus mod S. Kirken var vistnok oprindl. opført af hugne Kvadre, men blev i Beg. af 13. Aarh. nedbrudt og nyopført af røde Munkesten. Adskillige af den ældre Kirkes smagfuldt profilerede Sokkelsten findes vilkaarligt indmurede i den nuv. Kirkes Mure. Begge Døre (den nordre tilmuret) og et Par Vinduer ere bevarede. I Korets Sydmur findes en nu tilmuret rundbuet Dør. Korets ydre Vægflader inddeles ved nu til Dels ødelagte Lisener. Omtr. 1250 har man opført den overhvælvede Korsfløj med Spidsgavl med Takker og Blindinger og med en nu tilmuret rundbuet Dør mod N. Omtr. 1425 er Koret blevet forlænget betydeligt, det overhvælvede Taarn tilføjet mod S. lige over for Korsfløjen, og Sakristiet opført. Vistnok noget senere, men dog inden den katolske Tids Slutn. er Skibet blevet overhvælvet og Vaabenhuset tilføjet. Korets Spejlhvælving skriver sig vist fra 1829, hvilket Aarstal staar paa Skibets Vestgavl. Under Ledelse af Bygningsinspektør J. V. Petersen blev Kirken restaureret 1898. Alterbilledet (Thorvaldsens Christusfigur) er malet 1863 af F. Storch. Kalken, fra 1748, har Ahlefeldternes Vaaben. Disken, fra 1681, er „forbedret med 4 Lod Sølv" 1703. Oblatæsker fra 1748 med Ahlefeldternes og fra 1709 med Kaasernes Vaaben samt H. C. W. O. B. — E. K. K. Romansk Granitdøbefont med smagfulde Ornamenter. Ny Prædikestol. Den ene Klokke er fra 1430. Under Koret er et hvælvet Gravkammer for Skovsgaards og Vestergaards Ejere. — Paa Kirkegaarden er der et 1898 opført Ligkapel. — Paa Sydsiden af Præstegaardens Stuehuslænge sidder et af Kamp udhugget Hoved, der oprindl. maa have været anbragt i Kirkens Mur.

*Ristinge Kapel* er opf. 1880—81 (indviet $^{26}/_5$ 1881) efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel som en Korskirke i Rundbuestil med halvrund Korafslutning, et Taarn mod V. med slankt Spir og en Tagrytter over Korset. *Kædeby Kapel* er opf. 1885 i samme Stil, ligeledes efter Tegn. af Schwanenflügel. Paa Alteret i begge Kapeller er anbragt et Trækors. Begge Kapeller ere bekostede af „Humble Sogns Kapelfond".

*Skovsgaard* ejedes 1457 af Per Modeskal, hvis Datter ægtede Landsdommer Mattis Jensen Hvedeax; deres Søn Jens Mattissen ejede den 1483; hans Datter Anne bragte den til sin Ægtefælle Mattis Lud, der solgte den til sin Svoger Claus Daa, som ejede den 1543. Hans Datter Karen Daa ægtede Stig Pors, der fik S. med hende, og den kom saa til Sønnen Rudbek P., † 1609, hans Søn Stig P., dennes Søster Sofie P., g. m. Claus Gagge, hvis Søn Rudbek G. døde 1708 uden Børn, hvorefter hans Enke Sophie Christine Kaas ægtede Jørgen Kaas, † 1756. Efter ham var Ritmester Henr. Chrf. Pultz († 1754) til Møllegaard Ejer; han havde vist faaet Gaarden ved sit Giftermaal med Birgitte Sophie Kaas. Efter deres Død blev S. købt 1760 af tre Brødre Mikkelsen for 17,000 Rd. C.; af disse ejede Lauritz M. den 1796 og overdrog den til sin Søn Hans Lauritzen, † 1829, hvis Enke Dorthea Christine døde 1863, hvorefter Gaarden gik over til Svigersønnen Jacob Møller, † 1883, hvis Enke Laurine, f. Lauritzen, nu ejer den. — Hovedbygningen, der ligger paa en af de gamle Grave omgiven Holm, er opf. 1889 paa den gamle Bygnings Sted efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen af røde Mursten i tidlig Renæssancestil. Den er i to Stokv. med Kælder, har ottekantet Taarn med Spir midt paa Hovedfaçaden og to fremspringende Sidepartier med spidse Gavle. Over Indgangsportalen i Taarnet staar et Vers (af Ingvor Bondesen) og Aarst. 1889; en Kamin fra den gamle Bygning er bevaret. — I Haven er der en Familiebegravelse.

*Vestergaard* tilhørte 1560 Landsdommer Gregers Juel; hans Datter Sophie ægtede

Erik Norby, hvis Datter Kirsten bragte Gaarden til sin Ægtefælle Rudbek Pors, † 1609, og derefter ejedes den af Sønnen Stig P. og 1656 af dennes Søster Jomfru Lisbeth P. Erik Bille til Møllegaard havde dog en Tid Andel i V., formodentlig ved Indførsel. Senere ejedes den af Henrik Kaas, Niels Kaas til Hjortholm († 1701) og Kommandør Hans Chrf. v. Offenberg, af hvis Bo Grev Fr. Ahlefeldt købte den 1731. Han lagde den ind under Stamhuset Ahlefeldt.

I Kædeby laa *Kædebygaard*, der 1404 ejedes af Ingvar Nielsen, 1460 af Niels Madsen og 1478 af Hans Hansen; de hørte alle til en Slægt, der førte et Ben i Vaabenet; 1559 trættedes Fru Thale, Poul Laxmands, og Fru Anne, Peder Straales, om Gaarden; 1583 og 1588 nævnes i Adelens Rusttjenestelister en Hans Pedersen i Kædebygaard.

I *Helsned* har ligget en Hovedgaard, der 1404 ejedes af Henneke Mortensen, 1472 af Viliom Nielsen og 1537 af Claus Daa.

I Hestehave ved Skovsgaard er et Voldsted: en rund Banke, der til Dels har været omgivet af Grave. — Ved Degnegaarden har man truffet Fundamenter af en

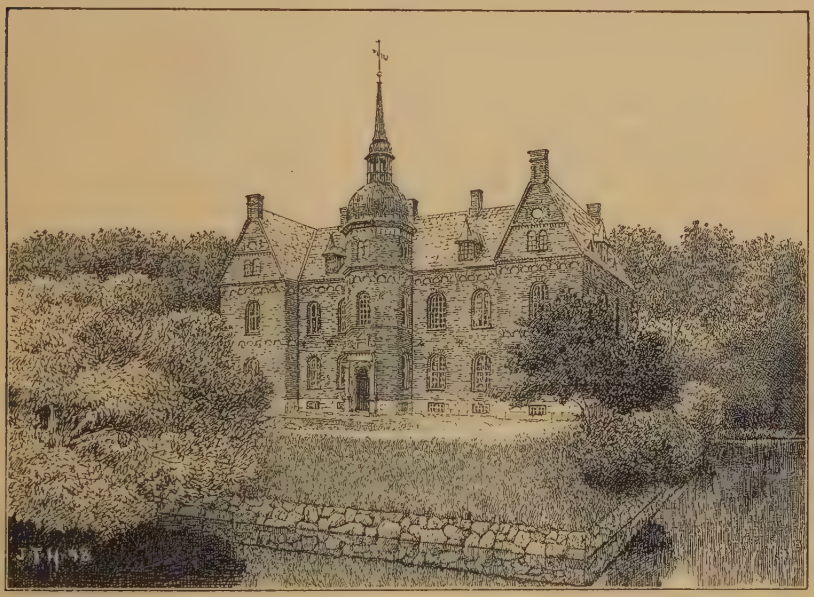

Skovsgaard.

af store, røde Mursten opf. Bygning; lignende Fundamenter ere fundne paa Kappelsbjærg Ø. for Humble.

Paa *Korsehoved* ved Lindelse Nor skal der have staaet et Kors, ved hvilket de søfarende holdt Bøn, naar de skulde rejse ud.

Ved Humble er der fredlyst en 84 F. lang Langdysse med 4 Gravkamre (tæt N. V. for Kirken ligger „Kong Humbles Gravhøj"), ved Hesselbjærg er fredlyst en stor Langdysse, ved Havbølle et lille Dyssekammer og den tilbagestaaende Del af en Jættestue.

**Tryggelev Sogn** omgives mod N. af Annekset Fodslette og Humble Sogn, mod S. af Magleby Sogn, mod Ø. af Langelands Bælt og mod V. af Østersøen. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger 2 Mil S. for Rudkjøbing. De bakkede Jorder (Skøvlebjærg, 146 F., 46 M.) ere lerede. Tolsbjærg Skov. Paa Vestsiden skærer det nu inddæmmede *Tryggelev Nor* ind i Sognet. Gennem Sognet gaar Landevejen til Bagnkop.

Fladeindholdet 1896: 1991 Td. Ld., hvoraf 956 besaaede (deraf med Hvede 139, Rug 64, Byg 391, Havre 160, Bælgsæd 3, Blandsæd til Modenh. 91, Grøntf. 42, Kartofler 19, andre Rodfr. 46), Afgræsn. 383, Høslæt, Brak, Eng m. m. 411, Have 23, Skov 92, Moser 31, Kær 6, Hegn 35, Veje og Byggegr. 47, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 144 Heste, 644 Stkr. Hornkv. (deraf 490 Køer), 254 Faar, 416 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 182 Td.; 16 Selvejergaarde med 140, 2 Arvfæstegd. med 10 og 125 Huse med 30 Td. Hrtk., over $^1/_4$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 781 (1801: 428, 1840: 655, 1860: 792, 1880: 899), boede i 152 Gaarde og Huse; Erhverv: 46 levede af immat. Virksomh., 448 af Jordbr., 4 af Gartneri, 5 af Fiskeri, 180 af Industri, 13 af Handel, 39 af forsk. Daglejervirks., 23 af deres Midler, og 23 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tryggelev* (gml. Form Thruggeleue) med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard for Tryggelev-Fodslette og Humble Komm. (paa Skellet mellem Sognene, opf. 1880, Plads for 40 Lemmer), Lægebolig, Kro, Købmandsforretn., Mølle, Bageri, Fællesmejeri og Telefonstation; *Nørballe*; *Kinderballe* med Mølle. *Østerskov*, Huse med Skole. Hovedgaarden *Lykkesholm*, under Stamhuset Ahlefeldt*), har $31^1/_4$ Td. Hrtk. ($1^3/_4$ i Fodslette S.), $295^3/_4$ Td. Ld., hvoraf 12 Eng, Resten Ager. *Tryggelevgaard* (før Knepholm), under Grevsk. Langeland (se S. 763), har $33^3/_4$ Td. Hrtk. ($4^1/_2$ i Magleby S.), 342 Td. Ld., hvoraf 23 Eng, Resten Ager.

Tryggelev S., een Sognekommune med Annekset, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 89. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Sakristi ved Korets Nordside og Vaabenhus mod S. Kirken er opf. ved Midten af 12. Aarh. i Rundbuestil og bestod oprindl. af Skib og Kor med lige Gavl mod Ø. Til Koret var anvendt hugne Kampestenskvadre, til Skibet raa og kløvet Kamp med hugne Hjørnesten. Oprindl. havde Kirken fladt Bjælkeloft. Et enkelt af de oprindelige Vinduer kan skimtes. Ved Reformationstiden opførte man ved Korets Nordside et overhvælvet Sakristi og ved Skibets Sydside et Vaabenhus, begge af store, røde Mursten og med takkede, blindingsmykkede Gavle. Omtr. samtidig opførtes Korets Spidsgavl. Ved Midten af 17. Aarh. blev det temmelig uanselige Taarn opført (fuldendt 1646 af Chr. Rantzau); 1830 bleve store Dele af det ommurede. 1872 blev Kirken overhvælvet med pudsede Træhvælvinger, hvis uheldige fladbuede Ribber støtte sig til plumpe Halvsøjler med misforstaaede Efterligninger af den romanske Periodes terningeformede Kapitæler. Alterbilledet (Christus og Kvinden ved Brønden) er malet 1858 af F. Lund. Romansk Granitdøbefont. Tarvelig Prædikestol fra 1872. I Korgulvet en romansk Ligsten fra omtr. 1200. I Koret Epitafium over Provst Axel Pedersen Weile, † 1709, hans to Hustruer og 14 Børn, og i Taarnet Epitafium over Præsten Erik Christensen Humble, † 1674, med Hustru og Datter (med Portrætter). Paa Alteret et lille Sølvkrucifiks, skænket 1895 af tysk Marinelieutn. Oelners Familie (Oelner var druknet ved Langeland og begravet paa Kirkegaarden, men hans Lig førtes 1894 til Tyskland).

I *Tryggelev* nævnes 1460 en Væbner Niels Mogensen og 1478 hans Søn Mogens Nielsen. De hørte til den langelandske Slægt med et Ben i Vaabenet. Endvidere forekommer Hans Kortsen i T. 1457, hvis Søn Mikkel Kortsen tilgiftede sig det nærliggende *Lykkesholm* med en Datter af den S. 778 nævnte Væbner Per Modeskal. Deres Søn Hans Kortsen ejede 1536 L. og derefter hans Sønner Hans og Mikkel K. 1546—73. Jens Hvas til Fodslette havde en Tid Gaarden, men den blev ham fradømt 1553 og atter 1558, idet Familien Kortsen beviste, at den havde genkøbt de 23 Dele af de 24, hvori Ejendommen var delt. Senere ejedes Gaarden af Rudbek Pors, hvis Datter Anne bragte den til Mogens Kaas, † 1655. Efter dem

*)Til *Stamhuset Ahlefeldt*, som indbefatter Hovedgaardene Lykkesholm, Vestergaard, Brolykke og Holmegaard samt Øen Strynø med Strynø Kalv, hører $2783/_4$ Td. Hrtk. af alle Slags, deraf fri Jord $1061/_2$, Skov 11, Bøndergods $1313/_4$, Kongetiende $291/_2$; i Bankaktier 9400, i Fideikommiskapital omtr. 750,000 Kr. samt i Arvefæstecafgift af solgt Gods 497 Td. Byg. Hovedgaardenes Tilliggende udgør omtr. 1100 Td. Ld., Skovarealet omtr. 232 Td. Ld.

kom Sønnen Otte Kaas, † 1716, og dennes Søn Oberstlieutn. Hans Ditlev K., † 1748, af hvis Arvinger den tillige med Holmegaard (se S. 784) 1754 solgtes for 41,000 Rd. til Grev Fr. Ahlefeldt til Grevsk. Langeland, som indlemmede den i Stamhuset Ahlefeldt (se S. 780). — Den ældre Hovedbygning var opf. af Bindingsværk 1730 af H. D. Kaas. Nu er der kun Forpagterbolig.

Paa lille Skovtofte Mark ved Lykkesholm ligger en Banke, uden Tvivl et gammelt Voldsted, der af Naturen har været dækket ved Mosedrag; paa Banken er der opplejet røde Munkesten.

I Rørlykkemose ved Tryggelev fandtes 1886 et Par velbevarede Broncelurer, af en, som det synes, ældre Form end de andre hidtil fundne Lurer.

**Litt.**: *J. F. Fenger*, Tryggelev-Bogen, i Kirkeh. Saml. II S. 452 flg.

**Fodslette Sogn**, Anneks til Tryggelev, omgives af dette, Humble og Lindelse Sogne samt Langelands Bælt. Kirken, mod V., ligger $1^3/_4$ Mil S. S. Ø. for Rudkjøbing. De bakkede Jorder ere overvejende stærkt lermuldede. En Del Skov (Æskebjærg Have, Fodslettelunde, Sønderskovs Have).

Fladeindholdet 1896: 1862 Td. Ld., hvoraf 887 besaaede (deraf med Hvede 122, Rug 38, Byg 356, Havre 146, Bælgsæd 5, Blandsæd til Modenh. 107, Grøntf. 43, Kartofler 13, andre Rodfr. 56), Afgræsn. 254, Høslæt, Brak, Eng m. m. 429, Have 18, Skov 175, Moser 18, Hegn 29, Stenmarker m. m. 6, Veje og Byggegr. 38, Vandareal m. m. 8 Td. Kreaturhold 1893: 114 Heste, 580 Stkr. Hornkv. (deraf 416 Køer), 210 Faar og 284 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 176 Td.; 13 Selvejergaarde med 131, 3 Arvefæstegd. med 13, 5 Fæstegd. med 19, 32 Huse med 11 Td. Hrtk. og 16 jordløse Huse, $^2/_3$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 409 (1801: 294, 1840: 434, 1860: 466, 1880: 420), boede i 73 Gaarde og Huse; Erhverv: 12 levede af immat. Virksomh., 291 af Jordbr., 59 af Industri, 6 af Handel, 28 af forsk. Daglejervirks., 12 af deres Midler, og 1 var under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Fodslette* (1577: Fobitslet) med Kirke, Skole og Købmandsforretn.; *Oure* (udtales Ure; i Vald. Jrdb. Nørræ og Syndræ Woræ). Hovedgaarden *Hjortholm* har $64^1/_8$ Td. A. og E. Hrtk. og $1^3/_8$ Td. Skovsk. samt indtaget til Skov $2^1/_2$ Td. (13 Td. i Humble S.), 625 Td. Ld., hvoraf 50 Eng, 166 Skov, Resten Ager; til Gaarden høre $16^3/_4$ Td. Hrtk. Fæstegods. Gaarden *Rødbjærghave* har $22^7/_8$ Td. Hrtk., 265 Td. Ld., hvoraf 46 Eng, 46 Skov, Resten Ager.

Fodslette S., een Sognekommune med Hovedsognet, hører under de samme Distrikter, Lands- og Folketingskr. som dette samt under 3. Udskrivningskr.' 90. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken* bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod Vest og Vaabenhus. Kirken er opført i 2. Halvdel af 12. Aarh. og var vistnok oprindl. meget lille; den bestod af Skib og Kor, af Kamp og Munkesten blandede mellem hinanden. Ved Midten af 13. Aarh. forlængedes Skibet betydeligt mod V. med store, røde Munkesten. Fra denne Tid findes en (tilmuret) spidsbuet Norddør, samt paa Sydsiden et lille Parti fortrinligt bevaret Murværk med Hovedgesims, et lille, ejendommelig profileret, spidsbuet Vindue og det øverste af Dørens Indfatning. Ved Middelalderens Slutn. opførtes Vaabenhuset og et nu nedbrudt Sakristi (paa Korets Nordside). Samtidig blev Koret overhvælvet; 1649 byggede Erik Kaas Taarnet, hvis Underrum er aabent ind til Skibet; 1830 blev Kirken udbedret. 1870 blev den overhvælvet; de fladbuede Gjordbuer slutte sig til plumpe Halvsøjler med misforstaaede Efterligninger af den terningeformede Kapitæl. Altertavlen, fra Slutn. af 15. eller Beg. af 16. Aarh., har bestaaet af et Midtparti og Fløje med udskaarne og malede Fremstillinger; nu optages Midtfeltet af en Gibsafstøbning af Thorvaldsens Christus. Kalken bærer Ahlefeldternes Vaaben og Bogstaverne F. G. V. L. R. Romansk Granitdøbefont med Menneskehoveder paa Foden. Paa Døbefadet Kaasernes og Gaasernes Vaabener og E K. K G. 1650. I Koret smukt Epitafium over Niels Gaas til Hjortholm, † 1623, hans Hustru Hilleborg Pors, † 1637, og Søn Chr. G. til Tøystrup, † 1637 (se Personalh. Tidsskr. 2. R. IV Bd. S. 145). Familierne Gaas og Kaas have tidligere haft Begravelse under Korgulvet; 1869 bleve Kisterne herfra nedgravede paa Kirkegaarden; de inde-

holdt Ligene af bl. a. Erik Kaas til Lindskov, † 1670; hans Hustru Kirsten Gaas. † 1677; deres Børn Hans, f. og † 1638, Berete Sofie, f. og † 1657; Hans K. til Lindskov, † 1673; hans Hustru Anne Markdanner, † 1681; Niels Kaas, † 1701; hans Hustru Ane Margrethe Banner, † 1714; deres Datter Anne Margrethe Cathrine, † 1701.

*Hjortholm.* I 15. Aarh. nævnes Jens Mattsen Hvitax, hvis Datter blev gift med Markvard Hvas af den gamle Slægt af dette Navn. Han havde to Sønner Jens Hvas, der nævnes til Fodslette i en Dom af 1555 og til Lykkesholm, og Jørgen Hvas, der 1547 boede i Hennetved. Af Jens Hvas' to Sønner Markvard og Melchior Hvas skal sidstnævte have opbygget Hjortholm. Senere ejedes H. af Niels Gaas, † 1623, og Hustru Hilleborg Pors, † 1637, derpaa af deres Søn Niels Gaas. † 1638, hvis Datter Kirsten († 1677) bragte den til sin Mand Landsdommer Erik Kaas, † 1670, hvorefter den ejedes af deres Søn Niels Kaas, † 1701, og dennes Søn Generalmajor Chr. Banner Kaas, † 1756. Derefter ejedes den 1746 af Niels Rasmussen, senere af Kirstine Zumbildt, † 1780, gift med Sognepræst til Tranekjær og Tullebelle, Konsistorialr. Dines Chr. Krag, † 1749, og af deres Søn, Major Joh. Chrf. Krag, adlet under Navnet Kragenskiold, † 1789. Den næste Ejer var Kammerr., Kapt. Chr. Madsen, efter hvem den ifl. Auktionsskøde af $^3/_7$ 1824 købtes af Julianus Hastrup († 1863) for 85,000 Rd. Den gik derefter over til Sønnen Chrf. L. Hastrup,

Hjortholm.

† 1888, og dennes Søn Jægerm. A. J. Hastrup, som 1896 solgte den for 600,000 Kr. til den nuv. Ejer, C. J. F. Greve Ahlefeldt-Laurvigen til Langeland. — Hovedbygningen er opf. 1789 af ovennævnte Chr. Madsen af Grundmur i eet Stokv. med Kælder (den tidligere Bygning, af Bindingsværk, stammede fra Kaasernes Tid).

I *Oure* boede 1550 Brødrene Morten og Mattis Olsen, der vare af samme Slægt som de Kortsen'er paa Lykkesholm.

Ved Klemmebrevet af 1555 blev Fodslette Anneks til Tryggelev.

**Magleby Sogn**, det største i Herredet og sydligste paa Øen, omgives mod N. af Tryggelev Sogn, i øvrigt af Østersøen. Kirken, nordlig i Sognet, ligger $2^1/_2$ Mil S. for Rudkjøbing. De bakkede Jorder (Fakkebjærg Fyrbanke er 117 F., 37 M., trig. Station) ere mod Ø. og i Midten stærkt lerede, ved Vestkysten lettere. En Del Skov (Bovballe Sk., Brolykke Sk., Lunden, Østersk., Vestersk.). Mod N. Fredmose. *Magleby Nor*, som tidligere gik fra Vestkysten omtr. ind til Midten af Sognet (omtr. 450 Td. Ld.), er nu udtørret. Paa Sydøstspidsen afsættes det omtr. 110 Td. Ld. store *Kjelds Nor*, der nu er en Sø. Sydspidsen er den høje, hvide *Dovns Klint*; lidt N. V. for den ligger *Gulstav Klint*. Den sydligste Del af Sognet har en fra det øvrige Langeland i flere Henseender forskellig Vegetation. Gennem Sognet gaar Landevejen til Bagnkop.

Fladeindholdet 1896: 6238 Td. Ld., hvoraf 2795 besaaede (deraf med Hvede 396, Rug 218, Byg 1096, Havre 490, Bælgsæd 10, Blandsæd til Modenh. 317, Grøntf. 88, Kartofler 62, andre Rodfr. 116), Afgræsn. 1033, Høslæt, Brak, Eng m. m. 1541, Have 69, Skov 243, Moser 236, Kær 18, Hegn 118, Stenmarker m. v. 38, Veje og Byggegr. 136, Vandareal m. m. 11 Td. Kreaturhold 1893: 424 Heste, 1868 Stkr. Hornkv. (deraf 1339 Køer), 1096 Faar, 702 Svin og 12 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshartk. 1895: 576 Td; 23 Selvejergaarde med 207, 42 Arvefæstegd. med 173, 25 Fæstegd. med 113, 239 Huse med 61 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse, over $^1/_2$ i Fæste og Leje. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1873 (1801: 1164, 1840: 1538, 1860: 1734, 1880: 2088), boede i 362 Gaarde og Huse; Erhverv: 58 levede af immat. Virksomhed, 1173 af Jordbrug, 5 af Gartneri, 44 af Fiskeri, 281 af Industri, 51 af Handel, 32 af Skibsfart, 128 af forsk. Daglejervirks., 52 af deres Midler, og 49 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Magleby* („Kirkeby") med Kirke, Præstegd. og Skole; *Nordenbro* med 2 Skoler (østre og vestre), Forsamlingshus, Fattiggaard (opf. 1874, Pl. til 30 Lemmer), Købmandsforretn., Mølle, Andelsmejeri og Ølbryggeri; *Søndenbro* med Skole, Købmandsforretn., Mølle og Andelsmejeri. Fiskerlejet *Bagnkop* (Vidensk. Selsk.: Barnkop), paa Sydvestkysten, med Skole, Havn (anl. 1858, udvidet 1899, 9 F. Vand, Havnefyr), Udskibningssted, Købmandsforretn., Kornmagasin, Mølle, Bageri, Strandkontrollørbolig, Telegraf- og Telefonstation. I Bagnkop, der har omtr. 65 større og mindre Fartøjer, drives ret betydeligt Fiskeri. Saml. af Huse: *Kokkestræde*, *Bøsselykke*, *Vognsbjærg*. *Lundsgaarde*, *Munkegaarde*, *Sædballe*, Gde. og Huse, m. m. Hovedgaarden *Brolykke*, under Stamhuset Ahlefeldt (se S. 780), har $47^1/_4$ Td. Hrtk. (deraf under Grevsk. Langeland $14^1/_2$ og Allodialgods 5), $374^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $100^1/_2$ Eng, Resten Ager; paa Gaarden et Mejeri. Hovedgaarden *Holmegaard*, under samme Stamhus, har $35^1/_2$ Td. Hrtk. (deraf under Grevsk. Langeland $8^1/_2$), $296^1/_2$ Td. Ld., hvoraf $26^1/_2$ Eng, Resten Ager. Gaarden *Nordenbro*, under Grevsk. Langeland (se S. 763), har $38^1/_4$ Td. Hrtk., $314^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 32 Eng, Resten Ager. *Søgaard*, under samme Grevsk., har $28^3/_4$ Td. Hrtk., $355^1/_2$ Td. Ld., hvoraf 64 Eng, Resten Ager. *Præstegaarden* har omtrent $15^1/_2$ Td. Hrtk. Paa *Fakkebjærg* Banke er der et hvidt fast Fyr (se Vignetten S. 773), der vises fra et hvidt, sekskantet, 27 F. højt Taarn; Flammens Højde o. Havet 125 F., Lysvidden $3^3/_4$ Mill. Ved *Kjelds Nor* er der ligeledes et hvidt, fast Fyr, der vises fra en Jærnbaake (Fl. Højde 48 F., Lysvidden 2 Mil).

Magleby S., en egen Sognekommune, hører under Langelands Herreders Jurisdiktion (Rudkjøbing), Svendborg Amtstue- (Svendborg) og Rudkjøbing Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 6. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 88. Lægd. Kirken tilhører Grevsk. Langeland.

*Kirken*, paa en Bakke, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, Taarn mod V., Korsfløj mod N., Sakristi mod N. og to Vaabenhuse, et mod N. og et mod S. Kirken er opført ved Midten af 12. Aarh. i Rundbuestil af firhugne Granitkvadre. Koret synes oprindl. at have haft halvrund Apsis mod Ø. Begge de oprindelige Indgange med Portaler med fritstaaende Søjler ere bevarede (den søndre nu tilmuret). Af de oprindelige, rundbuede Vinduer er et enkelt bevaret. Den dobbelte Granitsokkel er under Koret prydet med Arkaderækker i Relief. I Slutn. af 15. eller i Beg. af 16. Aarh. blev Koret nedbrudt og Skibet forlænget betydeligt mod Ø., hvor det afsluttedes med en lige Mur. Samtidig blev Kirken overhvælvet og det ret anselige Taarn, hvis overhvælvede Underrum er aabent ind til Skibet med en Spidsbue, tilføjet. Taarnet blev restaureret 1762 og fik et slankt Spir. 1829 blev dets Overdel ombygget. Korsfløjen og Sakristiet ere overhvælvede, Vaabenhusene have flade Lofter (det søndre Vaabenhus er Ligkapel). Det nordre Vaabenhus har takket Gavl med Blindinger, og indtil 1876 var Kirkens Østgavl afsluttet paa lignende Maade. Samtlige Tilbygninger ere opførte af store, røde Munkesten i Munkeskifte med Indblanding

af de fra Korets og Vestgavlens Nedbrydelse indvundne Kvadre. I den nyeste Tid ere svære Støttepiller opførte. Kirkens Indre blev restaureret 1887, og samtidig blev det sydl. Vaabenhus omdannet til Ligkapel. Altertavlen (Bebudelsen) er vist en Kopi efter en italiensk Mester. Prædikestolen er et Renæssancearbejde fra Slutn. af 17. Aarh. Romansk Granitdøbefont. I Korsfløjen Epitafium over Provst Dines Jensen Rosenstjerne, † 1677, og tre Hustruer (med Portrætter af dem og Datter), samt et Krucifiks fra sent-gotisk Tid. Den ene Klokke er fra 1561. Ved Indgangen til Vaabenhuset ligger en romansk, kisteformet Ligsten fra omtr. 1200 med Arkadebuer, Korsstave og en menneskelig Figur (se Aarb. f. n. Oldk. 1877, S. 89).

*Holmegaard* ejedes 1538 og 1561 af Jakob Petersen (Mylting), 1580 af Sønnen Jesper Jakobsen, der synes at have pantsat den til sin Svoger Markus Lund, som i alt Fald 1594 skrev sig til Gaarden; 1608 ejedes den af Henrik Jespersen (Mylting). Ved Midten af 17. Aarh. blev den købt af Mogens Kaas til Lykkesholm († 1655) og ejedes derefter af Otte Kaas († 1716) og hans Søn Oberstlieutn. Hans Ditlev K. († 1748), efter hvem den 1754 tillige med Lykkesholm (se S. 781) solgtes til Greve Fr. Ahlefeldt. *Brolykke*, der har været ejet af Dorothea Oldeland 1653, Christen J. Holmsted, † 1713, og Sønnen Kancellir. Hans Holmsted, † 1758, købtes 1764 for 8000 Rd. af Grev Fr. Ahlefeldt. Brolykke (med Hovedbygning) er Hovedsædet i Stamhuset Ahlefeldt.

Jens Bonde i *Magleby* nævnes 1460.

Paa Nordenbro Mark ligger ved Stranden det saakaldte *Kallemborg* eller *Kalveborg* Voldsted. Det har bestaaet af en stor, vistnok oprindelig rundagtig Banke, der ind mod Land var dækket af en Grav og en Vold; Havet har efterhaanden bortskyllet en stor Del af Banken, og Volden er ligeledes nu kun delvis bevaret. Der er aldrig fundet Bygningsrester.

*Magleby Nors* blev inddæmmet 1856-57; ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872, ved hvilken ogsaa Bagnkop led meget, gennembrødes Dæmningen. I det udtørrede Nor ligger N. for Søndenbro en anselig Banke, „*Borrebjærg*“, der mulig har baaret en gammel Borg.

*Bagnkop* skal for flere hundrede Aar siden være bleven anlagt af hollandske Fiskere; efter andre skal det være af vendisk Oprindelse; Indbyggernes Fysiognomi synes at tyde paa det sidste.

## Ærø Herred.

**Sogne:**

*Søby, S. 787. — Bregninge, S. 788. — Tranderup, S. 789. — Rise, S. 790. — Marstal Lands., S. 791. — Marstal Handelspl., S. 793.*

Ærø Herred, det mindste i Amtet, bestaar af Øen *Ærø*, der omgives af Lille Bælt og Østersøen, samt de Ø. for Ærø beliggende Smaaøer og Holme: *Dejrø*, *Lilleø*, *Store-Egholm*, *Lille-Egholm*, *Halmø* og *Langholm*, og fl. Ærø ligger omtr. mellem 54° 50′ og 54° 54′ n. Br. og mellem 2° 3′ og 2° 23′ v. L. for Kbh. og strækker sig fra N. V. til S. Ø. omtr.

$3^1/_4$ Mil mellem Skjoldnæs og Ærøshale (Erikshale), medens dens største Bredde fra N. til S. mellem Urehoved og Vejsnæs Nakke er omtr. $1^1/_2$ Mil. Øen, der løber spidst til mod N. V., har en meget uregelmæssig Form. Paa Nordkysten afsættes to Bugter: en mellem den i Ommelhoved endende Halvø Skovland og Halvøen Urehoved, og Bugten Revkrog mellem Urehoved og Blakstens Odde. Den første Bugt fører ind til det 1856 inddæmmede, omtr. 700 Td. Ld. store *Graastensnor*, den anden til det ligedes 1856 inddæmmede, omtr. 200 Td. Ld. store *Stokkeby Nor*. Graastensnor delte tidligere Øen i en mindre, østl. og en større, vestl. Del, der kun forbandtes ved en ganske smal Landstrimmel langs Østersøen, „Drejet". Et tredje Nor paa Nordvestkysten har været dannet af den nu tørlagte, omtr. 250 Td. Ld. store *Vid Sø*. Øen er i Forhold til sin Størrelse temmelig høj, og Overfladen bestaar af nogle faa, meget storformede Bakker, der skraane stærkt ned mod Kysterne, der for det meste falde brat af med lave, stejle Skrænter, og mod de meget lave Fordybninger med Moser eller Damme, der findes i det Indre af Øen. Den østlige Del er den laveste; det højeste Punkt, ved Knastebjærg Huse, er kun 91 F., 29 M.; i den vestl. Del gaar Vandskellet fra S. Ø. til N. V.; her hæver straks Galgehøj, lige V. for Graastensnor, sig til 168 F., 53 M.; $1^1/_4$ Mil N. V. for dette ligger Øens højeste Punkt, Synneshøj, 215 F., $67,_5$ M., hvorpaa Vandskellet fortsættes over Søby, hvor det kun har en Højde af 100 F., og ender i Skjoldnæs, 69 F., 22 M. Jordbunden bestaar af mergelblandet Ler, for det meste overdækket med god Muldjord. Øen er meget fattig paa Skov (10 Td. Ld.), men de mange levende Hegn give den for en Del Udseende af at være skovbevokset. Det er det mindst frugtbare Herred i Amtet, idet der efter Matr. i Gnmst. gaar over 11 Td. Ld. paa 1 Td. Hrtk. Paa Øen findes mange Teglbrænderier. Efter Opgørelsen 1896 var Fladeindholdet, med Ærøskjøbing, 16,723 Td. Ld. ($1,_{67}$ □ Mil, $92,_3$ □ Km.). Ager og Engs Hrtk. samt halv. Skovskyldshrtk. var (uden Ærøskjøbing, men med Marstal) $^1/_1$ 1895 1377 Td. Folketallet var i Landdistrikterne $^1/_2$ 1890 10,729 (1803: 6284, 1840: 8112, 1860: 9705, 1880: 10,359). I Herredet ligge Købstaden Ærøskjøbing og Handelspladsen Marstal. I gejstlig Henseende danner Herredet eet Provsti, i verdslig Hens. hører det under Ærø Herreds Jurisdiktion og Amtets 5. Forligskreds undtagen Marstal Landsogn og Handelsplads, der hører under 6. Forligskreds.

Ærø — i Vald. Jrdb. *Ærræ*, i Knytlingesaga *Erri* og *Erei*, hos Huitfeldt sædvanlig *Arre*; Navnet kommer vistnok af Mandsnavnet Erri — nævnes første Gang 1043, da Magnus den gode overvandt Svend Estridsen i et Søslag ved Øen. Aar 1277 ($^{18}/_1$) overlod Markgreverne af Brandenburg Ærø, som de vistnok havde i Arv efter deres Moder Sophie, Vald. II's Datter, til Fyrst Vitslav af Rügen for 1000 Mark. Øen var ligesom Als Genstand for de sønderjydske Hertugers Fordringer, og 1287-96 var den ogsaa tillige med Als og Femern i Hertug Vald. IV's Besiddelse. Ved

Slutn. af Erik Menveds Regering tilhørte Ærø Markgrev Vald. af Brandenburg, som 1315 gav den i Forlening til den senere Drost Laurids Jonsen, og da Chrf. II var fordrevet, fik Drosten den atter i Len af den nye Konge, Hertug Vald. V.; 1337 var den i Grev Gerts og 1340 ved Vald. Atterdags Tronbestigelse i Grevens Sønners Besiddelse, ligesom den ogsaa 1398 ejedes af Sønnesønnen Gerhard II. I Krigen om Slesvig med Gerhards Sønner erobrede Erik af Pommern Ærø 1410 tillige med Als, og ved Freden i Vordingborg 1435 beholdt han Øen; men da Kongen havde forladt Landet, overlod Rigsraadet ved en Overenskomst i Lübeck $^{2}/_{7}$ 1439 ogsaa Ærø til Hertug Adolph. Baade ved Hertugdømmernes første Deling 1490 og ved den anden 1544 blev Ærø ved den kgl. Del ligesom Als og udgjorde tillige med denne Dronn. Dorotheas Livgeding; men ved Delingen 1564 kom Ærø ligesom Als til Hertug Hans den yngre. Ved hans Død 1622 deltes hans Besiddelser mellem 5 af hans Sønner, af hvilke den ældste, Hertug Christian, der egentlig som Stamherre skulde have haft Sønderborg, paa Grund af sine ringe Aandsevner kun fik Ærø med Godserne Vodrup, Søbygaard, Graasten og Gudsgave. Efter hans barnløse Død 1633 blev Ærø ved Forliget i Eckernførde $^{6}/_{2}$ 1634 delt i 4 Dele mellem hans Brodersøn Hertug Hans Chr. af Sønderborg, der fik Gudsgave, og hans 3 Brødre, nemlig Hertug Philip af Slesvig-Holsten-Glücksborg, der fik Ærøskjøbing og Godset Vodrup, Hertug Frederik af Nordborg, der fik Graasten, som han dog snart efter solgte til Philip, og Hertug Joachim Ernst af Pløn, som fik Søbygaard. Denne Udstykning havde sørgelige Følger for Øen, thi de Betjente, som bleve ansatte i de forskellige Dele for at varetage deres Herrers ofte modstridende Interesser, udsugede Befolkningen og demoraliserede den paa alle Maader. Ved Hertug Chr. Adolph af Sønderborgs Konkurs 1667 kom den sønderborgske Del af Øen under den danske Krone, som dog 1684 overlod Gudsgave til Joachim Ernsts Søn Hertug August, der alt 1671 havde faaet Søbygaard, og som efterlod sin Del af Øen til sin yngre Søn Chr. Carl, hvis Søn Hertug Frederik Carl („Hr. v. Carlstein") efterhaanden arvede alle de nordborgske og plønske Besiddelser, men ved 1730 maatte afstaa de første med den tilhørende Del af Ærø til Kronen. Den glücksborgske Del af Øen, Ærøskjøbing og Godserne Graasten og Vodrup, købte Fr. V 1749 af Hertug Frederik († 1766) mod Eftergivelse af en stor Mængde Skatterestancer paa Glücksborg, og saaledes var hele Øen samlet under Kronen. Denne Forandring havde den besynderlige Følge, at Øen mistede sine danske Love, som under det sønderborgske Hus havde været gældende der, og fik slesvigsk Ret i Stedet. Ved Forordn. af $^{18}/_{11}$ 1773 ophævedes de forskellige Retter paa Øen (Gudsgaves Birketing, Graastens Landsting og Søbygaards Landsting), og tillige med Købstaden fik den en fælles Ret med en Landfoged som Præses og 2 Assessorer. — I verdsl. Henseende hørte Ærø til Slesvig lige til efter Freden i Wien 1864, da Ærø lagdes ind under Svendborg Amt som et eget Herred, opr. ved Lov af $^{16}/_{2}$ 1866. Det danner een Jurisdiktion med Købstaden Ærøskjøbing. Øen udgjorde i sin Tid foruden Ærøskjøbing eet Amt, Graastens Amt; senere hørte det til Nordborg Amt. I gejstlig Henseende hørte Øen derimod i ældre Tid under Fyns Stift, indtil den 1819 tillige med Als fik en egen Biskop; ved ovennævnte Lov af 1866 lagdes den ind under Fyns Bispestol. Alle Kirkerne ere Statsejendom, men indtage dog en Særstilling (se S. 620 og *Matzen* og *Timm*, Haandb. i dansk Kirkeret, S. 667 og 673).

Øen maa i Stenalderen have været en ret vigtig Beboelsesplads, idet der er talt omtr. 90 Stengrave (deraf 45 i Rise og 20 i Marstal S.); Hovedmængden af dem er Dysser, kun 3 Jættestuer. Hertil komme af jordfaste Oldtidsmonumenter omtr. 20 Gravhøje, der vel for en stor Del tilhøre Broncealderen. Af samtlige Mindesmærker ere mindst 85 dog nu sløjfede og 10 forstyrrede; 8 ere fredlyste.

Øen skal have lidt betydeligt ved et Angreb af Lübeckerne 1509, ligesom den 1658 blev hjemsøgt af de svenske, der efter et Sagn skulle have ødelagt den sidste af de Skove, der tidligere i rigt Maal have bedækket Øen, og om hvis Tilværelse baade Navnet Skovland (ofte benyttet for hele den mindre, østl. Del Ø. for Graastensnor) og andre Stednavne bære Vidnesbyrd. Ved Stormfloden Nov. 1872 led Øen en Del; bl. a. bleve Dæmningerne ved Graastensnor og Stokkeby Nor samt ved Vid Sø gennembrudte.

**Litt.**: *J. R. Hübertz*, Beskr. over Æ., Kbh. 1834. — *Hansen*, Statistische Skizze der Insel Arrøe, i Neue Stadtsbürg. Mag. IX S. 117 flg. — *Carstens*, Vermischte Nachrichten von der Insel Arrøe, i Niemanns Vaterlandskunde III S. 21 flg. — Topogr. Skizze der Insel Arrøe, i Schlesw.-holst. Chronik 1801, Nr. 9 S. 3 flg. — Indberetn. til Nationalmuseet om antikv. Undersøgelser paa Ærø, ved *H. Petersen*, 1884.

---

**Søby Sogn**, det mindste og nordligste i Herredet, begrænses mod S. af Bregninge Sogn (hvori et Enklave) og er i øvrigt omgivet af Lille Bælt. Kirken ligger omtr. $1^1/_2$ Mil N. V. for Ærøskjøbing og 3 Mil Ø. for Svendborg. Mod N. løber Sognet ud i Skjoldnæs. Mod S. V. ligger den udtørrede Vid Sø (se S. 785). I den sydl. Del gaar Landevejen fra Ærøskjøbing og Marstal til Søby.

Fladeindhold 1896: 2188 Td. Ld., hvoraf 1137 besaaede (deraf med Hvede 12, Rug 240, Byg 279, Havre 243, Boghvede 15, Bælgsæd 30, Kommen og Raps 20, Frøavl 8, Blandsæd til Modenh. 103, Grøntfoder 71, Kartofler 53, andre Rodfrugter 57, andre Handelspl. 6), Afgræsn. 617, Høslæt, Brak, Eng m. m. 287, Haver 36, Skov 3, Hegn 8, Stenmarker m. v. 51, Veje og Byggegr. 44, Vandareal m. m. 4 Td. Kreaturhold 1893: 160 Heste, 809 Stkr. Hornkv. (deraf 574 Køer), 1565 Faar, 610 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 160 Td.; 55 Selvejergaarde med 110, 190 Huse med 50 Td. Hrtk. og 1 jordløst Hus. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1141 (1803: 720, 1840: 905, 1860: 1084, 1880: 1158), boede i 240 Gaarde og Huse; Erhverv: 43 levede af immat. Virksomh., 481 af Jordbr., 54 af Fiskeri, 353 af Industri, 40 af Handel, 61 af Skibsfart, 11 af forsk. Daglejervirks., 82 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Søby* med Kirke, Præstegd., Skole, lille Havn (indtil 7 F. Vand, Havnefyr), Toldassistentsted, Statstelefonstation, Kro og Mølle; i Søby ere hjemmehørende 10 større og mindre Fartøjer. *Haven* (Ny- og Gammelhave) med Teglværk. *Havrekobbel* og *Langevrætte*, Gde. og Huse, *Albertslykke*, Huse, med Sparekasse for Bregninge og Søby Sogne (opr. $^{25}/_5$ 1870; $^{31}/_3$ 1898 var Sparernes saml. Tilgodehav. 540,669 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 51,359 Kr., Antal af Konti 952), *Søbygaardsmark*. *Snorlykke*, *Skjelhave*, *Lebykobbet* (i Enklavet), Huse, m. m. Paa Nordpynten ligger *Skjoldnæs Fyr* (et hvidt Blinkfyr, der vises fra et 1881 opf. rundt, 55 F. højt Granittaarn; Flammens Højde over Havet 103 F., Lysvidden 4 Mil). *Søbygaard*. Vestermølle (161 F., $50,_5$ M.).

Søby S., en egen Sognekommune, hører under Ærø Hrd.'s Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 80. Lægd. Kirken ejes af Staten (se S. 620).

*Kirken* bestaar af Skib og Kor ud i eet med halvrund Afslutning, Taarn med pyramideformet Tag og Træspir mod V. samt Vaabenhus mod S. Kirken er opf. 1745 af Flensborger Mursten; raa Kamp er anvendt i Korenden og forneden i Taarnet. Kirken har fladt, gibset Loft. Alterbilledet, Christus paa Korset, er malet

1870 af Roed. Prædikestol fra Kirkens Opførelsestid; Døbefont, støbt af Cement. Over Indgangsdøren mod V. er anbragt Basrelieffer af Thorvaldsen.

*Søbygaard* var tidligere et Gods, hvorefter et af Øens fire Len benævnedes. Det tilhørte 1540 Jens Gregersen og blev 1590 solgt til Hertug Hans den yngre, rimeligvis af Gregersens Slægt. Hertug Hans lod Gaarden ombygge og befæste. Se om dens Hist. videre S. 786. Efter at det var blevet kgl. Gods 1730, blev det nedlagt 1772 og udparcelleret. — Ved den nuv. Søbygaard ses umiddelbart ved hinanden to Voldsteder, paa hvilke Gaarden har ligget. Det ældste, som sikkert tilhører den tidlige Middelalder, er anlagt paa en høj, naturlig Banke, ved den inderste Vig af den nu udtørrede Vid Sø. Ved Afgravning af Banken er der dannet en større, skævt firsidet Platform, der har baaret Borgen, og om Bankens Fod har der været en Grav med foranliggende Jordbrystværn; dette har mod N. sluttet sig til en høj, lige Voldkam, der er fremkommen ved en Gennembrydning af Banken, og som ved en Grav mod N. igen er skilt fra den nordl., meget omdannede Del af Banken. Det yngste Voldsted bestaar af to, 13 F. høje firsidede Banker (177 × 184 F. og 100 × 120 F.), der have været forbundne ved en Bro og adskilte ved og omgivne af Sø (nu udtørret).

Tæt Ø. for Søby lige ved Landevejen skal der have staaet et Kapel, hvorom Navnet „Kapelhøj" har mindet (Navnet er nu forsvundet).

*Haven* blev udflyttet ved Landets Udskiftning paa den nordvestl. Spids af Øen. Ø. for Byen har ligget „*Borrestedgrav*", der trods Navnet ikke viste Spor af at være noget Befæstningsanlæg. — Paa *Skjoldnæs* var det i Vald. Jrdb. nævnte andet Krongods paa Ærø („Skyoldænes"). Paa *Næbet*, yderst paa Næsset, er der Spor af en 1812 opkastet Skanse.

Ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872 blev Skaden i Søby Sogn vurderet til 11,155 Rd., hvoraf 1200 faldt paa Havnen og 9000 paa Vid Sø, der da blev fyldt med Vand.

Søby Sogn var Anneks til Bregninge fra 1746 til 1869, da det blev et eget Sognekald.

**Bregninge Sogn** omgives mod N. V. af Søby, mod S. Ø. af Tranderup Sogn, mod Ø. og V. af Lille Bælt. Kirken, mod S. V., ligger omtr. 1 Mil V. for Ærøskjøbing. Omtr. i Midten hæver Synneshøj, 215 F., 67,5 M., sig (trig. Station). Gennem Sognet gaar Landevejen fra Ærøskjøbing og Marstal til Søby.

Fladeindholdet 1896: 2850 Td. Ld., hvoraf 1645 besaaede (deraf med Hvede 8, Rug 347, Byg 368, Havre 310, Boghvede 20, Bælgsæd 106, Kommen og Raps 20, Frøavl 7, Blandsæd til Modenh. 140, Grøntf. 147, Kartofler 62, andre Rodfr. 96, andre Handelspl. 14), Afgræsn. 788, Høslæt, Brak, Eng m. m. 265, Have 46, Kær 9, Hegn 10, Stenmarker 26, Veje og Byggegrunde 54, Vandareal m. m. 7 Td. Kreaturhold 1893: 262 Heste, 1152 Stkr. Hornkv. (deraf 865 Køer), 1754 Faar, 872 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 257 Td.; 73 Selvejergaarde med 207, 211 Huse med 50 Td. Hrtk. og 2 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 1406 (1803: 1074, 1840: 1252, 1860: 1449, 1880: 1484), boede i 283 Gaarde og Huse; Erhverv: 36 levede af immat. Virksomh., 828 af Jordbrug, 4 af Gartneri, 16 af Fiskeri, 364 af Industri, 43 af Handel, 3 af forsk. Daglejervirks., 98 af deres Midler, og 14 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Bregninge*, ved Landevejen, delt i Øster-Bregninge, Vester-Bregninge og Tværby, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (opf. 1873, Plads for 30 Lemmer), Kro, Mølle, Teglværk og Kalkbrænderi, Andelsmejeri, Uldkartefabrik og Statstelefonstation. *Skovby* med Skole (ny opført 1889 efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel) og Andelsmejeri; *Leby* med Teglværk. Midt i Sognet et Forsamlingshus (opf. 1890).

Bregninge S., en egen Sognekommune, hører under Ærø Hrd.'s Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 81. Lægd. Kirken ejes af Staten (se S. 620).

*Kirken*, i Vester-Bregninge, bestaar af Skib og Kor med lige Afslutning, Taarn mod V. med højt, spaantækket Spir og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og

Kor, er opf. i romansk Tid af raa og kløvet Kamp med tilhugne Hjørnesten og Sokkel. Rester af Norddøren og af flere af de oprindelige, rundbuede Vinduer kunne skimtes. I den senere Middelalder tilføjedes Taarn og Vaabenhus, med rig blindingsprydet Kamgavl, af Mursten, og Kirken overhvælvedes, undtagen Vaabenhuset, der har fladt Loft. Altertavlen er et fortrinligt Træskærerarbejde, udgaaet fra Claus Bergs Værksted, restaureret 1892-93; den minder megøt om Altertavlerne i St. Knuds Kirke i Odense og i Sanderum; i Midtfeltet er udskaaret Korsfæstelsen, paa Fløjene Helgener og Apostle, paa Bagklædningen og Fløjenes Bagsider Malerier (se *Fr. Beckett*. Altert. S. 126 flg. og Tavle LIV, og Renæss. og Kunstens Hist. S. 27, samt Ill. Tid. $^{19}/_{11}$ og $^{17}/_{12}$ 1893). Romansk Granitdøbefont med Løvværksslyngninger, Menneskehoveder osv. Døbefade fra 1762 og 1782. Prædikestol i Renæssancestil fra 1612. I Skibet et sent-middelalderligt Krucifiks. Series Pastorum. Foran Kortrinnet Ligsten over Jørgen Kohlhas, Amtskriver paa Sæbygaard, † 1651, og Hustru. Foran Indgangen fra Vaabenhuset til Kirken en stærkt slidt Ligsten over Præsten Canutus Krarup med to Hustruer. I Korhvælvingen fandtes 1870 Rester af malede Dekorationer.

Vandløbet *Kirkebæk* ved Bregninge skal have Navn efter en efter Sigende i den svenske Krig nedskudt Kirke, der angives at have ligget paa Gaardens Plads; der er truffet store, røde Munkesten.

Ifl. D. Atl. (VII S. 455) pantsatte Hertug Schack 1442 sit Gods i *Leby* til Hertug Adolph for 100 Mark. — Den yderste Gaard i Tværby, *Tværbygaard*, skal have hørt til de Frigaarde, som tidligere fandtes paa Øen.

**Tranderup Sogn** omgives mod N. V. af Bregninge, mod N. Ø. af Rise Sogn, mod N. af Lille Bælt (Revkrog) og mod S. V. af Lille Bælt. Kirken ligger $^1/_2$ Mil S. V. for Ærøskjøbing. Gennem Sognet gaar Landevejen fra Ærøskjøbing og Marstal til Søby.

Fladeindholdet 1896: 2196 Td. Ld., hvoraf 1187 besaaede (deraf med Hvede 3, Rug 245, Byg 253, Havre 243, Bælgsæd 17, Kommen og Raps 21, Blandsæd til Modenh. 195, Grøntf. 103, Kartofler 48, andre Rodfr. 52, andre Handelspl. 5), Afgræsn. 675, Høslæt, Brak, Eng m. m. 166, Have 32, Skov 3, Moser og Kær 21, Hegn 33, Veje og Byggegr. 74, Vandareal m. m. 5 Td. Kreaturhold 1893: 212 Heste, 875 Stkr. Hornkv. (deraf 639 Køer), 1061 Faar og 391 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 192 Td.; 55 Selvejergaarde med 156, 123 Huse med 34 Td. Hrtk. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 898 (1803: 704, 1840: 824, 1860: 981, 1880: 847), boede i 187 Gaarde og Huse; Erhverv: 15 levede af immat. Virksomh., 542 af Jordbrug, 2 af Gartneri, 32 af Fiskeri, 209 af Industri, 9 af Handel, 2 af forsk. Daglejervirks., 81 af deres Midler, og 6 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Tranderup* — ved Landevejen —, hvis vestl. Del kaldes *Ornum*, med Kirke, Præstegd. (i Ornum), Skole (opf. 1887 efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel), Sparekasse (opr. $^{15}/_3$ 1870; $^{31}/_3$ 1898 var Sparernes saml. Tilgodehav. 634,535 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 61,618 Kr., Antal af Konti 598), Andelsmejeri (Krogkilde) og Statstelefonstation; *Vindeballe* med Kro. *Bornæs*, *Vodrupmark* (Voderup, Wuderup), *Strandhuse*, Huse, m. m.

Tranderup S., en egen Sognekommune, hører under Ærø Hrd.'s Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 82. Lægd. Kirken ejes af Staten (se S. 620).

*Kirken*, højt beliggende, bestaar af Skib og Kor med lige Gavl, uanseligt Taarn mod V., oven paa hvilket en fritstaaende Træklokkestol, og Vaabenhus mod S. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i romansk Tid af raa og kløvet Kamp med tilhugne Hjørner og Sokkel med Skraakant. Det paafaldende skævt anlagte Kor har oprindl. haft Apsis, hvis Sokkelsten nu findes indmurede i Østgavlen. Rester af Norddøren og en Dør i Korets Sydside skimtes; over den sidste findes en Tympanon med raat udført Relief. Skib og Kor ere overhvælvede; samtidig med Hvælvingerne ere Vaabenhuset og det først opførte, nu nedrevne Taarn (restaureret 1775). Det

nuværende smagløse Taarn, der synes at være en Efterligning af Frue Kirkes i Kbh., er opf. 1832. Altertavlen er et Træskærerarbejde fra Middelalderen. Figurerne ere nu hvidmalede (i Midtfeltet Gangen til Golgata og Korsfæstelsen, paa Fløjene Apostle og Helgener). Moderne Døbefont af Cement. Prædikestolen er fra 1703, med Fr. IV's Navnetræk. Over Korbuen et sent-middelalderligt Krucifiks. En Klokke fra 1516 er omstøbt 1899.

*Vodrup* var tidligere et Gods (oprettet af en Landsby af s. Navn), der tillige med Ærøskjøbing dannede et af Øens fire Len. Efter Hertug Hans den yngres Død 1622 kom det til Sønnen Hertug Christian, og efter hans Død 1633 til Broderen Hertug Philip; 1749 blev Godset købt af Fr. V. (se i øvrigt S. 786), og 1767 blev det nedlagt og udstykket i 20 Parceller.

I den sydl. Del af Sognet findes Resterne af en firsidet Vold, „*Borgvolden*“, og mod N. paa Bornæs skal have staaet en Borg, „*Stylteborg*“, af hvis Materiale Tranderup Kirke skal være opført.

Sognet skal før Reformationen have været Anneks til Ærøskjøbing.

**Rise Sogn**, det største i Herredet, omgives af Tranderup Sogn, Lille Bælt (Revkrog), Ærøskjøbing Købstadsjorder, Lille Bælt (Bugten ved Ærøskjøbing) og Marstal Lands. samt Marstal Bugt og Lille Bælt. Kirken, omtr. midt i Sognet, ligger over $^1/_2$ Mil S. for Ærøskjøbing. Galgehøj, 168 F., 53 M., med trig. Station. Mod Ø. ligger det nu udtørrede *Graastensnor*, mod N. V. det ligeledes udtørrede *Stokkeby Nor*; langs Østersøens Kyst gaar *Drejet* (ɔ: Draget), over hvilket Landevejen fra Søby til Marstal fører; til denne støde 2 Landeveje, der begge føre til Ærøskjøbing.

Fladeindholdet 1896: 5354 Td. Ld., hvoraf 2786 besaaede (deraf med Hvede 71, Rug 514, Byg 648, Havre 592, Boghvede 8, Bælgsæd 23, Kommen og Raps 36, Blands. til Modenh. 512, Grøntf. 139, Kartofl. 121, andre Rodfr. 108, andre Handelspl. 14), Afgræsn. 1571, Høslæt, Brak, Eng, m. m. 636, Have 131, Skov 2, Moser og Kær 3, Hegn 35, Veje og Byggegr. 190 Td. Kreaturhold 1893: 494 Heste, 1995 Stkr. Hornkv. (deraf 1466 Køer), 2525 Faar, 1082 Svin og 2 Geder. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 545 Td.; 147 Selvejergaarde med 476, 270 Huse med 69 Td. Hrtk. og 12 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2149 (1803: 1565, 1840: 1967, 1860: 2141, 1880: 2165), boede i 420 Gaarde og Huse; Erhverv: 47 levede af immat. Virksomh., 1399 af Jordbr., 10 af Fiskeri, 491 af Industri, 22 af Handel, 22 af Skibsfart, 2 af andre Erhv., 122 af deres Midler, og 34 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: *Store-Rise*, ved Søby-Marstalvejen, med Kirke, Præstegd., Skole, Fattiggaard (opf. 1877, Plads for 30 Lemmer), De ærøske Landdistrikters Sparekasse (opr. $^{17}/_4$ 1860; $^{31}/_3$ 1898 var Sparernes saml. Tilgodehav. 1,598,584 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 209,646 Kr., Antal af Konti 1521) og Fællesmejeri (Byen deles i Kirkeballe, Kongeballe og Lilleballe); *Lille-Rise*, ved Ærøskjøbing-Marstalvejen, med Teglværk; *Stokkeby* (delt i Store og Lille Stokkeby) med Mølle; *Dunkjær* med Skole, Kro og 2 Møller; *Olde*, ved Søby-Marstalsvejen, med Mølle. Saml. af Gde. og Huse: *Risemark*, *Dunkjærmark*, *Lille-* og *Store Torup*, *Bro* med Andelsmejeri, *Kallehave*; *Graasten Huse*, *Lameshuse* (af „Langmose“). *Vesterlykke*, *Snekkemose*, og *Lindsbjærg*, Huse. Gaarden *Gravendal* har $12^3/_8$ Td. Hrtk., 102 Td. Ld., hvoraf 10 Eng, Resten Ager. Saml. af Gde.: *Eske*, *Helle*, *Vejsnæs* og *Skovbrinke*.

Rise S., en egen Sognekommune, hører under Ærø Herreds Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr. 84. Lægd. Kirken ejes af Staten (se S. 620).

*Kirken*, fordum indviet til St. Nikolai, er meget lang i Forhold til sin Bredde (70 Al. lang, 13 Al. bred) og bestaar af Skib og Kor, Taarn mod V. med højt, spaan-

tækket Spir, Vaabenhus mod S. og Kapel paa Korets Nordside. Den har uden Tvivl tidligere været Øens Hovedkirke; den nævnes 1374, da Vald. Atterdag overlod den til Markvard Butt, Præst fra Bremen, og 1377, da Biskop Johan af Ribe tildømte Knudsbrødrene i Odense den, hvis Besiddelsesret stadfæstedes af Kong Oluf 1385 og af flere Paver. Den ældste Del, Skib og Kor, er opført i romansk Tid af Granitkvadre paa en Sokkel med Skraakant. Begge Døre, med Indfatninger og Tympanon, ere bevarede (den nordre tilmuret). Koret har oprindl. haft Indgang fra S., hvis Portal med en raat hugget Tympanon og to Kridtstensbasrelieffer endnu er delvis bevaret. Allerede i den tidligere Middelalder blev Kirkens Mure delvis nedbrudte og paany opførte af det gamle Materiale, blandet med kløvet Kamp. Vinduerne og Dørene blev ved denne Lejlighed paany opførte, men delvis ændrede. I den senere Middelalder har man forlænget Koret et Fag mod Ø. med Mursten; samtidig tilføjedes Taarn og Vaabenhus. Ved Reformationstiden blev Koret atter udvidet eet Fag mod Ø., Kapellet opført og Vaabenhuset forlænget mod S., alt af raa Kamp. Kamgavlene paa Vaabenhus og Kor have henholdsvis Aarst. 1689 og 1697 samt Chr. V.' Navnetræk. Taarnspiret er vist fra omtr. samme Tid; et ældre Spir brændte $^{20}/_{10}$ 1663. Kirken er overhvælvet undtagen Vaabenhuset. Udbygningen mod N., der ved en bred Bue staar i Forbindelse med Skibet, var tidligere Plads for Marstal Sognefolk. Altertavlen er et Billedskærerarbejde fra sentgotisk Tid, i en Ramme fra 1773 (om Indskriften se Hübertz, S. 199). I Midtpartiet Korsfæstelsen, paa Fløjene andre Scener af Lidelseshistorien og Opstandelsen. Paa Predellaen et Maleri paa Lærred fra 17. Aarh. (Nadveren). Romansk Granitdøbefont med Rundbueornamenter og Menneskehoveder (om de to Døbefade se Hübertz, S. 199). Prædikestolen er et simpelt Snitværk fra 1624. Det gamle, af Hertug Christian 1690 skænkede Orgel er 1884 erstattet med et nyt. Paa Kirkens vestl. Væg en Mindetavle over Præsterne med Portrætter, samt en Tavle med Indskr., der melder om Spirets Braud og Klokkernes Omstøbning. Paa Hvælvingskapperne i den østl. Del af Kirken fandtes 1884 raat malede Dekorationer fra omtr. 1720. — I den fra Middelalderen hidrørende Kirkegaardsmur er ind til Præstegaardshaven en mærkelig Portbygning med aftrappede Gavle.

*Graasten*, tæt V. for Drejet, var tidligere et Gods, hvortil Rise Sogn hørte som Len, og er vistnok opstaaet af den 1514 nævnte Landsby „Dreyby". Det tilhørte Hertug Hans den yngre og gik efter ham over til Sønnen Hertug Christian, som residerede og døde her 1633. Derefter ejedes det af Broderen Frederik af Nordborg, der 1635 solgte det for 53,000 Rd. til Broderen Hertug Philip, i hvis Familie det forblev, indtil Hertug Frederik solgte det 1749 til Fr. V (se S. 786); 1767 blev Godset nedlagt og udparcelleret.

Paa Stranden ved Graasten ligger „*St. Albans Kirkegaard*", hvor der efter Sagnet har staaet en St. Albans Kirke. Trods Sagnet er Stedet dog et Befæstningsanlæg fra Middelalderen. Det har været en af en vistnok oprindl. kredsrund Vold indhegnet jævn Plads; uden for Volden har der været en Grav. Halvdelen af Anlægget er imidlertid efterhaanden bortskyllet af Havet, saa at Volden nu viser sig halvrund. Paa Pladsen inden for Volden er der opgravet store, røde Munkesten. — Ved Drejet ligger et andet Voldsted. — Paa Stokkeby Mark ligger Voldstedet „*Borret*", en skævt firkantet Voldbanke (170 F. lang og bred), omgiven af en bred Grav.

Ved Risemark er der fredlyst to mindre Langdysser, paa Rise Præstegaardsmark en 172 F. stor Langdysse, med 54 Randsten og 2 Gravkister, ved Stokkeby et Dyssekammer „Brynkehøj", og ved Hellegd. en Langdysse samt en Høj med 2 Jættestuer.

Ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872 led Sognet en Del; bl. a. bleve Dæmningerne ved Stokkeby Nor og Graastensnor gennembrudte.

**Marstal Landsogn**, omfattende den sydøstl. Del af Øen, „Skovland", omgives mod V. af Rise Sogn og i øvrigt af Havet og Handelspladsen Marstals Jorder. Filialkirken ligger omtr. 1 Mil S. Ø. for Ærøskjøbing. Mod N. Ø. udsender Sognet en smal Halvø, det egentlige *Skovland*, der ender i Ommelhoved, Vest for hvilken den smalle Fjord *Kløven* skærer sig ind; mod S. Ø. skyder *Ærøhale* sig ud (en Del af det udtørrede Graastensnor hører til Sognet). Til Sognet høre Øerne *Store Egholm*, omtr. 140 Td. Ld., *Lille Egholm*, *Halmø*, 100 Td. Ld. og *Langholm*, 3 Td. Ld., alle i Lille Bælt, samt *Nørreholm*, (den sidste landfast ved en smal Tange)

i Bugten ved Ærøskjøbing. Gennem Sogncet gaar Landevejen fra Søby til Marstal.

Fladeindholdet 1896: 2752 Td. Ld., hvoraf 1262 besaaede (deraf med Hvede 21, Rug 268, Byg 289, Havre 203, Bælgsæd 11, Kommen og Raps 4, Blandsæd til Modenh. 253, Grøntf. 101, Kartofler 66, andre Rodfrugter 37, andre Handelsplanter 7). Afgræsning 580, Høslæt, Brak, Eng m. m. 700, Have 35, Skov 2, Hegn 36, Stenmarker m. m. 59, Veje og Byggegr. 73, Vandareal 5 Td. Kreaturhold 1893: 217 Heste, 986 Stkr. Hornkv. (deraf 767 Køer), 1526 Faar og 471 Svin. Ager og Engs Hartk. og halv. Skovskyldshrtk. 1895: 218 Td.; 58 Selvejergaarde med 133, 402 Huse med 85 Td. Hrtk. og 28 jordløse Huse. Befolkningen, $^1/_2$ 1890: 2107 (1803: 772, 1840: 993, 1860: 1460, 1880: 1960), boede i 479 Gaarde og Huse; Erhverv: 21 levede af immat. Virksomh., 821 af Jordbr., 64 af Fiskeri, 279 af Industri, 42 af Handel, 770 af Skibsfart, 21 af forsk. Daglejervirks., 73 af deres Midler, og 16 vare under Fattigv.

I Sognet Byerne: (*Marstal*) *Bondeby*, lige N. for Handelspladsen Marstal og sammenvokset med denne, med Skole og Kirkegaard for hele Sognet (tagen i Brug 1896); *Ommel*, paa Skovland, med Filialkirke til Marstal, Skole, Missionshus („Betania", opf. 1889), Anlægsbro „Kløven" (8 F. Vand), Strandkontrollørbolig og Statstelefonstation; *Kragnæs* med Statstelefonstation. Saml. af Gde. og Huse: *Vesterskov*, helt ude paa Skovland, *Rolpested*, *Græsvænge*, ved Landevejen, med Skole (opf. efter Tegn. af Bygningsinspektør J. V. Petersen). *Trappeskov*, *Nørremark* med Skole. *Kragnæshoved*, *Ronæs*, *Gudsgave* (delt i *Klausensskov*, *Trogslykke*, *Midtmark* og *Knastebjærg*), *Egehoved*, m. m. Fra Ærøhale undersøisk Telegrafkabel til Langeland. Paa *Halmø* er der 1, paa *St. Egholm* 2 Huse; de andre Øer ere ubeboede. Skibsfarten har megen Betydning i Sognet (se under Marstal Handelsplads).

Marstal Lands., en egen Sognekommune, hører under Ærø Hrd.'s Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 85. Lægd. Filialkirken ejes af Staten (se S. 620).

*Filialkirken*, opf. efter Tegn. af Arkitekt N. Jacobsen, indviet $^6/_5$ 1894, er bygget af røde Mursten i Rundbuestil og bestaar af Skib, Kor med tresidet Afslutning og Taarn mod V. Indvendig er den dekoreret i oldkristelig Stil i stærke Farver. Altertavlen bestaar af et rigt udskaaret Kors.

*Gudsgave* (Gottesgabe) var tidligere et Gods, hvorefter et af Øens fire Len benævnedes. Det tilhørte Hertug Hans den yngre og derefter Sønnen Hertug Chr., efter hvis Død 1633 det gik over til de sønderborgske Hertuger; 1667 kom det ind under Kronen, 1684 fik Hertug August af Nordborg det, og 1730 kom det atter ind under Kronen (se S. 786); 1746 nævnes Major C. Fr. Plotz paa Gudsgave. Efter at Hovedgaarden var afbrændt ved Lynild $^4/_{10}$ 1767, blev Godset Aaret efter nedlagt og udparcelleret.

V. S. V. for Gudsgave ved Graastensnor har der ligget en nu helt sløjfet, firsidet Borgbanke, omgiven af dobbelte Grave og Volde, den saakaldte „*Absalons Skanse*", hvor der skal have staaet et Vagttaarn, efter Sagnet opf. af Biskop Absalon; der skal være fundet mange røde Munkesten der.

Halvøen *Skovland* har man ment, skulde være det i Vald. Jrdb. nævnte „Brunznæs".

Ved Kragnæs er der fredlyst en Høj med en større, ikke udgravet Jættestue, ved Bondeby et Dyssekammer.

Marstal var Anneks til Rise Sogn indtil 1766.

# Marstal.

Handelspladsen Marstal ligger paa en Skraaning ned mod Lille Bælt — højeste Punkt, ved Kirken, er 40 F., $12_{,5}$ M. — under $54^0$ 51' $17_{,51}$" n. Br. og under $2^0$ 3' $33_{,34}$" v. L. for Kbh. (beregnet for Kirketaarnets Spids). Byen har en Mængde smaa, snævre Gader med for det meste 1 Stokv. høje Huse og ligner en Del Dragør paa Amager. Den havde i Sommeren 1899 31 Gader og Stræder og 1 Torv samt 788 Gaarde og Huse (ved Folketællingen 1. Feb. 1890: 724). Dens Fladeindhold med tilhørende Jorder var ved Opgørelsen 1896 52 Td. Ld., hvoraf 10 vare besaaede, 2 Græsmarker, 10 Have og 30 Veje og Byggegrunde. Det saml. Hrtk. var $^1/_1$ 1895 $4_{,8}$ Td. Bygningernes Brandforsikringssum var $^1/_1$ 1899 1,661,294 Kr. (Antal af Forsikringer 748).

Kirken (se Vignetten ovfr.), ved Kongensgade og Kirkestræde, bestaar af Skib og Kor, med femsidet Afslutn., ud i eet, Vaabenhus mod S. og en Udbygning mod N. Den er opført 1736—38 (paa Vestgavlen: Chr. VI.'s Navnetræk og Aarst. 1737) af Mursten med Anvendelse af kløvet Kamp til Sokkel og Vestgavl, over hvilken der er et lille Klokketaarn med Træspir. Kirken har et hvælvet, gibset Bræddeloft. Altertavlen er et Maleri fra 1881 (Christus stiller Stormen) af Carl Rasmussen, i en moderne Ramme i gotisk Stil. Kalk og Oblatæske, skænkede af Henrich Selck, Handelsmand i Neumünster og „Pensionarius zu Gottes Gabe auf Arrøe", og Hustru, ere fra 1742 og 1785. Alterstagerne ere skænkede af Skipper Albert Hermansen og Hustru 1783. Romansk Granitdøbefont fra Tranderup Kirke. I Skibet flere Lysekroner, deribl. en fra 1769, og 4 Skibe. Paa Væggen en Mindetavle over Skipper Albert Friis, † 1779.

Af andre Bygninger mærkes: Kommuneskolen, der omfatter baade alm. Borger- og Almueskole samt Realskole (Dimissionsret til Forberedelseseksamen fra 1888). Den to Stokv. høje Bygning blev opf. 1886 efter Tegn. af Arkitekt E. Schwanenflügel; 1889 opførtes et Gymnastikhus, og 1898-99 udvidedes Skolen med en to Stokv. høj Tilbygning (Arkitekt: N. Jacobsen). Jan. 1899 var der 15 Klasser, 570 Elever samt 8 Lærere og 8 Lærerinder. Teknisk Skole er opf. 1895 i eet Stokv. (Arkitekt: N. Jacobsen). Navigationsskolen er opf. 1881 i to Stokv., senere udvidet; den har gnmst. 30 à 35 Elever. Desuden er der 1 Pigeskole og flere Pogeskoler. Fattiggaarden, opf. 1871, Plads for 25 Lemmer. Syge- og Epidemihus, opf. 1891 af Amtet, lidt N. for Byen, med 5 Senge. Toldkammerbygning, opf. 1886

efter Tegn. af Bygningsinspektor Winstrup. En to Stokv. høj Bygning i Kirkestræde lige over for Kirken, opf. 1890, hvori Sparekassen og Kommunalbestyrelsen have Lokaler, ligesom Herredsfogden der hver anden Torsdag holder Ret. Et Missionshus „Bethesda", opf. 1889. Der er 1899 anlagt et Gasværk, lidt S. for Byen.

Indbyggertallet 1. Feb. 1890: 3028 (1803: 1449, 1840: 2171, 1860: 2590, 1880: 2745). Erhverv 1890: 142 levede af immat. Virksomh., 9 af Jordbrug, 86 af Fiskeri, 611 af Industri, 383 af Handel, 1479 af Søfart, 240 af forsk. Daglejervirksomh., 58 af deres Midler, og 20 vare under Fattigvæsenet. — Som man ser, er Søfart Hovederhvervet. Byen har i Forhold til sin Størrelse en overordentlig stor Handelsflaade (se ndfr.), der stadig forøges (1898 byggedes 5 nye Sejlskibe paa 541 Tons, 1899 10); Handelsflaaden staar, hvad Tonnage angaar, kun tilbage for Kjobenhavns og Fanøs, og hvad Skibenes Antal angaar kun tilbage for Hovedstadens. Men med Hensyn til Godsmængden, der føres til og fra Byen, staar den derimod langt nede i Rækken af danske Provinsbyer, idet Skibene overvejende benyttes til Fragtfart dels paa Indlandet, hvor dog Fortjenesten er aftaget meget som Følge af Dampskibskonkurrencen, dels paa Udlandet, især paa Sønderjylland, Norge, Sverige, England og Preussen.

Af fremmede Varer fortoldedes 1898 bl. a. Bomulds- og Linnedmanufakturvarer 7763 Pd., uldne Manufakturvarer 460 Pd., Kaffe 10,123 Pd., Olier 23,406 Pd., Risengryn og Rismel 3010 Pd., Salt 7300 Pd., Sukker, Mallas og Sirup 5010 Pd., Stenkul 5,592,485 Pd., Metaller og Metalvarer 44,681 Pd. samt Tømmer og Træ 208 Clstr. og 3116 Kbfd. Desuden indførtes der fra andre indenlandske Steder en Del fortoldede Varer. Af indenlandske Varer udførtes til Udlandet noget Flæsk og Kød. Til indenlandske Steder uden for Øen udskibedes foruden en Del Sæd og Mel bl. a. 8132 Pd. Flæsk, 3920 Pd. Kød, 1432 Pd. Ost, en Del levende Kreaturer og 13,540 Pd. Huder og Skind.

Ved Udg. af 1898 var der ved Toldstedet hjemmehørende 295 Fartøjer og maalte Baade med i alt 26,722 Tons, deribl. 28 Skibe paa mellem 200 og 500 T. hvert, samt 2 Dampskibe paa tils. 1098 T. og 210 Hestes Kr. For øvrigt eje flere Redere i Marstal 12 Skibe paa 342 Tons, som paa Grund af Afgiftsbestemmelser i Havnetaksten ere registrerede andetsteds. I udenrigsk Fart indkom 147 og udgik 223 Skibe med henholdsvis 2313 og 26 T. Gods; i indenrigsk Fart indkom 473 og udgik 392 Skibe (af hvilke henholdsvis 253 og 147 Dampskibe) med henholdsvis 1914 og 593 T. Gods. Told- og Skibsafgifter udgjorde 1898, efter Fradrag af Godtgørelser, 25,870 Kr., Krigsskatten af Vareindførselen 857 Kr., i alt 26,727 Kr. Brændevinsbrænderier findes ikke paa Stedet, hvorimod der til Udlandet udførtes 1748 og til indenlandske Steder uden for Øen 1300 Potter Brændevin.

Der er 2 Markeder med Kreaturer, i Maj og Sept., og Torvedag hver Tirsdag og Fredag. — I Byen er der 5 Skibsbyggerier, et Fællesmejeri, et Uldspinderi og en Mineralvandsfabrik. — Kreaturhold 1893: 27 Heste, 32 Stkr. Hornkvæg (deraf 31 Køer), 79 Faar, 34 Svin og 3 Geder. — I Marstal udgives „Ærø Avis".

Marstal, der blev autoriseret som Handelsplads ved Regulativ af $^{26}/_{2}$ 1861, saa at der paa dens Grund maa drives borgerlig Næring i samme Udstrækning som paa Købstadsgrund, har en Kommunalbestyrelse, der bestaar af en kongevalgt Formand og 11 valgte Medlemmer. Staaende

Udvalg: a) for Navigationsskolen, b) for Skolerne, c) for Fattigvæs., d) for Alderdomsunderstøttelse, e) for Havnevæs., f) for Brandvæs., g) for Valgene, h) for Bygninger, i) for Brolægning, k) for Aflægning af Svendeprøver. Handelspladsen udgør en egen Kommune, der maa yde Bidrag til Amtets Repartitionsfond (1898: 2409 Kr).

Finansielle Forhold 1898. Indtægter: Skatter 31,428 (deraf Grundsk. 379, Hussk. 2400, Formue- og Lejlighedssk. 28,649 Kr.), Afgifter efter Næringsloven 718, Tilskud fra Stat til Alderdomsunderst. 3437, Indtægt af Aktiver 932, Tilskud fra Stat til Realskolen 2000 Kr.; Udgifter: Administrationsudgifter 1120, Fattigvæs. 8591, Alderdomsunderst. 7191, Skolevæs. 25,218, Gader og Veje 961, Vægtervæs. 600, Gadebelysn. 824, Brandvæs. 946 Kr. Kommunen ejede $^{31}/_{12}$ 1897 i Kapitaler 16,175, i faste Ejendomme 47,444 og skyldte bort 56,475 Kr. Skatteproc. for Afgiften paa Formue og Lejlighed varierer fra 2 til $6^1/_2$ pCt.; den paalignede Skat for 1899 var 36,000 Kr. Kommunens faste Ejendomme ere Navigationsskolen, Kommuneskolen, Gymnastikhuset, Fattiggaardene og et Sprøjtehus. — Som Politi er der en Sognefoged; Brandkorpset bestaar af et lønnet Korps paa omtr. 40 Mand.

I Spare- og Laanekassen i Marstal (opr. $^{28}/_2$ 1822) var $^{31}/_3$ 1898 Sparernes saml. Tilgodehav. 1,804,095 Kr., Rentefoden $3^1/_2$ pCt., Reservefonden 149,463 Kr., Antal af Konti 2604.

Der blev gjort Forsøg paa at skaffe en Havn i Slutn. af 18. Aarh., og Arbejdet blev ogsaa tilendebragt ved Aar 1830, men den bestod egentlig kun af den blotte Strandbred, beskyttet mod S. af Ærøhale. Først i 1830'erne begyndte Anlægget af den nuv. Havn, som senere flere Gange er bleven udvidet og forbedret. Den begrænses mod S. af Ærøhale, mod V. af en paa „Hestegrund" opført, omtr. 1700 Al. lang Kampestensmole og mod N. af en 1869 bygget, 210 Al. lang Mole, Dampskibsbroen, som senere er udvidet noget mod N. Indløbet sker fra N. gennem en 10 F. dyb Rende. Dybden i Havnen er indtil 10 F.; Havnepladsens Størrelse er 90,000, Havnens 700,000 □ Al., Bolværkernes Længde 700 Al. Paa den nordl. Del af Havnens Vestside findes to smaa Baadehavne; inden for den nordligste er der paa Havnepladsen et lille Anlæg. Havnevæsenet bestyres af en Havneforstander og et Udvalg paa 4 Medlemmer. Havnekassen ejede $^1/_1$ 1899 14,082 Kr. og har ingen Gæld. Den aarl. Indtægt af Havne- og Bropenge er omtr. 12,000 Kr. Paa Nordmolen er der to røde Ledefyr og N. for Byen to andre. Ved Havnen er der Lodser (en Lodsformand og en Lods), der lodse mod Ø. til Rudkjøbing, mod N. til Svendborg Sund og Faaborg Fjord og mod V. til Farvandet mellem Ærø og Lyø. Marstal staar i regelmæssig Dampskibsforbindelse med Svendborg over Rudkjøbing.

Marstal danner eet Pastorat med Landsognet. Kirken ejes af Staten (se S. 620). Marstal hører under Ærø Hrd.'s Jurisdiktion (Ærøskjøbing), Svendborg Amtstue- (Filial i Ærøskjøbing) og Ærø Lægedistr., 6. Landstings- og Amtets 7. Folketingskr. samt 3. Udskrivningskr.' 86. Lægd. Ved Toldstedet er ansat en Toldoppebørselskontrollør og tre Assistenter, hvoraf en er Strandkontrollør i Ommel; ved Postvæsenet en Postmester, ved Telegrafvæsenet en Bestyrer, der tillige bestyrer Statstelefonen. Desuden er der et privat Aktie-Telefonselskab.

**Historie.** Marstal skal have sit Navn af et fyrsteligt Stutteri, der laa paa Byens nuv. Plads. Af et Amtsregnskab 1514 ses, at „Maerstall" dengang kun havde 7

Beboere, medens den ikke nævnes i Regnskaberne 1483 og 1486, da den formodentlig endnu ikke var udskilt fra Ommel. Det ubetydelige Fiskerleje svang sig paa Grund af det rige Fiskeri under Laaland i Vejret fra Beg. af 18. Aarh. og var i den følgende Tid ved Beboernes Flid, Sparsommelighed og store Sømandsdygtighed i en saadan Opkomst, at Byen vakte omtr. den samme Opsigt hos Samtiden, som Esbjærg har vakt i vor Tid (se bl. a. Skildringen af Byen i Præsten Mag. Joh. Arndt Dyssels 1763 forfattede, 1774 udkomne Skrift: „Forsøg til en indenlandsk Reise"). Aar 1780 var der 761 Indb., 1803 var Tallet næsten fordoblet; 1768 var der 39, 1780 66 Fartøjer, og i 19. Aarh har Handelsflaaden været i stadig Stigen; 1823 bestod den af 123, 1835 af 140, 1840 af 165, 1853 af 211, 1863 af 241, og 1871 af 269 Skibe. Om dens Sofart er talt ovenfor. Aar 1736 ansøgte Beboerne om at faa en egen Kirke, da Vejen til Rise Kirke var for lang (Kirken vedblev dog at være Anneks til Rise indtil 1766); i Slutn. af 18. Aarh. toge Beboerne selv fat paa Anlægget af en Havn, og skønt deres Ansøgning 1784 om at maatte anlægge en saadan blev afslaaet, byggede de dog en paa egen Haand og fik Approbation paa den (Havneordning af $^{29}/_{4}$ 1831). Byen led en Del ved Pengekrisen 1813; 1815 brændte en stor Del af Byen; ved Stormfloden $^{13}/_{11}$ 1872 vurderedes Skaden paa Skibe, der laa i Havnen, til 34,500 Rd.

Botanikeren Jens Wilken Hornemann († 1841) er født 1770 i Marstal, hvor Faderen var Præst.

# TILLÆG OG RETTELSER TIL TREDJE BIND

S. 4, L. 15 f. n. Kampelykke, l. Kampeløkke.
S. 8, L. 6 f. n. de, l. den.
S. 11, L. 2 f. n. Statretten, l. Stadsretten.
S. 25, L. 7—8 f. n. udgaa.
S. 26, L. 3 f. n. Tilføj: I Landdistriktet Fiskerlejet *Leuka*.
S. 32, L. 4. Tilføj: Hammersholm købtes 1898 til Stenhuggeridrift af et Fællsskab af Byens Stenhuggeriarbejdere.
S. 34, L. 20. 1892, l. 1891.
S. 34, L. 21. 900,000, l. 600,000.
S. 35, L. 10 f. n. Tilføj: Apotek i Allinge, opr. 1898.
S. 43, L. 9 f. n. I Mølledalen S. for Slotsbanken findes Grundstenene til Slottets Vandmølle.
S. 45, L. 20. Efter udvendig, tilføj: og indvendig.
S. 45, L. 21 f. n. Efter Maleri, tilføj: af A. Dorph.
S. 48, L. 11 f. n. har Sv. til Anneks, l. er Sv. Anneks.
S. 50, L. 11 f. n. Tilføj: I dette findes en Knæleskranke med ejendommeligt Billedskærerarbejde i Renæssancestil: Christus og 6 af Apostlene. Skranken bærer Indskriften: Joachim Kock, Elsebet Tesmers, Anno 1639.
S. 53, L. 24 f. n. Tilskud, l. Laan.
S. 53, L. 18 f. n. Efter af, tilføj: en Yderhavn med en Dybde af 12 F.
S. 53, L. 14 f. n. Ved Indløbet osv., l. ved Indløbet til det ny Havnebassin er der en Port, som kan holde Dønning ude.
S. 53, L. 12 f. n. en, l. to.
S. 53, L. 12 f. n. lang, l. lange.
S. 53, L. 11 f. n. Bølgebryder, l. Bølgebrydere, som danne Yderhavnen. Havnen holder sig i Regelen isfri og har Betydning som Tilflugtshavn om Vinteren.
S. 62, L. 21 f. n. Efter af, tilføj: Granit og.
S. 62, L. 11 f. n. Efter Klokkerne, tilføj: (den mindste er fra 1460).
S. 62, L. 1 f. n. Efter igennem, tilføj: Knudsker og.
S. 63, L. 13. Jorder, l. Landdistrikt.
S. 68, L. 25 f. n. Efter Jærnstativ, tilføj: Dette blev færdigt Juli 1899.
S. 72, L. 9. Tilføj: I Nylarsker Præstegaard var der 1816—20 et Skolelærerseminarium, medens Laur. Andr. Hjort var Sognepræst her og selv var Bestyrer af det.
S. 75, L. 4. Landdistr., l. Jorder.
S. 77, L. 10 f. n. Efter Allinge-Sandvig, tilføj: Jorder og.
S. 81, L. 19. Storeborg er fredlyst 1894.
S. 83, L. 7 f. n. Ejendommen 37. og 38. Selvejergd. ere skilte i to Ejendomme.
S. 91, L. 9 f. n. den bestaar af, l. 1893 udvidet til.
S. 94, L. 13. Efter $1^1/_4$, tilføj: Mil.
S. 97, L. 7 f. n. Ringeborg, l. Ringborg; 150 F. lang, l. 250. Tilføj: fredlyst 1894.
S. 98, L. 7 f. n. Efter Fæstehuse, tilføj: Paa Vallensgaards Grund i Kodalen er $^{28}/_{8}$ 1898 afsløret et Mindesmærke for Pastor *Trandberg*.
S. 99, L. 20. Brugsretten over, l. Brugsafgiften af.
S. 100, L. 21. Sommeren, l. Vinteren.
S. 116, L. 1. et kronet M, l. et kronet, sammenskrevet mar.
S. 116, L. 2. en Lysekrone, l. 3 Lysekroner, deribl. en.
S. 122, L. 33. ryddede Voldstedet, l. foretog Gravninger paa Voldstedet.
S. 122, L. 17 f. n. Tilføj: I Lysemoseskoven findes endnu to andre Voldsteder.
S. 122, L. 14 f. n. Selskr., l. Selsk. Skr.

S. 123, L. 7 f. n. Tilføj: *Madeskov Huse* V. for og *Stormarkens* og *Møllemarkens* Huse Ø. for Byen; de to sidste danne Byens Arbejderkvarterer.

S. 134, L. 7 f. n. Tilføj: Paa Markjorderne *Skovhuse*.

S. 136, L. 25 f. n. 18, l. 24.

S. 136, L. 7 f. n. Tilføj: NV. for Arbejds- og Sindssygeanstalten ligger Epidemihospitalet.

S. 143, L. 17. $^{24}/_{1}$, l. $^{24}/_{6}$.

S. 153, L. 9. Den oprindelige, l. den i 1817 nedlagte.

S. 155, L. 9 f. n. Tilføj: det indviedes $^{26}/_{12}$ 1898.

S. 156, L. 14 f. n. Tilføj: og Lørdag.

S. 168, L. 10 f. n. Tilføj: og et St. Knuds Gilde.

S. 175, L. 1. 3. udgaar.

S. 176, L. 22. Efter Magleholm, tilføj: og *Lilleholm*.

S. 176, L. 9 f. n. Efter Lund, tilføj: fra 1872.

S. 182, L. 15. Efter Fru Inger Oxe 1568—91, tilføj: hendes Mand Jørgen Brahe, † 1565, havde købt Gaarden 1550 af Kongen.

S. 183, L. 19 f. n. Efter Stedet, tilføj: da.

S. 186, L. 30 f. n. tresidet, l. firkantet.

S. 188, L. 12 f. n. Krogsbølle var i Middelalderen sammenlagt med St. Nikolai Kirke i Nakskov (ifl. Brev af $^{19}/_{3}$ 1419).

S. 193, L. 6. 1526, l. 1525.

S. 211, L. 4 f. n. 1653, l. 1635.

S. 212, L. 25. 560, l. 582. 82 l. 62.

S. 212, L. 26. Efter 485, tilføj: Td.

S. 214, L. 12. Tilføj: Kirken har været indviet til St. Laurentius.

S. 220, L. 20-21 f. n. skulle lyde: Ved Klemmebrev 1555 bestemtes, at B. skulde annekteres til Holeby, hvilket først skete 1579 og saaledes, at B. med Krønge til Anneks blev bestyret af en Kapellan, som Præsten i Holeby holdt; 1635 udskiltes Krønge, og B. har fra da været Anneks til Holeby.

S. 227, L. 11 f. n. Landehave, l. Langehave.

S. 228, L. 7. Eng, l. Skov.

S. 228, L. 21. 1686, l. 1586.

S. 239, L. 15 f. n. Højalteret, l. et Alter.

S. 242, L. 31. Efter C. C. S. Baron Rosenørn-Lehn, tilføj: † $^{22}/_{3}$ 1899; han efterfulgtes af Sønnen, Forstkandidat Frederik R.-L.

S. 244, L. 12. 1490, l. 1411.

S. 247, L. 21 f. n. Tilføj: $^{2}/_{12}$ 1898 slog Lynet ned i Spiret, og hele Kirken brændte undtagen en Del af Skibet.

S. 253, L. 4. I Nagelsti har der tidligere staaet et Bystævne.

S. 253, L. 8 f. n. Korrundingen, l. Korets sydl. Mur.

S. 288, L. 8. Tilføj: I Hillestrup findes der et lille Bystævne. I S.-Ørslev har der indtil ca. 1883 staaet et Bystævne.

S. 301, L. 15 f. n. Efter 295,000, tilføj: Kr. til.

S. 303, L. 22 f. n. Tilføj: (*A. la Cour*, Den Classenske Agerbrugsskole paa Næsgaard 1799—1849—1899. Kbhvn. 1899. — *T. Hjort*, Gamle Næsgaardianere. Odense 1899).

S. 304, L. 12 f. n. Tversnæs, l. Iversnæs.

S. 306, L. 9. f. n. disse to, l. de to fynske.

S. 312, L. 9 f. n. over Tønne, l. nemlig Tønne.

S. 317, L. 21. Tilføj: (se Højskolebladet, 1898, Nr. 30).

S. 333, L. 16. 1898, l. 1899.

S. 335, L. 16 f. n. Efter Munkemoseanlægget, tilføj: den toges i Brug Aug. 1899.

S. 345, L. 19 f. n. Tilføj: Odense frivillige Korps 1848 (Særtr. af Fyns Stiftstid.). Odense 1899.

S. 348, L. 26 f. n. „den af ham selv opbyggede" udgaar.

S. 349, L. 14. Axel, l. Absalon.

S. 355, L. 5. Rigets Kansler, l. Kongens.

S. 361, L. 1 f. n. l. Midtparti og Fodstykke.

S. 388, L. 7 f. n. Tilføj: det er ophævet ifl. kgl. Resol. af $^{4}/_{5}$ 1899.

S. 407, L. 16 f. n. 139 l. 339.

S. 410, L. 10. Efter 50 Rd. pr. Td.), l. paa Grund af Skatterestancer kom den atter til Kronen 1681, der skødede den 1682 til Geheimer. Didr. v. Schult osv.

S. 434, L. 27. Tilføj: Se Højskolebladet, 1898, Nr. 29.

S. 451, L. 13 f. n. Efter solgte den, tilføj: for 191,000 Kr.
S. 463, L. 27 f. n. Lammerø, l. Lammesø.
S. 464, L. 24 f. n. af Træ, l. nu af Sten.
S. 464, L. 23 f. n. Lammerøskoven, l. Lammesøskoven.
S. 465, L. 24 f. n. Chrf., l. Chr.
S. 470, L 6 f. n. 15 Td. Hrtk. osv., l. 16 Td. Hrtk., 165 Td. Ld., hvoraf 35 Eng, 2 Skov, Resten Ager (1 Hus).
S. 475, L. 2. 1786, l. 1782.
S. 475, L. 2 f. n. Tilføj: Se Kirkeh. Saml. 4. R. V. S. 721 flg.
S. 487, L. 10 f. n. af Navnet Huguetan? udgaar.
S. 495, L. 2 f. n. 5, l. 6.
S. 503, L. 2 f. n. Vestergaard, l. Westengaard.
S. 513, L. 29. 1403, l. 1442.
S. 518, L. 22. Tilføj: den mindre Klokke, uden Indskrift, er fra den senere Middelalder.
S. 520, L. 13 f. n. Efter Besidder, tilføj: han har i Foraaret 1899 overdraget Stamhuset til Sønnen cand. jur. H. C. F. V. C. de S.
S. 530, L. 18. Tilføj: den lille Klokke, uden Indskr., er fra den senere Middelalder.
S. 533, L. 9 f. n. 1480, l. 1489.
S. 536, L. 21. cantor, l. canonicus.
S. 540, L. 29 f. o. Tilføj: Paa Brahesborg er Oldgranskeren *C. C. Rafn* født $^{16}/_{1}$ 1795.
S. 548. L. 26. Tilføj ved Egemosedam: se dog S. 726).
S. 555, L. 13. Tilføj: Avlsbygningerne brændte i Juli 1899 ved Lynnedslag.
S. 562, L. 6. Sultemade, l. Syltemade.
S. 580, L. 2. S 23, l. S. 86.
S. 628, L. 19 f. n. 1740, l. 1749.
S. 629, L. 6 f. n. eet Stokv., l. to.
S. 630, L. 17 f. n. 1393, l. 1893.
S. 640, L. 26 f. n. 1120 Td. Ld., l. 2200.